शरीरमाद्यं खलुधर्मसाधनम्

59वीं

एम्स वार्षिक रिपोर्ट

2014–2015

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

नई दिल्ली 110029

59 वीं

एम्स

वार्षिक रिपोर्ट

2014–15

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

नई दिल्ली–110029

संयुक्त रूप से संपादित :
डॉ. कल्पना लूथरा, जैव रसायन विभाग
डॉ. रोहित भाटिया, तंत्रिका विज्ञान विभाग
डॉ. अल्पना शर्मा, जैव रसायन विभाग
डॉ. विरेन्दर कुमार बंसल, शल्य चिकित्सा विभाग एवं उप–संकायाध्यक्ष (शैक्षिक)
डॉ. संदीप अग्रवाला, बालशल्य चिकित्सा विभाग
डॉ. संजीव लालवानी, न्याय चिकित्सा विभाग एवं कुल–सचिव
डॉ. पीयूष साहनी, जठरांत्र शल्य चिकित्सा एवं यकृत प्रत्यारोपण विभाग
डॉ. प्रताप शरण, मनोचिकित्सा विभाग
डॉ. यतन पाल सिंह बलहारा, मनोचिकित्सा विभाग
डॉ. दीप्ति विभा, तंत्रिका विज्ञान विभाग
डॉ. पुरवा माथुर, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र
डॉ. एच. के. भट्टाचार्जी, शल्य चिकित्सा विभाग
डॉ. रोहित सक्सेना, डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र
डॉ. राकेश लोढ़ा, बाल चिकित्सा विभाग
डॉ. मनीष सोनेजा, कायचिकित्सा विभाग
डॉ. आर. लक्ष्मी, ह्रद् जैव रसायन विभाग
डॉ. प्रिया जगिया, ह्रद् विकिरण विज्ञान
डॉ. टोनी जॉर्ज जैकब, शरीर रचना विज्ञान विभाग
सुश्री सरस्वती, व्याख्याता, अंग्रेजी

डिजाइन एवं प्रिंट
जे. डी. सर्विसेस इंक.
मोबाइलः 9810247997,8800333339,8130398210
ई–मेल jdsi2000@gmail.com, वेबसाइटः www.jdsi.co.in

अ. भा. आ. सं. 2014–2015 / 2

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (अ. भा. आ. सं.) की स्थापना सन 1956 में संसद के एक अधिनियम के द्वारा राष्ट्रीय महत्व के एक संस्थान के रूप में की गई थी। संस्थान की स्थापना का मुख्य उद्देश्य स्नातक–पूर्व तथा स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा में इसकी सभी शाखाओं में शैक्षिक पैटर्न विकसित करना, भारत में सभी मेडिकल कॉलेजों एवं अन्य संबद्ध संस्थानों के लिए चिकित्सा शिक्षा का एक उच्च स्तरीय निदर्शन करना; स्वास्थ्य कार्यकलापों की सभी महत्वपूर्ण शाखाओं में कार्मिकों के प्रशिक्षण हेतु सर्वोच्च स्तर की शैक्षिक सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना; तथा स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना था।

संस्थान में शिक्षण, अनुसंधान तथा रोगी उपचार हेतु व्यापक सुविधाएं हैं। संस्थान द्वारा स्नातक–पूर्व तथा स्नातकोत्तर स्तरों पर चिकित्सा परा–चिकित्सीय पाठ्यक्रमों में शैक्षिक कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं तथा अपनी ही डिग्रियां प्रदान की जाती हैं। यहां 52 विषयों में शिक्षण एवं अनुसंधान कार्य संचालित किया जाता है। एक वर्ष में अपने संकाय–सदस्यों तथा अनुसंधानकर्ताओं के 2000 से भी अधिक अनुसंधान प्रकाशनों के साथ संस्थान चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी है। एम्स द्वारा एक नर्सिंग कॉलेज भी चलाया जाता है। विभिन्न विभागों और केंद्रों द्वारा पूर्व एवं परा–नैदानिक विभागों की सहायता से सभी प्रकार की बीमारियों का व्यावहारिक रूप से उपचार किया जाता है। संस्थान द्वारा हरियाणा में बल्लभगढ़ में व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र में 50 बिस्तरों वाला एक अस्पताल भी चलाया जाता है जिसमें सामुदायिक चिकित्सा केंद्र के माध यम से लगभग 8 लाख लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

एक नजर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
2014–2015

स्थापना का वर्ष 1956

शिक्षण विभाग और केंद्र	55	चिकित्सा स्नातक	2788
संकाय सदस्य (स्वीकृत 869)	640	स्नातकोत्तर	9047
गैर संकाय कर्मचारी (स्वीकृत 10865)	9300	नर्सिंग / पैरामेडिकल स्नातक	2904
स्नातक पूर्व छात्रों की संख्या	839	पत्रिकाएं / सार में प्रकाशन	2194
स्नातकोत्तर छात्रों की संख्या	1446	पुस्तकें में अध्याय / पुस्तकें / मोनोग्राफ	308

अस्पताल सेवाएं

अस्पताल / केंद्र	बाह्य रोगी (आपातकालीन सहित)	दाखिला (ऑपरेशन / प्रक्रियाएं)	सर्जरी	सामान्य प्राइवेट	बिस्तर	कुल
मुख्य अस्पताल	17,50,197	96,689	73,882	982	165	1147
डॉ. रा. प्र. केंद्र	3,74,947	38,333	38,974	281	21	302
डॉ. बी. आर. ए. आई. आर. सी. एच.	1,38,125	38,058	8,202	167	15	182
हृद् वक्ष केंद्र	1,61,399	12,039	4,090	185	33	218
तंत्रिका विज्ञान केंद्र	1,21,757	8,682	3,546	174	30	204
एन. डी. डी. टी. सी.	83,034	1,054	–	50	0	50
सी. सी. एम.	3,89,677	10,807	2,789	50	0	50
जे. पी. एन. ए. टी. केंद्र	97,373	5,290	5,678	186	0	186
सी. डी. ई. आर. *(20 बिस्तर और 80 डेंटल चेयर सहित)*	44,343	971	13,953	100	0	100
आउटरीच ओपीडी, बाढ़सा, झज्जर	62,889	–	–			
कुल	**33,41,297**	**2,11,923**	**1,51,114**	**2,175**	**264**	**2,439**

* सी. टी. केंद्र द्वारा 6 माह और एन. एस. केंद्र द्वारा 6 माह के लिए 1 बिस्तर (प्राइवेट) उपयोग किया जाता है।

अस्पताल प्रदर्शन सूचकांक	**2014–15**		**टिप्पणियां**
	मुख्य अस्पताल	**सी एन सी**	
रहने की औसत अवधि (दिन)*	4.3	6.8	बिस्तरों के सांकेतिक प्रभावी उपयोग।
औसत बिस्तर अधिभोग दर (प्रतिशत)*	87.9	84.6	सांकेतिक निष्पक्ष अधिभोग।
सकल मृत्यु दर (प्रतिशत)*	1.7	2.9	इस तथ्य के बावजूद कि गंभीर रूप से बीमार रोगियों की बड़ी संख्या अस्पताल में दाखिल किए जाते हैं, सांकेतिक मृत्यु दर निम्न है।
संयुक्त अशोधित संक्रमण दर (प्रतिशत)*	5.38	–	

* ये आंकड़े केवल अ. भा. आ. सं. मुख्य अस्पताल और हृद् वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र के लिए हैं।

विषय–सूची

1. निदेशक की समीक्षा 009
2. संस्थान और इसकी समितियां 015
3. शैक्षिक अनुभाग 020
4. परीक्षा अनुभाग 028
5. सामान्य प्रशासन 033
6. मुख्य अस्पताल 036
7. नर्सिंग महाविद्यालय 061
8. अनुसंधान अनुभाग 065

9. विभाग

9.1 संवेदनाहरण विज्ञान 076
9.2 शरीर रचना विज्ञान 085
9.3 जैव रसायन 097
9.4 जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरी 106
9.5 जैव भौतिकी 109
9.6 जैव सांख्यिकी 113
9.7 जैव प्रौद्योगिकी 123
9.8 सामुदायिक चिकित्सा केंद्र 126
9.9 त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान 141
9.10 आपात चिकित्सा 147
9.11 अंतःस्राविकी एवं चयापचय 150
9.12 न्याय चिकित्सा और विष विज्ञान 158
9.13 जठरांत्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण 162
9.14 जठरांत्र शल्य–चिकित्सा एवं यकृत प्रत्यारोपण 172
9.15 जराचिकित्सा 176
9.16 रुधिर विज्ञान 179
9.17 अस्पताल प्रशासन 183
9.18 प्रयोगशाला चिकित्सा 188
9.19 काय–चिकित्सा 201
9.20 सूक्ष्म जैव विज्ञान 210
9.21 वृक्क विज्ञान 220
9.22 नाभिकीय चुंबकीय अनुनाद 226
9.23 नाभिकीय चिकित्सा 232
9.24 प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान 236
9.25 अस्थि रोग विज्ञान 249
9.26 कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान एवं सिर एवं ग्रीवा शल्य चिकित्सा 256
9.27 बाल चिकित्सा विज्ञान 261

9.28 बाल शल्य चिकित्सा ... 284
9.29 विकृति विज्ञान ... 292
9.30 भेषजगुण विज्ञान ... 302
9.31 भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास ... 308
9.32 शरीर क्रिया विज्ञान ... 313
9.33 मनोचिकित्सा ... 328
9.34 पुल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार ... 338
9.35 विकिरण निदान ... 343
9.36 प्रजनन जैव विज्ञान ... 352
9.37 शल्य चिकित्सा ... 356
9.38 प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवंशिकी ... 362
9.39 मूत्ररोग विज्ञान ... 367

10. केंद्र

10.1 हृदय वक्ष विज्ञान केंद्र ... 372
10.2 दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र ... 398
10.3 डॉ. बी. आर. अंबेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल ... 405
10.4 डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र ... 431
10.5 जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र ... 447
10.6 राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र ... 474
10.7 तंत्रिका विज्ञान केंद्र ... 482

11. केंद्रीय सुविधाएं

11.1 बी. बी. दीक्षित पुस्तकालय ... 516
11.2 कैफेटेरिया ... 518
11.3 केंद्रीय पशु सुविधा ... 520
11.4 केंद्रीय कार्यशाला ... 522
11.5 कंप्यूटर सुविधा ... 524
11.6 इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी सुविधा ... 533
11.7 छात्रावास अनुभाग ... 535
11.8 संस्थान की नीति विषयक समिति ... 538
11.9 के. एल. विग आयुर्विज्ञान शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी केंद्र ... 539
11.10 मीडिया और प्रोटोकॉल प्रभाग ... 542

12. प्रकाशन ... 544

13. वित्त प्रभाग

13.1 बजट एवं वित्त ...676
13.2 लेखा–परीक्षा रिपोर्ट ...778

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

संगठन संरचना

संस्थान निकाय

शासी निकाय

वित्त समिति | चयन समिति | शैक्षिक समिति | संपदा समिति | अस्पताल प्रबंध समिति

1.निदेशक की समीक्षा

मुझे संस्थान की 59वीं वार्षिक रिपोर्ट तथा वर्ष 2014–15 के लेखों का लेखा–परीक्षित विवरण प्रस्तुत करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। भारत तथा पड़ोसी देशों के लोगों के स्वास्थ्य में सुधार करने हेतु अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली ने इस अवधि में अत्यधिक प्रगति की है। एम्स, नई दिल्ली ने अपने संकाय सदस्यों एवं छात्रों को भविष्य में आने वाली चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करने हेतु उन्हें प्रेरित एवं प्रशिक्षित करना भी जारी रखा है। मुझे इस रिपोर्ट में हमारी कुछ विशिष्ट उपलब्धियों को प्रस्तुत करते हुए बहुत प्रसन्नता हो रही है।

राजकुमारी अमृत कौर की परिकल्पना के आधार पर भारत में स्नातकपूर्व तथा स्नातकोत्तर स्वास्थ्य उपचार शिक्षा हेतु एक मजबूत पाठ्यक्रम आधार को विकसित करने के उद्देश्य से भारतीय संसद के एक अधिनियम द्वारा वर्ष 1956 में स्थापित एम्स, नई दिल्ली स्वास्थ्य उपचार शिक्षा, अनुसंधान तथा सेवा के उच्च स्तरीय मानदण्ड को प्राप्त करने हेतु सतत् प्रयासरत है। इसे पूरे विश्व में भारत के एक ऐसे सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है, जिसमें सर्वश्रेष्ठ आयुर्विज्ञान शिक्षा के साथ अद्यतन अनुसंधान और गुणवत्ता स्वास्थ्य उपचार का सम्मिश्रण है। इसके अतिरिक्त, इस वर्ष हमने एम्स को भारत का पहला पूर्ण रूप से पर्यावरण–अनुकूल सार्वजनिक अस्पताल बनाने की प्रतिज्ञा की है जिससे कि वह यथोचित रूप से 'हरित स्वास्थ्य उपचार का लेबल' हासिल कर सके।

हरित बनने की ओर अग्रसर

एम्स, नई दिल्ली, ऊर्जा और संसाधन संस्थान (टेरी) की सहायता से हरित बनने की ओर अपने कदम बढ़ा चुका है। एम्स द्वारा ऊर्जा संरक्षण, सौर ऊर्जा और अन्य प्राकृतिक संसाधनों के अधिकतम प्रयोग, पानी के उपयोग को कम करने तथा उसके लिए जल संरक्षण एवं अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण पद्धति और सूक्ष्म जलवायु उष्मा को 3° से. तक, ऊर्जा संरक्षण का 30: तक कम करने और जल उपभोग को 50: तक कम करने, के लिए शहरी ऊष्मा भूमि प्रभाव पर कार्य करने की योजना है। इस उद्देश्य को पूरा करने के हमने व्यापक ऊर्जा परीक्षण किया है और हिताची इंडिया की सहायता से उच्च ऊर्जा बचत निष्पादन हेतु एक डाटा केंद्र की स्थापना की है। निरूपित परियोजना से हम अस्पताल की सम्पूर्ण ऊर्जा प्रयोग का पता लगाने और मानसिक चित्रण करने में सक्षम हो पाएंगे। ऐसा हम सूचना प्रौद्योगिकी पद्धति के परिवेश की स्थापना करके एवं अति कुशल पद्धतियों एवं उपकरणों को उन्नत करके कर पाएंगे।

शिक्षा

एम्स, नई दिल्ली हमारे तेजी से विकसित हो रहे व्यवसाय की मांगों को पूरा करने के लिए विस्तारशील हो रहा है। डॉ. बी आर. अंबेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल की संवेदनाहरण यूनिट को उन्नत करके संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा एवं प्रशामक उपचार विभाग कर दिया गया है और दो नए पाठ्यक्रमः एम.डी. (प्रशामक उपचार चिकित्सा) एवं डी.एम. (अर्बुद–संवेदनाहरण विज्ञान) आरंभ किये गये हैं।

एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयुर्विज्ञान और विज्ञान के अग्रणियों की अगली पीढ़ी को शिक्षित किया जाना जारी है। एम्स ने इंडिया टूडे के बेस्ट मेडिकल स्कूल्स लीग टेबल में लगातार 12वें वर्ष सभी विचाराधीन मानदण्डों में सबसे अधिक अंक प्राप्त करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह स्थान विभिन्न रोगी समूहों और असंख्य रोगों के प्रति नैदानिक पहुंच, विविध क्षेत्रों के विशेषज्ञों के समेकित उपचार, उन्नतशील शिक्षण और कार्य मार्गदर्शन में संस्कृति जिसमें 'रोगी प्रथम' की भावना रखी जाती है, के संदर्भ में समृद्ध शिक्षण वातावरण को कायम रखते हुए प्राप्त किया गया है। एम्स, नई दिल्ली, में 07 केंद्र हैं, जिनमें विभिन्न शिक्षण विभाग एवं सुविधाएं हैं और 39 अद्वितीय विभाग है तथा 10,000 से अधिक कार्मिक शक्ति है जिनमें 600 से अधिक संकाय सदस्य सम्मिलित हैं। संस्थान द्वारा बड़ी संख्या में विशेषज्ञ (एम. डी./एम.एस.), उच्च विशेषज्ञ (डी.एम. /एम.सी.एच), पी.एच.डी. स्कॉलर और संबद्ध स्वास्थ्य एवं आधारभूत विज्ञान विशेषज्ञों तथा नर्सों एवं पैरा मेडिकल कर्मियों को तैयार किया जाता

छात्रों द्वारा दिए गए कुछ उद्धरण

"मैंने पाया है कि सुविधा से वंचित लोग स्वास्थ्य उपचार पद्धति के लाभ उठाने में एक चिकित्सक के रूप में, मैं उपचार में इस विषमता को कम करने में सहायता करूंगा"।

"देश ने एम्स में मेरी शिक्षा के लिए अनमोल योगदान दिया है। मैं आशा करता हूं कि स्वास्थ्य उपचार और अनुसंधान में श्रेष्ठता का अनवरत रूप से पालन करके देश के विश्वास का कर्ज चुका पाऊंगा"

"मैं ट्रांसलेशनल अनुसंधान करना चाहता हूं क्योंकि यह शैक्षणिक विज्ञान को ऐसे विज्ञान में परिवर्तित करने में मदद करता है, जो लोगों के जीवन पर प्रभाव डाले।

है। वर्ष के दौरान, हमने विभिन्न पाठ्यक्रमों में 798 स्कॉलरों को पंजीकृत किया हैं। एम्स द्वारा पाठ्यक्रम में सहायता के लिए एक नया लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम आरंभ किया गया है। इसमें कार्यक्रमों का व्यापक कैलेण्डर बनाने के लिए सूचना प्रोद्यौगिकी का प्रयोग किया जाता है और वास्तविक समय में जानकारी प्रदान करने हेतु क्रियाविधि प्रदान की गई है। एम्स द्वारा युवा अन्वेषकों को रचनात्मक रूप से जटिल वैज्ञानिक प्रश्न पूछने और उन्हें हल करने का प्रशिक्षण प्रदान करते हुए उन्हें जैव आयुर्विज्ञान अनुसंधान, शैक्षणिक समुदाय और उद्योग में चुनौतीपूर्ण करियर हेतु तैयार किया जा रहा है।

संस्थान द्वारा अल्पकालीन प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत 722 अल्पकालीन प्रशिक्षुओं, 19 दीर्घकालीन प्रशिक्षुओं, डब्ल्यू.एच.ओ. फैलोशिप कार्यक्रम के अंतर्गत 12 डब्ल्यू.एच.ओ. फैलो (विदेशी नागरिक) और डब्ल्यू. एच.ओ. इन–कंट्री फैलोशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 12 डब्ल्यू एच.ओ. फैलो (भारतीय नागरिक) को स्नातकोत्तर प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। एम्स, नई दिल्ली द्वारा भोपाल, भुवनेश्वर, जोधपुर, पटना, रायपुर और ऋषिकेश में एम्स के लिए संरक्षक की भूमिका निभाया जाना भी जारी है और उनके लिए एम.बी.बी.एस. एवं बी.एस.सी. (ऑनर्स) नर्सिंग पाठ्यक्रम हेतु छात्रों के अंतिम चयन हेतु प्रवेश परीक्षाओं और काउंसलिंग का संचालन किया जा रहा है।

एम्स द्वारा लगातार रूप से समीक्षा की जाती है कि चिकित्सा और विज्ञान को किस प्रकार पढ़ाया जाए जिससे कि स्कॉलरशिप और नवीन खोजों को विकसित किया जा सके। एम्स द्वारा विभिन्न विशिष्टताओं जैसे शल्य चिकित्सा, अस्थिरोग तथा विकिरण चिकित्सा में एनिमेशन और विडियो जैसी तकनीकी सहायता के प्रयोग को बढ़ाया गया है। शरीर रचना विज्ञान विभाग द्वारा इसकी 'ब्लेंडिड लर्निंग' को सुगम बनाने के लिए ई–लर्निंग सुविधा को विस्तारित किया गया है और संवेदनाहरण विभाग द्वारा छात्रों तथा प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए इसकी अद्यतन उच्च निष्ठापूर्ण ह्यूमन पेशेन्ट सिम्यूलेशन सिस्टम और संवेदनाहरण कौशल प्रयोगशाला के प्रयोग को संगठित किया गया है।

एम्स द्वारा राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दोनों ही विद्यार्थियों की बढ़ती हुई संख्या को अभिनव निर्देशात्मक अवसर प्रदान किया जाना जारी है। एम्स द्वारा हजारों चिकित्सकों और स्वास्थ्य उपचार कर्मियों को कौशल विकसित करने, ज्ञान वर्धन करने एवं कार्य निष्पादन में उन्नति करने में सहायता करने हेतु क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा प्रदान की गई। हमने विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से 150 से अधिक कार्यशालाएं, संगोष्ठियां, सम्मेलन और प्रशिक्षण कार्यक्रम को आयोजित किया एवं मेजबानी की है। नवजात विज्ञान प्रभाग, बाल चिकित्सा विभाग द्वारा प्रतिभागी संस्थानों में इसेन्शियल न्यूबोर्न केयर और सिक न्यूबोर्न केयर में कौशल अध्ययन सहित पाठ्यक्रम संचालित किए गए। मालदीव, श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल, पाकिस्तान, मॉरीशस और भारत के छात्रों को पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया।

तंत्रिका विज्ञान विभाग द्वारा मल्टीपल स्कलीरोसिस पर नियमित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा कार्यक्रम आरंभ किया गया है। जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र (जे पी एन ए टी सी) द्वारा भारत में अभिघात उपचार को उन्नत करने के लिए क्षमता निर्माण करने में मुख्य योगदान दिया जाना जारी है। शल्य चिकित्सा विभाग द्वारा मिनीमली इनवेसिव शल्य चिकित्सा प्रशिक्षण केंद्र में लैप्रोस्कोपिक सर्जरी में पूरे भारत से 100 से अधिक शल्य चिकित्सकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र द्वारा नेत्र शल्यक कौशल में प्रशिक्षण हेतु एक नई शल्यक प्रशिक्षण सुविधा 'राष्ट्रीय शल्यक कौशल विकास केंद्र' की स्थापना की गई है। अंग पुनः स्थापन एवं बैंकिंग संस्था (ऑर्बो) द्वारा शव अंग एवं ऊतक दान प्रक्रिया पर नर्सों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का संचालन किया गया। और राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र (एन.डी.डी.टी.सी.) भारत में राज्यों एवं पड़ोसी देशों में क्षमता निर्माण हेतु श्रमपूर्वक कार्य करते हुए निवेश किया जाना जारी हैं। ये क्रमिक शिक्षा कार्यक्रम उन आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान स्वास्थ्य कर्मियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिनके काम में स्वास्थ्य तंत्र, स्वास्थ्य उपचार एवं विज्ञान की गहरी समझ होना अपेक्षित हैं।

विश्वसनीय एम्स स्वास्थ्य प्रकाशनों के दिशा–निर्देश से सामान्य जनता को भी लाभ हुआ है। अंग पुनः स्थापन एवं बैंकिंग संस्था (ऑर्बो) द्वारा अंग एवं ऊतक दान संबंधी जागरूकता अभियान संचालित किया गया। इसी प्रकार, तंत्रिका विज्ञान विभाग द्वारा मिरगी रोग हेतु जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। व्यक्ति के स्वास्थ्य एवं तंदुरूस्ती हेतु विटामिन डी और इसके महत्व के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स के सहयोग से एम्स तथा हील फाउंडेशन के संयुक्त उपक्रम बोन–डी–लाइट एक्सप्रेस द्वारा 15 शहरों में विस्तारित यात्रा का आयोजन किया।

रोगी उपचार

अस्पताल रोगियों की बहुत अधिक संख्या को बहुत कम लागत पर उपचार प्रदान करते हुए गुणवत्ता के उच्च मानकों को बनाए रखने में सक्षम रहा है। एम्स मुख्य अस्पताल एवं इसके केंद्रों–हृद् वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र (हृ.तं.कें), जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र (जे पी एन ए टी सी), डॉ. बी.आर. अंबेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल (बी आर ए आई आर सी एच), डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र (आर पी सी ओ एस), दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (सी डी ई आर), राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र (एन डी डी टी सी) के बिस्तरों की संख्या, दिवस उपचार बिस्तरों सहित कुल 2439 है। वर्ष 2014–15 के दौरान संस्थान में उत्कृष्ट रोगी उपचार सेवा पैरामीटरों पर लगभग 33.41 लाख रोगियों को ओ पी डी में तथा 2.11 लाख अंतरंग रोगियों को देखा गया और लगभग 1.5 लाख से अधिक रोगियों के ऑपरेशन किए गए। इसमें औसत बिस्तर अधिभोग लगभग 86% था और अस्पताल में ठहरने की औसत अवधि लगभग 5.5 दिन थी। एम्स अस्पताल की शुद्ध मृत्यु दर लगभग 2% रिपोर्ट की गई। एम्स, द्वारा भारत में विकसित स्वास्थ्य उपचार सेवाएं प्रदान करने के साथ–साथ विकासशील विश्व, विशेषकर दक्षिण एवं दक्षिण पूर्वी एशिया हेतु सेवाएं प्रदान करने में नेतश्त्व की भूमिका भी निभाई गई।

एम्स, नई दिल्ली द्वारा अपनी एपॉइंटमेंट प्रक्रिया को सफलतापूर्वक कंप्यूटरीकृत कर लिया गया है और इसी कारण वह अपने सभी रोगियों को यूनिक हैल्थ आइडेंटीफिकेशन (यू एच आई डी) नंबर प्रदान कर सका। यू एच आई डी के माध्यम से लोग संस्थान के रोगी पोर्टल के माध्यम से अपने चिकित्सक से एपॉइंटमेंटस लेने में सक्षम हुए हैं। एपॉइंटमेंट की बुकिंग को सरल करने और प्रयोगशाला रिपोर्टों की जांच करने के लिए एक मोबाइल एप्लीकेशन आरंभ किया गया हैं। एम्स को बुजुर्गों और बच्चों को ऑनलाइन ओ पी डी एपॉइंटमेंट में प्राथमिकता प्रदान करने में सहायता करने के लिए हेल्पेज इंडिया का सहयोग प्राप्त हुआ है। इसके अतिरिक्त, संक्रमण, मिचली और दुष्प्रभावों जैसी सामान्य अप्रकटित समस्याओं से पीड़ित रोगियों हेतु फोलो–अप उपचार को सरल और सुविधाजनक बनाने हेतु टेली–परामर्श का संचालन करने में कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु एक 'नर्सिंग इंर्फोमेटिक्स' कार्यक्रम आरंभ किया गया। संस्थान द्वारा कंप्यूटराइज्ड नेटवर्किंग के माध्यम से इसके प्रमुख केंद्रों हृद् तंत्रिका, दंत, नेत्र एवं कैंसर को जोड़ने की प्रक्रिया भी आरंभ कर दी गई हैं।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के मार्गदर्शन में एम्स, नई दिल्ली के चिकित्सकों को निदेश दिए गए कि वे जेनेरिक दवाइयां (जिनके भेषजगुण विज्ञानी प्रभाव बिलकुल उनके ब्रांड के नाम वाली दवाइयों के समान होते हैं) लिखें। जेनेरिक दवाइयां उचित नुस्खा लिखने, उपचार की लागत को कम करने और रोगी उपचार को उन्नत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। संस्थान द्वारा 10 मंजिला धर्मशाला ब्लॉक के निर्माण की भी योजना बनाई गई है, जिसमें 360 से अधिक लोग ठहर सकें। इसमें उपचार तथा फोलो–अप के लिए आने वाले रोगियों और उनके रिश्तेदारों तथा तीमारदारों के लिए एक स्वच्छ, सुविधाजनक और सुरक्षित आवासीय सुविधा प्रदान की जाएगी। पॉवर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिसके अंतर्गत उन्होंने अपनी सामूहिक सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत इस कार्य के लिए प्रथम किस्त के रूप में ₹ 29 करोड़ दान स्वरूप दिए।

भारत सरकार द्वारा घोषणा की गई है कि वृद्ध जनसंख्या, जिसमें वर्ष 1951 से चार गुणा वृद्धि हुई है, की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एम्स, नई दिल्ली में नेशनल इंस्टट्यूट ऑफ एजिंग (एन आई ए) की स्थापना की जाएगी।

एम्स अस्पताल से ट्रॉमा केंद्र के बीच यात्रा समय को 30 मिनट से कम करते हुए 3 मिनट तक करने के लिए दोनों के बीच एक समर्पित कॉरीडोर का निर्माण किया गया। संस्थान द्वारा आपदा मोचन प्रकार्य के दौरान चिकित्सा उपचार प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एन डी आर एफ) के साथ भी गठबंधन किया गया है। देश के अंदर बड़ी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान एन डी आर एफ की खोजी एवं बचाव दल के साथ एम्स द्वारा तैनाती हेतु चिकित्सा विशेषज्ञ, नर्सें और परा–चिकित्सा स्टाफ उपलब्ध करवाया जाएगा। इस सहयोग द्वारा क्षमता

विश्वास का मानदण्ड

चाहे वह इबोला की दहशत हो अथवा डेंगू का प्रकोप, एम्स भारत का प्रमुख केंद्र बना रहा।

अंतःकरण का स्वर

एम्स के संकाय सदस्यों द्वारा सोसायटी फॉर लैस इंवेस्टीगेटिव मेडिसिन (एस एल आई एम) को आरंभ किया गया–एक ऐसा कार्यक्रम जिसका उद्देश्य स्केवड इकनोमिक्स इंसेन्टिव के अंतर्गत अत्यधिक चिकित्सीय जांचों के खतरों का मुकाबला करना है।

निर्माण के अवसरों पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

तंत्रिका शल्य चिकित्सा के प्रतिष्ठित आचार्य प्रो. पी.एन. टंडन के नाम पर मिरगी हेतु उत्कृष्टता केंद्र के भाग के रूप में एक उन्नत तंत्रिका जैव विज्ञानी प्रयोगशाला का उद्घाटन किया गया। प्रयोगशाला में औषध–प्रतिरोधी मिरगी से पीड़ित रोगियों की आवश्यकताओं के लिए कार्य किया जाएगा, जिनमें सभी मिरगी रोगियों में से लगभग 25–30ः मिरगी रोगी सम्मिलित हैं और अधिकांशतः उन्हें अपने रोग के उपचार के लिए शल्य चिकित्सा के विकल्प को अपनाना आवश्यक होता हैं।

एम्स द्वारा औषध प्रतिरोध पैटर्नों, जोकि भविष्य में दिखाई दे सकते हैं, के पूर्वानुमान में सहायता हेतु सूचना एकत्र करने में आई सी एम आर की सहायता की जा रही हैं। आई सी एम आर के एंटीमाइक्रोबायल निगरानी एवं अनुसंधान नेटवर्क द्वारा डायरिया, टाइफाइड, कवक संक्रमणों और अस्पताल और सघन उपचार एकक (आई सी यू) में रोगियों को होने वाले संक्रमणों के कारक छः रोगाणुओं के प्रतिरोधी पैटर्नों का पता लगाया जा रहा है।

एम्स के 42वें दीक्षांत समारोह के दौरान माननीय प्रधानमंत्री महोदय का संबोधन।

"भारत को बदलते हुए विश्व के साथ अपनी गति को बनाए रखने के लिए अपने चिकित्सा अनुसंधान को आगे बढ़ाए रखने की आवश्यकता है।"

चेतावनी परामर्श

एम्स, दिल्ली द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि स्ट्रोक में परंपरागत उपचार से अलग अस्थि मज्जा मूल कोशिका उपचार का कोई अतिरिक्त लाभ नहीं है। यह अध्ययन पत्रिका "स्ट्रोक" में प्रकाशित हुआ था। अतः इस्कैमिक स्ट्रोक से पीड़ित लोगों को मूल कोशिका चिकित्सा का विकल्प चुनते समय एहतियात बरतनी चाहिए।

इस अध्ययन को जर्नल ऑफ क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी में प्रकाशित किया गया था।

अनुसंधान

हमारे विशेष जैव आयुर्विज्ञान अनुसंधान उद्यम द्वारा रोग को बेहतर ढंग से समझने, उपचार तथा उसकी रोकथाम करने के प्रयासों हेतु सहायता एवं संवर्धन किया जाता है। वर्ष 2014–15 में एम्स में अनुसंधान से संबंधित लोगों ने नवीन कार्यों और प्रकाशनों में अपने नेतृत्व के माध्यम से स्कॉलरशिप में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। 570 से अधिक वित्तपोषित अनुसंधान परियोजनाओं को संचालित किया गया और संस्थान को अग्रणी क्षेत्रों में ₹ 70 करोड़ से अधिक की राशि बाहरी अनुसंधान अनुदान के रूप में प्राप्त हुई। वर्ष के दौरान, संस्थान के संकाय सदस्यों और वैज्ञानिकों ने 109 अनुसंधान परियोजननाएं आरंभ की और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 1900 से अधिक अनुसंधान पत्र एवं 300 से अधिक मोनोग्राफ, पुस्तकें और पुस्तकों में अध्याय प्रकाशित किए गए।

अनुसंधानकर्ताओं ओर वैज्ञानिकों की नई पीढ़ी को शिक्षित करने के लिए नई प्रभावी पद्धतियों को विकसित करने हेतु हमारे अनुसंधान प्रकोष्ठ का निरंतर अभियान है कि एम्स में शोध और शिक्षा के कार्य को अत्यावश्यक रूप से किया जाए। इसके अतिरिक्त 64 नई अनुसंधान परियोजनाओं को आरंभ करने के लिए प्रतिभाशाली युवा संकाय सदस्यों को रू. 5 करोड़ का आंतरिक अनुदान वितरित किया गया।

इस वर्ष के आरंभ में 10 मंजिला कंवर्जेंस ब्लॉक का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद उसे संस्थान को सौंप दिया गया। इसमें शिक्षण कक्ष, प्रयोगशालाएं, अनुसंधान एकक और 'नॉलेज सेन्टर' है। नॉलेज सेन्टर ज्ञान विस्तार और प्रौद्योगिकी चालित अनुसंधान के संचालन हेतु नवीनतम प्रौद्योगिकी सुविधा के रूप में कार्य करेगा। यह विशाल मात्रा में स्वास्थ्य उपचार संबंधी आंकड़े और आण्विक और जैवविज्ञानी सिस्टम संबंधी आंकड़े एकत्रित करेगा। ऐसा परिकल्पित है कि इन आंकड़ों के समूह संबंधी प्रगतिशील बायोइंफोर्मेटिक्स उपकरणों के प्रयोग से अकेले रोगी को भी बेहतर ढंग से उपचार करने में चिकित्सकों को सहायता मिलेगी जैसे नैदानिक पर्यवेक्षणों, प्रयोगशाला परिणामों, आनुवंशिकी, जिनोमिक्स और पर्यावरणीय प्रभावों से निकलने वाले पैटर्नों को चिकित्सीय अनुसंधान से प्राप्त नवीनतम जानकारी से जोड़ते हुए उनको रोगी शय्या पर ही प्रयोग किया जा सकेगा। जैव आयुर्विज्ञान इनफोर्मेटिक्स के विस्तारित हो रहे क्षेत्र उस गति को प्रतिबिंबित करता है, जिससे आंकड़ों को अब अत्यधिक मात्रा में एकत्रित किया जा सकता है और उनका विश्लेषण किया जा सकता है, जिससे हम स्वास्थ्य और रोग का और अधिक सूक्ष्मता से अध्ययन कर सकते हैं।

महत्वपूर्ण वैज्ञानिक खोजों को तेज गति से बढ़ाने के लिए विश्व में एकीकरण और सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए एम्स द्वारा प्रमुख पहल की गई है। इस संदर्भ में ध्यान देने योग्य है

कि आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी जॉन एबोट ने आस्ट्रेलियाई–इंडिया नीति विषयक अनुसंधान कोष के विस्तार हेतु 20 मिलियन आस्ट्रेलियाई डॉलर की सहायता की घोषणा की। दोनों देश निवारक स्वास्थ्य अपचार, अभिघात उपचार, जरा–चिकित्सा मधुमेह अनुसंधान एवं मानसिक रोगों के क्षेत्रों में सहयोग करेंगे। एम्स द्वारा कम लागत के वहनीय शल्यक उपकरणों हेतु जापान में ओसाका यूनिवर्सिटी के साथ सहयोगी अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम की स्थापना भी की गई है।

एम्स मूल कोशिका सुविधा को वर्ष 2005 में मूल कोशिका अनुसंधान हेतु श्रेष्ठता केंद्र के रूप में जैवप्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से आरंभ किया गया था। इसको इस वर्ष करंट गुड मैनफैक्चरिंग प्रैक्टिसिस (सी जी एम पी) की एक यूनिट के रूप में अपग्रेड किया गया। ऑक्यूलर सरफेस रीकंस्ट्रक्शन, रेटिनाइटिस पिग्मेन्टोसा, डाइलेटिड कार्डियोमायोपैथी, मायोकार्डियल इंफारक्शन, स्ट्रोक, पेरीफेरल वेस्क्यूलर रोग, बाइलरी एट्रेसिया एवं विटिलिगो हेतु नैदानिक अनुसंधान/परीक्षण आरंभ किए गए हैं। कुछ आरंभिक बैंच अनुसंधान परिणामों का क्लिनिकों में रोगियों के संबंध में विवेचन किया गया है, उदाहरण के लिए:– हाल ही में दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र, एम्स में डॉक्टरों की एक टीम द्वारा मूल कोशिका सक्रियण के माध्यम से संक्रमित रूट कैनाल के उपचार एवं उसकी अवस्था में सुधार के लिए सील बायो तकनीक नामक एक नई तकनीक को विकसित किया गया है।

एम्स में पहले स्वदेशीय रूप से विकसित रोटावायरस टीके द्वारा शीघ्र ही व्यापक रूप से घातक–रोटावायरस डायरिया से पीड़ित पांच वर्ष की आयु से छोटे हजारों बच्चों के जीवन को बचाना आरंभ किया जा सकेगा। भारत में प्रत्येक वर्ष एक वर्ष की आयु से कम वाले 100,000 से अधिक बच्चे इस रोग से मर जाते हैं। लेन्सेट में हाल ही में प्रकाशित परिणामों के अनुसार, रोटावायरस टीके 116 ई. के चरण III परीक्षण में यह टीका शिशुओं के जीवन के प्रथम वर्ष के दौरान उनमें तीव्र रोटावायरस गेस्ट्रोइंटरटाइटिस की रोकथाम करने में सुरक्षित तथा प्रभावशाली पाया गया था। यह टीका सरकार को 100 प्रति खुराक तक में उपलब्ध करवाया जाएगा और इसे शीघ्र ही लाइसेंस मिलने की संभावना है। इसी प्रकार एम्स और आई आई टी दिल्ली के सहयोग से मोबाइल फोन के आकार के हीमोग्लोबिन मीटर को विकसित किया गया। इस यंत्र को इसके प्रभाव हेतु एम्स द्वारा मान्यता प्रदान की गई। इस यंत्र से अरक्तता की पहचान करने और उसे नियंत्रित करने की संभावना है। भारत में अरक्तता बहुत ही व्यापक रूप से फैली हुई है और इस रोग के कारण बड़ी संख्या में मातृ मृत्यु भी देखी गई हैं। इस यंत्र के बाजार में उपलब्ध अन्य समान यंत्रों से दस गुना सस्ता होने की संभावना है।

जन–स्वास्थ्य

एम्स का अन्वेषण, प्रकाशन और शिक्षण नई दिल्ली की सीमा से बाहर विस्तारित हो चुका हैं। राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय निकायों द्वारा स्वास्थ्य उपचार सिस्टम में सुधार करने के लिए बनाई गई जन–नीतियों के विकास हेतु अधिकांशतः एम्स के संकाय सदस्यों से परामर्श लिया गया है। इनमें से सम्मिलित हैं:–ऑर्बो द्वारा चिकित्सा–विधिक मामलों में सम्पूर्ण देह दान और अंग पुनः स्थापन संबंधी दिशा–निर्देश बनाने में योगदान दिया गया फुफ्फुसीय चिकित्सा एवं निद्रा विकार विभाग द्वारा इंडियन इनीशिएटिव ऑन ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया (आई एन ओ एस ए) दिशा–निर्देशों का मसौदा तैयार किया गया (2014, प्रथम संस्करण), जिसका उद्देश्य भारत में निद्रा प्रयोगशालाओं, पॉजिटिव एयरवे प्रैशर (पी ए पी), चिकित्सा विवेकपूर्ण नुस्खा और भारत के बाहर पी ए पी उपकरणों की प्रतिपूर्ति को आधिकारिक मान्यता देना हैं और बाल चिकित्सा विभाग के नवजात विज्ञान प्रभाग द्वारा अस्वस्थ प्रसवपूर्व नवजात शिशुओं के उपचार के संबंध में वैश्विक दिशा–निर्देशों के विकास हेतु विश्व स्वास्थ्य संगठन, जेनेवा के लिए लगभग 20 सिस्टेमिक समीक्षाएं भी निष्पादित की गई।

सामुदायिक चिकित्सा केंद्र द्वारा पांच उत्तरी राज्यों (बिहार, दिल्ली, झारखण्ड, उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड) में एच आई वी सेन्टीनेल सर्विलेन्स को तकनीकी सहायता प्रदान करने वाली नोडल एजेन्सी के रूप में कार्य किया जाना जारी है। जरा चिकित्सा विभाग द्वारा हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, उत्तराखण्ड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के राज्यों के लिए प्रशिक्षण एवं रैफरल हेतु नोडल केंद्र के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान की जाती हैं। प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवंशिकी विभाग द्वारा पूरे भारत में एच एल ए जांच में लगे हुए लगभग 15 केंद्रों को राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्ता नियंत्रण और गुणवत्ता आश्वासन (क्यू सी/क्यू ए) सेवा प्रदान की जाती है।

समुदायिक चिकित्सा केंद्र में एन सी डी पी सी आधारित समुदाय में क्षमता विकास एवं अनुसंधान हेतु डब्ल्यू एच ओ सहयोगी केंद्र भी स्थापित है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा मुख स्वास्थ्य को बढ़ावा देने हेतु सी डी ई आर को सहयोगी केंद्र के रूप में नामित किया गया है, और उसे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय मुखीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के कार्यान्वयन हेतु राष्ट्रीय उत्कश्ष्टता केंद्र के रूप में भी नामित किया गया है। एन डी डी टी सी एक राष्ट्रीय संसाधन केंद्र है और उसे यूनाइटिड नेशन्स ऑफिस ऑन ड्रग्स एण्ड क्राइम (यू एन ओ डी सी) द्वारा क्षेत्रीय शिक्षण केंद्र और डब्ल्यू एच ओ सहयोगी केंद्र के रूप में नामित किया गया था। नवजात विज्ञान प्रभाग, बाल चिकित्सा

विभाग को डब्ल्यू एच ओ सहयोगी केंद्र और आई सी एम आर द्वारा नवजात शिशु स्वास्थ्य अनुसंधान हेतु उन्नत केंद्र के रूप में नामित किया गया। प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवंशिकी विभाग को भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा 'आण्विक चिकित्सा में उत्कृष्टता केंद्र' के रूप में नामित किया गया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जरा चिकित्सा विभाग को क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान के रूप में नामित किया गया था। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा काय चिकित्सा विभाग को एक्स्ट्रा–पुलमोनरी–टीबी (ई पी टी बी) हेतु उत्कृष्टता केंद्र के रूप में नामित किया गया।

उपलब्धियां

ंएम्स में हमारे समुदाय के कई विशिष्ट सदस्यों ने मुख्य उपलब्धियां प्राप्त की हैं। इस वर्ष हमारे संकाय सदस्यों द्वारा प्राप्त कई सम्मानों में संभवतः सबसे प्रतिष्ठित सम्मान पद्म श्री था, जो चौथा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान है जोकि आयुर्विज्ञान के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रदान किया गया। जिन चिकित्सकों को ये सम्मान प्रदान किया गया वे हैं:–प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया, प्रोफेसर अलका कृपलानी, प्रोफेसर योगराज शर्मा और प्रोफेसर निखिल टंडन। मैं इस प्रकार के प्रतिभावना प्रतिभावान सहकर्मियों के समूह के साथ काम करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

एम्स द्वारा नवाचार शिक्षा, समर्पित सेवा प्रावधान और अग्रणी जैव आयुर्विज्ञान अनुसंधान के माध्यम से जनता को गुणवत्ता स्वास्थ्य उपचार प्रदान करने के प्रयत्न से, सरकार को सहायता प्रदान करने हेतु प्राप्त शासनादेश को पूरा करने का ईमानदार प्रयास किया गया है। यह मेरा दुर्लभ सौभाग्य ही रहा है कि मुझे इस सर्वश्रेष्ठ संस्थान की सेवा करने और सही अर्थों में कितने ही असाधरण लोगों के साथ काम करने का अवसर मिला। सदा की तरह, मैं अपनी मन की गहराइयों से एम्स में उस प्रत्येक व्यक्ति का आभार प्रकट करता हूं जिनकी प्रतिबद्धता ने इसे उस श्रेष्ठतम स्थान पर पहुंचाया है, जहां आज यह कायम है!

एम. सी. मिश्र
निदेशक

2. संस्थान और इसकी समितियां

संस्थान निकाय

1.	**श्री गुलाम नबी आजाद** केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री निर्माण भवन, नई दिल्ली 110011	अध्यक्ष (12 जून 2014 तक)
	डॉ. हर्ष वर्धन केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री निर्माण भवन, नई दिल्ली 110011	अध्यक्ष (13 जून 2014 से 4 दिसंबर 2014)
	श्री जगत प्रकाश नड्‌डा केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री निर्माण भवन, नई दिल्ली 110011	अध्यक्ष (5 दिसंबर 2014 से)
2.	**श्रीमती सुषमा स्वराज, सांसद (लोकसभा)** 8, सफदरजंग लेन, नई दिल्ली 110011	सदस्य (18 मई 2014 तक)
	श्री रमेश बिधूड़ी, सांसद (लोकसभा) म. नं. 179, संपथ हाउस, तुगलकाबाद गांव, नई दिल्ली 110044	सदस्य (10 सितंबर 2014 से)
3.	**डॉ. ज्योति मिर्धा, सांसद (लोकसभा)** 875, सेक्टर– 17 बी, गुड़गांव, हरियाणा 122001	सदस्य (18 मई 2014 तक)
	श्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा, सांसद (लोकसभा) 1/14 बी, शांति निकेतन, नई दिल्ली	सदस्य (10 सितंबर 2014 से)
4.	**श्री मोतीलाल वोरा, सांसद (राज्य सभा)** 33, लोधी स्टेट, नई दिल्ली 110011	सदस्य (18 मई 2014 तक)
5.	**श्री अशोक ठाकुर** सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001	सदस्य (22 फरवरी 2015 तक)
	श्री एस. एन. मोहंती सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001	सदस्य (23 फरवरी 2015 से)
6.	**डॉ. एम. के. भान** एफ–14 हौज खास एन्क्लेव, नई दिल्ली	सदस्य
7.	**श्री लव वर्मा** सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली 110011	सदस्य (3 मार्च 2015 तक)
	श्री भानु प्रताप शर्मा सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली 110011	सदस्य (4 मार्च 2015 से)

8.	**प्रोफेसर दिनेश सिंह** कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली 110007	सदस्य (पदेन)
9.	**डॉ. जगदीश प्रसाद** महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं भारत सरकार, निर्माण भवन, नई दिल्ली 110011	सदस्य (पदेन)
10.	**प्रो. के. के. तलवार** सी–ब्लॉक, 625, दूसरा तल, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, नई दिल्ली	सदस्य
11.	**डॉ. आर. ए. बडवे** निदेशक, टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल, डॉ. ई बारजेस रोड, लोअर परेल, मुंबई, महाराष्ट्र	सदस्य
12.	**डॉ. रमाकांत पांडा** उपाध्यक्ष, एशियन हार्ट इंस्टीट्यूट, बांद्रा ईस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र	सदस्य
13.	**डॉ एस. पी. अग्रवाल** महासचिव, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, रफी मार्ग, नई दिल्ली	सदस्य
14.	**डॉ. अब्दुल हामिद ज़रगर** चिकित्सा निदेशक, एडवांस सेंटर फॉर डायबिटीज एंड एंडोक्राइन केयर, नेशनल हाइवे, गुलशन नगर, नौगांव, श्रीनगर 190015, जम्मू और कश्मीर	सदस्य
15.	**श्री गौतम गुहा** अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली 110011	सदस्य (22 फरवरी 2015 तक)
	श्रीमती विजया श्रीवास्तव अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली 110011	सदस्य (23 फरवरी 2015 से)
16.	**प्रो. के. सी. पाण्डे** प्राणी विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ 226007, उत्तर प्रदेश	सदस्य
17.	**प्रो. एम. सी. मिश्र** निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	सदस्य सचिव
18.	**श्री अली रज़ा रिज़वी** संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली 110011	विशेष आमंत्रित
19.	**प्रोफेसर पी. के. जुल्का** संकायाध्यक्ष, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	विशेष आमंत्रित

20.	**डॉ. डी. के. शर्मा** चिकित्सा अधीक्षक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	विशेष आमंत्रित

शासी निकाय

1.	**श्री गुलाम नबी आजाद**	अध्यक्ष (12 जून 2014 तक)
	डॉ. हर्ष वर्धन	अध्यक्ष (13 जून 2014 से 4 दिसंबर 2015)
	श्री जगत प्रकाश नड्डा	अध्यक्ष (5 दिसंबर 2015 से)
2.	**श्रीमती सुषमा स्वराज, सांसद (लोकसभा)**	सदस्य (18 मई 2014 तक)
	श्री रमेश बिधूड़ी, सांसद (लोकसभा)	सदस्य (10 सितंबर 2014 से)
	श्री मोतीलाल वोरा, सांसद (राज्यसभा)	सदस्य (14 मई 2014 तक)
4.	**श्री अशोक ठाकुर**	सदस्य (22 फरवरी 2015 तक)
	श्री एस. एन. मोहंती	सदस्य (23 फरवरी 2015 से)
5.	**श्री लव वर्मा**	सदस्य (3 मार्च 2015 तक)
	श्री भानु प्रताप शर्मा	सदस्य (4 मार्च 2015 से)
6.	**प्रो. के. के. तलवार**	सदस्य
7.	**डॉ. आर. ए. बडवे**	सदस्य
8.	**डॉ. जगदीश प्रसाद**	सदस्य (पदेन)
9.	**डॉ. एस. पी. अग्रवाल**	सदस्य
10.	**श्री गौतम गुहा**	सदस्य (22 फरवरी 2015 तक)
	श्रीमती विजया श्रीवास्तव	सदस्य (23 फरवरी 2015 से)
11.	**प्रोफेसर एम. सी. मिश्र**	सदस्य सचिव
12.	**श्री अली रज़ा रिज़वी**	विशेष आमंत्रित
13.	**प्रोफेसर पी. के. जुल्का**	विशेष आमंत्रित
14.	**डॉ डी. के. शर्मा**	विशेष आमंत्रित

स्थायी वित्त समिति

1.	**श्री लव वर्मा**	अध्यक्ष (3 मार्च 2015 तक)
	श्री भानु प्रताप शर्मा	अध्यक्ष (4 मार्च 2015 से)
2.	**श्री मोतीलाल वोरा, सांसद (राज्य सभा)**	सदस्य (14 मई 2014 तक)
	श्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा, सांसद (लोक सभा)	सदस्य (10 सितंबर 2014 से)
3.	**श्री अशोक ठाकुर**	सदस्य (22 फरवरी 2015 तक)
	श्री एस. एन. मोहंती	सदस्य (23 फरवरी 2015 से)
4.	**डॉ. जगदीश प्रसाद**	सदस्य
5.	**प्रोफेसर दिनेश सिंह**	सदस्य

6.	श्री गौतम गुहा	सदस्य (22 फरवरी 2015 तक)
	श्रीमती विजया श्रीवास्तव	सदस्य (23 फरवरी 2015 से)
7.	प्रोफेसर एम. सी. मिश्र	सदस्य सचिव
8.	प्रोफेसर पी. के. जुल्का	विशेष आमंत्रित
9.	डॉ. डी. के. शर्मा	विशेष आमंत्रित
10.	श्री अली रज़ा रिज़वी	विशेष आमंत्रित

स्थायी शैक्षिक समिति

1.	डॉ. जगदीश प्रसाद	अध्यक्ष
2.	डॉ. ज्योति मिर्धा, सांसद (लोकसभा)	सदस्य (18 मई 2014 तक)
	श्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा	सदस्य (10 सितंबर 2014 से)
3.	प्रोफेसर दिनेश सिंह	सदस्य
4.	डॉ एम. के. भान	सदस्य
5.	श्री अशोक ठाकुर	सदस्य (22 फरवरी 2015 तक)
	श्री एस. एन. मोहंती	सदस्य (23 फरवरी 2015 से)
6.	डॉ रमाकांत पांडा	सदस्य
7.	प्रोफेसर के. सी. पाण्डे	सदस्य
8.	डॉ अब्दुल हामिद जरगर	सदस्य
9.	प्रोफेसर एम. सी. मिश्र	सदस्य सचिव

स्थायी संपदा समिति

1.	डॉ एस. पी. अग्रवाल	अध्यक्ष
2.	डॉ. ज्योति मिर्धा, सांसद (लोकसभा)	सदस्य (18 मई 2014 तक)
	श्री रमेश बिधूड़ी, सांसद (लोकसभा)	सदस्य (10 सितंबर 2014 से)
3.	डॉ. एम.के. भान	सदस्य
4.	प्रो. के. के. तलवार	सदस्य
5.	डॉ. आर. ए. बडवे	सदस्य
6.	डॉ. जगदीश प्रसाद	सदस्य
7.	श्री गौतम गुहा	सदस्य (22 फरवरी 2015 तक)
	श्रीमती विजया श्रीवास्तव	सदस्य (23 फरवरी 2015 से)
8.	प्रोफेसर एम. सी. मिश्र	सदस्य सचिव
9.	प्रोफेसर पी. के. जुल्का	विशेष आमंत्रित

10.	**डॉ. डी. के. शर्मा**	विशेष आमंत्रित

अस्पताल मामलों की स्थायी समिति

1.	**श्री मोतीलाल वोरा, सांसद (राज्यसभा)**	अध्यक्ष (14 मई 2014 तक)
	श्री रमेश बिधूड़ी, सांसद (लोकसभा)	अध्यक्ष (10 सितंबर 2014 से)
2.	**डॉ. ज्योति मिर्धा, सांसद (लोकसभा)**	सदस्य (18 मई 2014 तक)
3.	**डॉ. आर. ए. बडवे**	सदस्य
4.	**प्रोफेसर के. सी. पाण्डे**	सदस्य
5.	**डॉ रमाकांत पांडा**	सदस्य
6.	**प्रोफेसर के. के. तलवार**	सदस्य
7.	**डॉ अब्दुल हामिद जरगर**	सदस्य
8.	**प्रोफेसर एम. सी. मिश्रा**	सदस्य सचिव
9.	**प्रोफेसर पी. के. जुल्का**	विशेष आमंत्रित
10.	**डॉ. डी. के. शर्मा**	विशेष आमंत्रित

3. शैक्षिक अनुभाग

संकायाध्यक्ष

पी. के. जुल्का

उप–संकायाध्यक्ष

वी. के. बंसल

कुल–सचिव

संजय कुमार आर्य (11 जनवरी 2015 तक)

संजीव लालवानी (12 जनवरी 2015 से)

शैक्षिक अनुभाग नीतियां, योजनाएं विकसित करता है तथा शैक्षिक गतिविधियां कार्यान्वित करता है। इन गतिविधियों में चिकित्सा, नर्सिंग, तथा परा–चिकित्सा पाठ्यक्रमों हेतु स्नातक–पूर्व, स्नातकोत्तर तथा डॉक्टरल कार्यक्रमों को सम्मिलित किया गया है। इन गतिविधियों का संचालन स्नातक–पूर्व, स्नातकोत्तर एवं परा–चिकित्सा प्रकोष्ठों द्वारा किया जाता है।

स्नातक–पूर्व शिक्षा

इस अनुभाग द्वारा नए छात्रों के लिए प्रवेश के उपरांत की औपचारिकताओं, पाठ्यक्रम विकसित करने एवं संशोधित करने तथा विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए स्नातक–पूर्व छात्रों के आंतरिक मूल्यांकन सहित शैक्षिक कार्यक्रमों का प्रबंध किया जाता है। इन पाठ्यक्रमों में शामिल हैं एम.बी.बी.एस., बी.एस–सी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी तथा नेत्र विज्ञान में चिकित्सा प्रौद्योगिकी तकनीक, बी.एस–सी. नर्सिंग (पोस्ट सर्टिफिकेट) तथा बी.एस–सी. (ऑनर्स) नर्सिंग पाठ्यक्रम।

आयुर्विज्ञान एवं शल्य चिकित्सा स्नातक (एम.बी.बी.एस.)

एम.बी.बी.एस. में शिक्षा के पैटर्न की समीक्षा की गई तथा जुलाई 2004 से इसकी पुनर्संरचना की गई। एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम की अवधि साढ़े पांच वर्ष की ही है जिसमें 3 चरण और इंटर्नशिप सम्मिलित है।

इसका विवरण निम्नानुसार है :

चरण	अवधि (वर्षों में)	प्रशिक्षण
प्रथम	एक वर्ष	पूर्व – नैदानिक
द्वितीय	डेढ़ वर्ष	परा – नैदानिक
तृतीय	दो वर्ष	नैदानिक
इंटर्नशिप	एक वर्ष	विभिन्न विभागों में अनिवार्य रूप से रोटेशन

वर्तमान में एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम में, प्रति वर्ष 72 भारतीय छात्रों (37 सामान्य, 11 अनु. जाति, 5 अनु. जनजाति एवं 19 अ. पि. वर्ग) को दाखिला दिया जाता है। ये चयन अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के आधार पर किए गए थे। निःशक्त हड्डी रोग (ओपीएच) के लिए प्रत्याशियों के 3 प्रतिशत का आरक्षण क्षैतिज आधार पर प्रदान किया गया। इन 72 सीटों के लिए, 76,014 आवेदन प्राप्त हुए थे और 58,002 प्रत्याशियों ने 1 जून 2014 को आयोजित प्रवेश परीक्षा में भाग लिया है। 31 मार्च 2015 के अनुसार 74 इंटर्न सहित एमबीबीएस नामांकन में छात्रों की संख्या 375 थी।

2011 तक, यहां विदेश मंत्रालय, भारत सरकार की सिफारिशों के आधार पर 5 विदेशी नागरिकों के नामांकन के लिए प्रावधान था। हालांकि, इस वर्ष विदेशी नागरिक का दाखिला नहीं किया गया था।

इस वर्ष में, परीक्षा के प्रथम, द्वितीय तथा अंतिम चरण में प्रथम तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले 6 योग्य एम.बी.बी.एस. छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

परा – चिकित्सा तथा नर्सिंग शिक्षा

वर्ष 2014–15 में, बी.एस–सी. (ऑनर्स) नर्सिंग पाठ्यक्रम में 77 छात्रों (39 सामान्य, 12 अनु. जाति, 5 अनु. जनजाति एवं 21 अ. पि. वर्ग) को प्रवेश दिया गया। बी.एस–सी नर्सिंग (पोस्ट सर्टिफिकेट) पाठ्यक्रम में 25 छात्रों (17 सामान्य, 2 अनु. जाति, 3 अनु. जनजाति एवं 3 अ. पि. वर्ग) को प्रवेश दिया गया।

नेत्र रोग नेत्र विज्ञान तकनीक में 19 छात्रों (10 सामान्य, 3 अनु. जाति, 1 अनु. जनजाति तथा 5 अ. पि. वर्ग) तथा बी.एस–सी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी चिकित्सा प्रौद्योगिकी में 9 छात्रों (5 सामान्य, 1 अनु. जाति, 1 अनु. जनजाति तथा 2 अ. पि. वर्ग) को प्रवेश दिया गया। इन पाठ्यक्रमों में दिनांक 31 मार्च 2015 तक पंजी. पर छात्रों की संख्या निम्न प्रकार से थी :–

पाठ्यक्रम	छात्रों की संख्या
नर्सिंग	
बी.एस–सी. नर्सिंग (पोस्ट सर्टिफिकेट)	45
बी.एस–सी (ऑनर्स) नर्सिंग	275
परा – चिकित्सा	
बी.एस–सी. (ऑनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीक	46
बी.एस–सी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा प्रौद्योगिकी	24

स्नातकोत्तर शिक्षा

शैक्षिक अनुभाग द्वारा जूनियर तथा सीनियर रेजीडेंटों सहित स्नातकोत्तर छात्रों के प्रवेश तथा प्रशिक्षण संबंधी सभी गतिविधियों का संचालन किया जाता है। इस अनुभाग द्वारा विभिन्न विषयों में पी–एच.डी., डी. एम., एम.सी–एच, एम. डी., एम. एस., एम.डी. एस., एम. एच. ए., एम. बायोटेक्नोलॉजी (एम. बायोटेक) तथा एम. एस–सी पाठ्यक्रमों से संबंधित सभी गतिविधियों का संचालन किया जाता है।

भारतीय नागरिकों तथा प्रायोजित उम्मीदवारों को सभी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश एक अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के द्वारा दिया जाता है जो कि वर्ष में दो बार आयोजित की जाती है, एम.एस–सी तथा एम. बायोटेक्नोलॉजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए वर्ष में एक बार प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है। प्रायोजित श्रेणी के तहत, विदेशी नागरिकों को समान प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है। वर्ष 2014–15 के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रमों में 596 छात्रों को प्रवेश दिया गया। 31 मार्च 2015 तक पंजी. पर स्नातकोत्तर तथा डॉक्टरल छात्रों की कुल संख्या 1446 थी।

वर्ष 2014–2015 में विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का नाम	जुलाई 2014	जनवरी 2015	कुल
1	एम.एस–सी. / एम. बायोटेक / एम. एस–सी. नर्सिंग (अगस्त)'	79	–	73
2	एम डी / एम एस / एम डी एस / एम एच ए (जुलाई)	192	159	351
3	डी एम / एम सी एच (जुलाई)	43	49	92
4	पी.एच – डी (जुलाई)	45	35	80
	कुल	**359**	**243**	**596**

*दाखिले वर्ष में एक बार किए गए।

31 मार्च 2015 तक पंजी पर स्नातकोत्तर छात्र

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का नाम	पंजीकृत छात्रों की संख्या
1	पी एच–डी	436
2	डीएम	160
3	एम–सीएच	88
4	एमडी / एमएचए	523
5	एमएस	75
6	एमडीएस	34
7	एम–एससी / एम. बायोटेक / एम–एससी. नर्सिंग	130
	कुल	**1446**

31 मई 2015 तक पंजी पर पीएच.डी. छात्रों का विषय–वार विवरण :–

क्र. सं.	विषय	सामान्य	प्रायोजित
1	संवेदनाहरण विज्ञान (डॉ. बीआरए आईआरसीएच)	4	0
2	संवेदनाहरण विज्ञान और गहन देखभाल (जेपीएनएटीसी)	1	0
3	शरीर रचना विज्ञान	30	0
4	जैव रसायन	31	0
5	जैव भौतिकी	37	0
6	जैव सांख्यिकी	6	0
7	जैव प्रौद्योगिकी	12	0
8	ब्लड बैंक	1	0
9	मुख्य ब्लड बैंक	1	0
10	हृद् संवेदनाहरण विज्ञान	3	0
11	सामुदायिक चिकित्सा केंद्र	2	0
12	हृद् जैव रसायन	3	0
13	हृद् विकिरण विज्ञान	1	0
14	हृद् वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा	2	0
15	सामुदायिक नेत्र विज्ञान (डॉ. रा. प्र. केंद्र)	2	0
16	दंत शल्य चिकित्सा	2	0
17	त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान	4	0
18	आपात चिकित्सा	2	0
19	अंतःस्राविकी एवं चयापचय	6	0
20	न्याय चिकित्सा	4	0
21	जठरांत्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण एकक	8	0
22	जरा चिकित्सा	3	0
23	रुधिर विज्ञान	8	0

24	प्रयोगशाला चिकित्सा	15	0
25	प्रयोग अर्बुद विज्ञान	1	0
26	चिकित्सा अर्बुद विज्ञान (डॉ. बीआरए आईआरसीएच)	5	0
27	काय चिकित्सा भौतिकी (डॉ. बीआरए आईआरसीएच)	3	0
28	काय चिकित्सा	9	0
29	सूक्ष्म जैव विज्ञान	26	2
30	तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान	1	0
31	तंत्रिका जैव रसायन	3	0
32	तंत्रिका मनोविज्ञान (तंत्रिका विज्ञान)	5	0
33	तंत्रिका विज्ञान	25	0
34	तंत्रिका शल्य चिकित्सा	9	0
35	नाभिकीय चुंबकीय अनुनाद	12	0
36	नाभिकीय चिकित्सा	5	0
37	प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान	1	0
38	नेत्र जैव रसायन (डॉ. रा. प्र. केंद्र)	4	0
39	नेत्र सूक्ष्मजैव विज्ञान (डॉ. रा. प्र. केंद्र)	1	0
40	नेत्र विकृति विज्ञान (डॉ. रा. प्र. केंद्र)	3	0
41	नेत्र भेषजगुण विज्ञान (डॉ. रा. प्र. केंद्र)	5	0
42	नेत्र विज्ञान (डॉ. रा. प्र. केंद्र)	6	0
43	बाल चिकित्सा	10	0
44	बाल चिकित्सा (नैदानिक / जनसांख्यिकी)	0	2
45	बाल चिकित्सा (अनुवांशिकी / बुनियादी विज्ञान)	9	1
46	विकृति विज्ञान	9	0
47	भेषजगुण विज्ञान	15	0
48	शरीर क्रिया विज्ञान	32	1
49	मनोचिकित्सा (नैदानिक मनोविज्ञान)	6	0
50	मनोचिकित्सा (वयस्न मनोविज्ञान)	2	0
51	फुफ्फुसीय काय चिकित्सा और निद्रा विकार	5	0
52	विकिरण अर्बुद विज्ञान (आई आर सी एच)	2	0
53	प्रजनन जैव विज्ञान	6	0
54	विकिरण अर्बुद विज्ञान	4	0
55	शल्य चिकित्सा	5	0
56	आघात चिकित्सा	1	0
57	प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवांशिकी	12	0
	कुल	**430**	**6**

31 मार्च 2015 तक पंजी पर डी. एम. छात्रों का विषय–वार विवरण :–

क्र. सं.	विषय	सामान्य	प्रायोजित
1	हृद् संवेदनाहरण विज्ञान	6	3
2	हृद् विज्ञान	16	3
3	नैदानिक रुधिर विज्ञान	5	2
4	अंतःस्त्राविकी	8	3
5	जठरांत्र रोग विज्ञान	10	3
6	रुधिर विकृति विज्ञान	4	3
7	चिकित्सा अर्बुद विज्ञान	12	2
8	नवजात विज्ञान	4	3
9	वृक्क विज्ञान	8	5
10	तंत्रिका – संवेदनाहरण विज्ञान	8	2
11	तंत्रिका विज्ञान	15	3
12	तंत्रिका विकिरण विज्ञान	3	2
13	बाल तंत्रिका विज्ञान	6	3
14	नैदानिक भेषजगुण विज्ञान	3	1
15	फुफ्फुसीय चिकित्सा एवं निद्रा विकार	11	3
	कुल	**119**	**41**

31 मार्च 2015 तक पंजी पर एम.सी–एच छात्रों का विषय–वार विवरण :–

क्र. सं.	विषय	सामान्य	प्रायोजित
1	हृद् वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा	16	3
2	तंत्रिका शल्य चिकित्सा	17	3
3	जठरांत्र शल्य चिकित्सा एवं वृक्क प्रतिरोपण	12	3
4	बाल शल्य चिकित्सा	6	2
5	मूत्र रोग विज्ञान	8	3
6	शल्यक अर्बुद विज्ञान	12	3
	कुल	**71**	**17**

31 मार्च 2015 तक पंजी पर एम. डी. / एम. एस. / एम. डी. एस. छात्रों का विषय–वार विवरण :–

क्र. सं.	एमडी	सामान्य	प्रायोजित
1	संवेदनाहरण विज्ञान	36	3
2	शरीर रचना विज्ञान	16	0
3	जैव रसायन	12	0
4	जैव भौतिकी	14	0

5	सामुदायिक चिकित्सा	21	0
6	त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान	14	2
7	न्याय चिकित्सा	9	0
8	अस्पताल प्रशासन (एमएचए)	8	1
9	प्रयोगशाला चिकित्सा कार्य	7	0
10	काय चिकित्सा	55	3
11	सूक्ष्म जैव विज्ञान	10	0
12	नाभिकीय चिकित्सा	13	3
13	प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान	42	3
14	नेत्र विज्ञान	104	4
15	बाल चिकित्सा	28	3
16	विकृति विज्ञान	17	1
17	भेषजगुण विज्ञान	13	0
18	भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	9	1
19	शरीर क्रिया विज्ञान	11	0
20	मनोचिकित्सा विज्ञान	29	3
21	विकिरण निदान	25	0
22	विकिरण चिकित्सा	9	1
23	जरा चिकित्सा	12	3
24	आपात चिकित्सा	9	3
	कुल	**523**	**34**
	एम.एस.		
25	अस्थि रोग विज्ञान	18	4
26	कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान	12	3
27	शल्य चिकित्सा	45	3
	कुल	**75**	**10**
	एम डी एस		
28	कंजरवेटिव डेंटिस्ट्री एवं एंडोडोंटिक्स	9	1
29	ऑर्थोडोंटिक्स	9	3
30	प्रोस्थोडोंटिक्स	8	0
31	ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल शल्य चिकित्सा	8	3
	कुल	**34**	**7**
	कुल महायोग	**632**	**51**

31 मार्च 2015 तक पंजी पर एम.एस.सी. छात्रों का विषय–वार विवरण :–

क्र. सं.	एम.एस.सी.	सामान्य	प्रायोजित
1	शरीर रचना विज्ञान	8	–
2	जैव रसायन	7	2 (विदेशी नागरिक)
3	जैव भौतिकी	5	–
4	भेषजगुण विज्ञान	7	1 (विदेशी नागरिक)
5	शरीर क्रिया विज्ञान	9	–
6	प्रयूजन प्रौद्योगिकी	10	–
7	एम. जैव प्रौद्योगिकी	24	1 (विदेशी नागरिक)
8	नाभिकीय चिकित्सा प्रौद्योगिकी	9	–
	कुल	**79**	**5**

31 मार्च 2015 तक पंजी पर एम.एस.सी. (नर्सिंग) छात्रों का विषय–वार विवरण :–

क्र. सं.	एम.एस.सी. (नर्सिंग)	सामान्य	प्रायोजित
1	हृद् विज्ञान / सी. टी. वी. एस. नर्सिंग	12	1 (विदेशी नागरिक)
2	तंत्रिका विज्ञान नर्सिंग	3	–
3	बाल चिकित्सा नर्सिंग	12	–
4	मनोचिकित्सा नर्सिंग	10	1 ( )
5	अर्बुद विज्ञान	7	–
	कुल	**44**	**2**

प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारत तथा विदेश के विभिन्न संगठन के छात्रों और कर्मचारियों को अल्पावधिक, दीर्घावधिक एवं ऐच्छिक प्रशिक्षण प्रदान किए जाने का प्रावधान है। वर्ष 2014–15 के दौरान 851 व्यक्तियों को निम्नानुसार प्रशिक्षण प्रदान किया गया –

क्र. सं.	प्रशिक्षण	प्रशिक्षुओं की संख्या
1	अल्पावधिक प्रशिक्षण : भारतीय नागरिक	675
2	अल्पावधिक प्रशिक्षण : विदेशी नागरिक	47
3	दीर्घावधिक प्रशिक्षण : भारतीय नागरिक	19
4	ऐच्छिक प्रशिक्षण : विदेशी नागरिक (स्नातक पूर्व छात्र)	54
5	वि. स्वा. सं. अध्येता : भारतीय नागरिक	12
6	वि. स्वा. सं. अध्येता : विदेशी नागरिक	12
	कुल	**819**

समिति बैठकें

शैक्षिक समिति, स्टाफ काउंसिल, संकायाध्यक्ष समिति, संकाय तथा अनुसंधान प्रस्तुतीकरण की बैठकें आयोजित करने का उत्तरदायित्व शैक्षिक अनुभाग का है। विवरण नीचे दिए गए हैं :–

क्र. सं.	समिति	बैठकों की संख्या
1	शैक्षिक समिति	2
2	स्टाफ काउंसिल	1
3	संकायाध्यक्ष समिति	2
4	संकाय (सामान्य चर्चा)	8
5	अनुसंधान प्रस्तुतीकरण	4

दीक्षांत समारोह

संस्थान का 42वां वार्षिक दीक्षांत समारोह 20 अक्टूबर 2014 को जवाहर लाल सभागार, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली में आयोजित किया गया। भारत के महामहिम माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। उन्होंने विशिष्ट योग्य छात्रों को संस्थान पदक / पुरस्कार प्रदान किए तथा उपस्थित जन – समूह को संबोधित किया। अध्यक्ष, अ. भा. आ. सं. एवं माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, भारत सरकार मंत्री डॉ. हर्ष वर्धन द्वारा उपाधियां प्रदान की गई।

4. परीक्षा अनुभाग

प्रभारी आचार्य (परीक्षा)

एस. दत्ता गुप्ता

उप–संकायाध्यक्ष (परीक्षा)

नन्द कुमार (अब तक)　　　　अशोक कुमार जरयाल (28 फरवरी 2015 से)

सहायक परीक्षा नियंत्रक

ओ. पी. शर्मा (1 अक्तूबर 2014 से)

लेखा अधिकारी

डी. के. गुप्ता (10 सितंबर 2014 से)

नीचे दिए गए विवरणों के अनुसार वर्ष के दौरान परीक्षा अनुभाग द्वारा विभिन्न व्यावसायिक एवं प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की गई।

स्नातकोत्तर एवं स्नातक–पूर्व व्यावसायिक परीक्षाएं

क्र.सं.	माह एवं वर्ष	परीक्षा	छात्रों की संख्या			
			परीक्षा में उपस्थित	अनुपस्थित	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण
1	**मई 2014**	अंतिम स्नातकोत्तर/पोस्ट डॉक्टरल	184	–	174	10
2	– तदैव –	एम. एससी (नर्सिंग) चरण – 1	22	–	22	–
3	– तदैव –	एम. एससी (नर्सिंग) चरण – 2	24	–	24	–
4	– तदैव –	द्वितीय एम बी बी एस (पूरक)	07	–	07	–
5	– तदैव –	अंतिम एम बी बी एस (पूरक)	11	2	08	01
6	– तदैव –	बी. एससी. नर्सिंग (पोस्ट – प्रमाणपत्र) चरण – 1	25	1	22	02
7	– तदैव –	बी. एससी. नर्सिंग (पोस्ट – प्रमाणपत्र) चरण – 2	24	–	24	–
8	– तदैव –	बी. एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, चरण – 1	78	–	68	10
9	– तदैव –	बी. एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, चरण – 2	69	–	68	01
10	– तदैव –	बी. एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, चरण – 3	57	–	56	01
11	– तदैव –	बी. एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग, चरण – 4	51	–	51	–
12	**जुलाई 2014**	प्रथम व्यावसायिक एम बी बी एस	73	6 (एनई)	49	18
13	– तदैव –	बी.एससी (ऑनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीक चरण– 1	20	–	11	09
14	– तदैव –	बी.एससी (ऑनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीक चरण – 2	12	–	07	05
15	– तदैव –	बी.एससी (ऑनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीक चरण – 3	12	–	09	03
16	– तदैव –	रेडियोग्राफी में बी.एससी (ऑनर्स) चिकित्सा तकनीकें चरण – 1	09	1	07	01
17	– तदैव –	रेडियोग्राफी में बी.एससी (ऑनर्स) चिकित्सा तकनीकें चरण – 2	06	–	05	01

18	– तदैव –	रेडियोग्राफी में बी.एससी (ऑनर्स) चिकित्सा तकनीकें चरण – 3	9	–	6	3
19	**अगस्त 2014**	प्रथम एम बी बी एस व्यावसायिक (पूरक)	24	–	15	9
20	**दिसंबर 2014**	अंतिम स्नातकोत्तर/पोस्ट डॉक्टरल	135	–	130	5
21	– तदैव –	एम बी बी एस अंतिम वर्ष	77	1	73	03
22	– तदैव –	एम बी बी एस द्वितीय वर्ष	78	2 (एनई)	73	03
23	– तदैव –	बी.एससी. (पी.सी.) नर्सिंग चरण – 1 (पूरक)	2	–	2	–
24	– तदैव –	बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग चरण – 1 (पूरक)	9	–	7	2
25	– तदैव –	बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग चरण – 2 . (पूरक)	6	–	5	1
26	– तदैव –	बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग चरण – 3 (पूरक)	1	–	1	–
27	– तदैव –	बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग चरण – 4 (पूरक)	10	–	10	–
28	**जनवरी 2015**	एम बी बी एस अंतिम वर्ष (पूरक परीक्षा)	1	–	1	–
29	– तदैव –	बी.एससी (ऑनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीक चरण – 1 (पूरक)	8	1	5	2
30	– तदैव –	बी.एससी (ऑनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीक चरण – 2 (पूरक)	7	–	7	–
31	– तदैव –	बी.एससी (ऑनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीक चरण – 3 (पूरक)	3	–	3	–
32	– तदैव –	बी.एससी (ऑनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीक चरण – 1 (पूरक)	1	–	1	–
33	– तदैव –	बी.एससी (ऑनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीक चरण – 2 (पूरक)	3	–	2	1
34	– तदैव –	रेडियोग्राफी में बी. एससी. (ऑनर्स) चिकित्सा प्रौद्योगिकी चरण – 3 (पूरक)	3	–	3	–
		महायोग	**1061**	**14**	**956**	**91**

स्नातक पूर्व तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षाएं

क्र. सं.	**पाठ्यक्रम**	**परीक्षा की तिथि**	**उम्मीदवारों की संख्या**	
			आवेदक	**उपस्थित**
1	एम. डी./एम. एस./एम. डी. एस. (एम्स) जुलाई 2014	11.05.2014	21133	16911
2	डी एम/ एम सीएच / एम एचए जुलाई 2014	18.05.2014	2349	1894
3	एम बी बी एस (एम्स) अगस्त 2014	01.06.2014	184663	148398
4	ऑनलाइन बी. एससी (ऑनर्स) नर्सिंग 2014	06.07.2014	3856	2056
5	ऑनलाइन बी. एससी नर्सिंग (पोस्ट – प्रमाणपत्र) 2014	22.06.2014	109	78
6	ऑनलाइन बी. एससी (ऑनर्स) परा चिकित्सा पाठ्यक्रम 2014	07.06.2014	1067	644
7	ऑनलाइन एम. एससी कार्यक्रम 2014	20.07.2014	594	290
8	ऑनलाइन एम. एससी नर्सिंग 2014	29.06.2014	1302	873
9	ऑनलाइन एम जैव प्रौद्योगिकी 2014	15.06.2014	649	368
10	सीनियर रेजीडेंट्स भर्ती परीक्षा, जुलाई 2014	13.07.2014	1734	1228

11	पीएच.डी जुलाई 2014	13.07.2014	562	246
12	सीनियर रेजीडेंट्स भर्ती, जनवरी 2015	11.01.2015	755	544
13	एम डी /एम एस/एम डी एस (एम्स) जनवरी 2015	09.11.2014	28481	26739
14	डी एम/ एम सीएच / एम एच ए जनवरी 2015	30.11.2014	2062	1726
15	एआईपीजीडीईई 2015	24.01.2015	10366	9385
16	पीएच. डी जनवरी 2015	17.01.2015	447	283
17	सिस्टर ग्रेड 2	–	28196	स्वास्थ्य मंत्रालय के निर्देश के अनुसार परीक्षा रोकी गई है
		महायोग	**288325**	**211663**

पीएच. डी की मौखिक परीक्षा में उत्तीर्ण प्रत्याशी : 42

भर्ती के लिए परीक्षा :

क्र. सं.	पद	तिथि		आवेदक	उपस्थित	परिणाम घोषित
		परीक्षा	साक्षात्कार			
1	प्रकाशन सहायक	03.08.2014	19.11.2014	93	65	25.11.14
2	सांख्यिकीय सहायक	03.08.2014	22.11.2014	170	81	25.11.14
3	जूनियर इंजीनियर (सिविल / इले./ एसी एंड आर)	23.08.2014	26–27.11.2014	1471	954	12.12.14
4	एमएसएसओ	23.08.2014	29.01.2015	229	142	14.02.15
5	लाइब्रेरी अटेंडेंट ग्रेड 2	14.09.2014	31.01.2015	432	226	14.02.15
6	जूनियर फिजियोथेरेपिस्ट / ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट	20.09.2014	रद्द	–	–	–
7	लाइब्रेरियन ग्रेड 3	20.09.2014	रद्द	–	–	–
8	स्टोर कीपर (दवा)	20.09.2014	12.03.2015	178	91	**प्रक्रिया के तहत**
9	जूनियर फिजियोथेरेपिस्ट के लिए फिर से परीक्षा	27.12.2014	10.03.2015	2232	965	
10	लाइब्रेरियन ग्रेड 3 के लिए फिर से परीक्षा	27.12.2014	12.03.2015	335	118	
11	योग प्रशिक्षक	21.02.2015	27.03.2015	74	47	
12	प्रोग्रामर	21.02.2015	27.03.2015	657	249	
13	दंत तकनीशियन	21.02.2015	अनुसूचित 19.05.2015	464	214	
14	परफ्यूजनिस्ट	28.02.2015	21.05.2015	137	47	
			महायोग	**6472**	**3199**	

संचालित की गई प्रवेश परीक्षाएं :

1. 24 जनवरी 2015 में भारत के 6 शहरों में 24 केंद्रों (स्थानीय 11, दूरवर्ती 23) पर एम डी एस पाठ्यक्रमों के लिए 50 प्रतिशत ओपन मेरिट सीट आरक्षण से भर्ती हेतु अखिल भारतीय स्नातकोत्तर दंत प्रवेश परीक्षा – 2015 का आयोजन किया गया। परीक्षा परिणाम 6 फरवरी 2015 को घोषित किया गया।

2. जुलाई 2014 सत्र के लिए 11 मई 2014 को 67 केंद्रों (दिल्ली 21, दूरवर्ती 46) में एम डी / एम एस / एम डी एस पाठ्यक्रमों में भर्ती हेतु एम्स स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा का संचालन किया गया तथा जनवरी 2015 सत्र के लिए 9 नवंबर 2014 को 97 (दिल्ली 22, दूरवर्ती 75) केंद्रों में उक्त पाठ्यक्रम हेतु प्रवेश परीक्षा का संचालन किया गया। इनके परिणाम क्रमशः 15 मई 2014 तथा 13 नवंबर 2014 को घोषित किए गए।

3. 19 – 27 मई 2014 तथा 15 – 21 दिसंबर 2014 के दौरान दो स्टेज प्रदर्शन मूल्यांकन के आधार पर जुलाई 2014 पोस्ट डॉक्टरल (सुपरस्पेशिलिटी) पाठ्यक्रम (डी एम / एम सी एच और एम एच ए) के जनवरी 2015 सत्र के लिए उम्मीदवारों का चयन किया गया।

4. अनुभाग द्वारा जुलाई सत्र 2014 के लिए 13 जुलाई 2014 तथा जनवरी सत्र 2015 के लिए 11 जनवरी 2015 को वरिष्ठ रेजीडेंट्स / वरिष्ठ डेमोन्सट्रेटर्स के पद के लिए ऑनलाइन परीक्षा का संचालन किया गया।

5. 13 – 23 जुलाई 2014 तथा 17 – 27 जनवरी के दौरान दो स्टेज प्रदर्शन मूल्यांकन के आधार पर जुलाई 2014 तथा जनवरी 2015 के लिए पी एच डी कार्यक्रम के पंजीकरण हेतु उम्मीदवारों का चयन किया गया।

6. संस्थान सहित 6 नए एम्स में अगस्त 2014 के लिए एम बी बी एस पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु 18 शहरों के 334 (स्थानीय 68, दूरवर्ती 266) केंद्रों पर 1 जून 2014 को प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया।

7. सी बी टी ऑनलाइन पद्धति द्वारा 6 जुलाई 2014 को दिल्ली तथा 6 एम्स (भोपाल, भुवनेश्वर, जोधपुर, पटना, रायपुर तथा ऋषिकेश) में बी एस सी (ऑनर्स) नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया।

8. क्रमशः 20 जुलाई 2014 तथा 15 जून 2014 में ऑनलाइन पद्धति द्वारा अगस्त 2014 सत्र के लिए एम एस सी एवं एम. बायोटेक पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई।

9. वर्ष 2005 के लिए एम एस सी नर्सिंग पाठ्यक्रम हेतु प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया। यह परीक्षा 29 जुलाई 2014 को केवल दिल्ली में सी बी टी ऑनलाइन पद्धति द्वारा आयोजित की गई। भर्ती के लिए सीटों का आबंटन दिनांक 14 तथा 21 जुलाई 2014 को काउंसलिंग द्वारा मेरिट आधार पर किया गया।

10. बी एस सी नर्सिंग (पोस्ट – सर्टिफिकेट) की प्रवेश परीक्षा का आयोजन सी बी टी ऑनलाइन पद्धति द्वारा 22 जून 2014 को दिल्ली में किया गया तत्पश्चात् 26 जून 2014 को उम्मीदवारों का वैयक्तिक मूल्यांकन किया गया।

11. अगस्त 2014 सत्र के लिए दिल्ली में एक केंद्र पर सी बी टी ऑनलाइन पद्धति द्वारा 7 जून 2014 को पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों यथा बी एस सी ऑनर्स नेत्र विज्ञान तकनीक तथा बी एस सी (ऑनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा तकनीक पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई। इन दो पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु दिनांक 2 तथा 15 जुलाई 2014 को मेरिट के आधार पर सीटों का आबंटन किया गया।

अन्य गतिविधियों में सहभागिता :

1. परीक्षा अनुभाग एम्स स्नातकोत्तर, एम बी बी एस, बी.एस–सी. (ऑनर्स) परा चिकित्सा, एम. एस–सी. (नर्सिंग) पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु काउंसलिंग तथा बी.एस–सी. (नर्सिंग) पोस्ट प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम हेतु वैयक्तिक मूल्यांकन में सक्रिय रूप से भाग लेता है।

2. परीक्षा अनुभाग द्वारा बी. पी. कोइराला स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान, धरन, नेपाल के 83 स्नातकोत्तर छात्रों के शोध के मूल्यांकन कार्य में सहायता की गई।

3. परीक्षा अनुभाग द्वारा भारत और विदेश में विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों को उनकी प्रवेश परीक्षाएं आयोजित करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता भी प्रदान की जाती है।

महत्त्वपूर्ण घटनाएं

परीक्षा अनुभाग द्वारा 2010 से 2012 के बीच पूर्वोत्तर इंदिरा गांधी क्षेत्रीय, स्वास्थ्य और चिकित्सा विज्ञान, संस्थान, शिलांग, मेघालय की एम बी बी एस प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया।

परीक्षा अनुभाग द्वारा संचालित परीक्षा में और अधिक नियंत्रण एवं संतुलन बनाए रखने को प्रारम्भ करने के उपाय के रूप में परीक्षा व्यवस्था की पूर्ण गोपनीयता एवं सत्यनिष्ठा बनाए रखने के लिए, बाहरी केंद्रों के लिए प्रश्न–पत्रों को अब अनुमोदित बैंकों में सुरक्षित रखा जाता है। छद्म व्यक्तित्व के किसी भी प्रकार के मामले से बचने के लिए प्रवेश परीक्षा के दौरान सभी उम्मीदवारों के अंगूठे का निशान लिया जाता है। इसके अलावा, वर्ष 2006 से मेटल डिटेक्टरों के प्रयोग द्वारा शारीरिक जांच आरंभ की गई।

अनुभाग द्वारा जनवरी 2010 से सभी प्रवेश परीक्षाओं लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। उम्मीदवार अब ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं तथा अपना प्रविष्टि कार्ड भी डाउनलोड कर सकते हैं। इससे उम्मीदवारों को विवरणिका तथा आवेदन पत्र प्राप्त करने में आने वाली कठिनाई में कमी आई है। अनुभाग द्वारा 2012 से आवेदन शुल्क को जमा कराने के लिए भुगतान की समाकलित पद्धति (डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, ऑनलाइन ट्रांसफर इत्यादि) को भी प्रारंभ किया गया है। अनुभाग ने 2012 से प्रत्याशियों की जरूरतों एवं एम्स के छात्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए ऑनलाइन हेल्पलाइन भी आरंभ की है, ताकि उनकी शंकाओं का तत्काल समाधान किया जा सके।

सभी प्रवेश परीक्षाओं में सभी प्रत्याशियों को लिखने के लिए पैन लाना होता है। यह इलेक्ट्रॉनिक गजट का उपयोग करते हुए नकल की रोकथाम के लिए किया गया था। परीक्षा के दौरान उम्मीदवार की पहचान की प्रामाणिकता में संदेह होने के मामले में अथवा उम्मीदवार द्वारा परीक्षा उद्देश्य हेतु फोटोग्राफ नहीं लाई जाती है तो उनकी फोटोग्राफी (स्नेपशॉट) की जा रही है।

परीक्षा के व्यय को पूरा करने के लिए नामित परीक्षा केंद्रों को अग्रिम में डिमांड ड्राफ्ट / बैंकर्स चैक के माध्यम से 90 से 95 प्रतिशत राशि भेजकर एम्स प्रतिनिधि द्वारा किए जाने वाले नकद राशि के लेन–देन को कम कर दिया गया है

सभी प्रवेश (एम्स एम बी बी एस के अलावा) और भर्ती परीक्षाओं को ऑफलाइन विधि से ऑनलाइन विधि में बदला गया है। एम्स की एम बी बी एस परीक्षा को भी ऑनलाइन विधि से आयोजित करने के प्रयास प्रगति पर हैं।

इस अनुभाग ने संकाय सदस्यों और कर्मचारियों को भुगतान के संवितरण के लिए नकद प्रणाली सुविधा के स्थान पर ईसीएस / एनईएफटी द्वारा परिलब्धि के भुगतान की शुरूआत की है। इस सुविधा से संवितरण प्रणाली को एक नया रूप दिया गया है। अब अल्प समय अवधि के अंदर सभी संकाय और कर्मचारियों को उनके संबंधित बैंक खातों में उनकी देय राशियां मिल जाती हैं।

5. सामान्य प्रशासन

उप–निदेशक (प्रशासन)

श्री वी. श्रीनिवास

संस्थान के कार्मिक एवं स्थापना, सुरक्षा, संपदा, इंजीनियरी सेवा विभाग से संबंधित मामले, भंडार, सतर्कता एवं जनसंपर्क क्रियाकलापों सहित सामान्य प्रशासन का नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण उप–निदेशक (प्रशासन) द्वारा किया जाता है। उपर्युक्त वर्णित क्षेत्रों की देखभाल करने के लिए विभिन्न शाखाएं हैं। प्रत्येक शाखा का नेतृत्व एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा सहायक अधिकारियों और स्टाफ सदस्यों की सहायता से किया जाता है। विभिन्न शाखाओं की देखभाल करने वाले अधिकारियों / स्टाफ का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया हुआ है।

सामान्य प्रशासन

मु. प्रापण अधिकारी
राजेश गुप्ता

उप–सचिव
संजीव चतुर्वेदी

मु. प्र. अधिकारी
के. के. वैद्य

अधि. अभियंता
मंजुल रस्तोगी

उप–मुख्य सुरक्षा अधिकारी
राजीव लोचन
(29 नवंबर 2013 निलम्बनाधीन)
आर.एस. रावत

वरिष्ठ भंडार अधिकारी
के. डी. शर्मा

वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी
अरुण कुमार सिंह
अजय कुमार
के. के. गिरिधारी (1 मई 2013 से) (8 मई 2013 से)

कार्यकारी अभियंता
एस. भास्कर
वी. के. जायसवाल
वी. के. शर्मा
विद्या भूषण
(29 नवंबर 2013 से)

भंडार अधिकारी
राकेश कुमार शर्मा
प्रदीप कुमार गुप्ता
नरेंद्र कुमार

प्रशासनिक अधिकारी
आर. के. शर्मा
रजी जावेद
ललित उराँव
के. पी. सिंह
(31 मई 2013 से)
रेनू भारद्वाज
ममता कुकरेती
चक्रवर्ती ई.वी.एस.
सतीश कुमार सिंह

सहायक प्रशासनिक अधिकारी
बी. एस. गिल
राज कुमार
राजेंद्रन पिल्लई
अनीता टेटे
एस. एल. चमोली

नियुक्तियों, सांविधिक समितियों की बैठकों की व्यवस्था, संपदा एवं सम्पत्ति प्रबंधन, उपकरण सामग्री एवं उपभोज्यों की खरीद, सुरक्षा व्यवस्था, कर्मचारियों के कल्याण आदि सहित स्थापना अनुभाग और सामान्य प्रशासन से संबद्ध सभी मामलों को इस विभाग द्वारा देखा जाता है।

सभी केन्द्रों / मुख्य अस्पताल / डी. ओ. सहित संस्थान की कुल स्वीकृत संख्या 11,673 है। समूह–वार स्वीकृत पद तथा विद्यमान स्टाफ पद का उल्लेख निम्नानुसार है :–

क्र. सं.	श्रेणी/समूह	स्वीकृत पद	विद्यमान पद
1.	संकाय	869	642
2.	'क'	562	414
3.	'ख'	5531	4657
4.	'ग'	4773	4238
	कुल	**11735**	**9951**

अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ

संपर्क अधिकारी

डॉ. राजपाल

आचार्य, नेत्ररोगविज्ञान, डॉ. रा. प्र. कें.

प्रशासनिक अधिकारी

ललित उराँव

वर्ष 2014–15 के दौरान अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति वर्ग के कर्मचारियों से विभिन्न अभ्यावेदन प्राप्त हुए। ये निम्नानुसार हैं :

प्राप्त अभ्यावेदनों की कुल संख्या	:	10
समाधान हुए / निपटाए गए केसों की संख्या	:	7
विचाराधीन केसों की संख्या	:	3

मामलों का संक्षिप्त विवरण

1. डॉ. चंद्रलेखा, एम्स के आचार्य एवं संवेदनाहरण विभाग के प्रमुख द्वारा डॉ. प्रदीप कुमार की पत्नी श्रीमती कौशल, सहायक इंजी. (इलेक्ट.), निरंतर भेदभाव एवं उत्पीड़न संबंधी केस। यह मामला सक्षम प्राधिकारी के पास विचाराधीन है।

2. श्री. ओ. पी. बेनवाल, वरिष्ठ स्टुवर्ड, आहारविद् सेवा विभाग, डॉ. रा. प्र. केंद्र एम्स के पद्दोन्नति से संबंधित अभ्यावेदन राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग द्वारा प्राप्त हुआ, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग को वास्तविक रिपोर्ट भेज दी गई है। मामले को निपटा दिया गया है।

3. श्री. राज नारायण, संयोजक, जनहित अभियान, बी–7, सरस्वती कॉम्पलेक्स, सुभाष चौक, लक्ष्मी नगर दिल्ली, सीनियर रेज़ीडेंट (एसआर) पद के हाल के चयन में डॉ. एम. सी. मिश्रा द्वारा एम्स में अनुसूचित जाति / जनजाति विरोधी कार्रवाई से संबंधित 30 अप्रैल 2014 और 1 मई 2014 को आयोजित की गई। मामले की जांच की गई और मंत्रालय को जवाब भेज दिया गया। मामले को निपटा दिया गया है।

4. श्री प्रताप सिंह बिष्ट, महा सचिव, संभावना संगठन, विभिन्न विभागों द्वारा निःशक्त व्यक्ति अधिनियम 1995 की धारा 33 के उल्लंघन से संबंधित। आवश्यक कार्रवाई करने के लिए अभ्यावेदन संबंधित अनुभाग को भेज दिया गया।

5. श्री. बनवारी लाल, म. नं. 10426 गली नं. 2, बागीची अलाउद्दीन, पहाड़गंज, नई दिल्ली–55, एम्स प्राधिकरण द्वारा अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों के खिलाफ उत्पीड़न और पक्षपात व्यवहार किया गया। यह मामला सक्षम प्राधिकारी के पास विचाराधीन है।

6. श्री. अविनाश बी. धार्गवा, मुख्य भौतिक चिकित्सक, पीएमआर विभाग, एम्स में एक वरिष्ठ दलित अधिकारी के उत्पीड़न से संबंधित मामले की जांच की गई, डॉ. आर. पी. सेंटर के प्रमुख, प्रो. वाय. आर. शर्मा, की अध्यक्षता के अधीन एम्स में अनुसूचित जाति / जनजाति के कर्मचारियों की शिकायतों का निवारण करने के लिए समिति का गठन किया और समिति की बैठक के कार्यवृत्तों के अनुसार श्री अविनाश बी. धार्गवा द्वारा डॉ. यू सिंह के खिलाफ कोई शिकायत नहीं पाई गई। इसलिए, मामले को निपटा दिया गया है।

7. श्री राहुल, लैब तकनीशियन, सी.एन.सी. ब्लड बैंक, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग द्वारा उत्पीड़न से संबंधित याचिकाकर्ता का अभ्यावेदन संलग्न नहीं किया गया। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग को एक अनुरोध पत्र भेजा गया। हालांकि, अब तक कोई प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हुई। इसलिए, इस मामले को निपटा दिया गया है।

8. स्वच्छता परिचारक संयुक्त प्रतिनिधित्व, राजगढ़िया विश्राम सदन, एम्स, नियमितीकरण से संबंधित। दिल्ली आयोग ने मामले को बंद करने का स्वतः आदेश दिया है क्योंकि मामला न्यायालय में विचाराधीन है। मामले को निपटा दिया गया है।

9. श्री नागेंदर सिंह यादव की ओर से निःशक्त व्यक्ति मुख्य आयुक्त (सीसीपीडब्ल्यूडी) की अदालत के माध्यम से अभ्यावेदन प्राप्त हुआ, जो पी एंड ओ कार्यशाला में निःशक्त व्यक्तियों के लिए अगम्यता के विषय में है। इस मामले की जांच की गई और सीसीपीडब्ल्यूडी को उत्तर भेज दिया गया है। मामले को निपटा दिया गया है।

10. श्री हेमराज, ओ. टी. सहायक, आपातकालीन चिकित्सा विभाग, जेपीएनएटीसी की ओर से डॉ. महेंद्र, परामर्शदाता, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली के खिलाफ शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न के विषय में तथा अपशब्दों एवं जातिसूचक शब्दों के उपयोग के विषय में अभ्यावेदन प्राप्त हुआ है। श्री हेमराज और डॉ. महेंद्र के बीच विवाद को उनकी आपसी सहमति से सहायक प्रशासनिक अधिकारी, जेपीएनएटीसी की उपस्थिति में सुलझा दिया गया है और श्री हेमराज ने डॉ. महेंद्र, परामर्शदाता, आपातकालीन चिकित्सा विभाग, जेपीएनएटीसी के खिलाफ शिकायत वापस ले ली है। मामले को निपटा दिया गया है।

6.0 अस्पताल

आचार्य

आई. बी. सिंह | संजय आर्य | आरती विज

सहायक आचार्य

निरुपम मदान | अमित लथवाल | अनूप डागा

महेश आर | एंजेल राजन सिंह (अनुबंध)

चिकित्सा अधीक्षक

डी. के. शर्मा

पूरक बिस्तर

बिस्तर की श्रेणी	**मुख्य अस्पताल**	**हृद् वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र**
सामान्य	827	277
सघन देखभाल	86	63
अवलोकन	69	09
निजी वार्ड	165	63
कुल बिस्तर	**1147**	**412**

अस्पताल कार्य निष्पादन का विवरण	**मुख्य अस्पताल**	**हृ. तं. कें.**			**निष्कर्ष**
	2014–15	**2013–14**	**2014–15**	**2013–14**	
अस्पताल में ठहरने की औसतन अवधि (दिनों में)	4.3	4.4	6.8	6.9	बिस्तरों का प्रभावी उपयोग दर्शित होता है।
औसत बिस्तर अधिभोग दर (प्रतिशत)	87.9	86.7	84.6	85.8	उचित अधिभोग दर्शाता है।
शुद्ध मृत्यु दर (प्रतिशत)	1.7	1.6	2.9	3.3	अस्पताल में गंभीर रूप से बीमार रोगियों की अधिक संख्या में भर्ती के बावजूद निम्न मृत्यु – दर को दर्शाते हैं।
संयुक्त अशोधित संक्रमण दर (प्रतिशत)	5.38	6.0	–	–	

कृपया विवरण हेतु तालिका 1 एवं 2 देखें।

6.1 चिकित्सा अभिलेख सेवाएं (अस्पताल)

प्रभारी अधिकारी

निरुपम मदान

मुख्य चिकित्सा अभिलेख अधिकारी और उप – पंजीयक, जन्म एवं मश्त्यु

एन. के. शर्मा (31 अक्तूबर 2014 तक) पैटी लिंगदोह (1 नवंबर 2014 से कार्य)

शिक्षा एवं प्रशिक्षण

- नर्सिंग महाविद्यालय, अ. भा. आ. सं. के 24 एम. एससी. नर्सिंग द्वितीय वर्ष छात्रों ने दिनांक 4 अप्रैल 2014 को चिकित्सा अभिलेख अनुभाग (मुख्य अस्पताल) का दौरा किया और श्री एन. के. शर्मा, मुख्य चिकित्सा अभिलेख अधिकारी द्वारा एम्स के चिकित्सा अभिलेख प्रबंधन पर एक संक्षिप्त व्याख्यान दिया गया।
- सेंट स्टीफन अस्पताल, नई दिल्ली के चिकित्सा अभिलेख प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम के 9 छात्रों ने दिनांक 22 अप्रैल 2014 को चिकित्सा अभिलेख अनुभाग (मुख्य अस्पताल), केंद्रीय प्रवेश / पूछताछ कार्यालय और आर ए के डॉ. राजकुमारी अमश्त कौर बहिरंग रोगी विभाग का दौरा किया।
- नर्सिंग महाविद्यालय, अ. भा. आ. सं. के 25 बी.एससी. नर्सिंग प्रथम वर्ष के छात्रों ने दिनांक 7 अगस्त 2014 को चिकित्सा अभिलेख अनुभाग का दौरा किया और श्री अशोक कुमार, कनिष्ठ चिकित्सा अभिलेख अधिकारी द्वारा चिकित्सा अभिलेख प्रबंधन पर अभिविन्यास व्याख्यान दिया गया।
- नर्सिंग महाविद्यालय, अ. भा. आ. सं. के 23 एम.एससी. नर्सिंग द्वितीय वर्ष के छात्रों को दिनांक 21 मार्च 2015 को उनके नर्सिंग पाठ्यक्रम के भाग के रूप में चिकित्सा अभिलेख स्टाफ द्वारा चिकित्सा अभिलेख प्रबंधन पर एक संक्षिप्त व्याख्यान दिया गया।

न्यायालय में उपस्थिति

दिल्ली तथा दिल्ली से बाहर विभिन्न न्यायालयों से चिकित्सा अभिलेख अनुभाग (मुख्य अस्पताल) में कुल 612 सम्मन/नोटिस प्राप्त हुए। संबंधित चिकित्सकों अथवा परामर्शदाताओं (मामले के अनुसार) तथा चिकित्सा अभिलेख विभाग के स्टाफ सदस्यों के विवादों को निपटाने के लिए एम्स अस्पताल की ओर से न्यायालय में उपस्थित होने के लिए तैनात किया गया था।

प्रकरण अभिलेख जारी करना

7933 चिकित्सा के प्रकरण अभिलेख अनुसंधान, शिक्षा और अन्य शासकीय प्रयोजनों के लिए संबंधित परामर्शदाताओं द्वारा डॉक्टर अधिकृत रेजीडेंटों के लिए जारी किए गए हैं।

चिकित्सा अभिलेखों का कम्प्यूटरीकरण

केंद्रीय भर्ती कार्यालय तथा मुख्य अस्पताल के अस्पताल पूछताछ कार्यालय को चिकित्सा अभिलेख अनुभाग सहित एनआईसी द्वारा कम्प्यूटरीकरण किया गया, मुख्य अस्पताल और सी एन केन्द्र के वॉर्ड क्षेत्रों का कंप्यूटरीकरण किया गया है और इन्हें एनआईसी के सॉफ्टवेयर से जोड़ा गया है। इस सॉफ्टवेयर से मुख्य अस्पताल में होने वाली सभी मृत्यु और जन्मों का अभिलेख तैयार किया जाता है। आंतरिक रोगी चिकित्सा अभिलेखों के लिए आउट सोर्सिंग की शुरूआत की गई है ताकि चिकित्सा अभिलेख अनुभाग में स्थान की कमी से निपटा जा सके। आंतरिक रोगी चिकित्सा अभिलेखों का डिजिटल रूपांतरण अभिलेखों को आसानी से पुनः प्राप्त करने हेतु वर्ष 2014 से आरंभ किया गया था।

अंतः रोगी सेवाएं

अ. भा. आ. सं. देश भर से तथा विदेश से आने वाले रोगियों की बढ़ती जनसंख्या के बावजूद रोगी उपचार सेवा तथा गुणवत्ता की परम्परा को बनाए हुए है जो पूरे देश और विदेशों से अस्पताल में दिखाने के लिए आते हैं। वित्तीय वर्ष के दौरान मुख्य अस्पताल तथा हृद् तंत्रिका केंद्र की विभिन्न नैदानिक यूनिटों में कुल 117,410 रोगियों को भर्ती किया गया। विभाग, राज्य तथा जेंडर की भर्ती, छुट्टी और यहां ठहरने की औसत

अवधि का विवरण तालिका 2 से 3 और चित्र 1 से 3 में दिया गया है। विभिन्न शल्यक विधाओं में निष्पादित किए गए ऑपरेशनों की कुल संख्या तालिका–4 में दी गई है।

शिक्षा, अनुसंधान और अन्य उद्देश्यों हेतु अंतः रंग रोगियों के चिकित्सा अभिलेखों को आसानी से खोजने के लिए उन्हें क्रमबद्ध तरीके से वर्गीकृत एवं श्रेणीबद्ध किया जाता है। इन अभिलेखों को कम्पेक्टर्स में रखा जाता है। हृद् तंत्रिका केंद्र के सभी अंतः रोगियों के रिकॉर्ड का रख–रखाव भी मुख्य अस्पताल के चिकित्सा अभिलेख अनुभाग द्वारा किया जाता है।

केंद्रीय भर्ती कार्यालय एवं अस्पताल पूछताछ (सीएओ और ई)

एम्स का केंद्रीय भर्ती कार्यालय एवं पूछताछ विभाग वर्ष भर चौबीसों घण्टे अर्थात् 365 दिन कार्य करता है। इस कार्यालय द्वारा मुख्य अस्पताल एवं हृद् वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र के अंतरंग क्षेत्रों की सभी भर्तियां निष्पादित की जाती हैं। यह रोगी पंजीकरण, भर्ती पर्ची (फेस शीट) का सृजन और परिचर पास जारी करना, रोगी एवं संस्थान के बारे में सही सूचना एवं तीव्रता से सामान्य जानकारी प्रदान करने जैसे महत्वपूर्ण कार्यों का निष्पादन संस्थान के हृदय के समान करता है। इसके अलावा यहां पर स्टाफ शिफ्ट ड्यूटी में कार्य करते हैं और इस कार्यालय में स्वागत अधिकारी, कनिष्ठ चिकित्सा अभिलेख अधिकारी, चिकित्सा अभिलेख तकनीशियन, आदि कार्यरत हैं।

बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) और विशिष्टता क्लीनिक

कुल 1,750,197 रोगियों ने विभिन्न सामान्य ओ पी डी और मुख्य अस्पताल (एम्स) की विशिष्टता क्लीनिक में भाग लिया। ओ पी डी लोड के विवरण तालिका 7 में दिए गए हैं।

तालिका 1 वार्षिक सांख्यिकी स्वास्थ्य बुलेटिन

क्र.सं.	विवरण	मुख्य अस्पताल		हृद् तंत्रिका केंद्र	
		2014–15	2013–14	2014–15	2013–14
1.	कुल भर्ती किए गए रोगी	96689	93898	20721	20185
	क. वयस्क एवं बच्चे	93960	90967	–	–
	ख. नवजात शिशु	2729	2931	–	–
2.	डिस्चार्ज हुए रोगियों की कुल संख्या (डीओआर और मृत्यु, फरार, एलएएमए सहित)	89065	87867	19035	19141
	क. वयस्क एवं बच्चे	86374	85014	–	–
	ख. नवजात शिशु	2691	2853	–	–
3.	उपचार के कुल दिन	380812	386893	129522	131518
	क. वयस्क एवं बच्चे	364386	366370	–	–
	ख. नवजात शिशु	16426	20523	–	–
4.	ठहरने की औसत अवधि	4.3	4.4	6.8	6.9
	क. वयस्क एवं बच्चे	4.2	4.3	–	–
	ख. नवजात शिशु	6.1	7.2	–	–
5.	रोगियों की कुल संख्या (प्रतिदिन की गणना के अनुसार)	345848	341107	129610	128657
	क. वयस्क एवं बच्चे	343410	338672	–	–
	ख. नवजात शिशु	2438	2435	–	–

6.	रोगियों की औसत संख्या (प्रतिदिन की गणना के अनुसार)	948	935	355	352
	क. वयस्क एवं बच्चे	940	928	–	–
	ख. नवजात शिशु	7	7	–	–
7.	औसत बिस्तर अधिभोग (प्रतिशत)	87.9	86.7	84.6	85.8
	क. वयस्क एवं बच्चे	88.9	87.7	–	–
	ख. नवजात शिशु	33.4	33.4	–	–
8.	अस्पताल में जन्म	2568	2685	–	–
	क. लड़का	1377	1419	–	–
	ख. लड़की	1191	1266	–	–
9.	कुल मृत्यु (नवजात शिशु सहित)	2723	2474	842	920
	क. 48 घंटे के भीतर मृत्यु	1203	1095	293	302
	ख. 48 घंटे के बाद मृत्यु	1520	1379	549	618
	ग. सकल मृत्यु दर (प्रतिशत)	3.1	2.8	4.4	4.8
	घ. शुद्ध मृत्यु दर (प्रतिशत)	1.75	1.6	2.9	3.3
10.	कुल आपातकालीन में रोगी उपस्थित	143034	134096	–	–
	क. आपातकालीन में मृत्यु	2072	2120	–	–
	ख. आपातकालीन विभाग में पहले से मृत लाए गए रोगी	969	1019	–	–

तालिका 2 विभाग वार भर्ती, छुट्टी और मृत्यु दर (मुख्य अस्पताल और हृद् तंत्रिका केंद्र)

विभाग	भर्ती	अस्पताल से छुट्टी (डीओआर, मृत्यु, फरार, एलएएमए, सहित)	उपचार के कुल दिन अवधि	ठहरने की औसत
कायचिकित्सा 1	1714	1562	13481	8.6
कायचिकित्सा 2	942	860	8603	10.0
कायचिकित्सा 3	2010	1908	9661	5.1
शल्यचिकित्सा 1	1556	1434	9696	6.8
शल्यचिकित्सा 2	1889	1691	9400	5.6
शल्यचिकित्सा 3	1489	1411	9188	6.5
शल्यचिकित्सा 4	2634	2340	10448	4.5
अस्थिरोगविज्ञान 1	2930	2640	13961	5.3
अस्थिरोगविज्ञान 2	3081	2650	14740	5.6

प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान 1	4220	3919	16924	4.3
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान 2	5043	4715	17098	3.6
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान 3	4048	3791	15642	4.1
वृक्कविज्ञान	7970	7184	20555	2.9
अंतःस्रावी	610	603	8485	14.1
जठरांत्र रोग विज्ञान	3293	2925	18336	6.3
जरा चिकित्सा	962	875	7608	8.7
रुधिरविज्ञान	9317	8864	24837	2.8
मनोचिकित्सा	296	216	7831	36.3
मूत्ररोग विज्ञान	6321	5864	18103	3.1
ऑटोलेरिन्जोलॉजी 1 (ई.एन.टी.)	1758	1611	5579	3.5
ऑटोलेरिन्जोलॉजी 2 (ई.एन.टी.)	1287	1255	5457	4.3
ऑटोलेरिन्जोलॉजी 3 (ई.एन.टी.)	1321	1212	4490	3.7
त्वचा रोग	4378	3891	11948	3.1
नवजातविज्ञान	2568	2589	14653	5.7
नवजात गहन चिकित्सा कक्ष	174	112	827	7.4
बाल चिकित्सा 1	3270	2973	10337	3.5
बाल चिकित्सा 2	1800	1736	8527	4.9
बाल चिकित्सा 3	10438	9540	15951	1.7
बालशल्य चिकित्सा	2945	2714	16661	6.1
फुप्फुसीय चिकित्सा एवं निद्रा विकार	2211	1929	9320	4.8
विकिरण चिकित्सा	31	45	138	3.1
दंत चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान केंद्र	1185	1157	2639	2.3
नाभिकीय चिकित्सा	554	596	1439	2.4
जठरांत्र शल्य चिकित्सा एवं लिवर प्रतिरोपण	1047	958	12191	12.7
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	31	34	1456	4.3
कैंसर विज्ञान (मुख्य)	921	872	4174	4.8

चित्र 1. विभाग–वार ठहरने की औसत अवधि

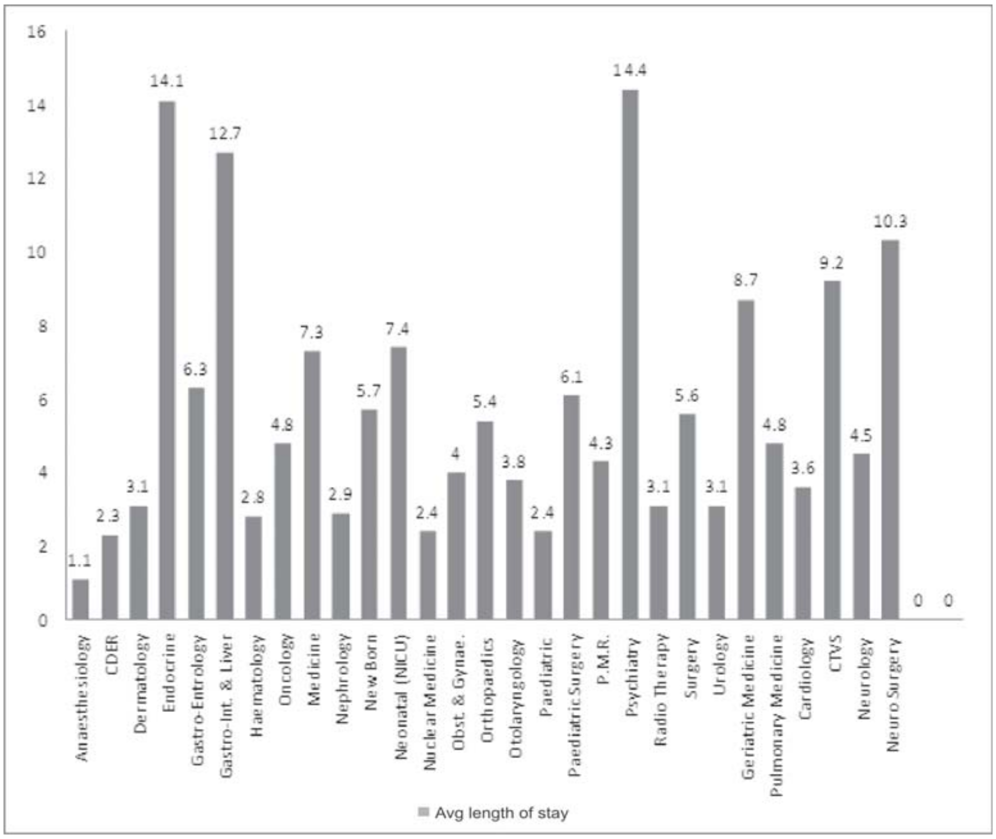

ठहरने की औसत अवधि

एनेस्थीसियोलॉजी सीडीईआर
त्वचा विज्ञान
अंतः स्रावी
जठरांत्र विज्ञान
जठरांत्रीय और यकृत
रुधिर विज्ञान
कैंसर विज्ञान
चिकित्सा
वृक्क विज्ञान
नवजात
नवजात (आईसीयू) नाभिकीय
चिकित्सा
प्रसव और स्त्रीरोग
आर्थोपेडिक्स
कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान
बाल चिकित्सा
बाल शल्य चिकित्सा
पी. एम. आर.
मनोरोग
विकिरण चिकित्सा
शल्य–चिकित्सा
मूत्रविज्ञान
वृद्धावस्था चिकित्सा फुफ्फुसीय
चिकित्सा हृदयरोगविज्ञान
सीटीवीएस
तंत्रिका–विज्ञान
न्यूरोसर्जरी

चित्र 2 अंतरंग रोगियों का लिंग–वार वर्गीकरण (मुख्य अस्पताल और हृ.तं.केंद्र)

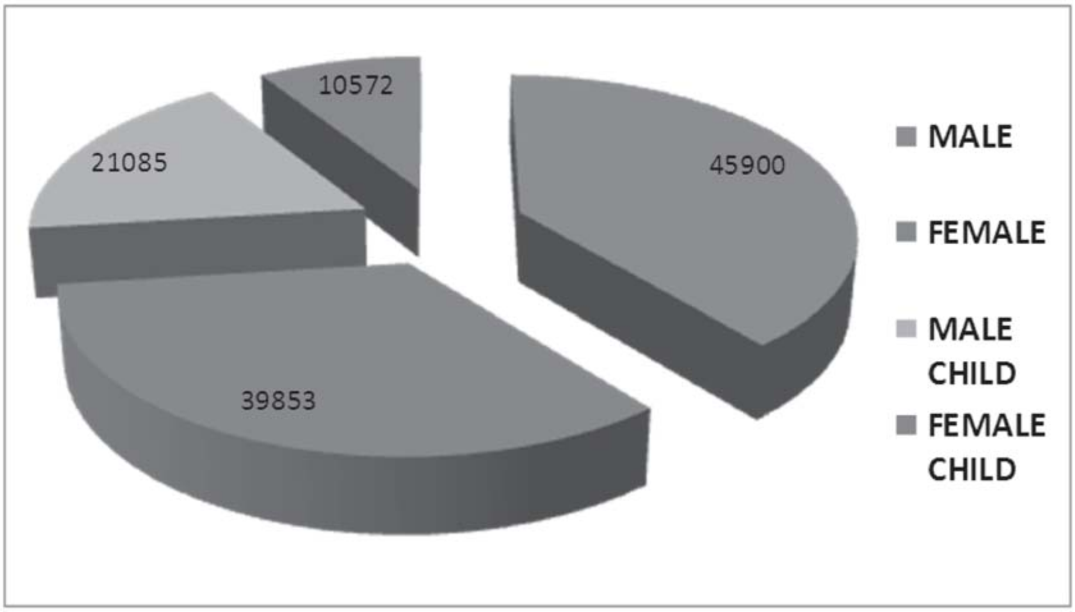

पुरुष
महिला
बालक
बालिका

तालिका 3 मृत्यु विभाग–वार (मुख्य अस्पताल और हृ.तं.केंद्र)

विभाग	कुल	48 घंटे के अंदर	48 से अधिक दर (प्रतिशत)	सकल मश्त्यु दर (प्रतिशत)	शुद्ध मश्त्यु
कायचिकित्सा 1	371	183	188	23.8	13.6
कायचिकित्सा 2	248	129	119	28.8	16.3
कायचिकित्सा 3	239	116	123	12.5	6.9
शल्यचिकित्सा 1	50	21	29	3.5	2.1
शल्यचिकित्सा 2	38	14	24	2.2	1.4
शल्यचिकित्सा 3	15	8	7	1.1	0.5
शल्यचिकित्सा 4	27	6	21	1.2	0.9
अस्थिरोगविज्ञान 1	10	–	10	0.4	0.4
अस्थिरोगविज्ञान 2	3	–	3	0.1	0.1
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान 1	10	3	7	0.3	0.2
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान 2	4	2	2	0.1	–
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान 3	–	–	–	–	–
वृक्कविज्ञान	126	46	80	1.8	1.1
अंतःस्रावी	8	3	5	1.3	0.8
जठरांत्र रोग विज्ञान	403	211	192	13.8	7.1
जरा चिकित्सा	50	13	37	5.7	4.3
रुधिरविज्ञान	280	101	179	3.2	2.0
मनोचिकित्सा	–	–	–	–	–
मूत्ररोग विज्ञान	15	5	10	0.3	0.2
ऑटोलेरिन्जोलॉजी 1	8	3	5	0.5	0.3
ऑटोलेरिन्जोलॉजी 2	7	4	3	0.6	0.2
ऑटोलेरिन्जोलॉजी 3	4	1	3	0.3	0.2
त्वचा रोग	4	1	3	0.1	0.1
नवजातविज्ञान	25	20	5	1.0	0.2
नवजात गहन चिकित्सा कक्ष	24	2	22	21.4	20.0
बाल चिकित्सा 1	57	27	30	1.9	1.0
बाल चिकित्सा 2	89	34	55	5.1	3.2
बाल चिकित्सा 3	97	36	61	1.0	0.6
बालशल्य चिकित्सा	69	19	50	2.5	1.9
फुप्फुसीय चिकित्सा एवं निद्रा विकार	165	59	106	8.6	5.7

विकिरण चिकित्सा	6	4	2	13.3	4.9
दंत चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान केंद्र	–	–	–	–	–
नाभिकीय चिकित्सा	–	–	–	–	–
जठरांत्र शल्य चिकित्सा एवं लिवर प्रतिरोपण	86	17	69	9.0	7.3
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	–	–	–	–	–
कैंसर विज्ञान (मुख्य)	185	115	70	21.2	9.2
दर्द क्लिनिक	–	–	–	–	–
कुल (मुख्य)	**2723**	**1203**	**1520**	**3.1**	**1.7**
हृदविज्ञान	217	127	90	2.7	1.2
हृद वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा	233	50	183	7.0	5.6
तंत्रिकाविज्ञान 1	76	21	55	5.3	3.9
तंत्रिकाविज्ञान 2	61	18	43	5.5	4.0
तंत्रिकाविज्ञान 3	52	8	44	3.8	3.2
तंत्रिका–शल्य चिकित्सा 1	123	39	84	5.8	4.1
तंत्रिका–शल्य चिकित्सा 2	80	30	50	4.6	2.9
तंत्रिका संवेदनाहरण	–	–	–	–	–
कुल (हृद तंत्रिका केन्द्र)	**842**	**293**	**549**	**4.4**	**2.9**

चित्र 3 अंतरंग रोगियों का भौगोलिक विवरण (मुख्य अस्पताल और हृ.तं.केंद्र)

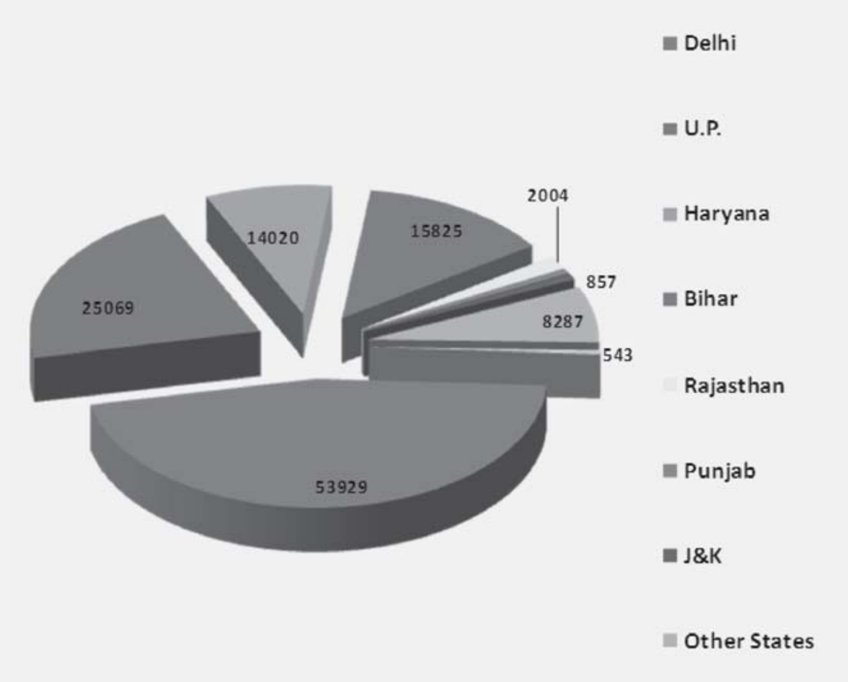

दिल्ली

उत्तर प्रदेश

हरियाणा

बिहार

राजस्थान

पंजाब

जम्मू और कश्मीर

अन्य राज्य

तालिका 4 शल्य चिकित्सा प्रक्रिया (मुख्य अस्पताल और हृ.तं.केंद्र)

विभाग	**बड़े**	**छोटे**		**कुल**
		अंतरंग	**बाह्य**	
शल्यचिकित्सा 1	726	390	2635	3751
शल्यचिकित्सा 2	1061	302	2557	3920
शल्यचिकित्सा 3	734	374	2666	3774
शल्यचिकित्सा 4	1180	662	2972	4814
जठरांत्र शल्य चिकित्सा एवं लिवर प्रतिरोपण	607	–	–	607
मूत्ररोग विज्ञान	1591	444	12079	14114
प्रसूति विज्ञान	1147	123	–	1270
इन–विट्रो फर्टिलाइजेशन	–	1610	–	1610
स्त्रीरोग विज्ञान	2209	1494	911	4614
भ्रूण चिकित्सा	–	764	–	764
कान, नाक एवं गला रोग (ईएनटी)	2391	1624	23015	27030
अस्थिरोग 1	1872	727	–	2599
अस्थिरोग 2	1408	1242	–	2650
बाल शल्यचिकित्सा	2130	2	–	2132
दंत शल्यचिकित्सा	101	2	–	103
आपात विभाग	–	130	–	130
कुल (मुख्य)	17157	9890	46835	73882
हृद वक्ष एवं वाहिका शल्यचिकित्सा	4090	–	–	4090
तंत्रिका शल्य चिकित्सा 1	1657	237	–	1894
तंत्रिका शल्य चिकित्सा 2	1482	170	–	1652
कुल (हृद तंत्रिका केंन्द्र)	7229	407	–	7636

तालिका 5. ओ.पी.डी. एवं विशिष्टता निदानशालाओं में उपस्थिति

काय चिकित्सा विभाग		**नए रोगी**	**पुराने रोगी**	**कुल**
कायचिकित्सा	1. सामान्य ओ पी डी	74375	72933	147308
	2. विशिष्टता क्लिनिक			
	क) वक्ष	–	–	–
	ख) रुमेटोलॉजी क्लिनिक	71	5149	5220
जरा चिकित्सा		11304	16892	28196
निद्रा संबंधी और श्वास विकार		9062	20575	29637
नाभिकीय चिकित्सा		2362	7948	10310

अंतःस्राविकी		12722	27233	39955
वृक्कविज्ञान	1. सामान्य ओ पी डी	8792	28517	37309
	2. विशिष्टता क्लिनिक			
	क) प्रतिरोपण क्लिनिक	125	8806	8931
	ख) आरटीसीसी	445	997	1442
रुधिरविज्ञान		3252	18251	21503
जठरांत्र रोग विज्ञान		21428	31268	52696
बाल चिकित्सा	1. सामान्य ओ पी डी	38703	58632	97335
	2. विशिष्टता क्लिनिक			
	क) स्वस्थ शिशु	644	21	665
	ख) फॉलोअप टी बी	297	2139	2436
	ग) वृक्क क्लिनिक	589	4751	5340
	घ) बाल तंत्रिकाविज्ञान	844	2044	2888
	ङ) बाल वक्ष निदानशाला	455	4148	4603
	च) उच्च जोखिम नवजात	244	1704	1948
	छ) आनुवंशिक एवं जन्म दोष क्लिनिक	2984	1396	4380
	ज) अर्बुदविज्ञान क्लिनिक	290	2094	2384
	झ) बाल विकास क्लिनिक	558	703	1261
	ञ) अंतःस्राविकी क्लिनिक	461	1351	1812
	ट) न्यूरोसिस्टीसिरीकोसिस क्लिनिक	228	1363	1591
	ठ) बाल कैंसर उत्तरजीवी / पीसीएससी	104	1128	1232
	ड) रुमेटोलॉजी क्लिनिक	254	2103	2357
	ढ) मायोपैथी क्लिनिक	384	1127	1511
त्वचा रोग विज्ञान	1. सामान्य ओ पी डी	35836	38784	74620
	2. विशिष्टता क्लिनिक			
	क) यौन संक्रमित रोग (त्वचा विज्ञान			
	शल्य चिकित्सा)	1088	1519	2607
	ख) एलर्जी क्लिनिक	635	1557	2192
	ग) कुष्ठ रोग	370	2507	2877
	घ) पिगमेन्टेशन	667	1767	2434
	ङ) साइको – सेक्सुअल	–	–	–
	च) त्वचा शल्य चिकित्सा	711	1488	2199
मनोचिकित्सा	1. सामान्य ओ पी डी	17713	38043	55756
	2. विशिष्टता क्लिनिक			
	क) वॉक–इन–क्लिनिक	2525	32941	35466
	ख) बाल–मार्गदर्शन	491	509	1000

शल्यक विभाग		नए रोगी	पुराने रोगी	कुल
शल्य चिकित्सा	1. सामान्य ओ पी डी	42477	34309	76786
	2. विशिष्टता क्लिनिक			
	क) प्लास्टिक सर्जरी	–	–	–
मूत्ररोग विज्ञान	16874	36824	53698	
जठरांत्र संबंधी शल्य चिकित्सा				
एवं लिवर प्रतिरोपण		2323	7622	9945
बाल शल्य चिकित्सा	1. सामान्य ओ पी डी	6803	13976	20779
	2. विशिष्टता क्लिनिक			
	क) हाइड्रोसेफेलस	25	148	173
	ख) इंटर सेक्स क्लिनिक	7	–	7
	ग) बाल मूत्ररोग विज्ञान	380	3074	3454
	घ) क्रेनियोसाइनोस्टोसिस	–	–	–
संवेदनाहरण	क) पीड़ा क्लिनिक	974	1938	2912
	ख) संवेदनाहरण–पूर्व क्लिनिक	7229	321	7550
अस्थि रोग	1. सामान्य ओ पी डी	48042	64403	112445
	2. विशिष्टता क्लिनिक			
	क) फिजियोथेरेपी	19272	45856	65128
	ख) ऑक्यूपेशनल चिकित्सा	1592	8421	10013
	ग) हाइड्रोथेरैपी	1263	7642	8905
	घ) फॉलोअप क्लिनिक	–	10073	10073
	ङ) ट्यूबरकुलोसिस	148	631	779
	च) पोलियो	–	–	–
	छ) स्कोलियोसिस	505	1733	2238
	ज) हाथ	1366	1748	3114
	झ) सी टी ई वी	220	2742	2962
	ञ) संधिशोथ	–	–	–
	ट) खेल क्लिनिक	113	94	207
नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान (ईएनटी) एवं आर यू ए एस	1. सामान्य ओ पी डी	31154	37046	68201
	2. विशिष्टता क्लिनिक			
	क) श्रवणविज्ञान	78	46	124
	ख) वाक	1012	1069	2081
	ग) श्रवण	779	1371	2150
	घ) वाणी	596	922	1518
	ङ) वर्टिगो	83	69	152
	च) नासाविज्ञान	74	38	112

प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान	1. सामान्य ओ पी डी	37342	68483	105825
	2. विशिष्टता क्लिनिक			
	क) प्रसवोत्तर	–	–	–
	ख) वन्ध्यता	–	–	–
	ग) आई वी एफ	871	2737	3608
	घ) परिवार कल्याण	5159	3392	8551
	ङ) प्रसव पूर्व	844	4356	5200
	च) अंतःस्राविकी स्त्रीरोग विज्ञान	41	59	100
	छ) उच्च जोखिम सगर्भता	2563	13473	16036
	ज) ऑपरेशन के बाद (स्त्री रोग)	–	–	–
	झ) रजोनिवृत्ति क्लिनिक	–	–	–
विकिरण चिकित्सा		275	2121	2396
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास		34257	82695	116952
अन्य	1. आपात चिकित्सा	116360	26674	153034
	2. ई.एच.एस.	109130	72753	181883
	3. पोषण	7706	–	7706
	कुल–योग	**748950**	**1001247**	**1750197**

6.2 आहारविज्ञान विभाग

मुख्य आहारविद्

अलका मोहन चुटानी

अंतरंग रोगियों की संख्या, जिन्हें विभिन्न आहार परोसे गए (मुख्य अस्पताल एवं केन्द्र)

क्र. सं.	आहार का प्रकार	संख्या
1.	सामान्य आहार	376773
2.	प्राइवेट वार्ड हेतु आहार	90899
3.	अर्धठोस आहार	57057
4.	चिकित्सीय आहार	161470
5.	एन्टरल भोजन	38839
6.	कुल	725038

बाल चिकित्सा वार्ड और केंद्र अंतः स्राविकी के अतिरिक्त पोषण परामर्श (ओपीडी)

लिंग	ओपीडी रोगी	अंतरंग	कुल
पुरुष	4189	3085	7274
महिला	3517	3377	6894
कुल	7706	6462	14168

6.3 नर्सिंग सेवाएं

मुख्य नर्सिंग अधिकारी

सुश्री तारावती (8 जून 2014 तक) सुश्री सरिता मेहता (9 जून 2014 से)

नर्सिंग सेवाओं का संगठन

मुख्य परिचर्या अधिकारी
↓
परिचर्या अधीक्षक
↓
उप परिचर्या अधीक्षक
↓
सहायक परिचर्या अधीक्षक
↓
स्टाफ नर्स ग्रेड 1
↓
स्टाफ नर्स ग्रेड 2

एक अवलोकन

नर्सिंग सेवा एम्स का एक अभिन्न अंग है, जिसका उद्देश्य रोगी और समुदाय को उच्च गुणवत्ता नर्सिंग देखभाल प्रदान करना है। नर्सें एक ऐसे परिवेश में कार्य करती हैं जो कि अस्पताल में संबद्ध विभागों के अन्य सदस्यों के साथ व्यापक रोगी सेवाएं प्रदान करने में व्यावसायिकता और विशेषज्ञता को प्रोत्साहित करती है।

स्टाफ संख्या

अ. भा. अ. सं. में मुख्य नर्सिंग कार्यबल का गठन विभिन्न विभागों से प्रशिक्षित व्यावसायिक नर्सों को शामिल करते हुए किया जाता है। अ. भा. अ. सं. में (स्टाफ निरीक्षण एकक) एस आई यू मानको पर स्टाफिंग नर्सिंग सेवाएं आधारित होती है।

मुख्य अस्पताल/केंद्रों में स्वीकृत स्टाफ की संख्या	
मुख्य परिचर्या अधिकारी	1
परिचर्या अधीक्षक	4
उप परिचर्या अधीक्षक (डीएनएस)	36
सहायक परिचर्या अधीक्षक (एएनएस)	172
सिस्टर ग्रेड 1	888
सिस्टर ग्रेड 2	2914
कुल	**4015**

अभिविन्यास/विवरण सत्र

नवीन ग्रेड–2 स्टाफ नर्सों की भर्ती के समय सामान्यतया अस्पताल की नीतियों एवं कार्य प्रणाली एवं विशेष रूप से नर्सिंग सेवा के परिप्रेक्ष्य से अवगत कराने के लिए नर्सिंग सेवा कालीन शिक्षा (एनआईई) दल, संक्रमण नियंत्रण नर्स (आईसीएन) दल कि साथ सीएमईटी कार्मिकों द्वारा एक योजनाबद्ध प्रेरण और अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।

26 मई 2013 से 13 अगस्त 2014 तक नवीन भर्ती की गई नर्सों को विभिन्न पहलुओं यथा अस्पताल अभिन्यास, विभिन्न विभाग, ओ पी डी अनुसूचियों, वार्ड प्रबंधन, संचार, तनाव प्रबंधन, संक्रमण नियंत्रण प्रथाओं, जैव चिकित्सा प्रबंधन और उनकी व्यावसायिक ड्यूटी एवं जिम्मेदारियों के संबद्ध में अभिविन्यास प्रदान किया गया।

भारत के बाहर के विभिन्न शैक्षिक संस्थानों से आगंतुकों के लिए नर्सिंग प्रशिक्षकों सहित नर्सिंग सेवाओं के विशेषज्ञों द्वारा अभिविन्यास/विवरण सत्रों का संचालन किया गया।

सतत नर्सिंग शिक्षा

नर्सिंग स्टाफ शिक्षा, वर्षभर सेवाकाल के दौरान चलती रहती है और सतत शिक्षा कार्यक्रमों का उद्देश्य कार्यरत नर्सों के नैदानिक ज्ञान को अद्यतन करना होता है जिससे एम्स में नर्सिंग केयर के मानकों में सुधार किया जा सके।

संक्रामक नियंत्रण गतिविधियां

''अस्पताल में संक्रमण नियंत्रण और इसकी रोक थाम'' पर नर्सिंग कार्मिकों के लिए माह में एक बार आधे दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। 10 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए और 313 नर्सों को प्रशिक्षण दिया गया।

20 जनवरी 2015 को संक्रमण नियंत्रण केन्द्रीय समूह के साथ संक्रमण नियंत्रण नर्सों, आपात कालीन सेवाओं के संकाय तथा राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केन्द्र के दल द्वारा व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों (पीपीई) के उपयोग पर तथा कोंगों हेमरेजिक बुखार के बड़ी संख्या में फैलने के प्रबंधन पर प्रदर्शन सह व्याख्यान आयोजित किया गया।

नर्सिंग सेवाकालीन शिक्षा कार्यक्रम

एक कुशल संरचित सेवाकालीन शिक्षा कार्यक्रम जनवरी 2011 से आरंभ किया गया। आरंभ में इसे एक सप्ताह में दो बार, एक–एक घंटे के लिए आरंभ किया गया, जिसे बाद में बढ़ाकर सप्ताह में तीन बार कर दिया गया। सप्ताह में दो कक्षाएं बेडसाइड नर्सों (सिस्टर ग्रेड 2 एवं सिस्टर ग्रेड 1) के लिए आयोजित की गई, जहां सप्ताह में एक कक्षा वरिष्ठ नर्सों (प्रभारी सिस्टर तथा उससे ऊपर) के लिए है।

सरलीकरणकर्ता	:	सुश्री तारावती (8 जून 2014 तक), सुश्री सरिता मेहता (9 जून 2014 से)
परामर्शदाता	:	सुश्री अनसम्मा नीलकांतन, उप–परिचर्या अधीक्षक, (नवंबर 2014 तक) सुश्री सुमन आर. कश्यप, उप–परिचर्या अधीक्षक, (दिसंबर 2014 से)
शिक्षक	:	सुश्री रिबाका जे. हेराल्ड, सिस्टर ग्रेड 1 (एचआर) सुश्री जेसी शाजी पॉल, सिस्टर ग्रेड 1 सुश्री पूनम आनंद, सिस्टर ग्रेड 1

संक्रमण नियंत्रण नर्सें :

सुश्री एल्प्रेडा एम. विक्टर, सिस्टर ग्रेड 1 (एचआर)
सुश्री एम. आर. एवंगिलेन वसंत, सिस्टर ग्रेड 1
सुश्री उषा रॉबिन्सन, सिस्टर ग्रेड 1 (एचआर)
सुश्री श्रीनित्या राघवन, सिस्टर ग्रेड 1

जनवरी 2014 में मुख्य अस्पताल की नर्सों के लिए जरा चिकित्सा औषधि विभाग की सहायता से 'बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य देखभाल हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम' (एनपीएचसीई) पर एक माह की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कुल 14 कार्यशालाओं का आयोजन किया गया है। इन कार्यशालाओं में नर्सिंग शिक्षक भी सहायता प्रदान करते हैं। नवंबर माह में अध्यापन मॉड्यूल खण्ड 1 और 2 (पिछले वर्षों में आयोजित कक्षाओं का संकलन) जारी किया गया है। मार्च 2015 में नर्सिंग प्रशासकों के अस्पताल सेवा कालीन शिक्षा इकाई द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

नर्सों को संक्रमण नियंत्रण प्रथाओं के प्रति सुग्राही बनाने के लिए हर माह आधे दिन की कार्यशाला का आयोजन किया जाता है और इसमें जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन की जरूरत को समझाया गया।

वर्ष के दौरान मुख्य अस्पताल में विभिन्न विभागों की 3306 नर्सों ने साप्ताहिक ''सेवा कालीन शिक्षा'' कक्षाओं में भाग लिया। वर्ष के दौरान निम्नलिखित विषयों पर कुल 144 व्याख्यान दिए गए थे।

संघर्ष प्रबंधन	मांगपत्र ऑनलाइन स्टोर	तनाव प्रबंधन
आईसीयू नर्सिंग की अवधारणा	नर्सिंग सूचना विज्ञान	एसीआर प्रपत्र को भरना
सुरक्षित दवा प्रशासन	घाव प्रबंधन	बेडसाइट नर्सों के लिए कक्षाएं
भर्ती, अस्पताल से छुट्टी और हस्तांतरण	प्रलेखन और सूची प्रबंधन रिर्पोटिंग	

आंत और आंत्रेत्तर आहार देने के लिए नर्सिंग जिम्मेदारियां।

नर्सिंग कार्मिकों जिन्होंने निम्नानुसार सेवाकालीन शैक्षिक कक्षाओं में भाग लिया :

सीएनओ/एनएस : 01	डीएनएस : 31	एएनएस : 248
सिस्टर ग्रेड 1 : 980	सिस्टर ग्रेड 2 : 2046	

नर्सिंग में उच्चतर शिक्षा

एम्स में नर्सिंग सेवाओं का उच्चतर अध्ययन के लिए सरलीकृत प्रचुर अवसरों द्वारा नर्सिंग केयर की गुणवत्ता को सुधारने पर मुख्यतः ध्यान केन्द्रित रहता है। 5 वर्ष की नियमित सेवा के पश्चात, नर्सें पूर्ण वेतन सहित उच्च अध्ययन को करने के लिए योग्य हो जाती हैं। इस वर्ष के दौरान 14 नर्सें पोस्ट बेसिक बी एस सी नर्सिंग कार्यक्रम में अध्ययन कर रही थीं एवं 4 ने वर्ष के दौरान एम–एससी. नर्सिंग कार्यक्रम पूरा किया।

वर्ष के दौरान परामर्शदाता और विशेषज्ञों के रूप में भागीदारी को छोड़कर वर्ष के दौरन कुल 1498 नर्सिंग कर्मियों ने कार्यशाला / सम्मेलनों में भाग लिया।

पिछले वर्ष आयोजित विभिन्न कार्यशालाओं, सीएमई और राष्ट्रीय सम्मेलनों में विभिन्न विभागों की नर्सों ने स्किल स्टेशन एवं हैंड्स ऑन ट्रेनिंग सत्रों हेतु समन्वयकों के रूप में भाग लिया एवं कार्य निष्पादन किया। भारत के विभिन्न शैक्षिक संस्थानों के समूहों के लिए एम्स के नर्सिंग एजुकेटर्स के अभिविन्यास संचालित कार्यक्रमों की सूची नीचे दी गई है।

1. हिंदुजा कॉलेज ऑफ नर्सिंग, अंधेरी (पूर्व) मुबंई, 7 जनवरी 2014 (एम.एस.सी. नर्सिंग के अंतिम वर्ष के 20 छात्र एवं व्याख्याता)
2. श्रीमती नगरथन्नमा, स्कूल ऑफ नर्सिंग, बंगलौर, 16 जनवरी 2014 (बी.एस.सी. नर्सिंग के अंतिम वर्ष के 25 छात्र एवं व्याख्याता)
3. कॉलेज ऑफ नर्सिंग, भारती विद्यापीठ यूनिवर्सिटी, धानकावाड़ी, पुणे, 27 जनवरी 2014 (बी.एस.सी. नर्सिंग के अंतिम वर्ष के 58 छात्र एवं व्याख्याता)
4. जसलोक हॉस्पिटल, जसलोक कॉलेज ऑफ नर्सिंग, डॉ. जी. देशमुख मार्ग, मुंबई, 30 जनवरी 2014 (बी.एस.सी. नर्सिंग के अंतिम वर्ष के 25 छात्र एवं व्याख्याता)
5. कॉलेज ऑफ नर्सिंग, सर जे. जे. ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल, मुबंई, 4 फरवरी 2014 (बी.एस.सी. नर्सिंग के अंतिम वर्ष के 41 छात्र एवं व्याख्याता)
6. सविता कॉलेज ऑफ नर्सिंग, सविता नगर, थंडालम, चेन्नई, 6 फरवरी 2014 (एम.एस.सी. और बी. एस. सी. नर्सिंग के अंतिम वर्ष के 37 छात्र एवं व्याख्याता)
7. प्रज्ञान कॉलेज ऑफ नर्सिंग, पी ओ गांधी नगर, भोपाल, 11 जनवरी 2014 (एम.एस.सी. नर्सिंग के अंतिम वर्ष के 11 छात्र एवं व्याख्याता)
8. एमजीएम मदर टेरेसा कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एन–6, सीआईडीसीओ, औरंगाबाद, 25 फरवरी 2014 (बी.एस.सी. नर्सिंग के अंतिम वर्ष के 16 छात्र एवं व्याख्याता)
9. आनंद कॉलेज ऑफ नर्सिंग फॉर वूमन, जेठूवाल, अमृतसर, 21 जून 2014 (बी.एस.सी. नर्सिंग के अंतिम वर्ष के 24 छात्र एवं व्याख्याता)
10. कॉलेज ऑफ नर्सिंग, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, इडा स्कुद्दर रोड, वेल्लोर, 9 सितंबर 2014 (एम.एस.सी. नर्सिंग के अंतिम वर्ष के 28 छात्र एवं व्याख्याता)
11. होली स्पिरिट इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एजुकेशन, अंधेरी (पूर्व), मुंबई, 5 फरवरी 2015 (बी.एस.सी. नर्सिंग के अंतिम वर्ष के 27 छात्र एवं व्याख्याता)

12. जसलोक कॉलेज ऑफ नर्सिंग, डॉ. जी. देशमुख मार्ग, मुंबई, 10 फरवरी 2015 (चौथे वर्ष बी.एस.सी. नर्सिंग 27 छात्र एवं व्याख्याता)

13. सिंहगड़ कॉलेज ऑफ नर्सिंग, क्रम. सं. 49/1 ऑफ वेस्टर्ली बायपास रोड, पुणे, 10 मार्च 2015 (पोस्ट–बेसिक और बी.एस.सी. नर्सिंग के अंतिम वर्ष के 35 छात्र एवं व्याख्याता)

14. एसडीपीसी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, खंडवा रोड, इंदौर, 12 मार्च 2015 (बी.एस.सी. नर्सिंग के अंतिम वर्ष के 37 छात्र एवं व्याख्याता)

15. कॉलेज ऑफ नर्सिंग, सेंट मार्था हॉस्पिटल, नश्पथुंगा रोड, बंगलौर, 17 मार्च 2015 (बी.एस.सी. नर्सिंग के अंतिम वर्ष के 25 छात्र एवं व्याख्याता)

16. ससून जनरल हॉस्पिटल, जय प्रकाश नारायण रोड, पुणे, 21–25 मार्च 2015 (2 नर्सिंग अधीक्षक और 6 नर्सिंग कर्मी)

17. आरडीओ कॉलेज ऑफ नर्सिंग, लैमडेंग, इम्फाल वेस्ट, मणिपुर, 30 मार्च 2015 (जनरल नर्सिंग मिडवाइफरी/ बी.एस.सी. नर्सिंग के अंतिम वर्ष के 30 छात्र एवं व्याख्याता)

विभिन्न अस्पतालों के 474 आगंतुकों के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

6.4 कल्याण एकक

कल्याण अधिकारी

श्रीमती प्रीति आहलूवालिया

रोगी कल्याण

रोगी उपचार : दान के रूप में रु. 39,97,300 (लगभग) एकत्रित किए गए।

उद्देश्य	दान (रु.)	दानकर्ता
मुख्य अस्पताल तथा केंद्रों में उपचार कराने वाले गरीब तथा जरूरतमंद रोगियों के उपचार एवं शल्य चिकित्सा हेतु।	3,23,500 89,700	जवाहर भवन ट्रस्ट साहू जैन ट्रस्ट
	50,900	बैज नाथ भंडारी पब्लिक चेरिटेबल ट्रस्ट
	10,720	सेवा प्रकल्प महिला मंडल ट्रस्ट
	82,755	अन्य दानदाता
एम्स निर्धन रोगी निधि लेखा	1,00,000	श्रीमती प्रमादा बी बजाज
	1,50,000/–	श्रीमती द्वारका प्रसाद ट्रस्ट
	30,000/–	श्रीमती अमृत शर्मा
	12,000/–	श्रीमती अंजना अहलूवालिया
	10,000/–	श्रीमती दिलजीत कौर वर्मा
	5,000/–	श्रीमती शकुंतला भाटिया
	3,000/–	श्री योगेंद्र पाल सिंह
कैंसर रोगियों को निःशुल्क उपलब्ध करवाई गई कैंसर–रोधी दवाएं।	28,65,372/–	गोपाल फाउंडेशन
	2,64,442/–	डॉ. चेतन मेमोरियल डिवाइन ट्रस्ट

उपर्युक्त के अतिरिक्त, गरीब रोगियों को, राष्ट्रीय आरोग्य निधि, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष, स्वास्थ्य मंत्री के विवेकाधीन अनुदान तथा अन्य सरकारी तथा गैर–सरकारी एजेंसियों से, उनके उपचार के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन दिया जा रहा है तथा उनकी सहायता की जा रही है। अस्पताल निर्धन रोगी निधि से निर्धन रोगियों को सहायता भी प्रदान की जाती है और उनकी दाखिले, लेवी प्रभारों में छूट, जांच प्रभारों आदि में छूट के लिए मार्गदर्शन तथा सहायता भी की जाती है।

धर्मशालाएं

कल्याण गतिविधि के रूप में, एम्स अस्पताल समाज कल्याण सोसायटी के तत्त्वावधान में राजगढ़िया विश्राम सदन, सुरेका विश्राम सदन तथा श्री साईं विश्राम सदन द्वारा एम्स तथा इसके केंद्रों में उपचार करवा रहे 14,700 से भी अधिक रोगियों और उनके तीमारदारों को आश्रय प्रदान किया गया। एम्स द्वारा रोगियों एवं उनके परिचरों की सहायता हेतु सदनों से अस्पताल तक आने–जाने के लिए वाहन सुविधा प्रदान की जा रही है।

राजगढ़िया विश्राम सदन के अंदर विश्राम सदन में ठहरने वाले बच्चों के लिए एक खेलने कूदने की सुविधा प्रदान की गई। यह सुविधा कैंसर पेशेंट एड एसोसिएशन (सीपीएए) द्वारा सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को दोपहर 2.30 बजे से शाम 4.00 बजे तक दी जाती है। इसके अलावा सीपीएए द्वारा यहां ठहरने वालों को सुविधा देने के लिए सप्ताह में एक दिन योग कक्षा का आयोजन किया जाता है। यह निवासियों के लिए दीवाली और होली का आयोजन भी करते हैं।

रैन बसेरा

नवंबर 2012 में सुरेका विश्राम सदन के पास दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड के समग्र प्रबंधन में 270 लोगों के रहने के लिए एक रैन बसेरा की सुविधा स्थापित की गई थी। इस सुविधा में बाहर से आने वाले गरीब और जरूरतमंद रोगियों और उनके साथ आने वाले परिचारकों को निवास की सुविधा दी जाती है, जिनका एम्स में इलाज किया जाता है। सशस्त्र सीमा बल द्वारा 5 जनवरी 2015 से 20 मार्च 2015 तक 100 लोगों के लिए एक अस्थाई रैन बसेरा सुविधा स्थापित की गई थी। यह सुविधा बाहर से आने वाले निर्धन और जरूरतमंद रोगियों और उनके परिचारकों को कड़ाके की ठंड में आश्रय प्रदान करती है, जो चिकित्सा उपचार के लिए एम्स आते हैं।

कर्मचारी कल्याण

अनुकम्पा आधार पर नियुक्ति

अनुकम्पा आधार पर नियुक्ति के मामलों पर विचार किया गया। परिवार के सदस्यों को हुई भारी क्षति को सहन करने तथा जो जिम्मेदारियां उन पर आ गई हैं, उन्हें निभाने में सक्षम बनाने के लिए सहायता प्रदान करने हेतु परामर्श सेवाएं तथा नैतिक सहायता प्रदान की गई।

यौन उत्पीड़न की शिकायतों के समाधान के लिए समिति

एम्स में 1999 में महिलाओं के यौन उत्पीड़न के विषय में शिकायतों से निपटने के लिए एक समिति का गठन किया गया और यह एम्स में कार्यरत महिला कर्मचारियों के लिए एक प्रभावी शिकायत निपटान प्रक्रिया प्रदान करती है। यह समिति प्राप्त शिकायतों पर पूछताछ करती है। इसकी बैठकों में दिल्ली महिला आयोग द्वारा संस्तुत गैर सरकारी संगठन के सदस्य भाग लेते हैं। पूछताछ की रिपोर्ट के साथ सिफारिशें अनिवार्य कार्यवाही हेतु सक्षम प्राधिकारी के पास भेजी जाती है। यह कार्य स्थल पर उत्पीड़न रोकने के लिए महिलाओं हेतु एक सुरक्षित, निरापद और स्वस्थ माहौल सुनिश्चित करती है।

महिला निवारण प्रकोष्ठ

एक महिला की निवारणों / शिकायतों का समाधान करने के लिए जनवरी 2014 के दौरान एम्स में महिला निवारण प्रकोष्ठ का गठन किया गया था :

1. छात्राएं।
2. महिला कर्मचारी जो नियमित, अस्थाई, तदर्थ, परियोजना, अस्थाई स्थिति, दैनिक पारिश्रमिक, संविदा या आउट सोर्सिंग के अलावा किसी अन्य प्रकार से कार्यरत हैं।

   प्रकोष्ठ विचारार्थ विषयों में प्राप्त शिकायतों के संदर्भ में कार्य किया जाता है।

आत्म रक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम

जैण्डर संवेदीकरण / जागरूकता मॉड्यूलों के विकास के लिए एम्स में एक उप कार्यबल द्वारा छात्राओं, रेजीडेंट डॉक्टरों और एम्स की महिला कर्मचारियों के लाभ के लिए आत्मरक्षा में प्रशिक्षण के दूसरे बैच का आयोजन किया गया। इसमें 72 महिला कर्मचारियों / छात्राओं में हिस्सा लिया। विशेष महिला एवं बाल पुलिस इकाई (दिल्ली पुलिस), नानकपुरा द्वारा 21–25 अप्रैल 2014 के बीच एक 5 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसके लिए कोई शुल्क नहीं लिया गया।

परामर्श सेवाएं

कर्मचारियों, रोगियों और उनके संबंधियों को ये प्रदान की गईं कि ताकि वे अपनी भौतिक, सामाजिक, भावनात्मक, आर्थिक, पारिवारिक और वैवाहिक समस्याओं से उबर / समायोजित कर सकें और इस प्रकार अपनी सामाजिक कार्यशैली उन्नत बना सकें।

शिकायतों का निवारण

स्टाफ–सदस्यों तथा रोगियों की शिकायतों का समाधान करने के लिए सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

दीवाली समारोह

मेडिकल इंस्टीट्यूट रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (एमआईआरडब्ल्यूए) द्वारा चलाए जा रहे नर्सरी एवं प्राथमिक विद्यालय में पढ़ रहे एम्स के

कर्मचारियों के बच्चों के साथ दीवाली का त्यौहार मनाया। इस अवसर पर, प्रोफेसर एम. सी. मिश्र, निदेशक, एम्स तथा डॉ. डी. के. शर्मा, चिकित्सा अधीक्षक, एम्स की उपस्थिति में स्वेटर, उपहार तथा मिठाइयां वितरित की गई। (सौजन्य दानदाता : श्रीमान और श्रीमती सुनील भुटानी)

तस्वीर में : प्रोफेसर एम. सी. मिश्र, निदेशक, और डॉ. डी. के. शर्मा, चिकित्सा अधीक्षक, द्वारा वितरित किए गए नर्सरी एवं प्राथमिक विद्यालय में पढ़े रहे बच्चों को सामुदायिक हाल, एम्स में मेडिकल इंस्टीट्यूट रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (एमआईआरडब्ल्यूए) द्वारा स्वेटर, उपहार और मिठाइयां बांटते हुए।

6.5 चिकित्सा समाज कल्याण एकक

मुख्य चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी और नोडल अधिकारी वृक्क प्राधिकरण समिति
बी. आर. शेखर

चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी पर्यवेक्षक
पंकज कुमार

पहली चिकित्सा समाज कल्याण इकाई 1960 में आरंभ की गई थी जब प्रथम चिकित्सा सामाजिक कार्यकर्ता मुख्य अस्पताल में नियुक्त किया गया था। इकाई चिकित्सा अधीक्षक के देखरेख में कार्य करती है। चिकित्सा सामाजिक सेवाओं के एकीकरण के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं जैसे यह उपचार प्राप्त करते समय रोगियों के लिए सामाजिक और मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करता है और तनाव को दूर करता है। चिकित्सा समाज कल्याण इकाई, मुख्य अस्पताल में ओपीडी के देखभाल के लिए 11 चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी (एमएसएसओ) और मुख्य अस्पताल के 16 महत्वपूर्ण विभागों के वार्ड हैं। एमएसएसओ के अलावा, रोगी की देखभाल और मार्गदर्शन के लिए इकाई के तहत 19 अंशकालिक सामाजिक मार्गदर्शक (पीटीएसजी) और एक अस्पताल परिचर कार्य कर रहे हैं।

हमारा सिद्धांत : 'एम्स के लिए प्रतिबद्ध, रोगियों के लिए प्रतिबद्ध'

हमारा उद्देश्य

1. डॉक्टर, रोगियों, उनके परिवार और समुदाय के बीच एक चिकित्सकीय नेटवर्क बनाना।
2. पूर्ण शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और व्यावसायिक पुनर्वास की दिशा में अग्रणी आध्यात्मिक उपचार की सुविधा देना।
3. रोगियों के बुनियादी मानवीय अधिकारों के संरक्षण को सुनिश्चित करना।
4. निर्धन और जरूरतमंद रोगियों के लिए विभिन्न सेवाओं की सुविधा देना।
5. अस्पताल प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करने तथा उपचार कर रहे डॉक्टर के लिए रोगी कल्याण सेवाओं की सुविधा देना।
6. सामाजिक कार्य के छात्रों के लिए प्रशिक्षण और चिकित्सा सामाजिक कार्य का उन्मुखीकरण प्रदान करना।
7. यूनिट और एम्स के अन्य विभागों द्वारा शुरू किए गए शोध अध्ययन का संचालन और समन्वय करना।

विशिष्टताएं

1. स्वैच्छिक दान के माध्यम से 10000 ओपीडी रोगियों के लिए 107,390 रु. की निःशुल्क दवाएं।
2. निः शुल्क दवाइयां /शल्य चिकित्सा मदों के लिए एम्स से 900 रोगियों की भर्ती कराया।
3. राष्ट्रीय आरोग्य निधि (आरएएन), 442 रोगियों को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के माध्यम से 19,41,83,831 रु. की वित्तीय सहायता।
4. निर्धन और जरूरतमंद रोगियों के लिए ट्रस्ट और स्वैच्छिक दानदाताओं, गैर सरकारी संगठन के माध्यम से 29,65,500 रु. की व्यवस्था।
5. अस्पताल प्रभारों की छूट सीटी, एमआरआई, पीईटी और एचएलए सहित विभिन्न अस्पताल प्रभारों में 12000 बीपीएल/रोगियों के लिए छूटें।
6. एम्स निर्धन निधि के माध्यम से निर्धन रोगियों के लिए 48,420 रु. की मदद की।
7. लगभग 30,000 रोगियों को परामर्श और निर्देश दिया।
8. गुर्दा प्राधिकरण समन्वय टीएचओए, 1994 के अनुसार गुर्दे असंबंधित गुर्दा दाताओं के 16 मामलों में प्रत्यारोपण प्राधिकरण समिति के समक्ष छानबीन, मूल्यांकन, दस्तावेज और प्रस्तुत किए गए।
9. 162 रोगियों के पुनर्वास मेडिको–लीगल मामले (एमएलसी) : गैर एमएलसी अज्ञात / परोक्ष / बेसहारा / अनाथ रोगी।

10. बिस्तरों के गैर–उपलब्धता के कारण एमएसएसओ आपात के माध्यम से भर्ती के लिए सफदरजंग अस्पताल और अन्य सरकारी अस्पतालों से 6970 रोगियों को शिफ्ट किया गया।
11. माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार ईडब्ल्यूएस श्रेणी के तहत निःशुल्क उपचार के लिए निजी अस्पतालों में 25 रोगियों को रेफर किया।
12. रेलवे रियायत की सुविधा 8500 बाहरी रोगियों को उपलब्ध कराई गई।
13. आपात में एनएमएलसी से एमएलसी रूपांतरण (94) और रोगी डेटा सुधार (30)।
14. देश भर के विभिन्न कॉलेजों से सामाजिक कार्य के 15 छात्रों को सामाजिक कार्य प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
15. 'मेडिकल सोशल वर्क प्रैक्टिस इन हॉस्पिटल सेटिंग : क्रिएटिव इंटरवेंशंस एंड फ्यूचर एवेयरनेस' पर 20 मार्च 2015 को दूसरी वार्षिक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई जिसमें देश भर में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।
16. जैव सांख्यिकी विभाग के माध्यम से इकाई द्वारा 26 अगस्त 2014 को 14 एमएसएसओ के लिए शोध पद्धति पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।
17. संस्थान में दिवसीय प्रदर्शनी में प्रदर्शित चिकित्सा समाज कल्याण इकाई पोस्टर।

21 अक्टूबर 2014 को एबी–5 वार्ड में दिवाली समारोह और मैजिक शो : चिकित्सा समाज कल्याण एकक द्वारा निदेशक, डीन, चिकित्सा अधीक्षक और प्रमुख, बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सा विभाग की उपस्थिति में एक मैजिक शो और दिवाली समारोह आयोजित किया गया।

शिक्षा

शिक्षण गतिविधियां

1. हाल में शामिल हुए नर्सों के लिए प्रेरण प्रशिक्षण : श्री बी. आर. शेखर, प्रमुख एमएसएसओ और श्री विवेक कुमार सिंह, एमएसएसओ ग्रेड ।। द्वारा आयोजित की गई सीएमईटी द्वारा 'आप एमएसएसओ के माध्यम से निर्धन रोगियों की मदद कैसे कर सकते हैं' विषय पर 20 सत्र आयोजित किए गए थे।

2. मुख्य एमएसएसओ श्री बी. आर. शेखर, द्वारा चिकित्सा समाज कल्याण इकाई, मुख्य अस्पताल में अस्पताल व्यवस्था में एमएसएसओ की भूमिका पर (अस्पताल प्रशासन) एमएचए छात्रों के लिए नियमित सत्र आयोजित किया गया।
3. श्री विवेक कुमार सिंह, एमएसएसओ द्वारा एमएचए छात्रों के लिए 'निगमित सामाजिक दायित्व का परिचय' (2 अप्रैल 2014) को और 'हेल्थ केयर में परिदृश्य : निगमित सामाजिक दायित्व' पर (3 अप्रैल 2014) को सत्र आयोजित किया गया था।

प्रशिक्षण गतिविधियां

1. सामाजिक कार्य प्रशिक्षण : विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों से 15 छात्रों को अस्पताल व्यवस्था में सामाजिक कार्य के लिए करने में चिकित्सा सामाजिक कार्य में प्रशिक्षण दिया गया।
2. सामाजिक कार्य अभिविन्यास सत्र : श्री बी. आर. शेखर, मुख्य एमएसएसओ और श्री विवेक कुमार सिंह, मुख्य एमएसएसओ ने संकाय सदस्यों के साथ सामाजिक कार्य छात्र समूहों को 'अस्पताल की व्यवस्था में चिकित्सा सामाजिक सेवाएं' पर 4 अभिविन्यास सत्र दिए।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठियां / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

संगोष्ठी का आयोजन

सम्मेलन हाल, एम्स, नई दिल्ली में 20 मार्च 2015 को 'मेडिकल सोशल वर्क प्रैक्टिसिस इन हॉस्पिटल सेटिंग : क्रिएटिव इंटरवेंशंस एंड फ्यूचर एवेन्यू' पर दूसरी वार्षिक राष्ट्रीय संगोष्ठी।

संगोष्ठी का उद्घाटन और स्मारिका जारी की गई

संगोष्ठी / कार्यशाला / सम्मेलन में भागीदारी

1. श्री बी. आर. शेखर, मुख्य एमएसएसओ, भारतीय सामाजिक कार्य कांग्रेस, 19–21 दिसंबर, 2014, पुणे, भारत।
2. श्री पंकज कुमार, सुपरवाइजिंग एमएसएसओ, इंडियन सोशल वर्क कांग्रेस, 19–21 दिसंबर, 2014, पुणे, भारत।
3. श्री विवेक कुमार सिंह, एमएसएसओ ग्रेड ।।, नॉन–वायलेंट कम्युनिकेशन, 7–16 अक्तूबर 2014, रूहपोलडिंग, जर्मनी।

रोगी की देखभाल सेवाएं

1. मनोवैज्ञानिक सामाजिक और आर्थिक मूल्यांकन और सामाजिक नैदानिकी : एमएसएसओ मनोवैज्ञानिक सामाजिक और एमएसएसएओ के आर्थिक मूल्यांकन के माध्यम से निर्धन रोगियों के लिए विभिन्न योजनाओं से रोगियों को लाभ प्राप्त करने में सहायता करता है।
2. निःशुल्क दवाओं और शल्य चिकित्सा मदों की सुविधा प्रदान करना : मुख्य की सहित सामाजिक – आर्थिक समीक्षा के लिए एमएसएसओ के पास विभिन्न वार्डों से परामर्श प्राप्त किए जाते हैं इसी प्रकार ओपीडी में अनुवर्तन के लिए आने वाले निर्धन / जरूरतमंद रोगियों को निःशुल्क दवाओं / शल्य चिकित्सा मदों के लिए एमएसएसओ से सहायता प्राप्त होती है।
3. बीपीएल रोगियों और जरूरतमंद रोगियों को अस्पताल लेवी प्रभारों से छूट : एमएसएसओ द्वारा रोगियों के सामाजिक – आर्थिक मूल्यांकन के आधार पर मुख्य एमएसएसओ की सिफारिश के बाद विभिन्न अस्पताल जांचों और प्रवेश प्रभारों में छूट।
4. ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) रोगियों के लिए उपलब्ध सेवाओं की सुविधा : माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार, उन सभी व्यक्तियों को ईडब्ल्यूएस के रूप में वर्गीकृत किया गया है जिनकी पारिवारिक आय 1 लाख रु. या इससे कम है, और वे दिल्ली में 46 निजी अस्पतालों में निःशुल्क चिकित्सा उपचार के हकदार हैं जिसे सरकार से रियायती दरों पर अधिग्रहीत भूमि पर निर्मित किया गया है।
5. राष्ट्रीय रोगी सहायता निधि (एनआईएएफ) के माध्यम से वित्तीय सहायता की सुविधा : एनआईएएफ या आरएएन (राष्ट्रीय आरोग्य निधि) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन एक केंद्र प्रायोजित योजना है जो 1997 में गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले और जीवन के लिए घातक रोग से पीड़ित रोगियों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के एक उद्देश्य के साथ शुरू की गई है। एनआईएएफ के मामलों को श्री पंकज कुमार, पर्यवेक्षक एमएसएसओ द्वारा सलाह दी गई और प्रलेखित किया गया है और वे श्री बी. आर. शेखर, मुख्य एमएसएसओ के साथ एम्स एनआईएएफ की उप समिति में इन मामलों का प्रतिनिधित्व करते हैं।
6. गुर्दे प्राधिकार समिति का समन्वय और असंबंधित गुर्दा दाताओं का मूल्यांकन : मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम (टीओएचए), 1994, जिसे 2011 में संशोधित किया गया, जिसके अनुसार गुर्दा प्राधिकार के लिए श्री. बी. आर. शेखर, मुख्य एमएसएसओ / नोडल अधिकारी और गुर्दा प्राधिकार समिति (आरएसी) के वर्तमान मामले में परामर्श, समन्वय और प्रलेखन के लिए श्री अनिल जी. माली, एमएसएसओ के पास असंबंधित गुर्दा दाताओं के मामलों को भेजा जाता है।
7. परामर्श सेवाएं : एम्स में यह एकक रोगियों का पहला संपर्क बिंदु है। यह रोगियों और उनके परिचारकों के लिए न केवल बुनियादी जानकारी प्राप्त करने किंतु एमएसएसओ द्वारा अस्पताल में अपने प्रवास के दौरान उन्हें मानसिक – सामाजिक परामर्श और मार्गदर्शन देता है।
8. मेडिको – लीगल मामलों (एमएलसी) और गैर – एमएलसी अज्ञात / परोक्ष / बेसहारा / अनाथ रोगियों का समन्वय और पुनर्वास : सरकारी / गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से अज्ञात, बिना परिचारक, बेसहारा और अनाथ रोगियों के पुनर्वास के लिए सभी हितधारकों के साथ आपातकालीन एमएसएसओ द्वारा समन्वय किया जाता है।
9. एम्स निर्धन निधि के माध्यम से वित्तीय सहायता : तत्काल जरूरतमंद और तात्कालिकता के मामले में निर्धन / जरूरतमंद रोगी एम्स निर्धन निधि से वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकते हैं एमएसएसओ सामाजिक आर्थिक मूल्यांकन और इस सेवा की सुविधा प्रदान करता है।
10. रेलवे रियायत की सुविधा प्रदान करना : एकक कैंसर, अप्लास्टिक एनीमिया, टीबी, कुष्ठ रोग, थैलेसीमिया, गुर्दा प्रत्यारोपण, डायलिसिस और मूक और बधिर रोगियों को रेलवे रियायत प्रदान करता है। यह सुविधा रोगियों के बहुत अच्छे अनुवर्तन और अनुपालन के परिणाम हैं।
11. बाह्य रोगियों और उनके परिचारकों को आवास की सुविधा उपलब्ध करना।
12. अनुसंधान और प्रशिक्षण : भारत के विभिन्न कॉलेजों और संचालन और समन्वय शोध अध्ययन से एनएसएस, बीएसडब्ल्यू, एमएसडब्ल्यू छात्रों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करना।

13. स्वास्थ्य प्रचार और शैक्षिक गतिविधियां : आईईसी सामग्री और स्वास्थ्य शिविरों (जैसे रक्तदान शिविर, एड्स जागरूकता शिविर और स्वास्थ्य जागरूकता बैठक) के माध्यम से स्वास्थ्य – शिक्षा और स्वास्थ्य जागरूकता का प्रसार करना।

14. योजना और प्रशासन
    - रोगी कल्याण गतिविधियों में सुधार लाने और अधिक से अधिक रोगी अनुकूल पर्यावरण बनाने के लिए अस्पताल प्रशासन और विभिन्न विभागों के साथ समन्वय।
    - अंशकालिक सामाजिक मार्गदर्शकों के माध्यम से मुख्य अस्पताल में विभिन्न सूचना और मार्गदर्शन का प्रबंधन।
    - निधि जुटाना और नेटवर्किंग : रोगी कल्याण के लिए विभिन्न गैर सरकारी संगठनों और दानदाताओं के साथ समन्वय और नेटवर्किंग।

15. आपातकालीन में आपातकालीन देखभाल
    - हर समय सभी चिकित्सा सामाजिक सेवाएं प्रदान करना जिसमें रोगियों का स्थानांतरण और पुनर्वास, आपातकालीन विभाग में सुचारु रूप से कार्य जारी रखना शामिल है।
    - रोगी देखभाल सुविधा के प्रबंधन के लिए महामारियों, आपदाओं और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान विशेष सेवाएं।

6.6 मुख्य रक्त कोष

प्रमुख

डी. के. शर्मा

अपर आचार्य और संकाय प्रभारी

कबिता चटर्जी

मुख्य चिकित्सा अधिकारी

पूनम कोशिक

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी

सुश्री रजनी अग्निहोत्री   आर. एम. थपलियाल

प्रमुख गतिविधियां

1. ''सभी के लिए रक्त सुरक्षा' के उद्देश्य के साथ ग्रामीण रक्त दान शिविर (सीआरएचएसपी बल्लभगढ़, एम्स के माध्यम से) ग्रामीण स्तर पर शुरू किया।
2. एचआईवी, हेपेटाइटिस बी और हेपेटाइटिस सी के लिए ऐफ्रेसिस दाताओं की छानबीन हेतु केमील्यूमिनीसेंस तकनीक की स्थापना।
3. एचआईवी, हेपेटाइटिस बी और हेपेटाइटिस सी की विण्डो अवधि कम करने के लिए आईडी एनएटी को पहली पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक उन्नत बनाया गया।
4. सी. एन. सेंटर और जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर के ब्लड बैंक के सभी एकत्र रक्त इकाइयों के लिए एनएटी परीक्षण शुरू किया।
5. फैब्राइल नॉन हीमोलाइटिक ट्रांसफ्यूजन अभिक्रिया (एफएनएचटीआर) और मल्टी ट्रांसफ्यूजन रोगियों में ल्यूकोसाइट के कारण अन्य जटिलताएं घटाने के लिए लॉग 4 ल्यूको रिडक्शन।
6. अस्थिरोगियों के लिए (छोटी मात्रा) प्लेटलेट संग्रह ऑटोलॉगस शुरू किया गया।
7. दाता जलपान की सुविधा में सुधार।
8. एचआईएस के साथ विभागीय सॉफ्टवेयर का समेकन।

रोगी की देखभाल सेवाएं

एकत्र रक्त इकाइयों की कुल संख्या 44,103

रक्त की कुल संख्या और जारी रक्त घटक इकाई 1,22,309

क्र. सं.	घटक		जारी
1.	पैक लाल कोशिकाएं (पीआरबीसी)		43,303
2.	प्लेटलेट सांद्र (आरडीपी)		40,456
3.	फ्रेश फ्रोजन प्लाज्मा (एफएफपी)		30,309
4.	क्रायोप्रेसिपिटेट		600
5.	ल्यूकोडेप्लेटिड आरबीसी		18000
6.	ल्यूकोडेप्लेटिड प्लेटलेट्स		30100
7.	बफी कोट पूल्ड प्लेटलेट सांद्र		1000
8.	नवजात शिशुओं के लिए विशेष रूप से संसाधित रक्त घटक		600
9.	अंतर्गर्भाशयी विनिमय इकाई		145
10.	विकिरण	आरबीसी	14,000
		प्लेटलेट	40,456
11.	एकल दाता प्लेटलेट एफेरेसिस		1280
12.	चिकित्सीय विनिमय		50
13.	परिधीय रक्त स्टेम कोशिका संग्रह		26
14.	चिकित्सीय शिराछेदन		40
15.	ऑर्थोपेडिक रोगियों के लिए ऑटोलॉगस प्लेटलेट (पीआरपी)		49
16.	ऑटोलॉगस रक्त संग्रह		शून्य

अन्य सेवाओं में शामिल हैं :

1. पहचान प्रमाण के साथ दाता के बायोमेट्रिक पंजीकरण।
2. संपूर्ण रक्त और एफेरेसिस दान के पहले, दौरान और इसके बाद व्यक्ति की देखभाल।
3. रक्त दान के पहले और बाद में दान परामर्श और सीरो प्रतिक्रियाशील दाताओं के लिए उचित चिकित्सा सहायता।
4. दाता प्रतिक्रिया प्रबंधन।
5. सभी नमूनों और रक्त घटकों की बार कोडिंग न्यूनतम करने के लिए लिपिकीय त्रुटियों को कम करना।
6. पूरी तरह से स्वचालित

   क. रक्त घटक पृथक्करण / प्रसंस्करण

   ख. रक्त समूह ज्ञात करना

   ग. न्यूक्लिक एसिड परीक्षण भी शामिल है जिसमें संक्रामक मार्करों के लिए स्क्रीनिंग (एनएटी) शामिल है।

7.0 नर्सिंग महाविद्यालय

प्राचार्या

डॉ. मंजू वत्स

व्याख्याता

डॉ. संध्या गुप्ता	सुश्री रेशेल एंड्रूज	सुश्री आशिया कुरैशी (सेवानिवृत्त; 31अक्तू. 2014 तक)
सुश्री दीपिका सी. खाखा	सुश्री कमलेश शर्मा	सुश्री शशि मवार (31 दिसंबर 2014 तक)
सुश्री पूनम जोशी	श्री एल. गोपीचंद्रन	सिबी रितु (14 अगस्त 2014 से)
अदिति पी. सिन्हा (9 अप्रैल 2014 से)	प्रज्ञा पाठक (22 मई 2014 से)	उज्जवल दहिया (7 अप्रैल 2014 से)
रिम्पल शर्मा (16 अगस्त 2014 से)	सेसिला एम. एस. (1 जुलाई 2014 से)	मंजू (21 मई 2014 से)
एल. लेविस मुरी (12 जून 2014 से)	वाई. सुरबाला देवी (28 मई 2014 से)	स्मिता दास (22 मई 2014 से)

वरिष्ठ नर्सिंग ट्यूटर

सुश्री गीता राज़दान

नर्सिंग व्याख्याता

किरण सिंह सिमक	गायत्री बत्रा	सुचेता
बबिता साहू	फिलोमिना थॉमस	मीना आरा
सीमा सचदेव	अनुभा देवेगौड़ा	नीलिमा राज (अध्ययन अवकाश पर)
नेमखोलम	हंसाराम	मोनिका सभरवाल

शिक्षा

स्नातकपूर्व

बी. एससी (ऑनर्स) नर्सिंग : चार वर्षीय पाठ्यक्रम में 61 विद्यार्थियों ने स्नातक उपाधि प्राप्त की।

बी.एससी नर्सिंग (पोस्ट सर्टिफिकेट) : दो वर्षीय पाठ्यक्रम में 24 विद्यार्थियों ने स्नातक उपाधि प्राप्त की।

स्नातकोत्तर

एम. एससी नर्सिंग : दो वर्षीय पाठ्यक्रम में 24 विद्यार्थियों ने स्नातक उपाधि प्राप्त की और इस वर्ष के कार्यक्रम में 22 विद्यार्थियों ने निम्नलिखित विशेषज्ञताओं में भाग लिया :

1. बाल चिकित्सा नर्सिंग
2. मनोरोग चिकित्सा नर्सिंग
3. हृदय रोग विज्ञान / सीटीवीएस नर्सिंग
4. तंत्रिकाविज्ञान नर्सिंग
5. अर्बुदविज्ञान नर्सिंग

नर्सिंग महाविद्यालय द्वारा भारत के विभिन्न शैक्षिक संस्थानों से 6 समूहों में आगंतुकों के लिए अभिविन्यास / संक्षेप सत्र आयोजित किए गए।

क्रमिक नर्सिंग शिक्षा (क्र. न. शि.)

1. आपदा और आपातकालीन नर्सिंग में मानसिक स्वास्थ्य पहलुओं पर कार्यशाला, 18 – 20 सितंबर 2014; एम्स से 30 नर्सों ने कार्यशाला में भाग लिया। डॉ. संध्या गुप्ता, व्याख्याता समन्वयक थी।
2. 'कार्डियो अपडेट' पर कार्यशाला, 29 – 30 अक्तूबर 2014; एम्स से 30 नर्सों ने कार्यशाला में भाग लिया। श्री एल गोपीचन्द्र, व्याख्याता समन्वयक थे।
3. वार्षिक दिवस 2014 के अवसर पर 18 सितंबर 2014 का 'अंग दान' पर संगोष्ठी, सुश्री एस मवर और सुश्री उज्ज्वल दहिया, व्याख्याता समन्वयक थे।
4. 'न्यूरोलोजी–नर्सिंग अपडेट पर कार्यशाला : हम पोषण करते हैं, वे फलते फूलते हैं', 20 – 22 नवंबर 2014; 28 नर्सों ने कार्यशाला में भाग लिया। सुश्री पूनम जोशी, व्याख्याता समन्वयक थी।
5. 'मानव संबंध में स्वास्थ्य देखभाल', पर कार्यशाला 9–11 फरवरी 2015; 28 नर्सों ने कार्यशाला में भाग लिया। श्रीमती दीपिका सी खाखा, व्याख्याता समन्वयक थी।
6. नर्सिंग छात्रों के लिए 'तनाव प्रबंधन' कार्यक्रम पर कार्यशाला, ब्रह्मा कुमारी, डॉ उषा किरण द्वारा जे एल एन सभागार में।
7. 'नर्सिंग देखभाल के क्षेत्र में गुणवत्ता आश्वासन' 16–18 मार्च, 2015 तक, 28 नर्सों कार्यशाला में भाग लिया। सुश्री कमलेश शर्मा, व्याख्याता समन्वयक थी।

प्रदत्त व्याख्यान

डॉ. मंजू वत्स : 4
सुश्री रेशेल एंड्रूज : 3
श्रीमती दीपिका सी. खाखा : 11
श्रीमती कमलेश शर्मा : 5
सुश्री पूनम जोशी : 4
सुश्री सीमा सचदेव : 1
श्री एल. गोपीचंद्रन : 2
सुश्री उज्जवल दहिया : 3
सुश्री रिम्पल शर्मा : 1
सुश्री अनुभा देवगोरोउ : 3
सुश्री सेसिला एम. एस. : 4
सुश्री फिलोमिना थॉमस : 2
श्री एल. लेविस मुरी : 4

मौखिक पेपर / पोस्टर प्रस्तुति : 11

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. अवसाद के साथ मधुमेह की सहयोगी देखभाल। एमोरी, संयुक्त राज्य अमेरिका के विश्वविद्यालय के साथ सहयोग, एनआईएच द्वारा 2014 की शुरूआत से 5 वर्षों के लिए वित्त पोषित।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. प्रभावकारिता आकलन करने के लिए एक पूर्व प्रयोगात्मक अध्ययन तथा नर्सिंग छात्रों द्वारा स्मार्ट फोन में बीमार नवजात शिशु की देखभाल पर शैक्षिक एप की स्वीकार्यता।
2. अंग दान से संबंधित नर्सिंग कर्मियों के लिए ज्ञान का आकलन के लिए एक अध्ययन।
3. कॉपर टी प्रविष्टि और गर्भवती महिलाओं का ज्ञान और दृष्टिकोण। (बीएससी नर्सिंग छात्रों परियोजना)।
4. स्नातक नर्सिंग छात्रों, नर्सिंग कॉलेज, एम्स, नई दिल्ली के बीच में उद्देश्य संरचना व्यावहारिक परीक्षा के प्रति रवैया आकलन करने के लिए एक अध्ययन।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 15 **पुस्तकों में अध्याय : 2**

रोगी उपचार

1. विभागीय संकाय एवं विद्यार्थियों द्वारा संस्थान के समस्त नैदानिक विभागों की रोगी उपचार संबंधी बाहरी एवं आंतरिक गतिविधियों में हिस्सा लिया गया।
2. संकाय एवं विद्यार्थियों ने इनका आयोजन और व्यवस्था की :–
   - i) दक्षिण दिल्ली के 6 केन्द्रों ने पल्स पोलियो कार्यक्रम के 4 दौरों में भाग लिया, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित। सुश्री कमलेश शर्मा समन्वित और कार्यक्रम देखरेख।
   - ii) एम्स के ओ पी डी और 151 से अधिक शहरी झुग्गियों और ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न स्वास्थ्य मुद्दों जैसे बी.पी. टीकाकरण, नवजात देखभाल, पी एन सी देखभाल आदि पर 112वां स्वास्थ्य शिक्षा सत्र।
   - iii) छात्रों द्वारा अम्बेडकर समुदाय के विभिन्न ब्लॉकों में उनकी स्वास्थ्य और सामाजिक जरूरतें को पहचानने के लिए नौ सर्वेक्षण किए गए तथा भूमिका निभाने और प्रदर्शनियों के रूप में जागरुकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सुश्री एस मवार और सुश्री कमलेश शर्मा ने समन्वय और पर्यवेक्षण किया।
   - iv) विश्व स्वास्थ्य दिवस, विश्व मलेरिया दिवस, विश्व गुर्दा दिवस, विश्व टीबी दिवस। विश्व अस्थमा दिवस, स्तन पान सप्ताह, राष्ट्रीय पोषाहार सप्ताह, विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस, मोटापा दिवस, विश्व मधुमेह दिवस, विश्व सी ओ पी डी दिवस, विश्व एड्स दिवस और विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस सहित स्वास्थ्य दिवसों का समारोह करना। संबंधित विषयों पर 17 प्रदर्शनियों और 16 भूमिका निभाने का आयोजन किया गया। सुश्री कमलेश शर्मा ने समन्वय और पर्यवेक्षण किया।
   - v) 46वां वार्षिक दिवस 2014, 19 नवंबर, 2014 को रक्तदान शिविर आयोजित किया गया, जिसमें खून की 77 यूनिट एकत्र की गई थी, श्री हंसराम, अध्यापक समन्वयक थे।

पुरस्कार, सम्मान एवं उल्लेखनीय कार्यक्रम

डॉ. मंजू वत्स इंडियन एसोसिएशन ऑफ नियोनेटल नर्स की अध्यक्ष निर्वाचित की गई जिसे जारी रखा गया, भारतीय नर्सिंग परिषद के महा निकाय, कार्यपालिका और नर्सिंग शिक्षा समिति की सदस्य; आई एन सी पी एच डी कंसोर्शियम के कोर समूह की सदस्य; एनएएसी के लिए फा. म्युलर कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग, मंगलौर के लिए सहकर्मी टीम की सदस्य (यूजीसी की राष्ट्रीय आकलन एवं प्रत्यायन परिषद); देश भगत यूनिवर्सिटी पंजाब, नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी और एमजी यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, जयपुर निरीक्षण के लिए सदस्य, चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी के लिए निरीक्षक, एन आई एम टी संस्थान मेडिकल एवं पैरामेडिकल विज्ञान, नोएडा के निरीक्षण के लिए सदस्य, यू पी एस सी, आई जी आई एम एस पटना, पी जी आई एम एस रोहतक, निमहांस बैंगलोर, एस जी पी जी आई लखनऊ, टी एन ए आई, जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, एम्स; के लिए जे एन यू पी एच डी वायवा, सदस्य, चयन समिति, आर जी यू एच एस – – आई एन सी के लिए परीक्षक, पीएचडी संघ; बैंगलोर में एन ए ए सी आकलन कर्ता बैठक और आकलन कर्ता के रूप में प्रमाणित, एम्स की विभिन्न समितियों में भागीदारी – कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम, महिलाओं की सुरक्षा और लिंग संवेदीकरण, महिला शिकायत प्रकोष्ठ, स्टाफ काउंसिल, दीक्षांत समारोह, संस्थान दिवस, चयन समिति, सी एम ई टी पर कार्य बल – बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग, आदि के लिए 7 एम्स में प्रवेश के लिए कर्मचारियों के विकास, और तकनीकी विनिर्देश समिति, रैगिंग विरोधी दस्ता, परामर्श; एम्स के हिन्दी अनुभाग द्वारा हिन्दी पखवाड़े समारोह के दौरान हिंदी निबंध प्रतियोगिता के लिए निर्णायक के रूप में आमंत्रित किया गया, एमसोनियन की कार्यकारी सदस्य मनोनीत किया गया; एम ओ एच एफ डब्ल्यू के लिए बच्चे के स्वास्थ्य प्रशिक्षण के अनुरूप बच्चे के स्वास्थ्य विभाग : प्रशिक्षण पैकेज का विकास करने के लिए विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया; भारत में न्याय व्यवस्था प्रणाली पर कार्यशाला के लिए पैरा कानूनी स्वयंसेवक के रूप में प्रमाणित आमंत्रित किया गया; स्वास्थ्य आईटी की नर्सिंग सूचना विज्ञान आधारशिला पर ''नर्सिंग पाठ्यचर्या में सूचना विज्ञान का समेकन'' पर सत्र की अध्यक्षता। आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा पर प्रौद्योगिकी के लागत प्रभावी उपयोग पर चौथी अंतरराष्ट्रीय सी एम ई, एम्स में कार्यशाला और सम्मेलन, 5.9.2014; आर ए के कॉलेज ऑफ नर्सिंग में ''नर्स प्रशासकों पर राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्‌घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि – नेतृत्व करना : उत्कृष्टता के लिए एक समग्र दृष्टिकोण', 9.3.2015.

सुश्री दीपिका खाखा ने 28 – 29 मई 2014 और 11 मार्च 2015 को दिल्ली विश्व विद्यालय में जीएफएटीएम आर 7 परामर्श और प्रशिक्षण परामर्श पर्यवेक्षकों के लिए बैठक में भाग लिया। डब्ल्यूएचओ ग्लोबल क्लिनिकल प्रैक्टिस नेटवर्क की सदस्य (जी सी पी एन), वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य में अनुसंधान और अभ्यास को आगे बढ़ाने के लिए मानसिक स्वास्थ्य और प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के लिए प्रतिबद्ध हेतु एक अंतरराष्ट्रीय समुदाय। आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी की लागत प्रभावशीलता उपयोग पर चौथे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता में शोध पत्र सत्र 6 सितंबर 2015; अवसाद के साथ मधुमेह का सहयोगात्मक देखभाल पर अनुसंधान की बैठक में भाग लिया, 23–24 सितंबर, 2014 चेन्नई; दिल्ली विश्वविद्यालय में जी एफ ए टी एम आर 7 के लिए विशेषज्ञ और संसाधन व्यक्ति; नर्सिंग साइंस एण्ड प्रैक्टिस जर्नल के संपादकीय बोर्ड में; जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च नर्सिंग साइंस की समीक्षक, तथा बाबा फरीद यूनिवर्सिटी नर्सिंग जर्नल की समीक्षक; दिल्ली का जी एफ ए टी एम आर 7 जिला पर्यवेक्षक काउंसिलिंग;"पी एल डब्ल्यू एच ए की मनो सामाजिक जरूरतों के आकलन के लिए एक अध्ययन" पर पी एच डी शोध प्रबंधन (नर्सिंग) के लिए सामग्री वैधता, भारतीय नर्सिंग परिषद और 8 स्नातकोत्तर नर्सिंग छात्रों के लिए पी जी आई, चंडीगढ़, जामिया हमदर्द, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय के बाबा फरीद स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय और जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय की अनुसंधान परियोजनाओं की परीक्षक।

सुश्री कमलेश शर्मा को राजीव गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, बैंगलोर, कर्नाटक के सहयोग से भारतीय नर्सिंग परिषद् की नर्सिंग में राष्ट्रीय पीएचडी संघ के तहत नर्सिंग में पी एच डी प्रदान की गई अक्तूबर 2014 में; एम्स के डॉक्टरों और कर्मचारियों के लिए अर्धन्यायिक स्वयंसेवक प्रशिक्षण 21 – 22 जून 2015 को नई दिल्ली में एम्स द्वारा आयोजित; 3 प्रदर्शनियों और एम्स संस्थान दिवस के अवसर पर 1 भूमिका निभाने का आयोजन किया; **परीक्षक :** दस विश्वविद्यालयों (गुजरात विश्वविद्यालय; पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़; जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय; स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय, देहरादून; डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद, उ. प्र.; ग्वालियर विश्वविद्यालय; बाबा फरीद स्वास्थ्य विज्ञान यूनिवर्सिटी, पंजाब; पी जी आई एम एस, रोहतक, हरियाणा; तथा उत्तर–पूर्वी इंदिरा गांधी क्षेत्रीय स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विज्ञान संस्थान, शिलांग); 16.10.2014 को इंस्टीट्यूट ऑफ प्रीवेंट ओंकोलॉजी, नोएडा द्वारा "स्तन और सर्वाइकल कैंसर का जल्दी पता लगाने के लिए महिलाओं की छानबीन" में संसाधन व्यक्ति के रूप में सर्जरी विभाग के सहयोग से योगदान दिया। एम्स, नई दिल्ली, भारतीय नर्सिंग परिषद की तदर्थ निरीक्षक (आई एन सी) तथा डेल नर्सिंग परिषद (डी एन सी), सह–ऑप्ट के सदस्य नर्सिंग शिक्षा समिति (आई एन सी), जुलाई 2010 के बाद नर्सिंग कॉलेज के लिए केन्द्रीय सहायक जन सूचना अधिकारी, 2012 से छात्र नर्सेज एसोसिएशन (एसएनए) की सलाहकार, उप छात्रावास अधीक्षक, नई नर्स हॉस्टल, मस्जिद मोठ, एम्स, 08/12/2014 के बाद से, राम हिमालय विश्वविद्यालय के अध्ययन के सदस्य बोर्ड, स्वामी राम नगर, पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम के लिए देहरादून – सामुदायिक स्वास्थ्य नर्सिंग में एमएससी नर्सिंग (अक्टूबर 2014)।

सुश्री पूनम जोशी जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, एमएम कॉलेज ऑफ नर्सिंग, अंबाला, और जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय के लिए परीक्षक थी।

श्री एल. गोपीचंद्रन स्वामी राम हिमालय विश्वविद्यालय द्वारा एमएससी नर्सिंग कार्यक्रम के लिए अध्ययन के सदस्य बोर्ड था, सीकेडी रोगियों के लिए जीवन की गुणवत्ता पर सत्र के लिए अध्यक्ष, विश्व गुर्दा दिवस, 12 मार्च, 2015 तक आर एम एल अस्पताल, दिल्ली, ओ आर टी का पाठ्यचर्या समिति के सदस्य, नेशनल ओपन स्कूल के लिए ऑपरेशन थिएटर तकनीक पाठ्यक्रम, एम एच आर डी, 19 – 20 मार्च, 2015 तक एन ओ एस, नोएडा।

सुश्री फिलोमिना थॉमस मैकमास्टर पब्लिशिंग हाउस के लिए प्रसूति एवं बाल रोग के क्षेत्र में लेख की रेटिंग में शामिल थी।

सुश्री सीमा सचदेव को अंतरराष्ट्रीय सी एम ई कार्यशाला और सम्मेलन में "आपातकालीन स्वास्थ्य देखभाल में तकनीक के लागत प्रभावी उपयोग" पर क्विज प्रतियोगिता में पहला पुरस्कार मिला, एम्स, 4 – 6 सितंबर 2014।

8.0 अनुसंधान अनुभाग

संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)

एन. के. मेहरा (30 नवंबर 2014 तक) एस. के. आचार्य (27 जनवरी 2015 से)

उप–संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)

आर.गोस्वामी (8 नवंबर 2013 तक) प्रमोद गर्ग (8 नवंबर 2013 से)

प्रशासनिक अधिकारी	**लेखा अधिकारी**	**भंडार अधिकारी**
नरेंद्र कुमार	श्रीमती मीनाक्षी डबराल	राकेश शर्मा

अनुसंधान, संकाय और अ. भा. आ. सं. के वैज्ञानिकों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है और इस दिशा में अनुभाग विभिन्न राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों जैसे भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) वेलकम ट्रस्ट और अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक सहयोग द्वारा वित्त पोषित बाह्य अनुसंधान परियोजनाओं को प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहन प्रदान करके एक महत्वपूर्ण सुविधा प्रदाता की भूमिका निभाता है। अनुसंधान अनुभाग कुशल प्रशासन, दिशा निर्देशों के विकास, अनुसंधान के लिए निधि खातों और भंडार का रखरखाव और प्रबंधन, अनुसंधान कर्मचारियों की नियुक्ति, भुगतान और उपकरणों की खरीद आदि उपलब्ध कराने द्वारा अ. भा. आ. सं. में सभी अनुसंधान गतिविधियों का समर्थन करने के लिए नोडल बिंदु है।

अनुभाग की तीन कार्यात्मक इकाइयां अर्थात प्रशासनिक, लेखा और भंडार हैं। इसके अलावा, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) और उपयुक्त पेटेंट दाखिल करने में संकाय / वैज्ञानिकों को एक प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और पेटेंट प्रकोष्ठ मार्गदर्शन देती है। दिन – प्रतिदिन के कार्य प्रशासन, वित्त और भंडार खरीद अध्यक्ष (अनुसंधान और उप संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) अधिकारियों के एक दल के देखरेख में किया जाता है। अनुभाग बाह्य अनुसंधान परियोजनाओं में शोध, तकनीकी और गैर तकनीकी समर्थन स्टाफ की नियुक्ति करता है और इस प्रकार के स्टाफ नियुक्ति को 'परियोजना स्टाफ' कहा जाता है। सभी मशीनरी, उपकरण, रसायन, आकस्मिक खरीद आदि इस अनुभाग के माध्यम से किए जाते हैं। अनुभाग इस उद्देश्य के लिए तैयार किए गए दिशा निर्देशों के अनुसार सभी अनुसंधान से संबंधित कार्य को करता है।

अ. भा. आ. सं. में बाह्य अनुसंधान अध्यक्ष अनुसंधान समिति (डीआरसी) और अनुसंधान सलाहकार परिषद (आरएसी) के तहत प्रबंधित है।

अध्यक्ष अनुसंधान समिति (डीआरसी)

अनुसंधान विभाग के कार्य में सुधार लाने, जैव चिकित्सा अनुसंधान के समग्र वातावरण को बढ़ाने के लिए दिशा – निर्देश प्रदान करने के लिए और मिशन उन्मुख और अंतर – विभागीय, अंतर – संस्थागत और अंतर – देश अनुसंधान सहयोग आधारित विषय को बढ़ावा देने के लिए प्राप्त विभिन्न सुझावों पर चर्चा करने के लिए 09.12.2013 को समिति गठित की गई थी। डीआरसी समयबद्ध अनुसंधान गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए आर्थिक सहायता एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय के लिए मार्गदर्शन प्रदान करता है और प्रशासनिक, वित्तीय और खरीद मामलों से संबंधित नीतियां निर्धारित करता है। डीआरसी के निम्नलिखित सदस्य हैं :

1.	संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)	अध्यक्ष
2.	संकायाध्यक्ष (शैक्षणिक)	सदस्य
3.	आचार्य अनुराग श्रीवास्तव प्रमुख, शल्य चिकित्सा विभाग	सदस्य
4.	आचार्य वी. के. पॉल प्रमुख, बाल चिकित्सा विभाग	सदस्य
5.	आचार्य ललित कुमार प्रमुख, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग	सदस्य
6.	आचार्य कामेश्वर प्रसाद प्रमुख, तंत्रिका विज्ञान विभाग	सदस्य
7.	आचार्य अरविंद बग्गा बाल चिकित्सा विभाग	सदस्य

8.	आचार्य जे. एस. त्यागी जैव प्रौद्योगिकी विभाग	सदस्य
9.	आचार्य ए. के. डिंडाविकृति विज्ञान केंद्र	सदस्य
10.	आचार्य के. आनंद सामुदायिक चिकित्सा केंद्र	सदस्य
11.	आचार्य राजू शर्मा विकिरण निदान विभाग	सदस्य
12.	आचार्य निखिल टंडन प्रमुख, अंतःस्राविकी विभाग	सदस्य
13.	आचार्य वी. के. मोहन संवेदनाहरण विभाग	सदस्य
14.	आचार्य विनीत आहुजा जठरांत्र विज्ञान विभाग	सदस्य
15.	डॉ. रोहित भाटिया अपर आचार्य, तंत्रिका विज्ञान विभाग	सदस्य
16.	डॉ. वी. श्रीनिवास अपर आचार्य, जैव सांख्यिकीय विभाग	सदस्य
17.	डॉ. अमित गुप्ता आचार्य, आपातकालीन चिकित्सा विभाग, जेपीएन ट्रॉमा सेंटर	अपर सदस्य
18.	उप–संकायाध्यक्ष (शैक्षणिक)	सदस्य
19.	डॉ. पूर्वा माथुर अपर आचार्य, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग जय प्रकाश नारायण ट्रॉमा केंद्र	सदस्य
20.	डॉ. गुरविंदर कौर वैज्ञानिक – 4, प्रत्यारोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवंशिकी विभाग	सदस्य
21.	उप–संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)	सदस्य–सचिव

अनुसंधान सलाहकार परिषद (आरएसी)

अनुसंधान सलाहकार परिषद को वर्तमान समय की आवश्यकताओं के लिए संगत नैदानिक और बुनियादी अनुसंधान को बढ़ावा देने के समग्र उद्देश्य के साथ अनुसंधान के बुनियादी ढांचे, प्राथमिकताओं, क्षमता विकास, संसाधन जुटाने और संपर्क के संबंध में नीति और कार्यनीति सुझाने के लिए 1 फरवरी 2014 को गठित की गई थी। आरएसी अंतर – विभागीय, अंतर – संस्थागत और अंतर – देश को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने और अनुसंधान गतिविधियों के ट्रांसलेशनल मूल्य प्राप्त करने के लिए विशिष्ट जानकारी प्रदान करने के उपायों का सुझाव देती है। आरएसी के सदस्य हैं :

1.	आचार्य एम. के. भान पूर्व सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभागभारत सरकार, नई दिल्ली	अध्यक्ष
2.	आचार्य वी. एम. कटोच पूर्व सचिव, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग और पूर्व महा निदेशक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली	वैकल्पिक अध्यक्ष
3.	आचार्य विजय राघवन सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली	सदस्य
4.	आचार्य एम. सी. मिश्र निदेशक, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली	सदस्य
5.	आचार्य एन. के. गांगुली मानद आचार्य, जैव प्रौद्योगिकी पूर्व महा निदेशक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, राष्ट्रीय प्रतिरक्षा संस्थान, नई दिल्ली	सदस्य
6.	आचार्य योगेश चावला निदेशक, पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़	सदस्य

7.	आचार्य पी. के. जुल्का अध्यक्ष (शैक्षणिक), अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली	सदस्य
8.	आचार्य गुलापल्ली एन राव नेत्र स्वास्थ्य के प्रतिष्ठित अध्यक्षअध्यक्ष, हैदराबाद इंस्टीट्यूट संस्थापक, एल वी प्रसाद नेत्र संस्थान, हैदराबाद	सदस्य
9.	डॉ. टी के चंद्रशेखर सचिव, साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड (एसईआरबी), भारत सरकार, 5 और 5ए, निचला भूतल, वसंत स्क्वायर मॉल, सेक्टर – बी, पॉकेट – 5, वसंत कुंज, नई दिल्ली	सदस्य
10.	डॉ. एस. एस. कोहली वैज्ञानिक 'जी', भारत सरकार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग टेक्नोलॉजी भवन, न्यू महरोली रोड, नई दिल्ली	सदस्य
11.	आचार्य टी. पी. सिंह पूर्व आचार्य और अध्यक्ष, जैव भौतिकी विभाग / प्रतिष्ठित आचार्य, जैव प्रौद्योगिकी, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली	सदस्य
12.	डॉ सत्यजीत रथ वैज्ञानिक – 7, राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान अरुणा आसफ अली रोड, नई दिल्ली	सदस्य
13.	आचार्य सैयद हसनैन मानद आचार्य, जीव विज्ञानभारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली	सदस्य
14.	डॉ. सुधीर कृष्णा राष्ट्रीय जीव विज्ञान केंद्र जीकेवीके, बेल्लारी रोड, बैंगलोर	सदस्य
15.	डॉ. सुभदा वी. चिपलुंकर निदेशक, एडवांस सेंटर फॉर ट्रीटमेंट रिसर्च एंड एजुकेशन इन कैंसर (एसीटीआरईसी), सं. 2, सेक्टर – 22, खरघर, नवी मुंबई	सदस्य
16.	डॉ. सौम्या स्वामीनाथन निदेशक, राष्ट्रीय क्षय रोग अनुसंधान संस्थान सं. 1, मेयर साथियामूर्ति रोड, चेटपेटचेन्नई,	सदस्य
17.	डॉ. टी. एस. राव वरिष्ठ सलाहकार, जैव प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार, नई दिल्ली	सदस्य
18.	डॉ. डी. के. शर्मा चिकित्सा अधीक्षक, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली	सदस्य
19.	उप–संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)	सदस्य
20.	संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)	सदस्य सचिव

आंतरिक अनुसंधान अनुदान (बुनियादी और नैदानिक विज्ञान)

वर्ष 2014–15 के लिए आंतरिक अनुसंधान परियोजनाओं की सूची नीचे दी गई है :

परियोजना कोड	अन्वेषक का नाम	स्वीकृत निधि	शीर्षक
ए–128	आशुतोष हल्दर	450,000	टेस्टिकुलर जर्म सेल अरेस्ट (मेचुरेशन अरेस्ट) : अन इन्वेस्टीगेशन ऑफ़ फेनोटाइप–जीनोटाइप कोरिलेशन
ए–133	अनीता चोपड़ा	150,000	डिटेक्शन ऑफ़ मिनिमल रेसिड्यूल डिजीज इन टी–लिनेज एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया बाय ए लो–कॉस्ट पीसीआर एनालिसिस ऑफ़ क्लोनल टी–सेल रिसेप्टर जीन रिअरेंजमेंट
ए–137	वीना जैन	50,000	टू डेवलप अन इंडिजेनस बाइट फ़ोर्स मेजरिंग सेंसर टू मेजर द बाइट फ़ोर्स एब्सोर्ब्ड बाय द सॉफ्ट लाइनर इन कम्पलीट डेंचर पेशेंट्स
ए–152	मनोज के. सिंह	499,886	ओरल कार्सिनोमा मार्कर्स टू प्रीडिक्ट क्लिनिकल कोर्स एंड प्रोग्नोसिस
ए–171	कपिल सिक्का	100,000	एवेल्यूएशन ऑफ़ द सर्जिकल ट्रामा टू इंटरकोक्लेअर स्ट्रक्चर्स आफ्टर इंसर्शन ऑफ़ इंटरकोक्लेअर इलेक्ट्रोड एरेस
ए–172	सिरोम अमित सिंह	50,000	अन एवेल्यूएशन ऑफ़ द डिफरेंट एंडोस्कोपिक एप्रोचिस टू इनर एअर
ए–177	एम. वनती	251,380	टीयर्स एनालिसिस इन ऑक्युलर ग्राफ्ट वर्सेस होस्ट डिजीज
ए–180	सुनील कुमार वर्मा	334,594	एवेल्यूएशन ऑफ़ नोवल मार्कर्स ऑफ़ एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम इन यंग एडल्ट्स
ए–184	शालीमार	500,000	यूज़ ऑफ़ इंडोसायनिन ग्रीन इन असेसमेंट ऑफ़ पेशेंट्स विथ हिपेटोसेल्लुलर कार्सिनोमा अंडरगोइंग ट्रान्सआर्टेरिअल कीमोएम्बोलिसेशन एज़ ए प्रीडिक्टर ऑफ़ डेवलपमेंट ऑफ़ लिवर फेलियर।
ए–186	शर्मिष्ठा डे	400,000	फ्रैल्टी इन ओल्ड एज़ : डेवलपमेंट ऑफ़ सिर्टुइन एज़ प्रोटीन मार्कर फॉर डायग्नोसिस
ए–189	एस. दत्ता गुप्ता	500,000	हिपेटिक साइटोकाइन एक्सप्रेशन, हिपेटोसाइट प्रोलीफेरेशन, प्रोजेनिटोर सेल एक्टिवेशन इन क्रोनिक हिपेटाइटिस।
ए–190	तापस चंद्रा नाग	250,000	स्टेटस ऑफ़ हिस्टोन एसिटिल1 ट्रांस्फ़ेरेस एंड एसआईआरटी 1 एक्सप्रेशन इन अ रेट मॉडल ऑफ़ लाइट–इंड्यूस्ड रेटिनल डैमेज
ए–191	समीर बख्शी	13,365	एसेसमेंट ऑफ़ एक्सप्रेशन ऑफ़ वेस्कुलर एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर इन नॉन हॉडग्किंस लिम्फोमा इन चिल्ड्रन ढ18 इयर्स : ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी
ए–193	संजीव कुमार गुप्ता	400,000	आईकेजेडएफ1 (आईकेएआरओएस) म्युटेशंस इन बी सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया
ए–195	गीता सतपथी	250,000	ए प्रोस्पेक्टिव कम्प्रेहेंसिव स्टडी ऑफ़ द एटीपिकल कंजंक्टिवाइटिस ऑक्युरिंग इन दिल्ली एंड डेवलपमेंट ऑफ़ ए मल्टीप्लेक्स पीसीआर एसे फॉर रैपिड डायग्नोसिस ऑफ़ वायरल कंजंक्टिवाइटिस
ए–197	शंभुनाथ दास	358,000	क्लिनिकल एफिकेसी एंड सेफ्टी ऑफ़ पेरिऑपरेटिव डेक्समेडेटोमिडीन थेरेपी इन पेशेंट्स अंडरगोइंग वॉल्वुलर हार्ट सर्जरिज़ दृ अ रेण्डमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल
ए–201	डी. एन. राव	400,000	पेंटावैलेंट एंटीजेनिक पेप्टाइड (पीएपी) बेस्ट एप्रोच टुवर्ड्स डायग्नोसिस ऑफ़ डेंगू इन्फेक्शन

ए–202	नीता सिंह	288,377	इम्पैक्ट ऑफ़ लोकल एंडोमेट्रियल ट्रॉमा ऑन द आउटकम ऑफ़ आईवीएफ इन वीमेन विथ प्रेविअस्ली फेल्ड इम्प्लांटेशन : एक्सप्लोरिंग द जीनोम वाइड ट्रांस्क्रिप्टोमिक बेसिस
ए–203	अर्चना सिंह	196,500	असेसमेंट ऑफ़ माइटोकोंड्रियल डीएनए कॉपी नंबर इन पीडियाट्रिक केसेस ऑफ़ एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया
ए–204	रमा चौधरी	300,000	डिटेक्शन ऑफ़ लेजिओनेल्ला न्युमोफिला फ्रॉम हॉस्पिटल एनवायर्नमेंट एंड डेवलपमेंट ऑफ़ लैंप–पीसीआर फॉर रैपिड डिटेक्शन ऑफ़ लेजिओनेल्ला स्पीशीज फ्रॉम एनवायर्नमेंटल सैम्पल्स।
ए–205	वैशाली सूरी	300,000	ए स्टडी ऑफ़ क्लिनिकोपैथोलॉजिकल फीचर्स एंड मॉलिक्यूलर जेनेटिक अल्टरेशंस इन एडल्ट वर्सस पीडियाट्रिक मेनिंजिओमास
ए–208	एस. बी. राय	350,000	लोकल एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ़ कैनाबिनोइड रिसेप्टर 1 एगोनिस्ट एट द सर्जिकल साइट रिलीव्स पोस्टऑपरेटिव पैन इन रैट्स
ए–211	रेनू सिन्हा	150,000	एवेल्यूएशन ऑफ़ मिनिमम एलवेओलर कंसंट्रेशन (एमएसी) ऑफ़सेवोफ्लुरेन्स एंड बिस्पेक्ट्रल इंडेक्स (बीआईएस) फॉर मेंटेनेंस ऑफ़ सेंट्रल आई पोजीशन ड्यूरिंग शार्ट ऑफ्थेल्मिक प्रोसीजर इन स्पोंटनियस ब्रीथिंग चिल्ड्रन अंडर जनरल एनेस्थेसिया एंड कोरिलेशन ऑफ़ एमएसी ऑफ़ सेवोफ्लुरेन्स विद बीआईएस।
ए–213	कपिल यादव	475,000	इफेक्टिवनेस ऑफ़ डायरेक्टली ऑब्जर्व्ड आयरन सप्लीमेंटशन ड्यूरिंग प्रेगनेंसी इन ए रुरल पॉपुलेशन इन हरियाणा : ए रेण्डमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल।
ए.215	संजय कुमार अग्रवाल	330,000	इफ़ेक्ट ऑफ़ रिफाम्पिसिन एस पार्ट ऑफ़ एंटीट्युबरकुलर थेरेपी ऑन एंटीहाइपरटेंसिव ड्रग रिक्वायरमेंट इन पेशेंट्स ऑफ़ किडनी डिजीज
ए–216	सुमित मल्होत्रा	50,000	पॉपुलेशन बेस्ड स्टडी ऑन रिफ्रैक्टिव एरर्स, प्रेसबायोपिया एंड स्पेक्टेकल कवरेज इन रूरल नॉर्थ इंडियन एडल्ट्स
ए–218	टी. एस. रॉय	260,000	एज़ रिलेटेड मोर्फोलॉजिकल एंड न्यूरोकेमिकल चेंजिंग इन द ह्यूमन स्पाइरल गैंगलिओन
ए–219	रवि मित्तल	500,000	आइसोलेशन एंड मॉलिक्यूलर कैरेक्टराइजेशन ऑफ़ ह्यूमन बोन मेरो डिराइव्ड मेसेंकाइमल स्टेम सेल्स
ए–220	उमा कांगा	500,000	रोल ऑफ़ एचएलए–जी इन एक्यूट रिजेक्शन फॉलोइंग रीनल ट्रांसप्लांटेशन
ए–223	चित्तरंजन बेहरा	400,000	एसोसिएशन ऑफ़ मेंस्ट्रुएशन विद कम्प्लिटिड सुसाइड – ए हॉस्पिटल बेस्ड केस कंट्रोल स्टडी
ए–226	निष्कर्ष गुप्ता	50,000	कम्पेरेटिव इवेल्यूएशन ऑफ़ फोर्स्ड एयर वार्मिंग एंड इंफ्युशन ऑफ़ एमिनो एसिड इंरिचेड सॉल्यूशन ऑन इंटरऑपरेटिव इन पेशेंट्स अंडरगोइंग मेजर ओंकोलॉजिकल सर्जरीज़ : ए प्रोस्पेक्टिव रेंडोमाइज्ड स्टडी।
ए–227	मोहम्मद अशरफ गनी	500,000	इम्प्रूवमेंट ऑन लेवोथायरॉक्सिन रिप्लेसमेंट ऑफ़ क्लिनिकल, बायोकेमिकल, हार्मोनल एंड इन्सुलिन सेंसिटिविटी पैरामीटर्स इन वीमेन विद पोलिसायटिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) प्रेजेंटिंग विथ सब क्लिनिकल हाइपोथायरायडिज्म (एससीएच)
ए–228	यतन पाल सिंह बाल्हारा	55,803	ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ़ प्रीवलेंस ऑफ़ मेटाबोलिक सिंड्रोम एमंग पेशेंट्स विथ ओपिऑइड एंड एल्कोहल डिपेंडेंस सिंड्रोम

ए–229	वेंकटेश्वरन के अय्यर	500,000	ए पायलट स्टडी ऑन माइक्रोआरएनए एक्सप्रेशन पैटर्न इन विल्म्स ट्यूमर सैम्पल्स एंड पेरीफेरल ब्लड : रिलेशन टू हिस्टोपैथोलॉजी क्लासिफिकेशन एंड स्टेज
ए–230	एच. कृष्णा प्रसाद	330,000	द रोल ऑफ़ हिस्टोन लाइक प्रोटीन्स (एचआईपी) ऑफ़ एम. ट्यूबरकुलोसिस एंड रिलेटेड पैथोजेंस ड्यूरिंग इन्फेक्शन
ए–231	रितु सहगल	86,399	द एक्सप्रेशन ऑफ़ $_{पी}$75एनटीआर एंड टीआरकेए रिसेप्टर्स इन ब्रेस्ट कैंसर
ए–232	जसबीर कौर	500,000	एक्सप्रेशन प्रोफाइल ऑफ़ जिंस इन्वोल्वड इन पैथोजेनेसिस ऑफ़ डायबिटिक रेटिनोपैथी
ए–233	रविंद्र कुमार पांडे	500,000	टू एवेलुएट द एफ्फिकेसी ऑफ़ ट्रेनेक्सामिक एसिड इन रिड्यूसिंग इंफ्लेमेटरी रेस्पोंस इन लीनो–रीनल शंट सर्जरिज़– ए रेंडोमाइज्ड डबल ब्लाइंड प्लेसिबो कंट्रोल स्टडी
ए–239	नीरज पारेख	500,000	मैनुअल थ्रोम्बुस एस्पिरेशन विथ फ्रैक्शनल फ्लो रिज़र्व गाइडेड स्टेंटिंग ड्यूरिंग प्राइमरी एंजियोप्लास्टी
ए–240	आदर्श कुमार	214,924	क्वांटिटेटिव एस्टीमेशन ऑफ़ एल्यूमिनियम यूजिंग आईसीपी–एईएस फ्रॉम फेटल एल्युमिनियम फॉस्फाइड पॉइज़निंग
ए–243	अनिल कुमार गोस्वामी	500,000	नॉन–कम्युनिकेबल डिजीज (एनसीडी) अमंग एल्डर्ली पर्सन्स इन ए रिसेट्लमेंट कॉलोनी ऑफ़ दिल्ली
ए–245	सुजॉय पाल	480,000	पोस्टीरियर (एसएमए–फर्स्ट) एप्रोच बनाम स्टैण्डर्ड पैंक्रीएटोडियोडेनेक्टोमी इन पेशेंट्स विद पैंक्रिएटिक कैंसर विद स्पेशल फोकस ऑन सर्कमफरेंशियल रिसेक्शन मर्जिन्स एंड मीडियम टर्म सर्वाइवल आउटकम : ए प्रोस्पेक्टिव कॉम्पेरिजन
ए–246	कुंजैंग चोस्डोल	500,000	इफ़ेक्ट ऑफ़ एफएटीआई ऑन ट्यूमर सुप्रेशर सिग्नलिंग पाथवे (सेल्वेडोर – वार्ट– हिप्पो (एसडब्ल्यूएच) पाथवे) इन ग्लिओमा
ए–247	एस. एस. काले	225,000	डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ़ कॉस्ट इफेक्टिव मल्टीपर्पज़ रिसर्च फैंटम, सिमुलेटिंग पेशेंट फॉर हाई रिसॉल्यूशन स्टेरोटैक्टिक इमेजिंग एंड प्रेसाइज़ रेडियो–सर्जरी
ए–248	मधुसूदन के. एस.	180,000	रोल ऑफ़ डिफ्यूजन वेटेड एंड परफ्युशन मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग इन द एवेल्यूएशन ऑफ़ रिस्पांस ऑफ़ ओस्टियोसर्कोमा टू निओएडजुवेंट कीमोथेरेपी
ए–249	निखिल टंडन	499,000	इन्फ्लुएंस ऑफ़ पैंक्रिएटिक एक्सोक्रिन सफिसिएंसी एंड रोल ऑफ़ जीएलपी–ई इन रेगुलेटिंग ग्लाइसेमिक वेरिएबिलिटी इन पेशेंट्स विथ डायबिटीज ड्यू टू क्रोनिक इडिओपैथिक पैंक्रिएटिटिस : ए क्रॉस–सेक्शनल, ऑब्जर्वेशनल स्टडी
ए–250	कल्पना लूथरा	500,000	जनरेशन एंड कैरेक्टराइजेशन ऑफ़ एचआईवी–1 प्राइमरी आइसोलेट्स फ्रॉम पीडियाट्रिक पेशेंट्स फॉर देयर न्यूट्रालाइजेशन ससेप्टिबिलिटी टू ब्रोडली न्यूट्रिलाइजिंग एंटीबॉडिज़
ए–251	प्रमोद गर्ग	500,000	जिनोमिक एंड एपीजिनोमिक एक्सप्रेशन इन गॉल ब्लेडर कैंसर
ए–252	रविंदर गोस्वामी	500,000	एसेसमेंट ऑफ़ द मॉलिक्यूलर फैक्टर्स प्रेडिस्पोसिंग बेसल गैंगलिया फॉर कैल्सिफिकेशन : न्यूवर ऑस्टोजेनिक मोलिक्युल्स
ए–253	सौमिता बाग्ची	320,625	प्रोस्पेक्टिव मॉनिटरिंग ऑफ़ बीकेवी रेप्लिकेशन इन द फर्स्ट ईयर फॉलोइंग रीनल ट्रांसप्लांटेशन इन एडल्ट इंडियन रीनल ट्रांसप्लांट रेसिपिएंट्स
ए–254	ललित धर	400,000	द रोल ऑफ़ ह्यूमन सिटोमेगालोवायरस (एचसीएमवी) इन अल्सरेटिव कोलाइटिस (यूसी)

ए–255	सी. एस. बाल	400,000	(68जीए) गैलियम–लैबलैड पीएसएमए पीईटी/सीटी इन द एवेल्यूएशन ऑफ़ प्रोस्टेट कैंसर पेशेंट्स
ए–256	डी. के. पवार	310,000	कम्पेरिजन ऑफ़ थ्री डिफरेंट डेक्सट्रोस कॉन्टैनिंग इंट्रा–ऑपरेटिव फ्लूइड रेगिमेन्स ऑन ग्लूकोस होमिओस्टेसिस एंड इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस इन निओनेट्स
ए–257	के. एच. रीता	350,000	स्टडी ऑफ़ द एफिकेसी ऑफ़ एन्टीएपीलेप्टिक ड्रग–नैनो ड्रग डिलीवरी सिस्टम्स इन एक्सपेरिमेंटल एनिमल मॉडल्स
ए–258	विजय एल. कुमार	400ए000	स्टडीज ऑन द एफ्फिकेसी ऑफ़ आर्टेसुनते इन एक्सपेरिमेंटल मॉडल ऑफ़ कोलोरेक्टल कैंसर
ए–259	जागृति भाटिया	400,000	एवेल्यूएशन ऑफ़ द प्रोटेक्टिव इफ़ेक्ट ऑफ़ युगेनॉल ऑन ब्लियोमायसिन –इंड्यूस्ड पल्मोनरी फाइब्रोसिस इन रैट्स
ए–260	रमा जयासुंदर		इन–विट्रो असेसमेंट ऑफ़ एंटी–एचआईवी पोटेंशियल एंड फीटोमेटाबोलोमिक्स ऑफ़ सिलेक्ट मेडिसिनल प्लांट्स
ए–261	संदीप आर माथुर	500,000	स्ट्रैटिफिकेशन ऑफ़ ब्रैस्ट कैंसर इन यंग फिमेल्स बाय मॉलिक्यूलर सबटाइप्स : ए क्लीनिकोपैथोलॉजिकल स्टडी
ए–262	सीमा सेन	500,000	क्लिनिकल इम्प्लिकेशन ऑफ़ एपिथेलियल मेसेंकाइमल ट्रांजीशन मार्कर्स इन आइलिड सिबेसियसग्लैंड कार्सिनोमा
ए–263	अल्पना शर्मा	500,000	स्टडी ऑफ़ डेन्ड्रिटिक सेल्स इन पथोजेनेसिस ऑफ़ पेम्फिगस वुल्गारिस
ए–264	विवेक त्रिखा	500,000	टेम्पोरल एक्सप्रेशन ऑफ़ सीरम बायोकैमिकल मार्कर्स ऑफ़ बोन टर्नओवर इन फेमोरल शाफ़्ट फ्रैक्टर्स ऑपरेटेड विथ इंटरमेडुलारी नेलिंग
ए–265	सुजय खाण्डपुर	330,000	कम्पेरिजन ऑफ़ सीरम एंड टिश्यू टीएच1 एंड टीएच2 साइटोकाइन लेवल्स इन एक्टिव एंड स्टेबल सोरायसिस एंड कॉरिलेशन विथ डिजीज सेवेरिटी
ए–266	शाह आलम खान	232,000	एवेल्यूएशन ऑफ़ सीरम वेस्कुलर एण्डोथेलियल ग्रोथ फैक्टर (वीईजीएफ) इन चिल्ड्रन विथ लेग–काल्व–पर्थेस डिजीज
ए–267	गुरविंदर कौर	400,000	लिनेज स्पेसिफिक काइमेरिस्म एनालिसिस फॉर मॉनिटरिंग एंग्राफ्टमेंट फोलोविंग अलोजेनिक हैमटॉपोएटिक स्टेम सेल ट्रान्सप्लांटेशन (एचएससीटी)
ए–268	एस. सेंथिल कुमारन	475,000	पोस्ट स्ट्रोक न्यूरोप्लास्टिक पोटेंशियल ड्यूरिंग स्पोंटेनियस रिकवरी फॉर मोटर प्रोसेसिंग
ए–269	जतिंदर कटयाल	255,000	टू डिटरमाइन द इफ़ेक्ट ऑफ़ सिजर, जिंक एडमिनिस्ट्रेशन एंड एन्टीएपीलेप्टिक ड्रग्स ऑन ब्रेन एंड बॉडी जिंक होमिओस्टेसिस
ए–270	डी. एस. आर्या	440,000	थेराप्यूटिक इफ़ेक्ट ऑफ़ मैंजिफेरिन इन एक्सपेरिमेंटल मॉडल्स ऑफ़ मायोकार्डियल इंफ्रैक्शन इन स्ट्रेप्टोजोटोकिन–इन्ड्यूस्ड डायबिटिक रैट्स
ए–271	सुरभी व्यास	100,000	रोल ऑफ़ नॉन कंट्रास्ट एमआरआई इन्क्लूडिंग डिफ्यूजन वेटेड (डीडब्ल्यूआई) एंड कंट्रास्ट इनहांस्ड एमआर इमेजिंग इन एवेल्यूएशन ऑफ़ सीनोविटिस ऑफ़ स्मॉल जॉइंट्स ऑफ़ वरिस्ट एंड हैंड्स इन पेशेंट्स ऑफ़ रियूमेटॉइड आर्थराइटिस (आरए)
ए–272	विजय कुमार	200,000	एवेल्यूएशन ऑफ़ एडवर्स रिएक्शन टू मेटल डेब्रिस (एआरएमडी) इन इंडियन पेशेंट्स हू हैव अंडरगोन हिप आर्थ्रोप्लास्टी विथ ए मेटल ऑन मेटल आर्टिकुलेशन

ए–273	एस. अरुलसेल्वी	400,000	हिस्टोपैथोलॉजिकल एवेल्यूएशन ऑफ़ ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी (टीबीआई) इंड्यूस्ड एक्यूट गैस्ट्रोइंटेस्टिनल इंजरी
ए–274	अस्मिता पाटिल	450,000	इन–विट्रो स्टडी ऑफ़ द मॉलिक्यूलर नेचर ऑफ़ पैराक्राइन इंटरेक्शन बिटवीन द टेस्टिकुलर सेरटोली एंड जर्म सेल्स ऑफ़ इमैच्योर एंड मैच्योर मेल माइस
ए–275	रोहित भाटिया	500,000	रोल ऑफ़ ब्लड बायोमार्कर्स इन डिफरेंशिएटिंग एस्केमिक स्ट्रोक एंड इंटरसेरेब्रल हेमरेज. एंड देयर एसोसिएशन विथ इटियोलॉजी एंड आउटकम्स
ए–276	शशि मवार	350,000	इफेक्टिवनेस ऑफ़ नर्स लेड कम्युनिटी एजुकेशनल प्रोग्राम इन डायबिटीज मैनेजमेंट अमंग जेरिएट्रिक पॉपुलेशन इन अन अर्बन कम्युनिटी ऑफ़ दिल्ली
ए–277	रचना सेठ	300,000	टू डिटरमाइन द रोल ऑफ़ प्रोकैल्सिटोनिन (पीसीटी) एज़ ए डायग्नोस्टिक बायोमार्कर फॉर फेब्राइल न्यूट्रोपेनिक एपिसोड्स इन चिल्ड्रन अंडरगोइंग ट्रीटमेंट फॉर चाइल्डहुड कैंसर्स
ए–278	सचिदानंद जी भारती	100,000	एप्रीपिटेंट वर्सस डेक्सामेथासोन फॉर प्रीवेंटिंग पोस्टपेरटिवे नौज़ एंड वोमिटिंग इन ब्रेस्ट कैंसर पेशेंट्स
ए–279	प्रणय तंवर	200,000	ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी टू एवेल्युएट इल्म'स ट्यूमर 1 (डब्ल्यूटी1) म्युटेशन इन द नोवो केसेस ऑफ़ एक्यूट माइलॉइड ल्यूकेमिया एंड कॉरिलेटिंग देयर आउटकम विथ ट्रीटमेंट रिस्पांस
ए–280	वी. डर्लोंग	78,000	इंट्राऑक्युलर प्रेशर ड्यूरिंग जनरल एनेस्थेसिया विद क्लासिक एलएमए एज़ कम्पेयर्ड टू फेसमास्क : ए रेण्डमाइज्ड स्टडी
ए–281	सुबोध कुमार	500,000	प्रोग्नोस्टिक सिग्निफिकेन्स ऑफ़ सायटोकाइंस एंड बायोमार्कर्स इन पेशेंट्स विथ ट्रॉमेटिक लंग इंजरीज़
ए–282	टी. वेलपण्डियन	450,000	फंक्शनल इम्पोर्टेंस ऑफ़ न्यूक्लियोसाइड ट्रांसपोर्टर्स इन द ऑक्युलर डिस्पोसिशन ऑफ़ देयर सबस्ट्रेट्स – फॉर टार्गेटेड ऑक्यूलर ड्रग डिलीवरी
ए–283	संदीप अग्रवाल	500,000	एक्सप्लोरिंग ग्लोबल मेथीलेशन पैटर्न्स इन विल्म्स ट्यूमर : ए पायलट स्टडी
ए–284	दिनेश कल्याणसुंदरम	500,000	डिज़ाइन एंड टेस्टिंग ऑफ़ ओर्थोडोंटिक मिनिस्क्रेव्स एम्बेडेड विद सेंसर्स टू डिटेक्ट इंफ्लेमेशन – फेज 1
ए–285	नवीन यादव	492,530	एवेल्यूएशन ऑफ़ कोएगुलेशन स्टेटस इन ट्रॉमा हेमोरहेजिक शॉक पेशेंट्स (टीएचएस) हू अंडरगो इमरजेंसी सर्जरी यूजिंग थ्रोम्बोएलास्टोग्राफी, प्रोटीन सी एंड प्रोटीन एस मार्कर्स
ए–286	पुनीत मिश्रा	500,000	प्रीवलेंस एंड रिस्क फैक्टर्स ऑफ़ कॉम्प्लिकेशन्स इन डायबिटीज पेशेंट्स ऑफ़ ए रूरल कम्युनिटी ऑफ़ बल्लबगढ़
ए–287	सुजाता मोहंती	400,000	टू कम्पेयर द डिफरेंशियल पोटेंशियल ऑफ़ मेसेंकाइमल स्टेम सेल्स डिराइव्ड फ्रॉम डिफरेंट सोर्सेज (बोन मैरो, टिश्यू एंड डेंटल पल्प) इंटू कार्डियोमायोसिटेस यूजिंग 5–एजेसिटाइडिन एंड टीजीएफ बी 1 एस इंड्यूसर्स
ए–288	नीरज कुमार	280,000	ए रेण्डमाइज्ड कंट्रोल्ड स्टडी ऑफ़ द इफेक्ट्स ऑफ़ सिंगल डोज़ प्रीऑपरेटिव विटामिन सी वर्सस प्लेसिबो ऑन पोस्टऑपरेटिव मॉर्फिन कंसम्पशन आफ्टर स्पाइन सर्जरी
ए–289	सरोज कलेर झाझरिया	500,000	ए स्टडी ऑन द इन्वॉल्वमेंट ऑफ़ स्पेसिफिक न्यूरोट्रांसमिटर्स एंड न्यूरोपेप्टाइड्स एट द स्पाइनल कॉर्ड लेवल इन पोस्टऑपरेटिव पैन इन रैट्स

ए–290	ममता सूद	100,000	ए स्टडी ऑफ़ द क्लिनिकल कॉरिलेट्स ऑफ़ क्वांटिटेटिव इलेक्ट्रो–एन्सेफेलोग्राफिक स्पेक्ट्रल एनालाइसिस इन फर्स्ट एपिसोड सायकोसिस
ए–291	सुदीप सेन	400,000	एनालाइसिस ऑफ़ द एक्सप्रेशन ऑफ़ मुकींस इन ह्यूमन ओरल मुकसल एपिथेलियल सेल्स (ओएमईसी) ऑन यूजिंग मायकोफेनोलेट मोफेटिल (एमएमएफ) इन विट्रो
ए–292	नलिन मेहता	495,000	मॉलिक्यूलर बेसिस ऑफ़ कैशनिक एंटी–माइक्रोबियल पेप्टाइड एक्शन ऑन ह्यूमन कीटोट्रोफोब्लास्ट सेल लाइन्स इन विट्रो
ए–293	वीरेश्वर भटनागर	480,000	ए कम्पेरेटिव कॉरिलेशन ऑफ़ सेरोलॉजिकल मार्कर्स ऑफ़ ऑटोइम्युन इंफ्लेमेशन विथ द इम्युनोहिस्टोकेमिस्ट्री ऑफ़ द लिवर इन बिलियरी एटिसिया
ए–294	दीपिका डेका	500,000	आइसोलेशन एंड कैरेक्टराइजेशन ऑफ़ मेसेंकाइमल स्टेम सेल्स फ्रॉम एमनीओटिक फ्लूइड एंड व्हर्टो जेली
ए–295	रीता माहे	470,000	टू इवेलुएट द रोल ऑफ़ नई रैपिड डायग्नोस्टिक मोडेलिटीस जीन–एक्सपर्ट एंड यूरिनरी लिपोरेबिनोमैनन्न (एलएएम) इन द डायग्नोसिस ऑफ़ जेनिटल ट्यूबरक्लोसिस इन इन्फर्टाइल कपल्सदृए प्रोस्पेक्टिव पायलट स्टडी
ए–296	ओ.पी. मूर्ति	480,000	द स्टडी द एल्कोहल प्रोडक्शन बाय माइक्रोब्स इन ब्लड एंड विट्रीयस ह्यूमर इन ह्यूमन बॉडी एंड ड्यूरिंग स्टोरेज ऑफ़ सैम्पल्स
ए–297	बिमल कुमार दास	400,000	टू इस्टेब्लिश ए रियल टाइम पीसीआर बेस्ड रैपिड एसे फॉर द डिटेक्शन ऑफ़ कौसेटिव पैथोजंस ऑफ़ एक्यूट बैक्टीरियल मैनिंजाइटिस
ए–298	अचल कुमार श्रीवास्तव	400,000	सीएसएफ टेस्टोस्टेरोन इन मोटर न्यूरॉन डिजीज
ए–299	एम. श्रीनिवास	450,000	कम्पेरिजन ऑफ़ वेरियस बिलिओ एन्टेरिक एनेस्टोमोसिस – अल्ट्रा स्ट्रक्चरल एवेल्यूएशन बाय इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी
ए–300	ए. शरीफ	450,000	एक्सपेरिमेंटल कोलोनिक डिवर्जन इन न्यू बोर्न रैट्स
ए–301	एम. डी. रे	60,000	रोल ऑफ़ टिस्सील (फाइब्रिन सीलेंट) इन इलियो इंगौनल ब्लॉक डिसेक्शन टू रिड्यूस द रेट ऑफ़ लिम्फेटिक ड्रेनेज एंड सेरोमा फॉर्मेशन, देयर बाय मोर्बिडिटी
ए–302	विजय शर्मा	400,000	इम्युनोलॉजिकल डिसरप्शन्स इन इंडियन ऑर्थोपैडिक ट्रॉमा पेशेंट्स एंड इट्स रोल इन फॉर्मूलेशन ऑफ़ डैमेज कंट्रोल आर्थोपेडिक्स गाइडलाइन्स
ए–303	तपोश के. दास	500,000	आइडेंटिफिकेशन एंड एवेल्यूएशन ऑफ़ फ्लोराइड इंड्यूस्ड नेफ्रोटॉक्सिसिटी मार्कर्स : ए डायग्नोस्टिक टूल फॉर अर्ली डिटेक्शन ऑफ़ फ्लोरोसिस
ए–304	रेणु भाटिया	250,000	इफ़ेक्ट ऑफ़ ट्रांसक्राइनाइल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन ऑन पैन स्टेटस ऑफ़ क्रोनिक टेंशन टाइप हेडक पेशेंट्स
ए–305	आशीष कुमार सैनी	350,000	माइक्रो आरएनए एक्सप्रेशन प्रोफाइल इन पेशेंट्स विद रीनल मास एंड देयर एसोसिएशन विद प्रोग्नोसिस
ए–306	प्रताप शरण	100,000	द डेवलपमेंट ऑफ़ ए कल्चरली सेंसिटिव कम्प्रेहेंसिव मेज़र एंड ए स्क्रीनिंग स्केल फॉर डिप्रेशन इन इंडिया, यूजिंग अन आइटम रेस्पोंस एप्रोच
ए–307	सचिन तलवार	500,000	इफ़ेक्ट ऑफ़ प्री–ऑपरेटिव एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ़ एलोपुरिनोल ऑन पोस्टपेरटिव ऑउटकमस इन पेशेंट्स अंडरगोइंग इंटरकार्डियक रिपेयर ऑफ़ टेट्रोलॉजी ऑफ़ फेलोट
ए–308	वी. सीनु	475,000	ए स्टडी ऑफ़ एपीजेनेटिक ऑफ़ ब्रेस्ट कैंसर बाय एवेल्यूएशन ऑफ़ टिश्यू साइट–स्पेसिफिक प्रमोटर डीएनए मेथीलेशन प्रोफाइल्स इन ब्रेस्ट कैंसर
ए–309	बिप्लब मिश्रा	300,000	ए स्टडी ऑफ़ रोल ऑफ़ लिम्फेनजिओजेनेसिस इन ब्रेस्ट कैंसर

बाह्य अनुसंधान परियोजना

अनुसंधान अनुभाग केंद्र प्रमुखों और विभागों के प्रमुख द्वारा अग्रेषित अ. भा. आ. सं. के संकाय / वैज्ञानिकों से परियोजना प्रस्तावों को प्राप्त करता है। यह अ. भा. आ. सं. में पालन किए जा रही प्रक्रिया के अनुसार वेटिंग के पहले चरण के लिए अनुसंधान अनुभाग के माध्यम से किए जाने वाले परियोजना प्रस्ताव के लिए अनिवार्य है। 2014–15 के दौरान, अनुसंधान अनुभाग ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से 71 करोड़ रुपए के बाह्य अनुसंधान समर्थन प्राप्त किया है। परियोजनाओं का ब्यौरा अलग – अलग विभागों और केंद्रों में दिया गया है।

अनुसंधान उपलब्धि की मान्यता

अनुसंधान अनुभाग 'अ. भा. आ. सं. उत्कृष्टता पुरस्कार' प्रदान करने के द्वारा अपने संकाय / वैज्ञानिकों के गुणवत्ता अनुसंधान परिणामों की पहचान करता है। निम्नलिखित पुरस्कार दिए गए हैं :

बुनियादी श्रेणी पुरस्कार

क्र. सं.	नाम, पद, विभाग	शोध पत्र / प्रकाशन का शीर्षक	जर्नल	पुरस्कार
1	टी सी नाग, आचार्य,एनाटॉमी	डिफरेंशियल इफेक्ट्स ऑफ़ प्रीनेटल क्रॉनिक हाई–डेसिबल नॉइज़ एंड म्यूजिक एक्सपोज़र ऑन द एक्सिटेटरी एण्ड इंहिबिटरी सिनेप्टिक कॉम्पोनेंट्स ऑफ़ द ऑडिटोरी कोर्टेक्स एनालॉग इन डेवलपिंग चिक्स (गैलस गैलस डोमेस्टिक्स)	न्यूरोसाइंस (एल्सेवियर)	द्वितीय
2	शर्मिष्ठा डे, सहायक आचार्य, जैव भौतिकी	सिंथेसिस एंड बायोलॉजिकल एवेल्यूएशन ऑफ़ नोवल पेप्टाइड बीएफ2 एज़ अन एंटीबैक्टीरियल एजेंट अगेंस्ट क्लिनिकल आइसोलेट्स ऑफ़ वेंकोमीसिन–रेसिस्टेंट एन्टेरोकोक्सी	जर्नल ऑफ़ मेडिसिनल केमिस्ट्री	द्वितीय
3	कुंजांग चोस्डोल, आचार्य, बायोकेमिस्ट्री	ए कॉम्बाइंड जीन सिग्नेचर ऑफ़ हाइपोक्सिया एंड नौच पाथवे इन ह्यूमन ग्लियोब्लास्टोमा एंड इट्स प्रोग्नोस्टिक रिलिवेंस	पीएलओएस वन	तृतीय
4	ए. के. डिंडा, आचार्य, पैथोलॉजी	ए कम्परेटिव स्टडी ऑन रीनल बायोप्सी बिफोर एण्ड ऑफ्टर लॉन्ग–टर्म कैलसिन्यूरिन इन्हिबिटर्स थेरेपी : अन इनसाइट फॉर पैथोजेनेसिस ऑफ़ इट्स टोक्सिसिटी	ह्यूमन पैथोलॉजी	तृतीय
5	डी. एन. राव, आचार्य, बायोकेमिस्ट्री	एवेल्यूएशन ऑफ़ मल्टीपल एंटीजेनिक पेप्टाइड्स बेस्ड ऑन द चिकनगुनिया ई2 प्रोटीन फॉर इम्प्रूव्ड सेरोलॉजिकल डायग्नोसिस ऑफ़ इन्फेक्शन	वायरल इम्मुनोलॉजी	प्रशस्ति प्रमाण पत्र
6	जागृति भाटिया, अपर आचार्य, फार्माकोलॉजी	टेलमिसरटन एमेलिओरटेस सिस्प्लाटिन–इंड्यूस्ड नेफ्रोटॉक्सिसिटी बाय इन्हिबिटिंग एमएपीके मेडिएटेड इंफ्लैमेशन एंड एपॉप्टोसिस	यूरोपियन जर्नल ऑफ़ फार्माकोलॉजी	प्रशस्ति प्रमाण पत्र

नैदानिक श्रेणी पुरस्कार

क्र. सं.	नाम और विभाग	शोध पत्र / प्रकाशन का शीर्षक	जर्नल	पुरस्कार
1	कामेश्वर प्रसाद, आचार्य, न्यूरोलॉजी	इंट्रावेनस ऑटोलोग्स बोन मेरो मोनोन्यूक्लियर स्टेम सेल थेरेपी फॉर इस्चेमिक स्ट्रोक : ए मल्टीसेन्ट्रिक, रेण्डमाइज्ड ट्रायल	स्ट्रोक जर्नल	प्रथम
2	राकेश लोढ़ा, अपर आचार्य, पीडियाट्रिक्स	फार्माकोकिनेटिक्स ऑफ़ आइसोनियाजिड, रिफेम्पिसिन, पीरजिनमीडे एण्ड इथेमबूटोल इन इंडियन चिल्ड्रन	बीएमसी इन्फेक्शस डिजीज	द्वितीय
3	सोमेश गुप्ता, अपर आचार्य, डर्मेटोलॉजी एण्ड वेनेरिओलॉजी	इंटरलेशनल इंजेक्शन ऑफ़ मायकोबैक्टीरियम डब्ल्यू वैक्सीन बनाम इमिक्वीमोड, 5 प्रतिशत क्रीम इन पेशेंट्स विथ एनोजेनिशियल वार्ट्स : ए रेण्डमाइज्ड क्लिनिकल ट्रायल	जेएएमए डर्मेटोलॉजी	द्वितीय
4	राजिंदर प्रसाद, आचार्य, सर्जरी	सिम्टोमेटिक आउटकम फॉलोइंग लेपेरोस्कोपिक हेलेर्स कार्डियोमायोटोमी विथ डोर फन्डोप्लीकेशन वर्सस लेपेरोस्कोपिक हेलर्स कार्डियोमयोटोमी विथ एंगल ऑफ़ हिज एक्सेंटुएशन : रिजल्ट्स ऑफ़ ए रेण्डमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल	जर्नल ऑफ़ सर्जिकल एंडोस्कोपी	तृतीय
5	नूपुर गुप्ता, सहायक आचार्य, ओफ्थेलमोलॉजी	प्रीवलेन्स ऑफ़ कॉर्नियल डिजीज इन द रूरल इंडियन पॉपुलेशन : द कॉर्नियल ऑपेसिटी रूरल एपिडेमिओलॉजिकल (सीओआरई) स्टडी	बीजेओ	द्वितीय
6	सी. एस. बाल, आचार्य, न्युक्लियर मेडिसिन	177 एलयू–ईडीटीएमपी फॉर पैलिएशन ऑफ़ पैन फ्रॉम बोन मेटास्टेसिस इन पेशेंट्स विथ प्रोस्टेट एंड ब्रेस्ट कैंसर : ए फेज 2 स्टडी	यूरोपियन जर्नल ऑफ़ न्युक्लियर मेडिसिन एंड मॉलिक्यूलर इमेजिंग	प्रशस्ति प्रमाण पत्र
	रचना मील, सहायक आचार्य, ओफ्थेल्मोलॉजी,	रेण्डमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल इन ग्रुप्स सी एंड डी रेटिनोब्लास्टोमा	जर्नल ऑफ़ अमेरिकन एकेडमी ऑफ़ ओफ्थेल्मोलॉजी	प्रशस्ति प्रमाण पत्र
	रश्मि रामचंद्रन, अपर आचार्य, एनेस्थेसिओलॉजी, पैन मेडिसिन एंड क्रिटिकल केयर	एण्डोट्रेकीयल इंट्यूबेशन विथ इंट्यूबेटिंग लेरिंजियल मास्क ऐरवे (आईएलएमए) ™, सी–ट्रैक ™, एंड कोबरा पीएलए ™ इन सिमुलेटेड सर्विकल स्पाइन इंजरी पेशेंट्स : ए कम्पेरेटिव स्टडी	जर्नल ऑफ़ एनेस्थेसिया	प्रशस्ति प्रमाण पत्र
	विनय गुप्ता, अपर आचार्य, ऑफ्थेलमोलॉजी	रिस्क ऑफ़ पेरिमेट्रिक ब्लाइंडनेस अमंग जुवेनाइल ग्लूकोमा पेशेंट्स	जर्नल ऑफ़ ओफ्थेल्मिक एण्ड फिजियोलॉजिकल ऑप्टिक्स	प्रशस्ति प्रमाण पत्र

अन्य गतिविधियां

निम्नलिखित गतिविधियां संकाय / वैज्ञानिकों के लाभ के लिए आरंभ की गई हैं।

1. नैदानिक अन्वेषक विकास कार्यक्रम : प्रधान अन्वेषक के रूप में कार्य।
2. स्नातकोत्तर छात्रों के लिए अनुसंधान विधि पर पाठ्यक्रम

9.1 संवेदनाहरण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

चन्द्रलेखा (28 फरवरी 2015 तक)   महेश कुमार अरोड़ा (1 मार्च 2015 से)

आचार्य

रविन्द्र कुमार बत्रा	राजेश्वरी सुब्रमणियम	अंजन त्रिखा
माया देहरान	दिलीप आर. शिंदे	लोकेश कश्यप
गंगा प्रसाद	विरेन्द्र कुमार मोहन	विम्मी रेवाड़ी

अपर आचार्य

वनलाल दारलोंग	रेणु सिन्हा	ज्योत्सना पुंज
बबिता गुप्ता	रविन्द्र कुमार पांडे	अंजोली छाबड़ा
छवी साहनी	रश्मि रामचन्द्रन	

सह–आचार्य

अमर पाल भल्ला

सहायक आचार्य

दालिम कुमार बैद्य	देवलीना गोस्वामी	नवीन यादव
प्रीत मोहिंदर सिंह	पुनीत खन्ना	बिकाश रंजन रे
अनिल अग्रवाल	राहुल आनंद	प्रवीन तलवार
देबेश भोई		अजीत कुमार

उपलब्धियां

प्रोफेसर एम. के. अरोड़ा ने 1 मार्च 2015 को विभाग के प्रमुख के रूप में पदभार संभाल लिया है। संकाय सदस्यों ने नैदानिक कार्य, शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में सक्रिय रूप से रुचि ली। तीन वित्त पोषित परियोजनाएं पूरी की गई थी और 6 वित्त पोषित परियोजनाएं एम्स या आई सी एम आर से वित्तीय समर्थन से शुरू की गई थी। विभाग द्वारा 8 अंतर्विभागीय अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य जारी है और ऐसी 7 परियोजनएं पूरी हो गई है। विभाग 32 अनुसंधान परियोजनाओं (गैर – वित्त पोषित) को पूरा करने और रोगी देखभाल के उच्च मानकों के रखरखाव के लिए इसके अलावा 40 नई परियोजनाओं को आरंभ करने के लिए सक्षम थे। विभाग ने बहु अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध वक्ताओं / शैक्षणिकों से जुड़े 3 सम्मेलन / कार्यशालाओं / सीएमई का आयोजन किया। कई विभागीय संकाय ने संवेदनाहरण विज्ञान की दिशा में उनके योगदान के लिए विभिन्न सरकारी एजेसियों से राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता / पुरस्कार प्राप्त किया।

संकाय सदस्यों ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चुनौती पूर्ण विषयों पर लगभग 100 वार्ताएं दी। विभाग के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 73 शोध पत्र प्रकाशित हुए। इसके अलावा, कई संकाय सदस्यों को विभिन्न प्रतिष्ठित राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के संपादकीय बार्डों के लिए निर्वाचित / पुनः नियुक्ति किया गया था। वर्तमान वर्ष में हमारे संस्थान द्वारा लक्षित उच्च मानकों को ध्यान में रखते हुए संवेदनाहरण के क्षेत्र में प्रगति के मार्ग को चिहि्नत है।

शिक्षा

विभाग ने स्नातक पूर्व और स्नातकोत्तर छात्रों और एम.एससी और बी.एससी नर्सिंग छात्रों दोनों के शिक्षण को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाया है।

क्र. सं.	वर्ग / शिक्षण सत्र	संख्या
1.	एमबीबीएस छात्र (6वां सेमेस्टर)	16
2.	स्नाकोत्तर शिक्षण कार्यक्रम	
	संगोष्ठियां	32
	प्रकरण प्रस्तुतीकरण	38
	पत्रिका क्लब	32
	शिक्षण	30
	अंतिम सेमेस्टर परीक्षा (व्यावहारिक + थ्योरी)	प्रत्येक 6 माह
	सिम्युलेटर सत्र	12
3.	नर्सिंग छात्र (एमएससी और बीएससी)	22

इसके अलावा, विभाग ने प्रचालन कक्ष के अंदर शिक्षण पर ध्यान केंद्रित किया है जो एमबीबीएस छात्रों, इंटर्न, स्नातकोत्तर छात्रों, प्रचालन कक्ष तकनीशियन और नर्सिंग छात्रों (दोनों एमएससी और बीएससी) के लिए व्यावहारिक कौशल प्रदान करना शामिल है।

विभाग द्वारा आयोजित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. आईएनसीआरएए – 3, 6–8 अप्रैल 2014, एम्स, नई दिल्ली।
2. सोसायटी ऑफ कार्डियक एनेस्थिसियोलॉजी का 5वां वार्षिक सम्मेलन – दिल्ली और एनसीआर और कार्डियक एनेस्थिसिया विभाग (9वां तल), एम्स, नई दिल्ली के सहयोग से 31 अगस्त 2014 को वर्ल्ड सिमुलेशन सोसायटी का शुभारंभ।
3. एम्स अल्ट्रासाउंड क्षेत्रीय संवेदनाहरण कार्यशाला, 28–29 मार्च 2015, एम्स, नई दिल्ली।

प्रदत्त व्याख्यान

महेश कुमार अरोड़ा : 3
रविन्द्र कुमार बत्रा : 12
राजेश्वरी सुब्रमाणियम : 19
अंजन त्रिखा : 16
दिलीप शिंदे : 4
विरेन्द्र कुमार मोहन : 2
अंजोली छाबड़ा : 7
छवि साहनी : 3
रश्मि रामचन्द्रन : 3
अमर पाल भल्ला : 1
दालिम कुमार बैद्य : 1
देवलीना गोस्वामी : 2
नवीन यादव : 3
प्रीत मोहिंदर सिंह : 4
पुनीत खन्ना : 2
बिकाश रंजन रे : 4
अनिल अग्रवाल : 1
राहुल आनंद : 1
प्रवीन तलवार : 2
देबेश भोई : 2
अजीत कुमार : 2

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र / पोस्टर : 12

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. लैरिंजियल सर्जरी करवा रहे वयस्कों में टीसीआई – टीआईवीए के साथ टाइट्रेटिंग एनेस्थेटिक आवश्यकताओं के लिए एंट्रॉपी निगरानी। अंजोली छाबड़ा, एम्स आंतरिक परियोजना। 3 वर्ष, मार्च 2011 – अप्रैल 2014, 80,000 रुपए।
2. तंत्रिका संकेतिक मॉनिटर इलेक्ट्रोमायोग्राफी एंडोट्रेकियल ट्यूब के साथ इंटुबेशन के समय में लार्यंजियल एडुक्टर बनाम एडुक्टर पॉलिसिस के पक्षाघात की तुलना। ज्योत्सना पुंज, आंतरिक अनुदान, एम्स, 1 वर्ष 2011–14, 2 लाख रुपए।

3. सामान्य संज्ञाहरण और बीआईएस के साथ सेवोफ्लुरेंस के मैक के सहसंबंध के तहत सहज सांस लेने वाले बच्चों में कम नेत्र प्रक्रिया के दौरान मध्य आंख की स्थिति के अनुरक्षण के लिए सेवोफ्लुरेन और बिसपेक्ट्रल के मिनिमम एलवेयोलर कंसेंट्रेशन (मैक) का मूल्यांकन। रेणु सिन्हा, एम्स, 1 वर्ष, 2014–15, 1 लाख रुपए।

जारी

1. स्टेट एंट्रॉपी 50 से कम के लिए बाउंस क्लिनिकल मानदंड और एफई/एफआई=0.8 के निम्न प्रवाह संज्ञाहरण की तुलना करने के लिए समय का अर्थ। डॉ. ज्योत्सना पुंज। एम्स आंतरिक, 1 वर्ष, 5 लाख रुपए।
2. सर्जरी करवाने वाले रोगियों में रक्तस्रावी आघात में रक्त आधान प्रोटोकॉल और कॉएगुलेशन स्थिति, प्रोटीन सी और प्रोटीन एस मात्राओं का मूल्यांकन। डॉ. नवीन यादव, एम्स आंतरिक, 1 वर्ष, 2014–15, 4,93,000 रुपए।
3. शल्य गहन चिकित्सा इकाई में ट्रॉमा रोगियों में तीव्र गुर्दे चोट (एकेआई) के एक प्रारंभिक नैदानिक मार्कर के रूप में प्लामा और यूरिन नियूट्रोफिल गेलेटिनेस एसोसिएटेड लिपोकैलिन (एनजीएएल) का मूल्यांकन। डॉ. बबिता गुप्ता, आईसीएमआर, 2 वर्ष, जुलाई 2014 – जून 2016, 18 लाख रुपए।
4. रोबोटिक यूरोलॉजिकल सर्जरी में न्यूरोएंडोक्राइन स्ट्रेस प्रतिक्रिया : डेक्समेडेटोमाइडिन आधारित बनाम फेंटनायल आधारित कुल इंट्रावेनस एनेस्थिसिया। आंतरिक एम्स अनुसंधान अनुदान 2012–13 प्राप्ति। डॉ. रश्मि रामाचंद्रन। एम्स, आंतरिक निधियां 2012–2013, जारी, 2012 तक, 5 लाख रुपए।
5. लिइनो – रिनल शंट सर्जरी में इंफ्लेमेटरी प्रतिक्रिया में कमी करने में ट्रांसक्सामिक एसिड की प्रभाविकता का मूल्यांकन करना – एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लासेबो नियंत्रण अध्ययन। डॉ. रविंदर कुमार पांडे, अ. भा. आ. सं., 5 माह, नवंबर 2014 – मार्च 2015. 5 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. वयस्क ल्यूम्बोसक्रल स्पाइन सर्जरी में ऑपरेशन पूर्व एनलजेसिया प्रदान करने हेतु अल्ट्रासाउंड निर्देशित कौडल मॉर्फिन की प्रभावकारिता : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
2. निचले तीसरे दाढ़ निकासी में बेंजायडामिन हाइड्रोक्लोराइड ओरल राइनसेस के उपयोग साथ और उसके बिना ओरल एनाल्जेसिक की आवश्यकता और रोगी की संतुष्टि का मूल्यांकन : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण पायलट अध्ययन।
3. सामान्य एनेस्थिसिया के तहत मैडिबुलर फ्रेक्चर सर्जरी में ऑपरेशन पूर्व दर्द से राहत के लिए ऑपरेशन पूर्व प्रीम्पटिव एनाल्जेसिक के रूप में एटोरियाक्सिब (90मि.ग्रा. और 120 मि.ग्रा.) की दो खुराक का तुलनात्मक मूल्यांकन : एक यादृच्छिक, भावी डबल ब्लाइंड प्लसेबो नियंत्रित परीक्षण।
4. एनेस्थिसिया दिए गए बच्चे में फेसमास्क बनाम लार्यंजियल मास्क एयरवे के साथ इंट्रोओक्यूलर दबाव परिवर्तन की तुलना।
5. लैप्रोस्कोपिक डोनर नेफ्रेक्टॉमी करवा रहे रोगियों में इंट्राथेकल मॉर्फिन बनाम टीएपी ब्लॉक की तुलना।
6. मस्टेक्टॉमी करवा रही महिलाओं में पैरावेर्टेब्रल ब्लॉक के लिए अल्ट्रासाउंड निर्देशित बनाम लैंडमार्क तकनीक की तुलना।
7. सबरैकनॉइड ब्लॉक के तहत कुल घुटने प्रतिस्थापन अर्थोप्लास्टी करवा रहे रोगियों में ऑपरेशन पूर्व एनाल्जेसिया के लिए फेमोरल तंत्रिका ब्लॉक में एक सहायक के रूप में डेक्सामेडोटोमाइन का प्रभाव – एक खुराक प्रतिक्रिया का अध्ययन।
8. सीजेरियन सेक्शन के बाद पीठ दर्द की घटना और जोखिम कारक : एक संभावित अवलोकन अध्ययन।
9. वयस्कों में प्रोपोफॉल के साथ एनेस्थिसिया के शामिल होने के बाद एलएमए प्रोसियल प्रविष्टि का इष्टतम समय : एक यादृच्छिक समय प्रतिक्रिया का अध्ययन।
10. लाइव डोनर ओपन नेफ्रेक्टॉमी करवा रहे रोगियों में ऑपरेशन पूर्व दर्द से राहत के लिए पैरावेर्टेब्रल ब्लॉक और ट्रांसवेरेसेस एब्डोमिनिस प्लान ब्लॉक : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
11. ऊपरी वायु मार्ग सर्जरी करवा रहे ऑब्स्ट्रेक्टिव स्लीप एपनिया रोगियों के ऑपरेशन पूर्व जटिलताएं : एक पूर्वव्यापी विश्लेषण।
12. लेइनो – रिनल शांट सर्जरी में इंफ्लेमेटरी प्रतिक्रिया को कम करने में टरनेक्सामिक एसिड की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना : एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लासेबो नियंत्रित अध्ययन।

13. इंट्रा और पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया आवश्यकता में कमी करने का अध्ययन करना और स्थिरीकरण से गुजर रहे पेल्विक एसेटेबुलर चोट वाले रोगियों में प्री–इमप्टिव इंट्राथेकल मॉर्फिन के बाद स्वास्थ्य लाभ की गुणवत्ता।
14. एक विकासशील देश में स्तर 1 ट्रॉमा सेंटर में कूल्हे के फ्रैक्चर वाले वृद्ध रोगियों के ऑपरेशन पूर्व प्रबंधन में ऑपरेशन पूर्व एकोकार्डियोग्राफी की भूमिका का अध्ययन करना और हश्दय का मूल्यांकन : एक पूर्वव्यापी अध्ययन।
15. वैकल्पिक सर्जर के लिए मधुमेह और गैर मधुमेह वाले लोगों में 6 और 8 घंटों के लिए उपवास के बाद गैस्ट्रिक की मात्रा का अल्ट्रासोनिक मूल्यांकन।
16. स्तन सर्जरी में परवेर्टेब्रल पेक्टोरेलिस ।। और सेरेट्स एंटेरियर प्लान ब्लॉक : स्थानीय एनेस्थेटिक और ऑपरेशन पश्चात एनाल्जेसिया का प्रसार।
17. ट्रांसपेरिटोनियल और रेट्रोपेरिटोनियोस्कोपिक दश्ष्टिकोण के माध्यम से लैपेरोस्कोपिक नेफ्रेक्टोमी का एनेस्थेटिक निहितार्थ – एक संभावित अवलोकन अध्ययन।
18. सिंगल इंसिजन लेप्रोस्कोपिक कोलेकायस्टोमी (एसआईएलसी) करवा रहे वयस्क रोगियों में ट्रांसवर्सिस एब्डोमिनल प्लान (टीएपी) ब्लॉक के एनाल्जेसिक प्रभावकारिता।
19. शिशुओं में एपिग्लॉटिस के एनाटोमिकल मूल्यांकन : एक संभावित अवलोकन अध्ययन।
20. बाल चिकित्सा रोगियों में गुर्दे की सर्जरी के लिए सिंगल शॉट परवेर्टेब्रल ब्लॉक के साथ कौंडल एपीड्यूरल ब्लॉक की तुलना।
21. अस्वस्थ मोटापे से ग्रस्त रोगियों में इंटुबेशन के लिए मैकइंटोश लार्यंजोस्कोप, मैककॉय लार्जजोस्कोप और ग्लिडेस्कोपेविडियो लार्जंगोस्कोप के प्रभाव और सुरक्षा की तुलना।
22. उच्च रक्तचाप से ग्रस्त रोगियों में ओरोट्रेकियल इंटुबेशन का अनुपालन करने वाले हिमोडायनेमिक प्रतिक्रिया और अपर एयरवे मोर्बिडिटी की तुलना – मैसिंटोश डायरेक्ट लार्जजोस्कोप बनाम ग्लिडेस्कोपेविडियोलार्यंजोस्कोप।
23. एनेस्थिसिया दिए गए बच्चे में फेसमास्क बनाम लार्यंजियल मास्क एयरवे के साथ इंट्रोओक्यूलर दबाव परिवर्तन की तुलना।
24. असफल प्रयासों के बाद रेडियल आर्टरी केन्यूलेशन के लिए नाइट्रोग्लिसरीन (एनटीजी), लिग्नोकेन सबक्यूटेनियस पेरिवेस्कुलर इंफिल्ट्रेशन की तुलना – यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
25. स्तन सर्जरी करवा रहे रोगियों में एनेस्थिसिया प्रदान करने के लिए परवर्टेब्रल ब्लॉक निर्देशित अल्ट्रासाउंड के साथ एनाटोमिकल लैंडमार्क तकनीक द्वारा प्रदर्शित पर परवर्टेब्रल की तुलना।
26. लाइव डोनर ओपन नेफ्रेक्टोमी में ऑपरेशन पश्चात दर्द से राहत के लिए ट्रांसवर्स एब्डोमिनिस प्लान ब्लॉक के साथ परवर्टेब्रल ब्लॉक की तुलना।
27. सर्जरी द्वारा प्रसव के बाद एनाल्जेसिक आवश्यकता के साथ ऑपरेशन पूर्व दर्द भविष्यवाणी प्रश्नावली, सीरम प्रोजेस्टेरोन और सीरम प्रोलेक्टिन स्तरों के बीच सहसंबंध – एक प्रारंभिक अध्ययन।
28. लैप्रोस्कोपिक कोलेकायस्टेक्टोमी करवा रहे रोगियों में पीओएनवी की घटनाओं को कम करने में प्रभावी 5 प्रतिशत डेक्सट्रोज के ऑपरेशन पूर्व क्रियान्वयन करता है : एक भावी, डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।
29. नेत्र सर्जरी करवा रहे बच्चों में समय को बदलने के लार्यंजियल मास्क एयरवे पर निम्न प्रवाह डेसफ्लुरेंस एनेस्थिसिया निर्देशित एंट्रॉपी का प्रभाव – एक भावी, यादृच्छिक, तुलनात्मक अध्ययन।
30. पेरिबुलबर ब्लॉक के तहत ट्रेबेकुलेक्टॉमी सर्जरी में डेक्समेडिटोमेडिन की प्रभावकारिता : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
31. अल्ट्रासोनोग्राफी का उपयोग कर रोगियों में मैकेनिकली वेंटिलेटेड में सेंट्रल वेनस के गैर आक्रामक आकलन : दो तकनीकों की तुलना।
32. जीवन संबंधित गुर्दे प्रत्यारोपण के दौरान प्रारंभिक ग्राफ्ट फंक्शन पर फ्लुइड हाइड्रेशन के प्रकार का प्रभाव।
33. एंडोट्रेकियल इंटुबेशन के लिए विश्वसनीय उपकरण के रूप में अल्ट्रासाउंड का उपयोग जब नौसिसिए एनेस्थेसिया रेजीडेंटों द्वारा प्रदर्शन किया गया – एक संभावित अवलोकन अध्ययन।
34. सामान्य एनेस्थिसिया के तहत लैप्रोस्कोपिक स्त्री रोग प्रक्रियाओं में ऑपरेशन करवा रहे रोगियों में ट्रांसवर्सेस एब्डोमिनिस प्लान (टीएपी) निर्देशित अल्ट्रासाउंड के लिए क्वाडरेट्स ल्यूम्बोरम ब्लॉक निर्देशित अल्ट्रासाउंड के एनाल्जेसिक प्रभावकारिता की तुलना करना।

35. स्थायी स्थिति और पार्श्व डिक्यूबिट्स स्थिति के साथ पार्श्व डिक्यूबिट्स स्थिति में संशोधित 45 डिग्री पर उठाई हुई स्थिति में निम्नलिखित परिणामों की तुलना करना।
36. वयस्क गुर्दे प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में अल्ट्रासाउंड निर्देशित ट्रांसवर्सेस एब्डोमिनिस ब्लॉक में रोपिवेक्सीन के लिए एक सहायक के रूप में क्लोनिडाइन की प्रभावकारिता का अध्ययन करना – एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
37. प्रारंभिक स्प्लेनिक अर्टेरी लिगेशन करवा रहे रोगियों में स्प्लेनेक्टोमी के को+डी2:डी24इम्प्लीकेशन्स का अध्ययन करना।
38. यूनिलेटरल टोटल नी अर्थोप्लास्टी के लिए टीआईवीए बनाम एसएबी। डिचार्ज के लिए तत्परता के लिए स्वास्थ्य लाभ रूपरेखा और समय का अध्ययन।
39. सर्जरी सत्र करवा रहे ऑस्टेट्रिक रोगियों में लंबर पंक्चर की सफलता की दर पर पार्श्व डिक्यूबिटस स्थिति में संशोधित 45 डिग्री पर उठाई हुई स्थिति का प्रभाव।
40. टूनिकेट डिफ्लेशन के बाद सर्जरी क्षेत्र, प्रणालीगत और चयापचय परिर्वतनों की तुलना द्वारा पीडियट्रिक एक्स्ट्रेमिटी सर्जरी में टूनिकेट कफ प्रेशर आवश्यकता के न्यूनतम प्रभाव का मूल्यांकन करना। तीन विभिन्न टूनिकेट कफ प्रेशर की तुलना करने के लिए एक भावी यादश्च्छिक अध्ययन।

पूर्ण

1. पैर की सर्जरी करवा रहे बच्चों में ऑपरेशन पश्चात एनाल्जेसिया के लिए कौडल एपीड्यूरल ब्लॉक और पोप्लिटियल नर्व ब्लॉक के बीच तुलना।
2. बच्चों में इलियोंगुइनल / इलियोहाइपोगेस्ट्रिक ब्लॉक के अनुपालन में ऑपरेशन पूर्व एनाल्जेसिया के लिए ओरल बनाम रिजनल क्लोनाइडिन के प्रभावकारिता की तुलना।
3. नवजात शिशुओं में ग्लूकोज होमियोस्टेसिस और इलेक्ट्रोलाइट संतुलन पर अंतर–शल्य चिकित्सा तरल पदार्थ परहेजों से युक्त विभिन्न डेक्सट्रोज की तुलना
4. ट्रांसोरल रोबोटिक सर्जरी के लिए टोटल इंट्रा वेनस एनेस्थिसिया और संतुलित एनेस्थिसिया की तुलना : एक भावी यादश्च्छिक अध्ययन।
5. सर्जिकल प्रक्रियाओं से गुजर रहे बच्चों में लियोइंगुइनल – लियोहाइपोगैस्ट्रिक नर्व ब्लॉकैड के लिए अल्ट्रासाउंड निर्देशित बनाम लैंडमार्क आधारित तकनीक की तुलना।
6. संशोधित रैडिकल मास्टेक्टोमी में निरंतर थोरैसिस परवर्टेब्रल इंफ्यूजन : फैंटनील के साथ और उसके बना रोपिवैक्सीन के लिए प्रभावकारिता की तुलना करने हेतु यादश्च्छिक, भावी, डबल ब्लाइंड।
7. एसएबी के अंतर्गत टीकेआर करवा रहे रोगियों में ऑपरेशन पूर्व एनाल्जेसिया के लिए फेमोरल नर्व ब्लॉक में एक सहायक के रूप में डेक्सामेडेटोमाइडिन का प्रभाव – एक खुराक प्रतिक्रिया का अध्ययन।
8. सबरैकनॉइड ब्लॉक के अंतर्गत टोटल नी रिप्लेसमेंट अर्थोप्लास्टी करवा रहे रोगियों में ऑपरेशन के पूर्व एनाजेसिया के लिए फेमोरल नर्व ब्लॉक में बुपिवैक्सीन के लिए एक सहायक के रूप में डेक्सामेडिटोमाइडिन का प्रभाव : एक खुराक प्रतिक्रिया का अध्ययन।
9. विभिन्न समय अंतरालों में प्रोपोफॉल की प्रस्तावित खुराक को कमी करने पर फैंटनील 2 माइक्रो ग्राम / कि.ग्रा. का प्रभाव।
10. रोबोटिक यूरोलॉजिकल सर्जरी में तंत्रिका अंतःस्रावी तनाव की प्रतिक्रिया : डेक्सामेडेटोमाइडिन आधारित बनाम फैंटनील आधारित टोटल इंट्रावेनस एनेस्थिसिया (पूर्ण)
11. टोटल लैप्रोस्कोपिक हाइस्टेरेक्टोमी के लिए इंट्राथेकल मॉर्फिन के कम खुराक की सुरक्षा और प्रभावकारिता।
12. असंवेदनकृत पैरेलाइज्ड रोगियों में पीईईपी के विभिन्न स्तरों में दाएं अंदरूनी गले की नस और कैरोटिड धमनी का सोनोएनाटोमिकल विश्लेषण।
13. स्थानीय एनेस्थेटिक इंफिल्ट्रेशन के अंतर्गत ओपन इंगुइनल हर्निया को ठीक करवा रहे वयस्क रोगियों में रोपिवसेने के साथ ट्रांसवर्सस एब्डोमिनिस प्लान (टीएपी) ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता का आकलन करना।
14. पूरे कूल्हे के प्रत्यारोपण सर्जरी करवा रहे एंकायलासिंग स्पॉन्डिलाइटिस के रोगियों में ऑपरेशन पश्चात दर्द से राहत के लिए कौडल रूट के माध्यम से 0.25 प्रतिशत बुपिवेकैन के अलावा या 500एमसीजी /केजी मॉर्फिन प्रबंधन के साथ संयोजन के प्रभावकारिता की तुलना करना।

15. स्थानीय संज्ञाहरण के तहत किए गए एमटीपी के साथ लैप्रोस्कोपिक ट्यूबल लाइगेशन में डेक्सामेडेटोमाइडिन की सुरक्षा और प्रभावकारिता की तुलना करना।
16. एकतरफा टोटल नी आर्थोप्लाटी में बुपिवेकैन के साथ इंट्राथेकल मॉर्फिन और फैंटनील के संयोजन के प्रभाव का मूल्यांकन करना।
17. पार्श्व दीवार से जुड़े मूत्राशय ट्यूमर के ट्रांसयूरेथ्रल रिसेक्शन के दौरान मांसपेशियों के ऐंटन को नियंत्रित करने में ऑब्टुरेटर तंत्रिका ब्लॉक की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना : तंत्रिका स्टीमुलेटर बनाम अल्ट्रासाउंड निर्देशित तकनीक।
18. मुख्य आर्थोस्कोपिक नी सर्जरी में डेक्सामेडिटोमाइडिन की सुरक्षा और प्रभावकारिता का अध्ययन करना।
19. वयस्कों में प्रोपोफॉल के साथ एनेस्थिसिया देने के बाद एमएलए प्रोसियल प्रविष्टि का इष्टतम समय : एक यादृच्छिक समय प्रतिक्रिया का अध्ययन।
20. विभिन्न बाल चिकित्सा आयु वर्ग में सेवोफ्लुरेन आगमन के बाद इंट्रावेनस केन्युलेशन को सफल बनाने के लिए समय का तुलनात्मक मूल्यांकन।
21. शिशु में एयर–क्यू इंटुबेटिंग लार्यंजियल एयरवे और अम्बु एलएमए की प्रदर्शन और प्रभावकारिता की तुलना।
22. असंवेदनकृत और पंगु शिशुओं और बच्चों में एयर–क्यू इंटुबेटिंग लार्यंजियल एयरवे और फ्लेक्सीबल लार्यंजियल मास्क एयरवे के प्रदर्शन और प्रभावकारिता की तुलना।
23. बाल चिकित्सा रोगियों में सी–मैक वीडियोलार्यंजोस्कोपी स्ट्रेट ब्लेड के साथ एंडोट्रेकियल इंटुबेशन के लिए दो तकनीकों की सफलता की तुलना : एक यादश्च्छिक अध्ययन।
24. लेप्रोस्कोपिक हाइस्टेरेक्टोमी करवा रहे रोगियों में ऑपरेशन पूर्व अंतः स्रावी तनाव प्रतिक्रिया और एनाल्जेसिक आवश्यकता पर इंट्राथेकल मॉर्फिन का प्रभाव।
25. स्थानीय एनेस्थिसिया के तहत ट्यूबल लाइगेशन करवा रहे रोगियों में एनाल्जेसिया प्रदान करने में डेक्साडेटोमाइडिन की प्रभावकारिता और सुरक्षा।
26. स्थानीय एनेस्थिसिया के तहत इंगुइनल हार्निया को ठीक करवा रहे रोगियों में ऑपरेशन पूर्व एनाल्जेसिया को बढ़ावा देने में सिंगल शॉट टीएपी की प्रभावकारिता।
27. पीडियट्रिक मोतियाबिंद में अट्रेक्यूरियम की न्यूनतम खुराक का मूल्यांकन
28. वयस्कों में एलएमए प्रोसियल को हटाने का इष्टतम समय : आसोफ्लुरेन के तीन विभिन्न मैक मूल्य की तुलना।
29. इंटर्नल जुगुलर वेन कैन्युलेशन निर्देशित यूएस के लिए नोवल मेडियल ऑब्लिक और क्लासिक शॉर्ट एक्सि व्यू की तुलना।
30. कार्डियो पल्मोनरी रोक के उच्च जोखिम में रोगियों के परिवार के सदस्यों के लिए बुनियादी जीवन सहायता पर वीडियो प्रशिक्षण कार्यक्रम बनाम मैनेक्वाइन प्रदर्शन के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए तुलनात्मक अध्ययन।
31. इन–विट्रा फार्टिलाइजेशन के परिणाम पर एनास्थिसिया के प्रभाव का पूर्वव्यापी विश्लेषण।
32. यूनिलेटरल टोटल नी आर्थोप्लास्टी के लिए टोटल इंट्रावेनस एनास्थिसिया बनाम सिंगल शॉट स्पाइन एनस्थिसिया का तुलनात्मक अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. सीजेरियन सेक्शन के बाद पीठ दर्द की घटना और जोखिक कारक : एक संभावित अवलोकन अध्ययन (स्त्री रोग और प्रसूति विज्ञान)।
2. एकल चीरा लेप्रोस्कोपिक सर्जरी (एसआईएलएस) बनाम पारंपरिक 4–पोर्ट कोलेकाइस्टेक्टोमी (सामान्य सर्जरी) करवा रहे रोगियों में परिणामों की तुलना (सामान्य सर्जरी)।
3. ओपन बनाम लेप्रोस्कोपिक डोनर नेफ्रेक्टोमी करवा रहे रोगियों में दर्द और अस्पताल में रहने की तुलना (सामान्य सर्जरी)।
4. ओपन बनाम लैप्रोस्कोपिक हार्निया को ठीक करने में टेस्टीकुलर दर्द और पुराने कमर दर्द की तुलना (सामान्य सर्जरी)
5. टेकर्स के साथ या उसके बिना लेप्रोस्कोपिक इंकिसियोनल और वेंट्रल हार्निया के दीर्घावधि परिणामों और गुणवत्ता की तुलना (सामान्य सर्जरी)।

6. ॲब्जोविबल बनाम नॉन ॲब्जोविबल सुटुरेस का उपयोग से लेप्रोस्कोपिक इंकिसियोजनल हार्निया को ठीक करने के बाद परिणामों की तुलना (सामान्य सर्जरी)।
7. स्टेरॉइड उपचारित इंफ्लेमेटरी बॉवेल रोग के रोगियों के लिए ऑपरेशन पूर्व निम्न खुराक स्टेरॉइड का मूल्यांकन (जीआई सर्जरी)।
8. निम्न दबाव बनाम उच्च दबाव लेप्रोस्कोपिक कोलेकाइस्टेक्टोमी (सामान्य सर्जरी)।

पूर्ण

1. ऊपरी वायु मार्ग सर्जरी करवा रहे ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया रोगियों के ऑपरेशन पूर्व जटिलाएं : एक पूर्वव्यापी विश्लेषण। (मैक्सिलोफेशियल सर्जरी)।
2. एसेसमेंट ऑफ द इफिसेसी ऑफ लैप्रोस्कोपिक एप्रोच फॉर एपेंडिसक्टोमी एंड ओर्कियोपेक्सी एक्रॉस द पीडियट्रिक एज एंड साइज (क्वाटिंटेटेड एज बॉडी सरफेस एरिया) स्पेक्ट्रम (पीडियाट्रिक सर्जरी)
3. लेप्रोस्कोपिक कोलेसिसस्टेक्टोमी में आर्टेरियल कार्बोन डाइऑक्साइड पर लॉ प्रेशर न्यूमोऑपेरिटोनियम बनाम कंवेंशनल प्रेशर न्यूमोऑपेरिटोनियम की तुलना (सामान्य सर्जरी)।
4. बाल चिकित्सा मोतियाबिंद सर्जरी में तंत्रिका मांसपेशियों के अवरुद्ध एजेंट की न्यूनतम खुराक का मूल्यांकन : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (नेत्र विज्ञान)।
5. मल्टीडिटेक्टर रॉ कम्प्यूटेड टोमोग्राफी इमेजिंग वॉलुमेट्री का उपयोग कर मधुमेह की नई शुरूआत के जोखिम के साथ न्यूमोऑपेरिटोनियम के अनुपालन में पैक्रियाटिक पैरेन्काइमा में सह–संबंधी कमी करना (जीआई सर्जरी और यकृत प्रत्यारोपण)।
6. बाल चिकित्सा मोतियाबिंद सर्जरी में तंत्रिका मांसपेशी अवरुद्ध एजेंट की न्यूनतम खुराक का मूल्यांकन : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (नेत्र विज्ञान)।
7. फियोक्रोमोसाइटोमा के ऑपरेशन पूर्व प्रबंधन और रोगी परिणामों पर इसके प्रभाव (मूत्र रोग विज्ञान)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 76 **पुस्तकों में अध्याय : 6** **पुस्तकें : 1**

रोगी उपचार

ऑपरेशन कक्ष

विभाग	जीए / एमएसी के अंतर्गत किए गए मामलों की संख्या	विभाग	जीए / एमएसी के अंतर्गत किए गए मामलों की संख्या
दंत शल्य चिकित्सा	114	मातृत्व	2797
आपातकालीन	4782	ऑफ्थेल्मिक	7548
नाक, कान व गला	1062	ऑर्थोपीडिक्स	2898
सामान्य शल्य चिकित्सा	3005	बाल शल्य चिकित्सा	1643
जीआई सर्जरी	333	दर्द	356
प्रसूति विज्ञान	1055	मूत्र रोग विज्ञान	1271
आईवीएफ	461		

गहन देखभाल इकाई (एबी8)

घटना	संख्या	घटना	संख्या
नए दाखिले	421	वार्ड में भेजना	306
मृत्यु	84		

आपातकालीन ड्यूटी टीम ने पेरिफेरल आमंत्रणों में भाग लिया 1783

पेरीफेरल संवेदनाहरण सेवाएं

जांच	संख्या	जांच	संख्या
एमआरआई	327	एमईसीटी	351
सीटी स्कैन	725	अन्य रेडियोलॉजी सेवाएं (डीएसए)	99

दर्द क्लिनिक (ओपीडी) 2702 **पीएसी क्लिनिक (ओपीडी) 5636**

स्वैच्छिक सामुदायिक सेवा

डॉ. माया देहरान ने सभी रविवारों पर भाटी सेंटर्स, राधा स्वामी सत्संग ब्यास, नई दिल्ली की डिस्पेंसरी में ओ पी डी सेवाएं प्रदान की; उन्होंने 12 दिनों की अवधि के लिए भाटी सेंटर्स, राधा स्वामी सत्संग ब्यास, नई दिल्ली में सत्संग के लिए सार्वजनिक आयोजनों के दौरान रोगियों तक प्राथमिक चिकित्सा और महत्वपूर्ण देखभाल सेवाएं प्रदान की और तश्तीयक देखभाल अस्पतालों के लिए स्थानांतरित कर दिया जाता है; दिल्ली से ब्यास जा रही एक विशेष ट्रेन में प्राथमिक चिकित्सा सेवाएं प्रदान की।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य एम. के. अरोड़ा सचिव स्वास्थ्य और अनुसंधान / जैव चिकित्सा उपकरणों के मूल्यांकन के लिए महा निदेशक आईसीएमआर और डीआरडीओ द्वारा नियुक्त विशेष समिति के सदस्य; आईसीएमआर निधिकृत परियोजना समिति के विशेषज्ञ सदस्य और आईसीएमआर के लिए प्रस्तुत अनुसंधान शोधपत्र के लिए समीक्षा समिति के सदस्य थे।

आचार्य रवींदर कुमार बत्रा ने इंडियन सोसायटी ऑफ एनेस्थिसियोलॉजिस्ट (दिल्ली शाखा) के वार्षिक सम्मेलन में डॉ. वी ए पुनूस व्याख्यान प्रदान किया; पाठ्यचर्या समिति के सदस्य और प्रसूति, स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार में जीवन बचाने के संवदेनाहरण कौशलों के संबंधित विशेषज्ञ; सदस्य, ''कार्य समूह समिति'', राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड; सदस्य, एक्थिस परीक्षा समिति, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड; शोध समीक्षा समिति राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड; अध्यक्ष, एनेस्थिसियोलॉजी नेशनल बोर्ड और एक्जिमिनेशन में नैदानिक परीक्षा के लिए ओएससीई स्टेशनों का गठन; ''उत्तर पुस्तिका के गुणात्मक मूल्यांकन'', राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के लिए समिति के सदस्य; सदस्य, एम्स में आभासी चिकित्सा कक्षा शिक्षण समूह; पाठयचर्या समिति (संवेदनाहरण विज्ञान), स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार के संबंधित विशेषज्ञ और सदस्य; सदस्य और समन्वयक, स्पेशिलिटी बोर्ड ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड।

आचार्य अंजन त्रिखा को इयर बुक ऑफ एनेस्थिसिया –5 के संपादकीय मंडल में थे; उन्हें इण्डियन कॉलेज ऑफ एनेस्थिसियोलॉजिस्ट के शैक्षणिक समिति के नामित सदस्य; एसोसिएशन ऑफ ऑब्स्टेट्रिक एनेस्थिसिया के अध्यक्ष तथा जर्नल के रूप में मनोनीत और जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक एनेस्थिसिया एण्ड क्रिटिकल केयर के मुख्य संपादक के रूप में मनोनीत किया गया।

आचार्य गंगा प्रसाद संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, राम मनोहर लोहिया अस्पताल, पीजीआईएमईआर, नई दिल्ली के लिए तकनीकी विशेषज्ञ आमंत्रित किया गया था।

आचार्य विम्मी रेवाड़ी जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक एनेस्थिसिया एण्ड क्रिटिकल केयर के संपादकीय बोर्ड के सदस्य थे; इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिक एनेस्थिसिया के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; 2011 में संशोधित एनएलईएम (नेशनल लिस्ट ऑफ एसेंशियल मेडिसिन) के लिए राष्ट्रीय सलाहकार बैठक के लिए सदस्य / विशेषज्ञ।

डॉ. रेणु सिन्हा ने एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार 2014 जीता; प्रशंसा प्रमाणपत्र।

डॉ. रवींदर कुमार पांडे इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रीऑपरेटिव अल्ट्रासाउंड एंड एप्लाइड टेक्नीक्स (आईजेपीयूटी) के लिए प्रमुख संपादक के रूप में चुने गए थे; ऑकलैंड, न्यूजीलैंड में 2014 संयुक्त एएसीए और एएसयूआरए सम्मेलन में उत्कृष्ट एब्स्ट्रैक्ट श्रेणी के तहत दो अनुसंधान शोध पत्र चुने गए।

डॉ. अंजोली छाबड़ा को एकेडमी ऑफ रिजनल एनेस्थिसिया ऑफ इंडिया (एओआरए) के उत्तरी क्षेत्र के कार्यपालक सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया था; जनवरी 2015, में ट्रेंड्स इन एनेस्थिसिया एंड क्रिटिकल केयर, एक एल्सवियर जर्नल के कोर संपादन दल में पुनः मनोनीत किया गया।

डॉ. छवि साहनी विभिन्न अप्रयुक्त स्वास्थ्य सेवाओं (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय) के लिए नेशनल करिकुलम टास्क फोर्स की सदस्या थीं।

डॉ. दालिम कुमार बैद्य को चेट्टीनाड मेडिकल जर्नल का राष्ट्रीय संपादक चुना गया ; एपेरिटो जर्नल ऑफ सर्जरी एंड एनेस्थिसिया के अंतरराष्ट्रीय संपादक के रूप में चुना गया।

डॉ. प्रीत महिंदर सिंह को जर्नल ऑफ एनिस्थिसियोलॉजी एंड क्लिनिकल फार्माकोलॉजी के लिए अनुभाग संपादक के रूप में मनोनीत किया गया था।

9.2 शरीर रचना विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

टी. एस. रॉय

आचार्य

ए. शरीफ	पुष्पा धर	एस. बी. रे
रीमा दादा	अरुंधति शर्मा (जेनेटिक्स)	टी. के. दास (इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी)
रेणु ढींगरा		टी. सी. नाग (इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी)

अपर आचार्य

रितु सहगल

सहायक आचार्य

सरोज कालेर	टॉनी जॉर्ज जैकॉब
नीरजा रानी	सीमा सिंह

विशिष्टताएं

एम्ससेल्फ ''एम्स ई–अधिगम सुविधा'' के साथ अधिगम प्रबंधन, हाई डेफिनिशन वीडियो प्रेजेंटेशन और सम्मेलन प्रणाली तथा वेब होस्टिंग के लिए फ्री एंड ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर (एफओएसएस) के साथ नए और शक्तिशाली सर्वर की स्थापना के बाद कार्यात्मक बनाया गया है।

वर्तमान में शरीर रचना विभाग की वेबसाइट ने इसकी मेजबान की है और एम्स की वेबसाइट पर हाइपरलिंक के साथ स्वयं विभाग द्वारा इसे प्रदान किया गया है। शरीर रचना विज्ञान में ''मिश्रित अधिगम'' सुविधाओं का लाइव ऑनलाइन प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया है और एम्स में मासिक संकाय बैठक में तथा विदेश में पद्‌मश्री डॉ. डी. वाई पाटिल मेडिकल कॉलेज, प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से संबद्ध, मॉरीशस में अत्याधिक सराहना की गई है। अब, कई विभागों द्वारा ई–अधिगम सुविधाओं का उपयोग कर शरीर रचना विज्ञान विभाग में शव की कार्यशालाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

एमबीबीएस छात्रों की नियमित रूप से ऑनलाइन प्रारंभिक आकलन के लिए इस सुविधा का उपयोग किया जा रहा है। इसके अलावा, जर्नल क्लब प्रस्तुतियां एक ऑफलाइन साथ ही एक ऑनलाइन चर्चा मंच का उपयोग कर आयोजन किया जा रहा है। विभाग द्वारा एक सहयोगी विकी प्रारूप में स्नातकोत्तर संगोष्ठी आयोजित करना शुरू कर दिया गया है और शरीर रचना विज्ञान में स्नातकोत्तर छात्रों और वरिष्ठ रेजीडेंटों द्वारा वीडियो आधारित अधिगम संसाधनों के निर्माण की गतिविधि शुरू कर दी है। इसके अलावा, प्रभावकारिता और इलेक्ट्रॉनिक साधनों के माध्यम से चिकित्सा शिक्षा की सुविधा में आसानी देखकर, एम्स में अन्य विभाग द्वारा अपने शैक्षणिक गतिविधियों के लिए एम्ससेल्फ के बैक एंड समर्थन के उपयोग में रुचि रखते हैं।

विभाग ने न्यूरोसर्जरी, आर्थोपेडिक्स, नाक, कान, गला, जीआई सर्जरी और सामान्य सर्जरी विभागों से विभिन्न शव संबंधी कार्यशालाओं के संचालन में सहायता की और कार्मिकों को प्रशिक्षण प्रदान करने में सहायता मिली है। कई सदस्यों ने विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों के लिए संकाय के रूप में दौरों के जरिए सेवा प्रदान की है और भारत और विदेश दोनों में अतिथि और आमंत्रित व्याख्यान दिए हैं। संकायों और छात्रों द्वारा किए गए शोध कार्य को विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किया गया है। कई छात्रों ने सकल शरीर रचना विज्ञान, तंत्रिका विज्ञान, भ्रूण और आनुवंशिकी के क्षेत्रों में अपने कार्य के लिए पुरस्कार प्राप्त किया है। संकाय अंतर और बाह्य एजेंसियों से अनुदान के साथ अनुसंधान के क्षेत्र में लगे हुए हैं और सहकर्मी की समीक्षा की पत्रिकाओं में उल्लेखनीय शोध प्रकाशित किया है। उन्होंने राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के संपादकीय मंडल के सदस्यों के रूप में तथा बाह्य वित्त पोषित एजेंसियों से अंतः वित्त पोषित के लिए अनुसंधान परियोजनाओं हेतु समीक्षक के रूप में कार्य किया। विभाग द्वारा सेवा नैदानिक परीक्षण और विभिन्न आनुवंशिक और चयापचय विकारों के लिए परामर्श के माध्यम से शवलेप सुविधाओं और रोगी देखभाल के रूप में प्रदान की गई है।

अन्य उपलब्धियां : इसके अलावा अकादमी से, विभाग में एक वरिष्ठ तकनीशियन जिन्हें शूटिंग बॉल खेल में भारत का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया है और विभिन्न प्रतियोगिताओं में कई पुरस्कार जीते हैं। उन्होंने हिंदी पखवाड़े के दौरान कविता प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

शिक्षा

अभिनव शैक्षिक गतिविधियां

विभाग में स्थापित ई–लर्निंग सुविधाओं का उपयोग कर ई–लर्निंग के साथ पारंपरिक आमने–सामने शिक्षण विधियों के शरीर रचना विज्ञान, पूरक में 'मिश्रित सीखने' आरंभ किया। दाखिल किए गए सभी स्नातक पूर्व और स्नातकोत्तर छात्रों ने ई–लर्निंग सुविधा में नामांकन किया था और सुरक्षित प्रयोक्ता खातों को प्रदान किया गया। ऊतक विज्ञान और सकल शरीर रचना विज्ञान में ई–लर्निंग संसाधन सामग्री सूक्ष्म शरीर रचना विज्ञान प्रयोगशाला और विच्छेदन कक्ष में कार्यस्थालों का उपयोग कर प्रशासित किया गया। ऑनलाइन प्रारंभिक आकलन परीक्षण सूक्ष्म शरीर रचना विज्ञान प्रयोगशाला में नेटवर्क कार्यस्थलों पर उपयोग कर एमबीबीएस छात्रों के लिए सुरक्षित रूप से प्रशासित भी किया गया। सभी प्रयोक्ताओं के लिए ई–लर्निंग की सुविधा के लिए प्रवेश शरीर रचना विभाग में एक वाई–फाई नेटवर्क पर अपने स्वयं के टेबलेटों / लैपटॉपों / स्मार्ट फोनों का उपयोग करते हुए प्रदान की जाती है। आंतरिक रूप से शरीर रचना विज्ञान में ई–लर्निंग संसाधन सामग्री के उत्पादन के लिए सुविधाएं विकास के अंतर्गत हैं।

इसके अलावा, कनिष्ठ संकाय सदस्यों ने शिक्षण उद्देश्यों के लिए कंकाल स्पष्ट करने, व्याख्यान सामग्री के समेकन, स्नातकोत्तर छात्रों के साथ विच्छेदित नमूनों तथा हड्डियों की छोटी ट्यूटोरियल वीडियो का उत्पादन, ई–अधिगम संकाय के लिए मूल शिक्षण / अधिगम संसाधनों का योगदान शामिल किया गया है और शरीर रचना विज्ञान में शवलेप करने और संग्रहालय तकनीक में स्नातकोत्तर छात्रों के लिए पाठ्यक्रम का आयोजन किया है। उन्होंने शवलेप कार्यशालाओं के संचालन में सहायता प्रदान की है और राष्ट्रीय विश्वविद्यालय और संस्थानों में सहायक / आमंत्रित संकाय है।

स्नातक पूर्व, स्नातकोत्तर, पैरामेडिकल शिक्षण

कई संकाय सदस्यों ने एम. एससी. तंत्रिका विज्ञान और आण्विक मानव आनुवंशिकी पाठ्यक्रम के लिए जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर में सहायक संकाय के रूप में सेवा दी।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

विभाग द्वारा कई शव संबंधी कार्यशालाओं के आयोजन में मदद प्रदान की गई जिससे विभिन्न विभागों के कार्मिकों को प्रशिक्षण में सहायता मिली है।

1. तंत्रिका शल्य चिकित्सा, 13वां तंत्रिका शल्य चिकित्सा कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला, 18 से 20 अप्रैल, 2014
2. छात्र संघ, उत्प्रेरक – चिकित्सा प्रदर्शन, 26 से 27 अप्रैल, 2014
3. जीआई सर्जरी, हिपेटो – पैक्रिएटो – बिलियरी सर्जरी में 8वां आई एच पी बी ए इंडियन चेप्टर सर्टिफिकेट कोर्स, 13 – 18 अगस्त, 2014
4. तंत्रिका शल्य चिकित्सा, 14वां तंत्रिका शल्य चिकित्सा कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला, 22 से 24 अप्रैल, 2014
5. ईएनटी, लेरिंजोलॉजी पर हस्त कार्यशाला, 17 अक्टूबर, 2014
6. सर्जिकल विषय, ब्रेस्ट कोर्स, 19 नवंबर, 2014
7. तंत्रिका शल्य चिकित्सा, 15वां तंत्रिका शल्य चिकित्सा कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला, 21 से 23 नवंबर, 2014
8. ईएनटी, फेसियल प्लास्टिक और राइनोप्लास्टी पर शव संबंधी कार्यशाला, 8 से 10 दिसंबर, 2014
9. ऑर्थोपीडिक्स, शव संबंधी आर्थोप्लास्टी पाठ्यक्रम, 11 मार्च 2015
10. ऑर्थोपीडिक्स, कंप्यूटर नेविगेशन एसिस्टेड नी एंड हिप आर्थोप्लास्टी कैडवर कोर्स, 13 से 14 मार्च, 2015
11. एनेस्थिसियोलॉजी, अल्ट्रासाउंड गाइडेड रिजनल एनेस्थिसिया पर कार्यशाला, 28 से 29 मार्च, 2015
12. सर्जिकल विषय, ब्रेस्ट कोर्स (एबीसी), 29 और 30 मार्च, 2015

प्रदत्त व्याख्यान

टी. एस. रॉय : 7	**पुष्पा धर : 1**	**रीमा दादा : 12**	**अरुंधति शर्मा : 4**
रेणु ढींगरा : 1	**टी. सी. नाग : 3**	**रितु सहगल : 3**	**सरोज कालेर झाझरिया : 2**

मौखिक शोध पत्र / पोस्टर प्रस्तुति : 57

*सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार : 5 **यात्रा पुरस्कार : 3 ***दूसरा पुरस्कार (सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार के अंतर्गत) : 1 ****मेडिकल जेरोनेटोलॉजी में ए. वी. त्रिखा पुरस्कार जीता।

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. मानव सर्पिल नाड़ी ग्रन्थि में आयु से संबंधित आकारिकी और तंत्रिका रासायनिक बदलाव, टी एस रॉय, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2012–15, एसआरएफ।
2. मानव सर्पिल नाड़ी ग्रन्थि में आयु से संबंधित आकारिकी और तंत्रिका रासायनिक बदलाव, टी एस रॉय, एम्स, 2 वर्ष, 2012–2014, 13 5 लाख रु.।
3. नए नवजात चूहों में प्रायोगिक कोलोनिक डायवर्जन, ए. शरीफ, एम्स, एक वर्ष, 2014–15, 4,50,000 रु.।
4. एस्ट्रोजन रजोनिवृत्ति तथा एजिंग ब्रेन : मस्तिष्क के गैरःप्रजनन क्षेत्रों में रजोनिवशत्ति संबंधी प्रभावों को समझने हेतु प्रायोगिक तथा एस्ट्रोजन एवं जैसे संघटकों जैसे कि चिकित्सीय खोजों की संरक्षी प्रभावों तक पहुंचना। पुष्पा धर, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2012–15, 27 लाख रुपए।
5. चूहों में दर्द से राहत मिलने के पश्चात सर्जरी के स्थान पर कैनबिनॉइड रिसेप्टर का स्थानीय प्रशासन, एस बी रे, 2 वर्ष, 2013–2015, 8.5 लाख।
6. पुरुष बांझपन में ऑक्सीडेटिव तनाव तथा डी एन ए क्षति के साथ स्पर्म टेलोमेरी लम्बाई विश्लेषण तथा इसका सह–संबंध। रीमा दादा, डी बी टी, 3 वर्ष, 2012–2015, 55 लाख रु.।
7. गैर पारिवरिक बचपन के कैंसर वाले बच्चों के पिताओं में शुक्राणु डीएनए की क्षति का विश्लेषण, रिमा दादा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015–18, 36 लाख रु.।
8. उत्तरी भारतीय बच्चों में वशद्धि हार्मोन का उत्परिवर्तन विश्लेषण, डॉ. अरुंधति शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2011–14, आईसीएमआर एसआरएफ
9. दुर्गम रिकेट्स और हाइपोफोस्फेटेमिया वाले रोगियों का आनुवंशिक अध्ययन, अरुंधति शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015–18, लगभग 300 लाख रुपए।
10. प्रीएक्लेम्पसिया के पेथोजेनसिस में इंडोप्लास्मिक रेटीकुलम तनाव : एक इन विट्रो अध्ययन। रेणु ढींगरा, अ. भा. आ. सं., 2 वर्ष, 2013–15, 10 लाख।
11. ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं के प्रवास और आक्रमण क्षमता पर हाइड्रोजन सल्फाइड के प्रभाव का अध्ययन, आईसीएमआर, 45 लाख रुपए की राशि, रेणु ढींगरा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2014–17, 45 लाख रु.।
12. वेरिएबल फोटोपेरियोइटस के प्रकटन के पश्चात नियोनेटल चिक रेटीना में मोर्फोलोजिकल एवं बायोकेमिकल परिवर्तन। टी.सी.नाग, एसईआरबी (डी एस टी), 3 वर्ष, 2013–16, 33 लाख रु.।
13. उम्र बढ़ने के साथ और प्रयोगात्मक लोहे अधिभार में चूहे रेटिना में लोहे नियामक प्रोटीन की अभिव्यक्ति पैटर्न, टी सी नाग, सीएसआईएस, 3 वर्ष, 2015–18, 22.8 लाख रु.।
14. सामान्य उम्र बढ़ने के साथ मनुष्य में कोरोइडल वाहिकाओं के अल्ट्रास्ट्रक्चरल और इम्नोहिस्टोकैमिकल विश्लेषण, टी सी नग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015–18, 16.4 लाख रु.।
15. स्तन कैंसर में पी75एनटीआर और टीआरकेए रिसेप्टरों की अभिव्यक्ति, आर. सहगल, आई. आर. जी., 2 वर्ष, 2013–15, 10 लाख।
16. चूहों में ऑपरेशन पश्चात दर्द में रीढ़ की हड्डी के स्तर पर विशिष्ट न्यूरोट्रांसमीटर और न्यूरोपेप्टाइड शामिल करने पर एक अध्ययन, सरोज कलेर झझारिया, आईआरजी, एक वर्ष, 2014–15, 5 लाख रु.।

पूर्ण

1. मानव कोकोलियर न्यूक्लियस में आयु संबंधी मोर्फोलॉजिकल एवं न्यूरो कैमिकल परिवर्तनों का एक स्टीरियोलॉजिकल अध्ययन, टी एस रॉय, आई सी एम आर, 3.5 वर्ष, 2010–14, 29.28 लाख रुपए।
2. चूहा वृषण पर नवजात फोटोथेरेपी का प्रभाव, ए. शरीफ, एम्स, एक वर्ष, 2013–14, 5 लाख रु.।
3. चूहा मस्तिष्क कॉम्पलीमेंट सिस्टम का एस्ट्रोजन प्रेरित नियमन : न्यूरोप्रोटेक्टिव पहुंच को समझना तथा हार्मोन की एंटी – इनफ्लेमेटरी भूमिका। पुष्पा धर, आईसीएमआर, 2.8 वर्ष, 2012–2015, 57.91 लाख रुपए।
4. चूहों में ऑपरेशन पश्चात दद में रीढ़ की हड्डी के स्तर पर विशिष्ट न्यूरोट्रांसमीटर और न्यूरोपेप्टाइड शामिल करने पर एक अध्ययन, एस. बी. रे, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 3 वर्ष, 2011–14, 80.1 लाख रु.।
5. जेनेटिक बेसिस अंडरलेइंग स्टीवन्स – जॉनसन सिंड्रोम (एसजेएस) की पहचान हेतु अध्ययन। अरुंधति शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2011–2014, 22 लाख रुपए।
6. एल्कोहल निर्भरता में मोनोएमिनेरजिक गाबार्जिक एवं ग्लूटामिनेर्जिक पाथवे जीन पोलिमोर्फिज्म के साथ ब्रेन इमेजिंग का आनुवंशिक एसोसिएशन तथा सह – संबंध पर अध्ययन करना, अरुंधति शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2011–2014, 29 लाख रुपए।
7. पोस्टिरियर पोलर केटरेक्ट परिवारों का आण्विक आनुवंशिक विश्लेषण। अरुंधति शर्मा, आईआरजी, 3 वर्ष, 2011–2014, 5.0 लाख रुपए।
8. प्रकाश प्रेरित रेटिनल क्षति के एक चूहा मॉडल में हिस्टोन एसीटेल ट्रांसफिरेज तथा एसआईआरटी1., टी. सी. नाग, आईआरजी, 2 वर्ष, 2013–15, 7.5 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. मानव ऑडिटरी प्रणाली की एजिंग तथा विकास।
2. मानव ट्रोकलियर, ट्रोकलियर, एब्डयूसेंट एवं कोकलियर नर्व में आयु परिवर्तन।
3. भ्रूण तथा वयस्क मानव पैंक्रिएटिक डक्ट प्रणाली की मोर्फोलॉजी।
4. मानव भ्रूण में इलियोकेसल जंक्शन के तंत्रिका वितरण का रूपात्मक अध्ययन
5. आर्सेनिक ट्रियोऑक्साइड प्रदर्शन के बाद चूहा बेसल अग्रमस्तिष्क संरचनाओं पर कुरकुमिन का प्रभाव
6. आर्सेनिक ट्राइऑक्साइड से अवगत कराए गए वयस्क चूहों में हिप्पोकैम्पस के सीए–1 क्षेत्र पर कुरकुमिन पूरकता का प्रभाव
7. आर्सेनिक ट्राइऑक्साइड से अवगत कराए गए लंब समय से वयस्क चूहों के हृदय ऊतकों में रुपात्मक और जैव रासायनिक परिवर्तन पर कुरकुमिन का प्रभाव
8. इंट्राप्लांटर कैरेगीनन प्रबंधकीय अनुपालन के चूहों की रीढ़ की हड्डी में एन–मैथिल–डी एस्पार्टेट रिसेप्टर की अभिव्यक्ति।
9. चूहे ट्राइजिमाइनल गैंगलियन और ड्यूरा मेटर में कैल्सीटोनिन जीन संबंधी पेप्टाइड और सोमेटोस्टैटिन की अभिव्यक्ति।
10. ऑपरेशन पश्चात दर्द के चूहा मॉडल में रीढ़ की हड्डी के स्तर पर विशिष्ट न्यूरोट्रांसमीटर की भागीदारी का अध्ययन।
11. चूहों में सीटू दर्द प्रबंधन में ऑपरेशन पश्चात के जैव सक्रिय अणुओं की भूमिका
12. समय से पहले डिम्बग्रंथि विफलता में साइटोजेनेटिक और आण्विक मूल्यांकन।
13. भ्रूण के विकास में पैतृक कारक
14. डिप्रेशन में आण्विक विश्लेषण : एक प्रकरण नियंत्रण अध्ययन।
15. पुरुष बांझपन में टेलोमेरे गतिशीलता
16. रेटिनोब्लास्टोमा के आनुवंशिक और आण्विक आधार
17. 5 अल्फा रिडक्टेस 2 कमी और एण्ड्रोजन असंवेदनशीलता वाले रोगियों में फीनोटाइप जीनोटाइप सह–संबंध का अध्ययन करना।
18. एल्कोहल और ओपियॅाइड निर्भरता में मोनोएमिनेरजिक एवं गाबार्जिक पाथवे जीन पोलिमोर्फिज्म के साथ ब्रेन इमेजिंग (पीईटी / एसपीईसीटी) का आनुवंशिक एसोसिएशन तथा सह – संबंध पर अध्ययन करना।

19. एल्कोहल निर्भरता में जीआरआईएन2ए जीन पॉलीमॉर्फिज्म के डोपमिनेर्जिक मार्ग जीन और संघ के एपिजेनेटिक परिवर्तन।
20. पोस्टेरियर पोलर कैटरेक्ट के आनुवंशिक अध्ययन।
21. पूर्व प्रसवाक्षेप के साथ वीईजीएफ का एसोसिएशन और एसएफएलटी–1 बहुरूपताओं का अध्ययन।
22. जेनेटिक बेसिस अंडरलेइंग स्टीवन्स – जॉनसन सिंड्रोम (एसजेएस) की पहचान हेतु अध्ययन।
23. वृद्धि हार्मोन कमी वाले एशियाई भारतीय में जीनोटाइप – फीनोटाइप सह–संबंध पर अध्ययन।
24. प्रीएक्लेम्पसिया में एंडोप्लास्मिक रेटीकुलम तनाव में एस–वीईजीएफआर की भूमिका।
25. ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं में पीपीएआर तथा एंजियोजेनिक कारकों की अभिव्यक्ति पर हाइपोक्सिया का प्रभाव।
26. ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं के प्रवास पर हाइड्रोजन सल्फाइड का प्रभाव और प्रीक्लेम्पसिया में इसकी स्थिति
27. सिस्टाथियॉन गामा लायस माध्यित ट्रोफोब्लास्ट कोशिका भेदन में माइक्रो आरएन – 30 की भूमिका और प्रीएक्लेम्पसिया में इसकी स्थिति।
28. प्रीक्लेम्पसिया में अम्बिलिकल अर्टेरी वेलोसाइमेट्री के साथ फेटो – मैटरनल हाइड्रोजन सल्फाइड उत्पादन का सह–संबंध।
29. मानव ट्रोफोब्लास्ट सेल के हाइड्रोजन सल्फाइड में संवहनी मध्यस्थता पलायन में वेस्कुलर एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर (वीईजीएफआर) की भूमिका
30. आयु बढ़ने के साथ और प्रयोगात्मक लोहे अधिभार में चूहा रेटिना में लोहे विनियामक प्रोटीन की अभिव्यक्ति पैटर्न।
31. स्तन ग्रंथि और निप्पल–एरियोला कॉम्प्लेक्स की वेस्कुलर की आपूर्ति का एक संरचनात्मक और रेडियोलॉजिकल अध्ययन।
32. चूहों में हिंड पॉ के अनुपालन में चूहों के डोरसल रूट गैंग्लिया में सोमाटोस्टेटिन और न्यूरोपेप्टाइड वाई की अभिव्यक्ति।
33. बी–ह्यूमन कोरियोनिक गोनाडोट्रोपिन और रिसेप्टर इंटरएक्टिंग प्रोटीन–1 की मात्रात्मक अभिव्यक्ति के साथ मानव पित्ताशय कैंसर में हिस्टोलॉजिकल ट्यूमर सामग्री की तुलना।
34. एक्यूट पैनक्रिएटाइटिस के दो मूरिन मॉडल पर ट्राई मिथाइलएमाइन एन–ऑक्साइड (टीएमएओ) का प्रभाव
35. मायोकार्डियल हाइपरट्रॉफी के चूहा मॉडल में लेफ्ट स्टेलट गैंग्लिया के टोटल ग्लियल कोशिकाओं का मात्रात्मक आकलन।
36. चूहा मध्य मस्तिष्क धमनी रोड़ा में एंजियोटेनसिन रिसेप्टर मॉड्यूलेशन का प्रभाव : मोर्फोलोजिकल एवं बायोकेमिकल अध्ययन।
37. आवर्ती गर्भस्थ हानि में शुक्राणु आण्विक कारकों की भूमिका।
38. मानव ट्रोफोब्लास्ट कोशिका के प्रवास और प्रीक्लेम्पसिया में इसकी स्थिति के बारे में हाइड्रोजन सल्फाइड का प्रभाव।
39. ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं की हाइड्रोजन सल्फाइड मध्यस्थता पलायन में वेस्कुलर एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर की भूमिका
40. मानव फेटल पैनक्रियास में न्यूरॉन्स का रूपात्मक अध्ययन।
41. मानव भ्रूण बृहदान्त्र में विकासशील आंतों का तंत्रिका तंत्र का रूपात्मक अध्ययन।
42. मानव भ्रूण में लियाकाइकेल जंक्शन के इंनर्वेशन का रूपात्मक अध्ययन।

पूर्ण

1. मानव कर्णावत नसों में आयु के साथ परिवर्तन – प्रकाश माइक्रोस्कोपिक अध्ययन।
2. चूहे के विकासशील सेरिबेलम में सोडियम आर्सेनाइट प्रेरित तंत्रिका विषाक्तता पर एंटीऑक्सिडेंटस का प्रभाव।
3. कोन बीम कंप्यूटिड टोमोग्राफी का प्रयोग करके मेंडिबुलर कोंडेल का मोर्फोमिट्रिक मूल्यांकन।
4. पारंपरिक विधि और बिलिब्लैंकेट का उपयोग कर निम्नलिखित नवजात फोटोथैरेपी में चूहे वृषणका मूल्यांकन
5. चूहों में अफीम सहिष्णुता दुर्बलता में न्यूरोकाइनिन – 1 रिसेप्टर प्रतिपक्षी की भूमिका।
6. चूहों में ऑपरेशन पश्चात दर्द के दौरान चयनात्मक न्यूरोट्रांसमीटर, न्यूरोपेप्टाइड और रीढ़ की हड्डी और पृष्ठीय रूट गैंग्लिया में उनके रिसेप्टर्स की अभिव्यक्ति पर अध्ययन।
7. बचपन के कैंसर में लाभदायक ऑक्सीडेटिव तनाव और डीएनए की क्षति
8. स्विस एलबिनो चूहों पर प्रकाश प्रेरित रेटिना क्षति में सिर्टुइन 1 की भूमिका
9. चूहों में प्रायोगिक तीव्र पैनक्रिएटाइटिस की गंभीरता पर एंटी साइटोकाइन उपचार के प्रभाव, जीआई सर्जरी, गेस्ट्रोएंटेरोलॉजी।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. हैंडस ऑन – स्किल्स प्रशिक्षण तथा इंट्रेक्टिव वर्चुअल प्रशिक्षण मॉड्यूल द्वारा तंत्रिका शल्य चिकित्सा कुशलता के विकास का मूल्यांकन। (वेब आधारित दूरसंचार –शिक्षा और वास्तविक समय मूल्यांकन), अ. भा. आ. सं. : तंत्रिका शल्य चिकित्सा, शरीर रचना, फॉरेंसिक मेडिसिन, आईआईटी–डी : सीएसई
2. अभिलेखागार, स्ट्रीमिंग और टेलीकॉन्फ्रेंसिंग के लिए 3डी एंडोस्कोपी और 3डी माइक्रोसकोपिक सुविधा और केंद्रीय भंडार सर्वर के साथ तंत्रिका सर्जरी कौशल प्रशिक्षण सुविधा, एम्स : तंत्रिका सर्जरी, शरीर रचना विज्ञान फॉरेंसिक मेडिसिन आईआईटी–डी : सीएसई।
3. एंडोस्कोपिक न्यूरोसर्जरी प्रशिक्षण और ऑपरेशन पूर्व तंत्रिका शल्य चिकित्सा योजना बनाने के लिए 3डी / स्टेरियोस्कोपी आधारित आभासी वास्तविकता सिमुलेशन मंच का विकास, अ. भा. आ. सं. : तंत्रिका शल्य चिकित्सा, शरीर रचना, फॉरेंसिक मेडिसिन, आईआईटी–डी : सीएसई
4. नवजात चूहों में प्रायोगिक कोलोनिक डायवर्जन, बाल चिकित्सा सर्जरी।
5. रेटिनोब्लास्टोमा : आनुवंशिकी और आण्विक अध्ययन, डॉ. आर. पी. सेंटर
6. पीओएजी में जीनोटाइप और फीनोटाइप सहसंबंध, डॉ. आर. पी. सेंटर
7. पीसीजी के रोगजनन में ऑक्सीडेटिव तनाव, डॉ. आर. पी. सेंटर
8. फाइब्रोमायलजिया में आनुवंशिकी अध्ययन, शरीर क्रिया विज्ञान
9. अस्थमा में वाईकेएल40 लेवल, जैव भौतिकी
10. आई वी एफ करवा रही पी सी ओ एस वाली महिलाओं में फोलिकुलर तरल में ऑक्सीडेटिव तनाव बायोमार्कर्स का स्तर तथा परिणामों के साथ इसके संबंध, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान।
11. जन्मजात विकृति के साथ भ्रूण वाले सामान्य और गर्भवती युगल जोड़ों का एमनियोटिक द्रव में ऑक्सीडेटिव तनाव का मूल्यांकन, प्रसूति एवं स्त्री रोग।
12. जननांगों अपजनन और 46, एक्सवाई कुपोषण से पीड़ित रोगियों में सात जीन (आरएन5ए1, डीएएक्स1, डीएमआरटी1, एसओएक्स9, एसआरवाई, डब्ल्यूटी1) का उत्परिवर्तन विश्लेषण, अंतःस्राविकी विज्ञान
13. फिब्रोमायेल्जिया रोगियों में पीड़ा मोड्यूलेशन स्थिति पर ट्रांसक्रेनियल चुम्बकीय उद्दीपन का प्रभाव, शरीर क्रिया विज्ञान।
14. वृद्धि हार्मोन कमी वाले एशियाई भारतीय में जीनोटाइप – फीनोटाइप सह–संबंध पर अध्ययन, अंतःस्राविकी विज्ञान, अ. भा. आ. सं.।
15. जन्मजात एड्रेनल हाइपरप्लेसिया – मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन, अंतःस्राविकी विज्ञान, अ. भा. आ. सं.
16. प्राथमिक हाइपरपैराथायरोडिज्म, पैंक्रिएटिक ट्यूमरों एवं पिटूएट्री ट्यूमरों के रोगियों में मेन 1 जीन मुटेशन तथा इसकी नैदानिक जटिलताएं। अंतःस्राविकी विज्ञान, अ. भा. आ. सं.
17. हैंडस ऑन – स्किल्स प्रशिक्षण तथा इंट्रेक्टिव वर्चुअल प्रशिक्षण द्वारा तंत्रिका शल्य चिकित्सा कुशलता के विकास का मूल्यांकन, आईसीएमआर, तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग
18. तंत्रिका शल्य चिकित्सा कुशलता प्रशिक्षण हेतु 3डी वर्चुअल प्रशिक्षण मॉड्यूल्स का डीएसटी + डीबीटी प्रायोजित तंत्रिका शल्य चिकित्सा कुशलता प्रशिक्षण सुविधा तथा विकास का विस्तार, तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग
19. विज्ञान एवं तकनीकी विज्ञान विभाग डीएसटी एफआईएसटी का कार्यक्रम स्तर 2. तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग।
20. डीबीटी द्वारा निधिकृत आई आई टी तथा स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के सहयोग से स्टैंफोर्ड इंडिया बायोडिजाइन द्वारा समर्थित हृद् विकिरण विज्ञान सहित आपातकालीन वाहिका एक्सेस हेतु एक नोवल इंट्राओसियस एक्सेस डिवाइस का संभाव्यता अध्ययन, हृद् चिकित्सा विज्ञान विभाग।
21. स्तन कैंसर में पी75एनटीआर और टीआरकेए रिसेप्टरों की अभिव्यक्ति, सर्जरी और पैथोलॉजी विभाग, अ. भा. आ. सं.
22. तीव्र अग्नाशयशोथ प्रेरित सेरुलेइन के पैथोजेनेसिस में ईआर तनाव की भूमिका और के तीव्र अग्नाशयशोथ की गंभीरता पर रासायनिक केपरोनेस के प्रभाव, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, एम्स, आईजीआईबी, स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, जेएनयू।

पूर्ण

1. तंत्रिका शल्य चिकित्सा कुशलता प्रशिक्षण हेतु स्टेरियोस्कोपिक (3 आयाम – 3डी) वर्चुअल प्रशिक्षण मॉड्यूल्स का डीएसटी + डीबीटी प्रायोजित तंत्रिका शल्य चिकित्सा कुशलता प्रशिक्षण सुविधा का विस्तार, अ. भा. आ. सं. : तंत्रिका शल्य चिकित्सा, शरीर रचना, फॉरेंसिक मेडिसिन आईआईटी–डी : सीएसई
2. नवजात चूहे वृषण पर फोटोथैरेपी के प्रभाव, बाल चिकित्सा सर्जरी
3. पारंपरिक विधि और बिलिब्लैंकेट का उपयोग कर निम्नलिखित नवजात फोटोथैरेपी में चूहे वशण का एपोप्टोटिक मूल्यांकन, बाल चिकित्सा सर्जरी।
4. चूहों में विभिन्न तरीकों से ऑर्चिडोपेक्सी, बाल चिकित्सा सर्जरी।
5. सीवाईपीआईबीआई जीन में 4 नए म्यूटेशन के कार्यात्मक विशेषताएं, डॉ. आर पी सेंटर
6. वीर्य ऑक्सीडेटिव तनाव और शुक्राणु की भूमिका।
7. अस्पष्टीकृत भ्रूण जन्मजात विसंगतियों में डीएनए की क्षति, प्रसूति एवं स्त्री रोग
8. जननांगों अपजनन / एजेनेसिस के कारण 46 एक्सवाई डीएसडी वाले रोगियों में जीन म्यूटेशन का अध्ययन करना, अंतःस्राविकी विज्ञान
9. जेनेटिक बेसिस अंडरलेइंग स्टीवन्स – जॉनसन सिंड्रोम (एसजेएस) की पहचान हेतु अध्ययन, आरपीसी।
10. एल्कोहल निर्भरता में मोनोएमिनेरजिक गाबार्जिक एवं ग्लूटामिनेर्जिक पाथवे जीन पोलिमोर्फिज्म के साथ ब्रेन इमेजिंग का आनुवंशिक एसोसिएशन तथा सह – संबंध पर अध्ययन करना, एनडीडीटीसी।
11. पोस्टिरियर पोलर केटरेक्ट परिवारों का आण्विक आनुवंशिक विश्लेषण, आरपीसी।
12. चिक्स (गेलस डोमिस्ट्रिक्टस) में प्रिनेटल रेपीटेटिव ऑडिटरी स्टिमुलेशन के पश्चात विजुअल कोर्टेक्स का प्रकार्यात्मक विकास : नोरड्रेनेलिन की भूमिका, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग।
13. विभिन्न जैव – फिल्म सामग्रियों के लिए अलग अलग बैक्टीरिया के जैव फिल्म गठन की जीवाणु पालन और प्रवशत्ति का अध्ययन, अस्थि रोग विभाग

पूर्ण

1. मानव कर्णावत नसों में आयु के साथ परिवर्तन – प्रकाश माइक्रोस्कोपिक अध्ययन।
2. चूहे के विकासशील सेरिबेलम में सोडियम आर्सेनाइट प्रेरित तंत्रिका विषाक्तता पर एंटीऑक्सिडेंटस का प्रभाव।
3. कोन बीम कंप्यूटिड टोमोग्राफी का प्रयोग करके मेंडिबुलर कोंडेल का मोर्फोमिट्रिक मूल्यांकन।
4. पारंपरिक विधि और बिलिब्लैंकेट का उपयोग कर निम्नलिखित नवजात फोटोथैरेपी में चूहे वृषणका मूल्यांकन
5. चूहों में अफीम सहिष्णुता दुर्बलता में न्यूरोकाइनिन – 1 रिसेप्टर प्रतिपक्षी की भूमिका।
6. चूहों में ऑपरेशन पश्चात दर्द के दौरान चयनात्मक न्यूरोट्रांसमीटर, न्यूरोपेप्टाइड और रीढ़ की हड्डी और पृष्ठीय रूट गैंग्लिया में उनके रिसेप्टर्स की अभिव्यक्ति पर अध्ययन।
7. बचपन के कैंसर में लाभदायक ऑक्सीडेटिव तनाव और डीएनए की क्षति
8. स्विस एलबिनो चूहों पर प्रकाश प्रेरित रेटिना क्षति में सिर्टुइन 1 की भूमिका
9. चूहों में प्रायोगिक तीव्र पैनक्रिएटाइटिस की गंभीरता पर एंटी साइटोकाइन उपचार के प्रभाव, जीआई सर्जरी, गेस्ट्रोएंटेरोलॉजी।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. हैंडस ऑन – स्किल्स प्रशिक्षण तथा इंट्रेक्टिव वर्चुअल प्रशिक्षण मॉड्यूल द्वारा तंत्रिका शल्य चिकित्सा कुशलता के विकास का मूल्यांकन। (वेब आधारित दूरसंचार –शिक्षा और वास्तविक समय मूल्यांकन), अ. भा. आ. सं. : तंत्रिका शल्य चिकित्सा, शरीर रचना, फॉरेंसिक मेडिसिन, आईआईटी–डी : सीएसई

2. अभिलेखागार, स्ट्रीमिंग और टेलीकॉन्फ्रेंसिंग के लिए 3डी एंडोस्कोपी और 3डी माइक्रोसकोपिक सुविधा और केंद्रीय भंडार सर्वर के साथ तंत्रिका सर्जरी कौशल प्रशिक्षण सुविधा, एम्स : तंत्रिका सर्जरी, शरीर रचना विज्ञान फॉरेंसिक मेडिसिन आईआईटी–डी : सीएसई।
3. एंडोस्कोपिक न्यूरोसर्जरी प्रशिक्षण और ऑपरेशन पूर्व तंत्रिका शल्य चिकित्सा योजना बनाने के लिए 3डी / स्टेरियोस्कोपी आधारित आभासी वास्तविकता सिमुलेशन मंच का विकास, अ. भा. आ. सं. : तंत्रिका शल्य चिकित्सा, शरीर रचना, फॉरेंसिक मेडिसिन, आईआईटी–डी : सीएसई
4. नवजात चूहों में प्रायोगिक कोलोनिक डायवर्जन, बाल चिकित्सा सर्जरी।
5. रेटिनोब्लास्टोमा : आनुवंशिकी और आण्विक अध्ययन, डॉ. आर. पी. सेंटर
6. पीओएजी में जीनोटाइप और फीनोटाइप सहसंबंध, डॉ. आर. पी. सेंटर
7. पीसीजी के रोगजनन में ऑक्सीडेटिव तनाव, डॉ. आर. पी. सेंटर
8. फाइब्रोमायलजिया में आनुवंशिकी अध्ययन, शरीर क्रिया विज्ञान
9. अस्थमा में वाईकेएल40 लेवल, जैव भौतिकी
10. आई वी एफ करवा रही पी सी ओ एस वाली महिलाओं में फोलिकुलर तरल में ऑक्सीडेटिव तनाव बायोमार्कर्स का स्तर तथा परिणामों के साथ इसके संबंध, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान।
11. जन्मजात विकृति के साथ भ्रूण वाले सामान्य और गर्भवती युगल जोड़ों का एमनियोटिक द्रव में ऑक्सीडेटिव तनाव का मूल्यांकन, प्रसूति एवं स्त्री रोग।
12. जननांगों अपजनन और 46, एक्सवाई कुपोषण से पीड़ित रोगियों में सात जीन (आरएन5ए1, डीएएक्स1, डीएमआरटी1, एसओएक्स9, एसआरवाई, डब्ल्यूटी1) का उत्परिवर्तन विश्लेषण, अंतःस्राविकी विज्ञान
13. फिब्रोमायेल्जिया रोगियों में पीड़ा मोड्यूलेशन स्थिति पर ट्रांसक्रेनियल चुम्बकीय उद्दीपन का प्रभाव, शरीर क्रिया विज्ञान।
14. वृद्धि हार्मोन कमी वाले एशियाई भारतीय में जीनोटाइप – फीनोटाइप सह–संबंध पर अध्ययन, अंतःस्राविकी विज्ञान, अ. भा. आ. सं.।
15. जन्मजात एड्रेनल हाइपरप्लेशिया – मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन, अंतःस्राविकी विज्ञान, अ. भा. आ. सं.
16. प्राथमिक हाइपरपैराथायरोडिज्म, पैंक्रिएटिक ट्यूमरों एवं पिटूएट्री ट्यूमरों के रोगियों में मेन 1 जीन मुटेशन तथा इसकी नैदानिक जटिलताएं। अंतःस्राविकी विज्ञान, अ. भा. आ. सं.
17. हैंडस ऑन – स्किल्स प्रशिक्षण तथा इंट्रेक्टिव वर्चुअल प्रशिक्षण द्वारा तंत्रिका शल्य चिकित्सा कुशलता के विकास का मूल्यांकन, आईसीएमआर, तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग
18. तंत्रिका शल्य चिकित्सा कुशलता प्रशिक्षण हेतु 3डी वर्चुअल प्रशिक्षण मॉड्यूल्स का डीएसटी + डीबीटी प्रायोजित तंत्रिका शल्य चिकित्सा कुशलता प्रशिक्षण सुविधा तथा विकास का विस्तार, तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग
19. विज्ञान एवं तकनीकी विज्ञान विभाग डीएसटी एफआईएसटी का कार्यक्रम स्तर 2. तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग।
20. डीबीटी द्वारा निधिकृत आई आई टी तथा स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के सहयोग से स्टैंफोर्ड इंडिया बायोडिजाइन द्वारा समर्थित हृद् विकिरण विज्ञान सहित आपातकालीन वाहिका एक्सेस हेतु एक नोवल इंट्राओसियस एक्सेस डिवाइस का संभाव्यता अध्ययन, हृद् चिकित्सा विज्ञान विभाग।
21. स्तन कैंसर में पी75एनटीआर और टीआरकेए रिसेप्टरों की अभिव्यक्ति, सर्जरी और पैथोलॉजी विभाग, अ. भा. आ. सं.
22. तीव्र अग्नाशयशोथ प्रेरित सेरुलेइन के पैथोजेनेसिस में ईआर तनाव की भूमिका और के तीव्र अग्नाशयशोथ की गंभीरता पर रासायनिक केपरोनेस के प्रभाव, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, एम्स, आईजीआईबी, स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, जेएनयू।

पूर्ण

1. तंत्रिका शल्य चिकित्सा कुशलता प्रशिक्षण हेतु स्टेरियोस्कोपिक (3 आयाम – 3डी) वर्चुअल प्रशिक्षण मॉड्यूल्स का डीएसटी + डीबीटी प्रायोजित तंत्रिका शल्य चिकित्सा कुशलता प्रशिक्षण सुविधा का विस्तार, अ. भा. आ. सं. : तंत्रिका शल्य चिकित्सा, शरीर रचना, फॉरेंसिक मेडिसिन आईआईटी–डी : सीएसई
2. नवजात चूहे वृषण पर फोटोथैरेपी के प्रभाव, बाल चिकित्सा सर्जरी

3. पारंपरिक विधि और बिलिब्लैंकेट का उपयोग कर निम्नलिखित नवजात फोटोथैरेपी में चूहे वृषण का एपोप्टोटिक मूल्यांकन, बाल चिकित्सा सर्जरी।
4. चूहों में विभिन्न तरीकों से ऑर्चिडोपेक्सी, बाल चिकित्सा सर्जरी।
5. सीवाईपीआईबीआई जीन में 4 नए म्यूटेशन के कार्यात्मक विशेषताएं, डॉ. आर पी सेंटर
6. वीर्य ऑक्सीडेटिव तनाव और शुक्राणु की भूमिका।
7. अस्पष्टीकृत भ्रूण जन्मजात विसंगतियों में डीएनए की क्षति, प्रसूति एवं स्त्री रोग
8. जननांगों अपजनन / एजेनेसिस के कारण 46 एक्सवाई डीएसडी वाले रोगियों में जीन म्यूटेशन का अध्ययन करना, अंतःस्राविकी विज्ञान
9. जेनेटिक बेसिस अंडरलेइंग स्टीवन्स – जॉनसन सिंड्रोम (एसजेएस) की पहचान हेतु अध्ययन, आरपीसी।
10. एल्कोहल निर्भरता में मोनोएमिनेरजिक गाबार्जिक एवं ग्लूटामिनेर्जिक पाथवे जीन पोलिमोर्फिज्म के साथ ब्रेन इमेजिंग का आनुवंशिक एसोसिएशन तथा सह – संबंध पर अध्ययन करना, एनडीडीटीसी।
11. पोस्टिरियर पोलर केटरेक्ट परिवारों का आण्विक आनुवंशिक विश्लेषण, आरपीसी।
12. चिक्स (गेलस डोमिस्ट्रिक्टस) में प्रिनेटल रेपीटेटिव ऑडिटरी स्टिमुलेशन के पश्चात विजुअल कोर्टेक्स का प्रकार्यात्मक विकास : नोरड्रेनेलिन की भूमिका, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग।
13. विभिन्न जैव – फिल्म सामग्रियों के लिए अलग अलग बैक्टीरिया के जैव फिल्म गठन की जीवाणु पालन और प्रवशत्ति का अध्ययन, अस्थि रोग विभाग

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 45 **सार : 12**

रोगी उपचार

आनुवंशिक निदान एवं परामर्श सेवाएं

कैरियोटाइपिंग	508	सेमिनल आरओएस	669
वाईक्यूमाइक्रोडिलिशन का विश्लेषण	103	स्पर्म डीएफआई	72
गुणसूत्र विश्लेषण	536		

आण्विक जांच

कॉर्नियल डिस्ट्रोफी	20	एमईएन2ए सिंड्रोम	22
विविध रोगी	70		

शवों का संलेपन **479**

परिवहन हेतु	457	शिक्षण / अनुसंधान हेतु	22

फ्लूरोसिस नैदानिक प्रयोगशाला : फ्लूओराइड आकलन

पेशाब	58	रक्त / सीरम	56
पीने का पानी	45		

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य टी. एस. रॉय इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेज, 2014–15 के कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में नामित थे; केजीएमसी, लखनऊ में एमडी थीसिस और रोहतक विश्वविद्यालय, 2014–15 में एमडी के लिए शोध पत्र सेटर और बाह्य परीक्षक थे। वे एमडी विश्वविद्यालय रोहतक के संकाय सदस्यों के चयन के लिए बाह्य विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित थे। वे शरीर रचना विज्ञान विभाग के अंतर्गत प्रकटीकरण के लिए केंद्रीय जन संपर्क अधिकारी (सीपीआईओ) के रूप में कार्य जारी है। वह इंस्टीट्यूट एथिक्स समिति के सह–उपाध्यक्ष हैं। वे पशु कल्याण समिति संस्थान के अध्यक्ष हैं। वे एम्स के विभिन्न अन्य समितियों के सदस्य थे : एमबीबीएस पाठ्यक्रम समिति, आंतरिक अनुसंधान समीक्षा समिति।

वह अग्न्याशय संपादकीय बोर्ड के निरंतर सदस्य हैं। उन्होंने तंत्रिका विज्ञान अनुसंधान परियोजनाओं और डीबीटी, आईसीएमआर और डीएसटी के लिए वार्षिक परियोजना रिपोर्टों की समीक्षा की। प्रो. रॉय एसोसिएशन ऑफ जेरेंटोलॉजी, भारत के उपाध्यक्ष के रूप में नामित हैं। वे भारत में मेडिकल कॉलेजों के मूल्यांकन के लिए भारतीय चिकित्सा परिषद विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे। वे विभिन्न भारतीय विश्वविद्यालयों के लिए स्नातकोत्तर परीक्षा और संकाय चयन के लिए परीक्षक और विशेषज्ञ थे। वे पोस्टग्रेजुएट बोर्ड ऑफ स्टडीज इन एनाटोमी, पडि. बी. डी. शर्मा, यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, रोहतक के सदस्य थे। उन्होंने पात्रिकाओं, पैक्रियास, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, जर्नल ऑफ एनाटोमिकल सोसायटी ऑफ इंडिया और तंत्रिका विज्ञान पत्रों के लिए पांडुलिपियों की समीक्षा की। दिल्ली सरकार (डब्ल्यूपी (सी) 2014 के 2127 के मामले में न्यायालय के आदेश दिनांक 30.04.2014 के संदर्भ) के लिए चिकित्सा संस्थानों हेतु शव और संपूर्ण देह दान / निकायों की प्राप्ति / अंगों के लिए दिशा निर्देश तैयार करने के लिए एक विशेषज्ञ थे। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा एबोला रोगियों के मानव सुरक्षा निपटान के संशोधित दिशा निर्देशों के मसौदे तैयार करने में शामिल थे।

आचार्य ए. शरीफ यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, मॉरीशस के अंतर्गत पद्मश्री डॉ. डी. वाई पाटिल मेडिकल कॉलेज में 2014–15 में प्रथम चरण एमबीबीएस परीक्षाओं के लिए बाह्य परीक्षक थे।

आचार्य एस. बी. रे संवेदनाहरण विज्ञान की वैश्विक पत्रिका के संपादकीय बोर्ड के सदस्य और 10 दिसंबर, 2014 को एम्स में आयोजित सिसकॉन – 2014 के राष्ट्रीय सम्मेलन में जूरी सदस्य है।

आचार्य रीमा दादा और उनके छात्रों ने अमेरिकन कांग्रेस ऑफ एंड्रोलॉजी के 37वें वार्षिक बैठक में तीन पुरस्कारों – लैलोर फाउंडेशन पुरस्कार और दूसरा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ पुरस्कार प्राप्त किया। डॉ. दादा और उनके छात्र ने डॉ. लता एन मेहता पुरस्कार और डॉ. एच जे मेहता पुरस्कार इम्फाल में एनाटोमिकल सोसायटी ऑफ इंडिया की वार्षिक बैठक में दो पुरस्कार प्राप्त किए। डॉ. दादा को जामिया हमदर्द मेडिकल कॉलेज में 3 व्याख्यान और आनुवंशिकी व्यवहार अभ्यास के वितरण के लिए संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया था। वह 10 दिसंबर 2014 पर जैविक विज्ञान के राष्ट्रीय सम्मेलन में सिसकॉन में सत्र की अध्यक्षता की और मौखिक प्रस्तुतीकरण के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र का चयन करने के लिए जूरी के सदस्य थे। डॉ. रीमा दादा और उनके छात्र ने मनाइड बॉडी मेडिसिन और एम्स में अद्यतन आधारित साक्ष्य पर सम्मेलन में मोरारजी देसाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ योग में एमडीएनआईवाई नेशनल योग सप्ताह के सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार, दूसरा सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र प्राप्त किया। वे प्रजनन जैव चिकित्सा और स्टेम कोशिकाओं में मेडिकल रिसर्च काउंसिल फैलोशिप, एडिनबर्ग और रॉयन इंटरनेशनल रिसर्च पुरस्कार के लिए जूरी सदस्य थे। उन्होंने डीबीटी, आईसीएमआर, भारत यूएस प्रौद्योगिकी मंच और वेलकम ट्रस्ट के प्रस्तुत परियोजनाएं प्राप्त की। डॉ रीमा दादा टेलामेर एंड टेलोमेरेस, जे ऑफ पीडियट्रिक न्यूरोलॉजी और जे ऑफ पीडियट्रिक बायोकैमिस्ट्री, द ओपन एंड्रोलॉजी जर्नल, इंटरनेशनल जे ऑफ मेडिसिन के लिए संपादकीय बोर्ड पर हैं। उन्हें अमेरिकन सोसायटी ऑफ एंड्रोलॉजी और द इंडियन सोसायटी ऑफ फर्टिलिटी के सदस्य के रूप में मनोनीत थे। वे पुरुष बांझपन पर आईसीएमआर कार्य दल की सदस्य हैं। उन्होंने आनुवंशिकी में तीन एमडी और 2 पीएचडी थीसिस का मूल्यांकन किया और सीडीआरआई लखनऊ में पीएचडी थीसिस के लिए बाह्य परीक्षक थे। वे रोहतक के पंडित बी डी शर्मा विश्वविद्यालय, रोहतक में बीएससी आनुवंशिकी के लिए आनुवंशिकी के लिए परीक्षक थे। अगस्त 2014 में एम्स दीक्षांत समारोह, एम्स संस्थान दिवसीय प्रदर्शन और सांस्कृतिक शाम, और एंटी रैगिंग समिति के लिए कोर समिति के सदस्य, स्वायत्त संस्थानों में अनुसंधान गतिविधियों के मानक के सुधार पर ध्यान दिया। पीएचडी और पीजी के लिए दिशा निर्देशों को तैयार करने हेतु पीजी काउंसिलिंग के सदस्य और बोर्ड के सदस्य थे। डॉ. दादा संस्थान दिवस और दीक्षांत समारोह और संकाय प्रभारी छात्र संघ चुनावों के लिए कोर समिति / स्वागत समिति में थे। वे पाठ्यचर्या समिति की सदस्य हैं। डॉ दादा एमएएमसी और एलएचएमसी में सीनियर रेजीडेंट के चयन के लिए शामिल थे। डॉ. दादा ने तीन व्याख्यान दिए और अक्टूबर 2014 को एमएएमसी, नई दिल्ली में आनुवंशिकी पर कार्यशाला में प्रशिक्षण प्रदान किया। डॉ. रीमा दादा जीएनडीयू, अमृतसर; राजकुमारी अमृत कौर कॉलेज ऑफ नर्सिंग, नई दिल्ली; जामिया हमदर्द मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली और दुर्गाभाई देशमुख कॉलेज, नई दिल्ली में चिकित्सा आनुवंशिकी के लिए बाह्य संकाय हैं।

डॉ अरुंधति शर्मा उत्तरी भाग में प्रचलित विभिन्न आनुवंशिक रोगों के मानचित्रण के लिए मेटाबोलिज्म एंड मोलीकुलर रिसर्च सोसायटी के विशेषज्ञों में से एक के रूप में सेवा करने के लिए और इस क्षेत्र में आम और दुर्लभ म्यूटेशन के डेटाबेस बनाने के लिए जारी है। उन्होंने जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, उस्मानिया और जेएनटीयू विश्वविद्यालयों के आण्विक मानव आनुवंशिकी छात्र के पीएचडी थीसिस के लिए एक बाह्य परीक्षक के रूप में कार्य किया। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं से कई पत्र की समीक्षा की है। वृद्धि हार्मोन की कमी और प्रसव

पूर्व निदान के मानकीकरण के आनुवंशिक आधार पर उसकी टीम में कार्य कर एम्स सिसकॉन में एक पुरस्कार जीता। वे आण्विक मानव आनुवंशिकी विभाग, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर में आनुवंशिकी के लिए बाह्य संकाय रही हैं।

डॉ रेणु ढींगरा – एनाटोमी मस्कुलोस्केलेटन अल्ट्रासाउंड सोसायटी के तकनीकी सलाहकार थे। इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ प्लास्टीनेशन की पत्रिका के संपादकीय बोर्ड की सदस्य थे। डीएएसएमओएस के कार्यकारी सदस्य और अ. भा. आ. सं. के शिक्षण अनुसूची समिति के सदस्य, अ. भा. आ. सं. में आभासी शिक्षण के लिए शैक्षणिक सलाहकार पैनल के सदस्य, छात्र संचालन के लिए नियमों हेतु समिति। प्लास्टीनेशनल के अंतरराष्ट्रीय पत्रिका के लिए प्रस्तुत समीक्षित अनुसंधान शोध पत्रों की समीक्षा की। आईसीएमआर को प्रस्तुत अनुसंधान परियोजना की समीक्षा की।

डॉ. टी. सी. नाग ने सेल बायोलॉजी इंटरनेशनल और इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डेवलपमेंट न्यूरोसाइंस से पांडुलिपियों की समीक्षा की।

डॉ. रितु सहगल ने आईसीएमआर लघु छात्रवश्त्ति (एसटीएस) कार्यक्रम 2014 रिपोर्ट की ऑनलाइन समीक्षा के लिए 15 दिसंबर 2014 पर समीक्षक ; 58वें एम्स वार्षिक रिपोर्ट के वार्षिक रिपोर्ट समिति; वर्ष 2013–14 के लिए 59वें संस्थान दिवस प्रदर्शन उप समितियां और एम्स छात्रों के संघ निर्वाचनों के सलाहाकार परिषद के सदस्य के रूप में भाग लिया। उन्होंने विभागीय ई–अधिगम सुविधा के लिए विदेश (मॉरीशस) में और घरेलू (सीएमईटी) टेली – कॉन्फ्रेस प्रस्तुतियों में भाग लिया। उन्होंने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान निम्नलिखित पदों पर कार्य किया : माइक्रोएनाटोमी एंड माइक्रो टेक्नीक्स लैबोरेटरीज के उप प्रभारी, सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत शरीर रचना विज्ञान विभाग के लिए नामित केंद्रीय सहायक जन संपर्क अधिकारी (सीएपीआईओ); छात्रा सदस्यता कार्यक्रम के लिए विभागीय काउंसलर; 1 तिमाही जुलाई – अक्टूबर 2014 के लिए शिक्षण सह–समन्वयक; बी.एससी. (एमटीआर) पाठ्यक्रम के लिए आंतरिक परीक्षक।

डॉ. सरोज कलेर झझारिया ने कई कार्यशालाओं जैसे 16–19 जुलाई 2014 से बेसिक स्टेटिस्टीकल मैथड्स एंड हैंड्स ऑन डेटा एनालायसिस ट्रेनिंग प्रोग्राम यूजिंग स्टेट स्टेटीस्टीकल सॉफ्टवेयर, 8–9 अगस्त 2014 पर अनुसंधान पद्धति, एम्स, नई दिल्ली में 28–29 मार्च 2015 से एम्स अल्ट्रासाउंड क्षेत्रीय एनेस्थिसिया में उपस्थित हुए और भाग लिया। वे शिक्षण अनुसूची समिति और द इंस्टीट्यूशनल एंटी रेजिंग स्वाक्ड की सदस्य हैं। उन्होंने हिंदी पखवाड़े (1 से 15 सितंबर, 2014) के दौरान एम्स हिंदी अनुभाग द्वारा आयोजित समूह ए अधिकारियों के लिए हिंदी निबंधन लेखन प्रतियोगिता में सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। में 28 – 29 मार्च 2015 तक आयोजित एम्स अल्ट्रासाउंड क्षेत्रीय एनेस्थिसिया कार्यशाला के लिए संकाय थे।

डॉ. टॉनी जॉर्ज जैकोब ने 01–05 दिसंबर, 2014 तक एम्स, नई दिल्ली में एम्स – यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन रिसर्च मैथड्स कोर्स में भाग लिया। वह प्रयोगशाला तकनीशियन, ग्रूप समूह बी सांख्यिकीय सहायक और ग्रेड 3 पुस्तकायलाध्यक्ष के पद के लिए कर्मियों की नियमति नियुक्ति हेतु चयन समिति के सदस्य थे। वह वार्षिक स्नातकोत्तर विश्वविद्यालय परीक्षाओं के लिए आईटीएस सेंटर फॉर डेंटल स्टडीज एंड रिसर्च, गाजियाबाद में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के लिए एक बाह्य परीक्षक है। वे एनाटोमिकल साइंसेज एजुकेशन, क्लिनिकल एनाटोमी, बीएमसी गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया एंड जर्नल ऑफ एनाटोमिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के लिए समीक्षक है। डॉ. जैकोब ने जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर में एम.एससी. न्यूरोसाइंसेज कोर्स के लिए एक सहायक संकाय हैं। इसके अलावा वह एम्स अल्ट्रासाउंड रिजनल एनेस्थिसिया वर्कशॉप, 28–29 मार्च 2015 के लिए संकाय थे और एम्स में क्षेत्रीय अनुभाग के साथ संकाय के लिए अनुसंधान पद्धति में कार्यशालाओं के आयोजन में भाग लिया। उन्होंने इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी इन लाइफ साइंसेज पर कार्यशालाओं (जुलाई, 2014), वैज्ञानिक शोध पत्र लेखन (अगस्त, 2014) रोड मैप फॉर पेटेंट (सितंबर, 2014) माइक्रोटीचिंग (सितंबर, 2014) और डिजाइनिंग ओएसपीई एंड ओएससीई के लिए कार्यशाला (नवंबर 2014) में सक्रिय रूप से भाग लिया। वे अब एसोसिएशन ऑफ जरोनटोलॉजी (इंडिया) और एनाटोमिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के आजीवन सदस्य है।

डॉ. नीरजा सिरोही ने 28 – 29 मार्च 2015 तक आयोजित एम्स अल्ट्रासाउंड क्षेत्रीय एनेस्थिसिया कार्यशाला के लिए संकाय थे। उन्होंने मूल सांख्यिकी विधियों और स्टेट स्टेस्टिकल सॉफ्टवेयर का उपयोग कर डेटा विश्लेषण प्रशिक्षण कार्यक्रम, 16–19 जुलाई 2014, 8–9 अगस्त 2014 पर अनुसंधान पद्धति, 13 नवंबर 2014 पर सीएमईटी में ओएसपीई और ओएससीई और एम्स, नई दिल्ली में भाग लिया।

डॉ. सीमा सिंह ने कई कार्यशालाओं जैसे बेसिक स्टेटिस्टीकल मैथड्स एंड हैंड्स ऑन डेटा एनालायसिस ट्रेनिंग प्रोग्राम यूजिंग स्टेट स्टेटीस्टीकल सॉफ्टवेयर (16–19 जुलाई 2014), अनुसंधान पद्धति (8–9 अगस्त 2014), सीएमईटी में ओएसपीई और ओएससीई (13 नवंबर 2014)

और सीएमईटी में माइक्रोटीचिंग (31 अक्टूबर 2014) में उपस्थित हुए और भाग लिया। वे एम्स में 28 – 29 मार्च 2015 तक आयोजित एम्स अल्ट्रासाउंड क्षेत्रीय एनेस्थिसिया कार्यशाला के लिए संकाय थीं।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. संतोष के. मिश्रा, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेंट एंड कॉर्नियोफेशियल रिसर्च में वैज्ञानिक, एनआईएच, बेथेस्डा, यूएसए। उन्होंने 6.5.14 को ''अंडरस्टैंडिंग न्यूरल सर्कुटाइट्स फॉर पेन एंड इच पाथवे'' पर वार्ता दी।
2. स्वर्गीय प्रो. डॉ. मेड. मॉरिट्ज ए. कोनेर्डिंग, यूनिवर्सिटी ऑफ मेंज जोहानिस गुटेनबर्ग जर्मनी। उन्होंने 20 नवंबर 2014 को दो व्याख्यान दिए।

   क. रोग की विभिन्न अवस्थाओं में रक्त वाहिकाओं की भूमिका पर ''मुक्त प्रवाह : जीवन रेखा रक्त वाहिकाएं''

   ख. वीईजीएफ – संचालित ट्यूमर और ऑक्यूलर नियोवेस्कुलराइजेशन में विभेदक पैटर्न : औषधीय लक्ष्यीकरण के लिए संभव निहितार्थ'' – स्प्रोयूटिंग बनाम इंटुसेसप्टिव एंजियोजेनेसिस पर बिट अधिक विशिष्ट
3. डॉ. सौरव बनर्जी, एसोसिएट प्रोफेसर, राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, मानेसर, हरियाणा। गतिशील जुड़ाव : 28 नवंबर 2014 पर एमआईआरएनए द्वारा सायनेप्टिक प्लास्टिसिटी का नियामक नियंत्रण।

9.3 जैव रसायन

आचार्य एवं अध्यक्ष

नीता सिंह (30.11.2014 तक)
डी. एन. राव (1.12.2014 से)

आचार्य

सुब्रत सिन्हा (प्रतिनियुक्ति पर)
निभृति दास (30.6.2014 तक)
एस. एस. चौहान
एम. आर. राजेश्वरी
पी. पी. चट्‌टोपाध्याय
कल्पना लूथरा
अल्पना शर्मा
कुंजेंग चोसडॉल

सहायक आचार्य

सुदीप सेन
अर्चना सिंह–I
अर्चना सिंह–II
जयंत कुमार पी.
शुभ्रादीप करमारकर

विशिष्टताएं

- विभाग (निधियां : 9.6 करोड़ रुपए) में विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों जैसे डी. बी. टी, डी.एस.टी, आई. सी. एम. आर, सी. एस. आई. आर, इंडो–कनाडियन, डी. आर. डी. ओ और एम्स (आंतरिक) द्वारा 26 अनुसंधान परियोजनाओं के वित्तपोषण जारी हैं और इस वर्ष में 10 अनुसंधान परियोजनाएं (निधियां : 4 करोड़ रुपए) पूरी की गई।

- विभाग द्वारा दिल्ली में और इसके आस पास सेल टावरों के प्रयोक्ताओं और सेल फोन के जोखिम पर एक प्रतिष्ठित आईसीएमआर परियोजना का प्रबंधन किया जाता है।
- विभाग में 27 विभागीय परियोजनाएं और 25 सहयोगी परियोजनाएं जारी हैं।
- 36 लेख और 9 सार अनुक्रमित पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए।
- संकाय द्वारा 30 आमंत्रित वार्ताएं दी गईं और विभिन्न वैज्ञानिक मंचों पर संकाय / अनुसंधान छात्रों (मौखिक / पोस्टर) द्वारा 31 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।
- संकाय और छात्रों ने विभिन्न सम्मेलनों में मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियों के लिए पुरस्कार प्राप्त किए।
- संकाय द्वारा 1 पुस्तक और 2 अध्यायों का योगदान किया गया।
- विदेश से आए प्रख्यात वैज्ञानिकों द्वारा विभाग में 4 अतिथि व्याख्यान दिए गए।
- अनुसंधान में वर्तमान प्रगति को शामिल विषयों को शामिल करने के लिए एम डी और एम एससी के छात्रों के लिए पाठ्‌यक्रम कार्यों को बड़े पैमाने पर पुनर्गठित किया गया है।

  विभाग ने 29 अप्रैल 2014 को एम्स में विश्व प्रतिरक्षा विज्ञान दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

शिक्षा

स्नातक पूर्व

विभाग द्वारा स्नातक पूर्व शिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसके तहत एम.बी.बी.एस. (दो सेमिस्टर), नर्सिंग (एक सेमिस्टर) तथा बी.एस. सी (ऑनर्स) नर्सिंग (एक सेमिस्टर) पाठ्‌यक्रम शामिल थे। जैव रसायन संकल्पनाओं के स्व–निदेशित तथा संदर्भगत अधिगम को सरल बनाने के लिए समूह चर्चाओं के लिए नए समस्या आधारित मॉड्‌यूल शामिल किए गए हैं। दो स्नातक पूर्व छात्रों को अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

स्नातकोत्तर

इसमें 9 एम. एससी. तथा 12 एम. डी. विद्यार्थी शामिल हैं। विभाग में 29 पी. एचडी. विद्यार्थी भी हैं।

पोस्ट डॉक्टरेट छात्रों के रूप में यहां तीन डीएसटी, डीबीटी और आईसीएमआर महिला वैज्ञानिक कार्य कर रहे हैं।

अनुसंधान में वर्तमान प्रगति को शामिल विषयों को शामिल करने के लिए स्नातकोत्तर छात्रों (एमडी और एमएससी) के लिए पाठ्यक्रम कार्यों को बड़े पैमाने पर पुनर्गठित किया गया है। इस पाठ्यक्रम में निम्नलिखित मॉड्यूल शामिल हैं : प्रोटिओमिक्स, आण्विक जीव विज्ञान और आनुवंशिकी, प्रतिरक्षा विज्ञान, कोशिका जीव विज्ञान और संकेतन, स्टेम कोशिका जीव विज्ञान, जीव विज्ञान प्रणाली और जैव सूचना विज्ञान और गुणवत्ता नियंत्रण। वैज्ञानिक लेख की कार्यप्रणाली और जीव विज्ञान छात्रों को समझाने में मदद देने और समालोचना सहित इसके विश्लेषण के लिए प्रत्येक मॉड्यूल के अंत में एक नई धारा "शोध पत्र के महत्वपूर्ण विश्लेषण" को शामिल किया गया है।

बीपीकेआईएचएस, धरान, नेपाल पांच स्नातकोत्तर छात्रों (एमडी और एमबीबीएस) ने विभाग में चार सप्ताह के लिए अनुसंधान प्रशिक्षण प्राप्त किया। दस स्नातकोत्तर छात्रों ने आण्विक जीव विज्ञान और प्रतिरक्षा विज्ञान की विभिन्न तकनीकों में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

आयोजित सम्मेलन

- भारतीय प्रतिरक्षा विज्ञान सोसाइटी के तत्वावधान में 29 अप्रैल 2014 को एम्स में विश्व प्रतिरक्षा विज्ञान दिवसीय संगोष्ठी।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

डी. एन. राव : 7 **एस. एस. चौहान : 2** **एम. आर. राजेश्वरी : 7** **कल्पना लूथरा : 4**
अल्पना शर्मा : 3 **कुंजेंग चोसडॉल : 3** **सुदीप सेन : 2** **अर्चना सिंह : 1**

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. महिलाओं के मध्यस्थता आवर्तक गर्भपात में एंटी फॉस्फोलिपिड एंटीबॉडी में प्रतिरक्षा प्रोथ्रोम्बोटिक / प्रोइंफ्लेमेटरी परिवर्तन का मूल्यांकन और इसके मॉडुलन में सह एंजाइम क्यू10 की भूमिका, डी एन राव, आई सी एम आर, 2015–2017, 20 लाख रुपए।
2. कुष्ठ रोग के ध्रुवीय रूपों में सीडी4 टीसीआर की भूमिका का मूल्यांकन, डी एन राव, आई सी एम आर, 2015–2017, 19 लाख रुपए।
3. वितरण वाहनों के रूप में नैनोकणों के उपयोग से चिकनगुनिया वायरस का ई1, ई2, ई3 और कैप्सिड प्रोटीन का उपयोग करते हुए इम्यूनोजीन आधारित विकासशील पेप्टाइड, डी एन राव, डी एस टी, 2013–2016, 26 लाख रुपए।
4. वक्ष कैंसर के रोगियों में आक्रामक रोग की भविष्यवाणी के लिए कैंसर पूर्वानुमान परीक्षण का विकास नीता सिंह, इंडो – कनाडा, 2013–2015, 40 लाख रुपए।
5. मानव प्राथमिक ग्लियोब्लास्टोमा में पीटीईएन रेगुलेटिड जीनों के नैदानिक महत्व पर एक अध्ययन, एस. एस. चौहान, डी बी टी, 2013–2016, 47 लाख रु.।
6. फेडरिक एटेक्सिया (एफ.ए) के आकलन में प्लाज़्मा सर्कुलेटिंग माइथोकांड्रियल डीएनए, एम. आर. राजेश्वरी, आई. सी. एम. आर, 2013–2016, 35 लाख रुपए
7. ट्रिपलेट (जीएए) रिपीट विस्तार के जीनोमिक विश्लेषण – संबद्ध न्यूरोडीजेनेरेटिव विकार, फ्रिएड्रिच एटेक्सिया, एम. आर. राजेश्वरी, डीबीटी, 2014 – 2017, 64 लाख रुपए।
8. एचआईवी वैक्सीन डिज़ाइन के लिए भारतीय तथा दक्षिण अफ्रीकीय एचआईवी – 1 सबटाइप सी वायरस पर न्यूट्रिलाइज़िंग एंटीबॉडी एपीटोप्स की पहचान, कल्पना लूथरा, डी.एस.टी, 2011–2015, 86 लाख रुपए।
9. एचआईवी – 1 संक्रमण के द्रुमाकृतिक (डेंड्रिटिक्स) कोशिकाओं की क्रियात्मक विशेषताएं, कल्पना लूथरा, डी.एस.टी, 2012–2015, 37 लाख रुपए।

10. एचआईवी – 1 क्लेड सी एन्वेल्प से चिरकालिक संक्रमित भारतीय बाल रोगियों का मूल्यांकन, कल्पना लूथरा, डीबीटी, 2012–2015, 1 02 लाख रुपए
11. बच्चों में एचआईवी–1 संक्रमण के विकृतिजन्य में क्रियात्मक विशेषताएं, कल्पना लूथरा, डी. बी. टी 2012 – 2015, 80 लाख रुपए
12. कोरोनरी आर्टरी रोग की पैथोफिजियोलॉजी और गंभीरता के साथ ल्युकोसैट झिल्ली पूरक नियामक प्रोटीन, एमबीएल और एमएएसपी का संबंध, कल्पना लूथरा, आईसीएमआर, 2015 – 2018, 44 लाख रुपए।
13. बाल चिकित्सा रोगियों से उप प्रकार–सी एचआईवी – 1 के लिफाफा ग्लाइकोप्रोटीन के विरुद्ध पुनः संयोजक मानव श्रृंखला एकल संस्करण के टुकड़े (एससीएफवी) का उत्पादन और लाक्षणीकरण, कल्पना लूथरा, आईसीएमआर, 2015 – 2018, 28 लाख रुपए।
14. बड़े पैमाने पर एंटीबॉडी को निष्क्रिय करने के लिए उनकी संवेदनशीलता निराकरण हेतु बाल चिकित्सा रोगियों से एचआईवी –1 प्राथमिक आइसोलेटों का उत्पादन और लाक्षणीकरण, कल्पना लूथरा, एम्स, 2014 – 2016, 5 लाख रुपए।
15. ऑटोइम्यून त्वचा विकार की विकृतिजन्यता में टी सेल तथा उसके अपमार्जक ग्राही (एससीएआरटी) का अध्ययन : पेम्फीगस वल्गेरिस, अल्पना शर्मा, डीबीटी, 2011–2014, 45 लाख रुपए।
16. पेम्फीगस वुलगेरियस के रोगजनन में टी$_{एच}$17 और ट्रेग लिम्फोसाइटों के अध्ययन, अल्पना शर्मा, आई. सी. एम. आर, 2012–2015, 28 लाख रुपए।
17. ट्रांसिशनल सेल कार्सिनोमा में एचएएस का मॉलीक्यूलर तथा प्रोटियोमिक प्रोफाइलिंग, अल्पना शर्मा, आई. सी. एम. आर, 2012–2015, 30 लाख रुपए।
18. पैमफिगस वल्गेरिस के रोगजनन में डेंड्राइटिक कोशिकाओं का अध्ययन, अल्पना शर्मा, एम्स, 2014–2016, 10 लाख रुपए
19. संकेत पारगमन के स्तर, कोशिका विकास गुण तथा इनफ्लेमेटरी मॉड्युलेटर्स का उद्भवन में एफएटी1 एवं साइक्लोऑक्सीजीन्स 2 (सीओएक्स 2) के बीच अंतः क्रिया संबंधी अध्ययन द्वारा कैंसर तथा प्रदाह का विश्लेषण, कुंजेंग चॉसडॉल, डीएसटी, 2011–2014, 20 लाख रुपए
20. ग्लाइब्लास्टोमा में हाइपोक्सिया एवं नॉच सिग्नलिंग : प्रतिकूल फीनोटाइप हेतु उपलक्षण, कुंजेंग चॉसडॉल, डीबीटी, 2011–2014, 48 लाख रुपए
21. ग्लियोमा में ट्यूमर शमन संकेतन मार्ग (साल्वाडोर वार्ट – हिप्पो (एसडब्ल्यूएच) मार्ग), पर एफएटी1 का प्रभाव, कुंजेंग चॉसडॉल, एम्स, 2014–2016, 10 लाख रुपए।
22. मेलिग्नेंट कोशिकाओं की उत्पत्ति में सम्मिलित क्रिटिकल ट्रांसक्रिप्शनल मॉड्यूल्स पर समाकलनात्मक अन्वेषण, सुदीप सेन (एम्स, दिल्ली), और डॉ. विप्लब बोस (आईआईटीजी), डीबीटी 2012–15, 27 लाख रुपए।
23. विट्रो में मायकोफिनोलेटे मोफेटिल (एमएमएफ) के उपयोग पर मानव मौखिक श्लैष्मिक उपकला कोशिकाओं (ओएमईसी) में म्यूसिन्स की अभिव्यक्ति का विश्लेषण, सुदीप सेन, एम्स, 2012–2015, 4 लाख रुपए।
24. तीव्र लिम्फोब्लासटिक ल्यूकेमिया के बाल चिकित्सा के मामलों में माइटोकोंड्रियल डीएनए प्रति संख्या का आकलन, अर्चना सिंह, एम्स, 2013–2015, 7 लाख रुपए।
25. नैदानिक और संभावित टीके के लिए डेंगू वायरस (डीईएनवी 1–4) और उनके मूल्यांकन के एन्वेलप और एनएस1 प्रोटीनों से बी और टी कोशिकाओं एपिटॉप करने के लिए टेट्रावलेंट प्रतिजनी पेप्टाइड (टीएपी) में विशिष्ट निर्माण, रीटा राय, डीएसटी (महिला वैज्ञानिक), 2014–2017, 24 लाख रुपए।
26. चिकनगुनिया वायरस (चिक वी) के एन्वेलप प्रोटीनों से व्युत्पन्न पेप्टाइड्स के बी और टी सेल एपिटोप्स और अध्ययन करने के लिए उनके ह्यूमोरल तथा सेल प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया मध्यस्थता की पहचान, संतवाना प्रधान, डी बी टी वुमेन बायो केयर, 2013–2015, 16 लाख रुपए।

पूर्ण

1. चिकनगुनिया वायरस के एन्वेलप ई1, ई2, ई3 प्रोटीन से व्युत्पन्न पेप्टाइड्स के एक पैनल का उपयोग करते हुए निदान की स्क्रीनिंग और निष्क्रिय एंटीबॉडी (आईजीएम / आईजीजी), डी.एन. राव, आई.सी.एम.आर, 2011–2014, 24 लाख रुपए

2. कुष्ठ रोग अनुक्रम के दौरान कोमाटीन रीमॉडलिंग द्वारा फॉक्स पी.3 मेडिकेटिड इम्यून सप्रेशन मैकेनिज़्म का मूल्यांकन, डी. एन राव, आई सी.एम.आर, 2011–2014, 24 लाख रुपए।

3. चिकनगुनिया वायरस संक्रमण हेतु करने के लिए विकसित सबयूनिट टीका के बी और टी कोशिकाओं एपिटॉप की पहचान के लिए इन अनुक्रमों में चिकनगुनिया वायरस और सिंथेसीज पेप्टाइड स्पैनिंग के ई–1, ई–2 तथा ई–3 एन्वेलप प्रोटीनों का क्लोन तथा प्रस्तुतीकरण करना, डी.एन. राव, डीआरडीओ, 2011–2014, 36 लाख रुपए।

4. मानव स्वास्थ्य के गैर आयनिक इलेक्ट्रो मैग्नेटिक फील्ड्स (ई.एम.एफ) का प्रभाव, डी.एन. राव, आई.सी.एम.आर, 2010–2015, 1 करोड़ रुपए।

5. एक इंट्रानेसल पुरुष गर्भनिरोधक इंजेक्शन के साथ चरण 3 क्लीनिकल परीक्षण – आरआईएसयूजी, डीएन राव, आईसीएमआर, 2008–2015, 10 लाख रुपए।

6. सामान्य पुरुष तथा महिला स्वयंसेवकों (आईसीएमआर प्रकोष्ठ फोन कार्य बल अध्ययन का भाग) के हीमेटोलॉजिकल एवं बायोकैमिकल पैरामीटर्स पर नॉन–आयोनाइजिंग इलैक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड (ईएमएफ) का प्रभाव, डी.एन. राव, आई.सी.एम.आर, 2012–2015, 50 लाख रुपए।

7. नैदानिक ऐसे में ट्रांसलेटिंग शीर्ष एवं ग्रीवा कैंसर मार्कर एस. एस. चौहान, डी.बी.टी (इंडो – कनाडा) 2010–2014, 79 लाख रुपए

8. एसआईआरएनए मेडिकेटिड जीन स्लाइसिंग द्वारा एसआईआरएनए मध्यस्थता जीन सायलेंसिंग के प्रमोटर मध्यस्थता ट्यूमर कोशिका को लक्षित द्वारा प्रमोटर मध्यस्थता ट्यूमर कोशिका लाक्षणीकरण। पी. चट्टोपाध्याय, डीबीटी, 2010–2014, 34 लाख रुपए।

9. एचआईवी संक्रमित भारतीय बच्चों में जननिक असमानता तथा न्यूट्रिलाइजिंग प्रतिपिंड प्रतिक्रिया की विशेषता, कल्पना लूथरा, आई.सी.एम आर, 2011 – 2014, 29 लाख रुपए।

10. मल्टीपल मायलोमा में फिब्युलिन – 1 एवं निडोजिन (एक्स्ट्रासेल्युलर मेट्रिक्स प्रोटीन्स) के परिसंचार के स्तर का अध्ययन, अल्पना शर्मा, एम्स 2011–2013, 3 लाख रुपए।

विभागीय परियोजना

जारी

1. कुष्ठ रोग में टी कोशिका मध्यस्थता प्रतिरक्षा।
2. आवर्ती गर्भपात प्रतिरक्षाविज्ञानी परिवर्तन और इसके मॉडुलन में कोएंजाइम क्यू 10 की भूमिका का मूल्यांकन।
3. आघात रक्तस्रावी सदमे वाले रोगियों में एस्ट्रोजन की भूमिका का अध्ययन करना।
4. चिकनगुनिया वायरस के एन्वेलप ई1, ई2, ई3 और कैप्सिड पर एपिटोप्स की पहचान और प्रतिरक्षा लाक्षणीकरण।
5. अभिघात के बाद आघात वाले रोगियों में सुधार के साथ प्रतिरक्षा नैदानिक और प्रो और एंटी इंफ्लेमेटरी साइटोकाइन जीन बहुरूपता सह–संबंध की भूमिका।
6. बाल चिकित्सा तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया में कैथेस्पिन एल और बी अभिव्यक्ति का जैविक और नैदानिक महत्व।
7. हिपेटोटॉक्सिक एजेंट द्वारा कैथेस्पिन एल और बी का विनियमन।
8. मानव पित्ताशय की थैली कार्सिनोमा में सिस्टीन प्रोटिएसेस की अभिव्यक्ति।
9. विभिन्न मेटास्टेटिक क्षमता के साथ स्तन कैंसर की कोशिकाओं में कैथेस्पिन बी के अंतर अभिव्यक्ति की आणविक तंत्र की व्याख्या।
10. संक्रमित बच्चों से मानव एंटी एचआईवी –1 मोनोक्लोनल एंटीबॉडी के पश्थक्करण और लाक्षणीकरण।
11. एचआईवी –1 से संक्रमित एंटीरेट्रोवाइरल नैव और उपचारित व्यक्तियों की डेंड्राइटिक कोशिकाओं पर पूरक रिसेप्टर्स और नियामकों की अभिव्यक्ति का अध्ययन।
12. यूरोथिलियल कार्सिनोमा में हाइएल्यूरोनिक एसिड सिग्नलिंग कासकेड का अध्ययन।
13. ब्लेडर के परिवर्ती कोशिका कार्सिनोमा के रोगियों में टीएच 17 कोशिकाओं के साइटोकाइन एवं परिवर्ती कारकों का उद्भवन।
14. मूत्राशय के संक्रमणकालीन कार्सिनोमा में छोटे – ल्यूसिन से भरपूर प्रोटेयोग्लाइकैन्स का अध्ययन।
15. मल्टीपल मायलोमा में टेलोमरेज़ गतिविधि और शेलटेरिन जटिल और इससे संबद्ध कारकों का अध्ययन।

16. पेम्फीगस वल्गेरिस में डेंड्राइटिक कोशिकाओं के अध्ययन।
17. मूत्राशय कैंसर में आरएएसएफएफ जीन और उनके संकेत का अध्ययन
18. ग्लायोमा में एफएटी 1 जीन एक्सप्रेशन का नियमन।
19. ग्लियोमा में एफएटी1, पी53 और एचआईएफ1ए के बीच बातचीत के संकेत
20. गंभीर हाइपोक्सिक स्थिति के तहत एचआईएफ1 विनियमन में हाइपोक्सिया और पी53 की भूमिका के विभिन्न डिग्री के तहत जीबीएम कोशिका लाइनों में जीन अभिव्यक्ति का अध्ययन करना।
21. ग्लियोमा में एचआईएफ1ए के कार्यात्मक संपर्क और नॉच रिसेप्टर का अध्ययन करना।
22. हाइपोक्सिया और कीमोथेरेपी की प्रतिक्रिया : ग्लिअल ट्यूमर कोशिका लाइनों में एक अध्ययन।
23. ग्लियोमा की कीमो– संवेदनशीलता पर एफएटी1 और पी53.
24. व्युत्पन्न मीजेनकाइमल स्टेम कोशिका से पेट की कार्सिनोमा कोशिका लाइनों और मानव अस्थि मज्जा में स्टेमनेस के साथ ईएमटी / एमईटी मार्कर की तुलना।
25. कोलोरेक्टल कार्सिनोमा के विभिन्न हिस्टोपैथोलॉजिकल ग्रेडिंग से कैंसर स्टेम कोशिकाओं की पृथक्करण, पहचान और लक्षणीकरण।
26. मानव कोलोरेक्टल कार्सिनोमा में कैंसर कोशिका भेदभाव और ट्यूमर माइक्रोएनवायर्नमेंट के बीच संघ।
27. न्यूनतम अवशिष्ट रोग (एक खोजपूर्ण अध्ययन) के साथ बाल चिकित्सा तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया और इसके संबंध में माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए प्रति संख्या का विश्लेषण।
28. स्टैटिन चिकित्सा पर एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम (एसीएस) के रोगियों में एचडीएल कार्यक्षमता पर अध्ययन।
29. सीरम एचडीएल कोलेस्ट्रॉल के स्तर को निर्धारित करने में वसा ऊतक एबीसीए1 की भूमिका की खोज।
30. तपेदिक रोगियों और नियंत्रण में आईएनओएस जीन बहुरूपी संस्करण के साथ नाइट्रिक ऑक्साइड और इंड्यूसिबल नाइट्रिक ऑक्साइड सिंथेस (आईएनओएस) और उनके सह–संबंध की अभिव्यक्ति का अध्ययन करना।
31. तपेदिक में फोक 1 पॉलीमरेज के साथ विटामिन डी रिसेप्टर (वीडीआर) और कैथेलिसिडिन अभिव्यक्ति और उनके सह–संबंध का अध्ययन।
32. एंथ्रियॉइड भेदभाव के दौरान टीईटी 2 एंजाइम गतिविधि और 5 एचएमसी (हाइड्रोक्सीमेथिल साइटोसिन) में परिवर्तन सामग्री के मॉडुलन के लिए अग्रणी कोशिकी संकेतों की पहचान करना।

पूर्ण

1. डेंगू संक्रमण की निदान की दिशा में दृष्टिकोण आधारित पेंटावेलेंट प्रतिजनी पेप्टाइड (पीएपी)।
2. मौखिक कैंसरजनन में एचएनआरएनपीडी, पीटीईएन, ईबी1 और एस100ए2 प्रोटीनों का नैदानिक महत्व।
3. ग्लियोमा में प्रदाह संबंधी पाथवे एवं एफएटी.
4. ब्रेन ट्यूमर के साथ फोलेट मेटाबोलिजिंग एंजाइमों और उनके संघ का एकल न्युक्लियोटाइड बहुरूपता (एसएनपी)
5. ग्लियोमा सेल लाइन में वसा 1 और कॉक्स 2 की कार्यात्मक अंतःक्रिया।
6. मानव अस्थि मज्जा व्युत्पन्न मेसेंकाइमल स्टेम कोशिकाओं का आण्विक लाक्षणीकरण और ऑस्टियोब्लास्टिक अवकलन।
7. कोलोरेक्टल स्टेम कोशिकाओं में जीन एक्सप्रेशन का विश्लेषण।
8. माइकोफिनोलेट मोफटिल (एमएमएफ) तथा बिवेकीजुमेब (बीवीसीजेड) इन विट्रो के प्रयोग द्वारा मानव ओरल म्यूकोसल एपीथिलीयल कोशिकाओं (ओएमईसी) में म्यूकिन्स एवं एंजियोजेनेसिस मार्कर्स का विश्लेषण।
9. बाल्यावस्था में तीव्र लिम्फोब्लासटिक ल्यूकेमिया में संभव पूर्वाभासी मूल्य के लिए माइटोकोंड्रियल डीएनए प्रति संख्या का मूल्यांकन।

सहयोगी परियोजना

जारी

1. स्तन कैंसर में ऊतक साइट विशिष्ट प्रमोटर डीएनए मेथिलिकरण प्रोफाइल का मूल्यांकन द्वारा स्तन कैंसर के एपिजेनेटिक्स का एक अययन (शल्य–चिकित्सा विभाग)।

2. अग्न्याशय के कार्सिनोमा के साथ रोगियों में रेग–4 और एमवीसी–4 की अभिव्यक्ति (जठरांत्र विज्ञान विभाग)।

3. क्रोनिक पैन्क्रियाटाइटिस में फाइब्रोसिस के अग्नाशय कार्य और मार्कर पर एंटीऑक्सीडेंट पूरकता का प्रभाव : एक यादृच्छिक प्लेसबो नियंत्रित डबल नेत्रहीन परीक्षण (जठरांत्र विज्ञान विभाग)

4. टी सेल सबसेट द्वारा एक्टोएंजाइमों और नकारात्मक सह उत्तेजक अणुओं को व्यक्त करने पर आईवी1सी की ट्रांसक्रिप्शनल जीन सायलेंसिंग पर प्रभाव : एचआईवी संक्रमण में एचआईवी में पुरानी प्रतिरक्षा सक्रियण की प्रासंगिकता (प्रत्यारोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवंशिकी विभाग)।

5. सूजन का पता लगाने के लिए सेंसर के साथ एम्बेडेड आर्थोडोंटिक मिनीस्क्रू का डिजाइन और परीक्षण (जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग)।

6. तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक के लिए रक्त बायोमार्कर के नैदानिक पैनल का विकास (तंत्रिका विज्ञान विभाग)।

7. पेरी – इम्पेनिटिस एराउंड टेम्पोरेरी एन्कोरेज डिवाइस (टेड) में एचएमजीबी1 प्रोटीन (दंत चिकित्सा विज्ञान और अनुसंधान केन्द्र)।

8. गंभीर इस्केमिक आघात हेतु रक्त बायोमार्कर के नैदानिक पैनल का विकास (तंत्रिका विज्ञान विभाग)।

9. कैनाइन विकर्षण और कैनाइन अपवर्तन के दौरान जीसीएफ में इंटरल्यूकिन–1–बीटा के स्तर की एक तुलनात्मक मूल्यांकन (दंत चिकित्सा विज्ञान और अनुसंधान केंद्र)।

10. ट्रॉफोब्लास्ट सेल्स में पेरॉक्सीसोम प्रोलिफरेटर एक्टिवेटिड रिसेप्टर्स (पीपीएआरएस) एवं एंजियोजेनिक फैक्टर्स के उद्भवन पर हाइपोक्सिया का प्रभाव : इन विट्रो अध्ययन (शरीर रचना विज्ञान विभाग)।

11. प्रारंभिक अपरिपक्व टी–सेल तीव्र लिम्फोब्लासटिक ल्यूकेमिया के आण्विक जीव विज्ञान (टी–एएलएल) (बीआरएआईआरसीएच)।

12. मानव ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं के प्रवास पर हाइड्रोजन सल्फाइड की भूमिका (शारीरिक रचना विभाग)

13. रुमेटी गठिया के उपचार के लिए लक्षित नैनो कैरियर्स का विकास (रोग विज्ञान विभाग)।

14. सारकॉइडोसिस के साथ रोगियों में रोगजनन और रोग प्रगति में ईटीएस–ए और टी हेल्पर साइटोकिन्स की भूमिका (पल्मोनरी चिकित्सा विभाग)।

15. प्रीक्लेम्पसिया में सिस्थेथियोनिन गामा लियास मध्यस्थता ट्रोफोब्लास्ट सेल आक्रमण और उसकी स्थिति में माइक्रो आरएनए 30 की भूमिका (शारीरिक रचना विभाग)।

16. विटिलिगो रोगियों में जारी मिलेनोसाइट प्रत्यारोपण में कैचेकोलायारन्स तथा उनके मेटाबोलाइट्स का निर्धारण (त्वचा विज्ञान और रतिजरोग विभाग)।

17. सक्रिय नॉन – सेग्मेंटल विटिलिगो में फॉक्सपी3 एक्सप्रेशन एवं फॉक्सपी3 प्रोमोटर मिथाइलेशन स्तर की व्याख्या (त्वचा विज्ञान और रतिजरोग विभाग)।

18. त्वचा ऑटोइम्यून विकार झलका वुल्गेरिस में टी हेल्पर साइटोकिन्स की भूमिका (त्वचा विज्ञान और रतिजरोग विभाग)।

19. वृक्क कोशिका कार्सिनोमा में माइक्रोआरएनए का अध्ययन (मूत्रविज्ञान विभाग)।

20. नेत्रपलक के कार्सिनोमा में एपीथिलियल मेसेनेकेमल ट्रांसिशन (ईएमटी) : एक इम्युनोहिस्टरोकैमिकल एवं मॉलीक्यूलर अध्ययन (डॉ. रा. प्र.केंद्र, एम्स)।

21. मेलिग्नेंट कोशिकाओं के प्रसार में महत्वपूर्ण ट्रांसक्रिप्शनल शामिल मॉड्यूल पर एकीकृत जांच (जैव प्रौद्योगिकी विभाग, आईआईटी, गुवाहाटी)।

22. खाद्य और पोषण सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए स्वदेशी और पारंपरिक खाद्य पदार्थ : झारखंड के जनजातीय समुदायों में स्वदेशी/ जंगली फसलों की खपत के माध्यम से आहार विविधता पर जोर देने के साथ जैव विविधता की संभव योगदान में एक जांच (भारतीय जन स्वास्थ्य संस्थान, दिल्ली)।

23. नई दिल्ली के एक शहरी समुदाय में जन्म परिणामों पर वायु प्रदूषण के प्रभाव का एक पूर्वव्यापी कोहोर्ट अध्ययन (भारतीय जन स्वास्थ्य संस्थान, दिल्ली)।

25. एरिथ्रोइड संकट के दौरान पूर्वज कोशिकाओं के एरिथ्रोइड वंशावली और एक रिजर्व पूल के रूप में उनकी भूमिका में एक ''नोवल'' केमोकाइन रिसेप्टर, ''सीएक्सआर4 पॉजीटिव सबपॉपुलेशन'' की पहचान (रुधिर कैंसर विज्ञान विभाग, बीआरएआईआरसीएच)।

पूर्ण

1. डेंगू संक्रमण की निदान की दिशा में दश्ष्टिकोण आधारित पेंटावेलेंट प्रतिजनी पेप्टाइड (पीएपी)।
2. मौखिक कैंसरजनन में एचएनआरएनपीडी, पीटीईएन, ईबी1 और एस100ए2 प्रोटीनों का नैदानिक महत्व।
3. ग्लियोमा में प्रदाह संबंधी पाथवे एवं एफएटी.
4. ब्रेन ट्यूमर के साथ फोलेट मेटाबोलिजिंग एंजाइमों और उनके संघ का एकल न्युक्लियोटाइड बहुरूपता (एसएनपी)
5. ग्लियोमा सेल लाइन में वसा 1 और कॉक्स 2 की कार्यात्मक अंतःक्रिया।
6. मानव अस्थि मज्जा व्युत्पन्न मेसेंकाइमल स्टेम कोशिकाओं का आण्विक लाक्षणीकरण और ऑस्टियोब्लास्टिक अवकलन।
7. कोलोरेक्टल स्टेम कोशिकाओं में जीन एक्सप्रेशन का विश्लेषण।
8. माइकोफिनोलेट मोफटिल (एमएमएफ) तथा बिवेकीजुमेब (बीवीसीजेड) इन विट्रो के प्रयोग द्वारा मानव ओरल म्यूकोसल एपीथिलीयल कोशिकाओं (ओएमईसी) में म्यूकिन्स एवं एंजियोजेनेसिस मार्कर्स का विश्लेषण।
9. बाल्यावस्था में तीव्र लिम्फोब्लासटिक ल्यूकेमिया में संभव पूर्वाभासी मूल्य के लिए माइटोकोंड्रियल डीएनए प्रति संख्या का मूल्यांकन।

सहयोगी परियोजना

जारी

1. स्तन कैंसर में ऊतक साइट विशिष्ट प्रमोटर डीएनए मेथिलिकरण प्रोफाइल का मूल्यांकन द्वारा स्तन कैंसर के एपिजेनेटिक्स का एक अध्ययन (शल्य–चिकित्सा विभाग)।
2. अग्न्याशय के कार्सिनोमा के साथ रोगियों में रेग–4 और एमवीसी–4 की अभिव्यक्ति (जठरांत्र विज्ञान विभाग)।
3. क्रोनिक पैन्क्रियाटाइटिस में फाइब्रोसिस के अग्नाशय कार्य और मार्कर पर एंटीऑक्सीडेंट पूरकता का प्रभाव : एक यादृच्छिक प्लेसबो नियंत्रित डबल नेत्रहीन परीक्षण (जठरांत्र विज्ञान विभाग)
4. टी सेल सबसेट द्वारा एक्टोएंजाइमों और नकारात्मक सह उत्तेजक अणुओं को व्यक्त करने पर आईवी1सी की ट्रांसक्रिप्शनल जीन सायलेंसिंग पर प्रभाव : एचआईवी संक्रमण में एचआईवी में पुरानी प्रतिरक्षा सक्रियण की प्रासंगिकता (प्रत्यारोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवंशिकी विभाग)।
5. सूजन का पता लगाने के लिए सेंसर के साथ एम्बेडेड आर्थोडोंटिक मिनीस्क्रू का डिजाइन और परीक्षण (जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग)।
6. तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक के लिए रक्त बायोमार्कर के नैदानिक पैनल का विकास (तंत्रिका विज्ञान विभाग)।
7. पेरी – इम्पेनिटिस एराउंड टेम्पोरेरी एन्कोरेज डिवाइस (टेड) में एचएमजीबी1 प्रोटीन (दंत चिकित्सा विज्ञान और अनुसंधान केन्द्र)।
8. गंभीर इस्चेमिक आघात हेतु रक्त बायोमार्कर के नैदानिक पैनल का विकास (तंत्रिका विज्ञान विभाग)।
9. कैनाइन विकर्षण और कैनाइन अपवर्तन के दौरान जीसीएफ में इंटरल्यूकिन–1–बीटा के स्तर की एक तुलनात्मक मूल्यांकन (दंत चिकित्सा विज्ञान और अनुसंधान केंद्र)।
10. ट्रॉफोब्लास्ट सेल्स में पेरॉक्सीसोम प्रोलिफरेटर एक्टिवेटिड रिसेप्टर्स (पीपीएआरएस) एवं एंजियोजेनिक फैक्टर्स के उद्भवन पर हाइपोक्सिया का प्रभाव : इन विट्रो अध्ययन (शरीर रचना विज्ञान विभाग)।
11. प्रारंभिक अपरिपक्व टी–सेल तीव्र लिम्फोब्लासटिक ल्यूकेमिया के आण्विक जीव विज्ञान (टी–एएलएल) (बीआरएआईआरसीएच)।
12. मानव ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं के प्रवास पर हाइड्रोजन सल्फाइड की भूमिका (शारीरिक रचना विभाग)
13. रुमेटी गठिया के उपचार के लिए लक्षित नैनो कैरियर्स का विकास (रोग विज्ञान विभाग)।
14. सारकॉइडोसिस के साथ रोगियों में रोगजनन और रोग प्रगति में ईटीएस–ए और टी हेल्पर साइटोकिन्स की भूमिका (पल्मोनरी चिकित्सा विभाग)।
15. प्रीक्लेम्पसिया में सिस्थेथियोनिन गामा लियास मध्यस्थता ट्रोफोब्लास्ट सेल आक्रमण और उसकी स्थिति में माइक्रो आरएनए 30 की भूमिका (शारीरिक रचना विभाग)।

16. विटिलिगो रोगियों में जारी मिलेनोसाइट प्रत्यारोपण में कैचेकोलायारन्स तथा उनके मेटाबोलाइट्स का निर्धारण (त्वचा विज्ञान और रतिजरोग विभाग)।

17. सक्रिय नॉन – सेग्मेंटल विटिलिगो में फॉक्सपी3 एक्सप्रेशन एवं फॉक्सपी3 प्रोमोटर मिथाइलेशन स्तर की व्याख्या (त्वचा विज्ञान और रतिजरोग विभाग)।
18. त्वचा ऑटोइम्यून विकार झलका वुल्गेरिस में टी हेल्पर साइटोकिन्स की भूमिका (त्वचा विज्ञान और रतिजरोग विभाग)।
19. वृक्क कोशिका कार्सिनोमा में माइक्रोआरएनए का अध्ययन (मूत्रविज्ञान विभाग)।
20. नेत्रपलक के कार्सिनोमा में एपीथिलियल मेसेनेकेमल ट्रांसिशन (ईएमटी) : एक इम्युनोहिस्टरोकैमिकल एवं मॉलीक्यूलर अध्ययन (डॉ. रा. प्र. केंद्र, एम्स)।
21. मेलिग्नेंट कोशिकाओं के प्रसार में महत्वपूर्ण ट्रांसक्रिप्शनल शामिल मॉड्यूल पर एकीकृत जांच (जैव प्रौद्योगिकी विभाग, आईआईटी, गुवाहाटी)।
22. खाद्य और पोषण सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए स्वदेशी और पारंपरिक खाद्य पदार्थ : झारखंड के जनजातीय समुदायों में स्वदेशी / जंगली फसलों की खपत के माध्यम से आहार विविधता पर जोर देने के साथ जैव विविधता की संभव योगदान में एक जांच (भारतीय जन स्वास्थ्य संस्थान, दिल्ली)।
23. नई दिल्ली के एक शहरी समुदाय में जन्म परिणामों पर वायु प्रदूषण के प्रभाव का एक पूर्वव्यापी कोहोर्ट अध्ययन (भारतीय जन स्वास्थ्य संस्थान, दिल्ली)।
24. एक्स्ट्रापल्मोनरी तपेदिक में परिसंचारी बायोमार्कर का संभावित निदान (सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग)।
25. एरिथ्रोइड संकट के दौरान पूर्वज कोशिकाओं के एरिथ्रोइड वंशावली और एक रिजर्व पूल के रूप में उनकी भूमिका में एक ''नोवल'' केमोकाइन रिसेप्टर, ''सीएक्सआर4 पॉजीटिव सबपॉपुलेशन'' की पहचान (रुधिर कैंसर विज्ञान विभाग, बीआरएआईआरसीएच)।

पूर्ण

1. मानव अस्थि मज्जा व्युत्पन्न मेसेंकाइमल स्टेम कोशिकाओं का अलगाव और आणविक लाक्षणीकरण (अस्थि रोग विज्ञान विभाग, एम्स)।
2. स्ट्रोक से ठीक होने के लिए बायोमार्कर के रूप में विकास कारकों पर सघन भौतिक चिकित्सा और टीएमएस की भूमिका का अध्ययन (तंत्रिका विज्ञान विभाग)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 36 **सार : 9** **पुस्तकों में अध्याय : 2** **पुस्तक : 1**

रोगी उपचार

ट्यूमर मार्कर परीक्षण : कुल 2323

पीएसए : 103 नमूने **सीए 19.9 : 877 नमूने** **सीईए : 1343 नमूने**

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. डी. एन. राव राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंग, द्वारा वर्ष 2014 के लिए जैव प्रौद्योगिकी में प्रतिष्ठित पूर्व छात्र व्यावसायिक उपलब्धि पुरस्कार, डॉ सोहेल अहमद भारतीय जैव चिकित्सा विज्ञान अकादमी 2015 ओरेशन द्वारा, डॉ प्राण नाथ चुटानी राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी 2014 द्वारा ओरेशन और आईसीएमआर 2014 द्वारा डॉ वाई एस नारायण राव व्याख्यान पुरस्कार के प्राप्तकर्ता हैं। उन्होंने एफआईएमएसए के उपाध्यक्ष (2012–2016) और भारतीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्था के अध्यक्ष (2014–2016) के रूप में कार्य किया। उन्होंने दिल्ली में विभिन्न संस्थाओं के नीतिशास्त्र समितियों; विभिन्न बाह्य वित्त पोषण एजेंसियों में से सैक और परियोजना की समीक्षा समितियों; तथा विभिन्न आईसीएमआर, सीएसआईआर और कई चिकित्सा महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों की चयन समितियों के एक सदस्य के रूप में कार्य किया है। वे विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं; तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों और चिकित्सा महाविद्यालयों हेतु पीएचडी और एमएससी शोध के लिए मूल्यांकन के लिए एक सहकर्मी समीक्षक रहे हैं।

प्रो. एस. एस. चौहान वीपी चेस्ट संस्थान के जैव सुरक्षा समिति, दिल्ली विश्वविद्यालय के एक सदस्य हैं।

प्रो. एम. आर. राजेश्वरी को उप–अध्यक्ष, भारतीय डीएनए संस्था, न्यूरोकैमिस्ट्री के लिए आईसीएमआर परियोजना समीक्षा समिति के एक सदस्य, और स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य मंत्रालय, शिक्षा, मानव संसाधन विकास मंत्रालय पर राष्ट्रीय मिशन की स्थायी समिति के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अध्येतावृत्ति का तकनीकी मूल्यांकन और स्वीकृति हेतु विशेषज्ञ समिति; और डीएसटी– इन्स्पायर कार्यक्रम (इनोवेशन ऑफ साइंस परस्यूट फॉर इंस्पायर्ड रिसर्च) के लिए विशेषज्ञ संरक्षक चुना गया। वे न्यूरोकैमिस्ट्री संस्था, भारत के लिए कार्यकारी परिषद की एक सदस्य हैं।

प्रो. कल्पना लूथरा शल्यक्रिया के लिए आईसीएमआर परियोजना सलाहकार समिति की एक सदस्य हैं और भारतीय प्रतिरक्षा विज्ञान दिवस (29 अप्रैल 2014) पर युवा वैज्ञानिकों द्वारा मौखिक प्रस्तुति के लिए निर्णायक थीं। उन्होंने शिक्षण संकाय और जेआरएफ की भर्ती के लिए चयन समिति पर एक विषय विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया। वे विभिन्न विश्वविद्यालयों में एमबीबीएस और बीएससी नर्सिंग परीक्षाओं की एक परीक्षक रही हैं और एक पीएलओएस, बाल रोग भारतीय पत्रिका और आईजेएमआर के लिए एक सहकर्मी समीक्षक हैं। उन्होंने साइटोमेट्री सोसायटी की 7वीं वार्षिक बैठक, आईआरसीएच में 15वीं भारत– अमेरिका नैदानिक साइटोमेट्री कार्यशाला और सिस कॉन – 2014 पर सत्र की अध्यक्षता की।

प्रोफेसर अल्पना शर्मा पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए अनुसंधान एवं विकास ट्विनिंग कार्यक्रम (डीबीटी) और अल्पकालिक छात्रावस्था (आईसीएमआर) और राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की परियोजना समीक्षा समिति के एक सदस्य है। उन्होंने भारतीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान (2014–16) के कोषायक्ष और भारतीय जैव चिकित्सा विज्ञान अकादमी (2014–16) के महासचिव के रूप में कार्य किया। उन्होंने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में 29 अप्रैल, 2014 को प्रतिरक्षा विज्ञान दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया। वे पीएचडी थीसिस, एमडी (जैव रसायन) और विभिन्न विश्वविद्यालयों में एमबीबीएस की परीक्षाओं के एक परीक्षक रही हैं। उन्होंने निम्नलिखित सम्मेलनों : जयपुर में प्रजनन स्वास्थ्य जागरूकता, हैदराबाद में राष्ट्रीय जैव चिकित्सा विज्ञान सम्मेलन, भारतीय अकादमी, मदुरै में भारतीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्था के वार्षिक सम्मेलन और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में एसवायएस सम्मेलन सत्रों की अध्यक्षता की।

डॉ. कुन्जेंग चोसडोल ने प्लेसेंटल एल्केलाइन फॉस्फेट प्रमोटर मध्यस्थता सेल लक्ष्य निर्धारण के लिए एक पेटेंट (डब्ल्यूओ / 2014/181314) पंजीकृत किया और मूल तंत्रिका कैंसर विज्ञान (2014) में सर्वश्रेष्ठ चिकित्सक शोधकर्ता के लिए आईएससएनओ राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त किया। उन्होंने भारतीय कैंसर अनुसंधान संघ के लिए कोषाध्यक्ष (2014–2016) के रूप में कार्य किया। वे लेडी हार्डिंग चिकित्सा महाविद्यालय, और आईजीआईबी, दिल्ली विश्वविद्यालय में पीएचडी / एम फिल अनुसंधान कार्य की प्रगति के लिए मूल्यांकनकर्ता / परीक्षक, पीएचडी, एमडी और एमएससी थीसिस और विभिन्न विश्वविद्यालयों की एमबीबीएस परीक्षा में सहायक प्रोफेसर के लिए चयन समिति के एक सदस्य 'उत्कृष्टता परियोजनाओं की इकाई' और 'युवा अन्वेषकों के लिए प्रारंभिक परियोजनाएं' की समीक्षा के लिए डीबीटी के एक नामांकित विशेषज्ञ है। वह प्रकृति प्रकाशन समूह (एनपीजी) और भारतीय नैदानिक जैव रसायन पत्रिका के लिए मैनूस्क्रिप्ट के लिए एक सहकर्मी समीक्षक है और उन्हें डीबीटी और राष्ट्रीय कैंसर संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित भारत–अमेरिका विचारोत्तेजक प्रश्न कार्यशाला (कैंसर अनुसंधान) के लिए आमंत्रित किया गया था।

डॉ. सुदीप सेन ने मुंबई, भारत (15–17 जनवरी, 2015) में आयोजित अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य विज्ञान अभिनव सम्मेलन में भारत और अमेरिका के सर्वोच्च 20 से अधिक ''भारत में ट्रांसलेशनल पुनर्योजी चिकित्सा सर्वश्रेष्ठ 5 सार में प्रस्तुत'' के लिए पोस्टर योग्यता पुरस्कार प्राप्त किया।

अतिथि वैज्ञानिक

1. विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र विकिरण से कैंसर और स्वास्थ्य क्षति के जोखिम' पर डॉ देवरा डेविस, संस्थापक और अध्यक्ष स्वास्थ्य ट्रस्ट, संयुक्त राज्य अमेरिका (13 अक्तूबर, 2014)
2. 'मानव उपकला डिम्बग्रंथि के कैंसर में पीओटीई जीन की एपिजेनेटिक सक्रियण और ऑन्कोजेनिक कार्य' पर डॉ अशोक शर्मा, नेब्रास्का चिकित्सा केन्द्र विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका (21 नवंबर 2014)।
3. 'डेमोग्राफिक फुंगी और टीबी विकार' पर डॉ कमल कम्बोज और डॉ बालादा – ल्लासाट सूक्ष्मजीवाणु और माइकोलॉजी क्लिनिक, विश्वविद्यालय अस्पताल, कोलंबस, ओहियो, अमेरिका विभाग (18 मार्च 2015)

9.4 जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरी

प्रतिष्ठित प्रोफेसर

स्नेह आनंद

आचार्य और प्रमुख

वीणा कौल

आचार्य

हरपाल सिंह

सह – आचार्य

निवेदिता के. गोहिल

सहायक आचार्य

एस. एम. के. रहमान	संदीप कुमार झा	दिनेश कल्याणसुंदरम
अनूप सिंह	नीतू सिंह	अमित मेहंदीरत्ता

विशिष्टताएं

विभाग की स्थापना 1971 में एम्स और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली के एक संयुक्त उद्यम के रूप में की गई थी। विभाग (जिसे सीबीएमई, आईआईटी दिल्ली में सेंटर फॉर बायोमेडिकल इंजीनियरिंग भी कहते हैं) में अब 10 संकाय सदस्य हैं। केन्द्र ने चिकित्सा और जैविक समस्याओं को संबोधित करने के लिए अभियांत्रिकी के सिद्धांत अपनाए हैं। विभाग में भारत के बड़े संस्थानों और अस्पतालों के साथ सहयोगात्मक परियोजनाएं हैं, जो निदान, उपचार, उपचार प्रतिक्रियाओं के अनुवर्तन और औषधि प्रदायगी की तकनीकों, साधनों और विधियों के ज्ञान प्रसार तथा विकास पर लक्षित हैं। विभाग के संकाय सदस्य निम्नलिखित प्राथमिकता क्षेत्रों में अनुसंधान के लिए कार्यरत हैं : जैव सामग्री, बायो इंस्ट्रूमेंटेशन, बायो मैकेनिक्स और मेडिकल इमेजिंग। पिछले वर्ष अनुसंधान सुविधाओं / प्रयोगशालाओं का पुनर्गठन किया गया तथा निम्नलिखित नई प्रयोगशालाओं का निर्माण किया गया : सामान्य रसायन प्रयोगशाला (वेट लैब), बायो सेंसर और लैब ऑन ए चिप प्रयोगशाला, जंतु कोशिका और सूक्ष्म जैविक कोशिका संवर्धन सुविधा, मेडिकल इमेज प्रसंसाधन प्रयोगशाला और प्रोटोटाइपिंग प्रयोगशाला। विभाग ने आईआईटी दिल्ली में जैव चिकित्सा इंजीनियरी के संगत स्नातकोत्तर, स्नातक और पूर्व पीएच. डी पाठ्यक्रमों में भी हिस्सा लिया। सीबीएमई ने पिछले वर्ष गोष्ठियों की दो श्रृंखलाएं भी आरंभ की : प्रतिष्ठित संकाय गोष्ठी श्रृंखला और छात्र गोष्ठी श्रृंखला।

विभाग को 7 नए अनुदान (कुल 3.65 करोड़ रुपए) प्राप्त हुए, दो पेटेंट किए गए और इनका अन्य प्रौद्योगिकी में अंतरण किया गया, 26 अंतरराष्ट्रीय प्रकाशनों का प्रकाशन किया गया, 5 पीएच.डी छात्र निकले और 78 नए पाठ्यक्रमों का विकास किया गया। इस अवधि के दौरान संकाय सदस्यों को 4 पुरस्कार प्राप्त हुए। विभाग ने दो सम्मेलन / कार्यशालाओं का भी आयोजन किया।

शिक्षा

पिछले वर्ष में हमारे विभाग द्वारा प्रस्तावित नए पाठ्यक्रम थे :

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का नाम	क्रेडिट	द्वारा विकसित
बीएमवी700	मेडिकल डिवाइस का बायोमैकेनिकल डिजाइन	1–0–0	दिनेश के.
बीएमएल 750	केयर मेडिकल डायग्नोस्टिक डिवाइस के बिन्दु	3–0–0	संदीप के. झा
बीएमएल 770	बायोमैकेनिक्स के मूल तत्व	3–0–0	दिनेश के.
बीएमएल 735	बायोमेडिकल सिगनल और इमेज प्रोसेसिंग	2–0–2	अनूप सिंह और

			अमित मेहंदीरत्ता
बीएमएल 720	मेडिकल इमेजिंग	3–0–0	अनूप सिंह और अमित मेहंदीरत्ता
बीएमएल 736	बायोमेडिकल इंजीनियर्स के लिए गणित	1–0–0	अनूप सिंह
बीएमएल 790	आधुनिक चिकित्सा : एक इंजीनियरिंग परिप्रेक्ष्य	1–0–0	अमित मेहंदीरत्ता

लघु पाठ्यक्रम :

डॉ. अमित मेहंदीरत्ता ने 'मैनेज यॉर साइंटिफिक लिटरेचर यूज़िंग फ्रीवेयर मेंडिले डेस्कस्टॉप' पर आईआईटी दिल्ली में शोध छात्रों के लिए एक कार्यशाला आयोजित की।

कार्यशाला/संगोष्ठी का आयोजन

1. ऑर्थोपेडिक्स पर पैनल चर्चा : वर्तमान और भविष्य रुझान। संयोजक : दिनेश कल्याणसुदंरम, 30 अक्तूबर, 2014, आईआईटी दिल्ली।

प्रदत्त व्याख्यान

वीणा कौल : 1 **निवेदिता के. गोहिल : 1** **अनुप सिंह : 3**

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र / पोस्टर : 12

अनुसंधान

दायर किए गए पेटेंट :

1. कौल वी, लाले एस वी, कुमार ए. कैंसर चिकित्सा विज्ञान में लक्षित दवा वितरण के लिए दोहरे क्रियाशील संवेदनशील बायोडिग्रेबल मल्टी नैनो सिस्टम रेडॉक्स; भारतीय पेटेंट आवेदन संख्या : 365/डीईएल/2015.
2. कौल वी, कुमार ए, लाले एस वी चौधरी वी., रेडॉक्स कैंसर चिकित्सा विज्ञान के लिए दोहरी लक्षित संवेदनशील बायोडिग्रेबल मल्टी ब्लॉक कोपॉलीमेरिक नैनो कैरियर; भारतीय पेटेंट आवेदन संख्या : 366/डीईएल/2015.

वित्त पोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. लक्षित दवा वितरण का उपयोग कर बुद्धिमान नैनोकणों से कैंसर की रोकथाम के लिए बहुविषयक दृष्टिकोण, प्रो. वीणा कौल, डीबीटी, 2015, 55 लाख।

जारी / अनुमोदित परियोजनाएं

1. सॉफ्ट कम्प्यूटिंग का उपयोग करते हुए गणितीय मॉडलिंग और चिकित्सा चित्रों का विश्लेषण, स्नेह आनंद, डीबीटी, 53.2 लाख रुपए।
2. न्यूरोसर्जरी के लिए कम कीमत वाले प्रभारी एंडोस्कोपिक उपकरणों प्रणाली का विकास (वेंट्रीकुलर, इंट्रा–क्रेनियल तथा स्कल – आधारित सर्जरी), स्नेह आनंद, डीएसटी, 32.1 लाख रुपए।
3. आपात चिकित्सा तथा गहन चिकित्सा सेटिंग में स्वास्थ्य कार्यकर्त्ताओं के संज्ञान की निगरानी एवं चिकित्सा विसंगति के साथ उसका संबंध। स्नेह आनंद, आईसीएमआर, 29.4 लाख रुपए।
4. परिमाणन और मोशन फ्रेम मॉडलिंग का उपयोग करते हुए अल्ट्रासाउंड इलास्टोग्राफी का उपयोग कर स्तन कैंसर चित्रों की मात्रा, योग्यता ज्ञात करना, स्नेह आनंद, आईसीएमआर, 47.5 लाख रुपए।
5. ट्रॉपिकल हिमोस्टेसिस के लिए हाइब्रिड नैनोकोम्पोसाइट मेट्रिक्स का विकास और मूल्यांकन, वीणा कौल, एलएसआरबी, 25 लाख रुपए।
6. स्तन कैंसर के उपचार में दवा और एसआईआरएनए की मिश्रित लक्षित प्रदायगी के लिए हाइब्रिड पॉलीमेरिक नैनोसिस्टम्स हाइब्रिड का विकास। वीणा कौल, डीबीटी, 44.3 लाख रुपए।
7. कोशिकाओं में भिन्नता के लिए विट्रो में उनका मूल्यांकन और इलेक्ट्रोस्पाइनिंग द्वारा पॉलीमेरिक हाइब्रिड स्कैफोल्ड का विकास। वीणा कौल, सीएसआईआर, 6 लाख रुपए।

8. इंफ्लेमेटरी डिसऑर्डर के लिए ट्रांसक्यूटेनस नैनोहाइब्रिड चिकित्सा विज्ञान; एक्ने, वीणा कौल, आईसीएमआर, 48 लाख रुपए।
9. लीवर और लिम्फ नोड दुर्दमताओं का पता लगाने के लिए एमआरआई के लिए बायोपॉलीमर–सुपरपैरामेग्नेटिक नैनोपार्टिकल हाइब्रिड सिस्टम्स का विकास, वीणा कौल, आईसीएमआर, 75 लाख रुपए।
10. अक्षय संसाधनों से डिजाइन, बायोडिग्रेडेबल कोपॉलीमर्स : गुण और अनुप्रयोगों का मूल्यांकन, हरपाल सिंह, डीबीटी, 88 लाख रुपए।
11. रक्त जैविक तरल पदार्थ के अवशोषण के लिए पॉलीमेरिक फिल्मों का विकास, हरपाल सिंह, डीआरडीओ, 12 लाख रुपए।
12. अनुमोदित चीलेंटिंग एजेंट का उपयोग करते हुए भारी धातुओं के डीकॉर्पोरेशन के लिए नए पॉलीमर आधारित सूत्र का विकास, हरपाल सिंह, डीएसटी, 20.1 लाख रुपए।
13. कैंसर के निदान और थेरेपी के लिए लौह ऑक्साइड आधारित नैनोथेरानोस्टिक्स का विकास, हरपाल सिंह, डीबीटी, 25 लाख रुपए।
14. बायोरिएक्टर में इन–सीटू उत्पाद की निगरानी के लिए एम्परोमेट्रिक डिटेक्टर कैपिलरी इलेक्ट्रोफोरेसिस, संदीप के. झा, डीबीटी, 69.6 लाख रुपए।
15. जैविक रूप से प्रासंगिक नैनोस्ट्रक्चर्स की डिजाइन में संरचना गतिविधि संबंध, नीतू सिंह, डीएसटी, 55 लाख रुपए।
16. 3 डी में सेंसिंग सेलुलर बायोमार्कर के लिए नवीन सामग्री, नीतू सिंह, डीबीटी, 45 लाख रुपए।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 25 सार : 1

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां

- डॉ. अमित मेहंदीरत्ता ने चिकित्सा में अंतरराष्ट्रीय मैग्नेटिक रेसोनेंस सोसाइटी (आईएसएमआरएम) के 2015 ईके जैवोस्की पुरस्कार प्राप्त किया, टोरंटो, कनाडा।
- डॉ. अनूप सिंह ने चिकित्सा में अंतरराष्ट्रीय मैग्नेटिक रेसोनेंस सोसाइटी (आईएसएमआरएम) के 2015 ईके जैवोस्की पुरस्कार प्राप्त किया, टोरंटो, कनाडा।
- डॉ. नीतू सिंह ने डीबीटी द्वारा दिया गया नवाचारी युवा जैव प्रौद्योगिकीविद पुरस्कार प्राप्त किया।

आगंतुक वैज्ञानिक

1. प्रो. नरेन व्यवहारे, हंटर एंडोव्ड चेयर और प्रोफेसर, जैव अभियांत्रिकी विभाग क्लेमसन विश्वविद्यालय, साउथ कैरोलिना, यू.एस.ए.
2. प्रो. विश्वेश कुलकर्णी, विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग, वारविक विश्वविद्यालय (कोवेंट्री, यू.के.)।
3. प्रो. गेरार्ड ड्रैगर, जैविक रसायन विज्ञान संस्थान और बायोमॉलिकुलर औषध अनुसंधान केंद्र (बीएमडब्ल्यूजेड), लाइबनिज़ विश्वविद्यालय हनोवर, जर्मनी।

9.5 जैव भौतिकी

इन्सा वरिष्ठ वैज्ञानिक

टी. पी. सिंह

आचार्य एवं अध्यक्ष

पुनीत कौर

आचार्य

ए. श्रीनिवासन | सविता यादव | सुजाता शर्मा

अपर आचार्य

कृष्णा दलाल

सहायक आचार्य

शर्मिष्ठा डे | जी हरीप्रसाद राव | इथायुथुल्ला ए.एस.

वैज्ञानिक

एस. भास्कर सिंह | आशा भूषण

विशिष्टताएं

प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान, जैव भौतिकी विभाग के पास 16 से अधिक जारी अनुसंधान परियोजनाएं एवं बाह्य अनुदानों द्वारा वित्तपोषित हैं। जैव भौतिकी विभाग में दवा की डिजाइन और नए विशिष्ट बायोमार्कर की खोज के आधार पर जैविक प्रक्रिया, तर्कसंगत संरचना के आण्विक आधारित अनुसंधान का निर्धारण करने से संबंधित है। विभाग प्रोटीन और छोटे अणु क्रिस्टल, चिकित्सा जैव सूचना विज्ञान, प्रोटीन अनुक्रमण और पेप्टाइड संश्लेषण, प्रोटियोमिक्स और गतिशील प्रकाश प्रकीर्णन पर डेटा संग्रह के लिए सुविधाएं प्रदान करता है। विभाग को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डी एस टी), भारत सरकार से उच्चतर शैक्षिक संस्थानों (एफ आई एस टी) में विज्ञान और प्रौद्योगिकी मूल संरचना के सुधार अनुदान में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के सुधार के लिए निधि प्राप्त हुई। पिछले एक वर्ष में संकाय एवं वैज्ञानिकों ने विभिन्न समकक्ष समीक्षित पत्रिकाओं में 30 अनुसंधान प्रकाशन किए। विभाग द्वारा वर्तमान एम एस सी, पी एच डी एवं एम डी छात्रों को स्नातकोत्तर शिक्षा एवं अल्पावधि तथा दीर्घावधि प्रशिक्षण देना जारी रखा हुआ है। देश के सभी भागों से संकाय सदस्यों एवं वैज्ञानिकों को व्याख्यान देने एवं सेमिनारों में आमंत्रित किया गया था और 44 व्याख्यान दिए गए।

शिक्षा

स्नातकोत्तर

जैव भौतिकी विभाग के संकाय एवं वैज्ञानिक पी एच डी, एम एस सी (जैव भौतिकी) एवं एम डी (जैव भौतिकी) डिग्री हेतु छात्रों को शिक्षा एवं मार्गदर्शन दे रहे हैं। स्नातकोत्तर शिक्षा में सैद्धांतिक कक्षाएं, हैंड्स–ऑन प्रायोगिक कक्षाएं तथा शोध प्रबंध परियोजनाएं सम्मिलित हैं।

अल्पावधिक एवं दीर्घावधिक प्रशिक्षण

यह विभाग विभिन्न संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों के एम एस सी एवं एम टेक छात्रों को दीर्घावधिक एवं अल्पावधिक प्रशिक्षण भी देता है।

प्रदत्त व्याख्यान

टी. पी. सिंह : 15 | **पुनीत कौर : 7** | **सविता यादव : 4** | **कृष्णा दलाल : 5**

शर्मिष्ठा डे : 2 | **हरीप्रसाद जी. : 8** | **ए. एस. इथायुथुल्ला : 4**

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुति : 39 | **'सर्वोत्तम लेख / पोस्टर पुरस्कार : 2**

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. पेप्टाइडोग्लायकैन रिकॉगनाइजेशन प्रोटीन (पीआरपी), पेप्टाइडिल टीआरएनए–हाइड्रोलेस, डायहाइड्रोडिपिकोलाइनेट सिंथेस (डीएचडीपीएस), डायहाइड्रोपिकोलिनेट रिडक्टेस (डीएचडीपीआर) और फोस्फोलिपेस ए2 का संरचनात्मक अध्ययन, टी पी सिंह, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, 5 वर्ष, 2014–19, 25 लाख रुपए।
2. विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के मूल संरचना में सुधार के लिए निधि, पुनीत कौर, डी एस टी, 5 वर्ष, 2012 – 2017, 3.23 करोड़ रुपए।
3. अखिल – जीनोम का विकास और टायफॉइडल साल्मोनेला एंटेरिका के लिए नए दवा लक्ष्यों का पहचान आधारित ज्ञान – दवाओं की खोज के लिए जीनोमिक दृष्टिकोण, पुनीत कौर, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2014–16, 32 लाख रुपए।
4. एम्स में जैव चिकित्सा सूचना सुविधा, पुनित कौर, आई सी एम आर, 5 वर्ष, 2013 – 2018, 1 करोड़ रुपए।
5. शुक्राणु प्रोटियोमिक्स : सामान्य और गैर गतिशील शुक्राणु में अवकल प्रोटीन अभिव्यक्ति – संभावित कारण और मार्कर, ए श्रीनिवासन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2013–16, 20.5 लाख रुपए।
6. परंगीपेत्ताई तट के साथ मोलस्क से शेल प्रोटीन की विविधता (भारत का पूर्वी तट), ए श्रीनिवास, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, 3 वर्ष, 2012 – 2015, 34.3 लाख रुपए।
7. ऐंटी–फंगल प्रोटीनों को अलग एवं शुद्ध करने के लिए सिटसलस लेनाटस प्रोटियोम की स्क्रीनिंग : पर्यावरण प्रदूषण को कम करने में सहायता हेतु बायो फंगीसाइड्स के निर्माण हेतु एक कदम , सविता यादव, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, 3 वर्ष, 2012–15, 20.7 लाख रुपए।
8. एच ई 4 : मानव पुनः उत्पादन में एक संभाव्य बहुमुखी भूमिका, सविता यादव, डी एस टी, 3 वर्ष, 2012–15, 28.87 लाख रुपए।
9. सेमिनल प्लाज्मा में मानव सीरम एल्बुमिन– प्रोलेक्टिव इंड्युसिबल प्रोटीन (एच एस ए–पी आई पी) जटिलता : प्रजनता / बांझपन में भूमिका, सविता यादव, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2012–15, 44 लाख रुपए।
10. क्रॉस ब्रीड बैलों में बन्ध्यता : प्रजनता की शीघ्र सूचना के लिए स्पर्मेटोजेनिक कोशिका मार्कर्स हेतु खोज, सविता यादव, आई सी एम आर, 4 वर्ष, 2012–16, 96 लाख रुपए।
11. एक बहु दवा प्रतिरोधी रोगजनक बैक्टीरिया से मेथियोनियोनाइन एमिनोपेप्टाइडेस (एमईटीएपी) का तीन आयामी संरचना दृढ़ संकल्प, एसिनेटोबेक्टर बौमांनी, सुजाता शर्मा, डी बी टी, 3 वर्ष, 2012 – 15, 9 लाख रुपए।
12. लेक्टोफेरिन की सी–टर्मिनल हॉफ (सी–लोब) की संरचना एवं कार्य और एन एस ए आई डी–प्रवश्त्त गेस्ट्रोपेथी को कम करने के लिए एजेंट के रूप में इसका अनुप्रयोग, सुजाता शर्मा, डी बी टी, 2011–2014, 41 लाख रुपए।
13. एंटी – एलर्जेनिक दवाइयों की खोज में : प्लांट एलर्जीन्स का आण्विक संरचना–कार्यात्मक अंतःसंबंध का निर्धारण एवं एंटी– एलर्जेनिक लाइगेंड्स का संरचना – आधारित डिजाइन, सुजाता शर्मा, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2011–14.
14. हल्की बोधात्मक क्षति (एम सी आई) और अल्जाइमर रोग (ए डी) के लिए संभावित चिकित्सीय लक्ष्य के तौर पर सिरटुइन के विशिष्ट पेप्टाइड एक्टिवेटर की डिजाइन। शर्मिष्ठा डे, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2015–18, 20 लाख रुपए।
15. पार्किंसन और अल्जाइमर रोग में चयनित आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों के संभावित एंटी–ऑक्सिडेंट प्रभाव, शर्मिष्ठा डे, आयुष, 3 वर्ष, 2015–18, 20 लाख रुपए।
16. प्रथम पंक्ति कीमोथेरेपी हेतु रिस्पोंडर्स एवं नॉन–रिस्पोंडर्स की प्रोटीन प्रोफाइल को समझने के लिए अण्डाशय कैंसर ऊतक का तुलनात्मक प्रोटियोमिक विश्लेषण, हरीप्रसाद जी, डी एस टी, 3 वर्ष, 2013–16, 33.10 लाख रुपए।
17. एक संभावित ट्यूमर मार्कर और स्तन कैंसर के रोगियों के लिए दवा लक्ष्य के रूप में गामा सायन्यूक्लेइन का अध्ययन, एस भास्कर सिंह, एम्स, 2 वर्ष, 2014–16, 10 लाख रुपए।

पूर्ण

1. विरोधी वायरल प्रोटिएस संदमक का तर्कसंगत संरचना के आधार पर विकास : डेंगू गैर संरचनात्मक प्रोटीन 3 के विरुद्ध इन सिलिको और प्रयोगात्मक दवा डिजाइन, पुनीत कौर, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2011–14, 20 लाख रुपए।
2. एल्जीमर्स पेप्टाइड की प्रोटीन परस्पर क्रिया : रोग विकृतिजनन से संगत को चुनना, ए. श्रीनिवासन, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2011–14, 28.2 लाख रुपए।
3. मुखीय कैंसर में बायोमार्कर के रूप में पी 38 माइटोजेन सक्रिय प्रोटीन काइनेज का विकास, शर्मिष्ठा डे, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2011–14, 20 लाख रुपए।
4. वृद्ध व्यक्तियों में निर्बलता : निदान के लिए प्रोटीन मार्कर के रूप में सिर्टुइन का विकास, शर्मिष्ठा डे, अ. भा. आ. सं., 2 वर्ष, 2011–14, 9 लाख रुपए।
5. प्रथम पंक्ति कीमोथेरेपी हेतु रिस्पोंडर्स एवं नॉन–रिस्पोंडर्स का प्रोटीन प्रोफाइल को समझने के लिए अण्डाशय कैंसर ऊतक का तुलनात्मक प्रोटियोमिक विश्लेषण, हरीप्रसाद जी, अ. भा. आ. सं., 2 वर्ष, 2013–15, 5 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. बैक्टीरियल पेप्टीडॉग्लीकैन मार्ग से प्रोटीनों के आणविक विश्लेषण और जैव भौतिक लाक्षणीकरण।
2. एस टाइफी से दवा प्रतिरोधी प्रोटीन के लिए रोगाणुरोधी अणुओं का विकास।
3. मुर प्रोटीन के संरचनात्मक लाक्षणीकरण
4. एस. टाइफी के लिए जीनोम विश्लेषण और लक्ष्य की पहचान।
5. भारतीय जनसंख्या में एचएनएससीसी की प्रगति में एनएफकेबी1 और एनएफकेबी1ए का महत्व।
6. इसी के लिए पार्किन्सन रोग और पेप्टाइड प्रावरोधक के डिजाइन के लिए एक प्रोटीन मार्कर का विकास।
7. एंटीबायोटिक प्रतिरोधी रोगजनकों के विरुद्ध रोगाणुरोधी पेप्टाइड्स की डिजाइन, संश्लेषण और मूल्यांकन।
8. सिर और गले स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा (एचएनएससीसी) और नॉन स्मॉल सेल लंग कैंसर (एनएससीएलसी) प्रोपोसिंग थैरेप्यूटिक लक्ष्य में सीरम प्रोटीन मार्कर के रूप में सेल संकेतन अणुओं का मूल्यांकन।
9. न्यूरोडिजनरेटिव रोगों और इसके चिकित्सकीय निहितार्थ में सेर्स्टिन की भूमिका।
10. टाउ प्रोटीन की क्लोनिंग, अभिव्यक्ति और शोधन।

पूर्ण

1. आयु से संबंधित बीमारियों और उसके उत्प्रेरक और प्रावरोधक के विकास में सेर्स्टिन प्रोटीन की भूमिका का मूल्यांकन।
2. पौधों के स्रोतों से औषधीय प्रोटीन की जैविक गतिविधि का शोधन, लाक्षणीकरण और मूल्यांकन।
3. आणविक जीव विज्ञान की तकनीक

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. एस. टाइफी के लिए अवरोधकों के नए लक्ष्यों और विकास की पहचान, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग
2. मानव मौखिक कैंसर कोशिका लाइन पर कुछ चयनित पौधों और उनके आण्विक लक्ष्य की कैंसर विरोधी गतिविधियों की जांच, जैव प्रौद्योगिकी विभाग।
3. आयु बढ़ने के मार्कर के रूप में सीरम में नए इंट्रासेल्युलर प्रोटीनों का मूल्यांकन, जेरियाट्रिक मेडिसिन विभाग।
4. वृद्ध भारतीयों में कैंसर : व्यापक कार्यात्मक मूल्यांकन और एक बायोमार्कर के लिए एक उपकरण का विकास, जेरियाट्रिक मेडिसिन विभाग।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 50 **सार : 1**

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य टी. पी. सिंह को मैसूर विश्वविद्यालय से आजीवन विशिष्ट आचार्य अवार्ड से सम्मानित किया गया।

आचार्य पुनीत कौर प्रकृति के संपादकों के बोर्ड पर कार्यरत हैं : वैज्ञानिक रिपोर्ट; और कुष्ठ रोग में दवा प्रतिरोध पर आईसीएमआर विशेषज्ञ समिति के एक सदस्य हैं। उन्होंने अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली (18–22 जनवरी, 2015) में 'बिग डेटा एनालायसिस एंड ट्रांसलेशन इन डिजीज बायोलॉजी (बिग डेटा और डिजीज) भारत – अमेरिका द्विपक्षीय सम्मेलन – सह – कार्यशाला और 'बायोइंफॉर्मेटिक्स इन ड्रग डिस्कवरी' (3–6 फरवरी, 2015) शीर्षक पर सम्मेलन आयोजित किया।

आचार्य सविता यादव ने एम्स अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार (तश्तीय पुरस्कार) प्राप्त किया और सायसकॉन – 2014, वर्ल्ड इम्युनोलॉजी डे 2014 और 'रिसेंट एडवांस्ड इन स्ट्रक्चर बायोलॉजी एंड ड्रग डिस्कवरी – 2014' सम्मेलन की अध्यक्षता की थी।

डॉ. शर्मिष्ठा डे ने एम्स अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. हरिप्रसाद जी. ने एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्स ऑफ इंडिया द्वारा केपीएस – पीएस कृष्णन पुरस्कार प्राप्त किया।

अतिथि वैज्ञानिक

1. आचार्य आर. एम. किनी, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर, सिंगापुर
2. आचार्य प्रकाश चंद्र, यूनिवर्सिटी ऑफ फ्रैंकफर्ट, जर्मनी
3. डॉ. श्रीधर हैनेहाली, यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड, यूएसए
4. डॉ. सुधाकरन प्रभाकरण, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, यूएसए

9.6 जैव सांख्यिकी

आचार्य एवं अध्यक्ष
आर. एम. पाण्डे

आचार्य
एस. एन. द्विवेदी — वी. श्रीनिवास

सहायक आचार्य
मारूफ अहमद खान

वैज्ञानिक
एम. कलाइवानी

विशिष्टताएं

विभाग में 100 से भी अधिक जारी अनुसंधान परियोजनाएं है जिनकी प्रकृति सामान्यतः सहयोगी परियोजना थीं; तथा संस्थान में विभिन्न केंद्रों / विभागों के साथ 26 पूर्ण सहयोगी अनुसंधान परियोजनाएं की। संकाय सदस्यों एवं वैज्ञानिकों ने संस्थान में विभिन्न प्रशासनिक एवं वैज्ञानिक समितियों पर कार्य किया; आई सी एम आर, डी बी टी, डी एस टी, आयुष की विभिन्न वैज्ञानिक समितियों के सदस्य; अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय क्लिनिकल परीक्षणों के डेटा सेफ्टी मॉनिटरिंग बोर्ड (डी एस एम बी) पर कार्य किया; अनुसंधान प्रणाली विज्ञान एवं जैव सांख्यिकी पर विभिन्न कार्यशालाओं के दौरान 30 से भी अधिक आमंत्रित व्याख्यान दिए; तथा देश में विभिन्न विश्वविद्यालय के लिए परीक्षक थे। पिछले एक वर्ष में संकाय एवं वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न समकक्ष समीक्षित चिकित्सा पत्रिकाओं में 85 अनुसंधान प्रकाशित किए गए। संकाय सदस्यों एवं वैज्ञानिकों ने अधिकांश राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय जैव चिकित्सा पत्रिकाओं हेतु समीक्षक बने रहे।

शिक्षा

विभाग स्नातक पूर्व, पैरामेडीकल एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों अर्थात् एम बी बी एस, मेडिकल टेक्नोलॉजी इन रेडियोलॉजी में बी एससी (ऑनर्स), एम बायोटेक, बी एससी, एम एससी नर्सिंग तथा एम डी कॉम्युनिटी मेडीसिन हेतु बायोस्टेटिक्स एवं एसेंशिएल्स ऑफ रिसर्च मेथड्स' शिक्षण का कार्य कर रहा है। अनुरोध पर संकाय सदस्यों ने रेजीडेंटों और पएच डी छात्रों के लिए व्याख्यान दिए एवं संस्थान में अनेक विभागों में विभागीय वैज्ञानिक प्रस्तुतीकरणों में भाग लिया। विभाग में पी एच डी छात्रों को मार्गदर्शन देने के अतिरिक्त संकाय सदस्यों एवं वैज्ञानिकों ने सह – मार्गदर्शक और पीएच डी, डी एम, एम सीएच, एम डी / एम एस छात्रों की डॉक्टरल समिति सदस्यों के रूप में संस्थान के अन्य विभागों की शैक्षिक गतिविधियों में योगदान दिया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

- हाल ही में भर्ती संकाय सदस्यों, एम्स के लिए 'हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग इन यूजिंग एस टी ए टी ए' पर 4 दिवसीय कार्यशाला (समन्वयक : आर एम पांडे)।
- स्नातकोत्तर छात्रों, एम्स के लिए ''अनुसंधान पद्धति, लेखन और संचार'' पर 5 दिवसीय कार्यशाला (समन्वयक : आर एम पांडे)।

प्रदत्त व्याख्यान

आर. एम. पाण्डे : 9 — **एस. एन. द्विवेदी : 9** — **वी. श्रीनिवास : 12** — **एम. कलाइवानी : 7**

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुति : 7 — ***सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार : 1**

अनुसंधान
वित्तपोषित परियोजनाएं
जारी

1. मधुमेह यकृत रोग अंतर्निहित : तीव्र और जीर्ण यकृत रोग के लघुवधि परिणाम पर मधुमेह के प्रभाव का पता लगाने के लिए परस्पर अनुभागीय बहु–केंद्रित अध्ययन, वी. श्रीनिवास, पश्चिम बंगाल लीवर फाउंडेशन के माध्मय से ब्रिस्टल मायर्स स्क्विब फाउंडेशन, 3 वर्ष, 2014–17, 10 लाख रुपए।

पूर्ण

1. अधिक ऊंचाई पर समुद्र के स्तर पर मूल निवासी तैनात / निवास के बीच प्रणालीगत उच्च रक्तचाप की व्याप्तता। आर. एम. पांडे, डीआईपीएएस – डीआरडीओ, 1 वर्ष, 2013–2014, 7 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं
जारी

1. सिर की गंभीर चोट वाले रोगियों में 6 महीनों में अस्पताल मृत्यु दर और परिणाम को निर्धारित करने के लिए उपयुक्त सांख्यिकीय मॉडल पर अध्ययन।
2. सिर से घायल आघात के रोगियों में जीवन और मृत्यु की गुणवत्ता का निर्धारण करने के लिए उपयुक्त सांख्यिकीय मॉडल पर एक अध्ययन।
3. भारत में किशोर बच्चों के मध्य धूम्रपान, मद्यपान एवं तंबाकू चबाने के लिए आंकड़े संग्रहण पद्धतियों एवं संबंधित एपिडिमियोलॉजिकल मॉडल्स का तुलनात्मक मूल्यांकन
4. उत्तरी भारत में बच्चों में अस्थमा के साथ बारम्बार बिगड़े हुए लक्षणों और लंबे समय तक नियंत्रित करने के लिए सांख्यिकीय मॉडल की तुलना।
5. भारत में नवजात मृत्यु दर के साथ जुड़े कारकों की पहचान करने के लिए बहुस्तरीय मॉडलिंग।
6. स्तन कैंसर के उपचार में नियो–एजुवेंट कीमोथेरेपी : व्यवस्थित समीक्षा और मेटा विश्लेषण तथा प्रतिस्पर्धा जोखिम के साथ और उसके बिना जीवित रखने / खतरे मॉडल की तुलना।
7. लिम्फ नोड भागीदारी और मुंह के कैंसर वाले रोगियों के बीच स्थानीय पुनरावश्ति का पैटर्न और संबद्ध कारक : सांख्यिकीय विचार।

सहयोगात्मक परियोजनाएं
जारी

1. इनहेरिटिड एपिडर्मोलिसिस बुल्लोसा के निदान में इम्युनोफ्लोरसेंस मानचित्रण के साथ इम्युनोहिस्टोकैमिस्ट्री एंटीजन मानचित्रण का एक तुलनात्मक अध्ययन, त्वचा रोग विज्ञान विभाग।
2. विटिलिगो में प्रत्यारोपण के लिए एकल एंजाइम (ट्रिप्सिन) और बहु एंजाइमों (ट्रिप्सिन, कोलेजन्स और डिपेस) के उपयोग करने के लिए एक्सट्रेक्टिड हेयर फॉलिकल आउटर रूट शीथ सेल सस्पेंशन (ईएफएफ ओआरएस सीएस) को तैयार करने के प्रभावकारिता, व्यवर्हाता और विभिन्न कोशिका आबादी की संरचना के आकलन का एक तुलनात्मक अध्ययन, त्वचा रोग विज्ञान विभाग।
3. स्पेस्टिसिटी में एल्प्रजोलम के प्रभाव पर प्रायोगिक अध्ययन, पी एम आर विभाग।
4. एचआईवी–संक्रमित व्यक्तियों में सक्रिय तपेदिक और निमोनिया के विकास पर विटामिन डी की पूरकता के प्रभाव को निर्धारित करने के लिए एक संभावित डबल–ब्लाइंड, यादृच्छिक, प्लासेबो–नियंत्रित परीक्षण, काय चिकित्सा विभाग।
5. आईआरसीएच, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में ऑटो–एचएससीटी के लिए भर्ती किए गए रोगियों में खराब लामबंदी के जी–सीएसएफ लामबंदी और कारक प्रीडिक्टिव के साथ स्टेम सेल उपज की एक भावी अध्ययन, चिकित्सा कैंसर विज्ञान विभाग।
6. कैंसर रोगियों में ऑन्कोलॉजिकल दर्द के प्रबंधन में सम्ब्लेर थैरेपी की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन, आईआरसीएच विभाग।

7. बाल्यावस्था दु:साध्य मिरगी में आरंभिक बनाम बिलम्ब शल्यचिकित्सा का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (आर सी टी), तंत्रिका विज्ञान विभाग।

8. एशियाई भारतीय विषयों में मातृ एवं नवजात शिशु के लिए विटामिन डी की स्थिति पर विटामिन डी पूरकता के प्रभाव की जांच करने के लिए एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड नियंत्रित परीक्षण, अंतःस्राविकी विज्ञान विभाग।

9. गर्भावधि मधुमेह के साथ एशियाई महिलाओं में मेटफार्मिन और उपचर्म इंसुलिन की सुरक्षा और प्रभावकारिता के एक यादृच्छिक खुले लेबल वाले तुलनात्मक अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग।

10. बुजुर्ग एशियाई भारतीयों में फ्रेगिलिटी हिप फ्रैक्चर्स के क्लिनिकल, महामारी विज्ञान और पर्यावरण जोखिम संबद्ध कारकों का एक अध्ययन, आयु 60 वर्षों से अधिक, अंतःस्राविकी विज्ञान विभाग।

11. टाइफोइडल साल्मोनेला के विरुद्ध वैकल्पिक रोगाणुरोधी एजेंटों का एक अध्ययन। सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग।

12. निचले अंगों के परिधीय धमनी रोग के रोगियों में जीवित व्यायाम प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन एवं उनके जीवन गुणवत्ता का मूल्यांकन करना, शल्य चिकित्सा विभाग।

13. ह्यूमन इन्फीरियर कोलीकुलस में आयु संबंधी परिवर्तन : एक मोर्फोलॉजिकल और न्यूरोकेमिकल अध्ययन, शरीर रचना विज्ञान विभाग।

14. मानव स्पाइरल गैंगलियोन में आयु से संबंधित रूपात्मक और न्यूरोकेमिकल परिवर्तन, शरीर रचना विज्ञान विभाग।

15. एम्स – इरास्मस कोहोर्ट अध्ययन 'स्ट्रोक और संज्ञानात्मक गिरावट के कारणों को जानने के लिए एक जनसंख्या आधारित भावी कोहोर्ट अध्ययन : एक विपरित सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य', तंत्रिका विज्ञान विभाग और इरास्मस, रॉटरडैम, नीदरलैंड।

16. शीघ्र स्तन कैंसर के साथ रोगियों के एक कम्प्यूटरीकृत भावी डेटाबेस का विश्लेषण, शल्य चिकित्सा कैंसर विज्ञान विभाग।

17. वेंकोमाइसिन और हाइ लेवल जेंटेमिसिन रजिस्टेंट एंटेरोकोकस फैसियम और इंटेरोकोकस फैसलिस के क्लीनिकल वियोजन का कथित विषैलापन कारक और आण्विक टाइपिंग का विश्लेषण, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग।

18. पल्मोनरी आर्टरी हाइपरटेंशन के उपचार में एंटी–इंफ्लेमेटरी कार्यनीति : एक प्रयोगात्मक अध्ययन, भेषजगुण विभाग।

19. क्षणिक इलेस्टोग्राफी के उपयोग करते हुए क्रोनिक लीवर डिजीज के साथ रोयिगें में लीवर फाइब्रोसिस का आकलन, अपरुपण तरंग इलेस्टोग्राफी और सीरम जैव रासायनिक मार्कर, जठरांत्र विज्ञान विभाग।

20. दिल्ली एवं आस – पास के क्षेत्र में रेडियोलेबल्ड ऐंटी सी डी 20 ऐंटीबॉडीस 131 आयोडीन रेटुजीमेब / 90 की चिकित्सीय प्रतिक्रिया का निर्धारण, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग।

21. एक्यूट लिम्फोब्लासटिक ल्यूकेमिया (एएलएल) के साथ भारतीय बच्चों में कीमोथेरेपी शामिल करने के लिए प्रस्तुति और प्रतिक्रिया में प्रोग्नोस्टिक पैरामीटरों के साथ आईकेजेडएफ – 1 जीन परिवर्तन का संघ और साइटोकाइन रिसेप्टर जैस कारक 2 (सीआरएलएफ – 2) की अभिव्यक्ति, बाल चिकित्सा विज्ञान विभाग।

22. परिधीय धमनी रोग में बायोमार्कर्स, शल्य चिकित्सा विभाग।

23. स्तन कैंसर के रोगियों में आणविक मापदंडों सहित प्रोग्नोस्टिक कारकों के पहलुओं की जैव सांख्यिकीय : एक महामारी विज्ञान का मूल्यांकन, विकिरण चिकित्सा विभाग।

24. वृद्ध भारतीयों में कैंसर : व्यापक प्रकार्यात्मक निर्धारण एवं नोवल प्रोटीन मार्कर हेतु एक साधन का विकास, जरा चिकित्सा विभाग।

25. नवजात स्वास्थ्य में उन्नत अनुसंधान केंद्र, बाल चिकित्सा विज्ञान विभाग।

26. एचआईवी–ट्यूबरकुलोसिस संबद्ध इम्युन रिकंस्टीट्यूशन इंफ्लेमेटरी सिंड्रोम (आईआरआईएस) के प्रीडिक्टर के रूप में इंफ्लेमेटरी बायोमार्करों को परिसंचारित करना, काय चिकित्सा विभाग।

27. बाल चिकित्सा गैर हॉगकिंस लिंफोमा रोगियों में संचार टी विनियामक कोशिकाएं, चिकित्सा कैंसर विज्ञान विभाग।

28. तीव्र माइलॉइड ल्यूकेमिया में माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए नियामक क्षेत्र में परिवर्तन के नैदानिक और जैविक महत्व, चिकित्सा कैंसर विज्ञान विभाग।

29. माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए में परिवर्तन के नैदानिक और जैविक महत्व, चिकित्सा कैंसर विज्ञान विभाग।

30. पीसीओएस के साथ महिला, प्रकार 2 डायबेटिक मेलिटस के परिवार के इतिहास के साथ और इसके बिना में क्लीनिकल, बायोकेमिकल, हार्मोनल पारिवारिक विशेषताएं और एफटीओ जीन भिन्नता, अंतःस्राविकी विज्ञान विभाग।

31. लूपस नेफ्रैटिस में परिणाम के साथ क्लिनिको पैथोलॉजिकल सहसंबंध, काय चिकित्सा विभाग।
32. एमडीआर टीबी रोगियों में सॉलिड कल्चर विधि और लाइन प्रोब एसे द्वारा एम. टीबी में तुलनात्मक दवा संवेदनशीलता परीक्षण, काय चिकित्सा विभाग।
33. क्रॉनिक प्लाक सोरायसिस के उपचार में पीयूीवएसोल और यूनानी चिकित्सा (यूएनआईएम401 (आईएफ) मौखिक और यूएनआईएम – 403 (स्थानीय अनुप्रयोग और यूीवए के लिए ऑयल) की नैदानिक प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना, त्वचा विज्ञान और रतिजरोग विभाग।
34. भारत में कोहोर्ट अध्ययन आधारित जनसंख्या के लिए अंग्रेजी और हिंदी में प्रश्नावली आधारित साक्ष्य की डिजाइनिंग और सत्यापन, तंत्रिका विज्ञान विभाग।
35. इंडक्शन के अंत में फ्लो साइटोमीटरी द्वारा बी – कोशिका लाइनेज़ तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिया में अल्पतम अवशिष्ट रोग (एम आर डी) की पहचान, बाल चिकित्सा विज्ञान विभाग।
36. तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक के निदान और लक्षणों में रक्त मार्कर के एक नैदानिक पैनल का विकास, तंत्रिका विज्ञान विभाग।
37. रोगियों में क्राइप्टोस्पोरीडियम प्रजाति और परजीवी के अधिक लाक्षणीकरण का पता लगाने के लिए एक आण्विक नैदानिक प्रोब का विकास, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग।
38. ग्रामीण भारत के लिए नवजात स्वास्थ्य देखभाल सेवा वितरण मॉडल का विकास, सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र।
39. आण्विक मार्कर के उपयोग लीजोनेला न्यूमोफिला के नैदानिक और पर्यावरण आइसोलेट्स की आण्विक विधियों और विश्लेषण द्वारा लीजोनेला न्यूमोफिला संक्रमण का निदान, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग।
40. नवजात हीयरिंग स्क्रीनिंग के लिए विरूपण उत्पाद और क्षणिक रूप से उत्पन्न ओटोकौस्टिक उत्सर्जन का निदान प्रदर्शन, बाल चिकित्सा विज्ञान विभाग।
41. प्रोटियोमिक्स दृष्टिकोण का उपयोग करके ऑब्सेक्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया के साथ रोगियों में रोग से संबंधित बायोमार्कर, काय चिकित्सा विभाग।
42. 177 एल यू डी ओ टी ए – टी ए टी ई सहित न्यूरोइंडोक्राइन ट्यूमरों की रेडियोन्यूक्लाइड थेरेपी में डोसीमेट्रिक अध्ययन, नाभिकीय चिकित्सा विभाग।
43. रेडियोआयोडिन (131 आई–एनए) थैरेपी करवा रहे बच्चों और युवा व्यस्कों में अलग अलग थायराइड कैंसर के साथ डोसिमेट्रिक अध्ययन, नाभिकीय चिकित्सा विभाग।
44. ऑब्सट्रेक्टिव स्लीप एपनिया सिंड्रोम में ऊपरी श्वासपथ के मूल्यांकन में गतिशील एमआरआई, विकिरण निदान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान।
45. इंफ्लेमेटरी मल रोग और इंस्टेस्टिनल ट्यूबरकुलोसिस के साथ रोगियों में टी–नियामक कोशिका अभिव्यक्ति की गतिशीलता, जठरांत्र विज्ञान विभाग।
46. भारत में पांच बच्चों के तहत इंफ्लुएंजा टीकाकरण के आर्थिक मूल्यांकन, सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र।
47. ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया के साथ रोगियों में बायोमार्कर पर निरंतर सकारात्मक एयरवे दबाव (सीपीएपी) का प्रभाव, काय चिकित्सा विभाग।
48. मोटापे से ग्रस्त रोगियों में सी–प्रतिक्रियाशील प्रोटीन के स्तर पर व्यायाम का प्रभाव, पीएमआर विभाग।
49. 3 जी फ्रीक्वेंसी बैंड के एक्सपोस्ड चूहों में व्यवहार इलेक्ट्रोफिजियोलॉजीकल और दर्द का न्यूरोकेमिकल संबद्ध पर चुंबकीय क्षेत्र का प्रभाव, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग।
50. चूहों में नशा समाप्त होने पर नैलोबुफिन के प्रभाव : व्यवहार, बायोकेमिकल और आणविक अध्ययन, मनोरोग विभाग।
51. जन्मजात इक्थियोसिस के साथ बच्चों में अस्थि खनिज समस्थिति पर विटामिन डी पूरकता का प्रभाव, त्वचा रोग विज्ञान विभाग।
52. डेमेंशिया और उनके देखभालकर्ताओं के साथ वृद्ध व्यक्तियों के लिए व्यावसायिक चिकित्सा की प्रभावशीलता, जरा चिकित्सा विभाग।
53. उत्तर भारत में मधुमेह रेटिनेपैथी के महामारी विज्ञान का अध्ययन, सामुदायिक नेत्र विज्ञान विभाग।

54. भारत में बच्चों और बुजुर्गों के बीच तीव्र श्वसन नलिका के संक्रमण में श्वसन रोगजनकों का महामारी विज्ञान अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र।
55. प्रसार भारित एमआर इमेजिंग और अल्ट्रासाउंड एल्स्टोग्राफी का उपयोग करते हुए आम जनता के गर्दन का मूल्यांकन, विकिरण निदान विभाग।
56. आयु बढ़ने के मार्कर के रूप में सीरम में नए इंट्रासेल्लुलर प्रोटीन का मूल्यांकन, जराचिकित्सा विभाग।
57. फ्रीड्रिच–अटेक्सिया के पैथोजेनेसिस के साथ रिलेवेंस में ट्रिप्लेक्स बाइंडिंग प्रोटीनों के प्लाज्मा सर्कुलेटिंग न्यूक्लिक एसिड और इन–विट्रो विश्लेषण का मूल्यांकन, जैव रसायन विभाग।
58. व्यक्तिपरक तनाव, परिवार का बोझ और जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन और जन्मजात मत्स्यवत वाले बच्चों की प्राथमिक देखभाल के बीच साइको–डर्मोटोलॉजिकल हस्तक्षेप का प्रभाव, त्वचा रोग विज्ञान विभाग।
59. प्रीक्लेम्पसिया वाली महिलाओं में गर्भावस्था की अवधि के दौरान संवहनी कार्यों, बरोरेफ्लेक्स संवेदनशीलता और एंजियोजेनिक कारकों का मूल्यांकन, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग।
60. ट्यूबरकुलोसिस में संभावित माइक्रो आरएनए की अभिव्यक्ति विश्लेषण, काय चिकित्सा विभाग।
61. इस्कैमिक स्ट्रोक के साथ भारतीय रोगियों में एस्पिरिन प्रतिरोध के साथ जुड़े जेनेटिक और नैदानिक कारक, तंत्रिका विज्ञान विभाग।
62. भारतीय जनसंख्या में एचएलए के जीनोमिक विविधता, प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान विभाग।
63. एनएमआर का उपयोग कर पार्किंसन रोग में बायोमार्करों की पहचान, एनएमआर विभाग।
64. कोलॉन के माइक्रोस्कोपिक प्रेन्यूप्लास्टिक म्यूकोसल लेसन्स में परिवर्तित प्रोटीन अभिव्यक्ति की इम्यूनोहिस्टोकेमिकल का पता लगाना, विकृति विज्ञान विभाग।
65. गहन धूम्रपान बंद करने के हस्तक्षेप बनाम सिफारिशें के एक पैकेज का प्रभाव, फेंफड़े के तपेदिक के स्मीयर पॉजीटिव रोगियों में परिणामों पर मूलभूत धूम्रपान बंद करने की सलाह, काय चिकित्सा विभाग।
66. स्कूल जाने वाले किशोरों के बीच न्यूरोकॉग्नेटिव प्रदर्शन और व्यवहार पैटर्न पर कुल सोने के समय का प्रभाव, मनोरोग विभाग।
67. अल्सरेटिव कोलाइटिस में कोलोरेक्टर कार्सिनोमा की घटना, जठरांत्र विज्ञान विभाग।
68. महिलाओं में 40 वर्षों से कम आयु में साइक्लोफॉस्फेमाइड चिकित्सा के साथ डिम्बग्रंथि विफलता की घटना, काय चिकित्सा विभाग।
69. वेंट्रोमेडिकल हाइपोथेलेमिक कार्यों पर पूरी स्पाइनल कॉर्ड की चोट का प्रभाव : चुंबकीय क्षेत्र की भूमिका। शरीर क्रिया विज्ञान विभाग।
70. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में काय चिकित्सा एवं वृक्क विज्ञान वार्डों में अवलोकित ए डी आर के पैटर्न का विश्लेषण एवं गहन प्रतिकूल औषध प्रतिक्रिया (ए डी आर) निगरानी, भेषजविज्ञान विभाग।
71. एचआईवी/एड्स वाले रोगियों में आन्त्र पैरासाइटिक सह – संक्रमण एवं सीडी4 गणना, वाइरल भार तथा ऐंटीरेट्रोवायरल औषध प्रतिरोध पर इसका प्रभाव, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग।
72. मानव मलाशय कैंसर में विभेदन और ट्यूमर माइक्रोएन्वार्यनमेंट के बीच संघ की जांच, जैव रसायन विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान।
73. पार्किंसन रोग में ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टीमुलेशन की भूमिका की जांच, तंत्रिका विज्ञान विभाग।
74. प्रगतिशील और / या दुर्दम्य बाल चिकित्सा कैंसर में सर्वश्रेष्ठ सहायक देखभाल बनाम कम खुराक रसायन चिकित्सा (मेट्रोनोमिक थेरैपी) : एक डबल ब्लाइंड प्लासेबो नियंत्रित यादृच्छिक अध्ययन, चिकित्सा कैंसर विज्ञान विभाग।
75. वयस्क दर्दनाक ब्रेकियल जाल चोट के चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग मूल्यांकन, विकिरण निदान विभाग।
76. स्तन कैंसर में गैर – इंवेसिव पहचान, उपचार प्रतिक्रिया एवं ट्यूमर मेटाबोलिज्म में चुम्बकीय रीसोनेंस स्पेक्ट्रोस्कॉपी इमेजिंग (एमआरएसआई) एवं डिफ्यूज़न वेटिड एन एम आई (डीडब्ल्यू – एमआरआई) एन एम आर विभाग।
77. एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में कृत्रिम संयुक्त संक्रमण के माइक्रोबियल प्रोफाइल की पहचान करने के लिए प्रवर्धन आधारित डीएनए विश्लेषण की प्रोस्थेटिक संयुक्त संक्रमण और भूमिका का परिमाण, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग।
78. एपिडर्मोलिसिस बुल्लोसा का आण्विक विश्लेषण, त्वचा रोग विज्ञान विभाग।

79. वेंकोमाइसिन और हाइ लेवल जेंटेमिसिन रजिस्टेंट एंटेरोकोकस फैसियम और इंटेरोकोकस फैसलिस का नैदानिक वियुक्त की आणविक लाक्षणीकरण, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग।
80. इंवेसिव एवं कॉमेंसल स्ट्रेप्टोकोकस न्यूमोनिया के पार्थक्यों का आण्विक लक्षण – वर्णन, सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग।
81. विस्तारित स्पेक्ट्रम सेफेलोस्पोरींस के लिए संवेदनशीलता की कमी के साथ नेइसेरिया गोनोरोसी उपभेदों के आण्विक विशेषता, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग।
82. दिल्ली एवं आस–पास के क्षेत्र में तीव्र बैक्टीरिएल मेनिनजाइटाइड्स के केसों से पृथक नीसेरिया मेनिनजाइटाइड्स का आण्विक लक्षण – वर्णन, सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग।
83. संज्ञानात्मक व्यवहार एवं प्रकार्यात्मक चुम्बकीय अनुनाद इमेजिंग (एफ एम आर आई) द्वारा द्विभाषिक विकासात्मक डिस्लेक्सीस, अध्ययन पूर्व एवं पश्च थेरेपी का तंत्रिका मनोविज्ञानात्मक एवं तंत्रिका जैव विज्ञानात्मक आधार, एन एम आर विभाग।
84. स्पाइनल कॉर्ड की चोट में चुंबकीय क्षेत्र के एक्सपोज़र के साथ–साथ लोहे के आक्साइड नेनोपार्टिकल के न्यूरोरीजनरेशन निम्न आरोपण, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग।
85. भारतीय व्यवस्था में स्तन कैंसर में सेंटिनल लिम्फ नोड बायोप्सी और मूल्यांकन तकनीक का अनुकूलन, बाल शल्य चिकित्सा विभाग।
86. आईआरसीएच में ऑस्टियो – सार्कोमा रोगियों के परिणाम और लक्षण कारकों का उपचार, चिकित्सा कैंसर विज्ञान विभाग।
87. बाल चिकित्सा हॉजकिन लिंफोमा – जीवविज्ञान और परिणाम, चिकित्सा कैंसर विज्ञान विभाग।
88. लूपस नेफ्रैटिस में प्रतिक्रिया के प्रीडक्टर्स, काय चिकित्सा विभाग।
89. पीसीआर – प्रतिबंधित प्रभाज की लंबाई बहुरूपता और ओएमपीए अनुक्रमण द्वारा बांझपन और मूत्रजननांगी संक्रमण तथा जीनोटाइपिंग के साथ रोगियों में क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस के प्रसार, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग।
90. एलजे (लोवेनस्टिन जेन्सेन) मीडिया विधि के उपयोग द्वारा दिल्ली राज्य में एक्स / एमडीआर–टीबी का प्रसार (बड़े पैमाने / बहु दवा प्रतिरोधी तपेदिक पर), काय चिकित्सा विभाग।
91. लिक्विड कल्चरल एमजीआईटी – 960 के उपयोग से दिल्ली राज्य में पल्मोनरी टी. बी. मामलों में दवा प्रतिरोधी पैटर्न की रूपरेखा, काय चिकित्सा विभाग।
92. क्षय रोग के प्रारंभिक और निश्चित निदान के लिए संभावित बायोमार्कर की पहचान करने के लिए क्षय रोग प्लेयरल के बहाव का प्रोटियोमिक अध्ययन, काय चिकित्सा विभाग।
93. स्वस्थ स्वयंसेवकों में संज्ञानात्मक प्रदर्शन में भावना प्रेरित परिवर्तन का मात्रात्मक ईईजी कोरेलेट्स, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग।
94. स्वस्थ स्वयंसेवकों में संज्ञानात्मक प्रदर्शन में भावना प्रेरित परिवर्तन का मात्रात्मक ईईजी कोरेलेट्स, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग।
95. घातक फास्फाइड जहर से आईसीपी – एईएस का उपयोग कर एल्यूमिनियम और जिंक का मात्रात्मक आकलन, फॉरेंसिक मेडिसिन विभाग।
96. अल्सरेटिव कोलाइटिस में साइटोमेगालोवायरस के लिए मात्रात्मक वास्तविक समय पीसीआर और जीनोटाइपिंग, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग।
97. अनरिसेक्टेबल हिपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के उपचार में टीएसीईई प्लस ओरल कीमोथेरैपी बनाम ट्रांस आर्टिरियल कीमोएम्बोलाइजेशन (टीएसीई) का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, जठरांत्र विज्ञान विभाग।
98. अनरिसेक्टेबल हिपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के उपचार में ओरल कीमोथेरैपी बनाम ट्रांस आर्टिरियल कीमोथेरैपी (टीएसी) का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, जठरांत्र विज्ञान विभाग।
99. क्लेबसिएला निमोनिया की आण्विक टाइपिंग के विशेष संदर्भ सहित नवजात पूति का त्वरित निदान, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग।
100. आण्विक विधियों द्वारा स्क्रब सन्निपात का रैपिड निदान, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग।
101. एचआईवी संक्रमित भारतीय व्यक्तियों में सीडी56सीडी16. सीडी3 दृ नेचुरल किलर सेल की भूमिका, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग।
102. तीव अभिन्न पेट दर्द के साथ आपातकालीन विभाग में आने वाले बुजुर्ग रोगियों में निर्णय लेने के विपरीत वृद्धि सीटी पेट की भूमिका, आपात चिकित्सा विभाग।
103. सिरोसिस के रोगियों में हिपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के निदान में विपरीत वृद्धि अल्ट्रासाउंड की भूमिका, जठरांत्र विज्ञान विभाग।
104. गुर्दे की पथरी के आकलन में दोहरी ऊर्जा सीटी की भूमिका, विकिरण निदान विभाग।

105. बाल्यावस्था नेफ्रोटिक संलक्षण में वृक्क पेथोजेनेसिस पर फ्लुराइड विषाक्तता की भूमिका : अल्ट्रा संरचनात्मक, जैवरसायन एवं प्रोटियोमिक अध्ययन, शरीर रचना विज्ञान विभाग।

106. कार्डियोमेटाबोलिक जोखिम के साथ जुड़े एडिपोसिटी की प्रोग्रामिंग और जैव रासायनिक मार्करों पर शीघ्र शैशवावस्था में वसा द्रव्यमान के लाभ की भूमिका, बाल चिकित्सा विज्ञान विभाग।

107. मानव ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं के प्रवास पर हाइड्रोजन सल्फाइड की भूमिका, शरीर रचना विज्ञान विभाग।

108. काइस्टेथियोनाइन गामा ल्यास मध्यस्थता ट्रोफोब्लास्ट सेल इनवेशन में माइक्रो आरएनए 30 की भूमिका और प्रीक्लेम्पसिया में इसकी स्थिति, शरीर रचना विज्ञान विभाग।

109. कीमोथेरेपी के दौर से गुजर रहे रोगियों में गैर–छोटे सेल फेफड़ों के कार्सिनोमा के मूल्यांकन में परफ्यूजन सीटी की भूमिका विकिरण निदान विभाग।

110. प्रिऐक्लेम्प्सिया में इण्डोप्लास्मिक रेटीकुलम तनाव पर सोल्युबल वास्कुलर इण्डोथेलियल वृद्धि कारक ग्राही – 1 (एसवीईजीएफआर–1/एसएफएलटी1) की भूमिका इन विट्रो अध्ययन, शरीर रचना विज्ञान विभाग।

111. प्रोस्टेट कैंसर के मूल्यांकन में विभिन्न चुम्बकीय अनुनाद इमेजिंग एवं स्पेक्ट्रोस्कॉपिक पद्धतियों की भूमिका, एन एम आर विभाग।

112. बड़े पैमाने पर स्वास्थ्य सर्वेक्षण, जैव सांख्यिकी एवं स्वास्थ्य सूचना विज्ञान में संवेदनशीलता विश्लेषण और इसके अनुप्रयोग, एस जी पी जी आई एम एस, लखनऊ।

113. गैर छोटे सेल फेफड़ों के कैंसर में प्रारंभिक उपचार प्रतिक्रिया मूल्यांकन के लिए पूरे शरीर प्रसार भारित एमआरआई के साथ पूरे शरीर को एफ –18 एफ डीजी पीईटी सीटी की गतिशील एफ –18 एफ डीजी पीईटी / सीटी प्रोटोकॉल और तुलना का मानकीकरण, नाभिकीय चिकित्सा विभाग।

114. वृक्क प्रतिरोप में ग्राफ्ट निराकरण हेतु स्टोकेस्टिक मॉडल्स, जैव सांख्यिकी एवं स्वास्थ्य सूचना विज्ञान विभाग, एस जी पी जी आई एम एस, लखनऊ।

115. फंक्शनल मैग्नेटिक रेसोनेंस इमेजिंग (एफ एम आर आई) का प्रयोग करके चिरकारी दु:साध्य मिरगी में संज्ञान एवं जीवन गुण का अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान विभाग।

116. पोस्ट ऑपरेटिव दर्द के चूहे मॉडल में रीढ़ की हड्डी के स्तर पर विशिष्ट न्यूरोपेप्टाइडेस की भागीदारी का अध्ययन, शरीर रचना विज्ञान विभाग।

117. बुजुर्गों में मांस पेशी रि–जनेरेशन का अध्ययन : एक चूहा मॉडल का विकास, जराचिकित्सा विभाग।

118. वृद्ध भारतीयों में ऑर्थोस्टेटिक हाइपोटेंशन का अध्ययन, जराचिकित्सा विभाग।

119. निमोकाइस्टिस जीरोवेसी के नैदानिक उपभेदों की आनुवंशिकी जनसंख्या और इसके नैदानिक महामारी विज्ञान का अध्ययन, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग।

120. अल्जामर रोग में टाउ के हाइपरफोस्फोरीलेशन में शामिल संभावित मॉड्यूलेटर लक्षित मार्गों का अध्ययन, जैव भौतिकी विभाग।

121. स्पाइनल कॉर्ड विक्षतियों वाले रोगियों में निद्रा की नियतकालिक अंग गतिविधियों की व्यापकता एवं पैटर्न का अध्ययन और नैदानिक रूपरेखा के साथ इसका सह–संबंध, तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग।

122. वृद्ध वयस्कों में संज्ञानात्मक क्षति के मूल्यांकन में टीएसपीओ उन्नत पीईटी स्कैन का अध्ययन, जराचिकित्सा विभाग।

123. दिल्ली के शहरी झुग्गियों में सामान्य नेत्र स्थितियों के संबंध में जागरुकता एवं स्वास्थ्य संबंधित प्रथाओं पर अध्ययन, सामुदायिक नेत्र विज्ञान विभाग।

124. माइक्रोन्यूक्ली विश्लेषण का प्रयोग करके हाइपरथाइरॉइड रोगियों में अल्प डोज़ 1311 थेरेपी की साइटोजेनेटिक विषाक्तता पर अध्ययन, नाभिकीय चिकित्सा विभाग।

125. सामान्य शल्य चिकित्सा के निवासियों के ऑपरेटिव प्रदर्शन पर बेंच प्रशिक्षण का मूल्यांकन का एक अध्ययन, सर्जरी विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान।

126. एएमएल रोगियों में डब्ल्यूएनटी / बी केटेनिन संकेतन मार्ग के जैविक और नैदानिक महत्व का अध्ययन, चिकित्सा कैंसर विज्ञान विभाग, आईआरसीएच, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान।

127. यूवाइटिस के प्रयोगात्मक मॉडल में एप्टामेटर्स के बीआरबी ट्रांसपोंडर कार्य और मूल्यांकन को समझना, ओक्यूलर फार्माकोलॉजी विभाग।

128. ईएसएस के हिंदी संस्करण का सत्यापन, काय चिकित्सा विभाग।

पूर्ण

1. मोटापे से ग्रस्त एशियाई – भारतीय विषय में इंसुलिन रेजिस्टेंस और बीटा सेल फंक्शन पर विटामिन डी पूरकता के प्रभाव की जांच करने के लिए एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड नियंत्रित परीक्षण, आयु 11–17 वर्ष, अंतःस्राविकी विज्ञान विभाग।
2. इन – विट्रो निषेचन के परिणाम पर एनास्थेसिस के प्रभाव का पूर्वव्यापी विश्लेषण, संवेदनाहरणविज्ञान विभाग।
3. तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल की स्थापन करने में वृद्ध के स्वास्थ्य और कार्यक्षमता का अध्ययन, जराचिकित्सा विभाग।
4. पीयूजे–प्रकार हाइड्रोनफोरोसिस के साथ बच्चों में सर्जरी की संभावना के लिए जोखिम वाले समूहों की पहचान के बारे में एक अध्ययन, बाल शल्य चिकित्सा विभाग।
5. ऑब्सट्रेक्टिव स्लीप एपनिया के साथ रोगियों में चल रक्तचाप की निगरानी, काय चिकित्सा विभाग।
6. कोलोरेक्टल कैंसर स्टेम कोशिकाओं में जीन एक्सप्रेशन का विश्लेषण, जैव रसायन विभाग।
7. बढ़ती उम्र वाली आबादी में दोष का बायोमार्कर आकलन, जराचिकित्सा विभाग।
8. गंभीर डेंगू ज्वर में बायोमार्कर्स, कायचिकित्सा विभाग।
9. एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में कोएगुलेस नकारात्मक स्टेफिलोकोकस द्वारा बैक्टेरेमिया के कारण से क्लीनिकल और सूक्ष्मजीव विज्ञानी विशेषताएं, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग।
10. एक्यूट मायलॉइड ल्यूकेमिया में समेकन के रूप में प्रत्येक चक्रों के लिए एरा–सी 12 जी/एम2 बनाम 18 जी/एम2 प्रति चक्र की तुलना : एक खुले लेबल यादृच्छिक गैर–न्यूनता अध्ययन, चिकित्सा कैंसर विज्ञान विभाग, आई आर सी एच।
11. उत्तर भारत में समय अवधि के दौरान और ग्रीष्मकाल में शरीर पर बच्चों में विटामिन डी संश्लेषण की दिशा में सूरज की धूप का योगदान, त्वचा रोग विज्ञान विभाग।
12. त्वचा के रंग के साथ 25 (ओएच) डी के सीरम स्तर का सह संबंध (मेलेनिन सूचकांक), त्वचा रोग विज्ञान विभाग।
13. मल्टीकलर फ्लो–साइटोमेट्री द्वारा एक्यूट मायलॉइड ल्यूकेमिया में कम से कम अवशिष्ट रोग की जांच – एक पायलट अध्ययन, चिकित्सा कैंसर विज्ञान विभाग।
14. चिकित्सीय दुर्दम्य मिर्गी रोगियों में फिर से शुरू करने के बाद सबस्किवेंट साइजर फ्रिक्वेंसी पर मिर्गी निगरानी इकाई (ईएमयू) में एंटीएपिलेप्टिक दवाओं (एईडी) विश्राम का प्रभाव – एक संभावित अवलोकन नियंत्रित अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान विभाग।
15. ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं में पेरोक्सिसम प्रोलिफिरेटर सक्रिय ग्राही (पी पी ए आर एस) एवं एंजियोजेनिक कारकों की अभिव्यक्ति पर हायपोक्सिया का प्रभाव इन विट्रो अध्ययन, शरीर रचना विज्ञान विभाग।
16. शंकास्पद तीव्र एपेंडिसाइटिस के रोगियों में नैदानिक स्कोरिंग प्रणालियों का मूल्यांकन, आपातकालीन काय चिकित्सा विभाग।
17. बायो–मार्कर्स पार्किन्सन्स रोग के रूप में सर्ट्यून्स का मूल्यांकन : एक परस्पर अनुभागीय तुलनात्मक अध्ययन, कायचिकित्सा विभाग।
18. फोन द्वारा स्थायी मिर्गी रोगियों की व्यवहार्यता, रोगी स्वीकार्यता और अनुवर्ती की प्रभावकारिता – एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान विभाग।
19. कैंसर पीड़ित वृद्ध रोगियों का प्रकार्यात्मक एवं सह – रुग्णताएं, जराचिकित्सा विभाग।
20. विल्म के ट्यूमर में जीन विलोपन और म्यूटेशन : ऊतक विकृति विज्ञानी और परिणाम के साथ सहसंबंध, विकृति विज्ञान विभाग।
21. बाल न्यूप्लाज्म, न्यूरोब्लास्टोमा में एस सी एफ / सी – किट जीन का जीनोमिक एवं प्रोटियोमिक विश्लेषण, बाल शल्यचिकित्सा विभाग।
22. महिलाओं में 40 वर्षों से कम आयु में साइक्लोफॉस्फेमाइड चिकित्सा के साथ डिम्बग्रंथि विफलता की घटना, काय चिकित्सा विभाग।
23. स्तन कैंसर के अध्ययन हेतु चुम्बकीय अनुनाद (एम आर) बहु–पैरामेट्रिक पहुंच एवं जैवविज्ञानात्मक मार्करों के साथ इसका सह – संबंध, एन एम आर विभाग।

24. एचआईवी एड्स में स्टैटिन्स के साथ एआरटी प्रेरित डिस्लिपिडेमिया का प्रबंधन, काय चिकित्सा विभाग।
25. हिमोग्लोबिनोमीटर के देखभाल के नए विकसित बिंदु के प्रदर्शन का विश्लेषण, रूधिर विभाग और आईआईटी।
26. तृतीयक देखभाल केंद्र में बहुत अपरिपक्व नवजात शिशुओं में ब्रोंकोपल्मोनरी डिसप्लासिया की भविष्यवाणी, बाल चिकित्सा विज्ञान विभाग।
27. नैदानिक परिणामों पर गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) और उनके प्रभाव में इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन की व्याप्तता, काय चिकित्सा विभाग।
28. हिपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के अनरिसेक्टेबल रोगियों के उपचार में सहायक चिकित्सा बनाम ओरल कीमोथेरैपी का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, जठरांत्र विज्ञान विभाग।
29. रोज़ की सुरक्षा और प्रभावकारिता पर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, तपेदिक के साथ एचआईवी सीरो पॉजिटिव रोगियों में दिन का भाग और सप्ताह में तीन बार रुक–रुक कर विरोधी तपेदिक चिकित्सा, काय चिकित्सा विभाग।
30. शिशु हिमेनजियोमा के उपचार में सिस्टेमिक स्टेरॉइड (प्रेडनीसोलोन) और प्रोप्रनोलॉल का यादृच्छिक परीक्षण, त्वचा रोग विज्ञान विभाग।
31. गर्भावस्था के परिणामों के साथ गर्भावस्था और उसके रिश्ते में नींद की गुणवत्ता, काय चिकित्सा विभाग।
32. गर्भावस्था के दौरान कठिन इंटुबेशन के पूर्वसूचकों में परिवर्तनों का अध्ययन करना, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग।
33. संयोजी ऊतक रोगों वाले रोगियों में आईएलडी की रोग गतिविधि के आकलन में पोजीट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी और हाई रिजोल्यूशन कंप्यूटर टोमोग्राफी चेस्ट की उपयोगिता, काय चिकित्सा विभाग।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 84 **सार : 3** **पुस्तकों में अध्याय : 1**

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य आर. एम. पाण्डे ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ (पीएचएफआई के अंतर्गत) के एथिक्स समिति के उपाध्यक्ष के रूप में सेवा प्रदान की; सदस्य, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडर्मियोलॉजी (आईसीएमआर) के वैज्ञानिक सलाहकार समिति; क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र (आईसीएमआर); आरएनटीसीपी (भारत सरकार) पर अनुसंधान संचालन; अनुसंधान सलाहकार परिषद, बीपीकेआईएचएस, धरन, नेपाल; अनुसंधान सलाहकार समिति, वीपी चेस्ट इंस्टीट्यूट; एसएएम बच्चों पर डीबीटी – आईसीएमआर एलायंस अध्ययन; बहु–केंद्रित सहयोगात्मक परियोजना की संचालन समिति के सदस्य; क्लेफ्ट लिप एंड पेलेट एनोमली (आईसीएमआर) पर विशेषज्ञ समिति, टास्क फोर्स परियोजना; आईसीएमआर के एचआरआरसी के कार्य की समीक्षा करने के लिए शीर्ष समिति; ग्रांड चैलेंजीस इंडिया / न्यूट्रिशन एंड हेल्थ पर तकनीकी सलाहकार समूह; जीवन और डीएसटी से संबंधित अनुसंधान एवं विकास पहल पर मोबाइल टावरों और हैंडसेटर से आईएमएफ रेडिएशन जोखिम के संभावित प्रभाव पर अनुसंधान एवं विकास प्रस्तावों का मूल्यांकन करने के लिए विशेषज्ञ समिति; भारत (आईसीएमआर) में बाल चिकित्सा एचआईवी के बोझ का आकलन पर विशेषज्ञ समिति; समय और गति का अध्ययन करने के लिए यूनिसेफ के तहत बाल अध्ययन प्रभाग के तकनीकी सलाहकार समूह; एसएएम बच्चों में घर आधारित पोषण हस्तक्षेप मूल्यांकन के लिए नैदानिक परीक्षण, डब्ल्यूएचओ; निम्हांस द्वारा राष्ट्रीय मस्तिष्क स्वास्थ्य सर्वेक्षण के विशेष समूह; परीक्षक, दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रस्तुत पीएच.डी. शोध पत्र; डॉ. एम. जी. आर. यूनिवर्सिटी, चेन्नई; और स्वास्थ्य सांख्यिकी, बीएचयू, वाराणसी में एम. एससी.।

आचार्य एस. एन द्विवेदी निम्नलिखित समितियों : स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (आईसीएमआर) के मॉडल रूरल हेल्थ रिसर्च यूनिट (ब्लॉक स्तर) के लिए विशेष परियोजना समीक्षा समिति (पीआरसी); आईसीएमआर की कार्यप्रणाली पर टास्क फोर्स समिति; मौखिक स्वास्थ्य (आईसीएमआर) के लिए पीआरसी; राष्ट्रीय चिकित्सा सांख्यिकी संस्थान, नई दिल्ली के वैज्ञानिक सलाहकार समिति; नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च इन एनावार्यमेंटल हेल्थ, भोपाल में महामारी विज्ञान अनुसंधान के लिए महामारी विज्ञान समीक्षा समूह / विशेषज्ञ समिति; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा निधिकृत शीर्षक ''डायग्नोस्टिक एक्यूरेसी ऑफ हिमोग्लोबिन कलर स्ट्रिप, ए डिजिटल हीमोग्लोबिनोमीटर एंड नॉन इंवेसिव डिवाइस फॉर स्क्रिनिंग पेशेंट्स विद् एनीमिया'' पर बहु – केंद्रित परियोजना के लिए विशेषज्ञ समूह; 'रोल ऑफ योग निद्रा इन इसोमनिया पेशेंट्स' के नैदानिक परीक्षण के लिए आंकड़ा सुरक्षा निगरानी बोर्ड और इंडिया सोसायटी फॉर मेडिकल स्टेटिस्टीक्स के प्रो. आर एन श्रीवास्तव एवार्ड समिति के सदस्य थे; जैव सांख्यिकीय एवं स्वास्थ्य सूचना विज्ञान विभाग, एस जी पी जी आई एम एस, लखनऊ के लिए बाह्य सह–मार्गदर्शक और डॉक्टरल समिति सदस्य; बीएचयू, वाराणासी; कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल; और इंटरनेशनल इस्टीट्यूट फॉर पॉपुलेशन साइंसेज, मुंबई; में पीएचडी. शोध पत्र के मूल्यांकन / मौखिक परीक्षा आयोजित करने के लिए बाह्य परीक्षक; गुवाहाटी विश्वविद्यालय, असम और एनडीएमसी

मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली में चयन समिति के सदस्य; दुबई कॉलेज ऑफ डेंटल मेडिसिन में संकाय के प्रकाशनों के मूल्यांकन के लिए बाह्य विशेषज्ञ; नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल स्टेटिस्टीक्स, नई दिल्ली; आईसीएमआर; और आईसीएसएसआर के लिए परियोजना रिपोर्ट के समीक्षक;अमेरिकलन स्टेटिस्टीकल एसोसिएशन (बूस्टन, मैसाचुसेट्स) के वैज्ञानिक सत्रों, संयुक्त सांख्यकीय बैठक 2014 के अध्यक्ष; इंडियन सोसायटी फॉर मेडिकल स्टेटिस्टीक्स (जम्मू) का 32वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन और अनुसंधान पद्धति पर कार्यशाला (भोपाल); सदस्य, इंडियन जर्नल ऑफ चाइल्ड हेल्थ के संपादकीय बार्ड; समीक्षक, इंटरनेशनल सोसायटी फॉर क्लिनिकल बायोस्टेटिस्टीक और आईजेएमआर।

प्रोफेसर वी. श्रीनिवास आईसीएमआर के वैज्ञानिकों के लिए आकलन बोर्ड; स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के स्वास्थ्य अनुसंधान को बढ़ावा देने और मार्गदर्शन के लिए इंटर–सेक्टरल अभिसरण और समन्वयक के लिए प्रस्तावों की समीक्षा करने के लिए मूल्यांकन समिति; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोलॉजिकल के नकली दवाओं पर राष्ट्रीय सर्वेक्षण के अध्ययन की डिजाइन;स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोलॉजिकल में एनएटी प्रयोगशाला के गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण प्रक्रियाओं को मजबूत बनाने के लिए विशेष समिति; जीर्ण रोग (आईसीएमआर) पर वैश्विक एलायंस के लिए प्रस्तावों की समीक्षा पर परियोजना समीक्षा समिति; आईसीएमआर (कैंसर विज्ञान, नेत्र विज्ञान और तंत्रिका संबंधी विज्ञान) की परियोजना समीक्षा समिति; चयन समिति, सेंट्रल काउंसिल फॉर रिचर्स इन यूनानी मेडिसिन, आयुष विभाग; माइकोबैक्टीरियम एवियम पर टास्क फोर्स समूह, (आईसीएमआर); शुरूआत में कम आयु के साथ मुधमेह वाले लोगों की रजिस्ट्री पर विशेष समूह (आईसीएमआर) के सदस्य थे; जर्नल ऑफ इंडियन एसोसिएशन फॉर चाइल्ड एंड एडोलसेंट मेंटल हेल्थ के लिए सांख्यिकीय सलाहकार; जर्नल ऑफ कुटेनियस और एस्थेटिक सर्जरी के लिए जैव सांख्यिकी अनुभाग संपादक; इंडियन जर्नल ऑफ डर्मोटोलॉजी, वेनेरियालॉजी एंड लेप्रोलॉजी; और जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी; पीडियाट्रिक्स; इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च; इंडियन पीडियट्रिक्स; इंडियन जर्नल ऑफ पीडियट्रिक्स के लिए जैव सांख्यिकी समीक्षक। उन्होंने वर्ष 2014–15 के लिए त्वचा विज्ञान में सर्वश्रेष्ठ मूल अनुसंधान शोध पत्र के लिए प्रो. प्रेमलता एवार्ड और एम्स अनुसंधान उत्कृष्टता एवार्ड 2014 प्राप्त किया।

डॉ. एम ए खान जर्नल ऑफ स्टेटिस्टीक्स एंड मैथेमेटिक्स, यूएसए के एसोसिएट संपादक थे; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिपोर्ट के संपादकीय बोर्ड सदस्य (जैव सांख्यिकी); इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, स्टेटिस्टीक्स, ऑप्टिमाइजेशन एंड कंप्यूटिंग जर्नल, यूएसए और जर्नल ऑफ मॉडल एसिस्टेड स्टेटिस्टीक्स एंड एप्लीकेशन, यूएसए के लिए सहकर्मी समीक्षक थे।

डॉ. एम. कलाइवानी जर्नल ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर के सांख्यिकी संपादक; और इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरियोलॉजी एंड लेप्रोलॉजी एंड पीर जे, यूके के लिए समीक्षक थे।

अतिथि वैज्ञानिक

डॉ. मौसमी बनर्जी, जैव सांख्यिकी, जैव सांख्यिकी विभाग और सेंटर फॉर हेल्थ केयर आउटकम्स एंड पॉलिसी (सीएचओपी) यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन, एन्ना अर्बोर, मिशिगन, यूएसए के अनुसंधान प्रोफेसर और निदेशक।

9.7 जैव प्रौद्योगिकी

आचार्य एवं अध्यक्ष
वाई. डी. शर्मा

आचार्य
जे. एस. त्यागी एच. के. प्रसाद एस. एन. दास

सहायक आचार्य
अनुश्री गुप्ता

विशिष्टताएं

विभाग द्वारा जैव प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम में स्नातकोत्तर और पीएच.डी कार्यक्रम सफलतापूर्वक चलाया जाता है। यह प्राकृतिक विज्ञान शिक्षा में अध्येतावश्त्ति कार्यक्रमों को समर्थन देता है। विभाग के संकाय सदस्यों ने विभिन्न सरकारी निधिकरण एजेंसियों से बड़ी संख्या में बाह्य अनुसंधान अनुदान प्राप्त किए हैं। संकाय द्वारा भारत सरकार और विभिन्न विभिन्न विश्वविद्यालयों / संस्थानों को अध्यापन और अनुसंधान के पक्षों पर विशेषज्ञ सलाह दी जाती है, आमंत्रित व्याख्यान दिए जाते हैं और उच्च प्रभाव वाली पत्रिकाओं में शोधपत्र प्रकाशित किए जाते हैं।

शिक्षा

विभाग द्वारा चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी में अपने दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम जारी रखे गए, जिनसे एम. बायोटेक डिग्री प्रदान की गई। अध्यापन कार्यक्रम में सैद्धांतिक और प्रायोगिक कक्षाएं, गोष्ठियां, प्रस्तुतिकरण और अनसंधान परियोजनाएं (लघु शोध प्रबंध) आयोजित की जाती हैं, जो चिकित्सा अनुसंधान के अग्रणी क्षेत्रों में होती हैं। जेएनयू, आईजीआईबी, आईसीजीईबी, एनआईआई और एनआईआईटी से विशेषज्ञों को विभिन्न विशेषताओं के लिए एम्स में आमंत्रित किया जाता है और छात्रों को जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान, आण्विक कार्य चिकित्सा, जीनोमिकी, प्रोटियोमिक्स आदि से संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान के विकास से परिचित कराया जाता है। विभाग द्वारा चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी में एक पीएच.डी कार्यक्रम भी चलाया जाता है।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

वाई. डी. शर्मा : 4 **जे.एस. त्यागी : 5** **एच. के. प्रसाद : 5** **एस. एन. दास : 3**

मौखिक / पोस्टर प्रस्तुतीकरण : 9 ** सर्वोत्तम पोस्टर पुरस्कार : 1

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. पी. विवेक्स ट्राइप्टोफेन– समृद्ध प्रतिजन पर रोग प्रतिरक्षण और आनुवंशिक बहुरूपता अध्ययन। डॉ. वाई. डी. शर्मा, आई. सी. एम. आर., 3 वर्ष, 2013–16, 22.5 लाख रुपए।
2. बायोमेडिसिन के लिए विशेष अनुप्रयोग के साथ जैव प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर प्रशिक्षण कार्यक्रम, वाई. डी. शर्मा, डी. बी. टी., 5 वर्ष, 2009–14, 1.13 करोड़ रुपए।
3. ट्रांसलेशंस स्वास्थ्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के बीच नेशनल एलायंस बायोडिजाइन कार्यक्रम और इन–विट्रो निदान, जया एस. त्यागी, डीबीटी, 5 वर्ष, 2010–15, 62.05 लाख रुपए।
4. उत्कृष्टता केंद्र, श्रेणी ||| – सीआईईबी परियोजना : टेम्पोरल प्रतिलेखन प्रोफाइल, कंप्यूटेशनल विश्लेषण और पोस्ट ट्रांस्क्रिप्शनल जीन सायलेंसिंग के दोहन की पहचान करना और मेजबान के बीच संपर्क अवरोधन और निष्क्रिय और सक्रिय रूप से रेप्लिकेशन माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस, जया एस. त्यागी, डीबीटी, 5 वर्ष, 2011–16, 2.20 करोड़ रुपए।

5. एस वाई एस टी बी : टी.बी. संक्रमण में मेजबान पैथोजन अंतःक्रियाओं की गतिशीलता को सुलझाने हेतु एक नेटवर्क कार्यक्रम। डीबीटी नेटवर्क परियोजना, जया एस. त्यागी, डी. बी. टी., 5 वर्ष, 2011–16, 1.46 करोड़ रुपए।
6. जे. सी. बोस राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति। जया एस. त्यागी, डी. बी. टी., 5 वर्ष 2012–17, 68 लाख रुपए।
7. संदूषित बैक्टीरियल विभेद से एंटी–ट्यूबरकुलर सिद्धांत का अलगाव और विशेषता। जया एस. त्यागी, डी. बी. टी., 2 वर्ष, 2013–15, 4 70 लाख रुपए।
8. टीबी, एमडीआर–टीबी और एक्सडीआर–टीबी के सरल और तेजी से निदान के लिए नोवल नमूना प्रसंस्करण, जया एस. त्यागी, डीबीटी (एसबीआईआरआई), ढाई वर्ष 2015–2017, 47.41 लाख रुपए।
9. तपेदिक रोगियों में प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया में टाइप 1 इंटरफेरॉन (एस) के प्रतिरक्षाविज्ञानी प्रभाव का अध्ययन, एच. के. प्रसाद, आई.सी.एम आर., 2 वर्ष, 2013–2015, 18 लाख रुपए।
10. मुखीय शल्की कोशिका कार्सिनोमा से पीड़ित रोगियों में टी हेल्पर 17 (टी एच 17) कोशिकाओं का फिनोटाइपिक एवं कार्यात्मक लाक्षणीकरण एवं उसके ट्यूमर विरोधी गतिविधियों का मूल्यांकन करना। एस. एन. दास, डी. बी. टी., 3 वर्ष, 2013–2015, 51.15 लाख रुपए।
11. कुछ चुने हुए औषधीय पौधों के कैंसर रोधी गतिविधियों की खोज एवं मानव मुंह कैंसर सेल लाइन पर उनके आण्विक लक्ष्य। एस. एन. दास, आयुष, 3 वर्ष, 2014–2017, 25.71 लाख रुपए।

पूर्ण

1. संक्रमण के दौरान एम. ट्यूबरकुलोसिस और संबंधित रोगजनकों के प्रोटीन (एच1पी) जैसे हिस्टोन की भूमिका, एच. के. प्रसाद, अ. भा. आ. सं., 2 वर्ष, 2013–15, 8.3 लाख रुपए।
2. क्षय रोग के रोग या प्रतिरोध को संभवतः प्रारम्भ में ही प्रभावित करने वाले चुनिंदा मेजबान जीन म्यूटेशन एवं मेजबान पैथोजीन इंटरेशन का कार्यात्मक लाक्षणीकरण, एच. के. प्रसाद, बी. आर. एन. एस., 4 वर्ष, 2011–15, 34.17 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. क्षयरोग के त्वरित निदान उच्च बंधुता डीएनए का उपयोग करना
2. क्षय रोग के लिए तीव्र और सटीक नैदानिक परीक्षण का विकास और सत्यापन
3. निद्रा मॉडल में माइकोबैक्टीरियम के क्षयरोग का अनुकूलन
4. टीएचपी–1 कोशिका संक्रमण मॉडल में माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग के जीन अभिव्यक्ति हस्ताक्षर
5. माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग के डेव आर निर्भर प्रमोटरों की ट्रांसक्रिप्शनल विश्लेषण
6. माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग के प्रति सहज प्रतिरक्षा।
7. माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग के प्रति मानव प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया।
8. मानव एवं पशुओं में क्षयरोग का रोग निदान।
9. क्षयरोग के रोगियों के चयापचय की रूपरेखा

पूर्ण

1. विटामिन सी – कोशिका संक्रमण मॉडल में माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग के लिए मॉड्यूलेटिड मेजबान प्रतिक्रिया
2. माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग के डेव आर और सिग ए (ä^A) प्रोटीन के बीच अंतःक्रिया।
3. माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग के आरएनए पॉलीमरेज़ और डेव आर प्रोटीन के अल्फा (á) सबयूनिट के बीच अंतःक्रिया।
4. माइकोबैक्टीरियम बोविस बीसीजी से प्रतिरक्षित बच्चों में टीका प्रतिक्रिया का अध्ययन।
5. मुंह के स्क्वामस सेल कार्सिनोमा के रोगियों में सी.डी. 4^+ सी.डी. 25^+ फॉक्स पी. 3^+ विनियामक टी. सेलों (टी. रेग) का फीनोटाइपिक तथा कार्यात्मक लाक्षणीकरण।
6. मुंह के कैंसर कोशिका लाइनों (एससीसी और एससीसी 25) में ओपरकुलेना टरपेथम के एंटी–कैंसर गतिविधि पर मुंह के कैंसर कोशिका लाइनों में प्लम्बेगिन के एंटी–कैंसर गतिविधियों का अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. एंटीजन डिटेक्शन और पीसीआर द्वारा ईबीयूएस नमूनों में टीबी का निदान, फुफ्फुसीय चिकित्सा विभाग।
2. स्वदेशी रूप से विकसित अभिकर्मकों का उपयोग कर एंटीजन डिटेक्शन द्वारा एक्सट्रापल्मोनरी टीबी का निदान, आरएमएल अस्पताल।
3. मुंह के कैंसर में प्रोटीन सिग्नलिंग सेल, पी38अल्फा एम ए पी काइनेस के नैनो–लेवल अभिव्यक्ति का मूल्यांकन तथा इसके विरुद्ध पेप्टाइड प्रतिवेधनों आधारित संरचना की डिजाइन (जैव भौतिकी विभाग)।
4. स्तन कैंसर के भारतीय रोगियों में ई.आर., पी.आर., एच. ई. आर. 2, न्यू एक्सप्रेशन तथा बी आर सी ए1 जीन म्यूटेशन्स का नैदानिक सह–संबंध बी. आर. ए. – आई. आर. सी. एच. विभाग।

पूर्ण

1. मुंह के कैंसर वाले रोगियों में टीएलआर2 जीनों में एकल न्यूक्लेयाटाइड पॉलीमार्फिज्म पर अध्ययन, ईएनटी विभाग

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 9 **सार : 1** **पुस्तकों में अध्याय : 1**

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर वाई. डी. शर्मा सभी तीन विज्ञान अकादमियों के सदस्य हैं। वे सेक्शनल कमेटी ऑफ मेडिकल साइंसेज फॉर इंडियन एकेडमी ऑफ सांइसेज, बैंगलोर के सदस्य; डीएसटी ब्रिटिश काउंसिल; डीबीटी एक्सपर्ट समिति; जैव प्रौद्योगिकी अध्ययन बोर्ड दक्षिण एशिया विश्वविद्यालय, दिल्ली; वनस्थली विद्यापीठ जैव प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर अध्ययन बोर्ड; अध्ययन बोर्ड, हिमाचल विश्वविद्यालय, शिमला; कई विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों में शिक्षकों के पदों के लिए चयन समिति; सीआईएफए, आईसीएआर क्यूआरटी; वेक्टर साइंस फोरम पर परियोजना समीक्षा समिति, आईसीएमआर; डीएसटी आईएनएसपीआईआरई फैकल्टी फेलोशिप के सदस्य; और स्नातकोत्तर शिक्षा संस्थान के स्नातकोत्तर बाह्य परीक्षक, चंडीगढ़।

प्रोफेसर जया एस. त्यागी आईएनएसए परिषद के सदस्य और राष्ट्रीय क्षयरोग अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य हैं, चेन्नई; सेंटर फॉर डीएनए फिंगरप्रिंट एंड डायग्नोस्टिक्स, हैदराबाद; नेशनल सेंटर फॉर सेल साइंस, पुणे; और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पैथोलॉजी, नई दिल्ली।

प्रोफेसर एच. के. प्रसाद एनआरडीसी, आईसीएमआर और नेशनल जालमा इंस्टीट्यूट फॉर लेप्रोसी एंड अदर माइक्रो बैक्टीरियल डिज़ीजेज आगरा; अस्सेमेंट बोर्ड – आईसीएमआर; पैनल ऑफ जज – ब्रिग. एस. के. मजुमदार मेमोरियल ट्रस्ट यंग साइंटिस्ट अवार्ड, नई दिल्ली; साइंटिफिक एडवाइजरी कमेटी, लेप्रोसी मिशन स्टेनली ब्राउन लेबोरेटरीज; इंस्टीट्यूशनल एनिमल इथिक्स कमेटी (आईएईसी), यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली साउथ कैंपस (यूडीएससी); कमेटी ऑफ इंस्टीट्यूट ऑफ पैथोलॉजी (आईसीएमआर) और जवाहरलाल नेहरू फेलोशिप, जेएनयू की चयन समिति; परियोजना निगरानी समिति, एसबीआईआरआई–बीसीआईएल, डीबीटी; आईसीएमआर इम्यूनोलॉजी टास्क फोर्स कमेटी; आईसीएमआर, डीबीटी और डीएसटी की परियोजना समीक्षा समिति और परीक्षक : विभिन्न विश्वविद्यालय और संस्थान।

प्रोफेसर एस. एन. दास नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज का फेलो है। वह टास्क फोर्स ग्रुप ऑन कैंसर बायोलॉजी डीबीटी, टेक्निकल कमेटी, इंस्टीट्यूट ऑफ पैथोलॉजी (आईसीएमआर) के सदस्य है; बायो एथिक्स कमेटी फॉर रीकॉम्बीनैंट डीएनए रिसर्च एम्स; डॉक्टोरल कमेटी फॉर द डिपार्टमेंट ऑफ मेडिकल एलीमेंटरी एंड टॉक्सिकोलॉजी, जामिया हमदर्द यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली; गुरूगोविंद सिंह मेडिकल कॉलेज, बाबा फरीद यूनिवर्सिटी, फरीदकोट, पंजाब की अनुसंधान सलाहकार समिति; एडिटोरियल बोर्ड ऑफ ओपन जर्नल ऑफ टोक्सिकोलॉजी एंड इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑस्टियोपोरोसिस एंड मेटाबोलिक डिसऑर्डर्स के सदस्य; ओरल ऑन्कोलॉजी, कैंसर इंवेस्टीगेशंस डीएनए एंड सेल बायोलॉजी, लाइफ साइंसेज, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इम्यूनोजेनेटिक्स, यूरोपियन जर्नल ऑफ ओरल साइंसेज, ह्यूमन इम्यूनोलॉजी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमन जेनेटिक्स, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कैंसर, जर्नल ऑफ ओरल पैथोलॉजी एंड मेडिसिन, पीएलओएस वन, कैंसर लेटर्स, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, और इंडियन जर्नल ऑफ कैंसर के समीक्षक; और विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों के लिए पीएच.डी परीक्षक।

9.8 सामुदायिक चिकित्सा केंद्र

आचार्य एवं अध्यक्ष

चंद्रकांत एस पाण्डव

आचार्य

शशि कांत
संजीव कुमार गुप्ता
किरण गोस्वामी
आनंद कृष्णन

अपर आचार्य

बेरीडेलाइन नोंग्कायरिह
पुनीत मिश्रा
संजय कुमार राय
वाई. एस. कुसुमा कुमारी

सहायक आचार्य

कपिल यादव
अनिल कुमार गोस्वामी
सुमित मल्होत्रा
पार्थ हल्दर
रवनीत कौर

पीएचएन पर्यवेक्षक

मर्सी जॉन

विशिष्टिताएं

केंद्र का मुख्य फोकस क्षेत्र इसके शहरी और ग्रामीण स्वास्थ्य कार्यक्रमों के माध्यम से व्यापक स्वास्थ्य सेवाओं के एक दोराने योग्य मॉडल के विकास पर रहा है। शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम दक्षिणपुरी एक्सटेंशन, अम्बेडकर नगर, नई दिल्ली में एक शहरी पुनर्वास कॉलोनी के लिए समुदाय आधारित स्वास्थ्य सेवाओं प्रदान करता है। यह हरियाणा राज्य सरकार और एम्स के बीच एक सहयोगी परियोजना के रूप में बल्लभगढ़ ब्लॉक, हरियाणा के फरीदाबाद जिले में स्थापित व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना (सीआरएचएसपी), बल्लभगढ़ जाना जाता है। एम्स में सीसीएम के रोग निवारण और प्रकोप रिस्पांस सेल (डीपीओआरसी) के लिए नोडल विभाग है। डीपीओआरसी का अधिदेश संचारी रोगों, उदाहरण के लिए डेंगू, मलेरिया, हिपेटाइटिस आदि पर एम्स के परिसर में रोकथाम और नियंत्रण करण है। सीसीएम में समुदाय आधारित एनसीडीपीसी में क्षमता विकास और अनुसंधान हेतु डब्ल्यूएसओ सहयोगात्मक केन्द्र स्थित है। इसमें एनसीडी जोखिम कारक सर्वेक्षणों (फोटो 1) के लिए डेटा विश्लेषण और रिपोर्ट लेखन पर दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसके द्वारा प्रथम एम्स – पीजीआई राष्ट्रीय पाठ्यक्रम स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, पीजीआई चंडीगढ़ के सहयोग से एनसीडी में जन स्वास्थ्य मार्गों पर आरंभ किया गया। भारत के 2006 के बाद से पांच उत्तरी राज्यों (बिहार, दिल्ली, झारखंड, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड) में एचआईवी प्रहरी निगरानी के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए सीसीएम के नोडल एजेंसी है। इसका आयोजन वार्षिक उत्तरी क्षेत्र क्षेत्रीय कार्यशाला में किया गया, जिसका उद्घाटन निदेशक, एम्स में किया (फोटो 2) विभाग ने प्रचालनात्मक अनुसंधान में स्वास्थ्य कार्मिकों का क्षमता निर्माण आरंभ किया, इसे स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा नोडल केन्द्र के रूप में चुना गया है।

एनसीडी जोखिम कारक सर्वेक्षणों के लिए डेटा विश्लेषण और रिपोर्ट लेखन पर दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय कार्यशाला का उद्घाटन (बाईं से दाईं ओर : प्रो. आनंद कृष्णन, प्रो. शशिकांत, डॉ. रोडरिक ऑफरिन, डब्ल्यूएचओ / एसईएआरओ)

एचआईवी सेंटिनल निगरानी के लिए वार्षिक उत्तरी क्षेत्र कार्यशाला में जारी सत्र

शिक्षा

विभाग द्वारा सक्रिय रूप से स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रम एवं इंटर्न के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। विभाग कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स के नर्सिंग छात्रों के प्रशिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

सेवाकालीन प्रशिक्षण

छात्रों को अध्यापन के अलावा एसडीएच में कार्यरत कर्मचारियों तथा पीएचसी के क्षेत्र कर्मचारियों के विभिन्न वर्गों के लिए आवधिक सेवाकालीन प्रशिक्षण आयोजित किए गए। 2014–15 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण इस प्रकार थे :

1. वार्ड में मानक प्रचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) पर नर्सिंग कर्मचारियों के लिए कुल 32 घण्टे का सेवाकालीन प्रशिक्षण आयोजित किया गया, प्रसव पूर्व और प्रसव पश्चात मामलों के प्रबंधन, संक्रमण पर नियंत्रण, कम्प्यूटर प्रोग्राम का बुनियादी ज्ञान, शिशु दूध प्रतिस्थापक (आईएमएस) अधिनियम, बाल अनुकूल अस्पताल प्रयास (बीएफएचआई), और संचार कौशल।
2. नर्सिंग कर्मचारियों और स्वास्थ्य कामगार क्षेत्र के लिए नवजात पुनर्जीवन कार्यक्रम पर कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स, नई दिल्ली के सहयोग से दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।
3. स्वच्छता कर्मचारियों के लिए जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन और सक्रमण नियंत्रण पर एक सत्र।
4. पीएचसी में आशा और स्वास्थ्य कामगारों के लिए मासिक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसमें शामिल विषय थे घरेलू आधारित प्रसव पश्चात देखभाल, प्रसव पूर्व देखभाल, उच्च जोखिम गर्भावस्था पर नजर, टीकाकरण, नवजात और बाल्यावस्था के रोगों का समेकित प्रबंधन, दस्त की पहचान और इलाज, जैव चिकित्सा अपशिष्ट और प्रबंधन, जनसंख्या की गणना, मृत्युदर और रोगदर सूचकांक तथा इसका महत्व और तपेदिक। वर्ष के दौरान कुल 96 घण्टे सेवाकालीन प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

सी एम ई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. 31 मार्च, 2014 से 6 अप्रैल, 2014 तक नई दिल्ली में पांच उत्तरी राज्यों (बिहार, झारखंड, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड) के लिए राष्ट्रीय एकीकृत जैविक और व्यवहार निगरानी (आईबीबीएस), प्रशिक्षक के प्रशिक्षण (टीओटी) कार्यशाला।
2. भारत के इन्फ्लुएंजा मृत्यु दर बोझ अनुमान के लिए राष्ट्रीय परामर्श, 5–6 मई 2014, नई दिल्ली
3. 10–11 से अक्तूबर 2014 तक फरीदाबाद में पांच उत्तरी राज्यों (बिहार झारखंड, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड) के लिए राष्ट्रीय एकीकृत जैविक और व्यवहार निगरानी (आईबीबीएस) पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण, टीओटी कार्यशाला
4. 11–12 दिसंबर 2014 तक फरीदाबाद में पांच उत्तरी राज्यों (बिहार, झारखंड, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड) के लिए एचआईवी प्रहरी निगरानी पर पूर्व निगरानी अभिविन्यास और योजना कार्यशाला
5. एनसीडी के लिए लोक स्वास्थ्य के प्रयास पर प्रथम एम्स पीजीआई राष्ट्रीय पाठ्यक्रम, 16 – 26 मार्च, 2015, चंडीगढ़

6. एम्स – स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) परिचालन अनुसंधान पर कार्यशाला (बुनियादी स्तर), 21–24 मार्च, 2015, नई दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान

चंद्रकांत एस. पांडव : 6 | **शशि कांत : 4** | **किरण गोस्वामी : 1**
आनंद कृष्णन : 10 | **पुनीत मिश्रा : 2** | **संजय राय : 6**
कपिल यादव : 8 | **अनिल कुमार गोस्वामी : 6** | **सुमित मल्होत्रा : 4**
पार्थ हल्दर : 4 | **रवनीत कौर : 3**

मौखिक शोध पत्र/ पोस्टर प्रस्तुति : 6

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. मानव संसाधन विकास की स्वास्थ्य अनुसंधान योजना – प्रचालनात्मक अनुसंधान, सुमित मल्होत्रा, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, एमओएचईडब्ल्यू, भारत सरकार, 1 वर्ष 2015, 16 लाख रुपए।
2. उत्तरी भारत ग्रामीण के वयस्कों में अपवर्तक त्रुटियों, प्रेसबायोपिया और स्पेक्टल कवरेज पर जनसंख्या आधारित अध्ययन, सुमित मल्होत्रा, एम्स, 2 वर्ष, 2013–15, 4.44 लाख रुपए।
3. चरण 3, अवलोकनकर्ता के बिना, यादृच्छिक, बहुदेश, गैर इंफ्लुएंजा टीका तुलनात्मक – नियंत्रित अध्ययन द्वारा ग्लेक्सो स्मिथ क्लाइन जैविक क्वाड्रिवेलेंट मौसमी इंफ्लुएंजा प्रत्याशी टीका जीएसके2321138ए (फ्लु डी – क्यूआईवी) जिसे 6–35 माह की उम्र के स्वस्थ बच्चों में इंट्रा मस्कुलर मार्ग से दिया जाता है, शशिकांत, ग्लेक्सो स्मिथ क्लाइन फार्मास्युटिकल्स लि., 1.6 वर्ष, 2014–15, 50.9 लाख रुपए
4. गर्भवती महिलाओं के बीच उपचार पालन और लोहे की स्थिति के बारे में कैप्सूल सूत्रीकरण बनाम आयरन और फोलिक एसिड टेबलेट का प्रभाव : एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, शशि कांत, सेंट जॉन रिसर्च इंस्टीट्यूट, बैंगलोर, भारत, 1 वर्ष, 2014–15, 2.7 लाख रुपए।
5. राष्ट्रीय आयोडीन की कमी से विकार और नमक की मात्रा का सर्वेक्षण, कपिल यादव, नेशनल कोलिएशन फॉर ऑप्टिमल आयोडीन इनटेक एण्ड गेन, 1 वर्ष, 2014–15, 54 लाख रुपए।
6. प्रवास, गतिशीलता और प्रसव पूर्व देखभाल : दिल्ली में प्रवासी गर्भवती महिलाओं के बीच प्रसव पूर्व देखभाल सेवाओं की कवरेज और उपयोग में सुधार करने के लिए प्रमुख तत्वों की पहचान करने के लिए एक खोजपूर्ण अध्ययन, वाय. एस. कुसुमा, डीएसटी, 1 वर्ष, 2014–15, 14 लाख रुपए
7. विटामिन डी की पूरकता का उपयोग करने वाली प्रीडायबिटीज़ वाली महिलाओं में टाइप 2 डायबिटिस का निवारण तथा उत्तर भारत में जीवनशैली इंटरवेंशन, पुनीत मिश्रा, डी एस टी, 3 वर्ष, 2012–15, 58 लाख रुपए।
8. बल्लभगढ़ के एक ग्रामीण समुदाय के मधुमेह रोगियों में जटिलताओं की व्यापकता और संबद्ध जोखिम वाले कारक, पुनीत मिश्रा, एम्स, 1 वर्ष, 2014–15, 5 लाख रुपए।
9. चरण 3 अध्ययन द्वारा एक जीवित उदासीन बनाए गए टेट्रावेलेंट (जी1 – जी4) बोवाइन – मानव रेसॉर्टेंट रोटावायरस टीका (बीआरवी – टीवी) के ऑल इन वन तरल सूत्रण की प्रतिरक्षी गैर न्यूनता और निरापदता का मूल्यांकन करते हुए लाइसेंस प्राप्त टीका रोटा टैक को भारतीय शिशुओं में आयु के अनुसार संस्तुत अन्य नियमित टीकों को साथ तीन खुराकों की श्रश्ंखला के रूप में देना, पुनीत मिश्रा, शांता बायोटेक, 1 वर्ष, 2014–15, 34 लाख रुपए।
10. भारत में बच्चों एवं वयस्क व्यक्तियों में तीव्र श्वसन पथ संक्रमण में श्वसन विकृति जीनों का जानपदिक रोग विज्ञानात्मक अध्ययन, आनंद कृष्णन, सी डी सी अटलांटा, 5 वर्ष, 2011–16, 25 करोड़ रुपए।
11. दिल्ली के एक पुनर्वास कॉलोनी में बुजुर्ग लोगों के बीच में गैर संचारी रोगों (एनसीडी), अनिल कुमार गोस्वामी, एम्स, 1 वर्ष, 2014–15, 5 लाख रुपए।
12. भारत के चार न्यायालय में (सीओपीटीए अधिनियम के तहत) सार्वजनिक स्थानों में धूम्रपान के निषेध के अनुपालन की निगरानी, संजय के राय, आईयूएटीएलडी (संघ), 1 वर्ष, 2013–14, 2.28 लाख रुपए।

पूर्ण

1. ग्रामीण भारत हेतु नवजात स्वास्थ्य उपचार सेवा प्रसूति मॉडल का विकास, आनंद कृष्णन, यूनीसेफ, भारत, 4.5 वर्ष, 2011–15, 1.8 करोड़ रुपए।
2. भारत गणराज्य में उभरते हुए संक्रामक रोग : इन्फ्लुएंजा बीमारी का बोझ, संजय के राय, रोग नियंत्रण केन्द्र (सीडीसी), अटलांटा, यूएसए, 6 वर्ष, 2009–2014, 2.07 करोड़ रुपए।
3. दिल्ली के प्राथमिक स्कूल के बच्चों में आयरन की स्थिति में सुधार लाने में आयरन फोर्टीफाइड बिस्कुट के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक पोषण हस्तक्षेप का अध्ययन, एम जी कर्माकर कपिल यादव, ईडीएमसी, बीएनएफ, 2 वर्ष, 2011–14, 22 लाख रुपए।
4. प्रवास, निर्धनता एवं स्वास्थ्य उपचार हेतु पहुंच : दिल्ली में लोगों की पहुंच तथा स्वास्थ्य पद्धति की प्रतिक्रिया पर अध्ययन, वाय. एस. कुसुमा, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2011–14, 48 लाख रुपए

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. ग्रामीण बल्लभगढ़, हरियाणा, भारत में किशोरों के बीच चिंता विकार।
2. ग्रामीण उत्तर भारत में न्यूरल ट्यूब दोषों की घटना।
3. हरियाणा के एक ग्रामीण समुदाय में गर्भावस्था का अपव्यय।
4. हरियाणा की एक ग्रामीण आबादी में गर्भावस्था के दौरान लोहे की पूरकता का प्रत्यक्ष रूप से पर्यवेक्षण : एक याद्दच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
5. दिल्ली के वृद्धाश्रम की सुविधा का आकलन और उनमें रहने वाले बुजुर्ग व्यक्तियों के बीच में चयनित पुरानी स्थिति पर एक अध्ययन।
6. श्वसन वायरस के कारण भारत में मृत्यु बोझ का आकलन : इन्फ्लुएंजा और श्वसन सिंसिशियल वायरस।
7. हरियाणा की एक ग्रामीण आबादी में गर्भावस्था के दौरान लोहे की पूरकता का प्रत्यक्ष रूप से पर्यवेक्षण का प्रभाव : एक याद्दच्छिक नियंत्रण परीक्षण
8. दिल्ली, भारत की शहरी आबादी पुनर्वास में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल उपयोग पैटर्न
9. जिला फरीदाबाद, हरियाणा के चयनित माध्यमिक स्तर सरकारी अस्पतालों में प्रसवोत्तर महिलाओं के बीच अस्पताल सेवाओं के बारे में कथित संतोष।
10. सीआरएचएसप – एम्स, बल्लभगढ़ के ग्रामीण आबादी वाले वयस्क के बीच अंगदान में ज्ञान और बाधाओं का एक अध्ययन।
11. दिल्ली, भारत में एक शहरी पुनर्वास कॉलोनी में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं का उपयोग।
12. दक्षिणपुरी एक्सटेंशन, नई दिल्ली में पूर्व स्कूली बच्चों के आहार का पैटर्न
13. हरियाणा के एक ग्रामीण इलाके में बुजुर्ग व्यक्तियों के बीच गिरने का एक अध्ययन
14. भारत में पांच साल से कम उम्र के बच्चों के इन्फ्लुएंजा टीकाकरण के आर्थिक मूल्यांकन

पूर्ण

1. जिला फरीदाबाद, हरियाणा के चयनित माध्यमिक स्तर सरकारी अस्पतालों में प्रसवोत्तर महिलाओं के बीच अस्पताल सेवाओं के बारे में कथित संतोष।
2. बल्लभगढ़, हरियाणा, भारत के एक ग्रामीण समुदाय में इंटेरोबैक्टीरिया का उत्पादन करने वाले स्पेक्ट्रम बीटा लेक्टेमस के विस्तारित मूत्र कैरिज की व्यापकता।
3. बल्लभगढ़, हरियाणा के एक ग्रामीण समुदाय में और रहने वाले गर्भवती महिलाओं के बीच आहार कैल्शियम का सेवन, सीरम कैल्शियम स्तर।
4. जिला फरीदाबाद, हरियाणा में घर आधारित प्रसव के बाद देखभाल का मूल्यांकन।
5. ग्रामीण उत्तरी भारत के वयस्क पुरुषों के बीच यौन स्वास्थ्य समस्याएं : हस्तक्षेप के लिए सामुदायिक स्तर पर आवश्यकताएं।
6. ग्राम बल्लभगढ़, हरियाणा में प्रसव देखभाल सेवाओं की लागत का वर्णनात्मक अध्ययन।
7. सीआरएचएसपी बल्लभगढ़, हरियाणा, भारत में एक एनसीडी क्लिनिक की लागत का वर्णनात्मक अध्ययन।

8. व्यवहार से संबंधित एनसीडी पर पर्यावरणीय कारकों और उनके प्रभाव के समुदाय का लेखा परीक्षा।
9. बल्लभगढ़, हरियाणा के ग्रामीण समुदाय में रहने वाली गर्भवती महिलाओं में डायटरी कैल्शियम लेना एवं सीरम कैल्शियम स्तर।
10. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में डेस्क जॉब कार्यकर्ताओं में कार्य से संबंधित गर्दन के दर्द की व्याप्तता।
11. चित्तूर जिला, आंध्र प्रदेश के मदनपल्ली मंडल में रहने वाले सुगाली जनजाति के पांच साले से कम उम्र के बच्चों में चुनी गई रुग्णता और जुड़े व्यवहार का प्रसार।
12. बल्लभगढ़, हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्र में बुजुर्ग व्यक्तियों के बीच तनाव पर अध्ययन।
13. नई दिल्ली में शहरी पुनर्वास कॉलोनी में बाल्यावस्था की क्षतियों का सामुदायिक आधारित अध्ययन
14. फरीदाबाद में महिला फैक्टरी कर्मचारियों में यौन उच्च जोखिम व्यवहार का आकलन।
15. दिल्ली के तृतीयक देखभाल अस्पताल में एचआईवी देखभाल के लिए बाल चिकित्सा ओपीडी में भाग लेने के बच्चों की जरूरतों के आकलन पर एक अध्ययन।

सहयोग परियोजनाएं

जारी

1. दिल्ली की शहरी झुग्गियों में सामान्य नेत्र स्थितियों के संबंध में जागरूकता एवं स्वास्थ्य संबंधी प्रथाओं पर अध्ययन, सामुदायिक नेत्र रोग विज्ञान विभाग।
2. दिल्ली में माध्यमिक स्कूलों के छात्रों के बीच कोहरेंस और स्पेक्टल्स कम्प्लाएंस के ज्ञान का अध्ययन, सामुदायिक नेत्र रोग विज्ञान विभाग।
3. राष्ट्रीय ट्रेकोमा सर्वेक्षण – त्वरित मूल्यांकन और प्रसार अध्ययन, सामुदायिक नेत्र रोग विज्ञान विभाग
4. वेदारण्याम, भारत में नमक उत्पादन में कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं के बीच स्वास्थ्य स्थिति और व्यावसायिक स्वास्थ्य खतरों का मूल्यांकन, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, जेआईपीएमईआर
5. ''मधुमेह वाले रोगियों के पैरों की देखभाल में शिक्षा के क्षेत्र में एक ऑडियो – विजुअल डिस्प्ले की उपयोगिता'', अंतःस्राविकी विभाग
6. दिल्ली एनसीआर, कॉलेज ऑफ नर्सिंग एम्स में चयनित ग्रामीण और शहरी समुदाय में रहने वाले अभिभावकों के बीच बच्चों के देखभाल और संरक्षण के बारे में विचार, व्यवहार और तौर–तरीकों का आकलन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन
7. देश के चयनित जिलों में जले हुए रोगियों की स्थितिजन्य विश्लेषण, जेपीएन ट्रॉमा सेंटर

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 79 **पुस्तकों में अध्याय : 7** **पुस्तकें : 2**

रोगी उपचार

सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र में दो व्यापक क्षेत्र – ग्रामीण (व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना, बल्लभगढ़) और शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम में रोगी देखभाल सेवाएं हैं। इसके अलावा, इसके ग्रामीण घटक के तहत यह व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान भी करता है।

सारांश

सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ (सीआरएचएसपी सिविल अस्पताल और दो पीएचसी) ने निम्नलिखित रोगी देखभाल सेवाएं प्रदान की हैं :

सेवाएं	रोगी
ओपीडी सेवाएं रोगी	3,34,279 रोगी
आंतरिक सेवाएं	10,807 रोगी
आपातकालीन सेवाए	55,398 रोगी
ंशल्य चिकित्सा	2789 (934 बड़ी और 1855 छोटी)
प्रसव	4515

शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम (यूएचपी) के तहत, टीकाकरण सहित कुल 27,656 रोगियों को देखा गया :

1. व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना, बल्लभगढ़

व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना (सीआरएचएसपी), बल्लभगढ़, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र का ग्रामीण स्कंध है। यह एक उप जिला अस्पताल (एसडीएच) और दयालपुर में दो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) और छैन्सा में शामिल हैं। इसका इंटेंसिव फील्ड अभ्यास क्षेत्र 12 उप केन्द्रों और दो पीएचसी के एक नेटवर्क के माध्यम से 95,387 की आबादी को पूरा करता है। सीआरएचएसपी के मिशन, बल्लभगढ़ ग्रामीण परिवेश में शिक्षण उपक्रम, अनुसंधान और रोगी देखभाल द्वारा सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त की है। दो श्रेणियों के तहत सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में रोगी देखभाल का वर्णन किया गया है।

क. एसडीएच, बल्लभगढ़ में रोगी देखभाल सेवाएं प्रदान की गई और

ख. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में रोगी देखभाल सेवाएं प्रदान की गई

क. एसडीएच, बल्लभगढ़ में रोगी देखभाल सेवाएं प्रदान की गई :

बाह्य रोगी विभाग :

दैनिक	विभाग / अनुसूची
• सामान्य दवा	• गैर संक्रामक रोग क्लिनिक
• सामान्य शल्य चिकित्सा	• शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास (पीएमआर)
• बाल चिकित्सा	• बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सा
• प्रसूति एवं स्त्री रोग	• त्वचा विज्ञान
• नेत्र विज्ञान	• अस्थि रोग
• मनोरोग	• एक सप्ताह में तीन बार
• दंत चिकित्सा	• प्रसव पूर्व क्लिनिक
• आयुष (होमियोपैथी)	• एक सप्ताह में दो बार
• आयुष (आयुर्वेद)	• कान, नाक और गला

1. कुल बाह्य रोगी

• कुल बाह्य रोगी (नए और पुराने)	264,994
• कुल नए ओपीडी रोगी (प्रतिशत)	138,748 (52.4%)
• चिकित्सा	91,542
• बाल चिकित्सा	61,995
• प्रसूति एवं स्त्री रोग	21,717
• प्रसव पूर्व देखभाल क्लिनिक पंजीकरण, कुल दौरे	16,291
• नेत्र विज्ञान	11,413
• शल्य चिकित्सा	10,923
• ईएनटी	9,010
• दंत चिकित्सा	9,008
• शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास	7,877
• गैर–संक्रामक रोग क्लिनिक	6,034
• त्वचा विज्ञान	5,548
• आयुष (होमियोपैथी और आयुर्वेद)	7,743
• अस्थि रोग	2,565

2. कुल आंतरिक रोगी सेवाएं (बिस्तरों की कुल संख्या : 50)

क. कुल प्रवेश (जन्म सहित)	9,564
• दुर्घटना के माध्यम से प्रवेश	4,053
• ओपीडी के माध्यम से प्रवेश	2,130
• नवजात शिशुओं का प्रवेश (जन्म)	3,381
ख. कुल प्रवेश (जन्म सहित)	
• प्रसूति एवं स्त्री रोग	4,715
• बाल रोग	3,611
• नेत्र विज्ञान	541
• शल्य चिकित्सा	464
• चिकित्सा	128
• ईएनटी	100
• पीएमआर	5
ग. भर्ती होने की औसत दर (प्रतिशत)	134.7%
घ. आयोजित कुल प्रसव (आईयूडी सहित)	3,420
ड. सभी रोगियों के लिए रहने की औसत अवधि (दिनों में)	2.57

दुर्घटना सेवा		
1.	पंजीकृत रोगी	48,399
2.	मेडिको–लीगल मामले	4,520
3.	आपातकालीन प्रवेश	2,391

3. अन्य नैदानिक सेवाएं :

प्रयोगशाला और नैदानिक सेवाएं	
क. प्रयोगशाला जांच (बायोकैम और हिमेटो)	188,602
ख. एक्स–रे	16,827
ग. अल्ट्रासोनोग्रामी	7,128
घ. मलेरिया स्लाइड	4,051
• पी. विवैक्स	2
• पी. फाल्सीपेरम	शून्य
ड. एचआईवी के लिए परामर्श और परीक्षण सेवाएं प्रदान की	5,605

	कुल शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं	
1.	सामान्य शल्य चिकित्सा	745
2.	प्रसूति एवं स्त्री रोग	909
3.	नेत्र विज्ञान	487
4.	बाल रोग सर्जरी	508
5.	ईएनटी	114
6.	पीएमआर	26
	कुल	**2,789**

संशोधित राष्ट्रीय तपेदिक नियंत्रण कार्यक्रम : बल्लभगढ़ अस्पताल संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत एक क्षय रोग इकाई (टीयू) है। चार नामित माइक्रोस्कोपी सेंटर (डीएमसी) इस इकाई के अधीन हैं। 1 अप्रैल 2014 से 31 मार्च 2015 को बल्लभगढ़ अस्पताल में कुल तपेदिक के मामलों का इलाज किया गया :

रोगी संख्या	**बल्लभगढ़ टीयू**	**पीएचसी छैन्सा**	**पीएचसी दयालपुर**	**कुल**
कुल मामले	613	67	61	741
क. नए मामले	432	48	44	524
ख. पुराने मामले	181	19	17	217

इंटेंसिव फील्ड अभ्यास क्षेत्र में क्लिनिकल सेवाएं :

	बाह्य रोगी सेवाएं				
पीएचसी	**नए मामले**	**फॉलोअप मामले**	**कुल**	**आंतरिक रोगी सेवाएं**	**आपातकालीन सेवाएं**
दयालपुर	20,276	23,003	43,279	570	3,688
छैन्सा	14,325	11,671	25,996	673	3,311
कुल	**34,601**	**34,674**	**69,275**	**12,43**	**6,999**

आउटरीच विशेषज्ञ ओपीडी	**पीएचसी छैन्सा**	**पीएचसी दयालपुर**
गायनेकोलॉजी	724	636
पीडियाट्रिक्स	751	492
ऑफ्थेल्मोलॉजी	237	739
साइकियाट्री	373	233
कुल	**2,085**	**2,100**

पीएचसी छैन्सा में 105 व्यक्तियों और पीएचसी दयालपुर में 406 व्यक्तियों के लिए एंटी रेबीज़ टीकाकरण प्रदान किया गया था।

सामुदायिक सेवाएं : ये राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के दिशानिर्देशों के अनुसार प्रदान किए जाते हैं। मातृ शिशु स्वास्थ्य के मुख्य संकेतक है

संकेतक	संख्या
कुल जनसंख्या	95,387
प्रति 1000 जनसंख्या जन्म दर	20.2
प्रति 1000 जनसंख्या मृत्यु दर	6.7
प्रति 1000 जीवित जन्म शिशु मृत्यु दर	33.2
5 साल से कम उम्र पर मृत्यु प्रति 1000 जीवित जन्म दर	46.8
कुल प्रसव पूर्व पंजीकरण	2,293
पंजीकृत मामलों का सम्पूर्ण टीटी कवरेज (प्रतिशत)	90
संस्थागत प्रसव पीएचसी छैन्सा का प्रतिशत	96.2
संस्थागत प्रसव पीएचसी दयालपुर का प्रतिशत	93.5
डिलीवरी हट्स पीएचसी छैन्सा का प्रतिशत	625
डिलीवरी हट्स पीएचसी दयालपुर का प्रतिशत	470
प्रसवोत्तर डाले गए आईयूसीडी	360

राष्ट्रीय वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम : मुख्य संकेतक :

संकेतक	पीएचसी छैन्सा	पीएचसी दयालपुर
मलेरिया स्लाइड की कुल संख्या का परीक्षण किया	5039	9361
सकारात्मक मामलों की कुल संख्या	7	10
वार्षिक परजीवी घटना (एपीआई)	0.14/1000 आबादी	0.21/1000 आबादी
वार्षिक परीक्षा रक्त दर (एबीईआर)	10.5%	19.9%
स्लाइड धनात्मकता दर (एसपीआर)	0.14%	0.11%

वित्तीय वर्ष 2014–2015 के दौरान किए गए प्रयास :

1. **खून की कमी वाली गर्भवती महिलाओं के लिए पेरेंटल आयरन सुक्रोस देना :** गर्भवती महिलाओं के लिए इंट्रावेनस मार्ग से सुक्रोस देना एक विशेष प्रयास के रूप में शुरू किया गया था ताकि गर्भावस्था के दौरान एनीमिया के उच्च भार से निपटा जा सके। महिलाओं पर गांवों के नियमित प्रसव पूर्व क्लिनिक से नजर रखी गई और उन्हें राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के दिशानिर्देशों में संस्तुत खुराक के अनुसार इंट्रावेनस आयरन सुक्रोस देने के लिए पीएचसी भेजा गया। इन रोगियों के साथ स्वास्थ्य कार्मिकों और आशा द्वारा टेलीफोन पर नियमित रूप से बात की गई तथा उनको इसकी उपयोगिता तथा अनुवर्तन में सुधार लाने के लिए कहा गया। कुल 603 गर्भवती महिलाओं को वर्ष के दौरान इंट्रावेनस सुक्रोस आयरन इंजेक्शन दिया गया।

2. **उच्च जोखिम गर्भावस्था का पता लगाना :** आईएफपीए के प्रत्येक गांव में प्रसव पूर्व क्लिनिक चलाए जाते हैं। इन क्लिनिकों के दौरान चुनी गई सभी उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं के लिए एक ट्रेकिंग प्रणाली की शुरूआत की गई और इसे 2014–15 में आरंभ किया गया। उच्च जोखिम गर्भावस्था की विवरण सीआरएचएसपी द्वारा विकसित एक सॉफ्टवेयर में डाले गए और एक कार्य योजना तैयार की गई। स्वास्थ्य कामगारों में इस कार्य योजना को अनुसूचित रूप से प्रत्येक घर जाने के दौरान कार्रवाई करने के साथ इस पर नजर रखी। कुल 998 उच्च जोखिम गर्भावस्थाओं का पता लगाया गया और वर्ष के दौरान उन पर नजर रखी गई।

3. शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम

दक्षिण दिल्ली के दक्षिण पुरी एक्सटेंशन, डॉ. अम्बेडकर नगर में स्थित शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम के **फील्ड प्रैक्टिस एरिया** के सामुदायिक केन्द्र में ब्लॉक 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 14, 15, और 19 में और सुभाष कैंप, दक्षिणपुरी की 35,363 की आबादी को सेवा प्रदान की जाती है। शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम में स्वास्थ्य उपचार सेवाएं प्रदान की जाती हैं। शहरी स्वास्थ्य केंद्र में रोगी देखभाल सेवाएं भी प्रदान की जाती हैं।

	गतिविधियां	संख्या
ओपीडी	देखे गए रोगियों की कुल संख्या (प्रतिरक्षण सहित)	27656
	कुल रेफरल की सं.	1400
प्रतिरक्षण	0 खुराक ओ पी वी	45
	बी सी जी	89
	डी पी टी 1	6
	डी पी टी 2	12
	डी पी टी 3	19
	ओ पी वी 1	250
	ओ पी वी 2	266
	ओ पी वी 3	263
	डी पी टी बूस्टर + ओपीवी बूस्टर	421
	खसरा	325
	एम एम आर	343
	टी टी 1 (ए एन सी)	130
	टी टी 2 या बूस्टर (ए एन सी)	134
	हिपेटाइटिस 1	12
	हिपेटाइटिस 2	22
	हिपेटाइटिस 3	26
	पेंटावेलेंट 1	244
	पेंटावेलेंट 2	254
	पेंटावेलेंट 3	244
	टायफाइड	705
	आरटी / एसटीआई उपचारित के कुल मामले	288
	आयरन और गोलियां वितरित (वयस्क)	61250
	आयरन और गोलियां वितरित (बाल)	21500
परिवार नियोजन	वितरित कंडोम की संख्या	2730
	वितरित मौखिक गर्भनिरोधक गोली चक्र की संख्या	99
प्रयोगशाला सेवाएं	मलेरिया के लिए तीव्र परीक्षण	128
	हीमोग्लोबिन	1142
	मूत्र (एल्बुमिन और चीनी)	29
	रक्त शर्करा /ब्लड शुगर	1129
0–5 वर्ष के बच्चों में रुग्णता	दस्त और निर्जलीकरण	260
	यूएचसी और दिए गए उपचार में श्वसन संक्रमण	1727

स्वास्थ्य शिक्षा गतिविधियां

तिथि	गतिविधियां
09.04.2014	राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केन्द्र, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश के सहयोग से **''तम्बाकू नियंत्रण''** पर एक प्रदर्शनी का आयोजन कियां गया
26.04.2014. – 27.04.2014	जेएलएन ऑडिटोरियम एम्स में 26 और 27 अप्रैल को स्टूडेंट्स यूनियन 2014–15 द्वारा आयोजित **"मेडिकल एक्ज़ीबिशन कैटालिस्ट"** में भाग लिया। **मेनिनजाइटिस, टी. बी, रोगवाहक जनित रोग, तम्बाकू, दस्त, धूम्रपान, और मोटापे पर 35 पोस्टर** प्रदर्शित किए गए
26.05.2014 25.06.2014	**''विश्व तम्बाकू निषेध दिवस''** 2014 की शाम को एक माह के लिए आरएके ओपीडी, एम्स में **''तम्बाकू और इसके दुष्परिणाम''** (12 पोस्टर) पर एक प्रदर्शनी प्रदर्शित की गई थी
13.06.2014– 30.10.2014	एम्स परिसर के बाल रोग चिकित्सा ओपीडी, बाल रोग चिकित्सा आपातकालीन वार्ड, नए और पुराने निजी वार्ड, लिफ्ट क्षेत्र, केंद्रीय प्रवेश ब्लॉक, जेनेरिक फार्मेसी काउंटर, और विभिन्न अन्य सामान्य स्थलों में **''डेंगू और मलेरिया''** पोस्टर प्रदर्शित किए गए
06.07.2014 – 21.07.2014	शहरी स्वास्थ्य केंद्र दक्षिणपुरी एक्सटेंशन, नई दिल्ली में **''परिवार नियोजन और जनसंख्या की समस्याएं''** पर पोस्टर प्रदर्शित किए गए
15.07.2014	एमबीबीएस 2014 छात्रों के नए बैच के लिए एक **''एनएसएस अभिविन्यास कार्यक्रम''** आयोजित किया गया था
16.07.2014	हिंदी में **''रोगवाहक जनित रोग''** (संक्षिप्त संदेश) और स्वास्थ्य परिभाषा पर 10 पोस्टर तैयार किए गए
01.08.2014	डॉ भीम राव अम्बेडकर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय से बीए (सामाजिक कार्य) के छात्रों के लिए एक **''अभिविन्यास कार्यक्रम''** का आयोजन किया गया था।
01.09.2014	ब्लॉक नं 16 और 17 दक्षिणपुरी एक्सटेंशन में परिवार स्वास्थ्य सलाहकार योजना हस्तक्षेप (बैच ।।) के तहत **''डायरिया, शराब और तंबाकू के सेवन''** पर चार **रोल प्ले** का आयोजन किया गया
01.09.2014	शहरी स्वास्थ्य केंद्र, दक्षिणपुरी एक्सटेंशन, नई दिल्ली में एक गैर सरकारी संगठन ''एल्कोहल एनॉनिमस'' के सहयोग के साथ **''शराब की रोकथाम''** पर **''हस्तक्षेप कार्यक्रम''** का आयोजन किया
08.09.2014	ब्लॉक नं 14 और 15 दक्षिणपुरी एक्सटेंशन में परिवार स्वास्थ्य सलाहकार योजना हस्तक्षेप (बैच 2) के तहत **''बीपीएल राशन, शराब और तंबाकू और जनसंख्या समस्या और रोगों पर इसके प्रभाव''** पर चार **रोल प्ले** का आयोजन किया गया
17.09.2014	एम्स परिसर में विभिन्न स्थलों पर **''रोगवाहक जनित रोग''** पर 20 बैनर प्रदर्शित किए गए
24.09.2014 – 27.09.2014	स्वास्थ्य परिभाषा, डेंगू (2), मलेरिया (2), रोगवाहक जनित स्वास्थ्य संदेश (3), और इबोला (हिन्दी में 2 और अंग्रेजी में 2) पर 12 पोस्टर के साथ **59वां संस्थान दिवसीय प्रदर्शनी 2014** में भाग लियाप्रदर्शनी के दौरान आगंतुकों के लिए लगभग 1,000 डेंगू व मलेरिया और चिकनगुनिया पुस्तिकाएं वितरित की गईं
01.10.2014	लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली में ''विश्व हृदय दिवस'' समारोह के लिए एक सीएमई में भाग लिया
31.10.2014	व्याख्यान आयोजित करने और नुक्कड़ नाटक, झण्डे फहराने के समारोह द्वारा 31.10.2014 को ''विकासशील स्वस्थ भारत अभियान'' राष्ट्रव्यापी पर **एम्स, हील फाउंडेशन और ग्लेनमार्क** द्वारा शुभारंभ किया
16.12.2014 – 17.12.2014	पीएचसी छैन्सा, सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में एक **''खाद्य एवं पोषण प्रदर्शनी स्वास्थ्य परिसर''** का आयोजन किया गया था
26.12.2014 – 27.12.2014	शहरी स्वास्थ्य केन्द्र, दक्षिणपुरी, नई दिल्ली में एक **''खाद्य एवं पोषण प्रदर्शनी परिसर''** का आयोजन किया गया था
06.01.2015 – 07.01.2015	पीएचसी दयालपुर, सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में एक **''खाद्य एवं पोषण प्रदर्शनी परिसर''** का आयोजन किया गया था
06.01.2015	एम्स में 25 प्रमुख स्थानों पर ''**कोल्ड वेव एण्ड स्वाइन फ्लु**'' पर पोस्टर प्रदर्शित किए गए

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र द्वारा कार्यक्रम की मेजबानी में पुस्तक का शुभारंभ : शीर्षक ''चिकित्सा व्यवसाय से अंतरात्मा की आवाज'' पुस्तक के शुभारंभ सीएटीएचआई – सीईएचटीआई की मेजबानी के साथ सहयोग में सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र। डॉ अरुण गादरे और डॉ अभय शुक्ला द्वारा पुस्तक लिखी गई; 26 फरवरी 2015 को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य – श्री एस सी सिन्हा द्वारा जारी किया गया था। दिल्ली से और दिल्ली से बाहर एम्स और बड़े चिकित्सा और स्वास्थ्य समुदाय से 200 से अधिक प्रतिभागियों ने समारोह में भाग लिया था।

सुश्री मेनका गांधी, माननीय महिला एवं बाल विकास मंत्री द्वारा समुदाय आधारित "पोषण प्रदर्शनी" का उद्‌घाटन किया : 16 दिसंबर 2014 से 7 जनवरी, 2015 तक दयालपुर, चेनासॉ और डॉ अम्बेडकर नगर में ''जीवन पाठ्‌यक्रम दृष्टिकोण के माध्यम से स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए प्रदर्शनी सह–प्रदर्शन सत्र'' आयोजित किया गया। 16 दिसंबर 2014 से 7 जनवरी 2015 तक विश्व स्वास्थ्य संगठन, खाद्य एवं पोषण बोर्ड, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और सामुदायिक चिकित्सा केंद्र के सहयोग से प्रदर्शनी आयोजित की गई थी। कार्यक्रम में सामुदायिक चिकित्सा केंद्र के सक्रिय रूप से ग्रामीण और शहरी क्षेत्र अभ्यास क्षेत्र के समुदाय ने भाग लिया।

प्रोफेसर चंद्रकांत एस पांडव को चिकित्सा अनुसंधान स्नातकोत्तर संस्थान, चंडीगढ़ के संस्थान निकाय सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया था; महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय पोषण मिशन पर सलाहकार समिति के सदस्य; कुपोषण और खाद्य एवं पोषण बोर्ड, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार की भूमिका पर सलाहकार समिति के सदस्य; ''रोग निवारण और प्रकोप प्रतिक्रिया सेल (डीपीओआरसी)'' एम्स, नई दिल्ली के समिति के अध्यक्ष; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के तकनीकी संसाधन समूह के सदस्य; भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण, (भारतीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय), भारत सरकार द्वारा खाद्य संपुष्टिकरण के लिए विनियम और दिशानिर्देश के विकास हेतु विशेषज्ञ समूह के सदस्य; वर्ष 2014–15 के दौरान जालंधर, पंजाब, बैंगलोर, केरल, तिरुवनंतपुरम, पुणे, मेडिकेरी, मैसूर में गैर–संक्रामक रोग (एनसीडी) पर स्वास्थ्य जागरूकता और स्वास्थ्य संवर्धन परिसर में भाग लिया और आयोजन किया; 22 – 23 सितंबर, 2015 को विज्ञान भवन में कुपोषण पर राष्ट्रीय परामर्श में सत्र की अध्यक्षता की; 29 सितंबर, 2015 को एम्स में डब्ल्यूएचओ – एसईएआरओ द्वारा सोडियम और नमक में कमी पर क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

प्रोफेसर शशि कांत ने एनआईएमएस (दिल्ली) के एथिक्स समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया; दो वर्षों की अवधि के लिए आईआईएचएमआर (जयपुर) के संस्थागत समीक्षा बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया गया था; एचआईवी निगरानी और राष्ट्रीय एड्‌स नियंत्रण संगठन के आकलन पर तकनीकी संसाधन समूह के सदस्य थे; उसकी योग्यता के अनुसार राष्ट्रीय एड्‌स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार के लिए तकनीकी संसाधन समूह के सदस्य के रूप में अनुसंधान और विकास पर प्रस्तुत किए गए अनुसंधान परियोजना प्रस्तावों की समीक्षा की; लखनऊ में फरवरी 2015 को आईएपीएसएम वार्षिक सम्मेलन में दो वैज्ञानिक सत्रों की अध्यक्षता की।

प्रोफेसर संजीव गुप्ता संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत एम्स की कोर समिति के एक सदस्य; कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं की समीक्षक थे।

आचार्य किरण गोस्वामी एचआईवी प्रहरी निगरानी के लिए एम्स में केंद्रीय क्षेत्रीय संस्थान के सदस्य थी; आईबीएस के लिए प्रशिक्षक के प्रशिक्षण राष्ट्रीय (18–23 मार्च 2014), प्रशिक्षकों के क्षेत्रीय प्रशिक्षण, आईबीएस (31 / 3–6 / 4/14), क्षेत्र के प्रशिक्षकों के पुनश्चर्या प्रशिक्षण (आईबीबीएसद्ध 10/10/14 – 11/10/14 और पूर्व निगरानी एचएसएस कार्यशाला 2015 (11–12 / 12/14) में भाग लिया; मृत शरीर की निकासी के लिए दिशानिर्देश के विकास के लिए सदस्यीय विशेषज्ञ समूह (डीजीएचएस), सितंबर 2014; भारत, आईएनसीएलईएन में बचपन के निमोनिया के कारण सार्वजनिक स्वास्थ्य के महत्व को बल देने के लिए अनुसंधान कार्यक्रम हेतु परियोजना मूल्यांकन के लिए तकनीकी सलाहकार; 4/4/2014, 10/7/14 और 25/9/14 को ऑल इंडिया रेडियो, दिल्ली में परिवार कल्याण कार्यक्रम परामर्श समिति में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया; 1/9/14 से 5/9/14 तक यूपीएससी में संयुक्त चिकित्सा सेवा परीक्षा 2014 के लिए पीटी बोर्ड में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया; मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, दिल्ली (24–29 नवम्बर 2014), सरकारी मेडिकल कॉलेज, चंडीगढ़ 8/12/14 – 9/12/14, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और यूसीएमएस, दिल्ली (28/1/15 – 1/2/15) और शारदा विश्वविद्यालय (18–20 मार्च 2015) में सामुदायिक चिकित्सा के एमबीबीएस व्यावसायिक परीक्षाओं के लिए परीक्षक; एनआईएचएफडब्ल्यू, दिल्ली में एमडी सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन सीएचए के लिए परीक्षक, 23 – 24/4/2014; दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) (21–22/1/15), सार्वजनिक स्वास्थ्य (11–15 फरवरी, 2015) एवं सूक्ष्म पोषक पर विश्व महासम्मेलन और बाल स्वास्थ्य कार्यशाला (3–7/11/14), 13/11/14 को ओएससीई और ओएसपीई (सीमएईटी) की कार्यशाला के सहयोग में अस्पताल प्रशासन विभाग द्वारा कार्यशाला में भाग लिया।

प्रोफेसर आनंद कृष्णन 2015 के लिए सामुदायिक चिकित्सा और आईएपीएसएम हरचरण सिंह के भाषण में नेशनल एकेडमिक ऑफ मेडिकल साइंसेज की अध्येतावृत्ति से सम्मानित किया गया। एम्स में डॉ आनंद कृष्णन अनुसंधान पुरस्कार, 2014 में उत्कृष्टता; ''इफेक्टिवनेस ऑफ डिमांड एण्ड सप्लाई साइड इंटरवेंशन इन प्रोमोटिंग इंस्टीट्यूशनल डिलीवरीज़ : ए क्वासी–एक्सपेरिमेंटल ट्रायल फ्रॉम रूरल नॉर्थ इंडिया'' के प्रकाशन के लिए श्रेणी ''नैदानिक अनुसंधान'' के तहत तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया; एमओएचईडब्ल्यू के एनसीडी निगरानी और संचालन समिति के एक सदस्य, सामुदायिक आधारित एनसीडी कार्यनीतियों पर अनुसंधान और क्षमता निर्माण पर डब्ल्यूएचओसीसी के प्रमुख, ग्लोबल एडल्ट टोबैको सर्वे के लिए तकनीकी सलाहकार समिति के सदस्य, समन्वयक, राष्ट्रीय एनसीडी बहुक्षेत्रीय कार्य योजना के मसौदा तैयार करने वाली समिति, न्यूरोलॉजी, सीवीडी, कैंसर एनसीडी के लिए आईसीएमआर परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य, अनुभूति के लिए स्वदेशी उपकरणों के विकास पर आईसीएमआर कार्य दल समिति के सदस्य थे; एनसीडी की रोकथाम और नियंत्रण के लिए सदस्य वैश्विक समन्वय तंत्र, राष्ट्रीय एनसीडी जोखिम कारक का सर्वेक्षण करने के लिए तिमोर लेस्ते और श्रीलंकाई स्वास्थ्य मंत्रालय को तकनीकी सहायता प्रदान करने के सदस्य, बैंगलुरू, अगस्त 2014 में एनसीडी के लिए बहुक्षेत्रीय कार्रवाई पर सीईए क्षेत्रीय बैठक में भाग लिया; पंजाब राज्य एनसीडीआरएफ सर्वेक्षण के लिए तकनीकी सलाहकार समूह के सदस्य; टीका प्रभाव और आर्थिक मॉडलिंग सूचित करने हेतु इन्फ्लुएंजा डेटा का मूल्यांकन करने के लिए डब्ल्यूएचओ कार्य दल के सदस्य; उप अनुसंधान समिति, एम्स के सदस्य, आंतरिक अनुसंधान अनुदान समीक्षा समिति (क्लीनिकल) के सदस्य।

डॉ. बरिडेलीन एन. ने जुलाई 2014 के शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम में विश्व जनसंख्या पखवाड़े का समन्वय किया। भारतीय सामाजिक मनोविज्ञान संघ (आईएएसपी) द्वारा ''भारत में सामाजिक मनोरोग के लिए अनुसंधान प्राथमिकताएं" अभ्यास नेतृत्व पर डेल्फी समूह के सदस्य। भारतीय किशोर स्वास्थ्य संघ के राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान एक वैज्ञानिक सत्र आयोजित किया। मार्च 2015 में भारतीय किशोर स्वास्थ्य संघ, आरआईएमएस, मणिपुर के राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। ई.एन.टी परियोजनाएं, आईसीएमआर में परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य। बी. पी. कोइराला स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान, धरान, नेपाल; गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अगरतला, त्रिपुरा के लिए शोध मूल्यांकन; लोक स्वास्थ्य पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ के सामुदायिक चिकित्सा विद्यालय के लिए शोध मूल्यांकन। प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के लिए समीक्षक; फरवरी 2015 को आईसीएमआर अल्पावधि छात्रावस्था (एसटीएस) कार्यक्रम ऑनलाइन समीक्षा के लिए समीक्षक।

डॉ पुनीत मिश्रा कार्यक्रम सलाहकार परिषद के सदस्य, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सदस्य थे; आईसीएमआर, डीबीटी सीपीसीबी सहित डीएसटी और अन्य एजेंसियों के लिए परियोजना के आकलन के साथ भी शामिल थे। बी. पी. कोइराला स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान, धरान, नेपाल के लिए शोध मूल्यांकन; आईसीएमआर अल्पावधि छात्रावस्था (एसटीएस) कार्यक्रम के लिए समीक्षक थे; वृद्धावस्था स्वास्थ्य और एचआईवी पर एक टीवी भाषण दिया; यूपीएससी और पंजाब पीएससी में एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था; राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं दोनों के लिए समीक्षक थे; फरवरी 2015 में लखनऊ के आईएपीएसएम वार्षिक सम्मेलन में टीकों के गंभीर प्रतिकूल आयोजन पर की सत्र अध्यक्षता की; फरवरी 2015 में एनएचएसआरसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के मसौदे पर राष्ट्रीय स्तर की चर्चा में आईएपीएसएम का प्रतिनिधित्व किया।

डॉ. संजय के राय को वर्ष 2013–15 के लिए भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य संघ का उपाध्यक्ष (उत्तरी क्षेत्र) चुना गया था; बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के समर्थित कार्यक्रम में एनआईसीएलईएन के लिए ''रिसर्च प्रोग्राम टू एम्फेसाइज पब्लिक हेल्थ सिग्नीफिकेन्स ऑफ चाइल्डहुड निमोनिया इन इंडिया'' पर तकनीकी सलाहकार समूह (टीएजी) के सदस्य थे; भारत के पांच उत्तरी राज्यों (दिल्ली, बिहार, यूपी, यूके और झारखंड) में एचआईवी प्रहरी निगरानी (एचएसएस) हेतु तकनीकी सहायता उपलब्ध करने के लिए राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको), एड्स नियंत्रण विभाग (डीएसी), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'फोकल पर्सन' के रूप में मनोनीत किया गया; आईएनडीईपीटीएच के ''मृत्यु आकलन कार्य समूह'' के सदस्य और योगदान दिया तथा डरबन दक्षिण अफ्रीका में 29 नवम्बर – 3 दिसम्बर, 2014 तक आईएनडीईपीटीएच के ''संक्रमणकालीन मृत्युदर पैटर्न और मृत्यु के कारण'' कार्यशाला में भाग लिया; विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिका में प्रकाशन के लिए पांडुलिपि की समीक्षा की; इन राज्यों के लिए एकीकृत जैविक और व्यवहार निगरानी (आईबीबीएस), और एचआईवी प्रहरी निगरानी तथा तकनीकी सहायता प्रदान करने की निगरानी के लिए बिहार, झारखंड, दिल्ली, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश पर्यवेक्षी क्षेत्र का दौरा आयोजित किया; 16 अप्रैल 2014 को पीजीआईएमएस रोहतक में सामुदायिक चिकित्सा में एमबीबीएस फाइनल प्रोफेशनल एक्जाम के लिए सामुदायिक चिकित्सा में परीक्षकों के बोर्ड के सदस्य; 21–24 अप्रैल 2014 तक दिल्ली यूनिवर्सिटी के एमडी प्रैक्टिकल एक्जामिनेशन के लिए एक्स्टर्नल एक्जाइमर और 24–28 नवम्बर 2014 तक यूसीएमएस, नई दिल्ली में एमबीबीएस फाइनल प्रोफेशनल थे; 11 – 15 मई 2014 तक बीपीकेआईएचएस, धरण, नेपाल के फाइनल एमबीबीएस प्रैक्टिकल एक्जामिनेशन के लिए एक्स्टर्नल एक्जाइमर थे; 28 – 29 अप्रैल 2014 तक नॉर्थ बंगाल मेडिकल कॉलेज, सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल के एमडी प्रैक्टिकल एक्जामिनेशन के लिए एक्स्टर्नल एक्जामिनर थे;

डॉ. वाय. एस. कुसुम ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में अनुसंधान में उत्कृष्टता पुरस्कार, 2014; ''माइग्रेशन एण्ड एक्सेस टू मटर्नल हेल्थकेयर : डिटरमिनेट्स ऑफ एडेक्वाटे एंटीनेटल केयर एण्ड इंस्टीट्यूशन डिलीवरी अमंग सोशल–इकोनॉमिकली डिसएडवांटिज माइग्रेट्स इन इंडिया'' अपने प्रकाशन के लिए ''नैदानिक अनुसंधान'' श्रेणी के तहत दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया; भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के 'नेशनल टास्कफोर्स ऑन माइग्रेंट्स' हेल्थकेयर एक्सेस के सदस्य; 'एनसीडी रिक्स फैक्टर कोलेब्रेशन (एनटीडी–आरआईएसडी), 'ग्लोबल बर्डन ऑफ मेटाबॉलिक रिस्क फैक्टर्स फॉर क्रोनिक डिज़ीजेज कोलाबोरेशन ग्रुप' के सदस्य थे.; आईसीएमआर इंटरनेशनल परियोजना के तहत दिल्ली राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरणों और अन्य एनजीओ के साथ सहयोग से आईईसी कार्यनीतियां तैयार की और उनका कार्यान्वयन किया; विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की जांच समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया; स्टडीज ऑन एथनो–मेडिसिन एंड एफ्रो–एशियन जर्नल ऑफ एंथ्रोपोलॉजी एंड सोशल पॉलिसी के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्य किया; अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय व्यावसायिक पत्रिकाओं के समीक्षक के रूप में कार्य किया। ;

डॉ. अनिल गोस्वामी को ''ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ मेडिकल सोशल वर्क प्रोफेशनल्स'' के सरंक्षक नामित किया गया था; ''परिवार कल्याण कार्यक्रम सलाहकार समिति'', आकाशवाणी भवन, नई दिल्ली (25.09.2014 और 30.03.2015) के सलाहाकार समिति के सदस्य; ''रोग निवारण प्रकोप प्रतिक्रिया प्रकोष्ठ (डीपीओआरसी)'', एम्स के नोडल अधिकारी मनोनीत किया; ''ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ मेडिकल सोशल वर्क प्रोफेशनल्स'' की एक राष्ट्रीय संगोष्ठी के वैज्ञानिक सलाहकार समिति के अध्यक्ष; 08.08.2014 से 09.08.2014 में महामारी विज्ञान इकाई, एम्स द्वारा आयोजित एक ''अनुसंधान विधि पाठ्यक्रम'' में भाग लिया; 03.11.2014 – 06.11.2014 के संदर्भ में नए एम्स, नई दिल्ली में सूक्ष्मपोषक और बाल स्वास्थ्य (एमसीएचडब्ल्यूएस – 2014) पर दूसरी अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया; 26.02.2015–27.02.2015 के संदर्भ में लखनऊ में निवारण एवं सामाजिक चिकित्सा 2015 के 42वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया; 20.03.2014 को एम्स में एक वैज्ञानिक सत्र ''एनुअल सेमिनार ऑफ ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ मेडिकल सोशल वर्क प्रोफेशनल्स'' में भाग लिया और अध्यक्षता की; मुम्बई के डॉ. धारव शाह, एक मनोचिकित्सक द्वारा ''वॉट कैन डॉक्टर डू टू हाफ एल्कोहल एण्ड तम्बाकू एपिडेमिक'' पर ''अतिथि व्याख्यान'' का आयोजन किया। स्थान : 01. 05.2014 को सीसीएम सेमिनार रूम, एम्स; श्री आईपीई मिथाई द्वारा ''हैंडफुल ऑफ डे इन पोट्र्स हैंड'' पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया, स्थान : 07.05.2014 को सीसीएम सेमिनार रूम, एम्स; 07.06.2014 को सीसीएम, एम्स में ''इंटरनेशनल फिजिशियन फॉर प्रीवेंशन ऑफ न्यूक्लियर वार'' के लिए छात्रों से जुड़े शांति और विकास के लिए भारतीय डॉक्टरों (आईडीपीडी) के लिए आदान–प्रदान कार्यक्रम का आयोजन किया।

डॉ. सुमित मल्होत्रा ने लखनऊ, 26–28 फरवरी 2015 में आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रीवेंटिव एण्ड सोशल मेडिसिन के 42वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान युवा वैज्ञानिक द्वारा प्रस्तुत सर्वश्रेष्ठ शोध शीर्षक ''ट्रेकोमा प्रीवलेंस इन हाइपर – इंडेमिक आइसलैंड ऑफ कार–निकोबार, इंडिया ऑफ्टर मास ड्रग एड्रिनिस्ट्रेशन विद एजिथ्रोमाइसिन'' के लिए कालू राम मेमोरियल पुरस्कार प्राप्त किया; मानव संसाघन विकास स्वास्थ्य अनुसंधान योजना के तहत स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के साथ समर्थन में शिक्षकों और वैज्ञानिकों के लिए परिचालन अनुसंधान पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। योजना के तहत, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान परिचालन अनुसंधान में स्वास्थ्य कर्मियों की क्षमता के निर्माण के लिए नोडल संस्थान के रूप में पहचान की गई है। उन्होंने एम्स द्वारा अनुसंधान विधि पर स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए एक संसाधन संकाय आयोजित किया। 8–9 अगस्त 2014 से शीर्षक "एम्स फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम : बिइंग ए प्रिंसिपल इंवेस्टिगेटर" की कार्यशाला और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान – 01–05 दिसंबर 2014 से मिशिगन विश्वविद्यालय, उन्नत अनुसंधान विधि कार्यशाला में भाग लिया। वे केन्द्रीय माध्यिमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा चलाई जाने वाली स्वस्थाय धारा से संबंधित व्यावसायिक पाठ्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति थे। वह इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन, इंडियन पीडियाट्रिक्स, पब्लिक हेल्थ एक्शन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिसिन एण्ड पब्लिक हेल्थ, बायोमेड रिसर्च इंटरनेशनल के एक समीक्षक है। वे खाद्य एवं पोषण बोर्ड, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सहयोग से सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में पोषण से संबंधित आईईसी (सूचना शिक्षा संचार) गतिविधियों के समन्वय के लिए केन्द्र व्यक्ति थे। एम्स ब्लड बैंक के सहयोग से सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ के गहन क्षेत्र अभ्यास के अभ्यास क्षेत्र के तहत गांव शाहपुरा और छैन्सा में दो स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन किया। उन्होंने सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में स्नातक छात्रों के लिए गुणात्मक अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से शिक्षण आधारित समन्वित समुदाय को भी तैनात किया और सार्वजनिक स्वास्थ्य विषयों पर छात्रों द्वारा स्वास्थ्य वार्ता के रूप में स्वास्थ्य शिक्षा के कार्यक्रमों और परियोजना के लिए चुने गए गांवों में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया।

डॉ. पार्थ हल्दर राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित वर्ष 2015 के लिए भारत में एचआईवी अनुमानों के लिए राष्ट्रीय कार्य समूह के सदस्य; स्वास्थ्य देखभाल एनालिटिक्स – भारतीय प्रबंधन संस्थान, बैंगलोर (फरवरी 2015)

में एचआईवी अनुमानों के लिए राष्ट्रीय कार्य समूह के सदस्य; स्वास्थ्य देखभाल एनालिटिक्स – भारतीय प्रबंधन संस्थान, बैंगलोर (फरवरी 2015) में कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम के लिए अतिथि संकाय; एचआईवी प्रहरी निगरानी के लिए एम्स, नई दिल्ली में गठित केंद्रीय क्षेत्रीय संस्थान के सदस्य थे; एकीकृत जैव व्यवहार निगरानी (अक्तूबर 2014), एचआईवी प्रहरी निगरानी (दिसम्बर, 2014) के लिए पूर्व निगरानी कार्यशाला, बिहार राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी (2015) पर निगरानी कार्यशाला के प्रशिक्षकों के लिए पुनश्चर्या प्रशिक्षण में संकाय के रूप में भाग लिया; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, एनआईएमएस और यूएनएड्स द्वारा एचआईवी अनुमान के लिए क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया; ''हेल्दी एजिंग इन द चेंजिंग वेर्ल्ड 2014'', बैंगलुरु (नवम्बर, 2014) के तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया; पेटेंट के लिए रोड मैप : एम्स – एनआरडीसी नवनीता सुविधा केन्द्र द्वारा ''वेयर टू स्टार्ट एण्ड हाउ टू प्रोसीड'' का आयोजन किया (सितम्बर 2014); केएल विग, सीएमईटी में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत पाठयक्रम (मार्च 2015); एम्स में अनुसंधान विधि में आधारभूत पाठयक्रम (अगस्त 2014) में भाग लिया।

डॉ. रवनीत कौर ने नई दिल्ली में 26 –28 सितम्बर, 2014 तक व्यावसायिक और पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर आयोजित दूसरा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिक शोध सत्र की अध्यक्षता की; 8 – 9 अगस्त, 2014 में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में आयोजित ''अनुसंधान विधि में आधारभूत पाठयक्रम'' में भाग लिया; 29–30 अगस्त 2014 पर के एल विग सीएमईटी और एनएमजेआई द्वारा आयोजित विषय ''एक वैज्ञानिक शोध पत्र लेखन'' पर कार्यशाला में भाग लिया; 1 – 5 दिसम्बर, 2014 में आयोजित उन्नत अनुसंधान विधि कार्यशाला (एम्स – यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन वर्कशॉप) में भाग लिया; 25 – 27 मार्च, 2015 में के एल विग सीएमईटी द्वारा आयोजित 'चिकित्सा एवं स्वास्थ्य व्यवसायों की शिक्षा में आधारभूत पाठयक्रम' में भाग लिया; राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के समीक्षक थे।

9.9 त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

विनोद कुमार शर्मा

आचार्य

नीना खन्ना	कौशल के वर्मा	एम. रामम
विनोद के. खैतान	सुजय खांडपुर	जी. सेथुरमन

अपर आचार्य

सोमेश गुप्ता

सहायक प्रोफेसर

कनिका साहनी	सविता यादव	राहुल महाजन

विशिष्टताएं

विभाग ने मिशिगन यूनिवर्सिटी, यू एस ए के अंतरराष्ट्रीय सहयोग सहित अनेक निधिकृत परियोजनाएं की हैं, जिसमें एन आई एच के लिए एक परियोजना शामिल हैं, जिसका शीर्षक है "भारत में सोरियासिस और सोरियाटिक आर्थराइटिस का आनुवंशिक विश्लेषण।" प्रो. जी. सेतु रमन बाल त्वचा रोग विज्ञान पर कार्य करते हैं और इनके पास चार अनुसंधान परियोजनाएं हैं तथा एक पूरी हो चुकी है। संकाय को निम्नलिखित पत्रिकाओं के संपादक होने का सम्मान दिया गया है।

डॉ. वी. के. शर्मा :	अनुभाग संपादक, ब्रिटिश जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी
डॉ. नीना खन्ना :	मुख्य संपादक, वर्ल्ड क्लीनिक इन डर्मेटोलॉजी
डॉ. एम. रामम :	मुख्य संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी वेनेरोलॉजी एंड लेप्रोलॉजी
डॉ. सुजय खांडपुर :	संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोपैथोलॉजी एंड डायग्नोस्टिक डर्मेटोलॉजी
डॉ. सोमेश गुप्ता :	एशिया – प्रशांत क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक, यौन संचरित संक्रमण विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय संघ (आईयूएसटीआई)

विभाग ओपीडी में सुबह 88820 रोगियों और दोपहर के क्लिनिक में 18388 और 767 नियमित प्रवेश सहित वार्ड और पल्स थैरेपी और रिटुक्सिमाब थैरेपी के लिए 3593 लघु प्रवेश के साथ व्यस्त ओपीडी सेवाओं को चला रहा है। प्रो. कौशल के वर्मा और डॉ. सोमेश गुप्ता के अधीन यौन संचरित संक्रमण (एसटीडी) क्लिनिक बुधवार को दोपहर में शुरू किया गया है। विभाग ने एक सीनियर रेजीडेंट द्वारा प्रबंधित बल्लभगढ़ में साप्ताहिक त्वचा ओपीडी शुरू की है।

शिक्षा

नौ उम्मीदवारों ने एम.डी. (त्वचारोग एवं रतिजरोग विज्ञान) प्रशिक्षण को पूर्ण किया, 4 उम्मीदवारों ने 2 से 4 हफ्ते तक चलने वाले अल्पावधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। हमारे विभाग के रेजीडेंट्स ने निम्नलिखित पुरस्कार जीते हैं :

डॉ. रिती भाटिया, सीनियर रेज़ीडेंट

1. एसटीआई के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय संघ –यौन संचारित रोगों और एड्स के अध्ययन के लिए (आईयूएसटीआई – आईएएसएसटीडी और एड्स) भारतीय संगठन छात्रवृत्ति, 2016 से सम्मानित।
2. आईएडीवीएल – डब्ल्यूसीडी छात्रवृत्ति से सम्मानित किया, 2015
3. राज्य कुष्ठ क्विज के विजेता – 2014 में नई दिल्ली में आयोजित कुष्ठ कार्यशाला में।
4. इंडियन एसोसिएशन लेप्रोलोजिस्ट्स (एलईपीसीओएन 2014) 29वें द्विवार्षिक सम्मेलन में आयोजित राष्ट्रीय कुष्ठ क्विज में दूसरा पुरस्कार के विजेता।

डॉ. विशाल गुप्ता, सीनियर रेज़ीडेंट

1. डॉ. के सी कंधारी को वर्ष 2013 के लिए त्वचा विज्ञान और रतिजरोग में सर्वश्रेष्ठ स्नातकोत्तर छात्र का पुरस्कार दिया गया।
2. वैंकूवर, कनाडा में डब्ल्यूसीडी – छात्रवृत्ति पुरस्कार त्वचा विज्ञान की 23वीं वर्ल्ड कांग्रेस में भाग लेने के लिए (डब्ल्यूसीडी, 08–13 जून, 2015)

डॉ. नीतु भारी, सीनियर रेज़ीडेंट

1. डॉ के. सी. कंधारी सर्वोत्तम स्नातकोत्तर पुरस्कार अक्टूबर 2014

डॉ. कन्या और डॉ. प्रकाश कुमार खुटे, जूनियर रेज़ीडेंट

1. 2014 पीजीआई, चंडीगढ़ में आयोजित यौन संचारित रोगों (एसटीडी) की प्रश्नोत्तरी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रदत्त व्याख्या

वी. के. शर्मा : 8	**नीना खन्ना : 4**	**कौशल के. वर्मा : 15**
एम. रामम : 10	**बिनोद के. खैतान : 4**	**सुजय खण्डपुर : 7**
सोमेश गुप्ता : 4	**कनिका साहनी : 1**	**राहुल महाजन : 1**

प्रस्तुत किए गए मौखिक शोध पत्र / पोस्टर : 9

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. भारत में सोराइसिस एवं सोराइटिक आर्थराइटि्स का आनुवंशिकी विश्लेषण, वी. के. शर्मा, एन. आई. एच., यू. एस.ए, 5 वर्ष, 2011–2016, 60 लाख रुपए।
2. सक्रिय नॉन – सेग्मेंटल जरनलाइज्ड विटिलिगो में फॉक्स पी 3 अभिव्यक्ति और फॉक्स पी 3 प्रोमोटर डीएनए मिथाइलेशन लेवल की भूमिका समझना, वी. के. शर्मा, डीबीटी, 4 वर्ष, 2011–15, 64 लाख रुपए।
3. एलोपेसिया एरीटा के रोगजनन में शामिल आनुवंशिक पश्चजनन सम्बन्धी और प्रतिरक्षा घटकों की भूमिका को परिभाषित करना, वी के शर्मा, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2015–18, 45 लाख रुपए।
4. विटिलिगो और त्वचा रंजकता में एमआईआरएनए हस्ताक्षर को परिभाषित करना, वी के शर्मा, आई ए डी वी एल, 1 वर्ष, 2015–16, 4 90 लाख रुपए
5. एलोपेसिया एरीटा के रोगजनन में आनुवंशिक पश्चजनन सम्बन्धी और प्रतिरक्षा में शामिल घटकों की भूमिका को परिभाषित करना, वी के शर्मा, आई सी एम आर ए 3 वर्ष, 2015–18, 45 लाख रुपए।
6. ''एकने वलगेरिस के इलाज में 0.025 प्रतिशत जैल और क्लिंडा मायसिन 1 प्रतिशत जैल की तुलना में 0.04 प्रतिशत ट्रेटिनोइन (माइक्रोस्फियर) और क्लिंडा मायसिन 1 प्रतिशत के संयोजन की दक्षता और निरापदता के मूल्यांकन हेतु फेस 3, बहु केंद्र, तीन शाखा वाले यादृच्छिक डबल ब्लाइंड, सक्रिय नियंत्रित, समानांतर अध्ययन। नीना खन्ना, डॉ. रेड्डी लैबोरेटोरिज़ लि., 6 माह, 2014 – 15, 11.29 लाख रुपए।
7. चिरकालिक प्लॉक सोराइसिस के उपचार हेतु एज़िथियोप्राइन बनाम मेथोट्रेक्सेट साप्ताहिक प्लस का यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण। आई सी.एम.आर., 4.3 वर्ष, 2010–2014, 32 लाख रुपए।
8. मध्यम से गंभीर पेम्पिगस वल्गेरिस में रिटुक्सिम्ब इंफ्युजन और डेक्सामेथेसोन सायक्लोफोस्फेमाइड पल्स की दक्षता की तुलना करना। सुजय खाण्डपुर, आई सी एम आर, 9.10 लाख रुपए।
9. रोग गतिविधि के साथ एक्टिव और स्टेबल सोरियासिस में सिरम और ऊतक टीएच1 और टीएच2 सायटोकाइन स्तरों की तुलना करना और इसका सह संबंध। सुजय खाण्डपुर, एम्स, 3.30 लाख रुपए।

10. क्रोनिक साइक्लोफॉस्फेमाइड थेरेपी द्वारा त्वचा रोगी रोगियों के यूरोलॉजिकल मूल्यांकन। सुजय खांडपुर, अ. भा. आ. सं., 1 लाख रुपए।
11. एपिडर्मोलाइसिस बुलोसा का मॉलीक्यूलर विश्लेषण, जी. सेतुरमन, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2012 – 2015, 30 लाख रुपए।
12. विरासत में मिले एपिडर्मेलीसिस बुलोसा के निदान में आईएचसी और मानचित्रण का एक तुलनात्मक अध्ययन, जी. सेतुरमन, डी एस टी, 3 वर्ष, 2013 – 16, 42 लाख रुपए

पूर्ण

1. भारत में सोराइसिस एवं सोराइटिक आर्थराइट्सि का आनुवंशिकी विश्लेषण, वी. के. शर्मा, एन. आई. एच., यू.एस.ए, 3 वर्ष, 2010–2013, 68 लाख रुपए।
2. सक्रिय नॉन – सेग्मेंटल जरनलाइज्ड विटिलिगो में फॉक्स, प्रोमोटर डीएनए मिथाइलेशन लेवल की भूमिका समझना, वी. के. शर्मा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2011–14, 60 लाख रुपए।
3. चिरकालिक प्लाक सोरियासिस के इलाज में पी यू वी ए सोल तथा यूनानी दवा (यू एन आई एम – 401 मुंह के रास्ते और यू एन आई एम – 403 स्थानीय रूप से लगाने के लि तेल) की क्लिनिकल दक्षता और निरापदता की तुलना। नीना खन्ना, आयुष मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, 4 वर्ष, 2010 – 14, 36.48 लाख रुपए।
4. इनफेंटाइल हीमेंगियोमा के उपचार में सिस्टेमिक स्टेरॉइड्स का यादृच्छिक परीक्षण, जी. सेतुरामन। आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2012 – 15, 14 लाख रुपए।
5. विटिलिगो से पीड़ित रोगियों में प्लाज्मा तथा यूरीनरी लेवल्स में केटेकोलामाइन्स का निर्धारण तथा मिलेनोसाइट प्रत्यारोपण के स्थायित्व एवं परिणाम के साथ सहसंबंध। सोमेश गुप्ता, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2010–13, 10 लाख रुपए।
6. 0 से 2 सप्ताह के लिए इम्यूनोहिस्टोकैमिकल मार्कर के सफलतापूर्वक एवं असफलतापूर्वक रि – पिगमेंटेशन के स्तरों की तुलना द्वारा पिगमेंटेशन के स्थायित्व निर्धारण में इम्यूनोलॉजिकल कारकों की भूमिका, सोमेश गुप्ता, अ. भा. आ. सं., 3 वर्ष, 2012 – 15, 5 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. सक्रिय सामान्यीकृत विटिलिगो तथा रंजकता के रोगजनन में माइक्रो आरएनए की भूमिका समझना।
2. भारतीय सोरियासिस रोगियों में टी एन एफ – 2, टी एन ए ए आई पी 3, टी एन आई पी1, टी आर ए एफ 31पी2, आई एल – 17, आई एल – 23, आई एल – 12बी और एच एल ए – सी जीनों में एकल न्यूक्लियोडाइड बहुरूपता का अध्ययन और क्लिनिकल विशेषताओं के साथ इनका संबंध।
3. शिशु हेमनजियोमस में मैकुलो पौपुलर दवाओं और वायरल एक्संथिम की हिस्टोपैथोलॉजिकल सुविधाओं का आकलन।
4. शिशु हिमेनजियोमा के क्लिनिकोएपिडेमियोलॉजिकल अध्ययन, शिशु हिमेंजियोमास में हाइपोथायरॉडिज्म की दर और शिशु हिमेनजियोमा में भावी कारक निर्धारक उपचार परिणामों का निर्धारण करना।
5. पीआरपी में निलंबित एन सी ई एस प्रत्यारोपण स्थिर विटिलिगो में रंजकता सुधार कर सकते हैं। एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।
6. लिचेन प्लेनस पिग्मेंटोसस में आइसोट्रेटिनोइन की प्रभावकारिता बेतरतीब एकल ब्लाइंड प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण।
7. डर्मोस्कोपी में हाइपरपिग्मेंटशन विकार।
8. मेलास्मा में संशोधित क्लिंगमैन सूत्रण में क्यू – स्विच्ड एन डी याग लेजर की दक्षता और निरापदता, एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।
9. एण्ड्रोजेनेटिक एलोपेसिया के हिस्टोपैथोलॉजिकल और खोपड़ी की बायोप्सी के क्षैतिज वर्गों द्वारा एलोपेसिया एरीटा सुविधाओं का एक अध्ययन।
10. चेहरे की मात्रा घटने में सुधार के लिए ऑटोलॉगस गैर सुसंवर्धित त्वचीय सेल निलंबन प्रत्यारोपण।
11. एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण लिचेन प्लेनस पिग्मेंटोस्स में इसोट्रेटिनोइन की प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करना।
12. महिलाओं में माहवारी पूर्व इरप्शन।

13. विकारों के त्वचा के छालों के समूह में मिथोट्रेक्सेट का उपयोग।
14. प्रतिक्रियाशील गठिया की डर्मेटोलॉजिकल अभिव्यक्ति।
15. भारत में एक तृतीयक देखभाल केंद्र में सौंदर्य प्रसाधन के कारण संपर्क डर्मेटाइटिस की सूजन के साथ रोगियों में संपर्क सेंसिटिज़ेर्स का अध्ययन।
16. विटिलिगो के मनोसामाजिक भार के आकलन में विटिलिगो प्रभाव पैमाने का मान्यीकरण और तुलनात्मक मूल्यांकन।
17. खोपड़ी की बायोप्सी के ट्रांसवर्स सेक्शन पर एलोपेसिया की हिस्टोपैथोलॉजिकल विशेषताओं का एक अध्ययन।
18. व्यावसायिक संपर्क डर्मेटाइटिस का अध्ययन।
19. ल्यूपस मेलिएरिस डिसेमिनेटस फैसिसी और ग्रेन्युलोमेटस चेलाइटिस का क्लिनिकल और हिस्टोपैथोलॉजिकल अध्ययन।
20. डेक्सामेथासोन – पेम्फिगुस में साईक्लोफॉस्फोमाइड नाड़ी चिकित्सा।
21. पिग्मेंट में बदलावों की आकारिकी और विस्तार के बीच सह संबंध का आकलन करने के लिए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन और क्यूटेनियस स्क्लेरोसिस की डिग्री और कायिक स्क्लेरोसिस में बड़े अंगों का शामिल होना।
22. लंबी अवधि मेथोट्रेक्सेट उपचार पर सोरियासिस और रैटर रोग के रोगियों में अल्ट्रासाउंड इलेस्टोग्राफी द्वारा यकृत फाइब्रोसिस का आकलन।
23. पेल्मोप्लांट सोराइसिस बनाम पामो प्लांटर डर्मेटाइटिस का हिस्टोलॉजिकल मूल्यांकन।
24. फेशियल पोर्ट वाइन स्टेंस में स्पंदित डाई लेजर 595 एनएम की प्रभावकारिता।
25. एलोपेसिया में स्काल्प बायोप्सी के हॉरीज़ोन्टल सेक्शन की उपयोगिता।
26. ग्रेन्यूलोमेटोस चिलाइटि्स एवं ल्यूपस मिलिएरिस डिसिमिनेट्स फेशिई का नैदानिक विकृतिजन्य अध्ययन।
27. एलोपेसिया का डर्मोस्कोपिक अध्ययन।
28. साइटोकाइन्स, ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर्स, कैमोकाइन रिसेप्टर्स का अध्ययन तथा पेम्फीगस वल्गोरिस में टी एच 17 तथा ट्रेग सेल्स के लाइजेंट्स।
29. टी कोशिकाओं और पेम्फिगुस वुल्गारिस के रोगजनन में इसकी स्कैवेंजर रिसेप्टर का अध्ययन।
30. टोपिकल रूप से संशोधित क्लिगमैन सूत्रण की तुलना में मेलाज्मा के उपचार में 1064 नैनो मीटर क्यू स्विच्ड एनडी – याग लेजर की दक्षता और निरापदता की तुलना के लिए विभाजित चेहरे का यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन।
31. क्यूटेनियास स्क्लेरोसिस की पृष्ठभूमि में पिग्मेंट में बदलाव की सीमा और आकारिकी के बीच सह संबंध के आकलन के लिए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन और कायिक स्क्लेरोसिस में प्रमुख अंग शामिल होना।

पूर्ण

1. विनियामक टी कोशिकाओं और टी–सेल इम्यूनोग्लोबिन और इल्यूसिडेटिंग की भूमिका सक्रिय सामान्यीकृत विटिलिगो में मुसिन युक्त डोमेन
2. उत्तरी भारत में पुरानी प्लाक सोरायसिस के साथ रोगियों में उपापचयी सिंड्रोम और हृदय जोखिम कारकों की व्यापकता
3. भारतीय रोगियों में बाल कमी में लंबे पल्स लेजर डायोड प्रभावकारिता और सुरक्षा
4. जेनाइटल हर्पिस से पीड़ित भारतीय रोगियों में जीवन गुणवत्ता (क्यूओएल) का मूल्यांकन।
5. लेप्रोसी रोगियों में डिहेबिलिटेशन के मापन के साथ और लेप्रोसी के बिना लेप्रोसी की दिशा में ज्ञान और सोच का एक अध्ययन।
6. मोर्फिया और लाइकेन स्क्लेरोसस के रोगियों में टॉपिकल टेक्रोलिमस बनाम क्लोबेटेसोल प्रोपीयोनेट ऑइंटमेंट की दक्षता के मूल्यांकन के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।
7. एक अध्ययन में सेगमेंटल विटिलिगो के निदान के लिए नैदानिक मानदंड मान्य करना
8. मौखिक कर्टिकोस्टेरॉइड्स और प्रगतिशील गैर सेगमेंटल विटिलिगो में मौखिक एजेथओप्राइन के प्रभाव का एक यादृच्छिक तुलनात्मक अययन।

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. मिर्गी रोधी दवाएं लेने वाले रोगियों में मिर्गी इम्यूनोजेनेटिक्स तंत्र, न्यूरोलॉजी विभाग
2. एक अध्ययन में स्टीवंस जॉनसन सिंड्रोम के आनुवंशिक आधार की पहचान करना (एसजेएस), एनाटॉमी विभाग।
3. पीसीआर – प्रतिबंध फ्रेग्मेंट लंबाई में बहुरूपता और ओएमपी ए स्क्विंसिंग द्वारा अनुर्वर तथा यूरो जेनाइटल संक्रमण एवं जीनोटाइपिंग के रोगियों में क्लेमाइडिया ट्रेकोमेटिस की दर। सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग।

पूर्ण

1. टीएच–1 और टीएच–2 प्रकार साइटोकाइन जीन बहुरूपता के अध्ययन और पार्थेनियम डर्मेटाइटिस की सूजन के साथ इसका संबंध, त्वचा विज्ञान और रतिजरोग और जैव रसायन, विभाग, एम्स।
2. कुष्ठ रोग में पोलराइज्ड प्रतिरक्षण : मेजबान प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को आकार देने में प्रेरक और विनियामक टी सेल सबसेट की भूमिका, प्रत्यारोपण प्रतिरक्षण और इम्यूनोजेनेटिक्स विभाग

प्रकाशन

जर्नल : 52 **सार : 3** **पुस्तक में अध्याय : 15** **पुस्तक : 3**

रोगी उपचार

विभाग में दो आइसोलेशन कक्ष सहित 29 बेड वार्ड है। अप्रैल 2014 से मार्च 2015 तक कुल दाखिले 767 है। पेम्फिगस के लिए डायोड लेजर, कार्बन डायऑक्साइड लेजर, एनडी : वाईएजी लेजर, पल्स डाइ लेजर रिटुक्सीमाब और डीसीपी थैरेपी पर एसटीडी, लेप्रोसी, डर्माटो सर्जरी, पिगमेंटेशन, एलर्जी और लेजर पर ओपीडी सामान्य त्वचा विज्ञान और विशेष क्लिनिक। सीनियर रेजीडेंट की बल्लभगढ़ और उप केंद्र में विजिट है। पूरे वर्ष सुबह की ओपीडी में 88820 मामले और दोपहर की क्लिनिक में कुल 18388 मामलों के लिए ओपीडी सेवाएं। प्रो. कौशल के वर्मा और डॉ. सोमेश गुप्ता के अधीन यौन संचरित संक्रमण (एसटीडी) क्लिनिक बुधवार को दोपहर में शुरू किया गया है। विभाग ने एक सीनियर रेजीडेंट द्वारा प्रबंधित बल्लभगढ़ में सप्ताह में एक दिन त्वचा ओपीडी शुरू की है।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर वी. के. शर्मा ने त्वचा रोग विज्ञान के क्षेत्र में असाधारण अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों के लिए **इंटरनेशनल लिग ऑफ डर्मेटोलॉजिकल सोसायटी** के लिए प्रशंसा पुरस्कार जीता; वे अमेरिकन सोसायटी ऑफ कॉन्टैक्ट डर्मेटाइटिस के अधिकारिक जर्नल ''डर्मेटाइटिस'' के संपादकीय मंडल के सदस्य, अध्यक्ष, इंटरनेशनल लाइजन सेल इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट, वेनेरोलॉजिस्ट और लेप्रोलॉजिस्ट रहे हैं।

प्रोफेसर नीना खन्ना कुष्ठ नियंत्रण कार्यक्रम की मध्यावधि मूल्यांकन सदस्या रही हैं। डब्ल्यूएचओ कार्य।

प्रोफेसर कौशल के. वर्मा मुख्य इले. अंतरराष्ट्रीय यौन संचारित संक्रमण संघ – एशिया प्रशांत क्षेत्र (आईयूएसटीआई – एपी), वाइस चेयर (दक्षिण एशिया), अंतरराष्ट्रीय यौन संचारित संक्रमण संघ – एशिया प्रशांत क्षेत्र (आईयूएसटीआई – एपी), वाइस प्रेजिडेंट, इंडियन एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ सेक्सुअली ट्रांसमीटिड इंफैक्शन एण्ड एड्स (आईएएसएसटीआई और एड्स); लद्दाख में 24 – 28 अगस्त, 2014 के बीच समुदाय सेवा स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम में भाग लिया। लाइव फोन इन शो ''टोटल हैल्थ'' में 27 जुलाई 2014 को डीडी न्यूज़, प्रसार भारती में विशेषज्ञ के तौर पर हिस्सा लिया; 20 नवंबर 2014 को लाइव फोन इन स्वास्थ्य कार्यक्रम में दूरदर्शन केंद्र, दूरदर्शन भवन, नई दिल्ली में एक विशेषज्ञ के तौर पर हिस्सा लिया, 22 जनवरी 2015 को डीडी न्यूज़, प्रसार भारती, दूरदर्शन भवन में लाइव फोन इन शो ''टोटल हैल्थ'' में विशेषज्ञ के तौर पर हिस्सा लिया, सुश्री अन्ना लुइस रुडोक, पीएच.डी छात्रा, किंग्स कॉलेज, लंदन में जन स्वास्थ्य देखभाल अनुसंधान पर अध्ययन हेतु भारत में मार्गदर्शन प्रदान किया।

प्रोफेसर एम. रामम ने अतिथि प्रोफेसर के तौर पर डर्मेटोलॉजी विभाग, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन फ्रांसिस्को का मई 2014 में दौरा किया।

प्रोफेसर विनोद के. खेतान संपादकीय सलाहकार बोर्ड, आई जे डी वी एल के सदस्य थे; उन्होंने एनुवल क्यूटिकोन – 2014 में 27 और 28 सितंबर 2014 को डी. हाउबाम देवेंद्र सिंह ओरेशन में व्याख्यान दिया। व्याख्यान का विषय था सेग्मेंटल विटिलिगो, उन्होंने सत्र ''समग्र डर्मेटोलॉजी'' विषय वस्तु : इंटरफेस साइकोडर्मेटोलॉजी – द 'एक्स्ट्रा' एज दैट मैटर्स पर सत्र की अध्यक्षता की। एनुवल क्यूटिकोन (दिल्ली राज्य

शाखा) – 2014, दिसंबर 2014, इरोस होटल, नेहरु प्लेस, नई दिल्ली।

प्रोफेसर सुजॉय खांडपुर फार्मेकोलॉजी और फोटोबायोलॉजी में राष्ट्र मंडल शैक्षिक अध्येतावृत्ति के साथ यूके में रहे, जर्नल ऑफ क्यूटेनियस एण्ड एस्थेटिक्स सर्जरी में क्यूटेनियस पैथोलॉजी पर सेक्शन एडिटर के तौर पर और सदस्य, सलाहकार समिति आई ए डी वी एल टेक्स्ट बुक, सदस्य, क्लिनिकल परीक्षण और अनुसंधान विधि – आई ए डी वी एल पर विशेष रुचि समूह, सदस्य आई ए डी वी एल की डर्मेटोपैथोलॉजी पर विशेष रुचि समूह, ब्रिटिश जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, डर्मेटोलॉजी, क्लिनिकल एण्ड एक्सपेरिमेंटल डर्मेटोलॉजी, लैप्रोसी रिव्यू, इंडियन पीडियाट्रिक्स, इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी के समीक्षक, आयोजक सचिव, 36वां इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑफ इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ डर्मेटोपैथोलॉजी, 19–21 नवंबर 2015, नई दिल्ली।

प्रोफेसर जी. सेतुरामन ने भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् : लाल राम चंद्र कंधारी पुरस्कार 2012 (चौहान के, सेतुरमन जी*, गुप्ता एन, शर्मा वी के, आदि विटामिन डी डेफिशियंसी एण्ड रिकेट्स इन चिल्ड्रन एण्ड एडोलसेंट विद इक्थियोसिफोर्म एरिथ्रोडर्मा इन टाइप 4 एण्ड 5 स्किन। बी आर जे डर्मेटोल 2012 : 166 : 608 – 615); अर्जित किया। एम्स रिसर्च एक्सीलेंस एवॉर्ड 2014 : निम्नलिखित शोध पत्रों के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र : (सेतुरमन जी, श्रीनिवास, वी, येनामांद्रा वी के, गुप्ता एन, शर्मा वी के, मारवाहा आर के, भारी एन, इर्शाद एम, काबरा एम, थुलकर एस. थ्रेशहोल्ड लेवल्स ऑफ 25 (ओएच) डी एण्ड पैराथायरॉइड हार्मोन फॉर इम्पेरियड बोन हैल्थ इन चिल्ड्रेन विद कॉजिनिटल इकथायओसिस इन टाइप 4 और 5 स्किन। बी आर जे डर्मेटोल । 2014 डी ओ आई : 10.1111/बीजेडी.13131); प्रो. प्रेमलता एवॉर्ड वर्ष 2014 – 15 के लिए डर्मेटोलॉजी में सर्वोत्तम मूल शोध पत्र के लिए सेतुरमन जी, श्रीनिवास, वी, येनामांद्रा वी के, गुप्ता एन, शर्मा वी के, मारवाहा आर के, भारी एन, इर्शाद एम, काबरा एम, थुलकर एस. थ्रेशहोल्ड लेवल्स ऑफ 25 (ओएच) डी एण्ड पैराथायरॉइड हार्मोन फॉर इम्पेरियड बोन हैल्थ इन चिल्ड्रन विद कॉजिनिटल इकथायओसिस इन टाइप 4 और 5 स्किन। बी आर जे डर्मेटोल । 2014 डी ओ आई : 10.1111/बीजेडी.13; निम्नलिखित जर्नल्स के समीक्षक : बीएमजे, बी आर जे डर्मेटोल, जे इंवेस्ट डर्मेटोल, जे ए एम ए डर्मेटोल, आई जे डी वी एल, पीडियाट्र डर्मेटोल, इंड जे पीडियाट्रस।

डॉ. सोमेश गुप्ता डॉ. आर्थर अंमुथु थाम्बिया राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी पुरस्कार 2014 जीता; यूटी साउथवेस्टर्न मेडिकल सेंटर, डलास, टेक्सस का दौरा एक अतिथि प्रोफेसर के रूप में किया और ग्रैंड राउंड के दौरान एक व्याख्यान दिया।

डॉ. कनिका साहनी इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी वेनेरोलॉजी एण्ड लेप्रेरोलॉजी की सहायक संपादक थी, आई जे डी वी एल, जे सी ए एस, आई जे डी, बी जे डी, सी ई डी के लिए समीक्षक, के एल विग सेंटर फॉर मेडिकल एजुकेशन एण्ड टेक्नोलॉजी में 22 अगस्त 2014 को ''माइक्रो टीचिंग'' पर कार्यशाला में भाग लिया, 29–30 अगस्त 2014 के बीच के एल विग सेंटर फॉर मेडिकल एजुकेशन एण्ड टेक्नोलॉजी में 'राइटिंग ए साइंटिफिक पेपर' पर कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. राहुल महाजन ने 19 – 23 मई 2014 (सी एम ई द्वारा अनुमोदित 30 बिंदु) के 16वें वार्षिक बर्मिंघम पीडियाट्रिक डर्मेटोलॉजी पाठ्यक्रम में भाग लिया और बर्मिंघम चिल्ड्रंस हॉस्पिटल एन एच एस फाउंडेशन ट्रस्ट, यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिंघम में 24 मई – 7 जून 2014 के बीच प्रेक्षक रहे, शिशु, बच्चों और वयस्क लोगों के जीवन समर्थन में और चोकिंग प्रोटोकोल तथा बैग वॉल्व मास्क युक्ति के उपयोग पर ''बुनियादी जीवन समर्थन प्रशिक्षण'' के प्रशिक्षण में 23 मई 2014 को भाग लिया, 23 मई 2014 को स्तर 3 बाल सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिस्सा लिया, इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एण्ड लेप्रेरोलॉजी की सहायक संपादक के रूप में कार्य किया; इंडेक्स – टीबी (इंडियन एक्स्ट्रा पल्मोनरी ट्यूबर कुलोसिस) दिशानिर्देश तैयार करने के लिए ''क्यूटेनियस ट्यूबरकुलोसिस'' समूह में सदस्य के तौर पर शामिल रहे, 22 अगस्त 2014 को आयोजित 'माइक्रोटीचिंग' पर कार्यशाला में भाग लिया; 29–30 अगस्त 2014 के बीच के एल विग सेंटर फॉर मेडिकल एजुकेशन एण्ड टेक्नोलॉजी में 'राइटिंग ए साइंटिफिक पेपर' पर कार्यशाला में भाग लिया।

9.10 आपात चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष
प्रवीण अग्रवाल

आचार्य
एल. आर. मुरमू

सहायक आचार्य
मोहम्मद ताहिर अंसारी

विशिष्टताएं

विभाग हर समय विभिन्न प्रकार की चिकित्सा, बाल रोग और गैर अभिघात आपातकालीन स्थितियों के रोगियों को गुणवत्ता पूर्ण आपातकालीन देखभाल प्रदान करने में अग्रणी रहा है। किसी प्रकार के अभिघात के रोगियों को भी शुरूआती आपातकालीन देखभाल प्रदान की जाती है। वर्ष 2014–15 के दौरान लगभग 1,42,000 रोगियों का विभाग में आगमन हुआ। यह भारत के कुछ ऐसे शैक्षिक विभागों में से एक है जहां आपातकालीन चिकित्सा की विशेषज्ञता में स्नातकोत्तर डिग्री प्रदान की जाती है। विभाग स्नातक छात्रों, नर्सों और पराचिकित्सा कार्मिकों को गंभीर रूप से बीमार रोगियों की शुरूआती देखभाल का प्रशिक्षण और अध्यापन भी करता है। विभाग के संकाय सदस्य आपातकालीन चिकित्सा विषय में भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा मान्यता प्राप्त कॉलेजों के मौजूदा और भावी संकाय को प्रशिक्षण प्रदान करने में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभाग इस क्षेत्र में डॉक्टरों, नर्सों और पराचिकित्सा कार्मिकों के प्रशिक्षण के लक्ष्य सहित आपातकालीन चिकित्सा पर सम्मेलनों के आयोजन के लिए यूएसए के अनेक विश्वविद्यालयों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करता है। इनमें से कुछ विश्वविद्यालयों में यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ फ्लोरिडा, सनी डाउनस्टेट, न्यूयॉर्क और मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी शामिल हैं।

शिक्षा

विभागीय संकाय द्वारा जीवन के लिए सहायक पाठ्यक्रमों के तहत स्नातक पूर्व और स्नात्तकोत्तर पाठ्यक्रमों को संचालित किया जाता है। विभाग द्वारा आपात चिकित्सा के लिए रेजिडेंट्स के लिए शैक्षिक गतिविधियों की अनुसूची (सेमिनार, जर्नल क्लब, केस पर चर्चा) सप्ताह में पांच बार चलाई जाती है। रेजीडेंटों को सिमुलेशन आधारित अध्यापन और प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके अलावा विभागीय संकाय वर्ग द्वारा व्याख्यान और सेमिनार के माध्यम से स्नातक पूर्व, स्नातकोत्तर और नर्सिंग विद्यार्थियों को प्रबोधक शिक्षा प्रदान की गई थी। विभाग द्वारा चलाए जा रहे अल्पकालिक प्रशिक्षण के तहत इंग्लैंड के एक स्नातक पूर्व विद्यार्थी को प्रशिक्षण दिया गया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

सम्मेलन / सेमिनार / कार्यशालाओं का आयोजन

1. लखनऊ, उत्तर प्रदेश में 17 अक्तूबर, 2014 को ''एडवांस्ड टॉक्सिकोलॉजिकल लाइफ सपोर्ट'' वर्कशॉप में, 10वां इंडो–यूएस इमरजेंसी मेडिसिन शिखर सम्मेलन आयोजित किया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

प्रवीण अग्रवाल : 7

मौखिक पत्र/ पोस्टर प्रस्तुतीकरण : 5

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. आपातकालीन विभाग में एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम (एसीएस) के साथ रोगियों के जोखिम स्तरीकरण में नए कार्डियक मार्कर की भूमिका, प्रवीण अग्रवाल, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2014–16, 35.26 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. कम्पेरेटिव इवेल्यूशन ऑफ बायोमार्कर्स विद क्लिनिकल सेवेरिटी स्कोर्स फॉर आउटकम प्रेडिक्शन इन पेशेंट्स विद सेप्सिस इन द इमरजेंसी डिपार्टमेंट।
2. तीव्र अविभेदित पेट दर्द के साथ आपातकालीन विभाग के बुजुर्ग रोगियों की उपस्थिति पर निर्णय लेने में सीईसीटी एडोमेन की भूमिका।
3. आपातकालीन विभाग में एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम (एसीएस) के साथ रोगियों के जोखिम स्तरीकरण में कार्डियक बायो मार्कर की भूमिका।
4. आपातकालीन विभाग में क्लिनिको–प्रयोगशाला और गंभीर सेप्सिस और सेप्टिक शॉक में सूक्ष्मजीव विज्ञानी प्रोफाइल।
5. सर्वाइकल स्पाइन चोटों में देखभाल अल्ट्रासाउंड के बिंदु।
6. आपातकालीन विभाग में वाइड अवेक स्थानीय एनिस्थीसिया की भूमिका।
7. गंभीर अग्नाशय शोथ के प्रोग्नोस्टिक मार्कर के रूप में सीरम न्यूट्रोफिल जिलेटिनेस संबद्ध लिपोकेलिन की भूमिका।

पूर्ण

1. संदिग्ध तीव्र पथरी के रोगियों में नैदानिक अंक प्रणाली का मूल्यांकन

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. आर्थोपेडिक्स विभाग के उपक्षित मोंटेग्गिया फ्रैक्चर अव्यवस्था के लिए विभिन्न प्रक्रियाओं के नैदानिक और रेडियोलॉजिकल परिणाम।
2. इन विट्रो में मानव अस्थि मज्जा व्युत्पन्न मीजेनकाइमल स्टेम सेल में सिम्फायटम ऑफिसिनेल के ऑस्टियोजेनिक प्रलेखित के पीछे तंत्र को स्पष्ट करने के लिए, जैव रसायन विभाग।
3. बृहदांत्र कार्सिनोमा सेल लाइनों और मानव अस्थि व्युत्पन्न मीजेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं में स्टेमनेस के साथ ईएमटी / एमईटी हस्ताक्षरों की तुलना, जैव रसायन विभाग।
4. कोहनी में पुराने दर्द की एमआरआई मूल्यांकन, रेडियोलॉजी विभाग।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 14

रोगी उपचार

विभाग में रोगियों की उपस्थिति का विवरण (2014–15)

रोगियों की कुल संख्या : 1,42,267 (अप्रैल 2014 से मार्च 2015 तक)

अवयस्क ऑपरेशन थिएटर में कुल मामले किए गए : 130

पुरस्कार, सम्मान तथा उल्लेखनीय घटनाएं

आचार्य प्रवीण अग्रवाल जरनल ऑफ इमरजेंन्सिस, ट्रॉमा एंड शॉक, प्रमुख सह–संपादक बने रहे, जो पब मेड इंटरनेशनल इंडेक्स्ड है; फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया (पीवीओआई) के लिए केंद्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन और इंडियन फार्माकोपोइया कमीशन के एकल

समीक्षा पैनल के नामित सदस्य; सदस्य वैज्ञानिक निकाय, इंडियन फार्माकोपोइया कमीशन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; के सदस्य, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय विशेष समिति और भारत में शैक्षणिक आपातकालीन विशेषज्ञ कॉलेज भी बने रहे। उन्हें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली की ऐथिक्स समिति के एक सदस्य, राष्ट्रीय अस्पताल और स्वासथ्य देखभाल प्रदाता प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएच) की अनुसंधान समिति के एक सदस्य, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान संस्थान के तहत जैव चिकित्सा युक्तियों के क्षेत्र में एक विशेषज्ञ और स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण मंत्रालय (आपातकालीन चिकित्सा राहत विभाग) द्वारा चिकित्सकों हेतु उन्नत राष्ट्रीय आपातकालीन जीवन समर्थक पाठ्यक्रम हेतु पाठ्यचर्चा के विकास के लिए गठित विशेषज्ञों के पैनल का एक सदस्य मनोनीत किया गया है।

9.11 अंतः स्राविकी एवं चयापचय

आचार्य एवं अध्यक्ष

ए. सी. आमिनी (30 जून 2014 तक) | निखिल टंडन (1 जुलाई 2014 से)

आचार्य

नंदिता गुप्ता | रविन्द्र गोस्वामी

अपर आचार्य

राजेश खड़गावत | विवेक पी. ज्योत्सना

सहायक आचार्य

मो. अशरफ गनी

वैज्ञानिक

एम. एल. खुराना

विशिष्टताएं

विभाग बहिरंग सुविधाओं का संचालन हर रोज़ करता है। यह अस्थि सघनता माप तथा हार्मोन परख जैसी सुविधाएं अन्य विभागों द्वारा देखे जा रहे रोगियों को प्रदान करता है। विभाग के अनेक अकादमिक क्रियाकलाप है यथा प्रत्येक दो सप्ताह में एक बार अंतः स्राविकी – विकृति विज्ञानी सम्मेलन, प्रत्येक सप्ताह में एक बार अंतः स्राविकी – शल्य – चिकित्सीय – नाभिकीय चिकित्सा (बुधवार) तथा अंतः स्राविकी विकिरण नैदानिक बैठक (शुक्रवार) । प्रत्येक सप्ताह एक संगोष्ठी (बुधवार), एक जर्नल क्लब (शुक्रवार) और एक नैदानिक वर्ग (गुरुवार) शैक्षणिक गतिविधियों में शामिल थे। अत्यंत नैदानिक महत्व और हाल ही में उच्च प्रभाव लेख के विषयों पर चर्चा की गई।

शिक्षा

स्नातक, स्नातकोत्तर, पैरामेडिकल प्रशिक्षण

विभाग में सक्रिय रूप से शिक्षण स्नातक, स्नातकोत्तर और पोस्टडॉक्टरल मेडिकल छात्र और नर्सिंग छात्र शामिल है। स्नातकोत्तर छात्रों को आंतरिक चिकित्सा और बुढ़ापे मेडिसिन (एमडी) से (एमडी) विभाग के लिए एक या दो महीने पोस्टिंग के लिए आते हैं। विभाग नियमित आधार पर डीएम छात्रों और पीएचडी छात्रों को प्रवेश देता है। पिछले वर्ष के दौरान एक उम्मीदवार डीएम पूरा किया (एण्डोक्राइनोलॉजी) तथा दो नए उम्मीदवारों डीएम (एण्डोक्राइनोलॉजी) पाठ्यक्रम के लिए विभाग में शामिल हो गए। एक पीएचडी छात्र ने अपनी डिग्री पूरी, दो इसे पूरा कने की प्रक्रिया में हैं और एन नए छात्र ने पीएच. डी में प्रवेश लिया है। पांच उम्मीदवार देश के विभिन्न संस्थानों से आए अल्पकालिक प्रशिक्षण पूरा किया। संस्थान के शैक्षिक रोस्टर के अनुसार स्नातक, स्नातकोत्तर छात्रों और नर्सिंग छात्रों के लिए कक्षाओं के अलावा संकाय कक्षा लेते हैं।

दीर्घ और लघु अवधि प्रशिक्षण

- पांच उम्मीदवारों ने अल्पावधि प्रशिक्षण पूरा किया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्याशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन
प्रदत्त व्याख्यान

निखिल टंडन : 35 | **आर. गोस्वामी : 4** | **राजेश खड़गावत : 14**

विवेक पी. ज्योत्सना : 8 | **मोहम्मद अशरफ गनी : 11**

अनुसंधान
वित्तपोषित परियोजनाएं
जारी

1. विटामिन डी तथा कैल्शियम से उपचारित ओस्टियोपोरोटिक रजोनिवृत्ति पश्च महिलाओं में अस्थिभंग के जोखिम को कम करने के लिए ओडानासेटिव (एम के – 0822) की सुरक्षा तथा प्रभावात्मकता का आकलन करने के लिए एक चरण – 3 यादृच्छिक प्लेसेबो नियंत्रित नैदानिक परीक्षण। प्रो. निखिल टंडन, एम ई आर के और सी ओ., आई एन सी, यू एस ए, 6 वर्ष, 2009 – 15, 1.68 करोड़ रुपए।
2. बायोडिजाइन के लिए नेशनल एलायंस कार्यक्रम तथा ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस तथा प्रौद्योगिकी संस्थान और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के बीच इन विट्रो निदान, प्रो. निखिल टंडन, डी बी टी, 5 वर्ष, 2010 – 15, 35 लाख रुपए।
3. अग्रिम : एक फैक्टोरियल रक्तचाप कम करने का यादश्च्छिक नियंत्रित परीक्षण, एक तय कम खुराक पेरिनोडोप्रील के साथ – इंडापैमाइड संयोजन औरसघन ग्लूकोज़ नियंत्रण के साथ – ग्लिक्लाजाइड (ग्लिक्लाजाइड एमआर) जारी है – टाइप 2 डायबिटीज़ के साथ उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों के बीच संवहनी रोगों की रोकथाम के लिए आधारित आहार, प्रो. निखिल टंडन, अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य के लिए जॉर्ज इंस्टीट्यूट, ऑस्ट्रेलिया, 5 वर्ष, 2010 – 15, 6.47 लाख रुपए।
4. गैर संचारी जीर्ण हृदय और फेफड़े रोग (सीवीपीडी) से निपटने के लिए विकासशील देशों में वैश्विक स्वास्थ्य गतिविधियां – उत्कृष्टता केंद्र (सीओई), प्रो. निखिल टंडन, एन आई एच, यू एस ए, 5 वर्ष, 2011–16, 41.78 लाख रुपए।
5. ग्लू अनुदान योजना बचपन का मोटापा : इंफ्लेमेटरी मार्कर, जीन भिन्नता और एपिजेनेटिक्स, उत्तर भारत के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में एक संघ अध्ययन, प्रो. निखिल टंडन, डी बी टी, 5 वर्ष, 2011 – 16, 60.91 लाख रुपए।
6. टाइप 2 डायबिटीज़ के रोगियों में ग्लायसेमिक नियंत्रण, जीवन की गुणवत्ता और ऑक्सीडेटिव तनाव मार्करों पर व्यापक योग श्वास रोग कार्यक्रम का प्रभाव, प्रो. निखिल टंडन, डीबीटी, 3 वर्ष, 2012 – 15, 1.27 करोड़ रुपए।
7. भारत में युवावस्था के आरंभ – चरण 2 में ही डायबिटीज़ वाले रोगियों का पंजीकरण। प्रो. निखिल टंडन, आई सी एम आर, 5 वर्ष, 2012–2017, 93.90 लाख रुपए।
8. को–मॉर्बिड डायबिटीज़ और अवसाद के लिए समन्वित देखभाल, प्रो. निखिल टंडन, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेंटल हेल्थ, एन आई एच, यू एस ए, 5 वर्ष, 2014 – 19, 88.22 लाख रुपए।
9. इंसुलिन के हृदय सुरक्षा की तुलना एक परीक्षण देग्लुदेक बनाम हृदय की घटनाओं के उच्च जोखिम में टाइप 2 डायबिटीज़ के साथ विषयों में ग्लेरगीन, प्रो. निखिल टंडन, नोवा नोर्डिस्क इंडिया प्रा. लि., 4 वर्ष, 2014 – 18, 7.70 लाख रुपए।
10. एक यादृच्छिक, दोहरे अंधेपन, मल्टीसेंटर, तीसरे चरण के अध्ययन का मूल्यांकन करना कुशिंग रोग वाले रोगी में प्रभावकारिता और पेसिरिओटाइड एल ए आर की सुरक्षा प्रो. निखिल टंडन, नोवार्टिस इंडिया, 2 वर्ष, 2014 – 16, 11.27 लाख रुपए।
11. सोलन निगरानी अध्ययन, प्रो. निखिल टंडन आई सी एम आर, 2 वर्ष, 2014 – 16, 48.93 लाख रुपए।
12. निरंतर ग्लूकोज की निगरानी प्रणाली का उपयोग कर ग्लाइसेमिक परिवर्तनशीलता का आकलन करना (सी जी एम एस) के रोगियों में साथ और बहि कमी के बिना डायबिटीज़ के साथ पुरानी चूनेवाला पैन्क्रियाटाइटिस : एक क्रॉस–सेक्शनल गैर हस्तक्षेप अध्ययन, प्रो. निखिल टंडन, एम्स, 2 वर्ष, 2014 – 16, 5 लाख रुपए।
13. युवा एशियाई भारतीयों पुरुषों में कंकाल की मांसपेशियों की ताकत निम्नलिखित विटामिन डी और कैल्शियम की पूरकता : एक यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण, प्रो. आर. गोस्वामी, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2014–17, 50 लाख रुपए।
14. नए ओस्टोजेनिक अणुओं का आकलन – भाग 2 , संभवत : कैल्सीकरण के लिए बेसल गैन्लिया में शामिल है, प्रो. आर. गोस्वामी, एम्स, 1 वर्ष, 2014 – 15, 5 लाख रुपए।
15. 11–17 वर्षीय आयु के मोटे एशियाई भारतीय लोगों में इंसुलिन प्रतिरोध तथा बीटा कोशिका प्रकार्य पर विटामिन डी अनुपूरण के प्रभावों की जांच करने के लिए एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड नियंत्रित परीक्षण, डॉ. राजेश खड़गावत, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2011–15, 45 लाख रुपए।

16. बुजुर्ग एशियाई भारतीयों में 60 वर्ष से अधिक आयु में कूल्हे की हड्डी की भंगुरता के साथ इसके टूटने से जुड़े क्लिनिकल, एपिडेमियोलॉजिकल और पर्यावरण संबंधी जोखिम कारकों का अध्ययन, डॉ. राजेश खड़गावत, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2014 – 16, 33 20 लाख रुपए।
17. भारत में व्यावसायिक उपलब्ध कॉलेकैल्सिफेरॉल तैयारियों की सामग्री शक्ति में परिवर्तनशीलता का अध्ययन करना, डॉ. राजेश खड़गावत, इंडियन सोसायटी ऑफ बोन एंड मिनरल रिसर्च (आई एस बी एम आर), 1 वर्ष, 2014–15, 2.50 लाख रुपए।
18. भारतीय स्कूली बच्चों में ऑटोइम्यून थायरॉइडिटिस और थायराइड रोग की उत्तेजना के संबंध में आयोडीन पूरकता की चिंताओं को संबोधित करना : निम्नलिखित तीन दशकों में यूनिवर्सल साल्ट आयोडाइजेशन (यू एस आई), डॉ. राजेश खड़गवत, डी आर डी ओ, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2014 – 16, 42 लाख रुपए।
19. टाइप 2 डायबिटीज़ वाले बच्चों और किशोरों में ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर मेटफार्मिन बनाम मेटफार्मिन मोनोथैरेपी सहित संयोजन में लाइराग्लुटाइड का प्रभाव और सुरक्षा : एक 26 सप्ताह खुले लेबल विस्तार के बाद 26 सप्ताह डबल ब्लाइंड यादृच्छिक, समानांतर समूह, प्लासेबो नियंत्रित बहु केंद्र परीक्षण, डॉ. राजेश खड़गावत, नोवो नोर्डिस्क, 2 वर्ष, 2014–15, 10 लाख रुपए।
20. ए रेण्डोमाइज्ड डबल ब्लाइंड प्लेसिबो कंट्रोल्ड पैरलल ग्रुप स्टडी टू एवेल्यूएट द एफिकेसी एण्ड सेफ्टी ऑफ एस ए आर 236553 / आर ई जी एन 727 इन पेशेंट्स हेटेरोजिगौस फैमिलियल हाइपरकोलेस्टेरोलेमिया नोट एडेक्वेटली कंट्रोल्ड विद देयर लिपिड मोडिफाइंग थेरेपी, डॉ. राजेश खड़गवत, सेनोफी – एवेंटिस, 3 वर्ष, 2014 – 16, 10 लाख रुपए।
21. वृद्धि हार्मोन की कमी वाले रोगियों में जीनोटाइप फीनोटाइप सह संबंध। डॉ. विवेका पी. ज्योत्सना, डी एस टी, 3 वर्ष, 2012 – 2015, 22.25 लाख रुपए।
22. प्राथमिक हाइपरपैराथायरॉइडिज्म, अग्नाशय और पिट्यूटरी ट्यूमर और इसके नैदानिक निहितार्थ वाले रोगियों में मेनिन जीन म्यूटेशन, डॉ. विवेका पी. ज्योत्सना, अ. भा. आ. सं., 2 वर्ष, 2013–2015, 10 लाख रुपए।
23. यौन भेदभाव के विकार (डी एस डी) : नैदानिक, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक प्रभाव, डॉ. विवेका पी. ज्योत्सना, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2014–2016, 39.87 लाख रुपए।
24. प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक द्वितीय चरण परीक्षण और केवल पसिरोटिड एस.सी. की सुरक्षा या कुशिंग रोग के साथ रोगियों में कबर्गोलिने की संयोजकता, डॉ. विवेका पी. ज्योत्सना, आई सी एम आर, 2 वर्ष, 2014 – 15, 10 लाख रुपए।
25. पॉली सिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) वाली भारतीय महिलाओं में प्रज्जवलन की भूमिका और भोजन संबंधी कारकों द्वारा इसका मॉड्यूलेशन। डॉ. मोहम्मद अशरफ गनी, डी बी टी, 3 वर्ष, 2013–16, 56.88 लाख रुपए।
26. टाइप 2 डायबिटीज़ वाले इंसुलिन मूल निवासी व्यक्तियों के साथ या इसके बिना मेटफार्मिन के रूप में एक सप्ताह सेमाग्लुटाइड बनाम एक दैनिक ग्लार्गिन का प्रभाव और सुरक्षा। डॉ. मोहम्मद अशरफ गनी, नोवो नॉर्डिस्क, 1 वर्ष, 2013 – 14, 14 लाख रुपए।
27. हृदय की घटनाओं के उच्च जोखिम में टाइप 2 डायबिटीज़ वाले व्यक्तियों में इंसुलिन ग्लार्गिन बनाम इंसुलिन डिग्लुडेक के हृदय के एक परीक्षण की तुलना। नोवो नॉर्डिस्क द्वारा प्रायोजित बहु केंद्र परीक्षण, डॉ. मोहम्मद अशरफ गनी, नोवो नोर्डिस्क, 5 वर्ष, 2013 – 18, 40 लाख रुपए।
28. लक्षणहीन हाइपोथायरायडिज्म और पॉलीसिस्टिक अंडाशय सिंड्रोम (पीसीओएस) वाली महिलाओं में लेवोथायरॉक्सीन प्रतिस्थापन का प्रभाव, डॉ. मोहम्मद अशरफ गनी, अ. भा. आ. सं., 1 वर्ष, 2013–14, 5 लाख रुपए।
29. गैर संचारी रोग के परिणाम और जोखिम कारकों के विशेष संदर्भ में कश्मीर घाटी में जनजातीय आबादी का स्वास्थ्य सर्वेक्षण : डीएसटी द्वारा प्रायोजित एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन। डॉ. मोहम्मद अशरफ गनी, डी एस टी, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2013–16, 1.73 करोड़ रुपए।
30. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) वाली महिलाओं में वेंट्रिकुलर कार्य पर स्पीरोनोलेक्टोन उपचार के वेंट्रिकुलर कार्य और प्रभाव पर ए सी ई एन एफ, के बीटा आई एल – 6 और टी एन एफ अल्फा की जेनेटिक बहुरूपता का प्रभाव, डॉ. मोहम्मद अशरफ गनी, डी एस टी (डब्ल्यू ओ एस ए), 3 वर्ष, 2014 – 17, 16 लाख रुपए।
31. क्वांटिटेशन एण्ड कम्पेरेटिव एवेल्यूशन ऑफ इंसुलिन रेसिस्टेंस, प्रोइंफ्लेमेटरी एण्ड प्रोकोएगुलेंट मार्कर्स इन ड्रग नैव वर्सस ओरल कंट्रासेप्टिव पिल्स (ओ सी पी) ट्रीटेड पी सी ओ एस वूमेन, डॉ. मोहम्मद, अशरफ गनी, डी एस टी, जम्मू और कश्मीर, 3 वर्ष, 2013 – 16, 18.50 लाख रुपए।

32. कश्मीरी पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पी सी ओ एस) में आई सी ए एम – 1, टी एन एफ – ह्य, एम सी पी – 1 और पी ए आई – 1 जीन के आनुवंशिक वेरिएंट का मूल्यांकन और दवा नैव बनाम मौखिक गर्भनिरोधक गोलियों (ओ सी पी) उपचार पी सी ओ एस महिला में इन जीनों की अभिव्यक्ति का तुलनात्मक विश्लेषण, डॉ. मोहम्मद अशरफ गनी, डी एस टी (डब्ल्यू ओ एस ए), 3 वर्ष, 2013 – 16, 15.80 लाख रुपए।

पूर्ण

1. स्पोरेडिक इडियोपैथिक हाइपोपैराथाइरॉइडिज्म वाले रोगियों में उपचार 1 तथा उपचार 2 अभिव्यक्ति पैटर्न तथा एच एल ए प्रीडिस्पोजिशन, प्रो. आर गोस्वामी, डीबीटी, 3 वर्ष, 2011 – 14, 44 लाख रुपए।
2. कैल्सीकरण के लिए बेसल गैंग्लिया के आणविक कारकों के पूर्व निपटान का आकलन, प्रो. आर. गोस्वामी, अ. भा. आ. सं., 2 वर्ष, 2012–14, 5 लाख रुपए।
3. चरण 3, मल्टी सेंटर, यादृच्छिक, एल बी 03002 की सुरक्षा और प्रभावकारिता का समानांतर समूह अध्ययन, मानव जैसे रीकॉम्बीनैंट विकास हार्मोन की एक निरंतर जारी निरूपण के रूप में बनाम एण्डोजीनस विकास हार्मोन के अपर्याप्त निरंतर स्राव के कारण विकास विफलता वाले उपचार नैव बच्चों में जीनोट्रोपिन के साथ दैनिक चिकित्सा, डॉ. राजेश खड़गावत, एल जी फार्मास्युटिकल्स, 5 वर्ष, 2008 – 13, 50,000 यूरो।
4. बेसल बोलस व्यवस्था बनाम बेसल इंसुलिन उपचार में एफआईएएसपी की दक्षता और निरापदता, दोनों प्रकार 2 डायबिटीज़ के शुरूआती ® 3 परीक्षण चरण के वयस्क व्यक्तियों में मेट फॉरमिन के संयोजन के साथ : 3 ए परीक्षण आईडी : एनएन 1218 – 4049. डॉ. मोहम्मद अशरफ गनी, नोवो नोर्डिस्क, 1 वर्ष, 2013–14, 1.80 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. टू एसेस ग्लाइसेमिक वेरिएबिलिटी यूजिंग कंटिनस ग्लूकोस मॉनिटरिंग सिस्टम (सी जी एम एस) इन पेशेंट्स ऑफ क्रोनिक कैलसिफिक पेंक्रिटिटिस विद् डायबिटिज़ विद एण्ड विदाउट एक्सोक्राइन इंसफिसियंसी : ए क्रॉस – सेक्शनल नॉन – इंटरवेंशनल स्टडी एक क्रॉस सेक्शनल गैर हस्तक्षेप अध्ययन।
2. प्रो–बायोटिक तैयारी वीएसएल नं. 3 की मौखिक प्रशासन का प्रभाव, व्यवहार्य लाइव के 8 उपभेदों के एक चिकित्सकीय सुरक्षित मिश्रण, टाइप । डायबेटिक मेलिटस (टी1डीएम) एक यादृच्छिक वाले व्यक्तियों में चयापचय नियंत्रण पर लायोफिलाइज्ड लैक्टिक एसिड बैक्टीरिया, डबल ब्लाइंड प्लासेबो नियंत्रित परीक्षण।
3. इंसुलिन प्रतिरोध का आकलन तथा टाइप 1 प्रकार के डायबिटीज़ मेलिटस रोगियों में उपापचयी सिंड्रोम की व्यापकता।
4. टाइप 1 डायबिटीज़ वाले रोगियों में अल्कोहल–रहित फैटी लिवर रोग का प्रसार।
5. टाइप 1 डायबिटीज़ के रोगियों में क्षय रोग के संक्रमण का प्रसार।
6. टाइप 1 डायबिटीज़ के रोगियों में कंधे के पेरिआर्थरिटिस की व्यापकता।
7. टाइप 1 डायबिटीज़ के रोगियों में 'कैथेलिसिडिन' एंटीमायकोबैक्टीरियल पेप्टाइड की अभिव्यक्ति और ग्लाइसेमिक नियंत्रण के साथ इसका सह–संबंध
8. स्पष्ट रूप से स्वस्थ पुरुष व्यक्तियों में सीरम एंड्रोजन मानकों पर एडिपोसिटी के प्रभाव का अध्ययन।
9. मोटापे के शिकार बच्चों और किशोरों में इंसुलिन प्रतिरोध के निर्धारकों का अध्ययन करना।
10. वृद्धि हार्मोन की कमी वाले बच्चों में फीनोटाइप और रेडियोलॉजिकल सहसंबंध।
11. जी ए 68–डी ओ टी ए एन ओ सी पी ई टी / सी टी तथा एफ 18 – एफ डी जी पी ई टी / सी टी के साथ न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर की विशेषता और ऊतक विकृति विज्ञान के साथ परिणाम की तुलना।
12. 11 – 17 आयु वर्ष के मोटे एशियाई भारतीय बच्चों में इंसुलिन प्रतिरोध के निर्धारकों का अध्ययन करना।
13. पिट्यूटरी मोर्फोमेट्री का विभिन्न आयु समूहों में अध्ययन करना।
14. कुशिंग रोग वाले रोगियों में अस्थि स्वास्थ्य।

15. डायबिटीज़ के रोगियों में पैरों की देखभाल में सुधार लाने में रोगी शिक्षा पैकेज की उपयोगिता।
16. मेटफार्मिन की तुलना पर डायबिटीज़ मेलिटस में सीरम बी12 का स्तर मेटफॉर्मिन उनके लिए नहीं है : मेटाफार्मिन इंटेक प्रभाव सीरम बी12 का स्तर करता है?
17. डायबिटीज़ में इनवेसिव कवक राइनोसिनुसिटीस : नैदानिक, सूक्ष्म जीव विज्ञानी और रेडियोलॉजिकल रूपरेखा।
18. 46 एक्सवाई गोनेडल डायजेनेसिस और एजेंसियों के साथ रोगियों में जीन म्यूटेशन (एन आर 5 ए 1, डी ए एक्स 1, डी एच एच, डब्ल्यू टी1, एस आर वाई, डी एम आर टी1, एस ओ एक्स 9) का अध्ययन।
19. एफ टी ओ और ओमेटिन 1 जीन बहुरूपता पर विशेष बल के साथ पीसीओएस से प्रभावित महिलाओं में माता पिता में डायबिटीज़ मेलिटस होने या नहीं होने के साथ नैदानिक, जैव रासायनिक, हार्मोनल विशेषताओं का तुलनात्मक मूल्यांकन।
20. स्टडी ऑफ लिपिड प्रोफाइल अमंग पेशेंट्स विद कौशिंग सिंड्रोम विद ऑर विदाउट फैमिली हिस्टरी ऑफ डायबिटीज़ मेलिटस
21. अस्थानिक कुशिंग सिंड्रोम के नैदानिक प्रोफ़ाइल का अध्ययन
22. पी सी ओ एस वाली बांझ महिलाओं की इन – विट्रो निषेचन की सफलता का नैदानिक, जैव रासायनिक और हार्मोनल भविष्यवक्ता।
23. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम के साथ युवा महिलाओं के बीच गैर शराबी फैटी लीवर रोग का मूल्यांकन और इंसुलिन संवेदनशीलता और शरीर में वसा के वितरण के साथ इसका सह–संबंध।
24. स्पिरोनोलेक्टोन के साथ या बिना पी सी ओ एस महिलाआ उपचार में मायोकार्डियल मास पर आर ए ए एस जीन पॉलीमोर्फिज्म और साइटोकाइन जीन पॉलीमोर्फिज्म का प्रभाव।
25. पी सी ओ एस और डायबिटीज़ वाली महिलाओं में एच एस सी आर पी प्रमोटर जीन बहुरूपता की व्यापकता।
26. ओ सी पी बनाम नियंत्रण महिलाओं के साथ पी सी ओ एस उपचार वाली महिलाओं के बीच आई एल – 6 और टी एन एफ अल्फा पॉलीमोर्फिज्मस का सहसंबंध।
27. नव निदान उच्चरक्तचाप के साथ डायबिटीज़ में ऑटोनोमिक, वेस्कुलर और एण्डोथेलियल कार्य पर एंजियोटेनसिन परिवर्तित एंजाइम अवरोध का प्रभाव
28. आक्रामक फंगल संक्रमण के निदान के लिए वास्तविक समय मात्रात्मक पी सी आर का परख।
29. पहले और ट्यूमर को हटाने के बाद फियोक्रोमोसाइटोमा वाले रोगियों में स्वायत्त और नाड़ी समारोह का आकलन।

पूर्ण

1. नियमित देखभाल के दौरान पहली और तीसरी तिमाही में गर्भवती महिलाओं में विटामिन डी की कमी के प्रसार का अध्ययन करना।
2. पहली तिमाही ग्लूकोज जांच और गर्भावस्था में गर्भकालीन डायबिटीज़ मेलिटस के विकास के साथ सीरम इंसुलिन के स्तर के बीच संबंध।
3. गर्भवती एशियाई – भारतीय महिलाओं में थायरॉइड पैरोक्सीडेस एंटीबॉडी सकारात्मकता का प्रसार।
4. कूल्हे की गैर दर्दनाक अस्थिभंग वाले रोगियों में विटामिन डी की कमी के प्रसार का आकलन करना।
5. प्राथमिक हाइपोथायरायडिज्म की नैदानिक, जैव रासायनिक और रेडियोलॉजिकल सुविधाओं का अध्ययन करना : विटामिन डी पोषण और ऊतकविकृतिविज्ञानी का प्रभाव।
6. एथेरोस्क्लेरोसिस के एक मार्कर के रूप में कैरोटिड इंटिमा मीडिया मोटाई (सी आई एम टी) का अध्ययन करना और 4–18 वर्ष के आयु समूह में मोटापे के शिकार बच्चों में इंसुलिन प्रतिरोध के लिए इसका सहसंबंध।
7. 6–18 वर्ष के आयु समूह में मोटापे के शिकार व्यक्तियों में इंसुलिन प्रतिरोध और बीटा कोशिका कार्य के साथ सीरम विटामिन डी स्तर के संबंध का अध्ययन करना।
8. 6–18 वर्ष के आयु समूह में मोटापे से ग्रस्त बच्चों और किशोरों में धमनी कठोरता का आकलन।
9. पॉलीसिस्टिक डिम्बग्रंथि सिंड्रोम (पी सी ओ एस) वाले एशियाई – भारतीय व्यक्तियों में इंसुलिन प्रतिरोध और बीटा कोशिका कार्यों पर विटामिन डी पूरकता के प्रभाव की जांच करना : एक पायलट अध्ययन।
10. प्राथमिक हाइपोथायरायडिज्म वाले व्यक्तियों में हिस्टोपैथोलॉजिकल मानकों के साथ सीरम पैराथायरॉइड हार्मोन स्तर और सीरम विटामिन डी का अध्ययन करना।

11. भारतीय बच्चों और किशोर और यौवन की शुरूआत पर बी एम आई के प्रभाव में यौवन की शुरूआत का अध्ययन करना।
12. ट्यूमर प्रेरित ऑस्टेयोमैलासिया वाले व्यक्तियों के नैदानिक, जैव रासायनिक और रेडियोलॉजिकल रूपरेखा का अध्ययन करना।
13. वैल्प्रोएट पर मिर्गी के रोगियों में हड्डी स्वास्थ्य मापदंडों का अध्ययन।
14. ग्लाइसेमिक कंट्रोल पर लयबद्ध सांस के प्रभाव का अध्ययन करना, डायबिटीज़ के मानक उपचार के अलावा डायबिटीज़ के रोगियों में जीवन और हृदय ऑटोनोमिक कार्यों की गुणवत्ता।
15. अंतःस्रावी ओ पी डी में आने वाले डायबिटीज़ के रोगियों के बीच डायबिटीज़ के कारण पैरों की देखभाल के उपायों के बारे में जागरूकता का अध्ययन।
16. अंतःस्रावी ओ पी डी में आने वाले रोगियों में पैरों के जोखिम की व्यापकता का अध्ययन।
17. टू कॉरिलेट रिडक्शन इन पैंक्रिएटिक पेरेंकाइमा फॉलोइंग पेंक्रिएटिको – डौडेनेक्टोमी विद रिस्क ऑफ न्यू – ओनसेट डायबिटिज़ यूजिंग मल्टी – डिटेक्टर रॉ कंप्यूटिड टोमोग्राफी इमेजिंग वॉल्युमेट्री।
18. स्थानीय संज्ञाहरण की इंफिल्ट्रेशन के साथ और इसके बिना सर्जरी के बाद नवजात शिशुओं में हाइपरग्लाइसेमिक प्रतिक्रिया का अध्ययन करना।
19. प्रारंभिक मध्य आयु में चिरकालिक गुर्दा रोग के महामारी विज्ञान बायोमार्कर के साथ वयस्कता तक जन्म से बॉडी मास इंडेक्स में गर्भावधि की आयु, जन्म के समय वजन और श्रृंखला परिवर्तन का संबंध।
20. ग्लूकोज चयापचय पर बेरिएट्रिक सर्जरी के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए भावी सर्जरी – लेप्रोस्कोपिक रॉक्स एन वाई गैस्ट्रिक बाईपास और लेप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टॉमी की तुलना।
21. मिर्गी के व्यक्तियों में हड्डियों के स्वास्थ्य का आकलन करने के लिए एक अध्ययन और एक शिक्षण मॉड्यूल विकसित करने के उद्देश्य से हड्डियों के स्वास्थ्य से संबंधित अपने ज्ञान का मूल्यांकन करना।
22. टाइप 2 डायबिटीज़ में फेफड़े के कार्यों और एंडोथेलियल कार्यों के बीच संबंधों की जांच करने के लिए अध्ययन।
23. डायबिटीज़ मेलिटस के उपचार में क्षय रोग के इलाज के परिणाम।
24. मिर्गी वाली महिलाओं के परामर्श पर दिशानिर्देश विकसित करने के लिए गैर मिर्गी वाली महिलाओं के देखने के साथ मिर्गी वाली महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य का आकलन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन।

प्रकाशन

जर्नल : 35 **पुस्तकों में अध्याय : 10**

रोगी देखभाल

अंतः स्राविकी एवं चयापचय विभाग क्लिनिकल दृष्टि से अति विशेषज्ञता वाले विभागों में से एक है जहां डायबिटीज मेलिटस, पॉलिसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पी सी ओ एस), थाइरोइड अकार्यात्मकता, पिट्यूटरी विकार, अधिवृक्क, अग्न्याशय के विकार, वृद्धि, हड्डी, प्रजनन और यौन भेद के विकारों का इलाज किया जाता है। विभाग द्वारा दो विशेषज्ञता क्लिनिक अर्थात बाल रोग और किशोर अंतः स्रावी विज्ञान (पी ए ई सी) और युवा अवस्था का डायबिटीज़ (डी ओ वाय) के साथ प्रतिदिन सुबह ओ पी डी चलाया जाता है। विभाग द्वारा सभी 6 कार्य दिवसों पर दो विशेषज्ञता क्लिनिकों, बाल रोग और किशोर अंतः स्रावी विज्ञान, पी ए ई सी (प्रत्येक सोमवार को दोपहर 2 – 5 बजे तक) और युवा डायबिटीज़ क्लिनिक, डी ओ वाय (प्रत्येक शनिवार को सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक) को चलाया जाता है। इसके अलावा आधुनिकतम हार्मोन और चयापचय प्रयोगशाला है, जहां अंतः स्रावी और गैर अंतः स्रावी सेवाओं के रोगियों को अस्थि घनत्व मापन की सुविधा दी जाती है।

चयापचय प्रयोगशाला में की गई जैव रसायनी जांच

संख्या	जांच	नमूनों की संख्या
1	रक्त शर्करा	15ए 774
2	ग्लाइसेटिड हिमोग्लोबिन	12ए 072
3	यूरिन पीएच	188

4	ओस्मोलेलिटी	696
5	कोलेस्ट्रॉल	5484
6	ट्राइग्लाइसेराइड	5484
7	एचडीएल	5484
8	एलडीएल	5484

विभिन्न हार्मोनल विभागीय प्रयोगशाला में की जाने वाली जांचों का विवरण

नहीं	हार्मोन	किए गए ट्यूब आमापन	नहीं	हार्मोन	ट्यूब जांच
1	टी 4	9ए532	13	विटामिन डी	3747
2	टीएसएच	15ए488	14	इंसुलिन	3197
3	टीपीओ	1569	15	सी पेप्टाइड	887
4	एलएच	1672	16	जीएच	797
5	एफएसएच	1813	17	जीएडी	217
6	पीआरएल	2075	18	एफटी 4	984
7	कोरटिसोल	3911	19	आईजीएफ 1	348
8	टेस्टोस्टीरोन	2227	20	ई2	171
9	डीएचईए	718	21	केल्सिटोनिन	9
10	17 ओएचपी	447		कुल	54ए370

पिछले एक वर्ष में अंतःस्रावी क्लिनिक का माहवार बाह्य रोगी उपस्थिति (कुल 42531 रोगी)

माह	नए रोगी	पुराने रोगी	डीओवाई
अप्रैल 2014	925	2651	140
मई 2014	1088	2495	140
जून 2014	961	2260	153
जुलाई 2014	1056	2658	140
अगस्त 2014	954	1879	188
सितंबर 2014	1355	2627	140
अक्तूबर 2014	987	1859	145
नवंबर 2014	1028	2244	175
दिसंबर 2014	1081	2283	362
जनवरी 2015	984	2038	168
फरवरी 2015	1077	2345	104
मार्च 2015	1185	2533	103
कुल	**12681**	**27872**	**1958**

पिछले 1 वर्ष में कुल 3488 अस्थि घनत्वों का माप किया गया था।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

आचार्य निखिल टंडन को पदम् श्री – 2015 प्रदान किया गया है, इन्होंने आर एस एस डी आई के गुजरात अध्याय में ओ पी गुप्ता ओरेशन दिया, एण्डोक्राइन सोसायटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और इंडिया सोसायटी फॉर बोन एण्ड मिनरल रिसर्च के अध्यक्ष थे।

आचार्य आर. गोस्वामी को राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान परिषद् द्वारा स्वर्ण जयंति समारोह व्याख्यान – 2014 प्रदान किया गया, उन्होंने डॉ. पी एन शाह ओरेशन, एण्डोक्राइन सोसायटी ऑफ इंडिया 2014 दिया और वे माइक्रोन्यूट्रीशंट्स आई सी एम आर, नई दिल्ली के कार्य दल सदस्य के थे।

डॉ. राजेश खडगावत बाल्यावस्था के मोटापे पर आई सी एम आर कार्य दल अध्ययन के सदस्य थे – यह मापन और निर्धारण पर किया गया एक बहु केंद्र अध्ययन था और वे इंडियन जर्नल पीडियाट्रिक्स के अतिथि संपादक थे।

डॉ. मोहम्मद अशरफ गनी को 11 सितंबर 2014 को एम्स और आईसीएमआर की संयुक्त बैठक ब्रेनस्ट्रार्मिंग मीटिंग ऑफ इण्डिन एक्सपर्ट्स फॉर रिसर्च इन पोलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम का आयोजन करने के लिए समन्वयक नियुक्त किया गया;

वैज्ञानिक अतिथि

1. प्रो. मेलेनी जे डेविस, यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल ऑफ लीसेस्टर एन एच एस ट्रस्ट के मानद परामर्श दाता डायबिटीज़ के विशेषज्ञ, लिसेस्टर, ब्रिटेन और यूनिवर्सिटी ऑफ लिसेस्टर में डायबिटीज़ की दवाओं के प्रोफेसर थे, उन्होंने गुरुवार, 17 जुलाई 2014 को ''ऑप्टिमल मैनेजमेंट ऑफ न्यूली डायग्नोज्ड टाइप 2 डायबिटीज़ पेशेंट्स'' पर वार्ता दी।

2. प्रो. क्रिश्चियन बोइटार्ड, इंसर्म यूनिट, हॉस्पिटल सेंट विंसेंट डी पॉल, पेरिस फ्रांस, ने सोमवार, 19 जनवरी 2015 को ''टी लिम्फोसाइट इन टाइप 1 डायबिटीज़ ऑफ माइस एण्ड मेन'' नामक व्याख्यान दिया।

9.12 न्याय चिकित्सा और विष विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

एस. के. गुप्ता

आचार्य

डी.एन. भारद्वाज | ओ. पी. मूर्ति

अपर आचार्य

मिल्लो टेबिन | संजीव लालवानी (ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें.) | आदर्श कुमार (ज.प्र.ना.ए.ट्रा.कें.)

सहायक आचार्य

चितरंजन बेहेरा | कुलभूषण प्रसाद | अभिषेक यादव

वैज्ञानिक II

अनुपमा रैना

रसायनज्ञ

ए. के. जायसवाल

विशिष्टताएं

विभाग द्वारा अनेक गतिविधियां निष्पादित की जाती हैं। यह शिक्षण, अनुसंधान, प्रशिक्षण, चिकित्सा – कानूनी पोस्टमार्टम, एमएलसी मृत्यु का शवलेपन, आपात कार्य, नैदानिक न्याय चिकित्सा सेवाएं, चिकित्सा – कानूनी मामलों एवं न्यायालय से संबंधित मामले में विशेषज्ञ की राय में व्यस्त रहा। विभाग द्वारा न्यायालयों, सी बी आई, विभिन्न राज्यों के अपराध शाखा, एन एच आर सी और अन्य अन्वेषण एजेंसियों द्वारा भेजे गए मामलों में विशेषज्ञ राय प्रदान की जाती है। विभाग द्वारा तीन प्रयोगशाला सेवाएं यथा – विष विज्ञान प्रयोगशाला, डी. एन. ए. फिंगर प्रिंटिंग और ऊतक विकृति विज्ञान प्रयोगशाला चलाई जाती है। इस वर्ष से पोस्टमार्टम रिपोर्ट का कम्प्यूटरीकरण किया गया था और अब इसे सभी की सुविधा के लिए ए–4 साइज के कागज पर जारी किया जा रहा है। हमारे विभाग में हम फोरेंसिक रेडियोलॉजी और मानव विज्ञान इकाई विकसित करने की प्रक्रिया में हैं जिसके लिए निविदा प्रक्रिया पूरी हो गई थी। विभाग में स्वचालित जैव रासायनिक विश्लेषक स्थापित किया गया था और शैक्षिक उद्देश्य के लिए प्रयोग किया जाता है। कार्यशाला / अनुसंधान के उद्देश्य के लिए मुर्दाघर से मृत शरीर प्राप्त करने के लिए दिशानिर्देश तैयार किए गए हैं और सभी एम्स के विभागों द्वारा इनका पालन किया जाता है

शिक्षा

विभाग द्वारा स्नातकपूर्व एवं स्नातकोत्तर शिक्षण में सक्रिय रूप से काम कर रहा है। इसमें सात स्नातकोत्तर छात्र (एम.डी.) एवं 3 पीएच. डी छात्र विभाग में पंजीकृत हैं। विभाग में अखिल भारतीय अन्य विश्वविद्यालयों से बी. एससी. और एम. एससी. छात्रों के डी. एन. ए. फिंगरप्रिंटिंग एवं चिकित्सा आविष–विज्ञान में प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है। विभिन्न विश्वविद्यालयों से 10 छात्रों को आविष विज्ञान प्रयोगशाला में छोटी / लंबी अवधि के प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षित किया गया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

आदर्श कुमार : 8 | **सी. बेहरा : 3** | **टेबिन मिल्लो : 1**

अशोक जायसवाल : 4 | **अनुपमा रैना : 7**

मौखिक पत्र / शोध पत्र प्रस्तुतिकरण : 15 यूरोसाइकॉन में प्रथम पुरस्कार – 2015 : 1

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. पूर्ण की गई आत्महत्या के साथ माहवारी का संबंध – अस्पताल के आधार पर मामला नियंत्रण एक अध्ययन। चित्तरंजन बेहरा, एम्स, 1 वर्ष, 2013–2015, 5 लाख रुपए।

पूर्ण

1. घातक जहर फास्फाइड में एक उपकरण के रूप में एल्यूमीनियम और जस्ता स्तर के मात्रात्मक निर्धारण का अध्ययन, एम्स, 2 वर्ष, 2013 – 15, 2.67 लाख रुपए।

विभागीय परियोजना

जारी

1. सैप्टिसीमिया से मरने वाले मामलों के न्यूरोट्रॉमा में विभिन्न अंगों के हिस्टोपैथोलॉजिकल और सूक्ष्मजीव विज्ञान अध्ययन।
2. विभिन्न समय अंतराल के संबंध में पोस्टमार्टम के रक्त के नमूनों में शराब का एक मात्रात्मक अध्ययन।
3. विषाक्तता, जैव रासायनिक और हिस्टोपैथोलॉजिकल मिर्गी में अचानक मौत का निष्कर्ष।
4. मुर्दाघर, एम्स में फांसी के कारण मौत में विषाक्तता की दी गई सूचना का निष्कर्ष।
5. अन्य संबद्ध बाह्य के साथ साथ विभिन्न मांसपेशियों पर चोटों में बदलाव और फांसी के कारण मौत के मामलों में घुटन के निशान के स्थितीय बदलाव के साथ गर्दन की आंतरिक चोटका अध्ययन।
6. घातक जहर फास्फाइड में एक उपकरण के रूप में एल्यूमीनियम और जस्ता के स्तर के मात्रात्मक निर्धारण का अध्ययन।
7. मौत के बाद विभिन्न रोगाणुओं द्वारा मानव शरीर में शराब की अंतर्जात उत्पादन का अनुमान और मेडिको–लीगल मुद्दों के लिए अपनी प्रासंगिकता।
8. विभिन्न जैविक नमूने में विभिन्न दवाओं की विषाक्तता विश्लेषण एवं वितरण पैटर्न और आत्महत्या से होने वाली मौतों में न्यूरोलॉजिकल प्रभाव।
9. छात्र आत्महत्या : दक्षिण दिल्ली के लिए एक क्रॉस अनुभागीय वर्णनात्मक अध्ययन।
10. बिजली से होने वाली मौतों में जलने के निशान का हिस्टोपैथोलॉजिकल मूल्यांकन।
11. अचानक हृदय की मौत में हृदय और फेफड़े के ऊतक विज्ञान के स्पेक्ट्रम : एक शव परीक्षा अध्ययन।
12. अचानक मौत में हिस्टोपैथोलॉजिकल और जैव रासायनिक मानक : एक शव परीक्षा अध्ययन।
13. इलेक्ट्रोक्युशन मौत के मामले में रोग और जैव रासायनिक विश्लेषण।

पूर्ण

1. शारीरिक और रेडियोलॉजिकल तरीकों से मानव और गैर मानव लंबी हड्डियों का तुलनात्मक अध्ययन।
2. मेडिको–लीगल शव परीक्षण में टैटू के निशान का अध्ययन।
3. मेडिको लीगल शव परीक्षा मामले की पूर्वव्यापी अध्ययन, जहां विसरा संरक्षित है फोरेंसिक चिकित्सा एवं आविष विज्ञान विभाग को सूचित करना।
4. कथित चिकित्सकीय लापरवाही के मामलों का अध्ययन और उसके मुद्दे।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. मानव शव की टेम्पोरल हड्डियों में गोल विंडो निश के संरचनात्मक बदलाव और कर्णावत प्रत्यारोपण इलेक्ट्रोड प्रविष्टि के लिए प्रासंगिकता, ई एन टी विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
2. इम्यूनोहिस्टोकैमिकल विश्लेषण मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेज़ (एम एम पी 2 और 9), मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेसिस के ऊतक इंहिबिटर्स (टी आई एम पी – 1 और 2), आरोही थोरेसिक महाधमनी धमनीविस्फार में कोलेजन 1 और कोलेजन 4, पैथोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

3. एपीडेमोमा में एपिथेलियल – मेसेंकाइमल बदलाव (ई एम टी), पैथोलॉजी विभाग।

पूर्ण

1. अंदरूनी कान में अलग एंडोस्कोपिक दृष्टिकोण का मूल्यांकन, ई. एन. टी. विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

प्रकाशन

जर्नल : 35 **पुस्तक : 1**

रोगी उपचार

1. **आपात सेवाएं :** न्याय चिकित्सा एवं आविष विज्ञान विभाग द्वारा चोट, यौन अपराध, विषायन और अन्य जटिल मामलों में दिल्ली के दक्षिण और दक्षिण – पूर्व जिले में घायलों को चिकित्सा कानूनी सेवाएं प्रदान की जाती है। इस अवधि के दौरान लगभग 1500 कॉल पर कार्रवाई की गई थी।
2. **शवगृह सेवाएं :** शवगृह में कुल 2458 (1641 + 817 – जेपीएनएटीसी) मेडिको लीगल ऑप्टोप्सी किए गए।
3. **नैदानिक न्याय चिकित्सा :** विभाग द्वारा जांच अधिकारी और अदालत से संदर्भित द्वारा आयु के आकलन, पोटेंसी और अन्य मेडिको–लीगल की परीक्षा के लिए लाए गए 626 मामले निपटाए गए। विभाग के चिकित्सा बोर्ड द्वारा सीबीआई से प्राप्त लगभग एक दर्जन से अधिक मामले निपटाए गए थे। इसके बाद कुल 766 (457 + 309 – जेपीएनएटीसी) के मामलों में दुर्घटना आदि से संदर्भित जटिल मामलों में विचार प्रस्तुत किए थे।
3. **आमंत्रण :** दिल्ली और दूसरे राज्यों के 884 मामलों में विभाग के डॉक्टर न्यायालय में पेश हुए।
4. **चिकित्सा आविष विज्ञान :** एम्स के नैदानिक विभाग, मेडिको–लीगल मामले और शैक्षणिक मामलों द्वारा भेजे गए विभिन्न विषों के लिए 136 परीक्षण किए गए।
5. **जैव रसायन :** 250 शैक्षिक उद्देश्य के लिए प्राप्त नमूनों पर जांचें आयोजित की गईं।
6. **न्याय विकृति विज्ञान :** विभाग द्वारा दक्षिण और दक्षिण–पूर्व जिले एवं अनुसंधान उद्देश्य हेतु विधिक चिकित्सा ऑटोप्सी मामलों के नमूनों के लिए ऊतक विकृति विज्ञानी सेवाएं प्रदान की जा रही है। अनुसंधान करने के लिए यह विभाग हिस्टोपैथोलॉजी सेवा प्रदान करता है। इस अवधि के दौरान कुल 98 मामलों और 542 नमूनों की जांच–पड़ताल की गई।
7. **शव रक्षा लेप सुविधा :** विभाग एमएलसी (पोस्टमार्टम मामले) के लिए शव रक्षा लेप सुविधा प्रदान कर रहा है। इस अवधि के दौरान लगभग 229 मामलों में शव रक्षा लेप किए गए।
8. **सामुदायिक सेवाएं :** विभाग के प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश भर से सीबीआई अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों और लोक अभियोजकों का भाग लेना जारी है।
9. **चिकित्सीय प्रत्यारोपण के लिए अंग पुनःप्राप्ति :** चिकित्सकीय प्रत्यारोपण के लिए शवगृह और दिए गए राष्ट्रीय नेत्र बैंक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में 118 कॉर्निया की पुनः प्राप्ति की गई।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

डॉ. तबिन मिलो इंटरनेशनल मेडिकल विज्ञान अकादमी (एफ आई एम एस ए) को अध्येतावृत्ति से सम्मानित किया गया।

डॉ आदर्श कुमार को 3 महीने की अवधि के लिए (12 जनवरी से 11 अप्रैल तक) सी ए एच आई डी ए डंडी विश्वविद्यालय, स्कॉटलैंड ब्रिटेन में फोरेंसिक नृविज्ञान में राष्ट्रमंडल शिक्षा फैलोशिप से सम्मानित किया गया था; हिरासत में मौत की जांच तथा जटिल मेडिको लीगल से संबंधित और कई नीतिगत मामलों में सलाह देने के मुद्दों में मूल्यवान वैज्ञानिक राय देने के लिए अनुकरणीय सेवाओं को देखते हुए भारत के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा अपने स्थापना दिवस के अवसर पर 12 अक्टूबर 2014 को प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया; डॉ हालुक इंसे, तुर्की, उपाध्यक्ष, एन ए सी पी एफ एम टी (नोबल एक्शन कंसोर्शियम फॉर प्रोग्रेसिव फोरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी) की अध्यक्षता में 2012 –14 के बीच की अवधि के लिए ''इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ पर्सनल इंजुरी'' में 2014 के लिए एशियाके नामांकित बोर्ड के सदस्य के रूप में ''यूरोसिस्कॉन, 2015 में प्रतिनिधित्व, 2015 फोरेंसिक फोरम'' 10 –12 मार्च 2015 को लंदन, ब्रिटेन में। फॉरेंसिक नशविज्ञान सदस्य पर सत्र की अध्यक्षता की, विभिन्न पत्र–पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड : इंटरनेशनल एडिटोरियल बोर्ड मेंबर– रोमानियाई जर्नल ऑफ़ लीगल मेडिसिन;

एसोसिएट एडिटर–मेडिको लीगल अपडेट, जर्नल ऑफ़ रिसर्च इन मेडिकल एजुकेशन एंड एथिक्स; वेब एडिटर– इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ रिसर्च एण्ड मेडिको लीगल प्रैक्टिस; जर्नल ऑफ इंडियन सोसाइटी ऑफ टॉक्सिकोलॉजी; जर्नल ऑफ़ पंजाब अकादमी ऑफ़ फॉरेंसिक मेडिसिन एण्ड टॉक्सिकोलॉजी; जर्नल ऑफ़ साउथ इंडिया मेडिकलेगल एसोसिएशन; इंडियन जर्नल ऑफ़ कम्युनिटी एण्ड फैमिली मेडिसिन

डॉ. सी. बेहरा को नई दिल्ली, एम्स, ऋषिकेश, उत्तराखण्ड में आयोजित 18 अक्तूबर 2014 को चिकित्सा विज्ञान (एम्स) की प्रतिष्ठित नेशनल अकादमी की सदस्यता प्राप्त हुई

डॉ. अभिषेक यादव ने 29वीं नेशनल आई डोनेशन फोर्टनाइट – 2014 को डॉ. आर पी सेंटर, एम्स, द्वारा नेशनल आई बैंक के लिए उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रशंसा पत्र प्राप्त किया।

डॉ. ए. के. जायसवाल ने एजिलेंट कस्टमर एजुकेशन सेंटर, सिंगापुर, 18 से 21 मार्च 2014 को एजिलेंट टेक्नोलॉजिस, लाइफ साइंस और केमिकल विश्लेषण द्वारा आयोजित पाठ्यक्रम ''प्रैक्टिकल गैस क्रोमेटोग्राफी'' में भाग लिया।

9.13 जठरांत्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण

आचार्य एवं अध्यक्ष

एस. के. आचार्य

आचार्य

अनूप सराया	उमेश कपिल	प्रमोद गर्ग
विनीत आहूजा		गोविंद के मखारिया

सहायक आचार्य

शालीमार	बैबसवता नायक

विशिष्टताएं

विभाग द्वारा 18–20 अप्रैल, 2014 को होटल लीला, दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गुड़गांव में **एशियन–ओशियनिक पैंक्रियास एसोसिएशन (एओपीए) का 5वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन** आयोजित किया गया, 28 जुलाई 2014 को **विश्व हेपेटाइटिस दिवस**। इस अवसर पर 8–9 नवंबर, 2014 को भारत में वायरल हेपेटाइटिस के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में **यंग मास्टर्स बैठक (जीवायएम)** गैस्ट्रोएंटरोलॉजी सार्वजनिक व्याख्यान आयोजित किया गया, 10 जनवरी 2015 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में **हेपेटाइटिस सी के प्रबंधन** में हाल की गतिविधियों पर अद्यतन। वायरल हेपेटाइटिस के इलाज को ध्यान में रखते हुए हाल के अग्रिम, 30 जनवरी 2015 को विभाग द्वारा **''हेपेटाइटिस–सी औषधि विकास के लिए अभिनव कार्यनीति पर विचार मंथन बैठक'' पर डीएनडीआई भारत के साथ एक सहयोगी बैठक** का आयोजन''। विभाग के संकाय द्वारा शिक्षा, अनुसंधान तथा कार्यक्रम के साथ संबंधित राष्ट्रीय तथा अंतरराट्रीय बोर्ड को सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।

शिक्षा

विभाग द्वारा जठरांत्र रोग विज्ञान में डी एम, तथा जठरांत्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण में पी एच डी पर पाठ्यक्रम हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान किए जा रहे हैं। विभाग ने स्नातक पूर्व तथा स्नातकोत्तर छात्रों के प्रशिक्षण में भी भाग लिया।

दीर्घ अवधि प्रशिक्षण : 13 डी एम प्रत्याशी 8 पी एच डी प्रत्याशी

अल्प अवधि प्रशिक्षण : 3–6 माह की अवधि के लिए 2014–15 के दौरान 8 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया गया।

विभाग द्वारा आयोजित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठियां

1. 18–20 अप्रैल, 2014 को ''द लीला, दिल्ली एनसीआर गुड़गांव'' में एशियन–ओशियनिक पैंक्रियास एसोसिएशन (एओपीए) का 5 वां अंतरराष्ट्रीय का सम्मेलन।
2. 28 जुलाई 2014 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में विश्व हेपेटाइटिस दिवस।
3. 8–9 नवंबर, 2014 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी यंग मास्टर्स (जीवायएम) की बैठक।
4. 10 जनवरी, 2015 अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में हेपेटाइटिस सी के प्रबंधन में हाल की गतिविधियों पर अद्यतन।
5. 30 जनवरी 2015 को ''हेपेटाइटिस–सी औषधि विकास के लिए अभिनव कार्यनीति पर विचार मंथन बैठक'' पर डीएनडीआई भारत के साथ एक सहयोगात्मक बैठक आयोजित की।
6. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में 29–30 सितंबर, 2014 को सोडियम का सेवन और आयोडीन युक्त नमक पर क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की गई।
7. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में 3 से 7 नवंबर 2014 को आयोजित सूक्ष्म पोषक और बाल स्वास्थ्य (एमसीएचडब्ल्यूएस–2014) पर दूसरी अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई।
8. 20 जनवरी 2015 को ''सूक्ष्म पोषक तत्वों के साथ खाद्य नमक का संपुष्टिकरण'' पर राष्ट्रीय परामर्श– सह– विचार मंथन सत्र आयोजित किया गया।

प्रदत्त व्याख्यान

एस. के. आचार्य : 17 **अनूप सराया : 4** **उमेश कपिल : 3**
प्रमोद गर्ग : 14 **गोविंद मखारिया : 19** **शालीमार : 7**
बैबस्वता नायक : 1

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुति : 12

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. क्रॉनिक एच बी वी संक्रमण वाले रोगियों में इम्यूनोटोलरेंस का प्राकृतिक दौर। एस. के. आचार्य, एम एस डी (फुलफोर्ड इंडिया), 3 वर्ष, 18.03.2010–17.03.2013, 18,79,750 रुपए।
2. अनरिसेक्टेबल हेपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के उपचार में ट्रांसआर्टिरियल कीमोइम्बोलाइजेशन (टी ए सी ई) बनाम टी ए सी ई और मुखीय दवा चिकित्सा का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (आर सी टी)। एस. के. आचार्य, आई सी एम आर (एच सी सी से स्वीकृत परियोजना), 3 वर्ष, 01.01.2012–31.12.2014, 42,27,933 रुपए।
3. उन्नत हेपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा (बी सी एल सी अवस्था डी) के उपचार में मुखीय थैलीडोमाइड तथा कैपीसिटाबाइन बनाम सहायक चिकित्सा का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (आर सी टी)। एस. के. आचार्य। आई सी एम आर (एच सी सी से स्वीकृत परियोजना), 3 वर्ष, 01.03 2012–28.02.2015, 14,05,895 रुपए।
4. सिरोसिस के रोगियों में हेपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के उपचार हेतु रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन (आर एफ ए) तथा परक्यूटेनियस एसिटिक एसिड (पी ए आई) का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (आर सी टी)। एस. के. आचार्य, आई सी एम आर (एच सी सी से स्वीकृत परियोजना), 3 वर्ष, 01.03.2012–28.02.2015, 22,98,821 रुपए।
5. अनरिसेक्टेबल हेपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा (बी सी एल सी सी) के उपचार में ट्रांसआर्टिरियल कीमोथेरेपी (टी ए सी) बनाम मुखीय थेलिडोमाइड एवं कैपीसिटाबाइन का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। एस. के. आचार्य, आई सी एम आर (एच सी सी से स्वीकृत परियोजना), 3 वर्ष, 01.01.2012–31.12.2014, 31,51,663 रुपए।
6. लीन एन ए एफ एल डी में रोगजनन, एस. के. आचार्य, डी एस टी, 3 वर्ष, 05.06.2013–04.06.2016, 48,00,000 रुपए।
7. जे. सी. बोस पुरस्कार, एस. के. आचार्य, डी एस टी, 5 वर्ष, 24.07.2012–23.07.2017, 68,00,000 रुपए।
8. जीएस–यूएस–174–0149–ए. एचबीईएजी – सकारात्मक या एचबीईएजी – नकारात्मक क्रॉनिक हेपेटाइटिस बी (सी एच बी) सहित नॉन सिरोटिक व्यक्तियों में 48 सप्ताहों के लिए केयर टेनोफोविर डिसोप्रोक्सिल फ्यूमेरेट मोनोथैरेपी या पेगिनेटेरफेरोन ए–2ए मोनोथैरेपी के पेगिंटेरफेरोन ए–2ए (पेगासीआर) बनाम मानक के साथ संयोजन में टैनोफोविर डिसोप्रोक्सील फुमेरेट (टी डी एफ) के प्रभावकारिता और सुरक्षा के मूल्यांकन के लिए यादृच्छिक, खुले लेबल, सक्रिय नियंत्रण, श्रेष्ठता अध्ययन। एस. के. आचार्य, गीलीड साइंसेज, 2 वर्ष, 05 02.2013–04.08.2015, 24,00,000 रु.।
9. एचबीईएजी – नकारात्मक क्रॉनिक हेपेटाइटिस बी जेएस–यूएस–320–0108 के लिए टेनोफोविर एलाफेनमिड (टी ए एफ) 25 मि.ग्रा. क्यूडी बनाम टेनोफोविर डिसोप्रोक्सील फुमरेट (टी डी एफ) 300 मि. ग्रा. क्यूडी की सुरक्षा और प्रभावकारिता के मूल्यांकन के लिए एक चरण 3, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड अध्ययन। एस. के. आचार्य, गीलीड साइंसेज इंस. यू एस ए, 3 वर्ष, 11.02.2014–10.02.2017, 48,93,900 रु.।
10. चिरकारी अग्न्याशयशोथ में फिब्रोसिस के मार्कर्स एवं पैंक्रियाटिक प्रकार्य पर ऐंटीऑक्सीडेंट संपूरण का प्रभाव : एक यादृच्छिक प्लेसेबो नियंत्रित डबल ब्लाइंड परीक्षण, अनुप सराय, आईसीएमआर, 3.5 वर्ष, फरवरी 2012– अगस्त, 2015, 50 लाख रुपए।
11. अग्न्याशय के कैंसर से पीड़ित रोगियों में रेग–4 और एमयूसी –4 की अभिव्यक्ति। अनूप सराय, आईसीएमआर, 3 वर्ष, नवंबर 2013 से अक्टूबर, 2016, 25 लाख रुपए।
12. जीर्ण यकृत की बीमारी : विटामिन डी के विशेष संदर्भ में और यकृत अस्थिदुष्पोषण पर उनकी पूरकता के साथ सूक्ष्म पोषक तत्वों की स्थिति – एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। अनूप सराय, आईसीएमआर, 3 वर्ष, दिसंबर 2013 से नवंबर, 2016, 65 लाख रुपए।

13. हिमाचल प्रदेश, भारत के तीन उच्च एल्टीट्यूट क्षेत्रों (1000 मीटर एवं उससे अधिक) से 6–18 वर्ष के आयु समूह में बच्चों में विटामिन डी हीनता एवं संबंधित कारकों की व्यापकता का आकलन, उमेश कपिल, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 59 लाख रुपए।

14. स्तन कैंसर के विकास सहित विटामिन डी और कैल्शियम का संबंध : मामला नियंत्रण अध्ययन। उमेश कपिल, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, 2 वर्ष, अक्तूबर 2013, 39 लाख रुपए।

15. पोषाहार का आकलन, 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के बुजुर्ग आबादी में रुग्णता स्थिति और स्वास्थ्य सुविधाओं का उपयोग। उमेश कपिल, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, 2 वर्ष, फरवरी 2015, 22 लाख रुपए।

16. जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश में एचआईजी से संबंधित 10–16 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों में अधिक वजन, मोटापा और बाल चिकित्सा चयापचय संबंधी संलक्षण और जुड़े जोखिम वाले कारकों के प्रसार का अध्ययन। उमेश कपिल, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, 2 वर्ष, नवंबर 2014, 39 लाख रुपए।

17. क्रॉनिक पैन्क्रियाटाइटिस का जिनोम व्यापी संबंधित अध्ययन। प्रमोद गर्ग, डी बी टी, 3 वर्ष, 2012–15, 1.63 करोड़ रुपए।

18. तीव्र पैन्क्रिएटाइटिस से उत्प्रेरित गॉलस्टोन हेतु जोखिम कारकों के रूप में एस पी आई एन के – 1 कैथेप्सीन बी तथा सी एफ टी आर जीन म्यूटेशंस का एक अध्ययन। प्रमोद गर्ग, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2011–14, 27 लाख रुपए।

19. चूहे में साइरुलेइन उत्प्रेरित तीव्र पैन्क्रिएटाइटिस के रोगजनन में अंतःप्रद्रव्य जालिका तनाव की भूमिका और तीव्र पैन्क्रिएटाइटिस की गंभीरता पर रासायनिक संरक्षिकाओं का प्रभाव। प्रमोद गर्ग, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2013–16, 45 लाख रुपए।

20. पित्ताशय कैंसर में जीनोमिक और एपिजीनोमिक अभिव्यक्ति। प्रमोद गर्ग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, 2 वर्ष, 10 लाख रुपए।

21. मानव जठरांत्र इम्यूनोलॉजी ट्रांसलेशनल कार्यक्रम। विनीत आहूजा, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 3 वर्ष, 2014–17 दिसंबर, 78 लाख रुपए।

22. इन्फ्लेमेट्री बाउल डिजीज (अल्सरेटिव कोलाइटिस, क्रोहन्स रोग) से पीड़ित रोगियों में ट्रीगरिंग रोग गतिविधि हेतु माइक्रोएनवायर्नमेंटल क्यू विटामिन ए है। विनीत आहूजा, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 3 वर्ष, मार्च 2013–16, 82 लाख रुपए।

23. इन्फ्लेमेट्री बाउल डिजीज पर भारत यू एस संयुक्त अनुसंधान और विकास नेटवर्क उत्कृष्टता केंद्र। विनीत आहूजा, इंडो यू एस साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी फोरम, 2 वर्ष, मार्च 2013–15, 57 लाख रुपए।

24. अल्सरेटिव कोलाइटिस तथा क्रोन्स रोग में मूल्यांकित इंटीग्रेन इनहिबिटर हेतु फेज 3 बहुकेंद्रीय परीक्षण। विनीत आहूजा, मिलेनियम फार्मास्यूटिकल्स, बोस्टन, 7 वर्ष, 2008–2015, 27 लाख रुपए।

25. इंफ्लेमेट्री बाउल डिजीज में तुलनात्मक आंत यूकेरियोटिक माइक्रोबायोटा : आनुवंशिक रूप से विभिन्न रोग व्यापकता वाले क्षेत्रों में रहने वाली समान आबादी में एक सामान्य लिंक की खोज। विनीत आहूजा, डीएसटी – यूकेईआरआई, 2 वर्ष, अप्रैल 2015 – मार्च 2017, 21 5 लाख रुपए।

26. सिलियाक रोग और अन्य एंटेरोपैथिक वाले रोगियों में विलस असामान्यताओं के आकलन के लिए बायोमार्कर, गोविंद मखारिया, डी एस टी, 2014–17, 64 लाख रु.।

27. सिलियाक रोग से पीड़ित रोगियों के प्रथम श्रेणी के रिश्तेदारों में पैरासैल्यूलर परमिएबिलिटी और टाइट जंक्शनों का विकृति शरीरक्रियाविज्ञान। गोविंद मखारिया, डीबीटी, 4 वर्ष, 2011–14, 43 लाख रुपए।

28. चुने गए गेहूँ की किस्मों की पहचान और पेप्टाइड्स के लक्षण वर्णन जो सेलियाक रोग वाले रोगियों के लिए कम इम्यूनोजेनिक हैं। पादप जैव प्रौद्योगिकी, राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान (एनआईआई) पर भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), राष्ट्रीय अनुसंधान केन्द्र के साथ सहयोग। गोविंद मखारिया (समन्वयक), डीबीटी, 1 वर्ष, 2014–15, 3.24 लाख रुपए।

29. कम इम्यूनोजेनिक ग्लूटेन वाले गेहूं के विकास के लिए अन्वेषण। पादप जैव प्रौद्योगिकी, राष्ट्रीय रोगक्षमता विज्ञान संस्थान (एनआईआई) पर भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), राष्ट्रीय अनुसंधान केन्द्र के साथ सहयोग। गोविंद मखारिया, आई.सी.ए.आर. 49 लाख रुपए।

30. भारतीय रोगियों में हेपेटाइटिस सी वायरस उपचार के परिणामों पर आई एल 28बी जीन पोलिमोर्फिज्म का प्रभाव। बी नायक एम्स आंतरिक, 2013–15, 5 लाख रुपए।

31. एल ए एम पी द्वारा एच सी वी आर एन ए का पता लगाने के लिए एक सस्ती और त्वरित निदान विधि। श्याम प्रकाश, डी बी टी –2013, 2013–2016, 24.75 लाख रुपए।
32. भारतीय लोगों में नॉन एल्कोहलिक फेटी लीवर रोग में विकृतिरोग जनन का अध्ययन। एस. के. आचार्य, डी एस टी – 2013, 2013–2016, 27 लाख रुपए।
33. मधुमेह – यकृत रोग एम्ब्रस : चिरकारी यकृत रोग के अल्पावधि परिणाम पर मधुमेह के प्रभाव की खोज के लिए एक परस्परिक अनुभागीय बहु केंद्रित अध्ययन। शालीमार, लीवर फाउंडेशन, 01.06.2014 से 31.05.2017, 1008000 रुपए।

पूर्ण

1. प्रोटियोमिक का प्रयोग करते हुए इंटेस्टाइनल ट्यूबरकुलोसिस से क्रोहन रोग के विभेदीकरण हेतु बायोमार्कर की पहचान। एस. के. आचार्य, डी बी टी 3 वर्ष, 24.10.2008 – 23.10.2011, 43 लाख रुपए।
2. स्पोंटेनियस बैक्टीरियल पेरिटोनाइटिस हेतु प्रोबायोटिक्स। एस. के. आचार्य, सी डी फार्मा।
3. हिमाचल प्रदेश, भारत के तीन क्षेत्रों में गर्भवती माताओं, विद्यालय जाने की आयु वाले बच्चों एवं नवजात थायरॉइड उद्दीपन हार्मोन कॉन्सन्ट्रेशन की आयोडीन स्थिति। उमेश कपिल, 2 वर्ष, 1 अप्रैल 2011 से 7 अक्तूबर 2014, 71 लाख रुपए।
4. भारत के उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र हिमाचल प्रदेश, केरल तथा राजस्थान राज्यों में जिंक डिस्पर्सिबल गोलियों, आई एफ ए गोलियों / तरल एवं वी ए संपूर्णों के प्रापण, वितरण तथा प्रबंधन पद्धति की स्थिति। उमेश कपिल, भारतीय अनुसंधान चिकित्सा परिषद, नई दिल्ली, 1 अप्रैल 2012 से 31 मार्च 2015, 29,00,000 रुपए।
5. 6–59 माह की आयु के बच्चों में स्वर्ण मानक के रूप में उपयोग करते हुए 3 एस डी – से कम लंबाई एवं वज़न के लिए गंभीर तीव्र कुपोषण की पहचान करने के लिए मिड अपर आर्म सरकमफिरेंस (एम यू ए सी) का वैधीकरण। उमेश कपिल, भारतीय अनुसंधान चिकित्सा परिषद, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 1 अप्रैल 2012 से 31 जुलाई 2014, 54 लाख रुपए।
6. उत्तराखण्ड राज्य, भारत के तीन क्षेत्रों में आयोडीन स्थिति, उमेश कपिल, भारतीय अनुसंधान चिकित्सा परिषद, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 1 अप्रैल 2012 से 30 सितंबर 2014, 60 लाख रुपए।
7. ह्यूमन अल्सेरो – कन्स्ट्रक्टिव इलियोसीकल रोग में मायकोबैक्टीरियम एवियम पेराट्यूबरोकुलोसिस (एम ए पी) का जूनोटिक संभाव्यता। विनीत आहूजा, आई सी एम आर, 3 वर्ष, मार्च 2011–14, 57 लाख रुपए।
8. सेलियाक रोग से पीड़ित रोगियों, उनके प्रथम श्रेणी संबंधियों तथा नियंत्रणों में स्मॉल इन्टेस्टिनल तथा होल गट मीटाजीनोम। गोविंद मखारिया, डी बी टी, 4 वर्ष, 2010–14, 14.6 लाख रुपए।
9. उदरीय तपेदिक (इन्टेस्टिनल अथवा पेरिटोनियल) के उपचार पर एक बहुकेंद्रीय अध्ययन : संशोधित राष्ट्रीय तपेदिक नियंत्रण कार्यक्रम के तहत प्रत्यक्ष उदरीय उपचार के 6–माह और 9 माह का एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। गोविंद मखारिया, सेंट्रल टी बी डिविजन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, 6 वर्ष 2008–14, 57 लाख रुपए।
10. भारत के दक्षिणी, उत्तरी तथा उत्तर–पूर्वी भागों की देशज लोगों में सिलियक रोग की व्यापकता और इसकी व्यापकता में भिन्नता के कारणों की पहचान। गोविंद मखारिया, आई. सी. एम. आर., 2 वर्ष, 2011– 13, 74 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. एच बी ई ए जी नेगेटिव क्रोनिक हेपेटाइटिस बी मेग्नीट्यूड, वायरल एवं मेजबान लाक्षणीकरण।
2. इम्यूनोटोलरेंट चिरकारिक एच बी वी संक्रमण : प्राकृतिक कोर्स।
3. ए एल एफ में न्यूट्रोफिलिक कार्य।
4. तीव्र अग्नाशयशोथ के भावी परिणाम में विभिन्न स्कोरिंग प्रणाली और जैव रासायनिक मार्कर की तुलना।
5. जीर्ण अग्नाशयशोथ के प्राकृतिक इतिहास का आकलन करना।
6. तीव्र अग्नाशयशोथ वाले रोगियों में आंतों का पारगम्यता अध्ययन करना।
7. एनआईवी की प्रभावकारिता बनाम तीव्र अग्नाशयशोथ में ग्रेड 2 और ग्रेड 3 श्वसन विफलता के पारंपरिक मैकेनिकल वेंटिलेशन की तुलना करना।

8. गंभीर तीव्र अग्नाशयशोथ वाले रोगियों में सिट्रुलाइन और (इंटेस्टाइनल फैटी एसिड बाध्यकारी प्रोटीन) आईएफएबीपी की जांच।
9. इसोफेजियल कैंसर में उपकला कोशिका आसंजन अणु (ईपीसीएएम) के नैदानिक महत्व।
10. अग्न्याशय के कैंसर से पीड़ित रोगियों में डीएनए मेथिलिकरण पैटर्न का पूर्वाभासी महत्व पर अध्ययन।
11. तीव्र पैंक्रियाटाइटिस में तीव्र तरल एकत्रीकरण की तीव्रता, प्राकृतिक कोर्स तथा पूर्वसूचक।
12. तीव्र पैंक्रियाटाइटिस में अंतर उदर रक्तचाप की तीव्रता, कारक और प्रभाव।
13. क्या गंभीर तीव्र अग्नाशयशोथ से पीड़ित रोगियों में संक्रमित अग्नाशय नेक्रोसिस के बाद के विकास के लिए प्रारंभिक शुरुआती अंग विफलता प्रीडिस्पोज करते है?
14. आई बी डी और कैंसर निगरानी तकनीकों में कोलोरेक्टल कैंसर की व्यापकता।
15. क्रोह्न रोग में इफ्लेमेशन और रोग की गंभीरता के मार्कर के रूप में विसरल वसा।
16. मूत्र सोडियम और आईबीडी में सूजन के बायोमार्कर के रूप में पोटेशियम।
17. तीव्र गंभीर कोलाइटिस में भावी परिणाम।
18. अत्यधिक उच्च स्थान के निवासियों में गैस्ट्रिक कैंसर के प्रीमेग्लीगेंट घावों में गैस्ट्रिक सूजन और अपच में एच.पायलोरी के साथ प्रेरित उच्च नमक आहार *का* संबंध।
19. जीईआरडी से पीड़ित रोगियों में आइसिनोफिलिक ग्रासनलीशोथ के प्रसारः एक क्रॉस अनुभागीय अध्ययन। (डीएम थीसिस)।
20. उदरीय रोग से पीड़ित रोगियों में अनुपालन के लिए ग्लूटन–फ्री आहार और अवरोधक का अनुपालन। (डीएम थीसिस)।
21. सिलियक रोग के रोगियों में ग्लूटैन मुक्त आहार और जीवन की गुणवत्ता के लिए अनुपालन का आकलन (डी एम शोध)।
22. लक्षित एमटीओआर पाथवे एचसीसी में उनके मॉडुलन और बायोमार्कर के रूप में माइक्रोआरएनए की भूमिका।
23. एच सी सी में लोको–रिजिनल चिकित्सा की पूर्वानुमान प्रतिक्रिया में सी–रिएक्टिव प्रोटीन (सीआरपी) की भूमिका।
24. स्पोंटेनियस बैक्टीरियम पेरिटोनाइटिस वाले रोगियों में मानक खुराक बनाम दैनिक इंट्रावेनस एल्बुमिन के एक खुले लेबल यादश्च्छिक नियंत्रित परीक्षण में साइटोकाइन रूपरेखा का आकलन।
25. क्रोनिक हेपेटाइटिस बी वाले भारतीयों में टेनोफोवीर डिसोप्रोक्सिल / टीडीएफ की प्रभावकारिता और सुरक्षा।
26. क्रॉनिक यकृत विफलता पर एक्यूट वाले रोगियों में पैथोफिजियोलॉजिकल परिवर्तन का अध्ययन करना।
27. नैतिक समाशोधन तीव्र प्राप्त करने के लिए यकृत की विफलता में न्यूट्रोफिल कार्य"।
28. तीव्र यकृत की विफलता का परिणाम और लंबे समय तक उत्तरजीविता पर अलग इटियोलॉजिस का प्रभाव।
29. हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा वाले रोगियों में लोको रीजनल उपचार के बाद प्रतिक्रिया के आकलन के लिए तीव्र चरण प्रोटीन की भूमिका।
30. न्यूक्लियोस (टी) आईडीई अनुरूप चिकित्सा और एचबीवी पोलीमर्स गतिविधि पर उसके प्रभाव पर चिरकालिक हेपेटाइटिस रोगियों में हेपेटाइटिस बी वायरस सफलता।
31. मानव ल्यूकोसाइट प्रतिजन (एचएलए–जी) अणुओं के नैदानिक प्रासंगिकता और हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा में अपनी बहुरुपता।
32. एचसीसी में लोकोरीजनल थेरैपी की प्रतिक्रिया के आकलन के लिए सी–रिएक्टिव प्रोटीन की भूमिका।
33. तीव्र यकृत विफलता का परिणाम और लंबे समय तक उत्तरजीविता पर इटियोलॉजिस का प्रभाव।
34. यकृत शिरापरक बहिर्वाह नलिका रुकावट के दीर्घकालिक परिणाम।
35. यकृत में वसा सामग्री और एंजियोग्राफिक कोरोनरी धमनी संकीर्णता के सहसंबंध।

पूर्ण

1. भारतीय जनसंख्या में सीएच – सी में प्रतिक्रिया का कारक।
2. गंभीर यकृत विफलता में सेप्सिस के साथ एट्रियल अमोनिया का सह संबंध।
3. उत्तर भारतीय जनसंख्या में एच बी वी उपभेदों के परिसंचारी की म्यूटेशन रूपरेखा।
4. हेपेटिक इंसल्ट के लिए चिरकारी यकृत विफलता के कारण पर तीव्र।

5. वेरिसियल ब्लीड की पहली घटना वाले उपस्थित सिरोसिस के रोगियों में 6 सप्ताह में एचवीपीजी की कमी में कार्विडिलोल + ईवीएल बनाम प्रोप्रानोलोल + ईवीएल का प्रभाव।
6. गंभीर तीव्र अग्नाशयशोथ में बहि और अंतः स्रावी कार्य की रिकवरी।
7. आंत के तपेदिक में बहु दवा प्रतिरोधी तपेदिक की व्यापकता।
8. गर्भावस्था के परिणाम और आई बी डी में रोग के परिणाम पर गर्भावस्था के प्रभाव।
9. सिलियक रोग के रोगियों के प्रथम श्रेणी के संबंधियों के बीच पारिवारिक व्यापकता।
10. सेलियाक रोग वाले रोगियों के पहले और दूसरे रिश्तेदारों में सीलियाक रोग के प्रसार : एक मेटा–विश्लेषण।
11. सेलियाक रोग में बांझपनः एक मेटा–विश्लेषण।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. पैंक्रिएटिक स्यूडोसिस्ट का इंडोस्कॉपिक बनाम लेप्रोस्कोपिक ड्रेनेज का यादश्च्छिक परीक्षण। शल्य चिकित्सा विभाग।
2. चिरकारी पैंक्रियाटाइटिस के लिए शल्य चिकित्सा बनाम इंडोस्कोपिक उपचार का यादृच्छिक परीक्षण। सहयोगात्मक विभाग। जी आई सर्जरी विभाग।
3. चूहों में तीव्र अग्नाशयशोथ प्रयोगात्मक के मॉडल वाहिनी बंधाव पर एंटी–इंफ्लेमेट्री दवाओं और एनए– टॉरोकोलेट का प्रभाव।
4. अल्सरेटिव कोलाइटिस और इर्रिटेबल बोवेल सिंड्रोम के रोगजनन में आंतों का तंत्रिका तंत्र न्यूरोमेडिटर्स की भूमिका। स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
5. आई बी डी में संवेदनशीलता जीनों का कार्यात्मक विश्लेषण। स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, जवाहर लाल यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली।
6. अल्सरेटिव कोलाइटिस के रोगजनन में डायस्प्रेगलेटिड की भूमिका की खोज। स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
7. आई बी डी में टीएच9 प्रतिक्रियाएं और डेंड्रिटिक कोशिकाएं। प्रत्यारोपण स्वास्थ्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (टी एच एस टी आई), फरीदाबाद।
8. अल्सरेटिव कोलाइटिस और क्रोहन रोग के माइक्रोडोमेन में टीएच 1 और टीएच17 प्रतिक्रियाएं। प्रत्यारोपण स्वास्थ्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (टी एच एस टी आई), फरीदाबाद।
9. पेट के कैंसर और सूजन आंत्र रोग वाले रोगियों में इंफ्लेमेट्री और सुमोलेशन पाथवे जीनों की अभिव्यक्ति की रूपरेखा। प्रत्यारोपण स्वास्थ्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (टीएचएसटीआई), फरीदाबाद।
10. इंट टीबी और क्रोहन रोग के श्लैष्मिक कणिकागुल्मों में ऊतक मैक्रोफेज और स्थानिक वितरण के एम1 और एम2 के उपप्रकार। आईसीजीईबी, नई दिल्ली।
11. सेलियाक रोग के रोगियों में प्रारंभिक और उन्नत विलोस एट्रोफी में एपोप्टोटिक मार्कर का अध्ययन। रोग निदान विभाग।
12. स्पोरेडिक सेरेबेलर एटेक्सिया वाले रोगियों में ग्लूटेन से संबंधित विकारों का प्रसार। तंत्रिका विज्ञान विभाग।
13. अस्पताल में बिस्तर पर पड़े रोगियों में मल असंयम के प्रबंध हेतु नए डिवाइस डिजाइन तैयार करने के लिए संभाव्यता तथा अल्प अवधि प्रभाव क्षमता अध्ययन। स्टेनफोर्ड बायो डिजाइन, भारत, एम्स।
14. मोर्बिडली मोटे के रोगियों की नॉन–एल्कोहोलिक फैटी लीवर रोग में ऑक्सीडेटिव तनाव और प्रो–एंटी इंफ्लेमेटरी पाथवे पर बेरिएट्रिक सर्जरी का प्रभाव। शल्य चिकित्सा विषय की विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान।
15. यकृत में वसा सामग्री और एंजियोग्राफी कोरोनरी धमनी संकीर्णता के सहसंबंध। हृदयरोगविज्ञान विभाग, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल।
16. कोर्टिकोस्टेरियोड्स और बोवाइन कोलोस्ट्रम बनाम कोर्टिकोस्टेरियोड्स और प्लेसबो के संयोजन चिकित्सा की तुलना : 'इन एक्स्ट्रीम्स' एल्कोहोलिक हैपेटाइटिस के उपचार में एक बहुकेंद्रिक, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण। जठरांत्र विज्ञान विभाग, दयानंद चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, लुधियाना। जी. बी. पंत अस्पताल, नई दिल्ली; ग्लोबल हॉस्पिटल, हैदराबाद।

17. सीरम बायामार्कर्स पीडियाट्रिक ओस्टियोसार्कोमास में बढ़ी हुई चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग एवं हिस्टोपैथोलॉजी – विपरीत डाइनेमिक के बीच सहसंबंध। अस्थिरोग विज्ञान विभाग।

पूर्ण

1. माइक्रोफ्लोरा वाले इंफ्लेमेटरी बॉउल रोग और इसके संबंध में जीन संवेदनशीलता। प्रत्यारोपण स्वास्थ्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (टीएचएसटीआई), फरीदाबाद।
2. इंफ्लेमेटरी बॉउल रोग में म्यूकोसल जीन अभिव्यक्ति का विश्लेषण। प्रत्यारोपण स्वास्थ्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (टीएचएसटीआई), फरीदाबाद।
3. इंफ्लेमेटरी बॉउल रोग में फेकल माइक्रोबायोटा के बीच मतभेद का आकलन। प्रत्यारोपण स्वास्थ्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (टीएचएसटीआई), फरीदाबाद।
4. भारतीय जनसंख्या में अल्सरेटिव कोलाइटिस रोगियों और स्वास्थ्य स्वयंसेवकों में टी पी एम टी पॉलीमॉर्फिज्म की व्यापकता। प्रत्यारोपण स्वास्थ्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (टीएचएसटीआई), फरीदाबाद।
5. रोग के विभिन्न चरणों और स्थितियों में अल्सरेक्टिव कोलाइटिस रोगियों में माइक्रोआरएनए (एमआईआरएनए) अभिव्यक्ति रूपरेखा। प्रत्यारोपण स्वास्थ्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (टीएचएसटीआई), फरीदाबाद।
6. आईजीए नेफ्रोपैथी में सिलियक रोग की व्यापकता। वृक्क विज्ञान तथा विकृति विज्ञान विभाग।
7. सेलियाक रोग वाले रोगियों में ग्लूटैन मुक्त आहार के पश्चात् इंटेस्टीनल हिस्टोलॉजी परिवर्तन की रिकवरी। विकृति विज्ञान विभाग।
8. चिरकारी डायरिया तथा मेलएब्जोरप्शन सिंड्रोम वाले रोगियों में इंटेस्टाइनल कोक्सिडिया तथा माइक्रोस्पोर्डिया की खोज, पहचान तथा आण्विक लाक्षणीकरण। सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, (पीएच डी थीसिस)।
9. रोगियों में पैरासाइट के क्रिप्टोस्पोस्पोरिडम प्रजाति तथा आगामी लाक्षणीकरण की खोज हेतु आण्विक नैदानिक प्रोब का विकास। सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, पीएच डी थीसिस।
10. इरिटेबल बाउल सिंड्रोम के रोगियों में ब्लास्टोसिसटिस होमिनिस की खोज तथा उनके सबटाइपिंग। सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, एमडी थीसिस।
11. सेलियाक रोग वाले रोगियों में ग्लूटैन मुक्त आहार के पश्चात् इंटेस्टीनल हिस्टोलॉजी परिवर्तन की रिकवरी। रोग निदान विभाग।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 76 **सार : 13** **पुस्तकों में अध्याय : 7** **पुस्तकें : 1**

रोगी उपचार

विशेष क्लिनिक

क्लिनिक का नाम	नए रोगी	पुराने रोगी
लीवर क्लिनिक	1118	13202
पैंक्रियाज़ क्लिनिक	580	2415
आई बी डी तथा अल्सर क्लिनिक	2195	4807
इन्टरवेंशनल क्लिनिक	272	407
सिलियक क्लिनिक	117	552

नैमिक जीईं क्लिनिक

नए रोगी : 22080 पुराने रोगी : 31262

प्रक्रियाओं की सूची

नैदानिक एवं चिकित्सीय एंडोस्कोपी : 20265

नैदानिक एवं चिकित्सीय कोलोनोस्कॉपी : 3610

नैदानिक सिग्मोइडोस्कॉपी :	3350
ई. एस. टी. एवं ई वी एल :	5370
साइड व्यूइंग एंडोस्कॉपी :	952
एडोस्कोपिक रेट्रोग्रेड कॉलेनजियो पैंक्रिएटोग्राफी (ईआरसीपी) :	3015
एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड (नैदानिक एवं चिकित्सीय) :	795

विभाग में की गई जांच

1.	रीयल टाइम पी सी आर द्वारा हेपेटाइटिस बी वायरस क्वांटिटेशन	4737
2.	सिक्वेंसिंग द्वारा हेपेटाइटिस बी वायरस जीनोटाइपिंग	45
3.	सिक्वेंसिंग द्वारा हेपेटाइटिस बी वायरस रेजिडेंट्स प्रोफाइलिंग	45
4.	रीयल टाइम पी सी आर द्वारा हेपेटाइटिस सी वायरस क्वांटिटेशन	1108
5.	सिक्वेंसिंग द्वारा हेपेटाइटिस सी वायरस जीनोटाइपिंग	45
6.	आरटी–पीसीआर द्वारा हेपेटाइटिस ई डिटेक्शन	125
7.	एआरएमएस पीसीआर रीयल टाइम द्वारा आईएल 28बी आर एस 8099917 जीनोटाइपिंग	252
8.	एआरएमएस पीसीआर रीयल टाइम द्वारा आईएल 28बी आर एस 12979860 जीनोटाइपिंग	252
9.	फ्रेगमेंट विश्लेषण द्वारा सी एफ टी आर मल्टीप्लेक्स जीनोटाइप	400
10.	फ्रेगमेंट विश्लेषण द्वारा कैथेस्पिन बी मल्टीप्लेक्स जीनोटाइप	400
11.	पीसीआर रीयल टाइम द्वारा माइकोबैक्टीरियम पैराट्यूबरकुलोसिस	146
12.	स्पेक्ट्रोफोटोमेट्री द्वारा लिपिड पर्सोक्सीडेशन (एमडीए)	95
13.	कोलोरीमेट्री द्वारा फ्री रेडिकल एंटीऑक्सिडेंट पोटेंशियल (एफआरएपी)	95
14.	स्पेक्टोफोटोमेट्री द्वारा विटामिन सी	70
15.	काइनेटिक विधि द्वारा सुपरऑक्साइड डिसम्यूटेस	70
16.	इम्युनोटर्बिडोमेट्री द्वारा सीरम सेरूलोप्लाज्मीन	850
17.	कोलोरीमेट्री द्वारा सीरम कॉपर	825
18.	कोलोरीमेट्री द्वारा 24 घंटे यूरिनरी कॉपर	312
19.	नेफेलोमेट्री द्वारा सीरम आईजीजी4	10
20.	एलिसा द्वारा एचएससीआरपी	73
21.	एलिसा द्वारा सीरम इंसुलिन	144
22.	एलएएल एस्से द्वारा एंडोटोक्सिन	50
23.	एलिसा द्वारा आईएल 1 बीटा	60
24.	एलिसा द्वारा आईएल 6	56
25.	एलिसा द्वारा टीएनएफ अल्फा	58
26.	रक्त अमोनिया	426
27.	प्रोथ्रोम्बीन टाइम	7832
28.	डी–सिलोज फोटोमेट्रिक एस्से	354
29.	काइनेटिक रिएक्शन द्वारा फीकल काइमोट्रिप्सिन	144
30.	फिकल फैट	240
31.	हाइड्रोजन ब्रीथ टेस्ट	1233

32.	एलिसा द्वारा फिकल इलास्टेज	366
33.	एलिसा द्वारा सी रिएक्टिव प्रोटीन	240
34.	टीजीएफ – बीटा	240
35.	टीएनएफ – अल्फा	240
36.	पीडीजीएफ – बीबी	240
37.	आईएल – 6	240
38.	जीएडी एंटीबॉडी	80
39.	स्मूथ मसल एक्टिव	320
40.	यूरिनरी इसोप्रोस्टेस	240

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर एस. के. आचार्य डीएसटी के तहत साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड, भारत सरकार के बोर्ड के सदस्य के रूप में चयनित किया गया था, जोधपुर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की चयन समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।

प्रोफेसर उमेश कपिल को इंटरनेशनल एपिडेमियोलॉजिकल एसोसिएशन (आईईए) के दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के लिए क्षेत्रीय परामर्शदाता के रूप में निर्वाचित किया, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा गठित नेशनल आपरेशनल रिसर्च ग्रुप समिति के सदस्य, बायरैक प्रस्तावों की प्रस्तुति की प्रभावी निगरानी के लिए नामित परियोजना समिति के सदस्य, वर्ष 2014 के अकादमी की अध्येता के लिए पोषण के अनुशासन में नामित नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनएएमएस) के सलाहकार पैनल के सदस्य।

प्रोफेसर प्रमोद गर्ग को भारत 2014, इलाहाबाद, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (एफएनएएससी), के फैलोशिप से सम्मानित किया, भारत 2014, नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज(एफएएमएस), के फेलोशिप, एक अंतरराष्ट्रीय पत्रिका "पैंक्रिएटोलॉजी" के एसोसिएट एडीटर के रूप में अब तक है (2.39 प्रभाव कारक 5 वर्ष), 2014 के बाद से, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ पैंक्रिएटोलॉजी, इलेक्ट्रोनिक और कार्यकारी परिषद के सदस्य सचिव के लिए नियुक्त किया, 2014 के बाद से, इंडियन पैंक्रियास क्लब के मानद सचिव, 2014 में इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी द्वारा सीएम हबीबुल्ला ओरेशन वितरित किया, 2013 में भारत के सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एंडोस्कोपी द्वारा बोस्टन साइंटिफिक ओरेशन।

प्रोफेसर विनीत आहूजा को अक्तूबर 2014 को कोबे, जापान में 5वीं एपीटीसी सम्मेलन में रजत पदक से सम्मानित किया गया था, आईएसजी 2014 के वार्षिक सम्मेलन में आईएसजी जाइडस एलिडेक ओरेशन से सम्मानित किया।

प्रोफेसर गोविंद मखारिया को आयुर्वेदिक विज्ञान पर केन्द्रीय अनुसंधान परिषद शासी निकाय के सदस्य के लिए नामित किया गया था, सीलियाक रोग पर गैस्ट्रोएंटरोलॉजी कार्य दल एशिया प्रशांत एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया; विश्व पाचन स्वास्थ्य दिवस 2015 की कार्यकारी सदस्य के रूप में मनोनीत किया; विश्व गैस्ट्रोएंटरोलॉजी संगठन; कोलोरेक्टल कैंसर और जंतु पर एशिया प्रशांत कार्य दल के सदस्य रहे; इंफ्लेमेट्री बाउल डिजीज पर एशिया प्रशांत कार्य दल के कोर सदस्य रहे; इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के कोषाध्यक्ष रहे; इंडियन सोसायटी ऑफ एविडेंस बेस्ड मेडिसिन के कोषाध्यक्ष रहे; भारत के कार्यात्मक रोग और गतिशीलता विकार के शासी परिषद रहे; इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के एक संपादकीय बोर्ड के सदस्य रहे; इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के समन्वयक रहेः युवा चिकित्सक कार्यक्रम; इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के समन्वयक : मेडिसिन इन फ्रंटियर्स (गैस्ट्रोएंटरोलॉजी), के मुख्य संपादक के लिए आमंत्रित किया गया, एशिया–प्रशांत क्षेत्र में सीलियाक रोग पर एशिया पेसिफिक एसोसिएशन ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के कार्य दल की बैठक और एक वर्ल्ड गैस्ट्रोएंटरोलॉजी ऑर्गेनाइजेशन का आयोजन किया; इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी की ओर से जयपुर में युवा चिकित्सक कार्यक्रम का आयोजन किया।

डॉ. बैबास्वता नायक को बायोकेमिस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च, ड्रग रिसर्च, ट्रॉपिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ वायरोलॉजी, पीएलओएस वन, वायरस रिसर्च, वायरोलॉजी जर्नल, वायरल इम्यूनोलॉजी, और जर्नल ऑफ वेटेरिनरी साइंस : पत्रिकाओं के समीक्षक के लिए मनोनीत किया। वह आईसीएमआर एसटीएस विशेषज्ञ समूह के समीक्षक है।

अतिथि वैज्ञानिक

1. प्रोफेसर गीर्ट डी हेंस, ने 21 अगस्त, 2014 को एम्स्टर्डम विश्वविद्यालय, एम्सटर्डम जठरांत्र विज्ञान विभाग का दौरा किया।
2. नैदानिक चिकित्सा के एसो. प्रोफेसर, डॉ. रोहित लूंबा, ने 4 मार्च 2015 को कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन डिएगो, यूएसए विभाग का दौरा किया।
3. प्रोफेसर क्रिस मल्डर, 23 मार्च 2015 को वीयू मेडिकल सेंटर, एम्सटर्डम में विभाग का दौरा किया।

9.14 जठरांत्र शल्य चिकित्सा और यकृत प्रत्यारोपण

आचार्य एवं अध्यक्ष

पीयूष साहनी

अपर आचार्य

सुजॉय पाल | निहार रंजन दाश

सहायक आचार्य

राजेश पंवार (संविदा)

विशिष्टताएं

विभाग द्वारा 8वां आईएचपीबीए भारतीय चैप्टर प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। यह 6 दिवसीय कार्यक्रम उन युवा सर्जनों को एचपीबी सर्जरी में आधुनिकतम ज्ञान प्रदान करने लक्षित है जो जीआई और एचपीबी सर्जरी एवं यकृत प्रत्यारोपण में एमसीएच /डीएनबी / अध्येतावृत्ति पाठ्यक्रमों में पूरे देश में पहले से पंजीकृत हैं। इस पाठ्यक्रम के 3 आधे सत्र यकृत प्रत्यारोपण /यकृत की सर्जरी और पोर्टल हाइपर टेंशन के प्रति, आधे दिन के 3 सत्र पैंक्रियास रोग और सर्जरी के लिए तथा आधे दिन के 3 सत्र गॉल ब्लैडर तथा बाइलरी ट्री के सुप्त और मैलिग्नैंट रोगों के लिए समर्पित थे। इसके अलावा 2 कार्यशालाएं की गईं 1. चिकित्सा अनुसंधान करना, मूल्य निरूपरण और प्रस्तुतिकरण तथा 2. मल्टी ऑरगन हार्वेस्टिंग, यकृत विभाजन और छोटी आंत की पुनः प्राप्त का प्रदर्शन करने के लिए मशत्य शरीर के अंग पुनः प्राप्ति प्रदर्शन कार्यशाला।

शिक्षा

जठरांत्र शल्य चिकित्सा और यकृत प्रत्यारोपण विभाग सक्रिय रूप से स्नातक छात्रों के अध्यापन में शामिल है। विभाग द्वारा जठरांत्र शल्य चिकित्सा में एक एमसीएच डिग्री प्रदान करने के लिए 3 वर्षीय सुपर स्पेशलटी प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। विभाग की ओर से एक माह तीन माह की अवधि के लिए अल्पावधि अवलोकन की सुविधा भी प्रदान की जाती है। पिछले वर्ष से आरंभ करने के बार विभाग हर वर्ष नेपाल के एक एमसीएच छात्र को एक वर्ष की लम्बी अवधि का प्रशिक्षण देता है। साप्ताहिक शैक्षिक गतिविधियों में रोग दर और मृत्यु दर बैठक, पबमैड एब्सट्रेक्ट प्रस्तुतिकरण, गोष्ठि, पत्रिका क्लब और अनुसंधान तथा लघु शोध प्रबंध परियोजनाओं पर चर्चा शामिल है। इनके अलावा जठरांत्र विज्ञान और जीआई रेडियालॉजी का संयुक्त चक्र सम्मेलन सप्ताह में एक बार आयोजित किया जाता है तथा दो सप्ताह में एक बार एक हिस्टोपैथोलॉजी सम्मेलन का आयोजन किया जाता है।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्याशालाएं/ संगोष्ठियां / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. ''हेपेटो–पैंक्रिएटो–बाइलेरी सर्जरी कार्यशाला और 8वें आईएचपीबीए भारतीय अध्याय प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम''; 13, 18 अगस्त 2014 को आयोजित। व्याख्यान थिएटर 1, एम्स, नई दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान

पीयूष साहनी : 64 सुजॉय पाल : 11 निहार रंजन दाश : 2 राजेश पंवार : 1

मौखिक पत्र / शोध पत्र प्रस्तुति : 18

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. परिधीय उच्छेदन मार्जिन और मध्यम अवधि के उत्तरजीविता परिणाम पर विशेष ध्यान देने के साथ पैनक्रिएटिक कैंसर से पीड़ित रोगियों में पॉस्टिरीयर (एस एम ए – फर्स्ट) एप्रोच बनाम स्टैण्डर्ड पैनक्रिएटिकोड्यूडेनेक्टॉमी : एक भावी तुलना यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सुजॉय पाल, एम्स, 3 वर्ष, 2012–2015, 5,00,000 रुपए

2. वैकल्पिक जठरांत्र शल्य चिकित्सा में क्लोरहेक्सीडाइन एल्कोहल प्रेप बनाम सेवलॉन / बीटाडाइन प्रेप के साथ त्वचा तैयारी पर आरसीटी, डॉ. पीयूष साहनी. एम्स, 3 वर्ष, 2012–2015, 1,50,000 रुपए
3. इसोफेगस की आवश्यकता वाली सर्जरी के कोरोसिव स्ट्रिक्चर सहित रोगियों में इसोफेगस रिसेक्शन बनाम बायपास, डॉ. एन आर दाश, एम्स, 3 वर्ष, 2012–2015, 1,50,000 रुपए
4. असंयमी (फेकल / यूरीनरी) के नॉन–इनवेसिव उपचार हेतु कम कीमत की डिवाइस का विकास, डॉ. पीयूष साहनी, डी एस टी, 2012–15, 21,60,000 लाख रु.

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. एक्स्ट्राहेपेटिक पोर्टल वेन में रुकावट वाले रोगियों में हाइपर स्प्लेनिज्म– स्प्लेनोमेगाली के साथ इसका सह संबंधन और पोर्टल हाइपर टेंशन की गंभीरता और सर्जरी के बाद का दौर।
2. संक्रमणों के भार के मूल्यांकन के लिए एक भविष्य लक्षी अवलोकन और हस्तक्षेप अध्ययन तथा जीआई सर्जरी विभाग में एक एंटीबायोटिक नीति के कार्यान्वयन का प्रभाव।
3. शोथकारी आंत्र रोग (आईबीडी) के रोगियों में सर्जरी के दुर्बल परिणाम के लिए पूर्वानुमान जोखिम कारक जिनकी इलियल पाउच ऐनल एनोस्टोमोसिस (आईपीएए) की गई है।
4. ऑपरेशन के दौरान कम मात्रा में स्टीरॉइड देने का मूल्यांकन जो स्टीरॉइड से उपचारित शोथकारी आंत्र रोग के रोगियों को दी जाती है– एक भविष्य लक्षी यादृच्छिक अध्ययन।
5. प्रोक्सिमल स्पेलनोरिनल शंट सर्जरी से गुजर रहे रोगियों में प्रोटोकॉल एक एंहास्ड रिकवरी के बाद सर्जरी (ईआरएएस) के लाभों का मूल्यांकन।
6. पैरीएम्पुलरी ट्यूमर और पैनक्रियास के कैंसर के रोगियों में पोस्टीरियर (एसएमए–पहला) उपागम बनाम मानक पैनक्रिएटोडियोडैनेक्टोमी वश्ताकार रीसैक्शन मार्जिन पर विशेष फोकस सहित और मध्यम अवधि उत्तरजीविता का परिणाम : एक भविष्य लक्षी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
7. बाइलरी हाइलम में मैलिग्नेंट रुकावट के साथ रोगियों के प्रबंधन में एक पक्षीय बनाम द्वि पक्षीय परक्यूटेनियस ट्रांस हैपेटिक बाइलरी ड्रेनेज की सुरक्षा और दक्षता : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
8. कार्सिनोमा ओसियोफेगस से रोगियों में निम्न ओसियोफेगसटॉमी जीवन की लंबी अवधि गुणवत्ता का आकलन।
9. जठरांत्र सर्जरी के दौर से गुजर रहे रोगियों में जीवन की गुणवत्ता में और पश्चात जटिलता परिणामों में इंट्राऑपरेटिव घटनाओं के सहसंबंध।
10. हेपेटोबिलियरी मेलिग्नेंसिस के साथ रोगियों में पोर्टल वेन इम्बोलाइजेशन की एक पर्यवेक्षणीय अध्ययन।
11. जठरांत्र और हेपेटोबिलियरी प्रक्रियाओं के दौर से गुजर रहे रोगियों में व्यापक जटिलता सूचकांक (सीसीआई) की भावी मान्यता

पूर्ण

1. कार्सिनोमा गॉल ब्लेडर के साथ रोगियों में डिस्टेंट मेटास्टेसिस का आकलन और निम्नलिखित न्यूएडजुवेंट थेरेपी प्रतिक्रिया में पीईटी–सीटी की भूमिका।
2. क्लोर हैक्सीडिन – एल्कोहल बनान क्लोर हैक्सीडिन – सैट्रीमाइड के साथ त्वचा को ऑपरेशन से पहले तैयार करने और इसके बाद ऑपरेशन के पश्चात सर्जरी के घाव की संक्रमण दरों पर पोवीडिन के प्रभाव : एक यादृच्छिक परीक्षण।
3. 1985 के बाद से एक एकल टर्शरी सेंटर में पैनक्रिएटोडुओडेनेक्टॉमी प्रदर्शन का अनवुर्तन करना।
4. प्रमुख जठरांत्र सर्जरी में डीप वेन थ्रोम्बोसिस (डीवीटी) की घटना : एक भावी पर्यवेक्षणीय अध्ययन
5. पोजिस्ट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी का भावी मूल्यांकन – ओसियोफेजियल कार्सिनोमा के पूर्व शल्य चिकित्सा स्टेजिंग में अभिकलन टोमोग्राफी (पीईटी–सीटी)।
6. चूहों में तीव्र पैंक्रियाटाइटिस प्रायोगिक की गंभीरता पर एंटी–साइटोकाइन उपचार का प्रभाव।
7. क्रोनिक पैंक्रियाटाइटिस का सर्जिकल प्रबंधन : एक पूर्वव्यापी अध्ययन।

सहयोगी परियोजना

जारी

1. क्रोनिक पैंनक्रियाटाइटिस की शल्य चिकित्सा उपचार बनाम एंडोस्कोपिक – एक तुलनात्मक परिणाम। गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी
2. प्रतिरोधात्मक पीलिया के लिए पर्क्यूटेनियस ट्रांसेप्टिक बिलियरी ड्रेनेज : परिणाम और जीवन की गुणवत्ता का आकलन। रेडियोडायग्नोसिस विभाग के साथ, एम्स।
3. जैमसिटेबिन और ऑक्सेलीप्लेटिन बनाम जैमसिटेबिन और कैपेसिटेबिन द्वारा पीटीबीडी के बाद रुकावट वाले पीलिया /स्टेंटिंग (पीटीबीडी या ईआरसीपी) सहित ऑपरेशन के लिए आयोग्य कारसिनोमा गॉल ब्लेडर : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग, एम्स के साथ।
4. हेपेटोबाइलरी मेलिग्नेसिस के साथ रोगियों में इम्बोलाइजेशन पोर्टल नस की एक पर्यवेक्षणीय अध्ययन।

पूर्ण

1. अप्रभावी ओसियोफेगल कार्सिनोमा के लिए केमो रेडियोथेरेपी से स्टेंटिंग बनाम रेडियोथेरेपी के साथ प्रशामक स्टेंटिंग : एक यादृच्छिक परीक्षण। जठरांत्र विज्ञान और चिकित्सा कैंसर विज्ञान विभाग के साथ।
2. इसोफेजियल ट्यूमरों के साथ रोगियों में सीटी ओसियोग्राफी के साथ एमडीसीटी की भूमिका। रेडियोडायग्नोसिस विभाग के साथ।
3. पैनक्रिएटिको डियोडैनेक्टोमी के बाद पैनक्रिएटिक पैरनकाइमा में कमी का सह संबंध मल्टी डिटेक्टर रो कंप्यूटेड टोमोग्राफी इमेजिंग वॉल्यूमेट्री का उपयोग करते हुए नए आरंभ होने वाले डायबिटीज के साथ सह संबंध। रेडियो निदान के साथ।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 13 **सार : 19** **पुस्तकों में अध्याय : 2** **पुस्तकें : 1**

रोगी उपचार

ओ पी डी

देखे गए नए रोगियों की कुल संख्या : **2323** देखे गए पुराने रोगियों की कुल संख्या : **8875**

विशिष्टता क्लिनिक

विभाग ने रोगियों के लिए नियमित स्टोमा क्लिनिक शुरू किया है।

विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं

एनल मेनोमिट्री, इसोफेगियल मेनोमिट्री, 24 घण्टे एम्बुलेटरी इसोफेजियल पी एच निगरानी, इंडोट्रेनिंग प्रयोगशाला।

आंतरिक रोगी

कुल सर्जिकल प्रक्रियाएं : 614

ऐच्छिक : 385 **आपातकालीन : 229**

विशेष रुचि के क्षेत्र

बाइलरी ऑब्स्ट्रक्शन :	120	पोर्टल हाइपरटेंशन :	30
इसोफेजियल कैंसर :	39	कार्सिनोमा गॉल ब्लेडर :	40
अल्सरेटिव कोलाइटिस :	59	अपर जी आई हैमरेज :	13
लोअर जी आई हैमरेज	16	तीव्र पैनक्रिएटाइटिस	27
क्रोनिक पैनक्रिएटाइटिस	22	बाइलरी स्ट्रिक्चर्स	20
पैन्क्रिएटोड्यूडेनेक्टॉमी	51	लीवर रिसेक्शंस	50

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर पीयूष साहनी इंटरनेशनल कमेटी ऑफ मेडिकल जर्नल एडिटर्स (आई सी एम जे ई) के वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ मेडिकल एडिटर्स (डब्ल्यू ए एम ई) के प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त हैं। वे दि नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया के संपादक तथा जी आई सर्जरी एनुवल के सह संपादक हैं। वे राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के विशिष्टता मंडल (सर्जिकल गेस्ट्रोइंटेरोलॉजी) के सदस्य भी हैं। वे इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी की कार्यकारी समिति के सदस्य एवं पूर्व सचिव और इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, शिक्षा समिति के सदस्य भी हैं। वे इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल जर्नल एडिटर्स के अध्यक्ष भी हैं।

डॉ. सुजॉय पाल, इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी के कार्यकारी समिति के सदस्य और, इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी के कार्यक्रम समिति के सदस्य थे।

डॉ. निहार रंजन दाश को स्टोमा रोगियों के कल्याण हेतु एक पंजीकृत सोसायटी, ऑस्टोमी सोसायटी के अध्यक्ष के रूप में पांचवीं बार फिर से निर्वाचित किया गया। उन्होंने 'हाउ टू लीव हैप्पीली विद द स्टोमा एण्ड इट्स एसेप्टेंस इन सोसाइटी' पर जनता में जागरूकता पैदा करने के लिए दिल्ली और एनसीआर में सार्वजनिक और कर्मचारियों के बारे में, अंतःक्रियात्मक सत्र और क्षेत्रीय दौरे का आयोजन किया। उन्होंने ओरेगॉन हैल्थ साइंस यूनिवर्सिटी, पोर्टलैण्ड, यूएसए में 25 सितम्बर 2014 से 7 अक्टूबर 2014 के बीच विजिटिंग और ऑपरेटिंग सर्जन के तौर पर दौरा किया। वे ''बायोमैड रिसर्च इंटरनेशनल'' पत्रिका के अतिथि संपादक और ''यूरोपीयन जर्नल ऑफ रेडियोलॉजी'' और ''ट्रॉपिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी'' के समीक्षक हैं।

वैज्ञानिक दौरा

1. प्रोफेसर पेरियर एलेन क्लेविन, आंत प्रत्यारोपण एवं एचपीबी सर्जरी विभाग के निदेशक, ज्यूरिख विश्वविद्यालय, स्विट्जरलैंड, 20.3.2015 द्वारा यकृत पुनजर्नन पर एक आधुनितम व्याख्यान प्रस्तुत किया।

9.15 जराचिकित्सा औषधि

आचार्य एवं अध्यक्ष

ए. बी. डे

सहायक आचार्य

अविनाश चक्रवर्ती प्रसून चटर्जी

विशिष्टताएं

विभाग भारत में वृद्ध व्यक्तियों के लिए शिक्षाए अनुसंधान और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्टता का एक केंद्र है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालयए भारत सरकार के ''बढ़ती उम्र के क्षेत्र में अनुसंधान के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान'' के श्रेणी के तहत ''वरिष्ठ नागरिक 2014 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार'' के लिए विभाग में शोध, प्रशिक्षण और विकासात्मक उपलब्धियों को मान्यता देने हेतु में नामांकित किया। दिनांक 1.10.2014 को वृद्ध व्यक्तियों के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस पर पुरस्कार समारोह आयोजित किया है, और श्रीमती सुमित्रा महाजन, लोकसभा की माननीय अध्यक्ष ने पुरस्कार दिया जिसमें 5,00,00 रुपए का नकद पुरस्कार, एक प्रशस्ति पत्र और एक मंजूषा भी शामिल है। यह पहली बार हुआ है कि एक संस्थान ने राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किया, जो 2013 में शुरू किया था।

विभाग ने इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में 7 और 9 नवंबर 2014 के बीच अल्जाइमर रोग इंटरनेशनल एपीआरसी 2014 के 17वें एशिया प्रशांत क्षेत्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। डॉ ए बी डे, प्रोफेसर और अध्यक्ष, जराचिकित्सा औषधि विभाग इस सम्मेलन में आयोजन समिति के अध्यक्ष थे।

विभाग ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करते हुए क्षेत्रीय वृद्धावस्था संस्थान के रूप में वर्ष के दौरान बुजुर्गों (एनपीएचसीई) के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम कार्यान्वित किया, वृद्धावस्था की देखभाल में अस्पताल के एमडी (वृद्धावस्था चिकित्सा), प्रशिक्षण नर्सों के रूप में वृद्धावस्था चिकित्सा स्नातकोत्तर प्रशिक्षण प्रदान किया तथा वृद्धावस्था स्वास्थ्य और स्वास्थ्य देखभाल से संबंधित मुद्दों पर अनुसंधान का आयोजन किया।

शिक्षा

विभाग बारह मंजूर और तीन प्रायोजित सीटों के साथ 2014 के जुलाई सत्र में प्रवेश के पूरा करने के साथ भारत में वृद्धावस्था मेडिसिन का सबसे बड़े स्नातकोत्तर विभाग बन गया है। दिसंबर 2014 में एम डी वश्द्धावस्था चिकित्सा छात्रों के पहले बैच को पास किया गया। विभाग के स्नातकोत्तर प्रशिक्षण के विभिन्न पहलुओं को शामिल करते हुए हर हफ्ते अध्यापन के पांच सत्रों के साथ स्नातकोत्तर शिक्षण पर प्रमुख ध्यान केंद्रित रखा गया।

विभाग ने बुजुर्गों के स्वास्थ्य देखभाल के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत वर्ष के दौरान दस आधे दिन के कार्यक्रमों में एम्स की तीन सौ तीन नर्सिंग कर्मियों को वृद्धावस्था देखभाल के क्षेत्र में प्रशिक्षण दिया। इंटर्नशिप प्रशिक्षण के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के तहत राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान, नई दिल्ली, एक स्वायत्त संगठन से एकीकृत बुजुर्गों की देखभाल (पीजीडीआईजीसी) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के तीस छात्रों को प्रशिक्षण दिया गया विभाग ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के तहत गृह अर्थशास्त्र संस्थान, हौज खास, नई दिल्ली द्वारा संचालित स्वास्थ्य और सामाजिक जरा विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के छात्रों के लिए सिद्धांत और व्यावहारिक शिक्षण प्रदान किया।

सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा के लेफ्टिनेंट कर्नल प्रदीप बहल ने 30 सितंबर 2014 को वृद्धावस्था चिकित्सा विभाग में लंबे समय तक प्रशिक्षण पूरा किया। अपने मूल संगठन में वापसी पर, उन्होंने बेस अस्पताल, दिल्ली कैंटोनमेंट में वृद्धावस्था सेवा और ओपीडी शुरू कर दी है।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

ए. बी. डे : 5

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र / पोस्टर : 15

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. कैंसर और कैंसर देखभाल पर आयु और आयु से संबंधित सह – रुग्णता का प्रभाव. डॉ ए बी डे. एनपीएचसीईई. तीन वर्ष. 2012–2015. 13,56,820 रुपए।
2. सबसे बड़े वृद्ध के स्वास्थ्य और कल्याण का एक अध्ययन. डॉ ए बी डे. एनपीएचसीईई. तीन वर्ष. 2012–2015. 28,24,074 रुपए।
3. पूर्व दुर्बल वृद्ध व्यक्तियों में पोषक तत्वों की पूरकता और पुनर्वास का प्रभाव. डॉ ए बी डे. एनपीएचसीईई. तीन वर्ष. 2012–2015. 14,44,106 रुपए।
4. मनोविकार देखभाल : नए गैर औषधीय हस्तक्षेप की उपयोगिता और कार्यान्वयन. डॉ ए बी डे. एनपीएचसीईई. दो वर्ष. 2014–2016. 6,50,000 रुपए।
5. वृद्ध लोगों के कल्याण के लिए एक वेब आधारित पोर्टल www.oldagesolutions.org. डॉ ए बी डे. डीएसटी. तीन वर्ष. 2014–2017. 33,66,186 रुपए।
6. प्रत्यक्ष स्पष्ट रूप से स्वस्थ बुजुर्ग विषयों में उम्र बढ़ने पर आयुष रसायन (ए और बी) के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए सहयोगी बहु केंद्रित चिकित्सीय परीक्षण. डॉ ए बी डे. सीसीआरएएस. तीन वर्ष. 2014–2017. 39,85,800 रु.।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. दिल का दौरा पड़ने वाले वृद्ध रोगियों की नैदानिक रूपरेखा।
2. वृद्ध भारतीयों में हल्के संज्ञानात्मक हानि के नैदानिक और जैव रासायनिक रूपरेखा (एम सी आई)।
3. बुजुर्ग रोगियों में सीओपीडी में हृदय की जटिलताएं।
4. कैंसर वाले वृद्ध रोगियों के बीच उपशामक देखभाल की आवश्यकताओं का आकलन
5. वृद्ध भारतीयों में कमजोरी का पता लगाने के लिए एक नए नैदानिक प्रोटोकॉल और जैव रासायनिक उपकरणों का सत्यापन।
6. वृद्ध भारतीयों में ऑर्थोस्टेटिक हाइपोटेंशन का अध्ययन।
7. भारत में वृद्ध लोगों में मानसिक स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता पर मधुमेह का प्रभाव और इसके निहितार्थ
8. वृद्ध वयस्कों में संज्ञानात्मक हानि के मूल्यांकन में टीएसपीओ उन्नत पीईटी स्कैन का अध्ययन
9. वृद्ध भारतीयों में कैंसर – व्यापक कार्यात्मक मूल्यांकन और एक नए प्रोटीन मार्कर के लिए एक उपकरण का विकास।
10. उम्र बढ़ने के मार्कर के रूप में सीरम में नए इंट्रासेलुलर प्रोटीन का मूल्यांकन।
11. बुढ़ापे में कंकाल की मांसपेशी पुनर्जनन का अध्ययन
12. संज्ञानात्मक स्थिति पर हृदय संबंधी कारणों और इसके प्रभाव के लिए बेहोशी का मूल्यांकन
13. वृद्ध रोगियों में रुमेटी गठिया का अध्ययन
14. वृद्ध व्यक्तियों में वृद्धावस्था सिंड्रोम का पता लगाने में आसान देखभाल साधनों के अनुप्रयोग
15. बहुत वृद्ध जनसंख्या में हृदय की स्थिति का आकलन
16. बहुत वृद्ध जनसंख्या में गति और संतुलन का आकलन

पूर्ण

1. एक तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल की स्थापना में सबसे बड़े वृद्ध में स्वास्थ्य और कार्यशीलता का एक अध्ययन।
2. उम्र बढ़ने की जनसंख्या में दोष का बायोमार्कर का आकलन।
3. वृद्ध व्यक्तियों में संज्ञानात्मक हानि का जल्दी पता लगाना।
4. बुजुर्ग कैंसर के रोगियों की कार्यात्मक स्थिति और सह – रुग्णता।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 10 **सार : 6** **पुस्तकों में अध्याय : 5**

रोगी उपचार

विभाग ने प्रतिदिन ओपीडी सेवा और सप्ताह में एक बार दोपहर मेमोरी क्लिनिक की सेवा प्रदान की है। वर्ष के दौरान ओपीडी में 27608 देखे गए थे और मेमोरी क्लिनिक में 184 का इलाज किया गया। विभाग ने दिवस देखभाल सेवा से 4759 रोगियों के लिए पुनर्वास सेवाएं प्रदान की हैं। वर्ष के दौरान वृद्धावस्था चिकित्सा वार्ड में 874 भर्ती किए गए।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

आचार्य ए. बी. डे को मार्च 2015 फ्रेगिलिटी फ्रैक्चर नेटवर्क इंडिया के अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया गया था। उन्होंने 26 और 27 नवंबर 2014 को बैंगलोर में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के टीआईडीई कार्यक्रम की 11वीं पीए और एम सी बैठक के एक सदस्य के रूप में भाग लिया। डॉ ए बी डे ने 9–10 दिसंबर 2014 को बैंकॉक में वृद्ध व्यक्तियों की दीर्घकालिक देखभाल पर यूएनएफपीए क्षेत्रीय विशेषज्ञ परामर्श में भाग लिया और भारत में दीर्घकालिक देखभाल पर एक स्थिति पत्र तैयार किया। उन्होंने 28 अक्तूबर 2014 को नई दिल्ली में जनसंख्या वृद्धावस्था पर यूएनएफपीए के सलाहकार समिति की बैठक में भाग लिया।

डॉ रमेश कंडेल, जूनियर रेजीडेंट ने 16 और 19 सितंबर, 2014 के बीच यूरोपीय संघ वृद्धावस्था चिकित्सा सोसायटी की ओर से यात्रा अनुदान और पंजीकरण छूट के साथ रॉटरडैम, नीदरलैंड में आयोजित यूरोपीय संघ वृद्धावस्था चिकित्सा संस्था के 10वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। उन्हें अक्तूबर 2014 में बैंगलोर में भारतीय वृद्धावस्था ग्रीकॉन 2014 अकादमी के 12वें वार्षिक सम्मेलन के प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार और सर्वोत्तम पोस्टर के लिए भी प्रथम पुरस्कार मिला।

अतिथि वैज्ञानिक

1. श्री ओलिवर जे किम, उप निदेशक, एजिंग पर संयुक्त राज्य सीनेट विशेष समिति, वाशिंगटन डीसी ने 18.06.2014 को भारत और संयुक्त राज्यों में वृद्ध व्यक्तियों के लिए दीर्घकालिक देखभाल के विकास पर विचारों का आदान–प्रदान करने के लिए विभाग का दौरा किया।
2. प्रोफेसर जिनकूक ली, यूएससी डेविस स्कूल ऑफ गैरोंटोलॉजी, वरिष्ठ अर्थशास्त्री और निदेशक, सेंटर ऑफ ग्लोबल एजिंग रिसर्च, सूनिवर्सिटी ऑफ सदर्न कैलिफोर्निया
3. प्रोफेसर मैथ्यू वर्गीस, प्रमुख, मनोचिकित्सा विभाग, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निमहांस), बैंगलोर
4. प्रो. पी. अरोकियासामी, प्रमुख, विकास अध्ययन विभाग, अंतरराष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान (आईआईपीएस) संस्थान, मुंबई
5. प्रो. आईएस गंभीर, चिकित्सा विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने समुदाय में डेमेंशिया का पता लगाने के लिए एक प्रोटोकॉल विकास कार्यशाला में भाग लेने के लिए 16 और 17 अक्टूबर 2014 को विभाग का दौरा कियां

9.16 रुधिरविज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

आर. सक्सेना

आचार्य

एच. पी. पति | एम. महापात्रा | एस. त्यागी

अपर आचार्य

तूलिका सेठ | प्रवास मिश्रा

वैज्ञानिक – 2

एस. सेजवाल

विशिष्टताएं

विभाग रुधिरविज्ञानी विकारों के निदान एवं उपचार हेतु रीयल टाइम पी सी आर/पी सी आर/फ्लोसाइटोमिट्री जैसी आधुनिक तकनीकों का प्रयोग करने में संलग्न था। इसमें रुधिरविज्ञानी विकारों से पीड़ित रोगियों का नैमिक निदान एवं उपचार भी सम्मिलित था। अभी तक विभाग द्वारा एप्लास्टिक एनिमिया, थैलासीमिया, ल्यूकिमिया तथा माइलोडिस्प्लास्टिक सिंड्रोम से पीड़ित रोगियों हेतु 150 एलोजेनिक रक्त तथा मज्जा प्रतिरोपण पूर्ण किए जा चुके हैं।

बैठकों का आयोजन :

1. अप्रैल 2014 में एम्स, जवाहर ऑडिटोरियम में : (राष्ट्रीय थैलेसीमिया वेलफेयर सोसाइटी के साथ) 7वां राष्ट्रीय थेलेसीमिया सम्मेलन।
2. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान नई दिल्ली, रुधिर विज्ञान विभाग में : राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (डीईआईसी के तहत प्रयोगशाला सेवाओं के लिए 28 नवंबर, 2014 को तकनीकी संसाधन समूह की परामर्शदात्री की बैठक।
3. हीमोफिलिया में सीएमई : 22–23 नवंबर 2014 नई दिल्ली;
4. रुधिर विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में 24 फरवरी 2015 को : ऑस्ट्रेलिया से डॉ. देवेंद्र हिवसे, अंतरराष्ट्रीय संकाय के साथ बैठक।
5. रुधिर विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में 6 फरवरी 2015 को : कनाडा, विनिपेग से डॉ. रजत कुमार की अंतरराष्ट्रीय संकाय के साथ बैठक।
6. रुधिर विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में 5 फरवरी 2015 को : इटली से डॉ. मिशेल बकरानी, अंतरराष्ट्रीय संकाय के साथ बैठक।

शिक्षा

विभाग ने पीएच. डी कार्यक्रम के साथ डीएम नैदानिक रुधिर और डीएम रुधिरविज्ञान पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए जारी रखा गया। संकाय सदस्य द्वारा रुधिर विज्ञान तथा काय चिकित्सा में स्नातक पूर्व छात्रों और बाल चिकित्सा विभाग के छात्रों हेतु नैदानिक रोगी अध्ययनों की कक्षाएं लेना जारी रखा गया। उन्होंने रुधिर विज्ञान में एम डी विकृति विज्ञान छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करना भी जारी रखा। विभाग ने 1 से 6 माह के लिए अलग– अलग अवधि के लिए अन्य संस्थानों से नैदानिक और रुधिर प्रयोगशाला से 04 डॉक्टरों को क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस वर्ष के दौरान 17 एमएस सी छात्रों के लिए भी 1 से 6 महीने से अलग–अलग अवधि के लिए आण्विक रुधिर में अल्पकालिक प्रशिक्षण चलाया गया।

प्रदत्त व्याख्यान

रेणू सक्सेना : 13 | **एच. पी. पति : 3** | **एम. महापात्रा : 9**

सीमा त्यागी : 1 | **तूलिका सेठ : 22** | **प्रवास मिश्रा : 5**

सम्मेलनों में प्रस्तुत पत्र : 14

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. एक्यूट माइलोइड ल्यूकिमिया का आण्विक रूपरेखा, आर. सक्सेना, डी बी टी, 4 वर्ष। 2013–2016. 8,00,000 रुपए।
2. सिकल सेल रोग के फीनोटाइप पर मॉड्यूलेटिंग कारकों की भूमिका, आर. सक्सेना, डी एस टी, 3 वर्ष.2013–2016. 24,32,400 रुपए।
3. भारतीय और कनाडा की आबादियों में क्रॉनिक लिम्बोसाइटिक ल्यूकेमिया (सीएलएल) के नैदानिक और आणविक सुविधाओं की तुलना, आर. सक्सेना, इंडो शास्त्री अनुदान, 2 वर्ष. 2013–2015. 6,00,000 रुपए।
4. एनीमिया वाले रोगियों की जांच के लिए हीमोग्लोबिन रंग स्ट्रिप की निदान सटीकता (एचसीएस), एक डिजिटल हीमोग्लोबिनोमीटर (ट्रू एचबी) और एक नॉन इनवेसिव डिवाइस (टच एचबी)। आर सक्सेना. एमओएचएफडब्ल्यू. 9 माह, 2014–15. 22,44,513 रुपए।
5. उत्तर भारत तृतीयक देखभाल केंद्र में पुरानी प्रतिरक्षा थ्रोम्बोकाइटोपेनिक परपुरा रोगियों की आनुवंशिक रूपरेखा का एक अध्ययन, तूलिका सेठ, सी. एस. आई. आर. 3 वर्ष. 2013. 3,00,000 रुपए।
6. एप्लास्टिक एनीमिया और जटिल टेलोमिरेज, तूलिका सेठ, अ. भा. आ. सं., 2 वर्ष. 2013. 5,00000 रुपए।
7. डेंगू संक्रमण में थ्रोम्बोसाइटोपेनिया की पैथोफिजियोलॉजी। तूलिका सेठ, डीबीटी (क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र) 2 वर्ष. 2014. 3,78,000 रुपए।
8. एक्यूट माइलोइड ल्यूकेमिया के लिए कीमोथैरेपी से गुजर रहे रोगियों में आक्रामक कवक संक्रमण की घटनाएं – कवकरोधी रोगरोधन का प्रभाव। भारत में एक भावी, बहुकेंद्रीय, पर्यवेक्षणीय अध्ययन। तूलिका सेठ, एम ई आर सी के, सी एम सी वेल्लोर, 1 वर्ष. 2015. 2,00,000 रुपए।
9. इम्यून टोलरेंस इंडक्शन, फैक्टर आठ कंसंस्ट्रेट के साथ गंभीर या मध्यम हीमोफीलिया एक मरीज में वॉन विलब्रांड (आईटीआई)। तूलिका सेठ. मैक्स–नीमन। 3 वर्ष। 2015।
10. भारत में डीवीटी के रोगजनन में ऊतक कारक और ऊतक कारक पाथवे अवरोध जीन बहुरूपताओं की भूमिका। प्रवास मिश्रा, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान। 3 वर्ष. 2014. 800000 रुपए।
11. माइलोइड ल्यूकिमिया में नए टायरोसाइन काइनेज इंहेबिटर, प्रवास मिश्रा, एन ए टी सी ओ, 3 वर्ष. 2012–2016. 6,00,000 रुपए।

पूर्ण

1. सक्रिय प्रोटीन सी प्रतिरोध और एफवी कमी वाले भारतीय रोगियों में कारक वी के आण्विक विशेषता। आर सक्सेना. आई सी एम आर. 4 वर्ष. 2011–2014. लगभग 10,00,000 रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. मानक प्रेरण कीमोथैरेपी की प्रतिक्रिया देखकर एक्यूट ल्यूकेमिया में सीडी34 $^{+}$ सीडी38$^{लो}$ /– सीडी 123 $^{+}$ ल्यूकेमिया ब्लास्टों के महत्वपूर्ण निदान का अध्ययन करना।
2. प्रसारित इंट्रावेस्कुलर कोएगुलेशन के निदान में फाइब्रिन मोनोमर की भूमिका का मूल्यांकन।

पूर्ण

1. वॉन विलरब्रांड रोग की स्क्रीनिंग के लिए जांच संशोधित थ्रोम्बोलास्टोग्राफी का मूल्यांकन।
2. मानक प्रेरण कीमोथैरेपी की प्रतिक्रिया देखकर एक्यूट ल्यूकेमिया में सीडी34 – सीडी38$^{लो}$ /– सीडी 123$^{-/-}$ ल्यूकेमिक स्टेम सेल के महत्वपूर्ण निदान का अध्ययन करना।
3. माध्यमिक इम्युन थ्रोम्बोसाइटोपेनिया के कारकों का अध्ययन करना और इन रोगियों में उपचार के लिए प्रतिक्रिया।
4. सीरियल इको कार्डियोग्राफिक पैरामीटर्स द्वारा तीव्र ल्यूकेमिया रोगियों में एंथ्रेसाइक्लिन इंफ्यूजन के तीव्र कार्डियक टोक्सिसिटी का अध्ययन। एक संभावित अवलोकन अध्ययन
5. मायलो–डिस्प्लास्टिक सिंड्रोम में माइलॉयड न्युक्लियर भिन्नता प्रतिजन अभिव्यक्ति की नैदानिक उपयोगिता
6. एप्लास्टिक एनीमिया वाले रोगियों में अस्थि मज्जा माइक्रो वेसल डेंसिटी का मूल्यांकन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. डीप वेनस थ्रोम्बोसिस और श्रोणि कैंसर के लिए सर्जरी में प्रोफिलैक्सिस के रूप में डेलटेपैरिन की भूमिका सर्जिकल ऑन्कोलॉजी।
2. गंभीर मलेरिया में हिमेटोलोजिकल और कोएगुलेशन असामान्यताएं – एक संभावित अवलोकन अध्ययन। कायचिकित्सा
3. डीएचएफ में गंभीरता के प्रदाहक भविष्यवक्ताओं का मूल्यांकन : एक संभावित मामला – नियंत्रण अध्ययन। चिकित्सा
4. गर्भवती महिलाओं के बीच इलाज के पालन के लिए और लोहे की स्थिति पर आयरन तथा फोलिक एसिड टेबलेट बनाम तैयार कैप्सूल का प्रभाव : एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण। सामुदायिक चिकित्सा
5. मानव में एक्यूट नेक्रोटाइजिंग पैन्क्रियाटाइटिस के रोगजनन में अग्नाशय ऊतक छिड़काव और संवहनी परिवर्तन और उनके प्रदाहक मध्यस्थों का मूल्यांकन करना। गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी और मानव पोषण
6. प्रमुख जठरांत्र सर्जरी में डीप वेन थ्रोम्बोसिस (डीवीटी) की घटना : एक संभावित अवलोकन अध्ययन। जीआई सर्जरी
7. स्प्लेनोमेगाली के साथ इसके सहसंबंध और पोर्टल हाइपरटेशन की गंभीरता – एक्स्ट्राहिपेटिक पोर्टल वेनस रुकावट वाले रोगियों में हाइपरस्प्लेनिज्म और सर्जरी के बाद का पाठ्यक्रम। जीआई सर्जरी
8. रक्त के हाइपरकोएगुलेबल का परीक्षण पोस्ट–ट्रॉमेटिक टेम्पोरोमैंडिबुलर जॉइंट एंकायलोसिस और हाइपोक्सिया के इन विट्रो प्रभावों और मेसेंकाइमल स्टेम सेल पर सक्रिय प्रोटीन सी के लिए एक जोखिम कारक है। दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र।
9. एलोजेनिक में एचएलए जी की भूमिका। प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवंशिकी
10. मैकुलर डिजनरेशन में ऑटोलॉग्स स्टेम कोशिका इंफ्यूशन की भूमिका। नेत्र विज्ञान

पूर्ण

1. गर्भवती महिलाओं के बीच इलाज के पालन और लोहे की स्थिति पर आयरन तथा फोलिक एसिड टेबलेट बनाम तैयार कैप्सूल का प्रभाव : एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण। सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
2. असामान्य गर्भाशय रक्तस्राव के एनीमिया के प्रबंधन में इंट्रावेनस फेरिक कार्बोक्सिमेल्टोस बनाम आयरन सूक्रोज की प्रभावकारिता की तुलना करना। प्रसूति और स्त्री रोग
3. अलिंद के साथ माइट्रल स्टेनोसिस के रोगियों में प्रणालीगत जमावट की स्थिति पर नियंत्रण दर का प्रभाव। कार्डियोलॉजी, एमएएमसी।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 42 पुस्तकों में अध्याय : 6 पुस्तकें : 1

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य आर. सक्सेना मानव आनुवंशिकी और जीनोम विश्लेषण पर टास्क फोर्स स्वास्थ्य विज्ञान डीएसटी, परियोजना समीक्षा समिति – आईसीएमआर, कार्यक्रम सलाहकार समिति के सदस्य थे। रुधिर विज्ञान और कैंसर विज्ञान, डीसीजीआई नई दवा सलाहकार समिति, चिकित्सा उपकरण सलाहकार समिति, डीसीजी। विशेषज्ञ सदस्य, एनएबीएल (डीएसटी) पीटी प्रदाता की प्रत्यायन समिति। वे हेमियोफिलिक फेडरेशन ऑफ इंडिया की चिकित्सा सलाहकार हैं। उनका अध्यक्ष–आचार समिति, आईसीएमआर और सदस्य आचार समिति, आईआईटी दिल्ली; कार्य जारी रखा गया। इंडियन सोसाइटी ऑफ हेमोटोलॉजी एंड ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन के समन्वयक कार्य जारी रखा गया – अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ईक्यूएपी कार्यक्रम।

आचार्य एच. पी. पति दिसंबर 2014 एपीसीओएन वार्षिक सम्मेलन में इंडियन कॉलेज ऑफ पैथोलॉजिस्ट्स के फेलो से सम्मानित किया गया। वे नवंबर 2013 से इंडियन जर्नल ऑफ हेमेटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूजन के एडिटर–इन–चीफ के रूप में अब तक हैं। नवंबर 2013 से नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनो–हेमेटोलॉजी (एनआईएच) के अनुसंधान सलाहकार समिति के विशेषज्ञ सदस्यता सतत है। प्रत्यायन समिति एनएबीएलएल (डीएसटी), विशेषज्ञ सदस्यता जारी है। हेमेटोलॉजी और हेमोटो–ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञ समूह के सदस्य, ड्रग कंट्रोलर जनरल (भारत), नई दिल्ली

आचार्य एम. महापात्रा इंडियन सोसायटी ऑफ हिमेटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूजन (आई एस एच बी टी) के मानद सचिव थे। अक्तूबर 2014 में ओसाका में अस्थि मज्जा विफलता पर एशिया संयुक्त संगोष्ठी में भाग लेने के लिए आईएसएचबीटी द्वारा एप्लास्टिक एनीमिया में एक विशेषज्ञ के रूप में नामित किया।

डॉ. तूलिका सेठ दिल्ली विश्वविद्यालय, साउथ कैंपस की संस्थागत आचार समिति (आईईसी) की सदस्य थी। आचार समिति संस्थान के स्नातकोत्तर सदस्य अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, आचार समिति आईसीपीओ सदस्य, नई दिल्ली। आईएनपीओजी कार्यकारी सदस्य के रूप में निर्वाचित किया गया, यह इंडियन एकेडमिक ऑफ पीडियाट्रिक्स के बाल चिकित्सा रुधिर विज्ञान अध्याय के अधीन है।

डॉ. प्रवास मिश्रा आईएसबीटी के 33वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पत्र के लिए हेरोल्ड गनसेन फेलोशिप प्राप्त किया, सियोल, साउथ कोरिया।

9.17 अस्पताल प्रशासन

आचार्य एवं अध्यक्ष

सिद्धार्थ सतपथी

चिकित्सा अधीक्षक, डॉ. आर. पी. सेंटर

शक्ति कुमार गुप्ता

चिकित्सा अधीक्षक, मुख्य अस्पताल

डी. के. शर्मा

आचार्य

आई. बी. सिंह	संजय आर्य	आरती विज

सहायक आचार्य

निरूपम मदान	अमित लथवाल	अनूप डागा
महेश आर.		अंगेल राजन सिंह (संविदा)

शिक्षा

विभाग द्वारा आयुर्विज्ञानी स्नातकों के लिए स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम अर्थात एम. एच. ए. (अस्पताल प्रशासन में स्नातकोत्तर) कार्यक्रम चलाया जा रहा है जो कि इसके आरंभ होने के बाद से अब 47वें वर्ष में पहुंच गया है। यह पाठ्यक्रम भारत में पहली बार फरवरी 1966 में आरंभ किया गया था और अब यह विशिष्ट स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के रूप में स्वीकार किया गया है। अस्पताल प्रशासन में रेजीडेंसी कार्यक्रम ''हैड्स ऑन ट्रेनिंग'' पर बल देता है, जहां रेजीडेंट प्रशासक अस्पताल के ''प्रशासकीय नियंत्रण कक्ष'' में रात–दिन 'ड्यूटी अधिकारी' के रूप में कार्य करता है और ड्यूटी समय के बाद सभी अस्पताल कार्यकलापों को समन्वित करता है। यह अस्पताल के मुख्य केन्द्र के रूप में कार्य करता है।

संकाय सदस्यों ने विभिन्न संगठनों, जिसमें केन्द्र, राज्य सरकारें, विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों जैसे कि आईआईसीएम, रांची, पावर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, नोएडा, रेलवे स्टाफ कॉलेज, वडोदरा आदि सहित अ. भा. आ. सं. में डॉक्टरों के लिए कई शिक्षण कार्यक्रम संचालित किए हैं।

अल्प और दीर्घावधि प्रशिक्षण : 6 (इस वर्ष में प्रशिक्षण करने वाले भारतीय और विदेशी नागरिक)

1. टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई से एक छात्र
2. बी. पी. कोइराला इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेस, धरन, नेपाल से एक छात्र
3. शेर–ए–कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, श्रीनगर से चार एम डी (अस्पताल प्रशासन) छात्र

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

विभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन, सेमिनार एवं कार्यशालाएं

1. हैदराबाद में 7 से 13 सितंबर 2014 तक वरिष्ठ अस्पताल प्रशासकों के लिए 11वां अस्पताल कार्यपालक प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एचएक्सएमडीपी) का आयोजन।
2. रिसर्च फाउंडेशन ऑफ हॉस्पिटल हेल्थ केयर एंड एडमिनिस्ट्रेशन (आरएफएचएचए) के सहयोग से आर्मी मेडिकल कॉलेज एंड मेडिकल साइंसेज, बेस हॉस्पिटल, दिल्ली में 21 से 23 फरवरी, 2015 तक आयोजित अस्पताल रसद, मालसूची और भंडार प्रबंधन में सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं पर संयुक्त रूप से आयोजित प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी)।
3. अस्पतालों में स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के लिए दिल्ली कानूनी सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) के सहयोग से एम्स, नई दिल्ली में 21 और 22 जनवरी, 2015 को 'जस्टिस डिस्पेंशन सिस्टम इन इंडिया'' पर आयोजित संगोष्ठी।

प्रदत्त व्याख्यान

सिद्धार्थ सतपथी : 12
शक्ति कुमार गुप्ता : 6
डी. के. शर्मा : 3
आई. बी. सिंह : 3
संजय आर्य : 7
आरती विज : 8
निरूपम मदान : 8
अमित लथवाल : 6
अनूप डागा : 7
महेश आर : 6
एजेंल राजन सिंह : 10

मौखिक / पोस्टर प्रस्तुतीकरण : 3

अनुसंधान

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. जीआई सर्जरी विभाग, एम्स में रोगी सुरक्षा के उपकरण के रूप में स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के बीच संचार का अध्ययन करना।
2. एम्स अस्पताल में कार्यस्थल हिंसा के जोखिम मूल्यांकन पर अध्ययन।
3. एम्स में विभिन्न प्रयोगशालाओं में जांच और उसके प्रभारों का अध्ययन।
4. एम्स अस्पताल में नर्सों के व्यावसायिक गुणवत्ता और नर्सों में आक्रोश का अध्ययन।
5. अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली में नई आपातकालीन स्थिति में भीड़भाड़ के लिए कारणों के रूप में रोगी के प्रवाह को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन करना।
6. अ. भा. आ. सं. अस्पताल में वरिष्ठ नागरिकों की अंतरंग रोगी देखभाल की लागत का विश्लेषण।
7. अ. भा. आ. सं. अस्पताल, निविदाओं में प्रतिस्पर्धा की सीमा तक चिकित्सा उपकरण की खरीद प्रथाओं का अध्ययन; और निविदा प्रक्रिया में भाग लेने का निर्धारण करने वाले कारक

पूर्ण

1. एम्स में कर्मचारियों के स्वास्थ्य योजना का अध्ययन, इसमें कर्मचारियों के संगठित स्वास्थ्य योजनाओं के चयन के साथ तुलना करें और स्वास्थ्य योजना मॉडल तैयार करना।
2. एम्स में रोगी शिकायत निवारण प्रणाली का अध्ययन।
3. डॉ. रा. प्र. केन्द्र, एम्स में रोगी प्रक्रियाओं में सुधार करने के लिए ऑपरेशन अनुसंधान तकनीकों का अनुप्रयोग करना।
4. अ. भा. आ. सं. अस्पताल में चुनिंदा शल्य विशेषता में वैकल्पिक शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं के लिए प्रतीक्षा समय का अध्ययन, प्रतीक्षा समय के लिए मार्गदर्शक कारकों का विश्लेषण और उसे कम करने के लिए मार्गों को सुझाना।

सहयोगी परियोजनाएं

1. देश में नकली और गैर मानक गुणवत्ता (एनएसक्यू) औषधियों की समस्याओं की सीमा तक का सर्वेक्षण। राष्ट्रीय जैविक संस्थान।
2. तृतीयक देखभाल शिक्षण संस्थान के एमबीबीएस छात्रों के बीच तनाव का मूल्यांकन। मनोरोग विभाग।
3. एम्स, नई दिल्ली में चयनित आईसीयू में कार्य कर रहे गैर – चिकित्सा कार्मिक के बीच संक्रमण नियंत्रण के उपायों के बारे में ज्ञान, व्यवहार और अभ्यासों पर संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रभाव का आकलन करने के लिए अध्ययन। कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स
4. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में नर्सों की संघर्ष प्रबंधन शैलियों का आकलन करने के लिए अध्ययन। कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स
5. सुरक्षित रक्त आधान प्रथाओं में रक्त दान, रोगी सुरक्षा मुद्दों के संबंध में नर्सों के ज्ञान और अभ्यास का आकलन करने के लिए अध्ययन। कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स
6. अंग दान के संबंध में स्वास्थ्य देखभाल व्यावसायिक के ज्ञान और व्यवहार का आकलन करने के लिए अध्ययन जो एम्स, नई दिल्ली में कार्य कर रहे हैं। कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 17

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां

विभाग सहयोगात्मक प्रयास, अन्य केंद्रीय सरकारी अस्पतालों के लिए स्थल दौरों के बाद और प्रचालन में समकालीन निविदाओं के अध्ययन के माध्यम से बाह्य स्रोत के माध्यम से सरकारी अस्पतालों में हाउस–कीपिंग सेवाओं की नियुक्ति के लिए राष्ट्रीय दिशानिर्देश तैयार करने हेतु जिम्मेदार था। यह एक समयबद्ध तरीके से पूरी की गई और कार्यान्वयन के लिए परिवार एवं स्वास्थ्य कल्याण मंत्रालय को प्रस्तुत की गई।

आचार्य सिद्धार्थ सत्पथी इंटरनेशनल मेडिकल साइंसेज एकेडमी (एफआईएमएसए) के सम्मानित अध्येतावृत्ति; स्वर्ण शक्ति के पुस्कार 2014 के पुस्कार के लिए एनटीपीसी के सर्वश्रेष्ठ परियोजना अस्पतालों के चयन हेतु बाह्य विशेषज्ञ संकाय सदस्य; विभिन्न संस्थानों और मेडिकल कॉलेज में अस्पताल प्रशासन, भंडार अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारियों, नर्सिंग अधीक्षक आदि के संकाय के लिए विभिन्न चयन समितियों में अस्पताल प्रशासन के विशेषता हेतु विषय विशेषज्ञ; केंद्र प्रायोजित परियोजना के तहत नए मेडिकल कॉलेजों को स्थापित करने के लिए डीपीआर के मूल्यांकन हेतु एमओएचएफडब्ल्यू के तकनीकी मूल्यांकन समिति के सदस्य; बीएमडब्ल्यू और संक्रमण नियंत्रण (एमएचडी–21) पर बीआईएस अनुभागीय समिति के सदस्य; इंफोसिस प्राइज के पुस्तकार के लिए नामांकन चक्र 2014 हेतु नामांकन परिषद, इंफोसिस साइंस फाउंडेशन के सदस्य; चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विज्ञान और इंटरनेशनल साइंटिफिक कमिटी, डब्ल्यूएएसईटी पर संपादकीय समीक्षा बोर्ड के सदस्य; नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया (एनएमजेआई) आदि; जर्नल ऑफ एकेडमी ऑफ हॉस्पीटील एडमिनिस्ट्रेशन और इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च फाउंडेशन ऑफ हॉस्पिटल एंड हेल्थ केयर एडमिनिस्ट्रेशन के संपादकीय बोर्ड के सलाहकार के रूप में सम्मानित किया गया था।

आचार्य शक्ति कुमार गुप्ता को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा 1 जुलाई 2014 को डॉक्टर दिवस पर ''प्रतिष्ठित जूरी'' के रूप में सम्मानित किया गया था; उन्हें 23 से 24 जुलाई 2014 को अलंकरण समारोह पुस्तकार में 24 जुलाई 2014 को वर्ष 2014 के लिए जम्मू और कश्मीर के माननीय राज्यपाल, श्री एन एन वोहरा द्वारा सम्मानित किया गया; 22 और 23 सितंबर 2014 को आई बाढ़ से प्रभावित श्रीनगर में तृतीयक देखभाल चिकित्सा संस्थानों में बुनियादी संरचना की क्षति का आकलन करने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित केंद्रीय दल के भाग के रूप में श्रीनगर का दौरा किया; 28 से 30 अक्टूबर 2014 तक जम्मू और कश्मीर में बाढ़ से पीडितों के राहत और पुनर्वास के संबंध में विभिन्न अस्पतालों के तृतीयक देखभाल सुविधाओं के प्रचालन पर आवश्यकताओं के आकलन के लिए पीएमओ और एनडीएमए द्वारा गठित केंद्रीय दल के भाग के रूप में श्रीनगर का दौरा किया; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, त्रिपुरा सरकार के लिए मानद सलाहाकार के रूप में नामित; आईटीपी पब्लिशिंग एंड हेल्थकेयर रेडियस द्वारा भारतीय स्वास्थ्य देखभाल उद्योग के लिए उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया; 03 से 05 नवंबर 2014 तक काठमांडू, नेपाल में आपातकालीन ट्रॉमा सेंटर के लिए परियोजना निगरानी समिति की बैठक में भाग लिया, 11 से 13 फरवरी 2015 तक एम्स स्थापित करने के लिए दो स्थलों के निरीक्षण के संबंध में कल्याणी, पश्चिम बंगाल का दौरा किया; 21 से 23 जनवरी 2015 तक एम्स स्थापित करने के लिए स्थल के निरीक्षण के संबंध में वडोदरा और राजकोट जिले का दौरा किया; प्रिंन एल. एन. वेलिंगकर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट डेवलपमेंट एंड रिसर्च (वीस्कूल), मुंबई द्वारा आयोजित ''पीजीडीएम एंड पीजीपी स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन कार्यक्रम'' के सलाहाकार बोर्ड के सदस्य; हैमोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया की पहुंच बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित हैमोविजिलेंस सलाहकार समिति (एचएसी) के सह–अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति; डीजीएचएस, सीडीएससीओ, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 12वीं पंचवर्षीय योजना (2012–2017) के दौरान फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया (पीवीपीआई) के तहत कार्यान्वयन किए जाने के लिए प्रस्तावित पांच कार्यक्रम – फार्माकोविजिलेंस, हैमोविजिलेंस, बायोविजिलेंस, मैटेरियोविलिजेंस और एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस के लिए विशेषज्ञ सलाहकार समिति के सदस्य।

डॉ. डी. के. शर्मा ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार आदि सहित अन्य संगठनों की विभिन्न आंतरिक एवं बाह्य नीतियों के निर्माण तथा निर्णय लेने वाली समितियों के अध्यक्ष / सदस्य के रूप में सेवाएं प्रदान कीं; निजम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, हैदराबाद में अप्रैल 2014 में अंतिम परीक्षा और अक्टूबर 2014 में पूरक परीक्षा आयोजित एमडी (प्रस्पताल प्रशासन); एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ में अस्पताल प्रशासन विभाग के प्रोफेसर पद के लिए कैरियर प्रगति योजना के तहत संकाय सदस्य के आकलन को बढ़ावा देने हेतु एक विषय विशेषज्ञ के रूप में चयन समिति की बैठक में उपस्थित हुए; एम्स, ऋषिकेश में आयोजित किए जाने वाले पीएमएसएसवाई के तहत नए एम्स के लिए गैर – संकाय पदों के भर्ती नियमों के संबंध में बैठक में भाग लिया; आईजीआईएमएस, पटना में 28.07.2014 को सहायक प्रोफेसर और चिकित्सा अधीक्षक के पद के लिए एक बाह्य विशेषज्ञ के रूप में स्थायी चयन समिति की बैठक

में भाग लिया; स्वामी राम हिमालयन यूनिवर्सिटी, दोईवाला, देहरादून में एमएचए अंतिम सेमेस्टर परीक्षा के लिए एक बाह्य परीक्षक के रूप में मौखिक और निबंध परीक्षा आयोजित की; पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में अस्पताल प्रशासन में मास्टर के लिए एक बाह्य परीक्षक के रूप में परीक्षा आयोजित की।

आचार्य आई. बी. सिंह नारायण मेडिकल कॉलेज, नैलोर (अ. प्र.) में एमडी (अस्पताल प्रशासन) एम्स : स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यचर्या (अस्पताल प्रशासन में एम डी) निजाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, हैदराबाद – 500082 (संदर्भ सं. एसीआई / 2853 / 2013–14 / बीएस दिनांक 03.07.2014 के लिए थीसिस परीक्षक हेतु बाह्य परीक्षक; स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यचर्या (अस्पताल प्रशासन में मास्टर) के लिए बाह्य परीक्षक थे; प्रेस्टिज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, ग्वालियर में 21–24 अगस्त 2014 को 6वां राष्ट्रीय पद्धति कार्यशाला में वैज्ञानिक सत्र का संचालन किया; फॉर्मूलरी (विशेष डीजी (सीजीएचएस), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अध्यक्षता में आयोजित सीजीएचएस और एमएसओ के लिए औषधि फॉर्मूलरी में शामिल स्वामित्व औषधियां) के संशोधन के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य; एम्स, रायबरेली के लिए ओपीडी की स्थापना के लिए चिकित्सा उपकरणों की खरीद के लिए विशेषज्ञ तकनीकी समिति के सदस्य; नई दिल्ली में 28 नवंबर, 2014 को आयोजित मानकीकरण, अनुरूपता मूल्यांकन और उत्पाद सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग के लिए गुणवत्ता मूल संरचना पर भारत – जर्मन कार्य समूह के विशेषज्ञ समिति के सदस्य; अस्पताल (स्तर 1 और स्तर 2) के लिए नैदानिक स्थापना अधिनियम – मानक का मसौदा तैयार करने और अंतिम रूप देने तथा विशेष डीजी (सीजीएच) की अध्यक्षता में आयोजित तकनीकी विशेषज्ञ समिति की बैठक में मसौदे रखने को अंतिम रूप देने में भाग लेने और योगदान के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित ''11.06.2014 को आयोजित निजी अस्पतालों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए निःशुल्क चिकित्सा देखभाल प्रावधान पैमानों के लिए कार्यशाला'' में भाग लेने के लिए नोडल अधिकारी।

आचार्य आरती विज ने शव अंग और ऊतक दान प्रक्रिया पर नर्सों का प्रशिक्षण आयोजित किया। एम्स और अन्य अस्पतालों से 100 नर्सों को प्रशिक्षित किया गया; नर्सों के प्रवेश प्रशिक्षण में अंग और ऊतक दान पर 800 नर्सों का अभिविन्यास; एमबीबीएस छात्रों, एम्स के लिए कोमा तथा मस्तिष्क मृत्यु और अंग दान के प्रबंधन पर एकीकृत व्याख्यान; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार सहित एमएलसी में संपूर्ण देह दान और अंग पुनर्प्राप्ति पर दिशा – निर्देश तैयार करने में योगदान दिया; हार्ट वॉल्व बैंक के पंजीकरण में समन्वित; अंग देने के लिए नेटवार्किंग के प्रायोजन के लिए एनओटीटीओ के साथ एम्स के संबंध में समन्वित; दिल्ली सरकार के ई–पोर्टल पर अंग और ऊतक प्रत्यारोपण के एम्स के नोडल अधिकारियों के संकलित आंकड़े; 213 अंग और ऊतक प्रत्यारोपण के लिए खरीदे गए थे; दानदाता पंजीकरण : 3033 व्यक्तियों ने ओआरबीओ की प्रेरणा पर अंग दान के लिए वचन दिया। आज तक पंजीकरण की कुल संख्या लगभग 25000 है; अंग और ऊतक दान के नेक काम को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न संगठन का सहयोग; एम्स और जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में मृतक अंग दान के लिए आईसीयू टीमों के बारे में तैयार दिशा–निर्देश; समुदाय सेवाएं / परिसर : 78 की कुल संख्या; संस्थान द्वारा आयोजित 78 सम्मेलनों / कार्यशालाओं में अंग दान पर आईईसी गतिविधि का आयोजन; एचएलएल लाइफकेयर लि. भारत सरकार का उपक्रम के स्वतंत्र (अंशकालिक गैर–सरकारी) निदेशक मंडल; स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तहत राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम में सलाहाकार समूह के सदस्य; उत्कृष्ट देखभाल और रोगी देखभाल में व्यावसायिकता के लिए श्री अरुण जेटली, माननीय वित्त मंत्री, नैगम कार्य और रक्षा से प्रशंसा पत्र; असाधारण देखभाल और उपचार के पर्यवेक्षण के लिए श्री जी. ई. वाहनवती, भारत के अटॉर्नी जनरल से प्रशंसा पत्र; राष्ट्रीय नेत्र बैंक को उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रशंसा पत्र।

डॉक्टर निरूपम मदान अस्पताल और स्वास्थ्य देखभाल प्रशासन के लिए जर्नल ऑफ रिसर्च फाउंडेशन के संपादकीय बोर्ड के सदस्य थे। आईएसएसएन 2347–4254; ई–आईएसएसएन 2347–4602; निम्नलिखित कार्यक्रमों के लिए आईआईसीएम, रांची में अतिथि संकाय : अस्पताल प्रशासन पर प्रशिक्षण सेवारत कार्यक्रम, इंजीनियर्स के लिए खानों में आपदा प्रबंधन पर कार्यक्रम; वरिष्ठ कार्यपालकों के लिए संविदा प्रबंधन पर कार्यक्रम; एम्स में सिस्टर ग्रेड 2 और स्नातकोत्तर छात्रों के प्रेरण प्रशिक्षण के लिए संसाधन संकाय।

डॉक्टर महेश आर. चिकित्सा उपकरण एवं अस्पताल योजना प्रभाग परिषद (एमएचडीसी), भारतीय मानक ब्यूरो के प्रमुख सदस्य थे; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार (तंबाकू नियंत्रण प्रभाग) द्वारा पैक चेतावनी के विकास के लिए समिति के विशेषज्ञ; नैदानिक स्थापना, भारत सरकार, डीजीएचएस के लिए न्यूनतम मानकों के विकास के लिए उप – समिति के सदस्य।

अतिथि वैज्ञानिक / प्रतिनिधिमंडल

1. भारत क्षेत्र संगोष्ठी 2015 के दौरान 6 जनवरी को विभाग के अतिथि संकाय निदेशक प्रो. नेद रिमेर सहित बूस्टन यूनिवर्सिटी, यूएसए में स्वास्थ्य क्षेत्र प्रबंधक कार्यक्रम के छात्र।
2. एम्स के पहला कौशल ज्ञान पाने के लिए भारत के दौरे के दौरान 20 नवंबर 2014 को विभाग के एनएचएस लीडरशिप एकेडमी, यूनाइटेड किंगडम दौरे के प्रतिनिधि (6)।
3. अंतरराष्ट्रीय पहुंच कार्यक्रम के भाग के रूप में स्थल दौरे और परस्पर संवादात्मक सत्र के लिए 19 जनवरी 2015 को फ्रेंच नेशनल हेल्थ सर्विस दौरे में 27 चिकित्सा अधीक्षकों का प्रतिनिधिमंडल।

9.18 प्रयोगशाला चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

ए. के. मुखोपाध्याय

आचार्य

एम. इरशाद   सरमन सिंह

अपर आचार्य

सुभद्रा शर्मा	पूर्वा माथुर (जेपीएनएटीसी)	एस. अरुलसेल्वी (जेपीएनएटीसी)

सहायक आचार्य

सुदीप कुमार दत्ता (5 जून 2014 से)	श्याम प्रकाश (28 जून 2014 से)	गौरव छाबरा (अनुबंध) (4 अगस्त 2014 से)

वैज्ञानिक

वंदिता वासुदेव

विशिष्टताएं

भारतीय चिकित्सा परिषद् (एम सी आई) द्वारा प्रयोगशाला चिकित्सा के विषय का संज्ञान लिया गया और केंद्रीय प्रयोगशाला के समान मॉडल को प्रयोगशाला कायचिकित्सा विभाग तथा पूरे देश में प्रयोगशाला काय चिकित्सा का स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम स्थापित किया गया। रोगी के नमूने लेने के लिए कंप्यूटरीकृत व्यवस्था पूरी की गई है। रोगी को अगले दिन के लिए फ्लैबोटोमी का समय मिल जाता है। जांच के बाद रिपोर्टें भी अलग अलग वार्ड तथा ओपीडी में कंप्यूटरीकरण द्वारा भेजी जाती है। रोगी एम्स के वेबसाइट के जरिए अपनी रिपोर्ट देख सकते हैं। विभाग द्वारा एम्स में 29 सितंबर 2014 को डॉ. दीपक चोपड़ा के साथ एक वार्ता और अंतःक्रियात्मक सत्र का आयोजन किया गया। विभाग के संकाय सदस्य राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय निधिकरण एजेंसियों से निधि प्राप्त करते हैं और विभाग को प्रशंसा तथा सम्मान दिलाते हैं। प्रकाशन, पुरस्कार और सम्मानों के संबंधित अनुभाग में वैयक्तिक उपलब्धियां देखी जा सकती हैं।

शिक्षा

दीर्घकालिक : विभाग व्यापक स्नातकोत्तर और पीएच. डी. प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाता है।

अल्पकालिक : पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ से तीन छात्रों ने अल्पकालिक प्रशिक्षण और 1 पीएच. डी. छात्र ने भी क्लोनिंग और अन्य आणविक प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षण प्राप्त किया। पैथोलॉजी विभाग से छः एम. डी. छात्रों को भी विभाग में प्रशिक्षित किया गया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/ कार्यशाला/ संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (विभाग द्वारा आयोजित)

1. आंत्र परजीवी के संक्रमण का निदान, आईएएमएम–दिल्ली अध्याय का 6वां वार्षिक सम्मेलन (डॉ. सरमन सिंह) 26 नवंबर 2014, नई दिल्ली।
2. क्षय रोग निदान और प्रबंधन में चुनौतियों पर एम्स–डीबीटी विचार मंथन संगोष्ठी (डॉ. सरमन सिंह), 24 मार्च, 2015, एम्स, नई दिल्ली।

प्रदत्त व्याख्यान

ए. के. मुखोपाध्याय : 4   **सरमन सिंह : 23**   **श्याम प्रकाश : 2**

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुति : 1

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. पार्किन्सन रोग में माइटोकॉन्ड्रियल उत्परिवर्तन, माइटोकॉन्ड्रियल कार्य और ऑक्सीडेटिव तनाव का अध्ययन करना, ए के मुखोपाध्याय, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2011–14, 37 लाख रुपए।
2. एंटी–टी टी वी एंटी बॉडीज़ के लिए टोर्क टेनो वायरस (टी टी वी) एवं विकसित ई आई ए सिस्टम के एन–22 रीजन की क्लोनिग एवं अभिव्यक्ति। एम इरशाद, सी. एस. आई. आर., 2011–14, 19.92 लाख रुपए।
3. अरुणाचल प्रदेश के औषधीय ऑर्किड : सूक्ष्म प्रजनन : पादप रसायन विशेषता और जैविक गतिविधि मूल्यांकन। सरमन सिंह, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2013–16, 86 लाख रुपए।
4. किनेटोप्लास्टिड औषध विकास : पूर्व नैदानिक पाइपलाइन केआईएनडीआरईडी का सुदृढ़ीकरण, सरमन सिंह, यूरोपियन कमिशन, 2013–16, 2 करोड़ रुपए।
5. प्रयोगात्मक आंत संबंधी लीशमानियासिस के लिए एक टीका तैयार करने के रूप में बीसीजी वाले लीशमानिया काइनेसिन मोटर डोमेन। सरमन सिंह, आई. सी. एम. आर., 2013–16, एसआरएस शिप।
6. एडविया सेंटूर सिस्टम पर संक्रामक रोगों मार्करों के लिए बैच प्रभावकारिता परीक्षण। सरमन सिंह, सीमेंस लिमिटेड., 2015–17, 9.34 लाख रुपए।
7. भारत के उत्तर–पूर्वी क्षेत्रों से माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग की आण्विक महामारी विज्ञान और दवा प्रतिरोध पैटर्न। सरमन सिंह, डीबीटी, 2014–17, 74.23 लाख रुपए।
8. एनईआर के मध्य कैरियर वैज्ञानिक के लिए संक्रामक रोग निदान में हाल ही में तकनीक पर लघु अवधि प्रशिक्षण। सरमन सिंह, डीबीटी, 2012–15, 34.44 लाख रुपए।
9. एचआईवी सेरोपॉजिटिव रोगियों में एम. ट्यूबरकुलोसिस में आण्विक महामारी विज्ञान और आनुवंशिक लाक्षणीकरण। सरमन सिंह, आई. सी. एम. आर., 2012–2015, 19 लाख रुपए।
10. लूप मीडिएटेड आइसोथर्मल एम्प्लीफिकेशन (एलएएमपी) द्वारा हेपेटाइटिस सी विषाणु आरएनए (एचसीवी आरएनए) का पता लगाने के लिए एक सस्ती और तीव्र नैदानिक विधि। श्याम प्रकाश, डीबीटी, 2013–2016, 24.7 लाख रुपए।
11. हेपेटाइटिस बी/सी (एचबीवी डीएनए/एचसीवी आरएनए) के लिए माइक्रो पीसीआर क्वांटिटेशन की तीव्र नैदानिक मूल्यांकन। श्याम प्रकाश, बिग टेक, 2012–2015, 12.19 लाख रुपए।

पूर्ण

1. अवसादग्रस्त युवाओं की नैदानिक अभिव्यक्ति में न्यूरोट्राफिन्स, साइटोकिन्स तथा जेनेटिक पॉलीमॉर्फिज्म की भूमिका। ए. के. मुखोपाध्याय, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2010–2013, 35.99 लाख रुपए।
2. रोगियों के खून में ए–जी हेपेटाइटिस वायरल संक्रमण का पता लगाने के लिए एकल कदम मल्टीप्लेक्स वास्तविक समय पीसीआर (आरटी–पीसीआर) को विकसित करना। एम. इरशाद, आईसीएमआर, 2012–13, 16.30 लाख रुपए।
3. तीव्र पता लगाने और माइकोबैक्टीरियम क्षयरोगों के भेदभाव के लिए नई लूप मीडिएटेड आइसोथर्मल एम्प्लीफिकेशन (एलएएमपी) जांच, सरमन सिंह, डीबीटी, 2011–14, 63 लाख रुपए।
4. सर्विको – विजाइनल टिशू एक्स विवो के सीमन मीडिएटेड एचआईवी – 1 संचरण पर हर्पीज वायरसों के मद यौन संचरण प्रभावों के एचआईवी – 1 मद का निर्धारक, सरमन सिंह, आई. सी. एम. आर., 2011–2014, 47 लाख रुपए।
5. संक्रामक और प्रदाहक बीमारियों वाले रोगियों में सी प्रतिक्रियाशील प्रोटीन और कुल ल्युकोसाइट गणना का तुलनात्मक मूल्यांकन, सरमन सिंह, एचओआरआईबीए इंडिया (प्राइवेट) लिमिटेड 2014–15, 6.55 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. अवसाद के रोगियों में जीन टीएनएफ–अल्फा (308 जी/ए), आईएल–1 बीटा (511 सी/टी) और आईएल–6 (174जी/सी) में बहुरूपता का अध्ययन : नैदानिक गंभीरता के साथ अपना सहयोग।
2. हिपेटाइटिस वायरसों हेतु मल्टीप्लेक्सिंग जांच।
3. गुर्दे की विफलता वाले रोगियों में टीटीवी की भूमिका।
4. भारतीय समुदायों में सी आर एफ पर महामारी वैज्ञानिक अध्ययन।
5. पॉली पेप्टाइड संबद्ध टी टी वी की क्लोनिंग, अनुक्रमण और अभिव्यक्ति।
6. भारतीय जनसंख्या में टी टी वी की जीनोटाइपिंग।
7. एच सी वी जीनोटाइप्स की सीरो पहचान के लिए वास्तवकि समय पी सी आर।
8. सिरोसिस/ एच सी सी में एच सी वी– जीनोटाइप्स का महत्व।
9. टोक्सोप्लाज्मा गोंडी से अभिव्यक्ति क्लोनिंग और एक अत्यधिक प्रतिजनी पुनः संयोजक प्रतिजन की शोधन और अपने मूल्यांकन से मानव और पशु के टोक्सोप्लाज़मोसिज़ का निदान करना।
10. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के लिए नए एंटीजनों पॉलीक्लोनल मोनो और एंटीबॉडीज तैयार करना और उनके नैदानिक नमूनों में निदान का मूल्य।
11. भारत विशिष्ट पूर्व एक्सडीआर/एक्सडीआर–टीबी का तेजी से निदान करने के लिए नई आण्विक परीक्षण (एस) का विकास।
12. एचआईवी सीरो – नेगेटिव वयस्क और दस्त वाले बाल चिकित्सा रोगियों के मल नमूनों में माइक्रोपोरिडिया की व्यापकता को देखना।
13. भारत के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों से 24 लोकस माइक्रोबैक्टीरियल इंटरस्प्रेस्ड दोहराए गए इकाई चर संख्या अग्रानुक्रम दोहराने टाइपिंग और स्पोलिगोटाइपिंग द्वारा माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग की आण्विक महामारी विज्ञान।
14. सेरोपॉजिटिव बकरियों से परजीवियों जैसे लीशमैनिया या आइसोलेशन का लाक्षणीकरण।
15. माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग की तीव्र पता लगाने के लिए जांच लूप मीडिएटेड आइसोथर्मल एम्प्लीफिकेशन (एलएएमपी) का विकास और नैदानिक नमूनों से एनटीएम।
16. संदिग्ध एक्स्ट्रापल्मोनरी तपेदिक के मामलों के रोगियों में माइक्रोबैक्टीरिया का पता लगाना।
17. आण्विक विधियों का उपयोग कर माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग की जीनोटाइपिंग–स्पोलिगोटाइपिंग और तपेदिक में आईएस 6110 आरएफएलपी संपर्क जांच।
18. सीलियाक रोग और अन्य एंटेरोपैथिस के साथ रोगियों में विलस असामान्यताओं के आकलन के लिए बायोमार्कर (एस)।
19. इडियोपैथिक आवर्तक तीव्र अग्नाशयशोथ के साथ रोगियों में तीव्र अग्नाशयशोथ के प्रकरणों की संख्या में कमी और दर्द से राहत पर एंटीऑक्सीडेंट पूरकता का प्रभाव।

पूर्ण

1. नैदानिक गंभीरता और उपचार की प्रतिक्रिया के साथ संबंध : प्रमुख अवसाद में परिधीय तनाव बायोमार्कर (एस100बी, 8 आइसोप्रोस्टेन और 8 हाइड्रोक्सी – 2 – डीऑक्सीग्वानोसिन) का अध्ययन।
2. डी–डिमर और लिम्फ नोड मेटास्टेसिस के साथ प्रचलित स्तन कैंसर में अन्य जमावट मापदंड।
3. लेप्रोस्कोपिक वजन घटाने की शल्य क्रिया / स्लीव गैस्ट्रेक्टॉमी के दौर से गुजर रहे अस्वस्थ मोटापे से ग्रस्त रोगियों में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी और हड्डियों के स्वास्थ्य का मूल्यांकन।
4. पेरासेल्युलर पारगम्यता और टाइट जंक्शन और सीलियाक रोग में रोगियों के परिवार के सदस्यों में उनके विनियमन के पैथोफिसियोलॉजी।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. पहली तिमाही ग्लूकोज स्क्रीनिंग और गर्भावस्था में गर्भावधि मधुमेह मेलिटियस के विकास के साथ सीरम इंसुलिन के स्तर (एंडोक्राइनोलॉजी और चयापचय) के बीच संबंध।
2. भारतीय जनसंख्या में क्रोनिक रीनल फेलियर (सीआरएफ) (नेफ्रोलॉजी) पर एक मल्टीसेंट्रीक अध्ययन।
3. शीघ्र निदान या अंग रोग और सेप्सिस (माइक्रोबायोलॉजी) के लिए मोनोसाइटिक्स के संभावित उत्पन्न के बाद आघात साइटोकाइन का आकलन।
4. विकास और तपेदिक (बायोटेक्नोलॉजी) के लिए तेजी से और सटीक निदान परीक्षण का सत्यापन।
5. मनुष्यों में रक्त कोशिकाओं और रक्त के प्रवाह पर चुंबकीय क्षेत्र जोखिम के प्रभाव (बायोमेडिकल इंजीनियरिंग) का अध्ययन।
6. प्लेटलेट से भरपूर प्लाज्मा के इंट्रा आर्टिकुलर इंजेक्शनों की एक खुराक और दर्द में कमी लाने के लिए उच्च आण्विक भार वाले हाइलूरोनिक एसिड की तुलना करना तथा घुटने के ऑस्टियो आर्थराइटिस के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना (शारीरिक काय चिकित्सा और पुनर्वास)

पूर्ण

1. सामान्य और उच्च जोखिम गर्भधारण के दौरान ट्यूमर मार्करों का एक क्रॉस अनुभागीय अध्ययन। (प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान)
2. फुफ्फुस और लिम्फ नोड तपेदिक के निदान में जीन एक्सपर्ट के नैदानिक उपयोगिता का अध्ययन। (चिकित्सा)
3. तीसरी तिमाही में गर्भवती महिलाओं और बल्लभगढ़ के ग्रामीण समुदाय में रहने वाली महिलाओं के सीरम में ऑक्सीडेटिव तनाव उपायों पर उसके प्रभाव में पोषण की स्थिति : एक समुदाय आधारित अध्ययन (समुदाय चिकित्सा)

प्रकाशन

जर्नल : 34 **सार : 3** **पुस्तकों में अध्याय : 2**

रोगी की देखभाल

केंद्रीकृत रक्त संग्रह सुविधा

I. फ्लेबोटॉमी

II. जांच प्रदर्शन

III. रक्त के नमूनों का वितरण

I. फ्लेबोटॉमी

फ्लेबोटॉमी और नमूने की कुल संख्या (प्राथमिक और भोजन के बाद) : 99,935

II. की गई जांचें

क) रक्त स्राव का समय, क्लोटिंग का समय : 4175

प्रोथ्रोम्बिन समय : 2134

एपीटीटी : 409

III. रक्त नमूनों का वितरण

क) लैब मेडिसिन विभाग : 98,266

i) सीआई. रूधिर विज्ञान अनुभाग : 57,362

ii) सीआई. सूक्ष्म जीव विज्ञान अनुभाग : 3123

iii) सीआई. सूक्ष्म जीव विज्ञान अनुभाग

ख) विभाग के बाहर प्रयोगशालाओं कोप

i) सीएनसी : 14650

ii) सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग : 7201

iii) ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग : 2015

'(क्योंकि कंप्यूटरीकरण में दिखाए गए डेटा कंप्यूटरीकरण से योग के साथ–साथ मैनुअल रिकॉर्ड है)

आपातकालीन प्रयोगशाला सेवा (चौबीसों घंटे)

रुधिर विज्ञान अनुभाग

क्र.सं.	परीक्षण	कुल
1.	एचबी	99440
2.	टीएलसी	99440
3.	पीएलटी	99440
4.	पीटी	22026
5.	टीटी	756
6.	एपीटीटी	2453
7.	डी–डिमर	559
8.	एमपी	4827
9.	सीएसएफ सेल्स	5025
10.	पेशाब	2000
11.	रक्त सी/एस	8000
12.	सीएसएफ सी /एस	3500
13.	स्लाइड स्टेन	9125
14.	एच.डी. मल	3280
15.	एमसीवी	99440
16.	एमसीएच	99440
17.	एमसीएचसी	99440
18.	पीसीवी	99440
19.	आरबीसी	99440
20.	बी/सी	1825
21.	अन्य	1000
	कुल	**8,59,896**

आपातकालीन जैव रसायन सेवाएं

जांच	संख्या	जांच	संख्या
ग्लूकोज :	34,877	यूरिया :	1,25,554
क्रिएटिनिन :	1,25,554		
इलेक्ट्रोलाइटिस			
सोडियम :	1,27,349	पोटेशियम :	1,27,349
आयनीकृत कैल्शियम :	1,27,349	क्लोराइड :	1,27,349
बिलीरूबिन :			
कुल	93,345	कंजुगेट :	145
एसजीओटी :	523	एसजीपीटी :	523
एएलपी :	523	टी. प्रोटीन :	523
एल्युमिनियम	523	एमाइलेस :	13,459
सीएसएफ प्रोटीन :	6,127	सीएसएफ ग्लूकोज :	6,127
इलेक्ट्रोलाइट्स के साथ एबीजी	20, 654		
कुल	**9,37,853**		

कमरा नं. 18 से सेवाएं

एडिनोसाइन डीएमिनेज जांच (ए डी ए) : 1699

न्यूरोसिस्टीसरकोसिस (एनसीसी) सीरम आईजीजी एंटीबॉडीज : 121

कुल 1820

पोषाहार मार्कर्स, ट्यूमर मार्कर्स, हार्मोन और अन्य

क्र.सं.	जांच	कुल
1	सीरम विट. बी– 12	1928
2	सीरम फोलिक एसिड	1797
3	सीरम फेरिटिन	857
4	सी ई ए	157
5	सी ए 15.3	95
6	सी ए 19.9	131
7	सीरम पी टी एच	35
8	अन्य *	650
	कुल	**5650**

अन्य* : नमूना दोहराना, गुणवत्ता नियंत्रण और कैलिब्रेशन।

रुधिर विज्ञान अनुभाग

क्र. सं.	जांच	ओ पी डी	वार्ड
1	एच बी	109151	89283
2	टी एल सी	109151	89283
3	पी सी वी	109151	89283
4	डी एल सी	109151	89283
5	ई एस आर	70201	48429
6	पी / एस मोर्फोलॉजी	109151	89283
7	पी एल टी	109151	89283
8	रेटिक संख्या	3602	506
9	एब्स इयोस. संख्या	109151	89283
10	ए एन सी	109151	89283
11	एम पी	23050	480
12	एम पी	2531	–
13	एम सी वी	109151	89283
14	एम सी एच	109151	89283
15	एम सी एच सी	109151	89283
16	आर बी सी	109151	89283
17	आर डी डब्ल्यू	109151	89283
18	एम पी वी	109151	89283
19	पी टी	–	20682
20	ए पी टी टी	–	6725
21	टी टी	–	2804
22	डी–डिमर	–	4464
23	अन्य	18250	8500
	कुल	**1645748**	**1342552**

महायोग : 29,88,300

*** परीक्षण दोहराना, परीक्षण जांच, गुणवत्ता नियंत्रण नमूना, आंतरिक क्यूसी आदि।**

टिप्पणी : एच बी, टी एल सी, पी सी वी, डी एल सी, प्लेटनेट, एम सी वी, एम सी एच सी, आर बी सी को एक ही समय में एकल जांच के रूप में मापा जाता है।

नैदानिक जैव रसायन नियमित सेवाएं

जांच	रक्त	यूरिन	तरल पदार्थ
शर्करा :	1,53,887	....	3,441
यूरिया :	3,29,218	205	....
क्रिएटिनिन :	3,29,217	21,980	....
कैल्शियम :	3,02,230	12,380	....
फॉस्फेट :	2,93,470	12,344	....
यूरिक एसिड :	3,00,730	12,356	....
एन ए :	3ए,25,798	22,060	....
के :	3,25,798	22,060	....
एस जी ओ टी :	3,24,358	....	....
ए जी पी टी :	3,24,358	....	....
एल्केलाइन फॉस्फेट :	3,21,718	....	....
बिलिरुबिन			
i) कुल :	3,28,798	....	....
ii) कंज :	2,37,838	....	....
टी. प्रोटीन :	3,22,737	....	3,441
एल्युमिनियम :	3,22,737	....	3,441
कोलेस्टेरॉल :	1,26,850	....	....
एमाइलेज :	17,344	....	379
ए सी पी :	2,000		....
24 घंटे एल्युमिनियम :	....	21,980	....
कुल :	**46,89,086**	**1,25,365**	**10,702**

महायोग : 48,25,153

नैदानिक जैव रसायन दुर्लभ जांचें

जांच	संख्या	जांच	संख्या
एच बी एस ए जी :	300	आईजीएम एंटी एच बी सी :	200
एच बी ई ए जी :	300	एंटी एच सी वी :	600
आईजीएम एंटी एच ई बी :	100	आईजीएम एंटी एच डी वी :	100
आईजीएम एंटी एच ए वी :	100	एचसीवी – आरएनए :	600
टी टी वी– डी एन ए :	1200	सीके :	100
एल डी एच :	100	टीजी :	100
एल डी एल सी :	300	एचडीएलसी :	300
कुल :	**4,400**		

महायोग : 48,29,553

सूक्ष्म जीव विज्ञान अनुभाग
क. नियमित जांच
रोगियों की देखभाल :

1. मूत्र

जांचों का नाम	ओ. पी. डी.	वार्ड	कुल
चिकित्सा बोर्ड	1393	.....	1393
नियमित	34713	32506	67219
माइक्रोस्कोपिक	34713	32506	67219
पीएच	34713	32506	67219
विशिष्ट ग्रेविटी	34713	32506	67219
एसीटोन	34713	32506	67219
बाइल पिगमेंट / साल्ट	34713	32506	67219
यूरोबिलिनोजीन	34713	32506	67219
ब्लड	34713	32506	67219
बेनीस जोंस प्रोटीन	1265	464	1729
कायलुरिया	139	157	296
पोरफोबिलिनोजीन	84	84	168
मायोग्लोबिनुरिया	15	43	58
मूत्र संवर्धन	15741	.....	15741
तनाव पहचान परीक्षण	15025	.....	15025
एंटीबायोटिक संवेदनशीलता	2895	.....	2895
उप – योग	**314261**	**260796**	**575057**

2. मल जांच

वेट माउंट सेलाइन	9149	2655	11,804
वेट आयोडिन स्टाइन	9149	2655	11,804
मल में ओकुल्ट ब्लड	2538	1152	3,690
फैट ग्लोबुल्स	206	129	335
स्टूल जेड – एन स्टेन, मोडिफाइड जेड – एन स्टेन, ट्राइक्रोम और क्रोमोटोप के लिए विशेष स्टेन	1062	790	1852
उप योग	**22,104**	**7381**	**29,485**

3. सीरम विश्लेषण

नियमित	3815	.....	3815
प्रतिक्रियाओं की संख्या	3815	.....	3815
गतिशीलता	3815	.....	3815
संख्या	2543	.....	2543
फ्रुक्टोज	1460	.....	1460
मोर्फोलॉजी	2543	.....	2543
उप – योग	**17,991**	.....	**17,991**

4. बलगम विश्लेषण

प्राप्त नमूनों की कुल संख्या	3339	1425	4764
जेड एन स्टेनिंग (माइक्रोस्कोपी)	6678	2850	9528
एमटीबी कल्चर	250	30	280
उप – योग	6928	2880	9,808

ख. विशेष जांचें

इम्यूनो– सीरोलॉजिकल और आणविक निदान जांच

5. टॉर्च

जांच का नाम' (ये जांचें वर्ष के अधिकांश समय के लिए निलंबित रही हैं)	**कुल**
टोक्सोप्लाज्मा गोंडाई आईजीजी	245
टोक्सोप्लाज्मा गोंडाई आईजीएम	290
रूबेला आईजीजी	385
रूबेला आईजीएम	430
साइटोमेगालो वायरस आईजीजी	1875
साइटोमेगालो वायरस आईजीएम	1896
हर्पेस सिम्प्लेक्स वायरस आईजीजी	224
हर्पेस सिम्प्लेक्स वायरस 2 आईजीजी	224
हर्पेस सिम्प्लेक्स वायरस (1+2) आईजीएम	224
टोक्सोप्लाज्मा गोंडाई आईजीसी एविडिटी	05
रूबेला आईजीजी एविडिटी	48
साइटोमेगालो वायरस आईजीजी एविडिटी	30
पर्वो वायरस बी19 आईजीजी	96
पर्वो वायरस बी19 आईजीएम	96
उपयोग	**6068**

6. वायरल मार्कर और एचआईवी

एंटी एचएवी आईजीएम	867
एचबीएसएजी	16201
एंटी एचबीसीआईजीएम	120
एचबीईएजी	760
एंटी एचबीई	60
एंटी एचबीएस	1320
एंटी एचसीवी एंटीबॉडी	14747
एचईवी आईजीएम	192
एचआईवी (1+2) एलिसा	14595
एचआईवी स्पॉट जांच	50
एचबीएसएजी (स्पॉट)	200
उप – योग	**49112**

7. अन्य

मीजल्स आई जी जी	56
मीजल्स आई जी एम	24
मम्प्स आई जी जी	56
वेरिसेल्ला आई जी जी	384
वेरिसेल्ला आई जी एम	384
ई बी वी आई जी जी	32
ई बी वी आई जी एम	32
उप – योग	**968**

8. आण्विक जांचें

लीशमानिया पी सी आर	16
टी बी पी सी आर	12214
सीएमवी (आर टी पी सी आर)	123
एच आई वी वायरल लोड (एन ए एस बी ए)	200

9. लीशमानिया सीरोलॉजी

सीरोलॉजी	105
एल. डी. के लिए माइक्रोस्कोपी	09
रोगी नमूने से लीशमानिया कल्चर	18
लीशमानिया स्ट्रेन अनुरक्षण (इन विट्रो)	1440
हैमस्टर में लैब स्ट्रेन अनुरक्षण	24
उप – योग	1596

10. बी.डी. इंफ्लूक्स सेल सॉर्टर (फ्लो सायटोमीटर)

फ्लो सायटोमीटर आमापन	235

11. टी बी प्रयोगशाला

नमूनों की प्राप्त कुल संख्या	4556
जेड एन स्ट्रेनिंग :	8067
एल जे मीडियम इनोकुलेटेड	7765
बी ए सी टी ई सी एम जी आई टी 960 इनोकुलेटेड	11765
बी ए सी टी ई सी एम जी आई टी 960 :	530
कोलोरिमेट्रिक रेडोक्स इंडिकेटर जांच (सी आर आई)	50
नाइट्रेट रिडक्टेस जांच (एन आर ए)	200
बायोकैमिकल विश्लेषण निष्पादन :	150
ट्यूबरकुलिन स्किन जांच निष्पादन (पी पी डी)	150
टी बी कल्चर पुष्टि जांच स्ट्रिप्स द्वारा निष्पादित	250
लाइन प्रोब जांच (एच ए आई एस एन जांच)	96
जीन एक्सपर्ट एम टी बी / आर आई एफ	610
डी एन ए अनुक्रमण	85
उप योग	**34, 274**
महा योग	**7,37,147**

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर ए. के. मुखोपाध्याय ने टक्सन, एरिजोना, यू एस ए में सम्मेलन की 20वीं वर्षगांठ के अवसर पर डॉ. दीपक चोपड़ा के साथ पूर्वी और पश्चिमी वार्ता में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इसमें 21 अप्रैल 2014 का विषय ''टुवर्डस साइंस ऑफ कांशसनेश'' था। उन्हें पुस्तकों में अध्याय के योगदान के लिए भी आमंत्रित किया गया, जिसे डॉ. दीपक चोपड़ा ने संपादित किया और जिसका शीर्षक था ब्रेन, माइंड एण्ड कोस्मोस। उन्हें 2013 बी बी वी ए फाउंडेशन फ्रंटीयर्स ऑफ नोलेज एवॉर्डस, स्पेन के लिए मनोनयन परिषद् का सदस्य चुनकर सम्मानित किया गया। पिछली चार वर्षों के समान उन्हें इंफोसिस साइंस फाउंडेशन एवॉर्ड, 2013 के लिए मनोनयन परिषद् का सदस्य चुनकर सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर एम. इरशाद को वर्ल्ड जर्नल ऑफ हेपेटोलॉजी (डब्ल्यूजेएच), 2013–14 के संपादकीय बोर्ड का सदस्य मनोनीत किया गया। उन्हें हमारे लेख हिपेटाइटिस सी वायरस (एचसीवी) : ए रिव्यू ऑफ इम्यूनोलॉजिकल अस्पेक्ट्स पर वर्ल्ड जर्नल ऑफ गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी के मुख्य संपादक का सम्मान दिया गया जो इंटरनेशनल रिव्यू ऑफ इम्यूनोलॉजी में : कांग्रेचुलेशंस ऑन द पब्लिकेशन ऑफ योर हाइली साइटिड ओरिजनल आर्टिकल इन द फील्ड ऑफ हिपेटाइटिस सी वायरस रिव्यू, जिसे 35 से अधिक बार उद्धृत किया गया और यह दुनिया के सर्वोच्च एक प्रतिशत लेखों में से एक है। उन्हें इंडिया इंटरनेशनल फ्रेंण्डशिप सोसाइटी (आई आई एफ एस) द्वारा 'इंदिरा गांधी शिरोमणि अवार्ड' हेतु मनोनीत किया गया।

प्रोफेसर सरमन सिंह को तीन प्रतिष्ठित अवार्ड, द चिकित्सा रतन अवार्ड ऑफ दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन, और मेड अचीवर अवार्ड ऑफ इंडियन मेडिकल एसोसिएशन प्राप्त हुए। कान्सास (यूएसए), कान्सास विश्वविद्यालय, वॉशिंगटन डीसी (यूएसए); एनआईएच में व्याख्यान दिया; पोर्टो विश्वविद्यालय, (पुर्तगाल) और इस्फहान, (ईरान)। वह वर्तमान में चिकित्सा विज्ञान के सबसे अच्छे हिंदी पुस्तक लेखन पुरस्कार समिति के अध्यक्ष, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद और जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, क्षय रोग पर टास्क फोर्स के सदस्य, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति जनसंख्या डीबीटी की टास्क फोर्स और शहरी विकास, भारत सरकार; वैश्विक तकनीकी समिति अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण

संगठन (आईएसओ), जिनेवा; भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), नई दिल्ली; सीपीसीएसईए (पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार) शरीर क्रिया विज्ञान और संबद्ध रक्षा संस्थान (डीआईपीएएस), संस्थागत पशु आचार समितियों (आईएईसी) के लिए नामांकित व्यक्ति; जीनोमिक्स और एकीकृत जीवविज्ञान संस्थान (आईजीआईबी), शरीर क्रिया विज्ञान रक्षा और संबद्ध संस्थान (डीआईपीएएस), दिल्ली विश्वविद्यालय, सदस्य भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद कंडेमशन बोर्ड, दिल्ली विश्वविद्यालय; सदस्य, भारतीय परिषद कंडेमशन बोर्ड, चिकित्सा अनुसंधान, नई दिल्ली; राज्य में मॉडल ग्रामीण स्वास्थ्य अनुसंधान इकाई (एमआरएचआरयू) की स्थापना की तकनीकी मूल्यांकन समिति; भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के उपकरण खरीद समिति, नई दिल्ली;वैज्ञानिक बी से वैज्ञानिक जी के लिए लचीली पारितोषिक योजना के तहत आईसीएमआर के वैज्ञानिकों के संवर्धन के लिए आकलन बोर्ड की कोर समिति के सदस्य; भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के पोस्ट–डॉक्टरल फेलोशिप अवार्ड समिति; सेवानिवृत आईसीएमआर के वैज्ञानिकों का पुनः रोजगार के लिए आईसीएमआर की विशेषज्ञ समिति। उनकी पत्रिका ''ओपन एड्स जर्नल'' बेंथम प्रकाशन, यूएसए में निम्नलिखित संपादकीय और समीक्षा बोर्ड पर जारी होना है; ''जर्नल ऑफ इंफेक्शन इन डेवलपिंग कंट्रीज'' इटली; ''नैदानिक चिकित्सा : त्वचा विज्ञान'', ला–प्रेस, ऑस्ट्रेलिया; लैंसेट, जेएएमए, नैदानिक संक्रामक रोग, मातृ एवं बाल स्वास्थ्य नैदानिक और प्रायोगिक इम्यूनोलॉजी, एफईएमएस इम्यूनोलॉजी, चिकित्सा विषाणु विज्ञान की पत्रिका, मेडिकल माइक्रोलॉजी की पत्रिका, संक्रमण की पत्रिका, एड्स देखभाल एवं व्यवहार, नैदानिक अभ्यास में संक्रमक रोग, चिकित्सा अनुसंधान अभिलेखागार, एकीकृत जीवविज्ञान की अंतरराष्ट्रीय पत्रिका; परजीवी विज्ञान की पत्रिका, चिकित्सा विज्ञान मॉनिटर; आनुवंशिकी और आण्विक जीवविज्ञान की अंतरराष्ट्रीय पत्रिका; चिकित्सा और चिकित्सा विज्ञान की पत्रिका; एकीकृत जीवविज्ञान की अंतरराष्ट्रीय पत्रिका; आण्विक चिकित्सा में विशेषज्ञ समीक्षा; बायोमेड केंद्रीय–संक्रामक रोग; उष्णकटिबंधीय चिकित्सा और स्वास्थ्य; पूरक और वैकल्पिक चिकित्सा आधार पर साक्ष्य; आण्विक और सेलुलर जैव रसायन (एमसीबीआई); नैदानिक और प्रयोगशाला जांच की स्कैंडिनेवियाई पत्रिका; उष्णकटिबंधीय चिकित्सा और अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य; पीएलओएस उष्णकटिबंधीय रोग उपेक्षित; नैदानिक सूक्ष्म जीव विज्ञान और एंटीमाइक्रोबायल्स का वर्ष क्रमिक इतिहास; जैव प्रौद्योगिकी की अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान पत्रिका; वर्तमान विज्ञान; परजीवी रोग की पत्रिका; प्रयोगशाला चिकित्सा की पत्रिका; तंत्रिका विज्ञान भारत; स्नातकोत्तर चिकित्सा की पत्रिका; जठरांत्र की भारतीय पत्रिका; कुष्ठ रोग की भारतीय पत्रिका; चिकित्सा अनुसंधान की भारतीय पत्रिका; प्रायोगिक जैव विज्ञान की भारतीय पत्रिका; बाल चिकित्सा की भारतीय पत्रिका; शरीर क्रिया विज्ञान और औषध विज्ञान की भारतीय पत्रिका; चिकित्सा सूक्ष्मजीव विज्ञान की भारतीय पत्रिका; पशु परजीवी विज्ञान की भारतीय पत्रिका;वेक्टर जनित रोग की भारतीय पत्रिका; लंग इंडिया; ट्रॉपिकल परजीवी विज्ञान; हेपेटोलॉजी और कई अन्य की विश्व पत्रिका; वह भी लगातार पिछले 7 वर्षों से वार्षिक अंतरराष्ट्रीय एड्स सम्मेलन के सार समीक्षक है; संपादक, क्षय रोग अनुसंधान और उपचार, हिंदवी पब्लिशिंग कॉर्पोरेशन, यूएसए; और मुख्य संपादक, चिकित्सक प्रयोगशाला की पत्रिका, नई दिल्ली।

प्रोफेसर सुदीप कुमार दत्ता उत्तर प्रदेश, गाजियाबाद आईएमएस इंजीनियरिंग कॉलेज में मानव नमूनों पर अनुसंधान के लिए संस्थागत नैतिक समिति सदस्य के लिए मनोनीत किया है।

वैज्ञानिक दौरा

डॉ दीपक चोपड़ा, एमडी, 1964 बैच एम्स के छात्र रहे हैं, जो यू एस ए में कार्यरत रहे हैं और पूरी दुनिया में उनके नजरिए से उप निषद् की बौद्धिकता के आधार पर समग्र स्वास्थ्य की दिशा में कार्यक्रम में एक बड़ा बदलाव आया है, उन्होंने विभाग का दौरा किया और एम्स के प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों के बीच वार्ता दी तथा इसके बाद 29 सितंबर 2014 को रामालिंगास्वामी बोर्ड कक्ष में अंतः क्रियात्मक सत्र किया गया।

9.19 काय चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

एस. के. शर्मा

आचार्य

रीता सूद	नवीत विग
आशुतोष बिस्वास	उमा कुमार

अपर आचार्य

संजीव सिन्हा	नवल के. विक्रम

सहायक आचार्य

मनीष सोनेजा	पीयूष रंजन	अनूप सिंह
कुलदीप कुमार	नीरज निश्चल (अनुबंध)	पंकज जोरवाल (अनुबंध)
रनवीर जैडन (अनुबंध)	प्रयास सेठी (अनुबंध)	अरविंद कुमार (अनुबंध)

विशिष्टताएं

काय चिकित्सा विभाग, संस्थान द्वारा उपलब्ध कराई गई सेवाओं का केंद्र बिंदु रहा है। नैत्यिक सेवाओं के अतिरिक्त बाधक स्लीप एपनिया, नार्कोलेप्सी, इनसोम्निया, पैरासोम्निया और रूमेटोलॉजी सहित संक्रामक रोगों, वक्ष चिकित्सा, मेटाबोलिक सिंड्रोम, उच्च रक्तचाप, स्लीप डिसऑर्डर के क्षेत्र में इसका महत्वपूर्ण स्थान है। दूध छुड़ाने के लिए नावा के अनुप्रयोग सहित क्रिटिकल केयर मेडिसिन के सभी पहलुओं में भी इस विभाग की दीर्घावधिक रूचि है। इस विभाग ने एंडो – ब्रोंकियल अल्ट्रा सोनोग्राफी करना शुरू किया है और अपने रेजिडेंट्स को प्रशिक्षण देने के इच्छुक है। विभाग ने बाधक स्लीप एप्निया संबंधी भारतीय पहल (आईएनओएसए) दिशानिर्देश (2014, प्रथम संस्करण) नाम से प्रथम भारतीय स्लीप डिसऑर्डर दिशानिर्देश प्रकाशित किए हैं जिनका उद्देश्य स्लीप लैब्स का प्रत्यायन, पॉजिटिव एयर वे प्रेशर (पीएपी) थेरैपी का विवेकपूर्ण निर्धारण और पूरे भारत में पीएपी उपकरणों की प्रतिपूर्ति करना है। यह एक मल्टीस्पेशियाल्टी सर्व समिति दस्तावेज है और उपर्युक्त विषय पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार (एमओएच एंड एफडब्ल्यू, जीओआई) को दिशा प्रदान करेगा।

इस विभाग को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एक्स्ट्रा पल्मोनरी–टीबी (ईपीटीबी) के लिए उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) का दर्जा दिया गया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा इस विभाग को ईपीटीबी के प्रबंधन हेतु राष्ट्रीय दिशा निर्देश बनाने का कार्य सौंपा गया है। इस विभाग को ट्यूबरकुलोसिस में शोध और प्रशिक्षण हेतु डब्ल्यूएचओ–सहयोगी केंद्र (डब्ल्यूएचओ–सीसी) के तौर पर भी नामित किया गया है। यह केंद्र अनुसंधान सहयोग हेतु ईपीटीबी मॉड्यूलर प्रशिक्षण प्रदान करेगा और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय अनुरोधों के लिए विशेषज्ञ परामर्श देगा।

यह विभाग जनजातियों के स्वास्थ्य को प्रोत्साहन देता है और स्वास्थ्य देखरेख सेवाएं प्रदान करने में एक सहभागी के रूप में कार्य कर रहा है तथा लाहौल और स्पीति (हिमाचल प्रदेश) में आईसीएमआर क्षेत्रीय केंद्र में अनुसंधान करता है।

शिक्षा

विभाग द्वारा व्यापक स्नातक पूर्व और स्नातकोत्तर अध्यापन कार्यक्रम चलाया जाता है, जिसमें समेकित व्याख्यान, संगोष्ठियां, शय्यागत नैदानिक मामलों पर चर्चा और जर्नल क्लब शामिल हैं। विभाग ने पीएचडी कार्यक्रम अच्छे से स्थापित किया। इस वर्ष विभाग में अमरीका, ब्रिटेन, केन्या और संयुक्त अरब अमीरात सहित विभिन्न देशों से सोलह छात्रों ने अल्पकालिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशाला / संगोष्ठी/ राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. 23–24 अगस्त, 2014 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में ''आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उनके चिकित्सा विज्ञान क्षेत्र'' पर संगोष्ठी।
2. 18 अक्तूबर 2014 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में ''वेक्टर जनित रोगों'' पर सीएमई।
3. 28 अक्तूबर 2014 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में ''गठिया रोगी पर जागरूकता कार्यक्रम''।
4. 29 अक्टूबर, 2014 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में अ. भा. आ. सं., संकाय के लिए ''एक नैदानिक वातावरण में शिक्षण'' पर कार्यशाला।
5. 11 नवम्बर 2014 को ''इबोला : निदान और प्रबंधन'' पर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में विशेष नैदानिक ग्रैंड राउंड।
6. 27 नवंबर, 2014 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में ''एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी दिशानिर्देश'' के लिए विशेषज्ञ समूह की बैठक।
7. 1 दिसंबर, 2014 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में ''एचआईवी / एड्स की देखभाल में वर्तमान चुनौतियां'' पर संगोष्ठी।
8. 24 जनवरी, 2015 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में ''एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी दिशानिर्देश'' के लिए दूसरी विशेषज्ञ समूह की बैठक।
9. 15 फरवरी 2015 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में दिल्ली संधिवातीयशास्त्र संघ के तत्वावधान में ''संधिवातीयशास्त्र अद्यतन 2015''।
10. 16–20 मार्च, 2015 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में ''एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी दिशानिर्देश'' के लिए अद्यतन बैठक।
11. 25 मार्च 2015 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में ''एचआईवी और कैंसर'' पर संगोष्ठी।
12. 25 से 27 मार्च, 2015 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में ''चिकित्सा एवं स्वास्थ्य पेशा शिक्षा में आधारभूत पाठ्यक्रम'' अ. भा. आ. सं. संकाय के लिए कार्यशालाएं''।

प्रदत्त व्याख्यान

एस. के. शर्मा : 12 | **रीता सूद : 16** | **आशुतोष बिस्वास : 9**

उमा कुमार : 11 | **संजीव सिन्हा : 4** | **नवल के विक्रम : 1**

मनीष सोनेजा : 2 | **कुलदीप कुमार : 9** | **पीयूष रंजन : 3**

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुतीकरण : 2

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. एक संभावित डबल–ब्लाइंड, एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों में सक्रिय तपेदिक और निमोनिया के विकास पर विटामिन डी पूरकता के प्रभाव को निर्धारित करने के लिए (आरटीसी) यादश्च्छिक नियंत्रित परीक्षण। एस के शर्मा, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 2013–2016, 22.46 लाख रुपए।
2. फुफ्फुसीय तपेदिक वाले रोगियों में सीमर–पॉजिटिव परिणामों पर गहन धूम्रपान समाप्ति के हस्तक्षेप बनाम सिफारिश, बुनियादी धूम्रपान समाप्ति सलाह के एक पैकेज का प्रभाव; एक यादश्च्छिक नियंत्रित परीक्षण। एस के शर्मा, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 2013–2016, 24 लाख रुपए।
3. ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया वाले रोगियों में मूत्र प्रोटियोम विश्लेषण, एस के शर्मा, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), 2013– 2016, 47 लाख रुपए।
4. डीएचएफ में गंभीरता के इंफ्लेमेटरी प्रीडिक्टर्स का मूल्यांकन : एक संभावित अवलोकन मामला – नियंत्रण अध्ययन। आशुतोष बिस्वास, आई. सी. एम. आर., 3 वर्ष, 2013–15, 44.63 लाख रुपए।

5. गंभीर डेंगू बुखार में बायोमार्करों की भूमिका। आशुतोष बिस्वास, एम्स, 2 वर्ष, 2013–14, 4.82 लाख रुपए।

6. गैर एल्कोहल वसा यकृत रोग : अस्थि खनिज घनत्व, विटामिन डी और एडिपोकिन्स के साथ सहयोग, नवल के. विक्रम, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2013–2016, 9 लाख रुपए।

7. मलेरिया में बायोमार्कर्स प्रिडिक्टिंग गंभीरता एवं परिणाम। मनीष सोनेजा, इंट्रामूरल, 2012–2014, 5 लाख रुपए।

8. नींद और न्यूरोकोग्निटिव कार्यों पर मोबाइल फोन के उपयोग के कारण विद्युत चुम्बकीय विकिरण का प्रभाव : एक आणविक दृष्टिकोण। मनीष सोनेजा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, 2015–2018, 64.96 लाख रुपए।

9. प्रणालीगत स्क्लेरोसिस में इंटरस्टिशियल लंग रोग की गतिविधि का आकलन करने के लिए बायोमार्कर्स, पीयूष रंजन, इंट्रामूरल, 2012–2014, 5 लाख रुपए।

10. भारत में एचआईवी और क्षयरोग संक्रमण वाले एंटीरेट्रोवायरल – नाइव रोगियों में उच्च सक्रिय एंटीरेट्रोवायरल थैरेपी पर आधारित नेविरेपिने (400 मि. ग्रा.) की एक दैनिक खुराक बनाम नेविरेपिने की दो बार दैनिक खुराक (200 मि. ग्रा.)। संजीव सिन्हा, नाको, वर्ष 2012–2015, 48.5 लाख रुपए।

11. पोषित एड्स और अपने बच्चों के साथ स्वास्थ्य और भारतीय महिलाओं के पोषण में सुधार लाने के लिए आशा। संजीव सिन्हा, एन आई एच, यू एस ए, 2013, 3.64 करोड़ रुपए।

12. क्षयरोग के लिए आणविक दशष्टिकोण पर अध्ययन : एमडीआर और एक्सडीआर – तनाव और दवा संवदेनशीलता परीक्षण, नई नैदानिक परीक्षण के विकास के प्रसार का दश्ढ़ संकल्प और क्षयरोग के लिए नए दवाओं की खोज प्लेटफॉर्म के लिए एक परिकल्पना का परीक्षण। फार्मास्युटिकल्स विभाग, भारत सरकार, (एन आई पी ई आर, मौहाली और अ. भा. आ. सं. के बीच सहयोगात्मक परियोजना), 2013, 106 करोड़ रुपए।

13. भारत में स्वास्थ्य व्यासायिकों के बीच एड्स स्टिगमा की कमी। संजीव सिन्हा, एन आई एच, यू एस ए (सहयोगात्मक यू सी एस एफ, यू एस ए और अ. भा. आ. सं. परियोजना), 2013, 1.36 करोड़ रुपए।

14. भारत में एचआईवी में कैंसरों का फैलाव, जोखिम कारकों और परिणामों पर अध्ययन। संजीव सिन्हा, आई. सी. एम. आर. (सहयोगात्मक यू सी एल ए, यू एस ए और अ. भा. आ. सं. परियोजना) द्वारा वित्त पोषित, 2013, 38.5 लाख रुपए।

15. एचआईवी – संक्रामित व्यक्तिगत में क्षयरोग (एमटीबी) रोग के फैलाव में विटामिन डी की भूमिका। संजीव सिन्हा, आई. सी. एम. आर., वर्ष 2013, 39.4 लाख रुपए।

16. जीनोम साइंसिस एण्ड प्रिडिक्टिव मेडिसिन, उमा कुमार, डीबीटी, सितंबर 2008– अगस्त 2014, 28.3 लाख रुपए।

17. स्वास्थ्य (रोग प्रतिरक्षण) और बताए गए रोग (रुमेटॉइड आर्थराइटि्स) पर जलवायु, वायु प्रदूषण और सामाजिक आर्थिक कारकों के प्रभाव का अध्ययन करना। उमा कुमार, डीएसटी, मई 2013 – अप्रैल 2016, 55.8 लाख रुपए।

18. प्रेरक और विनियामक टी कोशिकाओं के प्रतिनिधित्व, आवागमन और कार्यात्मक अंतःक्रिया : रुमेटॉइड आर्थराइटिस में स्थानीय प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया पर प्रभाव। उमा कुमार, डीएसटी, अप्रैल 2012 – मार्च 2015, 18 लाख रुपए।

19. ब्रिस्टॉल मेयर्स स्किब आईएम101174 अध्ययन – ए फेज़ ।।। बी मल्टीसेंटर, रेंडोमाइज़्ड, डबल डमी स्टडी टू कंपेयर द एफिकेसी एण्ड सेफ्टी ऑफ ऐबेटासेप्ट एडमिनिस्टर्ड एबकुटेनियसली एण्ड इंट्राविनसली इन सब्जेक्ट्स विद् रुमेटॉइड आर्थराइटि्स रिसिविंग बैकग्राउंड मेथोट्रेक्सेट एण्ड एक्सपीरिएंसिंग एन इन एडिक्वेट रिसपोंस टू मेथोट्रेक्सेट। उमा कुमार, बीएमसी, नवंबर 2008 – जनवरी 2015, 14.2 लाख रुपए।

20. रुमेटॉइड आर्थराइटि्स वाले रोगियों में एडलिमुमाब (जाइडस) और एडलिमुमाब (संदर्भ) के मूल्यांकन प्रभाव, सहनशीलता और सुरक्षा के लिए बहु–केंद्रित, यादृच्छिक, सक्रिय नियंत्रित समानांतर समूह के अध्ययन। उमा कुमार, जाइडस, जनवरी 2014 – अगस्त 2014, 48 लाख रुपए।

21. सक्रिय रुमेटॉइड आर्थराइटि्स वाले रोगियों में एनबरिल के लिए इंट्स बायोफार्मास्यूटिकल्स लि. के इटनरसेप्ट की सुरक्षा और प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए भावी, तुलनात्मक, खुले लेबल, यादृच्छिक, बहु केंद्रिक चरण ।।। का अध्ययन। उमा कुमार, इंटास, जनवरी 2012 – जुलाई 2014, 1.2 लाख रुपए।

पूर्ण

1. एक यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड प्लेसबो–नियंत्रित, चिकित्सीय परीक्षण से मूल्यांकन प्रतिरक्षाजनकता और एच1 एन1 – 09 इन्फ्लुएंजा वायरस की तरह पार्टिकल (वीएलपी) टीके की सुरक्षा। एस के शर्मा, कैडिला फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड, 3 माह 2014, 3.46 लाख रुपए।
2. टीबी सह–संक्रमण एचएआरटी प्राप्त के साथ और के बिना रोगियों में एचआईवी / एड्स में आईआरआईएस। एस के शर्मा, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), नई दिल्ली, 2011 – 2014, 45.4 लाख रुपए ।
3. तपेदिक के प्रारंभिक और निश्चित निदान के लिए संभावित बायोमार्कर (एस) की पहचान करने के लिए तपेदिक फुफ्फुस द्रव की प्रोटियोमिक अध्ययन। एस के शर्मा, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), नई दिल्ली, 2011–2014, 47.7 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. परिधीय लिम्फोडेनोपैथी की क्लीनीको–पैथोलॉजिकल और रेडियोलॉजिकल प्रोफाइल।
2. एक तृतीयक देखभाल अस्पताल के एक चिकित्सा वार्ड में एक एंटीबायोटिक प्रबन्ध कार्यक्रम के कार्यान्वयन का प्रभाव।
3. चयापचय सिंड्रोम के साथ अस्थानिक वसा जमाव का सह संबंध।
4. एन ए एफ एल डी में एब्डोमिनल सबक्यूटेनियस एडिपोस टिशू कम्पार्टमेंट की फैटी एसिड संरचना
5. गैर एल्कोहलिक वसा यकृत रोग में ऑटोनोमिक कार्यों का अध्ययन।
6. रुमेटी गठिया वाले रोगियों में मनोरोग कोर्मोबिडिटिस के परिमाण।
7. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में चिकित्सा विभाग में यंत्रवत् संवातित रोगियों में दर्द, उत्तेजना और प्रलाप के प्रोटोकॉल आधारित प्रबंधन के परिणाम।
8. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के चिकित्सा विभाग में डेंगू बुखार वाले रोगियों की भर्ती की वर्तमान प्रबंधन के तरीकों का मूल्यांकन।
9. गंभीर सेप्सिस और सेप्टिक सदमे वाले रोगियों में महत्वपूर्ण देखभाल बंडलों के कार्यान्वयन के परिणाम।
10. ह्यूमन इम्यूनोडेफिशियंसी वायरस से संक्रमित महिलाओं में ह्यूमन पेपिलोमा वायरस संक्रमण और असामान्य गर्भाशय ग्रीवा कोशिका विज्ञान के प्रसार का एक अध्ययन।
11. एचआईवी / एड्स से ग्रस्त रोगियों के बीच मौखिक कैंडिडा संक्रमण।
12. मलेरिया की गंभीरता के लिए बायोमार्कर का मूल्यांकन – एक क्रॉस अनुभागीय सह अध्ययन का पालन करें।
13. गंभीर डेंगू बुखार में पैथोजेनेटिक मार्कर्स।
14. एचआईवी / एड्स के बीच एफ डी जी – पी ई टी / सी टी के लंबे समय तक बुखार और नैदानिक उपयोगिता।
15. गंभीर और गैर गंभीर डेंगू संक्रमण के बीच साइटोकिन्स की तुलना।
16. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, आउटरीच आउट पेशेंट विभाग, स्वास्थ्य सुविधा सरकार झज्जर में उपस्थित रोगियों में संतुष्टि के स्तर पर अध्ययन।
17. रुमेटी गठिया में विकलांगता और परिवार पर बोझ।
18. वयस्क एचआईवी प्रगति मॉडल के साथ पी.एल.एच.ए. के अस्तित्व विश्लेषण।
19. ब्रोन्कोएल्वियोलर लेवेज नमूना का उपयोग कर संदिग्ध तपेदिक वाले रोगियों में स्पूटम–स्मियर नेगेटिव और स्पूटम–स्कार्स का जीन एक्सपर्ट (एक्सपटी टीबी/आरआईएफ) का मूल्यांकन।
20. क्षयरोग लिम्फोडेनोपैथी के निदान में जीन एक्सपर्ट का मूल्यांकन।
21. ल्यूपस नेफ्रैटिस के मामले में उपचार के प्रतिक्रिया का भावी अध्ययन करना।
22. ल्यूपस नेफ्रैटिस वाले रोगियों में क्लिनिकोपैथोलॉजिकल सह–संबंध के बिना होते हैं।
23. मेटाबोलिक असामान्यताएं और पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम में नींद से संबंधी विकार।
24. गंभीर मलेरिया में रुधिरविज्ञान संबंधी और जमावट असामान्यताओं का अध्ययन।

25. स्वास्थ्य और न्यूरो–कोग्निटिव कार्य, नींद में मोबाइल फोन के इस्तेमाल के प्रभाव का अध्ययन करना।
26. इंट्राथोरासिक बचपन में तपेदिक में मल के नमूने में एमटीबी / आरआईएफ एक्सपर्ट परख के निदान सटीकता।
27. कनेक्टिव टिशू डिजीज के रोगियों में इंटरस्टिशियल लंग डिजीज की रोग क्रिया के मूल्यांकन में पी ई टी / सी टी / एच आर सी टी चेस्ट का प्रयोग।
28. मध्यम गंभीर ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया सिंड्रोम में एंडोथिलियल कार्य।
29. ल्यूपस नेफ्रैटिस वाले रोगियों में मूत्र मार्कर की उपयोगिता।
30. रुमेटी गठिया के उपचार के लिए लक्षित नैनोकैरिज़ का विकास।
31. फाइब्रोमायेल्जिया के साइको–न्यूरो रोग प्रतिरोधक संबद्ध के एक अध्ययन : आरटीएमएस का प्रभाव।
32. जोग्रेन सिंड्रोम वाले रोगियों में शुष्क नेत्र के इलाज के लिए मौखिक रेबेमिपाइड की प्रभावकारिता – एक प्रायोगिक अध्ययन। फाइब्रोमायलजिया रोगियों में दर्द मॉड्युलर स्थिति पर ट्रांसक्रिनियल मैग्नेटिक स्टीमुलेशन का प्रभाव।

पूर्ण

1. प्लूरल और लिम्फनोड तपेदिक के निदान में जीन एक्सपर्ट की नैदानिक उपयोगिता का अध्ययन।
2. हीमोप्टाइसिस से पीड़ित रोगियों की नैदानिक जांच एवं उपचारित रूपरेखा।
3. सारकॉइडोसिस वाले रोगियों में रिलेप्स के प्रीडिक्टर्स।
4. नॉन एलकोहोल्कि फैटी लीवर रोग और क्रोनिक किडनी रोग वाले रोगियों में उपापचयी सिंड्रोम का अध्ययन।
5. एडिपोसिटी के एक संकेतक के रूप में हेपेटिक बाएं लोब की मात्रा और संबंधित चयापचय असामान्यताएं।
6. तृतीयक देखभाल अस्पताल में भर्ती रोगियों में एंटीबायोग्राम के उपयोग के प्रणालीगत इंफेमेट्री प्रतिक्रिया सिंड्रोम और परिणाम प्रभाव वाले रोगियों में वर्तमान एंटीबायोटिक के उपयोग का मूल्यांकन।
7. केंद्रीय शिरामय कैथेटर प्रविष्टि और रखरखाव बंडलों में वर्तमान प्रथाओं और केंद्रीय शिरापरक कैथेटर बंडल को लागू करने के परिणामों का मूल्यांकन।
8. एचआईवी / एड्स रोगियों में स्टेटिन्स वाले ए आर टी प्रेरित डायस्लिपिडेमिया का प्रबंधन।
9. गंभीर डेंगू बुखार में बायोमार्कर।
10. 40 वर्ष से भी कम आयु वाली महिलाओं में साइक्लोफॉस्फेमाईड के साथ डिम्बग्रंथि विफलता।
11. एसएलई में टीटीपी के प्रसार।

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. भारत में बचपन में मोटापा : इसके मापन और निर्धारकों पर एक बहु केंद्र अध्ययन (एंडोक्राइनोलॉजी और मेटाबोलिज्म, अ. भा. आ. सं. और इनक्लेन)।
2. बृहतभेक्षककोशिका प्रवास निरोधात्मक कारक (एम आई एफ) पेरोक्सीसम प्रोलिफरेटर – सक्रिय, रिसेप्टर – वाई (पी पी ए आर वाई) इंटरलुकिन – 6 (आई एल – 6) सी रिएक्टिव प्रोटीन (सी आर पी), इनसुलिन रिसेप्टर सबस्ट्रेट (आई आर एस) 1 और ऑब्स्ट्रेक्टिव स्लीप एपनिया सिंड्रोम (ओ एस ए एस) में लेप्टिन रिसेप्टर जीन तथा गैर एल्कोहलिक वसा यकृत रोग (एन ए एफ एल डी) के साइटोकाइन और हार्मोन स्तरों के साथ आनुवंशिक बहुरूपताओं और परस्पर संबंधों का अध्ययन करना।
3. ऑब्स्ट्रेक्टिव स्लीप एपनिया में गंभीर फेफड़ों की चोट बायोमार्कर जीन बहुरूपताओं की भूमिका (पल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार)।
4. भारतीय मोटापे के शिकार किशोरों में गैर एल्कोहलिक वसा यकृत रोग के लिए संवेदनशीलता का निर्धारण करने में नैदानिक आनुवंशिक बहुरूपताएं, नैदानिक और जैव रासायनिक मापदंडों का प्रभाव (पीडियाट्रिक्स)।
5. मोटापा और चयापचय सिंड्रोम : पोषण, शरीर क्रिया गतिविधि और इंफ्लेमेशन की भूमिका (पल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार)।
6. डेंगू संक्रमण के निदान की दिशा में आधारित पेंटवेलेंट एंटीजेनिक पेप्टाइड (पीएपी), (जैव रसायन विज्ञान)।

7. तपेदिक और दवा प्रतिरोधी तपेदिक के साथ जुड़े को–मोर्बिडीटियस, एक्स्ट्रा पल्मोनरी तपेदिक पर प्रशिक्षण केंद्र और अनुसंधान डब्ल्यूएचओ का सहयोग(डब्ल्यूएचओ)।
8. भारतीय एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी (सूचकांक–टीबी) दिशानिर्देश–2015 (सीटीडी, एमओएच एवं एफडब्ल्यू भारत सरकार)।
9. रुमेटॉइड आर्थराइटिस की जीव विज्ञान समझ : कुछ / नए आनुवंशिक निर्धारकों के कार्यात्मक लाक्षणीकरण (दिल्ली विश्वविद्यालय)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 26 **सार : 4** **पुस्तकों में अध्याय : 12**

रोगी उपचार

मेडिसिन ओपीडी एक सीधे बिना रेफरल के सप्ताह में 6 दिन चलने वाली क्लीनिक है। यह विभाग स्लीप डिसऑर्डर क्लीनिक (सोमवार 2 बजे), संक्रामक रोग क्लीनिक (सोमवार 2 बजे), रूमेटोलॉजी क्लीनिक (बृहस्पतिवार 2 बजे) और चेस्ट क्लीनिक (शुक्रवार, 2 बजे) सहित स्पेशियलिटी क्लीनिक चलाता है। विभाग राष्ट्रीय कार्यक्रमों के तहत एआरटी केंद्र, डॉट्स केंद्र डॉट्स प्लस साइट भी चलाता है। विभाग में एक पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट्स लैब (एमओपीडी कक्ष सं. 34) है जिसमें प्रतीक्षा अवधि नहीं है, जांच की जाती है तथा उसी दिन रिपोर्टें दे दी जाती हैं। ब्रोंकोस्कोपी लैब डी ।। वार्ड में स्थित है और एंडोब्रोंकियल अल्ट्रासाउंड प्रणाली से सुसज्जित है। सी।। वार्ड में स्थित स्लीप लैब पॉलीसोम्नोग्राफी मशीनों, एम्बुलेटरी रक्त चाप मॉनीटरिंग प्रणाली तथा एंडोथेलियल दुष्क्रिया के अनाक्रामक मूल्यांकन हेतु उपकरण से सुसज्जित है। चिकित्सा विभाग एम्स अस्पतालों में आने वाले तथा आरएनटीसीपी (संशोधित राष्ट्रीय ट्यूबरकुलोसिस नियंत्रण कार्यक्रम) के अंतर्गत दिल्ली के 6 जोनों (चेस्ट क्लीनिक्स) से भेजे गए ट्यूबरकुलोसिस रोगियों को नैदानिक सुविधाएं उपलब्ध कराता है। इस विभाग में नवीनतम जैव सुरक्षा स्तर 3 (बीएसएल3) प्रयोगशाला है। विभिन्न क्लीनिकों में रोगियों और विभाग द्वारा की जा रही प्रयोगशाला जांच के आंकड़े निम्नवत हैं :

चिकित्सा ओ. पी. डी.

नए रोगी	71,352	पुराने रोगी	66,650

संक्रामक रोग क्लीनिक

नए मामले	196

निद्रा क्लीनिक

नए मामले	339	पुराने रोगी	359

वक्ष क्लीनिक

नए मामले	377	पुराने रोगी	775

रूमेटोलॉजी क्लीनिक

कुल रोगी पंजीकृत	5220

एंटीरिट्रोवायरल (ए आर टी) सेंटर

मार्च 2015 तक कुल पंजीकृत मामले	8693	मार्च 2015 तक प्रारंभ ए आर टी	4282
मार्च 2015 तक नियमित जांच	3207	2014 – 15 में प्रारंभ ए आर टी	563

एकीकृत परामर्श और परीक्षण केंद्र (आईसीटीसी)

परीक्षण	3279	पॉजिटिव	589

अ. भा. आ. सं. डॉट्स केंद्र

डॉट्स (अप्रैल 2014 – मार्च 2015) पर प्रारंभ किए गए कुल रोगी

श्रेणी 1	75	श्रेणी 2	33

डॉट्स प्लस साइट

श्रेणी 4	423
श्रेणी 5	17

प्रयोगशालाएं :

निद्रा प्रयोगशाला :

पोलीसोम्नोग्राफी प्रयोगशाला में रात भर देखभाल	339	ईजेड स्कैन	90
ब्लड प्रेशर की एम्बुलेटरी निगरानी	276	एंडोथेलियम रोग अध्ययन	66

पी एफ टी प्रयोगशाला :

पल्मोनरी कार्य परीक्षण	5246	6 मिनट का पैदल चलने की परीक्षण	297
सीपीईटी	20		

की गई ब्रोंकोस्कोपी की संख्या	**106**
ईबीयूएस	25

ए डी ए / ए सी ई प्रयोगशाला :

एडिनोसाइन डिमिनेस परीक्षण :	191	एसीई परीक्षण :	226

मध्यवर्ती संदर्भ प्रयोगशाला (आईआरएल), अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली :

एएफबी थूक स्मियर के नमूने की संख्या	6030	ठोस संवर्धन के लिए नमूने की संख्या	560
एमआईजीआईटी–960 (तरल संवर्धन) के नमूने की संख्या	4171		
सोलिड ड्रग ससेप्टिबिलिटी परीक्षण के नमूने की संख्या	207		
लिक्विड डीएसटी के लिए नमूने की संख्या	87		
लाइन प्रोब परीक्षण (एलपीए) के लिए नमूने की संख्या	1935	जीन एक्सपार्ट के नमूने की संख्या	2560

क्लीनिकल इम्यूनोलॉजी प्रयोगशाला :

प्राप्त रक्त नमूनों की संख्या	14510	किए गए परीक्षणों की संख्या	42362

परीक्षण	संख्या	परीक्षण	संख्या
आर एफ	7975	एन एन ए	10760
एंटी – डी एस डी एन ए	3954	सी 3	3313
सीरम आई जी जी, आई जीए, आई जी एम	3755	क्रायोग्लोबुलिंस	470
ए एन सी ए	4448	ए सी एल	4654
एंटी – एल के एम – 1	1539	ए एस एम ए	1494

रूमेटोलॉजी डे केयर (6 बिस्तर)

साइक्लोफॉस्मेमाइड और बायोलॉजिकल के अंतः शिरा पल्स	1049
संयुक्त और नरम ऊतक इंजेक्शन	1076
प्रक्रिया (स्नायु तंत्रिका और त्वचा बायोप्सी)	27

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य एस. के शर्मा वर्ष 2014 में प्रकाशित आईएनओएसए दिशानिर्देशों के प्रथम संस्करण का प्रारूप तैयार करने वाली टीम के अध्यक्ष थे और इस समय संपूर्ण भारत में ओएसए प्रसार संबंधी अध्ययन पर काम कर रहे हैं। वे 2014 में एलटीबीआई के बारे में विश्व स्वास्थ्य संगठन, जेनेवा के लिए वैश्विक दिशानिर्देशों का प्रारूप तैयार करने वाली विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे। वे भारत सरकार के टीबी नियंत्रण कार्यक्रम में चिकित्सा महाविद्यालयों को शामिल करने संबंधी राष्ट्रीय कार्यबल के सलाहकार और डीबीटी, डीएसटी, आईसीएमआर और स्वास्थ्य एवं परिवार

कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार में कई समितियों के अध्यक्ष हैं; वेक्टर जनित रोगों के बारे में क्षेत्रीय निदेशक, डब्ल्यूएचओ, एसईएआरओ के तकनीकी सलाहकार के रूप में कार्य किया। वे विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के ''मोबाइल टावरों और हैंडसेटों से ईएमएफ रेडिएशन जोखिम का जीवन और संबंधित अनुसंधान एवं विकास पहलों पर संभावित प्रभाव'' संबंधी प्रस्तावों का मूल्यांकन करने वाली विशेषज्ञ समिति के अध्यक्ष हैं। वे भारत में जनजातीय स्वास्थ्य (की लॉन्ग में आईसीएमआर फील्ड स्टेशन; हिमाचल प्रदेश में लाहौल और स्पीति) के संबंध में सक्रियता से कार्य कर रहे हैं। वे तीर्थकर महाबीर विश्व विद्यालय, मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश सरकार से संबद्ध) की आचार समिति के अध्यक्ष हैं। वे केंद्रीय टीबी प्रभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अध्यक्ष और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के ''मलेरिया निदान और कीमोथेरैपी तथा देश में मलेरिया उन्मूलन की संभावनाएं'' के विशेषज्ञ सदस्य हैं। वे अनुसंधान की चिकित्सीय एवं वैज्ञानिक लेखापरीक्षा समीक्षा के लिए चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान स्नातकोत्तर संस्थान (पीजीआईएमईआर), चंडीगढ़ के भी सदस्य हैं। उन्होंने 10–14 नवंबर, 2014 तक नई दिल्ली में राष्ट्रीय टीबी नियंत्रण कार्यक्रम प्रबंधकों और सहभागियों की क्षेत्रीय बैठकों में भाग लिया और 18–20 नवंबर, 2014 तक दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र, जयपुर में कोमोरबिडिटीज के निवारण हेतु स्वास्थ्य प्रणालियों के सुदृढ़ीकरण संबंधी डब्ल्यूएचओ क्षेत्रीय बैठक में भी भाग लिया। वे हमदर्द चिकित्सा विज्ञान और अनुसंधान संस्थान और एचएएच सेंटेनरी हॉस्पिटल जामिया हमदर्द, नई दिल्ली के लिए संकाय चयन हेतु चयन समिति के विशेषज्ञ सदस्य थे। चेस्ट रिसर्च फाउंडेशन पुणे, द्वारा उन्हें राष्ट्रीय एचओडी अधिवेशन में अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया था। वे 17–20 जनवरी, 2015 को बांग्लादेश कॉलेज ऑफ फिजीशियंस एंड सर्जन्स (बीसीपीएस), ढाका, बांग्लादेश के चिकित्सा विभाग में अध्येतावृत्ति परीक्षा (एफसीपीएस पार्ट II – क्लीनिकल और मौखिक) के बाह्य परीक्षक थे। उन्होंने भारत के चिकित्सक संघ के क्लीनिकल एवं सेवा गतिविधियों के लिए प्रतिष्ठित डॉ. जीवराज मेहता अवॉर्ड और एम्स उत्कृष्टता अनुसंघान अवॉर्ड तथा नेटकॉन 2014 में नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजीशियंस, इंडिया एनसीसीपी (आई) का सर्वाधिक प्रतिष्ठित और उच्चतम चेस्ट ओरेशन अवॉर्ड – प्रोफेसर रमन विश्वनाथन मेमोरियल चेस्ट ओरेशन अवॉर्ड प्राप्त किया और नेटकॉन 2014 में जर्नल, लंग इंडिया (इंडियन चेस्ट सोसाइटी जर्नल) के लिए बेस्ट रेफरी अवॉर्ड प्राप्त किया। वे इंडियन जर्नल ऑफ चेस्ट डिजीज एंड एलाइड साइंसेज के संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ ट्यूबर कुलोसिस के सहयोगी संपादक, लंग इंडिया, इंडियन जर्नल ऑफ स्लीप मेडिसन, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च के संपादकीय बोर्ड, जर्नल ऑफ एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस ऑफ इंडिया (जेएपीआई) के सलाहकार बोर्ड के सदस्य, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ टीबी एंड अदर लंग डिजीजेज, द लांसेट पब्लिक हेल्थ, मेडिसन (बाल्टिमोर), स्लीप मेडिसिन, बीएमसी (बायोमेडिसिन सेंट्रल) पल्मोनरी मेडिसिन, जर्नल ऑफ एंटी माइक्रोबियल कीमोथेरैपी, लंग इंडिया इंडियन जर्नल ऑफ चेस्ट डिजीजेज एंड अलाइड साइंस, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, जर्नल ऑफ एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया (जेएपीआई) और इंडियन जर्नल ऑफ ट्यूबर कुलोसिस के समीक्षक हैं।

आचार्य रीता सूद को डब्ल्यूएफएमई (विश्व चिकित्सा शिक्षा संघ) के कार्यकारी सदस्य और डब्ल्यूएफएमई की सहयोगात्मक बैठकों में शामिल होने के लिए एसईएआरएएमई के अध्यक्ष के रूप में और चिकित्सा शिक्षा के प्रत्यापन हेतु तुर्की संघ और पश्चिमी पैसिफिक क्षेत्र में चिकित्सा शिक्षा संघ तथा क्रमश : अप्रैल और जून, 2014 में वार्ता करने के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्होंने 28–29 अप्रैल, 2014 को ''दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र, बैंकाक, थाइलैंड में स्नातकपूर्व चिकित्सा शिक्षा में सार्वजनिक स्वास्थ्य की शिक्षा के सुदृढ़ीकरण हेतु क्षेत्रीय नेटवर्कों का योगदान बढ़ाने'' के बारे में परामर्श बैठक में भाग लिया और उसकी सह अध्यक्षता की। उन्होंने 29 से 30 मई, 2014 को दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र, बैंकाक, थाइलैंड में स्वास्थ्य कार्यबल शिक्षा सुदृढ़ीकरण और प्रशिक्षण संबंधी प्रारूप क्षेत्रीय कार्यनीति की समीक्षा करने के लिए विशेषज्ञ समूह की बैठक और 19 से 21 नवंबर, 2014 को थिम्पू, भूटान में 'दक्षिण पूर्व एशिया में स्वास्थ्य के लिए मानव संसाधन सुदृढ़ीकरण : कार्रवाई और प्रतिबद्धता का समय के बारे में क्षेत्रीय बैठक में भी भाग लिया। उन्हें अनुरूपण प्रौद्योगिकी का प्रयोग करके चिकित्सा शिक्षा के लिए मामले तैयार करने हेतु रिलायांस फाउंडेशन और यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो के संयुक्त उद्यम के सलाहकार समूह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था। वे एएफएमसी (कनाडा चिकित्सा संकाय संघ) चार्ल्स बोयलन इंटरनेशनल सोशल अकाउंटेबिलिटी अवॉर्ड सिलेक्शन कमिटी फॉर सोशल अकाउंटबिलिटी अवॉर्ड की आमंत्रित सदस्य हैं। वे एफएआईएमईआर फेलोज, फिलाडेल्फिया और एफएआईएमईआर क्षेत्रीय संस्थान की चयन समिति के बोर्ड और 12 सितंबर, 2014 से एमयूएचएस मुंबई में चिकित्सा शिक्षा और प्रौद्योगिकी के एडहॉक बोर्ड ऑफ स्टडीज की सदस्य हैं। सीआईआई, 2012–14 द्वारा संचालित 'भारत में जन स्वास्थ्य शिक्षा : प्रगति पथ पर अग्रसर' पर श्वेत पत्र का मसौदा तैयार करने में योगदान किया। 13–17 अक्तूबर, 2014 को नई दिल्ली में आयोजित संयुक्त मेडिकल सेवा परीक्षण 2014 की सलाहकार रहीं। एम्स, ऋषिकेश में 9 से 10 फरवरी, 2015 को आयोजित पाठ्यक्रम बैठक और 8 से 12 जून, 2014 को ओमान के सुल्तान क्वबूज विश्वविद्यालय (एसक्यूयू) में पूर्वस्नातक पाठ्यक्रम तथा साउथ अफ्रीका की क्वाजुलुनतल यूनिवर्सिटी में स्वास्थ्य व्यवसाय शिक्षा में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु पाठ्यक्रम बोर्ड द्वारा बाह्य विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया। 30–31 मार्च, 2015 को पुणे के एमयूएचएस में ओबामा – सिंह 21वीं सदी ज्ञान उपक्रम परियोजना

के अंतर्गत स्वास्थ्य व्यवसाय शिक्षा (एमएचपीई) के कार्यान्वयन हेतु आयोजित राष्ट्रीय बैठक और 14 से 15 अप्रैल, 2014 को इस्तांबुल की इस्तांबुल यूनिवर्सिटी में डब्ल्यूएफएमई की कार्यकारी परिषद की बैठक तथा ताइवान के ताइवेई में 6 से 8 जून, 2014 को एसोसिएशन फॉर मेडिकल एजुकेशन इन दि वेस्टर्न पैसिफिक रीजन (एएमईडब्ल्यूपीआर) की वार्षिक बैठक 2014 में भाग लिया। इन्होंने शिक्षण कार्यक्रम समिति, आंतरिक अनुदान अनुसंधान परियोजना समिति के अध्ययक्ष, आचार संहिता उप समिति, वार्षिक रिपोर्ट सम्पादकीय समिति के सदस्य के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं। वे गोलमेज परिचर्चा–चिकित्सा क्षमता की वैश्विक मान्यता एवं वैश्विक मानक तथा चिकित्सा स्कूलों की मान्यता, स्वास्थ्य व्यावसाय में चिकित्सीय शिक्षक को बढ़ावा देने के लिए 13 नवंबर, 2014 को आयोजित तृतीय एसईएआरएएमई सम्मेलन की अध्यक्ष थीं कोलंबो चिकित्सा विश्वविद्यालय, कोलंबो, श्रीलंका में संकाय रहीं।

प्रोफेसर नवीत विग एंटिमाइक्रोबायल प्रतिरोध निगरानी नेटवर्क की स्थापना हेतु गठित आईसीएमआर के विशेष समूह और एचआईवी / एड्स के आईसीएमआर तकनीकी संसाधन समूह तथा आईसीएमआर की एचआईवी / एड्स परियोजना समीक्षा समिति (पीआरसी) के सदस्य हैं। आगे भी इंडिया सीएलईएन प्रोग्राम एवेल्यूएशन ग्रुप के सदस्य बने रहेंगे।

आचार्य आशुतोष बिस्वास वेक्टर बोर्न रोग के मामले में डब्ल्यूएचओ, एसईएआरओ, नई दिल्ली के अस्थाई सदस्य हैं; ये स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के स्वास्थ्य सेवाएं निदेशालय (डीजीएचएस) द्वारा इबोला वायरस रोग प्रकोप प्रबंधन हेतु गठित रैपिड रिस्पांस टीम के एक राष्ट्रीय विशेषज्ञ सदस्य हैं; डेंगू बुखार के चिकित्सीय प्रबंधन हेतु भारतीय राष्ट्रीय दिशानिर्देशों को तैयार करने हेतु भारत स्थित विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के देशीय कार्यालय में विशेषज्ञ सदस्य; राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान (एनआईएमआर), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के विशेषज्ञ सदस्य कानूनी कार्यवाही में हिरासत में मौत होने के मामले विशेष राय देने हेतु मानव अधिकार आयोग में विशेषज्ञ सदस्य जागरूकता और चिकित्सीय प्रबंधन के संबंध में डीजीएचएस, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा भारत में आयोजित प्रशिक्षक कार्यक्रम (टीओटी) में प्रशिक्षण हेतु राष्ट्रीय प्रशिक्षक रहे; वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम, नियंत्रण एवं प्रबंधन हेतु चलाई जा रही विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनवीबीडीसीपी), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार में विशेषज्ञ के रूप में कार्य कर रहे हैं; भारतीय चिकित्सा सूचना–विज्ञान संगठन (आईएएमआई) के महासचिव चुने गए और चिकित्सा सूचना विज्ञान, 2014 (एनसीएमआई–2014) पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन भी आयोजित किया; दिल्ली में आयोजित एशिया पैसिफिक सम्मेलन के संयुक्त सचिव रहे; संयुक्त चिकित्सा सेवा परिक्षक संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की चयन समिति के विशेष्ज्ञ सदस्य; 2014 में आईजीआईएमएस, पटना बिहार में संकाय चयन समिति के विशेषज्ञ सदस्य; एम्स के रोग निवारण एवं प्रकोप सेल के सदस्य रहे; इबोला वायरस (अक्तूबर, 2014) और डेंगू बुखार (नवंबर, 2014) पर स्वास्थ्य शो कार्यक्रम के प्रसारण हेतु दिल्ली दूरदर्शन केंद्र (डीडीके), द्वारा विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित; इबोला वायरस (अगस्त, 2014), जल जनित रोगों (सिंतबर, 2014) और एच1एन1 इंफ्लुएंजा वायरस (मार्च, 2015) पर ऑल इंडिया ब्रॉडकास्टिंग स्वास्थ्य कार्यक्रम हेतु ऑल इंडिया रेडियो (एआईआर) द्वारा विशेष रूप से आमंत्रित किया गया।

प्रोफेसर उमा कुमार दिल्ली रूमेटोलॉजी एसोसिएशन की मासिक चिकित्सीय बैठकों का आयोजन करती हैं। इन्हें वर्ष 2014–2016 तक दिल्ली रूमेटोलॉजी एसोसिएशन का अध्यक्ष चुना गया है। ये सरकारी संस्थानों (राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय) के फिजिशियंस को रूमेटोलॉजी में प्रशिक्षित भी करती हैं। इन्हें एशिया पैसिफिक लीग अगेंस्ट रूमेटोलॉजी 2015 (एपीएलएआर, 2015) की वैज्ञानिक समिति का सदस्य चुना गया है। इन्हें गुरू गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी की वर्ष 2014–2015 की संयुक्त मूल्यांकन समिति के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में नामित किया गया। 10 जनवरी, 2015 को भारती विद्यापीठ के इंजीनियरिंग कॉलेज में डिग्री वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुईं। इन्हें डीसीजीआई द्वारा सीडीएससीओ 'विषय विशेषज्ञ (रूमेटोलॉजी)' के रूप में भी चुना गया।

डॉ संजीव सिन्हा मेडिकल बोर्ड अंटार्कटिका एक्सपेडिशन, भारत सरकार, वैज्ञानिक समिति के सदस्य, नार्को, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार और स्वास्थ्य कल्याण कार्यक्रम के सदस्य, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य है।

डॉ मनीष सोनेजा भारतीय चिकित्सा अनुसंधान जर्नल, अंतरराष्ट्रीय उन्नत चिकित्सा और स्वास्थ्य अनुसंधान जर्नल और बीएमजे केस रिपोर्ट के समीक्षक हैं।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ प्रशांत छाजेड़ ने (मुंबई, भारत) 27 सितम्बर 2014 को एंडोब्रोनकियल अल्ट्रासाउंड (ईबीयूएस) पर एक अतिथि व्याख्यान दिया।
2. प्रोफेसर अतुल मल्होत्रा ने (यूएसए) 26 नवम्बर 2014 को ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया पर एक अतिथि व्याख्यान दिया।
3. डॉ सुधाकर पीपावत (यूएसए) ने 8 दिसंबर 2014 पर इंर्टस्टिशियल लंग डिजीज : रीविजिटेड पर एक अतिथि व्याख्यान दिया।

9.20 सूक्ष्म जैव विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

ज्योतिश चंद्रा सामंतरे

आचार्य

रमा चौधरी	आरती कपिल	ललित धर
बिमल के दास	बिजय रंजन मिर्धा	बेनु धवन
	इमाकुलाता जैस	

अपर आचार्य

सीमा सूद	उर्वशी बी. सिंह

सहायक आचार्य

आशीष चौधरी	सरिता महापात्रा	हितेंद्र गौतम
गगनदीप सिंह	अर्चना अंग्रुप	निशांत वर्मा

विशिष्टिताएं

एनारोबिक और विशेष रोगज़नक प्रयोगशाला में पर्यावरण के नमूनों में लीजोनेला न्यूमोफिला के प्रसार का अध्ययन किया गया है। रोग जनक संभावित एल. न्यूमोफिला आइसोलेट के आण्विक मार्करों का पता लगाने के लिए मल्टीप्लैक्स पी सी आर का मानकीकरण एम्स में अस्पताल के परिवेश की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने हेतु किया गया है। आणविक विधियों द्वारा मानव जठरांत्र माइक्रोबियल विविधता के अनुप्रयोग पर एक अध्ययन तथा वित्त पोषित नए बैक्टीरियोसिन्स के अलगाव के लिए मेटाजिनोमिक्स का अनुप्रयोग जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा भी प्रयोगशाला द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस अध्ययन में कोलोनिक स्वास्थ्य में आंत माइक्रोफ्लोरा की भूमिका को समझने में मदद मिलेगी तथा आईबीडी और कोलोन कैंसर में माइक्रोबियल समुदाय में अंतर्दृष्टि प्रदान करने तथा इन रोगों के लिए माइक्रोबियल बायोमार्कर स्थापित करने में मदद मिलेगी।

वायरोलॉजी अनुभाग द्वारा एम्स के रोगियों तथा दक्षिण दिल्ली के अन्य अस्पतालों में भर्ती किए गए रोगियों के लिए वास्तविक समय मल्टी प्लैक्स आर टी – पी सी आर आमापन के निष्पादन द्वारा इंफ्लुएंजा ए एच 1 एन 1 (महामारी विभेद) स्वाइन फ्लू के आक्रमण (फरवरी – अप्रैल 2015) के दौरान नैदानिक सेवाएं प्रदान की गई।

चिकित्सकीय संदिग्ध हिस्टोप्लास्मोसिस और क्रिप्टोकोकोसिस के मामले में नियमित आणविक निदान अर्थात पीसीआर के साथ माइकोलॉजी प्रयोगशाला शुरू की गई है। बढ़ते हुए भेदक कवक संक्रमण भार के साथ हमें आशा है कि हम गुणवत्ता रिपोर्ट और कम समय अवधि के साथ कवक रोगों के लिए अधिक आण्विक जांचें आरंभ कर सकेंगे।

टीबी अनुभाग ने विचाराधीन समय अवधि के दौरान टीबी के प्रारंभिक और कुशल निदान के लिए नई प्रौद्योगिकियों के लिए दो पेटेंट दायर किया है। पेटेंट के एक टीबी, एमडीआर–टीबी और एक्सडीआर–टीबी के त्वरित निदान के लिए एक किफायती किट के रूप में डिजाइन किया गया है। यह किट डी बी टी और आई सी एम आर से धन के तहत एक बहु–केंद्रित परियोजना में मान्यता के दौर से गुजर रहा है और आशाजनक प्रकट होता है। यदि इसे उपयोगी पाया गया है, इसे बदल जाएगा बुनियादी नैदानिक तौर तरीकों से संशोधित राष्ट्रीय क्षयरोग नियंत्रण कार्यक्रम (आर एन टी सी पी) के तहत इस्तेमाल किया जा रहा है।

शिक्षा

स्नातकोत्तर

एमबीबीएस – 3, 4 और 5 सेमिस्टर

बीएससी (नर्सिंग) – 2 सेमिस्टर

स्नातक

पीएचडी (सूक्ष्मजीव विज्ञान) : व्याख्याता – एक बार / सप्ताह   जर्नल क्लब – एक बार / सप्ताह

एमडी (सूक्ष्मजीव विज्ञान) : व्याख्याता – एक बार / सप्ताह   जर्नल क्लब – एक बार / सप्ताह

ट्यूटोरियल – दो बार / माह   व्यावहारिक व्यायाम प्रस्तुति : दो बार / माह

लघु – अवधि प्रशिक्षण

विभाग ने आर्मी रिसर्च एंड रेफरल अस्पताल, नई दिल्ली, विषाणु विज्ञान प्रयोगशाला से 1 एम डी पद के उम्मीदवार के लिए अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान किया है। सरकारी मेडिकल कॉलेज, त्रिपुरा से 1 एमडी पद के उम्मीदवार के लिए अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। इसके अलावा, विभाग से 20 एम एस सी उम्मीदवारों ने विभिन्न प्रयोगशालाओं में अल्पकालिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन :

1. सूक्ष्म, पैथोलॉजिस्ट और लैब के लिए डेंगू / चिकनगुनिया की प्रयोगशाला निदान पर हाथ पर कार्यशाला। प्रहरी निगरानी अस्पतालों की तकनीशियनों – विषाणु विज्ञान लैब के सहयोग से दक्षिण दिल्ली नगर निगम (एसडीएमसी) द्वारा आयोजित। (डॉ. ललित धर और डॉ आशीष चौधरी) – 26 – 28 अगस्त 2014 विषाणु विज्ञान प्रयोगशाला में, सूक्ष्म जीव विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली के विभाग।
2. टीबी के लिए एक अधिकार आधारित दृष्टिकोण का विकास करना, शिकागो लॉ स्कूल और एम्स द्वारा विश्वविद्यालय के संयुक्त रूप से आयोजित (डॉ. उर्वशी बी सिंह) 5 – 6 दिसंबर 2014 को , नई दिल्ली में केंद्र शिकागो विश्वविद्यालय में।
3. संक्रमण नियंत्रण के इंटरनेशनल फेडरेशन की 15वीं कांग्रेस के दौरान 'एक प्रकोप की जांच' – 13 वें नेशनल कांफ्रेंस (डॉ. आरती कपिल) 21 मार्च, 2015 एम्स, नई दिल्ली।
4. विश्व टीबी दिवस – संगोष्ठी सह सीएमई – 'मैपिंग द मिसिंग मिलियन्स' (डॉ. उर्वशी बी सिंह) – 23 मार्च 2015 एम्स, नई दिल्ली।

प्रदत्त व्याख्यान

रमा चौधरी : 3   **आरती कपिल : 9**   **ललित धर : 9**

बिजय रंजन मिर्धा : 1   **इमाकुलाता जैस : 1**   **सीमा सूद : 1**

उर्वशी बी. सिंह : 3   **आशीष चौधरी : 1**   **सरिता महापात्रा : 1**

हितेंद्र गौतम : 1

प्रस्तुत किए गए मौखिक शोध पत्र / पोस्टर : 37 'आई यू एस टी आई – आई ए एस एस टी डी और एड्स छात्रवृत्ति 2014 : 1

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. नोबल बैक्टिरियोसिस के पृथक्कीकरण हेतु मॉलीक्यूलर पद्धतियों तथा मीटाजीनोमिक्स के अनुप्रयोग द्वारा मानव जठरांत्रीय माइक्रोबायल डायवर्सिटी का विश्लेषण। रमा चौधरी, डी बी टी, 2011–15, 1 करोड़ रुपए।
2. अस्पताल परिवेश से लीजोनेला न्यूमोफिला का पता लगाना तथा पर्यावरण नमूना से लीजोनेला प्रजातियों के तेजी से पता लगाने के लिए एल ए एम पी – पी सी आर का विकास। रमा चौधरी, एम्स, 2013 – 15, 5 लाख रुपए।
3. समुदाय और भारतीय बाल चिकित्सा आबादी में एंटीबायोटिक प्रतिरोध के अस्पताल बोझ; प्रोबायोटिक्स और भूगोल का प्रभाव। रमा चौधरी, आई सी एम आर, 2012 – 15, 23.6 लाख रुपए।
4. रोगाणुरोधी प्रतिरोध के राष्ट्रीय निगरानी के लिए नोडल केंद्र : 2013 – 2017. आरती कपिल, आई सी एम आर, 2014 – 19, 60 लाख रुपए (प्रति वर्ष)।
5. नवजातों में संक्रमण की निगरानी – आई सी एम आर कार्य दल द्वारा अध्ययन। (आई सी एम आर मुख्यालय और भारत में छह केंद्र)। आरती कपिल, आई. सी. एम. आर, 2011 – 15, 15 लाख रुपए।
6. पी सी आर द्वारा एच आई वी के प्रारंभिक शिशु निदान के लिए रेफरल केंद्र। ललित धर, नाको / डी एस ए सी एस, सतत, 2012 – जारी, 8 लाख रुपए (प्रति वर्ष)।

7ण डेंगू और चिकनगुनिया के लिए राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एन वी बी डी सी पी) के एपेक्स संदर्भ प्रयोगशाला। ललित धर, एनवीबीडीसीपी, सतत, 2010 – जारी, 3 लाख रुपए (प्रति वर्ष)।

8. मल्टी – साइट महामारी विज्ञान और भारत में मानव इन्फ्लूएंजा निगरानी नेटवर्क की निगरानी विषाणुजनित, फेस 2 – ललित धर, आई सी एम आर, सतत, 2009 – जारी, 60 लाख रुपए (प्रति वर्ष)।

9. मात्रात्मक वास्तविक समय पी सी आर और अल्सरेटिव कोलाइटिस में मानव सिटोमेगालोवायरस (सी एम वी) के लिए जीनोटाइपिंग। ललित धर, आई सी एम आर, 2014 – 17, 7 लाख रुपए।

10. आक्रामक रोग से स्ट्रैपटोकोकस निमोनिया की विशेषता और प्रारूपी और आणविक विधियों द्वारा स्वस्थ व्यक्तियों (कोम्मेंसल थ्रोट फ्लोरा)। बिमल दास, आई सी एम आर, 2012–15, 12 लाख रुपए।

11. तीव्र बैक्टीरियल मेनिनजाइटिस के निदान के लिए वास्तविक समय पी सी आर का मानकीकरण तथा हार्मोनल का सहसंबंध और सीएनएस में सेल प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया मध्यस्थता। बिमल दास, एम्स, 2014 – 15, 5 लाख रुपए।

12. श्वसन नैदानिक नमूनों में न्यूमोसिस्टिस जिरोवेसी की जनसंख्या आनुवांशिकी अध्ययन तथा न्यूमोसिस्टिस निमोनिया (पी सी पी) के साथ रोगियों के नैदानिक स्थिति के साथ अपने सहसंबंध। बी आर मिर्धा, एस ई आर बी, डी एस टी, 2013 – 16, 34 लाख रुपए।

13. क्रिप्टोस्पोडियम स्पीशीज़ एवं एंटरोसाइटोजॉन बिनुसी के विशेष संदर्भ सहित कोकिडियन का जनसंख्या जेनेटिक अध्ययन तथा डायरिया के रोगियों में रोग की संचरण पहचान तथा जोखिम कारकों के साथ इसका सह संबंध। बी. आर. मिर्धा, आई सी एम आर, 2013–2015, 20 लाख रुपए।

14. उच्च स्तरीय जेन्टामाइसिन रेसिस्टेंट एंटरोकोकस फेसियम एवं एंटेरोफोकस फैशलिस के नैदानिक आइसोलेट्स की मॉलीक्यूलर विशेषता। बी. धवन, आई सी एम आर, 2012 – 15, 33.8 लाख रुपए।

15. गुर्दा प्रतिरोपण के रोगियों में सब क्लीनिकल क्रिप्टोकोकोसिस के निदान हेतु इम्यूनोब्लॉट आमापन का विकास। डॉ. इमाकुलाता जैस, डी बी टी, 2012–15, 40 लाख रुपए।

16. दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों से रोधी संवेदनशीलता परीक्षण और नैदानिक पृथक क्रिप्टोकोकस स्ट्रेन के जीनोटाइपिंग"। बहु अध्ययन एम के सी जी एम सी एच उड़ीसा, एन ई आई जी आर आई एच एम एस एल, जे आई पी एम ई आर पुडुचेरी और यू सी एम एस दिल्ली। डॉ. इमाकुलाता जैस, डी बी टी, 2012 – 15, 70 लाख रुपए।

17. समकालिक पहचान के लिए एक रैपिड टेस्ट और जीवाणु संक्रमण के लिए देखभाल के बिंदु पर रोगाणुरोधी प्रतिरोध का पता लगाना : एक प्रोटोटाइप के रूप में एन गोनारिया। सीमा सूद, ग्रैंड चुनौतियां – कनाडा, 2013 – 15, 8 लाख रुपए।

18. फुफ्फुसीय एवं अतिरिक्त फुफ्फुसीय तपेदिक के रोगियों के नैदानिक नमूनों के तौर पर माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस एंटीजन बायोमार्कर्स का मूल्यांकन तथा पहचान। उर्वशी बी. सिंह, आई सी एम आर, 2012–15, 45 लाख रुपए।

19. एक्स्ट्रा पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस के उपचार में गाइडिंग उपचार संबंधी नीतियों में औषधि प्रतिरोधी तपेदिक के शीघ्र निदान की भूमिका। बी. सिंह, आई सी एम आर, 2012–15, 45 लाख रुपए।

20. एम डी आर और एक्स डी आर तपेदिक का शीघ्र पता लगाने के लिए इन–हाउस लाइन प्रोब एसे का विकास और मूल्यांकन। उर्वशी बी. सिंह, डी बी टी, 2011–2015. 37 लाख रुपए।

21. बांझ महिलाओं (आई सी एम आर टास्क फोर्स अध्ययन) में प्रजनन तपेदिक की पहचान में परंपरागत पद्धतियों (हिस्टोपेथोलॉजी, कल्चर, ए एफ बी, स्टेनिंग इन एंडोमिट्रियल सेम्पल्स) तथा लेप्रोस्कोपिक के लिए मॉलीक्यूलर पद्धतियों (पी सी आर, इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री) का मूल्यांकन। उर्वशी बी. सिंह, आई सी एम आर, 2012–15, 39 लाख रुपए।

22. उपचार करने वाले रोगियों के श्रेणी 1, 2 और एम डी आर फुफ्फुसीय तपेदिक में उपचार की विफलता के प्रतिरक्षात्मक संबद्धता का मूल्यांकन, उर्वशी बी. सिंह, अ. भा. आ. सं., 2014 – 15, 5 लाख रुपए।

23. तपेदिक के निदान, और दवा प्रतिरोधी तपेदिक के लिए देश में विकसित प्रौद्योगिकियों के वेलिडेशन। उर्वशी बी सिंह, डीबीटी, 2014 – 15, 59 लाख रुपए।

पूर्ण

1. माइकोप्लाज्मा निमोनिया का पता लगाना तथा आणविक एस्सेस के द्वारा श्वसन तंत्र के संक्रमण में लीजोनेला न्यूमोफिला : एक बहु अध्ययन। रमा चौधरी, आई सी एम आर, 2011 – 14, 49.6 लाख रुपए।
2. माइकोप्लाज्मा निमोनिया से प्युटेटिव प्रोलिपोप्रोटीन सिग्नल पेप्टीडेज़ जीन की विशेषताएं, एक संभावित औषधि लक्ष्य। रमा चौधरी, आई सी एम आर, 2012 – 2014, 30 लाख रुपए।
3. साल्मोनेला टाइफी और साल्मोनेला पैरा टाइफी ए के रोगाणुरोधी प्रतिरोध निगरानी में बहु केंद्र अध्ययन – एक प्रयास आंत्र ज्वर के इलाज के लिए राष्ट्रीय दिशा निर्देश बनाना। आरती कपिल, आई सी एम आर, 2010 – 14, 30 लाख रुपए।
4. दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में तीव्र बैक्टीरियल मैनिंजाइटिस के मामलों से नेइसेरिया मैनिंजिटिडिस वियोजन का आण्विक लक्षण वर्णन। बिमल दास, एम्स, 2012 – 14, 5 लाख रुपए।
5. नेजिरिया गोनोरिया के लिए संभावित एंटीमाइक्रोबायल्स का इन विट्रो मूल्यांकन। सीमा सूद, एम्स, 2012 – 14, 5 लाख रुपए।
6. भारत में नेजिरिया गोनोरिया निगरानी हेतु नेटवर्किंग की स्थापना। सीमा सूद, आई सी एम आर, 2010–2013, 1.3 करोड़ रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. आणविक विधियों द्वारा हाथ धोने सन्निपात का तेजी से निदान।
2. आणविक विधियों द्वारा लीजोनेला न्यूमोफिला संक्रमण के निदान और आणविक मार्कर का उपयोग लीजोनेला न्यूमोफिला के नैदानिक और पर्यावरण वियोजन का विश्लेषण।
3. लैक्टोबैसिलस उपभेदों और एएमपी की विशेषता; उनकी इम्यूनोमॉड्यूलेटरी प्रभाव का आकलन।
4. मेटाजिनोमिक्स दश्ष्टिकोण से मानव आंतों के माइक्रोबायोटा का अध्ययन तथा मोटे और दुर्बल व्यक्तियों में सहज प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया की मेजबानी।
5. सिस्टिक फाइब्रोसिस वाले रोगियों में संक्रमण के कारण बुरखोडिरिया सेपसिया का लाक्षणीकरण।
6. टायफोडियल सेलमोनिला के विरुद्ध आल्टरनेट एंटीमाइक्रोबायल एजेंट्स का अध्ययन।
7. मात्रात्मक वास्तविक समय पीसीआर और अल्सरेटिव कोलाइटिस में मानव साइटोमैगालोवायरस (एच सी एम वी) के लिए जीनोटाइपिंग।
8. एच आई वी सेरोपॉज़िटिव महिलाओं के जननांग पथ में डी एन ए वायरस पर एक आणविक अध्ययन।
9. प्रोस्थेटिक संयुक्त संक्रमण की गंभरता और तृतीयक देखभाल अस्पताल में कृत्रिम संयुक्त संक्रमण के माइक्रोबियल रूपरेखा की पहचान के लिए प्रवर्धन आधारित डी एन ए विश्लेषण की भूमिका
10. विस्तारित स्पैक्ट्रम सिफेलोस्पोरिन्स के लिए नेजिरिया गोनोरिया स्ट्रैन्स में डिक्रिस्ड ससेप्टिबिलिटी का आण्विक लाक्षणीकरण।
11. एन गोनोरिया में विस्तारित स्पेक्ट्रम सेफ्लोस्पोरिन की कमी की संवेदनशीलता का पता लगाने के लिए उच्च विभेदन पिघलने (एच आर एम) वक्र विश्लेषण
12. एक प्रायोगिक अध्ययन एन गोनोरिया, एस टी आई क्लिनिकल में भाग लेने के लक्षण रोगियों में सी ट्रैकोमैटिस सह –संक्रमण दर निर्धारित करना।
13. सारकॉइडोसिस के रोगजनन में माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग की भूमिका।

पूर्ण

1. माइकोप्लाज्मा निमोनिया में विख्यात प्रोलीपोप्रोटेंट संकेत पेप्टिडेज़ जीन सजात का अध्ययन।
2. ब्लास्टोसिटिस होमिनिस की जांच तथा इसकी ज्वलनशील आंत्र सिंड्रोम के रोगी में आणविक टाइपिंग : एक क्रॉस अनुभागीय अध्ययन।
3. एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में कोएगुलेस नकारात्मक स्टेफिलोकोक्सी (सी ओ एन एस) के कारण बेक्टेरेमिया के नैदानिक और सूक्ष्मजीवविज्ञानी विशेषताएं।
4. प्युटेटिव विरुलेंस कारकों का विश्लेषण और वैंकोमायसिन तथा उच्च स्तर के जेनेटामिसिन प्रतिरोधी एंटरोकोक्स फेसियम और इंटरोकोक्स फेकैलिस के नैदानिक आइसोलेट्स की मॉलीकुलर टाइपिंग।

5. पी सी आर – आरएफएलपी और ओम्प ए सिक्वेंसिंग द्वारा इंफर्टिलिटी और यूरोजेनिटल इंफेक्शन्स और जीनोटाइपिंग वाले रोगियों में क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस की व्याप्तता।
6. सूजाक के निदान प्रयोगशाला में बायोसेंसर प्रौद्योगिकी का मूल्यांकन।
7. एन. गोनोरिया के लिए वैकल्पिक रोगाणुरोधी विकल्पों में से इन विट्रो मूल्यांकन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. नोबल बैक्टिरियोसिस के पृथक्कीकरण हेतु मॉलीक्यूलर पद्धतियों तथा मीटाजीनोमिक्स के अनुप्रयोग द्वारा मानव जठरांत्रीय माइक्रोबायल डायवर्सिटी का विश्लेषण। (डी बी टी)।
2. भारत में एपिडेमियोलॉजिकल बच्चों और बुजुर्गों के बीच तीव्र श्वसन तंत्र के संक्रमण में श्वसन रोगजनक का अध्ययन (सेंटर फॉर कम्युनिटी मेडिसिन)।
3. सेरेब्रल मलेरिया (आईसीजीईबी, नई दिल्ली) में प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम कीटोधेरेन्स अणुओं की पहचान।
4. जाइगोमायसेट्स और म्यूकोमायक्रोसिस : महामारी विज्ञान, वर्गीकरण और आणविक जीव विज्ञान। (सूक्ष्म जीव विज्ञान, पी जी आई, चंडीगढ़)।
5. फोमित प्रदूषण और आईसीयू में वी ए पी / एच ए पी घटना के साथ इसका सहसंबंध : एक भावी अध्ययन (पल्मोनरी मेडिसिन और निद्रा विकार)।
6. अनुकूलित सोडियम हाइपोक्लोराइट मध्यस्थता रूट कैनाल कीटाणुशोधन के लिए एक सहायक के रूप में इलेक्ट्रॉनिक सर्वोच्च लोकेटर के आवेदन – एक पूर्व–विवो अध्ययन (दंत चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र)।
7. सक्रिय सामान्यीकृत विटिलिगो तथा वर्णक नियमन (त्वचा विज्ञान) में रोगजनन में माइक्रो आर एन ए की भूमिका का वर्णन ।
8. बच्चों में (बाल रोग) इंट्रा–थोरैसिक तपेदिक के निदान में जीन एक्सपर्ट एम टी बी / आर आई एफ की भूमिका।
9. श्रेणी 2 आहार पर पल्मोनरी ट्युबरकुलोसिस रोगियों में रिलेप्स और उपचार विफलाताओं के लिए जोखिम कारकों के रूप में नैदानिक और औषधीय मापदंडों का मूल्यांकन। (पल्मोनरी चिकित्सा और निद्रा विकार के साथ)।
10. 6 महीने तक आर एन टी सी पी कैटेगरी I उपचार के 6 महीने लगातार अथवा 9 महीने के बाद आरंभिक प्रतिक्रिया का यादश्च्छिक नियंत्रण परीक्षण – जेनाइटल ट्यूबरकुलोसिस के उपचार हेतु अध्ययन (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग के साथ)।

पूर्ण

1. भारतीय जनसंख्या में क्लोस्ट्रिडियम डिफिसाइल संक्रमण एवं उत्तरवर्ती डायरिया की रोकथाम तथा उपचार के लिए लैक्टोबेसिलस रेमनोसस सी जी का प्रदर्शन। (ऊर्जा अनुसंधान संस्थान, टेरी)।
2. ओरल रेटिनोइड्स द्वारा एडोलोजेंट एवं पेरी एडोलोसेंट में एब्ने के पूर्व तथा उपचार के बाद एंटीबायोटिक रेसिस्टेंट प्रोपिनोबैक्टीरियम एक्ने का प्रभाव। (त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान के साथ)।
3. रेटेर रोग के डर्माटोलॉजिकल मैनिफेस्टेशन (त्वचा विज्ञान और रतिजरोग के साथ)।
4. रूट कैनाल में एपिकल वेडनिंग और बैक्टीरियल लोड पर 'एपिकल वेडिनंग और समाशोधन' का प्रभाव – एक पूर्व विवो स्टेरियोमाइक्रोस्कोपिक और सूक्ष्मजीवविज्ञानी अध्ययन (दंत चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र)।
5. वीएपी (पल्मोनरी मेडिसिन और निद्रा विकार) के लिए उत्पादक रोगजनकों की भविष्यवाणी करने के लिए प्रारंभिक व सीरियल एण्डोट्रेकीयल एस्पिरेट निगरानी सवर्धन की भूमिका।
6. नैदानिक निदान के लिए लागत प्रभावी ग्लूकोज बायोसेंसर का विकास और निर्माण (जैव प्रौद्योगिकी विभाग, दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी)।
7. भारतीय सेटिंग में बांझ रोगियों में प्रजनन परिणाम में सकारात्मक एंडोमिट्रियल चूषण डी एन ए पी सी आर के लिए ए टी टी की भूमिका। (प्रसूति और स्त्री रोग विभाग)।

8. तृतीयक उपचार अस्पताल से माइकोबैक्टीरिया ट्यूबर कुलोसिस पश्थक्कता के एम डी आर तथा एक्स डी आर दवाब का मॉलीक्यूलर विश्लेषण। (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टीबी एण्ड रेस्पिरेटरी डिजीज, इंडिया)।

रोगी उपचार

विश्लेषण / प्रशिक्षण / जांच का नाम	**परीक्षण निष्पादन की संख्या**	**विश्लेषण / प्रशिक्षण / जांच का नाम**	**परीक्षण निष्पादन की संख्या**
जीवाणु प्रयोगशाला		**विषाणु प्रयोगशाला**	
पस नमूने	35,474	इन्फ्लुएंजा वास्तविक समय मल्टीप्लेक्स आरटी–पीसीआर	2,699
मूत्र का नमूना	40,515	एचएसवी 1 और 2 डीएनए पीसीआर (सीएसएफ जीयूडीए, नेत्र आदि)	424
रक्त नमूने	48,202	एचसीएमवी डीएनए पीसीआर (मूत्र, कोलोनिक बायोप्सी आदि)	362
बलगम/गला/ट्रेकियल स्वैब नमूने	28,105	एचआईवी – 1 प्रोवायरल डीएनए पीसीआर (प्रारंभिक शिशु निदान)	1,108
सीएसएफ नमूने	12,229	कोशिका संवर्धन (इंफ्ल्यूएंजा, डेंगू, एचएसवी 1 और 2)	228
मल के नमूने	2,898		
एंटीमाइक्रोबियल ससेप्टिबिलिटी परीक्षण			
		एचसीएमवी पीपी65 एंटीजेनेमिया (इम्यूनोफ्ल्यूरेसेंस)	151
मवाद / स्राव / ऊतक	17,872	डेंगू एनएस1 एंटीजन (एलिसा)	77
मूत्र	13,157	एंटी – डेंगू आई जी एम (एलिसा)	1,157
रक्त	7,015	एंटी – चिकनगुनिया आई जी एम (एलिसा)	79
श्वसन नमूने	16,223	एंटी – जेपनीज़ इंसेफेलिटिस आई जी एम (एलिसा)	19
सीएसएफ / स्टेराइल नमूने	882	एस एस पी ई निदान के लिए कॉम्प्लिमेंट फिक्सेशन टेस्ट (सी एफ टी)	204
मल	82	तजनक स्मीयर	10
कुल	**2,22,654**	**कुल**	**6,518**
अस्पताल संक्रमण नियंत्रण (एच आई सी) प्रयोगशाला		**एच आई वी लैब.**	
निगरानी संवर्धन	18,803	एचआईवी जांच	3,279
सी एस एस डी निगरानी	441	सी डी 4 की संख्या (फ्लोसायटोमेट्री)	5,538
पानी के नमूने	2,183	**कुल**	**8,817**
कुल	**21,427**	आई सी टी सी केंद्र में रोगियों से परामर्श	3,344

अवायवीय, विशेष रोगजनक और माइक्रोप्लाज्मा प्रयोगशाला		**कवक विज्ञान प्रयोगशाला**	
एनारोबिक संवर्धन	1,122	श्वसन नमूने (बी ए एल, ई टी ए, ट्रैकियल एस्पिरेट, स्पुटम आदि)	3,491
ग. डिफिशिल मल संवर्धन	248	मूत्र	1,805
ग. डिफिशिल एलिसा (टॉक्सिन ए और बी)	247	सीएसएफ	809
ग. डिफिशिल पी सी आर और टाइपिंग	372	स्वैब	375
कैपिलोबेक्टर मल संवर्धन	06	मवाद	589
बारटोनेल्ला संवर्धन	09	ऊतक / बायोप्सी	1236
एंटी – बारटोनेल्ला आई जी एम (आई एफ ए)	09	नाखून / बाल / त्वचा	215
बारटोनेल्ला पी सी आर	02	मज्जा	178
लेप्टोस्पीरा संवर्धन	247	रक्त	1823
एंटी – लेप्टोस्पीरा आई जी एम (एलिसा)	259	बेकटेक संवर्धन	35
एंटी – लीजोनेला न्यूमोफिला आईजीएम (एलिसा)	140	क्रिप्टोकोकल एंटीजन का पता लगाना (लेटेक्स एग्लूटिनेशन)	562
एंटी – लीजोनेला न्यूमोफिला आईजीजी (एलिसा)	19	एंटी – एस्परजिलस एंटीबॉडी (इम्यूनोडिफ्युजन)	52
लीजोनेला न्यूमोफिला मूत्र एंटीजन	14	एसपरजिलस गैलेक्टोमनन एंटीजन (एलिसा)	719
लीजोनेला संवर्धन	124	एंटी हिस्टोप्लाज्मा एंटीबॉडी (इम्यूनोडिफ्यूजन)	68
लीजोनेला पर्यावरणीय नमूने	40	विविध (फुफ्फुस / पेरिटोनियल तरल पदार्थ, निगरानी प्लेट ओ टी आदि)	1,655
लीजोनेला न्यूमोफिला पी सी आर	140	हिस्टोप्लाज्मा पी सी आर	05
स्क्रब टाइफस आई जी एम एलिसा	162	क्रिप्टोकोकस पी सी आर	05
स्क्रब टाइफस आईएफए	162	रोधी – संवेदनशीलता परीक्षण	65
स्क्रब टाइफस पी सी आर	162	**कुल**	**13,687**
एंटी – माइकोप्लाज्मान्यूमोनिया	163	आई जी एम	
एंटी माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया आई जी जी	23	**परजीवी विज्ञान प्रयोगशाला।**	
माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया संवर्धन	414	**इन्टेस्टाइनल पैरासिटोसिस**	
माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया पीसीआर	372	स्टूल परीक्षा – ओ वी ए / परजीवी (गीला माउंट / एकाग्रता)	1,845
माइकोप्लाज्मा होमिनिस संवर्धन	148	कोसिडियन परजीवी – मोड. एसिड – फास्ट / विशेष स्टैनिंग	1,845
माइकोप्लाज्मा होमिनिस पी सी आर	148	ऊतक के नमूने Tissue samples	32

माइकोप्लाज्मा होमिनिस रोगाणुरोधी संवेदनशीलता परीक्षण	12	इन – विवो संवर्धन	50
माइकोप्लाज्मा जेनिटेलियम पी सी आर	148	**मलेरिया**	
यूरीप्लाज्मा यूरीलिटिकम संवर्धन	148	जीम्सा स्टेनिंग पी एस	4,656
यूरीप्लाज्मा यूरीएलिटिकम पीसीआर	148	एक्रिडाइन ओरेंज (ए ओ) फ्लोरसेंट स्टेनिंग पी एस	4,656
यूरी प्लाज्मा यूरीलाइटिकम रोगाणुरोधी संवेदनशीलता परीक्षण	32	मात्रात्मक बफी कोट (क्यू बी सी)	1,398
एंटी – क्लेमायडिया आई जी एम (एलिसा)	163	मलेरिया एच आर पी– 2 एंटीजन परख का पता लगाना (आई सी टी)	598
एंटी क्लेमाइडिया न्यूमोनिया आई जी जी (एलिसा)	23	**लीशमनियासिस (काला अजार)**	
क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस पी सी आर	198	जीम्सा स्टेनिंग पी एस	387
कुल	**5,630**	एक्रिडाइन नारंगी (ए ओ) फ्लोरसेंट स्टेनिंग पी एस	387
		मात्रात्मक बफी कोट (क्यू बी सी)	387
यौन संचारित रोगों (एस टी डी) प्रयोगशाला।		एंटी – लैशमानिया आर के 39 एसे (आई सी टी)	987
उच्च योनि स्वैब्स (एचवीएस)	269	**फाइलेरिया**	
वीर्य	1,009	**प्रत्यक्ष परीक्षा एवं रक्त की एकाग्रता**	147
प्रोस्टेटिक स्राव की अभिव्यक्ति (ई पी एस)	176	जीम्सा स्टेनिंग पी एस	147
मूत्रमार्ग मुक्ति	02	एक्रिडाइन ओरेंज (ए ओ) फ्लोरोसेंट स्टेनिंग पी एस	147
सर्वाइकल मुक्ति	01	**न्यूमोसिस्टिस (पी सी पी)**	
रोगाणुरोधी संवेदनशीलता परीक्षण		जी एम एस स्टेनिंग / पी सी आर	180
उच्च योनि स्वैब्स (एचवीएस)	52	**फ्री लिविंग अमीबा (एफ एल ए)**	
वीर्यैमउमद	62	सी एसएफ	263
प्रोस्टेटिक स्राव की अभिव्यक्ति (ई पी एस)	08	**परजीवी सीरम विज्ञान**	
मूत्रमार्ग मुक्ति	01	एंटी – एंटमेबा आई जी जी (एलिसा)	157
कुल	**1,580**	एंटी – इशिनोकुकस आईजीजी (एलिसा / आई एच ए)	130
तपेदिक प्रयोगशाला		एंटी टोक्सोप्लाज्मा आई जी जी (एलिसा)	28
ज़ील – नील्सन (जेड एन) स्टेनिंग के लिए स्मियर लॉवेनस्टेन – जेन्सेन (एल जे)	12,972	**विविध**	

मध्यम – संवर्धन और संवेदनशीलता	1,848	एस्पीरेटस की परीक्षा (बलगम, मवाद आदि)	210
एम जी आई टी 960 रैपिड संवर्धन	2,174	**कुल**	**18,547**
बेकटेक – एंटीट्यूबरकुलर संवेदनशीलता परीक्षण	1,050		
माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग के लिए पीसीआर	4,524		
जीनएक्स्पर्ट एम टी बी / आर आई एफ	1,995		
ए डी ए एसे	280		
कुल	**24,843**		

9. इम्यूनोलॉजिकल पैरामीटर्स के मूल्यांकन द्वारा श्रेणी 1 फुफ्फुसीय तपेदिक में संयुक्त चिकित्सा के तौर पर ओरल विटामिन डी की भूमिका। (एण्डक्राइनोलॉजी और मेटाबोलिज्म)।

प्रकाशन

जर्नल : 49 **पुस्तकों में अध्याय : 3**

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर रमा चौधरी ने इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट द्वारा 42वें सम्मेलन, जयपुर में 16 – 19 अक्तूबर 2014 के दौरान आई ए एम एम एण्डोमेंड व्याख्यान पुरस्कार 2014 प्राप्त किया, सर्वोत्तम शोध पत्र के लिए पुरस्कार ''ए नॉन इंवेसिव टेकनिक टू एसेस गट इम्यूनिट इन हेल्थी पॉपुलेशन बाय मेजरिंग इम्यूनोग्लोबुलिन रिसेप्टर एक्सप्रेशन ऑन वायबल कोलोनोसायटस इन सेकेण्ड पी ए आई कांफ्रेंस अलोंग विद अन इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन प्रोबायोटिक्स एण्ड माइक्रोबायोम – गट एण्ड बियोंड' के लिए इंडिया हैबिटेट सेंटर में 3 और 4 नवंबर 2014 को आई ए एम एम दिल्ली अध्याय में ''इन सर्च ऑफ स्क्रब टाइफस इन न्यू दिल्ली; एवेल्युएशन ऑफ इम्यूनोडायग्नोस्टिक एण्ड मॉलिक्युलर मैथड्स फॉर डिटेक्शन'' नामक शोध पत्र के लिए क्षेत्र प्रतिरक्षा नैदानिकी में सर्वोत्तम शोध पत्र के लिए संजय सरदाना पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रोफेसर ललित धर राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) के एचआईवी तकनीकी संसाधन समूह (प्रयोगशालाओं), जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के उत्तर पूर्व ट्विनिंग परियोजनाओं के लिए परियोजना मूल्यांकन समिति परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशालाओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड की कोर कमेटी (एन ए बी एल) और राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान संस्थान की आचार समिति के सदस्य हैं,

प्रोफेसर बी. आर. मिर्धा को 7वें नेशनल कांफ्रेंस ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ ट्रोपिकल पैरासिटोलॉजी के दौरान, 7 जनवरी 2014 को लखनऊ में 'फेलोशिप ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ ट्रोपिकल पैरासिटोलॉजी' (एफ आई ए टी पी) एस जी पी जी आई में प्रदान की गई। उन्हें इंडियन एकेडमी ऑफ ट्रोपिकल पैरासिटोलॉजी (आई ए टी पी) का संयुक्त सचिव तीन वर्ष के लिए (2013–15) मनोनीत किया गया, वे इंडियन जर्नल ऑफ ट्रोपिकल पैरासिटोलॉजी (आई जे टी पी) के संपादकीय बोर्ड के सदस्य और न्यू जर्नल ऑफ साइंस (माइक्रोबायोलॉजी), हिंदवीं पब्लिकेशंस (यूएसए) के संपादकीय सदस्य और 2014 – 15 में आई ए एम एम दिल्ली अध्याय के कार्यकारी समिति के सदस्य थे। वे इंटरनेशनल जर्नल (जे मेड माइक्रोबायोल, मायकोपैथोलॉजी, इंट जे मेड माइक्रोबायोल) के अंतरराष्ट्रीय पत्रिका समीक्षक है।

प्रोफेसर बेनु धवन को 2014 में चिकित्सा विज्ञान अकादमी पुरस्कार, (एन ए एम एस) की सदस्यता से सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर इमाकुलाता जैस को माइकोलॉजी पुरस्कार में एन ए डब्ल्यू ओ पी आई ए सर्वोत्तम शोध पत्र 'ट्रिकोस्पोरोनेमिया : इंसिडेंस रेट, मोलिकुलर आइडेंटिफिकेशन, जिनोटाइपिंग एण्ड एंटीफंगल सस्सेप्टिबिलिटी टेस्टिंग पैटर्न ओवर ए 5 इयर पीरियड (2008 – 13) इन ए टर्शरी केयर सेंटर इन नोर्दन इंडिया' – 28वें नेशनल कांफ्रेंस ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट (आई ए एम एम), माइक्रोकोन 2014 : 17 – 18 अक्तूबर. 2014 प्रदान किया गया।

डॉ. सीमा सूद को आई यू एस टी आई – आई ए एस एस टी डी और एड्स स्कॉलरशिप – 2014 तथा आई सी एम आर लाला राम चंद कंधारी पुरस्कार – 2012 प्रदान किया गया। वे इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी (आई जे एम एम) की सहायक संपादक हैं और उन्हें एस टी आई / आर टी आई की रोकथाम तथा नियंत्रण कार्यक्रमों को मजबूत बनाने के लिए नाको की टीआरजी (तकनीकी संसाधन समूह) का सदस्य नियुक्त किया गया है। उन्हें डब्ल्यूएचओ द्वारा जन्म जात सिफलिस समाप्त करने (ई सी एस) के लिए एम एण्ड ई टूल बनाने के लिए आमंत्रण दिया गया था। उन्होंने संकाय कार्यशाला ''आउटब्रेक इंवेस्टीगेशन ऑफ हेल्थ केयर एसोसिएटिड इंफ्रैक्शंस'' – आई एफ आई सी – एच आई एस आई सी ओ एन – 2015 का आयोजन किया। उन्होंने एक्स्टर्नल एश्योरेंस (ई क्यू ए) प्रोग्राम ऑफ डब्ल्यू एच ओ जी ए एस पी (गोनोकोकल एंटीमाइक्रोबायल सर्विलाइंस प्रोग्राम) में भी हिस्सा लिया।

डॉ. उर्वशी बी. सिंह को 2013 के दौरान माइकोबैक्टीरियोलॉजी में सर्वोत्तम प्रकाशित शोध पत्र के लिए ''ए एन चक्रवर्ती मेमोरियल पुरस्कार' प्रदान किया गया। वे आर एन टी सी पी, 2012 से तपेदिक के निदान और प्रबंधन की राष्ट्रीय विशेषज्ञ समिति की सदस्य है, उन्हें 'स्त्री जननांग क्षय रोग पर कार्य बल के परियोजना की समीक्षा समिति, आई सी एम आर, 2009 के बाद से, सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया, 'स्टॉप टीबी नई निदान कार्य समूह' डब्ल्यू एच ओ – 2009 के बाद से, 'डी एस टी प्रायोजित परियोजनाओं की बैठक निगरानी' 2014 में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया है, 'भारतीय स्वदेशी प्रौद्योगिकी के लिए मान्यता को अंतिम रूप देने के लिए विशेषज्ञ समिति प्रोटोकॉल' में विशेषज्ञ, डीबीटी और आई सी एम आर 2014 के बाद से और तीन वर्ष के लिए डीबीटी द्वारा गठित 'क्षय रोग पर विशेषज्ञ समूह' में जनवरी 2015–जनवरी 2018 में विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया। उन्होंने मुंबई में 26–28 अगस्त, 2014 को दवा प्रतिरोधी टीबी के लिए डी एस टी निर्देशित उपचार परहेजों पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।

डॉ. आशीष चौधरी राष्ट्रीय पत्रिकाओं के लिए समीक्षक है – 'इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी' तथा 'जर्नल ऑफ़ लेबोरेटरी फीज़िशन्स'।

डॉ. निशांत वर्मा 2014 में कार्यकारी समिति आई ए एम एम दिल्ली अध्याय के सदस्य है।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. जोहान मौटोन, इकाई प्रमुख अनुसंधान और विकास, इरास्मस एम सी पर मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी और संक्रामक रोग विभाग, 28 नवम्बर 2014 को 'पी के / पी डी और उपचार अनुकूलन" पर नीदरलैंड में व्याख्यान दिया।
2. प्रोफेसर पिनाकी पाणिग्रही, अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं में सहयोग के लिए नेब्रास्का विश्वविद्यालय।
3. डॉ. के. एस. सचदेवा, ए डी जी, आर एन टी सी पी, 23 मार्च 2015 को ''एमडीआर–टीबी नियंत्रण : राष्ट्रीय कार्यक्रम प्रयास" पर व्याख्यान दिया।
4. डॉ. रूबेन स्वामीकाण, यू एस एड, भारत, 23 मार्च 2015 को ''टीबी नियंत्रण के लिए निजी क्षेत्र को संलग्न करने की आवश्यकता है" पर व्याख्यान दिया।
5. डॉ. गोवर्धन दास, आण्विक चिकित्सा के लिए विशेष केंद्र, जे एन यू, नई दिल्ली, 23 मार्च 2015 को ''क्षय रोग : आधुनिक दृष्टिकोण के साथ एक प्राचीन बीमारी" पर व्याख्यान दिया।
6. डॉ. के एम अत्मकुरी, सहायक प्रोफेसर, टी एच एस टी आई, 23 मार्च, 2015 को ''टीबी का टीका, एक तरह की पहेली?'' पर व्याख्यान दिया।
7. डॉ. राजेश गोखले, निदेशक, आई जी आई बी, सी एस आई आर, दिल्ली में 23 मार्च 2015 टीबी रोगजनन : इस खेल में कैसे आगे रहें" इस पर व्याख्यान दिया।

9.21 वृक्क विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

संजय के. अग्रवाल

आचार्य

दीपंकर एम. भौमिक | संदीप महाजन

सहायक आचार्य

सोमिता के. बागची

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी

पी. के. जैन

विशिष्टताएं

विभाग संस्थान में गुर्दा प्रत्यारोपण करने वाला पहला विभाग है। यहां हीमोडालिसिस के लिए विभाग में आधुनिकतम रिवर्स ओस्मोसिस जलसंयंत्र लगाया गया है जो हीमोडायलिसिस के लिए अति शुद्ध पानी प्रदान करता है। विभाग ने गुर्दा प्रत्योरापणके रोगियों के लिए प्रतिरक्षी संदमक दवा निगरानी स्थापित की है और यह सुविधा सभी गुर्दा प्रत्यारोपण रोगियों को निःशुल्क दी जाती है। विभाग द्वारा हर सप्ताह लगभग 80 रोगियों को कम लागत पर हीमोडायलिसिस की सुविधा दी जाती है और गरीबी रेखा से नीचे के रोगियों के लिए यह निःशुल्क है। विभाग ने इस अवधि के दौरान पांच निधिकृत अनुसंधान परियोजनाएं पूरी की है। विभाग ने गुर्दा विज्ञान में संभावित अनुसंधान के नमूनों का एक जैव संग्रहालय भी बनाया है।

शिक्षा

दीर्घ – अवधि प्रशिक्षण

विभाग द्वारा पोस्ट एम डी (मेडिसिन) के प्रत्याशियों के लिए एम्स द्वारा आयोजित अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा में योग्यता के आधार पर चुने जाने पर डी एम नेफ्रोलॉजी का तीन वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम चलाया जाता है। इस अवधि के दौरान डी एम नेफ्रोलॉजी पाठ्यक्रम में पांच प्रत्याशियों ने प्रवेश लिया था। आंतरिक काय चिकित्सा, जराचिकित्सा काय चिकित्सा और आपातकालीन काय चिकित्सा विभागों के स्नातकोत्तर छात्रों को एक से दो माह की अल्पावधि के लिए चक्रानुक्रम आधार पर तैनात किया जाता है। वर्तमान में विभाग में 6 माह प्रत्येक के लिए तीन गैर शैक्षिक जूनियर रेजीडेंट है।

लघु – अवधि प्रशिक्षण

विभाग ने निम्नलिखित को लघु अवधि प्रशिक्षण प्रदान किया है :

1. ब्रिटेन के अंतिम सेमेस्टर की एक मेडिकल छात्रा, सुश्री एशले सेबेस्टियन ने 2 जुलाई 2014 से 9 जून 2014 तक नेफ्रोलॉजी विभाग में वैकल्पिक प्रशिक्षण लिया है।
2. एम.सीएच शल्यक्रिया के लिए नामांकित सीनियर रेजीडेंट्स को उनके पाठ्यक्रम के भाग के रूप में नेफ्रोलॉजी में उनके प्रदर्शन के लिए नियमित आधार पर विभाग में बुलाया जाता है
3. नेफ्रोपैथोलॉजी सम्मेलन के लिए नियमित आधार पर बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी अनुभाग के रेजीडेंट्स को भी बुलाया जाता है

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

एस. के. अग्रवाल : 12 दीपंकर एम. भौमिक : 10 संदीप महाजन : 6 सोमिता बागची : 2

मौखिक शोधपत्र / पोस्टर प्रस्तुतीकरण : 11

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. बहु अध्ययन शहरी भारतीय आबादी में वयस्कों में क्रोनिक किडनी रोग के प्रसार पता लगाना। एस के अग्रवाल, आई सी एम आर, 2012 – 16, 90 लाख रुपए।
2. भारतीय रोगियों में गुर्दे के प्रत्यारोपण के बाद पहले वर्ष में बी के वायरस प्रतिकृति की भावी निगरानीए सोमिता बागची, आंतरिक अनुदान, 2014 – 15 (विस्तार से लागू करना) 3.2 लाख रुपए।

पूर्ण

1. गुर्दा रोग के रोगियों में एंटीहाइपरटेंसिव दवा आवश्यकता पर एंटीट्यूबरकुलर उपचार के भाग के रूप में रिफैम्पिसिन का प्रभाव। एस. के. अग्रवाल, एम्स, 2013 – 14, 5.0 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. गुर्दे प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ता और हिस्टोपैथोलॉजिकल सह संबंध में प्रोटीनूरिया।
2. सीकेडी वाले रोगियों में उच्च रक्तचाप पर आधारित एंटीट्यूबरकुलर चिकित्सा रिफैम्पिसिन के प्रभाव का आकलन करना।
3. वृक्क प्रतिस्थापन चिकित्सा वाले रोगियों में एच बी वी और एच सी वी संक्रमण का क्लिनिको – पैथोलॉजिकल का सहसंबंध।
4. गुर्दे के प्रत्यारोपण के बाद पहले वर्ष में गंभीर संक्रमण की प्रोफाइल और जोखिम कारक।
5. भारतीय संदर्भ में संबंधित गुर्दे एलोग्राफ्ट प्राप्तकर्ता जीवित में जोखिम कारक, नैदानिक प्रोफ़ाइल और देर से बनाम जल्दी एम वी संक्रमण के परिणाम का आकलन।
6. तीव्र गुर्दे की चोट के स्पेक्ट्रम और भारत में एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में इसकी छोटी और लंबी अवधि के परिणाम।
7. गुर्दे एलोग्राफ्ट प्राप्तकर्ताओं में मूत्र मार्ग में संक्रमण का भावी अध्ययन।
8. भारत में एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में सिद्ध गुर्दे की बीमारी बायोप्सी का पैटर्न चित्रित करना।
9. जीवित संबंधी गुर्दा प्रत्यारोपण के परिणामों के संबंध में सीएसए तथा टेक्रोलाइमस का प्रभाव।
10. प्रारंभिक मध्यम उम्र में गुर्दे की दीर्घकालिक बीमारियों के महामारी विज्ञान बायोमार्कर के साथ जन्म से वयस्कता तक शरीर द्रव्यमान सूचकांक में गर्भावधि उम्र जन्म के समय वजन और क्रम परिवर्तन का संबंध।
11. गुर्दे के प्रत्यारोपण के पहले और बाद धमनी कठोरता और स्वायत्त कार्य का आकलन।
12. गुर्देदाताओं का दीर्घकालिक परिणाम।
13. चिरकालिक गुरदा रोग के रोगी जोकि डायलेसिस पर नहीं है उनमें करौटिइड आरट्री इंटीमल मीडिया थिकनैस की वृद्धि का मूल्यांकन तथा एंडोथेलियल दुष्क्रिया तथा जैव रासायनिक पैरामीटरों के साथ इसका सह–संबंध।
14. एफजीएफ–23 पेरिटोनियल डायलिसिस और उसके संबद्ध।
15. गुर्दे के प्रत्यारोपण के दौर से गुजरने वाले सीकेडी–5डी रोगियों में सीआईएमटी में परिवर्तन का मूल्यांकन करना।
16. गुर्दे के प्रत्यारोपण के बाद पहले वर्ष में अस्पताल में भर्ती आवश्यकता संक्रमण की प्रोफाइल और जोखिम कारक।
17. भारत में एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में बायोप्सी सिद्ध गुर्दे की बीमारी के पैटर्न चित्रित करना।
18. भारतीय जनसंख्या में आइजीए नेफ्रोपैथी का ऑक्सफोर्ड वर्गीकरण के मूल्यांकन के लिए पूर्वव्यापी अध्ययन।
19. भारत में बुजुर्ग रोगियों में बायोप्सी सिद्ध गुर्दे की बीमारी की प्रोफाइल के मूल्यांकन के लिए पूर्वव्यापी अध्ययन।

पूर्ण

1. गुर्दे की बीमारी वाले रोगियों में उच्चरक्तचापरोधी दवा आवश्यकता पर एंटीट्यूबरकुलर चिकित्सा के एक भाग के रूप में रिफैम्पिसिन का प्रभाव।
2. नेफ्रेक्टोमी के पहले और बाद जीवित गुर्दा दाताओं में रक्तचाप माप आधारित चल रक्तचाप और क्लिनिक – एक अल्पकालिक अनुवर्ती अध्ययन।

3. कंट्रोस्ट प्रेरित नेफ्रोपैथी के निदान से जुड़े लिपोकैलिन मूत्र न्यूट्रोफिल जेलेटिनेस की भूमिका।
4. भारत में चिरकालिक गुर्दा रोग की देखभाल के लिए प्रक्रिया और परिणाम की भावी कोहोर्ट अध्ययन।
5. उत्तर भारत में एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में सीकेडी रोगियों में एवी नालव्रण रचना का परिणाम का अध्ययन करना।
6. प्रारंभिक मध्यम उम्र में गुर्दे की दीर्घकालिक बीमारियों के महामारी विज्ञान बायोमार्कर के साथ जन्म से वयस्कता तक शरीर द्रव्यमान सूचकांक में गर्भावधि उम्र जन्म के समय वजन और क्रम परिवर्तन का संबंध।
7. एचडी के रोगियों में प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं की घटना।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. नवजात शिशुओं और गुर्दे के प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं से मानव साइटोमेगालोवायरस का पता लगाना और जीनोटाइपिंग (माइक्रोबायोलॉजी)।
2. मॉलिकुलर डिटेक्शन एण्ड कैरेक्टराइजेशन ऑफ न्यूमोसिस्टिस जीरोवेकी इन रिस्पीरेटिरी सैम्प्ल्स फ्रॉम द पेशेंट्स बोथ इम्यूनोकॉम्प्रोमाइज्ड एज़ वैल इम्यूनोकॉम्पेटेंट विद सस्पेटिड इंटरस्टिशियल निमोनियाएण्ड अदर क्रोनिक लंग डिजीज (माइक्रोबायोलॉजी)।
3. टू स्टडी द प्रीवलेंस ऑफ यू एल 97 जीन म्युटेशन इन गैंसिक्लोविर नॉन – रिस्पोंडर्स बनाम रिस्पोंडर्स इन इण्डियन रिनल ट्रांसप्लांट पेशेंट्स (लैब मेडिसिन)।
4. परिणामों की तुलना का एक भावी अध्ययन तथा लेप्रोस्कोपिक दाता नेफ्रेक्टोमी बनाम खुली दाता नेफ्रेक्टोमी (सर्जरी) के बाद जीवन की गुणवत्ता।
5. न्यूमोसिस्टिस जिरोवेसी का नैदानिक उपभेदों की जनसंख्या आनुवंशिकी का अध्ययन और इसके क्लिनिको – महामारी विज्ञान सहसंबंध (माइक्रोबायोलॉजी)।
6. हीमोडायलिसिस के लिए धमनी के उपयोग में इमेजिंग और हस्तक्षेप (रेडियोलॉजी)।
7. टोल – लाइक रिसेप्टर, मैनोस बाध्यकारी लेक्टिन और मैट्रिक्स मेटेलोप्रोटिनेस की जेनेटिक पॉलीमोर्फिज्म और अभिव्यक्ति और इसके पुरानी पेरिटोनियल डायलिसिस वाले रोगियों में सह–रुग्णता और संक्रमण सहित इसके सह संबंध (सूक्ष्म जैव विज्ञान)।
8. लाइव संबंधित गुर्दे प्रत्यारोपण के दौरान जल्दी भ्रष्टाचार समारोह पर तरल पदार्थ हाइड्रेशन की दर का प्रभाव (एनेस्थीसिया)।
9. ल्युपस नेफ्रैटिस में उपचार की प्रतिक्रिया की भविष्यवाणी बायोमार्कर की पहचान (काय चिकित्सा)।
10. इम्युनोग्लोबुलिन प्रकाश श्रृंखला प्रेरित गुर्दे की विफलता (मेडिकल ऑन्कोलॉजी) के साथ मल्टिपल मायलोमा के रोगियों में भावी मार्कर की पहचान।

पूर्ण

1. प्रोटीनमेह के साथ जुड़े चिरकालिक एलोग्राफ्ट रोग में पोडोसायट एपिथेलियल मेसेंकायमल संक्रमण : क्लिनिको पैथोलॉजिकल सहसंबंध के साथ एक प्रतिरक्षाऊतकरसायन और इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी अध्ययन (पैथोलॉजी)।
2. जीवित संबंधित दाता गुर्दे के प्रत्यारोपण में प्रतिरक्षा जुड़े अणुओं की नैदानिक प्रासंगिकता (प्रत्यारोपण इम्यूनोलॉजी और इम्यूनोजेनेटिक्स)।
3. एम आई सी ए और एन के जी 2 डी आनुवंशिक की नैदानिक प्रासंगिकता तथा गुर्दे के प्रत्यारोपण में प्ररूपी विविधता (प्रत्यारोपण इम्यूनोलॉजी और इम्यूनोजेनेटिक्स)।
4. गुर्दे की दीर्घकालिक बीमारियों के साथ रोगियों में गैर मादक फैटी लीवर रोग और उपापचयी सिंड्रोम का अध्ययन (काय चिकित्सा)।
5. गुर्दे के प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में ट्रेकोलिमस फार्माकोकाइनेटिक्स तथा नैदानिक परिणामों पर सीवायपी3ए5 एवं एमडीआर1 आनुवंशिक बहुरूपता का प्रभाव (औषधि विज्ञान)।

प्रकाशन

जर्नल : 10 पुस्तकों में अध्याय : 3

रोगी देखभाल

सभी नेफ्रोलॉजी संबंधी रोगों के लिए सामान्य नेफ्रोलॉजी देखभाल प्रदान करने के अलावा विभाग गुर्दा प्रत्यारोपण इलाज की आधुनिकतम सुविधा, हीमोडायलिसिस, सी ए पी डी और गुर्दा प्रत्यारोपण अंतिम चरण के गुर्दा रोगियों को बहुत ही कम लागत पर प्रदान करता है। विभाग द्वारा आपसी प्रत्यारोपण और ए बी ओ के गैर अनुकूल गुर्दा प्रतिरोपण भी करता है। विभाग द्वारा निःशुल्क प्रतिरक्षी संदमन दवा निगरानी प्रदान की जाती है। हीमोडायलिसिस के दौरान मशीन के लिए अति शुद्ध पानी प्रदान किया जाता है ताकि रोगियों को पूरी तरह सुरक्षित हीमोडायलिसिस किया जा सके।

क्र. सं.	क्षेत्र	उप–शीर्षक	2014.15
1	एच डी से संबंधित	एचडी नए रोगियों	993
		आपातकालीन एच.डी. के रोगी	571
		कुल एच.डी.	9669
		प्लाजमफेरेसिस	198
		फेमोरल वेन कैथेराइजेशन	769
		कैथेराइजेशन	288
		ए वी शंट्स	1
		ए वी फिस्टुला	952
		फार्माकैथ इंसर्वेशन	13
2	आई सी यू से संबंधित	सी आर आर टी / एस एल ई डी	32
3	पेरिटोनियल डायलाइसिस	चिरकालिक पी डी	56
		सी ए पी डी	20
4	आंतरिक संबंधित	किडनी बायोप्सी	461
		लिवर बायोप्सी	12
		आंतरिक नियमित प्रवेश	1398
		आंतरिक लघु प्रवेश	412
		आंतरिक मौत / पुरुष	80ध्49
		नेफ्रोलॉजी परामर्श	4361
		अल्ट्रासाउंड	489
5	दिन देखभाल उपचार	पल्स मेथीलप्रीडनिसोलोन टी टी	63
		आई वी अयरन थेरेपी	134
		आई वी सायक्लोफोस्फेमाइड थेरेपी	46
6	गुर्दा प्रत्यारोपण	एल आर आर टी का मूल्यांकन	457
		केडेरवर ग्राही का मूल्यांकन	26
		जीवित आर टी दाता	139
		केडेवर आर टी दाता	5
7	गुर्दा प्रयोगशाला संबंधित	रक्त के नमूने	65979
		बायोकेमेस्ट्री (यूरिया, सी आर, एन ए, के)	65979
		मूत्र ओस्मोलेलिटी	354

		24 घण्टे यूरिन जांच	10691
		आर टी रोगियों के लिए हिमोग्राम	7223
		सीओ2	13426
		सिरम आयरन	8538
		टी आई बी सी	8515
		यू आई बी सी	8515
		टी सेचुरेशन	8515
		सिरम फेरिटिन	3833
		एन जी ए एल	186
		टी ए सी यकृत	2262
		वी आई टी – डी और पी टी एच	850
		मूत्र पी ओ 4	350
8	ओपीडी संबंधी	गुर्दा क्लिनिक के नए रोगी	7791
		गुर्दा क्लिनिक के पुराने रोगी	26652
		गुर्दा क्लिनिक के कुल रोगी	34443
		आर टी परामर्श क्लिनिक (3 दिन / सप्ताह)	1548
		आर टी के नए मामले	142
		आर टी के पुराने मामले	8914
		आर टी क्लिनिक के कुल रोगी	9056

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्त्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. संजय के अग्रवाल ने 2015 के बाद से नेफ्रोलॉजी रिसर्च जर्नल (आई एस एस एन 2,410–0,579) के संपादकीय बोर्ड के सदस्य है, पत्रिका ''नैदानिक प्रश्न : नेफ्रोलॉजी'' एल्सेवियर प्रकाशन, 2014 के बाद से मधुमेह और हृदय रोगों के मुफ्त जर्नल, और क्रोनिक किडनी रोग के लिए धारा संपादक। वे 2015 के बाद से मेडिकल साइंसेज के ग्लोबल एकेडमी की वैश्विक सलाहकार बोर्ड के स्थायी सदस्य हैं, मेडिवर्ल्ड इनोवेटिव हेल्थकेयर सॉल्यूशन के वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड के सदस्य, एशियन काउंसिल ऑफ साइंस एडिटर्स (ए सी एस ई) के सदस्य, भोपाल में क्रोनिक किडनी रोग के विकास पर भोपाल गैस के प्रभाव के अध्ययन के लिए विशेषज्ञ समूह के सदस्य, आवश्यक चिकित्सा संशोधन समिति की राष्ट्रीय सूची के लिए कोर कमेटी के सदस्य, 2014, उन्हें 2015 – 2017 के लिए अंग प्रत्यारोपण की भारतीय संस्था का सदस्य निर्वाचित किया गया और उन्हें 2015 – 2018 के लिए काउंसिल मेम्बर ऑफ इंडियन सोसायटी ऑफ नेफ्रोलॉजी निर्वाचित किया गया। उन्होंने निजाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस नेफ्रोलॉजी ओरेशन 2015 दिया। उन्हें इंटरनेशलन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी यूरोलॉजी का सलाहकार बनोन के लिए आमंत्रण दिया गया और ''हेल्थ एजुकेशन मेटिरियल फॉर क्लास 2 टू 10 : 7 अगस्त 2014 के लिए एन आई एच एफ डब्ल्यू, एम ओ एच एफ डब्ल्यू, भारत, नई दिल्ली द्वारा समीक्षक के रूप में कार्य करने का अनुरोध किया गया। वे भारत सरकार की नेशनल ऑर्गन एण्ड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन की वेबसाइट और रजिस्ट्री के मुख्य सलाहकार भी हैं।

डॉ. दीपंकर एम भौमिक को भौमिक इंडियन सोसायटी नेफ्रोलॉजी (एफ आई एस एन) के अध्येता है तथा 12.03.2015 को पी जी आई एम ई आर – आर एम एल अस्पताल में विश्व गुर्दा दिवस समारोह का आयोजन अध्यक्ष।

डॉ. एस. महाजन को राष्ट्रीय पीडी दिशानिर्देश समिति और भारतीय सीकेडी–एमबीडी दिशानिर्देश समिति के सदस्य है। उन्हें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा डी वाई पाटिल विद्यापीठ पुणे के योजना बोर्ड के लिए नामित किया गया है, मंत्रालय मानव संसाधन एवं विकास द्वारा गुजरात के केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रथम कोर्ट में सदस्य के रूप में नामित किया है। वे भारत की पेरिटोनियल डायलिसिस सोसायटी के उत्तर जोनल कार्यकारिणी में हैं, उन्हें एन आई एच / एन एच एल बी आई वित्त पोषित इस्केमिया – सी के डी परीक्षण के लिए न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के द्वारा भारत (नेफ्रोलॉजी) के लिए एक देश के नेतश्त्व करने वाले व्यक्ति के रूप में नियुक्त किया गया है।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. संजीव सेठी, प्रयोगशाला चिकित्सा और विकृति विज्ञान, मायो क्लिनिक, मिनेसोटा विभाग के प्रोफेसर, यूएसए यहां आए और 25 नवंबर 2014 को ''सी4डी एण्ड इट्स सिग्निफिकेंस इन प्रोलिफरेटिव ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस'' पर अतिथि व्याख्यान दिया।
2. डॉ. रूपा सिंह कार्डियोलॉजी विभाग, मायो क्लिनिक, मिनेसोटा के सहायक प्रोफेसर, 25 नवंबर 2014 को ''कंट्रास्ट नेफ्रोपैथी और इसके प्रबंधन'' पर यू एस ए का दौरा किया और अतिथि व्याख्यान दिया।
3. निम्नलिखित वैज्ञानिकों और विशिष्ट व्यक्तियों ने नेफ्रोलॉजी विभाग में घुलनशील यूरोकाइनेस प्लाज्मिनोजन एक्टिवेटर रिसेप्टर एस यू पी ए आर के साथ कार्य किया :
    - हेले फिस्कर, उपाध्यक्ष, बिक्री और विपणन, विरोगटेस एस / ए ब्लॉक्कन 45, डी के–3460 बाइकेरोड, डेनमार्क
    - जेस्पर यूजेन–ओल्सेन, मुख्य वैज्ञानिक अधिकारी और कार्यकारी निदेशक, विरोगटेस एस / ए ब्लॉक्कन 45, डी के–3460 बाइकेरोड, डेनमार्क

तीन अतिथियों द्वारा निम्नलिखित व्याख्यान द्वारा दिए गए थे :

- एसयूपीएआर और नैदानिक ट्राइएज
- मधुमेह में एसयूपीएआर
- गंभीर देखभाल और आपातकालीन काय चिकित्सा में एस यू पी ए आर ।

9.22 नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद

आचार्य और अध्यक्ष

एन. आर. जगन्नाथन

अपर आचार्य

रमा जयासुंदर — एस. सेंथिल कुमारन

सहायक आचार्य

उमा शर्मा — वीरेंद्र कुमार

वैज्ञानिक

सुजीत कुमार मेवाड़ — पवन कुमार

विशिष्टताएं

विभाग ने चिकित्सा एवं अनुसंधान गतिविधियों के लिए एक नवीनतम 3.0 टी एमआरआई प्रणाली की खरीद की और स्थापना की। प्रोफेसर जगन्नाथन को दि इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर मैग्नेटिक रिजोनेंस इन मेडिसिन (आईएसएमआरएम) की भारतीय शाखा के अध्यक्ष, दि मॉलिकुलर इमेजिंग सोसाइटी ऑफ इंडिया (एमआईएसआई) का उपाध्यक्ष और राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (एनएएसआई), इलाहाबाद का विदेश सचिव चुना गया।

शिक्षा

स्नातकोत्तर

विभाग के संकाय तथा वैज्ञानिकों ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के एम. बायोटेक कार्यक्रम में भाग लिया तथा ''संरचनात्मक जैव विज्ञान तथा एनएमआर प्रौद्योगिकी'' तथा ''आण्विक चिकित्सा'' विषयक पाठ्यक्रम पर व्याख्यान दिए। स्नातकोत्तर प्रशिक्षण कार्यक्रम, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग हेतु संकाय सदस्यों ने ''उच्च मानसिक कार्य : तकनीक (एफएमआरआई) प्रयोग और विधि विज्ञान'' विषय पर पाठ्यक्रम के सैद्धांतिक भाग तथा प्रदर्शन में हिस्सा लिया।

अल्पकालिक / दीर्घकालिक प्रशिक्षण

भारत के विभिन्न संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों से चिकित्सा एवं विज्ञान विधाओं से दस व्यक्तियों तथा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के बी एससी रेडियोग्राफी के छात्रों ने एमआरआई, एफएमआरआई और एमआरएस तकनीकों में प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

21–22 मार्च, 2015 के दौरान ''एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपिक इमेजिंग में अग्रिम पर कार्यशाला'' आयोजित की गई। अगस्त 2014 में एमआरआई सुरक्षा पहलुओं पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। संकाय सदस्यों ने समीक्ष्य वर्ष के दौरान क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा, संगोष्ठी, कार्यशालाओं तथा सम्मेलनों में भाग लिया तथा व्याख्यान दिए।

प्रदत्त व्याख्यान

एन. आर. जगन्नाथन : 17 — **रमा जयासुंदर : 9** — **एस. सेंथिल कुमारन : 2**

उमा शर्मा : 1 — **वीरेंद्र कुमार : 1**

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुतीकरण : 22

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों (एफआईएसटी) में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के बुनियादी ढांचे के सुधार के लिए निधि, एन. आर. जगन्नाथन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, (डीएसटी), 5 वर्ष, सितंबर 2014–सितंबर 2019, 147.00 लाख रुपए।
2. स्तन कैंसर और आण्विक मार्करों के साथ इसके संबंध के अध्ययन के लिए चुंबकीय अनुनाद (एमआर) मल्टी–पैरामेट्रिक दशष्टिकोण, एन. आर. जगन्नाथन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, (डीएसटी), 3 वर्ष, सितंबर 2013 से सितंबर 2016, 53.7 लाख रुपए।
3. इन विट्रो एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके सेलियाक रोग का चयापचय, उमा शर्मा, जैव प्रौद्योगिकी विभाग। (डीबीटी), 3 वर्ष, दिसंबर 2011–जून 2015, 33.63 लाख रुपए।
4. नेत्रहीनों के विषयों में कार्यात्मक और न्यूरोबायोलॉजिकल विश्लेषण, एस सेंथिल कुमारन, डीएसटी–संज्ञानात्मक विज्ञान पहल, 3 वर्ष, 2013–2015, 34.02 लाख रुपए।
5. नए मानकीकरण और गुणवत्ता आकलन पैरामीटर में सहायता करने के लिए एक आयुर्वेदिक नजरिए से औषधीय पौधों की स्पेक्ट्रोस्कोपी विश्लेषण, राम जयसुंदर, राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी), आयुष विभाग, 4 वर्ष, 2011–2015, 96,90,00 रुपए।
6. मानकीकरण और गुणवत्ता आकलन के लिए औषधीय पादपों के स्पेक्ट्रोस्कोपी विश्लेषण रमा जयसुंदर, राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी), आयुष विभाग, 3 वर्ष, 2014–2017, 48,96,000 रुपए।
7. चुने हुए औषधीय पौधों में एंटी एचआईवी संभाव्यता और फाइटो मेटलो बोलामिक्स का पात्रे आकलन, रमा जयसुंदर, आंतरिक अनुसंधान अनुदान, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2014–2015, 5,00,000 रु.।
8. आकारिकी, कार्यात्मक, बायोकेमिकल और व्यवहार के मूल्यांकन के बाद ईएमएफ विकिरण, एस सेंथिल कुमारन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), 3 वर्ष, 2015–2017, 49,50,000 रुपए।

पूर्ण

1. नए मानकीकरण और गुणवत्ता आकलन मानकों की सहायता के लिए एक आयुर्वेदिक नजरिए से चिकित्सीय पौधों का स्पेक्ट्रोस्कोपिक विश्लेषण, डॉ. रमा जयासुंदर, नेशनल मेडिसिनल प्लांट बोर्ड (एनएमपीबी), आयुष विभाग, 4 वर्ष, 2011–2015, (जनवरी 2015 में पूरा किया), 96,90,000 रुपए।
2. चुने हुए औषधीय पौधों में एंटी एचआईवी संभाव्यता और फाइटो मेटलो बोलामिक्स का पात्रे आकलन, रमा जयसुंदर, आंतरिक अनुसंधान अनुदान, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2014–2015, (मार्च 2015 में पूरा किया), 5,00,000 रु.।
3. एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी और प्रतिरक्षा ऊतक रसायनविज्ञान का उपयोग कर सेलियाक रोग में ग्रहणी एंटरोसाइट के मेटाबोनोमिक्स, एंजाइम गतिविधि, अवशोषण और स्रावी गतिविधि का सहसंबंध, उमा शर्मा, अ. भा. आ. सं., 1 वर्ष, नवंबर 2013 – नवंबर 2014, 4.5 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. स्तन कैंसर अध्ययन के लिए चुंबकीय अनुनाद (एमआर) बहु–पैरामीट्रिक दृष्टिकोण और आणविक मार्कर के साथ इसका सहसंबंध
2. एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी द्वारा सेलियाक रोग के मेटाबोनोमिक्स अध्ययन
3. प्रोस्टेट कैंसर के मूल्यांकन में विभिन्न चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग और स्पेक्ट्रोस्कोपी विधियों की भूमिका।
4. चयन आयुर्वेदिक सूत्रीकरण के स्पेक्ट्रोस्कोपी विश्लेषण और औषधीय मूल्यांकन।
5. चिकित्सीय पौधों का स्पेक्ट्रोस्कोपिक विश्लेषण
6. एक आयुर्वेदिक नजरिए से चुनिंदा औषधीय पौधों का स्पेक्ट्रोस्कोपी विश्लेषण।
7. कार्यात्मक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (एफएमआरआई) नेत्रहीन व्यक्तियों में धारणा और अर्थगत कार्यों के साथ संबद्ध तंत्रिका संज्ञानात्मक और दृश्य मार्ग परिवर्तन।
8. न्यूरो मनोवैज्ञानिक और द्विभाषी विकास डिस्लेक्सिया के न्यूरोबायोलॉजिकल आधार संज्ञानात्मक व्यवहार और कार्यात्मक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (एफएमआरआई) द्वारा पूर्व और बाद चिकित्सा अध्ययन।
9. चूहों में स्ट्रोक की प्रयोगात्मक मॉडल में लेरकानिडिपाइन और सिटालोप्रेम के तंत्रिका रक्षात्मक अध्ययन।

10. यूथेमिक रोगियों में बाइपोलर 1 विकार के साथ संज्ञानात्मक कार्यों की तंत्रिका रासायनिक संबद्धता।
11. स्वस्थ नवजात शिशुओं की मेटाबोलोमिक रूपरेखा
12. चूहों में स्ट्रोक की प्रयोगात्मक मॉडल में फ्यूमेरिक एसिड एस्टर (एफएई) का मूल्यांकन।
13. चूहों में क्षणिक फोकल मस्तिष्क आइस्केमिया के बीच सेरेबेरल धमनी रुकावट मॉडल में नैनो वाहक आधारित बेब्रेराइन क्लोराइड के तंत्रिका रक्षात्मक अध्ययन।
14. एचआईवी में सीएनएस भागीदारी में एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी की भूमिका।
15. एनएएफएलडी में एब्डोमिनल सबक्यूटेनियस एडिपोस टिशू की फैटी एसिड संरचना।
16. भारतीय जनसंख्या में नॉन – एल्कोहोलिक फैटी लीवर रोग (एनएएफएलडी) के रोगजनन का अध्ययन करना।

पूर्ण

1. एकाधिक काठिन्य (एमएस) के चूहे मॉडल पर एमआर अध्ययन
2. एमआर का उपयोग द्वारा शारीरिक संरचना विश्लेषण।
3. ''प्रीनेटल क्रॉनिक नॉइस'' से अवगत चिक (गैलास डोमेस्टिकस) के विकास में श्रवण प्रांतस्था एनालॉग की उत्तेजक और निरोधात्मक सिनेप्सेस का आण्विक अध्ययन।
4. कोमल ऊतक सार्कोमा के प्रबंधन में प्रोटॉन चुंबकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोस्कोपी की भूमिका।
5. गैर औषधीय उन्मादी बाध्यकारी विकार के रोगियों में चुंबकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोस्कोपी द्वारा मस्तिष्क तंत्रिका रसायन शास्त्र मूल्यांकन में असामान्यताएं और एसिटालोपराम उपचार के 12 सप्ताह के बाद परिवर्तन।
6. ऑब्सट्रेक्टिव स्लीप एपनिया में 3 टेस्ला में मस्तिष्क एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. तीव्र लिम्फोब्लासटिक ल्यूकेमिया का इलाज करवा रहे बच्चों में न्यूरोइमेजिंग और सेरेब्रल मेटाबोलाइट परिवर्तन : एक पायलट अध्ययन, बाल रोग, अ. भा. आ. सं.।
2. चूहों में स्ट्रोक की प्रयोगात्मक मॉडल में लेरकानिडिपाइन और सिटालोप्रम के तंत्रिका रक्षात्मक अध्ययन, औषध विज्ञान, अ. भा. आ. सं.।
3. यकृत ग्लायकोजेनेसिस टाइप 1 और 3 की आणविक और जैव रासानियक लाक्षणीकरण, बाल रोग, अ. भा. आ. सं.।
4. गैर औषधीय उन्मादी बाध्यकारी विकार के रोगियों में चुंबकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोस्कोपी द्वारा मस्तिष्क तंत्रिका रसायन शास्त्र मूल्यांकन में असामान्यताएं और एसिटालोपराम उपचार के 12 सप्ताह के बाद परिवर्तन। मनोरोग, अ. भा. आ. सं.।
5. बाइपोलर 1 विकार के साथ यूथेमिक रोगियों में संज्ञानात्मक कार्यों के तंत्रिका रासायनिक संबद्ध मनोरोग अ. भा. आ. सं.।
6. स्वस्थ नवजात शिशुओं की मेटाबोलोमिक रूपरेखा, बाल रोग, अ. भा. आ. सं.।
7. चूहों में स्ट्रोक की प्रयोगात्मक मॉडल में फ्यूमेरिक एसिड एस्टर (एफएई) का मूल्यांकन।
8. चूहों में क्षणिक फोकल मस्तिष्क आइस्केमिया के बीच सेरेबेरल धमनी रुकावट मॉडल में नैनो वाहक आधारित बेब्रेराइन क्लोराइड के तंत्रिका रक्षात्मक अध्ययन, औषध विज्ञान, अ. भा. आ. सं.।
9. चिकित्सीय पौधों का स्पेक्ट्रोस्कोपिक विश्लेषण, नेत्र औषध विज्ञान और फार्मेसी विभाग, अ. भा. आ. सं.।
10. चयन आयुर्वेदिक सूत्रीकरण के स्पेक्ट्रोस्कोपी विश्लेषण और औषधीय मूल्यांकन, नेत्र औषध विज्ञान और फार्मेसी विभाग, अ. भा. आ. सं.।
11. चुनिंदा औषधीय पौधों की एचआईवी रोधी क्षमता और एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपिक फाइटो चयापचय के इन विट्रो आकलन, जैव प्रौद्योगिकी विभाग।
12. शास्त्रीय आयुर्वेदिक सूत्रीकरण का वैज्ञानिक विश्लेषण : स्तनधारी कैंसर व्युत्पन्न कोशिका लाइनों और विवो में आनुवंशिक रूप से प्रेरित ड्रोसोफिला ट्यूमर के एक खोजपूर्ण अध्ययन, जीव विज्ञान और जैव अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), कानपुर।
13. यकृत और लिम्फ नोड कैंसर का पता लगाने के लिए एमआरआई बायोपॉलिमर सुपरपैरामैग्नेटिक नैनोपार्टिकल हाइब्रिड प्रणालियों का विकास, जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी केंद्र, आईआईटी, दिल्ली।

14. सीडियम गुआजवा की पत्तियों और उनके मौसमी कीमो परिवर्तनशीलता के एंटीडायरिहोल जलीय निष्कर्षण का एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी विश्लेषण, फाउंडेशन फॉर मेडिकल रिसर्च, मुंबई।
15. कार्यात्मक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (एफएमआरआई) का उपयोग कर क्रॉनिक इंट्राएक्टेबल एपिलेप्सी में संज्ञान और क्यूओएल अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
16. हेमिपेरेटिक मस्तिष्क पक्षाघात वाले बच्चों में संशोधित बाधा गतिविधि चिकित्सा प्रेरित तंत्र में अंतदर्शष्टि प्रदान करना – एक कार्यात्मक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग आधारित अध्ययन, बाल रोग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।
17. तीव्र लिम्फोब्लासटिक ल्यूकेमिया का इलाज करवा रहे बच्चों में न्यूरोइमेजिंग और सेरेब्रल मेटाबोलाइट परिवर्तन : एक पायलट अध्ययन, बाल रोग, अ. भा. आ. सं.।
18. प्रीक्लैम्पसिया में स्तन दूध के इन विट्रो एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी, भारतीय विद्यापीठ विश्वविद्यालय, पुणे।
19. रेटिनोब्लास्टोमा के मल्टीमॉडल इमेजिंग के लिए इंजीनियर बहु कार्यात्मक नैनो सामग्री, सस्त्र विश्वविद्यालय, तंजावुर।
20. मुंह के कैंसर के नैदानिक में प्लाज्मा के एनएमआर मेटाबोलोमिक्स अध्ययन, आईआईटी खड़गपुर।
21. डायबिटिक रेटिनोपैथी के नैदानिक में प्लाज्मा के एनएमआर मेटाबोलोमिक्स अध्ययन, आईआईटी खड़गपुर।
22. बैल की उर्वरता में प्लाज्मा, मूत्र और वीर्य के एनएमआर मेटाबोलोमिक्स अध्ययन, जीएडीवीएएसयू, लुधियाना, पंजाब।
23. बच्चों में क्रॉनिक लीवर रोग में कम से कम यकृत मस्तिष्क विकृति का प्रसार : मस्तिष्क चुंबकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोस्कोपी (एमआरएस) अध्ययन, एसजीपीजीआई, लखनऊ।

पूर्ण

1. अग्नाशय कैंसर में लक्षित डिलिवरी और इमेजिंग के लिए थेरानोस्टिक एजेंटों के रूप में नैनोकणों का बहु–कार्यात्मक। सस्त्र विश्वविद्यालय, तंजावुर।
2. ''प्रीनेटल क्रॉनिपक नॉइस'' से अवगत चिक (गैलास डोमेस्टिकस) के विकास में श्रवण प्रांतस्था एनालॉग की उत्तेजक और निरोधात्मक सिनापेसेस का आण्विक अध्ययन, शरीर रचना विभाग, अ. भा. आ. सं.।
3. कोमल ऊतक सार्कोमा के प्रबंधन में प्रोटॉन चुंबकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोस्कोपी की भूमिका, आई आर सी एच।
4. प्रीक्लैम्पसिया में स्तन दूध के इन विट्रो एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी, भारतीय विद्यापीठ विश्वविद्यालय, पुणे।
5. मानव मोनोसाइटिक सेल–लाइन (टीएचपी1) के चयापचय रूपरेखा पर डेक्सामेथेसोन का प्रभाव, जैव प्रौद्योगिकी, अ. भा. आ. सं.।
6. ट्यूबरकुलोसिस रोगियों के सीरम नमूनों के मेटाबोलिक रूपरेखा, कॉन्टेक्ट और नियंत्रण, जैव प्रौद्योगिकी, अ. भा. आ. सं.।
7. किशोर इन्हलैंट प्रयोक्ताओं में क्यू प्रेरित लालसा : एक कार्यात्मक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (एफएमआरआई) का अध्ययन, मनोरोग। अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 14 **सार : 2**

रोगी उपचार

विभाग में रोगी उपचार एवं अनुसंधान के लिए तीन होल बॉडी एमआरआई स्केनर्स (दो 1.5 टेसला तथा एक 3.0 टेसला) है। विभाग द्वारा रोगी उपचार एमआरआई सेवाओं को प्रतिदिन 12 घंटे से अधिक समय प्रदान किया जाता है। वर्ष के दौरान स्कैन किए गए रोगियों की संख्या थी :

क्लिनिकल डायग्नोस्टिक एमआरआई स्कैन	:	6281 रोगी
अनुसंधान	:	834 रोगी तथा व्यक्ति।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर एन. आर. जगन्नाथन को मॉलिकुलर इमेजिंग सोसायटी ऑफ इंडिया (एमआईएसआई) के उपाध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया गया था; राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (एनएएसआई), इलाहाबाद के विदेश सचिव रूप में चुने गए। उन्हें इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार ''स्वदेशी चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (आईएमआरआई) – एक राष्ट्रीय मिशन'' के

राष्ट्रीय संचालन समिति (एनएससी) का अध्यक्ष बनाया गया था; सदस्य, संज्ञानात्मक विज्ञान अनुसंधान पहल पर टास्क फोर्स (सीएसआरआई), विज्ञान और प्रौद्योगिकी (डीएसटी) विभाग, भारत सरकार; सदस्य, उच्च शिक्षण संस्थान (एफआईएसटी), में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी बुनियादी सुविधा के सुधार के लिए वित्त पोषित, पी जी कॉलेज, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (डी एस टी) विभाग, भारत सरकार; सदस्य, ''मनुष्यों पर जोखिम स्थैतिक चुंबकीय क्षेत्रों और बेहद कम आवश्त्ति (ईएलएफ) चुंबकीय क्षेत्र के लिए सुरक्षा दिशा–निर्देशों'' पर समिति। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; सदस्य, कार्यकारी समूह पर मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स एंड हेल्थ इनफॉर्मेशन, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार। उन्हें जैव चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रतिष्ठित डॉ. कुंती व ओम प्रकाश ओरेशन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आई सी एम आर), भारत सरकार। उन्होंने 2012–13 में बेस्ट पेपर प्रकाशित करने के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान उत्कृष्टता पुरस्कार (2 पुरस्कार) प्राप्त किया। एशियाई बायोफिज़िक्स एसोसिएशन (एबीए) के पूर्व अध्यक्ष; प्रथम भारतीय प्रायोगिक परमाणु चुंबकीय अनुनाद सम्मेलन (ईएनसी), एसिलोमर, कैलिफोर्निया, संयुक्त राज्य अमरीका में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया; सदस्य, कार्यक्रम समिति, 2014 वर्ल्ड मॉलिकुलर इमेजिंग कांग्रेस (डब्ल्यूएमआईसी), सियोल, दक्षिण कोरिया; उपाध्यक्ष, मॉलिक्युलर इमेजिंग सोसायटी ऑफ इंडिया (एमआईएसआई); युवा अन्वेषक पुरस्कार (वाईआईए) समिति के सदस्य, चिकित्सा में अंतरराष्ट्रीय चुंबकीय अनुनाद सोसायटी (आईएसएमआरएम), संयुक्त राज्य अमेरिका; अनुसंधान और वैज्ञानिक उत्कृष्टता विश्वविद्यालय (पीयूआरएसई) कार्यक्रम को बढ़ावा देने के तहत मैसूर विश्वविद्यालय और बेंगलूर विश्वविद्यालय की निरीक्षण समिति के सदस्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार; 'जे के एक ''गणमान्य समीक्षक" के रूप में घोषित किया। चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग' (विले)। जगन्नाथन निम्न अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड के सदस्य रहे : (क) ''एमएजीएमए'' (भौतिकी में चुंबकीय अनुनाद सामग्री, जीव विज्ञान और चिकित्सा), (स्प्रिंगर); (ख) ''चुंबकीय अनुनाद अंतदर्शष्टि'' (लिबर्टस अकेडमिक, संयुक्त राज्य अमरीका); (ग)''न्यूरोसाइंस इमेजिंग'' के उप संपादक; (घ) ''एनएमआर बायोमेडिसिन (जॉन विले एंड संस); (ङ) ''चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग'' (एल्सवियर); (च) ''बायोमेडिकल स्पेक्ट्रोस्कोपी एंड इमेजिंग'' (आईओसी प्रेस, नीदरलैंड); (छ) ''जैवभौतिक समीक्षा'' (स्प्रिंगर)। चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग की पत्रिका के गणमान्य समीक्षक (विले इंटरनेशनल), 2012। वह प्योर एंड एप्लाइड बायोफिज़िक्स अंतरराष्ट्रीय संघ के कार्यकारी परिषद के निर्वाचित सदस्य है (आईयूपीएबी) (2008–2014)। वह एशियाई बायोफिज़िक्स एसोसिएशन (एबीए) की संचालन समिति के एक सदस्य हैं; जैविक प्रणालियों में चुंबकीय अनुनाद पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन परिषद के सदस्य (आईसीएमआरबीएस), संयुक्त राज्य अमेरिका; कार्यक्रम सलाहकार समिति के सदस्य, जैव रसायन अनुभाग, जीव भौतिकी और आण्विक जीवविज्ञान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार; विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अत्याधुनिक उपकरण सुविधा संचालन समिति के सदस्य, भारत सरकार; विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के पीयूआरएसई समिति के सदस्य, भारत सरकार; जीवन विज्ञान अनुसंधान बोर्ड, डीआरडीओ ''जैव चिकित्सा उपकरण एवं जैव अभियांत्रिकी'' पर विशेषज्ञ पैनल के समन्वयक; प्योर एंड एप्लाइड बायोफिज़िक्स अंतरराष्ट्रीय संघ आईएनएसए समिति के सदस्य (आईयूपीएबी); अत्याधुनिक उपकरण सुविधा प्रबंधन सलाहकार समिति के सदस्य, सीडीआरआई, लखनऊ; अत्याधुनिक उपकरण सुविधा प्रबंधन सलाहकार समिति के सदस्य, भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर; सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार समिति, जैव विज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकी समूह, आईआईटी इंदौर; सदस्य, अनुसंधान परिषद (आरसी) इंस्टीट्यूट फॉर न्यूक्लियर मेडिसिन एंड एलाइड साइंसेज, इनमास डीआरडीओ; सदस्य, विज्ञान सलाहकार परिषद, राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र (एनबीआरसी), मानेसर, हरियाणा। वह इंडियन बायोफिजिकल सोसायटी (आईबीएस) के पूर्व अध्यक्ष है। वह भारतीय विज्ञान अकादमी (एफएएस), बंगलौर के फैलो हैं; नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज के फेलो (एफएनएएस), इलाहाबाद; राष्ट्रीय विज्ञान चिकित्सा अकादमी के फैलो (एफएएमएस), दिल्ली; चिकित्सा में अंतरराष्ट्रीय चुंबकीय अनुनाद सोसायटी के फैलो (आईएसएमआरएम), संयुक्त राज्य अमेरिका और (एफएनए) भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए) के फेलो।

डॉ रामा जयसुंदर को जीवन विज्ञान, मानकीकरण और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के संस्थानों में आधुनिक शैक्षिक आंतरिक विषयात्मक पाठ्यक्रम में इसके एकीकरण पर समग्र परिप्रेक्ष्य में वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर विमर्श बैठक में भाग लेने के लिए विशेष आमंत्रित के रूप में मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आमंत्रित किया गया; इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर मैग्नेटिक रेजोनेंस, यूएसए द्वारा ई. के. जैवोस्की वजीफा, 2014 प्रदान किया गया; आयुष विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के 6वें विश्व आयुर्वेद सम्मेलन के अवसर पर दो व्याख्यान देने के लिए मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ एस. एस. कुमारन (1) कंट्रास्ट मीडिया और आण्विक इमेजिंग, (2) पार्किंसंस रोग जर्नल, (3) मेडिकल फिजिक्स जर्नल, (4) बायोसाइंसेज जर्नल, पत्रिकाओं के समीक्षक थे। वित्त पोषण एजेंसियों के परियोजनाओं के समीक्षक : 1) विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), (2) वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), (3) भारत–अमेरिका विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी फोरम (आईयूएसएसटीएफ)।

डॉ. उमा शर्मा को ''सिमिलरेटी इन दि मेटाबोलिक प्रोफाइल इन माइक्रोस्कोपिकली इंवॉल्वड एंड अन इंवॉल्वड केलोनिक म्यूकोसा इन पेशेंट्स

विद इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज : एस इन विट्रो प्रोटीन ('एच) एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी स्टडी'' शोध पत्र पर डॉ. आर. एम. कास्लीवाल अवार्ड प्रदान किया गया; उन्होंने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ऋषिकेश में 19 अक्तूबर 2014 को राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान आकदमी के 54वें वार्षिक सम्मेलन में एनएएमएससीओएन 2014 के अवसर पर व्याख्यान दिया; वे अंतरराष्ट्रीय विले जर्नल्स, एनएमआर बायोमेडिसिन और जे मैगन. रिजन इमेजिंग के समीक्षक रहे इंडियन बायोफिजिक्स सोसाइटी में कार्यकारी काउंसिल सदस्य चुनी गईं।

डॉ वीरेन्द्र कुमार पीएलओएस पीएलओएस वन, सीए, यूएसए के समीक्षक थे।

9.23 नाभिकीय चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

सी. एस. बाल

आचार्य

राकेश कुमार

अपर आचार्य

चेतन डी पटेल (हृ. तं. कें.)

सहायक आचार्य

माधवी त्रिपाठी	अनिल के. पाण्डे (चिकित्सा भौतिकी)
निशिकांत ए. दम्ले	शमीम ए. शमीम

विशिष्टताएं

नाभिकीय चिकित्सा विभाग में 2 पीईटी /सीटी स्केनर, 3 एसपीईसीटी / सीटी, 2 सिंगल हैड और एक डुएल हैड गामा कैमरा, वैल काउण्टर के साथ एक अपटेक प्रोब और सुसज्जित रेडियो फारमेसी प्रयोगशाला है। विभाग द्वारा रेडियो न्यूक्लाइड उपचार के लिए दैनिक ओपीडी भी आरंभ की गई है। विभाग में आज देश का सबसे बड़ा रेडियो न्यूक्लाइड उपचार केन्द्र है और यह इस क्षेत्र में जर्मनी /इटली जैसे यूरोपीय देशों के साथ प्रतियोगिता करता है। विभाग द्वारा प्रोस्टेट कैंसर के लिए 177 एलयू पीएसएमए जैसी नई उपचार प्रक्रियाएं आरंभ की गईं हैं। विभाग द्वारा पिछली 3–4 माह की प्रतीक्षा अवधि से जांचों की प्रतीक्षा अवधि घटाने के लिए प्रक्रिया में अनेक सुधार किए गए हैं। परिणाम स्वरूप कुछ जांचों के लिए कोई प्रतीक्षा अवधि नहीं हैं, अधिकांश जांचें 2–3 दिनों के अनुरोध पर की जाती हैं और एमडीपी हड्डी के स्कैन और पीईटी स्कैन अनुरोध के 15 दिनों के अंदर किए जाते हैं। विभाग द्वारा 24 घंटों के अंदर की गई जांचों की टाइप की गई रिपोर्ट भी प्रदान की जाती है। इन बदलावों से स्कैन करने की संख्या बहुत अधिक बढ़ गई है : इस समय विभाग द्वारा प्रति दिन 30–40 पीईटी/सीटी स्कैन प्रति दिन किए जाते हैं तथा 6–7 ट्रेसर आधारित पीईटी स्कैन (पीएसएमए, पीईटी, कोलीन पीईटी, बिस्फॉस्फोनेट पीईटी), अन्य केन्द्रों के अलग है, जहां केवल एफडीजी पीईटी स्कैन किए जाते हैं। नाभिकीय कार्डियोलॉजी इकाई द्वारा मायोकार्डियन पर फ्यूजन अध्ययन, रेडियो न्यूक्लाइड वैंट्रीकुलोग्राफी, कार्डियक पीईटी इमेजिंग के साथ् एन–13 एनएच 3 पर फ्यूजन और एफ–18 एफडीजी ग्लूकोस मेटाबोलिक अध्ययन किए जाते हैं। ये सभी जांचें और रेडियो न्यूक्लाइड उपचार प्रक्रियाएं बहुत कम प्रभार पर की जाती हैं।

शिक्षा

वर्तमान में विभाग में 16 एमडी के छात्र, 8 एम.एससी के छात्र और पीएच. डी के 4 छात्र सक्रिय रूप से दैनिक शैक्षणिक गतिविधियों के साथ ही शोध कार्य में शामिल हैं।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा में प्रदत्त व्याख्यान, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

सी. एस. बाल : 7	**राजेश कुमार : 6**	**चेतन डी. पटेल : 3**
अनिल के. पाण्डे : 1	**माधवी त्रिपाठी : 4**	**निशिकांत ए. दाम्ले : 1**

प्रस्तुत मौखिक शोध पत्र और पोस्टर : 33

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. बी कोशिका गैर – हॉगकिंस लिंफोमा रोगियों के निदान के लिए 68 जीए– लेबल रिटुक्सीमैब को विकसित करना, सी. एस. बाल, आईएईए, वियना, 6 वर्ष, 2010–15, 26 लाख रुपए।

2. बाल चिकित्सा लिंफोमा में जल्दी प्रतिक्रिया मूल्यांकन के लिए 18एफ – एफडीजी पीईटी / सीटी व्याख्या मापदंड का मानकीकरण, सी. एस. बाल, आईएईए, वियना, 3 वर्ष, 2014–17, 13 लाख रुपए।
3. प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों के मूल्यांकन में पीईटी/सीटी पीएसए लेबल गैलियम, सी. एस. बाल, अ. भा. आ. सं., आंतरिक, 2 वर्ष, 2014–2016, 4 लाख रुपए।
4. कार्डियक रिसाइंक्रोनाइजेशन चिकित्सा के लिए प्रस्तुत हश्दय विफलता के रोगियों के प्रबंधन में गेटेड एसपीईसीटी मायोकार्डियल परफ्यूजन इमेजिंग (एमपीआई) द्वारा इंट्रावेंट्रीकुलर सिंक्रोनाइज्म आकलन का मूल्य। चेतन डी, पटेल, आईएईए, वियना, 3 वर्ष, 2013–16, 5 लाख रुपए।
5. अल्जीमर टाइप डेमेंशिया (एडी) के लिए प्रगति माइल्ड कॉगनाइटिव इम्पेर्यमेंट (एमसीआई) के साथ लोगों में एफ–18 फ्लोरोडिऑक्सीग्लोकोज पोजीट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी (एफडीजी – पीईटी) पर नींद वास्तुकला में परिवर्तन, मेलाटोनिन का स्तर और चयापचय असामान्यताओं का अध्ययन, माधवी त्रिपाठी, डीएसटी, 3 वर्ष, 2013–16, 54 लाख रुपए।
6. गामा – एच 2 एएक्स आमापन का उपयोग कर नैदानिक पीईटी / सीटी स्कैन से गुजरने वाले रोगियों में जीवविज्ञान डोसिमेटरी, अनिल कुमार पाण्डे, अ. भा. आ. सं., 2 वर्ष, 2013–15, 5 लाख रु.

पूर्ण

1. स्तन, सिर और गर्दन के कैंसर में सेंटीनेल लिम्फ नोड डिटेक्शन के उपयोग, सी. एस. बाल, आईएईए, वियना, 6 वर्ष, 2009–2014, 25 लाख रुपए।
2. यूनिवर्सल साल्ट आयोडाइजेशन के एरा में उद्ग्रहण मूल्य के सामान्य संदर्भ श्रश्ंखला की पुनः स्थापना, सी. एस. बाल, अ. भा. आ. सं. आंतरिक, 2 वर्ष, 2011–2013, 8 लाख रुपए।
3. स्थानीय उन्नत वक्ष कैंसर के रोगियों में नियो – एडजुवेंट कीमोथेरेपी पीईटी – सीटी एवं सीडी 34 के सह संबंध तथा वी. ई. जी. एफ. उद्भासन के प्रयोग द्वारा नियो एडजुवेंट कीमोथेरेपी की उपचार प्रतिक्रिया का शीघ्र मूल्यांकन। राकेश कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2010–2013, 25 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. एसआईएमआईएनडी मोंटे कार्लो कोड और इसके नैदानिक सत्यापन का उपयोग कर मायोकार्डियल परफ्यूजन इमेजिंग पर अवर वॉल डिफेक्ट्स की विशेषता।
2. उच्च जोखिम प्रोस्टेट कैंसर के स्टेजिंग के लिए पारंपरिक इमेजिंग तौर तरीकों के साथ ^{68}जीए–पीएसएमए पीईटी/ सीटी की तुलना।
3. तनाव एडेनोसाइन टीसी99एम एमआईबीआई द्वारा मायोकार्डियल परफ्यूज़न असामान्यताओं की तुलना का पता लगाना।
4. विभेदित थायरॉइड कैंसर के दौर से गुजर रहे बच्चे और युवा वयस्कों में रेडियोआयोडीन (^{131}आई–एनए) चिकित्सा से डोसिमेट्रिक अध्ययन।
5. पीईटी/सीटी द्वारा गैर–छोटे सेल फेफड़ों के कैंसर (एनएसएलसी) में कीमोथैरेपी के उपचार की प्रतिक्रिया के प्रारंभिक मूल्यांकन।
6. पीईटी पर लीवर सेगमेंटेशन / फजी सी का उपयोग सीटी छवियों का अर्थ है क्लस्टरिंग
7. आर्टीरियल स्विच ऑपरेशन के बाद रोगियों की जांच के लिए एडेनोसाइन तनाव इकोकार्डियोग्राफी पर मायोकार्डियल परफ्यूजन एसपीईसीटी और कोरोनरी फ्लो रिजर्व।
8. हार्ट फेलियर वाले रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और कार्यात्मक स्थिति के साथ तुलना में टीसी–99एम – एमआईबीआई मायोकार्डियल परफ्यूजन एसपीईसीटी पर मूल्यांकन बाएं वेंटीकुलर डायसिंक्रोनी, मायोकार्डियल परफ्यूजन असामान्यताएं और सिस्टोलिक कार्य के बीच संबंध।
9. पीईटी /सीटी प्राथमिक पैराथायरॉइड के साथ रोगियों में हाइपरफंक्शनिंग पैराथायरॉइड ऊतक के स्थानीयकरण में ^{11}सी–मेथियोनिन की भूमिका।

10. पीईटी /सीटी प्राथमिक पैराथायरॉइड के साथ रोगियों में हाइपरफंक्शनिंग पैराथायरॉइड ऊतक के स्थानीयकरण में 18 एफ –फ्लोरोकोलाइन की भूमिका।
11. क्रोनिक घुटने गठिया के रोगियों में रेडियोसाइनोवेक्टॉमी एलयू–177 की भूमिका।
12. स्थानीय रूप से उन्नत कैंसर में नियो – एडजुवेंट कीमो / हार्मोनल थैरेपी के आकलन की प्रतिक्रिया में पीईटी/सीटी एफ–18 एफडीजी का उपयोग बनावट विश्लेषण की भूमिका।
13. पाइरेक्सिया की अज्ञात मूल (पीयूओ) के मूल्यांकन में टीसी–99एम डब्ल्यूबीसी लेबल।
14. टीसी99 एम – एमआईबीआई मायोकार्डियल परफ्यूजन इमेजिंग पर इसेन्मेन्गेर सिंड्रोम में दाएं निलय में परफ्यूजन दोष का पता लगाना।

पूर्ण

टीसी – 99एम एमआईबीआई मायोकार्डियल परफ्यूजन इमेजिंग का उपयोग कार्डियक रिसिंक्रोनाजेशन चिकित्सा से गुजर रहे नॉन – इस्चीमल डिलेटेड कार्डियोमायोपैथी के साथ रोगियों में हृदय डायसिंक्रोमी का आकलन : रेडियोन्यूक्लाइड वेंट्रीकुलोग्राफी के साथ तुलना। संक्रामक अंतर्हृद्शोथ के निदान में एफ–18 एफडीजी की व्यवहार्यता। आई–131 एमआईबीजी के इमेज अधिग्रहण का अधिक उपयोग और पुनर्निर्माण मापदंड। जुड़े हुए पीईटी / सीटी की नैदानिक गुणवत्ता से समझौता किए बिना बाल चिकित्सा आबादी के लिए कुल विकिरण खुराक कम करने के लिए पीईटी / सीटी प्रोटोकॉल का उपयोग। एसआईएमआईएनडी मोंटे कार्लो सिमुलेशन सॉफ्टवेयर एसपीईसीटी / सीटी का उपयोग

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. कोरोनरी घटनाओं के जोखिम मध्वर्ती में (कार्डियोलॉजी) रोगियों के आकलन में एसपीईसीटी–एमपीआई और कोरोनरी सीटी एंजियोग्राफी की भूमिका।
2. रोधगलितांश संबंधित धमनी (कोट परीक्षण) (कार्डियोलॉजी, स्टेम सेल सुविधा) के देर से खुलने के बाद स्टेम सेल की भूमिका।
3. चिकित्सा और आक्रामक दृष्टिकोण (इश्चेमिया परीक्षण) (कार्डियोलॉजी) के साथ तुलनात्मक स्वास्थ्य प्रभावशीलता का अंतरराष्ट्रीय अध्ययन।
4. प्राथमिक एंजियोप्लास्टी (कार्डियोलॉजी) के दौरान फ्रैक्शनल फ्लो रिजर्व निर्देशित स्टेंटिंग के साथ थ्रंबस आकांक्षा मैनुअल।
5. इश्चेमिया स्ट्रोक और टीआईए (न्यूरोलॉजी, कार्डियोलॉजी) से पीड़ित रोगियों में स्पर्शोन्मुख कोरोनरी धमनी और रोग लक्षण के प्रसार। टैकनेटियम –99 एम–हैक्सामैथलीन प्रोपिलीन एमीन ऑक्सीन (टीसी 99 एमएचएमपीएओ) के साथ स्टेम कोशिकाओं की लेबलिंग और इंट्राकोरोनरी इंजेक्शन मायो कार्डियम में स्टेम कोशिका की होमिंग का पता लगाना। (कार्डियोलॉजी, स्टेम कोशिका सुविधा)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 101 **पुस्तक में अध्याय : 5**

रोगी उपचार

रेडियोन्यूक्लाइड जांच

जांच	संख्या	जांच	संख्य
थाइरॉइड स्कैन	381	एमआईबीजी स्कैन (चिकित्सीय)	10
डब्ल्यू बी स्कैनिंग (डायग्नोसिस)	831	पीईटी / सीटी स्कैन (एफडीजी)	5429
डब्ल्यू बी स्कैनिंग (थैरेपी)	715	18 एफ फ्लोराइड	15
बोन स्कैन	2860	पीईटी / सीटी स्कैन (एनएच$_4$)$^+$	24
रिनल डायनेमिक स्कैन	3448	जीए^{68} डीओटीए एनओसी	527
रिनल कॉर्टिकल स्कैन	1093	एसपीईसीटी/सीटी (आई–131)	76
डीआरसीजी	218	एसपीईसीटी/सीटी (आई–131 एमआईबीजी)	33
एचआईडीए स्कैन	325	एसपीईसीटी / सीटी	157

जीईटी (गैस्ट्रिक खाली होने का समय)	72	मैकेल्स स्कैन	41
जी. आई. ब्लीड	19	99 एम टीसी–टीआरओडीएटी स्कैन	207
गैस्ट्रोइसोफेजियल रीफ्लक्स	467	मेथियोनिन स्कैन	33
ब्रेन एसपीईसीटी	467	एलयू–177 डीओटीएटीएटीई	45
99 एम टीसी पैराथाइरॉयड स्कैन	112	मायोकार्डियल परफ्यूजन इंफेक्शन	1483
लिम्फोसिंटीग्राफी	117	एमयूजीए	808
सेंटाइनल लिम्फ नोड	55	कार्डियक पीईटी	45
एमआईबीजी स्कैन (डायग्नोस्टिक)	264	विविध और वी/क्यू	50

रेडियोन्यूक्लाइड थेरैपी

^{131} आई– सीए थाइरॉइड	638	^{131} आई–हाइपरथाइरॉइडिज्म	321
177एलयू–ईडीटीएमपी बोन पैन पेलिएशन	8	177एलयू–डीओटीएटीएटीई पीआरआरटी	57
177एलयू–पीएसएमए	5	188– रि–रेडियोसाइनेवेक्टोमी	32

पुरस्कार

डॉ. माधवी त्रिपाठी को एशियाई न्यूक्लियर मेडिसिन बोर्ड 2014 की अध्येतावृत्ति से सम्मानित किया गया।

9.24 प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

अल्का कृपलानी

आचार्य

सुनेश कुमार	दीपिका डेका	नीरजा भाटला
के. के. रॉय	नीना मल्होत्रा	वत्सला डढ़वाल
	नूतन अग्रवाल	

अपर आचार्य

जे. बी. शर्मा	नीता सिंह

सहायक आचार्य

अपर्णा शर्मा	गरिमा कछावा	रीता माही
पी. वनामेल	विदुषी कुलश्रेष्ठ	सीमा सिंघल
राजेश कुमारी		ज्योति मीणा

वैज्ञानिक

रोहिणी सहगल (चिकित्सा)	अबानीश चंद्रा तिवारी

विशिष्टताएं

प्रसूति एवं स्त्रीरोगविज्ञान विभाग वर्ष 2001 से स्नातकोत्तर प्रशिक्षण के लिए मासिक बैठकों का आयोजन करता है। इस प्रशिक्षण घटक में क्लीनिकल एवं सर्जिकल कौशल, प्रस्तुतीकरण एवं परिचर्चा सम्मिलित है। अंतरराष्ट्रीय संकाय के साथ ही दिल्ली के विभिन्न शैक्षिक तथा शिक्षण संस्थानों से आमंत्रित संकाय स्नातकोत्तरों के प्रशिक्षण हेतु योगदान देते हैं।

- गायनी इण्डोक्राइन सोसायटी ऑफ इंडिया के तहत 25–27 अप्रैल 2014 के दौरान फोर्थ नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ गायनी इण्डोक्रिनोलॉजी का आयोजन किया गया था।
- दिनांक 23–25 मई 2014 के दौरान गायनीकोलॉजिकल इण्डोक्राइन सोसायटी ऑफ इंडिया (जीईएसआई) के तत्वावधान में इंटरनेशनल फर्टिलिटी सेंटर एण्ड प्रसूति एवं स्त्रीरोग विभाग द्वारा रिप्रोडक्शन, फर्टिलिटी एण्ड सेरोगेसी पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। दोनों ही सम्मेलनों में 1000 से अधिक प्रतिनिधि एवं लगभग 400 लेख प्रस्तुत किए गए थे।

अस्पताल के आस–पास तथा क्षेत्र अभ्यास क्षेत्रों में आरसीएच का पैकेज एवं परिवार कल्याण सेवाओं को प्रदान करके परिवार कल्याण कार्यक्रम हेतु पोस्ट पार्टम प्रोग्राम (पीपीपी) एक अनिवार्य केन्द्र अस्पताल आधारित पद्धति है। यह एक एकीकृत बहुअनुशासनिक अभ्यास के रूप में संचालित हो रहा है। जहां प्रसूति एवं स्त्रीरोग विभाग अन्य विभागों जैसे बाल चिकित्सा, समुदायिक चिकित्सा, शल्यचिकित्सा एवं संवेदनाहरणविज्ञान विभागों के साथ समन्वित करते हैं।

शिक्षा

स्नातक पूर्व, स्नातकोत्तर, पराचिकित्सा

दिल्ली पोस्ट ग्रजुएट मेडीकल एजुकेशन फोरम (प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान) वर्ष 2001 से स्नातकोत्तर प्रशिक्षण हेतु मासिक बैठकों का आयोजन

करता हैं। यह क्लीकल एवं सर्जिकल कौशल, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान हेतु समस्या प्रवश्त्त दश्ष्टिकोण, प्रोटोकॉल एवं दिशा–निर्देश, केस प्रस्तुतीकरण एवं परिचर्चा में स्नातकोत्तरों के प्रशिक्षण में वश्द्धि करता है। अंतरराष्ट्रीय संकाय के साथ–साथ दिल्ली के विभिन्न शैक्षिक एवं शिक्षण संस्थान के आमंत्रित संकायों ने स्नातकोत्तरों के प्रशिक्षण में योगदान दिया।

अल्पावधि प्रशिक्षण

विभाग विभिन्न अति विशिष्ट विषयों में अल्पावधि प्रशिक्षण प्रदान करता है जैसे : 'गायनी इण्डोस्कोपिक सर्जरी', 'उच्च जोखिम गर्भावस्था', 'स्त्रीरोग अर्बुदविज्ञान', 'अल्ट्रोसोनोग्राफी' एवं 'प्रसवन अशक्ति'। डॉक्टरों को विभिन्न विषयों में प्रशिक्षित किया गया। इन अति विशिष्ट विषयों में इस वर्ष कुल 16 छात्रों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

विभाग द्वारा सीएमई/ कार्यशालाओं/ संगोष्ठी/ राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन किया गया।

1. एओजीडी के तत्वावधान में गायनी इंडोक्राइन सोसायटी ऑफ इंडिया तथा प्रसूति एवं स्त्रीरोग विभाग, एम्स द्वारा आयोजित पथ नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ गायनी इंडोक्राइनोलॉजी (जीईएसआईसीओएन) 2014, 25.04.2014 से 27.04.2014, नई दिल्ली।
2. रजोनिवृत्ति एवं इसका उपचार पर एम्स में 25 अप्रैल 2014 को कार्यशाला 25.04.2014, एम्स।
3. यूएसए के संकाय के सहयोग के साथ 25 अप्रैल 2014 को एम्स में स्थूलता पर कार्यशाला संचालित, 25.04.2014, एम्स।
4. गायनीकोलॉजी इण्डोक्राइन सोसायटी ऑफ इंडिया (जीईएसआई) के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय फर्टिलिटी सेंटर एण्ड प्रसूति एवं स्त्रीरोग विभाग द्वारा आयोजित रिप्रोडक्शन, फर्टीलिटी एण्ड सेरोगेसी पर अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस, 23.05.2014 से 25.05.2014, एम्स, नई दिल्ली।
5. जीईएसआई (गायनी इण्डोक्राइन सोसायटी ऑफ इंडिया) के सहयोग के साथ आईएजीई एवं प्रसूति एवं स्त्री विभाग द्वारा आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ गायनीकॉलॉजिकल इण्डोस्कॉपिस्ट्स का वार्षिक सम्मेलन, 29.08.2014 से 31.08.2014, नई दिल्ली।
6. प्रसूति एवं स्त्री. विभाग, एम्स द्वारा आयोजित एमएएस में आपरेटिव इण्डोस्कॉपी इन इंफर्टिलिटी 22वां डब्ल्यू एचआई प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, 5.01.2015, नई दिल्ली।
7. प्रसूति एवं स्त्री. विभाग, एम्स द्वारा आयोजित एमएएस में एवोल्यूशन इन टीएलएच 22वां डब्ल्यू एचआई ट्रैनिंग कोर्स, 08.01.2015, नई दिल्ली।
8. यूरोगायनी कमेटी ऑफ एओजीडी, यूरोगायनी कमेटी ऑफ एफओजीएसआई, डीजीईएस के तत्वावधान में प्रसूति एवं स्त्री विभाग द्वारा आयोजित यूरोगायनीकॉलॉजी कार्यशाला, 14.03.2015, नई दिल्ली।

व्याख्यान प्रदत्त

अल्का कृपलानी : 54	**सुनेश कुमार : 4**	**दीपिका डेका : 19**
नीरजा भाटला : 30	**कालोल कुमार रॉय : 11**	**नीना मल्होत्रा : 15**
वत्सला डढ़वाल : 6	**जे बी शर्मा : 16**	**नीता सिंह : 3**
अपर्णा शर्मा : 13	**गरिमा कछावा : 9**	**रीता माही : 5**
विदुषी कुलश्रेष्ठ : 2	**सीमा सिंघल : 1**	**राजेश कुमारी : 2**

प्रस्तुत किए गए मौखिक लेख/पोस्टर : 76 **2 को श्रेष्ठ लेख प्रस्तुतीकरण से सम्मानित किया गया।**

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. भ्रूण जीवन से बाल्यावस्था तक वृद्धि मानकों के विकास के लिए डब्ल्यूएचओ– अ. भा. आ. सं. अध्ययन : भ्रूण घटक, अल्का कृपलानी, डब्ल्यूएचओ, 3 वर्ष, 2013–2015, रू. 23,67,300/–
2. भारत में एक नए गर्भनिरोधक विकल्प के रूप में प्रोजेस्टिरोन वेजाइनल रिंग का विकास (आई–724) अल्का कृपलानी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2012–2015, रू. 8,11.946/–
3. ग्रीवा की पूर्व–दुर्दमता एवं शीघ्र दुर्दमता विक्षतियों का पता लगाने के लिए एक उपकरण के रूप में मैग्नीविजुलाइजर का उपयोग, अल्का

कृपलानी, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2015–2016, शून्य (प्रदान किए गए उपकरण)

4. एम्नियोटिक तरल एवं वार्टन जेली से उत्पन्न मेसेंकाइमल स्टेम कोशिकाओं का अलगाव एवं लक्षण – वर्णन, दीपिका डेका, अ. भा. आ. सं. 1 वर्ष, 2014–2015, 5 लाख रूपए।

5. ऑक्सीडेटिव तनाव मार्कर्स एवं प्रोइंफ्लैमेटरी मार्कर्स पर कोएंजाइम क्यू10 की भूमिका का अध्ययन करना एवं एंटी–फेस्फोलाइपिड मीडिएटिड/आइडियोपैथिक रीकरंट मिस्कैरेज पर इसकी जटिलताएं, अर्पणा शर्मा, अ. भा. आ. सं. 1 वर्ष, 2014–2015, 5 लाख रूपए।

6. एशियाई – भारतीय रोगियों में मातृत्व एवं नवजात शिशु के विटामिन डी के स्तर पर विटामिन डी अनुपूरण के प्रभाव की जांच करने के लिए यादृच्छिक दोहरा नियंत्रित परीक्षण, गरिमा कछावा, आईसीएमआर, बाह्य म्यूरल परियोजना अनुदान 2013, 3 वर्ष, 2013–2016, 40 लाख रुपए।

7. तीव्र नैदानिक मोडेलिटिस की भूमिका का मूल्यांकन करना (जीन एक्सपर्ट एवं यूरीनरी लियोरेबिनोमानन) रीटा माही, संस्थान, 2 वर्ष, जनवरी 2015, 5 लाख रुपए।

8. निवारक ग्रीवा कैंसर में एचपीवीटीके की 2 बनाम 3 खुराकों की प्रभावकता एवं सुरक्षा : भारतीय बहुकेंद्रित यादशच्छिक परीक्षण, डॉ. नीरजा भाटला, डब्ल्यूएचओ–आईएआरसी, 6 वर्ष, 2009–15, 65,000 (29,25,000) यूएस डॉलर।

9. युवा महिलाओं (16–26 वर्ष) की तुलना में पूर्व किशोरों एवं किशोरों (9–15 वर्ष) में वी503 (एमुल्टीवेलेंट एचपीवी एल1 वायरस – जैसे पार्टिकल (वीएलपी) की इम्यूनोजेनेसिटी, सहनशीलता एवं निर्माण संगति का प्रदर्शन करने के लिए फेज ।।। क्लिनिकल परीक्षण। नीरजा भाटला एमएसडी फार्मास्युटिकल्स प्रा. लि. 6 वर्ष, 2010–16, रू. 8,80,000/–.

10. प्रमाणित एचपीवी – 16 या 18 के साथ बायोप्सी प्रमाणित सीआईएन 2/3 या सीआईएन3 के उपचार के लिए सेल्लेक्ट्राभ – 5पी सहित इलेक्ट्रोपोरेशन (ईपी) के पश्चात वीजीएस–3100 (एचपीवी16ई6/ई7, एचपीवी18ई 6/ई7 डीएनए वैक्सीन) प्रदत्त आईएम का फेज।। प्लेसिबो – नियंत्रित अध्ययन। नीरजा भाटला, मैक्स नीमन, 2 वर्ष, 2013–15, रू. 17,00,000 रुपए।

11. ग्रीवा संक्रमण में एचपीवी की व्यापकता, जीनोटाइप वितरण तथा ग्रीवा इंट्राएपिथेलियल नियोप्लासिया में इसका संबंध तथा भारतीय महिलाओं में ग्रीवा कैंसर, नीरजा भाटला, शांथा बायोटेक्नीक्स लि. 2 वर्ष, 2013–15, 22,88,000 रुपए।

12. ग्रीवा कैंसर स्क्रीनिंग के लिए उभरते हुए नवीन बायोमर्कर के रूप में क्लिनिकल एंड पॉइंट की तरह हिस्टोपैथोलॉजी सिद्ध सीआईएन 2+ के साथ, एचआर–एचपीवी ओंकोजीन अति–अभिव्यक्ति की परिमाणात्मक पहचान के लिए उच्च आण्विक पद्धति की तुलना, नीरजा भाटला, क्युर हेल्थ डायग्नोस्टिक्स, 2 वर्ष, 2014–16, 39,00,000 रुपए।

13. अण्डाशय कार्सिनोमा में ह्यूमन एपिडीडायमिस प्रोटीन 4 (एचई4) की अभिव्यक्ति, नीरजा भाटला, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2014–16, 3,51,750 रुपए।

14. सगर्भता डायबिटीस वाली एशियाई महिलाओं में त्वचा के नीचे इंसुलिन एवं मेटफोर्मिन की सुरक्षा तथा प्रभावकता का यादशच्छिक ओपन लेबल तुलनात्मक अध्ययन, नीता सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, अक्तूबर 2011, 30 लाख रुपए।

15. पूर्व में असफल प्रतिरोपण वाली महिलाओं में आईवीएफ के परिणाम पर स्थानीय इंडोमेट्रीयल आघात का प्रभाव : जीनोम विस्तशत ट्रांस्क्रिप्टोमिक आधार का अन्वेषण, नीता सिंह, अ. भा. आ. सं. 2 वर्ष, सितंबर 2013 10 लाख रुपए।

16. पोस्टपार्टम अवधि में तनाव एवं उत्कंठा विकार : व्यापकता, मनो–समाज सह संबंध एवं माता–शिशु के संबंध पर प्रभाव, वत्सला डढवाल, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2014–2016, 46,28,693 रुपए।

17. सामान्य भ्रूणों एवं जन्मजात असंगतियों वाले भ्रूणें में एक्नियोटिक तरल ऑक्सीडेटिव स्तर एवं प्रकार्यात्मक जीनोमिक विश्लेषण, वत्सला डढ़वाल, अ. भा. आ. सं. 2 वर्ष, 2013–2014, 100,000 रुपए।

18. मानव स्वास्थ्य पर गैर – लोनिंगइलेक्ट्रो मैग्नेटिक फील्ड (ईएफएफ) का प्रभाव, जेबी शर्मा, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2009 – अब तक, 47 लाख रुपए।

19. प्रारंभिक डायस्मेनोरिया के उपचार में ड्रोटेवीराइन हाइड्रोक्लोराइड (80 एमजी) एवं मेफिनेमिक एसिड (250 एमजी) की नियत डोज़ सम्मिश्रण बनाम मेफिनेमिक एसिड (250 एमजी) एकल की प्रभावकता एवं सुरक्षा : दोहरा, यादशच्छिक तुलनात्मक अध्ययन, जेबी शर्मा, वाल्लटर बुशनेल, एक वर्ष, 2014 – अब तक, 7 लाख रुपए।

20. इंडोमेट्रीयल नमूनों में हिस्टोपैथोलॉजी, कल्चर, ए एफबी स्टेनिंग की पराम्परागत पद्धतियों के विरूद्ध आण्विक पद्धतियां पीसीआर

इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री का मूल्यांकन एवं बांझ महिलाओं में जनन संबंधी तपेदिक की पहचान में लैप्रोस्कोपी, नीना मल्होत्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, दिसंबर 2012 से नवंबर 2015, 48,45,425 रुपए।

21. स्तन दूध, भ्रूण एवं नवजात में प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को ठीक करने के लिए सगर्भता के दौरान मुखीय प्रोबायोटिक अनुपूरण एवं दुग्धपान का प्रभाव, एक यादृच्छिक दोहरा, नियंत्रित परीक्षण, आचार्य नीना मल्होत्रा, उद्योग वित्त पोषित सीडी फर्मा इंडिया प्रा. लि., 2 वर्ष, दिसंबर 2014 से नवंबर 2016, 33,85,800 रुपए।
22. अस्पष्ट आवर्ती सगर्भता क्षति वाली महिलाओं में साइटोकाइन्स एवं पेंट्राक्सिन, नूतन अग्रवाल, अ. भा. आ. सं. 2 वर्ष, दिसंबर 2013 से नवंबर 2015, 5,00,000 रुपए।

पूर्ण

1. प्रिक्लेंप्सिया बनाम सामान्य स्वास्थ्य सगर्भताओं वाली महिलाओं में फिजियोलॉजिकल एवं बायोकैमिकल मार्कर्स द्वारा वैस्कुलर इंडोथेलियल प्रकार्य का मूल्यांकन, गरिमा कछावा, इंट्रा म्यूरल अनुसंधान अनुदान 2, 2012–2014, 5 लाख रुपए।
2. उच्च कैंसर ग्रीवा के उपचार में कुर्कमिन का मूल्यांकन, सुनेश कुमार, डीबीटी, 5 वर्ष 7 माह, 2007–2013, 48 लाख रुपए।
3. स्वयं एवं चिकित्सक संग्रहण पद्धति द्वारा दृश्य स्क्रीनिंग एंव हायब्रिड जांच के माध्यम से ग्रीवा नियोप्लासिया की शीघ्र पहचान – ग्रामीण क्षेत्र में समुदाय आधारित अध्ययन, नीरजा भाटला, क्वीजेन इंडिया, 4 वर्ष, 2010– 14, 2010–14, 5,46,327 रुपए।
4. कोरोनिस : इंटरनेशनल स्टडी ऑफ सिजेरियन सर्जिकल तकनीक : फॉलो–अप अध्ययन, जेबी शर्मा, एनपीईयू ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, 7 वर्ष, 2007 से 2014, 120 लाख रुपए।
5. जनन संबंधी तपेदिक के उपचार पर अध्ययनः 6 माह के आरएनटीसीपी वर्ग। उपचार से आरंभिक प्रतिक्रिया के पश्चात या तो 6 माह में विराम करना या 9 माह में जारी करना, जे बी शर्मा, केंद्रीय टी बी प्रभाग, एमओएचएफडब्ल्यू, भारत, 5 वर्ष, 2009 से 2015, 48 लाख रुपए।

विभागीय परियोजना

जारी

1. अस्पष्ट भ्रूण संबंधी जन्मजात असामान्यताओं में सीमेन आरओएस स्तरों एवं स्पर्म डीएनए क्षति स्तरों की भूमिका की जांच करना।
2. आरएच – आईजोइम्युनाइज्ड माता के एनीमिक भ्रूण में बायोकैमिकल परिवर्तन।
3. एम्नियोटिक तरल से उत्पन्न मेसेंकाइमल स्टेम सेल के विभेदन का पार्थक्य।
4. आरएच–आइजोइम्यूनाइज्ड सगर्भता वाली महिलाओं में भ्रूण एनीमिया सहित विभिन्न रक्त वाहिकाओं में डोप्पलर वेलोसिमीटरी का सहसंबंध।
5. इन विट्रो फर्टिलाइजेशन करवाने वाली महिलाओं में इंडोमेट्रीयल गाढ़ापन, प्रतिरोपण दर एवं सगर्भता दर पर ग्रेनुलोसाइट कलोनी स्टीमुलेटिंग कारक का इंट्रायूटेराइन पर्फुजन का प्रभावः एक दोहरा ब्लाइंड प्लेसिबो नियंत्रित यादश्च्छिक नियंत्रित परीक्षण।
6. अण्डाशय कार्सिनोमा में मानव एपिडिडायमिस प्रोटीन 4 (एचई4) की अभिव्यक्ति एवं पूर्वानुमान से सहसंबंध।
7. अस्पष्ट प्रसवन अशक्ति से पीड़ित रोगियों में जन्मजात थ्रोम्बोफिलिया से पीड़ित रोगियों में जन्मजात थ्रोम्बोफिलिया के लिए जांच एवं सामान्य जनसंख्या तथा पुनरावर्ती सगर्भता क्षति वाले केसों से तुलना।
8. लैप्रोस्कोपिक मायोमेक्टॉमी के दौरान रक्त हानि को कम करने के लिए इंट्रामायोमेट्रीयल वेसोप्रेस्सीन एवं रेक्टल मिसोप्रोस्टॉल के प्रभाव का इंट्रामायोमेट्रीयल वेसोप्रेस्सीन एकल के साथ तुलना करनाः एक यादश्च्छिक क्लिनिकल परीक्षण।
9. अंडोत्सर्ग इंडक्शन एवं आईयूआई चक्रों में अस्पष्ट प्रसवन अशक्ति वाले दंपत्तियों में इंडोमेट्रीयल स्क्रैचिंग के पश्चात सगर्भता का मूल्यांकन करना, 2014.
10. आईवीएफ रोगियों में 3 डी इंडोमेट्रीयल वॉल्यूम एवं 2 डी इंडोमेट्रीयल गाढ़ापन की भूमिका का अध्ययन करना।
11. गर्भाशय के मामूली रोग के उपचार के लिए कुल लैप्रोस्कोपिक हिस्टीरेक्टोमी के दौरान थंडरबीट प्रौद्योगिकी; हार्मोनिक श्रेष्ठ एवं लाइगेसुर यंत्र का प्रयोग करके अग्रदर्शी यादश्च्छिक तुलनात्मक अध्ययन – प्रायोगिक अध्ययन।
12. सी ए इंडोमेट्रीयम में हर्जनर की व्यापकता एवं पूर्वानुमानिक महत्ता।
13. चिरकारी श्रोणि पीड़ा में 5 एमएम टेलीस्कोप एवं 2.9 एमएम टेलीस्कोप तुलना करते हुए एक प्रायोगिक अध्ययन।
14. एसयूआई वाले रोगियों में विट –डी स्तर एवं इसके अनुपूरण की भूमिका।
15. मानव प्रतिरक्षाहीनता वायरस से संक्रमित महिलाओं में मानव पेपिल्लोमावायरस संक्रमण एवं ग्रीवा असमान्यताओं का अध्ययन।

16. अंडाशय कार्सिनोमा में मानव एपिडिडायमिस प्रोटीन 4 (एचई4) की अभिव्यक्ति एवं पूर्वानुमान से सह संबंध।
17. उच्च ग्रेड ग्रीवा इंट्राएपिथेलियल नियोप्लासिया (सीआईएन2+) के निदान के लिए एचपीवी ई6/ई7 एमआरएनए विश्लेषण एवं उच्च जोखिम एचपीवी डीएनए जांच का तुलनात्मक मूल्यांकन।
18. सिजेरियन छेदन के पश्चात सर्जिकल स्थल संक्रमणों का अध्ययन।
19. दूसरे तिमाही गर्भपातों के लिए ऑक्सीटोसिन एवं मिजोप्रोस्टोल अथवा लेक्टेट के पश्चात माइफिप्रिस्टोन का अग्रदर्शी अध्ययन।
20. तनाव मूत्रीय असंयमिता वाली महिलाओं में बर्च कोल्पोसस्पेंशन एवं ट्रांसोब्टुरेटर वेजाइनल टेप प्रक्रिया का तुलनात्मक अध्ययन।
21. इन विट्रो फर्टिलाइजेशन करवानी वाली महिलाओं में फोलीकल मॉनीटरिंग की मैनुअल एवं ऑटोमेटिड पद्धतियों की तुलना करते हुए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
22. आईवीएफ चक्रों के दौरान भ्रूण स्थानांतरण के पश्चात बिस्तर पर आराम बनाम शीघ्र अंग संचालन के पश्चात सगर्भता परिणाम– एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।
23. इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) करवाने वाले खराब प्रतिक्रिया देने वालों में फोलीकुलर फ्लशिंग एवं प्रत्यक्ष चूषण की तुलना करते हुए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

पूर्ण

1. पोलीसिस्टिक अंडाशय लक्षण के क्लिनिकल, मेटाबोलिक एवं हार्मोनल पैरामीटर्स पर मायोइनोसिटॉल बनाम मेटफॉर्मिन की प्रभावकता का मूल्यांकन करने के लिए यादृच्छिक क्लिनिकल परीक्षण।
2. पीसीओएस वाले रोगियों में ग्लूकोज असहनीयता : दो वर्षीय फॉलो अप अध्ययन।
3. कोल्पोस्कोपी निर्देशित बायोप्सी में हिस्टोलॉजी सहित रेडीज कोल्पोस्कोपिक इंडेक्स बनाम स्वीडिज स्कोर के सहयोग के बल की तुलना।
4. लैप्रोस्कोपिक इंडोमेट्रियोटिक सिस्टेक्टॉमी के पश्चात अण्डाशय संचय का अध्ययन करना तथा प्रसवन क्षमता परिणाम के साथ पश्च सिस्टेक्टॉमी अण्डाशय दबाव के प्रभाव को सह संबंधित करना : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
5. बायोफिजिकल एवं बायोकैमिकल मार्कर्स द्वारा प्रारंभिक सगर्भता में वास्कुलर प्रकार्य का मूल्यांकन तथा बाद की सगर्भता में प्रिक्लेम्पिसया के विकास के साथ सह संबंध।
6. साइटोकाइन एवं पेंट्राक्सिन 3 स्तरों पर मुखीय माइक्रोनाइज्ड प्रोजेस्ट्रॉन थेरैपी का प्रभाव एवं इसका सगर्भता परिणाम से संबंध तथा अस्पष्ट आवर्ती सगर्भता क्षति वाली महिलाओं में 3 स्तरों में साइटोकाइंस एवं पेंट्राक्सिन के स्तरों का अध्ययन करना।
7. मानव प्रतिरक्षा हानि वायरस संक्रमिक महिलाओं में मानव पेपिलोमा वायरस संक्रमण तथा ग्रीवा असमान्यताओं की व्यापकता का अध्ययन।
8. जनन–संबंधी तपेदिक में इंडोमेट्रियम, फैलोपिएन ट्यूब्स एवं अंडाशयों पर एंटी ट्यूबरकुलर उपचार के प्रभाव का इंटरवेंशनल अध्ययन।
9. यूनीपोलर पद्धति बनाम बायपोलर पद्धति का प्रयोग करके हिस्टिरोस्कॉपिक मायोमेक्टोमी का अग्रदर्शी यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन।
10. इन विट्रो फर्टिलाइजेशन चक्रों (आईवीएफ–ईटी) के परिणाम में इंडोमेट्रियल स्क्रैचिंग की भूमिका का मूल्यांकन करना।
11. वाल्ट प्रोलेप्स के मूल्यांकन में एमआरआई की भूमिका एवं इसका पीओपीक्यू वर्गीकरण एवं ऑपरेटिव निष्कर्ष तथा ऑपरेटिव निष्कर्ष के साथ संबंध।
12. मेटफोमिन बनाम इंसुलिन द्वारा सगर्भता अवधि की डायबिटीस के उपचार का तुलनात्मक अध्ययन : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
13. इंडोमेट्रीयल हाइपरप्लेसिया एवं कार्सिनोमा में बायोमार्कर्स की अभिव्यक्ति।
14. एपिथेलियल अंडाशय कैंसर से पीड़ित रोगियों का एस्सिटिक तरल में इंटरल्यूकीन – 6 एवं वीईजीएफ स्तरों का मूल्यांकन।
15. ट्रांसवेजाइनल अल्ट्रासाउंड एवं एमआरआई द्वारा निम्न सेग्मेंट सिजेरियन स्कार का निर्धारण।
16. विगत हिस्टेरेक्टॉमी वाली महिलाओं में वाल्ट प्रोलेटस की मात्रा निर्धारण एवं मूल्यांकन में एमआरआई की भूमिका।
17. एकल एवं जुड़वा सगर्भता वाली महिलाओं में विटमिन डी की कमी का अध्ययन एवं इसका कोर्ड रक्त में विटामिन डी से संबंध।
18. सामान्य भ्रूण एवं जन्मजात असमान्यताओं वाले भ्रूणों में एम्नियोटिक तरल ऑक्सीडेटिव स्तर।
19. अल्पतम से मध्यम इंडोमेट्रियोसिस के सर्जिकल सुधार के पश्चात अति अंडोत्सर्ग एवं इंट्रा यूटेराइन वीर्यारोपण करवाने वाली महिलाओं में उन्नत परिणाम में जीएनआरएच एनालॉग्स की भूमिका – एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

20. इन विट्रो फर्टिलाइजेशन करवाने हाइड्रोसाल्पिंक्स वाली महिलाओं में लैप्रोस्कॉपिक प्रोक्सिमल ट्यूबल संरोधन या साल्पिंगेक्टॉमी के पश्चात अंडाशय संचय एवं सहायक प्रजननीय तकनीक परिणाम : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. न्यूरोनल रिजेनरेशन एवं प्रकार्यात्मक रिस्टोरेशन में मानव नाभि रज्जु रक्त मूल कोशिकाओं एवं न्यूरल मूल कोशिकाओं की भूमिका : तीव्र मेरूदण्ड क्षतियों वाले पुरूष वयस्क चूहों में तुलनात्मक अध्ययन, सुमित सिन्हा (2011 – अक्तूबर 2014) सह आचार्य, तंत्रिका शल्यचिकित्सा। डीबीटी द्वारा वित्तपोषित, 30 लाख, 20 हजार रुपए।
2. ड्रायड ब्लड स्पोट्स द्वारा प्रसव पूर्व स्क्रीनिंग पहल : ट्रिएजिंग एवं रिसोर्सिस उपयोग संगीता गुप्ता (एमएएमसी), आचार्य, ओ एवं जी विभाग (2014–)।
3. डाउन लक्षण के गैर– इंवेसिव प्रसवपूर्व निदान हेतु मातृत्व परिसंरचरण में मानव क्रोमोजोम 21 व्युत्पन्न एमआईआरएनए की पहचान, मधुलिका काबरा, अपर आचार्य, बालचिकित्सा, मुख्य आनुवंशिक एकक, अ. भा. आ. सं. (जारी 2015), डीबीटी द्वारा वित्त पोषित।
4. शल्यक जन्मजात असामान्यताओं के लिए भ्रूण परामर्श हेतु दिशा–निर्देश स्थापित करना, शिल्पा शर्मा (परियोजना अन्वेषक) (जून 2014–2017), सहायक आचार्य, बालशल्यचिकित्सा विभाग, अ. भा. आ. सं. डीबीटी द्वारा वित्तपोषित।
5. पूर्व एक्लेम्टिसया की जांच करने के लिए वास्कुलर प्रकार्य, बेरोरिफलेक्स संवेदनाशीलता एवं बायोकैमिकल कारकों का मूल्यांकन शरीरक्रियाविज्ञान विभाग।
6. इंडो मेट्रियोसिस में एस्ट्रोजेनिसम का आण्विक आधार, शरीरक्रियाविज्ञान विभाग अ.भा.आ.सं.।
7. गर्भावस्था के डायबिटिज वाली एशियाई भारतीय महिलाओं में मेटफोर्मिन एवं त्वचा के नीचे इंसुलिन की सुरक्षा एवं कार्यक्षमता का यादृच्छिक ओपन लेबल तुलनात्मक अध्ययन आईसीएमआर।
8. लार में प्रोटियोमिक सिग्नेचर की भूमिका को उद्‌घाटित करनाः अण्डाशय कैंसर के लिए गैर इंवोसिव नैदानिक यंत्र की ओर चरण, आईसीएमआर।
9. गर्भावस्था आयु वाले नवजातों हेतु गर्भावस्था आयु एवं लधु हेतु उपयुक्त संदर्भ में कोर्ड ब्लड इम्यून मार्कर्स का क्रास–सेक्शनल अध्ययन बालचिकित्सा।
10. साइटोलॉजी स्मीयर से निकले डीएनए पर प्रयोग हेतु हाईब्रिड कैप्चर–द्वारा एचपीबी पहचान का श्रेष्ठत्तम प्रयोगः विकासशील देशों के लिए उपयुक्त पद्धति, विकशतिविज्ञान।
11. कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले आवशति एपिथेलियल अण्डाशय कैंसर वाले रोगियों मे एड–ऑन थेरेपी के रूप में मेटफोर्मिन बनाम प्लेसिबो के प्रभाव का मूल्यांकन करनाः एक दोहरा यादृच्छिक नियंत्रित क्लिनिकल परीक्षण, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, सं.रो.कैं.अ.।
12. भारत में ग्रीवा कैंसर हेतु उपचार का पैटर्न, विकिरण अर्बुदविज्ञान, सं.रो.कैं.अ.।
13. मैटर्नल, परीनेटल एवं नियोनेटल विज्ञान, बालचिकित्सा।
14. गर्भावस्था मेलीटस वाली दक्षिण एशियाई महिलाओं में टाइप–2 डायबिटिज़ मेलीटस की रोकथाम के लिए प्रैग्मेटिक जीवनशैली हस्तक्षेप कार्यक्रम, अंतस्रावी एवं चयापचय।
15. आधात एवं संज्ञानातम्क पतन के कारणों का पता लगाने के लिए जनसंख्या आधारित अग्रदर्शी कोहर्ट अध्ययनः क्रास कल्चरल परिदृश्य (इण्डो–नीदरलैण्ड परियोजना), तंत्रिकाविज्ञान।
16. ट्रॉफोब्लास्ट कोशिकाओं का माइग्रेशन एवं इंवेसन संभाव्यता पर हाइड्रोजन सल्फाइड के प्रभाव का अध्ययन, शरीररचना।
17. गर्भावस्था डायबिटिस मेलिटस वाली एशियाई महिलाओं में टाईप–2 डायबिटिज मेलिटस की रोकथाम के लिए जीवनशैली हस्तक्षेप कार्यक्रम। भारत, बंग्लादेश, श्रीलंका अंतस्रावी एवं चयापयच।
18. ग्रीवा कैंसर में सिस्प्लेटिन प्रतिरोध में पीएआरपी–1 की भूमिका की जांच करना, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, सं.रो.कैं.अ.।
19. मानव ट्रॉफोब्लास्ट कोशिकाओं के माइग्रेशन में हाईड्रेजेन सल्फाइड की भूमिका तथा इसका प्लेसिंटेशन पर प्रभावः एक इन–विट्रो अध्ययन, शरीररचना।
20. मानवों में विभिन्न सगर्भता आयु में मिडगट हिंडगट एवं इलियोसेकल वाल्व में मायएंट्रिक प्लेक्सस का संगठन, शरीररचना।

21. लोकली में एपिथेलियल वशद्धि कारक रिसेप्टर एवं लक्षित थेरेपी का प्रभाव, कीमो रेडियोथेरेपी के पश्चात साप्ताहि पैक्लीटेक्सल एवं कार्बोप्लेटिन के साथ नियो सहौषधि कीमोथेरेपी की भूमिका का अध्ययन करने के लिए फेज–II अग्रदर्शी परीक्षण, विकिरणचिकित्सा।
22. अण्डाशय इण्डोमेट्रियोसिस का जीनोमी–विस्तश्त ट्रांस्क्रिप्शनल लैण्डस्कैप का अध्ययन, शरीरक्रियाविज्ञान विभाग।

पूर्ण

1. सिजेरिएन सेक्शन सर्जिकल तकनीक का कोरोनिसअंतर्राष्ट्रीय अध्ययन–एक यादश्च्छिक नियंत्रण परीक्षण ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, लंदन।
2. एशर्मन लक्षण से पीड़ित महिलाओं में सब एंटोलोगोन्स मूल कोशिका प्रतिरोपण की भूमिका, आईसीएमआर।
3. प्रायोगित अध्ययनः एशर्मन लक्षण एवं खराब इण्डोमेट्रिएम से ग्रस्त महिलाओं में आटोलोगस मूल कोशिका का सबइंडोमेट्रिएल प्रतिरोपण की भूमिका, आईसीएमआर।
4. जनन संबंधी तपेदिक के उपचार पर अध्ययनः 6 माह के आरएनटीसीपी श्रेणी–I उपचार से आरंभिक प्रतिक्रिया के पश्चात या तो 6 माह में अनिरंतरता या 9 माह में निरंतरता का यादशच्छिक नियंत्रित परीक्षण, केंद्रीय टीबी प्रभाग, एमओएचएफडब्ल्यू।
5. उच्च एपिथेलियल अंडाशय कैंसर हेतु प्रत्येक 3 सप्ताह में कार्बोप्लेटिन के सम्मिश्रण के साथ साप्ताहिक पैक्लीटेक्सल : एक फेज 3 यादश्च्छिक अध्ययन, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, सं रो. कैं. अ.।
6. प्रिक्लेम्सिया में इंडोप्लास्मिक रेटीकुलम तनाव : इन विट्रो अध्ययन, शरीर रचना।
7. कुल लैप्रोस्कोपिक हिस्टेरेक्टॉमी हेतु अल्प डोज इंट्राथेकल मोर्फिन की सुरक्षा एवं प्रभावकता, संवदेनाहरण।
8. महिलाओं < 40 वर्ष में साइक्लोफोस्फोमाइड थेरैपी के साथ अंडाशय विफलता की घटना।
9. भारत में एचआईवी में कैंसरों की व्यापकता, जोखिम कारकों एवं परिणामों पर अध्ययन, काय चिकित्सा।
10. अ. भा. आ. सं. में कार्य करने वाली स्टाफ नर्सों में एचआईवी का माता – पिता से बच्चों में प्रसार का निवारण एवं उपचार के संबंध में जानकारी तथा कार्य प्रणालियों का मूल्यांकन करने के लिए तुलनात्मक अध्ययन, नर्सिंग महाविद्यालय।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 47 सार : 1 पुस्तकों में अध्याय : 14

रोगी उपचार

- गायनी इंडोक्राइन क्लिनिक प्रत्येक सप्ताह : पीसीओएस, यौन अंतरीय विकारों, समयपूर्व रजोनिवृत्ति जैसी किसी भी एंडोक्राइन समस्याओं वाली युवा महिलाओं के लिए एक विशेष क्लिनिक होती है।
- आईवीएफ क्लिनिक यूनिट की आईवीएफ क्लिनिक सक्रिय रूप से संचालित एवं क्रियाशील है। रोगी भर्ती हो रहे हैं एवं आईवीएफ किया जा रहा है तथा अन्य एआरटी प्रक्रियाएं (15–25 प्रति माह) हो रही हैं।
- प्रसवन दंपति उपचार।
- जन्मपूर्व क्लिनिक – बाह्य एवं आंतरिक आधार पर जन्मपूर्व रोगियों का उपचार करना।
- ओपीडी एवं आंतरिक में रोगियों के क्लिनिकल उपचार में सक्रिय रूप से सम्मिलित होना।
- एचपीवी डीएनए जांच – 440

प्रसवोत्तर कार्यक्रम

विभिन्न परिवार नियोजन पद्धतियों, प्रसवोत्तर कार्यक्रम की उपलब्धियां

	पद्धतियां विगत वर्ष (2013–14)	वर्तमान वर्ष (2014–15)
सीयूटी	809	796
मुखीय गोलियां	1053 पैकेट	718 पैकेट
परम्परागत गर्भनिरोधक	30,820 पीस	2730 पीस
ट्यूबेक्टॉमी	1110	911
वेसेक्टॉमी	10	1

मातश्त्व एवं शिशु स्वास्थ्य (एमसीएच) कार्य निष्पादन

सेवाएं	वर्ष 2013–14 में कार्य निष्पादन	वर्ष 2014–15 में कार्य निष्पादन
गर्भवती महिलाएं		
टीटी 1 डोज	1669	1634
टीटी 2 डोज	1144	803
बच्चे (0–1 वर्ष) प्रतिरक्षण		
डीपीटी 3 डोज		
बालक	245	30
बालिका	186	21
पोलियो 3 डोज		
बालक	245	30
बालिका	186	21
बीसीजी		
बालक	1580	1482
बालिका	1338	1237
खसरा		
बालक	810	712
बालिका	543	587
डीटी (ढ 5 वर्ष)	नहीं दिया	नहीं दिया

क्लिनिक के प्रकार के द्वारा रोगियों की उपस्थिति का विभाजन

क्लिनिक	दिन/सप्ताह की संख्या	वर्ष 2014–15 के दौरान उपस्थित रोगियों की संख्या	
		नए	पुराने
सामान्य ओपीडी	6	37331	68071
उच्च जोखिम सगर्भता क्लिनिक	3	2364	13689
गायनी एंडोक्राइन क्लिनिक	3	44	67
स्त्रीरोगविज्ञानात्मक कैंसर	2	780	3110
आईवीएफ क्लिनिक	1	818	2866
एएनसी	3	797	4240
परिवार कल्याण क्लिनिक	6	5159	3392

वर्ष 2014–2015 के दौरन निष्पादित किए गए ऑपरेशनों की सूची

ऑपरेशन	प्रकार	यूनिट 1	यूनिट 2	यूनिट 3	कुल
एम्नियोसेंटेसिस	छोटा	118	105	141	364
चिरकारी विलस सैंपलिंग	छोटा	87	58	107	252
आईयूटी (भ्रूण चिकित्सा)	छोटा	14	27	87	128
कोर्डोसेंटेसिस	छोटा	13	3	30	46
भ्रूण चिकित्सा कुल	छोटा	232	193	365	790

नैदानिक हिस्ट्रीस्कॉपी	छोटा	441	617	450	1508
लैप्रोस्कॉपी डायग्नोस्टिक	बड़ा	239	352	282	873
हिस्ट्रीस्कॉपी पोलीपेक्टॉमी	बड़ा	22	19	22	63
हिस्ट्रीस्कॉपी सेप्टल उच्छेदन	बड़ा	15	21	7	43
वयस्क स्त्रीरोगविज्ञान–हिस्टीरेक्टॉमी	बड़ा	150	240	104	494
किशोर स्त्रीरोगविज्ञान	बड़ा	24	30	28	82
लैप सिस्टेक्टॉमी	बड़ा	43	25	28	96
गायनी अर्बुदविज्ञान	बड़ा	82	163	65	310
लैप मायोमैक्टॉमी	बड़ा	33	12	20	65
प्लास्टिक रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी	बड़ा	16	11	11	38
रिकैनालाइजेशन कोर्न्युल प्रतिरोपण	बड़ा	11	8	10	29
ओपन मायोमैक्टॉमी	बड़ा	15	30	12	57
हिस्ट मायोमैक्टॉमी	बड़ा	7	13	10	30

छोटा

ईए एवं ईसीसी	:	1362	डी एवं सी	:	18
आईयूआइ	:	438	आयरन थेरैपी	:	282
एनएसटी	:	2883	एमटीपी–यूएसजी	:	5724
ई ए	:	2132	कोल्पोस्कॉपी / क्रायो/लीप	:	375
अंडाशय सिस्ट चूषण	:	61	एमटीपी की सं.	:	838
पेप स्मीयर	:	5154	ग्रीवा बायोप्सिज	:	295
प्रसूति अल्ट्रासाउंड	:	8691	गायनी अल्ट्रासाउंड	:	5724

प्रसूति

बड़े ऑपरेशन : एलएससीएस : 1147

छोटे ऑपरेशन : ऑपरेटिव वेजाइनल प्रसूतियां : 123

सामान्य वेजाइनल प्रसूतियां (फोर्सेप्स एवं वेंटुअस) : 1243

जन व्याख्यान (नीरजा भाटला, आचार्य)

1. हिंदू राव अस्पताल, नई दिल्ली द्वारा संचालित आशा कर्मचारियों के लिए एसेटिक एसिड (वीआईए) सहित दृश्य निरीक्षण एवं लुगोलस आयोडीन (वीआईएलआई) सहित दश्श्य निरीक्षण पर प्रशिक्षण, 1 अप्रैल, 2014.
2. चिकित्सा युवा के संबंध में कैंसर के विभिन्न पक्षों पर पैनल परिचर्चा में मोडरेटर, जे एलएन ऑडीटोरियम, अ. भा. आ. सं. में पिंक चैन कैपेन हेतु व्याख्यान।
3. स्तन एवं ग्रीवा कैंसर : निवारण एवं उपचार।
4. ज. ला. ने. सभागार, अ. भा. आ. सं. में मीडिया एवं प्रोटोकॉल प्रभाग द्वारा आयोजित जन व्याखान एवं पैनल परिचर्चा, 28 जनवरी, 2015.
5. मीडिया एवं प्रोटोकॉल प्रभाग के सभापति के रूप में जन व्याख्यान क्रम का आयोजन किया।
6. डेंगू एवं इबोला वायरस संक्रमण, 21 अगस्त, 2014
7. बी हार्ट वाइस, 27 सितंबर, 2014
8. आघात को रोको– मस्तिष्क को बचाओ, 29 अक्तूबर, 2014.

9. बच्चों में बार–बार खांसी, जुखाम एवं सांस की घरघराहट : क्या यह अस्थमा है ? 25 नवंबर, 2014.
10. विकलांग बच्चे– आओ उनकी जिंदगी को बेहतर बनाएं, 11 दिसंबर, 2014.
11. स्तन एवं ग्रीवा कैंसर : निवारण एवं उपचार 28 जनवरी, 2015
12. बाल्यावस्था के कैंसर का उपचार हो सकता है, 14 फरवरी, 2015
13. ग्लूकोमा – उपचार में सुधार, 11 मार्च, 2015
14. हेल्थी बॉडी थ्रू हेल्थी माउथ, 20 मार्च, 2015
15. टीबी कंट्रोल – टूगेदर वी कैन, 1 अप्रैल, 2015

सर्जिकल कैंसर शिविर (नीरजा भाटला, आचार्य)

1. आईसीपीओ, ग्राम बिसरख, नोएडा में ग्रीवा कैंसर स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन – 16 अक्तूबर, 2014.
2. नाज फाउण्डेशन, ईस्ट ऑफ कैलाश में ग्रीवा कैंसर स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया–22 दिसंबर, 2014.
3. सीमापुरी में ग्रीवा कैंसर स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया – 22–21 जनवरी, 2015.
4. सीलमपुर में ग्रीवा कैंसर स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया – 22 जनवरी, 2015.
5. उसमानपुर में ग्रीवा कैंसर शिविर का आयोजन किया–23 जनवरी, 2015
6. गायनी ओपीडी, अ. भा. आ. सं. में ईएचएस लाभार्थियों के लिए ग्रीवा कैंसर स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया, 27 जनवरी, 2015.
7. झज्जर में ग्रीवा कैंसर स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया, 29 जनवरी, 2015.
8. जीवन हेतु राह–कैंसर के विरूद्ध लंबे कदम, नीति मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली, 8 फरवरी, 2015, (प्रातः 9.00 –11.00 बजे) कैन सपोर्ट द्वारा आयोजित।

सामुदायिक सेवाएं / शिविर

डॉ. सीमा सिंघल, सह आचार्य ने कश्मीर बाढ़ के दौरान बाढ़ राहत दल के भाग के रूप में चिकित्सा सेवाओं में सहायता करने के लिए दो सप्ताह के लिए स्वयंसेवक के रूप में कार्य किया। दिनांक 28.9.14 से 11.10.14 तक जवाहर लाल नेहरू जिला अस्पताल, रैनवारी, श्रीनगर में कार्य किया।

डॉ. ज्योति मीणा, सह आचार्य ने दिनांक 11.10.14 से 25.10.14 तक जम्मू एवं कश्मीर में चले बाढ़ राहत हेतु चिकित्सा सेवाओं में मदद करने के लिए स्वयं सेवक के रूप में कार्य किया।

डॉ. नूतन, आचार्य ने दिनांक 26.02.2014 को पीसीओ रोगी हेतु प्रशिक्षण के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर अल्का कृपलानी को चिकित्सा के क्षेत्र में श्रेष्ठ सेवा देने के लिए भारत सरकार द्वारा पदम श्री से सम्मानित किया गया था, मार्च 2015; इंटरनेशनल फर्टिलिटी सेंटर एंड जीईएसआई (गायनी इंडोक्राइन सोसाइटी ऑफ इंडिया) दिल्ली द्वारा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड, 23–26 मई 2014; दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन (डीएमए) द्वारा चिकित्सा के क्षेत्र में बेहतर योगदान देने के लिए डीएमए चिकित्सा रत्न अवॉर्ड, 29 जून 2014; हर्षवर्धन, माननीय स्वास्थ्य मंत्री, भारत सरकार द्वारा डॉक्टर दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य देख–रेख में अनुकरणीय उपलब्धियों को मनाने के लिए आईएमए मेडअचीवर्स. कॉम अवॉर्ड, 1 जुलाई 2014; 4 मेडगेट एनुअल अवॉर्ड फंक्शन, दिल्ली में मेडगेट बेस्ट गायनीकॉलोजिस्ट ऑफ दिल्ली (एनसीआर 2014 अवॉर्ड, 23 अगस्त, 2014; गांधी स्मशति एवं दर्शन समिति द्वारा चिकित्सा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए स्ट्री उदयमिता सम्मान 2015, 12 मार्च, 2015; अध्यक्ष एओजीडी (एसोसिएशन ऑफ ऑब्स्टीट्रिसिएन्स एंड गायनीकोलॉजिस्ट ऑफ दिल्ली) 2013–14; नेशनल कोर्रेसपोंडिंग एडीटर, जे आबस्ट एंड गायनी इंडिया (2014 जारी); अध्यक्ष डीजीईएस (दिल्ली गायनीकोलोजिकल इंडोस्कोपिस्ट्स सोसाइटी) 2014–16; अध्यक्ष चुने गए एफओजीएसआई (फेडरेशन ऑफ ऑब्स्टीट्रिक्स एंड गायनीकोलॉजिकल सोसाइटिज़ ऑफ इंडिया), 2016; अनुसंधान कार्य सह – रचियता हेतु पुरस्कार; आईएजीई मिस्कॉन 2014– इंडियन एसोसिएशन ऑफ गायनीकोलॉजिकल इंडोस्कोपिस्ट, नई दिल्ली के वार्षिक सम्मेलन में ''काइलुअस ऐस्सिटिक : ए रेयर लैप्रोस्कोपिक फाइंडिंग इन ए केस ऑफ इंफर्टिलिटी हेतु पोस्टर प्रस्तुतीकरण हेतु 2 पुरस्कार प्रदान किया, अगस्त 2014 (डॉ. मयूर थोसर); एफओजीएसआई चैन्नई द्वारा आयोजित 58वें एआईसीओजी 2015 में समय पूर्व जन्म में नवजात श्वसन तनाव लक्षण के प्रोफिलोक्सिम हेतु इंट्रा–एम्नियोटिक इंस्टीलेशन ऑफ सर्फेक्टेंट पर वरिष्ठ श्रेणी में प्रसूति एवं स्त्रीरोविज्ञान

में श्रेष्ठ वैज्ञानिक अनुसंधान कार्य हेतु वर्ष 2014 हेतू एफओजीएसआई–सीओआरआईओएन पुरस्कार (द्वितीय विजेता) प्रदान किया, 21–25 : 01:2015; निम्नलिखित भाषण प्रदान किए : (प) गायनीकोलॉजिकल इंडोक्राइन सोसाइटी ऑफ इंडिया (जीईएसआई), अ. भा. आ. सं. दिल्ली के तत्वावधान के अंतर्गत इंटरनेशनल फर्टिलिटी सेंटर एवं प्रसूति एवं स्त्री विभाग द्वारा आयोजित रिप्रोडक्शन, फर्टिलिटी एंड सेरोगेसी पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मायोमेक्टॉमी – न्यूवर इंसाइट्स आईवीएफ भूत, वर्तमान एवं भविष्य, 24: 5 : 2014 (पप) नाशिक प्रसूति एवं स्त्री सोसाइटी (एनओजीएस), नाशिक के सहयोग के साथ इंडियन फर्टिलिटी सोसाइटी में पश्चिम महाराष्ट्र चैप्टर द्वारा आयोजित पीपीआईएम (प्रिंसिप्लस एंड प्रैक्ट्रीकल्स इन इंफर्टिलिटी मैनेजमेंट) इंफर्टिलिटी कॉन्फ्रेंस में बीओएच में इंडोस्कोपिक सर्जरी, 13:7:2014, (पपप) जयपुर प्रसूति एवं स्त्रीरोगविज्ञानात्मक सोसाइटी, जयपुर द्वारा आयोजित एयूबीसीओएन में हिस्टीरेक्टॉमी का भूत, वर्तमान एवं भविष्य 12:7:2014 (पअ) एसोसिएशन ऑफ ऑब्स्टीट्रीसिएंस एंड गायनीकोलॉजिस्ट ऑफ दिल्ली, दिल्ली द्वारा आयोजित एओजीडी के 36वें वार्षिक सम्मेलन में वीओएच में इंडोस्कॉपी, 26:10:2014, (अ) इंडियन फर्टिलिटी सोसाइटी, पुणे में वेस्टर्न महाराष्ट्र चैप्टर द्वारा आयोजित इंडियन फर्टिलिटी सोसाइटी का 10 वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, 21:12:2014; आईएफएस एंड इंफर्टिलिटी कमेटी ऑफ एओजीडी, बसेदरापुर, दिल्ली के तत्वावधीन के तहत प्रसूति एवं स्त्री विभाग, ईएसआई–पीजीआईएमएसआर द्वारा आयोजित ईएसआई–पीपीआईएमएसआर के सीएमई हेतु मुख्य अतिथि, 24:7:2014.

प्रोफेसर सुनेश कुमार यूरोपियन जर्नल ऑफ ऑब्स्टीट्रिक, गायनीकोलॉजी एंड रिप्रोडक्टिव मेडिसिन के पीर रिव्यूअर; सदस्य, चिकित्सा अधिकारी के पद हेतु इंटरव्यू बोर्ड, यूनियन पब्लिक सेलेक्शन कमीशन (यूपीएससी), नई दिल्ली; सदस्य पीजीआई, चंडीगढ़ में गायनी में संकाय के चयन हेतु चयन समिति; सदस्य, पीजीआईएमईआर, रोहतक में गायनी में संकाय के चयन हेतु चयन समिति; सदस्य पं. बी. डी. शर्मा यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, रोहतक में चयन समिति; सदस्य, पीजी टीचिंग बोर्ड, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी; सदस्य; रिसर्च इन रिप्रोडक्टिव मेडिसिन पर आईसीएमआर समूह; सदस्य, आईसीएमआर रिसर्च एडवाइजरी कमेटी फॉर मॉडल रूरल हेल्थ रिसर्च यूनिट (एमआरएचआरयू), राजस्थान; सदस्य, शेर–ए–कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, श्रीनगर में संकाय के चयन हेतु चयन समिति; सदस्य, इंडियन मानक ब्यूरो, मिनिस्ट्री ऑफ कंज्यूमर अफेयर्स, फूड एंड पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन, भारत सरकार; सदस्य महिलाओं हेतु जैव प्रौद्योगिकी विज्ञान आधारित कार्यक्रम के लिए आरईएसीएच योजना को पूर्ण करने के लिए डीबीटी उप–समूह–समिति; सदस्य, कैंसर ग्रीवा पर उप समिति, टाटा मेमोरियल अस्पताल, मुबंई; सदस्य, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली में टेक्नीकल स्पेसिफिकेशन/चयन कमेटी; सदस्य, अ. भा. आ. सं. नई दिल्ली में स्टाफ काउंसिल कमेटी; सदस्य, एथिक्स कमेटी, अ. भा. आ. सं, नई दिल्ली।

प्रोफेसर दीपिका डेका ने मणिपाल में दिनांक 12–13, 2014 को वार्षिक स्नातकोत्तर अपडेट में इंटरसेक्स पर प्रो. पदमा राव मेमोरियल भाषण दिया। मणिपाल ओ एंड जी सोसाइटी द्वारा आयोजित; कोची में दिनांक 1–3 अगस्त 2014 को नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ द सोसाइटी ऑफ फीटल मेडीसिन में प्रिकंसेप्शनल पर डॉ. सुमन खेर भाषण दिया; निर्वाचित अध्यक्ष, सोसाइटी फॉर फीटल मेडिसिन, 1 अप्रैल 2014 – 31 मार्च 2016.

प्रोफेसर नीरजा भाटला ने पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीएचएफआई), नई दिल्ली में प्रमाण आधारित डायबिटीस उपचार में गर्भावस्था डायबिटीस मेलीटस में सर्टिफिकेट कोर्स के लिए राष्ट्रीय विशेषज्ञ के रूप में निम्नलिखित नई शिक्षण प्रस्ताव आरंभ किए, गर्भावस्था डायबिटीस पर टीचिंग मोड्यूल विकसित किए; पेरीटोनेक्टॉमी एवं एचआईपीईसी पर फर्स्ट इंडियन लाइव कैडेवर हैंड्स ऑन ट्रैनिंग कोर्स हेतु कोर्स कंवेनर, बंग्लौर, 28–29 मार्च, 2015 (एजीओआई के तत्वावधान के तहत); प्रसूति एवं स्त्रीरोगविज्ञान में वर्तमान यूजी पाठ्यक्रम को रिड्राफ्ट करने के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के साथ कार्य किया; कॉन्प्रिहेंसिव कैंसर सर्विक्स स्क्रीनिंग एंड मैनेजमेंट हेतु प्रशिक्षण मॉड्यूल्स को विकसित करने के लिए विशेषज्ञ समूह के सदस्य के रूप में दिशा–निर्देशों को विकसित करने में सम्मिलित, डब्ल्यूएचओ साउथ ईस्ट एशिया रीजनल कार्यालय, नई दिल्ली, 13–14 नवंबर 2014; कैंसर ग्रीवा उन्मूलन दिवस पर डॉ. हेराल्ड जुर हुसैन भाषण प्रदान किया : ग्रीवा कैंसर का उन्मूलन : स्वप्न या यथार्थ ? रीजनल कैंसर सेंटर, कटक उड़ीसा, 11 मार्च, 2015; अध्यक्ष, एशिया ओसिनिया रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन ऑन जेनीटल इंफैक्शन एंड नियोप्लासिया (एओजीआईएन), 2014–16; अध्यक्ष, एसोसिएशन ऑफ गायनीकोलोजिक ओंकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एजीओआई), 2014–15; बोर्ड सदस्य, इंटरनेशनल फेडरेनशन फॉर सर्विकल पैथोलॉजी एंड कोल्पोस्कोपी (आईएफसीपीसी), 2014–17; सदस्य साइंटिफिक कमेटी ऑफ द इंटरनेशनल फेडरेशन फॉर सर्विकल पैथोलॉजी एंड कोल्पोस्कॉपी (आईएफसीपीसी) 2014–17; सभापति, ओंकोलॉजी एंड ड्रोफोब्लास्टिक ट्यूमर्स कमेटी, एफओजीएसआई, 2014–17; लाभों के पारस्परिकता एवं परस्पर समानता के सिद्धांत पर आधारित शैक्षिक एवं वैज्ञानिक सहयोग के क्षेत्रों को उद्घाटित करने के लिए नीदरलैंड के विश्वविद्यालयों में जाने के लिए अ. भा. आ. सं. के प्रतिनिधि मंडल में भाग लिया, 26–29 अगस्त, 2014; भारत हेतु एक व्यापक पीपीएच नीति को विकसित करने के लिए बैठक में सम्मिलित होने के लिए एमओएचएफडब्ल्यू द्वारा आमंत्रित किए गए, कोलंबो श्रीलंका, 29 अक्तूबर, 2014; मीडिया एवं प्रोटोकॉल प्रभाग के सभापति के रूप

में निम्न से अ. भा. आ. सं. हेतु प्रतिनिधि मंडल के आगमन को सुगम बनाया; (प) जापान फाउंडेशन फॉर कैंसर रिसर्च (जेएफसीआर) (पप) स्वीडिश मिनीस्ट्री फॉर हेल्थ केयर पब्लिक हेल्थ एंड सपोर्ट (पपप) रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियंस, यूके (पअ) बांग्लादेश (अ) इंटरनेशनल बिजनेस काउंसिल, यूएसए (अप) ओसाका यूनिवर्सिटी, जापान, (अपप) कोरिया एवं (अपपप) रिपब्लिक ऑफ फिजी; अ. भा. आ. सं. में झपियगों सहित ग्रीवा इंट्राएपिथेलियल न्यूयोप्लासिया के उपचार हेतु एक नई क्रायोथेरैपी यंत्र हेतु मॉडल्स पर यूजएबिलटी एसेसमेंट एक्सरसाइज का संचालन किया, 1–2 दिसंबर 2014.

प्रोफेसर नूतन अग्रवाल इंडो सोसाइटी ऑफ एओजीडी की समिति की सभापति थी; भारतीय परिदृश्य में असामान्य गर्भाशय रक्तस्राव के उपचार के लिए दिशा–निर्देश तैयार किए; नवजात में श्वसन तनाव लक्षण को रोकने के लिए समयपूर्व जन्म से पूर्व सर्फेक्टेंट के टॉपिक इंट्राम्मेटिव संस्थापन पर एफओजीएसआई 2014–15 से नवीन अनुसंधान के लिए कोरियन पुरस्कार; अल्ट्रासाउंड ओथर्स पर नैदानिक एस्कोबार लक्षण के दुर्लभ केस विषय पर दिनांक 25–27 अप्रैल 2014 को नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ गायनी इंडोक्राइन में पोस्टर प्रस्तुतीकरण ऑफ गायनी इंडोक्राइन में पोस्टर प्रस्तुतीकरण हेतु द्वितीय पुरस्कार : अग्रवाल एन, लता के, कृपलानी ए, काबरा एम; डिस्फंक्शनल गर्भाशय रक्तस्राव के उपचार में संयुक्त हार्मोनल वेजाइनल रिंग की भूमिका का अध्ययन करने के लिए मुख्य गाइड के रूप में श्रेष्ठ शोध प्रबंध के लिए लीलावती अवॉर्ड – छात्रा डॉ. मोनिका गुप्ता; रेड फ्लावर पब्लिकेशन के तहत प्रसूति एवं स्त्री के चीफ एडीटर ऑफ इंडिया जे; वोल्टर क्लुवर की सलाहकार समिति – 23.02.2015 पर क्लिनिकल प्रैक्टिस में अप–टू–डेट हेतु; दिनांक 18.02.2015 को गायनी विशेषज्ञों के लिए यूपीएससी चयन हेतु परीक्षक।

डॉ. जे. बी. शर्मा ने नई दिल्ली से प्रकाशित होने वाली एक विशेष नेशनल जर्नल ऑफ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनीकोलॉजी के इंडिनयन ऑब्स्टीट्रिक्स एंड गायनीकोलॉजी के मुख्य संपादक के रूप में दिनांक 8 नवंबर 2014 को सत्या पॉल ओरेशन अवॉर्ड में भाग लिया; लेखक : इंडियन ऑब्स्टीट्रिक्स एंड गायनीकोलॉजी; आब्स एंड गायनी टूडे। ए स्पेसिलिटी नेशनल जर्नल ऑफ ऑब्टीट्रिक्स, गायनीकोलॉजी एंड इफर्टिलिटी, मेडीवर्ल्ड पब्लिकेशंस दिल्ली; सह संपादक : इंटरनेशनल जर्नल ऑफ गायनीकोलॉजी एंड ऑब्स्टीट्रिक्स इंडिया। एफआईजीओ (इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ गायनीकोलॉजी एंड ऑब्स्टीट्रिक्स) एंड मेडिकल को कम्युनिकेशन नेटवर्क, इंडिया; एशियन जर्नल ऑफ ऑब्स्टीट्रिक्स एंड गायनीकोलॉजी, दिल्ली से प्रकाशित; इंडियन जर्नल ऑफ गायीनीकोलॉजिक इंडोस्कोपी दिल्ली से प्रकाशित; चिकित्सा में केस रिपोर्ट; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ गायनी प्लास्टिक सर्जरी; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ गायनीकोलॉजी एंड ऑब्स्टीट्रिक्स हेतु समीक्षक, यूएसए; यूरोपियन जर्नल ऑफ गायनीकोलॉजी एंड ऑब्स्टीट्रिक्स यूरोप; आर्काइवज़ ऑफ गायनीकोलॉजी एंड ऑब्स्टीट्रिक्स, स्वीजरलैंड; इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च; जर्नल ऑफ ऑब्स्टीट्रिक्स एंड गायनीकोलॉजी ऑफ इंडियन; फर्टिलिटी एंड स्टरिलिटी; जर्नल ऑफ मिडलाइफ हेल्थ; जर्नल ऑफ ऑब्स्टीट्रिक एंड गायनीकोलॉजिकल रिसर्च।

डॉ. नीता सिंह को अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स (एफएसीएस) का फेलोशिप प्रदान किया गया; ऑब्स्ट्रेक्टिव स्लीप एप्नीया (आईएनओएसए) हेतु भारतीय दिशा–निर्देश को सूचीबद्ध करने के लिए विशेषज्ञ समूह का सदस्य; सीजीएचएस के लिए बेरियाट्रिक सर्जरी के लिए गाइडलाइंस को सूत्रीकरण करने पर विशेषज्ञ समूह के सदस्य; – स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय।

डॉ. गरिमा कछावा दिल्ली गायनी इंडोक्राइन सोसाइटी की सचिव थीं, 2014–2016.

डॉ. रीता माही ने कोषाध्यक्ष के रूप में वार्षिक इंडोस्कोपी कार्यशाला एवं सम्मेलन आईएजीईएमआईएससीओएन 2014 को आयोजन करने में भाग लिया (29–31 अगस्त 2014 को आयोजित); जीईएसआईसीओएन 2014 के आयोजन में भाग लिया; दिनांक 8 फरवरी 2015 को आईवीएफ सुविधा (अ. भा. आ. सं.) के स्थापना दिवस समारोह को आयोजित आईवीएफ सिम्पोजियम अपडेट इन आईवीएफ – ब्रिजिंग द गैप को आयोजित किया; नवंबर 2014 में विभाग में डब्ल्यूएचआई इंडोस्कोपी प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन एवं आयोजन करने में मदद की।

डॉ. पी. वनामेल रॉयल स्टेटिस्टिकल सोसाइटी ऑफ लंदन के वार्षिक सदस्य बने; आईएजीई – एमआईएससीओएन 2014 के वार्षिक सम्मेलन में मूट कोर्ट सत्र हेतु सभापति, नई दिल्ली, 29–31 अगस्त; समीक्षक महिलाएं एवं स्वास्थ्य; एवं इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च।

डॉ. विदुर्शी कुलश्रेष्ठ को इंडियन एसोसिएशन ऑफ गायनीकोलॉजिकल इंडोस्कोपिस्ट्स इंडोस्कोपिस्ट्स, नई दिल्ली के वार्षिक सम्मेलन – आईएजीईएम आईएससीओएन में 'काइलोअस एस्साइटिस : प्रसवन अक्षमता के केस में दुर्लभ लैप्रोस्कॉपिक खोज' हेतु सह लेखक के रूप में लेख प्रस्तुतीकरण हेतु द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया, अगस्त 2014; निम्नलिखित के लिए सदस्य – विशेषज्ञ समूह के रूप में आमंत्रित किया गया : गर्भावस्था में कैल्शियम सप्लीमेंटेशन, डीवार्मिंग, जेस्टेशन डायबिटीस मेलीटस एवं हाइपोथायरॉयडिज्म हेतु दिशा–निर्देश बनाने के लिए 2 विशेषज्ञ समूह मीटिंग, प्रसूति एवं स्त्री विभाग, केजीएमयू, लखनऊ एवं एमएच प्रभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, श्रीनगर द्वारा

आयोजित 25–27 जुलाई, 2015; नवीन आरएमएनसीएच+ए पहलुओं पर विशेषज्ञ समूह बैठक, एमएच प्रभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, दिल्ली द्वारा आयोजित 3 सितंबर, 2014; संशोधित राष्ट्रीय तपेदिक नियंत्रण कार्यक्रम (आरएनटीसीपी) के तहत एक्स्ट्रापल्मोनरी टीबी पर दिशानिर्देश विकसित करने के लिए विशेषज्ञ समूह बैठक कायचिकित्सा विभाग, अ. भा. आ. सं. नई दिल्ली द्वारा आयोजित, 24 जनवरी 2015; संशोधित राष्ट्रीय तपेदिक नियंत्रण कार्यक्रम (आरएनटीसीपी) के तहत एक्स्ट्रापल्मोनरी टीबी पर दिशानिर्देश विकसित करने के लिए विशेषज्ञ समूह बैठक, कायचिकित्सा, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली द्वारा आयोजित 18 मार्च 2015; रिप्रोडक्टिव अवधि में असामान्य गर्भाशय रक्तस्राव के उपचार के लिए भारतीय महिलाओं हेतु प्रमाण–आधारित क्लिनिकल प्रैक्टिस संस्तुतियां (इंडोक्राइन कमेटी ऑफ एसोसिएशन ऑफ ऑब्स्ट्रीनिएंस एंड गायनीकोलोजिस्ट के सहयोग के साथ ए गायनी इंडोक्राइन सोसाइटी ऑफ इंडिया (जीईएसआई) पहल); शिक्षण एवं अनुसंधान से संबंधित निम्नलिखित कार्यशालाओं में भाग लिया : सीमेट अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली द्वारा आयोजित माइक्रोटीचिंग कार्यशाला, 12. 11.2014; अनुसंधान अनुभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (अ. भा. आ. सं.) एवं माइचिगन विश्वविद्यालय द्वारा संचालित अ. भा. आ. सं. – यूएम अनुसंधान पद्धतियां कार्यशाला –2014, 1–5 : 12:2014, नई दिल्ली; साउथ एशियन कोचरेन नेटवर्क एंड सेंटर, क्रिस्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर द्वारा आयोजित कोचरेन प्रोटोकॉल विकास कार्यशाला 9–13:2:2015; एओजीडी का 36वां वार्षिक सम्मेलन में गायनी इंडोक्राइन एंड एडोल्सेंट हेल्थ पर कार्यशाला, नई दिल्ली, 24:10:2014 सह संयोजक के रूप में।

डॉ. सीमा सिंघल को यूरोपियन सोसायटी ऑफ गायनीकोलॉजिक ओंकोलॉजी (ईएसजीओ) की सदस्यता; द इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर गायनीकोलॉजिक इंडोस्कोपी आईएसजीई) की सदस्यता; एशिया ओसिनिया रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन ऑन जेनीटल इंफैक्शंस एंड नियोप्लासिया इंडिया (एओजीआईएन) की सदस्यता; एसोसिएशन ऑफ गायनी ओंकोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया (एजीओआई) की सदस्यता; राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (एमएनएएमएस) की सदस्यता प्रदान की गई; विषय विशेषज्ञ समिति सदस्यत; (प) क्लिनिकल परीक्षण, नई दवाइयों एवं नई चिकित्सा युक्तियों के अनुप्रयोगों के विभिन्न वर्गों के मूल्यांकन के लिए उत्तरवर्ती नई औषधि प्रभाग (एसएनडी) सीडीएससीओ (एचक्यू)। केंद्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन द्वारा आयोजित 16 जनवरी, 2015, एवं 27 फरवरी 2015 को 10वां एवं 11वां एसईसी रिप्रोडक्टिव एवं यूरोलॉजी में सम्मिलित हुई; (पप) अ. भा. आ. सं. में दिल्ली में दिनांक 18 एवं 19 फरवरी, 2015 को आयोजित 6वां नेशनल कंसल्टेशन मीटिंग में अनिवार्य दवाइयों की राष्ट्रीय सूची का परिशोधन, (पपप) इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी में इंडियन फर्स्ट एड के विकास के लिए विशेषज्ञ सदस्य; निम्नलिखित जर्नलों के लिए समीक्षक; यूरोपियन जर्नल ऑफ ऑब्स्टीट्रिक्स एंड गायनीकोलॉजी एंड रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी, यूरोपियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, ऑब्स्टीट्रिक्स एंड गायनीकोलॉजी केसिस – समीक्षाएं, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च एंड जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च ; मुज्जफरनगर मेडिकल कॉलेज में 28, 29 एवं 30 नवंबर 2014 को आयोजित यूपी चैप्टर ऑफ ऑब्स्टीट्रिक्स एंड गायनीकोलॉजी (यूपीसीओएन 2014) में 30.11.14 को एमेनोर्रहिया का उपचार शीर्षक पैनल परिचर्चा का सभापत्ति किया; दिनांक 16 फरवरी 2015 को इंडियन हैबिटेट सेंटर में एजीई इंडिया द्वारा आयोजित पीईटी बालचिकित्सा, जेरियाट्रिक एवं प्रजनन आयु के स्वास्थ्य संकट शीर्षक पैनल परिचर्चा में पैनेलिस्ट के रूप में भाग लिया; ट्रॉमा 2014 में निःशुल्क लेख सत्र का निर्णय किया, इंडियन सोसाइटी ऑफ ट्रॉमा एंड एक्यूट केयर का वार्षिक सम्मेलन, नई दिल्ली; दिनांक 21 से 25 जनवरी तक चैन्नई में 58वां ऑल इंडिया कांग्रेस ऑफ ऑब्स्टीट्रिक्स एंड गायनीकोलॉजी की अध्यक्षता, एआईजीओजी; प्रसूति एवं स्त्रीरोगविज्ञान विभाग अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित आईएजीईएमआईएसओएन 29–31 अगस्त 2014 में निःशुल्क लेख सज की जज; यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंससेज दिल्ली में 8 से 11 दिसंबर 2014 तक ।।। एम. बी. बी. एस. वार्षिक परीक्षा के प्रसूति एवं स्त्रीरोगविज्ञान हेतु परीक्षक।

डॉ. राजेश कुमारी ने दिनांक 8–9 अगस्त 2014 को डॉ. रामालिंगास्वामी सभागार कक्ष में आयोजित बेसिक वर्कशॉप ऑन रिसर्च मेथडलॉजी में भाग लिया; के. एल. विग में आयोजित मेडिकल एंड हेल्थ प्रोफेशंस एजुकेशन में बेसिक कोर्स।

डॉ. ज्योति मीणा ने दिनांक 1.2.15 को आईसीएमआर में साक्षात्कार बोर्ड के सदस्य, दिनांक 8–9 अगस्त को डॉ. रामालिंगा सभागार कक्ष में आयोजित रिसर्च मेथडलॉजी पर बेसिक कार्यशाला में भाग लिया।

9.25 अस्थिरोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

प्रकाश पी. कोतवाल

आचार्य

शिशिर रस्तोगी	अरविंद जायसवाल	राजेश मल्होत्रा
हीरा लाल नाग	रवि मित्तल	चंद्र शेखर यादव

अपर आचार्य

शाह आलम खान	विजय कुमार

सहायक आचार्य

भावुक गर्ग	अशोक कुमार

विशिष्टताएं

अस्थिरोग विज्ञान विभाग द्वारा अस्थि रोगों, जोड़ प्रतिस्थापन की सभी विशेषताओं में गुणवत्ता पूर्ण रोगी देखभाल प्रदान करने में अग्रणी रहा है, जो एम्स में बड़ी संख्या में नियमित रूप से कराए जाते हैं और जिसमें जटिल संशोधन जोड़ प्रतिस्थापन, नेविगेशन समर्थित जोड़ प्रतिस्थापन सर्जरी शामिल है। विभाग में देश का एक मात्र कार्यशील मृत अस्थि बैंक है। इस अस्थि बैंक में रखी गई हड्डियां विभिन्न जटिल अस्थि रोग सर्जरी में व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाती है। यहां विभिन्न जटिल हस्त पुनः निर्मित सर्जरी नियमित रूप से कराई जाती है जैसे माइक्रो वेस्कुलर सर्जरी, वेस्कुलर अस्थि स्थानांतरण, कलाई की आर्थोस्कोपी, डिस्टल अलना प्रतिस्थापन, रिवर्स शोल्डर प्रतिस्थापन और वाइड अवेक हैंड सर्जरी। एम्स के स्कोलियोसिस क्लिनिक सबसे बड़े स्पाइन विकृति क्लिनिक और न्यूनतम भेदक स्पाइन सर्जरी, रीढ़ की हड्डी के रिसेक्शन, नेवीगेशन समर्थित स्पाइन सर्जरी का एक बड़ा केंद्र है जो एम्स में नियमित रूप से कराई जाती है। विभाग पेल्विक रिसेक्शन, एण्डोप्रोस्थेटिक प्रतिस्थापन और अन्य जटिल ट्यूमर सर्जरी के इलाज में अग्रणी रहा है जो यहां नियमित रूप से कराई जाती है। विभिन्न प्रकार के बाल विकारों को भी यहां नई प्रक्रियाओं के जरिए उपचार दिया जाता है जैसे कुल्हे की आर्थोस्कोपी। मल्टीलिगामेंट चोट के इलाज सहित कंधे और घुटने की आर्थोस्कोपिक प्रक्रियाएं सफलता पूर्वक की जाती हैं।

विभाग द्वारा मृत शरीर पाठ्यक्रम, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन तथा ओर्थोपेडिक सर्जनों के प्रशिक्षण के लिए निरंतर चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। विभाग के संकाय सदस्य अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों तथा पाठ्यक्रमों में संकाय के रूप में कार्य करते हैं।

विभाग में अनेक निधिकृत अनुसंधान परियोजनाएं और क्लिनिकल परीक्षण किए जा रहे हैं। विभाग के अनेक वैज्ञानिक लेख विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किए जाते हैं तथा इन्हें इंडेक्स पत्रिकाओं में प्रकाशित किया गया है।

शिक्षा

एमबीबीएस, एमएस अस्थि रोग विज्ञान और अल्पावधि, दीर्घ अवधि और नर्स प्रशिक्षण

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली में 16–17 अगस्त, 2014 को आर्थोप्लास्टी में वर्तमान अवधारणाएं।
2. 19 अक्टूबर, 2014 को जेपीएनए ट्रामा सेंटर, नई दिल्ली में एम्स ऑक्सफोर्ड आंशिक घुटने बदलने का पाठ्यक्रम।
3. अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली में 11 – 12 मार्च 2015 को अ. भा. आ. सं. कैडेवर आर्थोप्लास्टी पाठ्यक्रम 2015।
4. 14–15 मार्च 2015 को एम्स, नई दिल्ली में कंप्यूटर नेविगेशन असिस्टेड घुटने और कुल्हे संधिसंधान पाठ्यक्रम।
5. 4 सितंबर 2014 को (शव संधिसंधान टीकेए पाठ्यक्रम) आईएसकेएसएए – 2014 के पूर्व सम्मेलन कार्यशाला।
6. अ. भा. आ. सं., जेएलएन ऑडिटोरियम में 7 दिसंबर, 2014 को तृतीय अ. भा. आ. सं. आर्थोप्लास्टी अद्यतन।

प्रदत्त व्याख्यान

पी. पी. कोतवाल : 25
आर. मल्होत्रा : 54
सी. एस. यादव : 38
भावुक गर्ग : 16
एस. रस्तोगी : 17
एच. एल. नाग : 7
शाह आलम खान : 17
अशोक कुमार : 3
ए. जायसवाल : 28
रवि मित्तल : 24
विजय कुमार : 29

मौखिक पत्र / प्रस्तुति पत्र : 57

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. बर्मिंघम मिड हैड रिसेक्शन आर्थोप्लास्टी के बाद समीपस्थ ओर्बिक अस्थि खनिज घनत्व और प्रणालीगत धातु आयन के स्तर का आकलन। राजेश मल्होत्रा, आई सी एम आर, 4 वर्ष और 3 माह, 15.03.2011 –14.06.2015, 27,30,930 रुपए।
2. पूरे कूल्हे को बदलने की आवश्यकता वाले व्यक्तियों में डेल्टा मोशन कप प्रणाली के अस्तित्व और प्रदर्शन पर नजर रखने के लिए एक बहु केंद्र, भावी, अनियंत्रित पूर्व बाजार नैदानिक अनुवर्ती अध्ययन (पीएमसीएफएस)। राजेश मल्होत्रा, जॉनसन एंड जॉनसन मेडिकल इंडिया, 3 वर्ष, 26.11.2012–25.11.2015, 35.50 लाख रुपए।
3. विभिन्न जैव सामग्री के लिए विभिन्न बैक्टीरिया के जैव फिल्म निर्माण के जीवाणु पालन और बैक्टीरियल प्रवशत्ति का अध्ययन करना, राजेश मल्होत्रा, आई सी एम आर, 1 वर्ष 3 माह के लिए, 01.02.2014 – 16.04.2015, 12.52 लाख रुपए।
4. दवा का उपयोग पैटर्न, उपचार की संतुष्टि और ऑस्टियोपोरोसिस अध्ययन (म्यूजिक) का अपर्याप्त नियंत्रण : नैदानिक व्यवहार में ऑस्टियोपोरोसिस के लिए उपचार करा रही रजोनिवशत्ति उपरांत महिला का एशिया प्रशांत अध्ययन'' 1 वर्ष के लिए एमईआरसीके द्वारा वित्त पोषण के लिए मंजूरी दी गई, राजेश मल्होत्रा, एमईआरसीके, 2 वर्ष के लिए, 25.02.2014–24.02.2016, 3.30 लाख रुपए।
5. सुरक्षा उपयुक्तता और भारतीय जनसंख्या में यूनिकम्पार्टमेंटल नी रिप्लेसमेंट की चिकित्सीय प्रभावकारिता, विजय कुमार / राजेश मल्होत्रा, डीएसटी–यूकेआईईआरआई, 2 वर्ष, 24.09.2015–24.09.2017, 35 लाख रुपए।
6. भारतीय रोगियों में मेटल डेब्रिस (एआरएमडी) के लिए प्रतिकूल प्रतिक्रिया का मूल्यांकन, जो मेटल आर्टिकुलेशन पर एक मेटल के साथ कूल्हे के संधिसंधान है, विजय कुमार, एम्स, 2 वर्ष, अक्तूबर 2015 – अक्तूबर 2017, 3,55,382 रुपए।
7. मानव अस्थि मज्जा व्युत्पन्न मेसेंकायमल स्टेम कोशिकाओं की अलगाव और आणविक लक्षणीकरण, रवि मित्तल, अ. भा. आ. सं., 2 वर्षों के लिए अक्तूबर 2013 – अक्तूबर 2015, 10 लाख रुपए।
8. क्या कार्पल टनेल रिलीज होने के बाद अंगूठे का विरोध प्राप्त करता है। भावुक गर्ग, अ. भा. आ. सं., 2 वर्षों के लिए, 2014–15, 3 लाख रुपए।
9. कंप्यूटर असिस्टेड रोगी विशिष्ट ओस्टियोटॉमी विकसित और बड़ा सीटी स्कैन और 3 डी पुनर्निर्माण के मॉडल की मदद से रीढ़ की हड्डी में विकृति के लिए गाइड ड्रिल करना। भावुक गर्ग, डीबीटी इनोवेटिव यंग बायोटेक्नोलॉजिस्ट अवॉर्ड, 3 वर्ष, 2014–2017, 50 लाख रुपए।

पूर्ण

1. स्कोलियोसिस रोगियों का डेटाबेस'' (आईसीएमआर–आई–644), अरविंद जयसवाल, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आई सी एम आर), 5 वर्षों के लिए, 18.03.2010 से 16.03.2015, 17,65,800 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. कंधे की अकड़न का प्रबंधन।
2. पूरे घुटने की आर्थोप्लास्टी के लिए पोस्टऑपरेटिव परिणाम पर पूर्व – ऑपरेटिव मनोवैज्ञानिक कारकों का प्रभाव।
3. मैलिगनेंट बोन ट्यूमरों में बाह्य विकिरण चिकित्सा की भूमिका – एक नैदानिक और जैव यांत्रिक अध्ययन।

4. पुराने कलाई के दर्द के मूल्यांकन में एमआर अर्थोग्राम और रिस्ट अर्थ्रोस्कोपी का तुलनात्मक अध्ययन।
5. भारतीय जनसंख्या में अपनी भूमिका को परिभाषित करने के लिए एक प्रयास के साथ यूनिकम्पार्टमेंट घुटना प्रतिस्थापन के परिणामों का मूल्यांकन।
6. डबल बंडल एसीएल के साथ उपचार कर रहे रोगियों में और्विक और टिबियल टनलों के बीच टनल वाइडनिंग और बोनी ब्रिज का मूल्यांकन। एसीएल टियर के लिए पुनर्निर्माण। बहु–डिटेक्टर सीटी स्कैन और घुटने स्थिरता और कार्यात्मक परिणाम के साथ उनके सह–संबंध का उपयोग करना।
7. रोगियों में क्लिनिकल और रेडियोलॉजिकल परिणाम आकलन का पूर्वव्यापी अध्ययन जिनमें कि मेटल पॉली आर्टिकुलेशन पर मेटल बनाम मेटल के साथ होता है।
8. टाइप 2 इंटरट्रोचेनट्रिक फ्रैक्चर में पीएफएनए और डीएचएस के बीच तुलना।
9. युवा स्पर्शोन्मुख व्यक्तियों में सबएक्सिल ग्रीवा रीढ़ पेडिकल के सीटी आधारित मोर्फोमेट्रिक का अध्ययन।
10. नैदानिक तुलना के लिए एक भावी यादश्च्छिक चिकित्सीय परीक्षण, मीडियल पाइवोट और पोस्टिरियल स्थिर घुटने के बीच फ्लोरोस्कोपिक और रेडियोलॉजिकल का परिणाम।
11. हैमस्ट्रिंग ग्राफ्ट हार्वेस्ट के लिए परोक्ष चीरा का उपयोग कर एसीएल पुनर्निर्माण के दौरान सेफेनॉस तंत्रिका के इंफ्रा पेटेल्लर ब्रांच से चोट के क्लिनिकल और इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी का आकलन : पायलट भावी अध्ययन।
12. 35 वर्ष की आयु के बराबर या उससे कम के रोगियों में कुल कूल्हे संधिसंधान के क्लिनिकल और रेडियोलॉजिकल परिणाम के मूल्यांकन का पूर्वव्यापी और भावी अध्ययन करना।
13. बाल चिकित्सा ऑस्टियोसारकोमास में डायनेमिक एमआरआई और ऊतकविकृतिविज्ञानी, सीरम बायोमार्कर के बीच सहसंबंध।
14. एसीएल चोट वाले रोगियों में घुटने के अग्रपाश्विक लिग्मेंट के क्लिनिको–रेडियोलॉजिकल मूल्यांकन।
15. ट्रॉमा सेंटर स्तर 1 में पेल्विक फ्रैक्चर के एक संभावित अवलोकन अध्ययन में प्रबंधित।
16. एमआरआई के उपयोग के साथ सभी के अंदर एसीएल पुनर्निर्माण आर्थ्रोस्कोपिकली सहायता में सॉकेट विडेनिंग और ग्राफ्ट हेडिंग का अध्ययन करना।
17. हैमस्ट्रिंग ग्राफ्ट हार्वेस्ट के लिए परोक्ष चीरा का उपयोग कर एसीएल पुनर्निर्माण के दौरान सेफेनॉस तंत्रिका के इंफ्रा पेटेल्लर ब्रांच से चोट के क्लिनिकल और इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी का आकलन : पायलट भावी अध्ययन।
18. चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग की सहायता से घुटने की चिकित्सा मेनिस्कुस के पोस्टेरियर हॉर्न के टियर के निदान के लिए एक नए नैदानिक परीक्षण का मूल्यांकन।
19. ''आंशिक'' बंडल पूर्वकाल प्रसारित लिगामेंट टियर के रेट्रो भावी विश्लेषण – एसीएल वशिद्ध के साथ निदान और प्रबंधन।
20. आवर्तक और आक्रामक विशाल कोशिका ट्यूमर में एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी की भूमिका – एक नैदानिक रोगात्मक और रेडियोलॉजिकल सहसंबंध।
21. ऑस्टियोसार्कोमा और इविंग सार्कोमा के साथ संचालित मामलों में स्थानीय पुनरावृत्ति के साथ संबद्ध कारकों की तुलना का मूल्यांकन।

पूर्ण

1. स्पास्टिक सेरिब्रल पल्सी में निचले अंग विकृति सहित बच्चों में बोटुलिनम टॉक्सिन बनाम सिंगल इवेंट मल्टीलेवल सर्जरी (एसईएमएस) : एक यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन।
2. एसीएल चोट वाले रोगियों में पूर्वकाल क्रुसिएट लिगमेंट स्टंप का अल्ट्रास्ट्रक्चर मॉर्फोलॉजी और इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी और हल्के माइक्रोस्कोपी की सहायता से एसीएल पुनर्निर्माण के लिए उपयोगी सेमिटेंडिनस ग्राफ्ट : एक तुलनात्मक अध्ययन।
3. लेग – केल्व – पेर्थेस रोग और इमेजिंग सहित इसके सहसंबंध के साथ बच्चों में कूल्हे की आर्थोस्कोपी।
4. फीमर पर एसीएल और्विक पदचिह्न के 3डी सीटी स्कैन मूल्यांकन और सिंगल बंडल एसीएल पुनर्निर्माण के फेमोरल टनल की स्थिति।
5. सबएक्रोमियल इंपिंगमेंट सिंड्रोम में कोर्टिकोस्टेरियोड इंजेक्शन के साथ पीआरपी इंजेक्शन की यादृच्छिक परीक्षण तुलना।
6ण टीकेआर के साथ और टूनिकेट के बिना कार्यात्मक परिणाम की तुलना लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

7. हड्डी के विशालकाय सेल ट्यूमर के प्रबंधन में बिसफॉस्फोनेट्स की भूमिका – एक यादृच्छिक तुलनात्मक नैदानिक, हिस्टोपैथोलॉजिकल और रेडियोलॉजिकल अध्ययन।
8. विस्थापित अंतर – जोड डिस्टल रेडियस फ्रैक्चर के लिए परिवर्तनशील एंगल और निश्चित एंगल वॉलर लॉकिंग प्लेट के बीच नैदानिक, रेडियोलॉजिकल और कार्यात्मक परिणामों की तुलना एक भावी अध्ययन।
9. एसीटेबुलम के शल्य चिकित्सा लक्षित पोस्टेरियर वॉल फ्रैक्चर के कार्यात्मक और रेडियोलॉजिकल परिणाम का मूल्यांकन – एक भावी अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. कूल्हे की जन्मजात अव्यवस्था में रोगी विशिष्ट तनाव विश्लेषण, आईआईटी, दिल्ली।
2. घातक हड्डी के ट्यूमर में बाह्य विकिरण चिकित्सा के जैव यांत्रिक जांच, आईआईटी, दिल्ली।
3. क्लिनिकोपैथोलॉजी सुविधाओं, उपचार के परिणाम और ऑस्टिओसारकोमा वाले रोगियों के पूर्वाभासी कारकों का मूल्यांकन, चिकित्सा कैंसर विज्ञान विभाग, आईआरसीएच, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान।
4. कूल्हे सुरक्षात्मक उपकरण की डिजाइन और विकास, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली (आईआईटी)।
5. रुमेटॉइड आर्थराइटिस का इटियोलॉजी – फोस्फोप्रोटियोमिक्स की भूमिका का एक खोजपूर्ण अध्ययन इंस्टीट्यूट ऑफ जिनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी, नई दिल्ली।
6. सुरक्षा, उपयुक्तता और भारतीय आबादी में यूनिकम्पार्टमेंटल नी रिप्लेसमेंट की चिकित्सीय प्रभावकारिता, आईआईटी दिल्ली, विकिरण निदान विभाग, नई दिल्ली।
7. आर्थराइटिस के प्रयोगात्मक मॉडल में लोसोनिया इंटर्मिस, कॉलचिकम लुटेयम, टर्मिनल चेबुला की प्रभावकारिता और सुरक्षा, औषध विज्ञान विभाग, अ. भा. आ. सं.।
8. एशियाई भारतीय आर्थराइटिस रोगियों में टी–हेल्पर 17 (टीएच–17) की भूमिका की स्थापना का अध्ययन, औषध विज्ञान विभाग, अ. भा. आ. सं.।
9. आथ्रेरिटिस चूहों के प्रयोगात्मक मॉडल में ग्लूरोसिया सुपर्ब, बैरबैरिसटाटा, सिसुस्वाड्रेगुलेरिस की प्रभावकारिता और सुरक्षा। औषध विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान।
10. नैदानिक नमूनों और माइक्रोबैक्टीरियल आइसोलेट्स के एक राष्ट्रीय स्तर रिपोजिटरी की स्थापना, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग।
11. पुराने घुटने के दर्द का एमआरआई मूल्यांकन, विकिरण निदान विभाग।
12. मेसेंकाइमल स्टेम कोशिकाओं और श्लेष सारकोमा में ईएमटी / एमईटी प्रोफाइल की तुलना, जैव रसायन विभाग।
13. पुराने कोहनी के दर्द का एमआरआई मूल्यांकन, विकिरण निदान विभाग।
14. मानव में हड्डी तपेदिक के नैदानिक और आणविक जांच, इंस्टीट्यूट ऑफ जिनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी।
15. डिस्चार्ज के तत्परता के लिए प्राप्त प्रोफाइल और समय के यूनिलेटरल टीकेए – ए की तुलना में कुल इंट्रावेनस एनीस्थिसिया बनाम सबआर्कनिड ब्लॉक'' प्रत्याशी, संवेदनाहरण विभाग।
16. कृत्रिम संयुक्त संक्रमण की भयावहता और एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में कृत्रिम संयुक्त संक्रमण की माइक्रोबियल प्रोफाइल की पहचान करने के लिए प्रवर्धन बोंड डीएनए विश्लेषण की भूमिका। सूक्ष्म विज्ञान विभाग।
17. एम्स अस्पताल में चुनिंदा शल्य विशेषता में वैकल्पिक शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं के लिए प्रतीक्षा समय का अध्ययन करना। प्रतीक्षा समय और उसे कम करने के तरीकें सुझाने के लिए मुख्य कारकों का विश्लेषण करना, अस्पताल प्रशासन विभाग।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 40 **पुस्तकों में अध्याय : 4**

रोगी उपचार

सामान्य बाह्य रोगी सेवाएं

हैंड क्लिनिक, स्पोर्ट्स क्लिनिक, सीटीईवी क्लिनिक, स्कोलियोसिस क्लिनिक और बोन बैंक

1. प्रोफेसर एच. एल. नाग, जे. एल. नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में घायल एथलीटों की उपस्थित दोपहर में, एक सप्ताह में बार,
2. 23 फरवरी 2015 को आईआईसीएम द्वारा आयोजित रांची में एक दिन का शिविर, में डॉ. भावुक गर्ग ने भाग लिया लिया।
3. मौलाना मारूफ एजुकेशनल सोसायटी द्वारा अयोजित 11 से 12 मार्च, 2015 को सीतामढ़ी और मुजफ्फरपुर में दो दिन के शिविर में डॉ. विजय कुमार और डॉ. भावुक गर्ग ने भाग लिया।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर पी.पी. कोतवाल ने जून **2014** को श्रीनगर में आयोजित इंडियन आर्थोपेडिक रुमेटोलॉजी एसोसिएशन के **6**वें वार्षिक सम्मेलन में पर "रुमेटी हैंड" पर (इंडियन आर्थोपेडिक रुमेटोलॉजी एसोसिएशन) आई ओ आर ए ओरेशन वितरित किया; अगस्त 2014 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित ''संधिसंधान में मौजूदा अवधारणाओं'' में ''गोइंग फॉरवर्ड : द रिवर्स वे'' पर पूर्ण व्याख्यान दिया; नवंबर 2014 को हैदराबाद में आयोजित इंडियन आर्थोपेडिक एसोसिएशन के वार्षिक सम्मेलन में इंडियन आर्थोपेडिक एसोसिएशन के डॉ. बी. मुखोपाध्याय नामस्रोत/एपोनायमस पर व्याख्यान दिया। विषय "काइनबॉक्स के रोगः उभरता अनुभव"। जे. हैंड की सर्जरी में बेस्ट अपर एक्सट्रीमिटी कॉग्निटल रिसर्च मैनुस्क्रिप्ट प्रकाशित करने के लिए बच्चे के हाथ की शल्य चिकित्सा देखभाल पर सबसे बड़े प्रभाव के साथ 2013 अनुच्छेद के लिए पॉल आर. मांसके पुरस्कार; अप्रैल 2013 को 2 वर्ष के लिए चयन समिति के लिए माननीय हरियाणा के राज्यपाल और पंडित बी. डी. शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय रोहतक, के कुलपति के उम्मीदवार के रूप में नामित किया गया; 2009 से – अब तक अध्यक्ष, इंडियन आर्थोपेडिक एसोसिएशन के यूजी / पीजी पाठ्यक्रम समिति; सितंबर 2014 से – अब तक इंडियन सोसाइटी फॉर सर्जरी ऑफ द हैंड के अध्यक्ष; फरवरी 2015, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में जूनियर फिजियोथेरेपिस्ट /ऑक्यूपेशनल थेरैपिस्ट चयन समिति के अध्यक्ष; जनवरी 2014 से अब तक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में कंप्यूटरीकरण समिति के अध्यक्ष; अगस्त 2014, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में प्रयोगशाला तकनीशियन के पद पर भर्ती के लिए शारीरिक रूप से अक्षम उम्मीदवार सत्यापन के चिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष; अक्टूबर 2014, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में विधि चिकित्सा शास्त्र विभाग की आपूर्ति और इलेक्ट्रिक शव परीक्षण को देखने की आपूर्ति का भुगतान जारी करने के लिए गठित समाधान समिति के अध्यक्ष; अध्यक्ष, फरवरी 2015 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, मस्जिद मोठ परिसर में न्यू ओपीडी ब्लॉक के निर्माण के लिए समिति; 2003 – से अब तक, केन्द्रीय विद्यालय, आई एन ए कालोनी, नई दिल्ली; सदस्य, नेशनल कोआर्डिनेशन कमेटी फॉर अंटार्कटिक प्रोग्राम (एनसीएपी) और नेशनल कोआर्डिनेशन कमेटी फॉर पोलर साइंस प्रोग्राम के समन्वय समिति (एनसीपीपी); अगस्त 2011 से – अब तक, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा के गठित; सदस्य, सितम्बर 2014 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में 42 वां वार्षिक दीक्षांत समारोह की केंद्रीय समिति; सदस्यीय चयन समिति – अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में प्रोग्रामर्स, मार्च 2015 में पंडित बी. डी. शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जून 2014 हरियाणा राज्यपाल एवं कुलपति विश्वविद्यालय के महामहिम उम्मीदवार के रूप में रोहतक की चयन समिति की बैठक में भाग लिया; विशेषज्ञ सदस्य, जनवरी 2015 को पंडित बी. डी. शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक की चयन समिति के आर्थोपेडिक्स प्रोफेसर / सहायक प्रोफेसर के लिए चयनित किया गया; विशेषज्ञ सदस्य, फरवरी 2015 इंदिरा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, पटना, चयन समिति के आर्थोपेडिक्स के सहायक प्रोफेसर के लिए चयन किया; विशेषज्ञ सदस्य, फरवरी 2015 को के. जी. चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ की चयन समिति के आर्थोपेडिक्स के सहायक प्रोफेसर का चयन; सदस्य, 2014, नई दिल्ली स्वास्थ्य विज्ञान के महानिदेशक, (सेंट्रल ड्रग स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन) सीडीएससीओ द्वारा गठित मेडिकल डिवाइस एडवाइजरी कमेटी (एमडीएसी – आर्थोपेडिक्स); विशेषज्ञ सदस्य, अक्टूबर 2014, मेडिकल एजुकेशन रेगुलेशन में ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट में निहित निःशक्त व्यक्तियों के आरक्षण से संबंधित प्रावधानों के बारे में – माननीय उच्च न्यायालय के मुख्य आयुक्त ने आदेश के संदर्भ में मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया, अध्यक्ष द्वारा गठित निःशक्त व्यक्तियों के लिए उप–समिति; सदस्य, जुलाई 2014, नई दिल्ली, ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया द्वारा गठित, विषय विशेषज्ञ समिति (एसईसी)। अनुमोदन से संबंधित मामलों में सलाह देने के लिए: क्लिनिकल परीक्षण, नई दवाएं, नई चिकित्सा उपकरण, विशेषज्ञ सदस्य, फरवरी 2015 राष्ट्रीय आवश्यक दवाओं की सूची के लिए राष्ट्रीय परामर्श बैठक।

प्रोफेसर ए. जायसवाल सोसायटी फॉर मिनिमली इनवेसिव स्पाइन सर्जंस ऑफ इंडिया के अध्यक्ष (एमआईएसएसआई); एशिया पेसिफिक स्पाइन सोसायटी (एपीपीएस) के अध्यक्ष – एशिया पेसिफिक आर्थोपेडिक्स एसोसिएशन की रीढ़ अनुभाग; स्कोलियोसिस रिसर्च सोसायटी (एसआरएस) के अध्येता; पेसिफिक एशिया सोसायटी फॉर मिनिमली इनवेसिव स्पाइन सर्जरी (पीएएसएमआईएसएस) के बोर्ड / कार्यकारी समितियों के सदस्य, एसोसिएशन ऑफ स्पाइन सर्जन्स ऑफ इंडिया (एएसएसआई) और भारत – अमेरिका स्पाइन एलायंस (आईएएसए), एशिया पेसिफिक ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन (एपीओए); डॉ. ए. के. साहा मेमोरियल ओरेशन ऑफ वेस्ट बंगाल ऑर्थोपेडिक्स एसोसिएशन; हनोई (वियतनाम), यंगून (म्यांमार), काठमांडू (नेपाल) और बैंगलोर में स्पाइनल सर्जरी में ऑपरेटिव कोर्स में स्पाइन सर्जरी का प्रदर्शन किया; एशिया पेसिफिक आर्थोपेडिक एसोसिएशन (एपीओए) और एशिया पेसिफिक स्पाइन सोसायटी (एपीएसएस) द्वारा स्पाइन कोर्स और सीएमई आयोजित करने के लिए पाठ्यक्रम समन्वयक।

प्रोफेसर आर. मल्होत्रा स्टेम सेल रिसर्च और पुनर्योजी चिकित्सा पर टास्क फोर्स की डीबीटी समिति के विशेषज्ञ थे; जैव अभियांत्रिकी परियोजना पर टास्क फोर्स जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) के विशेषज्ञ समूह के सदस्य; कोमल ऊतक सार्कोमा और ऑस्टियोसारकोमा के लिए दिशा निर्देश पर उप–समिति के कैंसर प्रबंधन पर आईसीएमआर टास्क फोर्स में अध्यक्ष; 11 मार्च 2015 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित ''चिकित्सा विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी में नवाचार'' के दौरान मुख्य चयनित के लिए आईसीएमआर, निदेशक द्वारा गठित समिति के विशेषज्ञ; अध्यक्ष उपसमिति – फ्रैगिलिटी फ्रैक्चर नेटवर्क (एफएफएन); आईसीबीएमआर के पहल अस्थि रोग संयोजक (इंडियन सोसायटी ऑफ बोन मिनरल रिसर्च)।

प्रोफेसर एच. एल. नाग भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के मानद सलाहकार, महासचिव, भारतीय खेल चिकित्सा संघ (आईएफएसएम), नियुक्त सदस्य, अस्पताल प्रबंधन बोर्ड, नामांकित सदस्य, टेक्निकल स्पेसिफिकेशन सिलेक्शन कमिटी ऑफ सर्जिकल आइटम्स, एमएस, डी ऑर्थो और डीएनएस परीक्षा के बाह्य परीक्षक थे; सचिव, आर्थोपेडिक रिसर्च सोसायटी, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान; सदस्य, स्टोर कमिटी अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान; हाई पावर्ड थेराप्यूटिक यूज एक्सजेम्प्शन (टीयूई) कमीशन ऑफ नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (एनएडीए), भारत सरकार के नामित विशेषज्ञ; नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन द्वारा डीएनबी प्रशिक्षुओं के लिए नामांकित मूल्यांक; इंदिरा गांधी चिकित्सा विज्ञान संस्थान, पटना के अस्थि रोग विज्ञान विभाग में संकाय सदस्यों के चयन आकलन बोर्ड की सहायता के लिए बाहरी विशेषज्ञ; खेल चोटों / स्पोर्ट्स इंजरी पर ''टोटल हेल्थ'' के लिए विशेषज्ञ – डीडी न्यूज पर लाइव टीवी प्रोग्राम; सदस्य, जीडीएमओ में अधिकारियों के लिए संवर्धन विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में उप–कैडर; अध्यक्ष, जांच समिति या विभागीय शिकायत; फिजियोथेरेपिस्ट यूनिट के संकाय प्रभारी।

प्रोफेसर रवि मित्तल एम्स में दवा चयन समिति के सदस्य थे; एम्स में एमबीबीएस पाठ्यक्रम के सदस्य; पीजीआईएमईआर रोहतक में स्नातकोत्तर अध्ययन बोर्ड के सदस्य; इंडियन जर्नल ऑफ आर्थोपेडिक्स के समीक्षक; जर्नल ऑफ फुट एंड एंकल सर्जरी एशिया और प्रशांत के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; जर्नल ऑफ कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज यूनिवर्सिटी के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; आरएनटीबीसीपी की कोर कमेटी के सदस्य।

प्रोफेसर सी. एस. यादव जनवरी 2015, टीकेए के लिए लिम्का बुक रिकार्ड के लिए नामित; उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार – उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा 9 फरवरी को 2015 को यश भारती पुरस्कार।

डॉ. शाह आलम खान मेलिगनेंट बोन ट्यूमर्स में एक्स्ट्राकोर्पोरियल एरेडिएशन थेरैपी की जैव रसायन की जांच पर काम करने के लिए '''"गांधीवादी यंग तकनीकी अवॉर्ड –2015'' से सम्मानित किया।

डॉ. विजय कुमार सीएमईटी प्रबंधन समिति के सदस्य थे; केंद्रीय सहायक लोक सूचना अधिकारी (सीएपीआईओ), अस्थिरोग विज्ञान विभाग; आर्थोपेडिक्स टूडे के संपादकीय बोर्ड; जर्नल ऑफ मेडिकल केस रिपोर्ट, इंडियन जर्नल ऑफ आर्थोपेडिक्स, क्लीनिकल आर्थोपेडिक्स और रिलेटिड रिसर्च के समीक्षक; अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर, अस्थि रोग विज्ञान विभाग में 11.12.2014 को संकाय और एसआर की भर्ती के लिए चयन समिति की बैठक के लिए विषय विशेषज्ञ; परीक्षक एमएस आर्थोपेडिक्स और एमबीबीएस परीक्षा एम्स; फिजियोथेरेपी, पीजीआईएमएस, रोहतक कॉलेज में बीपीटी कार्यक्रम के आर्थोपेडिक्स सर्जरी के परीक्षक।

डॉ. भावुक गर्ग को अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जंस (एफएसीएस) फैलोशिप से सम्मानित किया गया था; इंडो–अमेरिकन स्पाइन एलायंस के सदस्य; इंडियन बायोलॉजिक्स आर्थोपेडिक सोसायटी के सदस्य; एशियन काउंसिल ऑफ साइंस एडिटर्स के सदस्य; सदस्य, संपादकीय बोर्ड, इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स।

अतिथि वैज्ञानिक

1. श्री हेमंत पंडित, ब्रिटेन
2. रॉस क्रॉफर्ड, ब्रिटेन
3. बिजयेंद्र सिंह, ब्रिटेन
4. फ्रेडरिक पिकार्ड, ब्रिटेन
5. आरोन एनजी, ब्रिटेन
6. मंजीत भामरा, ब्रिटेन
7. तारेक एम अबुज़कू, संयुक्त अरब अमीरात

9.26 कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान, (ई.एन.टी.)

आचार्य एवं अध्यक्ष

सुरेश चंद शर्मा

आचार्य

आलोक ठक्कर

अपर आचार्य

राकेश कुमार

सहायक आचार्य

कपिल सिक्का	चिरोम अमित सिंह	राजीव कुमार
प्रेम सागर	डेविड विक्टर कुमार इरुगु	हुकम सिंह (संविदा)

विशिष्टताएं

ओटोराइनोलेरिंजोलॉजी विभाग और सिर–ग्रीवा शल्य चिकित्सा विभाग एम्स में देश के सर्वोत्तम विभागों में से एक है और यहां ओटोराइनोलेरिंजोलॉजी में वर्तमान में अधिकांश उप विशेषज्ञताओं में विशेषज्ञता विकसित की गई है। विभाग ने रोगी देखभाल, अध्यापन और अनुसंधान गतिविधियों में मौजूदा क्लिनिकों के विस्तार द्वारा और भी विस्तार किया है। कोक्लियर इम्प्लांट क्लिनिक और चेहरे की प्लास्टिक सर्जरी के क्लिनिक ई एन टी की ओ पी डी में क्रमशः बुधवार और शुक्रवार को आरंभ की गई थी।

शिक्षा

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठियां / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. राइनो ब्रोंकियल सी एम ई – 14 मार्च 2015
2. एम्स टेम्पोरल अस्थायी हड्डी विच्छेदन कार्यशाला – एम्स : 12 – 14 फरवरी, 2015।
3. एम्स फेशियल प्लास्टिक और राइनोप्लास्टी कार्यशाला 8 – 10 दिसंबर; अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।
4. एम्स और ई एन टी मास्टर कक्षा, यूके जॉइंट अद्यतन 6 – 7 दिसंबर; 2014, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।
5. भारत के कोक्लियर प्रत्यारोपण समूह का 12वां वार्षिक सम्मेलन, 20 – 22 नवंबर 2014, एम्स, नई दिल्ली।
6. लेरिंजोलॉजी अपडेट पर पूर्व सम्मेलन कार्यशाला और स्वयं कार्य 2014 अक्तूबर 2014।
7. ओटोलेरिंजोलॉजिस्ट संघ की भारत दिल्ली राज्य शाखा की मासिक बैठक, एम्स, नई दिल्ली, 18.07.2014।

प्रदत्त व्याख्यान

एस. सी. शर्मा : 6	**आलोक ठक्कर : 43**	**राकेश कुमार : 14**
कपिल सिक्का : 16	**चिरोम अमित सिंह : 9**	**राजीव कुमार : 13**
प्रेम सागर : 3	**डेविड विक्टर कुमार इरुगु : 5**	

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र / पोस्टर : 8

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. डेवलपमेंअ ऑफ इंडोसायनिन – ग्रीन लोडिड साइटोकेरेटिन टार्गेटिड कैल्शियम फोस्फेट नैनो पार्टिकुलेट सिस्टम फॉर सेंटिनल लिम्फ नोड मैपिंग इन हैड एण्ड नेक कैंसर। आलोक ठक्कर। जैव प्रौद्योगिकी विभाग 3 वर्ष, 2014 – 16, 45 लाख रुपए।

2. श्वसनीय पेपिलोमेटोसिस की पुनरावृत्ति में घटती गंभीरता एवं घटती हुई सर्जिकल पुनरावृत्ति के बाद होम्योपैथिक मेडिकेशन थुजा (आर्बोर विटे) के साथ एडजुवेंट उपचार की प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन करने के लिए डबल ब्लाइंड, प्लेसेबो नियंत्रित, यादृच्छिक नियंत्रित जांच। आलोक ठक्कर, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, 3 वर्ष, 2012 – 15, 55 लाख रुपए।
3. श्रवण विकलांगता का प्रसार और इटियोलॉजी – राष्ट्रीय कार्य बल परियोजना (समन्वय केंद्र)। आलोक ठक्कर। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्। चार वर्ष, 2015 – 18, 60 लाख रुपए।
4. सिर और गर्दन स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में मानव पेपिलोमा वायरस का प्रसार। आलोक ठक्कर, सिर और गर्दन कैंसर विज्ञान सहकारी समूह. 3 वर्ष, 2015 – 18, 37 लाख रुपए।
5. मानव स्वास्थ्य पर नॉन – आयोनिजिंग इलेक्ट्रोमेग्नेटिक (ईएमएफ) का प्रभाव : ऑटिटोरी और वेस्टीबुलर का प्रभाव। राकेश कुमार, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2012 – 15, 56 लाख रुपए।
6. इंट्राकोक्लियर इलेक्ट्रोड एरेज़ की प्रविष्टि के बाद शल्य आघात का मूल्यांकन : एक हिस्टोलॉजिक अध्ययन, कपिल सिक्का, एम्स, 2 वर्ष, 2012 – 15, 4,80,000 रुपए।
7. भीतरी कान पर विभिन्न एण्डोस्कोपिक दशष्टिकोणों का मूल्यांकन, चिरोम अमित सिंह, एम्स, 2 वर्ष, 2012 – 15, 4,78,000 रु.।

पूर्ण

1. मुखीय स्क्वेमस कोशिका कैंसर की उच्छेदन योग्य तीसरी और चौथी अवस्था में कुरकुमिन की दूसरी / तीसरी चरण की यादशच्छिक प्लेसिबो नियंत्रित नैदानिक जांच, आलोक ठक्कर, डीबीटी, 5 वर्ष, 2008–12, 95 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. प्रीलिंगुअल बच्चों में कोक्लियर आरोपण के दीर्घकालिक और अल्पकालिक परिणाम।
2. मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में जबड़ा का क्लिनिको रेडियोलॉजिकल और हिस्टोपैथोलॉजिकल मूल्यांकन।
3. मौखिक सबम्युकौस फाइब्रोसिस के मामलों में सीरम सर्विविन स्तर का अध्ययन तथा उम्र से मिलान नियंत्रण विषयों में मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा तुलना करना।
4. लिम्फोसाइंटिग्राफी द्वारा सिनोनेसल ट्यूमर के लसीका जल निकासी मार्ग के इंविवो का अन्वेषण।
5. कार्बनडाईऑक्साइड लेजर और पारंपरिक स्टेपेडेक्टोमी के बीच तुलना के साथ ऑस्टियोस्केरोसिस में प्राथमिक स्टेपिस सर्जरी के बाद सुनने के परिणामों और जटिलता का आकलन करना।
6. पारंपरिक कोचीओस्टमी बनाम कोक्लियर प्रत्यारोपण के रोगियों में बी / एल गहरा श्रवण हानि के लिए राउंड विंडो दशष्टिकोण के बीच तुलना।
7. एक तरफा बधिरता – रोग से संबंधित रुग्णता तथा उपचार के विकल्प के रोगी स्वीकृति का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
8. ओटोस्क्लेरोसिस में स्टेपीज़ सर्जरी में श्रवण और वेस्टीबुलर का मूल्यांकन।
9. टीरॉइड फोसा के भ्रूण विकास का हिस्टोपैथोलॉजिकल आकलन करते हुए जे एन ए के उद्भव की खोज और जे एन ए के मामलों में प्रथम ब्रेकियल आर्च / विडियन आर्टरी का आकलन।
10. जेएनए में एस्ट्रोजेन बी रिसेप्टर की सकारात्मकता तथा क्लिनिको रेडियोलॉजिकल निष्कर्षों के साथ इसका सह–संबंध।
11. सी पी ए पी का अध्ययन और ओ एस ए रोगियों में इसका गैर अनुपालन।

पूर्ण

1. ओरोफेरिंजियल ट्यूमर का प्रबंधन के लिए टी ओ आर एस दृ इंट्राऑपरेटिव कठिनाई और रुग्णता और रोग संबंधी मंजूरी का एक अध्ययन।
2. मध्यम 1/3 और मौखिक गुहा के टी 1 से टी 14 कार्सिनोमा के उपचार में टी ओ आर एस का अनुप्रयोग।
3. गर्दन विच्छेदन के दौर से गुजर रोगियों में इंट्राक्रेनियल दबाव में आई जे वी बंधाव के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।

प्रकाशन

जर्नल 34 **पुस्तकों में अध्याय : 1**

रोगी उपचार

कोक्लियर इम्प्लांट, राइनोलॉजी, वर्टिगो, वॉइस और स्वालोविंग और सप्ताह में दो बार सिर और ग्रीवा कैंसर क्लिनिक के साथ ऑडियोलॉजी और स्कल आधार पर ऑडियोलॉजी और वाणी रोग निदान और विशेषता क्लिनिक के पुनर्वास इकाई को चलाने के अलावा वाले विभाग ओपीडी, ऑपरेशन थिएटर और छोटी ओटी सेवाएं, सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ और आउटरीच ओपीडी, झज्जर में ग्रामीण सेवाएं भी प्रदान करता है। आंकड़े निम्नानुसार हैं :

ऑपरेशन किए गए रोगियों की संख्या :

मुख्य ओ. टी.	**बड़े ऑपरेशन – 2391**	**छोटे ऑपरेशन – 1624**
छोटे ओ. टी.	**ओ. पी. डी. प्रक्रियाएं : 23731**	

ओ. पी. डी. में देखे गए रोगियों की संख्या

नए रोगी : 31042 पुराने पंजीकरण : 50633

वार्ड में कुल दाखिले :

1259 (ईएनटी वार्ड में); 4309 (एबी7–पीएआर लघु प्रवेश के रूप में स्वीकार किया गया)

विशेष निदानशाला में मामलों की संख्या

क्र.सं.	क्लिनिक	नए रोगी	पुराने रोगी	कुल
1	वर्टिगो	83	69	152
2	ऑडियोलॉजी और स्कल बेस	78	46	124
3	कोक्लियर इम्प्लांट (यह क्लिनिक ऑडियोलॉजी के साथ चलती है)	123	50	173
4	वाणी	253	60	313
5	राइनोलॉजी	74	38	112
6	सिर और ग्रीवा कैंसर	964	4300	5264

सामुदायिक सेवा क्लिनिक

सामुदायिक अस्पताल, बल्लभगढ़ में दो बार साप्ताहिक क्लिनिक (हाल ही में सरकारी सुविधाएं आरंभ की गई)।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, गुड़गांव में साप्ताहिक क्लिनिक।

आईआईटी दिल्ली में सामुदायिक अस्पताल में साप्ताहिक क्लिनिक।

आउटरीच ओ. पी. डी. झज्जर : आगे सेवाओं में सुधार करने के लिए संकाय सदस्य को झज्जर में भी और बल्लभगढ़ में भी सप्ताह में एक बार तैनात किया गया है।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. एस. सी. शर्मा रोबोटिक सर्जरी पर गैगरी आर विनस्टीन द्वारा मुख्य संबोधन के सत्र में अध्यक्ष, आर जी सी ओ एम 2015, 27 फरवरी – 1 मार्च 2015, राजीव गांधी कैंसर अस्पताल / होटल क्राउन प्लाजा, नई दिल्ली, संकाय, ऑटोलेरिंजोलॉजी, सिर और ग्रीवा शल्य चिकित्सा विभाग द्वारा 7 विभागीय बैठकों के आयोजक अध्यक्ष थे। इन बैठकों में प्रतिष्ठित 12वां वार्षिक सम्मेलन कॉकलियर इम्प्लांट ग्रुप ऑफ इंडिया शामिल थी। वे नाक, कान और गला सर्जरी उपकरणों की अनुभागीय समिति, एम एच डी – 04 के अध्यक्ष थे। उन्हें विभिन्न सम्मेलनों में अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया जिसमें आर जी सी ओ एन 2015 शामिल है, जहां उन्होंने रोबोटिक सर्जरी कर मुख्य भाषण दिया। वे ओ एच यू कोलंबस में अतिथि आचार्य थे और उन्हें ई एन टी विभाग, म्युकैंसर सेंटर और रिजनरेटिव तथा स्टेम सेल सुविधा का दौरा किया।

उन्होंने मोहिकन स्टेट पार्क ओहियो में रिजनरेटिव मेडिसिन सेंटर और कोशिका आधारित उपचार के तीसरे वार्षिक सम्मेलन में हिस्सा लिया और ''ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस – एन इंस्टीट्यूट ऑफ नेशनल इम्पोर्टेंस'' पर वार्ता दी। उन्होंने मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली में 21 – 22 फरवरी 2015 को ''मैनेजमेंट ऑफ फेशियल नर्व ट्यूमर'' – विभिन्न सर्जरी मार्ग पर ए ओ आई दिल्ली अतिथि ओरेशन दिया।

प्रो. आलोक ठक्कर ने आंध्र प्रदेश ए ओ आई रिजनल गैस्ट ओरेशन – मिनिमली इंवेसिव ओंको सर्जरी, 33वें वार्षिक सम्मेलन ए ओ आई ए पी राज्य, करिम नगर में 14 सितंबर 2015 को दिया। श्री अश्विनी सक्सेना मेमोरियल ओरेशन मिनिमली इंवेसिव एप्रोच टू हैड एण्ड नेक कैंसर, हरियाणा राज्य ए ओ आई सी ओ एन 2014, 8 नवंबर 2014 को दिया। एन ई सी गैस्ट ओरेशन – 34वें वार्षिक सम्मेलन में वर्टिगो को पैथोफिजियोलॉजिकल दृष्टिकोण, भारत अहमदाबाद, न्यूरो ऑटोलॉजिकल एण्ड इक्विलिब्रियो मीट्रिक सोसायटी ऑफ इंडिया, 14 मार्च 2015 डॉ. ए ठक्कर को इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ हैड – नेक ओंकोलॉजी सोसायटी की 5 वीं वर्ल्ड कांग्रेस में अंतरराष्ट्रीय संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया था, 11वीं मध्य पूर्व ओटोलेरिंजोलॉजी सम्मेलन, और ओटो–राइनो– लेरिंजोलॉजी, सिर और गले सर्जरी की हंगरी सोसायटी के 43वीं कांग्रेस में हंगरी में पेक्स मेडिकल स्कूल के मेडिकल असेंबली में रोबोट द्वारा सिर गले सर्जरी पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया। डॉ. ए ठक्कर को हंगेरियन सोसायटी फॉर ओटोरिनो – लेरिंजोलॉजी एण्ड हैड–नैक सर्जरी की मानद सदस्यता से सम्मानित किया गया। माननीय सचिव, फाउंडेशन फॉर हैड–लैक ओंकोलॉजी, मानद सचिव स्कल बेस सर्जरी सोसायटी ऑफ इंडिया। कोषाध्यक्ष समिति सदस्य, एशिया पैसिफिक सोसायटी ऑफ थायराइड सर्जरी। जर्नल ऑफ ईएनटी मास्टरक्लास के संपादकीय बोर्ड सदस्य, यूके. 2010–2013; द ओटोराइनोलेरिंजोलॉजिस्ट, यूके। 2010 – तिथि तक, संपादकीय बोर्ड सदस्य, ओटोराइनोलेरिंजोलॉजिस्ट क्लिनिक्स – एक इंटरनेशनल जर्नल, 2011

डॉ. राकेश कुमार को फेशियल प्लास्टिक्स और राइनोप्लास्टी पर राष्ट्र मंडल अध्येतावृत्ति के लिए मार्च से जून 2014 के बीच डोन कास्टर रोयल इंफरमरी अस्पताल और एन एच एस ट्रस्ट यू के में चुना गया था। लेरिंजोलॉजी अपडेटा 2014 पर प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु पूर्व सम्मेलन का आयोजन किया, फेशियल प्लास्टिक्स और राइनोप्लास्टी पर कार्यशाला दिसंबर 2014, सी एम ई राइनो ब्रोंकियल एलर्जी मार्च 2014। वर्ष 2015 – 16 के लिए ए ओ आई (दिल्ली शाखा) के कार्यकारी सदस्य। ई एन टी सर्जरी उपकरणों की भारत में स्तर की देखभाल के लिए बी आई एस के एम एच डी – 4 के सदस्य के रूप में कार्य किया। भारत के अन्य भागों में नई सुविधाओं की शुरूआत में योगदान दिया : आर एम एल अस्पताल, नई दिल्ली और आई जी आई एम एस, पटना, बिहार में कोकलियर इम्प्लांट कार्यक्रम। जुलाई 2014 में लोकसभा टी वी पर सुनने की खराबी पर एक सार्वजनिक वार्ता दी।

डॉ. कपिल सिक्का भारत के कोकलियर इम्प्लांट समूह के 12वें वार्षिक सम्मेलन में आयोजक सचिव थे। सदस्य, कार्यकारी समिति, एसोसिएशन ऑफ ओटोलेरिंजोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया, दिल्ली राज्य शाखा ने 13वीं एशिया ओशिनिया ओटोलेरिंजोलॉजी कांग्रेस, तायपेई ताइवान में अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित, असिस्टेंट एडिटर, इंडियन जर्नल ऑफ ऑटोलॉजी एंड रेविएवेर, इंडियन जर्नल ऑफ़ ऑटोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ़ ओटोलेरिंजोलॉजी, हेड एंड नैक सर्जरी एंड इंडियन जर्नल ऑफ़ पीडियाट्रिक्स के समीक्षक।

डॉ. चिरोम अमित सिंह एस एन एम अस्पताल में आयोजित स्वास्थ्य शिविर, 25 से 30 अगस्त 2014 लद्दाख में एम्स दल के सदस्य थे ।

डॉ. राजीव कुमार इंडियन जर्नल ऑफ ओटोलेरिंजोलॉजी, हैड एंड नेक सर्जरी के समीक्षक थे।

डॉ. डेविड विक्टर को ओ टी ओ – 2014 को एक अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया था ''हैंड ऑन टेम्पोरल बोन डिसेक्शन एण्ड लाइव इयर सर्जरी वर्कशॉप'' ई एन टी अस्पताल, के ओ टी आई, हैदराबाद, तेलंगाना (राज्य), संपादकीय बोर्ड के सदस्य, ओ आर एल, ओपन एक्सेस / ऑन लाइन जर्नल, इंडिया आई एस ओ और ए ओ आई सरकार के साथ मिलकर हैदराबाद शाखा द्वारा आयोजित। 2014 – अब तक।

अतिथि वैज्ञानिक

1. प्रो जतिन पी शाह, मेमोरियल स्लोन केटरिंग कैंसर सेंटर, न्यू यॉर्क
2. प्रो. मार्टिन बिरचाल, यू सी एल प्रोफेसर ऑफ लेरिंजोलॉजी तथा रॉयल नेशनल थ्रोट नॉज एण्ड इयर हॉस्पिटल में ई एन टी सर्जरी के परामर्श दाता।
3. प्रोफेसर ब्रूस हौगी, ओटोलेरिंजोलॉजी कीम्ब्रोग प्रोफेसर – सिर और गर्दन सर्जरी, वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सेंट लुइस, यू एस

4. शाहीद कुरैशी, लंदन, ब्रिटेन
5. विनिध पालेरी, न्यूकैसल, ब्रिटेन अपॉन टाइन, यू के
6. जयदीप रे, शेफील्ड, यू के
7. निर्मल कुमार, विगान, यू के
8. फिराक रिफात, सिडनी, ऑस्ट्रेलिया
9. हैशम सालेह, लंदन, यू के
10. ओलिवर कैशचक, बर्लिन, जर्मनी
11. टिम वुलफोर्ड, लंदन, ब्रिटेन
12. कोड्रूटा न्यूमन, पूर्व केंट, यू के
13. प्रीपेजरन एन, मलेशिया
14. प्रोफेसर शकील सईद, लंदन, यू के
15. रिचर्ड इर्विंग, बर्मिंघम ब्रिटेन
16. बारबरा वेनस्टेन, न्यू यॉर्क में
17. लिओ दे रेइव, बेल्जियम
18. जूली ह्यूजेस, हैम्पशायर
19. डॉ. उल्लास राघवान – डोनकास्टर रॉयल इनफर्मरी अस्पताल यू के

9.27 बाल चिकित्सा विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

विनोद के. पाल

आचार्य

अशोक के. देवरारी (नवजात विज्ञान)
सुशील के. काबरा (पल्मोनोलॉजी एवं गहन उपचार, तपेदिक तथा रुमेटोलॉजी)
पंकज हरि (वृक्क विज्ञान)
अरविंद बग्गा (वृक्क विज्ञान)
मधुलिका काबरा (आनुवंशिकी)
शैफाली गुलाटी (तंत्रिका विज्ञान)

अपर आचार्य

रमेश अग्रवाल (नवजात विज्ञान)
रचना सेठ (अर्बुद विज्ञान)
वंदना जैन (अंतः स्राविकी विज्ञान)
राकेश लोधा (पल्मोनोलॉजी, गहन उपचार, तपेदिक एवं रुमेटोलॉजी)

सह आचार्य

बिश्वरूप चक्रवर्ती (तंत्रिका विज्ञान)
नीरजा गुप्ता (आनुवंशिकी)
काना राम जाट
अदिति सिन्हा (वृक्क विज्ञान)
जीवा शंकर (नवजात विज्ञान)
झूमा शंकर (पल्मोनोलॉजी एवं गहन उपचार, तपेदिक तथा रुमेटोलॉजी)

वैज्ञानिक

मधुमिता रॉय चौधरी
शिवराम शास्त्री (संविदा)
मंजू सक्सेना
रश्मि शुक्ला (संविदा)

अन्य स्टाफ

सविता सप्रा : नैदानिक मनोचिकित्सक
अनुजा अग्रवाल : आहारविद
पल्लवी मिश्रा : जैव रासायनिक
सुमिता गुप्ता : भौतिक चिकित्सक
डी. यादव : चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी

विशिष्टिताएं

विभाग में छः सहायक आचार्य ने कार्यभार ग्रहण किया। विभाग को मैगजीन दि वीक द्वारा लगातार वर्ष 2007 से देश के सर्वोत्तम बाल चिकित्सा विभाग के रूप में माना गया। विभाग द्वारा तीन जन व्याख्यान अर्थात् 1. बाल्यावस्था कैंसर, 2. अशक्तता से पीड़ित बच्चे, 3. बाल्यावस्था अस्थमा आयोजित किए गए। विभाग द्वारा निम्नलिखित जागरूकता एवं परिवार से संपर्क इवैंट्स : म्यूकोपोलिसेकेरिडोसिस डे (मई 2014), नेशनल फ्रेगिल एक्स अवेयरनेस डे (जुलाई 2014), ऑटिज्म अवेयरनेस प्रोग्राम (अप्रैल 2014), टाइप 1 मधुमेह शिक्षा कार्यक्रम (मई 2014), बाल्यावस्था मोटापा परिवार पर आधारित पहचान कार्यक्रम (अप्रैल 2014), तथा सिसटिक फिब्रोसिस से पीड़ित बच्चों तथा माता पिता हेतु शैक्षिक कार्यक्रम (अक्तूबर 2014), रेयर डिजीज डे (फरवरी 2015) तथा विश्व किडनी दिवस (मार्च 2015) का संचालन किया गया।

विभाग द्वारा ऑटिज्म पर अभिभावकों हेतु द्विभाषी सूचना पुस्तक जारी की गई है तथा प्रस्तुतीकरण के साथ एक द्विभाषी डीवीडी विषय; बाल्यावस्था में मिरगी के निदान तथा उपचार हेतु अद्यतन दिशानिर्देश जोकि राष्ट्रीय आईएपी गाइडलाइन्स अक्तूबर 2014 के रूप में सम्मिलित की गई है विषय पर वीडियो तथा सूचना। तंत्रिका विज्ञानी स्थितियों के लिए रोगी सूचना पुस्तिका को फ्री डाउनलोड हेतु एम्स वेबसाइट पर हिन्दी तथा अंग्रेजी अथवा द्विभाषी रूप में अपलोड कर दिया गया है।

बाल्यावस्था कैंसर पर रोगी सूचना सामग्री तथा एक पीडियाट्रिक कैंसर हेल्पलाइन जारी कर दी गई है।

एनआईसीयू से एक 496 ग्राम वजन 23 सप्ताह अल्ट्रा समय पूर्व नवजात को स्वस्थ रूप से अस्पताल से छुट्टी दी गई। यह भारत में जन्म के सबसे कम वज़न की उत्तरजीविता है।

विभाग द्वारा दो विश्व स्वास्थ्य संगठन सहयोगी केन्द्रों की नैदानिक आनुवंशिकी तथा नवजात उपचार की मेजबानी की गई तथा नवजात स्वस्थ्य अनुसंधान हेतु आईसीएमआर के आधुनिक केन्द्र की मेजबानी की गई।

विभाग नवजात सेपसिस के उपचार को सामान्य करने पर तथा समय पूर्व नवजात के उपचार वि. स्वा. सं. दिशानिर्देशों को तैयार करने में केन्द्रीय भूमिका निभायी गई है।

विभाग द्वारा मूल्य रूप से 116ई रोटावायरस वैक्सीन का विकास किया गया जोकि देश के राष्ट्रीय प्रतिरक्षाकरण कार्यक्रम में पहचान हेतु अनुमोदित थी।

शिक्षा

एम. डी. कार्यक्रम : विभाग द्वारा नवजात विज्ञान तथा बाल तंत्रिका विज्ञान में दो कार्यक्रम संचालित किए गए। संस्थान की वैधानिक निकाय द्वारा बाल वृक्क विज्ञान में तथा बाल पल्मोनोलॉजी में एवं गंभीर उपचार में डीएम की अनुमति दी गई।

डी. एम. कार्यक्रम : विभाग द्वारा नवजात विज्ञान तथा तंत्रिका विज्ञान में दो कार्यक्रमों का संचालन किया गया। संस्थान की सांविधिक निकाय द्वारा बाल चिकित्सा वृक्क विज्ञान तथा बाल चिकित्सा पुल्मोनोलॉजी एवं गंभीर उपचार में डी.एम. की अनुमति दी गई।

सीनियर रेजीडेंसी कार्यक्रम : विशेषज्ञता आधारित सीनियर रेसीडेंसी कार्यक्रम को मजबूत किया गया तथा उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया।

पीएचडी कार्यक्रम : 22 स्कॉलर को (नैदानिक बाल चिकित्सा तथा हेतु विज्ञान सहित) पीएच.डी हेतु पंजीकृत किया गया। एक सक्रिय शिक्षण कार्यक्रम सहित साप्ताहिक जर्नल क्लब, अनुसंधान विधि तथा अतिथि व्याख्यान पीएच.डी शिक्षण गतिविधि के एक भाग के रूप में है। सभी पीएच.डी स्कॉलर्स के लिए अंग्रेजी भाषा शिक्षा का आरंभ किया गया।

एमबीबीएस शिक्षण : विभाग के संकाय सदस्य एमबीबीएस छात्रों को बाल चिकित्सा में उनकी तैनाती के दौरान (ओपीडी तथा वॉर्ड) व्याख्यान तथा संपूर्ण सैमिनारों के साथ वेबसाइट शिक्षण में सम्मिलित रहे। विभाग ने 7वें सत्र छात्रों हेतु सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में संकाय शिक्षण को पुनः आरंभ किया है।

नर्स शिक्षण : संकाय सदस्य पेडियाट्रिक वार्ड तथा गहन उपचार में तैनात नर्सों के प्रशिक्षण तथा बीएससी नर्सिंग के साथ साथ एमएससी (पेडियाट्रिक नर्सिंग) के शिक्षण में सम्मिलित रहे।

प्रशिक्षुः कुल 30 अल्प अवधि अथवा दीर्घ अवधि प्रशिक्षुओं को विभाग के विभिन्न प्रभागों में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। (बाल अंतस्राविकी 2, आनुवंशिक 9, बाल मनोचिकित्सा 2, बाल वृक्क विज्ञान 6, बाल तंत्रिका विज्ञान 2, बाल पल्मोनोलॉजी 1 तथा अंतस्राविकी 3, नवजात विज्ञान 4)

नवजात विज्ञान

1. अप्रैल 2014 में सुश्री ओला एरियोयेयुन सेलिमोट बिसोई, सुश्री ओफुलु मारटिना लेडिया, सुश्री मुस्तफा एबिओला, नाइजीरिया ने प्रशिक्षण में भाग लिया।

बाल चिकित्सा

1. डॉ. मेडाइज वोबो एडी, नाइजीरिया ने अप्रैल 2014 में प्रशिक्षण में भाग लिया।
2. यू के से श्री हुसैन खाकी ने 16.04.14 से 02.05.14 तक प्रशिक्षण में भाग लिया।
3. राजस्थान से श्री कार्तिक यादव ने 24.07.2014 से 08.08.2014 तक प्रशिक्षण में भाग लिया।
4. सुश्री खुशबू तथा सुश्री कंचन ने 07.10.2014 से 06.01.2015 तक प्रशिक्षण में भाग लिया।
5. श्री मोहम्मद अली जुबैर फोकीरबक्श, श्री हल्कोरी एक्मेज आइबनी मुतालिब, श्री रामपत, मोहम्मद साहिर, मॉरिशस ने 04.11.2014 से 20.12.2014 तक प्रशिक्षण में भाग लिया।

6. केन्या से सुश्री तन्वी ऋषि ने 24.11.2014 से 6.12.2014 तक प्रशिक्षण में भाग लिया।

7. ऑस्ट्रेलिया से डॉ. सियाह किम ने 26.11.2014 से 09.12.2014 तक प्रशिक्षण में भाग लिया।

बाल अंतःस्राविकी विज्ञान

1. डॉ. रूचि मिश्रा, विशेषज्ञ तथा सहायक आचार्य, ईएसआई पीजीआईएमएसआर बसईं दारापुर, नई दिल्ली, 3 माह 15 जनवरी से 12 अप्रैल 2014
2. डॉ. सुभाना कारकी, सहायक आचार्य, बाल चिकित्सा, एनएएमएस, कांति चिल्ड्रन हॉस्पीटल, काठमांडू, नेपाल 3 माह के लिए दिनांक 25 अप्रैल से 24 जुलाई 2014
3. डॉ. सपना मित्तल, वरिष्ठ विशेषज्ञ तथा विभागाध्यक्ष बाल चिकित्सा विभाग, ईएसआई अस्पताल, गुड़गांव, हरियाणा, 6 माह के लिए दिनांक 1 जून से 30 नवम्बर 2014

आनुवंशिकी

1. शैली सिंह, नेताजी सुभाष इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, द्वारका, नई दिल्ली – 110075, साइटोजेनेटिक्स में 1 माह के लिए (02.06.14 से 01.07.14)
2. स्तुति रेलान, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, धौला कुआं, नई दिल्ली – 110021, मॉलिक्यूलर / बायोकैमिकल लैब में 2 माह के लिए (02.06.14 से 22.07.14)
3. चारुता अरविंद यादव, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा, बायोकैमिकल लैब में 1 माह (01.07.2014 से 25.07.2014)
4. रितु, यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा –124001, साइटोजेनेटिक्स में 2 माह (20.06.14 से 01.08.14)
5. मोनी, यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा –124001, बायोकेमिकल लैब में 2 माह (20.06.04 से 01.08.14)
6. डॉ. निरुपम शर्मा, इंडियन अकेडमी ऑफ मेडिकल जेनेटिक्स, एसजीपीजीआईएमएस, रायबरेली रोड, लखनऊ, उत्तर प्रदेश – 226014, साइटोजेनेटिक्स में 2 माह के लिए (01.10.14 से 31.12.14)
7. डॉ. हीरक दास, असम मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पीटल, डिब्रुगढ़ – 786002, मॉलिक्यूलर लैब में 1 माह के लिए (02.01.15 से 30.01.15)
8. भास्कर ज्योति सेकाई, असम मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पीटल, डिब्रुगढ़ – 786002, मॉलिक्यूलर लैब में 15 दिन के लिए (16.01.15 से 30.01.15)
9. पूजा शुक्ला, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय (एपीएस विश्वविद्यालस), रेवा, मध्य प्रदेश – 480003, मॉलिक्यूलर लैब में 6 माह के लिए (02.01.15 से 30.06.15)

बाल तंत्रिका विज्ञान

1. डॉ. बिना प्रजापति मानाधर (जनवरी 2014 से दिसम्बर 2014) नेपाल
2. डॉ. दीपा भास्करन (22 सितम्बर 2014 से 26 सितम्बर 2014)

बाल वृक्क विज्ञान

6 फैलो को बाल वृक्क विज्ञान में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रत्येक को दो फैलोशिप इंटरनेशनल पेडिएट्रिक नेफ्रोलॉजी एसोसिएशन एण्ड दि इंडियन सोसायटी ऑफ पेडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी से सहायता दी गई।

बाल पल्मोनोलॉजी

डॉ. सपना तनेजा, 1.4.2014 से 30.06.2014, ईएसआई अस्पताल, दिल्ली

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

ए. के. देवरारी

1. ऑनटॉप वर्कशॉप ऑन डेवलपिंग कोर्स कन्टेन्ट्स फॉर ई–लर्निंग फॉर नर्सिस एण्ड डॉक्टर्स 29–30 जून, 2014, एम्स, नई दिल्ली
2. एनआईपीआई सपोर्टिड वर्कशॉप फॉर फिल्ड टेस्टिंग ऑफ 'फेसिलिटी बेस्ड न्यूबोर्न नर्सिंग' मोड्यूल नोरमल 'एट रिस्क' एण्ड 'सिक' न्यूबोर्न 12–14 सितम्बर 2014, एम्स, नई दिल्ली
3. एसटीपीएस के प्रयोग पर डॉक्टर्स के प्रशिक्षण के साथ यूनिसेफ सहायता प्राप्त नर्सिंग कार्यशाला, 22 से 25 सितम्बर 2014, मेडिकल कॉलेज, रायपुर, छत्तीसगढ़
4. नवजात स्वास्थ्य पर शिक्षण संसाधन सामग्रियों के उद्घाटन पर वि. स्वा. सं. सीरो, यूनिसफे, नीपी सहायता प्राप्त कार्यशाला, 11 दिसम्बर 2014, एम्स, नई दिल्ली।
5. दयानंद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के सहयोग से 5 अप्रैल लुधियाना में एम्स, नई दिल्ली से वीसी /वीवैक्स द्वारा सीपीएपी रिमोटली लीड पर कार्यशालाएं, आईएपी पूर्वी दिल्ली में स्वामी दयानंद अस्पताल के सहयोग के साथ दिल्ली 10 अगस्त; नजरथ हॉस्पीटल में आईएपी ब्रांच के सहयोग से शिलोंग 8 जून; गोवा मेडिकल कॉलेज के सहयोग के साथ गोवा 13 सितम्बर।
6. 'काठमांडू में नवजात शिशु वेंटीलेशन' पर कार्यशाला, 27–29 दिसम्बर 2014, नेपाल पेडियाट्रिक सोसायटी के सहयोग से।

अरविंद बग्गा

1. बाल चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, भारत द्वारा इंडियन सोसायटी ऑफ पेडियोट्रिक नेफ्रोलॉजी एण्ड एशियन सोसायटी ऑफ पेडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी की और से 4 से 6 दिसम्बर 2014, को मानेकशा सेंटर, परेड रोड, नई दिल्ली में *XII* एशियन कॉन्ग्रेस ऑफ पेडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी का आयोजन किया गया।
2. 'पेडियाट्रिक ट्रांसप्लांटेशन' और 'क्रिटिकल केयर नेफ्रोलॉजी' पर दो प्रि–कॉन्ग्रेस का आयोजन किया गया तथा मुख्य कॉन्ग्रेस साथ साथ चल रही थी। 4 दिसम्बर 2014 तथा प्रत्येक बैठक में 75–100 अतिथियों ने भाग लिया।

एस. के. काबरा और राकेश लोधा

3. एम्स पेडियाट्रिक पल्मोनोलॉजी एण्ड इंटेंसिव केयर कोर्स मोड्यूल 1 : पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट, 19–20 अप्रैल 2014, एम्स (एलटी 1), नई दिल्ली
4. एम्स पेडियाट्रिक पल्मोनोलॉजी एण्ड इंटेंसिव केयर कोर्स मोड्यूल 2 : ब्रोंकोस्कॉपी ऑन 11–12 अक्तूबर 2014, एम्स (एलटी 3), नई दिल्ली
5. एम्स पेडियाट्रिक पल्मोनोलॉजी एण्ड इंटेंसिव केयर कोर्स मोड्यूल 3 : मेकेनिकल वेंटीलेशन ऑन 14–15 फरवरी 2015, एम्स (एलटी 3), नई दिल्ली
6. सिसटिक फ्रिबोसिस वाले बच्चों के अभिभावकों हेतु शैक्षिक कार्यक्रम दिनांक 26.10.2014, एम्स (एलटी 3), नई दिल्ली
7. एम्स बाल्यावस्था ट्यूबरकुलोसिस कॉन्फ्रेंस, दिनांक 15–16 नवम्बर 2014, एम्स, जेएल एन, ऑडिटोरियम।
8. ''कम्यूनिकेशन स्कील्स'' पर विभागीय संगोष्ठी एलटी3, एम्स, दिनांक 9.11.2014
9. कलावती सरन चिल्ड्रन अस्पताल, नई दिल्ली में दिनांक 21.01.2015 को ''रेस्पाइरेट्री टेक्ट इन्फेक्शंश ग्रुप एजुकेशन मोड्यूल'' पेडिकॉन प्रिकॉन्फ्रेंस वर्कशॉप
10. वाराणसी में ''पेडियाट्रिक पल्मोनोलॉजी में सामान्य कार्यालय प्रक्रियाएं'' रेस्पीकॉक प्रिकॉन्फ्रेंस वर्कशॉप, दिनांक 30.10.2014

मधुलिका काबरा और नीरजा गुप्ता

11. रेयर डिजीज डे एवं मेडिजेनकॉन सीएमई, दिनांक 28 फरवरी 2015, एम्स, नई दिल्ली
12. डाउन सिंड्रोम के न्यूबोर्न स्क्रीनिंग एवं उपचार तथा बचाव पर थिमेटिक ग्रुप बैठक, 5–6 अगस्त 2014, नई दिल्ली, भारत
13. थैलासिमिया के उपचार तथा बचाव पर थिमेटिक ग्रुप बैठक, 7–8 अगस्त 2014, नई दिल्ली, भारत
14. जन्म विकारों पर वि. स्वा. सं. प्रशिक्षण दिल्ली मोडल दिनांक 31.12.2014 एम्स

शैफाली गुलाटी और बिस्वरूप चक्रबर्ती

15. ऑटिज्म जागरूकता कार्यक्रम : ऑटिज्म अवेयरनेस तथा फोरवर्ड (ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों तथा उनके परिवारों की सशक्तता) दिनांक 17 अप्रैल 2014, एम्स, नई दिल्ली
16. जीओआई, यूनिसेफ, यूएनडीपी तथा एनआईपीआई के सहयोग से बाल्यावस्था तंत्रिका विकास विकार कार्यशाला दिनांक 1–30 दिसम्बर 2014, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली
17. जन व्याख्यान तथा पैनल चर्चा 'अशक्त बच्चे – आओ उनका जीवन बेहतर बनाएं' दिनांक 11.12.2014 एम्स, नई दिल्ली

वंदना जैन

18. '**बाल चिकित्सा में स्नातकोत्तरों हेतु अंतःस्राविकी विज्ञान**' सीएमई दिनांक 9 से 10 अगस्त, 2014 एम्स, नई दिल्ली

रचना सेठ

19. नेशनल ट्रेनिंग वर्कशॉप ऑन प्रेक्टिकल पेडियाट्रिक ओंकोलॉजी (पीएचओ चेप्टर एण्ड दिल्ली आईएपी) 6.12.2014, एम्स, नई दिल्ली
20. पेडियाट्रिक हिमेटोलॉजी – ओंकोलॉजी पर राष्ट्रीय कार्यशाला (सम्मेलन पूर्व – कार्यशाला) पेडियाट्रिक पर वार्षिक सम्मेलन, पेडिकॉन 21. 1.15, एम्स, नई दिल्ली
21. रोगी शिक्षा कार्यक्रम 12.05.2015, 22.1.14, एम्स, नई दिल्ली
22. जन व्याख्यान एवं प्रदर्शनी (बाल्यावस्था कैंसर) 14.12.2015, एम्स, नई दिल्ली
23. नोर्थ इंडिया पेडियाट्रिक ओंकोलॉजी फोरम (एनआईपीओएफ) दिनांक 28.2.2015, एम्स, नई दिल्ली

रमेश अग्रवाल और एम. जीवा शंकर

24. पटना, बिहार में विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के संकायों हेतु ''अनुसंधान विधि विज्ञान'' पर कार्यशाला दिनांक 04.12.2014 (नियोकॉन 2014)

प्रदत्त व्याख्यान

वी के पॉल : 12 | **ए. के. देवरारी : 19** | **अरविंद बग्गा : 20**

पंकज हरि : 11 | **अदिति सिन्हा : 7** | **एस के काबरा : 37**

राकेश लोधा : 42 | **मधुलिका काबरा : 25** | **नीरजा गुप्ता : 19**

शैफाली गुलाटी : 32 | **बिश्वरूप चक्रबर्ती : 3** | **रमेश अग्रवाल : 7**

वंदना जैन : 14 | **रचना सेठ : 7** | **झूमा शंकर : 12**

काना राम जाट : 10 | **एम. जीवा संकर : 6** | **धनेश्वर यादव : 6**

मधुमिता रॉय चौधरी (वैज्ञानिक) : 2 | **रश्मि शुक्ला (वैज्ञानिक) : 3**

सविता सप्रा (बाल मनोवैज्ञानिक – वरिष्ठ वैज्ञानिक) : 4

मुखीय पेपर / पोस्टर प्रस्तुती : 63

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. नवजात स्वास्थ्य में आधुनिक अनुसंधान केन्द्र। डॉ. विनोद के पॉल एवं डॉ. अशोक देवरारी। आईसीएमआर 5 वर्ष (2010–19), कुल निधि स्वीकृत 9.5 करोड़ रुपए
2. बाल स्वस्थ्य में ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य अनुसंधान : लिंकिंग बेसिक एण्ड क्लीनिकल साइंस डिपार्टमेंट्स इन इंटर –इंस्टीट्यूशनल लिंकेज; ग्लू ग्रांट। डॉ. विनोद के. पॉल. डीबीटी। वर्ष 2010 – 15, 4 करोड़ रुपए

3. स्टेरॉइड निर्भर वृक्क संलक्षणों अथवा बार बार पुनः लक्षण दोहराएं जाने वाले बच्चों में मायको फेनोलेट मोफिटेल बनाम लिवामाइसोल की सुरक्षा तथा प्रभावक्षमता की तुलना हेतु यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण अरविंद बग्गा। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) 3 वर्ष, 2012–2015, 28,08,221 रुपए

4. हिमोलेटिक यूरेमिक सिंड्रोम में एंटी–कम्प्लीमेंट फेक्टर एच ऑटो – एंटीबॉडीज का कार्यात्मक लक्षण वर्णन तथा आनुवंशिक आधार। अरविंद बग्गा। जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) 4 वर्ष 2011–2015, 108,33,018 रुपए

5. फोकल सेग्मेंट ग्लोमेरुलोस्केलरोसिस तथा स्टेरॉइड प्रतिरोध नेफ्रोटिक संलक्षण वाले बच्चों में पुटेटिव परमिएबिलटी धारक के रूप में सीरम सोल्यूएबल यूरोकाइनेज ग्राही। अरविंद बग्गा। जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) 3 वर्ष, 2011–2015, 44,86,635 रुपए

6. एंटी फैक्टर एच ऑटोएंटीबॉडी से संबद्ध हीमोलाइटिक यूरेमिक सिंड्रोम। अरविंद बग्गा। इंडो–फ्रेंच सेंटर फॉर दि प्रोमेशन ऑफ एडवांस्ड रिसर्च। 3 वर्ष, 2012–2015, 40,67,280 रुपए

7. नेफ्रोटिक संलक्षण पर अनुसंधान। अरविंद बग्गा। अनुसंधान में द्विपक्षीय सहभागिता, यूके, भारत एजुकेशन एवं रिसर्च इनिशिएटिव। 2 वर्ष, 2013–2015

8. दिल्ली में बाल डेंगू रोगियों में रोग की गंभीरता के सह – संबंध की पहचान (एन 1363) एस. के. काबरा। डीबीटी 13 वर्ष, मई 2012 से मई 2015, 46,42,172 रुपए

9. बचपन के दौरान तीव्र श्वसन संक्रमण क्यों बाल्यावस्था के समय चिरकारी एयरवे रोग बन जाता है। छोटे एयरवे तथा प्रतिरक्षा इमबेलेंस की अंतरीय भूमिका। एस. के. काबरा। डीबीटी। 3 वर्ष, मार्च 2012 से अगस्त 2015, 12,43,8192 रुपए

10. उत्तर भारत में हिब मेनिंगजाइटिस सेंटीनल निगरानी (एनआई 1088)। एस. के. काबरा तथा एस भटनागर। इन क्लेन। 3 वर्ष, 2011 से 2014, तथा 1,09,88,943 रुपए

11. बच्चों में तपेदिक रोधी की निदान में जीन – एक्सपर्ट एमटीबी / आरआईएफ निर्धारण की भूमिका (आई 1830)। एस. के. काबरा। आईसीएमआर। 3 वर्ष, 2013–2016, 6455379 रुपए

12. सघन – ओमिक्स एप्रोच का प्रयोग करके अस्थमा में बायोमार्कर खोज (साइट पीआई)। डॉ. राकेश लोधा। सीएसआईआर, आईजीआईबी. 2009–15, 2.1 करोड़ रुपए

13. बच्चों में तपेदिक रोधी दवाओं के फार्माकोकाइनेटिक्स पर कुपोषण तथा एचआईवी संक्रमण का प्रभाव। डॉ. राकेश लोधा। आईसीएमआर। 3 वर्ष, 2012–2015, 48 लाख रुपए

14. मश्त जन्म के आनुवंशिक मूल्यांकन में एरे – आधारित तुलनात्मक जीनोमिक हाइब्रिडाइजेशन (एररे सीजीएच) का नैदानिक प्रयोग। मधुलिका काबरा। डीबीटी। 3 वर्ष, 2013–2014, 85 लाख रुपए

15. डाउन सिंड्रोम के गैर आक्रामक जन्म पूर्व निदान हेतु मातश्संचरण में मानव क्रोमोसोम्स 21 ड्राइब्ड एमआईआरएनए की पहचान। मधुलिका काबरा। डीबीटी। 3 वर्ष, 2013–2015, 57 लाख रुपए

16. ट्यूबर्स स्केलेरोसिस वाले भारतीय रोगियों में आण्विक आनुवंशिक अध्ययन। आईसीएमआर। मार्च 2013–2015 । मधुलिका रॉय चौधरी (पीआई) मधुलिका काबरा (सह – पीआई), आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2013–2015, 50 लाख रुपए

17. भारत में नैदानिक जैव रसायन तथा आण्विक लक्षणवर्णन ऑफ्लेसोसोमल स्टोरेज विकारों का बहु केन्द्रीय सहयोगी अध्ययन : लेसोसोमल स्टोरेज विकारों में अनुसंधान हेतु पहल। मधुलिका काबरा (पीआई), नीरजा गुप्ता (सह – पीआई), आईसीएमआर, 3 वर्ष 2015–2017, 30 लाख रुपए

18. दिल्ली राज्य में इनबोर्न मेटाबोलिक त्रुटियों हेतु उपचार योग्य विकारों तथा एपिडिमियोलॉजिकल डाटा जनरेशन हेतु नवजात शिशु की जांच की एक नोवल संभाव्यता। मधुलिका काबरा (पीआई), नीरजा गुप्ता (सह – पीआई), डीएसटी, 2 वर्ष 2014–2016

19. भारतीय एटेक्सिया वेलेंजिक्टेसिया रोगियों में मुटेशन्स के स्पैक्ट्रम की पहचान। रश्मि शुक्ला। जैव – प्रौद्योगिकी विभाग, 3 वर्ष, 2014–2017, 3487400 रुपए

20. 18 माह से 6 वर्ष तक की आयु वाले ऑटिज्म व्यापकता विकारों से पीड़ित भारतीय बच्चों हेतु व्यावसायिकों की तुलना में अभिभावकों द्वारा प्रयोग सामाजिक सांस्कृतिक संवेदी देशी रूप में विकसित मॉड्यूल की प्रभावकता। डॉ. सविता सप्रा। आईसीएमआर। 3 वर्ष, 2014–2017, 2696492 रुपए

21. ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों में रक्त हेवी मेटल्स स्तरों तथा मात्रात्मक ईसीजी सहसंबंध। डॉ. शैफाली गुलाटी। आईसीएमआर। 3 वर्ष, 2014–2017, 4 वर्ष, 49,04,232 रुपए
22. 2 से 15 वर्ष की आयु वाले स्पाइनल मस्कुलर एट्रॉफी से पीड़ित बच्चों में बेलप्रोएट तथा लिवोकार्जिटाइन का यादशच्छिक प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण। डॉ. शैफाली गुलाटी। संस्थान अनुसंधान अनुदान। 3 वर्ष, 2012–2015, 10,00,000 रुपए
23. 2 से 24 माह की आयु वाले भारतीय बच्चों में संदर्भित मानक टूल (डीएएसआईआई – भारतीय नवजातों हेतु विकासात्मक निर्धारण स्केल) की तुलना में ग्राही एएसक्यू–3 (आयु तथा अवस्था प्रश्नावली) की वैधता तथा भारतीय ग्राह्यता (आईसीएमआर वित्तपोषित परियोजना, तकनीकी रूप से अनुमोदित) डॉ. शैफाली गुलाटी। आईसीएमआर। 2 वर्ष 2015–2018। 31,56,881 रुपए
24. एडिपॉजिटी तथा बायोकैमिकल मार्कर्स से जुड़े कार्डियोमेटाबोलिक जोखिम के कार्यक्रम पर अर्ली इनफैंसी में फेट मास के बढ़ने की भूमिका। वंदना जैन। डीबीटी। 3 वर्ष 2012–2015, रु. 69,87,324 रुपए
25. भारतीय मौटे किशोर बच्चों में गैर एल्कोहलिक फैटी लीवर रोग के संदेह का पता लगाने में आनुवंशिक पोलिमोर्जिज्म नैदानिक तथा जैव रसायनिक पैरामीटरों का दबाव। वंदना जैन। आईसीएमआर। 3 वर्ष, 2012–2015, 49,00,000 रुपए.
26. बाल्यावस्था कैंसर हेतु उपचार करवा रहे बच्चों में फेब्राइल न्यूरोपेनिक एपिसोड हेतु नैदानिक तथा पूर्वानुमानित के रूप में प्रोकेलेक्टोनिन (पीसीटी) की भूमिका का पता लगाना। रचना सेठ, एम्स, 2 वर्ष, 2014–2016, 3,00,000 रुपए
27. कीमो से उपचार (सी से सी) : कैंसर उत्तरजीवी का अध्ययन। रचना सेठ, जीव दया फाउंडेशन, डालस, यूएसए, 6 वर्ष, 2011–2017, 20,0000 रुपए
28. गंभीर लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकिमिया के भारतीय रोगियों में रिलेप्स जोखिम के पूर्वानुमान हेतु आण्विक लक्षणवर्णन, रचना सेठ। आईसीएमआर। 3 वर्ष, 2014–2017, अनुसंधान एसोसिएट हेतु फैलोशिप।
29. बाल्यावस्था में गंभीर लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकिमिया में आण्विक विकल्प : सीआरएलएफ 2 पुनः व्यवस्था तथा जीनस काइनेज (जेएके 1 और जेएके2) मुटेशन्स की भूमिका। रचना सेठ। आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015–2018, वरिष्ठ रिसर्च एसोसिएट्स हेतु वेतन।
30. हमारे केद्र में 1 – 14 वर्ष की आयु वाले बाल अर्बुद – विज्ञानी रोगियों में फेब्राइल न्यूरोजेनिक एपिसोड में गंभीर बैक्टीरियल संक्रमण की पूर्वसूचना के मूल्यांकन प्रोफाइल का निर्धारण। सीएसआईआर परियोजना। पूल ऑफिसर डॉ. अमिताभ सिंह। 3 वर्ष, 2015–2018, वरिष्ठ रिसर्च एसोसिएट्स हेतु वेतन।
31. हरियाणा, भारत में दो जिलों के प्राथमिक उपचार केन्द्रों में बच्चे का जन्म तथा नवजात उपचार की गुणवत्ता में सुधार। डॉ. रमेश अग्रवाल, वि. स्वा. सं., जीनेवा। 2 वर्ष, सितम्बर 2014 से सितम्बर 2016, यूएसएडी 25000

पूर्ण

1. 'एसेंशियल न्यूबोर्न नर्सिंग फॉर स्मॉल हॉस्पीटल्स लर्नर्स गाइड दूसरे संस्करण को अद्यतन करना'। डॉ. ए. के. देवरारी, वि.स्वा. सं., 1 जुलाई से 31 सितम्बर 2014, 5,57,500 रुपए
2. चिरकारी प्रोटिन्यूरिक नेफ्रोपैथीज में मुखीय केल्सीटिरोल की एंटीप्रोटिन्यूरिक प्रभाव : एक यादशच्छिक नियंत्रित परीक्षण। पंकज हरि, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2010–2014, 29,10,592 रुपए
3. स्टेरॉयड रेजिसटेंट नेफ्रोटिक सिंड्रोम में केरोटिड इनटिना मीडिया थिकनैस के हाइपरलाइपिडिमिया तथा प्रोग्रेशन पर एटोरवेस्टेटिन का प्रभावः एक यदशच्छिक नियंत्रित परीक्षण। पंकज हरि, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) 3 वर्ष, 2011–2014, 19,40,142 रुपए
4. सिस्टिक फिब्रोसिस वाले बच्चों में जिंक आपूर्ति की भूमिका : यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, एस. के. काबरा। आईसीएमआर। 2 वर्ष, 2012–2014, 200000 रुपए
5. गंभीर रूप से बीमार बच्चों के आपातकालीन तरल उपचार की प्रणालीबद्ध समीक्षा। राकेश लोधा। वि. स्वा. सं., 9 माह, 2014, यूएसडी 10600
6. बहिरंग रोगी तथा / अथवा सामुदायिक स्तर पर जहां रेफ्रल संभावित नहीं था उनको सामान्य एंटीबायोटिक दवा के द्वार नैदानिक गंभीर संक्रमण तथा गंभीर बीमारी के उपचार पर एक सिस्टेनेमिक समीक्षा। राकेश लोधा। वि. स्वा. सं., 4 माह। 2014, 451049 रुपए
7. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में गंभीर सरकुलेटरी इम्पेयमेंट्स के इमरजेंसी नैदानिक लक्षणों तथा मार्करों पर यदि उपयुक्त संदर्भित साक्ष्य हों तो, एक सिस्टेमिक समीक्षा तथा ग्रेड प्रदान करना। राकेश लोधा। वि. स्वा. सं., 5 माह। 2014, 9600 अमेरिकी डॉलर

8. एचआईवी संक्रमित बच्चों में बी सेल सब पोपलेुशन्स पर उच्च रूप से सक्रिय एंटीरिट्रोवायरल थेरेपी के प्रभाव का अध्ययन करना। राकेश लोधा। आईसीएमआर। 3 वर्ष। 2011–2014, 39 लाख रुपए
9. आइडियोपैथिक शॉर्ट स्टेचर वाले बच्चों में पीएचआर जीन मुटेशन्स। वंदना जैन। एम्स। 3 वर्ष 2012 – 15, रु. 5,00,000
10. बाल्यावस्था में गंभीर लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकिमिया में आण्विक विकल्प : सीएसएलएफ 2 पुनः व्यवस्था की भूमिका : एक पायलट अध्ययन। आर. रचना सेठ। एम्स, 1 वर्ष, 2013–2014, 5,00,000 रुपए
11. बीमार युवा शिशुओं जहां परिवार द्वार रेफ्रल स्वीकार्य नहीं था उनके उपचार पर साक्ष्य संबंधी ग्रेड प्रोफाइल प्रदान करना तथा एक सिस्टेमिक समीक्षा का संचालन करना। डॉ. वी. के. पॉल। वि. स्वा. सं., जीनेवा, 3 माह। 16 अप्रैल 2014 से 15 जून 2014, 4,79,120 रुपए
12. समय – पूर्व शिशुओं हेतु उपचार पर एक सिस्टेमेटिक समीक्षा सत्र का सचालन। रमेश अग्रवाल। वि. स्वा. सं., जीनेवा, 1 वर्ष। फरवरी 2013 से फरवरी 2014, 14,44,800 रुपए

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. 6 महीने की अवधि के स्वस्थ शिशुओं में विटामिन डी स्तर पर 800/आईयू विटामिन डी की दैनिक आपूर्ति की प्रभावक्षमता।
2. स्टेरॉयड प्रतिरोधी नेफ्रोटिक सिंड्रोम से पीड़ित रोगियों में कमी को बनाए रखने में मायकोफेनोलेट मोफिटेल तथा टेक्रोमाइलस की प्रभाव क्षमता तथा सुरक्षा की तुलना हेतु यादश्च्छिक ओपन लेबल्ड नियंत्रित परीक्षण।
3. बार बार पुनरावर्तन स्टेरॉयड निर्भर निफ्रोटिन सिंड्रोम से पीड़ित रोगियों में वैकल्पिक दिनों पर मानक उपचार बनाम लो डोज प्रेडनिसोलोन वाली दैनिक उपचार की प्रभावक्षमता तथा सुरक्षा की तुलना हेतु यादश्च्छिक ओपन लेबल्ड नियंत्रित परीक्षण।
4. मुखीय साइक्लोफोसफामाइड से उपचारित नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाले बच्चों में गोंडल फंक्शन।
5. नेफ्रोटिन सिंड्रोम से पीड़ित रोगियों में उत्तक विज्ञान तथा रोग के पूर्वसूचक कोर्स में घुलनशील यूरोकाइनेज प्लाजमिनोजेन एक्टिवेटर रिसेप्टर (एसयूपीएआर) तथा सीडी80 की भूमिका।
6. स्टेरॉयड निर्भर नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाली रोगियों में लिम्फोसाइट सब्सेट्स तथा यूरिनरी सीडी80 निष्कर्षण पर रितुक्सिमेब का प्रभाव।
7. हिमोलाइटिक यूरिमिक सिंड्रोम वाले रोगियों में एंटी फेक्टर एच ऑटो–एंटी बॉडीज का कार्यात्मक लक्षण वर्णन।
8. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में गंभीर गुर्दा रोग के पूर्वानुमान के सुधार हेतु रीनल एंजिना इंडेक्स की वैधता।
9. भारतीय बच्चों में वेसिकोयूरेट्रल रिफ्लैक्स की व्यापकता का एक अध्ययन तथा ग्रेड ऑफ रिफ्लैक्स, रीनल हाइपोप्लेक्सिया तथा नैदानिक प्रस्तुती के साथ इसका सह – संबंध।
10. बच्चों में तपेदिक रोधी दवाओं का फार्माकोकाइनेटिक्स (पीएचडी)।
11. चिकनगुनिया वायरस जीन्स की क्लोनिंग तथा अभिव्यक्ति तथा बच्चों तथा बड़ों में चिकनगुनिया पैथोजेनेसिस में उनकी भूमिका का मूल्यांकन (पीएचडी)।
12. बी सेल सब – पोपुलेशन्स पर हाइली एक्टिव एंटीरिट्रो – वायरल थेरेपी के प्रभाव का अध्ययन तथा एचआईवी–1 संक्रमित बच्चों में उनके सह –स्टीमुलेट्री ग्राही (पीएचडी)।
13. सिस्टिक फिब्रोसिस वाले बच्चों तथा किशोरों में बोन मिनरल एक्रीएशन पर अभ्यास हस्तक्षेप कार्यक्रम का प्रभाव (पीएचडी शोध)
14. बाल गहन उपचार एकक में वेंटीलेटर से जुड़ा – निमोनिया : घटनाएं, जोखिम कारक तथा हेतु विज्ञानीकारक (एमडी शोध)
15. सिस्टिक फिब्रोसिस से पीड़ित बच्चों में पुल्मोनरी एक्सरवेशन का हेतु विज्ञान (एमडी)
16. गंभीर रूप से बीमार मशीनी रूप से वेंटीलेटर वाले बच्चों में तरल पदार्थ की अधिकता संबंधी मृत्युदर (एमडी)
17. सिस्टिक फिब्रोसिस वाले बच्चों में त्वचा की एक्वाजेनिक रिंकलिंग की व्यापकता।
18. बाल गहन उपचार एकक में वेंटीलेटर से जुड़ा न्युमोनिया : घटनाएं, जोखिम कारक तथा हेतु विज्ञानी कारक।
19. अस्थमा से पीड़ित बच्चों में मेटाबोलिक अपसामान्यताएं।
20. गंभीर रूप से बीमार मशीनी रूप से वेंटीलेटर वाले बच्चों में तरल पदार्थ की अधिकता संबंधी मृत्युदर।
21. ऑटोसोमल प्राप्त कर रहे नॉन – सिंड्रोमिक श्रवण हानि वाले भारतीय परिवारों में आण्विक आनुवंशिक अध्ययन।

22. म्युकोपोलिसेक्रीडोसिस टाइप 1, 2, 3 वाले रोगियों में बायोमार्कर्स का मुटेशन्स विश्लेषण तथा सह–संबंध।
23. एक्टोडर्मल डिसप्लेशिया वाले भारतीय रोगियो में आण्विक आनुवंशिक अध्ययन (आईसीएमआर फैलोशिप श्वेता खुशमाकर गाइड मधुलिका काबरा) – जारी
24. ट्यूबर्स स्केलेरोसिस वाले भारतीय रोगियों में टीएससी जीन में मुटेशन्स व्यापकता (पीएचडी शोध प्रबंध श्रुति सुदर्शन)
25. मुटेशन्स व्यापकता पर अध्ययन तथा मिटोकोंड्रियल विकारों वाले भारतीय रोगियों में उत्तकविकृति विज्ञानी, न्यूरोइमेजिंग एवं जैव रसायनिक मेटाबोलिज्म के साथ इसका सह – संबंध।
26. हेपेटिक ग्लाइकोजिनोसिस टाइप 1 और 3 का आण्विक तथा जैव रसायनिक लक्षण–वर्णन (पीएचडी शोध प्रबंध सुश्री शमा परवीन)
27. मश्त जन्म के फीनोटाइपिक लक्षण वर्णन में वुर्चुअल तथा परम्परागत शव परीक्षा का तुलनात्मक अध्ययन।
28. रीयल टाइम पीसीआर का प्रयोग करके आइडियोपैथिक एमआर के साथ भारतीय बच्चों में सबटेलोमेरिक इम्बैलेंस का अध्ययन।
29. संपूर्ण जीनोम सीजीएच एररे का प्रयोग कारक आइडियोपैथिक एमआर वाले भारतीय बच्चों में जीनोमिक पुनः व्यवस्था का अध्ययन।
30. म्युकोपोलिसेरिडोसिस टाइप 1, 2 और 3 में बायोमार्कर का मुटेशन्स विश्लेषण तथा सह–संबंध।
31. ऑटोसोमल प्राप्त कर रहे नॉन – सिंड्रोमिक श्रवण हानि वाले भारतीय परिवारों में आण्विक आनुवंशिक अध्ययन।
32. डाउन सिंड्रोम वाले बच्चों में निद्रा विकास के निदान में बाल निंद्रा प्रशनावली की उपयोगिता।
33. पेरेनचायमल न्यूरोसिस्टीसरकोसिस के साथ लिजन्स लोड ढ5 वाले रोगियों में 7 दिन बनाम 28 दिन एल्बेंडाजोल उपचार के साथ स्टेरॉइड के विकिरण विज्ञानी परिणामों की तुलना : एक यादश्च्छिक नियंत्रित परीक्षण।
34. वेलप्रोएट मोनोथेरेपी के 6 माह पर नवीन रूप से नैदानिक एपिलेटसी वाले 3 से 14 वर्ष की आयु वाले बच्चों तथा किशोरों में सीरम विटामिन डी स्तर तथा बोन मिनरल सघनता पर प्रभाव : एक अग्रदर्शी अध्ययन।
35. 0 से 8 वर्ष की आयु के बच्चों में एपिलेप्सी तथा न्यूरोमोटर इम्पेयमेंट्स के एम्स संशोधित इन्क्लेन नैदानिक यंत्रों का विकास तथा वैधता।
36. टिपिकली डेवलपिंग चिल्ड्रन के साथ ऑटिज्म स्पैक्ट्रम विकारों से पीड़ित बच्चों के मध्य रक्त 25 हाइड्रोक्सी विटामिन डी तथा अन्य सूक्ष्म पोषण स्तरों की तुलना।
37. सिंगल कैल्सिफाइड न्यूरोसिस्टीसरकोसिस लिजन्स वाले बच्चों में इलेक्ट्रोएंसेफ्लोग्राफिक अपसामान्यताएं : एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।
38. भारतीय शिशुओं (डीएएसआईआई) हेतु मानक संदर्भित जांच विकास निर्धारण पैमाने की तुलना में देरी से विकसित ''जोखिम पर'' 1 माह से 2 वर्ष की आयु वाले शिशुओं तथा बच्चों में तंत्रिकाविकासात्मक जांच के रूप में आयु तथा अवस्था प्रश्नावली 3 (एएसक्यू3) की भारतीय ग्राह्यता तथा वैधता।
39. हेमिपेरिटिक सेरिब्रल पालसी वाले बच्चों में संशोधित कंसट्रेंट प्रेरित गतिविधि उपचार का आंतरिक क्रियाविधि प्रदान करना – एक कार्यात्मक चुम्बकीय अनुनाद इमेजिंग आधारित अध्ययन।
40. 5 – 18 वर्ष के रोगियों में मुखीय स्टेरॉयड उपचार कम से कम 6 माह के लिए डिसट्रोफिनोपैथी में पुल्मोनरी प्रकार्य जांच।
41. डीएसएम 5 मानदण्ड पर आधारित ऑटिज्म स्पैक्ट्रम विकार हेतु एम्स संशोधित आईएनडीटी – एडीएचडी टूल : विकास तथा वैधता।
42. पहले गैर उत्तेजिक दौरे वाले बच्चों में एपिलिप्टि – फॉर्म अपसामान्यता की पहचान में जल्दी बनाम देर से ईईजी की तुलना : एक देशांतरीय अध्ययन।
43. डीएसएम 5 मानदण्ड पर एडीएचडी आधारित एम्स संशोधित आईएनडीटी – एडीएचडी टूल : विकास तथा वैधता।
44. किशोरों में अस्थि स्वास्थ्य पर कुल शरीर वसा तथा इसके क्षेत्रीय वितरण का प्रभाव।
45. बच्चों में आइडियोपैथिक शॉर्ट स्टेचर के आनुवंशिक आधार का पता लगाना : एसएचओएक्स, जीएचआर तथा आईजीएफएएलएस मुटेशन्स की व्यापकता।
46. बाल्यावस्था गंभीर लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकिमिया में एनओटीएसआई : ल्यूकिमोजेनेसिस की भूमिका मुटेशन्स प्रोफाइल, जीन अभिव्यक्ति तथा नैदानिक परिणामों के साथ संबंध।
47. एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकिमिया (एएलएल) वाले भारतीय बच्चों में नैदानिक परिणामों के पूर्व सूचक के रूप में आईकेजेडएफ – 1 जीन विकल्प तथा साइटोकाइन रिसेप्टर जैसे कारक 2 जीन अभिव्यक्ति का सह संबंध।

48. मेलिगनेंट मीडियास्टीनल मासिस का क्लीनिको – पैथोलॉजिकल विश्लेषण
49. फेब्राइल न्यूट्रोपेनिक एपिसोड्स में प्रिवेलिंग ओर्गेनिज्म प्रोफाइल तथा एंटीमाइक्रोबायल संवेदनशीलता को निर्धारित करना।
50. प्रेडनीसोन, साइटोसाइन एराबिनोसाइड तथा वीसीआर का प्रयोग करके आवर्ती एलसीएच वाले बच्चों के परिणाम का मूल्यांकन।
51. गंभीर ल्यूकिमिया के नवीन रूप से नैदानिक बच्चों में ट्यूबरकुलोसिस संक्रमण की व्यापकता।
52. तृतीयक उपचार बाल गहन उपचार एकक में पीआईएम 3 (पेडियाट्रिक इंडैक्स ऑफ मोर्टेलिटी – 3) की वैधता।
53. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में हाइपरटेंशन की घटना।
54. अस्थमा वाले बच्चों में विटामिन डी आपूर्ति की प्रभावकता तथा सुरक्षा : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (ईएसडीएसी परीक्षण)।
55. सगर्भता के उप सप्ताह से कम के समय पूर्व नवजात की वशद्धि में 4 माह की तुलना में 6 माह की सही आयु में सपूंरक आहार के आरंभ का प्रभाव : एक मल्टीसाइड यादशच्छिक परीक्षण
56. 6 माह की आयु वाले स्वास्थ्य शिशुओं में विटामिन डी स्तरों पर 800/आईयू विटामिन डी की दैनिक संपूरकता का प्रभाव
57. प्रसव पश्चात 24 – 72 घण्टे की आयु वाले स्वस्थ नवजात का यूरिनरी मेटाबोलिक प्रोफाइल।
58. डू वेरी प्रिटर्म इंफेक्ट्स (28 से 32 सप्ताह सगर्भता) एचिव डेवलमेंटल माइलस्टोन एट ए लेटर एज देन डि रेफ्रेंस नोर्म्स इवन आफ्टर करेक्शन फॉर प्रिमेच्योरिटी? – एम अग्रदर्शी अन्वेषणात्मक अध्ययन
59. भारत में उच्च जोखिम हेतु तंत्रिका विकासात्मक स्क्रीनिंग टूल के रूप में बेल इंफेंट तंत्रिकाविज्ञानी स्क्रीनर (बीआईएनएस) का नैदानिक परफोरमेंस
60. ऑटो एकोयूसटिक एमिसन्स (ओएईएस) के विभिन्न प्रकारों की नैदानिक एकरूपता।
61. तृतीयक उपचार नवजात यूनिट भारत से 4 सप्ताह के भीतर अस्पताल से छुट्टी के बाद समय पूर्व प्रसव नवजात (ढ33 सप्ताह की सगर्भता) के पुनः अस्पताल में भर्ती होने की घटना तथा जोखिम कारक।
62. स्तर 3 नवजात यूनिट में भर्ती बहुत कम वज़न वाले शिशुओं में मां और शिशु जोड़े में कंगारू मदर केयर (के. एम. सी) अभ्यास का वर्तमान स्तर तथा संचित यादों के अवसर का मूल्यांकन।
63. प्रसव के विभिन्न प्रकारों द्वारा बहुत कम वज़न (वीएलबीडब्ल्यू) में त्वचा का कोलोनाइजेशन पद्धति।
64. 6 माह के स्वास्थ्य शिशुओं में विटामिन डी स्तरों पर 800/आईयू विटामिन डी की दैनिक संपूरकता का प्रभावकता
65. प्रसव पश्चात 24 – 72 घण्टे की आयु वाले स्वस्थ नवजातों का यूरिनरी मेटाबोलिक प्रोफाइल।
66. डू वेरी प्रिटर्म इंफेनेट्स (28 से 32 सप्ताह सगर्भता) एचिव डेवलमेंटल माइलस्टोन एट ए लेटर एज देन डि रेफ्रेंस नोर्म्स इवन आफ्टर करेक्शन फॉर प्रिमेच्योरिटी? – एम अग्रदर्शी अन्वेषणात्मक अध्ययन।
67. भारत में उच्च जोखिम वाले शिशुओं में तंत्रिका विकासात्मक स्क्रीनिंग टूल के रूप में बेले शिशु तंत्रिकाविज्ञानी स्क्रीनर (बीआईएनएस) की नैदानिक परफोरमेंस।
68. ऑटो एकोयूसटिक एमिश्न्स (आईएईएस) के विभिन्न प्रकारों की नैदानिक एकरूपता।
69. तृतीयक उपचार नवजात यूनिट भारत से 4 सप्ताह के भीतर अस्पताल से छुट्टी के बाद समय पूर्व प्रसव नवजात (ढ33 सप्ताह की सगर्भता) के पुनः अस्पताल में भर्ती होने की घटना तथा जोखिम कारक।
70. स्तर 3 नवजात यूनिट में भर्ती बहुत कम वज़न वाले शिशुओं में मां और शिशु जोड़े में कंगारू मदर केयर (के. एम. सी) अभ्यास का वर्तमान स्तर तथा संचित यादों के अवसर का मूल्यांकन।
71. प्रसव के विभिन्न प्रकारों द्वारा जन्में बहुत कम वज़न के शिशुओं (वीएलबीडब्ल्यू) में त्वचा की कोलोनाइजेशन पद्धति – एक अग्रदर्शी अन्वेषणात्मक अध्ययन।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. सामान्य नवजात स्थितियों को व्यवस्थित करने हेतु एम्स – वि. स्वा. सं. सीसीएसटीपी ऐप्स – एसएनसी यू डॉक्टरों के बीच शिक्षा का प्रभाव।

2. ज्यादा बनाम कम इर्रेडियंस एलईडी फोटोथैरेपी प्राप्त कर रहे हाइपरबिलिरुबिनिमिया वाले बच्चों के लिम्फेसाइट्स में डीएनए क्षति के प्रोफाइल की तुलना।
3. स्टेरॉइड प्रतिरोधी नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाले रोगियों में घटाव को बनाए रखने में मायकोफेनोलेट मोफिटेल तथा टेक्रोलाइमस की प्रभावकता तथा सुरक्षा की तुलना हेतु यादृच्छिक ओपन लेबल्ड नियंत्रित परीक्षण।
4. सीकेडी सहित विटामिन डी की कमी वाले बच्चों में एफजीएफ 23 स्तरों पर कोलेकेल्सिफोल संपूरक का प्रभाव।
5. कम से सामान्य गंभीर अस्थमा की तीव्रता वाले 5 – 15 वर्ष की आयु के भारतीय बच्चों में बीटा 2 एडरेनर्जिक ग्राही जीन पोलिमोर्फिज्म तथा ब्रोंकोडाइलेटर प्रतिक्रिया के इनहेल के मध्य सह संबंध का अध्ययन करना।
6. 6 माह के लिए विटामिन ई (ट्वाइस दि आरडीए) पर सिस्टिक फिब्रोसिस वाले 3 से 18 वर्ष की आयु के रोगियों में परिसरीय न्यूरोपैथी की व्यापकता (डी. एम शोध प्रबंध)।
7. आयु समूह के मध्य अनियंत्रित अस्थमा की पहचान में एकईएनओ की भूमिका।
8. सीरम विटामिन डी स्तर तथा बाल्यावस्था अस्थमा के नियंत्रण के स्तर के साथ इसके संबंध।
9. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में ओस्कीलोमेट्रिक गैर – आक्रामक बीपी तथा आक्रामक आर्टियल बीपी आकलन का तुलनात्मक अध्ययन।
10. संपूर्ण जीनोम सीजीएच एररे का प्रयोग करके आइडियोपैथिक एमआर वाले भारतीय बच्चों में जीनोमिक पुनः व्यवस्था का आकलन।
11. सामान्य ओरगेनिक एसिड्यूरियास वाले भारतीय रोगियों में मुटेशन्स प्रोफाइल का अध्ययन करना (आईसीएमआर फैलोशिप पवन कुमार सिंह, गाइड मधुलिका काबरा (जारी)
12. तनाव, जीवन की गुणवत्ता तथा डाउन सिंड्रोम के साथ मां के बच्चा पैदा करने के लिए प्रतिक्रिया शक्ति परीक्षा।
13. बाल्यावस्था मस्कुलर डिस्ट्रॉफिक में त्वचा बायोप्सी की भूमिका।
14. 1 से 18 वर्ष की आयु के रिफ्रेक्ट्री एपिलेप्सी वाले बच्चों में संशोधित एलकाइन्स आहार बनाम किटोजेनिक आहार की प्रभावक्षमता।
15. 4 माह से 7 वर्ष की आयु के वेस्ट सिंड्रोम तथा लिनोक्स गेस्टोर सिंड्रोम वाले बच्चों का टेलीफोन आधारित फॉलो–अप : आमने सामने परामर्श की अपेक्षा होने पर गंभीर घटनाओं की पहचान करना कितना सटीक?
16. 6 से 18 वर्ष की आयु के वृक्क प्रत्यारोपण के पश्चात बच्चों में इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकली निर्देशित न्यूरोपैथी की व्यापकता।
17. 6 से 18 वर्ष की आयु में डिस्ट्रोफिनोपैथी वाले बच्चों में जीवन की गुणवत्ता।
18. रेट सिंड्रोम सहित 2–18 वर्ष की आयु के बच्चों में हृद्वाहिका ऑटोनोमिक दुष्क्रिया।
19. बाल्यावस्था एपिलेप्सी वाले बच्चों में ट्रेस एलिमेंट्स के सीरम स्तर का अध्ययन।
20. हाइपोटोनिक शिशुओं तथा 12 वर्ष तक की आयु के बच्चों के निर्धारण में स्केलटेल मसल्स की अल्ट्रा सोनोग्राफी का अध्ययन।
21. 6 माह से ज्यादा के लिए फेनीटोइन मोनोथैरेपी पर 5 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों में इलैक्ट्रोफिजियोलॉजिकली नैदानिकत परीसटीय न्यूरोपैथी की व्यापकता
22. बच्चों (6–16 वर्ष) में साइकोजेनिक गैट – एपिलेप्टिक घटनाओं की नैदानिक स्पैक्ट्रम।
23. आइडियोपैथिक शॉट स्टेचर हेतु विशेष ध्यान वाले 4 से 16 वष की आयु के बच्चों का नैदानिक तथा जैव रसायनिक लक्षण–वर्णन।
24. गंभीर ल्यूकिमिया हेतु फेब्राइल न्यूट्रोपिनिया वाले बच्चों में आक्रामक फंगल संक्रमणों की व्यापकता।
25. प्रिटर्म इनफैंट्स रिसिविंग नेसल कंटीन्यूसस पॉजीटिव एयर वे प्रेशर में फेरेंजियल दाब।
26. स्तर 3 नवजात गहन उपचार एकक में स्वास्थ्य उपचार प्रदानकर्ताओं के मध्य हाथ की स्वच्छता अनुपालन में सुधार हेत क्रमवार हस्तक्षेप का प्रभाव : पहले तथा बाद में अध्ययन।
27. तनाव के नैदानिक मार्कर तथा सेलिवटी कोर्टिसोल पर 35 सप्ताह से कम सगर्मता में समयपूर्व नवजात में दैनिक शारीरिक गतिविधि का प्रभाव।
28. समय – पूर्व 35 सप्ताह से कम सगर्भता में मात्रात्मक अल्ट्रासाउंड द्वारा आकलित हड्डी भी मजबूती पर दैनिक शारीरिक गतिविधि का प्रभाव।

29. सामान्य नवजात स्थितियों की व्यवस्था हेतु एम्स – वि. स्वा. सं. सीसीएसटीपी ऐप्स : विशेष नवजात उपचार एकक डॉक्टरों में जानकारी तथा कौशल का प्रभाव का मूल्यांकन।
30. लाइट एमिटिंग डायोड फोटोथेरेपी का प्रयोग करके उच्च बनाम कम इंटरेडियंस प्राप्त कर रहे हाइपरबिलिरुबिनिमिया वाले नवजात के लिम्फोसाइट्स में डीएनए क्षति के प्रोफाइल की तुलना।
31. 400/आईयू विटामिन डी के दैनिक संपूरक पर 3 माह के स्वस्थ शिशुओं में विटामिन डी स्तर।
32. समयपूर्व जन्म में नवजात श्वसन पीड़ा संलक्षण के प्रोफाइलेक्सिस हेतु सरफेकटेंट का इंट्रा एम्नियोटिक संस्थापन।
33. नेजल कंटीन्यूयस पॉजीटिव एयर वे प्रशर प्राप्त कर रहे समयपूर्व शिशुओं में फेरेंजियल दबाव।
34. स्तर 3 नवजात गहन उपचार एकक में स्वास्थ्य उपचार प्रदानकर्ताओं में हस्त स्वच्छता अनुपालन के उद्देश्य में क्रमानुसार हस्तक्षेप का प्रभाव।
35. तनाव के नैदानिक मार्कर तथा सेलिवरी कोर्टिसोल पर 35 सप्ताह से कम की सगर्भता में समयपूर्व नवजात में दैनिक शारीरिक गतिविधि का प्रभाव।
36. समय – पूर्व 35 सप्ताह से कम सगर्भता में मात्रात्मक अल्ट्रासाउंड द्वारा आकलित हड्डी भी मजबूती पर दैनिक शारीरिक गतिविधि का प्रभाव।
37. सामान्य नवजात स्थितियों की व्यवस्था हेतु एम्स – वि. स्वा. सं. सीसीएसटीपी ऐप्स : विशेष नवजात उपचार एकक डॉक्टरों में जानकारी तथा कौशल का प्रभाव का मूल्यांकन।
38. लाइट एमिटिंग डायोड फोटोथेरेपी का प्रयोग करके उच्च बनाम कम इंटरेडियंस प्राप्त कर रहे हाइपरबिलिरुबिनिमिया वाले नवजात के लिम्फोसाइट्स में डीएनए क्षति के प्रोफाइल की तुलना।
39. 400/आईयू विटामिन डी के दैनिक संपूरक पर 3 माह के स्वस्थ शिशुओं में विटामिन डी स्तर।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. रेटिनोपैथी ऑफ प्रिमच्योरिटी (आरओपी) के पशु मॉडल में रेटीनल रेनिन एंजियोटेनसिन सिस्टम (आरएएस) की भूमिका का मूल्यांकन (आर. पी. सेंटर, एम्स)
2. हीमोलेटिक यूरेमिक सिंड्रोम में एंटी – कम्पलीमेंट फेक्टर एच ऑटोएंटीबॉडीज का कार्यात्मक लक्षण–वर्णन एवं आनुवंशिक आधार (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्युनोलॉजी, नई दिल्ली)
3. एंटी – फेक्टर एच ऑटोएंटीबॉडी एसोसिएटिड हिमोलाइटिक यूरिमिक सिंड्रोम। (लेबोरेट्री दि इम्युनोलॉजी हॉस्पीटल यूरोपीयन जॉर्जिस पोमपिडू, इनसम यूएनआरएस 872, पेरिस फ्रांस
4. नेफ्रोटिक सिंड्रोम पर अनुसंधान (मिकिधन विश्वविद्यालय, यूएसए, बिस्टोल विश्वविद्यालय, यूएसए
5. न्यूमोसाइटिकस कैरिनी / जीरोवेक्सी न्यूमोनिया की पहचान हेतु तकमेन आधारित रियल टाइमर मात्रात्मक पोलिमिराज चेन रिएक्शन का विकास (सूक्ष्मजैव विज्ञान)
6. भारत में बच्चों में एचआईवी। संक्रमण का प्रतिरक्षा विज्ञानी लक्षण–वर्णन (जैव रसायन विभाग)
7. बाल रुमेटॉइड आर्थ्राइटिस में यूविटिस की व्यापकता का अध्ययन (नेत्र विज्ञान)
8. बाल अस्थमा में इन्हेलर का प्रयोग करके मीटर्ड खुराक के दौरान डीप इंलेशन ओवर टाइडल ब्रिदिंग की प्रभावक्षमता की तुलना हेतु एक यादश्च्छिक नियंत्रिक परीक्षण।
9. इंट्राथोरोसिक ट्यूबरकुलोसिस तथा दवा रेसिटेंट ट्यूबरकुलोसिस के निदान करना (सूक्ष्मजैव विज्ञान)
10. वैकल्पिक एंटीमाइक्रोबायल कारकों टाइफोडल सेलमोनेली पर अध्ययन (सूक्ष्मजैव विज्ञान)
11. एचआईवी – 1 संक्रमित भारतीय बच्चों में आनुवंशिक डाइवर्सिटी तथा न्यूट्रालाइजेशन एंटीबॉडी प्रतिक्रिया का लक्षण वर्णन (जैव रसायन)
12. गंभीर रूप से संक्रमित भारतीय बाल रोगियों में एचआईवी–1 लेड सी का विकास (जैव रसायन)
13. बाल एचआईवी 1 संक्रमण के रोगजनन में इम्यून नेटवर्क (जैव रसायन)

14. मृतजात के आनुवंशिक मूल्यांकन में ऐसे आधारित तुलनात्मक जीनोमिक हाइब्रिडाइजेशन (एररे सीसीएच) का नैदानिक प्रयोग डीबीटी 2013–2015 लगभग 85 लाख (जारी)
15. भारत में बाल्यावस्था इंट्राक्टेवल एपिलेप्सी रोगियों में जल्दी बनाम देर से सर्जरी का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (तंत्रिका विज्ञान विभाग)
16. एंटीऐपलेप्टिक दवाओं के साथ आयुर्वेद दवाओं का फार्माकोकाइनेटिक तथा फार्माकोडायनेमिक (भेषज गुण विज्ञान विभाग)
17. स्पेस्टिक सेरिब्रल पालसी वाले बच्चों में सहायक थेरेपी के रूप में रिफ्लैक्सोलॉजी का मूल्यांकन (जैव भौतिकी विभाग)
18. वेस्ट सिंड्रोम सहित इंट्राक्टेबल एपिलेप्सी वाले बच्चों में सहायक थेरेपी के रूप में रिफ्लैक्सोलॉजी का मूल्यांकन (जैव भौतिकी विभाग)
19. दवा रेसीसटेंस एपिलेप्सी वाले किशोंरो तथा वयस्कों में संशोधित एटकिन्स आहार की प्रभावक्षमता सुरक्षा तथा सहनशीलता : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षा'' (तंत्रिका विज्ञान विभाग)
20. देखभालकर्ताओं की जानकारी को बढ़ाने में कंनवुलशन हेतु प्राथमिक सहायता पर संरचनात्मक शैक्षिक कार्यक्रम की प्रभावक्षमता (नर्सिंग महाविद्यालय)
21. एफआरडीए रोगियों से पीबीएमसी का तुलनात्मक प्रोटियोमिक प्रोफाइलिंग तथा जोकि विभिन्न फ्रटेक्सिन अप रेगुलेटिंग थेरेप्यूटिक्स की उपस्थिति (जैव रसायन विज्ञान विभाग)
22. परम्परागत इचथियोसिस वाले रोगियों में विटामिन डी संपूरक (त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान)
23. आईसीएमआर युवा डाइबिटीज रजिस्ट्री (अंतःस्राविकी विज्ञान एवं चयापचय)
24. बाल स्वास्थ्य में ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य अनुसंधान हेतु दीर्घ अवधि सहभागिता विकास (बाल चिकित्सा, लैब ओंकोलॉजी, टीएचएसटीआई (बाल जीव विज्ञान केन्द) तथा आईजीआईबी)
25. प्रगत रेटिनोबलास्टोमा में मल्टीनोडल उपचार मोडेलिटीज की सुरक्षा तथा प्रभावकता का मूल्यांकन (नेत्र रोग विज्ञान विभाग)
26. बाल टी–एएलएलएस में नोट्च सिरिंज्स की भूमिका (टीएचएसटीआई)
27. बाल ओंकोलॉजी रोगियों में फेब्राइल न्यूट्रोपेनिया हेतु मार्कर्स का पैनल (सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग)
28. टी लाइनेज एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकिमिया में एनओटीसीएच के रूप में पूर्व सूचक की भूमिका का निर्धारण (प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान विभाग)
29. इम्यून स्प्रैस्ड बच्चों में आक्रामक एसपरजिलोसिस निदान तथा मूल्यांकन (सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग)
30. प्रगत रेटिनोब्लास्टोमा के परिणाम (एक्स्ट्राओक्यूलर रोग) (नेत्र रोग विज्ञान विभाग)
31. बाल्यावस्था हॉडकिन लिम्फोमा में कीमोथेरेपी की प्रतिक्रिया हेतु पीईटीसीटी की भूमिका का मूल्यांकन (विकिरण निदान, नाभिकीय चिकित्सा)

पूर्ण

1. नवजात में लाक्षणिक सीएमवी संक्रमण का निदान (सूक्ष्म जैव विज्ञान / वीरोलॉजी, एम्स)
2. समय – पूर्व आरओपी हेतु पूर्व सूचक के रूप में कोर्ड में कोर्ड (आर. पी. सेंटर, एम्स)
3. ऑटिज्म स्पैक्ट्रम विकारों से पीड़ित बच्चों की माताओं में तनाव की व्यापकता का पता लगाने हेतु एक अध्ययन (नर्सिंग महाविद्यालय)
4. सेरिब्रल पाल्सी से पीड़ित बच्चों तथा उनके माता – पिता में जीवन की गुणवत्ता पर अध्ययन (नर्सिंग महाविद्यालय)
5. सेरिब्रल पाल्सी वाले बच्चों में पोलिमोर्फिज्म प्रभावित लीड तथा मर्करी के आवर्तन का मूल्यांकन (भेषजगुण विज्ञान विभाग)
6. एपिलेप्सी वाले बच्चों में जीवन की गुणवत्ता सबंधी स्वास्थ्य; चाइल्ड एण्ड पेरेंटल परसेप्शन्स, नॉलेज एण्ड एटीट्यूड (नर्सिंग महाविद्यालय)
7. वयस्क कोशिकाओं से डचने मस्कुलर डिस्ट्रॉफी डिजीज स्पेसिफिक इंडयूज्ड फ्लुरिपोटेंट स्टेम सैल्स का विकास तथा लक्षण वर्णन (स्टेम सेल सुविधा, ओरबो)
8. एचआईवी संक्रमित बच्चों में ओवयूलर मेनीफेस्टेशन (आ. पी. सेंटर)
9. आईसीएमआर बाल्यावस्था मोटापा टास्क फोर्स। (इनक्लेन भारत, अंतःस्राविकी एवं चयापचय विज्ञान विभाग)
10. अधिभार तथा मोटे बच्चों में मनोविकृति विज्ञान तथा शारीरिक आकार संबंधी (मनोचिकित्सा विभाग)

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 127 **सार : 26** **पुस्तकों में अध्याय : 30** **पुस्तक : 14**

रोगी उपचार

बहिरंग सेवाएं

बाल चिकित्सा विभाग द्वारा दैनिक रूप से बाल चिकित्सा ओपीडी में सामान्य ओपीडी सेवाएं दी जाती हैं। इस वर्ष के दौरान लगभग एक लाख बहिरंग रोगी परामर्श दिए गए। विभाग द्वारा 15 अति विशिष्टता क्लीनिक चलाए जा रहे हैं।

सेवा का नाम	नए रोगी	पुराने रोगी	कुल उपस्थिति
बाल चिकित्सा सामान्य ओ पी डी	34528	53811	88339
बाल चिकित्सा तंत्रिका विज्ञान क्लीनिक	904	2030	2934
बाल चिकित्सा मायोपेथी क्लीनिक	400	1200	1600
बाल चिकित्सा जठरांत्र विज्ञान हिपाटोलॉजी एवं पोषण	841	1966	2807
बाल चिकित्सा स्वस्थ शिशु क्लीनिक	573	50	623
बाल चिकित्सा उच्च जोखिम नवजात विज्ञान क्लीनिक	301	1839	2140
बाल चिकित्सा यकृत विज्ञान क्लीनिक	554	4362	4916
बाल चिकित्सा चेस्ट क्लीनिक	555	5580	6135
बाल चिकित्सा तपेदिक क्लीनिक	300	2139	2439
बाल चिकित्सा रुमेटोलॉजी क्लीनिक	276	2148	4424
बाल चिकित्सा आनुवंशिकी एवं जन्म दोष क्लीनिक	1396+676(2072)	2984+312(3296)	5368
बाल चिकित्सा अर्बुद विज्ञान क्लीनिक	365	2600	2965
बाल चिकित्सा कैंसर उत्तरजीविता क्लीनिक	278	2200	2478
बाल चिकित्सा अंतःस्रावी एवं चयापचय क्लीनिक	560	1510	2070
बाल विकास क्लीनिक	724	426	961
न्यूरोसिस्टिसर्कोसिस क्लीनिक	298	1837	2135
ऑटिज्म क्लीनिक	145	355	500
महायोग	**43674**	**87349**	**1,31023**

इसके अतिरिक्त, बाल चिकित्सा चेस्ट क्लीनिक में सिस्टिक फिब्रोसिस तथा बाल चिकित्सा एचआईवी सेवाएं भी प्रदान की गई।

भौतिक चिकित्सा सेवाएं कंगारु मदर केयर यूनिट, सामान्य की फॉलो–अप सेवाएं तथा नवजात में जोखिम तंत्रिका विज्ञान क्लीनिक, मायोपैथी क्लीनिक, आनुवंशिक क्लीनिक, उच्च जोखिम, इंडो विकास क्लीनिक, बाल चिकित्सा चेस्ट क्लीनिक रुमेटोलॉजी क्लीनिक में रोगियों को सेवाएं तथा ओ.पी.डी. प्रदान की गई।

वर्ष 2014–15 के दौरान कुल फिजियोथेरेपी सत्र प्रदान की गई : 10,964

बाल चिकित्सा विभाग के चिकित्सा समाज सेवा एकक के चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी द्वारा समाज सेवाएं प्रदान की गई।

गतिविधि	लाभ प्राप्त करने वाले रोगियों की लगभग संख्या
• रोगी को सूचना तथा मार्गदर्शन	3610
• परामर्श एवं मनो उपचार	2000
• रेलवे में रियायत जारी करवाना	1100

- आवास दिलाने में सहायता 260
- विभिन्न जांचों की शुल्क में छूट 2700
- गरीब रोगियों को वित्तीय सहायता संचालित करना 700
- अविवाहित माताओं के अज्ञात बच्चों का पुनर्वास 06
- सामाजिक कार्य प्रशिक्षुओं का निरीक्षण 04
- गरीब रोगियों की विविध आवश्यकताएं जैसे शवों की उनके पैतृक स्थान पर अंतिम संस्कार की व्यवस्था करना। 5

आंतरिक सेवाएं

- अंतरंग सेवाओं में सामान्य वार्ड में भर्ती सुविधाएं, दिवस उपचार सुविधा, नवजात एकक (एनआईसीयूएस ए तथा बी), कंगारु मदर केयर एकक एवं बाल गहन उपचार सुविधा सम्मिलित है।
- विभाग में 8 बिस्तर वाली **उच्च निर्भरता इकाई** का संचालन बच्चों के वार्ड में किया जाता है जो बाल रोगियों को जीवन समर्थन तथा अन्य विशेष जरूरतें पूरी करता है। एचडीयू की नर्सों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- सी 5 वार्ड में स्थित दिवस उपचार में अल्प प्रक्रियाओं अथवा जांचों के लिए आवश्यकता वाले बच्चों को भर्ती किया गया।

कुल आंतरिक भर्ती	**13823**
बाल चिकित्सा वार्ड में लंबे समय तक भर्ती	1969
दिवस उपचार सुविधा में भर्ती	11854
पीआईसीयू में भर्ती रोगी	354
एनआईसीयू ए + बी में भर्ती रोगी	858

प्रयोगशाला सेवाएं

विभाग की विभिन्न प्रयोगशालाओं द्वारा 50 से अधिक विशिष्ट नैदानिक जांचें करायी जाती हैं – जिनमें अनेक दुर्लभ विकारों के लिए हैं जोकि देश में आसानी से उपलबध नहीं हैं।

केन्द्रीय प्रयोगशाला

एंडोमायसियम एंटीबॉडी (ईएमए)	1312	टिशू ट्रांसग्लुटेमिनेस (टी टी जी एलिसा)	814
नाइट्रो ब्ल्यू टेट्राजोलियम (एनबीटी)	90		

आहारविद

1) पोषण पर्चों के लिए संदर्भित बाह्य रोगियों की कुल संख्या 5945

नए रोगी	4319	पुराने रोगी	1777
कुल			6096

2) विशिष्ट चिकित्सा पोषण उपचार पर रोगियों हेतु अंतरंग विवरण / विशिष्ट परामर्श (सी5, डी5, एबी5, प्राइवेट वार्ड, पेरिफेरी से परामर्श) 1962

अंतः स्राविकी विज्ञान

एच बी ए 1 सी	500	यूरिन माइक्रो एल्बुमिन	200
ग्रोथ हार्मोन एलिसा	200	17 – ओएच प्रोग्रेस्ट्रोन एलिसा	200
ग्रोथ हार्मोन	600	25 हाइड्रोक्सिविटामिन डी	200

पीटीएच	100	फ्री टी3	100
फ्री टी4	100	कोर्टिसोल	400
इंसुलिन	200		

जठरांत्र विज्ञान

ऊपरी जठरांत्र इण्डोस्कॉपी	1022	कोलोनोस्कॉपी	39
लीवर बायोप्सी	7	एंटी – एंडोमाइसिल एंटीबॉडी	1120
एलिसा द्वारा एंटी–टिशू ट्रांसग्लूटामिनेज	856	बायोकार्ड द्वारा एंटी–टिशू ट्रांसग्लूटामिनेज	456

आनुवंशिकी

आण्विक आनुवांशिक प्रयोगशाला

1. 357 परिवारों में बीटा थैलासीमिया (बी थेल) मुटेशन्स विश्लेषण किया गया
2. 94 परिवारों में बी थैल हेतु प्रिनेटल निदान प्रस्तुत किया गया
3. 5 परिवारों में एक्सएमएनआई पोलीमोर्फिज्म संचालित किया गया
4. 172 मामलों में स्पाइनल मस्कुलर एट्रॉफी (एसएमए) मुटेशन विश्लेषण संचालित किया गया
5. 25 परिवारों को एसएमए हेतु प्रिनेटल निदान प्रस्तुत किया गया
6. 4 मामलों में एलबिनिज्म मुटेशन विश्लेषण संचालित किया गया।
7. 476 परिवारों में डचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (डीएमजी) मुटेशन विश्लेषण संचालित किया गया
8. 29 परिवारों में डीएमडी हेतु प्रिनेटल निदान प्रस्तुत किया गया
9. 21 परिवारों हेतु हिमोफिलिया ए लिंकेज विश्लेषण संचालित किया गया
10. 3 परिवारों हेतु हीमोफिलिया ए हेतु प्रिनेटल निदान संचालित किया गया
11. 2 परिवारों हेतु हीमोफिलिया बी लिंकेज विश्लेषण संचालित किया गया
12. 156 परिवारों में फ्रेगाइल एक्स स्क्रीनिंग संचालित किया गया
13. 2 परिवारों को फ्रेगाइल एक्स हेतु प्रिनेटल निदान प्रस्तुत किया गया
14. 87 मामलों में सिस्टिक फिब्रोसिस मोलिकुलर विश्लेषण संचालित किया गया
15. 6 परिवारों में सिस्टिक फिब्रोसिस हेतु प्रिनेटल निदान प्रस्तुत किया गया
16. 15 मामलों में एकोन्ड्रोप्लेशिया मुटेशन विश्लेषण संचालित किया गया
17. 1 परिवार हेतु एकोन्ड्रोप्लेशिया हेतु प्रिनेटल निदान प्रस्तुत किया गया
18. 6 मामलों में हाइपोकोन्ड्रोप्लेशिया मुटेशन विश्लेषण संचालित किया गया
19. 27 मामलों में नॉन सिंड्रोमिक हियरिंग लॉस (क्नेक्शिन 26) स्क्रीनिंग संचालित की गई

अनुसंधान आधार पर की गई जांचें :

1. 10 परिवारों में ग्लूटेरिक एसिडिमिया टाइप 1 विश्लेषण संचालित किया गया
2. 4 परिवारों में मिथाइलमेलोनिक एसिडिमिया (एमएमए) मुटेशन विश्लेषण संचालित किया गया
3. 2 परिवारों में बायोटिनिडेज डेफीशेंसी मुटेशन विश्लेषण संचालित किया गया
4. 92 केसों में इंटेलेक्चुअल अशक्तता हेतु स्क्रीनिंग संचालित किया गया
5. 102 मामलों में स्मॉल माइक्रो डिलिशन सिंड्रोम्स हेतु स्क्रीनिंग संचालित की गई
6. 2 परिवारों हेतु स्मॉल माइक्रो–डिलिशन सिंड्रोम हेतु स्क्रीनिंग संचालित की गई
7. 5 केसों में मिगालेनसेफलिक ल्यूकोइसेफ्लोपैथी (एमएलसी) मुटेशन विश्लेषण संचालित किया गया
8. 3 परिवारों को एलएमसी हेतु प्रिनेटल निदान प्रस्तुत किया गया

9. 29 केसों में गुचर सिंड्रोम मुटेशन विश्लेषण संचालित किया गया
10. 3 परिवारों को गुचर सिंड्रोम हेतु प्रिनेटल निदान प्रस्तुत किया गया
11. 20 परिवारों को परम्परागत एड्रेनल टाइपप्लेशिया (सीएएच) मुटेशन विश्लेषण संचालित किया गया
12. 4 परिवारों को सीएएच हेतु प्रिनेटल निदान प्रस्तुत किया गया
13. 8 परिवारों को मेटाक्रोमेटिक ल्यूकोडिसट्रॉफी (एमएलडी) मुटेशन विश्लेषण संचालित किया गया
14. 1 परिवार को एमएलडी हेतु प्रिनेटल निदान प्रस्तुत किया गया
15. म्यूकोपोलिसकेरिडोसिस (एमपीएच) 1 रोगी भर्ती : 12
16. म्यूकोपोलिसकेरिडोसिस (एमपीएच) 2 रोगी भर्ती : 15
17. म्यूकोपोलिसकेरिडोसिस (एमपीएच) 3 रोगी भर्ती : 3
18. 1 परिवार को एमपीएस हेतु प्रिनेटल निदान प्रस्तुत किया गया
19. ट्यूब्रस स्केलरोसिस (टीएससी) रोगी भर्ती : 20
20. 2 परिवारों को टीएससी हेतु प्रिनेटल निदान प्रस्तुत किया गया
21. मिटोकोंड्रियल विकार रोगी भर्ती : 21
22. 16 ग्लाइकोजीन स्टोरेज डीजीज (जीएसडी) 1 रोगी भर्ती : 22
23. ग्लाइकोजीन स्टोरेज डीजीज (जीएसडी) 3 रोगी भर्ती : 18
24. 1 परिवार के डीएसडी 1 हेतु प्रिनेटल निदान प्रस्तुत किया गया
25. 1 परिवार को डीएसडी 3 हेतु प्रिनेटल निदान प्रस्तुत किया गया
26. 3 परिवारों में क्रेब डिजीज हेतु कॉमन डिलिशन (जीएएलसी जीन में 31 केबी)

अन्य जांच

क्र. सं.		विकार	रोगियों की संख्या
1	ट्रिपल मार्कर	एंटीनेटल स्क्रीनिंग	739
	एमएसएएफपी एलॉन		8
	बीटा एचसीजी एलॉन		6
	ड्यूल मार्कर टेस्ट		448
2	एमिनो एसिड मेटाबोलिज्म के विकारों हेतु टी एल सी	मेटोबोलिक स्क्रीनिंग	
	ए यूरिन		102
	बी प्लाज्मा		NIL
	सी सीरम		NIL
3	म्यूकोपोली सकेरिडोसिस के विकार (यूरिन स्पॉट परीक्षण)		35
4	होमोसिस्टीइन्यूरिया टेस्ट		42
5	रिड्यूसिंग सबस्टेंस इन यूरिन		186
6	डी एन पी एच		135
7	एफईसीएल3		126
8	यूरिन पोरफायरिया		55
9	ओलिगोसकेरिडस		74
10	ब्लड एमोनिया		887
11	जीएजीएस		31

जैव रसायन प्रयोगशाला

चयापचय की जन्मजात एन्जाइम जांच

एन्जाइम जांच हेतु रोगियों की कुल संख्या : 657

एक बार एंजाइम जांच वाले रोगियों की संख्या : 266 अधिक एंजाइम जांच की संख्या : 391

1	एरिलसेल्फेट ए	मेट मेटक्रोमेटिक – ल्यूकोडिसट्रॉफी	55
2	बीटा – ग्लूकोसाइडेज	गुचर रोग	81
3	अल्फा – आइड्यूरोनाइडेज	हरलर सिंड्रोम (एमपीएस – 1)	42
4	ग्लेक्टोज – 6 – सल्फेट सल्फटेज	मोर्कियो ए (एमजीएसआईवीए)	3
5	गेंगलियोसिडोसिस	जीएम1 गेंगलियोसिडोसिस तथा मोकियो बी (एमपीएस प्ट वी (एमपी)	36
6	एरिलसल्फेटेज – बी	एमपीएस प्ट	11
7	बीटा – ग्लूकोसाइडेज	मेरोटिएक्स–लेमी सिंड्रोम (एमपीएस टप्)	9
8	बायोटिनिडेज		99
9	जीएएलटी	ग्लेक्टोसेमिया	16
10	हेक्सोसेमिनिडेज ए	टे. सेच	53
11	प्लाज्मा हेक्स – ए	म्यूकोलाइपिडोसिस	11
12	प्लाज्मा – एएसए	म्यूकोलाइपिडोसिस	10
13	सिटोटेरियोसिडेज (प्लाज्मा)		93
14	बी – ग्लेकटोसेरिब्रोसाइडेज (क्राब्बेस)	क्राब्बेस	45
15	पेलमिलोयल – प्रोटीन मियो एसटिरेज (आईएनसीएल)	आईएनसीएल	39
16	स्फींगो मायलिनेज	नेइमन पिक डिजीज	65
17	सीवीएस (एनआईएच)	नॉन – इम्यून हाइड्रोप्स	12
18	सीवीएस (एएसए)		4
19	सीवीएस (जीएम1)		4
20	सीवीएस (एमपीएस – I)		2
21	सीवीएस (हेक्स – ए)		2
22	सीवीएस (एनपीडी)		1
23	सीवीएस (एमपीडी – VI)		1

कोशिकानुवांशिकी प्रयोगशाला

क्र. सं.	जांच	रोगियों की संख्या
1.	एम्नियोटिक फ्लूड कल्चर	338
2.	कोरियोनिक विल्ली कल्चर	24
3.	पेरिफेरल ब्लड कल्चर	529
4.	कोर्ड ब्लड कल्चर	36
5.	क्यूएफ – पीसीआर	222

विशिष्ट मनोविज्ञान सहायता

डी.क्यू. / आई. क्यू. निर्धारण 1093

1ण व्यावहारिक समस्याएं

गुस्से का आवेश	148	बिस्तर गीला करना	47
आक्रामक व्यवहार	45	अभद्र व्यवहार	7
सक्रियता	76	लत	3
विकारों का संचालन	24		

2. ऑटिज्म 200

3. ध्यान अभाव सक्रियता विकार 30

4. मिथ्या दौरे, दौरे की प्रतिक्रिया 142

5. कार्यात्मक समस्याएं

सिर दर्द	132	उल्टी	34
पेट में दर्द	120	छाती में दर्द	25
चक्कर	10	सांस फूलना	59
मिथ्या श्रवण हानि	2	हाइपरवेंटीलेशन	41

6. सुनने में परेशानी 66

7. वार्ड में परामर्श 55.60

8. अन्य अस्पतालों तथा विभाग से रेफरल 29

वृक्क विज्ञान

विशेष जांचें एवं प्रक्रियाएं

हीमोडायलेसिस	1257
गंभीर पेरीटोनियल डायलेसिस (ऑटोमेटिड पेरिटोनियल डायलेसिस सहित)	134
निरंतर एम्बुलेटरी पेरीटोनियल डायलेसिस	39
प्लाज्माफेरिसिस सत्र	495
निरंतर गुर्दा पुनःस्थापन उपचार	12
अस्थायी हीमोडायलेसिस कैथेटर प्लेसमेंट (आंतरिक, जुगलर, फेमोरल)	201
रीनल बायोप्सी	126
वृक्क प्रत्यारोपी	8
कंप्लीमेंट फेक्टर एच हेतु एलिसा	115
कंप्लीमेंट फेक्टर एच के एंटीबॉडीज हेतु एलिसा	485

तंत्रिका विज्ञान

ईपीएस लैब

एनसीवी	460	ईएमजी	202
आरएनएसटी	25		
ईईजी	2827		

नैमिक	1812	एम्बुलेटरी	744?
वीडियो ईईजी	271		
मसल बायोप्सी	165	स्किन बायोप्सी	18
नर्व बायोप्सी	7	आर्टियल लेक्टेट	327
सीएसएफ लेक्टेट	196	फोरआर्म इश्केमिक जांच	7
नियोस्टीजमाइन चैलेंज जांच	11	हैंड हेल्ड डायनामोमीटर	54
ओटो–एकोयूस्टिक एमिशन जांच	11		

अर्बुद विज्ञान

अस्थिमज्जा एवं सीएसएफ परीक्षण	545	लिम्फनोड चूषण	60
ट्रूकट बायोप्सी	100	स्किन बायोप्सी	5

गंभीर ल्यूकिमिया के रोगियों हेतु की गई फ्लोसाइटोमीटर	100
गंभीर ल्यूकिमिया हेतु कार्योटाइपिंग एवं आण्विक अध्ययन उपलब्ध है	70
गंभीर लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकिमिया हेतु एमआरडी आकलन	70
हीमोग्राम सुविधा द्वारा 5 भाग एनालाइजर	250

पुल्मोनोलॉजी

स्पाइरोमीटरी	3657	इंपल्स ओक्सिलोमीटरी	3002
शिशु पीएफटीएस	463	ब्रोंकोस्कॉपीज	256
स्वीट जांच	624		

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. वी.के. पॉल नेशनल अकेडमी ऑफ साइंस (एफ एन ए एस सी) के फैलो चुने गए: वह टेक्नीकल ग्रुप ऑन चाइल्ड हेल्प के अध्यक्ष हैं तथा नियोनेटल सर्विस ग्रुप स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सह–अध्यक्ष हैं। वह स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की निम्नलिखित समितियों के सदस्य हैं: नेशनल टेक्नीकल एडवाइजरी ग्रुप ऑन इम्युनाइजेशन (एन टी ए जी आई), सेन्ट्रल सुपरवाइजरी बोर्ड (पी सी एंड पी एन डी टी अधिनियम), कमेटी ऑन इम्पलीमेंटेशन रिसर्च, कमेटी ऑन एम डी जी 4, टीके पर नई दवा सलाहकार समिति (एन डी ए सी) सी डी एस सी ओ, डी सी जी आई वह नेशनल शेडो कोडेक्स कमेटी महिला तथा बाल विकास मंत्रालय तथा नेशनल न्यूट्रिशनल मिशन पर कोर ग्रुप के सदस्य हैं उन्होंने स्वास्थ्य आयोग हिमाचल प्रदेश के सह–अध्यक्ष के रूप में सितंबर 2015 में निर्णायक योगदान दिया, डॉ. पॉल राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार में लगे हुए हैं। वह बाल स्वास्थ्य नीति समिति पंजाब सरकार के अध्यक्ष हैं तथा सदस्य स्वास्थ्य पर टास्क फोर्स, पंजाब गवर्नेंस रिफोर्म्स कमीशन, पंजाब सरकार समर्य–पूर्व जन्म अनुसंधान पर आई सी एम आर परियोजना समीक्षा समिति की अध्यक्षता की, आई सी एम आर न्यूमोनिया इटियोलॉजी अध्ययन तथा एस टी ए जी ऑफ दि शोशल इनोवेशन प्रोग्राम फॉर एफोरडेबल एंड रिलेवेट टू शोशल हेल्थ ऑफ दि बी आई आर ए सी/डी बी टी स्टीरिंग कमेटी। वह गंभीर तीव्र कुपोषण पर डी बी टी डब्ल्यू एच ओ के डी एस एम बी तथा नवजात स्वास्थ्य में इमोलिएट्ंस पर वि.स्वा.सं./एम जी एफ अध्ययन के अध्यक्ष भी हैं वह नवजात संक्रमण की निगरानी पर आई सी एम आर तकनीकी सलाहकार ग्रुप के सदस्य, डी बी टी गेट्स फाउंडेशन ग्रांड चेलेंजिस इनिशिएटिव की तकनीकी सलाहाकर ग्रुप के सदस्य; उन्होंने स्थायी चयन समिति की अध्यक्षता की तथा एम्स रायपुर की संस्थान विकास के सदस्य, प्रबंधन बोर्ड, बाबा फरीद स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय फरीदकोट (पंजाब) के सदस्य तथा सदस्य शैक्षिक कमेटी, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुदुचेरी, भारत जन स्वास्थ्य फाउंडेशन में अतिथि प्रोफेसर तथा इसके अतिरिक्त सांस्थानिक एथिक्स कमेटी तथा बोर्ड ऑफ दि सेंटर फॉर कंट्रोल ऑफ क्रॉनिक डी जी ए के सदस्य। उन्होंने फयूचर ग्रुप के एथिक्स कमेटी की अध्यक्षता की; सदस्य विशेषता सलाहार बोर्ड एस ए बी फॉर पब्लिक हेल्थ, एन बी ई; सदस्य, नेशनल हेल्थ सिस्टम्स रिसोर्सिस सेन्टर के एक्सक्यूटिव बोर्ड के सदस्य: अतिथि संकाय, लाल बहादुर एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन मसूरी; प्रत्येक नवजात कार्य योजना पर ग्लोबल स्टीरिंग कमेटी के सदस्य तथा बायो मेड सेंन्ट्रल, मेट्रनल हेल्थ नियोनेटोलॉजी एंड पेरिनेटोलॉजी, संपादकीय मण्डल तथा सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार ग्रुप हारवर्ड–बी एम जी एफ–वि. स्वा. सं. बेहतर जन्म कार्यक्रम अध्ययन; क. दि केयर ऑफ प्रिंटर्श नियोनेट्स तथा ख.

नवजात पूति तथा बच्चे के जन्म के समय माता–नवजात उपचार को सरलीकृत रेजीमेन्स हेतु जिनेवा मुख्यालय में वि. स्वा. सं. तकनीकी सलाहकार सदस्य ग्लोबल डेवलपमेंट सोल्यूशंस नेटवर्क्स थिमेटिक ग्रुप आफ हेल्थ फॉर ऑल डी डी नेशनल और डी डी न्यूज पर बच्चे के स्वास्थ्य पर कई शो में दिखाई दिए तथा रोगाणुरोधी संक्रमण पर अपने काम के लिए न्यूयार्क टाइम्स में उद्धृत किया गया था।

प्रो. ए. के. देवरारी को 02 नवम्बर 2014 को मेरठ 7वीं वार्षिक बैठक के दौरान आई ए पी नियोकोन व्याख्यान था; सेटल चिल्ड्रन हॉस्पीटल द्वारा ''इफैक्टिव एंड प्रेक्टिल रेसपाइरेट्री सपोर्ट फॉर प्रिमेयचोर इनफैनेट्स (सेटल–पी ए पी) पर तकनीकी सलाहाकार ग्रुप; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा निर्मित प्रिवेंशन ऑफ ब्लाइंडनेस फॉम रेटिनोपैथी ऑफ प्रिमेयचोरिटी'' पर नेशनल टास्क फोर्स हेतु सह–कार्यक्रम निदेशक, 26 सितंबर 2014; कार्यक्रम सलाहकार समूह एन एच आर एस सी (राष्ट्रीय स्वास्थ्य संसाधन केंद्र) एन एच आर एस सी, एन आई एच एफ डब्ल्यू भारत सरकार सदस्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के नवजात स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय दिशा–निर्देश विकास हेतु कोर समूह भारती नवजात कार्य योजना 2014 कंगारू मदर केयर एवं कम वजन के बच्चों में फिडिंग ओपरेशनल दिशा–निर्देश 2014 विटामिन के दिशा–निर्देश 2014

प्रो. अरविंद बग्गा बाल वृकक विज्ञान के XIIवें एशियन कांग्रेस के अध्यक्ष थे, 4–6 दिसंबर 2014 रगुआजु ब्राजील में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बाल वृकक विज्ञान एसोसिएशन के 17वें कांग्रेस की वैज्ञानिक समिति अध्यक्षता की 2016; प्रबंधक संपादक इंडियन पेडिएट्रिक्स सदस्य एडिटोरियल बोर्ड ऑफ इंडियन जर्नल ऑफ पेडिएट्रिक्स, करंट पेडिएट्रिक्स वर्ल्ड जे पेडिएट्रिक्स रिसर्च, सदस्य बाल समीक्षा समूह भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद।

प्रो. पंकज हरि आयोजक सचिव XIIवें एशियन कांग्रेस ऑफ पेडिएट्रिक्स नेफ्रोलॉजी 4–6 दिसंबर 2014; अध्यक्ष इंडियन सोसायटी ऑफ पेडिएट्रिक्स नेफ्रोलॉजी; फैलो ऑफ इंडियन अकेडमी ऑफ पेडिएट्रिक्स जनवरी 2014 संपादकीय मण्डल, इंडियन जर्नल ऑफ ट्रॉमा एंड इमरजैंसी पेडिएट्रिक्स, जर्नल ऑफ प्रोग्रेस इन पेडिएट्रिक्स यूरोलॉजी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नेफ्रोलॉजी यूरोलॉजी।

डॉ. अदिति सिन्हा XIIवें एशियन कांग्रेस ऑफ पेडिएट्रिक्स नेफ्रोलॉजी की वैज्ञानिक समिति के सचिव थे, 4–6 दिसंबर 2014; संयुक्त सचिव, इंडियन सोसायटी ऑफ पेडिएट्रिक्स नेफ्रोलॉजी सदस्य गुर्दा एवं चयापचयी रोग पर टास्क फोर्स, जैव प्रौद्यागिकी विभाग; जूनियर प्रतिनिधि, एशिया, काउंसिल ऑफ दि इंटरनेशनल पेडिएट्रिक्स नेफ्रोलॉजी एसोसिएशन; पेडिएट्रिक्स नेफ्रोलॉजी हेतु समीक्षक, इंडियन पेडिएट्रिक्स इंडियन जनल ऑफ नेफ्रोलॉजी इंडियन जर्नल ऑफ पेडिएट्रिक्स।

डॉ. राकेश लोधा ई टी ए टी दिशा–निर्देश की समीक्षा पर वि. स्वा. सं. बैठक हेतु विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित सितंबर 30 से अक्टूबर 2014 जीनेवा; बच्चों में इबोला वायरस पर वि. स्वा. सं. बैठक हेतु विशेषज्ञ 25–26 मार्च, 2015, जीनेवा; 2015 हेतु अनुसंधान प्राथमिकताओं पर गेट्स फाउंडेशन बैठक हेतु विशेषज्ञ विकासशील विश्व में निमोनिया के उपचार के अनुकूल, 8 अगस्त 2014, सिटल यू एस; ट्रांलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट की एथिक्स कमेटी के अध्यक्ष; 16वें राष्ट्रीय बाल गंभीर उपचार सम्मेलन में फ्री पेपर प्रस्तुति हेतु जज (एन सी पी सी सी) नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग द्वारा एन एल ई एम परामर्श हेतु विशेषज्ञ 27 अगस्त 2014.

प्रो. मधुलिका काबरा ने अपोलों अस्पताल, नई दिल्ली में इंडियन अकेडमी ऑफ पेडिएट्रिक्स द्वारा आयोजित सी एम ई में प्रो. एल. एस. आर्या व्याख्यान दिया, 26 अक्टूबर 2014 एम्स में केंद्रीयकृत कोर अनुसंधान सुविधाओं हेतु समिति के सदस्य, नई दिल्ली; डी बी टी कैरियर एडवांसमेट एवं महिला वैज्ञानिकों हेतु टास्क समिति के सदस्य (बी आई ओ सीए आर ई); सीमेट प्रबंधन समिति के सदस्य; एम्स, नई दिल्ली में आंतरिक परियोजनाओं हेतु परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय; भारत सरकार; भारत द्वारा क्षेत्रीय नवजात स्क्रीनिंग समिति के विशेषज्ञ सदस्य।

प्रो. शैफाली गुलाटी को शीला वेलास अवार्ड के लिए चुना गया था, इंटरनेशनल चाइल्ड न्यूरोलॉजी एसोसिएशन मई 2014 में प्रदत्त एवं उक्त के लिए अवार्ड टेलीनेरी व्याख्यान प्रदान किया गया, चाइल्ड न्यूरोलॉजी चैपटर ऑफ आई ए पी द्वारा लाइफटाईम एचीवमेंट अवार्ड अक्टूबर 2014 अ. भा.आ.सं. द्वारा अनुसंधान में एक्सीलेंस अवार्ड सितंबर 2014 वेस्ट सिंड्रोम सितंबर 2014 में ढाका में एस ई ए आर ओ स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक में साइड इवेंट के रूप में ग्लोबल एक्शन को लांच करने के लिए इंटरनेशनल ग्रुप का विशेषज्ञ सदस्य; टिंग फिनोवार्बिटॉन ड्रग स्टेट्स गाइडलाइन्स को विकसित करने के लिए नेशनल एडवाइजरी बोर्ड ऑफ इण्डिन एपिलेटसी सोसाइटी के सदस्य भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के लिए तंत्रिका विज्ञान परियोजनाओं हेतु विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया। अमेरिकन जर्नल ऑफ मेडीकल जेनेरिक्स, बी एम जे सहित विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों (26) के लिए एडीटोरियल बोर्ड सदस्य (3 जर्नलस) एवं समीक्षक। एम डी, डी सी एच डी एम एवं पी एच डी के विभिन्न

शोध प्रबंधों के परीक्षक एवं समीक्षक। अनेक अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय व्यवसायिक निकायों (18) के सदस्य उपर्युक्त वर्णित बाल्यावस्था तंत्रिका विकासात्मक विकार कार्यशाला हेतु आयोजक सचिव, नेशनल फोर्मुलेरी ऑफ इण्डिया के 5वें संस्करण के ड्राफ्ट हेतु कमेटी के सदस्य गैर पोलियों ए ई पी के आई सी एम आर विशेषज्ञ समूह, एम सी आई हेतु शिक्षक पात्रता योग्यताओं एम एस आर, प्रतियोगी आधारित दिशा–निर्देशों एवं डी एम (बाल चिकित्सा तंत्रिका विज्ञान) पाठ्यक्रम के विकास के लिए विशेषज्ञ, ओटिज्म में प्रमाणीकरण हेतु दिशा–निर्देशों को विकसित करने के लिए विशेषज्ञ (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण) मंत्रालय, क्लिनिकल परीक्षणों में उत्पन्न मृत्यु की गंभीर प्रतिकूल घटनाओं की रिपोर्ट की जांच करने के लिए कमेटी के सदस्य, (डी सी जी आई), कठिनाइयों वाले बच्चों की व्यापक देख–रेख के लिए केंद्राभिमुख कार्रवाई के लिए फ्रेमवर्क विकसित करने के लिए विशेषज्ञ (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय), इण्डियन एक्स्ट्रापुल्मोनरी टी बी दिशा–निर्देशों के विकास के लिए विशेषज्ञ, ओटिस्म से पीड़ित व्यक्तियों के लिए व्यापक सेवाओं को बनाने के लिए विशेषज्ञ तिरूवंतपुरम, प्रारंभिक वाल्यावस्था इंटरवेंशन कार्यक्रम को सशक्त बनाने के लिए मोड्यूल विकास हेतु विशेषज्ञ उड़ीसा, संकाय भर्ती हेतु विशेषज्ञ एन आई एम एच सिकंदराबाद, साउथ एशिया प्लस में आटिज्म स्पेक्टम विकारों के लिए पेरेंट मीडिएटिड इंटरवेंशन के तकनीकी सलाहकार समूह सदस्य गुलाटी एक चक्रबर्ती बी, दुबे आर, कौशिक जे एस, नायक एन (संशोधित एवं अधतन)। बाल्यावस्था मिर्गी के उपचार एवं निदान हेतु दिशा–निर्देश, बाल मिर्गी पर विशेषज्ञ समिति आई ए पी (बाल मिर्गी, जेपी प्रकाशन, आई ए पी के तहत) 2014 एवं आई ए पी अक्टूबर 2014 के राष्ट्रीय दिशा–निर्देशों के रूप में भी स्वीकृत, पेडिएट्रिक स्तर ऐपिलेप्टिक्स (आई ए पी दिशा–निर्देश) के उपचार हेतु सर्वसम्मति मानदण्ड विकसित करने के लिए डॉ. शैफाली गुलाटी एवं डॉ. बिस्वरूप चक्रबर्ती विशेषज्ञ समूह के भाग थे।

डॉ. वंदना जैन महिला एवं शिशु विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तहत सेंट्रल एडोप्शन रिसोर्स ऐजेंसी (सी ए आर ए) स्वायत्त निकाय की एन ओ सी समिति की सभापति एवं अ.भा.आ.सं. प्रतिनिधि थी, सदस्य, वेलकम ट्रस्ट इनोवेशन्स अवार्ड 2014 के लिए वेलकम ट्रस्ट यू के के वर्चुवल एडवाइजरी ग्रुप, वर्ष 2014 में बाल अंतःस्रावी विज्ञान में अल्पावधि फैलो के (3–6 माह) रूप में सरकारी क्षेत्र में कार्य करने वाले भारत से एवं नेपाल से कुल बालचिकित्सकों को प्रशिक्षित एवं परामर्श दी गई, मेडीकल छात्रों फैलों एवं पोस्टडोक्स की क्षमताओं एवं दक्षताओं में वशद्धि करने के लक्ष्य के साथ यूरोपियन सोसाइटी फॉर पेडियाट्रिक इण्डोक्रिनोलॉजी (ई एस पी ई) इंटरेक्टिव ई–लर्निंग पोर्टल (www.espeelearning.org) हेतु शिक्षण स्रोत सामग्री के आमंत्रित अंशदाता, 'डायबिटिज से पीड़ित बच्चों में हायपरग्लेसिमिक संकटों के उपचार पर दिशा–निर्देश' हेतु राइटिंग कमेटी ऑफ इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर पेडिएट्रिक एण्ड एडोल्सेंट डायबिटिज़ आई (एस पी ए डी) पर कार्य किया।

डॉ. रचना सेठ ने निम्नलिखित अवार्ड जीते (क) इण्डियन सोसाईटी ऑफ हीमोटोलॉजी एण्ड ब्लड ट्रासफयुजन के वार्षिक सम्मेलन में पी जी क्वीज़ (ख) स्नातकोत्तर डॉ. विनय ने स्टेट एवं जोनल स्तर प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया, (ग) इण्डियन जर्नल ऑफ पेडियाट्रिक वेस्ट थिसीन अवार्ड, स्नातकोत्तर (डॉ. मनीष शर्मा) ने 'हाइपरल्यूकोसाइटिस वाले तीव्र ल्यूकीमिया से पीड़ित बच्चों में संपूर्ण ल्यूकोसाइट गणना को कम करने के लिए हाइड्रोक्सीयूरिया एवं हाइपर हाइट्रेशन बनाम हाइपरहाड्रेशन एकल की भूमिका की तुलना करनाः एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण' नामक शीर्षक शोध प्रबंध हेतु द्वितीय स्थान प्राप्त किया, (घ) 'टी–तीव्र लिम्फोप्लास्टिक ल्यूकीमिया के इम्यूनोफिनोटाइपिक विश्लेषण। गैर–ई टी पी टी–ए एल एल के ए–सी डी 5–आधारित ई टी पी–ए एल एल परिदृश्य' नामक लेख हेतु बी डी–टी सी एस पुरस्कार। इयूर जे हेमाटॉल 2014 में प्रकाशित पेपर हेतु संयुक्त रूप से प्रदान किए गए। चोपड़ा ए, बक्शी एस, प्रमानिक एस. के. पाण्डे आर. एम., सिंह एस., एस. गजेन्द्र, सेठ आर, ए. शर्मा एल कुमार, ए गोगिया, एस राय, आर कुमार इण्डियन कैंसर सोसाइटी–एनडीटीवी फोर्टिस हेल्थ 4 यू. एक टेलीथोन पहल में एपेक्स समिति के नामित सदस्य।

डॉ. रमेश अग्रवाल सेमिनार्स इन फीटल एंड न्यूरोनेटल मेडीसिन के संपादकीय मण्डल के सदस्य के रूप में नियुक्त हुए, संगत ऐंटीबायोटिक्स चिकित्सा हेतु दिशा–निर्देशों को विकसित करने के लिए आई ए पी–आई सी एम आर के सदस्य, न्यू ड्रग एडवाइजरी कमेटी (एन डी ए सी)–सी डी एस सी ओ का टीका के सदस्य के रूप में नियुक्त।

डॉ. एम. जीवा शंकर डब्ल्यू एच ओ, जीनिवा में ''बदलते विश्व में स्तनपान'' हस्तलिपि के लेखकों की बैठक में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किए गए थे।

डॉ. काना राम जाट एफ सी सी पी (अमेरिकन कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजीसिएन्स के फैलो) 2014 है, एशिएन जर्नल ऑफ क्लिनिकल पेडियाट्रिक एण्ड न्यूरोनेटोलॉजी के संपादकीय सदस्य, शिशु स्वास्थ्य एवं विकास में फ्रंटियर, निम्नलिखित पत्रिकाओं हेतु समीक्षकः को करने कोलोबोरेशन,

पेडिएट्रिक एलर्जी, इम्यूनोलॉजी एवं पुल्मोनोलॉजी, इण्डियन पेडिएट्रिक, इण्डियन जर्नल ऑफ पेडिएट्रिक, श्वसन उपचार, जर्नल ऑफ एडस एवं एच आई बी उनुसंधान (जे ए एच आर), इण्डियन जे ऑफ क्रिटिकल केयर मेडीसिन आई (जे सी सी एम), बुलेटिन ऑफ डब्ल्यू एच ओ।

डॉ. झूमा शंकर 'दिनांक 10 एवं 11 जनवरी 2015 को अ.भा.आ.सं. में बाल प्रगति जीवन सहायता पाठ्यक्रम' के आयोजनक दल के भाग थे, ''वर्कशाप ऑफ मैकेनिकल वेंटीलेशन'' के आयोजनक दल के भाग थे।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. डौग मैकनिकल, आचार्य यूनीवर्सिटी ऑफ डलहौजी हैलीफैक्स, कनाडा।
2. डॉ. शू ली, आचार्य यूनीवर्सिटी ऑफ टोरोन्टों, टोरोन्टों, कनाडा।
3. डॉ. नलिनी सिंघल, आचार्य, यूनीवर्सिटी ऑफ केल्गेरी, एल्बेर्टो, कनाडा।
4. आचार्य मोइन सजीम, यूनीवर्सिटी ऑफ बिस्टोल, ब्रिस्टोल यूनाइटिड किंगडम।
5. आचार्य डेब्बी गिरसन, माइथम, एन्न आर्बोट एम आई, यू एस ए।
6. डॉ. मेरी एग्नेसा ड्रेगॉन डुरे, हॉस्पिटल यूरोपिएन जार्जस पोम्पिडुयों, पेरिस, फ्रांस।
7. आचार्य सी. ए. एल्फिलर, फिलीप्पिन्स, जनरल हॉस्पिटल मनिला।
8. आचार्य माइग्नॉन मैककुलोच, रेड क्रास चिल्ड्रन हॉस्पिटल जॉननेस्बर्ग, एस. अफ्रीका।
9. डॉ. अशोक वेलोडी। परामर्शदाता मेटाबेलिक पेडिएट्रिसिएन, ग्रेट ओर्मेंड स्ट्रिट, लंदन (यू.के.)।
10. डॉ. सुमाशिनी चंद्रा सेश्वरन, सहायक अनुसंधान आचार्य, ड्यूक ग्लोबल हेल्थ इंस्टीट्यूट यू एस ए।
11. डॉ. सुसेन जे. ग्रॉस (एम डी), आचार्य, क्लिनिकल आब्स्टीट्रिक्स एवं गायनीकोलॉजी तथा बीमेन्स हेल्थ, न्यू योर्क सिटी में अल्बर्ट कॉलेज ऑफ मेडीसिन में पेडिएट्रिक्स तथा जेनेटिक्स।
12. डॉ. एलेक्सजेडर ब्रूमफिल्ड, परामर्शदता मेटाबोलिक पेडिएट्रिसिएन ग्रेड आर्मांड स्ट्रिट हॉस्पिटल, लंदन, यू. के.।
13. चित्रा प्रसाद, सह–आचार्य, आनुवंशिक चयापचय एवं बालचिकित्सा 800 कम्मीशनर्स रोड़ ईस्ट लंदन, ऑन सी ए।
14. सुश्री तान्या कोलीन हिस्टिड–गौचर्स एसोसिएशन्स यू. के.।
15. डॉ. कविता एस. रेड्डी डायरेक्टर ऑफ मेडीकल जेनेटिक्स, इंस्टीट्यूट ऑफ बायोइंफोर्मेटिक्स, बंगलौर।
16. डॉ. एलेक्सीजेंडर लायोन, इम्पेरियल कॉलेज एवं परामर्शदाता कार्डियोलॉजिस्टर, रॉयल ब्रुम्प्टोन हॉस्पिटल, लंदन ने दिनांक 14.03.15 को ओन्को–कार्डियोलॉजी पर उभरती हुई संकल्पनाओं पर वार्ता प्रस्तुत की।
17. डॉ. अन्नावरूपा श्रीनिवास, पर क्लिनिकल व्याख्याता, न्यूकेस्ल यूनीवर्सिटी, यू.के. ने दिनांक 24.02.2015 को 'वंट जिग्नेल्लिंग इन रेब्डोमायोसार्कीमा' पर वार्ता प्रस्तुत की।

9.28 बाल शल्य चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

डी. के. गुप्ता

आचार्य

वी. भटनागर	एम. बाजपेयी
एस. अग्रवाल	एम. श्रीनिवास

सहायक आचार्य

शिल्पा शर्मा	विशेष जैन (21 मई 2014 से)	प्रबुद्ध गोयल (22 मई 2014 से)
देवेन्द्र कुमार यादव (5 जून 2014 से)		अंजन धुआ (12 जून 2014 से)

प्रोफेसर डी. के. गुप्ता ने 11 अप्रैल 2011 से 10 अप्रैल 2014 तक धारणाधिकार पर केजीएमयू में कुलपति के रूप में सेवा प्रदान करने के बाद 11 अप्रैल 2014 से विभाग में कार्य भार संभाला।

विशिष्टताएं

एम्स में बाल्य शल्य चिकित्सा विभाग न केवल सामान्य पीडियाट्रिक सर्जरी अपितु इंटरसेक्स विकार, थोरासिक सर्जरी, ओंकोलॉजी, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी और 14 वर्ष तक की आयु वाले बच्चों में न्यूरोसर्जरी सहित नियोनेटल सर्जरी, यूरोलॉजी के क्षेत्र में भी नवीनतम रोगी देखरेख सुविधाएं उपलब्ध कराता है।

विभाग संकाय मॉलीकुलर बायोलॉजी और स्टेम कोशिका अनुसंधान के क्षेत्र में जन्मजात विकृतियों और कैंसर से संबंधित विभिन्न अंतरंग और बहिरंग अनुसंधान परियोजनाओं में भी सक्रिय रूप से शामिल है। रोगी देखरेख, अनुसंधान, शिक्षण और प्रशिक्षण अंग्रेज़ी में होने के कारण विभाग का निरीक्षण करने और पीडियाट्रिक सर्जरी तथा इसकी उप – विशेषज्ञता में प्रशिक्षण लेने के लिए इस विभाग को भारत और विदेशों से बड़ी संख्या में अनुरोध प्राप्त होते हैं।

विभाग के संकाय को उनकी शैक्षिक उत्कृष्टता और वैज्ञानिक योगदानों के लिए नियमित रूप से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मान पुरस्कार, प्रतिष्ठा और पदक प्राप्त होते हैं, इनमें से प्रोफेसर डी. के. गुप्ता का 134 देशों के प्रतिनिधित्व वाले वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन्स का तीन वर्षों (2014–2016) के लिए अध्यक्ष चुना जाना सर्वाधिक उल्लेखनीय है। यह एम्स, भारत और एशिया के लिए एक अद्वितीय और दुर्लभ सम्मान है। डॉ. डी के गुप्ता को विश्व में बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार के लिए वैश्विक समर्थन के लिए आवश्यकता को रेखांकित करने के लिए डब्ल्यूओएफएपीएस के राष्ट्रपति के रूप में एक दुर्लभ अवसर पर पार्लिमेंट हिल, ओटावा, कनाडा, विश्व बाल स्वास्थ्य, 21 अक्तूबर, 2014 को मुख्य वक्ता के रूप में भाषण देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

विभाग एम्स में आगामी मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केंद्र में स्टाफ स्थान और संकाय के साथ विस्तार के लिए, गंभीर विकृतियों, उन्नत कैंसर, आघात और अन्य लोगों के साथ बच्चों के लिए सभी उप विशिष्टताओं और देखभाल के विकास की ओर अग्रसर है।

शिक्षा

स्नातक, स्नातकोत्तर, पैरामेडिकल शिक्षण

स्नातक चिकित्सा और नर्सिंग छात्रों का शिक्षण – बाल चिकित्सा सर्जरी स्नातकोत्तर शिक्षण से संबंधित विषयों पर स्नातक छात्रों के लिए व्याख्यान और सेमिनार और एम. सीएच बाल चिकित्सा सर्जरी प्रशिक्षुओं का प्रशिक्षण – समावेशी सेमिनार, जर्नल क्लब तथा मामलों पर चर्चा आयोजित की जाती हैं। थीसिस प्रस्तुतियां और रोटेशन पर शिक्षण – न्यूरोसर्जरी में एम. सीएच, नियोनेटोलॉजी में डीएम प्रशिक्षु, प्रशिक्षु, बी. एससी. और एमएससी नर्सिंग छात्रों के वार्ड में जनरल सर्जरी प्रशिक्षण में एमएस प्रशिक्षु

प्रदान किए गए लघु अवधि प्रशिक्षण :

डॉ वेंकटाचलापति, टी. एस. बैंगलोर चिकित्सा महाविद्यालय एवं अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर, फरवरी 2015

डॉ अमित कुमार यादव, बैंगलोर में चिकित्सा महाविद्यालय एवं अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर–मार्च 2015

डॉ राशिद हामिद, चिकित्सा विज्ञान, शेर–ए–कश्मीर संस्थान, सौरा, श्रीनगर, 1–28 फरवरी, 2015

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

- बाल चिकित्सा सर्जिकल कैंसर विज्ञान–2015, एम्स, नई दिल्ली में स्नातकोत्तर कक्षाएं, 24 –26 फरवरी 2015
- प्रो. प्रेम पुरी, राष्ट्रपति राष्ट्रीय बाल अनुसंधान केंद्र, आवर लेडी चिल्ड्रन हॉस्पीटल, क्रूमलिन, डबलिन, बोर्डरूम, एम्स, नई दिल्ली द्वारा ''चिकित्सा अनुसंधान में पशु मॉडल'' पर अतिथि व्याख्यान, 16 दिसंबर 2014
- वेसिकोयूरेटेरियल रीफ्लक्स, होटल शांगरी ला, नई दिल्ली पर संगोष्ठी, 16 दिसंबर, 2014

प्रदत्त व्याख्यान

डी. के. गुप्ता : 23	**वी. भटनागर : 9**	**एम. बाजपेयी : 6**
संदीप अग्रवाल : 8	**शिल्या शर्मा : 29**	**विशेष जैन : 3**

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र / पोस्टर : 53

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. बिलियरी अविवरता में लिवर की इम्युनोहिस्टोकैमिस्ट्री के साथ स्व–प्रतिरक्षित सूजन के सीरम वैज्ञानिक मार्कर का एक तुलनात्मक संबंध, वी भटनागर, एम्स, 1 वर्ष, 2014–15, 4,80,000 रु.।
2. जन्मजात एकपक्षीय यूरेटेरोपेलविक जंक्शन रुकावट में (गैर–आनुवंशिक मार्कर) जीर्ण अंतरालीय अपवश्क्कता के नैदानिक और आणविक मार्कर पर एक अध्ययन, डॉ एम बाजपेयी, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 3 वर्ष, 2011–14, 2015 में जारी, 25,00,000 रु.।
3. निदान और पश्ष्ठीय मूत्रमार्ग वाल्व (पीयूवी) के उपचार में आणविक मार्कर की भूमिका का अध्ययन (गैर आनुवांशिक), डॉ एम बाजपेयी, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 3 वर्ष, 2011–14, 2015 में जारी, 25,00,000 रु.।
4. विल्मस ट्यूमर में वैश्विक मेथिलिकरण पैटर्न की खोज, एस अग्रवाल, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, आंतरिक अनुदान, 1 वर्ष, 2014–15, 5,00,000 रु.।
5. इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी द्वारा विभिन्न बिलियो एंटेरिक एनेस्थोमोसिस – अल्ट्रास्ट्रक्चरल मूल्यांकन की तुलना, एम श्रीनिवास, एम्स, 2014–15, 4,50,000 रु.।
6. सर्जिकल जन्मजात विसंगतियों के लिए भ्रूण परामर्श के लिए दिशानिर्देशों की स्थापना, शिल्पी शर्मा, विभाग जैव प्रौद्योगिकी, तीन वर्ष, 2014–2017, 39,00,000 रु.।
7. प्रतिरोधी यूरोपैथी में गुर्दे संरक्षण में अस्थि मज्जा मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं और गुर्दे की स्टेम कोशिकाओं की भूमिका – चूहों में एक प्रायोगिक अध्ययन, शिल्या शर्मा, एम्स संस्थान, अनुसंधान अनुदान, दो वर्ष, 2013–15, 5,00,000 रु.।

जारी

कोई नहीं

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. इसोफेगल प्रतिस्थापन सर्जरी के लिए विभिन्न गैस्ट्रिक ट्यूब का अध्ययन।
2. चूहों में विभिन्न ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करते हुए एपेंडेक्टॉमी की सुरक्षा और व्यवहार्यता।
3. चूहे वृषण में एचएसवीएल, एलएसवीएल और ऑटो प्रत्यारोपण की तुलना।
4. सार्कोकोसिजियल टेराटोमा के बच्चों में मस्तिष्क संबंधी दीर्घकालिक परिणामों का आकलन।
5. वृषण वाहिका बनाम बच्चों में अनडिसेंडेड वृषण में वृषण वाहिका के कम बंधाव की लेप्रोस्कोपिक उच्च बंधाव की तुलना : एक यादृच्छिक चिकित्सीय परीक्षण।
6. मल्टीचैनल इंट्राल्युमिनल प्रतिबाधा पीएच निगरानी का उपयोग करते हुए इसोफेगल एट्रेसिया के इलाज के लिए बच्चों में गेस्ट्रोइसोफेगल रिफ्लक्स विकार का मूल्यांकन करना।
7. बच्चों में खुले हर्नियोटोमी बनाम लेप्रोस्कोपिक हर्नियोटोमी की तुलना : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
8. हिपेटोब्लोस्टोमा वाले रोगियों में पूर्वाभासी कारकों और दीर्घकालिक परिणाम का एक एम्बीस्पेक्टिव मूल्यांकन।
9. न्यूरोब्लोस्टोमा वाले रोगियों में पूर्वाभासी कारकों और दीर्घकालिक परिणाम का एक एम्बीस्पेक्टिव मूल्यांकन।
10. जन्मजात अधिवश्क्क हाइपरप्लेसिया होने में 18 वर्ष के कम उम्र वाले बच्चों के माता–पिता के ज्ञान, तनाव और मुकाबला करने की क्षमताएं।
11. बाल चिकित्सा घातक रोगाणु सेल ट्यूमर के उपचार में प्लैटिनम आधारित व्यवस्थाओं के उपयोग के साथ परिणाम।
12. मोनोथैरेपी और पी एल ए डी ओ अवस्था के साथ उपचार पर हिपेटोब्लास्टोमा वाले बच्चों के उपचार का भावी अध्ययन।
13. गुर्दे की स्पष्ट सेल सार्कोमा के प्रबंधन के लिए पांच दवा आहार पर भावी अध्ययन
14. महिलाओं में निम्न एनोरेक्टल मैलीफॉर्मेशन के उपचार हेतु प्राथमिक स्पष्ट प्रक्रिया बनाम पारंपरिक तीसरी अवस्था प्रक्रिया : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

पूर्ण

1. स्थानीय संवेदनहीनता के साथ सर्जरी और के बिना इंफिलट्रेशन के बाद नवजात शिशुओं में हाइपग्लिसेमिया प्रतिक्रिया का अध्ययन।
2. पारंपरिक विधि और बिलिब्लैंकेट का उपयोग करते हुए नवजात फोटोथैरैपी के बाद चूहे वृषण का मूल्यांकन।
3. हिर्स्चस्प्रुंग रोग के साथ बच्चों में बीडीएनएफ और जीएफआर।
4. इसोफेजियल आर्टिसिया – ट्रेकियाईसोफेजियल फिस्टूला हेतु ऑपरेशन करवाने के बाद पहले वर्ष के दौरान रोगियों की नैदानिक प्रोफाइल का अध्ययन करना।
5. पाइलोप्लास्टी करवाने वाले बच्चों में डी जे स्टंट और ट्रांस – एनेस्टामोटिक फीडिंग ट्यूब पल्स नेफ्रोस्टोमी की तुलना में यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. विलम्स ट्यूमर में ट्यूमर सूक्ष्म वातावरण में टी–रेगुलेटरी कोशिकाओं और साइटोकाइन्स की भूमिका को परिभाषित करना (जैव रसायन, विकृति विज्ञान, बाल चिकित्सा, कैंसर विज्ञान)
2. बिलियरी एट्रेसिया में यकृत के प्रतिरक्षा ऊत्तक रसायन के साथ ऑटोइम्यून इंफ्लेमेशन के सीरोलॉजिकल मार्करों का एक तुलनात्मक सह संबंध (जैव रसायन, विकृति विज्ञान)
3. महिलाओं में निम्न एनोरेक्टल मैलीफॉर्मेशन के उपचार हेतु प्राथमिक डिफिनिटिव प्रक्रिया बनाम पारंपरिक तीसरी अवस्था प्रक्रिया : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (जैव सांख्यिकी)
4. कसाइ पोर्टोएंट्रोस्टॉमी के बाद प्रारंभिक परिणाम की भविष्यवाणी करने के लिए सरल मार्कर के रूप में सीरम बिलीरूबिन और क्षारीय फॉस्फटेज़ पूर्व शल्य चिकित्सा और पश्चात स्तरों का अनुपात (विकृति विज्ञान)

5. हाथ पैरों के कोमल ऊतक सार्कोमा के साथ बच्चों में सेंटिनेल लिम्फ नोड बायोप्सी की भूमिका (बाल चिकित्सा कैंसर विज्ञान, परमाणु चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, विकृति विज्ञान, संवेदनाहरण विज्ञान)
6. विलम्स ट्यूमर में वैश्विक मिथाइलेशन पैटर्न की खोज (विकृति विज्ञानए कैंसर विज्ञान)
7. वेसिकोयूरेटेरिक रिफ्लस्क के विभिन्न ग्रेडों में रीनल आरक्षण (नाभिकीय चिकित्सा)।
8. यूरोडायनेमिक के अध्ययन का उपयोग करते हुए बच्चों में कम मूत्र पथ कार्य पर एपीड्यूरल एनलजेसिया के प्रभाव का मूल्यांकन (संवेदनाहरण विज्ञान)।
9. हिपेटोब्लास्टोमा में बीटा कैटेनिन (सीटीएनएनबी1) जीन म्यूटेशंस का पता लगाना (कैंसर विज्ञान, विकृति विज्ञान)।
10. चूहे वृषण में उच्च वृषण वाहिका बंधाव, कम वृषण पोत बंधाव और स्वत प्रत्यारोपण की तुलना (शरीर रचना विज्ञान)।
11. हिर्सचुपरांग रोग के मामलों में पेरिफेरल ब्लड ल्यूकोसाइट्स और अगैंगलियोनिक सेगमेंट में एन आर जी 1 के स्तर का अनुमान लगाना (शरीर रचना विज्ञान, विकृति विज्ञान)।
12. हिपेटोब्लास्टोमा के निदान में डिफ्यूजन – एमआरआई की भूमिका और हिपेटोबलस्टोमा के पैथोफिजियोलॉजी में वीईजीएफ की भूमिका (विकिरण विज्ञान, जैव रसायन)
13. संशोधित एन डब्ल्यू टी एस – 5 अवस्था के साथ उपचार पर विलम्स ट्यूमर वाले बच्चों के उपचार के भावी अध्ययन (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, विकिरण चिकित्सा और विकिरण विज्ञान)।
14. आई आर एस – 5 अवस्था के साथ उपचार पर हैब्डोमायोसार्कोमा वाले बच्चों में उपचार के भावी अध्ययन (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, विकिरण चिकित्सा और विकिरण विज्ञान)।
15. ठोस ट्यूमरों वाले बच्चों में एडरिमायसिन के प्रबंधन से संबंधित कार्डियोटोक्सीसिटी का मूल्यांकन (नाभिकीय औषधि)।
16. आवर्तक विलम्स ट्यूमर के उपचार में आई सी ई थैरेपी की भूमिका (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, विकिरण चिकित्सा और विकिरण विज्ञान)।
17. उन्नत गैर जिम्मेदार और आवर्तक न्यूरोब्लास्टोमा के लिए एम आई बी जी चिकित्सा की भूमिका (नाभकीय औषधि)।
18. ^{131} आई एम आई बी जी एस पी ई सी टी सी टी के साथ पैरागैंग्लियोनोमा और तुलना के आरंभिक मंचन और पुनः मंचन में ^{68} जी ए लेबल्ड ओक्ट्रेयोटिड संपूर्ण शरीर पॉजीट्रोन एमिशन टोमोग्राफी – कंप्यूटेड टोमोग्राफी (पी ई टी – सी टी) की भूमिका (नाभिकीय चिकित्सा, अंतःस्राविकी विज्ञान, शल्य चिकित्सा विभाग)।
19. विलम्स ट्यूमर में ट्यूमर सूक्ष्म वातावरण में टी–रेगुलेटरी कोशिकाओं और साइटोकाइन्स की भूमिका को परिभाषित करना (चिकित्सा कैंसर विज्ञान, जैव रसायन)।
20. बाल शल्य चिकित्सा वार्ड (5 वार्ड) में एम्स के बाल शल्य चिकित्सा रोगियों और उनके माता–पिता के लिए व्यापक मुक्ति परामर्श योजना के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (कॉलेज ऑफ नर्सिंग)।
21. हिर्स्चस्प्रुंग रोग के माध्यम से पुल के बाद लगातार कब्ज के रोगियों की आंत में न्यूरोनल मार्कर का मूल्यांकन (विकृति विज्ञान)।
22. कोमल ऊतक सार्कोमा रोगियों में क्लिनिकोपैथोलॉजिकल विशेषता उपचार के परिणाम और निदान कारकों के मूल्यांकन (चिकित्सा कैंसर विज्ञान)।
23. रिलेप्स्ड / आवर्तक ठोस ट्यूमरों वाले बच्चों में आई सी ई (आइफोस्फमिड, कार्बोप्लाटिन और इटोपोसाइड) सेल्वेज अवस्था के साथ उपचार की परिणाम (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, विकिरण चिकित्सा और विकिरण विज्ञान)।
24. पारंपरिक विधि और बिलिब्लांकेट का उपयोग करते हुए नवजात फोटोथैरेपी के लिए चूहे वृषण के एपॉप्टॉटिक का मूल्यांकन (शरीर रचना विज्ञान)
25. बाल चिकित्सा रोगियों में गुर्दे की सर्जरी के लिए एकल शॉट पैरावर्टिब्रल ब्लॉक के साथ कौडल एपीड्यूरल ब्लॉक की तुलना (संवेदनाहरण विज्ञान)
26. जीनोटाइपिंग और ट्रांसयक्रिप्टोमिक्स एरे के माध्यम से क्रोमोसोमल विविधताओं और इसके कार्य प्रासंगिकता तुलना–ए–तुलना हाइपोस्पेडियस रोगियों का आकलन (उन्नत आण्विक विज्ञान अनुसंधान केन्द्र, केजीएमयू, लखनऊ)

पूर्ण

1. चूहे मॉडल में इप्सीलैटरल और कंट्रालेटरल पर वृषण निर्धारण और इसक प्रभाव (शरीर रचना विज्ञान और विकृति विज्ञान)
2. कोलेडोकल सिस्ट के रोगियों और पोर्टल हाइपरटेंशन और यकृत ऊतक विज्ञान के साथ पेरीफेरल रक्त में सीरम नाइट्रिक ऑक्साइड स्तर के सह संबंध में पोर्टल हाइपरटेंशन के घटना का मूल्यांकन करना (जैव रसायन, विकृति विज्ञान, विकिरण विज्ञान)।
3. हिर्चसप्रंग विकार वाले बच्चों में जी डी एन एफ और जी एफ आर – ए 1 (शरीर रचना विज्ञान, विकृति विज्ञान)
4. पेरीफेरल रक्त में सीरम नाइट्रिक ऑक्साइड स्तर के माप द्वारा ई एच बी ए के रोगियों कसाइ पोर्टोएंट्रोस्टॉमी के बाद इसकी प्रगति की निगरानी में पोर्टल हाइपरटेंशन की घटना का मूल्यांकन (जैव रसायन, विकृति विज्ञान)।
5. पोर्टल प्रेशर, सीरम नाइट्रिक ऑक्साइड लेवल एवं यकृत ऊतक विकृति विज्ञान के साथ बिलियरी एट्रेशिया के रोगियों में हिपेटिक डुप्लेक्स सोनोग्राफी का सहसंबंध (विकिरण निदान, जैव रसायन, विकृति विज्ञान)
6. पेल्वियूरेट्रिक जंक्शन ऑब्स्ट्रक्शन (पी यू जे ओ) हेतु पाइलोप्लास्टी करवाने वाले बच्चों में दीर्घावधिक डी जे स्टंट और अल्पावधिक बाहरी यूरेटिक ट्रांस – एनेस्टामोटिक स्टंट तथा एक नेफ्रोस्टॉमी की तुलना में यादशच्छिक नियंत्रित परीक्षण (नाभिकीय चिकित्सा, विकिरण निदान)
7. नवजात चूहों में प्रयोगात्मक विपथन (शरीर रचना विज्ञान)।
8. स्थानीय संवेदनाहरण के इनफिल्ट्रेशन के साथ तथा के बिना सर्जरी पश्चात् नवजात में हाइपर ग्लिसिमिक प्रतिक्रिया का अध्ययन करना (अंतःस्राविकी विज्ञान, संवेदनाहरण विज्ञान)
9. नवजात शिशुओं में ग्लूकोज हिमोयोस्टेसिस और इलेक्ट्रोलाइट संतुलन पर तीन विभिन्न डेक्सट्रोज युक्त इंट्रा ऑपरेटिव तरल पदार्थ अवस्था की तुलना (संवेदनाहरण विज्ञान, अंतः स्राविकी, हश्दय जैव रसायन)
10. बाल शल्य चिकित्सा विभाग में कोलोस्टोमी वाले बच्चों की देखभाल करने वालों के ज्ञान और अभ्यास पर शिक्षण कार्यक्रम में वीडियो सहायता की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए अध्ययन (कॉलेज ऑफ नर्सिंग)
11. विल्म्स ट्यूमर में जीन अल्पता तथा उत्परिवर्तन : ऊतक विकृति विज्ञान एवं परिणाम के साथ सह संबंध (विकृति विज्ञान)
12. श्रोणि पी एन ई टी में निदान कारकों का अध्ययन (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, विकिरण चिकित्सा और विकिरण विज्ञान)
13. थोरेसिस पी एन ई टी में निदान कारकों का अध्ययन (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, विकिरण विज्ञान और विकिरण चिकित्सा)
14. बच्चों में अल्ट्रासाउंड निर्देशित ट्रांसवर्सिस एब्डोमिन्स प्लान (टी ए पी) ब्लॉक में रोपिवैक्सीन के लिए एक सहायक के रूप में क्लोनिडीन का प्रभाव (एक यादशच्छिक नियंत्रित परीक्षण – संवेदनाहरण विज्ञान)
15. बाल नियोप्लाज्मा, न्यूरोब्लास्टोमा में एस सी एफ / सी – किट जीन का जिनोमिक एवं प्रोटियोमिक विश्लेषण (विकृति विज्ञान, जैव रसायन)
16. न्यूरोब्लास्टोमा के साथ रोगियों के उपचार के परिणाम का मूल्यांकन (चिकित्सा कैंसर विज्ञान, विकिरण विज्ञान, विकिरण चिकित्सा)

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 62　　सार : 5　　पुस्तकों में अध्याय : 7

रोगी उपचार

विभाग और संकाय द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न विशेषता वाले क्लिनिक :

हाइड्रोसेफेलस क्लिनिक; प्रसव पूर्व निदान और अनुवर्ती कार्रवाई; पीडियाट्रिक यूरोलॉजी क्लिनिक; क्रैनियोसिनोस्टोसिस क्लिनिक; जीआई हिपेटोबिलियरी; आईआरसीएच : पीडियाट्रिक सॉलिड ट्यूमर क्लिनिक; पीडियाट्रिक थोरेसिक सर्जरी क्लिनिक; पीडियाट्रिक यूरोलॉजी, इंटरसेक्स और हिपोस्पेडियास

उपलब्ध सुविधाएं

- नवजात शल्य चिकित्सा रोगियों के लिए गहन चिकित्सा इकाई
- बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सा रोगियों के लिए उच्च निर्भरता क्षेत्र
- कंप्यूटर आधारित यूरोडायनामिक तथा यूरोफ्लोमेट्री अध्ययन
- कंप्यूटर आधारित एनोरेक्टल मैनोमेट्री

- कंप्यूटर आधारित इसोफेजियल मैनोमेट्री
- गैस्ट्रोइसोफेजियल रिफ्लक्स के लिए 24 घंटे पीएच निगरानी
- गैस्ट्रोइसोफेजियल रिफ्लक्स के लिए इम्पेंडेंस मैनोमेट्री

सामुदायिक सेवाएं

- सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में साप्ताहिक बाह्य रोगी क्लिनिक और शल्यक सत्र

ओ पी डी तथा विशेष क्लिनिकों में उपस्थिति

	नए रोगी	पुराने रोगी	कुल
सामान्य ओ पी डी	6803	13976	20779
हाइड्रोसिफलिस क्लिनिक	25	148	173
बाल मूत्र रोग विज्ञान क्लिनिक (डब्ल्यू / टी / एफ)	380	3074	3454
उभयलिंगी क्लिनिक	10		
बाल ठोस ट्यूमर क्लिनिक (आई आर सी एच)	168	2159	2327
क्रेनियोसिनोस्टोसिस क्लिनिक	शून्य		
सी आर एच एस पी बल्लभगढ़ ओ पी डी	1276		

दाखिले

ए बी 5 वार्ड : 1447　　ए बी 5 / आई सी यू : 206

शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं

मुख्य ओटी :　　बड़ी प्रक्रियाएं : 1454　　लघु प्रक्रियाएं : 614

ओपीडी प्रक्रियाएं (कुल) : 566　　ओपीडी में बायोप्सी : 91

विशेष जांचें

यूरोडायनेमिक अध्ययन : 361　　यूरोफ्लोमीटरी : 674　　एनोरेक्टल मेनोमीटरी : 148

इसोफैजियल मेनोमीट्री : 5　　24 घण्टे पीएच निगरानी : 2

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर डी. के. गुप्ता ने वैश्विक बाल स्वास्थ्य – अधिगम बिंदुओं पर 21 अक्तूबर 2014 में संसद हिल, ओटावा, कनाडा में मुख्य भाषण दिया; संगठित अतिथि व्याख्यान – 16, दिसंबर 2014 में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में प्रोफेसर प्रेम पुरी, डबलिन द्वारा चिकित्सा अनुसंधान में पशु मॉडल; 16 दिसम्बर 2014 में वेसिको – यूरेरेटेरिक रिफ्लक्स, होटल शांगरी–ला, नई दिल्ली के प्रबंधन पर आयोजित संगोष्ठी; वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की तथा अलेक्जेंड्रिया, मिस्र में आयोजित एलेक्स पेडसर्जरी सम्मेलन 2014 के दौरान 24 – 29 मई, 2014 के बीच पैनल चर्चा, वैज्ञानिक कार्यक्रम और विशेषज्ञ टिप्पणी में भाग लिया;

11 सितंबर, 2014 में वैश्विक बाल स्वास्थ्य देखभाल, सिडनी को बढ़ावा देने के लिए भारत के महावाणिज्य दूत ने एक बैठक का आयोजन किया; 27–30 अक्तूबर, 2014 को बाल चिकित्सा सर्जरी, साओ पाउलो, ब्राजील, की 5वीं आइबेरो – अमेरिकन सम्मेलन के दौरान हिर्स्चस्प्रुंग रोग पर वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की; 30 अक्तूबर, 2014 को एमिरेट्स प्रो. जे बोइक्स ओछोआ, लाइफ हनी. महासचिव, स्पेन, द्वारा दिए गए 40 वर्षों के दौरान प्रतिष्ठित डब्ल्यूओएफएपीएस व्याख्यान – डब्ल्यूओएफएपीएस का इतिहास पर वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की; 27 अक्तूबर 2014 को बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सकों के वर्ल्ड फेडरेशन एसोसिएशन (डब्ल्यूओएफएपीएस) के कार्यकारी समिति की बैठक की अध्यक्षता की; 27 अक्तूबर 2014 में डब्ल्यूओएफएपीएस के (विभिन्न देशों से बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सकों के विभिन्न संगठनों के अध्यक्ष) परिषद की बैठक की अध्यक्षता की; 24–26 फरवरी, 2015 तक आयोजित बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सा कैंसर विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली में सीएमई–स्नातकोत्तर कक्षाओं की अध्यक्षता; निम्नलिखित प्रतिबद्धताओं के साथ राष्ट्रीय बाल अस्पताल तथा शेख जायद इंस्टीट्यूट ऑफ इनोवशन, वाशिंगटन

डीसी द्वारा बाल चिकित्सा सर्जरी में नवाचार पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता : (क) अक्तूबर, 2016 में वाशिंगटन डीसी में आयोजित होने वाले सम्मेलन के सीईओ और बाल चिकित्सा सर्जरी के प्रमुख, स्थानीय आयोजकों के साथ बाल चिकित्सा सर्जरी के 5वें वर्ल्ड कांग्रेस में 4 आने वाली पूर्व नियोजन की बैठक की अध्यक्षता; (ख) 300 से अधिक प्रतिनिधियों और दुनिया भर से शोधकर्ताओं द्वारा उपस्थित नवाचार के संगोष्ठी में भाग लिया; अध्यक्ष : भंडारण क्रय समिति, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, 2014; एम्स में केंद्रीय जानवरों की सुविधा के लिए सदस्य, सलाहकार समिति; अध्यक्ष : सार्क क्षेत्र के बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सक के चयन के लिए बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सकों के ब्रिटिश संघ, ब्रिटेन के ग्रीनवुड तथा लिस्टर अध्येतावृत्ति पुरस्कार; मुख्य अतिथि, एमबीबीएस तथा बीडीएस छात्र, डी वाई पाटिल यूनिवर्सिटी, पुणे, 23 जुलाई, 2014 में नए बैच से संबोधित किया; मुख्य अतिथि, एएसआई के हरियाणा शाखा, करनाल, जून 2014; मुख्य अतिथि – आण्विक जैव विज्ञान, आईआईटीआर, लखनऊ, 25 जुलाई, 2014 में हाल के रुझान; सम्मानित अतिथिः पैनल चर्चाः अभ्यास करने के लिए शिक्षाविदों और स्वास्थ्य देखभाल स्थिरता – नीति, आईआईएम, लखनऊ, अक्तूबर 14–15 2014; सम्मानित अतिथि : जेएनयू, नई दिल्ली में स्टेम सेल और कैंसर (आईसीएससीसी – 2014) पर 5वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 08–10 नवम्बर, 2014; अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका के साथ टेलीकांफ्रेंस, 22 जून 2014; संपादकीय बोर्ड सदस्य – नैदानिक महामारी विज्ञान और वैश्विक स्वास्थ्य, लखनऊ की पत्रिका; अध्यक्ष, वैज्ञानिक समिति, बाल चिकित्सा सर्जरी के 5वें विश्व सम्मेलन, वाशिंगटन डीसी, अक्तूबर 2016; 17–19 दिसंबर, 2014 में चिकित्सा, एम्स, नई दिल्ली, में नैनो–इंजीनियरिंग पर भारत–अमेरिका कार्यशाला पर वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की; 10–11 जनवरी, 2015 में भारतीय मूल के चिकित्सकों के वैश्विक संघ के दौरान अतिथि संकाय और पैनल सदस्य का पैनल चर्चा, जीओपीआईओ, चंडीगढ़, स्नातकोत्तर सीएमई कार्यक्रम वाडिया बाल अस्पताल, मुंबई, जनवरी 24–26, 2015 के लिए अतिथि संकाय।

प्रोफेसर वी. भटनागर बोर्ड ऑफ स्टडीज़ ऑफ न्यूली क्रीमेटेड डिपार्टमेंट ऑफ पीडियाट्रिक सर्जरी, संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, लखनऊ में फरवरी 2011 से सदस्य; गर्वनिंग काउंसिल सदस्य, चाचा नेहरु बाल चिकित्सालय, नई दिल्ली 2012; 2004 के बाद से संपादकीय बोर्ड के सदस्य, भारतीय बाल चिकित्सा पत्रिका; 1996 के बाद से सदस्य, संपादकीय बोर्ड, बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सकों के भारतीय संघ की पत्रिका; 2008 के बाद से सलाहकार पैनल के सदस्य, राष्ट्रीय विज्ञान चिकित्सा अकादमी; उपाध्यक्ष, एआईआईएमएसओएनआईएएनएस; सीएमई अध्यक्ष। दीर्घकालिक बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सा में परिणाम। दिल्ली चैप्टर के आईएपीएस, नई दिल्ली में 6–7 सितंबर, 2014 में 3वें वार्षिक सम्मेलन; स्नातकोत्तर कक्षाओं के अध्यक्ष. वृक्क ट्यूमर, बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सा कैंसर विज्ञान स्नातकोत्तर कक्षाएं – दिल्ली 2015, नई दिल्ली, फरवरी 24–26, 2015.

प्रोफेसर एम बाजपेयी बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सकों (आईएपीएस) के भारतीय संघ के अध्यक्ष थे और आईएपीएस के तत्वावधान में आयोजित विभिन्न सम्मेलनों की अध्यक्षता की है; अध्यक्ष : ट्रॉमा, एम्स, नई दिल्ली में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम का निर्माण; के पी सी चिकित्सा महाविद्यालय कोलकाता में पर 13–14 दिसंबर 2014 आयोजित आईएपी पश्चिम बंगाल के अध्याय के 35वें वार्षिक सम्मेलन में ब्लेडर एक्स्ट्रॉफी पर पार्क क्लिनिक व्याख्यान; भारत में विपरीत लिंगी के लिए आधारभूत संरचना और स्वास्थ्य देखभाल की सुविधा विकसित करने हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा विपरीत लिंगी मुद्दे पर प्रस्तुत रिपोर्ट का गठन किया; भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा गठित विपरीत लिंगी समिति के सदस्य; प्रधान अन्वेषकः लिंग विकास के विकार के लिए जानकारी का अपव्यय; विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार राष्ट्रीय परिषद, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार; एक व्यक्ति के लिंग और रेफरल प्रणाली के सृजन का निर्धारण करने हेतु विशिष्ट परीक्षण और परीक्षण प्रक्रिया निर्धारित करने के लिए एक चिकित्सकीय बोर्ड के सदस्य जहां युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, खेल विभाग, भारत सरकार और भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा प्रमाणपत्र और मान्यता के लिए एम्स में एथलीटों को भेजा जा सकता है। सदस्य : अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के शल्य चिकित्सा उपकरण और सिवनी चयन समिति; आर एंड आर अस्पताल, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में होटल पार्क में वेसिको – यूरेटेरिक रीफ्लक्स पर व्याख्यान दिया; त्रीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान, इम्फाल, मणिपुर में 14 फरवरी 2015 को आयोजित एनएआईएएस 2015 में सम्मानित अतिथि; अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली; पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़; पश्चिम बंगाल चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, कोलकाता; गुजरात विश्वविद्यालय; सेंट जॉन चिकित्सा महाविद्यालय बैंगलोर; जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में परीक्षक; स्ट्रासबर्ग, फ्रांस **3–5** अप्रैल **2014** को आयोजित बाल मूत्रविज्ञान उन्नत पाठ्यक्रम में वीडियो सर्जरी पर संकाय आमंत्रित किए।

प्रोफेसर संदीप अग्रवाल को द इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक सर्जिकल ओंकोलॉजी (आईपीएसओ) के एग्जिक्यूटिव बोर्ड सदस्य के रूप में नामित किया गया; दि इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स के अनुभाग संपादक; एसआईओपीईएल के द रिसोर्स चैलेंज्ड नेशंस स्टडी

ग्रुप के उपाध्यक्ष; एम्स में पीएच.डी. सुधारों पर विचार करने के समिति के सदस्य; जेआर (एमडी / एमएस / एमएचए) और एसआर (डीएम / एमसीएच) और एसआर (गैर–डीएम / एमसीएच) एम्स में सीटों / पदों की रूपरेखा दिशानिर्देशों के समिति के सदस्य; ओटी प्रबंधन समिति, और एम्स की वार्षिक रिपोर्ट समिति के सदस्य; इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक सर्जिकल ओंकोलॉजी (आईपीएसओ), और यूरोपियन बोर्ड ऑफ एग्जॉमिनेशन और यूरोपियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक सर्जरी द्वारा संचालित बाल चिकित्सा सर्जिकल कैंसर विज्ञान में स्नातकोत्तर कक्षा के लिए पाठ्यक्रम प्रशिक्षक।

प्रोफेसर एम श्रीनिवास को समीक्षा संपादक के रूप में जठरांत्र विज्ञान में फ्रंटियर्स के संपादकीय बोर्ड के रूप में शामिल किया गया है।

डॉ शिल्पा शर्मा हिपोस्पेडियास और इंटरसेक्स विकार का अंतरराष्ट्रीय संघ (आईएसएचआईडी) 2013–2015 के कार्यकारी समिति सदस्य के रूप में नामांकित किया गया; 2014 में इंटरनेशनल पत्रिका – अंतरराष्ट्रीय बाल चिकित्सा सर्जरी के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में नामांकित किया; बाल चिकित्सा सर्जरी 2013–2015 का भारतीय संघ के अनुसंधान विभाग के सचिव।

डॉ प्रबुद्ध गोयल को 'अंतरराष्ट्रीय शल्य चिकित्सक महाविद्यालय के अध्येता' के रूप में निर्वाचित किया गया था। अंतरराष्ट्रीय शल्य चिकित्सक महाविद्यालय के 60वें वार्षिक सम्मेलन में डिग्री से सम्मानित किया गया; 26–28 सितम्बर, 2014 से बैंगलोर में भारतीय अनुभाग आयोजित किया; 'पोर्टल हाइपरटेंशन में नाइट्रिक ऑक्साइड' पर अनुसंधान के लिए पुणे जठरांत्र विज्ञान पुरस्कार जीता; नवजात पित्तस्थिरता में यकृत की क्षति के नवजात हिपेटाइटिस बनाम अतिरिक्त यकृत बिलियरी एट्रिसिया और पूर्वानुमान का अतिरिक्त यकृत पोर्टल वेनस ऑब्स्ट्रक्शन, नैदानिक भेदभाव के प्रबंधन में इसकी उपयोगिता; अंतरराष्ट्रीय शल्य चिकित्सक महाविद्यालय के 60वें वार्षिक सम्मेलन में एक समग्र अध्ययन; 26–28 सितम्बर, 2014 से बैंगलोर में भारतीय अनुभाग आयोजित किया; 'चिकित्सकीय संपादकों का विश्व संघ' के सदस्य; 'चिकित्सा पत्रिका संपादकों का भारतीय संघ' के सदस्य; 'नैदानिक और नैदानिक अनुसंधान की पत्रिका' के सहयोगी संपादक; 'बाल चिकित्सा मूत्रविज्ञान में प्रगति की पत्रिका' के संपादकीय सचिव।

अतिथि वैज्ञानिक

1. प्रो रॉबर्ट कराची, यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लासगो, ग्लासगो, स्कॉटलैंड
2. प्रोफ. प्रेम पूरी, नेशनल चिल्ड्रन्स रिसर्च सेंटर, आवर लेडी चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल, क्रुमलिन, डबलिन, आयरलैंड
3. प्रो. आजाद माथुर, नोरफोक और नॉर्विच यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल, नॉर्विच, ब्रिटेन
4. डॉ राजेंद्र कुमार, जॉन हंटर चिल्ड्रेन्स हॉस्पिटल, न्यूकैसल, ऑस्ट्रेलिया
5. डॉ आशीष मिनोचा, नोरफोक और नॉर्विच यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल, नॉर्विच, ब्रिटेन
6. डॉ सुरेंद्र वर्मा, टेक्सस टेक यूनिवर्सिटी हेल्थ साइंस सेंटर, टेक्सस यूएसए
7. डॉ कमलेश वर्मा, टेक्सस टेक यूनिवर्सिटी हेल्थ साइंस सेंटर, टेक्सस यूएसए
8. प्रोफ. पीट होएबेके, यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल, गेंट, बेल्जियम
9. डॉ रामनाथ सुब्रामणियम, यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स, ब्रिटेन
10. डॉ डेनियल सी एरोंसन, पीडियाट्रिक सर्जिकल सेंटर ऑफ एम्स्टर्डम, नीदरलैंड
11. डॉ. हेलेन मार्टिल्ली, सेंटर हॉस्पिटेलियर यूनिवर्सिटेयर बिसेट्रे, फ्रांस
12. डॉ गियोवन्नी सीसेहटो, यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल ऑफ पडुआए, इटली
13. डॉ जेन गॉडजिंस्की, मार्सिनियक हॉस्पिटल, पोलैंड
14. डॉ डर्मोट मर्फी, रॉयल हॉस्पिटल फॉर सिक चिल्ड्रन, ब्रिटेन
15. डॉ अन्नावरपु श्रीनिवास, रॉयल विक्टोरिया इनफर्मरी, न्यूकैसल, ब्रिटेन

9.29 विकृति विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

सुब्रत के. पाण्डा

आचार्य

चित्रा सरकार	मनोज कु. सिंह	एस. दत्ता गुप्ता
ऐ. के. करक	रुमा रे	ए. के. डिंडा
एम. सी. शर्मा		वेंकटेश्वरन के. अय्यर

अपर आचार्य

संदीप आर. माथुर	वैशाली सूरी

सहायक आचार्य

सुधीर अरावा	गीतिका सिंह	असित रंजन मिरधा
दीपाली जैन	प्रसेनजीत दास	रजनी यादव
सीमा कौशल	शिप्रा अग्रवाल	सौम्या रंजन मलिक

समूह ए अधिकारी

भारत भूषण खुराना	हिमेंदर सिंह तोमर

विशिष्टिताएं

1) स्लाइड स्कैनिंग सुविधा की स्थापना
2) एनजीएस सुविधा की स्थापना

शिक्षा

एम डी छात्र : 18 **सीनियर रेजीडेंट : 16** **पी एच डी छात्र : 12**

अल्पकालीन प्रशिक्षण

1. सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय, कोटा, राजस्थान से डॉ. देवकी केसवानी को 8.1.2015 से 3.02.2015 तक 1 वर्षों का लघु अवधि प्रशिक्षण दिया गया।
2. बी पी कोइराला स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान, धरण, नेपाल से डॉ. आभा श्रेष्ठा, डॉ. गिरिश्मा श्रेष्ठा, डॉ. कृष्णा महाराजा और डॉ. टाचोना नेमबैंग को फरवरी 2015 तक एक माह का लघु अवधि प्रशिक्षण दिया गया।
3. संजय गांधी पीजी चिकित्सा विज्ञान संस्थान, लखनऊ से डॉ. सुशीला जायसवाल को 16.6.2014 से 26.6.2014 तक 10 दिनों का लघु अवधि प्रशिक्षण दिया गया।
4. भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, द्वारका से सुश्री कनिका करदम को 1.6.2014 से 31.7.2014 तक दो माह का लघु अवधि प्रशिक्षण दिया गया।
5. रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली से सर्ज. ले. कमांडर. रितु मेहता ने 23.12.2013 से 22.12.2015 तक दो वर्षों के लिए दीर्घ अवधि तक जारी है।
6. रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली से डॉ. गौरव प्रताप सिंह गहलोत ने 1.04.2014 से 31.3.16 तक तीन वर्षों के लिए दीर्घ अवधि तक जारी है।
7. मेजर रिचा राजन को 04.06.2012 से 03.06.2014 तक 2 वर्षों का दीर्घ अवधि प्रशिक्षण दिया गया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी /राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. एम्स, नई दिल्ली में 13 – 15 जून, 2014 को आईएपी–आईडी मध्यावधि वर्ष शिक्षण कार्यक्रम, रोग की प्रक्रिया पर संगोष्ठी; रोगजनन से रोग का निदान
2. एम्स नई दिल्ली में 13 सितंबर 2014, साइटोलॉजिस्ट भारतीय अकादमिक के दिल्ली चैप्टर का तृतीय वार्षिक सम्मेलन
3. एम्स के मेडिसिन में 17 – 19 दिसंबर 2014 को भारत–अमेरिका विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी फोरम (आईयूएसएसटीएफ) की नैनो इंजीनियरिंग पर वित्त पोषित भारत–अमेरिका कार्यशाला (डॉ ए के डिंडा : भारतीय प्रधान अन्वेषक और अध्यक्ष)
4. एम्स में 12 और 13 जनवरी 2015 को पुनर्योजी चिकित्सा पर भारत–अमेरिका संगोष्ठी (डॉ ए के डिंडा)

प्रदत्त व्याख्यान

एस. के. पांडा : 1	**चित्रा सरकार : 14**	**मनोज कुमार सिंह : 6**
एस. दत्ता गुप्ता : 15	**रुमा रे : 1**	**ए. के. डिंडा : 12**
मेहर सी. शर्मा : 5	**वी के. अय्यर : 2**	**संदीप माथुर : 10**
वैशाली सूरी : 3	**गीतिका सिंह : 2**	**सुधीर कुमार अरावा : 5**
असित रंजन मिरधा : 1	**दीपाली जैन : 4**	**प्रसेनजीत दास : 9**
रजनी यादव : 1	**सीमा कौशल : 1**	**शिप्रा अग्रवाल : 2**

मौखिक पोस्टरों / पत्रों का प्रस्तुतीकरण : 82

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. नान–एल्कोहलिक फैटी लीवर क्षेत्र और नान–एल्कोहलिक सीटो हिपेटाइटिस (एनएएसएच) का विकृतिशरीर क्रिया विज्ञानी अध्ययन करने के लिए एक इन–विट्रो प्रणाली का विकास करना एस.के.पांडा, आईसीएमआर 3 वर्ष 1.08.2012–31.07.2015 रु.4833,840/–।
2. क्रोनिक हिपेटाइटिस में यकृत साइटोकाइन अभिव्यक्ति, हिपेटोसाइट प्रोलिफरेशन, प्रोजिनेटर सेल सक्रियण। एस दत्ता गुप्ता, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, 2 वर्ष, 2013–15, 5 लाख रुपए।
3. फेफड़ों के कैंसर के आणविक सबटाइपिंग में ईजीएफआर उत्परिवर्तन, एएलके जीन पुनर्व्यवस्था, केआरएएस उत्परिवर्तन, और एफडीएफआर1 उत्परिवर्तन की पहचान, दीपाली जैन, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2014– 16, 20 लाख रुपए (लगभग) तकनीकी तौर पर अनुमोदित।
4. पल्मोनरी एडीनो कार्सीनोमा वाले रोगियों के ट्यूमर ऊतकों और सीरा के मिलान में ईजीएफआर उत्परिवर्तन का पता लगाना और तुलना, दीपाली जैन, डीबीटी, 3 वर्ष, 2014–17, 25 लाख रुपए, तकनीकी तौर पर अनुमोदित।
5. गैर लघु सेल फेफड़ों के कार्सिनोमा में काइनेज मार्ग संकेतन में रैपेमिसिन का स्तनधारी लक्ष्य (एमटीओआर) और माइटोजन सक्रिय प्रोटीन (एमएपी) का एक व्यापक विश्लेषण, दीपाली जैन, लेडी टाटा मेमोरियल ट्रस्ट, 3 वर्ष, 2015 – 18, 15 लाख रुपए।
6. थोरेसिक एरोसिक एन्यूरिज्म में मेट्रिक्स मेटेलो प्रोटीनेस – 2, मेट्रिक्स मेटेलो प्रोटीनेस – 9, ऊतक संदमक मेटेलो प्रोटीनेस – 1, ऊतक संदमक मेटेलो प्रोटीनेस – 2, कोलेजन 1 और 4 की अभिव्यक्ति, सुधीर कुमार ए, एम्स, अनुसंधान अनुभाग, दो वर्ष, 2013, 5 लाख रुपए।
7. एविंग सार्कोमा में सी एक्स सीआर4, एस डी एफ– 1, सी एक्स सीआर7 अभिव्यक्ति का इम्यूनोहिस्टोकैमिकल विश्लेषण, पी53 उत्परिवर्तन और के आई 67 लेबलिंग इंडेक्स (एल आई) के साथ इसका सह संबंध तथा भावी निहितार्थ, असित रंजन मिरधा, एम्स, नई दिल्ली दो वर्ष, 2013, 5 लाख रुपए।
8. भारतीय रोगियों में सेलियाक रोगों के निदान और अनुवर्तन के लिए वस्तु प्रकाश सूक्ष्मदर्शी और आकारिकी मानदण्डों का विकास, पी दास, एम्स अनुसंधान निधि, 2 वर्ष, 2013 मार्च 2015, 10 लाख रुपए
9. भविष्य कैंसर स्क्रीनिंग की पेट की खोज की संभावना के सूक्ष्म प्रेनियोप्लास्टिक घावों का आण्विक लाक्षणीकरण, पी दास, डीबीटी, भारत 3 वर्ष, अभी तक निधियां जारी नहीं की, 25 लाख रुपए।

10. ग्लियोमास में पॉलीकोम्ब रीप्रैसिव कॉम्प्लेक्सिस का एक लाक्षणिक विकृति विज्ञानी तथा आण्विक आनुवंशिक अध्ययन, चित्रा सरकार, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2012–15, 50 लाख रुपए (लगभग)।

11. ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफॉर्म में बड़े इमप्रिंटिड एम आई आर एन ए समूह की भूमिका समझने के लिए जीनोमिक और कार्यात्मक मार्ग, चित्रा सरकार, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 3 वर्ष, 2012–15, 50 लाख रु. (लाख)।

12. पूरे एक्सॉम अनुक्रमण के माध्यम से ग्लियोमा विकास और प्रगति को उजागर करना, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 3 वर्ष, 2013–16, 99 लाख रुपए (लगभग)

13. बाल चिकित्सा मेनिनजियोमास बनाम वयस्क में क्लिनिको पैथोलॉजिकल सुविधाओं और आण्विक आनुवंशिक परिवर्तन का एक अध्ययन (आंतरिक परियोजना), वैशाली सूरी, आंतरिक, 3 वर्ष, 2013–15, 10 लाख रुपए।

14. बी के पॉलियोमा वायरस और यूरोथिलियल कार्सिनोमा का संबंध : भारतीय आबादी में एक अध्ययन, गीतिका सिंह, एम्स अनुसंधान अनुभाग, 1 वर्ष, 2012–13, 4,98,000 रुपए।

15. महिला प्रजनन तंत्र तपेदिक पर आई सी एम आर कार्यबल अध्ययन : पारंपरिक विधियों (हिस्टोपैथोलॉजी, संवर्धन, एंडोमेट्रियल नमूनों में ए एफ बी अभिरंजन) की तुलना में आण्विक विधियों (पीसीआर, इम्युनो–हिस्टोकैमिस्ट्री) का मूल्यांकन और बच्चे पैदा करने वाली महिलाओं में प्रजनन अंगों के तपेदिक का पता लगाने में लेपेरोस्कोपी। वी के अय्यर (इम्यूनो हिस्टोकैमिस्ट्री संदर्भ प्रयोगशाला), आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2013–16, 35.24 लाख रुपए (इम्युनोहिस्टोकैमिस्ट्री के लिए)।

16. पूर्वानुमान तथा उपचार प्रतिक्रिया में विल्म ट्यूमर और इसका महत्व के आण्विक रोगाणुजनन में ग्लाइपीकेन 3 की भूमिका, वेकेंटेश्वरण के अय्यर, डी बी टी, 3 वर्ष, 2014–17, 19.55 लाख रुपए।

17. विल्स ट्यूमर के नमूनों और परिधीय रक्त में माइक्रो आरएनए अभिव्यक्ति पैटर्न पर एक पायलट अध्ययन : ऊतक विकृति विज्ञानी वर्गीकरण और मंच के संबंध, वेकेंटेश्वरण के अय्यर, एम्स, 2 वर्ष, 2013–15, 10 लाख रुपए।

18. वक्ष कैंसर के रोगियों में आक्रामक रोग की भविष्यवाणी के लिए कैंसर पूर्वानुमान परीक्षण का विकास, संदीप आर. माथुर, डीबीटी, 3 वर्ष, 2012–2015, 17 लाख रुपए।

19. आणविक उप प्रकार और एण्ड्रोजन रिसेप्टर स्थिति के आधार पर युवा महिलाओं में स्तन कैंसर का स्तरीकरण : एक क्लिनिको पैथोलॉजिकल अध्ययन, संदीप आर. माथुर, एम्स, 2 वर्ष, 2014–2016, 4.9 लाख रुपए।

20. ह्यूमन कॉर्नियल कंस्ट्रक्ट एसेम्बलिंग हेतु सेल शीट इंजीनियरिंग, ए. के. डिंडा, आई आई टी – दिल्ली, 5 वर्ष, 2011–15 1 करोड़ रुपए।

21. विसरल लिशमानियासिस के इलाज के लिए एम्फोटेरिसिन बी की औषधि प्रदायगी प्रणाली आधारित लागत प्रभावी नैनो कण का विकास, ए के डिंडा, डी बी टी, 3 वर्ष, 2012, 89 लाख रुपए।

22. इनमास जैव चिकित्सा उत्पादों की आविष विज्ञान रूपरेखा और मानव फॉर्मेकोलॉजी, ए के डिंडा, डी आर डी ओ, 3 वर्ष 2012 – 15, 19 लाख रुपए।

23. प्रोइंफ्लेमेटरी साइटोकिन्स के प्लाज्मा स्तर पर विशिष्ट एसआईआरएनए और इसके प्रभाव द्वारा मोनोसाइट / माइक्रोफेज पर ऑक्सीडाइज – एलडीएल रिसेप्टर (एलओएक्स–1) की विवो साइलेंसिंग के लिए एसआईआरएनए प्रदायगी आधारित नैनो कण – पशु मॉडल में एक अध्ययन, ए. के. डिंडा, डीबीटी, 3 वर्ष 2013–16, 35,66,136 रु.

24. बढ़ते प्रतिजन प्रस्तुति और लंबे समय तक उन्मुक्ति के साथ नए नैनो कण आधारित हिपेटाइटिस बी (एचबीवी) के टीके का विकास, ए. के. डिंडा, डीबीटी, 3 वर्ष 2013–16, 91,36,000 रु.।

25. मौखिक और श्वसन मार्ग के माध्यम से बृहत भक्षककोशिका रिसेप्टर विशिष्ट लक्ष्यीकरण के लिए नैनो पर्टिकुलेट एंटीट्यूबरकुलर दवा वितरण प्रणाली का विकास : प्रथम चरण का अध्ययन, ए. के. डिंडा, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2015–17, 49,73,000 रुपए।

26. आभासी शिक्षण के लिए स्वास्थ्य और चिकित्सा विज्ञान में डिजाइन एवं ई पाठ्यक्रम का विकास, मनोज कश्मीर सिंह, उन्नत कंप्यूटर विकास केंद्र (सी–डैक), 3 वर्ष, 26–12–2013 से 25–12–2016, 118.17 लाख रुपए।

27. आभासी कौशल प्रयोगशाला, मनोज के सिंह, डीईआईटीवाय, 2 वर्ष, 10–10–2014 से 09–10–2016, 262.5 लाख रुपए।

जारी

1. क्रॉनिक हिपेटाइटिस बी से जुड़े यकृत रोग संबंधी हिपेटाइटिस ई वायरस (एच ई वी) अति संक्रमण, एस के पांडा, डीएसटी, 3 वर्ष, 30 12.2011 से 29.12.2014, 87,84,921 रुपए।
2. उप जीनोमिक आर एन ए के निर्माण के लिए जिम्मेदार हिपेटाइटिस ई वायरस में इंटरजेनिक सिस के रूप में कार्यरत तत्वों का विश्लेषण, एस के पांडा, डीएसटी, 3 वर्ष, 04.04.2012 से 03.04.2015, 78,84,926 रुपए।
3. फेंफड़े के नॉन स्मॉल सेल कार्सिनोमा में ईजीएफआर अभिव्यक्ति : एक आईएचसी और एफआईएसएच विश्लेषण, दीपाली जैन, अनुसंधान अनुभाग, एम्स, 2 वर्ष, 2012–2014, 10 लाख रुपए।
4. बच्चों तथा वयस्कों में ग्लियोब्लास्टोमास : मॉलीक्यूलर मार्ग तथा एम जी एस टी मिथाइलेशन स्थिति के विशेष संदर्भ में एक तुलनात्मक अध्ययन, वैशाली सूरी, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2010–13, 25 लाख रुपए।
5. एपेंडिमोनास में एपिथिलियल मेसेनकाइमल संक्रमण का अध्ययन, एम सी शर्मा, एम्स, 1 वर्ष, 2012–13, 5 लाख रुपए।
6. इंडोमटीरियल हाइपरप्लासिया और कार्सिनोमा में बायोमार्करों की अभिव्यक्ति का अध्ययन, एस. आर. माथुर, एम्स, 1 वर्ष, 2013–15, 4 6 लाख रुपए।
7. स्तन कैंसर में भावी मार्कर के तौर पर एम आई आर एन ए वि–विनियमन और आई एल–10 अभिव्यक्ति का अध्ययन। ए के डिंडा, सी एस आई आर, 4 वर्ष, 2012–15, 25,00,000 रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. भारत में फेफड़े एडिनोकार्सिनोमा में सामान्य ड्राइवर उत्परिवर्तन : एक विश्लेषण प्रतिरक्षा ऊतक रसायन।
2. कोलोरेक्टल कैंसर से साथ इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री और उनमें संबंधित द्वारा पेट के सूक्ष्म प्रेनियोप्लास्टिक म्यूकोसल घावों में परिवर्तित प्रोटीन अभिव्यक्ति की जांच।
3. कोलोरेक्टल कार्सिनोमा के उच्छेदन नमूने के प्रारंभिक सूक्ष्म प्रेनियोप्लास्टिक घाव की जांच
4. डेस्मोप्लास्टिक गैस्ट्रोइंटेरोपैन्क्रिएटिक ट्यूमर में स्पार्क की भूमिका को खोजना : लक्षित चिकित्सा के लिए एक संभावित एजेंट।
5. तीव्र रोधगलन और उसके निदान महत्व के लिए रोगियों में प्राथमिक पीसीआई कराने के बाद थ्रोम्बस एस्पीरेटिड का लाक्षणीकरण।
6. चूहों में ब्लियोमिसिन प्रेरित पल्मोनरी टॉक्सीसिटी में मेटफोर्मिन पर अध्ययन।
7. चेहरे की मात्रा घटाने के उपचार में ऑटोलॉगस गैर–सुसंवर्धित त्वचीय लिए सेल निलंबन प्रत्यारोपण।
8. हाइपर पिगमेंटेशन का डर्मोस्कोपिक अध्ययन।
9. ल्यूप्स मिलियारिस डिसेमिनेट्स फेसिसेइ और ग्रेनूलोमेटोस चेलिटिस का क्लिनिककोपैथोलॉजिकल अध्ययन।
10. मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा और वेरुकोकस कार्सिनोमा में एचपीवी 16 और ईएचएफआर उत्परिवर्तन।
11. चूहे में प्रायोगिक फुफ्फुसीय धमनी के उच्च रक्तचाप में अर्जुन (अर्जुन वश्क्ष (रोक्स्ब)), और तुलसी (ओसिमम सैंक्टम (लिन.)) का मूल्यांकन
12. सीरम एचडीएल कोलेस्ट्रॉल का निर्धारण करने में वसा ऊतकों के एबीसीए1 की भूमिका की खोज।
13. एंडोमेट्रियोसिस में एस्ट्रोजेन का आणविक आधार
14. मृत प्रसव का प्ररूपी लक्षणीकरण में वर्चुअल और परम्परागत शव परीक्षण का तुलनात्मक अध्ययन।
15. ग्लियोमा में हिस्टोन मार्करों की अभिव्यक्ति।
16. ऑलिगोडेंड्रोग्लियोमास में एमआईआरएनए की रूपरेखा।
17. पीडियाट्रिक ग्लियोब्लास्टोमा में एमआईआरएनए की रूपरेखा।
18. जीबीएम के आणविक वर्गीकरण के लिए सरलीकृत दृष्टिकोण।
19. सीएनएस के एटीआरटी में ईजेडएच2, साइक्लिन डी1 और वीईजीएफ की अभिव्यक्ति।
20. इंट्राक्रेनियल जनन कोशिका ट्यूमर – बहु अध्ययन।

21. पीडियाट्रिक ऑलिगोडेंड्रोग्लियोमास –आणविक आनुवंशिक परिवर्तन का अध्ययन
22. ग्लियोब्लास्टोमास में डीएनए मिथाइलट्रांसफरेस की अभिव्यक्ति
23. मिर्गी जुड़े ट्यूमर – आनुवंशिक परिवर्तन और माइक्रो आरएनए की रूपरेखा का अध्ययन
24. पीडियाट्रिक मेनिनजियोमास – क्लिनिकोपैथोलॉजिक सुविधाएं, हार्मोनल रूपरेखा और आनुवंशिक परिवर्तन का अध्ययन
25. आणविक उप प्रकार द्वारा युवा महिलाओं में स्तन कैंसर का स्तरीकरण
26. सोने के नैनो कणों का रेडियोवर्धन क्षमता का अध्ययन
27. गठिया के लिए लक्षित नैनो दवा वितरण प्रणाली का विकास
28. जीन विलोपन और विल्स ट्यूमर में उत्परिवर्तन : ऊतक विकृति विज्ञानी और परिणाम के साथ सहसंबंध

पूर्ण

1. कोलोरेक्टल कार्सिनोमा के उच्छेदन नमूने के प्रारंभिक सूक्ष्म प्रेनियोप्लास्टिक घाव की जांच
2. फाइब्रोसिस, केशिका घनत्व, आर्टीओलर घनत्व और कोलेजन 4 वितरण के पैटर्न का हिस्टोपैथोलॉजिक तथा मोर्फोमेट्रिक विश्लेषण करने के विशेष संदर्भ सहित विस्तारित कार्डियोमायोपैथी का विकृति विज्ञान मूल्यांकन – एंडोमायोकार्डियल बायोप्सी तथा एक्सप्लांटिड नेटिव हृदय का अध्ययन
3. युवा भारतीयों में कोरोनरी एथेरोस्क्लोरोसिस की व्यापकता : एक ऑटोप्सी अध्ययन
4. सर्वाइकल लिम्फ नोड में मेटास्टेटिक स्क्वैमस कोशिका कार्सिनोमा की तुलना में वेरुकोस कार्सिनोमा और मुंह के स्क्वैमस कोशिका कार्सिनोमा में ई–कैटेरीन, बीटा – कैटेनिन और विमेंटिन का इम्यूनोहिस्टोकैमिकल अध्ययन।
5. इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री पर विशेष बल सहित क्यूटेनियस तपेदिक का क्लिनिको मॉर्फोलॉजिकल अध्ययन।
6. मैक्यूलोपेपुलर वायरल एक्जेंथीमा और दवा प्रेरित एक्जेंथीमा की हिस्टोपैथोलॉजिकल सुविधाओं का आकलन।
7. कोमल ऊतक सार्कोमा वाले रोगियों में क्लिनिको पैथोलॉजिक विशेषताएं, उपचकार के परिणाम और निदान कारकों का मूल्यांकन।
8. मानव अस्थि मज्जा व्युत्पन्न मेसेकाइमल स्टेम कोशिका का आण्विक लाक्षणीकरण और अस्थिकोरक अवकलन।
9. ग्लियोमा में एटीआरएक्स जीन अभिव्यक्ति
10. वयस्क पिलियोसाइटिक एस्ट्रोसिटोमस में बीआरएएफ और ईजीएफआर परिवर्तन।
11. मेड्यूलो ब्लास्टोमा की क्लिनिकोपैथोलॉजिकल और मॉलीक्यूलर सब टाइपिंग
12. सबडिपेंडीमल जायंट सेल एस्ट्रोसाइटोमास तथा कोर्टिकल डिस्प्लेसिया में डब्ल्यू एन टी पाथवे के ट्यूबर्स स्क्लेरोसिस कॉम्प्लेक्स और अपरेगुलेशन का अध्ययन।
13. 1क्यू गेन पर पीडियाट्रिक पोस्टीयर फोसा एपेंडिमोमास के आधार पर लाक्षणीकरण और लेम्निन अल्फा – 2 (लैम 2) और न्यूरल एपिडर्मल वृद्धि वाले कारक जैसे – 2 (एलएएमए 2) प्रोटीनों की अभिव्यक्ति।
14. एंडोमटीरियल हाइपरप्लासिया और कार्सिनोमा में बायोमार्करों की अभिव्यक्ति
15. एफआईएसएच आमापन द्वारा ग्लियल ट्यूमरों में 1पी / 19क्यू स्थिति का आकलन
16. ग्लियोब्लास्टोमा में एलओएच 10क्यू का विश्लेषण
17. मेनिनजियोमा में 1पी / 14क्यू विलोपन का विश्लेषण
18. एंडोमटीरियल हाइपरप्लासिया और कार्सिनोमा में बायोमार्करों की अभिव्यक्ति
19. कैल्शियम फॉस्फेट आधारित और गोल्ड नैनो पार्टिकल के इंडोसाइटोसिस और फेट का अध्ययन
20. इमेजिंग और कैंसर टारगेटिंग के लिए धातु नैनो पार्टिकल

सहयोगी परियोजना

जारी

1. पल्मोनरी एडीनो कार्सीनोमा में प्लाज्मा ईजी एफआर उत्परिवर्तन। फेफड़े संबंधी चिकित्सा और निद्रा विकार अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान नई दिल्ली।
2. प्राथमिक अति परजीविता के साथ रोगियों में हाइपर फंक्शनिंग पैराथाइरॉइड ऊतक के स्थानीयकरण में 18एफ कोलीन पीईटी–सीटी की भूमिका (एमडी शोध प्रबंध)। नाभिकीय चिकित्सा, एम्स, नई दिल्ली।
3. प्राथमिक अति परजीविता के साथ रोगियों में हाइपरफंक्शनिंग पैराथाइरॉइड ऊतकों की स्थानीयकरण में 11सी – मेथियोनिन पीईटी / सीटी की भूमिका (एमडी शोध प्रबंध)। नाभिकीय चिकित्सा, एम्स, नई दिल्ली।
4. कोलो रेक्टल कैंसर स्टेम कोशिकाओं में जीन की अभिव्यक्ति विश्लेषण (जैव रसायन)
5. मानव कोलो रेक्टल कैंसर में भेदभाव और ट्यूमर सूक्ष्म पर्यावरण के बीच सहयोग का अध्ययन करना (जैव रसायन)।
6. मानव पेट के कैंसर स्टेम कोशिकाओं में संभावित बायोमार्कर की पहचान और सत्यापन (जैव रसायन)।
7. सेलियाक रोग और अन्य एंटेरोपैथीज़ के साथ रोगियों में विलस विषमता के आकलन के लिए बायोमार्कर (जठरांत्र विज्ञान)
8. डिस्पेप्सिया के रोगियों में इयोसिनोफिलिक एसोफेगिटिस की व्यापकता का आकलन (जठरांत्र विज्ञान)।
9. स्थानीय रूप से उन्नत गुदा कैंसर में नियोएडजुवेंट कीमोरेडियोथेरैपी की प्रतिक्रिया के लिए प्रीडिक्टिव बायोमार्कर (आईआरसीएच)।
10. एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी और इम्युनोहिस्टोकैमिस्ट्री का उपयोग करते हुए सेलिएक रोग में आंत्र म्यूकोसा के मेटोडोनोमिक्स और एंजाइम गतिविधि रूपरेखा का सहसंबंध (नाभिकीय चिकित्सा)।
11. क्रोहन रोग की आंतों की बायोप्सी में माइकोबैक्टीरियम पैराट्यूबरकुलोसिस की व्यापकता की जांच (जठरांत्र विज्ञान)।
12. तीव्र और जीर्ण यकृत रोग में लीवर बायोप्सी (जठरांत्र विज्ञान)।
13. प्रारंभिक सीलिएक रोग में एपॉप्टॉटिक मार्ग वाले मार्करों का एक पूर्वव्यापी अध्ययन : उपचार की कार्यनीति बदल जाएगी? (जठरांत्र विज्ञान)
14. क्रोहन रोग के साथ माइकोबैक्टीरियम एवियम सबस्पा. पैराट्यूबरकुलोसिस का एसोसिएशन. आईसीएमआर परियोजना (जठरांत्र विज्ञान)।
15. ह्रदय की विफलता में फाइब्रोसिस. भारत और यूके में भेषज गुण विज्ञान, ह्रदय रोग विज्ञान।
16. रिकैलसिट्रेंट एनोजेनाइटल और एक्स्ट्रा जेनाइटल (सामान्य) वॉर्ट्स में माइकोबैक्टीरियम टीका और इसके चिकित्सीय परीक्षण के प्रतिकूल प्रभाव और इंजेक्शन के दर्द को कम करने के लिए एक नया निर्माण और पैकेजिंग का विकास। त्वचा विज्ञान, एम्स।
17. ग्लियोमा में चिप अनुक्रमण. आईजीआईबी, दिल्ली
18. ग्लियोमा में एफएटी 1 जीन एक्सप्रेशन का नियमन, जैव रसायन, एम्स, नई दिल्ली
19. ग्लियोमा में फैट1, पी53 और एचआईएफ1अल्फा के बीच बातचीत का संकेत। जैव रसायन, एम्स, नई दिल्ली।
20. 'कठिन मिर्गी के इलाज के लिए' के विशेष संदर्भ में मिर्गी में उत्कृष्टता का केंद्र। तंत्रिका शल्य चिकित्सा, एम्स, नई दिल्ली।
21. रुकावटपूर्ण रिनोपैथी में गुर्दा के परिरक्षण में अस्थि मज्जा एकल नाभिक कोशिकाओं और गुर्दा स्टेम कोशिकाओं की भूमिका – चूहों में एक प्रायोगिक अध्ययन, बाल रोग शल्य चिकित्सा, ट्रॉमा सेंटर, एम्स।
22. उन्नत वृक्क कोशिका कार्सिनोमा में विसरण भारित एम आर आई और दोहरी ऊर्जा छिड़काव सी टी का उपयोग करते हुए इमेजिंग आधारित बायोमार्कर द्वारा ट्यूमर नियो – एंजियोजेनेसिस और ग्रेड की पूर्वानुमान। रेडियोलॉजी, एम्स।
23. चूहों में डायबिटीज प्रेरित नेफ्रोपैथी और मोतियाबिंद में भारतीय बादाम और मीठे बादाम का प्रभाव। फार्माकोलॉजी, वीपी चेस्ट संस्था।
24. विभेदित थायरॉयड कैंसर का इमेजिंग एवं आण्विक लक्षणीकरण। नाभिकीय औषधि।
25. उच्च ग्रेड सर्वाइकल इंट्राएपिथिलियल नियोप्लासिया के निदान के लिए एचपीवी ई6/ ई7 एमआरएनए एसे और उच्च जोखिम एचपीवी डीएनए परीक्षण का तुलनात्मक मूल्यांकन। प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान
26. स्तन कैंसर के रोगियों में आणविक मापदंडों सहित पूर्वाभासी कारकों के जैव सांख्यिकीय पहलू : एक महामारी मूल्यांकन। बीआरए–आईआरसीएच
27. सीजर्स के विभिन्न पशु मॉडलों में एंटीएपिलेप्टिक दवाओं के नैनोफॉरम्यूलेशन की प्रभावकारिता का अध्ययन करना। भेषज गुण विज्ञान।

28. स्थानीय रूप से उन्नत, रिसेक्टेबल कार्सिनोमा गॉल ब्लेडर के साथ रोगियों में कंकरंट बनाम सिक्वेंशियल नियोएडजुवेंट कीमो रेडियोथेरेपी के पश्चात् शल्य चिकित्सा : एक पायलट अध्ययन. जीआई सर्जरी, चिकित्सा कैंसर विज्ञान, विकिरण कैंसर।
29. कोलोरेक्टल कार्सिनोजेनेसिस के दौरान कोलोन म्यूकोसा में अनोखे मोर्फोलॉजिकल आइडेंटीफिएबल प्री नियोप्लास्टिक घावों की पहचान, जी आई सर्जरी, सर्जरी।
30. पेट के सूक्ष्म प्रेनियोप्लास्टिक म्यूकोसल वाले घावों में परिवर्तित प्रोटीन अभिव्यक्ति की जांच, जीआई शल्य चिकित्सा, सर्जरी।
31. कोलोरेक्टल कैंसर में केआरएएस उत्परिवर्तन का पता लगाने के लिए कम लागत वाली विधियों का मान्यकरण, विकृति विज्ञान।
32. अग्नाशय कैंसर में संकेत पारगमन वाले नियमन एमआईआरएनए की भूमिका पर एक अध्ययन। जठरांत्र विज्ञान और एच एन यू. जैव रसायन।
33. पोस्ट–प्राइमरी ट्यूबरकुलोसिस के नैदानिक, रोग अभिव्यक्ति और रोग परिणाम के साथ एम. क्षय रोग के विभिन्न जीनोटाइप के संघ, टीबी और श्वसन रोगों के प्रयोगशाला चिकित्सा, चिकित्सा, और एलआरएस संस्थान।
34. सेलिएक रोग और अन्य एंटेरोपैथीज वाले रोगियों में विलस असामान्यताओं के आकलन के लिए बायोमार्क, जठरांत्र विज्ञान और एच एन यू।
35. प्रोटीन प्रोफाइलिंग द्वारा इंडोमेट्रोसिस के विकृति शरीर क्रिया विज्ञान को समझना तथा मनाव के साथ इसका सह संबंध. शरीर क्रिया विज्ञान, प्रसूति एवं स्त्री रोग, प्रजनन जीव विज्ञान, जैव सांख्यिकी
36. ''प्टेरिगो – पेलेटाइन फोसा – प्टेरिगोइड कैन्ल कॉम्पलेक्स'' के भ्रूण विकास के हिस्टोलॉजिकल मूल्यांकन द्वारा जुवेनाइल नेसल एंजियोफाइब्रोमा (जेएनए) की उत्पत्ति का अन्वेषण और जेएनए के साथ मामलों में पहली ब्रेकियल आर्च रेमनेंट विडियन आर्टरी का आकलन, ईएनटी, शारीरिक रचना, रेडियोडायग्नोसिस, प्रसूति एवं स्त्री रोग।
37. पोस्ट – केसाइ पोर्टोएंटेरोस्टॉमी की प्रारंभिक परिणाम का पूर्वानुमान के लिए सरल मार्कर के रूप में पूर्व शल्य चिकित्सा और पश्चात सीरम बिलिरूबिन और एल्केलाइन फॉस्फेट का अनुपात, बाल चिकित्सा सर्जरी।
38. क्रोनिक हेपेटाइटिस पर तीव्र नैदानिक और हिस्टोपैथोलॉजिकल सुविधाओं का अध्ययन, जठरांत्र विज्ञान और एच एन यू।
39. गैर – सिरोटिक पोर्टल फाइब्रोसिस (एनसीपीएफ) और एक्स्ट्रा हिपेटिक पोर्टल वेनस ऑब्स्ट्रक्शन (ईएचपीवीओ) का हिस्टोपैथोलॉजी, जठरांत्र विज्ञान और एच एन यू. जीआई शल्य चिकित्सा।
40. लिवर फाइब्रोसिस के हिस्टोलॉजिकल और फाइब्रो स्कैन स्कोरिंग की तुलना, जठरांत्र विज्ञान और एच एन यू।
41. रोगसूचक और स्पर्शोन्मुख मामलों और परिवार के सदस्यों में सीलिएक रोग का हिस्टोपैथोलॉजी, जठरांत्र विज्ञान और एच एन यू और विकृति विज्ञान।
42. अस्वस्थ मोटापे में लेप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टॉमी (बैरिएट्रिक सर्जरी) पर गैर एल्कोहलिक वसामय यकृत रोग (एनएएफएलडी) का प्रभाव, शल्य चिकित्सा, जठरांत्र विज्ञान और एच एन यू।

पूर्ण

1. इंडियाग्नोसिड मीडिया स्टाइनल लिम्फेडेनोपैथी में लिनियर प्रोब ईबीयूएस – टीबीएनए की उपज, फेफड़े संबंधी चिकित्सा एवं निद्रा विकार, एम्स, नई दिल्ली।
2. कोलोरेक्टल कैंसर स्टेम कोशिकाओं में जीन एक्सप्रेशन का विश्लेषण. जैव रसायन
3. प्रारंभिक सेलियाक रोग में एपॉप्टॉटिक मार्ग वाले मार्करों का एक पूर्वव्यापी अध्ययन : क्या इससे इलाज की कायनीति में बदलाव आएगा ? (गैस्ट्रो एंटेरोलॉजी)।
4. क्रोहन रोग के साथ माइकोबैक्टीरियम एवियम सबस्पा. पैराट्यूबरकुलोसिस का एसोसिएशन (जठरांत्र विज्ञान)।
5. प्रतिदिन बनाम साप्ताहिक आयरन पूरकता लेने वाली गर्भवती महिलाओं में ऑक्सीडेटिव तनाव स्थिति के लिए आंवल का अध्ययन : एक आईसीएमआर कार्यबल अध्ययन, आईसीएमआर कार्यबल परियोजना
6. मैक्रोफ़ेज इंडोसाइटोसिस और आर ओ एस के जनरेशन पर एच आई एफ 1 ए जीन एक्सप्रेशन की ब्लॉकिंग का प्रभाव, आण्विक चिकित्सा केन्द्र, जेएनयू।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 135 **सार : 17** **पुस्तकों में अध्याय : 5**

रोगी उपचार

प्रयोगशाला सेवाएं

शल्य विकृति विज्ञान प्रयोगशाला

संसाधित नमूने	45418	विशेष स्टेन	35100
साइटोपैथोलॉजी प्रयोगशाला			
कुल नमूने	23133		
एफ एन ए सी (बाहरी रोग)	8900	नियमित एक्सफोलिएटिव्स	10633
सर्विकल स्मीयर्स (पैप स्मीयर्स)	3600		
की गई शव परीक्षाएं	14		
इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कॉपी			
संसाधित नमूने	1515		
गुर्दा बायोप्सी	801	मांसपेशी बायोप्सी	410
ट्यूमर ऊतक	275	तंत्रिकाओं की बायोप्सी	29
प्रतिरक्षा ऊतक रसायन प्रयोगशाला			
नैदानिक	28224	अनुसंधान	1809
तंत्रिका विकृति विज्ञान सेवाएं			
शल्य चिकित्सा के नमूने	2513	हिमांकित सेक्शन	243
प्रतिरक्षा ऊतक रसायन	11,635		
मांसपेशी बायोप्सी			
प्राप्त की गई कुल संख्या	359		
मांसपेशी एंजाइम ऊतक रसायन	910	मांसपेशी इम्यूनोब्लॉट	228
मांसपेशी प्रतिरक्षा ऊतक रसायन	2550		
नैदानिक एफ आई एस एच	510		
ऊतक संवर्धन प्रयोगशाला			
एच और ई स्टेनिंग	6905	विशेष स्टेन	1210
हेलिकोबैक्टर पिलोरी	1191	गिम्सा	1009
प्रतिरक्षा ऊतक रसायन	2443	हिमांकित सेक्शन	2040
गैर अभिरंजित	2504	कोटिड स्लाइड	18691
अनुसंधान ब्लॉक्स	2720		
वृक्क विकृति विज्ञानी सेवाएं			
मूत्र तलछट विश्लेषण	2446	गुर्दा बायोप्सी	651
आईएफ गुर्दा बायोप्सी	614		
हृद विकृतिविज्ञान सेवाएं			
नियमित	294	अनुसंधान	87
कोटिड स्लाइड			
एपीईएस	31827	स्लाइड	
अन्य कार्य			
प्रतिरक्षा ऊतक रसायन	543	एस और ई स्लाइड	115

गैर अभिरंजित	750	हिमांकित सेक्शन	2
हृदय प्रतिरोपण पश्चात् बायोप्सी (मैनुअल)	4		
त्वचा बायोप्सी	153	गुर्दा बायोप्सी	570

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर एस के पांडा को 31 मार्च, 2018 तक वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद के चिकित्सा विज्ञान अनुसंधान समिति के एक अध्यक्ष; 20/11/2015 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर, उड़ीसा में संकाय की भर्ती के लिए चयन समिति के लिए विशेषज्ञ; 23/6/2014 को एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ में रोग विज्ञान विभाग हेतु संकाय सदस्यों के आकलन संवर्धन, के लिए विशेषज्ञ; 15, 19, और 20 मई, 2014 ईएसआईसी, नई दिल्ली में ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज, फरीदाबाद के लिए संकाय पदों के चयन के लिए विशेषज्ञ; 30/6/2014 को आईजीआईएमएस, पटना, बिहार में के रोग विज्ञान विभाग के संकाय सदस्यों के चयन के लिए आकलन बोर्ड के विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया था।

प्रोफेसर चित्रा सरकार को इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ न्यूरोपैथोलॉजी के उपाध्यक्ष; एम्स आंतरिक अनुसंधान समिति के अध्यक्ष (आधारभूत विज्ञान); जनरल न्यूरोपैथोलॉजी (जापान से प्रकाशित) के सदस्य, संपादकीय बोर्ड; आईसीएमआर के वैज्ञानिकों की पदोन्नति के लिए सदस्य, आकलन समिति; तीन वर्षों 2013–15 के लिए भारतीय विज्ञान अकादमी परिषद, बैंगलोर के सदस्य; ''वर्तमान विज्ञान'' की पत्रिका के अनुभाग संपादक (2013–15); राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, मानेसर के सदस्य, शासी निकाय और वैज्ञानिक सलाहकार समिति; रोग विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार समिति; जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के सदस्य, आरएनएआई समिति; राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के सह–अध्यक्ष, मानव आचार समिति (2013–15 डॉ अम्बेडकर जैव चिकित्सा अनुसंधान केंद्र, नई दिल्ली के सदस्य, मानव आचार समिति (2012–15); सदस्य, तंत्रिका विज्ञान के कार्य दल, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार नामित किया गया था; केंद्रीय तंत्रिका तंत्र के आगामी डब्ल्यूएचओ क्लासिफिकेशन के ट्यूमर में अध्याय के शीर्षक ''प्रीमिटिव न्यूरोइलेक्टोडर्मल ट्यूम ऑफ सेंट्रल नर्वस सिस्टम' और 'एम्ब्रियोनल ट्यूमर विद मल्टीलेयर्ड रोसेट्स' के सह लेखक के लिए डब्ल्यूएचओ द्वारा आमंत्रित किया।

प्रोफेसर मनोज कुमार सिंह को आईएपीएम (इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट एण्ड माइक्रोबायोलॉजिस्ट) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया था; आईआईटी के एनपीटीईएल मेडिसिन (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी उन्नत अधिगम कार्यक्रम) का राष्ट्रीय संयोजक नियुक्त किया।

प्रोफेसर एस दत्ता गुप्ता परीक्षा अनुभाग के प्रोफेसर प्रभारी के रूप में जारी है; वर्ष 2015 के लिए इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट और माइक्रोबायोलॉजिस्ट के उपाध्यक्ष के रूप में जारी रखने के लिए अनुरोध किया गया था; इंडियन जर्नल पैथोलॉजी एण्ड माइक्रोबायोलॉजी के एक एसोसिएट संपादक के रूप में जारी; इंडियन जर्नल ऑफ लेबोरेटरी फिजिशियन, इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोपैथोलॉजी एण्ड डायग्नोस्टिक डर्मेटोलॉजी के संपादकीय बोर्ड के एक सदस्य के रूप में जारी; आईसीजीईबी, नई दिल्ली में 28 अक्तूबर, 2014 को 11.00 बजे विज्ञान और प्रौद्योगिकी माननीय मंत्री द्वारा अंतरराष्ट्रीय आनुवांशिक इंजीनियरिंग और जैव प्रौद्योगिकी केंद्र (आईसीजीईबी), नई दिल्ली, नई दिल्ली, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (टीएचएसटीआई), गुड़गांव द्वारा संयुक्त रूप से एक सेलियाक रोग निदान किट के विकास को व्यावसायिक तौर पर आरंभ किया गया था। विकसित किट के लिए इंडियन जर्नल ऑफ लेबोरेटरी फिजिशियन, इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोपैथोलॉजी एण्ड डायग्नोस्टिक डर्मेटोलॉजी के संपादकीय बोर्ड के एक सदस्य में जारी के टी के सदस्य इस प्रकार है : शिंजिनी भटनागर (एम्स, टीएचएसटीआई), नवीन खन्ना (आईसीजीईबी), उमा चंद्र मौली नाटचु (टीएचएसटीआई), नित्या वाध ावा (टीएचएसटीआई), एस दत्ता गुप्ता (एम्स), सविता सैनी (एम्स), मीना पाल (आईसीजीईबी), पूर्णिमा त्यागी (आईसीजीईबी), और पेटेंट दिया गया है (पेटेंट सं. 1133 /डीईएल/ 2011 दिनांक 18.04.2011)

प्रोफेसर एम. सी. शर्मा को केंद्रीय तंत्रिका तंत्र के ट्यूमर के आगामी डब्ल्यूएचओ क्लासिफिकेशन में दो अध्याय के शीर्षक ''ट्यूबरोस स्क्लेरोसिस कॉम्प्लेक्स'' और ''सबएपंडिमल जिएंट सेल ट्यूमर्स'' के सह लेखक के लिए डब्ल्यूएचओ द्वारा आमंत्रित किया।

प्रोफेसर ए. के. डिंडा ने 5 जुलाई 2014 को ट्रॉपिकल स्कूल ऑफ मेडिसिन, कोलकाता में पी. सी. सेनगुप्ता मेमोरियल ओरेशन द्वारा शीर्षक ''नैनो और मेडिकल प्रैक्टिस के भविष्य'' वितरित किया; मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद के ''अकादमिक अध्ययन के सलाहकार बोर्ड'' के सदस्य; रॉबिन्स एण्ड कोट्रेन पैथोलॉजिक बेसिक ऑफ डिजीज, इलसेवियर पब्लिकेशन, 2014 के दक्षिण एशिया संस्करण के संपादकीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य; चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी और चिकित्सा नैनो तकनीकी की विशेषज्ञ समिति, भारतीय मानक ब्यूरो के

अनुभागीय समिति, भारत सरकार के सदस्य, 2014–15; महानिदेशक आईसीएआर द्वारा जैव सुरक्षा नियमन के लिए दिशानिर्देश के विकास हेतु सलाहकार समूह के विशेषज्ञ सदस्य; जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार के सदस्य, नैनो जैव प्रौद्योगिकी कार्य दल समिति।

डॉ वैशाली सूरी को 2014 में राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी के एक सदस्य के रूप में निर्वाचित किया गया था।

डॉ. दीपाली जैन को वर्ष 2015 में लंग, प्लूरा, थाइमस और हार्ट के ट्यूमर के डब्ल्यूएचओ क्लासिफिकेशन में अध्याय के शीर्षक ''कार्डियक माइऑक्सोम'' के सह लेखक के लिए डब्ल्यूएचओ द्वारा आमंत्रित किया; लेडी टाटा मेमोरियल ट्रस्ट 2015 से "युवा शोधकर्ता पुरस्कार" प्राप्त किया।

डॉ सुधीर अरावा पत्रिका – जर्नल ऑफ प्रैक्टिस ऑफ कार्डियोवेस्कुलर साइंस, एम्स, नई दिल्ली के संपादकीय समिति के सदस्य; पत्रिका – द इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोपैथोलॉजी एण्ड डायग्नोस्टिक डर्मेटोलॉजी के संपादकीय समिति के सदस्य थे।

डॉ संदीप माथुर को बीएमसी क्लीनिकल के रोग विज्ञान पत्रिका के साइटोपैथोलॉजी अनुभाग की अनुभाग संपादक; दिल्ली चैप्टर ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ साइटोलॉजिस्ट के संस्थापक सचिव सह कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

डॉ अरुणा नम्बीराजन को एपिंडिमोमास में वेस्कुलर एंडोथिलियल ग्रोथ फेक्टर और माइक्रोवेस्कुलर डेंसिटी के साथ स्टेम सेल मार्कर नेस्टिन और उसके सह–संबंध के शोध पत्र शीर्षक अध्ययन हेतु सर्वोत्तम प्रकाशित शोध के लिए 'डॉ. वी आर खानोलकार पुरस्कार'' मिला। नम्बीराजन ए, शर्मा एम सी, गुप्ता आर के, सूरी वी, सिंह एम, सरकार सी. न्यूरोपैथोल एप्पल न्यूरोबायोल. 2014 अक्तूबर; 40 (6) : 714–25. 4 से 7 दिसंबर, 2014 को आर्म्ड फोर्सेस मेडिकल कॉलेज, पुणे में आयोजित एपीकॉन 2014.

डॉ. रजनी यादव को बचपन के कोर्डोमा में डॉ रजनी यादव को 'एमआईबी–1, पी53, एपिडर्मल वृद्धि कारक रिसेप्टर, और आईएनआई1 के पूर्वाभासी मूल्य' के शोध पत्र शीर्षक हेतु सर्वोत्तम प्रकाशित शोध कार्य के लिए ''श्रीमती कुंती देवी महरोत्रा पुरस्कार'' मिला। यादव आर, शर्मा एमडी, मालगुलवार पंजाब, पाठक पी, सिगामानी ई, सूरी वी, सरकार सी, कुमार ए, एम सिंह, शर्मा बी एस, गर्ग ए, बख्शी एस, फारुक एम. न्यूरोल ओंकोल. 2014 मार्च; 16 (3) : 372–81. 4 से 7 दिसंबर, 2014 को आर्म्ड फोर्सेस मेडिकल कॉलेज, पुणे में आयोजित एपीकॉन 2014

डॉ बृज नंदन गुप्ता को दिसम्बर 2014, एएफएमसी, पुणे में इंडिया सोसाइटी ऑफ पैथोलॉजिस्ट एण्ड माइक्रोबायोलॉजिस्ट के वार्षिक सम्मेलन में सर्वोत्तम शोध पत्र प्रस्तुति के लिए ''प्रो. के. सी. बासु मलिक पुरस्कार'' मिला।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ उपेंद्र के कार, डेविड गेफेन, स्कूल ऑफ मेडिसिन, यूसीएलए।
2. डॉ सोनाली सेनगुप्ता, सिडनी किमेल व्यापक कैंसर केंद्र, जॉन हॉपकिंस, बाल्टीमोर, मैरीलैंड।
3. डॉ पैट्रिक वॉकर और डॉ श्री जी शर्मा, सलाहकार, नेफ्रोपैथोलॉजी एसोसिएट्स, अरकंसास, यूएसए।

9.30 भेषजगुण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

वाई. के. गुप्ता

आचार्य

वी. एल. कुमार	कमल किशोर	एन. आर. विश्वास
(17.2.2014 से प्रतिनियुक्ति पर)	एस. के. मौलिक	डी. एस. आर्य

अपर आचार्य

जतिन्दर कत्याल	सुरेन्दर सिंह
के. एच. रीता	जागृति भाटिया

सहायक आचार्य

पूजा गुप्ता

वैज्ञानिक

श्रद्धा एस. पेशिन	थॉमस कालीकल	अमिता श्रीवास्तव
माधुरी गुप्ता		सुन्दर सिंह सैमुअल

शिक्षा

विभाग द्वारा एम. बी. बी. एस. (तृतीय, चतुर्थ एवं पंचम सेमिस्टर), बी.एससी. नर्सिंग (ऑनर्स), एम एससी (भेषजगुण विज्ञान), एम. डी., पीएच डी. एवं डी एम. (नैदानिक भेषजगुण विज्ञान) पाठ्यक्रम के शिक्षण कार्यक्रम में संबद्ध रहा है।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

विभाग द्वारा निम्नलिखित आयोजित किया गया था :

1. 25 अप्रैल 2014 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में ''नैदानिक परीक्षण में वर्तमान नियामक रूपरेखा" पर मिनी संगोष्ठी।
2. 18 और 19 नवंबर, 2014 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में नैदानिक परीक्षण में फामार्कोविजिलेंस के लिए सॉफ्टवेयर पर प्रशिक्षण कार्यशाला।
3. 26 और 27 नवंबर 2014 को ''पहली संयुक्त क्रिएट आचार, डेटा पर केंद्र कार्यशाला (उत्कृष्टता की दिशा में नैदानिक अनुसंधान उन्नति) – क्लीनिकल रिसर्च में मैनेजमेंट, बायोस्टैटिस्टिक्स और फामार्कोविजिलेंस पर वेबिनार। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, केईएम मुंबई और सीएमसी वेल्लोर में आयोजित गोवा मेडिकल कॉलेज और कार्यशाला की लाइव स्ट्रीमिंग में आयोजित किया गया था।

प्रदत्त व्याख्यान

वाई. के. गुप्ता : 4 **के. एच. रीता : 1** **पूजा गुप्ता : 3**

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुति : 10

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. संगत पशु मॉडल में अपने हर्बल सूत्रण तैयार करने की प्रभावकारिता के मूल्यांकन द्वारा पारंपरिक आरोग्य लोक प्रथा की औषधि के दावे का सत्यापन। वाई. के. गुप्ता, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2015–16, 12,17, 314 लाख रुपए।

2. फार्मोकोविजिलेंस हेतु नैदानिक अनुसंधान केंद्र (सीआरआरसी) की स्थापना। वाई. के. गुप्ता, पीएटीएच (स्वास्थ्य में उपयुक्त प्रौद्योगिकी के लिए कार्यक्रम), 2 वर्ष, 2013–2015, 59,79,000 रुपए।

3. माइग्रेन के प्रोफिलेक्सिस में उपयोग किए गए हर्बोमिनरल आयुर्वेदिक तैयार करने (एएफवाई) का भेषजगुण–विज्ञान संबंधी मूल्यांकन। वाई. के. गुप्ता, आईपीसीए प्रयोशाला, 4 वर्ष, 2011–15, 29,61,000 रुपए।

4. चूहों में स्ट्रोक की प्रयोगात्मक मॉडल में लेरकेनिडिपाइन और सिटेलोपेरम के न्यूरोप्रोटेक्टिव अध्ययन, वाई. के. गुप्ता, डीएसटी (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग), 3 वर्ष, 2014–2017, 21,03,000 रुपए।

5. प्रमस्तिष्काघात वाले बच्चों में सीसे और पारे की विषाक्तता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले पॉलिमोरफिज्म की आवृत्ति का मूल्यांकन। वाई. के. गुप्ता, डीआरडीई, रक्षा मंत्रालय, ग्वालियर, 3 वर्ष, 2011–2014, 9,00,000 रुपए।

6. संगत पशु मॉडल में हर्बल सूत्रण तैयार करने की प्रभावकारिता के मूल्यांकन द्वारा पारंपरिक आरोग्य लोक प्रथा की औषधि के दावे का सत्यापन। वाई. के. गुप्ता, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2014–2015, 26,49,000 रुपए।

7. कोलोरेक्टल कैंसर की प्रयोगात्मक मॉडल में आर्टिसुनेट की प्रभावकारिता पर अध्ययन। वी एल कुमार, अ. भा. आ. सं., 2 वर्ष 2014–2016, 4,00,000 रुपए।

8. चूहे में प्रयोगात्मक पल्मोनरी धमनी उच्च रक्तचाप में अर्जुन (अर्जुन वृक्ष (रोक्सब.)) और तुलसी (ओसियम सैंक्टम (लिन.)) का मूल्यांकन। एस. के. मौलिक, आयुष, 3 वर्ष, 2013–2016, 28,73,791 रुपए।

9. प्रोटियोमिक्स और ट्रांस्क्रिप्टोमिस अर्जुन वृक्ष निष्कर्ष के एंटी हाइपरट्रोफिक और हृदय विफलता के गुणों का मूल्यांकन, एस. के. मौलिक, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), 3 वर्ष, 2013–2016, 8,11,600 रुपए।

10. हर्बल फार्मूलों के विरोधी उच्च रक्तचाप से ग्रस्त और हृदय–सुरक्षात्मक कार्य की पूर्व नैदानिक मूल्यांकन, एस.के. मौलिक, डाबर अनुसंधान और विकास केंद्र, डाबर इंडिया लिमिटेड, एक वर्ष, 2014–2015, 12,48,584 रुपए।

11. दिल का दौरा पड़ने में फाइब्रोसिस का अध्ययन। एस. के. मौलिक, अमेरिका – भारत शिक्षा एवं अनुसंधान पहल, 3 वर्ष 2013–2016, 17,00,00 रुपए।

12. मस्तिष्क और बॉडी जिंक होमियोस्टेसिस पर सीजर, जिंक प्रशासन और एंटीऐपिलेप्टिक दवाओं के प्रभाव को निर्धारित करना, जे कात्याल, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, 2 वर्ष, 2014–2016, 4,56,000 रुपए।

13. होम्योपैथिक दवाओं की प्रारंभिक औषधीय विज्ञानी और सुरक्षा का अध्ययन'', एस. सिंह, केंद्रीय होमोपैथी अनुसंधान परिषद, आयुष, भारत सरकार, 1 वर्ष, 2015–2016, 9,96,240 रुपए।

14. चूहों में एल्जीमर रोग के स्पोरिडिक मॉडल में उसके सम्मिश्रण और इडावटोन, टोरिन की विभवता का मूल्यांकन करना। के. एच. रीता, डीएसटी, 3 वर्ष, 2012–15, 28,06,000 रुपए।

15. प्रयोगात्मक पशु मॉडल में अपस्माररोधी दवा नैनो दवा वितरण प्रणाली की प्रभावकारिता का अध्ययन, के. एच. रीता, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, 1 वर्ष 2014–2015, 3,50,000 रुपए।

16. चूहों में फाइब्रोसिस फेफड़े प्रेरित – ब्लियोमायसिन पर यूजियोनल सुरक्षात्मक के प्रभाव का मूल्यांकन, जे. भाटिया, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, 1 वर्ष 2014–2015, 4,00,000 रुपए।

17. चूहों में सिसप्लेटिन इंड्यूस्ड नेफ्रोटोक्टिसिटी में उसके संयोजन और एनालाप्रिल, गालांगिन के प्रभाव का मूल्यांकन। जे. भाटिया, डीएसटी, 3 वर्ष, 2013–2016, 21,60,000 रुपए।

18. चूहों में सिस्लेटिन इनड्यूस्ड नेक्रोटॉक्सिटी में इपिकेटेसिन गालेटी, नोबिलेटिन और हेसपेरिडिन के रेनोप्रोटैक्टिव प्रभाव का मूल्यांकन करना, जे भाटिया, डीबीटी, 3 वर्ष, 2012–2015, 37,72,390 रुपए।

19. चूहों में सिसप्लेटिन इनड्यूस्ड नेफ्रोटोक्टिसिटी में टेलमिराटन के नेफ्रो प्रोटेक्टिव प्रभाव का मूल्यांकन जे भाटिया, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, 2 वर्ष, 2012–2014, 5,00,000 रुपए।

पूर्ण

1. होम्योपैथिक ड्रग्स के प्रारंभिक भेषजगुण विज्ञानी अध्ययन, वाई. के. गुप्ता, केंद्रीय होमोपैथी अनुसंधान परिषद, आयुष, भारत सरकार, 2 वर्ष, 2012–2014, 7,67,000 रुपए।
2. टाइप – 2 मधुमेह, रूमेटाइड आर्थराइटिस एवं मिरगी के उपचार में प्रयोग होने वाली चुनी हुई हर्बल एवं एलोपैथिक औषधि का हर्ब – औषधि अंतःक्रिया अध्ययन करना। वाई. के. गुप्ता, आई. सी. एम. आर. 2 वर्ष 2012–2014, 18,17,000 रुपए।
3. वृक्क एवं हिपेटिक क्रिया पर पारंपरिक रूप से प्रयुक्त आयुर्वेदिक रस औषधियों का प्रभाव : नैदानिक एवं प्रायोगिक अध्ययन, वाई, के, गुप्ता, आयुष, 3 वर्ष, 2011–2014, 6,89,000 रुपए।
4. पहले से ही मानक औषधि रेजीमेन प्राप्त कर रहे दाएं बेट्रीकुलर दुष्क्रिय से पीड़ित रोगियों के टर्मिनेलिया अर्जुन के जल स्राव के मानक प्रीपरेशन की पृथक्कता का डबल ब्लाइड, यादृच्छिक प्लासेबो नियंत्रण नैदानिक परीक्षण करना, एस. के. मौलिक, डीबीटी, 3 वर्ष, 2010–2013, 46,06,000 रुपए।
5. प्रायोगिक मेटाबोलिक सिंड्रोम में बायोएक्टिव फाइटो घटकों का प्रभाव। के. एच. रीता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2010–2014, 29,13,000 रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. चूहों में स्ट्रोक के बीच मस्तिष्क धमनी बाधा मॉडल में जेनिस्टेन और टिग्साइक्लीन की क्षमता का मूल्यांकन।
2. बोर्टज़ोमिब प्रेरित परिधीय न्यूरोपैथी विशेषताएं और इस घटना के भावी जोखिम कारक की पहचान करने का एक अध्ययन।
3. क्या मेटफार्मिन की फार्माकोकाइनेटिक्स स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी के बाद परिवर्तन करता है : एक अर्ध प्रयोगात्मक अध्ययन।
4. परम्परागत एंटी एपिलेप्टिक एवं ओरल हाइपोग्लाइसिमिक एजेंट्स सहित चुने हुए औषधीय पादपों का अंतःक्रियात्मक प्रोफाइल का मूल्यांकन करना।
5. लेरकानीजीपाइन और सिटालोपरन का न्यूरोप्रोटेक्टिव प्रोटेशियल वाले एंटी ऑक्सीडेंट, चूहों में स्ट्रोक की प्रयोगात्मक मॉडल में एंटी – इंफ्लेमेटरी और कैल्शियम चैनल ब्लॉकिंग गतिविधि।
6. मिर्गी रोधी औषधि सहित एक आयुवैदिक मेडिसिस को फार्मोकोकाइनेटिक एवं फार्माकोडायनामिक अंतःक्रिया : एक प्रायोगिक एवं नैदानिक परीक्षण।
7. अल्जाइमर रोग के लिए फार्मूले के विकास हेतु पारागमन हर्बल इंग्रेडिएंट का अनुकूलन : इन विट्रो एवं इन विवो अध्ययन।
8. आम तौर पर इस्तेमाल ऑर्गनोफोस्फेट कीटनाशकों और एंटीऑक्सीडेंट विटामिन की चिकित्सीय क्षमता के मूल्यांकन की जेनोटोक्सीसिटी पर इन विट्रो अध्ययन।
9. दंत चिकित्सा में प्रथाओं और प्रतिकूल दवा निगरानी विहित एनाल्जेसिक और एंटीबायोटिक्स, एंटी–इंफ्लेमेट्री दवाएं : एक प्रश्नावली के आधार पर अध्ययन।
10. आर्थराइटिस में कैलोट्रॉपिसप्रोसेटा लेटेक्स फ्रेक्शंस का फाइटोथेराप्यूटिक पर अध्ययन।
11. कोलोरेक्टल कैंसर की प्रयोगात्मक मॉडल में आर्टिसुनेट की सुरक्षा और प्रभावकारिता पर अध्ययन।
12. आर्टिसुनेट की एंटीयूक्लियर गुणों पर अध्ययन।
13. अल्सरेटिव कोलाइटिस की प्रयोगात्मक मॉडल में रॉक्सिथ्रोमायसिन की प्रभावकारिता पर अध्ययन।
14. इंफ्लेमेशन और अल्सरेटिव कोलाइटिस के प्रयोगात्मक मॉडल में मेटफॉर्मिन की प्रभावकारिता पर अध्ययन।
15. चूहे में प्रयोगात्मक पल्मोनरी धमनी उच्च रक्तचाप में अर्जुन (अर्जुन वृक्ष (रोक्सब.)) और तुलसी (ओसियम सैंक्टम (लिन.)) का मूल्यांकन।
16. एक अध्ययन में दवा लेने के पालन की व्यापकता का आकलन करना और पालन करने वाले और पालन नहीं करने वाले रोगियों के बीच तीव्र दिल के दौरे और जीर्ण दिल के दौरे के रोग और मृत्यु दर परिणाम की तुलना करना।
17. एक प्रश्नावली के आधार पर अध्ययन : उच्च रक्तदाब रोधक दवाएं लेने के लिए रोगियों में प्रतिकूल प्रभाव की प्रोफाइल।
18. अत्यधिक सक्रिय एंटीरेट्रोवाइरल थेरैपी (एचएआरटी) पर एचआईवी पॉजिटिव रोगियों के गहन प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया (एडीआर) की निगरानी।

19. चूहों में स्ट्रेप्टोजोटोसाइन प्रेरित मधुमेह अपवृक्कता में एपिजेनिन जांच करने के लिए औषधीय और आणविक तंत्र पर अध्ययन।
20. चूहों में ब्लियोमायसिन प्रेरित फेफड़े विषाक्तता में मेटफार्मिन पर अध्ययन।
21. हृदय मापदंडों में जीर्ण सीजर्स प्रेरित परिवर्तन : चूहों में मिर्गी रोधी दवा (सोडियम वैल्प्रोएट) और हृदय रिमोडलिंग एजेंट (लोसार्टेन) का प्रभाव।
22. चूहों में लिथियम पिलोकार्पाइन और पेंटायलेंटेर्टाजोल किंडलिंग मॉडल में एपिलेप्टोजेनेसिस और न्यूरोजेनेसिस की रोकथाम में कापा ओपिओइड रिसेप्टर्स की भूमिका का अध्ययन करना।

पूर्ण

1. चिरकालिक माइलॉड ल्यूकेमिया रोगियों में माइक्रोआरएनएएस का अभिव्यक्ति रूपरेखा और इसका इमाटिनिब उपचार प्रतिक्रिया के साथ सह संबंध।
2. मिरगी वाले मोटापे से ग्रस्त व्यक्तियों में चयापचय मापदंडों पर एंटीएपिलेप्टिक दवाओं का प्रभाव : एक क्रॉस अनुभागीय तुलनात्मक अध्ययन।
3. रिटूक्सीमैब का फोकस फामार्कोविजिलेंस
4. क्रोनिक माइलोड ल्यूकेमिया में इमाटिनिब का उपचारिक प्रभाव : पी–ग्लाइकोप्रोटीन की भूमिका।
5. चूहों में कोगनिटिव कमी के लिए क्लिटोरेयोटेसिटा एवं इवोल्युसजक एल्सिनॉड्स का मूल्यांकन करना।
6. चुने हुए भारतीय औषधि पौधों का मिर्गी रोधी गुणों का मूल्यांकन और उनकी क्रिया का मैकेनिज्म।
7. चूहों में ट्रांसिएंट फोकल प्रमस्तिष्क इश्चेमिया पर इम्युनोसप्रेसिव एजेंटों (माइको फेनोलैटेमोफिलिट और रैपामाइसिन) का अध्ययन।
8. वृक्क एवं हिपेटिक क्रिया पर पारंपरिक रूप से प्रयुक्त आयुर्वेदिक रस औषधियों का प्रभाव : नैदानिक एवं प्रायोगिक अध्ययन।
9. उत्तर भारत के तृतीय उपचार अस्पताल में भारतीय आबादी में ट्रेस एलिमेंट स्थिति पर एंटी – एपिलेप्टिक उपचार का प्रभाव।
10. विभिन्न सॉफ्ट ड्रिंक्स में आर्थ्रोडोक्टिक तारों से धातु मेटल की लिचिंग।
11. चूहों में फोकल सेरेब्रल इस्केमिया के मिडल सेरेब्रल आर्टरी ओक्लुशन मॉडल पर सिलयमरिन का मूल्यांकन।
12. चूहों में मिरगीरोधी दवाओं के साथ आयुर्वेदिक दवा पंचगव्य घृत की फार्माकोकाइनेटिक और फार्मामायोडायनेमिक पारंस्परिक का अध्ययन करना।
13. कैलोट्रोपिस प्रोसेरा का मूल प्रोटीनों के एंटी– इनफ्लेमिट्री एवं एंटी आर्थराइटिस गुणों का अध्ययन करना।
14. कैलोट्रोपिस प्रोसेरा का कैलस प्रोटीनों के एंटी – इनफ्लेमिट्री एवं एंटी आर्थटाइटिस गुणों का अध्ययन करना।
15. फार्माकोथैरेपी की प्रतिक्रिया में दिल का दौरा पड़ने वाले रोगियों में केटेस्टेटिन स्तर की प्रासंगिकता।
16. चूहों में मायोकार्डियल अतिवृद्धि और रोधगलन में 5–एचटी2बी रिसेप्टर्स की भूमिका।
17. गहन प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया निगरानी और चिकित्सा विभाग में प्रेक्षित एडीआर पैटर्न का विश्लेषण।

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. डायोड फोटोथैरेपी के उत्सर्जन प्रकाश का उपयोग उच्च बनाम निम्न विकिरण प्राप्त हाइपरबिलिरुबिनेमिया के साथ नवजात शिशुओं के लिम्फोसाइट्स में डीएनए क्षति की रूपरेखा की तुलना, बाल रोग।
2. भारत में एचआईवी एवं तपेदिक से एक साथ सह–संक्रमित रोगियों में नेविरापाइन एवं रिफेमपेसिस के उपयोग की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का अध्ययन, कायचिकित्सा।
3. मुखीय और श्वसन मार्ग के मध्यम से विशेष लक्ष्य करते हुए मेक्रोकेज रिसेप्टर हेतु नेनो पार्टिकुलेट एंटी टी.बी. ड्रग डिलीवरी सिस्टम का विकास : फेस 1, विकृति विज्ञान।
4. कैंसर को लक्षित हेतु बहुक्रियात्मक धात्विक नैनो पार्टिकल्स का विकास, विकृति विज्ञान।
5. काला – जार के उपचार हेतु नैनोपार्टिकल्स आधारित औषधि डिलीवरी प्रणाली को लक्ष्य करते हुए विकास, विकृति विज्ञान।

6. वृक्क रोग के रोगियों में अपेक्षित एंटी हाइपर टेंसिव औषधि पर एंटी ट्यूबरकुलर थेरेपी के एक भाग के रूप में रिफेम्पीसिन का प्रभाव, वृक्क विज्ञान।
7. कोलोरेक्टल कैंसर के प्रायोगिक मॉडल में आर्टीसुमेट की प्रभावकता का अध्ययन, रोग विज्ञान

पूर्ण

1. भारत में एचआईवी और टीबी संक्रमण वाले एंटीरेट्रोवाइरल नैवे रोगियों में अत्यधिक सक्रिय एंटीरेट्रोवाइरल थेरैपी आहार आधारित नेविरेपीन की एक बार नेविरेपीन की दैनिक खुराक बनाम दो बार दैनिक खुराक, चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 34 **सार : 16** **पुस्तकों में अध्याय : 1**

रोगी उपचार

विभाग पीपीबी स्तरों पर आईसीपी–एईएस (निगमन द्वारा मिलकर प्लाज्मा स्पेक्ट्रोफोटोमीटर जेवाई – 2000) द्वारा जैविक नमूने (रक्त, मूत्र, वीर्य, सीरम) में धातुओं और सूक्ष्म पोषक तत्वों के स्तर का पता लगाने, भारी धातुओं (पीबी, सीडी, एचजी, एएस) जैसी धातुओं की संख्या के आकलन में शामिल है।

उपचारिक औषधि निगरानी सुविधा

उपचारिक औषधि निगरानी (टीडीएम) सुविधा औषध विज्ञान विभाग में रोगी नमूनों के एंटी ऐपिलेप्टिक औषधि (फिनाइटॉइन, फिनोबारबियोटोन, कार्बमाजेपाइन और सोडियम वालप्रोऐट), कैंसर रोधी एंटी – रूमेटिक औषधि (मैथोट्रेक्सेट) और इम्यूनोसप्रेसैंट (माइक्रोफेनोलिक एसिड) आदि के औषधियों के स्तरों का अनुमान लगाना शामिल है। टीडीएम सुविधा रोगियों के लिए उपरोक्त दवाओं के लिए दवा की खुराक आहार के अनुकूलन में मदद करता है और इस दवा की विषाक्तता को कम करने और उपचार लाभ को अधिकतम करने में उपयोगी है। टीडीएम सुविधा बाल रोग, वृक्क विज्ञान और तंत्रिका विज्ञान जैसे अ. भा. आ. सं. के विभिन्न अन्य विभागों के साथ सहयोगात्मक परियोजनाओं में लगी हुई है।

राष्ट्रीय विष सूचना केंद्र

औषध विज्ञान विभिन्न के राष्ट्रीय विष सूचना केंद्र (एनपीआईसी) में संपूर्ण देश के विषाक्तता के प्रबंधन संबंधी सूचनाएं प्रदान की जाती है। एनपीआईसी द्वारा चौबीसों घंटे (365 दिन) आम जनता के लिए चिकित्सा व्यावसायिक, स्वास्थ्य देखभाल कार्मिक और सहायता निर्देशों के लिए विषाक्तता के प्रबंधन पर अद्यतन सूचना प्रदान करता है। विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों से विषाक्तता के विभिन्न पहलुओं पर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर भी दिया जाता है। एनपीआईसी में उत्पादों की अनेक किस्मों के लिए विषाक्तता के कारण नवीनतम साहित्य का बैकअप है जिसमें घरेलू सामान, कृषि और औद्योगिक रसायन, दवाओं, पादप में शामिल पर्यावरण विषाक्तता, पशु के काटने और डंक और अन्य विविध उत्पादों को शामिल किया गया है। केंद्र द्वारा प्राप्त डेटा का संग्रह एवं विश्लेषण किया जाता है।

राष्ट्रीय विष सूचना केंद्र द्वारा विषाक्तता कॉल, अप्रैल 2014– मार्च 2015

संख्या	**प्रतिशत**	
कॉलों की कुल संख्या	2353	
विष संबंधी कॉल	2297	97.62
सूचना कॉल	56	2.37
लिंग		
पुरुष	1382	60.16
महिला	915	39.83
श्रेणी		
घरेलू उत्पाद	1063	46.27

उद्योग संबंधी रसायन	167	7.27
कृषि कीटनाशी	338	14.71
औषधि	510	22.20
काटना एवं डंक मारना	62	2.69
पादप	57	2.48
विविध	59	2.56
अज्ञात	41	1.78

दवा की प्रतिकूल प्रतिक्रिया निगरानी

औषध विज्ञान विभाग दवा की प्रतिकूल प्रतिक्रिया निगरानी केंद्र चल रहा है। दवा की प्रतिकूल प्रतिक्रिया (एडीआर) डेटा एकत्र, संकलित, मूल्यांकन और इसके बाद नेशनल को–कोर्डिनेटिंग सेंटर, गाज़ियाबाद को भेजा जाता है। वर्ष के दौरान एकत्र एडीआर रिपोर्ट की कुल संख्या 898 है। फार्मोकोविजिलेंस प्रशिक्षण गतिविधि के भाग के रूप में, फार्मोकोविजिलेंस पर वेबनियर्स और संगोष्ठी भी आयोजित किए गए।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

प्रोफेसर वाई. के. गुप्ता आयुर्वेद एवं सिद्ध (सीसीआरएएस), आयुष विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार में केन्द्रीय अनुसंधान परिषद, शासी निकाय के सदस्य; सदस्य, शासी निकाय। केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरयूएम), आयुष विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; सदस्य, निदेशक मंडल, भारत इम्युनोलॉजिकल्स एंड बायोलॉजिकल कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीआईबीसीओएल), जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार; सदस्य, शासी निकाय, नैदानिक विकास सेवाएं,एजेंसी (सीडीएसए), जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार; अध्यक्ष, नैनो जैव प्रौद्योगिकी पर टास्क फोर्स, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार; अध्यक्ष, वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी), राष्ट्रीय व्यावसायिक स्वास्थ्य संस्थान, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, अहमदाबाद; अध्यक्ष, संस्थागत आचार समिति (आईईसी), राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान (एनआईएमआर), नई दिल्ली; अध्यक्ष, संस्थागत आचार समिति, रॉकलैंड अस्पताल, नई दिल्ली; अध्यक्ष, संस्थागत आचार समिति, नाभिकीय औषधि और संबद्ध विज्ञान संस्थान (आईएनएमएएस), डीआरडीओ, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार; अध्यक्ष, निर्देशात्मक आचार समिति, आईआईटी, दिल्ली; अध यक्ष, डीआरडीई में नोवल चिलेटिंग एजेंट का फेज–। क्लिनिकल ट्रायल के लिए डीएसएमबी प्रस्तुत किया, रक्षा मंत्रालय, ग्वालियर; अध्यक्ष, मानव विषयों पर अनुसंधान में शामिल नैतिक विचार समिति, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली।

प्रोफेसर कमल किशोर हिंदू राव अस्पताल द्वारा आयोजित संकाय साक्षात्कार शिक्षण के चयन समिति के सदस्य थे; आईसीएमआर द्वारा आयोजित रिसर्च एसोसिएट इंटरव्यू के चयन समिति के सदस्य; गवर्निंग काउंसिल ऑफ आईडीसी फाउंडेशन के सदस्य; सदस्य, विषय विशेषज्ञ समिति (एसईसी), ड्रग्स कंट्रोलर जनरल (भारत), नई दिल्ली।

डॉ. सुरेंद्र सिंह राष्ट्रीय जीएलपी अनुपालन निगरानी प्राधिकरण (एनजीसीएमए), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली के प्रमाणित जीएलपी इंस्पेक्टर थे; सदस्य, ड्रग्स मानकीकरण, सीसीआरएच, आयुष विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की विशेष समिति; सदस्य, परियोजना मूल्यांकन समिति, सीसीआरएएस, सीसीआरयूएम और सीसीआरएच, आयुष विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; सदस्य, कार्य दल, मानकीकरण होम्योपैथिक औषधियां, सीसीआरएच, आयुष विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; सदस्य, संचालन समिति (जीपीएटी), एआईसीटीई, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार; सदस्य, अनुसंधान अध्ययन बोर्ड, जीजीएस इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, हमदर्द विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय (यू पी टी यू), लखनऊ और कुमाऊं विश्वविद्यालय, उत्तराखंड और एमडी विश्वविद्यालय रोहतक; सदस्य, पशु आचार समिति, वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली; अध्यक्ष, आचार समिति, केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान संस्थान (सीआरआईएच), आयुष विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; सदस्य, आचार समिति, सीसीआरएच, आयुष विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।

के. एच. रीता विषय विशेषज्ञ समिति (एसईसी), ड्रग्स कंट्रोलर जनरल (भारत) ;क) नैदानिक परीक्षण, ख) नई दवाइयां और (ग) नए चिकित्सा उपकरणों के अनुमोदन से संबंधित मामलों में डीसीजीआई सलाह कार्यालय की सदस्य थीं; सहकर्मी समीक्षा की सदस्य, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ रिसर्च एंड मेडिको लीगल प्रैक्टिस (आईजेएचआरएमएलपी)।

9.31 भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास

आचार्य एवं अध्यक्ष

यू. सिंह

आचार्य

संजय वाधवा | एस. एल. यादव | गीता हाण्डा

सहायक आचार्य

श्रीकुमार वी.

पर्यवेक्षण एम एस एस ओ

किरण बाला सिंह

मुख्य भौतिक चिकित्साविद्

अविनाश धरगवे

वरिष्ठ व्यावसायिक चिकित्साविद्

रमन कुमार सिंह | लिली फरहत प्रवीन

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी

अजय बब्बर

विशिष्टताएं

वर्ष के दौरान हमारे विभाग में सशस्त्र सेना से दीर्घ अवधि प्रशिक्षण के लिए दो प्रशिक्षु तैनान किए गए थे। हमारे विभाग में एक ऑस्ट्रेलियाई शिष्टमण्डल ने सहयोगात्मक अनुसंधान पर वार्ता के लिए दौरा किया और एम्स, दिल्ली के साथ एक समझौता ज्ञापन तैयार किया। इस्चियल कंटेंमेंट सोकिट और फुट क्लिनिक के साथ इनसोल बनाने वाले उपकरण के लिए प्रौस्थेटिक्स और ऑर्थोडोंटिक्स में नई सेवाएं आरंभ की गई थीं। विभाग के संकाय, अधिकारी और रेजीडेंट डॉक्टर एम्स के अंदर और बाहर सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाओं में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं और मास मीडिया तथा सार्वजनिक व्याख्यानों के जरिए रोगी शिक्षा कार्यक्रमों एवं सीएमई कार्यक्रमों में बोलते हैं। विभाग के संकाय को नीति बनाने और अन्य कार्यों के लिए अपनी विशेषज्ञ राय देने हेतु सरकार के विभिन्न निकायों और विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा आमंत्रित किया जाता है।

शिक्षा

नौ स्नातकोत्तर छात्र एमडी (पीएमआर) कर रहे हैं। स्नातक शिक्षण : आठवें सेमेस्टर के लिए 8 सेमिनार का एक सेट और छठवें सेमेस्टर एमबीबीएस छात्रों के लिए एक विभाग द्वारा लिया गया। इसके अलावा, छात्रों को एक प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक (पी एंड ओ) कार्यशाला सहित विभाग की विभिन्न गतिविधियों को दिखाया गया। इस कार्यशाला में भारत सरकार की दो संस्थाओं से प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक छात्रों ने भाग लिया। पीएमआर में सशस्त्र बलों के दो प्रशिक्षुओं ने लंबी अवधि के प्रशिक्षण लिए हैं।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा में व्याख्यान / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

यू. सिंह : 5 | संजय वाधवा : 6 | गीता हाण्डा : 2 | श्रीकुमार वी. : 1

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुतीकरण : 3

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. प्लांटर फैसिटिस के उपचार के लिए प्रोलोथेरेपी बनाम कोर्टिकोस्टेरॉइड इंजेक्शन : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
2. लेटरल इपिकोंडिलोसिस के उपचार के लिए प्रोलोथेरेपी बनाम कार्टिकोस्टीरॉयड इंजेक्शन : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
3. चूहों में स्पाइनल कोर्ड इंजरी द्वारा प्रवृत्त आस्टियोपोरोसिस पर चुम्बकीय क्षेत्र का प्रभाव।
4. फाइबोमायलेजिया रोगियों में दर्द मॉड्यूलेशन पर ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना का प्रभाव।
5. मल्टीपल मायलोमा के साथ रोगियों में पुनर्वास के लिए जरूरतों का मूल्यांकन।
6. एलएल दोष वाले रोगियों में क्यूओएल आदि पर प्रेरक वीडियो का प्रभाव।
7. लोड कैरिज पर जैव यांत्रिक चाल विश्लेषण के अध्ययन के लिए मानव फैक्टर और औद्योगिक डिजाइन दृष्टिकोण।
8. मल्टीपल मायलोमा के साथ रोगियों में पुनर्वास के लिए जरूरतों का मूल्यांकन।
9. प्लांटर फैसिटिस में पेलपेशन तकनीकी बनाम अल्ट्रासाउंड द्वारा स्थानीय स्टेरॉइड इंजेक्शन के परिणाम की तुलना का एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
10. घुटने के ऑस्टियो आर्थराटिस के रोगियों में इंट्राआर्टिकुलर इंजेक्शन की एक खुराक से प्लेटलेट से भरपूर प्लाज्मा और उच्च आण्विक भार वाले हायलूरोनिक ऐसिड से दर्द में कमी और जीवन की गुणवत्ता में सुधार की तुलना।
11. स्पाइनल कॉर्ड इंजूरी वाले पक्षाघात रोगियों में अस्थि खनिज घनत्व का मूल्यांकन।
12. एकतरफा घुटने टखने प्रोस्थेसिस के ऑनलाइन गति अनुकूलन
13. एचिल्लस टेनडिनोपैथी में कोलेजन पेप्टाइड टाइप 1, कोंड्रोइटिन सल्फेट, सोडियम हायलूरोनेट और विटामिन सी के संयोजन बनाम यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण डिक्लोफेनेक सोडियम की प्रभावकारिता की तुलना।
14. कंधे की अकड़न में इंट्रा–आर्टीकुलर स्टेरायड इंजेक्शन बनाम अल्ट्रासाउंड निर्देशित सुपरकैप्सूलर नर्व ब्लॉक के परिणाम की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
15. मानसिक सेरेब्रल पाल्सी के साथ बच्चों में एक सहायक चिकित्सा के रूप में संवेदनशीलता का मूल्यांकन।
16. स्ट्रोक रोगियों में फ्लुक्सोटाइन और आसनीय स्थिरता पर इंट्राक्राइनल प्रत्यक्ष वर्तमान उत्तेजना और चाल के संयोजन के रूप में दोहरे कार्य व्यायाम का प्रभाव।
17. एक अध्ययन में कैंसर रोगियों के बीच जीवन की गुणवत्ता और कीमोथेरेपी प्रेरित पेरीफेरल न्यूरोपथिक दर्द पर संतुलन अभ्यास और मांसपेशियों को मजबूत बनाने के प्रभाव का आकलन करना।

पूर्ण

1. पुनर्वास देखभाल के अंतर्गत रीढ़ की हड्डी में चोट वाले रोगियों में ऊपरी जठरांत्र संबंधी विकारों का एक अध्ययन।
2. तीव्र प्रोलेप्सेड इंटरवर्टेब्रेल डिस्क के परंपरागत ढ़ंग से रोगियों के उपचार में विभिन्न अशक्तता स्केलों की तुलना का अध्ययन।
3. पैरीफेरल आर्टीरियल रोग से प्रभावित निचले अंग के लिए तृतीय देख भाग केन्द्र के सर्जरी बाह्य रोगी विभाग में आने वाले रोगियों के लिए निगरानी में व्यायाम प्रशिक्षण कार्यक्रम की दक्षता के मूल्यांकन का अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. सीओपीडी रोगियों में विटामिन डी की कमी में विटामिन डी पूरकता की भूमिका : डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (मेडिसिन और एंडोक्राइनोलॉजी विभाग)
2. एम्स टर्शरी सेंटर में भाग लेने टाइप 1 डायबिटीज मेलिटस वाले रोगियों में पेरीआर्थराइटिस कंधे की व्यापकता (एंडोक्राइनोलॉजी विभाग)

3. आर्टीफिशियल हाथ के साथ आर्टीफिशियल उंगलियों का डिजाइन (नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग)
4. शारीरिक रूप से अशक्त व्यक्तियों के लिए स्मार्ट फंक्शनल इलेक्ट्रिकल स्टीमुलेटर का डिजाइन। (बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग, क्रस्ट मुरथल, सोनीपत)
5. 2–15 वर्ष की आयु स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी वाले बच्चों में वैल्प्रोएट और लेवोकार्नीटिन नियंत्रित यादृच्छिक प्लेसेबो का परीक्षण (बाल रोग विभाग)

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 2 **पुस्तकों में अध्याय : 7** **पुस्तकें : 1**

रोगी उपचार

विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

नए रोगी

ओपीडी (चिकित्सक परामर्श)	18997	प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स	5693
बल्लभगढ़ पीएमआर ओपीडी	9567		
कुल नए मामले	**34257**		

पुराने मामले

ओपीडी पुराने रोगी (चिकित्सक परामर्श)	19942	अशक्तता मूल्यांकन क्लिनिक	232
रेलवे रियायत प्रमाण पत्र	267	ओपीडी विजिट (पी टी अनुभाग)	17039
ओपीडी दौरा (ओटी अनुभाग)	17723	ओपीडी विजिट (एमएसडब्ल्यू)	11166
ओपीडी दौरा (पी एंड ओ क्लिनिक)	14023	माइनर ओटी प्रक्रिया	2292
ओटी बल्लभगढ़ में प्रमुख सर्जरी	11		
कुल पुराने रोगी	**82695**		
वर्ष का महा योग	**116952**		

शामिल की गई नई सेवाएं :

- **देख भाग निदान बिन्दु और हस्तक्षेप के लिए मांसपेशी अस्थि अल्ट्रासाउण्ड क्लिनिक** को पैर की विकृतियों के लिए इनसोल बनाने हेतु नए उपकरण की स्थापना के साथ शुरू किया गया। यह क्लिनिक विभाग की प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक वर्कशॉप में प्रति सोमवार को आयोजित किया जाता है।
- **इस्चियल कंटेंमेंट साकेट** घुटने के ऊपर प्रोस्थेसिस सुविधा के लिए विभाग में आरंभ किया गया है।

जारी क्लिनिक

- अशक्तता मूल्यांकन क्लिनिक
- ब्रेस चेक आउट क्लिनिक
- प्रकरण सम्मेलन : लक्ष्य स्थापित करने और उपचार के मूल्यांकन के लिए दीर्घकालिक पुनर्वास रोगियों की चर्चा।
- जिम राउंड क्लिनिक : पीएमआर के अंतर्गत रोगियों की चिकित्सा का मूल्यांकन।

सामुदायिक सेवाएं

रोगी उपचार : विभागीय संकाय और रेजीडेंट डॉक्टर को समय समय पर अशक्तता व्यक्तियों के कल्याण के लिए मथुरा में ग्रामीण शिविरों में शामिल किया गया।

मास मीडिया : विभागीय संकाय ने टीवी कार्यक्रमों में रोगी शिक्षा के लिए सामान्य हित के विभिन्न विषयों पर लाइव फोन–इन टेलीविजन कार्यक्रमों की एक संख्या में भाग लिया : डीडी न्यूज, लोकसभा टीवी, दूरदर्शन और टोटल हेल्थ पर; उदाहरण **डॉ. संजय वाधवा** ने निम्नलिखित

वार्ताएं वितरित की : स्पोटर्स इंजरीज़ (15 जून, 2014), स्ट्रोक (ब्रेन अटैक) (25 अक्तूबर, 2014), आर्थ्राराइटिस (26 अक्तूबर, 2014), और हेल्थी लाइफस्टाइल (4 जनवरी, 2015)। इसके अलावा, एम्स नई दिल्ली में आयोजित सार्वजनिक स्वास्थ्य व्याख्यान की श्रश्ंखला में आयोजित दो व्याख्यानों में विभागीय संकाय ने भी भाग लिया : उदाहरण : **डॉ. संजय वाधवा** ने 'आर्थ्राइटिस' (28 अक्तूबर, 2014; एम्स, नई दिल्ली) और सिम्पोजियम ऑन एम्प्यूटेशन' (ट्रॉमा–2014; 30 नवंबर, 2014, एम्स नई दिल्ली) पर सार्वजनिक व्याखान और पैनल चर्चा में भाग लिया।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर यू. सिंह ने सितंबर 2014 को एम्स में हिंदी पखवाड़े के दौरान, गैर–हिंदी भाषी संकाय के लिए हिंदी श्रुतलेख कार्य में और हिंदी निंबध प्रतियोगिता में पहला पुरस्कार जीता। वह भारतीय भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास संघ के शैक्षणिक समिति के अध्यक्ष है, इण्डियन जर्नल ऑफ फिजिकल मेडिसिन एण्ड रिहैबिलिटेशन के एमेरिटस संपादक; जर्नल ऑफ रिहैबिलिटेशन काउंसिल ऑफ इण्डिया लोकोमोटर एण्ड एसोसिएटेड डिस्एबिलिटीज के परामर्शदाता संपादक और समीक्षक; इण्डियन जर्नल ऑफ फिजियोथेरेपी एण्ड आक्यूपेशंस थेरेपी के संपादक मंडल के सदस्य; और इण्डियन जर्नल ऑफ फिजियोथेरेपी एण्ड आक्यूपेशंस थेरेपी के संपादक मंडल के सदस्य, और इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायो साइंसेज एण्ड टेक्नोलॉजी;सेंट जोन्स हैंडबुक ऑफ फिजिकल मेडिसिन एण्ड रिहैबिलिटेशन (बेंगलुरु, अगस्त 2013) और (दिसंबर 2013 से) के सलाहकार बोर्ड के सदस्य; सेपिएंट राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड, नई दिल्ली के मल्टीस्पेशलिटी पत्रिका के संपादक मंडल के सदस्य; वह एनल्स ऑफ इण्डियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी, इण्डियन जर्नल ऑफ न्यूरोसर्जरी, जर्नल ऑफ अमेरिकन एकेडमी ऑफ फिजिकल मेडिसिन एण्ड रिहैबिलिटेशन के एक सहकर्मी समीक्षक है। उन्होंने निम्नलिखित वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की : (इंडियन स्पाइनल इंजरी सेंटर एंड यूनिवर्सिटी ऑफ हीडलबर्ग, जर्मनी, 25 अप्रैल, 2014; नई दिल्ली) में स्पाइन रिसर्च में नई क्षितिज की खोज पर संगोष्ठी, (9 मई, 2014; नई दिल्ली) में आईपीएआरएम क्लिनिकल बैठक, (30 जनवरी– 1 फरवरी, 2015; त्रिवेंद्रम) में आईएपीएमआरसीओएन–2015। वह (14–15 मार्च, 2015; नई दिल्ली) के दिल्ली पीएमआरकोन–2015 के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि थे। वह नैतिक समिति और अनुसंधान समीक्षा समिति, इण्डियन स्पाइनल इंजरी सेंटर, नई दिल्ली के अध्यक्ष और अनुसंधान समिति, गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर; और अकादमिक समिति, नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर द आर्थोपीडिकली हैंडिकैप्ड, कोलकाता के सदस्य के रूप में कार्यरत है।

प्रोफेसर संजय वाधवा ने (जनवरी 2015 तक) बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, फरीदकोट, पंजाब के फैकल्टी ऑफ फिजियोथेरेपी के संकायाध्यक्ष के रूप में कार्य किया। वह आर्टिफिशल लिंब्स, रिहैबिटेशन अपलायंसिस एण्ड इक्विपमेंट फॉर डिसेबल्ड, (एमएचडी 09) अनुभागीय समिति, भारतीय मानक ब्यूरो, भारत सरकार के अध्यक्ष हैं, (3 नवंबर 2014 तक) एनएएमएस के मानद सचिव रहे; और मेडिकल इक्विपमेंटर एण्ड हॉस्पिटल प्लानिंग डिविजन काउंसलिंग (एमएचडीसी), भारतीय मानक ब्यूरो, भारत सरकार के सदस्य; प्रोग्राम एडवाइजरी एण्ड मॉनिटरिंग कमिटी फॉर द टाइड प्रोग्राम, डीएसटी; 'रिसर्च इन डिसेबिलिटी' पर कार्य समूह, आईसीएमआर; प्रबंधन पर स्थायी समिति, एनएएमएस की अनुशासन समिति एसएनएफ प्रकाशन सलाहकार समिति। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा अनुपालन रिपोर्ट को सत्यापित करने के लिए (21 जनवरी, 2015) को यूजीसी की ओर से द महाराज विनायक ग्लोबल यूनिवर्सिटी, ढांड, जयपुर; और एनबीई की ओर से (18 सितंबर, 2014) को द वैद्यी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, हैदराबाद का दौरा किया; वह इंडियन जर्नल ऑफ जेरियाट्रिक केयर के राष्ट्रीय सलाहकार है; और एनल्स ऑफ एनएएमएस के संपादकीय बोर्ड के सदस्य। उन्होंने पीएमआर में सहायक आचार्य के चयन के लिए इंटरव्यू बोर्ड ऑफ यूपीएससी के सदस्य के रूप में कार्य किया; और नेशनल इंस्टीट्यूट पब्लिक कोऑपरेशन एण्ड चाइल्ड डेवलपमेंट, नई दिल्ली के संस्थागत समीक्षा बोर्ड के सदस्य। उन्होंने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश में एनएएमएस वार्षिक सम्मेलन (18 अक्तूबर 2014) के दौरान दीक्षांत समारोह का आयोजन किया।

प्रोफेसर गीता हांडा विदेशों में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लेने के लिए यात्रा अनुदान सहायता का लाभ लेने हेतु प्रस्तावों के मूल्यांकन एवं आंकलन की यूजीसी विशेषज्ञ समिति की सदस्य हैं। एम्स भुवनेश्वर और एलएचएमसी, नई दिल्ली में संकाय नियुक्ति के लिए चयन समिति; और त्रिवेंद्रम में डीबीटी द्वारा 'रोबोटिक्स इन मेडिसिन पर विचार मंथन सत्र' के लिए विशेषज्ञ पैनल आयोजित किया।

डॉ. श्रीकुमार वी. ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में हिंदी दिवस उत्सव (2014) पर हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता (गैर–हिंदी भाषी श्रेणी) के लिए तीसरा पुरस्कार जीता। वह इंद्रप्रस्थ एसोसिएशन ऑफ रिहैबिलिटेशन मेडिसिन के कोषाध्यक्ष और दिल्ली पीएमआरकोन–2015 के कोषाध्यक्ष थे; और इंडियन एसोसिएशन ऑफ रिहैबिलिटेशन मेडिसिन के एक कार्यकारी समिति के सदस्य।

श्री अजय बब्बर आर्टिफिशल लिंब्स, रिहैबिलिटेशन अपलायंसिस एण्ड इक्विपमेंट फॉर डिसेबल्ड, (एमएचडी 09) अनुभागीय समिति, भारतीय मानक ब्यूरो, भारत सरकार के सदस्य हैं; और सीजीएचएस की तकनीकी स्थायी समिति के विशेषज्ञ सदस्य।

श्री अविनाश धारगव को (17–18 दिसंबर, 2014) को भौतिक चिकित्सा तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया।

अतिथि वैज्ञानिक

सिडनी विश्वविद्यालय से ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान का दौरा किया और निदेशक और विभिन्न सहयोगात्मक अनुसंधान प्रस्तावों के लिए दोनों संस्थानों के बीच एम्स से संबंधित संकायाध्यक्ष समझौता ज्ञापन पर विचार विमर्श किया गया। प्रतिनिधिमंडल के सदस्य थे :

- प्रो. कैथेरीन रेफेज – संकायध्यक्ष, स्वास्थ्य विज्ञान के संकाय, सिडनी विश्वविद्यालय
- क्लेयर हिलर – अनुसंधान अध्येता
- एंड्रयू लीवर – अनुसंधन अध्येता।

9.32 शरीर क्रिया विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

रश्मि माथुर

आचार्य

किशोर कुमार दीपक	हरुदानंदा मल्लिक	देबरत घोष
कंवल प्रीत कोच्चर	रत्ना शर्मा	नलिन मेहता

अपर आचार्य

सुमन जैन	अशोक जरयाल
राज कुमार यादव	अंजना तलवार

सहायक आचार्य

अस्मिता पाटिल	रेणु भाटिया	सिमरन कौर

विशिष्टताएं

शरीर क्रिया विज्ञान विभाग डॉक्टरल कार्यक्रम के अलावा स्नातकपूर्व एवं स्नातकोत्तर शिक्षण में भी सम्मिलित है। विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा स्नातकपूर्व तथा स्नातकोत्तर शिक्षा एवं अनुसंधान तकनीकियों में प्रशिक्षण हेतु संस्थान तथा संस्थानों में कार्यशालाओं एवं संगोष्ठियों के संचालन हेतु जनशक्ति प्रशिक्षण भी चलाया जा रहा है। संकाय वर्ग द्वारा तंत्रिका शरीर क्रिया विज्ञान (ऑटोनॉमिक नर्वस सिस्टम सहित) पोषण वस्कुलर शरीर क्रिया विज्ञान, प्रजनन, श्वसन तथा योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में 18 बाह्य तथा आंतरिक अनुसंधान परियोनजाएं चलाई जा रही है। अनुसंधान से प्राप्त परिणामों को दोनों राष्ट्रीय /अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी में प्रस्तुत किया गया तथा सूचिका के अनुसार प्रकाशित किया गया। इसके वास्तविक अनुसंधान के आधार पर विभाग द्वारा सुधार हेतु सर्जरी एवं यौगिक मध्यस्थता के दौरान ऑटोनोमिक एवं वस्कुलर किया मूल्यांकन, दर्द उपचार, इंट्राऑपरेटिव मॉनीटरिंग में उच्चतम तकनीकियों के प्रयोग द्वारा रोगियों को उल्लेखनीय सहायता प्रदान की गई। संकाय सदस्यों द्वारा कई पुरकार एवं सम्मान प्राप्त किए गए तथा विभाग के विद्यार्थियों को शरीर क्रिया अनुसंधान एवं आयुर्विज्ञान शिक्षा में नवीनतम योगदान के लिए सराहा गया। विभाग द्वारा 9 जून 2015 को आचार्य उषा नायर (भूतपूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली) को एपीपीआई की दिल्ली में आयोजित सभा में लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बैठक में प्रमुखतया एपीपीआई की पुनः स्थापना तथा एपीपीआई की दिल्ली सभा हेतु चुनाव पर भी बल दिया गया।

शिक्षा

1. **स्नातकपूर्व शिक्षण** : 100 घंटे
2. **स्नातकोत्तर शिक्षण** : एम एससी; एमडी, पीएच.डी
3. **बी. एससी नर्सिंग एवं संबद्ध पाठ्यक्रम** : 60 घंटे
4. अल्पकालिक प्रशिक्षण

प्रजनन एवं मॉलीकुलर जैवविज्ञान प्रयोगशाला द्वारा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (23 जून से 22 जुलाई 2014), रोहतक के एमएससी पाठ्यक्रम हेतु 1 तथा सरकारी आयुर्विज्ञान महाविद्यालय, श्रीनगर (15 दिसंबर 2014 से 14 मार्च 2015) से एक सहायक को अल्प–कालिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

क्रमश : नेताजी सुभाष इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी द्वारका, नई दिल्ली (2 जून– 1 जुलाई 2014) के तथा यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी रोहतक (2 जुलाई से 31 जुलाई 2014) के 2 बी. टेक विद्यार्थियों को पूर्ण स्वास्थ्य क्लीनिक द्वारा अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

विभाग द्वारा आयोजित क्र.आयु. शि. / कार्यशालाएं / संगोष्ठियां / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

मन चिकित्सा एवं ध्यान : एक साक्ष्य आधारित अद्यतन एमएमएससीओएन 2014, आईसीएमआर द्वारा समर्थित, आयुष, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, सीईआरबी (डीएसटी) एवं सीएसआईआर (आयोजक सचिव : डॉ. राजकुमार यादव, संयुक्त सचिव : डॉ. रेनू भाटिया) अ. भा. आ. सं. नई दिल्ली; 15–16 अप्रैल 2014.

प्रदत्त व्याख्यान

रश्मि माथुर

1. ''द रोल ऑफ लर्निंग एंड मेमोरी इन द एग्रेसिव सोशल बिहेवियर : इफेक्ट ऑफ एक्सपोज़र टू ईएलएफ एमएफ'' एवं मूल सिद्धांत भाषण की अध्यक्षता। ईएलएफ–एमएफ बेनिफिट स्पाइनल कोर्ड इंजर्ड टेट्स : मैकीनिज्म ऑफ एक्शन'' 5वीं वार्षिक यूपी–यूके चेप्टर कांफ्रेंस ऑफ एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट एंड फर्माकोलॉजिस्ट'' 10–11 अक्तूबर 2014, शरीर क्रिया विभाग श्री गुरू राम राय इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एंड हेल्थ साइंसिस एवं श्री महंत इंदिरेश अस्पताल देहरादून।
2. ''मैकेनिज्म ऑफ बेनिफिशियल इफेक्ट ऑफ एमएफ इन न्यूरल इंजरिस एंड न्यूरल डिसऑर्डर्स'' राष्ट्रीय सम्मेलन एडवांसिस इन मोबाइल फोन एंड सेल टावर रेडिएशन ऑफ एनवार्यनमेंट हेल्थ'' 5–6 दिसंबर 2014, स्कूल ऑफ एनवार्यनमेंटल साइंसिस, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

के. के. दीपक

1. मानव समुदाय में ऑटोनोमिक फंक्शन के मूल्यांकन परीक्षण का आधार, 12 जून 2014, गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज, गुवाहाटी।
2. ऑटोनोमिक फंक्शन परीक्षण की नैदानिक अनुकूलता (एएफटी), इंस्टीट्यूशनल सेमिनार (एनईआईजीआरआईएचएमएस), 13 जून 2014, एनईआईजीआरआईएचएमएस, मावडिंगाडिंग, शिलॉन्ग, मेघालय।
3. ऑटोनोमिक फंक्शन परीक्षण पर इंटरएक्टिव सत्र, फैकल्टी इंवाइटिड इंस्टीट्यूट लेक्चर, 2 जुलाई 2014, अ. भा. आ. सं., भोपाल, म. प्र.
4. आयुर्विज्ञान शिक्षा की समस्याएं एवं संभावनाएं, व्याख्यान हेतु आंमत्रित संकाय वर्ग, 2 जुलाई, 2014 अ. भा. आ. सं., भोपाल, म. प्र.
5. तनाव, तनाव में कमी की योग्यता से संबंधित शरीर क्रिया विज्ञान संबंधी पैरामीटर्स पर योग का प्रभाव : वैज्ञानिक अद्यतन, 30 अगस्त 2014, सीमेट, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
6. मधुमेह से पीड़ित रोगियों में ऑटोइम्यून फंक्शन एवं जीवन की गुणवत्ता का प्रभाव, तनाव कम करने की योग्यता पर सम्मेलन : वैज्ञानिक अद्यतन, 31 अगस्त 2014 सीमेट, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
7. सुदर्शन क्रिया एवं प्राणयोग अभ्यास शरीरक्रिया विज्ञान संबंधी लाभ एवं कार्डियक ऑटोनोमिक टोंन : तनाव कम करने की योग्यता पर सम्मेलन : वैज्ञानिक अद्यतन, 31 अगस्त 2014, सीमेट, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
8. मद परीक्षण, प्रश्न बैंक तथा कंप्यूटरीकरण की अवधारणा संकाय विकास कार्यशाला / व्याख्यान, 9 अक्तूबर 2014 सीमेट, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
9. मेमोरी में ऑटोनोमिक फंक्शनिंग की भूमिका : वश्द्धावस्था एवं डेमेन्शिया के लिए अनुप्रयोग, शरीरक्रिया विज्ञानियों एवं भेषणगुण विज्ञानियों (एपीपीआईसीओएन) यू. पी. एवं यू. के. 2014 का 5 वां वार्षिक सम्मेलन / श्री गुरू राम राय इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एंड हेल्थ एंड साइंसिस एंड श्री महंत इंदिरेश अस्पताल, देहरादून।
10. मनुष्यों के ऑटोनोमिक नर्वस सिस्टम में हेवी मेटल पॉइज़निंग का प्रभाव, विश्वविद्यालय सेमिनार (दून विश्वविद्यालय) 11 अक्तूबर, 2014, दून विश्वविद्यालय, देहरादून।
11. गैर – संचारी रोग में दबाव की भूमिका एसीडी की रोकथाम तथा उपचार में योग एवं नेचुरोपेथी में आधुनिक प्रगति पर राष्ट्रीय कार्यशाला, 12 नवंबर, 2014, सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन योग एंड नेचुरोपैथी, जनकपुरी, नई दिल्ली।
12. ऑटोइम्यून तंत्रिका विज्ञान : द की इंटीग्रेटर फॉर मेडिकल साइंसिस, चौथा द्विवार्षिक सम्मेलन, साउथ एशियन एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट (एसएएपी), 5–7 दिसंबर, 2014, बागाबधु शेख मुज़ीब मेडिकल यूनिवर्सिटी (बीएसएमएमयू), ढाका बांग्लादेश।
13. शरीर क्रिया विज्ञानियों की सामाजिक जिम्मेदारियां / नैदानिक अभ्यास से अनुसंधान तक शरीरक्रिया विज्ञान की प्रगति। बांग्लादेश सोसाइटी ऑफ फिजियोलॉजिस्ट (बीएसपी) का तीसरा राष्ट्रीय सम्मेलन, 5–7 दिसंबर 2014, बागाबधु शेख मुज़ीब मेडिकल यूनिवर्सिटी (बीएसएमएमयू), ढाका, बांग्लादेश।

14. नैदानिक शरीरक्रियाविज्ञान (ऑटोनोमिक एंड वस्कुलर फंक्शन टेस्टिंग), नैदानिक शरीरक्रिया विज्ञान पर राष्ट्रीय क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा, 13 फरवरी 2015 डॉ. भीमराव अंबेडकर मेमोरियल हॉस्पिटल, रायपुर।
15. ट्रांसलेशनल शरीरक्रिया विज्ञान, राष्ट्रीय क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा एवं कार्यशाला, शरीरक्रिया विज्ञान अभ्यास ऑटोनोमिक एवं वस्कुलर फंक्शन टेस्टिंग, 30 मार्च 2015, पं. ज. ने. मेडिकल, रायपुर।

एच. एन. मल्लिक

1. योग निद्रा : चिरकारी इंसोमनिया के उपचार हेतु एक नूतन एप्रोच; द एनुअल मीटिंग ऑफ एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल स्लीप सोसाइट्सि, 31 मई– 4 जून 2014, मिनीएपोलिस कंवेंशन सेंटर, मिनीएपोली, यूएसए।
2. भारत में निद्रा शिक्षा, सेकंड समिट ऑफ एशियन स्लीप मेडिसिन वॉज़ कंडक्टिड ऑन इन, सिंगापुर, 18 अप्रैल 2014, ट्रेडर्स होटल, सिंगापुर।
3. स्लीप एजुकेशन एक्रॉस द ग्लोब । करंट स्टेट्स एंड फ्यूचर विज़न : फ्रॉम एएसआरएस पर्सपेक्टिव, 8 एशियन स्लीप रिसर्च सोसाइटी कांग्रेस, 22 सितंबर, 2014, होटल उदय समुद्र, कोवलम।
4. सिरकेडियन रिद्म्स एंड इट्स डिसऑर्डर, एपिकॉन 2014, 19 जनवरी 2014, ब्लू लिली रिसोर्ट, पुरी।
5. इंवेस्टिगेटिंग स्लीप, सीएमई, 27 अक्तूबर 2014, जोरहट मेडिकल कॉलेज, जोरहट।
6. अंडरस्टैंडिंग स्लीप, 3 स्लीप टेक्नोलॉजी वर्कशॉप, 26 सितंबर 2014, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।

डी. घोष

1. एमसीक्यू एज लर्निंग एंड असिसमेंट टूल, सीएमई ऑन मेडिकल एजुकेशन, 26 मई 2014, गवर्मेंट मेडिकल कॉलेज, श्रीनगर, कश्मीर।
2. प्राइमेट में एंडोमिट्रीयल ग्राहिता के लिए ब्लास्टोसिस्ट प्रत्यारोपण : एक मिडिल आउट व्यू, सीएमई ऑन मॉलीक्यूलर रिप्रोडक्शन, 28 मई, 2014, गवर्मेंट मेडिकल कॉलेज, श्रीनगर कश्मीर।

एन. मेहता

1. बायोएथिक्स पर क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा, बायोएथिक्स इन हेल्थकेयर एंड रिसर्च, 14 अगस्त 2014, डॉ. डी. वाई. पाटिल, मेडिकल कॉलेज, एबेने, मॉरिशस।
2. एमसीक्यू इन असिस्मेंट : मेकिंग इफेक्टिव एमसीक्यू, वर्कशॉप ऑन मेडिकल एजुकेशन, 19 अगस्त 2014, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ, उ. प्र.।
3. रोल ऑफ एथिक्स इन मेडिकल प्रैक्टिस एंड रिसर्च, सीएमई ऑन मेडिकल एथिक्स, 25 सितंबर 2014, जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय अलीगढ़ (उ. प्र.)।
4. टूल्स फॉर इफेक्टिव असिस्मेंट : थ्योरी, प्रैक्टिकल एंड वाइवा–वोसि, वर्कशॉप ऑन असिस्मेंट टूल्स, 20–21 अक्तूबर 2014, डॉ. डी. वाई. पाटिल मेडिकल कॉलेज, एबेने, मॉरिशस
5. ब्लूप्रिंटिंग ऑफ क्वेश्चन पेपर, वर्कशॉप ऑन ''करिकुलम डेवलपमेंट एंड ब्लू प्रिंटिंग; 8 नवंबर 2014, किंग जॉर्ज'स मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) लखनऊ, उ. प्र.।
6. रोल एंड रिस्पोंसिबिलटीस ऑफ इंस्टीट्यूशनल एथिक्स कमिटी; प्रिकॉन्फ्रेंस सीएमई, 62 नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ द एनाटॉमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, 17 नवंबर, 2014 रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिस (आरआईएमएस), इम्फाल, मणिपुर।
7. एथिक्स इन डेंटल प्रैक्टिस एंड रिसर्च, वर्कशॉप ऑन 'करंट ट्रेंड्स इन एजुकेशन एंड आईक्यूए; 20 दिसंबर 2014, आई. टी. एस, सेंटर फॉर डेंटल स्ट्डीज एंड रिसर्च, मुराद नगर, गाजियाबाद।
8. राइटिंग ए साइंटिफिक मैनुस्क्रिप्ट, वर्कशॉप ऑन ''करंट ट्रेंड्स इन एजुकेशन एंड आईक्यूए; 20 दिसंबर 2014, आई. टी. एस. सेंटर फॉर डेंटल स्ट्डीज एंड रिसर्च, मुराद नगर, गाज़ियाबाद।
9. स्कोप ऑफ एथिक्स इन हेल्थ केयर कंसर्नस, नेशनल सेमिनार ऑन ''एथिक्स इन वर्क लाइफ – ए रिफलेक्शन ऑफ सिविल सोसाइटी, 23 दिसंबर 2014, कनोरिया पीजी महिला महाविद्यालय, जयपुर।
10. एथिक्स कमिटी – कम्पोजिशन, रोल एंड रिस्पॉन्सिबिलीटीज़ फंक्शनिंग, डिसिजन मेकिंग एंड रिव्यू प्रोसेस एंड कम्यूनिकेशन, वर्कशॉप ऑन करंट रेगुलेटरी रिक्वायरमेंट्स फॉर मेंबर्स ऑफ इंस्टीट्यूट एथिक्स कमेटी'' 16–17 जनवरी 2015, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, एसएमएस अस्पताल, जयपुर।

ए. जरयाल

1. इंट्रा – ऑपरेटिव न्यूरोमॉनिटरिंग, नेशनल सीएमई कम वर्कशॉप, 30 मार्च 2015, पं. ज. ने. मे. आयुर्विज्ञान महाविद्यालय, रायपुर।
2. ऑटोनोमिक फंक्शन टेस्टिंग, क्लीनिकल फिजियोलॉजी (ऑटोनोमिक फंक्शन टेस्टिंग), 13 फरवरी 2015, डॉ. भीमराव अंबेडकर मेमोरियल अस्पताल, रायपुर।
3. हृद एवं सेरिब्रो वस्कुलर अनुप्रयोग हेतु पोर्टेबल (सुवाह्य) मॉनीटरिंग डिवाइस, सीईपी; एडवांस कार्डियो – रेस्पिरेटरी फिजियोलॉजिकल मॉनीटरिंग डिवाइसिस एंड इट्स एप्लीकेशन इन मिलिटरी फिजियोलॉजी, 10 फरवरी 2015, डिफेंस इंस्ट, ऑफ फिजियोलॉजी एंड अलाइड साइंसिस, नई दिल्ली।
4. एक नैदानिकी शरीरक्रिया विज्ञानी ? : फ्रॉम इंप्लीक्ट टू एक्साप्लिक्ट, डॉ. सिद्धार्थ देबनाथ मेमोरियल ओरेशन 2014, फिजियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, 6 जनवरी 2015, कलीना कैंपस, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई।
5. स्वास्थ्य एवं रोग में ''वस्कुलर क्रिया पर पूर्व व्याख्यान : तकनीक एवं व्याख्या टप्प् वार्षिक सम्मेलन (एपीटीसीओएन 2014/, 11 अक्तूबर 2014, मधा मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, थंडलम, कोवूर, चेन्नई।
6. इंट्राऑपरेटिव न्यूरोमॉनिटरिंग, एपीएसएस हनोई, वियतनाम।
7. लिट्रेचर सर्च (3 लेक्चर्स), वर्कशॉप ऑन रिसर्च मेथड्स सीएमईटी, 20 अगस्त 2014, 19 सितंबर 2014, 26 अक्तूबर 2014, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
8. इंट्राऑपरेटिव इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल टेक्निक्स : टेक्निकल कंसीडरेशंस, प्रॉब्लम्स एंड पिटफाल्स एंड पिट्फाल्स, 23वीं वार्षिक राष्ट्रीय न्यूरोट्रॉमा कांफ्रेंस ऑफ न्यूरोट्रॉमा सोसाइटी ऑफ इंडिया, 31 अगस्त 2014, जेपी रेसिडेंसी मेनोर, मसूरी।
9. न्यूरोमॉनिटरिंग इन डिफॉरमिटी, एपीओए/ एपीएसएस स्पाइन ऑपरेटिव कोर्स, 30 जून 2014, काठमांडू मेडिकल कॉलेज, काठमांडू, नेपाल।
10. वेस्कुलर फंक्शंस इन हेल्थ एंड डिजीज : टेक्निक्स एंड इंटरप्रेटेशन, एट ीपीसीओएन–2014, टप्प् एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट्स, 11 अक्तूबर, 2014, चेन्नई, तमिलनाडु।

आर. के. यादव

1. मेंटल हेल्थ एंड योग बेस्ड लाइफ स्टाइल इंटरवेंशन, कॉन्फ्रेंस ऑन स्ट्रेस रिडक्शन स्किल्स : साइंटिफिक अपडेट, 31 अगस्त 2014, आईआईटी, दिल्ली, नई दिल्ली।
2. योग–बेस्ड लाइफस्टाइल इंटरवेंशंस इन रिप्रोडक्टिव हेल्थ नेशनल सेमिनार ऑन रिप्रोडक्टिव हेल्थ अवेयरनेस, 13 सितंबर, 2014 आईआईएस यूनिवर्सिटी, जयपुर।
3. न्यूरो–इम्यूनोलॉजी ऑफ योगा। रिलेशन टू एजिंग, फर्स्ट ग्लोबल कॉन्फ्रेंस ऑफ बायोलॉजिकल साइकेट्री, इंडिया, 2014, 25–28 सितंबर 2014, होटल जे डब्ल्यू मेरियोट, एरोसिटी, नई दिल्ली।
4. चिकित्सा अस्पताल में योग क्लीनिक की शुरूआत कैसे करें, नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इंटिग्रेशन ऑफ योगा इन मेडिकल साइंस, 18 अक्तूबर, 2014, एएसके (अध्यात्मसाधना केंद्र) छत्तरपुर, नई दिल्ली।
5. योगा, लाइफस्टाइल एंड हेल्थ, होलीस्टिक हेल्थ एंड सस्टेनेबल हैप्पीनेस, 8 नवंबर 2014, आईआईटी, दिल्ली।
6. श्वसनी अस्थमा के उपचार में योग की भूमिका, नेशनल वर्कशॉप ऑन रीसेंट एडवांसिस इन योगा एंड नेचुरोपैथी इन द प्रीवेंशन 5 मैनेजमेंट ऑफ नॉन–कम्युनिकेबल डिजीज; 13 नवंबर 2014, सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन योगा एंड नैचुरोपैथी (सीसीआरवाईएन), आयुष, नई दिल्ली।
7. मेडिटेशन एंड ब्रेन फिजियोलॉजी, कोर्स इन प्राणायाम एंड मेडिटेशन, 2 दिसंबर 2014, मोरारजी देसाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ योग (एमडीएनआईवाई), नई दिल्ली।
8. योगा एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट, फर्स्ट नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया, 18 दिसंबर 2014, जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्टग्रेचुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, पुडुचेरी।
9. मन चिकित्सा एवं ध्यानः एक साक्ष्य आधारित योग की मध्यवर्ती वैज्ञानिक यात्रा, क्लीनिकल ग्रैंड राउंड (सीजीआर), 10 फरवरी, अ.भा.आ. सं. नई दिल्ली।
10. गैर संचारी रोगों के उपचार में योग की प्रभावोत्पादकता 'राष्ट्रीय योग सप्ताह' 2015, 13 फरवरी 2015, मोरारजी देसाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ योग (एमडीएनआईवाई), नई दिल्ली।

मौखिक पत्र/ पोस्टर प्रस्तुति

1. दीप्ती मगन, राज कुमार यादव, एस सी महापात्रा, स्ट्रेस एंड इम्यून मार्कर्स इन लॉन्ग – टर्म एंड शॉर्ट–टर्म मेडिटेटर्स ** माइंड मेडिसिन एंड मेडिटेशन : एन एविडेंस बेस्ड अपडेट, 15–16 अप्रैल, 2014, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
2. दीप्ती मगन, कुमार सर्वोत्तम, राज कुमार यादव, के. के. दीपक, डिफरेंशियल इलेक्ट्रोइंसेफेलोग्राफिक पैटर्न्स इन लॉन्ग – टर्म एंड शॉर्ट मेडिएटर्स **, माइंड, मेडिसिन एंड मेडिटेशन; एन एविडेंस बेस्ड अपडेट, 15–16 अप्रैल, 2014, अवॉर्डिड प्रेजेंटेशन (पोस्टर) : थर्ड प्राइज, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
3. कुमार सर्वोत्तम, दीप्ती मगन, रश्मि यादव, राज कुमार यादव, कोरलेशन ऑफ मार्कर्स ऑफ वेस्कुलर इंफ्लेमेशन विद मेडिफिएबल कार्डियो–मेटाबोलिक रिस्क फैक्टर्स एंड रोल ऑफ शॉर्ट टर्म योग बेस्ड लाइफस्टाइल इंटरवेंशन इन ओबिज मेल सब्जेक्ट्स*, माइंड, मेडिसिन एंड मेडिटेशन एन एविडेंस बेस्ड अपडेट, 15–16 अप्रैल, 2014 : अवॉर्डिड प्रेजेंटेशन (ओरल) : थर्ड प्राइज, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
4. एम आर टोलहुनेस, एस बी कुमार, एस गौतम, आर के यादव, आर दादा, लिव लॉन्गर एंड बी यंगर : साइंटिफिक एविडेंस बाय सेलुलर एजिंग, माइंड*, मेडिसिन, एंड मेडिटेशन : एन एविडेंस बेस्ड अपडेट, 15–16 अप्रैल 2014 अवॉर्डिड प्रेजेंटेशन (ओरल) : सेकंड प्राइज. अ.भा. आ. सं., नई दिल्ली।
5. रश्मि यादव, रितेश नेतम, कुमार सर्वोत्तम, राजेश खड़गावत, राजकुमार यादव, एफिसेसी ऑफ शॉर्ट – टर्म योग – बेस्ड लाइफस्टाइल इंटरवेंशन टू मोडिफाइ मेटाबोलिक रिस्क फैक्टर्स एंड इनफ्लैमेटरी मार्कर इन ओबेसिटी, माइंड, मेडिसिन एंड मेडिटेशन : एन एविडेंस बेस्ड अपडेट, 15–16 अप्रैल 2014, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
6. रश्मि यादव, अमित तोमर, प्रगति प्रज्ञा, राजेश खड़गावत, राज कुमार यादव, इंसुलिन रेसिस्टेंस, बॉडी कंपोजिशन एंड कार्डियो – मेटाबोलिक रिस्क फैक्टर्स कैन बी मोडिफाइड बाय योगा–बेस्ड लाइफस्टाइल इंटरवेंशन इन ओबेसिटी, माइंड, मेडिसिन एंड मेडिटेशन : एन एविडेंस बेस्ड अपडेट, 15–16 अप्रैल 2014, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
7. रश्मि यादव, अमित तोमर, राजेश कुमार यादव, इफेक्ट ऑफ योगा – बेस्ड लाइफस्टाइल इंटरवेंशन ऑन क्वालिटी ऑफ लाइफ इन ओबिज सब्जेक्ट्स माइंड, मेडिसिन एंड मेडिटेशन : एन एविडेंस बेस्ड अपडेट, 15–16 अप्रैल, 2014, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
8. ऊर्जा जायसवाल, नेहा राठौड़, अल्का कृपलानी, रितेश नेतम, राजकुमार यादव. लेप्टिन एंड ग्रेलिन लेवल्स इन पेरिटोनियल फ्लूड ऑफ श्मैन विद एंडोमेट्रिओसिस : कोरेलेशन विद आईएल 6 एंड वीईजीएफ. फोर्थ नेशनल कॉफ्रेंस ऑन गायनी एंडोक्राइनोलॉजी (जीईएसआईसीओएन), 25–27 अप्रैल, 2014, होटल ग्रांड, नई दिल्ली।
9. राजकुमार यादव, मेंटल हेल्थ एंड योग बेस्ड लाइफस्टाइल इंटरवेंशन, कॉफ्रेंस ऑन स्ट्रेस रिडक्शन स्किल्स : साइंटिफिक अपडेट, 30–31 अगस्त 2014, आईआईटी, दिल्ली।
10. एम. टोलहुनेस, शिव बी. कुमार, सुरभि, आर यादव, आर के यादव, रीमा दादा, इफेक्ट ऑफ लाइफस्टाइल चोइस एंड देयर इम्पेक्ट ऑन मार्कर्स ऑफ सेल्लुर एजिंग कॉफ्रेंस ऑन स्ट्रेस रिडक्शन स्किल्स : साइंटिफिक अपडेट, 30–31 अगस्त, 2014, आईआईटी, नई दिल्ली।
11. सेनगुप्ता टी, मलिक एच. एन. डे नाइट रेशियो ऑफ स्लीप साइकिल इन विस्टार रेट्स : ए रिट्रोस्पेक्टिव स्टडी, 8 एएसआरएस कांग्रेस, 22–25 सितंबर 2014, होटल उदय समुद्र, कोवलम।
12. रशिद जेड, जरयाल ए के, मलिक एच. एन. वेरिएशंस इन मसल्स टेम्प्रेचर ड्यूरिंग स्लीप वेकफुलनेस साइकिल इन रेट्स, 8 एएसआरएस कांग्रेस, 22–25 सितंबर 2014, होटल उदय समुद्र, कोवलम।
13. कोचर के पी, रोल ऑफ प्रोबायोटिक्स इन हेल्थ एंड डिजीज : ट्रेडिशन टू मॉडरनिटी एंड प्रोबायोटिक्स एंड कोग्निटिव फंक्शंस : न्यू फ्रंटियर्स इन गट ब्रेन एक्सिस, 2 एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ प्रोबायोटिक एसोसिएशन ऑफ इंडिया एंड इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन ''प्रोबायोटिक्स एंड माइक्रोबायोम : गट एंड बियोंड 3 एंड 4 नवंबर 2014, इंडिया हेबिटेट सेंटर, नई दिल्ली।
14. प्रज्ञा पी, नेतम आर, खड़गावत आर, गुप्ता एन, पाण्डे आर एम, यादव आर. के, एसोसिएशन ऑफ विटामिन डी स्टेट्स विद ओबिसिटी एंड लिपिड प्रोफाइल इन इंडियन ओवरवेट एंड ओबिज एडल्ट्स, इंटरनेशनल वर्कशॉप ऑन माइक्रोयूट्रिएंट्स एंड चाइल्ड हेल्थ, 3–7 नवंबर 2014, अ. भा. आ. सं. नई दिल्ली।

15. मल्लिक एच. एन. सिरकेडियन रिद्म्स एंड इट्स डिसऑर्डर्स, एपिकॉन 2014 सीएमई ऑन स्लीप मेडिसिन, 19 नवंबर 2014, एस. सी. बी. मेडिकल कॉलेज, कटक।

16. अजय मोहन, एफिकेसी ऑफ ईएलएफ–एमएफ इन एमिलायोरोटिंग ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस इन 6–ओएचडीए मॉडल ऑफ पार्किंसन डिजीज इन रेट्स कांफ्रेंस ऑफ एपीपीआई ऑफ इंडिया, 2014, 19–22 नवंबर, 2014, डिपार्टमेंट ऑफ फिजियोलॉजी कटक।

17. अखिल बेबी, इफेक्ट ऑफ अल्ट्रा स्मॉल पैरामैग्नेटिक आयरन ऑक्साइड नेनोपार्टिकल्स, इंप्लांटेशन ऑन ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस इन 6–ओएचडीए रेट मॉडल ऑफ पार्किंसंस डिजीज : कांफ्रेंस ऑफ एपीपीआई ऑफ इंडिया, 2014, 19–22 नवंबर 2014, डिपार्टमेंट ऑफ फिजियोलॉजी, एस.सी.बी. मेडिकल कॉलेज, कटक।

18. भट्टाचार्जी एम., भाटिया आर, जैन एस; मुखर्जी के माथुर आर. द लिंक बिटविन पेलेटाबिलिटी एंड एनलाजिसिया., कांफ्रेंस ऑफ एपीपीआई ऑफ इंडिया, 2014, 19–22 नवंबर 2014, डिपार्टमेंट ऑफ फिजियोलॉजी, एस.सी.बी. मेडिकल कॉलेज, कटक।

19. भट्टचार्जी एम, भाटिया आर, जैन एस, मुखर्जी के, माथुर आर. इफेक्ट ऑफ आइसोटोनिक एक्सरसाइज ऑन क्यूटीसी इंटरवेल एंड हार्ट रेट वेरिएबिलिटी (कॉन्फ. वेबसाइट), कांफ्रेंस ऑफ एपीपीआई ऑफ इंडिया 2014, 19–22 नवंबर, डिपार्टमेंट ऑफ फिजियोलॉजी, एस.सी. बी. मेडिकल कॉलेज कटक।

20. मुखर्जी के, माथुर आर. पेन मॉड्यूलेशन इज़ ओपिऑइड मीडिएटिड, कांफ्रेंस ऑफ एपीपीआई ऑफ इंडिया, 2014, 19–22 नवंबर 2014, डिपार्टमेंट ऑफ फिजियोलॉजी, एस.सी.बी. मेडिकल कॉलेज कटक।

21. संजीव एंबालयम, एक्सट्रीमली लो फ्रीक्वेंसी मैग्नेटिक फील्ड (ईएलएफएमएफ) एक्सपोजर इनफ्लूएंसिस डिसेंडिंग पेन मॉड्यूलेशन सिस्टम इन स्पिनलाइज्ड रैट्स**, कांफ्रेंस ऑफ एपीपीआई ऑफ इंडिया 2014, 19–22 नवंबर 2014, डिपार्टमेंट ऑफ फिजियोलॉजी, एस.सी.बी. मेडिकल कॉलेज, कटक।

22. सिन्हा आर, शर्मा आर, माथुर आर, नायर यू. एन अपडेट ऑन सेंट्रल पेन मॉड्यूलेटरी मैकेनिज्म कांफ्रेंस ऑफ एपीपी आई ऑफ इंडिया 2014, 19–22 नवंबर डिपार्टमेंट ऑफ फिजियोलॉजी, एस. सी. बी. मेडिकल कॉलेज, कटक।

23. सेनगुप्ता टी, जरयाल ए. के, मल्लिक एच. एन. इंट्रागैस्ट्रिक एडमिडिनिस्ट्रेशन ऑफ ग्लूटामेट लीड्स टू थर्मोजेनोसिस इन रैट्स*, एपिकॉन 2014, 20 नवंबर 2014, ब्लू लिली रिसोर्ट पुरी।

24. एम. आर. टोलहुनेस, एस. बी. कुमार, एस. गौतम, आर. यादव, आर. के. यादव, आर दादा, योग आधारित जीवनशैली – दीर्घायु हेतु स्तंभ (विज्ञापन प्रस्तुति), सिस्कॉन 2014, 10 दिसंबर 2014, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।

25. राजकुमार यादव, योग एवं तनाव उपचार, प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन शरीरक्रिया विज्ञानी, भारत 17–19 दिसंबर 2014, जिपमेर, पुडुचेरी।

26. प्रज्ञा पी, नेतम आर. यादव आर, यादव आर के. रिड्यूज्ड फैलोरिक इनटेक लीड्स टू फेवरेबल चेन्जिस इन लिपिड प्रोफाइल इन ओवरवेट /ओबिज़ सबजेक्ट्स। 47 वां वार्षिक सम्मेलन, भारतीय आहार विज्ञान संघ, 21–23 दिसंबर, 2014 अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।

27. एम. आर. टोलहुनेस, एस. बी. कुमार, एस गौतम, आर यादव आर. के. यादव आर. दादा। सेल्यूलर एजिंग के बायोमार्कर्स पर योग तथा ध्यानवस्था का प्रभाव (लेख प्रस्तुति)** राष्ट्रीय योग सप्ताह 2015, 12–18 फरवरी 2015, मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनएनआईवाई), नई दिल्ली।

28. कोचर के. पी, कॉग्निटिव बिहेवियर थेरैपी एसपर्गर्स सिंड्रोम : ए फैमिलीस जर्नी* इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन कॉग्निटिव बिहेवियरल इंटरवेंशंस, अ. भा. आ. सं., 28 फरवरी से 4 मार्च 2015, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।

29. जैन एस, पाल ए, नाग टी सी, माथुर आर. न्यूरोजनरेशन एंड फंक्शनल रिकवरी बाय मैग्नेटिक फील्ड स्टीमुलेशन एंड आयरन ऑक्साइड नेनोपार्टिकल्स इन रैट्स विद स्पाइनल कोर्ड ट्रांजेक्शन, प्रथम अंतरराष्ट्रीय मस्तिष्क उद्दीपन सम्मेलन, 2–4 मार्च 2015, सिंगापुर एक्स्पो कंवेंशन एंड एक्ज़ीबिशन सेंटर सिंगापुर।

30. उमा राव, बोस एस, भट्टाचार्य एस, जैन एस, पार्किंसन रोग के 6– ओएचडीए चूहा मॉडल में इलेक्ट्रो मैग्नेटिक फील्ड के प्रदर्शन द्वारा सुपरमैग्नेटिक आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स (आईओएनपीएस) की न्यूरोऑपरेटिव संभाव्यता। प्रथम अंतरराष्ट्रीय मस्तिष्क उद्दीपन सम्मेलन, 2 मार्च–4 मार्च, 2015, सिंगापुर एक्सपो कंवेंशन एंड एक्जीबिशन सेंटर, सिंगापुर।

31. प्रेजेटिंड ए प्लेनरी टॉक एवं सेशन चेयर ट्रेडिशनल इंडियन डाइट, विज़डम ऑफ वेलनेस, "नेशनल कांफ्रेंस ऑन कम्युनिटी हेल्थ एंड न्यूट्रिशन", 8 मार्च 2015, पुष्पा गुजराल साइंस सिटी, जालंधर, पंजाब।

* उत्तम लेख पुरस्कार, $ पुरस्कृत लेख, # श्रेष्ठ पीजी पुरस्कार, Ω हरीश गुप्ता अवॉर्ड, ** आर श्रीनिवासन अवॉर्ड पुरस्कृत प्रस्तुति (विज्ञापन) : तृतीय पुरस्कार।

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. प्राणायाम अभ्यास के हृद एवं वस्कुलर ऑटोनोमिक मैकेनिज्म का आधारभूत अध्ययन, के. के. दीपक, सीसीआरवाईएन, 2 वर्ष, 2013–15, 17,64,138 रुपए।
2. हृदय गति परिवर्तनशीलता विश्लेषण पर केंद्रीकृत सिस्टम की अभिकल्पना एवं विकास, के. के. दीपक, मीडिया लैब एशिया , 2 वर्ष, 2015–17, 47,60,800 रुपए।
3. चूहों के थर्मोरेगुलेशन में प्रिऑप्टिक एरिया थर्मो टीआरपीवी की भूमिका, एच. एन. मल्लिक, आईसीएमआर, 3 वर्ष 2014–16, 15,00,000 रुपए।
4. चूहों में आहार विज्ञान संबंधी ग्लूटामेट पर थर्मोजेनेसिस एवं निद्रा की भूमिका। एच. एन. मल्लिक, अजीनोमोटो कं. इंक, जापान, 3.5 वर्ष, 2011 जुलाई 2014, 18,96,900.
5. मानव प्लेसेंटल साइट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं पर कैटिऑनिक अल्फा–हेलीकल एंटीमाइक्रोबायल पेप्टाइड की प्रक्रिया का सेल्यूलर एवं मॉलीक्यूलर आधार। डी. घोष, आईसीएमआर, 3.5 वर्ष, 2012–15, 41,58,457.
6. अंडरस्टैंडिंग एंडोमेटरियोसिस यूजिंग हाइ थ्रोपुट प्रोटियो मिक्स स्ट्रेटिजी, डी. घोष, डीएसटी, 5 वर्ष, 2010–2015, 35,00,000 रुपए।
7. मानव साइटोट्रोफोब्लास्टर कोशिका रेखा पर कैटिओनिक एंटी–माइक्रोबायल पेप्टाइड प्रक्रिया का मॉलीकुलर आधार, नलिन मेहता, अ. भा. आ. सं. 1 वर्ष, 2014–15, 4,95,000 रुपए।
8. चूज़ों में प्रिनेटल श्रवण पुनरावशक्ति उद्दीपन के बाद विजुअल कोर्टेक्स का क्रियात्मक विकास (*गैलुअस डोमेस्टिक्स*) : नॉरएड्रिनलिन की भूमिका, सुमन जैन, डीएसटी, 3 वर्ष 2011–2014, 23,12,000 रुपए।
9. स्कूल रोगियों में बायोमार्कर्स के प्रयोग द्वारा ग्लूकोज मेटाबॉलिज्म संबंधी बेरिएट्रिक सर्जरी के प्रभाव के मूल्यांकन का भविष्य सापेक्ष अध्ययन। आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2012–2015, 29 लाख रुपए।
10. वक्ष कैंसर रोगियों में संशोधित फैटिगबिलिटी एवं तनाव के लिए संयुक्त चिकित्सा के तौर पर योग की प्रभावोत्पादकता : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, राजकुमार यादव, अ. भा. आ. सं., 1 वर्ष, 2014–15, 500,000 रुपए।
11. मल्टी एनालाइट प्रोफाइलिंग ऑफ प्लाज्मा बायोमार्कर्स इन पेशेंट विद स्टेबल सीओपीडी एंड देयर कोरेलेशन विद क्लीनिकल पैरामीटर्स : एक प्राणायाम आधारित अध्ययन, ए. तलवार, सीएसआईआर, 3 वर्ष, 2013–2016, 23,60,000 रुपए।
12. जीनोम – वाइड जीन प्रोफाइलिंग यूजिंग ऐरे बेस्ड कंपेरिटिव जीनोमिक हाइब्रिडाइजेशन एंड ग्लोबल जीन ट्रांसक्रिप्ट प्रोफाइलिंग ऑफ रेसपिरेटरी ट्रेक्ट मैक्रोफेजेस इन स्टेबल सीओपीडी पेशेंट्स, ए. तलवार, डीएसटी, 3 वर्ष, 2013–16, 50,00,000 रुपए।
13. इन–विट्रो स्टडी ऑफ द मॉलीकुलर नेचर ऑफ पैराक्राइन इंटरएक्शन बिटविन द टेस्टीकुलर सरटोली एंड जर्म सेल्स ऑफ इम्मैच्योर एंड मैच्योर मेल माइस। ए. पाटिल, अ. भा. आ. सं., इंट्राम्यूरल प्रोजेक्ट, 1 वर्ष, 2014–15, 4,50,000 रुपए।
14. इफेक्ट ऑफ ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन ऑन पेन स्टेट्स ऑफ क्रोनिक टेंशन टाइप हेडेक पेशेंट, आर. भाटिया, अ.भा.आ.सं., इंट्राम्यूरल प्रोजेक्ट, 2 वर्ष, 2014–16, 2,50,000 लाख रुपए।

पूर्ण

1. एडिपोकिन मीडिएटिड इनफ्लेमेशन एंजियोजेनेसिस एंड प्रोटियोमिक अप्रोच इन पेथोफिजियोलॉजी ऑफ पोल्विक एंडोमेट्रीसिस, राजकुमार यादव, अ. भा. आ. सं., 1 वर्ष, 2013–14, 500,000 रुपए।
2. ए स्टडी ऑफ क्वांटिटेटिव ईईजी चेंजिस, कॉग्निटिव फंक्शन एंड स्ट्रेस इन माइल्ड कॉग्निटिव इंपेयरमेंट एंड अल्जाइमर्स डिजीज, रत्ना शर्मा, डीएसटी, 4.5 वर्ष, 2010–14, 82,00,000 रुपए।
3. क्वांटिटेटिव ईईजी कोरेलेट्स ऑफ कॉग्निटिव डेफिसिट्स इन पार्किंसन डिजीज, रत्ना शर्मा, डीबीटी, 3.5 वर्ष, 2011–15, 22,00000 रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. फाइबरोमाइलेजिया रोगियों में दर्द मॉड्यूलेशन स्थिति पर ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक उद्दीपन का प्रभाव।

2. डायनेमिक सेरिब्रल ऑटो–रेगुलेशन आर्टियल रक्तदबाव की बारंबारता एवं एम्प्लीट्यूड डिपेंडेंट का प्रभाव।
3. चूहों के थर्मोरेगुलेशन में प्रिऑप्टिक एरिया थर्मो टीआरपीवी चैनल्स की भूमिका।
4. प्रिऑप्टिक क्षेत्र में आंतों में ग्लूटामेट द्वारा थर्मोजेनेसिस का मैकेनिज्म।
5. ''योग निद्रा'' की इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल विशेषताएं तथा प्राथमिक इंसोमनिया रोगियों में उसकी भूमिका।
6. चूहों में क्षेत्रीय मस्तिष्क तापमान पर फिजियोलॉजिकल चुनौतियों का प्रभाव।
7. एंडोमेट्रोसिस में एस्ट्रोजेनिज्म का मॉलीकुलर आधार।
8. गर्भाशय एंडोमेट्रोसिस का ट्रांसक्रिप्टोमिक लैंडस्केप अध्ययन।
9. शीघ्र प्लेसेंटल साइटोट्रोफोब्लास्ट का कैटिऑनिक एंटीमाइक्रोबायल पेप्टाइड पर साइटोकाइन प्रोफाइल्स की इन–विट्रो क्रिया।
10. चिरकारी अवरोधित फुफ्फुसीय रोग में अनुमानित टी– रेगुलेटरी कोशिकाओं का इन–विट्रो जनरेशन।
11. चिरकारी अवरोधित फुफ्फुसीय रोग के विकृति शरीर क्रिया विज्ञान आधार का एक ट्रांसक्रिप्टोमिक स्पष्ट अध्ययन।
12. मानव प्लैसेंटल साइट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं पर केटिऑनिक एंटी–माइक्रोबायल का मॉलीकुलर आधार।
13. साध्य बोधात्मक दुर्बलता तथा अल्जाइमर रोग में संज्ञात्मक उपलब्धि का परिमाणात्मक ईईजी सह संबंध।
14. पार्किंसन रोग में संज्ञात्मक कमी का परिमाणात्मक ईईजी सह–संबंध।
15. क्वांटिटेटिव ईईजी कोरोलेट्स ऑफ पॉजीटिव, नेगेटिव एंड न्यूट्रल एफेक्ट ऑन कॉग्निटिव फंक्शंस एंड एसोसिएटिड सांइकोलॉजिकल स्ट्रेस रिस्पॉन्स।
16. क्वांटिटेटिव ईईजी कोरेलेट्स ऑफ द इफेक्ट ऑफ म्यूजिक ऑन कॉग्निटिव इंटरफेरेंस।
17. स्पिनोसेरेबेलर एटोक्सिया टाइप 1, 2 और 3 के रोगियों में ऑटोनॉमिक प्रक्रियाओं का मूल्यांकन एंव मस्तिष्क में मॉर्फोलॉनिकल चेंजिस इन ब्रेन।
18. एवेल्यूएशन ऑफ वस्कुलर फंक्शंस बेरोरिफलेक्स सेंसटिविटी बायोकेमिकल फैक्टर्स टू इंवेस्टिगेट प्रिक्लेम्पानिया।
19. फियोक्रोमोसाइटोमा से पीड़ित रोगियों में ट्यूमर निकाले जाने के पूर्व तथा पश्चात ऑटोनोमिक एवं वस्कुलर प्रक्रिया का मूल्यांकन।
20. इफेक्ट ऑफ फ्रीक्वेंसी एंड एंप्लीट्यूड डिपेंडेंट आस्कीलेशंस ऑफ आर्टिरियल ब्लड प्रेशर ऑन डायनिमिक सेरिब्रल ऑटो–रेगुलेशन।
21. इफेक्ट ऑफ एंजियोटेंसिन कंवर्टिंग एंजाइम्स इंहेबिटर ऑन ऑटोनोमिक वस्कुलर एंड एंगोथिलियन फंक्शन इन डायबिटिक्स विद न्यूलि डायग्नोस्ड हारपरटेंसिव।
22. योग आधारित ह्रद पुर्नस्थापन के व्यक्तिक्रमण के रोगियों में मायोकॉड्रियल की वस्कुलर तथा एंडोथिलियल प्रक्रिया एवं ऑटोनोमिक टोन का मूल्यांकन।
23. मेटाबोलिक सिंड्रोम पर आहारविज्ञान इंटरवेंशन की तुलना में योग आधारित जीवनशैली की प्रभावोत्पादकता : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
24. अंडरस्टैंडिंग द पेथोफिजियोलॉजी ऑफ एंडोमेट्रोसिस बाय प्रोटीन प्रोफाइलिंग एंड इट्स कोरोलेट्स विद स्ट्रेस।
25. स्थूल भारतीय व्यक्तियों में पैनक्रिएटिक बीटा सेल फंक्शंस पर विटामिन डी सप्लीमेंटेशन का प्रभाव।
26. स्लीप आर्किटेक्चर पर ध्यानावस्था का प्रभाव।
27. चिरकारी तनाव – टाइप सिरदर्द में सेंट्रल तथा पेरीफेरल दर्द मॉड्यूलेशन पर आरटीएमएस का प्रभाव।
28. फाइबरोमाइलिजिया के साइकोन्यूरोइम्यूनोलॉजिकल सह संबंध का अध्ययन : आरटीएमएस का प्रभाव।
29. स्वस्थ स्वास्थ्यकर्ताओं में कॉग्निटिव परफॉर्मेंस में अनुमानित परिवर्तन इमोशन का परिमाणात्मक ईईजी सह संबंध।

पूर्ण

1. फाइब्रोमाइल्जिया रोगियों की दर्द स्थिति में चुम्बकीय क्षेत्र के चिरकारी उद्भवन का अध्ययन।
2. पार्किंसन से पीड़ित चूहा मॉडल में आक्सीडेटिव तनाव संबंधी चुंबकीय क्षेत्र का प्रभाव।
3. चूहों में रीढ़ की हड्डी की माइक्रोगिलिया अनुमानित सेकेंडरी चोट में चुंबकीय क्षेत्र का प्रभाव।

4. वेंट्रोमेडिकल हाइपोथेलमिक फंक्शन में संबंधी संपूर्ण मेरूदंड चोट का प्रभाव : चुंबकीय क्षेत्र की भूमिका।
5. 3 जी फ्रीक्वेंसी बैंड के चूहा उद्भवन में दर्द का व्यावहारिक इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल एवं न्यूरोकैमिकल सह संबंध पर चुंबकीय क्षेत्र का प्रभाव।
6. चूहा मॉडल में स्पाइनल कोर्ड इंजरी अनुमानित ऑस्टियोपोरोसिस पर अत्याधिक न्यून बारंबारता मेग्नोटिक क्षेत्र का प्रभाव।
7. पार्किंसन रोग से पीड़ित 6 ओएचडीए चूहा मॉडल में सुपरपैरामैग्नेटिक नैनोपार्टिकल प्रत्यारोपण का प्रभाव।
8. मेरूदंड की चोट से पीड़ित चूहों में चुंबकीय क्षेत्र उद्भवन सहित आयरन ऑक्साइड नेनोपार्टिकल के बाद न्यूरोजनरेशन।
9. स्पाइनल कोर्ड क्षति के चूहा मॉडल में चिरकारी दर्द के तीव्र दर्द में परिवर्तन पर चुंबकीय क्षेत्र उद्भवन का प्रभाव।
10. सुपरमैग्नेटिक आयरन ऑक्साइड नेनोपार्टिकल प्रत्यारोपण के बाद पार्किंसन रोग से 6–ओएचडीए चूहा मॉडल में क्रियात्मक सुधार।
11. निद्रा के दौरान शरीर मांसपेशियों तथा मस्तिष्क के बीच इंटररिलेशनशिप।
12. सामान्य व्यक्ति तथा पार्किंसन रोग से पीड़ित में सेकेडिक नेत्र प्रचालन का संज्ञानात्मक नियंत्रण।
13. चूजों में प्रिनेटल रिपिटिटिव श्रवण उद्दीपन के बाद दश्श्य प्रणाली का इलैक्ट्रोफिजिलॉजिकल एवं व्यवहारात्मक विकास। *(गैलस डोमेस्टिक्स)*।
14. पार्किंसन रोग तथा मल्टीपल सिस्टम एट्रॉफी ऑफ पार्किंसेनियन टाइप (एमएसए–पी) में आर्थोस्टेसिस हेतु कार्डियोवस्कुलर प्रतिक्रिया का तुलनात्मक अध्ययन।
15. वलसाल्वा कौशल की कार्डियोवस्कुलर प्रतिक्रिया पर प्रिलेड रिडक्शन का प्रभाव।
16. कोरोनरी आर्टरी रोग से पीड़ित अथवा रहित मेटाबॉलिक सिंड्रोम के रोगियों में वस्कुलर फंक्शन का मूल्यांकन।
17. रक्तदान के दौरान कार्डियोवस्कुलर प्रतिक्रिया में लौकिक परिवर्तन संबंधी अध्ययन।
18. एंडोमेट्रोसिस से पीड़ित रोगियों के पेरीटोनियल फ्लूड में लेप्टिन एवं ग्रेलिन : वीईजीएफ एवं आईएल 6 के साथ सह संबंध।
19. प्रारंभिक प्लेसेंटल विलियस साइटो–ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं पर केटिओनिक एंटीमाइक्रोबायल पेप्टाइड की इन–विट्रो प्रक्रिया।
20. परिमाणात्मक ईईजी द्वारा मूल्यांकित विजियोपेटल टास्क प्रदर्शन पर कार्य शक्ति का प्रभाव।
21. बायनोकुलर राइवलरी के दौरान भावात्मक उत्तेजनाओं का परसेप्चूअल रिर्नसल से परिमाणात्मक ईईजी सह संबंध।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. न्यूरोनल रिजनरेशन एवं फंक्शनल रिस्टोरेशन में मानव अम्बीलिकल कोर्ड ब्लड स्टेम सेल्स तथा न्यूरल स्टेन सेल्स की भूमिका : गंभीर मेरूदंड चोट से पीड़ित वयस्क नर चूहों में तुलनात्मक अध्ययन। डीबीटी वित्त पोषित, तंत्रिकाशल्यक्रिया विभाग, जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
2. रेडियल आर्टिरियल प्रेशर पैच के प्रयोग द्वारा कफ लैस नॉनइंवेसिव रक्तदाब मापन, इंडो–यूएस साइंस एवं तकनीकी फोरम।
3. मानव में लाल रक्त कोशिकाओं तथा रक्त प्रवाह पर चुंबकीय क्षेत्र उद्भवन के प्रभाव का अध्ययन, आईआईटी, दिल्ली।
4. न्यूरोरिहेब्लिटेशन हेतु रोबोटिक हेंड असिस्टेड ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन थेरैपी।
5. मस्तिष्क में ऑर्फोलॉजिकल परिवर्तनों द्वारा स्पाइनोसेरिबेलर एटोक्सिया टाइप 1, 2 एवं 3 की तुलना वाले रोगियों में ऑटोनॉमिक फंक्शन का मूल्यांकन।
6. एवेल्यूएशन ऑफ वस्कुलर फंक्शंस बेरोरिफ्लेक्स सेंसटिविटी एंड बायोकैमिकल फैक्टर्स टू इंवेस्टिगेट प्रीक्लेम्पसिया, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान, अ. भा. आ. सं.
7. फियोक्रोमोसाइटोमा, एंडोक्रायोनोलॉजी के रोगियों में ट्यूमर निकाले जाने के पहले और बाद में ऑटोनोमिक एवं वस्कुलर फंक्शन का मूल्यांकन। अ. भा. आ. सं.
8. नवीन निदान हापरटेंसिव, एंडोक्रायोनोलॉजी के मधुमेही रोगियों में ऑटोनोमिक वस्कुलर एवं एंडोथिलियल फंक्शन पर एंजियोटोंसिन कंवर्टिंग एंजाइम्स इंहेबिटर का प्रभाव, अ. भा. आ. सं.
9. योग आधारित हृद पुर्नस्थापन के रोगियों में व्यक्तिक्रमण पर मायोकार्डियल में ऑटोनोमिक टोन, वस्कुलर एवं एंडोथिलियल फंक्शन का मूल्यांकन, हृदरोग विज्ञान, अ. भा. आ. सं.।

10. तपेदिक रोग में संभावित माइक्रो आरएनएएस का उद्भवन विश्लेषण, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
11. इंफेक्ट ऑफ लोकल एंडोमिट्रियल इंजरी (एलईआई) ऑन द आउटकम ऑफ आईवीएफ साइकिल विद प्रिवियस फेल्ड इंप्लांटेशन : एक्सप्लोरिंग द जीनोम वाइड ट्रांस– क्रिप्टोमिक बेसिस, ऑब्स्ट्रिक्स एंड गायनोकोलॉजी, अ. भा. आ. सं. नई दिल्ली।
12. कोलोरेक्टल कैंसर स्टेम सेल की आइसोलेशन एवं मॉलीक्यूलर विशेषताएं, जैवरसायन, अ.भा.आ.सं.।
13. गैर–एल्कोहलिक फैटी लीवर रोग में ऑटोनोमिक प्रक्रिया का अध्ययन, काय चिकित्सा अ. भा. आ. सं.।
14. ईएमजी चेंजिस में डिगेस्ट्रिक एवं माइलॉयड मसल्स कॉम्प्लैक्स एशिया फोलोइंग जीनाइल डिस्ट्रेक्शन इन रिट्रोजिनिया पेशेंट के मूल्यांकन का भविषय सापेक्ष अध्ययन, दंत एवं शिक्षा अनुसंधान केंद्र, अ. भा. आ. सं.।
15. आर्टिरियल स्टीफनेस एंड ऑटोनोमिक फंक्शन बिफोर एंड आफ्टर रीनल ट्रांसप्लांटेशन का मूल्यांकन, वृक्कविज्ञान।
16. इंपेक्ट ऑफ न्यूट्रिशनल एंड लाइफस्टाइल मेडिफिकेशन इन सब्जेक्ट्स विद बीएमआई 25–29.9 किग्रा. / एम^2 बनाम 30–34.9 किग्रा/एम^2 एंड टू असिस द इफेक्ट ऑफ बेरिएट्रिक सर्जरी इन बीएमआई 35 किग्रा. / एम ^{2} शल्यक्रिया विज्ञान विभाग, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
17. वयस्क भारतीय स्थूल रोगियों में वजन घटने, शरीर वसा वितरण तथा इंसुलिन प्रतिरोधक क्षमता पर सुपरवाइज्ड आहार तथा जीवनशैली सुधार का प्रभाव, शल्यक्रिया विज्ञान विभाग, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
18. आवर्ती गर्भावस्था हानि में साइटोकाइन लेवल्स की भूमिका प्रोजेस्टेरॉन पर साइटोकाइन लेवल्स का प्रभाव। प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान विभाग, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
19. बीएमआई $<$ 35 किग्रा. / एम ^{2}, के रोगियों में टाइप 2 डायबिटीज शर्करा पर लेप्रोस्कोपिक स्लीव गेस्ट्रोएक्टॉमी के प्रभाव का अध्ययन, शल्यक्रिया विज्ञान विभाग, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
20. डिप्रेशन से पीड़ित रोगियों में सेल्लुर एजिंग के बायोमार्कर्स पर योग आधारित जीवनशैली इंटरवेंशन का प्रभाव, शरीर रचना विभाग, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
21 ग्लोकोमा रोगियों के जीवन की योग आधारित इंटरवेंशन के तौर पर सहायक इंप्रूविंग गुणवत्ता की भूमिका, रा.प्र. कें., अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली।
22. अल्जाइमर रोग में तनावयुक्त हाइपरफोस्फोराइलेशन में सम्मिलित संभावित मॉड्यूलेटर टारगेटिंग पाथवे का अध्ययन, जैवभौतिकी विभाग, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
23. टाइप 2 डायबिटीज शर्करा में डिफ्यूजिंग क्षमता के पोस्चुरल परिवर्तन : मार्कर ऑफ लंग माइक्रोएंजियोपैथी , अंतस्त्राविकी विज्ञान विभाग, अ. भा. आ. सं.।
24. 6 से 18 वर्ष के सिस्टिक फाइब्रोसिस से पीड़ित बच्चों में बोन मिनरल डेंसिटी पर व्यायाम मध्यस्थता का प्रभाव, बाल चिकित्सा विभाग, अ. भा. आ. सं.।
25. एक्सहेल्ड ब्रीथ टेंप्रेचर एज़ ए मार्कर ऑफ एयरवे इंफ्लेमेशन इन अस्थमा पेशेंट्स एंड रिलेशन विद ब्लड बायोमार्कर्स, फुफ्फसीय चिकित्सा विभाग, अ. भा. आ. सं.।

पूर्ण

1. केंद्रीय सीरोस कोरियोरेटिनोपेथी में लाक्षणिक वस्कुलर ऑटोनोमिक टोन, संरचनात्मक एवं क्रियात्मक परिणाम का मूल्यांकन, नेत्र विज्ञान, अ. भा. आ. सं.।
2. 2 से 18 वर्ष के रेट लक्षण से पीड़ित बच्चों में कार्डियोवस्कुलर ऑटोनोमिक दुष्क्रिया : एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, बाल तंत्रिका विज्ञान, अ. भा. आ. सं.।
3. पार्किंसन रोग तथा बहुप्रणाली एट्रॉफी पार्किंसन टाइप (एमएसए–पी) में आर्थोस्टोसिस हेतु कार्डियोवस्कुलर प्रतिक्रिया का तुलनात्मक अध्ययन, अ. भा. आ. सं.।
4. वल्साल्वा कौशल की कार्डियोवस्कुलर प्रतिक्रिया पर प्रीलोड रिडक्शन का प्रभाव, हृदरोग विज्ञान, अ. भा. आ. सं.।
5. कोरोनरी धमनी रोग सहित तथा रहित मेटाबोलिक लक्षण के रोगियों में वस्कुलर प्रक्रिया का मूल्यांकन। हृदय रोग विज्ञान, अ. भा. आ. सं.।
6. रक्त दान के दौरान हृद – वक्ष प्रतिक्रिया में टेम्पोरल परिवर्तनों का अध्ययन, रक्तआधान चिकित्सा, अ. भा. आ. सं.।

7. विल्मंस अर्बुद नमूने तथा पेरीफेरल रक्त में माइक्रो आरएनए एक्सप्रेशन पैटर्न संबंधी एक प्रायोगिक अध्ययन : रिलेशन टू हिस्टोपेथोलॉजी क्लासिफिकेशन एंड स्टेज, विकृति विज्ञान विभाग, अ. भा. आ. सं. नई दिल्ली।
8. आइडेंटिफिकेशन ऑफ बायोमार्कर्स इन पार्किंसन डिजीज यूजिंग एनएमआर, एनएमआर, अ. भा. आ. सं. इफेक्ट ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ ह्यूमन बॉन मैरो डिराइब्ड मैसेनकाइमल स्टेम सेल्स ऑन द एक्सप्रेशन लेवल एंड प्रोमोटर मिथाइलेशन पैटर्न ऑफ स्ट्रोक रिलेटिड जीन मिडिल सेरिब्रल आर्टरी आक्लयुज़न मॉडल ऑफ स्ट्रोक इन रैट्स, तंत्रिका विज्ञान, अ. भा. आ. सं.।
9. सेंट्रल सीरोस केरिपोरेटिनोपेथी में लाक्षणिक वस्कुलर ऑटोनोमिक टोन, संरचनात्मक एवं क्रियात्मक परिणामों का मूल्यांकन, नेत्रविज्ञान, अ.भा.आ.सं.।
10. 2 से 18 वर्ष के रैट सिंड्रोम से पीड़ित बच्चों में हृदवक्षीय ऑटोनोमिक दुष्क्रिया : एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, बाल तंत्रिका विज्ञान, अ.भा.आ.सं.।
11. समयपूर्व नवजातों में नॉन इंवेसिक श्वसन सहायक पद्धति के तौर पर एचएचएचएफएनसी बनाम नासल सीपीएपी देने के दौरान नासोफेरिंजनल दबाव की तुलना – एक प्रायोगिक अध्ययन, नवजात रोग खंड, बाल चिकित्सा, अ. भा. आ. सं.।
12. 6 से 18 वर्ष की आयु के रोगियों में सिस्टिक फाइब्रोसिस में एयरवे इंफ्लेमेशन की पहचान के तौर पर एक्सहेल्ड ब्रीथ टेंप्रेचर, बाल चिकित्सा विज्ञान, अ. भा. आ. सं.।

रोगी उपचार

तंत्रिका शरीर क्रिया विज्ञान अनुसंधान प्रयोगशाला द्वारा पुराने दर्द से पीड़ित 95 चुने गए रोगियों पर इलैक्ट्रो फिजियोलॉजिकल तत्व जैव रासायनिक परीक्षणों द्वारा बैटरी की सहायता से दर्द और दर्द मॉडुलन स्थिति के उद्देश्य के मूल्यांकन की पेशकश की गई। ट्रांसक्रेनियल चुम्बकीय चिकित्सा द्वारा 6 महीने तक दर्द में राहत प्रदान की गई। विभाग द्वारा पुराने दर्द के रोगियों जैसे फाइब्रोमाइलेजिया, रुमेटॉइड आर्थराइटिस तथा पुराने तनाव से संबंधित सिर दर्द के फाइब्रोमाइलेजिया के रोगियों के मूल्यांकन तथा उपचार के लिए ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन प्रयोगशाला (आरटीएमएस) की सुविधा प्रदान की गई तथा दर्द की दोनों ऑब्जेक्टिवली तथा सब्जेक्टिवली स्थिति का मूल्यांकन किया गया तथा हाल ही में सिर दर्द से पीड़ित रोगियों में भी आरआईआईआई रिफ्लेक्स एवं एंडोजीन ओपीऑइड मूल्यांकन प्रणाली द्वारा दर्द में राहत के लिए आरटीएमएस चिकित्सा के प्रयोग द्वारा मूल्यांकन किया जा रहा है। फाइब्रोमाइलेजिया के रोगियों में तथा विटामिन डी की अपर्याप्तता तथा मेटाबॉलिक सिंड्रोम के रोगियों में दुबले शरीर वाले तथा बीएमआई के मापन हेतु फागनिटिव फंक्शन मूल्यांकन भी किया जा रहा है।

संदर्भित रोगियों को ऑटोनोमिक फंक्शन प्रयोगशाला तथा वस्कुलर फंक्शन प्रयोगशाला संबंधी नैदानिक सुविधा प्रदान की जा रही है। प्रयोगशाला द्वारा ऑटोनेमिक रिएक्टिविटी सहित ऑटोनोमिक टोन क्वांटिफिकेशन एंड नॉन इन्वेसिव रिकॉर्डिंग ऑफ गैस्ट्रिक मोटिलिटी (इलैक्ट्रोगेस्ट्रोग्राफी, ईईजी) की सुविधा प्रदान की जा रही है इस वर्ष, ऑटोनोमिक फंक्शन परीक्षण के लिए कुल 1243 मानकों की जांच की गई, जिसमें 1160 रोगी तथा 83 स्वस्थ व्यक्ति थे।

वर्ष 2014 में डिफार्मिटी करेक्टिव सर्जरी (112 सर्जरी) के दौरान अस्थि रोग विज्ञान विभाग द्वारा इंट्राऑपरेटिव न्युरोमॉनिटरिंग की गई। तंत्रिका शल्य क्रिया एवं ट्रॉमा सेंटर विभाग में कुछ चयनित सर्जरियों के लिए समतुल्य इंट्रा ऑक्युलर ब्यूरो मॉनिटरिंग सहायता प्रदान की गई।

इंटीग्रल स्वास्थ्य क्लिनिकल (आईएचसी) में मन चिकित्सा एवं ध्यानावस्था गतिविधियों के प्रचार के लिए ध्यान एकीकरण की सुविधा उपलब्ध है। आईएचसी एक आऊटपेशेंट सुविधा हैं जिसका प्रयोग न केवल चिकित्सा संबंधी उपचार हेतु बल्कि स्वास्थ्य चेतना के विकास के एक हिस्से के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। एक डिस्ट्रेसर सुविधा के तौर पर आईएचसी द्वारा एक सहायक सुविधा शुरू की गई है जो संस्थान के तनावग्रस्त कर्मचारियों सहित संकाय, विद्यार्थियों रेजिडेंट्स एवं स्टाफ सदस्यों के लिए है। कुल 438 (चार सौ अड़तीस) व्यक्तियों (अनुवर्ती जांच के तौर पर) को इसमें नामित किया गया है तथा वर्ष 2014 – 15 के दौरान आईएचसी में लाभान्वित किया गया। इसमें पुरानी बीमारियों (जैसे मधुमेह, मोटापा, हृद् वक्ष रोग, चिरकारी तनाव इत्यादि) तथा संस्थान के विभिन्न विभागों (हृद्रोग विज्ञान विभाग, सर्जिकल विज्ञान विभाग, मनोचिकित्सा इत्यादि) के संदर्भित रोगी सम्मिलित हैं। शरीर क्रिया विभाग द्वारा इंटीग्रल हेल्थ क्लिनिक में कार्यरत सदस्यों के टीम वर्क के तौर पर जीवनशैली से जुडी तनाव संबंधी व्याधियों से पीड़ित रोगियों का उपचार किया जा रहा है।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर रश्मि माथुर सदस्य, अंतरराष्ट्रीय संगठन / समिति की सदस्य, ''चिकित्सा और जीव विज्ञान में विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र पर विवाद'' सैमसन, तुर्की सदस्य, भारतीय राष्ट्रीय समिति (आईएनसीयूआरएसआई), आयोग कश्मीर, प्रौद्योगिकी, लावाला, पुणे के सिंबियोसिस संस्थान में 2' 2–5 जनवरी 2014 से रेडियो विज्ञान 2014 (आरसीआरएस 2014) पर क्षेत्रीय सम्मेलन; सदस्य रेडियो विज्ञान के अंतरराष्ट्रीय संघ के लिए

भारतीय राष्ट्रीय समिति के आयोग कश्मीर; सदस्य, फिजियोलॉजी, बनारस हिंदू विश्व विद्यालय, वाराणसी में अध्ययन बोर्ड की विशेषज्ञ फिजियोलॉजी में अध्ययन के स्नातकोत्तर बोर्ड, स्वास्थ्य विज्ञान, रोहतक के पंडित भगवत दयाल शर्मा यूनिवर्सिटी की सदस्य, नैतिक मानव विषयों पर अनुसंधान में शामिल विचार के लिए समिति, प्रौद्योगिकी दिल्ली बोर्ड, नई दिल्ली के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ; 12वीं पंचवर्षीय योजना के कार्यक्रम, शरीर विज्ञान और संबद्ध विज्ञान, दिल्ली की रक्षा संस्थान के लिए विषय विशेषज्ञ; 'सैन्य वातावरण में सुविधा प्रदर्शन; सिस्टम्स बायोलॉजी दृष्टिकोण'' 12वीं पंचवर्षीय योजना कार्यक्रम के सहकर्मी की समीक्षा के लिए विशेषज्ञ सदस्य रक्षा फिजियोलॉजी और संबद्ध विज्ञान संस्थान (डीआईपीएएस), नई दिल्ली; जीवन विज्ञान अनुसंधान बोर्ड के पर्यावरण फिजियोलॉजी एंड बिहेवियर (ईपी एंड बी) (आई.एस.आर.बी.) 2013 को 25वीं विशेषज्ञ पैनल की बैठक के लिए विशेषज्ञ सदस्य।

प्रोफेसर के. के. दीपक को **''30वीं डॉ. एस. राधाकृष्णन मेमोरियल राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2014''** में सभी भारत स्वतंत्र पत्रकार और लेखक संघ द्वारा सम्मानित किया गया, अध्यक्ष, केंद्रीय भर्ती समिति, अनुसंधान अनुभाग एम्स; सह – अध्यक्ष, स्टोर क्रय समिति, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान; अध्यक्ष, वार्ता समिति, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान; अध्यक्ष, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान परीक्षा पोर्टल, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की निविदा प्रक्रिया को पूरा करने के लिए समिति; विशेष सदस्य चयन समिति (संकाय पद), संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली; फिजियोलॉजी, प्रथम व्यावसायिक एमबीबीएस परीक्षा एमएएचएसए विश्व विद्यालय, कुआलालंपुर, मलेशिया के लिए विदेश बाह्य परीक्षक; कार्यकारी संपादक, शरीर विज्ञान और औषध विज्ञान, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान इंडियन जर्नल के रूप में सेवा; विशेष आमंत्रित, वर्ष 2015, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स के लिए छात्र संघ चुनाव की सलाहकार परिषद् के सदस्य, समिति अनुसंध ाान कैडर के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में नियुक्ति/ अवशोषण के लिए नए दिशा निर्देश तैयार करने के लिए; सदस्य वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट से रूपांतरण के लिए उप समिति वैज्ञानिक कैडर के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के वार्षिक निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्ट के फार्म समिति के सदस्य तदर्थ अनुसंधान योजनाओं और अपनी परियोजनाओं समीक्षा समिति के माध्यम से वित्तीय सहायता के लिए शोध फैलोशिप के लिए विशेषज्ञ सदस्य; सदस्य, संकाय चयन समिति, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली; राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम में जैव प्रौद्योगिकी के लिए विशेषज्ञ पैनल (एनआरडीसी), डीएसआईआर के गठन के लिए विशेषज्ञ; ऑल इंडिया प्री मेडिकल / प्री डैंटल प्रवेश परीक्षा की सलाहकार समिति (एआईपीएमटी) 2015 सीबीएसई के सदस्य, सदस्य, एम्स में ''संचार कौशल का समावेश पर समिति; यूजी चिकित्सा शिक्षा, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर में शरीर विज्ञान के लिए बाहरी परीक्षक; इंट्राआपरेटिव न्यूरोफिजियो लॉजिकल निगरानी पर सदस्यीय समिति (एमईपी और एसएसईपी) कार्डियक सर्जरी और महाधमनी में सीएनसी एम्स; सदस्य, आईसीएमआर, नई दिल्ली में परियोजना समीक्षा समिति; फिजियोलॉजी, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के विभाग में प्रैक्टिकल / मौखिक परीक्षा आयोजित करने के लिए बाह्य परीक्षक; चिकित्सा उपकरण विकास पर काम कर रहे आईसीएमआर–डीएचआर द्वारा संयुक्त रूप से गठित समूह के सदस्य। इसके अलावा निम्नलिखित कार्यशालाओं ;पद्ध एमसीक्यू कार्यशाला के संयोजक और एवं कार्यशाला के स्वरूप तथा एजेंडे पर चर्चा। (किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 19 अगस्त 2014 ;पपद्ध मानव मेडिकल कॉलेज में स्वायत्त समारोह का आकलन, गुवाहाटी पर कार्यशाला के संयोजक, 16 जून 2014;;पपद्ध ष्ओएसपीई पर कार्यशाला के संयोजक और ओएससीई ''संकाय विकास कार्यशालाओं / व्याख्यान श्रृंखला में (सीमेट अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली;। 13 नवंबर 2014; ;पअद्ध 25–27 मई 2015 को आयोजित कार्यशाला के चिकित्सा में बेसिक कोर्स और स्वास्थ्य व्यवसाय की शिक्षा, सीमेट द्वारा आयोजित एम्स, नई दिल्ली ;अद्ध पर कार्यशाला के संयोजक ''संकाय विकास कार्यशालाओं में एम्स फैकल्टी के लिए एक वैज्ञानिक पेपर (एनएमजेआई साथ सीमेट) लेखन / व्याख्यान श्रृंखला सीमेट अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली;। 29 – 30 अगस्त 2014।

प्रोफेसर एच. एन. मलिक ने भारतीय मूल के अमेरिका चिकित्सकों द्वारा नींद चिकित्सा के क्षेत्र में समर्पित और उत्कृष्ट सेवा के लिए लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार जीता; आर श्रीनिवासन पीएचडी के छात्र (सेनगुप्ता) को सर्वश्रेष्ठ स्नातकोत्तर पेपर प्रस्तुति के लिए वर्ष 2014 के दौरान के सम्मानित किया गया; 2013 – 2016 के लिए एशियाई स्लीप रिसर्च सोसायटी के अध्यक्ष; भारतीय समाज में नींद अनुसंधान 2015 – 17 के अध्यक्ष; वित्त सचिव : फिजियोलॉजिस्ट और भारतीय भेषज विज्ञानी संघ 2013 – 15 की 1. सिंगापुर में 18 अप्रैल 2014 को एशियाई नींद अनुसंधान और स्लीप मेडिसिन के 2 शिखर सम्मेलन के सदस्य, 2. 8वीं एशियाई स्लीप रिसर्च सोसायटी कांग्रेस। कोवलम; 22 – 25 सितंबर 2014 के सदस्य 3. तीसरी नींद प्रौद्योगिकी कार्यशाला का आयोजन अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में 26 – 27 सितंबर 2014 4. का आयुर्विज्ञान शिक्षा में नींद चिकित्सा 19 नवंबर 2014।

प्रोफेसर डी. घोष ने 9 – 11 मई 2014 को बाह्य परीक्षक के तौर पर फार्मेसी, रॉकलैंड्स,, ऊटाकामंड, तमिलनाडु के जेएसएस मेडिकल

कॉलेज में आयोजित विज्ञान पीएसी की 10वीं बैठक में हिस्सा लिया, स्नातकोत्तर डिग्री के पद के लिए परीक्षा आयोजित (एमडी आरजी पर फिजियोलॉजी) कार मेडिकल कॉलेज, 22 अप्रैल 2014 से 25वीं अप्रैल 2014 को कोलकाता; स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान के 24वें अप्रैल 2014 से 25वीं अप्रैल 2015 में पीजी डिग्री (एमडी फिजियोलॉजी) 2014 के पद के लिए परीक्षा का आयोजन; 28 और 29 मई 2014 पीजी डिग्री (एमडी फिजियोलॉजी) जीएमसी में श्रीनगर के पद के लिए परीक्षा का आयोजन।

प्रो. के. पी. कोचर

1. सामुदायिक स्वास्थ्य और पोषण पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मेडिकल पोषण के लिए महिला वैज्ञानिक के तौर पर उपलब्धियों के लिए महिला दिवस 8 मार्च 2015 को क्लिनिकल न्यूट्रीशन और चयापचय, आईएपीइएन जालंधर में सोसायटी द्वारा आयोजित समारोह में सम्मानित किया गया।
2. गर्वित माता पिता के तौर पर सम्मानित किया और इस अवसर पर एजपरजर सिंड्रोम के प्रबंधन में चुनौतियां प्रेरक व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया 1 से 3 सितंबर 2014 की भारत में इंडियन हैबीटेट सेंटर में आरबीएसके और निर्वाचन आयोग के समर्थन में भारतीय उपकरण पर ध्यान देने के साथ ''बचपन में न्यूरो विकासात्मक विकारों के प्रबंधन पर कार्यशाला।
3. भारत में स्कूल स्वास्थ्य शिक्षा के लिए लोगों के बीच युवा (ह्रदय) स्वास्थ्य से संबंधित सूचना के प्रसार के संस्थापक सदस्य।
4. प्रभारी विभाग की वेबसाइट के संकाय। विभागीय पशु हाउस, साफ सफाई और गश्ह व्यवस्था सहित सुलभ कार्मिक परामर्श को प्रेरित करने और एमबीबीएस और नर्सिंग छात्रों को प्रेरित तथा सलाह प्रदान करना।
5. नेशनल मेडिकल कॉलेज नेटवर्क, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार पर संवेदीकरण और जागरुकता के लिए उत्तर मध्य क्षेत्र कार्यशाला में संकाय सदस्य के तौर पर अध्यक्षता सत्र के लिए आमंत्रित किया गया। तथा 14 मार्च 2015 को टेलीमेडिसिन सुविध ाा, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित।
6. जेएलएन सभागार, एम्स में 15 – 17 अप्रैल 2014 को आयोजित मन, ध्यान और चिकित्सा सम्मेलन में जीवन शैली के लिए प्लेनरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया।
7. इसके अलावा निम्नलिखित हेतु कार्यशालाएं आयोजित की गई
   - स्वस्थ आहार और जीवन शैली से संबंधित बीमारी की रोकथाम के लिए शरीर विज्ञान और पोषण के महत्व 'विषय पर हिंदी प्ले, डॉ अस्मिता पाटिल और स्वास्थ्य संस्थान दिवस के अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी, 25 – 26 सितंबर 2014 सभी आगंतुकों एवं विभाग के रेजिडेंन्स के लिए (संयोजक साथ : केपी कोचर)।
   - स्वस्थ जीवन शैली और शैक्षिक सामग्री, किट और स्कूल के छात्रों और आगंतुकों के लिए खेल के प्रदर्शन पर, विज्ञापन प्रस्तुति। (संयोजक के. पी. कोचर)।
   - स्टाफ के छात्रों और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के संकाय और सार्वजनिक आगंतुकों और स्कूल के छात्रों को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के संस्थान दिवस के लिए बीएमआई की माप और शरीर की संरचना विश्लेषण और आहार और जीवन शैली से संबंधित सलाह के लिए स्टाल (संयोजक : के. पी. कोचर)।

प्रो. एन. मेहता

1. सदस्य, अध्ययन बोर्ड, चिकित्सा और पैरामेडिकल स्वास्थ्य विज्ञान, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्व विद्यालय, नई दिल्ली स्कूल।
2. सदस्य, विशेषज्ञ समिति श्री गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्व विद्यालय, नई दिल्ली माननीय कुलपति द्वारा गठित एक अनुसंधान केंद्र के रूप में पात्रता के लिए राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र, नई दिल्ली में सुविधाओं का निरीक्षण करने के लिए पीएचडी कार्यक्रम।
3. अध्यक्ष, 'संस्थागत आचार समिति – मानव रिसर्च (आईईसी – मानव संसाधन), मेडिकल साइंसेज यूनिवर्सिटी कॉलेज, दिल्ली, दिल्ली विश्वविद्यालय।
4. अध्यक्ष, योग और प्राकृतिक चिकित्सा में रिसर्च (सीसीआरवाईएन) के लिए केंद्रीय परिषद् के 'संस्थागत आचार समिति, नई दिल्ली।
5. सदस्य, मानव विषयों पर अनुसंधान के लिए संस्थागत आचार समिति, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल और पीजीआईएमईआर, नई दिल्ली।
6. सदस्य : स्वतंत्र आचार समिति, अंतरराष्ट्रीय नैदानिक महामारी विज्ञान नेटवर्क (इनक्लिन), नई दिल्ली।
7. सदस्य, प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के संस्थागत नैतिक समिति – का एजुकेशन रिपोर्ट (असर पीईएफ–) सेंटर, नई दिल्ली वार्षिक स्थिति।

डॉ. एस. जैन

1. ''एम्स अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार'' में तृतीय पुरस्कार

डॉ. ए. जरयाल

1. सिद्धार्थ देबनाथ मेमोरियल ओरेशन अवार्ड, फिजियोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया (स्था। 1934), 102 भारतीय विज्ञान कांग्रेस 2015 में प्राप्त किया।
2. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार प्रशस्ति प्रमाण पत्र (बेसिक रिसर्च)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, 2014।
3. इसके अलावा निम्नलिखित कार्यशालाओं का आयोजन किया गया
   - एपीओए/एपीएसएस रीढ़ ऑपरेटिव कोर्स। (पाठ्यक्रम संकाय न्यूरोमॉनीटरिंगरू ए के जरयाल), नेपाल की स्पाइन सर्जन एसोसिएशन नेपाल द्वारा 29 – 31 मई 2014 को कार्यशाला का आयोजन।
   - स्वायत्त और वेस्कुलर परीक्षण पर कार्यशाला (पाठ्यक्रम संकाय : ए के जरयाल)। डॉ. भीम राव अम्बेडकर मेमोरियल अस्पताल, रायपुर; 30 मार्च 2015।
   - नैदानिक अभ्यास में शरीर क्रिया विज्ञान पर राष्ट्रीय क. आयु. शि.। (पाठ्यक्रम संकाय : ए के जरयाल डॉ. भीम राव अम्बेडकर मेमोरियल अस्पताल, रायपुर में; 11 फरवरी 2015।
   - एपीएसएस हनोई स्पाइन ऑपरेटिव कोर्स (पाठ्यक्रम संकाय, इंट्राआपरेटिव न्यूरोमॉनीटरिंगरू ए के जरयालद्ध विश्व विद्यालय अस्पताल, हनोई, वियतनाम; 25 – 27 सितंबर 2014।
   - 4वीं एम्स वार्षिक सीढ़ कार्यशाला। (संसाधन संकाय, न्यूरोमॉनीटरिंग समर्थन : ए के जरयाल)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली; 9 – 11 अक्तूबर 2014
   - एम्स न्यूरोट्रामा सम्मेलन 2014 के दौरान पूर्व सम्मेलन कार्यशाला (संयोजक : ए के जरयाल) जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली; 31 अक्तूबर 2 नवंबर 2014

डॉ आर यादव

1. संस्थागत आचार समिति, सीसीआरवाईएन 17.03.2015 से तीन साल के लिए आयुष के सदस्य।
2. एपीपीआई पुरस्कार ''डॉ. सुशीला ठाकर प्रकृति मंदिर पुरस्कार'' एपीकॉन 2014 के दौरान पुरी ओडिशा में माई स्टूडेंट, डॉ. रितेश नीतम ''पर इंटरल्युकिन – 6, विटामिन डी और मधुमेह के जोखिम वाले कारकों एक अल्पकालिक ल्वहं –द्वारा संशोधित हैं अनुसंधान के लिए अधिक वजन / मोटे विषयों में आधारित जीवन शैली हस्तक्षेप''।
3. संपादकीय बोर्ड : नैदानिक और प्रायोगिक शरीर क्रिया विज्ञान के इंटरनेशनल जर्नल स्वास्थ्य)।
4. फिजियोलॉजिस्ट और भारत (एपीपीआई) की भेषजगुणविज्ञानी की एसोसिएशन ने दिल्ली सभा के अध्यक्ष।
5. एम्स CGR (क्लिनिकल ग्रैंड दौर) : मन, चिकित्सा एवं ध्यान : एक साक्ष्य आधारित आधारित योग कार्यक्रमों में वैज्ञानिक यात्रा 10 फरवरी 2015, 4 बजे तक, एम्स, लेफ्टिनेंट 1; आयोजक और वक्ता।
6. 27वें अप्रैल 2014, स्त्रीरोग इंडोक्राइनोलॉजी (GESICON) 2015 25 – 27 अप्रैल 2014 में भारत के स्त्रीरोग इंडोक्राइन सोसाइटी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित चौथी नेशनल कांफ्रेंस के दौरान ''पुरुष बांझपन'' पर अध्यक्ष के रूप में एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की।
7. 7.05.2014 को मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई) की शारीरिक और अन्य शिक्षण एमडी (फिजियोलॉजी) कोर्स की मान्यता के लिए बरेली में उपलब्ध सुविधाओं का मूल्यांकन।
8. सदस्य, मेडिकल बोर्ड, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, मई 2014।
9. मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई) का मूल्यांकन 2014/2/6 में ग्रांट मेडिकल कॉलेज मुंबई में उपलब्ध भौतिक और अन्य सुविधाओं की मूल्यांकन। एम डी (फिजियोलॉजी) की सीटों में वशद्वि।
10. पीजी जुलाई सत्र के लिए काउंसलिंग समिति, 2014 के सदस्य।
11. एंटी रैगिंग समिति, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, 2014 के सदस्य
12. संकाय निगरानी समिति पल्स 2014 की निगरानी के सदस्य।

13. 42वें दीक्षांत समारोह में संस्थान की केंद्रीय समिति, 2014 के सदस्य।
14. अनुसंधान कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए चयन समिति, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के सदस्य।
15. दिल्ली में दिनांक 6 से 8 अगस्त 2014 में प्रयोगशाला तकनीशियन के पद पर भर्ती हेतु दिल्ली, चयन समिति साक्षात्कार बोर्ड के सदस्य।
16. एपिकोन 2014 के दौरान 21 नवंबर को पुरी, ओडिशा में ''साक्ष्य आधारित मन चिकित्सा एवं ध्यान'' सभा के अध्यक्ष।
17. सदस्य, पीजी, 'जनवरी 2015 के लिए काउंसलिंग समिति, 2015 के सदस्य।
18. सदस्य, जांच समिति : 7 दिसं 2014 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में एक तश्तीय समिति नर्सिंग छात्र द्वारा आत्म हत्या करने के लिए अग्रणी परिस्थितियों में पूछताछ करने के लिए।
19. अध्यक्ष, संगोष्ठी : विकृति शरीर क्रिया विज्ञान और मधुमेह के उपचार वर्तमान प्रगति विषय पर भारत की फिजियोलॉजिस्ट एसोसिएशन, जेआईपीएमईआर, पुडुचेरी में 18 दिसं 2014 के प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान।
20. सदस्य चुनाव आयोग : छात्र संघ चुनाव 2015
21. आयोजित अतिथि व्याख्यान : ब्लास्टोसिस्ट आरोपण की आण्विक फिजियोलॉजी; वक्त एम.के. बागची और जेन ब्रोसेंस; 11 मार्च 2015 को एल टी 3, एम्स दिल्ली सभा के तत्वावधान में शरीर क्रिया विज्ञानी और भारत के औषध विज्ञानियों के संध ;एपीपीआई
22. उप छात्रावास अधीक्षक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।
23. सचिव, संकाय क्लब, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
24. संयुक्त सचिव, संकाय एसोसिएशन, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
25. सदस्य, स्टाफ परिषद्, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
26. चयन समिति के सदस्य (रिसर्च धारा, एम्स) : अनुसंधान सहायक / लैब तकनीशियन / लैब अटेंडेंट / डीईओ / फील्ड कार्यकर्ता आदि की नियुक्ति के लिए,
27. सदस्य, ''विभागीय क्रय समिति संस्थान में वार्षिक दर अनुबंध के आधार पर केटरर की (कैफेटेरिया विभाग)'' नियुक्ति हेतु।
28. एमबीबीएस के लिए शिक्षण कार्यक्रम समिति (प्रथम चरण) के सदस्य
29. इसके अलावा निम्नलिखित कार्यशालाओं का आयोजन किया गया

    आशावाद की जीत क्यों? पर कार्यशाला? (व्यक्तित्व के विकास के एक भाग के रूप में), सुश्री मैरी कैफ्ले (यूनाइटेड किंगडम) अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 17 अप्रैल 2014।

    - महिलाओं के प्रति मानसिक क्रूरता पर सुश्री मैरी कैथले, सीमेट, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कार्यशाला; 17 अप्रैल 2014
    - साक्ष्य आधारित मन, चिकित्सा और ध्यान पर संगोष्ठी एपिकॉन 2014, पुरी, ओडिशा; 21 नवंबर 2014
    - ब्लास्टोसिस्ट आरोपण आण्विक शरीर क्रिया विज्ञान पर अतिथि व्याख्यान दिल्ली सभा, एपीपीआईए प्रस्तुतकर्ता के तत्वावधान मेंः एम. के. बागची, और जेन ब्रोसंस अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली; 11 मार्च 2015।

अतिथि वैज्ञानिक

डॉ. क्लेट खुशीदा चिकित्सा निदेशक द्वारा स्टैनफोर्ड नीद्रा चिकित्सा केंद्र, स्टैनफोर्ड, संयुक्त राज्य अमेरिका ''नीद्रा और नीद्रा विकार'' पर एक अतिथि व्याख्यान 25 सितंबर 2014 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में दिया गया।

9.33 मनोचिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

एस. के. खण्डेलवाल

आचार्य

मंजू मेहता	आर. के. चड्डा
प्रताप शरण	राजेश सागर

अपर आचार्य

नंद कुमार	ममता सूद

सहायक आचार्य

सुजाता सतपथी	रमन दीप पट्टनायक
कौशिक सिन्हा देब	रोहित वर्मा
बिचित्रा नंदा पात्रा	मंजूनाथ

विशिष्टताएं

यह सामान्य अस्पताल स्थापित करने में मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में देश में अग्रसर रहा है। विभाग द्वारा सामान्य वयस्क मनोचिकित्सा, बच्चे एवं किशोर मनोचिकित्सा, तंत्रिका मनोचिकित्सा, परामर्श संपर्क मनोचिकित्सा तथा सामुदायिक सेवाओं के क्षेत्र में बहु विषयक सेवाएं प्रदान की जाती हैं। विभाग द्वारा प्रतिदिन वॉक–इन क्लिनिक, साप्ताहिक बच्चे एवं वयस्क मनोरोग क्लिनिक एवं ड्यूल–डायग्नोसिस क्लिनिक एवं चौबीसों घंटे आपात सेवाएं प्रदान की जाती है। विभाग द्वारा दयालपुर एवं छैंसा में स्थित प्राथमिक स्वस्थ केंद्र पर हरेक दिन सहित सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में सप्ताह में 6 दिनों के लिए सामुदायिक आउटरीच सेवाओं के विस्तार भी किया गया। विभाग द्वारा झज्जर में एम्स परिसर में एक साप्ताहिक निदानशाला को भी चलाया जा रहा है। विभाग चिकित्सीय सेवाओं की एक विश्वस्त श्रंश्खला प्रदान करता है जिसमें भेषजगुणविज्ञानी एवं गैर – भेषजगुणविज्ञान दोनों ही उपचार का उपयोग किया जाता है। बहुविषयक टीम मनोरोगविज्ञानी, नैदानिक मनोरोगविज्ञानी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं मनोचिकित्सा नर्स को शामिल कर उपचारों को आयोजित करता है। सहायक मनोचिकित्सा, मनोशिक्षा, ज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा एवं व्यवहार चिकित्सा जैसे मनोरोगविज्ञानी उपचारों का उपयोग किया जाता है। परामर्श संपर्क सेवा मनोरोग देखभाल की जरूरत अन्य विषयों के अंतरंग रोगियों के लिए प्रदान की जाती है। विभाग ने एक न्यूरोनेविगेशन की सुविधा के साथ अत्याधुनिक दोहराव ट्रांस चुंबकीय उत्तेजना (आरटीएमएस) के साथ भी युक्त है।

विचाराधीन वर्ष में विभाग ने 4 संगोष्ठियों / कार्यशालाओं का आयोजन किया; विभिन्न सीएमई और सम्मेलनों में वितरित संकाय सदस्यों / 136 व्याख्यान / का प्रस्तुतीकरण किया। 20 नए वित्त पोषित परियोजनाएं और 43 नए सहयोगी और विभागीय परियोजनाएं शुरू की गई। अनेक संकाय सदस्यों ने पुरस्कार जीता।

शिक्षा

स्नातक पूर्व शिक्षण

एमबीबीएस

अभिविन्यास और व्याख्यान :

- तृतीय सेमेस्टर : 24 घण्टे,
- 6वां सेमेस्टर : 14 घण्टे,
- 8वां सेमेस्टर : 6 घण्टे

नैदानिक तैनाती

- 4 – 5 सेमेस्टर : 20 दिन,
- 6–8 सेमेस्टर : 40 दिन

सी आर एच एस पी बल्लभगढ़

- 7वां सेमेस्टर : 10 घण्टे (सामुदायिक मनोचिकित्सा)

बी एस सी नर्सिंग

- 2 सेमेस्टरों में कुल मिलाकर 38 घण्टे

स्नातकोत्तर (एम डी, मनो चिकित्सा) तथा पी एच डी शिक्षण

- पत्रिका विचार विमर्श सप्ताह में एक बार
- शोध प्रोटोकॉल, बीच सत्र में प्रस्तुति सप्ताह में एक बार
- ट्यूटोरियल, सप्ताह में दो बार
- सेमिनार, सप्ताह एक बार
- केस सम्मेलन, सप्ताह एक बार
- स्नातकोत्तर मनोरोग विज्ञान तथा डॉक्टरल स्तर के नैदानिक मनोविज्ञान छात्रों हेतु मनोचिकित्सा पर्यवेक्षण
- परामर्श का पर्यवेक्षण – मनोचिकित्सा में जूनियर रेजीडेंट्स हेतु संपर्क प्रशिक्षण
- संकाय / स्टाफ प्रस्तुति : प्रत्येक सेमेस्टर में सी सी आर तथा सी जी आर के अलावा प्रत्येक सप्ताह में एक बार

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

विभाग द्वारा आयोजित

- मानेसर में 26–27 जुलाई 2014 को ''साइकोपैथोलॉजी : ल्यूमिनेटिंग द डार्क साइड ऑफ द मून'' के विषय पर आधारित भारतीय मनोरोग सोसायटी उत्तरी क्षेत्र की (पीजीडीपी) स्नातकोत्तर विकास कार्यक्रम आयोजित की गई।
- आईआईटी ऑडिटोरियम, नई दिल्ली में 30–31 अगस्त 2014 को श्री नेटवर्किंग मीडिएटिड डॉक्टर्स एसोसिएशन के सहयोग से वैज्ञानिक अपडेट : तनाव कम करने के कौशल पर सम्मेलन आयोजित की गई।
- आईआईसी, नई दिल्ली में 26 फरवरी 2015 को मानसिक स्वास्थ्य सीरीज – इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी) के हिस्से के रूप में ''मेंटल हेल्थ इज़ नेशंस वेल्थ'' के विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान और पैनल चर्चा आयोजित की गई।
- आईआईसी, नई दिल्ली में 26 फरवरी 2015 को मानसिक स्वास्थ्य सीरीज – इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी) के हिस्से के रूप में ''चिल्ड्रेन एंड एडोल्सेंट एंड चैलेंजिस ऑफ द मॉर्डन डे एक्सिटेंस'' के विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान और पैनल चर्चा आयोजित की गई।

प्रदत्त व्याख्यान

एस. के. खण्डेलवाल : 9	**मंजू मेहता : 4**	**आर. के. चड्ढ़ा : 8**	**प्रताप शरण : 32**
राजेश सागर : 50	**ममता सूद : 4**	**नंद कुमार : 3**	**सुजाता सतपथी : 14**
रमन दीप पट्टनायक : 2	**कौशिक सिन्हा देब : 4**	**रोहित वर्मा : 5**	**बिचित्रा नंदा पात्रा : 1**

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. नोडल क्षेत्रीय उपचार और प्रशिक्षण केंद्र परियोजना, एस के खंडेलवाल, एड्स, टीबी और मलेरिया के लिए ग्लोबल फंड; 9, 3 वर्ष के आसपास, 2012–15।

2. ई–स्वास्थ्य परियोजना : www.alcoholwebindia.org, एस के खंडेलवाल, अतुल आंबेकर, यतन पाल सिंह बल्हारा, विश्व स्वास्थ्य संगठन, अनिश्चितकालीन।

3. औषधीय विकास कार्य योजना को मजबूत बनाना, एस के खंडेलवाल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, 3 वर्ष, 2014–17।

4. मानसिकता में परिमाणात्मक इलेक्ट्रो – एंसेफेलोग्राफी स्पेक्ट्रल विश्लेषण के एंडोफेनोटाइपिक संभावित परीक्षण, एस के खंडेलवाल, पियाली मंडल, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद, 1 वर्ष, 2015–16, 5 लाख रुपए।

5. अल्जाइमर मनोभ्रंश में संज्ञानात्मक और कार्यात्मक अभाव पर न्यूरोनेविगेटिड उच्च आवश्ति दोहराव ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना (एचएफ–आरटीएमएस) (एडी) के नैदानिक प्रभावकारिता : एक यादश्च्छिक शाम नियंत्रित अध्ययन, एस के खंडेलवाल, प्रियंका यादव, राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, 1 वर्ष, 2015–16, आईएनआर 5 लाख रुपए।

6. भारत में यौन विकार और यौन स्वास्थ्य के लिए आईसीडी – 11 प्रस्तावों का क्षेत्र परीक्षण, प्रताप शरण, विश्व स्वास्थ्य संगठन, 3 वर्ष 2013–2016 आईएनआर 12 लाख रुपए।

7. सीरो हेतु एक तनाव पहचान यंत्र का सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील विकास। प्रताप शरण, विश्व स्वास्थ्य संगठन – दक्षिणी पूर्वी एशिया क्षेत्रीय कार्यालय, 1 वर्ष, 2014–2015, आईएनआर 4.6 लाख रुपए।

8. एक मद प्रतिक्रिया दृष्टिकोण का उपयोग कर एक सांस्कृतिक संवेदनशील व्यापक उपाय और अवसाद स्क्रीनिंग पैमाने का विकास, प्रताप शरण, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान अनुसंधान योजना, 1 वर्ष, 2014–2015, आईएनआर 1 लाख रुपए।

9. बृहत डिप्रेसिव विकार तथा मेनिया वाले रोगियों में प्रकार्यात्मक चुम्बकीय अनुवाद इमेजिंग (एफ एम आर आई) का प्रयोग तथा न्यूरो कॉग्निटिव अध्ययन, राजेश सागर, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डी एस टी), 5 वर्ष 2011–2015, आईएनआर 39 लाख रुपए।

10. विशिष्ट शिक्षण विकार : भारतीय प्रतिप्रेक्ष्य, राजेश सागर, डी एस टी, 2 वर्ष, 2012–2014, आईएनआर 5 लाख रुपए।

11. बायपोलर विकार में कॉग्निटिव प्रकार्य तथा सीरम ब्रेन ड्राइव्ड न्यूरोट्रॉफिक कारक का निर्धारण : एक वर्षीय नेचुरलाइस्टिक फालो–अप अध्ययन, राजेश सागर, डीएसटी 3 वर्ष, 2012–2015, आईएनआर 29 लाख रुपए।

12. अटेंशन डेफिसिट / हाइपर एक्टिविटी विकार में रेमिडिएट कॉगिनिटिव कंट्रोल डिफिक्टस के लिए एक नोवल न्यूरोप्लास्टिसिटी आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम का मूल्यांकन, राजेश सागर, फोगार्टी अंतरराष्ट्रीय नैदानिक अनुसंधान अनुदान (एनआईएच, यूएसए), 3 वर्ष, 2012–2015 आईएनआर 8 लाख रुपए।

13. शिजोफ्रेनिया के फार्मोकोजेनेटिक्स पर बहु–केंद्रीय परियोजना, राजेश सागर, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2012–2015।

14. डब्ल्यूएचओ–एसईएआरओ के लिए एक मानसिकता पहचान उपकरण का विकास, राजेश सागर, प्रताप सरण डब्ल्यूएचओ–एसईएआरओ, 2 वर्ष 2013–2015, आईएनआर 8 लाख रुपए।

15. प्रसवोत्तर अवधि में अवसाद और चिंता विकार : मां – शिशु संबंधों पर व्यापकता, मनोवैज्ञानिक सामाजिक संबद्ध और प्रभाव राजेश सागर (को–पीआई), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 3 वर्ष, 2013–17, आईएनआर 30 लाख रुपए।

16. डब्ल्यूएचओ–सीरो क्षेत्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यनीति और कार्य योजना, राजेश सागर, डब्ल्यूएचओ–सीरो, 3 माह 2014, आईएनआर, 7 लाख रुपए।

17. रॉक ऑन परियोजना : बच्चे में अनुभूति की रिमेडियेशन उपेक्षा पर काबू पाना, राजेश सागर, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन फ्रांसिस्को, संयुक्त राज्य अमरीका, 1 वर्ष, 2015–2016, आईएनआर 13 लाख रुपए।

18. बाल संरक्षण संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं में अंतराल विश्लेषण पर अध्ययन, राजेश सागर, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, 4 माह 2015, आईएनआर, 45 लाख रुपए।

19. पहला प्रकरण मानसिकता में मात्रात्मक इलेक्ट्रो – एंसेफैलोग्राफिक स्पेक्ट्रल विश्लेषण के नैदानिक संबद्ध का एक अध्ययन। ममता सूद, कौशिक सिन्हा देब, अ. भा. आ. सं. इंट्राम्यूरल, 1 वर्ष 2014–2015, आईएनआर 1 लाख रुपए।

पूर्ण

1. प्राथमिक उपचार आबादी में सीरो के लिए तनाव पहचान यंत्र के कार्यानिष्पादन का परीक्षण, प्रताप शरण, विश्व स्वास्थ्य संगठन – दक्षिणी पूर्वी एशिया क्षेत्रीय कार्यालय, 2 वर्ष, 2013–2015, आईएनआर 10 लाख रुपए।

2. प्राथमिक फिब्रोमायलजिया सिंड्रोम में किशोर के साथ नवयुवकों में ड्यूलोक्सिटिन 30/60 मि. ग्रा. दिन में एक बार बनाम प्लेसिबो का प्रभाव (प्रोटोकोल एफ 1 जे – एम सी – एच एम जी डब्ल्यू), प्रताप शरण, इली लिली एंड कंपनी (इंडिया) प्रा. लिमिटेड, 3 वर्ष, 2011–2014, आईएनआर 20 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. न्यूरोमायलिटिस ऑप्टिका और सामान्य नियंत्रण के साथ एकाधिक काठिन्य वाले रोगियों में संज्ञानात्मक कार्यों, अवसाद, चिंता, थकान, नींद और दैनिक जीवन की गतिविधियों के तुलना का अध्ययन।
2. पोस्ट मायोकार्डियल इन्फार्केशन रोगियों में हृदय अतालता के साथ चिंता और अवसाद के संघ का एक अध्ययन।
3. नई दिल्ली, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में परामर्श संपर्क सेवाओं के लिए कार्यक्षेत्र और ध्यान केंद्रित जरूरतों का आकलन।
4. एक अवलोकन घर में पदार्थ उपयोग और बच्चों के बीच मनोवैज्ञानिक कारकों का आकलन।
5. श्रवण मतिभ्रम वाले खंडित मनस्कता के रोगियों में डिफ्यूजन टेंसर इमेजिंग के माध्यम से सफेद पदार्थ इंटिग्रिटी का आकलन।
6. ध्यान अभाव अतिसक्रियता विकार वाले बच्चों में नैदानिक प्रोफाइल और परिधीय बायोमार्कर।
7. मध्यम दर्दनाक मस्तिष्क की चोट में संज्ञानात्मक कार्य पर रिपीटेटिव ट्रांसक्रेनियल मैगनेटिक स्टीमुलेशन का प्रभाव
8. मानसिक विकृतियों वाले रोगियों का मोबाइल फोन का उपयोग कर सेवा वितरण में सुधार और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा करने की व्यवहार्यता।
9. एडीएचडी वाले बच्चों में प्रीफ्रंटल कॉर्टिकल गतिविधिः एक कार्यात्मक निकट अवरक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी (एफएनआईआरएस) अध्ययन।
10. खंडित मनस्कता से पीड़ित व्यक्ति में मुख्य रूप से संज्ञानात्मक क्रिया और नकारात्मक लक्षण में उच्च आवशत्ति दोहराव ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना (आरटीएमएस) का प्रभाव अध्ययन कर एक यादृच्छिक शाम के लिए नियंत्रित डबल ब्लाइंड परीक्षण।
11. विभिन्न जैविक नमूने और आत्मघात से होने वाली मौतों में उनकी न्यूरोबायोलॉजिकल प्रभाव में शराब और विभिन्न दवाओं की विषाक्तता विश्लेषण और वितरण पैटर्न।

पूर्ण

1. द्विध्रुवी विकार और सामान्य स्वस्थ नियंत्रण के साथ रोगियों में एंटेरियर सिंगुलेट कोरटेक्स के संरचनात्मक और बड़े विश्लेषण का एक प्रकरण का नियंत्रण एमआरआई अध्ययन।
2. सिटालोप्रम इलाज के 12 सप्ताह के बाद ओसीडी रोगियों और परिवर्तन में अनमेडिकेटिड एमआरएस द्वारा मस्तिष्क में असामान्यताओं का आकलन।
3. पूर्व मधुमेह, मधुमेह और स्वस्थ नियंत्रण में संज्ञानात्मक कार्य का आकलन।
4. देखभालकर्ता के नजरिए से मनोभ्रंश देखभाल के आर्थिक बोझ के आकलन।
5. किशोर इनहेलेंट प्रयोक्ताओं में इसकी तलब बढ़ने के संकेत : एक एफएमआरआई अध्ययन।
6. एक तृतीयक देखभाल स्वास्थ्य की स्थापना में बड़ी उम्र में संज्ञानात्मक हानि का शीघ्र पता लगाना।
7. विशेष रूप से पढ़ने के विकारों का पारिवारिक और आनुवंशिक अध्ययन (डिस्लेक्सिया)।
8. कैंसर वृद्ध रोगियों का प्रकार्यात्मक एवं सह – रुग्णताएं (जराचिकित्सा विभाग)

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. लेप्रोस्कोपिक छेदन हार्निया सुधार में हल्के वजन और भारी वजन मेश के चिरकारी कमर दर्द और जीवन की गुणवत्ता की तुलना में यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। (शल्य चिकित्सा विषय विभाग)।
2. दंपत्ति गुर्दा प्रतिरोपण समूह में दाता तथा प्राप्तकर्ता की जीवन की गुणवत्ता पर गुर्दा प्रत्यारोपण के प्रभाव का अध्ययन (शल्य चिकित्सा विषय विभाग)।

3. दिल्ली में वृद्धाश्रम में रह रहे जराचिकित्सा आबादी का मानसिक स्वास्थ्य प्रोफाइल का एक अध्ययन (एनआईएचएफडब्ल्यू)।
4. अ. भा. आ. सं. में नर्सों के जीवन की व्यावसायिक गुणवत्ता का एक अध्ययन (एमएचए विभाग)।
5. ट्रॉमा यूनिट में काम कर रहे नर्सों के ज्ञान और रवैये को संशोधित करने में मनोवैज्ञानिक प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण मॉड्यूल की प्रभावशीलता का एक अध्ययन (नर्सिंग कॉलेज)।
6. एक तृतीयक देखभाल केंद्र में शल्य चिकित्सा बहिरंग विभाग में निचले अंग में उपस्थित परिधीय धमनी रोग से पीड़ित रोगियों में व्यायाम के प्रशिक्षण कार्यक्रम की निगरानी प्रभावकारिता का मूल्यांकन का एक अध्ययन (शल्य चिकित्सा विभाग)।
7. मनोभ्रंश से पीड़ित बुजुर्ग के घर पर देखभाल प्रबंधन पर प्राथमिक देखभाल करने वालों के लिए नियोजित शिक्षण कार्यक्रम के प्रभाव आकलन का एक अध्ययन। (नर्सिंग कॉलेज)
8. एसोसिएशन ऑफ मेंस्ट्रुएशन विद् कम्प्लीट सुसाइड : एक अस्पताल आधारित मामला नियंत्रण अध्ययन
9. बुजुर्गों में एक स्क्रीनिंग उपकरण और प्रोटीन बायोमार्कर का विकास (वृद्धावस्था चिकित्सा विभाग)।
10. अवसाद वाले रोगियों में बढ़ती उम्र में सेलुलर के बायोमार्कर पर जीवन शैली हस्तक्षेप का प्रभाव (शारीरिक रचना विभाग, आणविक प्रजनन और आनुवंशिकी प्रयोगशाला)।
11. मध्यम अभिघातजन्य मस्तिष्क की चोट में संज्ञानात्मक कार्य पर दोहराव ट्रांसक्रेनाइल चुंबकीय उत्तेजना का प्रभाव (न्यूरोसर्जरी विभाग, जेपीएन ट्रामा सेंटर)।
12. भारत के वश्द्ध व्यक्तियों में मानसिक स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता पर मधुमेह और इसके निहितार्थ का प्रभाव (वृद्धावस्था चिकित्सा विभाग)।
13. अवसाद और आत्महत्या के विचार में उम्मीदवार जीन का इंट्रा–जेनिक रूपांतर : भारतीय जनसंख्या में संघ अध्ययन। (मानव शास्त्र विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय)।
14. एक तृतीयक देखभाल केंद्र में मोटापे से ग्रस्त मरीजों में मनोरोग कोर्मोबिडिटी के परिमाण (चिकित्सा विभाग)
15. हल्की संज्ञानात्मक हानि और मनो भ्रंश वाले व्यक्तियों में तनाव के मार्करों और उनके योगदान (जैव भौतिकी विभाग)।
16. पूर्व और बाद के चिकित्सा द्विभाषी विकास डिस्लेक्सिया के न्यूरो संज्ञानात्मक और न्यूरो बायोलॉजिकल पहलुओं का अध्ययन (एनएमआर विभाग)।
17. खंडित मनस्कता दवा चिकित्सा विज्ञान के फार्माकोजेनेटिक्स (न्यूरोबायोकेमिस्ट्री विभाग)।
18. क्रोनिक इडियोपैथिक आइसोलेटिड हाइपोपरथायरॉयडिज्म से ग्रस्त रोगियों में खराब अनुभूति की व्यापकता (अंतःस्राविकी विभाग)।
19. मेश फिक्सेशन के विभिन्न तकनीकियों के साथ इनशियन और वेंट्रल हर्निया लेप्रोस्कोपिक उपचार के पश्चात् दीर्घ अवधि परिणाम, चिरकारी पीड़ा, जीवन की गुणवत्ता तथा लागत प्रभावकता की तुलना हेतु अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (संवेदनाहरण तथा मनोचिकित्सा)।
20. इनिशियल और वेंट्रल हर्निया लेप्रोस्कोपिक मेश उपचार हेतु मेश फिक्सेशन नॉन एब्जोरेबल टेकर्स बनाम एब्जोरेबल टेकर्स की दो तकनीकियों के पश्चात् दीर्घ अवधि परिणाम, चिरकारी पीड़ा, जीवन की गुणवत्ता तथा लागत प्रभावकता की तुलना हेतु अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (संवेदनाहरण तथा मनोचिकित्सा)। (शल्य चिकित्सा विज्ञान विभाग)
21. पित्ताशय में पथरी रोग से ग्रस्त रोगियों में एक चीरा लैप्रोस्कोपिक पित्ताशय–उच्छेदन के साथ मानक चार पोर्ट लैप्रोस्कोपिक पित्ताशय–उच्छेदन के परिणाम की तुलना करने के लिए भावी यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन। (शल्य चिकित्सा विज्ञान विभाग)
22. शिजोफ्रेनिया और पार्किंसन रोग के डोपामाइन निर्धारित राज्यों में प्रोटीन संकेतों की पहचान के लिए सीएसएफ का प्रोटिओमिक्स। (जैव भौतिकी विभाग)
23. छात्रों की आत्महत्या : दक्षिण दिल्ली से एक संभावित अध्ययन (फॉरेंसिक मेडिसिन एवं टोक्सिकोलॉजी विभाग)
24. उन्माद की तरह व्यवहार वाले चूहा मॉडल में घड़ी के जीन का अध्ययन। (न्यूरोकेमिस्ट्री विभाग)
25. प्रमुख अवसाद में (एस 100 बी, 8– इसोप्रोस्टेन और 8 हाइड्रोक्सी–2–डियोक्सीगौनोसाइन) परिधीय तनाव बायोमार्कर का अध्ययन। (प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग)

26. अवसाद के रोगियों में जीन (308 जी/ए), आईएल–1 बीटा (511 सी/ टी), और आईएल – 6 (174 जी/सी) टीएनएफ – अल्फा में बहुरूपता का अध्यनन : उनका सहयोग और नैदानिक गंभीरता। (प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग)
27. स्ट्रोक रिकवरी के लिए बायोमार्कर के रूप में विकास कारकों पर गहन भौतिक चिकित्सा और टीएमएस (ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना) की भूमिका पर अध्ययन। (न्यूरोलॉजी विभाग)
28. किशोरों में अवसाद के नैदानिक अभिव्यक्ति में आनुवंशिक बहुरूपताओं, न्यूरोट्रोफिंस, एपोप्टोटिक और प्रतिरक्षा मार्कर की भूमिका। (प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग)
29. किशोरों में तनाव के नैदानिक मेनीफेस्टेशन में न्यूरोट्रॉफिन, सायकोकाइंस तथा आनुवंशिक पोलिमोर्फिज्म की भूमिका। (प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग)।
30. मानसिक रोगियों के लिए अवशिष्ट ईएमजी ट्रिगर टीएमएस का उपयोग कर एक जैव – प्रतिक्रिया पुनर्वास तकनीक को विकसित करना (आईआईटी दिल्ली एवं जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग)।
31. खंडित मनस्कता से पीड़ित व्यक्ति में मुख्य रूप से संज्ञानात्मक क्रिया और नकारात्मक लक्षण में उच्च आवृत्ति दोहराव ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना (आरटीएमएस) का प्रभाव अध्ययन कर एक यादृच्छिक शाम के लिए नियंत्रित डबल ब्लाइंड परीक्षण। (नैदानिक तंत्रिका मनोविज्ञान, तंत्रिका विज्ञान केंद्र)।
32. कल्याण, नींद और संज्ञानात्मक क्रिया पर मोबाइल फोन के प्रभाव का अध्ययन करना। (काय चिकित्सा विभाग)

पूर्ण

1. न्यूरोमायलेटिस ऑप्टिकल और सामान्य नियंत्रण के साथ एकाधिक काठिन्य में संज्ञानात्मक कार्य, अवसाद और व्याकुलता का एक तुलनात्मक अध्ययन। (न्यूरोलॉजी विभाग)
2. उत्तर–पश्चिमी भारतीय स्थापना में पेनिक हमलों और पेनिक विकार के तथ्यवाद और विवरण का एक अध्ययन। (समुदाय चिकित्सा केंद्र)
3. कोपिंग कार्यनीति पर एक मॉड्यूल विकसित करने के लिए एक दृष्टि से दिल्ली के चयनित स्कूलों में किशोरों के बीच तनाव का आकलन और कोपिंग का एक अध्ययन। (नर्सिंग कॉलेज)
4. एक सूचना पुस्तिका विकसित करने के लिए एक दशष्टि से दिल्ली में चयनित शहरी स्कूलों में युवावस्था परिवर्तन के बारे में बालिका स्कूल बच्चों के बीच तनाव और कोपिंग कार्यनीति आकलन का एक अध्ययन। (नर्सिंग कॉलेज)
5. ग्रामीण बल्लभगढ़ में किशोरों के बीच व्याकुलता विकार। (समुदाय चिकित्सा केंद्र)
6. राइनोप्लास्टी के दौर से गुजर रोगियों के नैदानिक और मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन। (ईएनटी विभाग)
7. (6–16 वर्ष की आयु) वाले बच्चों में साइकोजेनिक गैर मिरगी वाली घटनाओं का क्लिनिकल स्पेक्ट्रम। (बाल रोग विभाग)
8. ओसीडी रोगियों, ओसीडी रोगियों के संबंधी में डिफ्यूजन टेंसर इमेजिंग का तुलनात्मक अध्ययन और स्वस्थ नियंत्रण (न्यूरोरेडियोलॉजी विभाग)
9. पार्किंसंस रोग में जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने के लिए एक साधन का सत्यापन और विकास। (तंत्रिका विज्ञान विभाग)
10. बच्चों में न्यूरो विकासात्मक विकलांगता (ऑटिज्म स्पीक्स के साथ, इंडियन नेशनल ट्रस्ट (एमओएसएच एवं ई) और अंतरराष्ट्रीय नैदानिक जानपदिक नेटवर्क पर बहु केंद्रित अनुसंधान परियोजना। (आईएनसीएलईएन)
11. प्री–पल्स इनहिबिसस, पैरामिड, मिसमैच नेगेटिविटी एंड लॉग लेटेंसी संबंधी संभाव्यताओं का प्रयोग डिसलेक्सिम बच्चों में फोनेम्स तथा टोन्स के प्री–एटेंटिव तथा एटेंटिव प्रक्रिया का अध्ययन। (शरीर क्रिया विज्ञान विभाग)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 70 **सार : 22** **पुस्तकों में अध्याय : 29** **पुस्तकें : 4**

रोगी उपचार

ओ पी डी सांख्यिकी

नए रोगी (यूएचआईडी के साथ)

पुरुष (वयस्क)	पुरुष (बालक)	महिला (वयस्क)	महिला (बालिका)	कुल
9,965	492	7,091	215	17,763

पुराने रोगी/ अनुवर्ती (यूएचआईडी के साथ)

पुरुष (वयस्क)	महिला (वयस्क)	कुल
20,015	15,999	36,014

विस्तृत कार्य के रोगी (सी–फाइलें)

पुरुष (वयस्क)	महिला (वयस्क)	कुल
1,621	1,119	2,740

दोहरी निदान क्लिनिक (नए और अनुवर्ती)

रोगी	पुरुष (वयस्क)	महिला (वयस्क)	कुल
नए	55	2	57
पुराने	2,121	2	2,123

बाल मार्गदर्शन क्लिनिक (नए और अनुवर्ती)

रोगी	पुरुष (वयस्क)	महिला (वयस्क)	कुल
नए	343	148	491
पुराने	384	125	509

अंत : रोगी

रोगियों की आयु और लिंग वितरण

माह	कुल	लिंग		आयु समूह (वर्ष)						
		महिला	पुरुष	बच्चे	15–20	21–30	31–40	41–50	51–60	>60
अप्रैल	19	6	13	0	5	5	5	1	1	2
मई	28	19	9	6	9	4	2	3	1	3
जून	25	8	17	1	1	11	2	4	6	0
जुलाई	20	6	14	1	2	6	4	3	4	0
अगस्त	25	9	16	2	5	8	6	3	1	0
सितंबर	29	13	16	1	4	8	4	4	4	2
अक्तूबर	22	8	14	2	4	10	3	3	0	0
नवंबर	22	6	16	2	3	4	4	2	4	3
दिसंबर	20	8	12	0	1	9	4	3	2	1

जनवरी	22	8	14	2	4	5	3	3	3	2
फरवरी	20	10	10	0	4	7	5	1	1	2
मार्च	25	12	13	1	7	6	2	4	5	0
कुल	**277**	**113**	**164**	**18**	**49**	**82**	**44**	**33**	**32**	**15**

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य एस. के. खण्डेलवाल को (2014–16) में भारतीय सामाजिक मनोरोग संघ के अध्यक्ष के लिए निर्वाचित किया गया; मानसिक स्वास्थ्य एवं मानव व्यवहार के जर्नल और इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकियाट्री के संपादकीय बोर्ड के नियुक्त सदस्य; अध्यक्ष, जनहित याचिका पर भारतीय मनोरोग संगठन कार्य बल; सदस्य, आईसीएमआर के परियोजना समीक्षा समिति; मनोरोग पर यूजी पाठ्यचार्य को संशोधित करने के लिए एमसीआई पाठ्यर्या समिति; सदस्य, राष्ट्रीय मादक पदार्थ सर्वेक्षण कार्य समूह (सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय और एनएसएसओ); सदस्य, पंजाब ऑपियॉइड निर्भरता सर्वेक्षण (स्वास्थ्य विभाग, पंजाब सरकार) के लिए सलाहकार समिति / हितधारक समूह; सदस्य, न्यूनतम मानक नैदानिक स्थापना अधिनियम डीजीएचएस, एमओएचएफडब्ल्यू प्रारूप पर सलाहकार समिति; मानसिक स्वास्थ्य इकाइयों की निगरानी समिति, महिला एवं बाल विकास विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार हैं।

प्रोफेसर मंजू मेहता ने आईसीएमएच एम्स 2014 में लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार प्राप्त किया; संज्ञानात्मक व्यवहार हस्तक्षेप के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता की – एम्स 2015; संज्ञानात्मक विज्ञान केंद्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, सलाहकार समिति, सदस्य के लिए नामित; सदस्य, बोर्ड ऑफ विजिटर्स, आईएचबीएएस, दिल्ली; सदस्य, केंद्रीय मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण; सदस्य, राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण; एम.फिल नैदानिक मनोविज्ञान और पीएचडी के परीक्षक; सदस्य, संपादकीय बोर्ड, इंडियन जर्नल ऑफ इंडस्ट्रीयल साइकायट्रिक्स, इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स, और जर्नल ऑफ आईएसीएएम।

प्रोफेसर राकेश चड्ढा को बीजेपी इंटरनेशनल, संपादकीय बोर्ड, सदस्य के लिए नियुक्त किया गया था; अध्यक्ष, अंडर ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन पर इंडियन साइकायट्रिक सोसायटी टास्क फोर्स; अध्यक्ष, चुनाव आयोग, भारतीय मनोरोग सोसायटी, उत्तरी क्षेत्र।

प्रोफेसर प्रताप शरण ने एम्स में छात्र कल्याण के प्रभारी प्रोफेसर है, (2009 के बाद) आईसीडी–10 मानसिक और व्यवहार विकार में संशोान के लिए डब्ल्यूएचओ के अंतरराष्ट्रीय सलाहकार समूह के सदस्य, (2012 के बाद) डब्ल्यूएचओ के आईसीडी –10 मानसिक और व्यवहार विकार में संशोधन के लिए भोजन विकार पर कार्य समूह है और मानसिक स्वास्थ्य के गैप एक्शन प्रोग्राम के लिए डब्ल्यूएचओ के दिशा निर्देश विकास समूह – इंटरवेंशन गाइड (2014 के बाद); इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकायट्रिक पर टास्क फोर्स के अध्यक्ष (2012–2014); नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया के समिति के सदस्य काम कर रहे है; जर्नल फॉर इटिंग डिस्ऑर्डर्स, इंडियन जर्नल ऑफ साइकायट्रिक, इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकायट्रिक, जर्नल ऑफ मेंटल हेल्थ ह्यूमन बिहेवियर के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; आईसीडी –11 न्यूरो डेवलपमेंटल विकार के लिए प्रस्तावों और साक्ष्य पर डब्ल्यूएचओ आईसीडी –11 संगोष्ठी के अध्यक्ष, विघटनकारी व्यवहार और अमित्र विकार, दूध पिलाने और भोजन के विकार और आवेग नियंत्रण विकार(14–18 सितंबर, 2014 मैड्रिड, स्पेन, मनोरोग की 16 वीं वर्ल्ड कांग्रेस), 'अवसादग्रस्तता विकार में सीबीटी' पर संगोष्ठियां और 'प्रौद्योगिकी आधारित सीबीटी' (2–3 मार्च, 2015 को नई दिल्ली अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान – संज्ञानात्मक व्यवहार हस्तक्षेप पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन) और 'भारत में मानसिक बीमारी और बीमारी के बोझ का परिमाण : वर्तमान स्थिति' ('मानसिक स्वास्थ्य : वर्तमान परिप्रेक्ष्य, विकास और तकनीकी प्रगति पर प्रथम वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, 10 अक्टूबर 2014, नई दिल्ली)। उन्होंने आईसीएमआर–एमआरसी (चिकित्सा अनुसंधान परिषद, यूनाइटेड किंगडम) संयुक्त पहल परियोजनाओं के लिए एक समीक्षक के रूप में सेवा की है, विपरीत परिस्थितियों से प्रभावित लोगों के लिए डब्ल्यूएचओ के निर्देशित स्वयं सहायता पैकेज, व्यापक मनोरोग, व्यापक मनोविज्ञान, वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य, जर्नल ऑफ इटिंग डिसऑर्डर्स, जर्नल ऑफ डायबिटिस रिसर्च, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया, इंडियन जर्नल ऑफ साइकायट्री, इंडियन जर्नल ऑफ पेलिएटिव केयर, इंडियन एजुकेशनल रिव्यू के सहकर्मी समीक्षक। उन्होंने मनोविज्ञान, एमडी और डीएनबी मनोरोग परीक्षा में पीएचडी के लिए एक परीक्षक के रूप में कार्य किया। *वह* (8 मई 2014 के बाद) डब्ल्यूएचओ के क्षेत्र अध्ययन समन्वय समूह के लिए इलेक्ट्रॉनिक बैठकों के एक संसाधन व्यक्ति थे, (27 जून 2014 के बाद) आईसीडी–11 के लिए डब्ल्यूएचओ के भोजन विकार के कार्यसमूह, और (4–5 फरवरी 2015) को डब्ल्यूएचओ के एमएचगैप दिशानिर्देश विकास समूह, 'एमएच गैप हस्तक्षेप गाइड के एम और ई–संस्करण' के लिए कार्यसमूहों (1 – 2 दिसंबर 2014 को जिनेवा में एमएचगैप हस्तक्षेप गाइड अद्यतन पर डब्ल्यूएचओ के विशेषज्ञ की बैठक), 'मानसिकता और द्विध्रुवी विकार', 'शराब का उपयोग

विकार' और 'आत्मघात और आत्महत्या' (3–5 दिसंबर 2014 जिनेवा में डब्ल्यूएचओ के एमएचगैप दिशानिर्देश अद्यतनः दिशानिर्देश विकास समूह की बैठक)। वह भी (जून 2014) डब्ल्यूएचओ के एमएच गैप दिशा निर्देशों के लिए स्कोपिंग क्वेश्चन के एक संसाधन व्यक्ति थे, 'ट्रांसजेंडर पर आईसीएमआर कार्यसमूहः स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे, और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के 'क्लिनिकल प्रतिष्ठानों के लिए न्यूनतम मानकों मसौदा पर कार्यसमूह । उन्हें (10–12 अप्रैल 2015, नई दिल्ली) में आईसीडी –10 मानसिक और व्यवहार विकार में संशोधन के लिए अंतरराष्ट्रीय सलाहकार समूह के फील्ड अध्ययन समन्वय समूह की बैठक के लिए समन्वयक के रूप में चयनित किया गया था, '(21–23 नवंबर 2014, मैसूर में इंडियन एसोसिएशन ऑफ सोशल साइकायट्री का 21 वां राष्ट्रीय सम्मेलन) प्रवाहकत्त्व और प्रसार 'चिकित्सा अनुसंधान की मूल बातों' पर समन्वित कार्यशाला', और ''आईएएसपी अनुसंधान अभिशासन, पर संगोष्ठी; (26–27 जुलाई 2014, मानेसर) इंडियन साइकायट्रिक सोसायटी नॉर्थ जोन पीजी डेवलपमेंट प्रोग्राम के आयोजन सचिव थे; विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों सलाहकार बोर्ड के सदस्य।

प्रोफेसर राजेश सागर (2011 के बाद से), मनोरोग में विशेषता सलाहकार बोर्ड, डीएनबी, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड, (2012 के बाद से) सलाहकार, सलाहकार, एसएलडी परियोजना, डीएसटी, भारत सरकार संयोजक थे; (2013 के बाद से सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य विकास परियोजना, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, एमओएच एंड एफडब्ल्यू, भारत सरकार पर तकनीकी समिति के अध्यक्ष; (2013 के बाद से) मानसिक स्वास्थ्य, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, एमओएच एंड एफडब्ल्यू, भारत सरकार के मानद सलाहकार; इंडियन साइकायट्री सोसायटी के संसदीय समिति के संयोजक; (2014 के बाद से) मनोचिकित्सा और नैदानिक अनुसंधान केंद्र, अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली के सलाहकार समिति के सदस्य; जर्नल ऑफ मेंटल हेल्थ एंड ह्यूमन बिहेवियर के संपादक; (2014–15) इंडियन इंटिएटिव ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया नेशनल गाइडलाइंस, एमओएच एंड एफडब्ल्यू, भारत सरकार के सदस्य, केंद्रीय दत्तक ग्रहण नियामक प्राधिकरण, एमडब्ल्यूसी, भारत सरकार के समिति के सदस्य; सदस्य, समूह बाल यौन शोषण (सीएसए) पर राष्ट्रीय सलाहकार और पुस्तिका और प्रशिक्षण सामग्री के लिए योगदान दिया है और आईएमए और यूनिसेफ के सीएसए पर कार्यक्रमों (चिकित्सा डॉक्टरों / शिक्षकों) संसाधन व्यक्ति क्षेत्रीय टीओटी के लिए का काम किया; जांच समिति अनुसंधान प्रस्तावों का मूल्यांकन करने के लिए, समिति पोस्टडॉक्टोरल अधिछात्रवृत्ति के लिए प्रस्ताव का मूल्यांकन करने के लिए, 'संज्ञानात्मक विज्ञान अनुसंधान पहल (सीएसआरआई), डीएसटी, भारत सरकार के अधीन टास्क फोर्स के सदस्य; सदस्य, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनएमएचपी), एमओएच एवं एफडब्ल्यू पर तकनीकी सलाहकार समूह; एनएमएचपी, एमओएच एवं एफडब्ल्यू के तहत जीपीएस / एमओ के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल के विकास के कार्य समूह के सदस्य; सदस्य, केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद, आयुष विभाग, भारत सरकार की आचार समिति; सदस्य, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान समिति के उपाध्यक्ष; सदस्य, आचार समिति, राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, मानेसर; सचिव, केन्द्रीय मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण (मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम भारत सरकार के अधीन नियामक संस्था); जीवन और संबंधित अनुसंधान एवं विकास पहल, डीएसटी, भारत सरकार में मोबाइल टावरों और हैंडसेट से ईएमएफ विकिरण जोखिम के संभावित प्रभाव पर अनुसंधान एवं विकास प्रस्तावों का मूल्यांकन करने के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य; एसोसिएशन ऑफ फ्रीलांस जर्नलिस्ट और राइटर्स ऑफ इंडिया द्वारा 30वीं डॉ एस राधाकृष्णन मेमोरियल पर राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार – 2014 प्राप्त किया; एमओएच एंड एफडब्ल्यू में आत्मकेंद्रित में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल विधेयक और अशक्तता का आकलन पर राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य नीति, चर्चा का शुभारंभ और विकास में शामिल; डब्ल्यूएचओ के मानसिक स्वास्थ्य एटलस और डब्ल्यूएचओ के रिकॉर्ड आत्महत्याओं पर योगदान देश की जानकारी; विशेषज्ञ, 'ब्रेन डिसऑर्डर्स पर ट्रांसलेशनल रिसर्च', पीएचएफआई, गुड़गांव पर विचार विमर्श सत्र; एनआईएचएफडब्ल्यू, स्कूल के पाठ्यक्रम की पाठ्यपुस्तकों में मानसिक स्वास्थ्य पर योगदान जानकारी; "सामान्य व्यवहार में आवश्यक मनोरोग का एक प्रशिक्षण मॉड्यूल'' और उनके संक्षिप्त संस्करण के विकास में योगदान, डीजीएचएस, एमओएच एंड एफडब्ल्यू।

डॉ. ममता सूद इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री की कार्यकारी सदस्य हैं।

डॉ. नंद कुमार अ. भा. आ. सं. नई दिल्ली में उप–डीन (परीक्षा) के रूप में निरंतर अपनी सेवाएं दे रहे हैं; एम्स स्टाफ के लिए समूह क, समूह ख, समूह ग, के लिए विभिन्न भर्ती परीक्षाओं का आयोजन कराया; डीजीएचएस, स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार के लिए परीक्षाओं का आयोजन किया; देश भर में एम्स स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षाओं और एम्स नई दिल्ली तथा छः नए एम्स में एमबीबीएस प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन कराया; देश में परीक्षाओं से संबंधित मामलों में स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार का सहयोग किया; आईजीआईएमएस, पटना, बिहार में 'परीक्षाओं को किस प्रकार सफलतापूर्वक आयोजित किया जाए' विषय पर कार्यशाला संचालन हेतु निदेशक, आईजीआईएमएस, पटना द्वारा आमंत्रित किया गया।

डॉ. सुजाता सतपथी ने 'तनाव और स्वास्थ्य' एक सत्र की अध्यक्षता की और (6–8 नवंबर, 2014, हैदराबाद) में पेशेवरों के लिए तनाव प्रबंधन पर दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के लिए वैज्ञानिक सलाहकार निकाय की सदस्य थी; और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में सामाजिक और सामुदायिक चिकित्सा पाठ्यक्रम एम. फिल की परीक्षक थी।

डॉ. रमनदीप पटनायक को जर्नल ऑफ मेंटल हेल्थ एंड ह्यूमन बिहेवियर (जेएमएचएचबी); के मानद एसोसिएट संपादक के लिए नियुक्त किया गया था; (नर्सिंग पेशेवरों के लिए) 'तनाव प्रबंधन' पर सीएमईटी–एम्स प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति था।

डॉ. कौशिक सिन्हा देब ने जोधपुर, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में ओपीडी और आईपीडी सेवाओं के कंप्यूटरीकरण के लिए तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था; (26–27 जुलाई, 2014, मानेसर) में इंडियन साइकायट्रिक सोसायटी नॉर्थ जोन पी जी विकास कार्यक्रम में आयोजक और क्विज मास्टर थे।

डॉ. रोहित वर्मा ने 2014 को मैसूर में 20वें राष्ट्रीय आईएएसपी सम्मेलन में जी. सी. बोराल पुरस्कार ।। प्राप्त; केयर के पाथवे पर विशेष जारी करने के लिए इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लीनिकल साइकायट्रिक – जर्नल के अतिथि संपादक नियुक्त किया; और असिस्टेंट एडिटर ऑफ द जर्नल एशियन जर्नल ऑफ कॉग्निटिव न्यूरोलॉजी।

डॉ. बिचित्रा नंदा पात्रा (26–27 जुलाई, 2014, मानेसर) इंडियन मनोरोग साइकायट्रिक नॉर्थ जोन पीजी डेवलपमेंट प्रोग्राम के लिए आयोजन समिति का हिस्सा थी और (30–31 अगस्त 2014); वैज्ञानिक अद्यतन : तनाव कम करने के कौशल पर सम्मेलनः और (18–19 फरवरी 2015, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली) में आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची में संशोधन के लिए 6वें राष्ट्रीय परामर्श बैठक के लिए मनोरोग विभाग की ओर से एक विषय विशेषज्ञ थीं।

9.34 पुल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार

आचार्य एवं अध्यक्ष

रणदीप गुलेरिया

आचार्य

जी. सी. खिलनानी

अपर आचार्य

अनंत मोहन

सहायक आचार्य

विजय हांडा करण मदान

विशिष्टताएं

विभाग मई, 2011 में सृजित किया गया था। तब से इस विभाग में मरीज देखरेख, शिक्षण और अनुसंधान के सभी पहलुओं में बढ़ोत्तरी हुई है। जनरल पुल्मोनरी ओपीडी, लंग कैंसर और स्लीप क्लीनिकों में बाह्य रोगी उपस्थिति में पिछले वर्ष की तुलना में दुगुनी बढ़ोत्तरी हुई है। इनडोर सुविधाओं में आठ बिस्तरों वाला पूर्णतः सुसज्जित रेस्पिरेटरी आईसीयू और नौ बिस्तरों वाला वॉर्ड शामिल है। एंडोब्रोंकियल अल्ट्रासाउंड, न्यूरोस्कोपी, रिजिड ब्रोंकोस्कोपी, क्रायोथेरैपी और इलेक्ट्रोकॉटरी की सुविधा सहित नवीनतम इंटरवेंशनल सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। दो स्लीप लेबोरेटरीज में एक वर्ष में 200 से अधिक पॉलीसोनोग्राफी पूरी की जाती है। एक पूरी तरह से प्रचालित रेस्पिरेटरी लैब में स्पिरोमेट्री, लिथैस्मोग्राफी और डिफ्यूज़न की सुविधाएं है। रोगी देखभाल के लिए कॉर्डियोपुल्मोनरी क्रिया परीक्षण और पुल्मोनरी रीहैबिलिटेशन इकाई शुरू कर दी गई है।

विभाग एक व्यापक डी एम कार्यक्रम चलाता है और इस कार्यक्रम में प्रति वर्ष चार छात्र होते हैं। उन्हें संरचनाबद्ध शैक्षिक कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाता है जिसमें शोध प्रबंध के अतिरिक्त शिक्षण और व्यावहारिक प्रशिक्षण के अलावा संगोष्ठियां, जर्नल क्लब शामिल हैं।

विभाग अनुसंधान में सक्रिय है और इसमें आईसीएमआर, डीएसटी, लंग कैंसर संबंधी डीबीटी, सीओपीडी, टीबी, निद्रा और अन्य क्षेत्रों द्वारा प्रकार बाह्य निधीयन प्राप्त अनेक परियोजनाएं हैं। यह 1912 से नियमित रूप से अमेरिकन कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियंस (एसीसीपी) के सहयोग से वर्ष में एक बार **'एम्स पल्मोक्रिट'** अंतरराष्ट्रीय सम्मलेन का आयोजन भी करता है।

शिक्षा

यह विभाग एक व्यापक डीएम कार्यक्रम चलाता है और इस कार्यक्रम में प्रतिवर्ष चार डीएम छात्र शामिल होते है। उन्हें संरचनाबद्ध शैक्षिक कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाता है जिसमें शोध प्रबंध के अतिरिक्त शिक्षण और व्यावहारिक प्रशिक्षण के अलावा संगोष्ठियां, जर्नल क्लब शामिल हैं।

सीएमई/कार्यशालाएं

विभाग 2012 से वार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करता है। फरवरी, 2014 में पूर्व प्रकाशन, **'एम्स पल्मोक्रिट 2014–अपडेट इन पुल्मोनरी, क्रिटिकल केयर एंड स्लीप मेडिसिन और मैकेनिकल वेंटीलेशन एम्स –एसीसीपी कार्यशालाओं** का आयोजन किया गया था। इसमें भारत और अमेरिका के 300 से अधिक प्रतिभागियों और 100 संकाय सदस्यों ने भाग लिया था। यह पीजीआई डीएम अद्यतन और इसके अलावा डीएम छात्रों के लिए आयोजित किया गया है।

प्रदत्त व्याख्यान

रणदीप गुलेरिया : 14 **जी. सी. खिलनानी : 16** **अनंत मोहन : 20**
विजय हांडा : 3 **करण मदान : 10**

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. सारकॉइडोसिस में उपचार के लिए रोग और प्रतिक्रिया की गंभीरता का आकलन करने में ल्यूकोट्रिएन स्तर और इंफ्लेमेटरी मार्करों की उपयोगिता। रणदीप गुलेरिया, आई सी एम आर
2. पोषण, शारीरिक गतिविधि तथा प्रदाहक की मोटापा तथा चयापचयी संलक्षण भूमिका। रणदीप गुलेरिया, डी बी टी, 3 वर्ष, 81 लाख रुपए।
3. उत्तर भारत से मोटे बच्चों में ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया सिंड्रोम की आनुवंशिक और हार्मोनल निर्धारिक। रणदीप गुलेरिया, डी बी टी, 3 वर्ष, 75 लाख रुपए।
4. अवरोधक निद्रा अपेनिया संलक्षण (ओ एस ए एस) तथा गैर–एल्कोहलिक फैटी लीवर रोग (एन ए एफ एल डी) में मारकोफेज माइग्रेशन इनहिबिटरी फेक्टर (एम आई एफ) पेरोक्सिसम प्रोलिफिरेटर–एक्टिवेटिड, रिसेप्टर–बाय (पी पी ए आर वाय) इंटरल्यूकिन– 6 (आई एल–6), सी–रिएक्टिव प्रोटीन (सी आर पी), इन्सुलिन रिसेप्टर सब्सट्रेट (आई आर एस) इंसुलिन रिसेप्टर सबसट्रेट (आई आर एस) तथा लेप्टिन रिसेप्टर जीनों के साइटोकाइन तथा हार्मोन स्तरों के साथ सह–संबंध तथा आनुवंशिक पोलिमोर्फिज्म का अध्ययन करना। रणदीप गुलेरिया। डी एस टी, 3 वर्ष, 51 लाख रुपए।
5. अल्प से साधारण हाइपरटेंशन वाले रोगियों में हर्बल कम्पाउंड एम ए 305 का नैदानिक परीक्षण : एक पायलट अध्ययन। रणदीप गुलेरिया, महर्षि आयुर्वेद। 3 वर्ष, 6 लाख रुपए।
6. उत्तर भारतीय लोगों में चिरकारी ऑब्स्ट्रक्टिव पुल्मोनरी रोग तथा उसके उपायों से संबंधित पोलिमोर्फिज्म का आनुवंशिक संबंधी अध्ययन : सी ओ पी डी जेनेटिक कसोर्टियम। रणदीप गुलेरिया।
7. फेंफड़ा कैंसर रोगियों के ट्यूमर तथा सीरम में ट्यूमर सप्रेशन जीन्स तथा ओंकोजीन्स के एबरेंट प्रोमोटर मेथीलेशन की खोज। रणदीप गुलेरिया, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 27 लाख रुपए।
8. अवरोधक निद्रा अपेनिया में फेफड़े की गंभीर चोट बायोमार्कर जीन पोलिमोर्फिज्म की भूमिका। रणदीप गुलेरिया, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 49 लाख रुपए।
9. श्रेणी ।। (पुनः उपचार) आहार पर तपेदिक से पीड़ित रोगियों में उपचार विफलता और पतन के लिए जोखिम कारक के रूप में विभिन्न नैदानिक और औषधीय मापदंडों का मूल्यांकन। अनंत मोहन, आई सी एम आर, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2013–16, 30 लाख रुपए।
10. गैर छोटी कोशिका फेफडों के कैंसर के रोगियों के जीव विज्ञान को समझने के लिए आनुवंशिक परिवर्तन की व्याख्या। अनंत मोहन, डी बी टी, 3 वर्ष 25 लाख रुपए।
11. क्रोनिक प्रतिरोधी फेफड़े के रोग के विकास और सीरम स्तरों और रोग की गंभीरता के साथ इसके संबंध के लिए जोखिम कारकों के रूप में इंटरल्यूकिन–6, आईएल–13 और आईएल–10 में आनुवंशिक बहुरूपता का अध्ययन। अनंत मोहन, आई सी एम आर, नई दिल्ली, 2011–14, 29 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. फेफड़े के कैंसर में पौषणिक स्तर।
2. सरकोइडोसिस से पीड़ित रोगियों में ब्रोंकोएल्वोकोलर लेवेज फ्लूड में लेक्टेट डिहाइड्रोजीन्स तथा एल्कालाइन फोस्फेट स्तर।
3. सी ओ पी डी में जीवन की गुणवत्ता का निर्धारण।
4. स्थिर सी ओ पी डी रोगियों के पौषणिक स्तर तथा जीवन की गुणवत्ता का निर्धारण – जारी।
5. अस्थमा के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता का निर्धारण।
6. दिल्ली के शहरी स्लम क्षेत्रों में धूम्रपान की आदतें।
7. यूडियग्नोज्ड प्लुरल इफ्यूजन में अर्ध कठोर थोरेकोस्कोपी का निदान क्षेत्र।

8. सीओपीडी (ओवरलैप सिंड्रोम) वाले रोगियों में अवरोधक निद्रा अपेनिया (ओ एस ए) का प्रसार और स्वास्थ्य संबंधित जीवन की गुणवत्ता पर इसके प्रभाव।
9. मीडियास्टीनल लिम्फाडेनोपैथी के निदान में ई बी यू एस – टी बी एन ए का निदान क्षेत्र।
10. ब्रोन्कियल अस्थमा के रोगियों में एस्पर्जिलस फ्यूमिगेट्स अतिसंवेदनशीलता का प्रसार।
11. क्रोनिक प्रतिरोधी वायु मार्ग रोग में तीव्र हाइपकैपनिक श्वसन की विफलता में गैर इनवेसिव वेंटिलेशन की वापसी के लिए तीन कार्यनीतियों की तुलना।
12. नैदानिक और शारीरिक मापदंड के साथ अस्थमा नियंत्रण और इसके सह संबंध का आकलन करने में फ्रेक्शनल एक्सहैलीड नाइट्रिक ऑक्साइड (एफईएनओ) के उपयोग का अध्ययन।
13. अवरोधक निद्रा अपेनिया वाले मोटापे वाले रोगियों में आंशिक एक्सहैलेड नाइट्रिक ऑक्साइड का स्तर।
14. हिमेटोपोइटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण के बाद पुल्मोनरी जटिलताएं।
15. एडेनोकार्सिनोमा फेफड़े के रोगियों में प्लाज्मा ईजीएफआर उत्परिवर्तन विश्लेषण
16. सीओपीडी और स्वस्थ नियंत्रण के रोगियों में डायफ्रागमेटिक कार्य की अल्ट्रासोनोग्राफिक विशेषताएं।
17. सारकॉइडोसिस वाले रोगियों में रोगजनन और रोग बढ़ने में ईटीएस–1 और टी हेल्पर साइटोकाइनस की भूमिका।
18. फेफड़े के रोगियों के ट्यूमर और सीरम में ट्यूमर सप्रेसर जीन और ओंकोजीन में एबरेंट प्रमोटर मेथिलिकरण की जांच।
19. फेफड़े रोग में पॉलीमाइन्स। सीओपीडी रोगियों में एनआरएफ2 संकेतन मार्ग, सिगरेट स्मॉक एक्स्ट्रक्ट और बायोमास एक्स्ट्रक्ट मॉडल के माध्यम से सेलुलर तनाव और एपोप्टोसिस मध्यस्थता में उनकी भूमिका।
20. सार्कोइडोसिस के निदान में स्थल मूल्यांकन पर तेजी के साथ ई बी यू एस – टी बी एन ए बनाम पारंपरिक टी बी एन ए का उपयोगी निदान : एक यादृच्छिक अध्ययन।
21. स्वस्थ पुल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस से अंतर सक्रिय में 18एफ एफडीजी पीईटी स्कैन की उपयोगिता।
22. क्रोनिक प्रतिरोधी वायु मार्ग रोग में तीव्र हाइपकैपनिक श्वसन की विफलता में गैर इनवेसिव वेंटिलेशन की वापसी के लिए तीन कार्यनीतियों की तुलना।
23. डायफ्रेगमेटिक मोटाई के क्रम का आकलन और यांत्रिक वेंटीलेशन पर रोगियों में नैदानिक परिणाम पर इसके प्रभाव।
24. भागीदार कार्डियक के साथ सारकॉइडोसिस रोगियों की व्यापकता और नैदानिक रूपरेखा का अध्ययन।
25. अस्थमा के निदान में एक्सहैलीड नाइट्रिक ऑक्साइड की उपयोगिता और इस रोग के नियंत्रण के साथ संबंध है।
26. सीओपीडी रोगियों में एनआरएफ2 संकेतन मार्ग और रिगरेट धूम्रपान करने वाले और बायोमास एक्स्ट्रक्ट मॉडल के माध्यम से फेफड़ों के रोगों में पॉलीमिनेस और सेलुलर तनाव और एपोप्टोसिस मध्यस्थता की भूमिका।
27. अस्थमा नियंत्रण का आकलन करने में फ्रक्शनल एक्सहैलीड नाइट्रिक ऑक्साइड (एफईएनओ) के उपयोग का अध्ययन और अन्य मानकों के साथ इसका संबंध।
28. स्वस्थ भारतीय आबादी में एक्सहैल्ड नाइट्रिक ऑक्साइड मूल्य और प्रतिरोधी वायु मार्ग रोग वाले रोगियों के लिए इसकी तुलना।
29. गैर छोटी कोशिका फेफड़े कैंसर में सीरम और ऊतक ईजीएफआर म्यूटेशन्स के बीच सामंजस्य का अध्ययन।
30. क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पुल्मोनरी रोग वाले रोगियों में व्यायाम क्षमता और जीवन की गुणवत्ता पर संरचित बाह्य रोगी पुल्मोनरी पुनर्वास हस्तक्षेप के प्रभाव : एक भावी नियंत्रित अध्ययन।
31. क्रोनिक प्रतिरोधी वायु मार्ग रोग में तीव्र हाइपकैपनिक श्वसन की विफलता में गैर इनवेसिव वेंटिलेशन की वापसी के लिए तीन कार्यनीतियों की तुलना।
32. नैदानिक और शारीरिक मापदंड के साथ अस्थमा नियंत्रण और इसके सह संबंध का आकलन करने में फ्रेक्शनल एक्सहैल्ड नाइट्रिक ऑक्साइड (एफईएनओ) के उपयोग का अध्ययन।
33. डायाफ्राम मोटाई की श्रृंखला आकलन और मैकेनिकल वेंटीलेशन पर रोगियों में नैदानिक परिणाम पर इसके प्रभाव।

34. सारकॉइडोसिस के निदान में स्थल मूल्यांकन पर तेजी के साथ ईबीयूएस – टीबीएनए बनाम पारंपरिक टीबीएनए के नैदानिक उपयोगिता : एक यादृच्छिक अध्ययन।
35. सेप्सिस वाले रोगियों के बीच कंकाल की मांसपेशी के सोनोग्राफिक मूल्यांकन का एक भावी अध्ययन।
36. रोगजनन में ईटीएस–1 और टीएच1 मध्यस्थता बायोमार्कर की भूमिका और सारकॉइडोसिस वाले रोगियों में उपचार के लिए प्रतिक्रिया का आकलन।
37. सीओपीडी रोगियों में एनआरएफ2 संकेतन मार्ग और सिगरेट धूम्रपान करने वाले और बायोमास एक्स्ट्रक्ट मॉडल के माध्यम से फेफड़ों के रोगों में पॉलीमिनेस और सेलुलर तनाव और एपोप्टोसिस मध्यस्थता की भूमिका।

पूर्ण

1. फेफड़े के कैंसर से पीड़ित अंतःरंग रोगियों में जीवन की गुणवत्ता का निर्धारण।
2. सी ओ पी डी के गंभीर एक्जारबेशन से पीड़ित भर्ती रोगियों में रोगदर तथा मत्युदर की पूर्वसूचना।
3. सीओपीडी (ओवरलैप सिंड्रोम) वाले रोगियों में अवरोधक निद्रा अपेनिया (ओ एस ए) का प्रसार और स्वास्थ्य संबंधित जीवन की गुणवत्ता पर इसके प्रभाव।
4. ब्रोंकाइल अस्थमा वाले रोगियों में एस्पेजिलस फ्यूमिगेट्स हाइपरसेंसिटीविटी की रोकथाम।
5. गैर निदान मीडियास्टीनल लिम्फाडेनोपैथी वाले रोगियों में ईबीयूएस – टीबीएनए का नैदानिक उपचार।
6. गैर निदान प्लेयूरल इफ्यूजन में सेमिरिगिड थोरैकोस्कोपी की उपयोगिता
7. गैर निदान प्लेयूरल इफ्यूजन में सेमिरिगिड थोरैकोस्कोपी का नैदानिक उपचार।
8. सीओपीडी (ओवरलैप सिंड्रोम) वाले रोगियों में अवरोधक निद्रा अपेनिया (ओ एस ए) का प्रसार और स्वास्थ्य संबंधित जीवन की गुणवत्ता पर इसके प्रभाव।
9. गैर निदान मीडियास्टीनल लिम्फाडेनोपैथी में लिनियर प्रोब ईबीयूएस – टीबीएनए का मार्ग
10. सीओपीडी वाले रोगियों में ओ एस ए का प्रसार और स्वास्थ्य संबंधित जीवन की गुणवत्ता पर इसके प्रभाव।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. वृक्क रोग के रोगियों में अपेक्षित एंटी हाइपरटेंसिव औषधि पर एंटी ट्यूबरकुलर थैरेपी के एक भाग के रूप में रिफाम्पीसिन का प्रभाव। (वृक्क विज्ञान, अ. भा. आ. सं.)।
2. ट्यूबरकुलोसिस रोगियों में प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया पर टाइप – आई– इंटरफेरोन के प्रतिरक्षा जीव विज्ञान प्रभाव का अध्ययन। (जैव प्रौद्योगिकी, अ. भा. आ. सं.)

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 26

रोगी उपचार

पुल्मोनरी चिकित्सा ओ पी डी

नए रोगी 8915 पुराने रोगी 18601 कीमोथेरेपी प्रक्रिया 626

फेफड़ा कैंसर क्लीनिक

नए रोगी 294 पुराने रोगी 1288

निद्रा विकार क्लीनिक

नए रोगी 307 पुराने रोगी 281

प्रयोगशालाएं

श्वसन प्रयोगशाला

स्पाइरोमीटरी प्रक्रियाएं	12080	डिफ्यूजन क्षमता आकलन	2140
एमआईपी, एमईपी	215	बॉडी बॉक्स (प्लीथिस्मोग्राफी) माप	735

ब्रोंकोस्कॉपी प्रयोगशाला

फाइब्रोप्टिक ब्रोंकोस्कॉपी	1735	एंडोब्रोंकियल अल्ट्रासाउंड	263
थोरैकोस्कोपी	52	क्रायोथेरेपी	07
स्टेंटिंग	20	रिजिड थोरकोस्कोपी	42
इलेक्ट्रोकॉटरी	11		

निद्रा प्रयोगशाला

पोलीसोनोग्राफी अध्ययन	442

पुरस्कार, सम्मान और उपलब्धियां

आचार्य रणदीप गुलेरिया को भारत के राष्ट्रपति, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रतिष्ठित ''पद्म श्री'' पुरस्कार से सम्मानित किया गया; लंग इंडिया में सर्वश्रेष्ठ मूल लेख के लिए आईसीएस द्वारा लंग इंडिया एवार्ड 2014 से सम्मानित किया गया; औषधि चयन समिति, अ. भा. आ. सं. के अध्यक्ष के रूप में मनोनीत; चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान, हिमाचल प्रदेश पर राज्य स्वास्थ्य आयोग के सदस्य के रूप में मनोनीत; स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा उभरते रोग पर संयुक्त निगरानी समूह के सदस्य के रूप में मनोनीत। उन्हें भारतीय चिकित्सा अनुसंाान परिषद के महामारी विज्ञान एवं संचारी रोग प्रभाग के वैज्ञानिक सलाहकार समूह के एक सदस्य के लिए आमंत्रित किया गया था और वह आईसीएमआर के परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य रह चुके हैं। डॉ. गुलेरिया को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, पुणे के वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है; विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली के परियोजना समीक्षा समिति के एक सदस्य हैं। उन्हें बीएचयू में एमडी (श्वसन चिकित्सा) परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक ; पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में डीएम (पुल्मोनरी एवं क्रिटिकल केयर मेडिसिन) के लिए बाह्य परीक्षक; पं. बी. डी. शर्मा यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंस, रोहतक के डीएम (पुल्मोनरी एवं क्रिटिकल केयर मेडिसिन), परीक्षा के लिए एक बाह्य परीक्षक; वल्लभ भाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली के डीएम (पुल्मोनरी मेडिसिन) प्रायोगिक परीक्षा के लिए एक बाह्य परीक्षक; अमृता विश्व विद्यापीठम यूनिवर्सिटी, एआईएमएस, हेल्थकेयर कैम्पस, कोची के डी एम (पुल्मोनरी मेडिसिन), परीक्षा के लिए एक बाह्य परीक्षक; पी जी आई एम ई आर, चंडीगढ़ में एमडी (मेडिसिन) के संचालन के लिए एक बाह्य परीक्षक; 30 मार्च 2015 को जे आई पी एम ई आर पोंडिचेरी के लिए एम डी (मेडिसिन) परीक्षा के लिए एक बाह्य विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया था।

उन्हें एस जी पी जी आई एम एस, लखनऊ, उ. प्र. में पुल्मोनरी मेडिसिन विभाग में सहा. आचार्य के पद पर न्यू कैरियर प्रोग्रेशन स्कीम के तहत संकाय सदस्य के आकलन को बढ़ावा देने के लिए चयन समिति के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्हें पुणे में विशेषज्ञ पद ग्रेड 2 (जूनियर स्केल) (पुल्मोनरी मेडिसिन) के साक्षात्कार के संचालन करने के लिए नियुक्त किया गया था।

9.35 विकिरण निदान

आचार्य एवं अध्यक्ष

अरुण कुमार गुप्ता

आचार्य

दीप नारायण श्रीवास्तव	राजू शर्मा	संजय थुलकर (आई आर सी एच)
संजय शर्मा (आर. पी. सी.)		आशु सेठ भल्ला

अपर आचार्य

स्मृति हरि	शिवानंद गामनगाटी (ट्रॉमा सेंटर)	अतिन कुमार (ट्रॉमा सेंटर)

सहायक आचार्य

चंदन जे. दास	मधुसूदन के. एस.	सुरभी व्यास
मनीषा जाना	देवासनाथीपाथी कंडासामी	चंद्रशेखर एस. एच. (आई आर सी एच)
	स्मिता मनचंदा	

वैज्ञानिक–4

शशि बी. पॉल

मुख्य तकनीकी अधिकारी

कविता तनेजा

विशिष्टताएं

विभागीय संकाय सदस्य रोगी की देख रेख, शिक्षा और शोध कार्य से सक्रियता से सक्रियता से जुड़े रहे। समीक्षाधीन अवधि के दौरान विभाग द्वारा निम्नलिखित उपकरण खरीदे गए : एक डिजिटल फ्लैट पैनल रेडियोग्राफी सिस्टम, एक डिजिटल रेडियोग्राफी फ्लोरोस्कोपी सिस्टम, मौजूदा एमआरआई मशीन का उन्नयन, ऑटोमेडिट लिवर वॉल्यूमेट्री सॉफ्टवेयर, एमआरआई के लिए स्तन एक्सेसरी और एक पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड सिस्टम। संकाय सदस्यों ने विभिन्न सीएमई और राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में 90 से अधिक व्याख्यान दिए। पूरी दुनिया के विभिन्न सम्मेलनों में लगभग 58 पोस्टर और मौखिक शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। हम राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क द्वारा निधिकृत बहु केंद्र परियोजना में शामिल थे, जो आईसीएमआर द्वारा निधिकृत एक परियोजना है तथा पांच अंतरिक निधिकृत अनुसंधान परियोजनाएं की गई। इसके अलावा 33 पूरी की गई और जारी विभागीय परियोजनाओं में शामिल थे तथा 89 परियोजनाओं को अन्य क्लिनिकल विभागों के सहयोग से किया गया। हमारे संकाय सदस्य सक्रिय रूप से शामिल रहे और 85 से अधिक विभिन्न सूचीबद्ध राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध पत्रों का प्रकाशन किया गया।

शिक्षा

स्नातक–पूर्व

विभाग के संकाय सदस्य स्नातकपूर्व छात्रों के अध्यापन में सक्रिय रूप से शामिल थे। इस अवधि में संकाय द्वारा कुल 60 व्याख्यान दिए गए।

स्नातकोत्तर

एम डी : इसमें कुल 25 जूनियर रेजीडेंट हैं। स्नात्तकोत्तर छात्रों की अकादमिक गतिविधियों में प्रतिवर्ष 35 सेमिनार, 35 जर्नल क्लब, 70 केस चर्चाएं, 70 दिलचस्प फिल्म सत्र एवं 80 व्याख्यान कक्षाएं शामिल थीं। विभाग द्वारा इस अवधि के दौरान देशभर में 3 विकिरण विज्ञानियों को अल्पकालीन प्रशिक्षण दिया गया और इसमें कोरिया के 4 विकिरण तकनीशियन थे।

रेडियोग्राफी (एम टी आर) में बी एस. सी (ऑनर्स) चिकित्सा प्रौद्योगिकी

वर्ष 2014 – 15 में इस पाठ्यक्रम में 9 छात्रों के बैच को प्रवेश दिया गया था। इस पाठ्यक्रम की अवधि तीन वर्ष के लिए है और इसमें छात्रों की कुल संख्या 27 है।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठियां / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

दीप एन. श्रीवास्तव : 3
राजू शर्मा : 22
संजय शर्मा : 8
आशु सेठ भल्ला : 19
स्मशति हरि : 8
शिवानंद गमनगाटी : 11
अतिन कुमार : 13
चंदन जे. दास : 4
मधुसूदन के. एस. : 8
सुरमी व्यास : 4
चंद्रशेखर एस. एच. : 8
देवासनाथीपाथी कंडासामी 8
मनीष जाना : 1

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र / पोस्टर : 58

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. एक्स–रे के प्रयोग से स्केलेटल इमेजिंग में चिकित्सा निदान एवं शिक्षा सक्षम नेटवर्क। अरुण कुमार गुप्ता, एन आई सी, 4 वर्ष, 2011 – 2015, 325 लाख रुपए।
2. स्तन कैंसर और स्तन संरक्षण सर्जरी के लिए चयनित रोगियों के निदान के ऑपरेशन से पहले मूल्यांकन के लिए स्तन के सी ई – एम आर आई और एम आर निर्देशित स्तन बायोप्सी की भूमिका। एस. हरि, अ. भा. आ. सं. द्वारा आंतरिक अनुदान, 2 वर्ष, 2014 – 16, 10,0000 रुपए।
3. डीडब्ल्यू एम आर आई और परफ्यूजन सीटी द्वारा गुर्दा कोशिका कार्सिनोमा में ट्यूमर एंजियोजेनेसिस का ऑपरेशन से पहले पूर्वानुमान और उन्नत गुर्दा कोशिका कार्सिनोमा में इन बायोमार्करों का उपयोग कर ट्यूमर ग्रेड का अनुमान लगाना। चंदन जे दास, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2014–17, 12 लाख रुपए।
4. सीटी स्कैन पर अनिश्चित गुर्दे मेसेस का मूल्यांकन करने में (कंट्रास्ट इंहांस्ड, डी डब्ल्यू आई और बी ओ एल डी) कंट्रास्ट इंहांस्ड अल्ट्रासाउंड, सोनोलेस्टोग्राफी और एमआरआई की भूमिका – एक भावी अध्ययन। चंदन जे दास, एम्स आंतरिक व्यय, 2 वर्ष, 2013 – 15, 5 लाख रुपए।
5. नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के लिए ओस्टियोसर्कोमा की प्रतिक्रिया के मूल्यांकन में डिफ्युजन वेटिड और परफ्युजन एम आर आई की भूमिका। मधुसूदन के. एस. इंट्रामुरल अनुदान (एम्स), एक, 2014–2015. 1,80,000.00 रुपए।
6. रोल ऑफ नॉन कंट्रास्ट एम आर आई इंक्लूडिंग डिफ्युजन वेटिड (डी डब्ल्यू आई) एण्ड कंट्रास्ट एंहांस्ड एम आर इमेजिंग इन एवेल्युएशन ऑफ सिनोविटिस ऑफ स्मॉल जॉइंट्स ऑफ रिस्ट एण्ड हैंड्स इन पेशेंट्स ऑफ रियूमेटॉइड अर्थराइटिस (आर ए), सुरभी व्यास, आंतरिक अनुदान, एक वर्ष, 2014 – 15, 1 लाख रुपए।
7. बाल चिकित्सा लिंफोमा : पूरे शरीर एम आर आई बनाम स्केफोल्ड और प्रतिक्रिया मूल्यांकन में 18एफ एफडीजी – पीईटी / सीटी। मनीषा जाना, एम्स, 2013 – 16, सं. – लागत विस्तार।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया में ऊपरी एयरवे के मूल्यांकन में गतिशील एम आर आई।
2. पुराने टखने में दर्द का एम आर आई मूल्यांकन।
3. कूल्हे के पुराने दर्द का एम. आर. आई. मूल्यांकन।

4. गॉल ब्लैडर कार्सिनोमा में कीमोरेडियोथेरेपी के लिए प्रतिक्रिया के मूल्यांकन में प्रसार भारित इमेजिंग के साथ सीटी और एम आर आई की तुलना करना।
5. हीमोडायलिसिस के लिए धमनी फिस्टुलाज़ में इमेजिंग और हस्तक्षेप।
6. ट्यूमर के इविंग सारकोमा के परिवार की प्रतिक्रिया का आकलन में एमआर की भूमिका।
7. मौखिक गुहा के स्थानीय रूप से उन्नत स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के बाद स्थानीय मचान और प्रतिक्रिया के मूल्यांकन के लिए प्रसार भारित एमआरआई की भूमिका।
8. बलगम में खून आने में दोहरी ऊर्जा सीटी एंजियोग्राफी की उपयोगिता।
9. ऊपरी मूल मार्ग के मूत्र संबंधी रोगों के मूल्यांकन में स्प्लिट बॉल्स डुअल एनर्जी सिंगल एक्वाजिशन की भूमिका।
10. स्तन कैंसर के रोगियों की पूर्व शल्य चिकित्सा स्थानीय मचान में बहुपद्धति इमेजिंग की भूमिका (मैमोग्राफी, अमेरिका और डी सी ई एम आर आई) स्तन संरक्षण के उपचार के लिए चिकित्सकीय उपयुक्त है।
11. सी आर एफ मरीजों में धमनी फिस्टुला निर्माण में संवहनी मानचित्रण।
12. निदान में एम आर आई की भूमिका और एन ए एफ एल डी की अनुवर्ती कार्रवाई (गैर शराबी फैटी लीवर रोग)।
13. दर्दनाक सीएसएफ राइनोरही के रोगियों में सी टी सिस्ट्रेनोग्राफी और एम आर सिस्ट्रेनोग्राफी की भूमिका।
14. कुंद पेट दर्द में दोहरी चरण सीटी की भूमिका।
15. मूत्राशय की कार्सिनोमा में ट्यूमर चरण और ग्रेड की भविष्यवाणी में डिफ्यूजन वेटेड एम आर इमेजिंग की सटीकता : 3 टी एम आर सिस्टम पर एक भावी अध्ययन।
16. आंत धमनी स्युडोएनेयूरीज्मस की एम्बोलाइजेशन की पूर्वव्यापी मूल्यांकन।
17. निचले अंगों के परिधीय धमनी रोग के रोगियों में ओक्लूसिव एक उपशामक उपचार के रूप में सीटी निर्देशित लकड़ी सिम्पैथेक्टोमी।
18. छोटी आंत के रोगों में अल्सर प्रोलिफरेटिव एमआर इंटरोग्राफी की भूमिका।
19. स्तन कैंसर और स्तन संरक्षण सर्जरी के लिए चयनित रोगियों के निदान के ऑपरेशन से पहले मूल्यांकन के लिए स्तन के सी ई – एम आर आई और एम आर निर्देशित स्तन बायोप्सी की भूमिका।
20. हाथ और कलाई के रियूमेटोइड आर्थराइटिस के मूल्यांकन में बिजली डॉपलर के साथ अल्ट्रासोनोग्राफी की भूमिका : एमआरआई और रेडियोग्राफी के साथ तुलना।
21. कार्सिनोमा गर्भाशय ग्रीवा में प्रतिक्रिया के आकलन में परफ्यूजन सीटी।
22. पी ई टी / सी टी बनाम बाल चिकित्सा लिंफोमा के मूल्यांकन में सी बी सी टी।
23. क्रॉनिक कंस्ट्रक्टिव प्रिकार्डिटिस में मायोकर्डियल की भूमिका : डायग्नॉसिस और प्रोग्नॉस्टिकेटिंग परिणामों में इमेजिंग की भूमिका।
24. क्रिटिकल लिम्ब इस्केमिया से पीड़ित रोगियों में डी एस ए और एम आर तकनीक द्वारा एंजियोसम टार्गेटेड वेसल बेड आइडेंटिफिकेशन का महत्व।
25. लोकोरिजनल चिकित्सा के दौर से गुजर रहे एच सी सी रोगियों की परिसंचार माइक्रो आरएनए में परिवर्तन के नैदानिक निहितार्थ और इसके विरोधी चिकित्सीय प्रासंगिकता।
26. हेप्टोसेलुलर कार्सिनोमा हेतु लोकेरेजिनल थेरेपी में प्रिडिक्टिंग प्रतिक्रिया में सी रिएक्टिव प्रोटीन की भूमिका।

पूर्ण

1. कीमोथेरेपी के दौर से गुजर रहे रोगियों में गैर छोटे सेल फेफड़ों कार्सिनोमा के मूल्यांकन में परफ्यूजन सीटी की भूमिका।
2. वयस्क दर्दनाक बाहु जाल चोट के चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग मूल्यांकन।
3. पुराने कमर दर्द का एम आर आई मूल्यांकन।
4. ऊपरी अंग परिधीय न्यूरोपैथीज़ का एम आर मूल्यांकन।
5. रेटिनोब्लास्टोमा की इमेजिंग में एम आर आई की भूमिका।

6. स्तन पिंडों के लाक्षणीकरण में बी – विधि अल्ट्रासोनोग्राफी के सहायक के रूप में शीयर वेव इलास्टोग्राफी की भूमिका सुनिश्चित करना।
7. एक्स्ट्राहिपेटिक पोर्टल वेन आब्स्ट्रेक्शन वाले रोगियो में यकृत और स्पलीन कठोरता : अल्ट्रासाउंड इलेस्टोग्राफी द्वारा मूल्यांकन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. रीनल स्टोन्स के गुणधर्मों का मूल्यांकन करना।
2. मलाशय के कैंसर के लिए निश्चित सर्जरी के बाद जीवन की गुणवत्ता का आकलन।
3. कोरोनरी धमनी नरम पट्टिका की कम्पोसिशनल अध्ययन दोहरी ऊर्जा का उपयोग कर सीटी।
4. महामारी विज्ञान, जोखिम कारकों का मूल्यांकन तथा एक तृतीयक आंख केंद्र में निदान और दर्दनाक ऑप्टिक न्यूरोपैथी के रोग का निदान में न्यूरोइमेजिंग की भूमिका।
5. स्ट्रेबिस्मस में इंजेक्शन बुपिवेकैन की भूमिका का मूल्यांकन।
6. एन ए एफ एल डी में स्वायत्त कार्यों का अध्ययन।
7. बचपन के प्रारंभ में ग्रोथ हार्मोन की कमी सहित एशियाई भारतीय विषयों में जेनोटाइप फेनोटाइप सह संबंध से संबंधित अध्ययन (एनाटोमी – मेंबर डॉक्टोरल कमेटी मेंबर)।
8. किशोर नेसोफेरीन्जियल एंजियोफाइब्रोमा में विडियन आर्टरी का मूल्यांकन।
9. किशोर नेसोफेरिंजियल एंजियोफिब्रोमा में एस्ट्रोजन रिसेप्टर बीटा सकारात्मकता का अध्ययन।
10. मौखिक गुहा के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में जबड़े की भागीदारी का क्लिनिको – रेडियोलॉजिकल–सह–संबंध हिस्टोपैथोलॉजिकल।
11. निरंतर सकारात्मक एयरवे प्रेशर (सी पी ए पी) विफलता या ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया सिंड्रोम (ओ एस ए एस) के मामलों में सर्जरी द्वारा इसके अनुपालन सुधार करने के लिए गैर शिकायती मामले में ऊपरी एयरवेज का मूल्यांकन।
12. ए क्लस्टर रेण्डोमाइज्ड कंट्रोल्ड क्लिनिकल ट्रायल टू एवेल्यूएट फेट एण्ड वॉल्यूमेट्रिक श्रीइंकेज ऑफ इंटरपोस्ड पेडिक्लेड बुक्कल पैड ऑफ फैट एण्ड एब्डोमिनल फैट इन द ट्रीटमेंट ऑफ टी एम जे एनकायलोसिस।
13. त्वचीय स्क्लेरोसिस और प्रणालीगत स्क्लेरोसिस में प्रमुख अंग भागीदारी के पृष्ठ – भूमि में आकृति विज्ञान और रंगदार परिवर्तन की हद के बीच संबंध का आकलन करने के लिए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।
14. स्तन कैंसर में पारंपरिक पेलपेशन निर्देशित स्तन संरक्षण शल्य चिकित्सा के साथ इंट्रा–ऑपरेटिव अल्ट्रासाउंड निर्देशित छांटना निम्नलिखित कॉस्मेटिक परिणाम और लकीर मार्जिन की तुलना – एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
15. स्त्री जननांग क्षय रोग का एक नैदानिक, इमेजिंग, इंडोस्कोपिक और प्रयोगशाला मूल्यांकन।
16. जल्दी स्तन कैंसर के मामलों में 1 बनाम 2 सें. मी. मार्जिन और सिम्पल बनाम ओंकोप्लास्टि का प्रभाव और सौंदर्य परिणाम और गुणवत्ता समायोजित जीवन वर्ष पर उनका प्रभाव।
17. ग्रीवा रीढ़ की सीटी मोर्फोमेट्री।
18. ऑस्टिओसारकोमा के मूल्यांकन में गतिशील एम आर आई की भूमिका।
19. सक्रिय ट्यूबरकुलोसिस से सह संक्रमित एच आई वी रोगियों में एच आई वी रेजिस्टेंट म्यूटेशंस का स्टडी पैटर्न।
20. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम वाली भारतीय महिलाओं में सूजन की भूमिका (पी सी ओ) और इसके आहार कारकों से मॉडुलन।
21. एच आई वी / एड्स (एड्स एसोसिएटेड पी यू ओ) (काय चिकित्सा) में 4 सप्ताह से अधिक अवधि के बुखार की जांच करने हेतु एफ डी जी – पी ई टी / सी टी बनाम सी ई सी टी की उपयोगिता का अध्ययन।
22. प्रोस्टेट कैंसर रोगियों की जांच में गैलियम – 68 (जी ए – 68) लेवल्ड पी एस एम ए पी ई टी /सी टी।
23. एक्यूट नॉनस्पेसिफिक पेन ऐब्डमेन के साथ प्रौढ़ रोगियों को इमरजेंसी डिपार्टमेंट में ले जाने के लिए निर्णय लेने में सी ई सी टी ऐल्डमेन की भूमिका।
24. तीव्र डेंगू बुखार में पैथॉजेनेटिक मार्कर्स।

25. क्या सीवियर कार्पल टनल सिंड्रोम : एक क्लिनिकल, रेडियोलॉजिकल और इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल प्रायोगिक अध्ययन हेतु थम्ब अपोजीशन आगामी सर्जरी ठीक कर देता है।
26. उच्च जोखिम प्रोस्टेट कैंसर के मंचन के लिए पारंपरिक इमेजिंग तौर तरीकों के साथ–68 जी ए पी एस एम ए पी ई टी / सी टी की तुलना। नाभिकीय।
27. एम आर आई का उपयोग कर सभी आंतरिक ऑर्थ्रोस्कोपिक ए सी एल पुनः निर्माण में सॉकेट के विस्तार और हैमिस्ट्रिंग टेंडन ग्राफ्ट का अध्ययन।
28. घातक गठिया से पीड़ित रोगियों में परक्यूटेनियस ट्रांसपेटिक बाइलरी ड्रैनेज से रोगियों के अनुवर्तन।
29. पी टी बी डी / स्टेंटिंग के बाद घातक गठिया में अनरिसेक्टेबल कार्सिनोमा गाल ब्लैडर में जेम साइटेविन और ऑक्जलिप्लेशन बनाम जेम साइटेबिन और कैपिसाइटेबिन : एक रेण्डोमाइज्ड कंट्रोल स्टडी।
30. इंडिटरमिंनेट सर्विकल अथवा ऑग्जिलरी इंडेनोपैथी वाले रोगियों में क्लिनिकल, सोनोग्राफिक और हिस्टॉलॉजिकल जांच परिणामों का मूल्यांकन।
31. मेटाबोलिक सिंड्रोम से पीड़ित रोगियों में ई सी एच ओ और बॉडी मास इंडेक्स के साथ एम आर आई के उपयोग से एपिकार्डियल फैट, फैटी लिवर और एब्डोमिनल फैट का सह संबंध।
32. एक्ट्राहेप्टिक पोर्टल वेन आब्सट्रक्शन के रोगियों में हायपर्सप्लेनिज्म का मूल्यांकन (गैस्ट्रो इंटेस्टिनल सर्जरी)।
33. बाइलरी हाइल्म के मैलिग्नंट आब्सट्रक्शन से पीड़ित रोगियों के प्रबंधन में यूनिलेटरल बनाम बाइलेटरल परक्यूटेनियस ट्रांसफेटिक बाइलरी ड्रैनेज की सुरक्षा और दक्षता : रैंडमाइज्ड कंट्रोल स्टडी।
34. हेप्टोबिलियरी मैलिग्नैन्सीज़ में पोर्टल वेन एम्बोलाइजेशन।
35. वैकल्पिक सर्जरी के लिए निर्धारित मधुमेह और गैर मधुमेह वाले रोगियों में 6 और 8 घंटे के लिए उपवास के बाद गैस्ट्रिक की मात्रा का अल्ट्रासोनिक मूल्यांकन।
36. आई बी डी तथा आंतों में टी बी के आगे बढ़ने के दौर और गंभीरता पर आंत वसा और सीरम एडिपोसिटोकाइनेस का प्रभाव।
37. ऑपरेशन योग्य स्तन कैंसर वाली महिलाओं में एक्सिल्ला की व्यवस्थित प्रबंधन कार्यनीति – स्तर 1 पर नोड धनात्मक रोगियों के यादृच्छिकरण बनाम ऑक्सीलरी लिम्फ नोड का विच्छेदन।
38. भारतीय आबादी में एच आई वी में सी एन एस इंवॉल्वमेंट में एम आर स्पेक्ट्रोस्कोपी की भूमिका।
39. निम्नलिखित लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी में पहुंच गाल ब्लैडर स्पेसिमेंस के मूल्यांकन में डिजिटल फोटोग्राफी की भूमिका।
40. अधिक भार वाले भारतीय किशोरों, में एन ए एफ एल डी की अतिसंवेदनशीलता निर्धारित करने में जेनेटिक पॉलिमार्फिज्म, क्लिनिकल और बायोमेडिकल पैरामीटरों का प्रभाव।
41. 2 वर्ष से कम जन्म के समय वजन और प्रसवकालीन श्वास अवरोध वाले शिशुओं में न्यूरोकॉग्टिव और शारीरिक परिणाम।
42. शरीर में कुल वसा का प्रभाव तथा इसका किशोरों में हड्डी स्वास्थ्य पर क्षेत्रीय वितरण।
43. अभी भी जन्म के प्ररूपी लक्षण वर्णन में पारंपरिक और आभासी शव परीक्षण का तुलनात्मक अध्ययन।
44. लेप्रोस्कोपिक दाता नेफ्रोक्टोमी बनाम खुला दाता नेफ्रक्टोमी के बाद परिणामों और जीवन की गुणवत्ता की तुलना एक भावी अध्ययन।
45. भारतीय रोगियों में ट्यूबर स्क्लेरोसिस का म्युटेशनल स्पेक्ट्रम।
46. उत्परिवर्तन स्पेक्ट्रम का अध्ययन करना, तथा माइटोकॉन्ड्रियल विकारों वाले भारतीय रोगियों में ऊतक विकृति विज्ञानी, न्यूरोइमेजिंग और जैव रासायनिक चयापचयों के साथ इसका सह–संबंध।
47. 34 सप्ताह से कम गर्भावधि के पूर्वावधि शिशुओं की वशद्धि पर 24 सप्ताह की ठीक आयु की तुलना में 16 सप्ताह में आवश्यक भोजन के उपक्रम का प्रभाव – एक यादृच्छिक परीक्षण।
48. नवजात स्वास्थ्य अनुसंधान हेतु आई सी एम आर एडवांस्ड सेंटर।
49. आई सी एम आर, बच्चों में फर्स्ट एपिसोड अफिडियोपैथिक नेफ्रोटिक सिंड्रोम हेतु प्रीइनिसोलन के साथ 3 माह बनाम 6 माह थैरेपी की दक्षता की तुलना के लिए रैंडमाइज्ड डबल ब्लाइंड प्लेसिबो कंट्रोल्ड ट्रायल।

50. टर्म एज में बहुत कम वजन पैटर्न नवजात शिशुओं में पी वी एल का पता लगाने में एम आर आई ब्रेन के साथ अल्ट्रासाउंड ग्रेनियम का मूल्यांकन।
51. रीढ़ की हड्डी की चोट के कारण पक्षाघात के रोगियों में अस्थि खनिज घनत्व का मूल्यांकन।
52. गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर में चुंबकीय अनुनाद छवि निर्देशित ब्रैकीथेरेपी : रिपोर्टिंग योनि, मूत्रमार्ग और असंबद्ध गर्भाशय खुराक और नैदानिक संबंध।
53. सिरोसिस के रोगियों में हिपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के निदान में कंट्रास्ट एनहेंस्ड अल्ट्रासाउंड की भूमिका।
54. ट्रांजिएट इलेस्टॉग्राफी, शियर बेव इलैस्टॉग्राफी और बायोकेमिकल मार्कर्स का उपयोग क्रॉनिकल लिवर रोग के रोगी में लिवर फाइब्रोसिस का मूल्यांकन करना।
55. ट्रांस आर्टेरियल कीमोथेरेपी और ट्रांस आर्टेरियल कीमोम्बॉलाइजेशन में आने वाले रोगियों में हेप्टोसेलुलर, कार्सिनॉमा में रियल फेल्युर को रोकने में एन एस्टाइलसिस्टाइन का रेण्डमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल।

पूर्ण

1. टाइप 2 डायबिटीज से पीड़ित रोगियों में नए मार्कर्स के एथेरॉसक्लेरोसिस का मूल्यांकन।
2. तंत्रिकाजन्य मूत्राशय : जोखिम वाले समूहों की पहचान पर एक अध्ययन और उनके चिकित्सीय निहितार्थ।
3. पेरिफेरली इंसर्टिड सेंट्रल कैथेटर (पी आई सी सी) के लिए अल्ट्रासाउंड मार्गदर्शन करता है मालपोजिशन टिप की घटनाओं को कम करना? – एक यादृच्छिक परीक्षण।
4. बैरिएट्रिक सर्जरी के लिए (एल एस जी) निगरानी वजन घटाने माध्यमिक का प्रभाव और / या भारतीय वयस्क मोटापे से ग्रस्त रोगियों के जीवन शैली वसा वितरण पर संशोधन
5. यकृत बाईं पालि मात्रा एक वसा की मात्रा का एक संकेतक तथा गैर शराबी फैटी लाइव रोग के साथ रोगियों में संबंधित चयापचय विषमता।
6. लैक्रिमल ग्लैंड मस्से में पी ई टी / सी टी मूल्यांकन की भूमिका।
7. प्रारंभिक स्प्लेनिक आर्टरी लिगेशन के दौर से गुजर रहे रोगियों में स्प्लिनेक्टोमी की जटिलताओं का अध्ययन करना।
8. कक्षीय फंगल संक्रमण में वोरिसोनाज़ोले।
9. गहरी शिरा घनास्त्रता के रोगियों में पोस्ट थ्रोम्बोटिक सिंड्रोम के विकास के लिए जोखिम कारकों का मूल्यांकन।
10. हीमोप्टाइटिस की उपस्थिति वाले रोगियों की क्लिनिकल, इंवेस्टीगेटिव और थेरोप्यूटिक प्रोफाइल।
11. एनाटोमिकल और रेडियोलॉजिकल विधियों द्वारा ह्यूमर और नॉन ह्यूमर लंबी हड्डियों का तुलनात्मक अध्ययन।
12. इंट्राक्रेनियल दबाव के बारे में व्यापक नेक डिसेक्शन के दौरान आई जे वी लिगेशन का प्रभाव।
13. सी टी स्कैन्स का उपयोग करते हुए एल्व्योलर रिज से साइनस फ्लोर तक पोस्ट केनाइन मैक्सिला का बोन हाइट मापन।
14. कुशिंग के सिंड्रोम रोगियों का निदान एवं विभेदक निदान।
15. अस्थि मिनरल घनत्व और एडिपोसिटी के साथ गैर एल्कोहलिक यकृत वसा रोग का सह संबंध।
16. संयोजी ऊतक रोगों वाले रोगियों के सीने में इंटरस्टिशियल फेफड़ों के रोग की बीमारी गतिविधि के आकलन में पीईटी / सीटी / एचआरसीटी की उपयोगिता
17. लेग्ग–कालव पेर्थेस रोग वाले बच्चों में कूल्हे की आर्थोस्कोपी और इसके साथ पारस्परिक इमेजिंग।
18. ए सी एल पुनर्निर्माण में एम डी सी टी।
19. बड़ी जी आई सर्जरी : प्रत्याशित अवलोकन अध्ययन में डी वी टी का प्रभाव।
20. पीडियाट्रिक आबादी में फ्यूज्ड पी ई टी / सी टी की डायग्नॉस्टिक गुणवत्ता से समझौता किए बिना कुल रेडिएशन मात्रा को कम करने हेतु पीईटी / सीटी प्रोटोकॉल का ऑप्टिमाइजेशन।
21. प्रोस्टेट कैंसर में पूरे शरीर 18 एफ – एन ए एफ पी ई टी–सी टी इमेजिंग के साथ पूरे शरीर प्रसार भारित चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग की तुलना।
22. सारकॉइडोसिस वाले रोगियों में दोबारा होने का पूर्वानुमान करने वाले कारक।

23. तीव्र एपेंडिसाइटिस वाले रोगियों में नैदानिक स्कोरिंग प्रणाली का मूल्यांकन।
24. गंभीर डेंगू बुखार में बायोमार्कर।
25. ए आर टी प्रेरित डिसलिपिडेमिया पर एचआईवी रोगियों में सी आई एम टी।
26. एसोफेगस के कार्सिनोमा के मूल्यांकन में सी टी एसोफेगोग्राफी की भूमिका।
27. व्हिपल की प्रक्रिया के बाद रिमंट पैंक्रियाटिक वॉल्यूम और न्यू ऑनसेट डायबिटीज़ मेलिटस का मूल्यांकन।
28. एसोफेगस कार्सिनोमा की पूर्व परिचालन स्थिति में पी ई टी – सी टी का प्रत्याशित मूल्यांकन।
29. क्रॉनिक किडनी रोग में नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर रोग और मेटाबोलिक सिंड्रोम।
30. स्तर 1 ट्रॉमा सेंटर में पेट दर्द वाले रोगियों में लैप्रोस्कोपी की भूमिका का पूर्वव्यापी और भावी अध्ययन का मूल्यांकन करना।
31. एकल चरण के बाद जीवन की गुणवत्ता की तुलना बनाम सहवर्ती पित्त पथरी और सीबीडी पथरी के साथ रोगियों के दो चरण प्रबंधन : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
32. हाइपोटोनिक वाले बच्चों में अल्ट्रासोनोग्राम कंकाल की मांसपेशी का एक अध्ययन का मूल्यांकन।
33. ट्रांस आर्टेरियल कीमोएम्बोलाइजेशन किए जा रहे रोगियों में लिवर फंक्शन के मूल्यांकन हेतु इंडोसाइनिन ग्रीन टेस्ट का उपयोग। दिसंबर 2014 को पूरा किया गया।
34. हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा के रोगियों में निम्नलिखित लोकोरिजनल चिकित्सा के चिकित्सीय प्रतिक्रिया के मूल्यांकन के लिए कंट्रास्ट इंहांस्ड अल्ट्रासाउंड की भूमिका। (मार्च 2014 में पूरा)

प्रकाशन

जर्नल : 87 **पुस्तकों में अध्याय : 4** **पुस्तक : 1**

रोगी उपचार

विभाग में इमेजिंग के लिए आधुनिकतम सुविधाएं हैं। हमारे पास इस समय आठ डिजिटल फ्लैट पैनल रेडियोग्राफी यूनिट, 8 डिजिटल पोर्टेबल रेडियोग्राफी यूनिट, 4 पारंपरिक पोर्टेबल रेडियोग्राफी यूनिट, दो डिजिटल फ्लैट पैनल फ्लोरोस्कोपी यूनिट, दो पारंपरिक फ्लोरोस्कोपी यूनिट और दो फ्लैट पैनल डीएसए लैब, कलर डोप्पलर के साथ 13 अल्ट्रासाउंड स्कैनर, चार पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड यूनिट, 3 सीटी स्कैनर, जिनमें से एक ड्यूल एनर्जी स्कैनर है, एक 1.5 टेक्स्ला एम आर स्कैनर, एक फुल फील्ड डिजिटल मैमोग्राफी यूनिट और एक डेक्सा यूनिट हड्डी का घनत्व मापने के लिए है। विभाग मुख्य अस्पताल में सभी क्लिनिकल विभागों की आपातकालीन नैदानिक एवं हस्तक्षेप प्रक्रियाओं सहित बड़ी संख्या में नैदानिक एवं हस्तक्षेप रेडियोलॉजी प्रक्रियाएं निष्पादित करता है। यह आपातकालीन नैदानिकी तथा हस्तक्षेप प्रक्रियाओं के लिए 24 घण्टे का कवरेज प्रदान करता है। सप्ताह में 25 से अधिक क्लिनिक–रेडियोलॉजिकल सम्मेलन आयोजित किए गए जिनमें क्लिनिकल सहयोगियों के साथ इमेजिंग अन्वेषणों पर चर्चा की गई। विभाग में वर्ष 2014 – 15 के दौरान 3 लाख से अधिक अन्वेषण किए गए। हम दक्षता को बढ़ाने के लिए आर्काइविंग तथा इलेक्ट्रॉनिक रिपोर्टिंग में बदलाव तथा काम पूरा करने के समय में कमी लाने के लिए सघन प्रयास कर रहे हैं। समीक्षाधीन अवधि के दौरान विभाग द्वारा ये उपकरण खरीदे गए। एक डिजिटल फ्लैट पैनल रेडियोग्राफी प्रणाली, एक डिजिटल रेडियोग्राफी कम फ्लोरोस्कोपी प्रणाली, मौजूदा एम आर आई मशीन का उन्नयन, ऑटोमेडिट लिवर वॉल्यूमेट्री सॉफ्टवेयर, एमआरआई के लिए स्तन एक्सेसरी और एक पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड सिस्टम।

क्र. सं.	जांच / विशेष प्रक्रिया के नाम	जांचों की कुल संख्या
1	**नियमित एक्स रे**	
	• ओ पी डी • आंतरिक • दुर्घटना • वहनीय	97734 23388 50143 49673
		....
	कुल नियमित एक्स रे	**220938**

	विशेष जांच	
2	• बेरियम का अध्ययन • अंतःशिरा पायेलोग्राफी • मिक्टुरेटिंग सीस्टोरेथ्रोग्राफी • हिस्टेरोसाल्पिंगोग्राफी • ऑपरेशन थियेटर अध्ययन • अन्य कंट्रास्ट के अध्ययन **कुल**	1713 1815 1543 798 84 1197 .... **7150**
3	**मैमोग्राफी**	**2851**
4	**डेक्सा स्कैन**	**736**
5	**अल्ट्रासाउंड**	
	• नियमित • आपातकालीन • डॉप्लर (दिनचर्या + दुर्घटना) **कुल**	30158 20990 3435 .... **54583**
6	**सीटी** • शरीर • सिर **कुल**	 15754 6541 .... **22295**
7	**संवहनी अध्ययन** • डिजिटल घटाव एंजियोग्राफी (डी एस ए)	 1215
8	**एम आर आई** • रेडियोडायग्नोसिस विभाग में प्रदर्शन • एन एम आर विभाग में प्रदर्शन **कुल**	 2123 3481 .... **5604**
9	**हस्तक्षेप प्रक्रिया** • अल्ट्रासाउंड – निर्देशित • सीटी – निर्देशित • संवहनी • मैमोग्राफी बायोप्सी / एफ एन ए सी **कुल**	 3588 663 1660 92 .... **6003**
	कुल विशेष जांच	**100437**
	महायोग (दिनचर्या + स्पेशल)	**321375**

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. अरुण के. गुप्ता को 28 फरवरी 2015 को इंडियन रेडियोलॉजिकल एण्ड इमेजिंग एसोसिएशन के दिल्ली अध्याय से ''डिस्टिंग्विश्ड सर्विस एवॉर्ड'' प्रदान किया गया। वे रोटावायरस डायरिया टीका विकास कार्यक्रम के ''इनटूससेप्शन केस एडजुडिकेशन कमेटी'' के सदस्य भी हैं।

प्रो. दीप एन श्रीवास्तव राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी के मानद सचिव के रूप में नामित किया गया था (एनएएमएस), नई दिल्ली, भारत। उन्होंने मेडिकल नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज (एनए एमएस), नई दिल्ली, भारत के अचंता लक्ष्मीपति ओरेशन दिया।

प्रो. राजू शर्मा को इंडियन रेडियोलॉजी एण्ड इमेजिंग एसोसिएशन द्वारा एकेडमिक एक्सिलेंस एवॉर्ड 2014 – 15 दिया गया है। इंडियन रेडियोलॉजी एण्ड इमेजिंग एसोसिएशन द्वारा वर्ष 2015 – 16 के लिए वे ''एब्डोमिनल इमेजिंग के लिए सुपर स्पेशलिटी हैड'' पहली बार नियुक्त किए गए। वे डीन रिसर्च कमेटी, एम्स, नई दिल्ली के सदस्य भी हैं।

प्रो. संजय शर्मा आर एम एल एच (दिसंबर 2014); मेम्बर टेकनिक स्पेसिफिकेशंस कमेटी जीओआई (एम एच एफ डब्ल्यू), जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑफथेल्मोलॉजी एण्ड रिसर्च की राष्ट्रीय सलाहकार समिति के सदस्य, डिजिटल फ्लैट पैनल डिटेक्टर खरीदने के लिए एम एच एफ डब्ल्यू के लिए भारत सरकार के बाहरी विशेषज्ञ, आर एम एल एच के लिए दो मशीनें (दिसंबर 2014); सदस्य, 256 स्लाइस मल्टी डिटेक्टर सी टी को आर एम एल अस्पताल के लिए खरीदने की तकनीकी विशिष्टि समिति, भारत सरकार (एम एच एफ डब्ल्यू) के सदस्य (जनवरी 2015) ''बायो मेडिकल इंजी.'' के लिए आई सी एम आर, नई दिल्ली में परियोजना समीक्षा समिति (पी आर सी) के सदस्य (मार्च 2015)।

प्रो. आशु सेठ भल्ला इंडियन रेडियोलॉजिकल एण्ड इमेजिंग एसोसिएशन की दिल्ली राज्य शाखा द्वारा एकेडमिक एक्सिलेंस एवार्ड 2014 – 15 दिया गया, आई आर आई ए इंडियन रेडियोलॉजी एण्ड इमेजिंग एसोसिएशन के प्रथम सुपर स्पेशलिटी शीर्ष (चेस्ट रेडियोलॉजी) के रूप में नियुक्त – जुलाई 2014

डॉ. स्मृति हरि को ब्रेस्ट इमेजिंग सोसायटी (इंडिया) के लिए 2014 – 16 की अवधि हेतु महा सचिव नियुक्त किया गया।

डॉ. अतिन कुमार इंडियन रेडियोलॉजी एण्ड इमेजिंग एसोसिएशन के दिल्ली अध्याय का उपाध्यक्ष चुना गया।

डॉ. चंदन जे. दास सदस्य, कोर समिति, इंडेक्स टीवी दिशानिर्देश की बैठक, केंद्रीय टी बी प्रभाग, एम ओ एच एफ डब्ल्यू, एडिशन बोर्ड मेम्बर, इंडियन जर्नल ऑफ चेस्ट डिजीज और एलाइड साइंस (आई जे सी डी ए एस)।

डॉ. मधुसूदन के. एस. ''फ्लैट पैनल सीटी के विकास'' की परियोजना के लिए रेडियोलॉजी विशेषज्ञ समीक्षक सदस्य थे, बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री रिसर्च असिस्टेंट काउंसिल (भारत सरकार का उद्यम), ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया के लिए रेडियोलॉजी विशेषज्ञ सदस्य; नेशनल इनिशिएटिव एलाइड हेल्थ साइंस के लिए कार्य दल के रेडियोलॉजी विशेषज्ञ सदस्य जो रेडियोलॉजिक तथा इमेजिंग तकनीक के लिए पाठ्यचर्या तैयार करता है।

डॉ. देवासनाथीपाथी कंडासामी को नेपाल की थोरेसिक सोसायटी की मानद सदस्यता मिली।

डॉ. शशि पॉल यूरोपीय रेडियोलॉजी और ट्रॉपिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के जर्नल समीक्षक थे।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. सुधाकर पिपवाथ, एसोसिएट प्रोफेसर, वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सिएटल, यू एस ए
2. डॉ. संगीत घई, एसोसिएट प्रोफेसर, टोरंटो विश्वविद्यालय, कनाडा
3. डॉ. हंस पीटर वेस्टकॉट, सिलोह जर्नल अस्पताल, हनोवर, जर्मनी

9.36 प्रजनन जैव विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

आनंद कुमार

आचार्य

आशुतोष हलदर

अपर आचार्य

प्रदीप कुमार चतुर्वेदी

सहायक आचार्य

सुरभि गुप्ता मोना शर्मा

विशिष्टताएं

विभाग द्वारा 29 अक्टूबर 2014 को के. आर. लुमास मेमोरियल ओरेशन का आयोजन किया गया जो प्रोफेसर जी.पी. तलवार द्वारा दिया गया था। विभाग मुख्य रूप से शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुसंधान और प्रकाशन से संबंधित कार्य के अलावा नैदानिक सेवाओं और भारत के विभिन्न भागों से मार्गदर्शन / सलाह देने / परामर्श रेफरल मामलों में शामिल है। सीआरआईए सुविधा द्वारा कैंसर मार्कर, थायरॉइड प्रोफाइल और प्रजनन हार्मोन सहित 16 मापदंडों के लिए परीक्षण प्रदान किए जाते हैं। तीस नए परीक्षण शुरू करने की अनुमति प्राप्त की गई है और ये परीक्षण जल्द ही मरीजों की देखभाल के लिए उपलब्ध हो जाएंगे। विभाग द्वारा हमारे अपने पीएच. डी. छात्रों और विभिन्न प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण शिक्षण प्रदान किया गया। विभाग द्वारा विभिन्न फ्लोरोसेंट सीटू संकरण (एफ आई एस एच) और पोलीमरेज़ चेन रिएक्शन (पीसीआर) से संबंधित सेवाओं के रूप में प्रजनन, सीधे या बाल रोग हृदय या नैदानिक रुधिरविज्ञान से अनुरोध पर और साथ ही दिल्ली के बाहर से आने वाले रेफरल मामलों में अनुरोध पर परामर्श / राय प्रदान किए जाते हैं। अधिकांशतः नैदानिक परामर्श सेल्फ रेफरल वेब खोज (प्रजनन संबंधी विकार, कुरूपता, कैंसर, आदि के मामले थे) के बाद किया गया था। विभाग के संकाय सदस्यों को विभिन्न शैक्षणिक योगदान के लिए कई राष्ट्रीय शिक्षाविदों (एनआईआई आचार समिति, एनएबीएल विशेषज्ञ समिति की बैठक कृषि विशेषज्ञ बैठक मंत्रालय आईसीएमआर ए पी चयन समिति, आदि) द्वारा आमंत्रित किया गया था।

शिक्षा

विभाग के साप्ताहिक सेमिनार / जर्नल क्लब और प्रतिदिन मामले वार / प्रयोगशाला कार्य चर्चा के साथ एक पीएच डी कार्यक्रम है। यह वर्तमान में छः पीएच डी छात्रों और एक पोस्ट डॉक्टरल अध्येता है। यह प्रयोगशाला चिकित्सा में एम डी और जैव रसायन में एम डी के लिए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम है।

प्रदत्त व्याख्यान

आनंद कुमार : 6 **आशुतोष हलदर : 12** **सुरभि गुप्ता : 2**

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. एफ आई एस एच नेगेटिव नैदानिक रूप से संदेहास्पद 22 क्यू 11.2 माइक्रोडिलिशन संलक्षणों में एरे तुलनात्मक जीनोमिक हाइब्रिडाइजेशन (ए सी जी एच) द्वारा उप–माइक्रोस्कोपिक क्रोमोसोमल इम्बेलेंस तथा यूनिपेरेंटलडिसॉमी हेतु एक जांच। हलदर ए, आई. सी. एम. आर., 4 वर्ष, 2011 –15, 40 लाख रुपए।
2. माइक्रोडिलेशन सिंड्रोम में फिनोटाइपिक विजातीयता/ परिवर्तनशीलता के तंत्र का पता लगाने के लिए एक जांच। हलदर ए, अ. भा. आ. सं., 2 वर्ष, पिछले परियोजना के निरंतरता / विस्तार की वजह से अभी तक शुरू नहीं हुआ 2013 में अनुमोदित, 10 लाख रुपए।

3. अधिप्राप्त एच सी जी किट्स हेतु गुणवत्ता नियंत्रण। पी. के. चतुर्वेदी, एच एल एल लाइफ केयर लिमिटेड, गुड़गांव, वर्ष, 4.20 लाख रुपए।
4. सीमेन गुणवत्ता पर सी वाई पी 450ए1, जी एस टी टी1, जी एस टी एम1 तथा पर्यावरण प्रदूषकों के जीन–वातावरण अन्योन्यक्रिया का संभावित प्रभाव (डी एस टी महिला वैज्ञानिक कार्यक्रम के तहत)। पी. के. चतुर्वेदी (डी एस टी महिला वैज्ञानिक कार्यक्रम के तहत) नीरज पंत, डी एस टी, 3+ वर्ष, 2011–14, 23.76 लाख रुपए।

पूर्ण

1. टेस्टीकुलर जर्म सेल प्रतिबंध (परिपक्वता प्रतिबंध) : फीनोटाइप – जीनोटाइप सह–संबंध की जांच। हलदर ए, अ. भा. आ. सं., 3+ वर्ष, 2012 से 2015, 14.5 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. लेडिग सेल में वी ई जी एफ प्रजनन के विनियमन में 3, 5, 3′ – एल ट्राईआयोडोथायरोनिन (टी3) की भूमिका।
2. टेस्टीकुलर जर्म सेल प्रतिबंध (परिपक्वता प्रतिबंध) : फीनोटाइप – जीनोटाइप की जांच।
3. मैक्रोप्रोलेकटिनेमिया का इटियोपैथोलॉजी।
4. इटियोलॉजी और पॉलीसिस्टिक ओवरियन सिंड्रोम का बायो मार्कर।

पूर्ण

1. लिंग अनुपात की गतिशीलता

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. एच आई एफ संक्रमित व्यक्ति में सक्रिय तपेदिक और निमोनिया के विकास पर विटामिन डी पूरकता के प्रभाव को निर्धारित करने के लिए एक संभावित, डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
2. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम के क्लिनिकल, चयापचय और हार्मोनल पैरामीटरों पर मैटफॉर्मिन के साथ मायोइनोसिटॉल की दक्षता के आकलन हेतु यादृच्छिक क्लिनिकल परीक्षण।
3. मध्यम से गंभीर रुकावटपूर्ण नींद एपनिया के रोगियों में तंत्रिका बोधात्मक क्षति पर निरंतर धनात्मक वायुमार्ग दबाव उपचार के प्रभाव।
4. गंभीर ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया सिंड्रोम के लिए मध्यम में एंडोथिलियल कार्य।
5. मध्यम से गंभीर रुकावटपूर्ण नींद एपनिया के रोगियों में तंत्रिका बोधात्मक क्षति पर निरंतर धनात्मक वायुमार्ग दबाव उपचार के प्रभाव।
6. एकाधिक मायलोमा में अस्थि मज्जा माइक्रोएनवार्यनमेंट की भूमिका।
7. प्रोटीन प्रोफाइलिंग द्वारा इंडोमेट्रोसिस के विकृति शरीर क्रिया विज्ञान को समझना तथा तनाव के साथ इसका सह संबंध।
8. शुक्राणुजनन में माइक्रो आरएनए की भूमिका।
9. अस्पष्टीकृत मृत प्रसव के आणविक आनुवंशिक मूल्यांकन।
10. प्रारंभिक अपरिपक्व टी–कोशिका तीव्र लिम्फोब्लासटिक ल्यूकेमिया की आण्विक जीव विज्ञान।
11. पारंपरिक नैदानिक विकृति विज्ञान पैरामीटरों वाले गैस्ट्रिक एडेनोकार्सिनोमा और सह– संबंध में सी एम ई टी अभिव्यक्ति का मूल्यांकन – एक वर्णनात्मक अध्ययन।
12. ग्रीवा अंतःउपकला रसौली के हिस्टोलॉजिक ग्रेड के एक मार्कर के रूप में ग्रीवा कोशिका विज्ञान नमूनों में एचटीईआरसी प्रवर्धन का मूल्यांकन।
13. मानव स्वास्थ्य में गैर – आयोनाइजिंग विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र का प्रभाव।
14. सामान्य और गैर गतिशील शुक्राणु संभव मामलों और मार्करों में शुक्राणु प्रोटियोमिक्स अंतर प्रोटीन अभिव्यक्ति।
15. इसके विपरीत प्रेरित अपवृक्कता के निदान में लिपोकैलिन संबद्ध यूरिनरी न्यूट्रोफिल गेलटिनस की भूमिका।

16. निचले भाग सीजेरियन सेक्शन रोगियों में सीरम प्रोजेस्टेरोन और पोस्टोपरेटिव एनाल्जेसिक आवश्यकता के साथ प्रोलैक्टिन स्तर और पूर्व शल्य चिकित्सा दर्द भावी प्रश्नावली के बीच सहसंबंध।

पूर्ण

1. टेस्टीकुलर कार्य, यौन कार्य और जीवन की गुणवत्ता पर लेपेरोस्कोपिक पूर्णता से अतिरिक्त पेरिटोनियल (टी ई पी) तथा ट्रांस एब्डोमिनल पेरिटोनियल (टी ए ए पी) इनग्विनल हर्निया सुधार के बाद भविष्यलक्षी यादृच्छिक तुलना।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 8 **सार : 4** **पुस्तकों में अध्याय : 2**

रोगी उपचार

केंद्रीय आरआईए सुविधा

सुविधा में अंतरंग रोगियों तथा बाह्य रोगियों के रक्त नमूनों में एल एच, एफ एस एच, प्रोलेक्टिन, टी3, टी4, टी एस एच, टेस्टोस्टेरोन, एस्ट्राडियोल, प्रोजेस्टेरोन, अल्फा फीटो प्रोटीन, प्रोस्टेट स्पेसिफिक एंटीजन (पी एस ए), बीटा एच सी जी, सी ए–125 तथा कोर्टिसोल और विटामिन डी के लिए नियमित जांचें की गई।

शुरूआती नए परीक्षण (एंटी टी पी ओ, एंटी टी जी, फ्री टी3, फ्री टी4, बी एन पी, ट्रोपोनिन आई, सी के एम बी, होमोसाइस्टाइन, एस एच बी जी, सी ई ए, सी ए 19.9, सी ए 15.3, फ्री पी एस ए, प्रो ग्रेप, एच ई 4, एक्टिव बी 12, फेरिटिन, फोलेट, इंसुलिन, पी टी एच, सी – पेप्टाइड, एच बी ए 1 सी और एंटी सी सी पी, डी एच टी, 17 हाइड्रोक्सीप्रोजेस्टेरोन, ए सी टी एच, जी एच, इंहिबिन बी और एएमएच) के लिए अनुमति दी गई है और जल्द ही रोगी उपचार के लिए उपलब्ध हो जाएगी।

जांच का नाम	किए गए परीक्षण की संख्या	जांच का नाम	किए गए परीक्षण की संख्या
एफ एस एच	5072	टेस्टोस्टेरॉन	1397
एल एच	4382	एस्ट्राडियोल	809
प्रोलेक्टिन	4143	प्रोजेस्टेरॉन	194
डी एच ई ए – एस	256	ए एफ पी	5273
टी3		13084	पी एस ए 2768
टी4		16028	बीटा एच सी जी 1567
टी एस एच	26888	सीए – 125	2087
विटामिन डी	6967	कोर्टिसॉल	405
कुल			**91321**

निष्पादित की गई जांचों की संख्या पिछले वर्ष 77,382 से बढ़कर इस वर्ष 91,321 हो गई है।

एंड्रोलॉजिकल परीक्षण : पूरे किए गए सीमन विश्लेषण : 126, पूरे किए गए फ्रूक्टोज विश्लेषण : 126

बाह्य रोगी सेवा में रोगी देखभाल : मानक बाह्य रोगी सेवा के भाग के रूप में नहीं पुरुष प्राथमिक हाइपोगोनेडिज्म, आवर्तक गर्भपात, आवर्तक आई वी एफ विफलता, आनुवंशिकी विकारों और मैलफॉर्मेशन सिंड्रोम में विशेष रूप से परामर्श / प्रबंधन की योजना / सलाह और प्रजनन आनुवंशिकी से संबंधित के लिए दिल्ली के अन्य अस्पतालों या स्वयं रेफरल में मुख्य रूप से डॉ. हलदर के लिए लगभग 100 से अधिक मामले भेजे गए थे।

प्रयोगशाला सेवा के रूप में कार्य का भार : मानकीकृत अतिरिक्त आणविक साइटोजेनेटिक तकनीक (सीटू संकरण सेवाओं में चल रहे फ्लोरोसेंट के अलावा में) एसटीआर / माइक्रोसेटेलाइट मार्कर का उपयोग रोगी देखभाल के लिए उपयोग किया जाता है।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर आनंद कुमार : इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, सेलुलर फिजियोलॉजी एंड बायोकेमिस्ट्री मॉलिकुलर बायोलॉजी रिपोर्ट्स, जर्नल ऑफ एनिमल साइंस एंड टेक्नोलॉजी के सम्पादकीय / सलाहकार बोर्ड /कार्यकारी सदस्य है। वह एनआईएचएफडब्ल्यू, संस्थागत समीक्षा बोर्ड (आईआरबी) के सदस्य, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, आचार समिति के सदस्य है। पीएचडी के परीक्षक (विभिन्न विश्वविद्यालय)।

प्रोफेसर आशुतोष हलदर : ओपन जर्नल ऑफ क्लिनिकल डायग्नोस्टिक्स ऑफ साइंटिफिक रिसर्च के संपादकीय / सलाहकार बोर्ड/ कार्यकारी सदस्य है (200 से अधिक ओपन एक्सेस जर्नल प्रकाशित; जर्नल ऑफ क्लीनिकल केस रिपोर्ट एंड रिव्यू (सीसीआरआर); जेबीआर जर्नल ऑफ क्लिनिकल डायग्नोसिस एंड रिसर्च; एशियन जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज (2012 तक); ऑस्टिन जर्नल ऑफ रिप्रोडक्टिव मेडिसिन एंड इंफर्टिलिटी; बायो इंफो पब्लिकेशंस जर्नल (70 से अधिक ओपन एक्सेस और 70 से अधिक सदस्यता आधारित सहकर्मी की समीक्षा की पत्रिकाएं प्रकाशित); ग्लोबल जर्नल ऑफ ह्यूमन जेनेटिक्स एंड जीन थेरैपी; क्लीनिकल रिसर्च एंड डेवलपमेंट : ओपन एक्सेस; एशियन जर्नल ऑफ फार्मास्यूटिकल एंड क्लिनिकल रिसर्च; जर्नल ऑफ द एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस ऑफ इंडिया (जेनेटिक्स सेक्शन); नैदानिक अनुसंधान और विकास; इनोवेर जर्नल ऑफ मेडिकल साइंस। भारतीय चिकित्सा परिषद (कार्य दल के सदस्य, बोर्ड ऑफ स्पेशिएलिटी ऑफ मेडिकल जेनेटिक्स; राष्ट्रीय प्रत्यायन परीक्षण एवं अंशांकन प्रयोगशाला बोर्ड (एनएबीएल); प्रत्यायन समिति; आनुवंशिकी और कोशिकाजनन प्रकरण विशेषज्ञ); नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी (स्टेम कोशिका अनुसंधान और उपचार संस्थागत समिति); कृषि मंत्रालय (एंडोक्राइन डिसरप्टर्स एंड पेस्टीसाइट्स कमिटी); आईसीएमआर जेनेटिक रिसर्च सेंटर, मुंबई (वैज्ञानिक सलाहकार समिति); संवर्धन आकलन बोर्ड के आईसीएमआर वैज्ञानिक, आईसीएमआर; डीएम परीक्षा के परीक्षक, मेडिकल जेनेटिक्स (एसजीपीजीआईएमएस); पीएचडी के परीक्षक (विभिन्न विश्वविद्यालय)।

डॉ. पी. के. चतुर्वेदी : जर्नल ऑफ एंड्रोलॉजिया इंस्टीट्यूट (हस्तलिपि/ वैज्ञानिक पत्र) के जर्नल रिव्यूअर / आईसीएमआर और डीबीटी परियोजना समीक्षक के सरकारी समिति के सदस्य, एनआईएचएफडब्ल्यू के क्रय समिति के सदस्य। पीएचडी के लिए परीक्षक; ब्रिटिश मेडिकल जर्नल के समीक्षक (बीएमजे /2007/ 488858); कैंसर विज्ञान अनुसंधान (ओआरएम–ए–250); प्रसव पूर्व निदान; प्रजनन, प्रजनन क्षमता और विकास; जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक जेनेटिक्स; ब्रिटिश जर्नल ऑफ मेडिसिन एंड मेडिकल रिसर्च; ऑस्टिन जर्नल ऑफ रिप्रोडक्टिव मेडिसिन एंड इंफर्टिलिटी; साइंस डोमेन इंटरनेशनल; मेडिकल साइंस मॉनिटर; ओमान मेडिकल जर्नल; डव मेडिकल प्रेस जर्नल्स (स्तन कैंसरः लक्ष्य और थेरेपी; नैदानिक आनुवंशिकी आवेदन; जर्नल ऑफ क्लिनिको – इकोनॉमिक्स एंड आउटकम्स रिसर्च; ओपन एक्सेस जर्नल ऑफ कॉन्ट्रासेप्शन; एचआईवी / एड्स – अनुसंधान और प्रशामक देखभाल; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ वूमन्स हेल्थ, फार्माकोजेनोमिक्स और पर्सनलाइज्ड मेडिसिन; इंटरनेशनल मेडिकल जर्नल केस रिपोर्ट; रोगी प्राथमिकता और पालन; आदि); जर्नल ऑफ क्लीनिकल डायग्नोसिस एंड रिसर्च; साइंस जर्नल ऑफ मेडिसिन एंड क्लीनिकल ट्रायल्स; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिकल एंड फार्मास्युटिकल केस रिपोर्ट; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जेनेटिक्स एंड मॉलिकुलर बायोलॉजी; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिसिन एंड मेडिकल साइंसेज; जर्नल ऑफ मेडिसिन एंड मेडिकल साइंसेज; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जनरल मेडिसिन; जैव विज्ञान और औषधि अनुसंधान में मुद्दे; अफ्रीकन जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी रिसर्च; नैदानिक समीक्षा और राय; जर्नल ऑफ द तुर्की–जर्मन गायनेकोलॉजिकल एसोसिएशन। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च; इंडियन पीडियाट्रिक्स; इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स; इंडियन जर्नल ऑफ ह्यूमन जेनेटिक्स; जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च; द एंथ्रोपोलॉजिस्ट; इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री; जर्नल ऑफ मैक्सिलोफेशियल एंड ओरल सर्जन्स ऑफ इंडिया; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जेनेटिक्स; इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी और फार्माकोलॉजी; एशियन जर्नल ऑफ वॉटर, एनवार्यनमेंट एंड पॉल्यूशन; आदि।

9.37 शल्य चिकित्सा

निदेशक

एम. सी. मिश्रा

आचार्य एवं अध्यक्ष

अनुराग श्रीवास्तव

आचार्य

सुनील चुम्बर	राजेंद्र प्रसाद
वी. सीनू	संदीप अग्रवाल

अपर आचार्य

वी. के. बंसल	अनीता धर	सुबोध कुमार (ट्रॉमा सेंटर)
अमित गुप्ता (ट्रॉमा सेंटर)	मनीष सिंघल (ट्रॉमा सेंटर)	सुषमा सागर (ट्रॉमा सेंटर)
	विप्लब मिश्रा (ट्रॉमा सेंटर)	

सहायक आचार्य

हिमांग के. भट्टाचार्जी	असूरी कृष्णा	पीयूष रंजन
मंजुनाथ मारुति पॉल		मोहित जोशी

विशिष्टताएं

हमारा विभाग न्यूनतम भेदक, वक्ष, गुर्दे प्रत्यारोपण, स्तन और जठरांत्र और बैरिएट्रिक सर्जरी में शामिल है। हम एक स्तन कैंसर और गुर्दे प्रत्यारोपण क्लीनिक चला रहे हैं। शल्य चिकित्सा विभाग 12–15 मार्च, 2015 में 9वां एम्स शल्य चिकित्सा सप्ताह और 28 फरवरी से 1 मार्च 2015 तक शल्य चिकित्सा में क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा का आयोजन किया गया। एम्स के स्तन पाठ्यक्रम पर 17–18 नवंबर 2014 और 29–30 मार्च, 2015 का आयोजन किया। हमने 5 अप्रैल 2015 को वक्ष शल्य चिकित्सा संगोष्ठी का भी आयोजन किया। इसके अलावा, हम मूलभूत और उन्नत लेप्रोस्कोपिक प्रशिक्षण के लिए न्यूनतम भेदक प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहा है।

शिक्षा

(क) 5.00 से 6.00 तक प्रत्येक बुधवार को संगोष्ठी।

(ख) 5.00 से 6.00 तक प्रत्येक सोमवार को सीनियर रेजीडेंट द्वारा मामले का प्रस्तुतीकरण।

(ग) सप्ताह में एक बार प्रत्येक इकाई में जूनियर रेजीडेंट द्वारा पत्रिका क्लब प्रस्तुत किया।

(घ) सप्ताह में एक बार प्रत्येक इकाई में जूनियर रेजीडेंट द्वारा मृत्यु दर और गतिशीलता दौर।

(ड.) एमबीबीएस छात्रों के लिए व्याख्यान।

(च) नर्सिंग छात्रों के लिए व्याख्यान।

(छ) विभाग के न्यूनतम भेदक शल्य चिकित्सा प्रशिक्षण केंद्र में निम्नलिखित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए गए :

1. मूल और उन्नत लेप्रोस्कोपिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम : 10
2. लेप्रोस्कोपिक हर्निया सर्जरी : 7
3. लेप्रोस्कोपिक कोलोरेक्टल सर्जरी : 2
4. लेप्रोस्कोपिक सिलाई : 2

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. नौ अ. भा. आ. सं. शल्य चिकित्सा सप्ताह, इंटरनेशनल मिनीमल एसेस सर्जरी सम्मेलन सीएमई सह लाइव कार्यशाला, एंडोसर्ज – 2015, 12 – 15 मार्च, 2015, एम्स, नई दिल्ली
2. महिला दिवस का उत्सव, 19 मार्च 2015, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
3. सर्जरी पर सी एम ई, 2015, 22 फरवरी 2014, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
4. अ. भा. आ. सं. स्तन पाठ्यक्रम, 17 – 18 नवम्बर 2014 और 29 – 30 मार्च 2015, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली
5. दिल्ली स्टेट चेप्टर ऑफ एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया की मासिक बैठक, 21 फरवरी 2015, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान

अनुराग श्रीवास्तव : 7	**राजेंद्र प्रसाद : 4**	**संदीप अग्रवाल : 11**
वी. के. बंसल : 9	**अनिता धर : 4**	**हिमांग के. चट्टाचार्जी : 3**
पीयूष रंजन : 9	**मंजुनाथ मारुति पॉल : 4**	**मोहित जोशी : 5**

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुति : 22

* सर्वोत्तम पत्र पुरस्कार : दूसरा पुरस्कार

** सर्वोत्तम पोस्टर पुरस्कार : 08/02/15, क्रिश्चयन मेडिकल कॉलेज, लुधियाना

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. ऑपरेशन के समय जैविक अवशेष्य स्टेपल लाइन रीइनफोर्समेंट के उपयोग का प्रभाव तथा लेपरोस्कॉपिक स्लीव गेस्ट्रेक्टोमी कराने वाले हुत मोटे रोगियों में (बी एम आई झ 50 कि. ग्रा. / वर्ग मीटर) ऑपरेशन के पश्चात् रक्तस्राव, संदीप अग्रवाल, अ. भा. आ. सं., आंतरिक अनुदान. 3 वर्ष, 2013–15, 5 लाख रुपए।
2. नैदानिक परिणाम के साथ कम धमनी रोग और अपने सहयोग में नाइट्रिक ऑक्साइड, नाइट्रिक ऑक्साइड सिंथेस, संवहनी एंडोथिलियल वृद्धि कारक, इंटरल्यूकिन का मूल्यांकन. अनीता धर. एम्स आंतरिक अनुदान. 5 लाख रुपए।
3. स्टेमपेयूसेल इंट्रामस्क्युलर एडमिनिस्ट्रेशन का एक गैर यादृच्छिक, ओपन लेबल, मल्टी–सेंट्रिक डोज रैंगिग, चरण 2 अध्ययन के प्रभाव और सुरक्षा का आकलन – बेर्गेर रोग की वजह से महत्वपूर्ण लिम्ब इस्चेमिया के साथ रोगियों में सीएलआई™ (पूर्व विवो कल्चरर्ड वयस्क अस्थि मज्जा व्युत्पन्न एलोजेनिक मेसेकाइमल स्टेम सेल). अनीता धर. स्टेमपेयूटिक्स इंडिया लिमिटेड, 50 लाख रुपए।
4. क्रोनिक किडनी रोग वाले रोगियों में धमनी फिस्टुला की परिपक्वता में क्लिनिक रोग कारकों का एक भावी अध्ययन. हिमांग के. चट्टाचार्जी. एम्स. 2014–15, 5 लाख रुपए।

पूर्ण

1. ग्राफ्ट फंक्शन पर टेकरोलिमस रक्त स्तरों और रीनल प्रतिरोपण के बाद रोगियों में समग्र जीवन की गुणवत्ता के प्रभाव के सह संबंध का एक भावी अध्ययन, विरेंद्र कुमार बंसल, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 15 लाख रुपए, जनवरी 2012 से अप्रैल 2015
2. क्रोनिक क्रिटिकल लिम्ब इस्चेमिया के साथ रोगियों में विच्छेदन की रोकथाम में ऑटोलॉगस स्टेम कोशिकाओं सुरक्षा और की प्रभावकारिता. अनीता धर. डीबीटी, 75 लाख रुपए

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. जीवित संबंधी गुर्दा प्रत्यारोपण में लेप्रोस्कोपिक दाता नेफ्रेक्टोमी बनाम खुले दाता नेफ्रेक्टोमी का एक तुलनात्मक अध्ययन।
2. लाइव लेप्रोस्कोपिक दाता नेफ्रेक्टोमी के लिए दो एनाल्जेसिक तकनीकें – इंट्राथीकल मॉर्फिन (आई टी एम) और अनुप्रस्थ एब्डोमिनिस प्लान (टी ए पी) ब्लॉक का एक संभावित, यादृच्छिक, प्लासेबो – नियंत्रित, खुले लेबल की तुलना।

3. प्रचलित स्तन कैंसर के साथ महिलाओं में सेंटिनल नोड का पता लगाने के लिए फ्लोरेसिन प्लस मिथाइलिन ब्लू बनाम टेक्नीशियम सल्फर कोलाइड प्लस मिथाइलिन ब्लू की पहचान दर की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित, समानांतर समूह, गैर हीनता परीक्षण
4. स्तन कैंसर के रोगियों के एक शल्य चिकित्सा के लेखा परीक्षा
5. स्किन स्पेरिंग मेसेक्टॉमी के ओंकोलॉजिक और एस्थेटिक परिणामों का मूल्यांकन करने के लिए एम्बीसेक्टिव कोहार्ट अध्ययन
6. चयनात्मक नोडल विच्छेदन के लिए पूर्व और अंतर शल्य चिकित्सा अल्ट्रासोनोग्राफी द्वारा एक्सीलरी नोडल स्थिति का आकलन – एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण नेस्टेड के अंदर एक भावी कोहार्ट अध्ययन – 2
7. भारतीय संदर्भ में ईएसआरडी वाले रोगियों में एवी फिस्टुला की परिपक्वता पर क्लिनिकल प्रोफाइल और वेस्कुलर हिमोडायनेमिक्स के प्रभाव का आकलन – एक भावी अध्ययन
8. रेक्टल कैंसर के लिए निश्चित सर्जरी के बाद जीवन की गुणवत्ता का आकलन
9. स्थानीय रूप से उन्नत स्तन कैंसर के रोगियों और उनके संबंध में चिकित्सकीय हस्तक्षेप के साथ परिसंचारी माइक्रोआरएनए 106ए और इंटरल्युकिन 10 – एक प्रायोगिक अध्ययन
10. स्तन कैंसर में परिस्पर्शन निर्देशित स्तन संरक्षण शल्य चिकित्सा के साथ अंतर शल्य चिकित्सा अल्ट्रासाउंड निर्देशित उच्छेदन के बाद कॉस्मेटिक परिणाम और उच्छेदन मार्जिन की तुलना. एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
11. चलने में परेशानी की सीमा मापने और पीएडी रोगियों की आकलन करने के लिए चलने में परेशानी की प्रश्नावली के हिंदी संस्करण का विकास
12. लेप्रोस्कोपिक कोलेकायस्टेक्टोमी करा रहे रोगियों में पी ओ एन वी की घटनाओं को कम करने के लिए 5 प्रतिशत डेक्सट्रोजन प्रभाव के प्रशासन पेरि–ऑपेरटिव करता है : एक संभावित, डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।
13. विभेदित थायरॉयड कैंसर के दौर से गुजर रेडियो आयोडीन (131 आई–एनए) उपचार के साथ बच्चों और युवा वयस्कों में डॉसीमेट्रिक अध्ययन
14. स्तन कैंसर के रोगियों के बीच निम्न स्तन ओंकोप्लास्टी के लिए जागरूकता का मूल्यांकन और कॉस्मेटिक संतुष्टि
15. एंडोक्राइन विकार के साथ रोगियों में परिवार के सदस्यों का मूल्यांकन
16. मोरबिडली मोटे रोगियों के संज्ञानात्मक कार्य पर बेरिएट्रिक सर्जरी का प्रभाव
17. पॉलीसिस्टिक डिम्बग्रंथि सिंड्रोम पर बेरिएट्रिक सर्जरी का प्रभाव
18. रुग्ण मोटापे में गैर – एल्हकोलिक वसा यकृत रोड (एन ए एफ एल डी) पर लेप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी (बैरिएट्रिक सर्जरी) का प्रभाव।
19. बॉडी मास इंडेक्स (बी एम आई) 27.5 – 35 कि. ग्रा. / वर्ग मीटर वाले रोगियों में टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस पर लेप्रोस्कोपिक स्लीव गेस्ट्रेक्टोमी का प्रभाव।
20. बी एम आई 25 – 35 कि. ग्रा. / वर्ग मीटर बनाम 30 – 35 कि. ग्रा. / वर्ग मीटर वाले रोगियों में पोषण और जीवन शैली के संशोधन का प्रभाव और बी एम आई झ 35 के. जी. / वर्ग मीटर में बैरिएट्रिक सर्जरी के प्रभाव का आकलन करना।
21. गाइनेकोमैस्टिया वाले रोगियों में नैदानिक प्रकारए हार्मोनल प्रोफाइल और उपचार के परिणामों की जांच।
22. प्रारंभिक और प्रचलित स्तन कैंसर के रोगियों में सेंटिनल नोड बायोप्सी का दीर्घकालिक परिणाम, जैव सांख्यिकी और शल्य चिकित्सा कैंसर विज्ञान विभाग के सहयोग से।
23. मानक चार पोर्ट कोलेसिस्टेक्टॉमी के साथ एसआईएलसी एसआईएलसी की तुलना का भावी यादृच्छिक परीक्षण।
24. लेप्रोस्कोपिक इंगुइनल हर्निया रिपेयर के टीईपी और टीएपीपी तकनीकों के बीच जीवन और पुराने कमर दर्द के टेस्टीकुलर कार्य की तुलना, यौन कार्य, गुणवत्ता का भावी यादृच्छिक परीक्षण।
25. प्रचलित स्तन कैंसर में स्तन संरक्षण सर्जरी और सेंटीनेल लिम्फ नोड बायोप्सी (एस एल एन बी) और एस एल एन बी के साथ मास्टेक्टोमी के पालन के लिए जीवन और हाथ की रुग्णता की गुणवत्ता।
26. लिम्फेडेमा की रोकथाम में स्तन सर्जरी के बाद बेंजेथिन पेनिसिलिन, बनाम लिम्ब देखभाल के बारे में शिक्षा का यादृच्छिक परीक्षण।

27. सहवर्ती पित्त की पथरी और सी बी डी पथरी वाले रोगियों के एकल चरण बनाम दो चरण उपचार के बाद जीवन की गुणवत्ता के परिणामों का आर सी टी।
28. स्तर 1 ट्रॉमा केंद्र में उदरीय ट्रॉमा वाले रोगियों में लेप्रोस्कोपी की भूमिका के मूल्यांकन हेतु पूर्वव्यापी तथा भावी अध्ययन
29. स्टैंडर्ड 4 पोर्ट लेप्रोस्पोपिक कोलेसिस्टेक्टॉमी बनाम एकल चीरा लेप्रोस्पोपिक कोलेसिस्टेक्टॉमी – एक संभावित यादृच्छिक परीक्षण।
30. प्रारम्भिक अवस्था में स्तन कैंसर के साथ महिलाओं में सौंदर्य परिणाम और गुणवत्ता समायोजित जीवन वर्ष पर स्तन पेरेंकाइमल दोष की 1 से. मी. बनाम 2 से. मी. रिसेक्शन मार्जिन और ओंकोप्लास्टिक क्लोजर का प्रभाव : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
31. लेप्रोस्पोपिक कोलेसिस्टेक्टॉमी के बाद कंधे के दर्द में मानक दबाव और कम दबाव निमोपेरिटन्यूम का प्रभाव – एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
32. विरोधी एस्ट्रोजन सेंटक्रोमैन और टैमोक्सीफैन के साथ इंट्रालेशनल ट्रिएमेसिनोलोन इंजेक्शन सहित फाइब्रोएडीनोमा की थेरेपी
33. परिधीय धमनी रोग वाले रोगियों के जीवन के कार्यात्मक पहलुओं और गुणवत्ता पर ट्रेडमिल्स का उपयोग करते हुए निगरानी व्यायाम चिकित्सा के प्रभाव का आकलन करना
34. आरंभिक स्प्लेनिक आर्ट्री लाइजेशन करा रहे रोगियों में सप्लीनेक्टॉमी की जटिलताओं का अध्ययन
35. वयस्क गुर्दे प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में अल्ट्रासाउंड निर्देशित ट्रांसवर्सिस एब्डोमिनस प्लेन ब्लॉक में रोपिवेसिइन के लिए एक सहायक के रूप में क्लोनीडाइन की प्रभावकारिता का अध्ययन करना – एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
36. रुधिर विज्ञानी विकारों के लिए स्प्लीनेक्टॉमी करा रहे रोगियों में जीवन की गुणवत्ता का अध्ययन करना
37. थायरॉयड ग्रंथि के एक लोब हेतु भेदभाव थायराइड कैंसर सीमित के लिए कुल बनाम कुल थाइरॉइडेक्टॉमी के पास (अवशिष्ट थायराइड के रेडियो– एबलेशन के साथ) रू एक यादृच्छिक परीक्षण

सहयोगी परियोजनाएं

1. लेप्रोस्कोपिक टी ई पी तथा टी ए पी पी इन्ग्यूनल हर्निया उपचार के पश्चात् टेस्टीकुलर कार्य, यौन कार्य तथा क्यू ओ एल की भावी यादृच्छिक तुलना
2. वैरिकाज़ नसों में अल्ट्रासाउंड निर्देशित फोम स्क्लेरोथेरैपी और कंवेंशनल सर्जरी की सुरक्षा और प्रभावकारिता की तुलना का एक यादृच्छिक अध्ययन
3. गैर लेक्टेरेशनल स्तन की सूजन के रोगजनन और प्रबंधन का एक अध्ययन
4. स्पोसल गुर्दे प्रत्यारोपण समूह में दाता और प्राप्तकर्ता के जीवन की गुणवत्ता पर गुर्दे प्रत्यारोपण के प्रभाव का अध्ययन
5. ऑपरेटिंग थिएटर, गहन देखभाल (आईसीयू) अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली में कार्य करने वाली नर्सों के बीच में चुने गए गैर औषधीय हस्तक्षेप के क्रोनिक शिरीय रोग और प्रभावशीलता का व्यापकता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन
6. विस्टार दरों में बहुलक मिश्रित झिल्ली की ऊतक संगतता, हिमोस्टेटिक और रोगाणुरोधी गुणों की एक जांच
7. लाइव संबंधित दाता गुर्दे प्रत्यारोपण में प्रतिरक्षा एसोसिएटेड अणु के नैदानिक प्रासंगिकता
8. रोपिवेसेइन के साथ और फेंटेनियल के बिना प्रभावकारिता तुलना करने के लिए एमआरएम, यादृच्छिक, भावी, डबल ब्लाइंड अध्ययन में निरंतर वक्ष पैरावर्टिब्रल निषेचन
9. मलाशय के कैंसर के लिए सर्जरी के बाद आरंभिक एवं मध्य के अवधि मूत्र और यौन रोग : एक संभावित अवलोकन अध्ययन, शल्यक्रिया और रेडियो निदान के विभागों के साथ सहयोग में
10. गैर – आघातिक शल्यक गंभीर उदरीय (एम टी एस ए ए एस) में आपात कालीन सामान्य शल्यक दाखिला : भावी संस्थागत अनुभव।
11. स्तन कैंसर के रोगियों के बीच निम्न स्तन ऑन्कोप्लास्टी के लिए जागरूकता का मूल्यांकन और कॉस्मेटिक संतुष्टि।
12. लेप्रोस्कोपी स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी कर रहे रोगियों में अस्वस्थ मोटापे में सूक्ष्म पोषक कमी और अस्थि स्वास्थ्य का मूल्यांकन
13. लेप्रोस्कोपी स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी से पहले और बाद में गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लेक्स के लक्षणों का मूल्यांकन
14. वयस्क भारतीय स्थूल रोगियों में वज़न घटाना, शारीरिक वसा वितरण तथा इंसुलिन रेसिसटेंस पर पर्यवेक्षण आहार तथा जीवन शैली

संशोधनों का प्रभाव, रेडियो–निदान, शरीर विज्ञान तथा एंडोक्राइनोलॉजी विभाग के साथ सहयोग में।

15. कोलोरेक्टल कार्सिनोमा के विभिन्न हिस्टोपैथोलॉजिकल ग्रेडिंग से कैंसर स्टेम कोशिकाओं का अलगाव, पहचान और लाक्षणीकरण

16. क्रिटिकल लिम्ब इस्चेमिया वाले रोगियों में एंडोवेस्कुलर उपचार के लिए डीएसए और एमआर तकनीकों का उपयोग करते हुए एंजियोसोम लक्षित वीसल बेड की पहचान का महत्व

17ण डोर्स फंडोप्लीकेशन के साथ अपने स्वरोच्चारण बनाम लेप्रोस्कोपिक हेलर के कोण वाले लेप्रोस्कोपिक हेलर कार्डियोमोयाटोमी करा रहे रोगियों में अकलासिया कार्डिया की दीर्घकालिक नैदानिक परिणाम, जठरांत्र विज्ञान और रेडियो निदान विभागों के साथ सहयोग में।

18. आण्विक मार्करों के साथ स्तन कैंसर अध्ययन तथा इसके सह संबंध के लिए मल्टीपैरामैट्रिक दृष्टिकोण

19. यूनिलेटरल हर्निया का उपचार कर रहे रोगियों में ओकुल्ट कंट्रालेटरल इंगुइनल हर्निया की व्याप्तता और नैदानिक महत्व

20. अवरोधक निद्रा एप्निया पर बेरिएट्रिक सर्जरी के प्रभाव के मूल्यांकन हेतु भावी अध्ययन

21. लेप्रोस्कोपिक इंसीशनल और वेंट्रल हर्निया रिपेयर में मैश निर्धारण के विभिन्न तरीकों की तुलना का आरसीटी

22. लेप्रोस्पोपिक कोलेसीस्टेक्टॉमी के एसआईएलसी बनाम मानक 4 पोर्ट का आरसीटी

23. गॉल स्टोन रोग के लिए लैप्रोस्कोपिक कोलेसीस्टेक्टॉमी के बाद एक्साइड गॉलब्लेडर नमूने के मूल्यांकन में डिजिटल फोटोग्राफी की भूमिका

24. विभिन्न रोग की स्थिति में सिक्लुइन पर अध्ययन

25. सामान्य शल्यचिकित्सा रेजीडेंटों के ऑपरेटिव कक्ष निष्पादन पर पशु मॉडलों / ऊतकों संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रभाव का मूल्यांकन अध्ययन

26. बेनिन और मैलीगनेंट कोलोरेक्टरल रोगों के लिए सर्जरी के बाद मूत्र और यौन संबंधी रोग, तंत्रिका विज्ञान विभाग के साथ सहयोग में

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 51

रोगी देखभाल

विभाग अंतर चरण गुर्दे रोग के रोगियों और कैंसर सर्जरी में वेस्कुलर के उपयोग के लिए सर्जरी में शामिल स्तन कैंसर के रोगियों के लिए बहु साधन उपचार, मिनीमल इनवेसिव सर्जरी, गुर्दे के प्रत्यारोपण, हिपेटो–बाइलरी और पैंक्रिएटिक सर्जरी, थेरेसिक और थोरेकोस्कोपिक सर्जरी, प्लास्टिक और पुनर्निर्माण सर्जरी, अंतः स्रावी सर्जरी, चयापचय और बैरिएट्रिक सर्जरी सहित कई क्षेत्रों में नियमित सेवाएं प्रदान कर रहा है। विभाग नियमित ओ. पी. डी. के अलावा निम्न विशेष क्लिनिक चलाता है :

वजन घटाने की सर्जरी की मांग वाले रोगियों की बढ़ती संख्या को देखने के बाद एक समर्पित बैरिएट्रिक सर्जरी क्लीनिक स्थापित किया गया था। हर महीने 20 – 30 नए रोगियों के बारे में क्लिनिक में कार्य करते हैं और 500 से अधिक बेरिएट्रिक सर्जरी से संचालित वाले रोगियों को एक फॉलोअप करते हैं। एक समर्पित बेरिएट्रिक पोषण विशेषज्ञ है जो टीम का एक हिस्सा है कि रोगियों की देखभाल करता है। स्तन कैंसर क्लिनिक (बीसीसी) प्रत्येक बुधवार को दोपहर 2.00 बजे और प्रत्येक शनिवार को सुबह 9.00 बजे को आयोजित की जाती है, जिसमें पुराने मामले, रसायन चिकित्सा के फॉलोअप तथा नए मामलों का पंजीकरण शामिल हैं।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रो. अनुराग श्रीवास्तव को 4 फरवरी 2015, विश्व कैंसर दिवस में कोशिका विज्ञान और निवारक कैंसर विज्ञान संस्थान (आईसीपीओ) द्वारा सम्मानित किया गया; 14 –16 नवंबर 2014 की अवधि के लिए अध्यक्ष के रूप में भाग लेते हुए लेप्रोस्कोपिक और खुली शल्य चिकित्सा पर एएसआई के यूपीएएसआईसीओएन : 2014 वार्षिक सम्मेलन और राष्ट्रीय लाइव कार्यशाला में जे एन मेडिकल कॉलेज, एएमयू, अलीगढ़ द्वारा सम्मानित किया गया; 7 से 9 नवंबर 2014 को गुवाहाटी में आयोजित असम के सर्जनों के संघ के 25वें वार्षिक सम्मेलन के वैज्ञानिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रशंसा पत्र प्राप्त; 10 से 12 अक्तूबर 2014 को स्तन पाठ्यक्रम और संयुक्त विभिन्न पहलुओं संगोष्ठी में गोवा चिकित्सा परिषद, गोवा द्वारा सम्मानित किया गया; 21 सितंबर, 2014 को मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली में आयोजित ''शल्य चिकित्सा की जटिलताएं'' पर एएसआईसीओएन शल्य चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संघ की सी एम ई द्वारा सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर संदीप अग्रवाल को वर्ष 2014–15 के लिए राष्ट्रमंडल अकादमिक स्टाफ अध्येतावशत्ति से सम्मानित किया गया था; अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जंस (एफएसीएस) की अध्येतावशत्ति से सम्मानित किया; ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया (ओएसए) के लिए भारतीय दिशानिर्देश तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समूह के सदस्य; सीजीएचएस के लिए बैरिएट्रिक सर्जरी के दिशानिर्देश तैयार करने पर विशेषज्ञ समूह के सदस्य – स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय; पटना, बिहार में बैरिएट्रिक सर्जरी पर प्रथम कार्यशाला में बिहार में बैरिएट्रिक सर्जरी के पहले दो रोगियों से संचालित – बिहार में बैरिएट्रिक सर्जरी शुरू करने के लिए सहायता करना।

डॉ. वी. के. बंसल ने 11.11.2014 पर रॉकलैंड अस्पताल में गुर्दे प्रत्यारोपण निरीक्षण का आयोजन किया; गुर्दे प्रत्यारोपण निरीक्षण के मैक्स अस्पताल में प्रत्यारोपण निरीक्षण; 2014 अक्तूबर को एसकेआईएमएस श्रीनगर में एमबीबीएस परीक्षा; एमएएमसी, दिल्ली में न्यूनतम भेदम शल्य चिकित्सा हेतु एफएनबी परीक्षक; एम्स नई दिल्ली में अध्यक्ष समिति के सदस्य सचिव; बी पी कोइराला स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान, धरान, नेपाल के शैक्षणिक समिति के सदस्य; आईटीएस दंत चिकित्सा विज्ञान संस्थान, गाजियाबाद में शैक्षणिक समिति के सदस्य; एम्स, नई दिल्ली में कर्मचारी परिषद के सदस्य सचिव; एम्स, नई दिल्ली में संस्थान की आचार समिति के सदस्य।

डॉ. अनीता धर एम्स समूह के डॉट्स समिति की सदस्य थी; विभिन्न चिकित्सा बोर्ड के सदस्य; कीटाणुशोधन और प्रतिरोधन के प्रापण समिति के सदस्य; मानक एवं माप ब्यूरो के सदस्य; निपटान मदों के लिए अस्पताल विनिर्देश समिति के सदस्य।

डॉ. हिमांग के. भट्टाचार्जी ने वर्ष 2014 के लिए ईएईसी क्लीनिकल अध्येतावृत्ति से अनुदान प्राप्त किया। क्लीनिकल अध्येतावृत्ति के एक भाग के रूप में तीन महीने की अवधि के लिए ट्यूरिन, इटली के बैरिएट्रिक कोलोरेक्टल शल्य चिकित्सा विश्वविद्यालय की इकाई का दौरा किया।
डॉ. असूरी कृष्णा ने भारतीय हर्निया सोसायटी द्वारा संयुक्त सचिव को निर्वाचित किया गया था।

डॉ. पीयूष रंजन को 4 फरवरी, 2015 को कोशिका विज्ञान और निवारक कैंसर विज्ञान संस्थान (आईसीपीओ) ने विश्व कैंसर दिवस पर सम्मानित किया।

डॉ. मंजुनाथ मारुति पॉल ईपीटीबी 2015 दिशा–निर्देशों के विकास में शल्य चिकित्सा समूह के प्रमुख विशेषज्ञ के सदस्य थे।

डॉ. मोहित जोशी ने फरवरी, 2015 में सीएमसी लुधियाना में पोस्टर शीर्षक ''शल्य चिकित्सा स्नातकोत्तर छात्रों की डब्ल्यूपीबीए के लिए एक उपकरण के रूप में मिनी सीईएक्स की स्वीकार्यता और व्यवहार्यता'' के लिए एफएआईएमईआर कार्यशाला में सर्वोत्तम पोस्टर जीता; ईपीटीबी 2015 दिशानिर्देशों के विकास में विशेषज्ञ शल्य चिकित्सा अग्रणी समूह के सदस्य।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. वाल्डेमर एल ओलेजेवेस्की, एमडी, पीएचडी शल्य चिकित्सा प्रत्यारोपण और अनुसंधान एपिजेनेटिक्स विभाग, मेडिकल रिसर्च सेंटर, पोलिश एकेडमी ऑफ साइंसेज, वॉरसॉ, पोलैंड ने एंडोसर्ज – 2015, 12–15 मार्च 2015 के बीच इसमें भाग लिया।

9.38 प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवंशिकी

आचार्य एवं अध्यक्ष

एन. के. मेहरा (31. 11. 2014 तक) डी. के. मित्रा (1. 12. 2014 से)

वैज्ञानिक

उमा कांगा गुरविंदर कौर

सुनील कुमार संजीव गोस्वामी

शिक्षा

अल्प अवधि प्रशिक्षण : विभाग ने पैथोलॉजी और प्रयोगशाला विज्ञान के जूनियर रेजीडेंट तथा नेफ्रोलॉजी और हेमेटोलॉजी विभाग के सीनियर रेजीडेंट (डीएम छात्र) के लिए अल्पावधि प्रशिक्षण प्रदान किया गया। वर्ष 2014–15 के दौरान विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों के 15 छात्रों एवं दिल्ली तथा आस पास के अस्पतालों के डॉक्टरों को एचएलए परीक्षण तथा अन्य इम्यूनोलॉजीकल परीक्षण में प्रयोगशाला तकनीकों के लिए अल्पावधि प्रशिक्षण दिए गए हैं।

डी एम छात्रों हेतु प्रशिक्षण : विकृति विभाग से (4), नेफ्रोलॉजी, कैंसर चिकित्सा (2), प्रयोगशाला चिकित्सा (2), रुधिर विज्ञान (2), एम्स से अनेक डीएम छात्रों को एच एल ए जांच तथा अन्य प्रतिरक्षा विज्ञानी जांचों की तकनीकें सिखाई गई तथा विभाग में प्रशिक्षण दिया गया।

सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई)

वर्ष के दौरान विभाग के संकाय और वैज्ञानिकों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में अनेक व्याख्यान दिए और भाग लिया। एचएलए जीनों की डीएनए टाइपिंग के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक गुणवत्ता नियंत्रण अभ्यास प्रगति पर है। विभिन्न कोशिका संवर्धन आमापनों सहित फ्लो साइटोमेट्री आधारित आमापनों का प्रशिक्षण छात्रों तथा आने वाले प्रशिक्षुओं को नियमित रूप से दिया जाता है। संकाय ने संस्थान (जैव प्रौद्योगिकी, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, हिमेटोलॉजी, पैथोलॉजी, मेडिसिन और ऐनाटॉमी) के विभिन्न विभागों में इन विभागों की शैक्षिक पाठ्यचर्या के अनुसार विशेष व्याख्यान भी दिए। ये व्याख्यान एमडी बाल रोग, हिमेटोलॉजी और एनाटॉमी पीजी पर दिए गए। संस्थान के विभिन्न विभागों में इम्यूनोलॉजी पर व्याख्यान दिया गया।

कार्यशालाओं का आयोजन

16–18 जुलाई, 2014 : एम्स – टीसीएस फ्लोसाइटोमेट्री कार्यशाला

25–27 मार्च, 2015, एम्स – टीसीएस फ्लोसाइटोमेट्री कार्यशाला

प्रदत्त व्याख्यान

डी. के. मित्रा : 5 **उमा कांगा : 4** **गुरविंदर कौर : 1**

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. टी सेल सबसेट्स द्वारा एक्टो–एंजाइम्स और नकारात्मक को–स्टिम्युलेटरी मॉलीक्यूल्स पर एचआईवी1सी के जीन सायलेंसिंग ट्रांसक्रिप्शनल के प्रभाव : एचआईवी संक्रमण में क्रोनिक इम्यून सक्रियण के लिए प्रासंगिक। डी. के. मित्रा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2013–2016, 75.24 लाख रुपए।
2. अव्यक्त और सक्रिय तपेदिक रोगियों में पॉली फंक्शनल टी सेल्स की साइटोकाइन प्रोफाइल : विनियामक टी सेल्स का प्रभाव। पी डी के मित्रा, डी बी टी, 3 वर्ष, 2014–2017, 97.58 लाख रुपए।
3. अभिव्यक्ति और दवा इफ्लक्स पंप पर मेजबान टी सेल प्रतिक्रिया का प्रभाव : टीबी दवा प्रतिरोधी के लिए प्रासंगिकता। डी के मित्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2014–2017, 78.5 लाख रुपए।

4. एनकेटी सेल सबसेट्स : विशिष्ट माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग प्रेरक टी सेल प्रतिक्रिया पर प्रभाव। डी के मित्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015–2018, 65.71 लाख रुपए।
5. मल्टीवेलेंट लीशमानिया टीका विकास। डी के मित्रा, डी बी टी, 3 वर्ष, 2015–2018, 658.47 लाख रुपए।
6. आण्विक चिकित्सा के लिए केंद्र की स्थापना (सीईएमएम), एम्स। एन के मेहरा, आई सी एम आर, 5 वर्ष, 2012–2017, 2.19 करोड़ रुपए।
7. भारत के उत्तर–पूर्वी क्षेत्र में नेसोफैरेंजियल कार्सिनोमा (एनपीसी) की एक व्यापक समझ। एन के मेहरा, डी बी टी, 3 वर्ष, 2011–2014, 64 लाख रुपए।
8. इम्यूनोजेनेटिक कारकों की पहचान एचआईवी/एड्स के नियमित जोखिम : भारतीय और अमेरिकन आबादी का एक तुलनात्मक अध्ययन। एन के मेहरा, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2013–2015, 49 लाख रुपए।
9. 'डायबिटीज टाइप 1 में एचएलए श्रेणी 1 प्रतिबंधित सीडी 8+ टी सेल्स के कार्यात्मक लक्षण वर्णन' एनके मेहरा। आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2014–2016, 57 लाख रुपए।
10. मानव क्षयरोग में मेजबान प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया पर एचएलए–जी के प्रभाव। उमा कांगा। आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2012–2015
11. नॉर्थ इंडियन टर्शरी केयर सेंटर में क्रोनिक आईटीपी रोगियों के जेनेटिक प्रोफाइल का एक अध्ययन। उमा कांगा। सीएसआईआर, 2 वर्ष, 2013–2015, 9.0 लाख रुपए।
12. गुर्दे प्रत्यारोपण के बाद तीव्र अस्वीकृति पर एचएलए–जी का प्रभाव। उमा कांगा, एम्स, 2 वर्ष, 2013–2015, 10 लाख रुपए।
13. हिमेटोपोयटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण के बाद एंग्राफ्टमेंट निगरानी के लिए लिंकेज विशिष्ट काइमेरिज्म विश्लेषण। गुरविंदर कौर। एम्स, 2 वर्ष, 2014–2016, 8 लाख रुपए।

पूर्ण

1. प्रतिनिधित्व, टी कोशिकाओं की इफ्फेक्टर और विनियामक की ट्रेफिकिंग तथा कार्यात्मक इंटरेक्शन : रुमेटॉइड आर्थ्राइटिस में स्थानीय इम्यून प्रतिक्रिया पर प्रभाव। डी. के. मित्रा, डी एस टी, 3 वर्ष, 2012–15, 49.98 लाख रुपए।
2. हिमेटोपोइटिक स्टेम सेल प्रतिरोपण (2012–14) में एच एल ए जी की नैदानिक महत्ता। उमा कांगा, एम्स, 2 वर्ष, 2012–14, 10 लाख रुपए।
3. इंटरफेरॉन प्रणाली की जटिलताएं तथा एच आई वी – 1 संक्रमण तथा रोग वशद्धि की प्रतिरोधकता का प्रतिरक्षा आनुवंशिकी आधार। एन. के. मेहरा, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2010–14, 58 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. वृक्क प्रत्यारोपण में एच एल ए, एम आई सी ए और एन के जी 2 डी ग्राही मोलिक्यूल्स की नैदानिक संबंध।
2. मानव लेप्रोसी में पोलराइज्ड इम्यूनिटी : शेपिंग होस्ट इम्यून रिसपोंस में इफेक्टर तथा नियमक टी सेल की भूमिका
3. भारतीय लोगों में एच एल ए जीनों की जीनोमिक डाइवर्सिटी
4. हिमोपोइटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण में एच एल ए – जी की नैदानिक महत्ता
5. रुमेटाइॅड आर्थ्राइटिस के रोगजनन में डिसटिंक्ट टी सेल सब्सेट्रस का अध्ययन
6. मानव क्षयरोग में मेजबान टी सेल प्रतिक्रिया हेतु इम्यूनोरेगूलेटरी मेकेनिज्म पर अध्ययन
7. सरकोइडोसिस में विभिन्न टी सेल सबसेट्स का फीनोटाइपिक तथा कार्यात्मक लक्षण – वर्णन
8. टी बी वाले वृद्ध रोगियों में टी कोशिका प्रतिक्रिया का अध्ययन
9. एच आई वी – 1 संक्रमण के विरुद्ध 1 ईटरफेरॉन प्रणाली की एंटीवायरल प्रतिक्रिया का विश्लेषण
10. लाइव रिलेटिड डोनर रीनल ट्रासप्लांटेशन में इम्यून संबंधित मोलीकूल्स का नैदानिक संबंध
11. उत्तर पश्चिमी भारतीय जनसंख्या में नोसोफेरेंजियल कार्सिनोमा का प्रतिरक्षानुवंशिकी विश्लेषण।
12. हिमेटोपोयटिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन में नॉन–क्लासिकल एचएलए और एमएचसी श्रेणी 1 से संबंधित चेन (एमआईसीए) मॉलीक्यूल्स की भूमिका।

सहयोगी परियोजनाएं

1. एचआईवी 1 सी संक्रमण में बाह्य–एंजाइमों और टी सेल सबसेट द्वारा व्यक्त ऋणात्मक सह उद्दीपक अणुओं की अनुलेखन जीन साइलेंसिंग का प्रभाव : एचआईवी संक्रमण में पुराने प्रतिरक्षा सक्रियण के लिए प्रासंगिक। अनुदान एजेंसी : जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के सहयोग से, असम मेडिकल कॉलेज, डिब्रूगढ़ और क्रिश्चियन इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज एंड रिसर्च, दीमापुर
2. सुप्त और सक्रिय तपेदिक रोगियों में बहु कार्यात्मक टी कोशिकओं की साइटोकाइन रूपरेखा : टी विनियामक कोशिकाओं का प्रभाव। अनुदान एजेंसी : जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के सहयोग से, असम मेडिकल कॉलेज, डिब्रूगढ़

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 8

रोगी उपचार

गुर्दा प्रत्यारोपण

	प्रापक	दाता	कुल
जीवित संबंधी	362	368	730
शव प्रत्यारोपण (किडनी)	54	8	
क्रॉस मैच टेस्ट – सीरम विज्ञान	692		
क्रॉस मैच टेस्ट – फ्लोसायटोमेट्री	287		
ल्यूमिनेक्स पीआरए	342		
ल्यूमिनेक्स पीआरए (प्रतिरक्षी निगरानी)	106		

अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण

	प्रापक	दाता	कुल
एप्लास्टिक एनीमिया	98	246	344
तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया	87	166	253
तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया	36	70	106
थैलेसीमिया	42	92	134
माइलॉडिसप्लास्टिक सिंड्रोम	15	32	47
क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया	16	26	42
मल्टीप्लाइ मायलोमा	1	2	3
क्रोनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकेमिया	1	2	3
अन्य	51	132	183
कुल	**347**	**768**	**1115**

बीएमटी में काइमेरिज्म अध्ययन	92 प्राप्तकर्ता दाता जोड़े
बीएमटी के लिए असंबंधित दाता जांच	187*

*वर्ष के दौरान, अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण (बीएमटी) के लिए 'एशियन इंडियन डोनर मैरो रजिस्ट्री' से असंबंधित एचएलए दाता मिलान खोज के लिए कुल 197 अनुरोध प्राप्त हुए। इनमें यूएसए से 77, यूरोप से 65, विभिन्न एशिया देशों से 34 और भारत से 21 शामिल थे।

नैदानिक

स्पोंडिलोआरथ्रोपैथीज़ (एच एल ए– बी 27)	558
अन्य रोग (बीहेक्ट्स, सिलियक रोग, नार्कोलेप्सी)	78
इम्यून डेफिसिएंसी डिसऑर्डर	318

नैदानिक	**रोगियों की संख्या**
ल्यूकोसाइट्स अडहेशन डेफिसिएंसी	65
क्रोनिक ग्रेनुलोमेट्स डिजीज	71
एन के सेल आवृत्ति और उनकी गतिविधि	49
विनियामक टी सेल आवृत्ति	11
मोनोसाइट्स आवृत्ति	7
बी सेल आवृत्ति	53
टी सेल आवृत्ति	62

आण्विक प्रतिरक्षा विज्ञान प्रभाग की सूचना

एचएलए टाइपिंग

एचएसटीसी प्रापक	132
एचएससीटी दाता	206
कुल	**338**

रोग	**संख्या**	**रोग**	**संख्या**
एसएए	7	सीएमएल	13
एएमएल	60	एमएम	1
एएलएल	18	सीएलएल	1
टीएचएएल	5	अन्य	24
एमडीएस	3		
कुल	**132**		
अन्य नैदानिकी	संख्या	अन्य नैदानिकी	संख्या
सीडी	20	बीहेक्ट्स	3
कुल	**23**		
काइमेरिज्म	92 प्रापक – दाता जोड़े		

सेलुलर इम्यूनोलॉजी प्रभाग से सूचना

प्राथमिक के लिए ल्यूकेमिया फिनोटाइपिंग और फिनोटाइपिंग के लिए निःशुल्क लागत सेवा प्रदान की गई इम्यूनो डेफिशिएंसी डिजीज

नैदानिक		**रोगियों की संख्या**
ल्यूकोसाइट्स अडहेशन डेफिसिएंसी	सीडी11 क, ख, ग और सीडी18	65
क्रोनिक ग्रेनुलोमेट्स डिजीज	डीसीएफडीए	71
एन के सेल आवृत्ति और उनकी गतिविधि	सीडी3, सीडी56, सीडी 161, सीडी25, परफोरिन	49
विनियामक टी सेल आवृत्ति	सीडी4, सीडी25, फॉक्स पी3	11
मोनोसाइट्स आवृत्ति	सीडी14,	7
बी सेल आवृत्ति	सीडी19, 20	53
टी सेल आवृत्ति	सीडी3, सीडी4, सीडी8,	62
कुल		**318**

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां

डॉ. जी कौर एशिया पेसिफिक हिस्टोकम्फेटिबिलटी एण्ड इम्यूनोजेनेटिक्स (ए पी एच आई ए) के पार्षद।

डॉ. उमा कांगा को जापानी साइंस एण्ड प्रमोशन सोसायटी द्वारा आमंत्रण अध्येतावृत्ति प्रदान की गई। उन्होंने टोकाई विश्वविद्यालय में कार्य किया और एचएलए टाइपिंग आधारित अगले पीढ़ी की सीक्वेंसिंग के लिए हाल ही में विकसित प्रोटोकॉल में विशेषज्ञता प्राप्त की।

अतिथि वैज्ञानिक

डॉ. समरजीत दास, पीएच.डी, विकृति विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर, जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी, बाल्टीमोर, मैरीलैंड – 21218, संयुक्त राज्य अमेरिका।

9.39 मूत्ररोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

पी. एन. डोगरा

आचार्य

अमलेश सेठ

अपर आचार्य

राजीव कुमार

सहायक आचार्य

प्रभजोत सिंह | आशीष कुमार सैनी (जेपीएनएटीसी) | ऋषि नैय्यर

बृषभानु नायक | उदय प्रताप सिंह

शिक्षा

विभाग के संकायों ने समीक्ष्य वर्ष के दौरान आयुर्विज्ञान शिक्षा कार्यक्रमों, संगोष्ठियों, राष्ट्रीय तथा अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया तथा व्याख्यान दिया। विभाग के स्नातकपूर्व तथा नर्सिंग छात्रों के लिए व्याख्यान दिया। विभाग द्वारा 3 वर्षों की अवधि में मूत्ररोग विज्ञान में एम सी एच डिग्री के लिए 11 स्नातकोत्तर छात्रों को प्रशिक्षित किया गया। विभाग द्वारा मूत्ररोग विज्ञान में रोबोटिक्स इंडोयूरोलॉजी, लेप्रोस्कोपी, ओपन सर्जरी तथा माइक्रोसर्जरी को देखने तथा सीखने के लिए विभिन्न भारतीय/विदेशी आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालयों से अध्येता तथा अतिथि संकायों का स्वागत किया गया। विभाग के संकाय विभिन्न विश्वविद्यालयों में एन बी ई तथा एम. सीएच. मूत्ररोग विज्ञान में परीक्षक के रूप में रहे तथा मूत्ररोग विज्ञान स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए शिक्षण तथा प्रशिक्षण एवं सुविधाओं के मानकों की मान्यता के लिए भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद तथा राष्ट्रीय बोर्ड के निरीक्षक बने रहे। विभाग के संकायों ने मूत्ररोग विज्ञान में एम. सीएच. तथा डी एन बी के प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यचर्या के पुनः गठन तथा नवीनीकरण में सक्रिय रूप से भाग लिया।

प्रदत्त व्याख्यान

पी. एन. डोगरा : 10 | **अमलेश सेठ : 5** | **राजीव कुमार : 21**

प्रभजोत सिंह : 6 | **आशीष कुमार सैनी : 3** | **ऋषि नैयर : 3**

बृषभानु नायक : 1

मौखिक पत्र / प्रस्तुति पत्र : 27

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. रीनल मास वाले और प्रोग्नोसिस के साथ संबंध दर्शाने वाले रोगियों में माइक्रो आरएनए अभिव्यक्ति प्रोफाइल। आशीष कुमार सैनी, अ. भा. आ. सं., 1 वर्ष, 2014–15, लाख
2. एंड्रोजन स्वतंत्र प्रोस्टेट कार्सिनोमा के इलाज के लिए दो मोनोक्लोनल एंटीबॉडी की क्षमता का मूल्यांकन। अमलेश सेठ, तलवार रिसर्च फाउंडेशन में : डॉ जी पी तलवार। डी बी टी, 3 वर्ष 2011
3. कैंसर की प्रगति में एसपीआईएनके1 की भूमिका : नियामक तंत्र और चिकित्सीय लक्ष्य संभावित, अमलेश सेठ, आईआईटी कानपुर में : डॉ बुशरा अतीक, डी बी टी / वेलकम ट्रस्ट एलायंस, 3 वर्ष, 2013 में आरंभ।

पूर्ण

1. ट्रस गाइडिड प्रोस्टेट बायोप्सी करवा रहे पुरुषों में रेक्टल स्वेब कल्चर का प्रयोग करके टारगेटिड एंटीमाइकोबायल प्रोफाइलैक्सिस : फ्लूरोक्विनोलोन प्रतिरोध की संक्रमित जटिलताएं एवं व्यापकता की घटनाओं का विश्लेषण। ई कोलाई. प्रभजोत सिंह, एम्स, 2 वर्ष, 2013–15, 4.5 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. यूरिनरी माइक्रोसेमिनोप्रोटीन बीटा (एमएसएमबी) और प्रोस्टेट कैंसर के निदान के लिए प्रोस्टेट विशिष्ट प्रतिजन (पीएसए) अनुपात।
2. इडियोपैथिक प्रतिरोधी अशुक्राणुता वाले रोगियों में वेसोपीडिडायमोस्टोमी की प्रत्यक्षता की प्रीडिक्टिंग के कारकों के भावी विश्लेषण।
3. दा विंसी S® शल्य चिकित्सा प्रणाली और शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं पर इसके प्रभाव के साथ डिवाइस की खराबी : क्या डिवाइस की आयु बढ़ना जिम्मेदार होगा?
4. फियोक्रोमोकाइटोमा के पेरि–ऑपरेटिव प्रबंधन और पोस्ट ऑपरेटिव परिणामों पर इसके प्रभाव।
5. मानक वाइट लाइट सिस्टोस्कॉपी की तुलना में गैर–पेशीय आक्रामक ब्लेडर कैंसर के निदान तथा उपचार में नेरो बैंड इमेजिंग की भूमिका।
6. एंटीरियर यूरेथेरल प्रतिबंधों के लिए ग्राफ्ट यूरेथ्रोप्लास्टी के निम्न परिणाम।
7. खराब काम करने वाले गुर्दे में रोबोटिक पायलोप्लास्टी के परिणाम।
8. पहले और शल्य चिकित्सा के हस्तक्षेप के बाद निचले मूत्र मार्ग के लक्षणों के साथ रीढ़ की हड्डी में तपेदिक में नैदानिक और यूरोडायनेमिक मापदंडों के भावी तुलना।
9. यूरेटेरल आघात वाले रोगियों की न्यूनतम चीरा लगाने का प्रबंधन
10. इटियोपैथोजीनसिस, डेमोग्राफिक प्रोफाइल, इरेक्टाइल डिसफंक्शन और पैल्विक फ्रैक्चर मूत्रमार्ग व्याकुलता दोष वाले रोगियों में सामाजिक आर्थिक प्रभाव : एक भावी समूह अध्ययन
11. टीदर कॉर्ड सिंड्रोम ट्रेक्ट लक्षणों में पहले और शल्य चिकित्सा हस्तक्षेप के बाद नैदानिक और यूरोडायनेमिक मापदंडों की भावी तुलना।
12. एबीओ रक्त समूह के प्रकार और ट्यूमर ग्रेड, स्टेज, पुनरावृत्ति और प्रगति यूरेनरी ब्लेडर की संक्रमणकालीन सेल कार्सिनोमा के बीच संबंध।
13. रीनल सेल कार्सिनोमा में प्रोग्नोस्टिक मार्कर के रूप में प्री–ऑपरेटिव सीरम सी–रिएक्टिव प्रोटीन, प्लेटलेट काउंट, कैल्शियम का स्तर।
14. अनकॉम्प्लीकेटिड सोलिटरी रीनल स्टोन का आकार 1 सेमी से अधिक ईएसडब्ल्यूएल और पीएनएल पहले और बाद में काम करने वाले गुर्दे की तुलना।

पूर्ण

1. कंटेम्परी कोहोर्ट में क्लेवाइन डिंडो स्तर पर लैप्रोस्कोपिक नेफ्रेक्टोमी की जटिलताएं।
2. परक्युटेनियस नेफ्रोलिथोटॉमी के पश्चात् बुखार तथा सिस्टेमेटिक इन्फलेमेटरी रिसपोंस सिंड्रोम (एस आई आर एस) : जोखिम कारकों का निर्धारण तथा रोगी परिणामों पर उनके प्रभाव।
3. बाधक एजूस्पर्मिया के साथ इंफर्टाइल इडियोपैथिक पुरुष में ट्यूबरोकुलोसिस हेतु स्क्रीनिंग तथा उपचार की भूमिका।
4. मेटास्टेटिक कार्सिनोमा प्रोस्टेट के इलाज के दौरान एचआरक्यूओएल (जीवन स्वास्थ्य से संबंधित गुणवत्ता) पर एंड्रोजन अभाव थेरैपी के प्रभाव का अध्ययन करना।
5. यूरेटेरिक स्टोन के कारण खराब काम करने वाले गुर्दे के लिए निम्नलिखित यूरेटरोस्कोपी के परिणाम।
6. टेस्टीकुलर ट्यूमर और अनडिसेंडिड टेस्टिस वाले रोगियों के परिणाम विश्लेषण।
7. पोस्ट पर्क्यूटेनियस और ओपन नेफ्रोलिथोटॉमी रक्तमेह : एक एकल केंद्र अनुभव

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. जल्दी प्रोस्टेट कैंसर के लिए एमआरएस गाइडिड प्रोस्टेट बायोप्सी का मूल्यांकन।
2. इडियोपैथिक पुरुष इंफर्टिलिटी में टेलोमेयर स्टेटस तथा डी एन ए रिपेयर मेकेनिज्म।
3. पुरुष इंफर्टिलिटी के कारण के रूप में ऑक्सीडेटिव तनाव)
4. ऊपरी मूत्र मार्ग के मूत्र संबंधी रोगों के मूल्यांकन में दोहरी ऊर्जा एकल अधिग्रहण के स्पिलट बोलास की भूमिका।
5. ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया वाले रोगियों में इरेक्टाइल डिसफंक्शन
6. एमएमसी और टीदर कोर्ड सिंड्रोम के लिए सर्जरी के बाद तंत्रिकाजन्य वाले रोगियों में दीर्घ अवधि परिणाम (यूरोलॉजिक) : एक भावी अध्ययन

पूर्ण

1. फर्टिलिटी मूल्यांकन करवा रहे लाक्षणिक पुरुषों में तपेदिक हेतु सकारात्मक वीर्य पी सी आर की विशेषता का मूल्यांकन।
2. स्मॉल रीनल मासेस में इन–विवो एम आर एस की वैधता।
3. प्रोस्टेल कैंसर में संपूर्ण शरीर 18 एफ–एन ए एफ पी ई टी– सी टी इमेजिंग के साथ संपूर्ण शरीर डिफ्यूजन वेटिड मेगनेटिक रेसोनेंस इमेजिंग की तुलना।
4. लेटरल वाल–नर्व स्टीमुलेटर गाइडिड बनाम अल्ट्रासाउण्ड गाइडिड एप्रोच में सम्मिलित ब्लेडर ट्यूमरों के ट्रांसयूरेथ्रल रिसेक्शन के दौरान कंट्रोलिंग एडक्टर मसल स्पैस्म में ओट्यूरेटर नर्व ब्लॉक की प्रभाव क्षमता का मूल्यांकन।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 19 सार : 18 पुस्तकों में अध्याय : 4

रोगी उपचार

मुख्य अस्पताल ओपीडी

नए रोगी : 13,265 पुराने रोगी : 35,141

बीआरएआईआरसीएच यूरो – मैलीग्नेंसी क्लिनिक

नए रोगी : 337 पुराने रोगी : 3375

एंड्रोलॉजी और इंफर्टिलिटी क्लिनिक (8.8.2014 से 31.3.2015)

नए रोगी : 103 पुराने रोगी : 577

दाखिला

दीर्घ : 1355 लघु : 671

छुट्टी : 1947

मुख्य ओ टी शल्यक प्रक्रियाएं : 2025

ओपन सर्जरी : 410

रेडिकल सिस्टेक्टॉमी	39	रेडिकल नेफ्रोयूरेटेक्टॉमी	34
साधारण नेफ्रोयूरेटेक्टॉमी	29	पार्शियल नेफ्रेक्टॉमी	14
सिरे से सिरे तक यूरेथ्रोप्लास्टी	15	ग्राफ्ट यूरेथ्रोप्लास्टी	13
एंटीरियर ले ओपन	3	सेकेंड स्टेज क्लोजर	2
ट्रांसप्यूबिक यूरेथ्रोप्लास्टी	1	पाइलोप्लास्टी	19

ऑगमेंटेशन सिस्टोप्लास्टी	2	कोंटिनेंट केथेट्राइजेबल पाउच	3
एड्रिनलेक्टॉमी	5	बोएरी फ्लैप	1
यूरेट्रिक रिइम्प्लांटेशन	6	रेडिकल नट	8
वी वी एफ रिपेयर	23	कुल पेनेक्टॉमी	7
ओर्चियोपेक्सी	3	प्रोस्टेक्टॉमी	3
ए यू एस इंप्लांटेशन	1	हाइपोस्पेडियास रिपेयर	3
सिस्टोलिथोटॉमी	4	ए वी फिस्टुला	5
आइलियोइंग्यूनल लिम्फ नोड डिसेक्शन	7	यूरेटेरोकेलीकोस्टॉमी	2
पैरागेंगलियोमा एक्सेशन	1	अन्य	163

इंडोयूरोलॉजी : 1314

ऊपरी क्षेत्र : 352		**निचला क्षेत्र : 962**					
पी सी एन एल	146	टी यू आर पी	52	सी एल टी	41	डी जे एस	233
यू आर एस	150	टी यू आर बी टी	273	एच ओ एल ई पी	11	डी जे आर	92
आर आई आर एस	56	पी वी पी	10	एच ओ एल सी टी	1	ओआईयू	28
		सी पी ई	103	इंडोडाइलेशन	29	टी यू आर फुलगुरेशन	30
		क्लोट इवेकुएशन	2	अन्य	15	लेजर वेलडिंग	3
		इंडोस्कोपिक मूल्यांकन	38				
		एच ओ एल ए पी	1				

लेप्रोस्कोपिक शल्यचिकित्सा : 145

रेडिकल नेफ्रेक्टॉमी	25		पार्शियल नेफ्रेक्टॉमी	6
साधारण नेफ्रेक्टॉमी	57		एड्रिनलेक्टॉमी	25
पाइलोप्लास्टी	14		नेफ्रोयूरेटेरेक्टॉमी	6
डायग्नोस्टिक लेप	4		अन्य	8

रोबोटिक : 110

रेडिकल प्रोस्टेक्टॉमी	27	रेडिकल सिस्टेक्टॉमी	5	पाइलोप्लास्टी	49
यूरेटेरोलिथोटॉमी	12	साधारण प्रोस्टेटक्टॉमी	2	यूरेट्रिक रिइम्पलांटेशन	3
साधारण नेफ्रेक्टॉमी	2	पार्शियल नेफ्रेक्टॉमी	6		0
पाइलोप्लास्टी	3	अन्य	1		

माइक्रोसर्जरी : 46

वी ई ए	19	वी वी ए	6	एम वी एल	16	स्क्रोटल एक्सप्लोरेशन	4
टीईएसई	1						

माइनर ओ टी : 12103

एंडोस्कोपिक	2267	ओपन	23
माइनर केस	4465	यूरोफ्लोमेट्री	4925
यूरोडायनेमिक अध्ययन	423		

ईएसडब्ल्यूएल : 1248

नए मामले	384	पुराने मामले	864

अल्ट्रासाउंड प्रक्रियाएं : 324

प्रोस्टेट बायोप्सी	295	एसपीसी	12
पीसीएन	6	यूएसजी केयूबी	11

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर पी. एस. डोगरा ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी में एक्सपीएस सिस्टम (केटीपी लेजर) के साथ बीपीएच के प्रबंधन में साइट पर लाइव प्रशिक्षण किया था; 3 से 8 नवंबर, 2014 को न्यूयॉर्क सिटी में मेडिकल सेंटर और कॉर्नेल प्रेस्टिबेरियल हॉस्पिटल में विजिटिंग संकाय के रूप में; 21 फरवरी 2015 को भोपाल में एम पी एएसआईसीओएन द्वारा प्रो. बी. बी. ओहरी मेमोरियल ओरेशन से सम्मानित किया : हिप्पोक्रेट्स फाउंडेशन, नोएडा द्वारा मूत्रविज्ञान में बहुमूल्य योगदान के लिए मेडिकल एक्सीलेंस अवॉर्ड–2014 से सम्मानित किया।

डॉ. राजीव कुमार को इंटरनेशनल सर्जिकल एजुकेशन स्कोलरशिप – अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन, यूएसए से सम्मानित किया : भारत के मूत्र विज्ञान–एनजेड मूत्र संबंधी समाज में नैदानिक अनुसंधान के लिए डी यू एस सी ओ एन स्वर्ण पदक से सम्मानित किया; निर्वाचित : निदेशक, वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ मेडिकल एडिटर्स; नियुक्त : कार्यकारी सदस्य, ब्रिटिश जर्नल ऑफ यूरोलॉजी इंटरनेशनल; नियुक्त : संपादक बोर्ड के सदस्य, कोरियन जर्नल ऑफ यूरोलॉजी; नियुक्त : विशेषज्ञ सदस्य : परियोजना समीक्षा समूह : आईएनआरसी फॉर एसएनओएमईडी, स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत; नियुक्त : विशेषज्ञ सदस्य : परियोजना समीक्षा समूह : प्रजनन क्षमता नियामक और गर्भनिरोधक विकल्पों का विस्तार, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली; नियुक्त : विशेषज्ञ सदस्य : परियोजना समीक्षा संचालन समूह : संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत 2 माइक्रॉन क्षेत्र के लिए चिकित्सा आवेदन, डी ई आई टी वाय में एमओपीए ''ऑल–फाइबर' थ्यूलियम डोप्ड।

डॉ. प्रभजोत सिंह को 18–21 अप्रैल 2014 बीजिंग, चीन के तीसरे इंटरनेशनल फोरम ऑन फ्रंटियर्स इन यूरोलॉजी (आईएफएफयू) के लिए यूरोलॉजी एसोसिएशन ऑफ एशिया (यूएए) से सम्मानित किया; सम्मानित अक्तूबर–दिसंबर 2014 क्लिनीकुम यूरोलॉजी लेनबर्ग जर्मनी में रिकंस्ट्रक्टिव और प्रोस्थेटिक यूरोलॉजी में यूरोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया (यूएसआई) 3 माह की नैदानिक अध्येता; सम्मानित किया : 5–9 दिसंबर, 2014 को 12वें एसीयू किश द्वीप ईरान के लिए यूरोलॉजी ऑफ एशिया (यूएए) युवा अनुभाग अध्येता।

डॉ. आशीष कुमार सैनी को 2.2.2015 से 31.3.15 तक कागोशिमा जापान : जेयूए फेलोशिप 2015 : से सम्मानित किया।

डॉ. ऋषि नैय्यर को इंडियन जर्नल ऑफ यूरोलॉजी के 3 माह की अवधि के लिए संपादकीय समिति सदस्य के रूप में चयनित किया गया; वर्ष 2014 को एक समीक्षक के रूप में प्रतिष्ठित सेवाओं के लिए इंडियन जर्नल ऑफ यूरोलॉजी में विशेष उल्लेख के साथ मान्यता प्राप्त।

अतिथि वैज्ञानिक

डॉ. नग्वू पॉल एबरेचुक्वु, सीनियर रजिस्ट्रार, डिविजन ऑफ यूरोलॉजी, फेडरल मेडिकल सेंटर, यूमुआहिया, नाइजीरिया (अक्तूबर–दिसंबर 2014)

10.1 हृदय वक्ष विज्ञान केंद्र

प्रमुख

बलराम ऐरन

हृदय वक्ष और संवहनी सर्जरी

आचार्य एवं प्रमुख

बलराम ऐरन

आचार्य

एस. के. चौधरी | यू. के. चौधरी | ए. के. बिसोई

अपर आचार्य

सचिन तलवार | मिलिंद पी. होते | वी. देवागौरु

सहायक आचार्य

मनोज कुमार साहू | पी. राजशेखर | सर्वेश पाल सिंह

रमेश पी. मेनन | रचिता सक्सेना (अनुबंध) | दिनेश चंद्रा (अनुबंध)

हृदय रोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

वी. के. बहल

आचार्य

अनीता सक्सेना | एस. एस. कोठारी | बलराम भार्गव

के. सी. गोस्वामी | आर. जुनेजा | आर. नारंग

एस. मिश्र | एस. सेठ | राकेश यादव

एन. नायक

अपर आचार्य

जी. कार्तिकेयन | गौतम शर्मा | एस. रामकृष्णन

एस. सिंह | अम्बुज रॉय

सहायक आचार्य

सौरभ के. गुप्ता | नीरज प्रकाश | सुनील के. वर्मा

हृदय संवेदनाहरण

आचार्य एवं प्रमुख

उषा किरण

आचार्य

संदीप चौहान | नीति मखीजा | पूनम मल्होत्रा कपूर

मिनाती चौधरी

अपर आचार्य

संभुनाथ दास | पराग घारदे | विश्वास मलिक

सहायक आचार्य

सुरुचि हजिजा | अरिंदम चौधरी

हृदय विकिरण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

संजीव शर्मा

अपर आचार्य

गुरप्रीत सिंह गुलाटी | प्रिया जगिया

सहायक आचार्य

संजीव कुमार

हृदय जैव रसायन

आचार्य

लक्ष्मी रामकृष्णन

नाभिकीय चिकित्सा

अपर आचार्य

चेतन डी. पटेल

ह्रदय विकृति विज्ञान

आचार्य

रूमा रे

सहायक आचार्य

सुधीर कुमार अरवा

स्टेम सेल सुविधा

अपर आचार्य

सुजाता मोहंती

अंग पुनः प्राप्ति बैंकिंग संगठन (ओआरबीओ)

आचार्य, अस्पताल प्रशासन

आरती विज

रक्ताधान सेवाएं

आर. लक्ष्मी

मुख्य चिकित्सा अधिकारी

अंजली हजारिका

अवसंरचना

1. आधुनिकतम कार्डियक केयर यूनिट का विकास किया गया।
2. मौजूदा स्थान में सीटीवीएस ओटी स्टोर के लिए अतिरिक्त भंडारण क्षेत्र बनाया गया है।
3. सीएनसी ओपीडी में आने वाले रोगियों की सुविधा के लिए कैनोपी का निर्माण।
4. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के माननीय पूर्व मंत्री डॉ. हर्षवर्धन द्वारा स्टेम सेल उद्घाटन के लिए मौजूदा अच्छा विनिर्माण आचरण (जीएमपी) वाला एक क्लीनिकल रिसर्च यूनिट।

हृदय वक्ष और संवहनी सर्जरी

विशिष्टताएं

कार्डियो थोरासिक और वैस्कुलर सर्जरी (सीटीवीएस) विभाग रोगी देखरेख, शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी था। बाह्यरोगी विभाग में अधिक से अधिक 45000 रोगी देखे गए थे और सभी आयु वर्गों के सभी प्रकार के कार्डियोवेस्कुलर रोगों के अधिक से अधिक 4000 ऑपरेशन किए गए थे जिनके परिणाम सर्वोत्कृष्ट थे। इसके अलावा, बड़ी संख्या में जन्मजात और अर्जित कार्डियो थोरासिक रोगों वाले रोगियों को सेवा प्रदान करते हुए विभाग अनुसंधान और प्रकाशनों के क्षेत्र में राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तरों पर अनुसंधान और सहयोग में सक्रिय रूप से संलग्न रहा। विभाग के संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में 50 से अधिक व्याख्यान दिए और महत्वपूर्ण शोध पत्र प्रस्तुत किए। अभिजात समीक्षित राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर की पत्रिकाओं में 40 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए गए। विभाग में अधिक से अधिक 20 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान परियोजनाएं चल रही हैं। विभागीय संकाय द्वारा अनेक सर्जिकल इंनोवेशन और तकनीकों का आविष्कार किया गया और प्रतिष्ठित जर्नलों में प्रकाशित किया गया। विभाग ने एरोटिक डिसेक्शन संबंधी कार्यशाला के अतिरिक्त मिट्रल वॉल्व रिपेयर और वेट लैब सेशन ऑन बेंटल प्रोसीजर संबंधी लाइव ऑपरेटिव कार्यशालाओं का सफल आयोजन किया। इससे पूरे देश के सर्जन और मेडिकल तथा पैरा–मेडिकल कर्मचारी बड़ी संख्या में लाभान्वित हुए। विभाग में थोरेको एब्डोमिनरल एरोटिक हस्तक्षेप के दौरान मोटर एवोक्ड पोटेंशियल की शुरूआत की गई। देश में इस प्रकार की यह पहली सुविधा है।

शिक्षा

विभाग किसी भी समय बिंदु पर 18–20 रेजीडेंट्स के लिए एक सक्रिय एम सीएच प्रशिक्षण कार्यक्रम और प्रशिक्षण में संचालित कर रहा है। शरीर के बाहर की प्रौद्योगिकी में डिग्री पाठ्यक्रम उपलब्ध कराने हेतु एम एससी (परफ्यूजन) कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। बी.एससी और एम. एससी नर्सिंग छात्रों को विभाग द्वारा नियमित रूप से प्रशिक्षित किया जाता है। एम एस (जनरल सर्जरी) रेजीडेंट्स कार्डियो वेस्कुलर सर्जरी की मौलिक जानकारी प्राप्त करने के लिए नियमित रूप से विभाग का भ्रमण करते हैं।

विभाग, इन्हें कार्डियोवेस्कुलर सर्जरी के विस्तृत क्षेत्रों से अवगत कराने के लिए प्रशिक्षण संबंधी शेर–ए–कश्मीर इंस्टीट्यूट, श्रीनगर और मेडिकल कॉलेज, श्रीनगर से कार्डियोथॉरेसिस सर्जन्स को आमंत्रित करता है।

सी टी वी एस विभाग में निम्नलिखित हृदय सर्जरी, पैरा – मेडिकल स्टाफ, अल्पावधि प्रशिक्षण लिया था : डॉ. नवाग्बोसो, नाइजीरिया से चिमौबी इक्चुक्वु, पर्यवेक्षकर्ता; डॉ. तरसेम मुजफ्फर, शेर–ए–कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज; डॉ. सैयद अब. वाहीद, शेर–ए–कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज; डॉ. मीर मुदसर सादिक, शेर–ए–कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज; डॉ. विठल कुमार, मैलेशी बेतिगिरी, सीटीवीएस के आचार्य, जी बी पंत अस्पताल, नई दिल्ली। एनईआईजीआरआईएचएमएस के सीटीवीएस आईसीयू के ग्यारह ओ. टी. नर्सिंग स्टाफ को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. एम्स, नई दिल्ली में 23–24 अगस्त 2014 को ''बेंटल प्रोसीजर'' पर कार्यशाला।
2. एम्स, नई दिल्ली में 24 अगस्त 2014 को बेंटल की प्रक्रिया पर वेट–लैब।
3. एम्स, नई दिल्ली में 4–6 अक्तूबर 2014 को ''वाल्व सर्जरी'' पर कार्यशाला।
4. एम्स, नई दिल्ली में 5 अक्तूबर 2014 को एरोटिक वाल्व रीप्लेसमेंट पर वेट–लैब।
5. एम्स, नई दिल्ली में 5 अक्तूबर 2014 को मिट्रल वाल्व रीप्लेसमेंट पर वेट–लैब।

प्रदत्त व्याख्यान

एस. के. चौधरी : 22 **सचिन तलवार : 19** **एस. पी. सिंह : 1** **आर. मेनन : 1**
एम. साहू : 3 **एम. होते : 4** **वी. देवागौरु : 6**

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुति : 12

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. सुरक्षा और कार्यात्मक माइट्रल वाल्व प्रत्यावहन (एफएमआर) के उपचार में डिवाइस बीएसीई (बेसल एन्नुलोप्लास्टी ऑफ कार्डिया एक्सटर्नली) प्रभावकारिता का मूल्याकंन। चौधरी एस के, फोनिक्स कार्डियक डिवाइसेज प्राइवेट लिमिटेड, 3 वर्ष, 2015–18, 16 लाख।
2. फैलोट के टेट्रोलॉजी के इंट्राकार्डियक रिपेयर गुजर रहे रोगियों में ऑपरेशन पश्चात परिणाम पर एलोपुरिनोल के ऑपरेशन पूर्व व्यवस्था का प्रभाव, तलवार सचिन, एम्स आंतरिक अनुदान, 2014, 5,00,000 रु.।
3. डेलनिडो हृदय का पक्षाघात और बाल हृदय शल्य चिकित्सा के दौर से गुजर रहे रोगियों में माइकोकार्डियल के संरक्षण के लिए सेंट थॉमस कार्डियोप्लेजिक समाधान की तुलना। तलवार सचिन, सीएसआईआर, 2015, 5 लाख रु. (स्वीकृति की प्रतीक्षा)

पूर्ण

1. कार्डियक सर्जरी परीक्षण में स्टेरॉइड। चौधरी एस के, कैनेडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ रिसर्च, 5 वर्ष, 2010–2014, 30,00,000 रु.।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. ऑफ पम्प टोटल कैवोपल्मोनरी कनेक्शन के तत्काल और ऑपरेटिव की व्यापकता का निर्धारण करना।
2. एकल वेंट्रिकल फिजियोलॉजी के साथ रोगियों के कार्डियो पल्मोनरी व्यायाम पैरामीटरों की तुलना जिनका सुपीरियर कैवोपल्मोनरी एनास्टोमोसिस (बीडी ग्लैन) और / या संपूर्ण कैवोपल्मोनरी कनेक्शन किया गया है।
3. एल पोरुड महाधमनी के साथ भौतिकी रूप से पूरी तरह से सुधार नहीं होने वाले टीजीए के रोगियों में आर्टेरियल स्विच ऑपरेशन।
4. धमनी स्विच ऑपरेशन से गुजर रहे बड़ी धमनी के दाहिने प्रत्यारोपण वाले रोगियों में महाधमनी और फेफड़े की धमनी में रोगनिदान संबंधी परिवर्तन : एक भावी अध्ययन।
5. कार्डियोवेस्कुलर सर्जरी के बाद सायनोटिक शिशुओं में वेसोएक्टिव इनोट्रोपिक स्कोर और परिणाम आकलन।
6. बड़ी धमनियों की जन्मजात की सही प्रत्यारोपण वाले रोगियों में फोंटेन ऑपरेशन के परिणाम।
7. प्रारंभिक परिणामों के लिए जोखिम कारकों के बाद द्विदिश ग्लेन का निर्धारण।
8. आर वी ओ टी रीकंस्ट्रक्शन हेतु पेरीकार्डिएल पैच बनाम पी टी एफ ई पैच।
9. एयोर्टो पल्मोनरी विंडो : मार्फोलॉजी, तकनीक और दीर्घावधि।
10. जन्मजात हश्दय रोगों के लिए संचालित वयस्क रोगियों में कारक निर्धारित करने वाले परिणाम।
11. यूनिवेंट्रिकुलर फिजियोलॉजी के लिए सर्जरी करवा रहे रोगियों में कार्डियो पल्मोनरी बाइपास पर बाइ डायरेक्शनल कैवो पल्मोनरी एनास्टोमोसिस (बीडी ग्लेन) के तीन विभिन्न तकनीकों की तुलना।
12. बाल हृदय शल्य चिकित्सा के बाद गहन चिकित्सा इकाई में नोसोकोमाइल संक्रमण।
13. जीवन के पहले दशक के बाद प्राथमिक फोंटेन ऑपरेशन के दौर से गुजर रहे रोगियों के परिणाम।
14. बाल हृदय शल्य चिकित्सा के बाद जेईटी के लिए जोखिम कारकों का अध्ययन।
15. मध्यावधि परिणाम : 5 वर्ष से अधिक आयु वाले बच्चों में अलिंद स्विच प्रक्रिया।
16. टीओएफ रिपेयर से गुजर रहे रोगियों में इकोकार्डियोग्राफी और सीरम ओस्टियोपोंटिन स्तर से दाहिने निलयी कार्य के सहसंबंध।
17. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान में ईसीएमओ अनुभव।

पूर्ण

1. वयस्कों में महाधमनी के निसंकुचन : आकृति विज्ञान, शल्य चिकित्सा तकनीकें और परिणाम।
2. कावाशिमा प्रक्रिया और इसके मध्यअवधि परिणाम''
3. समायोज्य पीए बैंडिंग दौर से गुजर रहे रोगियों की मध्यवधि परिणाम।
4. घटना का मूल्यांकन, बाल चिकित्सा कार्डियक सर्जरी के बाद जल्दी पश्चात एर्रिथमिस के लिए जोखिम कारक और प्रबंधन प्रोटोकॉल।
5. फेलोट के टेट्रालॉजी के लिए कुल ट्रांसट्रियल मरम्मत की दीर्घकालिक परिणाम।
6. जटिल महाधमनी रुकावट के लिए वेंट्रल महाधमनी की मरम्मत।
7. बाल्ड आर्च सिंड्रोम के शल्य चिकित्सा प्रबंधक।
8. हेमीआर्च प्रतिस्थापन बनाम बेंटाल के अकेले + बेंटाल की सुरक्षा का मूल्यांकन।
9. धमनी के सूडोएन्यूरिज्म क्षयरोग
10. हाइपोथर्मिक सर्कुलेटरी अरेस्ट के बिना एओर्टिक आर्च प्रतिस्थापन शल्य चिकित्सा तंत्रिका विज्ञानात्मक परिणाम

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. ओपन हार्ट सर्जरी करवा रहे बाल चिकित्सा रोगियों में मौखिक थायरोक्सीन पूरकता (सीटीवीएस, एंडोक्राइनोलॉजी, कार्डियोलॉजी)।
2. एकल वेंट्रिकल फिजियोलॉजी के साथ रोगियों के कार्डियो पल्मोनरी व्यायाम पैरामीटरों की तुलना जिनका सुपीरियर कैवोपल्मोनरी एनास्टोमोसिस (बीडी ग्लैन) और / या संपूर्ण कैवोपल्मोनरी कनेक्शन किया गया है। (सीटीवीएस, कार्डियोलॉजी, फिजियोथेरैपी, फिजियोलॉजी)।
3. फैलोट के टेट्रोलॉजी के इंट्राकार्डियक रिपेयर करवा रहे रोगियों में ऑपरेशन पश्चात परिणाम पर एलोपुरिनोल के ऑपरेशन पूर्व व्यवस्था का प्रभाव। (सीटीवीएस, कार्डियक, जैव रसायन, कार्डियक एनेस्थिसियोलॉजी)।
4. बाल कार्डियक सर्जरी कराने वाले रोगियों में मायोकार्डियल सुरक्षा के लिए डेलनिडो कार्डियो प्लैजिया और स्टे. थोमस कार्डियोप्लैजिया की तुलना। (सीटीवीएस, कार्डियक, जैव रसायन, कार्डियक एनीस्थिसियोलॉजी)।
5. यूनिवेंट्रिकुलर फिजियोलॉजी के लिए सर्जरी करवा रहे रोगियों में कार्डियोपल्मोनरी बाइपास पर बाइ डायरेक्शनल, कैवोपल्मोनरी, एनास्टोमोसिस (बी डी ग्लेन) के तीन विभिन्न तकनीकों की तुलना (सीटीवीएस, कार्डियक जैव रसायन, कार्डियक एनीस्थिसियालॉजी)।
6. चूहों में फेफड़े की धमनी उच्च रक्तचाप के प्रयोगशाला मॉडल में अर्जुन (टर्मेनेलिया अर्जुना) और तुलसी (ओसीमम सैंक्टम) के प्रभाव का मूल्यांकन। (फार्माकोलॉजी, कार्डियोलॉजी, सीटीवीएस)।
7. पीएएच के उपचार में एंटी इंफ्लेमेट्री स्ट्रेटेजी – चूहों में एक प्रयोगात्मक अध्ययन। (फार्माकोलॉजी, कार्डियोलॉजी, सीटीवीएस)।
8. ग्राफ्ट प्रवेशन लीमा से प्रोक्सिमल के हिस्से में मायोकार्डियल परफ्यूजन का निर्धारण (कार्डियोलॉजी, कार्डियक, रेडियोलॉजी, सीटीवीएस)।
9. महत्वपूर्ण अंग इस्केमिया वाले रोगियों में एंडोवेस्कुलर उपचार के लिए डीएसए और एमआर तकनीकों के उपयोग कर एंजियोसोम लक्षित वेसल बैड पहचान का महत्व (सीटीवीएस, कार्डियक रेडियोलॉजी, रेडियोलॉजी)।
10. थोरेसिक एयोर्टिक एन्यूरिज्म का मोर्फोमेट्रिकी विश्लेषण (सीटीवीएस, पैथोलॉजी)।
11. वक्ष एरोटिक ऐन्यूरिज्मस और विच्छेदन के लिए आनुवांशिकी मार्कर (सीटीवीएस, कार्डियक रेडियोलॉजी, कार्डियोलॉजी)।
12. बाइकस्पिड महाधमनी वॉल्व वाले रोगियों के आरोही महाधमनी में अपक्षयी परिवर्तन की हद तक ऊतक रोग विज्ञान अध्ययन (सीटीवीएस, पैथोलॉजी कार्डियोलॉजी, कार्डियक रेडियोलॉजी)।
13. एमआरआई सहसंबंध के एब्स्टेइन विसंगति के शल्य चिकित्सा लेखा परीक्षा और महत्व (सीटीवीएस, कार्डियक, रेडियोलॉजी, कार्डियोलॉजी)।
14. स्थापित रुमेटिक वेल्वुलर रोग वाले रोगियों में उप–नैदानिक रोग गतिविधि का गहन – इनवेसिव का पता लगाना (सीटीवीएस, कार्डियोलॉजी, पैथोलॉजी)।
15. गेटेड सीटी सहित एयोर्टिक एन्यूरिज्म और टाइप बी एयोर्टिक विच्छेदनों के आकलन में वेल्यूमेट्रिक विश्लेषण और गतिशील इमेजिंग की भूमिका (सीटीवीएस, कार्डियक रेडियोलॉजी, कार्डियोलॉजी)।

16. वक्ष एरोटिक ऐन्यूरिज्मस में मेट्रिक्स मेटालोप्रोटिनेज–2, मेट्रिक्स मेटेलोप्रोटिनेज–9, ऊतक इंहिबीटर मेटलोप्रोटिनेज–1, ऊतक इंहिबिटर मेटेलोप्रोटीनेज–2, कोलाजेन 1 एवं 4 अभिव्यक्ति की अभिव्यक्ति (सीटीवीएस, पैथोलॉजी)।

पूर्ण

1. वॉल्व सर्जरी करवा रहे रुमेटिक हृदय रोग रोगियों में पोस्ट – ऑपरेटिव न्यू ऑनसेट एर्टियल फाइब्रिलेशन के व्यापकता और भविष्यवाणी (सीटीवीएस, कार्डियोलॉजी)।
2. ग्रंथियों के हृदय श्लेष्मार्बुद में ग्रंथि तत्वों के इम्युनोहिस्टोकैमिकल का पता लगाया गया। (सीटीवीएस, पैथोलॉजी)।
3. हाइपोग्लाइसीमिया और बिसपेक्ट्रल सूचकांक मूल्यों पर इसके निहितार्थ (सीटीवीएस, कार्डिक एनेस्थीसिया)। रोगियों के हृदय शल्य चिकित्सा के पश्चात के बीच दर्द पर छाती की नली को हटाने के दौरान कोल्ड अनुप्रयोग के प्रभावशीलता पहुंच के लिए अध्ययन (सीटीवीएस, कॉलेज ऑफ नर्सिंग)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 45 **पुस्तकों में अध्याय : 4** **पुस्तकें : 1**

रोगी उपचार

हृदय वक्ष संवहनी सर्जरी बाह्य रोगी विभाग में 45563 रोगी को देखा गया और इलाज किया गया।

2014–15 में किए गए कुल ऑपरेशन

ओपन हार्ट सर्जरी	3033	क्लोज्ड हार्ट सर्जरी	1057
कुल ऑपरेशन	4090		

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य बलराम ऐरन ने 19 जुलाई, 2014 को आयोजित कार्डियक सर्जन्स के अध्याय दिल्ली राज्य में भाग लिया और एक व्याख्यान दिया। एम्स में 12 मई, 2014 को डॉ. आई. एम. राव ने संगठित डॉ. एन. गोपीनाथ ओरेशन, दिया। 27 सितंबर, 2015 को ''बी हार्ट वाइस'' पर सार्वजनिक श्रृंखला कार्यक्रम और पैनल चर्चा के दौरान व्याखान दिया गया। सुपर स्पेशलिटी ऑफ कार्डियक सर्जरी में 50 वर्षों के उत्कृष्टता के स्मरणोत्सव के दौरान नई दिल्ली जी. बी. पंत अस्पताल द्वारा 7 मार्च, 2015 को ''डॉ. माधुरी निगम मेमोरियल ओरेशन'' से सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर एस. के. चौधरी ने हैदराबाद में 19–22 फरवरी 2015 को आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ कार्डियोवैस्कुलर एंड थोरासिक सर्जन्स के 61 वें सम्मेलन के दौरान ''मैं एक्यूट टाइप एरोटिक डिस्सेक्शन का उपचार कैसे करूं? प्रचलित विज्ञान, निजी विचारों और वर्णनों पर आधारित प्रणाली'' विषय पर प्रतिष्ठित के. एन. दस्तूर व्याख्यान दिया। इंडियन जर्नल ऑफ थोरासिक एंड कार्डियोवैस्कुलर सर्जरी नई दिल्ली के लिए ऐरोटा एंड वैस्कुलर, सेक्शन एडिटर के रूप में नियुक्त किया गया, सीटीवीएस विभाग, सफदरजंग अस्पतल, नई दिल्ली के लिए ओपन हार्ट सर्जरी उपकरणों की प्राप्ति के लिए समिति के सदस्य थे, नीड (एसओएन) और एक्सेप्शनल नीड सर्टिफिकेट (ईएनसी) के विवरण के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा कार्डियोथोरासिक सर्जरी के मेंम्बर इन द फील्ड। सफरदजंग हॉस्पिटल, नई दिल्ली के लिए हार्ट लंग मशीन की प्राप्ति हेतु स्वास्थ्य सेवाएं महानिदेशालय द्वारा तकनीकी विनिर्देशों को अंतिम रूप देने के सदस्य, सीटीवीएस तकनीकी समिति, भारत सरकार के सदस्य, महानिदेशालय स्वास्थ्य सेवाएं, नई दिल्ली द्वारा कार्डियक प्रक्रियाओं के लिए सीजीएचएस दरों को अंतिम रूप देने के सदस्य, किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ की एम. सीएच (सीटीवीएस) परीक्षा आयोजित करने के बाहय परीक्षक, संजय गांधी स्नातकोत्तर चिकित्सा विज्ञान संस्थान, लखनऊ के सीटीवीएस विभाग में प्रोफेसर / एडीशनल प्रोफेसर पद हेतु साक्षात्कार आयोजित करने के लिए बाहय विशेषज्ञ सफदरजंग अस्पताल में असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए साक्षात्कार आयोजित करने के लिए नियुक्त किया गया था। ''नेशनल टास्क फोर्स फॉर फिजिशियन असिस्टेंट्स'' के सदस्य के रूप में नामित किया गया।

डॉ. सचिन तलवार को 26–30 अप्रैल को टोरेंटो, कनाडा में अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ थोरासिक सर्जरी की वार्षिक बैठक में ग्राहम रिसेप्शन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया। यूरोपियन जर्नल ऑफ कार्डियोथोरासिक सर्जरी के संपादक मंडल का सदस्य नियुक्त किया गया और कई अंतरराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय जर्नलों के नियमित समीक्षक थे। डॉ. सचिन तलवार पीजीआई चंडीगढ़ के एम सीएच बाहय परीक्षक थे, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के माध्यम से सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली के लिए मदों की प्राप्ति हेतु तकनीकी समिति के

सदस्य, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली के लिए सीटीवीएस के असिस्टेंट प्रोफेसरों के चयन हेतु बाहय विशेषज्ञ, बाबा फरीद कोट विश्वविद्यालय, फरीद कोट पंजाब के एमसीएच (सीटीवीएस) के लिए बाह्य सिद्धांत परीक्षक।

डॉ. वी. देवागौरू ने लेह, लद्दाख क्षेत्र के बीमार और लंबे समय से बीमार निर्धन रोगियों के लाभार्थ उस क्षेत्र में 24 और 31 अगस्त, 2014 के बीच चिकित्सा कैंप का आयोजन किया। मायोक्लीनिक और कार्डियक सोसाइटी ऑफ नेपाल द्वारा सह आयोजित कार्डियोवैस्कुलर रोग प्रबंधन संबंधी बारहवें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के एक भाग के रूप में 17 और 18 अप्रैल, 2014 को नेपाल में ट्रिकस्पिड और मिट्रल वाल्व रिपेयर संबंधी वेटलैब का आयोजन किया। रोगी सुरक्षा, गुणवत्ता, इंफर्मेटिक्स, नेतश्त्व संबंधी सम्मिश्रित अधिगम पर आधारित प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम 2015–2016 के लिए हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के एसक्यूआईएल कार्यक्रम हेतु चुना गया।

हृदय विज्ञान

विशिष्टताएं

विभाग ने करीब 1,15,000 बाहयरोग आगंतुकों के लिए खान पान का प्रबंध किया। 35,000 से अधिक रोगियों को इकोकार्डियोग्राफी के अंतर्गत भर्ती किया गया और लगभग 3600 डायग्नॉस्टिक कार्डियक कैथिटेराइजेशंस संचालित किए गए। इंटरवेंशनल प्रक्रियाओं में 2500 रोगियों की चिकित्सा की गई। इस अवधि में, कार्डियक रोग के बृहद स्पेट्रम में रोगी के अध्ययन के लिए विभाग ने सभी अनुसंधान परियोजनाओं में भाग लिया। रियूमेटिक हार्ट डिजीज, कोरोनरी आर्टरी डिजीज, कार्डियक सर्जरी में जेंडर वायस और वॉल्व थ्रोम्बोसिस से रोगियों की चिकित्सा से संबंधित महत्वपूर्ण प्रकाशन महत्वपूर्ण साइंटिफिक जर्नल्स में प्रकाशित किए गए। कुल मिलाकर, विभाग में किए गए कार्यों को करीब 68 पब्लिकेशंस में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय समान समालोचना वाले जर्नल्स में प्रकाशित किया गया। विभाग के संकाय सदस्यों ने जेएनयू के साथ एक जर्नल जेपीसीएस आरंभ किया है और यह इंडियन हार्ट जर्नल तथा एनल्स ऑफ पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी सहित प्रमुख कार्डियोलॉजी पत्रिकाओं का हिस्सा है। रोगियों की देख रेख, अनुसंधान और शिक्षण के अतिरिक्त, विभाग देश में कार्डियोलॉजी में शैक्षिक प्रबंधन के अतिरिक्त बड़े क्षेत्रों में शामिल रहा। विभाग के संकाय सदस्यों को राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय कार्डियोलॉजी निकायों में पद धारण करने के लिए आमंत्रित किया गया और शैक्षिक एजेंडा पर पुनः फोकस करने में सहयोग किया।

शिक्षा

हृदय विज्ञान विभाग में स्नातक, स्नातकोत्तर के शिक्षा और प्रशिक्षण शामिल है। संकाय द्वारा दैनिक शैक्षणिक गतिविधियों में जर्नल क्लब, मृत्यु दर बैठक कैथ सम्मेलन, अल्प और दीर्घ सेमिनार, वाद –विवाद, नैदानिक मामला चर्चा और निशानदेही शामिल हैं।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. सीएसआई– एम्स हृदय रोग विज्ञान अध्येता पाठ्यक्रम, 17–18 अगस्त 2014, नई दिल्ली।
2. तीसरी नेशनल रूमेटिक हार्ट कंसोशियम की बैठक, 2–3 नवंबर 2014, नई दिल्ली।
3. सीएसआई दिल्ली ब्रांच का वार्षिक सम्मेलन, 21–22 मार्च, 2015, नई दिल्ली।

प्रदत्त व्याख्यान

वी. के. बहल : 9	**अनीता सक्सेना : 3**	**एस. एस. कोठारी : 2**
बलराम भार्गव : 1	**आर. नारंग : 1**	**संदीप सेठ : 2**
संदीप मिश्रा : 2	**एन. नायक : 2**	**आर. यादव : 3**
गौतम शर्मा : 2	**अम्बुज रॉय : 3**	**एस. रामकृष्णन : 12**
नीरज प्रकाश : 1	**सौरभ के. गुप्ता : 4**	

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. बच्चों में रूमेटिक हृदय रोग – अ. भा. आ. सं. अग्रदर्शी रजिस्ट्री। अनीता सक्सेना, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2012–2015, 28,00,000 रुपए।

2. एक्यूट रुमेटिक बुखार में एंडोथेलियल कार्य, एस. रामाकृष्णन, आई सी एम आर, 2 वर्ष, 2014–16, 55,00,000 रुपए।
3. एमआई वाले युवा रोगियों में जोखिम कारक, सुनील के वर्मा, अ. भा. आ. सं. 1 वर्ष, 2014–15, 5,00,000 रुपए।
4. निम्नलिखित पीसीआई मैनुअल संपीड़न के लिए नाड़ी बंद होने के उपकरणों की तुलना, संदीप सिंह, अ. भा. आ. सं., 1 वर्ष, 2014–15, 5,00,000 रुपए।
5. एमआई के बाद देर से आए रोगियों में थ्रोम्बेक्टोमी, अ. भा. आ. सं., 1 वर्ष, 2014–15, 5,00,000 रुपए।

पूर्ण

1. जन्मजात हृद रोगों में गंभीर पल्मोनरी आर्टेरी हाइपरटेंशन हेतु इंट्रावास्कुलर अल्ट्रासाउंड। आर जुनेजा, डी एस टी, 2014

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. हृदय विफलता के रोगियों में अंतः स्रावी असामानताएं
2. 12–लीड ईसीजी रेस्टिंग पर प्रारंभिक रेपोलेरिजेशन पैटर्न वाले व्यक्तियों के इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिक का लाक्षणीकरण।
3. माइट्रल रेगुरगिटेशन में स्पेकल ट्रैकिंग और व्यायाम क्षमता के साथ सह संबंध।
4. बस चालकों के बीच बी पी निगरानी औषधालय।
5. प्राथमिक पीसीआई से गुजर रहे रोगियों में पता लगाना और परिणामों का निर्धारक

पूर्ण

1. साइनस रिद्म में रूमेटिक एम एस के रोगियों में आघात एवं दैहिक इंबोलिज्म का भार।
2. पी टी एम सी के पश्चात आर्टेरिएल फिब्रीलेशन वाले रूमेटिक एम एस से ग्रस्त रोगियों में रिद्म कंट्रोल।
3. रूमेटिक एम एस में ए एफ का चिरकारी अल्प ग्रेड प्रदाहक एवं जोखिम।
4. कोरोनरी माइक्रोवेस्कुलर एवं हीमोडायनामिक्स पर तंबाकू चबाने का प्रभाव।
5. पी टी एम सी के पूर्व सूचक तीव्र परिणाम में 2 डी बनाम 3 डी ईको।
6. एन एस ए ए वाले बच्चों का अग्रदर्शी मूल्यांकन।
7. उच्च खुराक डाययूरेटिक्स पर हृदय पात रोगियों में थायमिन स्तर।
8. पृच रूमेटिक हृदय वाल्व शल्य चिकित्सा वाले रोगियों में नए ऑनसेट ए एफ का भार।
9. तंबाकू चबाने के दौरान होल्टर की निगरानी।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. इस्चेमिया परीक्षण (एनआईएच)।
2. हृदय शल्य चिकित्सा (एसआईआरएस) परीक्षण (कैनेडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ रिसर्च) में स्टेरॉइड्स के राष्ट्रीय लीडर और सह–अन्वेषक
3. रीमोट इस्चेमिक प्रिकंडीशनिंग पाइलट परीक्षण (रीमोट इम्पेक्ट), (कैनेडिएन इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ रिसर्च द्वारा वित्त पोषित)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 68

रोगी उपचार

नए ओ पी डी केस	33178	पुराने केस	82658
कुल संख्या	115836		

रोगी सेवाएं

टी एम टी	2204	होल्टर	2882
इकोकार्डियोग्राफी	34,947	फेटल इकोकार्डियोग्राफी	257
ई सी जी (अंतरंग)	23999	ई सी जी (ओपीडी)	38568
एबीपी	79	हेड अप टिल्ट टेस्ट	174

कैथ लैब सेवाएं

सीएआरटी	2298	कैथ	1062
बैलून डिलेशन	149	पीटीएमस	403
पीडीए	134	एएसडी डिवाइस	46
वीएसडी डिवाइस	14	पीटीसीए	1322
एमबक्स	30	पेसमेकर्स	297
आईसीडी	62	सीआरटी–डी	61
आरएफए	146	सीएआरटीओ	29

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य वी. के. बहल बीएमजे समूह का एक प्रकाशन, एशिया हार्ट के सह–सम्पादक रहे।

आचार्य अनीता सक्सेना एपीपीसीएस (एशिया पैसिफिक पीडियाट्रिक सोसाइटी ऑफ इंडिया) के अध्यक्ष। पीडियाट्रिक, कार्डियोलॉजी, वेराइटी चिल्ड्रेंस हार्ट सेंटर विनिपेग के अतिथि आचार्य रहीं और नेशनल रूमैटिक हार्ट कंसोर्शियम की अध्यक्ष रहीं।

आचार्य बलराम भार्गव ने भारत में वहनीय स्वास्थ्य देख रेख के लिए आर एण्ड डी पर वेलकम ट्रस्ट डीबीटी पहल की; बीएमजे इनोवेशंस के सम्पादक रहे।

आचार्य के. सी. गोस्वामी कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, दिल्ली शाखा के अध्यक्ष रहे।

डॉ. संदीप सेठ जेपीसीएस के मुख्य संपादक थे।

आचार्य राकेश यादव सीएसआई के सचिव थे – दिल्ली ब्रांच और सीएसआई के ईसी सदस्य थे।

आचार्य संदीप मिश्रा इंडियन हार्ट जर्नल के नियुक्त संपादक थे, बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज एससीएआई में थे, एशिया इंटरवेंशन के सहायक संपादक थे, टीसीटी भारत के पाठ्यक्रम निदेशक थे, श्रीलंका इंटरवेंशनल की बैठक।

आचार्य नितीश नायक अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी के अध्येता चुने गए और आईएचजे के कार्यकारी संपादक रहे।

डॉ. जी. कार्तिकेयन आईएचजे के कार्यकारी संपादक।

डॉ. अम्बुज रॉय अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी के अध्येता चुन गए।

डॉ. एस. रामाकृष्णन को सचिव के रूप में चुना गया, कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया दिल्ली (सी एस आई)। पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी का इतिहास के सहायक सम्पादक; पीडियाट्रिक कार्डियक सोसाइटी ऑफ इंडिया के सचिव रहे, ट्रेजरर ऑफ नेशनल रियूमेटिक हार्ट कंसोर्टियम, आईएचजे के कार्यकारी संपादक और जेपीसीएस के सहायक संपादक रहे।

हृदय संवेदनाहरण

विशिष्टताएं

संकाय और रेजिडेंट्स को विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में तीन उत्कृष्ट अवार्डों से सम्मानित किया गया। डॉ. उषा किरण पी आर ए एन 'पारकिंसन' रिलेटिड अवेयरनेंस नेटवर्क'' की उपाध्यक्ष हैं और विभिन्न जर्नल्स के संपादकीय बोर्ड के सदस्य हैं। डॉ. संदीप चौहान पत्रिकाओं और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए संपादकीय बोर्ड के सदस्य थे। डॉ. नीति मखीजा को आईएसीटीए के कार्यकारी सदस्य के लिए

चुना गया और आईएसीटीए के अध्यापक के तौर पर और विभिन्न पत्रिकाओं की संपादकीय बोर्ड की सदस्य हैं। डॉ. पूनम मल्होत्रा ने दो पुस्तकें लिखी है।

शिक्षा

1. सेना से 2 लेफ्टिनेंट कर्नल प्रायोजकों सहित 8 डी एम अभ्यर्थियों और मुख्य एनेस्थिया विभाग से 12 अन्य एम–डी जूनियर रेजिडेंट डॉक्टरों को कॉर्डियक–थोरेसिस–एनीस्थिया में सुपरस्पेशिलिटी प्रशिक्षण दिया गया।
2. कॉर्डियक एनीस्थिया की विशेषता में अल्पकालिक प्रशिक्षण हेतु लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज से 10 एम डी अभ्यर्थियों को भेजा गया।
3. संकाय के मार्गदर्शन में, विभाग के डी एम और नॉन डी एम सीनियर रेजीडेंट्स द्वारा कुल 40 सेमिनार, 20 जर्नल प्रस्तुति और 20 केस प्रस्तुति / का प्रदर्शन गया।
4. श्री चित्रा तिरुमल इंस्टीट्यूट के 2 डीएम अभ्यर्थियों को अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
5. विभाग में 2 संकाय और एक परफ्यूसनिस्ट सहित तीन उम्मीदवार पी. एच. डी. कर रहे हैं।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/संगोष्ठी/राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन

1. अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली में 17 अगस्त 2014 को एम्स बाल चिकित्सा और ई सी एम ओ।
2. आचार्य उषा किरण ने एम्स नई दिल्ली में वर्ष के दौरान दिनांक 8 को सभी अस्पताल के कर्मचारियों के लिए निदेशक और संकायाध्यक्ष के मार्गदर्शन में आत्म सुधार और तनाव मुक्त प्रबंधन पर व्याख्यान की एक श्रृंखला आयोजित की गई।

प्रदत्त व्याख्यान

डॉ. उषा किरण : 6 **संदीप चौहान : 15** **नीति मखीजा : 2**
मिनाती चौधरी : 3 **सम्भूनाथ दास : 6** **पराग घरादे : 3**
सुरूचि हसीजा : 2

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुति : 5

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. ओपन–हार्ट सर्जरी से गुजर रहे एस्यानोटिक में एसायनोटिक उत्क्रमण में प्रोटेमिन उत्क्रमण वाले हेपरिन से बिवालिरूदिन की तुलना। सुरूचि हसीजा, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, 2 वर्ष, अप्रैल 2014 मार्च 2016, 5,00,000 रुपए।

पूर्ण

1. वेल्वुलर हार्ट सर्जरी करवा रहे रोगियों में ऑपरेशन पूर्वी डिक्समीडेटोमाइडिन थैरेपी का नैदानिक प्रभावकारिता और सुरक्षा – एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सम्भूनाथ दास एम्स 2013–2015, 7.5 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. कार्डियोपल्मोनरी बाइपास पर कोरोनरी आर्टरी बाइपस सर्जरी कराने वाले रोगियों में थर्मोडायल्यूशन, पल्स कंटूर और इलेक्ट्रो वेल्सिमेट्री व्युत्पन्न कार्डियक परिणाम की निगरानी की तुलना।
2. डिक्समीडिटोमाइडिन का उपयोग करके जन्मजात हृदय सर्जरी करवा रहे बच्चों में जंक्शनल एक्टोपिक टेकीकार्डिया की रोकथाम।
3. फैलोट की टेट्रोलॉजी हेतु सुधारात्मक सर्जरी करवा रहे रोगियों में दायें वेंट्रिकल फंक्शन की इकोकार्डियोग्राफी प्रीडिक्टर्स पूर्व शल्यक्रिया चिकित्सा।
4. आर्टेरियल स्विच ऑपरेशन करवा रहे ग्रेट एर्टराइज के डी – ट्रांसपोजिशन सहित शिशुओं में सोनोक्लोट विश्लेषण।
5. आर्टियल स्विच ऑपरेशन में एक विभिन्न ईएसीए वाले मूत्र एनजीएएल विश्लेषण होता है।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 17 **पुस्तकों में अध्याय : 5**

रोगी देखभाल

1. विभाग के संकाय एवं रेजीडेंट 8 ऑपरेशन थिएटर, 5 कैथेटराइजेशन लैबों, सी टी ऐंजियोग्राफी एवं एम आर आई हृदय – संवेदनाहरण में संवेदनाहरण उपचार देने में सम्मिलित रहे हैं। हृदय संवेदनाहरण विभाग सी टी वी एस – आई सी यू – ए तथा बी आई सी सी यू सभी सामान्य वार्डों एवं सी. एन. टावर में पुनरुज्जीवन एवं वेंटीलेटरी उपचार में भी सम्मिलित रहे हैं।
2. विभाग द्वारा ''तनाव उपचार क्लिनिक'' कार्डियो – न्यूरो रोगियों की देख रेख की जाती है,
3. अ. भा. आ. सं. के सभी कर्मचारियों सहित विभिन्न स्टाफ, नर्सों और देखभालकर्ता आदि।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

कोलंबो, श्री लंका में 29 जनवरी 2015 को कॉलेज ऑफ एनीस्थिसियोलॉजिस्ट श्री लंका से शशिधरन पुरस्कार। श्री लंका गाले में 3 फरवरी 2015 को रॉयल कॉलेज ऑफ एनीस्थिसियोलॉजिस्ट और श्री लंका कॉलेज ऑफ एनीस्थिसियोलॉजिस्ट से प्रशंसा का प्रमाण पत्र।

आचार्य उषा किरण ने एम्स नई दिल्ली में 6 अप्रैल, 2014 को आयोजित क्रिटिकल केयर एण्ड रेफरल एनीस्थिसिया की अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ''नॉन टेक्निकल स्किल्स'' पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

प्रोफेसर नीति मखीजा ने 5–7 सितंबर, 2014 के बीच नारायण हृदयालय, बंगलौर में आयोजित 8वीं राष्ट्रीय पीरियोपेरेटिव टीईई कार्यशाला सह सीएमई में दो सत्रों ''टीईई फॉर प्रोस्थेटिक वाल्व'' और ''एपिकार्डियल ईको कार्डियोग्राफी'' की अध्यक्षता की। चेन्नै में 31 अक्तूबर – 2 नवंबर के बीच आयोजित 12 वें चेन्नई कार्डियक अपडेट 2014 में ''पीरियोपेरेटिव कोगुलेशन मॉनीटरिंग'' संबंधी विचार–विमर्श हेतु पैनल में शामिल थे।

हृदय विकिरण विज्ञान

विशिष्टताएं

विभाग के संकाय ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक बैठकों में 31 व्याख्यान दिए। विभाग ने नाइजीरिया से विजिटिंग फेलो की मेजबानी भी की। इसके अतिरिक्त, संकाय कई वैज्ञानिक जर्नलों के संपादक मंडलों के सदस्य और समीक्षक हैं। विभागीय संकाय 2 अनुसंधान परियोजनाएं और 7 थीसिस चला रहा है। उन्होंने समकक्ष समीक्षित अंतरराष्ट्रीय जर्नलों और राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित पुस्तकों में 3 अध्यायों में 9 शोध पत्र (2 सारांश सहित) प्रकाशित किए। दो शोध पत्र अंतरराष्ट्रीय बैठकों में भी प्रस्तुत किए गए। अस्पताल में विभिन्न विशेषता विभागों से संदर्भित रोगियों को कार्डियकवेस्कुलर इमेजिंग और वेस्कुलर हस्तक्षेप उपचार सेवाएं प्रदान करने के लिए जारी है।

शिक्षा

- पूर्व स्नातक : कार्डियोवेस्कुलर इमेजिंग और वेस्कुलर हस्तक्षेपों के आधार पर व्याख्यान स्नातकोत्तर : कार्डियक रेडियोलॉजी क्विज, चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, जठरांत्र विज्ञान, हृदय विज्ञान और हृदय वक्ष शल्य चिकित्सा अर्थात संबद्ध विशेषता विभागों में मध्यस्थता सेमिनार।
- हृदय विज्ञान विभाग सहित नैदानिक – विकिरण बैठकें।
- संबद्ध विशेषताओं सहित नैदानिक संयुक्त दौरे और नैदानिक अनुदान दौरे में भागीदारी
- रेडियोलॉजी में जूनियर और सीनियर रेजीडेंट्स और हृदय रोग विज्ञान में सीनियर रेजीडेंट्स का प्रशिक्षण, कार्डियोवैस्कुलर इमेजिंग की तकनीकी में सीटीवीएस और कार्डियक एनीस्थिसिया और दैनिक मामले प्रस्तुतियों और साप्ताहिक पत्रिका क्लब और सेमिनारों के साथ संवहनी हस्तक्षेप।

प्रदत्त व्याखान

संजीव शर्मा : 10 **गुरप्रीत एस. गुलाटी : 8** **प्रिया जगिया : 8** **संजीव कुमार : 5**

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुति : 2

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाए

पूर्ण

1. आटोलोगस अस्थि मज्जा व्युत्पन्न मूल कोशिका का इंट्रा–आर्टिरिएल डिलीवरी द्वारा महत्वपूर्ण अंग इस्चेमिया में चिकित्सीय ऐंजियोजेनेसिस का इंडक्शन, डॉ. संजीव शर्मा डीबीटी 3 वर्ष, 85 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. क्रोनिक कंस्ट्रिक्टिव पेरीकार्डिटिस में माइकोकार्डियल संलिप्तता : निदान और उपचार परिणामों की पूर्व सूचना के लिए इमेजिंग की भूमिका।
2. ओएसए / ओएचएस वाले मोटापे से ग्रस्त भारतीयों में हृदय रुग्णता का मूल्यांकन करना।
3. ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया सिंड्रोम वाले रोगियों में तंत्रिका संज्ञानात्मक कार्यों पर कंटिन्यूस पॉज़ीटिव एयरवे प्रेशर (सीपीएपी) का प्रभाव।
4. बाएं आंतरिक स्तन ग्राफ्ट सम्मिलन के लिए बाएं अग्रवर्ती घटते क्रम आर्टरी प्रॉक्सिमल के क्षेत्र में मायोकार्डियल आप्लावन का आकलन।
5. डीएसए और एमआर तकनीकों के उपयोग कर एंजियोसोम लक्षित वेसल बैड का महत्व और महत्वपूर्ण अंग इस्केमिया वाले रोगियों में एंडोवेस्कुलर उपचार में इसकी प्रासंगिकता।
6. मेडट्रॉनिक कैपसुरफिक्स® नोवस मॉडल 5076 एमआरआई लीड अध्ययन।
7. मोडरेट ओस्टियोआर्थराइटिस और मध्यिका घुटने के दर्द में ट्रांसकैथेटर आर्टीरियल इम्बोलिजेशन की सुरक्षा और प्रभावकारिता।

पूर्ण

1. आर्योटिक स्टेनोसिस (एएस) के कोरोनरी मूल्यांकन में और कार्यात्मक आकलन में सीटी एंजियोग्राफी की भूमिका

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 7 **सार : 2** **पुस्तकों में अध्याय : 3**

रोगी उपचार

सुविधा	प्रक्रियाओं की संख्या	सुविधा	प्रक्रियाओं की संख्या
साइन फ्लोरोस्कोपी	10,000	एमआरआई	391
सीटी	2741	डीएसए	1034
डॉपलर और अल्ट्रासाउंड	3871	कैथेटर एंजियोग्राफिस	6509

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य संजीव शर्मा त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू जून 2014 में, (रेडियोडायग्नोसिस) एमडी के परीक्षक रहे।

डॉ. गुरप्रीत एस. गुलाटी को इंडियन एसोसिएशन ऑफ कार्डियक इमेजिंग के उपाध्यक्ष (गैर–नामित) किया गया था; डॉ. गुरप्रीत गुलाटी को (1) इंडियन हार्ट जर्नल के अनुभाग संपादक (इमेजिंग अनुभाग), (2) सदस्य, एडिटोरियल बोर्ड, कार्डियोवेस्कुलर इमेजिंग सेक्शन ऑफ इंडियन जर्नल ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग (3) कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रेडियोलॉजी और कार्डियोलॉजी पत्रिकाओं के लिए समीक्षक।

डॉ. प्रिया जगिया कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रेडियोलॉजी और कार्डियोलॉजी पत्रिकाओं के लिए समीक्षक।

डॉ. संजीव कुमार को हृदय संवहनी विज्ञान के अभ्यास पत्रिका में पोस्टर प्रस्तुति के लिए एक निर्णायक के रूप में नामित किया गया।

हृदय जैव रसायन

विशिष्टताएं

कार्डियो बायोकेमिस्ट्री यूनिट ने दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र के सदस्य देशों के लिए ''नमक का सेवन और आयोडीन युक्त नमक'' के बारे में विश्व

स्वास्थ्य संगठन की ओर से एक क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें 10 सदस्य देश शामिल हुए। भारत में शाला पूर्व और स्कूल जाने वाली आयु के बच्चों तथा किशोरों के पोषण स्तर के व्यापक मूल्यांकन संबंधी एक सर्वेक्षण के लिए सर्वाधिक निपुण प्रयोगशाला की पहचान करने में उनकी सहायता करने के लिए बाहय राष्ट्रीय विशेषज्ञ के रूप में यूनिसेफ की सहायता की। कार्डियक बायोकेमिस्ट्री का संकाय (1) मोटापा और मेटाबोलिक सिंड्रोम (2) गैर संचारी रोग के क्षेत्र में आईसीएमआर के लिए परियोजनाओं की समीक्षा हेतु विशेषज्ञ समिति में शामिल था। यह विभाग एम्स के विभिन्न विभागों की 17 अनुसंधान परियोजनाओं में शामिल था। रोगियों की देखभाल के लिए यह विभाग कार्डियोथोरासिक केंद्र तथा एम्स के अन्य विभागों और दिल्ली के अन्य विभागों और अस्पतालों के रोगियों के लिए कई प्रकार की जांच करता है।

शिक्षा

विभाग में दो छात्र पीएच डी कर रहे हैं। स्नातक शिक्षण में विभाग शामिल है, एमडी (बायोकेमिस्ट्री) छात्रों के लिए प्रयोगशाला निदान में प्रशिक्षण कक्षाओं का आयोजन, एलएनजेएन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिमिनोलॉजी एंड फोरेंसिक साइंसेज, नई दिल्ली से एम. एससी (फोरेंसिक साइंस) के छात्रों के लिए कक्षाएं आयोजित की गई।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. नई दिल्ली में 29 और 30 सितंबर 2014 को ''सोडियम इंटैक एंड आयोडाइज्ड सॉल्ट इन द साउथ ईस्ट एशियन रीजंस'' पर एक डब्ल्यूएचओ क्षेत्रीय का आयोजन किया गया। जिसमें 10 सदस्य देशों ने भाग लिया।

प्रदत्त व्याख्यान

लक्ष्मी आर. : 2

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. वयस्क अवस्था में टेलोमेर लंबाई एवं टेलोमेरेज पर जन्म आकार, शिशु एवं बाल्यावस्था वृद्धि का संबंध। आर. लक्ष्मी डीबीटी 2012–2015, 70, 87, 250 रुपए।

पूर्ण

1. भारत में 'बाल्यावस्था स्थूलता' के लिए केंद्रीय संदर्भ प्रयोगशाला : इसके मापन एवं निर्धारकों पर बहुकेंद्रीय अध्ययन, आर. लक्ष्मी, आईसीएमआर, 2012–2014, मार्च 2012, 4,00,000 रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. वयस्क अवस्था में टेलोमेर लंबाई एवं ऑक्सीडेटिव तनाव मार्करों पर जन्म आकार, शिशु एवं बाल्यावस्था कैचअप वृद्धि का संबंध।
2. एंडोथीलियल प्रोजेनिटर सेल (ईपीसी) टेट्राहाइड्रोबायोप्टेरिन (बीएच4) स्तर और ईपीसी संख्या के साथ उनका सहयोग और कोरोनरी धमनी रोग (सीएडी) के रोगियों में कार्य का अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. ल्यूकोसाइट मेंम्ब्रेन पूरक नियामक प्रोटीन के संबंध, पैथोफिजियोलॉजी और कोरोनरी धमनी रोग की गंभीरता के साथ एमबीएल और एमएएसपी2 (जैव रसायन, कार्डियोलॉजी)
2. पोलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) और आहार कारकों से अपने मॉड्यूलेशन के साथ भारतीय महिला में इंफ्लेमेशन की भूमिका (एंडोक्राइनोलॉजी)।
3. परिणाम के विशेष संदर्भ में कश्मीर घाटी में जनजातीय आबादी का स्वास्थ्य सर्वेक्षण और गैर–संचारी रोग के जोखिम कारक : एक सहयोगात्मक क्रॉस अनुभागीय अध्ययन (एंडोक्राइनोलॉजी)।

4. भारतीय महिला में पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) के साथ विटामिन बी12 की कमी की व्यापकता और पीसीओएस वाली महिला के प्रबंधन में परंपरागत दवा की प्रभावकारिता पर विटामिन बी12 का प्रभाव (एंडोक्राइनोलॉजी)।
5. कोरोनरी धमनी रोग वाले रोगियों की इर्मोटेलाइज पेरीफेरल ब्लड मोनोन्युक्लियर कोशिकाओं के जीन टेलोमेरेज ट्रांसक्रिप्टेस (टीईआरटी) लक्षित करना। (स्टेम कोशिका सुविधा)।
6. जन्म वजन एवं वृद्धि ट्रेजेक्टरी के आनुवांशिक निर्धारक एवं इन एंथ्रोपोमेट्रिक संसूचकों पर अभिभावकीय जीनोटाइप का प्रभाव (अंतः स्राविकी विज्ञान, आईजीआईबी)।
7. रूमेटिक माइट्रल स्टेनोसिस में अटरियल फाइब्रिलेशन के लिए एक जोखिक कारक के रूप में क्रॉनिक इंफ्लेमेशन की भूमिका : क्या एएफ घटना इफ्लेमेटरी बायोमार्करों की भविष्यवाणी कर सकते है? (हृदय विज्ञान)।
8. 60 वर्ष एवं अधिक आयु के वृद्ध जन समुदाय में पोषणिक स्तर, आहार संबंधित रूग्णता एवं स्वास्थ्य उपचार सुविधाओं के प्रयोग का मूल्यांकन (मानव पोषण एकक)।
9. हिमाचल प्रदेश, भारत के तीन उच्च एल्टीट्यूट क्षेत्रों (1000 मीटर एवं ऊपर) से 6–18 वर्ष के आयु समूह में बच्चों में विटामिन डी हीनता एवं संबंधित कारकों की व्यापकता का मूल्यांकन (मानव पोषण एकक)।
10. विटामिन डी और स्तन कैंसर के विकास के साथ कैल्शियम का संबंध। (मानव पोषण एकक)।
11. अधिक वजन के प्रसार का अध्ययन, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश में एचआईजी के संबद्ध में 10–16 वर्ष के आयु समूह के बच्चों में मोटापा और बाल चिकित्सा उपापचयी सिंड्रोम और जुड़े हुए जोखिम कारक (मानव पोषण एकक)।
12. चिरकारी अग्न्याशय शोथ में फिब्रोसिस के मार्कर्स एवं पैंक्रियाटिक प्रकार्य पर ऐंटीऑक्सीडेंट संपूरण का प्रभाव : यादृच्छिक नियंत्रित दोहरा परीक्षण (जठरांत्र विज्ञान)।
13. माइट्रल स्टेनोसिस वाले रोगियों में मूल स्ट्रोक की व्याप्तता (हृदय विज्ञान)
14. नेशनल आयोडिन डेफिशिएंसी डिसऑर्डर्स (आईडीडी) और नमक सेवन, भारत (सीसीएम)।
15. पीडियाट्रिक ओपन–हार्ट सर्जरी में डेलनाइड और सेंट थॉम्सकार्डियोप्लेजिया समाधान की एक तुलनाः एक भावी यादृच्छिक नियंत्रक परीक्षण (सीटीवीएस)।
16. आपातकालीन विभाग में तीव्र कोरोनरी सिंड्रोम (एसीएस) वाले रोगियों के स्ट्रेटिफिकेशन जोखिम में कार्डियक बायोमार्कर्स की भूमिका (आपातकालीन चिकित्सा)।
17. आर्टिरियल स्विच ऑपरेशन से गुजर रहे शिशुओं में ईएसीए की विभिन्न खुराक के साथ एनजीएएल यूरिन (कार्डिक एनीस्थीसिया)।

पूर्ण

1. भारत में बाल्यावस्था स्थूलता : इसके मापन एवं निर्धारकों पर बहुकेंद्रीय अध्ययन (अंतः स्राविकी विज्ञान)।
2. सार्वभौमिक नमक आयोडाइनेशन के युग में रेडियोआयोडाइन ग्रहण मानों के सामान्य संदर्भ श्रेणी की पुनः स्थापना (नाभिकीय चिकित्सा)।
3. रोबोटिक यूरोलॉजिकल स्ट्रैटेजी में न्यूरोइण्डोक्राइन तनाव प्रतिक्रिया : डेक्समेडेटोमाइडाइन आधारित बनाम फेंटेनी1 आधारित कुल इंट्रावीनस एनेस्थिसिया, रोबोटिक यूरोलॉजिकल स्ट्रैटेजी में न्यूरोएंडोक्राइन तनाव प्रतिक्रिया (संवेदनाहरण विज्ञान)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 12

रोगी उपचार

कार्डियक बायोकेमिस्ट्री प्रयोगशाला कार्डियोथोरासिक केंद्र के बाहय और आंतरिक रोगियों तथा अन्य विभागों और अस्पतालों के रोगियों के कुछ नैदानिक परीक्षण करती है। वार्डों से सैंपल लाने और रिपोर्टें भेजने के लिए न्यूमैटिक ट्यूब प्रणाली स्थापित की गई थी। इस प्रयोगशाला में किए गए परीक्षणों की सूची और उनका कार्यभार निम्नवत है :

ग्लूकोज, केएफटी, एलएफटी, सीए, पीओ4, एमिलेस	31,000
डायजोक्सिन	100
साइक्लोस्पोरिन	25
लिपिड प्रोफाइल	22000
सीके	4800
सीके – एमबी	3000
एलडीएच	6000
एएसओ	4320
सीआरपी	6000
थाइरॉयड प्रोफाइल, प्रोलैक्टिन, कोर्टिसोल	8400
होमोसिस्टीन	430
विटामिन बी 12	4920
विटामिन डी	2385
पीटीएच	596
एड्रेनालाइन और नोराड्रेनलिन	657
वीएमए	508
एचबी ए1सी	8836
हेमोग्राम	32945
पीटी/आईएनआर	30000
एपीटीटी	5000

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर आर. लक्ष्मी ने भारत में शालापूर्व और स्कूल जाने वाली आयु के बच्चों तथा किशोरों के पोषण स्तर के व्यापक मूल्यांकन संबंधी एक सर्वाधिक निपुण प्रयोगशाला की पहचान करने में उनकी सहायता के लिए यूनिसेफ के लिए बाहय राष्ट्रीय विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया। मोटापा और मेटाबोलिक सिंड्रोम के क्षेत्र में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद की परियोजना समीक्षा समिति के विशेषज्ञ सदस्य, गैर–संचारी रोगों के क्षेत्र में आईसीएमआर के विशेषज्ञ सदस्य, भारत के विभिन्न राज्यों में डायबिटीज और प्री–डायबिटीज की व्यापकता का अनुमान लगाने के लिए ''आईसीएमआर–इंडिया डायबिटीज (इंडिया बी) अध्ययन'' संबंधी कार्यबल परियोजना के विशेषज्ञ सदस्य। डीबीटी द्वारा आयोजित'' खाद्य नमक का फोर्टिफिकेशन और अनुसंधान एवं आगे की जानकारी हेतु प्राथमिकता वाले क्षेत्र'' संबंधी राष्ट्रीय परामर्श सह मंथन सत्र (बीएसएस)'' में विशेषज्ञ सदस्य के रूप में भाग लिया।

नाभिकीय चिकित्सा

विशिष्टताएं

कार्डियक न्यूक्लियर मेडिसिन (सीटीसी) एक विशिष्ट न्यूक्लियर कार्डियोलॉजी यूनिट है जहां नैदानिक न्यूक्लियर कार्डियोलॉजिकल प्रक्रियाएं पूरी की जाती हैं। यह यूनिट शिक्षण और अनुसंधान कार्य में भी सक्रिय रूप से शामिल रहती है। न्यूक्लियर मेडिसिन स्नातकोत्तर और न्यूक्लियर मेडिसिन प्रौद्योगिकी छात्रों को न्यूक्लियर कार्डियोलॉजी प्रक्रियाओं में चक्रानुक्रम आधार पर प्रशिक्षित किया जाता है। इस समय यह यूनिट एम. डी. डी. एम और एम. एससी छात्रों सहित छः छात्रों के थीसिस अथवा शोध पत्र संबंधी कार्य में लगी हुई है जहां न्यूक्लियर कार्डियोलॉजी उनके अनुसंधान कार्य का भाग है। यह यूनिट अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अभिकरण, वियना, ऑस्ट्रिया द्वारा वित्त पोषित ''वेल्यू ऑफ इंट्रावेंट्रीकुलर सिंक्रोनिज्म असेस्मेंट बाई गेटेड स्पेक्ट मायोकार्डियल परफ्यूजन इमेजिंग (एमपीआई) इन द हार्ट फेलियर पेशेंट्स सबमिटेड टू कार्डियक

रिसिंक्रोनाइजेशन थेरैपी" शीर्षक से अंतरराष्ट्रीय बहु केंद्रित अनुसंधान परियोजना में शामिल है। यह यूनिट छः वित्त पोषित परियोजनाओं के लिए अन्य विभागों का भी सहयोग कर रहा है जिनमें से दो आईसीएमआर, एक अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अभिकरण और एक राष्ट्रीय हृदय, फेफड़े और रक्त संस्थान (एनएचएलबीआई), यूएसए द्वारा वित्त पोषित है।

शिक्षा

स्नातक पूर्व छात्रों के लिए व्याख्यान, स्नातकोत्तर छात्रों के लिए प्रशिक्षण : 28 (न्यूक्लियर कार्डियोलॉजी में चक्रानुक्रम आधार पर 19 एमडी न्यूक्लियर मेडिसिन के छात्र और 9 एम एससी न्यूक्लियर मेडिसिन प्रौद्योगिकी के छात्र)। दो थीसिस / शोध पत्र पूरे किए गए और तीन नई थीसिस शुरू की गई।

प्रदत्त व्याख्यान : 3

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुत : 4

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. कार्डियक रिसिंक्रोनाइजेशन चिकित्सा के लिए प्रस्तुत हृदय विफलता के रोगियों के प्रबंधन में गेटेड एसपीईसीटी मायोकार्डियल परफ्यूजन इमेजिंग (एमपीआई) द्वारा इंट्रावेंट्रीकुलर सिंक्रोनाइज्म आकलन का मूल्य, चेतन डी. पटेल, इंटरनेशनल एटोमिक एनर्जी एजेंसी आईएईए, वियाना, 3 वर्ष, 2013–16, 5 लाख – अब तक.

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. हार्ट फैल्योर वाले रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और कार्यात्मक स्थिति के साथ तुलना में टीसी–99एम – एमआईबीआई मायोकार्डियल परफ्यूजन एसपीईसीटी पर मूल्यांकन बाएं वेंट्रीकुलर डायसिंक्रोनी, मायोकार्डियल परफ्यूजन असामान्यताएं और सिस्टोलिक कार्य के बीच संबंध।
2. आर्टीरियल स्विच ऑपरेशन के बाद रोगियों की जांच के लिए एडेनोसाइन तनाव इकोकार्डियोग्राफी पर तनाव एडेनोसाइन टीसी 99एम एमआईबीआई मायोकार्डियल परफ्यूजन एसपीईसीटी और कोरोनरी फ्लो रिजर्व द्वारा मायोकार्डियल परफ्यूजन असामान्यताओं की तुलना का पता लगाया गया।
3. सिमिंद मोंटे कार्लो कोड का उपयोग कर मायोकार्डियल परफ्यूजन इमेजिंग और उनके नैदानिक चिकित्सा पर इंफेरियर वॉल दोष का लाक्षणीकरण।
4. टीसी99एम– एमआईबीआई मायोकार्डियल परफ्यूजन इमेजिंग पर इसेन्मेन्गर सिंड्रोम में दाहिने निलय में परफ्यूजन दोष का पता लगाना।

पूर्ण

1. टीसी–99एम एमआईबीआई मायोकार्डियल परफ्यूजन इमेजिंग का प्रयोग करके हृद रिसेनक्रोनोइजेशन थेरेपी करवाने वाले गैर – इस्केमिक डाइलेटिड कार्डियोमायोपेथी वाले रोगियों में हृद डिससिंक्रोनी का निर्धारण। रेडियोन्यूक्लाइड वेंट्रीकुलोग्राफी के साथ तुलना।
2. संक्रामक अन्तर्हृद्शोथ के निदान में एफ–18 एफडीजी की व्यवहार्यता।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. कोरोनरी घटनाओं के इंटरमिडिएट जोखिम में रोगियों के मूल्यांकन में एसईसीटी–एमपीआई और कोरोनरी सी टी एंजियोग्राफी की भूमिका (कार्डियोलॉजी)
2. रोधगलितांश संबंधित धमनी के देर से खुलने के बाद स्टेम कोशिका की भूमिका (सीओएटी परीक्षण) (कार्डियोलॉजी स्टेम कोशिका सुविधा, कार्डियोलॉजी)।

3. चिकित्सा और गहन दशष्टिकोण के साथ तुलनात्मक स्वास्थ्य प्रभावशीलता का अंतरराष्ट्रीय अध्ययन (इस्चेमिया परीक्षण) (कार्डियोलॉजी)।
4. प्राथमिक एंजियोप्लास्टी के दौरान आंशिक प्रवाह आरक्षित मार्गदर्शित स्टेंटिंग के साथ मैनुअल थ्रोम्बस एस्पिरेशन (कार्डियोलॉजी)।
5. इस्केमिक स्ट्रोक और टीआईए वाले रोगियों में सिम्प्टोमेटिक और एसिप्टोमेटिक कोरोनरी धमनी रोग की व्यापकता। (न्यूरोलॉजी, कार्डियोलॉजी)।

पूर्ण

1. टेक्नीशियम – 99एम – हेक्सामेथेलीन प्रोपलीन अमीन ऑक्साइन (टीसी99एम एचएमपीएओ) के साथ स्टेम कोशिकाओं की लेबलिंग और इंट्रा कोरोनरी संक्रमण के बाद मायोकार्डियम में स्टेम कोशिकाओं की होमिंग का पता लगाना (कार्डियोलॉजी, स्टेम कोशिका सुविधा)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 5 **सार : 1**

रोगी उपचार

सीएनसी में नाभिकीय हृद विज्ञान एकक द्विमुखी स्पेक्ट – सीटी गामा कैमरा से सुसज्जित है। नाभिकीय हृद विज्ञान एकक सी एन केंद्र एवं अस्पताल के अन्य विभागों से हृद अध्ययनों के लिए रेफर किए गए रोगियों का प्रबंध करता है।

विभाग द्वारा मायोकार्डियल परफ्युजन अध्ययन किया जाता है जो कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों के निदान और प्रबंधन का अनिवार्य परीक्षण है। पेसमेकर पर रोगियों के मूल्यांकन एवं कीमोथेरेपी लेने वाले रोगियों में हृद आकलन हेतु सं. रो. कैं. अ. एवं केंद्र से रेफर किए गए सी ए डी रोगियों में बाएं वेंट्रीकुलर प्रकार्य के आकलन के लिए रेडियोन्यूक्लाइड वेंट्रीकुलोग्राफी को भी निष्पादित करता है। हम मायोकार्डियल जीवन क्षमता के आकलन के लिए एफ–18 एफ डी जी ग्लूकोज मेटाबॉलिक अध्ययन तथा एन– 13 एन एच 3 परफ्यूजन के साथ हृद पी ई टी इमेजिंग को भी निष्पादित करते हैं। हम मायोकार्डियल जीवन क्षमता के आकलन के लिए एफ–18 एफ डी जी ग्लूकोज मेटाबॉलिक अध्ययन तथा एन–13 एन एच 3 परफ्यूजन के साथ हृद पी ई टी इमेजिंग को भी निष्पादित करते हैं।

1/4/14 से 31/3/2015 तक हृद विज्ञान में रोगियों की कुल संख्या की जांच

मायोकार्डियल परफ्यूजन अध्ययन	1483	आरएनवी अध्ययन	808
कार्डियक पीईटी	45	विविध (वी/क्यू स्कैन, 1 पास)	50
अध्ययन की कुल संख्या	2386		

हृद विकृति विज्ञान

विशिष्टताएं

कार्डियक पैथोलॉजी हिस्टोपैथोलॉजी और साइटोपैथोलॉजी मामलों की नैत्यिक नैदानिक रिपोर्टिंग, स्नातकपूर्व छात्रों और स्नातकोत्तर छात्रों के शिक्षण, स्नातकोत्तर संगोष्ठियों, जर्नल क्लबों के संयोजन, नर्सिंग छात्रों के शिक्षण, पल्मोनरी पैथोलॉजी अंतरराज्यीय सम्मेलनों, अनुसंधान और विकास संबंधी गतिविधियां, विशेष रूप से कार्डियक और पल्मोनरी पैथोलॉजी से संबंधित और संस्थान द्वारा समय–समय पर दिए गए अन्य कार्यों में शामिल थी।

शिक्षा

हिस्टोपैथोलॉजी और साइटोपैथोलॉजी मामलों की नैत्यिक नैदानिक रिपोर्टिंग। स्नातकपूर्व और स्नातकोत्तर छात्रों को शिक्षण। स्नातकोत्तर छात्रों के लिए संगोष्ठियों, जर्नल क्लबों का आयोजन करना। नर्सिंग छात्रों को शिक्षण। पल्मोनरी पैथोलॉजी अंतरविभागीय सम्मेलन आयोजित करना। विशेष रूप से कार्डियक और पल्मोनरी पैथोलॉजी से संबंधित अनुसंधान और विकास संबंधी गतिविधि।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन :

1. 13 जून 2014 को (अंतरराष्ट्रीय विकृति विज्ञान अकादमी – भारतीय प्रभाग) आईएपी–आईडी कार्यशाला आयोजन और 14–15 जून 2014 को अ. भा. आ. सं. नई दिल्ली में आयोजित आईएपी–आईडी के मध्य वर्ष संगोष्ठी।
2. 13 सितंबर 2014 को अ. भा. आ. सं. में आयोजित इंडियन अकेडमी ऑफ कायटोलॉजिस्ट्स के दिल्ली अध्याय का तीसरा वार्षिक सम्मेलन।

प्रदत्त व्याख्यान

रूमा रे : 1 **सुधीर कुमार ए : 5**

प्रस्तुत पत्र / पोस्टर प्रस्तुति : 3

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. वक्ष एरोटिक ऐन्यूरिज्मस में मेट्रिक्स मेटालोप्रोटिनेज–2, मेट्रिक्स मेटेलोप्रोटिनेज–9, ऊतक इंहिबीटर मेटलोप्रोटिनेज ऊतक इंहिबिटर मेटेलोप्रोटीनेज–2, कोलाजेन 1 एवं 4 अभिव्यक्ति की अभिव्यक्ति, डॉ. सुधीर अरवा, एम्स, दो वर्ष, 2013, 500000 रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. तीव्र मायोकार्डियल इंफ्रेक्शन और उसके निदान महत्व के लिए रोगियों में प्राथमिक पीसीआई कराने के बाद थ्रोम्बस एस्पीरेटिड का लाक्षणीकरण।
2. चूहों में ब्लियोमाइसिन–इंडक्ड पल्मोन री टोक्सिटी में मेटफॉर्मिन पर अध्ययन।
3. कार्सिनोमा के साथ और लिम्फनोड मेटास्टेसिस और वेरूकस कार्सिनोमा के बिना ओरल स्क्वैमस सेल में जैक –पी, स्टेट–3 बीसीएल–2 की इम्यूनोहिस्टोकैमिकल अभिव्यक्ति।
4. हाइपर पिग्मेंटेशन के फेशियल वॉल्यूम घटने के डर्मोस्कोपिक अध्ययन के उपचार में ऑटोलॉगस गैर–सुसंवर्धित त्वचीय कोशिका सस्पेंशन प्रत्यारोपण।
5. ल्यूपस मिलियारिस डिसमिनेट्स फेसिसि और ग्रेनुलोमेट्स सश्क्कशोथ क्लीनिकोपैथोलॉजिकल अध्ययन।
6. ओरल स्क्वैमस कोशिका कार्सिनोमा और वेरूरस कार्सिनोमा में एचपीवी–16 और ईजीएफआर में उत्परिवर्तन।
7. चूहों में फेफड़े की धमनी उच्च रक्तचाप के प्रयोगशाला में अर्जुन (अर्जुन वृक्ष (रॉक्सब.) और तुलसी (ओसीमम सैंक्टम (लिन्न.) का मूल्यांकन।

पूर्ण

1. फाइब्रोसिस, कोशिका घनत्व, आर्टरियोलर घनत्व और कोलेजन 4 वितरण के पैटर्न के हिस्टोलॉजिकल और मोर्फोमेट्रिक विश्लेषण के विशेष संदर्भ में फैली हुई कार्डियोमायोपैथी के रोग का मूल्यांकन – एंडोमायोकार्डियल बायोप्सी और एक्सप्लांटिड मूल हृदय पर एक अध्ययन
2. युवा भारतीयों में कोरोनरी एथिरोस्क्लिरोसिस की व्यापकता : एक ऑटोप्सी अध्ययन
3. ई–कैथेरिन, बीटा–कैटेनिन और और एक गर्भाशय ग्रीवा लिम्फ नोड में एक मेटास्टेटिक स्क्वैमस कोशिका कार्सिनोमा के साथ उसकी तुलना में मौखिक स्क्वैमस कोशिका, वेरूकस कार्सिनोमा में विमेंटिन का इम्युनोहिस्टोकैमिकल अध्ययन।
4. इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री पर विशेष बल के साथ त्वचीय तपेदिक का एक क्लीनको रूपात्मक अध्ययन।
5. मैकुलोपेपुलर वायरल एक्जांथेम और दवा प्रेरित एक्जांथीमा की हिस्टोपैथोलॉजिकल सुविधाओं का आकलन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. हार्ट फेलियर में फाइब्रोसिस (फार्माकोलॉजी, कार्डियोलॉजी, यूके)
2. प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए पैकेजिंग और माइकोबैक्टीरियम वैक्सीन के दर्द का इंजेक्शन और एक नए नियमन का विकास और दुर्दम्य एनोजेनिटल और एक्स्ट्रा–जेनेटिकल (सामान्य) में उनका नैदानिक परीक्षण वार्ट्स (त्वचा विज्ञान)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 12

रोगी उपचार

नमूने

नैमिक	280	रोगियों की संख्या	अनुसंधान	193	रोगियों की संख्या

कोटिड स्लाइडें :

एपीईएस 46254 स्लाइडों की संख्या

अन्य कार्य

इम्युनोहिस्टोकैमिस्ट्री	107 रोगी	एच और ई स्लाइडें	70
अंस्टेंड कोटिड	382		

मैनुअल प्रसंस्करण

पोस्ट कार्डियक ट्रांसप्लांट बायोप्सी 9

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

पत्रिकाओं के लिए संपादकीय समिति के सदस्य : हृदय विज्ञान के अभ्यास की पत्रिका। अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली और भारतीय त्वचा विज्ञान पत्रिका और नैदानिक त्वचा विज्ञान। 26 अप्रैल 2014 को इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट्स एंड माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स की दिल्ली अध्याय त्रैमासिक बैठक में विभाग के संकाय ने भाग लिया। 25–30 मार्च 2015 को रॉयल ब्रॉम्पटन और हेरेफील्ड अस्पताल लंदन में आयोजित, यूकेईआईआरआई परियोजना कार्य प्रस्तुति बैठक में भाग लिया।

स्टेम सेल सुविधा

विशिष्टताएं

अ. भा. आ. सं. में बेसिक, क्लीनिक पूर्व और क्लीनिकल स्तरों पर स्टेम सेल बायोलॉजी के क्षेत्र में अनुंसधान शुरू करने के उद्देश्य से वर्ष 2005 में यह सुविधा शुरू की गई थी। इसे डीबीटी द्वारा उत्कृष्टता केंद्र के रूप में स्टेम सेल अनुसंधान के लिए सहायता प्राप्त है और मौजूदा अच्छी विनिर्माण पद्धतियों (सीजीएमपी) के साथ एक यूनिट के रूप में अपग्रेड किया गया है। माननीय पूर्व स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, डॉ. हर्षवध् ार्न द्वारा 21 अगस्त, 2014 को इस सीजीएमपी यूनिट का उद्घाटन किया गया था। इस समय 33 अनुसंधान परियोजनाएं चल रही हैं जो डीबीटी, आईसीएमआर, यूजीसी, एम्स आदि द्वारा वित्त पोषित हैं। कई अपकर्षक और हीनता रोगों में स्टेम सेल्स की पुनरूत्पादक संभावना का पता लगाया गया है। स्टेम सेल जैसे विटिलिगो, लिम्बल के उपचार में हेयर फोलिकल व्युत्पन्न स्टेम सेल और ओक्यूलर सतह पुनर्निर्माण के लिए ओरल क्यूकोसा स्टेम सेल, डिलेटिड कार्डियोमायोपैथी, मायोकार्डियल, इंफार्कशन, स्ट्रोक पेरीफेरल वैस्कुलर डिजीज, बिलेरी एट्रेसिया और रेटिनीटिस पिग्मेंटोसा में बोन मेरो व्युत्पन्न मोनोन्यूक्लियर सेल का प्रयोग करके इस बारे में क्लीनिकल रिसर्च/परीक्षणों की पहल की गई है। कुछ प्रारंभिक बेंच टॉप अनुसंधान निष्कर्षों के क्लीनिकों में रोगियों के लिए कार्य रूप में परिणत किया गया है। यह सुविधा भारत और विदेश में विभिन्न संस्थानों के स्नातकोत्तर और व्यावसायिकों को प्रशिक्षण प्रदान करती है। यह सुविधा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त समकक्ष समीक्षित जर्नलों में निरंतर शोध पत्र प्रकाशित करती है और पुरस्कार प्राप्त करती है। इस वर्ष 10 शोध पत्र प्रकाशित हुए और विभिन्न वैज्ञानिक मंचों पर 14 सारांश प्रस्तुत किए गए। इस सुविधा का संकाय भारत सरकार की विभिन्न समितियों के सदस्य के रूप में स्टेम सेल शोध संबंधी दिशानिर्देश तैयार करने में सहयोग कर रहा है।

शिक्षा

विभाग ने एम एससी (4) पीएचडी (9) और एमडी (5) के कार्यक्रम में भाग लिया। इसमें 4 प्रत्याशियों के लिए अल्प अवधि प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रदत्त व्याख्यान

सुजाता मोहंती : 10

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुति : 6

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. मानव अस्थि मज्जा मेसेंकायमल स्टेम कोशिकाओं से व्युत्पन्न प्रकार्यात्मक रूप से सक्रिय कार्डियोमायोसाइटिस के वंश की ओर हृद विशेष जीनों के संबंध का अध्ययन करना, सुजाता मोहंती, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2012–15, 49.9 लाख रुपए।
2. एंब्रियोनिक स्टेम कोशिकाओं के स्व नवीनीकरण के अनुरक्षण में माउस एंब्रियोनिक फिब्रोब्लास्ट एवं मानव फोर स्किन फाइब्रोब्लास्ट फीडर कोशिकाओं की भूमिका : टी जी एफ – बीटा एवं आई जी एफ – II की भूमिका, यूजीसी, 2 वर्ष, 2013–15, 4.50 लाख रुपए।
3. माइक्रोपैटर्न सतह और डिसेलुराइज्ड कोर्नियस का उपयोग कर स्कल्पचरिंग कॉर्निया निर्माण, सुजाता मोहंती, डीबीटी, 3 वर्ष, 2014–2017, 118 लाख रुपए।
4. कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों में पेरीफरेल रक्त मोनो न्यूक्लियर कोशिकाओं को स्थायी बनाने के लिए टीलोमरेस ट्रांसक्रिप्टेस (टीईआरटी) जीन को लक्षित कराना। सुजाता मोहंती, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2014–2017, 56 लाख रुपए।

पूर्ण

1. इंड्युसर्स के रूप में 5 – एजाकायटाइडिन और टी जी एफ बीटा 1 के उपयोग से कार्डियोमायोकाइटस में विभिन्न स्रोतों (अस्थि मज्जा, वसा ऊतक एवं डेंटल पल्प) से व्युत्पन्न मेसेंकायमल स्टेम कोशिकाओं के संभावित विभेदन की तुलना करना, अ. भा. आ. सं., 1 वर्ष, 2014–2015, 4 लाख रुपए।
2. मायोकार्डियल इंफ्रैक्शन एवं पार्किन्सन्स विकार के पशु मॉडलों में मेसेंकेमल स्टेम कोशिका का प्रतिरोपण, डी बी टी, 5 वर्ष, 2008–2014, 45 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. कार्यात्मक कार्डियोमायोकाइटस में अस्थि मज्जा व्युत्पन्न मेसेंकायमल स्टेम कोशिकाओं के विभेद क्षमता का पता लगना।
2. मानव मेसेंकायमल स्टेम कोशिकाओं से कार्यात्मक डोपामिनर्जिक न्यूरोन्स का अध्ययन।
3. इन विट्रो अध्ययनों से अपनी पूरी नैदानिक क्षमता का उपयोग करने से कॉर्निया ऊतक दाता की विस्तारित उपयोग के लिए कार्यनीतियों का पता लगाना।
4. एकल एंजाइम (ट्रिप्सिन) और कई एंजाइम (ट्रिप्सिन, कोलेजिनेस और डिस्पेस) से विटिलिगो में प्रतिरोपण के लिए निकाले गए बाल के फॉलिकल बाहरी जड़ की शीथ कोशिका निलंबनों (ईएचएफ ओआरएस सीएस) की विभिन्न कोशिकाओं की दक्षता, जीव क्षमता और संरचना का तुलनात्मक अध्ययन।
5. स्टीवन जॉनसन सिंड्रोम और उसके नेत्र सिक्वेल की आण्विक विशेषता।
6. संपूर्ण हृदय ब्लॉक में पेसिंग आवश्यकताओं को कम करने के लिए स्टेम सेल थेरैपी की भूमिका।
7. एम्नियोटिक द्रव से मेसेंकायमल स्टेम सेल का आइसोलेशन और लाक्षणीकरण।

पूर्ण

1. वयस्क कोशिकाओं से प्रेरित स्टेम कोशिकाओं के विकास और विशिष्ट डीएमडी – रोग विशेषताएं।
2. एक प्रयोगात्मक मॉडल में सुरक्षा और एमनियोटिक मेंम्ब्रेन और इपीथिलियल दोष के उपचार में बायोपॉलिमर के बीच बायोकोम्पेटिबिलिटी की तुलना।
3. प्रभावकारिता और स्थिर विटिलिगो में गैर सुसंस्कृत निकाली गई फोलिकुलर आउटर रूट शीथ सेल सस्पेंशन प्रत्यारोपण की सुरक्षा का अध्ययन।
4. एनऑफ्थीमेलिक अनुबंध सॉकेट के पुनर्निर्माण में कल्टीवेटिड मोकस मेम्ब्रेन का मूल्यांकन।
5. रेटिनोब्लास्टोमा में कैंसर स्टेम सेल मार्कर और उनके क्लिनिकोपैथोलॉजिक संबंध की अभिव्यक्ति

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. एम्नियोटिक द्रव और गर्भनाल से मेसेंकायमल स्टेम सेल का आइसोलेशन और लाक्षणीकरण (प्रस्तुति एवं स्त्री रोग विज्ञान)।
2. मैकुलर डिजनरेशन से संबंधित ड्राइ एज में ऑटोलॉग्स अस्थि मज्जा व्युत्पन्न स्टेम कोशिकाओं का मूल्यांकन (रा. प्र. नेत्र विज्ञान)
3. मानव कॉर्निया निर्माण के संयोजन के लिए सेल शीट इंजीनियरिंग (आईआईटी)।
4. बिफंक्शनल मार्कर्स का उपयोग कर स्ट्रोक में ऑटोलॉग्स स्टेम कोशिका ट्रांसप्लांटेशन की पेराक्राइन मैकेनिज्म का अध्ययन (न्यूरोलॉजी)।
5. अविकासी रक्ताल्पता और टेलोमिरेज कॉम्पलेक्स (रुधिर विभाग सहित)।
6. रुकावटपूर्ण रिनोपैथी में गुर्दा के परिरक्षण में अस्थि मज्जा एकल नाभिक कोशिकाओं और गुर्दा स्टेम कोशिकाओं की भूमिका – चूहों में एक प्रायोगिक अध्ययन (बाल रोग शल्य चिकित्सा)।
7. स्केफोल्ड अस्थि ऊतक इंजीनियरिंग हेतु कैल्शियम इंफ्यूज्ड पीजीए/पीवीए पर मेसेंकायमल मूल कोशिका का विभेदन।
8. दिल्ली विश्वविद्यालय साउथ कैंपस, नई दिल्ली कैंसर और / या सेलुलर तनाव मॉडलों में नॉन कोडिंग अनुक्रम पर अध्ययन
9. कार्डियक प्रोजेनिटर स्टेम कोशिका की वशद्धि पर फाइब्रोब्लास्ट वशद्धि कारक, ट्रांसफोर्मिंग वृद्धि कारक, जैसे इंसुलिन के संयुक्त प्रभाव के मूल्यांकन के लिए वृद्धि कारक (बायोफिजिक्स)।
10. डायबिटिक घाव भरने के लिए पॉलीमेरिक स्कैफोल्ड्स डिजाइन और विकास (आईआईटी)।

पूर्ण

1. स्टेम कोशिका कमी विकार में ऑकुलर सतह पुनः संरचना हेतु लिम्बल मूल कोशिका का कल्चर (रा. प्र. नेत्र विज्ञान)।
2. शुष्क आयु संबंधित मेकुलर डिजेनेरेशन एवं रेटीनाइटिस पिग्मेंटोसा वाले रोगियों के पुनर्वास हेतु ऑटोलोगस अस्थि मज्जा व्युत्पन्न मूल कोशिकाओं का उपयोग : फेज –I क्लिनिकल परीक्षण (रा. प्र. नेत्र विज्ञान)।
3. चिरकारी गंभीर अंग इस्चेमिया वाले रोगियों में अंगच्छेदन के निवारण में ऑटोलोगस स्टेम कोशिका की सुरक्षा एवं प्रभावोत्पादकता शल्य चिकित्सा विभाग, अ. भा. आ. सं.।
4. कोर्नियल एपीथेलिएल कोशिका के एक्स – विवो विस्तार हेतु मानव एम्नियोटिक कला के एक वैकल्पिक सब्सट्रैट के रूप में सेवा करने के लिए संभाव्य बायोपोलीमर का विकास (रा. प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र)।
5. रेटिनोब्लास्टोमा में कैंसर स्टेम कोशिका मार्कर और नैदानिक संबंध (रा. प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र)
6. स्टेम कोशिका की टेक्नीशियम लेबलिंग (कार्डियोलॉजी)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 8

रोगी उपचार

क्र. सं.	नैदानिक सेवाएं	संख्या
1	परीक्षण के तहत स्टैम कोशिका प्रत्यारोपण	25
2	एफेर्सिस नमूने से हिमोटोपोयटिक स्टेम सेल के क्रायोप्रिजर्वेशन	17
3	लिम्बल स्टेम कोशिका प्रतिरोपण	08
4	मुखीय म्युकोसल प्रतिरोपण	10
5	गर्भनाल रक्त स्टेम कोशिका प्रतिरोपण	09
6	एम्नियोटिक मेम्ब्रेंस ग्राफ्टिंग	252

उपलब्ध सुविधाएं

1. अलग अलग मोनोन्यूक्लियर कोशिका
2. फ्लो सायटोमीटर द्वारा स्टेम सेल न्यूमेरेशंस

3. क्रायोप्रिजर्वेशन : अस्थि मज्जा मोनोन्यूक्लियर स्टेम कोशिका

   i. गर्भनाल रक्त स्टेम कोशिका

   ii. अफेरेसिस द्वारा पृथक हिमेटोपायोटिक प्रोगेनीटर्स

4. कॉर्निया की सतह के पुनर्निर्माण के लिए एमनियोटिक मेम्ब्रेन की तैयारी

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

डॉ. सुजाता मोहंती ने 2014 – 15 को आईसीएमआर इंटरनेशनल फेलोशिप फॉर सीनियर बायोमेडिकल साइंटिस्ट से सम्मानित किया गया। स्टेम कोशिका अनुसंधान के निम्न संस्थानों के (1) नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्युनोलॉजी, नई दिल्ली, (2) इंस्टीट्यूट ऑफ लीवर एंड बिलियरी साइंसेज, नई दिल्ली, (3) अपोलो अस्पताल में डीबीटी की प्रतिनिधि, (4) नेशनल ब्रेन रिसर्च इंस्टीट्यूट, मानेसर और (5) सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली संस्थान समिति के सदस्य थे। निम्न समिति के सदस्य : (1) डीबीटी – बायोटेक्नोलॉजी कैरियर एडवांसमेंट एंड रिओरिएंटेशन प्रोग्राम फॉर वूमन साइंटिस्ट्स (बायो केयर),(2) बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री रिसर्च अस्सिटेंस काउंसिल (बाइरैक), (3) सेंट्रल ड्रग स्टैंर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन, भारत सरकार की उच्च अधिकार प्राप्त समिति; (4) एमओएचएफडब्ल्यू – स्टेम सेल डोनर रजिस्ट्री, (5) थैलेशमिया गाइडलाइंस, (7) आईसीएमआर–एलएससीटी विशेषज्ञ समूह।

निम्न अनुसंधान अनुदान समीक्षक समिति के सदस्य थे : (1) जैव प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली, (2) इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, नई दिल्ली, (3) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली, (4) काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च, नई दिल्ली। जर्नल रिव्यू कमिटी फॉर वर्ल्ड जर्नल ऑफ स्टेम सेल्स, लाइफ साइंस के सदस्य, जर्नल ऑफ बायोसाइंसेज और सीईआईएनसीआईए पब्लिशिंग ग्रुप; एसोसिएट सम्पादक, करेंट ट्रेंड्स इन स्टेम सेल्स एंड रिजनरेटिव मेडिसिन (सीटीएसआर) और साइंटिस्ट रिपोर्ट, नेचर पब्लिशिंग हाउस। इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर सेलुलर थेरैपी (आईएससीटी) संपादकीय बोर्ड के सदस्य। निम्नलिखित अंतरराष्ट्रीय निकायों के सदस्य थे : (1) सोसाइटी फॉर स्टेम सेल रिसर्च (आईएसएससीआर), (2) इंटरनेशल सोसाइटी ऑफ बायोलॉजिकल कैमिस्ट्स (आईएसबीसी), और (3) इम्युनोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया। उन्होंने एम्स में 21 अगस्त 2014 को स्टेम कोशिका अनुसंधान के लिए वर्तमान उत्तम निर्माण प्रथाओं (सीजीएमपी) के साथ अपने प्रकार की पहली सुविधा तथा स्टेम कोशिका अनुसंधान के लिए उत्कृष्टता केंद्र सफलता पूर्वक स्थापित किया। उन्होंने संसद भवन, नई दिल्ली में 8 मई 2014 को स्टेम कोशिका उपचार और बैंकिंग पर लोक सभा टीवी की वार्ता में भाग लिया।

अंग पुनः प्राप्ति और बैंकिंग संगठन

विशिष्टताएं

ओआरबीओ ने ऑर्गन शेयरिंग में नेटवर्किंग के उद्देश्य से डीजीएचएस, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत राष्ट्रीय अंग और ऊतक ट्रांसप्लांट संगठन (नोटो) के साथ हार्ट वाल्व बैंक एंड लिंकेज ऑफ एम्स के पंजीकरण का समन्वयन किया।

कैडवर ऑर्गन एंड टिशू डोनेशन प्रोसेस के बारे में नर्सों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एम्स और दिल्ली के अन्य अस्पतालों की 100 नर्सों को प्रशिक्षित किया गया। भारत सरकार के पूर्व स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने अंगदान संबंधी जागरूकता अभियान की शुरूआत की। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे. पी. नड्डा ने ट्रॉमा सेंटर में रक्त, अंग और ऊतक दान कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अंग और ऊतक दान के बारे में जन शिक्षा और जागरूकता उत्पन्न करने के लिए 78 जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया था। आवश्यकता वाले रोगियों में प्रत्यारोपण के लिए 213 अंग और ऊतक प्राप्त किए गए थे। ओआरबीओ की प्रेरणा से 3033 व्यक्तियों ने अंग और ऊतक दान का संकल्प लिया। ब्रेनडेथ दाता पंजीयन 25000 है। ओआरबीओ ने संपूर्ण शरीर दान और दिल्ली सरकार, एनसीटी के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग सहित मेडिको – लीगल मामलों में अंग पुनः प्राप्ति संबंधी दिशा निर्देश बनाने में सहयोग किया है। एम्स और जेपीएन अपेक्स ट्रॉमा सेंटर में डिसीज्ड ऑर्गन डोनेशन के लिए आईसीयू टीमों के बारे में भी दिशा निर्देश बनाए गए थे।

शिक्षा

शव अंग और ऊतक दान की प्रक्रिया पर नर्सों की आयोजित प्रशिक्षण। अ. भा. आ. सं. और अन्य अस्पतालों से 100 नर्सों को प्रशिक्षित किया गया। नर्स प्रेरण प्रशिक्षण में अंग और ऊतक दान पर 800 नर्सों के उन्मुखीकरण प्रदान किया गया। अ. भा. आ. सं. एम.बी.बी.एस. छात्रों के लिए कोमा और मस्तिष्क मृत्यु और अंग दान प्रबंधन पर एकीकृत व्याख्यान।

प्रदत्त व्याख्यान : 8

अनुसंधान

विभागीय परियोजनाएं

1. जठरांत्र शल्य चिकित्सा विभाग, अ. भा. आ. सं. में रोगियों की सुरक्षा के लिए एक उपकरण के रूप में स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के बीच संचार का अध्ययन करना।
2. अ. भा. आ. सं. में विभिन्न प्रयोगशालाओं में तत्संबंधी जांच और शुल्क का अध्ययन।
3. अ. भा. आ. सं. अस्पताल में नर्सों की व्यावसायिक गुणवत्ता और नर्सों में बर्न आउट पर अध्ययन।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 2

रोगी उपचार

रोगी देखरेख / सहयोगात्मक गतिविधियों में (क) विभाग में उपलब्ध सुविधाओं (विशेष क्लीनिक और / अथवा विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं) (ख) सामुदायिक सेवाओं / शिविरों आदि से संबंधित सूचना शामिल है।

अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक का कार्य –हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र

1. हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र का प्रबंध एवं प्रशासन – 422 बिस्तरों वाला अति विशिष्ट केंद्र। 15 ऑपरेशन थिएटर जिसमें इंट्रा – ओ पी एम आर आई सुविधा शामिल है, 107 आई सी यू बिस्तर सर्वोत्कृष्ट गामा नाइफ सुविधा के साथ 7 कैथ लैब।
2. मानव संसाधन प्रबंधन, रोगी उपचार का एकीकरण एवं समन्वयन, क्लिनिकल नैदानिक एवं सहायता सेवाएं।
3. रक्त कोष, प्रयोग, मैनीफोल्ड, रिसेप्शन, लॉउण्ड्री, सी एस एस डी आदि हेतु नर्सिंग, सफाई, सुरक्षा, प्रशासन, भण्डार एवं अन्य सहायक स्टाफ का निरीक्षण।
4. हृद तंत्रिका केंद्र में (1) प्रशासनिक पहलुओं के लिए नर्सिंग तल समन्वयक और वार्ड प्रबंधन (2) रोगियों के नैदानिक और नर्सिंग देखभाल के लिए प्रबंधन के लिए रोगी देखभाल समन्वयक की प्रणाली को लागू किया।
5. हाउसकीपिंग सेवाओं के लिए प्रतिपुष्टि व्यवस्था को विकसित और लागू किया गया।
6. हृ. तं. कें. में नई नर्सिंग भर्ती का प्रेरण प्रशिक्षण।
7. रोगी शिकायत और निवारण प्रणाली के लिए गठित समितियां।
8. हृ. तं. कें में रोगी शिकायत और सुझाव बॉक्स कार्यान्वित किया गया।
9. अस्पताल की आपूर्ति और अधिप्राप्ति।
10. हृ. तं. कें के स्टोर का कंप्यूटरीकरण।
11. हृ. तं. कें में वीवीआईपी देखभाल के लिए समन्वयक।
12. हृ. तं. कें और अ. भा. आ. सं. में विभिन्न समितियों के सदस्य।

संकाय इंचार्ज – अंग पुनः प्राप्ति बैंकिंग संस्था (ओ आर बी ओ)

1. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के साथ एमएलसी में पूरे शरीर दान और अंग पुनर्प्राप्ति पर दिशा निर्देश तैयार करने में योगदान।
2. हार्ट वाल्व बैंक के पंजीकरण में समन्वित किया।
3. अंग साझा करने के लिए नेटवर्किंग के प्रयोजन के लिए एनओटीटीओ के साथ अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के संबंध में समन्वित।
4. दिल्ली सरकार के ई–पोर्टल पर अंग और ऊतक प्रतिरोपण के अ. भा. आ. सं. के नोडल अधिकारियों के संकलित आंकड़े।
5. प्रतिरोपण हेतु 213 अंगों एवं ऊतकों को प्राप्त किया।
6. डोनर रजिस्ट्री : ओरबो के प्रोत्साहित करने पर अंग दान हेतु 3033 व्यक्तियों ने प्रतिज्ञा की। अब तक पंजीकरण की कुल संख्या 25000 है।
7. अंग एवं ऊतक दान के अच्छे कार्य को बढ़ाने के लिए विभिन्न संगठन के साथ सहयोग।

8. डॉ. हर्षवर्धन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के पूर्व कैबिनेट मंत्री ने अंग दान पर जागरूकता अभियान का अनावरण किया।

9. श्री. जे. पी. नंदा, माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के कैबिनेट मंत्री ने जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में रक्त, अंग और ऊतक दान कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अ. भा. आ. सं. और जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में मृतक अंग दान के लिए आईसीयू टीमों से संबंधित दिशा निर्देश तैयार किए गए।

अंग दान पर आईईसी गतिविधि की कुल संख्या का आयोजन : 78

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर आरती विज भारत सरकार के उपक्रम एचएलएल लाइफ केयर लिमिटेड की स्वतंत्र (गैर सरकारी आंशिक सम य) बोर्ड ऑन द डायरेक्टर थीं। स्वास्थ्य सेवाएं महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम में सलाहकार समूह की सदस्य थीं। रोगी देखभाल में उत्कृष्ट देखरेख और व्यावसायिकता के लिए माननीय वित्त, कॉर्पोरेट कार्य और रक्षा मंत्री श्री अरुण जेटली और विशेष देखरेख तथा उपचार के पर्यवेक्षण के लिए भारत के अटार्नी जनरल श्री जी. ई. वाहनवती से प्रशंसा पत्र प्राप्त किया। राष्ट्रीय नेत्र बैंक में उत्कृष्ट योगदान के लिए सर्टिफिकेट ऑफ एप्रिसिएशन प्राप्त किया।

रक्त आधान सेवाएं

विशिष्टताएं

हृ. तं. केंद्र की ब्लड ट्रांसफ्यूजन सेवाएं एकत्रण और प्रसंस्करण द्वारा सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण रक्त और रक्त घटक उपलब्ध करवा कर एम्स के हृ. तं. केंद्र में भर्ती रोगियों की चौबीस घंटे ट्रांसफ्यूजन आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। इन गतिविधियों में घर पर और बाहर रक्त एकत्रण, रक्त दाता को प्रेरणा देना तथा रक्त दान पूर्व एवं उसके पश्चात काउंसलिंग, रक्त घटक तैयार करना तथा विभिन्न सीरम संबंधी जांचें शामिल हैं।

पैक्ड रेड सेल्स, प्लाज्मा, फ्रेसफ्रोजन प्लाज्मा, प्लेटलेट युक्त प्लाज्मा, प्लेटलेट सार, क्रियोप्रीसिपिटेट, ल्यूकोडेप्लेटेड रेड सेल्स जैसे घटक और प्लेटलेट पर्याप्त संख्या में और हर समय उपलब्ध हैं। अफेरेसिस प्रक्रियाओं और ऑटोलॉग्स दान की सुविधा उपलब्ध है।

बीटीएस में किए गए सीरम संबंधी परीक्षणों में रक्त समूह परीक्षण, अनियमित एंटीबॉडी की जांच करना, कॉलम संश्लेषण जैसी नवीनतम प्रौद्योगिकी का प्रयोग करके अनुकूलता परीक्षण करना शामिल है। एकत्र किए गए प्रत्येक यूनिट रक्त में हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी, एचआईवी–1 और 2 सिफलिस और मलेरिया जैसे ट्रांसफ्यूजन दाययोग्य संक्रमणों का परीक्षण किया जाता है। इसके अतिरिक्त, हृदय प्रत्यारोपण के मामलों में सीएमवी परीक्षण किया जाता है। बेहतर परिणाम और गुणवत्ता के लिए विभाग की अधिकांश प्रयोगशालाओं में स्वचलन का प्रयोग किया जाता है। एचआईवी/ एचसीवी/ एचबीवी का पता लगाने के लिए अतिरिक्त स्क्रीनिंग जांच के रूप में एनएटी (न्यूक्लियक अम्ल प्रवर्धन परीक्षण) द्वारा दाता रक्त नमूनों की जांच की जा रही है।

रक्त और रक्त घटकों, उपकरणों, प्रक्रियाओं और सेवाओं जैसे इसके उत्पादों के लिए गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली विद्यमान है। न्यूमेटिक ट्यूब सिस्टम लगाया गया था और रोगी के रक्त नमूनों तथा रूपों को लाने और ले जाने में प्रयोग किया जाता है। रक्त बैंक गतिविधि का कंप्यूटीकरण हो गया है और एचआईएस के साथ एकीकरण का कार्य प्रगति पर है।

विशिष्टताएं

डॉ. अंजली हजारिका, सीएमओ, फरवरी 2015 में सीएनसी रक्त बैंक विभाग में पीएचडी के लिए दाखिला लिया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

डॉ. अंजली हजारिका

1. 16 अक्तूबर 2014 को वायरल मार्करों के लिए ''यूज ऑफ रेपिड एलिसा टेस्ट्स'' में प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए हाउस प्रशिक्षण में संगठन।

2. फरवरी–मार्च 2015 को एम्स में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र और कंप्यूटर की सुविधा के सदस्यों के साथ समन्वय में बीटीएस के सभी तकनीकी और नर्सिंग स्टाफ के लिए प्रशिक्षण सत्र संगठन की जरूरत के अनुसार सॉफ्टवेयर अनुरूपण के बाद बीटीएस सीएनसी की ई–अस्पताल प्रणाली।

अनुसंधान

सहयोगी परियोजनाएं

1. एचआईवी – 1 प्राथमिक आइसोलेट का उत्पादन और लाक्षणीकरण व्यापक उदासीनी कारक एंटीबॉडी की उदासीनीकरण संवेदनशीलता के लिए बाल रोगियों से अलग करना (जैव रसायन)।
2. एचआईवी–1 संक्रमण में डीसी–एसआईजीएनआर की इम्यूनोमोड्यूलेटरी की भूमिका (जैव रसायन)
3. एचआईवी–1 से संक्रमित एंटीरेट्रोवाइरल नैवे और उपचारित व्यक्तियों के डेंटड्राइटिक कोशिकाओं पर नियामकों और पूरक रिसेप्टर्स की अभिव्यक्ति का अध्ययन। (जैव रसायन)
4. कोरोनरी धमनी रोग वाले रोगियों के इम्मोर्टिलाइज पेरीफेरल रक्त मोनोन्युक्लियर कोशिकाओं को जीन टेलोमेरेज रिवर्स ट्रांसक्रिप्टेस लक्षित करना।
5. स्वस्थ भारतीय वयस्कों में सीरम मुक्त लाइट चेयर्स के सामान्य संदर्भ रेंज की स्थापना (प्रयोगशाला कैंसर विज्ञान, बीआरएआईआरसीएच)

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 2

रोगी उपचार

रक्त एकत्र

प्रतिस्थापन दाता	10688	मोबाइलों के जरिए	383
विभाग में स्वैच्छिक	280	मुख्य अस्पताल से प्राप्त रक्त	215
परिवार का स्वैच्छिक दाता	9928		
आई आर सी एस से प्राप्त रक्त	273		
अन्य अस्पतालों से प्राप्त रक्त	411		
कुल संग्रह	**22178**		

जारी रक्त यूनिट

सी टी वी एस / एन एस से	26139	मुख्य अस्पताल से	741
जे पी एन ए टी सी से	109	आईआरसीएस	120
अन्य अस्पतालों से	742		
एच आई वी/एच बी वी/एच सी वी/वी डी आर एल रिएक्शन यूनिट डिस्कॉर्डिड			642
जारी रक्त यूनिट की कुल संख्या	**28493**		

प्रयोगशाला प्रक्रियाएं – सीरम विज्ञान

रक्त समूह ए बी ओ	89188		
रक्त क्रॉस मैचिंग	118760	रक्त समूह आर एच	59860

संक्रामक मार्करों के स्क्रीनिंग

एचआईवी	26120	एचबीवी	26376
एचसीवी	26182	वीडीआरएल	24015
एमवी	24015	एनएटी	22178
सीएमवी	200		
कुल	**149086**		

तैयार किए गए रक्त घटकों की इकाई

फ्रेश फ्रोजन प्लाज्मा	20153	प्लेटलेट सांद	16244
पुनः प्राप्त प्लाज्मा	1992	क्रायो प्रेसीपिटेट	1330
पैक्ड लाल रक्त सेल्स	22178	एकल दाता प्लेटलेटफेरेसिस	6
कुल	**61903**		

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

डॉ. अंजली हजारिका स्टेट ब्लड ट्रांसफ्यूजन काउंसिल ऑफ दिल्ली, एनसीटीडी सरकार की सदस्य और नेशनल ब्लड सेल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की कोर कमेटी की सदस्य थीं। हीमोविजीलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया, एनआईबी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की सलाहकार समिति के सदस्य नामित किए गए। जून, 2014 में न्यूरोसर्जरी रोगी के लिए मुंबई एयर लिफ्टेड, दुर्लभ बाम्बे फोनोटाइप के 2 यूनिट रक्त की व्यवस्था की और दिसंबर 2014 में कार्डियोथोरासिक सर्जरी के रोगी के लिए, मुंबई से एयर लिफटेड, दुर्लभ बॉम्बे फेनोटाइप समूह के 5 यूनिट की व्यवस्था की। 7 जुलाई, 2014 को 'ब्लड सेफ्टी – पैथोजेन इन एक्टीवेशन' संबंधी संगोष्ठी में भाग लिया। 22–23 जुलाई, 2014 को नाको द्वारा प्रशिक्षण संसाधन समूह (टीआरजी) हेतु त्वरित स्थिति जन्य विश्लेषण संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

10.2 दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

प्रमुख

नसीम शाह

आचार्य

ओ. पी. खरबंदा	रितु दुग्गल
अजय रॉयचौधरी	वीना जैन

अपर आचार्य

ओंकिला भूटिया | विजय प्रकाश माथुर | अजय लोगानी

सहायक आचार्य

दालिम कुमार बैद्य | देवलिना गोस्वामी

विशिष्टताएं

केंद्र विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा मौखिक स्वास्थ्य संवर्धन के लिए केंद्र के सहयोग के रूप में नामित किया गया है। इसे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के कार्यान्वियन के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र का दर्जा दिया गया है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के तत्तवाधान के तहत, क्षेत्रीय परामर्श बैठक 27–28 अक्टूबर, 2014 से 'दक्षिण – पूर्व एशिया क्षेत्र में मौखिक स्वास्थ्य और निगरानी को बढ़ावा देने के लिए कार्य योजना' के विकास के लिए आयोजित किया गया था।

राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनओएचपी) के तहत, कैंसर जागरूकता पखवाड़ा 7 से 22 नवंबर 2014 को मनाया गया था। सीडीईआर से फोन पर, देश भर से कई दंत चिकित्सा संस्थानों से ओरल कैंसर जागरूकता और जल्द पता लगाने के लिए स्क्रीनिंग का आयोजन किया गया है। राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के लिए 'आईईसी सामग्री के विकास के लिए बुद्धिशीलता बैठक' 23 दिसंबर 2014 को आयोजित की गई थी।

एक सार्वजनिक व्याख्यान और 'स्वस्थ मुंह के माध्यम से स्वस्थ शरीर' संवाददाता सम्मेलन 20 मार्च 2015 पर विश्व मौखिक स्वास्थ्य दिवस (डब्ल्यूओएचडी) के अवसर पर आयोजित किया गया था। आम जनता और मीडिया के लगभग 800 लोगों ने भाग लिया। इसके अलावा, देश के डेंटल कॉलेज छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए एक पोस्टर और नारा लेखन प्रतियोगिता की घोषणा की थी।

शिक्षा

वर्तमान में केंद्र ऑर्थोडोंटिक्स, प्रोस्थोडोंटिक्स, कन्जर्वेटिव डेंटिस्ट्री और एंडोडोंटिक्स तथा ऑरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों और ऑर्थोडोंटिक्स, ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी तथा कन्जर्वेटिव डेंटिस्ट्री और एंडोडोंटिक्स में पीएच. डी कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। केंद्र ने केंद्र पर उनके नैदानिक नियुक्तियों के दौरान स्नातक एमबीबीएस और नर्सिंग छात्रों के लिए शिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करता है। केंद्र ने कोलाब डीडीएस के नाम से विभिन्न दंत चिकित्सा संस्थानों के लिए टेलीमेडिसिन का सहयोगी नेटवर्क विकसित किया है।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. 20–22 अप्रैल, 2014 से 'चिकित्सा और दंत चिकित्सा संकाय के प्रशिक्षण पर सौंपे गए कोलेबडीडीएस' पर कार्यशाला।
2. 10–11 मई, 2014 से 'बहुभाषी आर्थोडोंटिक्स शिखर सम्मेलन' पर क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा।
3. 20 से 21 फरवरी, 2015 से प्रो. होरोविट्ज, यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क, यूएसए द्वारा 'पेरिडोंटल सर्जरी में हाल के अग्रिम' पर क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा।
4. लखनऊ में 22 से 23 सितंबर, 2014 से एओसीएमएफ परिचयात्मक संगोष्ठी।

5. नई दिल्ली में 17 से 19 अक्टूबर, 2014 से 'क्रेनियो – मैक्सिलो–फेशियल फ्रेक्चर प्रबंधन में सिद्धांत' का एओसीएमएफ।
6. नई दिल्ली में 22 जनवरी, 2015 को नीदरलैंड से डॉ. जो ई फ्रेंकेन और डॉ. राजीव थापर द्वारा न्यूनतम इनवेसिव दंत चिकित्सा पर क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा।
7. नई दिल्ली में 22 मार्च, 2015 को आयोजित दंत चिकित्सा व्यवसाय के लिए तंबाकू नशा उन्मूलन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।
8. नई दिल्ली में 24 जुलाई, 2014 पर क्लिनिकल एपिडमियोलॉजी यूनिट, अ. भा. आ. सं. के तत्वाधान के तहत आयोजित 'डिजाइनिंग मेडिकल रिसर्च एंड थीसिस 2014'।

दिए गए व्याख्यान

नसीम शाह : 5 **ओ. पी. खरबंदा : 21** **रितु दुग्गल : 1**
अजय रॉय चौधरी : 8 **वीना जैन : 2** **ओंकिला भूटिया : 1**
विजय प्रकाश माथुर : 3 **अजय लोगानी : 5** **दालिम कुमार बैद्य : 1**
देवलिना गोस्वामी : 2

मौखिक लेख / पोस्टर प्रस्तुत किए गए : 22

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. परिपक्व, स्थायी, गैर जीवंत दांतों में रूट कैनाल ऑब्ट्यूरेशन से पारम्परिक एंडोडॉन्टिक उपचार की तुलना में एक नवाचारी, गैर ऑप्ट्यूरेशन एंडोस्कोपिक उपचार प्रोटोकॉल ''सील बायो'' की दक्षता के मूल्यांकन के लिए एक यादृच्छिक समकक्ष क्लिनिकल परीक्षण। नसीम शाह, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 20 लाख रुपए।
2. ''भारत में क्लेफ्ट लिप एवं पैलेट एनोमली : उपचार की क्लीनिकल प्रोफाइल, जोखिम के कारक और वर्तमान स्थिति – एक अस्पताल आधारित अध्ययन।'' कार्य दल परियोजना (पायलट चरण)। ओ. पी. खरबंदा, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 26,78,819 रु. (+ 5,59,866 रु.)।
3. डायबिटीज मेलिटस और ओरल कैंडिडिआसिस : प्रजाति विशिष्ट प्रसार। रितु दुग्गल। आई सी एम आर. 3 वर्ष, 36.89 लाख रुपए
4. हाइपरकोएगुलेबिलिटी के लिए मार्करों के बीच संबंध का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन और मैंडिबुलर कोंडायलर फ्रैक्चर रोगियों में टेम्पोरोमैंडिबुलरकायलोसिस का विकास करना। अजय रॉय चौधरी, अ. भा. आ. सं., 3 वर्ष। 5 लाख रुपए।
5. 'अलग अनुलग्नक प्रणालियों के साथ कृत्रिम दांत की पंक्ति समर्थित जबड़े और दाढ़ की हड्डी प्रत्यारोपण के मामले में अस्थि अवशोषण आकलन'। वीना जैन, डी एस टी, 3 वर्ष (एक वर्ष के लिए आगे बढ़ाया गया) 70 लाख रुपए।
6. 'कंकाल मेटास्टेसिस वाले रोगियों में जबड़े की हड्डियों के घनत्व पर बिस्फॉस्फोनेट चिकित्सा के प्रभाव : एक पायलट अध्ययन'। वीना जैन, आई सी एम आर, 2 वर्ष, 10,93,860 रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. एम्प्टोमेटिक एपिकल पेरियोडोंटाइटिस वाले दांत के एपिकल डेंटिनल ट्यूबल के बीच बैक्टीरिया के आक्रमण और पेनेटेराटियोन की गहराई की डिग्री सहित पेरियापिकैलशन के रेडियोग्राफिक आकार का सह–संबंध।
2. ट्रु कम्बाइड एंडो पेरियो लेशन्स के प्रबंधन के लिए दो पुनर्योजी प्रोटोकॉल का मूल्यांकनः एक यादृच्छिक गैर न्यूनता चिकित्सीय परीक्षण।
3. दाढ़ में केरियास घाव की साइड के साथ केनल ओरिफाइसेस स्थान का सहसंबंध – एक पूर्व विवो अध्ययन।
4. सकारात्मक दबाव सिरिंज के साथ 20 डिग्री और 45 डिग्री से. में 2.5 प्रतिशत एनएओसी1 के साथ सिंचन का तुलनात्मक मूल्यांकन, क्षतशोधन, कीटाणुशोधन और पेरिएपिकल निकासी में नेवीटिप एफएक्स, एंडो वैक, वाइब्रिंज सोनिक और पेसिव अल्ट्रासोनिक सिंचन – एक स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन सूक्ष्म और सूक्ष्म अध्ययन।
5. केवल कैविटाइस श्रेणी ।। बॉक्स में फूजी 9 जीपी एक्स्ट्रा (एन्केप्सयुलेटेड जीआईसी), पोस्टेरियर कम्पोसाइस और एमालगम रेस्टोरेशन्स के अस्थिभंग प्रतिरोध का तुलनात्मक मूल्यांकन – एक इन विट्रो अध्ययन।

6. एनामेल पर सिल्वर डायमिन फ्लोराइड और फ्लुओर प्रोटेक्टर एन वार्निश की पुनर्खनिजीकृत की प्रभावकारिता : एक पूर्व विवो मात्रात्मक एनर्जी डिसपेरेसिव एक्स–रे (ईडीएक्स) विश्लेषण।
7. ऑर्थोडोंटिक दांत क्रिया के दौरान मिनिस्क्रू साइड के आसपास उच्च गतिशीलता समूह बॉक्स 1 प्रोटीन स्तर का मात्रात्मक मूल्यांकन।
8. ऑर्थोडोंटिक मिनिस्क्रू की पुन:प्राप्ति : इन विट्रो अध्ययन पर प्रविष्टि का माप और टोर्क हटाने का मापन।
9. आर्थोडोंटिक मिनिस्क्रू इम्प्लांट्स के माइक्रोबायोलॉजिकल कोलोनाइजेशन का पैटर्न।
10. पीए सेफेलोमेट्रिक मापन की विश्वसनीयता और वैधता : पारंपरिक और कम्प्यूटरीकृत सेफेलोमेट्रिक विश्लेषण सॉफ्टवेयर की तुलना।
11. ऑर्थोडोंटिक मिनिस्क्रू के लिए ग्रेड टाइटेनियम एलॉय के संशोधन के जैव रासायनिक सतह के लिए माध्यमिक सेलुलर प्रतिक्रियाएं।
12. सीबीसीटी का उपयोग कर वृद्ध कंकाल श्रेणी ।।। रोगियों में आरएमई और फेसमास्क उपचार के बाद तीन आयामी कंकाल डेंटोलवेयोलर परिवर्तन।
13. ऑर्थोडोंटिक दांत आवागमन के दौरान एमएमपी–8 के दौर में मिनी स्क्रू इम्प्लांट स्थल का स्तर।
14. परीक्षण करना कि क्या रक्त की हाइपरकोएगुलेबल अवस्था पोस्ट– ट्रयूमेटिक टेम्पोरोमैंडिबुलर जॉइंट एकायलोसिस और हाइपोक्सिया के इन–विट्रो प्रभावों और मेसेंकायमल स्टेम कोशिकाओं पर प्रोटीन सी सक्रियण के लिए जोखिक कारक है।
15. टेम्पोरोमैंडिबुलर संयुक्त –एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण के आंतरिक गड़बड़ी में आर्थोसेंटेसिस बनाम श्रेणी 4 लेजर उपचार के बाद इलाज के परिणाम का तुलनात्मक मूल्यांकन।
16. टेम्पोरोमैंडिबुलर संयुक्त अस्थिसमेकन रोगी में ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया पर अर्थोप्लास्टी के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए संयुक्त पॉलीसोमनोग्राफिक और रेडियोग्राफिक अध्ययन।
17. ओरल ल्यूकोप्लासिया के प्रबंधन में प्रणालीगत लाइकोपीन चिकित्सा बनाम क्रायोथैरेपी के बाद लघु अवधि उपचार परिणाम का मूल्यांकन – एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
18. टेम्पोरोमैंडिबुलर जॉइंट डिसलोकेशन / सबल्यूएक्सटोइन में ऑटोलॉगस रक्त और डेक्सट्रोज प्रोलोथेरेपी के परिणामों की तुलना में एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
19. रेट्रोजेनिया रोगियों में जेनियल डिस्ट्रेक्शन के बाद डायगैस्ट्रिक और मायलोहयोइड मांसपेशियों के जटिल क्षेत्र में ईएमजी परिवर्तन के मूल्यांकन के लिए एक भावी अध्ययन।
20. टेम्पोरोमैंडिबुलर जॉइंट के आंतरिक गड़बड़ी में अर्थोस्कोपिक लेवेज – एक भावी अध्ययन।
21. भारतीय आबादी के बीच टीएमजे अस्थिसमेकन में एलोप्लस्टिक टीएमजे प्रतिस्थापन के साथ मैंडिबुलर काइनेमेटिक्स और रोगियों के जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन।
22. टीएमजेड अस्थि समेकन के उपचार में फैट और एब्डोमिनल फैट के इंटरपोज्ड पीडिक्लेडबुकेल के फैट और वॉल्यूमेट्रिक श्रिंकेज के मूल्यांकन के लिए एक क्लस्टर यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण। पेरिइम्प्लांट के अंतर को भरने के लिए एलॉग्राफ्ट और एल – पी आर एफ के साथ तुरंत लगाए गए दांत प्रत्यारोपण की स्थिरता और क्रेस्टल हड्डी की ऊंचाई में परिवर्तन का तुलनात्मक मूल्यांकन।
23. टाइटेनियम और जरकोनिया एबटमेंट्स के साथ टाइटेनियम इंप्लांटों के आसपास क्रेस्टल बोन की ऊंचाई में परिवर्तन का तुलनात्मक मूल्यांकन।
24. पॉलिश और ग्लाज्ड जरकोनिया के विरुद्ध प्राकृतिक दांत लगाने का एक तुलनात्मक मूल्यांकन।
25. पूर्ण कृत्रिम दांतों वाले रोगियों में चबाने की दक्षता और काटने के बल पर सॉफ्ट लाइनर का प्रभाव।
26. प्रोस्थोडोंटिक्स पुनर्वास के बाद रोगियों में उपचार की संतुष्टि और उनके सामाजिक आर्थिक स्थिति के साथ इसका सह संबंध – एक प्रारंभिक अध्ययन।
27. टीएमजे के आंतरिक गड़बड़ी में अर्थोस्कोपिक लेवेज – एक भावी अध्ययन।
28. टीएमजे डिसलोकेशन / सबल्यूएक्सशन में ऑटोलोगस रक्त और डेक्सट्रोज प्रोलोथैरेपी के उपचार के परिणामों की तुलना में एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

29. ओरल ल्यूकोप्लाकिया के प्रबंधन में प्रणालीगत लाइकोपीन चिकित्सा बनाम क्रायोथैरेपी के बाद लघु अवधि उपचार परिणाम का मूल्यांकन – एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
30. रेट्रोजेनिया रोगियों में जेनियल डिस्ट्रेक्शन के बाद डायगैस्ट्रिक और मायलोहयोइड मांसपेशियों के जटिल क्षेत्र में ईएमजी परिवर्तन के मूल्यांकन के लिए एक भावी अध्ययन।
31. एम्प्टोमेटिक एपिकल पेरियोडोंटाइटिस वाले दांत के एपिकल डेंटिनल ट्यूबल के बीच बैक्टीरिया के आक्रमण और पेनेटेराटियोन की गहराई की डिग्री सहित पेरियापिकैलशन के रेडियोग्राफिक आकार का सह–संबंध।
32. ट्ठु कम्बाइड एंडो पेरियो लेशन्स के प्रबंधन के लिए दो पुनर्योजी प्रोटोकॉल का मूल्यांकन : एक यादृच्छिक गैर न्यूनता चिकित्सीय परीक्षण।
33. दाढ़ में केरियास घाव की साइड के साथ केनल ओरिफाइसेस स्थान का सहसंबंध – एक पूर्व विवो अध्ययन।
34. सकारात्मक दबाव सिरिंज के साथ 20 डिग्री और 45 डिग्री से. में 2.5 प्रतिशत एनएओसी1 के साथ सिंचन का तुलनात्मक मूल्यांकन, क्षतशोधन, कीटाणुशोधन और पेरिएपिकल निकासी में नेवीटिप एफएक्स, एंडो वैक, वाइब्रिंज सोनिक और पेसिव अल्ट्रासोनिक सिंचन – एक स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन सूक्ष्म और सूक्ष्म अध्ययन।
35. केवल कैविटाइस श्रेणी ।। बॉक्स में फूजी 9 जीपी एक्स्ट्रा (एन्केप्सयुलेटेड जीआईसी), पोस्टेरियर कम्पोसाइस और एमालगम रेस्टोरेशन्स के अस्थिभंग प्रतिरोध का तुलनात्मक मूल्यांकन – एक इन विट्रो अध्ययन।
36. एनामेल पर सिल्वर डायमिन फ्लोराइड और फ्लुओर प्रोटेक्टर एन वार्निश की पुनर्खनिजीकृत की प्रभावकारिता : एक पूर्व विवो मात्रात्मक एनर्जी डिसपेरेसिव एक्स–रे (ईडीएक्स) विश्लेषण।

पूर्ण

1. अनुकूलित सोडियम हाइपोक्लोराइट औषधीय रूट कैनाल कीटाणुशोधन के लिए एक सहायक के रूप में इलेक्ट्रॉनिक शीर्ष लोकेटर के अनुप्रयोग – एक पूर्व –विवो अध्ययन।
2. संशोधित तैयार तकनीक के साथ पारंपरिक एंडोडोंटिक उपचार और सील बायो गैर ऑब्टूरेशन एंडोडोंटिक उपचार के बाद पूर्वकाल और पश्चात दांत उपचारित एंडोडोंटिकली के फ्रैक्चर को मजबूत करने के तुलनात्मक मूल्यांकन : एक पूर्व–विवो अध्ययन।
3. श्रेणी 3 रोगियों में दाढ़ की हड्डी साइनस की मात्रा पर अतिकाल फेसमास्क चिकित्सा का प्रभाव।
4. ऑर्थोडोंटिक मिनी – स्क्रू की नियुक्ति के लिए पेलेटल स्थलों का मात्रात्मक मूल्यांकन।
5. सेफेलोमेट्रिक मापन की विश्वसनीयता और वैधता : पारंपरिक और कम्प्यूटरीकृत सेफेलोमेट्रिक विश्लेषण सॉफ्टवेयर की तुलना।
6. श्रेणी 3 रोगियों में क्रैनियल आधारित मोर्फोलॉजी, फ्रोंटल और स्फेनॉइडल साइनस का अध्ययन।
7. भारतीय आबादी में टेम्पोरोमैंडिबुलर संयुक्त के साथ सहयोगी टर्मिनल फेसियल तंत्रिका शाखा के संरचनात्मक दूरी के कंकाल श्रेणी 3 मैलोक्लुजन रोगियों के शव में मैक्सिलो–मैंडिबुलर मोर्फोलॉजी का 3डी अध्ययन।
8. मोटे तौर पर सड़े हुए / विकृत पहली और दूसरी स्थायी दाढ़ के प्रतिस्थापन के लिए तीसरे दाढ़ की स्वःप्रतिरोपण का भावी मूल्यांकन।
9. टेम्पोरोमैंडिबुलर संयुक्त अस्थिसमेकन सर्जरी के पहले और बाद में माससेटर और टेम्पोरेलिस मांसपेशी में अनुदैर्ध्य परिवर्तन। टाइटेनियम और जरकोनिया एबटमेंट्स के आसपास एमएमपी–8 स्तर का तुलनात्मक मूल्यांकन (एक पायलट अध्ययन)।
10. गंभीर ओक्लुसल लगाने के लिए मध्यम वाले रोगियों में इलेक्ट्रोमायोग्राफिक गतिविधि पर हार्ड और सॉफ्ट स्प्लिंट का तुलनात्मक मूल्यांकन।
11. भारतीय जनसंख्या में टी एम जे के साथ जुड़े टर्मिनल चेहरे की तंत्रिका शाखाओं की संरचनात्मक दूरी का कैडवेरिक अध्ययन।
12. मोटे तौर पर सड़ी और विकृत पहली या दूसरी स्थायी दाढ़ के प्रतिस्थापन के लिए तीसरी दाढ़ के स्वतः प्रत्यारोपण का भावी मूल्यांकन।
13. एवेलुएशन ऑफ फेसियल नर्व मोर्बिडिटी इन पेशेंट्स अंडरगोइंग टीएमजे सर्जरीज़ विया प्रीयूरिकुलर एक्सटेंड टेम्पोरल इंसिसियन।
14. अनुकूलित सोडियम हाइपोक्लोराइट औषधीय रूट कैनाल कीटाणुशोधन के लिए एक सहायक के रूप में इलेक्ट्रॉनिक शीर्ष लोकेटर के अनुप्रयोग – एक पूर्व –विवो अध्ययन।
15. संशोधित तैयार तकनीक के साथ पारंपरिक एंडोडोंटिक उपचार और सील बायो गैर ऑब्यूरेशन एंडोडोंटिक उपचार के बाद पूर्वकाल और पश्चात दांत उपचारित एंडोडोंटिकली के फ्रैक्चर को मजबूत करने के तुलनात्मक मूल्यांकन : एक पूर्व–विवो अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

1. एक्स–रे का उपयोग कर कंकाल इमेजिंग में नेटवर्क सक्षम चिकित्सा निदान और शिक्षा। रितु दुग्गल. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी), नई दिल्ली; सेंट्रल साइंटिफिक इंस्ट्रुमेंट्स ऑर्गनाइजेशन, चंडीगढ़; भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई; विकिरण निदान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।
2. सूजन का पता लगाने के साथ ऑर्थोडोंटिक मिनिस्क्रू एम्बेडेड की डिजाइन और परीक्षण – फेज 1. रितु दुग्गल, जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली।
3. सीबीसीटी डेटा का उपयोग कर 3–डी सेफेलोमेट्रिक विश्लेषण के लिए स्वचालित लैंडमार्क का पता लगाना। रितु दुग्गल. सेंट्रल साइंटिफिक इंस्ट्रुमेंट्स ऑर्गनाइजेशन (सीएसआईओ), चंडीगढ़।
4. सीबीसीटी स्कैन डेटा का उपयोग कर ऊपरी एयरवे का स्वचालित विभाजन। रितु दुग्गल. सेंट्रल साइंटिफिक इंस्ट्रुमेंट्स ऑर्गनाइजेशन (सीएसआईओ), चंडीगढ़।
5. कंकाल मेटास्टेसिस वाले रोगियों में जबड़े की हड्डियों के घनत्व पर बिस्फोस्फोनेट उपचार के प्रभाव – एक पायलट अध्ययन; रेडियोलॉजी विभाग और आई आर सी एच।
6. तंबाकू के इस्तेमाल के आईएलएल प्रभावों और ज्ञान, दृष्टिकोण और निर्धूम तंबाकू उपयोगकर्ताओं के अभ्यास पर उसके उपचार के बारे में संबंधित शिक्षा–पैकेज के प्रभाव का आकलन करना; कॉलेज ऑफ नर्सिंग, अ. भा. आ. सं.।
7. नैदानिक आमापनों में सिर और गर्दन के कैंसर मार्कर का रूपांतरण। श्याम एस. चौहान, जैव प्रौद्योगिकी विभाग और इंटरनेशनल साइंस एंड टेक्नोलॉजी पार्टनरशिप कनाडा वित्त पोषित निधि परियोजना। 5 वर्ष, 78.51 लाख रुपए।
8. निचली तीसरी दाढ़ निकासी के रोगियों में बेंजडामिन हाइड्रोक्लोराइड ओरल राइनसेस के उपयोग के साथ और बिना ओरल एनाल्जेसिक आवश्यकता और रोगी की संतुष्टि का मूल्यांकन करना : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण पायलट अध्ययन।
9. सामान्य संज्ञाहरण के तहत जबड़े में फ्रैक्चर सर्जरी के पश्चात दर्द से राहत के लिए ऑपरेशन पूर्व रिक्तिपूर्व एनाल्जेसिक के रूप में इटोरिकोक्सिब (90 मि.ग्रा. और 120 मि.ग्रा.) की दो खुराक का तुलनात्मक मूल्यांकन : एक यादृच्छिक, भावी डबल ब्लाइंड प्लेसेबो नियंत्रित परीक्षण।
10. वयस्को में प्रोपोफोल के साथ संज्ञाहरण के शामिल होने के बाद एलएमए प्रविष्टि का इष्टतम समय : एक यादृच्छिक समय प्रतिक्रिया का अध्ययन।
11. ऊपरी एयरवे सर्जरी से गुजरने वाले ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनियो रोगियों का पेरि–ऑपरेटिव जटिलताएं : एक पूर्वव्यापी विश्लेषण।
12. ऑपरेशन पश्चात दर्द को नियंत्रित करने में टीएमजे अस्थिसमेकन सर्जरियों में स्थानीय एनेस्थेटिक्स की प्रभावकारिता की तुलना।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 53 सार : 4

रोगी उपचार

केंद्र दंत चिकित्सा के लगभग सभी विषयों में विभिन्न समस्याओं के उन्नत उपचार के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान करता है। केंद्र में फटे होंठ और तालू, टेम्पोरोमैंडिबुलर संयुक्त सर्जरी, क्रैनियो – फेशियल ट्रॉमा, चेहरे का ऑर्थोग्नेथिक और अस्थेटिक सर्जरी, ओरल और मैक्सिलोफैशियल पैथोलॉजी, मैक्सिलोफैशियल संक्रमण, ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया के लिए सर्जरी, चेहरे की नसो में दर्द, ओस्टियो–ओडोंटो केरेटोप्लास्टी, ओरल और मैक्सिलोफेशियल प्रोस्थेडोंटिक्स, लैमिनेटेस, ओकुसल स्प्लिंट्स, प्रत्यारोपण समर्थित कृत्रिम अंक (हटाने योग्य और फिक्स्ड) और मैक्सिलोफैशियल प्रोस्थेसिस (एक्स्टथओरल / फैशियल और इंट्राओरल), एंडोडोंटिक उपचार, एंडोडोंटिक माइक्रोसर्जरी, रूट रिजनरेशन, पेरियोडोंटल सर्जरी, विशेष आवश्यकताओं और निवारण दंत चिकित्सा के साथ रोगियों के उपचार के लिए अंतःविषय विशेष देखभाल की सुविधा है।

केंद्र में विभिन्न हटाने योग्य और निश्चित प्रोस्थोडोंटिक और ऑर्थोडोंटिक उपकरणों के निर्माण के लिए ओरल एंड मैक्सिलोफैशियल सर्जरी एंड लैबोरेटरीज विभाग के लिए कार्यात्मक ऑपरेशन थिएटर हैं। इस वर्ष चौबीसों घंटे के लिए रोगी वार्ड में ओरल एंड मैक्सिलोफैशियल सर्जरी विभाग में उद्घाटन किया गया है।

केंद्र एम्स रोटरी मिडटाउन अस्पताल, त्रिलोकपुरी में दंत चिकित्सा के लिए समुदायिक आउटरीच सेवा भी प्रदान करता है।

विशेष क्लिनिकल डेटा

क्र. सं.	क्लिनिक	नए	पुराने	कुल
1.	ट्राइजेमिनल न्यूरोल्जिया	105	143	248
2.	कंबाइन क्लेफ्ट पैलेट	40	417	457
3.	ओरल प्रोफाइलेक्सिस	8438	3883	12321
4.	ऑर्थोडोंटिक्स	2037	15371	17408
5.	प्रोस्थोडोंटिक्स	4461	9589	14050
6.	रेस्टोरेटिव – सह – एंडोडोंटिक	6692	19663	26355
7.	ओरल एण्ड मैक्सीलो फेशियल सर्जरी	16516	18327	34843
8.	पेरियोडोंटिक्स (छोटी सर्जरी)	567		
9.	रेडियोलॉजी	34101		
10.	ओपीडी रोगी	37922	6421	44343
11.	ऑपरेशन	बड़े	छोटे + निष्कर्षण	कुल
		320	115912474	13953

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य नसीम शाह ने वर्ष के दौरान भारतीय दंत चिकित्सकीय अनुसंधान संस्थान और इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर डेंटल रिसर्च (भारत धारा) की अध्यक्ष की है। उन्होंने सेंटर फॉर ओरल हेल्थ प्रोमोशन के सहयोग से डब्ल्यूएचओ के निदेशक और राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के लिए परियोजना निदेशक के रूप में भूमिका का नेतृत्व प्रदान किया है। उन्हें कुचिंग, मलेशिया में आयोजित 14 से 16 अगस्त, 2014 से आयोजित 6वें एशियाई मुख्य दंत चिकित्सा अधिकारियों की बैठक करने के लिए देश के प्रतिनिधि के रूप में आमंत्रित किया गया था। वे तंबाकू नियंत्रण, स्वास्थ्य और मौखिक स्वास्थ्य जैसे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के विभिन्न कार्यक्रमों के लिए शीर्ष समितियों की सदस्य हैं। वे पटना में जुलाई, 2014 में प्रोफेसर पद के लिए चयन समिति की बैठक के लिए और सीएसआईआर, नई दिल्ली में अगस्त 2014 में वरिष्ठ अनुसंधान एसोसिएट (एसआरए – वैज्ञानिक पूल) बैठक के चयन के लिए सदस्य रही हैं। वे नई दिल्ली में सितंबर 2014 को आयोजित एसोसिएट प्रोफेसर / रीडर (ओरल पैथोलॉजी और ओरल माइक्रोबायोलॉजी) के पद के लिए पदोन्नति हेतु केंद्र सरकार स्वास्थ्य सेवा (सीजीएचएस) डीपीसी के लिए सदस्य थीं।

आचार्य ओ. पी. खरबंदा को भारतीय दंत चिकित्सकीय अनुसंधान संस्थान और इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर डेंटल रिसर्च के 'संस्थापक अध्यक्ष पुरस्कार' से सम्मानित किया गया था। उन्हें भारतीय दंत चिकित्सकीय अनुसंधान संस्थान / इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर डेंटल रिसर्च – भारतीय प्रभाग के निर्वाचित अध्यक्ष के रूप में लिया गया है। उन्हें किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू), लखनऊ के शैक्षणिक परिषद के एक विशेषज्ञ सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। उन्हें '49वें इंडियन ऑर्थोडोंटिक सम्मेलन' के दौरान पहले कोलकाता ऑर्थोडोंटिक अध्ययन समूह व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था और इंटरनेशनल कोंफेडरेशन ऑफ क्लेफ्ट लिप पलटे और संबंधित क्रैनियोफैशियल एनोमैलीस के 'इंटरनेशनल टास्क फोर्स 2017 ऑन क्लेफ्ट लिप एंड पलटे' के सह–अध्यक्ष के रूप में नामित भी थे। वह प्राइम टाइम रिसर्च मीडिया के 'नेशनल डेंटल एक्ससीलेंस एवार्ड 2014' की समिति के अध्यक्ष हैं और उन्हें 'क्लिनिकल पेर्ल्स इन ऑर्थोडोंटिक्स – एन इंडियन बोर्ड ऑफ ऑर्थोडोंटिक्स एवरनेस प्रोग्राम' पर सीडीई कार्यक्रम के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमांत्रित किया गया था। वे डॉ. डी. वाई पाटिल विद्यापीठ यूनिवर्सिटी, पुणे के अनुसंधान सलाहकार बोर्ड के विशेषज्ञ के रूप में सेवारत हैं और मौखिक स्वास्थ्य, जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी के क्षेत्र में अनुसंधान परियाजनाओं की समीक्षा करने के लिए आईसीएमआर के लिए कार्य किया और स्नातकोत्तर अनुसंधान अनुदान के लिए सलाहकार समिति का भाग थे। उन्होंने चौ. चरण सिंह यूनिवर्सिटी, मेरठ में एमडीएस की दीक्षा के निरीक्षण के एक विषय विशेषज्ञ सदस्य के रूप में कार्य किया। उन्होंने महर्षि मर्केदेश्वर यूनिवर्सिटी, टीयू इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिन (टीएमयू) काठमांडू, नेपाल में स्नातकोत्तर परीक्षक के रूप में कार्य किया। उन्हें 1 अगस्त, 2014 पर और 10 जनवरी, 2015 पर 'हेल्थ शो' प्रोग्राम में भाग लेने के लिए लोकसभा टेलीविजन द्वारा

आमंत्रित किया गया था और 10 अक्टूबर, 2014 पर डीडी न्यूज के लिए 'स्वस्थ भारत–डेसी प्रोब्लम्स (डेंटल)' में भाग लेने के लिए दूरदर्शन केंद्र द्वारा भी आमंत्रित किया गया। प्रो. खरबंदा ने मानव रचना डेंटल कॉलेज (एमआरडीसी), फरीदाबाद के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

आचार्य रितु दुग्गल को एसजीटी यूनिवर्सिटी, गुड़गांव में दंत चिकित्सा विज्ञान के संकाय की नैतिक समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। वे शैक्षणिक सत्र 2015–16 के लिए एमडीएस / स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के सीटों / नवीकरण की शुरूआती / वृद्धि के लिए डेंटल कॉलेज की सुनवाई के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित एक विशेषज्ञ समिति सदस्य थीं। उन्हें जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित शीर्षक ''एन इनसाइट इनटु ऑर्थोडोंटिक पोस्ट ग्रेजुएट इजामिनेशन–2015'' के ऑर्थोडोंटिक्स में सीएमई के लिए पैनल सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्होंने चौ. चरण सिंह यूनिवर्सिटी में एमडीएस पाठ्यक्रम में संबद्धता के विस्तार के लिए निरीक्षण किए जाने के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया है। डॉ. दुग्गल ने ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज, फरीदाबाद (हरियाणा), ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज, मंडी (हिमाचल प्रदेश) के लिए शिक्षण संकाय पदों और आईआईटी दिल्ली अस्पताल के लिए चिकित्सा अधिकारी (दंत चिकित्सा) के पद के लिए भर्ती हेतु साक्षात्कार के लिए चयन बोर्ड में एक विशेषज्ञ सदस्य थे। उन्हें इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (आईआईपीए), दिल्ली में 'कैरियर बैलेंस एंड इंटरेक्शन विद् रोल मॉडल' पर पैनल चर्चा में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। वे विज्ञान के संकाय, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ, बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, फरीदकोट, जयपुर डेंटल कॉलेज, जयपुर, पं. बी. डी. शर्मा यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, रोहतक में ऑर्थोडोंटिक्स के विषय में मौखिक और अभ्यास परीक्षा का संचालन करने के लिए एक परीक्षक थीं।

आचार्य अजय रॉयचौधरी डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया के लिए एक निरीक्षक हैं और यह भारत में विभिन्न डेंटल कॉलेजों के लिए मान्यता से संबंधित डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया के निर्णयों की समीक्षा करने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की समिति है। उन्होंने लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश, जॉर्ज यूनिवर्सिटी लखनऊ, ईएसआई अस्पतालों और भारत में छह नए एम्स में चयन समिति के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया है। वे ब्रिटिश जर्नल ऑफ ओरल एंड मैक्सिलोफैशियल सर्जरी, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया, डेंटल ट्रॉमोटोलॉजी और नेशनल जर्नल ऑफ ओरल एंड मैक्सिलोफैशियल सर्जरी के लिए समीक्षक हैं।

डॉ. विजय प्रकाश माथुर ने 3 महीने के लिए राष्ट्रमंडल शिक्षा अध्येतावृत्ति प्राप्त की जिसके दौरान उन्होंने यूनिवर्सिटी कॉलेज, लंदन में महामारी विज्ञान एवं लोक स्वास्थ्य विभाग में कार्य किया। उन्होंने नैदानिक परीक्षणों में प्रतिकूल घटनाओं की निगरानी के लिए सदस्य सचिव और डॉ. जेड. ए. डेंटल कॉलेज, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़ के लिए पेडोडोंटिया हेतु अध्ययन बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्य किया। उन्होंने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के युवा वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के लिए योजना हेतु विशेषज्ञ के रूप में और आईसीएमआर के अल्पावधि छात्रावस्था परियोजनाओं के लिए मूल्यांकन के लिए कार्य किया। वह अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली में अवकाश प्राप्त प्रोफेसरशिप प्रदान किए जाने के लिए मौजूदा दिशा–निर्देशों की समीक्षा के लिए समिति के सदस्य थे और अ. भा. आ. सं. के सुरक्षा और यातायात सलाहकार समिति के सदस्थ्य भी थे। उन्हें भारत के मादक पदार्थ नियंत्रक द्वारा वर्ष 2014 के लिए नेशनल फॉर्मूलरी ऑफ इंडिया के लिए विषय समीक्षा समिति हेतु विषय विशेषज्ञ बनने के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्हें वर्ष 2012–13 के लिए इंडियन डेंटल एसोसिएशन साउथ दिल्ली ब्रांच के सतत दंत चिकित्सा शिक्षा के प्रतिनिधि के रूप में निर्वाचित किया गया था और उन्होंने इंडियन सोसायटी फॉर डेंटल रिसर्च (आईएसडीआर – इंडिया सेक्शन) के कार्यकारिणी सदस्य के रूप में कार्य किया। वे एक्टा ओडोंटोलॉजिका स्कैंडिनाविका और गेरोडोंटोलॉजी के संपादकीय बोर्ड में भी हैं और प्रतिष्ठित कई राष्ट्रीय पत्रिकाओं के लिए समीक्षक हैं।

डॉ. बैद्य को चेत्तीनाद मेडिकल जर्नल के राष्ट्रीय संपादक के रूप में चयनित किया गया था।

10.3 डॉ. बी. आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल

आचार्य एवं अध्यक्ष

जी. के. रथ
(विकिरण अर्बुदविज्ञान)

आचार्य

पी. के. जुल्का (विकिरण अर्बुद विज्ञान)
एन. के. शुक्ला (शल्य चिकित्सा अर्बुद विज्ञान)
सुभाष चंदर (विकिरण अर्बुद विज्ञान)
राजीव कुमार (प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान)
ललित कुमार (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान)
सिद्धार्थ सतपति (अस्पताल प्रशासन)
एस. वी. एस. देव (शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)
संजय थुलकर (विकिरण निदान
सुषमा भटनागर (संवेदनाहरण विज्ञान)
अतुल शर्मा (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान) (दीर्घ अवकाश पर)
समीर बख्शी (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)

अपर आचार्य

सीमा मिश्रा (संवेदनाहरण विज्ञान)
प्रतीक कुमार (चिकित्सा भौतिकी)
डी. एन. शर्मा (विकिरण अर्बुद विज्ञान)
सुमन भास्कर (विकिरण अर्बुद विज्ञान)
रितु गुप्ता (प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान)
सुष्मिता पाथी (विकिरण अर्बुदविज्ञान)

सहायक आचार्य

हरेश के. पी. (विकिरण अर्बुदविज्ञान)
चंद्रशेखर एस. एच. (विकिरण नैदानिकी)
अनीता चोपड़ा (प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान)
सुभाष गुप्ता (विकिरण अर्बुदविज्ञान)
प्रणय तंवर (प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान)
संजीव कुमार गुप्ता (प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान)
अमर रंजन सिंह (प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान)
सुनील कुमार (शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)
मेजर एम. डी. रे (शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)
दुर्गातोष पांडेय (शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)
सच्चिदानंद जी भारती (संवेदनाहरण विज्ञान)
विनोद कुमार (संवेदनाहरण विज्ञान)
राकेश गर्ग (संवेदनाहरण विज्ञान)
निष्कर्ष गुप्ता (संवेदनाहरणविज्ञान)
अजय कुमार गोगिया (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)
रंजित कुमार साहू (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)
प्रभात सिंह मलिक (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)

प्रशासनिक अधिकारी

आर. के. शर्मा

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी

डी. पी. गंगल

भंडार अधिकारी

प्रदीप गुप्ता

संकाय सदस्य	40

रेजीडेंट डॉक्टर	81	समूह 'ए' आधिकारी	27	समूह 'ख' आधिकारिक	338
समूह 'ग' कार्मिक	167	आंशिक समय सामाजिकमार्गदर्शक	06	आउटसोर्स सफाईकर्मचारी	129
आउटसोर्स सुरक्षा कर्मचारी	76	आउटसोर्सडेटा एंट्री ऑपरेटर	18	आउटसोर्स स्वच्छता कर्मचारी	76

विशिष्टताएं

संवेदनाहरण विज्ञान

- संवेदनाहरण विज्ञान, दर्द और प्रशामक देखभाल विभाग के लिए इकाई को उन्नत बनाया जा रहा है।
- दो नए पाठ्यक्रम – एमडी, प्रशामक चिकित्सा और डीएम, ओंको – संवेदनाहरण विज्ञान शुरू किया जा रहा है

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री

- दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री एक जनसंख्या आधारित कैंसर रजिस्ट्री है जो कि 169 से अधिक सरकारी अथवा निजी अस्पतालों / केंद्रों, 250 नर्सिंग होम्स तथा एम सी डी और एन डी एम सी के प्रमुख सांख्यिकी प्रभाग से कैंसर रोगियों का डेटा एकत्र करती है और दिल्ली के शहरी निवासियों में विभिन्न प्रकार के कैंसर के मामलों की जानकारी देती हैं। 1988 में जब रजिस्ट्री की स्थापना हुई थी तो इसने 5854 कैंसर के नए मामले पंजीकृत किए थे और पिछले कई वर्षों में कैंसर के नए मामलों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है और 2009 में पंजीकृत मामलों की संख्या 15244 थी। रजिस्ट्री द्वारा तैयार की गई रिपोर्टों का अनुसंधानकर्ताओं, सरकारी संगठनों इत्यादि द्वारा व्यापक प्रयोग किया जाता है।

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

- डॉ. राजीव कुमार, डॉ संजीव गुप्ता और डॉ अनीता चोपड़ा तीव्र लिम्फोब्लासटिक ल्यूकेमिया के लिए आईसाइकिल प्रोटोकॉल में शामिल हो गए हैं। भारत में कई केंद्रों के साथ ही ब्रिटेन के प्रवाह यूरो समूह के लिए यह पहला बड़ा बहु संस्थागत प्रोटोकॉल आधारित अध्ययन है जिसे विकसित किया जा रहा है।
- ल्यूकेमिया के लिए उन्नत कार्य – आईआरसीएच और एम्स के मुख्य अस्पताल के लिए यह प्रयोगशाला सेवा प्रदान करती है जिसका विस्तार किया गया है।

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

- चिकित्सा अर्बुद विज्ञान विभाग रोगियों की देखभाल, अनुसंधान और शिक्षण का कार्य सक्रियता से करता है। इस विभाग में नियमित डी एम (14 छात्र) और पी एच डी (5 छात्र) और समर ट्रेनिंग प्रोग्राम होते हैं। इसके विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय मेडिकल जर्नल्स में कुल 64 शोध पत्र प्रकाशित हुए हैं और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय बैठकों में 25 से अधिक आमंत्रित व्याख्यान हुए हैं। चिकित्सा अर्बुद विज्ञान संकाय को डी एम परीक्षक के रूप में भारत के कई विश्व विद्यालयों द्वारा आमंत्रित किया गया। पी जी छात्रों के लिए पांच 'इन हाउस' संगोष्ठियों का आयोजन किया गया।
- यह विभाग अनुसंधान क्षेत्र में भी सक्रिय है; वर्तमान में यहां पर विभिन्न अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी और गैर सरकारी एजेंसियों द्वारा वित्तपोषित 13 अनुसंधान परियोजनाएं चल रही हैं और 05 अनुसंधान परियोजनाएं हाल ही में पूरी हुई हैं। यहां पर रोगियों की देखभाल के लिए नियमित प्रयोगशाला सेवा है जिसमें सी एम एल रोगियों के लिए साइटोजेनेटिक्स और पी सी आर सुविधाएं, स्टेम सेल प्राप्त कर्ताओं के लिए सी डी 34 इन्युमरेशन और क्रायोप्रीजरवेशन सुविधाएं शामिल हैं।
- यह सब कड़ी मेहनत और गंभीर प्रयासों के साथ संभव हो हुआ था, जो विभाग के सभी सदस्यों ने किया।

चिकित्सा भौतिकी

- चिकित्सा भौतिकी विभाग एम्स में एक्स रे का प्रयोग करने वाली सभी मेडिकल इमेजिंग मशीनों के विकिरण सुरक्षा पहलू को देखता है क्योंकि संविधि के अनुसार यह अनिवार्य है। यह विभाग डॉ. बी आर ए आई आर सी एच, सी. एन. सेंटर, डेंटल सेंटर, आर. पी. सेंटर फॉर आप्थैलमिक साइंसेज, रेडियोलॉजी, ऑर्थोपीडिक्स, यूरोलॉजी और एनेस्थीसिया विभाग, ट्रॉमा सेंटर और न्यूरोसर्जरी विभाग की विकिरण

मात्रा और सेवाओं को अनुकूल बनाने तथा इनके संबंध में आवधिक रूप से गुणवत्ता आश्वासन संबंधी उपाय करने का कार्य भी करता है। 2014 – 15 के दौरान कुल मिलाकर 3618 मापन, परीक्षण, प्रयोग, एक्स पोजर्स और ब्लड बैग इरेडिएशन किए गए। वर्तमान में विभाग सभी एक्स रे उत्सर्जक मशीनों तथा विकिरण संबंधी कार्य करने वालों को परमाणु ऊर्जा विनियामक बोर्ड मुंबई में पंजीकृत कर रहा है। विभाग का चिकित्सा भौतिकी में सक्रिय अनुसंधान कार्यक्रम (पीएचडी) है जिसमें मेडिकल इमेजिंग और डोसीमीटरी शामिल है।

शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

- विभाग के सभी संकाय सदस्यों ने स्नातकपूर्व और स्नातकोत्तर शिक्षण में भाग लिया और 27 वरिष्ठ रेजीडेंट्स को प्रशिक्षण दिया जिनमें 15 एम.सीएच छात्र और 12 गैर शैक्षणिक वरिष्ठ रेजीडेंट थे। विभागीय संकाय एमसीएच शिक्षण, प्रशिक्षण और उनके थीसिस कार्य में मार्गदर्शन करता है। संकाय ने विकिरण अर्बुद विज्ञान, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, जैव रसायन, जैव प्रौद्योगिकी जेरिएट्रिक मेडिसिन इत्यादि सहित विभिन्न विभागों के थीसिस कार्य में सह मार्गदर्शक के रूप में भी कार्य किया। उन्होंने 34 सीएमई कार्यक्रमों में भाग लिया, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में व्याख्यान दिए, पैनल चर्चा में भाग लिया और शैक्षणिक वीडियो प्रस्तुत किए। विभाग के संकाय और रेजीडेंट्स ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में 20 शोधपत्र प्रस्तुत किए। विभाग 11 शोध परियोजनाओं और 6 सहयोगात्मक शोध परियोजनाओं में शामिल है और वर्ष के दौरान 02 विभागीय और 02 सहयोगात्मक शोाध परियोजनाएं पूरी हुई हैं। 1 पुस्तक और पत्रिकाओं में 02 सार सहित कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा पत्रिकाओं में 18 शोध पत्र प्रकाशित हुए हैं। संकाय और रेजीडेंट्स स्तन कैंसर, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर, सिर एवं ग्रीवा कैंसर, गायनोकोलॉजिकल कैंसर, अस्थि एवं सॉफ्ट टिशू ट्यूमर्स, वक्ष कैंसर, हिपैटोबाइलियरी पैनक्रिएटिक कैंसर और जेनिटोयूरिनरी कैंसर पर आयोजित विशेष कैंसर क्लिनिक्स में भाग ले रहे हैं। मंगलवार और गुरुवार को 2 सर्जिकल ओंकोलॉजी ओ पी डी चलाई जाती हैं। विभाग कैंसर रोगियों को बड़े और छोटे ऑपरेशन की सुविधाएं दे रहा है। वर्ष के दौरान 1388 जटिल एवं बड़े ऑपरेशन, 6814 लघु ऑपरेशन और कई नैदानिक और चिकित्सीय एंडोस्कोपी प्रक्रियाएं की गई। ओस्टोमैट्स को परामर्श देने आकाशवाणी पर वार्ता प्रस्तुत करने तथा एन जी ओ द्वारा आयोजित जागरुकता शिविरों में भाग लेने के द्वारा संकाय ने सामुदायिक सेवाओं में भागीदारी दी। संकाय संपादकीय मंडलों के सदस्य हैं, शोध – पत्रों के समीक्षक है और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय निकायों केसदस्य हैं। संकाय सदस्यों ने विभिन्न चिकित्सा महा विद्यालयों और संस्थानों के एम सी एच सर्जिकल, ओंकोलॉजी और एम एस सर्जरी परीक्षाओं के परीक्षक के रूप में कार्य किया। उन्होंने अखिल भारतीय एम बी बी एस और स्नातकोत्तर परीक्षाओं के आयोजन में भी भाग लिया।

शिक्षा

संवेदनाहरण विज्ञान

आई सी यू में नर्सों, नर्सिंग छात्रों, ओ टी तकनीशियनों और सहयोगी स्टाफ के लिए अभिविन्यास कक्षाएं। ऑपरेशन थिएटर और उपशामक देखभाल इकाई।

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

- प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान द्वारा विकृति विज्ञान तथा प्रयोगशाला काय चिकित्सा में रेजीडेंट को आकारिकी, मायलोमा और फ्लोसाइटोमेट्री प्रशिक्षण दिए जाते हैं। इसके अलावा चिकित्सा अर्बुदविज्ञान और बाल रोग विज्ञान से आने वाले रेजीडेंट को भी प्रशिक्षण दिया जाता है। भारत के विभिन्न कॉलेजों से आने वाले एम एससी छात्रों को अल्पावधि प्रशिक्षण दिया जाता है।

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

स्नातक पूर्व :

व्याख्यान / सेमिनार की संख्या	सेमिनार 2, व्याख्यान – 2	व्याख्यान / सेमिनार की संख्या	सेमिनार 2, व्याख्यान – 2
क्लिनिकल प्रशिक्षण, प्रदर्शन / ट्यूटोरियल में बिताए गए प्रति सप्ताह / प्रति वर्ष घंटे			6 घंटे प्रति सेमेस्टर

डी एम कार्यक्रम :

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान द्वारा एक डी एम कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिसके तहत 14 नियमित छात्र हैं।

पी एच डी प्रशिक्षण :

पांच पी एच डी विद्यार्थी चिकित्सा अर्बुद विज्ञान के विभिन्न पक्षों में यह कार्य कर रहे हैं।

चिकित्सा भौतिकी

- चिकित्सा भौतिकी यूनिट एम डी रेडियोलॉजी, एम बी बी एस, बी एस सी (ऑनर्स) नर्सिंग एवं बी एस सी (ऑनर्स) रेडियोग्राफी कर रहे विद्यार्थियों के लिए विकिरण सुरक्षा, विकिरण भौतिकी एवं विकिरण विज्ञानात्मक इमेजिंग में गुणवत्ता के क्षेत्र में शिक्षा प्रदान करने में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है। यूनिट में एक को वर्ष के दौरान पीएच डी प्रदान की गई थी और शेष 3 पी एच डी के छात्र कर रहे हैं।

विकिरण निदान

- विभाग ने रेडियो–सम्मेलनों सहित नियमित शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया, यूजी और पीजी शिक्षण में भागीदारी के रूप में सौंपा। संकाय ने आर आई सी एच और संस्थान में आयोजित विभिन्न संगोष्ठियों में भाग लिया।

शल्यचिकित्सा अर्बुदविज्ञान

- स्नातक पूर्व शिक्षण : संकाय ने शिक्षात्मक व्याख्यानों द्वारा तथा ओंकोलॉजीकल विषयों पर आयोजित संगोष्ठियों में भाग लेकर / उनके संचालन द्वारा स्नातक – पूर्व शिक्षण में भाग लिया।
- स्नातकोत्तर शिक्षण : संकाय ने शिक्षात्मक व्याख्यानों, संगोष्ठियों, जर्नल क्लबों इत्यादि के संचालन तथा वार्ड दौरों के दौरान और आई आर सी एच के विशेष कैंसर क्लिनिकों में नैदानिक शिक्षण के माध्यम से 15 एम सी एच सर्जिकल ओंकोलॉजी के छात्रों और 12 सर्जिकल ओंकोलॉजी के सीनियर रेजीडेंट्स, डी एम मेडिकल ओंकोलॉजी रेजीडेंट्स और एम डी रेडियो थेरेपी जूनियर रेजीडेंट्स को शिक्षण और प्रशिक्षण प्रदान किया। डॉ. शुक्ला और डॉ. देव ने एम सी एच सर्जिकल ओंकोलॉजी के छात्रों की थीसिस हेतु प्रमुख एवं सह मार्गदर्शक के रूप में कार्य किया। उन्होंने डी एम मेडिकल ओंकोलॉजी थीसिस, एम डी रेडियो डायग्नोसिस, एम डी रेडिएशन ओंकोलॉजी थीसिस और बी आर ए आई आर सी एच और एम्स के विभिन्न विभागों के पी एच डी छात्रों के सह मार्गदर्शक और सह – पर्यवेक्षक के रूप में भी कार्य किया। संकाय ने आर सी सी तिरुवनंतपुरम के डेंटल सर्जरी के छात्रों तथा एम सी एच छात्रों ने अध्यापन और प्रशिक्षण कार्यक्रम में भी भाग लिया जो कि एक माह के रोटेशन पर तैनात थे।
- पैरा नैदानिक शिक्षण / प्रशिक्षण : संकाय बीएससी के नर्सिंग छात्रों को शिक्षण में शामिल किया गया था।
- लघु और दीर्घ अवधि प्रशिक्षण :
  1. डॉ. धान सिंह तोमर एम सी एच छात्र – 2 जनवरी, 2015 से 30 मार्च 2015 तक 2 महीने।
  2. मलेशिया से डॉ. डाफ्ने एंटोनीसामी – 1 मार्च 2015 से 31 अगस्त 2015 तक 6 महीने।
  3. डॉ. अरविंद कुमार – 16 फ़रवरी 2015 से 15 अगस्त 2015 तक 6 महीने।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

संवेदनाहरणविज्ञान

1. प्रशामक देखभाल में चौथा वार्षिक फाउंडेशन पाठ्यक्रम; 21 – 23 मार्च 2015; जे एल एन सभागार, एम्स, नई दिल्ली।
2. भारतीय प्रशामक देखभाल संघ का प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम का कार्यक्रम 12, 13 जुलाई 2014; डॉ. बी आर अम्बेडकर इंस्टीट्यूट रोटरी कैंसर अस्पताल; नई दिल्ली।
3. विजया गोट्टुमककला, प्रोफेसर, संवेदनाहरणविज्ञान और ऑपरेशन पूर्व चिकित्सा विभाग, डिप्टी ह्यूस्टन, टेक्सास 77030, सलाहकार संवेदनाहरणविज्ञान, एम डी एंडरसन, ने केंद्र का दौरा किया और अतिथि व्याख्यान, 2014 दिया।
4. डॉ. गिरीश जोशी, सलाहकार संवेदनाहरणविज्ञान, अमेरिका ने केंद्र का दौरा किया और अतिथि व्याख्यान, 2014 दिया।
5. ''अल्ट्रासाउंड निर्देशित तंत्रिका ब्लॉक और प्रशामक देखभाल'' पर कार्यशाला का आयोजन, 17 मई 14, एम्स, जोधपुर।
6. कैंसर सी एम ई पर आयोजित जागरूकता सत्र – बीएसएफ अस्पताल जालंधर में 17 मई 14 को प्रशामक देखभाल।

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

1. 7वीं सायटोमेट्री सोसायटी की बैठक तथा 15वीं भारत – अमेरिका नैदानिक सायटोमेट्री कार्यशाला 25 – 27 अक्टूबर 2014, एम्स, डॉ. राजीव कुमार, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, प्रयोगशाला कैंसर विज्ञान इकाई, डॉ. बी आर ए आई आर सी एच, एम्स, नई दिल्ली द्वारा नई दिल्ली में आयोजित।

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

1. संगोष्ठी कक्ष, आई आर सी एच में 8 सितंबर, 2014 को ''रोगाणु सेल ट्यूमर के प्रबंधन'' पर संगोष्ठी।
2. संगोष्ठी कक्ष, आई आर सी एच में 15 नवंबर 2014 को ''सीआरपीसी के प्रबंधन'' पर संगोष्ठी।
3. संगोष्ठी कक्ष, आई आर सी में 24 नवंबर, 2014 को ट्रिपल ऋणात्मक स्तन कैंसर पर संगोष्ठी।
4. संगोष्ठी कक्ष, आई आर सी एच में 31 जनवरी 2015 को ''प्राथमिक सी एन एस लिंफोमा'' पर संगोष्ठी।
5. उन्नत एन एस सी एल सी प्रबंधन पर पी. जी. छात्र के लिए संगोष्ठी : एक मामला आधारित चर्चा'' संगोष्ठी कक्ष, आईआरसीएच में 18/04/2015 को आयोजित किया गया था।

प्रदत्त व्याख्यान

संवेदनाहरण विज्ञान

सुषमा भटनागर : 17	सीमा मिश्रा : 10	राकेश गर्ग : 18	निष्कर्ष गुप्ता : 10
विनोद कुमार : 1	सच्चिदानंद जी भारती : 4		
दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री एन. मनोहरण : 5			
प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान			
राजीव कुमार : 1	रितु गुप्ता : 5	संजीव कुमार गुप्ता : 1	प्रणय तंवर : 3
अमर रंजन : 1 चिकित्सा अर्बुदविज्ञान			
ललित कुमार : 9	समीर बक्शी : 16	रंजित कुमार साहू : 6	
चिकित्सा भौतिकी प्रतीक कुमार : 5			
विकिरण निदान			
संजय थुलकर : 6	चंद्रशेखर एस. एच. : 9		
विकिरण अर्बुदविज्ञान			
जी. के. रथ : 9	सुभाष चंदर : 2	डी. एन. शर्मा : 10	सुष्मिता पाथी : 4
सुभाष गुप्ता : 3	हरेश के. पी. : 3	अहिताग्नि बिस्वास : 1	
चिकित्सा भौतिकी वी. सुब्रामणि – 6			
शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान			
एन. के. शुक्ला – 6	एस. वी. एस. देव : 18	सुनील कुमार : 8	एम. डी. रे : 3
शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान			
मौखिक शोध पत्र / पोस्टर प्रस्तुतीकरण			
संवेदनाहरण विज्ञान : 9	दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री : 2	प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान : 13	
चिकित्सा अर्बुदविज्ञान : 11	चिकित्सा भौतिकी : 3	विकिरण निदान : 5	
शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान : 13	शल्यचिकित्सा अर्बुदविज्ञान : 20		

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजना

संवेदनाहरणविज्ञान

जारी

1. सिर और गर्दन के कैंसर की सर्जरी के दौर से गुजरने वाले रोगियों में इंट्राऑपरेटिव हाइपोथर्मिया पर एमिनो एसिड समृद्ध समाधान प्रबलित एयर वार्मिंग और निषेचन का तुलनात्मक मूल्यांकन : एक भावी यादृच्छिक अध्ययन। डॉ. निष्कर्ष गुप्ता, एम्स; 2013 – 15; 4 लाख रु.।
2. एप्रीपिटेंट वर्सस डेक्सामेथेसोन फॉर प्रीवेंटिंग पोस्टऑपरेटिव नौसिस एण्ड वोमिटिंग इन ब्रेस्ट कैंसर पेशेंट्स; डॉ. सचिदान्नद जी भारती; एम्स; 2014 – 16; 1 लाख रुपए।

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री

जारी

1. इस्टेब्लिशमेंट ऑफ हॉस्पिटल बेस्ड कैंसर रजिस्टरिज़ एण्ड पैटर्नस ऑफ केयर एण्ड सर्वाइकल स्टडीज़ ऑन कैंसर ब्रेस्ट, कैंसर सर्विक्स एण्ड हैड एण्ड नेक कैंसर्स; डॉ. एस. वी. एस. देव; नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम, नेशनल सेंटर फॉर डिजीज इंफोर्मेटिक्स एण्ड रिसर्च, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, बैंगलोर; 2014 – 17; 31,00,000 रुपए, प्रति वर्ष (अनुमानित)।

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

जारी

1. कीटोजेनेटिकली मानक तीव्र मायेलोइड ल्यूकेमिया का आण्विक विश्लेषण; डी बी टी; 2014 – 16; 5161008 रुपए।
2. विल्मस ट्यूमर में समग्र मेथिलिकरण पैटर्न का विश्लेषण; अनीता चोपड़ा (सह–अन्वेषक); एम्स; 2014 – 15; 500,000 रुपए।
3. चिरकारी लिम्फोसाइटिक ल्यूकेमिया में डी एन ए मेथिलेशन की पूर्वानुमानिक संगति, रितु गुप्ता, डी बी टी, 3 वर्ष, 50,41,000 रुपए।
4. माइक्रो आर एन ए संग्राहक जीन अभिव्यक्ति के संदर्भ में मायेलोमा जीनोम पूछताछ; रितु गुप्ता; डी बी टी; 2011 – 14; 69,74,000 रुपए।
5. डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट ऑफ ल्यूकोएनालाइजर, अन ऑटोमेटिड कंप्यूटर असिस्टेड टूल, फॉर मिनिमल रेजिड्यूल डिजीज एस्टीमेशन (एम आर डी) इन बी–लीनेज एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (ऑल) यूजिंग इमेज प्रोसेसिंग टेकनिक्स; रितु गुप्ता; डीईआईटीवाय; 2014 – 17, 46,67,000 रुपए।
6. एजुकेशन ऑफ पैथोलॉजिकली रिलिवेंट एमआईआरएनए रिस्पोंसिबल फॉर डिजीज प्रोग्रेशन एण्ड रेसिस्टेंस टू कीमोथेरेपी इन क्रोनिक लिम्फोसायटिक ल्यूकेमिया (सीएलएल); रितु गुप्ता; डी बी टी; 2015 –18, 1,05,00,000 रुपए।
7. बी सेल तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में आई के जेड एफ 1 (इकारोस) उत्परिवर्तन; डॉ. संजीव गुप्ता; एम्स; 2013 – 2015; 9,00,000 रुपए।
8. प्राथमिक स्तन कैंसर के हार्मोन रिसेप्टर (एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन) सकारात्मक और एचईआर2 के रिसेप्टर नकारात्मक मामलों में एफजीएफआर 1, एफजीएफआर2, साइक्लिन डी 1 और पीआईके3सीए और पीआईके3सीए उत्परिवर्तन की अभिव्यक्ति का मूल्यांकन, प्रणय तंवर, डीएसटी; 2014 – 2017; 25,00,000 रुपए।
9. तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया और उपचार की प्रतिक्रिया के साथ उनके परिणाम सम्बंधित के डी नोवो मामलों में विलम का ट्यूमर 1 (डब्ल्यू टी 1) उत्परिवर्तन का मूल्यांकन करने के लिए एक भावी अध्ययन। प्रणय तंवर, एम्स; 2014 – 16; 2,00,000 रुपए।

पूर्ण

1. क्लोनल टी–सेल रिसेप्टर जीन पुनर्निर्माण की एक कम लागत वाली पीसीआर विश्लेषण द्वारा टी –लिनिएज तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में अल्पतम अवशिष्ट रोग की जांच, डॉ. अनीता चोपड़ा, एम्स, 2012–14; 9,85,400 रुपए।
2. बहुविध मायलोमा का पैथोबायोलॉजी में टी एच 17 कोशिकाएं, डॉ. रितु गुप्ता, डी एस टी, 2012 – 14; 20,23,200 रुपए।
3. बहुविध मायलोमा में नेचुरल किलर एवं टी – लिम्फोसाइट सब्सेट विश्लेषण, डॉ. रितु गुप्ता; आई सी एम आर; 2011 – 14; फैलोशिप अनुदान।
4. सी एल एल में एक व्यापक आण्विक स्कोर की ओर, डॉ. रितु गुप्ता, एम्स, 2012 – 14; 10,00,000 रुपए।

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

जारी

1. मोबाइल फोन प्रयोक्ताओं में कैंसर का जोखिम : डॉ. ललित कुमार; आई सी एम आर; 2012 – 15; 11,74458 रुपए।
2. उच्च एपिथेलियल अण्डाशय कैंसर हेतु प्रत्येक 3 सप्ताह में कार्बोप्लेटिन के सम्मिश्रण के साथ साप्ताहिक पेक्लीटिक्सल : डॉ. ललित कुमार; जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार; अक्तूबर 2010 – अक्तूबर 2015; 1795000 रुपए।
3. एपिथेलियल अण्डाशय कैंसर फैलोपियन ट्यूब कार्सिनोमा अथवा प्रारंभिक पेरीटोनियल कार्सिनोमा के प्रथम पंक्ति उपचार के रूप में कार्बोप्लेटिन पैक्लीटेक्सल में बेबासिजुमेब के सम्मिलन का मूल्यांकन करना, डॉ. ललित कुमार; रॉश प्रोडक्ट; नवंबर 2011 – अक्तूबर 2015; 5,40,000 रुपए।
4. चिरकारी मायलेजिनियस ल्यूकीमिया वाले रोगियों में निलोटिनिब की तुलना में इमेटिनिब डोज़ ऑप्टीमाइजेशन का यादृच्छिक फेज 3 अध्ययन एवं मानक डोज़ हेतु सब ऑप्टीमल प्रतिक्रिया, डॉ. ललित कुमार; नोवार्टिस इंडिया लि.। अक्तूबर 2011 – दिसम्बर 2016, 1,5,00,000 रुपए।
5. नॉन हॉजकिन्स लिम्फोमा में रीटुक्सिमेब (जिनोटिक) की सुरक्षा एवं प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन करने के लिए एक बहुकेंद्रिक ओपन लेबल फेज़ 3 अध्ययन, डॉ. ललित कुमार; रैनबैक्सी फाउंडेशन, गुड़गांव; फरवरी 2010 – अगस्त 2015, 4,68,000 रुपए।
6. आइडेंटिफिकेशन ऑफ प्रोग्नोस्टिक मार्कर इन पेशेंट्स ऑफ मल्टीपल मायलोमा विद् लाइट चेन इंड्यूस्ड रिनल फेलर पीरियड; डॉ. ललित कुमार; आई सी एम आर; 2013 – 2015; 2,04750 रुपए।
7. मल्टीपल मायलोमा में बोन मैरो माइक्रोएन्वायर्नमेंट का अध्ययन; डॉ. ललित कुमार; एम्स; 2012–2013, 5,00,000 रुपए।
8. मायलोमा में एन एफ – के बी मार्ग का अध्ययन; डॉ. ललित कुमार; एम्स; 2013–2014, 5,00,000 रुपए।
9. एम. एम. में आण्विक आनुवंशिकी का अध्ययन; डॉ. ललित कुमार; डी बी टी; 2015–2018, 45,00,000 रुपए।
10. क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया (सी एम एल) में प्रतिक्रिया आकलन का मानकीकरण, डॉ. समीर बख्शी, डी बी टी, 2011–15; 71.48 लाख रुपए।
11. तीव्र मायेलॉइड ल्यूकेमिया में माइटोकॉन्ड्रियल डी एन ए नियामक क्षेत्र में परिवर्तन के नैदानिक और जैविक महत्व का अध्ययन, डॉ. समीर बख्शी, डी बी टी, 2013–2016; 45.75 लाख रुपए।
12. रिलेप्स्ड दीर्घकालिक लिम्फोसाईटिक ल्यूकेमिया के साथ विषयों में फ्लुडेराडाइन – साइक्लोफॉस्फेमाइड बनाम फ्लुडेरेबाइन – साइक्लोफॉस्फेमाइड संयोजन से जुड़े ओफेटुमुमेब के एक तीसरे चरण, खुले लेबल, यादृच्छिक परीक्षण। डॉ. समीर बख्शी, ग्लेक्सो स्मिथ क्लाइन, 2011 – 2017; 9 लाख रुपए।
13. दीर्घकालिक लिम्फोसाईटिक ल्यूकेमिया के साथ पहले से अनुपचारित रोगियों में ओफेटुमुमैब – क्लोरेम्बुसिल संयोजन बनाम क्लोरेम्बुसिल मोनोथेरैपी के एक तीसरे चरण, खुले लेबल, यादृच्छिक बहुकेंद्रिक परीक्षण। डॉ. समीर बख्शी, ग्लेक्सो स्मिथ क्लाइन, 2011 – 2017; 13 लाख रुपए।

पूर्ण

1. कार्बोप्लेटिन एवं टेक्सेन के मिश्रण के साथ साप्ताहिक फर्लेटुजुमेब (एम ओ आर ए बी – 003) की प्रभावोत्पादकता एवं सुरक्षा का निर्धारण करने के लिए एक यादृच्छिक, दोहरा, प्लेसिबो नियंत्रित फेज 3 अध्ययन, डॉ. ललित कुमार; मोर्फोटेक, इंक, यू एस ए; अगस्त 2010 से 2014; 10,00,000 रुपए।
2. बहुविध मायलोमा हेतु लिनालिडोमाइड सहित अल्प डोज़ डेक्सामिथेसोन बनाम थैलिडमाइड बनाम अल्प डोज़ डेक्सामिथोसॉन; डॉ. ललित कुमार, डॉ. रेड्डीज लैब प्रा. लि.; अगस्त 2008 – जारी; अगस्त 2008 – जारी; 12,00,000 रुपए।
3. गैर हॉगकिंस लिंफोमा में संवहनी एंडोथिलियल वृद्धि कारक की अभिव्यक्ति का आकलन : एक भावी अध्ययन। डॉ. समीर बख्शी; एम्स, 2013–2014, 5,00000 रुपए।
4. बच्चों, किशोरों और युवा वयस्कों में उपचार और तीव्र लिम्फोब्लासटिक ल्यूकेमिया की विशेषता समीर बख्शी, अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क ऑफ कैंसर ट्रीटमेंट एण्ड रिसर्च एण्ड सर रतन टाटा ट्रस्ट, 2005 – 2014; 4.5 लाख रुपए /वर्ष नैदानिक प्रबंधन हेतु।

5. उच्च डोज़ मेथोट्रिजेट की फार्माकोकाइनेटिक एवं टोक्सिसिटी प्रोफाइल : भारतीय बच्चों में सीरम क्रिएटिनाइन एवं एम टी एच एफ आर पोलीमोर्फिज्मस के साथ संबंध, डॉ. समीर बख्शी, जे आई वी डी ए वाई ए फाउण्डेशन; 2008 – 2014; 8 लाख रुपए / वर्ष।

चिकित्सा भौतिकी

1. कोरोनरी धमनी प्लाक का मूल्यांकन, डॉ. प्रतीक कुमार, आई सी एम आर, 2011–14, 25,58,783 रुपए।

विकिरण अर्बुदविज्ञान

1. सहायक कीमोथेरेपी / रेडियोथेरेपी से उपचारित गैर मेटास्टेटिक स्तन कैंसर वाले रोगियों में आयुष क्यू ओ एल – 2 सी के साथ जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने के लिए एक प्रायोगिक अध्ययन एवं आण्विक मार्कर्स के साथ इसका सह संबंध, जी. के. रथ, केन्द्रीय आयुर्वेद एवं सिद्ध अनुसंधान परिषद, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 2010–15, 51,45,777 रुपए।
2. ग्रीवा कार्सिनोमा में इंटरस्टिशियल ब्रैकीथेरेपी पीईटी–सीटी निर्देशित; डॉ. डी. एन. शर्मा; एम्स; 2012 – 2015; प्रतिशत लाख रुपए।
3. स्थानीय रूप से उन्नत मलाशय के कैंसर में न्यूएडजुवेंट मोरेडियोथेरेपी की प्रतिक्रिया के लिए भविष्य उत्तरदायी बायोमार्कर; डॉ. एस. पाथी; एम्स; 2013 – 14; 5 लाख रुपए।
4. दिल्ली के एक तृतीयक देखभाल संस्थान में जीवन निम्नलिखित उपचार के गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर और उनकी गुणवत्ता के साथ महिलाओं के एक क्लिनिको महामारी विज्ञान का उन्नत अध्ययन। डॉ. सुभाष गुप्ता; एल एच एम सी; 2013 – 15; 0 रुपए।
5. एचपीवी पॉजिटिव कार्सिनोमा गर्भाशय ग्रीवा सेल लाइनों में रेडियोथेरेपी के अतिरिक्त एंटीवायरल एजेंट और हर्बल फार्मूलों की ट्यूमरिसिडल प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक पायलट अध्ययन, डॉ. हरेष के पी, एम्स, 2013; लाख रुपए।
6. कीमोथेरेपी से उद्दीपित थ्रोम्बोसाइटोपेनिया के प्रबंधन में यू पी एल ए टी के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक भविष्यलक्षी अध्ययन। डॉ. हरेष के पी; संत फार्मास्युटिकल्स; 2013–15; 1,90,000 रुपए।
7. पोस्टऑपरेटिव हाइपो फ्रैक्शनेटिड एक्सिलेरेटिड इंटेंसिटी मॉड्यूलेटिड रेडियोथेरेपी विद् कंकरेंट एण्ड एडजुवेंट टेमोजोलोमाइड इन द मैनेजमेंट ऑफ न्युअली डायग्नोस्ड ग्लियोब्लास्टोमा; अहिताग्नी बिस्वास; काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एण्ड इंडस्ट्रीयल रिसर्च, इंडिया (सीएसआईआर पूल प्रोजेक्ट); 2012 – 2014; 55,000 रुपए / माह।

शल्यक अर्बुदविज्ञान

जारी

1. स्तन, सिर और गर्दन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर में देखभाल और अस्तित्व के अध्ययन का पैटर्न। डॉ. एस वी एस. देव; आई सी एम आर; 2014 – वर्तमान; 700,000 रुपए।
2. सी आर सी; डॉ. एस वी एस देव; सी डी फार्मा इंडिया; 2010 – 15; शून्य रुपए में एस्पिरिन / प्लेसिबो।
3. कीमोथेरेपी दस्त परीक्षण प्रेरित; डॉ. एस वी एस. देव; एस सी आर आई सिंगापुर; 2012 – करंट; 700,000 रुपए।
4. इंडोक्स कैंसर नेटवर्क; डॉ. एस वी एस. देव; ऑक्सफोर्ड यू के; 2006 – 15; 500,000 लाख रु.
5. टी एन बी सी मेटास्टेटिक में बी ई वी + जी ई एम + सी ए आर बी का चरण 2 परीक्षण; डॉ. एस वी एस. देव; रोच; 2011 – 15; 300,000 रुपए।
6. ओपन लेबल स्टडी ऑफ नेराटिनिंब + पाली वीएस ट्रेस्अुजुमैब + पैक्ली इन फर्स्ट लोकली रिकरेंट ऑर मेटास्टेटिक ब्रेस्ट कैंसर डॉ. एस वी एस. देव; डब्ल्यू वाय ई टी एच; 2009 – 16; 200,000 रुपए।
7. एवेल्युशन ऑफ डिफ्युजन वेटिड मैग्नेटिक रेसोनेंस इमेजिंग फॉर अस्सेमेंट ऑफ रिस्पोंस टू नियो एडजुवेंट कीमोथेरेपी इन एडवांस्ड स्क्वेमस सैल कार्सिनोमा ऑफ ओरल केविटी; डॉ. सुनील कुमार; एम्स; 2014 – 15; 1 लाख रुपए।
8. रोल ऑफ फाइब्रिन सीलेंट इन इलियो इंगौनल ब्लॉक डिसेक्शन टू रिड्यूस द रेट ऑफ लिम्फेटिक ड्रेनेज एण्ड सेरोमा फॉर्मेशन, थेरेपी मोर्बिडिटी; डॉ. एम डी रे; एम्स; 2014 – 15; 60,000 रुपए।
9. म्युटेशन एण्ड एक्सप्रेशन एनालाइसिस ऑफ आर ए एस एस एफ आई ए, एफ ए टी 4 एण्ड एल ए टी एस2 जीन इन इसोफेगल कैंसर पेशेंट्स; एन के शुक्ला, एस ए हुसैन; 2014 – 15; शून्य।

10. भारतीय स्तन कैंसर के रोगियों में फोक्सो जीन परिवार की अभिव्यक्ति का अध्ययन; एन के शुक्ला, एस ए हुसैन; 2014 – 15; शून्य रुपए।

11. पैटर्न एण्ड एसोसिएटिड फैक्टर्स ऑफ लिम्फ नोड इंवोल्वमेंट एण्ड लोकल रिकरेंस अमंग ओरल कैंसर पेशेंट्स : बायोस्टेस्टिकल कोंसिडरेशंस; डॉ. एस वी एस देव; 2014 – 15; शून्य रुपए।

पूर्ण

1 एवेल्युशन ऑफ क्लिनिकोपैथोलोजिक कैरेक्टराइस्टिक्स, ट्रीटमेंट आउटकम एण्ड प्रोग्नोस्टिक फैक्टर्स इन पेशेंट्स विद सॉफ्ट टिशू सार्कोमा; डॉ. एन के शुक्ला, डॉ. एस वी एस देव; 2013 – 15; शून्य रुपए।

2. ईआरबीबी 2+ स्तन कैंसर में यादशच्छिक डबल नेत्रहीन प्लेसिबो नियंत्रित लेपेटिनिब; डॉ. एस वी एस देव; जी एस के; 2007 – 15; 500,000 रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

संवेदनाहरण विज्ञान

जारी

1. टू एवेल्युएट द इफैक्टिवनेस ऑफ न्यूट्रिशनल काउंसलिंग एण्ड 'लिम्प्रोव्ड अट्टा'' सप्लीमेंटेशन इन डेलेयिंग प्रोग्रेशन ऑफ कैकैक्सिया टू रिफ्रैक्टरी कैकैक्सिया इन एडल्ट कैंसर पेशेंट्स इन इंडियन पॉपुलेशन।
2. पोषण की स्थिति के बीच संबंध का आकलन करना और वयस्क उपशामक भारतीय कैंसर रोगियों में जीवन की गुणवत्ता।
3. टू अस्से द रोल ऑफ रेस्पीरेटरी फिजियोथेरेपी इन द इफैक्टिवनेस ऑफ प्ल्यूरोडेसिस इन एडल्ट पेशेंट्स विद मेलिग्नेंट प्ल्यूरल इफ्युजन।
4. टू एवेल्युएट रिलेशन बिटवीन स्लीप क्वालिटी एण्ड कैंसर पेन इन पेशेंट्स एडमिटेड इन पैलिएटिव केयर यूनिट अन ऑब्जर्वेशनल स्टडी।
5. वयस्क रोगियों के दौर से गुजर कैंसर सर्जरी में अस्पताल में रहने की लंबाई पर पोषण की स्थिति का प्रभावः संभावित अवलोकन अध्ययन।
6. कैंसर के रोगियों में दर्द के सामाजिक सामग्री की पहचान करने के लिए एक खोजपूर्ण क्रॉस अनुभागीय अध्ययन।
7. कैंसर के रोगियों में कुल दर्द का आकलन करने के लिए उपकरण का विकास।
8. कैंसर रोगियों में ओपियोड्स से प्रतिक्रिया के आण्विक निर्धारक : भारतीय परिदश्श्य।
9. ए रेण्डोमाइज्ड कंट्रोल ट्रालय टू एवेल्युएट द इफिकेसी ऑफ स्क्रैम्बलर थेरेपी इन द मैनेजमेंट ऑफ पेन ड्यू टू कैंसर्स ऑफ हैड, नेक एण्ड थोरेसिक ओरिजिन।

पूर्ण

1. महिला कैंसर रोगियों में दुर्दम्य दुर्बलता को दुर्बलता की प्रगति में देरी में पोषण हस्तक्षेप के प्रभाव का अध्ययन : भारत में आधारित एक अध्ययन।
2. डॉ. बी आर ए आई आर सी एच, एम्स के फेज –1 में कैंसर के दर्द और इसके कार्यान्वयन का आकलन करने के लिए एक व्यापक प्रोटोकॉल का विकास।
3. लयबद्ध श्वास प्रक्रिया के प्रभाव का मूल्यांकन – पीड़ा वाले उच्च अवस्था के कैंसर रोगियों में पीड़ा बोध पर सुदर्शन क्रिया एवं प्राणायाम (एस के पी)।

प्रयोगशाला कैंसर विज्ञान

जारी

1. बहुरंग फ्लोसाइटोमेट्री और उसके निदान महत्व द्वारा ए एम एल में एम आर डी की जांच : एक प्रायोगिक अध्ययन।
2. भारत में हिपेटोब्लास्टोमा में बीटा – सेटेनिन म्यूटेशन की जांच।
3. एम डी एस में माइलॉयड परमाणु विभेदन प्रतिजन के फ्लोसाइटोमेट्रिक मूल्यांकन की भूमिका।
4. इल्लुमिना बीआरसीए कस्टम पैनल का मूल्यांकन।
5. कई माइलोमा में प्रत्यारोपण की स्थापना में न्यूनतम अवशिष्ट रोग (एम आर डी) परिणाम का एक आकलन।

6. मल्टीपल माइलोमा में बोन मैरो माइक्रोएन्वायर्नमेंट की भूमिका।
7. एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया में डब्ल्यूएनटी संकेतन मार्ग अणुओं और जीन उत्परिवर्तन के साथ अपने सहयोग का विश्लेषण।
8. माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए में परिवर्तन के क्लिनिकल जैविक महत्व।
9. कैंसर रोगियों में ओपियॉइड हेतु प्रतिक्रिया के आण्विक निर्धारक।
10. मल्टिपल मायलोमा के रोगियों में सिस्टेटिन सी और आईएल 6 के सीरम स्तर का मूल्यांकन।
11. कई माइलोमा में प्रत्यारोपण की स्थापना में न्यूनतम अवशिष्ट रोग (एम आर डी) परिणाम का एक आकलन।

पूर्ण

1. बाल चिकित्सा गैर हॉडकिन लिंफोमा के रोगियों में विनियामक टी कोशिकाओं (सीडी 4 + सीडी + फॉक्स पी3 +) और टी सहायक 17 कोशिकाओं के कायनेटिक्स (सीडी 161, सीडी 196) का आकलन।
2. बच्चों के गैर हॉडकिन लिंफोमा में वी ई जी एफ़ अभिव्यक्ति का आकलन।
3. कोमल ऊतक सार्कोमा रोगियों में वी ई जी एफ़ अभिव्यक्ति के विश्लेषण।
4. स्टडी ऑफ न्यूमेरिकल चेंजिस इन क्रोमोसोमस इन द एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया इन इंडियन पेशेंट्स बाय कंवेंशनल सिटोजेनेटिक्स।

मेडिकल ऑन्कोलॉजी

जारी

1. कार्सिनोमा गॉल ब्लैडर में एमआरआई।
2. कीमोथेरेपी के कारण हैंड–फुट–सिंड्रोम।
3. दुष्प्रभाव संबंधित कीमोथेरेपी पर शैक्षिक सामग्री का प्रभाव।

चिकित्सा भौतिकी

जारी

1. मेडीकल इमेज लेज़र प्रिंटर के गुणवत्ता आश्वासन के लिए प्रोटोकॉल का विकास।
2. डोज़ीमीटर प्रयोजन के लिए नई ल्यूमिनिसेंस सामग्री का विकास।
3. दृष्टिगत रूप से उत्तेजित ल्यूमिनिसेंस डोसीमीटर का कैलीब्रेशन एवं उपयोग।
4. दोहरे एनर्जी सी टी स्कैनर का प्रयोग करके गुर्दे के लक्षणों का वर्णन।
5. फ़्लूरोस्कोपी की गुणवत्ता आश्वासन के लिए प्रोटोकॉल का विकास।
6. लीड एप्रन एंड थाइरोइड कालर की गुणवत्ता आश्वासन के लिए प्रोटोकॉल का विकास।

विकिरण निदान

जारी

1. ट्यूमर का एविंग सार्कोमा परिवार में नव सहायक कीमोथेरेपी प्रतिक्रिया का आकलन करने में एमआरआई की भूमिका।
2. गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर में ब्रेकीथेरेपी निर्देशित चुंबकीय अनुनाद इमेज : योनि, मूत्रमार्ग और अनइंवॉल्व्ड गर्भाशय खुराक और नैदानिक सहसंबंध रिपोर्टिंग।
3. कार्सिनोमा गर्भाशय ग्रीवा में कीमोरेडिएशन की प्रतिक्रिया की भविष्यवाणी में परफ्यूजन सीटी की भूमिका।
4. रोल ऑफ डिफ्युजन वेटिड एम आर आई फॉर लोकल स्टेजिंग एण्ड रेस्पोंस अस्सेमेंट आफ्टर नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी इन लोकली एडवांस्ड स्क्वेमस सैल कार्सिनोमा ऑफ ओरल केविटी।

विकिरण अर्बुदविज्ञान

जारी

1. मध्यवर्ती और उच्च जोखिम प्रोस्टेट कैंसर में तीव्रता संग्राहक रेडियोथेरेपी के साथ एलोन एक्स्टर्नल बीम रेडियोथेरेपी बनाम कम्बाइंड एक्स्टर्नल बीम रेडियोथेरेपी प्लस एचडीआर ब्रेकीथेरेपी को बढ़ावा देने के लिए यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

2. बुजुर्ग व्यक्तियों में ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफॉर्म में पारंपरिक रेडियोथेरेपी बनाम हाइपो – फ्रेक्शनेटेड का एक यादृच्छिक अध्ययन।
3. एक्सटर्नल बीम रेडियोथेरेपी में आईटीवी (आंतरिक लक्ष्य मात्रा) के डोसीमेट्रिक प्रभाव का एक अध्ययन।
4. सर्विकल कार्सिनोमा के लिए एम आर आई से मार्गदर्शित आई सी आर टी ।
5. फेस 2 रेण्डोमाइज्ड ट्रायल ऑफ हाइपो फ्रैक्शनेटिड वर्सस कंवेंशनल रेडियोथेरेपी इन अर्ली ब्रेस्ट कैंसर।
6. उपचार के परिणाम और गर्भाशय ग्रीवा के कार्सिनोमा में भावी अनुमान लगाने वाले कारकों का निर्धारण करना।
7. कार्सिनोमा में इसोफैगस देखभाल का पैटर्न : भारत में तृतीयक कैंसर केंद्र से अनुभव।
8. गुर्दा कैंसर में शल्यचिकित्सा के पश्चात् प्रिऑपेरटिव लघु क्रम रेडियोथेरेपी (25 गें) बनाम प्रिऑपरेटिव सहयोगी रेडियोथेरेपी (45 गे) तथा कीमोथेरेपी का यादृच्छिक अध्ययन।
9. पित्ताशय कार्सिनोमा में कीमो–रेडियोथेरेपी की प्रतिक्रिया के मूल्यांकन में प्रसार भारित इमेजिंग के साथ सीटी और एमआरआई की तुलना।
10. तीव्रता संग्राहक रेडियोथेरेपी तकनीक के लिए रोगी विशिष्ट पूर्व उपचार सत्यापन तरीकों का मूल्यांकन : पीएचडी शोधलेख।
11. रेटिनोब्लास्टोमा में इंट्रा–धमनी कीमोथेरेपी की प्रभावकारिता और सुरक्षा।
12. गले के कार्सिनोमा और हाइपोफैरिंक्स के कार्सिनोमा में सर्जरी और पोस्टॉप उपचार का जीवन प्रभाव की गुणवत्ता का एक तुलनात्मक आकलन।
13. ए स्टडी एवेल्युएटिंग द पेशेंट पॉजिशनिंग एक्युरेसी यूजिंग इलेक्ट्रोनिक पोर्टल इमेजिंग डिवाइस (ई पी आई डी) एण्ड कोन बीम कंप्यूटिड टोमोग्राफी (सी बी सी टी) फॉर इमेज गाइडिड रेडियोथेरेपी (आई जी आर टी) इन द ट्रीटमेंट ऑफ कैंसर्स।
14. कंप्यूटेड टोमोग्राफी से विकिरण खुराक का आकलन (सी टी)।

पूर्ण

1. स्थानीय रूप से उन्नत सी ए गर्भाशय ग्रीवा में कीमोब्रैकीथेरेपी बनाम ब्रैकीथेरेपी का एक यादृच्छिक अध्ययन।
2. दिल्ली के एक तृतीयक देखभाल संस्थान में जीवन निम्नलिखित उपचार के गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर और उनकी गुणवत्ता के साथ महिलाओं के एक क्लिनिको महामारी विज्ञान का अध्ययन।
3. फेज 2 प्रोस्पेक्टिव ट्रायल टू स्टडी रोल ऑफ नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी विद पैकलिटेक्सल एण्ड कार्बोप्लेटिन फॉलोड बाय कीमोरेडियोथेरेपी : द इम्पैक्ट ऑफ ई जी एफ आर रिसेप्टर एण्ड टार्गेटिड थेरेपी इन लोकली एडवांस्ड सार्विकल कैंसर।
4. एक्सट्राऑक्युलर रेटिनोब्लास्टोमा के लिए मल्टीमॉडल इलाज के दृष्टिकोण का मूल्यांकन : एक यादृच्छिक अध्ययन।
5. अप्रभावी इसोफेगल कार्सिनोमा के लिए रेडियोथेरेपी के साथ प्रशामक स्टेंटिंग बनाम कीमोरेडियोथेरेपी के साथ स्टेंटिंग : एक यादृच्छिक परीक्षण।
6. कार्सिनोमा गाल ब्लैडर वाले रोगियों में डिस्टेंट मेटास्टेसिस के निम्नलिखित न्यूएडजुवेंट उपचार और आकलन के उत्तरदायी मूल्यांकन में पीईटी सीटी की भूमिका।

शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

जारी

1. प्रारम्भिक स्तन कैंसर वाले रोगियों में एक कम्प्यूटरीकृत भावी डेटाबेस का विश्लेषण।
2. थोरेसिक और एब्डोमिनो – पेल्विक मेलिग्नेंसिस के लिए सर्जरी कराने वाले रोगियों में डीवीटी की दर का आकलन करने के लिए एक भविष्यलक्षी अध्ययन।
3. रिव्यू ऑफ क्लिनिक – पैथोलॉजिकल, एपिडेमियोलॉजिकल, इमेजिंग एक्यूरेसी, ट्रीटमेंट आउटकम्स एण्ड प्रोग्नोस्टिक फैक्टर्स ऑफ ऑपरेबल पल्मोनरी मेटास्टेसिस इन डिपार्टमेंट ऑफ सर्जिकल ओंकोलॉजी, आर आई सी एच, एम्स।
4. गुर्दा कैंसर में शल्यचिकित्सा के पश्चात् प्रिऑपेरटिव लघु क्रम रेडियोथेरेपी (25 गे) बनाम प्रिऑपरेटिव सहयोगी रेडियोथेरेपी (45 गे) तथा कीमोथेरेपी का यादृच्छिक अध्ययन।

5. रोल ऑफ पी ई टी – सी टी स्कैन (पॉसिट्रोन एमिशन टोमोग्राफी एण्ड सी टी स्कैन) इन द स्टेजिंग ऑफ लोकली एडवांस्ड / रिकरेंट ब्रेस्ट कैंसर एज़ ए सिंगल मोडेलिटी इन कॉम्पेरिजन टू मल्टीपल ऑर्गन डायरेक्टिड कंवेंशनल इंवेस्टीगेशंस (सी.आई)।
6. मुंह के कैंसर वाले रोगियों में एक संभावित कम्प्यूटरीकृत डेटाबेस का पूर्वव्यापी विश्लेषण।

पूर्ण

1. सिंगल न्यूक्लियोटाइड पॉलिमोर्फिज्म ऑफ टॉल – लाइक रिसेप्टर 4 (ए एस पी 299 जी एल वाय, टी एच आर 3999आई1ई) इन स्क्वेमस सैल कार्सिनोमा ऑफ ओरल केविटी
2. स्थानीय रूप से उन्नत स्तन कैंसर के रोगियों में एक कम्प्यूटरीकृत संभावित नैदानिक डेटाबेस का विश्लेषण।
3. एनालाइसिस ऑफ ए कंप्यूटराइज्ड प्रोस्पेक्टिव डेटाबेस ऑफ पेशेंट्स विद बुकल एण्ड अल्वियो – बुकल स्क्वेमस सैल कार्सिनोमा प्रेसेंटिंग टू आर आई सी एच, एम्स।
4. कोमल ऊतक सार्कोमा के प्रबंधन में प्रोटॉन चुंबकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोस्कोपी की भूमिका।

सहयोगी परियोजनाएं

संवेदनाहरण विज्ञान

जारी

1. एवेल्युएशन ऑफ कॉएगुलेशन स्टेट्स इन ट्रॉमा हेइमोर्हेजिक शॉक पेशेंट्स (टी एच एस) हू अंडरगो एमर्जेंसी सर्जरी यूजिंग थ्रोम्बोइलास्टोग्राफी, प्रोटीन सी एण्ड प्रोटीन एस मार्कर्स; जे पी एन ए टी सी, एम्स।
2. कैंसर रोगियों में ओपिओडस हेतु प्रतिक्रिया के आण्विक निर्धारक : भारतीय परिदृश्य, रुधिर विज्ञान विभाग, एम्स।
3. दर्द नैदानिकी के रोगियों के सामने आने वाली आध्यात्मिक समस्याओं और चिंताओं की प्रकृति और आवृत्ति, आईआरसीएच, एम्स, थियोलॉजी विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ गेन्ट, बेल्जियम।

प्रयोगशाला कैंसर विज्ञान

जारी

1. बाल चिकित्सा हॉडकिन लिंफोमा – जीवविज्ञान और परिणाम; मेडिकल ऑन्कोलॉजी।
2. कैंसर रोगियों में ओपियॉइड हेतु प्रतिक्रिया के आण्विक निर्धारक। एनेस्थेसियोलॉजी इकाई, डॉ. बीआरएआईआरसीएच, एम्स।
3. माइलोमा में अस्थि मज्जा सूक्ष्म परिवेश का अध्ययन। मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग, डॉ. बीआरएआईआरसीएच, एम्स।

पूर्ण

1. उन्नत रोग चरण कार्सिनोमा अंडाशय के साथ रोगियों में ट्रेग्स का प्रोग्नोस्टिक महत्व। मेडिकल ओंकोलॉजी विभाग, डॉ. बी आर ए आई आर सी एच, एम्स।
2. पीडियाट्रिक एनएचएल में टी विनियामक कोशिकाओं की श्रृंखला मूल्यांकन, काय चिकित्सा ओंकोलॉजी विभाग, डॉ. बी आर ए आई आर सी एच, एम्स
3. उन्नत गॉल ब्लैडर कैंसर के जीन की अभिव्यक्ति प्रोफ़ाइल का अध्ययन करना; मेडिकल ओंकोलॉजी विभाग, डॉ. बी आर ए आई आर सी एच, एम्स।

चिकित्सा भौतिकी

पूर्ण

1. दाता कार्निया ऊतकों की विस्तारित उपयोग के लिए कार्यनीतियों का पता लगाने के लिए इन विट्रो अध्ययन (चिकित्सा भौतिकी एवं रा. प्र. कें. नेत्र विज्ञान)।

शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

जारी

1. टेस्टिकुलर रोगाणु सेल ट्यूमर के लिए बायोमार्कर के रूप में माइक्रो आरएनए परिसंचारीः एक यादृच्छिक अध्ययन; माइक्रोबायोलॉजी विभाग।
2. रेण्डोमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल ऑफ कॉम्बाइंड ई बी आर टी प्लस एच डी ब्रैकी थेरेपी बूस्ट वर्सस ई बी आर टी अलोन विद् आई एम आर टी इन इंटरमीडिएट एण्ड हाई रिस्क प्रोस्टेट कैंसर; डिपार्टमेंट ऑफ रेडियोथेरेपी।
3. कैंसर वाले बुजुर्ग रोगियों में कार्यात्मक की स्थिति और सह रुग्णता; वृद्धावस्था चिकित्सा विभाग।
4. ए कॉम्प्रेहेंसिव एनालाइसिस ऑफ मैमलियन टार्गेट ऑफ रेपेमायसिन (एम टी ओ आर) एण्ड माइटोजन एक्टिवेटिड प्रोटीन (एम ए पी) काइनेज़ सिग्नलिंग पैथवेज़ इन नॉन – स्मॉल सैल लंग कार्सिनोमा; डिपार्टमेंट ऑफ पैथोलॉजी।
5. रोल ऑफ डिफ्युजन वेटिड एम आर आई फॉर लोकल स्टेजिंग एण्ड रेस्पोंस अस्समेंट आफ्टर नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी इन लोकली एडवांस्ड स्क्वेमस सैल कार्सिनोमा ऑफ ओरल केविटी; डिपार्टमेंट ऑफ रेडियोथेरेपी।
6. ए स्टडी ऑफ अस्सेस द इफैक्टिवेनस ऑफ अन एजुकेशनल पैकेज ऑन नॉलेज रिगार्डिंग पोस्ट ऑपरेटिव केयर ऑफ ओरल कैंसर पेशेंट्स रिलेटिव्स फॉलोइंग डिस्चार्ज; कॉलेज ऑफ नर्सिंग।

पूर्ण

1. मोलिकुलर स्टडीज़ ऑफ जीनस इंवोल्वड इन बायोसिंथेसिस एण्ड सिग्नलिंग ऑफ एस्ट्रोजन इन ब्रेस्ट कैंसर, डिपार्टमेंट ऑफ सर्जिकल ओंकोलॉजी एण्ड बायोटेक्नोलॉजी, (जे एम आई)।
2. डी – डाइमर एण्ड अदर काएगुलेशन पैरामीटर्स इन ऑपरेबल ब्रेस्ट कैंसर विद् लिम्फ नोड मेटास्टेसिस; डिपार्टमेंट ऑफ सर्जिकल ओंकोलॉजी एण्ड लेबोरेटरी मेडिसिन।

प्रकाशन

जर्नल : 132 **सार : 24** **पुस्तकों में अध्याय : 21** **पुस्तक : 1**

रोगी उपचार

विकिरण अर्बुदविज्ञान

विभाग में सुविधाएं उपलब्ध हैं :

1. पृच ऑपरेटिव रोगियों के लिए आई सी यू सुविधाएं।
2. संवेदनाहरण विज्ञान संबंधी कार्य के अतिरिक्त एक सप्ताह में चार बार पीएसी तथा पीड़ा एवं प्रशामक क्लिनिक चलाया जाता है।
3. एन जी ओ द्वारा उच्च असाध्यताओं वाले रोगियों को गृह आश्रय देना तथा फॉलो–अप रिपोर्टों को जानने के लिए उनके साथ मासिक बैठक का आयोजन करना।
4. रेडियो थेरेपी, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान तथा शल्यक अर्बुदविज्ञान के रोगियों के लिए क्रिटिकल उपचार प्रदान करना।
5. बाल विकिरण चिकित्सा हेतु सुविधा।
6. अस्थि मज्जा बायोप्सी, लेट्रल लाइन प्रवेशन अस्थि मज्जा हार्वेस्टिंग तथा अन्य जैसी अल्प बाल अर्बुदविज्ञान प्रक्रियाओं के लिए संवेदनाहरण।
7. रिजिड ब्रोंकोस्कोपी प्रक्रियाओं और ईबीयूएस के लिए एनेस्थीसिया।
8. लिवर, फेफड़ा एवं स्तन कार्सिनोमा हेतु संवेदनाहरण, रेडियो फ्रिक्वेंसी उच्छेदन के तहत बाल विकिरणविज्ञानात्मक प्रक्रियाओं के लिए सुविधा।
9. स्क्रैम्बलर थेरेपी।

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान सेवाएं

हीमोग्राम : (एचबी, टीएलसी, प्लेटलेट्स)	43905 प्रत्येक	पेरिफेरल रक्त लेप	7672 रोगी
अस्थि मज्जा चूषण और टच तैयार करना	4361 रोगी	साइटो कैमिस्ट्री	1039 जांचें
सीरम प्रोटीन इलेक्ट्रोफोरेसिस	3535 रोगी	यूरीन इलेक्ट्रोफोरेसिस	953 रोगी
इम्यूनोफिक्सेशन	124 रोगी	इम्यूना साइटो कैमिस्ट्री	33 जांच
ल्यूकेमिया के मामलों के लिए फाइन नीडल एस्पिरेशन साइटोलॉजी	5 रोगी	सीएसएफ और प्ल्यूरल तरल साइटोस्पिन	627 रोगी
एसएफएलसी	194 मामले	ई एस आर	408 रोगी
	21423 जांचें	मॉलीक्यूलर बायोलॉजी	803 रोगी और 3218 जांचें
बीसीआर – एबीएल, एमएलएल – एएफ 4, टीईएल – ई2ए, पीबीएक्स, एएमएल – ईटीओ, एनपीएम 1, एफएलटी 3 – आईटीडी, सीबीएफ बी–एम वायएच 11, एसआईएल – टीएएल सहित।			

चिकित्सा प्रयोगशाला

मेडिकल ओंकोलॉजी विभाग सक्रिय रूप से रोगी देखभाल, अनुसंधान और अध्यापन में शामिल है। पिछले एक वर्ष में विभाग द्वारा दी गई क्लिनिकल सेवाएं इस प्रकार हैं :

रोगी को आंतरिक रोगी के तौर पर लिया जाता है।	2494	रोगियों के उपचार में दिन देखभाल की सुविधा :	30613

चिकित्सा प्रक्रिया :	5367	बाह्य रोगी कीमोथेरेपीः	13,982
बाह्य रोगी 4 एंटीबायोटिक्सः	21504		
हेमेटोपायोटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण (ऑटोलोगस, एलोजेनिक और गर्भनाल रक्त) : 92 ;7319द्ध			

चिकित्सा प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

कोशिकाजननप्रकरण (फिलाडेल्फिया गुणसूत्र) :	430	बीसीआर– एबीएल के लिए आरटी पीसीआर (गुणात्मक) :	409

बी सी आर –ए बी एल के लिए आरक्यू पी सी आर (मात्रात्मक) :	64	सी डी 34 गणना (एफ सी एम) :	209
सी डी 3 गणना (एफ सी एम)	12	एमएनसी गणना :	199
क्रायोप्रिजर्वेशन –800 डिग्री सेल्सियस	106	40 डिग्री सेल्सियस पर स्टेम कोशिका भंडारण :	100
स्टेम कोशिकाओं के लिए व्यवहार्यता का परीक्षण :	168	गैलेक्टोमनन (एस्परजिलोसिस के लिए एलिसा) :	450
एफएलटी – 3 म्यूटेशन के लिए छानबीन :	22		

एफैरेसिस प्रयोगशाला

पी बी एस सी हार्वेस्ट :	201	एस डी पी एफैरेसिस :	2301
ग्रेनुलोसाइट एफैरेसिस :	14	हीमोग्राम जांच :	23071

चिकित्सा भौतिकी

विकिरणित रक्त बैग की संख्या	786	एक्स–रे मशीनों पर गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण किया	2108
प्रश्न क. डॉ बी आर ए आई आर सी एच पर फिल्म प्रोसेसर पर किया परीक्षण	108	प्रश्न क. रेडियोलॉजी में फिल्म प्रोसेसर पर किया परीक्षण	108
एक्स–रे यूनिट में विकिरण माप उत्पादन	388	प्रश्न क. एम्स में फिल्म प्रोसेसर पर परीक्षण किया	108
क. विकिरण सुरक्षा सर्वेक्षण माप	7	गर्भावस्था में अनजाने जोखिम की सलाह	5
कुल	**3618**		

विकिरण विज्ञान

एक्स रे :	19956	अल्ट्रासाउंड :	7095
डॉपलर अध्ययन :	283	सीटी स्कैन :	6842
मैमोग्राफी :	1443	विशेष जांच :	399
हस्तक्षेप :	1453		

विकिरण कैंसर विज्ञान

सामुदायिक सेवा / शिविर :

सुष्मिता पाथी

- ऑल इंडिया रेडियो एफएम रेनबो दिसंबर 2014 कैंसर जागरूकता पर हेल्पलाइन कार्यक्रम में डायल के लिए विशेषज्ञ।
- ऑल इंडिया रेडियो एफएम रेनबो दिसंबर 2015 कैंसर जागरूकता पर हेल्पलाइन कार्यक्रम में डायल के लिए विशेषज्ञ।

सुभाष गुप्ता

क. 1. आइसीपीओ, नोएडा की कैंसर छानबीन की गतिविधियों से जुड़ना।

के. पी. हरेश

क. 1. एम्स के प्रतिनिधि मंडल के एक दल सदस्य के रूप में 24 से 31 अगस्त 2014 के बीच लद्दाख में पुराने और गंभीर रोगियों की देखभाल में हिस्सा लिया।

ख. 2. मां अमश्तआनंदमयी मठ, नई दिल्ली द्वारा एनसीआर में आयोजित गरीबों के चिकित्सा शिविर में हिस्सा लिया।

ग. 3. आइसीपीओ, नोएडा की कैंसर छानबीन की गतिविधियों से जुड़ना।

शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

क. सुविधाएं उपलब्ध

1) **छोटा ऑपरेशन थिएटर :** लघु ओ टी में लसीका पर्व बायोप्सी, पंच / ट्रूकट बायोप्सी, त्वचा / मुखीय ट्यूमर्स का उच्छेदन, मृदु ऊतक ट्यूमर्स, फीडिंग जेजुनोस्टॉमी, कोलोस्टॉमी, दीर्घ अवधि कीमोथेरेपी के लिए हिकमेन्स कैथेटर / कीमो पोर्ट्स के प्रवेश सहित नैदानिक एवं लघु चिकित्सीय प्रक्रियाएं उपलब्ध हैं।

2. **एंडोस्कॉपी सेवाएं (नैदानिक एवं चिकित्सीय) :**

   नैदानिक एंडोस्कॉपी : फाइबर ऑप्टिक ऊपरी जी. आई. एंडोस्कोपी, एक तरफ दृष्टिगत डयूडिनो – स्कोपी, कोलोनोस्कोपी, सिग्मोडोस्कोपी, ब्रोंकोस्कोपी, सिस्टोस्कोपी, नेसोफेरिंगो लेंरिजियोस्कोपी तथा लेपेरोस्कोपी।

   चिकित्सीय एंडोस्कॉपी : स्ट्रिक्चर डायलेशन, इंट्राल्यूमिनल रेडियोथेरेपी, स्टेंटिंग तथा त्वचीय एंडोस्कोपिक गैस्ट्रोस्टॉमी।

3. **बड़ा ऑपरेशन थिएटर** : सिर एवं गला, जी आई पथ, स्तन, अस्थि एवं मश्दु ऊतक, स्त्रीरोग विज्ञानात्मक दुर्दमताएं, हिपेटो–बिलियरी–पैनक्रिएटिक बोन एवं वक्ष ट्यूमर्स सहित ट्यूमरों के रेडीकल रिसेक्शन एवं रीकंस्ट्रक्शन समेत सभी प्रमुख कैंसर शल्यचिकित्साओं हेतु सुविधाएं उपलब्ध हैं। उच्च पुनः संरचनात्मक शल्यक प्रक्रियाएं भी उपलब्ध हैं।

4. इसके अतिरिक्त लेज़र, सीयूएसए, हार्मोनिक, स्केल्पल, सर्जिबोन, वेसालियस एवं इंट्रा ऑपरेटिव रेडियोथेरेपी जैसी उच्च श्रेष्ठ प्रौद्योगिकियां भी इसमें हैं।

किए गए छोटे ऑपरेशन और एंडोस्कॉपी प्रक्रिया	**6814**	किए गए बड़े कैंसर ऑपरेशन	**1388**

मेडिकल रिकॉर्ड अनुभाग

बिस्तरों की कुल संख्या	182	शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान :	37
चिकित्सा अर्बुदविज्ञान :	78	प्रशामक देखभाल इकाई :	6
शल्यचिकित्सा अर्बुदविज्ञान :	61		

ओ. पी. डी. उपस्थिति

कुल :	138125

पंजीकृत किए गए नए रोगी	11000	पुनः आगमन	127125

विभिन्न ओपीडी / क्लिनिक

संख्या	ओपीडी /क्लिनिक का नाम	नए रोगी	पंजीकृत पुनः आगमन				
		पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
1.	वयस्क चिकित्सा अर्बुदविज्ञान क्लिनिक	462	524	986	16427	16907	33334
2.	वयस्क लिम्फोमा ल्यूकीमिया क्लिनिक	.	02	02	275	185	460
3.	ए एम एल/ एच एल क्लिनिक	70	39	109	1447	1059	2506
4.	ए एल एल/सी एम एल क्लिनिक	330	168	498	4107	2628	6735
5.	स्तर कैंसर क्लिनिक	26	495	521	91	7104	7195
6.	अस्थि एवं मश्दु (ऊतक) क्लिनिक	147	83	230	647	465	1112
7.	कीमोथेरेपी मूल्यांकन	.	.	.	.	.	.
8.	पारिवारिक कैंसर क्लिनिक	.	01	01	.	.	.
9.	जठरांत्र क्लिनिक	368	276	644	1194	770	1964
10.	स्त्रीरोग विज्ञान क्लिनिक – 'क'	.	191	191	.	565	565
11.	स्त्रीरोग विज्ञान क्लिनिक – 'बी'	.	384	384	.	1912	1912
12.	स्त्रीरोग विज्ञान क्लिनिक – 'सी'	.	205	205	.	638	638
13.	प्रजनन मूत्र और स्त्री रोग क्लिनिक	66	94	160	441	413	854
14.	सिर एवं गला (सर्जरी) – ए	358	84	442	1308	783	2091
15.	सिर एवं गला (ई एन टी) बी	823	141	964	2782	1518	4300
16.	हिपेटो बाइलरी तथा पैनक्रिएटिक क्लिनिक	232	130	362	969	663	1632
17.	फेफड़ा कैंसर क्लिनिक	463	133	596	3670	1818	5488

18.	एन एच एल / एम एम / सी एल एल क्लिनिक	128	73	201	1444	863	2307
19.	तंत्रिका अर्बुदविज्ञान क्लिनिक	233	111	344	614	428	1042
21.	नेत्र ट्यूमर क्लिनिक	06	05	11	01	01	02
22.	बाल चिकित्सा अर्बुदविज्ञान क्लिनिक	299	116	415	7175	4732	11907
23.	बाल लिम्फोमा ल्यूकीमिया क्लिनिक	124	41	165	3933	2240	6173
24.	बाल चिकित्सा (सर्जरी)	83	46	129	1517	978	2495
25.	पीड़ा राहत क्लिनिक	197	165	362	5728	4449	10177
26.	पीड़ा एवं प्रशामक – उपचार क्लिनिक (आर टी – 2)	02	02	04	.	.	.
27.	बाल चिकित्सा प्रशामक देखभाल क्लिनिक	01	02	03	.	.	.
28.	रेडियोथेरेपी क्लिनिक	698	858	1556	5833	4846	10679
29.	सर्जिकल ऑन्कोलॉजी (क्लिनिक)	233	248	481	2196	1951	4147
30.	थोरैसिक ऑन्कोलॉजी क्लिनिक	395	277	672	1874	1308	3182
31.	प्रतिरोपण क्लिनिक	16	09	25	523	330	853
32.	मूत्ररोगविज्ञान असाध्यता क्लिनिक	298	39	337	2538	837	3375
	कुल	6058	4942	11000	66734	60391	127125

महायोग = 138125

दाखिले	
नियमित दाखिले	7246
अल्प / दिवस उपचार दाखिले	30812
कुल दाखिले	38058

छुट्टी और मृत्यु	
नियमित छुट्टी	6919
अल्प / दिवस उपचार छुट्टी	28875
कुल छुट्टी	35794
कुल मृत्यु	358

ऑपरेशन थिएटर सेवा	
बड़े ऑपरेशन	1388
छोटे ऑपरेशन	6814
कुल ऑपरेशन	8202

इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफ (ई सी जी)	3681

ओ पी डी प्रक्रियाएं (उपचार कमरा नंबर 15)	5367

ओ पी डी कीमोथेरेपी सेवाएं (उपचार कमरा नंबर 15)	
पुरुष	6579
महिला	2917
बालक	2739
बालिका	1283
कुल मामले	13518

ओपीडी में आने वाले पंजीकृत नए रोगी

माह	पुरुष	महिला	कुल
अप्रैल – 2014	450	427	877
मई – 2014	501	397	898
जून – 2014	518	359	877
जुलाई – 2014	557	460	1017
अगस्त – 2014	528	427	955
सितम्बर – 2014	614	485	1099
अक्टूबर – 2014	478	380	858
नवम्बर – 2014	487	424	911
दिसम्बर – 2014	458	458	916
जनवरी – 2015	453	386	839
फ़रवरी – 2015	478	352	830
मार्च – 2015	536	387	923
कुल	**6058**	**4942**	**11000**

ओपीडी में दोबारा आने वाले रोगी

पुनः आगमन :	पुरुष	महिला	कुल
अप्रैल 2014	4173	3575	7748
मई 2014	5765	4872	10637
जून 2014	4940	4650	9590
जुलाई 2014	6154	5514	11668
अगस्त 2014	5736	4944	10680
सितम्बर 2014	6355	5728	12083
अक्टूबर 2014	5639	4754	10393
नवंबर 2014	5370	5039	10409
दिसंबर 2014	6230	5209	11439
जनवरी 2015	5619	4995	10614
फ़रवरी 2015	5551	5134	10685

मार्च 2015	5202	5977	11179
कुल	**66734**	**60391**	**127125**

नए रोगियों का भौगोलिक वितरण

क्र. सं.	**राज्य**	**कुल**
1.	आंध्र प्रदेश	10
2.	अण्डमान निकोबार	01
3.	असम	31
4.	अरुणाचल प्रदेश	04
5.	बिहार	1551
6.	चंडीगढ़	03
7.	छत्तीसगढ़	22
8.	दिल्ली	3582
9.	गोआ	01
10.	गुजरात	05
11.	हरियाणा	1142
12.	हिमाचल प्रदेश	35
13.	जम्मू और कश्मीर	105
14.	झारखण्ड	125
15.	केरल	08
16.	कर्नाटक	02
17.	मध्य प्रदेश	153
18.	महाराष्ट्र	05
19.	मेघालय	05
20.	मणिपुर	35
21.	मिजोरम	03
22.	नागालैण्ड	06
23.	उड़ीसा	59
24.	पंजाब	59
25.	राजस्थान	196
26.	सिक्किम	17
27.	तमिलनाडु	03
28.	तेलंगाना	01
29.	त्रिपुरा	07
30.	उत्तर प्रदेश	3326
31.	उत्तरांचल	372
32.	पश्चिम बंगाल	70
	कुल	**10**944

अन्य देश

1.	अर्मेनिया	01
2.	बांगलादेश	01
3.	नेपाल	51
4.	नाइजीरिया	02
5.	उज्बेकिस्तान	01
	कुल	56

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान सेवाएं

1.	हीमोग्राम (एचएमजी) : (एचबी, टीएलसी, प्लेटलेट्स)	43905
2.	पेरिफेरल रक्त लेप (पी बी एस)	8076
3.	अस्थि मज्जा चूषण (बी एम)	3957
4.	साइटो कैमिस्ट्री	1039
5.	सीरम प्रोटीन इलेक्ट्रोफोरेसिस (एस पी ई)	3535
6.	इम्यूनोफिक्सेशन (आई एफ एक्स)	124
7.	यूरीन इलेक्ट्रोफोरेसिस (यू ई)	953
8.	ए पी ए ए पी	36
9.	फ्लो	21423
10.	एफ एन ए सी (लिम्फ नोड)	05
11.	साइटो – स्पिन	625
12.	ई एस आर	447
13.	मॉलीक्यूलर बायोलॉजी	680
14.	एस एफ एल सी	194
	कुल	84999

अफरेसिस

1.	सिंगल डोनर प्लेटलेट्स (एस डी पी)	4520
2.	पेरिफेरल ब्लड स्टीम सेल – हार्वेस्ट (पी बी एस सी)	352
3.	हिमोग्राम	23142
4.	प्लाज्मा	–
5.	ग्रेनुलोसाइट	23
	कुल	28037

चिकित्सा प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान सेवाएं

1.	फिलाडेलफिया क्रोमोसोम का पता लगाने के लिए साइटोजेनेटिक्स	430
2.	कीमेरिज्म के लिए साइटोजेनेटिक्स	–
3.	सीएलएएम (गुणात्मक) में पी 210 और पी190 ट्रांसलोकेशन का पता लगाने के लिए आरटी – पीसीआर	409
4.	सीएलएएम (मात्रात्मक) में पी 210 और पी190 ट्रांसलोकेशन का पता लगाने के लिए आरक्यू – पीसीआर	64
5.	फ्लोसाइटोमेट्री द्वारा सीडी 34 गणना	209
6.	फ्लोसाइटोमेट्री द्वारा सीडी 3 गणना	12
7.	ल्यूकेमिया के लिए इम्यूनोफीनोटाइपिंग	.
8.	एमएनसी गणना	199
9.	स्टेम सेल का क्रायोप्रेसर्वेशन – 80 डिग्री से.	106
10.	4 डिग्री से. में स्टेम सेल का स्टोरेज	100
11.	बोन मैरो ट्रांसप्लांट	.
12.	स्टेम सेल का इंफ्यूजन	168
13.	स्टेम सेल की वायबिलिटी	168
14.	एस्परजिलोसिस पता लगाने के लिए एलिसा	450
15.	एएमएल में एफएलटी – 3 म्यूटेशन्स की स्क्रीनिंग	22
	कुल	2337

चिकित्सा भौतिकी सेवाएं

क. 1.	इरेडिएटिड रक्त बैगों की संख्या	786
क. 2.	एक्स रे मशीनों पर की गई गुणवत्ता गारंटी जांच	2108
क. 3.	डॉ. भी. रा. अ. सं. रो. कैं. अ., अ. भा. आ. सं. में फिल्म प्रोसेसर पर गुणवत्ता गारंटी जांच	108
क. 4.	विकिरण विज्ञान (मुख्य) में फिल्म प्रोसेसर पर गुणवत्ता गारंटी जांच	108
क. 5.	एक्स रे एककों में विकिरण आउटपुट माप	388
क. 6.	अ. भा. आ. सं. में फिल्म प्रोसेसर पर किया गया गुणवत्ता जांच	108
क. 7.	विकिरण सुरक्षा सर्वेक्षण माप	04
क. 8.	सगर्भता हेतु असावधानीवश अनावरण में सलाह	08
क. 9.	मैमोग्राफी में रेडिएशन आउटपुट में एकरूपता	–
	कुल	3618

रेडियो उपचार सेवाएं

1.	रेडियो उपचार पर मामले	35602
2.	रेडियो उपचार पर कुल क्षेत्र	97895
3.	ब्रैकीथैरेपी पर मामले	643
4.	उपचार योजना एवं अनुरूपण	3679

5.	दो एवं तीन डायमेंशनल डोज़ वितरण	494
6.	कंपेंसेटर्स	362
7.	शील्डिंग ब्लॉक्स इम्मोबिलाइजेशन डिवाइसिस एवं ओरेफिट्स	1773
8.	विकिरण समीक्षा क्लिनिक	1499
	कुल	**141947**

विकिरण निदान सेवाएं

1.	सी टी स्कैन	6842
2.	अल्ट्रा–साउण्ड	7095
3.	मेमोग्राफी	1443
4.	एक्स–रे (नैमिक)	19956
5.	डोप्लर	283
6.	इंटरवेंशन	1453
7.	विशेष जांच (बीए. आई)	399
8.	यूएस (पोर्टेबल)	–
	कुल =	**37471**

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

संवेदनाहरण विज्ञान

प्रोफेसर सुषमा भटनागर 2009 से अब तक इण्डियन जर्नल ऑफ पैलिएटिव केयर की मुख्य संपादक है, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ हॉस्पिटल एण्ड पैलिएटिव केयर यूएसए, 2015 के निदेशक मंडल में है; इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैलिएटिव केयर पर फरवरी 2014 में आयोजित 21वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सार्क देशों में लीडरशिप एंड एक्सीलेंस अवार्ड की विजेता हैं; जून 2014 में बोस्टन, अमेरिका में आपियोयड्स पर द्वितीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की आयोजक समिति की सदस्य है; भारत में उपशामक देखभाल हेतु कार्यान्वयन रूपरेखा का विकास, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की परामर्शदात्री सदस्य है; एशिया पैसिफिक हॉस्पाइस पैलिएटिव केयर नेटवर्क 2014 में पैलिएटिव केयर प्रोग्राम के प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण हेतु डिप्टी टीम लीडर और फैकल्टी हैं; वर्ल्ड जर्नल ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी एंड एनल्स ऑफ पैलिएटिव मेडिसिन के संपादक मंडल की सदस्य है; इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैलिएटिव केयर के सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम के लिए मानद संकाय हैं; इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैलिएटिव केयर के सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम हेतु पाठ्यक्रम समन्वयक हैं (2008 से अब तक); अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं ब्रिटिश जर्नल ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी, क्लिनिकल जर्नल ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी, जर्नल ऑफ मेडिसिन एंड मेडिकल साइंसेज, अमेरिकन जर्नल ऑफ हॉस्पाइस एंड पैलिएटिव केयर की समीक्षक है; तथा इन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में 15 संबोधन व्याख्यान दिए हैं। वे इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ होस्पाइस एंड पैलिएटिव केयर, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ स्टडी ऑफ पेन, अमेरिकन सोसाइटी ऑफ रीजनल एनेस्थीसिया एंड पेन मेडिसिन, अमेरिकन सोसाइटी ऑफ क्लिनिकल ओंकोलॉजी की सदस्य हैं तथा इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी, इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैलिएटिव केयर, रिसर्च सोसाइटी ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी एंड क्लिनिकल फार्माकोलॉजी, इंडियन सोसाइटी ऑफ ओंकोलॉजी, इंडियन सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर की आजीवन सदस्य हैं।

डॉ. राकेश गर्ग को एशियन काउंसिल ऑफ साइंस एडिटर्स के सदस्य के रूप में शामिल होने हेतु आमंत्रित किया गया; 2014 में एनआईटीटीई यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ हेल्थ साइंस (एनयूजेएचएस) जो कि एनआईटीटीई विश्व विद्यालय की समकक्षों द्वारा समीक्षित और अनुक्रमणिकाबद्ध की गई त्रैमासिक पत्रिका है। के सलाहकार बोर्ड के सदस्य; अप्रैल 2014 और मार्च 2015 में फैकल्टी ऑफ मेडिकल साइंसेज, पंजाब विश्व विद्यालय, भारत सरकार, जीएमसीएच, चंडीगढ़ में बीएससी (एनेस्थीसिया और ओटो टेक्नीशियन) के बाह्य पेपर निर्धारक; फरवरी 2015 में इंडमेड / मेडइंड डेटाबेस, इंडियन मेडिकल जर्नल्स (आईसीएमआर परियोजना) के राष्ट्रीय डेटाबेस पर चर्चा सत्र में भाग लेने के लिए आईएनओसी

हॉल, एनआईसी मुख्यालय, नई दिल्ली में इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया एंड जेओएसीपी के नामिति; दिसंबर 2014 में आईसीएमआर नई दिल्ली में आईसीएमआर शार्ट टर्म स्टूडेंटशिप (एसटीएस) प्रोग्राम की रिपोर्टों की समीक्षा हेतु विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया; राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के अधीन एक स्वायत्त संस्थान और मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के संबद्ध हॉस्पिटल चाचा नेहरु बाल चिकित्सालय (सीएनबीसी) में भर्ती हेतु चयन समिति के सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया; ऑल इंडिया डिफिकल्ट एअरवे एसोसिएशन (एआईडीआईएए) की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति के सदस्य, 2014 – 2016, एअरवे मैनेजमेंट फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एअरवे – 2014 : द एअरवे कांग्रेस में वीडियो प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में द्वितीय सर्वोत्तम पुरस्कार विजेता। वह जर्नल ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी एंड क्लिनिकल फार्माकोलॉजी, जर्नल ऑफ एडिक्शन मेडिसिन एंड थेरोप्यूटिक साइंस, ग्लोबल जर्नल ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी के एसोसिएट एडिटर हैं। वह ब्रिटिश जर्नल ऑफ मेडिसिन एंड मेडिकल रिसर्च के एकेडमिक एडिटर हैं। वे इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया, द इंटरनेट जर्नल ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी, वर्ल्ड जर्नल ऑफ क्लिनिकल केसेज, जर्नल ऑफ ड्रग डिस्कवरी, डेवलपमेंट एंड डिलीवरी इमेजिंग जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड मेडिकल साइंसेज, जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया एंड सर्जरी, जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर के संपादक मंडल के सदस्य हैं।

डॉ. निष्कर्ष गुप्ता विभिन्न पत्रिकाओं के आजीवन सदस्य और समीक्षक हैं। उन्होंने एअरवे मैनेजमेंट फाउंडेशन नई दिल्ली द्वारा आयोजित एअरवे 2014 : द एअरवे कांग्रेस में वीडियो प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में द्वितीय सर्वोत्तम पुरस्कार जीता।

प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान

प्रो. राजीव कुमार ''इम्युनोफीनोटाइपिंग ऑफ हीमेटोलिम्फायड नियोप्लाज्म हेतु आईसीएमआर दिशानिर्देशों'' हेतु विशेषज्ञ समूह में शामिल थे।

डॉ. अनीता चोपड़ा को क्लिनिकल साइटोमीट्री रिसर्च 2014 के लिए बेकटन डिकिंसन – द साइटोमीट्री सोसाइटी पुरस्कार; सर्वोत्तम प्रकाशित शोध कार्य के लिए इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट्स एंड माइक्रोबायोलॉजी स्ट्स 2013 का श्रीमती कुंती देवी मेहरोत्रा पुरस्कार मिला। वह ''इम्युनोजीनोटाइपिंग ऑफ हीमेटोलिम्फाइड नियोप्लाज्म हेतु आई सी एम आर दिशानिर्देशों'' के लिए विशेषज्ञ समूह में शामिल थीं। उन्हें द्वितीय इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन हिस्ट्री ऑफ मेडिसिन एंड पैथोलॉजी में हिस्ट्री ऑफ पैथोलॉजी एंड मेडिसिन पर मौखिक प्रस्तुतीकरण के लिए हिस्ट्री ऑफ पैथोलॉजी संबंधी कार्य समूह, यूरोपियन सोसाइटी ऑफ पैथोलॉजी द्वारा यंग रिसर्चर ट्रैवल ग्रांट प्रदान किया गया; 3 – 5 नवंबर 2014 को लास वेगस, अमेरिका में आयोजित द्वितीय इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन प्रीडिक्टिव, प्रीवेंटिव एंड पर्सनलाइज्ड मेडिसिन एंड मॉलीक्यूलर डायग्नोस्टिक में जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा मौखिक पेपर प्रस्तुतीकरण के लिए डीबीटी ट्रैवल ग्रांट अवार्ड दिया गया; और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा यंग साइंटिस्ट फेलोशिप अवार्ड प्रदान किया गया। वह अनुरुपता मूल्यांकन निकायों के लिए प्रत्यायन आयोग की प्रमाणित चिकित्सा प्रयोगशाला मूल्यांकन है, संदर्भ संख्या ए सी सी ए बी / 89 : 2012 / 914 / 009 / 12.11.2014 वे 20 – 22 फरवरी 2015 तक पी एम सी एच, पटना में एम बी बी एस के लिए बाह्य परीक्षक थीं।

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

प्रो. ललित कुमार ने सी सी एम बी हैदराबाद में 9.1.2015 को आयोजित इंडियन एकेडमी ऑफ बायोमेडिकल साइंसेज की वार्षिक बैठक में पद्म श्री प्रो. मेहदी हसन अवार्ड व्याख्यान दिया और 8 – 11 नवंबर 2014, इंटरनेशनल गायनोकोलॉजीकल कैंसर सोसाइटी, की 15वीं द्विवार्षिक बैठक, मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया में मीट द प्रोफेसर सत्र में वक्ता तथा पूर्व सत्र की अध्यक्षता की उन्होंने 28.11.14 को दिल्ली में 9वें सार्क फेडरेशन ऑफ ओंकोलॉजिस्ट्स (एस आई एफ ओ) की बैठक में 'प्रो. करीम व्याख्यान दिया। वह 8 से 11 नवंबर 2014 तक मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया में आयोजित इंटरनेशनल गायनेकोलॉजिक कैंसर सोसाइटी की 15वीं द्विवार्षिक बैठक की वैज्ञानिक समिति के सदस्य, ओंकोलॉजी ए पी एल टेक्स्टबुक ऑफ मेडिसिन, 10वां संस्करण, 2015 के सेक्शन एडिटर हैं। वह ओंकोलॉजी कार्गर पब्लिशर्स के संपादक मंडल के सदस्य और जे एन कैंसर रिसर्च एंड एक्स पेरिमेंटल ओंकोलॉजी के संपादक हैं। वे शेर – ए – कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के 2015 में परीक्षक; 12.02.2015 को मद्रास मेडिकल कॉलेज, चेन्नै में डी एम मेडिकल ओंकोलॉजी के बाह्य परीक्षक; 10.09.2016 को इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पीटल और आर्मी हॉस्पीटल में डी एन बी इन मेडिकल ओंकोलॉजी के मूल्यांकन; डॉ. एम जी आर मेडिकल यूनिवर्सिटी, चेन्नै में पी एच डी शोध प्रबंध मूल्यांकन के लिए बाह्य निरीक्षक (2015) रहे। वह 27.06.2014 को इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में संकाय चयन हेतु विषय विशेषज्ञ थे और जुलाई 2014 में गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्व विद्यालय में 2014 – 2015 के शैक्षणिक सत्र हेतु संयुक्त मूल्यांकन समिति में विषय विशेषज्ञ थे।

प्रो. समीर बख्शी ओंकोलॉजी (अर्बुद विज्ञान) से संबंधित नई औषधियों और नैदानिक परीक्षणों के अनुमोदन हेतु ड्रग कंट्रोलर जर्नल ऑफ इंडिया के विशेषज्ञ सदस्य थे।

चिकित्सा भौतिकी

डॉ. प्रतीक कुमार को यूरोलॉजी जर्नल, रेडिएशन प्रोटेक्शन डोसीमीट्री, ओपन जर्नल ऑफ रेडियोलॉजी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कैंसर थेरेपी एंड ओंकोलॉजी तथा जर्नल ऑफ मेडिकल फिजिक्स में भेजी गई पांडुलिपियो के निर्णायक के रूप में आमंत्रित किया गया; एम एससी (मेडिकल इमेजिंग टेक्नोलॉजी) परीक्षा, दिल्ली विश्व विद्यालय; बी एस सी रेडिएशन थेरेपी टेक्नोलॉजी, अलीगढ़ मुस्लिम विश्व विद्यालय; बी एस सी, आर टी टी पाठ्यक्रम, एस एन मेडिकल, जयपुर में परीक्षक; डॉ. बी बरुआ कैंसर इंस्टीट्यूट, गुवाहाटी में अतिथि संकाय; सदस्य, विशेषज्ञ सलाहकार समूह, हेल्थकेयर सेक्टर काउंसिल, राष्ट्रीय कौशल विकास परिषद्, क्वालीफाइड मेडिकल फिजिसिस्ट्स हेतु कॉलेज ऑफ मेडिकल फिजिक्स ऑफ इंडिया की प्रमाणन परीक्षा, डी एम एल टी रेडियोलॉजी परीक्षा, अलीगढ़ मुस्लिम विश्व विद्यालय के प्रश्न पत्र निर्माता; विकिरण सुरक्षा पर व्यावहारिक कार्यशाला करंट प्रैक्टिसेज इन इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी एंड रेडिएशन प्रोटेक्शन, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड, द्वारका, नई दिल्ली पर सी एम ई हेतु संसाधन व्यक्ति; दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट, दिल्ली में मेडिकल फिजिसिस्ट और आर टी टेक्नोलॉजी के चयन हेतु बाह्य विशेषज्ञ; डिपार्टमेंट ऑफ फिजिक्स एंड एस्ट्रोफिजिक्स, दिल्ली विश्व विद्यालय में जे आर एफ के पद हेतु विशेषज्ञ; भौतिकी विभाग, वेंकटेश्वर कॉलेज, दिल्ली विश्व विद्यालय में जे आर एफ के चयन हेतु चयन समिति के सदस्य; होमी भाभा नेशनल इंस्टीट्यूट, मुंबई में पी एच डी शोध प्रबंध हेतु परीक्षक; जे पी हॉस्पीट्ल्स, नोएडा में भारत में चिकित्सा भौतिकी व्यवसाय को सुदृढ़ बनाने हेतु पहल के पैनलिस्ट; प्रवर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, लोनी, महाराष्ट्र में एसोसिएशन ऑफ मेडिकल फिजिसिस्ट्स ऑफ इंडिया के 35वें वार्षिक सम्मेलन में ''मैथेमेटिकल मैथड्स एंड इमेजिंग डोज'' पर सत्र की अध्यक्षता की; संपादक, मेडिकल फिजिक्स क्रोनिकल, सदस्य, संपादकीय मंडल, जर्नल ऑफ मेडिकल फिजिक्स, सदस्य, इलेक्ट्रो – मेडिकल इक्विपमेंट सेक्शनल कमेटी, बी आई एस, नई दिल्ली; सदस्य, बोर्ड ऑफ कॉलेज ऑफ मेडिकल फिजिक्स ऑफ इंडिया (सी एम पी आई)।

विकिरण अर्बुद विज्ञान

प्रो. जी. के. रथ झज्जर में नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट (एम्स 2 कैम्पस) के प्रमुख हैं। वे आई ए आर सी गवर्निंग काउंसिल, ल्योन, फ्रांस में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के प्रमुख प्रतिनिधि हैं। उन्होंने 20 नवंबर 2014 को लोनी, महाराष्ट्र में ग्रामीण मेडिकल कॉलेज में मेडिकल फिजिसिस्ट्स ऑफ इंडिया के 35वें वार्षिक सम्मेलन एम्पीकान – 2014 का उद्घाटन किया और संबोधन भाषण दिया। वे 07 सितंबर, 2014 को एस जी पी जी आई, लखनऊ में डिपार्टमेंट ऑफ एंडोक्राइन एंड ब्रेस्ट सर्जरी के रजत जयंती मारोह में मुख्य अतिथि थे। उन्होंने 16 नवंबर 2014 को ठाकुरपुकुर, कोलकाता में आई ए एस ओ के बैनर के अधीन ईस्ट जोनल ओंकोलॉजी सी एम ई में डॉ. सरोज गुप्ता व्याख्यान दिया। वे 13 फरवरी 2015 को आई जी आई एम एस पटना में दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि थे। वे एम्स, भोपाल में संकाय चयन हेतु स्थायी चयन समिति के अध्यक्ष थे। वे एम्स, भोपाल की शैक्षणिक समिति के सदस्य हैं। उन्होंने 09 अगस्त 2014 को मुंबई में पी डी हिंदुजा अस्पताल में प्रोस्ट्रेट ब्रैकिथेरेपी पर आयोजित कार्यशाला में डॉ. समीर देसाई व्याख्यान की अध्यक्षता की। वे 28 जून 2014 को हैदराबाद में बेस्ट ऑफ ए एस सी ओ 2014 मीटिंग के अध्यक्ष थे। वे किदवई मैमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ ओंकोलॉजी, बेंगलुरु, कर्नाटक में लीनियर एक्सेलेरेटर स्पेसिफिकेशन स्क्रूटनी कमेटी के सदस्य हैं। डॉ. रथ झज्जर, हरियाणा में एम्स के अंतर्गत राष्ट्रीय कैंसर संस्थान की स्थापना हेतु स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति, नेशनल सेंटर फॉर डिजीज इंफार्मेटिक्स एंड रिसर्च भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, बंगलौर की वैज्ञानिक सलाहकार समिति (क) सी डी ए सी और आर सी सी तिरुवनंतपुरम द्वारा प्रस्तुत मैमोग्राम्स (मैमोग्राम्स हेतु सी ए डी) हेतु कंप्यूटर सहायित जांच प्रणाली का विकास और (ख) वेस्ट बंगाल यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, कोलकाता द्वारा प्रस्तुत डिजीटल मैमोग्राम्स के प्रयोग द्वारा मानव स्तन कैंसर हेतु पूर्णतः स्वचालित कंप्यूटर सहायित निदान प्रणाली नामक परियोजनाओं हेतु डी आई टी के पी आर एस जी; कैंसर प्रबंधन संबंधी दिशानिर्देश पर आई सी एम आर कार्य बल और 25 सितंबर 2014 को एन सी डी आई आर, एन सी आर पी, बंगलौर में साइंटिस्ट 'बी' के पद पर चयन हेतु चयन समिति के अध्यक्ष थे। वे परमाणु ऊर्जा विनियामक बोर्ड, भारत सरकार की विशेषज्ञ समितियों / निकायों, किदवई मैमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ ओंकोलॉजी, बेंगलुरु के निदेशक के चयन हेतु चयन समिति के सदस्य थे। वे रेडियोथेरेपी विकास कार्यक्रम संबंधी स्थायी समिति, डी जी एच एस, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य हैं; इंडो अमेरिकन कैंसर एसोसिएशन के सदस्य हैं; डिपार्टमेंट ऑफ रेडिएशन ओंकोलॉजी, आई जी आई एम एस, पटना में संकाय सदस्यों के चयन हेतु विशेषज्ञ है; आर एम एल आई एम एस, लखनऊ में डिपार्टमेंट ऑफ रेडिएशन ओंकोलॉजी में असिस्टेंट प्रोफेसर के चयन हेतु विशेषज्ञ

हैं; 24 अप्रैल 2014 को आर सी सी, तिरुवनंतपुरम में संकाय चयन हेतु विशेषज्ञ; नॉर्थ इस्टर्न इंदिरा गांधी रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड मेडिकल साइंसेज, शिलांग; नेशनल कैंसर ग्रिड में संकाय पदो के साक्षात्कार में विशेषज्ञ थे। वे 17 अक्तूबर 2014 को के जी एम यू, लखनऊ में पी एच डी; 01 मई 2014 को के जी एम यू, लखनऊ में एम डी रेडियोथेरेपी; 17 मई 2014 को एम जी एम मेडिकल कॉलेज, इंदौर एम डी रेडियोथेरेपी; 18 मई 2014 को श्री अरबिंदो मेडिकल कॉलेज, इंदौर में एम डी रेडियोथेरेपी के लिए बाह्य निरीक्षक थे। वे निम्न के सदस्य हैं वैज्ञानिक सलाहकार समिति आई सी ओ एन, एन पी सी डी सी एस संबंधी तकनीकी संसाधन समूह (सलाहकार समूह), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, तिरुवनंतपुरम की वैज्ञानिक समिति, कार्सिनोजेनेसिस फाउंडेशन ऑफ इंडिया; 6 एम वी मेडिकल लाइनेक हेतु प्रौद्योगिकी अंतरण और निम्नलिखित लाइनेक संबंधी परियोजनाओं की समीक्षा हेतु पी आर एस जी बैठक; लाइनेक ट्यूब और लीनियर एक्सलरेटर मशीन के लिए बैच फैब्रिकेशन हेतु केंद्र की स्थापना, ड्यूल फोटोन एनर्जी और मल्टीपल इलेक्ट्रॉन एनर्जी का डिजाइन और विकास; कैंसर उपचार हेतु 06 एम वी मेडिकल लाइनेक का विकास और स्थापना (चरण दो) जो कि समीर (एस ए – एम ई ई आर) मुंबई में कार्यान्वित किया जा रहा है; क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र, डिब्रुगढ़ की वैज्ञानिक सलाहकार समिति; आई सी एम आर की पूर्वोत्तर की परियोजना समीक्षा समिति (पी आर सी – एन ई); तीन क्षेत्रीय कैंसर केंद्रों (आचार्य तुलसी क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, बीकानेर, आचार्य हरिहर क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, कटक और क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, अगरतला) के शासी निकाय; एम्स, भोपाल के संस्था निकाय, दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट (डी एस सी आई), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, नई दिल्ली की सरकार की शासी परिषद्; भगवान महावीर कैंसर केंद्र, पटना के शासी निकाय; इंडियन कैंसर विनर्स एसोसिएशन; परियोजना समीक्षा समिति, ओंकोलॉजी (पी आर सी ओंकोलॉजी), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली; परियोजना समीक्षा समिति, पूर्वोत्तर क्षेत्र (पी आर सी, एन ई), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली; फोरम फॉर ब्रेस्ट प्रोटेक्शन; 06 एम वी मेडिकल लीनियर एक्सलरेटर के विकास और संस्थापन संबंधी संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार की जय विज्ञान परियोजना की प्रगति की समीक्षा हेतु संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के उप समूह; और कैंसर फाउंडेशन, नई दिल्ली / वे एकेडमी ऑफ हॉस्पीटल एडमिनिस्ट्रेशन जर्नल के सलाहकार संपादक हैं। वह इंडियन जर्नल ऑफ चेस्ट डिजीजेज एंड अलाइड साइंसेज, इंडियन जर्नल ऑफ कैंसर, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोसाइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, जर्नल ऑफ कंटेंपरेरी ब्रेकिथेरेपी और साउथ एशियन जर्नल ऑफ कैंसर के संपादक मंडल के सदस्य हैं। वह जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च एंड थेरेप्टिक्स के कंसल्टिंग एडिटर हैं।

डॉ. डी. एन. शर्मा को नैदानिक श्रेणी के अंतर्गत एम्स रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड 2014 मिला है।

डॉ. सुषमा पथी जी आई कैंसर और फेफड़ों के कैंसर हेतु रेडियोथेरेपी प्रोटोकोल की अभिकल्पना बनाने और इसे तैयार करने हेतु संकाय प्रभारी थी। वह जर्नल ऑफ कैंसर साइंस के संपादक मंडल की सदस्य, श्रीलंका जर्नल ऑफ ऑब्स्ट्रेटिक्स एंड गायनेकोलॉजी की समीक्षक और गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्व विद्यालय की समिति की विशेषज्ञ सदस्य है। अक्तूबर 2014 में अनुसंधान केंद्र के रूप में पात्रता के संबंध में आई एस आई सी इंस्टीट्यूट ऑफ रिहैबिलिटेशन साइंस का दौरान किया; आई आर सी एच में उपकरणों की खरीद हेतु तकनीकी विनिर्देशनों हेतु विशेषज्ञ सदस्य रहीं।

डॉ. सुषमा गुप्ता आर जी सी ओ एन 2015 में मौखिक पेपर सत्र के निर्णायक थे; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ओंकोलॉजी साइंस के एसोसिएट एडिटर चुने गए और एशियन सोसाइटी ऑफ न्यूरो ओंकोलॉजी ए एस एन ओ 2014 की इस्तानबुल, टर्की में 11वीं बैठक में भाग लेने के लिए आई एस एन ओ से आंशिक यात्रा अनुदान प्राप्त किया।

डॉ. के. पी. हरेश को एसोसिएशन ऑफ रेडिएशन ओंकोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया की फेलोशिप प्रदान की गई और फरवरी 2015 में सना क्लिनिकुम ऑफेनबैक, जर्मनी में रियल टाइम ट्रांस रेक्टल अल्ट्रासाउंड गाइडेड प्रोस्ट्रेट कैंसर की एच डी आर ब्रैकिथेरेपी में एक माह का प्रशिक्षण प्राप्त किया; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ओंकोलॉजी साइंस को प्रमुख संपादक चुने गए और इस्तानबुल, टर्की में एशियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोसर्जरी ए एस एन ओ 2014 की 11वीं बैठक में भाग लेने के लिए आई एस एन ओ से आंशिक यात्रा अनुदान प्राप्त किया।

डॉ. रमा पाण्डे 28 – 30 नवंबर 2014 को गुड़गांव में सार्क फेडरेशन ऑफ ओंकोलॉजिस्ट के वार्षिक सम्मेलन 2014 में पोस्टर अवार्ड हेतु निर्णायक थी।

शल्यक अर्बुद विज्ञान

प्रो. एन. के. शुक्ला ने एन जी ओ द्वारा 6 अप्रैल 2014 को आयोजित कैंसर आयोजित एवं जांच कार्यक्रम में भाग लिया; इंडियन जर्नल ऑफ सर्जरी, इंडियन जर्नल ऑफ कैंसर, ओटोलैरिंजोलॉजी इत्यादि में शोध प्रकाशनों के समीक्षक के रूप में कार्य किया।

प्रो. एस. वी. एस. देव को मलेशियन एसोसिएशन ऑफ सर्जंस की वार्षिक बैठक के दौरान व्याख्यान देने और सर्जिकल ओंकोलॉजी का आयोजन करने हेतु अंतरराष्ट्रीय शिक्षण संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया; इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ सर्जरी, स्विट्जरलैंड में 'ब्रेस्ट सर्जरी इंटरनेशनल' के शिक्षण संकाय और परिषद् सदस्य के रूप में चुना गया; उत्तरी जोन के लिए 'एसोसिएशन ऑफ ब्रेस्ट सर्जंस ऑफ इंडिया' के शिक्षा निदेशक के रूप में चुना गया : नेशनल कैंसर ग्रिड कोलैबोरेटिव क्लिनिकल ट्रायल्स नेटवर्क के लिए ब्रेस्ट कैंसर क्लिनिकल ट्रायल्स के पीठ के रूप में नियुक्त; एम्स में एम डी पैलिएटिव मेडिसिन डी एम क्रिटिकल केयर और डी एम ओंको एनेस्थीसिया पाठ्यक्रमों के अनुमोदन संबंधी डीन्स कमेटी में विशेषज्ञ; टी एम एच, मुंबई और बी एच यू, वाराणसी द्वारा एम सी एच सर्जिकल ओंकोलॉजी परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया; टाटा मैमोरियल हॉस्पीटल, मुंबई में एम सी एच सर्जिकल ओंकोलॉजी अभ्यर्थियों के चयन हेतु बाह्य विशेषज्ञ; एन ई आई जी आर आई एम एस, शिलांग में सर्जिकल ओंकोलॉजी फैकल्टी के चयन हेतु विशेषज्ञ।

डॉ. एम. डी. राय को इलियो इंगिनल ब्लॉक डिसेक्शन (आईआईबीडी) पर स्व अभिकल्पित तकनीक पर सर्वोत्तम शोध पत्र का पुरस्कार दिया गया; एशिया में सबसे बड़े ओवेरियन ट्यूमर (17 के जी) का ऑपरेशन करने के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम शामिल कराने की संस्तुति की गई और टाटा मेडिकल सेंटर, कोलकाता में अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया।

10.4 डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद

अध्यक्ष और आचार्य नेत्र विज्ञान

वाई. आर. शर्मा

आचार्य

अतुल कुमार	प्रदीप शर्मा	रमनजीत सिहोटा
गीता सत्पथी	जे. एस. तितियाल	राधिका टंडन
एस. के. खोखर	शक्ति कुमार गुप्ता (चिकित्सा अधीक्षक)	महेश चंद्रा
दिलीप आर. शिंदे (नेत्र संवेदनाहरण)	मनदीप सिंह बजाज	राज पाल
सीमा सेन (नेत्र विकृति विज्ञान)	संजय शर्मा (विकिरण निदान)	सीमा कश्यप (नेत्र विकृति विज्ञान)
नम्रता शर्मा	तनुज दादा	प्रदीप वेंकटेश
नीलम पुष्कर		

अपर आचार्य

टी. वेलपंडियन (नेत्र भेषजगुण विज्ञान)	प्रवीण वशिष्ठ (सामुदायिक नेत्र विज्ञान)	जसबीर कौर (नेत्र जैव रसायन विज्ञान)
रोहित सक्सेना	विनय गुप्ता	रेनू सिन्हा (नेत्र संवेदनाहरण)
तुषार अग्रवाल	एम. वनाथी	राजेश सिन्हा
भावना चावला	पारिजात चंद्रा	

सहायक आचार्य

सेनजाम सूरज सिंह	आलोक कुमार रवि	नबनिता हल्दर
नुपूर गुप्ता	रचना मील	विनोद कुमार
रोहन चावला	सुनील चौधरी	स्वाति फुलझने

विशिष्टताएं

पिछले एक वर्ष के दौरान केंद्र की कई उपलब्धियां हैं। प्रो. (डॉ.) योग राज शर्मा और प्रो. (डॉ.) जीवन सिंह टिटियाल को भारत के राष्ट्रपति द्वारा क्रमशः वर्ष 2015 और 2014 के लिए पद्मश्री से सम्मानित किया गया है। बकरी की आंख में फैकोइम्यसिफिकेशन, विट्रेक्टॉमी, किरेटोप्लास्टी इत्यादि सीखने के लिए राष्ट्रीय शल्य चिकित्सा कौशल विकास केंद्र नामक नया शल्य चिकित्सा प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की गई है। ऑप्थैल्मोलॉजी रेजीडेंट्स ऑक्यूलर माइक्रोसर्जरी की तकनीक में विशेषज्ञता प्राप्त करना सीख रहे हैं। फेक्टो कैटरेक्ट (मोतिया बिंद) ऑपरेशन थिएटर का निर्माण किया गया है और यह पूर्णतः कार्यशील है। हाल ही में आई कैजुअल्टी और इसके ऑपरेशन थिएटर का नवीकरण किया गया है और यह अब पूर्णतः कार्य कर रहा है। कई सामान्य वार्डों का नवीकरण किया गया है और इनमें अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान की गई है। नेशनल आई बैंक और एल. पी. अग्रवाल ओ. आर. ए लाइब्रेरी का उन्नयन और आधुनिकीकरण किया गया है। डॉ. आर. पी. सेंटर की कैजुअल्टी के पीछे की ओर एक्सटेंशन / स्क्रीनिंग ओ पी डी का निर्माण किया गया है और यह पूर्णतः कार्य कर रही है जिससे कि ओ पी डी में भीड़ कम की जा सके। सभी वार्डों, ओ टी, ओ पी डी, डे केयर और प्रयोगशालाओं के कम्प्यूटरीकरण का कार्य पूरा हो गया है। ओ

पी डी क्षेत्र में अब केंद्रीकृत एअर कंडीशनिंग सिस्टम पूरी तरह कार्य कर रहा है। केंद्र के संकाय सदस्यों (क्लिनिकल और बेसिक साइंसेज) को कई अतिथि व्याख्यानों के लिए आमंत्रित किया गया, उन्होंने कई निर्देशात्मक पाठ्यक्रमों में भाग लिया और उन्हें कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में पैनलिस्ट और अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया। डॉ. आर. पी. सेंटर नैदानिक देखभाल रेजीडेंट, प्रशिक्षुओं और अध्येताओं के शिक्षण के क्षेत्र में सक्रिय था। इस अवधि (2014 – 15) के दौरान कई अनुसंधान कार्यकलाप भी हुए और पीएचडी स्कॉलर्स, रेजीडेंट्स और संकाय सदस्यों द्वारा राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलनों में कई शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। डॉ. आर. पी. सेंटर फॉर ओफ्थैल्मिक साइंसेज के संकाय सदस्यों, रेजीडेंट्स और शोधार्थियों द्वारा सहयोगियों द्वारा समीक्षित सूचीबद्ध पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध लेखों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है।

शिक्षा

स्नातकोत्तर एम डी : 35

पैराक्लिनिकल : बीएसी (एच) ऑफ्थेलमोलॉजी : 36
12 छात्र पास

कुल जूनियर रेजिडेंट : 111

सी एम ई

केंद्र के संकाय ने विभिन्न वैज्ञानिक मंच में हिस्सा लिया, व्याख्यान सहित मुख्य संबोधन दिए और शोध पत्र / पोस्टर प्रस्तुत किए। वर्ष के दौरान केंद्र द्वारा निम्नलिखित पर सम्मेलन / गोष्ठियां / कार्यशालाएं आयोजित की गई :

आर पी सी अद्यतन 2015 : 10 मार्च 2015

* सुनील कुमार – युवा वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित (द्वितीय)
* स्वाति शुक्ला – युवा वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित (द्वितीय)
* संदीप गोस्वामी – एशिया द्वारा अनुदान से सम्मानित किया गया – ए आर वी ओ
* मनप्रीत कौर – सीक्वेंट – न्यूरो – ऑफ्थेलमोलॉजी सत्र डी ओ एस वार्षिक सम्मेलन 2014 में सर्वोत्तम स्वतंत्र शोधपत्र।

प्रदत्त व्याख्यान

योग राज शर्मा : 1	**अतुल कुमार : 15**	**प्रदीप शर्मा : 3**
जे. एस. तितियाल : 11	**राधिका टंडन : 1**	**शक्ति कुमार गुप्ता : 6**
महेश चंद्रा : 2	**दिलीप शिंदे : 6**	**मनदीप सिंह बजाज : 1**
सीमा सेन : 1	**सीमा कश्यप : 2**	**नम्रता शर्मा : 39**
टी. वेलपंडियन : 1	**प्रवीण वशिष्ट : 11**	**जसबीर कौर : 1**
रोहित सक्सेना : 7	**एम. वनाथी : 7**	**पारिजात चंद्रा : 8**
सेनजाम सूरज सिंह : 6	**विनोद कुमार : 1**	**रोहन चावला : 1**
स्वाति फलझने : 1		

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. भारत में आर ओ पी सेवाओं का सुदृढ़ीकरण – चरण – 2.
2. नेत्र के पोस्टेरियर सेगमेंट का गैर संक्रामक यूवाइटिस के सक्रिय उपचार के लिए डीई – 109 (तीन खुराक) के इंट्राइटिस इंजेक्शनों के एक चरण 3, बहु – राष्ट्रीय, बहु केंद्र, यादृच्छिक, डबल – मास्क, सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन अध्ययन।
3. ल्युमिनस : व्यक्तिगत रोगी के उपचार और संबद्ध परिणामों के माध्यम से एलयूसीईएनटीआईएस की प्रभावशीलता और सुरक्षा निरीक्षण के लिए अध्ययन।

4. एक 12 माह, चरण 3, यादृच्छिक, डबल मास्कयुक्त, बहुकेन्द्र, सक्रिय नियंत्रित परीक्षण से 0.5 मिकृ ग्रा. रेनीजुमैबन बनाम वर्टेपोरफिन पीडीटी के रोगियों की खुराक में कोरोलिडाल नियो वेस्कुलराइजेशन के कारण द्वितीयक से पैथोलॉजिकल मायोपिया (चमक) के कारण दो व्यवस्थाओं की निरापदता और दक्षता का मूल्यांकन करना।
5. एल डी एल वेरियंट वाली मस्तिष्क की कोशिकाओं के जोखिम में कोलेस्ट्रॉल होमिओस्टेसिस और एण्डोप्लास्मिक रेटिकुलम स्ट्रेस के साथ इसका सह संबंध।
6. उत्तरी भारत के अस्पतालों में आधारित जनसंख्या में आंख के सूखेपन और इसके सबटाइप की व्यापकता।
7. एक तृतीयक स्तर के सरकारी सहायता प्राप्त नेत्र अस्पताल में रोगियों के बीच आईओएल चुनने पर मोतियाबिंद रोगियों के प्री–ऑपरेटिव परामर्श के प्रभाव का निर्धारण करना।
8. भारत में ए फ्लेवस संक्रमणों की जनसांख्यिकी, पैथोजिनोमिक्स और कायिक जीव विज्ञान – एक समेकित मार्ग।
9. दिल्ली में रहने वाले असामान्य कंजक्टिविटाइटिस का एक संभावित व्यापक अध्ययन और वायरल कंजक्टिविटाइटिस के तेजी से निदान के लिए एक मल्टीप्लेक्स पीसीआर आमापन का विकास।
10. आंख की जलन के कारण आंशिक लिम्बल स्टेम सेल की कमी का प्रबंधन में अकेले एमनियोटिक झिल्ली प्रत्यारोपण पर ऑटोलॉगस संवर्धन लिम्बल स्टेम सेल की तुलना।
11. एशिया कॉर्निया सोसायटी संक्रामक केराटिटिस अध्ययन।
12. प्राइमरी ओपन एंगल ग्लूकोमा और प्राइमरी एंगल क्लोसर ग्लूकोमा के रोगियों के आंसुओं के एक्वेयस ह्युमर में विशिष्ट प्रोटीनों की पहचान ।
13. मानव रेटिनोब्लास्टोमा की जीन अभिव्यक्ति रूपरेखा।
14. समय से पहले रेटिनोपैथी में जीनों की अभिव्यक्ति विभेदन।
15. डायबेटिक रेटिनोपैथी के पैथोजेनेसिस में शामिल जीनों की रूपरेखा अभिव्यक्ति।
16. यूीवयल मेलेनोमा में आण्विक और म्युटेशनल अध्ययन और क्लिनिक–रोग मानकों के साथ इनका संबंध।
17. भारतीय नेत्र कोषों के लिए कॉर्नियल प्रत्यारोपण पुनःसंरक्षण हेतु गुणवत्ता नियंत्रित पैरामीटर्स तथा डिस्पेन्सिंग एम के मीडिया का विकास।
18. इनका सबस्ट्रेस के ऑक्युलर डिस्पोसिशन में न्यूक्लियोसाइड ट्रांसपोर्टरों का कार्यात्मक महत्व – लक्षित नेत्र दवा वितरण करना।
19. रजोनिवश्तोत्तर शुष्क नेत्र का उपचार करने में आइसोफ्लेवोनस के नए ऊपरी सूत्रण का विकास और पूर्व नैदानिक अध्ययन।
20. रेटिनोब्लास्टोमा के लिए नए कैंसर रोधी एजेंटों के विकास हेतु दवा और जैव विश्लेषणात्मक विधियों के विकास के लिए व्यवहार्यता अध्ययन।
21. नेत्र और अन्य संक्रमण में इसकी अनुमानित उपयोग के लिए क्यूएसपी आर प्लेटफॉर्म पर आधारित नए एंटीमाइक्रोबायल्स विकास पर सहयोगात्मक अध्ययन।
22. असेम्बलिंग मानव कॉर्नियल निर्माण हेतु सेल शीट इंजीनियरिंग, (एम – 1286)।
23. कॉर्नियल एपिथिलियल स्टेम कोशिकाओं के एक्स विवो विस्तार के लिए मानव एम्नियोटिक झिल्ली के एक वैकल्पिक सबस्ट्रेट के रूप में कार्य करने हेतु एक संभावित बायोपॉलीमर का विकास।
24. मानव कॉर्नियल एण्डोथेलियल कोशिका के आइसोलेशन, संवर्धन और विशेषताएं।
25. सूखी आंख के इलाज में ओरल रेबेमिपिड का नैदानिक परीक्षण"।
26. भारत में नेत्र स्वास्थ्य पर वैश्विक गर्मी और पराबैंगनी विकिरण (यू वी आर) का सामना करने के प्रभाव पर बहुकेन्द्रित सहयोगात्मक अध्ययन।
27. दिल्ली के स्कूली बच्चों के बीच निकट दृष्टि को प्रभावित करने वाले परिवर्तनीय कारकों के लिए स्वास्थ्य शिक्षा हस्तक्षेप पर एक प्रायोगिक अध्ययन।
28. दीर्घकालिक एंटीग्लूकोमा चिकित्सा के क्रोनिक मोतियाबिंद वाली आंखों में आंसू न्यूरोमेडिटोर्स का मूल्यांकन।
29. ऑक्युलर जी वी एच डी में आंसुओं का मूल्यांकन।
30. नेत्र संबंधी त्रुटि पर विजन दिल्ली परियोजना – एक समुदाय की नेत्र देखभाल पहल।

31. एन पी सी बी, भारतीय परियोजना में एन पी सी बी के तहत ट्रेकोमा व्यापकता सर्वेक्षण – 9 जिले (अनुलग्नक – क)।
32. एन पी सी बी नेशनल ट्रेकोमा सर्वेक्षण के तहत ट्रेकोमा तीव्र आमलन (अनुलग्नक ख)।
33. भारत में नेत्र स्वास्थ्य पर ग्लोबल वर्मिंग और पराबैंगनी विकिरण (यू वी आर) का सामना करने के प्रभाव पर बहुकेन्द्रित सहयोगात्मक अध्ययन।
34. स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने पर प्रचालन अनुसंधान परियोजना।
35. राष्ट्रीय ट्रेकोमा व्यापकता सर्वेक्षण।
36. राष्ट्रीय ट्रेकोमा रैपिड मूल्यांकन सर्वेक्षण।
37. विजन दिल्ली – शहरी मलिन बस्तियों में रिफ्रैक्टिव त्रुटि सेवाओं के लिए एक समुदाय नेत्र देखभाल पहल।
38. दिल्ली के शहरी मलिन बस्तियों में सामान्य नेत्र अवस्था के बारे में स्वास्थ्य संबंधी प्रैक्टिस एवं जागरूकता संबंधी अध्ययन।
39. दिल्ली में माध्यमिक स्कूल के बीच कोहेरेंस और चश्मे के अनुपालन की समझ का अध्ययन।
40. सी बी एम – आर पी सी विकलांगता समावेशी नेत्र स्वास्थ्य कार्यक्रम।
41. आइलिड सेबसीयस ग्रंथि कार्सिनोमा में एपिथेलियल मेसेंकाइमल संक्रमण मार्कर का नैदानिक निहितार्थ।
42. इंट्राऑक्युलर मेलिग्नेंट बाल्यावस्था अर्बुद में एच. एम. जी. प्रोटीन्स की भूमिका।
43. ऑक्युलर एडनेक्सल लिम्फोमा एवं फेलामाइडिया : एक इम्यूनोफिनोटाइपिक एवं मॉलीक्यूलर अध्ययन।
44. इंट्राऑकुलर बाल्यावस्था के ट्यूमर में माइटोकोंड्रियल डी एन ए का आण्विक अध्ययन।

पूर्ण

1. एक तीन वर्षीय, चरण 3, बहुकेन्द्र, मास्कयुक्त यादृच्छिक, शैम नियंत्रित परीक्षण से 700 मा. ग्रा. डेक्सामेथेसॉन पिछले खण्ड की निरापदता और दक्षता के आकलन से औषधि प्रदायगी प्रणाली (डेक्स पीएस डी डी एस) एप्लीकेटर प्रणाली द्वारा डायबेटिक मैक्यूलर एडिमा के रोगियों का इलाज।
2. एक 12 माह, चरण 3, यादृच्छिक, डबल मास्कयुक्त, बहुकेन्द्र, सक्रिय नियंत्रित परीक्षण से 0.5 मि.. ग्रा. रेनीजुमैबन बनाम वर्टेपोरफिन पीडीटी के रोगियों की खुराक में कोरोलिडाल नियो वेस्कुलराइजेशन के कारण द्वितीयक से पैथोलॉजिकल मायोपिया के कारण दो व्यवस्थाओं की निरापदता और दक्षता का मूल्यांकन करना।
3. मैक्यूलर एडिमा वाले बी आर वी ओ के रोगियों में ऑजुरडेक्स इम्प्लांट बनाम ऑजुरडेक्स इम्प्लांट पल्स लेजर का तुलनात्मक यादृच्छिक मूल्यांकन।
4. ब्राइमोनिडिन टारट्रेट से पिछले खण्ड में औषधि प्रदायगी प्रणाली के जैव निम्नीकरण का मूल्यांकन करने हेतु एक बहु केन्द्रिक रोगी मास्क युक्त सुरक्षा विस्तार अध्ययन।
5. एकैंथोमोइबेसप्पफ्रोम एमेबिक केराटिटिस और सी एन सी संक्रमणों का जीनोटाइप दश्ढ़ संकल्प और रैपिड डायग्नोसिस के लिए पी सी आर एसे बनाम संवर्धन विधियों का मूल्यांकन करना।
6. स्टीवंस – जॉनसन सिंड्रोम (एस जे एस) अंतर्निहित आनुवंशिक आधार की पहचान करने के लिए अध्ययन।
7. पोस्टीरियर पोलर कैटरेक्ट परिवारों का आण्विक आनुवांशिक विश्लेषण।
8. रेटिनोब्लास्टोमा के उपचार में खरगोशों में कैंसर प्रतिरोधी एजेंट के नेत्रीय काइनेटिक्स का प्रभाव तथा संभावित बहुलताओं पर उसके प्रयोग का मूल्यांकन।
9. डायबेटिक रेटिनोपैथी के लिए जांच और उपचार के लिए मौजूदा कार्यक्रमों की स्थिति का विश्लेषण, मूल्यांकन।
10. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में राष्ट्रीय ट्रेकोमा सर्वेक्षण
11. दिल्ली के शहर मलिन बस्तियों में डायबेटिक रेटिनोपैथी की जांच आधारित समुदाय के लिए लागत प्रभावी मॉडल के विकास पर नवाचारी निधि परियोजना।
12. सेंटिनेल निगरानी इकाई परियोजना
130 राष्ट्रीय निगरानी इकाई।

14. दिल्ली के शहर मलिन बस्तियों में डायबेटिक रेटिनोपैथी की जांच आधारित समुदाय के लिए लागत प्रभावी मॉडल।
15. ऑक्यूलर मेलिग्नेंसी में माइक्रो आर एन ए – 200 परिवार की भूमिका।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. कोंफोकल स्कैनिंग लेजर का उपयोग कर ब्रांच रेटिनल वैन ऑक्लूशन आईज़ में डिस्क का मोर्फोमेट्रिक विश्लेषण।
2. तृतीयक देखभाल केंद्र में एंडोफ्थेलेमिटाइस की नैदानिक रूपरेखा और प्रबंधन परिणाम।
3. गैर –सूजन नेत्रों के प्रबंधन के बाद मेरोपिनियम और एरापिनियम के इंट्राऑक्यूलर पेनेट्रेशन का मूल्यांकन।
4. संपूर्ण मोटे मैक्यूलर होल के आइडियोपेथिक के निकट एनाटोमिकल क्लोजर में एक दिन बनाम तीन दिनों के लिए पोस्टऑपरेटिव स्ट्रिक प्रोन स्थिति की भूमिका का मूल्यांकन करना : एक आरंभिक अध्ययन।
5. इडियोपैथिक सेंट्रल सिरौस कोरियो – रेटिनोपैथी में प्रणालीगत संवहनी टोन, संरचना तथा कार्यात्मक परिणामों का निर्धारण।
6. मेटास्टेटिक एंडोथेलेमाइटिस के सूक्ष्मजीव विज्ञान और नैदानिक रूपरेखा।
7. सी एस आर के रोगियों में ऑटोनोमिक टोन, संरचना और कार्यात्मक परिणाम का मूल्यांकन।
8. ऑप्टिकल कोहरेंस टोमोग्राफी का उपयोग कर आरएनएफएल और ओएनएच में परिवर्तनों के संबंध वाले रोगियों में पीडीआर में पारंपरागत पीआरपी सहित पीएएससीएएल पीआरपी की तुलना।(जारी)
9. संपूर्ण मोटे मैक्यूलर होल के आइडियोपेथिक के निकट एनाटोमिकल में एक दिन बनाम तीन दिनों के लिए पोस्टऑपरेटिव स्ट्रिक प्रोन स्थिति की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण : एक प्रारंभिक अध्ययन।
10. इस्चेमिक सी वी ओ वाले रोगियों के प्रबंधन में अस्थि मज्जा व्युत्पन्न स्टेम कोशिकाओं की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना।
11. व्यापक क्षेत्र फ्लोरेसैन एंजियोग्राफी का उपयोग रेटिना वेसकुलिटिस वाले रोगियों में नैदानिक और इटियोलॉजिकल प्रोफ़ाइल का अध्ययन करना।
12. डायबेटिक मैक्युलर एडिमा के एसडी – ओसीटी पैटर्न का अध्ययन करना और प्रणालीगत और नेत्र के जोखिम कारकों के साथ सहसंबंध।
13. प्रोलाइरेटिव डायबेटिक रेटिनोपैथी वाले रोगियों में निम्नलिखित विट्रेयोरेटिनल सर्जरी में कोरोइडल परत (ईडीआई – ओसीटी पर) में परिवर्तन का निर्धारण।
14. प्रोलाइरेटिव डायबेटिक रेटिनोपैथी वाले रोगियों में निम्नलिखत पैनरेटिनल फोटोकोएगुलेशन में ऑप्टिक तंत्रिका सिर और तंत्रिका फाइबर परत परिवर्तन (एसडी – ओसीटी पर) निर्धारण।
15. एंटीरियर सेग्मेंट चेंजिस विद् एंटीरियर सेग्मेंट ओ सी टी इन केसिस विच आर अंडरगोइंग विट्रियो – रेटिनल प्रोसिजर। ओप्टिक नर्व चेंजिस एण्ड नर्व फाइबर लेयर एनालाइसिस आफ्टर पेसकल लेजर इन डायबिटीक रेटिनोपैथी।
16. तृतीयक देखभाल नेत्र केंद्र में एण्डोजेनौस एण्डोथैलमिस्ट का नैदानिक और माइक्रोबियल प्रोफ़ाइल। सीएसआर के रोगियों में स्वायत गतिविधि।
17. एंटी – वी ई जी एफ़ और इंट्रा – विट्रील स्टेरॉयड के बाद गैंगलियन परत की मोटाई।
18. आक्रामक आर ओ पी के मामलों में एंजियोग्राफी के बाद लेजर।
19. रेटिना विकृतियों वाले रोगियों में कोरोइडल वेस्कुलर बदलाव से पहले और बाद विट्रिक्टोमी।
20. गैंग्लियोन कोशिका परत आकलन से पहले और रेटिना बीमारी के मामलों में एवेस्टिन इंजेक्शन के बाद।
21. ऑक्युलर आघात रोगियों में विदेश निकाय हटाने से पहले और बाद ई आर जी मल्टीफोकल
22. रैनीबिजुम्ब का तुलनात्मक मूल्यांकन बनाम। निम्नलिखित बी आर वी ओ, 2014 मैकुलर एडेमा में डेक्सामेथेसोन इम्प्लांट के साथ और लेजर के बिना।
23. मधुमेह विट्रेक्टोमैकुलर ट्रैक्शन, 2014 में न्यूनतम इनवेसिव विट्रेक्टोमी सर्जरी के परिणामों का अध्ययन करना।
24. यूवाइटिस के प्रयोगात्मक मॉडल में नेत्र सूजन के दौरान रक्त नेत्र बाधाओं में ट्रांसपोर्टर कार्यों को समझना।
25. संवर्धन नकारात्मक संक्रमण के सूक्ष्म जीव विज्ञान में मेटाजिनोमिक्स का उपयोग।

26. एक तृतीयक देखभाल केंद्र में एण्डोजिनौस एण्डोथैलमिटिस वाले रोगियों का नैदानिक और सूक्ष्मजीवविज्ञानी प्रोफ़ाइल।
27. फोवाल गैंग्लियो कोशिका परत और विट्रियो – रेटिनल इंटरफ़ेस पर एंटी – वी ई जी एफ़ एजेंटों और स्टेरॉयड के इंट्रोविट्रियल इंजेक्शन के प्रभाव का अध्ययन करना।
28. ऑप्टिकल कोहरेंस टोमोग्राफी का उपयोग कर पास्कल पेंरेटिनल फोटोकोएगुलेशन के बाद रेटिना तंत्रिका फाइबर की परत और ऑप्टिक तंत्रिका शीर्ष के परिवर्तन का मूल्यांकन करना।
29. सूखे ए एम डी के प्रबंधन के लिए ऑटोलॉगस स्टेम कोशिकाओं का मूल्यांकन।
30. डॉ. आर पी सी, एम्स, नई दिल्ली में कम विजन और पुनर्वास सेवाओं का सुदृढ़ीकरण। (क्रिस्टोफेल ब्लींदें मिशन द्वारा परियोजना वित्त पोषण)
31. कम्पेरेजिन ऑफ अल्ट्रा वाइड फील्ड एफ ए (यूडब्ल्यूएफएफए) विद् कंवे. एफ ए गाइडिड पेस्कल लेजर ट्रीटमेंट इन डी आर।
32. प्रीमेचुरिटी के आक्रामक पोस्टरियर रेटिनोपैथी के प्रबंधन में फंडस फ्लोरेसैन एंजियोग्राफी की भूमिका।
33. एक तृतीयक अस्पताल में इनबॉर्न और आउटबॉर्न शिशुओं में प्रीमेचुरिटी प्रोफ़ाइल की रेटिनोपैथी।
34. फैकफ्रेग्मेंटशन के बाद पोस्टरीओरली डिस्लोकेटेड लेंस का शारीरिक और दृश्य परिणाम।
35. प्रीमैचुरिटी (आर ओ पी) के रेटिनोपैथी के पशु मॉडल में रेटिना रेनिन एंजियोटेनसिन प्रणाली (आर ए एस) की भूमिका का विकास।
36. आयरन इंट्राकुलर बाहरी पिण्ड वाले रोगियों में बहुकेंद्रक इलेक्ट्रोरेटिनोग्राम में परिवर्तन की शल्यक्रिया पूर्व और पश्चात आकलन।
37. मोनोथेरपी के रूप में इंट्राविट्रीयल बीवेसिजुम्ब का मूल्यांकन और विसरित मधुमेह मैकुलर एडेमा में मैक्यूलर ग्रिड लेजर फोटोकोएगुलेशन के साथ संयोजकता।
38. कॉम्पेरिजन ऑफ पेस्कल विद् कंवेंशनल लेजर विद् रिस्पेक्ट टू चेंजिस इन रेटिनल नर्व फाइबर लेयर एण्ड ऑप्टिक नर्व हैड इन पेशेंट्स अंडरगोइंग पेन रेटिनल फोटोकोएगुलेशन फॉर प्रोलाइफरेटिव डायबिटीक रेटिनोपैथी यूजिंग ऑप्टिकल कोहरेंस टोमोग्राफी।
39. पोस्टरिओरली डिस्लोकेटेड क्रिस्टलाइन लेंस का संरचनात्मक और दृश्य परिणाम। फैकफ्रेग्मेंटशन के बाद।
40. नेत्र ट्रामा स्कोरिंग (ओटीएस) पर नेत्र ट्रामा आधार के पैटर्न को निर्धारित करना।
41. टू स्टडी द कम्पेरेटिव रोल ऑफ यूडब्ल्यूएफए गाइडिड पेरिफेरल लेजर अलोंग सी' इंटरविट्रिल रेनिबिजुम्ब सी' आर बी जेड ओनली इन बी आर वी ओ सी' मैकुलर एडिमा।
42. एसडी – ओसीटी का उपयोग कर डायबेटिक मैक्यूलर ओडिमा में कोरॉइड के मार्फोयोलॉजिकल और वेस्कुलर परिवर्तन का अध्ययन।
43. प्रोस्पेक्टिव रेण्डोमाइज्ड इंटरवेंशनल ट्रायल कम्पेरिंग कंवेंशनल फ्लोरेसैन एंजियोग्राफी विद् अल्ट्रा वाइड फील्ड फ्लोरसैन एंजियोग्राफी इन पैटर्न स्कैन लेजर गाइडिड ट्रीटमेंट ऑफ डायबिटीक रेटिनोपैथी।
44. नेत्र आघात स्कोर पर नेत्र आघात आधारित के पैटर्न – एक व्यापक अध्ययन।
45. निम्न मैक्यूलर सूचकांक मैक्यूलर होल का तुलनात्मक मूल्यांकन : एक नियंत्रित परिप्रेक्ष्य अध्ययन।
46. मानव में नेत्र संक्रमण करने वाले एकैंथामोइबा के लाक्षणीकरण के लिए जीनोटाइपिंग और प्रोअियोमिक्स द्वारा अध्ययन।
47. संवर्धन नकारात्मक संक्रमण के निदान में उन्नत जीनोमिक्स का उपयोग (सेप्टीसीमिया और एंडोफ्थैल्मिटिस)।
48. वोरिसोनाज़ोल और नेटामायसीन के लिए कार्निया अल्सर के रोगियों में रोधी संवेदनशीलता परीक्षण।
49. समय से पहले रेटिनोपैथी में जीन अभिव्यक्ति रूपरेखा।
50. किशोरों में ओपन एंगल ग्लूकोमा में जीनोमिक बदलाव।
51. मानव यूविअल मेलानोमा की जीन एक्सप्रेशन प्रोत्साहन।
52. साइटोक्रोम पी450 और ग्लूटेथायोन एस ट्रांसफेरेज़ की जेनेटिक बहुरूपता और उत्तर भारतीय आबादी में प्राथमिक खुला कोण मोतियाबिंद और प्राथमिक कोण बंद मोतियाबिंद का खतरा।
53. समयपूर्व पैदा होने वाले शिशुओं में वेस्कुलर एंडोथिलियल वृद्धिकारक और इंसुलिन के समान वशद्धिकारक – 1 के स्तर : समयपूर्व रेटिनोपैथी के साथ इसका सह संबंध।
54. मानव रेटिनोब्लास्टोमा में डीएनए की मरम्मत प्रवीणता : विटामिन डी और इसके प्रभाव का अध्ययन।
55. इस्चेमिक मोनोन्यूरोपैथी में प्रणालीगत कारकों की भूमिका का मूल्यांकन।

56. स्ट्रेबिस्मस में 6 नर्व पस्ली में पार्शियल वीआरटी की भूमिका का मूल्यांकन करना।
57. अम्ब्ल्यूपीए चिकित्सा में सक्रिय विजन चिकित्सा के रूप में वीडियो गेम की भूमिका का मूल्यांकन।
58. एवेल्युशन ऑफ डिस्टेंस एण्ड नीयर स्टेरियोप्सिस इन एक्वायर्ड केसिस ऑफ एमेट्रोपिया (मयोपेस, हाइपरमेट्रोप्स एण्ड यंग यूनिलेटरल एफेक्स।
59. स्ट्रेबिस्मस में एचआरक्यूओएल प्रश्नावली की जवाबदेही।
60. लेट्रल रेक्टस पक्षाघात में स्थानांतरण के लिए निशिदा प्रक्रिया का मूल्यांकन।
61. नैदानिक पाठ्यक्रम का एक तुलनात्मक अध्ययन तथा बाल चिकित्सा और वयस्क रोगियों में ऑर्बिटल सेलुलिटिस के इलाज का परिणाम।
62. एनोपैथाल्मोस, माइक्रोपैथलमोस और नेत्रविदर का नैदानिक और आनुवांशिक विश्लेषण।
63. दवाओं के इंट्राऑक्युलर पेनेट्रेशन के लिए केटिओनिक ट्रांसपोर्टर्स का मॉड्यूलेशन।
64. कंप्यूटर सहायक ड्रग डिजाइन में प्रयुक्त पोस्ट मीनोपोज़ल के लिए टॉपिकल एस्ट्रोजन अथवा एंड्रोजन रिसेप्टर मॉड्यूलेटर का विकास।
65. प्रायोगिक पशुओं में कैंसर रोधी एजेंट के ट्रांस – स्क्लेरल प्रसव के लिए आइयोटोफोरेटिक विधि का मूल्यांकन।
66. शव के नेत्रों से इसकी मात्रा के ठहराव के लिए ए2ई और एलसी – एमएस / एमएस विधि के माइक्रोवेब सहायता प्रदान संश्लेषण के लिए नई विधि का विकास।
67. कैंसर कोशिका लाइनों में नए प्लैटिनम यौगिकों के कैंसर विरोधी प्रभाव का अध्ययन करना।
68. रेटिनोब्लास्टोमा पर कोलेस्ट्रॉल टेथर्ड कैंसर विरोधी दवा वितरण की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना।
69. ट्रोपिकल आइसोफ्लेवोंस इन सेक्स स्टीरॉइड डेफिशियंट ड्राई आई मोडेल्स : रोल इन हार्डेरियन ग्लैंड सेक्रेशंस की भूमिका।
70. रक्त नेत्र बाधाओं को कम करने में न्यूक्लेसोसाइड ट्रांसपोर्टरों के कार्यात्मक महत्व को समझना।
71. मल्टिपल स्क्लेरोसिस और ऑप्टिक न्यूरैटिस के मामलों में ओ सी टी पर रेटिनल तंत्रिका फाइबर परत और गैंग्लियोन सेल परत परिवर्तन का मूल्यांकन करना।
72. भारतीय आबादी में गैर एट्रेरिटिक पूर्वकाल इस्कीमिक ऑप्टिक न्यूरोपैथी के लिए जोखिम कारकों का मूल्यांकन।
73. इंटरमिटेंट डायवरजेंट स्क्विंट के मामले में संवेदी स्थिति और मोटर नियंत्रण का सहसंबंध।
74. टाइटेनियम बैकप्लेट के साथ बोस्टन के केटप्रोस्थेसिस मूल्यांकन।
75. अस्पताल मुर्दाघर में इन – सीटू पुनर्प्राप्ति के दौरान दाता कार्निया परिशोधन के लिए तरीके का मूल्यांकन
76. टेरीजियम में अल्ट्रावायलेट रेडिएशन का सामना करने के मार्कर के तौर पर कंजक्टाइवल ऑटोफ्लोरसेंस।
77. दर्दनाक ऑप्टिक न्यूरोपैथी का महामारी विज्ञान, जोखिम कारक और नैदानिक प्रोफ़ाइल।
78. एण्डोथेलियल डिस्फंक्शन वाले रोगियों में डिस्सेमेट की स्ट्रीपिंग ऑटोमेटिड एण्डोथेलियल केराटोप्लास्टी का सह प्रभावी विश्लेषण बनाम।
79. अडेप्टिंग, अपडेटिंग एण्ड वेलिडेटिंग ए मॉर्डन वर्जन ऑफ द नेशनल आई इंस्टीट्यूट विजुअल फंक्शन क्वेशनायर (वीएफक्यू–25) एज़ ए टूल टू एनालाइज क्वालिटी ऑफ लाइफ इन पेशेंट्स अंडरगोइंग केरोटोप्लास्टी इन इंडिया :
80. स्कूल जाने वाले बच्चों में मायोपिया के प्रसार और प्रवर्धन का आकलन।
81. कॉर्नियल प्रत्यारोपण हेतु कॉर्नियल उत्तक दाताओं के एक्सटेंडिंग यूटिलाइजेशन में हार्मोनिंग द्वारा पूर्ण नैदानिक संभाव्यताओं की नीतियां।
82. नई दिल्ली में प्रत्यारोपण के रोगियों की आम जनता और रिश्तेदारों के बीच ज्ञान और दृष्टिकोण के संबंध में ऊतकों और अंग दान का एक तुलनात्मक अध्ययन।
83. दिल्ली के शहरी मलिन बस्ती में सामान्य नेत्र अवस्था के बारे में स्वास्थ्य संबंधी प्रैक्टिस एवं जागरूकता संबंधी अध्ययन।
84. रेटिनोब्लास्टोमा में ट्यूमरजन्यता से संबंधित माइटोकांड्रियल जीन संबद्ध का मॉलीक्यूलर विश्लेषण।
85. आइलिड के सिबेसियस कार्सिनोमा में एपीथिलियल मिसेनकिमल ट्रांसमिशन (ई एम टी) – एक इम्युनोहिस्टोकैमिकल और आण्विक अध्ययन।
86. यूवील मेलेनोमा में एन एफ के बी मार्ग की आणविक लक्षण वर्णन।

पूर्ण

1. आयु से संबंधित मैक्युलर डिजनरेशन वाले रोगियोंमें फंड्स ऑटोफ्लोरेंसेंस पैटर्न का अध्ययन करना।
2. विजन थ्रेटनिंग, गैर– संक्रमिक पोस्टेरियर यूवाइटिस में पल्स प्रतिरक्षा चिकित्सा की सुरक्षा और प्रभावकारिता का अध्ययन करना।
3. किशोर रुमेटॉयड आर्थेराइटिस में यूविटिस की व्यापकता का अध्ययन करना
4. सेरपिजेनयस कोरोइडोपैथी वाले रोगियों में ट्यूबरकुलोसिस के लिए जांचों के परिणामों का मूल्यांकन करना।
5. बाल चिकित्सा रेटिना डिटेचमेंट में विट्रिओरेटिनल सर्जरी का कारण और एनेटोमिकल–विजुअल परिणामों निर्धारित करना।
6. सेंन्ट्रल सेरस कोरियोरेटिनोपैथी में प्रणालीगत संवहनी टोन, संरचना तथा कार्यात्मक परिणामों का निर्धारण।
7. रूमेटोजेनियस रेटिनल डिटेचमेंट के उपचार में 23 गेज एवं 25 गेज एम आई वी एस का तुलनात्मक मूल्यांकन।
8. एनोथ्थैल्मिक कांट्रैक्टिड सॉकेट के पुनर्निर्माण में कल्टिवेटिड म्यूकस झिल्ली का मूल्यांकन।
9. फोवील गैंग्लियोन कोशिक परत और विट्रीरेटिनल इंटरफेस पर विरोधी – वी ई जी एफ़ एजेंटों और स्टेरॉयड के इंट्रविट्रील इंजेक्शन के प्रभाव का आकलन करना।
10. स्पष्टीकरण के दौर से गुजर के पॉइंट में सिलिकॉन और पोरौस पॉलीथीन कक्षीय गोलाकार प्रत्यारोपण के बीच तुलना।
11. समय से पहले रेटिनोपैथी के उपचार में कंफ्लुएंट लेजर तकनीकों (लेजर स्पॉट बनाम स्टैंडर्ड स्पॉट) की प्रभावकारिता। – एक यादृच्छिक परीक्षण।
12. कंफोकल स्कैनिंग लेजर ऑफ्थेलमोस्कोप का उपयोग करते हुए बी आर वी ओ नेत्रों में डिस्क का मोर्फोमेट्रिक मूल्यांकन।
13. मैक्यूलर ओडिमा वाले बी आर वी ओ के रोगी में रैनिबाइजुमब बनाम डिक्समेटोसोन इम्प्लांट का तुलनात्मक मूल्यांकन।
14. तृतीयक देखभाल केंद्र में एंडोफ्थेलेमिटाइस की नैदानिक रूपरेखा और प्रबंधन परिणाम।
15. डायबेटिक विट्रेयोमैक्युलर ट्रेक्शन में न्यूनतम इनवेसिव विट्रेयस सर्जरी का परीणाम।
16. रूमेटोजेनियस रेटिनल डिटेचमेंट के उपचार में 23 गेज एवं 25 गेज एम आई वी एस का तुलनात्मक मूल्यांकन।
17. नेत्र में संक्रमण के कारण कोएक्स की वायरस ए24 के कारण छोटे इंटरफेरिंग आरएनए (एस आई आर एन ए) का विकास।
18. सतह नेत्र, संपर्क लेंस और इसके सामान पर माइक्रोबायल कोलोनाइजेशन पर मासिक डिस्पोजेबल दैनिक वीयर सिलिकॉन हाइड्रोजेल कॉन्टेक्ट लेंस का प्रभाव।
19. अस्पताल मुर्दाघर में इन – सीटू पुनर्प्राप्ति के दौरान दाता कार्निया परिशोधन के लिए तरीके का मूल्यांकन
20. वेंटीलेटर पर आघात रोगियों में कार्निया परिवर्तन का मूल्यांकन।
21. अंतर्जात एण्डोथेलमिट्स की माइक्रोबायोलॉजी।
22. जन्मजात पेट्रोसिस के लिए सिलिकॉन गोफन सर्जरी : टार्सल तकनीक बनाम सिलाई से निर्धारण करना।
23. इंटुबेशन का संशोधन या इसके बिना असफल रही प्राथमिक डी सी आर के परिणाम।
24. पार्किंसंस रोग के मामलों में रेटिना में संरचनात्मक और कार्यात्मक परिवर्तन का मूल्यांकन करना।
25. एवेल्युशन ऑफ स्ट्रक्चरल एण्ड फंक्शनल चेंजिस ओवर टाइम इन एनिसोमेट्रोपिक एम्बीयोपेस बिफोर एण्ड ड्यूरिंग ओक्लुशन थेरेपी यूजिंग एम आर आई एण्ड डिफ्युजन टेंसर इमेजिंग।
26. कॉर्नियल ओपेसिटिज पर समुदाय आधारित जानपदिक रोग विज्ञान अध्ययन।
27. कॉर्नियल ओपेसिटिज पर समुदाय आधारित जानपदिक रोग विज्ञान अध्ययन।
28. ऑक्युलर स्क्वेमस सेल नियोप्लासिया तथा अन्य ट्यूमर सप्रेसर्स के साथ उसके सह संबंध में स्टार्टिफेन की भूमिका।

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. भारत में एफ्लेवस संक्रमण के महामारी विज्ञान, जीव विज्ञान और प्रणाली पैथोजिनोमिक्स – एक एकीकृत दृष्टिकोण।

2. बाल चिकित्सा और वयस्क रोगियों में कक्षीय कोशिका का नैदानिक पाठ्यक्रम और उपचार के परिणाम का एक तुलनात्मक अध्ययन करना।
3. मधुमेह के एक प्रयोगात्मक मॉडल में परिवहनों की अभिव्यक्ति का मूल्यांकन।
4. लक्षित पी पी ए आर–गामा के लिए फ्लैवानॉइड लाइब्रेरी का आभासी जांच और डायबेटिक की प्रयोगात्मक मॉडल में इसका मूल्यांकन।
5. ग्राफ्ट कार्य के टेक्रोलिम्स का रक्त स्तर का जीवन और सहसंबंध की गुणवत्ता का एक भावी अध्ययन और पोस्ट गुर्दे प्रत्यारोपण रोगियों में टेक्रोलिमस का प्रतिकूल प्रभाव।
6. विरोधी कैंसर पाली हर्बल निर्माण का के चुनिंदा सामग्री स्पेक्ट्रोस्कोपी लक्षण और औषधीय मूल्यांकन।
7. बाल चिकित्सा आबादी में प्लाज्मा एंटीट्युबरकुलर दवा के स्तर की मात्रा।
8. चूहों में मस्तिष्क माइक्रोडायलिसिस से न्यूटोट्रांसमिटोर्स की मात्रा के ठहराव के लिए विधि का विकास।
9. कैडवेरिक आंखों से ए2ई की मात्रा।
10. डॉ. रोहित – न्यूरोकॉग्निटिव चेंजिस एसोसिएटिड विद् पर्सप्शन, स्पेटियल ओरिएंशन एण्ड कॉ–ऑर्डिनेशन इन विजुअली चैलेंजिड सबजेक्ट्स यूजिंग फंक्शनल मैग्नेटिक रेसोनेंस इमेजिंग।
11. एम्स में बच्चों के विकास और न्यूरो – कॉग्निटिव परिणाम।
12. भारत में नेत्र स्वास्थ्य पर वैश्विक गर्मी और पराबैंगनी विकिरण (यू वी आर) का सामना करने के प्रभाव पर बहुकेन्द्रित सहयोगात्मक अध्ययन।
13. भारत में एम एम सी ऑग्मेंटिड ट्रेबेकुलेक्टोमी के बीच प्राथमिक मोतियाबिंद की सफलता के साथ जुड़े नैदानिक और हिस्टापैथ कारकों का मूल्यांकन।
14. द्विपार्श्वीय रूप से नेत्र में बहुत अधिक जल जाने पर एम्नियोटिक झिल्ली प्रतिरोपण की तुलना में संवर्धित मौखिक म्यूकोसल एपिथिलियल कोशिकाओं की भूमिका मूल्यांकन।
15. माइकोफिनोलेट मोफेटिल (एम एम एफ) और बेवेसिजूमेब (बी वी सी जेड) पात्रे इस्तेमाल करते हुए मानव मौखिक म्यूकोसल एपिथिलियल कोशिकाओं (ओ एम ई सी) ने म्यूसिल तथा एंटी एंजियोजेनेसिस मार्करों की अभिव्यक्ति का विश्लेषण।
16. इंट्राऑकुलर और कक्षीय रेटिनोब्लास्टोमा में सिर्टुइन 1 और एफ ओ एक्स ओ 3 का नैदानिक महत्व।

पूर्ण

1. आउटकम ऑफ रिविजन एक्स्ट्रनल डी सी आर यूजिंग माइटोमायसिन सी, विद् ऑर विदाउट इंट्यूबेशन इन फेल्ड प्राइमरी डी सी आर।
2. डॉ. रोहित – बाल चिकित्सा भेंगेपन सर्जरी में लिडोकाइन 2 प्रतिशत जेल और प्रोपैराकाइन 0.5 प्रतिशत नेत्र की दवाओं की यादृच्छिक तुलना।
3. डॉ. रोहित – इंटराक्रेनियल प्रैशर पर व्यापक ग्रीवा उच्छेदन के दौरान आईजेवी लिगेशन का प्रभाव।
4. पार्किंसंस रोग के रोगियों में अमेंटेडाइन का प्रतिकूल प्रभाव – एक क्रॉस अनुभागीय अध्ययन।
5. नेत्र जी वी एच डी में आंसू के प्रोटीन का मूल्यांकन।
6. स्टेम कोशिका की कमी के रोगों में नेत्र सतह पुनर्निर्माण के लिए लिम्बल स्टेम कोशिकाओं की संवर्धन।

प्रकाशन

जर्नल : 126 **सार : 5** **पुस्तकों में अध्याय : 7** **पुस्तक : 2**

रोगी उपचार

	नए रोगी	**पुराने रोगी**	**कुल**	
1.	सामान्य ओ. पी. डी.	136451	92520	228971
2.	आपातकालीन	9745	.	9745
	कुल रोगी	**146196**	**92520**	**238716**

	विशिष्टता वाले क्लीनिक			
1.	कॉर्निया क्लिनिक	5796	11894	17690
2.	लैंस क्लिनिक	766	1552	2318
3.	यूविआ क्लिनिक	1053	3861	4914
4.	कांटेक्ट लैंस क्लिनिक	1088	2556	3644
5.	ग्लोकोमा क्लिनिक	3235	7569	10804
6.	ऑफ्थेलमोप्लास्टी क्लिनिक	3413	2175	5588
7.	बाल नेत्र विज्ञान क्लिनिक	280	65	345
8.	रेटिना क्लिनिक	3193	5009	8202
9.	तंत्रिका नेत्र विज्ञान क्लिनिक	2054	1882	3936
10.	विट्रियो रेटिनल क्लिनिक	2524	1717	4241
11.	रेटिनोब्लास्टोमा क्लिनिक	345	727	1072
12.	आर. ओ. पी.	470	715	1185
13.	क) आर्थोप्टिक क्लिनिकल	1848	16960	18808
	ख) सीक्वींट क्लिनिक	5098	15307	20405
14.	रिफ्रेक्शन	.	33079	33079
	कुल रोगी	**31163**	**105068**	**136231**
	रोगियों का महा योग	**177359**	**197588**	**374947**

आंतरिक दाखिलें		**रोगियों की संख्या**
1.	सामान्य दाखिलें	16313
2.	आपातकालीन दाखिला	2965
3.	निजी दाखिला	1063
4.	अल्पकालिक दाखिला	8299
5.	दिवस देखभाल दाखिला	9693
	कुल	**38333**
ऑपरेशन		
1.	बड़े	18243
2.	दिवस उपचार	9693
	कुल बड़े	**27936**
3.	छोटा	11038
	महा योग	38974*
	मृत्यु	तीन

अन्य वार्षिक आंकड़े

1.	औसत बिस्तर अधिग्रहण दर	78 प्रतिशत
2.	ठहरने की औसत अवधि	9.0 दिन
3.	प्रति कार्य दिवस औसत ओ. पी. डी. उपचार	1280
4.	प्रति कार्य दिवस आंतरिक दाखिलें की औसत संख्या	105
5.	प्रति कार्य दिवस ऑप्रेशन की औसत संख्या	107

अनुसंधानात्मक प्रयोगशालाएं

पोस्ट सेग	2855	वाई ए जी	2545
ओ सी टी	17495	एफ एफ ए	3139
सी पी	1622	एल आई	4750
वी के जी	1216	आई ओ एल	2505
एक्सेल लेंथ	1475	रिफ्रेक्शन	1248
एल वी ए	569	एन सी टी	1596
एस एम	444	ए एस ओ सी टी	1086
सी पी	3702	यू बी एम	81
ए आर	2109	आई – ट्रेस	676
सिवनी रेम	817	पी के – पुराना	1313
ईबी क्लिनिक–नई	5810	ई बी क्लिनिक – पुरानी	1214
कॉन्टेक्ट लेंस नए	1064	कॉन्टेक्ट लेंस पुराने	2688
वीडियो स्लिट लैंप	49	मैन्युअल केराटोमेट्री	455
ऑटोलेन्सोमेट्री	785	शिर्मर जांच	1966
बी यू टी	926	ऑटोकेराटोमेट्री	770
ए एल	10899	के एम	10652
ए आर	1535	आई ओ एल मास्टर	9469

नेत्र सूक्ष्म जैव विज्ञान

बैक्टीरियल संवर्धन एवं संवेदनशीलता	11138
फंगल संवर्धन	3773
साइटोलॉजी हेतु स्पेसिमेन प्रोसेस्ड	2944
पी सी आर एण्ड डिटेक्शन हेतु स्पोसिमेन प्रोसेस्ड	48
केलामाइडिया एंटीजन डिटेक्शन हेतु स्पेसिमेन प्रोसेस्ड	443
एकेनथेमोबिया हेतु संवर्धन	33
कंजक्टिवाइटिस हेतु स्पेसिमैन प्रोसेस्ड	16
माइक्रोस्पोरिडिया हेतु स्पेसिमैन प्रोसेस्ड	8
मायोबैक्टीरिया हेतु स्पेसिमैन प्रोसेस्ड	19
महा योग	**18422**

नेत्र जैव रसायन

नमूनों की कुल संख्या	9010
(अनुसंधान से भिन्न)	
आंतरिक	7051
बाह्य	1959

नेत्र विकृति विज्ञान

i) – रक्त : कुल ल्यूकोसाइट काउंट (टी एल सी)	
– विविध ल्यूकोसाइट काउंट (डी एल सी)	
– पेरीफेरल रक्त स्मियर (पी बी एस),	
– एरिथ्रोसाइटिस सेडीमेंटेशन दर (ई एस आर)	
– रक्तस्राव समय (बी टी) /क्लोटिंग टाइम (सी टी)	
कुल :	**52,267**
ii) – मूत्र	09,469
– हिस्टोपेरोलॉजी, साइटोपेथोलॉजी एवं अनुसंधान	26,037

नेत्र भेषण गुण विज्ञान एवं फार्मेसी

मीडिया सहित ऑक्यूलर फार्मेसी के माध्यम से दी गई मुफ्त दवाएं (बोतलें)	132626

मलिन बस्तियों में नेत्र उपचार सेवा सामुदायिक नेत्र विज्ञान	**आउटपुट**
प्राथमिक नेत्र उपचार क्लिनिक :	20
झुग्गी झोपड़ी बस्तियों में पीईसी केंद्रों में परिचर :	61980
झुग्गी झोपड़ी बस्तियों में पीईसी केंद्रों में पूरे किए गए रिफ्रेक्शन :	26807
झुग्गी बस्तियों में वितरित छूट प्राप्त चश्मे :	21037
रा. प्र. केंद्र को भेजे गए रोगी :	6855

नेत्र देखभाल स्वयंसेवक प्रशिक्षण कार्यक्रम

आयोजित स्वयंसेवी प्रशिक्षण कार्यक्रम :	59
प्रशिक्षित स्वयंसेवक :	723

नेत्र स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम

नेत्र स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन :	189
स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम में भागीदार :	3863

ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में मोतियाबिंद सर्जरी के लिए रीच इन कार्यक्रम

आयोजित प्रौढ़ स्क्रीनिंग शिविर :	15
जांच किए गए लोग	2616
रा. प्र. केंद्र को भेजे गए रोगी :	442

स्कूल नेत्र स्क्रीनिंग कार्यक्रम

एसईएस कार्यक्रम के तहत सम्मिलित विद्यालय :	26
स्कूल विज़न स्क्रीनिंग कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित अध्यापक :	38
देखें गए बच्चे :	20773
बच्चों को चश्मे की सिफारिश :	1523
बच्चों को चश्मे दिए गए :	674

मधुमेह रेटिनोपैथी जांच शिविर

आयोजित डीआर जांच शिविरों की कुल संख्या :	222
शिविरों में जांच किए गए मधुमेह रोगी :	4964
कुल डीआर रोगियों की पहचान और पी. सेंटर के लिए रेफर :	649
आगे प्रबंधन के लिए आर.पी. केंद्र में कुल रोगियों की सूचना दी	590

सामुदायिक नेत्र विज्ञान के तहत डॉ. आर. पी. सेंटर में उपचार के लिए दर्ज किए गए रोगी

सामुदायिक नेत्र विज्ञान के तहत दर्ज किए गए कुल रोगी :	3289
सामुदायिक नेत्र विज्ञान के तहत मोतियाबिंद और अन्य सर्जरी के लिए ऑपरेशन के कुल रोगी :	1884
आयोजित अनुवर्ती शिविर :	42
अनुवर्ती शिविरों में उपचारित रोगी :	1186

एन पी सी बी – राष्ट्रीय ट्रेकोमा सर्वेक्षण

ट्रेकोमा सर्वेक्षण के लिए कवर किए गए जिलों की संख्या	11
जांच कराने वाले वयस्कों की संख्या	41744
ट्राइकियासिस के साथ पहचाने गए वयस्कों की संख्या	84
बच्चों की जांच की संख्या	16785
सक्रिय ट्रेकोमा संक्रमण के लिए पहचाने गए बच्चों की संख्या	132

पुरस्कार सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य योग राज शर्मा को मेडिसिन के क्षेत्र में विशिष्ट सेवा प्रदान करने हेतु भारत के राष्ट्रपति द्वारा पद्मश्री से सम्मानित किया गया; 24 मार्च, 2014 से डॉ. आर पी सेंटर फॉर ओथैल्मिक साइंसेज, एम्स, नई दिल्ली का प्रमुख; वर्ष 2014 में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सलाहकार (ऑप्थैलमोलॉजी) मार्च 2014 से विश्व स्वास्थ्य संगठन केंद्र, नई दिल्ली के निदेशक; 2014 में ऑप्थैल्मिक रिसर्च एसोसिएशन, डॉ. आर पी सेंटर फॉर ऑप्थैल्मिक साइंसेज, एम्स, नई दिल्ली के प्रेजीडेंट; 2014 में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित डेफिनिशन ऑफ लो विजन एड कमेटी के चेयरमेन; 2014 में नेशनल टास्क फोर्स ऑन प्रीवेंशन ऑफ ब्लाइंडनेस फ्रॉम रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्योरिटी के को – चेयरमेन; 2014 में नेशनल टास्क फोर्स ऑन प्रीवेंशन एंड कंट्रोल ऑफ डायबिटीक रेटिनोपैथी के चेयरमैन; 8 – 9 अक्तूबर 2014 को नेशनल टास्क फोर्स ऑन प्रीवेंशन ऑफ ब्लाइंडनेस फ्रॉम रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्योरिटी, बाल स्वास्थ्य प्रभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की बैठक में सह – कार्यक्रम निदेशक; 2014 में नेशनल टास्क फोर्स ऑन प्रीवेंशन ऑफ ब्लाइंडनेस फ्रॉम रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्योरिटी, बाल स्वास्थ्य प्रभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का को – चेयरमेन; 21.11.14 को नेशनल डायबिटीक रेटिनोपैथी टास्क फोर्स की हैदराबाद में हुई दूसरी बैठक; 18 – 20 नवंबर 2014 को हैदराबाद में एस ई ए क्षेत्र परिहार्य अंधता और दृष्टिदोष की रोकथाम हेतु कार्य योजना (2014 – 15) को लागू करने हेतु आयोजित विश्व स्वास्थ्य संगठन की क्षेत्रीय बैठक का को – चेयरमेन; 4 अप्रैल 2014 को ई एस आई सी हेतु फैकल्टी के लिए फैकल्टी इंटरव्यू में विशेषज्ञ सदस्य 2014 में जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑप्थैल्मोलॉजी एंड रिसर्च के वैज्ञानिक समीक्षक; नियुक्त किया गया; अगस्त, 2014 में वर्ष 2012 हेतु 'शकुंतला अमीर चंद पुरस्कार' हेतु अभ्यर्थी

के चयन हेतु भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् द्वारा निर्णायक नियुक्त किया गया। सदस्य : सलाहकार समिति, भोपाल मैकोरियल हॉस्पीटल एंड रिसर्च सेंटर, 2014 : पुस्तक समीक्षक : "सैल बेस्ड थेरेपी फॉर रेटिनल डिटैचमेंट डिसीजेज, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, आई सी एम आर, 2014 : सदस्य; 10 अक्तूबर 2014 को आयोजित 44वीं विजन 2020 बोर्ड मीटिंग; परीक्षक; फाइको (रेटिना) द ऑल इंडिया ऑफ्थैल्मोलॉजिकल सोसाइटी, डॉ. आर पी सेंटर, एम्स, नई दिल्ली, नवंबर 2014; परीक्षक : फाइको (यू वी ई ए) ऑल इंडिया ऑफ्थैल्मोलॉजिकल सोसाइटी, डॉ. आर पी सेंटर, एम्स, नई दिल्ली, नवंबर 2014; 13 दिसंबर 2014 को डॉ. आर पी सेंटर, एम्स, नई दिल्ली में डिपार्टमेंट ऑफ कम्युनिटी ऑफ्थैल्मोलॉजी में पी एच डी छात्र डॉ. अनुसूया भट्टाचार्य के संबंध में डॉक्टोरल कमेटी के सदस्य; 23 दिसंबर 2014 को डॉ. आर. पी. सेंटर, एम्स, नई दिल्ली में डिपार्टमेंट ऑफ आक्यूलर माइक्रोबायोलॉजी में पीएचडी छात्र सुश्री दीपांशी मिश्रा के संबंध में डॉक्टोरल कमेटी के सदस्य; सदस्य : सतर्कता जांच, नवंबर, 2011 – 14; चेयरमेन : भंडार प्रबंधन, 2011 – 14; चेयरमेन : कंप्यूटर फैसिलिटी, ऑडियो विजुअल आर पी सी एंड वेबसाइट टेलीमेडिसिन, नवंबर 2011 – 14; चेयरमेन : भंडार प्रबंधन समिति, नवंबर, 2011 – 14; प्रभारी अधिकारी : रेटिना लैब एंड मल्टीफोकल ई आर जी, नवंबर, 2011 – 14; सदस्य : ओ टी सेवा समिति, नवंबर, 2011 – 14; सदस्य; विजन प्रक्यूरमेंटस – एम्स, नवंबर 2011 – 14; सदस्य : बजट एवं लेखा, नवंबर 2011 – 14 : सदस्य : आचार समिति – एम्स; 2011 – 14; सदस्य : एम्स अधिनियम 1956 के तहत नियमों एवं विनियम बनाने व उनकी समीक्षा करने संबंधी समिति, अप्रैल 2014; संपादक : एडवांसेज इन ऑफ्थैलमोलॉजी एंड विजुअल साइंसेज, 2014; वैज्ञानिक समीक्षक – ऑफ्थैल्मोलॉजी (ए ए ओ), 2006 से; अमेरिकन जर्नल ऑफ ऑफ्थैलमोलॉजी, 2007 से; इंडियन जर्नल ऑफ ऑफ्थैलमोलॉजी, 1990 से; विशेषज्ञ : जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार (बायोटेक कंर्सोटियम इंडिया लिमिटेड (बी सी आई एल) योजना की मैनेजमेंट एजेंसी (एस एम ए); वैज्ञानिक समीक्षक : जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 2013; विशेषज्ञ : जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डी बी टी), भारत सरकार (बायोटेक कंर्सोर्टियम इंडिया लिमिटेड) (बी सी आई एल) डी बी टी योजना की प्रबंधन प्रणाली एजेंसी (एस एम ए) है, 2013; वैज्ञानिक समीक्षक : हिंदवीं पब्लिकेशन कॉर्पो. 2009; वैज्ञानिक समीक्षक : सनामेड जर्नल, 2013; सदस्य : साइंटिफिक कमेटी ऑफ द एशिया – ए आर वी ओ, 2013; वैज्ञानिक समीक्षक : इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च – 2013; सलाहकार बोर्ड : डी ओ एस टाइम्स, 2013; संपादकीय सलाहकार सदस्य : दिल्ली जर्नल ऑफ ऑफ्थैलमोलॉजी, 2013; पुस्तक समीक्षक : विली ब्लैकवैल, भारत, 2013.

आचार्य अतुल कुमार को 11 – 13 अप्रैल 2014 को वार्षिक डी ओ एस बैठक में डॉ. एस एन मितर व्याख्यान पुरस्कार दिया गया; एन ए एम एस सलाहकार पैनल में ऑफ्थैलमोलॉजी विशेषज्ञ सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया; 2014; मार्च 2015 में अमेरिकन जर्नल ऑफ ऑफ्थैलमोलॉजी का समीक्षक नियुक्त किया गया; 10 – 12 अप्रैल 2015 को 66वें डी ओ एस वार्षिक सम्मेलन में 'डायबिटीक मैकुलर इडेमा" पर वार्ता के लिए डॉ. पी के जैन व्याख्यान पुरस्कार दिया गया; 10 – 12 अप्रैल 2015 को 66वें डी ओ एस वार्षिक सम्मेलन में मासिक नैदानिक बैठक में सर्वोत्तम नैदानिक वार्ता हेतु डॉ. कृष्ण सोहन सिंह ट्रॉफी प्रदान की गई।

आचार्य जे. एस. टिटियाल को मेडिसिन (ऑफ्थैलमोलॉजी) के क्षेत्र में असाधारण योगदान के लिए 2014 में भारत के राष्ट्रपति द्वारा नई दिल्ली में पद्मश्री से सम्मानित किया गया; मुख्य अतिथि, उत्तराखण्ड राज्य ऑफ्थैलमोलॉजी सोसाइटी का वार्षिक सम्मेलन (यू के एस ओ एस) अक्तूबर 2014, मसूरी (उत्तराखण्ड); अगस्त 2014 में लद्दाख (जे एण्ड के) में गंभीर और चिर रोगियों की जांच हेतु विशेष चिकित्सा शिविर; मुख्य अतिथि, कानपुर ऑफ्थैलमिक सोसाइटी वार्षिक बैठक, अगस्त 2014, मई – जून 2014 में मुनस्यारी, उत्तराखण्ड में नेत्र शिविर में मुख्य अतिथि; डॉ. जी डी पाण्डे मैमोरियल ओरेशन, आई एम ए, हल्द्वानी (उत्तराखण्ड), जून 2014.

प्रो. प्रदीप शर्मा ने अगस्त 2014 में कोच्ची, केरल में डॉ. गोपीनाथ मेडल अवार्ड प्राप्त किया।

प्रो. आर. सिहोता इंडियन जर्नल ऑफ ऑफ्थैलमोलॉजी, ऑफ्थैलमिक एपिडेमियोलॉजी, आर्काइव्स ऑफ ऑफ्थैलमोलॉजी, ऑफ्थैलमिक एण्ड फिजियोलॉजिकल ऑप्टिक्स, ब्रिटिश जर्नल ऑफ ऑफ्थैलमोलॉजी, आई, एक्टा ऑफ्थैलमोलॉजिकल के समीक्षक थे।

आचार्य राधिका टंडन को अप्रैल 2014 को नई दिल्ली में दिल्ली ऑफ्थैलमोलॉजिकल्स सोसाइटी की वार्षिक बैठक में 100 से अधिक डी सी आर एस क्रेडिट मिले; सितंबर 2014 को एम्स एक्सीलैंट रिसर्च अवार्ड 2014 में बेसिक साइंसेज श्रेणी के अंतर्गत सर्फेस मोडीफाइड इलेक्ट्रोस्पन पॉली स्कैफोल्ड विद इम्प्रूव्ड ऑप्टीकल ट्रांसपेरेंसी एंड बायोएक्टिविटी फॉर डैमेज्ड ऑक्युलर सर्फेस रिकंस्ट्रक्शन" के लिए एक्स एक्सीलेंस इन रिसर्च का तशतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रो. शक्ति कुमार गुप्ता को भारतीय चिकित्सा संघ द्वारा 01 जुलाई को डॉक्टर दिवस पर प्रतिष्ठित जूरी (डिस्टिंग्वीश्ड जूरी) का पुरस्कार दिया गया; जम्मू और कश्मीर के माननीय राज्यपाल द्वारा सराहनीय सेवा के लिए मुख्यमंत्री गोल्ड मेडल प्रदान किया गया; 23 – 24 जुलाई

2014 को आयोजित इनवेस्टीचर सेरेमनी फॉर अवॉर्ड्स में 24 जुलाई 2014 को वर्ष 2014 हेतु श्री एन एन वौहरा अवार्ड दिया गया; 22 – 23 सितंबर 2014 को श्रीनगर में टर्शियरी केयर मेडिकल इंस्टीट्यूशंस में अवसंरचना की बाढ़ से हुई क्षति का आकलन करने हेतु स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित केंद्रीय दल के भाग के रूप में श्रीनगर का दौरा किया; 28 – 30 अक्तूबर 2014 को जम्मू और कश्मीर में बाढ़ पीड़ितों के राहत और पुनर्वास के लिए विभिन्न अस्पतालों में टर्शियरी केयर सुविधाओं को प्रारंभ करने संबंधी आवश्यकताओं का आकलन करने हेतु पी एम ओ और एन डी एम ए द्वारा गठित केंद्रीय दल के भाग के रूप में श्रीनगर का दौरा किया; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, त्रिपुरा सरकार के मानद परामर्शदाता नामित किए गए; आई टी पी पब्लिशिंग एंड हेल्थ केयर रेडियस द्वारा भारतीय स्वास्थ्य देखभाल उद्योग में असाधारण योगदान हेतु पुरस्कृत किया गया; 3 – 5 नवंबर 2014 को काठमांडु, नेपाल में आपातकालीन अभिघात केंद्र हेतु परियोजना निगरानी समिति की बैठक में भाग लिया; एम्स की स्थापना हेतु दो साइटों के निरीक्षण के संबंध में 11 से 13 फरवरी 2015 को कल्याणी पश्चिम बंगाल का दौरा किया; एम्स की स्थापना हेतु साइट निरीक्षण के संबंध में 21 – 23 जनवरी, 2015 को वडोदरा और राजकोट जिलों का दौरा किया; प्रि. एल एन. वेलिंगकर इंस्टीट्यूटर ऑफ मैनेजमेंट डेवलपमेंट एंड रिसर्च (वीस्कूल), मुंबई द्वारा आयोजित पी जी डी एम एण्ड पी जी पी हेल्थ केयर मैनेजमेंट प्रोग्राम्स' के सलाहकार बोर्ड के सदस्य; भारत के हीमोविजिलेंस कार्यक्रम की पहुंच बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित हीमोविजिलेंस सलाहकार समिति (एच ए सी) के को – चेयरमेन नियुक्त किए गए; डी जी एच एस, सी डी एस सी ओ, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के प्रस्तावित पांच कार्यक्रम – फार्माकोविजिलेंस, हीमोविजिलेंस, बायोविजिलेंस, मैट्रियोविजिलेंस और एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस है, जिन्हें 12वीं पंचवर्षीय योजना (2012 – 17) में फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया के अंतर्गत कार्यान्वित किया जाना है, के विशेषज्ञ सलाहकार समिति के सदस्य।

प्रो. नीलम पुष्कर को मुख्य गाइड के रूप में रैडमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल पूर्ण करने हेतु एम्स उत्कृष्टता प्रमाण पत्र, 2014 प्रदान किया गया। उन्होंने (मुख्य गाइड के रूप में) आर्बिटल फंगल इंफेक्शंस जिसके बारे में आर्बिटल फंगल रोग में पहले अध्ययन नहीं किया गया है में वोरिकेनेजोल की भूमिका पर अध्ययन पूर्ण किया। इस पेपर को एशिया पैसेफिक सोसाइटी ऑफ ऑप्थैलमिक प्लास्टिक एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी एंड ऑक्युलोप्लास्टिक्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ए पी एस ओ पी आर एस – ओ पी ए आई) की संयुक्त बैठक में सर्वोत्तम पेपर का पुरस्कार (सह लेखक के रूप में) दिया गया। उनका एशिया पैसेफिक एकेडमी ऑफ ऑप्थैलमोलॉजी अचीवमेंट अवार्ड, 2015 के लिए भी चुना गया। उन्हें एम बी बी एस, नई दिल्ली में आयोजित एम बी बी एस ऑप्थैलमोलॉजी परीक्षा हेतु बाह्य परीक्षक नियुक्त किया गया। पबमेड इंडेक्स जर्नल में पलक पुनर्निर्माण की एक नवाचारी तकनीक पर लेख प्रकाशित हुआ है।

डॉ. प्रवीण वशिष्ठ को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आर ओ पी हेतु गठित कार्यबल समिति का सदस्य नियुक्त किया गया और उन्होंने 9 – 10 अक्तूबर 2014 को एम्स में आयोजित कार्यबल की बैठक में भाग लिया। ''रैपिड असेसमेंट ऑफ ट्रैकोमा इन अंडरसर्वड पॉप्युलेशन ऑफ कार – निकोबार आइलैंड इंडिया'' पेपर के लिए एम्स एक्सीलेंस रिसर्च अवार्ड 2014 (25000 रुपए का द्वितीय पुरस्कार) प्रदान किया गया और यह पुरस्कार 24 सितंबर 2014 को एम्स वार्षिक दिवस समारोह में दिया गया; एसोसिएशन ऑफ कम्युनिटी ऑप्थैलमोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया (ए सी ओ आई एन) गोल्ड मेडल दिया गया और 01 नवंबर 2014 को कोलकाता, पश्चिम बंगाल में ए सी ओ आई एन के और इंटरनेशनल एसेंबली ऑफ कम्युनिटी ऑप्थैलमोलॉजिस्ट्स के 5वें वार्षिक सम्मेलन में सम्मानित किया गया; सामुदायिक नेत्र चिकित्सा सेवाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट व्यक्तिगत योगदान के लिए 22 नवंबर 2014 को वेणु आई रिसर्च इंस्टीट्यूट में ए सी ओ आई एन पुरस्कार प्रदान किया गया; 2014 – 16 की अवधि के लिए शैक्षणिक और अनुसंधान समिति, ए सी ओ आई एन का चेयरपर्सन नियुक्त किया गया; सी बी एस ई व्यावसायिक प्रकोष्ठ समिति हेतु विजन साइंस पाठ्यक्रम हेतु तकनीकी सलाहकार; ए आई ओ एस डायबिटीक रेटिनोपैथी जागरुकता समिति का सदस्य नियुक्त किया गया; 2014 – 16 के लिए आई एस जी ई ओ बोर्ड का कार्यकारी सदस्य नियुक्त किया गया; 26 अगस्त 2014 को दूरदर्शन के राष्ट्रीय टीवी चैनल पर सीधे प्रसारण होने वाले कार्यक्रम स्वस्थ भारत के अंतर्गत 'अंधता और नेत्रदान (ब्लाइंडनेस एंड आई डोनेशन) पर पैनल चर्चा में आमंत्रित किया गया।

डॉ. टी. वेलपंडियन को राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी द्वारा ड्रग डिस्कवरी / क्लिनिकल फार्माकोलॉजी के लिए वर्ष 2014 का डॉ. विनोद कुमार भार्गव पुरस्कार दिया गया; बेसिक रिसर्च श्रेणी के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रकाशन के लिए एम्स एक्सीलेंस रिसर्च अवार्ड 2014 प्रदान किया गया; इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी (ए पी पी आई सी ओ एन का इंडेक्स जर्नल) के संपादक (फार्माकोलॉजी)।

डॉ. जसबीर कौर इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑप्थैलमोलॉजी इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च की समीक्षक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑप्थैलमोलॉजी के विशेषज्ञ बोर्ड की सदस्य, 2014 – 15; इंस्टीट्यूशनल एथिकल कमेटी, ए सी आर आई, नई दिल्ली, 2014; और 7 – 9 अगस्त 2014 को डॉ. आर पी सेंटर, एम्स, नई दिल्ली, दिल्ली में एस ई आर बी, डी एस टी, भारत सरकार की स्वास्थ्य विज्ञान के संबंध में 11वीं कार्यक्रम सलाहकार समिति की बैठक की आयोजक थीं।

डॉ. रोहित सक्सेना को ए सी ओ आई एन एप्रीसिएशन प्लॉक 2014 प्रदान किया गया। ''ए रैंडमाइज्ड कम्पैरिजन ऑफ लिडोकैन 2 प्रतिशत जेल एंड प्रोपैराकैन 0.5 प्रतिशत आई ड्रॉप्स इन पीडियाट्रिक स्क्विंट सर्जरी' (सह – लेखक) पेपर के लिए एम्स एक्सीलेंस अवार्ड दिया गया। कंपैरेटिव एवेलुएशन ऑफ ओरल स्टीरॉयड्स इन केसेस ऑफ एक्यूट एन ए आई ओ एन' पेपर के लिए डी ओ एस वार्षिक सम्मेलन 2014 में स्क्विंट – न्यूरो – ऑप्थैलमोलॉजी सत्र में बेस्ट फ्री पेपर का अवार्ड दिया गया। ''कोरिलेशन बिटवीन स्ट्रक्चरल एंड फंक्शनल चेंजेज इन पर्किंसन डिजीज' पेपर के लिए डी ओ एस वार्षिक सम्मेलन 2014 में स्क्विंट – न्यूरो – ऑप्थैलमोलॉजी सत्र में बेस्ट फ्री पेपर का अवार्ड दिया गया। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा ऑप्थैलमोलॉजी परियोजनाओं हेतु गठित परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य। नैदानिक परीक्षणों, नई औषधियों और नए चिकित्सा यंत्रों के अनुमोदन से संबंधित मामलों में ड्रग कंट्रोलर जर्नल (भारत) को सलाह देने हेतु विषय विशेषज्ञ समिति (एस ई सी) के सदस्य। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल स्पेशिएलिटीज़, दिल्ली जर्नल ऑफ ऑप्थैलमोलॉजी, डी डी एफ बुलेटिन के लिए संपादकीय सलाहकार मंडल के सदस्य।

डॉ. एम. वनाथी दिल्ली जर्नल ऑफ ऑप्थैलमोलॉजी की संपादक थी।

डॉ. पारिजात चंद्र बाह्य परीक्षक, शोध निबंध समीक्षक थे। एम एस (ऑप्थैलमोलॉजी), पी जी आई एम ई आर, चण्डीगढ़, मार्च 2015; समीक्षक : जर्नल ऑफ पोस्टग्रेजुएट मैगजीन; इंडियन जर्नल ऑफ ऑप्थैलमोलॉजी; आई; जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑप्थैलमोलॉजी एंड रिसर्च; इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑप्थैलमोलॉजी; संपादक मंडल के सदस्य – दिल्ली जर्नल ऑफ ऑप्थैलमोलॉजी; संचालक – रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्योरिटी सत्र, दिल्ली ऑप्थैलमोलॉजिकल सोसायटी का वार्षिक सम्मेलन, दिल्ली (13 अप्रैल 2014); चेयरमेन, फ्री पेपर 9 रेटिनो सेशन। दिल्ली ऑप्थैलमोलॉजिकल सोसायटी का वार्षिक सम्मेलन, दिल्ली (13 अप्रैल 2014)।

डॉ. सेंजम सूरज सिंह को वैज्ञानिकों हेतु आई सी एम आर छानबीन कमेटी का सदस्य नामित किया गया।

डॉ. नुपुर गुप्ता को कार्य के आधार पर पी एच डी की डिग्री प्रदान की गई; ए सी ओ आई एन शैक्षणिक और अनुसंधान समिति का चेयर पर्सन नियुक्त किया गया; कॉम्युनिटी बेस्ड एपिडेमियोलॉजिकल स्टडी ऑन कॉर्नियल डिजीज इन नॉर्थ इंडिया'' नामक सर्वोत्तम पोस्टर के लिए ई. टी. सेलवम पुरस्कार दिया गया, 72वां ए आई ओ एस वार्षिक सम्मेलन; 6 – 9 फरवरी 2014 आगरा, भारत; समुदाय आधारित शोध पर सर्वोत्तम पेपर के लिए – ''प्रीवलेंस ऑफ ट्रैकोमा इन कार – निकोबार आइलैंड ऑफ्टर मास ड्रग ट्रीटमेंट विद अजीथ्रोमायासेन'' के लिए श्री कालू राम मैमोरियल अवार्ड दिया गया, इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रीवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन का 41वां राष्ट्रीय सम्मेलन, 6 – 9 फरवरी 2014, अगरतला, भारत; ''रैपिड असेसमेंट ऑफ ट्रैकोमा इन अंडरसर्वड पॉप्युलेशन ऑफ कार – निकोबार आईलैंड इंडिया'' पेपर के लिए एम्स एक्सीलैंस रिसर्च अवार्ड 2014 (द्वितीय पुरस्कार) दिया गया जिसे 24 सितंबर 2014 को एम्स वार्षिक दिवस समारोह में प्रदान किया गया।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. ज्ञान प्रकाश, निदेशक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम एन ई आई, 4 अक्टूबर 2014 डॉ. आर पी सी ने एन आई एच का दौरा किया।
2. डॉ. जेम्स चोडोस, एमडी, पीएचडी, प्रोफेसर एट हार्वर्ड मेडिकल स्कूल यू एस ए ने डॉ. आर. पी. सेंटर में 2 फरवरी 2015 शैक्षिक और अनुसंधान सहयोगों पर चर्चा के लिए दौरा किया।
3. श्री इमरान खान, मुख्य कार्यक्रम विकास सलाहकार और सुश्री ठोको पुली, इंस्टीट्यूशनल फंडिंग की निदेशक, साइटसेवर्स ने समुदाय नेत्र रोग विज्ञान में 9 मई 2014 को दौरा किया।
4. सुश्री जुनिथ, स्ट्रेटेजिक कम्युनिकेशंस, साइट सेवर्स, यूके की निदेशक ने 29 नवंबर 2014 को त्रिलोकपुरी के प्राथमिक नेत्र देखभाल केंद्र का दौरा किया।
5. 16 मार्च 2015 को विभाग में केविन हस्सी सीईओ विज़न स्प्रिंग न्यू यॉर्क ने दौरा किया।

10.5 जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद

अध्यक्ष
एम. सी. मिश्रा

अपर चिकित्सा अधीक्षक
संजीव के भोई

अपर आचार्य

संवेदनाहरण
बबिता गुप्ता
छवि साहनी

आपात चिकित्सा
संजीव भोई

न्याय चिकित्सा
संजीव लालवानी
आदर्श कुमार

प्रयोगशाला चिकित्सा
अरुलसेल्वी एस.
पूर्वा माथुर

तंत्रिका शल्यचिकित्सा
दीपक अग्रवाल
दीपक के. गुप्ता
सुमित सिन्हा

अस्थिरोगविज्ञान
कामरान फारुकी
विजय शर्मा
बुद्धदेव चौधरी
विवेक त्रिखा

विकिरण निदान
शिवानंद जी.
अतिन कुमार

शल्य चिकित्सा
सुषमा सागर, सुबोध कुमार
अमित गुप्ता, मनीष सिंघल
बिप्लव मिश्रा

सह–आचार्य
तंत्रिका शल्य चिकित्सा
जी. डी. सत्यार्थी

सहायक आचार्य

संवेदनाहरण विज्ञान
नवीन यादव

हृद विज्ञान
नीरज पारख

क्रिटिकल केयर
कपिल देव सोनी
ऋचा गर्ग

वृक्क विज्ञान
सौमिता बागची

तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान
केशव गोयल
नवदीप सोकल, आशीष बिंद्रा
ज्ञानेन्द्र पाल सिंह, नीरज कुमार

तंत्रिका शल्य चिकित्सा
पंकज के सिंह

प्रसूति एवं स्त्री तंत्र विज्ञान
गरिमा कछावा

बाल शल्य चिकित्सा
शिल्पा शर्मा

मूत्र रोग विज्ञान
आशीष सैनी

विशिष्टताएं

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र एम्स ने उत्कृष्ट रोगी देखभाल सेवाओं, अनुसंधान, अध्यापन तथा प्रशिक्षण प्रदान करने में स्वयं को एक नेता के रूप में अवस्थपित किया है। स्टॉफ के सभी संकाय तथा सदस्य ट्रॉमा के पीड़ितों के उत्कृष्ट देखभाल प्रदान करने में सक्रियता से कार्यरत

है। वर्ष में कुल 62,744 रोगी कैजुएलटी में आए। इनमें से 5,290 रोगियों को दाखिल किया गया। कुल 34,629 रोगियों अनुवर्ती ओ पी डी में आए। कुल 5,678 रोगियों का आपरेशन किया गया। संकाय एवं स्टाफ की स्वीकृत संख्या में वृद्धि के साथ साथ ज. प्र. ना. ए. ट्रॉ. केन्द्र में रोगियों की संख्या में उल्लेखनीय रूप से वृद्धि हुई है।

एम्स में स्नातकपूर्व तथा स्नातकोत्तर अध्यापन में शामिल होने के अतिरिक्त, संकाय सदस्य देश के विभिन्न अस्पतालों तथा एजेंसियों के चिकित्सीय तथा अर्ध चिकित्सीय स्टॉक को अल्पावधि तथा दीर्घावधि प्रशिक्षण प्रदान करने में सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। उन्हें ए टी एल एम प्रोटोकॉलों बी ई सी सी, ए यू टी एल एस, इत्यादि सहित ट्रॉमा रोगियों के प्रबंधन के लिए नवीनतर प्रविधियों संबंधी प्रशिक्षण दिया जाता है। जानकारी को अद्यतन करने के लिए, अंतरक्रियात्मक संगोष्ठियों, सी एम ई, संगोष्ठियों एवं सम्मेलनों का आयोजन किया गया।

कुल लगभग 205 अनुसंधान लेख राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। संकाय सदस्य विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं में भी लगे हुए हैं तथा उन्होंने अपने द्वारा संचालित अनुसंधान पर आधारित शोधपत्र विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय मंचों में प्रस्तुत किए हैं। अनुसंधान के आधार पर, ट्रॉमा मर्त्यता तथा रुग्णता की घटनाओं को कम करने की ओर लक्षित अनेक निविष्टियों का सुझाव नीति निर्माताओं को प्रदान किया गया।

रोगी देखभाल संबंधित सेवाओं में सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग, रोगी देखभाल से जुड़े नवीनतम उपकरण की स्थापना, अन्य विशिष्टताएं जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र में शामिल हैं।

शिक्षा

प्रशिक्षण

संकाय सदस्य भारत एवं विदेश से पधारे छात्रों के लिए अल्पावधिक / चयनित प्रशिक्षण / नैदानिक पर्यवेक्षक में नियमित रूप से संबद्ध रहे। वर्ष 2014–15 के दौरान जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र में प्रशिक्षित किए गए है :

आर्मी : 10	सीआरपीएफ : 179	जीआरईएफ : 29	आईटीबीपी : 37
एनडीआरएफ : 15	डायबिटीज : 11	प्रयोगशाला चिकित्सा : 2	

कुल : 283

शिक्षण

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र के संकाय सदस्यगण स्नातकपूर्ण छात्रों, स्नातकोत्तर छात्रों, सीनियर रेजीडेंट, नर्सेज, पैरा मेडिकल स्टाफ, एवं ओ. टी. तकनीशियनों के लिए शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के नियमित रूप से आयोजित करने में संबद्ध रहे।

प्रदत्त व्याख्यान

एम. सी. मिश्रा : 38	**दीपक अग्रवाल : 7**	**नीरज पराख : 2**	**सुबोध कुमार : 21**
आदर्श कुमार : 6	**दीपक गुप्ता : 23**	**नीरज कुमार : 4**	**सुमित सिन्हा : 21**
अमित गुप्ता : 36	**जी. डी. सत्यार्थी : 2**	**पंकज सिंह : 2**	**सुषमा सागर : 10**
अरुलसेल्वी एस. : 3	**गरिमा कछावा : 9**	**पूर्वा माथुर : 8**	**विजय शर्मा : 1**
आशीष बिंद्रा : 16	**ज्ञानेन्द्र पाल सिंह : 8**	**ऋचा अग्रवाल : 6**	**विवेक त्रिखा : 31**
अतिन कुमार : 14	**कपिल देव सोनी : 28**	**शिल्पा शर्मा : 1**	
बबिता गुप्ता : 9	**केशव गोयल : 10**	**शिवानंद जी : 11**	
बिप्लब मिश्रा : 30	**नवदीप सोकल : 12**	**सौमिता बागची : 2**	
छवि साहनी : 3	**नवीन यादव : 3**		

प्रस्तुत मौखिक शोधपत्र / पोस्टर : 188   जीते गए पुरस्कार : 6

अनुसंधान
वित्तपोषित परियोजनाएं
जारी

1. घातक फास्फाइड की विषाक्तता में एक उपकरण के रूप में एल्यूमिनियम और जिंक के स्तर के मात्रात्मक निर्धारण का अध्ययन। आदर्श कुमार, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, 1,31,700 रुपए।
2. देखभाल की बेहतर प्रणाली के विकास और संचालन के माध्यम से भारत और ऑस्ट्रेलिया में चोट के बोझ को कम करना। ऑस्ट्रेलिया इंडिया ट्रॉमा सिस्टम सहयोग, अमित गुप्ता, 4 वर्ष, 2013–2017, डीएसटी
3. भारत में घाताक देखभाल परिणामों की सुधार की दिशा में। (टीआईटीसीओ), अमित गुप्ता, 3 वर्ष, 2013–2016, कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट एंड टीआईएसएस।
4. जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में शव संबंधी कौशल प्रयोगशाला की स्थापना के लिए प्रस्ताव, एम्स, अमित गुप्ता, 4 वर्ष, 2013–2017, आईसीएमआर – डीएचआर।
5. प्रारंभिक ट्रामा प्रेरित तीव्र कोएगुलोपैथी (ईटीआईसी) के विकास में अभिघातजन्य मस्तिष्क चोट के रोगियों और उनकी भागीदारी में प्रोकोएगुलेंट मार्करों परिसंचारी की पहचान, एस. अरुल सेल्वी, 2 वर्ष, 1.6.14 से 30.5.16, आईसीएमआर, 22,53,916 रुपए।
6. प्रेरित जठरांत्र आंत्र चोट के घाव मस्तिष्क चोट (टीबीआइ) का हिस्टोपैथोलोजिकल मूल्यांकन, एस. अरुल सेल्वी, 1 वर्ष, 2014–15, संस्थान, 4,00,000 रुपए।
7. घातक मस्तिष्क चोट वाले रोगियों में नए सरकुलेटिंग प्रोकोगुलैंट की पहचान और प्रारंभिक घातक प्रेरित तीव्र कोएगुलोपैथी के पैथोफिलियोलॉजी में उनकी भागीदारी, एस अरुलसेल्वी, 3 वर्ष, 8.9.14 से 7.9.17, डीबीटी, 49,95,000 रुपए।
8. थ्रोम्बोसाइटोपेनिक अभिघातजन्य सिर की चोट के रोगियों में पोस्ट प्लेटलेट रक्ताधान प्रतिक्रिया का आकलन करने के लिए प्रयोगशाला मार्करों का मूल्यांकन, एस. अरुल सेल्वी, 2 वर्ष, 26.3.15 से 25.3.17, आईसीएमआर, 34,96,794 रुपए।
9. रिनल मास वाले रोगियों में माइक्रो आरएनए अभिव्यक्ति रूपरेखा और रोग के निदान के साथ इसका सहयोग, आशीष सैनी, 1 वर्ष, 2014–15, एम्स, 3.5 लाख रुपए।
10. सर्जिकल इंटेंसिव केयर यूनिट में ट्रॉमा रोगियों में एक प्रारंभिक नैदानिक मार्कर के रूप में एकेआई की भविष्यवाणी में प्लाज्मा और मूत्र न्यूट्रोफिल जिलेटिनेज से जुड़े लिपोकेलिन (एनजीएएल) का मूल्यांकन. बबीता गुप्ता, 2 वर्ष, जुलाई 2014–जुलाई 2016, आईसीएमआर, 18 लाख रुपए।
11. ब्रेस्ट कैंसर में लिम्फेजियोजेनेसिस की भूमिका का एक अध्ययन। बिप्लब मिश्रा, 5 वर्ष, 2013–2018, एम्स, 500000 रुपए
12. डुकेन मस्कुलर डायस्ट्रॉफी के उपचार के लिए मेसेंकायमल स्टेम कोशिका प्रत्यारोपण – एक प्रायोगिक अध्ययन, बिप्लब मिश्रा, एम्स
13. आपातकाल और गहन देखभाल की स्थापना और चिकित्सा त्रुटियों के संबंध में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का निगरानी संज्ञान। छवि साहनी, 4 वर्ष, 2011–2015, डीएसटी, 59,86,400 रुपए।
14. स्पाइनल इंस्ट्रूमेंटेशन के निम्नलिखित संलयन के लिए बायोमार्कर के रूप में यूरिन मैट्रिक्स मेटेलोप्रोटेनियस (एमएमपीएस), छवि साहनी, 1 वर्ष, 2014, एओएसपीआईएनई, भारतीय अनुसंधान अनुदान, 6000 सीएचएफ
15. एक्यूट स्पाइनल कॉर्ड चोट अध्ययन में प्रारंभिक बनाम देरी के डिकम्प्रेसन हाई सरवाइकल स्पाइनल कॉर्ड चोट : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। 2 वर्ष, 2014–2016, डीएसटी, 29,00,000 रुपए।
16. गंभीर अभिघातजन्य मस्तिष्क की चोट में परिणाम की भविष्यवाणी के लिए इस्चेमिया बायोमार्कर और हाइपरग्लेसेमिया की भूमिकाः एक माइक्रोडायलिसिस अध्ययन, दीपक गुप्ता, 2 वर्ष, 2013–2015, एम्स, आतरिक अनुदान, 5 लाख रुपए।
17. गंभीर टीबीआई में सीएचआईआरएजी अध्ययन (गंभीर घाव मस्तिष्क चोट में सहयोगी सिर की चोट का अध्ययन), दीपक गुप्ता, 4 वर्ष, 2011–2015, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, डीबीटी और राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, 27 लाख रुपए।
18. एशियाई – भारतीय व्यक्तियों में मातश्त्व और नवजात बच्चों में विटामिन डी की स्थिति पर विटामिन डी पूरकता के प्रभाव की जांच के लिए एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड नियंत्रित परीक्षण, गरिमाकछावा, 3 वर्ष, 2013, आईसीएमआर बाह्य परियोजना अनुदान, 40 लाख रुपए।

19. आघात रोगियों में लेपेरोस्कोपिक निम्नलिखित पश्चात की जटिलताओं की भविष्यवाणी में माइक्रोडायलिसिस व्युत्पन्न चयापचय मापदंडों की भूमिका : एक व्यवहार्यता और प्रायोगिक अध्ययन। कपिल देव सोनी, 1 वर्ष, 2014, आंतरिक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, 5 लाख रुपए।
20. एंडोस्कोपिक पिट्यूटरी सर्जरी के दौर से गुजर रोगियों में हिमोडायनेमिक और रिकवरी पर लिडोसाइन इंफ्यूजन का प्रभाव : एक मल्टीसेंटर, यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण। (आईईसी / एनपी – 07/07.01.2013 और आरपी – 03/04.03.2013), केशव गोयल, 2 वर्ष, 7 फरवरी 2013
21. सर्जरी से गुजर रहे रोगियों में रक्तस्रावी आघात रोगियों में रक्त आधान प्रोटोकॉल और कॉएगुलेशन स्थिति, प्रोटीन सी और प्रोटीन एस मानों का आकलन, नवीन यादव, 1 वर्ष, 2014–2015, एम्स दिल्ली, 4,93,000 रुपए।
22. स्पाइन सर्जरी के बाद ऑपरेशन पश्चात मॉर्फिन कंज्मप्शन पर ऑपरेशन पूर्व विटामिन सी बनाम प्लासेबो की एकल खुराक के प्रभावों के यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, नवीन यादव, 1 वर्ष, 2014–2015, एम्स दिल्ली, 2,80,000 रुपए।
23. प्राथमिक एंजियोप्लास्टी के दौरान आंशिक प्रवाह आरक्षित निर्देशित स्टेंनिंग के साथ मैनुअल थ्रोम्बस एस्पिरेशन, नीरज पारख, 2 वर्ष, 2014 के बादे से, आंतरिक, 10 लाख रुपए।
24. स्पाइन सर्जरी के बाद ऑपरेशन पश्चात मॉर्फिन कंज्मप्शन पर ऑपरेशन पूर्व विटामिन सी बनाम प्लासेबो की एकल खुराक के प्रभावों के यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, नीरज कुमार, 1 वर्ष, 2014–2015, एम्स दिल्ली, 2,80,000 रुपए।
25. भारत में बीटा – लेक्टेमस प्रोड्यूसिंग ग्राम निगेटिव नासोकोटियल पैथोजीन्स का आण्विक एवं भटक विज्ञानी अध्ययन। पूर्वा माथुर, 3 वर्ष, 2012 – 15, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 35,11,343 रुपए।
26. भारत में लेवल एक ट्रॉमा सेंटर पर आण्विक जानपादिक रोग विज्ञान। 3 वर्ष, 2012–2015, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 23,58,000 रुपए।
27. वास्तविक समय ब्रोंकोस्कोपी के दौरान अल्ट्रासोनोग्राफी मार्गदर्शित परक्यूटेनियस ट्रेकेयोस्टॉमी कोई लाभ प्रदान करता है : एक प्रारंभिक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। रिचा अग्रवाल, 2 वर्ष, 2013 – 2015, एम्स, 83,000 रुपए।
28. निम्नलिखित लेपेरोटॉमी की भविष्यवाणी पश्चात की जटिलताओं में माइक्रोडायलिसिस व्युत्पन्न चयापचय मापदंडों की भूमिका : एक व्यवहार्यता और प्रायोगिक अध्ययन, रिचा अग्रवाल, 2 वर्ष, 2013–2015, एम्स, 5 लाख रुपए।
29. हिंजे डोर सारवाईकल लैमिनोप्लास्टी से पहले और बाद में सारवाईकल रोटेशन, सचिव बोरकर, 1 वर्ष, 2014–15, एओ स्पाइन इंडिया
30. सर्जिकल जन्मजात विसंगतियों के लिए भ्रूण परामर्श के लिए दिशानिर्देशों की स्थापना, शिल्पा शर्मा, 3 वर्ष, 2014–2017, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 39 लाख रुपए।
31. ऑब्सट्रक्टिव रेनोपैथी में गुर्दे परिरक्षण में अस्थि मज्जा मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं और गुर्दे की स्टेम कोशिकाओं की भूमिका – चूहों में एक प्रायोगिक अध्ययन, शिल्पा शर्मा, 2 वर्ष, 2013–2015, एम्स संस्थान अनुसंधान अनुदान, 5 लाख रुपए।
32. भारतीय रोगियों में गुर्दे प्रत्यारोपण के अनुपालन में पहले वर्ष में बीके वायरस प्राकृतिक की भावी निगरानी, सौमिता बागची, 1 वर्ष, 2014–2015 (विस्तार लागू है) आंतरिक अनुदान, 320000 रुपए।
33. विकास के माध्यम से भारत और ऑस्ट्रेलिया में चोट के बोझ को कम करना और देखभाल की बेहतर प्रणाली का संचालन, सुबोध कुमार, 4 वर्ष, 2013–2017, डीएसटी, 2.74 करोड़ रुपए।
34. दर्दनाक फेफड़े की चोट वाले रोगियों में साइटोकाइन्स और बायोमार्कर के प्रोग्नोस्टिक महत्व, सुबोध कुमार, 2 वर्ष, 2014–2016, एम्स, 10 लाख रुपए।
35. शव संबंधी प्रशिक्षण और अनुसंधान सुविधा की स्थापना के लिए प्रस्ताव, सुमित सिन्हा, 5 वर्ष, सितंबर 2014 – सितंबर 2018, आईसीएमआर
36. सेरिकिन आधारित मूल्य वर्धित प्रेशर गारमेंट्स, सुषमा सागर, 3 वर्ष, 2013–2016, डीबीटी, 35 लाख रुपए।
37. विकास के माध्यम से भारत और ऑस्ट्रेलिया में चोट के बोझ को कम करना और देखभाल की बेहतर प्रणाली का संचालन, सुषमा सागर, 4 वर्ष, 2013–2017, डीएसटी, 2.74 करोड़ रुपए।

38. ऑर्थोपीडिक ट्रॉमा रोगियों में रोग प्रतिरक्षा अवरोध और क्षति नियंण ऑर्थोपीडिक्स दिशानिर्देशों को तैयार करने में इसकी भूमिका, विजय शर्मा, 1 वर्ष, जारी, एम्स, 4 लाख रुपए।
39. ट्रॉमा सेंटर में विकसित शव संबंधी अनुसंधान प्रशिक्षण सुविधा, विजय शर्मा, 5 वर्ष, 2014, आईसीएमआर, 5 करोड़ रुपए।
40. बुजुर्ग एशियाई भारतीयों, 60 वर्ष में नाजुक कूल्हे फ्रैक्चर वाले नैदानिक, महामारी विज्ञान और पर्यावरण जोखिम वाले कारकों का अध्ययन करना, विजय शर्मा, 3 वर्ष, 2013, आईसीएमआर, 38 लाख रुपए।
41. इंट्रामेडुलरी नेलिंग के साथ फेमोरल शाफ्ट फ्रैक्चर प्रचालन में बोन टर्नओवर के सीरम जैव रासायनिक मार्कर के टेम्पोरल अभिव्यक्ति, विवेक त्रिखा, आंतरिक परियोजना, 2014–15, कुल लागत : 5 लाख रुपए।

पूर्ण

1. जमावट और इंफ्लेमेट्री के बाद फ्रैक्चर शाफ्ट फीमर मेड्युलरी नेलिंग के दौर से गुजर रहे रोगियों में सूजन परिवर्तन का अध्ययन। एस. अरुल सेल्वी, 2 वर्ष, संस्थान, पहले वर्ष 5,00,000 रुपए, दूसरे वर्ष 4,25,000 रुपए।
2. थ्रोम्बोइलास्टोमिट्री (टीईजी) : स्थापित बायोमार्करों की तुलना में तंत्रिका शल्य चिकित्सा सघन उपचार इकाई (एनआईसीयू) में संक्रमण के निदान में उपयोगिता एवं लागत प्रभावकता। छवि साहनी, एम्स, 10,00,000 रु.
3. आघात मस्तिष्क चोट में रेफ्रेक्टरी इंट्राक्रानियल हापरटेशन के नियंत्रण के लिए यूरोथर्म 3235 उपचारित थेराप्यूटिक हाइपोथर्मिया, दीपक गुप्ता, 3 वर्ष, 2012–2015, यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग एंड एनएचएस लोथियन (यूके) 45 लाख रुपए।
4. प्रीक्लेम्पसिया बनाम सामान्य स्वस्थ गर्भधारण वाली महिलाओं में शारीरिक और जैव रासायनिक मार्करों द्वारा संवहनी एंडोथेलियल कार्य का मूल्यांकन, गरिमा कछावा, 2 वर्ष, 2012–2014, आंतरिक अनुसंधान अनुदान, 5 लाख रुपए।
5. सिर पर गंभीर चोट के रोगियों में गैर मस्तिष्क संबंधी जटिलताओं का मूल्यांकन। (आईईसी / एनपी–365/2013), केशव गोयल, पूर्ण, अगस्त 2013
6. सिर पर चोट के बिना और के साथ कई आघात पीड़ितों में क्रमानुसार अनुमानित प्रोकैल्सीटोनिन की प्रॉग्नोस्टिक मूल्य, केशव गोयल, पूर्ण, अक्टूबर 2012.
7. न्यूरोक्रिटिकल केयर यूनिट का सप्ताह : न्यूरोक्रिटिकल केयर में बिंदु व्याप्तता अवलोकन अध्ययन : (आईईसी / एनपी – 190 / 2014 आरपी – 03 / 2014) केशव गोयल, पूर्ण, जुलाई 2014
8. भारत में तृतीयक देखभाल अस्पताल में अस्पताल अधिग्रहित संक्रमणों के लिए ऑटोमेटेड इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली का विकास एवं क्रियान्वयन। पूर्वा माथुर, 4 वर्ष, 2011–2015, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 15,26,906 रुपए।
9. अंग दुष्क्रिया एवं स्पेशिस के शीघ्र निदान हेतु मोनोसाइट्स के पोस्ट ट्रॉमा – साइटोफाइन प्रोड्यूसिंग पोटेंशियल का आकलन। पूर्वा माथुर, 3 वर्ष, 2012–15, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 36,96,000 रुपए।
10. उत्तरी भारत के एक तृतीयक देखभाल असपताल में स्ट्रेप्टोकोकस पाइओजेनस का आण्विक एवं जनसांख्यिकीविज्ञानी अध्ययन, पूर्वा माथुर, 3 वर्ष, 2009–2012, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 17,06,949 रु.
11. वेस्टीबुलर स्कैवानोमा में फेशियल नर्व पोजिशन के पूर्वानुमान के लिए डीटीआई ट्रेक्टोग्राफी, सचिव बोरकर, 1 वर्ष 2013–2014, एम्स आंतरिक अनुसंधान अनुदान, 2,52,000 रुपए।
12. हिमोरेजिक शॉक वाले ट्रॉमा पीड़ितों में संयुक्त मानव एरथ्रोपोइटिन की भूमिका का अध्ययन : स्टेम कोशिका विभेद के माध्यम से एक इन विट्रो दृष्टिकोण, संजीव भोई, 3 वर्ष, 1.9.2011 से 30 सितंबर, 2014, आईसीएमआर, 43,00,000 रुपए।
13. ट्रॉमा हिमौरेजिक शॉक रोगियों में एस्ट्रोजीन की सुरक्षा और प्रभावकारिता का अध्ययन करना, संजीव भोई, 3 वर्ष, 1.10.2011 से 30 अक्टूबर 2014, आईसीएमआर, 37,00,000 रुपए।
14. फेमोरल शाफ्ट फ्रैक्चर के इंट्रामेडुलरी नेलिंग के बाद वृद्धि कारक टीजीएफ – बी 1 और वीईजीएफ के टेम्पोरल अभिव्यक्ति। विवेक त्रिखा, इंट्रामुरल परियोजना, 2012–14, कुल लागत : 10 लाख रुपए

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. घातक फास्फाइड की विषाक्तता में एक उपकरण के रूप में एल्यूमिनियम और जिंक के स्तर के मात्रात्मक निर्धारण का अध्ययन। आदर्श कुमार
2. शराब के टॉक्सीकॉलोजिकल विश्लेषण और वितरण पैटर्न और विभिन्न बायोलॉजिकल में विभिन्न दवाएं और सुसाइड मृत्यु में इसके न्यूरोबायोलॉजिकल प्रभाव, आदर्श कुमार।
3. आघात और अन्य शल्य चिकित्सा संकेतों के लिए ट्रेकियोस्टोमी से गुजर रहे रोगियों में परिणामों का अध्ययन करना, अमित गुप्ता।
4. हिमेटोलॉजिक विकारों के लिए स्प्लेनेक्टॉमी दौर से गुजर रहे रोगियों में जीवन की गुणवत्ता का अध्ययन, अमित गुप्ता।
5. जल्दी आघात प्रोटीन तीव्र कोगुलोपैथी (ईटीआईसी) के विकास में घाव मस्तिष्क की चोट के रोगियों एवं उनकी भागीदारी में परिसंचारी प्रोकोगुलेंट की पहचान। एस. अरुलसेल्वी।
6. ऑर्गन डायफंक्शन और सेप्सिस के प्रारंभिक निदान के लिए मोनोकाइटस के पोस्ट ट्रॉमा साइटोकाइन संभावित उत्पादन का आकलन, एस अरुलसेल्वी।
7. पार्किंसन रोग में माइटोकोंड्रियल डीएनए म्यूटेशन और प्रतिक्रियाशील ऑक्सीन प्रजातियों का अध्ययन, एस. अरुलसेल्वी।
8. अवसाद के रोगियों में टीएनएफ अल्फा, आईएल1 बीटा, आईएल6 जीनों में बहुरूपता का अध्ययन, नैदानिक गंभीरता के साथ उसके सहयोग, एस. अरुलसेल्वी।
9. यूरेटेरल ट्रॉमा वाले रोगियों में न्यूनतम इनवेसिव प्रबंधन, आशीष सैनी।
10. पूर्वकाल मूत्रमार्ग प्रतिबंधों के लिए ग्राफ्ट यूरेथ्रोप्लास्टी के अनुपालन का परिणाम, आशीष सैनी।
11. पेल्विक फ्रेक्चर यूरिथरल डिस्ट्रक्शन दोषों में इटियोपैथोजेनेसिस, जनसांख्यिकीय रूपरेखा, इरेक्टाइल डिसफंक्शन और सोशियोइकॉनोमिक प्रभाव : एक भावी कोहोर्ट अध्ययन, आशीष सैनी।
12. सर्जरी हस्तक्षेप के पहले और बाद में टेथेरेड कोर्ड सिंड्रोम ट्रैक्ट लक्षणों में नैदानिक और यूरोडायनामिक मानदंडों की भावी तुलना, आशीष सैनी।
13. सीएसएफ नाकस्राव के सीटी और एमआर, अतिन कुमार।
14. ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया सिंड्रोम में ऊपरी एयरवे के मूल्यांकन में गतिशील एमआरआई, अतिन कुमार।
15. मायस्थेनिया ग्रेविस वाले रोगियों में थ्रोरैकोस्कोपिक थयमेक्टोमी सहायक वीडियो के अनुपालन में सार्जिकल परिणाम रोग में कमी, बिप्लब मिश्रा।
16. स्तन कैंसर में पारंपरिक पलपेशन निर्देशित स्तन संरक्षण सर्जरी के साथ इंट्राऑपरेटिव यूएसजी निर्देशित एक्शिजन के अनुपालन में कॉस्मेटिक परिणाम और रिसेक्शन मार्जिन की तुलना – यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, बिप्लब मिश्रा।
17. प्रारंभिक और प्रचलित स्तन कैंसर रोगियों में सेंटिनेल नोड बायोप्सी के दीर्घावधि परिणाम, बिप्लब मिश्रा।
18. निश्चित सर्जरी के अनुपालन में जीवन की गुणवत्ता का आकलन, बिप्लब मिश्रा
19. इंट्रा और पोस्टऑपरेटिव एनालजेसिया आवश्यकता में कमी का अध्ययन करना और पेल्विक एकेटेबुलर चोट से गुजर रहे स्थिरीकरण वाले रोगियों में अग्र इंट्राथेकल मॉर्फिन के बाद रिकवरी की गुणवत्ता, छवि साहनी।
20. विकासशील देशों में लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर में हिप फ्रैक्चर वाले वृद्ध रोगियों के ऑपरेशन पूर्व इकोकार्डियोग्राफी की भूमि का अध्ययन और ऑपरेशन पूर्व प्रबंधन में कार्डियक मूल्यांकन : एक पूर्वव्यापी अध्ययन, छवि साहनी।
21. दर्दनाक एटलैंटोक्सियल अव्यवस्था : परिणामी अध्ययन, दीपक गुप्ता।
22. वयस्क टीदर्ड कोर्ड : दीर्घावधि परिणाम, दीपक गुप्ता।
23. टीबीआई में सेरेब्रल माइक्रोडायलयसिस : प्रभावकारिता अध्ययन, दीपक गुप्ता।
24. ओवरियन कार्सिनोमा और रोग निदान के साथ संबंध में मानव एपिडिडायमिस प्रोटीन 4 (एचई4) की अभिव्यक्ति, गरिमा कछावा।
25. अस्पष्टीकृत बांझपन के लिए आए रोगियों में और सामान्य आबादी सहित और आवर्तक गर्भावस्था के नुकसान के मामाले सहित कॉन्जेनिटल थ्रोम्बोफिलिया के लिए जांच, गरिमा कछावा।

26. लैप्रोस्कोपिक मायोमेक्टोमी के दौरान खून की कमी को कम करने के अकेले इंट्रायमायोमेट्रियल वैसोप्रेसिन के साथ इंट्रायमायोमेट्रियल वैसोप्रेसिन प्लस रेक्टल मिसोप्रोस्टोल की प्रभावकारिता की तुलना करना, गरिमा कछावा।
27. ओवुलेशन प्रेरण और आईयूआई चक्र, 2014 में अस्पष्टीकृत बांझपन वाले दम्पतियों में एंडोमेट्रियल स्क्रटचिंग के बाद गर्भावस्था की दर का मूल्यांकन करना, गरिमा कछावा।
28. एक तृतीयक स्तर ट्रॉमा सेंटर में घातक मस्तिष्क की चोट के साथ बाल चिकित्सा रोगियों की निश्चेतक प्रबंधन – एक पूर्वव्यापी अध्ययन, ज्ञानेंद्र पाल सिंह।
29. ब्रोंकोस्कोपी निर्देशित रक्ताधान के दौरान वास्तविक समय अल्ट्रासाउंड किसी लाभ को प्रदान करना : एक प्रारंभिक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, कपिल देव सोनी।
30. बड़े संवहनी मेनजियोमास में डेक्समेडेटोमिडाइन का इंट्राऑपरेटिव उपयोग, केशव गोयल
31. दर्दनाक रीढ़ की हड्डी में चोट के बाद हृदय जटिलताएं, केशव गोयल।
32. सिर में चोट के रोगियों में जोखिम कारकों और एक्सट्यूबेशन विफलता के कारणों के अध्ययन, केशव गोयल।
33. सिर में चोट के रोगियों में आईसीयू बेहोश करने की क्रिया के लिए डेक्समेडटोमिडाइन के प्रभाव, केशव गोयल।
34. सामान्य एनेस्थिसिया के अंतर्गत ऑपरेटिव लैप्रोस्कोपिक स्त्री रोग प्रक्रियाओं से गुजर रहे रोगियों में अल्ट्रासाउंड निर्देशित ट्रांसवर्सेस एब्डोमिन्स प्लान (टैप) ब्लॉक के लिए अल्ट्रासाउंड निर्देशित क्वाड्रेट्स लुम्बोरुम ब्लॉक के एनाज्लेसिक प्रभावकारिता की तुलना करना, नवीन यादव
35. क्यूआरएस कॉम्प्लेक्स अवधि के साथ राइट वेंट्रिकल में पेसिंग साइट के सहसंबंध, नीरज पारख।
36. एक्यूट मायोकार्डियल इंफ्रेक्शन के लिए प्रारंभिक पीसीआई से गुजर रहे रोगियों में थ्रोम्बस आकांक्षा का लाक्षणीकरण और इसके प्रोग्नोस्टिक महत्व, नीरज पारख।
37. अल्ट्रासाउंड निर्देशित केन्युलेशन पर कैरोटिड आर्टरी और इसके निहितार्थ के संबंध में आंतरिक जुगुलर वेन के एनाटोमिकल रूपांतरण : एक पर्यवेक्षणीय अध्ययन, नीरज कुमार।
38. नैदानिक नमूनों से एम तपेदिक, एम एवियम जटिल और एनटीएम के तेजी से पता लगाने और भेदभाव के लिए एक नए लूप मध्यस्थता इज़ोटेर्माल प्रवर्धन परख (लैम्प), पूर्वा माथुर।
39. मध्यम और निम्न आय वाले देशों में स्लाइड और फिल्टर पेपर से एम. ट्यूबरकुलोसिस में बहु औषध प्रतिरोध का आणविक रूप से पता लगाना, पूर्वा माथुर।
40. एमडीआर / एक्सडीआर तपेदिक के निदान, रोग का निदान और पूर्वानुमान के लिए एक संयोजक प्रतिजन की क्लोनिंग, अभिव्यक्ति, शोधन और मूल्यांकन, पूर्वा माथुर।
41. लीशमानियासिस और तपेदिक के प्रोफिलैक्सिस के लिए काइमेरिक डीएनए वैक्सीन का जानवरों के अध्ययन, पूर्वा माथुर।
42. लीशमानिया का वीएल और पीकेडीएल उपभेदों का पता लगाने और भेदभाव के लिए एल्यूमीनियम पीसीआर, पूर्वा माथुर।
43. रोगियों के रक्त में एजी हैपेटाइटिस वायरल संक्रमण का पता लगाने के लिए एक कदम पीसीआर (आरटी पीसीआर) का विकास, पूर्वा माथुर।
44. एल. डोनोवनी का मिल्टेफोसिन प्रतिरोधी और संवेदनशील उपभेदों का तुलनात्मक पूरे जीनोम अनुक्रम विश्लेषण, पूर्वा माथुर।
45. दर्दनाक मस्तिष्क चोट रोगियों में सेरेब्रल माइक्रोडायलयसिस, सचिन बोरकर।
46. सीवीजे विसंगतियों में सीटी एंजियोग्राफी : एक भावी अध्ययन, सचिन बोरकर।
47. हिमौरेजिक शॉक वाले ट्रॉमा पीड़ितों में संयुक्त मानव एरथ्रोपोइटिन की भूमिका का अध्ययन : स्टेम कोशिका विभेद के माध्यम से एक इन विट्रा दृष्टिकोण, संजीव भोई।
48. ट्रॉमा हिमौरेजिक शॉक रोगियों में एस्ट्रोजीन की सुरक्षा और प्रभावकारिता का अध्ययन करना, संजीव भोई
49. हिपेटोब्लास्टोमा के रोगियों में प्रोग्नोस्टिक कारकों और दीर्घावधि परिणाम का एक एम्बिसपेक्वि मूल्यांकन, शिल्पा शर्मा।
50. न्यूरोब्लास्टोमा के रोगियों में प्रोग्नोस्टिक कारकों और दीर्घावधि परिणाम का एक एम्बिसपेक्वि मूल्यांकन, शिल्पा शर्मा।
51. कॉन्जेंटिल एड्रेनल हाइपरप्लासिया वाले 18 वर्ष के कम के रोगी बच्चों के अभिभावकों का ज्ञान, तनाव और सामना क्षमताएं, शिल्पा शर्मा।

52. सीआरएफ रोगियों में आटेरियोवेनस फिस्टुला सश्जन में संवहनी मानचित्रण, शिवानंद गमनगटी
53. एनएएफएलडी की अनुवर्ती कार्रवाई और निदान में एमआरआई की भूमिका (नॉन – एल्कोहिक फैटी लीवर रोग), शिवानंद गमनगटी।
54. घातक सीएसएफ राइनोरहियो के साथ रोगियों में सीटी किस्टर्नोग्राफी और एमआर किस्टर्नोग्राफी की भूमिका, शिवानंद गमनगटी
55. ब्लांट एब्डोमिनल ट्रॉमा में डबल फेज सीटी की भूमिका, शिवानंद गमनगटी।
56. इंटेस्टाइनल अल्सेरो – कॉन्स्ट्रीक्टिव लेशन्स के मूल्यांकन में एमआरआई की भूमिका, शिवानंद गमनगटी।
57. गुर्दा प्रत्यारोपण के बाद पहले वर्ष में अस्पताल में भर्ती होने पर संक्रमण आवश्यकता की रूपरेखा और जोखिक कारक, सौमिता बागची।
58. भारत में तश्तीयक देखभाल अस्पताल में बायोप्सी प्रूवेन गुर्दे रोग के पैटर्न को चित्रित करना, सौमिता बागची।
59. भारतीय जनसंख्या में आईजीए नेफ्रोपैथी के एचई ऑक्सफोर्ड वर्गीकरण के मूल्यांकन के लिए पूर्वव्यापी अध्ययन, सौमिता बागची।
60. भारत में बुजुर्ग रोगियों में बायोप्सी प्रूवेन गर्दे रोग की रूपरेखा का मूल्यांकन करने के लिए पूर्वव्यापी अध्ययन, सौमिता बागची।
61. स्तर 1 ट्रॉमा सेंटर में एब्डोमिनल ट्रॉमा के साथ रोगियों में लैप्रोस्कोपी की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए पूर्वव्यापी और भावी अध्ययन, सुबोध कुमार।
62. चार पोर्ट लैप्रोस्कोपिक कोलेकायस्टेक्टोमी बनाम एकल इंसिजन लैप्रोस्कोपिक कोलेकायस्टेक्टोमी का मानक – एक संभावित यादृच्छिक परीक्षण, सुबोध कुमार।
63. लैप्रोस्कोपिक कोलेकायस्टेक्टोमी के अनुपालन में कंधे के दर्द में मानक दबाव और निम्न दबाव नियोमोप्रेरिटोनियम का प्रभाव – एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, सुबोध कुमार।
64. वैकल्पिक न्यूरोसर्जिकल रोगियों में ऑपरेशन पश्चात सीटी स्कैन की व्यवहार्यता, सुमित सिन्हा।
65. जिनेइकोमेस्टिया (2013) के साथ रोगियों में क्लिनिकल प्रकार, हार्मोनल रूपरेखा और शल्य परिणाम, सुषमा सागर।
66. प्रोक्सिमल फेमोरल नाइल एंटी रोटेशनल (पीएफएनए) बनाम डायनेमिक हिप स्क्रू (डीएचएस) द्वारा टाइप ए1 और ए2 इंटरट्रोकैटेरिक फ्रैक्चर उपचार वाले बुजुर्ग रोगियों में भावी यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन की तुलना करने वाले कार्यात्मक और रेडियोलॉजिकल परिणाम, विजय शर्मा।
67. लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर में पेल्विक फ्रैक्चर मैनेजेड के भावी अध्ययन, विजय त्रिखा।

पूर्ण

1. ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी (टीबीआई) से पीड़ित रोगियों में इम्यून एक्टिवेशन के एक मार्कर के रूप में प्लाज्मा में स्तर, सेटिब्रोस्पाइनल फ्ल्यूड, एवं कंटूरूड ब्रेन टीयू का रेंटेस (सक्रिय बनाने पर विनियमित, सामान्य टी कोशिका व्यक्त और स्रावित)। एस. अरुल सेल्वी।
2. किशोरों में अवसाद के नैदानिक अभिव्यक्ति में टी सेल एपोप्टोसिस, न्यूरोट्रोफिन्स, साइटोकाइन्स और आनुवंशिक बहुरूपताओं की भूमिका, एस अरुसेल्वी।
3. टेस्टीकुलर ट्यूमरों और एंडेसेंडेट टेस्टेस वाले रोगियों के परिणाम विश्लेषण, आशीष सैनी।
4. कंटेम्परी कोहोर्ट में क्लेवाइन डिंडो स्केल पर लैप्रोस्कोपिक नेफ्रेक्टोमी की जटिलताएं, आशीष सैनी।
5. यूरेटेरिक स्टोन के लिए देय खराब कार्य करने वाले गुर्दे के लिए अरेटेरोस्कोपिक अनुपालन का परिणाम, आशीष सैनी।
6. वयस्क ट्रॉमेटिक ब्रेंकियल प्लेक्सस चोटों का मैग्नेटिक रिसोनेंस इमेजिंग मूल्यांकन, अतिन कुमार।
7. कीमोथेरेपी के दौर से गुजर रोगियों में गैर छोटे सेल फेफड़ों कार्सिनोमा के मूल्यांकन में परफ्यूजन सीटी की भूमिका, अतिन कुमार।
8. गैर घाव सर्जिकल गंभीर पेट (एनटीएसएए) में आपातकालीन सामान्य शल्य चिकित्सा प्रवेश : भावी संस्थागत अनुभव, बिपलाब मिश्रा।
9. एक्यूट सरवाइकल ट्रॉमा में प्रारंभिक बनाम देरी से सर्जरी : परिणाम अध्ययन, दीपक गुप्ता।
10. सप्रेटेंटोरियल हैमोरेज के सर्जरी बनाम एंडोवेस्कुलर क्लिपिंग में वैसोस्पेम, दीपक गुप्ता।
11. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम के नैदानिक, चयापचय और हार्मोनल मापदंडों पर मायोइनोसिटोल बनाम मेटाफॉर्मिन की प्रभावकारिता के आकलन के लिए यादृच्छिक चिकित्सीय परीक्षण, गरिमा कछावा।
12. पीसीओएस के साथ व्यक्तियों के बीच ग्लूकोज असहिष्णुता : दो वर्ष का फॉलो अप अध्ययन, गरिमा कछावा।

13. कोलपोस्कोपिक निर्देशित बायोप्सी में हिस्टोलॉजी के साथ रेइड कोलपोस्कोपिक इंडेक्स बनाम स्वेडे स्कोर के सहयोग की शक्ति की तुलना, गरिमा कछावा।
14. लेप्रोस्कोपिक एंडोमेट्रियोटिक काइस्टेक्टोमी के बाद ओवरियन रिजर्व का अध्ययन करना और प्रजनन परिणाम के साथ पोस्ट साइस्टेक्टोमी ओवरियन सप्रेशन के प्रभाव का सह–संबंध, गरिमा कछावा।
15. बायोफिजिक्स और बायोकैमिकल मार्करों द्वारा प्रारंभिक गर्भावस्था में वेस्कुलर एंडोथेलियल कार्य का मूल्यांकन और गर्भावस्था के बाद में प्रीक्लेम्पसिया के विकास के साथ सह–संबंध, गरिमा कछावा।
16. अस्पष्टीकृत आवर्तक गर्भावस्था की हानि के साथ साइटोकाइन और पेंट्रेक्सिन 3 लेवलों के लेवालों का अध्ययन तथा साइटोकाइन और पेंट्रेक्सिन 3 लेवल पर ओरल माइक्रोनाज्ड प्रोगेस्टेरोन थैरेपी का प्रभाव तथा गर्भावस्था के परिणाम के लिए इसके संबंध, गरिमा कछावा।
17. मानव इम्युनोडेफिसिएंसी वायरस संक्रमित महिलाओं में मानव पेपिलोमा वायरस सक्रमण और सरवाइकल असामान्यताओं की व्याप्तता का अध्ययन, गरिमा कछावा।
18. हिमौरेजिक शॉक वाले ट्रॉमा पीड़ितों में संयुक्त मानव एरथ्रोपोइटिन की भूमिका का अध्ययन : स्टेम कोशिका विभेद के माध्यम से एक इन विट्रा दृष्टिकोण, संजीव भोई।
19. ट्रॉमा हिमौरेजिक शॉक रोगियों में एस्ट्रोजीन की सुरक्षा और प्रभावकारिता का अध्ययन करना, संजीव भोई,
20. ब्रेंकियल प्लेक्सस चोटों के मूल्यांकन में एमआरआई की भूमिका, शिवानंद गमनगटी।
21. सीआईएलसी बनाम मानक 4 पोर्ट लैप्रोस्कोपिक कोलेकाइस्टेक्टोमी के यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, सुबोध कुमार।
22. लैप्रोस्कोपिक इंशियोनल और वेंट्रल हर्निया को ठीक करने में मेस फिक्शन के विभिन्न तरीकों की तुलना का आरसीटी, सुबोध कुमार।
23. क्लिनॉइडल मेनिंजियोमास, सुमित सिन्हा
24. डीसी करावा रहे गंभीर टीबीआई वाले रोगियों में शामिल पूर्वव्यापी सह भावी गैर यादृच्छिक विश्लेषणात्मक अध्ययन, सुमित सिन्हा।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. एपेनडायमोन में एपिथिकल से मेसेंकायम ट्रांजक्शन (ईएमटी), पैथोलॉजी विभाग
2. अंग दुष्क्रिया एवं स्पेसिस के शीघ्र निदान हेतु मोनोसाइट्स के पोस्ट ट्रॉमा – साइटोफाइन प्रोड्यूसिंग पोटेंशियल का आकलन। प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, जेपीएनएटीसी, एम्स।
3. पोस्ट ट्रॉमा इम्युनोपैथोजेनिसिस और इसके परिणाम में टी–हेल्पर – 9, हेल्पर – 17 टी हेल्पर – 22 और टी–रेगुलेटरी लिम्फोसाइट की गणन, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, जेपीएनएटीसी, एम्स
4. ब्लंट ट्रॉमेटिक सॉलिड एब्डोमिनल के मूल्यांकन में विपरीत उन्नत अल्ट्रासाउंड की भूमिका, विकिरण निदान विभाग, जेपीएनएटीसी, एम्स
5. ट्रॉमा यूनिट में कार्य कर रही नर्सों के संशोधित ज्ञान और व्यवहार्य में मनोवैज्ञानिक प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण (पीएफएटी) मॉड्यूल की प्रभावकारिता का पता लगाने के लिए अध्ययन, कॉलेज ऑफ नर्सिंग विभाग, एम्स।
6. स्पाइन सर्जरी के बाद ऑपरेशन पश्चात मॉर्फिन कंज्मप्शन पर ऑपरेशन पूर्व विटामिन सी बनाम प्लासेबो की एकल खुराक के प्रभावों के यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, जेपीएनएटीसी।
7. थ्रोम्बोएलास्टोग्राफी, प्रोटीन सी और प्रोटीन एस मार्करों का उपयोग कर आपातकालीन सर्जरी से गुजर रहे उन आघात हैमौरेजिक शॉक रोगियों (टीएचएस) में कोएगुलेशन स्थिति का मूल्यांकन। संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, जेपीएनएटीसी
8. इंट्रामेडुलरी नाइलिंग के साथ फेमोरल शाफ्ट फ्रैक्चर प्रचालित में बोन टर्नओवर के सीमर बायोकैमिकल मार्करों की अस्थायी अभिव्यक्ति, अस्थि रोग विज्ञान विभाग, जेपीएनएटीसी
9. सर्जिकल इंटेंसिव केयर यूनिट में ट्रॉमा रोगियों में एकेआई की भविष्यवाणी में एक प्रारंभिक मार्कर के रूप में प्लाज्मा और मूत्र न्यूट्रोफिल जिलेटिनेज से जुड़े लिपोकेलिन (एनजीएएल) का मूल्यांकन, संवेदनाहरण विभाग, जेपीएनएटीसी
10. एशियाई – भारतीय व्यक्तियों में मातत्व और नवजात बच्चो में विटामिन डी की स्थिति पर विटामिन डी पूरकता के प्रभाव की जांच के लिए एक यादृच्छिक डबल नियंत्रित परीक्षण। अंतस्रावी और स्त्री रोग विभाग, एम्स।

11. ऑब्स्ट्रेक्टिव स्लीप एपनिया वाले रोगियों में इरेक्टाइल डिसफंक्शन (काय चिकित्सा विभाग)।
12. एमएमसी और टेथेरेड कॉर्ड सिंड्रोम के लिए सर्जरी के अनुपालन में न्यूरोजेनिक ब्लैडर वाले रोगियों में दीर्घावधि परिणाम (यूरोलॉजिक) : एक भावी अध्ययन, चिकित्सा विभाग।
13. ओपन डोनर नेफ्रेक्टॉमी बनाम लेप्रोस्कोपिक डोनर नेफ्रेक्टॉमी के बाद परिणामों और जीवन की गुणवत्ता की तुलना एक भावी अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग।
14. भारतीय रोगियों में ट्यूबरोस स्क्लेरोसिस के म्यूटेशन स्पेक्ट्रम। आनुवंशिकी, बाल रोग विभाग
15. माइटोकॉन्ड्रियल बीमारियों के साथ भारतीय रोगियों में ऊतक विकृति विज्ञानी, न्यूरोइमेजिंग और जैव रासायनिक चयापचयों के साथ उत्परिवर्तन स्पेक्ट्रम, और उसके सह–संबंध का अध्ययन। आनुवंशिकी, बाल रोग विभाग
16. मश्त प्रसव में प्ररूपी लक्षण वर्णन में आभासी और परंपरागत ऑटोप्सी की तुलना। बाल रोग विभाग
17. अस्पताल अधिग्रहित संक्रमणों के लिए ऑटोमेटेड इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली का विकास एवं क्रियान्वयन (आईसीएमआर निधिकृत परियोजना) प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, जेपीएनएटीसी, एम्स।
18. ऑस्ट्रेलिया भारत सहयोग प्रणाली परियोजना, एआईटीएससी, ऑस्ट्रेलिया – भारत डीबीटी
19. भारत में तृतीयक देखभाल अस्पताल में अस्पताल अधिग्रहित संक्रमणों के लिए ऑटोमेटेड इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली का विकास एवं क्रियान्वयन। आईसीएमआर
20. प्रीक्लेम्पसिया जांच के लिए वेस्कुलर फंक्शन, बैरोरेफ्लेक्स संवेदनशीलता और जैव रासायनिक कारकों का मूल्यांकन। शरीर क्रिया विज्ञान विभाग
21. पोस्ट – ट्रॉमेटिक रोगियों में पोस्ट काइटोकाइन में एंटी–इंफ्लेमेटरी साइकोकाइन के विनियमन में सीडी14 हाई सीडी16 – ब्लड मोनोकाइट की भूमिका। सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, सर्जरी।
22. ट्रॉमा रोगियों में निम्नलिखित लेपेरोटॉमी के पश्चात की जटिलताओं की भविष्यवाणी में चयापचय मापदंडों व्युत्पन्न माइक्रोडायलेसिस की भूमिका : व्यवहार्यता और प्रायोगिक अध्ययन। शल्य चिकित्सा विभाग, तंत्रिका शल्य चिकित्सा।
23. दर्दनाक फेफड़े की चोट और पॉलीट्रॉमा में साइटोकाइन्स और बायोमार्करों का संभावित प्रोग्नोस्टिक : संस्थान अनुसंधान अनुदान, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, सर्जरी।
24. आघात रोगियों में सेप्सिस के प्रारंभिक निदान और प्रोग्नोस्टिकेटिंग परिणाम में पोस्ट ट्रॉमा लिम्फोकाइट – मोनोकाइट प्रतिक्रिया और प्रोग्रामेड डेथ – 1 लेवल की भूमिका : सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, सर्जरी।
25. एंडोस्कोपिक पिट्यूटरी सर्जरी के दौर से गुजर रोगियों में हिमोडायनेमिक और रिकवरी पर लिडोसाइन इंफ्यूजन का प्रभाव : एक मल्टीसेंटर, यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
26. संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र, यूनिवर्सिटी ऑफ मैनिटोबा, वाइनपेग, कनाडा
27. सेंट्रल लाइन एसोसिएटेड ब्लड स्ट्रीम इंफेक्शन (सीएलएबीएसआइ) को कम करने में क्लोरेहेक्सिडिन ग्लुकोनेट इप्रेगनेटेड पैच (बीआईओपीएटीसीएच आर) की प्रभावशीलता पर भावी अध्ययन, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, जेपीएनएटीसी, एम्स।
28. एक रेफरल भारतीय अस्पताल में रक्त प्रवाह संक्रमण (बीएसआई) के रेफरल भारतीय अस्पताल निगरानी में रक्त प्रवाह संक्रमण (बीएसआई) की निगरानी। सूक्ष्य जीव विज्ञान विभाग, जेपीएनटीसी, एम्स।
29. न्यूरोक्रिटिकल केयर यूनिट का सप्ताह : न्यूरोक्रिटिकल केयर में बिंदु व्याप्तता अवलोकन अध्ययन : पीआरआईएनसीई अध्ययन, जुलाई 2014. (आईईसी / एनपी – 190 / 2014 आरपी – 03 / 2014) बायलॉर कॉलेज ऑफ मेडिसिन, हॉस्टन, टेक्सास।
30. आईसीयू प्रवास के दौरान सिर में चोट के साथ रोगियों में इलेक्ट्रोलाइट असामान्यताएं : एक संभावित अवलोकन अध्ययन। प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, जेपीएनएटीसी, एम्स।
31. आघात रोगियों के कोहोर्ट में भारतीय आबादी में डीप वेन थ्रोम्बोसिस की व्याप्तता, यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन और जेपीएनएटीसी, एम्स
32. जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रामा सेंटर, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, भारत तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग, जे पी एन ए ट्रॉमा सेंटर में एक शव विच्छेदन सुविधा की स्थापना के लिए प्रस्ताव

33. ऑब्सट्रक्टिव रेनोपैथी में गुर्दे परिरक्षण में अस्थि मज्जा मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं और गुर्दे की स्टेम कोशिकाओं की भूमिका – चूहों में एक प्रायोगिक अध्ययन, बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सा विभाग
34. हिमोरेजिक शॉक वाले ट्रॉमा पीड़ितों में संयुक्त मानव एरथ्रोपोइटिन की भूमिका का अध्ययन : स्टेम कोशिका विभेद के माध्यम से एक इन विट्रो दृष्टिकोण
35. ट्रॉमा हिमौरेजिक शॉक रोगियों में एस्ट्रोजीन की सुरक्षा और प्रभावकारिता का अध्ययन करना
36. परिणाम के साथ इसके संबंध के आघात रोगियों और अध्ययन में प्रवेश के समय हिमेटोपोएटिक प्रोजेनिटर कोशिकाओं का गणना – एक पूर्वव्यापी अध्ययन। प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, जेपीएनएटीसी और जैव सांख्यिकी विभाग, एम्स।
37. पारिवारिक और स्पोरेडियक उत्तरी भारतीय हाइपोस्पेडियास रोगियों में प्रति संख्या बदलाव की पहचान।
38. ओस्टियोसार्कोमा के मूल्यांकन में गतिशील एमआरआई की भूमिका। अस्थि रोग
39. लाइव संबंधित गुर्दे के प्रत्यारोपण में ओपन डोनर नेफ्रेक्टॉमी बनाम लेप्रोस्कोपिक डोनर नेफ्रेक्टॉमी का एक तुलनात्मक अध्ययन। वृक्क विज्ञान
40. सहवर्ती पित्त की पथरी और सीबीडी पत्थरों के साथ रोगियों के एकल चरण बनाम दो चरण उपचार के बाद जीवन परिणामों की गुणवत्ता का आरसीटी। जठरांत्र विज्ञान, मनोरोग
41. नए लेपित प्लेटलेट मार्कर का उपयोग कर संज्ञानात्मक घाटे प्रेरित हल्के घाव मस्तिष्क चोट की जल्दी पहचान, डीबीटी

पूर्ण

1. लिम्फ नोड मेटास्टेसिस के साथ प्रचलित स्तन कैंसर में डी–डिमर और अन्य कोएगुलेशन पैरामीटर, कैंसर विज्ञान विभाग, प्रयोगशाला चिकित्सा (एम्स)
2. हिमौरेजिक शॉक वाले ट्रॉमा पीड़ितों में संयुक्त मानव एरथ्रोपोइटिन की भूमिका का अध्ययन : स्टेम कोशिका विभेद के माध्यम से एक इन विट्रा दृष्टिकोण, आपातकालीन चिकित्सा विभाग, जेपीएनएटीसी
3. आघात रक्तस्रावी सदमे वाले रोगियों पर कॉन्जुगेटेड एस्ट्रोजन का प्रभाव, आपातकालीन चिकित्सा विभाग, जेपीएनएटीसी
4. फेमोरल शाफ्ट फ्रैक्चर के इंट्रामेडुल्लरी नेलिंग के बाद वृद्धि कारक टीजीएफ – बीटा 1 और वीईजीएफ के टेम्पोरल अभिव्यक्ति। ऑर्थोपीडिक्स विभाग, जेएनपीएटीसी
5. स्तर 1 ट्रॉमा सेंटर में एब्डोमिनल ट्रॉमा के साथ रोगियों में लैप्रोस्कोपी की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए पूर्वव्यापी और भावी अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग
6. आनुषंगिक पित्त पथरी और सीबीडी पत्थरों के साथ रोगियों के दो चरण प्रबंधन बनाम एकल चरण के बाद जीवन की गुणवत्ता की तुलना : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। शल्य चिकित्सा विभाग
7. हाइपोटोनिक बच्चों के मूल्यांकन में अल्ट्रासोनोग्राम कंकाल की मांसपेशी का एक अध्ययन। बाल चिकित्सा तंत्रिका विज्ञान विभाग
8. ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी (टीबीआई) से पीड़ित रोगियों में इम्यून एक्टिवेशन के एक मार्कर के रूप में प्लाज्मा में स्तर, सेटिब्रोस्पाइनल फ्ल्यूड, एवं कंटूस्ड ब्रेन टीयू का रेंटेस (सक्रिय बनाने पर विनियमित, सामान्य टी कोशिका व्यक्त और स्रावित)। प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, जेपीएनएटीसी
9. दर्दनाक मस्तिष्क की चोट में प्रोजेस्टेरोन की सुरक्षा और प्रभावकारिता का अध्ययन करना (यादृच्छिक चिकित्सीय परीक्षण), तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग, जेपीएनएटीसी
10. इमेजिंग के साथ लेग्ग–बियाना पेर्थेस बीमारी और उसके संबंध के साथ बच्चों में कूल्हे का आर्थोस्कोपी। हड्डी रोग विभाग
11. एसीएल पुनर्निर्माण में एमडीसीटी, अस्थि रोग विभाग
12. लेप्रोस्कोपिक टीईपी और टीएपीपी इग्यूइनल हर्निया के सुधार निम्नलिखित टेस्टीकुलर फंक्शन, सेक्शुअल फंक्शन और क्यूओएल की एक संभावित यादृच्छिक तुलना। मनोरोग और प्रजनन जीव विज्ञान विभाग

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 201 **सार : 4** **पुस्तकों में अध्याय : 18**

रोगी देखभाल

कुल बिस्तर क्षमता : 186

वार्ड वेड : 120 आईसीयू बेड द्वितीय तल : 16 आईसीयू बेड तृतीय तल : 20

ट्राइएज : 30

कुल उपयोगरत बिस्तर : 176

वार्ड बेड : 144 आईसीयू बेड द्वितीय तल : 20 आईसीयू बेड तृतीय तल : 12

सांख्यिकी एक नजर में

कुल कैजुएल्टी उपस्थिति : 62744 औसत प्रतिदिन : 172 रोगी

पुरुष : 46598 महिलाएं : 16146

एमएलसी : 27621 एनएमएलसी : 35123

कुल प्रवेश : 5290 औसत प्रवेश प्रतिदिन : 15 रोगी

ठहरने की औसत अवधि : 10 दिन/रोगी

विशिष्टतावार विवरण

अस्थिरोग : 1481 सर्जरी : 2029 तंत्रिका शल्यचिकित्सा : 1777

आपात चिकित्सा : 3

एमएलसी : 2827 एनएमसीएल : 2463

पुरुष : 4336 महिलाएं : 0954

कुल अनवुर्तन उपचार ओपीडी रोगी : 34629 दैनिक औसत एफ–ओपीडी रोगी : 117

नए रोगी : 12822 पुराने (पुनःआना) : 21807

पुरुष : 24290 महिलाएं : 6760

विशिष्टतावार विवरण

अस्थिरोग : 19032 सर्जरी : 08361 तंत्रिका शल्यचिकित्सा : 6549

मूत्र रोग विज्ञान : 687

कुल निष्पादित ऑपरेशन : 5678

बड़े : 5381 छोटे : 297

विषयवार विवरण

अस्थिरोग : 1991 सर्जरी : 2147 न्यूरोसर्जरी : 1440

मूत्र रोग विज्ञान : 0100

पुरुष : 4374 महिलाएं : 0744

एमसीएच : 387 एफसीएच : 173

कुल मृत्यु + मृत्यु रोगी संख्या : 849 (–) मृत्यु रोगी (बीडी) संख्या : 305

टीपी में प्राप्त मृत्यु : 544 टीसी में 48 घण्टे के अंदरमृत्यु : 248

48 घण्टे से में अधिक मृत्यु : 296

पुरुष : 677	महिलाएं : 107
एमसीएच : 040	एफसीएच : 025
सकल मृत्युदर : 11 प्रतिशत	शुद्ध मृत्युदर : 6 प्रतिशत
बिस्तर उपभोग दर : 83 प्रतिशत	औसत रहने की अवधि : 10 दिन

बिस्तर टर्न ओवर दर : 29 रोगी/ बिस्तर

क्रं. सं.	जांच	संख्या
1.	साधारण एक्स – रे (आपातकालीन, वार्ड, पोर्टेबल सहित)	104891
2.	फ्लोरोस्कोपी	190
3.	सी टी	16306
4.	अल्ट्रासाउंड सहित डॉपलर और निर्देशित हस्तक्षेप	17963
5.	हस्तक्षेप प्रक्रियाओं सहित डिजिटल सबस्ट्रेक्शन एंजियोग्राफी	88
6.	एमआरआई	1091
	कुल	**140529**

प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग में किए गए परीक्षण

1. हिमेटोलॉजी

संपूर्ण रक्त गणना :	42895	रेटिक काउंट :	12582
ईएसआर :	5402	आर बी सी मोर्फोलॉजी :	3030
ब्लड पैरासाइट :	5329		
कुल	**4,36,353**		

कोएगुलेशन

पी टी :	26217	ए पी टी टी :	26217
टी टी :	355	फाइब्रीनोजेन :	520
डी–डाइमर :	355		
थ्रोम्बोइलास्टोग्राफी (टीईजी)	2585		
कुल	**56,249**		

2. क्लीनिकल पैथोलॉजी

यूरीन रूटीन एवं माइक्रोस्कॉपी :	5358	यूरीन माइयोग्लेबीन :	1505
सी एस एफ माइक्रोस्कॉपी :	2070	फैट ग्लोब्यूल्स :	220
कुल	**9153**	**9153**	

हिमेटोलॉजी अनुभाग में आयोजित किए गए कुल परीक्षण **5,01,755**

3. बायोकैमिस्ट्री

शर्करा :	10442	यूरिया :	37979
क्रीएटीनाइन :	37921	कैल्शियम :	28977
फोसफोरस :	29068	यूरिक एसिड :	22594
सोडियम :	37827	पोटेशियम :	37812
टी बी आई एल :	21158	डी बी आई एल :	21124

कुल प्रोटीन :	20622	एल्बुमिन :	20617
एस जी ओ टी :	20320	एस जी पी टी :	20221
ए एल पी :	20225	कोलेस्ट्रोल :	3761
एमीलेज :	4527	एच डी एल डी :	1051
एल डी एल डी :	1051	टी जी :	1058
वी एल डी एल :	851	सी के :	1155
एम जी :	1669	लीपेज :	34
सी के – एम बी :	80	सी एस एफ शर्कर :	1216
सी एस एफ प्रोटीन :	1375	पेरीटोनीयल फ्ल्यूड शर्कर :	100
पेरीटोनीयल फ्ल्यूड प्रोटीन :	91	यूरीन शर्कर :	207
यूरीन प्रोटीन :	207	लॉनिक कैल्शियम (यूरिन) :	400
यूरिनरी स्पॉट सोडियम :	13	यूरिनरी कैल्शियम :	406
यूरिनरी क्रीएटीनाइन :	406	प्लेयरस फलूइड एमिलेज :	13
माइक्रोएल्बुमिन :	50	लैक्टेट :	18
ड्रेन एमायलीस :	18	ए बी जी :	10926
इलेक्ट्रोलायट्स :	10926		

बायोकैमिस्ट्री अनुभाग में आयोजित किए गए कुल परीक्षण 4,94,072

4. माइक्रोबायोलॉजी

कल्चर :	12862	बैक्टीरियल पहचान :	3016
एंटीबॉडीज सेंसिटिविटी :	3016	एच आई वी सिरोलॉजी :	1249
हिपाटाइटिस बी सिरोलॉजी :	1255	हिपेटाइटिस सी सिरोलॉजी :	1133
अस्पताल संक्रमण निगरानी कल्चर :	3788	पीसीटी :	530

माइक्रोबायोलॉजी अनुभाग में आयोजित किए गए कुल परीक्षण 26849

5. हिस्टोपैथोलॉजी

नमूने प्रसंस्कृत :	535	ब्लॉकों की संख्या :	1000
स्लाइडों की कुल संख्या :	1256		

हिस्टोपैथोलॉजी में आयोजित किए गए कुल परीक्षण 2791

महा योग : 10,25,467

रक्त बैंक

माह	संवीक्षित दाता	रक्तदान वाले दाता	प्रतिस्थापक दाता			स्वैच्छिक दाता			अतरंग स्वैच्छिक दाता	बहिरंग शिविर स्वैच्छिक दाता
			पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल		
अप्रैल 14	816	668	448	2	450	205	13	218	128	90
मई 14	915	751	549	3	552	194	5	199	125	74
जून 14	840	701	562	5	567	133	1	134	116	18

जुलाई 14	863	729	572	4	576	149	4	153	153	शून्य
अगस्त 14	983	789	556	2	558	203	28	231	126	105
सितम्बर 14	1056	834	516	3	519	282	33	315	134	181
अक्तूबर 14	733	630	491	2	493	137	0	137	137	शून्य
नवम्बर 14	1100	896	472	6	478	413	5	418	405	13
दिसम्बर 14	764	629	440	8	448	174	7	181	101	80
जनवरी 15	817	682	505	8	513	165	4	169	120	49
फरवरी 15	788	648	516	2	518	125	5	130	99	31
मार्च 15	928	738	590	4	594	139	5	144	92	52
कुल	**10603**	**8695**	**6217**	**52**	**6266**	**2319**	**110**	**2429**	**817**	**693**

संघटक पृथक्करण प्रयोगशाला

माह	तैयार किए गए आरबीसी पैक	तैयार किए गए ताजे फ्रोजन प्लाज्मा	तैयार किए गए प्लेटलेट	तैयार किए गए क्रायो प्रेसीपिटेंट
अप्रैल 14	668	553	481	111
मई 14	751	618	575	108
जून 14	701	614	591	75
जुलाई 14	729	569	568	110
अगस्त 14	789	591	516	142
सितम्बर 14	834	695	598	133
अक्तूबर 14	630	569	502	84
नवम्बर 14	896	734	569	59
दिसम्बर 14	629	529	483	64
जनवरी 15	682	561	539	65
फरवरी 15	648	522	494	92
मार्च 15	738	549	518	131
कुल	**8695**	**7104**	**6434**	**1174**

रक्त और घटकों का गुणवत्ता नियंत्रण : सभी इकाइयों के लिए 1 प्रतिशत

समूहीकरण प्रयोगशाला

माह	दाता समूहीकरण	रोगी समूहीकरण	कुल
अप्रैल 14	668	841	1509
मई 14	751	952	1703
जून 14	701	924	1625
जुलाई 14	729	933	1662
अगस्त 14	789	883	1672

सितम्बर 14	834	881	1715
अक्तूबर 14	630	949	1579
नवम्बर 14	924	956	1880
दिसम्बर 14	629	891	1520
जनवरी 15	682	842	1524
फरवरी 15	648	895	1543
मार्च 15	738	964	1702
कुल	**8723**	**10911**	**19634**

आपातकालीन निर्गम पटल

माह	प्राप्त किए गए कुल नमूने	क्रॉस मैच के लिए नमूने	पूरे किए गए क्रॉस मैच की संख्या	जारी किए गए आरसीबी पैकेज की संख्या	एफ एफ पी जारी किए गए	पी आर सी जारी किए गए	क्रायो जारी किए गए
अप्रैल 14	841	765	2187	719	476	355	70
मई 14	952	832	2445	846	446	410	156
जून 14	924	785	2327	706	422	540	133
जुलाई 14	933	827	2449	828	457	472	128
अगस्त 14	883	779	2308	704	542	523	97
सितम्बर 14	881	805	2407	685	294	377	90
अक्तूबर 14	949	862	2664	774	449	408	176
नवम्बर 14	956	839	2562	718	717	450	77
दिसम्बर 14	891	801	2328	689	458	306	26
जनवरी 15	842	767	2081	689	637	335	149
फरवरी 15	895	813	2425	651	325	334	104
मार्च 15	964	889	2512	683	531	373	147
कुल	**10911**	**9764**	**28695**	**8692**	**5754**	**4883**	**1353**

अस्पताल के रक्त बैंक के लिए जारी किए रक्त और घटक
(मुख्य एम्स, सीएन सेंटर, जीबी पंत, एलएनएच, ईएसआई, डॉ हेडगेवार)

माह	रक्त		एफएफपी		प्लेटलेट	
	जारी किए गए	प्राप्त किए गए	जारी किए गए	प्राप्त किए गए	जारी किए गए	प्राप्त किए गए
अप्रैल 14	54	3	140	शून्य	शून्य	शून्य
मई 14	41	15	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
जून 14	3	34	शून्य	शून्य	10	31
जुलाई 14	4	16	शून्य	शून्य	शून्य	24
अगस्त 14	3	78	140	शून्य	20	शून्य

सितम्बर 14	8	26	शून्य	शून्य	10	शून्य
अक्तूबर 14	2	8	140	शून्य	24	शून्य
नवम्बर 14	34	शून्य	140	शून्य	शून्य	शून्य
दिसम्बर 14	90	19	314	शून्य	10	शून्य
जनवरी 15	94	35	360	शून्य	13	शून्य
फरवरी 15	6	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
मार्च 15	6	36	100	शून्य	शून्य	शून्य
कुल	**345**	**270**	**1334**	**शून्य**	**87**	**55**

अन्य रक्त बैंकों के लिए जारी पैक्ड आरबीसी की कुल संख्या **270**

जारी किए गए एफएफपी की कुल संख्या **1334**

जारी किए गए प्लेटलेट की कुल संख्या **87**

केंद्रीय पंजीकरण और आपात पटल

अपनी अवस्थिति के कारण सीआरसी ने जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र में आपात सेवा का कार्य शुरू किया है। जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र के पटल पर लगभग 400 से 500 रोगियों को पहली बार देखा और पड़ताल किया जाता है और इसमें से 90 प्रतिशत की इस स्तर पर छंटाई की जाती है। यह रोगी उपचार, अनुवर्ती संगठनात्मक ढांचे, अस्पताल प्रशासन और संबंधित सेवाओं के संबंध में मरीजों, संबंधित / परिचरों, पुलिस, मीडिया और आम जनता को जानकारी उपलब्ध करा रहा है। प्रवेश के समय ही बहुत सारे विजिटरों के प्रश्न की संतुष्टि अपने आप संपूर्ण मौजूदा सुविधाओं के बेहतर प्रबंधन में मदद करते हुए ट्रॉमा सेंटर के भीतर भीड़ और भाड़ को कम करती है। वर्तमान में, केन्द्रीय पंजीकरण पटल पर तीन अलग समर्पित काउंटरों वाले बहुकार्यात्मक इमर्जेंसी रिसेप्शन के रूप में निम्नलिखित कार्यों का निष्पादन किया जाता रहा हैं :– (क) दिन – रात आपात पंजीकरण (ख) रात–दिन वार्ड / आई सी यू दाखिला। (ग) जांच पड़ताल कागजात मंजूरी काउंटर।

अनुवर्ती ओ. पी. डी. पंजीकरण काउंटर

पंक्ति प्रबंधन प्रणाली के संबंध में विगत वर्ष शुरू किए गए सुधारों के अतिरिक्त चिकित्सा / फिटनेस तथा प्रतिपूर्ति दावों के प्रमाणन के लिए एकल स्थल निपटान प्रणाली शुरू की गई थी। समर्पित ब्रैकियल प्लेक्सेस क्लिनिकल, दर्द क्लिनिक और प्री–एनेस्थिटिक क्लिनिकल की शुरूआत की रिपोर्टिंग वर्तमान वर्ष में की गई।

मुख्य मेडिकल रिकॉर्ड विभाग

उपर्युक्त के अलावा, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र का चिकित्सा अभिलेख अनुभाग (एम आर एस) पहला सरकारी अस्पताल है, जिसने वर्ष 2008 में एनडीएमसी में मृत्यु का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू किया गया था तथा यह सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है और निर्धारित कानूनी प्रक्रिया (नाम में सुधार – 174) के बाद मृतक से संबंधित को समन्वित भी कर रहा है। जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र में सभी सूचित मृत्यु को आईसीडी 10 कोडिंग को आरंभ किया गया है जो पिछले वर्ष ऑनलाइन शुरू किया गया था। जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र द्वारा दिल्ली के साथ साथ अन्य पड़ोसी राज्यों में विभिन्न माननीय न्यायालयों से समनों पर नियमित रूप से कार्यवाही कर रहा है। इस अवधि के दौरान कुल 2194 (दिल्ली के अंदर 2060, एवं दिल्ली के बाहर 134) समनों का निष्पादित किया गया। जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र द्वारा दोनों मामलों में, चाहे जीवित हो अथवा मश्त, मरीजों के विभिन्न बीमा पॉलीसी के मामलों को भी निपटा रहा है, जो यहां पर भर्ती हुए थे।

इस अवधि के दौरान ऐसे कुल 49 मामलों का संपादन किया गया। पिछले वर्षों के दौरान एम आर एस ने डिचार्ज रिकॉर्ड / बेड हैड टिकट और एक्स रे जारी करने के लिए और विकिरण निदान से एक्स रे एकत्र करने हेतु सहयोग करने तथा उन्हें पुलिस को सौंपने के लिए पुलिस अनुरोधों पर विचार किया। इस अवधि के दौरान कुल 833 ऐसे मामलों का निपटान किया गया था। एस आर एस दिल्ली राज्य / केंद्र सरकार

को वर्ष के दौरान ट्रॉमा केन्द्र में भर्ती हुए मरीजों / पीड़ितों से संबंधित सूचना (सहायता / क्षतिपूर्ण आदि के लिए) जारी करने में शामिल हैं। विभिन्न आवेदकों द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत उठाए गए प्रश्नों के उत्तर भी एम आर एस द्वारा 54 मामलों में उपलब्ध कराए गए थे। एम आर एस ने आधारभूत ढांचे के साथ साथ निरंतर कंप्यूटर सुविधा के लिए इनपुट उपलब्ध कराए हैं; ताकि संपूर्ण पंजीकरण की प्रक्रिया के चरणबद्ध रूप से कंप्यूटरीकृत किया जा सके। जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र में पुलिस पोस्ट में पड़े 26,000 इलेक्ट्रॉपिक एम एल सी रजिस्टरों की अभिरक्षा के एक चरणबद्ध तरीके से निष्पादित किया जा रहा है। अनुसंधान प्रयोजन के लिए लगभग 2305 मामलों के लिए संकाय / रेजीडेंट / स्टाफ / प्रयोगशाला स्टाफ / कंप्यूटर सुविधा सहित केस फाइलें पुनः प्राप्त की गई।

फोरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सीकोलॉजी (जेपीएनएटीसी)

क. आपातकालीन सेवाएं : जेपीएनएटीसी में फोरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सीकोलॉजी दिल्ली के दक्षिण और दक्षिण–पूर्व जिले के लिए चोट, यौन अपराधों के मामले जैसे चौबीसों घंटे के कानूनी चिकित्सा सेवाएं।

ख. मुर्दाघर सेवाएं : कु 817 कानूनी चिकित्सा पोस्टमार्टम जेपीएनएटीसी के मुर्दाघर में आयोजित की गई

ग. क्लिनिकल फोरेंसिक मेडिसिन : आपातकालीन के संदर्भ सहित जटिल मामलों राय के बाद जेपीएनएटीसी में 309 मामले थे।

घ. आमंत्रण : विभाग के डॉक्टरों ने दिल्ली और अन्य राज्यों से मामले में कानून की अदालत में भाग लिया।

ङ मेडिकल टॉक्सीलॉजी : कुल 32 परीक्षण अकादमिक मामलों में आपातकालीन विभाग को खून में अल्कोहल के लिए निष्पादित की गई।

च. प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग के सहयोग से फोरेंसिक पैथोलॉजी : इस अवधि के दौरान किया गया था।

छ. सामुदायिक सेवा : विभाग द्वारा देश भर से सीबीआई अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों और सरकारी वकीलों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए जारी है।

ज. चिकित्सीय प्रत्यारोपण के लिए अंग पुनःप्राप्ति : जेपीएनएटीसी के फोरेंसिक मेडिसिन प्रभाग द्वारा राष्ट्रीय नेत्र बैंक और ओआरबीओ द्वारा प्रत्यारोपण के लिए मस्तिष्क मृत आघात रोगियों में नेत्रदान, हृदय वाल्व दान और अंग पुनःप्राप्ति की।

नवीन सुविधाएं

केडवर प्रशिक्षण एवं अनुसंधान सुविधा की स्थापना

छात्रों के साथ साथ अर्हता प्राप्त पेशेवरों को शिक्षित करने के लिए नवीनतम अनुसंधान एवं प्रशिक्षण सुविधा की व्यवस्था की गई है। ''भावी जीवन'' की स्थितियों के अध्ययन हेतु अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अपने ही प्रकार की एक कैडवरिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण सुविधा (सीटीआरएफ) की व्यवस्था की गई है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (आईसीएमआर) और स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर), नई दिल्ली के मुक्तहस्त अनुदान से इस सुविधा को विकसित करना संभव हुआ है।

सीटीआरएफ देश भर के और विदेशी चिकित्सा स्नातकों एवं पेशेवरों के लिए पाठ्यक्रम संचालन हेतु सुविधाएं और संसाधन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रयोगशाला जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर में लगभग 50 ग 50 फीट क्षेत्रफल में स्थापित की गई है। सीटीआरएफ में 6 कैडवर कार्य स्थलों की क्षमता है। किसी भी प्रकार के सर्जिकल प्रशिक्षण हेतु उपयुक्त विशेष रूप से तैयार कैडवरों की सुविधा प्रदान की जाती है। ये हमें पूरे वर्ष, सामान्य एवं उन्नत सर्जिकल प्रक्रियाओं, ऑर्थोपेडिक (कंधों, कोख और ऐसीटैबुलम एवं आर्थोस्कोपी) प्रक्रियाओं, न्यूरोसर्जिकल एवं स्पाइन प्रक्रियाओं, सर्जिकल जोखिमों, ईएनटी, स्त्री रोग, इंटरवेंशनल जीआई एण्डोस्कोपिक, पाचन व कोलोरेक्टल, आपातकालीन औषधि, अर्नेस्थेसियोलॉजी और कौशल सर्जरी जैसे आर्थोस्कोपी, लैप्रोस्कोपी, न्यूरोएंडोस्कोपी आदि में पाठ्यक्रम संचालित करने की क्षमता प्रदान करती है। कैडवर प्रयोगशाला नए उत्पादों, विधियों, प्रत्यारोपणों और नवीन सर्जिकल प्रक्रियाओं के विकास एवं निर्धारण हेतु जैव चिकित्सीय अनुसंधान की सुविधा भी प्रदान करती है।

सीटीआरएफ में ऑर्गेनोलेप्टिक विशेषताओं वाले कैडवर होते हैं, जो करीब करीब वास्तविक जीवन की स्थितियों की तरह व्यवहार करते हैं। निःसंक्रामक शवलेप वाले सामान्य तौर पर उपयोग किए जाने वाले शव कठोर होते हैं और सर्जिकल प्रशिक्षण के लिए बहुत कम उपयोग किए जाते हैं। इसलिए, एम्स फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने संपूर्ण शरीर संरक्षण की नई विधि का परामर्श दिया है, जिससे शव लम्बी अवधि तक कोमल

बने रहते हैं, और शरीर के ऊतक बिल्कुल जीवित रोगी की तरह प्रतीत होते हैं। सीटीआरएफ में भेजने से पहले हमारे माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स द्वारा सभी शवों का संक्रमण संबंधी सघन परीक्षण किया जाता है। इन परीक्षणों के माध्यम से सभी संक्रामक रोगों जैसे एचआईवी, हेपेटाइटिस बी और सी आदि के संबंध में सभी डोनर्स की जांच की जाती है।

डॉ. सुमित सिन्हा परियोजना के मुख्य अन्वेषक हैं और 6 माह के अल्प समय में सीटीआरएफ में अब तक देश भर में 250 सर्जन्स को विभिन्न विशेषताओं में प्रशिक्षित किया है।

भारत के लिए मस्तिष्क आघात घाव संबंधी सूत्रबद्ध दिशानिर्देश

वर्तमान में, भारत में अनुकूलतम देखभाल की कमी है और सर्वोत्तम पद्धतियों अथवा अनुकूलतम देखभाल की स्पष्ट समझ की कमी है। हालांकि आघात 100 प्रतिशत निवारण योग्य समस्या नहीं है, तथापि, यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें आघात के बाद देखभाल में रोगी और उसके परिवार पर विशेष सामाजिक एवं आर्थिक भारत बढ़ जाता है जिन रोगियों में स्वभाविक स्वास्थ्य लाभ नहीं हुआ, उनके उपचार में उत्कृष्ट पद्धतियों की कमी रही।

टीबीआई से स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया लम्बी और कठिन है, और स्थायी लक्षणों / तंत्रिका संबंधी कमियों के कारण लम्बे समय तक उपचार एवं देख रेख का आवश्यकता होती है। बहुत से टीबीआई रोगियों में सामान्य स्वास्थ्य लाभ के बावजूद महत्वपूर्ण लक्षण दिखाई देते हैं, जिनमें घाव के बाद सिरदर्द, नींद विकार, संतुलन विकार, संज्ञानात्मक क्षति, थकान और मनोदशा अथवा भावात्मक विकार आदि को शामिल किया जा सकता है। टीबीआई गंभीर अवस्था में यह संभाव्यता अनेक व्यक्तियों में रूपांतरित हो सकती है जिनमें संबंधित निःशक्तता देखी जा सकती है।

मस्तिष्क आघात घाव (टीबीआई) से पीड़ित रोगियों का उपचार करने वाले स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए साक्ष्य आधारित उत्कृष्ट प्रैक्टिस देखभाल दिशानिर्देशों को तैयार करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी परियोजना आरंभ की गई थी। अस्पताल में देखभाल संपूर्ण और टीबीआई के तंत्रिका पुनरुत्थान पहलुओं के प्रति जागरुकता एवं निवारण की साक्ष्य आधारित अनुशंसाओं को शामिल करते हुए एक प्रैक्टिस दस्तावेज तैयार किया गया। इन दिशा निर्देशों को तैयार करने का एक मात्र उद्देश्य है। भारत भर में नवीनतम मानक देखभाल की व्यवस्था करना ताकि तंत्रिका आघात वाले सभी रोगियों को समान देखभाल हो सके। अस्पतालों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवा के आधार पर विभिन्न अस्पतालों को कई स्तरों पर विभाजित किया गया; नवीनतम सुविधाओं से सुसज्जित अस्पतालों को स्तर 1 और बुनियादी सुविधाओं वाले अस्पतालों को स्तर में रखा गया।

भारत को केंद्र में रखकर इन दिशानिर्देशों को तैयार करने का उद्देश्य है, टीबीआई की प्रभावी पहचान, निवारण एवं चिकित्सा हेतु स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए एक तंत्र तैयार कर रोगियों की देखभाल में सुधार लाना। भारतीय और विश्व स्तरीय विशेषज्ञ मस्तिष्क आघात घाव के मामले में विभिन्न वास्तविकताओं का विश्लेषण करने के लिए एक दूसरे का सहयोग कर रहे हैं और भारत भर में एक आदर्श आपातकालीन औषधि प्रणाली तंत्र तैयार करने में जुटे हैं।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर एम. सी. मिश्रा ने निम्नलिखित महत्वपूर्ण व्याख्यान दिए 1. सर्जिकल मैनेजमेंट ऑफ इंडोक्राइन हाइपरटेंशन – ट्रांस्पेरिटॉनियल एंटीरियर लैप्रोस्कोपिक एड्रिनेलेक्टोमी : दि गोल्ड स्टैंडर्ड ऑफ दि करेंट मिलेनियम' शीर्षक से 22 नवंबर 2014 को पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में एग्लेस्टन व्याख्यान 2. 'मैनेजमेंट ऑफ सर्जिकल हाइपरटेंशन लैप्रोस्कोपिक एंड्रिनेलेक्टोमी : गोल्ड स्टैंडर्ड ऑफ करेंट मिलेनियम; शीर्षक से 20 सितंबर 2014 को कलिंगा; अस्पताल, भुवनेश्वर के 7वें वार्षिक सम्मेलन और एसईएलएसआई की सक्रीय कार्यशाला के अवसर पर एसईएलएसआई (सोसाइटी ऑफ इंडोस्कोपिक एण्ड लैप्रोस्कोपिक सर्जंस ऑफ इंडिया) व्याख्यान 2014 3. 21 जून 2014 को महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज एण्ड टेक्नोलॉजी, जयपुर में इंजरी : इपीडेमिक ऑफ दि 21 सेंचुरी; नेशनल परस्पैक्टिव, रामजी लाल स्वर्णकार व्याख्यान, 2014; सैन फ्रैंसिसको, यूएसए में 25 – 26 अक्तूबर 2014 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय एटीएलएस बैठक में अवार्ड प्राप्त किया; दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन के 100 वर्ष पूरे होने पर 10 अगस्त 2014 को विज्ञान भवन में आयोजित समारोह के दौरान डीएमए सेंटिनरी अवार्ड प्रदान किया गया; 20 अक्तूबर 2014 को एम्स दीक्षांत समारोह की मेजबानी की, मुख्य अतिथि भारत के प्रधान मंत्री ने अवार्ड प्रदान किए और दीक्षांत समारोह को संबोधित किया तथा अध्यक्ष, एम्स ने 562 सफल छात्रों को डिग्रियां प्रदान कीं। मार्च 2015 को भारत के राष्ट्रपति द्वारा बनारस हिंदू विश्व विद्यालय, वाराणसी की कार्यकारी परिषद् के तीन वर्ष के लिए सदस्य नामित किए गए; 2 दिसंबर 2014 को हमदर्द आयु विज्ञान संस्थान, हमदर्द नगर, नई दिल्ली में संकाय चयन हेतु गठित चयन समिति के सदस्य बनाए गए; 26 सितंबर 2014 को संजय गांधी स्नातकोत्तर संस्थान,

लखनऊ में निदेशक पद हेतु गठित अनुसंधान एवं चयन समिति के सदस्य चुने गए; केरला यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, केरल में उप कुलपति के पद हेतु गठित अनुसंधान एवं चयन समिति के सदस्य बनाए गए; 8–9 सितंबर 2014 को रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिसियंस एण्ड सर्जंस, ग्लासगो, यूके द्वारा एसजीआरएच, दिल्ली में आयोजित आईएमआरसीएस परीक्षा के परीक्षण; बनारस हिंदू विश्व विद्यालय, आयुर्विज्ञान संस्थान, वाराणसी में 19 – 20 अप्रैल 2014 को एमएस (जनरल सर्जरी) नियुक्त किए गए; जन स्वास्थ्य उपक्रम हेतु अपने निधिकरण तंत्र के बारे में एम्स और वेलकम ट्रस्ट यू के बीच भागीदारी पर विचार विमर्श करने हेतु 7 नवंबर 2014 को वेलकम ट्रस्ट के निदेशक का स्वागत किया; मुख्य अतिथि : 1. 28 मार्च 2015 को एम्स के न्यूरोलॉजी विभाग डीएसटी – रॉयल सोसाइटी, यूके द्वारा आयोजित 'टुवर्डस दि आइडेंटिफिकेशन ऑफ सेरेब्रोवेस्कुलर डिजीज जीन्स इन साउथ एशियंस शीर्षक वाले डीएसटी – यूके, सम्मेलन के उद्घाटन सत्र, 2. 28 मार्च 2015 को एम्स के एनेस्थेसिया, पैन मेडिसिन एवं सघन देखभाल विभाग द्वारा एम्स में आयोजित एम्स अल्ट्रासाउंड गाइडेड रीजनल एनेस्थेसिया (एयूआरए) कार्यशाला के उद्घाटन सत्र 3. ट्रॉमा सेंटर पर आईसीडी 10 कोडिंग के साथ साथ मेडिकल रिकॉर्ड प्रणाली में सुधार हेतु मेडिकल रिकॉर्ड टैक्निशियंस (एमआरटी), जूनियर एमआरओ /एमआरओ के लिए 23 मार्च 2015 को आयोजित कार्यशाला सह प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र 4. 20 मार्च 2015 को एम्स के सम्मेलन कक्ष में आयोजित द्वितीय वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन और चिकित्सा समाज सेवियों की कार्यशाला के समापन सत्र, 5. 'इंडियन एक्ट्रा प्लमनरी टीबी, इंडेक्स टीबी दिशानिर्देश पर कार्यशाला, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के टीबी डिविजन, औषधि विभाग और कोहरेन इंडिया ग्रुप द्वारा 16 – 20 मार्च 2015 को एम्स में दिशानिर्देश विकसित करने पर संयुक्त रूप से आयोजित विशेषज्ञ समूह की बैठक 6. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और एम्स द्वारा 13 – 14 मार्च 2015 को संयुक्त रूप से आयोजित टेलिकॉम 2015, दि एम्स आर आर सी वर्कशॉप, राष्ट्रीय मेडिकल कॉलेज नेटवर्क की सुग्राहिता एवं जागरुकता हेतु नॉर्थ सेंट्रल रीजन वर्कशॉप 7. 12 – 15 मार्च 2015 को सर्जिकल शिक्षण विभाग, एम्स द्वारा आयोजित इंडोसर्ज 2015 और सम्मेलन पूर्व सीएमई 8. 1 मार्च 2015 को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, मुरादाबाद द्वारा आयोजित मेडिफेस्ट 2015 9. 27 फरवरी 2015 को एम्स के सम्मेलन कक्ष में सर्जिकल शिक्षण विभाग द्वारा आयोजित सीएमई के उद्घाटन समारोह 10. 28 फरवरी 2015 को एम्स के पीडियाट्रिक्स विभाग और स्वयं सेवी संगठनों द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय दुर्लभ रोग दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम के अवसर पर, 2. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और फार्मेकोलॉजी विभाग, एम्स द्वारा 18 फरवरी 2015 को राष्ट्रीय अनिवार्य औषधि सूची निर्माण पर संयुक्त से आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन सत्र, 12. बचपन में होने वाले कैंसर के प्रति जागरुकता का प्रचार प्रसार के लिए रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन और कैनकिड्स द्वारा 15 फरवरी 2015 को संयुक्त रूप से आयोजित फ्लैग ऑफ कैन किड्स एम्स रन, 13. 12 फरवरी 2015 को एम्स के न्यूरोलॉजी विभाग द्वारा राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान संस्थान (एनबीआरआई) और जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से डीबीटी (एम्स एनबीआरसी संयुक्त परियोजना, एम्स द्वारा वित्तपोषित सीओई एपिलेप्सी के एजिस के अधीन प्रोफेसर पीएन टंडन एपिलेप्सी न्यूरोलॉजी प्रयोगशाला की स्थापना के अवसर पर आयोजित उद्घाटन कार्यक्रम, 14. 9 फरवरी 2015 को आईसीएमआर द्वारा नई दिल्ली में आयोजित साउथ एशियन फोरम फॉर रिसर्च (एसएएफएआर) के उद्घाटन समारोह; 15. ऑब्स्टेट्रिक्स और गाइनकॉलोजी विभाग एम्स द्वारा 8 फरवरी 2015 को एम्स में आईवीएफ प्रोग्राम की स्थापना के आठवें स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह 16. एम्स के पल्मोनरी मेडिसिन विभाग द्वारा 31 जनवरी 2015 को आयोजित पल्मोक्रिट 2015 के उद्घाटन समारोह 17. 23 – 27 जनवरी 2015 को सोसाइटी ऑफ एंडोस्कोपिक एण्ड लैप्रोस्कोपिक सर्जन्स ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय सम्मेलन 18. 12 जनवरी 2015 को पुनरुद्धारक औषधि पर एम्स में आयोजित सम्मेलन पूर्व संयुक्त एम्स ओएसयू (ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी) कार्यशाला के उद्घाटन कार्यक्रम, 19. 21 दिसंबर 2014 को इंडियन डायबिटिक एसोसिएशन (आईडीए) एम्स के 47वें वार्षिक सम्मेलन के उद्घाटन कार्यक्रम, 20. एजिंग ग्रे सुनामी पर जागरुकता लाने के लिए विज्ञान भवन नई दिल्ली में 21 दिसंबर 2014 को आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन कार्यक्रम, 21. पीडियाट्रिक्स विभाग, एम्स द्वारा 4 दिसंबर 2014 को आयोजित 12 एशियन कांग्रेस ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी, इंटरनेशनल पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी एसोसिएशन और इंडियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी के उद्घाटन कार्यक्रम 22. 3 नवंबर 2014 को एम्स में माइक्रोन्यूट्रीऐंड्स और बाल स्वास्थ्य पर आयोजित द्वितीय अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस के उद्घाटन कार्यक्रम, 23. 2 नवंबर 2014 को श्री वेंकटेश्वर इंटरनेशनल स्कूल, द्वारका के 8वें वार्षिक दिवस समारोह; 24. 1 नवंबर 2014 को विया हेल्थ रिसोर्सेज और एसोसिएशन ऑफ हेल्थ केयर प्रोवाइडर्स इंडिया, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली द्वारा इवोल्विंग टैलेंट लैंडस्केप इन हेल्थ केयर पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन कार्यक्रम 25. न्यूरोसर्जरी विभाग, एम्स के द्वारा 31 अक्तूबर 2014 को आयोजित द्वितीय एम्स न्यूरोट्रॉमा सम्मेलन के उद्घाटन कार्यक्रम, 26. पोस्टेग्रेजुएट इंस्टीट्यूल; डॉ. आर एम एल अस्पताल, नई दिल्ली 18 अक्तूबर 2014 को तृतीय वार्षिक सम्मेलन लार्यनोलॉजी और वोइस एसोसिएशन ऑफ इंडिया के उद्घाटन कार्यक्रम 27. औषधि विभाग, एम्स द्वारा 18 अक्तूबर 2014 को आयोजित सीएमई : वेक्टर बोर्न डिजीज के उद्घाटन कार्यक्रम 28. दि इंडियन ओस्टॉमी सोसाइटी, एम्स नई दिल्ली द्वारा 12 अक्तूबर 2014 को आयोजित उद्घाटन कार्यक्रम 29. साइकाट्री विभाग और एनडीडीटीसी, एम्स द्वारा 10 अक्तूबर 2014 को आयोजित

मेंटल हेल्थ फाउंडेशन, मेंटल हेल्थ डे के उद्घाटन कार्यक्रम 30. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और पीडियाट्रिक्स विभाग एम्स द्वारा 1 दिसंबर 2014 को इंडिया हैबिटेट सेंटर; नई दिल्ली में संयुक्त रूप से आयोजित चाइल्डहुड न्यूरोडेवेलपमेंट डिस्ऑर्डर्स वार्कशॉप 2014 के उद्घाटन सत्र 31. 21 नवंबर 2014 को पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में सर्जंस ऑफ इंडिया की नॉर्थ जोन एसोसिएशन के 31वें वार्षिक सम्मेलन और लाइव ऑपरेटिव वर्कशॉप के उद्घाटन कार्यक्रम, 32. नर्सिंग कॉलेज, एम्स के 19 नवंबर 2014 को आयोजित 46वीं वर्षगांठ, 33. एम्स के सर्जिकल शिक्षण विभाग द्वारा 18 नवंबर 2014 को एम्स ब्रेस्ट कोर्स (एबीसी) के उद्घाटन समारोह 34. डाइटिटिक्स विभाग, एम्स द्वारा 17 अक्तूबर 2014 को आयोजित सीएमई; न्यूट्रीशन एण्ड ट्रॉमा के उद्घाटन कार्यक्रम 35. न्यूरोसर्जरी, एम्स द्वारा 9 अक्तूबर 2014 को आयोजित चौथी एम्स एनुअल स्पाइन सर्जरी वर्कशॉप के उद्घाटन कार्यक्रम 36. एम्स संकाय को सम्मान देने के लिए रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन द्वारा 5 सितंबर, 2014 को आयोजित शिक्षक दिवस कार्यक्रम 37. अंधता नियंत्रण एवं रोकथाम राष्ट्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत नेशनल आई बैंक, आरपी सेंटर, एम्स द्वारा 2 सितंबर 2014 को आयोजित 29वें 'नेत्र दान पखवाड़े' के उद्घाटन कार्यक्रम 38. डीएसटी और औषधि विभाग, एम्स द्वारा 23 अगस्त 2014 को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंश इन हेल्थ केयर पर आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन समारोह 39. सनराइज अस्पताल, कोच्चिन, केरल में 16 – 17 अगस्त 2014 को इंडियन हर्निया सोसाइटी (आईएचएससीओएन 2014) के 7वें राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह; 40. सीआरईएसटी, केरल द्वारा 13 अगस्त 2014 को आयोजित फैकल्टी मानीटरिंग कार्यशाला के उद्घाटन कार्यक्रम 41. गैस्ट्रोइंटेस्टिनल सर्जरी विभाग, एम्स द्वारा 13 – 18 अगस्त 2014 को आयोजित एम्स आईएचपीबीए एचपीबी कार्यशाला के उद्घाटन कार्यक्रम 42. स्विमिंग पूल एम्स द्वारा 9 अगस्त 2014 को आयोजित 6वीं अरमान डोगरा मेमोरियल स्विमिंग मीट फॉर चिल्ड्रेन के उद्घाटन कार्यक्रम, 43. 4 अगस्त 2014 को हम दर्द आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में एमबीबीएस के तीसरे बैच के आगमन समारोह, 44. इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एण्ड बाइलरी साइंसेज, नई दिल्ली में 1 अगस्त 2014 को डीएम और एमसीएच छात्रों के आगमन समारोह; 45. फादर एंजिल स्कूल, गौतम नगर, नई दिल्ली में 25 जुलाई 2014 को कक्षा 6, 7 व 8 के उत्कृष्ट प्रदर्शन वाले छात्रों के लिए अवार्ड व पुरस्कार वितरण समारोह 46. आपदा प्रबंधन केंद्र, आईआरसीएच (एनएचक्यू) में 17 जून 2014 को इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी (आईआरसीएच) के आयुर्वेद और योग के माध्यम से स्वास्थ्य में सुधार सर्टिफिकेट कोर्स के 14वें बैच के विदाई समारोह; 47. सेंटर फॉर डेंटल एजुकेशन एण्ड रिसर्च (सीडीईआर) एम्स द्वारा 10 मई 2014 को आयोजित दि लिंगुअल आर्थोडोंटिक समिट, आर्थोडोंटिक स्टडी ग्रुप ऑफ दिल्ली इंडियन आर्थोडोंटिक एसोसिएशन के उद्घाटन कार्यक्रम, 48. नेशनल नॉलेज नेटवर्क (एनकेएन) और राष्ट्रीय सूचना केंद्र एम्स (एनआईसी) के सहयोग से 21 – 22 अप्रैल 2014 को कोलेबोरेशन ऑन डिजीज डायग्नॉस्टिक सिस्टम (कोलेबो डीडीएस) पर आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन कार्यक्रम, 49. वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली विश्वविद्यालय के 65वें स्थापना दिवस समारोह में 16वें प्रोफेसर रामन विश्वनाथन वीपीसीआई व्याख्यान, 50. एनेस्थेसिया विभाग, एम्स द्वारा एनेस्थेसिया के क्षेत्र में विकास पर 6 अप्रैल 2014 को आयोजित तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 51. भारत भर के कैंसर पीड़ित बच्चों और उनके परिवारों को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से कैनकिड्स के बारे में जागरुकता लाने और फंड जुटाने हेतु 4 अप्रैल 2014 को त्यागराज स्टेडियम में कैन किड्स कैलाश खेर कंसर्ट, 52. सेंटर फॉर कम्युनिटी मेडिसिन एण्ड डिजीज प्रिवेंशन एण्ड आउटब्रेक रिस्पांस सेल, हेल्थ एजुकेशन लेक्चर फॉर पब्लिक – 10 (हेल्प 10) ऑन वेक्टर बोर्न डिजीज, एम्स द्वारा 4 अप्रैल 2014 को आयोजित 2014 के डब्ल्यूएचओ के विषय 'स्मॉल बाइल विंग ट्रीट' पर जन जागरुकता पैनल परिचर्चा 53. 4 अक्तूबर 2014 के आगरा में एजीआरएएलएपीसीओएन 2014 के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया; सम्मानित सदस्य : 1. एम्स नई दिल्ली के दिल्ली रुमेटोलॉजी एसोसिएशन द्वारा 15 फरवरी 2014 को रुहमेटोलॉजी विकास 2015 2. सर्जरी विभाग, एमएएमसी, दिल्ली द्वारा 7 फरवरी 2015 को आयोजित इंडो लैप 2014 के उद्घाटन कार्यक्रम, 3. 6 फरवरी 2015 को चाणक्यपुरी नई दिल्ली की इंडियन ऑप्थेल्मिक सोसाइटी के 73वें उद्घाटन कार्यक्रम, एक्ट्रापल्मोनरी ट्यूबरोक्लोसिस (ईपीटीबी) हेतु दिशानिर्देश तैयार करने के लिए सेंट्रल टी बी डिविजन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से औषधि विभाग, एम्स द्वारा 27 नवंबर 2014 को आयोजित कार्यशाला एवं विशेषज्ञ समूह की बैठक के उद्घाटन कार्यक्रम 4. एसोचैम द्वारा 18 नवंबर 2014 को इलनेस से वेलनेस पर आयोजित संगोष्ठी के उद्घाटन कार्यक्रम, 5. इंडियन सेक्शन एपीएएमआई, एम्स द्वारा 31 अक्तूबर 2014 को आयोजित एशिया पैसिफिक एसोसिएशन फॉर मेडिकल इंफोर्मेटिक्स (एपीएएमआई) और इंटरनेशनल मेडिकल इंफॉर्मेटिक्स एसोसिएशन (आईएमआईए) के उद्घाटन कार्यक्रम 6. 4 सितंबर 2014 को सूचना प्रौद्योगिकी अनुभाग, कंप्यूटर सुविधा द्वारा आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा हेतु प्रौद्योगिकी के लागत प्रभावी उपयोग पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (सीईयूटीईसीएच 2014) के उद्घाटन कार्यक्रम 7. न्यूरोलॉजी विभाग, एम्स द्वारा आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरो रेडियोलॉजी के 17वें वार्षिक सम्मेलन के उद्घाटन कार्यक्रम 8. श्री श्री ग्लोबल मेडिटेटिंग डॉक्टर्स एसोसिएशन (श्री श्री जी एम डी ए) और साइकाट्री विभाग, एम्स द्वारा 31 अगस्त 2014 को स्ट्रेस रिडक्शन स्किल्स; साइंटिफिक अपडेट पर आयोजित सम्मेलन के समापन समारोह; 9. डिपार्टमेंट ऑफ कार्डियक एनेस्थेसिया, नई दिल्ली द्वारा 31 अगस्त 2014 को आयोजित 5वें वार्षिक सम्मेलन और कार्डियक एनेस्थेसिया की हैंड्स ऑन वर्कशॉप तथा वर्ल्ड

सिमुलेशन सोसाइटी लांच के उद्‌घाटन कार्यक्रम 10. अगस्त 2014 को न्यूरोएनेस्थेसिया विभाग, एम्स द्वारा द्वितीय न्यूरो एनेस्थेसिया अपडेट 2014 के उद्‌घाटन कार्यक्रम 11. 11 मई 2014 को न्यूरोसर्जरी विभाग, एम्स दिल्ली द्वारा जटिल आघात पर चौथी लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला के उद्‌घाटन कार्यक्रम 12. एम्स, भुवनेश्वर द्वारा 15 जुलाई 2014 को स्थापना दिवस 2014 के उद्‌घाटन कार्यक्रम 13. इंडियन पैंक्रियाज़ क्लब, इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोयन्टेरोलॉजी, गैस्ट्रोयन्टोलॉजी रिसर्च एण्ड एजुकेशन सोसाइटी, गैस्ट्रोयन्टेरोलॉजी विभाग एम्स द्वारा 18 अप्रैल 2014 को आयोजित एशिया ओतेनिया पैंक्रियाज़ एसोसिएशन के 5वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्‌घाटन कार्यक्रम के सम्मानित सदस्य रहें; बचपन में होने वाले कैंसर के बारे में जागरुकता लाने के उद्देश्य से टेरी फॉक्स फाउंडेशन, इंडिया और इन स्कूल देहरादून द्वारा 14 अप्रैल 2014 को आयोजित 'टेरी फॉक्स रन वाय 1000 स्कूल चिल्ड्रेन को झंडी दिखाकर आरंभ कराया; औषधि विभाग, एम्स और यूसीएलए, यूएसए द्वारा 25 मार्च 2015 को 'एचआईवी एवं कैंसर संगोष्ठी में भाग लिया; टीबी प्रयोगशाला; माइक्रोबायोलॉजी विभाग, एम्स द्वारा 23 मार्च 2015; विश्व टी बी दिवस संगोष्ठी 2015 : मैपिंग दि मिसिंग मिलियन्स; के दौरान उद्‌घाटन भाषण दिया; मुख्य व्याख्यान 1. इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी (आईएएसओ 2015), एम्स, भोपाल द्वारा 21–22 मार्च 2015 को सर्जिकल ऑन्कोलॉजी में लैप्रोस्कोपी की उभरती भूमिका पर आयोजित मध्य कालिक राष्ट्रीय सम्मेलन; 2. सर्जरी विभाग, एमएएमसी, दिल्ली द्वारा 7 फरवरी 2015 को आयोजित लैप्रोस्कोपिक एड्रेनेलेक्टॉमी : गोल्ड स्टैंडर्ड ऑफ करेंट मिलेनियम 3. 24 जनवरी 2014 को लैप्रोस्कोपिक सर्जरी में प्रशिक्षण, एंडोस्कोपिक सोसाइटी और लैप्रोस्कोपिक सर्जन्स ऑफ इंडिया, लुधियाना द्वारा 23 – 27 जनवरी 2015 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 4. ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए, मुंबई द्वारा 15 जनवरी 2015 को आयोजित भारत में शैक्षिक स्वास्थ्य सेवा : भागीदारों के लिए अवसर, एच2सी हेल्थ साइंसेज इनोवेशन कांफ्रेंस के उद्‌घाटन समारोह 5. सूचना प्रौद्योगिकी अनुभाग, कम्प्यूटर सुविधा द्वारा आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा हेतु प्रौद्योगिकी के लागत प्रभावी उपयोग (सीईयूटीईसीएच 2014) पर 5 सितंबर 2014 को सरकारी अस्पतालों में कम्प्यूटरीकरण की चुनौतियों पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 6. एम्स, भुवनेश्वर में 15 जुलाई 2014 को स्थापना दिवस 2014 के अवसर पर आयोजित ट्रॉमा : ट्रॉमा सेवा में 21वीं शदी के दृष्टिकोण की एक महामारी : राष्ट्रीय परामर्श? संयोजक : 1. अनुरुप सुविधा, जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, एम्स द्वारा 17 – 19 मार्च 2015 को आयोजित ऑस्ट्रेलिया भारत ट्रॉमा प्रणाली संयुक्त (एआईटीएससी) परियोजना डेटा गुणवत्ता कार्यशाला और एएएम एआईएस कोडिंग सर्टिफिकेट पाठ्‌यक्रम 2. 1–5 दिसंबर 2014 को एम्स में आयोजित एम्स यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन रिसर्च मैथड कोर्स, 3. सीआरपीएफ के सहयोग से जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में बृहद रक्त दान शिविर का आयोजन किया गाय। 774 सीआरपीएफ अधिकारियों जवानों ने रक्त दान किया और रक्त दान व अंग दान के बारे में जागरुकता लाने के उद्देश्य से अपने अंग दान करने की भी शपथ ली। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार ने 14 नवंबर 2014 को इस रक्त दान शिविर का उद्‌घाटन किया; एम्स, नई दिल्ली में 'एशियन इंडियन बोन मैरो डोनर रजिस्ट्री के माध्यम से बोन मैरो प्रत्यारोपण के बारे में जागरुकता लाने के उद्देश्य से अंगदान दिवस पर 6 अगस्त 2014 को एक जागरुकता कार्यक्रम की परिकल्पना की और इसका आयोजन किया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री ने इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु एक वेबसाइट का शुभारंभ किया; पीडियाट्रिक्स विभाग, पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी, डॉ. ब्रैरिक और कैनकिड्स एम्स द्वारा 14 फरवरी 2015 को 'विश्व बाल कैंसर दिवस' के अवसर पर 'बालपन का कैंसर उपचारात्मक और साध्य है ' पर आयोजित जन व्याख्यान एवं पैनल परिचर्चा 2. न्यूरोसर्जरी विभाग, एम्स द्वारा 14 फरवरी 2015 को आयोजित दि सर्जरी ऑफ क्रैनियोफार्मन्जियोमा' पर प्रोफेसर केंजी ओहटा, जापान के पहले पी एन टंडन व्याख्यान 3. न्यूरोसर्जरी विभाग, एम्स द्वारा 13 फरवरी, 2015 को आयोजित 'दि इवोल्यूशन ऑफ स्कल बेस सर्जरी' पर प्रोफेसर विलियम कुडवेल के सर्वेश्वरी मेमोरियल व्याख्यान की अध्यक्षता की; एंटीमाइक्रोबायल रजिस्टेंस (एएमआर) की वैश्विक समस्या पर विचार विमर्श हेतु 15 नवंबर 2014 को एम्स में जे मार्गेलिस, यूएस उप सहायक सचिव (विज्ञान; अंतरिक्ष एवं स्वास्थ्य) के साथ आयोजित बैठक; 26 मार्च 2015 को असंबंधित किडनी प्रत्यारोपण की प्राधिकृत समिति; 2 दिसंबर 2014 को आईसीएमआर में ट्रॉमा पर परियोजना समीक्षा समिति की बैठक; 16 नवंबर 2014, को सड़क यातायात शिक्षा संस्थान (आईआरटीई) फरीदाबाद, हरियाणा ट्रॉमा सड़क दुर्घटना पीड़ितों के विश्व स्मरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता की; 23 – 27 फरवरी 2015 को आरंभिक एवं उन्नत लैप्रोस्कोपी में 142वें प्रशिक्षण पाठ्‌यक्रम, 10 – 12 फरवरी 2015 को उन्नत लैप्रोस्कोपी लैप्रोस्कोपिक कोलोरेक्टल सर्जरी में 141वें प्रशिक्षण पाठ्‌यक्रम; 23 से 29 जनवरी 2015 को उन्नत लैप्रोस्कोपी सटरिंग में 141वें प्रशिक्षण पाठ्‌यक्रम और लैप्रोस्कोपिक हर्निया रिपेयर पर आयोजित 37वें प्रशिक्षण पाठ्‌यक्रम; 2 – 6 फरवरी 2015 को आरंभिक एवं आधुनिक लैप्रोस्कोपी में 140वें प्रशिक्षण कार्यक्रम; 5 – 9 जनवरी 2015 को आरंभिक एवं उन्नत लैप्रोस्कोपी में 139वें प्रशिक्षण पाठ्‌यक्रम; 17 – 19 दिसंबर 2014 को आयोजित उन्नत लैप्रोस्कोपी सटरिंग में 138वें प्रशिक्षण पाठ्‌यक्रम और लैप्रोस्कोपिक हर्निया रिपेयर पर 36वें पाठ्‌यक्रम; 9 – 11 दिसंबर, 2014 को आयोजित उन्नत लैप्रोस्कोपी सटरिंग में 137वें प्रशिक्षण पाठ्‌यक्रम और लैप्रोस्कोपिक हर्निया रिपेयर पर 35वें पाठ्‌यक्रम; 1–5 दिसंबर 2014 को आरंभिक और उन्नत लैप्रोस्कोपिक में 136वें प्रशिक्षण पाठ्‌यक्रम; 24 – 28 नवंबर 2014 को आरंभिक एवं उन्नत लैप्रोस्कोपी में 135वें प्रशिक्षण पाठ्‌यक्रम; 10 – 14 नवंबर 2014 को आरंभिक एवं उन्नत लैप्रोस्कोपी में 134वें

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम; 6 – 10 अक्तूबर 2014 को आरंभिक एवं उन्नत लैप्रोस्कोपी में 139वें प्रशिक्षण पाठ्यक्रम; 1 – 3 सितंबर 2014 को लैप्रोस्कोपिक सटरिंग एण्ड नोटिंग में 132वें प्रशिक्षण पाठ्यक्रम; 18 – 22 अगस्त 2014 को आरंभिक एवं उन्नत लैप्रोस्कोपिक में 131वें प्रशिक्षण पाठ्यक्रम; 11 – 13 अगस्त 2014 को उन्नत लैप्रोस्कोपी, लैप्रोस्कोपिक कोलो रेक्टल सर्जरी में 129वें प्रशिक्षण पाठ्यक्रम; 30 जुलाई – 1 अगस्त 2014 को उन्नत लैप्रोस्कोपिक सटरिंग में 128वें प्रशिक्षण पाठ्यक्रम व लैप्रोस्कोपिक हर्निया रिपेयर पर 34वें प्रशिक्षण पाठ्यक्रम; 21 – 25 जुलाई 2014 को आरंभिक एवं उन्नत लैप्रोस्कोपी में 127वें प्रशिक्षण पाठ्यक्रम; 26 – 28 मई 2014 को आयोजित उन्नत लैप्रोस्कोपिक सटरिंग में 126वें प्रशिक्षण पाठ्यक्रम व लैप्रोस्कोपिक हर्निया रिपेयर पर 33वें प्रशिक्षण पाठ्यक्रम; 5–9 मई 2014 को आरंभिक एवं उन्नत लैप्रोस्कोपी में 125वें प्रशिक्षण पाठ्यक्रम; 29 अप्रैल – 1 मई 2014 को आयोजित उन्नत लैप्रोस्कोपी सटरिंग में 124वें प्रशिक्षण पाठ्यक्रम एवं भारतीय सर्जन्स के लिए लैप्रोस्कोपिक हर्निया रिपेयर पर 32वें पाठ्यक्रम; 21 – 25 अप्रैल 2014 को आरंभिक एवं उन्नत लैप्रोस्कोपी में 123वें प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की अध्यक्षता की ये सभी पाठ्यक्रम भारतीय सर्जन्स के लिए और न्यूनतम सक्रियता वाले प्रशिक्षण केंद्र, सर्जन्स प्रशिक्षण विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित किए गए; विश्व टीबी, दिवस 24 मार्च 2015 को क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी एवं मॉलिकुलर मेडिसिन अनुभाग और माइक्रोबायोलॉजी विभाग, भारत सरकार द्वारा एम्स में ट्यूबरकुलोसिस नियंत्रण में चुनौतियों पर आयोजित एम्स – डीबीटी ब्रेन स्टोर्मिंग संगोष्ठी के दौरान पैनल परिचर्चा 2. 13 – 14 मार्च 2015 को एम्स में आयोजित सर्जिकल प्रशिक्षण, लैप्रोस्कोपिक इनसीजनल हर्निया रिपेयर और मॉर्विड ओवेसिटी, इंडोसर्ज पर पैनल परिचर्चा; 3. 31 जनवरी 2015 को सीएनबीसी आवाज़ द्वारा आयोजित स्मार्ट सिटी के रूप में दिल्ली और स्वास्थ्य सेवाएं, लाइव पैनल परिचर्चा 4. HealthyDunia.Com, नई दिल्ली द्वारा 20 दिसंबर 2014 को आयोजित 'इंडिया हेल्थ एण्ड वेलनेस समिट एण्ड अवार्ड्स 2014' के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम; कैसे सुनिश्चित करें कि हमारा आभार स्वास्थ्य के लिए अवरोध साइलो नहीं है, परंतु इस प्रकार से संबद्ध है कि यह अकेले उपचारात्मक के बजाए निवारक और संवर्धनकारी है। 5. 30 नवंबर 2014 को विज्ञान भवन दिल्ली में भारतीय परिदृश्य में सड़क सुरक्षा और इसमें सुधार' पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन; 6. सड़क सुरक्षा एवं पुनर्वास पर पैनल परिचर्चा, ट्रॉमा 2014 : अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सह कार्यशाला के उद्घाटन दिवस और 28 – 30 नवंबर 2014 को इंडियन सोसाइटी ऑफ ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर (आईएसटीएसी) द्वारा एम्स नई दिल्ली में आयोजित 7वें वार्षिक सम्मेलन; स्वास्थ्य क्षेत्र में नेतृत्व विकास संबंधी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, 11 – 14 नवंबर 2014, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली 8. 1 सितंबर 2014 को फिक्की ऑडिटोरियम में 'थीम स्पॉटलाइट – सीईओ पैनल संबंधी पैनलवार्ता के दौरान फिक्की हील 2014 इन्नोवेशन एनेकलिंग एक्सेस 9. विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 23 जून 2014 को नई दिल्ली में ब्रिक्स और वैश्विक स्वास्थ्य शिखर वार्ता; 14 अप्रैल 2014 को इन स्कूल, देहरादून के छात्रों के साथ कैंसर रोकथाम और स्वस्थ जीवन चर्चा तथा चोट की रोकथाम के बारे में परस्पर संवादात्मक सत्र और प्रस्तुतीकरण; विशेषज्ञ / तकनीकी विशेषज्ञ 1. इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में 23 जून 2014 को 'अवर सेफ राइट ऑफ वे' च शिखर की कमी पर चर्चा, 8. 16 जनवरी 2015 को डी डी न्यूज, लाइव न्यूज कार्यक्रम में 'आगामी संघीय बजट में स्वास्थ्य सेवा के लिए बजटीय आबंटन' संबंधी चर्चा 9. 28 दिसंबर 2015 को डी डी न्यूज, लाइव फोन कार्यक्रम 'टोटल हेल्थ' में 'एल्कोहल सेवन के हानिकारक प्रभाव' के बारे में चर्चा, 10. 22 दिसंबर 2014 को लोक सभा टीवी पर लाइव टेलीकास्ट कार्यक्रम 'लोकमंच' में 'एन्सेफ्लाइटिस और सरकार की पहलों पर चर्चा, 11. लोक सभा टीवी पर 13 नवंबर 2014 को डीडी अंग्रेजी न्यूज और डीडी हिंदी न्यूज पर लाइव टेलीकास्ट कार्यक्रम 'इनसाइट' में 'छत्तीसगढ़ में विसंक्रमण के दौरान मौतों' पर चर्चा 12. 1 नवंबर 2014 को लोक सभा टीवी पर 'सड़क यातायात में चोटें और चिकित्सा आपातकाल 13. 16 अक्तूबर 2014 को लोक सभा टीवी पर लाइव टेलीकास्ट कार्यक्रम 'इनसाइट' में 'अफ्रीकी देशों में महामारी के संदर्भ में भारत में इबोला वायरस की समस्या पर चर्चा 14. 15 अक्तूबर 2014 को ईटीवी उर्दू न्यूज चैनल पर 'ईबोला महामारी, वैश्विक परिप्रेक्ष्य और भारत में लिए जोखिम और उसकी तैयारी पर चर्चा 15. 4 अगस्त 2014 को लोकसभा टीवी पर लाइव टेलीकास्ट कार्यक्रम 'लोकमंच' में 'एंसेफलाइटिस की समस्या' पर चर्चा। 16. 23 जुलाई 2014 को डी डी न्यूज पर विभिन्न प्रयोगशालाओं और इमेजिंग सेंटरों द्वारा डॉक्टरों को कमीशन के रूप में भ्रष्टाचार संबंधी चर्चा 17. 18 जुलाई 2014 को लोकसभा टीवी पर 'यूथेनेसिया' संबंधी लाइव डिबेट 18. 10 जुलाई 2014 को डीडी न्यूज पर स्वास्थ्य सेवा के लिए बजट 2014' पर लाइव चर्चा 19. 10 जुलाई 2014 को लोक सभा टीवी पर 'स्वास्थ्य सेवा के लिए बजट 2014' पर लाइव चर्चा 20. 10 मई 2014 को लोकसभा टीवी पर 'रोड ट्रैफिक इंजरीज' संबंधी चर्चा, 21. 22 अप्रैल 2014 को लोकसभा टीवी पर 'अनैतिक स्वास्थ्य सेवा पद्धतियां' 22. 6 अप्रैल 2014 को डीडी न्यूज पर 'टोटल हेल्थ : टॉपिक एथिक्स इन मेडिकल एंड हेल्थ केयर एडवरटाइजिंग' नामक कार्यक्रम।

आदर्श कुमार को 3 माह (12 जनवरी 11 अप्रैल) की अवधि के लिए सीएएचआईडी, डुंडी विश्व विद्यालय, स्कॉट लैंड यूके में फोरेंसिक एंथ्रोपोलॉजी में राष्ट्रमंडल शैक्षिक अध्येतावृत्ति प्रदान की गई। उन्होंने 9 मार्च 2015 को अंगलिया रस्किन विश्व विद्यालय कैम्ब्रिज यूके में 'हॉनर किलिंग – मिथ और वास्तविकता' पर अतिथि व्याख्यान दिया। 27 मार्च 2015 को डुंडी विश्व विद्यालय, स्कॉट लैंड यूके में 'फैटल टाइगर अटैक

ऑन अ मैन ओबेस्ड विद टाइगर्स' संबंधी स्कॉटिश छात्र फोरेंसिक अनुसंधान संगोष्ठी में अतिथि व्याख्यान दिया। हिरासत में हुई मौत की जांच से संबंधित जटिल मेडिको लीगल मुद्दों पर महत्वपूर्ण वैज्ञानिक सलाह और कई नीतिगत मामलों में सलाह द्वारा अनुकरणीय सेवाओं के दृष्टिगत भारत के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा अपने स्थापना दिवस के अवसर पर 12 अक्तूबर 2014 को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। डॉ. हालुक इंस, तुर्की की अध्यक्षता में 2012 – 14 की अवधि के लिए 'इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ पर्सनल इंजरी में एशिया का प्रतिनिधित्व करने वाले बोर्ड के सदस्य नामित किए गए। वर्ष 2014 के लिए एनएसीपीएफएमटी (नोबल एक्शन कंसार्टियम फॉर प्रोग्रेसिव फोरेंसिक मेडीसिन एंड टॉक्सिको लॉजी) के उपाध्यक्ष। लंदन में यूके में 10–12 मार्च 2015 को यूरोसिकॉन 2015 फोरेंसिक फोरम। फोरेंसिक एंथ्रोपोलॉजी संबंधी सत्र की अध्यक्षता की। विभिन्न जर्नलों के संपादकीय बोर्ड के सदस्य अंतरराष्ट्रीय संपादकीय बोर्ड रोम नियन जर्नल ऑफ लीगल मेडिसन के सदस्य। एसोसिएट एडीटर मेडिको लीगल अपडेट, जर्नल ऑफ रिसर्च इन मेडिकल एजूकेशन एंड ई थिक्स। वेब एडीटर इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ रिसर्च एंड मेडिको लीगल प्रैक्टिस। जर्नल ऑफ इंडियन सोसाइटी ऑफ टॉक्सिकोलॉजी, जर्नल ऑफ पंजाब एकेडमी ऑफ फोरेंसिक मेडीसन एंड टॉक्सिको लॉजी, जर्नल ऑफ साउथ इंडिया मेडिको लीगल एसोसिएशन, इंडियन जर्नल ऑफ कम्यूनिटी एंड फेमिली मेडिसन के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

अमित गुप्ता को रॉयल ऑस्ट्रेलियन कॉलेज ऑफ सर्जन्स, सिंगापुर के वार्षिक वैज्ञानिक सम्मेलन 2014 में प्रतिष्ठित आमंत्रित व्याख्याता अवार्ड दिया गया; एच–1 समिति : परिवहन आयोजना, भारतीय सड़क सम्मेलन की यातायात अभियांत्रिकी 2015 – 17 (3 वर्ष) का नियमित सदस्य चुना गया। सदस्य : अप्रैल 2015 में भूकंप के पश्चात् नेपाल में चिकित्सीय आवश्यकताओं का आकलन करने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की विशेषज्ञ समिति के सदस्य : स्वास्थ्य सेवाएं महा निदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की राष्ट्रीय ट्रॉमा प्रणाली योजना के लिए तकनीकी उप समिति के सदस्य; बाह्य परीक्षक : 23 – 26 फरवरी 2015 को एमबीबीएस फाइनल सर्जरी प्रैक्टिकल एग्जामिनेशन, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्व विद्यालय लखनऊ भारत; बाह्य परीक्षक : 22, 23 और 24 अप्रैल 2014 को यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज में आयोजित दिल्ली विश्व विद्यालय की एमएस (जर्नल सर्जरी) परीक्षा; बाह्य परीक्षक : एरा ज लखनऊ मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल्स, डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्व विद्यालय, फैजाबाद, उ. प्र. भारत की एम एस (जर्नल सर्जरी) प्रायोगिक परीक्षा 2014; प्रवक्ता, अखिल भारतीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान; सदस्य सचिव, अभियांत्रिकी सलाहकार समिति, एम्स; सदस्य : कमेटी फॉर इंस्टीट्यूट इंट्रा म्यूरल ग्रांट, अनुसंधान अनुभाग एम्स; सदस्य सचिव : बागवानी समिति, एम्स; अध्यक्ष : सामान क्रय समिति, जेपीएनएटीसी, एम्स; सह अध्यक्ष : जेपीएनएटीसी, एम्स के चरण 2 के निर्माण का निरीक्षण करने वाली समिति; संकाय प्रभारी : ट्रॉमा रजिस्ट्री, ट्रॉमा नर्स को ऑर्डिनेटर सिस्टम एंड क्वालिटी इम्प्रूवमेंट, जेपीएनएटीसी, एम्स; संकाय प्रभारी : स्वच्छता और परिवहन, जेपीएनएटीसी, एम्स।

अरुल्सेल्वी एस ने द्वितीय एम्स प्रयोगशाला कांफ्रेंस में 'प्लाज्मा में रैंटेस (रैगुलेटिड आपान एक्टीवेशन, नॉर्मल टी सेल एक्सप्रेस्ड, एंड सेक्रेटिड), सेरेब्रोस्पाइल फ्लूड एंड कांटूज्ड ब्रेन टिश्यूज़ एज अ मार्कर ऑफ इम्यून एक्टीवेशन इन ट्रॉमैटिक ब्रेन इंजरी (टीबीआई) पेशेंट्स' शीर्षक से अध्ययन के सह लेखन के लिए सर्वोत्तम शोध पत्र अवार्ड प्राप्त किया। जवाहरलाल नेहरु ऑडिटोरियम, एम्स, नई दिल्ली में आयोजित 'ट्रॉमा 2014 अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और आईएसटीएसी के सातवें वार्षिक सम्मेलन' में 'कॉलेज स्तरीय ट्रॉमा सेवा केंद्र में थ्रोम्बोएलास्टोग्राफी की उपयोगिता का मूल्यांकन' शीर्षक से सह लेखन हेतु सर्वोत्तम पोस्टर अवार्ड प्राप्त किया। जर्नल ऑफ लैब फिजीशियंस के सहायक संपादक। जर्नल ऑफ लैब फिजीशियंस (जेएलपी) के समीक्षक। इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपीडिक्स (आईजेओ) के समीक्षक। आईसीएमआर की अनुसंधान सलाहकार समिति और डीबीटी वित्त पोषित परियोजनाओं के सदस्य रहे। जेपीएनएटीसी, एम्स सामान क्रय समिति आदि के सदस्य।

बिप्लव मिश्रा सुरक्षा सेवाएं, जेपीएनएटीसी के संकाय प्रभारी थे। सदस्य सचिव, जिमखाना समिति, एम्स।

छवि साहनी विभिन्न संबद्ध स्वास्थ्य सेवाओं (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय) के राष्ट्रीय पाठ्यक्रम कार्यबल की सदस्य थीं।

दीपक अग्रवाल को डीबीटी द्वारा 2013 से 3 वर्ष की अवधि के लिए 22.5 लाख रुपए की प्रतिष्ठित 'टाटा इन्नोवेशन फेलोशिप' दी गई। एम्स, नई दिल्ली में एएनटीसी में 'रेगुलेटिड अपान एक्टिवेशन, नॉर्मल टी सेल एक्सप्रेस्ड एंड सेक्रेटिड लेवल्स इन प्लाज्मा सेरेब्रोस्पाइनल फ्लूड एंड कांटूज्ड ब्रेन टिश्यूज़ एज अ मार्कर ऑफ इम्यून एक्टिवेशन इन ट्रॉमैटिक ब्रेन इंजरी (टीबीआई) पेशेंट्स' शीर्षक से अध्ययन के सह–लेखन के लिए प्रथम पुरस्कार दिया गया। 15 नवंबर 2014 को द लीला कोवालम, त्रिवेंद्रम में ई इंडिया द्वारा हेल्थ केयर–2014 में सर्वोत्तम आईटी परियोजना दी गई। एम्स, नई दिल्ली के कंप्यूटरीकरण हेतु गोल्डन पीकॉक अवार्ड्स सचिवालय द्वारा 23 मई 2014 को गोल्डन पीकॉक अभिनव उत्पाद/सेवा अवार्ड–2014, प्रदान किया गया। पुणे में 11 जुलाई 2014 को 'अस्पताल के लिए आईसीटी के अभिनव और लागत मूल्य का अधिकतम लाभ देने वाले उपयोग' श्रेणी में महाराष्ट्र हेल्थ केयर लीडरशिप 2014 के लिए विजेता घोषित किया गया।

दीपक गुप्ता को 28–29 जून 2014 को सैनफ्रांसिस्को, यूएसए में आईएनटीबीआईआर (टीबीआई में न्यूरोट्रॉमा अनुसंधान में अंतरराष्ट्रीय पहलों) की राष्ट्रीय न्यूरोट्रॉमा प्रीकॉन्फ्रेंस इंवेस्टीगेटर मीटिंग, तश्तीय अंतरराष्ट्रीय ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी रिसर्च (आईएनटीबीआर) मीटिंग में भाग लेने के लिए एनआईएच/एनआईएनडीएस (राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, यूएसए) द्वारा आमंत्रित किया गया। सेंटर टीबीआई के तत्वावधान में सेंटर टीबीआई (ट्रॉमा संबंधी दिमागी चोट में सहयोगात्मक भारतीय न्यूरोट्रॉमा प्रभावकारिता अनुसंधान) शुरू करने और भारत में न्यूरो ट्रॉमा पंजी कार्यालय शुरू करने के लिए एनआईएच/एनआईएनडीएस और यूरोपीय उच्चायोग द्वारा चुना गया। एंडोस्कोपिक ओडोंटोइडेक्टोमी संबंधी कैडावरिक हैंड्स ऑन वर्क कार्यशाला, एमआईएसएस, क्रेनियोस्पाइनल ट्रॉमा में न्यूरोक्रिटिकल देखरेख कार्यशालाओं का आयोजन किया (30 अक्टूबर 2014) / एम्स दिल्ली में द्वितीय एएनटीसी 2014 (31 अक्तूबर – 2 नवंबर 2014) का आयोजन किया। दिल्ली / एनसीआर में सिर की चोट संबंधी जागरुकता, सिर की चोट रोकने के लिए जन जागरुकता व्याख्यानों का आयोजन किया और सिर की चोट निवारण सप्ताह (अक्तूबर – नवंबर 2014) में 5000 से अधिक बच्चों को शामिल करते हुए दिल्ली और एनसीआर के विभिन्न स्कूलों में सिर की चोट संबंधी शैक्षिक जागरुकता अभियान चलाया। दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन (2015–2018) का मानद सचिव चुना गया।

गरिमा कच्छवाह दिल्ली गाइने एंडोक्राइन सोसाइटी 2014 – 16; गाइने एंडोक्रिनोलॉजी (जीईएसआईसीओएन) 2014 के चतुर्थ राष्ट्रीय सम्मेलन की सचिव थीं। भारतीय एंडोक्राइन सोसाइटी का वार्षिक सम्मेलन विभाग द्वारा 25 – 27 अप्रैल 2014 को होटल ग्रांड, नई दिल्ली में और सम्मेलन पूर्व कार्यशालाएं एम्स में आयोजित की गई थीं। (संयुक्त कोषाध्यक्ष); आईएजीई मिस्कॉन 2014, विभाग द्वारा इंडियन एसोसिएशन ऑफ गाइनेकोलॉजिकल एंडोस्कोपिस्ट्स का वार्षिक सम्मेलन 28 – 30 अगस्त 2014 को नई में और सम्मेलन पूर्व कार्यशालाएं एम्स में आयोजित की गई थीं। (**आयोजन सचिव**)।

कपिल डी सोनी एम्स के क्रिटिकल केयर कोर्स फॉर सर्जन को तैयार करने में शामिल थे। एम्स के क्रिटिकल केयर पाठ्यक्रम की कोर कॉन्सेंस कमेटी के सदस्य। यह पूर्णतः देशीय अभिकल्पित और विकसित पाठ्यक्रम है और इसका उद्देश्य सर्जिकल वार्डों और एचडीयू में मरीज की देखरेख करना है। जेपीएनएडीसी, एम्स में 25–26 नवंबर, 2014 और 1–2 दिसम्बर, 2015 को दो पाठ्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। आईसीयू प्रोटोकॉल मैनुअल का विकास।

केशव गोयल को इंडियन सोसायटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसन द्वारा बंगलौर, कर्नाटक में आयोजित अपने वार्षिक सम्मेलन क्रिटिकेयर 2015 में यंग टैलेंट हंट अवार्ड, 2015 प्रदान किया गया था। सर्जनों के लिए एम्स क्रिटिकल केयर कोर्स (एसीसीसी) की कोर कांसेंसस कमेटी के सदस्य। नवंबर, 2014 में जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली में प्रारंभिक पाठ्यक्रम। 18–20 सितंबर, 2014 को एमएएससी में आयोजित बीएलएस और एडवांस्ड कार्डियक लाइफ सपोर्ट कोर्स (एसीएलएस) प्रोवाइडर कोर्स सफलतापूर्वक पास किया। 18–20 सितंबर, 2014 को एमएएमसी में आयोजित बीएलएस और एडवांस्ड कार्डियक लाइफ सपोर्ट कोर्स (एसीएलएस) इंस्ट्रक्टर पाठ्यक्रम एफलतापूर्वक पास किया। नवंबर, 2014 में जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली में बीईसीसी के पाठ्यक्रम निदेशक। न्यूरोएनेस्थेसिया अपडेट 2014 के सहसंयोजन सचिव।

मनीष सिंघल नीति विषयक समिति, स्नातकोत्तर नीति विषयक समिति, स्टेमसेल नीति विषयक समिति के सदस्य थे। भारतीय राष्ट्रीय बर्न रजिस्ट्री कोर ग्रुप के सदस्य। डीएम/एमसीएच दिशानिर्देश के सदस्य। इंडियन रेड क्रॉस ग्रुप के सदस्य। डे केलिब्रेशन के सदस्य। एनुअल डे सेलिब्रेशन के सदस्य। आयोजन सचिव, मिशीगन, अनुसंधान सहयोग। आयोजन सचिव, ट्रॉमा 2014। इंडियन नेशनल बर्न रजिस्ट्री मार्गदर्शी। एडवांसेस इन वाउंड केयर के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; राष्ट्रीय राज मार्गों पर सरकारी अस्पतालों में ट्रॉमा केयर सुविधाओं के क्षमता निर्माण हेतु आईसी क्रियाकलाप। जुलाई 2014 सत्र के लिए रिक्त पद हेतु 27.10.2014 को आयोजित होने वाले भर्ती अभियान के लिए जूनियर रेजिडेंट (गैर शैक्षिक) चयन समिति के सदस्य। 29 अक्टूबर 2014 को एम्स ट्रॉमा सेंटर में स्वीडिश समिति के सदस्य। नई दिल्ली में निदेशक, एलएचएमसी और संबद्ध अस्पतालों के कार्यालय में 21 नवंबर, 2014 को सर्जरी विभाग में आयोजित होने वाले संविदा संकाय के चयन हेतु सदस्य। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑर्थोपीडिक्स के संपादकीय बोर्ड के सदस्य। 'क्लीनिक प्रकारों की जांच, हार्मोनल प्रोफाइल और गाइनेकोमेस्टिया वाले मरीजों में उपचार निष्कर्ष' थीसिस के गाइड। इंडिया फर्स्ट एड गाइड लाइंस के विशेषज्ञ पैनल के सदस्य। अवार्ड, पुरस्कार और सम्मान : 1।

नवदीप सोखल सर्जन के लिए एम्स के क्रिटिकल केयर पाठ्यक्रम में विकास में शामिल थे। एम्स क्रिटिकल केयर पाठ्यक्रम हेतु कोर कांसेंसस समिति के सदस्य। यह पूर्णतः देशीय अभिकल्पित और विकसित पाठ्यक्रम है तथा इसका उद्देश्य सर्जिकल वार्डों एवं एचडीयू में मरीज की देखभाल करना है। इससे हमें रुग्णना और मत्यु दर में कमी लाने तथा मरीजों के अस्पताल में रुकने के दौरान उनकी संतुष्टि में सुधार करने में सहायता मिलेगी, जेपीएनएटीसी, एम्स में 25–26 नवंबर 2014 और 1–2 दिसंबर 2015 को दो पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए।

नीरज कुमार ने विभिन्न अर्द्धसैनिक बलों को सीपीआर प्रशिक्षण दिया। एम्स द्वारा आयोजित विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं के लिए एमसीक्यू तैयार किए। एम्स द्वारा आयोजित एमबीबीएस, एमडी/एमएस प्रवेश परीक्षाओं के लिए संकाय प्रभारी के रूप में भारत के विभिन्न भागों में गए। जेपीएनएटीसी, एम्स में आयोजित विभिन्न कार्यशालाओं में संकाय के रूप में भाग लिया।

पूर्वा माथुर ने निम्नलिखित सर्वोत्तम शोध पत्र अवार्ड प्राप्त किए : 21–24 मार्च 2015 को नई दिल्ली में हॉस्पिटल इंफेक्शन सोसायटी–इंडिया के 13वें राष्ट्रीय सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुतीकरण में प्रथम पुरस्कार दिया गया। 21–24 मार्च 2015 को नई दिल्ली में हॉस्पिटल इंफेक्शन सोसायटी–इंडिया के 13वें राष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुतीकरण में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। 21–24 मार्च 2015 को नई दिल्ली में हॉस्पिटल इंफेक्शन सोसायटी–इंडिया के 13वें राष्ट्रीय सम्मेलन में आईएफआईसी हिसिकॉन द्वारा अध्येतावृत्ति प्रदान की गई। 13 दिसंबर, 2014 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में एचआईएसआई–दिल्ली और एनसीआर चैप्टर मीट–2014 में पोस्टर में तृतीर पुरस्कार दिया गया। 13 दिसंबर, 2014 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में एचआईएसआई–दिल्ली और एनसीआर में चैप्टर मीट–2014 में पोस्टर में प्रथम पुरस्कार दिया गया। 27–30 नवंबर 2014 को एम्स, नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, सीएमई सह लाइव कार्यशाला और इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एंड एक्यूट केयर के 7वें वार्षिक सम्मेलन में फ्री पेपर में द्वितीय पुरस्कार दिया गया।

सचिन बोरकर को गाइ'ज़ एण्ड सेंट थॉमस हॉस्पिटल, एनएचएस फाउण्डेशन ट्रस्ट, लंदन, यूके में इंटरनेशनल ग्रुप फॉर एडवांसमेंट ऑफ स्पाइनल सांइसेज (आईजीएसएस) स्पाइन फेलोशिप प्रदान की गई। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (एनएएमएस) की सदस्यता प्रदान की गई।

संजीव भोई ने जवाहरलाल नेहरू सभागार, एम्स में आयोजित 'ट्रॉमा 2014 इंटरनेशनल कांग्रेस और आईएसटीएसी के 7वें वार्षिक सम्मेलन में 'मोनोसाइट कीमोयट्रेक्टन प्रोटीन–1, ट्रॉमा हेमोरेजिक शॉक के बाद पूर्वलक्षण का पता लगाने का मार्कर' शीर्षक पर अध्ययन हेतु सह–लेखन के लिए उत्कृष्ट ओरल अवार्ड प्राप्त किया। जनवरी, 2015 में भारत दौरे के समय, राष्ट्रपति बराक ओबामा द्वारा मदद प्रदान की गई। जर्नल ऑफ इमरजेंसी ट्रॉमा एण्ड शॉक के सहायक सम्पादक रहे। जेपीएनएटीसी, के सदस्य, आपात कालीन औषधि विभाग के अतिरिक्त मेडिकल अधीक्षक, इंचार्ज, मेडिकल रिकॉर्ड सेक्शल के इंचार्ज, और स्पेस कमेटी के सदस्य रहे।

शिल्पा शर्मा इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ हाइपोस्पेडीज़ एण्ड इंटरसेक्स डिसॉर्डर (आईएसएचआईडी) 2013–15 की कार्यकारी समिति की सदस्य नामित की गई। सन् 2014 में इंटरनेशनल जर्नल–पीडियाट्रिक सर्जरी इंटरनेशनल के संपादक मंडल की सदस्य नामित की गई। इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जरी के अनुसंधान अनुभाग की 2013–2015 तक सचिव रहीं।

सुबोध कुमार को 2014 में अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स, यूएसए की प्रतिष्ठित 'इंटरनेशनल गेस्ट स्कॉरलशिप' अवार्ड प्रदान किया गया। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (एमएनएएमएस) की सदस्यता प्रदान की गई। आईएमएन, बीएचयू, वाराणासी में पीएमएसएसवाई के अंतर्गत नए स्थापित होने वाले ट्रॉमा सेंटर हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विशेषज्ञ समिति का सदस्य चुना गया। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू व बिलाशपुर में नए स्थापित होने वाले ट्रॉमा सेंटरों के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा विशेष समिति का सदस्य नामित किया गया। एमसीएमआर की 'राष्ट्रीय निःशक्तता पुर्नवास एवं अनुसंधान नेटवर्क' (एनडीआरआरएन) परियोजना के विकास हेतु गठित कोर कमेटी के सदस्य चुने गए। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की 'राष्ट्रीय मेडिकल कॉलेज नेटवर्क (एनएमसीएन)' परियोजना के लिए गठित विशेषज्ञ समिति के सदस्य चुने गए।

सुषमा सागर जर्नल ऑफ सोसाइटी ऑफ वाउंड केयर एण्ड रिसर्च की सह–संपादक रहीं। जेपीएनएटीसी, एम्स में फिजियोथैरेपी इकाई की संकाय प्रभारी रहीं। जेपीएनएटीसी के लॉण्ड्री एवं सीएसएसडी की संकाय प्रभारी रहीं। महिला शिकायत सेल कमेटी, एम्स की सदस्य; ट्रॉमा 2014 इंटरनेशनल सीएमई और ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर सम्मेलन की वैज्ञानिक अध्यक्ष रहीं। एम्पुटीज रोड अहेड के विभिन्न पहलुओं और मुद्दों पर संगोष्ठी का आयोजन किया। एम्स में आयोजित पीजी अपडेट, इंडोसर्ज 2015 की संयोजक रहीं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, भारत की मुख्य संकाय सदस्य और आर्मी मेडिकल कॉलेज, दिल्ली में एमबीबीएस अंतिम वर्ष के पेशेवरों हेतु बाह्य परीक्षक रहीं।

सुमित सिन्हा वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ न्यूरोलॉजिकल सोसाइटीज़–पेरिफेरल नर्व सेक्शन के सदस्य रहे। अप्रैल, 2014 में सेनफ्रेंसिसको में न्यूरोलॉजिकल सर्जन्स सोसायटी द्वारा आयोजित 82वीं वार्षिक बैठक में उत्कृष्ट सार के रूप में चयनित होने पर एएएनएस इंटरनेशनल ट्रेवल स्कॉलरशिप प्रदान की गई। भारत में ट्रॉमेटिक मस्तिष्क आघात के प्रबंधन हेतु दिशानिर्देश तैयार करने हेतु गठित कोर कमेटी के सदस्य रहे। अशोका मिशन द्वारा प्रायोजित अनिवार्य औषधियों/दवाओं/सर्जिकल यंत्रों की सूची तैयार करने के लिए गठित एम्स समिति के सदस्य रहे।

उचित स्वास्थ्य सेवा के प्रावधान हेतु सार्वजनिक व निजी दोनों क्षेत्रों में मेडिकल प्रैक्टिशनर्स के उपयोग के लिए मानक उपचार दिशानिर्देश तैयार करने हेतु गठित डीजीएचएस, भारत सरकार की परामर्शदात्री समिति के सदस्य रहे। इंडियन जर्नल ऑफ न्यूरो सर्जरी के सहायक संपादक रहे। वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ न्यूरोलॉजिकल सोसाइटी–पेरिफेरल नर्व सेक्शन के सदस्य; टीबीआई दिशानिर्देश निर्माण एवं देश भर में इनके कार्यान्वयन हेतु गठित कोर कमेटी के मुख्य सदस्य रहे। दिर्शानिर्देशों के प्रथम चरण का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। दूसरे चरण में देश भर (1–4 स्तर) में प्रायोगिक केन्द्रों की प्रहचान की जा रही है और इन दिशानिर्देशों को देश भर में चिन्हित इन प्रायोगिक परीक्षण केंद्रों में लागू किया जाएगा। इसके बाद इन केन्द्रों से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण किया जाएगा और टीबीआई सेवा में किसी भी प्रकार के सुधार का मूल्यांकन कर इन दिशानिर्देशों की मंजूरी दी जाएगी। इन सत्यापित दिशानिर्देशों के बाद में भारत भर के सभी अस्पतालों में लागू करने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

विवेक त्रिखा ने दिल्ली ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन 2014–15 में 40 वर्षों से दिए जाने वाले उत्कृष्ट प्रकाशन अवार्ड और दिल्ली ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन 2014–15 में 40 वर्षों से दिए जाने वाला उत्कृष्ट शोध–पत्र अवार्ड प्राप्त किया।

विजय शर्मा को 7 से 10 अक्टूबर 2014 को आकिन जर्मनी में प्रतिष्ठित एओ ट्रॉमा इंटरनेशनल फेलोशिप अवार्ड प्रदान किया गया। इंडियन यूएसएआर मेडिकल टीम से जुड़े रहे। एओ के बेसिक, पेल्बिक और एक्टेबलम एवं एमआईपीपीओ पाठ्यक्रमों के संकाय के रूप में सेवाएं दीं। एटीएलएस और इसके पाठ्यक्रमों में व्याख्यान देने के लिए संकाय रहे। बीईसीसी बीएलएस पाठ्यक्रम, एम्स के निदेशक रहे। रोहतक में बीपीटी पाठ्यक्रम के बह्राय परीक्षक रहे। 13 फरवरी 2015 को रोहतक में आयोजित प्रोक्सिमल प्लेट फिक्सेशन एण्ड डिस्टल टिबिया प्लेट फिक्सेशन एनजैडआईओएसीओएन के कार्यशाला निदेशक रहे। भारतीय हॉकी टीम और वेटर्न टेनिस फेडरेशन द्वारा प्रशस्ति–पत्र प्रदान किया गया। स्वयंसेवी संगठत उड़ान द्वारा अमरोहा में 25 जनवरी 2015 को ग्रामीणों के लिए आयोजित चैरिटेबल कैम्प में भाग लिया।

अतिथि वैज्ञानिक

संजीव भोई

- **डब्ल्यूएचओ सलाहकार या दुर्घटना और आपातकालीन विकास, स्वास्थ्य मंत्रालय, श्रीलंका।**
- **निदेशक, निदेशक मंडल,** 'वर्ल्ड एसोसिएशन फॉर डिजास्टर एंड इर्मेजेंसी मेडिसिन' **(डब्ल्यूएडीईएम) यूएसए**

10.6 राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद

आचार्य एवं अध्यक्ष

एस. के. खंडेलवाल

आचार्य

राका जैन | राकेश लाल | अंजू धवन

अपर आचार्य

सोनाली झांजी | अतुल अम्बेडकर

सहायक आचार्य

यतन पाल एस बलहारा	गौरी शंकर कालोइया	रविन्द्र राव
अश्वनी के. मिश्रा	प्रभु दयाल	जय सिंह यादव
रचना भार्गव	आलोक अग्रवाल	बिश्वदीप चटर्जी
	रिजवाना कुरैशी	

वैज्ञानिक

अनीता चोपड़ा | हेम सेठी

चिकित्सा सामाजिक सेवा अधिकारी

ब्रहम प्रकाश | दीपक यादव | रत्नेश कुमार

विशिष्टताएं

राष्ट्रीय औषधि निर्भरता केन्द्र (एनडीडीटीसी) द्वारा क्षमता निर्माण, अनुसंधान सहित उपचार मॉडलों के विकास और नीति तथा नियोजन के क्षेत्र में कार्य किया गया है। यह महत्वपूर्ण है कि एनडीडीटीसी की उपलब्धियों को दर्शाने के लिए एनडीडीटीसी की पृष्ठभूमि के बारे में कुछ बताया जाए। एनडीडीटीसी एक राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र है और इसे क्षेत्रीय अधिगम केन्द्र (यूएनओडीसी) और डब्ल्यूएचओ सहयोगी केन्द्र के रूप में नामित किया गया है। यहां कि नैदानिक सेवाओं में बाह्य रोगी क्लिनिक, तीन विशेषज्ञता क्लिनिक, जो हैं किशोर मादक पदार्थ दुरुपयोग क्लिनिक, तम्बाकू रोकथाम क्लिनिक और दोहरा निदान क्लिनिक। यहां 50 बिस्तरों वाला वॉर्ड है और यह पूर्वी दिल्ली में दो समुदाय क्लिनिक भी चलाता है। पिछले वर्ष की प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार रही हैं। केन्द्र के जनस्वास्थ्य प्रयासों में सरकारी अस्पतालों में औषध उपचार क्लिनिकों की स्थापना तथा कर्मचारियों और दवाओं के प्रावधान के माध्यम से औषधि निर्भरता उपचार सेवाओं को मजबूत बनाने पर परियोजना की शुरूआत शामिल है। यह चरणगत रूप से किया जाता है और देश में औषध निर्भरता उपचार सेवाओं के प्रावधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एनडीडीटीसी संकाय ने अंतरराष्ट्रीय संघों के सदस्य के रूप में योगदान दिया है, जैसे वर्ल्ड साइकियाट्रिक एसोसिएशन (डब्ल्यूपीए), डब्ल्यूएचओ–एसईएआरओ के लिए पर, नाको के आईडीयू पर तकनीकी संसाधन समूह, राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह – एल्कोहल पर नियंत्रण के अलावा अन्य।

शिक्षा

स्नातक पूर्व

एमबीबीएस छात्रों को उनके मनोरोग तैनाती के दौरान उन्हें तैनाती केन्द्र पर एक दिन के लिए किया तैनात जाता है।

स्नातकोत्तर

एम. डी. (मनोचिकित्सा) करने वाले छात्रों की तैनाती 6 माह के लिए की जाती है। एनडीडीटीसी एडिक्शन साइकियाइट्री में पीएचडी भी प्रदान करता है।

पीएच डी और स्नातकोत्तर अध्यापन

साप्ताहिक

जर्नल चर्चा | सेमिनार | रोगी सम्मेलन

सेमिनार (एन डी डी टी सी में)?

संकाय / स्टाफ प्रस्तुतीकरण' प्रत्येक सेमिस्टर में दो सी. सी. आर. और सी. जी. आर

*ये मनोचिकित्सा विभाग और केन्द्र की संयुक्त गतिविधियां हैं।

प्रदत्त व्याख्यान

राका जैन : 1	**राकेश लाल : 1**	**अंजु धवन : 15**
सोनाली झांजी : 2	**अतुल अम्बेडकर : 8**	**यतन पाल सिंह बलहारा : 13**
गौरी शंकर कालोइया : 6	**रविन्द्र राव : 6**	**प्रभु दयाल : 3**
अश्विनी कुमार मिश्रा : 8	**जय सिंह यादव : 1**	**रचना भार्गव : 2**
आलोक अग्रवाल : 7	**बिश्वदीप चटर्जी : 8**	

प्रस्तुत किए गए मौखिक शोध प्रबंध / पोस्टर : 37

भारतीय मनोरोग संस्था से भगवत पुरस्कार, भारतीय मनोरोग संस्था से युवा मनोचिकित्सक पुरस्कार और आईएएसपी से बोराल पुरस्कार जीता।

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. चूहों के मादक द्रव्य के निकलने पर नेलब्यूफिन का प्रभाव : व्यवहारात्मक, जैव रासायनिक और आण्विक अध्ययन, प्रो. राका जैन, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 42 माह, 2012–2015, 46 लाख रुपए
2. ओपियॉइड सबस्टिट्यूशन थेरैपी (ओएसटी) के कार्यान्वयन पर एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का विकास और परीक्षण, डॉ. अतुल अम्बेडकर, डॉ. रविन्द्र राव, डॉ. आलोक अग्रवाल, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया, एक, 2014–2015, 12,69,000 रु.
3. ओपियॉइड और एल्कोहल डिपेंडेंस सिंड्रोम के बीच मेटाबोलिक सिंड्रोम की व्यापकता का एक तुलनात्मक अध्ययन, यतन पाल सिंह बल्हारा, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2013–2014, 3.6 लाख रुपए
4. पर्सक्रिप्शन ओपियॉइड के दुरुपयोग के साथ व्यक्तियों के लिए उपयोग का सामाजिक जनसांख्यिकीय और मनोसामाजिक प्रोफाइल तथा मंशा के एक क्रॉस सेक्शनल का मूल्यांकन अध्ययन, यतन पाल सिंह बल्हारा, आईसीएमआर, 15 माह, 2014–2015, 15.8 लाख रुपए
5. मादक पदार्थ के उपयोग के विकार से संबंधित मानसिक और विकलांगता के साथ युवा व्यक्तियों के बीच यौन रोग के प्रजनन और यौन स्वास्थ्य तथा प्रसार की स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन, यतन पाल सिंह बल्हारा, आईसीएमआर, 18 माह, 2014–2016, 8.04 लाख रुपए

पूर्ण

1. तम्बाकू प्रयोक्ता महिलाओं के लिए समुदाय आधारित संक्षिप्त हस्तक्षेप बनाम साधारण सलाह, डॉ. सोनाली झांजी, आईसीएमआर, एक वर्ष और 3 माह, 2013–2014, 10,14,930 रु.।
2. भारत में मेथोडोन की पूर्व विपणन निगरानी, डॉ. अतुल अम्बेडकर, रूसन, 2012–2014, 14,35,500 रु.
3. विकारों का उपयोग करते हुए शराब और नशीले पदार्थों के लिए मॉड्यूल का अनुवाद, लेखा परीक्षा का सत्यापन और संक्षिप्त हस्तक्षेप, यतन पाल सिंह बल्हारा, डब्ल्यूएचओ–एसईएआरओ, 2 माह, 2014–2015, 4.53 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. ब्यूप्रेनोर्फिन / ब्यूप्रेनोर्फिन – नेलॉक्सॉन संयोजन पाने वाले ओपियॉइड पर निर्भर रोगियों की जैव रासायनिक और हिमेटोलॉजिकल रूपरेखा का आकलन।

2. एल्कोहल पर आश्रित व्यक्तियों में हाल ही में विष निकालने के बाद इसकी तलब से संबंधित संकेत पर मीठे स्वाद के प्रभाव का आकलन (एमडी शोध प्रबंध)
3. ब्यूप्रेनोर्फिन रखरखाव पर रोगियों के बीच मध्यम / उच्च जोखिम एल्कोहल उपयोग के लिए जांच और संक्षिप्त हस्तक्षेप का प्रभाव : एक नैदानिक और एल्कोहल – बायोमार्कर अध्ययन (एमडी शोध प्रबंध)
4. शराब की निर्भरता के साथ रोगियों में प्लेटलेट्स मोनोमाइन ऑक्सीडेस बी गतिविधि का स्तर और संज्ञानात्मक कार्य (एमडी शोध प्रबंध)
5. चूहों के मादक द्रव्य के रोकने पर नेलब्यूफिन का प्रभाव : व्यवहारात्मक, जैव रासायनिक और आण्विक अध्ययन (पीएचडी शोध प्रबंध)
6. अवलोकन गृह से किशोरों में और उपचार की स्थापना में मादक पदार्थ का उपयोग, मनोरोग रुग्णता और मनोसामाजिक कारकों पर एक अध्ययन (एमडी शोध प्रबंध)
7. चूहों के मादक द्रव्य के रोकने पर नेलब्यूफिन का प्रभाव : व्यवहारात्मक, जैव रासायनिक और आण्विक अध्ययन (पीएचडी शोध प्रबंध)
8. किशोर इंहेलेंट प्रयोक्ताओं में जैव रासायनिक उपायों का आकलन (पीएचडी शोध प्रबंध)
9. भारत में किशोर बच्चों के लिए धूम्रपान करने, शराब पीने और तम्बाकू चबाने के लिए डेटा संग्रह की विधियां और महामारी विज्ञान मॉडलों से संबंधित तुलनात्मक मूल्यांकन (एमडी शोध प्रबंध)
10. निकोटिक आश्रित चूहों में निकोटिन के निकलने पर एपोमोर्फिन का प्रभाव : व्यवहारात्मक, जैव रासायनिक और आण्विक अध्ययन (पीएचडी शोध प्रबंध)
11. एगोनिस्ट रखरखाव उपचार पर ओपियॉइड निर्भर व्यक्तियों में धूम्रपान समाप्ति हस्तक्षेप की प्रभावशीलता
12. अनुरक्षण उपचार पर आश्रित ओपिओइड रोगियों में तम्बाकू का उपयोग
13. एक शहरी महिलाओं के कॉलेज में तंबाकू के इस्तेमाल के साथ जुड़े मादक पदार्थ का उपयोग और कारकों का आकलन – एक खोजपूर्ण अध्ययन
14. मोबाइल क्लिनिक, एनडीडीटीसी में उपस्थित रोगियों में सामाजिक जनसांख्यिकीय, नैदानिक मानकों और परिणाम का एक पूर्वव्यापी चार्ट की समीक्षा
15. इंजेक्शन से नशा करने वाले प्रयोक्ताओं के लिए ओपियॉइड प्रतिस्थापन चिकित्सा और अन्य नुकसान को कम करने वाले उपायों का एक क्रॉस सेक्शनल, तुलनात्मक लागत का विश्लेषण (शोध प्रबंध – एमडी, मनोरोग)
16. हानिकारक / खतरनाक शराब के उपयोग वाले विषयों में परिणामों के साथ शराब पीने और अपने संबंधों का पैटर्न – एक समुदाय आधारित अध्ययन (शोध प्रबंध – एमडी, मनोरोग)
17. हिजरास की मानसिक बीमारी, मादक पदार्थ का उपयोग और जीवन की गुणवत्ता (शोध प्रबंध – एमडी, मनोरोग)
18. अवसाद के साथ किशोरों के लिए कम्प्यूटर समर्थित संज्ञानात्मक व्यवहार थेरैपी (शोध प्रबंध – पीएचडी, नैदानिक मनोविज्ञान)
19. क्रमिक प्रशिक्षण वर्ष भर में मनोरोग की ओर चिकित्सा स्नातक के व्यवहार का आकलन करने के लिए एक भावी अध्ययन
20. विकासशील देशों से किशोरों के बीच चिंता और अवसाद से संबंधित जीवन भर आघात और तनावपूर्ण जीवन की घटनाएं
21. ओपिओइड निर्भरता के लिए नेलट्रेक्सॉन और ब्यूप्रेनोर्फिन उपचार में प्रवेश युवा वयस्कों के बीच उपचार में प्रतिधारण की एक प्राकृतिक तुलना
22. विशिष्ट प्रशिक्षण विकार के लिए गृह आधारित हस्तक्षेप का विकास
23. कानून के साथ विवाद रखने वाले बच्चों में मादक पदार्थों के उपयोग पर मनोसामाजिक कारकों का आकलन
24. एडीएचडी के साथ बच्चों में प्रीफ्रंटल कार्टिकल गतिविधि : एक कार्यात्मक अवरक्त के पास स्पेक्ट्रोस्कोपी (एफएनआईआरएस) अध्ययन
25. मध्यम घाव मस्तिष्क की चोट में संज्ञानात्मक कार्य पर दोहराए गए ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना का प्रभाव
26. इयुथेमिक स्थिति में द्विध्रुवी विकार के साथ रोगियों में संज्ञानात्मक कार्यों का न्यूरोकेमिकल संबद्ध
27. एक तृतीयक देखभाल उपचार केंद्र से एचआईवी के जांच की सकारात्मक और नकारात्मक उपचार चाहने वालों के नैदानिक और प्रयोगशाला प्रोफाइल पर एक तुलनात्मक मूल्यांकन के आधार : एक पूर्वव्यापी चार्ट का विश्लेषण अध्ययन

पूर्ण

1. ओपियॉइड पर निर्भरता के दीर्घ अवधि प्रबंधन हेतु नेलट्रेक्सॉन पाने वाले रोगियों में इसके पालन का मूल्यांकन।
2. मादक पदार्थ प्रयोक्ताओं में फिल्टर पेपर पर मूल नमूने के धब्बे में निकोटीन का आकलन।
3. किशोरों में इनहेलट प्रयोक्ताओं में तलब के संकेत : एक कार्यात्मक चुम्बकीय अनुनाद इमेजिंग (एफएमआरआई) अध्ययन (एमडी शोध प्रबंध)
4. हिरोइन पर आश्रित व्यक्तियों में तलब के संकेत
5. शराब पर आश्रित व्यक्तियों के उपचार की मांग में तलब के संकेत (शोध प्रबंध – एमडी, मनोरोग)
6. सब लिंगुअल ब्यूप्रेनोर्फिन रखरखाव वाले उपचारित पुरुषों में ओपियॉइड पर आश्रित पुरुषों की शिराओं में नेलोक्सॉन का प्रभाव (शोध प्रबंध – एमडी, मनोरोग)
7. सामुदायिक औषध उपचार क्लिनिक में ओपियॉइड पर निर्भर सेवा प्राप्तकर्ताओं के बीच अपराध और कारावास से संबंधित अनुभव का एक अध्ययन
8. भारत के एक मेडिकल स्कूल में स्नातकों के बीच समस्याग्रस्त इंटरनेट का उपयोग की व्यापकता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन
9. एल्कोहल और ओपियॉइड पद निर्भर व्यक्तियों के बीच तृतीयक देखभाल केन्द्र और समुदायिक क्लिनिक में सहायता पाने के लिए देखभाल के मार्गों का तुलनात्मक अध्ययन
10. ओपिओइड पर निर्भर ब्यूप्रेनोर्फिन पर बनाए रखा विषयों के बीच कैनबिस उपयोग का एक यूरीन एनालिसिस आधारित मूल्यांकन : एक पूर्वव्यापी अध्ययन
11. ओपियॉइड पर आश्रित व्यक्तियों के भैषजिक उपचार से संबंधित मान्यताओं पर एक अध्ययन, जो तृतीयक देखभाल केन्द्र से सहायता लेते हैं।
12. विकास उपचार केन्द्र का उपयोग करते हुए एक तृतीयक देखभाल पदार्थ पर नेलट्रेक्सॉन उपचार पर ओपियॉइड आश्रितों के बीच परिणाम से जुड़े भविष्यवक्ताओं के पूर्व पूर्वव्यापी अध्ययन
13. एक तृतीयक देखभाल में मादक पदार्थ के सेवन पर आंतरिक रोगी और बाह्य रोगी के उपचार में निकले वाले और पुनः प्रवेश के साथ जुड़े जोखिम वाले कारकों के आकलन का एक पूर्वव्यापी समूह अध्ययन
14. अपराधी किशोरों के मनोवैज्ञानिक सामाजिक संबद्ध
15. भारत में उपचार चाहने वालों के बीच सीओएमटी (केटेकॉल–ओ–मिथाइलट्रांसफरेस) बहुरूपता और कमोर्बिड शराब तथा निकोटिन निर्भरता के संघ

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. शराब निर्भरता में मस्तिष्क इमेजिंग के साथ (पीईटी / एसपीईसीटी) मोनोमिनर्जिक, जीएबीएर्जिक और ग्लूटामेटरगिक मार्ग बहुरूपताओं के आनुवंशिक संघ और सहसंबंध पर एक अध्ययन, शरीर रचना विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
2. पंजाब, सोसाइटी फॉर प्रोमोशन ऑफ यूथ एण्ड मैसे (एसपीवायएम) और सामाजिक न्याय एंव अधिकारिता मंत्रालय (एमएसजेई), भारत सरकार, नई दिल्ली में ओपियॉइड निर्भर आबादी के आकार का आकलन
3. ग्रामीण बल्लभगढ़ में किशोरों के बीच चिंता का विकार – एक समुदाय आधारित अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र (सीसीएम), एम्स, नई दिल्ली
4. भारत में किशोरावस्था वाले बच्चों के बीच धूम्रपान, शराब पीने और तंबाकू चबाने के लिए डेटा संग्रह विधियों और महामारी विज्ञान से संबंधित मॉडल का तुलनात्मक मूल्यांकन, जैव सांख्यिकी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
5. एक तृतीयक देखभाल केंद्र में मोटापे के साथ रोगियों में मनोरोग मदों का परिमाण

पूर्ण

1. मेथाडोन रखरखाव उपचार : यूएनओडीसी (आरओएसए) – एक व्यवहार्यता और प्रभाव का अध्ययन, केईएम अस्पताल मुंबई, रिम्स इम्फाल, सिविल अस्पताल कपूरथला, सिविल अस्पताल, भटिंडा द्वारा वित्त पोषित
2. एनएफसीडीए में पदार्थ का उपयोग विकार में जीडी एमओ का प्रशिक्षण, केईएम अस्पताल मुंबई, आरआईएमएस इम्फाल, निमहांस बैंगलोर, सीआईपी रांची, चंडीगढ़ मेडिकल कॉलेज द्वारा वित्त पोषित
3. ईबी देखभाल करने वालों और अपने अल्पकालिक प्रभावशीलताए नर्सिंग कॉलेज और त्वचा विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली का आकलन करने के लिए एक मनोवैज्ञानिक डर्मेटोलॉजिकल एजुकेशन पैकेज विकसित करने हेतु एक दृष्टि के साथ जन्मजात इक्थियोसिस की तुलना में एपिडर्मोलियासिस बुलोसा (ईबी) के साथ प्रभावित बच्चों की (0–5 वर्ष) प्राथमिक देखभाल करने वालों के बीच जीवन का व्यक्तिपरक संकट, परिवार बोझ और गुणवत्ता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
4. बिहार, हरियाणा और उत्तराखंड (इंडिया एचआईवी / एड्स एलायंस, नई दिल्ली सहित) में आईडीयू के बीच ड्रग उपयोग पैटर्न का आकलन
5. भारत, संयुक्त राष्ट्र नशीली दवा और अपराध कार्यालय में मेथाडोन रखरखाव उपचार की व्यवहार्यता और प्रभाव, नई दिल्ली
6. बल्लभगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र (सीसीएम), एम्स में बुजुर्ग व्यक्तियों के बीच में अवसाद पर अध्ययन

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 45 **सार : 24** **पुस्तकों में अध्याय : 8** **पुस्तक : 5**

रोगी उपचार

ओपीडी का स्थान	नए रोगियों की संख्या
एनडीडीटीसी, गाजियाबाद	4,233
त्रिलोकपुरी सामुदायिक क्लिनिक	178
सुंदर नगरी क्लिनिक (मेथोडोन)	90
सुंदर नगरी क्लिनिक (मोबाइल क्लिनिक)	76
कुल	**4,577**

एनडीडीटीसी ओपीडी दौरे के नए मामलों का भौगोलिक वितरण

दिल्ली : 1,398 उत्तर प्रदेश : 2,546 हरियाणा : 130

पंजाब : 33 राजस्थान : 13 बिहार : 24

अन्य राज्य : 89

नए रोगियों की आयु और लिंग वितरण

आयु समूह (वर्ष)	पुरुष	महिला	कुल
14.18	205	5	210
19.20	178	2	180
21.25	713	11	724
26.30	758	15	773
30 से अधिक	2,291	55	2,346
कुल	**4,145**	**88**	**4,233**

नए रोगी / फॉलोअप

ओपीडी का स्थान	**पुराने रोगियों की संख्या**
एनडीडीटीसी, गाजियाबाद	33,737
त्रिलोकपुरी सामुदायिक क्लिनिक	15,600
सुंदर नगरी क्लिनिक (मेथोडोन)	13,69
सुंदर नगरी क्लिनिक (मोबाइल क्लिनिक)	14,221
कुल	**77,248**

विशिष्टता क्लिनिक : डेटा

विशिष्टता क्लिनिक	**नए मामले**		**पुराने रोगी**		**कुल**
	पुरुष	**महिला**	**पुरुष**	**महिला**	
किशोरावस्था ड्रग एब्यूज क्लिनिक	43	.	144	.	187
द्वि–निदान क्लिनिक	68	.	510	.	578
तम्बाकू छुड़ाने के क्लिनिक	46	1	397	.	444
कुल	**157**	**1**	**1,051**	**.**	**1,209**

आंतरिक सेवाएं

आयु समूह (वर्ष)	**पुरुष**	**महिला**	**कुल**
14.18	37	.	37
19.20	63	.	63
21.25	189	2	191
26.30	224	.	224
30 से अधिक	531	8	539
कुल	**1,044**	**10**	**1,054**

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य राकेश लाल ने रोकथाम और एनसीडी के नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय बहुक्षेत्रीय कार्य योजना हेतु परामर्श प्रस्तुत किए; नई दिल्ली 22–23 मई, भारत सरकार कार्य योजना; सदस्य राज्यों की यूएनओडीसी विशेषज्ञ समूह की बैठक के लिए भारत के प्रतिनिधि के रूप में कार्य किया; वियना, 9–11 मार्च, 2015; शराब कराधान नीतियों और खपत पर उनके प्रभाव का अध्ययन में पीएचएफआई के साथ शामिल; डिगबोई में तेल रिफाइनरी के साथ कार्यस्थल हस्तक्षेप में शामिल; मादक पदार्थों से संबंधित मामलों पर जीयूआई और भूटान की रॉयल सरकार के बीच समझौता ज्ञापन में विशेषज्ञ रूप में शामिल किया।

आचार्य अंजू धवन ने आईआईटी दिल्ली, एम्स में मनोचिकित्सा विभाग और श्री श्री ग्लोबल मेडिटेशन डॉक्टर एसोसिएशन द्वारा 30 – 31, 2014 को तनाव में कमी कौशलः वैज्ञानिक अपडेट पर सम्मेलन का आयोजन किया। वाशिंगटन डीसी में 22 –24 अक्तूबर 2014 को आयोजित सेवा प्रदाताओं को संबोधित करने के लिए मादक पदार्थों के आदी बच्चों पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का विकास के लिए कोलम्बो योजना और अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा संगठित विशेषज्ञ और लेखक की बैठक के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में योगदान दिया। एलायंस फ्रेंसिकोसे डी दिल्ली, दिल्ली में 19 दिसम्बर 2014 को एनडीडीटीसी, एम्स और यूएनओडीसी द्वारा भारत में संयुक्त रूप से आयोजित ''मेथाडोन रखरखाव उपचार के निष्कर्ष" के प्रचार–प्रसार की बैठक में भाग लिया; दुर्व्यवहार दायित्व आकलन पर डब्ल्यू एच ओ विशेषज्ञ समिति की सदस्यता से सम्मानित किया गया

था; वर्ष 2014 के शराब और मादक द्रव्यों (नशीली दवा) के सेवन की रोकथाम के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार की योजना के तहत नामांकन के लिए स्क्रीनिंग कमेटी की सदस्यता से सम्मानित किया।

डॉ. सोनाली झांजी को 15 अप्रैल 2014 को एनडीडीटीसी के वार्षिक दिवस आयोजन का सचिव नियुक्त किया गया; इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ एडिक्शन मेडिसिन के सदस्यता से सम्मानित किया; सोसाइटी फॉर रिसर्च ऑन निकोटीन एण्ड तंबाकू (एसआरएनेट की सदस्यता से सम्मानित किया।

डॉ. अतुल अम्बेडकर को संयुक्त राष्ट्र के लिए सदस्य, सामरिक सलाहकार समूह (आईडीयू और एचआईवी); सदस्य, राष्ट्रीय तकनीकी संसाधन समूह, आईडीयू, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, भारत सरकार; शराब नियंत्रण पर सदस्य, तकनीकी सलाहकार समूह – स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; नशीली दवाओं मांग में कमी और क्षमता निर्माण पर सदस्य, राष्ट्रीय कार्य दल – सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार; सदस्य शासी निकाय : नशीली दवाओं के सेवन का नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कोष – राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार; सदस्य, कार्य समूहए नशीली दवाओं के सेवन पर राष्ट्रीय सर्वेक्षण – राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन और सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार; सदस्य पदार्थ का उपयोग – विशेषता उपखण्ड – भारतीय मनोरोग संस्था; नशीली दवा नीति की अंतरराष्ट्रीय पत्रिका, जैव विज्ञान और प्रौद्योगिकी की अंतरराष्ट्रीय पत्रिका, चिकित्सा विज्ञान और प्रौद्योगिकी की अंतरराष्ट्रीय पत्रिका, नैदानिक और वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए एचआईवी की पत्रिका,मानसिक स्वास्थ्य और मानव व्यवहार की पत्रिका के संपादकीय / सलाहकार बोर्ड के सदस्य नियुक्त किया गया; राष्ट्रीय तकनीकी प्रशिक्षण केंद्र (इम्मानुएल हॉस्पिटल एसोसिएशन और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, भारत सरकार की परियोजना) के नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया।

डॉ. यतन पाल सिंह बल्हारा को 8–11, जनवरी 2015 को हैदराबाद में आयोजित भारतीय मनोरोग संस्था के 68वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में अपनी मौखिक प्रस्तुतियों के लिए भारतीय मनोरोग सोसायटी के भागवत पुरस्कार और भारतीय मनोरोग संस्था के युवा मनोचिकित्सक पुरस्कार से सम्मानित किया गया; वर्ष 2014 के लिए विश्व मनश्चिकत्सा संघ (डबल्यूपीए) के प्रारंभिक कैरियर मनोचिकित्सक परिषद हेतु (ईसीपीसी) भारत की ओर से सदस्य प्रतिनिधि नियुक्त किया; कैलोस्टे गुल्बेंकियान फाउंडेशन, चिकित्सा विज्ञान के संकाय के मानसिक स्वास्थ्य विभाग (लिस्बन के नोवा विश्वविद्यालय) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा सहयोगी सदस्य, गुल्बेन्कियान नेटवर्किंग मानसिक स्वास्थ्य प्लेटफार्म – एक सहयोगात्मक प्रयास; डब्ल्यूएचओ नेटवर्किंग मानसिक स्वास्थ्य विद्वान का चयन किया; सदस्य, संपादकीय बोर्ड, शैक्षणिक मनोरोग; मानसिक और मानसिक स्वास्थ्य नर्सिंग की पत्रिका (जेपीएमएचएन) के लिए सदस्य, संपादकीय बोर्ड; मधुमेह (जेओएसएच) में सामाजिक स्वास्थ्य की पत्रिका के लिए सदस्य, संपादकीय बोर्ड; मानसिक स्वास्थ्य और मानव व्यवहार की पत्रिका (जेएमएचएचबी) के लिए सदस्य, संपादकीय बोर्ड, वरिष्ठ संपादक, जर्नल ऑफ़ पायोनियरिंग मेडिकल स्टूडेंट्स (जेपीएमएस)।

डॉ गौरी शंकर कलोइया को राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (एमसीएचपी) के तहत मनोवैज्ञानिकों के प्रशिक्षण हेतु एक मानकीकृत प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करने के लिए : विशेषज्ञ कार्य समूह (ईडब्ल्यूजी) का सदस्य नियुक्त किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी, एनसीडी अनुभाग, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य विभाग और परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य मंत्रालय तथा परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मनोनीत किया।

डॉ. प्रभु दयाल को भारतीय मनोरोग समाज के 67वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में अध्यक्ष के रूप में प्रतिभागी नियुक्त किया गया था। 9 जनवरी, 2015 को सत्र नाम– एक प्रकार का पागलपन, समय और तिथि 8–9 बजे; मनोरोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली के सहयोग से मानसिक स्वास्थ्य फाउंडेशन द्वारा आयोजित 10 अक्तूबर 2014 को एम्स, नई दिल्ली में मानसिक स्वास्थ्य पर 1 राष्ट्रीय सम्मेलन में अध्यक्ष : वर्तमान परिप्रेक्ष्य, विकास और तकनीकी प्रगति का आयोजन किया; श्री श्री ग्लोबल मेडिटेटिंग डॉक्टर्स एसोसिएशन और मनोरोग विभाग एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित तनाव में कमी कौशलः वैज्ञानिक अद्यतन पर सम्मेलन के लिए आयोजित उप समितियों के सदस्य; दिल्ली विश्वविद्यालय के नवाचार परियोजना के संरक्षक थे।

डॉ रचना भार्गव को राष्ट्रीय सम्मेलन में बोराल पुरस्कार से सम्मानित किया गया; इंटरनेशनल नारकोटिक्स एण्ड लॉ इंफोर्समेंट अफेयर्स के लिए राज्य ब्यूरो का यूएस विभाग, औषधि मांग न्यूनीकरण प्रभाग (डीडीआर) द्वारा वॉशिंगटन डीसी में आयोजित विशेषज्ञ सलाहकार समिति की बैठक में आमंत्रित किया। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में समीक्षक; एम्स में संज्ञानात्मक व्यवहार थेरैपी पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कोषाध्यक्ष; 2013–2015 के लिए भारतीय बाल एवं किशोर और मानसिक स्वास्थ्य संघ की परिषद के सदस्य के रूप में नियुक्त किया।

डॉ आलोक अग्रवाल सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा औषधि मांग न्यूनीकरण के समर्थन के लिए केन्द्रीय क्षेत्र योजना हेतु ऑनलाइन मादक द्रव्य दुरूपयोग की निगरानी प्रणाली के विकास; नशा एकीकरण पुनर्वास केंद्र (आईआरसीए), सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के लिए विकसित प्रत्यायन प्रणाली के लिए नियुक्त सदस्य, समिति में शामिल थे;

डॉ बिश्वदीप चटर्जी ''तनाव में कमी कौशल पर सम्मेलन : एक वैज्ञानिक अद्यतन'' की आयोजन समिति; 30 –31 अगस्त 2014, दिल्ली, भारत; ''यौन विकारों पर तकनीकी बैठक'' की आयोजन समिति; 14 अप्रैल 2015, दिल्ली, भारत; एनआईएसडी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय (एमएस एण्ड जेई), भारत सरकार के साथ चाइल्डलाइन भारतीय संघ साझेदारी द्वारा आयोजित ''सरकारी / गैर सरकारी संगठनों के पदाधिकारियों के लिए नशीली दवाओं के दुरुपयोग द्वारा प्रभावित बच्चों के लिए विशेष आवश्यक सेवाओं पर तीन दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम'' के तकनीकी संसाधन व्यक्ति; 19–21 मार्च 2015; धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश का हिस्सा थे।

10.7 तंत्रिका विज्ञान केन्द्र

प्रमुख

एन. के. मिश्रा

न्यूरो सर्जरी

आचार्य एवं अध्यक्ष

भवानी शंकर शर्मा

आचार्य

अशोक कुमार महापात्रा (एम्स, भुवनेश्वर में प्रतिनियुक्ति पर)

शशांक शरद काले

पी सरत चंद्रा

आशीष सूरी

अपर आचार्य

राजेंद्र कुमार

दीपक गुप्ता (जेएनपीएटीसी)

मनमोहन सिंह

सुमित सिन्हा (जेपीएनएटीसी)

दीपक अग्रवाल (जेपीएनएटीसी)

सह आचार्य

गुरूदत्त सत्यार्थी (जेपीएनएटीसी)

पंकज कुमार सिंह (जेपीएनएटीसी)

सहायक आचार्य

विवेक टंडन

शाश्वत मिश्रा

सचिन बोरकर

राजीव शर्मा

हितेश गुर्जर

श्वेता केडिया

अमन जगदेवन

मानद आचार्य

प्रकाश नारायण टंडन

अजीत के. बनर्जी

तंत्रिका विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

कामेश्वर प्रसाद

आचार्य

माधुरी बिहारी

विनय गोयल

एम. वी. पदमा श्रीवास्तव

अचल श्रीवास्तव

मंजरी त्रिपाठी

गरिमा शुक्ला

अपर आचार्य

रोहित भाटिया

ममता भूषण

सहायक आचार्य

दीप्ति विभा

दीपा दाश

तंत्रिका मनोचिकित्सा

सह आचार्य

आशिमा नेहरा

तंत्रिका विकिरण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

एन. के. मिश्रा

आचार्य

एस. बी. गायकवाड़

अपर आचार्य

अजय गर्ग

सहायक आचार्य

लेव जोसेफ देवराजन

तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

प्रमोद के बिठ्ठल

आचार्य

अरविंद चतुर्वेदी (अवकाश पर)

अपर आचार्य

राजेंद्र सिंह चौहान

मिहिर प्रकाश पाण्डिया

गिरिजा प्रसाद रथ

हेमांशु प्रभाकर

सहायक आचार्य (जेपीएनएटीसी)

ज्ञानिंदर पाल सिंह (जेपीएनएटीसी)

बिंद्रा (जेपीएनएटीसी)

नीरज कुमार (जेपीएनएटीसी)

केशव गोयल (जेपीएनएटीसी)

कपिल देव सोनी (जेपीएनएटीसी)

ऋचा अग्रवाल (जेपीएनएटीसी)

नवदीप सोखल (जेपीएनएटीसी)

चारु महाजन

इंदु कपूर

सूर्या कुमार दुबे

तंत्रिका विकृति विज्ञान

आचार्य

चित्रा सरकार

एम. सी. शर्मा

सहायक आचार्य

वैशाली सूरी

विशिष्टताएं

वर्ष 2014 – 15 में शिक्षण और प्रशिक्षण के माध्यम से तंत्रिका विज्ञान के सभी विषयों में रोगी देखरेख की गुणवत्ता बढ़ाने और आधुनिक प्रगति को बढ़ावा देने तथा उसका प्रसार करने को और अधिक प्रोत्साहन दिया गया था। शल्य चिकित्सा में बेहतर छवि मार्गदर्शन और निगरानी, रीढ़

की सूक्ष्म शल्य क्रिया के लिए 'ओ' आर्म पद्धति का प्रयोग, मस्तिष्क संबंधी रोगों के लिए संवर्द्धित नैदानिक स्तर निर्माण और चिकित्सा प्रणाली, जीन अनुक्रमण और उन्नत सीरम परीक्षण जैसी अतिरिक्त जैव रसायन परीक्षण सुविधाओं, व्याप्ति इमेजिंग जैसे इमेजिंग प्रोटोकोल्स का व्यापक अनुप्रयोग, उन्नत सीटी एंजियोग्राफी, धमनीय स्पिन लेबलिंग (ए एस एल) तकनीक का प्रयोग करके व्याप्ति अध्ययन, एम आर आई में एफ ए मैपिंग और ट्रैक्योग्राफी ट्यूमर श्रेणीकरण और ग्रेडिंग के लिए संवर्द्धित ऊतकीय कार्य प्रणालियों आदि सहित सभी विषयों में रोगी देखरेख सेवाओं के क्षेत्र और कार्य क्षेत्र में विस्तार किया गया था। हमारे न्यूरोसर्जरी के प्रोफेसरों में से एक प्रो. अशीष सूरी को एक अत्यंत प्रतिष्ठित सम्मान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली (आई आई टी – डी) के स्कूल ऑफ आई टी के सहायक प्रोफेसर के रूप में चुना गया था। प्रो. पी. सरत चंद्रा एम्स, एपिलेप्सी प्रयोगशाला विभाग, भारत सरकार और तंत्रिका विज्ञान केंद्र के बीच सहयोग द्वारा शुरू की गई एक अद्वितीय सुविधा प्रो. पी. एन. टंडन न्यूरोबायोलॉजी ऑफ एपिलेप्सी लैब जो राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान के (एन बी आर सी), मानेसर, हरियाणा के जीव विज्ञानियों की सहायता से एपिलेप्टो जेनिक न्यूरॉन्स में तंत्रिका जीव विज्ञान संबंधी खोज करने के लिए अवसंरचना उपलब्ध कराती है और एपिलेप्सी के क्षेत्र में स्थानांतरीय अनुसंधान में अत्यंत उपयोगी होने की उम्मीद है; को शुरू करने में सहायक थे। एक अन्य न्यूरो सर्जन, डॉ. दीपक अग्रवाल ने न्यूरो रेडियोलॉजी विभाग के डॉ. अजय गर्ग के सहयोग से एम्स के कंप्यूटरीकरण का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने एम्स के कंप्यूटरीकरण हेतु ई –इंडिया द्वारा सर्वोत्तम आईटी परियोजना में हेल्थ केयर 2014 अवार्ड प्राप्त किया। उन्होंने कंप्यूटरीकरण के लिए गोल्डन पीकॉक नव प्रवर्तन उत्पाद / सेवा अवार्ड भी प्राप्त किया।

न्यूरोलॉजी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर कामेश्वर प्रसाद को डब्ल्यू एस ओ (वर्ल्ड स्ट्रोक ऑर्गनाइजेशन) वैश्विक गुणवत्ता कार्यदल के सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था। प्रो. पदमा श्रीवास्तव को श्री चित्रा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, त्रिवेंद्रम की ''इंस्टीट्यूट बॉडी'' का सदस्य बनाया गया था।

न्यूरोरेडियोलॉजी विभाग में 10 साल पुराने 6 स्लाइस स्कैनर को हटाकर नवीनतम 128 स्लाइस ड्यूल स्कैनर लगाया गया था। नए सीटी, लो डोज सीटी नवाचारों के साथ प्रतिरूपित पुनरावस्त पुनर्निर्मित और मात्रा में 60 प्रतिशत तक की कमी तथा अब नैदानिक दिनचर्या में अपेक्षाकृत अधिक प्राप्ति संभव है और सर्वोत्तम इमेज गुणवत्ता सुनिश्चित हुई है। इसे विशेष रूप से बच्चों और जहां सांस रोकने का कौशल अपेक्षित है, की रोगी अनुवशत्ति में वृद्धि की है। नए सी टी स्कैनर की स्थापना से, विशेष रूप से तीव्र स्ट्रोक में सेरेब्रल प्रसार का पता लगाने के लिए निर्देशित बायोप्सियों और सीटी व्याप्ति में सहायता हेतु सीटी फ्लूरोस्कोपी शुरू की गई है। मौजूदा 1.5 टी एम आर को 'साइलेंट एम आर' प्रणाली में अपग्रेड किया गया था जिसने साइलेंट एम आर नवाचारों को पूरा करने में सहायता की है। जो स्कैन के दौरान मरीज की चिंता को कम करती हैं; स्कैन में लगने वाले समय और पुनः स्कैन की संख्या में कमी आती है क्योंकि रोगी लंबी जांचों के दौरान शांत रहते हैं और उसी अवस्था में बने रहने में सहयोग करते हैं। विशेष रूप से उच्च अंत अधिग्रहण तकनीकों के दौरान अनेक रोगियों को पूर्व प्रणाली का उच्च प्रवणता वाले क्वाइल के अचानक बदलते शोर से अत्यधिक परेशानी थी। अपग्रेड से यह अति उत्तेजना काफी हद तक कम हुई है। और मैग्नेट के चौड़े छेद से मरीजों में फ्लॉस्ट्रोफोबिया में काफी कमी आई है। पी ए सी एस सर्वर के अपग्रेड और वार्डों; आईसीयू एवं वाई फाई युक्त ओपीडी कक्षों में थिन क्लाइंट्स में जांच केंद्रों की स्थापना से एन एस सी के वार्डों और ओ पी डी कक्षों में पी ए सी एस नेटवर्क चालू कराया गया। रिपोर्टिंग कक्ष के उन्नत व्यवस्थापन से सभी न्यूरो इमेजिंग प्रक्रियाओं की रिपोर्टिंग को ऑनलाइन किया गया। जिससे सभी अध्ययनों की रिपोर्ट, संपादन, साइन आउट और नेटवर्क को आसान बनाया गया। सीटी, एम आर आई, यू एस और डी एस ए आदि के लिए एन एस सी वार्डों के ऑन लाइन से स्वतः सहायता सक्रिय कर दी गई है। न्यूरो रेडियोलॉजी संपर्क के लिए पी ए सी एस से केस अभिलेखों की ऑटो फेचिंग सक्रिय कर दी गई है। मरीजों द्वारा लाई गई पृथक इमेजिंग फिल्मों को अब डिजिटाइज्ड कर दिया गया है और रोगी यू एच आई डी पंजीकरण संबंधी प्रणाली से जोड़ दिया गया है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम :

- न्यूरो सर्जरी विभाग जटिल न्यूरोसर्जरी कौशल प्रशिक्षण के विकास हेतु केंद्रीय पशु सुविधा में डी एच आर + डी एस टी + डी बी टी न्यूरोसर्जरी कौशल प्रशिक्षण सुविधा में अपने सभी रेजीडेंट के लिए नियमित कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। इसके अतिरिक्त, कैडवर प्रशिक्षण संबंधी न्यूरोसर्जरी में प्रारंभिक पाठ्यक्रम, न्यूरो सर्जरी कौशल हेतु कैडवर कार्यशाला और एंडोस्कोपिक ओडोन्टोइडेक्टोमी एवं त्वचीय मेरुदण्ड निर्धारण हेतु व्यावहारिक कैडवर कार्यशाला और 30.10.2014 को वार्षिक न्यूरोट्रॉमा सम्मेलन के दौरान क्रेनियो वर्टिब्रल वृद्धि संबंधी व्यावहारिक कैडवर कार्यशाला का आयोजन किया गया था। 4/9/2014 से 31/10/2014 के बीच प्रारंभिक सी टी आर एफ पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया था।

- रामालिंगास्वामी बोर्ड रुम, एम्स, नई दिल्ली में 28 मार्च 2015 को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार और रॉयल सोसाइटी, यू के के सहयोग से न्यूरोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली ने ''दक्षिण एशियाई लोगों में सेरब्रोवैस्कुलर रोग के जीनों की पहाचन की ओर' और ''दक्षिण एशियाई लोगों में कार्डियोवैस्कुलर रोग के जीनों की पहचान'' संबंधी संगोष्ठियों का आयोजन किया गया था। इस संगोष्ठी का उद्देश्य युवा एशियाई लोगों में सेरेब्रो वैस्कुलर रोग संबंधी तंत्र को बेहतर ढंग से समझना था जिससे नवीन और शायद व्यक्ति विशिष्ट औषधि लक्ष्य स्वतः प्राप्त हो जाएंगे। भारत और यूके के ख्याति प्राप्त चिकित्सा संस्थाओं के विशेषज्ञों ने इस संगोष्ठी में भाग लिया था। साक्ष्य आधारित चिकित्सा और थेरेपी एवं एस पी एस एस संबंधी कार्यशाला का आयोजन कुवैत सिटी, कुवैत में 18 – 19 अक्तूबर 2014 तक किया गया था। प्रो. गरिमा शुक्ला ने अतिथि संकाय : प्रो. सुधांशु चक्रवर्ती (न्यूरोलॉजी के सह निवेशक (नैदानिक न्यूरो फिजियोलॉजी) एंड स्लीप मेडिसन, न्यू जर्सी न्यूरोसाइंस इंस्टीट्यूट, जे एफ के मेडिकल सेंटर, न्यू जर्सी, यू एस ए, संस्थापक अध्यक्ष, वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ स्लीप मेडिसिन मुख्य संपादक, स्लीप मेडिसन) के साथ 06.02.2015 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में 'नींद के दौरान असामान्य व्यवहार की संपूर्ण श्रृंखला' शीर्षक से 2 घंटे की वीडियो कार्यशाला का आयोजन किया था। डॉ. रोहित भाटिया ने वर्ल्ड स्ट्रोक डे, 29 अक्तूबर 2014 को जवाहर लाल नेहरु सभागार, एम्स में जन जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया। न्यूरोलॉजी और क्लिनिकल न्यूरो साइक्लोजी विभागों द्वारा पिछले एक वर्ष में प्रत्येक बुधवार सुबह अलग विशिष्ट क्लिनिक : कॉग्निटिव डिसऑर्डर्स एंड मेमोरी क्लिनिक (सी डी एम क्लिनिक) शुरू किया गया था।
- न्यूरो एनेस्थेसिया विभाग ने 30.08.2014 से 31.08.2014 तक एम्स एनेस्थेसिया अपडेट का सफलतापूर्वक आयोजन किया।
- न्यूरोलॉजी विभाग ने ओबेराय, गुड़गांव में 9 – 12 अक्तूबर 2014 के बीच ''इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोरेडियोलॉजी के 17वें वार्षिक सम्मेलन'' का आयोजन किया। डॉ. जितेंद्र सिंह, माननीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री, पी एम ओ ने वैज्ञानिक बैठक का उद्घाटन किया। प्रो. एम सी मिश्रा, निदेशक, एम्स सम्मानित अतिथि थे।
- प्रो. चित्रा सरकार, अध्यक्ष, न्यूरोपैथोलॉजी को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा सेंट्रल नर्वस सिस्टम के ट्यूमरों के आगामी विश्व स्वास्थ्य संगठन के वर्गीकरण में ''प्रिमिटिव न्यूरो एक्टो डर्मल ट्यूमर ऑफ सेंट्रल नर्वस सिस्टम'' और ''एम्ब्रियोनल ट्यूमर विद मल्टी लेयर्ड रोसेटर्स'' शीर्षक से अध्यायों के सह लेखक के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- जनवरी 2015 में राष्ट्रपति ओबामा के भारत दौरे के पश्चात् इंडो यूएस अनुसंधान सहयोग और दोनों सरकारों द्वारा शैक्षिक सहयोग, व चिकित्सा शिक्षा, नैदानिक अनुसंधान और प्रशिक्षण संबंधी हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के मुख्य विषय के रूप में न्यूरो साइंसेज सेंटर द्वारा 'स्ट्रोक में स्टेम सेल हस्तक्षेप स्ट्रोक सहित का प्रस्ताव किया गया है। इस सहयोग हेतु यू एस के कुछ अत्यधिक ख्याति प्राप्त चिकितसा संस्थानों और सहयोगी वैज्ञानिकों की पहचान की गई है। इस समय भारत सरकार द्वारा इस पर सक्रियता से विचार किया जा रहा है और शीघ्र ही इसे स्वीकृति दिए जाने की आशा है ताकि इस अंतरराष्ट्रीय रोग के विभिन्न पक्षों में सुधार करने और प्रभावी सुधारात्मक उपायों को क्रियान्वित करने की रूपरेखा बनाने में सहायता करने के लिए दोनों देशों के प्रतिष्ठित संस्थानों को एक साथ लाया जा सके जिससे आगामी वर्षों में आर्थिक और सामाजिक प्रभाव को कम किया जा सकेगा।
- बारह अनुसंधान परियोजनाएं (1 वित्त पोषित, 11 विभागीय) पूरी हो गई थीं जबकि विभिन्न विभागों में 28 अनुसंधान परियोजनाएं (6 वित्त पोषित, 14 विभागीय और 08 सहयोगात्मक) जारी है।
- कर्मचारियों की कमी को एक निश्चित सीमांतक पूरा करने के लिए इस वर्ष नर्सिंग संवर्ग में रिक्त पदों को भरा गया था और मंत्रालयी संवर्ग में कुछ अन्य रिक्त पदों को आउट सोर्स से भरा गया था। इस वर्ष एनएससी का अग्रभाग पूरा किया गया था और चूंकि सीएन सेंटर में आने वाले रोगियों की काफी अधिक संख्या को ओपीडी हाल में नहीं रखा जा सकता इसलिए ओपीडी परामर्श हेतु प्रतीक्षारत रोगियों के लिए गर्मी और वर्षा ऋतु में आश्रय उपलब्ध कराने हेतु सीएन सेंटर ओपीडी के बाहर खुले क्षेत्र में एक विशाल छतरी लगाई गई थी। केंद्र के सभी क्षेत्रों को शामिल करने के लिए नई बिछाई गई वॉटर पाइप लाइनों में अग्नि शमन की विशेष व्यवस्थाएं की गई थी।

तंत्रिका शल्य चिकित्सा

विशिष्टताएं

वर्ष 2014–15 में, तंत्रिका शल्य चिकित्सा में शिक्षण और सीखने के हाल की उन्नति पर ध्यान केद्रित किया गया था। एंडोस्कोपी, कार्यात्मक तंत्रिका शल्य चिकित्सा और उन्नत स्पाइनल सर्जरी पर कार्यशालाएं और क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा आयोजित किए गए। प्रो. बी. एस. शर्मा को न्यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, सेरेब्रोवेस्कुलर सोसाइटी ऑफ इंडिया और इंडियन सोसाइटी ऑफ पेरीफेरल नर्व सर्जरी का अध्यक्ष चुना

गया था। इन्होंने केजीएमसी लखनऊ में प्रभावोत्पादक दवे न्यूटन व्याख्यान और एसएमएस जयपुर में शेख अब्दुल्ला व्याख्यान दिया। न्यूरोसर्जरी अनुरूपण के क्षेत्र में प्रो. आशीष सूरी के कार्य को काफी लोकप्रियता मिली, और उन्हें फेलो एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एफ ए एम एस) चुना गया, स्कूल ऑफ आईटी भारतीय प्रौद्योगिकी की संस्थान, दिल्ली (आईआईटी–डी) का सहायक प्रोफेसर चुना गया डीबीटी जैव इंजीनियरिंग कार्यबल में विशेषज्ञ और कांग्रेस ऑफ न्यूरो लॉजिकल सर्जन्स (यूएसए) – न्यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया कान्ज्वाइंट सिमुलेशन वर्कशॉप का संयोजन नियुक्त किया गया। प्रो. पी. सरत चंद्रा नवीनतम प्रो. पी एन टंडन न्यूरोबायोलॉजी ऑफ एपिलेप्सी लैब जो मिर्गी के क्षेत्र में ट्रांसलेशनल अनुसंधान में शामिल हैं, में सहायक थे। मिर्गी के क्षेत्र में उनके कार्य को काफी प्रतिष्ठा मिली क्योंकि उन्हें एशियन एपिलेप्सी सर्जरी कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया था। डॉ. सुमित सिन्हा ने जे पी एन ए टी सी एम्स में कैडवर प्रशिक्षण और अनुसंधान सुविधा की स्थापना की। कैडवर आधारित प्रशिक्षण के लिए सभी विभागों द्वारा इस सुविधा का उपयोग किया जाएगा और यह सुविधा नवीनतम अवसंरचना से सुसज्जित है। डॉ. दीपक कुमार गुप्ता को ट्रॉमा संबंधी दिमागी चोट के बारे में न्यूरोट्रॉमा अनुसंधान में अंतरराष्ट्रीय पहलों संबंधी विचार विमर्श करने और भारत में न्यूरोट्रॉमा रजिस्ट्री शुरू करने के लिए भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, यू एस ए द्वारा आमंत्रित किया गया था। डॉ. दीपक अग्रवाल ने एम्स के कंप्यूटरीकरण में अत्यधिक योगदान दिया है। एम्स के कंप्यूटरीकरण के लिए उन्होंने ई – इंडिया द्वारा हेल्थ केयर – 2014 में सर्वोत्तम आईटी परियोजना प्राप्त की। कंप्यूटरीकरण हेतु उन्होंने गोल्डन पीकॉक नव प्रवर्तन उत्पाद / सेवा अवार्ड भी प्राप्त किया।

शिक्षा

स्नातक : पांचवें सेमेस्टर के लिए दो व्याख्यान और चौथे सेमेस्टर के लिए हिस्टोपैथोलॉजी और क्लिनिकल विज्ञान में प्रकरण प्रस्तुतीकरण।

नर्सिंग : हमारे संकाय सदस्यों ने छात्रों को पढ़ाने के लिए कॉलेज ऑफ नर्सिंग में 20 से अधिक व्याख्यान दिए। इसके अलावा, इन छात्रों के वार्ड और नैदानिक शिक्षण में एम.सीएच. छात्रों और शिक्षकों ने सहायता की।

स्नातकोत्तर : साप्ताहिक आधार पर, सेमिनार, पत्रिका क्लब, मामले प्रस्तुतीकरण और मृत्यु दर प्रस्तुतियां एम.सीएच. छात्रों के लिए आयोजित किए गए।

अभिनव प्रशिक्षण कार्यक्रम : न्यूरो सर्जरी विभाग जटिल तंत्रिकाशल्य कौशल प्रशिक्षण के विकास के लिए केंद्रीय पशु सुविधा में डीएचआर + डीएसटी + डीबीटी न्यूरोसर्जरी कौशल प्रशिक्षण सुविधा में अपने सभी रेजीडेंटों के लिए नियमित रूप से कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। प्रो. आशीष सूरी ने इन सत्रों के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है : दैनिक कौशल प्रशिक्षण सत्र = 1356, तिमाही कार्यशालाएं = 54 प्रतिनिधि, अध्येता = 2, रेजीडेंट = 45, अल्पावधि प्रशिक्षु = 32.

इसके अलावा, डॉ. सुमित सिन्हा ने जेपीएनएटीसी में शव प्रशिक्षण और अनुसंधान सुविधा पर निम्नलिखित शव प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया :

1. शव प्रशिक्षण पर न्यूरो सर्जरी में उद्घाटन पाठ्यक्रम – प्रो. बी. एस. शर्मा की अध्यक्षता में। इसमें 4.09.2014 को 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया था।
2. वर्षिक न्यूरोट्रॉमा सम्मेलन के दौरान 30.10.2014 को न्यूरो सर्जरी कौशलों के लिए शव संबंधी कार्यशाला।
3. रीढ़ की हड्डी और खोपड़ी आधार न्यूरो सर्जरी पर 2 सीटीआरएफ पाठ्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसके अलावा, सीटीआरएफ उद्घाटन की सीटीआरएफ सुविधा 4.09.2014 से 31.10.2014 के बीच आयोजित की गई थी जहां न्यूरो सर्जरी, हड्डी रोग, सर्जरी, आपातकालीन चिकित्सा, संज्ञाहरण, सीटीवीएस और एएनटीसी को ली गया। लगभग 147 प्रतिनिधियों ने इसमें भाग लिया। सबसे पहले सीटीआरएफ पाठ्यक्रम 7.2.2015 से आयोजित किया गया था तथा इसमें में विभागों की समान संख्या 221 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान करने में सक्षम थे।
4. डॉ. दीपक गुप्ता को 30.10.2014 को एएनटीसी 2014 (दूसरा एम्स न्यूरोट्रॉमा सम्मेलन) के दौरान एंडोस्कोपिक ओडोंटोडिक्टोमी और परक्युटेनियस स्पाइस फिक्शन्स और उन्नत क्रेनियोवेर्टेब्रल जंक्शन के लिए शव संबंधी कार्यशाला को सौंपा गया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / सम्मेलन

1. फरवरी में वार्षिक एम्स माइक्रोन्यूरोसर्जरी कार्यशाला आयोजित की गई थी।
2. सर्वेश्वरी मेमोरियल व्याख्यान, प्रो. विलियम कोल्डवेल (यूएसए)
3. प्रो. पी. एन. टंडन भाषण, प्रो. केंजी ओहाता (जापान)

4. प्रो. आशीष सूरी द्वारा तिमाही आईसीएमआर न्यूरोसर्जरी कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई।
5. द्वितीय वार्षिक न्यूरोट्रॉमा सम्मेलन 2014, मस्तिष्क घात चोट में आईसीपी निगरानी और सेरेब्रल माइक्रोडायलेसिस पर कार्यशाला।
6. वार्षिक एम्स स्पाइनल सर्जरी कार्यशाला (अक्टूबर), उन्नत स्पाइनल सर्जरी का लाइव प्रदर्शन।
7. 7 मार्च 2015 को दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन की बैठक में दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन के सदस्यों ने भाग लिया।
8. जटिल स्पाइन ट्रॉमा का प्रबंधन – चौथा लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला और संगोष्ठी, जेपीएनएटीसी, एम्स, 10–12 मई 2014.
9. डॉ. विनसेंट ट्रायनेलिस, एमडी, निदेशक, न्यूरोसर्जरी स्पाइन सर्विस, उपाध्यक्ष और आचार्य, रश यूनि. मेड सेंटर, शिकागो, यूएसए। कार्यशाला में जटिल सर्जरी प्रक्रियाओं का प्रदर्शन।

प्रदत्त व्याख्यान

बी. एस. शर्मा : 16
आशीष सूरी : 19
दीपक गुप्ता : 23
विवेक टंडन : 3
राजीव शर्मा : 6
शशांक शरद काले : 8
राजेंद्र कुमार : 2
सुमित सिन्हा : 22
सचिन बोरकर : 1
पी. एस. चंद्र : 14
मनमोहन सिंह : 6
जी. डी. सत्यार्थी : 1
पंकज कुमार सिंह : 2

मौखिक पत्र और पोस्टर प्रस्तुति : 18

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. ''मिर्गी के लिए उत्कृष्टता केंद्र'', पी. सरत चंद्र, डीबीटी, 5 वर्ष, 2011–2016, 363 लाख रु.।
2. हिंजे डोर सरवाइकल लैमिनोप्लास्टी से पहले और बाद में सारवाईकल रोटेशन, सचिव बोरकर, एओ स्पाइन इंडिया, 1 वर्ष, 2014–15
3. गंभीर टीबीआई (गंभीर मस्तिष्क चोट में सहयोगी सिर की चोट का अध्ययन) में सीएचआईआरएजी का अध्ययन, दीपक गुप्ता, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, डीबीटी और राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, 4 वर्ष, 2011–15, 27 लाख रु.।
4. उच्च संकल्प स्टीरियोटैक्टिक इमेजिंग और सटीक रेडियो सर्जरी आईईसी / एनपी – 91/2014 के लिए फैंटम, सिमुलेटिंग रोगी के लागत प्रभावी बहुउद्देशीय अनुसंधान की डिजाइन और विकास, एस. एस. काले, एम्स, 2014–16, 4.5 लाख रु.।
5. एंडोस्कोपिक न्यूरो सर्जरी प्रशिक्षण और ऑपरेशन पूर्व न्यूरो सर्जरी योजना बनाने के लिए आभासी वास्तविक सिमुलेशन मंच आधारित 3डी / स्टीरियोस्कोपी का विकास, आशीष सूरी, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, एम्स + सीएसई – आईआईटी – डी, 3 वर्ष, 2014–2017, 211 लाख रु.।
6. न्यूरोसर्जरी के लिए कम कीमत वाले प्रभारी एन्डोस्कोपिक औजारों का विकास। आशीष सूरी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग – माप यंत्रण विकास कार्यक्रम (डीएसटी – आईडीपी), भारत। अ. भा. आ. सं. + सी बी एम ई – आई आई टी – डी, 4 वर्ष, 2012–16, 86 लाख रु.।
7. एक्यूट स्पाइनल कोर्ड चोट अध्ययन में ट्रॉमेटिक हाई सारवाइकल स्पलाइन कोर्ड चोट के लिए प्रारंभिक बनाम देरी डिकॉम्प्रेशन : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, दीपक अग्रवाल, डीएसटी, 2 वर्ष, 2014, 2900000 रु.।
8. हैंडस ऑन–स्किल्स प्रशिक्षण तथा इंटरेक्टिव वर्चुअल प्रशिक्षण द्वारा न्यूरो सर्जरी कुशलता के विकास का मूल्यांकन। (टेली–एजुकेशन और वास्तविक समय मूल्यांकन आधारित वेब)। आशीष सूरी, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आई सी एम आर), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, अ. भा. आ. सं. + सी एस ई – आईआईटी – डी। 4 वर्ष, 2012–2016, 144 लाख रुपए।
9. ब्लास्ट और ब्लंट ट्रॉमेटिक मस्तिष्क चोट में चोट तंत्र – दैनिक नैदानिक डेटा और संख्यात्मक विश्लेषण के आधार पर एक तुलनात्मक अध्ययन, एस एस काले, नवल रिसर्च ग्लोबल का कार्यालय, 1 वर्ष, 2014–2015, 30,00,000 रुपए।
10. आपात चिकित्सा तथा गहन चिकित्सा सेटिंग में स्वास्थ्य चिकित्सा कार्यकर्ताओं के संज्ञान की मॉनीटरिंग एवं चिकित्सा–विसंगति के साथ उसका संबंध, दीपक अग्रवाल, डीएसटी, 4 वर्ष, 2011, 59,86,400 रु.।

11. अभिलेखागार, स्ट्रीमिंग और टेलीकॉन्फ्रेसिंग के लिए 3डी एंडोस्कोपिक और 3डी माइक्रोस्कोपिक सुविधा और केंद्रीय भंडार सर्वर के साथ न्यूरो सर्जरी कौशल प्रशिक्षण सुविधा, आशीष सूरी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग : विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार। एम्स + सीएसई – आईआईटी – डी, 5 वर्ष, 2012–2017, 650 लाख रु.।
12. शव संबंधी प्रशिक्षण और अनुसंधान सुविधा की स्थापना के लिए प्रस्ताव, सुमित सिन्हा, आईसीएमआर, 5 वर्ष, सितंबर 2014 – सितंबर 2018.
13. गंभीर घातक मस्तिष्क चोट में परिणाम की भविष्यवाणी के लिए आइस्केमिया बायोमार्करों और हाइपरग्लायसेमिया की भूमिका। अ. भा. आ. सं. आंतरिक अनुदान, 2 वर्ष, 2013–2015, 5 लाख रु.।
14. रोज ट्रेल, एस एस काले, आईप्रोसेस प्रा. लि., 2011–2014 को 2017 तक बढ़ाया गया, 25,00,000 रु.।
15. रीढ़ की हड्डी इंस्ट्रूमेंटेशन के अनुपालन में संलयन के लिए बायोमार्करों के रूप में यूरिन मैट्रिक्स मेटालोप्रोटेनाइनेस (एमएमपी), दीपक अग्रवाल, एओएसपीआईएनई, भारतीय अनुसंधान अनुदान, 1, 2014, 6000 सीएचएफ।

पूर्ण

1. एक्यूट सिवियर ट्रॅामेटिक मस्तिष्क क्षति वाले रोगियों में हाइपोथर्मिया के साथ या उसके बिना प्रोजेस्ट्रोन का एक यादृच्छिक प्लासेबो नियंत्रित परीक्षण (फैक्टोरियल डिजाइन), सुमित सिन्हा, डीबीटी, 3 वर्ष, अक्टूबर 2011– अक्टूबर 2014.
2. सरवाइकल स्पोंडायलोटिक मायलोपैथी उपचार के लिए सर्जिकल तकनीकों का एक मूल्यांकन – अंतरराष्ट्रीय बहुकेंद्रीय अध्ययन, एस एस काले, एओ स्पाइन, 4 वर्ष, 2008–2014, 2000000 रु.।
3. वेस्टीबुलर स्कैवनोमा में चेहरे की तंत्रिका की स्थिति की पुर्वानुमान के लिए डीटीआई, सचिन बोरकर, एम्स आंतरिक अनुसंधान अनुदान, 1, 2013–2014, 2,52,000 रु.।
4. घातक मस्तिष्क चोट में रिफ्रेक्टरी इंट्राक्रानियल हाइपरटेशन के नियंत्रण के लिए यूरोथर्म 3235 टिट्रटेड थेराप्यूटिक हाइपोथर्मिया, दीपक गुप्ता, यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग एंड एनएचएस लोथियन (यूके), 3, 2012–2015, 45 लाख रु.।
5. न्यूरो सर्जरी कौशल प्रशिक्षण के लिए स्टीरियोस्कोपिक (3 आयामी – 3डी) आभासी प्रशिक्षण मॉड्यूल के तंत्रिका कौशल प्रशिक्षण सुविधा और विकास प्रायोजित डीएसटी + डीबीटी का विस्तार। आशीष सूरी, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर), इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, एम्स + सीएसई – आईआईटी – डी, 2 वर्ष, 2012–2014, 148 लाख रु.।
6. आईओएमआरआई बनाम फ्लुरोस्कोपी का उपयोग कर पिट्यूटरी सर्जरी के मूल्यांकन के लिए रैडोमाइज्ड टू अर्म समानांतर समूह नैदानिक परीक्षण, विवेक टंडन, एम्स आंतरिक निधि, 1 वर्ष, 2013–2014, 2.5 लाख रु।
7. न्यूरोनल रिजनरेशन और फंक्शनल रेस्टोरशन में मानव अम्बेलिकल कोर्ड रक्त स्टेम कोशिकओं तथा न्यूरल स्टेम कोशिकाओं की भूमिका : गंभीर स्पाइनल कोर्ड क्षतियों वाले वयस्क पुरुष चूहों में एक तुलनात्मक अध्ययन, सुमित सिन्हा, डीबीटी, 3 वर्ष, जून 2011– दिसंबर 2014
8. थ्रोम्बोइलास्टोमिट्री (टीईजी) : स्थापित बायोमार्करों की तुलना में तंत्रिका शल्य चिकित्सा सघन उपचार एम्स (एनआईसीयू) में संक्रमण के निदान में उपयोगिता एवं लागत प्रभावकता, एम्स, 2 वर्ष, 2012, 1000000 रु.।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. मानव प्राथमिक ग्लियोब्लास्टोमा में पीटीईएन नियामक जीनों के नैदानिक महत्व पर एक अध्ययन (डीबीटी वित्त पोषित परियोजना)
2. एंटेरियर ट्रांसस्पेट्रोजल दशष्टिकोण
3. घातक मस्तिष्क चोट रोगियों में सेरेब्रल माइक्रोडायलसिस।
4. सीवीजे विसंगतियों में सीटी एंजियोग्राफी : एक भावी अध्ययन।
5. डोसीमेट्रिक मूल्यांकन और फ्रेक्शनेटेड स्टीरियोटैक्टिक रेडियो – सर्जरी का अनुकूलन।
6. सुदूर पार्श्व दृष्टिकोण

7. वैकल्पिक न्यूरो सर्जरी रोगियों में ऑपरेशन पूर्व सीटी स्कैन की व्यवहार्यता
8. इंट्राक्रेनियल लेशन्स में गामा नाइफ फ्रेक्शनेशन
9. इंट्रामेडुलरी ट्यूमर
10. वयस्क और बाल चिकित्सा मेनिंजियोमास में क्लिनिकोपैथोलॉजिकल सुविधाओं और आणविक आनुवंशिक परिवर्तन का अध्ययन (आंतरिक परियोजना)
11. कुशिंग रोग का सर्जिकल प्रबंधन
12. पोस्टट्रॉमेटिक हाइड्रोसेफेलोयस में ईटीवी की उपयोगिता।
13. ग्लियोमा सर्जरी में आईओएमआरआई की उपयोगिता।

पूर्ण

1. क्लिनॉइडल मेनिनजियोमास
2. एवीएम में रेडियोसर्जरी के अनुपालन में पश्चात गामा नाइफ रेडिएशन एडेमा
3. डीसी करवा रहे गंभीर टीबीआई वाले रोगियों में शामिल पूर्वव्यापी सह भावी गैर यादृच्छिक विश्लेषणात्मक अध्ययन
4. जाइंट पिट्यूटरी एडेनोमास के सर्जिकल प्रबंधन

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. नए लेपित प्लेटलेट मार्कर का उपयोग कर संज्ञानात्मक घाटे प्रेरित हल्के घाव मस्तिष्क चोट की जल्दी पहचान, डीबीटी
2. अंग दुष्क्रिया एवं सेप्सिस के शीघ्र निदान हेतु मोनोसाइट्स के पोस्ट ट्रॉमा – साइटोफाइन प्रोड्यूसिंग पोटेशियल का आकलन, डीबीटी।
3. ऑस्ट्रेलिया भारत सहयोग प्रणाली परियोजना, एआईटीएससी, ऑस्ट्रेलिया – भारत डीबीटी, 5, 2014
4. ऑस्ट्रेलिया भारत ट्रामा प्रणालियां सहयोग परियोजना (एआईटीएससी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय से संबंधित ऑस्ट्रेलिया भारत सामरिक अनुसंधान निधि।
5. भारत में तृतीयक देखभाल अस्पताल में अस्पताल अधिग्रहित संक्रमणों के लिए ऑटोमेटेड इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली का विकास एवं क्रियान्वयन। आई सी एम आर द्वारा निधिकृत।
6. भारत में एक टर्शरी केयर हॉस्पिटल में अस्पताल अर्जित संक्रमणें हेतु एक स्वचालित इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली का विकास एवं कार्यान्वयन। आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2014.
7. एंडोस्कोपिक न्यूरो सर्जरी प्रशिक्षण और ऑपरेशन पूर्व न्यूरो सर्जरी योजना बनाने के लिए आभासी वास्तविक सिमुलेशन मंच आधारित 3डी / स्टीरियोस्कोपी का विकास, एम्स : न्यूरो सर्जरी, शरीर रचना विज्ञान, फोरेंसिक मेडिसिन, आईआईटी–डी : सीएसई
8. न्यूरोसर्जरी के लिए कम कीमत वाले प्रभारी एन्डोस्कोपिक औजारों का विकास, आईआईटी – डी : सी बी एम ई।
9. हैंडस ऑन–स्किल्स प्रशिक्षण तथा इंट्रेक्टिव वर्चुअल प्रशिक्षण मॉड्यूल द्वारा न्यूरो सर्जरी कुशलता के विकास का मूल्यांकन (टेली – एजुकेशन और वास्तविक समय मूल्यांकन आधारित वेब), एम्स : न्यूरो सर्जरी, शरीर रचना विज्ञान, फॉरेंसिक मेडिसिन, आई आई टी – डी : सी एस ई।
10. अभिलेखागार, स्ट्रीमिंग और टेलीकॉन्फ्रेसिंग के लिए 3डी एंडोस्कोपिक और 3डी माइक्रोस्कोपिक सुविधा और केंद्रीय भंडार सर्वर के साथ न्यूरो सर्जरी कौशल प्रशिक्षण सुविधा, एम्स : न्यूरो सर्जरी, शरीर रचना विज्ञान फोरेंसिक मेडिसिन, आईआईटी – डी : सीएसई

पूर्ण

1. न्यूरो सर्जरी कौशल प्रशिक्षण के लिए स्टीरियोस्कोपिक (3 आयामी – 3डी) आभासी प्रशिक्षण मॉड्यूल के तंत्रिका कौशल प्रशिक्षण सुविधा और विकास प्रायोजित डीएसटी + डीबीटी का विस्तार। एम्स : न्यूरो सर्जरी, शरीर रचना विज्ञान फोरेंसिक मेडिसिन, आईआईटी – डी : सीएसई

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. मानव प्राथमिक ग्लियोब्लास्टोमा में पीटीईएन नियामक जीनों के नैदानिक महत्व पर एक अध्ययन (डीबीटी वित्त पोषित परियोजना)
2. एंटेरियर ट्रांसस्पेट्रोजल दृष्टिकोण
3. घातक मस्तिष्क चोट रोगियों में सेरेब्रल माइक्रोडायलसिस।
4. सीवीजे विसंगतियों में सीटी एंजियोग्राफी : एक भावी अध्ययन।
5. डोसीमेट्रिक मूल्यांकन और फ्रेक्शनेटेड स्टीरियोटैक्टिक रेडियो – सर्जरी का अनुकूलन।
6. सुदूर पार्श्व दृष्टिकोण
7. वैकल्पिक न्यूरो सर्जरी रोगियों में ऑपरेशन पूर्व सीटी स्कैन की व्यवहार्यता
8. इंट्राक्रेनियल लेशन्स में गामा नाइफ फ्रेक्शनेशन
9. इंट्रामेडुलरी ट्यूमर
10. वयस्क और बाल चिकित्सा मेनिंजियोमास में क्लिनिकोपैथोलॉजिकल सुविधाओं और आणविक आनुवंशिक परिवर्तन का अध्ययन (आंतरिक परियोजना)
11. कुशिंग रोग का सर्जिकल प्रबंधन
12. पोस्टट्रॉमेटिक हाइड्रोसेफेलोयस में ईटीवी की उपयोगिता।
13. ग्लियोमा सर्जरी में आईओएमआरआई की उपयोगिता।

पूर्ण

1. क्लिनॉइडल मेनिनजियोमास
2. एवीएम में रेडियोसर्जरी के अनुपालन में पश्चात गामा नाइफ रेडिएशन एडेमा
3. डीसी करवा रहे गंभीर टीबीआई वाले रोगियों में शामिल पूर्वव्यापी सह भावी गैर यादृच्छिक विश्लेषणात्मक अध्ययन
4. जाइंट पिट्यूटरी एडेनोमास के सर्जिकल प्रबंधन

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. नए लेपित प्लेटलेट मार्कर का उपयोग कर संज्ञानात्मक घाटे प्रेरित हल्के घाव मस्तिष्क चोट की जल्दी पहचान, डीबीटी
2. अंग दुष्क्रिया एवं सेप्सिस के शीघ्र निदान हेतु मोनोसाइट्स के पोस्ट ट्रॉमा – साइटोफाइन प्रोड्यूसिंग पोटेशियल का आकलन, डीबीटी।
3. ऑस्ट्रेलिया भारत सहयोग प्रणाली परियोजना, एआईटीएससी, ऑस्ट्रेलिया – भारत डीबीटी, 5, 2014
4. ऑस्ट्रेलिया भारत ट्रामा प्रणालियां सहयोग परियोजना (एआईटीएससी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय से संबंधित ऑस्ट्रेलिया भारत सामरिक अनुसंधान निधि।
5. भारत में तृतीयक देखभाल अस्पताल में अस्पताल अधिग्रहित संक्रमणों के लिए ऑटोमेटेड इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली का विकास एवं क्रियान्वयन। आई सी एम आर द्वारा निधिकृत।
6. भारत में एक टर्शरी केयर हॉस्पिटल में अस्पताल अर्जित संक्रमणें हेतु एक स्वचालित इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली का विकास एवं कार्यान्वयन। आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2014.
7. एंडोस्कोपिक न्यूरो सर्जरी प्रशिक्षण और ऑपरेशन पूर्व न्यूरो सर्जरी योजना बनाने के लिए आभासी वास्तविक सिमुलेशन मंच आधारित 3डी / स्टीरियोस्कोपी का विकास, एम्स : न्यूरो सर्जरी, शरीर रचना विज्ञान, फोरेंसिक मेडिसिन, आईआईटी–डी : सीएसई
8. न्यूरोसर्जरी के लिए कम कीमत वाले प्रभारी एन्डोस्कोपिक औजारों का विकास, आईआईटी – डी : सी बी एम ई।
9. हैंड्स ऑन–स्किल्स प्रशिक्षण तथा इंट्रेक्टिव वर्चुअल प्रशिक्षण मॉड्यूल द्वारा न्यूरो सर्जरी कुशलता के विकास का मूल्यांकन (टेली – एजुकेशन और वास्तविक समय मूल्यांकन आधारित वेब), एम्स : न्यूरो सर्जरी, शरीर रचना विज्ञान, फॉरेंसिक मेडिसिन, आई आई टी – डी : सी एस ई।

10. अभिलेखागार, स्ट्रीमिंग और टेलीकॉन्फ्रेसिंग के लिए 3डी एंडोस्कोपिक और 3डी माइक्रोस्कोपिक सुविधा और केंद्रीय भंडार सर्वर के साथ न्यूरो सर्जरी कौशल प्रशिक्षण सुविधा, एम्स : न्यूरो सर्जरी, शरीर रचना विज्ञान फोरेंसिक मेडिसिन, आईआईटी – डी : सीएसई

पूर्ण

1. न्यूरो सर्जरी कौशल प्रशिक्षण के लिए स्टीरियोस्कोपिक (3 आयामी – 3डी) आभासी प्रशिक्षण मॉड्यूल के तंत्रिका कौशल प्रशिक्षण सुविधा और विकास प्रायोजित डीएसटी + डीबीटी का विस्तार। एम्स : न्यूरो सर्जरी, शरीर रचना विज्ञान फोरेंसिक मेडिसिन, आईआईटी – डी : सीएसई

रोगी की देखरेख

न्यूरोसर्जरी विभाग में जनरल न्यूरोसर्जिकल वार्ड जिनमें प्रत्येक यूनिट (35 ग 2 विस्तर) के साथ दो यूनिटें हैं 23 बिस्तरों वाले दो आईसीयू हैं। ट्रामा सेंटर में अब 7 इलेक्टिव ऑपरेशन थियेटर ओर एक इक्सक्यूसिव ऑपरेशन थियेटर है। हम सभी न्यूरोसर्जिकल सबस्पेशलिटीज़; वैस्कुलर सर्जरी, एपिलेप्सि सर्जरी, मिनिमली इनवेसिव क्रैनियल एण्ड स्पाइनल न्यूरोसर्जरी, पेडियाट्रिक न्यूरोसर्जरी, फंकशनल न्यूरोसर्जरी, न्यूरो–ऑनकोसर्जरी, स्कल बेस और कम्पलेक्स स्पाइनल सर्जरीज के लिए विश्व स्तरीय न्यूरोसर्जिकल सुविधाएं प्रदान करते हैं। वर्ष 2014–15 के दौरान हमने निम्नलिखित रोगियों का इलाज किया।

क्र. सं.	उपचार सुविधा	संख्या
1.	बाह्य रोगी विभाग	
	क) कुल नए मामले	13952
	ख) कुल पुराने मामले	31215
	ग) बाल चिकित्सा नए मामले	1968
	घ) बाल चिकित्सा पुराने मामले	6575
	ङ) कुल मामले	45167
2.	गामा नाइफ (ओपीडी)	1584
3.	गामा नाइफ प्रक्रियाएं	447
4.	क) इंट्राऑपरेटिव एमआरआई (सीएनसी) में चिकित्सा	242
	ख) वैकल्पिक शल्य चिकित्सा (सीएनसी) की संख्या	3548
5.	शल्य चिकित्सा (जेपीएनएटीसी) की संख्या	1440
6.	शल्य चिकित्सा की कुल संख्या	4911
7.	जेपीएनएटीसी में भर्ती रोगियों की संख्या	1777
8.	जेपीएनएटीसी में ओपीडी में देखे गए रोगियों की संख्या	6552

डॉ आशीष सूरी : निर्धन रोगियों के लिए जून और दिसंबर 2014 में पंजाब में न्यूरो हेल्थ कैम्प।

डॉ मनमोहन सिंह : विभाग में गहरा मस्तिष्क प्रोत्साहन कार्यक्रम चल रहा है और गामा नाइफ सेंटर में गामा नाइफ क्लिनिक चल रहा है।

डॉ सुमित सिन्हा : 24–31 अगस्त 2014 से लद्दाख में गंभीर और जीर्ण रोगियों के भाग लेने के लिए डॉक्टर पैनल का एक भाग।

डॉ विवेक टंडन : न्यूरोसर्जरी पैकेज और स्टोर को देखा। स्पेशलिटी क्लीनिक द्वारा ट्रॉमा सेंटर में ब्रेकियल पलेक्सस क्लीनिक और मिर्गी के लिए उत्कृष्टता केंद्र भी शामिल हैं और अधिगम आरंभ किया तथा प्रो. पी. एस. चंद्रा के साथ मिर्गी सर्जरी की।

डॉ राजीव शर्मा : एम्स वार्षिक न्यूरोट्रॉमा सम्मेलन 2014 के दौरान आयोजित सिर की चोट जागरूकता सप्ताह (27 अक्टूबर – 2 नवंबर 2014) के दौरान न्यूरो सर्जरी विभाग द्वारा आयोजित ''सिर की चोट की रोकथाम पहल'' सार्वजनिक अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रो. बी एस शर्मा निर्वाचित अध्यक्ष – न्यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया; निर्वाचित अध्यक्ष – सेरेब्रोवेस्कुलर सोसायटी ऑफ इंडिया; निर्वाचित अध्यक्ष – इंडियन सोसायटी ऑफ पेरिफेरल नर्व सर्जरी थे; 22–29 मार्च, 2015 से ऑस्ट्रेलियन स्कूल ऑफ एडवांस्ड मेडिसिन, मैकक्वारिया यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया में अतिथि प्रोफेसर।

प्रो. एस. एस. काले, को 22–23 जुलाई 2014 को एम. सीएच अभ्यास परीक्षा में बाह्य परीक्षक ; डॉ. एनटीआरएचयूएस हेल्थ यूनिवर्सिटी आ. प्र., हैदराबाद; चयन समिति, साक्षात्कार के लिए विशेषज्ञ, 16 जनवरी 2015, पडि. बी डी शर्मा यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, रोहतक हरियाणा नियुक्ति किया गया; क्रय समिति बैठक, लाइन इंट्रा ऑपरेटिव एमआरसूट्स के शीर्ष के नवीनतम राज्य स्थापना के लिए क्रय समिति के लिए बाह्य विशेष, निम्हांस, बैंगलोर; तकनीकी बैठक (इंट्रा–ऑपरेटिव एमआरआई संकाय), 4 मार्च 2015, निम्हास, बैंगलोर।

प्रोफेसर पी. एस. चन्द्र को न्यूरोलॉजिक सोसायटी ऑफ इंडिया के कोषाध्यक्ष निर्वाचित किया गया था; एशियन एपिलेसी सर्जरी कांग्रेस के चुने गए अध्यक्ष; सब–कमिशन, पीडियट्रिक एपिलेप्सी सर्जरी, इंटरनेशनल लैग्स अगेंस्ट एपिलेप्सी (आईएलएई) के चुने गए सदस्य; निदेशक, एम्स द्वारा 12 फरवरी 2015 को कार्यात्मक और आधिकारिक तौर पर प्रो. पी एन टंडन न्यूरोबायोलॉजी ऑफ एपिलेप्सी लैब का उद्घाटन किया; प्रो. एम सी मिश्रा मिर्गी के लिए उत्कृष्टता केंद्र के तत्वाधान के अंतर्गत प्रो. पी एन टंडन की उपस्थित में; मिर्गी के लिए उत्कृष्टता केंद्र के तत्वाधान के तहत 9–10 अप्रैल 2015 को ''एडवांस्ड एपिलेप्सी सर्जरी, एपिलेप्सी न्यूरोबायोलॉजी एंड फंक्शनल वर्कशाप'' आयोजित किया।

प्रोफेसर आशीष सूरी एफ. ए. एम. एस. – फैलो एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज चुने गए थे; स्कूल ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी – दिल्ली के सहायक प्रोफेसर चुने गए; एनएसआई – न्यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के कार्यकारी सदस्य चुने गए; सीएनएस – एनएसआई (कांग्रेस ऑफ न्यूरोलॉजिकल सर्जन – न्यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया) सिमुलेशन कार्यशाला के समन्वयक चुने गए; डीबीटी बायो – इंजीनियरिंग टास्क फोर्स के विशेषज्ञ चुने गए; आईसीएमआर न्यूरोसाइंसेज ट्रांसलेशनल रिसर्च टास्क फोर्स के विशेषज्ञ चुने गए; अतिथि प्रोफेसर : ब्रेन एंड कॉगनेटिव साइंसेज, मैसचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी (एमआईटी), कैम्ब्रिज, यूएसए; अतिथि प्रोफेसर : न्यूरोसर्जरी विभाग, इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइंसेज एंड पेन स्टेट सेंटर फॉर न्यूरो इंजीनियरिंग साइंस एंड मेडिसिन, पेनसलवेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी, मिलटन एस हर्शेय पीए, यूएसए।

डॉ. दीपक अग्रवाल को 3 वर्ष की अवधि के लिए 2013 तक 'टाटा इनोवेशन फेलोशिप' से सम्मानित किया गया, 22.5 लाख रुपए; सह लेखन अध्ययन के लिए 1 नवंबर 2014 को एम्स, नई दिल्ली में एएनटीसी में ''रेगुलेटेउ अपोन एक्टिवेशन, नॉर्मल टी सेल एक्सप्रेस्ड एंड सिक्रेटेड लेवल्स इन प्लाज्मा सेरेब्रोस्पाइनल फ्लुइड एंड कंटुज्ड ब्रेन टिशू एज ए मार्कर ऑफ इम्युन एक्टिवेशन इन ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी (टीबीआई) पेंशेंट' शीर्षक पर प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया; 15 नवंबर 2014 को द लीला कोवलम, त्रिवेंद्रम में ई–इंडिया द्वारा हेल्थकेयर – 2014 में सर्वश्रेष्ठ आईटी परियोजना से सम्मानित किया गया; 23 मई 2014 को ग्लोडन पीकॉक एवार्ड सेक्रेटरिएट द्वारा एम्स, नई दिल्ली के कंप्यूटरीकरण के लिए ग्लोडन पीकॉम इनोवेटिव प्रोडक्ट / सर्विस एवार्ड –2014 से सम्मानित किया गया; पुणे में 11 जुलाई 2014 को ''इनोवेटिव एंड एक्ट्रीमली कोस्ट – इफेक्टिव यूज ऑफ आईसीटी फॉर हॉस्पीटल'' श्रेणी में महाराष्ट्र हेल्थकेयर लीडरशिप 2014 के लिए विजेता घोषित किया गया।

डॉ. मनमोहन सिंह को अप्रैल 2014 में न्यूरो सर्जरी विभाग, एसजीपीजीआई – लखनऊ में अतिथि प्रोफेसर के रूप में आमंत्रित किया गया था।

डॉ. दीपक गुप्ता को आई एन टी बी आई आर (टीबीआई में न्यूरोट्रॉमा अनुसंधान में अंतरराष्ट्रीय पहलें) की राष्ट्रीय न्यूरोट्रॉमा सम्मेलन पूर्व जांचकर्ता बैठक, 28 – 29 जून 2014 को सैन फ्रांसिस्को, यूएसए में तृतीय अंतरराष्ट्रीय अभिघात दिमागी चोट अनुसंधान (आईएनटीबीआईआर) बैठक में भाग लेने के लिए एनआईएच / एनआईएनडीएस (राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, यूएसए) द्वारा आमंत्रित किया गया था; सीईएनटीआरई – टीबीआई के तत्वावधान में सीआईएनटीईआर, टीबीआई (अभिघात दिमागी चोट में सहयोगात्मक भारतीय न्यूरोट्रॉमा प्रभावकारिता अनुसंधान) और भारत में न्यूरोट्रॉमा रजिस्ट्री शुरू करने के लिए एनआईएच / एनआईएनडीएस और यूरोपीय उच्चायोग द्वारा चुना गया; एंडोस्कोपिक ओडोंटोइडेक्टोमी संबंधी कैडवरिक व्यावहारिक कार्यशाला, एमआईएसएस, क्रेनियोस्पाइनल ट्रॉमा संबंधी न्यूरोक्रिटिकल देखरेख कार्यशालाओं (30 अक्तूबर 2014) का आयोजन किया; द्वितीय एएनटीसी 2014 सम्मेलन, एम्स, दिल्ली (31 अक्तूबर – 2 नवंबर 2014) का आयोजन किया; दिल्ली / एनसीआर में सिर की चोट संबंधी जागरुकता सप्ताह क्रियाकलापों, सिर की चोट को रोकने संबंधी जन जागरुकता व्याख्यानों का आयोजन किया और सिर की चोट रोकथाम सप्ताह (अक्तूबर – नवंबर 2014) में 50,000 से अधिक बच्चों को शामिल करते हुए दिल्ली और एनसीआर

के विभिन्न स्कूलों में सिर की चोट संबंधी शैक्षिक जागरुकता अभियान चलाया; दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन (2015 – 18) का अवैतनिक सचिव चुना गया।

डॉ. सुमित सिन्हा को अप्रैल, 2014 में सैन फ्रांसिस्को में आयोजित न्यूरोलॉजिकल सर्जन्स सोसाइटी की 82वीं वार्षिक बैठक में सर्वोत्तम विचार के रूप में चुने गए विचार के लिए एएएनएस अंतरराष्ट्रीय ट्रैवल स्कॉलरशिप प्रदान की गई; भारत में अभिघात दिमागी चोट के प्रबंधन हेतु दिशानिर्देश तैयार करने वाली कोर कमेटी के सदस्य; न्यूरोट्रॉमा सोसाइटी ऑफ इंडिया की कार्यकारी समिति के सदस्य; अशोका मिशन द्वारा प्रायोजित आवश्यक दवाइयों / औषधि / शल्य चिकित्सा संबंधी वस्तुओं की सूची को अंतिम रूप देने के लिए एम्स समिति के सदस्य; समुचित स्वास्थ्य सेवा के प्रावधान हेतु सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में चिकित्सकों द्वारा प्रयोग में लाए जाने वाले मानक उपचार दिशानिर्देशों के लिए भारत सरकार की सलाहकार समिति, डीजीएचएस के सदस्य; सहायक संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ न्यूरोट्रॉमा; सहायक संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ न्यूरो सर्जरी; वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ न्यूरोलॉजिकल साइंसेज पेरिफेरल नर्व सेक्शन के सदस्य थे।

डॉ. विवेक टंडन को विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र विकिरण के स्वास्थ्य प्रभाव पर बात करने के लिए पूर्ण सत्र में वक्ता के रूप में दूरसंचार विभाग द्वारा आमंत्रित किया गया था; इंडियन सोसायटी ऑफ पेरिफेरल नर्व सर्जरी के कार्यकारी समिति में नामांकित; सहायक संपादक के रूप में कार्यरत, इंडियन जर्नल ऑफ न्यूरोसर्जरी; मिर्गी रोगी में पहले लेजर सर्जरी सहायक, भारत में; इंडियन सोसायटी ऑफ परिफेरल नर्व सर्जरी के आगमी पत्रिका के लिए एक सहायत संपादक के रूप में नामांकित; एम्स वार्षिक न्यूरोट्रॉमा सम्मेलन, नई दिल्ली के दौरान आईसीपी माप के लिए कार्यशाला का आयोजन।

डॉ. सचिन बोरकर को गाएस एंड सैंट थॉमस हॉस्पीटल, एनएचएस फाउंडेशन ट्रस्ट, लंदन यूके में इंटरनेशनल ग्रूप फॉर एडवांसमेंट ऑफ स्पाइनल साइंसेज (आईजीएएसएस) स्पाइन फैलोशिप से सम्मानित किया गया था; नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनएएमएस) की सदस्यता से सम्मानित।

डॉ. राजीव शर्मा को एम्स नई दिल्ली में 21 नवंबर से 23 नवंबर 2014 को आयोजित 15वें न्यूरो सर्जरी कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला में ''माइक्रोसुचरिंग एंड माइक्रान्यूरल एनास्टोमोसिस'' के लिए दूसरा पुरस्कार जीता

अतिथि वैज्ञानिक

1. प्रो. विलियम कोल्डवेल : यूटा विश्वविद्यालय के न्यूरो सर्जरी विभाग के प्रोफेसर और अध्यक्ष,
2. प्रो. वाई. आर. यादव : प्रोफेसर, न्यूरो सर्जरी विभाग, जबलपुर मेडिकल कॉलेज, भारत
3. डॉ. विंसेंट ट्रायनेलिस : निदेशक, न्यूरो सर्जरी स्पाइन सर्विस, उपाध्यक्ष और प्रोफेसर, रश यूनि मेडि सेंटर, शिकागो, यूएसए
4. प्रो. केनजी ओहाटा : अध्यक्ष, न्यूरो सर्जरी विभाग, जापान, न्यूरोसर्जरी, न्यूरोलॉजी और न्यूरोरेडियोलॉजी। ओसाका सिटी यूनिवर्सिटी, जापान।
5. प्रो. चार्ल्स टेयो : प्रिंस ऑफ वेलेस हॉस्पीटल, सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में सेंटर फॉर मिनिमली इनवेसिव न्यूरोसर्जरी के निदेशक

तंत्रिका विज्ञान

विशिष्टताएं

- इरासमय यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड के सहयोग से ''ए पोपुलेशन बेस्ड प्रोस्पेक्टिव कोहॉर्ट स्टडी टु यूनर्वेल द कूसेस ऑफ स्ट्रॉक एंड कागनेटिव डिसलाइन : ए क्रॉस – कल्चरल परस्पेक्टिव'' शीर्षक के इसके कोहॉर्ट अध्ययन अपने प्रकार का पहला कार्यान्वयन।
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग और रॉयल सोसायटी, यूके के सहयोग से तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स नई दिल्ली के रामालिंगास्वामी बोर्ड रूम, एम्स, नई दिल्ली में 28 मार्च, 2015 को ''टुवर्ड्स द एडेंटिफिकेशन ऑफ सेरेब्रोवेस्कुलर डिजीज जीन्स इन साउथ एशियन'' पर संगोष्ठी का आयोजन। संगोष्ठी में भारत और यूके के प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों के विशेषज्ञों ने भाग लिया।
- डब्ल्यूएचओ न्यूरोलॉजी एटलस प्रश्नावली पर कार्य करने के लिए केंद्र बिंदु के रूप में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देश पर कार्य किया।

शिक्षा

निम्नलिखित प्रशिक्षुओं को विभाग में लिया गया : डी. एम. (न्यूरोलॉजी) रेजीडेंट (15); न्यूरोलॉजी (24) में एम. डी. (स्नातकोत्तर); स्नातकोत्तर छात्र; पीएचडी. छात्र (25); अल्पावधि प्रशिक्षण (10); अतिथि अध्येता (4)।

नवाचार : रेजीडेंट और पीएच.डी. छात्रों के लिए जर्नल क्लब के लिए दृष्टिकोण आधारित संरचनात्मक महत्वपूर्ण मूल्यांकन और साक्ष्य। जटिल न्यूरोलॉजिकल रोगियों, ईईजी, वीईईजी और पॉलीसोनोग्राफी रिकॉर्ड को पढ़ने और व्याख्यान करने के दृष्टिकोण सहित डी. एम. छात्रों के लिए शिक्षण विधियों में सुधार। विभाग में डी. एम. में प्रवेश के लिए प्रत्याशियों के विभागीय आकलन में बहु–लघु साक्षात्कार का परिचय।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

डॉ. कामेश्वर प्रसाद

1. डीएसटी, भारत सरकार और रॉयल सोसायटी, यूके में 28 मार्च 2015 को ''एडेंटिफिकेशन ऑफ सेरेब्रोवेस्कुलर डिजीज जीन्स इन साउथ एशियन'' पर भारत – यूके वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन।
2. एम्स, नई दिल्ली में 13 से 14 दिसंबर 2014 से ''एविडेंस – बेस्ड क्लिनिकल प्रैक्टिस 2014'' शीर्षक कार्यशाला का आयोजन।
3. कुवैत शहर, कुवैत में 18–19 अक्टूबर 2014 को चिकित्सा आधारित एक साक्ष्य का आयोजन और थैरेपी और एसपीएसएस पर कार्यशाला।
4. एम्स, नई दिल्ली में 26 से 27 जुलाई 2014 को कार्यशाला शीर्षक ''डिजाइनिंग मेडिकल रिसर्च एंड थीसिस'' का आयोजन एम्स, नई दिल्ली के अन्य विभागों के सहयोग से अनुसंधान क्रियाविधि पर स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम का आयोजन, 20–24 अगस्त 2014, 15–19 सितंबर, 2014; और 15–19 अक्टूबर, 2014.

गरिमा शुक्ला

1. इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में 6.2.2016 को शीर्षक 'स्पेक्ट्रम ऑफ एब्नोर्मल बिहैवियर डुरिंग स्लीप'' पर 2 घंटे की वीडिया कार्यशाला। अतिथि संकाय : प्रो. सुधांशु चक्रवर्ती (सह–निदेशक, न्यूरोलॉजी (क्लिनिकल न्यूरोफिजियोलॉजी एंड स्लीप मेडिसिन) न्यू जर्सी न्यूरोसाइंसेस में, जेएफके मेडिकल सेंटर, एडिसन, न्यू जर्सी, यूएसए, संस्थापक अध्यन वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ स्लीप मेडिसिन, मुख्य संपादक, स्लीप मेडिसिन)।

रोहित भाटिया

1. वर्ल्ड स्ट्रोक डे के समारोह पर एम्स में स्ट्रोक पर सार्वजनिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन, अक्टूबर 2014.

प्रदत्त व्याख्यान

कामेश्वर प्रसाद : 29
एम. बिहारी : 6
एम. वी. पद्म श्रीवास्तव : 16
मंजरी त्रिपाठी : 24
विनय गोयल : 4
अचल श्रीवास्तव : 7
गरिमा शुक्ला : 16
रोहित भाटिया : 10
ममता भूषण सिंह : 2

प्रस्तुत किए गए मौखिक शोध पत्र और पोस्टर : 29

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

1. निरंतर धनात्मक वायु मार्ग दबाव (सी पी ए पी) के साथ कार्डियोवेस्कुलर (सी वी) को घटाने में मानक देखभाल के अलावा गंभीर रुकावटपूर्ण स्लीप एपनिया (ओ एस ए) के इलाज में प्रभावशीलता का निर्धारण करने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय बहु केन्द्र, खुले समानांतर समूह, भविष्यलक्षी, यादृच्छिक, नियंत्रित परीक्षण सेव ट्रायल। मंजरी त्रिपाठी, मोनश एंड जॉर्जी यूनि. ऑस्ट्रेलिया, 5 वर्ष, 2010–2015, 30 लाख रु.।
2. मोनोमेलिक मायोट्रॉफी (एमएमए) के रोगियों में लगातार वायरल संक्रमण की भूमिका का निर्धारण, दीप्ति विभा, आंतरिक एम्स, 2, 2013–2015, 5 लाख रु.।
3. स्ट्रोक और संज्ञानात्मक अस्वीकार के कारणों को जानने के लिए जनसंख्या आधार पर भावी कोहोर्ट अध्ययन : एक पार सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, कामेश्वर प्रसाद, डी. बी. टी., 8 वर्ष, 2014–2022, 31,16,38000 रुपए (इकत्तीस करोड़, सोलह लाख, अठत्तीस हजार रु.)।

4. फेलबेमेट टेबलेट 600 मि.ग्रा. के यादृच्छिक, संतुलित, खुले लेबल, कई खुराक, स्थिर स्थिति, दो मार्ग क्रॉसओवर बायोक्विलेंस अध्यन, मंजरी त्रिपाठी, रैप्टिम रिसर्च, 3 वर्ष, 2013–2016, 15 लाख रु.।
5. मिर्गी के रोगियों के सीरम में संबद्ध एंटीबॉडी का सहयोग। मंजरी त्रिपाठी, डीबीटी, 2 वर्ष, 2012–15, 1 करोड़ रु.।
6. स्ट्रोक और टीआईए वाले रोगियों में स्पर्शोन्मुख और रोगसूचक सीएडी, रोहित भाटिया, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2014–2017, 32 लाख रु.।
7. विभिन्न आइस्केमिक स्ट्रोक के लिए बायोमार्कर और स्ट्रोक इटियोलॉजी के लिए इसका संबंध और परिणाम, रोहित भाटिया, एम्स, 2 वर्ष, 2014–2016, 10 लाख रु.।
8. स्पोंटेनियस इंट्रासेरेब्रल हैमोरेज के बाद अल्पावधि और दीर्घावधि परिणाम के लिए एन्हांस प्रीडिक्टिव पावर के लिए बायोमार्कर, कमेश्वर प्रसाद, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 5 वर्ष, 2013–2018, 119,40000 रुपए।
9. मिर्गी उत्कृष्टता केंद्र – फेज 1, मंजरी त्रिपाठी, डीबीटी, 5, 2013–18 40 करोड़ रु.।
10. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर से पीड़ित बच्चों के बीच सरकैडियन स्लीप रिद्म असामान्यताएं : एक प्रकरण नियंत्रण अध्ययन, गरिमा शुक्ला, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2014–2017, 78 लाख रु.।
11. प्रारंभिक शुरूआती रिसेसिव सेरेबलर अटेक्सिया (ई ओ सी ए) का नैदानिक और आणविक लाक्षणीकरण। अचल कुमार श्रीवास्तव, सी. एस. आई. आर., तीन वर्ष, 2012–2015, 47 लाख रुपए।
12. विकलांगता परिणाम पैमाने और कार्यात्मक इमेजिंग पर माप स्ट्रोक के रोगियों के लिए कंस्ट्रेंड प्रेरित गतिविधि उपचार (सी आई एम टी) और ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (टी एम एस) के साथ सी आई एम टी का तुलनात्मक परीक्षण। डी एस टी, 42,74,890 रुपए। भाग लेने की परीक्षण
13. विकलांगता परिणाम आकलन तथा प्रकार्यात्मक इमेजिंग पर चिरकालिक आघात वाले रोगियों हेतु कंस्ट्रेंड प्रेरित गतिविधि उपचार (सी आई एम टी) तथा इलैक्ट्रिकल सिमुलेशन (ई एस) की तुलना। आई. सी. एम. आर., 18,00,000 रुपए (लगभग)।
14. एक स्थापना का उपयोग कर संपूर्ण एक्जोम अनुक्रमण का उपयोग कर स्ट्रोक के जेनेटिक इटियोलॉजी का गूढ़ रहस्य और बहु केंद्रित भारतीय स्ट्रोक बायोबैंक का पहले से बाह्य संपूर्ण निधिकृत, कमेश्वर प्रसाद, डीबीटी, 5 वर्ष, 2013–18, 19700000 रुपए।
15. संवहनी संज्ञानात्मक हानि के साथ रोगियों के लिए भारतीय संदर्भ में उपयोग के लिए एक व्यापक नैदानिक और तंत्रिका मनोवैज्ञानिक परीक्षण बैटरी का विकास और मान्यता, मंजरी त्रिपाठी, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2012–2015, 25 लाख।
16. मानव स्वास्थ्य पर गैर – आयोनाइजिंग इलैक्ट्रो मैग्नेटिक फील्ड (ई एम एफ) का प्रभाव। आई सी एम आर, 32,67,354 रुपए।
17. आई पी एस सेल मॉडल और अगले उत्पादन अनुक्रमण का उपयोग कर एस सी ए में आणविक रोगजनन की व्याख्या (नैदानिक प्रधान अन्वेषक), अचल कुमार श्रीवास्तव, सी. एस. आई. आर., तीन वर्ष, 4 करोड़ रु.।
18. उभरते प्रौद्योगिकी के निर्धारण हेतु जानकारी तैयार करना – स्लीप अशक्त ब्रीदिंग एवं स्ट्रोक के मरीजों में नई वेस्कूलर घटनाओं को रोकने के लिए प्रभाव, गरिमा शुक्ला। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 3 वर्ष + 1.5 वर्ष, 2009–14, 58 लाख रु.।
19. भारतीय आबादी में स्ट्रोक के आनुवंशिकी जोखिक कारकों की पहचान, कमेश्वर प्रसाद, डीबीटी, 5 वर्ष, 2013–2018, 64,44,000 रुपए।
20. माइक्रोआरएनए सिग्नेचर की पहचान और उनके लक्षित जीन मॉड्यूलेटिंग स्पाइनोसेरेबेलर एटाक्सिया टाइप–2 (एससीए–2) पैथोजीनेसिस, अचल कुमार श्रीवास्तव, डीबीटी, तीन वर्ष, जनवरी 2014– दिसंबर 2016, 72 लाख रु.।
21. मोटर न्यूरोन रोग में सीएसएफ टेस्टोस्टेरोन, अचल कुमार श्रीवास्तव, एम्स, एक, 2014–2015, 4 लाख रु.।
22. भारत–यूएस सहयोगी स्ट्रोक रजिस्ट्री और मूलसरंचना विकास। डी. बी. टी., 16,15,600 रुपए, (एम्स साइट)।
23. 'सेंट्रल पॉलीसोमनोग्राफी निगरानी सुविधा' के लिए मूलसंरचना विकास परियोजना, गरिमा शुक्ला, डीएसटी, 3 वर्ष, 2014–2017, 21 लाख रु.।
24. लद्दाख में मिर्गी और स्ट्रोक के बारे में ज्ञान, दृष्टिकोण और आचरण : समुदाय और पैरामेडिकल स्टाफ के लिए प्रशिक्षण और जानकारी का प्रसार। डी. एस. टी., 27,25,800 रुपए।
25. पहली बार स्ट्रोक आने वाले रोगियों में रुकावट पूर्ण स्लीप एपनिया बनाम रिफ्रैक्टरी हाइपरटेंशन : सामान्य रोगाणु जनन प्रक्रिया की खोज। गरिमा शुक्ला, आई सी एम आर, 3 वर्ष 2013–2016, 42 लाख रु.।

26. गंभीर आघात के बाद प्रकार्यात्मक परिणामों का अनुमान लगाना : एशियाई भारतीयों में नैदानिक विकिरण विज्ञानी पैरामीटरों और वशद्धि कारकों के मॉड्यूल का मूल्यांकन। डी. एस. टी., 37,57,374 रुपए।

27. चिरकालिक इस्चेमिक मिडिल सेरेब्रल आर्टरी (एम सी ए) टेरिटोरी स्ट्रोक के रोगियों में क्लिनिकल आकलन, डिफ्यूजन टेंसर इमेजिंग (डी टी आई) और ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टीमुलेशन (टी एम एस) से प्राप्त पैरामीटरों द्वारा ऊपरी अंग में मोटर सुधार का पूर्वानुमान। अचल कुमार श्रीवास्तव, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2012–2015, 36 लाख।

28. स्पिनोसेरेबलर अटेक्सिया विकारों में न्यूरोडिजनरेटिव फिनोटाइप के मात्रात्मक विश्लेषण : न्यूरोलॉजिकल, रेडियोइमेजिंग, न्यूरोसाइकाइट्रिक और अटेक्सिया के इाइनेमेटिक मूल्यांकन द्वारा जटिल फिनोटाइप के लिए मोनोमॉर्फिक हेतु खोज करने के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण। अचल कुमार श्रीवास्तव, सी. एस. आई. आर., 3 वर्ष, अप्रैल 2013 – अप्रैल 2016, 20 लाख रु.।

29. स्ट्रोक पुनर्प्राप्ति के लिए बायोमार्कर के रूप में वृद्धि कारकों पर गहन भौतिक चिकित्सा और टी एम एस की भूमिका का अध्ययन। आई. सी. एम. आर., 38,56,078 रुपए।

30. युवा में सेरेब्रोवेस्कुलर रोगों में रोगजनकों और इंफ्लेमेटरी बायोमार्कर की भूमिका पर अध्ययन। आई. सी. एम. आर., 1482309 रुपए।

31. भारत के चारों ओर से स्ट्रोक आनुवंशिकी में एक स्थायी संसाधन की ओर : 4 आई अध्ययन। कमेश्वर प्रसाद, यूके इंडिया एजुकेशन रिसर्च इनिशिएटव (यूकेआईईआरआई), 2 वर्ष, 2013–2015, 275000 रु.।

32. एचएलए एलील और मिरगी के साथ लोगों में त्वचा संबंधी दवा प्रतिक्रियाओं के साथ अपने सहयोग का पता लगाने के लिए एक त्वरित निदान विधि का सत्यापन। मंजरी त्रिपाठी, डी बी टी, 3 वर्ष, 2013–16, 1 करोड़ रु.।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. पीडी में ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टीमुलेशन की भूमिका की यादृच्छिक नियंत्रण जांच
2. इंफ्लेमेटरी जीन पॉलीमॉर्फिज्म के बीच सह–संबंध और उत्तर भारतीय आबादी में इंट्रासेरेब्रल हिमोहैज का जोखिम।
3. इंफ्लेमेटरी जीन पॉलीमॉर्फिज्म के बीच सह–संबंध और उत्तर भारतीय आबादी में स्पोंटेनियस इंट्रासेरेब्रल हिमोहैज का जोखिम।
4. पोस्ट – स्ट्रोक अपर एक्स्ट्रेमिटी रिकवरी में सुधार करने के लिए बाइहेमिस्फेरिक रिपेटेटिव ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टीकुलेशन (आरटीएमएस) : यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
5. पार्किंसन रोग और पार्किंसन रोग वाले मल्टीपल सिस्टम अर्थोफी के रोगियों में ऑर्थोस्टेसिस के दौरान कार्डिवेस्कुलर प्रतिक्रियाएं
6. स्पाइनोसेरेबेलर एटाक्सिया टाइप 12 में कंपन और चाल की विशेषता
7. भारत में ऑटोसोमल रिसेसिव सेरेबलर अटेक्सियास का डिकंवोल्यूशन : एक क्लिनिक – आनुवंशिक दृष्टिकोण और फिनोटाइपिक – जीनोटाइपिक सहसंबंध।
8. दिल्ली / एनसीआर में कोहोर्ट अध्ययन आधारित जनसंख्या के लिए प्रश्नावली आधारित साक्ष्य की डिजाइनिंग और सत्यापन
9. चूहों के मध्य मस्तिष्क धमनी रोड़ा मॉडल पर स्ट्रोक संबंधित जीन की अभिव्यक्ति के स्तर और प्रमोटर मेथिलिकरण पैटर्न पर मानव अस्थि मज्जा व्युत्पन्न मेसेंकाइमल स्टेम कोशिका के प्रशासन का प्रभाव।
10. एससीए टाइप 1, 2 और 3 के रोगियों में ऑटोनोमिक फंक्शन का मूल्यांकन और मस्तिष्क में रूपात्मक बदलाव के साथ तुलना।
11. इंफ्लेमेशन के साथ संबद्ध जीनों के सिंगल न्यूक्लेयोटाइड पॉलीमॉर्फिज्म जांच द्वारा स्ट्रोक के लिए आनुवंशिकी योगदान की पहचान : एक प्रकरण नियंत्रण अध्ययन : एक प्रकरण नियंत्रण अध्ययन।
12. इंफ्लेमेशन के साथ संबद्ध जीनों के सिंगल न्यूक्लेयोटाइड पॉलीमॉर्फिज्म जांच द्वारा स्ट्रोक के लिए आनुवंशिकी योगदान की पहचान : एक प्रकरण नियंत्रण अध्ययन : एक प्रकरण नियंत्रण अध्ययन।
13. जीनोम व्यापक जांच द्वारा नोवल अनस्टेबल टैंडेम न्यूक्लेयोटाइड रिपीट की पहचान और जेनेटिकली अनकैरेटाइराज्ड प्रोग्रेसिव सेरेबल के पैथोजेनेसिस में इसका निहितार्थ।
14. पूरे एक्सोम अनुक्रमण द्वारा स्ट्रोक में दुर्लभ आनुवंशिक संस्करण की पहचान।

15. पूरे एक्सोम अनुक्रमण द्वारा स्ट्रोक में दुर्लभ आनुवंशिक संस्करण के मार्ग की पहचान।
16. एक्यूट स्ट्रोक केयर में गुणवत्ता सुधार पर शिक्षण कार्यक्रम का प्रभाव।
17. स्पाइनोसेरेबेलर एटाक्सिया टाइप 12 में न्यूरोसाइकोलॉजिल आकलन।
18. कैरोटिड स्टेंटिंग का परिणाम।
19. आइडियोपैथिक इंट्राक्रेनियल हाइपरटेंशन वाले रोगियों में छह महीनों में खराब दृश्य परिणाम का भविष्यवक्ता।
20. निदान में 'एम्स इनसोमनिया मूल्यांकन प्रश्नावली' की विश्वसनीयता और वैधता तथा इनोसोमनिया का इटियोलॉजिकल वर्गीकरण।
21. न्यूरोडिजनरेटिव विकार के पैथोफिजियोलॉजी में माइक्रोआरएनए की भूमिका : स्पाइनोसेरेबेलर अटाक्सिया टाइप 2.
22. स्पाइनोसेरेबेलर एटाक्सिया में ट्रिप्लेट रिपीट फ्लैंकड हैपेलोटाइप क्षेत्र और माइटोकॉन्ड्रियल जीनोम में कार्यात्मक आनुवंशिक तत्वों की पहचान करना।
23. पोस्ट स्ट्रोक अफेसिया वाले रोगियों में शैली और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए मानक फार्माकोलोजिकल उपचार के लिए सहायक के रूप में व्यापक तंत्रिका मनोवैज्ञानिक पुनर्वास के प्रभाव का अध्ययन करना : एक यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण। तंत्रिका मनोवैज्ञानिक विभाग, सीएन सेंटर, एम्स।
24. माइटोकॉन्ड्रियल जीनोम और ट्रांसक्रिप्टोमी विश्लेषण के माध्यम से फ्रेडरिच एटाक्सिया फीनोटाइप के आण्विक सह–संबंध का अध्ययन करना।
25. स्पिनोसेरेबलर अटेक्सिया टाइप – 12 के न्यूरोडिजनरेटिव रोग के मॉलीकुलर पैथोफिजियोलॉजी का अध्ययन करना।

पूर्ण

1. स्ट्रोक केयर के लिए क्रिटिकल केयर मार्ग।
2. दुर्दम्य और नियंत्रित मिर्गी वाले रोगियों में संज्ञानात्मक प्रदर्शन पर नींद की गुणवत्ता का प्रभाव।
3. न्यू रेस्टलेस लेग सिंड्रोम नैदानिक प्रश्नावली के निदान क्षेत्र और उसके हिंदी अनुवाद के सत्यापन का मूल्यांकन।
4. टेम्पोरल लोब मिर्गी वाले रोगियों में दुराग्रह का पूर्वानुमान – एक संभावित मामले – उत्तर भारतीय आबादी में नियंत्रित अध्ययन।
5. रुमेटिक हृदय रोग वाले रोगियों में स्ट्रोक के लिए जोखिक कारक।
6. स्ट्रोक परिणाम के लिए पूर्वानुमान कारक पर सीरम अल्कालाइन फॉस्फेट
7. टेम्पोरल लोब मिर्गी में दुर्गम के साथ संबद्ध जोखिम वाले कारकों का अध्ययन।
8. टेम्पोरल लोब मिर्गी का प्राकृतिक इतिहास – एक एम्बिस्पेक्टिव प्रश्नावली आधारित अध्ययन।
9. स्ट्रोक रजिस्ट्री का अद्यतन
10. उत्तरी भारतीय आबादी के बीच एपवर्थ स्लीपनेस स्केल का संशोधित हिंदी संस्करण का मान्यकरण
11. पीएनईएस के वीडियो सेमियोलॉजी

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. टेम्पोरोमेंडिबुलर जॉइंट एंकायलोसिस मामले में ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया पर अर्थोप्लास्टी के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए संयुक्त पॉलीसोमनोग्रोफिक और रेडियोग्राफिक अध्ययन, ओरोमैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग, सीडीईआर।
2. स्ट्रोक और संज्ञानात्मक अस्वीकार के कारणों को जानने के लिए जनसंख्या आधार पर भावी कोहोर्ट अध्ययन : एक पार सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, ईआरएएसएमयूएस यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड।
3. ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया सिंड्रोम (ओएसएएस) और सीपीएपी के लिए असहिष्णुता या अपर्याप्ता वाले रोगियों में निरंतर सकारात्मक एयरवे प्रेशयर (सीपीएपी) के लिए अनुपालन / प्रतिक्रिया में सुधार लाने में अपर एयरवे के सर्जिकल उपचार की भूमिका, ईएनटी विभाग, एम्स।
4. एएलएस वाले रोगियों में एसएनपी का अध्ययन, आईआईटी स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज, नई दिल्ली।
5. भारत के चारों ओर से स्ट्रोक आनुवंशिकी में एक स्थायी संसाधन की ओर : 4 आई अध्ययन। द इम्पेरियल कॉलेज, लंदन, यूके।

6. डाउन सिंड्रोम बच्चों में नींद के समय सांस लेने की गड़बड़ी के लिए जांच उपकरण के रूप में बाल चिकित्सा नींद प्रश्नावली की उपयोगिता, बाल चिकित्सा विभाग, एम्स।

पूर्ण

1. स्ट्रोक के जोखिक कारकों, चेतावनी संकेत और तत्काल उपचार के संबंध में स्ट्रोक और उच्च जोखिम रोगियों के बीच ज्ञान का आकलन करने के लिए तुलनात्मक अध्ययन, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स।
2. एडीएचडी और मिलान नियंत्रण वाले बच्चों में नींद गड़बड़ी का परस्पर अनुभागीय तुलनात्मक अध्ययन, मनोरोग विभाग, एम्स।
3. ईएनओएस – स्ट्रोक में नाइट्रिक ऑक्साइड का प्रभाव, नॉटिंघम यूनिवर्सिटी, यूके।
4. स्ट्रोक और थ्रोम्बोएम्बोलिक घटनाओं के उच्च जोखिम वाले उन रोगियों के बीच ओरल एंटीकॉएगुलेशन थैरेपी के बारे में ज्ञान, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स।
5. ध्यान सक्रियता विकार ध्यान वाले बच्चों में नींद की गुणवता : क्या एक रात तक पोलीसोम्नोग्राफी दो रातों से अच्छी है?, मनोरोग विभाग, एम्स।

रोगी देखभाल

डॉ. गरिमा शुक्ला

- हिंदी में ''गाइडेंस फॉर केयर ऑफ अनकंसशियस ऑर सिक न्यूरोलॉजिकल पेशेंट्स एट होम' के विवरण का मसौदा तैयार करना और छुट्टी के समय पर बीमार रोगियों की देखभाल करने वाले सभी के लिए दिशानिर्देशों को सौंपने की प्रथा शुरू की।
- स्लीप डिसऑर्डर्स एंड इंट्राक्टेबल एपिलेसी क्लिनिक में शिक्षा के क्षेत्र में अभिनव तरीके और विभिन्न विकारों के संबंध में रोगियों को परामर्श देने की शुरूआत।

डॉ. रोहित भाटिया

- वर्ल्ड स्ट्रोक डे पर रोगी शिक्षा कार्यक्रम
- वर्ल्ड पल्टीपल स्क्लेरोसिस डे पर रोगी शिक्षा कार्यक्रम

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर कामेश्वर प्रसाद ने 20 फरवरी 2015 को जेआईपीएमईआर, पुडुचेरी में ''जर्नी थ्रू होप, हाइप एंड ट्रूथ : स्टेम सेल्स इन स्ट्रोक'' शीर्षक से जेआईपीएमईआर साइंटिफिक सोसाइटी व्याख्यान दिया; डब्ल्यूएसओ (विश्व स्ट्रोक संगठन) वैश्विक गुणवत्ता कार्यकारी समूह का सदस्य बनने के लिए आमंत्रित किया गया; सेंट्रल कोलफील्ड्स, रांची में न्यूरोलॉजी में पहली सुपर स्पेशियलिटी ओपीडी का आयोजन किया; स्नेही इंटरनेशनल के राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित; रॉयल कॉलेज ऑफ फिजीशियंस, एडिनबर्ग के सदस्य हैं; विश्व स्ट्रोक संगठन के सदस्य; विश्व न्यूरोलॉजी संघ के सदस्य; स्वास्थ्य सेवा में गुणवत्ता सुधार हेतु एशिया पैसिफिक फोरम की अंतरराष्ट्रीय सलाहकार समिति के सदस्य; अंतरराष्ट्रीय कोचरेन सहयोग के संक्रामक रोग और एआरआई समीक्षा समूह के सदस्य; इंटरनेशनल क्लिनिकल एपिडेमियोलॉजी नेटवर्क के सदस्य; न्यूयॉर्क एकेडमी ऑफ साइंसेज के सदस्य; अमेरिकन अकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी के सदस्य; कोचरेन एपिलेप्सी समीक्षा समूह के सदस्य; कोचरेन न्यूरोलॉजिकल नेटवर्क के सदस्य; जैव प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार के जीर्ण रोग जीव विज्ञान संबंधी कार्यबल के सदस्य; असम विश्व विद्यालय, सिल्चर (2010–13) की कार्यकारी परिषद् के सदस्य; इंडिया सीएलईएन स्वास्थ्य अनुसंधान क्षमता निर्माण पहल के तकनीकी सलाहकार समूह के सदस्य; निदेशक नैदानिक मरक विज्ञान इकाई, एम्स, नई दिल्ली; एम्स, नई दिल्ली की न्यूरोसाइंसेज सेंटर ओपीडी कमिटी के अध्यक्ष; पंडित भगवत दयाल शर्मा चिकित्सा विज्ञान विश्व विद्यालय, रोहतक की कार्यकारी परिषद् के सदस्य; संपादक, एडिनबर्ग आधारित कोचरेन स्ट्रोक समूह और एम्सटर्डम आधारित कोचरेन एआरआई समूह; ब्रिटिश मेडिकल जर्नल, व्यावहारिक न्यूरोलॉजी, कोचरेन एआरआई समीक्षा समूह, ऑस्ट्रेलिया; न्यूरोलॉजी इंडिया, एनल्स ऑफ इंडिनय अकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; समीक्षक चिकित्सा अनुसंधान अनुदान – भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विाान और प्रौद्योगिकी विभाग, चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, यूके वेलकम ट्रस्ट यूके, स्वास्थ्य विश्व विद्यालय, सिंगापुर, भारत ऑस्ट्रेलिया अनुसंधान समूह; व्यावसायिक सोसाइटी – न्यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, इंडियन अकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी, इंडियन सोसाइटी ऑफ मेडिकल स्टेटिक्स, इंडियन इम्यूनोलॉजिकल सोसाइटी, भारतीय मिर्गी संघ, भारतीय स्ट्रोक संघ, इंडियन एपिलेप्सी सोसाइटी के आजीवन सदस्य।

प्रोफेसर माधुरी बिहारी डीसीजीआई द्वारा गठित इंडिया समिति में दवा परीक्षणों में एसएई – मृत्यु के कारण निर्धारित करने के लिए विशेष सदस्य थे; पत्रिका के तंत्रिका विज्ञान विषय क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय जैव चिकित्सा अनुसंधान के लिए अतिथि संपादक के रूप में नेतृत्व किया; बायो मेडिकल इंजी के क्षेत्र में पीएसी के लिए आईसीएमआर की विशेषज्ञ।

प्रोफेसर एम वी पदमा श्रीवास्तव नेशनल अकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एफ ए एम एस) के सदस्य; नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इलाहाबाद, (एफएनएएस) न्यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनएसआई); इंडियन एपिलेप्सी एसोसिएशन (आईईए); इंडियन एपिलेप्सी सोसाइटी (आईईएस); इंडिया अकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी (आईएएन) के सदस्य; वर्ल्ड स्ट्रोक ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएसओ) के सदस्य; वर्ष 2013 – 14 के लिए इंडियन स्ट्रोक एसोसिएशन के अध्यक्ष; दि जेरियाट्रिक सोसाइटी ऑफ इंडिया; दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन के आमंत्रित सदस्य; एनएएमएस की प्रकाशन समिति, एनबीई द्वारा ''न्यूरोलॉजी'' के लिए विशेष सलाहकार बोर्ड; डीबीटी में ''टास्क फोर्स न्यूरोसाइंसेज''; एनएएमएस की ''सीएमई कार्यक्रम समिति'' की स्थायी समिति; एनएएमएस की ''प्रकाशन सलाहकार समिति'' की स्थायी समिति; आईसीएमआर के लिए ''टास्क फोर्स फॉर न्यूरोसाइंसेज''; निर्माण समिति, एनएएमएस; एफआईएसटी समिति, डी एस टी, भारत सरकार; सदस्य डीन समिति, एम्स; कर्मचारी परिषद्, एम्स; औषधि चयन समिति, एम्स; आईसीएमआर के लिए ''टास्क फोर्स फॉर ट्रांसलेशनल न्यूरोसाइंसेज''; थ्रोम्बोसिस अनुसंधान संस्थान, बंगलौर के ''वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड'' के सदस्य; एनएएमएस की अध्येतावृत्ति हेतु ''रीजनरेटिव मेडिसन एंड टॉक्सिकोलॉजी एससीटीआईएमएस की 'इंस्टीट्यूट बॉडी' के लिए विशेषज्ञ सलाहकार पैनल; इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज शिमला और आरपीजी मेडिकल कॉलेज, टांडा हिमाचल प्रदेश सरकार के न्यूरोलॉजी विभागों के परामर्शदाता; सदस्य अकेडमिक कमिटी, निमहंस, बंगलौर; सदस्य, स्थायी चयन समिति, निमहंस, बंगलौर; सदस्य एसजीपीजीआई, लखनऊ में डीएम न्यूरोलॉजी के लिए बाह्य परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया; जी बी पंत अस्पताल, नई दिल्ली में डीएम न्यूरोलॉजी के लिए बाह्य परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया; गुजरात विश्व विद्यालय, आणंद में डी एम पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए बाह्य विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया; वी जे मेडिकल कॉलेज, अहमदाबाद में डी एम न्यूरोलॉजी के लिए बाह्य परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया; निमहंस बंगलौर, एनआईएमएस हैदराबाद, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ में न्यूरोलॉजी में डीएनबी पाठ्यक्रम हेतु बाह्य परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया; एनआईएमएस हैदराबाद, एससीटीआईएमएस तिरुवनंतपुरम, पीजीआई एमईआर चंडीगढ़, डीएमसी लुधियाना, बांगुर इंस्टीट्यूट कोलकाता में डीएम न्यूरोलॉजी हेतु बाह्य परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया; केजीएमसी लखनऊ, एनआईएमएस हैदराबाद, एसजीपीजीआई लखनऊ में पीएचडी कार्यक्रमों के लिए बाह्य परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया; सदस्य, फेलोशिप जांच समिति, एनएएसआई, इलाहाबाद, 2015; संपादकीय बोर्ड : एनस्ट्रॉक – इंटरनेशनल, एपीआई टेक्स्ट बुक ऑफ मेडिसन – न्यूरोलॉजी, स्ट्रोक अनुसंधान और उपचार – हिंदवी पब्लिकेशंस के प्रांतीय प्रकाशक; इंडियन स्ट्रोक एसोसिएशन – वर्ष 2013 – 14 के लिए अध्यक्ष; एनबीई, भारत सरकार द्वारा ''न्यूरोलॉजी'' के लिए ''विशेष विषय सलाहकार बोर्ड'' के सदस्य; डीबीटी, भारत सरकार में ''टास्क फोर्स न्यूरोसाइंसेस'' सदस्य; एनएएमएस के लिए ''सीएमई कार्यक्रम समिति'' की ''स्थायी समिति'' के सदस्य; आईसीएमआर भारत सरकार के ''टास्क फोर्स फॉर न्यूरोसाइंसेज'' के सदस्य; सदस्य, निर्माण समिति, एनएएमएस, भारत सरकार एफआईएसटी समिति, डीएसटी, भारत सरकार के सदस्य; सदस्य, डीन समिति, एम्स; सदस्य, कर्मचारी परिषद्, एम्स; सदस्य, औषधि चयन समिति, एम्स; आईसीएमआर, भारत सरकार के ''टास्क फोर्स फॉर ट्रांसलेशनल न्यूरोसाइंसेज'' के सदस्य; थ्रोम्बोसिस अनुसंधान संस्थान बंगलौर के ''वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड'' के सदस्य; एनएएमएस की अध्येतावृत्ति के लिए ''रीजनरेटिव मेडिसन एंड टॉक्सिकोलॉजी'' के विशेषज्ञ सलाहकार पैनल के सदस्य; गुजरात विश्व विद्यालय, आणंद में डीएम पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए बाह्य विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किए गए; डीएम न्यूरोलॉजी एसजीपीजीआई, लखनऊ, जीबी पंत अस्पताल, नई दिल्ली, वीजे मेडिकल कॉलेज, अहमदाबाद, निमहैंस बंगलौर, एनआईएमएस हैदराबाद, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़, एससीटीआई एमएस तिरुवनंतपुरम, डीएमसी लुधियाना, बांगुर संस्थान कोलकाता में बाह्य परीक्षक; केजीएमसी लखनऊ, एनआईएमएस हैदराबाद, एसजीपीजीआई लखनऊ में पीएचडी कार्यक्रमों के लिए बाह्य परीक्षक; विश्व स्ट्रोक सम्मेलन, 2016 की वैज्ञानिक समिति का सह अध्यक्ष नियुक्त किया गया; निमहंस, बंगलौर की शैक्षिक समिति का सदस्य नियुक्त किया गया; निमहैंस, बंगलौर की चयन समिति का सदस्य नियुक्त किया गया; एनएएमएस शिक्षा परिषद्, 2014 का सदस्य चुना गया; एनएएसआई इलाहाबाद की अध्येतावृत्ति जांच समिति, 2015 के सदस्य थे।

प्रोफेसर गरिमा शुक्ला को चिकित्सा अनुसंधान 2014 हेतु भारती परिषद् द्वारा बहु विषयक अनुसंधान इकाइयों की स्थापना हेतु पूरे भारत में प्राप्त परियोजना प्रस्तावों की समीक्षा के लिए गठित विशेषज्ञ समिति के अध्यक्ष के 2014 में आमंत्रित किया गया; जुलाई 2014 में एनआरएस एवं कलकत्ता मेडिकल कॉलेज और दिसंबर 2014 में न्यूरोलॉजी विभाग एम्स में डी एम (न्यूरोलॉजी) परीक्षाओं हेतु परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया; पी एच डी छात्रा, डॉ. अनुपमा गुप्ता वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ स्लीप मेडिसिन इंटरनेशनल स्लीप मेडिसिन सर्टिफिकेशन एग्जामिनेशन

को सफलतापूर्वक पास करने वाले विश्व के कुछ गिने चुने छात्रों में से एक हैं पाठ्यक्रम तथा परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए छात्र मुहम्मद अफसर ने चिकित्सा मनोविज्ञान में एम फिल हेतु निम्हंस दीक्षांत समारोह में भारत के माननीय प्रधान मंत्री जी से स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

डॉ. रोहित भाटिया को आघात के क्षेत्र में योगदान के लिए अमेरिकन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी द्वारा वर्ष 2015 के गुणवत्ता एवं सुरक्षा अवार्ड के लिए चुना गया; अतिरिक्त फुफ्फुसीय तपेदिक के नियंत्रण हेतु दिशानिर्देश बनाने के लिए भारत सरकार द्वारा केंद्रीय तंत्रिका तंत्र समूह के संचालक के रूप में नियुक्त किया गया; भारतीय स्ट्रोक एसोसिएशन की कार्यकारी समिति के सदस्य, एम्स में परास्नातक अनुसंधान हेतु गठित आचार संहिता समिति के सदस्य, एम्स की डॉट्स कोर कमेटी, डीन्स रिसर्च कमेटी एम्स, एम्स की वार्षिक रिपोर्ट हेतु गठित संपादन समिति के सदस्य के रूप में निरंतर सेवाएं दीं।

डॉ. दीप्ति विभा भारतीय न्यूरोलॉजी अकादमी; मूवमेंट डिस्ऑर्डर सोसाइटी, अमेरिकन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी की सदस्य नहीं; दि इरेसमस मेडिकल सेंटर, रोटर्डम, नीदरलैंड्स में क्लिनिकल इपीडेमोलॉजी में अनुसंधान हेतु चयन किया गया।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. एच एस सुब्रमणि प्रोफेसर, न्यूरोलॉजी मैकनाइट ब्रेन इंस्टीट्यूट एंड यूनिवर्सिटी ऑफ फ्लोरिडा कॉलेज ऑफ मेडिसिन गैन्जविले, फ्लोरिडा, यूएसए।

तंत्रिका मनोरोग विज्ञान

विशेषताएं

तंत्रिका विज्ञान विभाग एवं नैदानिक तंत्रिका मनोरोग विज्ञान विभाग द्वारा अंतिम वर्ष में संज्ञानात्मक विकार एवं स्मरण क्लिनिक ('सीडी' एवं 'एम' क्लीनिक) एक विशेष क्लिनिक अलग से कमरा नं. 5 और 14 में प्रत्येक बुधवार को सुबह औपचारिक रूप से आरंभ किए गए। पिछले एक वर्ष में नैदानिक तंत्रिका मनोविज्ञान में मनोरोगी व्याख्यान प्राप्त हुआ और 2 नए पीएचडी छात्रों को दाखिल किया गया।

शिक्षा

स्नातकपूर्व अध्यापन : बी. एससी. (ऑनर्स) मनोविज्ञान पाठ्यक्रम प्रथम वर्ष एम.बी.बी.एस. अध्यापन; बी. एससी. (ऑनर्स / पोस्ट सर्टिफिकेट) नर्सिंग

स्नातकोत्तर अध्यापन : एम डी, एम सीएच, एम एससी (नर्सिंग)
अल्पावधि प्रशिक्षण (क्लिनिकल न्यूरो साइकोलॉजी)
पीएचडी नैदानिक तंत्रिका मनोविज्ञान के लिए शैक्षणिक पाठ्यक्रम पाठ्यचर्या की तैयारी और चलना
तंत्रिका विज्ञान केंद्र, एम्स, छात्रों के स्वीकृति सहित नई दिल्ली

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन
प्रदत्त व्याख्यान : 21
प्रस्तुत किए गए मौखिक शोध पत्र / पोस्टर : 26

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

1. एक मल्टीटास्किंग प्रतिमान का उपयोग एमसीआई और एडी में संज्ञानात्मक में गिरावट की प्रगति की पूर्व नैदानिक भविष्यवक्ता। डॉ. आशिमा नेहरा वाधवा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, डॉ. आशिमा नेहरा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, परियोजना, 3 वर्ष, 2016, 37 लाख रु.।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. पोस्ट स्ट्रोक अफासिया वाले रोगियों में शैली और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए मानक फार्माकोलॉजिकल उपचार के लिए एक सहायक के रूप में ''व्यापक न्यूरोसाइकोलॉजिकल पुनर्वास'' का विकास और प्रभावकारिता : यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण।

2. हल्के और मध्यम अभिघातजन्य मस्तिष्क चोट वाले रोगियों में संज्ञानात्मक और मनोवैज्ञानिक कार्य में सुधार के लिए समग्र का विकास और प्रभावशीलता तथा एकीकृत मनोवैज्ञानिक पुनर्वास : एक यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण।
3. एल्कोहल निर्भरता पुरुष में कंप्यूटराइज्ड कॉगनेटिव बायस मोडिफिकेशन (सीबीएम) का विकास और यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (आरसीटी) के माध्यम से इसकी प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना
4. मानक औषधीय उपचार की तुलना में हल्के अल्जाइमर रोग वाले रोगियों में मेमोरी, शैली, अध्ययन और जीवन की गुणवत्ता पर संज्ञानात्मक पुनर्वास के प्रभाव का अध्ययन करना : एक यादृच्छिक चिकित्सीय नियंत्रित परीक्षण।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. ''वयस्क आबादी के बीच बेरिएट्रिक सर्जरी के साथ या उसके बिना मोटपे के साथ जुड़े जोखिम वाले कारकों का आकलन और पोषण और जीवन शैली संशोधन के हस्तक्षेप। (एक गैर यादृच्छिक नियंत्रित चिकित्सीय परीक्षण)'' नैदानिक तंत्रिका मनोरोग विज्ञान, आहार, सामान्य सर्जरी, शरीर क्रिया विज्ञान।
2. कार्डियोथौरेसिक सर्जरी से गुजर रहे रोगियों में कार्डियोपल्मोनरी बाइपास पर बिडरेक्शनल कैवोपल्मोनरी एनास्टोमोसिस (बीडी ग्लेन) के तीन विभिन्न तकनीकों की तुलना। कार्डियक बायोकैमिस्ट्री और क्लिनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी, कार्डियक एनेस्थिसिया।
3. नैदानिक न्यूरोसाइकोलॉजी, मनोरोग, हल्के संज्ञानात्मक हानि और अल्जाइमर रोग में संज्ञानात्मक प्रदर्शन के मात्रात्मक ईईजी संबद्ध, नैदानिक तंत्रिका मनोरोग विज्ञान, तंत्रिका विज्ञान, शरीर क्रिया विज्ञान, जैव सांख्यिकी
4. मिर्गी वाले मोटापे से ग्रस्त व्यक्तियों में एंटी एपिलेप्टिक ड्रग (एईडी) के स्पिनोसेरेबेलर एटाक्सिया टाइप 12, क्लिनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी, न्यूरोलॉजी में संज्ञानात्मक हानि : एक परस्पर अनुभागीय, तुलनात्मक अध्ययन, नैदानिक तंत्रिका मनोरोग विज्ञान, तंत्रिका विज्ञान, औषधि विज्ञान।
5. कार्डियोपल्मोनरी बायपास, कार्डियोथोरेसिस सर्जरी, कार्डियक बायोकैमिस्ट्री एंड क्लिनिकल न्यूरोसाइकॉलोजी, कार्डियक – एनेस्थिसिया के साथ या उसके बना बायडारेक्शनल सुपीरियर कैवोपल्मनरी एनास्टोमोसिस की तुलना।
6. नकारात्मक लक्षण और मानसिक असंतुलन में संज्ञानात्मक कार्य पर उच्च आवशत्ति दोहराव ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना का प्रभाव।
7. औषधि दवा प्रतिरोधी वाले किशोरावस्था और वयस्कों में मोडिफाइड अत्कीन्स डायइट (एमएडी) की प्रभावकारिता, सुरक्षा और सहनशीलता : यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, नैदानिक तंत्रिका मनोरोग विज्ञान, तंत्रिका विज्ञान, बाल चिकित्सा।
8. बी एम आई 25–29.9 कि. ग्रा. / एम2 बनाम 30–34.9 कि. ग्रा. / एम2 में वाले व्यक्तियों में पोषण तथा जीवन शैली परिवर्तनों का प्रभाव तथा बी एम आई म35 कि. ग्रा. / एम2 में बेरियाट्रिक सर्जरी के प्रभाव का निर्धारण करना। सामान्य शल्य चिकित्सा, डायटेटिक्स, नैदानिक तंत्रिका मनोरोग विज्ञान, जैव सांख्यिकी, शरीर क्रिया विज्ञान।
9. सामान्य स्वस्थ स्वयंसेवकों, नैदानिक न्यूरोसाइकोलॉजी, फिजियोलॉजी में प्रेरित परिवर्तनों भावनाओं के ईईजी संबद्ध की मात्रात्मकता।
10. हल्की संज्ञानात्मक हानि और डेमेंशिया, बायोफिजिक्स, न्यूरोलॉजी, साइकाइट्री वाले व्यक्तियों में तनाव और इसके योगदान।
11. पॉलीकैमोथैरेपी, क्लिनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, पैथोलॉजी, बायोस्टेस्टीक, न्यूरोसर्जरी, न्यूरोरेडियोलॉजी आधारित मैथोट्रेक्स्ट के लिए संपूर्ण प्रतिक्रिया के बाद नए निदान प्राइमरी सीएनएस लिम्फोमा के रोगियों में संपूर्ण ब्रेन रेडियाथैरेपी खुराक की कमी की व्यवहार्यता का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन।

रोगी देख रेख

नैदानिक तंत्रिका मनोविज्ञान एक विशेषीकृत परामर्श सेवा है, जो रोग विषय अनुप्रयोग, नैदानिक नियमन सहित, मूल्यांकन, मस्तिष्क आघात/आक्षेप, क्षति के बाद मस्तिष्क की कार्य प्रणाली में संज्ञानात्मक सुधार पर केंद्रित हैं। मनोवैज्ञानिक निर्धारण में सामान्य वृद्धि (हेमिस्फेरिक मूल्यांकन), अनुभूति, उच्च स्तरीय विशिष्ट कौशलों (अर्थात समस्या समाधान, तर्क), ध्यान व एकाग्रता, स्मरण शक्ति एवं अधिगम; प्रेरण और संज्ञानात्मक कौशलों, अवधारणात्मक प्रेरक कार्य प्रणाली/दृश्य स्थानिक कौशलों; मनोदशा एवं व्यक्तित्व (नेत्र संबंधी अग्र भाग के कार्यकलापों), भाषा/स्वरलोप जांच सहित तंत्रिका मनोविज्ञान परीक्षणों, विवेचन, रिपोर्ट तैयार करने के तंत्रिका मनोविज्ञान विषयक नियमन की श्रृंखला के साथ नैदानिक डाइग्नॉसिस (गोल्ड मानकों के अनुरूप), व्यापक साक्षात्कार; स्वभाव संबंधी पर्यवेक्षण; मूल्यांकन सहित तंत्रिका मनोविज्ञान संबंधी मूल्यांकन/निरूपण; रोग पूर्व लोगों के व्यक्तित्व दैनिक कार्यों में सुधार हेतु कार्यमूलक कौशलों में सुधार लाने के लिए आरंभिक कार्य

प्रणाली सहित तंत्रिका मनोविज्ञान संबंधी सुधार; अपूर्ण कार्य की पहचान न होने तथा उसमें सुधार न होने की स्थिति में क्षतिपूर्ति सहित तंत्रिका मनोविज्ञान संबंधी पुर्नगठन; चिकित्सीय आधार पर चिकित्सा; गृह आधारित चिकित्सा; लोगों की दैनिक जिंदगी के रोग पूर्व मूल कार्यकलापों के कार्यमूलक कौशलों में सुधार लाने के लिए आधारिक कार्यमूलक पद्यति सहित तंत्रिका मनोविज्ञान संबंधी सुधार; अपूर्ण कार्य की पहचान न होने तथा न ही उसमें सुधार होने की स्थिति में क्षतिपूर्ति सहित तंत्रिका मनो विज्ञान संबंधी पुर्नगठन; चिकित्सीय आधारित चिकित्सा, गृह चिकित्सा को शामिल किया जा सकता है।

सामुदायिक सेवाएं / शिविर आदि : तंत्रिका मनोविज्ञान पुर्नवास, व्यावसायिक मार्गदर्शन, सहायक मनोचिकित्सा, रोगियों और उनके परिवार के सदस्यों को निर्देशात्मक परामर्श जो किसी भी प्रकार की तंत्रिका मनोविज्ञान परिस्थिति के प्रबंधन के मामले में रोगी की देखभाल से संबंधित एक महत्वपूर्ण पहलू हैं। ये सभी सेवाएं तंत्रिका मनोविज्ञान पुर्नवास (एनआर) और संज्ञानात्मक विकार एवं स्मरण क्लिनिक (सीडी एण्ड एम) की विशिष्ट क्लिनिक्स के अंतर्गत आती हैं;

बाह्य रोगी सेवा (ओपीडी) : 3 रजिस्ट्रियों के साथ 4 नैदानिक न्यूरोसाइकोलॉजी ओपीडी /सप्ताह है :

1. **नैदानिक न्यूरोसाइकोलॉजी (सीएनपी)** क्लिनिक :
क. सोमवार, मंगलवार, बुधवार और शुक्रवार :

2. विशेष क्लिनिक :
क. मंगलवार : न्यूरोसाइकोलॉजिकल रिहैबिलिटेशन (एनआर) क्लिनिक
तंत्रिका मनोरोग विज्ञान पुनर्वास, संज्ञानात्मक पुनः प्रशिक्षण / पुनर्गठन

- क. बुनियादी कौशल प्रशिक्षण
- ख. कार्यात्मक पुनः प्रशिक्षण
- ग. भाषण और भाषा पुनर्वास
- घ. मनोसामाजिक चिकित्सा
- ङ. मार्गदर्शन और परामर्श
- च. व्यक्तिगत चिकित्सा
- छ. परिवार चिकित्सा
- ज. व्यावसायिक मार्गदर्शन
- झ. समग्र / उदार दृष्टिकोण चिकित्सा (रोगियों की आवश्यकताओं पर निर्भर करता है)

ख. बुधवार : संज्ञानात्मक विकार और मेमोरी (सीडीएम) क्लिनिक
संज्ञानात्मक विकार और मेमोरी क्लिनिक

- क. स्मृति आकलन
- ख. संज्ञानात्मक गिरावट के लिए जांच
- ग. डेमेंशिया / अल्जाइमर डेमेंशिया के लिए संज्ञानात्मक पुनर्वास
- घ. स्मृति / कार्यकारी कार्यात्मक में गिरावट के लिए संज्ञानात्मक पुनः प्रशिक्षण
- ङ. संज्ञानात्मक / स्मृति विकारों का प्रबंधन
- च. स्यूडो – डेमेंशिया की पहचान और उपचार
- छ. शिक्षा : रोगियों, देखभाल करने वालों, प्रशिक्षुओं, सहयोगियों और आम जनता।
- ज. परिवार मार्गदर्शन
- झ. प्रगति की निगरानी और चिकित्सा के लिए प्रतिक्रिया

इनके चिकित्सीय / औषधीय पहलुओं की देखरेख न्यूरोलॉजिस्ट द्वारा की जाएगी।

रेफरल : रोगियों को न्यूरोलॉजी, पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, साइकाट्री, जीपीएन ट्रॉमा सेंटर, गामा नाइफ यूनिट, न्यूरोएनेस्थेसिया, फिजिकल रिहेबिलिटेशन मेडिसिन (पीएमआर) ईएनटी, न्यूरोलॉजी, डर्मेटोलॉजी, गाइनेकोलॉजी, इंडोक्राइनोलॉजी न्यूक्लियर, मेडिसिन, चिकित्सा अधीक्षक के कार्यालय (चिकित्सा संबंधी कानूनी मामलों हेतु) को रेफर किया गया। रोगों में विभेद करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में विशेषताओं और कमजोरियों की पहचान हेतु, भविष्य में परिवर्तन का पता लगाने के लिए कौशलों / कमजोरियों की आधार रेखा तैयार करने के लिए रेफर किए गए जो सहायता अथवा उपचार आदि की योजना तैयार करने हेतु दैनिक कार्यकलाप संबंधी कौशलों के आकलन के लिए कमजोरियों को दूर करने के लिए विशेषताओं के उपयोग हेतु उपचार की योजना तैयार करना जो बाद में प्रत्यक्ष उचित उपचार हो सकता है।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

1. आशिमा नेहरा, साइको ऑरेशन एवार्ड, 8 फरवरी 2015 को गांधी नगर, गुजरात में द इंडियन एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट का 41वां राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन प्रस्तुत किया। साइको ऑरेशन एवार्ड।
2. स्वाति बाजपेयी ने 7 मार्च, 2015 को इंडियन फेडरेशन ऑफ न्यूरोरिहैबिलिटेशन (न्यूरोरिहैबिलिटेशन के वर्ल्ड फेडरेशन से संबद्ध) के तीसरे वार्षिक सम्मेलन पर गांधी छात्रवृत्ति पुरस्कार जीता, गांधी छात्रवृत्ति पुरस्कार।
3. स्वाति बाजपेयी, मंजरी त्रिपाठी और आशिमा नेहरा (2015 कॉगनाइटिव रिहैबिलिटेशन : ए स्टेट ऑफ द आर्ट फॉर लॉन्ग टर्म मैनेजमेंट ऑफ अल्जाइमर डिजीज फॉर इंडियन पोपुलेशन)। नाइस, फ्रांस में 18–22 मार्च, 2015 में स्थान लेने के लिए अनुसूचित अल्जाइमर्स एंड पार्किसन्स डिजीज का 12वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन। बुरसरी एवार्ड।
4. स्वाति बाजपेयी और आशिमा नेहरा (2015) ''डेवपलमेंट ऑफ रि–क्रिएट (रेहैबिलिटेशन ऑफ कोगनाइजेशन यूजिंग रिस्ट्रोरेटिव एक्सप्रेसेज एंड एक्टिविटीज टरगेटेड फॉर एल्डर्ली) : कॉगनाइटिव रिहैबिलिटेशन फॉर लॉ लिटरेट इंडियन्स''। नाइस, फ्रांस में 18–22 मार्च, 2015 में स्थान लेने के लिए अनुसूचित अल्जाइमर्स एंड पार्किसन्स डिजीज का 12वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन। बुरसरी एवार्ड।

अतिथि वैज्ञानिक

1. अतिथि न्यूरोसाइकोलॉजिस्ट और उसके सहयोगी द्वारा वार्ता **डॉ. मेलकौशंस्की, प्रैक्टिंग न्यूरो साइकोलॉजिस्ट)** और **सुश्री जुलिया जारुडज्का,** विशेष शैक्षणिक परामर्शदाता (इस वार्ता का आयोजन किया गया क्योंकि उन्होंने पहले से ही भारत का दौरा किया था); शीर्षक : ''पीडियट्रिक ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी : फ्रॉम थ्योरी टू प्रैक्टिस, हॉस्पीटल टू स्कूल'' स्थल : सी मेट : तिथि 14 नवंबर, 2014, क्लिनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी, न्यूरोसाइंसेस सेंटर, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित; सतत चिकित्सा शिक्षा के भाग के रूप में (न्यूरोसाइकोलॉजी)।

तंत्रिका विकिरण विज्ञान

विशिष्टताएं

- 10 वर्ष पुराने 6 स्लाइस स्कैनर की जगह नवीनतम 128 स्लाइस ड्यूल ऊर्जा स्कैन लगाए गए।
- परस्पर पुनः निर्माण मॉडलिंग के साथ नवीन सीटी लो डोज सीटी प्रोटोकोल्स की सहायता से अब डोज में 60 प्रतिशत तक की कमी और चिकित्सीय कार्यकलापों में तीव्र प्रगति संभव हो गई है और उत्कृष्ट इमेज गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकती है। इससे विशेष रूप से बच्चों और जहां पर सांस चालू रखने के लिए इसे प्राप्त करने की आवश्यकता हो, रोगियों की अनुमति में वृद्धि हुई है।
- नए सीटी स्कैनर की स्थापना से गाइडेड बायोप्सीज़ में सहायता हेतु सीटी फ्लोरोस्कोपी और विशेष रूप से एक्यूट स्ट्रोक में प्रमस्तिष्कीय परफ्यूजन आकलन हेतु सीटी परफ्यूजन आरंभ कर दिया गया है।
- मौजूदा 1.5 टी एमआर को 'साइलेंट एम आर' प्रणाली से उन्नत कर दिया है, जो साइलेंट रिस्कैन में सहायक है जिसमें रोगी लंबी अवधि तक परीक्षणों के दौरान शांत रहते हैं और सहयोग करते हैं। पहले की प्रणाली के उच्च प्रवणता वाले क्वालिंग स्विचिंग का शोर बहुत से रोगियों को विशेष रूप से हाइ एण्ड अधिग्रहण तकनीक के दौरान परेशानी होती थी। इसमें सुधार के साथ इस प्रकार की परेशानी को बड़े पैमाने पर दूर कर दिया गया है और वाइड बोर मैग्नेट से विशेष रूप से रोगियों में क्लस्ट्रोफोबिया को कम किया गया है।
- वाई – फाई सुविधा के साथ वार्डों, आईसीयू और ओपीडी कक्ष में थिन क्लाइंट्स में पीएसीएस सर्वर के उन्नयन और जांच केंद्रों की स्थापना के साथ पीएसीएस नेटवर्क एनएससी के वार्डों तथा ओपीडी कक्षों में संचालित है। रिपोर्ट, सम्पादन, साइन आउट और सभी प्रकार के

अध्ययन के लिए ऑन लाइन नेटवर्क को सुगम बनाने के लिए रिपोर्टिंग कक्ष की व्यवस्था में सुधार के साथ सभी न्यूरो इमेजिंग प्रक्रियाओं की रिपोर्टिंग को ऑन लाइन कर दिया गया है। सीटी, एमआरआई, यूएस एण्ड डीएसए इत्यादि हेतु एनएससी वार्डों के ऑन लाइन से स्वतः मांग सक्रिय कर दी गई है। न्यूरोडियोलॉजी संपर्कों के लिए पीएसीएस से केस अभिलेखों की ऑटोफेचिंग सक्रिय कर दी गई है। पृथक इमेजिंग फिल्मों को अब डिजिटाइज्ड कर दिया गया है और रोगी के यूएचआईडी पंजीकरण पर पीएसीएस से एकीकृत किया गया है।

- डॉ. दिलीप आर. यवगल, क्लिनिकल न्यूरोलॉजी और न्यूरोसर्जरी के एमडी, एसोसिएट प्रोफेसर, निदेशक अंतरराष्ट्रीय न्यूरोलॉजी, सह निदेशक इंडोवेस्कुलर न्यूरोसर्जरी, संकाय, इंटर डिसिप्लनरी स्टेम सेल इंस्टीट्यूट, यूनिवर्सिटी ऑफ मियामी एण्ड जैकसन मेमोरियल हॉस्पिटल्स, 1120 एनडब्ल्यू 14 स्ट्रीट, मियामी, एफएल, 33136 ने 12 मार्च 2015 को विभाग का दौरा किया और स्ट्रोक के क्षेत्र में स्टेम सेल अनुसंधान में सहयोग की व्यावहारिक संभावनाओं पर विचार विमर्श किया, ये उनका मौजूदा रुझान क्षेत्र है। जनवरी 2015 में राष्ट्रपति ओबामा के भारत दौरे के बाद भारत यू एस सहयोग और दोनों देशों के बीच चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सीय अनुसंधान और प्रशिक्षण के क्षेत्र में शैक्षिक सहयोग और समन्वय हेतु हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन और इनकी परिचर्चा के आधार पर, एक संयुक्त अनुसंधान परियोजना शीर्षक – 'स्टेम स्ट्रोक : इस्कीमिक स्ट्रोक में इंट्रा आर्टेरियल मेसेन्चाइमल स्टेम सेल्स का सुरक्षा और दक्षता परीक्षण का अनुमोदन हेतु प्रस्तावित किया गया। डॉ. अजय वखूल, न्यूरोइंटरवेंशन एण्ड इमेजिंग अनुभाग, रेडियोलॉजी विभाग, एच2–144, 55 लेक एवेन्यू, नॉर्थ, यूनिवर्सिटी ऑफ मैसेचुसेइस मेडिकल स्कूल, वारसेस्टर, एम ए 01655, यूएसए और डॉ. एन्डर्स डेल, उपाध्यक्ष अनुसंधान और डॉ. विलियम जी ब्रेडली, जूनियर प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, रेडियोलॉजी विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया सेन डीगो हेल्थ सिस्टम, 402 डिकिन्सन एसटीरु454, सेन डीगो, सी ए 92103–8224, यूएसए के सहयोग से एकीकृत एमआर इमेजिंग और जीनोमिक प्रोफाइलिंग के माध्यम से ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफॉर्म के रेडियोजीनोमिक निरूपण के साथ साथ संक्षिप्त स्ट्रोक सेंटर प्रोग्राम विकसित करने का प्रस्तावित भी किया गया है।

शिक्षा

स्नातक पूर्व : न्यूरोलॉजी तकनीकों का परिचय, ब्रेन ट्यूमर इमेजिंग के मूल तत्व, स्ट्रोक इमेजिंग और सीएनएस की अनुकूल विसंगतियां विषयों पर 6वें सत्र के एमबीबीएस छात्रों के लिए यूजी व्याख्यानों और संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। न्यूरोलॉजी में उनकी वैकल्पिक तैनाती के दौरान न्यूरो इमेजिंग व्याख्या के मूल्य तत्वों के बारे में पढ़ाया गया।

स्नातकोत्तर : न्यूरोलॉजी विभाग में क्रमिक आधार पर तैनात एमडी रेडियोलॉजी विभाग के स्नातकोत्तर छात्रों की रिपोर्टिंग न्यूरोइमेजिंग (सीटी और एमआरआई) और सभी न्यूरोइमेजिंग प्रोटोकॉल्स में प्रशिक्षित किया जाता है और संकाय की देख रेख में कार्य करने के लिए प्रेरित किया जाता है। डी एम (न्यूरोरेडियोलॉजी) छात्रों को सभी न्यूरोइमेजिंग प्रक्रियाओं के निष्पादन का प्रशिक्षण दिया जाता है और इंटरवेंशनल थेरेप्यूटिक न्यूरोरेडियोलॉजी प्रक्रियाओं में सहायता की जाती है, जिनके बारे में बाद में उनसे नियमित आधार पर चर्चा की जाती है। आईसीयू में न्यूरो इंटरवेंशनल थेरेप्यूटिक प्रक्रियाओं से गुजरने वाले रोगियों की प्रक्रिया उपरांत देख रेख और प्रबंधन के बारे में भी उन्हें प्रशिक्षित किया जाता है और उनके संवादात्मक कौशलों में सुधार और संवादात्मक विकास हेतु उनके उन्मुखीकरण के लिए वार्डों, संगोष्ठियों, जर्नल क्लबों तथा केस परिचर्चा का नियमित रूप से आयोजन किया जाता है। सीनियर रेजीडेंट्स न्यूरोलॉजी और न्यूरोसर्जरी विभाग द्वारा प्रतिदिन आयोजित किए जाने वाले अंतः विभागीय सम्मेलनों में नियमित रूप से न्यूरोरेडियोलॉजिकल परिणाम प्रस्तुत करते हैं जिससे उन्हें क्लिनिकल न्यूरोइमेजिंग व्याख्या कौशल और प्रस्तुतीकरण की कला को सीखने में मदद मिलती है। उन्हें क्रमिक आधार पर कम से कम एक वर्ष के लिए बाइयलेन न्यूरो इंटरवेंशनल अध्ययन हेतु भेजा जाता है और न्यूरो एंजियोग्राफिक और न्यूरो इंटरवेंशनल कौशलों का प्रशिक्षण दिया जाता है।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. इंडियन सोसायटी ऑफ न्यूरोरेडियोलॉजी (आईएसएनआर) के 17वें वार्षिक कांग्रेस के आयोजन अध्यक्ष, द ओबेरॉय, गुड़गांव, एनसीआर में 9–12 अक्टूबर, 2014.

प्रदत्त व्याख्यान

एन. के. मिश्रा : 3 **शैलेश गायकवाड़ : 6** **अजय गर्ग : 11**

लेवे जोसेफ देवराजन : 2

प्रस्तुत किए गए मौखिक शोध पत्र / पोस्टर : 20

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. हाई ग्रेड ग्लियोमा में ट्यूमर पुनरावृत्ति के परिवर्तनों से संबंधित विभिन्न उपचार के लिए पारगम्यता और नियोएंजियोजेनेसिस के इमेजिंग आकलन की दक्षता। अजय गर्ग, आईसीएमआर, 3, 2014–17 14 लाख रु.।

पूर्ण

1. ग्रेड सेरिब्रल ग्लियोमा में ऑपरेशन से पहले पारगम्यता और नियोएंजियोजेनेसिस के इमेजिंग आकलन की दक्षता। अजय गर्ग, आंतरिक परियोजना, 2, 2013–14, 4.8 लाख रु.।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. एक्यूट स्ट्रोक में कैरोटाइड प्लाक इमेजिंग

पूर्ण

1. गैलेन एन्यूरिज्म मैलफॉर्मेशन का वेन – एक पूर्वव्यापी अध्ययन।
2. स्पाइनल कोर्ड अर्टेरियोवेनस शंट्स – एक पूर्वव्यापी विश्लेषण।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. ऑब्स्ट्रेक्टिव स्लीप एपनिया वाले रोगियों में स्मृति मूल्यांकन के लिए एफएमआरआई (काय चिकित्सा)।
2. आइडियोपैथिक इंट्राक्रेनियल हाइपरटेशन वाले रोगियों में छह महीनों में खराब दृश्य परिणाम का भविष्यवक्ता (तंत्रिका विज्ञान)।
3. सामान्य जनसंख्या में स्ट्रोक और संज्ञानात्मक गिरावट के कारणों को सुलझाना – एक पार सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य अध्ययन (तंत्रिका विज्ञान)।
4. स्ट्रोक और ट्रांसिएंट एसिम्टोमेटिक अटैक वाले रोगियों में रोगसूचक और स्पर्शोन्मुख कोरोनरी धमनी रोग की व्याप्ति (तंत्रिका विज्ञान)।
5. इमेजिंग मार्गदर्शित रिसेक्शन की तुलना में दो आयामी फ्लोरोस्कोपिक मार्गदर्शन से अकार्यात्मक पिट्यूटरी मैक्रो एडिनोमा के रिसेक्शन की सीमा में उच्च क्षेत्र ऑपरेशन के बीच चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग मार्ग दर्शन का उपयोग करते हुए ट्रांसस्फिनोइडल सूक्ष्म दर्शी / एंडोस्कोपिक सर्जरी की दक्षता के मूल्यांकन हेतु यादृच्छिक दो शाखा वाले समानांतर समूह क्लिनिकल परीक्षण (न्यूरोसर्जरी)।
6. संयुक्त रि–मॉडलिंग और एक्स्ट्रा – अर्टिकुलर डिस्ट्रेक्शन के साथ व्याकुलता, संपीड़न, विस्तार, कटौती (डीसीईआर) संयुक्त : बेसिलर जांच और एटलैंटो – एक्सियल डिसलोकेशन में इसके अनुप्रयोग के लिए 2 नए संशोधनों का विवरण : भावी अध्ययन (न्यूरोसर्जरी)
7. श्रवण मतिभ्रम के साथ खंडित मनस्किता के रोगियों में टेंसर इमेजिंग प्रसार के माध्यम से सफेद पदार्थ अखंडता का आकलन (मानसिक रोग)।
8. आइडियोपैथिक इंट्राक्रेनियल हाइपरटेशन वाले रोगियों में छह महीनों में खराब दृश्य परिणाम का भविष्यवक्ता (तंत्रिका विज्ञान)।

पूर्ण

1. मस्तिक के अर्टेरियोवेनस मैलफॉर्मेशन : पश्चात गामा नाइफ रेडिएशन परिवर्तन से जुड़े कारक (न्यूरोसर्जरी)।
2. इंट्रा मेडुलरी स्पाइनल कोर्ड ट्यूमर : 100 मामलों का हमार अनुभव और साहित्य की समीक्षा (न्यूरोसर्जरी)।
3. प्राथमिक इंट्राडुरल एक्ट्रा मेडुलरी लेशन्स : एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में पांच वर्ष का अनुभव – एक पूर्वव्यापी अध्ययन (न्यूरोसर्जरी)।
4. संयुक्त पिट्यूटरी एडेनोमा के संचालित मामलों की पूर्वव्यापी विश्लेषण : एक संस्थागत अनुभव (न्यूरोसर्जरी)।

रोगी की देखभाल

विभाग सप्ताह के सातों दिन पूरे वर्ष दिनों रोगी की देखभाल करता है और सब आर्चेनॉइड हैमरेज, स्ट्रोक, एक्यूट इनसेफेलोपैथीज, माइलोपैथीज़, ट्रमेटिक अथवा आइरोजेनिक सेरेब्रो वेस्कुलर इंजरी आदि जैसे आपातकालीन स्थितियों में नियमित रूप से सेवाएं देता है। बाह्य रोगियों और अंतः रोगियों से प्राप्त सभी सीटी स्कैन अनुरोधों को उसी दिन किया जाता है और प्राय : तत्काल किया जाता है, ताकि रोगी के उपचार हेतु

तुरंत निर्णय लिए जा सके। इस विभाग में सीटी स्कैन के लिए प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ती है। न्यूरोसाइंसेज केंद्र में आने वाले रोगियों के प्रमस्तिष्कीय एवं वेस्कुलर अध्ययन हेतु और आकस्मिकता के आधार पर किसी भी समय ईएनटी और ओफ्थैल्मोलॉजी जैसे अन्य अनेक विभागों में भी नियमित रूप से डीएसए किए जाते हैं इस प्रकार से न्यूरो साइंसेज के रोगियों के साथ साथ ईएनटी, ओफ्थैल्मोलॉजी पीडियाट्रिक्स, कार्डियोलॉजी, अन्य के साथ साथ ऑर्थोपीडियक्स का भी आपातकालीन स्थिति में नियमित आधार पर न्यूरोइंटरवेंशनल थेरोप्यूटिक संचालन किया जाता है। इसके अतिरिक्त, मोबाइल सीटी स्कैनर की उपयोग कर आईसीयू अथवा वैंटिलेटर वाले रोगियों का सीटी स्कैन किया जाता है। डिजिटल एक्स रे यूनिट अथवा सीआर यूनिट का उपयोग कर नियमित आधार पर एक्स रे किए जाते हैं और इमेजें पीएसीएस नेटवर्क पर अपलोड की जाती हैं। जब भी आवश्यक होता है न्यूरोसाइंसेज सेंटर के अस्वस्थ और चलने फिरने में असमर्थ रोगियों का वार्डों और आईसीयू में पोर्टेबल अल्ट्रा साउंड किया जाता है। सभी परामर्शदाता और रेजिडेंट्स आईपी आधारित प्रोटोकोल के माध्यम से पीएसीएस इमेजों को प्राप्त करते हैं और इस प्रकार से इंटरनेट अथवा अपना स्मार्ट फोन उपयोग कर कहीं से भी इमेजों को देखा जा सकता है। उच्च रिजोल्यूशन डिकॉम कम्पैटिबल प्रोजेक्शन प्रणाली का उपयोग कर बहु विधीय इमेज अवलोकन हेतु विभागीय सम्मेलन कक्षों में सुधार किया गया है, ताकि चिकित्सीय परामर्शदाता और रेजिडेंट्स बड़ी प्रोजेक्शन स्क्रीन पर अपने रोगियों की इमेजों को काल क्रमानुसार और तुलनात्मक रूप में आसानी से देख सकें। यहां तक कि पुरानी और स्कैन की गई इमेजों को प्रभावी रूप से तत्काल देखा जा सकता है जो शीघ्र निर्णय लेने में सहायक सिद्व होती हैं।

वर्ष 2014–15 के दौरान न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल प्रक्रियाओं का निष्पादन

सी टी स्कैन	नियमित	5996
	आपातकालीन	13783
	सी टी एंजियोग्राफी	72
	निर्देशित इमेज	237
	मोबाइल सीटी	1019
	एचआरसीटी	14
	कुल	**21121**
डिजिटल सबट्रेक्शन एंजियोग्राफी	सेरेब्रल एंड स्पाइनल डीएसए थेराप्यूटिक न्यूरो – इंटरवेंशनल प्रक्रियाएं : (सेरेब्रा एरिन्यूज्म, सेरेब्रल एंड स्पाइनल एवीएम एम्बोलाइजेशन,	746
	कैराटाइड रेवेस्कुलराइजेशन आदि)	
	सेरेब्रल वैसोस्पेम के लिए कैमिकल एंजियोप्लास्टी (एसएएच में)	46
	सेरेब्रल इंट्रा–अर्टिरियल थ्रोम्बोलायसिस / क्लोट रेट्रिवेल इन स्ट्रोक	12
	कुल	**928**
अल्ट्रासाउंड परीक्षाएं / डोपलर अध्ययन / यूएस निर्देशित बाय		**1866**
एमआरआई	एनएससी एमआरआई	1272
	गामा नाइफ प्लानिंग	453
	इंट्रा – ऑपरेटिव एमआरआई (ओटी)	365
	एनएमआर सुविधा	1495
	कुल	**3585**
एक्स–रे		**19255**

वर्ष के लिए कुल = 46,755

प्रकरण चर्चा और निर्णय लेने के लिए रोगी देखभाल के लिए न्यूरोरेडियोलॉजी सम्मेलन की समीक्षा

	मामलों की संख्या	साप्ताहिक आवृत्ति	कुल
मिर्गी प्रकरण सम्मेलन	@ 10	1	10 / सप्ताह
न्यूरो सर्जरी सम्मेलन	@ 25	4	100 / सप्ताह
न्यूरोलॉजी सम्मेलन	@ 15	6	90 / सप्ताह
न्यूरोपैथोलॉजी सम्मेलन	@ 4	सप्ताह में दो बार	8/सप्ताह
		कुल	208 / सप्ताह

कुल = 60,944 मामले / वर्ष

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर एन. के. मिश्र ने संस्थान की अभियंता परामर्शदात्री समिति के अध्यक्ष और विभिन्न विभागीय पदोन्नति समितियों के सदस्य के रूप में भी कार्य किया। न्यूरोरेडियोलॉजी में पाठ्यक्रम, शिक्षक पात्रता आहर्ता (टीईक्यू) और न्यूनतम मानक आवश्यकताएं एमएसआर) तैयार करने हेतु भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा विशेषज्ञ समूह का सदस्य नियुक्त किया गया। उन्हें साइंटिफिक जर्नल्स 'न्यूरोलॉजी इंडिया' इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च' इंडियन जर्नल ऑफ रेडियोलॉजी एण्ड इमेजिंग' और जर्मनी से प्रकाशित 'दि न्यूरोरेडियोलॉजी जर्नल' के साथ साथ 'क्लिनिकल न्यूरोलॉजी एण्ड न्यूरोसर्जरी' द्वारा प्रकाशित एक एल्सवियर जर्नल के आमंत्रित समीक्षक रहे हैं और आगे भी रहेंगे। इन्होंने दो ई – पोस्टरों : 'कॉम्प्लीकेशंस इन स्पाइनल एवीएम एम्बोलाइजेशन और 'स्पाइनल मेक्रो – फिस्टुले' को पैलीज डेज कांग्रेस डी नैन्सी, 17 – 19 रुई ग्रांड रैबिन हैगुऐंन्यूर, 54000 नैंसी, फ्रांस में 18 – 20 जून 2014 को आयोजित द्वितीय विश्व एवीएम कांग्रेस प्रस्तुत किया। 31 जुलाई से 3 अगस्त 2014 को गोवा में भारतीय न्यूरोइंटरवेंशनल फाउंडेशन (आईएनआईएफ) की 11वीं मानसून बैठक के वैज्ञानिक सत्र में भाग लिया और इसके सभापति के रूप में संचालन किया। 7–12 सितंबर, 2014 को इस्तांबुल, तुर्की में वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ न्यूरोरेडियोलॉजिकल सोसाइटीज़ (डब्ल्यूएफएनआरएस) द्वारा आयोजित 20वीं न्यूरोरेडियोलॉजिकल संगोष्ठी में दो वैज्ञानिक पोस्टर प्रदर्शन : ''पोस्टेरियर सर्कुलेशन डिसेक्टिंग एन्युरेमस : 87 मामलों की समीक्षा'' और ''भारतीय उप आबादी में क्रजफेल्ड्ट जैकब डिजीज के पैन इनसेफलोपेथिक का प्रकार'' स्वीकार किए गए। इस कांग्रेस के अवसर पर ''पीडियाट्रिक डाइग्नॉस्टिक न्यूरो रेडियोलॉजी सत्र'' के सभापति के रूप में आमंत्रित किया गया। न्यूरो साइंसेज सेंटर के प्रमुख के रूप में 30 अक्तूबर से 2 नवंबर 2014 को आयोजित द्वितीय एम्स न्यूरोट्रॉमा सम्मेलन और कैडेवेरिक कार्यशाला के उद्घाटन समारोह का संबोधित किया। श्री रामचंद्र मेडिकल कॉलेज एण्ड यूनिवर्सिटी पोरुर, चेन्नई में 13 – 16 नवंबर, 2014 को आयोजित रामचंद्र एडवांस्ड इंटरनेशनल न्यूरोरेडियोलॉजी पाठ्यक्रम (आरएआईएन) में अतिथि वक्ता व सभापति के रूप में आमंत्रित किया गया। 13 फरवरी 2015 को आयोजित 17वीं वार्षिक माइक्रोन्यूरोसर्जरी कार्यशाला के उद्घाटन समारोह को न्यूरोसाइंसेज के प्रमुख के रूप में संबोधित किया। 14 – 15 मार्च 2015 को नई दिल्ली में आयोजित इंडो यूरो पार्क समिति के अवसर पर ''इमेजिंग मोटर एण्ड नॉन मोटर सिस्टम्स इन पार्किंसंस डिजीज'' पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता की। 4 अप्रैल 2015 को एम्स नई दिल्ली में आयोजित प्रथम अपस्मार सर्जरी कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में न्यूरोसाइंसेज सेंटर के प्रमुख की हैसियत से व्याख्यान दिया। 11–12 अप्रैल 2015 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित ''ट्रॉपिकॉन 2015 के अवसर पर सम्मानित सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

प्रोफेसर शैलेष बी गायगवाड को निम्न लिखित परीक्षाओं : 1 जुलाई 2014 को रेडियोलॉजी विभाग, सीएमसी, वेल्लूर में आयोजित ''इंटरनेशनल रेडियोलॉजी'' फेलोशिप पर संचालित सिद्धांत / प्रायोगिक साक्षात्कार परीक्षा; निम्हंस, बैंगलोर में 20 जुलाई 2014 को ''डी एम न्यूरोरेडियोलॉजी'' पर आयोजित परीक्षा; में परीक्षक / बाह्य विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया निम्हंस, बैंगलोर में 23 जुलाई 2014 को न्यूरोरेडियोलॉजी विभाग में एपीएस के अंतर्गत संकाय चयन हेतु बाह्य विशेषज्ञ; 8 मार्च 2015 को निम्हंस, बैंगलोर में रेडियोलॉजी विभाग में एपीएस और सीधी भर्ती के अंतर्गत संकाय चयन हेतु बाह्य विशेषज्ञ; तकनीकी मूल्यांकन और विभिन्न उपकरणों की खरीद तथा भारत भर के सभी संस्थानों में नए संकायों की नियुक्ति हेतु बाह्य विशेषज्ञ; 7 दिसंबर, 2014 को निम्हंस, बैंगलोर में ''आंतरिक परिचालनात्मक एमआरआई सुविधा'' की प्रस्तावित स्थापना हेतु आयोजित तकनीकी समिति की बैठक; 3डी रोटेशनल एंजियोग्राफी सुविधा के साथ बाइप्लान डीएसए प्रणाली'' की खरीद हेतु रेडियोलॉजी विभाग, एसजीपीजीआई, लखनऊ में 22 दिसंबर 2014 को आयोजित तकनीकी मूल्यांकन समिति की बैठक; ''निम्हंस में नवीनतम

अत्याधुनिक अंतः संचालनात्मक एमआरआई सुविधा'' हेतु 10 और 11 फरवरी 2015 को निम्हंस, बैंगलोर में आयोजित क्रय समिति की बैठक; निम्हंस में नवीनतम अत्याधुनिक आंतरिक परिचालनात्मक एमआरआई सुविधा'' की प्रस्तावित स्थापना हेतु 14 मार्च 2015 को निम्हंस, बैंगलोर में आयोजित क्रय समिति की बैठक; निम्हंस में नवीनतम अत्याधुनिक डिजिटल सब्सट्रेक्शन एंजियोग्राफी सुविधा की प्रस्तावित स्थापना हेतु 14 मार्च 2015 को निम्हंस, बैंगलोर में आयोजित क्रय समिति की बैठक; ''नवीनतम अत्याधुनिक डिजिटल सब्सट्रेक्शन एंजियोग्राफी सुविधा'' की प्रस्तावित स्थापना हेतु निम्हंस बैंगलोर में 8 मार्च 2015 को आयोजित क्रय समिति की बैठक में बाह्य विशेषज्ञ, न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग, एम्स हेतु पीईटी – एमआरआई की खरीद हेतु तकनीकी समिति के रूप में आमंत्रित किया गया; ये इंडियन रेडियोलॉजीकल एण्ड इमेजिंग एसोसिएशन (आईआरआईए); न्यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनएसआई); इंडियन इपिलेप्सी सोसाइटी (आईईएस); इंडियन सोसाइटी ऑफ वेस्कुलर एण्ड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी (आईएसवीआईआर); इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोरेडियोलॉजी, दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन; इंडियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक रेडियोलॉजी; वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ इंटरवेंशनल एण्ड थेराप्यूटिक न्यूरोरेडियोलॉजी (डब्ल्यूएफआईटीएन); एशिया पेसिफिक सोसाइटी ऑफ कार्डियोवेस्कुलर एण्ड रेयिोलॉजी (एपीएससीवीआईआर) के सदस्य हैं; प्रोफेसर गायकवाड़ ने अनेक समितियों : एसपीसी; सर्जिकल कमेंडेशन समिति; एम्स जिमखाना – उपाध्यक्ष; डिपार्टमेंटल स्टोर्स; न्यूरोलॉजी विभाग हेतु एमडीसीटी की खरीद के लिए गठित तकनीकी समिति के अध्यक्ष; विभाग के लिए न्यूरोइंटरवेंशन वस्तुओं (उपभोज्य) की खरीद; मस्जिद मोठ, एम्स में नए डायग्नॉस्टिक ब्लॉक के विकास हेतु प्रस्ताव तथा ईएफसी ज्ञापन तैयार करने के लिए गठित समिति; नेशनल न्यूरोसाइंसेज इंस्टीट्यूट; झज्जर, हरियाणा; मस्जिद मोठ, एम्स, नई दिल्ली के इमेरजेंसी ब्लॉक में सेवाएं दीं; उपर्युक्त परियोजनाओं की योजना तैयार की और इस ईएफसी ज्ञापन प्रस्तुत किया।

अतिथि वैज्ञानिक

डॉ. दिलीप आर. यवगल क्लिनिकल न्यूरोसर्जरी के एमडी, सहायक प्रोफेसर, निदेशक इंटरवेंशनल न्यूरोलॉजी, सह निदेशक इंडोवेस्कुलर न्यूरोसर्जरी, संकाय, इंटर डिसिप्लनरी स्टेम सेल इंस्टीट्यूट, यूनिवर्सिटी ऑफ मियामी एण्ड जैक्सन मेमोरियल हॉस्पिटल, 1120 एनडब्ल्यू 14 स्ट्रीट, मियामी, एफएल, 33136 ने 12 मार्च 2015 को विभाग का दौरा किया और स्ट्रोक के क्षेत्र में स्टेम सेल अनुसंधान में सहयोग की व्यावहारिक संभावनाओं पर विचार विमर्श किया ये उनका मौजूदा रुझान क्षेत्र है। जनवरी 2015 में राष्ट्रपति ओबामा के भारत दौर के बाद भारत यूएस सहयोग और दोनों देशों की सरकारों के बीच चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सीय अनुसंधान और प्रशिक्षण के क्षेत्र में शैक्षिक सहयोग और समन्वय हेतु हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन और इनकी परिचर्चा के आधार पर एक संयुक्त अनुसंधान परियोजना शीर्षक : 'स्टेम स्ट्रोक : इस्कीमिक स्ट्रोक में इंट्रा आर्टेरियल मेसेन्चाइमल स्टेम सेल्स का सुरक्षा और दक्षता परीक्षण'' को अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया गया। डॉ. अजय वखलू, न्यूरोइंटरवेंशन एण्ड इमेजिंग अनुभाग, रेडियोलॉजी विभाग, एच 2–144, 55 लेक एवेन्यू नॉर्थ, यूनिवर्सिटी ऑफ मैसेचुसेट्स मेडिकल स्कूल, वारसेस्टर, एमए 01655, यूएसए और डॉ. एन्डर्स डेल, उपाध्यक्ष, अनुसंधान और डॉ. विलियम जी बेहली, जूनियर प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, रेडियोलॉजी विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया सेन डीगो हेल्थ सिस्टम, 402 डिकिन्सन एस टी 454, सेन डीगो, सीए 92103–8224, यूएसए के सहयोग से एकीकृत एमआर इमेजिंग और जीनोमिक प्रोफाइलिंग के माध्यम से ग्लियोब्लास्टोमा मल्टी फार्म के रेडियोजीनोमिक निरूपण के साथ साथ संक्षिप्त स्ट्रोक सेंटर प्रोग्राम विकसित करने का प्रस्ताव भी किया गया है।

तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान

विशिष्टताएं

5068 न्यूरो सर्जिकल प्रक्रियाओं (3758 न्यूरो साइंस केन्द्र पर और 1310 जेपीएनएटीसी पर) के लिए एनेस्थेटिक प्रबंधन पूरा किया गया था। इनमें से 3497 वैकल्पिक (2838 न्यूरो साइंस केन्द्र पर और 659 जेपीएनएटीसी पर) और 1571 आपातकालीन (920 न्यूरो साइंस केन्द्र पर और 651 पर) थीं। इसके अतिरिक्त, 467 न्यूरो रेडियोलॉजिकल प्रक्रियाओं (276 डायग्नोटिक; 191 थेराप्यूटिक) के लिए भी एनेस्थेटिक प्रबंधन पूरा किया गया था। 5956 मरीजों (4000 एनएससी; 1281 टीसी3 और 675 टीसी2, जेपीएनएटीसी) के इंटेंसिव केयर प्रबंधन को पूरा किया गया था। एनएससी पर प्री–एनेस्थेसिया चैकअप (पीएसी) में कुल 3217 मरीज (2222 नए और 995 पुराने देखे गए थे। पेन क्लीनिक ओपीडी, एनएससी में कुल 709 मरीज (153 नए और 556 पुराने) देखे गए थे और उनमें से 291 का उपचार तंत्रिका ब्लॉक में किया गया था।

छह अभ्यर्थियों को डीएम (न्यूरो एनेस्थियोलॉजी) डिग्री प्रदान की गई थी। सात नए अभ्यर्थी ने डीएम पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया था। अन्य तंत्रिका संवेदनाहरण विभागों के 21 स्नातकोत्तर छात्रों तथा 10 सीनियर रेज़ीडेंट्स ने न्यूरो एनेस्थेसिया प्रशिक्षण प्राप्त किया।

बारह अनुसंधान परियोजनाएं (01 वित्तपोषित, 11 विभागीय) पूरी की गई जबकि 28 अनुसंधान परियोजनाएं (06 वित्तपोषित, 14 विभागीय और 08 सहयोगात्मक) जारी हैं।

विभाग ने एम्स न्यूरो एनेस्थेसिया अपडेट – 2014 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। संकाय सदस्यों और सीनियर रेज़ीडेंट्स ने 22 सम्मेलनों (05 अंतरराष्ट्रीय, 17 राष्ट्रीय) 01 संगोष्ठियों और 20 अन्य सीएमई में भाग लिया, (97 व्याख्यान दिए और 38 शोध–पत्र प्रस्तुत) किए गए। विभाग के संकाय द्वारा चार कार्यशालाएं आयोजित की गईं। संकाय और रेज़ीडेंट्स के 50 लेख (25 अंतरराष्ट्रीय, 25 राष्ट्रीय में) में साइंटिफिक जर्नलों में प्रकाशित किए गए थे। आठ सार अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए थे। संकाय द्वारा पुस्तकों में छह अध्याय लिखे गए।

दो संकाय सदस्य, इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थियोलॉजी एण्ड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी) के क्रमशः महासचिव और कोषाध्यक्ष रहे। एक संकाय मुख्य संपादक होगा और 02 संकाय सदस्यों को एक राष्ट्रीय जर्नल का कार्यकारी संपादक होगा। राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुतियों के लिए तीन पुरस्कार विजेता थे।

शिक्षा

स्नातकोत्तर शिक्षण : 21 एमडी एनेस्थेसियोलॉजी छात्रों (एम्स के एनेस्थेसियोलॉजी विभाग के 12 और एलएचएमसी के 09 छात्रों) ने अपने पाठ्यक्रम के अभिन्न अंग के रूप में, विभाग में न्यूरो एनेस्थियोलॉजी प्रशिक्षण प्राप्त किया। दस सीनियर रेज़ीडेंट्स (एम्स के एनेस्थेसियोलॉजी विभाग से 08 और डॉ. बीआरएआईआरसीएच एनेस्थेसियोलॉजी विभाग के 02) ने परस्पर बदलाव आधार पर अंतरविभागीय चक्रानुक्रम के एक भाग के रूप में परिवर्ती अवधियों में एनेस्थेसियोलॉजी में प्रशिक्षण प्राप्त किया। विभागीय शिक्षण कार्यक्रम के एक भाग में रूप में सप्ताह में तीन बार (सोमवार, मंगलवार, शनिवार) को सेमिनार, जर्नल क्लब और मामला प्रस्तुतीकरण (एक बार में एक घंटे तक) का आयोजित किया गया।

कौशल कार्यशालाएं :

1. क्रिकोथायरॉइडोटोमी. सर्जनों के लिए एम्स क्रिटिकल केयर कोर्स, 25 नवंबर 2014. जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली
2. बेसिक ऑफ मैकेनिकल वेंटिलेशन. सर्जनों के लिए एम्स क्रिटिकल केयर कोर्स, 26 नवंबर 2014. जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली
3. क्रिकोथायरॉइडोटोमी. सर्जनों के लिए एम्स क्रिटिकल केयर कोर्स, 1 दिसंबर 2014. जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली
4. बेसिक ऑफ मैकेनिकल वेंटिलेशन. सर्जनों के लिए एम्स क्रिटिकल केयर कोर्स, 2 दिसंबर 2014. जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली

विभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन, संगोष्ठी, कार्यशालाएं

1. विभाग द्वारा 30.08.2014 से 31.08.2014 तक अ. भा. आ. सं. संवेदनाहरण विज्ञान अद्यतन – 2014 सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

प्रदत्त व्याख्यान

प्रमोद कुमार बिठ्ठल : 6 | **मिहिर प्रकाश पांडिया : 5** | **गिरिजा प्रसाद रथ : 6**
हेमांशु प्रभाकर : 4 | **ज्ञानिंदर पाल सिंह : 7** | **आशीष विंदरा : 12**
केशव गोयल : 9 | **नीरज सिंह : 4** | **नवदीप सोखल : 5**
ऋचा : 6 | **कपिल देव सोनी : 28** | **चारू महाजन : 2**
इंदु कपूर : 1

प्रस्तुत किए गए शोध पत्र और पोस्टर : 38

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. लम्बर डिससेक्टोमी से गुजर रहे रोगियों में इंट्राऑपरेटिव फेंटली कंज्मशन पर ट्रांसक्यूटेनियम इलेक्ट्रिकल नर्व स्टीमुलेशन (टीईएनएस) का प्रभाव, आर. एस. चौहान, इंडियन सोसायटी ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड न्यूरोक्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी), 02 वर्ष, 2015–2017, 50,000.
2. प्रोन स्थिति में तरल पदार्थ जवाबदेही के कारक के रूप में प्लेथ परिवर्तनशीलता सूचकांक की तुलना और स्ट्रोक की मात्रा की विविधता। गिरिजा प्रसाद रथ, आई सी एम आर, एक, 1.12.2015–31.11.2015, 5,45,475 रु.।
3. स्पाइन सर्जरी के बाद ऑपरेशन पश्चात मॉर्फिन कंज्मशन पर एकल खुराक प्रीओपरेटिव विटामिन सी बनाम प्लोसेबो के प्रभाव के यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, नीरज कुमार, एम्स, 1 वर्ष, 2014–2015, 2,80,000 रु.।

4. क्या अन्य लाभ प्राप्त परकुटेनियस ट्रेकियोस्टोमी निर्देशित ब्रोंकोस्कोपी के दौरान वास्तविक समय अल्ट्रासोनोग्राफी करता है; एक प्रारंभिक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। रिचा अग्रवाल, एम्स, 2, 2013–2015, 83000 रुपए।
5. लैप्रोटोमी के अनुपालन में ऑपरेशन पश्चात जटिलताओं की भविष्यवाणी करने में चयापचय मापदंडों में लिए गए माइक्रोडायलयसिस की भूमिका; व्यवहार्यता और प्रायोगिक अध्ययन, कपिल देव सोनी, एम्स, 2, 2013–2015, 5 लाख रुपए।
6. ट्रॉमा रोगियों में निम्न लैपरोटोमी की ऑपरेशन पश्चात जटिलताओं की भविष्यवाणी में माइक्रोडायलायसिस व्युत्पन्न चयापचय मापदंडों की भूमिका। एक व्यवहार्यता और प्रायोगिक अध्ययन। कपिल देव सोनी, आंतरिक एम्स, 1, 2014, 5 लाख।
7. एण्डोस्कोपिक पिट्यूटरी सर्जरी कराने वाले रोगियों में हीमोडायनेमिक्स पर लिडोकेन इंफ्यूजन के प्रभाव और इनका ठीक होना : एक बहु केंद्रिक, यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण। केशव गोयल, 2 वर्ष, 7 फरवरी 2013.
8. सर्जरी से गुजर रहे एक्रोमेगली वाले रोगियों में एयरवे का आकलन : ट्रेकियल इंटुबेशन की सफलतापूर्वक भविष्यवाणी, इंदु, गैर वित्त पोषित, 3 वर्ष, 2015–2018

पूर्ण

1. ट्रॉमा रोगियों में निम्न लैपरोटोमी की ऑपरेशन पश्चात जटिलताओं की भविष्यवाणी में माइक्रोडायलायसिस व्युत्पन्न चयापचय मापदंडों की भूमिका, एक व्यवहार्यता और प्रायोगिक अध्ययन। आशीष बिंदरा, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (आंतरिक निधिकरण), 2 वर्ष, जनवरी 2013 – मार्च 2015, 3 लाख रु.।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. जागृत अवस्था के दौरान बेहोश करने की क्रिया के लिए डेक्समेडेटोमिडिन बनाम प्रोपोफॉल संक्रमण की प्रभावशीलता की तुलना।
2. एक तृतीयक स्तर ट्रॉमा सेंटर में दर्दनाक मस्तिष्क की चोट वाले बाल चिकित्सा रोगियों का एनेस्थेटिक प्रबंधन – एक पूर्वव्यापी अध्ययन।
3. अल्ट्रासाउंड निर्देशित केन्युलेशन पर कैरोटिड अर्टरी और इसके निहितार्थ के संबंध में इंटर्नल जुगुलर वेन का एनाटोमिकल रूपांतरण : एक पर्यवेक्षणीय अध्ययन।
4. बड़े संवहनी तंत्रिका अर्बुद में डिएक्समेडिटोमाइडिन के इंट्राऑपरेटिव उपयोग।
5. क्या ब्रोंकोस्कोपी निर्देशित रक्ताधान के दौरान वास्तविक समय अल्ट्रासाउंड में अन्य लाभ प्रदान करता है : एक प्रारंभिक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
6. सेवोफ्लुरेन संवेदनाहरण के दौरान सेरेब्रल स्वः विनियमन और सीओ2 अभिक्रियाशीलता पर डेक्समेडेटोमिडिन का प्रभाव।
7. बड़े इंट्राक्रानियल ट्यूमरों को कटने के दौरान रोगियों के अस्पताल में रहने पर लक्षित निर्देशित इंट्राऑपरेटिव फ्लुइड थैरेपी का प्रभाव।
8. एन्यूरिज्मल सबआर्कनॉइड हैमरेज के लिए सर्जिकल क्लिपिंग से गुजर रहे वयस्क रोगियों में ऑपरेशन पूर्व जटिलताएं और न्यूरोलॉजिकल परिणाम पर इंट्राऑपरेटिव एन्यूरिज्म का प्रभाव।
9. सिर की चोट वाले रोगियों में आईसीयू में संवेदनाहरण के लिए डेक्समेडेटोमिडिन के प्रभाव।
10. गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क की चोट वाले रोगियों में इंट्राक्रेनियल दबाव की निगरानी : एक पूर्वव्यापी अध्ययन।
11. बड़े संवहनी तंत्रिका अर्बुद में डिएक्समेडिटोमाइडिन के इंट्राऑपरेटिव उपयोग।
12. सिर की चोट वाले रोगियों में आईसीयू में एक्सट्यूबेशन विफल रहने के जोखिम कारकों और कारणों का अध्ययन करना।
13. न्यूरोक्रिटिकल केयर यूनिट का सप्ताह : न्यूरोक्रिटिकल केयर में बिंदु रोकथाम अवलोकन अध्ययन : पीआरआईएनसीई अध्ययन। जुलाई 2014
14. रीढ़ की हड्डी की सर्जरी से गुजर रहे बच्चों के उभद्व और उनके ठीक होने विशेषताओं पर सेवोफ्लुरेन और डेसफ्लुरेन के बीच तुलना।

पूर्ण

1. मस्तिष्क ट्यूमर सर्जरी से गुजर रहे वयस्क रोगियों में पेरिऑपरेटिव जटिलताओं और न्यूरोलॉजिकल परिणाम पर इंट्राऑपरेटिव खून की कमी का प्रभाव – एक पूर्वव्यापी अध्ययन।

2. ब्रेकियल प्लेक्सस चोट के सुधार की सर्जरी से गुजर रहे सीआरपीएस–।। वाले रोगियों में इंट्राऑपरेटिव प्रोपोफुल और फेंटनली कंज्मशन पर स्टेलेट गैंग्लियन ब्लॉक का प्रभाव।
3. अंतर्कपालीय तंत्रिका अर्बुद के छांटने के दौर से गुजर रहे रोगियों में इंट्राऑपरेटिव खून की कमी और आधान आवश्यकताओं पर ट्रांक्समिक एसिड प्रभाव।
4. गंभीर सिर की चोट वाले रोगियों में गैर – तंत्रिका विज्ञान संबंधी जटिलताओं का मूल्यांकन।
5. वयस्क रोगियों में पोस्टेरियर फोसा ट्यूमरों के लिए निम्नलिखित सर्जरी में ऑपरेशन पूर्व पल्मोनरी जटिलताओं की घटना और पूर्वानुमान : एक पूर्वव्यापी विश्लेषण।
6. सरवाइकल स्पाइन सर्जरी के दौर से गुजर रहे बुजुर्ग रोगियों में ऑपरेशन पूर्व जटिलताएं
7. इंट्राक्रेनियल सर्जरी के दौर से गुजर रहे बुजुर्ग रोगियों में ऑपरेशन पूर्व कारक और परिणाम – एक संभावित अवलोकन अध्ययन।
8. कई आघात पीड़ितों सहित और सिर की चोट के बिना क्रमानुसार अनुमानित सीरम प्रोकैल्सीटोनिन का प्रोग्नोस्टिक मूल्य।
9. बाल चिकित्सा न्यूरोसर्जरी रोगियों में बैठने की स्थिति – एक पूर्वव्यापी विश्लेषण।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. कार्डियक रिद्म पर एन्यूरिज्म सब – आर्कनॉइड हैमोरेहज के अनुपालन में सेरेब्रल वैसोस्पैम्स के लिए स्टेलेट गैंग्लियन ब्लॉक का प्रभावः ए होल्टर आधारित अध्ययन, कार्डियोलॉजी, एम्स।
2. एण्डोस्कोपिक पिट्यूटरी सर्जरी कराने वाले रोगियों में हीमोडायनेमिक्स पर लिडोकेन इंफ्यूजन के प्रभाव और इनका ठीक होना : एक बहु केंद्रिक, यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र, यूनिवर्सिटी ऑफ मैनिटोबा, वाइनपेग, कनाडा
3. सेंट्रल लाइन एसोसिएटेड ब्लड स्ट्रीम इंफेक्शन (सीएलएबीएसआई) को कम करने में क्लोरेहेक्सिडिन ग्लुकोनेट इम्प्रेगनेटेड पैच (बीआईओपीएटीसीएच आर) की प्रभावशीलता पर भावी अध्ययन, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, जेपीएनएटीसी, एम्स।
4. रेफेरल इंडियन हॉस्पीटल में ब्लड स्ट्रीम इंफेक्शन (बीएसआई) की निगरानी, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, जेपीएनएटीसी, एम्स।
5. न्यूरोक्रिटिकल केयर इकाई का सप्ताह : न्यूरोक्रिटिकल देखभाल में बिंदु रोकथाम अवलोकन अध्ययन : पीआरआईएनसीई अध्ययन। जुलाई 2014. बयलॉर कॉलेज ऑफ मेडिसिन, हॉस्टन, टेक्सास।
6. आईसीयू में रहने के दौरान सिर की चोट वाले रोगियों में इलेक्ट्रोलाइट असमान्यताएं : एक भविष्यलक्षी अवलोकन अध्ययन। लैब मेडिसिन, जेपीएनएटीसी, एम्स।
7. पोस्ट – ट्रॉमेटिक रोगियों में पोस्ट काइटोकाइन में एंटी–इंफ्लेमेटरी साइकोकाइन के विनियमन में सीडी14 हाई सीडी16 – ब्लड मोनोकाइट की भूमिका। सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, सर्जरी।
8. ट्रॉमा रोगियों में निम्न लैपरोटोमी की ऑपरेशन पश्चात जटिलताओं की भविष्यवाणी में माइक्रोडायलायसिस व्युत्पन्न चयापचय मापदंडों की भूमिका। एक व्यवहार्यता और प्रायोगिक अध्ययन। सर्जरी, न्यूरोसर्जरी।

रोगी देखभाल

विभाग नेएनएससी में 07 ऑपरेटिंग कक्ष, 02 न्यूरोरेडियोलॉजी इंटरवेंशनल कैथ. लैब, 01 एमआरआई सुविधा, 01 गामा नाइफ सर्जरी सुविधा और जेपीएनएटीसी में 02 ऑपरेशन थिएटर में एनस्थिसिया देखभाल प्रदान की। विभाग ने एनएससी में 26 बिस्तर वाले न्यूरोसर्जरी आईसीयू और 05 बिस्तर वाले न्यूरोलॉजी आईसीयू, जेपीएनएटीसी में 20 बिस्तर वाले न्यूरोट्रॉमा आईसीयू और 12 बिस्तर वाले जनरल ट्रॉमा आईसीयू में रोगी देखभाल भी प्रदान की।

विशेष क्लिनिक

क) ट्रॉमा सेंटर में पेन क्लिनिक

ख) एनएससी ओपीडी में पेन क्लिनिक

ग) एनएससी ओपीडी में पीएसी क्लिनिक

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर पी. के. बिठ्ठल न्यूरोएनेस्थिसिया अपडेट 2014 के आयोजन अध्यक्ष थे।

डॉ. आर. एस. चौहान ने दो राष्ट्रीय सम्मेलनों (30.08.2015 से 31.08.2014 को नई दिल्ली में आयोजित एम्स न्यूरो एनेस्थेसिया अपडेट 2014 और 28.10.2014 से 01.11.2014 को नई दिल्ली में आयोजित एम्स वार्षिक न्यूरोट्रॉमा सम्मेलन) और 12.03.2015 से 15.03.2015 तक गोवा में अंतरराष्ट्रीय पीड़ा प्रबंधन (सीआईपीएम – 9) पर एक कैडेवेरिक कार्यशाला में भाग लिया; तीन वैज्ञानिक सत्रों (28.10.2014 से 01.11.2014 को नई दिल्ली में आयोजित दो एम्स वार्षिक न्यूरोट्रॉमा सम्मेलनों और 30.08.2014 से 31.08.2014 को नई दिल्ली में आयोजित एम्स न्यूरोएनेस्थेसिया अपडेट 2014) की अध्यक्षता की; 30.08.2014 से 31.08.2014 तक नई दिल्ली में आयोजित एम्स न्यूरोएनेस्थेसिया अपडेट 2014 की आयोजन समिति के उपाध्यक्ष रहे।

डॉ. मिहिर प्रकाश पांडिया न्यूरोएनेस्थिसिया अपडेट 2014 के आयोजन सचिव थे।

डॉ. गिरिजा प्रसाद रथ कोषाध्यक्ष, इंडियन सोसायटी ऑफ न्यूरोएंस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसी), कार्यकारी संपादक, जर्नल ऑफ न्यूरोएंस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (जेएनएसी) और इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थिसिया (आईजेए) के संपादकीय बोर्ड सदस्य का पद धारण किया। इंडियन कॉलेज ऑफ एनेस्थिसियोजॉस्टि (एफआईसीए) के अध्येता के रूप में नामित किया गया है। इसके अलावा एनाल्स ऑफ कार्डियक एनेस्थिसिया के लिए अनुभाग संपादक (न्यूरोएंस्थिसिया) और इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थिसिया (आईजेसीए) के लिए एसोसिएट संपादक के रूप में नामित कया गया है।

डॉ. केशव गोयल को इंडियन सोसायटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसन द्वारा बैंगलोर, कर्नाटक में आयोजित अपने वार्षिक सम्मेलन क्रिटिकेयर 2015 के अवसर पर यंग टैलेंट हंट अवार्ड 2015 प्रदान किया गया; सर्जन्स हेतु एम्स क्रिटिकल केयर कोर्स (एसीसीसी) की कोर कांग्रेस समिति के सदस्य; जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली में नवंबर 2014 में आयोजित परिचयात्मक पाठ्यक्रम के सदस्य रहे; 18–20 सितंबर 2014 को एमएएमसी में आयोजित बीएलएस और एडवांस्ड कार्डियक लाइफ सपोर्ट कोर्स (एसीएलएस) प्रोवाइडर कोर्स; 18 – 20 सितंबर 2014 को एमएएमसी में आयोजित बीएलएस और एडवांस्ड कार्डियक लाइफ सपोर्ट कोर्स (एसीएलएस) इंस्ट्रक्टर कोर्स को सफलता पूर्वक पास किया; जे पी एन ए टी सी, नई दिल्ली में नवंबर 2014 में संचालित बीईसीसी 2014 के पाठ्यक्रम निदेशक; ट्रॉमाकेन 2014 की आयोजन समिति के सदस्य; न्यूरोएनेस्थेसिया अपडेट 2014 के सह संचालन सचिव के रूप में सेवाएं दीं।

डॉ. चारु महाजन ने जम्मू में 31 अक्टूबर – 2 नवंबर 2014 को आयोजित उत्तरी क्षेत्र आईएसएसीओएन, 2014 में सर्वेश्रेष्ठ शोध पत्र के लिए पुरस्कार प्राप्त किया।

तंत्रिका विकृति विज्ञान

विशिष्टताएं

तंत्रिका विकृति विज्ञान प्रयोगशाला में रोगी देखभाल नैदानिक सेवा के लिए आण्विक विकृति तकनीक का उपयोग कर रहा है। सीटू हाइब्रिडाइजेशन में फ्लोरसेंस न्यूरोमस्कुलर रोगों के लिए न्यूरो – ऑन्कोलॉजी और इम्युनोब्लोटिंग में उपयोग किया जा रहा है।

शिक्षा

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

चित्रा सरकार : 14 **मेहर सी. शर्मा : 5** **वैशाली सूरी : 3**

प्रस्तुत किए गए शोध पत्र और पोस्टर : 34

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. ग्लियोमास में पॉलीकोम्ब रिप्रैसिव कॉम्पलेक्सिस का एक क्लीनिकोपैथोलॉजिकल तथा मॉलीक्यूलर आनुवंशिक अध्ययन। चित्रा सरकार, आई. सी. एम. आर., 3 वर्ष, 2012–2015, 50 लाख रुपए (लगभग)।

2. ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफोरम में एक बड़े इम्प्रिंटिड एम आई आर एन ए क्लास्टर की भूमिका समझने के लिए जीनोमिक और कार्यात्मक उपागम। चित्रा सरकार, डीबीटी, 3 वर्ष, 2012–2015, 50 लाख रुपए (लगभग)।
3. पूरे एजोमी अनुक्रमण के माध्यम से ग्लियोमा विकास और प्रगति को सुलझाना, चित्रा सरकार, डीबीटी, 3 वर्ष, 2013–16, 99 लाख (लगभग)
4. वयस्क और बाल चिकित्सा मेनिंजियोमास में क्लिनिकोपैथोलॉजिकल सुविधाओं और आणविक आनुवंशिक परिवर्तन का अध्ययन। (आंतरिक परियोजना), वैशाली सूरी, आंतरिक, 3 वर्ष, 2013–15, 10 लाख रुपए।

पूर्ण

1. बच्चों तथा वयस्कों में ग्लियोब्लास्टोमास : मॉलीक्यूलर पाथवेस तथा एम जी एस टी मैथीलेशन स्टेट्स के विशेष संदर्भ में एक तुलनात्मक अध्ययन। वैशाली सूरी। आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2010–13, 25 लाख रुपए।
2. एपेंडायमोमास में मेसेंकाइमल संक्रमण के लिए एपिथेलियल का अध्ययन। एम. सी. शर्मा, अ. भा. आ. सं., 1 वर्ष, 2012–13, 5 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. ग्लियोमास में हिस्टॉन मार्कर की अभिव्यक्ति
2. ओलिगोडेंड्रोग्लियोमास में एमआईआरएनए रूपरेखा
3. बाल चिकित्सा ग्लियोब्लास्टोमास में एमआईआरएनए रूपरेखा
4. जीबीएम के आण्विक वर्गीकरण के लिए सरल दृष्टिकोण
5. ईजेडएच2, साइक्लिन डी1 और सीएनएस के एटीआरटी में वीईजीएफ की अभिव्यक्ति।
6. इंट्राक्रानियल जर्म सेल ट्यूमर – बहु केंद्रीय अध्ययन।
7. पीडियट्रिक ओलिगोडेंड्रोग्लियोमस – आण्विक आनुवंशिकी परिवर्तनों का अध्ययन।
8. ग्लियोब्लस्टोमस में डीएनए मेथ्यल ट्रांसफेरेसेस की अभिव्यक्ति।
9. मिर्गी से जुड़े ट्यूमर – आनुवंशिक परिवर्तन और माइक्रो आरएनए रूपरेखा का अध्ययन।
10. पीडियट्रिक मेनिनगियोमस – क्लिनिकोपैथोलॉजिकल सुविधाओं, हार्मोनल रूपरेखा और आनुवंशिक परिवर्तन का अध्ययन।

पूर्ण

1. ग्लियोमास में एटीआरएक्स जीन की अभिव्यक्ति
2. वयस्क पिलोसाइटिक एस्ट्रोकाइटोमास में बीआरएएफ और ईजीएफआर
3. मेड्युलोब्लास्टोमास के क्लिनकोपैथोलॉजिकल और आणविक सबटाइप
4. सबएपेनडाइयल जॉयंट सेल एस्ट्रोसाइटोमस तथा कॉर्टिकल डिस्प्लासिया में डब्लयूएनटी पाथवे का ट्यूबरियस स्केलेरोसिस कॉम्प्लेक्स तथा अपरेगुलेशन अध्ययन।
5. 1क्यू गेन पर आधारित पीडियट्रिक पोस्टेरियर फोसा एपेंडायमोमस की विशेषता और लेमिनिन अल्फा – 2 (एलएएमए2) और न्यूरल एपिडर्मल ग्रोथ फैक्टर जैसे 2 (एनईएलएल2) प्रोटीनों की अभिव्यक्ति।
6. एंडोमेट्रियल हाइपरप्लासिया और कार्सिनोमा में बायोमार्करों की अभिव्यक्ति।
7. एफआईएसएच आमपन द्वारा ग्लियल ट्यूमरों में 1पी / 19क्यू स्थितियों का आकलन
8. ग्लियोब्लास्टोमस में एलओएच 10क्यू का विश्लेषण।
9. मेनिनजियोमस में 1वी / 14क्यू विलोपन का विश्लेषण।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. ग्लियोमास में चिप अनुक्रम (आईजीआईबी, दिल्ली)

2. ग्लियोमस में एफएटी1 जीन अभिव्यक्ति का विनियमन (जैव रसायन)
3. ग्लियोमा में फैट1, पी53 और एचआईएफ1अल्फा के बीच अंतःक्रिया संकेत (जैव रसायन)
4. ''मिर्गी के उपचार में कठिनाई'' पर विशेष संदर्भ सहित मिर्गी में अनुसंधान हेतु केन्द्र (न्यूरोसर्जरी)।

रोगी उपचार

तंत्रिका विकृति विज्ञान प्रयोगशाला

कुल स्पेसिमेंस	3518	फ्रोजेन सेक्शंस	361

इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री

कुल आईएचसी	14185	नियमित आईएचसी	6542
अनुसंधान आईएचसी	5093	मसल आईएचसी	2550
कुल प्राप्त मसल	456	मसल एंजाइम हिस्टोकेमिस्ट्री	1365
मसल इम्नोब्लॉट	228	रोगी देखभाल निदान एफआईएसएच	510
निदान	201	नियमित	310
कुल एमजीएमटी	70		

ईएम सुविधा

कुल मसल नमूने	359	कुल तंत्रिका नमूने	29
ट्यूमर	612		

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर चित्रा सरकार को इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ न्यूरोपैथोलॉजी का उपाध्यक्ष; एम्स इंटरनेशनल रिसर्च कमेटी (बेसिक साइंसेज) का अध्यक्ष; जर्नल न्यूरोपैथोलॉजी (जापान से प्रकाशित) के संपादक मंडल का सदस्य; आईसीएमआर के वैज्ञानिकों की पदोन्नति हेतु गठित मूल्यांकन समिति का सदस्य; टेरिनियम 2013 – 15 के लिए इंडियन एकेडमी ऑफ साइंसेज, बैंगलोर की परिषद् की सदस्य; ''समसामायिक विज्ञान'' (2013 – 15) जर्नल की अनुभाग संपादक; राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, मानेसर के प्रशासनिक निकाय तथा वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति का सदस्य; पैथोलॉजी संस्थान, नई दिल्ली की वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति का सदस्य; बायोटेक्नोलॉजी विभाग, भारत सरकार की आरएनएआई समिति का सदस्य; राष्ट्रीय इम्यूनोलॉजी संस्थान, नई दिल्ली (2013 – 15) की मानव नीतिशास्त्र समिति का सह अध्यक्ष; डॉ. अम्बेडकर जैव चिकित्सीय अनुसंधान केंद्र, नई दिल्ली (2012 – 15) की मानव नीतिशास्त्र समिति का सदस्य, जैव प्रौद्योगिकी न्यूरोसाइंसेज विभाग, भारत सरकार के कार्य बल का सदस्य नियुक्त किया गया; केंद्रीय तंत्रिका तंत्र में डब्ल्यूएचओ के आने वाले ट्यूमर वर्गीकरण में ''केंद्रीय तंत्रिका तंत्र के प्राचीन न्यूरोएक्टोडर्मल ट्यूमर और बहु पटलीय रोजेट्स के साथ भ्रूणीय ट्यूमर'' शीर्षक के अध्याय के सह लेखन हेतु डब्ल्यूएचओ द्वारा प्रोफेसर चित्रा सरकार को आमंत्रित किया गया।

प्रोफेसर एम. सी. शर्मा अपने वैज्ञानिक प्रकाशनों पर आधारित ट्यूमर्स ऑफ द सेंट्रल नर्वस सिस्टम के आगामी डब्ल्यूएचओ वर्गीकरण में शीर्षक ''ट्यूबरोस स्केलेयोसिस कॉम्प्लेक्स'' और सबपेंडायमल जाइंट सेल ट्यूमर्स'' के दो अध्याय में सह – लेखक के लिए डब्ल्यूएचओ द्वारा आमंत्रित किया गया था

डॉ. वैशाली सूरी को 2014 में नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज के सदस्य के रूप में निर्वाचित किया गया है।

रेजीडेंट्स : डॉ. अरुणा नाम्बिराजन ने 'स्टेम कोशिका मार्कर नेस्टिन और वैस्कुलर एंडोथेलियल वृद्धि कारक एवं एपेंडाइमोमस में माइक्रोवैस्कुलर सघनता के साथ इसका सह संबंध' शीर्षक से प्रकाशित सर्वोत्तम शोध पत्र के लिए ''डॉ. वी आर खनोलकर अवार्ड' प्राप्त किया। आर्म्ड फोर्सेस मेडिकल कालेज, पुणे में 4 से 7 दिसंबर 2014 को आयोजित एफ्कॉन 2014 में नाम्बिराजन ए, शर्मा एमसी, गुप्ता आर के, सुरी वी, सिंह राम सरकार सी न्यूरोपैथोल एप्पल न्यूरो बायोलॉजी 2014 अक्तूबर; 40(6):714–25; डॉ. रजनी यादव ने एमआईबी – 1, पी53 के प्रोग्नोस्टिक महत्व, एपिडर्मल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर, और चाइल्डहुड कार्डोमस में आईएन 11' शीर्षक से शोधपत्र में प्रकाशित सर्वोत्तम अनुसंधान कार्य के लिए 'श्रीमती

कुंती देवी मेहरोत्रा अवार्ड' प्राप्त किया। आर्म्ड फोर्सेस मेडिकल कॉलेज, पुणे में 4 से 7 दिसंबर 2014 को आयोजित एफ्कॉन 2014 में यादव आर, शर्मा एमसी, मल गुलवर पीबी, पाठक पी, सिगामनी ई, सूरी वी., सरकार सी, कुमार ए, सिंह एम; शर्मा बीएस, गर्ग ए, बख्शी एस. फारुक एम न्यूरोकॉन्क्लेव 2014, मार्च 16(3):372–81: डॉ. सुवेंदु पुरकैत ने "मोलकुलर वर्गीकरण और प्रोग्नोस्टिक स्ट्रेटीफिकेशन ऑफ ग्लियोब्लास्टोमस (जीबीएम) : दैनिक नैदानिक पद्धति में उपयोग हेतु एक सरलीकृत प्रणाली" शीर्षक से क्राउन प्लाजा, कोच्चि में 26 – 29 मार्च 2015 को आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरो आंनकोलॉजी के 7वें वार्षिक सम्मेलन में प्रस्तुत अपने शोधपत्र के लिए 'बेसिक यूरो आंनकोलॉजी में सर्वोत्तम छात्र के लिए आईएसएनओ प्रेसीडेंट्स अवार्ड प्राप्त किया।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 171 **सार : 25** **पुस्तक में अध्याय : 27** **पुस्तकें : 2**

11.1 बी. बी. दीक्षित पुस्तकालय

प्रभारी आचार्य /अध्यक्ष पुस्तकालय समिति

एस. राजेश्वरी

मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष

एस. शिव चिदंबरम

समय और सदस्यता

पुस्तकालय रविवार और अवकाशों सहित सप्ताह के सभी दिनों पर हर समय खुला रहता है। इसमें लगभग 3000 नियमित सदस्य हैं और हर दिन यहां लगभग 300 पाठक आते हैं।

विशिष्टताएं

पुस्तकालय में 150,000 से अधिक पुस्तकें और बाउंड पत्रिकाएं, पैम्पफलेट्स आदि के रूप में अन्य दस्तावेज हैं। हालांकि यह पुस्तकालय एम्स में संकाय सदस्यों, रेजीडेंटों और छात्रों के लिए एक शैक्षिक और अनुसंधान पुस्तकालय है, हाल ही में इसमें लगभग 2100 हिंदी पुस्तकों का एक संग्रह विकसित किया गया है। यह पुस्तकालय चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान का समर्थन करने के लिए आधुनिक सुविधाओं से भी युक्त है। यह ऑनलाइन पत्रिकाओं और डेटाबेस में शामिल लगभग 1370 आवधिक / पत्रिकाओं की सदस्यता प्राप्त करता है और रखरखाव करता है। इसके अलावा, इस के पास नवीनतम व्यवस्थित समीक्षा डेटाबेस और 64 ई–पुस्तक की सदस्यता भी है। इन ऑनलाइन डेटाबेस और पत्रिकाओं / पीरियॉडिकल्स के लिए परिसर में आईपी सक्षम पहुंच के माध्यम से देखा जा सकता है। कुछ सोसायटी आधारित पत्रिकाओं को विशिष्ट यूजरनेम और पासवर्ड के माध्यम से देखा जा सकता है। यह आवश्यक जानकारी पुस्तकालय में समय समय पर परिचालित करता है और अ. भा. आ. सं. की वेबसाइट ***http://www.aiims.edu/en/library.html*** पर भी ये परिपत्र उपलब्ध हैं।

पुस्तकालय समिति पुस्तकालय के प्रबंधन के लिए एक सलाहकार निकाय है। यह पुस्तकों और पत्रिकाओं / आवधिक और डेटाबेस की सदस्यता की खरीद के संबंध में मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष सलाह देता है। वर्तमान समिति के अध्यक्ष के रूप में प्रभारी आचार्य और चार आचार्य, तीन अपर आचार्य और सदस्यों के रूप में विभिन्न विभागों से दो सहायक आचार्य और समन्वयक के रूप में मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष होते हैं।

पुस्तकालय के लिए तीन सर्वर और 46 कंप्यूटर से मिलकर एक इन–हाउस सूचना संचार और प्रबंधन प्रणाली है। पुस्तकालय में लिबसिस प्रीमिया नामक लाइब्रेरी ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर सिस्टम हिंदी में डेटा प्रविष्टि और पुनः प्राप्ति का समर्थन करता है। पुस्तकालय में चिकित्सा साहित्य पर सीडी–रोमवर्क स्टेशन का भी रखरखाव किया जाता है। सभी प्रलेखन / ग्रंथ सूची सेवाओं के साथ कुछ पुस्तकालय के संचालन एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर 'लिबसिस' पर उपयोग कर कंप्यूटरीकृत किया गया है। सभी पुस्तकों और पुस्तकालय में प्राप्त अन्य दस्तावेजों पर जानकारी परिसर के अंदर इंट्रानेट के माध्यम से ऑनलाइन उपलब्ध हैं और इन्हें नियमित रूप से अपडेट किया जा रहा है। पुस्तकालय वर्तमान जागरूकता सेवा और ग्रंथ सूची तथा संदर्भ सेवाएं प्रदान करता है। हाल ही में, पुस्तकालय ने एम्स संस्थागत रिपोजिटरी बुलेटिन को आरंभ किया है। विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में संकाय सदस्यों और अनुसंधान छात्रों द्वारा प्रकाशित शोध पत्र / लेख की ग्रंथ सूची के विवरण की खोज पाठकों द्वारा की जा सकती है।

पुस्तकालय वेब आधारित ओपन एक्सेस पब्लिक कैटलॉग (वेब ओपेक), वाई – फाई के साथ इंटरनेट खोज सुविधा, रेप्रोग्राफी और शैक्षिक साहित्य का मुद्रण तथा स्नातक पूर्व छात्रों के लिए बुक बैंक जैसी सेवाएं भी प्रदान कर रहा है।

इस वर्ष के दौरान, पुस्तकालय ने सभी विभागों के बीच एक पत्रिका मूल्यांकन सर्वेक्षण आयोजन किया। इस मूल्यांकन की प्राप्तियां ये थीं कि अधिकांश विभागों ने प्रिंट अंशदान रोकने और 218 पत्रिकाओं की अतिरिक्त आवश्यकता के साथ ऑन लाइन अंशदान पहुंच प्रदान करने का सुझाव दिया। इसके आधार पर पुस्तकालय ने केवल पत्रिकाओं को ऑन लाइन प्राप्त करने के अंश दान की नीति बनाई। पुस्तकलाय 2015 के दौरान 1370 पत्रिकाओं का ऑन लाइन अंश दान आरंभ किया है।

इस वर्ष के दौरान पुस्तकालय द्वारा अप–टु–डेट : ए सिस्टेमेटिक रिव्यू डेटाबेस, बीएमजे बेस्ट प्रैक्टिस, बीएमजे केस रिपोर्ट और एक्सेस मेडिसिन डेटाबेस का अंश दान दिया जिसमें मल्टीमीडिया विकल्प के साथ लगभग 70 बुनियादी संदर्भ चिकित्सा पुस्तकें शामिल हैं।

स्थान की कमी के कारण पुस्तकालय ने एब्सट्रैक्ट और इंडेक्सिंग का कार्य विस्थापित करने और दोहराए जाने वाले जर्नल को गुड़गांव में स्थित एम्स की ऑफ साइट रिकॉर्ड प्रबंधन फर्म में भेजने का निर्णय लिया। हमने इस वर्ष लगभग 7 हजार जिल्द बंद एब्सट्रैक्ट और इंडेक्सिंग जर्नल तथा अन्य दस्तावेज भेजे हैं। पुस्तकालय में सफाई की यह शुरुआत आने वाले वर्ष में आरंभ की गई है। यदि किसी डॉक्टर / प्रयोक्ता की ओर से किसी खास जर्नल की जरूरत नहीं पाई जाती है तो इसे ऑफ साइट भंडार में भेजा जाएगा।

रखने के स्थान को कम करने और पुराने दस्तावेजों के संरक्षण के लिए भू तल पर सीढ़ियों के दोनों ओर दो बड़े कॉम्पेक्टर लगाए गए हैं।

सम्मेलन और प्रकाशन

डॉ. शिव चिदंबरम

1. 23 अप्रैल 2014 को जेएनयू में, मुद्दे और चुनौतियां, राष्ट्रीय साहित्यिक चोरी पर कार्यशाला में भाग लिया।
2. 9 जून 2014 को यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली साउथ कैंपस नई दिल्ली में, ई–बुक पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
3. 15 अक्तूबर 2014 को, एनआईएचएफडब्ल्यू में नई दिल्ली, 'चिकित्सा पुस्तकालय में सूचना प्रबंधन के लिए आईटी अनुप्रयोग' पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में 'स्वास्थ्य विज्ञान प्रयोगशाला में ई–संसाधन' पर व्याख्यान दिया।
4. आईजीएनसीए नई दिल्ली में 27–29 नवंबर 2014 को, पुस्तकालयों, अभिलेखागार और संग्रहालयों के अभिसरण (आईसीएलएएम–2014) पर निफ्ट दिल्ली द्वारा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
5. फ्रेंच इंस्टीट्यूट, पॉन्डिचेरी में 9–11 दिसंबर 2014 को डेलनेट द्वारा आयोजित ज्ञान पुस्तकालय और सूचना नेटवर्किंग (एनएसीएलआईएन–2014) पर 17वें राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
6. रविंद्र नाथ टैगोर मेडिकल कॉलेज, उदयपुर में, 15–17 दिसंबर 2014 को जनरल ऑफ नेशनल कंवेशन ऑफ मेडिकल लाइब्रेरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एमएलएआई), के दूत।
7. नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली में, 23–24 जनवरी 2015 को पुस्तकालय और सूचना व्यावसायिक सम्मेलन (एलआईपीएस), 'हेल्थ साइंस इंस्टीट्यूट में नए तरीकों से कार्य और स्वास्थ्य ज्ञान प्रबंधन प्रणाली में सीखना' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
8. जेएनयू, नई दिल्ली में 28 जनवरी 2015 को ट्रांस्फोर्मिंग यूनिवर्सिटी लाइब्रेरी पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान 'रिसोर्स शेयरिंग एंड सेटिंग ऑफ लोकल कंर्सोटिया अमंग अकेडमिक लाइब्रेरी ऑफ दिल्ली एंड एनसीआर' पर पैनल चर्चा के लिए पैनलिस्ट।
9. अकेडमिक स्टाफ कॉलेज ऑफ जामिया मिलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली में, 19 फरवरी 2015 को पुस्तकालय और सूचना विज्ञान पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में ''ओपन एक्सेस रिसोर्स इन मेडिकल साइंसेज' पर व्याख्यान दिया।

श्री एम. के. विश्वकर्मा

1. जेएनयू, नई दिल्ली में 23 अप्रैल 2014 को मुद्दे और चुनौतियां : राष्ट्रीय साहित्यिक चोरी पर कार्यशाला में भाग लिया।
2. यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली साउथ कैंपस, नई दिल्ली में 9 जून 2014 को ई–बुक्स पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
3. जेएनयू, नई दिल्ली में 12 अगस्त 2014 को 'चेंजिंग रोल ऑफ लाइब्रिशियन इन डिजिटल इरा' पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी पर भाग लिया।
4. आईजीएनसीए नई दिल्ली में, 27–29 नवंबर 2014 को पुस्तकालयों, अभिलेखागार और संग्रहालय के अभिसरण पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

श्री जहांगीर खान ने 15–17 दिसंबर 2014 को मेडिकल लाइब्रेरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एमएलएआई), रविंद्र नाथ टैगोर मेडिकल कॉलेज, उदयपुर में राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

श्री प्रशांत श्रीवास्तव ने 1 नवंबर 2014 को वायएमसीए, नई दिल्ली में एक दिवसीय कार्यशाला/व्यावसायिक विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

श्री उमेश कुमार ने 1 नवंबर 2014 को वायएमसीए, नई दिल्ली में एक दिवसीय कार्यशाला/व्यावसायिक विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

11.2 कैफेटेरिया

अध्यक्ष

ओ. पी. खरबंदा

सदस्य सचिव

सुषमा सागर

लेखा अधिकारी

एस. के. शर्मा	मीनाक्षी डबराल (3 जनवरी 2015 से)

महा प्रबंधक

एस. के. कौशिक

उप–महाप्रबंधक

के. के. शर्मा

लक्ष्य एवं उद्देश्य

संस्थान के कर्मचारियों को उचित मूल्य पर पौष्टिक भोजन प्रदान करने के लिए वर्ष 1972, में एम्स कैफेटेरिया की स्थापना की गई। कैफेटेरिया उपकरण, फर्नीचर, बर्तनों एवं अन्य मूल आवश्यकताओं के लिए संस्थान से बिना कोई वित्तीय सहायता प्राप्त किए 'न लाभ–न हानि'' आधार पर चलाया जा रहा है।

प्रबंध समिति

निदेशक, अ. भा. आ. स. द्वारा कैफेटेरिया विभाग से संबंधित नीतिगत मामलों पर निर्णय लेने के लिए एक प्रबंध समिति का गठन किया गया। सदस्य निम्नानुसार हैं :

डॉ. ओ. पी. खरबंदा	अध्यक्ष
डॉ. नीना मल्होत्रा	सदस्य
डॉ. बिनोद कुमार खैतान	सदस्य
डॉ. वनलाल्नग्का डारलोंग	सदस्य
डॉ. राजेश खड़गावत	सदस्य
डॉ. सुमित सिन्हा	सदस्य
एफ. ए. आई. एम. एस. का प्रतिनिधि	सदस्य
आर. डी. ए. का प्रतिनिधि	सदस्य
ऑफिसर्स एसोसिएशन का प्रतिनिधि	सदस्य
नर्सिस यूनियन का प्रतिनिधि	सदस्य
कर्मचारी यूनियन का प्रतिनिधि	सदस्य
डॉ. सुषमा सागर	सदस्य–सचिव
श्री एस. के. कौशिक, महाप्रबंधक, कैफे	समन्वयकर्ता

सेवा सुविधाएं

कैफेटेरिया द्वारा संस्थान के लगभग 10,000 कर्मचारियों को सेवाएं प्रदान करने के लिए 9 यूनिटें चलाई जाती हैं।

1. जवाहर लाल नेहरू सभागार के निकट स्थित मुख्य कैफेटेरिया (24 घंटे सेवा)।
2. मुख्य अस्पताल की नौंवी मंजिल पर स्थित मुख्य ऑपरेशन थिएटर कैफेटेरिया।
3. केन्द्र की दूसरी मंजिल पर स्थित सी एन सेंटर कैफेटेरिया।
4. केन्द्र की पांचवी मंजिल पर स्थित डॉ. आर. पी. केन्द्र ऑपरेशन थिएटर कैफेटेरिया।
5. दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
6. डॉ. बी. आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
7. मुख्य कैफेटेरिया के निकट स्थित संकाय कक्ष कैफेटेरिया।
8. दूरस्थ ओ.पी.डी, ग्राम बाडसा झज्जर, हरियाणा।
9. एम्स ओ पी डी कैंटीन की स्थापना एम्स कैफेटेरिया के प्रबंधन के अधीन रोगियों और उनके रिश्तेदारों की हर समय (24 घंटे की सेवा) जरूरतें पूरी करने के लिए की गई है।

इसके अतिरिक्त कैफेटेरिया सभी उच्च अधिकारियों तथा संकाय–सदस्यों को उनकी दिन–प्रतिदिन की आवश्यकताओं के साथ–साथ महत्वपूर्ण सरकारी बैठकों, कार्यशालाओं एवं संगोष्ठी आदि हेतु विशेष आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु भी सेवाएं प्रदान करता है।

स्टाफ क्षमता

कैफेटेरिया में तदर्थ / अस्थायी/संविदा आधार के साथ–साथ नियमित आधार पर 95 कर्मचारी नियुक्त हैं।

वार्षिक कुल बिक्री

कैफेटेरिया की कुल बिक्री लगभग 3.82 करोड़ रु. है।

विकास गतिविधियां

विगत वित्त वर्ष के दौरान कैफेटेरिया में अनेक परिवर्तन किए गए। इसमें रोगियों एवं उनके रिश्तेदारों की आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए ओ.पी.डी. के भीतर ही एक स्वतंत्र कैंटीन की स्थापना करना सम्मिलित है। यह कैंटीन चौबीस घण्टे कार्य करती है तथा एक अच्छे परिवेश में स्वास्थ्य प्रद भोजन प्रदान करती है।

भविष्य की योजनाएं

संस्थान के सभी कर्मचारियों, रोगियों एवं उनके रिश्तेदारों की आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए स्वच्छ परिस्थितियों में स्वास्थ्य प्रद भोजन प्रदान करने के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकी से सुसज्जित एक बहुमंजिल कैफेटेरिया के निर्माण का प्रस्ताव रखा गया है। कार्य सौंपा गया है और कार्य जल्दी ही आरंभ होने की आशा है।

11.3 केंद्रीय पशु सुविधा

प्रभारी आचार्य

डी. एन. राव	एस. के. मौलिक
(24 सितंबर 2014 तक)	(25 सितंबर 2014 से)

वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी

पी. के. यादव

वर्ष के दौरान इस विभाग में रोडेंट्स एवं गैर–मानव नर (बंदर) रखे गए। इस एकक की विभिन्न गतिविधियों को निम्नानुसार वर्गीकृत किया गया है :

छोटे पशु (रोडेंट)

वर्ष के दौरान निम्नलिखित रोडेंट्स (औसत/माह) का रखरखाव किया गया :

1. चूहे (विस्टर)	1632
2. चूहे (स्प्रग डॉलें)	194
3. चूहिया (स्विस)	547
4. खरगोश (न्यूजीलैंड)	92
5. गिनी पिग्स (डंकिन हार्टली)	27

संस्थान के विभिन्न विभागों को कुल 3976 छोटे पशु (चूहे, चुहिया, खरगोश एवं गिनी पिग) उपलब्ध कराए गए तथा दिल्ली के तथा दिल्ली के बाहर के सहयोगी संस्थानों में (175 चूहे, 120 चूहिया, 6 खरगोश तथा 10 गिनी पिग) पशु बेचे गए।

गैर–मानव वानर (बन्दर)

गणना रिपोर्ट

1 अप्रैल, 2014 को बंदरों की कुल संख्या	10
संजय गांधी देखभाल केंद्र, राजा गार्डन में बंदरों का पुनर्वास	10
20 दिसंबर 2014 को नई दिल्ली	
31 मार्च, 2015 को बंदरों की कुल संख्या	0

प्रक्रियाओं का आयोजन

रक्त के नमूने जमा करना	20	शारीरिक परीक्षा, टीबी जांच	20
रुधिर विज्ञान और जैवरसायन	20	एक्स – रे	20

प्रायोगिक शल्यचिकित्सा

इस विभाग में विभिन्न विभागों के संकाय और छात्रों द्वारा संस्थान की केंद्रीय जंतु सुविधा में जंतुओं पर इकतीस शल्यक प्रक्रियाएं की गई थीं। इन विभागों में शल्यचिकित्सा, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग एकक, तंत्रिका शल्यचिकित्सा, बालचिकित्सा, प्रयोशाला चिकित्सा, जैवप्रौद्योगिकी, स्टेम कोशिका सुविधा एवं विकृति विज्ञान शामिल हैं।

संस्थागत पशु एथिक्स कमेटी

वर्ष के दौरान संस्थागत पशु एथिक्स कमेटी (आईएईसी) को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (भारत सरकार) के तहत जंतुओं पर प्रयोगों के नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण के प्रयोजन के लिए समिति द्वारा अनुमोदित किया गया है। विभिन्न अन्वेषकों के छोटे पशुओं (रोडेन्ट्स) पर

46 परियोजनाएं पूरी की। एम्स की सीपीसीएसईए पंजीकरण सं. 10/ जीओ / ईआरईबीआई / एसएल / 99 / सीपीसीएसईए है। संस्थागत पशु एथिक्स कमेटी (आईएईसी) ने वर्ष के दौरान विभिन्न अन्वेषकों की छोटे जंतुओं (रोडेंट) पर 82 परियोजनाओं को समाशोधित किया है।

प्रदत्त सेवाएं

सीएएफ में सूक्ष्मजैवविज्ञान, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, जैव रसायन, जैव प्रौद्योगिकी, प्रजनन जीवविज्ञान, शरीररचना, मनोचिकित्सा, विकृतिविज्ञान, प्रयोगशाला चिकित्सा, स्टेम कोशिका सुविधा तंत्रिकाविज्ञान एवं तंत्रिकाशल्यचिकित्सा से संबंधित पशुओं की देखरेख की जाती है। इस सुविधा में औसतन हर माह उपरोक्त विभागों से संबंधित निम्नलिखित पशु रखे जाते हैं : 10 स्प्रैग डॉले चूहे, 445 विस्टार चूहे–446, 446 चुहियां, 28 खरगोश, 17 गिनी पिग और 15 हेमस्टर।

सीएएफ द्वारा सुविधा विभिन्न अन्वेषकों को ये प्रयोगशाला सुविधाएं भी प्रदान की जाती हैं अर्थात सेरा का निर्वात शुष्कन तथा सीरम नमूने का संग्रहण, रुधिर–विज्ञान, नैदानिक जैव रसायन, सूक्ष्मदर्शी जांच एवं एक्स–रे सुविधा।

शैक्षिक कार्यक्रम

1. डॉ. पी. के. यादव, को राष्ट्रीय पशु कल्याण संस्थान (पर्यावरण एवं वन मंत्रालय) में पशु कल्याण पर एक सप्ताह के तथा दो सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए अतिथि व्याख्याता के तौर पर आमंत्रित किया गया।
2. डॉ. पी. के. यादव, (वरिष्ठ पशुचिकित्सा अधिकारी) श्री जसबीर, (प्रयोगशाला परिचर) एवं श्री धनंजय कुमार, (पशु गृह परिचर) नैमिक रूप से 'एनिमल इन मिनीमली इंवेसिव सर्जरी ट्रेनिंग सेंटर, डिपार्टमेंट ऑफ सर्जिकल डिसिप्लिन्स एम्स' में भाग लेते हैं मदद करते हैं।

11.4 केंद्रीय कार्यशाला

संकाय समन्वयकर्ता

गंगा प्रसाद

मुख्य तकनीकी अधिकारी

आदर्श कुमार शर्मा | कालू राम

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी

हरिंदर पाल | नितिन श्रीवास्तव

केंद्रीय कार्यशाला में समूह 'ख' एवं 'ग' के स्टाफ सदस्यों की संख्या निम्नानुसार है :–

तकनीकी अधिकारी	5	तकनीशियन (ग्रेड 1)	5
तकनीशियन (ग्रेड – 1)	10	कार्यशाला सहायक	2
कार्यशाला	6	भंडार लिपिक (प्र. श्रे. लि.)	1
सहायक (एनएस)	1		

उपलब्धियां

केंद्रीय कार्यशाला, रोगी उपचार सेवाओं की गतिविधियों को बढ़ावा देने में एवं सुचारू संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह चिकित्सा शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान एवं अस्पताल सेवाओं में प्रयुक्त विभिन्न उपकरणों की मरम्मत एवं रखरखाव में संलग्न है तथा अस्पताल की बहुविध विशिष्टताओं की विभिन्न श्रेणियों की गुणवत्ता कार्य प्रणाली की सुनिश्चितता तय करती है। यह विभागों की जरूरत के अनुसार उपकरणों को संशोधित करता है तथा साथ ही साथ नए कार्यों की रचना भी करती है।

उपर्युक्त प्रदर्शित सेवाओं हेतु केंद्रीय कार्यशाला के विभिन्न विभाग सेवा प्रदान कर रहे हैं। प्रत्येक अनुभाग तकनीकी अधिकारी की अध्यक्षता में सहायक स्टाफ द्वारा संचालित है।

इलेक्ट्रॉनिक	इलेक्ट्रिकल
रेफ्रीजरेटिंग	मैकेनिकल (1 एवं 2)
फाइन इंस्ट्रयूमेंट	पेंटिंग, अपहॉलस्ट्री एवं कारपेंटरी

स्थान

केंद्रीय कार्यशाला, कपड़े धोने के लिए और पोस्टमार्टम हाऊस के पास सटी एक इमारत में बेसमेंट, भूतल और पहली मंज़िल में स्थित है। मुख्य अस्पताल बिल्डिंग (लिफ्ट नं. 10 के पीछे) की सातवीं मंज़िल पर इसका एक छोटा सा मरम्मत केंद्र भी है।

मरम्मत एवं रखरखाव

केंद्रीय कार्यशाला नैदानिक और चिकित्सीय उपकरणों के निवारक और सुधारात्मक रखरखाव के लिए जिम्मेदार है तथा नई प्रौद्योगिकी को मूल्यांकन प्रदान करता है, उपकरण की प्रासंगिकता की जांच आयोजित करता है और यह सुनिश्चित करता है कि उपकरण उचित और सुरक्षित परिचालन की स्थिति में है।

अस्पताल में विभिन्न उपकरणों के अच्छी स्थिति में रखरखाव के लिए प्रभावशाली सहायता प्रदान कर रहा है। ऐसे उपकरणों की सूची में रक्त दाब मापक उपकरण, इंफ्यूज़न पंप, मल्टी पैरामीटर मॉनीटर्स, डिफाइ ब्रिलेटर्स, पेशंट वॉमर्स, ऑपरेटिंग थियेटर टेबल्स, ऑपरेटिंग थियेटर लाइट्स, रेफ्रीजरेटर्स, डीप फ्रीजर्स, माइक्रोवेव ओवन्स, स्पेक्ट्रोफोटोमीटर्स, इलेक्ट्रॉनिक वेइंग मशीन, माइक्रोस्कोप्स, नीडिल डिस्ट्रोयर, वॉटर बाथ, एक्स रे व्यू बॉक्स, सर्वो स्टेब्लाइजर्स, बॉयलर्स, हॉट प्लेट, टेबल टॉप सेंट्रीफ्यूजस, स्टेनलेस स्टील ड्रम्स एवं ऑपरेटिंग थियेटर की मशीन्स, जैसे

सक्शन मशीन, वॉल सक्शन रेगुलेटर्स, ऑक्सीजन फ्लो रेगुलेटर्स, फ्लो मीटर्स और सर्जिकल उपकरण सम्मिलित हैं किंतु ये इन तक सीमित नहीं है।

केंद्रीय कार्यशाला संपूर्ण अस्पताल के फर्नीचर जैसे रोगियों के बेड, ट्रॉली एवं लॉकर्स, उपकरण एवं लोडिंग ट्रॉली, बेड साइड लॉकर्स, पुश कार्ट इत्यादि की मरम्मत तथा पेंटिंग संबंधी कार्य भी करती है।

वर्ष के दौरान, केंद्रीय कार्यशाला में कुल 8060 मरम्मत संबंधी कार्य किए।

संरचना एवं मार्गदर्शन

धीरे धीरे मरम्मत एवं रखरखाव गतिविधियों का भार बढ़ने के बावजूद केंद्रीय कार्यशाला, संस्थान की अनुसंधान गतिविधियों में अपने डिज़ाइन एवं संरचना कार्य द्वारा सहायता प्रदान करने में सक्षम हो गयी है।

इस दौरान केंद्रीय कार्यशाला द्वारा 24 विभिन्न संरचनात्मक कार्य (कुल 236 आइटम्स) किए गए जिसमें ट्रेकोस्टॉमी, ट्यूब, स्टीलेट, हैमर कैप, हैंडल फॉर सर्जिकल इंस्ट्रयूमेंट, सूक्ष्मदर्शी के लिए पर्सपेक्स बॉक्स, सैम्पल ट्रे बॉक्स, सक्शन बॉटल लिड, ट्रॉली ट्रे, ट्रॉली, सक्शन बॉटल लिड के लिए क्लैम्प, विसरा बॉक्स, डीएचएस पंच, प्लास्टिक मोल्ड, एंकर, हिप पुश अटैचमेंट, बैकेलाइट बोर्ड, टेस्टिकुलर बॉल, स्प्लिंट, साइड ब्लॉक, टैग पीस, मैनीपुलेटर कप, एसएस रॉड, सर्किल शेप आदि सम्मिलित हैं।

अल्पकालिक प्रशिक्षण

केंद्रीय कार्यशाला सक्रिय तौर पर विभिन्न इंजीनियरिंग कॉलेजों में डिप्लोमा / स्नातक पूर्व विद्यार्थियों के लिए 4 से 6 हफ्ते के अल्पकालिक प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है।

वर्ष के दौरान लघु अवधि प्रशिक्षण द्वारा कस्तूरबा पॉलीटेक्नीक (महिलाओं हेतु) दिल्ली की 2 छात्राओं को अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

11.5 कंप्यूटर सुविधा

प्रभारी संकाय

पी. पी. कोतवाल

सिस्टम विश्लेषक

एस एन रघु कुमार, सतीश प्रसाद, सुशील कुमार मेहर

वरिष्ठ प्रोग्रामर

संजय गुप्ता, विनय पाण्डे, हरी शंकर, पवन शर्मा, श्यामल बरुआ

प्रोग्रामर

तृप्ता शर्मा, संजीव कुमार, अमित, अंकिता सैनी

शिक्षा

स्नातकोत्तर

जैव प्रौद्योगिकी विभाग एवं नर्सिंग महाविद्यालय के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए सिद्धांत और अभ्यास पहलुओं की कंप्यूटर प्रोग्रामिंग की कक्षाओं का संचालन किया गया था। चिकित्सा सूचना विज्ञान का अध्ययन करने के लिए प्रतिनियुक्त सशस्त्र बलों के अधिकारियों को 2 वर्ष की अवधि के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

स्नातक पूर्व

बी. एस. सी. (ऑनर्स) नर्सिंग के प्रथम वर्ष तथा बी. एस. सी. नर्सिंग (पोस्ट – सर्टिफिकेट) के छात्रों के लिए कंप्यूटर्स के बेसिक, इंटरनेट, विंडो एप्लीकेशंस, कंप्यूटर – एडिड लर्निंग, डेटाबेस आदि में तीन – माह के कंप्यूटर पाठ्यक्रम का संचालन किया गया था।

सेवाएं

अस्पताल का कंप्यूटरीकरण

निम्नलिखित सॉफ्टवेयर डिजाइन, विकास, कार्यान्वयन और समर्थन गतिविधियां की गई :

मुख्य अस्पताल और केंद्र

ई–अस्पताल सॉफ्टवेयर का विकास एनआईसी द्वारा कम्प्यूटर सुविधा के निरीक्षण में पूरे एम्स के कम्प्यूटरीकरण की प्रक्रिया को एक सामान्य मंच प्रदान करने हेतु किया गया है। इसे कार्यान्वित किया जा रहा है और इस सुविधा को 24/7 सहायता दी जाती है एवं निम्नलिखित गतिविधियों का रख रखाव किया जाता है : नए और दोबारा आने वाले लोग, राजकुमारी अमश्तकौर ओपीडी में क्लिनिक पंजीकरण, कार्डियो थोरेसिक और तंत्रिका विज्ञान (सीएन) केन्द्र ओपीडी, डॉ. आर पी नेत्र रोग विज्ञान केन्द्र (आरपीसी) ओपीडी, आईआरसीएच, दंत चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान केन्द्र (सीडीईआर) ओपीडी और सामुदायिक ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना (सीआरएचएसपी), वल्लभगढ़।

कैश और बिलिंग

मुख्य कैश काउंटर, न्यू प्राइवेट वार्ड बिल्डिंग (भू तल), राजकुमारी अमश्त कौर ओपीडी (भूतल), आर पी सेंटर, डेंटल एजूकेशन एण्ड रिसर्च सेंटर, और सी एन सेंटर सहित अनेक स्थानों पर बिलिंग की व्यवस्था की गई है। कैश कार्ड को मुख्य अस्पताल तथा आर पी सी में भी कार्यान्वित किया गया है।

अंतः रोगी (आईपीडी) पंजीकरण

अब अंतः रोगी का पंजीकरण एनआईसी द्वारा विकसित नए सॉफ्टवेयर द्वारा किया जाता है। यह मुख्य अस्पताल, सीएन सेंटर, आईआरसीएच, सीडीईआर और आर पी सेंटर में संबंधित फेस शीट निर्माण कर रोगियों की अल्प अवधि और दीर्घ अवधि भरती व्यवस्था करती है।

प्रयोगशाला सूचना प्रणाली (एलआईएस)

प्रयोगशाला मेडिसिन (क्लिनिकल कैमिस्ट्री, रुधिर विज्ञान और क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी) की तीन प्रयोगशालाओं के लिए ई–अस्पताल के एलआईएस मॉड्यूल का निरंतर रखरखाव और वर्धन किया गया है। इसमें प्रयोगशाला नियोजन, सैंपल उत्पादन, बार कोड निर्माण, सैंपल प्राप्ति (स्वीकार करना), परिणाम तैयार करना और प्राधिकरण शामिल हैं। प्रयोगशाला मेडिसिन हेतु ऑटो रिजल्ट जनरेशन के लिए ई हॉस्पिटल के साथ हितैची ऑटो एनलाइजर इंटरफेस था। एलआईएस को एम्स के मुख्य अस्पताल (विभागीय प्रयोगशाला और विशेष प्रयोगशाला) और सभी केंद्रों (सी एन केंद्र, डॉ. बी आर ए आई आर सी एच केंद्र, आर पी सी और सी डी ई आर) में भी कार्यान्वित किया गया था।

वॉर्डों में ई हॉस्पिटल भर्ती, स्थानांतरण और छुट्टी (एडीटी)

मुख्य अस्पताल, सी एन केंद्र, आर पी केंद्र, सी डी ई आर और आई आर सी एच केंद्र में इसकी व्यवस्था की गई है।

ई–अस्पताल एनआईसी स्टोर और सब स्टोर (सामान – सूची प्रबंधन प्रणाली)

मुख्य अस्पताल, सभी केन्द्रों (सी एन केन्द्र, डॉ. बी आर ए, आई आर सी एच, आर पी सी, सी डी ई आर) के स्टोरों में तथा कम्प्यूटर सुविधा में ई–स्टोर मॉड्यूल कार्यान्वित किया गया है। अनुप्रयोग मॉड्यूल का उपयोग करने और दैनिक मामलों को सुलझाने तथा निरंतरण सहायता से रख रखाव हेतु वास्तविक प्रयोक्ताओं को प्रशिक्षण दिया जाता है। मुख्य अस्पताल, सी एन केन्द्र, डॉ. बी आर ए, आई आर सी एच, सी डी ई आर और आर पी सी में वार्ड स्तर पर सब स्टोर का रख रखाव किया जाता है।

आहार

आहार विज्ञानी वॉर्ड से ऑनलाइन दैनिक आहार सूची तैयार करते हैं और वार्ड में भर्ती रोगियों के लिए इसे आहार विज्ञान विभाग में इलेक्ट्रॉनिकली भेजते हैं। मॉड्यूल में एक पूर्ण आहार सूची प्रदान की गई है। एक पूर्ण एमआईएस का रखरखाव किया जाता है और यह दैनिक आहार विभाग हेतु उपलब्ध है। मुख्य अस्पताल, सी एन सेंटर, आर पी सेंटर और आहार विज्ञान विभाग हेतु इस मॉड्यूल का विकास किया गया है।

ईएचएस कार्यान्वयन स्थिति

ईएचएस विंग में ईएचएस रोगियों का पंजीकरण, और कमरे के आबंटन, रोग निदान, तथा औषधि वितरण (ई एच एस औषधालय) किया जाता है। रोगियों की सुविधा के लिए प्रिस्क्राइब्ड औषधियां, औषधालय काउंटर पर दर्शाई जाती हैं और प्रिस्क्राइब्ड तिथि से 4 दिन तक औषधालय में प्रदर्शित की जाती हैं। रोगियों के लिए 8 ऑनलाइन काउंटर हैं, 6 सुबह और 2 शाम के समय। औषधालय स्टोर (ईएचएस औषधालय) : सभी 8 काउंटरों पर उनकी मांग पर (इंडेंट बढ़ने पर) औषधालय स्टोर अपने स्टॉक और ट्रांसफर औषधियों का रखरखाव करता है और स्टोरों तथा काउंटरों पर स्टॉक स्वतः अपडेट हो जाता है। जब औषधालय स्टोरों को आवश्यकता होती है वे इसे मुख्य स्टोर से लेते हैं और अपनी आवश्यकता हेतु स्टॉक भरते हैं।

ई–अस्पताल **@** एनआईसी एपोइंटमेंट मॉड्यूल

ई–अस्पताल @एनआईसी एपोइंटमेंट मॉड्यूल को मुख्य अस्पताल, सभी केन्द्रों (सीएन केन्द्र, डॉ. बी आर ए, आई आर सी एच, आर पी सी और सी डी ई आर) में कार्यान्वित किया गया है। एपोइंटमेंट मॉड्यूल को वैब, आईवीआरएस (फोन द्वारा एपोइंटमेंट के लिए इंटरेक्टिव वाइज़ रिस्पोंस सिस्टम) द्वारा और एम्स @ दिल्ली मोबाइल अनुप्रयोग और एम्स कॉल सेंटरों के जरिए उपलब्ध कराया गया है।

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर इंस्टीट्यूट रोटरी कैंसर अस्पताल

ई–अस्पताल @एनआईसी को डॉ. बी आर ए आईआरसीएच में कार्यान्वित किया गया है। निम्नलिखित मॉड्यूल कार्यरत हैं। ओपीडी (नए और पुराने) पंजीकरण, अंतः रोगी पंजीकरण, बिलिंग सुविधा प्रयोशाला जांच के आग्रह / संग्रह सॉफ्टवेयर टूल, लैब रिपोर्टिंग, डिस्चार्ज समरी।

इस सॉफ्टवेयर का विकास दिन में देख भाल के लिए एपोइंटमेंट प्रणाली, आंतरिक रोगियों और दिवस देख भाल के लिए आंतरिक रोगी दवा प्राधिकार सॉफ्टवेयर, चैक को मुद्रित करने सॉफ्टवेयर पिछले 4 वर्षों से अच्छी तरह चलाया जा रहा है।

सी एन सेंटर ब्लड बैंक

प्रयोक्ताओं की सुविधा और डोनरों के पंजीकरण, बैग तैयार करने, कम्पोनेंट तैयार करने के लिए एक संपूर्ण ऑनलाइन प्रक्रिया उपलब्ध कराई गई हैं। ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में संपूर्ण प्रक्रिया कम्प्यूटरीकृत है और कार्य कर रही है। इसमें डोनर प्रोफाइल एंटी की गतिविधियों,

डोनर मेडिकल हिस्ट्री, डोनर ब्लड ग्रुप पहचान, ब्लड बैग तैयार करना, टीटीआई स्क्रीनिंग, कम्पोनेंट तैयार करना, एफिरेसिस, अनुरोध, क्रॉस मैच विवरण, ड्यू विवरण, ब्लड ट्रांसफर, बल्क रिसीव, एमआईएस की व्यवस्था है।

अस्पताल क्षेत्र में वाई फाई

सभी सेंटरों और मख्य अस्पताल में 650 से भी अधिक वायरलेस स्थापित किए गए हैं। कोई भी वाई फाई के माध्यम से ऑटोमेटिकली सिंगल नेटवर्क पर पूरे एम्स कैंपस में बिना व्यवधान के घूम सकता है। वायरलेस नेटवर्क नवीनतम प्रौद्योगिकी पर आधारित है तथा उत्तम उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पीओई (पावर ओवर इथरनेट) है। कार्य प्रणाली इस प्रकार है :

1. इंट्रानेट एक्सेस के लिए (पीएसीएस (पैक्स), ई – हॉस्पिटल, लाइब्रेरी रिसोर्सिस) एम्स – इंट्रानेट एक्सेस पाइंट का चयन करें और आप उपर्युक्त सभी सेवाओं से जुड़ जाएंगे। किसी भी वाई फाई पास वर्ड आदि की आवश्यकता नहीं है।
2. इंटरनेट एक्सेस (ई मेल आदि) के लिए। यह सुविधा केवल एम्स फैक्टी के लिए उपलब्ध कराई गई है। प्रत्येक युक्ति के एमएसी पते को इंटरनेट से जोड़ने की जरूरत होती है जो बताए गए फॉरमेट में दिया गया है। कम्प्यूटर सुविधा में एक बार आने के बाद प्रयोक्ता उसी नेटवर्क पर इंटरनेट तक पहुंच सकता है।

रिको नेटवर्क प्रिंटर

एम्स में मुख्य अस्पताल, डॉ. बी आर अम्बेडकर आई आर सी ओ एच, आर पी सेंटर और कार्डियो न्यूरो सेंटर में 150 रिको नेटवर्क प्रिंटर स्थापित किए गए हैं। सभी प्रिंटर कार्य कर रहे हैं।

कियोस्क

ये टच और टाइप इनपुट के साथ वैंडर प्रूफ कम्प्यूटर हैं जो डॉक्टरों और नर्सों द्वारा पी ए सी एस इमेजेज, लैब रिपोर्टें, सी पी आर एस पर नोट लिखने और नर्सों द्वारा रोगी की अनिवार्य सूचनाएं रखने के लिए उपयोग हेतु एम्स के सार्वजनिक क्षेत्रों में स्थापित किए गए हैं। इन्हें नेटवर्क प्रिंटर से भी जोड़ा गया है ताकि एक सेंट्रल लोकेशन से प्रिंट आउट लिया जा सके।

इलेक्ट्रॉनिक पेशेंट रिकॉर्ड सिस्टम

सीपीआरएस को मुख्य अस्पताल, डॉ. बी आर अम्बेडकर आई आर सी ओ एच, आर पी सेंटर और कार्डियो न्यूरो सेंटर में क्लिनिकल नोट एंट्री (भर्ती नोट, राउंड नोट, डिस्चार्ज नोट, ऑपरेशन नोट (इत्यादि) के लिए कार्यान्वित किया जाता है। सभी आंतरिक रोगियों के लिए वाइटल प्रविष्टि, नर्सिंग अंतरण नोट, ई–रोस्टर नोट को पूरे मुख्य अस्पताल में इस्तेमाल के लिए आंतरिक रूप से विकसित किया गया है और इसे एम्स के अलग अलग स्थानों में कार्यान्वित किया जाता है।

पैक्स

मुख्य अस्पताल में आई आर सी एस में हर जगह में ओपन पैक्स (ओवियम) कार्यान्वयन किया गया है। इसे सी एन केन्द्र ई–अस्पताल के साथ जोड़ा गया है।

एम्स, झज्जर (हरियाणा) में ई अस्पताल एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर कार्यान्वयन की स्थिति

ओपीडी में औसतन 400 रोगी पंजीकृत होते हैं। डॉक्टरों द्वारा ऑन लाइन दवा का नुस्खा लिखा जाता है कंप्यूटरीकृत प्रणाली से पिछले 3 वर्षों से चलाया जा रहा है और रोगियों को निः शुल्क दवाइयां दी जाती हैं।

नर्सिंग सूचना विज्ञान

संकाय प्रभारी और अध्यक्ष, कम्प्यूटीकरण सुविधा

दीपक अग्रवाल

नर्सिंग सूचना विज्ञान भलीभांति प्रशिक्षित नर्सों का एक संवर्ग है जो विभिन्न विभागों की आवश्यकताओं के अनुसार अनुप्रयोगों के कार्यान्वयन और विकास में सहायता देता है। एन आई एस के तौर पर वर्तमान में 75 नर्सें कार्यरत हैं (मुख्य अस्पताल में 35, सी एन केंद्र में 16, आर पी केंद्र में 5, डॉ. बी आर ए आई आर सी एच में 8 और जे पी एन ए टी सी में 11)। एन आई सी द्वारा निम्नलिखित गतिविधियों का निष्पादन और समन्वय किया जा रहा है।

शिक्षा

नर्सों के लिए जनवरी 2014 में उन्हें विभिन्न जारी ई – मॉड्यूलों पर नर्सिंग कर्मचारियों को उचित अभिविन्यास प्रदान करने के लक्ष्य के साथ सी एन ई कार्यक्रम शुरू किया गया। अब तक नर्सिंग कार्मिकों के लिए 30 सी एन ई सत्र आयोजित किए गए हैं। इसकी मुख्य विशेषताएं जीवंत प्रदर्शन और स्वयं प्रशिक्षण सत्र हैं। सुधार के लिए सभी पाठ्यक्रमों हेतु प्रतिक्रिया मांगी गई और अगले सत्रों में इन सुझावों को निहित किया गया। कार्यक्रम की प्रमुख झलक यह साकार करना रही है कि एन आई एस को भारत के अन्य संस्थानों में भी स्वास्थ्य देखभाल व्यावसायिकों के सशक्तीकरण के लिए संसाधन पूल के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

अस्पताल में सेवाएं

प्रत्येक विभाग के संकाय की सहमति से प्रत्येक विभाग में एन आई एस की तैनाती की जाती है। ये एन आई एस डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिकल कार्मिकों को अनुप्रयोगों का कार्यान्वयन करने का प्रशिक्षण देते हैं और ये अनुरोध के अनुसार मॉड्यूल के संशोधन में संलग्न हैं। मॉड्यूल इस प्रकार हैं :

इमरजेंसी विभाग

लैब मॉड्यूल के कार्यान्वयन के साथ इमरजेंसी विभाग का कम्प्यूटरीकरण आरंभ किया गया है। इसके बाद अन्य मॉड्यूल्स जैसे ई – हॉस्पिटल, ऑनलाइन स्टोर प्रबंधन के लिए स्टाफ नर्सों और वार्ड इंचार्जों को प्रशिक्षण दिया गया। रोगियों को एक्स रे और इमरजेंसी में सीटी रिपोर्टों के लिए लम्बे इंतजार से राहत दिलाने के लिए सभी स्टाफ और रेजिडेंट्स को पी ए सी एस का प्रशिक्षण दिया गया। इमरजेंसी में वाई – फाई एक्सेस प्वाइंट के इंस्टालेशन से रेजिडेंट्स को रोगियों का डेटा प्राप्त करना बहुत आसान हो गया है। रेजीडेंट द्वारा मुद्रित पंजीकरण पर्ची को रोगी के दस्तावेज प्राप्त करने के लिए अनिवार्य बनाया गया था।

रोगियों का सभी विवरण प्रस्तुत करने वाला एक पेशेंट डिस्प्ले सिस्टम, इमरजेंसी में प्रत्येक रोगी के ट्रीटमेंट की स्थिति व्यक्त करने के लिए सभी इमरजेंसी क्षेत्रों में स्थापित किया गया ताकि रोगियों की उचित देखभाल और देख रेख हेतु, अस्पताल की देख रेख सेवाओं में पारदर्शिता लाई जा सके। पीडीएस में शामिल प्रणाली आधारित पंजीकरण से डेटा संग्रहण में बड़ी मदद मिलती है, जिसे एनआईएस द्वारा किया जा रहा है जो हर समय विभाग में तैनात होते हैं।

आपातकालीन विभाग में पूरी तरह कार्यात्मक पी डी एस के अनुसार एक अन्य नवाचारी कदम डॉक्टर के ड्यूटी डिस्प्ले, आपातकालीन हेल्प लाइन नंबरों के कार्यान्वयन तथा आपातकालीन नर्सिंग समन्वयकों को दर्शाया गया है।

डॉक्टर ड्यूटी डिस्प्ले में आपातकालीन विभाग के विभिन्न विभागों में ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों की सूची प्रदर्शित की गई है और इस प्रकार प्रणाली में जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित होती है। एन आई एस एक आपातकालीन नर्स समन्वयक के रूप में भी कार्य करता है जो इलाज की प्रक्रिया और आपातकालीन विभाग में रोगी के न्यूनतम समय रुकने की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए डॉक्टरों, नर्सों के साथ समन्वय करता है।

- **ई–एमएलसी :** एम्स ने 1 अक्तूबर 2014 से एक छेड़छाड़ रहित ई एम एल सी तैयार करने के उद्देश्य के साथ आपातकालीन विभाग में एक इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल रिकॉर्ड प्रणाली का कार्यान्वयन किया है जिसे कानून द्वारा अधिदेशित पहचान की तस्वीर के साथ एक फॉर्मेट में प्रिंट किया जा सके और इस प्रकार सभी कानूनी जरूरतें पूरी की जाएं। ई एम एल सी में रोगी की फोटो पहचान होने का अतिरिक्त लाभ हैं, इसे भावी संदर्भ के लिए आसानी से दोबारा प्राप्त किया जा सकता है। एन आई एस ने आपातकालीन विभाग में हर समय तैनाती से इसका सौ प्रतिशत पालन सुनिश्चित किया है और यह मॉड्यूल से संबंधित किसी भी मामले को सुलझाता है।
- **प्रवेश रोकना :** यह प्रोग्राम रोगी को आपातकालीन विभाग में किसी भी संबंधित वार्ड से ले जाने के लिए इसे समय पर सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किया गया है। पहले, ड्यूटी अधिकारी मैनुअल विधि से इसे ब्लॉक करते थे। अब इस अनुप्रयोग से यह पता लगाने में मदद मिलती है कि किस विभाग के प्रवेश में आपातकालीन / पेरिफेरल वार्ड के रोगी को भेजने में विलंब के कारण ब्लॉक होने की संभावना है। वे अनिवार्य कार्रवाई कर सकते हैं और इस प्रकार आपातकालीन प्रवेश प्रक्रिया को सुचारु रूप से चलाया जा सकता है।

ड्यूटी रोस्टर के साथ बायोमेट्रिक उपस्थिति :एक अन्य नवाचारी परियोजना ड्यूटी रोस्टर के साथ एकीकृत उपस्थिति की बायोमेट्रिक प्रणाली हैं। बायोमेट्रिक उपस्थिति को ऑनलाइन ड्यूटी रोस्टर से जोड़कर बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली का पालन सुनिश्चित किया जाता है, जो जे पी एन ए टी सी में पहले से कार्यरत है। इस प्रणाली को दोहराने के लिए एक बड़ा अभ्यास किया गया था। प्रत्येक कर्मचारी की अंगुलियों के निशान बायोमेट्रिक मशीन पर दर्ज किए गए हैं। एम्स में सभी स्थानों पर ये मशीनें लगाई गई है और इनका समेकन लगभग पूरा हो गया है।

ओ पी डी / क्लिनिक / प्रक्रिया के लिए भविष्य में समय लेने हेतु निर्गत काउंटर : सभी ओ पी डी / क्लिनिक / प्रक्रिया के लिए भविष्य में समय लेने हेतु 6 निर्गत काउंटर और 5 कीओस्क आरंभ किए गए थे, ताकि लोग अपने लिए सुविधा जनक समय चुन सकें। इससे ओ पी डी कार्य की प्रक्रिया को सुचारु बनाया गया है ताकि प्रत्येक रोगी अगली बार आने के लिए पहले से समय तय कर सके। एन आई एस के साथ टी सी एस को भी इस रूपांतरण और प्रक्रिया बनाने में शामिल किया गया है।

प्रयोगशाला मॉड्यूल : जनवरी 2014 से अब तक 22 प्रयोगशालाओं को ऑनलाइन बनाया गया है। रिपोर्टिंग का अनुरोध ओ पी डी रोगियों और आंतरिक रोगियों के लिए ई – अस्पताल प्रणाली में किया गया है। नर्सिंग सूचना विज्ञान विशेषज्ञों के साथ एन आई सी दल भी प्रयोगशाला ऑनलाइन बनाने, तकनीशियनों और डॉक्टरों को प्रयोगशाला में प्रशिक्षण देने के लिए समन्वय करते हैं यहां 17 प्रयोगशालाएं ऑफलाइन हैं और इन्हें भी अगस्त 2015 तक ऑनलाइन लाया जाएगा।

क्र. संख्या	प्रयोगशाला का नाम
1	साइड लैब (बायोकेम – ई एम जी – लैब), कमरा नंबर 2
2	साइड लैब (बायोकेम दिनचर्या–लैब), कमरा नंबर 20
3	साइड लैब (हेमेटोल – दिनचर्या – लैब), कमरा नंबर 23
4	नेत्र बायोकेमिस्ट्री लैब, 6वां तल, आरपीसी
5	डॉ. सरमन सिंह लैब, कमरा नंबर 28, केन्द्रीय संग्रह सुविधा
6	सीएन सेंटर, भूतल, कमरा नं 17ए
7	साइड लैब (हेमेटोल – ईएमजी – लैब) कमरा नंबर 3
8	साइड लैब नियमित हेमेटोलॉजी, कमरा नंबर 22
9	आईआरसीएच कैंसर विज्ञान लैब
10	आईआरसीएच एफेरेसिस लैब
11	आरपीसी हेमेटोलॉजी लैब, 7वां तल, आरपीसी
12	केंद्रीय संग्रह सुविधा, कमरा नंबर 11
13	टीबी लैब, कमरा नं 2056, टीचिंग ब्लॉक, दूसरा तल
14	एसटीडी लैब कमरा नं 2069, टीचिंग ब्लॉक, दूसरा तल
15	सेरोलॉजी लैब, कमरा नंबर 24 (साइड लैब), मुख्य भवन
16	माइक्रोबायोलॉजी लैब, कमरा नं 2071, टीचिंग ब्लॉक
17	आरपीसी पैथोलॉजी, 7वां तल, आरपीसी
18	पैथोलॉजी पहला तल, टीचिंग ब्लॉक
19	मायकोलॉजी लैब, कमरा नंबर 2080, टीचिंग ब्लॉक
20	प्रजनन जीव विज्ञान, कमरा नं 2090, टीचिंग ब्लॉक
21	चिकित्सा कैंसर विज्ञान, आईआरसीएच
22	माइकोप्लाज्मा लैब, दूसरा तल, टीचिंग ब्लॉक

आंतरिक मॉड्यूल

ई – जन्म प्रमाण पत्र : 1 दिसंबर 2014 को इलेक्ट्रॉनिक जन्म प्रमाण पत्र नामक एक वेब आधारित अनुप्रयोग कार्यान्वित किया गया था – इस अनुप्रयोग में जन्म की सूचना जमा करने के लिए विधि को सरल बनाने हेतु अनेक विशेषताएं डाली गई है, और इन्हें केंद्रीय डेटा बेस में जमा किया जा सकता है। इस सॉफ्टवेयर के साथ केवल बच्चे के यू एच आई डी नंबर को एक बार डालने की जरूरत होती है। एक बार प्रविष्टि करने के बाद डेटा अपने आप केंद्रीय प्रणाली में फीड हो जाता है, जिससे एक बटन क्लिक करने पर प्रमाण पत्र प्राप्त हो जाता है।

एम एस एस ओ : एम एस एस ओ सॉफ्टवेयर का विकास एम्स में इलाज के लिए आने वाले रोगियों को रेल रियायती प्रमाण पत्र और विकलांग प्रमाण पत्र प्रदान करने हेतु आंतरिक रूप से किया गया है। रेल रियायती प्रमाण पत्र और विकलांग प्रमाण पत्र ऑनलाइन विधि से रिपोर्ट के साथ तैयार होते हैं।

ब्लड बैंक : ब्लड बैंक का कंप्यूटरीकरण एक अन्य ऐतिहासिक कदम है सी एन सी ब्लड बैंक का अनुरोध पत्र 27 जनवरी 2015 से लाइव बनाया गया है और यह एम्स के मुख्य ब्लड बैंक में शुरू किया जाएगा। कंप्यूटरीकरण के माध्यम से हमारा लक्ष्य ब्लड बैंक में पारदर्शिता लाना, तत्काल प्रतिक्रिया देना है।

गुणवत्ता आश्वासन मॉड्यूल (क्यू ए एम) : इसे उन सभी मामलों के उपाय के रूप में शुरू किया गया जिनमें संकाय द्वारा प्रस्तुतीकरण के समय ग्रेड दिया जा सकता है। इससे रेजीडेंट की उपस्थिति भी मिलती है, जिससे उनकी उपस्थिति को बायोमेट्रिक के साथ जोड़ा जा सकता है। यह न्यूरो सर्जरी और स्त्री रोग विभाग में लाइव है।

ओ टी अनुसूची : एक विशेष विभाग के ओ टी की सूची को अनुसूचित करने का अनुप्रयोग हे जिसे वास्तविक समय में अपडेट किया जाता है और उनके घर से भी प्रयोक्ताओं को इसकी पहुंच का अधिकार दिया गया है (पुस्तकालय पहुंच के माध्यम से)। इससे ओ टी की सूची बनाई जाती है और मैनुअल प्रक्रिया की तुलना में न्यूनतम गलतियों के साथ आसानी से अनुसूची बनाई जाती है।

मृत्यु नोट : दिल्ली सरकार द्वारा बनाए गए फॉर्मेट के अनुसार मृत्यु प्रमाण पत्र तैयार करने का ऑनलाइन अनुप्रयोग सफलतापूर्वक तैयार किया गया है और इसे पूरे एम्स में सफलता पूर्वक कार्यान्वित किया गया है। एन आई एस ने इसके प्रशिक्षण और कार्यान्वयन का समन्वय किया है।

वाइटल प्रविष्टि : उस रोगी के जीवन के लक्षणों को दर्ज करने के लिए एक ऑनलाइन मॉड्यूल बनाया गया है जिसकी समेकित रिपोर्ट छुट्टी के समय प्रिंट की जा सके।

राजगढ़िया विश्राम सदन (तीन विश्राम सदन) : इस मॉड्यूल का विकास किया गया और यह कमरे के आरक्षण और बिलिंग को ठीक तरीके से चलाने के लिए वास्तविक प्रयोक्ता को नियंत्रण समर्थन प्रदान करता है।

संकाय प्रबंधन प्रणाली :

यह एम्स के संकाय सदस्यों के लिए एक इंटरफेस है, जहां उन्हें अपनी छुट्टी के आवेदन, ओ पी डी तथा आई पी डी रोगियों के निदान, ओ टी के विवरण, प्रकाशन, ए सी आर और वार्षिक रिपोर्ट से संबंधित जानकारी मिल सकती हैं। इसके लाभ हैं :

1. संकाय सदस्यों को अपने अवकाश, राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों के बारे में पूछताछ के लिए प्रशासन में जाने की जरूरत नहीं होती है। संकाय डैशबोर्ड पर एक स्क्रीन में उन्हें यह जानकारी मिलेगी।
2. वार्षिक रिपोर्ट, जो इस समय जारी हैं, इससे संकाय सदस्यों को सी एम ई, प्रकाशनों, प्रकाशित की गई पुस्तकों, परियोजना के विवरण आदि के ब्यौरे मिलते हैं।

प्रशासन

यह सुविधा केंद्रों तथा विभागों सहित प्रशासन/वित्त/इंजीनियरी/भण्डार के सभी अनुभागों में ई – ऑफिस प्रोग्राम के समन्वय और कार्यान्वयन में शामिल हैं। फाइनेंस सर्वर (नौवेल)/प्रशासनिक सर्वर (विंडो) के रखरखाव से वित्तीय अनुप्रयोग किए जाते हैं और वेब आधारित प्रशासनिक/वित्तीय अनुप्रयोग किए जाते हैं।

आईटी मूलसंरचना और नेटवर्किंग, इंटरनेट और इंट्रानेट प्रबंधन गतिविधियां

1. वायरलेस नेटवर्किंग के लिए सुविधा प्रबंधन : छात्र सहायता के लिए समर्थन प्रणाली और कॉल सेंटर के निरंतर कार्यान्वयन।
2. वेबमेल सिस्टम का निरंतर प्रबंधन।
3. यूनीफाइड थ्रैट मैनेजमेंट (यूटीएम) एवं गेटवे लेवल एंटीवाइरस, एंटी–स्पेम, आईपीएस, लोड बैलेसिंग और कंटेंट फिल्टरिंग में प्रबंधन के लिए कंप्यूटर नेटवर्क्स एवं एप्लीकेशंस की सुरक्षा हेतु स्थापना की गई।
4. 18 छात्रावास के स्थानों पर वायरलैस नेटवर्किंग क्षेत्रों के सफलतापूर्वक कार्यान्वयन का सतत प्रबंध, छात्रों एवं रेजीडेंट डॉक्टरों के लिए इंटरनेट, सूचना तथा ऑनलाइन पत्रिकाओं की पहुंच हेतु वाई फाई जोन्स का निर्माण किया। अब तक 6000 छात्र इस सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। वर्तमान में 1200 प्रयोक्ता इस सुविधा के लिए पंजीकृत हैं।
5. संस्थान के बाहर वी पी एन टनल आधारित पहुंच के द्वारा सक्षम बी. बी. दीक्षित पुस्तकालय द्वारा निर्धारित पत्रिकाओं हेतु ऑनलाइन पहुंच का सतत प्रबंध करने में सक्षम है।
6. आई सी यू से बाहर कहीं भी आई सी यू रोगियों के स्तर को देखने के लिए आई सी यू तंत्रिका रोगी की ऑनलाइन जांच का सतत प्रबंध।
7. आई सी यू से बाहर कहीं भी आई सी यू रोगियों के स्तर को देखने के लिए सी टी – 6 आई सी यू रोगी की ऑनलाइन जांच का सतत प्रबंध।
8. बीबीडीएच ओपीएसी की सेवाएं जारी तथा एम्स वेबसाइट के जरिए बी बी दीक्षित पुस्तकालय के माध्यम से पुस्तकालय ऑन लाइन संस्थान का अंशदान बढ़ाया गया।
9. द्विभाषी वेबसाइट निर्माण की प्रक्रिया जारी है। अब तक 50 विभागों का हिंदी में अनुवाद हो चुका है जिसे वेबसाइट में दर्शाया गया है।
10. छात्रों हेतु इंटरनेट एवं ऑनलाइन पत्रिका की पहुंच हेतु बी. बी. दीक्षित पुस्तकालय में वाई – फाई जोन का सतत प्रबंध।
11. वेबसाइट www.aiims.edu, www.aiims.ac.in का रख रखाव किया जा रहा है।
12. लगभग 3900 नोड्स (881 ई–अस्पताल नोड्स सहित) में अ. भा. आ. सं. नेटवर्क पर 24/7 दिनों तक संकाय एवं छात्रों के लिए इंटरनेट सुविधा का अनुरक्षण किया गया था।
13. दो जी.बी.पी.एस. तक विस्तारित क्षमता सहित 2 जी बी पी एस की राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एन.के.एन.) लीज़लाइन को एन आई सी से कम्प्यूटर सुविधा में संस्थापित किया गया है। एन.के.एन. के द्वारा सूचना को पहुंचाने के लिए विभिन्न लेक्चर थियेटरों एवं विभागों को नोड्स दिए गए है।
14. aiims.ac.in डोमेन पर 1000 ई मेल प्रयोक्ता खातों का निर्माण एवं अनुरक्षण।
15. वर्ष 2014–15 के दौरान एम्स वेबसाइट पर आने वालों की कुल संख्या लगभग 45 लाख है।
16. वेब सर्वर, प्रोक्सी सर्वर एवं मेल सर्वर 24x7x365 दिन का अनुरक्षण।
17. एम्स के संकाय एवं स्टाफ को 350 नए इंटरनेट कनेक्शन प्रदान किए गए हैं।
18. इंटरनेट एवं नेटवर्क प्रयोक्ताओं की शिकायतों एवं रेजोल्यूशन हेतु सुविधा प्रबंध एवं कॉल अनुरक्षण।
19. स्कॉलरों एवं वरिष्ठ/जूनियर रेजीडेंटों के लिए ड्यूटी कक्षों एवं सामान्य कक्षों में इंटरनेट एवं कंप्यूटरों का उपयोग करके ऑनलाइन जर्नल पहुंच तथा जर्नल पहुंच के प्रावधान हेतु तकनीकी सहयोग का सतत प्रबंध।
20. सी एन केंद्र ओ पी डी कैश कार्ड पेमेंट गेटवे, जेपीएनएटीसी और नशा मुक्ति केन्द्र, गाजियाबाद हेतु एम्स एवं एफ एस एस चैन्नई के मध्य वी पी एन टनल जारी।
21. कंप्यूटर सुविधा, अ. भा. आ. सं. के नेटवर्क इकाई द्वारा ई–अस्पताल (मुख्य अस्पताल) और आउटरीच ओपीडी झज्जर नेटवर्किंग ली।
22. बल्लभगढ़, एम्स केंद्रों के लिए विशेष रूप से कॉन्फिगर किए गए एम्स के बाहर ई–अस्पताल मॉड्यूल पहुंच के लिए वी पी एन आधारित पहुंच तंत्र।
23. एनडीडीटीसी, जेपीएनएटीसी तथा उत्कृष्टता केन्द्र, मिर्गी और मस्तिष्क केन्द्र के दूरस्थ स्थानों को जोड़ने के लिए एनकेएन द्वारा नेटवर्किंग और कॉन्फिगर किया गया।
24. वीडियो और तस्वीरों की मेजबानी के लिए मीडिया सर्वर सी एम ई टी पर बनाया।

25. एम्स सेवा के सर्वर पर आचार समिति की होस्टिंग वेब पोर्टल।
26. आचार समिति वाई–फाई सक्षम का कार्यालय बनाना
27. एम्स सर्वर पर होस्टिंग अनुसंधान विभाग की वेबसाइट।
28. एक प्रशिक्षण कार्यक्रम एम्स के कर्मचारियों के लिए 9–11 दिसंबर 2014 को सायबीरोम फ़ायरवॉल पर आयोजित किया गया।
29. अरनेट के साथ ंपपउेण्बण्पद नाम का नवीकरण किया गया।
30. एमएसी आई डी अभिप्रमाणन ई–अस्पताल सॉफ्टवेयर में वार्ड, ओ टी तक वाई फाई आधारित पहुंच हेतु एम्स के संकाय और नर्सिंग कर्मचारियों को प्रदान किए गए।
31. छात्रावास 9 और 10 को जोड़ने के लिए यूटीपी केबल की बहाली का कार्य।
32. ंपपउेण्मकन में संकाय सदस्यों को ईमेल आईडी प्रदान करना।
33. टीसीएस को कम्प्यूटर, वाई फाई, इंटरनेट कनेक्शन आदि जैसी अनिवार्य मूल संरचना के साथ संकेन्द्रण केन्द्र (9वां तल) में स्थान दिया गया।
34. वेब साइट और सोशल मीडिया को नया रूप दिया गया प्रो. भान, सचिव, डी बी टी और एम्स के निदेशक, प्रो. एम सी मिश्रा ने 27 जनवरी, 2015 को इसका संयुक्त रूप से उद्घाटन किया।
35. एम्स टेली मेडिसिन सेंटर में इंडियन रेड क्रॉस सोसयाटी के स्नातकोत्तर छात्रों के दौरे का समन्वय और व्यवस्था, फरवरी, 2015। व्याख्यान और प्रदर्शन सी एफ द्वारा किए गए।
36. AIIMS.edu शक्तिशाली समर्पित सर्वर साझा सर्वर से हटाए गए।
37. मुख्य भवन और छात्रावास, एनडीडीटीसी के वाई फाई की स्थापना और इंटरनेट तथा ई–अस्पताल को अच्छी तरह चलाने के लिए इसकी नेटवर्किंग को पूरी तरह नया रूप देना।
38. पीएमआर पर नव निर्मित संकाय / एस आर / जेआर में कर्मचारी कमरों का पुर्नोत्थान।
39. डॉ. शरत चंद्र, न्यूरोसर्जरी विभाग की मस्तिष्क प्रयोगशाला सुविधा के लिए कनेक्टिविटी प्रदान की गई।
40. झज्जर आउटरीच ओपीडी में इंटरनेट ओर वाई – फाई के लिए बीएसएनएल के माध्यम से इंटरनेट कनेक्टिविटी के लिए प्रस्ताव दिया गया।
41. हार्डवेयर और नेटवर्किंग के लिए सीएएमसी पूरे संस्थान के लिए निविदा प्रक्रिया के माध्यम से कार्य प्रदान किया गया।
42. अस्पताल, ओपीडी, ओटी एवं आईसीयू को ई–अस्पताल सॉफ्टवेयर और इंटरनेट के उपयोग के लिए वाईफ़ाई सक्षम करना।
43. एमबीबीएस के नए छात्रों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम में प्रशिक्षण और व्याख्यान प्रस्तुति (बैच 2014)।
44. एम्स और आईसीएमआर के लिए एनकेएन के लिए बनाए गए बैकअप लिंक।
45. सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में अस्पताल और वाई–फाई नेटवर्किंग के लिए प्रस्ताव, सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में बनाया और प्रस्तुत किया गया।
46. कन्वर्जेंस केंद्र की नेटवर्किंग के लिए प्रस्ताव दिया गया।
47. एम्स से समय समय पर विभिन्न गोष्ठियों / सम्मेलनों / वार्ताओं / वीडियो सम्मेलनों आदि को सहायता देने के लिए वाई फाई / इंटरनेट कनेक्टिवी दी गई।
48. सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ और उसके पीएचसी में ओपीडी, आईपीडी और स्टोर सूचना प्रणाली का कम्प्यूटरीकरण किया गया।
49. एम्स वेबसाइट पर अद्यतन, निर्मित एवं अपलोडिड पश्ष्ठों की कुल संख्या लगभग 2500 है।

प्रकाशन

जर्नल : 3

महत्वपूर्ण उपलब्धियां

श्री एस. एन. रघु कुमार और हरी शंकर ने एम बी बी एस छात्रों तथा एम्स के रेजीडेंट डॉक्टरों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम का संचालन किया।

श्री सतीश प्रसाद ने प्रशासनिक लैन (नए नेटवेयर सर्वर) का निरीक्षण किया, जो एम्स के वित्त के लिए प्रशासन और वित्तीय प्रणाली तथा सॉफ्टवेयर का रखरखाव करता है; एम्स में ई कार्यालय परियोजना (एन आई सी) का समन्वय और एम. एस सी, बी. एससी तथा पोस्ट प्रमाण पत्र छात्रों के लिए नर्सिंग कॉलेज की सूचना प्रौद्योगिकी कक्षाओं के समन्वयक और अध्यापन संकाय। एमएस विंडो ओ एस और इण्डियन रेड क्रॉस सोसायटी के लिए आपदा प्रबंधन पाठ्यक्रम में आईटी के सॉफ्टवेयर अनुप्रयोगों का उपयोग (आईपी विश्वविद्यालय से संबद्ध स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम), नामित केंद्रीय सहायक जन संपर्क अधिकारी (सीएपीआईओ), कंप्यूटर सुविधा के लिए।

श्री एस. के. मेहर बायोमेडिसिन, एम. एस सी बायोटेक में कंप्यूटर अनुप्रयोगों के पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम समन्वयक थे। उन्होंने एम्स में दो वर्ष की अवधि के लिए तैनात चिकित्सा सूचना विज्ञान के क्षेत्र में सशस्त्र बलों के तीन चिकित्सकों को प्रशिक्षण दिया है, एम्स के एम बी बी एस छात्रों के लिए कंप्यूटर अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया, ई अस्पताल और नेटवर्क का एम्स तथा एम्स के केंद्रों में कार्यान्वयन किया, ओ पी डी क्लिनिकल मॉड्यूल में ई – अस्पताल कार्यान्वयन का निरीक्षण गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी हेतु और सी एच सी झज्जर में किया, कंप्यूटर सुविधा की तकनीकी समिति के सदस्य और कंप्यूटर सॉफ्टवेयर एवं हार्ड वेयर के लिए तकनीकी विशिष्टियों का प्रारूप तैयार किया, कंप्यूटर सुविधा द्वारा कंप्यूटरों की खरीद और आई टी हार्ड वेयर के लिए निरीक्षण समिति के अध्यक्ष, जैव सूचना विज्ञान पत्रिका (जे बी आई) के समीक्षक, अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल इंफॉर्मेटिक्स और जर्नल ऑफ कंप्यूटर मैथड्स एण्ड प्रोग्राम्स इन बायोमेडिसिन (इल्सवियर); सदस्य, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के लिए परियोजना मूल्यांकन हेतु मेडिकल इलेक्ट्रॉनिकी एवं स्वास्थ्य सूचना विज्ञान कार्य समूह, भारत सरकार, इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल इंफोर्मेटिक्स के अध्यक्ष का पद जारी, 2014 – 15, बोर्ड सदस्य, इंटरनेशनल सोसायटी फॉर गेरोंटेक्नोलॉजी, 2014 – 16; दिल्ली में ए पी ए एम आई 2014 में आयोजित ई – स्वास्थ्य कार्यशाला के एक सत्र की अध्यक्षता की, चिकित्सा सूचना विज्ञान पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन और एशिया पेसेफिक एसोसिएशन ऑफ मेडिकल इंफोर्मेटिक्स; ए पी ए एम आई 2014 में ''स्वास्थ्य देखभाल में सूचना शासन – रूपांतरण की कूंजी'' पर एक सत्र की मध्यस्थता की, एम्स में आयोजित दूसरे सी ई यू टी ई एच – 2014 में बड़े डेटा एनालिस्ट पर आमंत्रित वार्ता दी, डी एस टी परियोजना oldagesolutions.org. के सह अन्वेषक; ''विकासशील देशों में ई स्वास्थ्य कार्यान्वयन की चुनौतियां और बाधाएं' को साउ पालो, ब्राजील में 19 – 23 अगस्त 2015 के दौरान 15वें वर्ल्ड कांग्रेस इन हेल्थ एण्ड बायोमेडिकल इंफोर्मेटिक्स में मौखिक प्रस्तुतीकरण के लिए स्वीकार किया गया, 15वें वर्ल्ड कांग्रेस इन हेल्थ एण्ड बायोमेडिकल इंफोर्मेटिक्स में मेडिकल इंफोर्मेटिक्स के बायोग्राफिकल लेक्सिकन की अंतरराष्ट्रीय सूची में सूचीबद्ध किए गए।

श्री विनय पाण्डे ने इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी के लिए आपदा प्रबंधन और साइबर आतंकवाद में आई टी की कक्षाएं लीं (आई. पी. विश्व विद्यालय से संबद्ध स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम), नर्सिंग कॉलेज, एम्स में एम. एससी, बी. एससी सूचना प्रौद्योगिकी और मेडिकल इंफोर्मेटिक्स की कक्षाएं लीं, ई–अस्पताल स्टोर और कंप्यूटर सुविधा स्टोर के प्रभारी अधिकारी, इन दोनों स्टोर को ऑनलाइन कराया, विभिन्न कंप्यूटरों/पेरिफेरल/उपभोज्य के प्रबंधन और तैनाती/जारी करने तथा ई – अस्पताल परियोजना से संबंधित अन्य परिसंपत्तियों के रखरखाव एवं एम्स की अन्य कंप्यूटरीकरण परियोजनाओं से संबद्ध रहे।

11.6 इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी सुविधा

(शरीर रचना विभाग)

प्रभारी अधिकारी

तापोश के. दास

आचार्य

टी.सी. नाग

तकनीकी अधिकारी

संदीप आर्य

शिक्षा

1. एम्स के जैवप्रौद्योगिकी विभाग के 9 एम. बायो टेक विद्यार्थियों ने 25 अगस्त से 6 सितंबर 2014 तक (उनके प्रथम सेमिस्टर सेल जैव विज्ञान प्रैक्टिकल्स के तौर पर) दो हफ्ते का प्रशिक्षण प्राप्त किया।
2. शरीर रचना स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए ईएम पाठ्यक्रम 16 जनवरी से 6 मार्च 2015 के बीच आयोजित किया गया।

सी एम ई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी फॉर सांइटिफिक इंवेस्टीगेटर्स में 10 से 22 नवंबर 2014 के बीच 30 वें राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के विभिन्न भागों से 13 उम्मीदवारों ने हिस्सा लिया। डॉ. तापोश के. दास एवं डॉ. टी.सी. नाग ने उम्मीदवारों को कुल मिलाकर 10 व्याख्यान दिए।
2. तकनीकी व्यक्तियों हेतु इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी में 19 वें राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 2 से 14 फरवरी 2015 को किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के विभिन्न भागों से 4 उम्मीदवारों ने हिस्सा लिया।
3. तकनीकी व्यक्तियों हेतु इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी में ग्रीष्म प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन 16 मई से 26 जून 2014 को किया गया। पश्चिम बंगाल, चंडीगढ़, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में प्रत्येक संस्थाओं से चार उम्मीदवारों को सैम्पल प्रोसेसिंग, अल्ट्रा माइक्रोस्कोटॉमी, सीपीडी, स्पूटर कोटिंग, टीईएम एंड एसईएम जांच एवं माइक्रोस्कोप के दैनिक व्यवस्थापन का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
4. डॉ. मनदीप डढ़वाल के मार्गदर्शन में 7 दिसंबर, 2014 को एनआईआईटी विश्वविद्यालय नीमराना, राजस्थान से 7 विद्यार्थियों ने इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी की सुविधा का दौरा किया और इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी के अवलोकन के लिए बायोलॉजिकल सैम्पल्स की प्रोसेसिंग और इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी के सिद्धांतों पर निर्देश दिया।
5. शरीर क्रिया विज्ञान विभाग के एक संकाय सदस्य सहित 4 विद्यार्थियों ने 11 मार्च 2015 को कलकत्ता विश्वविद्यालय का ई.एम. सुविधा का दौरा किया और उन्हें ईएम अवलोकनों के लिए जैविक नमूनों के प्रसंसाधन एवं ईएम के सिद्धांतों पर अनुदेश दिए गए।

प्रदत्त व्याख्यान

टी.सी. नाग : 2

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. प्रेरित नेफ्रोटोक्सिटी मार्कर की पहचान और मूल्यांकन : फ्लोरोसिस का जल्दी पता लगाने के लिए नैदानिक उपकरण। टी. के. दास. इंस्ट रेस. ग्रांट (एम्स)। 2014–16, 10 लाख रुपए।
2. भारतीय जनसंख्या में गठिया रोगियों में टीएच 17 कोशिकाओं (टी हेल्पर) की भूमिका का अध्ययन करने के लिए। टी. के. दास। आईसीएमआर। 2015–18, 40 लाख रुपए।

3. वेरिएबल फोटोपेरियोइटस के प्रकटन के पश्चात नियोनेटल चिक रेटीना में मोर्फोलोजिकल एवं बायोकेमिकल परिवर्तन। टी. के. नाग। एसईआरबी। 2013–16। 33.6 लाख रुपए।

पूर्ण

1. चूहे के मस्तिष्क में मिडिल सेरीब्रल धमनी अवरोधन द्वारा इस्चेमिया–रिपरफ्यूज़न अभिघात में ऑटोफेगी एवं एपोप्टोसिस के बीच सह–संबंध।
2. प्रकाश प्रेरित रेटिनल क्षति के एक चूहा मॉडल में हिस्टोन एसीटेल ट्रांसफिरेज तथा एसआईआरटी1

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. चूहे के मिडिल सेरीब्रल धमनी अवरोधन मॉडल में सेरीब्रल इस्चेमिया–रिपरफ्यूज़न अभिघात में ऑटोफेगी एवं एपोप्टोसिस के बीच सह–संबंध।
2. चूहे के मिडिल सेरीब्रल धमनी अवरोधन में एंजियोटेनसिन रिसेप्टर मॉड्यूलेशन का प्रभाव : एक मोर्फोलॉजिकल और बायोकैमिकल का अध्ययन
3. वेरिएबल फोटोपेरियोइटस के प्रकटन के पश्चात नियोनेटल चिक रेटीना में मोर्फोलोजिकल एवं बायोकेमिकल परिवर्तन।
4. आयु बढ़ने के साथ और प्रयोगात्मक लोहे अधिभार में चूहा रेटिना में लोहे विनियामक प्रोटीन की अभिव्यक्ति पैटर्न।

पूर्ण

1. स्विस अल्बिनो चूहों पर प्रकाश प्रेरित रेटिना क्षति में सरट्यून 1 की भूमिका

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 10

सार : 1

रोगी उपचार

विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं

वर्ष के दौरान, अनुसंधान एवं रोगी उपचार हेतु विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं निम्नानुसार प्रदान की गई :–

क्र. सं.	सुविधाएं	उपभोक्ता सं.			विश्लेषित नमूने
	बाहरी	आंतरिक	बाहरी		आंतरिक
1.	ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी	162	316	948	1723
2.	इम्यूनो–इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी	19	22	63	20

पुरस्कार एवं सम्मान तथा उल्लेखनीय उपलब्धियां

आचार्य. टी.सी. नाग ने दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली में 9 जुलाई, 2014 को आयोजित ईएमएसआई की पैतीसवीं वार्षिक बैठक में एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की। उन्होंने टिशू सेल, सेल बायोलॉजी इंटरनेशनल और इंटरनेशनल जर्नल न्यूरोसाइंस की समीक्षा की।

11.7 छात्रावास अनुभाग

अधीक्षक

एस. के. खंडेलवाल

उप अधीक्षक

डी. एन. राव	एस. दत्ता गुप्ता	नीरजा भटला
एस. के. मौलिक	तनुज दादा	राकेश कुमार
राज कुमार यादव	विजय शर्मा	पुनीत मिश्रा
के. एच. रीता	कपिल यादव	कमलेश शर्मा

वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

केशव. के. गिरिधारी

लेखा अधिकारी

त्रिलोक

भण्डार अधिकारी

नरेन्द्र

एम्स में लगभग 1200 सिंगल/डबल कमरे तथा विवाहितों के लिए 174 आवास तथा नर्सिंग छात्रों/स्टाफ नर्सों के लिए 388 आवासों की क्षमता सहित रेजीडेंट्स हेतु विभिन्न छात्रावास हैं। यह आवास विभिन्न छात्रावासों एवं मुख्य कैम्पस के आवासों, मस्जिद मोठ, आयुर्विज्ञान नगर, ट्रांजिट छात्रावास एवं जेपीएनएटीसी छात्रावास (राज नगर) में फैले हुए हैं। इसके विवरण निम्नानुसार हैं :

क्र.सं.	**छात्रावास**	**स्थान**	**एक कमरा**	**दो/तीन/चार /पांच सीटर**	**अतिथि कक्ष (दो बिस्तर सहित)**	**कुल**
	पुरुष छात्रावास					
1.	1 (चरक)	मुख्य परिसर	62	3+0+0+0	–	68
2.	2 (जीवक)	मुख्य परिसर	55	2+0+0+0	1	60
3.	3 (सुश्रुत)	मुख्य परिसर	70	6+0+0+0	1	83
4.	4 (माधव)	मुख्य परिसर	53	7+0+0+0	–	67
5.	5 (नागार्जुन)	मुख्य परिसर	52	5+0+0+0	–	62
6.	6 (वागभट्ट)	मुख्य परिसर	69	6+0+0+0	–	81
7.	7 (अश्विनी)	मुख्य परिसर	108	0+0+0+0	1	108
8.	8 (भारद्वाज)	मुख्य परिसर	108	0+0+0+0	1	108
9.	आरपीसी–1 (धनवंतरी)	मुख्य परिसर	72	–	1	73
10.	एमएमआरडीएच (सिंगल)	मस्जिद मोठ	154	–	6	160
11.	जेपीएनएटीसी	राज नगर	57	–	2	59
		कुल				**829**

विवाहितों हेतु क्वार्टर

12.	एफ टाइप	अंसारी नगर (पश्चिम)		17		17
13.	एमएमआरडीएच	मस्जिद मोठ		42		42
14.	ए. वी. नगर	ए. वी. नगर		80		80
15.	एफ.टी.ए.	ए. वी. नगर		29		29
16.	जेपीएनएटीसी	राजनगर		6		6
		कुल				**174**

महिला छात्रावास

17.	9 (सरस्वती)	मुख्य परिसर	62	16+1+1+0	1	102
18.	10 (पार्वती)	मुख्य परिसर	106	0+0+1+1	1	117
19.	आर.पी.सी–2 (लक्ष्मी)	मुख्य परिसर	20	13+0+0+0	1	47
20.	महिला छात्रावास 11	मुख्य परिसर	–	15+0+0+0	–	30
		कुल				**296**

नए नर्सिंग छात्रावास, मस्जिद मोठ

21.	नर्सिंग छात्रावास	मस्जिद मोठ	160	90+4+0+0	2	354
22.	स्टाफ नर्स	मस्जिद मोठ	34	34		
		कुल				**388**
			महायोग			**1,687**

एम्स छात्रावासों में रेगिंग के विरुद्ध कठोर नीति का पालन किया जाता है। इस प्रयोजन के लिए रेगिंग विरोधी प्रकोष्ठ का गठन किया गया है तथा वार्डन एवं सुरक्षा कर्मी छात्र की शिकायत या असुविधा होने पर उनके मार्गदर्शन एवं सहायता प्रदान करने के लिए तैयार रहते हैं।

जोड़ी गई आधारिक संरचना

1. **नए छात्रावास :** छात्रों /रेजीडेंटों के लिए कमरे की अत्यधिक कमी के कारण मस्जिद मोठ क्षेत्र में नए छात्रावास ब्लॉक के शीघ्र निर्माण हेतु छात्रावास समिति ने प्रशासन एवं इंजीनियरिंग अनुभाग के साथ अनेक बैठकों का आयोजन किया। वर्तमान में कुल 350 कमरों सहित 3 टावरों का निर्माण कार्य चल रहा है। अन्य ब्लॉक पर सक्रिय रूप से विचार हो रहा है। नए छात्रावास ब्लॉकों में से एक कब्जा लेने के लिए तैयार है तथा 2016 के अंत में दो ब्लॉकों के तैयार होने की भी संभावना है।
2. **विद्यमान कमरों में सुधार :** विभिन्न छात्रावासों में रेजीडेंटों/छात्रों को प्रदान की जा रही सुविधाओं के संबंध में चिंतित हैं। तदनुसार सभी विद्यमान कमरों का चरणबद्ध तरीके से नवीनीकरण करने का निर्णय लिया गया था। आरंभ करने के लिए छात्रावास नम्बर–7 में अंतर्निहित कबर्ड्स, वॉस बेसिन, नई इलैक्ट्रिकल फिटिंग तथा नई फ्लोरिंग सहित एक मॉडल कमरे को तैयार किया गया है। इसे स्नातकोत्तर छात्रावासों के साथ चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा। इससे रेजीडेंटों की जीवन शैली की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण रूप से सुधार होगा तथा उनको अध्ययन के लिए सहज वातावरण प्राप्त होगा।
3. महिला छात्रावास के लिए, एक 27×7 चाय / कॉफी शॉप प्रक्रिया के तहत है।
4. पुरुष छात्रावास में स्नातक छात्रों के लिए एक मनोरंजन कक्ष शुरू किया गया।

सुरक्षा तथा बचाव उपाय

1. बेहतर सुरक्षा के लिए सभी पुरुष छात्रावासों 1 से 8 उपयुक्त गेट लगे हुए हैं। रेजीडेंट की सुरक्षा के लिए सभी छात्रावासों में चौबीस घंटे सुरक्षा कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। अ. भा.आ. स. के परिसर के 5 कि.मी. के दायरे में रहने वाली महिला रेजीडेंट को देर सायंकालीन

ड्यूटी के दौरान कैब सुविधा प्रदान की गई है। पुरुष छात्रावास परिसर में कमरा नम्बर 13 में शिकायत प्रकोष्ठ (ई मेल आईडी : aiimshostelgrievance@gmail.com) पर कार्यशील है छात्रों की शिकायत को सुनने के लिए मनोचिकित्सा विभाग के संकाय सायं 5:30 से सायं 6:30 तक (सोमवार से शुक्रवार) ड्यूटी पर रहते हैं।

1. सभी छात्रावासों में प्रवेश द्वार के साथ बार कोडिंग से प्रवेश किया जा सकता है।
2. निर्दिष्ट स्थान पर सभी छात्रावासों में सीसीटीवी स्थापना की प्रक्रिया के तहत है।

भविष्य की योजनाएं

1. **आधारिक संरचना :** पिछले कुछ वर्षों में नर्सिंग छात्रों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है मस्जिद मोठ क्षेत्र में नए नर्स छात्रावास ब्लॉक में अतिरिक्त कमरों की योजना बनाई गई है।
2. **छात्रावास नियम पुस्तिका :** छात्रावास कमेटी में छात्रों एवं रेजीडेंटों की ड्यूटी एवं उत्तरदायित्व तथा आबंटन नियमों पर संपूर्ण जानकारी सहित छात्रावास नियम पुस्तिका को संशोधित करने का कार्य आरंभ कर दिया है।
3. एन.एन. एच.एम.एम. और महिला छात्रावास में एक शिकायत प्रकोष्ठ शुरू किया जाना है।

11.8 संस्थान की नीति विषयक समिति

संस्थान की नीति विषयक समिति की गतिविधियां निम्नानुसार थीं :

बैठकें

संस्थान की नीति विषयक समिति की बैठक की संख्या निम्नानुसार थी :

- संस्थान की नीति विषयक समिति : 12
- मूलभूत और नैदानिक विज्ञान के लिए स्नातकोत्तर अनुसंधान हेतु संस्थान की नीति विषयक समिति 11

समीक्षा की गई परियोजनाएं

संस्थान की नीति विषयक समिति द्वारा समीक्षा की गई परियोजनाओं की संख्या निम्नानुसार थी :

- नए परियोजना प्रस्ताव : 476
- पुरानी परियोजनाएं : 148

बुनियादी और नैदानिक विज्ञान के लिए स्नातकोत्तर अनुसंधान के लिए संस्थान की नीति विषयक समिति द्वारा समीक्षा की गई परियोजनाओं की संख्या निम्नानुसार थी :

- नए शोध प्रबंध : 584
- समीक्षा शोध प्रबंध : 400

इसके अतिरिक्त, संस्थान की नीति विषयक समिति द्वारा गंभीर प्रतिकूल प्रतिक्रियाएं, गंभीर प्रतिकूल घटनाओं, छमाही प्रगति रिपोर्ट एवं पूर्णता रिपोर्ट आदि की अधिसूचनाएं प्राप्त करना जारी रहा। संस्थान की नीति विषयक समिति की मानक प्रचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) को आवश्यकतानुसार संशोधित किया गया और उन्हें एम्स वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया।

महत्वपूर्ण उपलब्धियां

संस्थान की नीति विषयक समिति और बुनियादी और नैदानिक सेवा के लिए स्नातकोत्तर अनुसंधान के लिए संस्थान की नीति विषयक समिति को डी सी जी आई तथा एफ डब्ल्यू ए के साथ पंजीकृत किया गया।

11.9 के. एल. विग आयुर्विज्ञान शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (सीएमईटी)

प्रमुख

ओ. पी. खरबन्दा

प्रभारी आचार्य

के. के. दीपक (बुनियादी विज्ञान के संकाय का विकास)

रीता सूद (चिकित्सा और संबद्ध विषयों के नैदानिक संकाय के लिए संकाय विकास)

अनुराग श्रीवास्तव (शल्य चिकित्सा विषयों के संकाय विकास हेतु)

शिक्षा मीडिया पत्रकार

योगेश कुमार

प्रबंधक (एच आर डी)

सौरव सरकार

व्याख्याता, अंग्रेजी एवं सम्प्रेषण, कौशल

सरस्वती (संविदा पर)

विशिष्टताएं

संकाय और रेजीडेंट के लिए पहले से ही कार्यक्रमों का 6 माह का कैलेण्डर पहली बार उन्हें दिया गया, जिससे प्रतिभागियों की आने की संख्या बेहतर हुई।

इस वर्ष पहली बार नर्सों के लिए (20 बैच में 788) और प्रयोगशाला तकनीशियनों (6 बैच में 144) प्रेरण कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई। नर्सों के प्रेरण कार्यक्रम में शामिल विषय थे : एम्स का गौरव, दल निर्माण, संक्रमण पर नियंत्रण, वार्ड और रिकॉर्ड प्रबंधन, जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन, नर्सिंग के लिए संचार कौशल और तनाव प्रबंधन, जबकि प्रयोगशाला तकनीशियनों के विषय थे : प्रयोगशाला सुरक्षा, संक्रमण नियंत्रण, प्रयोगशाला प्रबंधन के अलावा सॉफ्ट कौशल।

पुनः, एम्स संकाय के लिए 8 सूक्ष्म अध्यापन सत्र (44 संकायों के लिए) और चिकित्सा शिक्षा में अध्यापन की विधि और समझ बढ़ाने की कुशलता में सुधान लाने के लिए चिकित्सा शिक्षा में बुनियादी पाठ्यक्रम (35 संकायों के लिए) का आयोजन किया गया था।

इसके अलावा रेजीडेंट और संकाय दोनों के लिए उनके सूचना पुनः प्राप्ति, ग्रंथ सूची प्रबंधन, एमएस वर्ड में वैज्ञानिक लेखन के लिए प्रबंधन उपकरण, प्रभावी प्रस्तुतीकरण, पावर पॉइंट में एनीमेशन और मेडिकल फोटोग्राफी में कुशलता बढ़ाने के लिए 6 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए गए।

वित्त कर्मचारियों के लिए प्रोद्भूत लेखा पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

संक्षेप में, सीएमईटी द्वारा कुल 57 कार्यशालाओं का आयोजन किया गया और ''संस्थान दिवस प्रदर्शनी – 2014'' के आयोजन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शिक्षा

सी एम ई / कार्यशालाएं / संगोष्ठियां / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

सत्तावन कार्यशालाएं आयोजित की गई थी। इनके विवरण इस प्रकार हैं :

1. व्याख्या : चिकित्सा शिक्षा में चुनौतियां, 7 अप्रैल 2014
2. एक वैज्ञानिक शोधपत्र लेखन, 25–26 जुलाई 2014
3. सूक्ष्मशिक्षण, 1, 22 अगस्त; 10, 19, 29 सितंबर; 8, 31 अक्तूबर; 21 नवंबर 2014

4. संचार कौशल 7, 14, 21, 28 अगस्त 2014.
5. एक शोध पत्र लेखन (एनएमजेआई के साथ), 2–30 अगस्त 2014.
6. व्याख्यान : ई–लर्निंग में ई–लर्निंग और स्मार्ट फोन, 17 सितंबर 2014.
7. व्याख्यान : आइटम विश्लेषण की अवधारणा, बैंक और कंप्यूटरीकरण पर प्रश्न, 9 अक्तूबर 2014
8. नैदानिक वातावरण में शिक्षण, 29 अक्तूबर 2014.
9. ओएससीई और ओएसपीई, 13 नवंबर 2014.
10. स्वास्थ्य विज्ञान और बिब्लियोग्राफी प्रबंधन में सूचना पुनर्प्राप्ति, 15 जनवरी 2015
11. एमएस वर्ड में वैज्ञानिक लेखन के लिए उपकरण, 22 जनवरी 2015
12. डिजाइनिंग प्रभावी प्रस्तुति, 11 फरवरी 2015
13. चिकित्सा में शिक्षण और सीखने के संचार कौशल, 13 फरवरी 2015
14. नैदानिक विज्ञान शिक्षा में अनुसंधान के छात्र उन्मुख समावेश, 25 फरवरी 2015
15. स्वास्थ्य विज्ञान और बिब्लियोग्राफी प्रबंधन में सूचना पुनर्प्राप्ति, 27 फरवरी 2015
16. पावरपॉइंट में एनिमेशन, 5 मार्च 2015.
17. एक शोध पत्र लेखन, 13 – 14 मार्च, 2015.
18. मेडिकल फोटोग्राफी का परिचय, 19 मार्च 2015.
19. शिक्षण और चिकित्सा में प्रशिक्षण संचार कौशल, 20 मार्च 2015.
20. चिकित्सा एवं स्वास्थ्य व्यवसायों 'शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत पाठयक्रम, 25 से 27 मार्च 2015
21. नर्सिंग प्रेरण कार्यक्रम, 788 प्रतिभागी, 20 बैच, 26 मई से 27 अगस्त 2014.
22. प्रयोगशाला तकनीशियन प्रेरण कार्यक्रम, 144 प्रतिभागी,6 बैच, 2 फरवरी से 25 मार्च 2015.
23. प्रोद्भवन लेखन पर प्रशिक्षण, 32 प्रतिभागी, 9 से 20 फरवरी, 2015

सीएमईटी द्वारा सुविधा विस्तार

विभाग रसद और तकनीकी समर्थन दिया और स्थल प्रदान करते हैं :

1. एम्स के विभिन्न विभागों द्वारा 59 कार्यशालाओं/ सीएमई का आयोजन (107 दिनों की बुकिंग)।
2. नर्सिंग कॉलेज, एम्स के लिए उनके प्रायोगिक सत्र (15 दिन)।

प्रदर्शनियों का आयोजन

सीएमईटी ने 59 में संस्थान दिवस की प्रदर्शनी का आयोजन 25 से 27 सितम्बर 2014 के आयोजन में एक प्रमुख भूमिका निभाई। इसकी कुछ झलकें इस प्रकार थीं :

1. विषय **'बेहतर स्वास्थ्य बेहतर जीवन'** था।
2. पहली बार के लिए एक 'लोगो' प्रतियोगिता के आयोजन के लिए आयोजित किया गया था।
3. 48 विभागों की प्रदर्शनी में भाग लेना
4. वीडियो प्रदर्शन और प्रहसन प्रस्तुति के साथ 245 पोस्टर / प्रदर्श प्रस्तुत किए गए थे।
5. श्री लव वर्मा, स्वास्थ्य सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत और निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की सरकार का मंत्रालय, समारोह की अध्यक्षता

प्रदत्त व्याख्यान

श्री योगेश कुमार

नर्सिंग प्रेरण कार्यक्रम ''एम्स का गौरव'' नामक 18 सत्रों में व्याख्यान दिया। इसके अलावा उन्होंने एम्स में संकाय, रेजीडेंट, छात्रों और कर्मचारियों

के लिए सीएमईटी द्वारा आयोजित अन्य 52 कार्यक्रमों में भी व्याख्यान दिया। उन्होंने 13 जून 2014 को एम्स के रेडियो निदान विभाग में ''स्वास्थ्य विज्ञान और ग्रंथ सूची प्रबंधन में सूचना पुनः प्राप्ति'' पर भी अध्यापन किया।

मीडिया उत्पादन का विवरण

विवरण	अनुरोधों की संख्या
क्लिनिकल फोटोग्राफी	26,084*
एक्स–रे स्कैन, सीटी एमआरआई और स्लाइड स्कैन	9130*
फोटोग्राफी कलर प्रिंट्स, इमेजिस और दस्तावेजों की स्कैनिंग	782
वीडियो रिकॉर्डिंग और संपादन	509
बड़े प्रारूप के पोस्टरों को डिजाइन करना /प्रिंट करना	1645

*फोटोग्राफों या स्कैन की कुल सांकेतिक संख्या

अतिथि वैज्ञानिक

सुश्री मैरी कैगीटली, मैनेजिंग डायरेक्टर, माइंड एसोशिएट्स, यू.के. डिलिवर्ड लेक्चर ऑन 'वाय ऑप्टिज्म विंस? एण्ड 'मेंटल टफनेस फॉर विमेन' 17 अप्रैल 2014.

11.10 मीडिया और प्रोटोकॉल विभाग

अध्यक्ष
नीरजा भाटला

प्रवक्ता
अमित गुप्ता

मीडिया समन्वयक
राजीव मैखुरी

सहायक जन संपर्क अधिकारी
वी. पी. एस. चौहान

सार्वजनिक व्याख्यान श्रृंखला कार्यक्रम

विभाग द्वारा जनता में जागरूकता बढ़ाने के लिए नौ सार्वजनिक व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किए गए। ये थे :

दिनांक	सार्वजनिक व्याख्या	विभाग
21/08/2014	डेंगू और इबोला वायरस का संक्रमण	काय चिकित्सा, पल्मोनरी मेडिसिन, नींद से जुड़ी समस्याएं और सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
27/09/2014	बी हार्ट वाइस	कार्डियोलॉजी, बाल चिकित्सा, कार्डियो थोरेसिक और संवहनी सर्जरी
29/10/2014	स्ट्रोक को रोकें : मस्तिष्क को बचाएं	न्यूरोलॉजी
25/11/2014	बार – बार खांसी, सर्दी और बच्चों में घरघराहट : यह अस्थमा है?	बाल चिकित्सा
11/12/2014	बच्चों में विकलांगता : आओ इनका जीवन बेहतर बनाएं	बाल रोग और शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास
28/01/2015	स्तन और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर : रोकथाम और प्रबंधन	सर्जरी, प्रसूति एवं स्त्री रोग, डॉ. बीआरए, आईआरसीएच
14/02/2015	कैंसर का बचपन में इलाज है	बाल चिकित्सा रुधिर विज्ञान और डॉ. बीआरए आईआरसीएच
11/03/2015	ग्लूकोमा : देखभाल में सुधार	नेत्र रोग विज्ञान (डॉ. आर. पी. सेंटर)
20/03/2015	स्वस्थ मुंह के माध्यम से स्वस्थ शरीर	दंत शिक्षा और अनुसंधान केंद्र, न्यूरोलॉजी, कार्डियोलॉजी, एण्डोक्राइनोलॉजी

प्रेस सम्मेलन और प्रचार :

विभाग द्वारा एम्स की विभिन्न उपलब्धियों पर प्रकाश डालने के लिए 25 प्रेस सम्मेलन आयोजित किए गए, जैसे नई सेवाओं और सुविधाओं का उद्‌घाटन, सर्जरी की नई तकनीकें और कठिन मामलों को संभालने सहित नए अनुसंधान पर प्रकाश डालना।

विभाग द्वारा कम से कम 39 अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों, गोष्ठियों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, जागरूकता कार्यक्रमों, प्रदर्शनी और अन्य ऐसी महत्वपूर्ण गतिविधियों का प्रचार और कवरेज किया गया।

विभाग द्वारा 13 अंतरराष्ट्रीय शिष्ट मण्डलों के दौरे की सुविधा भी प्रदान की गई, जिन्होंने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों और संस्थानों के साथ एमओयू तैयार करने के लिए, सिंहावलोकन, विशेषज्ञ समूह बैठकों के लिए दौरा किया। इन दौरों में सर्जरी विषय विभाग और जापान के ओसाका विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए जिसमें सर्जरी की नई तकनीकों का विकास किया जाना है। यूएसए

के नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट के साथ भी ऐसा ही समझौता किया गया जिसमें हरियाणा के झज्झर में नए राष्ट्रीय कैंसर संस्थान का विकास किया जाना है। डॉ. डिंडा ने इटली और यूएसए के साथ काय चिकित्सा में नैनो इंजीरियरी के विकास के लिए सहयोग किया।

प्रकाशन

विभाग द्वारा एम्स की टेलीफोन निदेशिका अपडेट की गई।

12. प्रकाशन

पत्रिकाएं

1. अथीरा आर, जैन वी. एडवांस इन मैनेजमेंट ऑफ टाइप 1 डायबिटिज़ मेलिटस। *वर्ल्ड जे डायबिटिज़* 2014 अक्तूबर 15; 5 (5) :689–96
2. आचार्य ए एस, कौर आर, प्रसूना जे जी, रशीद एन. मेकिंग प्रेग्नेंसी सेफर – बर्थ प्रीपेरेडनेस एण्ड कॉम्प्लिकेशन रेडीनेस स्टडी अमंग एंटेनेटल वूमेन एटेंडीस ऑफ ए प्राइमरी हेल सेंटर, दिल्ली। *इंडियन जे कम्युनिटी मेड* 2015 अप्रैल–जून;40(2):127–34.
3. आचार्य एस, गोयल ए, भल्ला ए एस, शर्मा आर, सेठ ए, गुप्ता ए के। इन विवो कैरेक्टराइजेशन ऑफ यूरिननी कैलकुली ऑन ड्यूल – एनर्जी सी टीः गोइंग ए स्टेप अहैड विद् सब – डिफरेंशिएशन ऑफ कैल्शियम स्टोंस। *एक्टा रेडि.* 2015 जुलाई; 56(7):881–9
4. आचार्य एस के. एपिडेमियोलॉजी ऑफ हेपेटोसेल्लुलर कार्सिनोमा इन इंडिया। *जे क्लिन एक्सप हेपेटोल* 2014;4:S27–33.
5. अदिमुलाम जी, चाला वी आर, धर ए, चुम्बर एस, सीनू वी, श्रीवास्तव ए. असेस्मेंट ऑफ कॉस्मेटिक आउटकम ऑफ ओंकोप्लास्टिक ब्रेस्ट कंसर्वेशन सर्जरी इन वूमेन विद अर्ली ब्रेस्ट कैंसर। ए प्रोस्पेक्टिव कोहोर्ट स्टडी। *इंडियन जे कैंसर* 2014;51:58–62.
6. आफताब एस, बैद्य डी के, मैत्रा एस. न्यू ओनसेट फ्रीक्वेंट वेंट्रिकुलर इक्टोपिक इन ए ह्यूमन इम्यूनोडेफिशियंसी वायरस इंफेक्टिड वूमेन आफ्टर अनइवेंटफुल सिज़ेरियन सेक्शन अंडर स्पाइनल एनेस्थेसिया। *जे क्लिन एनेस्थ* 2015 मई;27(3):274–5.
7. अग्रवाल ए, झा ए, बैद्य डी के त्रिखा ए. एनेस्थेटिक कॉन्सिडरेशंस इन पार्टुरियंट्स विद लिवर ट्रांसप्लांट। *जे ऑब्स्टेट्र एनेस्थ क्रिट केयर* 2014;4(1):4–11.
8. अग्रवाल के के, करुणानिधि एस, दास के जे, जैन एस, कुमार आार. इवेल्युएशन ऑफ हेपेटोबिलियरी सिस्ट्म्स इन कॉन्जॉइंड ट्विंस (99 एम) टी सी – मेब्रोफेनिन, *इंडियन जे न्यू. मेड* जुलाई;29(3):199–200.
9. अग्रवाल के के, करुणानिधि एस, जैन एस, त्रिपाठी एम. ए केस ऑफ ड्यूल एक्टोपी थायरॉइड अलॉन्ग द थाायरोग्लोसल ट्रैक्ट डेमोंस्ट्रेटिड ऑन 99 एम टी सी – परटेकनेटेट हाइब्रिड सिंघल फोटोन एमिशन कंप्यूटिड टोमोग्राफी/कंप्यूटिड टोमोग्राफी। *इंडियन जे न्यू. मेड* 2014 अप्रैल;29(2):105–7.
10. अग्रवाल के के, करुणानिधि एस, जैन एस, त्रिपाठी एम. हॉर्सशू किडनी मिमिकिंग क्रॉस – फ्युस्ड एक्टोपिया ऑन (99 एम) टी सी – ई सी रेनाल डायनेमिक साइंटिग्राफी। *इंडियन जे न्यू मेड* 2014 अप्रैल;29(2):117–9.
11. अग्रवाल के के, करुणानिधि एस, रॉय एस जी, बाल सी, कुमाार आर. 99 एम टी सी–एम डी पी एस पी ई सी टी / सी टी डिमोंस्ट्रेटिंग एक्स्ट्रासस्स पेरिर्टिकुलर एमीलॉइड डिपोसिट्स इन प्राइमरी एमीलॉइडोसिस एसोसिएटेड विद मल्टीपल मयेलोमा। *क्लिन न्यू. मेड* 2015 फरवरी;40(2):189–90.
12. अग्रवाल के के, शर्मा पी, के सी एस एस, बाल सी, कुमार आर. जायंत थोरेसिक गैंग्लियोन्यूरोमा इन ए पीडियाट्रिक पेशेंट्स : स्टेजिंग एण्ड रेस्टेजिंग विद [18]एफ–एफ डी जी पी ई टी – सी टी. *रेव मेड न्यू. इमेजन मोल* 2014 सितंबर.अक्तूबर;33(5):310–1.
13. अग्रवाल के के, शर्मा पी, सिंघला एस, शर्मा के सी, बाल सी, कुमार आर. ए रेर केस ऑफ नॉन – स्मॉल सेल लंग कैंसर मेटास्टेसिजिंग टू द पिटुटेरी ग्लैंड : डिटेक्शन विद् (18) एफ – एफ डी जी पी ई टी – सी टी. *क्लिन न्यू. मेड* 2014 मई; 39(5):e318–9.
14. अग्रवाल के के, सिंघला एस, अरोड़ा जी, बाल सी. (177) एल यू – ई डी टी एम पी फॉर पैलिएशन ऑफ पेन फ्रॉम बोन मेटास्टेसिस इन पेशेंट्स विद प्रोस्टेट एण्ड ब्रेस्ट कैंसर : ए फेस 2 स्टटी। *यूर जे न्यू. मेड मोल इमेजिंग* 2015 जनवरी;42(1):79–88.
15. अग्रवाल के के, त्रिपाठी एम, करुणानिधि एस, दास सी जे, सूरी वी, नवल ए. क्रॉस्ड सेरेबैलर डायस्कीसिस इन सेरेब्रल टोक्सोप्लाज्मोसिस डिमोंस्ट्रेट ऑन [18]ग एफ–एफ डी जी पी ई टी – सी टी. *रेव एस्प मेड न्यू. इमेजन मोल* 2014 नवंबर-दिसंबर;33(6):397–8.
16. अग्रवाल एम, पुरोहित ए एच, महापात्रा एम, कुमार आर, मिश्र पी, सेठ टी, सक्सेना आर. प्लूरल इफ्यूजन एज़ अन अनयूजुवल इंशियल प्रजेंटेशन ऑफ एक्यूट मयेलॉइड ल्यूकेमिया। *इंडियन जे हेमेटोल ब्लड ट्रांसफुस* 2014 सितंबर;30(3):195–6.
17. अग्रवाल एम बी, मल्होत्रा एच, चक्रबर्ती पी, वर्मा एन, मैथ्यूस वी, भट्टाचार्य जे, एट ऑल। मयेलोप्रोलिफरेटिव न्यूप्लाज्मा वर्किंग ग्रुप (एम पी एन – डब्ल्यू जी) कंसेंसस रेकमेंडेशंस फॉर डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेंट ऑफ प्राइमरी मयेलोफाइब्रोसिस, पॉलीसिथेमिया वीरा एण्ड एसेंशियल थ्रोम्बोसायथेमिया। *इंडियन जे मेड पीडियाट्र ऑंकोल* 2015;36(1):3–16.

18. अग्रवाल एन, सिंह एस, कृपलानी ए, भाटला एन, सिंह एन, सेफ्टी एण्ड एफिकेसी ऑफ गाबापेंटिन इन मैनेजमेंट ऑफ सायकोसोमेटिक एण्ड सेक्सुअल सिम्प्टम्स इन पोस्टमेनोपौजल वूमेन : ए पायलट स्टडी। *जे मिडलाइफ हेल्थ* 2015;6(1):10–5.

19. अग्रवाल एन, सिंह एस, कृपलानी ए, भाटला एन, सिंह एन. इवेल्युएशन ऑफ गाबापेंटिन इन मैनेजमेंट ऑफ हॉट फ्लुशेज़ इन पोस्टमेनोपौजल वूमेन, *पोस्ट रिप्रोड हैल्थ* 2014;20(1):36–38.

20. अग्रवाल एन, सुब्रमण्यम ए, पाण्डे आर एम, अल्बर्ट वी, करजी एस, आर्या वी. अन ऑडिट ऑफ फ्रैश फ्रोजन प्लाज्मा यूसेज इन ए टर्शरी ट्रॉमा केयर सेंटर इन नोर्थ इंडिया। *इंडियन जे हेमेटोल ब्लड ट्रांसफ्युस* 2014 दिसंबर;30(4):328–32.

21. अग्रवाल आर, धूरिया एस, अग्रवाल ए एन, माथुर वी एन, सहगल आई एस, माथुर वी, ...गुलेरिया आर, ...खिलनानी जी सी, एट ऑल। गाइडलाइंस फॉर डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेंट ऑफ ब्रोंकियल अस्थमा : जॉइंट आई सी एस/एन सी सी पी (1) रेकमेंडेशंस। *लंग इंडिया* 2015;32(पूरक 1):S3–S42.

22. अग्रवाल आर, वीरमाणी डी, जयपाल एम, गुप्ता एस, शंकर एम जे, भाटिया एस, अग्रवाल ए, देवगन वी, गुप्ता एन, देवरारी ए के, पॉल वी के; इंवेस्टीगेटर्स ऑफ एल बी डब्ल्यू माइक्रोन्यूट्रियंट स्टडी ग्रुप। आयरन स्टोरिज़ इन लॉ एण्ड नोर्मल बर्थ वेट इंफेंट्स एट बर्थ एण्ड इन अर्ली इंफेंसी *इंडियन जे पीडियाट्र* 2014 मार्च ;81(3):279–82.

23. अग्रवाल आर, झांगीर डी के, मेहरोत्रा आर, लोहानी एन, राजेश्वरी एम आर. ए स्ट्रक्चरल इंसाइट इंटू मेजर ग्रूव डायरेक्टिड बाइंडिंग ऑफ नाइट्रोसौरी डिराइवेटिड निमुस्टाइन विद डी एन ए : ए स्पेक्ट्रोस्कोपिक स्टडी *पी एल ओ एस वन* 2014;9:104–15.

24. अग्रवाल एस के. हेपेटाइटिस इन रेनाल डिजीज, हिमोडायलिसिस एण्ड ट्रांसप्लांटेशन। *इंडियन जे मेड रेस* 2014;140:154–155.

25. अग्रवाल टी, बांदीवेडेकर पी, सत्पथी जी, शर्मा एन, टिटियाल जे एस. डिटेक्शन ऑफ फंगल हाइफे यूजिंग स्मार्टफोन एण्ड पॉकेट मैग्निफायर गोइंग सेल्लुलर। *कॉर्नी* 2015 मार्च ;34(3):355–7.

26. अग्रवाल टी, झांजी वी, सिंह डी, खोखर एस, टू स्टेप टेकनिक फॉर पोस्टरियर ऑप्टिक बटनहॉल्डिंग ऑफ इंट्राऑकुलर लेंस। *ऑप्टोम विस साइं.* 2014 अप्रैल;91(4 पूरक 1):S17–9.

27. अग्रवाल एस, जिंदल बी, जाना एम, भटनागर वी, गुप्ता ए के, अय्यर वी के. मेलिग्नेंट रेब्डॉइड ट्यूमर ऑफ लिवर। *जे इंडियन एसोक पीडियाट्र सर्ज* 2014 जनवरी;19(1):38–40.

28. अग्रवाल एस, मेंडेलिया ए, बख्शी एस, श्रीनिवास एम, बाजपेयी एम, गुप्ता ए के, गुप्ता डी के, एट ऑल। न्यूरोब्लास्टोमा : आउटकम ओवर ए 14 इयर पीरियड फ्रॉम ए टर्शरी केयर रेफरल सेंटर इन इंडिया। *जे पीडियाट्र सर्ज* 2014 अगस्त;49(8):1280–5.

29. अग्रवाल एस, मित्तल डी, भटनागर वी, श्रीनिवास एम, बख्शी एस, बाजपेयी एम, एट ऑल। मैनेजमेंट एण्ड आउटकम्स इन मैसिव बाइलेटरल विल्मस ट्यूमर्स। *जे इंडियन एसोक पीडियाट्र सर्ज* 2014 अक्तूबर;19(4):208–12.

30. अग्रवाल एस. एडिटोरियल : पीडियाट्रिक सर्जिकल ओंकोलॉजी इन इंडिया। *जे इंड एसोक पीडियाट्र सर्ज* 2014;19:187–8.

31. अग्रवाल पी, गलवांकर एस, कालरा ओ पी, भल्ला ए, भोई एस, सुंदरकुमार एस. द 2014 अकादमिक कॉलेज ऑफ एमर्जेंसी एक्स्पर्ट्स इन इंडियाज़ एजुकेशन डेवलपमेंट कमेटी (ई डी सी) व्हाइट पेपर ऑन एस्टेबलिशिंग अन अकादमिक डिपार्टमेंट ऑफ एमर्जेंसी मेडिसिन इन इंडिया – गाइडलाइंस फॉर स्टाफिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर, रिसोर्सिस, करीकुलम एण्ड ट्रेनिंग। *जे एमर्जे. ट्रॉमा शॉक* 2014 जुलाई;7(3):196–208.

32. अग्रवाल आर, दास डी, सोनी के डी, मिश्र बी – इंटेंसिव केयर यूनिट मैनेजमेंट ऑफ ए पोस्ट – ट्रॉमेटिक न्यूमोनेक्टोमी केस – *इंड जे क्रिट केयर मेड* 2014;18:763–65.

33. अग्रवाल आर, सोनी के डी. ट्रॉमा क्रिटिकल केयर। *जे आई एम एस ए* 2014;27:173–5.

34. अग्रवाल एस, आनंद एस, एम सी, खड़गावत आर, मुखोपाध्याय ए. के., जायसवाल आर, चुम्बर एस. इम्पैक्ट ऑफ लेपेरोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी ऑन माइक्रोन्यूट्रियंट लेवल्स एण्ड बोन हेल्थ इन मोर्बिडली ओबेस पेशेंट्स। *सर्ज एण्डोस्क.* 2015;29:66.

35. अग्रवाल एस, बंसल ए. लेपेरोस्कोपिक मैनेजमेंट ऑफ रेनाल हाइडेटिड क्रिस्ट। *जे सोक लेपेरोस्कोपिक सर्ज (जे एस एल एस)* 2014;18(2):361–6.

36. अग्रवाल एस, देवराज के, शर्मा एस सी, दास एस एन. एक्सप्रेशन ऑफ वेस्कुलर एण्डोथेलियल ग्रोथ फैक्टर (वी ई जी एफ) इन पेशेंट्स विद् ओरल स्क्वेमस सेल कार्सिनोमा एण्ड इट्स क्लिनिकल सिग्निफिकेंस। *क्लिन किम एक्टा* 2014 सितंबर 25;436:35–40

37. अग्रवाल एस, मोदी एस, जोस टी. लेपेरोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी लीड्स टू रिडक्शन इन थायरॉक्सिन रिक्वायरमेंट इन मोर्बिडली ओबेस पेशेंट्स विद हाइपोथायरोडिज्म। *वर्ल्ड जे सर्ज* 2014;38(10):2628–31.

38. अग्रवाल एस, शर्मा एस सी, दास एस एन. गैलेक्टिन – 1 एण्ड गैलेक्टिन – 3 : प्लौसिबल ट्यूमर मार्कर्स फॉर ओरल स्क्वेमस सेल कार्सिनोमा एण्ड स्युटेबल टार्गेट्स फॉर स्क्रीनिंग हाई–रिस्क पॉपुलेशन। *क्लिन किम एक्टा* 2015;442:13–21.

39. अग्रवाल एस, उनियाल एम. बैरियाट्रिक सर्जरी – – इन ओवरव्यू। *नेटल मेड जे इण्डिया* 2014;27(5):261–6.

40. अग्रवाल डी, बिहारी एस. इंट्रामेडुलरी स्पाइनल कोर्ड केवेनर्स एंजिओमास : टू ट्रीट ऑर नोट टू ट्रीट? *न्यूरोल इंडिया* 2014;62:345–6.

41. अग्रवाल डी, नायक वी. पोस्टोपेरेटिव सेरेब्रल वेनस इंफ्रैक्शन। *जे पीडियाट्र न्यूरोसाइंस* 2015;10:5–8.

42. अग्रवाल डी, पाण्डे एन, सिन्हा एस, गुप्ता डी, सत्यार्थी जी डी, सिंह पी के. सबड्यूरल इफ्यूजन विद् वेंट्रिकुलोमेगाली आफ्टर डिकम्प्रेसिव क्रेनिएक्टोमी फॉर ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी : ए चैलेंजिंग इंटिटी। *इंड जे न्यूरोट्रोमा* 2014;11:97–102.

43. अग्रवाल एन, पाल एस, दास एन आर, मधुसूदन के, श्रीवास्तव डी एन. सिम्प्टोमैटिक ट्रांज़िटल पैनक्रिएटिव हर्नियेशन आफ्टर ईसोफैगाक्टॉमी। *जे क्लिन डायग्न रेस* 2014 अक्तूबर;8(10):एनडी 24–5.

44. अग्रवाल एन, शर्मा ए, बत्रा आर. एनेस्थेटिक मैनेजमेंट ऑफ ए केस ऑफ डिस्टेल मायोपैथीज़। *इंडियन जे एनेस्थ* 2014;58:228–30

45. अग्रवाल आर, पाण्डे पी, झा पी, द्विवेदी वी, सरकार सी, कुलश्रेष्ठ आर. हाइपोक्सिक सिगनेचर्स ऑफ माइक्रोआरएनए इन ग्लियोब्लास्टोमा: इंसाइट्स फ्रॉम स्मॉल आरएनए डीप सीक्वैंसिंग। *बी एम सी जीनोमिक्स* 2014 अगस्त;15:686.

46. अहमद एफ, ओएन एफ, जान आर, बुड्डे यू, स्चेपेनहीम आर, सक्सेना आर. जर्मलाइन डि नोवो म्युटेशंस एण्ड लिंकेज मार्कर्स बनाम। डी एन ए सीक्वैसिंग फॉर कैरियर डिटेक्शन इन नोव विलब्राण्ड डिजीज। *हीमोफीलिया* 2014 जुलाई;20(4):ई.311–7.

47. अहमद ए, भटनागर एस, राणा एस पी, अहमद एस एम, जोशी एस, मिश्र एस. प्रीवलेंस ऑफ फंटोम ब्रेस्ट पेन एण्ड सेंसेशन अमंग पोस्टमेस्टेक्टोमी पेशेंट्स सफरिंग सफरिंग फ्रॉम ब्रेस्ट कैंसर : पेन प्रैक्ट ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी। *पेन प्रैक्ट* 2014;14:ई.17–28.

48. अहमद आई, बिस्वास ए, कृष्णामूर्ति एस, जुल्का पी के. टोक्सी एपीडर्मल नेक्रोलाइसिस इन ए पेशेंट् रिसिविंग कंकरंट फेनीटॉयन एण्ड होल ब्रेन एण्ड थोरेसिक रेडियोथेरपी। *सउदी मेड जे* 2014;35:1393–5.

49. अहमद एस, पहवा एस, दास सी जे, मीर एफ ए, निसार एस, जहांगीर एम, ज्ञानी एम ए, एट ऑल। कम्पेरेटिव इवेल्युएशन ऑफ सोनोग्राफिक ओवेरियन मोर्फोलॉजी ऑफ इंडियन वूमेन विद पॉलिसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम वर्सस दोज़ ऑफ नोर्मल वूमेन। *इंडियन जे एण्डोक्रायनोल मेटाब* 2014 मार्च;18(2):180–4.

50. आहुजा ए, गुप्ता आर, शर्मा ए, बग्गा ए, भौमिक डी एम, अग्रवाल एस के, डिंडा ए के. आइडियोपैथिक कॉलैप्सिंग ग्लोमेरुलोपैथी : ए क्लिनिकोपैथोलॉजिक एनालेसिस ऑफ 30 केसिस। *इंडियन जे नेफ्रोल* 2014 जुलाई; 24(4):239–42.

51. आहुजा वी, कुमार ए, कोचर आर. एल्गोरिद्म फॉर मैनेजिंग सिवियर अल्सेरेटिव कॉलिटिस। *ट्रॉप गैस्ट्रोएन्टेरोलॉजी* 2014;35:एस40–4

52. अजय वी एस, टाइन एम, कीन एच, वु वाय, ली एक्स, डुंचु डी, अली एम के, टंडन एन, कृष्णान ए, प्रभाकरण डी, यान एल एल. ए क्लस्टर – रेण्डोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल टू इवेल्यूएट द इफैक्ट्स ऑफ ए सिम्प्लिफाइड कार्डियोवैस्क्यूलर मैनेजमेंट प्रोग्राम इन तिब्बत, चाइना एण्ड हरियाणा, इंडिया : स्टडी डिजाइन एण्ड रेशनल। *बी एम सी पब्लिक हेल्थ* 2014 सितंबर 6;14:924.

53. अजी, ए एम आर, नागपाल एन, कुलश्रेष्ठ आर, कौल वी. सिंथेसिस एण्ड इवेल्युएशन ऑफ कैटायनिकली मॉडिफाइड पॉली (स्टाइरीन–एल्ट–मेलैक एंहाइड्राइड) नैनोकैरियर्स इंट्रासेलुलर जीन फॉर डिलीवरी। *आर एस सी एडवांसिस* 2015;डीओआई:10.1039/सी5आरए00409एच.

54. अख्तर एम एस, बिस्वास ए, रशिद एच, देवी एल, बिहारी एम, सक्सेना आर, स्क्रीनिंग ऑफ द जी पी एक्स 3 जीन आइडेंटिफाइस द ''टी'' एलील ऑफ द ए एन पी – 861ए/टी एज़ ए रिस्क फॉर इस्केमिक स्ट्रोक इन यंग एशियन इंडियनस। *जे स्ट्रॉक सरब्रोवेस्क डिस* 2014 सितंबर;23(8):2060–8.

55. अख्तर एम एस, बिस्वास ए, रशीद एच, देवी एल, बिहारी एम, सक्सेना आर, स्क्रीनिंग ऑफ द एन ओ एस 3 जीन आइडेंटिफाइस द वेरिएंट्स 894जी / टी, 1998 सी / जी एण्ड 2479 जी / ए टू बी एसोसिएटिड विद् एक्यूट ओनसैट इस्केमिक स्ट्रोक इन यंग एशियन इंडियनस। *जे न्यूरोल साइं* 2014 सितंबर 15;344(1-2) :69–75.

56. अख्तर एम जेड, राजेश्वरी एम आर, इंटरेक्शंस ऑफ डोक्सोरुबिसिन विद ए रेगुलेटरी एलिमेंट ऑफ एच एम जी ए 1 एण्ड इट्स इन विट्रो एंटी – कैंसर एक्टिविटी एसोसिएटिड विद् डिक्रीज्ड एच एम जी ए 1 एक्सप्रेशन। *जे फोटोकैम फोटोबियोल बी* 2014;141:36–46.

57. अख्तर एन, अख्तर एम एस, अहमद एम एम, हक एस, सिद्दिकी एस, हसन एस आई, एट ऑल। एसोसिएशन ऑफ म्युटेशन एण्ड हाइपरमेथीलेशन ऑफ पी21 जीन विद् सस्सिपटिबिलिटी टू ब्रेस्ट कैंसर : ए स्टडी फ्रॉम नोर्थ इंडिया। *मोल बायो. रेप* 2014; 41:2999–3007.

58. अख्तर एस, रामचंद्रन आर, रेवाड़ी वी, चंद्रलेखा, त्रिखा ए, सिन्हा आर. मोर्फिन वर्सस नलबुफाइन फॉर ओपन गाइनेकॉलोजिकल सर्जरी : ए रेण्डमाइज्ड कंट्रोल्ड डबल ब्लाइंड ट्रायल। *पेन रेस ट्रीट* 2014;2014:727–52.

59. आलम आर, त्रिपाठी एम, मनसूरी एन, प्रवीण एस, लूथरा के, लक्ष्मी आर एट ऑल। सिनेरजिस्टिक एपिस्टेसिस ऑफ पैराओक्सोनास 1 (आरएस 662 और आरएस85460) एण्ड एपोलिपोप्रोटिंस ई4 जीन इन पैथोजेनेसिस ऑफ अल्जाइमर्स डिजीज एण्ड वेस्कुलर डेमेंशिया। *एम जे अल्जाइमर्स डिस अदर डेमेन* 2014;29:769–76.?

60. अल्पर बी एस, मेलोन – मूसा एम, मैक लैल्लन जे एस, प्रसाद के, मानहैमेर ई. थ्रोम्बोलाइसिस इन एक्यूट इस्कैमिक स्ट्रोम टाइम फॉर ए रिथिंकः *बीएमजे* 2015;350:1075.

61. अलफोन्सा ए, शर्मा के के, शर्मा जी, भाटिया आर. नॉलेज रिगार्डिंग ओरल एंटी कोएगुलेशन थेरेपी अमंग पेशेंट्स विद स्ट्रोक एण्ड थोस एट हाई रिस्क ऑफ थ्रोम्बोएम्बोलिक इवेंट्स। *जे स्ट्रोक सेरेब्रोवेस्क डिज.* 2015 मार्च;24(3):668–72.

62. अल्वारेज़ ए, सिंह पी एम, सिन्हा ए सी. पोस्ट–ऑपरेटिव एनलजेसिया इन मोर्बिडिटी ओबेसिटी। *ओबे. सर्ज* 2014;24:652–9.

63. अम्बेडकर ए, राव आर, अग्रवाल ए, गोयल एस, मिश्र ए के, किशोर के, एट ऑल। पैटर्न ऑफ ड्रग यूज़ एण्ड एसोसिएट बिहेवियर अमंग फिमेल इंजेक्टिंग ड्रग यूजर्स फ्रॉम नोर्थईस्ट इंडिया : ए मल्टी ' सेंट्रिक, क्रॉस – सेक्शनल, कम्पेरेटिव स्टडी। *सबस्टेंस यूज़ मिसयूज* 2015; 50(10):1332–40.

64. अम्बेडकर ए, राव आर, मिश्र ए के, अग्रवाल ए. टाइप ऑफ ओपिओइड इंजेक्टिड : डज़ इट मैटर? ए मल्टीसेंट्रिक क्रॉस – सेक्शनल स्टडी ऑफ पीपल हू इंजेक्ट ड्रग्स। *ड्रग एल्कोहल रेव* 2015;34(1):97–104.

65. अमिनी ए, इथायेथुल्ला ए एस, गौइ एल. सप्रेशन ऑफ कंफोर्मेशन – कम्प्रोमाइज्ड म्युटेंटस ऑफ साल्मोनेला एंट्रिक सेरोवार्स टाइफिम्यूरियम एम ई1बी. *जे बैक्टीरियल* 2014;196:3134–9.

66. आनंद ए, श्रीवास्तव एन, बर्वाद पी, रमाकृष्णा एस, रॉय ए, भार्गव बी. डिस्पेनिया इन इसेन्मेन्गेर सिंड्रोम एण्ड इट्स अमेलीओरेशन बाय सिल्डेंनेफिल : रोल ऑफ जे रिसेप्टर्स। *इंट जे कार्डियोल* 2014;174:574.8.

67. आनंद डी, कुमार यू, कांजीलाल एम, कौर एस, दास एन. ल्यूकोसाइट कम्लीमेंट रिसेप्टर 1 (सी आर 1/सी डी 35) ट्रांसक्रिप्ट एण्ड इट्स कॉरिलेशन विद् द क्लिनिकल डिजीज एक्टिविटी इन रुमेटी अर्थराइटिस पेशेंट्स। *क्लिन एक्स इम्यूनोल* 2014 जून; 176(3):327–35

68. आनंद के एस, गर्ग जे, वर्मा आर, चक्रबर्ती ए, हशिमोटोज़ एंसेफालाइटिस : अनयूजुवल कौज़ ऑफ रिवर्सिबल डेमेंशिया। *जे फैमिली मेड प्राइम केयर* 2014 जुलाई;3(3):284–6.

69. आनंद एस, शर्मा ए पी, अग्रवाल एस, नाथ डी, माथुर एस. सिम्प्टोमैटिक इंट्रापेरिटोनियल एस्कारियासिस : इम्पोंटेंस ऑफ डायग्नोस्टिक लेपेरोस्कोपी। *जे मिनिम एक्सेस सर्ज* 2014 जुलाई;10(3):157–8.

70. अंद्राबी आर, मखदूमी एम ए, कुमार आर, बाला एम, पैरे एच, गुप्ता ए, कोटनाला ए, तिरुमूर्ति वी, लूथरा के. हाइली एफिसिएंट न्यूट्रेलाइजेशन बाय प्लाज्मा एंटीबॉडिज़ फ्रॉम ह्यूमन इम्युनोडिफिसिएंसी वायरस टाइप 1 – इंफैक्टिड इनडिविजुअल्स ऑन एंटीरेट्रोवायरल ड्रग थेरेपी। *जे क्लिन इम्यूनोल* 2014 मई;34(4):504–13.

71. एंड्रेड एल एच, अलोंसो जे, मनिमनेह जेड, वैल्स जे ई, अल–हैमजवी ए, बॉरजेस जी, एट ऑल। बैरियर्स टू मेंटल हेल्थ ट्रीटमेंट : रिजल्ट्स फ्रॉम द डब्ल्यूएचओ वर्ल्ड मेंटल हेल्थ सर्वे. *साइकॉल मेड* 2014 अप्रैल;44(6):1303–17.

72. अंसारी एम टी, कोतवाल पी पी, मछिन्द्र एम वी. रिस्ट प्रीसर्विंग सर्जरी फॉर मल्टीफोकल जाइंट सेल ट्यूमर ऑफ कार्पल बोनस इन ए स्केलेटैली इमेच्योर पेशेंट् : ए केस रिपोर्ट। *ऑर्थोप सर्ज* 2014 नवंबर;6(4):322–5.

73. अंसारी एम टी, कोतवाल पी पी, मनिमनेह वी एम, प्राइमरी रिपेयर ऑफ कैप्सूलोलिगमेंटोस स्ट्रक्चर्स ऑफ ट्रेपेजिओमेटेकरपल जॉइंट : ए प्रीलिमिनरी स्टडी। *जे क्लिन आर्थोप ट्रॉमा* 2014;5(4):185–92.

74. अंसारी एम टी, कोतवाल पी पी, अल्नर नर्व न्यूरोपैथी फॉलोइंग टुटल एल्बो रिप्लेसमेंट। *जे आर्थोस्कोपी जॉइंट सर्ज* 2015;2:47–48.

75. अंसारी एम टी, प्रकाश पी के, मछिन्द्र एम वी, रिस्ट प्रीसर्विंग सर्जरी फॉर मल्टीफोकल जाइंट सेल ट्यूमर ऑफ कार्पल बोनस इन ए स्केलेटैली इम्मेचुर पेशेंट: ए केस रिपोर्ट। *ऑर्थोप सर्ज* 2014 नवंबर;6(4):322–5.

76. अंसारी एम टी, रस्तोगी एस, खान एस ए, यादव सी, रीजल एल. जायंट स्क्वैमस ऑफ द फर्स्ट मेटाटार्सल : ए रेअर इंटिटी। *जे फूट एंकल सर्ज* 2014 मई.जून;53(3):335–9.

77. अरविंदन ए, सुब्रह्मण्यम आर, बैद्य डी के. रिलाइबिलिटी एण्ड इन्टरप्रीटेशन ऑफ पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट्स व्हेन मोर्बिड ओबेसिटी कॉम्बाइन्स विद् क्रोनिक ऑब्स्ट्रेक्टिव पल्मोनरी डिजीज एण्ड न्यूरोमस्कुलर वीकनेस। *जे क्लिन एनेस्थ* 2015;27:369–70.

78. अरोड़ के, थुलकर ए, दास आर आर, गुप्ता एन, काबरा एम, अग्रवाल आर. फ्रींस सिंड्रोम : ए लिथल बर्थ डिफेक्ट विद् वेरिएबल फीनोटाइपिक एक्सप्रेशन इन सिबलिंग। *इंडियन जे पीडियाट्र* 2014;81(6):614–6.

79. अरोड़ा एस, अग्रवाल के के, करुणानिधि एस, त्रिपाठी एम, कुमार आर. रिकरेंट मेलिग्नेंट फिनोक्रोमोसायटोमा विद् अनयूजुवल ओमेंटल मेटास्टेसिस : (68) जीए – डी ओ टी ए एन ओ सी पी ई टी / सी टी और (131) आई – एम आई बी जी एस पी ई सी टी / सी टी साइंटीफिग्राफी फाइंडिंग्स। *इंडियन जे न्यू मेड* 2014 अक्तूबर; 29(4):286–8.

80. अरोड़ा टी, शर्मा एन, अरोड़ा एस, टिटियाल जे एस. एंटीरियर कैप्सूलर डिफेक्ट विद एक्यूट एंटीरियर सबकैप्सूलर कैट्रैक्ट इन हेर्पेटिक केराटौवीटिस। *बी एम जे केस रेप* 16 सितंबर 2014; 2014. पीआईआईः बीसीआर 2014206056.

81. अरोड़ा टी, शर्मा एन, अरोड़ा एस, टिटियाल जे एस. फुलमिनन्त हेर्पेटिक केराटौवीटिस विद् फ्लैप नेक्रोसिस फॉलोइंग लेजर इंसिटु केराटोमिलेसिस : केस रिपोर्ट एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर। *जे कैट्रक्ट रिफ्रेक्ट सर्ज* 2014 दिसंबर; 40(12):2152–6.

82. अरोड़ा टी, शर्मा एस, शर्मा एन, टिटियाल जे एस. बाइलेटरल रिकरेंट ऑक्युलर सरफेस स्क्वेमस सेल कैंसर एसोसिएटिड विद एपिडर्मोडिस्प्लासिया वेरुसिफोर्मिस। *बी एम जे केस रेप* 30 जनवरी 2015; 2015. पी आई आई : बी सी आर2014207495. डी ओ आईः 10.1136/बी सी आर –2014–207495.

83. आशिमा एन, हरसिमरप्रीत के. एप्रीसिएशन ऑफ द स्टडी ऑन मेंटली रेटार्डेड चिल्ड्रन एण्ड देयर मदर्स इन मध्य प्रदेश, भारत। *इंडियन जे साइकियाट्री* 2014;56:405.

84. असलम एम, दयाल आर. जावेद के, शमीम एम, यादव डी, जैदी एस एम ए, सिंह एस. 8–डीहाइड्रॉक्सी क्राइसोफेनोल आइसोलेटिड फ्रॉम एक्स्ट्रैक्ट ऑफ रियूम एमोदी एनहांस जीनटेमिसिन इंड्यूस्ड नेफ्रोटोक्सिसिटी इन रैट्स मॉडल। *वर्ल्ड जे फार्मेसी फार्मास्युटिकल साइंस* 2014; 3:833–849.

85. असलम एम के, कुमारसेन ए, शर्मा वी के, तेजमुल एम, चिल्लर एस, चक्रबर्ती ए के, एट ऑल। आइडेंटिफिकेशन ऑफ प्यूटेटिव मार्कर्स इन सेमिनल प्लाज्मा ऑफ क्रॉसब्रीड बैलों थ्रू डिफरेंशियल प्रोटियोमिक्स। *थेरियोजिनोलॉजी* 2014;82:1254–62.

86. अतीक बी, कुंजु एल पी, केरस्केडोन एस एल, पाण्डे एस के, सिंह जी, प्रदीप आई, टंडन वी, एट ऑल। मॉलिकुलर प्रोफाइलिंग ऑफ ई टी एस एण्ड नॉन – ई टी एस एबेरेशंस इन प्रोस्टेट कैंसर पेशेंट्स फ्रॉम नोर्थन इंडिया। *प्रोस्टेट* 2015 जुलाई1; 75(10):1051–62.

87. एटिलोला ओ, स्टेवानोविस डी, बल्हारा वार्य पी, अविसेन्ना एम, कंडेमिर एच, कनीज़ आर, पेट्रोव पी, फ्रेनिक टी, वोस्टानिस पी. रोल ऑफ पर्सनल एण्ड फैमिली फैक्टर्स इन एल्कोहल एण्ड सबस्टेंस यूज़ अमंग एडोलसेंट्स : एक इंटरनेशनल स्टडी विद् फोकस ऑन डेवलपिंग कंट्रीज़। *जे साइकेट्री मेंट हेल्थ नर्स* 2014 सितंबर; 21(7):609–17.

88. बाबू ए, गर्ग एच, गुप्ता ए, कुमार एस, सिंघल एम, ट्रॉमेटिक इंट्रापेरिटोनियल रप्चर ऑफ यूरिनरी ब्लैडर : इमेजिंग एण्ड ऑपरेटिव फोटोग्राफ्स। *इंडियन जर्नल ऑफ रेस* 2015;4:2.

89. बाबू ए, गर्ग एच, रंजन पी, सागर एस, सिंघल एम, मंजा इंजरीः ए डेंजरस मैकेनिज्म ऑफ सर्विकल इंजरी। *श्च. जे मेड केस रेप* 2015 ;3(1):60–63.

90. बाबू ए, रंजन पी, गुप्ता ए, कुमार एस, सिंघल एम, स्पोर्ट्स इसोफेगल इंजरी – ए केस रिपोर्ट इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एण्ड रिसर्च 2015;4:820–2.

91. बाबू ए, रतन ए, रंजन पी, कुमार एस, गुप्ता ए. सिलोथोरैक्स ड्यू टू ब्लंट टोर्सो ट्रॉमा : ए रेयर इटियोलॉजी। *जे ट्रॉमा ट्रीट* 2015;4:243

92. बाड़े जी, गुप्ता एस, काबरा एस के, तलवार ए. स्लोवर राइज़ ऑफ एक्सहेल्ड ब्रीथ टेम्प्रेचर इन सिस्टिक फाइब्रोसिस। *इंडियन पीडियाट्र* 2015 फरवरी; 52(2):125–7.

93. बाड़े जी, खान एम ए, श्रीवास्तव ए के, खेर पी, सोलिअप्पन के के, गुलेरिया आर, पॉयनियर एन, तलवार ए. सिरम सायटोकाइन प्रोफिलिंग एण्ड इंरिचमेंट एनालेसिस रिविल द इंवोल्वमेंट ऑफ इम्यूनोलॉजिकल एण्ड इंफ्लेमेटरी पाथवेज इन स्टेबल पेशेंट्स विद क्रोनिक अब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज। *इंट जे क्रोन ऑब्स्ट्रैक्ट पल्मोन. डिज़* 2014 अगस्त 5;9:759–73.

94. बागची एस, सचदेव एस एस, नलवा ए, दास सी जे, सिन्हा एस, सूरी वी महाजन एस, भौमिक डी, अग्रवाल एस. मल्टीपल इंट्राक्रेनियल स्पेस – ऑक्यूपाइंग लेशंस इन ए रिनल ट्रांसप्लांट रिसिपिएंट्स फ्रॉम ए एरिया एंडेमिक फॉर ट्यूबरकुलोसिस (टी बी) : टी बी बनाम।

टोक्सोप्लाज्मोसिस। *ट्रांस. इंफेक्ट डिस* 2014 अक्तूबर; 16(5):838–42.

95. बग्गा ए, सिन्हा ए, ड्रेगन – डुरे एम ए. थेरेपी फॉर पेशेंट्स विद् एंटीबॉडिज़ टू कॉम्प्लेमेंट फैक्टर एच एसोसिएटेड एच यू एस. *पीडियाट्र नेफ्रोल* 2014 मई; 29(5):939–40.

96. बहादुर ए, कृपलानी ए, कुलश्रेष्ठ वी, कच्छवा जी, महेय आर, अग्रवाल एन, एट ऑल। ए रेण्डोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल ऑन द रोल ऑफ एंटीट्यूबरकुलर ट्रीटमें2 फॉर पॉजिटिव डी एन ए पी सी आर इन एण्डोमेट्रिल एस्पीरेट्स ऑन द रिप्रोडक्टिव आउटकम इन इंफरटाइल पेशेंट्स इन इंडियन सेटिंग। *बी जे ओ जी* 2014;121(S2):FC6.06,(76) .

97. बहल ए, कुमार पी, धर एल, मोहंती बी के, शर्मा ए, ठक्कर ए, सिक्का के, सिंह सी, एट ऑल। प्रीवलेंस एण्ड ट्रेंड्स ऑफ ह्यूमन पैपिलोमावायरस ओरोफ्रेंजियल कैंसर इन ए प्रीडॉमिनेंटली नोर्थ इंडियन पॉपुलेशन। *हैड नेक* 2014 अप्रैल; 36(4):505–510.

98. बहल ए, शर्मा, रैना वी, कुमार एल, बख्शी एस, गुप्ता आर, एट ऑल। लॉन्ग टर्म आउटकम्स फॉर पेशेंट्स विद एक्यूट माइलॉइड ल्यूकेमियाः ए सिंघल – सेंटर एक्सपीरियंस फ्रॉम एक्स, इंडिया। *एशिया पैक जे क्लिन ओंकोल* 2015. (मुद्रण से पहले ई प्रकाशन)

99. बैद्य डी के, चंद्रलेखा, डारलोंग वी, पाण्डे आर, गोस्वामी डी, मैत्रा एस कम्पेरेटिव सोनोएनेटोमी ऑफ क्लासिक ''शॉर्ट – एक्सिस'' प्रोब पॉजिशन विद ए नोवल ''मेडिकल ऑब्लिक'' प्रोब पॉजिशन फॉर अल्ट्रासाउंड गाइडिड इंटर्नल जगुलर वेन केनुलेशन : ए क्रॉस – ओवर स्टडी। *जे इमज मेड* 2015 मई;48(5):590–6.

100. बैद्य डी के, चंद्रलेखा, डारलोंग वी, पाण्डे आर, मैत्रा एस, खन्ना पी. कम्पेरेटिव एफिकेसी एण्ड सेफ्टी ऑफ द एम्बु (R) ऑरा वन्स (™) लेरिंजियल मास्क एयरवे ड्यूरिंग जनरल एनेस्थेसिया इन एडल्ट्स : ए सिस्टेमेटिक रिव्यू एण्ड मेटा – एनालेसिस। *एनेस्थेसिया* 2014; 69(9):1023–32.

101. बैद्य डी के, पवार डी के, मैत्रा एस, बाजपेयी एम, पाण्डा एस एस. नोवल मेनीयूवर्स फॉर एण्डोब्रोंकियल फॉगर्टी एम्बोलेक्टोमी कैथेटर प्लेसमेंट फॉर लंग आइसोलेशन इन इंफेंट्स : अन एक्सपीरियंस ऑफ फोर केसिस। *यूर जे पीडियाट्र सर्ज* 2014; डीओआईः 10.1055/एस–0034-1383429.

102. बजाज एम एस, आंग्मो डी, पुष्कर एन, हांडा एम. मोडिफाइड टेकनिक ऑफ लेवेटर प्लीकेशन फॉर द करेक्शन ऑफ मर्कुस गुन्न जॉ – विंकिंग प्टोसिस : ए केस रिसिज़। *इंट ऑफ्थल्मोल* 2015 अगस्त;35(4):587–91.

103 बाजपेयी एम. डिस्ऑर्डर्स ऑफ सेक्स डेवलपमेंट : क्विटेसेंस ऑफ पेरेनियल कंट्रोवर्सिस। *जे इंडियन एसो पीडियाट्र सर्ज* 2014;19:3–4.

104. बाजपेयी एम. टेकनिक ऑफ 'स्युचर लेस' एपेंडिसेक्टोमी बाय लेपेरोस्कोपी इन चिल्ड्रन : प्रीलिमिनरी कॉम्युनिकेशन। *जे इंडियन एसो पीडियट्र सर्ज* 2014;19:28–30.

105. बख्शी एस, बिस्वास बी, एडवांस इन पीडियाट्रिक कैंसर थेरेपी : पोटेंशियल एप्लीकेबिलिटी इन इंडियन सीनेरियो। *इंडियन जे पीडियाट्र* 2015;82:301–2.

106. बख्शी एस, सिंह आर बी, मूनॉट के, पठानिया एस. कॉम्प्लीकेशंस ऑफ ''वैरी हाइ'' ल्यूकोसाइटोसिस इन पीडियाट्रिक एक्यूट ल्यूकेमिया पेशेंट्स मैनेज्ड विदआउट रास्बुरीकेस एण्ड ल्यूकोफेरेसिस। *इंडियन जे पीडियाट्र* 2014;81:817–20.

107. बाल सी, अरोड़ा जी, कुमार पी, दामले एन, दास टी, चक्रबती एस, बनर्जी एस, वेंकटेश एम, जकनन जे जे, पिल्लै एम आर, फार्माकोनाइट्रिक, डोजीमेट्री एण्ड टोक्सिसिटी स्टडी ऑफ 177एलयू– ई डी टी एम पी इन पेशेंट्स : फेस 0/आई स्टडी। *क्युर रेडियोफार्म* 2016;9(1):71–84.

108. बाल सी, बॉल एस, साउन्दराराजन आर, चोपड़ा एस, गर्ग ए. रेडियोआयोडिन रेमनेंट एबलेशन इन लॉ – रिस्क डिफरेंसिएटिड थायराइड कैंसर पेशेंट्स हू हैड आर0 डिसेक्शन एज़ अन ओवर ट्रीटमेंट। *कैंसर मेड* 2015 जुलाई; 4(7):1031–8.

109. बाल सी एस, गर्ग ए, चोपड़ा एस, बॉल एस, साउन्दराराजन आर, प्रोग्नोस्टिक फैक्टर्स इन पीडियाट्रिक डिफरेंसिएटिड थायराइड कैंसर पेशेंट्स विद् पल्मोनरी मेटास्टेसिस। जे *पीडियट्र एंडोक्राइनल मेटाब* 2014 सितंबर 11. पी आई आईः/जे/जे पी ई एम / अहैड–ऑफ–प्रिंट/जे पी ई एम –2014–0247/जे पी ई एम 2014.0247.एक्सएमएल.डीओआईः 10.1515/जे पी ई एम–2014–0247

110. बाल एस, भाटिया आर, शोभ एन, मेनन बी के, सोहन एस आई, गोयल एम, एट ऑल। स्ट्रोक – ऑन – अवेकनिंग : सेफ्टी ऑफ सी टी – सी टी ए बेस्ड सलेक्शन फॉर रिपरफ्यूजन थेरेपी। *कैन जे न्यूरोल साइं* 2014;41:182–6.

111. बालगुरुनाथन वार्य, कुमार वी, जी यू वाय, किम जे, वॉन्ग एच, लियू वाय, एट ऑल। टेस्ट – रिटेस्ट रिप्रोड्यूसिबिलिटी – एनालेसिस ऑफ लंग सी टी इमेज फीचर्स, *जे डिजिट. इमेजिंग* 2014;27(6):805.23.

112. बालकृष्णा पी, प्रसाद आर, रोहिला जे, सराया ए, मुखर्जी जी, शर्मा आर. सिम्टोमेटिक आउटकम फॉलोइंग लेपेरोस्कोपिक हैलर्स कार्डियोमयोपैथी विद डी ओ आर फंडोप्लिकेशन वर्सस लेपेरोस्कोपिक हैलर्स कार्डियोमयोपैथी विद एंगल ऑफ हिस एक्सेंट्यूशन : रिजल्ट्स ऑफ ए रेण्डोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल। *सर्ज एण्डोस्क* 2015 अगस्त;29(8):2344–51.

113. बालसुंद्रम पी, सिंह एम के, डिंडा ए के, ठक्कर ए, यादव आर. स्टडी ऑफ बीटा – कैटेनिन, ई–कैथेरिन एण्ड विमेंटिन इन ओरल स्क्वेमस सेल कार्सिनोमा विद् एण्ड विदाउट लिम्फ नोड मेटास्टेसिस। *डायग्न पैथोल* 2014 जुलाई 21;9(1):145.

114. बलयान ए, कपूर ए, चौधरी जी, रैना ए. इवेल्युएशन ऑफ टेकनिक फॉर ह्यूमन बोन डिकैलसिफिकेशन एण्ड एम्प्लीफिकेशन यूजिंग सिक्सटीन एस टी आर मार्कर्स। *एजिप्टिन जे फोरेंसिक साइं* 2014;5(1):30–35.

115. बल्हारा वाई, वर्मा आर. ए रिव्यू ऑफ वेब बेस्ड इंटरवेंशंस फोकसिंग ऑन एल्कोहल यूज़। *एम मेड हेल्थ साइं रेस* 2014 जुलाई; 4(4):472–80.

116. बल्हारा वाई पी, गुप्ता आर. रिवाइज्ड साइज़ ऑफ पिक्टोरियल वार्निंग ऑन सिगरेट पैकेज – ए स्टेप इन राइट डायरेक्शन। *निकोटिन टोब रेस* 2015 नवंबर; 17(11):1401–2.

117. बल्हारा वाई पी, जैन आर. कैनबिज़ यूज़ अमंग ओपिओइड – डिपेंडेंट इंडिविजुअल्स ऑन ओपिओइड सबस्टीट्यूशन थेरेपी। *जे फार्माकोल फार्माकोथैर* 2014 जुलाई; 5(3):203–5.

118. बल्हारा वाई पी, माथुर एस. भांग – बियोंड द प्यूव्यू ऑफ द नेर्कोटिक ड्रग्स एण्ड साइकोट्रोपिक सबस्टेंसिस एक्ट। *लंग इंडिया* 2014 अक्तूबर; 31(4):431–2.

119. बल्हारा वाई पी, मिश्र ए, ए स्टडी एक्सप्लोरिंग एट्रीब्यूटेस एण्ड नेचर ऑफ द रिट्रैक्टिड लिटरेचर ऑन मेंटल डिस्ऑर्डर्स। *इंडियन जे मेड एथिक्स* 2015 जनवरी.मार्च; 12(1):30–7.

120. बल्हारा वाई पी, रंजन आर, धवन ए, यादव डी. एक्सपीरियंस फ्रॉम ए कम्युनिटी बेस्ड सबस्टेंस यूज़ ट्रीटमेंट सेंटर इन ए अर्बन रिसेटलमेंट कॉलोनी इन इंडिया। *जे एडिक्ट* 2014; 2014:982028.डी ओ आई: 10.1155/2014/982028.

121. बल्हारा वाई पी, वर्मा आर. ए रिव्यू ऑफ वेब बेस्ड इंटरवेंशंस फॉर मैनेजिंग टोबेको यूज़। *इंडियन जे सायकोल मेड* 2014 जुलाई;36(3):226–35.

122. बल्हारा वाई पी. ए चार्ट रिव्यू बेस्ड कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ रिटेंशन रेट्स फॉर टू डिस्पेंसिंग रेजिमेंस फॉर ब्यूप्रीमारफीन फॉर सब्जेक्ट्स विद् ओपिओइड डिपेंडेंस एट ए टर्शरी केयर सबस्टेंस यूज़ डिस्ऑर्डर्स ट्रीटमेंट सेंटर। *जे ओपिओइड मैनेज* 2014 मई.जून; 10(3):200–6

123. बल्हारा वाई पी. डेक्स्ट्रोप्रोपॉक्सीफेन बेन इन इंडिया : इज़ देयर ए केस फॉर रिकंसिडरेशन? *जे फार्माकोल फार्माकोथैर* 2014 जनवरी;5(1):8–11.

124. बल्हारा वाई पी एस, मिश्र ए. रीट्रेक्शन ऑफ पार्टिकल्स इन सायकियाट्रिक लिटरेचर। *इंडियन जे मेड एथिक्स* 2014;11(4):1–12.

125. बल्हारा वाई एस, वर्मा आर, कालरा बी. फार्माकोलॉजिकल मैनेजमेंट ऑफ सायकियाट्रिक डिस्ऑर्डर्स इन प्रेग्नेंसी कॉम्प्लीकेटिड बाय डायबिटिज। *जे सोक हेल्थ* डायबिटिज 2014;2:70–6.

126. बालिगा आर आर, बहल वी के, एलेक्जेंडर टी, मुल्लसरी ए, मंगा पी, डी ई सी जी डब्ल्यू एट ऑल। मैनेजमेंट ऑफ एस टी ई एम आई इन लॉ–एण्ड मिडल–इंकम कंट्रीज। *ग्लोब हार्ट* 2014;9:469.510.

127. बालियान वी, दास सी जे, शर्मा एस, गुप्ता ए के. डिफ्यूजन – वेटिड इमेजिंग इन यूरिनरी ट्रैक्ट लेशंस। *क्लिन रेडियोल* 2014 अगस्त; 69(8):773–82.

128. बल्लाल एस, सुंदरराजन आर, गर्ग ए, चोपड़ा एस, बाल सी. इंटरमीडिएट – रिस्क डिफरेंसिएटिड थायराइड कार्सिनोमा पेशेंट्स हू वर सर्जिकल एब्लेटिड डो नोट नीड एडजुवेंट रेडियोआयोडाइन थेरेपी। लॉन्ग – टर्म आउटकम स्टडी। *क्लिन एंडोक्राइनॉल (oxf)* 2015 मार्च 30.doi: 10.1111/cen-12779.

129. बल्लाल एस, सुंदरराजन आर, सिंह एच, गर्ग ए, चोपड़ा एस, बाल सी. इंफ्लूएंस ऑफ पाइरियर कारबिमेजोल द आउटकम ऑफ रेडियोआयोइन थेरेपी इन पीडियाट्रिक एण्ड एडोलसेंट ग्रेव्स' *न्यू मेड कॉम्न डिजीज*। 2015 जून; 36(6):566–72.

130. बंडीवाडेर पी, शर्मा एन, पिल्लै जी, अग्रवाल टी, टिटियाल जे एस. एक्यूट हाइड्रोप्स विद् सेकेण्डरी बैक्टीरियल केराटाइटिस : सिक्वेलस ऑफ पीडियाट्रिक रिफ्रैक्टिव सर्जरी। *इंट ऑफ्थेलमोल* 2014 दिसंबर; 34(6):1275–8.

131. बनर्जी सी, सिंह ए, दास टी के, रमन आर, श्रीवास्तव ए, मजूमदार एस. अमेलिओरेटिंग ई आर – स्ट्रेस एटेन्यूटेड एरोमोनास हाइड्रोफिलिया–इंड्यूस्ड माइटोकॉन्ड्रियन डिस्फंक्शनिंग एण्ड केसपेस मेडिटेड एच के एम एपोप्टोसिस इन क्लारिज़ बेट्रकस। *साइं रेप* 2014 जुलाई;4:5820.

132. बनर्जी जे, चंद्रा एस पी, कुरवाले एन, त्रिपाठी एम. एपीलेप्टोजेनिक नेटवर्क एण्ड ड्रग – रेसिस्टेंट एपिलेप्सी। प्रेजेंट एण्ड फ्युचर पर्सपेक्टिव्स ऑफ एपिलेप्सी रिसर्च – यूटिलिटी फॉर द एपिलेप्टोलॉजिस्ट एण्ड द एपिलेप्सी सर्जन। *अन्न इंडियन एकैड न्यूरोल* 2014;17:S134–40

133. बानिक एस, कुमार पी, प्रभाकर एच, सिंह जी पी. डेक्सामिथेसोन एण्ड प्रोपोफोल फॉर सेरेब्रल एंजियोग्राफी इन नॉन–इंट्यूबेटिड पेशेंट्सः ए कम्पेरेटिव स्टडी। *जे न्यूरोएनेस्थेसियोल क्रिट केयर* 2015;2:121–6.

134. बंसल ए के, सेमवल एम के, शर्मा डी एन, थुलकर एस, जुल्का पी के, रथ जी के. ए पेशेंट् – बेस्ड डोसिमेट्रिक स्टडी ऑफ इंट्राकैविटरी एण्ड इंटरस्टीशियल ब्रैकीथेरेपी इन एडवांस्ड स्टेज कार्सिनोमा ऑफ द सर्विक्स। *जे एपल क्लिन मैड फिज* 2014;15:4509.

135. बंसल ए के, विष्णुबाथला एस, बख्शी एस, कॉरिलेशन ऑफ सिरम प्रोस्पेक्टिव इम्यूनोग्लोबुलिंस विद इंफेक्शन – रिलेटिड पैरामीटर्स ड्यूरिंग इंडक्शन कीमोथेरेपी ऑफ पीडियाट्रिक एक्यूट मयेलोइड ल्यूकेमिया : ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी। *पीडियाट्र हेमेटोल ऑकोल* 2015;32(2):129–137.

136. बंसल ए के, विष्णुभाटला एस, कुमार यू, बख्शी एस, बेसलिन लॉ इवेल्युएशन इम्युनोग्लोबिन ए प्रीडिक्ट्स इंफेरियर डिजीज – फ्री सर्वाइवल इन पीडियाट्रिक एक्यूट मयेलोइड ल्यूकेमिया इन सीरियल एवेल्युएशन सजेस्ट्स रोल ऑफ इम्युनोग्लोबिन ए इन ल्यूकेमोजेनेसिस। *ल्यूक लिम्फोमा* 2014;55(5):1132–8.

137. बंसल एस, सूरी ए, सिंह एम, काले एस एस, अग्रवाल डी, शर्मा एम एस, महापात्रा ए के, शर्मा बी एस. केवेनर्स सीनस हीमेंजियोमा : ए फोरटीन इयर सिंगल इंस्टीट्यूशन एक्सपीरियंस। *जे क्लिन न्यूरोसाइं* 2014;21:968–74.

138. बंसल वी, कुमार एम, दलेला एम, ब्रह्मणे एच जी, सिंह एच. इवेल्युएशन ऑफ सिनेरजिस्टिक इफैक्ट ऑफ बायोडिग्रेडेबल पोलीमर नैनोपार्टिकल्स एण्ड एल्युमिनियम बेस्ड एडजुवेंट फॉर इम्प्रूविंग वैक्सिन एफिकेसी। *इंट जे फार्मा* 2014 अगस्त 25;471(1.2):377–84

139. बंसल वी के, मिश्र एम सी, राजन के, किलंबी आर, कुमार एस, कृष्णा ए, एट ऑल। सिंगल–स्टेज लेपेरोस्कोपिक कॉमन बिल डक्ट एक्सप्लोरेशन एण्ड कोलेसिस्टेक्टॉमी वर्सस टू–स्टेज एण्डोस्कोपिक स्टोन एक्स्ट्रेक्शन फ्लॉइड बाय लेपेरोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टॉमी फॉर पेशेंट्स विद कंकोमिटेंट गालब्लाडर स्टोंस एण्ड कॉमन बिल डक्ट स्टोंस। ए रेण्डोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल। *सर्ज एंडोस्क.* 2014;28(3):875.85

140. बंसल वी के, प्रदीप पी, कृष्णा ए, मिश्र एम सी. ए प्रोस्पेक्टिव रेण्डोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल कम्पेरिंग क्रोनिक ग्रोइन पेन एण्ड क्वालिटी ऑफ लाइफ इन लाइट वेट वर्सिस हैवी–वेट पॉपीप्रोपिलेन मेश इन लेपेरोस्कोपिक इंगुइनल हार्निया रिपेयर। *जे मिनिमल एक्सेस सर्ज* 2015;25(1):29–32.

141. बंसल वी के, राजन के, शर्मा ए, पालीवाल पी, चौबाल जी, जिंदल वी एट ऑल। प्रोस्पेक्टिव केस – कंट्रोल स्टडी टू इवैल्यूवेट द रोल ऑफ ग्लूटोथियॉन एस ट्रांसफेरेसिस (जी एस टी टी 1 और जी एस टी एम 1) जीन डिलेशन इन ब्रेस्ट कार्सिनोमा एण्ड इट्स प्रोग्नोस्टिक सिग्निफिकेंस। *इंडियन जे सर्ज* 2014।

142. बंसल वी के, रविन्द्रन आर, मिश्र एम सी, भट्टाचार्य एच, राजन के, कृष्ण ए, एट ऑल। ए प्रोस्पेक्टिव रेण्डोमाइज्ड कंट्रोल्ड ब्लाइंडिड स्टडी टू इवेल्यूवेट द इफैक्ट ऑफ शॉर्ट – टर्म फॉकस्ड ट्रेनिंग प्रोग्राम इन लेपेरोस्कोपी ऑन ऑपरेटिंग रुम परफोरमेंस ऑफ सर्जरी रेजिडेंट्स। *जे सर्ज एडुक* 2014 जनवरी. फरवरी; 71(1):52–60.

143. बारिक एम, बाजपेयी एम, दास आर आर, मल्होत्रा ए, पाण्डा एस एस, साहू एम के, द्विवेदी एस. रोल ऑफ 99एम टी सी – ई सी डी एस पी ई सी टी इन द मैनेजमेंट ऑफ चिल्ड्रन विद् क्रेनियोसाइनोस्टोसिस। *बायोमेड रेस इंट* 2014; 2014:172646.

144. बारिक एम, बाजपेयी एम, पाण्डा एस एस, मल्होत्रा ए, सामंत रे जे सी, द्विवेदी एस एन. स्ट्रेंज्थेनिन मोलिकुलर जेनेटिक्स एण्ड ट्रेनिंग इन क्रेनियोसाइनोस्टोसिस : द नीड ऑफ द हॉर्स। *जे न्यूरोसाइंस रुरल प्रैक्ट* 2014 अक्तूबर;5(4):428–32.

145. बासक टी, वार्ष्णेय एस, हमीद जेड, घोष एस, सेठ एस, सेनगुप्ता एस. आइडेंटिफिकेशन ऑफ मेटाबोलिक मार्कर्स इन कोरोनरी आर्टरी डिजीज यूजिंग अन अनटार्गेटिड एल सी – एम सी बेस्ड मेटाबोलोमिक एप्रोच। *जे प्रोटियोमिक्स* 2015 मार्च 17 (मुद्रण से पहले ई प्रकाशन)

146. बशीर ए, पाधी एस, बूपथी वी, मलिक एस, नायर एस, वर्गीज आर जी, कानूंगो आर. हिमोफेगोसिस्टिक लिम्फोहिस्टियोसिटोसिसः अन अनयूजुवल कॉम्पलीकेशन ऑफ ओरिंटिया टसुटसुगामुशी डिजीज (स्क्रब टाइफस)। *मेडिटेर जे हिमेटोल इंफैक्ट डिस* 2015 जनवरी 1;7(1):ई2015008.

147. बासु ए, थानपाल एस, सूद एम, खण्डेलवाल एस के. कैटेटोनिया : अन अनयूजुवल मेनिफेस्टेशन ऑफ विल्सन डिजीज। *जे न्यूरोसाइकियाट्री क्लिन न्यूरोसाइंस 2015 विंटर*;27(1):72–3.

148. बासु एस, कुमार आर, रानाडे ए. एसेसमेंट ऑफ ट्रीटमेंट रिस्पोंस यूजिंग पीईटी। *पीईटी क्लिन* 2015 जनवरी; 10(1):9–26.

149. बासु एस, क्वी टी सी, सबौरी बी, गरिनो जे पी, नेल्सन सी एल, जौहंग एच, पर्संस एम, चेन डब्ल्यू, कुमार आर, सालावती ए, वर्नर टी जे, अलेवी ए, एफ डी जी पी ई टी फॉर डायग्नोसिंग इंफेक्शन इन हिप एण्ड नी प्रोस्थेसिस : प्रोस्पेक्टिव स्टडी इन 221 प्रोस्थेसिस एण्ड

सबग्रुप कम्पेरिजन विद कम्बाइंड (111) इन – लैब्लैड ल्यूकोसाइट/ (99एम) टी सी – सल्फर कोलोइड बोन मैरु इमेजिंग इन 88 प्रोस्थेसिस। *क्लिन न्यूक्ल मेड* 2014 जुलाई;39(7):609–15.

150. बाथ पी एम, वूडहाउस एल, स्कट पी, कृष्णा के, वॉर्डलॉ जे एम, बेरेक्जिकी डी, एट ऑल। एफिकेसी ऑफ नाइट्रिक ऑक्साइड, विद् ऑर विदाउट कंटिन्यूइंग एंटीहाइपरटेंसिव ट्रीटमें, फॉर मैनेजमेंट ऑफ हाई ब्लड प्रेशर इन एक्यूट स्ट्रोक (ई एन ओ एस) : ए पार्शियल – फैक्टोरियल रेण्डोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल। लेंसेट 2015; 385:617–28.

151. बत्रा पी, माथुर पी, मिश्र एम सी. ऐरोमोनास सप्प एज़ ए कॉजेटिव एजेंट फॉर नोसोकोमियल इंफेक्शन इन ट्रॉमा पेशेंट्स। *जे इंफेक्ट* 2014 दिसंबर 18. पीआईआई : एस0163–4453 (14) 00375–2. डीओआई: 10.1016/जे.जेआईएनएफ. 2014.12.004.

152. बेहरा बी, माथुर पी, भारद्वाज एन, जैन एन, मिश्र एम सी, कपिल ए एट ऑल। एंटीबायोटिक ससेप्टिबिलिटीज़, स्ट्रेप्टोकोकल पिरोजेनिक एक्सोटॉक्सिन जीन प्रोफाइल्स अमंग क्लिनिकल आइसोलेट्स ऑफ ग्रुप सी और जी स्ट्रेप्टोकोकस डिस ग्लेक्टिया सबस्प. इक्विसिमिलिस एण्ड ऑफ ग्रुप जी एस. एंजिनोसस ग्रुप एट ए टर्शरी केयर सेंटर। इंडियन जे मेड रेस 2014;139:438–45.

153. बेहरा सी, गर्ग ए, चोपड़ा एस, गुप्ता एस के, डेथ अमंग होमलेस अनक्लेमड एलडर्ली: ए स्टडी फ्रॉम साउथ एण्ड साउथ ईस्ट दिल्ली। इंडियन जर्नल ऑफ गेरेंटोलॉजी 2015;29(1):91–99.

154. बेहरा सी, कार्तिक के, डोगरा टी, लालवानी एस, मिल्लो टी, सिंह एस. ई – स्यूसाइड नोट : ए न्यूअर ट्रेंड एण्ड इट्स मेडिको – लिगल इम्प्लीकेशंस इन इंडिया। *मेड लिग जे* 2014 मई 22;82(2):80–82.

155. बेहरा सी, कार्तिक के, कुमार आर, गुप्ता एस के. सुडान डेथ टू यूटरिन रैपचर इन ए प्रिमिग्राविदा विद् प्लेसेंटा एक्रेटा इन अनस्क्रैड यूट्रेरसः अन ऑटोप्सी रिपोर्ट। *जे आई ए एफ एम* 2015; 37(1):89–92.

156. बेहरा सी, कृष्णा के, भारद्वाज डी एन, राउतजी आर, कुमार ए. ए केस ऑफ एक्सिडेंटल फेटल एल्युमिनियम फोस्फाइड पोइसोनिंग इंवोल्विंग ह्यूमनस एण्ड डोग्स। *जे फोरेंसिक साइं* 2015 फरवरी 20.

157. बेहरा सी, मृधा ए आर, कुमार आर, मिल्लो टी. कैरेक्टरस्टिक ऑटोप्सी फाइंडिंग्स इन हेयर डाई पोइसोनिंग *बी एम जे केस रिपोर्ट* 2015; 2015.डीओआई:10.1136/बीसीआर–2014–206692.

158. बेहरा सी, रानी ए, प्रधान एम, दीक्षित पी सी. फेटल कोरोसिव अटैक : ए स्टडी ऑफ 13 केसिस फ्रॉम सेंट्रल दिल्ली। इंडिया। *एम जे फोरेंसिक मेड पैथोल* 2014 जून; 35(2):109–12.

159. बेहरा सी, स्वैन आर, मृधा ए आर, पुनिया एस. स्यूसाइड बाय इंजेक्टिंग लिस्प्रो इंसुलिन विद् अन इंट्रावेनस कैनुला। *मेड लेग जे* 2015 सितंबर; 83(3):147–9.

160. बेहरा एम के, जुल्का पी के, रथ जी के. पैटर्न ऑफ सपोर्टिव केयर इन एलडर्ली पेशेंट्स ऑफ हैड एण्ड नेक कैंसर रिसिविंग रेडिएशन थेरेपी। *जे जेरियाट्रि ओंकोल* 2014;5:S17–8.

161. बेरा एस सी, खण्डेलवाल एस के, सूद एम, गोयल ए, कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ सायकियाट्रिक कोमोर्बिडिटी, क्वालिटी ऑफ लाइफ एण्ड डिसेबिलिटी इन पेशेंट्स विद माइग्रेन एण्ड टेंशन टाइप हैडक। न्यूरोल इंडिया 2014 सितंबर-अक्तूबर; 62(5):516–20.

162. बेरा एस सी, सूद एम, चड्ढा आर के, सत्यनारायण राव टी एस. कंट्रीब्यूशन्स ऑफ जनरल हॉस्पिटल सायकियाट्रिक यूनिट्स टू सायकियाट्रिक रिसर्च इन इंडिया। *इंडियन जे सायकियाट्री* 2014 जुलाई; 56(3):278–82.

163. भाद आर, अम्बेडकर ए, दयाल पी. द लिजर्ड : अन अनकंवेंशनल सायकोएक्टिव सबस्टेंस? *जे सबस्ट यूज़* 2014;1–2

164. भाद आर, जैन आर, धवन ए, मेहता एम. बायोकेमिकल असेस्मेंट ऑफ इंहेलेंट यूज़ अमंग एडोलसेंट? ए पायलट स्टडी फ्रॉम टर्शरी डी–एडिक्शन सेंट्रल ऑफ इंडिया। *जे सबस्ट एब्यूज़ एल्कोहल* 2014;2(3):1021–1024.

165. भादू डी, बाजपेयी एम, अबिद ए, सुकन्या जी, अग्रवाल एस, श्रीनिवास एम, एट ऑल। स्टडी ऑफ प्रोग्नोस्टिक सिग्निफिकेंस एंटेनेटल अल्ट्रासोनोग्राफी एण्ड रिनिन एंजियोटेंसिन सिस्टम एक्टिवेशन इन प्रिडिक्टिंग डिजीज सेवेरिटी इन पोस्टीरियर यूरेथरल वॉल्वस। *जे इंडियन एसोक पीडियाट्र सर्ज* 2015; 20:63–7.

166. भादू डी, बाजपेयी एम, गोयल पी. रिजोल्यूशन वेसिकोयूरेटेरिक रिफ्लक्स एण्ड एब्नोर्मल यूरोडायनेमिक्स इन ए केस ऑफ स्पाइनल बिफिडा विद् न्यूरोजेनिक ब्लैडर। *जर्नल ऑफ प्रोग्रेस इन पीडियाट्रिक यूरोलॉजी* 2014;17:98–99.

167. भादू डी, बाजपेयी एम, पाण्डा एस एस. पोस्टरियर यूरेथरल फैक्टर्स एण्ड रेनाल आउटकम। *जे इंडियन एसोक पीडियाट्र सर्ज* 2014;19:133–7.

168. भादौरिया ए एस, कपिल यू. कौर एस, डाइटरी पैटर्न अमंगस्ट ओबेस एण्ड नॉन ओबेस चिल्ड्रन इन नेशनल कैपिटल टर्शरी ऑफ दिल्लीः ए केस कंट्रोल स्टडी। *जे फैमिली मेड प्रिम केयर* 2014;3:473–5.

169. भादौरिया ए एस, कपिल यू. ऑथर्स रिप्लाई : टेलिविजन व्यूविंग एण्ड ओवरवेट एण्ड ओबेसिटी अमंगस्ट चिल्ड्रन। *बायोमेड जे* 2015; 38:96

170. भाकुनी टी, शर्मा ए, रशिद क्यू, कपिल सी, सक्सेना आर, महापात्रा एम, जैराजपुरी एम ए. एंटीथ्रोम्बिन 3 डेफिशियंसी इन इंडियन पेशेंट्स विद् डीप वेन थ्रोम्बोसिस : आइडेंटिफिकेशन ऑफ फर्स्ट इंडिया बेस्ड ए टी वेरिएंट्स इंक्लूडिंग ए नोवल पॉइंट म्युटेशन (टी 280 ए) दैट लीड्स टू एग्रीगेशन। *पी एल ओ एस वन* 2015 मार्च 26;10(3):ई0121889

171. भंडारी एन, रोंगसेन – चांडोला टी, बावडेकर ए, जॉहन जे, एंटोनी के, तनेजा, एट ऑल। एफिकेसी ऑफ ए मोनोवेलेंट ह्यूमन–बोवाइन (116ई) रोटावायरस वैक्सीन इन इंडियन इंफेंट्स : ए रेण्डोमाइज्ड, डबल–ब्लाइंड, प्लासेबो–कंट्रोल्ड ट्रायल। *लैंसेट* 2014 ;383:2136–43.

172. भारद्वाज एन, माथुर पी, कुमार एस, गुप्ता ए, गुप्ता डी, जॉन एन वी एट ऑल। डिप्रेस्ड मोनोसिटिक एक्टिविटी मे बी ए प्रीडिक्टोर फॉर सेप्सिस। *ले लैब फिजिशियन* 2015;7:26–31.

173. भारद्वाज पी, यादव आर के, पाण्डे पी. पब्लिकेशंस ऑफ क्लिनिकल ट्रायल रिजल्ट्सः टाइम टू वेक–अप। *इंट जे क्लिन एक्सप फिजियोल* 2014;1:245.52.

174. भारी एन, चिरामेल एम जे, वेदी के के, नाथ डी, संदीप एस, कुमार आर, कुमार एल, शर्मा वी के, सेतुरमन जी. नेक्रोबायोटिक एक्सएंथोग्रेनुलोमा विद् मल्टीपल मयेलोमा। *क्लिन एक्स डर्मेटोल* 2015 अक्तूबर; 40(7):811–14.

175. भारती एस, रानी एन, भाटिया जे, आर्य डी एस. 5–एचटी$_{2B}$ रिसेप्टर ब्लॉकेड अटेनॉटस बीटा–एड्रेनर्जिक रिसेप्टर–स्टिमुलेटिड मायोकार्डियल रिमॉडलिंग इन रैट्स वाया इंहिबिटिंग एपोप्टोसिसः रोल ऑफ एम ए पी के एण्ड एच एस पी *एपोप्टोसिस* 2015;20(4):455–65.

176. भसीन ए, पदमा एम वी, भाटिया आर, कुमारन एस, मोहंती एस. स्टेम सेल इन न्यूरोलॉजिकल डिजीज : इंडियन पर्सपेक्टिव। *जे स्टेम सेल रेस थेर* 2014; 4:175डीओआई :10.4172/2157–7633.1000175

177. भास्कर एस, बाजपेयी वी, कुमार वी, कांत एस. ए स्टडी ऑफ फैक्टर्स इम्पेक्टिंग ऑन द टुबैको यूज़ पैटर्नस एण्ड टुबैको–रिलेटिड बिहेवियर अमंग द लोवर मिडल एण्ड लोवर क्लासिस इन ए रिसेटलमेंट कॉलोनी ऑफ दिल्ली, इंडिया। *इंट जे मेड पब्लिक हेल्थ* 2015; 5(2):133–45.

178. भट्ट डी के, कांगा यू. कुमार एन, अग्रवाल आर पी, मौर्या एम, कल्याणी एम, कौर टी, मेहरा एन के. द रैकास–ए यूनिक कॉम्बिनेशन ऑफ हाई प्रीवेलेंस ऑफ टाइप 1 डायबिटीज़ सस्सिपटिबिलिटी जीनस एण्ड नीयर जीरो इंसिडेंस ऑफ द डिजीज। *हम इम्यूनोल* 2014;75(12):1252–8.

179. भाटिया ए, बाजपेयी एम, पाण्डा एस एस, शर्मा एन. ए रेयर केस ऑफ ऑर्थोटोपिक यूरेटेरोसेल विद् पोस्टरियर यूरेथ्रल वॉल्व। *जर्नल ऑफ प्रोग्रेस इन पीडियाट्रिक यूरोलॉजी* 2014;17:96–97.

180. भाटिया आर, शर्मा वी के, रमन एम, सेतुरमन जी, यादव सी पी. क्लिनिकल प्रोफाइल एण्ड क्वालिटी ऑफ लाइफ ऑफ पेशेंट्स विद् ऑक्यूपेशनल कॉन्टैक्ट डर्माटाइटिस फ्रॉम नई दिल्ली, इंडिया। *कंटैक्ट डर्मोटिटिस* 2015 सितंबर; 73(3):172–81.

181. भटनागर एन, कौर आर, डुडेजा पी. फूड मार्केटिंग टू चिल्ड्रेन इन इंडिया : कम्पेरेटिव रिव्यू ऑफ रेगुलेटरी स्ट्रेटेजीस एक्रॉस द वर्ल्ड। *इंडियन जे पीडियाट्र* 2014 नवंबर; 81(11):1187–92.

182. भटनागर एन, कौर आर, गुप्ता एम, शर्मा डी. इंट्रोड्यूसिंग कम्बाइंड मसल्स, मम्प्स एण्ड रुबेला वैक्सीन इन चण्डीगढ़, इंडिया : इशूज़ एण्ड कंर्सेन्स। *इंडियन पीडियाट्रिक्स* 2014 जून; 51(6):441–3.

183. भटनागर एन, कौर आर, पेट्रो बी के. जर्नल क्लबः ए क्लब फॉर मेडिकल एजुकेशन। *जे पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एण्ड रिसर्च* 2015;49(1):43–5.

184. भटनागर एस, गोयल ए, शर्मा ए, जोशी एस, अहमद एस एम. जर्नरी ऑफ पेशेंट्स विद् कैंसर : ए सिस्टेमेटिक इवेल्युएशन एट टर्शरी केयर सेंटर इन इंडिया। *एम जे हॉस्प पैलियट केयर* 2014;31:406–13.

185. भटनागर एस, जोशी एस, राणा एस पी, मिश्र एस, गर्ग आर, अहमद एस एम. बेडसाइड अल्ट्रासाउंड – गाइडिड सेलियाक प्लेक्सस न्यूरोलायसिस इन अपर एब्डोमिनल कैंसर पेशेंट्स : ए रेण्डोमाइज्ड, प्रोस्पेक्टिव स्टडी फॉर कम्परिजन ऑफ पैनक्यूटेनियस बिलेटरल पैरामेडियन बनाम यूनिलटरल पैरामेडियन नीडल –इंसर्शन टेकनिक। *पेन प्रैक्ट* 2014;14:e63–8.

186. भटनागर एस, कुमार पी, मोहन टी, वर्मा पी, परिदा एम एम, होटी एस एल, राव डी एन. इवेल्युएशन ऑफ मल्टीपल एंटीजेनिक पेप्टाइड्स बेस्ड ऑफ द चिकनगुनिया ई2 प्रोटीन फॉर इम्प्रूव्ड सीरोलॉजिकल डायग्नोसिस ऑफ इंफैक्शन। *वायरल इम्यूनोल* 2015;28:107–12

187. भट्ट के, रॉयचौधरी ए, भुटिया ओ, पाण्डे आर एम. फंक्शनल आउटकम्स ऑफ गैप एण्ड इंटरपॉजिशन आर्थोप्लास्टी इन द ट्रीटमेंट ऑफ टेम्पोरोमेंडिबुलर जॉइंट एंकीलोसिस। *जे ओरल मैक्सीलोफेक सर्ज* 2014 दिसंबर; 72(12):2434–9.

188. भट्ट एस पी, मिश्र ए, शर्मा एम, गुलेरिया आर, पाण्डे आर एम, लुथरा के, विक्रम एन के. विटामिन डी इंसफिसिएंसी इन एसोसिएटिड विद् एब्डोमिनल ओबेसिटी इन अर्बन एशियन इंडियन विदाउट डायबिटिज इन नोर्थ इण्डिया। *डायबिटीज टेकनॉल देयर* 2014 जून; 16(6):392–7

189. भट्टाचार्य एम, केमीटैकल एस, पाहवा एस, रे ए आर, घोष एस. स्ट्रेटजिस फॉर रेप्लीकेटिंग एंटोमिकल कार्टिलेजिनस टिशू ग्रेडियंट इन इंजीनियर्ड इंटरवर्टेब्रल डिस्क. *ए सी एस एप्पल मेटर इंटरफेसिस* 2014 जनवरी 8;6(1):183–93.

190. भौमिक डी, अग्रवाल ए, पाण्डा एस. एसेसिंग द प्रीवलेंस ऑफ क्रोनिक किडनी डिजीज इन द कम्युनिटी : एस्टीमेटिंग ग्लोमेरुलर फिल्ट्रेशन रेट इज़ द अचिल्स हील *इंडियन जे नेफ्रोल* 2014 नवंबर; 24(6):411–2.

191. भौमिक डी, कुमार ए. एंड–ऑफ–लाइफ फॉर पेशेंट्स एफिलक्टिड विद इंकुरेबल मेलिग्नेंसी एण्ड एंड–स्टेज रेनाल डिजीज। *इंडियन जे पैलेट केयर* 2014 मई; 20(2):99–100.

192. भूषण जी, निश्चल एन, शर्मा पी, रैना यू के. बिलेट्रियल ऑप्टिक न्युरैटिस फॉलोइंग मायकोप्लाज्मा न्यूमोनिया इंफेक्शन। *इंडियन जे ऑफ्थेलमोल* 2014 दिसंबर; 62(12):1175–6.

193. भुटिया ओ, कुमार एल, जोश ए, रॉयचौधरी ए, त्रिखा ए, इवेल्युएशन ऑफ फेशियल नर्व फॉलोइंग ओपन रिडक्शन एण्ड इन्टरनल फिक्सेशन ऑफ सबकोंडिलर फ्रैक्चर थ्रो रिट्रोमेंडिबुलरट्रांसपेरॉटिड एप्रोच। *ब्र जे ओरल मैक्सीलोफेक सर्ज* 2014 मार्च;52(3):236–240

194. भुटा जेड ए, दास जे के, भाल आर, लॉन जे ई, सलम आर ए, पॉल वी के, शंकर एम जे, ब्लेंकोव एच, रिजवी ए, चौ वी बी, वॉलकर एन; लांसट न्यूबोर्न इंटरवेंशंस रिव्यू ग्रुप; लांसट एवरी न्यूबोर्न स्टडी ग्रुप। कैन एवलेबल इंटरवेंशंस एण्ड प्रीवेंटेबल डैथ्स इन मदर्स। न्यूबोर्न बेबिज़, एण्ड स्टिलबर्थस, एण्ड एट व्हाट कोस्ट? *लासंट* 2014 जुलाई; 384(9940):347–70. इरेटम इनः लांसेट. 2014 जुलाई; 384(9940):308

195. बिडकोल ए एम, दलाल ए, शाह एच, नामपूरथी एस, काबरा एम, गुप्ता एन, एट ऑल। जी ए एल एन एस म्युटेशंस इन इंडियन पेशेंट्स विद् म्यूकोपॉलीसेकैरिडोसिस 4ए। *एम जे मेड जिनेट ए* 2014 नवंबर; 164।(11):2793–801.

196. बिजार्निया–माहे एस, मोव्वा एस, गुप्ता एन, शर्मा डी, पुरी आर डी, कोटेका यू, सक्सेना आर, काबरा एम, मोहन एन, वर्मा आई सी. मोलिकुलर डायग्नोसिस ऑफ हेरेडिटेरी फ्रूक्टोस इंटोलेरेंसः फाउंडर म्युटेशन इन ए कम्युनिटी फ्रॉम इंडिया। जे आई एम डी रेप 2015;19:85–93

197. बिंद्रा ए, चौहान एम, कुमार एन, जैन वी, चौहान वी, गोयल के. सीवर बेरोट्रॉमा रिजल्टिंग फ्रॉम सबटल मिगरेशन ऑफ ट्रेकियल ट्यूब : ए नाइटमेयर। *साउदी जे एनेस्थ* 2014; 8:572–3.

198. बिंद्रा ए, चौहान आर एस, प्रभाकर एच, चंद्रा पी एस, त्रिपाठी एम. पेरिऑपरेटिव एनेस्थेटिक इम्प्लिकेशंस ऑफ एप्लिप्सी सर्जरी। ए रेट्रोस्पेक्टिव एनालेसिस। *जे एनेस्थ* 2015;29:229–34.

199. बिर्कमेयेर जे डी, फिंक्स जे एफ, ओ'रैली ए, ओर्लिन एम, कार्लिन ए एम, नुन्न ए आर, डिमिक जे, बनर्जी एम, बिर्कमेयर एन जे; मिशिगन बैरियाट्रिक सर्जरी कॉलाबोरेटिव। सर्जिकल स्कील एण्ड कॉम्प्लिकेशन रेट्स आफ्टर बैरियाट्रिक सर्जरी। *एन इंग्ल जे मेड* 2013 अक्तूबर 10;369(15):1434–1442.

200. बिरला एस, अग्रवाल एस, शर्मा ए, टंडन एन. रेयर एसोसिएशन ऑफ डायबिटिज एक्रोमेग्ली विद् लेफ्ट एट्रियल मयोक्सोमा इन कारनी कॉम्प्लेक्स ड्यू टू नोवल पी आर के ए आर 1 ए म्युटेशन। *एण्डोक्राइनोल डायबिटीज़ मेटाब केस रेप* 2014; 2014:140023.डीओआईः 10. 1530/ई डी एम–14–0023.

201. बिरला एस, सिंघल ए, टंडन एन. रेयर मैनीफेस्टेशन ऑफ मल्टीपल एण्डोक्राइन नियोप्लासिया टाइप 2ए एण्ड क्युटेनियस लिचेन एमाइलोडोसिस इन ए फैमिली विद् आर ई टी जीन म्युटेशन। *इंडियन जे मेड रेस* 2014 मई; 139(5):779–81.

202. बिष्ट ए, गर्ग के, अग्रवाल डी, सिंह पी के, सत्यर्थी जी डी, गुप्ता डी, एट ऑल। हिस्टोलॉजिकल चेंजिस इन थेलेमस इन शॉर्ट टर्म सर्वाइवर्स फॉलोइंग ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी : एन ऑटोप्सी स्टडी। *न्यूरोल इंडिया बिट्रॉमेटिक* 2013;61:599–605.

203. बिष्ट ए, सुरी ए, बंसल एस, चंद्रा पी एस, कुमार आर, सिंह एम, एट ऑल। फैक्टर्स इफैक्टिंग सर्जिकल आउटकम ऑफ एण्डोस्कोपिक थर्ड वेंट्रिकुलोस्टोमी इन कोंजिनिटल हाइड्रोसेफेलस। *जे क्लिन न्यूरोसाइंस* 2014;21:1483–9.

204. बिसोई ए के, अहमद टी, मालांकर डी पी, चौहान एस, दास एस, शर्मा पी, एट ऑल। मिडटर्म आउटकम ऑफ प्राइमरी आर्टीरियल स्विच ऑपरेशन बियोंड सिक्स वीक्स ऑफ लाइफ इन चिल्ड्रन विद् ट्रांसपॉजिशन ऑफ ग्रेट आर्टीरियज़ एण्ड इंटेक्ट वेंट्रिकुलर सेप्टम। *वर्ल्ड जे पीडियाट्र कॉन्जिनिटल हार्ट सर्ज* 2014;5:219.25.

205. बिसोई ए के, साहू एम के, चंद्र सी एन, अग्रवाल एस, चौहान एस. नटक्रैकर सिंड्रोम इन ए यंग फिमेल विद् सेलिटेरी फंक्शनल लेफ्ट ओवरीः ए सर्जिकल चैलेंजिस। *एनाल्स ऑफ वेस्कुलर सर्जरी* 2014;28(8):1938ई1–3.

206. बिस्वास ए, चौधरी पी बी, जुल्का पी के, रथ जी के. रेडिएशन इंड्यूस्ड डिपिग्मेंटेशन डिस्ऑर्डर इन टू पेशेंट्स विद ब्रेस्ट कैंसर : एक्सप्लोरिंग ए रेयर एकॉम्पेनिमेंट। *जे इजिप्ट नेटल कैन इंस्ट* 2015;27:101–4.

207. बिस्वास ए, जुल्का पी के, बख्शी एस, सुरी ए, रथ जी के. इंट्राक्रेनियल एटिपिकल टेट्राटॉइड रहाब्डोइड ट्यूमर : करेंट मैनेजमेंट एण्ड ए सिंघल इंस्टीट्यूट एक्सपीरियंस ऑफ 15 पेशेंट्स फ्रॉम नोर्थ इंडिया। *एक्टा न्यूरोचिर (वाइन)* 2015; 157:589–96.

208. बिस्वास ए, राव वी आर, सेठ एस, मौलिक एस के. नेक्स्ट जनरेशन सिक्वेंसिंग इन कार्डियोमायोपैथीज टुवर्ड्स पर्सनलाइज्ड जीनोमिक्स एण्ड मेडिसिन। *मोल बायोल रैप* 2014;41(8):4881–8.

209. बिस्वास बी, अग्रवाल एस, रस्तोगी एस, खान एस ए, मोहंती बी के, शर्मा डी एन, पाथी एस, बख्शी एस, हाई बर्डन ऑफ मेटास्टेसिस एण्ड पुअर आउटकम इन पेल्विक पी एन ई टी। *पीडियाट्र ब्लड कैंसर* 2013 सितंबर; 60(9):ई97–9.

210. बिस्वास बी, रस्तोगी एस, खान एस ए, मोहंती बी के, शर्मा डी एन, शर्मा एम सी, एट ऑल। आउटकम्स एण्ड प्रोग्नोस्टिक फैक्टर्स फॉर इविंग्ज़–फैमिली ट्यूमर्स ऑफ द एक्स्ट्रेमिटाइस। *जे बोन जॉइंट सर्ज एम* 2014 मई; 96(10):841–9.

211. बिस्वास बी, रस्तोगी एस, खान एस ए, शुक्ला एन के, देव एस वी, अग्रवाल एस, एट ऑल। डेवलपिंग ए प्रोग्नोस्टिक मॉडल फॉर लोकलाइज्ड इविंग्ज़ सर्कोमा फैमिली ऑफ ट्यूमर्स : ए सिंघल इंस्टीट्यूशनल एक्सपीरियंस ऑफ 224 केसिस ट्रीटीड विद् यूनिफॉर्म कीमोथेरेपी प्रोटोकोल। *जे सर्ज ओंकोल* 2015 मई; 111(6):683–9.

212. बिस्वास एस, शुक्ला एन के, देव एस वी, अग्रवाल एस, शर्मा डी एन, विष्णुबाथला एस, एट ऑल। इवेल्युएशन ऑफ आउटकम एण्ड प्रोग्नोस्टिक फैक्टर्स इन एक्स्ट्रोसस इविंग्ज़ सर्कोमा। *पीडियाट्र ब्लड कैंसर* 2014 नवंबर; 61(11):1925–31.

213. बिस्वास बी, ठक्कर ए, मोहंती बी के, विष्णुबाथला एस, बख्शी एस. प्रोग्नोस्टिक फैक्टर्स इन हैड एण्ड नेक इविंग्ज़ सर्कोमा फैमिली ऑफ ट्यूमर्स। *लेरिंजोस्कोप* 2015;125:ई112–7.

214. बिस्वास एस, शर्मा एस, सरकार ए, शर्मा एन, रामचंद्र एस, मल्होत्रा आर, एट ऑल। कम्पेरेटिव फोस्फोप्रोटियोमिक्स एनालेसिस ऑफ सिनोवॉयल फ्ल्यूड प्रोटींस इन इंडियन – जर्मन ओस्टियोआर्थराइटिस पेशेंट्स। *जे प्रोटियोमिक्स बायोइंफोर्म* 2013 जुलाई; 6(7):74.आई एस एस एनः 0974.276x

215. बिट्टनर आर, मोंटगोमरी एम ए, अरेगुई ई, बंसल वी, बिंजीनर जे, बिसगार्ड टी, ... एम सी, एट ऑल; अपडेट ऑफ गाइडलाइंस ऑन लेपेरोस्कोपिक (टी ए पी पी) एण्ड एण्डोस्कोपिक (टी ई पी) ट्रीटमेंट ऑफ इंगुइनल हार्निया (इंटरनेशनल एण्डोहार्निया सोसायटी)। *सर्ज एण्डोस्क* 2015 फरवरी; 29(2):289.321.doi:10.1007/s00464-014-3917.8.

216. बिस्वास बी, रस्तोगी आर, खान एस ए, शुक्ला एन के, दव एस वी एस, अग्रवाल एस, एट ऑल। हिइपोएल्बुमिनेमिया : पॉसिबल इंडिपेंडेंट प्रोग्नोस्टिक फैक्टर फॉर पूर सर्वाइवल इन मेटास्टेटिक इविंग्ज सर्कोमा फैमली ऑफ ट्यूमर – ए सिंघल इंस्टीट्यूशनल एक्सपीरियंस ऑफ 150 केसिस ट्रीडिट विद् यूनिफॉर्म कीमोथेरेपी प्रोटोकोल। *क्लिन ओंकोल* 2014;26:722–729.

217. बियानी जी, छाबड़ा ए, बैद्य डी के. एडजुवेंट्स टू लोकल एनेइस्थेटिक इन रिजनल एनेस्थिसिया – शूड दे बी यूज्ड? पार्ट 2 : कोंस। *ट्रेंड्स एनेस्थिसिया क्रिट केयर* 2014;4:91–6.

218. बियानी जी, यादव एन, शिंदे पी, बिंद्रा ए, मोहम्मद एस. हाइपरटेंशन फॉलोइंग थेरापियूटिक आर्टीरियल एम्बोलिसेशन : ए रेयर कॉम्प्लिकेशन। *इंड एनेस्थ फोरम* 2014;15:1–5.

219. बोड़वाल जे, चौहान एम, घोष बेहरा सी. फेटल लेटरल थोरेसिक आर्टरी इंजरी बाय ए नॉन – बेलिस्टिक मेटल पीस इजेक्टिड फ्रॉम ए रोलिंग मशीनः ए केस रिपोर्ट। *जर्नल ऑफ फोरेंसिक मेडिसिन एण्ड टॉक्सिकोलॉजी* 2014;30(1):67–70.

220. बोरकर एस ए, गर्ग के, गर्ग एम, शर्मा बी एस. ट्रांसोर्बिटल पेनेट्रेटिंग सेरेब्रल इंजरी कौज्ड बाय ए वूडन स्टिक : सर्जिकल न्यूएंसेस फॉर रिमूवल ऑफ ए फोरेजन बॉडी लॉज्ड इन कन्वेयरनस साइनस। *चाइल्ड नर्व सिस्ट केवेनर्स* 2014;30:1441–4.

221. बोरकर एस ए, प्रसाद जी एल, गुप्ता डी के, सिन्हा एस, महापात्रा ए के. कॉम्पाउंड इलेवेटिड स्कल फ्रैक्चर। ए क्लिनिकल सीरिज ऑफ थ्री पेशेंट्स विद् ए रिव्यू ऑफ द लिटरेचर। *टर्क न्यूरोसर्ज* 2013;23:514–7.

222. बोरले ए, सिंह पी एम. फाइंडिंग्स द वे इंटू द बर्नट एयरवे। *जे एनेस्थिसियोलॉजी क्लिन फार्माकोल* 2015;31:242–3.

223. बोरले ए पी, छाबड़ा ए, सुब्रामनियम आर, रेवाड़ी वी, सिन्हा आर, रामचंद्र आर, कुमार आर, सेठ ए. एनालेजेसिक्स एफिकेसी ऑफ पैरावेरटेब्रल बुपिवैकैन ड्यूरिंग परक्यूटेनियस नेफ्रोलथोटॉमी: अन ऑब्जर्व ब्लाइंडिड, रेण्डोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल। *जे एण्डोयूरोल* 2014 सितंबर; 28(9):1085–90.

224. बोस आर, अग्रवाल डी, सिंह एम, काले एसएस, गोपीशंकर एन, बिष्ट आर के एट ऑल। ड्रेनिंग वेन शैल्डिंग इन इंट्राक्रानियल आर्टिरियोवेनस मैलफोर्मेशन ड्यूरिंग गामा–नाइफः ए यू वे ऑफ प्रीवेंटिंग पोस्ट गामा–नाइफ एडेमा एण्ड हिमोरहीज। *न्यूरोसर्जरी* 2015;76:623–32.

225. बोस एस, मोहंती एस, सिंह एम, बेहारी एम, आर्यन बी. फिब्रोब्लास्टोमा ग्रोथ फैक्टर–2 अलोन एज़ एन इंफिसिएंट इड्यूसर फॉर डिफ्रेंटिएशन ऑफ ह्यूमन बोन मैरु मेसेंकिमल स्टेम सेल्स इंटू डोपामिनर्जिक न्यूरोंस। *जे बायोमेडिकल साइं* 2014;21:83doi:10.1186/s12929-014-0083-1

226. बोथरा एम, जैन वी. डायबिटिज इंसिपिड्यूस इन पीडियाट्रिक पेशेंट्स। *इंडियन जे पीडियाट्र* 2014 दिसंबर; 81(12):1285–6.

227. बरुर एस, डेबूड एफ एस, पाण्डे बी जी, शाह एस, गुप्ता वी, कृष्णा ए, राय एस, सिंह पी, अर्डमैन डी, लाल आर बी. रेट्स ऑफ रेस्पीरेटरी वायरस–एसोसिएटेड हॉस्पिटलाइजेशन इन चिल्ड्रन एज्ड लैस दैन 5 इयर्स इन रुरल नॉर्दन इंडिया। *जर्नल ऑफ इंफेक्शन* 2014;68(3):281–289

228. बुरे डी, मखडूमी एम ए, लोधा आर, प्रकाश एस एस, कुमार आर, पराय एच ए, सिंह आर, काबरा एस के, लुथरा के. म्युटेशंस इन द रिवर्स ट्रांसक्रिप्टेज़ एण्ड प्रोटीज़ जीनस ऑफ ह्यूमन इम्यूनोडेफिशियंसी वायरस–1 फ्रॉम एंटीरेट्रोवायरल नैव एण्ड ट्रीटिड पीडियाट्रिक पेशेंट्स। *वर्सेस* 2015 फरवरी; 7(2):590–603.

229. बर्ट टी, गुप्ता वाय के, मेहता एन, स्वामी एन, विश्वास, स्पीयर्स एम ए. एथिक्स स्टैण्डर्डस (एचआरपीपी) एण्ड पब्लिक पार्टनरशिप (पीएआरटीएकेई) टू एड्रेस क्लिनिकल रिसर्च कंर्सस इन इंडिया : मूविंग टुवर्ड एथिकल, रिस्पोंसिबल, कल्चरली सेंसिटिव, एण्ड कम्युनिटी – इंगेजिंग क्लिनिकल रिसर्च। *जे क्लिन रेस बायोथ* 2014 सितंबर;5(5):195.

230. बायपरेड्डी आर, बेहरा ए, त्रिपाठी के, चावला आर, वेंकटेश पी, शर्मा वाय आर. इंट्राऑकुलर लिम्फोमा। *डीओएस टाइम्स* 2014 दिसंबर;20(6):2014–12.

231. बायपरेड्डी आर, रामचंद्र ओ एन, त्रिपाठी के, सिंह एस के, सिंह एच आई, चावला आर, वोहरा आर, शर्मा वाय आर. एवेल्यूशन ऑफ विट्रीओस सबस्टिट्यटस *डीओएस टाइम्स* 2014 नवंबर; 20(5):61–66.

232. काई के, सिंह ए, पोप्तानी एच, एलआई डब्ल्यू, यंग एस, एल यू वाय, हरिहरण एच, झोउ एक्स जे, रेड्डी आर. सी ई एस टी सिंघल एट 2 पीपीएम (CEST@2ppm) फ्रॉम जेड – स्पेक्ट्रल फिटिंग कॉरिलेट्स विद क्रिएटाइन डिस्ट्रिब्यूशन इन ब्रेन ट्यूमर। *एनएमआर बायोमेड* 2015 जनवरी;28(1):1–8.

233. कैम्पबेल –ईओ एम, देवरारी ए, मैकमिलन डी डी, सिंघल एन, वत्सा एम, ऐइलवार्ड डी, एट ऑल। एजूकेशनल बैरियर्स ऑफ नर्सेज केरिंग फॉर सिक एण्ड एट–रिस्क इंफैंट्स इन इंडिया। *इंट नर्स रेव* 2014 अगस्त 8.डीओआई:10.1111/आईएनआर.12121.

234. कास्टेलेरो एम, पेरुज्जु डी, मेहंदीरत्ता ए, पिलोनेट्टू जी, पीटर्सन ईटी, गोले एक्स, चैप्पल एम ए, बेर्टोल्डो ए. एस्टीमेशन ऑफ आर्टीरियल अराइवल टाइम एण्ड सेरेब्रल ब्लड फ्लो फ्रोम क्यू यू ए एस ए आर ट्रांसएर्टियल *स्पाइन लेबलिंग यूजिंग* 2014 नवंबर 26. doi:10.1002/mrm.25525.

235. चड्ढा आर के. केरिंग फॉर द फैमिली केरेगिवर्स ऑफ पर्संस विद् मेंटल इलनेस। *इंडियन जे सायकियाट्री* 2014 जुलाई; 56(3):221–7

236. चड्ढा आर के. व्हाट सोशल सायकियाट्री हैज़ टू ऑफर इन कॉन्टेम्पोररी सायकियाट्रिक प्रैक्टिस? *इंडियन जे सो. सायकियाट्री* 2014;30(1.2):7–13.

237. चक्रबर्ती बी, दुबे आर, गुलाटी एस, योगनाथन एस, कुमार ए, कुमार ए. आइसोलेटिड सेरेबेलर इंवोल्वमेंट इन विटामिन बी12 डेफिशियंसी: ए केस रिपोर्ट। *जे चाइल्ड न्यूरोल* 2014 नवंबर; 29(11):एनपी161–3.

238. चक्रबर्ती बी, दुबे आर, कुमार ए, गुलाटी एस. अन 11–मंथ–ओल्ड बॉय विद् रिफ्रैक्टरी एपिलेप्सी। *जे क्लिन न्यूरोसाइं* 2014 मई; 21(5):835,892.

239. चक्रबर्ती बी, शर्मा एम सी, गुलाटी एस, काबरा एम, पाण्डे आर एम, सरकार सी. डिस्ट्रोफिनोपैथी डायग्नोसिस मेड इजी : स्कीन बायोप्सी, अन इमर्जिंग नोवल टूल। *जे चाइल्ड न्यूरोल* 2014 अप्रैल; 29(4):469–74.

240. चक्रबर्ती बी, शर्मा एम सी, गुलाटी एस, काबरा एम, पाण्डे आर एम, सरकार सी. स्कीन बायोप्सी : ए न्यू टूल टू डायग्नोज्ड सार्कोग्लाइकेनोपैथी। *जे चाइल्ड न्यूरोल* 2014;29:एनपी5–8.

241. चक्रबर्ती बी, सिंह एम, योगनाथन एस, कुमार ए, गुलाटी एस. ए चाइल्ड विद् प्रोग्रेसिव डिस्टोनिया। *जे पेड न्यूरोल* 2014;12:225–226.

242. चक्रबर्ती बी, त्रिपाठी एम, गुलाटी एस, योगनाथन एस, पण्डित ए के, सिन्हा ए, राठी बी एस. पीडियाट्रिक एंटी–एन–मिथाइल–डी –एस्पार्टेट (एनएमडीए) रिसेप्टर एंसेफालाइटिस ऑफ ए टर्शरी केयर टीचिंग सेंटर फ्रॉम नोर्थ इंडिया। *जे चाइल्ड न्यूरोल* 2014 नवंबर; 29(11):1453–9.

243. चक्रबर्ती एस, नाग टी सी, दास डी, सान्याल चैटर्जी टी, डी ई एस के. साइटोकरेटिन लॉकलाइजेशन इन टोई पैड्स ऑफ द अनुरण एम्फीबैन फिलेउटुस अनांदडेली (बौलेंगर, 1996)। *टिशू सेल* 2014;46:165.9.

244. चक्रबर्ती पी एस, ढल वी एस, करुणानिधि एस, रॉय एस जी, कुमार आर. रेयर केस ऑफ गाल ब्लैडर न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर : [18]एफ–एफडीजी और[68]जीए–डीओटीएएनओसी पीईटी/सीटी फाइंडिंग। *रेव एस्प. मेड न्यू.* 2014 सितंबर. अक्तूबर;33(5):316–7.

245. चक्रबर्ती पी एस, ढल वी एस, करुणानिधि एस, वर्मा एस, कुमार आर. मैलिग्नेंट मेलेनोमा विद् कैविटरी पल्मोनरी मेटास्टेसिसः डायग्नोस्टिक डायलेम्मा रिसोल्व्ड बाय एफडीजी पीईटी/सीटी गाइडिड बायोप्सी *इंडियन जे न्यू. मेड* 2014 जुलाई; 29(3):196–7.

246. चक्रबर्ती पी एस, करुणानिधि एस, ढल वी एस, कुमार आर. गुप्ता आर, त्रिपाठी एम. अन अनकॉमन केस शोइंग थ्री डिफरेंट पैथोलॉजिस ऑन (99 एम) टेक्नीशियन–मिथलीन डिफोस्फोनेट बोन सिंटिग्राफी । *इंडियन जे न्यू मेड.* 2015 जनवरी.मार्च;30(1):80–1.

247. चक्रबर्ती पी एस, शर्मा पी, करुणानिधि एस, बाल सी, कुमार आर. मेटास्टेटिक सुपरस्कैन ऑन (99एम) टी सी – एम डी आर बोन सिंटिग्राफी इन ए केस ऑफ कार्सिनोमा कोलोनः कॉमन फाइंडिंग बट रेयर इटियोलॉजी। *इंडियन जे न्यू मेड* 2014 जुलाई; 29(3):158–9.

248. चक्रबर्ती पी एस, त्रिपाठी एम, अग्रवाल के के, कुमार आर, विजय एम के, बाल सी. मेटास्टेटिक पुयर्ली डिफरेंशिएटेड प्रोस्टेटिक कार्सिनोमा विद् न्यूरोएंडोक्राइन डिफरेंशिएशनःनेगेटिव ऑन 68जीए–पीएसएमए पीईटी/सीटी. *क्लिन न्यू. मेड* 2015 फरवरी; 40(2):ई163–6.

249. चक्रबर्ती सी, सिवाकुमारन एस, पुंक जे, सिंह एन, पाण्डे आर, डॉरलॉन्ग वी, एक्यूट एब्डोमेन इन ए यंग गर्ल विद फैक्टर 13 डेफिसियेंन्सी पेरीएनेस्थेटिक इश्यूज़ *जे ऑब्सटेट गाइनेकॉल इंडिया* 2012;62:205–6.

250. चाला वी आर, श्रीवास्तव ए, धर ए. सक्रोफ्युलस स्वैलिंग ऑफ द बोसोम मास्क्यूरेडिंग एज़ कैंसर। *इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल* 2014 जनवरी.मार्च;32(1):82–4.

251. चंद्रा के एस, बंसल एम, नायर टी, आईयेंजर एस एस, गुप्ता आर, मनचंदा एस सी, एट ऑल। कॉन्सेंसस स्टेटमेंट ऑफ मैनेजमेंट ऑफ डिस्लिपिडेमिया इन इंडियन सबजेक्ट्स। *इंडियन हार्ट जे* 2014; 66 पूरक 3:एस1–51.

252. चंद्रा पी एस, गोयल एन, चौहान ए, अंसारी ए, शर्मा बी एस, गर्ग ए. द सेवेरिटी ऑफ बेसिलर इनवेजीनेशन एण्ड एटलेन्टाएक्सियल डिस्लोकेशन कॉरिलेटस विद् सेगिट्टल जॉइंट इंक्लिनेशन, कोरोनल जॉइंट इंक्लिनेशन, एण्ड क्रेनियोसर्वाइकल टिल्टी : ए डिस्क्रिप्शन ऑफ न्यू इंडेक्सेस फॉर द क्रेनियोवर्टिब्रल जंक्शन *न्यूरोसर्जरी* 2014;10:621–9.

253. चंद्रा पी एस, गोयल एन. इन रिप्लाइ : द सेवेरिटी ऑफ बेसिलर इनवेजीनेशन एण्ड एटलेन्टाएक्सियल डिस्लोकेशन कॉरिलेटस विद् सेगिट्टल जॉइंट इंक्लिनेशन, कोरोनल जॉइंट इंक्लिनेशन, एण्ड क्रेनियोसर्वाइकल टिल्टी : ए डिस्क्रिप्शन ऑफ न्यू इंडेक्सेस फॉर द क्रेनियोवर्टेब्रल जंक्शन *न्यूरोसर्जरी* 2015;76:e235–9.

254. चंद्रा पी एस, कुरवले एन, गर्ग ए, द्विवेदी आर, मालविया एस वी, त्रिपाठी एम. एण्डोस्कोपी–एस्सिटेड इंटरहेमिस्फेरिक ट्रांसकैलोसल हेमिस्फेरोटोमीः प्रीलिमिनरी डिस्क्रिप्शन ऑफ ए नोवल टेकनिक *न्यूरोसर्जरी* 2015; 76:485–94.

255. चंद्रा पी एस, प्रभु एम, गोयल एन, गर्ग ए, चौहान ए, शर्मा बी एस. डिस्ट्रेक्शन कम्प्रेशन एक्सटेंशन, एण्ड रिडक्शन कम्बाइंड विद जॉइंट रिमॉडलिंग एण्ड एक्स्ट्रा–अर्टिकुलर डिस्ट्रेक्शन : डिस्क्रिप्शन ऑफ 2 न्यू मोडिफिकेशंस फॉर इट्स एप्लिकेशन इन बेसिलर इनवेजीनेशन एण्ड एटलेन्टाएक्सियल डिस्लोकेशनः प्रोस्पेक्टिव स्टडी इन 79 केसिस। *न्यूरोसर्जरी* 2015 (मुद्रण से पहले ई प्रकाशन)

256. चंद्रा पी एस, रामदुर्ग एस आर, कुरवले एन, चौहान ए, अंसारी ए, गर्ग ए, सरकार सी, एट ऑल। एक्सटेंडिड कोस्टोट्रांसवर्सेक्टॉमी टू अचिव सरकमफेरेंशियल फ्युजन फॉर पैथोलॉजिस कौसिंग थोरेसिक इंस्टेबिलिटी। *स्पाइन जे* 2014 सितंबर1;14(9):2094–101.

257. चंद्रा पी एस, वघानिया जी, बाल सी एस, त्रिपाठी एम, कुरवले एन, अरोड़ा ए, गर्ग ए, सरकार सी, द्विवेदी आर, मालविया एस, पद्मा वी, त्रिपाठी एम, रोल ऑफ कॉन्कॉरडांस बिटवीन इक्टेल–सबट्रेक्टेड एसपीईसीटी एण्ड पीईटी इन प्रीडिक्टिंग लॉग – टर्म आउटकम्स आफ्टर एपिलेप्सी सर्जरी। *एपिलेप्सी रेस*। 2014 दिसंबर; 108(10):1782–9.

258. चंद्रा पी एस. इन रिप्लाइ *न्यूरोसर्जरी* 2014;74:e148–50.

259. चंद्रा पी एस. इन रिप्लाइ : डिस्ट्रेक्शन, कम्प्रेशन एण्ड एक्टेंशन रिडक्शन ऑफ बेसिलर इनवेजीनेशन एण्ड एटलेन्टाएक्सियल डिस्लोकेशन। *न्यूरोसर्जरी* 2015;76:ई240–2.

260. चंद्रा एस, नारंग आर, सलूजा डी, भाटिया जे, श्रीवास्तव के. एक्सप्रेशन ऑफ एंजियोटेंसिन – कंवर्टिंग एंजाइम जीन इन होल ब्लड इन पेशेंट्स विद एसेंशियल हायपरटेंशन। *बायोमार्कर्स* 2014;19:314-8.

261. चंद्रा एस, नारंग आर, श्रीनिवास वी, भाटिया जे, सलूजा डी, श्रीवास्तव के, एसोसिएशन ऑफ एंजियोटेंसिन 2 टाइप 1 रिसेप्टर (ए1166सी) जीन पॉलीमोर्फिज्म एण्ड इट्स इंक्रीज्ड एक्सप्रेशन इन एसेंशियल हायपरटेंशन। ए केस–कंट्रोल स्टडी। *पीएलओएस वन* 2014 जुलाई 3;9(7):e101502.

262. चंद्रा एस पी, बाल सी एस, जैन एस, जोशुआ एस, गर्ग ए, एट ऑल। इंट्राऑपरेटिव कोरजिस्ट्रेशन ऑफ मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग, पॉजीट्रोन इमीशन टोमोग्राफी एण्ड इलेक्ट्रोकॉर्टिकोग्रेफिक डेटा फॉर नियोकार्टिकल लीजनल एपीलेप्सीज मे इम्प्रूव दि लोकेलाइजेशन ऑफ द एपीलेप्टोजेनिक फोकसः ए पॉयलट स्टडी। *वर्ल्ड न्यूरोसर्ज* 2014;82:110–7.

263. चंद्रा एस पी, रामदुर्ग एस आर, कुरवले एन, चौहान ए, अंसारी ए, गर्ग ए, एट ऑल। एक्सटेंडिड कोस्टोट्रांसवर्सेक्टोमी टू अचिव सरकमफरेंशियल फ्युजन फॉर पैथोलॉजिस कौसिंग थोरेसिक इंस्टेबिलिटी। *स्पाइन जे* 2014;14:2094–101.

264. चंद्रशेखरन ए, थुलकर ए, देवरारी ए के. ई–लर्निंग इन न्यूबोर्न हेल्थ – ए पैरादिज्म शिफ्ट फॉर कंटीन्यूइंग प्रोफेशनल डेवलपमेंट फॉर डॉक्टर्स एण्ड नर्सिस। *इंडियन जे पीडियाट्र* 2014 दिसंबर; 81(12):1376–80.

265. चाउ जे एच, शाहा ए, कपूर के, शर्मा एस, मारायनेस एम, गुलैट्ट जे. सर्कुलर राइट अपर क्वाड्रेंट मास, नोट इंटुस्सक्रिप्शन। *पीडियाट्रिक एमर्जेंसी केयर* 2015;31:384–7.

266. चपिती पी, कुमार आर, डेका आर सी, चौकालिंगम वी, सराय ए, सिक्का के. प्रोटोन पम्प इंहिबिटर्स वर्सस सोलिटरी लाइफस्टाइल मोडिफिकेशन इन मैनेजमेंट ऑफ लेरिंजियोफेरिंजियल रिफ्लक्स एण्ड एवेल्युएटिंग हू इज़ एट रिस्कः स्कैनेरियो इन ए डेवलपिंग कंट्री। *क्लिन मेड इंसाइट्स इर नोज़ थ्रोट इंसाइट्स* 2014;7:1–5.

267. चपिती पी, कुमार आर, शाहू ए के. हीरफोर्डट्स सिंड्रोम प्रेजेंटिंग विद् रिकरेंट फेशिलय नर्व पाल्सी केस रिपोर्ट एण्ड 10 – इयर लिटरेचर रिव्यू। *सुल्तान क्यूबूस यूनिवर्सिटी* 2015 फरवरी;15(1):ई124–128.

268. चैटर्जी बी, कुरैशी आर, जैन आर. सोसियोडेमोग्राफिक एण्ड ड्रग यूज़ कैरेक्टरिस्टिक्स ऑफ ट्रीटमेंट–सीकिंग कैननबिज़ यूजर्स एट ए टर्शरी केयर सेंटर इन इंडिया। *एडिक्ट डिसोर्ड थेयर ट्रीटमेंट* 2014;13:110–15.

269. चैटर्जी बी, शरण पी. तारडिव डिस्केनेसिया इन ए प्रेग्नेंट वूमेन विद् लॉ डोज़, शॉट – ड्यूरेशन रिस्पेरिडोन : पॉसिबल रोल ऑफ एस्ट्रोजन – इंड्यूस्ड डोपामिनर्जिक हापरसेंसिटिवटी। *जे न्यूरोसायकियाट्री क्लिन न्यूरोसाइंस* 2014 विंटर;26(1):ई44–6.

270. चट्टोपाध्याय एस, देव एस वी, शुक्ला एन के, हुसैन एस ए. एसोसिएशन ऑफ प्रोमोटर मेथिलेशन ऑफ ई आर अल्फा एण्ड ई आर बीटा विद् स्पोरेडिक ब्रेस्ट कैंसर – – ए स्टडी फ्रॉम नोर्थ इंडिया। *ट्यूमर बॉय.* 2014;35:7911–9.

271. चट्टोपाध्याय एस, सिद्दिकी एस, अख्तर एम एस, नाज्म एम जेड, देव एस वी, शुक्ला एन के, एट ऑल। जेनेटिक पॉलिमोर्फिज्मस ऑफ ईएसआर1, ईएसआर2, सीवायपी17ए1, एण्ड सीवायपी19ए1 एण्ड द रिस्क ऑफ ब्रेस्ट कैंसर : ए केसर कंट्रोल स्टडी फ्रॉम नोर्थ इंडिया। *ट्यूमर बॉय* 2014;35:4517–27.

272. चौबे आर, सेजवाल एस, महापात्रा एम, चिकारा एस, सक्सेना आर. प्रोग्नोस्टिक रिलेवेंस ऑफ एबरेंट एसओसीएस – 1 जीन प्रोमोटर मायथलेंशन ऑफ मायलोडिस्प्लास्टिक सिंड्रोम पेशेंट्स। *इंट जे लैब हेमेटोल* 2015 अप्रैल; 37(2):265–71.

273. चौधरी आई, जैन एम, हल्दर ए, स्पेरम सेक्स रेशो (एक्स : वाय रेशो) एण्ड इट्स वेरिएशंस। *ऑस्टिन जे रिप्रोर्ड मेड इंफर्टिल* 2014;1(1):7

274. चौधरी के, कुमारन एस एस, चंद्रा एस पी, वाधवान ए एन, त्रिपाठी एम. मैपिंग ऑफ कंजनाइटिव फंक्शंस इन क्रोनिक इंट्रेक्टेबल एपिलेप्सीः रोल ऑफ एफ एम आर आई. *इंडियन जे रेडियोल इमेजिंग* 2014;24:51–6.

275. चौधरी ओ बाला एम, सिंह जे, हजारिका ए, कुमार आर, लुथरा के. द डी सी–एसआईजीएनआर 7/5 जीनोटाइप एज़ एसोसिएटिड विद् हाई डेंड्रिटिक सेल काउंट्स एण्ड देयर सबसेट्स इ पेशेंट्स इंफेक्टेड विद एचआईवी–1, जे क्लिन इम्यूनोल 2013 मई 25;33(4):788–97. ईपब 2013 जनवरी 25.

276. चौधरी ओ, कुमार एस, मखदूमी एम ए, बाला एम, सिंह जे, हजारिका ए, कुमार आर, लुथरा के. प्रोटेक्टिव रोल ऑफ डी सी – एसआईजीएनआर इन एचआईवी – 1 पैथोजेनेसिस। *एड्स रेस हम रेट्रोवायरसिस* 2014 अक्तूबर; 30 पूरक 1:ए124

277. चौधरी पी, वियाना सी ए, रामोस एम वी, कुमार वी एल. एंटी – इडेमेटोजेनिक एण्ड एंटीऑक्सीडेंट प्रोपर्टिज़ ऑफ हाई मोलिकुलर वेट प्रोटीन सब फ्रैक्शन ऑफ कालोट्रोपिक्स प्रोसेरा लेटेक्स इन रैट। *जे बेसिक क्लिन फार्म* 2015;6:69–73.

278. चौधरी आर, वलवने ए, मोहन ए, डे ए बी. लेजियोनेला न्यूमोफिला इंफेक्शन एसोसिएटेड विद् रिनल फैलियर कौसिंग फेटेलिटी इन ए नॉन केस ऑफ सारकोइडोसिस। *इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल* 2014 जुलाई.सितंबर; 32(3):324–7.

279. चौहान ए, शर्मा यू, जगननाथन एन आर, गुप्ता वाय के. रिपेम्सिन एमेलिओरेटस ब्रेन मेटाबोलिटिज़ अल्ट्राशंस आफ्टर ट्रांसिएंट फोकल इस्केमिया इन रैट्स। *यूर जे फार्माकोल* 2015 जून 15;757:28.33.

280. चौहान एम एस, बोड़वाल जे, बेहरा सी. अन अनयूजुवल फेटल इंजरी ड्यू टू क्रिमपिंग वायर मेश मशीन। अन अनयूजुवल फेटल इंजरी ड्यू टू क्राइम्पिंग वायर मेश मशीन। *जे पंजाब एकैड फोरेंसिक मेड टोक्सिकोल* 2014;14(1):36–39.

281. चौहान एम एस, प्रधान एम, बोड़वाल जे, बेहरा सी. डैथ ड्यू टू कंज्मप्शन ऑफ कैल्शियम हाइड्रोक्साइड या चौना प्रीस्यूमड टू बी ए स्लिममिंग एजेंट : अन अनयूजुवल केस रिपोर्ट। *इंडियन जर्नल ऑफ फोरेंसिक मेडिसिन एण्ड टोक्सिकोलॉजी* 2014;8(2):230–233.

282. चौहान एस, सेन एस, शर्मा ए, टंडन आर, कश्यप एस, पुष्कर एन, वनाति एम, शर्मा एन, अमेरिकन जॉइंट कॉमेटी ऑन कैंसर स्टेजिंग एण्ड क्लिनिकोपैथोलॉजिकल हाइ – रिस्क प्रीडिक्टर्स ऑफ ऑकुलर सरफेस स्क्वेमस नियोप्लासिया : ए स्टडी फ्रोम ए टर्शरी आई सेंटर इन इंडिया। *आर्क पैथोल लैब मेड* 2014 नवंबर;138(11):1488–94.

283. चौहान एस, कम्पेरिजन ऑफ ट्रेनेक्सेमिक एसिड एण्ड एप्रोटिनिन इन पीडियाट्रिक कार्डियक सर्जरी। इनविटेड कॉमेंट्री। *अन्न कार्डियक एनेस्थेसिया* 2014;16(2):80.81.

284. चौहान एस एस, कौर जे, कुमार एम, मत्ता ए, श्रीवास्तव जी, एल्यास ए, एट ऑल। प्रीडिक्शन ऑफ रिकरेंस–फ्री सर्वाइवल यूजिंग ए प्रोटीन एक्सप्रेशन–बेस्ड रिस्क क्लासिफायर फॉर हैड एण्ड नेक कैंसर। *ओंकोजेनेसिस* 2015;4:ई147.

285. चौहान वी के, मनचंदा आर के, नारंग ए, मरवाहा आर के, अरोड़ा एस, नागपाल एल, वर्मा एस के, श्रीनिवास वी. एफिकेसी ऑफ होमियोपैथिक इंटरवेंशनल इन सबक्लिनिकल हाइपोथायरोडिज्म विद् या विदाउट ऑटोइम्यून थायरोडिटिस इन चिल्ड्रन : अन एक्सप्लोरेटोरी रेण्डोमाइज्ड कंट्रोल स्टडी। *होमियोपैथी* 2014 अक्तूबर; 103(4):224–31.

286. चावला बी, खुराना एस, सेन एस, शर्मा एस. क्लिनिकल मिस्डायग्नोसिस ऑफ रेटिनोब्लास्टोमा इन इंडियन चिल्ड्रन। *बीआर जे ऑफ्थेलमोल* 2014 अप्रैल; 98(4):488–93.

287. चावला एम, फेकिह एम, शुन्नार ए, बेराम ए, हेलानी ए, पेरुमल वी, दिवाकरण जे, बुडक ई. मोर्फोकाइनेटिक एनालेसिस ऑफ क्लीवेज स्टेज एम्ब्रियोस एण्ड इट्स रिलेशनशिप टू न्यूप्लॉइडी इन ए रेट्रोस्पेक्टिव टाइम–लेप्स इमेजिंग स्टडी। *जे असिस्ट रिप्रोड जेनेट* 2015 जनवरी;32(1):69–75.

288. चावला आर, चंद्रा पी एट ऑल। फैमिलियल एक्सयूडेटिव विट्रीयो–रेटिनोपैथी (एफईवीआर)–प्रजेंटेशन इन द फर्स्ट वीक ऑफ लाइफ।*जेपीओएस* 2015

289. चीकले डब्ल्यू, घाननेम एच, इराजोला वी, किमैयो एस, लेविट एन एस, मिरांडा जे जे, नैसेन एल, प्रभाकरण डी, राबाडान – डैहल सी, रेमिरेज – जी एम, रुबिनस्टेन ए सिगामनी ए, स्मिथ आर, टंडन एन, डब्ल्यूयू वाय, एक्सवियर डी, यान एल एल; ग्रांड साउथ नेटवर्क, यूनाइटेड हेल्थ ग्रुप / नेशनल हार्ट, लंग, एण्ड ब्लड इंस्टीट्यूट सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस। मैनेजमेंट ऑफ एन सी डी इन लॉ एण्ड मिडल इंकम कंट्रीज़। *ग्लोब हार्ट* 2014 दिसंबर; 9(4):431–443.

290. चेन्नई डिक्लेरेशन टीम। ''चेन्नई डिक्लेरेशन''। 5 इयर प्लान टू टेकल द चैलेंज ऑफ एंटी–माइक्रोबायल रेसिस्टेंस। *इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल* 2014 जुलाई-सितंबर; 32(3):221–8.

291. छाबड़ा एस के, गुप्ता एम, रामास्वामी एस, दास डी जे, बंसल वी, दीपक के के. कार्डियक सिम्पैथेटिक डोमिनेंस एण्ड सिस्टेमिक इंफ्लेमेशन इन सी ओ पी डी। *सी ओ पीडी* 2015 अगस्त 19:1–8.

292. चिकानायाकानाहाली नरसिम्हा पी, गुप्ता एस, खोखर एस, वनाति एम, दादा टी, पाण्डे आर एम, अग्रवाल टी, कॉर्नियल पोलिशिंग आफ्टर प्टेरिजियम एक्सिशन विद् मोटराइज्ड डायमण्ड बुर। ए रेण्डोमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल। *आई कॉन्टैक्ट लेंस* 2015 सितंबर; 41(5):268–72

293. चिंगखेलिम्बा एम, कुमार यू, चोसडोल के, दास एन. लैक ऑफ रोल ऑफ एंडोथीलियल नाइट्रिक ऑक्साइड सिंथेस जीन ग्लू 298 एस्प पॉलिमोर्फिज्म इन रियूमेटोइड आरथेराइटस अमंग एशियन इंडियन। *आई ओ एस आर जर्नल ऑफ डेंटल एण्ड मेडिकल साइंसिस* 2014;13(4):25–28.

294. चिन्ना एस, दास सी जे, शर्मा एस, सिंह पी, सेठ ए, पुरकैत एस, माथुर एस आर. पेरिफेरल प्रिमिटिव न्यूरोइक्टोडर्मल ट्यूमर ऑफ द किडनी प्रजेंटिंग विद् पल्मोनरी ट्यूमरइम्बोलिज्मः ए केस रिपोर्ट। *वर्ल्ड जे रेडियोल* 2014 अक्तूबर 28;6(10):846–9.

295. चिन्नाकली पी, उपाध्याय आर पी, शोकीन डी, सिंह के, कौर एम, सिंह ए के, गोस्वामी ए, यादव के, पांडव सी एस. प्रीवलेंस ऑफ हाउस होल्ड–लेवल फूड इंसिक्योरिटी एण्ड इट्स डिटर्मिनेंट्स इन अन अर्बन रिसेटलमेंट कॉलोनी इन नोर्थ इंडिया। *जे हेल्थ पॉपुल. न्यूट्र* 2014 जून; 32(2):227–36.

296. चिन्नास्वामी एस, दास के, बैराग्या बी बी, भट्टाचार्य सी, शालिमार, दुसेजा ए, एट ऑल। एसोसिएशन ऑफ आईएल28बी सिंगल

न्यूक्लियोटाइड पोलिमोर्फिज्म आरएस8099917 विद् रेस्पोंस टू ट्रीटमेंट इन जीनोटाइप 3 एचसीवी – इंफेक्टिड पेशेंट्स फ्रॉम इंडिया। *ट्रॉप गैस्ट्रोइंटेरोल* 2014;35:96–102.

297. चिरौज सी, अला एफ, फॉवलर वी जी जे आर, सेक्सटोन डी जे, कोरे जी आर, चु वी एच, एट ऑल आईसीई प्रोस्पेक्टिक इनवेस्टीगेटर्स। इम्पेक्ट ऑफ अर्ली वॉल्व सर्जरी ऑन आउटकम ऑफ स्टाफीलोकोकस ऑरियस प्रोस्थेटिक वॉल्व इंफेक्टिव एण्डोकार्डिटिस : एनालेसिस इन द इंटरनेशनल कॉलाबोरेशन ऑफ एण्डोकार्डिटिस – प्रोस्पेक्टिव कोहर्ट स्टडी। *क्लिन इंफेक्ट डिस* 2015;60:741.9.

298. चोपड़ा ए, बक्शी एस, प्रमाणिक एस के, पाण्डे आर एम, सिंह एस, गजेंद्र एस, गोगिया ए, चंद्रमोहन जे, शर्मा ए, कुमार एल, सेठ आर, राय एस, कुमार आर, इम्यूनोफिनोटाइपिक एनालेसिस ऑफ टी – एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया। ए सी डी 5–बेस्ड ईटीपी – ऑल पर्सपेक्टिव ऑफ नॉन – ईटीपी टी – ऑल। *यूर जे हिमेटोल* 2014 मार्च ;92(3):211–8.

299. चोपड़ा एस, गर्ग ए, बल्लाल एस, बाल सी एस. लंग मेटास्टेसिस फ्रॉम डिफरेंशिएटेड थायरॉइड कार्सिनोमा : प्रोग्नोस्टिक फैक्टर्स रिलेटिड टू रिमिशन एण्ड डिजीज फ्री सर्वाइवल। *क्लिन एण्डोक्राइनोल* 2015 मार्च ;82(3):445–52.

300. चोपड़ा एस, गर्ग ए, बेहरा सी, कार्तिक के, मिलो टी, गुप्ता एस के. मेडिको – लिगल ऑटोप्सी ऑफ 1355 अनक्लेमड डीड बॉडिज़ ब्रोट टू ए टर्शरी केयर हॉस्पिटल इन दिल्ली। इंडिया (2006.2012)। *मेड लैग जे* 2014;82(3):112–115.

301. चोपड़ा एस, गर्ग ए, चोपड़ा एम, घोष ए, श्रीनिवास वी, सूद एस, कपिल ए, दास बी के. डिक्लिनिंग ट्रेंड्स ऑफ सिफिलिस सेरोप्रीवलेंस अमंग एंटेनेटल क्लिनिक केसिस एण्ड एस टी डी क्लिनिक केसिस इन ए टर्शरी केयर सेंटर : फ्रॉम जनवरी 2002 टू दिसंबर 2012. *इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल* 2015 फरवरी; 33 पूरक:126–8.

302. चौधरी ए, गुलाटी एस, सागर आर, काबरा एम, सपरा एस. बिहेविओरल कॉमोर्बिडिटी इन चिल्ड्रन एण्ड एडोलसेंट्स विद् एपिलेप्सी। *जे क्लिन न्यूरोसाइंस* 2014 अगस्त; 21(8):1337–40.

303. चौधरी ए, पती एस के, पेट्रो आर के. देवरारी ए के, धर एल. कम्पेरीजन ऑफ कंवेंशनल, इम्यूनोलॉजिकल एण्ड मॉलीक्यूलर टेकनिक्स फॉर द डायग्नोसिस ऑफ सिम्प्टोमेटिक कोंजिनिटल ह्यूमन साइटोमेगालोवायरस इंफेक्शन इन नियोनेट्स एण्ड इंफेंट्स। *इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल* 2015 फरवरी; 33 (पूरक):15–9.

304. चौधरी एम, कुमार ए, त्रिपाठी एम, भाटिया टी, शिवकुमार वी, बेनिवाल आर पी, गुर आर सी, गुर आर ई, निमगौंकर वी एल, देशपाण्डे एस एन. एफ– 18 फ्लोरोडियोक्साग्लुकोस पॉजिट्रोन एमिशन टोमोग्राफी स्टडी ऑफ इम्पेयर्ड इमोशन प्रोसेसिंग इन फर्स्ट एपिसोड स्चिजोफेरिनिया। *सिजोफेर रेस* 2015 मार्च;162(1–3):103–7.

305. चौधरी एम, कुमार वी, सिंह एस. गैस्ट्रीक एंटीसेक्रेटोरी एण्ड सायटोप्रोटेक्टिव इफैक्ट्स ऑफ हाइड्रोएल्कोहोलिक एक्स्ट्रेक्सट्स ऑफ पलूमेरिया अल्बा लिन। लीवज़ इन रेट्स। *जे इंटग्रेटिव मेड* 2014;12:42–51.

306. चौधरी एम, कुमार वी, सिंह एस. गैस्ट्रोप्रोटेक्टिव पोटेंशियल ऑफ क्लोरोफोर्म लीव्स एक्सट्रेक्ट ऑफ बारलेरिया प्रीयोनिटिस लिन। फ्रॉम ट्रेडिशनल यूज़ टू साइंटिफिक एप्रोच। *एडवांसिस कीम बायोकेम* 2014;1(1);01–11.

307. चौधरी एम, कुमार वी, सिंह एस. फाइटोकेमिकल एण्ड फार्माकोलॉजिकल एक्टिविटी ऑफ जीनस प्लयूमेरिया : अन अपडेट रिव्यू। *इंट जे बायोमेडिकल एडवांस रेस* 2014;5(6):266–271.

308. चौगुले ए, बाल ए, दास ए, नायक बी, थायरॉइड लाइक फॉलीक्यूलर रेनाल सेल कार्सिनोमा : अन इमर्जिंग मोर्फोलॉजिकल वेरिएट। *पैथोलॉजी* 2014 दिसंबर; 46(7):657–60.

309. चौरसिया बी के, चौधरी आर, मल्होत्रा पी. डेलिएशन ऑफ इम्मुनोडोमिनेंट एण्ड सिस्टाएडहरेंस सिग्मेंट ऑफ मायकोप्लाज्मा न्यूमोनिया पी1 जीन। *बी एम सी माइक्रोबायोल* 2014 अप्रैल 28;14:108.

310. चौधरी टी, प्रभाकर एच, बिठल पी के, स्चालर बी, दास एच एच. इमीडेट पोस्टऑपरेटिव कॉम्प्लिकेशंस इन ट्रांसफेनोइडल पिट्यूटरी सर्जरी। इन प्रोस्पेक्टिव स्टडी। *सउदी जे एनेस्थ* 2014;8:335–41.

311. कोस्टा ए पी, हिर्डेस जे पी, हैकमेन जी ए, डे ए बी, जॉन्सन पी वी, लखन पी, एल जुंग्रेन जी, एट ऑल। जेरियाट्रिक सिंड्रोम्स प्रीडिक्ट पोस्टडिस्चार्ज आउटकम्स अमंग ओल्डर एमर्जेंसी डिपार्टमेंट पेशेंटसः फंडिंग्स फ्रॉम द इंटर आरए आई मल्टीनेशनल एमर्जेंसी डिपार्टमेंट स्टडी। *एकेड इमर्ज मेड* 2014 अप्रैल; 21(4):422–33.

312. सिरियक एस एल, वालिया आर, सुरी वी, बख्शी एस. कोलोनिक मेलिग्नेंट पेरिफेरल नर्व शीथ ट्यूमर इन ए चाइल्ड। *जे पीडियाट्र हेमेटोल ऑंकोल* 2014;36:661–2.

313. दहिया एस, कपिल ए, लोधा आर, कुमार आर, दास बी के, सूद एस, काबरा एस के. इंडक्शन ऑफ रेजिस्टेंट म्युटेंट्स ऑफ सेल्मोनेला एन्टेरिका सेरोटाइप टाइफी अंडर सिप्रोफ्लोक्सेसिन सिलेक्टिव प्रेशर। *इंडियन जे मेड रेस* 2014 मई;139(5):746–53.

314. दलाल ए बी, रंगनाथ पी, फाडके एस आर, काबरा एम, डांडा एस, पुरी आर डी, शंकर वी एच, गुप्ता एन, पाटिल एस जे, मंडल के, ताम्रकार पी, अग्रवाल एस, अग्रवाल एम, प्रीनेटल डायग्नोसिस इन इंडिया इज़ नोट लिमिटेड टू सेक्स सिलेक्शन। *जीनेट मेड* 2015 जनवरी;17(1):88.

315. दलाल के, मरन वी बी, पाण्डे आर एम, त्रिपाठी एम. डिटरमिनेशन ऑफ एफिकेसी ऑफ रिफ्लेक्सोलॉजी इन मैनेजिंग पेशेंट्स विद् डायबेटिक न्यूरोपैथी:ए रेण्डोमाइज्ड कंट्रोल्ड क्लिनिकल ट्रायल। *एविड बेसड कम्लीमेन्ट अल्ट्रनेट* 2014:2014:843036.doi:10.1155/2014/843036.

316. धर एल, चौधरी ए, इबोला वायरस रि–एमर्जेंसी: इज़ इट रीयली नॉकिंग एट अवर डूर? *इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल* 2014 अक्तूबर. दिसंबर;32(4):363.

317. डारलोंग वी, बियानी जी, बैद्य डी के, पाण्डे आर, पुंज जे. एयर–क्यू ब्लॉकर : ए नोवल सुप्रोग्लोटिक एयर वे डिवाइस फॉर पेशेंट्स विद् डिफिकल्ट एयरवे एण्ड रिस्क ऑफ एसप्रेशन। *जे एनेस्थेसियोल* क्लिन फार्माकोल 2014; 30 (4) :589–90.

318. डारलोंग वी, बियानी जी, पाण्डे आर, बैद्य डी के, पुंज जे. कम्पेरिजन ऑफ परफोर्मेंस एण्ड एफिकेसी ऑफ एयर–क्यू इंट्यूबेटिंग लेयर्नजीयल एयरवे एण्ड फ्लैक्सिबल लेयर्नजीयल मास्क एयरवे इन एनेस्थेटाइज्ड एण्ड पैरालाइज्ड इंफेंट्स एण्ड चिल्ड्रन। पीडियाट्र एनेस्थ 2014;24:1066–71.

319. डारलोंग वी, खन्ना पी, बैद्य डी के, चंद्रलेखा, पाण्डे आर, पुंज जे, कुमार आर, सिक्का के. पेरिऑपरेटिव कॉम्प्लीकेशंस ऑफ कोकलीयर इम्प्लांट सर्जरी इन चिल्ड्रन। *जे एनेस्थ* 2015 फरवरी;29(1):126–30.

320. डारलोंग वी, पाण्डे आर, गर्ग आर, पाहवा एम, पेरिऑपरेटिव मैनेजमेंट ऑफ ए पेशेंट् ऑफ ओवेरियन रुबिनस्टीन – तायबी सिंड्रोम विद् ओवेरियन सिस्ट फॉर लेपेरोटोमी। *जे एनेस्थेसियोल क्लिन फार्माकॉल.* 2014;30:422–4.

321. डर्मेस्टेडट जी एल, किन्नी एम वी, चोपड़ा एम, काउसेंस एस, काक एल, पॉल वी के, मार्टिनेस जे, भुट्टा जेड ए, लॉन जे ई; लांसेट एवरी न्यूबोर्न स्टडी ग्रुप। हू हैज बीन केरिंग फॉर द बेबी? *लांसेट* 2014 जुलाई;384(9938):174–88.

322. दास ए, सिंह ए, गजेंद्र एस, गुप्ता आर, सेजवाल एस, सेठ आर. अन अनयूजुवल केस ऑफ फिनोटाइप स्विच बिटवीन ए एम एल एफ ए बी सबटाइप्स। *क्लिन केस रेप* 2015 फरवरी;3(2):118–20.

323. दास ए, सिंह पी के, सुरी वी, सबले एम एन, शर्मा बी एस. स्पाइनल हिमेंजियोपैरीसाइटोमा : अन इंस्टीट्यूशनल एक्सपीरियंस एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर। *यूर स्पाइन जे* 2015 मई;24(पूरक 4):S606–13.

324. दास सी जे, अहमद जेड, शर्मा एस, गुप्ता ए के. मल्टीमोडेलिटी इमेजिंग ऑफ रेनाल इंफ्लेमेटरी लैशंस। *वर्ल्ड जे रेडियोल* 2014 नवंबर28;6(11):865–873.

325. दास सी के, मृधा बी आर, सिंह एस, सेठ आर, बग्गा ए, लोधा आर, काबरा एस के. यूज़ ऑफ इंड्यूस्ड स्पुटम टू डिटरमाइन द प्रीवलेंस ऑफ न्यूमोसायटिस जीरोवेसी इन इम्यूनोकम्प्रमाइज्ड चिल्ड्रन विद् न्यूमोनिया। *जे ट्रोप पीडियाट्र* 2014 जून;60(3):216–22.

326. दास पी, गहलौत जी पी. ए यूनिक एनाल हेपेटाइड एडेनोमा इन ए ह्यूमन। *हिस्टोपैथोलॉजी* 2015 जून;66(7):1049–51.

327. दास पी, कांडले आर, सिक्का के, डे ए. रिवर्सिबल ऑटोटोक्सिसिटी : ए रेयर एडवर्स रिक्शन ऑफ लिपोसोमल एम्फोटेरिसिन – बी यूज़ड फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ एंटीमोनी–रेस्टिंट विससेरेल लैशमानियासिस इन एलडली मेल। *क्लिन मेड इंसाइट्स केस रेप* जुलाई 24;7:63–6.

328. दास पी, मखारिया जी के. गट–लिवर एक्सिस एण्ड डिजीज, इंफिडेलिटी: ए सबजेक्ट वोर्थ एक्प्लोरिंग। *इंडियन जे गैस्ट्रोएंटेरोल* 2014 नवंबर;33(6):503–6.

329. दास पी, विजय एम के, जोशी पी, यादव आर, सिंह जी. हिस्टोलॉजिकल आइडेंटिफिकेशन ऑफ एंटोमोफ्थ्रोमाइकोसिस इन बायोप्सी सैम्प्लस इन रिक्वार्ड। *इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल* 2014 जुलाई.सितंबर;57(3):514–6

330. दास पी सी, कांडेल आर, सिक्का के, डे ए बी. रिवर्सिबल ओटोटोक्सिसिटी: ए रेयर एडवर्स रिएक्शन ऑफ लिपोसोमल एम्फोटेरिसिन–बी यूज्ड फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ एंटीमोनी–रेसिस्टेंट इंसाइट्स विसेरल लैशमानियासिस इन एन एल्डर्ली मेल। *क्लिन मेड इंसाइट्स केस रेप* 2014 जुलाई 24;7:63–6.

331. दास आर आर, सेमी ए, सेठ आर, नंदन डी, काबरा एस के, सुरी वी. थोरेसिक न्यूरोब्लास्टोमा प्रेजेंटिंग एज़ रिकरेंट इम्पिमा। *नेट मेड जे इंडिया* 2014 मार्च–अप्रैल;27(2):84–5.

332. दास आर आर, शंकर जे, नायक एस एस. एफिकेसी एण्ड सेफ्टी ऑफ डिओस्मेक्टाइट इन एक्यूट चाइल्डहुड डायरिया : ए मेटा – एनालाइसिस। *आर्क डिस चाइल्ड एनालेसिस* 2015 मार्च 17.डीओआई:10.1136/अर्कडिसचाइल्ड–2014.307632.

333. दास आर आर, शंकर एम जे, अग्रवाल आर, पॉल वी के. इज़ 'बेड शेरिंग' बेनेफिशियल एण्ड सेफ ड्यूरिंग इंफेंसी? *ए सिस्टेमेटिक रिव्यू*। इंट जे पीडियाट्र 2014;2014:468538.

334. दास एस, अग्रवाल एन. पेरिऑपरेटिव एनेस्थेटिक मैनेजमेंट ऑफ ए पेशेंट् ऑफ गिलबर्ट सिंड्रोम विद् एडल्ट कोंजिनिटल हर्ट डिजीज – ए रेयर प्रजेंटेशन। *द इंडियन एनेइस्थेटिक फॉरम* 2014;15(12):1-5.

335. दास एस, इरापची के, कालरा आर, आर्यन बी. ऑर्टोपल्मोनरी विंडो एण्ड डबल आउटलेट राइट वेंट्रिकलः ए रेयर कॉम्बिनेशन। अन कार्ड एनेस्थ 2014;17(3):245.6.

336. दास एस, कैलाश एस, मेहता एम, बिसोई एके. पेरिऑपरेटिव पेंटॉक्सीफिलाइन थेरेपी अटेनॉटस अर्ली पोस्टऑपरेटिव न्यूरो–कॉजेंनाइटल डिक्लाइन इन पेशेंट्स अंडरगोइंग कोरोनरी आर्टरी बायपास ग्राफ्टिंग सर्जरी यूजिंग कार्डियोपल्मोनरी बायपास। *जे न्यूरोएनेस्थेसियोल क्रिट केयर.* 2015;2:44-50.

337. दास एस, नायर वी वी, आर्यन बी. डबल ऑर्टिक आर्क एज़ ए सोर्स ऑफ एयरवे ऑब्स्ट्रक्शन इन ए चाइल्ड। *अन कार्ड एनेस्थ* 2015;18:111.2.

338. दास यू, पोजनबर्ग वी, सुब्रामणियम यू के, विल्मन्स एम, गौरीनाथ एस, श्रीनिवास ए. क्रिस्टल स्ट्रक्चर ऑफ द वीएपीबीसी–15 कॉम्प्लेक्स फ्रॉम मायकोबैक्टेरियम ट्यूबरकुलोसिस रिविल्स ए टू–मेटल आयन डिपेंडेंट पीआईएन–डोमेन रिबोनुक्लिस एण्ड ए वेरिएबल मोड ऑफ टोक्सिन–एंटीटोक्सिन अस्सेमबली। *जे स्ट्रक्ट बायोल* 2014;188:249–58.

339. दासगुप्ता ए, महापात्रा एम, सक्सेना आर. ए स्टडी फॉर प्रोपोसल ऑफ येज़ ऑफ रेगुलेटरी टी सेल्स एज़ ए प्रोग्नोस्टिक मार्कर एण्ड इस्टेबलिशिंग अन ऑप्टिमल थ्रेशहोल्ड लेवल फॉर देयर एक्सप्रेशन इन क्रोनिक लिम्फोसायटिक ल्यूकेमिया। *ल्यूक लिम्फोमा* 2015 जून; 56(6):1831–8.

340. दास डी, अग्रवाल वी, जोशी आर, पदमा एम वी, त्रिपाठी एम. इफैक्ट ऑफ रिडक्शन ऑफ एंटीएपिलेप्टिक ड्रग्स इन पेशेंट्स विद ड्रग रिफ्रैक्टरी एपिलेप्सी। *सिजर* 2015;27:25–9.

341. दास डी, भसीन ए, पण्डित ए के, त्रिपाठी एम, भाटिया आर, प्रसाद के, एट ऑल। रिस्क फैक्टर्स एण्ड इटियोलॉजिस ऑफ इस्केमिक स्ट्रोक्स इन यंग पेशेंट्सः ए टर्शरी हॉस्पिटल स्टडी इन नोर्थ इंडिया। *जे स्ट्रोक* 2014;16:173–7.

342. दास डी, सेबस्टीयन टी एम, अग्रवाल एम, त्रिपाठी एम. इम्पेक्ट ऑफ हेल्थ एजुकेशन ऑन ड्रग एडहेरेंस एण्ड सेल्फ – केयर इन पीपल विद् एपिलेप्सी विद् लो एजुकेशन। *एपिलेप्सी बिहेव* 2015;44:213–7.

343. दास डी, त्रिपाठी एम. द एक्स्ट्राटेम्पोरल लोब एपिलेप्सिस इन द एपिलेप्सी मोनिटरिंग यूनिट। अन्न इंडियन। एकैड न्यूरोल 2014; 17:S50–5.

344. दयाल पी, बल्हारा वाय पी, केटाटोनिया एज़ प्रेजेंटिंग क्लिनिकल फीचर ऑफ एब एक्यू स्क्लरोसिंग पेनेंसेफेलिटिज। *एंसेफालाइटिस जे पीडियाट्र न्यूरोसाइंस* 2014 जनवरी;9(1):57–9.

345. दयाल पी, बल्हारा वायपीएस, मिश्र ए. अन ओपन लेबल न्यूट्रालाइस्टिक स्टडी ऑफ प्रीडिक्टर्स ऑफ रेटेंशन एण्ड कॉम्प्लाइंस टू मेनेटेनेंस ट्रीटमेंट विद् नालट्रीक्सोन अमंग पेशेंट्स विद् ओपिओइड डिपेंडेंस। *जे सबस्टे यूज़* 2015 सितंबर; डीओआई: 10.3109/14659891.2015.1021867.

346. देब के एस, गुप्ता आर, वार्ष्णेय एम. ओर्लिस्टेट एब्यूज इन ए केस ऑफ बुलिमिया नर्वोसाः द चेंजिंग इंडियन सोसायटी। *जीन हॉस्प सायकियाट्री* 2014 सितंबर–अक्तूबर;36(5):549.ई3–4.

347. देबब्रम एस, कैरो ए, ठक्कर ए, सिनोनसल ट्यूमर कौसिंग ओस्टिओमेलेसिया : ए केस रिपोर्ट। *आईओएसआर जर्नल ऑफ डेंटल एण्ड मेडिकल साइंसिस* (आईओएसआर–जेडीएमएस) 2014;13(10):27–29

348. दीपक के के, डिजिटल आई जे पी पी आर्काइव्स इंडियन। *जे फीजियोल फार्माकोल* 2014;58(4):3.

349. दीपक के के, एनर्जी ड्रिंक्सः सायकोलॉजिस्ट्स सोशल कंर्सन। *इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल* 2014 अप्रैल-जून;58(2):111–2.

350. दीपक के के इंटीग्रेटिड टीचिंगः ए लैस ट्रोडन पाथ। इण्डिरून जे फिजियोल फार्माकोल 2014 जुलाई-सितंबर;58(3):189–1.

351. दीपक के के, ट्रांसलेटिंग फिजियोलॉजी फॉर वाइडर एप्लीकेशंस। *इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल* 2015;59(1):1.

352. दीप्ति, सिन्हा एस, शर्मा एस के, अग्रवाल पी, बिस्वास ए, सूद एस, रघुनंदन पी, इक्का एम, एक्सेस आई, श्रीनिवास वी. सेंट्रल वेनस कैथेटर रिलेटिड ब्लडस्ट्रीम इंफेक्श्ंस इन मेडिकल इंटेंसिव केयर यूनिट यूनिट पेशेंट्स इन ए टर्शरी रिफरल सेंटर। *इंडियन जे चेस्ट डिस एलाइड साइ* 2014 अप्रैल-जून;56(2):85–91.

353. डिलेहेय एफ, चु वी एच, अलटकल्स जे, बर्सिक बी, डिलेहाय ए, फ्रेइबर्गर टी, एट ऑल। इंटरनेशनल कॉलाबोरेशन ऑफ एण्डोकार्डिटिस प्रोस्पेक्टिव कोहर्ट स्टडी (आईसीई–पीसीएस) इंवेस्टीगेटर्स। वन इयर आउटकम फॉलोइंग बायोलॉजिकल या मैकनिकल वॉल्व रिप्लेसमेंट फॉर इंफेक्टिव एण्डोकार्डिटिस। *इंट जे कार्डियोल प्रोस्पेक्टिव* 2015;178:117-23.

354. डी–मदरिया ई, गर्ग पी के. फ्ल्यूड थेरेपी इन एक्यूट पैनक्रियाटिटिस–एग्रेसिव ऑर एडिक्यूवेट? टाइम फॉर रीपप्रैसल। पैनक्रिएटोलॉजी 2014;14:433–5.

355. देव एस एस, शुक्ला एन के, खन्ना पी, झा डी, पण्डित ए, थुलकर एस. पल्मोनरी मेटास्टेसेक्टोमी। रिव्यू ऑफ एक्सपीरियंस एट ए टर्शरी कैंसर केयर सेंटर। *जे कैंसर रेस थर* 2014;10:535–9.

356. देवरारी ए, विद्यासागर डी. एडिटोरियलः करेंट स्टेट्स एण्ड फ्युचर प्रॉस्पेक्ट्स ऑफ नियोनेटल केयर इन इण्डिया। *इंडियन जे पीडियाट्र* 2014 नवंबर; 81(11):1196–7.

357. देसाई एस, शुक्ला जी, गोयल वी, श्रीवास्तव ए, श्रीवास्तव एम वी, त्रिपाठी एम, एट ऑल। चेंजिस इन सायकियाट्रिक कॉमोर्बिडिटी ड्यूरिंग अर्ली पोस्टसर्जिकल पीरियड इन पेशेंट्स ऑपरेटिड फॉर मेडिकली रिफ्रैक्टरी एपिलेप्सी – – ए मिनी–बेस्ड फॉलोअप स्टडी। *एपिलेप्सी बिहेव* 2014 मार्च;32:29–33.

358. देव एन, गडपायले ए के, शंकर जे, चौधरी एम. अन अनयूजुवल केस ऑफ हार्ट फेलियर ड्यू टू प्लाज्मोडियम विवैक्स इंफेक्शन विद् ए फेवोरेबल आउटकम। *रेव सोक ब्रेस मेड ट्रोप* 2014 सितंबर.अक्तूबर;47(5):663–5.

359. देवासेनापथी एन, जॉर्ज एम एस, घोष जेरथ एस, सिंह ए, नेगांधी एच, अलगढ़ जी, एट ऑल। वाई वूमेन चूस टू गिव बर्थ एट होम : ए सिचुएशनल एनालेसिस फ्रॉम अर्बन स्लम्स ऑफ दिल्ली। *बी एम जे ओपन* 2014;4:ई004401.

360. देवरिएयूक्स पी जे, मर्कोब्रादा एम, सेस्लर डी आई, लैसली के, अलोंसो–कोइलो पी, क्रूज ए, एट ऑल। पी ओ आई एस ई–2 इंवेस्टीगेटर्स। एस्प्रिन इन पेशेंट्स अंडरगोइंग नोनकार्डियक सर्जरी। *एन इंगल जे मेड* 2014;370:1494-503.

361. देवरिएयूक्स पी जे, सेस्लर डी आई, लैसली के, क्रूज ए, मर्कोब्रादा एम, अलोंसो–कोइलो पी, एट ऑल। पी ओ आई एस ई–2 इंवेस्टीगेटर्स। क्लोनीडाइन इन पेशेंट्स अंडरगोइंग नोनकार्डियक सर्जरी। *एन इंगल जे मेड* 2014;370:1504-13.

362. देवीदत्ता एस, नारंग आर, सक्सेना ए, कार्तिकेयन जी. परक्युटेनियस मिट्रल कॉमिस्सुरोटोमी इन रियूमेटिक मित्रल स्टेनोसिस एसोसिएटेड विद् कोर ट्रीएट्रीएटम। *कार्डियोवेस्क इंटर. थर* 2014 मई 25. (मुद्रण से पहले ई प्रकाशन) .

363. देवराजा के, सिक्का के, कुमार आर, ठक्कर ए, सिनोनेसल मेलिग्नेंसिस : लॉन्ग टर्म फॉलोअप आफ्टर सर्जिकल मैनेजमेंट – अन एनालाइसिस ऑफ आउटकम। *इंडियन जे ओटोलेरिंजियोलॉजी हैड नेक सर्ज* 2015 मार्च;67(1):28–33.

364. डे एस के, बाजपेयी एम, शर्मा एन. एन्टीरियर यूरेथ्रल स्ट्रिक्चर्स : कौसिस एण्ड करेंट मैनेजमेंट स्ट्रेटेजिस। *जर्नल ऑफ प्रोग्रेस इन पीडियाट्रिक यूरोलॉजी* 2014;17:70–74.

365. धालिवाल एच एस, सिंह पी. एक्यूट लिवर फेल्यूर। *एन इंग. जे मेड* 2014;370:1170.

366. धमिजा ई, मधुसूदन के एस, शालीमार, दास पी, श्रीवास्तव डी एन, गुप्ता ए के. प्राइमरी हिपेटिक डिफ्युज लार्ज बी – सेल लिम्फोमा : अनयूजुवल प्रेसेंटेशन एण्ड इमेजिंग फीचर्स। *कर प्रोब. डायग्न* 2015 मई-जून;44(3):290–3.

367. धमिजा ई, पाण्डा ए, दास सी जे, गुप्ता ए के. एड्रेनल इमेजिंग (पार्ट 2): मेडुलरी एण्ड सकेण्डरी एड्रेनल लैशंस। *इंडियन एण्डोक्रायनोल मेटाब* 2015 जनवरी.फरवरी;19(1):16–24.

368. धमिजा ई, पॉल एस बी. रोल ऑफ कंट्रास्ट एनहांस्ड अल्ट्रासाउंड इन हिपेटिक इमेजिंग। *ट्रोप गैस्ट्रोइंटेरोल* 2014 जुलाई-सितंबर;35(3):141–151.

369. धवन बी, राव सी, उडो ई ई, गेडेपेल्ली आर, विष्णुभटला एस, कपिल ए, डिस्सेमिनेशन ऑफ मैथिसिलिन – रेसिस्टेंट स्टेफिलोकोकस ऑरियेज़ एससीसीमेक टाइप 4 एण्ड एससीसीमेक टाइप 5 एपिडेमिक क्लोनस इन ए टर्शरी हॉस्पिटल : चैलेंज टू इंफेक्शन कंट्रोल। *एपिडेमियोल इंफेक्ट* 2015 जनवरी;143(2):343–53.

370. धवन बी, रावड़ी जे, घोष ए, मल्होत्रा एन, अहमद एम एम, श्रीनिवास वी, चौधरी आर. डायग्नोस्टिक एफिकेसी ऑफ ए रेनाल टाइम–पी सी आर एसे फॉर क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस इंफेक्शन इन इंफर्टिल वूमेन इन नोर्थ इण्डिया। *इंडियन जे मेड रेस* 2014 अगस्त;140(2):252–61.

371. धीमन आर के, सारस्वत वी ए, वाला डी सी, चावला वाय, बेहरा ए, वर्मा वी, एट ऑल। पोर्टल केवेर्नोमा कोलएंजियोपैथी : कंसेंसस स्टेटमेंट ऑफ ए वर्किंग पार्टी ऑफ द इंडियन नेशनल एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ द लिवर। *जे क्लिन एक्सप हेपेटोल* 2014;4:S2–S14.

372. ढींगरा आर, श्रीवास्तव एस, बेहरा एस, वेदिराज पी के, वेनुथुरिमिली ए, शालिमार, दास एन आर, मधुसूदन के एस, गमनगट्टी एस आर, गर्ग पी के. सिंगल ऑर मल्टीपोर्ट परक्युटेनियस एण्डोस्कोपिक नेक्रोसेक्टोमी पर्फोमड विद् द पेशेंट् अंडर कोंसियस सेडेशन इज ए सेफ एण्ड इफैक्टिव ट्रीटमेंट फॉर इंफेक्टिड पेंक्रीटिक नेक्रोसिस (विद् वीडियो)। *गैस्ट्रोइंटेस्ट एण्डोस्क पैनक्रिएटिव* 2015 फरवरी;81(2):351–9.

373. ढल वी एस, करुणानिधि एस, अरोड़ा एस, जैन टी के, कुमार आर. डियूरेटिक 68जीए डोटानोक पीईटी/सीटी इन इमेजिंग ऑफ ब्लैडर पैरागैंग्लियोमा। *क्लिन न्यू मेड* 2014 अक्तूबर;39(10):915–6.

374. ढल वी एस, मुखर्जी ए, करुणानिधि एस, इवेल्युएशन दुर्गापाल पी, बाल सी, कुमार आर. बिलेटरल प्राइमरी रेनाल लिम्फोमा इन ए पीडियाट्रिक पेशेंटः स्टेजिंग एण्ड रेस्पोंस एवेल्युशन विद [18]एफ–एफडीजी पीईटी/सीटी. *रेव एस्प. मेड न्यू.* 2015 जनवरी-फरवरी;34(1):49–52.

375. ढल वी एस, शर्मा पी, मुखर्जी ए, जाना एम, बाल सी, कुमार आर. [18]एफ–एफडीजी पीईटी/सीटी फॉर इवेल्युएशन ऑफ कार्डियक एंजियोसार्कोमाः ए केस रिपोर्ट एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर। *मोल इमेजिंग रेडियोन्यूक्ल थर* 2015 फरवरी 5;24(1):32–36.

376. ढल वी एस, शर्मा पी, शर्मा डी एन, महाराजन एस, सुमन के सी एस, पटेल सी, एट ऑल। प्रोस्पेक्टिव इवेल्युएशन ऑफ 18एफ– इवेल्युएशन फ्लोरोडियोक्साग्लुकोस पॉजिट्रोन एमिशन टोमोग्राफी–कंप्यूटेड टोमोग्राफी फॉर रिस्पोंस इवेल्युएशन इन रिकरेंट कार्सिनोमा सर्विक्सः डज़ मेटाबोलिक रेस्पोंस प्रीडिक्ट सर्वाइवल? *इंट जे गायनेकोल कैंसर* 2014;24:312–20.

377. ढल वी एस, शर्मा पी, सिंगल एस, फैजी एन ए, थुलकर एस, बाल सी, कुमार आर. एक्सटेंसिव एक्स्ट्रोनोडल इंवोल्वमेंट ऑफ रेयर साइटस इन नोन हॉडग्किंस लिम्फोमा डिटेक्टिड ऑन (18) एफ–एफडीजी पीईटी–सीटीः ए केस रिपोर्ट। *न्यूल मेड मोल इमेजिंग* 2013 जून;47(2):125–9.

378. दीक्षित एस, धर पी, मेहरा आर डी. अल्फा लिपोइक एसिड (एएलए) मॉड्यूलेटस एक्सप्रेशन ऑफ एपॉप्टोसिस एसोसिएटेड प्रोटींस इन. हिप्पोकैम्पस ऑफ रेट्स एक्सपोज्ड ड्यूरिंग पोस्टनेटल पीरियड टू सोडियम अर्सेनाइट (एनएएएसओ2)। *टोक्सिकोल रिपोर्ट्* 2015;2:78–87.

379. डोगरा पी एन, रेगमी एस के, सिंह पी, बोरा जी, सैनी ए के, अग्रवाल एस. रोबोट – असिस्टेड लेपेरोस्कोपिक ऑग्मेंटेशन इलिओसिस्टोप्लास्टी इन ए ट्यूबरकुलर ब्लैडर। *यूरोल अन्न* 2014;6(2):152–5.

380. डोगरा पी एन, सैनी ए के, सिंह पी, बोरा जी, नायक बी. एक्स्ट्रा – पेरिटोनियल रोबोट असिस्टेड रेडिकल प्रोस्टेटेक्टोमी : इंशियल एक्सपीरियंस। *यूरोल अन्न* 2014 अप्रैल;6(2):130–4.

381. डोगरा एस, महाजन आर. फोटोथेरेपी फॉर एटोपिक डर्मेटिटिस। *इंडियन जे डर्मेटोल वेनेरिओल लेप्रोल* 2015 जनवरी-फरवरी; 81(1):10–5.

382. डोगरा एस, महाजन आर. फोटोथेरेपी फॉर मायकोसिस फंगोइडेस। *इंडियन जे डर्मेटोल वेनेरोल लेप्रोल* 2015 मार्च-अप्रैल; 81(2):124–35.

383. डोकनिश एच, राजाराम एम, प्रभाकरण डी, अफजल आर, ओरलांडिनी ए, स्टेस्जेवस्की एल, एट ऑल। इकोकार्डियोग्राफिक सबस्टडी ऑ द ओएएसआईएस–6 ट्रायल इंवेस्टीगेटर्स। इंक्रीमेंटल वैल्यू ऑफ लेफ्ट वेंट्रिकुलर सिस्टोलिक एण्ड डायस्टोलिक फंक्शन टू डिटरमाइन आउटकम इन पेशेंट्स विद एक्यूट एस टी सेगमेंट इलिवेशन मयोकार्डियल इंफ्रैक्शनः द इकोकार्डियोग्राफिक सबस्टडी ऑफ द ओएएसआईएस–6 ट्रायल। *इकोकार्डियोग्राफिक* 2014;31:569.78.

384. दोशी एस आर, नायक एन. वेजेटेशन प्लोप। *इंट जे कार्डियोवेस्क इमेजिंग* 2015 फरवरी 25. (मुद्रण से पहले ई प्रकाशन).

385. दुबे एस के, कुमार एस एस, सिंह जी पी. पोस्टऑपरेटिव सीजर्सः ए मेनिफेस्टेशन ऑफ प्रीऑपरेटिव फास्टिंग। *जे न्यूरोएनेस्थेसियोल क्रिट केयर* 2014;1:147–8.

386. दुबे एस के, राय ए, भुटिया एम पी, रथ जी पी. इंट्राक्टेबल नौसे एण्ड वोमिटिंग फॉलोइंग बैलोन ऑक्लूशन ऑफ केरोटिको – केवेर्नोस फिस्टुला। *जे न्यूरोसर्ज एनेस्थेसियोल* केवेनर्स 2015;27:74–5.

387. दुबे एस के, रथ जी पी. एप्लिकेशन ऑफ वेलसल्व मैनोइयूवर टू फेसिलिटेट रिसेक्शन ऑफ इंट्राडिप्लोइक आर्कनॉयड किस्ट *इंडियन जे एनेस्थ* 2014;58:490–1.

388. दुबे आर, चक्रबर्ती बी, गुलाटी एस, कुमार ए. ए चाइल्ड विद् ग्लोबल न्यूरोरिग्रेशन एण्ड रिफ्रैक्टरी एपिलेप्सी। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एपिलेप्सी* 2014;1:92–93.

389. दुबे आर, चक्रबर्ती बी, गुलाटी एस, शर्मा एम सी, देवपुजारी एस, बेहती एन, संतोष वी, पाई जी, काबरा एम. ल्यूकोडिस्ट्रोफी प्रेजेंटिंग एज़ एक्यूट–ओनसेट पॉलीरेडिकुलोन्यूरोपैथी। *पीडियाट्र न्यूरोल* 2014 जून;50(6):616–8.

390. दुर्गापाल पी, माथुर एस आर, कलमुद्दीन एम, दत्ता गुप्ता एस, प्रसाद आर, जुल्का पी के, पाण्डा एस के. असेस्मेंट ऑफ हर–2/न्यू स्टेट्स

यूजिंग इम्यूनोसिटोकेमिस्ट्री एण्ड फ्लोरसेंस इन सिटु हाइब्रिडाइजेशन ऑन फाइन–नीडल एस्पीरेशन सिटोलॉजी स्मियर्सः एक्सपीरियंस फ्रॉम ए टर्शरी केयर सेंटर इन इंडिया। *डायग्न सिटोपैथोल* 2014 अगस्त;42(8):726–31.

391. दुसेजा ए, सिंह एस पी, सरस्वत वी ए, आचार्य एस के, चावला वाय के, चौधरी एस, एट ऑल। नॉन – एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज एण्ड मेटाबोलिक सिंड्रोम – पॉजिशन पेपर ऑफ द इंडियन नेशनल एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ द लिवर, एण्डोक्राइन सोसायटी ऑफ इंडिया, इंडियन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी एण्ड इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी। *जे क्लिन एक्स हेपेटोल* 2015;5:51–68.

392. दत्ता एस, सक्सेना आर. द एक्सप्रेशन पैटर्न ऑफ सी डी 33 एंटीजन कैन डिफरेंशिएट ल्यूकेमिया फ्रॉम नोर्मल प्रोजेनिटर सेल्स इन एक्यूट मयेलोइड ल्यूकेमिया। *इंडियन जे हेमेटोल ब्लड ट्रांसफ्स* 2014 जून;30(2):130–4.

393. द्विवेदी ए के, राव एम बी, द्विवेदी एस एन, देव एसवीएस, शुक्ला आर. ऑन क्लासिफाइंग एट रिस्क लेटेंट जिरोज़ यूजिंग जिरो इंफ्लेटेड मॉडल्स। *जे दाता साइंस* 2014;12:307–323.

394. द्विवेदी आर, गुप्ता वाय के, सिंह एम, जोशी आर, तिवारी पी, कालीकल टी, त्रिपाठी एम. कॉरिलेशन ऑफ सालिवा एण्ड सिरम फ्री वालप्रोइक एसिड कांसेंट्रेशंस इन पर्संस विद् एपिलेप्सी। *सिजर्स* 2015;25:187–90.

395. द्विवेदी एस, दास बी के, कपिल ए, सूद एस, चौधरी आर, गुप्ता एस, देब एम, नायर डी, अनेजा एस. एंटीजन स्क्वेंस टाइपिंग ऑफ आउटर मेम्ब्रेन प्रोटीन (फेट ए) जीन ऑफ नेइसेरिया मेनिनजाइटिडिस सेरोग्रुप ए फ्रॉम दिल्ली एण्ड एडजॉइंग एरियाज़। *इंडियन जे मेड रेस* 2014 दिसंबर;140(6):766–9.

396. द्विवेदी एस एन, पाल एच, श्रीवास्तव ए, पाण्डे ए, नाथ जे. नेशनल हाउसहोल्ड सर्जरी ऑन ड्रग एब्यूज (एनएचएसडीए) इन इंडिया : मैथोडोलॉजिकल एप्रैसल। *इंट जे कर साइंस* 2014;11:ई1–9.

397. द्विवेदी एस एन. मेडिकल स्टेटिस्टिक्स (3वां ईडी)। *इंटरनेशनल सोसायटी फॉर क्लिनिकल बायोस्टेटिस्टिक्स न्यूज (बुक रिव्यू)* 2014;58:4–5.

398. इक्का एम, अली आई, अग्रवाल पी, जमशेद एन. कार्डियक टेम्पोनेड एज़ इंशियल प्रेजेंटिंग फीचर ऑफ प्राइमरी हाइपोथायरॉडिज्म इन द ई डी। *अम जे इमर्ज मेड* 2014 जून;32(6):683.ई1–3.

399. इक्का एम, लाकरा एस बी, अग्रवाल पी, जमशेद एन. हाइड्रेशन थेरेपी : क्रिटिकल इंटरवेंशन इन द ई डी टू प्रीवेंट स्ट्रोक इन इवोल्शन आफ्टर एक्यूट इस्केमिक स्ट्रोक। *अम जे इमर्ज मेड* 2014 दिसंबर;32(12):1544.

400. इक्का एम, सिन्हा एस. रेट्रोफेरिंजियल एब्सेस एज़ ए रेयर प्रजेंटेशन ऑफ पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस। *लंग इंडिया* 2015 मई–जून;32(3):262–4.

401. ईएनओएस इंवेस्टीगेशन। बेसलाइन कैरेक्टरस्टिक्स ऑफ द 4011 पेशेंट्स रिक्रूइटिड इंटू द 'एफिकेसी ऑफ नाइट्रिक ऑक्साइड इन स्ट्रोक' (ईएनओएस) ट्रायल। *इंट जे स्ट्रोक* 2014;9:711–20.

402. फैक एम ए, अली एम, दादा टी, दादा आर, सलुजा डी. ए नोवल मेथोडोलॉजी फॉर इंहांस्ड एण्ड कंसिस्टेंट हिटेरोलोगस एक्सप्रेशन ऑफ अनमोडिफाइड ह्यूमन सिटोक्रोम पी450 1बी1 (सीवायपी1बी1). *पीएलओएस वन* 2014 अक्तूबर 16;9(10):ई110473.

403. फैक एम ए, दादा आर, सलुजा डी, दादा टी. ग्लूकोमा – डायबिटीज़ ऑफ द ब्रेनः ए रेडिकल हाइपोथेसिस अबाउट इट्स नेचर एण्ड पैथोजेनेसिस। *मेड हाइपोथेसिस* 2014;82:535–46.

404. फैक एम ए, दादा आर, शर्मा आर, सलुजा डी, दादा टी. सीवायपी1बी1: ए यूनिक जीन विद् यूनिक कैरेक्टरस्टिक्स। *क्युर ड्रग मेटाब* 2014;15(9):893–914.

405. फैक एम ए, मोहंती के, दादा आर, दादा टी. मोलिकुलर डायग्नोस्टिक्स एण्ड जेनेटिक काउंसलिंग इन प्राइमरी कोंजिनिटल ग्लूकोमा। *जे क्युर ग्लोकोमा प्रैक्ट* 2014;7(1):25–35.

406. फैक एम ए, शर्मा आर, दादा आर, मोहंती के, दादा टी. जेनेटिक, बायोकेमिकल एण्ड क्लिनिकल इंसाइट्स इंटू प्राइमरी कोंजिनिटल ग्लूकोमा। *जे क्युर ग्लूकोमा प्रैक्ट* 2014;7(2):66–84.

407. फारुख के, कतरी के, गुप्ता बी, शर्मा बी. मैनेजमेंट ऑफ नेगलेक्टेड ट्रॉमेटिक बिलेटरल सर्विकल फेसट डिस्लोकेशंस विदाउट न्यूरोलॉजिकल डिफिसिट। *ट्रॉमा मोन* 2015;20(3):ई18385.

408. फारुख के, कतरी के, देव सी, शर्मा वी, गुप्ता बी. मैकनिज्म ऑफ इंजरी एण्ड मैनेजमेंट इन ट्रॉमेटिक एन्टीरियर शोल्डर डिस्लोकेशन विद कॉन्कोमिटेंट ह्यूरल शाफ्ट एण्ड आइपसिलेटरल स्केपुरला फ्रैक्चरः ए केस रिपोर्ट एण्ड रिव्यू ऑफ द लिटरेचर। *जे मेड केस रिप* 2014;16:431.

409. फारुख के, कतरी के, गुप्ता बी, शर्मा वी. मैनेजमेंट ऑफ नेगलेक्टिड ट्रॉमेटिक बिलेटरल सर्विकल फेस्ट डिस्लोकेशंस विदाउट न्यूरोलॉजिकल डिफिसिट। *ट्रॉमा मोन* 2014;19:ई18385.

410. फारुख के, कतरी के, शर्मा वी, गमनगट्टी एस. बिलेटरल लिपोमा अर्बोस्केन्स विद् ऑस्टियोआर्थराइटिस नी : केस रिपोर्ट एण्ड लिटरेचर रिव्यू। *जे क्लिन ओर्थोप ट्रॉमा* 2015. (मुद्रण से पहले ई प्रकाशन)

411. फारुख एम, नारंग ए, कुमार आर, पाण्डे आर, गर्ग ए, बिहारी एम, एट ऑल। नोवल म्युटेशंस इन टिपिकल एण्ड एटिपिकल जेनेटिक लोकी थ्रो एक्सोम सीक्वैसिंग इन ऑटोसोमल रिसिव सेरेबैलर एटेक्सिया फैमिलिज़। *क्लिन जेनेट* 2014;86:335–41.

412. फारुख एम, श्रीवास्तव ए के, सिंह एस, गुप्ता आर, दादा टी, गर्ग ए, एट ऑल। स्पाइनोसेरेबैलर एटेक्सिया 7 (एससीए7) इन इंडियन पॉपुलेशन:प्रीडिलेक्शन ऑफ एटीएक्सएन7–सीएजी एक्सपेंशन म्युटेशन इन अन एथनिक पॉपुलेशन। *इंडियन जे मेड रेस* 2015;141:187–98.

413. फारुख एम, श्रीवास्तव ए के, सुरुलिया वी, कुमार डी, गर्ग ए, शुक्ला जी, एट ऑल। आइडेंटिफिकेशन ऑफ एफएक्सटीएएस प्रेजेंटिंग विद् एससीए 12 लाइक फिनोटाइप इन इंडिया। *पार्किंसोनिज्म रिलेट डिस्ऑर्ड* 2014;20:1089–93.

414. गजेंद्रा एस, दास आर आर, चोपड़ा ए, सिंह ए, सेठ आर. एक्सिलेरेटिड फेज एट इंशियल प्रजेंटेशन इन चैडियक – हिगेशी सिंड्रोम : इज़ इट रीयली अनकॉमन? *पीडियाट्र हेमेटोल ओंकोल.* 2014 मई;31(4):382–5.

415. गजेंद्रा एस, गोगिया ए, दास पी, गुप्ता आर, तंवर पी. एक्यूट मायलोइड ल्यूकेमिया प्रेजेंटिंग एज़ ''बाउल अपसेट''। *ए केस रिपोर्ट जे क्लिन डायग्न रेस* 2014;8:एफडी09–10.

416. गजेंद्रा एस, गोगिया ए, तंवर पी, साहू एम के, बेथाना भोटला एस, दुर्गापाल पी, एट ऑल। सिंक्रोनौस मेटास्टेटिक पल्मोनरी एडेनोकार्सिनोमा विद् स्मॉल सेल लिम्फोमा। *ल्यूक लिम्फोमा* 2014;55:1678–80.

417. गजेंद्रा एस, गुप्ता आर, चंदगोथिया एम, कुमार एल, गुप्ता आर, चवन एस एम. क्रोनिक न्यूट्रोफिलिक ल्यूकेमिया विद् वी617एफ जेएके2 म्युटेशन। *इंडियन जे हेमेटोल ब्लड ट्रांसफस* 2014;30:139–42.

418. गमनगट्टी एस, रंगराजन के, कुमार ए, जिनीश। ब्लंट एब्डोमिनल ट्रॉमा : इमेजिंग एण्ड इंटरवेंशन। *क्युर प्रोबल डायग्न रेडियोल* 2015 जुलाई-अगस्त;44(4):321–336.

419. गांधी ए के, लेविराज एम ए, कश्यप एल, पुरकैत एस, शर्मा डीएन, जुल्का पीके, एट ऑल। रिकरेंट बोवन डिजीज ऑफ स्कैल्प ट्रीटिड विद् हाई डोज रेट सरफेस मोल्ड ब्रैकिथेरेपीः ए केस रिपोर्ट एण्ड रिव्यू ऑफ द लिटरेचर। *जे कांटेम्प ब्रैकिथेरेपी* 2015;6:389–94.

420. गांधी ए के, रॉय एस, ठक्कर ए, शर्मा ए, मोहंती बी के. सिम्प्टम बर्डन एण्ड क्वालिटी ऑफ लाइफ इन एडवांस्ड हैड एण्ड नेक कैंसर पेशेंट्सः एम्स स्टडी ऑफ 100 पेशेंट्स। *इंडियन जे पैलियाट केयर* 2014 सितंबर;20(3):189–93.

421. गांधी ए के, शर्मा डी एन, रथ जी के. कंकरेंट कीमोरेडिएशन फॉर कार्सिनोमा ऑफ सर्विक्सः व्हाट लाइज़ बियोंड?*जे कैंसर रेस थर कंकरंट* 2014;10:227–8.

422. गने ई, करशीनोबिच डी, सेगुइन – डेवौक्स सी, क्रिस्टिन पी, अहू आई, डलगर्ड ओ, एट ऑल। स्ट्रेटेजिस टू मैनेज हेपेटाइटिस सी वायरस (एचसीवी) इंफेक्शन डिजीज बर्डन – वॉल्यूम 2. *जे वायरल हेपेट* 2015;22:46–73.

423. गनी एम ए, चक्रबर्ती एस, रेहमन एच, ट्रीटमेंट ऑफ पॉलिसिस्टिक ओवरी सिंड्रोमः रिसेंट ट्रालय रिजल्टस। *क्लिनिकल इंवेस्टिगेशन* 2015;5(3):337–350.

424. गनी एम ए, हसन एस, निसार एस, शमस एन, रशिद ए, अहमद आई एट ऑल। हाई–सेंसिटिविटी सी–रिएक्टिव प्रोटीन (एच एस– सीआरपी) लेवल्स एण्ड इट्स रिलेशनशिप विद् कॉम्पोनेंट्स ऑफ पॉलिसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम इन इंडियन एडोलसेंट् वूमेन विद् पॉलिसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस)। *गायनेकोल एण्डोक्राइनोल* 2014 नवंबर;30(11):781–4.

425. गर्ग ए, चोपड़ा एस, बल्लाल एस, सुंदरराजन आर, बाल सी एस. डिफरेंशिएटेड थायरॉइड कैंसर इन पेशेंट्स ओवर 60 इयर ऑफ एज़ एट प्रजेंटेशनः ए रेट्रोस्पेक्टिव स्टडी ऑफ 438पेशेंट्स। *जे जीरियाट्र ओंकोल* 2015 जनवरी;6(1):29–37.

426. गर्ग जी, कच्छवा जी, रेमोट आर, खड़गवत आर, टंडन एन, श्रीनिवास वी, कृपलानी ए, गुप्ता एन. इफैक्ट ऑफ विटामिन डी सप्लीमेंटेशन ऑफ इंसुलिन काइनेटिक्स एण्ड कार्डियोवेस्कुलर रिस्क फैक्टर्स इन पॉलिसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोमः ए पायलट स्टडी। *एण्डोकर कोंनेक्ट* 2015 जून; 4(2):108–16.

427. गर्ग के, चंद्रा पी एस, सिंह पी के, शर्मा बी एस. जाइंट क्रेनियोफेरिंजियोमा : कैन इट ग्रो बिगर दैन दिस? *पीडियाट्र न्यूरोसर्ज* 2013;49:124–5.

428. गर्ग के, गुर्जार एच के, चंद्रा पी एस, शर्मा बी एस. पेंटेपैथोलॉजी इन न्यूरोफिब्रोमेटोसिस 1. *इंडियन जे पीडियाट्र।* 2014;81:980–1.

429. गर्ग के, गुर्जार एच के, चंद्रा पी एस, शर्मा बी एस. सुप्रासेलर ट्यूबरकुलोमा। *बी आर जे न्यूरोसर्ज* 2014;28:562–3.

430. गर्ग के, गुर्जार एच के, सत्यार्थी जी डी, सिंगल आर, शर्मा बी एस. इंगुइनल हार्निया – ए रेयर कॉम्प्लिकेशन ऑफ वेंट्रिकुलोपेरिटोनियल शंट। *इंड जे पीडियाट्रिक्स* 2014;81:519–520.

431. गर्ग के, गुर्जार एच के, सिंह पी के, सिंह एस, शर्मा बी एस. कैन ए हैड गेट बिगर दैन दिस? रिपोर्ट ऑफ ए नेगलेक्टिड केस ऑफ हाइड्रोसेफेलस। *एशियन जे न्यूरोसर्ज* 2014;9:233–234.

432. गर्ग के, सत्यार्थी जी डी, दास सी, सिंह पी के, चंद्रा पी एस, शर्मा बी एस. हाइपरप्लासिया ऑफ सर्विकल स्पाइनौस प्रोसेस प्रेज़ेंटिंग एज़ सबक्युटेनियस मास। *इंडियन जे पीडियाट्र* 2014; 81:1128–30.

433. गर्ग के, सत्यार्थी जी डी, सिंगल आर, शर्मा बीएस. एक्सटेंसिव लॉन्ग – सेगमेंट सर्विको – थोरेसिक ट्रॉमेटिक स्पाइनल एपिडुरल हेमेटोमा विद् एवुलशन ऑफ सी7, सी8 एण्ड टी1 नर्व रुट्स। *जे न्यूरोसाइंस रुरल प्रैक्ट* 2014;5:414–6.

434. गर्ग के, सिंह पी के, महापात्रा ए के, शर्मा बी एस. बिलेटरल एब्ड्यूसेंस नर्व पाल्सी एसोसिएटेड विद् सबआर्किनॉइड हिमोरेज *बी आर जे न्यूरोसर्ज* 2014;28:771–775.

435. गर्ग के, सिंह पी के, शर्मा बी एस, चंद्रा पी एस, सुरी ए, सिंह एम, एट ऑल। पीडियाट्रिक इंट्राक्रेनियल न्यूरोसिम्स – आवर एक्सपीरियंस एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर। *चाइल्ड्स नर्व सिस्ट* 2014;30:873–83.

436. गर्ग के, टंडन वी, गुप्ता डी के, शर्मा बी एस मल्टीपल न्यूरोल ट्यूब डिफेक्ट विद स्प्लिट कोर्ड मालफोर्मेशन–ए रेयर एंटिटी। *इंडियन जे पीडियाट्र* 2014;81:982–3.

437. गर्ग के, टंडन वी, शर्मा एस, सुरी ए, चंद्रा पीएस, कुमार आर, एट ऑल। क्वाड्रिजेमिनल सिस्टर्न आर्केनॉयड सिस्टः ए सिरिज़ ऑफ 18 पेशेंट्स एण्ड ए रिव्यू ऑफ लिटरेचर। *बी आर जे न्यूरोसर्ज* 2014;12:1–7.

438. गर्ग के, टंडन वी, सिन्हा एस, सुरी ए, महापात्रा ए के, शर्मा बी एस, रिमोट साइट इंट्राक्रेनियल हीमोरहीजः अवर एक्सपीरियंस एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर। *न्यूरोल इंडिया* 2014;62:296–302.

439. गर्ग एम के, मारवाह आर के, टंडन एन, भाद्रा के, महाले एन. रिलेशनशिप ऑफ लिपिड पैरामीटर्स विद् बोन मिनरल डेंसिटी इन इंडियन जे पॉपुलेशन। *इंडियन जे एण्डोक्रायनोल मेटाब* 2014 मई;18(3):325–32.

440. गर्ग एम के, टंडन एन, मारवाह आर के, सिंह वाय. इवेल्युएशन ऑफ सुरोगेट मार्कर्स फॉर इंसुलिन रेसिस्टेंस फॉर डिफाइनिंग मेटाबोलिक सिंड्रोम इन अर्बन इंडियन एडोलसेंट्स। *इंडियन पीडियाट्र* 2014 अप्रैल;51(4):279–84.

441. गर्ग एन, गुप्ता एस के, महेश आर. पेशेंट सेटिस्फेक्शन सर्वे एट ए टर्शरी केयर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल। *इंट जे रेस फाउंड होस्प हेल्थकेयर एडमिन* 2014 जुलाई.दिसंबर; 2(2):79–83.

442. गर्ग पी के, पाण्डे डी, मृधा ए आर, शाक्या आर, शर्मा जे. जेंथोग्रन्यूलोमेटस इंफ्लेमेशन ऑफ गालब्लैडर एण्ड बाइल डक्ट कौसिंग ऑब्स्ट्रक्टिव जौंडिस मास्क्यूरेबल्स गालब्लैडर कैंसरः ए फॉरमिडेबल डायग्नोस्टिक चैलेंजिस कंटिन्यूज़। *जे गैस्ट्रोइंटेस्ट कैंसर* 2014 दिसंबर; 45(पूरक 1):178–81.

443. गर्ग पीके. एंटिऑक्सीडेंट्स फॉर क्रोनिक पेंक्रिटिटिस : रिसंस फॉर डिसेप्पॉइंटिंग रिजल्ट्स डिस्पाइट साउंड। *गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी* 2013;144:ई19–20.

444. गर्ग आर, अग्रवाल एस, बख्शी एस, श्रीनिवास एम, बाजपेयी एम, गुप्ता डी के, एट ऑल। सार्कोकोसिजियल लिग्नेंट जर्म सेल ट्यूमर (एससी–एमजीसीटी) विद् इंट्रा स्पाइनल एक्सटेंशन। *जे पीडियाट्र सर्ज* 2014 जुलाई;49(7):1113–5.

445. गर्ग आर, भटनागर ए, भटनागर एस, मिश्रा एस. इंसिडेंटल फाइंडिंग ऑफ ऑर्गनाइज्ड थ्रोम्बुस इन राइट इंफिरियर पल्मोनरी वेन एक्सटेंडिंग इनल लेफ्ट एट्रियम इन द पेशेंट शेड्यूल्ड फॉर इसोफेजेक्टोमी। व्हाट शूड अन एनेस्थेसियोलॉजिस्ट लूक फॉर? *जे एनेस्थेसियोल क्लिन फार्माकोल* 2014;30:301–2.

446. गर्ग आर, भटनागर एस. न्यूरोपैथिक पेन इन कैंसर सर्वाइवर्स। *पेन मैनेज* 2014;4:309–16.

447. गर्ग आर, यादव एन. पेरिऑपरेटिव एण्ड पैलिएटिव कर्सर्न्स इन जेरियाट्रिक कैंसर पेशेंट्स। *साइंस पोस्टप्रिंट* 2014:1:e00032.

448. गर्ग आर. एनेस्थेसियोलॉजिस्ट्स, एनेस्थेटिक्स, एण्ड कैंसर मेटास्टेसिस। जे *एनेस्थेसियोल क्लिन फार्माकोल* 2014;30:174–6.

449. गर्ग टी, चंद्र आर, गौर एन, साहनी के. प्रीकोसियस प्युबेर्टी इन ए 3 – इयर – ओल्ड चाइल्ड विद् सिस्टेमाइज्ड वेरुकौस एपिडर्मल नवस। *इण्डिरून जे डर्मेटोल वेनेरिओल लेप्रोल एपीडर्मल* 2015 मार्च .अप्रैल; 81(2):197–8.

450. गौर पी, सिंह ए के, शुक्ला एन के, दास एस एन. इंटर – रिलेशन ऑफ टी एच 1, टीएच2, टीएच17 और ट्रेग सिटोकाइनस इन ओरल कैंसर पेशेंट्स एण्ड देयर क्लिनिकल सिग्निफिकेंस। *हम इम्यूनोल* 2014; 75:330–7.

451. गौतम डी, मल्होत्रा आर. कॉकीगोडायनिया। मेडस्केप 2015 जनवरी 14:http://emedicine-medscape.com/आर्टिकल/1264763–ओवरव्यू

452. गौतम एम, प्रसून पी, कुमार आर, सिंह ए, श्रीमल पी, रे एस बी. डायरेक्ट इंट्रावाउंड एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ डिमिथाइलसल्फोक्साइड रिलिव्स एक्यूट पेन इन रेट्स। इंट वाउंड जे 2014 अप्रैल 21. doi: 10.1111/iwj-12280.

453. गबेडजेसिन आरए, एड्रियेमो ए, वेब एन जे, ग्रीनबौम एल ए, अबीयंगुनवार्डेना ए, थालगाहागोडा एस, एट ऑल। मेम्बर्स ऑफ द मिड वेस्ट पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी कंशोर्टियम। एच एल ए – डी क्यू ए 1 एण्ड पीएलसीजी2 आर कैंडिडेट रिस्क लोकी फॉर चाइल्डहुड – ओनसेट स्टेरॉइड – सेंसिटिव नेफ्रोटिक सिंड्रोम। *जे अम सोक नेफ्रोल* 2015 जुलाई;26(7):1701–10.

454. जीबीडी 2013 मोर्टेलिटी एण्ड कौसिस ऑफ डेथ कॉलोबोरेटर्स। ग्लोबल, रिजनल, एण्ड नेशनल एज़ सेक्स स्पेसिफिक ऑल कौज एण्ड कौज – स्पेसिफिक मोर्टेलिटी फॉर 240 कौसिस ऑफ डेथ। 1990 – 2013; ए सिस्टेमेटिक एनालेसिस फॉर द ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी 2013. *लांसेट* 2015;385:117.71.

455. जीन बैंक सबमिशन : सिंह यू बी, पाण्डे पी, मेहता जी, भटनागर ए, मोहन ए, गोयल वी, एट ऑल। ट्यूबरकुलोसिस : 21 *एम ट्यूबरकुलोसिस* आरपीओबी जीन स्क्विंसिस सबमिटेड, एक्सेशन नंबर्स ऑब्टेंड के पी 658669.658720.

456. जॉर्ज जी एम, शर्मा के के, रामकृष्णा एस, गुप्ता एस के. ए स्टडी ऑफ कार्डियोवेस्कुलर रिस्क फैक्टर्स एण्ड इट्स नॉलेज अमंग स्कूल चिल्ड्रेन ऑफ दिल्ली। *इंडियन हार्ट जे* 2014 मई.जून;66(3):263- –71.

457. जॉर्ज जे, पुलिकल एस जे, सिंह ए, गौतम एम, प्रसून पी, कुमार आर, रे एस बी. लोकली मेडिटेड एनालजेसिक इफैक्ट ऑफ ब्रेडिकिन टाइप 2 रिसेप्टर एंटेगोनिस्ट एचओई 140 ड्यूरिंग एक्यूट इंफ्लेमेटरी पेन इन रेट्स। *जे बर्न केयर रेस* 2014 नवंबर-दिसंबर; 35(6):ई391.8.

458. घोष एस, परमार टी, दादा टी, वानथी एम, शर्मा एस. ए न्यू कंप्यूटर–बेस्ड फार्नवर्थ मुनसेल इवेल्युएशन 100–हू टेस्ट फॉर एवेल्युशन ऑफ कॉलर विजिन। *इंट ऑफ्थेलमोल* 2014 अगस्त;34(4):747–51.

459. घोष एस, श्रेय डी, वेंकटेश पी, परमार टी, शर्मा एस. ए सिम्पल मोडिफिकेशन ऑफ द फार्नवर्थ मुनसेल इवेल्युएशन 100 – हू टेस्ट फॉर मच फास्टर असेस्मेंट ऑफ कलर विजिन। *इंडियन जे ऑफ्थेलमोल* 2014 जून;62(6):721–3.

460. घोष ए, धर एल. डेंगू वैक्सीन : चैलेंजिस, डेवलपमेंट, करेंट स्टेट्स एण्ड प्रोस्पेक्ट्स। इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल 2015 जनवरी.मार्च ;33 (1):3–15.

461. घोष डी, सेनगुप्ता जे. डेलिनीटिंग द प्राइम मूवर एक्शन ऑफ प्रोगेस्टेरोन फॉर एण्डोमेट्रियल रिसेप्टिविटी इन प्राइमेटस। *इंडियन जे मेड रेस* 2014 नवंबर; 140 पूरक:एस130–6.

462. घोष जे, थुलकर एस, कुमार आर, मल्होत्रा ए, कुमार ए, कुमार एल. रोल ऑफ एफडीजी पीईटी – सीटी इन सिम्प्टोमैटिक एपिथेलियल ओवेरियन कैंसर विद् राइजिंग सिरम सी ए– 125: ए पायलट स्टडी। *नेटल मेड जे इण्डिया* 2013;26:327–31.

463. घोष के, कोलाह आर, मैंगलानी एम, चौधरी वी पी, वर्मा आई, मदन एन, सक्सेना आर, जैन डी, मारवाह एन, दास आर, मोहंती डी, चौधरी आर, अग्रवाल एस, घोष एम, रोस सी. गाइडलाइंस फॉर स्क्रीनिंग, डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेंट ऑफ हिमोग्लोबिनोपैथिज़। *इंडियन जे हम जेनेट* 2014 अप्रैल; 20(2):101–19.

464. घोष एस, गुप्ता बी, सिंह एम, भट्टाचार्य आई, गहलौत जी पी, पॉल वी के, दास पी. ए डायग्नोस्टिक कोंनुनड्रम : ए रेयर कौज ऑफ एब्डोमिनल डिस्टेंशन इन ए प्रीटर्म नियोनेट। *इंडियन जे पीडियाट्र* 2015 फरवरी; 82(8):763–4.

465. घोष – जेरथ एस, देवसेनापथी एन, सिंह ए, शंकर ए, जोडपे एस. एंटे नेटल केयर (एएनसी) यूटिलाइजेशन, डाइटरी प्रैक्टिसिस एण्ड न्यूट्रीशनल आउटकम्स इन प्रीग्नेंट एण्ड रिसेंटली डिलिवर्ड वूमेन इन अर्बन स्लम्स ऑफ दिल्ली। इण्डिया : अन एक्सप्लोरेटरी क्रॉस सेक्शनल स्टडी। *रिप्रोड हेल्थ* 2015;12:20.

466. गिल के, कुमार एस, एक्सेस आई डे एस. नोवल सिंथेटिक एंटी – फंगल ट्रीपेप्टाइड इफैक्टिव एजेंस्ट कैंडिडा क्रूसेई। *इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल* 2015 जनवरी-मार्च; 33(1):110–6.

467. गिल के, निगम एल, सिंह आर, कुमार एस, सब्बाराव एन, चौहान एस एस, एट ऑल। दे रेशनल डिजाइन ऑफ स्पेसिफिक पेप्टाइड इंहिबिटर एजेंस्ट पी38अल्फा एमएपीके एट एलोस्टेरिक – साइट : ए थेरोपियूटिक मोडेलिटी फॉर एचएनएससीसी। *पीएलओएस वन* 2014;9:1015–25.

468. गिरी ए के, खान एन एम, बासु ए, टंडन एन, स्केरिया वी, भारद्वाज डी. फार्माकोजेनेटिक लेंडस्केप ऑफ क्लोपिडोग्रेल इन नोर्थ इंडियंस सजेस्ट डिस्टिंक्ट इंटरपॉपुलेशन डिफरेंसिस इन ऑलइल फ्रीक्वेंसिस। *फार्माकोजिनोमिक्स* 2014 अप्रैल;15(5):643–53.

469. गिरीधर पी, मलिक एस, लेवीराज एमए, भास्कर एस. एडेनोइड सिस्टिक कार्सिनोमा स्फेनोइड सिनुस विद इंट्राक्रेनियल एक्सटेंशन ट्रीटिड बाय रेडिकल रेडियोथेरेपी : ए रेयर केस। *यूर आर्क आटोरिंनोलेरिंजोल* 2015;272:1037–40.

470. गिरीधर पी, मलिक एस, रथ जी के, जुल्का पी के. रेडिएशन इंड्यूस्ड लंग इंजरी : प्रीडिक्शन, असेस्मेंट एण्ड मैनेजमेंट। *एशियन पैक जे कैंसर प्रेव* 2015;16:2613–7.

471. गिरिजा पी एल टी, सवित्री जी, जयसुंदर आर, गंगाधरण जी जी, नागाश्याना एन, यशोनाथ एस. ह्यूमन बॉडी एज़ ए कॉम्प्लेक्स सिस्टम–मीटिंग रिपोर्ट। *क्यु साइं* 2015;108:476.478.

472. ग्लांटज एम डी, मेडिना – मोरा एम ई, पेटुखोवा एम, एंड्रेड एल एच, एंटोनी जे सी, डी गिरोलेमो जी, एट ऑल। एल्कोहल एब्यूज इन डेवलपड एण्ड डेवलपिंग कंट्रीज इन द वर्ल्ड मेंटल हेल्थ सर्वेस : सोशली डिफाइंड कॉनसिक्वेंसिस या सायकियाट्रिक डिस्ऑर्डर? *अम जे एडिक्ट* 2014 मार्च-अप्रैल;23(2):145–55.

473. ज्ञानगुरु वी, काबरा एस के, लोधा आर. वेंटिलेटर – एसोसिएटेड न्यूमोनिया इ पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट। *इंडियन जे पीडियाट्र* 2014 नवंबर; 81(11):1145–6.

474. ज्ञानगुरु वी, शरण पी, खण्डेवाल एस, शर्मा यू, जगन्नाथन एन आर. न्यूरोकेमिकल्स मेजर्ड बाय (1) एच–एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी : प्यूटेटिव वुलनेरेबिलिटी बायोमार्कर्स फॉर ऑबेसिव कॉमपल्सिव डिस्ऑर्डर। *एमएजीएमए* 2014 अक्तूबर;27(5):407-17.

475. ज्ञानगुरु एस, थानापाल एस, खण्डेलवाल एस के, सूद एम. ओलेंजेपाइन – इंड्यूस्ड टारडिव डिस्टोनिया : ए केस रिपोर्ट। *जे न्यूरोसायकियाट्री क्लिन न्यूरोसाइंस* 2014 अप्रैल 1;26(2):ई24–5.

476. गोकमेन ई, के1सी वायए, योल्डास ओ, इर्टेन टी, काराकोस एन, कोस एम, एट ऑल। कम्पेरिजन एण्ड वेलिडेशन ऑफ स्कोरिंग सिस्टमस इन ए कोहर्ट ऑफ पेशेंट्स ट्रीटिड फॉर बिलियरी एक्यूट पेंक्रिटिटिस। *पेंक्रिस* 2007;34:66–9.

477. गोयल एन, कुमार वी, सेठ ए, घोष बी. ब्रांच रेटिलन आर्टरी ऑक्लुशन एसोसिएटेड विद् कोंजिनिटल रेटिनल मैक्रोवेसल। *ओमन जे ऑफ्थेलमोल* 2014 मई;7(2):96–97.

478. गोयल एस, अरोड़ा जे, मेहता वी, शर्मा एम, सुरी आर के, रथ जी. अनयूजुवल डिस्पॉजिशन ऑफ लेटरल सर्कुमफ्लैक्स फिमोरल आर्टरी–एनेटोमिकल डिस्क्रिप्शन एण्ड क्लिनिकल इम्प्लिकेशंस। *वर्ल्ड जे क्लिन केसिस* 2015 जनवरी 16;3(1):85–88.

479. गोगिया ए, देव एस वी, शुक्ला एन के, मोहंती बी के, रैना वी. प्रेग्नेंसी एसोसिएटेड ब्रेस्ट कैंसर इन इंस्टीट्यूशनल एक्सपीरियंस। *इंडियन जे कैंसर* 2014;51:167–9.

480. गोगिया ए, मेहता पी, प्रमाणिक आर, गुप्ता आर. क्रोनिक लिम्फोसिटिक ल्यूकेमिया विद् मैसिव एससिटेस : अन अनयूजुवल प्रेजेंटिंग मेनिफेस्टेशन। *साउथ एशियन जे कैंसर* 2014;3:235–6.

481. गोगिया ए, मेहता पी, प्रमाणिक आर, गुप्ता आर. आइसोलेटेड ब्रेस्ट रिलेप्स मिमिकिंग ब्रेस्ट कैंसर इन एलडली पेशेंट् विद एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया। *ट्रक जे हेमेटोल* 2014;31:203–4.

482. गोगिया ए, रैना वी, देव एस वी, शुक्ला एन के, मोहंती बी के, शर्मा डी एन. इंफ्लेमेटरी ब्रेस्ट कैंसर : ए सिंगल सेंटर एनालेसिस। *एशियन पेक जे कैंसर प्रेव* 2014;15:3207–10.

483. गोगिया ए, रैना वी, देव एस वी, शुक्ला एन के, मोहंती बी के, शर्मा डी एन. टेक्सेन एण्ड एंथ्रेसायक्लिन बेस्ड नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी फॉर लोकली एडवांस्ड ब्रेस्ट कैंसरः इंस्टीट्यूशनल एक्सपीरियंस *एशियन पैक जे कैंसर प्रेव* 2014;15:1989–92.

484. गोगिया ए, रैना वी, देव एस वी, शुक्ला एन के, मोहंती बी के. ट्रिपल – नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर : अन इंस्टीट्यूशनल एनालेसिस। *इंडियन जे कैंसर* 2014 अप्रैल.जून;51(2):163.6.

485. गोगिया ए, रैना वी, गुप्ता आर, गजेंद्र एस, कुमार एल, शर्मा ए, एट ऑल। प्रोग्नोस्टिक एण्ड प्रीडिक्टिव सिग्निफिकेंस ऑफ स्मज सेल परसेंटेज ऑन रौटिन ब्लड स्मीयर इन क्रोनिक लिम्फोसिटिक ल्यूकेमिया। *क्लिन लिम्फोमा मयेलोमा ल्यूक* 2014;14:514–7.

486. गोगिया ए, रैना वी, कुमार एल, शर्मा ए, मेहता पी, शर्मा एम सी. डिफ्युज लार्ज बी – सेल लिम्फोमा इन पेशेंट्स विद क्रोनिक लिम्फोसिटिक ल्यूकेमिया : ए सिंगल सेंटर एक्सपीरियंस। *साउथ एशियन जे कैंसर* 2014जुलाई.सितंबर;3(3):186.

487. गोगिया ए, सिंह एल, करक ए के, बख़्शी एस. प्राइमरी टोनसिलर इविंग सार्कोमा इन यंग एडल्ट : ए रेयर ट्यूमर एट अन अनकॉमन साइट। *इंडियन जे मेड पीडियाट्र ऑंकोल* 2014 जनवरी.मार्च;35(1):122–3.

488. गोगिया वी, गुप्ता एस, टिटियाल जे एस, पाण्डा ए, पाण्डे आर एम, टंडन आर. ए प्रीलिमिनरी डिस्क्रिप्टिव एनालेसिस ऑफ कॉर्नियल ट्रांसप्लांट रजिस्ट्री ऑफ नेशनल आई बैंक इन इंडिया। *कंट लेंस एन्टीरियर आई* 2014 अप्रैल;37(2):111–5.

489. गोगिया वी, शर्मा एस, डेका डी, डडवाल वी, वेंकटेश पी. बिलेटरल रेटिनल डिटेचमेंटः ए क्यूट टू डायग्नोसिस ऑफ एच ई एल एल पी सिंड्रोम। *कैन जे ऑफ्थेलमोल* 2014 फरवरी;49(1):ई5–8.

490. गोगिया वी, वेंकटेश पी, गुप्ता एस, कक्कड़ ए, गर्ग एस. इंडोइल्यूमिनेटर – असिस्टेड स्क्लेरल बकलिंग : अवर रिजल्ट्स। *इंडियन जे ऑफ्थेलमोल* 2014 अगस्त;62(8):893–4.

491. गोगिया वी एस, सिंह यू. पोस्ट पोलियो सिंड्रोम : रिपोर्ट ऑफ 3 केसिस एण्ड ब्रिफ रिव्यू ऑफ लिटरेचर *आई जे पी एम आर* 2014 मार्च; 25(1):22–6.

492. गोस पी ई, स्ट्रासेर – वैप्प 1 के, ली–बैकीकोवेस्की बी एल, फैन एल, एल आई जे, चावारी–गुरा वाय, एट ऑल। चैलेंजिस टू इफैक्टिव कैंसर कंट्रोल इन चाइना, इण्डिया, और रशिया। *लासंट ऑंकोल* 2014;15:489–538.

493. गोस्वामी के सी. ओबिटुरी. डॉ. राज टंडन, *इंडियन हार्ट जे* 2014;66:452.

494. गोस्वामी पी, दास पी, वर्मा ए के, प्रकाश एस, दास टी के, नग टी सी, अहुजा वी, गुप्ता एस डी, मखारिया जी के. आर अल्ट्राशंस ऑफ टाइट जंक्शंस एट मोलिकुलर एण्ड अल्ट्रास्ट्रक्चरल लेवल डिफरेंट इन डौडेनल बायोप्सिस ऑफ पेशेंट्स विद् सेलियाक डिजीज एण्ड क्रोहन्स डिजीज? *वायरकोज़ आर्क* 2014 नवंबर;465(5):521–30.

495. गोस्वामी आर, मिलो टी, मिश्रा एस, दास एम, कपूर एम, तोमर एन, शाहा एस, रॉय टी एस, श्रीनिवास वी. एक्सप्रेशन ऑफ ओस्टियोजेनिक मोलिक्युलस इन द कौडेट न्यूक्लियस एण्ड ग्रे मैटर एण्ड देयर पोटेंशियल रिलिवेंस फॉर बसल गैंगलिया क्लासीफिकेशनइन हाइपोपैराथायरोडिज्म। *जे क्लिन एण्डोक्राइनोल मेटाब* 2014 मई;99(5):1741–8.

496. गोस्वामी एस, गुप्ता वी, श्रीवास्तव ए, सिहोता आर, मलिक एम ए, कौर जे. ए नोवल डुप्लिकेशन इन द पीएएक्स 6 जीन इन ए नोर्थ इंडियन फैमिली विद् एनिरिडिया। *इंटरनेशनल ऑफ्थेलमोलॉजी* 2014दिसंबर; 34(6):1183–8.

497. गोड्रा बी जी, सिंह पी एम, कार्लिन ए, मंजुनाथ ए के, रैहमर जे, गोडा जी बी, एट ऑल। इफैक्ट ऑफ गम च्यूविंग ऑन द वॉल्यूम एण्ड पी एच ऑफ गैस्ट्रिक कांटेंट्सः ए प्रोस्पेक्टिव रेण्डोमाइज्ड स्टडी। *डिग डिस साइं सिंह प्रोस्पेक्टिव* 2015;60:979–83.

498. गोड्रा बी जी, सिंह पी एम, मंजुनाथ ए के, रैहमर जे डब्ल्यू, हास ए आर, लैनफ्रैंको ए आर, सिन्हा ए सी, एट ऑल। इफैक्टिवनेस ऑफ हाई डोज़ रेमिफेनटेनिल इन प्रीवेंटिंग काफिंग एण्ड लेरिंगोस्पेज्म इन नॉन – पेरेलिज्ड पेशेंट्स फॉर एडवांस्ड ब्रोंकोस्कोपिक प्रोसिजर्स। *अन थोरेक मेड* 2014:23–8.

499. गोविंदराजन एस आर, खन्ना पी, भल्ला ए पी, कुमार ए. स्मिथ – लेमली – ओप्टिज सिंड्रोम : हाउ डिफरेंट इन द एनेस्थेटिक टेकनिक? *सउदी जे एनेस्थ* 2014;8:440–2.

500. गोयल ए, रंगराजन के, सिंह पी, दास सी जे. रोल ऑफ इमेजिंग इन सक्सेसफुल मैनेजमेंट ऑफ मेलिग्नेंट ओवेरियन वेन थ्रोम्बोसिस इन आरसीसी। *बी एम जे केस रेप ओवेरियन* 2014 फरवरी 7; पीआईआईःबीसीआर2013201576.डीओआई:10.1136/बीसीआर–2013-201576.

501. गोयल ए, शर्मा आर, भल्ला ए एस, गमनगट्टी एस, डिफ्युजन वेटिड एम आर आई इन डिटेक्शन ऑफ रीनल मेटास्टेसिस। *बी एम जे केस रैप* 2014 जनवरी डीओआई :10.1136/बीसीआर–2013-201555.

502. गोयल ए, सिंह एस, टंडन एन, गुप्ता एन, गुप्ता वाय के. इफैक्ट ऑफ एटोर्वेस्टेटिन ऑन पैनक्रिएटिव बिटा – सेल फंक्शन एण्ड इंसुलिन रेसिस्टेंस इन टाइप 2 डायबिटिज मेलिटस पेशेंट्स : ए रेण्डोमाइज्ड पायलट स्टडी। *कैन जे डायबिटीज़* 2014दिसंबर;38(6):466–72.

503. गोयल ए, श्रीवास्तव ए, सिहोता आर, कौर जे. इवेल्युएशन ऑफ ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस मार्कर्स इन ए एक्यूअस ह्यूमर ऑफ प्राइमरी ओपन एंगल ग्लूकोमा एण्ड प्राइमरी एंगल क्लोजर ग्लूकोमा पेशेंट्स। *करेंट आई रिसर्च* 2014 अगस्त;39(8):823–829.

504. गोयल एच, दुबे एस, कुमार ए, गोयल के. अन अनयूजुवल केस ऑफ पोस्ट – ऑपरेटिव रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस फॉलोइंग एन्टीरियर सर्विकल डिस्सेक्टोमी एण्ड फ्युजन। *जे न्यूरोएनेस्थेसियोल क्रिट केयर* 2014;1:217–18.

505. गोयल एच, रथ जी पी. एण्डोब्रोंकियल इंट्यूबेशन आफ्टर कॉरेक्शन ऑफ स्वैन नेक डिफोर्मिटी ऑफ द सर्विकल स्पाइन। *जे न्यूरोसर्ज एनेस्थेसियोल* 2015; 27:69–70.

506. गोयल के, कौल वी, सिंह वाय, अनांद ए. टार्गेटिड ड्रग डिलिवरी टू सेंट्रल नर्वस सिस्टम (सीएनएस) फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ न्यूरोडिजनरेटिव डिस्ऑर्डर्स : ट्रेंड्स एण्ड एडवांस। *सेंट नर्व सिस्ट एजेंट्स मेड कीम* 2014;14(1):43–59.

507. गोयल के, प्रभाकरण एच, चतुर्वेदी ए, कुमार आर, दास एच एच लेरिंजियल मोर्बिडिटी एसोसिएटेड विद फाइब्रियोप्टिक ट्रेकियल इंट्यूबेशन अंडर जनरल एनेस्थेसिया विद् एण्ड विदाउट यूज ऑफ मसल रिलेक्सेंट। *जे एनेस्थ क्लिन रेस* 2014;5:415.

508. गोयल एम, कुमार एस, शर्मा। प्राइमरी नॉन – हॉडग्किन लिम्फोमा ऑफ द यूट्रेस मास्क्यूरेडिंग एज़ लियोमायोसार्कोमाः ए रेयर केस रिपोर्ट। *जे बी जे पी ओ जी* 2015;6(1):23–25.

509. गोयल एन, गुरजर एच, शर्मा बी एस, त्रिपाठी एम, चंद्रा पीएस. जी ए पी ओ सिंड्रोम विद् पेंसुतुरल क्रेनियोसाइनोस्टोसिस लीडिंग टू इंट्राक्रेनियल हाइपरटेंशन। *बी एम जे केस रेप* 2014; 2014.

510. गोयल एन, सत्यार्थी जी डी, कक्कड़ ए, सुरी वी, चंद्रा एस, शर्मा बी. माउंट मेनिंजियोमा विद् ट्यूमर कैप। *टर्क न्यूरोसर्ज* 2014; 24(3):411–4.

511. गोयल एस, अम्बेडकर ए, रे आर. केटामाइन डिपेंडेंस इन अन एनेस्थेसियोलॉजिस्ट – अन ऑक्यूपेशनल हैजार्ड? *इंडियन जे सायकोल मेड* 2014 जुलाई;36(3):335–7.

512. गोयल एस, बिस्वास ए, गुप्ता आर, मोहंती बी के. कोंजिनिटल पेरिफेरल प्रीमिटिव न्यूरोइक्टोडर्मल ट्यूमर : ए केस ट्रीटिड सक्सेसफुली विद् मल्टीमोडेलिटी ट्रीटमेंट। *जे इजिप्ट नेटल केस इंस्ट* 2014; 26:219–24.

513. गोयल एस, देब के एस, इलावाधी डी, काव एन. सबस्टेंस एब्यूज एज़ ए वे ऑफ लाइफ इन मर्जिन्लाइज्ड जेंडर आइडेंटिफाई डिस्ऑर्डरः ए केस रिपोर्ट विद् रिव्यू ऑफ इंडियन लिटरेचर। *एशियन जे सायकियाट्र* 2014 दिसंबर;12:160–2.

514. गोयल एस, संधु पी एस, शर्मा ए, मलिक एम ए, बंसल पी, कौर जे. इंफिरियर रिक्टस मसल ऑकुलर सिस्टिसर्कोसिस : ए केस रिपोर्ट। *सउदी जर्नल ऑफ ऑफ्थेलमोलॉजी* 2015 अप्रैल-जून; 29(2):175–7.

515. ग्रोवर एस, नेबीनानी एन, पदमावती आर, चड्ढा आर के, त्रिरुपति एस, पालावा ए. मेटाबोलिक सिंड्रोम इन एंटीसायकोटिक नैव पेशेंट्स विद साइजोफ्रेनियाः पूल्ड एनालेसिस ऑफ डेटा फ्रॉम थ्री इंडियन स्टडीज़। *अर्ली इंटव्यू सायकियाट्री* 2015 अक्तूबर;9(5):357–62.

516. ग्रोवर एस, पात्रा बी एन, अग्रवाल एम, अवस्थी ए, चक्रबर्ती एस, मल्होत्रा एस. रिलेशनशिप ऑफ सुपरनेचुरल बिलीव्स एण्ड फर्स्ट ट्रीटमेंट कॉन्टेक्ट इन पेशेंट्स विद ऑबसेसिव कम्प्लसिव डिसऑर्डरः अन एक्सप्लोरेटरी स्टडी फ्रॉम इण्डिया। *इंट जे सोक सायकियाट्री* 2014 दिसंबर;60(8):818–27.

517. गुलाटी एस, अनेजा एस, जुनेजा एम, मुखर्जी एस, देशमूख वी, सिलबरबर्ग डी, एट ऑल। इंक्लिन डायग्नोस्टिक टूल फॉर न्यूरोमोटर इम्पेयरमेंट (आईएनडीटी–एनएमआई) फॉर प्राइमरी केयर फिजिशियनः डेवलपमेंट एण्ड वेलिडेशन। *इंडियन पीडियाट्र* 2014 अगस्त;51(8):613–9.

518. गुलाटी एस, चक्रबर्ती बी. डायटरी थेरेपी इन चाइल्डहुड एपिलेप्सी, अन ओवरव्यू। *इंट जे एपिलेप्सी* 2014;1:27–35.

519. गुलाटी एस, जैन पी, सचन डी, चक्रबर्ती बी, कुमार ए, पाण्डे आर एम एट ऑल। सिजर एण्ड रेडियोलॉजिकल आउटकम्स इन चिल्ड्रन विद् सोलिटरी सिस्टिसेर्कोस ग्रेनुलोमास विद् एण्ड विदाउट अल्बेंडेजोल थेरेपी : ए रेट्रोस्पेक्टिव केस रिकॉर्ड एनालेसिस। *एपिलेप्सी रेस* 2014 सितंबर;108(7):1212–20.

520. गुलाटी एस, मिश्रा ए, नंदा के, पाण्डे आर एम, गर्ग वी, गांगुली एस, एट ऑल। एफिकेसी एण्ड टोलरेंस ऑफ ए डायबिटिज स्पेसिफिक फॉर्मूला इन पेशेंट्स विद् टाइप 2 डायबिटीज़ मेलिटस : अन ओपन लेबल, रेण्डोमाइज्ड, क्रॉससोवर स्टडी। *डायबिटीज़ मेटाब सिंड्र.* 2014 नवंबर 1.पीआईआईः एस 1871–4021 (14) 00101.5.डीओआईः 10.1016/जे.डीएसएक्स. 2014.10.001.

521. गुलाटी एस, योगनाथन एस, चक्रबर्ती बी. एपिलेप्सी, कॉग्निशन एण्ड बिहेव। *इंडियन जे पीडियाट्र* 2014 अक्तूबर; 81(10):1056–62.

522. गुलेरिया आर, ज्योथिदसन ए, मदन के, मोहन ए, कुमार आर, भल्लला ए एस, मल्होत्रा ए, यूटिलिटी ऑफ एफ डी जी–पीईटी–सीटी स्कैनिंग इन असेसिंग द एक्स्टेंट ऑफ डिजीज एक्टिविटी एण्ड रेस्पोंस टू ट्रीटमेंट इन सारकोइडोसिस। *लंग इंडिया* 2014 अक्तूबर;31(4):323–30.

523. गुलेरिया आर, कविथा। सेंट्रल नर्वस सिस्टम ट्यूबरकुलोसिस। *इंडियन जे ट्यूबर्क* 2014;61:195–9.

524. गुनाशेखरण एस, अग्रवाल टी, शर्मा एन, टंडन आर. रिफ्रैक्टिव सर्जरी फॉर मयोपिया : केस सिलेक्शन एण्ड मैनेजमेंट ऑप्शंस। *नेटल मेड जे इण्डिया* 2014 जुलाई-अगस्त; 27(4):204–9.

525. गुनाशेकरण एस, शर्मा एन, टिटियाल जे एस. मैनेजमेंट ऑफ ट्रॉमेटिक वाउंड डेहिस्कैन ऑफ ए फंक्शनल ग्राफ्ट आफ्टर 34 इयर्स ऑफ्टर पेनेट्रेटिंग केराटोप्लास्टी। *बी एम जे केस रेप* 2014 दिसंबर 2; 2014. पीआईआईः बीसीआर 2014205903. डीओआई :10.1136/बीसीआर–2014-205903.

526. गुप्ता ए, अग्रवाल एस, टंडन एन, श्रीनिवास एम, बाजपेयी एम, गुप्ता डी के, एट ऑल। फिनोक्रोमोसायटोमा मैनेजमेंट, आउटकम्स एण्ड द रोल ऑफ कॉर्टिकल प्रीसर्वेशन। *इंडियन जे पीडियाट्र* 2014;81:780–4.

527. गुप्ता ए, कल्याणी एम, गुप्ता एस के, राय एस के, नॉन्नाकायरिह बी. बर्डन ऑफ अंडरन्यूट्रिशन, कॉम्पोसाइट इंडेक्स ऑफ एंथ्रोपोमेट्रिक फेल्यूर (सीआईएएफ) एण्ड परसेप्शन ऑफ सेरेगिवर्स आबउट अंडरन्यूट्रिशन अमंग अंडर फाइव चिल्ड्रन इन रुरल इण्डिया। *द इंडियन जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन एण्ड डायबिटीज़* 2015;2:140–152.

528. गुप्ता ए, मल्होत्रा एस. शूड बर्थ प्रीपेरेडनेस एण्ड कॉम्प्लिकेशन रेडिनेस (बीपीसीआर) इंटरवेंशंस बी स्केल्ड अप इन डेवलपिंग कंट्रीज़? *नेटल मेड जे इण्डिया* 2014;27:327.

529. गुप्ता ए, एक्सेस आई, शर्मा एस सी, मलिक एस. इंवेसिव राइनोसिनुसिटिस बाय एक्ससेरोहिलम रोस्ट्रेटम इन अन इम्यूनोकॉम्पेटेंट चाइल्ड। बी एम जे केस रेप 2014 अप्रैल 7;2014. पीआईआईःबीसीआर 2013202380.

530. गुप्ता ए, श्रीवास्तव आर, यादव के. अवेयरनेस आबउट नॉन कॉम्युनिकेबल डिजीज एण्ड रोल ऑफ न्यूट्रिशन अमंग अन अर्बन रिसेटलमेंट पॉपुलेशन ऑफ दिल्ली। *इंडियन जे न्यूट्र डाईटेटिक्स* 2014;51:429–38.

531. गुप्ता बी, अयुब बी, बिंद्रा ए, गुप्ता एस, मिश्रा बी. डिस्टेल ट्रेकियोप्लास्टी फिस्टुला इन पीडियाट्रिक पेशेंट–अन एनेस्थेटिक चैलेंज। *पीडियाट्र एनेस्थ* 2014;24:886–8.

532. गुप्ता बी, कोहली एस, फारुख के, जलवाल जी, गुप्ता डी, सिन्हा एट ऑल। टोपिकल एयरवे एनेस्थेसिया फॉर अवेक फिबेरोप्टिक इंट्यूबेशनः कम्पेरिजन बिटवीन एयरवे नर्व ब्लॉक्स एण्ड नेबुलाइज्ड लिग्नोकैन बाय अल्ट्रासोनिक नेबुलाइजर। *साउदी जे एनेस्थ* 2014;8:S15–9.

533. गुप्ता बी, प्रसाद ए, रामचांदनी एस, सिंगल एम, माथुर पी, फेसिंग द एयरवे चैलेंजिस इन मैक्सिलोफेशियल ट्रॉमा : ए रेट्रोपेक्टिव रिव्यू ऑफ 288 केसिस एट ए लेवल इन ट्रॉमा सेंटर। *एनेस्थ इसेस रेस* 2015;9:44–50.

534. गुप्ता बी, रामचांदनी एस, बालकृष्णा आई, कुमार ए. ट्रांसियंट एफोनिया, एफेजिया एण्ड फेशियल टिंगलिंग फॉलोइंग इंट्राथेकल एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ फेंटनी1. *एनेस्थ एसेस रेस* 2014 जनवरी.अप्रैल; 8(1):93–5.

535. गुप्ता बी, सुरी एस, कोहली एस, अहमद एस, गुप्ता एस. एथ्रोजीपोसिस मल्टीप्लक्स कोंजिनिटा : एयरवे कंसर्न इन ए एमर्जेंसी सिचुएशन। *एक्टा एनेस्थेसियोल ताइवान* 2014;52:88–90.

536. गुप्ता डी, अग्रवाल आर, अग्रवाल ए एन, माथुर वी एन, धूरिया एस, प्रसाद केटी,कृकृकृ.खिलनानी जी सी, एट ऑल सी ओ पी डी गाइडलाइंस वर्किंग ग्रुप; इंडियन चेस्ट सोसायटी, नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन (इण्डिया)। गाइडलाइंस फॉर डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेंट एण्ड मैनेजमेंट ऑफ क्रोनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज जॉइंट रेकमेंडेशंस ऑफ इंडियन चेस्ट सोसायटी एण्ड नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन (इण्डिया)। *इंडियन जे चेस्ट डिस एलाइड साइ* 2014;56:5–54.

537. गुप्ता डी के, सिंह एन, राय डी. टी जी एफ – एण्ड बीटा; मेडिएटेड क्रॉसटॉल्क बिटवीन मेलिग्नेंट हेपेटोसायट एण्ड ट्यूमर माइक्रोएंवायरमेंट इन हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा। *कैंसर ग्रोथ मेटास्टेसिस* 2014;7:1–8.

538. गुप्ता जी, टाक वी, माथुर पी. डिटेक्शन ऑफ अम्प सी बीटा लेक्टामेसेस इन ग्राम–नेगेटिव बैक्टीरिया। *जे लैब फिजिशियंस* 2014; 6:1–6.

539. गुप्ता के के, पाल एन, मिश्रा पी के. श्रीवास्तव पी, मोहंती एस, मैती पह. 5 – फ्लोरोयूरेसिल – लोडिड पॉली (लेक्टिक एसिड) – पॉली (कैप्रोलेक्टोन) हाइब्रिड स्कैफोल्ड : पोटेंशियल कीमोथेरापियूटिक इम्प्लांट। जे बायोमेड मेटर रेस ए2014 अगस्त; 102(8):2600.12. doi: 10.1002/jbm-a.34932.

540. गुप्ता एम, राधाकृष्णा एन, महापात्रा एम, सक्सेना आर. ट्रिसोमी क्रोमोसोम 6 एज़ ए सोल सिटोजेनेटिक एब्नोर्मेलिटी इन एक्यूट मयेलोइड ल्यूकेमिया। *ट्रक जे हेइमेटोल* 2015 मार्च 5;32(1):77–79.

541. गुप्ता एम, सिंह एन, मल्होत्रा एन, माही आर, वेनेमैल पी, पंत एस. 3 – डिमेंशनल एण्डोमेट्रीयल वॉल्यूम एज़ प्रीडिक्टर ऑफ प्रेग्नेंसी इन इन विट्रो फर्टिलिसेशन सायकल ओवर 2 – डिमेंशनल एण्डोमेट्रियल थिकनेस। *फर्टिलिटी एण्ड स्टरिलिटी* 2014;102(3):ई312.

542. गुप्ता एम पी, सिक्का के, ठक्कर ए. वेगनर ग्रेनुलोमेटोसिसः ए डायग्नोस्टिक डिलेम्मा फॉर ओटोलॉजिस्ट्स। *इंडियन जर्नल ओटोल* 2014;20(4):222.

543. गुप्ता एन, जैन पी, काबरा एम, गुलाटी एस, सेतुरमन जी. एक्रोडर्मेटिटिस डायसमेटाबोलिक–रिपोर्ट ऑफ टू केसिस। *इंडियन जे पीडियाट्र* 2015 सितंबर;82(9):869–70.

544. गुप्ता एन, काबरा एम, कपूर एस. इस्टेबलिशिंग नेशनल नियोनेटल पेरिनेटल डेटाबेस एण्ड बर्थ डिफेक्ट्स रजिस्ट्री नेटवर्क – नीड ऑफ द आर! *इंडियन पीडियाट्र* 2014 सितंबर; 51(9):693–6.

545. गुप्ता एन, खान आर, कुमार आर, कुमार एल, शर्मा ए. वर्सिकैन एण्ड इट्स एसोसिएटेड मोलिकुलस : पोटेंशियल डायग्नोस्टिक मार्कर्स फॉर मल्टीपल मयेलोमा। *क्लिन किम एक्टा* 2015;442:119–24.

546. गुप्ता एन, शरद एन, सिंगल एस, जैन आर, मित्तल पी. कोंजिनिटल पल्मोनरी स्टेनोसिस इन प्रेग्नेंसी विद् फेवोरेबल फेटो – मेटरनल आउटकमः ए केस रिपोर्ट। *स्कूलर्स जे केस रिपोर्ट* 2014;2(4):267–269

547. गुप्ता एन, सिंह पी के, कुमार एम, शास्त्री एस, गुलाटी एस, कुमार ए, अग्रवाल ए, कपूर एस, नायर एम, सपरा एस, दुबे एस, सिंह ए, कौर पी, काबरा एम. ग्लूटेरिक एसिडेमिया टाइप 1 – क्लिनिको – मोलिकुलर प्रोफाइल एण्ड नोवल म्युटेशंस इन जीसीडीएच जीन इन इंडियन पेशेंट्स। *जे आई एम डी रेप* 2015; 21:45–55.

548. गुप्ता एन, वशिष्ठ पी, मल्होत्रा एस, सेनजम एस एस, मिश्रा वी, भारद्वाज ए. रैपिड असेस्मेंट ऑफ विजुअल इम्पेयरमेंट इन अर्बन पॉपुलेशन ऑफ दिल्ली, इण्डिया। *पी एल ओ एस वन* 2015 अप्रैल 27;10(4):ई0124206.

549. गुप्ता एन, वशिष्ठ पी, टंडन आर, गुप्ता एस के, द्विवेदी एस, कल्याणी एम, प्रीवलेंस ऑफ कॉर्नियल डिजीज इन द रुरल इंडियन पॉपुलेशनः द करेंट ओपेसिटी रुरल एपिडेमियोलॉजिकल (सीओआरई) स्टडी। *बी आर जे ऑफ्थेलमोल* 2015 फरवरी;99(2):147–52.

550. गुप्ता पी, अंविकर ए आर, वेलचा एन, गुप्ता वाय के. फार्मोको विजिलेंस प्रैक्टिसिस फॉर बेटर हेल्थकेयर डिलिवरी : नॉलेज एण्ड एटीट्यूट स्टडी इन द नेशनल मलेरिया कंट्रोल प्रोग्राम ऑफ इण्डिया। *मलर रेस ट्रीट* 2014; 2014:837427.

551. गुप्ता पी, अरुमुगम एम, आजाद आर वी, सक्सेना आर, घोष एस, बिस्वास एन आर, वेलपण्डियन टी. स्क्रीनिंग ऑफ एंटिएंजियोजेनिक पोटेंशियल ऑफ ट्वेंटी टू मेरिन इंवर्टेब्रेट एक्स्ट्रेक्टस ऑफ फिलम मोलस्का फ्रॉम ईस्ट कोस्ट ऑफ इण्डिया। *एशियन पैक जे ट्रोप बायोमेड* 2014 मई;4(पूरक 1):S129–38.

552. गुप्ता पी, भल्ला ए एस, थुलकर एस, कुमार ए, मोहंती बी के, ठक्कर ए, एट ऑल। वेरिएशंस इन सुपीरियर थाइरॉइड आर्टरी : ए सिलेक्टिव एंजियोग्राफिक स्टडी। *इंडियन जे रेडियोल इमेजिंग* 2014;24:66–71.

553. गुप्ता पी, खण्डपुर एस, वेदी के, सिंह एम के, वालिया आर. एक्सेंथोमा डिस्सेमिनेटम एसोसिएटेड विद् इंफ्लेमेटरी आर्थराइटिस एण्ड सिनोविटिस – – ए रेयर एसोसिएशन। *पीडियाट्र डर्मेटोल* 2015 जनवरी-फरवरी;32(1):ई1–4.

554. गुप्ता पी, कुमारी ए, कृपलानी ए, भाटला एन. सिस्टर मैरी जोसेफन नोड्यूल एज़ द फर्स्ट एण्ड ओनली साइन ऑफ रिकरेंस इन ए केस ऑफ स्टेज आईए कार्सिनोमा ओवरी। *बीएमजे केस रेप* 2014 जनवरी 7; 2014.पीआईआई:बीसीआर 2013201779.

555. गुप्ता पी, मणि के, राय एस के, नॉन्गकायरिह बी, गुप्ता एस के, ऑथर रिप्लाई टू : फंक्शनल डिसेबिलिटी अमंग एलडली पर्संस इन ए रुरल एरिया ऑफ हरियाणा। *इंडियन जे पब्लिक हेल्थ* 2014 अक्तूबर-दिसंबर; 58(4):293–4.

556. गुप्ता पी, मित्तल आर, मित्तल एस, शंकर वी. वैशमन्न–नेटर–स्टहल सिंड्रोमः रिपोर्ट ऑफ टू केसिस एण्ड ट्रीटमेंट। बी एम जे केस रेप 2014 फरवरी 4;2014 पीआईआई:बीसीआर 2013201772 डीओआईः 10.1136/बीसीआर-2013-201772.

557. गुप्ता आर, भल्ला वाय पी. एंटीसायकोटिक इंड्यूस्ड क्रोनिक रिकरेंट ऑकुलोजिरिक क्राइसिस इन ए पेशेंट विद ऑब्सेसिव कॉम्पिलसिव डिस्ऑर्डर। *साइकोफार्माकोलॉजी* 2014 अगस्त;231(15):3065–6.

558. गुप्ता आर, सिंह पी, कुमार आर. शूड मेन विद् आइडियोपैथिक ऑब्स्ट्रक्टिव एजूस्पर्मिया बी स्क्रींड फॉर जेनिटोयूरिनरी ट्यूबरकुलोसिस? *जे हम रिपोर्ट साइंस* 2015 जनवरी-मार्च;8(1):43–7.

559. गुप्ता सिन्हा आर, सिंह पी, शर्मा एन, टंडन आर, टिटियाल जे एस. रोज – के वर्सस सोपर कान्टेक्ट लेंस इन केरोटोकंस : ए रेण्डोमाइज्ड कम्पेरेटिव ट्रायल। *मिडल ईस्ट अफ जे ऑफ्थेलमोल* 2014 जनवरी-मार्च;21(1):50–5.

560. गुप्ता आर के, शर्मा एम सी, चित्रागर एस, सिन्हा के, अग्रवाल एस, शर्मा आर. एपिथिलियलॉइड एंजियोमाइयोलिपोमा इन ए चाइल्ड – – ए डायग्नोस्टिक डिलेम्मा। *यूरोलॉजी* 2014;83(6):1394–7.

561. गुप्ता आर के, शर्मा एम सी, सुरी वी, कक्कड़ ए, सिंह एम, सरकार सी. स्टडी ऑफ क्रोमोसोम 9क्यू गैन, नॉच पाथवे रेगुलेटर्स एण्ड टेनेस्किन–सी इन एपेंडिमोमास। *जे न्यूरोऑंकोल* 2014;116:267–74.

562. गुप्ता एस, चौरसिया एस, शंकर एम जे, देवरारी ए के, पॉल वी के, अग्रवाल आर. नियोनेटल रिसर्च इन इण्डिया : करेंट स्टेट्स, चैलेंजिस, एण्ड द वे फॉरवर्ड। *इंडियन जे पीडियाट्र* 2014 नवंबर; 81(11):1212–20. इरेटम इन : इंडियन जे पीडियाट्र 2015 अप्रैल; 82(4):396
563. गुप्ता एस, गोगिया वी, सेन एस, वेंकटेश पी. पोस्टिरियर लेंस कैप्सूलर नियोवेस्कुलेराइजेशन ऑफ यंग : मैनेजमेंट यूजिंग एंडोडायथर्मी असिस्टेड बायोप्सी। *कैन जे ऑफ्थेलमोल* 2015 फरवरी; 50(1):ई4–7.
564. गुप्ता एस, गुप्ता एस, कुमार ए. द हाइपोडर्मिक नीडल एज़ ए डर्मेब्रेडिंग डिवाइस फॉर रिसेप्शंट एरिया प्रीपेरेशन फॉर स्किन ग्राफ्टिंग इन विटिलिगो। *जे अम एकैड डर्मेटोल* 2015 अप्रैल; 72(4):ई105–6.
565. गुप्ता एस, गुप्ता एस. ए सिम्पल, नोवल मैथड फॉर नेल फोटोग्राफी। *जे अम एकैड डर्मेटोल* 2015 मई;72(5):ई131.
566. गुप्ता एस, खोखर एस, अग्रवाल टी. ए केस ऑफ डिसेंटर्ड आईओएल मैनेज्ड विद् ऑप्टिक बटन होलिंग। इंट ऑफ्थेलमोल 2014 दिसंबर; 34(6):1189–92.
567. गुप्ता एस, मित्तल एस, नायक एन, सत्पथी जी, खोखर एस एण्ड अग्रवाल टी. इंविट्रो एंटीबायोटिक सबस्टीचुएशन ऑफ प्सुडोमोनस अरुजिनोसा कोर्नियल अल्सर आइसोलेट्स। *ऑकुलर इम्यूनोल इंफ्लेम* 2015 जून;23(3):252–5.
568. गुप्ता एस, शाह एस, सोम टी, सक्सेना एम, यादव सी पी, शंकर एम जे, एट ऑल। चैलेंजिस ऑफ इम्प्लिमेंटिंग यूनिवर्सल न्यूबोर्न हीरिंग स्क्रीनिंग एट ए टर्शरी केयर सेंटर फ्रॉम इण्डिया। *इंडियन जे पीडियाट्र* 2015 फरवरी 6.
569. गुप्ता एस, साहनी के, टेम्बहरे एम के, माथुर एस, शर्मा वी के. ए नोवल पॉइंट ऑफ केयर इन विवो तकनीक फॉर प्रीपरेशन ऑफ एपिडर्मल सेल सस्पेंशन फॉर ट्रांसप्लांटेशन विटिलिगो। *जे एम एकैड डर्मेटोल* 2015;72(2):ई65–6.
570. गुप्ता एस के, एंड्रेसन आर एच, कोठारी एस एस. पुल्मोनरी एट्रेसिया एण्ड इंटेक्ट वेंट्रिकुलर सेप्टम विद् ट्रांसपोज्ड आर्टेरियल ट्रंक्स। *कार्डियोल यंग* 2015;25:161.3.
571. गुप्ता एस के, कुमार बी, नाग टी सी, श्रीनिवासन बीपी, श्रीवास्तव एस, गौर एस, एट ऑल। इफेक्ट्स ऑफ ट्रिगोनेला फोइनम – ग्रेइकम (एल) ऑन रेटिनल ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस, एण्ड प्रोइंफ्लेमेटरी एण्ड एंजियोजेनिक मोलिकुलर बायोमार्कर्स इन स्ट्रेप्टोजोटोसिन – इंड्यूस्ड डायबिटीक रेट्स। *मोल सेल बायोकेम* 2014;388(1.2):1.9.
572. गुप्ता एस के, चोपड़ा ए, सिंह एस, कुमार आर, बख्शी एस, कुमार एल, एट ऑल। एब्सेंस ऑफ सीडी 9 एक्सप्रेशन इन एक्यूट माइलॉइड ल्यूकेमिया। पॉसिबल कॉरिलेशन विद् टी (8; 21)। *इंट जे लैब हेमेटोल* 2015;37:ई56.8.
573. गुप्ता एस के, दास जे, सक्सेना आर. ए रेयर केस ऑफ डबल हिटेरोजिगौज स्टेट फॉर एच बी डी एण्ड एचबीई *इंडियन जे पेथोल माइक्रोबायोल* 2015;58(1):126–7.
574. गुप्ता एस के, गुलाटी जी एस, सक्सेना ए, एच ओ एस वाय, जुनेजा आर. आइसोलेट आर्टिरियल इंवर्सन विदाउट ट्रांसपॉजिशन फिजियोलॉजीः येट अनदर "ट्विस्टेड हार्ट"। *वर्ल्ड जे पीडियाट्र कोंजिनिटल हार्ट सर्ज* 2014;5(3):488.490.
575. गुप्ता एस के, कोठारी एस एस, गुलाटी जी एस, नायर वी वी, राजशेखर पी, आर्यन बी. द ट्रंक विद् ए ट्विस्ट : राइट सीनस ओरिजन ऑफ पल्मोनरी आर्टरीज़ इन ए चाइल्ड विद कॉमन आर्टेरियल ट्रंक। *वर्ल्ड जे पीडियाट्र कोंजिनिटल हार्ट सर्ज* 2014;5:615.19.
576. गुप्ता एस के, कुमार आर. चाराकोडावाला टी, कुमार एल. सेकेण्डरी प्यूर एरिथायरॉइड ल्यूकेमिया इन रिलेप्स्ड एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया : लिंनीज स्विच ऑफ कीमोथेरेपी इफैक्ट? *बी एम जे केस रेप* 2014; 2014.
577. गुप्ता एस के, नॉन्गकायरिह बी, पाण्डव सी एस. पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन इन कम्युनिटी मेडिसिन : द एम्स मॉडल। *नेटल मेड जे इण्डिया* 2013 सितंबर-अक्तूबर;26(5):287–290.
578. गुप्ता एस के, पाण्डिया एम पी. एनेस्थेटिक मैनेजमेंट ऑफ ए केस ऑफ एर्मोरेड ब्रेन। *साउदी जे एनेस्थ* 2015;9:89–90.
579. गुप्ता एस के, सक्सेना ए, जुनेजा आर, गुलाटी जी एस. लेफ्ट मेन कोरोनरी एट्रीसिया इन ए चाइल्ड विद् एब्सेंट पल्मोनरी वॉल्व सिंड्रोमः अर्ली एंट्रेपमेंट ऑफ अन इन्नोसेंट बायस्टैंडर। *कोंजिनिटल हार्ट डिस* 2014;9:ई125-8.
580. गुप्ता एस के, सक्सेना ए. ए रिपोर्ट ऑन 5 (टीएच) कॉग्रेस ऑफ एशिया पैसिफिक पीडियाट्रिक कार्डियक सोसायटी, नई दिल्ली, इण्डिया, 6–9 मार्च 2014. *अन्न पीडियाट्र कार्डियोल* 2015;8:88-92.
581. गुप्ता वी, देवी के एस, कुमार एस, पाण्डे आर एम, सिहोता आर, शर्मा ए, गुप्ता एस. रिस्क ऑफ पेरिमेट्रिक ब्लाइंडनेस अमंग जुवेनाइल ग्लूकोमा पेशेंट्स। *ऑफ्थेलमिक फिजियोल ऑप्ट* 2015 मार्च;35(2):206–11.

582. गुप्ता वी, खुटे पी, पटेल ए, गुप्ता एस. नॉन – हीलिंग जेनिटल हर्पस मिमिकिंग डोनोवेनोसिस इन अन इम्युनोकोम्पेटेंट मैन। *इंट जे एस टी डी एड्स* 2016 जनवरी;27(1):72–4.

583. गुप्ता वी, राव ए, गुप्ता एस. स्क्रोटल क्युटेनियस टोक्सिसिटी : अन अनकॉमन बट इम्पोर्टेंट साइड – इफेक्ट ऑफ सुनीतिनिब। *जे यूर एकैड डर्मेटोल वेनेरिओल* 2014 जुलाई 25. doi:10.1111/jdv.12615.

584. गुप्ता वी, शेषाद्री डी, खैतान बी के, नाथ डी, मृधा ए आर. पेरिफेरल टी – सेल लिम्फोमा, नोट अदरवाइज स्पेसिफाइड प्रेजेंटिंग विद् मल्टीपल टेंडर क्युटेनियस नोड्यूल्स एण्ड प्लाक्वेस। *इंडियन जे डर्मेटोल वेनेरिओल लेप्रोल* 2015; 81(3):313–15.

585. गुप्ता वी, श्रीनिवास वी, मेहता एम, खैतान बी के, एण्ड रमम एम. मेजरमेंट प्रोपर्टिज़ ऑफ द विटिलिगो इम्पेक्ट स्केल – 22 (वीआईएस–22), ए विटिलिगो – स्पेसिफिक क्वालिटी – ऑफ – लाइफ इंस्ट्रूमेंट। *बी आर जे डर्मेटोल* 2014 नवंबर; 171(5):1084–90.

586. गुप्ता वाय के, कुमार बी डी. क्लिनिकल ट्रायल्स एण्ड इवोल्विंग रेगुलेटरी साइंस इन इण्डिया। *इंडियन जे फार्माकोल* 2014; 46 (6):575–8.

587. गुप्ता वाय के, पेशिन एस एस, स्नेक बाइट इन इंडिया : करंट सीनेरियो ऑफ अन ओल्ड प्रोब्लम। *जे क्लिन टोक्सिकोल* 2014;182. doi: 10.4172/2161-0495.1000182

588. गुप्ता वाय के, प्रधान ए के, गोयल ए, मोहन पी. कम्पेंसेशन फॉर क्लिनिकल ट्रायल – रिलेटिड इंजरी एण्ड डेथ इन इण्डिया : चैलेंजिस एण्ड द वे फॉरवर्ड। *ड्रग सेफ* 2014;37(12):995–1002.

589. हड्डा वी, खिलानी जी सी, नाल्लान आर, कुमार जी, गुलेरिया आर. इम्पेक्ट ऑफ वेंटिलेटर एसोसिएटेड न्यूमोनिया ऑन आउटकम इन पेशेंट्स विद् क्रोनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज एक्ससेरबेशन *लंग इंडिया* 2014;31:4–8.

590. हड्डा वी, मदन के, मोहन ए, कलाई यू, गुलेरिया आर. सक्सेसफुल फ्लेक्सिबल ब्रोंकोस्कोपिक मैनेजमेंट ऑफ डायनेमिक सेंट्रल एयरवे ऑब्स्ट्रक्शन बाय ए लार्ज ट्रेकीयल कार्सिनोइड ट्यूमर। *केस रेप पल्मोनल* 2014; 2014:349707.

591. हल्दर पी, कांत एस. कॉरेस्पोंडेंस : इंटरप्रीटिंग इंटरनेट – बेस्ड ट्रायल्स : स्टॉप एडवाइर फॉर स्मोकिंग सेसेशन। *लांसेट रेस्पीर मेड* 2015 मार्च;3(3):5–6.

592. हल्दर पी, रमेश वी, कांत एस. इफेक्ट ऑफ सेडेंटरी एक्टिविटी ऑन टेलोमेर लेंथ वे नोट बी सो स्ट्रेट फोर्वड। *बी आर जे स्पोर्टस मेड* पीआईआई : बीजेस्पोर्ट्स–2014-094473.

593. हल्दर ए, जैन एम, चौधरी आई, कुमार जी, दास टी के, गुप्ता वाय के. डार्क कलर्ड सिमेन इन नॉन ऑब्स्ट्रेक्टिव एजूस्पर्मिया : ए रिपोर्ट ऑफ 4 केसिस। *एंड्रोलॉजिया* 2014 अप्रैल;46(3):316–321.

594. हल्दर ए, कैंसेरोमिक्स एण्ड पी3 मेडिसिन। *जे क्लिन डायग्न रेस* 2015; 3:e104. doi:10.4172/jcdr.1000ई104

595. हल्दर ए. लेटरल डेवलपमेंट डिफेक्ट्स : अन ओवरव्यू। *ओपन जर्नल ऑफ ऑब्स्ट्रेट्रिक्स एण्ड गायनेकोलॉजी इन ओवरव्यू.* 2014;4:1006–36

596. हेमर डी एच, डर्मेस्टेडट जी एल, गार्लिन जे बी, जैदी ए के, येबोन – एंटवी के, शाहा एस के, रे पी, नारंग ए, मज्जी ई, कुमार पी, कपिल ए, जीना पी एम, देवरारी ए, एट ऑल; यंग इंफेंट्स क्लिनिकल साइंस स्टडी ग्रुप। एटियोलॉजी ऑफ बैक्टेरेमिया इन यंग इंफेंट्स इन सिक्स कंट्रीज़। *पीडियाट्र इंफेक्ट डिस जे* 2015 जनवरी;34(1):e1–8.

597. हरि पी, बग्गा ए. एंटीमाइक्रोबायोल प्रोफिलेक्सिया फॉर चिल्ड्रन विद् वेसिकोयूरेटेरल रिफ्लक्स। *एन इंगल जे मेड* 2014 सितंबर 11;371(11):1071–2.

598. हरि पी, हरि एस, सिन्हा ए, कुमार आर, कपिल ए, पाण्डे आर एम, बग्गा ए. एंटीबायोटिक प्रोफिलेक्सिया इन द मैनेजमेंट ऑफ वेसिकायूरेटेरिक रिफ्लक्स : ए रेण्डोमाइज्ड डबल ब्लाइंड प्लेसिबो – कंट्रोल्ड ट्रायल। *पीडियाट्र नेफ्रोल* 2015 मार्च ; 30(3):479–86.

599. हरि पी, रामकृष्णा एल, गुप्ता आर, कुमार आर, बग्गा ए. सिस्टेटिन सी – बेस्ड ग्लोमेरुलर फिल्ट्रेशन रेट एस्टीमेटिंग इक्वेशंस इन अर्ली क्रोनिक किडनी डिजीज। *इंडियन पीडियाट्र* 2014 अप्रैल; 51(4):273–7.

600. हरिप्रसाद जी, कोटा डी, भास्कर सिंह एस, श्रीनिवासन ए, अधिकारी एस. डिलाइनेशन ऑफ द स्ट्रक्चरल एलिमेंट्स ऑफ ओरिएंटल लिवर फ्लक पीएलए2 इसोफॉर्मस फॉर पोटेंट ड्रग डेसिग्निंग। *इंडियन जे क्लिन बायोकेम* 2014;29:430–41.

601. हरीश एम, सिंह ए, काई के, नाथ के, वर्मा जी, नंगा आर पी, हरिहरण एच, डेट्रे जे ए, इप्रेर्सोन एन, रेड्डी आर. हाई रिसॉल्यूशन मैपिंग ऑफ मोडिफिनिल इंड्यूस्ड चैंजिस इन ग्लूटेमेट लेवल इन रेट ब्रेन। *पीएलओएस वन* 2014 जुलाई 28;9(7):e103154.

602. हरीश एम, सिंह ए, मोहम्मद आई, अट्टीयेरी आर, नाथ के, नंगा आर पी, देब्रोस सी, कोगन एफ, कै के, पोप्टेनी एच, रेड्डी डी, हरिहरण एच, रेड्डी आर. इन विवो मैग्नेटिक रेसोनेंस इमेजिंग ऑफ ट्यूमर प्रोटीज़ एक्टिविटी। *साइं रेप* 2014 अगस्त 15;4:6081.

603. हसन आर, शर्मा आर, सराय ए, चट्टोपाध्याय टी के, दत्ता गुप्ता एस, वॉलफिश पी जी, चौहान एस एस, रल्हण आर. माइटोजन एक्टिवेटिड प्रोटीन काइनेस 3 (एमएपी3के3/एमईकेके3) ओवर एक्सप्रेशन इज अन अर्ली इवेंट इन इसोफेजियल टुमोरिजनसिस एण्ड इज ए प्रीडिक्टर ऑफ पुअर डिजीज प्रोग्नोसिस। *बी एम सी कैंसर* 2014 जनवरी; 14:2.

604. हसिजा एस, चौहान एस, मखिजा एन, सिंह एस पी, कुमार एस, तलवार एस, किरण यू. कम्पेरिजन ऑफ द हेइमोडायनेमिक इफैक्ट्स ऑफ द इंडक्शन एजेंट्स केटामाइन, इटोमीडेट, सेवाफ्लुरेंस यूजिंग द मॉडल ऑफ इलेक्ट्रिकल वेलोसिमेट्री बेस्ड सी ओ मोनिटरिंग इन पीडियाट्रिक कार्डियक सर्जिकल पेशेंट्स। *वर्ल्ड जे कार्डियोवेस्क सर्ज* 2014;4:167-75.

605. हटजेकिस ए, चुलानोव वी, गेडेनो ए सी, बर्गिन सी, बेन – अरी, जेड, मोसोंग जे, एट ऑल। द प्रेजेंट एण्ड फ्युचर डिजीज बर्डन ऑफ हेपेटाइटिस सी वायरस (एचसीवी) इंफेक्शंस विद टुडे ट्रीअमेंट पैराडिज्म–वॉल्यूम 2. *जे विरल हेपेट* 2015;22:26–45.

606. हाउकिंस एस एच, कोरैकी जे एन, बालागुरुनाथन वाय, जी यू वाय, कुमार वी, बासु एस, एट ऑल। प्रीडिक्टिंग आउटकम्स ऑफ नॉन स्मॉल सेल लंग कैंसर यूजिंग सीटी इमेज फीचर्स। *आई ई ई ई एक्सेसे* 2014; 2:1418-1426.

607. हजारी एन, जोसेफ ए, मेहता एम, सागर आर, असेस्मेंट ऑफ स्लीप डिस्टुरबेंसिस इन चिल्ड्रन विद् एटेंशन डिफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिस्ऑर्डर। *जे इंड एसोसिएशन फॉर चाइल्ड एण्ड एडोलसेंट मेंटल हेल्थ* 2015;11(1):56–79.

608. हजारिका ए, रथ जी पी. मोडिफाइड प्रोन पॉजिशनिंग फॉर डोर्सल स्पाइन सर्जरी इन ए पेशेंट विद पोस्टुरल डिफोर्मिटी ड्यू टू स्पेस्टिसिटी ऑफ लॉअर लिम्बस। *जे क्लिन एनेस्थ* 2014;26:582–4.

609. हजारिका ए, सिंह जी पी, मलिक वी, बिठल पी के. वेसोप्लेजिक सिंड्रोम। ए चैलेंजिस टू एनेइस्थेटिक मैनेजमेंट। *जै न्यूरोएनेस्थेसियोल क्रिट केयर* 2015;2:139–41.

610. हार्व एस, कृष्णा ए, डेवूड एफ एस, लेल पी, शाहा एस, राय एस एट ऑल। इंसिडेंस ऑफ इंफ्लुएंजा–एसोसिएटेड हॉस्पिटेलाइजेशन इन रुरल कॉम्युनिटिज़ इन वेस्टर्न एण्ड नर्दन इण्डिया, 2015 2010.2012: ए मल्टी साइट पॉपुलेशन–बेस्ड स्टडी। *जे इंफेक्ट* फरवरी; 70(2):160–70.

611. होडा बी, पण्डिया एम पी. पीडियाट्रिक डिफिकल्ट एयरवे : वीडियो लेरिंगोस्कोप टू द रेक्यू। *जे एनेस्थेसियोल क्लिन फार्माकोल* 2014;30:573–4.

612. हूडा बी, प्रभाकरण एच, सिंह जी पी, अली जेड, कल्याणी एम. फार्माकोलॉजिकल एण्ड नॉन फार्माकोलॉजिकल इंटरवेंशंस फॉर रिड्यूसिंग पेन ऑन रोक्युरोनियम इंजेक्शन–ए सिस्टेमेटिक रिव्यू। *जे न्यूरोएनेस्थेसियोल क्रिट केयर* 2014;1:94.

613. हपर्टज बी, घोष डी, सेनगुप्ता जे. अन इंटरग्रेटिव व्यू ऑन द फिजियोलॉजी ऑफ ह्यूमन अर्ली प्लेसेंटल विली। *प्रोग बायोफिजिक्स मोल बायोल* 2014 जनवरी;114(1):33–48.

614. हुसैन ए, चंदेल आर के, गनी एम ए, धर एम ए, रदर वाय एच, वानी जेड ए, एट ऑल। प्रीवलेंस ऑफ सायकियाट्रिक डिस्ऑर्डर्स इन पेशेंट्स विद ए डायग्नोसिस ऑफ पॉलिसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम इन कश्मीर। *इंडियन जे फिजिकोल मेड* 2014;30(11):781–4.

615. इहशान आर, चौहान पी एस, मिश्रा ए के, सिंह आई सी, शर्मा जे डी, जोमेवाय ई, एट ऑल। कॉपी नंबर पॉलिमोर्फिज्म ऑफ ग्लूटेथायोन एस ट्रांसफेरेस जीनस (जीएसटीएम1 एण्ड जीएसटीटी1) इन सस्सेप्टिबिलिटी टू लंग कैंसर इन ए हाई रिस्क पॉपुलेशन फ्रॉम नोर्थ ईस्ट इण्डिया। *इंडियन जे मेड रेस* 2014 मई;139(5):720–729.

616. इकबाल एन, शर्मा ए, नैरा वी, कुमार एल, बख्शी एस, कुमार आर एट ऑल। पूर रेस्पोंस टू स्टैण्डर्ड कीमोथेरेपी इन अर्ली टी प्रीक्युसर (ईटीपी) ऑः ए सबटाइप ऑफ टी–ऑल एसोसिएटेड विद अनफेवोरेबल आउटकमः ए ब्रिफ रिपोर्ट, *इंडियन जे हेमेटोल ब्लड ट्रांसफस* 2014;30:215–8.

617. इरशाद के, महापात्रा एस के, श्रीवास्तव सी, गर्ग एच, मिश्रा एस, दीक्षित बी, सरकार सी, एट ऑल। ए कॉम्बाइंड जीन सिगनेचर्स ऑफ हाइपोक्सिया एण्ड नोट पाथवे इन ह्यूमन ग्लियोब्लास्टोमा एण्ड इट्स प्रोग्नोस्टिक रिलिवेंस। *पी एल ओ एस वन* 2015मार्च;10(3):ई0118201.

618. इरुगु डी वी के, कुमार एम, कुमार एस, लोका एस आर, रेड्डी एस. फोरिजन बॉडिज इन द एयर वे – ए क्लिनिकल स्टडी www-orljournal.in /Vol- 4/ISSUE-4/ORL- 21212514 /Pg 18–21

619. इश्मेल जे, धवमन एल, शंकर जे. हाइपोकैलसेमिया, पैराथायरॉइड हार्मोन एण्ड कैलसिटोनिन लेवल्व–एसोसिएशन इन क्रिटिकली इल चिल्ड्रन। *इंडियन पीडियाट्र* 2015 मार्च;82(3):210–1.

620. इसरानी ए, चक्रबर्ती बी, गुलेटी एस, मोहमद ए, कुमार ए, सबले एम एन, सुरी वी. जियांट एक्सोनल न्यूरोपैथी। ए क्लिनिकोकार्डियोपैथोलॉजिकल डायग्नोसिस। *न्यूरोलॉजी* 2014 मार्च;82(9):816–7.

621. जैकब टी जी, कौल जे एम. मोर्फोलॉजी ऑफ द ओल्फैक्टरी फोस्साः ए न्यू लूक. *जे एंट सोश. इंडिया* 2014;63:30–35.

622. जैकब टी जी, राघव आर, कुमार ए, गर्ग पी के, रॉय टी एस. ड्यूरेशन ऑफ इंजरी कोरिलेट्स विद नेक्रोसिस इन केरूलीन–इंड्यूस्ड एक्सपेरिमेंटल एक्यूट पैनक्रियाटाइटिसः इम्प्लीकेशंस फॉर पैथोफिजियोलॉजी. *इंट जे एक्सप. पैथोल* 2014 जून;95(3):199–208.

623. जैकब टी जी, श्रीकुमार वीआई, रॉय टी एस, गर्ग पी के. इलेक्ट्रोन–माइक्रोस्कोपिक एविडेंस ऑफ माइटोकॉन्ड्रिया कनटेनिंग मैक्रोऑटोफेजी इन एक्सपेरिमेंटल एक्यूट पैंक्रियाटाइटिसः इम्प्लीकेशंस फॉर सेल डेथ. *पैंक्रियाटाइटिस* 2014;14(6):454–468.

624. जैकब टी जी. फास्ट–ट्रैक मेडिकल कोर्स एंड इट्स इम्प्लीकेशंस. *एंट. साइं एजुके.* 2014 जुलाई–अगस्त;7(4):329.

625. जाधव जी आर, शाह एन, लोगनी ए. प्लेटलेट–रीच प्लाज्मा सप्लीमेंटिड रिवेस्कुलराइजेशन ऑफ एन इमच्योर टूथ एसोसिएटिड विद ए पेरिएपिकल लेशन इन ए 40–इयर ओल्ड मैन. *केस रैप. डेंट* 2014;2014:479–584.

626. जगिया एन, वर्मा एस पी, ठकराल डी, जोशी पी, दुर्गापाल एच, पांडा एस के. आरएनए–सिक्व बेस्ड ट्रांसक्रिप्टोम एनालायसिस ऑफ हेपेटाइटिस ई वायरस (एचईवी) एंड हेपेटाइटिस बी वायरस (एचबीवी) रेप्लिकोन ट्रांसफेक्टिड हुह–7 सेल्स. *पीएलओएस वन* 2014;9(2):ई87835.

627. जाहन्वी एस, पूवाज़गी वी, कांथिमेथी एस, बालामुरूगन के, बोधिनी डी, यादव जे, जैन वी, खड़गावत आर, सिकदर एम, भावथारिनी ए, दास ए के, कौर टी, मोहन वी, राधा वी. नोवल एबीसीसी8 (एसयूआर1) जीन म्यूटेशंस इन एशियन इंडियन चिल्ड्रन विद कंजेनाइटल हाइपरइंसुलिनेमिक हायपोग्लायसेमिया. *एन ह्यूमन जीनेट* 2014 सितंबर;78(5):311–9.

628. जयदेव एल आर, भावसर डी वी, शर्मा यू, जगन्नाथन एन आर, कृष्णन यू एम, सेतुरमन एस. इंजीनियर्ड मल्टीफंक्शनल नैनोमेटेरियल्स फॉर मल्टीमॉडल इमेजिंग ऑफ रेटिनोब्लास्टोमा सेल्स इन विट्रो. *जे बायोमैटर साइं पॉलीम. ईडी* 2014;25(11):1093–109.

629. जैन ए, त्यागी पी, कौर पी, पुलियल जे, श्रीनिवास वी. एसोसिएशन ऑफ बर्थ ऑफ गर्ल विद पोस्टनेटल डिप्रेशन एंड एक्सक्लूसिव ब्रेस्टफीडिंगः एन ऑब्सर्वेशनल स्टडी. *बीएमजे ओपन* 2014;4(6):ई003545.

630. जैन डी, अरवा एस, मिश्रा बी, शर्मा एस, शर्मा आर, प्रसाद आर. सॉफ्ट टिशू जाइंट सेल ट्यूमर ऑफ लो मेलिग्नेंट पोटेंशियल ऑफ मेडिएस्टिनियमः ए रेयर केस रिपोर्ट. *इंट जे सर्ज पैथोल* 2015 फरवरी;23(1):71–4.

631. जैन डी, अरवा एस, मिश्रा बी, शर्मा एस, शर्मा आर, प्रसाद आर. सॉफ्ट टिशू जाइंट सेल ट्यूमर ऑफ लो मेलिग्नेंट पोटेंशियल ऑफ मेडिएस्टिनियमः ए रेयर केस रिपोर्ट. *इंट जे सर्ज पैथोल* 2015;23:71–4.

632. जैन डी, माथुर एस आर, गुलेरिया आर, अय्यर वी के. यूटिलिटी एंड पैटर्न ऑफ पोसिटिविटी ऑफ पी40 इन द डायग्नोसिस ऑफ स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा ऑफ द लंग बाय सायटोलॉजीः द फर्स्ट स्टडी ऑन फाइन नीडल एस्पिरेशन सीमर्स. *सायटोपैथोलॉजी* 2014 अक्तूबर;25(5):330–5.

633. जैन डी, माथुर एस आर, अय्यर वी के. सेल ब्लॉक्स इन सायटोपैथोलॉजीः ए रिव्यू ऑफ प्रीपेरेटिव मेथड्स, यूटिलिटी इन डायग्नोसिस एंड रोल इन एंसिलिरी स्टडीज.*सायटोपैथोलॉजी* 2014 दिसबंर;25(6):356–71.

634. जैन डी, माथुर एस आर, शर्मा एम सी, अय्यर वी के. सायटोर्मोफोलॉजी ऑफ सबसियस सेबैसेयस कार्सिनोमा विद एनालायसिस ऑफ पी40 एंटीबॉडी एक्सप्रेशन. *डायग्न सायटोपैथोल* 2015 जून;43(6):456–61.

635. जैन डी. स्टीटोहेपेटाइटिस हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमाः ए मेटाबोलिक सिंड्रोम एसोसिएडिट कार्सिनोमा. *हिस्टोपैथोलॉजी* 2015 अगस्त;67(2):267.

636. जैन डी. टिशू डायग्नोसिस ऑफ हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा. *जे क्लिन एक्सप हेपेटोल* 2014;3(पूरक 3):एस1–एस7.

637. जैन के. महापत्रा टी, दास पी मिश्रा एम सी, दत्ता गुप्ता एस, घोष एम, एट अल. सिक्वेंशियल ओकोरेंस ऑफ प्रीन्यूप्लास्टिक लेशंस एंड एक्यूमुलेशन ऑफ लॉस ऑफ हेटेरोजाइगोसिटी इन पेशेंट्स विद गालब्लेडर स्टोंस सगेस्ट कॉसल एसोसिएशन विद गालब्लेडर कैंसर. *एन. सर्ज.* 2014 दिसंबर;260(6):1073–80.

638. जैन पी. चक्रबर्ती बी, कुमार ए, गुप्ता एन, काबरा एम, गुलाटी एस. एंसेफेलोक्रेनियोक्यूटेनियस लिपोमेटोसिस विद न्यूरोक्यूटेनियस मेलेनोसिस. *जे चाइल्ड न्यूरोल* 2014 जून;29(6):846–9.

639. जैन पी. ढींगरा डी, कुमार ए, शर्मा एस, चंद्रा जे, अनेजा एस. लिसेनेसेफेली विद सबकोर्टिकल बैंड हेटेरोटोपिया इन एन इंडियन फैमिली. *इंडियन जे पीडियाट्रि* 2014 अगस्त;81(8):844–5.

640. जैन पी, गुलाटी एस, सेठ आर, बख्शी एस, टूटेजा जी एस, पाण्डे आर एम. विंक्रिस्टाइन–इंड्यूस्ड न्यूरोपैथी इन चाइल्डहुड एएलएल (एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया) सर्वाइवर्सः प्रीवेलेंस एंड इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल कैरेक्टरस्टिक्स. *जे चाइल्ड न्यूरोल* 2014 जुलाई;29(7):932–7.

641. जैन पी, गुलाटी एस, टूटेजा जी एस, बख्शी एस, सेठ आर, पाण्डे आर एम. सीरम अल्फा टोकोफेरोल, विटामिन बी12 एंड फोलेट लेवल्स इन चाइल्डहुड एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया सर्वाइवर्स विद एंड विदआउट न्यूरोपैथी. *जे चाइल्ड न्यूरोल* 2015 मई;30(6):786–8.

642. जैन पी, सहगल आर कान्नन एल, कुमार ए, गुलाटी एस. 'डबल मिडब्रेन' साइन इन एक्सटेंसिव ऑप्टिक पाथवे ग्लियोमा इन न्यूरोफाइब्रोमेटोसिस–1,. *इंडियन जे पीडियाट्रि* 2014 जून;81(6):631–2.

643. जैन पी, शास्त्री एस, गुलाटी एस, कालीकल टी, काबरा एम, गुप्ता एन, वाई के, पाण्डे आर एम. प्रीवेलेंस ऑफ यूजीटी1ए6 पॉलीमॉर्फिज्म्स इन चिल्ड्रन विद एपिलेप्सी ऑन वेलप्रोएट मोनोथेरैपी. *न्यूरोल इंडिया* 2015 जनवरी–फरवरी;63(1):35–9.

644. जैन आर. एन एफिशिएंट स्क्रीनिंग मेथड्स फॉर डिटेक्शन ऑफ टोल्यूनि– बेस्ड इंहेलेंट एब्यूज इन यूरिन बाय गैस क्रोमेटोग्राफी–नाइट्रोजन फास्फोरस डिटेक्टर. *एडिक्ट डिस्ऑर्ड थेयर ट्रीट.* 2015;14(1):47–52.

645. जैन आर. बुक रिव्यू एनटाइटल्ड ''डब्ल्यूएचओ एक्सपर्ट कमिटी ऑन ड्रग डिपेंडेंस, थर्टी– फिफ्थ रिपोर्ट'' डब्ल्यूएचओ जिनेवा, 2012. *इंडियन जे मेड रेस.* 2014;139:789–791.

646. जैन एस, करूणानिधि एस, अग्रवाल के के, कुमार जी, रॉय एस जी, त्रिपाठी एम. इंक्रिमेंटल वैल्यू ऑफ सिंगल फोटोन एमिशन टोमोग्राफी/कम्प्यूटिड टोमोग्राफी इन 3–फेस बोन सिंटीग्राफी ऑफ एन एस्सेसरी नेविकुलर बोन. *इंडियन जे न्यूक्लि मेड* 2014 जुलाई;29(3):191–2.

647. जैन एस, करूणानिधि एस, शर्मा पी, सिंगला एस, कुमार आर. मेटास्टेसिस टू हर्नियल सेक डिटेक्टिड ऑन (18) एफ–एफडीजी पीईटी/सीटी. *क्लिन न्यूक्लि मेड* 2014 जुलाई; 39(7):637–9.

648. जैन एस, करूणानिधि एस, सिंगला एस, कुमार ए, बाल सी, कुमार आर.[18] एफ–एफडीजी पीईटी/सीटी इन वोर्सेनिंग ऑफ प्राइमरी स्लेरोसिंग कोलनजाइटिस कोंकोमिटेंट विद इम्प्रूव्ड लैंगरहैंस सेल हिस्टियोसाइटोसिस. *रेव एस्पे मेड न्यूक्लि इमेजन मॉल* 2014 नवंबर–दिसंबर;33(6):386–7.

649. जैन एस, शर्मा पी, करूणानिधि एस, बाल सी, कुमार आर. (18) एफ–एफडीजी पीईटी/सीटी इमेजिंग इन ए सेल्डोम केस ऑफ प्राइमरी मेलिग्नेंट मेलेनोमा ऑफ ड्यूडेनम. *इंडियन जे न्यूक्लि मेड* 2015 जनवरी–मार्च;30(1):89–90.

650. जैन एस, सिन्हा एस, शर्मा एस के, सामंतराय जे सी, अग्रवाल पी, विक्रम एन के, बिस्वास ए, सूद एस, गोयल एम, दास एम, विष्णुभाटला एस, खान एन. प्रोकैलसिटोनिन एज़ ए प्रोग्नोस्टिक मार्कर फॉर स्पेसिसः ए प्रोस्पेक्टिव ऑब्सर्वेशनल स्टडी. *बीएमसी रेस नोट्स* 2014 जुलाई 17;7:458.

651. जैन टी के, करूणानिधि एस, ढल वी एस, रॉय एस जी, कुमार आर. कार्सिनोमा ऑफ अननोन प्राइमरी ऑफ न्यूरोएंडोक्राइन ओरिजिन : एक्यूरेट डिटेक्शन ऑफ प्राइमरी विद (68) जीए–लेबल्ड (1, 4, 7, 10–टेट्राजेसायक्लोडोडीकेन–1, 4, 7, 10– टेट्रासेटिक एसिड)–1–एनआई3–ऑक्टेरोटाइड पोजिट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी/कम्प्यूटिड टोमोग्राफी एंटेरोग्राफी. *इंडियन जे न्यूक्लि मेड* 2014 अप्रैल;29(2):122–3.

652. जैन वी, माथुर वी पी, पिल्लै आर एस, कालरा एस. प्रीलिमिनरी स्टडी टू फाइंड आउट मैक्सिमम ओकल्यूसल बाइट फोर्स इन इंडियन इंडिविजुअल्स. *इंडियन जे डेंट रेस* 2014 मई–जून;25(3):325–30.

653. जैन वी. मैनेजमेंट ऑफ टाइप 1 डायबिटिस इन चिल्ड्रन एंड एडोलेसेंट्स. *इंडियन जे पीडियाट्रिक* 2014 फरवरी;81(2):170–7.

654. जायसवाल ए के, भागवत एम. डिफेरेंशियल पल्स कैथोडिक स्ट्रीपिंग वोल्टेमेट्रिक डिटरमिनेशन ऑफ ट्रेस लेवल ऑफ आर्सेनिक इन ब्लड एंड यूरिन ऑफ ए पोइजंड पेशेंट–ए केस स्टडी. *इंडियन जे फोरेंसिक मेड पैथोल* 2014;7(4):153–6.

655. जायसवाल ए, मृधा ए आर, नाथ डी, भल्ला ए एस, ठक्कर ए. इंट्रापेरोयड फेशियल नर्व स्चवेनोमाः ए केस रिपोर्ट. *वर्ल्ड जे क्लिन केसिस* 2015 मार्च;3(3):322–6.

656. जायसवाल ए के, बाल सी, दाम्ले एन ए, बल्लाल एस, गोस्वामी आर हरि एस, कुमार पी. कम्प्रेशन ऑफ क्लिनिकल आउटकम आफ्टर ए फिक्सड डोस वर्सेस डोसिमेट्री–बेस्ड रेडियोआयोडिन ट्रीटमेंट ऑफ ग्रेव्स' डिजीजः रिजल्ट्स ऑफ ए रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्टड ट्रायल इन इंडियन पॉपुलेशन. *इंडियन जे एंडोक्राइनोल मेटाब* 2014 सितंबर;18(5):648–54.

657. जायसवाल ए के, लोहानी एम, श्रीवास्तव पी, माइलो टी, गुप्ता एस के. डिफ्रेंशियल पल्सिस एडसोरप्टिव स्ट्रीप्पिंग वोल्टेमेट्री (डीपीएसएवी) डिटर्मिनेशन ऑफ मरकरी (एचजी) इन ब्लड यूजिंग गोल्ड रोटेटिंग डिस्क इलेक्ट्रोड (आरडीई). *रेस जे फोरेंसिक साइं* 2014;2(2):1–4.

658. जायसवाल ए के, शर्मा के, ल्यूकोस एस, माइलो टी. स्क्रीनिंग/स्पॉट टेस्ट ऑफ एंटीहिस्टेमिनेस. *इंट जे एडव फार्मेसी मेड बायो अलाइयड साइं* 2014;2(3):50–5.

659. जायसवाल ए के, शर्मा के, सिंह एन ल्यूकोस एस, माइलो टी. स्क्रीनिंग/स्पॉट/कलर टेस्ट ऑफ एंटी–कोलीनर्जिक. *इंट जे एडव. रेस* 2014;1(4):156–161.

660. जायसवाल एम, गुप्ता ए, डिंडा ए के, कौल वी. एन इंवेस्टिगेशन स्टडी ऑफ जिलेटिन रिलीज फ्रॉम सेमी–इंटरपेंट्रेटिंग पॉलीमेरिक नेटवर्क हायड्रोजेल पैच फॉर एक्सेशन वॉन्ड हीलिंग ऑन विस्टर रैट मॉडल. *जे एप्पल. पॉलीम साइं* 2015;132:42120.

661. जजोडिया ए, कौर एच, कुमारी के, गुप्ता एम, बघेल आर, श्रीवास्तव ए, सूद एम, चड्ढ़ा आर के, जैन एस, कुक्रेती आर. एविडेंस फॉर सिजोफेरियन सस्सिपटिबिलिटी एलिल्स इन द इंडियन पॉपुलेशनः एन एसोसिएशन ऑफ न्यूरोडेवलपमेंट जींस इन केस – कंट्रोल एंड फैमिलियल सैंपल्स. *सिजोफेरि रेस* 2015 मार्च; 162(1-3):112–7.

662. जालान डी, मोरे वी एम, मित्तल आर, पन्नू सी डी. ट्रांसिएंट पटेलर डिस्लोकेशन रिजल्टिंग इन साइमलटेनियस ओस्टियोकोंडरल फ्रैक्चर्स ऑफ पटेला एंड लेटेरल फेमोरल कोंडायल–ए केस रिपोर्ट. *जे क्लिन डायग्ने रेस* 2014;8(10):एलडी04–6.

663. जालान आर, युरदायदिन सी, बजाज जे एस, आचार्य एस के, अरोयो वी, लिन एच सी, एट ऑल. टूवर्ड एन इम्प्रूव्ड डेफिनेशन ऑफ एक्यूट–ऑन – क्रोनिक लीवर फेलियर. *गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी* 2014;147:4–10.

664. जालवाल जी के, राजगोपालन वी, बिंद्रा ए, रथ जी पी, गोयल के, कुमार ए, गमनगट्टी एस. पर्क्यूटेनियस रिट्रिवल ऑफ मलपोजिशंड, किंकेड एंड अनरेवेल्ड गाइड वायर अंडर फ्लोरोस्कोपिक गाइडेंस ड्यूरिंग सेंट्रल वेनस केन्नुलेशन. *जे एनीस्थिसियोल क्लिन फर्माकोल* 2014 अप्रैल; 30(2):267–9.

665. जमशेद एन, एक्का एम, अग्रवाल पी, नारायण एस. सीवियर हाइपोग्लाइसीमिया एज़ ए प्रेजेंटिंग फीचर्स ऑफ एल्यूमिनियम फोफाइड पोइजनिंग. *एन सऊदी मेड* 2014;34:189–190.

666. जमशेद एन, मदान के, एक्का एम, गुलेरिया आर. सक्सेस्फुल फ्लेक्सिबल ब्रोनकोसोसिक मैनेजमेंट ऑफ ए लार्ज– साइज्ड एस्पिरेटिड पार्टिकल डेंचर. *बीएमजे केस रैप.* 2014; 2014.

667. जमशेद एन, ओजैर एफ एफ, अग्रवाल पी, एक्का एम. यूटिलिटी ऑफ डायग्नोसिस ऑफ ट्यूबरकुलोसिस इन एन ओवरक्राऊडिड इमरजेंसी डिपार्टमेंट. *जे इमरज. मेड* 2014 दिसंबर;47(6):ई158.

668. जाट के आर, मैथ्यू जे एल. कंटीन्यूयस पॉजीटिव एयरवे प्रेशर (सीपीएपी) फॉर एक्यूट ब्रोंकियोलाइटिस इन चिल्ड्रेन. *कोक्रेन डेटाबेस सिस्ट रेव* 2015 जनवरी 7;1:सीडी 010473.

669. जयकार पी, गैलार्ड डब्ल्यू डी, त्रिपाठी एम, लिबेंसन एम एच, मेथेरन जी डब्ल्यू, क्रॉस जे एच. डायग्नोस्टिक टेस्ट यूटिलाइजेशन इन एवेल्यूएशन फॉर रिसेक्टिव एपिलेप्सी सर्जरी इन चिल्ड्रन. *एपिलेप्सिया* 2014;55:507–18.

670. जयराज पी, सेन, एस शर्मा ए, चोस्डल के, कश्यप एस, राय ए, पुष्कर एन, बजाज एम एस. आइलीड सेबेकेयस कार्सिनोमा : ए नोवल म्युटेशन इन लिम्फोयड इंहैंसर–बाइंडिंग फैक्टर1 (एलईएफ 1). बीआर जे डर्मेटोल 2015 सितंबर; 173(3):811–4.

671. झा ए के, गार्डे पी, देवगौरू वी, चौहान एस, किरण यू. द इफेक्ट ऑफ वॉल्यूम लोडिंग ऑन सिस्टेमिक ऑक्सिजीनेशन आफ्टर बिडीरेक्शनल सुपिरियर कैवोपल्मोनरी एनास्टोमोसिस. एन थोर सर्ज. 2014;97(3):932037.

672. झा ए के, मलिक वी, होते एम, मिनीमली इंवेसिव कार्डियक सर्जरी एंड ट्रांसइसोफेगियल इकोकार्डियोग्राफी. *एन कार्डियक एनीस्थिसिया* 2014;17:125-32.

673. झा पी, पाई पैट्रिक आई आर, शुक्ला एस, पाठक पी, पाल जे, शर्मा वी, सूरी वी, शर्मा एम सी, सरकार सी, एट ऑल. जीनोम–वाइड मिथाइलेशन प्रोफाइलिंग आइडेंडिफाइस एन एसेंशियल रोल ऑफ रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पेशिस इन पीडियाट्रिक ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफोरम एंड वेलिडेट्स ए मिथाइलोम स्पेसिफिक फॉर एच3 हिस्टोन फैमिली 3ए विद एब्सेंस ऑफ जी–सीआईएमपी/आइसोसिट्रेट डिहाइड्रोजींस 1 म्यूटेशन. *न्यूरो ओंको* 2014 दिसंबर; 16(12):1607–17.

674. झांजी एस. डिस्लेक्सिया एंड सबस्टेंस एब्यूज : द अंडर–रिकोग्नाइज्ड लिंक. *इंडियन जे साइकोल मेड* 2015;37:374-5.

675. जॉन जे, कावडे ए, चंदोला टी आर, भावडेकर ए, भंडारी एन, तनेजा एस, एंथनी के, भटनागर वी, गुप्ता ए, काबरा एम, कांग जी. एक्टिव सर्विलांस फॉर इंट्सेप्शन इन ए फेज।।। ट्रायल ऑफ एन ओरल मोनोवेलेंट रोटावायरस वैक्सीन इंडिया. *वैक्सीन* 2014 अगस्त; 32(पूरक1): ए104–9.

676. जॉनसन सी, मोहन एस, प्रवीण डी, वूडवार्ड एम, मौलिक पी के, शिवशंकर आर, एट ऑल. प्रोटोकॉल फॉर डेवलपिंग द एविडेंस बेस फॉर ए नेशनल सॉल्ट रिडक्शन प्रोग्राम फॉर इंडिया. *बीएमजे ओपन* 2014 अक्तूबर;4(10):ई 006629

677. जोरवाल पी, केशवानी पी, वर्मा आर. एसोसिएशन ऑफ एक्नथोसिस निग्रीकेंस विद एंथ्रोपोमेट्रिक एंड बायोकेमिकल पैरामीटर्स इन यंग इंडियन मेल्स. *एन नाइजीरियन मेड* 2014;8:65–8.

678. जोस ए, नागोरी एस ए, भूटिया ओ, रॉय चौधरी ए. ओडोंटोजेनिक इंफेक्शन एंड पैकिमेनिंजाइटिस ऑफ द केर्वेनस सिनस. *बीआर जे ओरल मैक्सिलो फैक सर्ज* 2014 जुलाई;52(6):ई 27–9.

679. जोस ए, नागोरी एस ए, विरखड़े ए, भट्ट के, भूटिया ओ, रॉयचौधरी ए. पिजोलेक्ट्रिक ओस्टियोआर्थ्रेक्टॉमी फॉर मैनेजमेंट ऑफ एंकायलोसिस ऑफ द टेंपोरोमेंडिबुलर जॉइंट. *बीआर जे ओरल मैक्सिलोफेक सर्ज* 2014 सितंबर; 52(7):624–8.

680. जोस बी, लोधा आर, काबरा एस के. कम्पेरिज़न ऑफ टू न्यू जेनेरेशन पल्स ऑक्सिमीटर्स विद आर्टरियल ऑक्सीजन सेट्यूरेशन इन क्रिटिकली आई11 चिल्ड्रनः ऑथर्स रिप्लाई. *इंडियन जे पीडियाट्रि.* 2015;82(7):667.

681. जोशी एम के, गुप्ता पी, सिंह टी. पोर्टफोलियो – बेस्ड लर्निंग एंड असेस्मेंट. *इंडियन पीडियाट्रि* 2015 मार्च 8;52(3):231–5.

682. जोशी एन, मलिक एस, हरेश के पी, गांधी ए, प्रभाकर आर, लविराज एम ए, एट ऑल. मॉडर्न कीमोरेडिएशन प्रेक्टिसिस फॉर मेलिग्नेंट ट्यूमर्स ऑफ ट्रेकियाः एन इंस्टीट्यूशनल एक्सपीरियंस. *इंडियन जे कैंसर* 2014;51:241–244.

683. जोशी पी, सुब्बिह एन, ठुकराल ए. परसेप्शन ऑफ हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स ऑन न्यूनेटल इंटेंसिव केयर सर्विसेज इन एनआईसीयू ऑफ सिलेक्टिड टर्शरी हॉस्पिटल, नई दिल्ली. *जे ह्यूमन पर्सप पोपुल* 2014 जनवरी–जून;35(1).

684. जोशी पी, वत्स एम. एन एक्सप्लोरेटरी सर्वे टू आइडेंटिफाइ द डिटर्मिनेट्स ऑफ हेल्थ केयर सर्विसेज यूटिलाइजेशन बाय अंडर फाइव चिल्ड्रन इन ए सिलेक्टिड विलेज ऑफ झज्जर, हरियाणा. इंट जे *नर्सिंग एजुके* 2015 जनवरी–मार्च;7(15):450–454.

685. जोशी पी, वत्स एम. नॉलेज, एटिट्यूड एंड परफॉर्मेंस ऑफ आईएमएनसीआई ट्रेंड नर्सिंग पर्सनलः एन एवेल्यूएशन सर्वे. *इंडियन पीडियाट्रि* 2014 मई;81(5):450–4.

686. जोशी आर, त्रिपाठी एम, गुप्ता पी, गुप्ता वाई के. इफेक्ट ऑफ क्लोबेजम एज एड–ऑन एंटीएपिलेप्टिक ड्रग इन पेशेंट्स विद एपिलेप्सी. *इंडियन जे मेड रेस* 2014;140(2):209–15.

687. जोशी एस आर, अंजना आर एम, दीपा एम एट ऑल. प्रीवेलेंस ऑफ डिसलिपिडेमिया इन अर्बन एंड रूरल इंडियाः द आईसीएमआर–इंडिया बी स्टडी. *पीएलओएस वन* 2014;9:ई6808.

688. जोटवानी पी, श्रीवास्तव वी, त्रिपाठी एम, डियो आर सी, बेबी बी, दामोदरन एन, सिंह आर, सूरी ए, बेत्ताग एम, रॉय टी एस, बुसर्ट सी, मेहलिट्स एम, लालवानी एस, गर्ग के, पॉल के, प्रसाद एस, बनर्जी एस, कालरा पी, कुमार एस, शर्मा बी एस, महापात्रा ए के. फ्री–एक्सिस ओपन–सोर्स ई–लर्निंग इन कॉम्प्रीहेंसिव न्यूरोसर्जरी स्किल ट्रेनिंग. *न्यूरोल इंडिया* 2014 जुलाई–अगस्त;62(4):352–61.

689. जुनेजा एम, जैन आर, चक्रबर्ती बी, मिश्रा डी, साबू पी. इंडियन चिल्ड्रन विद डेवलपमेंटल डिसेबिलिटिस : अर्ली वर्सेस लेट रेफरल फॉर इंटरवेंशन. *इंडियन जे पीडियाट्रि* 2014 नवंबर;81(11):1177–81.

690. जुनेजा एम, मिश्रा डी, रसेल पी एस, गुलाटी एस, देशमुख वी, टुडू पी, सागर आर, सिल्बेरबर्ग डी, भूटानी वी के, पिंटू जे एम, डर्किन एम, पाण्डे आर एम, नायर एम के, अरोड़ा एन के; आईएनसीएलईएन स्टडी ग्रुप. आईएनसीएलईएन डायग्नोस्टिक टूल फॉर ऑस्टिज्म स्पेक्ट्रम डिस्ऑर्डर (आईएनडीटी–एएसडी): डेवलपमेंट एंड वेलिडेशन. *इंडियन पीडियाट्रि* 2014 मई;51(5):359–65.

691. ज्योत्सना वी पी, धवन ए, श्रीनिवास वी, दीपक के के, सिंगला आर. कम्प्लीशन रिपोर्ट : इफेक्ट ऑफ कॉम्प्रीहेंसिव योगिक ब्रीथिंग प्रोग्राम ऑन टाइप 2 डायबिटीसः ए रेंडोमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल. *इंडियन जे एंडोक्राइनोल मेटाब* 2014 जुलाई;18(4):582–4.

692. ज्योत्सना वी पी, रायजादा एन, चक्रबर्ती एस, पाल एस. अकेंथोसिस निग्रिकेंस इन इंसुलिनोमा. *इंडियन जे एंडोक्राइनोल मेटाब* 2014 सितंबर;18(5):739.

693. ज्योत्सना वी पी. प्रीडायबिटीस एंड टाइप 2 डायबिटीस मेलिटसः एविडेंस फॉर इफेक्ट ऑफ योगा. *इंडियन जे एंडोक्राइनोल मेटाब* 2014 नवंबर;18(6):745–9.

694. कच्छावा जी, कृपलानी ए, बडिगर एस, खड़गावत आर, भाटला एन, अग्रवाल एन. ओविरियन प्रीमिंग बाय डीहाइड्रोएपिएंड्रोस्टेरोन इन इंफर्टाइल वूमन विद प्रीमिच्योर ओवरियन फेलियर इन गोनाडोट्रोपिन–आईयूआई साइकिल. *बीजेओजी* 2014;121एस 2:ईपी 6.16(83).

695. कैरो ए के, सिक्का के, कुमार आर, कुदावला के. एन ओब्लिवियस कोलेस्टिटोमा. *इंडियन जे ऑटोल* 2014;20(2):93

696. कक्कड़ ए, गुप्ता आर के, दाश एन आर, अफ्शां आई, सूरी वी. लिम्फोएपिथेलियोमा–लाइक कार्सिनोमा ऑफ द स्टमक विद इंसिडेंटल गैस्ट्रोइंटेस्टिनल स्ट्रोमल ट्यूमर (जीआईएसटी)–ए रेयर साइंक्रोनी ऑफ टू ट्यूमर्स. *जे गैस्ट्रोइंटेस्ट कैंसर* 2014 दिसंबर;45 पूरक 1:120–4.

697. कक्कड़ ए, कुमार ए, झा पी, गोयल एन, मलिक एस, शर्मा एम सी, एट ऑल. मेंनिजियल हिमेंजियोपेरिसाइटोमासः ए क्लिनिकोपैथोलॉजिकल स्टडी विद इम्फेसिस ऑन एमजीएमटी (ओ(6)–मिथाइलुनियन–डीएनए मेथायल्ट्रांस्फेरेस) प्रोमोटर मिथाइलेशन स्टेट्स. *न्यूरोपैथोलॉजी* 2014;34:333–42.

698. कक्कड़ ए, माथुर एस आर, जैन डी, अय्यर वी के, नालवा ए, शर्मा एम सी. यूटिलिटी ऑफ डीओजी1 इम्यूनोमार्कर इन फाइन नीडल एस्पायरेट्स ऑफ गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्ट्रोमल ट्यूमर. *एक्ट साइटोल* 2015;59(1):61–7.

699. कक्कड़ ए, शर्मा एम सी, गोयल एन, सरकार सी, सूरी वी, गर्ग ए, एट ऑल. मेंनिजियल फाइब्रोमाः ए रेयर मेंनिजियोमा मिमिक. जे न्यूरोसर्ज पीडियाट्रि 2014;14(2):155–9.

700. कक्कड़ ए, शर्मा एम सी, सूरी वी, कौशल एस, चंद्रा एस पी, गर्ग ए, सरकार सी. एंजियोसेंट्रिक ग्लियोमाः ए ट्रीटेबल कॉस ऑफ एपिलेप्सीः रिपोर्ट ऑफ ए रेयर केस. *न्यूरोल इंडिया* 2014 नवंबर–दिसंबर;62(6):677–9.

701. कलायसेल्वी एस, कृष्णन ए, गुप्ता एस, पाण्डे सी एस. जेंडर डिस्पेराइटिस अमंग एडोलेसेंट्सः इंफ्लूएंस ऑफ सोशियोइकोनोमिक फैक्टर्स एंड इंटर–जेनेरेशन जेंडर डिस्क्रिमिनेशन इन रूरल हरियाणा. *इंडियन जर्नल ऑफ यूथ एंड एडोलेसेंट हेल्थ* 2014;1(1):27–42.

702. कलोइया जी एस, ग्रोवर एन, सिंह टी बी. कोग्निटिव रीट्रेनिंग एंड इट्स एफिसेसी इन हेड इंजरी. *इंडियन जर्नल ऑफ साइकोसोशियल साइंस* 2014;4(2):43–45

703. कालरा एस, बल्हारा वाई पी. यूथरॉयड डिप्रेशनः द रोल ऑफ थाइरॉयड हार्मोन. *रीसेंट पेट एंडोक्र मेटाब इम्यून ड्रग डिस्कव* 2014 जनवरी;8(1):38–41.

704. कल्याण जी, वत्स एम. न्यूनेटल नर्सिंगः एन अनमेट चैलेंजिस इन इंडिया. *इंडियन जे पीडियाट्रि* 2014 नवंबर; 81(11):1205–114.

705. कल्याणसुदंरम डी, श्मिट ए, मोलियान पी, श्रोत्रिया पी. हायब्रिड सीओ$_2$ लेजर / वॉटरजेट मशिनिंग ऑफ पॉलीक्रायस्टेलियन डायमंड सबस्ट्रेटः मटीरियल सेप्रेशन थ्रू ट्रांसफॉरमेशन इंड्यूज्ड कंट्रोल्ड फ्रैक्चर. *जे मैनुफैक्चरिंग साइं इंजीनियरिंग* 2014;136(4):041001.

706. कानन यू, मिश्रा बी, सुब्रमण्यम ए, सागर एस, कुमार एस, सिंघल एम. ऑपरेटिव मैनेजमेंट ऑफ प्लेनिक इंजरी इन ए पेशेंट विद प्रोटियोस सिंड्रोम. *जे इमर ट्रॉमा शॉक* 2014;7:233–5.

707. कंडेल आर, निसार एस, देसाई जी आर, चटर्जी पी, डे ए बी. मल्टीप्लाइ अटीपिकल प्रेजेंटेशंस इन ए केस ऑफ मल्टीप्लाइ मायलोमा इन एन एल्डर्ली फीमेल. *यूरोपियन जेरियाट्रिक मेडिसिन* 2014 अक्तूबर ;5(5):334–335.

708. कनकरिया ए, नोनग्कायंरिह बी, गुप्ता एस के. इंडोर एयर पॉल्यूशन इन इंडियाः इम्प्लीकेशंस ऑन हेल्थ एंड इट्स कंट्रोल. *इंडियन जे कम्युनिटी मेड* 2014 अक्तूबर;39(4):203–207.

709. कानन एल, जैन पी, शर्मा एस, गुलाटी एस. सबएक्यूट स्कलेरोसिंग पेनेनसेफेलाइटिस मास्क्यूरेडिंग एज रैपिड–ऑनसेट डायस्टोनिया–पार्किंसोनिज्म इन ए चाइल्ड. *न्यूरोल इंडिया* 2015 जनवरी–फरवरी;63(1):109–10.

710. कांत एस, हल्दर पी, पांडव सी एस, मिश्रा पी, राय एस. मेकिंग द पोस्ट ग्रेजुएट जर्नल क्लब एन इफेक्टिव लर्निंग ऑर्पचुनिटी एक्सपीरियंस फ्रॉम सेंटर फॉर कम्युनिटी मेडिसिन, एम्स, नई दिल्ली, *नेट मेड जे इंड* 2014;27:329.

711. कांत एस, हल्दर पी, सिंह ए, कंकारिया ए. इंवेंटरी मैनेजमेंट ऑफ ड्रग्स एट ए सेकेंडरी लेवल हॉस्पिटल एसोसिएटिड विद बल्लभगढ़ एचडीएसएस–एन एक्सपीरियंस फ्रॉम नॉर्थ इंडिया. *जर्नल ऑफ यंग फर्मासिस्ट* 2015;7(2):113–17.

712. कपिल ए. नीड टू रेशनलाइज लाइनजोलिड यूज. *इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल* 2015 जनवरी–मार्च; 33(1):1–2.

713. कपिल ए. पब्लिशिंग सप्लीमेंट ऑफ ए जर्नल. *इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल* 2015 फरवरी; 33 पूरक :1.

714. कपिल ए. रिस्क फैक्टर्स एसोसिएटिड विद एमआरएसए इंफेक्शन इन चिल्ड्रन. *इंडियन पीडियाट्रि* 2015 जनवरी; 52(1):22–4.

715. कपिल यू, भदौरिया ए एस, सरीन एन. रीअपीरियंस ऑफ बिटोट'स स्पॉट्स आफ्टर कम्प्लीट रीसॉल्यूशन इन चिल्ड्रन बिटवीन 1 एंड 5 ईयर्स ऑफ एज. *जे ट्रॉप पीडियाट्रि* 2015; 61:131–4.

716. कपिल यू, भदौरिया ए एस. नेशनल आयरन–पल्स इनिशिएटिव गाइडलाइंस फॉर कंट्रोल ऑफ आयरन डेफिशिएंसी एनीमिया इन इंडिया, 2013. *नेटल मेड जे इंडिया* 2014;27:27–9.

717. कपिल यू, भदौरिया ए एस. प्रीवेलेंस ऑफ फोलेट, फेरिटिन एंड कोबेलेमिन डेफिसिएंसिस अमंगस्ट एडोलेसेंट इन इंडिया. *जे फैमिली मेड प्रीम केयर.* 2014;3:247–9.

718. कपिल यू, भदौरिया ए एस. टेलीविजन व्यूइंग एंड ओवरवेट एंड ओब्सिटी अमंगस्ट चिल्ड्रन. *बायोमेड जे* 2014;37:337–8.

719. कपिल यू, द्विवेदी एस, सचदेव एच एस, द्विवेदी एस एन, पाण्डे आर एम, हिरदयानी एच, एट ऑल. रीसल्यूशन ऑफ बिटोट'स स्पॉट्स फोलोइंग मेगा–डोस विटामिन ए सप्लीमेंशन इन चिल्ड्रन बिटवीन 1 एंड 5 ईयर्स ऑफ एज. *पब्लिक हेल्थ न्यूट्रि* 2014 जुलाई;17(7):1614–9.

720. कपिल यू, जैन वी, काबरा एम, पाण्डे आर एम, सरीन एन, खंडूजा पी. प्रीवेलेंस ऑफ न्यूनेटल हाइपोथायरॉयडिज्म इन कांगड़ा वैली, हिमाचल प्रदेश. *यूर जे क्लिन न्यूट्रि* 2014 जून;68(6):748–9.

721. कपिल यू, काबरा एम, प्रकाश एस, सरीन एन, खंडूजा पी. आयोडीन न्यूट्रिशनल स्टेट्स अमंग न्यूनेट्स इन द सोलन डिस्ट्रिक्ट, हिमाचल प्रदेश, इंडिया. *जे कम्युनिटी हेल्थ* 2014;39:987–9.
722. कपिल यू, काबरा एम, सरीन एन, खंडूजा पी, पाण्डे एस. आयोडीन न्यूट्रिशन स्टेट्स अमंग न्यूनेट्स इन कांगड़ा डिस्ट्रिक्ट, हिमाचल प्रदेश, इंडिया. *जे ट्रेस एलेम मेड बायोल* 2014 जुलाई; 28(3):351–3.
723. कपिल यू, पाण्डे आर एम, जैन वी, काबरा एम, सरीन एन, भदौरिया ए एस. स्टेट्स ऑफ आयोडिन डेफिसिएंसी डिसऑर्डर इन डिस्ट्रिक्ट ऊधमसिंह नगर, उत्तराखंड स्टेट इंडिया. *इंडियन जे एंडोक्राइनोल मेटाब* 2014 मई;18(3):419–21.
724. कपिल यू, पाण्डे आर एम, प्रकाश एस, काबरा एम, सरीन एन, भदौरिया ए एस. असेसमेंट ऑफ आयोडिन डेफिशिएंसी इन स्कूल एज चिल्ड्रन इन नैनीताल डिस्ट्रिक्ट, उत्तराखंड स्टेट. *एशिया पैसि जे क्लिन न्यूट्र* 2014;23(2):278–81.
725. कपिल यू, पाण्डे आर एम, प्रकाश एस, सरीन एन, भदौरिया ए एस. आयोडिन डेफिशिएंसी स्टेट्स अमंगस्ट स्कूल इन पौड़ी, उत्तराखंड. *इंडियन पीडियाट्रि* 2014 जुलाई;51(7):569–70.
726. कपिल यू, प्रकाश एस, सरीन एन, भदौरिया ए एस, खंडूजा पी, निगम एस, विजय जे. स्टेट्स ऑफ आयोडिन डेफिशिएंसी अमंग प्रेग्नेंट मदर्स इन हिमाचल प्रदेश, इंडिया. *पब्लिक हेल्थ न्यूट्रि* 2014 सितंबर;17(9):1971–4.
727. कपिल यू, सरीन एन, नांबियार वी एस, खंडूजा पी, पाण्डे एस. स्टेट्स ऑफ आयोडिन न्यूट्रिशन अमंग प्रेग्नेंट मदर्स इन सिलेक्टिड डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ उत्तराखंड, इंडिया. *इंडियन जे एंडोक्राइनोल मेटाब* 2015;19:106–9.
728. कपिल यू, सरीन एन. डिलीवरिंग स्प्रींकल्स पल्स थ्रू द इंटिग्रेटिड चाइल्ड डेवलपमेंट सर्विस (आईसीडीएस) टू रीड्यूज एनीमिया इन प्री–स्कूल चिल्ड्रन इन इंडियाः कोरेस्पॉन्डेंस. *इंडियन जे पीडियाट्रि* 2014;81:1135.
729. कपिल यू, सरीन एन. मैनेजमेंट ऑफ चिल्ड्रन विद सर्वे एक्यूट मेलन्यूट्रिशन. *इंडियन पीडियाट्रि* 2014;51:587–8.
730. कपिल यू, टूटेजा जी एस, भदौरिया ए एस. कोबालामिन एंड फोलेट डेफिसिएंसिस अमंग चिल्ड्रन इन द एज ग्रुप ऑफ 12–59 मंथ्स इन इंडिया. *बायोमेड जे* 2015;38:162–6.
731. कपूर पी, खरबंदा ओ पी, मोंगा एन, मिग्लानी आर, कपिला एस. इफेक्ट ऑफ ऑर्थोडोंटिक फोर्सेस ऑन साइटोकाइन एंड रिसेप्टर लेवल्स इन गिनगिवल क्रेविकुलर फ्लूडः ए सिस्टेमेटिक रिव्यू. *प्रोग ऑर्थोडोंटिक्स* 2014 दिसंबर;15:65.
732. कपूर पी एम, सुब्रमण्यम ए, मलिक वी. बीटा नैट्रियूरेटिक पेप्टाइड एज ए प्रोग्नोस्टिक मार्कर इन टेट्रालॉजी ऑफ फेलोट. *कार्डियोवेस्कु थोरैक एन* 2015;23:146-52.
733. कपूर पी एम, सुब्रमण्यम ए, मलिक वी. पेरिऑपरेटिव एंडोथेलिन लेवल्स इन पेशेंट्स अंडरगोइंग इंट्राकार्डियक रिपेयर फॉर टेट्रालॉजी ऑफ फेलोट. *जे कार्ड सर्ज 20* 2014;20:1–8.
734. कपूर एस, गुप्ता एस, काबरा एम, प्रीनेटल स्क्रीनिंगः पर्सपेक्टिव फॉर द पीडिएट्रिशियन. *इंडियन पीडियाट्रि* 2014 दिसंबर;51(12):959–62.
735. कप्पल आर, मेहंदीरत्ता ए, आनंदराज पी, तसनस ए. करंट इम्पेक्ट, फ्यूचर प्रोस्पेक्ट्स एंड इम्प्लीकेशंस ऑफ मोबाइल हेल्थकेयर इन इंडिया. *सेंट्रल एशियन जर्नल ऑफ ग्लोबल हेल्थ* 2014;3(1):1–15.
736. करलुपिया एन, मेनले एन सी, प्रसाद के, स्काफर आर, स्टेनबर्ग जी के. इंट्राआर्टिरियल ट्रांसप्लाटेशन ऑफ ह्यूमन अम्बिलिकल कोर्ड ब्लड मोनोन्युक्लियर सेल्स इन मोर एफिसियस एंड सेफर कम्पेयर्ड विद अम्बिलिकल कोर्ड मेसेंकाइमल स्ट्रोमल सेल्स इन ए रोडेंट स्ट्रोक मॉडल. *स्टेम सेल रेस थेयर* 2014;5:45.
737. कार्तिकेयन जी, अनंथकृष्णन आर, देवसेनपथी एन, नारंग आर, यादव आर, सेठ एस एट ऑल. ट्रांसिएट, सबक्लिनिकल आर्टियल फाइब्रिलेशन एंड रिस्क ऑफ सिस्टेमिक एम्बोलिज्म इन पेशेंट्स विद रूमेटिक माइट्रल स्टेनोसिस इन सीनस रीदम. *एम जे कार्डियोल* 2014;114:869-74
738. करूणानिधि एस, बंधोपाध्याय जी पी, शर्मा पी, कुमार ए, सिंगला एस, मल्होत्रा ए एट ऑल. प्रोस्पेक्टिव कम्पेरिज़न ऑफ (99एम) टीसी–जीएच एसपीईसीटी/सीटी एंड (18) एफ–एफडीओपीए पीईटी/सीटी फॉर डिटेक्शन ऑफ रीकरंट ग्लियोमाः ए पायलट स्टडी. *क्लिन न्यूक्लि मेड* 2014;39:सी121–8.
739. करूणानिधि एस, जैन एस, शर्मा पी, बाल सी, कुमार आर. एसिम्पटोमेटिक काउडा एक्विन मेटास्टेसिस इन ए पेशेंट विद नेसोफेरिंजियल कार्सिनोमाः डिटेक्शन बाय (18) एफ–एफडीजी पीईटी/सीटी. *इंडियन जे न्यूक्लि मेड* 2014 जुलाई; 29(3):177–8.

740. करूणानिधि एस, जैन टी के, अग्रवाल के के, बाल सी, कुमार आर. (99 एम) टीसी–एमडीपी थ्री फेज बोन स्कैन फॉर अर्ली डायग्नोसिस एंड टीट्रमेंट रिस्पॉन्स मॉनीटरिंग इन कॉम्प्लेक्स रीजनल पेन सिंड्रोम. *रेव एस्प मेड न्यूक्लि इमेजन मॉल* 2015 जनवरी–फरवरी;34(1):62–3.

741. करूणानिधि एस, जैन टी के, सिंह ए, बाल सी, कुमार आर. 18 एफ–एफडीजी पीईटी/सीटी इन ए सेल्डोम केस ऑफ प्राइमरी ड्यूडेनल डर्मेटोफाइब्रोसार्कोमा प्रोट्यूबेरंस विद लंग एंड स्केल्टल मेटास्टेसिस. *क्लिन न्यूक्लि मेड* 2015 फरवरी;40(2):ई140–2.

742. करूणानिधि एस, कुमार जी, शर्मा पी, बाल सी, कुमार आर. पोटेंशियल रोल ऑफ (18) एफ–2–फ्लूरो – 2– डीऑक्सी–ग्लूकोज पोजिट्रोन एमिशन टोमोग्राफी/कम्प्यूट्ड टोमोग्राफी इमेजिंग इन पेशेंट्स प्रेजेंटिंग विद जेनेरलाइज्ड लिम्फेडेनोपैथी. *इंडियन जे न्यूक्लि मेड* 2015 जनवरी–मार्च;30(1):31–8.

743. करूणानिधि एस, कुमार जी, शर्मा एस के, जैन डी, गुप्ता ए, कुमार आर. स्टेजिंग एंड रिस्पॉन्स ऑफ स्ट्रेनल हिस्टोप्लाज्मोसिस बाय 18 एफ–एफडीजी पीईटी/सीटी. *क्लिन न्यूक्लि मेड* 2015 मार्च;40(3):231–3.

744. करूणानिधि एस, रॉय एस जी, मुरुगन वी, बाल सी, कुमार आर. 18एफ–एफडीजी– पीईटी/ सीटी इन स्टेजिंग, रिकरेंस डिटेक्शन एंड रिस्पॉन्स एवेल्यूएशन ऑफ प्राइमरी प्लेनिक लिम्फोमा विद एट ईयर्स फॉलो अप. *न्यूक्लि मेड रेव सेंट ईस्ट यूर* 2015;18(1):37–8.

745. करूणानिधि एस, रॉय एस जी, शर्मा पी, यादव आर, बाल सी, कुमार आर. मेटास्टेटिक न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर इन ए रीनल ट्रांसप्लांट रीसिपेंटः ड्यूल–ट्रेसर पीईटी–सीटी विद (18) एफ–एफडीजी एंड (68) जीए–डीओटीएएनओसी इन दिस रेयर सेटिंग. *न्यूक्लि मेड मोल इमेजिंग* 2015 मार्च;49(1):57–60.

746. करूणानिधि एस, शर्मा पी, जैन एस, मुखर्जी ए, कुमार आर. आइरिस मेटास्टेसिस इन ए पेशेंट विद स्मॉल सेल लंग कैंसरः इंसिडेंटल डिटेक्शन विद 18 एफ–एफडीजी पीईटी/सीटी. *क्लिन न्यूक्लि मेड* 2014 जून;39(6):554–5.

747. करूणानिधि एस, शर्मा पी, जैन टी के, विजय एम के, कुमार आर. मल्टीप्लाइ हिपेटिक लेशंस इन ए केस ऑफ आइसोलेटिड हिपेटिक ट्यूबरकुलोसिस सिमुलेटिंग मेटास्टेसिस ऑन 18 एफ–एफडीजी पीईटी/सीटी इमेजिंग. *न्यूक्लि मेड रेव सेंट ईस्ट यूर* 2014;17(2):108–9.

748. करूणानिधि एस, शर्मा पी, कुमार ए, गुप्ता डी के, खानगेम्बम बी सी, बल्लाल एस, एट ऑल. कैन (18) एफ–एफडीओपीए पीईटी/सीटी प्रीडिक्ट सर्वाइवल इन पेशेंट्स विद सस्पेक्टिड रिकरेंट ग्लियोमा? ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी. *यूर जे रेडियोल* 2014;83:219–25.

749. करूणानिधि एस, शर्मा पी, रॉय एस जी, वेत्तियेली बी, शर्मा ए, थुल्कर एस, बाल कुमार आर. यूज ऑफ 18 एफ–एफडीजी पीईटी / सीटी इमेजिंग फॉर एवेल्यूएशन ऑफ पेशेंट्स विद प्राइमरी प्लेनिक लिम्फोमा. *क्लिन न्यूक्लि मेड* 2014 सितंबर;39(9):772–6.

750. कश्यप जे आर, गोस्वामी के सी, यादव आर, कार्तिकेयन जी, प्रकाश एन, बहल वी. के. कम्पेरेटिव एवेल्यूएशन ऑफ टू–डिमेंशियनल वर्सेस थ्री डिमेंशियनल इकोकार्डियोग्राफिक वेरिएबल्स टू प्रीडिक्ट द इमीडिएट आउटकम ऑफ पर्सक्यूटेनियस ट्रांसमिट्रल कमिसुरोटोमी. *जे एम कोल कार्डियोल* 2015;65:10.

751. कश्यप एस, वेंकटेश पी, सेन एस, खंडूजा एस, श्रेय डी, तिंवाला एस, गर्ग एस. क्लिनिकोपैथोलॉजिक कैरेक्टरीस्टिक्स ऑफ कोरियोडल मेलेनोमा इन ए नॉर्थ इंडियन पॉपलेशनः एनालायसिस ऑफ 10–इयर डेटा. *इंट ओफ्थाल्मोल* 2014 अप्रैल;34(2):235–9.

752. कासेबौम एन जे, बर्टोज़ी – विला ए, कोगेशेल एम एस, शेक्लफोर्ड के ए, स्टीनियर सी, ह्यूटन के आर, एट ऑल. ग्लोबल, रीजनल एंड नेशनल लेवल्स एंड कॉस ऑफ मेटरनल मोर्टेलिटी ड्यूरिंग 1990–2013ः ए सिस्टेमेटिक एनालायसिस फॉर द ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी 2013. *लैंसेट* 2014 सितंबर 13;384(9947):980.1004. इरेटम इनः *लैंसेट* 2014 सितंबर 13;384(9947):956.

753. कात्याल जे, कुमार एच, गुप्ता वाई के. एंटीकंवुल्सेंट एक्टिविटी ऑफ द साइक्लोऑक्सीजंस – 2 (सीओएक्स–2) इंहेबिटर इटोरिकोएक्सीब इन पेंटिलेनेटेट्राट्रेजोल–काइंडल्ड रैट्स इन असोसिएटिड विद मेमोरी इम्पेयर्ड. *एपिलेप्सी बिहेव* 2015 मार्च;44:98-103.

754. कौल आर पी, सागर एस, सिंघल एम, कुमार ए, जयपुरिया जे, मिश्रा एम. बर्डन ऑफ मैक्सिलोफेशियल ट्रॉमा एट लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर. *क्रेनियोमेक्लोफेशियल ट्रॉमा एंड रीकंस्ट्रक्शन* 2014;7:126–13.

755. कौर ए, शाह एन, लोगानी ए, मिश्रा एन. बायोटोक्सिटी ऑफ कॉमनली यूज्ड रूट कैनाल सीलर्सः ए मेटा–एनालायसिस. *जे कनसर्व डेंट* 2015 मार्च–अप्रैल; 18(2):83–8.

756. कौर जी. रिस्क ऑफ पीडियाट्रिक सेलियाक डिजीज अकोर्डिंग टू एचएलए हेप्लोटाइप एंड कंट्रीः इम्यूनोजेनेटिसिस्ट व्यूपॉइंट. *इंडियन पीडियाट्रि* 2014 सितंबर 8;51(9):736–7.

757. कौर एच, पाठक पी, कौर एस, पटेल एफ डी. इफेक्ट ऑफ एन ओरिएंटेशन प्रोग्राम ऑन एंक्सिटी लेवल ऑफ पेशेंट्स अंडरगोइंग रेडियोथेरैपी फॉर फर्स्ट टाइमः ए रेंडोमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल. *नर्सिंग मिडवाइफरी रेस जे* 2014;10(4):135–44.

758. कौर जे, गोयल एस, मजुमदार एस, भास्कर एस, मोहंती बी के, रथ जी के. आउटकम ऑफ सर्जरी एंड पोस्ट–ऑपरेटिव रेडियोथेरैपी फॉर मेजर सेलिवरी ग्लैंड कार्सिनोमाः टेन इयर एक्सपीरियंस फ्रॉम ए सिंगल इंस्टीट्यूट. *एशियन पैसि जे कैंसर प्रीव* 2014;15:8259–63.

759. कौर जे, काबरा एस के, लोधा आर, अग्रवाल एम के, कलैवनी एम. एसोसिएशन ऑफ एरोएलर्जेन सेंसिटाइजेशन विद अस्थमा सेविरिटी एंड ट्रीटमेंट. *पीडियाट्रि एलर्जी इम्यून पल्मोनोल* 2013;26:187–92.

760. कौर जे, मदान आर, सिंह एल, शर्मा डी एन, जुल्का पी के, रथ जी के, एट ऑल. मेलिग्नेंट पेरीफेरल नर्व शीथ ट्यूमर ऑफ पेनिस. *एंड्रोलोजिया* 2015 अप्रैल; 47(3):333–5.

761. कौर जे, मलिक एम ए, गुलाटी आर, आजाद एस वी, गोस्वामी एस. जेनेटिक डिटरमिनेट्स ऑफ यूवियल मेलेनोमा. *ट्यूमर बायोलॉजी* 2014 दिसंबर; 35(12):11711–7.

762. कौर जे, पंडित एस, शर्मा एम सी, जुल्का पी के, रथ जी के. इंट्राड्यूरल एक्स्ट्रा मेड्लरी हिमेंजियोपेरिकायटोमा ऑफ डोरसल स्पाइन. *चाइल्ड नर्व सिस्ट* 2015 जनवरी;31(1):173–5.

763. कौर जे, रॉय एस, मलिक एस आर, माथुर एस, शर्मा ए, भास्कर एस, एट ऑल. स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा ऑफ लेरिंक्स इन एन 8–इयर–ओल्ड चाइल्डः सक्सेसफुल मैनेजमेंट विद कीमो–रेडिएशन. *पीडियाट्रि ब्लड कैंसर* 2014;61:1481–3.

764. कौर के, तनेजा एन के, ढींगरा एस, त्यागी जे एस. डेव आर (डीओएसआर) मिमेटिक पेप्टाइड्स इम्पेयर ट्रांसक्रिप्शनल रेगुलेशन एंड सर्वाइवल ऑफ माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस अंडर हाइपोक्सिया बाय इंहिबिटिंग द ऑटोकाइनेज एक्टिविटी ऑफ डेव एस सेंसर काइनेज. *बीएमसी माइक्रोबायोल* 2014;14:195.

765. कौर एम, सक्सेना आर, सिंह डी, बेहरी एम, शर्मा पी, मेनन वी. कोरिलेशन बिटवीन स्ट्रक्चरल एंड फंक्शनल रेटिनल चेंजिस इन पार्किंसन डिजीज. *जे न्यूरोफ्थाल्मोल* 2015;35(3):254–8.

766. कौर एस, चोपड़ा डी. पर्ससेप्शंस एंड प्रीफेरेंसिस ऑफ डिफरेंट टीचिंग एंड एवेल्यूएशन मेथोडोलॉजिस अमंग फर्स्ट इयर अंडरग्रेजुएट मेडिकल स्टूडेंट्स. *जे रेस मेड एजु एथिक्स* 2014;4(3):277–282.

767. कौशल पी, मेहरा आर डी, धार पी. करक्यूमिन इंड्यूज्ड अप–रेगुलेशन ऑफ मायलिन बेसिक प्रोटीन (एमबीपी) एमेलियोरेट्स सोडियम आर्सेनाइट इंड्यूस्ड न्यूरोटोक्सिटी इन डेवलपिंग रैट सेरेबेलम. *जेएएसआई* 2014;63:3–11.

768. कौशिक जे एस, चक्रबर्ती बी, गुलाटी एस, पटेल एच, लोधा आर, पई जी, कुमार ए. अनयूजल लेट न्यूरोलॉजिकल कॉम्प्लीकेशन इन ए चाइल्ड आफ्टर एन इंडियन क्रेएट बाइट. *पीडियाट्रि न्यूरोल* 2014 जुलाई; 51(1):130–2.

769. कविमंडन ए, शर्मा एम, वर्मा ए के, दास पी, मिश्रा पी, सिन्हा एस, एट ऑल. प्रीवेलेंस ऑफ सीलियाक डिजीज इन न्यूट्रिशनल एनीमिया एट ए टर्शरी केयर सेंटर. *इंडियन जे गैस्ट्रोइंटेरोल* 2014 मार्च; 33(2):114–8.

770. कायल एस, माथुर एस, करक ए के, कुमार एल, शर्मा ए, बख्शी एस, रैना वी. सी डी 68 ट्यूमर–एसोसिएटिड मैक्रोफेज मार्कर इज़ नॉट प्रोग्नोस्टिक ऑफ क्लिनिकल आउटकम इन क्लासिकल हॉडकिन लिम्फोमा. *ल्यूक लिम्फोमा* 2014 मई; 55(5):1031–7.

771. केडिया एस, आहूजा वी, टंडन आर. मैनजमेंट ऑफ एक्यूट सर्वे अल्सेरेटिव कोलाइटिस. *वर्ल्ड जे गैस्ट्रोइंटेस्ट पैथोफिजियोल* 2014;5:579–88.

772. खान आर, गुप्ता एन, कुमार आर, शर्मा एम, कुमार एल, शर्मा ए. एग्यूमेंटिड एक्सप्रेशन ऑफ यूरोकाइनेज प्लाजमिनोजेन एक्टिवेटर एंड एक्स्ट्रासेलुलर मेट्रिक्स प्रोटीस एसोसिएट्स विद मल्टीप्लाइ मायलोमा प्रोग्रेशन. *क्लिन एक्स मेटास्टेसिस* 2014;31:585–93.

773. खनाल एस पी, श्रीनिवास वी, आचार्य एस के. एसेलेरेटिड फेलियर टाइम मॉडल्स : एन एप्लीकेशन इन द सर्वाइवल ऑफ एक्यूट लीवर फेलियर पेशेंट्स इन इंडिया. *इंट जे सांइ एंड रेस* 2014;3(6):161–166.

774. खांडाकर बी, माथुर एस आर, कुमार एल, कुमार एस, दत्ता गुप्ता एस, अय्यर वी के, कलैवनी एम. टिशू बायोमार्कर्स इन प्रोग्नोस्टिकेशन ऑफ सीरोस ओवरियन कैंसर फोलोइंग न्यूएडजुवेंट कीमोथेरैपी. *बायोमेड रेस इंट* 2014; 2014:401245.

775. खंडेलवाल डी, गुप्ता एन, मुखर्जी ए, लोधा आर, सिंह वी, ग्रेवाल एच एम, भटनागर एस, सिंह एस, काबरा एस के; दिल्ली पीडियाट्रिक टीबी स्टडी ग्रुप. विटामिन डी लेवल्स इन इंडियन चिल्ड्रन विद इंट्राथोरेसिस ट्यूबरकुलोसिस. *इंडियन जे मेड रेस* 2014 अक्तूबर;140(4): 531–7.

776. खंडेलवाल पी, गुप्ता ए, सिन्हा ए, सैनी एस, हरि पी, ड्रैगन दूरे एम ए, बग्गा ए. इफेक्ट ऑफ प्लाज्मा एक्सेंज एंड इम्यूनोसप्रेसिव मेडिकेशंस ऑन एंटीबॉडी टिटर्स एंड आउटकम इन एंटी–कम्प्लीटमेंट फैक्टर एच एंटीबॉडी–एसोसिएटिड हिमोलाइटिक यूरेमिक सिंड्रोम. *पीडियाट्रि नेफ्रोल* 2015 मार्च; 30(3):451–7.

777. खंडेलवाल पी, जैन वी, गुप्ता ए के, कलैवनी एम, पॉल वी के. एसोसिएशियन ऑफ अर्ली पोस्टनेटल ग्रोथ ट्रेजेक्टरी विद बॉडी कम्पोजिशन इन टर्म लो बर्थ वेट इंफैंट्स. *जे डेव ओरिज हेल्थ डिस* 2014 जून; 5(3):189–96.

778. खंडेलवाल पी, सिन्हा ए, हरि पी, बग्गा ए. प्लाज्मा एक्सचेंजिस एंड इम्यूनोसप्रेशन फॉर एंटी–कम्प्लीटमेंट फैक्टर एच एसोसिएटिड हिमोलायटिक यूरेमिक सिंड्रोम. *इंडियन पीडियाट्रि* 2014 अक्तूबर; 51(10):833–5.

779. खंडेलवाल पी, सिन्हा ए, हरि पी, बंसल वी के, डिंडा ए के, बग्गा ए. आउटकम्स ऑफ रीनल ट्रांसप्लांट इन पेशेंट्स विद एंटी–कॉम्प्लीमेंट फैक्टर एच एंटीबॉडी–एसोसिएटिड हिमोलाइटिक यूरेमिक सिंड्रोम. *पीडियाट्रि ट्रांसप्लांट* 2014 अगस्त;18(5):ई 134–9.

780. खंडपुर एस, कोथिवाला एस के, बसंत बी, नांगिया आर, वेंकटेश एच ए, शर्मा आर. एक्सटेंसिव डिस्सेमिनेटिड सायटिसरकोसिस. *इंडियन जे डर्मेटोल वेनेरियोल लेप्रोल* 2014 अप्रैल–मार्च; 80(2):137–40.

781. खंडपुर एस, साहनी के. एन ओपन लेबल प्रोस्पेक्टिव रेंडोमाइज्ड ट्रायल टू कम्पेयर द एफिसेसी ऑफ कोल तार– सेलिसाइलिक एसिड ऑइंटमेंट वर्सेस कैलसिपोट्रियोल/बीटामेथेसोन डिप्रोपाइनोट ऑइंटमेंट इन द ट्रीटमेंट ऑफ लिमिटेड क्रोनिक प्लाक सोरिएसिस. *इंडियन जे डर्मेटोल* 2014;59(6):579–83.

782. खंगेम्बम बी सी, करूणानिधि एस, शर्मा पी, केसी एस एस, कुमार आर, जुल्का पी के, कुमार आर, बाल सी. परफ्यूजन–मेटाबोलिज्म कप्लिंग इन रिकरंट ग्लियोमासः ए प्रोस्पेक्टिव वेलिडेशन स्टडी विद 13 एन–अमोनिया एंड 18 एफ–फ्लोरोडीऑक्सीग्लूकोज पीईटी/सीटी. *न्यूरोरेडियोलॉजी* 2014 अक्तूबर; 56(10):893–902.

783. खन्ना एन, चंद्रमोहन के, खैतान बी के, सिंह एम के. पोस्ट वैक्सिंग फोलिकुलाइटिसः ए क्लिनिकोपैथोलॉजिकल एवेल्यूएशन. *इंट जे डर्मेटोल.* 2014 जुलाई;53(7):849–54.

784. खन्ना एन, सिंह एम, रसूल एस, एम्मिनी ए, भाटला एन, गर्ग वी, राव एस, भट्टाचार्य एस एन. मेंस्ट्रुअल इरिगुलेराइटिस, फर्टिलिटी स्टेट्स एंड ओवरियन फंक्शन इन फीमेल पेशेंट्स विद लेप्रोसी इन इंडिया. *इंट जे डर्मेटोल.* 2014 सितंबर; 53(9):1114–8.

785. खन्ना पी, बैद्य डी के, गर्ग आर, शिंदे डी. ए पेशेंट ऑफ टर्संस सिंड्रोम फॉर ऑक्युलर सर्जरीः पेरिएनीस्थेटिक कंसर्नस. सऊदी जे एनीस्थि 2013;7:93–5.

786. खन्ना पी, महाजन सी, गुप्ता पी, बैनिक एस रे बी आर, रथ जी पी. यूज ऑफ जिलेटिन–थ्रोम्बिन मैट्रिक्स हेमियोस्टेसिस सीलेंट इन न्यूरोसर्जरीः एनीस्थिटिक इम्प्लीकेशंस एंड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. *जे न्यूरोएनीस्थिसियोल क्रिट केयर* 2015;2:51–4.

787. खन्ना पी, राजगोपालन वी, सिंह जी, प्रभाकर एच. ए कम्प्रेशन ऑफ नॉन– इंवेसिव वर्सेस इंवेसिव मेथड्स ऑफ हिमोग्लोबिन एस्टिमेशन इन पेशेंट्स अडंरगोइंग इंट्राक्रेनियल सर्जरी. *साउथ अफ्रीका जे एनीस्थि एनाल* 2014;20:160–3.

788. खरबंदा ओ पी, अग्रवाल के, खजांची आर, शर्मा एस सी, सागर एस, सिंघल एम, एट ऑल. क्लिनिकल प्रोफाइल एंड ट्रीटमेंट स्टेट्स ऑफ सब्जेक्ट्स विद क्लेफ्ट लिप एंड पेलेट अनोमेली इन इंडिया : प्रीलिमनरी रिपोर्ट ऑफ ए थ्री–सेंटर स्टडी. जे क्लेफ्ट लिप पेलेट अनोमेली इन इंडियाः प्रीलिमरी रिपोर्ट ऑफ ए थ्री–सेंटर स्टडी. *जे क्लेफ्ट लिप पेलेट क्रेनियोफेक अनोमली* 2014;1:26–33.

789. खरबंदा ओ पी, डेरेंडिलिलर एम ए, कालरा एस. एल्गिनेट बेस टू एवेड लिंगुअल ट्रीमिंग ऑफ द मेंडिबुलर कास्ट. *कंटेम क्लिन डेंट* 2014 अक्तूबर;**5**(4):527.

790. खर्या सी, गुप्ता वी, दीपक के के, सागर आर, उपाध्याय ए, कोचुपिल्लै वी, आनंद एस. इफेक्ट ऑफ कंट्रोल्ड ब्रीथिंग एक्सरसाइज ऑन द फिजियोलॉजिकल स्टेट्स एंड द कार्डियक ऑटोनोमिक टोन : सुदर्शन क्रिया एंड प्राण–योग. *इंडियन जे फिजियोल फर्माकोल* 2014 जुलाई–सितंबर;58(3):211–21.

791. खत्री के, फारूक के, गुप्ता ए, शर्मा वी. स्पाइनल कोर्ड इंजरी विदआउट रेडियोलॉजिकल अबनॉर्मेलिटी इन एडल्ट थोरेसिस स्पाइनल ट्रॉमा. *आर्च ट्रॉमा रेस* 2014:3:ई19036.

792. खत्री के, लखोटिया डी, शर्मा वी, कुमार जी एन के, शर्मा जी, फारूक के. फंक्शनल एवेल्यूएशन इन हाई एनर्जी (स्केटज़ेकर टाइप 5 एंड टाइप 6) टिबियल प्लेटियू फ्रैक्चर्स ट्रीटिड बाय ओपन रीडक्शन एंड इंटर्नल फिक्सेशन. *इंटरनेशनल स्कोलरली रिसर्च नोटिस* 2014:5:1–8.

793. खत्री आर. अख्तर एन, मुखोपाध्याय के, वर्मा के के, सेथुरमन जी, शर्मा ए. जेनेटिक एंडोवमेंट ऑफ प्रोइंफ्लेमेट्री साइटोकाइन ट्यूमर नेक्रोसिस फैक्टर–अल्फा (–) 308 जी झ ए पॉलीमॉर्फिज्म टू पार्थेनियम हिस्टेरोफोरस – इंड्यूज्ड एयरबोन कॉन्टैक्ट डर्मेटाइटिस इन एन इंडियन काउहोट. *इंट जे डर्मेटोल* 2015 फरवरी; 54(2):179–84.

794. खाटुआ बी, वैन वलीट जे चौधरी बीपी, चौधरी आर, मंडल सी. सियालाइलेशन ऑफ आउटर मेंम्ब्रेन पोरिन प्रोटीन डी : ए मेकेनिस्टिक बेसिस ऑफ एंटीबायोटिक अपटेक इन स्यूडोमोनास एरूजिनोसा. *मोल सेल प्रोटियोमिक्स* 2014 जून;13(6):1412–28.

795. खेरा आर, जैन एस, लोधा आर, रामकृष्णन एस. जेंडर बायस इन चाइल्ड केयर एंड चाइल्ड हेल्थः ग्लोबल पैटर्न्स. *आर्च डिस चाइल्ड* 2014 अप्रैल; 99(4):369–74.

796. खोखर एस, पाटिल बी, शर्मा आर, सिन्हा जी, गुप्ता एस, कक्कड़ पी, नायक बी, मृधा बी आर. लाइव वूकेरिया बेनक्रोफ्टी इन एंटेरियर चैंबर ऑफ द आइः ए केस रिपोर्ट. *ट्रॉपिकल जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च* 2015,18(1):45–47.

797. खोखर एस, अग्रवाल एस, गुप्ता एस, गोगिया वी, अग्रवाल टी. एपिडेमियोलॉजी ऑफ ट्रॉमेटिसेंटिकुलर सबल्यूक्सेक्शन इन इंडिया. *इंट ओफ्थाल्मोल* 2014 अप्रैल; 34(2):197–204.

798. खुंगर जे एम, चोपड़ा ए, अरोड़ा एस, पति एच पी, रीकंफर्मिंग एचपीएलसी–डिटेक्टिड अब्नॉर्मल हिमोग्लोबिंस बाय ए सेकंड इंडिपेंटेंड टेक्नीकः ए जुडिकस अप्रोच. *इंडियन जे हेमेटोल ब्लड ट्रांसफ्यूज* 2014 दिसंबर 31, डीओआई 10.1007/एस12288–014–0493–वाई दिसंबर 2014

799. खुराना एस, गुप्ता ए के, सेन एस, कश्यप एस. प्राइमरी लिपोसार्कोमा ऑफ द ओर्बिट. *इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल* 2014 अक्तूबर–दिसंबर;57(4):617–9.

800. खुराना एस, पुष्कर एन, नायक एस एस, चंदोला एम डी, गोंसिकर वी, बजाज एम. पेरियोरबिटल नेक्रोटाइसिंग फेसिटिस इन इंफेंट्स : प्रेजेंटेशन एंड मैनेजमेंट ऑफ सिक्स केसिस. *ट्रॉप डॉक्ट* 2015 जुलाई;45(3):188–93.

801. कोचर जी एस, गुलाटी एस, लोधा आर, पाण्डे आर. फुल आउटलाइन ऑफ अनरिस्पॉन्सिव स्कोर वर्सेस ग्लासगो कोमा स्केल इन चिल्ड्रन विद नोनट्रॉमेटिक इम्पेयरमेंट ऑफ कोनसाइसनेस. *जे चाइल्ड न्यूरोल* 2014 अक्तूबर;29(10):1299–304.

802. कोहली एस, यादव एन, प्रसाद ए, बनर्जी एस एस. एनाटोमिक वेरिएशन ऑफ सबक्लेवियन आर्टिरी विजुअलाइज्ड ऑन अल्ट्रासांउड–गाइडिड सुप्रेक्लेविकुलर ब्रैंकियल प्लेक्स ब्लॉक. *केस रैप. मेड* 2014.

803. कोहली एस, यादव एन, सिंह जी पी, प्रभाकर एच. परमिसिव हाइपोटेंशन इन ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी विद ब्लंट एरोटिक इंजरीः हाउ लो कैन वी गो? *जे एनीस्थिसियोल क्लिन फर्माकोल* 2014;30:406–8.

804. कोनंकी आर, गुलाटी एस, सक्सेना आर, गुप्ता ए के, सेठ ए, कुमार ए, सक्सेना ए, काबरा एम, कालरा वी, लक्ष्मी आर. प्रोफाइल ऑफ प्रोथ्रोम्बोटिक फैक्टर्स इन इंडियन चिल्ड्रन विद इसकैमिक स्ट्रोक. *जे क्लिन न्यूरोसाइं* 2014 अगस्त; 21(8):1315–8.

805. कोनंकी आर, मिश्रा डी, गुलाटी एस, अनेजा एस, देशमुख वी, सिलबेरबर्ग डी, पिंटू जे एम, डर्किन एम पाण्डे आर एम, नायर एम के, अरोड़ा एन के; आईएनसीएलईएन स्टडी ग्रुप. आईएनसीएलईएन डायग्नोस्टिक टूल फॉर एपिलेप्सी (आईएनडीटी–ईपीआई) फॉर प्राइमरी केयर फिजिशियंसः डेवलपमेंट एंड वेलिडिएशन. *इंडियन पीडियाट्रि* 2014 जुलाई;51(7):539–43.

806. कोठारी एस एस, गुप्ता एस के, रामकृष्णन एस. स्टेज्ड पल्मोनरी वाल्व बैलून डिलटेशन इन पेशेंट्स विद सीवियर पल्मोनरी वाल्व स्टेनोसिस एंड हार्ट फेलियर. *कैथेटर कार्डियोवैस्क इंटरव* 2015;85:332-3.

807. कोठारी एस एस, कुमार आर के. प्रोफेसर राजेंद्र टंडनः पासिंग ऑफ ए लेजेंड. *एन पीडियाट्रि कार्डियोल* 2014;**7**:83-5.

808. कोठारी एस एस, मुरुगन एम के, चौधरी यू के. स्पॉनटेनियस एक्सपेक्टोरेशन ऑफ ए ब्लालॉक–टॉसिंग शंट ए डिकेड आफ्टर ऑपरेशन. *एन पीडियाट्रि कार्डियोल* 2015;8:47-9.

809. कोठारी एस एस. नॉन–कार्डियक इशूज इन पेशेंट्स विद हेटेरोटैक्सी सिंड्रोम.*एन पीडियाट्रि कार्डियोल* 2014;7:187-92.

810. कोथीवाला एस के, खांडपुर एस, सिंह एम के, दुर्गापाल पी. एरिथेमा नोडोसम लेप्रोसम ऑन ग्लांस पेनिसः अनयूजअल मेनिफेस्टेशन ऑफ कॉमन डिजीज. *इंट जे डर्मेटोल* 2015;54(9):1060–3.

811. कोथीवाला एस के, खन्ना एन. म्यूकोक्यूटेनियस ब्लीस्टर्स एंड ए मीडियास्टीनल मास : लाइफसेविंग रोल ऑफ सर्जरी. *इंडियन जे मेड रेस* 2015;142(2):227–228.

812. कोतवाल पी पी. टोटल एल्बो आर्थोप्लास्टी टूडे. *जे आर्थोस्कोपी जेटी सर्ज* 2014;1(2):51–52.

813. कृपलानी ए, माही आर, कच्छावा जी, वांगदी टी, बडिगर एस, एसडीएस के. लैपेरोस्कोपिक मायोमेक्टोमी फॉर सर्वाइकल मायोमा – टिप्स एंड ट्रिक्स. *जे मिनिम इनवेसिव गायनेकोल* 2014;21(6):एस 117.

814. कृपलानी ए, माही आर. ओवयूलेशन इंड्यूशन इन हाइपोगोनेडोट्रॉपिक हाइपोगोनेडिज्म. *एफओजीएसआई फोकस* 2014:37–39.

815. कृष्णामूर्ति एस, पैथी एस, अहमद आई, चंदर एस. कमेंट्स ऑन – वेजाइनल डोज पॉइंट रिपोर्टिंग इन सर्वाइकल कैंसर पेशेंट्स ट्रीटिड विद कम्बाइंड 2डी/3डी एक्सटर्नल बीम रेडियोथेरैपी एंड 2डी/3डी ब्रैकीथेरैपी. *रेडियोथेर ऑंकोल* 2014;113:426.

816. कृष्णन ए, कलैसेल्वी एस, पांडव सी एस, गुप्ता, एस के. एज इम्पावर्स वूमन एट होम : फाइंडिंग्स फ्रॉम रूरल हरियाणा. *एशियन जर्नल ऑफ रिसर्च इन सोशल साइंस एड ह्यूमेनिटिस* 2014;4(5):14–21.

817. कृष्णन ए, कपूर एस के, पांडव सी एस. क्लिनिकल मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थः रिवल्स और पार्टनर्स? *नेटल मेड जे इंडिया* 2014 मार्च–अप्रैल;27(2):99–101.

818. कृष्णन ए, मिश्रा पी, राय एस के, गुप्ता एस के, पांडव सी एस. टीचिंग कम्युनिटी मेडिसिन टू मेडिकल अंडरग्रेजुएट्स–लर्निंग बाय डूइंगः आर एक्सपीरियंस ऑफ रूरल पोस्टिंग एट ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली, इंडिया. *नेटल मेड जे इंडिया* 2014;27(3):152–8.

819. कुमार ए, आचार्य एस के, सिंह एस पी, सारस्वत वी ए, अरोड़ा ए, दूसेजा ए, एट ऑल. (द आईएनएएसएल टास्क–फोर्स ऑन हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा). द इंडियन नेशनल एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ लीवर (आईएनएएसएल) कंसेस ऑन प्रीवेंशन, डायग्नोसिस एंड मैनेजमेंट ऑफ हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा इन इंडियाः द पुरी रीकम्मेंडेशंस. *जे क्लिन एक्सप हेपेटोल* 2014 अगस्त; 4(पूरक 3):एस3–एस26.

820. कुमार ए. बिस्वाल एम, धालीवाल एन, महेश आर, अप्पन्नावर एस बी, गौतम वी, एट ऑल. पॉइंट प्रीवेलेंस सर्वेस ऑफ हेल्थ केयर–एसोसिएटिड इंफेक्शंस एंड यूज ऑफ इंडवेलिंग डिवाइस एंड एंटीमाइक्रोबायल्स ओवर थ्री ईयर्स इन ए टर्शरी केयर हॉस्पिटल इन इंडिया. *जे हॉस्पि इंफेक्ट* 2014 अप्रैल;86(4):272–74.

821. कुमार ए, चंद्रा पी एस, शर्मा बी एस, गर्ग ए, रथ जी के, बिथल पी के, एट ऑल. द रोल ऑफ न्यूरोनेविगेशन–गाइडिड फंक्शनल एमआरआई एंड डिफ्यूशन टेंसर ट्रैक्टोग्राफी अलॉन्ग विद कोर्टिकल स्टीमुलेशन इन पेशेंट्स विद एलोक्यूएंट कोर्टेक्स लेशंस. *बीआर जे न्यूरोसर्ज* 2014;28:226–33.

822. कुमार ए, दुरैपांडी के, गोगिया वी, सेहरा एस वी, गुप्ता एस, मिधा एन. कम्पेरेटिव एवेल्यूएशन ऑफ 23–एंड 25–गौज माइक्रोइंशियन विटरेक्टोमी सर्जरी इन मैनेजमेंट ऑफ डायबिटीक मैकुलर ट्रैक्शन रेटिनल डिटेचमेंट. यू र *जे ओफ्थाल्मोल* 2014 जनवरी–फरवरी; 24(1):107–13

823. कुमार ए, गोगिया वी, कुमार पी, सेहरा एस, गुप्ता एस. एवेल्यूएशन ऑफ प्रीडिक्टर्स फॉर एनाटोमिकल सक्सेस इन मैकुलर होल सर्जरी इन इंडियन पॉपुलेशन. *इंडियन जे ओफ्थाल्मोलॉजी* 2014 दिसंबर;**62**(12):1141–5.

824. कुमार ए, गुप्ता एच, यादव सी एस, खान एस ए, रस्तोगी एस. रोल ऑफ लॉकिंग प्लेट्स इन ट्रीटमेंट ऑफ डिफिकल्ट अनयूनिटिड फ्रैक्चर्सः ए क्लीनिकल स्टडी. *चिन जे ट्रॉमेटोल* 2013;16(1):22–6.

825. कुमार ए, कृष्णन जी, सिंह पी के, गर्ग ए, शर्मा बी एस. स्पॉन्टेनियसली डिसेपेरिंग पीनियल रीजन मासः ए रेयर मेनिफेस्टेशन ऑफ वेन ऑफ ग्लेन मेल्फोर्मेशन. *इंडियन जे पीडियाट्रि* 2014;82:201–202.

826. कुमार ए, लाले एस वी, महाजन एस, चौधरी वी, कौल वी. आर ओ पी एंड एटीआरपी फेब्रिकेटिड ड्यूल टार्गेटिड रिडॉक्स सेंसिटिव पॉलीमेर्सोम्स बेस्ड ऑन पीपीईजीएमए–पीसीएल–एसएस–पीसीएल–पीपीईजीएमए ट्रीब्लॉक कोपॉलीमेरेज फॉर ब्रेस्ट कैंसर थेराप्यूटिक्स. *एसीएस एप्ला मैटर इंटरफेस.* 2015 मई 6;7(17):9211–27.

827. कुमार ए, लोधा आर, कुमार पी, काबरा एस के. नॉन–सिस्टिक फाइब्रोसिस ब्रोनोकाइटेसिस इन चिल्ड्रन : क्लिनिकल प्रोफाइल, इटियोलॉजी एंड आउटकम. *इंडियन पीडियाट्रि.* 2015 जनवरी;52(1):35–7.

828. कुमार ए, मिधा एन, गोगिया वी, गुप्ता एस, सेहरा एस, चौहान ए. एफिसेसी ऑर ओरल वेल्प्रोएक एसिड इन पेशेंट्स विद रेटिनाइटिस पिग्मेंटोसा. *जे ऑक्यूल फर्माकोल थेयर* 2014 सितंबर;30(7):580–6.

829. कुमार ए, पाठक पी, पुरकेत एस, फारूक एम, झा पी, मलिक एस, सूरी वी, शर्मा एम सी, सरकार सी, एट ऑल. ओंकोजेनिक केआईएए 1549–बीआरएएफ फ्यूजन विद एक्टिवेशन ऑफ द एमएपीके / ईआरके पाथवे इन पीडियाट्रिक ओलिगोडेंड्रोग्लियोमास. *कैंसर जीनेट* 2015 मार्च; 208(3):91–5.

830. कुमार ए, प्रसाद के, त्रिपाठी एम, पदमा श्रीवास्तव एम वी, विवेकानदंन एस. एसोसिएशन ऑफ जेनेटिक पॉलीमोर्फिज्म्स एट बीटा–एड्रेंरजिक रिसेप्टर विद रिस्क ऑफ इंट्रासेरेब्रल हेमरेजिक स्ट्रोक इन नॉर्थ इंडियन पॉपुलेशनः ए केस कंट्रोल स्टडी. *न्यूरोल इंडिया* 2014;62**:**183–8.

831. कुमार ए, राव एन, डोंगरा पी एन, सेठ ए, कुमार आर, सिंह पी एट ऑल. एक्सपीरियंस ऑफ पोस्ट रीनल स्टोन सर्जरी हिमेट्यूरिया. *इंडियन जे यूरोल* 2015;31**:**एस 114.

832. कुमार ए, शर्मा के ए, मित्तल एस, कुमार जी. द रिलेशनशिप बिटवीन बॉडी मास इंडेक्स एंड बोन मिनीरल डेंसिटी इन प्रीमेंनोपॉजल एंड पोस्टमेनोपॉजल नॉर्थ इंडियन वूमन. *जे ऑब्स्टेट गायनेकोल इंडिया* 2014 डीओआईः 10.1007/एस 13224–014–0629–एक्स.

833. कुमार ए, शर्मा एन, बाजपेयी एम, पांडा एस एस. स्पॉन्टेनियस रीसोल्यूशन ऑफ स्पलेनिक इंफेरक्ट्स आफ्टर डिस्टल स्पलेनोरीनल शंट इन चिल्ड्रन विद एक्स्ट्रा हिपेटिक पोर्टल वेनस ऑब्स्ट्रक्शनः आर एक्सपीरियंस. *अफ्री जे पीडियाट्रि सर्ज* 2014;11:48–51.

834. कुमार ए, शेखर सी, जोशी एन, सहगल आर, कृपलानी ए नियो–नेटल मोर्टेलिटी इन उत्तर प्रदेश : सोशिया–इकोनोमिक एंड हेल्थ केयर डिटरमिनेंट्स. *इंट जे ह्यूमेनिटिस एंड सोशल स्टडीज़* 2014:2(9);188–95.

835. कुमार ए, सिंह बी, कुसुमा वाई एस. काउंसलिंग सर्विसेज इन प्रीवेंशन ऑफ पेरेंट्स टू चाइल्ड ट्रांसमिशन (पीपीटीसीटी) इन इंडिया : एन एवेल्यूएशन स्टडी इन दिल्ली, इंडिया. *जे एपिडेमियोल ग्लोबल हेल्थ* 2015;**5**(1):3–13.

836. कुमार ए, सिंह एम, शर्मा एम सी, बख्शी एस, शर्मा बी एस. पीडियाट्रिक स्लेरोसिंग रेब्डोमायोसारकोमासः ए रिव्यू. आईएसआरएन *ऑंकोल* 2014; 2014**:**640195.

837. कुमार ए, सूरी ए, शर्मा बी एस. सीवियर वेल्प्रोएट इंड्यूज्ड हाइपरएमोनेमिक इंसेफलोपैथी सक्सेसफुली मैनेज्ड विद पेरिटोनियल डायलेसिस. *इंडियन जे क्रिट केयर मेड* 2014;18**:**461–3.

838. कुमार ए, त्रिपाठी एम, श्रीवास्तव एम वी, विवेकानंदन एस, प्रसाद के. रिलेशनशिप बिटवीन पॉलीमोर्फिज्म्स इन बीटा–2 एड्रीनर्जिक रिस्पेटर जीन एंड इसकैमिक स्ट्रोक इन नॉर्थ इंडियन पॉपुलेशनः ए हॉस्पिटल बेस्ड केस कंट्रोल स्टडी. *बीएमसी रेस नोट्स* 2014;**7:**396.

839. कुमार ए, विवेकानंदन एस, श्रीवास्तव ए, त्रिपाठी एम, पदमा श्रीवास्तव एम वी, एट ऑल. एसोसिएशन बिटवीन एंजियोटेंसिन कंवर्टिंग एंजाइम जीन इंसर्शन/डिलेशन पॉलीमॉफिज्म एंड इसकैमिक स्ट्रोक इन नॉर्थ इंडियन पॉपुलेशनः ए केस–कंट्रोल स्टडी एंड मेटा–एनालायसिस. *न्यूरोल रेस* 2014;36**:**786–94.

840. कुमार ए. हैंडलिंग मीडिकोलीगल केसिस एट सब–डिस्ट्रिक्ट लेवल. *इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी एंड फैमिली मेडिसिन.* 2015;1(1):36-39.

841. कुमार बी, गुप्ता एस के, नाग टी सी, श्रीवास्तव एस, सक्सेना आर, झा के ए, श्रीनिवास बी पी. रेटिनल न्यूरोप्रोटेक्टिव इफेक्ट्स ऑफ क्यूरेसिटीन इन स्ट्रेप्टोजोटोक्सीन–इंड्यूज्ड डायबेटिक रैट्स. ए*क्सप आइ रेस.* 2014 अगस्त;125:193–202.

842. कुमार जी, ढल वी एस, करूणानिधि एस, बाल सी, कुमार आर. [68]जीए–डीओटीएएनओसी पीईटी/सीटी मिमिकिंग रीनल डायनेमिक स्कैनः लैक ऑफ फिजियोलॉजिकल अपटेक इन द स्पलीन ऑफ ए न्यूबॉर्न एंड द पिट्यूटरी ग्लैंड इन कंजेनाइटल हाइपरइंसुलिनिज्म. *रेव एस्प मेड न्यूक्लि इमेजिन मोल* 2014 नवंबर–दिसंबर;33(6):382–3.

843. कुमार जी, जैन वी, पाण्डे आर के, गडवाल एम. इफेक्ट ऑफ डिफरेंट डिजाइन प्रीपेरेशंस ऑन द फ्लेक्सुरल एंड फ्रैक्चर स्ट्रेंथ ऑफ फाइबर–रेंफोर्सेड कम्पोजिट फिक्स्ड पार्शियल डेंचर्स : एन इन विट्रो स्टडी. *जे प्रोस्थोडोंट.* 2015 जनवरी;24(1):57–63.

844. कुमार जी, श्री वास्तव ए, शर्मा एस के, गुप्ता वाई के. सेफ्टी एवेल्यूएशन ऑफ मरकरी बेस्ड आयुर्वेदिक फॉरमुलेशन (सिद्द मकरध्वज) ऑन ब्रेन, लीवर एंड किडनी इन रैट्स. *इंडियन जे मेड रेस* 2014;139(4):610–8.

845. कुमार जी, श्रीवास्तव ए, शर्मा एस के, राव टी डी, गुप्ता वाई के. एफिसेसी एंड सेफ्टी एवेल्यूएशन ऑफ आयुर्वेदिक ट्रीटमेंट (अश्वगंधा पाउडर एंड सिद्द मकरध्वज) इन रूमेटोयड अर्थ्राइटिस पेशेंट्सः ए पायलट प्रोस्पेक्टिव स्टडी. *इंडियन जे मेड रेस.* 2015;141:100–106.

846. कुमार जी एन के, शर्मा जी, शर्मा वी, जैन वी, फारूक के, मोरे वी. सर्जिकल ट्रीटमेंट ऑफ प्रोक्सिमल ह्यूमर्स फ्रैक्चर्स यूजिंग पीएचआईएलओएस प्लेट. *चाइनिस जे ऑफ ट्रॉमालोल.* 2014;17**:**279–284.

847. कुमार एच, कात्याल जे, गुप्ता वाई के. लो डोज जिंक सप्लीमेंटेशन बेनिफिशियली अफेक्ट्स सीजर्स डेवलपमेंट इन एक्सपेरिमेंटल सीजर मॉडल्स इन रैट्स. *बायोल ट्रेस एलिम रेस.* 2015;163(1.2):208–16.

848. कुमार के, ढल वी एस, करूणानिधि एस, चक्रबर्ती पी एस, रॉय एस जी, घोष एस, अग्रवाल एस, त्रिपाठी एम. सिंक्रोनियस थोरेसिस एंड

अब्डोमिनल एंट्रिक डूप्लीकेशन सिस्ट्सः एक्यूरेट डिटेक्शन विद (99 एम) टीसी–पेरटेक्नेटेट सिंटीग्राफी. *इंडियन जे न्यूक्लि मेड.* 2015 जनवरी–मार्च;30(1):59–61.

849. कुमार एल, इकबाल एन, मुकर्जी ए, वर्मा आर के, शर्मा ओ डी, बत्रा ए, *एट ऑल.* कम्प्लीट रिस्पॉन्स आफ्टर ऑटोलोगस स्टेम सेल ट्रांसप्लांट इन मल्टीप्लाइ मायलोमा. *कैंसर मेड* 2014;3:939–46.

850. कुमार एल, प्रमाणिक आर, कुमार एस, भाटला एन, मलिक एस. नियोएडजुवेंट कीमोथेरैपी इन गायनेकोलॉजिकल कैंसर्स–इम्प्लीकेशंस फॉर स्टेजिंग. बेस्ट *प्रैक्ट रेस क्लिन ऑब्सेट गायनेकोल* 2015. (मुद्रण से पहले ई प्रकाशन)

851. कुमार एम, बैद्य डी के, मोहन वी के, ममता. सेफ एनीस्थिसिया मैनेजमेंट प्रोटोकॉल ऑफ ए चाइल्ड विद कंजेनाइटल लॉन्ग क्यूटी सिंड्रोम एंड डीफनेस (जेर्वेल एंड लींग–नीलसन सिंड्रोम) फॉर कोकेलर इम्प्लांट सर्जरी. *सऊदी जे एनीस्थिसिया* . 2015 जनवरी–मार्च;9(1):98–9

852. कुमार एम, गुप्ता डी, सिंह जी, शर्मा एस, भट्ट एम, प्रशांत सी के, डिंडा ए के, खरबंदा एस, कूफे डी, सिंह एच. नोवल पॉलीमेरिक नैनोपार्शियल फॉर इंट्रासेलुलर डिलीवरी ऑफ पेप्टाइड कार्गोसः एंटीट्यूमर एफिसेसी ऑफ द बीसीएल–2 कंवशन पेप्टाइड एनयूबीसीपी–9. *कैंसर रेस* 2014 जून 15;74(12):3271–81.

853. कुमार एम, पाइदी एस पी, शर्मा एस, सिंह टी पी, कौर पी. आइडेंटिफिकेशन ऑफ ए हाई एफिनिटी सिलेक्टिव इंहेबिटर ऑफ पोला–लाइक काइनेज 1 फॉर कैंसर कीमोथेरैपी बाय कम्प्यूटेशनल अप्रोच. *जे मायोल ग्राफ मॉडल* 2014;51:104–12.

854. कुमार एम, पाइदी एस पी, शर्मा एस, सिंह टी पी, कौर पी. इन सिलिको रेशनल डिजाइन ऑफ ए हाइली पोटेंट एंड सिलेक्टिव इंहेबिटर फॉर पोलो–लाइक काइनेज 1 (पीएलके1) : ए नोवल ड्रग टार्गेट फॉर एंटीकैंसर कीमोथेरैपी. *जर्नल ऑफ मोलिकुलर ग्राफिक्स एंड मॉडलिंग* 2014;54:104–12.

855. कुमार एम, सिंह जी, शर्मा एस, गुप्ता डी, बंसल वी, अरोड़ा वी, भट्ट एम, श्रीवास्तव एस के. सपरा एस, खरबंदा एस, डिंडा ए के, सिंह एच. इंट्रासेलुलर डिलीवरी ऑफ पेप्टाइड कार्गोस यूजिंग आयरन ऑक्साइड बेस्ड नैनोपार्टिकल्सः स्टडीज ऑन एंटीट्यूमर एफिसेसी ऑफ ए बीसीएल–2 कर्वेटिंग पेप्टाइड, एनयूबीसीपी–9. *नैनोस्केल* 2014 नवंबर 6;6(23):14473–83.

856. कुमार एम, श्रीवास्तव जी, कौर जे, अस्सी एल्यास लियोंग आई, एट ऑल. प्रोग्नोस्टिक सिग्निफिकेंस ऑफ साइटोप्लाज्मिक एस100ए2 ओवरएक्सप्रेशन इन ओरल कैंसर पेशेंट्स. जे *ट्रांसल मेड* 2015 जनवरी 16;13(1):8.

857. कुमार एम, ठाकुर एस, पुरी ए, शुक्ला एस, शर्मा एस, पेरूमल वी, चावला आर, गुप्ता यू. फेटल रीनल एनोमलीः फैक्टर्स दैट प्रीडिक्ट सर्वाइवल. *जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक यूरोलॉजी* 2014;10:1001–1007.

858. कुमार एन, आनंद एस, यादव सी, कटारिया एच, कुमार पी, यादव एस. एक्संथोमेटोसिस एंड ऑर्थोपेडिक्स; रिव्यू ऑफ लिटरेचर. *इंट रेस जे बेसिक्स क्लिनि स्टड.* 2014 अक्तूबर;2(7):78–81.

859. कुमार एन, अरोड़ा एस, बिंद्रा ए, गोयल के. एनीस्थिसिया मैनजेमेंट ऑफ क्रेनियोसाइनोस्टोसिस रिपेयर इन पेशेंट विद एपर्ट सिंड्रोम. *सऊदी जे एनीस्थि* 2014;8:399–401.

860. कुमार एन, बिंद्रा ए, कुमार एन, यादव एन, शर्मा एस. एनीस्थेटिक कंसर्नस इन ए ह्यूज कंजेनाइटल सबलिंगुअल स्वेलिंग ऑस्कुरिंग एयरवे एक्सेस. *सऊदी जे एनीस्थि* 2015;9:202–3.

861. कुमार एन, एक्का एम, रंजन एस, सिन्हा एस के, चौधरी आर, शर्मा एन, अहमद एच, सामंतराय जे सी, श्रीनिवास वी. क्लोस्ट्रीडियम डिफीसाइल इंफेक्शंस इन एचआईवी–पोजिटिव पेशेंट्स विद डायरिया. *नेटल मेड जे इंडिया* 2014 मई–जून; 27(3):138–40.

862. कुमार एन, गोयल एच, बिंद्रा ए, गोयल के. मैनजेमेंट ऑफ एस्पीरेटिड टूथ इन एन एडल्ट हेड इंजरी पेशेंटः रिपोर्ट ऑफ टू केसिस. *सऊदी जे एनीस्थी* 2014;8:276–8.

863. कुमार एन, कटारिया एच, यादव सी, गाडगोली बी एस, राज आर. एवेल्यूएशन ऑफ प्रोक्सिमल फीमोरल लॉकिंग प्लेट इन अनस्टेबल एक्स्ट्राकैप्सूलर प्रोक्सिमल फिमोरल फ्रैक्चर्सः सर्जिकल टेक्निक एंड मिड टर्म फोलो अप रिजल्ट्स. *जे क्लिन ऑर्थोप ट्रॉमा* 2014;5(3):137–145.

864. कुमार एन, कौर जी, कांगा यू, टंडन एन, कैल्लेट–जुक्मेन एस, मेहरा एन के. एसोसिएशन ऑफ पीटीपीएन22+1858 सी / टी पॉलीमोफिज्म विद टाइप 1 डायबिटिस इन द नॉर्थ इंडियन पॉपुलेशन. *इंट जे इम्यूनोजीनेट* 2014 अगस्त;41(4):318–23.

865. कुमार एन, मेथानी ए, यादव सी, राज आर, मीना एस, बरवार एन. डिलेड प्रेजेंटेशन ऑफ फ्रैक्चर ऑफ लेटरल कॉन्डियल ऑफ ह्यूमर्स इन पीडियाट्रिक एज ग्रुप, ट्रीटिड बाय ओआरआईएफ एंड अलनर पेग ग्राफ्टिंगः ए केस सीरीज. *जे ऑर्थोप अलाइड साइं* 2015;3(1):12–16.

866. कुमार एन, साहनी सी, कुमार एस. एबीसी ऑफ ट्रॉमा केयर. *जे इंट मेड साइं एकेड* 2014;27:165–6.

867. कुमार एन, सिंह ए, सक्सेना आर, मेनन वी, शर्मा एस. एन अनयूजवल कॉस ऑफ ऑप्टिक एट्रोफि इन ए चाइल्ड. *इंडि जे ओफ्थाल्मोल* 2014;62(4):494–5.

868. कुमार एन, यादव सी, राज आर, आनंद एस. हाउ टू इंटरपेरेट पोस्टऑपरेटिव एक्स–रे आफ्टर टोटल नी अर्थ्रोप्लास्टी. *ओर्थोप सर्ज* 2014 अगस्त;6(3):179–86.

869. कुमार एन, यादव सी, राज आर, तिवारी वी. ट्यूबरकुलोसिस मैस्क्युरेडिंग सॉफ्ट टिशू सार्कोमा; ए केस रिपोर्ट एंड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. *रिसर्च* 2014;1:793.

870. कुमार एन, यादव सी, सिंह एस, कुमार ए, वेथलिंगम ए, यादव एस. एवेल्यूएशन ऑफ पेन इन बिलेटरल टोटल नी रिप्लेसमेंट विद एंड विदआउट टूनिकेट; ए प्रोस्पेक्टिव रेंडोमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल. *जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑथ्रोपेडिक्स एंड ट्रॉमा* 2015;6(2):85–88.

871. कुमार एन, यादव सी, राज आर, यादव एस. फ्रैक्चर ऑफ पॉलीएंथेलीन टिबियल पोस्ट इन ए पोस्टीरियर स्टेबिलाइज्ड नी प्रोस्थेसिस; ए केस रिपोर्ट एंड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. *जर्नल ऑफ ऑथ्रोपीडिक्स* 2015 सितंबर;12(3):160–163.

872. कुमार एन एस, खोसला आर, मखारिया जी के. साइक्लोस्पोरिन इन स्टेरोयड रीफ्रैक्टरी एक्यूट सीवियर कोलाइटिस. *ट्रॉप गैस्ट्रोइंटेरोल* 2014;35:एस 21–8.

873. कुमार पी, बेन्नी पी, जैन एम, सिंह. कम्पेरिजन ऑफ एन इन–हाउस मल्टीप्लेक्स पीसीआर विद टू कमर्शियल इम्यूनोक्रोमेटोग्राफिक टेस्ट्स फॉर रैपिड आइडेंटिफिकेशन एंड डिफरेंटिएशन ऑफ एमटीबी फ्रॉम एनटीएम आइसोलेट्स. *इंट जे मायकोबैक्टीरियोल* 2014;3(1): 50–56.

874. कुमार पी, दार एल, सल्दीवल एस, वर्मा एस, दत्त उपाध्याय ए, शर्मा वी के, वर्मा के के, द्विवेदी एस एन, राज आर, गुप्ता एस. इंट्रालेशनल इंजेक्शन ऑफ माइकोबैक्टीरियम डब्ल्यू वैक्सीन वर्सेस इम्क्यूमोड, 5 प्रतिशत, क्रीम इन पेशेंट्स विद एनोजिनाइटल वार्ट्सः ए रेंडोमाइज्ड क्लिनिकल ट्रायल. *जेएएमए डर्मेटोल* 2014 अक्तूबर;150(10):1072–8.

875. कुमार पी, गुप्ता एस के, कपिल ए, विज ए, सिंह आई बी. ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ हैंड हाइजिन प्रैक्टिसिस इन ऑपरेशन थिएटर्स इन टर्शरी लेवल हॉस्पिटल्स इन दिल्ली, इंडिया. *इंट जे रेस फाउंड हॉस्पि हेल्थकेयर एडमिन* 2014 जुलाई–दिसंबर;2(2):87–93.

876. कुमार पी, जितेश वी, गुप्ता एस के. डस ए सिंगल स्पेशिलिटी इंटेंसिव केयर यूनिट मेक बेटर बिजनेस सेंस देन ए मल्टी–स्पेशिलिटी इंटेंसिव केयर यूनिट? ए कोस्टिंग स्टडी इन ए ट्रॉमा सेंटर इन इंडिया. *सऊदी जे एनीस्थि* 2015 अप्रैल;9(2):189–94.

877. कुमार पी, जितेश वी, विज ए, गुप्ता एस के. हू इज़ मोर हैंड्स ऑन विद हैंड–ऑफ्स? ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ क्लिनिकल हैंडओवर्स अमंग डॉक्टर्स एंड नर्सेस इन ए टर्शरी केयर सेंटर ऑफ इंडिया. *इंट जे रेस फाउंडेशन हॉस्पिटल हेल्थकेयर एडमिनेस्ट्रेशन* 2015;3(1):33–40.

878. कुमार पी, लोधा आर, काबरा एस के. इम्यूनोलॉजी ऑफ ट्यूबरकुलोसिस. *इंडियन जे प्रैक्टि पीडियाट्रिक्स* 2014;16:31–38.

879. कुमार पी, पाण्ड्या डी, सिंह एन, बेहरा डी, अग्रवाल पी, सिंह एस. लूप–मीडिएटिड इसोथर्मल एम्लीफिकेशन एस्से फॉर रैपिड एंड सेंसिटिव डायग्नोसिस ऑफ ट्यूबरकुलोसिस. *जे इंफेक्ट* 2014;69(6):607–15.

880. कुमार पी, पटेल सी डी, सिंघला एस, मल्होत्रा ए. इफेक्ट ऑफ ड्यूरेशन ऑफ फास्टिंग एंड डाइट ऑन द मायकोकार्डियल अपटेक ऑफ एफ–18–2–फ्लोरो–2–डीऑक्सीग्लूकोज (एफ–18 एफडीजी) एट रेस्ट. *इंडियन जे न्यूक्लि मेड* 2014 जुलाई;29(3):140–5.

881. कुमार पी, सिंघल एम, सागर एस, गुप्ता ए. डिलेड टोरेंटियल हेमरेज आफ्टर फाइरआर्म इंजरी. *बीमएजे केस रैप* 2014. (मुद्रण से पहले ई प्रकाशन)

882. कुमार पी, तिवारी एस सी, गोयल ए, श्रीनिवास वी, कुमार एन, त्रिपाठी आर के, गुप्ता वी, डे, ए बी. नोवल ऑक्यूपेशनल थेरैपी इंटरवेंशनंस मे इम्प्रूव क्वालिटी ऑफ लाइफ इन ओल्डर एडल्ट्स विद डेमेंटिया. *इंट आर्च मेड* 2014 मई 20;**7**:26.

883. कुमार आर, जगदेवन ए, शर्मा एम सी. कंजेनाइटल इंफेनटाइल फाइब्रोसार्कोमा ऑफ स्कैल्प. इज़ एडजुवेंट थेरैपी एसेंशियल? *इंडियन जे सर्ज ओंको* 2014 दिसंबर;5(4):297–9.

884. कुमार आर, मोहन एन, उपाध्याय ए डी, सिंह ए पी, साहू वी, द्विवेदी एस, डे ए बी, डे एस. आइडेटिफिकेशन ऑफ सीरम सरट्यूंस एज नोवल नॉनइंवेसिव प्रोटीन मार्कर्स फॉर फ्रेल्टी. *एजिंग सेल* 2014 दिसंबर;13(6):975–80.

885. कुमार आर, रीता के एच, राय एस बी. क्रोनिक स्पाइनल इंफ्यूशन ऑफ लोपरेमिड एलेविटेस पोस्ट सर्जिकल पेन इन रैट्स. *इंडियन जे एक्सप बायोल* 2014 अप्रैल;52(4):317–22.

886. कुमार आर, सिकरे ए के, जायसवाल ए के, माइलो टी, सिंह एन, शर्मा के. लीड पोइजनिंग, एनालायटिकल एस्पेक्ट्स एंड इट्स मैनेजमेंट. *इंट जे बायोल फर्मास्यूटिकल रेस* 2014;5(1):893–903.

887. कुमार आर, सिक्का के, कुमार आर, चटर्जी पी. नेफ्रोजेनिक एपिस्टेक्सि. *सिंगापुर मेड जे* 2014 जुलाई; 55(7):ई112–3.

888. कुमार आर, सोंकावडे आर जी, त्रिपाठी एम, शर्मा पी, गुप्ता पी, कुमार पी, पाण्ड्य ए के, बाल सी, दाम्ले एन ए, बंधोपाध्याय जी. प्रोडक्शन ऑफ द पीईटी बोन एजेंट (18) एफ–फ्लोरॉयड आयन, सिमुलेटेन्यूसली विद (18) एफ–एफडीजी बाय ए सिंगल रन ऑफ द मेडिकल साइक्लोट्रॉन विद मिनीमल रेडिएशन एक्सपोजर–ए नोवल टेक्निक. *हेल जे न्यूक्लि मेड* 2014 मई–अगस्त;17(2):106–10.

889. कुमार आर, विग एन, वाजपेयी एम, डेका आर सी, खान एम ए, हांडा के के. कोरिलेशन ऑफ सीडी 4 काउंट्स विद ईएनटी मेनिफेस्टेशन इन एचआईवी पोजिटिव पेशेंट्सः ए क्रॉस–सेक्शनल स्टडी इन इंडियन पॉपुलेशन. *नेशनल जर्नल ऑफ ओटोराइनोलेरिंगोलॉजी* एंड हेड एंड नेक सर्जरी 2014 अप्रैल; 2(11) नं. 1.

890. कुमार आर. द फर्स्ट एडिटोरियल. इंडियन जे यूरोल 2014;30(1):1.

891. कुमार आर. द श्रीकिंग वर्ल्ड. *इंडियन जे यूरोल* 2014 जुलाई;30(3):239–40.

892. कुमार आर. यूरोलॉजिकल एजुकेशनः डू वी नीड ए रीथिंक? *इंडियन जे यूरोल* 2015 जनवरी–मार्च;31(1):1–2.

893. कुमार आर वी, भास्कर एस. डेवलपमेंट ऑफ प्रोटोकॉल फॉर द मैनेजमेंट ऑफ सर्वाइकल कैंसर सिम्टम्स इन रीसोर्स–कंस्ट्रेंड डेवलपिंग कंट्रीज. *सपोर्ट केयर कैंसर* 2015;23:581–600.

894. कुमार एस, बिजलवान पी, सैनी एस के. कार्सिनोमा बक्कल म्यूकोसा अंडरलायइंग ए जाइंट क्यूटेनियस हॉर्नः ए केस रिपोर्ट एंड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. केस रैप *ऑंकोल मेड* 2014; 2014:518372.

895. कुमार एस, कक्कड़ ए, सूरी वी, कुमार ए, भागवत यू, शर्मा एम सी, सरकार सी, एट ऑल. एवेल्यूएशन ऑफ 1पी एंड 14पी स्टेट्स, एमआईबी–1 लेबलिंग इंडेक्स एंड प्रोगैस्ट्रोन रिसेप्टर इम्यूनोएक्सप्रेशन इन मेनिजियोमासः एडजुकेंट्स टू हिस्टोपैथोलॉजिकल ग्रेडिंग एंड प्रीक्टिर्स ऑफ अग्रेसिव बिहेवियर. *न्यूरोल इंडिया* 2014 जुलाई–अगस्त; 62(4):376–82.

896. कुमार एस, कपूर वी, गिल के, सिंह के, एक्सेस आई, दास एस एन, डे एस. एंटीफंगल एंड एंटीप्रोलिफिरेक्टिव प्रोटीन फ्रॉम सिसर एरिटिनमः ए बायोएक्टिव कम्पाउंड अगेंस्ट इमर्जिंग पैथोजींस. *बायोमेड रेस इंट* 2014; 2014: 387203.

897. कुमार एस, कुमार ए, त्रिखा ए, आनंद एस. इलेक्ट्रएंसेफेलोग्राम बेस्ड क्वांटिटेटिव एस्टिमेशन ऑफ पेन फॉर बैलेंस्ड एनीस्थिसिया.*मेजरमेंट* 2015;59:296–301.

898. कुमार एस, कुमार आर, मखदूमी एम, खान एल, प्रकाश एस एस, त्रिरूवेंगदम आर, सिंगला एम, लोधा आर, काबरा एस के, सिन्हा एस, लूथरा के. प्रोडक्शन ऑफ क्रॉस न्यूट्रेलाइजिंग सिंगल चेन फ्रेग्मेंट वेरिएबल्स (एससीएफवी) फ्रॉम एचआईवी–1 इंफेक्टिड इंडियन चिल्ड्रन. *बीएमसी इंफेक्शस डिजीज* 2014,14(पूरक 3):ई25.

899. कुमार एस, मिश्रा एम सी, बंसल वी के, बंसल डी. टीईपी वर्सेस टीएपीपी : विच इज़ बेटर फॉर द पेशेंट्स ? चैप्टर 4, इन बिटेनर आर एट ऑल. अपडेट ऑफ गाइडलाइंस ऑन लैपेरोस्कोपिक (टीएपीपी) एंड एंडोस्कोपिक (टीईपी) ट्रीटमेंट ऑफ इंग्यूनल हर्निया (इंटरनेशनल एंडोहर्निया सोसायटी). *सर्ज एंडोसो.* 2015 फरवरी; 29(2) : 289.321. डीओआई :10.1007/एस00464–014–3917–8.

900. कुमार एस, नकवी आर ए, अली आर, रानी आर, खन्ना एन, राव डी एन. फॉक्स पी3 प्रोवाइड्स कम्पेटेटिव फिटनेस टू सीडी4^+सीडी25^+ टी सेल्स इन लेप्रोसी पेशेंट्स वाया ट्रांसक्रिप्शनल रेगुलेशन. *यूर जे इम्यूनोल* 2014 फरवरी;44(2):431–9.

901. कुमार एस, राठौर वाई, गुलेरिया एस, बंसल वी के. रीनल ट्रांसप्लांटेशन इन ए चाइल्ड विद थ्रोम्बोस्ड इंफेरियर वेना कावा. *सऊदी जे किडनी डिस ट्रांसप्ला* 2014 मार्च; 25(2):367–9.

902. कुमार एस, नायक सी एस, पाधी टी, राव जी, राव ए, शर्मा वी के, श्रीनिवास सी आर. एपिडेमियोलॉजिकल पैटर्न ऑफ सोरायसिस, विटिलिगो एंड एटोपिक डर्मेटाइटिस इन इंडियाः हॉस्पिटल–बेस्ड पॉइंट प्रीवेलेंस. *इंडियन डर्मेटोल ऑनलाइन जे.* 2014 नवंबर; 5(पूरक 1):एस 6–8.

903. कुमार यू, धर्माणी सी के, सिंह एस, लोगानी ए, शाह एन, इफेक्ट ऑफ एयर अब्रेशन प्रीकंडीशनिंग ऑन माइक्रोलीकेज इन क्लास वी रेस्टोरेशंस अंडर साइक्लिक लोडिंगः एन इन– विट्रो स्टडी. *जे क्लिन डायग्न रेस* 2014 मई;8(5):जेडसी29–32.

904. कुमार वी, चानना बी. कमेंट्स ऑन सर्जिकल एरिडोटॉमी टेक्निक. *जे कैटरेक्ट रीफ्रैक्ट सर्ज* 2014 अप्रैल;40(4):690.

905. कुमार वी, गर्ग आर, भारती एस जे, गुप्ता एन, भटनागर एस, मिश्रा एस, बल्हारा वाई पी. लॉन्ग – टर्म हाइ–डोस ओरल मोर्फिन इन फैंटम लिम्ब पेन विद नो एडिक्शन रिस्क. *इंडियन जे पेलिएट केयर* 2015 जनवरी–अप्रैल;21(1):85–7.

906. कुमार वी, जेरिया एस, चंद्रा एन, रोहतगी जे. ए केस ऑफ कॉन्टेक्ट लेंस डिपॉजिट्स मिमिकिंग नोड्यूलर केरेटोपैथी. *क्लिन एक्सप ओप्टम* 2014 जुलाई:97(4);373–374.

907. कुमार वी, नाग टी सी, शर्मा यू, जगन्नाथन एन आर, वाधवा एस. डिफरेंटियल इफेक्ट्स ऑफ प्रीनेटल क्रोनिक हाइ–डेसिबल नॉइस एंड म्यूजिक एक्सपोजर ऑन द एक्सिटेट्री एंड इंहेबिट्री साइनेप्टिक कॉम्पोनेंट्स ऑफ द ऑडिटरी कोर्टेक्स एनालॉग इन डेवलपिंग चिक्स (गैलस गैलस डोमेस्टिक्स). *न्यूरोसाइंस* 2014 जून 6;269:302–17.

908. कुमार वी, नाग टी सी, शर्मा यू, मेवाड़ एस, जगन्नाथन एन आर, वाधवा एस. हाइ रिजोल्यूशन 1 एच एनएमआर–बेस्ड मेटाबोनोमिक स्टडी ऑफ द ऑडिटरी कोर्टेक्स एनालॉग ऑफ डेवलपिंग चिक (गैलस गैलस डोमेस्टिक्स) फोलोइंग प्रीनेटल क्रोनिक लाउड म्यूजिक एंड नॉइस एक्सपोजर. *न्यूरोकेम इंट* 2014 अक्तूबर;76:99–108.

909. कुमार वी, पंडित एच जी, लिडल ए डी, बोर्रोर डब्ल्यू, जेंकिंस सी, मेलन एस जे, हेमिल्टन टी डब्ल्यू, एथानसु एन, डोड सी ए, मुरै डी डब्ल्यू. कम्पेरिजन ऑफ आउटकम्स आफ्टर यूकेए इन पेशेंट्स विद एंड विदआउट कोंड्रोकेलसिनोसिसः ए मैच्ड कोहोर्ट स्टडी. नी सर्ज *स्पॉर्ट्स ट्रॉमेटोल आथ्ररोस* 2015 मार्च 19

910. कुमार वी. मिजू नाकामुरा फेनोमेनन. *जे पीडियाट्रि ओफ्थाल्मोल स्ट्रेबिज्मस* 2014 नवंबर.

911. कुमार वी एल, शर्मा एन, सूजा आई सी, रामोस एम वी, कार्वाल्हो सी पी. प्रोटींस डेरिवेड फ्रॉम इन विट्रो कल्चर ऑफ द कैलस एंड रूट्स ऑफ केलोट्रोपिस प्रोसेरा एमिलियोरेट्स एक्यूट इंफ्लेमेशन इन द रैट पॉ. एपल. *बायोकेम बायोटेक्नोल* 2015 फरवरी;175(3):1724–31.

912. कुमार वी एस, बरवार एन, खान एस ए. सर्फेस ओस्टियोसार्कोमासः डायग्नोसिस, ट्रीटमेंट एंड आउटकम. *इंडियन जे ऑर्थोप.* 2014 मई; 48(3):255–61.

913. कुमार वी एस, खान एस ए, पलानिस्वामी ए, रस्तोगी एस. मल्टीफोकल ओस्टियोड ओस्टियोमा ऑफ टिबिया. *बीएमजे केस रैप* 2013 डीओआईः 10.1136/बीसीआर–2013–201712

914. कुमारी वी ए, गुप्ता पी, श्रीवास्तव एम वी, कुमार एल, कृपलानी ए, भाटला एन. पेरेनियोप्लास्टिक सेरेबेल्लर डीजनरेशन एज द फर्स्ट एविडेंस ऑफ मेलिग्नेंसीः ए केस रिपोर्ट. *जे ऑब्स्टेट गायनेकोल रेस* 2014;40:1463–5.

915. कुंडू आर, बैद्य डी के, अरोड़ा एम के, मैत्रा एस, दारलॉन्ग वी, गोस्वामी डी, मोहनसेल्वी एस, बाजपेयी एम. कौडल बुपिवैक्सीन एंड मोर्फिन प्रोवाइड्स इफेक्टिव पोस्टोपरेटिव एनलजेसिया बट डस नॉट प्रीवेंट हिमोडायनेमिक रिस्पॉन्स टू न्यूमोपेरिटोनियम फॉर मेजर लेपेरोस्कोपिक सर्जरीस इन चिल्ड्रन.*जे एनीस्थि* 2015 अगस्त;29(4):618–21.

916. कुरियन एस, सत्पथी एस, गुप्ता एस के, आर्य एस के, शर्मा डी. के. स्टडी ऑफ रिपोर्टिंग सिस्टम फॉर एडवर्स इवेंट्स रिलेटिड टू कॉमन मेडिकल डिवाइसेज एट ए टर्शरी केयर पब्लिक–सेक्टर हॉस्पिटल इन इंडिया. *इंट जे मेड हेल्थ बायो–मेड फर्मा इंज* 2014;8(7): 448–53.

917. करवले एन एस, चंद्रा एस पी, चौकसी पी, अरोड़ा ए, गर्ग ए, सरकार सी, एट ऑल. इम्पैक्ट ऑफ इंट्राऑपरेटिव एमआरआई ऑन आउटकम्स इन एपिलेप्सी सर्जरीः प्रीलिमनरी एक्सपीरियंस ऑफ टू इयर्स. *बी आर जे न्यूरोसर्ज* 2015 जून; 29(3):380–5.

918. कुशवाहा के पी, शंकर जे, शंकर एम जे, गुप्ता ए, दाधीच जे पी, गुप्ता वाई पी, भट्ट जी सी, अंसारी डी ए, शर्मा बी. इफेक्ट ऑफ पीर काउंसलिंग बाय मदर सपोर्ट ग्रुप्स ऑन इंफेंट एंड यंग चाइल्ड फीडिंग प्रैक्टिसेसः द ललितपुर एक्सपीरियंस. *पीएलओएस वन* 2014 नवंबर 4;9(11):ई 109181.

919. कुशवाहा वी, सिन्हा देब के, चड्डा आर के, मेहता एम. ए स्टडी ऑफ डिसेबिलिटी एंड इट्स कोरिलेट्स इन सोमेजेशन डिसऑर्डर. *एशियन जे साइकायट्री* 2014 अप्रैल;8:56–8.

920. कुसुमा वाई एस, पांडव सी एस एंड बाबू बी वी. सोशियो–डेमोग्राफिक प्रोफाइल ऑफ सोशियो–इकोनोमिकली डिसेडवांटेज्ड इंटरनल मिग्रेंट्स इन दिल्ली, इंडिया. *जे आइडेटिटी माइग्रेशन* 2014;8:37–50.

921. कुसुमा वाई एस. द ग्लोबल बर्डन ऑफ मेटाबोलिक रिस्क फैक्टर्स फॉर क्रोनिक डिजीज कोलेब्रेशन ग्रुप. कार्डियोवेस्कुलर, डायबिटीस, एंड क्रोनिक किडनी डिजीज मोर्टेलिटी बर्डन ऑफ कार्डियो–मेटाबोलिक रिस्क फैक्टर्स बिटवीन 1980 एंड 2010: कम्पेरेटिव रिस्क असेस्मेंट. *लैंसेट डायबिटीस एंडोक्राइनोलॉजी* 2014;2:634–647.

922. कुसुमेश आर, वनाथी एम. ग्राफ्ट रिजेक्शन इन पीडियाट्रिक पेनेट्रेटिंग केराटोप्लास्टी : क्लिनिकल फीचर्स एंड आउटकम्स. *ओमान जे ओफ्थाल्मोल* 2015 जनवरी–अप्रैल;8(1):33–7.

923. कायद्री एम, फातमा टी, मेलिजिया पी, भारत एन, फरहा बी एंड वेल्पांडियन टी. एंटीएंजियोजेनिक एंड एंटीप्रोलिफेरेटिव असेस्मेंट ऑफ साइनोबैक्टीरिया. *इंडियन जे एक्सप बायोल* 2014 अगस्त; 52(8):835–42.

924. लाग्रेंज पी एच, थंगराज एस के, दयाल आर, देशपांडे ए, गांगुली एन के, गिराडी ई, एट ऑल. ए टूलबॉक्स फॉर ट्यूबरकुलोसिस (टीबी) डायग्नोसिसः एन इंडियन मल्टी–सेंट्रिक स्टडी (2006–2008); एवेल्यूएशन ऑफ सेरोलॉजिकल एस्से बेस्ड ऑन पीजीएल–टीबी1 एंड ईएसएटी–6/सीएफपी10 एंटीजंस फॉर टीबी डायग्नोसिस. *पीएलओएस वन* 2014 मई 5;9(5): ई 96367.

925. लक्ष्मी आर, तारिक एम, अब्राहम आर ए. रोल ऑफ ड्रायड ब्लड स्पॉट्स इन हेल्थ एंड डिजीज डायग्नोसिस इन ओल्डर एडल्ट्स. *बायोएनालायसिस* 2014;6:3121–3131.

926. लाले एस वी, अवस्थी आर जी, अरविंद ए, कुमार डी एस, कौल वी. ए एस 1411 एप्टेमर एंड फोलिक एसिड फंक्शनलाइज्ड पीएच–रिस्पॉन्सिव एटीआरपी फेब्रिकेटिड पीपीईजीएमए–पीसीएल–पीपीईजीएमए पॉलीमेरिक नैनोपार्टिकल्स फॉर टार्गेटिड ड्रग डिलीवरी इन कैंसर थेरैपी. *बायोमैक्रोमोलेक्युलेस* 2014 मई 12;15(5):1737–52.

927. लाले एस वी, कुमार ए, नाज़ एफ, भारती ए सी, कौल वी. मल्टीफंक्शनल एटीआरपी बेस्ड पीएच रिस्पॉन्सिव पॉलीमेरिक नैनोपार्टिकल्स फॉर इम्प्रूव्ड डोक्सोरूबिसिन कीमोथेरैपी इन ब्रेस्ड कैंसर बाय प्रोटोन स्पंज इफेक्ट/एंडो–लायोसोमल एस्केप, पॉलीमर केमिस्ट्री 2015;6:2115–2132.

928. लालवानी एस, माथुर पी, टाक वी, जननी एस, कुमार एस आई, बाग्ला आर, मिश्रा एम सी. डायग्नोसिस ऑफ वेंटिलेटर–एसोसिएटिड निमोनियाः कम्पेरिजन बिटवीन एंट–मोर्टम एंड पोस्ट–मोर्टम कल्चर्स इन ट्रॉमा पेशेंट्स. *इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल* 2014;32(3):294–300.

929. लालवानी एस, पुनिया एस, लालवानी पी. मेडिको–लीगल इशूज रिलेटिड टू ट्रॉमा केयर इन इंडिया. *जेआईएमएसए* 2014;27:176–77.

930. लालवानी एस, पुनिया एस, लालवानी पी. रिसेंट अमेंडमेंट इन लेगिसलेशंस इन रिगार्ड टू क्राइम अगेंस्ट वूमन इन इंडिया–एन ओवरव्यू. *एओजीडी बूलेटिन* 2014;14:24–26.

931. लालवानी एस, पुनिया पी, माथुर पी, त्रिखा वी, सत्यार्थी जी, मिश्रा एम सी. हॉस्पिटल एक्वायर्ड इंफेक्शंसः प्रीवेंटेबल कॉज ऑफ मोर्टेलिटी इन स्पाइनल कॉर्ड इंजरी पेशेंट्स. जे लैब फिजिशियंस 2014;6:36–9.

932. लालवानी एस, राजकुमारी एन, बिंद्रा ए, माथुर पी. प्रोफाइल ऑफ फेटल पेशेंट्स एडमिटेड टू ए न्यूरोट्रॉमा क्रिटिकल केयर यूनिट. *यूर जे ट्रॉमा इमर सर्ज* 2015;41:65–67.

933. लालवानी एस, सेफगार्डिंग अगेंस्ट फ्रॉम मेडिकल नेग्निजेंस विद सुप्रीम कोर्ट जजमेंट्स. *एओजीडी बुलेटिन* 2015. (मुद्रण से पहले ई प्रकाशन)

934. लालवानी एस, सिंह वी, त्रिखा वी, शर्मा वी, कुमार एस, बाग्ला आर, अग्रवाल डी, मिश्रा एम सी. मोर्टेलिटी प्रोफाइल ऑफ पेशेंट्स विद ट्रॉमेटिक स्पाइनल इंजरीज एट ए लेवल। ट्रॉमा केयर सेंटर इन इंडिया. *इंडियन जे मेड रेस* 2014 जुलाई;140(1):40–5.

935. लता के, भाटला एन. एचपीवी टेस्टिंग फॉर सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंगः टाइम फॉर ए न्यू पैराडिग्म. *नेटल मेड जे इंडिया* 2014 जुलाई–अगस्त; 27(4):212–3.

936. लता के, कृपलानी ए. हाइपरप्रोलेक्टिनेमिया. *एशियन जे ओब गायन प्रैक्टिस* 2015;1(1):7–10.

937. लावे बी ए, मीर एस ए, गायनी एम ए, शाहीन एफ, शाह पी ए. नॉन–रिवर्सल ऑफ एड्रीनल हायपोफंक्शन आफ्टर ट्रीटमेंट ऑफ एड्रीनल ट्यूबरकुलोसिस. *इजिप्शियन सोस इंटर्न मेड* 2015;27:42–44.

938. लेयक ए, मैत्रा एस, पाल एस, भट्टाचार्जी एस, बैद्य डी के. एफिसेसी ऑफ वेसोप्रेसिन ड्यूरिंग कार्डियोपल्मोनरी रिस्सिटेशन इन एडल्ट पेशेंट्सः ए मेटा–एनालायसिस. *रीसक्सिएशन* 2014 जुलाई; 85(7):855–63.

939. लीमा पी, वेनेमैल पी, सहगल आर, कृपलानी ए. स्टेट्स एंड अवेयरनेस ऑफ एचआईवी/एड्स अमंग एंटिनेटल इंडियन वूमन. *इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ एंड वेलबीइंग* 2014;5(3):358–361.

940. लियोंग डी पी, स्मिथ ए, टिओ के के. पैटर्स ऑफ एल्कोहोल कंसप्शन एंड मायोकार्डियल इंफ्रैक्शन रिस्क. *सरकुलेशन* 2014;130:390–8.

941. लोधा आर, काबरा एस के. हेल्थ एंड न्यूट्रिशनल स्टेट्स ऑफ एचआईवी इंफेक्टिड चिल्ड्रन. *इंडियन जे मेड रेस* 2015 जनवरी;141(1):10–2.

942. लोधा आर, मुखर्जी ए, सिंह वी, सिंह एस, फ्रिस एच, फॉरहोल्ट–जेप्सन डी, भटनागर एस, सैनी एस, काबरा एस के, ग्रेवाल एच एम; दिल्ली पीडियाट्रिक टीबी स्टडी ग्रुप. इफेक्ट ऑफ माइक्रोन्यूट्रिएंट सप्लीमेंटेशन ऑन ट्रीटमेंट आउटकम्स इन चिल्ड्रन विद इंट्राथोरेसिस ट्यूबरकुलोसिसः ए रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल. *एम जे क्लिन न्यूट्रि* 2014 नवंबर;100(5):1287–97.

943. लोधा आर, शाह एन, मोहरी एन, मुखर्जी ए, वाजपेयी एम, सिंह आर, सिंगला एम, सैनी एस, भटनागर एस, काबरा एस के. इम्यूनोलॉजिक

इफेक्ट ऑफ जिंक सप्लीमेंटेशन इन एचआईवी–इंफेक्टिड चिल्ड्रन रिसिविंग हाइली एक्टिव एंटीरेट्रोवायरल थेरैपीः ए रेंडोमाइज्ड, डबल–ब्लाइंड, प्लेसबो–कंट्रोल्ड ट्रायल. *जे एक्वायर इम्यून डिफिक सिंड्रोम* 2014 अगस्त ;66(4):386–92.

944. लोहानी एन, नारायण सिंह एच, अग्रवाल एस, मेहरोत्रा आर, राजेश्वरी एम आर. इंटरेक्शन ऑफ एड्रीयमसिन विद ए रेगुलेटरी एलिमेंट ऑफ एचएमजीबी1ः स्पेक्ट्रोस्कोपी एंड केलोरिमेट्रिक अप्रोच. *जे बायोमोल स्ट्रक्च डाय* 2015;33:1612–23.

945. लोइंग पी, मन्हास जे, सेन एस, बोस बी. ऑटोरेगुलेशन एंड हेटेरोजेनेटी इन एक्सपीरियंस ऑफ ह्यूमन क्रिप्टो–1 पीएलओएस वन 2015;10: ई0116748.

946. लुकास जी एम, सोलेमन एस एस, श्रीकृष्णन ए के, अग्रवाल ए, इकबाल एस, लेयंडेकर ओ, एट ऑल. हाइ एचआईवी बर्डन अमंग पीपल हू इंजेक्ट ड्रग्स इन 15 इंडियन सिटीज. *एड्स* 2015 मार्च 13; 29(5):619–28.

947. मदान एन, सत्पथी एस, शर्मा डी के, शर्मा एन, मनोहरन एन. ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ लिमिटेड एंड ओपन टेंडर सिस्टम्स फॉर द प्रोक्यूरमेंट ऑफ ड्रग्स इन ए पब्लिक सेक्टर टर्शरी केयर हॉस्पिटल इन इंडिया. *जे एकेड हॉस्पि एडमिन* 2014 जुलाई–दिसंबर;26(2):35–42.

948. मदान के, अयूब आई आई, मोहन ए, जैन डी, गुलेरिया आर, काबरा एस के. एंडोब्रोंकियल अल्ट्रासाउंड – गाइडिड ट्रांसब्रोकियल नीडल एस्पीरेशन (ईबीयूएस–टीबीएनए) इन मीडियास्टाइनल लिम्फेडेनोपैथी. *इंडियन जे पीडियाट्रि* 2015 अप्रैल; 82(4):378–80.

949. मदान के, दास सी जे, गुलेरिया आर. पोस्टेरियर ट्रेकियल डाइवर्टिकुलोसिस. *जे ब्रोंकोलॉजी इंटरव्यू पल्मोनोल* 2014 अक्तूबर;21(4):338–41.

950. मदान के, गर्ग पी, दीपक के के, तलवार एस, एरेन बी, चौधरी एस के. हार्ट रेट वेरिएबलिटी इन पेशेंट्स अंडरगोइंग यूनिवेंट्रिकुलर हार्ट रिपेयर. *एशियन कार्डियोवेस्कु थोरैक एन.* 2014 मई;22(4):402–8.

951. मदान के, हड्डा वी, खिलनानी जी सी, गुलेरिया आर. आइसोलेटिड रिडक्शन ऑफ द एफईवी3/एफवीसी रेशियो एज एन इंडिकेटर ऑफ माइल्ड एयरफ्लो ऑब्स्ट्रक्शन. *चेस्ट* 2014;145:662.

952. मदान के, मोहन ए, अयूब आई आई, जैन डी, हड्डा वी, खिलनानी जी सी, गुलेरिया आर. इनिशियल एक्सपीरियंस विद एंडोब्रोंकियल अल्ट्रासांउड–गाइडिड ट्रांसब्रोंकियल नीडल एस्पीरेशन (ईबीयूएस–टीबीएनए) फ्रॉम ए ट्यूबरकुलोसिस एंडेमिक पॉपुलेशन. *जे ब्रोंकोलॉजी इंटरव्यू पल्मोनल* 2014 जुलाई; 21(3):208–14.

953. मदान के, मोहन ए, गुलेरिया आर. ''नोडल एयर एंट्री'' आर्टिफेक्ट. *जे ब्रोकोंल इंटरव्यू पल्मोनो* 1 2014; 21:277–8.

954. मदान के, नट्टूसामी एल, अरवा एस, गुलेरिया आर. ट्रैकियोब्रोनकोपैथिया ओस्टियोकोंड्रोप्लास्टिकाः ए रेयर कॉस ऑफ डिफिकल्ट इंट्यूबेशन. *इंडियन जे चेस्ट डिस एलायड साइं* 2014 जुलाई–सितंबर; 56(3):187–9.

955. मदान के, पुरकैत एस, अरवा एस, भल्ला ए एस, कुमार आर, गुलेरिया आर. ए 79–इयर–ओल्ड वूमन विद बिलेटेरल केविटेटिंग लंग नोडल्स. *चेस्ट* 2014 जून;145(6):1419–24.

956. मदान के, वेनुथुरिमिल्ली ए, अहूजा वी, हड्डा वी, मोहन वी, गुलेरिया आर. ट्रैकियल पेंट्रेशन एंड ट्रैकियोइसोफेजियल फिस्टुला कॉस्ड बाय एन इसोफेजियल सेल्फ–एक्सपेंडिंग मेटैलिक स्टेंट. *केस रैप पल्मोनल* 2014; 2014:567582.

957. मदान के. मोहन ए, अयूब आई आई , जैन डी, हड्डा वी, खिलनानी जी सी, एट ऑल. इनिशियल एक्सपीरियंस विद एंडोब्रोंकियल अल्ट्रासांउड–गाइडिड ट्रांसब्रोंकियल नीडल एस्पीरेशन (ईबीयूएस –टीबीएनए) फ्रॉम ए ट्यूबरकुलोसिस एंडेमिक पॉपुलेशन. *जे ब्रोंकोल पल्मोनोल* 2014;21:208–14.

958. मदान आर, पथी एस, सुब्रमणि वी, शर्मा एस, मोहंती बी के, चंदर एस, एट ऑल. कम्पेरेटिव एवेल्यूएशन ऑफ टू–डायमेंशनल रेडियोग्राफी एंड थ्री डायमेंशनल कम्प्यूटिड टोमोग्राफी बेस्ड डोज़–वॉल्यूम पैरामीटर्स फॉर हाइ–डोज़–रेट इंट्राकेविटरी ब्रेकीथैरेपी ऑफ सर्वाइकल कैंसरः ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी. *एशियन पैक जे कैंसर प्रीव* 2014;15:4717–21.

959. मधुसूदन के एस, गमनगट्टी एस, गुप्ता ए के. इमेजिंग एंड इंटरवेंशंस इन हिलर कोलेनजियोकार्सिनोमाः ए रिव्यू. *वर्ल्ड जे रेडियोल* 2015 फरवरी; 7(2):28–44.

960. मधुसूदन के एस, श्रीवास्तव डी एन, दाश एन आर, वेनुथुली ए, शर्मा आर, गमनगट्टी एस, गुप्ता ए के. एल्वियोलर एकिनोकोकोसिस ऑफ द लीवरः ए डायग्नोस्टिक प्रॉबल्म इन ए नॉन–एंडेमिक एरिया. *सर प्रॉब्ल डायग्न रेडियोल* 2015 मार्च–अप्रैल;44(2):221–226.

961. मैफियोन ए एम, करूणानिधि एस, कुमार आर, रूबेलो डी, अल्वी ए. न्यूक्लियर मेडिसिन प्रोसीजर्स इन द डायग्नोसिस ऑफ एनईटीः ए हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव. *पीईटी क्लिन* 2014 जनवरी;9(1):1–9.

962. मगन डी, मेहता एम, सर्वोत्तम के, यादव आर के, पाण्डे आर एम. इफेक्ट ऑफ एज एंड जेंडर ऑन बिग फाइव फैक्टर्स ऑफ पर्सनेलिटीः ए प्रीलिमिनरी रिपोर्ट इन इंडियन पॉपुलेशन. *इंडियन जे फिजियोल फर्माकोल* 2014;58(4):381–388.

963. महाजन सी, चौहान आर एस, रथ जी पी, दाश एच एच, सूरी ए, चंद्रा पी एस, एट ऑल. इफेक्ट ऑफ इंट्राऑपरेटिव ब्रेन प्रोटेक्शन विद प्रोपोफोल ऑन पोस्टऑपरेटिव कॉग्निशिन इन पेशेंट्स अंडरगोइंग टेम्परारी क्लिपिंग ड्यूरिंग इंट्राक्राइनल एन्यूरिज्म सर्जरी. *न्यूरोल इंडिया* 2014;62:262–8.

964. महाजन सी, रथ जी पी, सिंह जी पी, बिठल पी के. एफिसेसी ऑफ डीक्समेडेटोमिडाइन इंफ्यूशन फॉर कंसीयस सिडेशन इन पेशेंट्स अंडरगोइंग अवेक क्रेनियोटॉमीः ए प्रीलिमनरी स्टडी. *जे न्यूरोएनीस्थिसियोल क्रिएट केयर* 2014;1:85.

965. महाजन डी, शर्मा आर, गर्ग एस पी, वेंकटेश पी, सिहोता आर, दादा टी. क्लिनिकल प्रोफाइल ऑफ यूवेटिस–रिलेटिड ऑक्यूलर हाइपरटेंशन. *इंट ओफ्थाल्मोल* 2014 दिसंबर; 34(6):1221–6.

966. महाजन आर, डे डी, सैकिया यू एन. वोल्फ'स इस्टोपिक रिस्पॉन्सः रिपोर्ट ऑफ ए केस एंड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. इंडियन जे डर्मेटोल 2014 मई;59(3):275–82.

967. महाजन आर, कंवर ए जे, प्रसाद डी, कुमारन एम एस, शर्मा आर. ग्लाइकोलिक एसिड पील्स/एजेलैक एसिड 20 प्रतिशत क्रीम कॉबिनेशन एंड लो पोटेंसी ट्रिपल कॉम्बिनेशन लीड टू सिमिलर रिडक्शन इन मेलेज्मा सेविरिटी इन एथेनिक स्किनः रिजल्ट्स ऑफ ए रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड स्टडी. *इंडियन जे डर्मेटोल* 2015 मार्च–अप्रैल; 60(2):147–52.

968. महाजन आर, कंवर ए जे, सैकिया यू एन. को लोकेलाइजेशन ऑफ एग्मिनेटिड कंजेनाइल मेलेनोसाइटिक नेवी विद विटिलिगो वुल्गेरिस–एन अनयूज़वल प्रेजेंटेशन. *इंट जे डर्मेटोल* 2015 अक्तूबर; 54(10):1186–7.

969. महाजन आर, कुमारन एम एस, नारंग टी, हांडा एस, डोगरा एस. जेनिटल सोरायसिस अमंग इंडियंसः ए प्रोस्पेक्टिव क्रॉस–सेक्शनल स्टडी. *ऑस्ट्रेलेस जे डर्मेटोल* 2015 फरवरी;56(1): ई 18–20.

970. महापात्रा एम, सिंह पी के, प्रभु एम, मिहरा पी, सेठ टी, त्यागी एस, पति एच पी, सक्सेना आर. एपिडेमियोलॉजी, क्लिनिको–हिमेटोलॉजिकल प्रोफाइल एंड मैनेजमेंट ऑफ अप्लास्टिक एनीमिया–एम्स एक्सपीरियंस. *जेएपीआई* मार्च 2015;63(3):30–36.

971. महाराजा के, गुप्ता वी, खंडपुर एस. नॉनहीलिंग टंग अल्सर इन एन इंडियन मैन. *जेएएमए डर्मेटोल* 2015 मार्च;151(3):333–4.

972. महाराजा के, खंडपुर एस, रमम एम, सिंह एम के, कुमार यू, शर्मा वी के. ए स्टडी ऑफ द क्लिनिको–हिस्टोपैथोलॉजिकल फीचर्स ऑफ एरीथेमेटस टेंडर नोडल्स प्रीडोमिनेंटली इंवोल्विंग द एक्स्ट्रीमिटिस. *इंडियन जे डर्मेटोल वेनेरियोल लेप्रोल* 2014 मई–जून;80(3):235–42.

973. महावर के के, अग्रवाल एस, कार डब्ल्यू आर जेनिंग्स एन, बलुपुरी एस, स्मॉल पी के. कसंर्सेस स्टेटमेंट्स एंड बेरियाट्रिक सर्जरी. *ओब्से सर्ज* 2015 जून; 25(6):1063–5.

974. महेय आर, कृपलानी ए. लेपेरोस्कोपिक मायकोमेक्टोमी. *एओजीडी बुलेटिन* 2014 अप्रैल:7–8.

975. मैत्रा एस, बैद्य डी के, भट्टाचार्जी एस, खन्ना पी. एवेल्यूएशन ऑफ आई–जेल एयरवे इन चिल्ड्रनः ए मेटा–एनालायसिस *पीडियाट्रि एनीस्थि* 2014 अक्तूबर; 24(10):1072–9.

976. मैत्रा एस, बैद्य डी के, भट्टाचार्जी एस. नीयर फेटल ब्रेडीकार्डिया ड्यूरिंग सीजेरियन सेक्शन अंडर स्पाइनल एनीस्थिसियाः "हाइ स्पाइनल" मे नॉट बी ओनली रिस्क फैक्टर. *सऊदी जे एनीस्थि* 2014;8:एस118–9.

977. मैत्रा एस, बैद्य डी के, खन्ना पी, रे बी आर, पांडा एस एस बाजपेयी एम. एक्यूट पेरियोपेरेटिव पेन इन न्यूनेट्स : एन एविडेंस – बेस्ड रिव्यू ऑफ न्यूरोफिजियोलॉजी एंड मैनेजमेंट. *एक्ट एनीस्थियोल ताइवान* 2014;52:30–7.

978. मैत्रा एस, भट्टाचार्जी एस, खन्ना पी, बैद्य डी के, हाइ फ्रीक्वेंसी वेंटिलेशन डस नॉट प्रोवाइड मोर्टेलिटी बेनिफिट इन कम्पेरिजन विद कंवेंशनल लंग प्रोटेक्टिव वेंटिलेशन इन एक्यूट रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम पेशेंट्सः ए मेटा–एनालायसिस ऑफ द रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल्स. *एनीस्थियोलॉजी* 2015 अप्रैल;122(4):841–51.

979. मैत्रा एस, खन्ना पी, बैद्य डी के, पवार डी के, बाजपेयी एम, पांडा एस एस. पीडियाट्रिक रेट्रोपेरिटोन्यूस्कोपिक नेफ्रेक्टॉमीः एन इनिशियल एक्सपीरियंस ऑफ 15 केसिस.जे *एनीस्थियोल क्लिन फर्माकोल* 2015 जनवरी–मार्च;31(1):115–8.

980. मैत्रा एस, कृष्णन जी, बैद्य डी के. इज़ कम्प्यूटिड टोमोग्राफी स्कैन द अल्टीमेट मोडेलिटी फॉर एयरवे एवेल्यूएशन? *जे एनीस्थिसियोल क्लिन फर्माकोल* 2014 अक्तूबर–दिसंबर; 30(4):586–7.

981. मखारिया जी के, मल्डर सी जे, जोह के एल, आहूजा वी, बाई जे सी, केटेस्सी सी, ग्रीन पी एच, दत्ता गुप्ता एस, लुडिंन के ई, रामाकृष्णा बी एस, रावत आर, शर्मा एच, सूद ए, वेटेंब सी, गिब्सन पी आर; वर्ल्ड गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी ऑर्गेनाइजेशन–एशिया पैसिफिक विद द इमर्जेंस ऑफ सीलियाक डिजीज इन द एशिया पेसिफिक रीजनः ए वर्किंग पार्टी रिपोर्ट ऑफ द वर्ल्ड गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी ऑर्गेनाइजेशन एंड द एशियन पैसिफिक एसोसिएशन ऑफ गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी. जे गैस्ट्रोइंटेरोल हेपेटोल 2014 अप्रैल;29(4):666–77.

982. मखारिया जी के. करंट एंड इमर्जिंग थेरैपी फॉर सीलियाक डिजीज. *फ्रंट मेड (लॉज़ेन).* 2014; 24 1:6.

983. मखारिया जी के. क्वालिटी ऑफ केयर इन क्रोहन'स डिजीज. *वर्ल्ड जे गैस्ट्रोइंटेस्ट पैथोफिजियोल* 2014;5:462–6.

984. मखीजा एन, मालंकर डी, सिंह पी, गोयल एस, पटेल के, जगिया पी. लेफ्ट आट्रियल बॉल थ्रोंबस विद एक्यूट मेसेंटेरिक इसकैमियाः एनीस्थेटिक मैनजेमेंट एंड रोल ऑफ ट्रांसइसोफेजियल इकोकार्डियोग्राफी. *एन कार्ड एनीस्थि* 2014;17(2):148–51.

985. मखीजा एन, सिंह एस पी, नरूला जे, चौधरी ए, किरण यू. ट्रांसोफेजियल इकोकार्डियोग्राफी इन ए केस ऑफ डेक्सट्रो–ट्रांसपोजिशन ऑफ ग्रेट आर्टरीस विद रीग्रेस्ट लेफ्ट वेंट्रिकल. जे ऑफ पेरिऑपरेटिव इकोकार्डियोग्राफी. 2014;2:71–74.

986. मालंकर डी, नायर वी वी, गुप्ता एस के, दास एस, एरेन बी. सीवियर माइट्रल रेगुरगिटेशन आफ्टर इंट्राकार्डियक रिपेयर ऑफ टेट्रालॉजी ऑफ फैलोटः ए रेयर कॉम्प्लीकेशन एंड मैनजमेंट. *इंटरैक्ट कार्डियोवेस्कु थौरैक सर्ज* 2014;18:842–3.

987. मालवीय ए एन, साहनी एस, मेहरा एन के, कांगा यू. सेरोनेगेटिव आर्थ्राइटिस इन साउथ एशियाः एन अप–टू–डेट रिव्यू. *सर रूमेटोल रैप* 2014 अप्रैल;16(4):413.

988. मल्होत्रा ए के, लिस जे ए,रमम एम. साइडिनेड (बुरूविंग बग) पिग्मेंटेशनः ए नोवल आर्थ्रोपोड डर्मटोसिस. जेएएमए डर्मेटोल 2015 फरवरी; 151(2):232–3.

989. मल्होत्रा एम, कुमार डी, वर्मा आर. इफेक्ट ऑफ साइकोसोशल एनवार्यनमेंट इन चिल्ड्रन हेविंग मदर विद सिज़ोफेरियन. *साइकायट्री रेस* 2015 अप्रैल 30;226(2–3):418–24.

990. मल्होत्रा एन, बहादुर ए, सिंह एन, कलैवनी एम, मित्तल एस. रोल ऑफ पेरिफोलिकुलर डोप्लर ब्लड फ्लो इन प्रीडिक्टिंग साइकिल रिस्पॉन्स इन इंफर्टिल वूमन विद जेनिटल ट्यूबरकुलोसिस अंडरगोइंग इन विट्रो फर्टिलाइजेशन/इंट्रासाइटोप्लाज्मिक स्पर्म इंजेक्शन. *जे ह्यूम रिप्रोड साइं* 2014 जनवरी; 7(1):19–24.

991. मल्होत्रा एन, पटेल ए, मेहता एन, राणा एच, सेनगुप्ता जे, घोष डी. फिजियोलॉजिकल बैलेंस बिटवीन एफ वीईजीएफ एंड एस वीईजीएफ 1 इज़ मेंटैन्ड विद ओवरियन फॉलिकल्स इन नोर्मो रिस्पॉन्डर वूमन इरेस्पेक्टिव ऑफ जीएनआरएच–ए एंड जीएनआरएच–एंट प्रोटोकॉल्स. *जे रिपोर्ड हेल्थ साइं* 2014;1(1):1–3.

992. मल्होत्रा एन, श्रीवास्तव ए, राणा एच, बहादुर ए, सेनगुप्ता जे, घोष डी. फिजियोलॉजिकल बैलेंस बिटवीन 9 एफवीईजीएफ एंड एसवीईजीएफआर1 इज़ मेंटैन्ड विदइन ओवरियन फोलिकल्स इन नोर्मोरिस्पॉन्डर वूमन इरेस्पेक्टिव ऑफ जीएनआरएच–एग्नोस्ट एंड जीएनआरएच–एंटागोनिस्ट प्रोटोकॉल्स. *जे रिपोर्ड ह्यूम मेड* 2015;1:41–43.

993. मल्होत्रा आर, किरण कुमार जी एन, डिग्गी वी, कुमार वी. द क्लिनिकल एंड रेडियोलॉजिकल एवेल्यूएशन ऑफ द यूज ऑफ एन एलोग्राफ्ट–प्रोस्थेसिस कम्पोजिट इन द ट्रीटमेंट ऑफ प्रोक्सिमल फीमोरल जाइंट सेल ट्यूमर्स. *बोन जॉइंट जे* 2014 अगस्त; 96–बी(8):1106–10.

994. मल्होत्रा आर, शर्मा जी. हिप रिप्लेसमेंट इन पेशेंट्स विद अंकायलॉसिंग स्पॉन्डिलाइटिस. *ऑर्थोप मस्कल सिस्ट* 2014;3(1):1000149. आईएसएसएनः 2161–0533.

995. मल्होत्रा एस, पात्रा बी एन. प्रीवेलेंस ऑफ चाइल्ड एंड एडोल्सेंट साइकायट्रिक डिसऑर्डर्स इन इंडियाः ए सिस्टेमेटिक रिव्यू एंड मेटा–एनालायसिस. *चाइल्ड एडोलेस साइकायट्री मेंट हेल्थ* 2014 जुलाई 21;8:22.

996. मल्होत्रा एस. इम्यूनोजेनसिटी एंड सेफ्टी ऑफ ए हेप्टेवेलेंट (डिफ्थीरिया, टेटनस, पर्टुसिस, हेपेटाइटिस बी, पॉलियोमायलिटिस, हिमोफिलस इंफ्लूएंज़ा बी, मेनिंगोकोक्सल सेरोग्रुप सी) वैक्सीनः पब्लिक हेल्थ पर्सपेक्टिव. *इंडियन पीडियाट्रि* 2015;52:147.

997. मलिक ए, शर्मा यू, लक्ष्मी आर, नारंग आर, जगन्नाथन एन आर. बायोकैमिकल कैरेक्टराइजेशन ऑफ ब्लड प्लाज्मा ऑफ कोरोनरी आर्टरी डिजीज पेशेंट्स बाय इन विट्रो हाइ–रिजोल्यूशन प्रोटोन एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी. *जे बायोसाइं* 2015 मार्च; 40(1):31–9.

998. मलिक एम ए, शुक्ला एस, आजाद एस वी, कौर जे. वैस्कुलर एंडोथीलियल ग्रोथ फैक्टर (वीईजीएफ–634जी/सी) पॉलीमोर्फिज्म एंड रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमिच्योरः ए मेटा–एनालायसिस. *सऊदी जर्नल ऑफ ओफ्थाल्मोलॉजी* 2014 अक्तूबर; 28(4):299–303.

999. मलिक एम ए, शुक्ला एस, श्रीवास्तव एस, कौर जे. जेनेटिक सस्पेटिबिलिटी टू रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमिच्योरः ए पैराडिग्म फॉर प्रीटर्म डिजीज ट्रेट्स. *दिल्ली जर्नल ऑफ ऑथल्मोलॉजी* 2014;25(1):40–4.

1000. मलिक पी एस, मलिक ए, डियो एस वी, मोहन ए, मोहंती बी के, रैना वी. अंडरयूटिलाइजेशन ऑफ क्यूरेटिव ट्रीटमेंट अमंग पेशेंट्स विद नॉन स्मॉल सेल लंग कैंसरः एक्सपीरियंस फ्रॉम ए टर्शरी केयर सेंटर इन इंडिया. *एशियन पैसि जे कैंसर प्रीव* 2014;15:2875–8.

1001. मलिक पी एस, रैना वी, एंड्रे एन. मेट्रोनोमिक्स एज मेंटेनेंस ट्रीटमेंट इन ओंकोलॉजीः टाइम फॉर कीमो– स्विच. *फ्रंट ओंकोल* 2014;4:76.

1002. मलिक पी एस, रैना वी. लंग कैंसरः प्रीविलेंट ट्रेंड्स एंड इमर्जिंग कॉन्सेप्ट्स. *इंडियन जे मेड रेस* 2015;141:5–7.

1003. मलिक एस, जियान के, गायनी एम ए–पीसीओएस ग्रुप. मैनेजमेंट ऑफ पीसीओएस इन इंडिया गाइडलाइन. *फर्टिलिटी साइं रेस* 2014 जनवरी–जून;1(1):23–43.

1004. मलिक एस, स्कल के, गमद एन, डिंडा ए के, आर्य डी एस, भाटिया जे. टेल्मिसर्टन एमिलियोरेट्स सिस्पैटिन–इंड्यूज्ड नेफ्रोटोक्सिटी बाय इंहेबिटिंग एमएपीके मीडिएटिड इंफ्लेमेशन एंड एपोप्टोसिस. *यूर जे फर्माकोल* 2015 फरवरी 5;748:54–60.

1005. मलिक वी, सुब्रमण्यम ए, चौहान एस. कोरिलेशन ऑफ इलेक्ट्रिक कार्डियोमेट्री एंड कंटीन्यूयस थर्मोडिल्यूशन कार्डियक आउटपुट मॉनीटरिंग सिस्टम्स. *वर्ल्ड जे कार्डियोवैस्कुल सर्ज* 2014;4:101–8.

1006. मल्लाथ एम के, तायलर डी जी, बाडवे आर ए, रथ जी के, शांता वी, प्रमेश सी एस, एट ऑल. द ग्रोइंग बर्डन ऑफ कैंसर इन इंडियाः एपिडेमियोलॉजी एंड सोशल कॉन्टेक्स्ट. *लैंसेट ओंकोल* 2014;15:ई 205–12.

1007. मलिक एस, अरवा एस, मुथुकुमारन एस, शर्मा बी, चौधरी एस के, राय आर. मेसोथिलियल/मोनोसाइटिक इंसिडेंटल कार्डियक एक्सक्रेसेंस मिमिकिंग कार्डियक ट्यूमर. *एशियन कार्डियोवैस्कु थोरै एन* 2016 जनवरी;24(1):42–4.

1008. मलिक एस, अरवा एस, मुथुकुमारन एस, शर्मा बी, चौधरी एस के, रे आर. मेसोथीलियल/मोनोसायटिक इंसिडेंटल कार्डियक एक्सक्रेसेंस मिमिकिंग कार्डियक ट्यूमर. *एशियन कार्डियोवैस्कु थोरैक एन* 2014 मई 16. पीआईआईः 0218492314535224.

1009. मलिक एस, बेंसन आर, जुल्का पी के, रथ जी के. एडजुवेंट कीमोरेडियोथेरैपी फॉर स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा ऑफ गालब्लेडर. *जे गैस्ट्रोइंटेस्ट कैंसर* 2014;45:237–40.

1010. मलिक एस, बेंसन आर, जुल्का पी के, रथ जी के. शिफ्टिंग पैराडिग्म इन द मैनेजमेंट ऑफ एनल कैनल कार्सिनोमा. *जे गैस्ट्रोइंटेस्ट कैंसर* 2015;46:1–4.

1011. मलिक एस, गांधी ए के, जोशी एन पी, पंडित एस, भास्कर एस, शर्मा ए, एट ऑल. रि–इरेडिएशन इन हेड एंड नेक कैंसर्सः एन इंडियन टर्शरी कैंसर सेंटर एक्सपीरियंस. *जे लेरिंजल ओटोल* 2014;128:996–1002.

1012. मलिक एस, प्रसेनजीत डी, प्रतीक के, शशांक पी एस, विरेंद्र एस, रजनी वाई एट ऑल. क्रोनिक इंटेस्टिनल सूडो–ऑब्स्ट्रक्शनः सिस्टेमेटिक हिस्टोपैथोलॉजिकल अप्रोच कैन क्लिंच वाइटल क्लूस. विकोव्स आर्च 2014 मई;464(5):529–37.

1013. मलिक एस, रॉय एस, बेंसन आर, दास एस, जुल्का पी के, रथ जी के. रेयर साइट्स ऑफ मेटास्टेसिस फ्रॉम गाल ब्लेडर कार्सिनोमा. *जे गैस्ट्रोइंटेस* कैंसर 2015;46:74–6.

1014. मलिक एस, सिंह एल, रंजन के, शर्मा एम सी, बंसल वी, डिंडा ए के. मेलिग्नेंट मेलेनोमा ऑफ सॉफ्ट पार्ट्स विद ओस्टियोक्लास्ट–रीच जाइंट सेल्सः ए रेयर ट्यूमर ऑफ द जेजुनम *ऑस्ट्रेलस मेड जे* 2014 अप्रैल;7(4):181–4.

1015. मलिक एन, चोपड़ा ए, झा ए, गोगिया ए, कुमार आर. डेवलपमेंट ऑफ मायलोडायस्प्लास्टिक सिंड्रोम इन ए पेशेंट विद क्रोनिक मायलोजीनस ल्यूकेमिया ट्रीटेड विद इमेटिनिब. *ल्यूक लिंफोमा* 2015;56:1143–4.

1016. मानकतला पी एस, आनंद के एस, जनार्दन वी, वर्मा आर. हाफ एंड हाफ नेल्स (लिंडसे–स नेल्स) इन क्रोनिक रीनल डिजीज. *जे एसोस फिजिशियंस इंडिया* 2014 अक्तूबर;62(10):44–5.

1017. मैनक्युसो एफ, हैमिलटन टी डब्ल्यू, कुमार वी, मुरै डी डब्ल्यू, पंडित एच. क्लिनिकल आउटकम आफ्टर यूकेए एंड एचटीओ इन एसीएल डेफिशिएंसीः ए सिस्टेमेटिक रिव्यू. नी सर्ज स्पॉर्ट्स ट्रॉमेटोल आथ्रोसोस 2014 सितंबर 30.

1018. मंडल ए, काबरा एस के. स्वेट क्लोराइड लेवल्स इन अस्थमा. *इंडियन जे पीडियाट्रि* 2015 फरवरी; 82(2):103–4.

1019. मंडेलिया ए, अग्रवाल एस. एक्वायर्ड जेजुनल एटरेसिया इन ए 2–मंथ–ओल्ड इंफैंट. *जे क्लिन डायग्न रेस* 2015;9:1–2.

1020. मनिवण्णन पी, पुरी वी, सोमसुंदरम वी, पुरोहित ए, शर्मा आर के, देबास एम, सक्सेना आर. कैन थ्रेसहोल्ड फॉर एमपीओ बाय फ्लो सायटोमेट्री बी रिड्यूस्ड इन क्लासिफाइंग एक्यूट ल्यूकेमिया? ए कम्पेरिजन ऑफ फ्लो सायटोमेट्रिक एंड सायटोकेमिकल मायोलोपेरोक्साइड यूजिंग डिफरेंट फ्लो सायटोमेट्रिक कट–ऑफ्स. *हेमेटोलॉजी* 2014 दिसंबर 23.

1021. मनिवण्णन पी, पुरोहित ए, सोमसुंदरम वी, आहूजा ए, अग्रवाल एम, कुमार आर, सिंह पी के, पति एच पी, मिश्रा पी सेठ टी, महापात्रा

एम. ल्यूकेमिक ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ सीवियर अप्लास्टिक एनीमिया फोलोइंग सिब्लिंग मैच्ड एलोजेनिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन, ट्रांसप्लांटिड अगेन इन सी आर1. *इंडियन जे हेमेटोल ब्लड ट्रांसफ्यूजन* 2015; डीओआई :10.1007/एस12288–014–0484–जेड.

1022. मनकोटिया डी एस, इरशाद एम. क्लोनिंग एंड एक्सप्रेशन ऑफ एन22 रीजन ऑफ टीटीवी जीनोम एंड यूज ऑफ पेप्टाइड इन डेवलपिंग इम्यूनोएस्से फॉर टीटीवी एंटीबॉडीज. *वाइरोलॉजी जर्नल* 2014 मई 20;11:96.

1023. मनकोटिया डी एस, सत्यार्थी जी डी, शर्मा बी एस. ए रेयर केस ऑफ थोरेसिस मायलोसिस्टोसेल एसोसिएटिड विद टाइप 1 स्प्लिट कोर्ड मेलफॉर्मेशन विद लो लाइंग टेथ्ररेड कोर्ड, डोरसल सिरिंक्स एंड सेक्रेल एजेंसीसः पेंटेड फाइंडिंग. *जे न्यूरोसाइं रूरल प्रैक्ट* 2015;6:87–90.

1024. मन ए, शुक्ला वी, खंडूरी आर, डबराल एस, सिंह एच, गांगुली एम. लिनियर शॉर्ट हिस्टीडाइन एंड सिस्टीन मॉडीफाइड आर्जिनीन पेप्टाइड्स कंस्टीट्यूट ए पोटेंशियल क्लास ऑफ डीएनए डिलीवरी एजेंट्स. *मोल फर्मा* 2014 मार्च 3;11(3):683–96.

1025. मनोज के, सुदर्शन के, पुनीत के, तुषार ए, दादा आर. नोवल पी. ग्लू 75 लायस म्यूटेशन इन सीआरवायबीबी1 विद लो पेनट्रेंस इन एन इंडियन फैमिली विद न्यूक्लियर फ्रॉम ऑफ कंजेनाइटल केटरेरैक्ट. जेएएसआई 2014;63(2):172–178.

1026. मंसूरी एन, त्रिपाठी एम, आलम आर, लूथरा के, शर्मा एस, लक्ष्मी आर, एट ऑल. सीरम फोलिक एसिड एंड आरएफसी ए80जी पॉलीमोर्फिज्म इन एल्जाइमर्स डिजीज एंड वैस्कुलर डीमेंटिया. *एम जे एल्जाइमर्स डिस अदर डीमेन* 2014;29:38–44.

1027. मार्शल जे. इंफेंट फीडिंग. 5. मैनेजिंग बेबी रिलेटिड फीडिंग चैलेंजिस. *प्रैक्ट मिडवाइफ* 2013;16:38–41.

1028. मार्टिन ए, इम्पेरियल बी, रेवोलोनेनड्रिना पी, कोबन ए वाई, एक्जींस ए, इकराम ए, सत्ती एल, ओडॉन एम, पाण्डे पी, मिश्रा एम, अफ्फोलबी डी, सिंह यू, रेसोलोफो वी, मोर्सिलो एन, वेंडेम पी, पेलोमिनो जे सी. प्रोस्पेक्टिव मल्टीसेंटर एवेल्यूएशन ऑफ द डायरेक्ट नाइट्रेट रिडक्टेस एस्से फॉर द रैपिड डिटेक्शन ऑफ एक्टेंसिवली ड्रग–रेसिस्टेंट ट्यूबरकुलोसिस. *जे एंटीमाइक्रोब कीमोथेरै* 2014 फरवरी;69(2):441–4.

1029. मारवाह आर के, गर्ग एम के, भद्रा के, मित्तल ए, टंडन एन. असेस्मेंट ऑफ लर्न (मस्कल) मास एंड इट्स डिस्ट्रीब्यूशन बाय ड्यूल एनर्जी एक्स–रे एब्जार्पटियोमेट्री इन हेल्थी इंडियन फीमेल्स. *आर्च ओस्टियोप्रोस* 2014;9:186.

1030. मारवाह आर के, श्रीनिवास वी, तलवार डी, येनमंद्रा वी के, चल्ला ए, लक्ष्मी आर, शर्मा वी के, सेतुरमन जी. इम्पैक्ट ऑफ सोलर अल्ट्रावायलेट बी रेडिएशन (290–320 एनएम) ऑन विटामिन डी सिंथेसिस इन चिल्ड्रन विद टाइप 4 एंड 5 स्किन. *बीआर जे डर्मेटोल* 2015 अगस्त; 173(2):604–6.

1031. मैथ्यू डीजी, रामचंद्रण आर, रेवाड़ी वी, त्रिखा ए, चंद्रलेखा. एंडोट्रैकियल इंट्यूबेशन विद इंट्यूबेटिंग लेरिंजियल मास्क एयरवे (आईएलएमए), सी–ट्रैच एंड कोबरा पीएलए इन सिमुलेटिड सर्वाइकल स्पाइन इंजरी पेशेंट्सः ए कम्पेरेटिव स्टडी. *जे एनीस्थि* 2014;28:655–61.

1032. मैथ्यू जे एल, लोधा आर, शर्मा एस. वीएटीएस और यूरोकाइनेज फॉर ट्रीटमेंट ऑफ एम्पायमा? *इंडियन पीडियाट्रि* 2015 जनवरी;52(1):57–9.

1033. मैथ्यू जे एल, विजयशेखरन डी, सिंह एस. इज़ एक्सपर्ट एमटीबी/आरआईएफ एस्से इन गैस्ट्रिक लेवेज एस्पीरेट यूजफुल फॉर डायग्नोसिस ऑफ सीमर–नेगेटिव चाइल्डहुड पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस? *इंडियन पीडियाट्रि* 2014 दिसंबर;51(12):1007–11.

1034. मैथ्यू एन, खाखा डी सी, कुरैशी ए, सागर आर, खाखा सी सी. स्ट्रेस एंड कोपिंग अमंग एडोलेसेंट्स इन सिलेक्टिड स्कूल्स इन द कैपिटल सिटी ऑफ इंडिया. *इंडियन जे पीडियाट्रि* 2015 सितंबर;82(9):809–16.

1035. माथुर पी, भारद्वाज एन, गुप्ता जी, पुनिया पी, तक वी, जॉन एन वी एट ऑल. आउटब्रेक ऑफ स्ट्रेप्टोकोकस प्योगेनेस इम टाइप 58 इन ए हाइ डिपेंडेंसी यूनिट ऑफ ए लेवल–1 ट्रॉमा सेंटर ऑफ इंडिया. *इंडियन जे क्रिट केयर मेड* 2014;18:77–82.

1036. माथुर पी, भारद्वाज एन, माथुर के, बेहरा बी, गुप्ता जी, कपिल ए एट ऑल. क्लिनिकल एंड मोलिकुलर एपिडेमियोलॉजी ऑफ बीटा–हिमोलायटिक स्ट्रेप्टोकोकल इंफेक्शंस इन इंडिया. *जे इंफेक्ट डेव क्रिट्स* 2014;13;8:297–303.

1037. माथुर पी, तक वी, गुंजियाल जे, नायर एस ए, लालवानी एस, कुमार एस, गुप्ता बी, सिन्हा एस, गुप्ता, गुप्ता डी, मिश्रा एम सी. डिवाइस–एसोसिएटिड इंफेक्शंस एट ए लेवल–1 ट्रॉमा सेंटर ऑफ ए डेवलपिंग नेशन : इम्पैक्ट ऑफ ऑटोमेटिड सर्विलांस, ट्रेनिंग एंड फीडबैक्स. *इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल* 2015;33(1):51–62.

1038. माथुर पी, वर्गीज पी, तक वी, गुंजियाल जे, लालवानी एस, कुमार एस, मिश्रा एम सी. एपिडेमियोलॉजी ऑफ ब्लड स्ट्रीम इंफेक्शंस एट ए लेवल–1 ट्रॉमा केयर सेंटर ऑफ इंडिया. *जे लैब फिजिशियंस* 2014;6:22–27.

1039. माथुर पी. ऑटोमेटिड सर्विलांस सिस्टम्स फॉर हेल्थ केयर एसोसिएटिड इंफेक्शंसः नीड ऑफ द आर. *इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल* 2014;32:3–5.

1040. माथुर आर, दत्ता एस, वेल्पांडियन टी, माथुर एस आर. सिडिमगुएजावा लिन. लीफ एक्स्ट्रैक्ट अफेक्ट्स हेपेटिक ग्लूकोस ट्रांसपोर्टर–2 टू एटेंन्यूट अर्ली ऑनसेट ऑफ इंसुलिन रेसिस्टेंस कंसीक्वेंट टू हाइ फ्रूक्टोस इंटेकः एन एक्सपेरिमेंटल स्टडी. *फर्माकोजेंसी रेस* 2015 अप्रैल–जून;7(2):166–75.

1041. मेटसुडो वी. द रोल ऑफ पार्टनरशिप्स इन प्रोमोटिंग फिजिकल एक्टिविटीः द एक्सपीरियंस ऑफ एगिटा साओ पौलो. *हेल्थ प्लेस* 2012;18:121–2.

1042. मौलिक एस के, मिश्रा एस. हाइपरट्रोफी टू फेलियरः वॅाट गोस रॉन्ग विद द फाइबर्स ऑफ द हार्ट? *इंडियन हार्ट जे* 2015;67(1):66–9.

1043. मील आर, बख्शी एस, पुष्कर एन, विष्णुभाटला एस. रेंडोमाइज्ड, कंट्रोल्ड ट्रायल इन ग्रुप्स सी एंड डी रेटिनोब्लास्टोमा. *ओफ्थाल्मोलॉजी* 2015 फरवरी;122(2):433–5.

1044. मील आर, थुल्कर एस, शर्मा एम सी, जगदेसन पी, मोहंती बी के, शर्मा एस सी, बख्शी एस. चाइल्डहुड ओस्टियोसार्कोमा ऑफ ग्रेटर विंग सेफनॉयडः केस रिपोर्ट एंड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. *जे पीडियाट्रि हेमेटोल ओंकोल* 2012 मार्च; 34(2):ई 59–62.

1045. मीना एन के, आहूजा वी, मीना के, पॉल जे. एसोसिएशन ऑफ टीएलआर5 जीन पॉलीमोर्फिज्म्स इन अल्सेरेटिव कोलाइटिस पेशेंट्स ऑफ नॉर्थ इंडिया एंड देयर रोल इन साइटोकाइन होमियोस्टेसिस. *पीएलओएस वन* 2015;10:ई 0120697.

1046. मीना एस घाती ळींजप एन, सूद आर, विक्रम एन के. न्यू इंसाइट्स इंटू सिस्टेमिक एमिलॉयडोसिस : प्राइमरी एमिलॉयडोसिस एसोसिएटिड विद ट्यूबरकुलर लिम्फेडेनाइटिस. *इंट जे मेड रेस हेल्थ साइं* 2014;3(4):1058–1060.

1047. मीना वी पी, सीनू वी, शर्मा एम सी, मलिक एस आर, भल्ला ए एस, गुप्ता एन, मोहन ए, गुलेरिया आर, पाण्डे आर एम, लूथरा के, विक्रम एन के. रिलेशनशिप ऑफ एडिपोसाइट साइज विद एडिपोसाइट एंड मेटाबोलिक रिस्क फैक्टर्स इन एशियन इंडियंस. *पीएलओएस वन* 2014 सितंबर 24;9(9): ई108421.

1048. मेहर एस के, रथ बी के, कुरवल एन एस, सूरी ए. ई–लर्निंग थ्रू टेलीमेडिसिन इन न्यूरोसर्जिकल टीचिंग एंड पेशेंट्स केयर. *इंट जे टेलीमेडिसिन क्लिन प्रैक्टि* 2015;1:87–92.

1049. मेहर एस के, रथ बी के, सोलंकी वी के, शर्मा एस, गुप्ता ए. कंटिंगजेंसी प्लानिंग फॉर डाउनटाइम ऑफ एचआईएसः एन इम्प्लीमेंटिड अप्रोच इन पब्लिक हॉस्पिटल. *इंट जे टेलीमेडिसिन क्लिन प्रैक्ट* 2015;2:142–5.

1050. मेहर एस के, सोलंकी वी के, शर्मा एस, गुप्ता ए. स्ट्रेटेजी फॉर आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर इम्प्लीमेंटेशन फॉर मेकिंग ए डिजिटल हॉस्पिटल. इंट *जे एडव कम्प्यूटेशनल इंजीनियरिंग नेटवर्किंग* 2015;3:347–51.

1051. मेहंदीरत्ता ए, रेबिनोव जे डी, ग्रासरक एम, लियो ई सी, क्रेंडल डी, गुप्ता आर. हाइ रिजोल्यूशन डायनेमिक एंजियोग्राफी यूजिंग फ्लेट–पैनल वॉल्यूम सीटीः फीसिबिलिटी डीमोंस्ट्रेशन फॉर न्यूरो एंड लोअर लिम्ब वैस्कुलर एप्लीककेशंस. *यूर रेडियोल* 2015 फरवरी 27.

1052. मेहंदीरत्ता एम एम, मेहंदीरत्ता पी, गुलाटी एन एस, वेस्से एम. हेटेरोजेनेटी इन न्यूरोलॉजिक एजुकेशन एंड केयर इन एशियन एंड ओशियन रीजन. *न्यूरोलॉजी* 2014;83:842–4.

1053. मेहरा एन के, कुमार एन, कौर जी. हेमेटोपोयटेटिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशनः एचएलए मैचिंग रिक्वायरमेंट्स फॉर डोनर सिलेक्शन. *थेलेसेमिक्स इंडिया न्यूजलेटर* 2014.

1054. मेहत्ता जे, आर्य एस, कांत एस, गुप्ता एस के. ए स्टडी ऑफ हॉस्पिटल इंफेक्शन कंट्रोल प्रोग्राम अगेंस्ट नोरमेटिव वेटिड क्राइटेरिया एट ए लार्ज पब्लिक हॉस्पिटल. *इंट जे रेस फाउंड हॉस्पि हेल्थ केयर एडमिन* 2014 जुलाई–दिसंबर;2(2):130–132.

1055. मेहत्ता एम, आर्य एस, कांत एस गुप्ता एस के. ए स्टडी ऑफ हॉस्पिटल इंफेक्शन कंट्रोल प्रोग्राम अगेंस्ट नोरमेटिव वेटिड क्राइटेरिया एट ए लार्ज पब्लिक हॉस्पिटल. *इंट जे रेस फाउंडेशन हॉस्पि हेल्थ केयर एडमिन* 2014;2:130–32.

1056. मेहत्ता एम, पिलेनिया वी एम. बुलिंग इन स्कूल चिल्ड्रन. *इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स* 2014 नवंबर;81(11):1143–44.

1057. मेहंदीरत्ता एस एल, कुमारी आर, मदान एस, अत्री एस के, भाटिया आर. प्रेग्नेंसी इन ए वूमन विद सिस्टेमिक स्क्लेरोसिस (स्क्लेरोडर्मा)–ए केस रिपोर्ट. *इंडियन ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी* 2014;4:13–16.

1058. मेनन पी एस, जैन वी, वर्मा एस के. करंट इशूज इन पीडियाट्रिक एंडोक्राइनोलॉजी. *इंडियन जे पीडियाट्रि* 2014 जनवरी; 81(1):51–2.

1059. मेनन पी एस, जैन वी, वर्मा एस के. न्यू पैराडिग्म्स इन द डायग्नोसिस एंड मैनेजमेंट ऑफ पीडियाट्रिक एंडोक्राइन डिस्ऑर्डर्स. *इंडियन जे पीडियाट्रि* 2014 फरवरी;81(2):150–1.

1060. मेरिएल्डी एम, विडमर एम, गुल्मेजोग्लू ए एम, एब्डेल–अलीम एच, बेगा जी, बेनाची ए, एट ऑल. डब्ल्यूएचओ मल्टीसेंटर स्टडी फॉर द डेवलपमेंट ऑफ ग्रोथ स्टैंडर्ड्स फ्रॉम फेटल लाइफ टू चाइल्डहुडः द फेटल कम्पोनेंट. *बीएमजे प्रेग्नेंसी चाइल्डबर्थ* 2014 मई 2;14:157.

1061. मीना एस, जबीन एम, सिंह एस, वर्मा आर. जेंडर डिफरेंसिस इन डिप्रेशन एंड एंक्सिटी अमंग एटॉपिक डर्मेटाइटिस पेशेंट्स. *इंडियन जे डर्मेटोल* 2015; 60(2):211.

1062. मीना एस, वर्मा आर, बल्हारा वाई पी, अल–हसन एस. रोड रेज : प्रीवेलेंस पैटर्न एंड वेब बेस्ड सर्वे फेसिबिलिटी. *साइकायट्री जे* 2014; 2014:897493.

1063. मिश्रा ए, अग्रवाल डी, गुप्ता डी, सिन्हा एस, सत्यार्थी जी डी, सिंह पी के. ट्रॉमेटिक स्पोंडिलोप्टोसिसः ए सीरिज ऑफ 20 पेशेंट्स. *जे न्यूरोसर्ज स्पाइन* 2015;22:647–52.

1064. मिश्रा ए, अग्रवाल डी, सिंह पी के. डिलेड प्रेजेंटेशन ऑफ पोस्ट–ट्रॉमेटिक बिलेटरल सर्वाइकल फेसट डिस्लोकेशनः ए सीरीज ऑफ 4 केसिस. *न्यूरोल इंडिया* 2014;62:540–2.

1065. मिश्रा ए, गुप्ता डी के, गमनगट्टी एस, शर्मा बी एस. पोस्ट ट्रॉमेटिक ब्लेफेरोक्लेः ए रेयर मेनीफेस्टेशन ऑफ हेड इंजरी. *न्यूरोल इंडिया* 2014;62:568–70.

1066. मिश्रा जी, कुमार एन, कौर जी, जैन एस, तिवारी पी के, मेहरा एन के. डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ एचएलए–ए, बी एंड डीआरबी1 एल्लेस इन सहरिया ट्राइब ऑफ नॉर्थ सेंट्रल इंडियाः एन एसोसिएशन विद पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस. इंफेट जीनेट एवोल्व 2014 मार्च;22:175–82.

1067. मिश्रा एम, द्विवेदी एस, हसन एम ए, प्रवीण के, खान एम ए. डस न्यूबोर्न केयर, फीडिंग प्रेक्टिस एंड इम्यूनाइजेशन स्टेट्स हेव एन इफेक्ट ऑन एंथ्रोपोमेट्रिक मेजरमेंट्स ऑफ इंफेंट्स? *नेशनल जे कम्युनिटी मेडिसिन* 2015 जनवरी–मार्च;6(1):6–10.

1068. मिश्रा पी, सेठ टी, महापात्रा एम, सक्सेना आर. रिपोर्ट ऑफ क्रोनिक मायलॉयड ल्यूकेमिया इन क्रोनिक फेज फ्रॉम ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, 1990–2010. *इंडियन जे मे पीडियाट्रि ओंकोल* 2013 जुलाई;34(3):159–63.

1069. मिश्रा एस, क्रांति वी, कुमार आर, मल्होत्रा एन, मोहंती के, पाठक वी, दादा आर. ऑक्सीडेटिव डैमेज टू स्पर्म डीएनएः क्लिनिकल इम्प्लीकेशंस. *एंड्रोलॉजी* 2014; डीओआईः 10प4172/2167–0250.1000116.

1070. मिश्रा एस, कुसुम वाई एस, बाबू बी वी. माइग्रेशन एंड हेल्थ केयर एक्सिस : बैरियर्स टू एक्सिस गर्वमेंट हेल्थ सर्विसेज बाय माइग्रेंट ट्राइबल कम्युनिटी लिविंग इन9 एन ईस्टर्न इंडियन सिटी. *इंट जे मेड साइं पब्लिक हेल्थ* 2015:4;101–108.

1071. मिश्रा एस, कुसुमा वाई एस, बाबू बी वी. प्लूरेलिस्टिक केयर एंड थेराप्यूटिक इंटीनियर्सिस अमंग ए माइग्रेंट ट्राइबल कम्युनिटी लिविंग इन एन अर्बन एरिया ऑफ ओडिशा. *जे एंथ्रोपोलोजिकल सोश ऑक्स्फर्ड* 2014;6:61–78.

1072. मिश्रा एस, वेम्पराला के, कुमार आर, मल्होत्रा एन, मोहंती के, पाठक वी, एट ऑल. आक्सिडेटिव डैमेज स्पर्म डीएनए : क्लिनिकल इम्प्लीकेशंस. *एंड्रोलॉजी ओपन एक्सेस* 2014;3, डीओआईः 10.1007/एस12291–015–04780.

1073. मिश्रा एस. वॉट एल्स द प्रैक्टिस ऑफ मेडिसिनः द एटल्स हैज श्रग्ड. *इंडियन हार्ट जे* 2015;67:1–7.

1074. मिश्रा ए, वर्मा डी, चंद्रमोहन जे, बख्शी एस, कुमार आर, गजेंद्र एस, एट ऑल. न्यूक्लियर कपिंग इन द ब्लास्ट्स–मोर टू द कप दैन मायलॉयड. *हेमेटोल ओंकोल* 2014. (मुद्रण से पहले ई प्रकाशन)

1075. मिश्रा पी, उपाध्याय आर पी, कृष्णन ए, शर्मा एन, कपूर एस के. ए कम्युनिटी बेस्ड स्टडी टू टेस्ट द रिलायबिलिटी एंड वेलिडिटी ऑफ फिजिकल एक्टिविटी मेजरमेंट टेक्निक्स. *इंट जे प्रीव मेड* 2014 अगस्त;5(8):952–9.

1076. मिश्रा पी, उपाध्याय आर पी, शर्मा वी, आनंद के, गुप्ता वी. ए कम्युनिटी–बेस्ड स्टडी ऑफ मेंस्ट्रूअल हाइजीन प्रैक्टिस एंड विलिजनेस टू पे फॉर सैनिटरी नैफ्किंस अमंग वूमन ऑफ ए रूरल कम्युनिटी इन नॉर्दन इंडिया. *नेटल मेड जे इंडिया* 2013 नवंबर–दिसंबर;26(6):335–7.

1077. मिश्रा वी, वशिष्ठ पी, मल्होत्रा एस, गुप्ता एस के. मॉडल्स फॉर प्राइमरी आइ केयर सर्विसेज इन इंडिया. *इंडियन जे कम्य मेड* 2015 अप्रैल–जून;40(2):79–84.

1078. मत्रा ए, बाजपेयी एम. डायसफंक्शनल वोयडिंग–रिकॉग्नाइशन एंड द इम्पैक्ट ऑफ मल्टीमोडेलिटी ट्रीटमेंट. जे प्रोग पीडियाट्रि यूरोल 2014;**17**:100–1.

1079. मित्रा आर, मिश्रा एन, रथ जी पी. ब्लड ग्रुप्स सिस्टम्स. *इंडियन जे एनीस्थि* 2014;58:524–8.

1080. मित्तल ए, सहगल आर सुरेखा बी, कुमार ए, अग्रवाल के सी. जाइंट सेरेब्रेल साइस्टिसेरकोसिस इन एन इंफेंट कंस्यूम्ड विद ए थेलेमिक ग्लियोमा. *जे चाइल्ड न्यूरोल* 2014 नवंबर;29(11):एनपी154–6.

1081. मित्तल डी, अग्रवाल एस, यादव डी के, प्रमाणिक डी डी, शर्मा एम सी, बग्गा डी. टेस्टीकुलर ट्यूमर्स इन अनडेस्केंडिड टेस्टिस इन चिल्ड्रन बिलो 5 इयर ऑफ एज. *इंडियन जे पीडियाट्रि* 2015 जून;82(6):549–552.

1082. मित्तल आर, चोपड़ा ए, सोनी एस, बख्शी एस, कुमार आर. ''टीयर ड्रॉप्स'' इन द सेरेब्रोस्पाइनल फ्लूड : करेक्ट बाय स्कैटर, बट पैथोजिनोमोनिक बाय साइट. *सायटोमेट्री बी क्लिन सायटोम* 2014. (मुद्रण से पहले ई प्रकाशन).

1083. मित्तल आर, खंडेलवाल पी, राव एस एस, कुमार आर. एक्रोमियोक्लेविकुलर जॉइंट ट्यूबरकुलोसिस : एप्रोप्स ऑफ टू केसिस. *एक्टा ऑर्थोप ट्रॉमेटोल ट्यूरे* 2014;48(5):590–2.

1084. मित्तल आर, कुमार एन, यादव सी, कुमार ए. डायरेक्ट रिपेयर विदआउट एग्यूमेंटेशन ऑफ पेटेलर टेंडन एवुल्शन फोलाइंग टीकेए. *केस रैप ऑर्थोप* 2015;2015:391295. डीओआई :10.1155/2015/391295.

1085. मित्तल आर, कुमार वी एस, गुप्ता टी. पेटेला क्यूबिटीः ए केसर रिपोर्ट एंड लिटरेचर रिव्यू. *आर्च ऑर्थोप ट्रॅाम सर्ज* 2014 अप्रैल; **134**(4): 467–71.

1086. मित्तल एस, सिंगला ए, नाग एच एल, मीना एस, लोहिया आर, अग्रवाल ए. ड्यूल एसीएल गैंग्लियो सिस्ट्स सिग्निफिकेंस ऑफ डिटेल्ड आर्थोस्कोपी. *केस रैप ऑर्थोप* 2014; 2014: 236902. डीओआई :10.1155/2014/236902.

1087. मोदी एस, अरोड़ा जी, बाल सी एस, श्रीनिवास वी, कैलाश एस, सागर आर, गोस्वामी आर. इफेक्ट ऑफ बेसल गैंग्लिया कल्सिफिकेशन ऑन इट्स ग्लूकोस मेटाबोलिज्म एंड डोपेमिनरेजिक फंक्शन इन इडियोपैथिक हाइपोपैराथाइरॉयडिज्म. *क्लिन एंडोक्राइनोल (ऑक्सफ)* 2015 अक्तूबर;83(4):563–71.

1088. मोदी एस, त्रिपाठी एम, साहा एस, गोस्वामी आर. सीजर्स इन पेशेंट्स विद इडियोपैथिक हाइपोपैराथाइरॉयडिज्मः इफेक्ट ऑफ एंटीएपिलेप्टिक ड्रग विदड्रॉल ऑन रिकरेंस ऑफ सीजर्स एंड सीरम कैल्शियम कंट्रोल. *यूर जे एंडोक्राइनोल* 2014 अप्रैल;170(5):777–83.

1089. मोहन बी, गुप्ता पी, अप्पनावार एस बी, सिंह जी, तनेजा एन. एवेल्यूएशन ऑफ न्यू क्रोमोजेनिक मीडिया फॉर आइडेंटिफिकेशन ऑफ यूरोपैथोजींस फ्रॉम कॉम्प्लीकेटिड यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शंस इन ए टर्शरी हेल्थकेयर सेटिंग. *इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल* 2015 जनवरी–मार्च;33(1):183–4.

1090. मोहन टी, भटनागर एस, गुप्ता डी एल, राव डी एन. करंट अंडरस्टैंडिंग ऑफ एचआईवी–1 एंड टी–सेल अडेप्टिक इम्यूनिटीः प्रोग्रेस टू डेट. *माइक्रोब पैथोज* 2014;73:60–9.

1091. मोहंती बी के, सहाय पी, ठाकर ए, सिक्का के, भास्कर एस, शर्मा ए, एट ऑल. इंस्टीट्यूशनल एक्सपीरियंस ऑफ इंटरस्टिशियल ब्रैकीथेरैपी फॉर हेड एंड नेक कैंसर विद ए कम्पेरिजन ऑफ हाइ–एंड लो डोस रेट प्रैक्टिस. *एशियन पैसिफिक जर्नल ऑफ कैंसर प्रीवेंशन* 2014;15(2):813–8.

1092. मोहंती के, मिश्रा एस, कुमार एस बी, यादव आर के, दादा आर. एस्टीमेशन ऑफ ब्लड फ्री रेडिकल लेवल्स इन हेल्थी पॉपुलेशन प्री एंड पोस्ट योग. *जर्नल ऑफ द एनाटोमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया* 2014:63(3);एस13–एस18.

1093. माहपात्रा एस, सामंतराय जे सी, अरूलसेल्वी एस, पांडा जे, डांग एन, सक्सेना आर. कम्पेरेटिव एवेल्यूएशन ऑफ टू फ्लोसाइटोमेट्रिक एनालायसर्स एज डायग्नोस्टिक टूल्स फॉर द ऑटोमेटिड डिटेक्शन ऑफ मलेरिया. *एन क्लिन लैब साइं* 2014 विंटर;44(1):82–6.

1094. माहपात्रा एस, सामंतराय जे सी, दाश एस, रामाकृष्णन एल, लिपिड डेरेंगमेंट एज डायग्नोस्टिक एंड प्रोग्नोस्टिक इंडिकेटर फॉर वाइसरेल लीशमानियासिस पेशेंट्स. *ट्रॉप पेरास्टिोल* 2014 जुलाई;4(2):134–5.

1095. मोहनीश, राज जे, राजवंशी ए सी, डोंगरा टी डी, रैना ए. इफेक्ट ऑफ एक्यूट एक्सपोज़र ऑफ ट्रियाजोफोज ऑन ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस एंड हिस्टोपैथोलॉजिकल अल्टेरेशंस इन लीवर, किडनी एंड ब्रेन ऑफ विस्टार रैट्स. *इंडियन जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल बायोलॉजी* 2014;52:814–819.

1096. मंडल डी, जुल्का पी के, जाना एम, वालिया आर, चौधरी टी. लैंगरहैंस सेल हिस्टियोसाइटोसिस ऑफ एटलेटोक्सियल जॉइंट इन ए मिडिल–एजड मैन प्रेजेंटिंग विद डीफनेस एज़ फर्स्ट सिम्टम्स एंड सॉफ्ट–टिशू मास एट नेक शोइंग एक्सीलेंट रिस्पॉन्स टू रेडियोथैरेपी एलोनः रिपोर्ट ऑफ एन एक्सट्रिमली रेयर एंड अनयूजवल क्लिनिकल कंडीशन एंड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. *एन इंडियन अकेड न्यूरोल* 2014 अक्तूबर;17(4):429–32.

1097. मंडल डी, श्रीवास्तव ए, रंजन पी, शर्मा डी एन, दास आर, कश्यप एल, एट ऑल. एक्सलरी नोडल बर्डन एंड कीमोथैरेपी इंफ्लूएंसेस पीसीआर इन एडवांस्ड ब्रेस्ट कैंसर ट्रीटेड विद एनएसीटी. *ब्रेस्ट* 2015 मार्च; 24: एस 95.

1098. मोंगा एन, चौरसिया एस, खरबंदा ओ पी, दुग्गल आर, राजेश्वरी एम आर. ए स्टडी ऑफ इंटरल्यूकिन 1 बीटा लेवल्स इन पेरी–मिनिस्क्री क्रेविकुलर फ्लूड (पीएमसीएफ). *प्रोग ऑर्थोड* 2014 अप्रैल 1;15(1):30.

1099. मोरे वी एम, जालन डी, मित्तल आर, गमनगट्टी एस. इंट्राआर्टिकुलर ओस्टियोकोंड्रोमा ऑफ द नी. *इंडियन जे ऑर्थोप* 2014 मई; 48(3):332–4.

1100. मिर्धा ए आर, किनरा पी, सेबल एम, शर्मा एम सी, रस्तोगी एस, खान एस ए, एट ऑल. एपिथेलॉइड हिमेंजियोमा ऑफ डिस्टल फेमोरल एपिफीसिस इन ए पेशेंट विद कंजाइनेटल टेलिप्स एक्विनोवेरस. *मलेशि जे पैथोल* 2014 अप्रैल;36(1):63–6.

1101. मिर्धा ए आर, रंजन आर, किनरा पी, रे आर, खान एस ए, शिवानंद जी. एंजियोमायोमेटस हेमेर्टोमा ऑफ पोपलिटियल लिम्फ नोडः एन अनयूजवल एंटिटी. *जे पैथोल ट्रांसले मेड* 2015 मार्च;49(2):156–8.

1102. मुखर्जी ए, चक्रबर्ती पी एस, बेहरा ए, बाल सी, कुमार आर. रेडिएशन–इंड्यूज्ड इसोफेजिटिस मैस्वार्डिंग एज डिजीज प्रोग्रेशन इन केस ऑफ इसोफेजियल कार्सिनामाः ए डायग्नोस्टिक डायलेमा सोल्वड ऑन फोलो–अप एफडीजी पीईटी/सीटी. *क्लिन न्यूक्लि मेड* 2015 जुलाई; 40(7):ई 380–1.

1103. मुखर्जी ए, दाम्ले एन, बाल सी, अरोड़ा ए, सिंघल ए, त्रिपाठी एम, पीपरे के. रोल ऑफ (99 एम) टीसी–एमडीपी बोन स्कैन इन द डायग्नोसिस ऑफ एर्धिम–चेस्टर डिजीज. *इंडियन जे न्यूक्लि मेड* 2014 जुलाई;29(3):165–7.

1104. मुखर्जी ए, ढल वी एस, करूणानिधि एस, शर्मा पी, दुर्गापाल पी, कुमार आर, पिनियल ग्लैंड इंवोल्वमेंट इन एर्धिम–चेस्टर डिजीज डिटेक्टिड ऑन (18) एफ–एफडीजी पीईटी–सीटी इमेजिंगः ए केस रिपोर्ट एंड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. *क्लिन इमेजिंग* 2014 मई–जून;38(3):367–71.

1105. मुखर्जी ए, ढल वी एस, शर्मा पी, परिदा जी के, जैन एस, पाल एल, कुमार आर. पल्मोनरी एम्लॉयडोसिस इन ए पेशेंट विद लैंगरहैंस सेल हिस्टियोसाइटोसिसः डायग्नोस्टिक डायलेमा ऑन 18 एफ–एफडीजी पीईटी / सीटी. *क्लिन न्यूक्लि मेड* 2014 अप्रैल;39(4): ई 263–4.

1106. मुखर्जी ए, करूणानिधि एस, बाल सी, कुमार आर. 68जीए डीओटीएनओसी पीईटी / सीटी एडिंग इन द डायग्नोसिस ऑफ वोन हिप्पल–लिंडो सिंड्रोम बाय डिटेक्टिंग सेरेबेलर हिमेंजियोब्लास्टोमा एंड एड्रीनल फियोक्रोमोसाइटोमा. *क्लिन न्यूक्लि मेड* 2014 अक्तूबर;39(10):920–1.

1107. मुखर्जी ए, करूणानिधि एस, सिंगला एस, बाल सी, दास सी जे, कुमार आर. (18) एफ–एफडीजी पीईटी / सीटी इन डिटेक्शन ऑफ सारकोमेट्स डीजनरेशन ऑफ रीनल एंजियोमायोलिपोमा इन सेटिंग ऑफ ट्यूबर्स स्कलेरोसिस. *इंडियन जे न्यूक्लि मेड* 2014 अक्तूबर;29(4):280–1.

1108. मुखर्जी ए, करूणानिधि एस, सिंगला एस, बाल सी, कुमार आर. 68 जीए डीओटीएएनओएसी पीईटी / सीटी इन प्राइमरी न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर ऑफ द ब्रेस्ट. *क्लिन न्यूक्लि मेड* 2014 अप्रैल;39(4):396–8.

1109. मुखर्जी ए, करूणानिधि एस, सिंगला एस, बाल सी, कुमार आर. गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्ट्रोमल ट्यूमर विद अनयूजवल साइट्स ऑफ मेटास्टेसिसः एक्यूरेट स्टेजिंग विद ^{18}एफ–एफडीजी पीईटी / सीटी. *रेव एस्प मेड न्यूक्लि इमेजन मोल* 2015 जनवरी–फरवरी;34(1):60–1.

1110. मुखर्जी ए, शाह एन, सिंह आर, वाजपेयी एम, काबरा एस के, लोधा आर. आउटकम ऑफ हाइली एक्टिव एंटीरेट्रोवायरल थेरैपी इन एचआईवी–इंफेक्टिड इंडियन चिल्ड्रन. *बीएमसी इंफेक्ट डिस* 2014 दिसंबर 24;14:701.

1111. मुखर्जी ए, शर्मा पी, करूणानिधि एस, ढल वी एस, कुमार आर. लिम्फोमा एंड ट्यूबरकुलोसिस : टेम्पोरल एवोल्यूशन ऑफ ड्यूल पैथोलॉजी ऑन सिक्वेंशियल 18एफ–एफडीजी पीईटी / सीटी. *क्लिन न्यूक्लि मेड* 2014 अगस्त;39(8):736–7.

1112. मुखर्जी ए, शर्मा पी, करूणानिधि एस, जैन, एस कुमार आर. सिंक्रोनस ओवरियन कार्सिनोमा डिटेक्टिड ऑन स्टेजिंग 18एफ–एफडीजी पीईटी / सीटी इन ए पेशेंट ऑफ इसोफेजियल कार्सिनोमाः ए रेयर एसोसिएशन. *रेव एस्प मेड न्यूक्लि इमेजिन मॉल* 2014 सितंबर–अक्तूबर;33(5): 308–9.

1113. मुखर्जी ए, सिंगला एस, दास सी जे, बाल सी, कुमार आर. एंकोंड्रोमा ऑफ क्लीवस : एपीरियंस ऑन 18एफ–एफडीजी पीईटी–सीटी इन कॉन्ट्रास्ट विद एमआरआई. *क्लिन न्यूक्लि मेड* 2015 जनवरी;40(1):ई 53–4.

1114. मुखर्जी ए, वेल्पांडियन टी, सिंगला एम, कन्हैया के, काबरा एस के, लोधा आर. फर्माकोकाइनेटिक्स ऑफ आइसोनाइज़ड, रिफैम्पिसिन, पायराज़ीनामाइड एंड इथेम्बुटोल इन इंडियन चिल्ड्रन. बी*एमसी इंफेक्ट डिज* 2015 मार्च;15(1):126.

1115. मुखर्जी एस, अनेजा एस, रसेल पी एस, गुलाटी एस, देशमुख वी, सागर आर, सिलबरबर्ग डी, भूटानी वी के, पिंटू जे एम, डर्किन एम, पाण्डे आर एम, नायर एम के, अरोड़ा एन के; आईएनसीएलईएन स्टडी ग्रुप. आईएनसीएलईएन डायग्नोस्टिक टूल फॉर एटेंशन डिफिक्ट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (आईएनडीटी–एडीएचडी): डेवलपमेंट एंड वेलिडेशन. *इंडियन पीडियाट्रि* 2014 जून;51(6):457–62.

1116. मुनव्वर ए, शर्मा एस के, गुप्ता एस, सिंह एस. सेरोप्रीवेलेंस एंड डिटर्मिनेंट्स ऑफ कपूसी सार्कोमा–एसोसिएटिड ह्यूमन हेर्पिसवायरस 8 इन इंडियन एचआईवी–इंफेक्टिड मेल्स. *एड्स रेस ह्यूमन रेट्रोवायरस* 2014 दिसंबर;30(12):1192–6.

1117. मुराद एम एच, मोंटरी वी एम, इयोंडिस जे पी, जेसचेक आर, देवीरॉक्स पी जे, प्रसाद के, एट ऑल. हाउ टू रीड ए सिस्टेमेटिक रिव्यू एंड मेटा–एनालायसिस एंड अप्लाइ द रिजल्ट्स टू पेशेंट केयरः यूजर्स गाइडिड टू द मेडिकल लिटरेचर. *जेएएमए* 2014;312:171–9.

1118. मुर्की एस, देवरारी ए, विद्यासागर डी. यूज़ ऑफ सीपीएपी एंड सर्फेक्टेंट थेरैपी इन न्यूबोर्स विद रेस्पायरेट्री डिस्ट्रेस सिंड्रोम. *इंडियन जे पीडियाट्रि* 2014 मई;81(5):481–8.

1119. मुर्रे सी जे, ओर्टेब्लेड के एफ, गुइनोवर्ट सी, लिम एस एस, वोलॉक टी एम, रॉबर्ट्स डी ए, एट ऑल. ग्लोबल, रीजनल एंड नेशनल इंसिडेंस एंड मोर्टेलिटी फॉर एचआईवी, ट्यूबरकुलोसिस, एंड मलेरिया ड्यूरिंग 1990–2013: ए सिस्टेमेटिक एनालायसिस फॉर द ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी 2013. *लैंसेट* 2014 सितंबर 13;384(9947):1005–70. इरेटम इनः लैंसेट 2013 सितंबर 13;384(9947): 956 लैंसेट 2014 अक्तूबर 25;384(9953):1504.

1120. मुरूगन एम के, जगिया पी, सक्सेना ए. क्रीसक्रॉस पल्मोनरी आर्टरीज विद पार्शियल एनोमेलॉस पल्मोनरी वेनस ड्रेनेज ऑन मल्टीस्लाइस कार्डियक सीटी. *जे कार्डियोवैस्कु कम्प्यूट टोमोग्र* 2015;9:71–3.

1121. मुथुकुमारन ए एस, तलवार एस, गार्डे पी, शर्मा एस, सिंह एस, चौधरी एस के. इज़ रूटिन कम्प्यूटराइज्ड टोमोग्राफिक एंजियोग्राफी जस्टीफाइड इन एन एरोटक वाल्व रिप्लेसमेंट फॉर बाइकस्पिड एरोटिक वाल्व डिजीज? *इंडियन जे थोरैक कार्डियो वैस्कु सर्ज* 2014;30:17–21.

1122. मुथुकृष्णन एस पी, शर्मा आर. ए नोवल विसुस्पाइटल वर्किंग मेमोरी टास्क टू एक्सप्लोजर द इफेक्ट ऑफ मेमोरी लॉड एंड परफॉर्मेंस. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ब्रेन एंड कॉग्निटिव साइंसेज* 2015;4(1):3–7.

1123. सुजाता एन, गुप्ता एस, सूद एम. ए रेट्रोस्पेक्टिव स्टडी टू एक्सिस द डिलेड इन ट्रीटमेंट सीकिंग एंड फैक्टर्स कॉन्ट्रीब्यूटिंग टू डिले इन सीकिंग ट्रीटमेंट अमंग द केयरगीवर्स ऑफ पर्संस हेविंग फर्स्ट एपिसोड साइकोसिस. *इंट जे नर्सिंग एजुके* 2015;7:228–232.

1124. नदराजह जे, मधुसूदन के एस, यादव ए, गुप्ता ए के, विक्रम एन के. एक्यूट हेमरेजिक इंसेफेलाइटिस–एन अनयूजवल प्रेजेंटेशन ऑफ डेंगू वायरल इंफेक्शन. *इंड जे रेडियोल इमेजिंग* 2015 जनवर–मार्च;25(1):52–5.

1125. नाग एच एल, गुप्ता एच. एंटीरियर क्रूसिएट लिग्मेंट रिकंस्ट्रक्शन विद प्रिजर्वेशन ऑफ फिमोरल एंटेरियर क्रूसिएट लिग्मेंट स्टंप. अथ्रोसो टेक 2014 सितंबर 15;3(5):ई 575–7.

1126. नाग वी के, नदंन डी, सिंह एस, अरोड़ा एस के, सांग्लो डब्ल्यू, आर्य एन. पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिसः ए प्रीडोमिनेंट कॉज़ ऑफ चाइल्डहुड ब्रोंकाइटेसिस इन इंडिया, 2015;47(1): 14–18.

1127. नागेश सी एम, सक्सेना ए, पटेल सी, करूणानिधि एस, नेडिग एम, मल्होत्रा ए. द रोल ऑफ 18 एफ फ्लोरोडियोक्सीग्लूकोज पोजिस्ट्रोन एमिशन टोमोग्राफी (18 एफ–एफडीजी–पीईटी) इन चिल्ड्रन विद रूमेटिक कार्डिटिस एंड क्रोनिक रूमेटिक हार्ट डिजीज. *न्यूक्लि मेड रेव सेंट ईस्ट यूर* 2015;18:25–8.

1128. नगलोत एस, दलाल के, अग्रवाल पी, दादा आर. एसोसिएशन ऑफ सीजी जीनोटाइप एट आरएस 4950928 सीएचआई3एल1 जीन विद वाईकेएल–40 लेवल्स एंड अस्थमा सस्पेटिबिलिटी इन नॉर्थ इंडियन अस्थमा पेशेंट्स. *इंड जे क्लिनिकल बायोकेम* 2015:1–9.

1129. नगोरी एस ए, भूटिया ओ, रॉय चौधरी ए, पाण्डे आर एम. इमीडिएट ऑटो ट्रांसप्लांटेशन ऑफ थर्ड मोलर्स : एन एक्सपीरियंस ऑफ 57 केसिस. *ओरल सर्ज मेड ओरल पैथोल ओरल रेडियोल* 2014 अक्तूबर;118(4):400–7.

1130. नगोरी एस ए, जोश ए, अग्रवाल बी, भट्ट के, भूटिया ओ, रॉयचौधरी ए. ट्रॅामेटिक बोन सिस्ट ऑफ द मेंडिबल इन लैंगर–जियडियोन सिंड्रोमः ए केस रिपोर्ट. *जे मेड केस रिपोर्ट्स* 2014;8:387.

1131. नगोरी एस ए, जोश ए, भूटिया ओ, रॉयचौधरी ए. एवेल्यूएशन सक्सेस ऑफ ऑटो ट्रांसप्लांटेशन ऑफ एम्बेडेड/ इम्पैक्टिड थर्ड मोलर्स हार्वेस्टिड यूजिंग पिजोसर्जरीः ए पायलट स्टडी. *एक्टा ओडोंटोल स्कैंड* 2014 नवंबर;72(8):846–51.

1132. नगोरी एस ए, जोश ए, भूटिया ओ, रॉयचौधरी ए. यंग मेल विद रैपिडली स्वेलिंग जॉ. *एन इमर्ज मेड* 2015 मार्च;65(3):255–76.

1133. नायक एन. हाउ टू परफॉर्म ट्रांसेप्टल पंचर. *इंडियन हार्ट जे* 2015;67:70–76.

1134. नायक वी, अहमद एफ यू, गुप्ता ए, गर्ग ए, सरकार सी, शर्मा बी, एट ऑल. इंट्राक्रेनियल फंगल ग्रैनुलोमासः ए सिंगल इंस्टीट्यूशनल क्लिनिकोपैथोलॉजिक स्टडी ऑफ 66 पेशेंट्स एंड रिव्यू ऑफ द लिटरेचर. *वर्ल्ड न्यूरोसर्ज* 2015 जून; 83(6):1166–72.

1135. नायर ए, कंडासामी डी, त्रिपाठी एम, ज्योत्सना वी पी. गाल ब्लेडर एजेंसी इन प्रेडर विल्ली सिंड्रोम. *इंडियन जे एंडोक्राइनोल मेटाब* 2015 मार्च–अप्रैल;19(2):305.

1136. नायर ए एस, भोई डी, गोपाल टी वी, श्रीप्रकाश के. एट्न्यूएशन ऑफ एडक्टर स्पाज्म बाय अल्ट्रासाउंड गाइडिड ऑब्ट्यूरेटर नर्वे ब्लॉक फॉर टीयूआरबीटी. *इंट आर्चिव्स क्लिन एनीस्थिसिया रेस* 2014;1:14–16.

1137. नायर वी वी, मालंकर डी, एरेन बी, एट ऑल. पल्मोनरी एट्रेसिया विद लेफ्ट मेन कोरोनरी आर्टरी फिस्टुला टू द पल्मोनरी आर्टरी. *एशियन कार्डियोवेस्कुल थोरैक एन* 2014;99–5.

1138. नायर वी वी, राजशेखर पी, सक्सेना ए, दास एस, एरेन बी. कोरट्रिएट्रिएटम विद क्लासिकल रेघीब कॉम्प्लैक्स : ए रेयर एनाटोमिक एसोसिएशन. *वर्ल्ड जे पीडियाट्रि कॉग्निट हार्ट सर्ज* 2014;5:318–20.

1139. नम्बिरंजन ए, भौमिक डी, सिंह जी, अग्रवाल एस के, डिंडा ए के. मोनोक्लोनल गेम्मोपैथी ऑफ रीनल सिग्निफिकेंस विद लाइट–चेन डिपोजिशन डिजीज डायग्नोस्ड पोस्टरीनल ट्रांसप्लांटः ए डायग्नोस्टिक एंड थेराप्यूटिक चैलेंज. *ट्रांसप्ला इंट* 2015 मार्च;28(3):375–9.

1140. नम्बिरंजन ए, शर्मा एम सी, गुप्ता आर के, सूरी वी, सिंह एम, सरकार सी. स्टडी ऑफ स्टेम सेल मार्कर नेस्टिन एंड इट्स कोरिलेशन विद वैस्कुलर एंडोथीलियल ग्रोथ फैक्टर एंड माइक्रोवैस्कुलर डेंसिटी इन एपेंडायमोमास. *न्यूरो पैथोल एपल न्यूरोबायोल* 2014 अक्तूबर;40(6):714–25.

1141. नंदा ए, जैन वी, मनक के, वर्मा एम. एन अल्टरनेटिव अधेसिव बेस्ड टेक्निक ऑफ रायसिंग द ऑक्यूसल वर्टिकल डिमेंशन. *इंडियन जे डेंट रेस* 2014 जुलाई–अगस्त;25(4):505–8.

1142. नंदन डी, जहान ए, देवन वी, सिंह एस, बुक्सि जी. प्योर रेड सेल एप्लासिया इन ए थ्री–मंथ्स–ओल्ड इंफेंट पोसिबली सेकंडरी टू कायटोमेग्लो वायरस इंफेक्शन. *इंडियन जे हेमेटोल ब्लड ट्रांसफ्यूज* 2014 सितंबर;30(पूरक 1):30–2.

1143. नंदन डी, नाग वी के, त्रिवेदी एन, सिंह एस. एक्स–लिंक्ड हाइपर–आईजीएम सिंड्रोम विद ब्रोन्किाइक्टेसिस. *जे लैब फिजिशियंस* 2014 जुलाई;6(2):114–6.

1144. नंदी एस बी, मोहंती एस, सिंह एम, एट ऑल. फाइब्रोब्लास्ट ग्रोथ फैक्टर–2 अलोन एज एन एफिसिएंट इंड्यूजर फॉर डिफरेंटिएटशन ऑफ ह्यूमन बोन मैरो मेसेंकाइमल स्टेम सेल्स इंटू डोपेमिनेर्जिक न्यूरोंस. *जे बायोमेड साइं* 2014;21:83.

1145. नारंग एच, सिंघल एस, रवि वी. असेस्मेंट ऑफ फैक्टर्स इंडिविजुअली एंड एज ए स्कोरिंग सिस्टम इन प्रीडिक्टिव स्क्रीनिंग फॉर वीबीएसी इन पेशेंट्स अंडरगोइंग ट्रायल ऑफ लेबर आफ्टर सिंगल प्रीवियस सीजेरियन सेक्शन. *आईओएसआर जर्नल* 2014;13(10):109–115.

1146. नरसिम्हन एस, कालिया जी, आनंद एस. नॉन–इंवेसिव ग्लूकोज मॉनिटरिंग यूजिंग इम्पेडेंस स्पेक्ट्रोस्कोपी. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोमेडिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी* 2014;14(3):225–232.

1147. नरसेरिया पी, लोधा आर, इजनॉट इट टाइम टू स्टॉप यूजिंग 0.18 प्रतिशत सेलाइन इन डेक्सट्रोस सॉल्यूशंस फॉर इंट्रावेनस मेंटेनेंस फ्लूड थेरैपी इन चिल्ड्रन? *इंडियन पीडियाट्रि* 2014 दिसंबर; 51(12):964–6.

1148. नास्वा एन, करूणानिधि एस, शर्मा पी, सौंदरराजन आर, बाल सी, कुमार आर. प्री–ऑपरेटिव [68]जीए–डीओटीएएनओसी सोमेटोस्टाइन रिस्पेटर पीईटी/ सीटी इमेजिंग डिमोंस्ट्रेटिंग मल्टीप्लाइ सिंक्रोनोस लेशंस इन ए पेशेंट विद हेड एंड नेक पैरागैंग्लियोमा. *रेव एक्प मेड न्यूक्लि इमेजिन मोल* 2014 नवंबर–दिसंबर;33(6):374–7

1149. नास्वा एन, शर्मा पी, नजर ए एच, मोहपात्रा टी के, बाल सी, कुमार आर. (18) एफ–एफडीजी पीईटी/ सीटी फॉर इनिशियल असेस्मेंट एंड रिस्पॉन्स मॉनिटरिंग इन ए केस ऑफ हाइ ग्रेड प्राइमरी लिम्फोमा ऑफ द थाइरॉयड ग्लैंड : ए केस रिपोर्ट एंड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. *इंडियन जे न्यूक्लि मेड* 2014 अप्रैल;29(2):94–6.

1150. नटराज वी, कंडासामी डी, बख्शी एस. इमेटिनीब – इंड्यूस्ड एवेस्कुलर नेक्रोसिस ऑफ फीमर इन चाइल्डहुड क्रोनिक मायलॉयड ल्यूकेमिया. *पीडियाट्रि हेमेटोल ऑंकोल* 2014 अप्रैल;31(3):268–70.

1151. नटराजन सी के, संकर एम जे, अग्रवाल आर, प्रताप ओ टी, जैन वी, गुप्ता एन, गुप्ता ए के, देवरारी ए के, पॉल वी के, श्रीनिवास वी. ट्रायल ऑफ डेली विटामिन डी सप्लीमेंटेशन इन प्रीटर्म इंफेंट्स. *पीडियाट्रिक्स* 2014 मार्च;133(3):ई 628–34.

1152. नाथ एच डी, मोहपात्रा ए के, बोरकार एस ए. ए जाइंट ओसिप्टल इंसेफेलोसेल विद स्पॉन्टेनियस हेमरेज इंटू द सैक : ए रेयर केस रिपोर्ट. *एशियन जे न्यूरोसर्ज* 2014;9:158–60.

1153. नट्टूसामी एल, मदान के, भल्ला ए एस, गुलेरिया आर. रिवर्सड हैलो साइन इन एक्टिव पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस. *बीएमजे केस रैप* 2014 जुलाई 25; 2014 डीओआईः 10.1136/बीसीआर–2013–202981.

1154. नट्टूसामी एल, मदान के, खिलानी जी सी, गुलेरिया आर, पल्मोनरी इंफेरेक्शन इन एक्यूट पल्मोनरी एमबोलिज्मः रिवर्सड हैलो साइन. *बीएमजे केस रैप* 2014; 2014.

1155. नट्टूसामी एल, मदान के, मोहन ए, हड्डा वी, जैन डी, मदान एन के, अरवा एस, खिलनानी जी सी, गुलेरिया आर. यूटिलिटी ऑफ सेमी–रिजिड थोरेकोस्कोपी इन अनडायग्नोस्ड एक्सक्यूडेटिव प्लुरल इफ्यूशन. *लंग इंडिया* 2015 मार्च–अप्रैल;32(2):119–26.

1156. नायक बी, डोंगरा पी एन, सक्सेना वी, सैनी ए. डिलेड मल्टीप्लाइ पोर्ट साइट्स मेटास्टेसिस आफ्टर लैपेरोस्कोपिक रेडिकल प्रोस्टेटेक्टॉमी. *सीआरएसएलएस* 2014 : ई2014.00229. डीओआईः 10.4293/सीआरएसएलएस. 2014.00229.

1157. नायर जे, अग्रवाल पी, गलवांकर एस. यूटिलिटी ऑफ पॉइंट–ऑफ–केयर टेस्टिंग ऑफ नेट्रियूरेटिक पेप्टाइड्स (ब्रेन नेट्रियूरेटिक पेप्टाइड एंड एन–टर्मिनल प्रो–ब्रेन नेट्रीयूरेटिक पेप्टाइड) इन द इमरजेंसी डिपार्टमेंट. *इंट जे क्रिएट इल इंज साइं* 2014 जुलाई;4(3):209–15.

1158. नेहरा ए, बाजपेयी एस, सिन्हा एस, खंडेलवाल एस. होलिस्टिक न्यूरोसाइकोलॉजिकल रीहेबिलिटेशनः ग्रिफ मैनेजमेंट इन ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी. *एन न्यूरोसां* 2014;21:118–22.

1159. नेहरा ए, चोपड़ा एस. बीटिंग द ऑड्स : इंटेक्ट न्यूरोसाइकोलॉजिकल फंशक्शनिंग डिसपाइट टीएलई. *एन न्यूरोसाइं* 2014; 21:155–9.

1160. नेहरा ए, सिंगला एस, बाजपेयी एस, मालवीय एस, पदमा वी, त्रिपाठी एम. इंर्वेस रिलेशनशिप बिटवीन स्टीग्मा एंड क्वालिटी ऑफ लाइफ इन इंडियाः इज एप्लिप्सी ए डिसेब्लिंग न्यूरोलॉजिकल कंडीशन? *एपिलेप्सी बिहेव* 2014;39:116–25.

1161. नेहरा ए, श्रीनिवास वी, कौर एच, चोपड़ा एस, बाजपेयी एस. आर एजुकेटिड बेटर इन कॉग्निशन दैन देयर एंकेसटर्स ? एन इंडियन फ्लाइं इफेक्ट स्टडी. *एक्ट नर्वे सुपर* 2014;56(1–2):45–51.

1162. नियोगी डी एस, त्रिखा वी, मिश्रा के के, बांदेकर एस एम, यादव सी एस. कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ सिंगल लेटरल लॉक्ड प्लेटिंग वर्सेस डबल प्लांटिंग इन टाइप सी बिकंडायलर ट्रिबियल प्लेट्यू फ्रैक्चर्स. *इंडियन जे ऑर्थोप* 2015 मार्च–अप्रैल;49(2):193–8.

1163. नेताम आर, यादव आर के, खडगावत सर्वोत्तम के एंड यादव आर. डायबिटीज रिस्क फैक्टर्स, आईएल–6 विटामिन डी, नियोप्रोटीन एंड वेस्पीन आर मोडिफाइबल इवन बाय शॉर्ट–टर्म लाइफस्टाइल इंटरवेंशन इन ओवरवेट/ऑब्सेस सबजेक्ट्स. *इंडियन जे मेड रेस* 2015 जून;141:775–82.

1164. एन जी सी, चौहान ए पी, चव्हाण बी एस, रामसुब्रमण्यन सी, सिंह ए आर, सागर आर, फ्रेसर जे, रियान बी, प्रसाद जे, सिंह एस, दास जे इसाक एम. इंटीग्रेटिंग मेंटल हेल्थ इंटू पब्लिक हेल्थ : द कम्युनिटी मेंटल हेल्थ डेवलपमेंट प्रोजेक्ट इन इंडिया. *इंडियन जे साइकायट्री* 2014 जुलाई;56(3):215–20.

1165. निधि जी, माया डी. ग्लाइडस्कोपः ए रीस्क्योर इन डिफिकल्ट पीडियाट्रिक एयरवे. *एनीस्थिसिया पेन इंटेंसिव केयर* 2014;18:43–5.

1166. निराला बी के, गोहल एन के. इफेक्ट ऑफ ग्लाइकेटिड सीरम अल्बुनिम ऑन फंक्शनल मार्कर्स इन ह्यूमन अम्बिलिकल वेन एंडोथीलियल सेल्स इन द प्रेजेंस ऑफ शियर स्ट्रेस. *जे मेक मेड बायोल* 2015; डीओआईः 10.1142/एस0219519415500268.

1167. नीतिका लोहिया ए, नोंगकिंरिह बी, गुप्ता एस के. मिग्रेंट्स टू अर्बन इंडियाः नीड फॉर पब्लिक हेल्थ एक्शन. *इंडियन जे कम्युनिटी मेडिसिन* 2014 अप्रैल;39(2):73–5.

1168. नोंगपुर एम ई, सिंह ए, सक्सेना आर, शर्मा ए, शर्मा पी. टू एवेल्यूएट स्टेरियोक्यूटी इन पेशेंट्स विद एक्वायर्ड एस्ट्रोपिया एंड टू डिटरमाइन फैक्टर्स एसोसिएटिड विद फेवोरेबल आउटकम्स. *इंडियन जे ओफ्थाल्मोल* 2014;62:695–8.

1169. ओबेरॉय एस एस, ढींगरा सी, शर्मा जी, सरदाना डी. एंटीबायोटिक्स इन डेंटल प्रैक्टिसः हाउ जस्टीफाइड आर वी. *इंट डेंट जे* 2015 फरवरी;65(1):4–10.

1170. ओझा ए, गुप्ता वाई. एवेल्यूएशन ऑफ जीनोटोक्सीस पोटेंशियल ऑफ कॉमनली यूज्ड ऑर्गेनोफोस्फेट पेस्टीसाइड्स इन पेरीफेरल ब्लड लिम्फोसाइटेस ऑफ रैट्स. *ह्यूम एक्सप टॉक्सिकोल* 2015 अप्रैल;34(4):390–400.

1171. ओस्मन एस, शैरो डी, हर्बेस्ट के, काबुदुला सी डब्ल्यू, आलम एन, कांत एस, एट ऑल. द आईएनडीईपीटीएच स्टैंडर्ड पॉपुलेशन फॉर लो–एंड मिडिल–इनकम कंट्रीज, 2013. *ग्लोबल हेल्थ एक्शन* 2014;7:23286.

1172. पाधी एस के, सरकार एस, देवुलुरी टी, पात्रा बी एन. अर्बन लिविंग एंड साइकोसिस–एन ओवरव्यू. *एशियन जे साइकायट्री* 2014 दिसंबर;12:17–22.

1173. पाहूजा आर, श्रीवास्तव बी, शर्मा पी के, किशोर के, महाजन एस, सूद आर. ए प्रोस्पेक्टिव ऑब्जर्वेशनल स्टडी टू एक्सेस द अवेयरनेस ऑन फर्मोको विजिलियंस अमंग हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स इन ए टर्शरी केयर सेंटर. *इंट जे इमरजिंग टेक रेस* 2014;1(6):20–27.

1174. पाहूजा आर, श्रीवास्तव बी, शर्मा पी के, किशोर के, महाजन एस, सूद आर. अवेयरनेस ऑन एडीआर रिपोर्टिंग सिस्टम इन इंडिया : ए कंज्यूमर सर्वे. *एम जे फाइटोम्ड क्लिन थेराप्यूटिक्स* 2014;2(12):1361–1369.

1175. पाहवा एस, दास सी जे, शर्मा एस गुप्ता ए के, डे ए बी. हेपेटिक हॉट स्पॉट साइनः बिकॉन ऑफ सीवीसी ऑब्स्ट्रक्शन. *क्लिन रेस हेपेटोल गैस्ट्रोइंटेरोल* 2014 सितंबर;38(4):387–8.

1176. पाहवा एस, श्रीवास्तव डी एन, शर्मा आर, गमनगट्टी एस, कोतवाल पी पी, शर्मा वी. कम्पेरिजन ऑफ कंवेंशनल एमआरआई एंड एमआर आर्थोग्राफी इन द एवेल्यूएशन रिस्ट लिग्मेंट टीयर्सः ए प्रीलिमनरी एक्सपीरियंस. *इंडियन जे रेडियोल इमेजिंग* 2014 जुलाई;24(3):259–67.

1177. पाई जी, जैन वी. मैसिव लेवोथाइरोक्सिन इनिगेशन. *इंडियन पीडियाट्रि* 2014 अक्तूबर;51(10):840–1.

1178. पाल ए, पटनायक आर डी, सागर आर, गोयल वी. साइकोसिस इन एन एल्डरली पेशेंट्स विद पार्किंसंस डिजीजः इशूज एंड कंसिडेरेशंस. *जे मेंटल हेल्थ ह्यूम बिहेव* 2014;19:87–90.

1179. पाल आर, अग्रवाल ए, गलवांकर एस, स्वरूप एम, स्टेविकी एस पी, राजाराम एल, एट ऑल. द 2014 अकेडमिक कॉलेज ऑफ इमरजेंसी एक्सपर्ट्स इन इंडिया'स इंडो–यूएस जॉइंट वर्किंग ग्रुप (जेडब्ल्यूजी) व्हाइट पेपर ऑन ''डेवलपिंग ट्रॉमा साइंसेज एंड इंजरी केयर इन इंडिया''. *इंट जे क्रिट इलने इंज साइं* 2014 अप्रैल;4(2):114–30.

1180. पाल आर, हमीद एस, कुमार पी, सिंह एस, फातिमा जेड. कम्पेरेटिव लिपिडोम प्रोफाइल ऑफ सेंसिटिव एंड रेस्सिटेंट मायकोबैक्टीरियम

ट्यूबरकुलोसिस स्ट्रेन. *इंट जे सर माइक्रबायोल एप साइं;* 1 (पूरक): 189–97

1181. पाल एस, अग्रवाल एस. जर्नल स्कैन सर्जिकल स्किल एंड कॉम्प्लीकेशन रैट्स आफ्टर बेरिएट्रिक सर्जरी. *सर मेड रेस प्रैक्टि* 2014;4(5): 230–2.

1182. पलदुराई ए, किम एस एच, नायक बी, एक्सियो एस, शिव एच, कोलिंस पी एल, एट ऑल. एवेल्यूएशन ऑफ द कॉन्ट्रीब्यूशंस ऑफ इंडिविजुअल वायरल जींस टू न्यूकैसल डिजीज वायरस विरूलंस एंड पैथोजींसिस. *जे वायरल* 2014;88:8579–96.

1183. पलदुराई ए, एक्सियो एस, किम एस एच, कुमार एस, नायक बी, समल एस, एट ऑल. इफेक्ट्स ऑफ नेचुरली ओक्यूरिंग सिक्स–एंड ट्वेल्व–न्यूक्लियोटाइड इंसेर्ट्स ऑन न्यूकैसल डिजीज वायरस रेप्लीकेशन एंड पैथोजेनेसिस. *पीएलओएस वन* 2014;9:ई103951.

1184. पालीपुदी के, रिजवान एस ए, सिन्हा डी एन, एंड्स एल जे, अमरचंद आर, कृष्णन ए, असमा एस. प्रीवेलेंस एंड सोशियोडेमोग्राफिक डिटरमिनेट्स ऑफ तंबाकू यूज इन फोर कंट्रीज ऑफ द वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन: साउथ–ईस्ट एशिया रीजन: फाइंडिग्स फ्रॉम द ग्लोबल एडल्ट तंबाकू सर्वे. *इंडियन जे कैंसर* 2014 दिसंबर;51 पूरक 1: एस24–32.

1185. पालीवाल डी, पांडा एस के, कपूर एन, वर्मा एस पी, दुर्गापाल एच. हेपेटाइटिस ई वायरस (एचईवी) प्रोटीसः ए काइमोट्रिप्सिन–लाइक एंजाइम दैट प्रोसेस बोथ नॉन–स्ट्रक्चरल (पीओआरएफ1) एंड कैप्सिड (पीओआरएफ2) *प्रोटीन. जे जेन वायरल* 2014 अगस्त; 95 (पीटी 8) :1689–1700.

1186. पांडा ए, भल्ला ए एस, शर्मा आर, अरोड़ा ए, गुप्ता ए के. ''स्ट्रेडलिंग अक्रॉस बाउंडरीज''– थोरैकोब्डोमिनल लेशंसः स्पेक्ट्रम एंड पैटर्न अप्रोच. *सर प्रॉब्ल डायग्न रेडियोल* 2015 मार्च–अप्रैल;44(2):122–143.

1187. पांडा ए, दास सी जे, बरूआ यू. इमेजिंग ऑफ वर्टिबेरल फ्रैक्चर्स. *इंडियन जे एंडोक्राइनल मेटाब* 2014 मई;18(3):295–303.

1188. पांडा ए, दास सी जे, धमीजा ई, कुमार आर, गुप्ता ए के. एड्रीनल इमेजिंग (पार्ट 1): इमेजिंग टेक्निक्स एंड प्राइमरी कोर्टिकल लेशंस. *इंडियन जे एंडोक्राइनोल मेटाब* 2015 जनवरी–फरवरी;19(1):8–15.

1189. पांडा ए, गमनगट्टी एस, जाना एम, गुप्ता ए के. स्केलेटल डिस्प्लासियाः ए रेडियोग्राफिक अप्रोच एंड रिव्यू ऑफ कॉमन नॉन–लेथल स्केलेटल डिस्प्लासिया. *वर्ल्ड जे रेडियोल* 2014 अक्तूबर 28;6(10):808–25.

1190. पांडा ए, घोष ए के, मिर्धा बी आर, एक्सेस आई, पॉल एस, सामतंराय जे सी, एट ऑल. एमएएलडीआई–टीओएफ मास स्पेक्ट्रोमेट्री फॉर रैपिड आइडेंटिफिकेशन ऑफ क्लिनिकल फंगल आइसोलेट्स बेस्ड ऑन राइबोसोमल प्रोटीन बायोमार्कर्स. *जे माइक्रोबायोल मेथड्स* 2015;109:93–105

1191. पांडा ए, कुमार ए, गमनगट्टी एस, भल्ला ए एस, शर्मा आर, कुमार एस, एट ऑल. एवेल्यूएशन ऑफ डायग्नोस्टिक यूटिलिटी ऑफ मल्टीडिटेक्टर सीटी एंड एमआरआई इन ब्लंट पैंक्रियाटिक ट्रॉमाः ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी. *एक्टा रेडियोल* 2015 अप्रैल;56(4):387–96.

1192. पांडा ए, कुमार ए, गमनगट्टी एस, पाटिल ए, कुमार एस, गुप्ता ए. ट्रॉमेटिक डायाफ्रामेटिक इंजरीः ए रिव्यू ऑफ सीटी साइंस एंड द डिफरेंस बिटवीन ब्लंट एंड पेंट्रेटिंग इंजरी. *डायग्नो इंटरव रेडियोल* 2014;20:121–8.

1193. पांडा ए, कुरापति एस, सामंतराय जे सी, श्रीनिवास ए, खलील एस. एमएएलडीआई–टीओएफ मास स्पेक्ट्रोमेट्री प्रोटियोमिक बेस्ड आइडेंटिफिकेशन ऑफ क्लिनिकल बैक्टीरियल आइसोलेट्स. *इंडियन जे मेड रेस* 2014;140:770–7.

1194. पांडा ए, पाल सिंह टी, सत्पथी जी, वाधवानी एम, मटवानी एम. कम्पेरिजन ऑफ पॉलीमेरेज चेन रिएक्शन एंड स्टैण्डर्ड माइक्रोबायोलॉजिकल टेक्निक्सि इन प्रीसुमेड बैक्टीरियल कॉर्नियल अल्सर्स. *इंट ओफ्थाल्मोल* 2015 अप्रैल;35(2):159–65.

1195. पांडा ए, शर्मा एस, जाना एम, अरोड़ा ए, शर्मा एस के. ओफ्थाल्मिक मेनिफेस्टेशंस ऑफ सिस्टेमिक डिजीज––पार्ट 2: मेटाबोलिक, इंफेक्शंस, ग्रेनुलोमेटोसिस, डीमाइलिनेशन एंड स्केलटल डिस्प्लासिस. *सर प्रॉब्ल डायग्नो रेडियोल* 2014 सितंबर–अक्तूबर;43(5):242–53.

1196. पांडा एस, कुमार एम वी, बाग्ची एस, सिंह जी, अग्रवाल एस के, डिंडा ए. मिग्रेटरी स्किन लेशंस इन ए रीनल ट्रांसप्लांट रिसिप्ट *नेफ्रोलॉजी (कार्लटन)* 2014 अक्तूबर;19(10):661–2.

1197. पांडा एस एस, अग्रवाल एस, काबरा एस के, भटनागर वी. ए सर्वे ऑफ पल्मोनरी फंक्शन अब्नॉर्मेलिटिस फोलोइंग थोरेक्टॉमी. *इंडियन जे पीडियाट्रि* 2014;81:660–64.

1198. पांडा एस एस, बाजपेयी एम, जाना एम, बैद्य डी के, कुमार आर. एंडर्सन–हायनेस पायलोप्लास्टी विद इस्थेमोटॉमी एंड लेटरोपेक्सी इन होरेसेशो किडनीस विद पेल्वीयूरेटेरिक जंक्शन ऑब्स्ट्रक्शन इन चिल्ड्रन. *इंडियन जे यूरोल* 2014;30:161–3.

1199. पांडा एस एस, बाजपेयी एम, मलिक एस, शर्मा एम सी. कम्पेरिजन ऑफ डिफरेंट मोर्फोलॉजिकल पैरामीटर्स विद ड्यूरेशंस ऑफ ऑब्स्ट्रक्शन क्रिएटिड एक्सपेरिमेंटली इन यूनिलेटरल अपर यूरेटेर्सः एन एनिमल मॉडल. *अफ्री जे पीडियाट्रि सर्ज* 2014;11:15–7.

1200. पांडा एस एस, बाजपेयी एम, सिंह ए, बैद्य डी के, जाना एम. फॉरेन बॉडी इन द ब्रोंकस इन चिल्ड्रनः 22 इयर्स एक्सपीरियंस इन ए टर्शरी

केयर पीडियाट्रिक सेंटर. *अफ्रीक जे पीडियाट्रि सर्ज* 2014;11:252–5.

1201. पांडा एस एस, बाजपेयी एम, सिंह ए, चांद के. इंट्रा थोरेसिस माइग्रेशन ऑफ यूरेटेरिक स्टेंट आफ्टर एक्स्ट्रोफी ब्लेडर क्लोजरः अनयूजवल कॉम्लीकेशन. *अफ्री जे पीडियाट्रि सर्ज* 2015;12:98–9.

1202. पांडा एस एस, बाजपेयी एम, सिंह ए, जाना एम, बैद्य डी के. इफेक्ट ऑफ सर्जिकल टेक्निक्स ऑन लॉन्ग– टर्म आउटकम इन कंजेनाइटल पाउच कोलनः ए टर्शरी केयर सेंटर एक्सपीरियंस. *अफ्री जे पीडियाट्रि सर्ज* 2014 जुलाई–सितंबर;11(3):248–51.

1203. पांडा एस एस, बाजपेयी एम, सिंह ए, जाना एम. पोलैंड सिंड्रोम इंवोल्विंग द लेफ्ट हेमिथोरैक्स विद डेक्स्ट्रोकार्डिया एंड हर्नियेशन ऑफ द स्प्लीन. *बीएमजे केस रैप* 2014; डीओआईः 10.1136/बीसीआर–2013–010322.

1204. पांडा एस एस, बाजपेयी एम, सिंह ए. रिकरंट लिपोब्लास्टोमा ऑफ अपर एक्ट्रीमिटी इन ए 9–इयर–ओल्ड बॉय. *बीएमजे केस रैप* 2014; डीओआईः 10.1136/बीसीआर–2013–201973.

1205. पांडा एस एस, चांद के, सिंह ए, बाजपेयी एम. इंवर्शन ऑफ ल्यूम कॉसिंग इंटेस्टिनल ऑब्स्ट्रक्शनः रेयर कॉम्प्लीकेशन इन क्लोकल एक्स्ट्रोफी. *जे क्लिन न्यूनेटल* 2014;3:126–7.

1206. पांडा एस एस, सिंह ए, बाजपेयी एम, जाना एम. होरसेशो किडनी विद मल्टीसिस्टक डिस्प्लास्टिक लेफ्ट मोयटी. *जे इंडियन एसोसि पीडियाट्रि सर्ज* 2014;19:118–9.

1207. पांडा एस एस, सिंह ए, बाजपेयी एम, जाना एम. नॉर्मल नॉन–अट्रेटिक यूरेटर इन मल्टीसिस्टिक डायस्प्लास्टिक किडनी : रिपोर्ट ऑफ टू केसिस. *जे इंडियन एसोसिए पीडियाट्रि सर्ज* 2014;19:53–4.

1208. पांडा ए, कुमार ए, गमनगट्टी एस, पाटिल ए, कुमार एस, गुप्ता ए. ट्रॉमेटिक डायफ्रेग्मेटिक इंजरीः ए रिव्यू ऑफ सीटी साइंस एंड द डिफरेंस बिटवीन ब्लंट एंड पेनेट्रेटिंग इंजरी. *डायग्नो इंटर रेडियोल* 2014 मार्च–अप्रैल;20(2):121–8.

1209. पांडव सी एस, यादव के, कुमार आर, करमारकर एल एम. सस्टेनेबल एलिमिनेशन ऑफ आयोडीन डेफिशिएंसी डिसऑर्डर्सः एन एसेंशियल मैटरनल एंड चाइल्ड हेल्थ इंटरवेंशन. *नेटल मेड जे इंडिया* 2014 जनवरी–फरवरी; 27(1):1–3.

1210. पांडव सी एस. करमारकर एम जी. *नेटल मेड जे इंडिया* 2014 मार्च–अप्रैल; 27(2):108–9.

1211. पाण्डे ए के, पटेल सी, बाल सी, कुमार आर. वेलिडेशन ऑफ वर्चुअल स्पेक्ट्रोमीटर क्रिएटिड इन आरएडीलैब 1.03. *इंडियन जे न्यूक्लि मेड* 2015 जनवरी–मार्च; 30(1):9–15.

1212. पाण्डे ए के, शर्मा एस के, शर्मा पी, सिंह एच, पटेल सी, सरकार के, कुमार आर, बाल सी एस. इंहैंसमेंट ऑफ पोजिस्ट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी–कम्प्यूटिड टोमोग्राफी इमेज क्वालिटी असिंग द प्रिंसिपल ऑफ स्टोकेस्टिक रेजोनेस. *इंडियन जे न्यूक्लि मेड* 2014 अक्तूबर;29(4):235–40.

1213. पाण्डे डी, गर्ग पी के, जाना एम, शर्मा जे. रेट्रोपेरीटोनियल लिम्फेंजिएस्टेसिया. एएनजेड जे सर्ज. 2014 मई 30. डीओआईः 10.1111/एएनएस.12699

1214. पाण्डे डी, रामनाथन पी, खुर्से बी बी, भारती एस जे, मिश्रा एस. ब्रोंकोस्कोपिक डीबल्किंग फोलोड बाय ब्रोनोंकोप्लास्टिक प्रोसीजर हेल्प्स इन लिमिटिंग लंग रिसेक्शन इन ए ब्रोंकियल कार्सिनोयडः ए केस रिपोर्ट. *इंडियन जे सर्ज ऑंकोल* 2014;5:214–6.

1215. पाण्डे एम के, बाबू ए, रंजन आर, सागर एस, सिंघल एम. ट्रॉमेटिक सबक्लेवियन आर्टरी इंजरी कॉजिंग लार्ज एक्ट्राप्लूरल हेमेटोमा मैनेज्ड नोनोपेरेटिवली. *इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च* 2015;4:159–61.

1216. पाण्डे एन, गुप्ता डी, महापात्रा ए, हर्षवर्धन आर. बेड वाइस कॉस्ट एनालायसिस ऑफ इन–पेशेंट ट्रीटमेंट ऑफ ब्रेंकियल प्लेक्स इंजरी एट ए लेवल। ट्रॉमा सेंटर इन इंडिया. *एशियन जे न्यूरोसर्ज* 2014;9:89–92.

1217. पाण्डे एन, महापात्रा ए, सिंह पी के. बिलेटरल लार्ज ट्रॉमेटिक हेमरेज ऑफ द बेसल गैंगलियोन. *एशियन जे न्यूरोसर्ज* 2014;9:240.

1218. पाण्डे आर एम. बायोफिल्मः द हेवन फॉर स्टेफिलोकोकस एपिडर्मिडिस इन पोस्ट–ऑप्रेटिव एंडोफ्थालमिटिस. *जे क्लिन एक्सव ओपथाल्मोल* 2014;5(4): 350 डीओआईः 10.4172/2155–9570.1000350

1219. पाण्डे एस, रॉयचौधरी ए, भूटिया ओ, सिंघल एम, सागर एस, पाण्डे आर एम. स्टडी ऑफ द पैटर्न ऑफ मैक्सिलोफेशियल फ्रैक्चर्स सीन एट ए टर्शरी केयर हॉस्पिटल इन नॉर्थ इंडिया. *जे मैक्सिलोफेशियल ओरल सर्ज* 2015 मार्च; 14(1):32–9.

1220. पंडित ए के, प्रसाद के, सेठ टी. ऑटोलॉगस हेमेटोपोयटिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन इन प्रोग्रेसिव सीवियर मल्टीप्ल स्क्लेरोसिस. *एनाल्स ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी* 2015;18(4):459–463.

1221. पंडित बी एन, चतुर्वेदी वी, प्रकाश एन, गडे एस, त्रेहन वी. रैपिड गाइडिंग कैथेटर स्वैपिंग फॉर मैनेजमेंट ऑफ रप्चर ड्यूरिंग पर्सक्यूटेनियस वेनोप्लास्टी फॉर इडियोपैथिक ओक्ल्यूशन ऑफ सुपिरियर वेना कावा. *कार्डियोवैस्कु इंटरव थेर* 2014 मई 24 (मुद्रण से पहले ई प्रकाशन)

1222. पन्नू सी डी, मोरे वी, प्रशांत बी, रस्तोगी एस. पिग्मेंटिड विलोनोड्यूलर साइनोविटिस ऑफ 1 मेटाटार्सोफेलेंजियल जॉइंटः ए केस रिपोर्ट एंड लिटरेचर रिव्यू. फूट (ईडिंब) 2014 सितंबर;24(3):146–8.

1223. पंत एन, कुमार जी, उपाध्याय ए डी, गुप्ता वाई के, चतुर्वेदी पी के. कोरिलेशन बिटवीन लीड एंड कैडमियम कंसंट्रेशन एंड सीमन क्वालिटी. *एंड्रोलॉजिया* 2015 अक्तूबर;47(8):887–91.

1224. पंत एन, कुमार जी, उपाध्याय ए डी, पटेल डी के, गुप्ता वाई के, चतुर्वेदी पी के. रीप्रॉडक्टिव टॉक्सिटी ऑफ लीड, कैडमियम एंड फथेलेट एक्सपोजर इन मेन. *एनवार्यन साइं पॉल्यूट रेस* इंट 2014;21(18):11066–74.

1225. पंत एन, शुक्ला एम, उपाध्याय ए डी, चतुर्वेदी पी के, सक्सेना डी के, गुप्ता वाई के. एसोसिएशन बिटवीन एनवार्यनमेंटल एक्पोजर टू पी, पी'–डीडीई एंड लिंडेन एंड सीमन क्वालिटी. *एनवार्यनमेंट साइं पॉल्यूट रेस इंट.* 2014;21(18):11009–16.

1226. परख एन, मेहरोत्रा एस, सेठ एस, रामाकृष्णन एस, कोठारी एस एस, भार्गव बी, एट ऑल. एनटी प्रो बी टाइप नेट्रीयूरेटिक पेप्टाइड लेवल्स इन कंस्ट्रिक्टिव पेरीकार्डिटिस एंड रेस्ट्रिस्टिव कार्डियोमायोपैथी. *इंडियन हार्ट जे* 2015;67:40–4.

1227. परिदा जी के, ढल वी एस, शर्मा पी, बाल सी, कुमार आर. फीयोक्रोमोसाइटोमा प्रेजेंटेशन विद रिमोट बोनी रिकरेंस ट्वेंटी इयर्स आफ्टर इंनिशियल सर्जरीः डिटेक्शन विद 68 जीए–डीओटीएएनओसी पीईटी/सीटी. *क्लिन न्यूक्लि मेड* 2014 अप्रैल;39(4):365–6.

1228. पासवान एस एस, कटारिया के, प्रसाद आर, श्रीवास्तव ए, सीनू वी, मिश्रा बी. फेसिबिलिटी ऑफ फास्ट ट्रैक डिस्चार्ज इन ब्रेस्ट कैंसर पेशेंट्स अंडरगोइंग डेफिनिटिव सर्जरी एंड इम्पैक्ट ऑन क्वालिटी ऑफ लाइफः ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी फ्रॉम टर्शरी केयर सेंटर इन इंडिया. *जे सर्ज ओंको* 2015 मार्च; 111(3):265–9.

1229. पटेल सी डी, अग्रवाल एस, सेठ एस, मोहंती एस, अग्रवाल एच, गुप्ता एन. डिटेक्शन ऑफ होमिंग–इन ऑफ स्टेम सेल्स लेबल्ड विद टेक्निशियम–99 एम हेक्सामेथाइलप्रोपायलेनामाइन ऑक्सिम इन इंफेरक्टिड मायोकार्डियम आफ्टर इंट्राकोरोनरी इंजेक्शन. *इंडियन जे न्यूक्लि मेड* 2014 अक्तूबर;29(4):276–7.

1230. पटेल एच, चक्रबर्ती बी, गुलाटी एस, शर्मा एम सी, सैनी एल. ए केस ऑफ कंजेनाइटल मायोपैथी मास्क्यूरेडिंग एज पैरोक्सीमल डायस्किनसिया *एन इंडियन एकेड न्यूरोल* 2014 अक्तूबर;17(4):441–3.

1231. पटेल के, तलवार एस गुप्ता एस के, चौधरी एस के, कोठारी एस एस, एरेन बी. ट्रांस–आट्रियल रिपेयर ऑफ टेट्रालॉजी ऑफ फैलोटः मिडटर्म रिजल्ट्स. *इंडियन जे थोरैक कार्डियोवैस्कु सर्ज* 2015;31:1–7.

1232. पाठक पी, झा पी, पुरकेत एस, शर्मा वी, सूरी वी, शर्मा एम सी, एट ऑल. अल्टेरेड ग्लोबल हिस्टोन–ट्रिमेथाइलेशन कोड एंड एच3एफ3ए–एटीआरएक्स म्यूटेशन इन पीडियाट्रिक जीबीएम. *जे न्यूरोओंकोल* 2015;121:489–97.

1233. पाठक एस, बाजपेयी डी, बनर्जी ए, भाटला एन, जैन एस के, जयराम एच एन, एट ऑल. सीरम वन–कार्बन मेटाबोलाइटिस एंड रिस्क ऑफ सर्वाइकल कैंसर. *न्यूट्रि कैंसर* 2014;66(5):818–24.

1234. पति एच पी, सिंह जी. टर्नअराउंड टाइम (टीएटी): डिफरेंस इन कॉन्सेप्ट फॉर लैबोरेटरी एंड क्लिनिकन. *इंडियन जे हेमोटोल ब्लड ट्रांसफ्यूज* 2014 जून;30(2):81–84.

1235. पाटिल ए, पाल जी के, पाल पी, कुमार डी, नंदा एन, सुभा एम. असेस्मेंट ऑफ इंटरेक्शन ऑफ प्रोजेस्टेरॉन एंड एस्ट्रोजन एडमिनीस्ट्रेडिड इंट्रापेरिटोनियली ऑन फूड इनटेक, वॉटर इनटेक एंड बॉडी वेट इन ओवरिएक्टोमाइज्ड एल्बिनो रैट्स. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड एक्सपेरीमेंटल फिजियोलॉजी* 2014;1(3):205–10.

1236. पाटिल बी, टंडन आर, शर्मा एन, वर्मा एम, उपाध्याय ए डी, गुप्ता वी, सिहोता आर. कोर्नियल चेंजिस इन चाइल्डहुड ग्लूकोमा. *ओफ्थाल्मोलॉजी* 2015 जनवरी;122(1):87–92.

1237. पाटिल एन सी, सक्सेना ए, गुप्ता एस के, जुनेजा आर, मिश्रा एस, रामाकृष्णन एस, कोठारी एस एस. परफोरेटिंग द अट्रेटिक पल्मोनरी वाल्व विद सीटीओ हार्डवेयरः टेक्निकल अस्पेक्ट्स. *कैथेटर कार्डियोवैस्कुलर इंटव* 2014 नवंबर 25. (मुद्रण से पहले ई प्रकाशन).

1238. पटनायक एस के, गुप्ता एस के, कांत एस, चंद्रशेखर आर, सिंह एम एम. प्लानिंग एंड डिजाइनिंग ऑफ ए स्लीप सेंटर. *इंट जे रेस फाउंड हॉस्पिट हेल्थकेयर एडमिन* 2014 जुलाई–दिसंबर;2(2):117–120.

1239. पात्रा बी एन, खंडेलवाल एस के, चड्डा आर के, रामकृष्णन एल. ए कंट्रोल्ड स्टडी ऑफ सीरम लिपिड प्रोफाइल्स इन इंडियन पेशेंट्स विद डिप्रेसिव एपिसोड. *इंडियन जे फिजियोल मेड* 2014 अप्रैल;36(2):129–33

1240. पात्रा बी एन, सरकार एस, बासु डी, मट्टू एस के. क्वालिटी ऑफ लाइफ ऑफ ओपियोड–एंड एल्कोहोल–डिपेंडेंट ट्रीटमेंट सीकर्स इन नॉर्थ इंडिया. *जे सब्स्ट यूज* 2015; डीओआईः 10.3109/14659891.2015.1021868

1241. पटनायक आर डी एल्कोहोल रिलेटिड सीजर्सः नीड फॉर क्लेरिटी. *एन इंडियन एकेड न्यूरोल* 2014;17(2):238–239.

1242. पटनायक आर डी, सागर आर. डिप्रेसिव डिसऑर्डर्स इन इंडियन कॉन्टेक्स्टः ए रिव्यू एंड क्लिनिकल अपडेट फॉर फिजिशियंस. *जे एसोस फिजिशियंस इंडिया* 2014 सितंबर;62(9):827–32.

1243. पॉल पी, अग्रवाल एम, भाटिया आर, विष्णुभाटला एस, सिंह एम बी. नर्स–लेड एपिलेप्सी फोलो–अप क्लिनिक इन इंडियाः इज इट फेसिबल एंड एस्सेप्टेबल टू पेशेंट्स? ए पायलट स्टडी. *सीजर* 2014;23:74–6.

1244. पॉल एस बी, शालीमार, श्रीनिवास वी, गमनगट्टी एस आर, शर्मा एच, धमीजा ई, आचार्य एस के. इंसिडेंस एंड रिस्क फैक्टर्स ऑफ हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा इन पेशेंट्स विद हेपेटिक वेनस आउटफ्लो ट्रैक्ट ऑब्स्ट्रक्शन. *एलिमेंट फर्माकोल थेयर* 2015 मई;41(10):961–71.

1245. पॉल वी के, शंकर एम जे, सैनी एस. ट्रेक टू एमडीजी 4ः स्टेट ऑफ इंडियन स्टेट्स. *इंडियन जे पीडियाट्रि* 2014 अक्तूबर;81(10):993–9.

1246. पीसाह एस के, पुरकायस्था डी आर, कौल पी ए, दावूद एफ एस, साहा एस, अमरचंद आर, ब्रूर एस, रस्तोगी वी, असद आर, कौल के ए, विडोव्सन एम ए, लाल आर बी, कृष्णन ए. द कॉस्ट ऑफ एक्यूट रेस्पिरेट्री इंफेक्शंस इन नॉर्दन इंडियाः ए मल्टी–साइट स्टडी. *बीएमसी पब्लिक हेल्थ* 2015 अप्रैल 7;15:330.

1247. पीसाह एस के, पुरकायस्था डी आर, कौल पी ए, दावूद एफ एस, साहा एस, अमरचंद आर, बूरूर एस, एट ऑल. द कॉस्ट ऑफ हॉस्पिटलाइजेशन ड्यू टू एक्यूट रेस्पिरेटरी इंफेक्शंस इन नॉर्दन इंडिया. *वैल्यू इन हेल्थ* 2014;173; ए130–ए131.

1248. पेशीन एस एस, श्रीवास्तव ए, हल्दर एन, गुप्ता वाई के, पेस्टीसाइड पोइजनिंग ट्रेंड एनालायसिस ऑफ 13 इयर्स : ए रेट्रोस्पेक्टिव स्टडी बेस्ड ऑन टेलीफोन कॉल्स एट द नेशनल पोइजंस इनफॉर्मेशन सेंटर, ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली. *जे फोरेंसिक लेग मेड* 2014 फरवरी; 22:57–61

1249. फुलझेल एस, कौर एस. आइसोलेटिड कम्प्लीट बिटम्पोरल हेमिनोपिया इन ट्रॉमेटिक काइस्मल सिंड्रोम. *इंडियन जे ओफ्थाल्मोल* 2014 जुलाई;62(7):832–3.

1250. पोखरियाल आर, बसंत बी, गुप्ता ए के, शेरावत यू, हरिप्रसाद जी. इफेक्ट ऑफ लिपिड ऑन जेल बेस्ड इलेक्ट्रोफोरेटिक प्रोटियोमिक एक्सपेरीमेंट्स. *जे प्रोट. प्रोटियोमल* 2014;5:121–124.

1251. पॉल एम, गुप्ता ए, कुमार एस, मिश्रा बी. नॉमिनेट आर्टरी इंजरीः ए कैटेस्ट्रॉफिक कॉम्प्लीकेशन ऑफ ट्रेकियोस्टोमी, ऑपरेटिव प्रोसीजर रीविजिट. *बीएमजे* केस रिप 2014. [मुद्रण से पहले ई–प्रकाशन]

1252. पूकमाला एस, ठक्कर ए, पुरी के, सिंह पी, कुमार आर, शर्मा एस सी. एक्वायर्ड सबग्लोटिक स्टेनोसिस – इटियोलॉजिक प्रोफाइल एण्ड ट्रीटमेंट रीजल्ट. *जर्नल ऑफ लेरिंजियोलॉजी एण्ड ऑटोलॉजी* 2014;128(7):641–648.

1253. पुनिया एस, लालवानी पी, लालवानी एस, बेहेरा सी. डॉमेस्टिक वायलेंस : मेडिको लीगल इशूज इन द इंडियन कॉन्टेक्स्ट. *एजीओडी बुलेटिन* 2014;14(2):29–31.

1254. पुनिया एस, लालवानी एस, रैना ए, मिल्लो टी, डोगरा टीडी. क्वालिटी एण्ड क्वांटिटी ऑफ एक्स्ट्रेक्टिड डियोऑक्सीरिबोन्यूक्लिक एसिड (डीएनए) फ्रॉम प्रीसर्ब्ड सॉफ्ट टिशू ऑफ प्यूरीफाइड अनआइडेंटीफाइबल ह्यूमन कॉर्प्स. *जे. लैब फिजिशियन* 2014 जनवरी; 6(1):31–5.

1255. पोडेल आर आर, कुमार वी एस, बक्शी एस, गमनगट्टी एस, रस्तोगी एस, खान एस ए. हाई ट्यूमर वॉल्यूम एण्ड लोकल रिकरेंस फ्लोइंग सर्जरी इन ऑस्टियोसारकोमाः ए रिट्रोस्पेक्टिव स्टडी. इंडियन *जे. ऑर्थोप* 2014मई;48(3):285–8.

1256. प्रभाकर एच, रथ एस, कलाईवेनी एम, भंडारी एन. एड्रेनलाइन विद लिडोकाइन फॉर डिजिटल नर्व ब्लॉक्स. *कोक्रेहन डेटाबेस सिस्ट रिव* 2015;19;3:सीडी010645.

1257. प्रभाकर एच, संधु के, भगत एच, दुर्गा पी, चावला आर. करंट कॉन्सेप्ट ऑफ ऑप्टिमल सेरेब्रल परफ्यूजन प्रेशर इन ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी. *जे एनेस्थिसियोल क्लिन फार्मोकोल* 2014;30:318–27.

1258. प्रभाकर एच, सिंह जी पी, आनंद वी, कलाईवेनी एम. मैननिटॉल वर्सिस हाइपरटॉनिक सेलाइन फॉर ब्रेन रिलेक्सेशन इन पेशेंट्स अंडरगोइंग क्रेनियोटॉमी. *कोक्रेहन डेटाबेस सिस्ट रिव* 2014;16;7:सीडी010026.

1259. प्रभाकर एच, सिंह जी पी, बिठल पीके, कलाईवेनी एम. कोएगुलेशन इफेक्ट्स ऑफ मैननिटॉल इन कॉम्बीनेशन विद 0.9 प्रतिशत नॉर्मल सेलाइन और हाइड्रोऑक्सीथिल स्टार्च इन पेशेंट्स अंडरगोइंग सुप्रेटेंटोरियल क्रेनियोटॉमी : ए प्रीलिमिनरी रिपोर्ट. जे. *न्यूरोएनेस्थिसियोल क्रिट केयर* 2014;1:56–9.

1260. प्रभाकर पी, रीटा के एच, मौलिक एस के, डिंडा ए के, गुप्ता वाय के. प्रोटेक्टिव इफेक्ट ऑफ थिमोक्विनोन एगेंस्ट हाइ फ्रेक्टोस डाइट–इंड्यूस्ड मेटोबोलिक सिंड्रोम इन रेट्स. *र्इयूआर जे न्यूट्रि* 2015 अक्तूबर; 54 (7):1117–27.

1261. प्रभाकरन ए, कृष्णन ए, नोंगकायनरिह बी, गोस्वामी ए, पांडव सीएस. कॉस्ट ऑफ अम्बुलेटरी केयर बाय मोबाइल हेल्थ क्लिनिक रन बाय ए मेडिकल कॉलेज इन इंडिया फॉर द इयर 2008–2009. इंडियन *जे पब्लिक हेल्थ* 2014 अप्रैल–जून; 58(2):100–105

1262. प्रकाश के, चंद्रन डी एस, खडगावत आर, जारयाल ए के, दीपक के के. करेक्शन फॉर ब्लड प्रेशर इम्प्रूव्स कोरेलेशन बिटविन सेरेब्रोवेस्कुलर रिएक्टिविटी असेस्ड बाय ब्रीथ होल्डिंग एण्ड 6 प्रतिशत सीओ (2) ब्रीथिंग. *जे स्ट्रोक सेरेब्रोवेस्क डिस* 2014 अप्रैल; 23(4):630–635.

1263. प्रकाश एस, अम्बेडकर ए, दयाल पी. ओकेजनल एल्कोहल यूज, रिलेप्स टू ओपियॉइड एण्ड द रोल ऑफ डिसुलफिरम. *जे सबस्ट यूज* 2015 सितम्बर;डीओआई:10.3109/14659891.2015.1029024

1264. प्रकाश एस, चड्ढा आर के. टेरेटोजेनिसिटी विद ओलेनजेपाइन. इंडियन *जे फिजिको मेड* 2014 जनवरी;36(1):91–3.

1265. प्रमेश एस सी, बडवे आर ए, बरठाकुर बी बी, चन्द्रा एम, राज ई एच, कनन टी, एट आल. डिलीवरी ऑफ अफोरडेबल एण्ड इक्विटेबल कैंसर केयर इन इंडिया. *लैनसेट ओंकोल* 2014;15:ई223–33.

1266. प्रसाद जी एल, गुप्ता डी के, महापात्रा ए के, बोरकर एस ए, शर्मा बी एस. सर्जिकल रिजल्ट ऑफ ग्रोविंग स्कल फ्रैक्चर्स इन चिल्ड्रनः ए सिंगल सेंटर स्टडी ऑफ 43 केसिस. *चाइल्ड नर्व सिस्ट* 2015;31:269–77.

1267. प्रसाद जी एल, कुमार आर, सूरी वी, प्राइमरी सेरेबेलोपोनटाइन एंगल कोरॉइड प्लेक्सस पेपलियोमा इन ए चाइल्ड : ए रेयर ऑक्यूरेंस. *न्यूरोल इंडिया* 2014जुलाई–अगस्त;62(4):438–9.

1268. प्रसाद जी एल, सिन्हा एस. स्पाइनल इंट्राड्यूरल सबपियल एंजियोलिपोमाः केस रिपोर्ट एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. *सर्ज न्यूरोल इंट* 2014 28;5:164.

1269. प्रसाद के, शर्मा ए, गर्ग ए, मोहंती एस, भटनागर एस, जोहरी एस, एट आल. इंट्रावेनस ऑटोलोगस बोन मैरो मोनोन्यूक्लियर स्टेम सेल थेरैपी फॉर इस्कैमिक स्ट्रोकः ए मल्टीसेंट्रिक, रेंडोमाइज्ड ट्रायल. *स्ट्रोक* 2014;45:3618–24

1270. प्रसाद एस, नायक एन, सत्पति एस, नाग टी सी, वेंकटेश पी ीजजचः ध्ध्वउपबेवदसपदम.वतह/ओपन–एक्सेस/बायोफिल्म–द–हैवन–फॉर–स्टेफिलोकोकस–एपिडर्मिडिस–इन–पोस्टऑपरेटिव–एंडोफेथेलामाइटिस–2155–9570.1000350. php?aid= 30459–ए 3

1271. प्रसाद टी वी, मधुसूदन के एस, श्रीवास्तव डी एन, दाश एन आर, गुप्ता ए के. ट्रांसऑर्टियल कीमोएम्बोलाइजेशन फॉर लिवर मेटोस्टेसिस फ्रॉम सॉलिड स्यूडोपैपिलरी एपिथिलियल नियोप्लाज्मा ऑफ पैन्क्रियास :ए केस रिपोर्ट.*वर्ल्ड जे रेडियोल* 2015;7(3):61–5.

1272. प्रसाद टी वी, थुलकर एस, हरि एस, शर्मा डी एन, कुमार एस. रोल ऑफ कम्प्यूटिड टोमोग्राफी (सीटी) स्कैन इन स्टेजिंग ऑफ सर्वाइकल कार्सिनोमा. इंडियन *जे मेड रेस* 2014 मई;139(5):714–9

1273. प्रशांत सी के, कुमार एम, डिंडा ए के. नैनोपर्टिकल बेस्ड टेलरिंग ऑफ एजुवेंट फंक्शन : द रोल इन वैक्सीन डेवलपमेंट. *जे बायोमेड नैनोटेक्नोल* 2014 सितम्बर;10(9):2317–2331.

1274. प्रसून पी,कुमार आर, गौतम एम, सबेस्टियन ई के, रीटा के एच, राय एस बी. रोल ऑफ सोमेटोस्टेटिन एण्ड सोमेटोस्टेटिन रिसेप्टर टाइप 2 इन पोस्टइनिशियल नोसिसेप्शन इन रेट्स. *न्यूरोपेप्टाइडेस* 2015;49:47–54.

1275. प्रताप मौली वी, बेंजामीन जे, भूषण सिंह एम, मणि के, गर्ग एस के, सराया ए, एट आल. इफेक्ट ऑफ प्रोबायोटिक वीएसएल 3 इन ट्रीटमेंट ऑफ मिनिमल हिपेटिक इनसैफेलोपैथी : ए नॉन – इंफेरियोरिटी रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल. *हिपेटोल* 2015;45:880–9.

1276. प्रवीण पी ए, कुमार एस आर, टंडन एन. टाइप 2 डायबिटीज़ इन यूथ इन साउथ एशिया. *क्यूर डायबे रैप* 2015 फरवरी;15(2):571.

1277. प्रतीम सी, ठाकर ए, वर्मा आर. एंडोनेसल इंडोस्कोपिक एप्रोच इन मैनेजमेंट ऑफ पीडियाट्रिक सीएसएफ रिहनोरिया. *इंडियन जे ऑटोलेरिंजियोल हैड एण्ड नेक सर्ज* 2015;67:88–92.

1278. प्रियादर्शनी पी, अग्रवाल एस, गुलेरिया एस, शर्मा एस, गुलाटी जी एस. शॉर्ट–टर्म इफेक्ट्स ऑफ रीनल ट्रांसप्लाटेशन ऑन कोरोनरी आर्टरी कैलसीफिकेशन : ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी. *साउदी जे किडनी डिस् ट्रांस्प्ल* 2015 मई–जून;26(3):536–43.

1279. पूर्थी जी, जैन वी, राजेन्द्रन एस, झा आर. प्रोस्थेटिक रिहेबिलिटेशन ऑफ्टर ओरबिटल एक्सेंटीरेशनः ए केस सीरिज. *इंडियन जे ऑफ्थेलेमोल* 2014 मई; 62(5):629–32.

1280. पुलियेल जे, वशिष्ठ एन, श्रीनिवास वी. ट्रेंड्स इन नॉन– पोलियो एक्यूट फ्लेसिड पैरालिसिस इंसिडेंस इन इंडियाः वेबमेड सेंट्रल प्लस पीडियाट्रिक 2015;39(1):135(एस1) डब्ल्यूएमसीपीएल0035.

1281. पूनिया पी, भारद्वाज एन, माथुर पी, गुप्ता जी, मिश्रा एम सी. प्रोफाइल ऑफ फेटल स्ट्रेप्टोकोकल बैक्टीरियामिया एट ए टर्शरी केयर इंडियन हॉस्पीटल. *इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल* 2015;33(1):148–51.

1282. पुरी पी, आनंद ए सी, सारस्वत वी ए, आचार्य एस के, धीमन आर के, अग्रवाल आर. एट आल. कंसेंसस स्टेटमेंट ऑफ एचसीवी टास्क फोर्स ऑफ द इंडियन नेशनल एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ द लिवर (आईएनएसीएल). भाग 1 : स्टेट्स रिपोर्ट ऑफ एचसीवी इंफेक्शन इन इंडिया. *जे क्लिन एक्सप हिपेटोल* 2014;4:106–16.

1283. पुरी पी, आनंद ए सी, सारस्वत वी ए, आचार्य एस के, सरीन एस के, धीमान आर के. एट आल. कंसेंसस स्टेटमेंट ऑफ एचसीवी टास्क फोर्स ऑफ द इंडियन नेशनल एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ द लिवर (आईएनएसीएल) पार्ट 2 : आईएनएएसएल रिकमंडेशन्स फॉर मैंनेजमेंट ऑफ एचसीवी इन इंडिया. *जे क्लिन एक्सप हिपेटोल* 2014;4:117–40.

1284. पुरकैत एस, जैन डी, मदन के, माथुर एस, अय्यर वीके. कम्बाइंड स्मॉल सेल कार्सिनोमा ऑफ द लंग : ए केस डायग्नोस्ड ऑन ब्रोंकोस्कोपिक वाश साइटोलॉजी एण्ड ब्रोंकियल बायोप्सी. *साइटोपैथोलॉजी* 2015 जून; 26(3):197–99.

1285. पुरोहित ए, अग्रवाल एम, कुमार एस, सेठ टी, मिश्रा पी, महापात्रा एम, सक्सेना आर, शर्मा आर, सिंह पी के, वेंकटेशन एस. स्पॉन्टेनियोस रिमिशिन ऑफ अडल्ट एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया : ए वेरी रेयर इवेंट. *इंडियन जे हिपेटोल ब्लड ट्रांसफ्यूस* 2015 मार्च;31(1):159–60

1286. पुरोहित ए, अग्रवाल एम, पती एच पी, सक्सेना आर. ए टीपिकला इम्यूनोफिनोटाइप ऑफ टी–सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया. इंडियन *जे पेथोल माइक्रोबयोल* 2014 अक्तूबर–दिसम्बर;57(4):661–2.

1287. पुरोहित ए, अग्रवाल एम, सिंह पीके, महापात्रा एम., सेठ टी, त्यागी एस., सक्सेना आर, पती एचपी, मिश्रा पी. री–इवेल्यूएशन ऑफ नीड फॉर बोन मेरो एक्जामिनेशन इन पेशेंट्स विद आइसोलेटिड थ्रोम्बोबायोसिटोपेनिया. *इंडियन जे हिमेटोल ब्लड ट्रांसफ्यूस* 2015; डीओआई 10.1007/एस12288–015–0533–2

1288. पुरोहित ए, वेंकटेशन एस, अग्रवाल एम, सिंह जे, शर्मा आर, महापात्रा एम, पती एच पी, सक्सेना आर. इम्युनोफिनोटाइपिक एबेरेंसी ऑफ ए केस ऑफ हेयरी सेल ल्यूकेमिया. *इंडियन जे हिमेटोल ब्लड ट्रांसफ्यूस* 2015 जून;31(2):292–4.

1289. पुष्कर एन, बत्रा जे, मील आर, बजाज एम एस, चावला बी, घोष एस. लेटरल आइलिड रोटेशन फ्लेप : ए नोवल टेक्नीक फॉर रिकंस्ट्रक्शन ऑफ फुल थिकनेस आइलिड डिफेक्ट. *इंट ऑप्थेलमोल* 2015 दिसम्बर;35(6):793–9.

1290. पुष्कर एन, खुराना एस, कश्यप एस, सेन एस, श्रेय डी, मील आर, चावला बी, बजाज एम एस. ओरबिटल शेवेननोमा : ए क्लिनिकोपैथोलॉजिक स्टडी. *इंट ऑप्थेलमोल* 2015 अगस्त; 35(4):481–6.

1291. पुष्पलता के, शर्मा डी एन, कुमार एस, कुमार आर. मेटास्टेसिस टू बार्थियोलिन ग्लैंड : एन एक्स्ट्रेमिली रेयर प्रसेंटेशन ऑफ रिलेप्स फ्रॉम एंडोमेट्रीयॉइड एडेनोकार्सिनोमा ऑफ यूटेरस. *ऑस्टिन जे क्लिन केस रैप* 2014;1(7):1032.

1292. क़ाद्री एम, कामते एम, शर्मा एस, ओलगियाटी एस, ग्राफलैण्ड जे, ब्रीडवेल्ड जी जे, एट ऑल. मैग्नीज ट्रांसपोर्ट डिस्ऑर्डर : नोवल एसएलसी30ए10 म्यूटेशन्स एण्ड अर्ली फिनोटाइप्स. *मोव डिस्ऑर्डर* 2015;30(7):996–1001.

1293ण कुरैशी आर, जैन आर, एएनकेकेआई/टीएक्यू ए1 जीनोटाइपिंग फ्रॉम ड्राइड ब्लड स्टोरेड ऑन फिल्टर पेपर एमंग एल्कोहल एण्ड निकोटिन डिपेंडेंट सबजेक्ट. *ब्रिटिश बायोमेडिकल बुलेटिन* 2014;2(1):263–266.

1294. कुरैशी आर, जैन आर, बलहारा वाई पी. प्रोफाइल ऑफ निकोटिन यूज अमंग एल्कोहल डिपेंडेंट पेशेंट्स विजिटिंग ए टर्शरी केयर सेंटर इन नार्थ इंडिया. *इंडियन जे फिजियोल मेड* 2014 अप्रैल;36(2):174–8.

1295. कुरैशी आर, लक्ष्मी आर मुखोपाध्याय ए के, जेलखानी बी एल, ट्रांसमिनेस एक्स्ट्रेक्शन एण्ड स्टेबिलिटी फ्रॉम ड्राइड सीरम सैम्पल. *स्कॉलर जे एप्लाइड मेड साइं.* 2014;2 (1बी):169–170.

1296. रहेजा ए, बोरकर एस ए, कुमार आर, सूरी वी, शर्मा बी एस. मेटोक्रोनस स्पाइनल मेटोस्टेसिस फ्रॉम सुपरेटेंटोरियल एनाप्लास्टिक एस्ट्रोसाइटोमा. एशियन जे. *न्यूरोसर्ज* 2015 जनवरी–मार्च;10(1):60.

1297. रहेजा ए, बोरकर एस ए, नलवा ए, सूरी वी. प्राइमरी स्पाइनल एक्स्टाओसियस सर्वाइकल कोंड्रोमा इन एन अडल्ट. *न्यूरोल इंडिया* 2015 जनवरी–फरवरी;63(1):114–6

1298. रहेजा ए, गुप्ता डी के, नलवा ए, सूरी वी, शर्मा बी एस. नॉन – टर्मिनल सर्वाइकल माइलोसाइटोक्ले : अनयुजुअल कॉज ऑफ स्पेस्टिक क्वाड्रिपरेसिस इन एन अडल्ट. *न्यूरोल इंडिया* 2014 नवम्बर –दिसम्बर; 62(6):704–8.

1299. रहेजा ए, केडिया एस, सिन्हा एस, नाम्बीराजन ए, शर्मा एम सी. जायंट एस्ट्रा एक्सियल एन प्लेक ट्यूबरकुलोमा विद गिरीफॉर्म एनहांसमेंटःअनयुजुअल प्रजेंटेशन ऑफ ए कॉमन डिजीज. *न्यूरोल इंडिया* 2014 नवम्बर–दिसम्बर;62(6):697–9.

1300. रहेजा ए, सिन्हा एस, सबेल एम एन, शर्मा एम सी, शर्मा बी एस. ए केस ऑफ जायंट इंट्राक्रेनियल ट्यूबरकुलोमा इन ए इंफेंट : क्लिनिकल और रेडियोलॉजिक पिटफॉल्स. *जे चाइल्ड न्यूरोल* 2015 मार्च;30(3):364–7

1301. राय एन के, गोयल वी, कुमार एन, शुक्ला जी, श्रीवास्तव ए के, सिंह एस, बिहारी एम. एम. न्यूरोसाइकियाट्रिक को– मोर्बिडिटीज़ इन नॉन–डीमेंटिड पार्किन्सन डिजीज. एन. *इंडियन अकैड न्यूरोल* 2015 जनवरी–मार्च;18(1):33–8.

1302. राय एस के, कांत एस, मिश्रा पी, श्रीवास्तव आर, पाण्डव सीएस कॉज ऑफ डेथ ड्यूरिंग 2009–2012., यूजिंग ए प्रोबेबिलिस्टिक मॉडल (इंटर वीए–4) : एन एक्सपीरियंस फ्रॉम बल्लभगढ़ हेल्थ एण्ड डेमोग्राफिक सर्विलांस सिस्टम इन इंडिया. *ग्लोबल हेल्थ एक्शन* 2014 अक्तूबर 29;7:25573.

1303. राय एस के, पाल्नीवेल सी, श्रीवास्तव आर, यादव के, मिश्रा पी, कृष्णन ए. मोरिबिडिटी एण्ड आउटकम प्रोफाइल ऑफ इन एन पेशेंट्स (1994–2007) एट ए सेकेंडरी केयर हॉस्पीटल, हरियाणा, इम्प्लीकेशन फॉर हेल्थ सिस्टम पॉलिसी एण्ड प्लानिंग. *जे. अकैड हॉस्प एडमिनिस्ट्रेशन* 2014;26(1):49–57.

1304. राय वी के, शुक्ला जी, अफसर एम, पूर्णिमा एस, पाण्डेय आर एम, राय एन. एट ऑल. मेमोरी, एक्सक्यूटिव फंक्शन एण्ड लैंग्विज फंक्शन आर सिमिलरी एम्पेरेड इन बोथ टेम्पोरल एण्ड एक्स्ट्रा टेम्पोरल रीफ्रेक्टरी एपिलेप्सी–ए प्रॉस्पेक्टिव स्टडी. *एपिलेप्सी रेस* 2015 जनवरी; 109:72–80.

1305. रैना ए, चौधरी जी, डोगरा टी डी, खण्डेलवाल डी, बलयान ए, जैन वी, कांगा यू, सेठ टी. बेनिफिट ऑफ एसटीआर बेस्ड काइमेरिस्म एनालाइसिस टू आइडेंटीफाइ टीए–जीवीएचडी एज ए कॉज ऑफ डेथ : युटिलिटी ऑफ वेरियस बायोलॉजिकल स्पेसमेंस. *मेड साइं. लॉ.* 2015 अप्रैल 6. पीआईआई:0025802415577457.

1306. रैना ए, यादव बी, चौधरी जी, बलयान ए, डोगरा टी डी. नैरो पॉलीमॉर्फिज्म इन डीएनए प्रोफाइलिंग, ए चैलेंज टू इस्टेबिलश इंडीविजुअल आइडेंटीफाइ फ्रॉम द बोन्स रिकर्ब्ड अपोन द एक्सहुमेटेशन ऑफ मास ग्रेविस. *इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ साइंस एण्ड केयर* 2014; 1(1):6–10.

1307. राज डी, भूटिया टी डी, माथुर एस, काबरा एस के, लोधा आर. पल्मोनरी एलवेओलर प्रोटीनोसिस सेकेंडरी टू न्यूमोसाइस्टिस जिरोवेसी इंफेक्शन इन एन इंफेट विद कॉमन वेरिएबल इम्युनोडेफिशिएंसी. *इंडियन जे पीडियाट्रि* 2014 सितम्बर;81(9):929–31.

1308. राज डी, काबरा एस के, लोधा आर. चाइल्डहुड ओबेसिटी एण्ड रिस्क ऑफ एलर्जी ओर अस्थमा. *इम्युनोल एलर्जी क्लिन नॉर्थ एम* 2014 नवम्बर;34(4):753–65.

1309. राज डी, शर्मा जी के, लोधा आर, काबरा एस के. कोरेलेशन बिटविन इम्प्लस ओसिलोमेट्री एण्ड स्पाइरोमेट्री पैरामीटर्स इन इंडियन पेशेंट्स विद साइटिक फाइब्रोसिस. क्रॉन. *रेस्पिर डिस.* 2014 जून;11(3):139–149.

1310. राज जे, मोहिनीश, डोगरा टी डी, गुप्ता वाई के, भट्ट के वी, रैना ए. साइपरमेथरिन पॉजीशनिंग एण्ड इट्स टॉक्सिक इफेक्ट्स : एन ओवरव्यू. *इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ साइंस एण्ड केयर* 2014;1(1):29–37.

1311. राज के, भाटिया आर, प्रसाद के, श्रीवास्तव एम वी, विष्णुभाटला एस, सिंह एम बी. सीजनल डिफरेंसिस एण्ड सिरकेडियन वेरिएशन इन स्ट्रोक ऑक्यूरेंस एण्ड स्ट्रोक सबटाइप्स. *जे. स्ट्रोक सेरेब्रोवेस डिस* 2015;24:10–6.

1312. राजागोपालन आर, सेलवम वी, वैद्य डी के, रॉयचौधरी ए. नोवल यूज ऑफ फॅली केथेटर टू रिड्यूस्ड लीक अराउंड एंडोट्रेकियल ट्यूब इन ए चाइल्ड विद टेम्पोरो – मैंडीबुलर जॉइंट एंकीलोसिस. *पीडियाट्रि एनेस्थे* 2014 दिसम्बर; 24(12):1306–7.

1313. राजारमन पी, एंडरसन बी ओ, बासु पी, बेलिनसन जे एल. क्रूज एडी, ढिल्लन पी., एट ऑल. रिकमंडेशन्स फॉर स्क्रीनिंग एण्ड अर्ली डिटेक्शन ऑफ कॉमन कैंसर इंन इंडिया. *लैनसेट ओंकोल* 2015;16(7):ई352–61.

1314. राजेश्वरी एम आर. रिपोर्ट ऑन नेशनल सेमिनार ऑन ''इंटीग्रेशन ऑफ टीचिंग एण्ड रिसर्च इन बायोफिजिक्स एट ग्रेजुएट एण्ड पोस्ट ग्रेजुएट लेवल''. *इंडियन जर्नल ऑफ बायोकेमिस्ट्री एण्ड बायोफिजिक्स* 2014;51:420–422.

1315. राजकुमारी एन, गुप्ता ए के, माथुर पी, त्रिखा वी, शर्मा वी, फारुख के, मिश्रा एम सी. आथर्स रिप्ले. *जे पोस्टग्रेड मेड.* 2014 अक्तूबर–दिसम्बर; 60(4):417–8.

1316. राजकुमारी एन, गुप्ता ए के, माथुर पी, त्रिखा वी, शर्मा वी, फारुख के, मिश्रा एम सी. आउटकम्स ऑफ सर्जिकल साइट इंफेक्शन्स इन ऑर्थोपेडिक ट्रॉमा सर्जरीज़ इन ए टर्शरी केयर सेंटर इन इंडिया. *जे पोस्टग्रेड मेड* 2014;60(3):254–9.

1317. राजकुमारी एन, जॉन एन वी, माथुर पी, मिश्रा एम सी. एंटीमाइक्रोबायल रेसिस्टेंस इन स्यूडोमोनास स्प. कॉजिंग इंफेक्शन्स इन ट्रॉमा पेशेंट्स : ए 6 इयर एक्सपीरियंस फ्रॉम ए साउथ एशियन कंट्री. *जे ग्लोबल इंफेक्ट डिस.* 2014 अक्तूबर;6(4):182–5.

1318. राजकुमारी एन, माथुर पी, भारद्वाज एन, गुप्ता जी, दहिया आर, बेहरा बी, मिश्रा एम सी. रेसिस्टेंस पैटर्न ऑफ मुपिरोसिन इन मेथिसिलिन–रेसिस्टेंट स्टेफिलोकोकस ऑरियस इन ट्रॉमा पेशेंट्स एण्ड कम्पेरिजन बिटविन डिस्क डिफ्यूजन एण्ड ई–टेस्ट फॉर बेटर डिटेक्शन ऑफ रेसिस्टेंस इन लॉ रिर्सोसिस कंट्रीज़. *जे लैब फिजिशियन* 2014;6(2):91–5.

1319. राजकुमारी एन, माथुर पी, मिश्रा एम सी. सॉफ्ट टिशू एण्ड वाउन्ड इंफेक्शन्स ड्यू टू इंटेरोकोकस स्प. अमंग हॉस्पीटलाइज्ड ट्रॉमा पेशेंट्स इन ए डेवलपिंग कंट्री. *जे ग्लोब इंफेक्ट डिस* 2014;6:189–93.

1320. राजकुमारी एन, माथुर पी, जैस आई, मिश्रा एम सी. डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ डिफरेंस यीस्ट आइसोलेट्स अमंग ट्रॉमा पेशेंट्स एण्ड कम्पेरिजन ऑफ एक्यूरेसी इन आइडेंटीफिकेशन ऑफ यीस्ट्स बाय ऑटोमेटिड मैथड वर्सिस कंवेंशनल मैथ्ड्स फॉर बेटर यूज इन लॉ रिसोर्सिस कंट्रीज़. *इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल* 2014 अक्तूबर–दिसम्बर;32(4):391–7.

1321. राजकुमारी एन, शर्मा के, माथुर पी, कुमार एस, गुप्ता ए. ए स्टडी ऑन सर्जिकल साइट इंफेक्शन्स ऑफ्टर ट्रॉमा सर्जरीज़ इन ए टर्शरी केयर हॉस्पीटल इन नॉर्थ इंडिया. *इंडियन जे मेड रेस* 2014;140:691–694.

1322. राजकुमारी एन, तानबुआना बी टी, जॉन एन वी, गुंजियाल जे, माथुर पी, मिश्रा एम सी. ए प्रोस्पेक्टिव लुक एट द बर्डन ऑफ शार्प इंजरीज़ एण्ड स्प्लैश अमंग ट्रॉमा हेल्थ केयर वर्क्स इन डेवलपिंग कंट्रीज़ : ट्रू पिक्चर या टिप ऑफ आइसबर्ग. *इंज्यूरी* 2014;45:1470–8.

1323. राजपाल, सिंह यू बी, महापात्रा एस, वाघ वी के, पोरवाल सी, कौशिक ए. एसोसिएशन ऑफ माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस इन द कॉजसेशन ऑफ इलास डिजीज : एन इंस्टीट्यूशनल एक्सपीरियंस. *इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल* 2015 फरवरी; 33सप्ल:43–5.

1324. राजपूत आर एस, दास एस, मखीजा एन, एरन बी. एट ऑल. एफिकैसी ऑफ डेक्समेडेटोमीडाइन फॉर द कंट्रोल ऑफ जंक्शनल इक्टोपिक टेकीकार्डिया ऑफ्टर रिपेयर ऑफ टेट्रालॉजी ऑफ फैलॉट. *एन. पीडियाट्रि कार्डियोल* 2014;7:167–72.

1325. राजपूत आर एस, दास एस एन, चौहान एस, बिसोई ए के, वासुदेव एस. कम्पेरिजन ऑफ सीओ मेजरमेंट बाय नॉन इंवेसिव मैथड विद इलेक्ट्रिकल कार्डियोमेट्री एण्ड इंवेसिव मैथड विद थर्मोडिलुएशन तकनीक इन पेशेंट्स अंडरगोइंग सीएबीजी. *वर्ल्ड जे कार्डियो वेस सर्ज.* 2014;4:123–130.

1326. रामाचन्द्रन आर, रेवाड़ी वी, चन्द्रलेखा सी, सिन्हा आर, त्रिखा ए, शर्मा पी. सब–टेनन ब्लॉक डज नॉट प्रोवाइड सुपरियर पोस्ट ऑपरेटिव एनालजेसिया वर्सिस इंट्रावेनस फेंटेनिल इन पीडियाट्रिक सिक्वंट सर्जरी. *इयूर जे ऑफ्थेल्मोल* 2014;24:643–9.

1327. रामाचंद्रन आर, रेवाड़ी वी, कुमार ए. डिफिकल्ट एयरवे मैनेजमेंट इन एन इंफेंट विद बायलेटरल टेसर नंबर 4 क्लीफ्ट. *एक्टा एनेस्थिसियोल बेलग* 2014; 65:77–80.

1328. रामाकृष्णन बी एस, मखारिया जी के, आहुजा वी, घोषाल यू सी, पाल एस, जयंती वी.एट ऑल. इंडियन सोसाइटी ऑफ गेस्ट्रोइंटेरोलॉजी टास्क फोर्स ऑफ इफ्लेमेटरी बाउल डिजीज. इंडियन सोसाइटी ऑफ गेस्ट्रोइंटेरोलॉजी कंसेंसस स्टेटमेंट ऑन क्रोहन डिजीज इन इंडिया. *इंडियन जे गेस्ट्रोइंटेरोल* 2015 जनवरी; 34(1):3–22.

1329. रामाकृष्णनय्या वी, दाश एन आर, पाल एस, सैनी पी, कांति सी टी. क्वालिटी ऑफ लाइफ आफ्टर इसोफेगक्टॉमी इन पेशंट्स विद कार्सिनोमा ऑफ इसोफेगस : ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी. *इंडियन जे कैंसर* 2014 जुलाई – सितम्बर; 51(3):346–351.

1330. रामाकृष्णनन एस, भार्गव बी, सेठ एस, ऐरन बी. एल्कोहल एब्लेशन ऑफ राइट वेंट्रीकुलर आउटफ्लो ट्रेक्ट ऑब्स्ट्रक्शन. *जेएसीसी कार्डियोवेस्क इंटरव.* 2014;7:443–5.

1331. रामाकृष्णनन एस. फ्रॉम 'मेक इन इंडिया' टू 'मेड इन इंडिया' : द सेरोग्लिटेंजार स्टोरी. *इंडियन हार्ट जे* 2015; 67:8–10.

1332. रामाकृष्णनन एस, पीडियाट्रिक हार्ट फेल्योर इन डेवलपिंग वर्ल्ड. रिव रिसेंट क्लिन ट्रायल्स 2014 सितम्बर 8. ख्मुद्रण से पहले ई–प्रकाशन,

1333. रामालिंगम के, श्रीवास्तव ए, शीनू वी, धर ए, चौधरी आर. डक्ट एक्टेसिया एण्ड पेरिडक्टल मैसेटिस इन इंडियन वुमेन. *इंडियन जे सर्ज* 2014 मई 8:1–6.

1334. रामम एम. एवॉर्ड, इमेज, इंस्ट्रक्शन्स. *इंडियन जे डर्मेटोल वेनेरोल लेप्रोल* 2015 जनवरी–फरवरी;81(1):1–3.

1335. रामम एम. हाउ डू आई लुक? *इंडियन जे डर्मेटोल वेनेरोल लेप्रोल* 2014 जुलाई–अगस्त;80(4):283–4.

1336. रामम एम. आईजेडीवीएल इंटरनेशनल एवॉर्ड्स. *इंडियन जे डर्मेटोल वेनेरोल लेप्रोल* 2015 मार्च–अप्रैल;81(2):113–4

1337. रमन वी एस, अग्रवाल एस, भटनागर वी, पांडा एस एस, गुप्ता ए के. कॉजिनाइटल सिस्टिक लेशन्स ऑफ द लंग्स : द परिल्स ऑफ मिसडायग्नोसिस – ए सिंगल सेंटर एक्सपीरियंस. *लंग इंडिया* 2015 मार्च–अप्रैल,32(2):116–118.

1338. रमन वी एस, शर्मा ए, अग्रवाल एस, बक्शी एस, भटनागर वी. इंटुससेप्शन्स फ्लोइंग ट्रीटमेंट फॉर ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफोरमी : ए रेयर एसोसिएशन. जे इंडिया एसो. *पीडियाट्रिक सर्ज* 2014 अक्तूबर;19(4):246.

1339. रामानुजम बी, दाश वी, डाबला एस, त्रिपाठी एम, श्रीवास्तव एम वी. एपिलेप्सिया पार्टिलिस कंटीनुअस एज प्रजेंटिंग मैनीफिस्टेएशन ऑफ एड्सःए रेयरिटी. *जे इंट एसो. प्रोविड एड्स केयर* 2015. ख्मुद्रण से पहले ई–प्रकाशन,

1340. रामदीन एन ए, यादव जे एस. इन्यूरीज़ एंड इट्स मैनेजमेंट. *इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोसोशल साइंस* 2014 अक्तूबर; 4(2):11–14.

1341. रमेश वी, हल्दर पी, कांत एस. नीड टू असेस फेसिबिलिटी एण्ड इंफेक्ट ऑफ इंटरवेशन मेडिएटिड बाय कम्युनिटी हेल्थ वॉर्कर फॉर डायबिटीज़ केयर इन इंडिया. *नेट मेड जे इंडिया* 2014;27:325.

1342. रमेश वी, हल्दर पी, ऑनलाइन लेटर – कमेंट – द नॉदर्न मंहेटन डायबिटीज़ कम्युनिटी आउटरीच प्रोजेक्ट : ए रेंडामाइज्ड ट्रायल स्टडिंग ए कम्युनिटी हेल्थ वॉर्कर इंटरवेशन फॉर डायबिटीज़ केयर. *डायब. केयर* 2015.

1343. रामकुमार एम, शर्मा एस, जेकब टी जी, भारद्वाज डी एन, नाग टी सी, रोय टी एस. द ह्यूमन ट्रोक्लेयर एण्ड एब्डुसेन नर्वस एट डिफरेंट एज – ए मॉर्फोमेटिक स्टडी. *एजिंग डिस* 2014 मार्च 18;6(1):6–16.

1344. रामकुमार एस, देवाशिनाथपति कण्डास्वामी, विजय एम के, माधवी त्रिपाठी, ज्योत्सना वी पी. जीनू वेलगम एण्ड प्राइमरी हाइपरपैराथिरोडिज्म इन चिल्ड्रन. *इंट जे केस रैप इमेज.* 2014;5(6):401–407.

1345. रामकुमार एस, ढींगरा ए, ज्योत्सना वी, जेनी एम ए, दास सी जे, सेठ ए, शर्मा एम सी, बाल सी एस. इक्टोपिक इंसुलिन सेक्रेटिंग न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर ऑफ किडनी विद रिकरंट हाइपोग्लिसेमिया : ए डायग्नोस्टिक डिलेम्मा. *बीएमसी इंडोर्क डिस्ऑर्ड* 2014 अप्रैल 17;14:36.

1346. रामकुमार एस, कण्डास्वामी डी, विजय एम के, त्रिपाठी एम, ज्योत्सना वी पी. जीनू वेलेगम एण्ड प्राइमरी हाइपरपैराथिरोडिज्म इन चिल्ड्रन. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ केस रिपोर्ट्स एण्ड इमेज* 2014;5(6):401–407.

1347. रमनानी बी जी, कुमार ए, चाण्डक एस, रंजन ए, पटेल एम के. क्लिनकोपैथोलॉजिकल प्रोफाइल ऑफ बेनाइन सॉफ्ट टिशू ट्यूमर्स : ए स्टडी इन ए टर्शरी केयर हॉस्पीटल इन वेस्टर्न इंडिया. जे *क्लिन डायग्न. रेस* 2014; 8:ई1–4.

1348. राणा बी, जुनेजा ए, सक्सेना एम, गुडवानी एस, कुमारन एस एस, अग्रवाल आर के, बिहारी एम. रीजन्स ऑफ इंटरेस्ट बेस्ड ऑटोमेटिड डायग्नोसिस ऑफ पार्किन्सन डिजीज यूजिंग टी1 – वेटेज एमआरआई, एक्सपर्ट सिस्टम विद एप्लीकेशन्स. *एल्सेवियर* 2015; ईएसडब्ल्यूए–डी–14–01999आर1.

1349. राणा एस एस, दुग्गल आर, खरबंदा ओ पी. एरिया एण्ड वॉल्यूम ऑफ द फेरिंजियल एयरवे इन सर्जिकली ट्रीटिड यूनीलेटरल क्लिफ्ट लिप एण्ड पेलेट पेशेंट्स : ए कोन बीम कम्प्यूटिड टोमोग्राफी स्टडी. *जे. क्लिफ्ट लिप पेलेट एण्ड क्राइनोफेशियल एनोमेलियस* 2015; 2(1):27–33.

1350. रंगराजन के, दास सी जे, कुमार ए, गुप्ता ए के. एमआरआई इन सेंट्रल नर्वस सिस्टम इंफेक्शन्स : ए सिम्प्लीफाइड पैटर्न्ड एप्रोच. *वर्ल्ड जे रेडियोल* 2014 सितम्बर 28;6(9):716–25.

1351. रंगास्वामी वी, कुमार के, राय ए, बैद्य डी के. सिवोफ्लुरेन एण्ड थोरेसिक एपिड्यूरल एनेस्थिसिया फॉर ट्रांस स्ट्रेना थिमेक्टॉमी इन ए चाइल्ड विद जुवेनाइल माइस्थेनिया ग्रेविस. *जे एनेस्थि क्लिन फार्मोकोल* 2014;30(2):276–78.

1352. रानी ए, खन्ना एस के, मित्तल ए, बेहरा सी. एज एस्टीमेशन बाय क्लिनिको – रेडियोलॉजिकल एक्जामिनेशन ऑफ थर्ड मोलर टीथ : ए स्टडी फ्रॉम दिल्ली. *जर्नल ऑफ इंडियन अकैडमी ऑफ फोरेंसिक मेडिसिन* 2014;36(4):349–354.

1353. रानी ए के, कुमार ए, दाश एन आर. कॉपर – टी माइग्रेशन इंटू स्टमक : ए लेपेरोस्कोपिक मैनेजमेंट. *जे ओब्स्टेट ग्यानेकोल इंडिया* 2015 फरवरी; 65(1):54–5.

1354. रानी एन, भारती एस, भाटिया जे, तोमर ए, नाग टी सी, रे आर, आर्य डी एस. इंहीबिशन ऑफ टीजीएफ–बीटा बाय ए नोवल पीपीएआर–गामा एगोनिस्ट, क्रिसिन, सालवेजेस बीटा – रिसेप्टर स्टिमुलेटिड मायोकार्डियल इंजरी इन रेट्स थ्रू एमएपीके – डिपेंडेंट मैकेनिज्म. *न्यूट्रि मेटेब (लॉन्ड)* 2015 मार्च 9;12:11.

1355. रानी एन, धर पी, कुमार आर. इंट्रारीनल आर्टिरियल सेगमेंट्स एण्ड इट्स सर्जिकल इम्पोर्टेंस *इंटल मेडल जे* 2015;22(1):36–38.

1356. रानी एन, सिंह एस, धर पी, कुमार आर. सर्जिकल इम्पोर्टेंस इन आर्टिरियल सेगमेंट्स ऑफ ह्यूमन किडनिसः एन एंजियोग्राफी एण्ड कोरोसिन कास्ट स्टडी. *जे क्लिन डायग्न रेस* 2014 मार्च;8(3):1–3.

1357. रंजन पी, दत्ता एस, कक्कड़ ए, गोयल ए, विक्रम एन के, शर्मा एम सी, सूद आर. टी–सेल लिम्फोमा मस्कुरीडिंग एज एक्स्ट्रापल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिसः केस रिपोर्ट एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. जे. *फैमिली मेड प्रिम केयर* 2015 अप्रैल–जून;4(2):280–3.

1358. रंजन पी, जाना एम, कृष्णन एस, नाथ डी, सूद आर. डिसेमिनेटिड क्रिप्टोकोकोसिस विद एंड्रेनल एण्ड लंग इंवॉल्वमेंट इन एन इम्युनोकॉम्पेटेंट पेशेंट्स. *जे. क्लिन डायग्न. रेस* 2015 अप्रैल; 9(4):ओडी04–5.

1359. रंजन पी, कुमार वी, गांगुली एस, व्यास एस, यादव आर, सूद आर. आइसोलेटिड नेटिव ट्रिकस्पीड वॉल्व एंडोकार्डिटिस प्रजेंटिंग एज पाउ इन ए यंग अडल्ट मेल विदआउट एनी रिस्क फैक्टर्स. *जे. फैमिली मेड प्रिम केयर* 2015 जनवरी–मार्च;4(1):139–41.

1360. रंजन पी, कुमार ए, चक्रवर्ती ए. हाउ कैन डॉक्टर्स इम्पूव देयर कम्युनिकेशन स्किल्स? *जे क्लिन डायग्न रेस* 2015 मार्च; 9(3): जेई01–04.

1361. रंजन पी, सागर एस, सिंघल एम. मैक्सिलोफेशियल ट्रॉमा – इनिशियल असेस्मेंट एण्ड मैनेजमेंट गाइडलाइन्स : एन एक्सपीरियंस फ्रॉम ए टर्शरी केयर सेंटर. *जेआईएमएसए सिम्पोजियम* 2014 जुलाई.

1362. रंजन पी, सुनेजा एम, सुब्रामणियन एन के, कुमार वी, गांगुली एस, कुमार टी, सिंह जी. फीवर ऑफ अननॉन ओरिजिन : एन अनयुजुअल प्रजेंटेशन ऑफ किकुची – फुजीमोटो डिजीज. *केस रिपोर्ट्स इम्युनोल* 2015; 2015: 314217.

1363. रंजन आर, जैन डी, सिंह एल, अय्यर वीके, शर्मा एमसी, माथुर एसआर. डिफरेंशिएशन ऑफ हिस्टोप्लाज्मा एण्ड क्रिप्टोकोकस इन साइटोलॉजी स्मीयरः ए डायग्नोस्टिक डिलेमा इन सीवियरली नेक्रोटिक केस. *साइटोपैथोलॉजी* 2015 अगस्त; 26(4):244–9.

1364. रंजन आर, कुमार एस, पटनायक आरडी, धवन ए, सागर आर. (डी –) क्रिमिनलाइजेशन ऑफ अटेम्प्ट सुसाइड इन इंडिया : ए रिव्यू. *इंड साइक्यात्री जे* 2014 जनवरी; 23(1):4–9.

1365. रंजन आर, नाथ डी, डे एस, अरवा एस. मल्टीफोकल जेजुनो – इलियल कार्सिनोमा इन ए 7 – इयर – ओल्ड बॉय विद पेयुट्ज – जेगहर्स सिंड्रोम : ए रेयर ऑक्यूरेंस. *इंडियन जे मेड पीडियाट्रि ओंकोल* 2014 जनवरी–मार्च;35(1):121–2.

1366. रंजन आर, परमार ए, पटनायक आर डी, धवन ए. डिपेंडेंस ऑन एनाबोलिक – एंड्रोजेनिक स्टीरॉइड : ए केस रिपोर्ट एण्ड ब्रीफ रिव्यू. *दिल्ली साइक्यात्री जर्नल* 2014 अक्तूबर;7:481–4.

1367. रंजन आर, पटनायक आर डी, धवन ए. लॉन्ग – टर्म एगोनिस्ट एण्ड एंटागोनिस्ट थेरैपी फॉर एंडोलसेंट ऑपियॉइड डिपेंडेंस : ए डिस्क्रिप्शन ऑफ टू केस. *इंडियन जे साइकोल मेड* 2014 अक्तूबर–दिसम्बर;36(4):439–443.

1368. रंजन आर, सिंह एल, अरवा एस के, सिंह एम के. मार्जिन्स इन स्किन एक्सिएशन बायोप्सी : प्रिंसिपल्स एण्ड गाइडलाइन्स. *इंडियन जे डर्मेटोल* 2014 नवम्बर–दिसम्बर;59(6):567–70.

1369. रंजानी एच, प्रदीप आर, महरीन टीएस, अंजना आरएम, आनंद के, गर्ग आर, मोहन वी. डिटरमिनेंट्स, कंसिक्वेंस एण्ड प्रीवेंशन ऑफ चाइल्डहुड ओवरवेट एण्ड ऑबेसिटी : एन इंडियन कॉन्टेक्स्ट. *इंडियन जर्नल ऑफ एंडोक्राइनोलॉजी एण्ड मेटाबोलिज्म* 2014 नवम्बर; 18सप्ल1:एस17–25.

1370. राव ए, रामम एम. द केस फॉर केस रिपोर्ट. *इंडियन डर्मेटोल ऑनलाइन जे* 2014 अक्तूबर;5(4):413–5.

1371. रसूल एस, गोयल वी, इरशाद एम और जैलखानी बी एल. अल्फा एण्ड बीटा बंगरोटॉक्सिन बाइंडिंग प्रोटीन्स इन ह्यूमन केडेवर मसल. *जे मस्कुलोस्केलेटल रेस* 2014;17:1450005.

1372. रस्तोगी एन, नागपाल एन, अलाम एच, पाण्डे एस, गौतम एल, सिन्हा एम. एट ऑल. प्रीपरेशन एण्ड एंटीमाइक्रोबायल एक्शन ऑफ थ्री ट्राइप्टिक डाइजेस्टिड फंक्शनल मॉलीक्यूल्स ऑफ बोवाइन लेक्टोफेरिन. *पीएलओएस वन* 2014;9:ई90011.

1373. रस्तोगी एन, सिंह ए, पाण्डे एस एन, सिन्हा एम, भूषण ए, कौर पी, एट ऑल. स्ट्रक्चर ऑफ द आयरन–फ्री ट्रू सी–टर्मिनल हाफ ऑफ बोवाइन लेक्टोफेरिन प्रोड्यूस्ड बाय ट्राइप्टिक डाइजेशन एण्ड इट्स फंक्शनल सिग्नीफिकेन्स इन द गट. *एफईबीएस जे* 2014;281:2871–82.

1374. रतन एस के, अग्रवाल एसके, मिश्रा टीके, सक्सेना ए, यादव एस, पाण्डे आरएम, एट ऑल. हार्मोनल प्रोफाइल इन चिल्ड्रन विद आइसोलेटिड हाइपोस्पेडियास एसोसिएट्स बेटर विद कम्प्रेहेंसिव स्कोर ऑफ लोकल एंटोमिकल फेक्टर्स एज कम्पेयर्ड टू मैटल लोकेशन और डिग्रेड ऑफ कोरडी. *इंडियन जे एंडोक्राइनोल मेटाब* 2014 जुलाई;18(4):558–64.

1375. रथ जी, जवंजल पी, सल्हन एस, नल्लियाह एम, धवन आई. क्लिनिकल सिग्नीफिकेन्स ऑफ इंएक्टिवेटिड ग्लाइकोजन सिंथेस काइनेस 3बीटा इन एचपीवी–एसोसिएटिड सर्विकल कैंसरः रिलेशनशिप विद डब्ल्यूएनटी/बीटा–केटेनिन पाथवे एक्टिवेशन. *एन जे रैपरॉड इम्युनोल* 2015;73:460–78.

1376. रथ जीके, गांधी एके. नेशनल कैंसर कंट्रोल एण्ड रजिस्ट्रेशन प्रोग्राम इन इंडिया. *इंडियन जे मेड पीडियाट्रि ऑंकोल* 2014; 35:288–90.

1377. रथ जी के, पारिख पी एम, हुक्कू एस, रंजन बी, कुमार एस, मल्होत्रा एच, एट ऑल. इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च कंसेंस डॉक्यूमेंट फॉर द मैनेजमेंट ऑफ बकल म्यूकोसा कैंसर. इंडियन *जे मेड पीडियाट्रि ऑंकोल* 2014;35:136–9.

1378. राठौड एन, कृपलानी ए, यादव आर के, जायसवाल यू, नेतम आर. डिस्टिंक्ट पेरिटोनियल फ्लुइड घ्रेलिन एण्ड लेप्टिन इन इंफर्टियल वुमेन विद एंडोमेट्रियोसिस एण्ड देयर कोरिलेशन विद इंटरल्यूकेमिया–6 एण्ड वेस्कुलर एंडोथिलियल ग्रोथ फेक्टर. *ग्यानेकोल एंडोक्रिनोल* 2014 सितम्बर; 30(9):671–5

1379. रे बी आर, सेन आई एम, प्रभु वी. डबल ल्यूमन सेंट्रल वीनस कैथेटर फॉर पीडियाट्रिक एयरवे मैनेजमेंट इन लेरिंजियल पैपिलियोमेटोसिसः कॉशन इज वॉरेंटिड. *पीडियाट्रि एनेस्थि* 2014;24:1020–1.

1380. रेड्डी वी, वत्स एम. लर्निंग नीड्स असेस्मेंट ऑफ नर्सिंग पर्सनल रिगार्डिंग केयर ऑफ चिल्ड्रन विद सेंट्रल नर्वस सिस्टम इंफेक्शन्स इन सिलेक्टिड हॉस्पीटल्स ऑफ आंध्र प्रदेश. *इंट जे नर्सिंग एजु.* 2014 जुलाई – दिसम्बर; 6(2):170–3.

1381. रेगमी एस के, सेठ ए, चौधरी एस के, सिंह ए. रेट्रोपेरिटोनियल लिम्फ नोड डिसेक्शन इन पोस्ट – कीमोथेरैपी रेसिड्यूल मास विद 360–डिग्री इंवॉल्वमेंट ऑफ द एरोटा. *जे क्लिन यूरोल* 2014;7(4):295–8.

1382. रेवाड़ी वी, चंद्रन आर, रामचंद्रन आर, त्रिखा ए. एबसेंट इंटर्नल जुगलर वेन : एनदर केस फॉर अल्ट्रासाउंड गाइड वेस्कुलर एक्सेस. इंडियन *जे क्रिट केयर मेड* 2015;19:53–4.

1383. रेवाड़ी वी, सिन्हा आर, रामचन्द्रन आर, त्रिखा ए. टर्मिनेशन ऑफ पैरोक्सीमल सुप्रावेंट्रिकुलर टेकीकार्डिया विद रेमीफेंटेनिल इन ए परट्यूरेंट विद टेकीकार्डिया – इंड्यूस्ड कार्डियोमायोपैथी. *इन जे ऑब्स्टेट एनेस्थ* 2014;23:295–6.

1384. रिचा ए, मंजु पी, दादा आर, ज्ञान एस. कोरेलेशन बिटविन ल्यूकोसाइटोस्पर्मिया एण्ड ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस इन मेल पाटनर्स ऑफ इंफर्टियल कपल्स विद ल्यूकोसाइटोस्पर्मिया. *आई जे रैप कंस्ट्रासेप, आबेस्ट एण्ड गायनी* 2015;1:168–172.

1385. रिजवान एसए, कांत एस, गोस्वामी के, राय एसके, मिश्रा पी. ऑथर्स रिप्लाय. *जे. पोस्टग्रेड मेड* 2014 अक्तूबर–दिसम्बर; 60(4):416–7.

1386. रिजवान एसए, कांत एस, गोस्वामी के, राय एसके, मिश्रा पी. कोरेलेट्स ऑफ इंटेंशन टू यूज कंडोम अमंग मेल माइग्रेंट फैक्टरी वर्कर्स इन नॉदर्न इंडिया. *जे क्लिन डायग्नोस्टिक रेस* 2014 अगस्त; 8(8):5–8.

1387. रिजवान एस के, कांत एस, गोस्वामी के, राय एसके, मिश्रा पी. इंफ्लुएंस ऑफ एल्कोहल ऑन कंडोम यूज पैटर्न ड्यूरिंग नॉन – स्पाउजल सेक्युएल एनकाउंटर इन मेल माइग्रेंट वर्कर्स इन नॉदर्न इंडिया. *जे पोस्टग्रेड मेड* 2014 जुलाई–सितम्बर; 60(3):276–81.

1388. रिजवान एस ए, कांत एस, राय एस के, गोस्वामी के, मिश्रा पी. प्रीवलेंस एण्ड डिटरमिनेट्स ऑफ सेक्युअली ट्रांसमेटिड इंफेक्शन्स (एसटीआई) अमंग मेल माइग्रेंट फैक्टरी वर्कर्स इन हरियाणा नॉर्थ इंडिया. *इंडियन जे पब्लिक हेल्थ* 2015;59(1):30–6.

1389. रिजवान एसके, कुमार आर, सिंह एके, खुराना वायएस, यादव के, पांडव सीएस. प्रीवलेंस ऑफ हापइरटेंशन इन इंडिया ट्राइब्स : ए सिस्टमेकि रिव्यू एण्ड मेटा–एनालाइसिस ऑफ ऑब्जर्वेशनल स्टडीज़. *पीएलओएस वन* 2014 मई5;9(5):ई95896.

1390. रिजवान एस के, नोंगकिंरिह बी, कारलेट लीना, कृष्णन ए. टेम्पोरल डाइमेंशन इन रेफरेंस स्टैंड्र्ड मिस्क्लासीफिकेशन – ए कॉनसेप्ट नोट. *जे क्लिन डायग्न रेस* 2014;8(7):1–5.

1391. रूबल्स आर, फ्रेसन ए, मेडिना – मोरा एमई, शरण पी, रॉबर्ट्स एमसी, डी जेसुस मारी जे, मट्सुमोटो सी, मरुटे टी, गुरेजे ओ, आयुसो–मेटेओस जेएल, जियाओ जेड, रीड जीएम. केटेगरीज़ दैट शूड बी रिमूव्ड फ्रॉम मेंटल डिस्ऑड्स क्लासिफिकेशन : पर्सपेक्टिव्स एण्ड रेशनल्स ऑफ क्लिनिक्स फ्रॉम एट कंट्रीज़. *जे क्लिन फिजिकोल* 2015 मार्च; 71(3):267–81.

1392. रोहतगी एस, आहुजा वी, मखारिया जीके, राय टी, दास पी, दासगुप्ता एस, एट ऑल. वीएसएल 3 इंड्यूस्ड एण्ड मेंटेनस शॉर्ट–टर्म क्लिनिकल रिस्पॉन्स इन पेशेंट्स विद एक्टिव माइक्रोस्कोपिक कोलाइटिसः ए टू–फेज रेंडोमाइज्ड क्लिनिक ट्रायल. *बीएमजे ओपन गैस्ट्रोइंटेरोल* 2015; 2 :ई000018.

1393. रोंगफारपी एस आर, गुर आर, दुग्गल एस, कुमार ए, नायर आर, जैस आई, वाधवा वी, खानिजो सीएम. कैंडिडा क्रुसेइ फंगेमिया इन 7 नियोनेट्स : क्लोनेलिटी ट्रैक्ड टू एन इंफुसटे. *एम जे इंफेक्ट कंट्रोल* 2014 नवम्बर; 42(11):1247–8.

1394. रोसनबर्ग जे, बोचनर एच, बैकस जे, डी लीयु पी, ड्रैजन जे, फ्रीजेले एफ, गुडली एफ, हॉग सी, जेम्स ए, लेन सी, रियस एच, साहनी पी, जोहरी जी. द न्यू आईसीएमजेई रिकमंडेशन्स. *इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल* 2014 जुलाई – सितम्बर; 32 (3) : 219–20.

1395. रोसेन्थल वीडी, मकी डीजी, माथुर पी. इंटरनेशनल नोसोकोमियल इंफेक्शन कंट्रोल कंसोर्टियम इंटरनेशनल नोसोकोमियल इंफेक्शन कंट्रोल कंसोर्टियम (आईएनआईसीसी) रिपोर्ट, डेटा समरी ऑफ 43 कंट्रीज़ फॉर 2007– 2012. डिवाइस – एसोसिएटिड मॉड्यूल *एम जे इंफेक्ट कंट्रोल* 2014;42:942–56.

1396. रॉय ए, लक्ष्मी आर, तारिक एम, टंडन एन, रेड्डी केएस, प्रभाकरण डी. इंडिपेंडेंट एसोसिएशन ऑफ सर्व विटामिन डेफिशिएंसी एज ए रिस्क ऑफ एक्यूट मायोकार्डियल इंफ्रेक्शन इन इंडियन्स. *इंडियन हार्ट जे* 2015;67:27–32.

1397. रॉय ए, प्रवीण पीए, लक्ष्मी आर, गुप्ता आर, रेड्डी के एस, प्रभाकरण डी, कृष्णन ए. रैपिड एस्क्लेशन ऑफ कार्डियोवेस्कुलर रिस्क फेक्टर बर्डन इन रूरल एरियाज ऑफ नेशनल कैपिटल रीजन ऑफ दिल्ली ओवर टवेंटी इयर्स. *जर्नल ऑफ द अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी* 2015;65:एस10.

1398. रॉय ए, रो एमटी, नेली एमएल, क्री डीडी, जमोरयाखिन डी, फॉक्स केए, एट ऑल. इम्पैक्ट ऑफ ह्यूमन डेवलपमेंट इंडेक्स ऑन द प्रोफाइल एण्ड आउटकम्स ऑफ पेशेंट्स विद एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम. *हार्ट* 2015;101:279–86.

1399. रॉय केके, कंसल वाय, सुब्बियाह एम, कुमार एस, शर्मा जेबी, सिंह एन. हिसटिरियोस्कोपिक सेप्टल रिसेक्शन यूजिंग यूनिपोलर रीसेक्टोस्कोप वर्सिस बाइपोलर रिसेक्टोस्कोपः प्रॉस्पेक्टिव, रैंडोमाइज्ड स्टडी. *जे ऑब्स्टे ग्यनीकोल रेस* 2015 जून;41(6):952–6.

1400. रॉय केके, नेगी एन, सुब्बियाह एम, कुमार एस, शर्मा जेबी, सिंह एन. इफेक्टिवनेस ऑफ एस्ट्रोजन इन द प्रीवेंशन ऑफ इंस्ट्रायूटेराइन एडेशन्स आफ्टर हिस्टेरोस्कोपी सेप्टल रिसेक्शन : ए प्रॉस्पेक्टिव, रैंडोमाइज्ड स्टडी. *जे ऑब्स्टे ग्यानीकोल रेस* 2014 अप्रैल;40(4):1085–8.

1401. रॉय केके, सब्बेह एम, कुमार एस, शर्मा जेबी, सिंह एन फाइटो – मेटरनल आउटकम इन प्रेग्नेंसी कॉम्प्लीकेटिड बाय आइसोलेटिड फाइटल कंजेनाइटल कम्प्लीट हार्ट ब्लॉक. *जे ऑबेस्टेट ग्यनीकोल* 2014 अगस्त;34(6):492–4.

1402. रॉय के के, सुब्बियाह एम, नाहा एम, कुमार एस, शर्मा जेबी, जहागीरदार एन. इंट्रापेरिटोनियल बुपिवेकाइन फॉर पैन रिलीफ आफ्टर मिनिलेपेरोस्कोपी इन पेशेंट्स विद इंफर्टिलिटी. *आर्क ग्यनीकोल ऑब्स्टेट* 2014 फरवरी;289(2):337–40.

1403. रॉय एम, जैन डी, बक्शी एस, माथुर एस, अय्यर वीके. प्राइमरी लंगेरहंस सेल हिस्टियोसाइटोसिस ऑफ द थाइरॉइड ग्लैंड : रोल ऑफ लैंगरिन इन एफएनए साइटोलॉजिकल डायग्नोसिस. *साइटोपैथोलॉजी* 2015 अप्रैल;26(2):128–30.

1404. रॉय एस, गांधी ए के, जाना एम, जुल्का पीके. रिकरंट पोस्टीरियर रीवर्सिबल एंसेफेलोपैथी सिंड्रोम आफ्टर कीमोथेरैपी इन हिमेटोलॉजिक मेलिग्नेंसी – पोस्टीरॉइड रीवर्सिबल एंसेफेलोपैथी सिंड्रोम कैन स्ट्राइक ट्वाइस!!!. *जे कैंसर रेस* 2014 थर अप्रैल – जून; 10(2):393–6.

1405. रॉय एस, जोशी एनपी, सिगामनी ई, मलिक ए, शर्मा एमसी, मोहंती बीके, शर्मा एससी. क्लीवल जायंट सेल ट्यूमर प्रसेंटिंग विद आइसोलेटिड ट्रिगमिनल नर्व इन्वॉल्वमेंट. *यूर आर्क ऑटोराइनोलेरिंगियोल* 2013 मार्च; 270(3):1167–71

1406. रॉय एस, मलिक एस, रज़ा एमडब्ल्यू, हरेश केपी, गुप्ता एस, शर्मा डीएन, एट ऑल. हिमेटोलॉजिक टॉक्सीसिटी इन पेशेंट्स अंडरगोइंग रेडिकल एंटी–कैंसर थेरैपीः ए क्रॉस–सेक्शनल एनालाइसिस ऑफ पेशेंट्स इन एन ओंकोलॉजी वॉर्ड इन इंडिया. *एशियन पैक जे कैंसर प्रीव* 2014;15:3587–92.

1407. रॉय एस, नाग टीसी, उपाध्याय एडी, माथुर आर, जैन एस. प्रीनेटल म्यूजिक सिमुलेशन फेसिलिटेट्स ऑफ पोस्टनेटल फंक्शनल डेवलपमेंट ऑफ द ऑडिटरी एज वेल एज विजुअल सिस्टम इन चिक (गेललस डॉमेस्टिकस). *जे. बायोसाइं* 2014 मार्च; 39(1):107–17.

1408. रॉय एस, शर्मा एचपी, नाग टीसी, वेलपांडियन टी, उपाध्याय एडी, माथुर आर और जैन एस. बीडीएनएफ मेडिएटिड एक्टिविटी डिपेंडेंट मेट्यूरेशन ऑफ विजुअल वुल्स्ट फ्लॉइंग प्रीनेटल रिपेटिटिव ऑडिटरी सिमुलेशन एट ए क्रिटिकल डेवलपमेंटल पेरियॉइड इन डॉमेस्टिक चिक्स (गेलस डॉमेस्टिकस). *ब्रेन रिसर्च बुलेटिन* 2014 अक्तूबर;109:99:108.

1409. रॉय एसजी, करुणानिधि एस, ढल वीएस, बाल सी, कुमार आर. [18]एफ – एफडीजी पीईटी/सीटी एड द डायग्नेसिस ऑफ एडल्ट ऑनसेट स्टिल डिजीज इन ए पेशेंट्स विद फीवर ऑफ अननॉन ओरिजिन. *रेव एस्प मेड न्यूक्लि इमेजिन मोल* 2014 नवम्बर – दिसम्बर; 33(6):392–3.

1410. रुफाई एसबी, कुमार पी, सिंह ए, प्रजापति एस, बलूनी वी, सिंह एस. कम्पेरिजन ऑफ एक्स्पर्ट एमटीबी/आरआईएफ विद लाइन प्रोब एसे फॉर डिटेक्शन ऑफ रिफैम्पिन – मोनोरेसिस्टेंस मायोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस. जे. क्लिन माइक्रोबायोल 2014 जून;52(6):1846–52.

1411. सबले एम, कक्कड़ ए, रंजन आर, गर्ग ए, बक्शी एस, शर्मा एमसी. योल्क सैक ट्यूमर ऑफ द टेम्पोरल बोन : एन अनयुजुअल प्रजेंटेशन एज हाइड्रोसेफेलस. *न्यूरोल इंडिया* 2014 नवम्बर–दिसम्बर;62(6):679–81.

1412. सबले एमएन, नाल्वा ए, सूरी वी, सिंह पी के, गर्ग ए, शर्मा एमसी. एट ऑल. गैंग्लियोसाइटिक पैरागैंग्लियोमा ऑफ फिलुम टर्मिनेलः रिपोर्ट ऑफ ए रेयर केस. *न्यूरोलॉजी इंडिया* 2014;62:543–5.

1413. सबले एम एन, नाथ डी, चुम्बर एस, दास सीजे, प्रियादर्शनी पी, कौर के, रंजन आर, दत्ता गुप्ता एस, दास पी. पेलविक मेच्योर साइटिक टेराटोमा विद न्यूरोएंडोक्राइन कार्सिनोमाः रिपोर्ट ऑफ ए रेयर एसोसिएशन एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. *इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल* 2014 जनवरी–मार्च;57(1):113–5.

1414. सागर आर, पटनायक आरडी. स्टिग्मा एण्ड कम्युनिटी इंटरवेंशन्सः हैज इनफ बीन डन?. *जे मेंटल हेल्थ ह्यूम बिहेव* 2014;19:1–3.

1415. सागर आर. चाइल्ड सेक्चुअल एब्यूज नीड फॉर ए प्रीवेंटिव फ्रेमवर्क कॉन्टेक्स्ट. *जे मेंटल हेल्थ ह्यूम बिहेव* 2014;19(2):53–5.

1416. साह आरजी, अग्रवाल के, शर्मा यू. प्रसाद आर, सीनू वी, जगन्नाथन एनआर. करेक्टराइजेशन ऑफ मेलिग्नेंट ब्रेस्ट टिशू ऑफ ब्रेस्ट कैंसर पेशेंट्स एण्ड द नॉर्मल ब्रेस्ट टिशू ऑफ हेल्दी लेक्टेटिंग वुमेन वॉलेंटीयर्स यूजिंग डिफ्यूजन एमआरआई एण्ड इन विवो 1एच एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी. *जे. मेग्न रेसोन इमेजिंग* 2015 जनवरी;41(1):169–74.

1417. सहाय पी, कक्कड़ ए, पती एस, कुमार एल, भाटला एन, चंदर एस. सिंक्रोनस मेलिग्नेंट मिक्स्ड म्यूलेरियन ट्यूमर ऑफ द यूट्रस विद ट्रांजिशनल सेल कार्सिनोमा ऑफ द ओवरी. *जे ऑब्स्टेट ग्यनीकोल रेस* 2015 फरवरी;41(2):319–23.

1418. सहाय पी, मोहंती बीके, नाथ डी, भास्कर एस, चंदर एस, बक्शी एस, सिंह सीए. मेलिग्नेंट पेरिफेरल नर्व शीथ ट्यूमर ऑफ द मैक्सिला. केस रिपोर्ट इन *ऑटोलेरिंजियोलॉजी* 2014;2014:230849. डीओआई :10.1155/2014/230849.

1419. साहनी जी, शर्मा एसडी, शर्मा पीके, देशपाण्डे डीडी, नेगी पीएस, सत्यानारायाण वीके, एट ऑल. एक्सेप्टेंस क्राइटेरिया फॉर फ्लेटटेनिंग फिल्टर–फ्री फोटॉन बीम फ्रॉम स्टैंड्र्ड मेडिकल इलेक्ट्रॉन लाइनर एक्सीलेटरलः एईआरबी टास्क ग्रुप रिकमंडेशन्स. *जे मेड फिजि.* 2014;39:206–11.

1420. साहू एके, छपिती पी, कुमार आर. बाइलेटरल मेनियर डिजीज इन द यंग डिलेम्मा इन मेडिकल मैनेजमेंटः ए क्रिटिकल रिव्यू ऑफ लिटरेचर. *ऑटोलेरिंजियोलॉजी ऑनलाइन जर्नल* 2015;5(2): आईएसएसएनः 2250–0359

1421. साहू एमसी, बेहरा बीके, लठवाल ए, कुमार के. स्टडी ऑफ स्मॉकिंग हैबिट्स एण्ड एटिट्यूड्स टू स्मॉकिंग अमंग हॉस्पीटल स्टाफ इन ए टर्शरी केयर हॉस्पीटल. *जे रूरल कम्युनिटी साइक्याट्री* 2014जनवरी–जून;1(1):62–66.

1422. साहू एमसी, सतपति एस, आर्य एस, लठवाल ए. स्टडी ऑफ केस फाइल्ड अंडर कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट एट एन एपेक्स टर्शरी केयर टीचिंग हॉस्पीटल इन इंडिया. *मेडिको–लीगल अपडेट* 2014 जनवरी–जून;14(1);46–49.

1423. साहू आरके, बक्शी एस. काइलोथोरैक्स एट प्रजेंटेशन इन टी–सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमियाः द मिल्की पज़ल. *पी पीडियाट्रि हिमेटोल ऑंकोल* 2014;36:663–4.

1424. साहू टी, ठकराल ए, अग्रवाल आर, शंकर एमजे. गेलेक्टोसेमिया : एन अनयुजुअल कॉज ऑफ क्रोनिक बिलिरुबिन एंसेफेलोपैथी. *बीएमजे केस रैप* 2015 जनवरी 23; 2015. पीआईआई : बीसीआर2014206852. डीओआई :10.1136/बीसीआर–2014–206852.

1425. साहू एमके, बिसोई एके, चंदर एनसी, अग्रवाल एस, चौहान एस. अबेरनेथी सिंड्रोम, आर कॉज ऑफ हाइपोएक्सेमिया : ए केस रिपोर्ट. *एन पीडियाट्रि कार्डियोल* 2015;8:64–6.

1426. साहू एमके, कामत एन, सुब्रामणियन ए, चौहान एस, बिसोई एके. सक्सेसफुल मैनेजमेंट ऑफ ए केस ऑफ सर्व इंट्रापल्मोनरी हिमोरेज आफ्टर पल्मोनरी थ्रोम्बो – एंडेरटेरेक्टॉमी. *इंडियन जे थोरेस कार्डियोवेस सर्ज* 2015;31.

1427. सैनी एके, आहुजा ए, सेठ ए, डोगरा पीएन, कुमार आर, सिंह पी, गुप्ता एसडी. हिस्टोमोर्फोलॉजिकल फीचर्स ऑफ रिसेक्टिड ब्लेडर ट्यूमर्सःडू एनर्जी सोर्स मैक एनी डिफरेंस. *यूरोलॉजी एनल्स* 2015;7(4):466–469.

1428. सैनी सी, तारिक एम, कुमार एस, राव डीएन. रोल ऑफ फॉक्सपी3 + ट्रेज सेल इन मेडिएटिड सप्रेशन इन लेपरॉसी. क्यूर इम्युनोल. *रिव्यूस* 2015;11:66–72.

1429. सैनी के, चौहान एस, किरन यू, बिसोई एके, चौधरी ए. कम्पेरिजन ऑफ फिनोक्सीबेंजेमाइन एण्ड सोडियम नाइट्रोप्रुसाइड फ्र आफ्टर लोड रिडक्शन इन पीडियाट्रिक कार्डियक सर्जरी. *इंटरनेशनल जे प्रीक्लिनिकल एण्ड फार्मास्युटिकल रिसर्च*.2014:5(3)120–128.

1430. सैनी एम, धीमन आर, दादा टी, टंडन आर, वनाति एम. टॉपिकल साइक्लोस्पोराइन टू कंट्रोल ऑक्युलर सरफेस डिजीज इन पेशेंट्स विद क्रॉनिक ग्लूकोमा आफ्टर लॉन्ग – टर्म यूसेज ऑफ ऑपिकल ऑक्यूजर हिपोटेंसिव मेडिकेशन. *आई (लंदन)* 2015जून;29(6):808–14.

1431. साल्वे एच, बाबू एस, राय एस, सागर आर, कांत एस. एटीट्यूड अबाउट मेंटल इलनेस ऑफ हेल्थ केयर प्रोवाइडर्स एण्ड कम्युनिटी लीडर्स इन रूरल हरियाणा, नॉर्थ इंडिया. *इंडियन जे ऑफ कम्युनिटी हेल्थ* 2014:26(4):374–378.

1432. साल्वे एच, कुमार एस, रिजवान एसए, राय एसके, कांत एस, पांडव सीएस. फिजिबिलिटी ऑफ सस्टेनेबल प्रोविजन ऑफ इंट्राडर्मल पोस्ट एक्सपोजर प्रोफीलेक्सिस एगेंस्ट रेबीज़ एट प्राइमरी हेल्थ केयर–एविडेंस फ्रॉम रूरल हरियाणा. *बीएमसी हेल्थ सर्विस रिसर्च* 2014 जून 25;14:278–83.

1433. साल्वे एच, रिजवान एस, कांत एस, राय एसके, खराया पी, कुमार एस. प्री – ट्रीटमेंट प्रैक्टिस अमंग पेशेंट्स एटेंडिंग एन एनिमल बाइट मैनेजमेंट क्लिनिक एट ए प्राइमरी हेल्थ सेंटर इन हरियाणा, नॉर्थ इंडिया. *ट्रॉप डक्ट* 2014अप्रैल;45(2):123–5.

1434. साल्वे एच, रिजवान एसए, खराया पी, राय एसके, कांत एस. ट्रांसवर्सल एनालाइसिस ऑफ मलेरिया आउटब्रेक इन नॉन – एडेमिक रीजन ऑफ रूरल हरियाणा, नॉर्थ इंडिया. *जे वेक्टर बोर्न डिस* 2014;51(1):53–7.

1435. सामंत एस, सामंत एस, सोनी केडी, अग्रवाल आर. लिग्नोकाइन स्टाइलः टिप्स फॉर डिफिकल्ट आर्टीरियल कैनुलेशन विद मिनिमन आर्टीरियल स्पैम. *एनेस्थ पैन इंटेन केयर* 2014;18:314–15.

1436. सामंत एस, सामंत एस, सोनी केडी. स्पाइन चेस्ट कम्प्रेशन : अल्टरनेटिव टू प्रोन वेंटिलेशन इन एक्यूट रेस्पीरेटरी डिस्ट्रस सिंड्रोम. *एम जे एमर्ज मेड* 2014;32:489.

1437. संपत केवी, मेरिमुथु के, सुब्रामणि एस, शर्मा वी, बेरा जे, कोतवाल पी. प्रॉस्पेक्टिव रैंडोमाइज्ड ट्रायल कम्प्रेसिंग ओपन रिडक्शन एण्ड इंटर्नल फिक्सेशन विद मिनीमली इंवेसिव रिडक्शन एण्ड परक्यूटेनियस फिक्सेशन इन मैनेजिंग डिस्प्लेस्ड एंट्रा – आर्टिकुलर कैलकेनियल फ्रैक्सर्च. *इंट ऑर्थोप* 2014:38:2505–12.

1438. संपत एस, महापात्रा एससी, पाधी एमएम, शर्मा आर, तलवार ए, होली बेसिल (ओसिमम सैंक्टम लिनन.) लीफ एक्स्ट्रेक्स्ट एनहांस स्पेसिफाइ कंजनाइटिव पैरामीटर्स इन हैल्दी अडल्ट वॉलंटीयर्सः ए प्लासेबो कंट्रोल्ड स्टडी. *इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल* 2015;59(1):69–78.

1439. समतानी आर, बाजपेयी एम, घोष पीके, सरस्वती केएन. ए49टी, आर277क्यू एण्ड टीए रिपीट पॉलीमॉर्जिज्म ऑफ स्टेरॉइड 5 अल्फा – रिडक्टेस टाइप 2 जीन एण्ड हाइपोस्पेडियास रिक्स इन नॉर्थ इंडियन चिल्ड्रन. *मेटा जीन* 2014;3:1–7.

1440. शंकर जे, दास आरआर, जैन ए, देवनगन एस, खिलनानी पी, यादव डी, दुबे एन. प्रीवलेंस एण्ड आउटकम आफ डायस्टोलिक डिस्फंक्शन इन चिल्ड्रन विद फ्लुइड रिफ्रेक्टरी सेप्टिक शॉक–ए प्रॉस्पेक्टिव ऑब्जर्वेशनल स्टडी. *पीडियाट्रि क्रिट केयर मेड* 2014 नवम्बर;15(9):ई370–8

1441. शंकर जे, लोढा आर, काबरा एसके. परेंटल स्ट्रेस इन पीडियाट्रि इंटेंसिव केयर यूनिट : हाउ डू वी कॉप विद इट? *इंडियन जे पीडियाट्रि* 2014 नवम्बर; 81(11):1141–2.

1442. शंकर जे, शंकर एमजे, सुरेश सीपी, दुबे एनके, सिंह ए. अर्ली गोल – डायरेक्टिड थेरैपी इन पीडियाट्रि सेप्टिक शॉकः कम्पेरिजन ऑफ आउटकम्स ''विद'' एण्ड ''विदाउट'' इंटरमिटेंट सुपिरियर वेनोकेवल ऑक्सीजन सैचुरेशन मॉनिटरिंगः ए प्रॉस्पेक्टिव कोहोर्ट स्टडी. *पीडियाट्रि क्रिट केयर मेड* 2014 मई;15(4):ई157–67.

1443. शंकर जे, शंकर एमजे, द ऑथर्स रिप्लाइ. *पीडियाट्रि क्रिट केयर मेड* 2014 सितम्बर;15(7):686–7.

1444. शंकर जे, सिंह ए, शंकर एमजे, जोगी एस, देवनगन एस, दुबे एन. पीडियाट्रिक इंडेक्स ऑफ मोर्टेलिटी एण्ड पीआईएम2 स्कोर्स हैव गुड कैलिब्रेशन इन ए लार्ज कोहोर्ट ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम ए डेवलपिंग कंट्री. *बायोमेड रेस इंट* 2014; 2014: 907871.

1445. संख्यान एन, लोढा आर, शर्मा एस, मेनन पीआर, चौधरी ए, काबरा एसके, गुलाटी एस. पेरिफेरल न्यूरोपैथी इन चिल्ड्रन ऑन स्टेयूवुडाइन थेरैपी. *इंडियन जे पीडियाट्रि* 2015 फरवरी;82(2):136–9.

1446. संत्रा ए, कुमार आर, शर्मा पी. यूज ऑफ 99मी–टैकनीटियम–ग्लूकोहिपेटोनेट एज ए ट्रेसर फॉर ब्रेन ट्यूमर इमेजिंगः एन ओवरव्यू ऑफ इट्स स्थ्रेंथ एण्ड पिटफाल्स. *इंडियन जे न्यूक्लि मेड* 2015 जनवरी–मार्च;30(1):1–8.

1447. संत्रा ए, कुमार आर. ब्रेन परफ्यूजन सिंगल फोटॉन इमिशन कम्प्यूटिड टोमोग्राफी इन मेजर साइकाइट्रिक डिस्ऑर्डरः फ्रॉम बेसिक टू क्लिनिक प्रैक्टिक्स. *इंडियन जे न्यूक्लि मेड* 2014 अक्तूबर;29(4):210–21.

1448. सरफ डीएस, गुप्ता एस के, पांडव सीएस, नोंगकिंरिह बी, कपूर एसके, प्रधान एसके, कृष्णा ए. इफेक्टिवनेस ऑफ ए स्कूल बेस्ड इंटरवेशन फॉर प्रीवेंशन ऑफ नॉन–कम्युनिकेबल डिजीज इन मिडल स्कूल चिल्ड्रन ऑफ रूरल नॉर्थ इंडियाः ए रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल. *इंडियन जे पीडियाट्रि* 2015 अप्रैल;82(4):354–62.

1449. सारंगी एससी, त्रिपाठी एम, कक्कड़ एके, गुप्ता वायके. इफेक्ट ऑफ एंटीएपिलेप्टिक थैरेपी ऑन ट्रेस एलिमेंट्स स्टेट्स इन इंडियन पॉपुलेशन इन ए टर्शरी केयर हॉस्पीटल फ्रॉम नॉदर्न इंडियाः ए क्रॉस सेक्शनल स्टडी. *एपिलेप्सी रेस* 2014;108(5):917–27.

1450. सारस्वत वी, नॉरिस एस, डे नेग्ट आरजे, संशे अविला जेएफ, सुंदररूप एम, जकरमन ई, एट ऑल. द इंडियन नेशनल एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ द लिवर (आईएनएएसएल) कंसेंसस ऑन प्रीवेंशन, डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेंट ऑफ हिपेटोसेल्युलर कार्सिनोमा इन इंडियाः द पुरी रिकमंडेशन्स. *जे क्लिन एक्सप हिपेटोल* 2014;4:एस3–एस26.

1451. सारस्वत वी, नॉरिस एस, डे नेग्ट आरजे, संशे अविला जेएफ, सुंदररूप एम, आचार्य एसके, एट ऑल. हिस्टोरिकल एपिडेमियालॉजी ऑफ हिपेटाइटिस सी वायरस (एचसीवी) इन सिलेक्ट कंट्रीज़. *जे वायरल हिपेट* 2015;22 (सप्ल1):6–25.

1452. सरकार एस, बल्हारा वाईपी. डायबिटीज़ मेलिटस एण्ड सुसाइड. *इंडियन जे एंडोक्राइनोल मेटाब* 2014 जुलाई;18(4):468–74.

1453. सरकार एस, चड्ढा आरके, नारंग आर, कुमार एन. इफेक्ट ऑफर इनैक्जायटी एण्ड डिप्रेशन ऑन लॉन्ग टर्म आउटकम ऑफ मायोकार्डियल इंफ्रेक्शन. *इंडियन जे सोक साइक्याट्री* 2014;30(3–4):87–93.

1454. सर्वोत्तम के, यादव आरके. ओबेसिटी – रिलेटिड इंफ्लेमेशन एण्ड कार्डियोवेस्कुलर डिजीज : एफिकैसी ऑफ योग – बेस्ड लाइफस्टाइल इंटरवेंशनल. *इंडियन जे मेड रेस* 2014जून;139(6):822–34.

1455. सर्वोत्तम के, यादव आरके. एडिपोनेक्टिन, इंटरल्यूकिन – 6, और एंडोथिलिन – 1 कोरेलेट विद माडिफाइएबल कार्डियोमेटोबोलिक रिस्क फैक्टर्स इन ओवरवेट/ओबेस मेन. *जे अल्टर्न कॉम्प्लीमेंट मेड* 2014मई;20(5):419–20.

1456. सतपति एस. पोस्ट – ट्रॉमेटिक स्ट्रेस अंग डिजास्टर वर्कर्स : इम्प्लीकेशन्स फॉर स्ट्रेस मैनेजमेंट एट ऑर्गनाइजेशनल लेवल. *इंट जे स्ट्रे मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स* 2014;2:53–9.

1457. सत्यारड्डी ए, वेलपांडियन टी, शर्मा एसके, विष्णुभाटला एस, शर्मा ए, सिरोहीवाल ए, मखारिया जीके, सिन्हा एस, बिस्वास ए, सिंह एस. कोरेलेशन ऑफ प्लाज्मा एंटी – ट्यूबरकुलोसिस ड्रग लेवल्स विद सबसिक्वेंट डेवलपमेंट ऑफ हिपेटोटॉक्सीसिटी. *इंट जे ट्यूबेर लंग डिस* 2014 फरवरी;18(2):188–95

1458. सत्यार्थी जीडी, डावर पी, बोरकर एसए. शर्मा बीएस. ट्रांस – ओरबिटल पेनेट्रेटिंग हैड इंजरी (टीओपीएचआई) : शॉर्ट सीरिज ऑफ टू केसिस विद रिव्यू ऑफ लिटरेचर. *इंड जे न्यूरोट्रॉमा* 2014;11:49–52.

1459. सत्यार्थी जीडी, गौरंग वी, शर्मा बी एस. कंट्रालेटरल डेवलपमेंट ऑफ मैसिव एक्यूट बसड्यूरल हिमेटोमा ऑक्यूरेंस ड्यूरिंग डीकम्प्रेसिव क्रेनिक्टॉमी एण्ड सर्जरी फॉर इवेकुवेशन ऑफ इपसिलेटरल एक्यूट सबड्यूरल हिमोटोमाः लिटरेचर रिव्यू. *इंडियन जे न्यूरोट्रॉमा* 2014;11:118–121.

1460. सत्यार्थी जीडी, महापात्रा एके. इज सबड्यूरो – पेरिटोनियल शंट सर्जरी द फर्स्ट और लास्ट रिसोर्ट इन मैनेजिंग सबड्यूरल इफ्यूजन डेवलपिंग आफ्टर सुप्रेटेंटोरियल ट्यूमर सर्जरी इन इंफेंसी? *जे पीडियाट्रि न्यूरोसाइ* 2015;10:83–5.

1461. सत्यार्थी जीडी, सूरी ए, महापात्रा एके. जायंट स्फेनो – एथोमिडोयल ऑस्टियोमा इन ए 14 – इयर बॉय प्रजेंटिंग विद विजुअल इम्पायरमेंट एण्ड फेशियल डीफोर्मिटी : शॉर्ट रिव्यू. जे. *पीडियाट्रि न्यूरोसाइ* 2015;10:48–50.

1462. सत्यार्थी जीडी. पोस्टट्रॉमेटिक सबड्यूरल इंफ्यूजन. *जे न्यूरोसाइं रूरल प्रेक्ट* 2014;5:309–10.

1463. सत्यार्थी जीडी. कुमार एस. इज स्टेज्ड सर्जरी फॉर जायंट वेस्टिबुलर शवोनोमास ऑलवेज बेटर इन इम्प्रूविंग आउटकम : नीड्स सोशयोइकोनॉमिक कंसीडरेशन? *जे न्यूरोसाइंस रूरल प्रैक्टिस* 2014;5:437–439.

1464. सावरकर डीपी, सिंह पीके, सिद्दीकी एसए, अग्रवाल डी, सत्यार्थी जीडी, गुप्ता डीके, एट ऑल. सर्जिकल मैनेजमेंट ऑफ ओडोंटोइड फ्रैक्चर्स एट लेवल वन ट्रॉमा सेंटर : ए सिंगल–सेंटर सीरिज ऑफ 142 केसिस *न्यूरोल इंडिया* 2015:63:40–8.

1465. साहनी सी, अयूब ए. एन अनयुजुअल साइट फॉर डिस्कनेक्शन इन ए वेंटिलेटिड पेशेंट. *इंडियन जे एनेस्थि* 2014;58:99.

1466. साहनी सी, बियानी जी, मोहम्मद एस, शिंदे पी, बोन सिस्ट : केस रिपोर्ट एण्ड इम्प्लीकेशन्स फॉर द एनेस्थिसियोलॉजिस्ट. *इंडियन जे एनेस्थे* 2014;58:767–8.

1467. साहनी सी, बियानी जी, शिंदे पी, बोन सिस्ट : केस रिपोर्ट एण्ड इम्प्लीकेशन्स फॉर द एनेस्थिसियोलॉजिस्ट. *इंडियन जे एनेस्थे* 2014;58.

1468. साहनी सी, कौर एम, गुप्ता बी, सिंह पीएम, गुप्ता ए, कुमार एस, मिश्रा एमसी. क्रिटिकल केयर इशू इन सॉलिड ऑर्गन इंजरी : रिव्यू एण्ड एक्सपीरियंस इन ए टर्शरी ट्रॉमा सेंटर. *सउदी जे एनेस्थि* 2014 नवम्बर; 8(सप्ल1):एस29–35.

1469. साहनी सी. ट्रॉमा केयर फॉर ऑल. *जे इंट मेड साइं अकैड* 2014;27:163.

1470. सलवानी के, कुमारी एन, मिश्रा एके, अग्रवाल यू. ओरल कैंसर प्रीवलेंस इन ए टर्शरी केयर हॉसपीटल इन इंडिया. *जे फैमिली मेड कम्युनिटी हेल्थ* 2014;1(4):1022.

1471. सक्सेना ए. हाउ टू डिलीवर द बेस्टः ए कॉल फॉर एक्शन फॉर कंजेनाइटल हार्ट डिजीज ट्रीटमेंट्स इन इंडिया. फ्यूचर कार्डियोल 2014;10:359–66.

1472. सक्सेना ए. इंक्रीजिंग डिटेक्शन ऑफ रूमेटिक हार्ट डिजीज विद इकोकार्डियोग्राफी *एक्स्पर्ट रिव मेड डिवाइस* 2014;11:491–7.

1473. सक्सेना एम. बिहारी एम, कुमारन एसएस, गोयल वी, नारंग वी. एक्सेसिंग स्पीच डिस्फंक्शन यूजिंग बीओएलडी एण्ड एकाउस्टिक एनालाइसिस इन पार्किन्सोनिज्म. *पार्किन्सोनिज्म रिलेट डिसऑर्ड* 2014अगस्त;20(8):855–61.

1474. सक्सेना पी, सक्सेना आर. क्लिनिकल ट्रायल्स : चेंजिंग रेगुलेशन्स इन इंडिया. *इंडियन जे कम्युनिटी मेड* 2014 अक्तूबर;39(4):197–202.

1475. सक्सेना आर, मुथुकुमारन एस, कुमार एस, तलवार एस, चौधरी एस. माइग्रेटिड किरसचनर वायर इन द पॉस्टीरियर मेडिएस्टेनम. हार्ट, *लंग एण्ड सरकुलेशन* 2014;23:ई109–ई110

1476. सक्सेना आर, फुलझेल एस, मेनन वी, गदाईनामठ एस, सिन्हा ए, शर्मा पी. क्लिनिकल प्रोफाइल एण्ड शॉट – टर्म आउटकम्स ऑफ ऑप्टिक न्यूट्रिआइटिस पेशेंट्स इन इंडिया. *इंडियन जे ऑपथेल्मोल* 2014 मार्च;62(3):265–7.

1477. सक्सेना आर, पुराणिक एस, सिंह डी, मेनन वी, शर्मा पी, फुलझेले एस. फैक्टर्स प्रीडिक्टिंग रिकरेस इन सेक्ससफुली ट्रीटिड केस ऑफ एनिसोमेट्रॉपिक एम्बलियोपिया. *इंडियन जे ऑपथेल्मोल* 2013 नवम्बर;61(11):630–3.

1478. सक्सेना आर, सिंह डी, मेनन वी. कंट्रोवर्सिज इन न्यूरो – ऑपथेल्मोलॉजी : स्टेरॉइड थेरैपी फॉर ट्रॉमेटिक ऑप्टिक न्यूरोपैथी. *इंडियन जे ऑप्थेलमोल* 2014 अक्तूबर;62(10):1028–30.

1479. सक्सेना आर, वशिष्ट पी, टंडन आर, पाण्डे आरएम, भारद्धाज ए, मेनन वी, एट ऑल. प्रीवलेंस ऑफ मायोपिया एण्ड इट्स रिस्क फैक्टर्स इन अर्बन स्कूल चिल्ड्रन इन दिल्ली : द नॉर्थ इंडिया मायोपिया स्टडी (एनआईएम स्टडी). *पीएलओएस वन.* 2015फरवरी26;10(2):ई0117349.

1480. सक्सेना आर, वशिष्ट पी, टंडन आर, पाण्डे आरएम, भारद्वाज ए, मेनन वी. एक्यूरेसी ऑफ विजुअल असेस्मेंट बाय स्कूल टीचर्स इन स्कूल आइ स्क्रीनिंग प्रोग्राम इन दिल्ली. *इंडियन जे कम्युनिटी मेड* 2015 जनवरी–मार्च;40(1):38–42.

1481. सेजवाल एस, चौबे आर, कौर पी, चिक्कारा एस, कुमार बी, बक्शी एस, आर्य एलएस, रैना वी, दास गुप्ता ए, सक्सेना आर. एमटीएचएफआर जीन पॉलीमॉर्फिज्म एण्ड द रिस्क ऑफ एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया इन एडल्ट्स एण्ड चिल्ड्रन : ए केस कंट्रोल स्टडी इन इंडिया. *इंडियन जे हिमेटोल ब्लड ट्रांसफ्यूस* 2014 दिसम्बर;30(4):219–25.

1482. स्कारबोरो एम टी. अबिट्यूरी : ए रिमेम्ब्रेंस ऑफ विलियम फिशर एननेकिंग. क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स एण्ड रिलेटिड रिसर्च 2014 दिसम्बर; 472(12):4051–4054.

1483. सीदेवी पी, मूवेंधन एम, सुदर्शन एस, वसंतकुमार एस, श्रीनिवास ए, वेरामानि एस, एट ऑल. स्ट्रक्चरल करैक्टराइजेशन एण्ड बायोएक्टिविटीज़ ऑफ सल्फेड पॉलीसेकेराइड फ्रॉम मोनोस्ट्रोमा ऑक्सीस्पर्मम. *इंट जे बायोल मेक्रोमोल* 2015;72:459–65.

1484. सहगल एम, रिजवान एसए, कृष्णा ए. डिजीज बर्डन ड्यू टू बायोमास कुकिंग – फ्यूल – रिलेटिड हाउसहोल्ड एयर पॉल्यूशन अमंग वुमेन इन इंडिया. *ग्लोब हेल्थ एक्शन* 2014 नवम्बर 4;7:25326.

1485. सेहरा सीवी, टिटियाल जेएस, शर्मा एन, टंडन आर, सिन्हा आर. चेंज इन कॉर्नियल माइक्रोस्ट्रक्चर विद रिजिड गैस परमेएबल कॉन्टेक्ट लेंस यूज फ्लोइंग कोलेजन क्रॉस–लिंकिगः एन इन विवो कंफोकल माइक्रोस्कोपी स्टडी. *बिर जे ऑप्थेल्मोल* 2014 अप्रैल; 98(4): 442–7.

1486. सेलवराज एस, हम्मोंद ईआर, हैदर एएच, अबुलारेज सीजे, बेकर डी, धीमन एन, एट ऑल. द बर्डन ऑफ एक्यूट ट्रॉमेटिक स्पाइनल कॉर्ड इंजरी अमंग एडल्ट्स इन द यूनाइटिड स्टेट्स : इएन अपडेट. *जे न्यूरोट्रॉमा* 2014;31:228–38.

1487. सेन ए, नलवा ए, माथुर एसआर, जैन डी, अय्यर वीके. साइटोमार्फोलॉजी ऑफ कॉलुमनर सेल वेरिएंट ऑफ पैपिलरी कार्सिनोमा थाइरॉइडः ए केस रिपोर्ट एण्ड रिव्यू ऑफ द लिटरेचर. *साइटोजर्नल* 2014 अक्तूबर 21;11:27.

1488. सेन एस, लिंगदोह एडी, पुष्कर एन, मील आर, बजाज एमएस, चावला बी. इम्प्रेशन साइटोलॉजी डायग्नोसिस ऑफ अल्सरेटिव आइलिड मेलिग्नेंसी. *साइटोपैथोलॉजी* 2015 फरवरी;26(1):26–30.

1489. सेनापति एस, सिंह एस, दास एम, कुमार ए, गुप्ता आर, कुमार यू. जैन एस, जुयाल आरसी, थेल्मा बीके. जीनोम – वाइड एनालाइसिस ऑफ मैथोट्रेक्जेट फार्मोकोजिनोमिक्स इन रिह्यूमेटॉइड आर्थराइटिस शो मल्टीपल नोवल रिस्क वेरिएंट्स एण्ड लेड्स फॉर टीवायएमएस रेगुलेशन. *फार्माकोजिनेट जीनोमिक्स* 2014 अप्रैल;24(4):211–9.

1490. सेनगुप्ता जे, घोष डी. मल्टी – लेवल एण्ड मल्टी स्केल इंटीग्रेटिव एप्रोच टू द अंडरस्टेंडिंग ऑफ ह्यूमन बलास्टोसिस्ट इम्प्लांटेशन. *प्रोग बायोफिजि मोल बायोल* 2014 जनवरी;114(1):49–60.

1491. सेनजाम एस, वशिष्ट पी, मल्होत्रा एस. आउटकम ऑफ कैटरेक्ट सर्जरी फ्रॉम आउटरीच आइ कैम्प. *दिल्ली जे ऑफ्थेल्मोल* 2014;25(2):90–94.

1492. सेनजाम एस. कम्पेरिजन ऑफ हेल्थ प्रोमोटिंग बिहेवियर अमंग मणिपुरी एण्ड नेटिव नॉर्थ इंडियन स्टूडेंट ऑफ चंडीगढ़, इंडिया. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट रिसर्च एण्ड रिव्यू* 2014;6:52–6.

1493. शेषाद्री डी, खेतान बीके, खन्ना एन, सागर आर. डिहेबिलिटेशन इन द एरा ऑफ एलिमिनेशन एण्ड रिहेबिलिटेशन : ए स्टडी ऑफ 100 लेप्रॉसी पेशेंट्स फ्रॉम ए टर्शरी केयर हॉस्पीटल इन इंडिया. *लेप्रो रिव* 2015 मार्च; 86(1):62–74.

1494. शेषाद्री डी, खेतान बीके, खन्ना एन, सागर आर. दि टेंग्लेड वेब : ए स्टडी ऑफ नॉलेज एण्ड एटिट्यूड टूवर्ड्स लेप्रॉसी फ्रॉम ए टर्शरी केयर हॉस्पीटल इन इंडिया. *इंडियन जे लेप्र* 2014 अप्रैल–जून;86(2):27–41.

1495. से वी, कालरा एस, गुप्ते एस, दिवाकर एच, मुरुगनाथन ए बनर्जी एस, एट ऑल. क्लासीफिकेशन ऑफ हाइपरग्लाइसेमिया इन प्रेग्नेंसी. *इंडियन जे एंडोक्राइनोलॉजी मेटाबोलिज्म* 2014 जुलाई;18(4):445–448.

1496. सेठी बीएस, चौहान एस, बिसोई एके, कपूर पीएम, किरण यू, राजपूत आरएस. कम्पेरिजन ऑफ ए वैक्सी मेज एण्ड पटेटो स्ट्रेच बेस्ड ब्लेंस्ड एचईएस फॉर प्रीमिंग इन पेशेंट्स अंडरगोइंग कोरोनरी आर्टरी बायपास ग्राफ्टिंग. *जेसीटीवीए* 2014;28(3):690–97.

1497. सेठी एच, झांजी एस. यूज ऑफ एल्कोहल अमंग ट्रीटमेंट सीकिंग इलिसिट ड्रग यूजर्स इन इंडिया. *जे मेंटल हेल्थ ह्यूम बिहेव* 2014;19:29–31.

1498. सेठी एस, मलिक एमए, गोस्वामी एस, सक्सेना पी, श्रीवास्तव ए, कश्यप एस, पुष्कर एन. एट ऑल. एक्सप्रेशन ऑफ पी – ग्लाइकोप्रोटीन इन ह्यूमन रेटिनोब्लास्टोमा एण्ड इट्स क्लिनिकल सिग्नीफिकेंस. *ट्यूमर बायोल* 2014 दिसम्बर;35(12):11735–40.

1499. सेठी एस, प्रसाद ए, बिस्वाल एम, हुल्लर वीके, मेवारा ए, गुप्ता एन, गल्होत्रा एस, सिंह जी, शर्मा के. आउटब्रेक ऑफ स्क्रब टाइफस इन नॉर्थ इंडियाः आर–इमर्जिंग एपिडेमिक *ट्रॉप डॉक्ट* 2014 फरवरी 20;44(3):156–159.

1500. सेठी एस, सिंह पीएम, बोरले ए. प्रीऑपरेटिव एवेल्यूएशन ऑफ मोंटगोमेरी ट्यूबः ए स्टिच इन टाइम सेव नाइन. *बीआर जे एनेस्थ* 2014;113:303–4.

1501. सेतुरमन जी, नीतू बी. कॉमन पीडियाट्रिक डर्मेटोसेस. *इंडियन जे पीडियाट्रि* 2014;81:381–90.

1502. सेतुरमन जी, श्रीनिवास वी, येनामंद्रा वीके, गुप्ता एन, शर्मा वीके, मारवाहा आरके. एट ऑल. थ्रेसहोल्ड लेवल्स ऑफ 25– हाइड्रोक्सीविटामिन डी एण्ड पैराथिरॉइड हार्मोन फॉर इम्पेयर्ड बोन हेल्थ इन चिल्ड्रन विद कंजनाइटल इथियोसिस एण्ड टाइप 4 एण्ड 5 स्किन. *ब्र जे डर्मेटोल* 2015 जनवरी;172(1):208–14.

1503. शबीर आई, गनी एमए, जरगर एमए, भट्ट डी, मीर एमएम, जैन ए, एट ऑल. प्रीवलेंस ऑफ मेटाबोलिक सिंड्रोम इन द फैमिली मेम्बर्स ऑफ वुमेन विद पॉलीसाइटिक ओवरी सिंड्रोम फ्रॉम नॉर्थ इंडिया. इंडियन *जे इंडोक्राइनोल मेटाब* 2014 मई;18(3):364–9.

1504. शाह बी, पटनायक आरडी, सागर आर. द स्टडी ऑफ पेशेंट हेनरी मोलेसन एण्ड वॉट इट टॉट अस ओवर पास्ट 50 इयर्स : कंट्रीब्यूशन टू न्यूरोसाइंस. *जे मेंटल हेल्थ ह्यूम बिहेव* 2015 नवम्बर 29;19:91–3.

1505. शाह एन, बंसल एन, लोगानी ए. रिसेंट एडवांस इन इमेजिंग टेक्नोलॉजिस इन डेंटिस्ट्री. *वर्ल्ड जे रेडियोल* 2014 अक्तूबर 28;6(10):794–807.

1506. शाह एन, लोगानी ए, कुमार वी. ए मिनीमली इनवेसिव सर्जिकल एप्रोच फॉर लार्ज सिस्ट–लाइक पेरिएपिकल लेशन्सः ए केसर सीरिज. *जन डेंट* 2014 जनवरी–फरवरी;62(1):ई1–5.

1507. शालीमार. हिपेटाइटिस सी वायरस जीनोटाइप 3: हॉप फॉर नॉन रिस्पॉन्ड्र्स एण्ड पेशेंट्स विद सिरोसिस. *जे क्लिन एक्सप हिपेटोल* 2014;4:179–81.

1508. शालीमार. इंटरफेसिस एण्ड कंट्रोवर्सिज इन गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी (फाल्क सिम्पोजियम 185) एण्ड चैलेंजिस ऑफ लिवर सिरोसिस एण्ड ट्यूमर्सः प्रीवेंट इट, ट्रीट इट, मैनेज कंसिक्वेंस (फाल्क सिम्पोजियम 186). *नेटल मेड जे इंडिया* 2014;27:115–6.

1509. शालीमार. पोटेंशियल न्यूअर थेरेप्यूटिक टार्गेट्स फॉर हिपेटाइटिस बी वायरस ड्रग डेवलपमेंट जे क्लिन एक्स हिपेटोल 2014; 4:371–3.

1510. शंकर ए, रथ जी, रॉय एस, मलिक ए, भंडारी आर, किशोर के, एट ऑल. लेवल ऑफ अवेयरनेस ऑफ सर्वाइकल एण्ड ब्रेस्ट रिस्क फैक्टर्स एण्ड सेफ प्रैक्टिस अमंग कॉलेज टीचर्स ऑफ डिफरेंट स्टेट्स इन इंडियाः डू अवेयरनेस प्रोग्रोम्स हैव एन इम्पैक्ट ऑन एडॉप्शन ऑफ सेफ प्रैक्टिज? *एशियन पैक जे कैंसर प्रीव* 2015;16:927–32.

1511. शंकर ए, रॉय एस, मलिक ए, कमल वीके, भंडारी आर, किशोर के, एट ऑल. कंट्रालेटरल ब्रेस्ट कैंसरः ए क्लिनिको – पैथोलॉजिकल स्टडी ऑफ सैकंड प्राइमरीज़ इन अपॉजिट ब्रेस्ट आफ्टर ट्रीटमेंट ऑफ ब्रेस्ट मेलिग्नेंसी. *एशियन पैक जे कैंसर प्री.* 2015;16:1207–11.

1512. शंकर एच, कुमार एन, राव डीएन, चंडीयोक एन, संधीर आर, कृपलानी ए, एट ऑल. कम्पेरिजन ऑफ हिमेटोलॉजिकल एण्ड बायोकेमिकल्स चेंजिस बिटविन नॉन – एनेमिक एण्ड एनेमिक प्रीमिग्रेविड वूमेन न ए नॉर्थ इंडियन पॉपुलेशन टू इस्टेबिलिश नॉर्मेटिव वेल्यूज़. *जे ऑब्स्टेट गायनीकोल* 2015 अप्रैल;35(3):221–4.

1513. सहरावत एसके, बक्शी आर, विष्णुभाटला एस, बक्शी एस. हाइ रिसेप्टर टायरोसिन काइनेज (एफएलटी3, केआईटी) ट्रांसक्रिप्ट वर्सस एंटी–एपॉप्टॉटिक (बीसीएल2) ट्रांसक्रिप्ट रेशियो इंडिपेंडेंटली प्रीडिक्ट्स इंफेरियर आउटकम इन पीडियाट्रिक एक्यूट माइलॉइड ल्यूकेमिया. *ब्लड सेल मोल डिस* 2015;54(1):56–64.

1514. सहरावत एसके, बक्शी आर, विष्णुभाटला एस, गुप्ता आर, बक्शी एस. एफएलटी3 – आईटीडी म्यूटेशन इन रिलेक्शन टू एफएलटी3 एक्सप्रेशन इन पीडियाट्रिक एएमएल : ए प्रॉस्पेक्टिव स्टडी फ्रॉम इंडिया. *पीडियाट्रिक हिमेटोल ओंकोल* 2014;31(2):131–137.

1515. सहरावत एसके, रैना वी, कुमार एल, शर्मा ए, बक्शी आर, विष्णुभाटला एस, एट ऑल क्वांटिटेटिव असेसमेंट ऑफ बीएएक्स ट्रांसक्रिप्ट एण्ड फ्लो साइटोमेट्रिक एक्सप्रेशन इन एक्यूट माइलॉइड ल्यूकेमिया : ए प्रॉस्पेक्टिव स्टडी. *हिमेटोलॉजी* 2014;19:404–11.

1516. सहरावत एसके, विष्णुभाटला एस, बक्शी आर, रैना वी, कुमार एल, शार्मा ए, बक्शी एस. रिलेटिव रिसेप्टर टाइरोसिन काइनेस एण्ड एंटी–एपॉप्टॉटिक ट्रांसक्रिप्ट होल्ड पोटेंशियल फॉर प्रीडिक्टिंग इंफेरियर आउटकम इन एडल्ट एक्यूट माइलॉइड ल्यूकेमिया : ए प्रॉस्पेक्टिव पायलट स्टडी. *क्लिन लिम्फोमा माइलोमा ल्यूक* 2014 दिसम्बर;14(6):501–508.ई2.

1517. शर्मा ए, अग्रवाल सी, माथुर वीपी, सरदाना डी. सीवियर गिंगिवल एनलार्जमेंट विद कोएक्सिटिंग इरोसिव लिचेन प्लान्स इन सीवियर क्रोनिक पेरिडोंटिटिस पेशेंट. *केस रैप डेंट* 2015;2015:1–6.

1518. शर्मा ए, अग्रवाल एस, आहूजा वी, बाल सी. एवेल्युएशन ऑफ गैस्ट्रो – इसोफेजियल रिफ्लक्स बीफोर एण्ड आफ्टर स्लीव गैस्ट्रोक्टॉमी यूजिंग सिमटम स्क्रोरिंग, सिंटीग्राफी एण्ड एंडोस्कॉपी. *सर्ज ओबेस रिलेट डिस* 2014 जुलाई–अगस्त;10(4):600–5.

1519. शर्मा ए, भाकुनी टी, राजन आर, कुमार आर, किशोर के, कमल वीके, महापात्रा एम, जयराजपुरी एमए, सक्सेना आर. पॉलीमॉर्फिज्म इन फेक्टर वी एण्ड एंटीथ्रोम्बिन 3 जीन इन रिकरंट प्रेग्नेंसी लोस : ए केस – कंट्रोल स्टडी इन इंडियन पॉपुलेशन. जे. *थ्रोम्ब थ्रोम्बोलाइसिस* 2015 मई;39(4):481–8.

1520. शर्मा ए, गोयल वी, बिहारी एम, श्रीवास्तव ए, शुक्ला जी, विभा डी. इम्पल्स कंट्रोल डिस्ऑर्डर एण्ड रिलेटिड बिहेवियर्स (आईसीडी–आरबी) इन पार्किन्सन डिजीज पेशेंट्स : असेसमेंट यूजिंग ''क्वेशचनायर फॉर इम्पल्सिव – कम्पल्सिव डिस्ऑर्डर इन पार्किन्सन डिजीज'' (क्यूयूआईपी). *एन इंडियन अकैड न्यूरोल* 2015;18:49–59.

1521. शर्मा ए, मदन आर, कुमार आर, सागर पी, कमल वीके ठक्कर ए, शर्मा ए मोहंती बीके. कम्प्लायंस टू थैरेपी – एल्डर्ली हैड एण्ड नेक कार्सिनोमा पेशेंट्स. *केनेडियन जेरियाट्रिक्स जर्नल* 2014 सितम्बर;17(3).

1522. शर्मा ए, माथुर वीपी, सरदाना डी. इफेक्टिव मैनेजमेंट ऑफ ए प्रेग्नेंसी ट्यूमर यूजिंग ए सॉफ्ट टिशू डायोड लेजर : ए केस रिपोर्ट. *लेजर थर* 2014 दिसम्बर 27;23(4):279–82.

1523. शर्मा ए, पटेल एन, अरोड़ा एस, रामचंद्रन आर. चाइल्ड सीथरे – चोटजन सिंड्रोम : एनेस्थिटिक मैनेजमेंट एण्ड लिटरेचर रिव्यू. *एक्टा एनेस्थिसियोल बेलज* 2014;65:179–82.

1524. शर्मा ए, प्रसाद के, पदमा एमवी, त्रिपाठी एम, भाटिया आर, सिंह एमबी, एट ऑल. प्रीवलेंस ट्रिगरिंग फेक्टर्स इन एक्यूट स्ट्रोक : हॉस्पीटल–बेस्ड ऑब्जर्वेशनल क्रॉस – सेक्शनल स्टडी. *जे स्ट्रोक सेरेब्रोवेस डिस* 2015;24:337–47.

1525. शर्मा ए, शर्मा एस, यादव एस, नाईक एसएन. रोल ऑफ करंजा डीऑयलेड केक बेस्ड मीडियम इन प्रोडक्शन ऑफ प्रोटेस एण्ड फैटी एसिड बाय पैसिलोमाइसिस लिकेसिनस 6029. *जे बायोसाइ बायोइंज* 2014;118:270–1.

1526. शर्मा ए, शिंदे डीके, व्यास वी, ब्यानी जी, कावु देवी एस, देवरा एस. डिफिकल्ट इंट्यूबेशन इन ए पेशेंट विद कार्सिनोमा कोलोन ड्यू टू ट्रैकोब्रोंकोपैथिया ऑस्टियोकोंड्रोप्लास्टिका : एन इंसिडेंटल फाइंडिंग और अदरवाइज़. *इजिप्ट जे एनेस्थिसियोल* 2015;31:199–202.

1527. शर्मा ए, सिंह पीएम, त्रिखा ए, रेवाड़ी वी, चंद्रलेखा. एंट्रोपी कोरेलेट्स विद रिकमंड एजिटेशन सिडेशन स्केल इन मेकेनिकली वेंटिलेटिड क्रिटिकली इल पेशेंट्स. जे. *क्लिन मॉनिट कम्प्यूट* 2014;28:193–201.

1528. शर्मा ए, सिन्हा आर. एन अनयुजुअल कॉज ऑफ इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम इंटरफेरेंस इन द ऑपरेशन थेटर. *जे एनेस्थिसियोल क्लिन फार्मोकोल* 2015;31:131–2.

1529. शर्मा ए, सुब्रामणियम आर, मिश्रा एम, जोशिराज बी, कृष्णा जी, वर्मा पी, एट ऑल. एनेस्थेटिक मैनेजमेंट ऑफ इमर्जेंट लेपेरोस्कोपिक बायलेटरल एड्रेनलेक्टॉमी इन ए पेशेंट विद ए लाइफ – थ्रटेनिंग कॉर्टिसोल क्राइसिस. *केस रैप* 2015;4:15–18.

1530. शर्मा डीएन, चौधरी पी, शर्मा एस, गुप्ता एल, जगदेशन पी, रथ जीके, एट ऑल. कम्पेरिजन ऑफ हाई – डोज – रेट इंट्राएक्टिवटरी ब्रेकीथेरैपी डोजीमेट्री विद एण्ड विदाउट एनेस्थिसिया इन पेशेंट्स विद सर्वाइकल. *जे एप्ल क्लिन मेड फिजि* 2014;15:4670.

1531. शर्मा डीएन, जोशी एनपी, गांधी एके, हरेश केपी, गुप्ता एस, जुल्का पीके, एट ऑल. हाई – डोज – रेट इंटरस्टिशियल ब्रेकीथैरैपी फॉर टी1–टी2–स्टेज पेनिल कार्सिनोमाः शॉर्ट–टर्म रिजल्ट. *ब्रेकीथेरैपी* 2014;13:481–7.

1532. शर्मा डीएन, रस्तोगी एस, बक्शी एस, रथ जीके, जुल्का पीके लेविराज एमए, खान एसए, कुमार ए. रोल ऑफ एक्स्ट्राकॉर्पोरियल रेडिएशन इन मेलिग्नमेंसी बोन ट्यूमर्स. *इंडियन जे कैंसर* 2013 अक्तूबर–दिसम्बर;50(4):306–9.

1533. शर्मा जी, कुमार जीएनके, यादव एस, लखोटिया डी, सिंह आर, गमनगट्टी एस, शर्मा वी. पेरर्टोचेन्टेरिक फ्रैक्चर्स (एओ / ओटीए 31–ए1 और ए2) नॉट एमअनेबल टू क्लॉस्ड रिडक्शन : कॉज ऑफ रिड्यूसिबिलिटी. *इंजरी* 2014 दिसम्बर;45(12):1950–7.

1534. शर्मा जे, गर्ग पीके, जैन डी, बक्शी एस, पाण्डे डी. प्राइमरी हॉजकिन डिजीज ऑफ द कॉमन बाइल डक्ट : ए केस रिपोर्ट एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. *जे गैस्ट्रोइंटेस्ट कैंसर* 2014 दिसम्बर;45(सप्ल1):218–21.

1535. शर्मा जेबी, कुमार एस, गोयल एम, रॉय केके. प्रीवलेंस ऑफ इंसिडेंटल पेरिहिपेटिक एडहेसन्स एट लेपेरोटॉमी इन केस ऑफ ओवेरियन कैंसर. *इंट जे गायनीकोल ओब्स्टेट* 2014 जनवरी;124(1):81.

1536. शर्मा जेबी, नाहा एम, कुमार एस, रॉय केके, सिंह एन, अरोड़ा आर. जेनिटल ट्यूबरकुलोसिस : एन इम्पॉटेंट कॉज ऑफ एसिटोपिक प्रेग्नेंसी इन इंडिया. *इंडियन जे ट्यूबेरक* 2014 अक्तूबर;61(4):312–7.

1537. शर्मा जेबी, शर्मा एस, उषा बीआर, गुप्ता ए, कुमार एस, मुखोपाध्याय एके. ए क्रॉस – सेक्शनल स्टडी ऑफ ट्यूमर मार्कर्स ड्यूरिंग नॉर्मल एण्ड हाई – रिस्क प्रेग्नेंसिज. *इंट जे गायनीकोल ऑब्स्टेट.* 2015जून;129(3):203–6.

1538. शर्मा एम, पाण्डे एस, रंजन आर, सेठ टी, सक्सेना आर. प्रीवलेंस ऑफ अल्फा थैलेसेमिया इन माइक्रोसाइटिक एनीमिया : ए टर्शरी केयर एक्सपीरियंस फ्रॉम नॉर्थ इंडिया. *मेडिटेर जे हिमेटोल इंफेक्ट डिस* 2015 जनवरी 1;7(1):ई2015004.

1539. शर्मा एम, सिंह पी, अग्निहोत्री ए, दास पी, मिश्रा ए, वर्मा एके, एट ऑल. सिलियक डिजीज : ए डिसीज विद वेरिएड मैनीफेस्टेशन्स इन एडल्ट्स एण्ड एडोलसेंट. *जे डिग डिस* 2013;14:518–25.

1540. शर्मा एमके, मोहंती एस, अरुलसेल्वी एस, राव डीएन, भोई एसके. इंक्रीज्ड हिमेटोपोइटिक प्रोजेनिटर सेल (एचपीसी) मोबिलाइजेशन फ्रॉम बोन मैरो एसोसिएटिड विद मोर्टिलिटी फ्लोइंग ट्रामा हेमोरेजिक शॉक. *जे साइटोथेरैपी* 2014. ख्मुद्रण से पहले ई–प्रकाशन,

1541. शर्मा एन, बाजपेयी एम, कुमार ए, पॉल एस, जाना एम. पोर्टल हाइपरटेंशन : ए क्रिटिकल एप्रेजल ऑफ शंट प्रोसीजर विद इम्फेसिस ऑन डिस्टल स्प्लेनोरीनल शंट इन चिल्ड्रन. *जे इंडियन एसो पीडियाट्रि* सर्ज 2014 अप्रैल;19(2):80–4.

1542. शर्मा एन, बाजपेयी एम, पांडा एसएस. पेनाइल रिकंस्ट्रक्शन : रिकरंट कॉन्सेप्ट एण्ड एविलेबल टेकनिक्स. जर्नल ऑफ प्रोग्रेस इन *पीडियाट्रिक यूरोलॉजी* 2014;17:64–69.

1543. शर्मा एन, भटनागर वी, श्रीनिवास एम, अग्रवाल एस, सिंह एमके, शर्मा आर. कोरिलेशन ऑफ इंट्राकैस्टिक प्रेशर विद सिस्ट वॉल्यूम, लेंथ ऑफ कॉमन चैनल, बायोकेमिकल चैंजिस इन बाइल एण्ड हिस्टोपैथोलॉजिकल चैंजिस इन लिवर इन कोलेडोकल सिस्ट. *जे इंडियन एसो. पीडियाट्रि सर्ज* 2014;19:10–6.

1544. शर्मा एन, जैन एम, सेहरा एसवी, महापात्रा पी, अग्रवाल टी, सतपति जी, वाजपेयी आरबी. आउटकम ऑफ थेरेप्यूटिक पेनेट्रेटिंग केरोटोप्लास्टी फ्रॉम ए टर्शरी आइ केयर सेंटर इन नॉर्दन इंडिया. *कॉर्निया* 2014 फरवरी;33(2):114–8.

1545. शर्मा एन, कबीर एन, चौहान एफए, सेन एस, कश्यप एस. इम्प्रेशन साइटोलॉजी – रोल इन ऑक्यूलर सरफेस डिसऑर्डर. *डीओएस टाइम्स* 2014 दिसम्बर;20(6):41–45.

1546. शर्मा एन, लाती एसएस, सेहरा एसवी, अग्रवाल टी, सिन्हा आर, टिटियाल जेएस, वेलपांडियन टी, टंडन आर, वाजपेयी आरबी. कम्पेरिजन ऑफ अम्बीलिकल कॉर्ड सीरम एण्ड एम्नियोटिक मेम्ब्रेन ट्रांसप्लाटेशन इन एक्यूट ऑक्यूलर केमिकल्स बर्न्स. *ब्र जे ऑप्थेल्मोल* 2015 मई;99(5):669–73.

1547. शर्मा एन, रॉय एस, महाराणा पीके, सेहरा एसवी, सिन्हा आर, टंडन आर, टिटियाल जेएस, वाजपेयी आरबी. आउटकम ऑफ कार्नियल कोलेजन क्रॉसलिंकिंग इन स्यूडोफेकिक बुल्लोयस केरोटोपैथी. *कॉर्निया* 2014 मार्च;33(3):243–6.

1548. शर्मा एन, श्रीनिवास एम. लेरिंजियोट्रेकियोब्रोंकोस्कोपी प्रायर टू इसोफेगियल आर्टिसिया एण्ड ट्रेकोइसोफेगियल फिस्टुला रिपेयर – इट्स यूज एण्ड इर्म्पोटेंस. *जे. पीडियाट्रि सर्ज* 2014;4:367–9.

1549. शर्मा एन, सूरी के, सेहरा एसवी, टिटियाल जेएस, सिन्हा आर, टंडन आर, वाजपेयी आरबी. कोलेजन क्रॉस – लिंकिंग इन केरोटोकोनस इन एशियन आइज़ : विजुअल, रिफ्रेक्टिव एण्ड कंफोकल माइक्रोस्कोपिक आउटकम्स इन ए प्रॉस्पेक्टिव रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल. *इंट ऑपथेल्मोल* 2015 दिसम्बर;35(6):827–32.

1550. शर्मा पी, अरोड़ा एस, ढल वीएस, नास्वा एन, कुमार आर, अम्मीनी एसी, बाल सी. एवेल्युएशन ऑफ (68)जीए–डीओटीएएनओसी पीईटी/सीटी इमेजिंग इन ए लार्ज एक्सक्लुसिव पॉपुलेशन ऑफ पैनक्रियाटिक न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर्स. *एब्डोम इमेजिंग* 2015 फरवरी; 40(2):299–309.

1551. शर्मा पी, अरोड़ा एस, करुणानिती एस, खडगावत आर, दुर्गापाल पी, शर्मा आर, एट ऑल. सोमेटोस्टेटिन रिसेप्टर बेस्ड पीईटी/सीटी इमेजिंग विद 68जीए–डीओटीए–नेल3–ऑक्टरेयोटाइड फॉर लोकलाइजेशन ऑफ क्लिनिकली एण्ड बायोकेमिकली सस्पेक्टिड इंसुलिनोमा. *क्यू जे न्यूक्लि मेड मॉल इमेजिंग* 2014अप्रैल17.

1552. शर्मा पी, ढल वीएस, बाल सी, मल्होत्रा ए, कुमार आर. 68जीए – डीओटीएएनओसी पीईटी / सीटी इमेजिंग इन ग्लियोमस लेरिंगिकम. *क्लिन न्यूक्लि मेड* 2014 अप्रैल; 39(4):379–80.

1553. शर्मा पी, ढल वीएस, सुमन एस, बाल सी, मल्होत्रा ए, कुमार आर. 68जीए–डीओटीएएनओसी सोमेटोस्टेटिन रिसेप्टर पीईटी – सीटी इमेजिंग इन मल्टीपल माइलोमा. *क्लिन न्यूक्लि मेड* 2014 अप्रैल;39(4):374–5.

1554. शर्मा पी, गर्ग जी, कुमार ए, मोहम्मद एफ, कुमार एसआर, तंवर वीएस. जीनोम वाइड डीएनए मिथलाइजेशन प्रोफाइलिंग फॉर एपिजेनेटिक अल्टरेशन इन कोरोनरी आर्टरी डिजीज पेशेंट्स. *जीन* 2014;541:31–40.

1555. शर्मा पी, जैन एस, करुणानिती एस, थुलकर एस. एट ऑल. डायग्नोस्टिक एक्यूरेसी ऑफ ^{18}एफ–एफडीजी/सीटी फॉर डिटेक्शन ऑफ ससपेक्टिड रिकरेंस इन पेशेंट्स विद इसोफेजियल कार्सिनोमा *इयूर जे न्यूक्लि मेड मोल इमेजिंग* 2014 जून;41(6):1084–92.

1556. शर्मा पी, जैन टीके, परिदा जीके, करुणानिती एस, पटेल सी, शर्मा ए, थुलकर एस, जुल्का पीके, बाल सी, कुमार आर. डायग्नोस्टिक एक्यूरेसी ऑफ इंटीग्रेटिड (18) एफ – एफडीजी / सीटी फॉर रिस्टेजिंग पेशेंट्स विद मेलिग्नेंट जर्म सेल ट्यूमर्स. *ब्र जे रेडियोल* 2014 अगस्त; 87(1040):20140263.

1557. शर्मा पी, करुणानिती एस, चक्रबर्ती पीएस, कुमार आर, सेठ ए, जुल्का पीके, बाल सी, कुमार आर. 18एफ–फ्लोराइड–पीईटी/सीटी फॉर डिटेक्शन ऑफ बोन मेटोस्टेसिस इन पेशेंट्स विद रीनल सेल कार्सिनोमाः ए पायलट स्टडी. *न्यूक्लि मेड कम्युन* 2014 दिसम्बर; 35(12):1247–53.

1558. शर्मा पी, खान वाईयू, फारूक ओ, त्रिपाठी एम, अडेली एच. ए वेवलेट–स्टेटिस्टिकल फीचर्स एप्रोच फॉर नॉनकंवुलसिव सीजर्स डिटेक्शन. *क्लिन ईजी न्यूरोसाइंस* 2014. ख्मुद्रण से पहले ई–प्रकाशन,

1559. शर्मा पी, मेहता एम, सागर आर. माइग्रेन एण्ड टेंशन – टाइप हैडएक इन इंडियन एडोलसेंट : फिजियोसोशल कॉज एण्ड इट्स फिजियोसोशल कोरेलेट्स. *इंडियन जे क्लिन साइकोल* 2014;41(2):120–6.

1560. शर्मा पी, मुखर्जी ए, करुणानिती एस, बाल सी, कुमार आर. पोटेंशियल रोल ऑफ 18एफ – एफडीजी पीईटी / सीटी इन पेशेंट्स विद फंगल इंफेक्शन्स. *एजेआर एम जे रोएंटजिनोल* 2014 जुलाई; 203 (1) : 180–9.

1561. शर्मा पी, मुखर्जी ए, करुणानिती एस, नदरजह जे, गमनगट्टी एस, खान एसए, बाल सी, कुमार आर. 99एमटीसी – मेथिलेन डिफॉस्फोनेट एसपीईसीटी / सीटी एज द वन – स्टॉप इमेजिंग मोडेलिटी फॉर द डायग्नोसिस ऑफ ऑस्टियोइड ऑस्टियोमा. *न्यूक्लि मेड कम्युन* 2014 अगस्त; 35(8):876–83.

1562. शर्मा पी, नास्वा एन, केसी एसएस, अलवारादो एलए, द्विवेदी एके, यादव वाई, कुमार आर, अम्मीनी एसी, बाल सी. कम्पेरिजन ऑफ द प्रोग्नोस्टिक वॉल्वस ऑफ 68जीए – डीओटीएएनओसी पीईटी / सीटी एण्ड 18एफ – एफडीजी पीईटी / सीटी इन पेशेंट्स विद वेल–डिफरेंसिएटिड न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर. *यूर जे न्यूक्लि मेड मॉल इमेजिंग* 2014 दिसम्बर;41(12):2194–202.

1563. शर्मा पी, सिंह एच, बाल सी, कुमार आर. नॉन–ओसिफाइंग फाइब्रोमा मिमिकिंग डिस्टेंट मेटास्टेसिस ऑफ ऑस्टियोसार्कोमा ऑन (99मी) टीसी–मेथिलेन डिफॉस्फोनेट बोन सिंटीग्राफीः डायग्नोसिस विद सिंगल फोटॉन इमिशन टोमोग्राफी/कम्पयूटिड टोमोग्राफी. *इंडियन जे न्यूक्लि मेड* 2014 जुलाई; 29(3):163–4.

1564. शर्मा पी, सुधीर एसके, ढल वीएस, जैन टीके, बाल सी, कुमार आर. मीडियास्टाइनल जर्म सेल ट्यूमर प्रजेंटिंग विद बोन मेरो मेटोस्टेसिसः एन अनयुजुअल पैटर्न ऑफ रिलेप्स डीमोनस्ट्रेटिड विद (18) एफ–एफडीजी पीईटी–सीटी. *रिव एस्प मेड न्यूक्लि इमेजन मॉल* 2014 मई–जून; 33(3):187–8.

1565. शर्मा पी, तोमर आर, मेनन वी, सक्सेना आर, शर्मा ए. इवेल्यूएशन ऑफ पेरियोस्टियल फिक्सेशन ऑफ लेटरल रिक्टस एण्ड पार्शियल वीआरटी फॉर केस ऑफ एक्स्ट्रोपिक ड्यूने रिट्रेक्शन सिंड्रो. *इंडियन जे ऑपथेल्मोल* 2014 फरवरी; 62(2):204–8.

1566. शर्मा आर, शार्मा पी. ए कोरेलेटेशन स्टडी टू असेस द रिलेशन ऑफ एंग्जाइटी एण्ड सोशल फोबिया विद अकैडमिक परफॉर्मेन्स ऑफ स्टुडेंट्स इन ए सिलेक्टिड नर्सिंग कॉलेज. *इंट जे नर्सिंग एड्यू* 2014;7(2):26–30.

1567. शर्मा आरके, पुरोहित ए, सोमसुंदरम वी, मिश्रा पीसी, कोतरु एम, रंजन आर, एट ऑल. एबेरेंट माइलॉइड एंटीजन को – एक्सप्रेशन इज कोरेलेटिड विद हाइ प्रसेंटेज ऑफ सीडी34 – पॉजीटिव सेल अमंग ब्लास्ट ऑफ एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया पेशेंट्स : एन इंडियन टर्शरी केयर सेंटर पर्सपेक्टिव. *ब्लड रेस* 2014 दिसम्बर;49(4):241–5.

1568. शर्मा एस, क्यूरी जे. इंग्विनल हर्निया इन प्रीमच्योर इंफेट्स. *जर्नल इंडियन एसो पीडियाट्रि सर्ज* 2015;20:25–6.

1569. शर्मा एस, घोष एस, सिंह एलके, सरकार ए, मल्होत्रा आर, गर्ग ओपी, सिंह वाई, शर्मा आरएस, भाकुनी डीएस, दास टीके, बिस्वास एस. आइडेंटीफिकेशन ऑफ ऑटोएंटीबॉडीज़ एगेंस्ट ट्रांसथिरेटिन फॉर द स्क्रीनिंग एण्ड डायग्नोसिस ऑफ रूमेटॉइड आर्थराइटिस. *पीएलओएस वन* 2014 अप्रैल 8;9(4):ई93905.

1570. शर्मा एस, गोगिया वी, गर्ग पी, वेंकटेश पी, गुप्ता एस, शर्मा वाई. इनोवेटिव मल्टीप्लानर रिकंस्ट्रक्शन एण्ड वॉल्यूम – रेंडर्ड कम्प्यूटिड टोमोग्राफी इन द असेस्मेंट ऑफ स्क्लेरल बकल – रिलेटिड कॉम्प्लीकेशन्स. *रेटिना* 2015 अगस्त; 35(8):1656–61.

1571. शर्मा एस, गुप्ता डी, मोहंती एस, जस्सल एम, अग्रवाल एके, टंडन आर. सरफेस – मोडिफाइड इलेक्ट्रोस्पुन पॉली (एप्सिलॉन–कैप्रोलेक्टोन) स्कैफोल्ड विद इम्प्रूव्ड ऑप्टिकल ट्रांसपरेंसी एण्ड बायोएक्टिविटी फॉर डेमेज्ड ऑक्यूलर सरफेस रिकंस्ट्रक्शन. *इनवेस्ट ऑपथेल्मो विस साइ.* 2014 फरवरी 12;55(2):899–907.

1572. शर्मा एस, गुप्ता डीके स्टेम–सेल थेरैपी फॉर न्यूरोलॉजिक डिजीज. *जे न्यूरोएनेस्थिसियोल क्रिट केयर* 2015;2:15–22.

1573. शर्मा एस, कौशिक एस, सिन्हा एम, कुशवाह जीएस, सिंह ए, सिकरवार जे, एट ऑल. स्ट्रक्चरल एण्ड फंक्शनल इनसाइट्स इन टू पेप्टीडिल–टीआरएनए हाइड्रोलेस. *बायोकेम बायोफिजि एक्टा* 2014;1844:1279–88.

1574. शर्मा एस, लोगानी ए, शाह एन, कम्परेटिव एफिकेसी ऑफ फोटो – एक्टिवेटिड डिसइंफेक्शन एण्ड कैल्शियम हाइड्रोक्साइड फॉर डिसइंफेक्शन ऑफ रिमेनिंग केरियस डेंटिन इन डीप कैविटीज़ः ए क्लिनिकल स्टडी. *रिस्टोर डेंट एंडोड* 2014 अगस्त;39(3):195–200.

1575. शर्मा एस, नाग टीसी, भारद्वाज डीएन, वेनामेल पी, रॉय टीएस. चेजिंग पॉपुलेशन ऑफ न्यूरोन्स एण्ड ग्लिया इन द ह्यूमन कोक्लीयर न्यूक्लियस विद प्रोग्रेसिव एज–ए स्टीरियोलॉजिकल स्टडी. जे. *एनाट सोक इंडिया* 2014;63:142–150.

1576. शर्मा एस, नाग टीसी, ठक्कर ए, भारद्वाज डीएन, रॉय टीएस. एज एसोसिएटिड चैंजिस इन द ह्यूमन कोक्लीयर न्यूक्लियस–ए थ्री डायमेंशनल मॉडलिंग एण्ड इट्स पोटेंशियल एप्लीकेशन फॉर ब्रेनस्टेम इम्प्लांट्स. जर्नल ऑफ द एनाटोमिकल सोसाइटी ऑफ द इंडिया 2014:63:12–18

1577. शर्मा एस, नाग टीसी, ठक्कर ए, भारद्वाज डीएन, रॉय टीएस. दि एजिंग ह्यूमन कोक्लीयर न्यूक्लियस–चेंजिस इन द ग्लियल फाइब्रिलरी एसिडिक प्रोटीन, इंट्रासेल्यूलर कैल्शियम रेगुलेटरी प्रोटीन्स, जीएबीए न्यूरोट्रांसमीटर एण्ड क्लोलिर्जिक रिसेप्टसर. जे कैम न्यूरोएनाट 2014 मार्च;56:1–12.

1578. शर्मा एस, पांडा ए, जाना एम, अरोड़ा ए, शर्मा एसके. ऑपथेलेमिक मैनीफिस्टेशन्स ऑफ सिस्टेमिक डिजीज–पार्ट–1: फैकोमेटोसिस, हिमेटोलॉजिक मेलिग्नेंसिस, मेटास्टेसिस, एण्ड हिस्टोसाइटोसिस. *क्यूर प्रोब डायग्न रेडियोल* 2014 जुलाई–अगस्त;43(4):175–85.

1579. शर्मा एस, शर्मा जी, होते एम, देवागौडा वी, केसरी वी, अरवा एस, एरन बी, रे आर. लाइट एण्ड इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कॉपिक फीचर्स ऑफ सर्जिकली एक्सीसिड लेफ्ट आर्टियल एपेंडेज इन रूमेटिक हार्ट डिजीज पेशेंट्स विद आर्टियल फाइब्रिलेशन एण्ड सिनस रिद्म *कार्डियोवेस पैथोल* 2014 नवम्बर–दिसम्बर;23(6):319–26.

1580. शर्मा एस, गोगिया वी, गर्ग पी, वेंकटेश पी, गुप्ता एस, शर्मा वाई. इनोवेटिव मल्टीप्लानर रिकंस्ट्रक्शन एण्ड वॉल्यूम रेंडर्ड कम्प्यूटिड टोमोग्राफी इन असेस्मेंट ऑफ स्क्लेरल बकल रिलेटिड कॉम्प्लीकेशन्स. *रेटिना* 2015 अगस्त;35(8):1656–61.

1581. शर्मा एस, नाग टीएस, भारद्वाज डीएन, वेनामेल पी, रॉय टीएस. चेंजिंग पॉपूलेशन ऑफ न्यूरॉन्स एण्ड ग्लिया इन द ह्यूमन कोक्लीयर न्यूक्लियस विद प्रोग्रेसिव एज – ए स्टीरियोलॉजिकल स्टडी. *जर्नल ऑफ द एनाटोमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया* 2014;63(2):142–150.

1582. शर्मा एस. इमेजिंग एण्ड इंटरवेंशन इन प्रोस्टेट कैंसर: करंट पर्सपेक्टिव्स एण्ड फ्यूचर ट्रेंड्स. *इंडियन जे रेडियोल इमेजिंग* 2014 अप्रैल; 24(2):139–148

1583. शर्मा एस. पीडियाट्रिक सर्जन्स व्यू पॉइंट. वीएटीएस या यूरोकाइन फॉर ट्रीटमेंट ऑफ इम्फीएमा? *इंडियन पीडियाट्रिक्स* 2015; 52 : 59–60.

1584. शर्मा एससी, सागर पी, कुमार आर, दुर्गापाल पी. आइसोलेटिड मेटास्टेटिक पैपिलरी थाइरॉइड कार्सिनोमा मस्क्वेरेडिंग एज पैराफेरिंगियल स्पेस पैरागैंगग्लियोमा. *सिंगापुर मेड जे* 2014 मार्च;55(3):ई42–5.

1585. शर्मा एसके, गोयल ए, गुप्ता एसके, मोहन के, श्रीनिवास वी, राय एसके, सिंह यूबी, चौहान एलएस, प्रीवलेंस ऑफ ट्यूबरकुलोसिस इन फरीदाबाद डिस्ट्रिक्ट, हरियाणा स्टेट, इंडिया *इंडियन जे मेड रेस* 2015 फरवरी;141(2):228–35.

1586. शर्मा एसके, गुप्ता एस, दुर्गापाल पी, मुखर्जी ए, सेठ टी, मिश्रा पी, महापात्रा एम, जैस आई, रे आर, शर्मा पी. डिसेमिनेटिड हिस्टोप्लाज्मोसिस इन ए पेशेंट विद एप्लास्टिक एनीमिया. *इंडियन जे हिमेटोल ब्लड ट्रांसफयूस* 2014जून;30(2):143–4.

1587. शर्मा एसके, झा बीके, शर्मा ए, श्रीनिवास वी, उपाध्याय वी, जयसिंघानी सी, एट ऑल. जेनेटिक पॉलीमॉर्फिज्म ऑफ सीवाईपी2ई1 एण्ड जीएसटीएम1 लॉकी एण्ड सस्सीप्टीबिलिटी टू एंटी–ट्यूबरकुलोसिस ड्रग–इंड्यूस्ड हिपेटोटॉक्सीसिटी. *इंट जे ट्यूबर लंग डिज* 2014;18(5):588–593.

1588. शर्मा एसके, कटोच वीएम, मोहन ए, कधिरवन टी, इलावारसी ए, रगेश आर, एट ऑल. इंडियन इनीशिएटिव ऑन ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया गाइडलाइन्स वर्किंग ग्रुप; इंडियन इनीशिएटिव ऑन ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप. कंसेंसस एण्ड एविडेंस–बेस्ड आईएनओएसए गाइडलाइन्स 2014 (फर्स्ट एडिशन). *इंडियन जे मेड रेस* 2014 सितम्बर; 140(3):451–68.

1589. शर्मा एसके, कोहली एम, चौबे जे, यादव आरएन, शर्मा आर, सिंह बीके, एट ऑल. एवेल्यूएशन ऑफ एक्स्पर्ट एमटीबी/आरआईएफ एसे परफॉर्मेन्स इन डायग्नोसिंग एक्स्ट्रापल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस अमंग एडल्ट्स इन ए टर्शरी केयर सेंटर इन इंडिया. *इयूर रेस्पियर जे* 2014 अक्तूबर;44(4):1090–3.

1590. शर्मा एसके, कुमार एस, सिंह एके, सेठ टी, मिश्रा पी, शर्मा एस, महापात्रा एम. डिफ्यूज एल्वेओरल हिमोरेज फ्लोइंग एलोजेनेसिस पेरिफेरल ब्लड स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन: ए केस रिपोर्ट एण्ड ए शॉर्ट रिव्यू. *इंडियन जे हिमेटोल ब्लड ट्रांसफ़्यूज* 2014 मार्च; 30(1):41–4.

1591. शर्मा एसके, कुमार एस, विजयकुमार एआर, सेठ टी, मिश्रा पी, महापात्रा एम, सजवाल एस, वेलपांडियन टी, सक्सेना आर. युटिलिटी ऑफ द थ्रू प्लाज्मा इमेटिनिब लेवल मॉनिटरिंग एट टू टाइम पॉइंट्स इन पेशेंट्स विद द क्रोनिक माइलॉइड ल्यूकिमिया – क्रोनिक फेज. *जे कैंसर रेस थर* 2014 अप्रैल–जून;10(2):305–8.

1592. शर्मा एसके सिंह आरके, सेठ टी, मिश्रा पी, महापात्रा एम. एंटीथिमोसाइट ग्लोबुलिन इंड्यूस्ड रिकरंट सीजर्स इन ए केस ऑफ सीवियर एप्लास्टिक एनीमिया. *इंडियन जे हिमेटोल ब्लड ट्रांसफ्यूज* 2014 मार्च;30(1):70–1.

1593. शर्मा यू, जगन्नाथन एनआर. द रोल ऑफ इन विवो प्रोटॉन मेग्नेटिक रिसोनेंस स्पेक्ट्रोस्कॉपी (एमआरएस) इन द इवेल्यूएशन ऑफ ब्रेस्ट ऑफ प्रोस्टेट कैंसर. *जे. इंड इंस्ट. साइ* 2014;94:371–85.

1594. शर्मा यू, उपाध्याय डी, मेवार एस, मिश्रा ए, दास पी, गुप्ता एसडी, एट ऑल. मेटाबॉलिक एबनोर्मेलिटिस ऑफ गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल म्यूकोसा इन सेलियाक डिजीज : एन इन – विट्रो प्रोटोन एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कॉपी स्टडी. *जे गैस्ट्रोइंटेरोल हिपेटोल* 2015 अक्तूबर;30(10): 1492–8.

1595. शर्मा वी, अंगरूप ए, वर्मा एस, सिंह डी, कांगा ए. कम्युनिटी – एक्वायर्ड क्यूटेनियस अल्सर इन ए चाइल्ड चॉज बाय सेररेटिया मार्केस्केन्स. जेएमएम केस रेप 2014; 1. पब्लिशड ऑनलाइन अक्तूबर 30, 2014. डीओआई :10.1099ध्जे एम एम सी आर.0.003228.

1596. शर्मा वीके, राज डी, जैस आई, लोढ़ा आर, काबरा एसके. प्रीवलेंस एण्ड रिस्क फेक्टर्स फॉर एलर्जिक ब्रोंकोपल्मोनरी स्परग्लियोसिस इन इंडियन चिल्ड्रन विद साइटिक फीब्रोसिस. *इंडियन पीडियाट्रिक* 2014 अप्रैल;51(4):295–7.

1597. शर्मा वीके, सिंह एस, रामम एम, कुमावत एम, कुमार आर. ए रैंडोमाइज्ड प्लेसबो – कंट्रोल्ड डबल – ब्लाइंड पायलट स्टडी ऑफ मेथोट्रेक्सेट इन द ट्रीटमेंट ऑफ एच1 एंटीहिस्टेमाइन – रेसिस्टेंट क्रोनिक स्पॉनटेनियस यूटिकेरिया. *इंडियन जे डर्मेटोल वेनेरोल लेप्रोल* 2014 मार्च–अप्रैल;80(2):122–8.

1598. शर्मा वाईआर, त्रिपाठी के, वेंकटेश पी, गोगिया वी. एफ्लिबेरसेप्ट – हाउ डज इट कम्पेयर विद अदर एंटी – वीईजीएफ ड्रग? *ऑस्टिन जे क्लिन ऑपथेल्मोल* 2014;1(3):1016.

1599. शेखर एच, गोगिया वी. वशिष्ठ एन, गुप्ता एस, कक्कड़ ए, वेंकटेश पी. एंडोजिनियस एंडोफथेलमिटिस बाय क्रिसोस्पोरियम : एन अपॉरच्युनिटिक पैथोजन. *ऑक्यूल इम्युनोल इंफ्लेम* 2014 अप्रैल;22(2):158–60.

1600. शतकर एसएस, गुप्ता एसके, गुलाटी जीएस, जुनेजा आर. राइट सुपीरियर वेना केवा टू लेफ्ट आर्टियम : इर्म्पोटेंस ऑफ 'बबलिंग इट राइट''. *इकोकार्डियोग्राफी* 2014;31:ई161–2.

1601. शतकर एसएस, कोठारी एसएस. इंटरमिटेंट रिस्ट्रिक्टिव वेंट्रिकुलर सेप्टल डिफेक्ट इन टेट्रालॉजी ऑफ फैलॉट. *एन पीडियाट्रि कार्डियोल* 2015;8:80–1.

1602. शतकर एसएस, पारख एन, सिंह बी, मिश्रा एनके, रे आर, कार्तिकेयन जी, एट ऑल. कार्डियो – एम्बोलिक स्ट्रोक ड्यू टू वॉल्व टिशू एम्बोलाइजेशन ड्यूरिंग परक्यूटेनियस ट्रांससेप्टल मिट्रल कमिस्युरोटॉमी (पीटीएमसी) *इंडियन हार्ट जे.* 2014;66:546–9.

1603. शिवशंकर आर, किरक के, किम डब्ल्यूसी, रॉस सी, टंडन एन, वेंकट नारायण केएम, अली एमके. क्वालिटी ऑफ डायबिटीज़ केयर इन लो – एण्ड मिडल – इनकम एशियन एण्ड मिडल इंस्टर्न कंट्रीज (1993 – 2012) – 20 – इयर सिस्टमेटिक रिव्यू. *डायबिटीज़ रेस क्लिन प्रेक्ट* 2015 फरवरी;107(2):203–223.

1604. श्रेष्ठा डी, कुमार आर, दुर्गापाल पी, सिंह सीए. आइसोलेटिड नेसल क्रोमोब्लास्टोमाइकोसिस. *इंडियन जे पेथोल माइक्रोबायोल* 2014 जुलाई–सितम्बर;57(3):519–21.

1605. श्रीधर जी, थुलकर ए, देवरारी ए, प्रीटर्म न्यूबोर्न विद एब्डोमिनल डिस्टेंशिया, अल्टरेड नेसोगेस्ट्रिक एस्पीरेट्स एण्ड हिमेटोशेजिया. *न्यूरोरिव्यू* 2014 अक्तूबर;15(10):463–467.

1606. श्रीधर के, ढिल्लन आरके, बोवेन एल, एट ऑल. द एसोसिएशन बिटविन ए वेजीटेरियन डाइट एण्ड कार्डियोवेस्कुलर डिजीज (सीवीडी) रिस्क फेक्टर्स इन इंडिया : द इंडिया माइग्रेशन स्टडी. *पीएलओएस वन* 2014;9:ई110586.

1607. श्रीवास्तव ए, हजारे पीवी, खरबंदा ओपी, गुप्ता ए. स्ट्रेस डिस्ट्रीब्यूशन इन द टेम्पोरोमेंडीबुलर जॉइंट आफ्टर मेंडीबुलर प्रोट्रेक्शनःए थ्री–डिमेंशियल फिनाइट एलिमेंट स्टडी. *एंगल आर्थोडोंटिस्ट* 2015 मार्च;85(2):196–205.

1608. शुक्ला जी, गुप्ता ए, पाण्डे आरएम, कलाईवानी एम, गोयल वी, श्रीवास्तव ए, एट ऑल. वॉट फीचर्स डिफेंटएट यूनिलेटरल फ्रॉम बाइलेटरल रिस्टलेस लेग्स सिंड्रोम? ए कम्पैरेटिव ऑब्जर्वेशनल स्टडी ऑफ 195 पेशेंट्स. *स्लीप मेड* 2014 जून;15(6):714–9.

1609. शुक्ला पीके, गौतम एल, सिन्हा एम, कौर पी, शर्मा एस, सिंह टीपी. स्ट्रक्चर्स एण्ड बाइंडिंग स्टडीज़ ऑफ द कॉम्प्लेक्स ऑफ फॉस्फोलिपेस ए2 विद फाइव इंहिबिटर्स. *बायोकेम बायोफिजि एक्टा* 2015;1854:269–77.

1610. शुक्ला एसएन, रे एसबी. पोटेंटेशन ऑफ मार्फिन एनालजेसिया विद को – एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ निमोडिपाइन इन रेट टेल फ्लिक टेस्ट स्टडी : इम्प्लीकेशन्स इन ट्रीटमेंट ऑफ क्रॉनिक पैन. इंट जे मेड साइ. *पब्लिक हेल्थ* 2014;3:493–499.

1611. सिद्दामशेट्टी एके, वर्मा एसके, कोहली ए, पूरी डी, सिंह ए. एस्टीमेशन ऑफ टाइम सिन्स डैथ फ्रॉम इलेक्ट्रोलाइट, ग्लूकोज एण्ड कैल्शियम एनालाइसिस ऑफ पोस्टमार्टेम विट्रीयस ह्यूमोर इन सेमी – अराइड क्लाइमेट. *मेड साइं लॉ* 2014;54:158–66.

1612. सिद्दामशेट्टी एके, वर्मा एसके, कोहली ए, वर्मा ए, पूरी डी, सिंह ए. एक्सप्लोरिंग टाइम ऑफ डेथ फ्रॉम पोटेशियम, सोडियम, क्लोराइड, ग्लूकोज एण्ड कैल्शियम एनालाइसिस ऑफ पोस्टमार्टेम सिनोवियल फ्लूड इन सेमी अराइड क्लाइमेट. *जे फोरेंसिस लेग मेड* 2014;28:11–4.

1613. सिद्धार्थ वी, आर्या एस, गुप्ता एसके. ए स्टडी ऑफ प्रीस्क्रिबिंग प्रैक्टिस् इन ऑउट पेशेंट डिपार्टमेंट ऑफ एन एपेक्स टर्शरी केयर इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया. *इंट जे रेस फाउंड हॉस्प हेल्थकेयर एडमिन* 2014 जनवरी–जून;2(1):31–35.

1614. सिद्धार्थ वी, कांत एस, चंद्रशेखर आर, गुप्ता एसके. प्लानिंग प्रीमिसेस एण्ड डिजाइन कंसीडरेशन फॉर हाइब्रिड ऑपरेटिंग रूम. *इंट जे रेस फाउंडेशन हॉस्प हेल्थकेयर एडमिन* 2014;2(1):50–56.

1615. सिद्दिकी एए, खान एफ, शर्मा वाईडी. ह्मोरल इम्यून रिस्पॉन्सेज टू ए रिकॉम्बीनेंट प्लाज्मोडियम विवेक्स ट्रिप्टोफैन–रिच एंटीजन अमंग प्लाज्मोडियम विवेक्स–इंफेक्टिड पेशेंट्स एण्ड इट्स लोकलाइजेशन इन द पैरासाइट. *एप्पल बायोकेम बायोटेक्नोल* 2014;175:2166–77.

1616. सिद्दिकी एस, चट्टोपाध्याय एस, अख्तर एमएस, नजम एमजेड, देव एसवी, शुक्ला एनके, एट ऑल. ए स्टडी ऑन जेनेटिक वेरिएंट्स ऑफ फाइब्रोब्लास्ट ग्रोथ फेक्टर रिसपेटर 2 (एफजीएफआर2) एण्ड द रिस्क ऑफ ब्रेस्ट कैंसर फ्रॉम नॉर्थ इंडिया. *पीएलओएस वन* 2014; 9:ई110426.

1617. सिकरी एके, जायसवाल एके, बेहरा सी, गुप्ता एसके, मोहराणा एम. कैडिमियम पॉजीशनिंग विद एनालाइटिकल आस्पेक्ट्स एण्ड इट्स मैनेजमेंट. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट फार्मास्युटिकल एण्ड क्लिनिकल रिसर्च* 2015;5(1):25–32.

1618. सिकरी के, बत्रा एसडी, नंदी एम, कुमारी आर, तनेजा एनके, त्यागी जेएस. द प्लेइयोट्रॉपिक ट्रांसक्रिप्टशनल रिसपॉन्स ऑफ माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस टू विटामिन सी इज रोबस्ट एण्ड ओवरलैप विद द बैक्टीरियल रिसपॉन्स टू मल्टीपल इंट्रोसेल्युलर स्ट्रेस. *माइक्रोबायोलॅजी* 2015;161:739–53.

1619. सिलान वी, कांत एस, अर्चना एस, मिश्रा पी, रिजवान एसए. डिटरमिनेंट्स ऑफ अंडर युटिलाइजेशन ऑफ फ्री डिलीवरी सर्विसेज इन एन एरिया विद हाइ इंस्टीट्यूशनल डिलीवरी रेटः ए क्वालिटेटिव स्टडी. *नार्थ एम जे मेड साइं* 2014 जुलाई;6(7):315–20.

1620. सिलवेस्ट्री डीएम, ब्लेविन्स एम, अफजल एआर, एंड्रूज बी, डरबेव एम, कौर एस. एट ऑल. एनालाइसिस ऑफ मेडिकल एण्ड नर्सिंग स्टुडेंट इंटेशन्स टू वर्क एबॉर्ड और इन रूरल एरियाजः एन एट–कंट्री सर्वे फ्रॉम एशिया एण्ड अफ्रीका. *बुल वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गन* 2014 अक्तूबर;92(10):750–759.

1621. सिंह ए, अरवा एस, सिंह एमके. क्यूटेनियस लिम्फोमा : एन अपडेट. *इंडियन जे डर्मेटोपैथोल डाइग्न डर्मेटोल* 2014;1:7–16.

1622. सिंह ए, बाजपेयी एम, जाना एम. पाइलोप्लास्टी इन चिल्ड्रन बाय लम्बोटॉमी एप्रोच यूजिंग इंफेंट फीडिंग ट्यूब एज सिंगल स्टेंट. *अफ्र जे पीडियाट्रि सर्ज* 2014;11:18–21.

1623. सिंह ए, बाजपेयी एम, पांडा एसएस, चंद के, जाना एम, अली ए. इसोफेगियल फोरेन बॉडी इन चिल्ड्रन : 15 इयर्स एक्सपीरियंस इन ए टर्शरी केयर पीडियाट्रिक सेंटर. *अफ्र जे पीडियाट्रि सर्ज* 2014;11:238–41.

1624. सिंह ए, बाजपेयी एम, पांडा एसएस, जाना एम. कॉम्प्लीकेशन्स ऑफ पेरिफेरली इंसर्टेड सेंट्रल वेनस कैथेटर्स इन नियोनेटस : लेसन लर्न ओवर 2 इयर्स इन ए टर्शरी केयर सेंटर इन इंडिया. *अफ्र जे पीडियाट्रि सर्ज* 2014;11:242–7.

1625. सिंह ए, बाजपेयी एम, शर्मा एन, पांडा एसएस. एक्सपीरियंस विद लिवाडिटीज सर्कुलर मायोटॉमी इन मैनेजमेंट ऑफ लोन्ग गैप टीईएफ. *अफ्र जे पीडियाट्रि सर्ज* 2014;11:35–8.

1626. सिंह ए, बाजपेयी एम. प्लाज्मा रेनिन एक्टिविटी : अर्ली इंडीकेटर ऑफ रीनल इंजरी इन बाइलेटरल पेलवियूरेटेरिक जंक्शन ऑब्स्ट्रक्शन इन चिल्ड्रन. *यूरोल एन* 2014;6:295–7.

1627. सिंह ए, दास सीजे, धर ए, गुप्ता एके. रोल ऑफ डिफ्यूजन वेटेज एमआर इमेजिंग इन डायग्नोसिस ऑफ स्पाइनल कोर्ड स्ट्रोक फ्लोइंग ओर्टो – इलियक बायपास : केस रिपोर्ट एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. *न्यूरोल इंडिया* 2014 जुलाई–अगस्त;62(4):471–2.

1628. सिंह ए, डे एबी, मोहन ए, मित्रा डीके. प्रोग्राम्ड डेथ – 1 रिसेप्टर सुप्राइसिज वाय – आईएफएन प्रोड्यूसिंग एनकेटी सेल इन ह्यूमन ट्यूबरकुलोसिस. *ट्यूबरकुलोसिस* 2014 मई;94(3):197–206

1629. सिंह ए, गौतम एल, सिन्हा एम, भूषण ए, कौर पी, शर्मा एस. एट ऑल. क्रिस्टल स्ट्रक्चर ऑफ पेप्टिडिल – टीआरएनए हाइड्रोलेस फ्रॉम ए ग्राम – पॉजीटिव बैक्टीरियम, स्ट्रेप्टोकोकस पियोजीन्स एट 2.19 ऊ रिजॉल्यूशन्स शो द क्लॉस्ड स्ट्रक्चर ऑफ द सबस्ट्रेट – बाइंडिंग क्लिफ्ट. *एफईबीएस ओपन बायो* 2014;4:915–22.

1630. सिंह ए, गोपीनाथ के, बिष्ट डी, शर्मा पी, सिंह एन, सिंह एस. कम्पेरेटिव प्रोटियोमिक एनालाइसिस ऑफ सिक्वेंशल आइसोलेट्स ऑफ माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस फ्रॉम ए पेशेंट विद पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस टर्निंग फ्रॉम ड्रग सेंसिटिव टू मल्टीड्रग रिस्टेंट. *इंडियन जे मेड रेस* 2015;141(1):27–45.

1631. सिंह ए, गोपीनाथ के, सिंह एन, सिंह एस, डेसिफेरिंग द सिक्वेंटल इवेट्स ड्यूरिंग इन – विवो एक्विजिशन ऑफ ड्रग रेसिस्टेंस इन मायकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस. *इंट जे माइकोबैक्टीयोल* 2014;3(1):36–40.

1632. सिंह ए, हैरिस एम, केइ के, कोगन एफ, हरीहरन एच, रेड्डी आर. हाई रिसॉल्यूएशन टी1पी मैपिंग ऑफ इन विवो ह्यूमन नी कार्टिलेज एट 7टी. *पीएलओएस वन* 2014 मई 15;9(5):ई97486.

1633. सिंह ए, कुमार ए, गौतम एल, शर्मा पी, सिन्हा एम, भूषण ए, एट ऑल. स्ट्रक्चरल एण्ड बाइंडिंग स्टडीज़ ऑफ पेप्टिडिल–टीआरएनए हाइड्रोलेस फ्रॉम स्यूडोमोनास एइरुजिनोसा प्रोवाइड ए प्लेटफॉर्म फॉर द स्ट्रक्चर–बेस्ड इंहिबिटर डिजाइन अगेंस्ट पेप्टिडिल–टीआरएनए हाइड्रोलेस. *बायोकेम. जे* 2014;463:329–37.

1634. सिंह ए, रमेश वी, रामम एम. हिस्टोपैथोलॉजिकल करैक्टराइजिस्ट ऑफ पोस्ट काला – आजार डर्मल लिशमानियासिस : ए सीरिज ऑफ 88 पेशेंट्स. *इंडियन जे डर्मेटोल वेनेरोल लेप्रोल* 2015 जनवरी–फरवरी;81(1):29–34.

1635. सिंह ए, शर्मा एन, पांडा एसएस, बाजपेयी एम, जाना एम. बिनाइन पैपिलियोमेटोसिस ऑफ कॉमन बाइल डक्ट इन चिल्ड्रन : ए रेयर केसर रिपोर्ट. जे इंडियन एसो. *पीडियाट्रि सर्ज* 2014;19:44–5.

1636. सिंह ए, शर्मा पी, सिंह डी, सक्सेना आर, शर्मा ए, मेनन वी. एवेल्यूएशन ऑफ एफडी2 फ्रिस्बी डेविस डिस्टेंस स्टेरियोटेस्ट इन ए सर्जिकल मैनेजमेंट ऑफ इंटरमिटेंट एक्सोट्रॉपिया. *ब्रिटिश जे ऑपथेल्मोल,* 2013 अक्तूबर; 97(10):1318–21.

1637. सिंह ए, सिंह एस, अंसारी एमए, मनकोटिया डीएस, इरशाद एम. डेवलपमेंट ऑफ ए मल्टीप्लेक्स रीयल टाइम पीसीआर एसे फॉर डिटरमिनिंग एच सी वी – जीनोटाइप्स यूजिंग डिफरेंट सब – जीनोमिक रीजन्स. लाइवर इंटरनेशनल 2014.

1638. सिंह एके, गौर पी, शुक्ला एनके, दास एसएन. डिफरेंशियल डेंड्रिटिक सेल – मेडिएिटड एक्विेशन एण्ड फंक्शन्स ऑफ इनवेरियंट एनकेटी–सेल सबसेट इन ओरल कैंसर. *ओरल डिस* 2015;21:ई105–13.

1639. सिंह एके, कलाईवानी एम, कृष्णनन ए, अग्रवाल पीके, गुप्ता एसके. प्रीवलेंस ऑफ ऑस्टियोआर्थराइटिस ऑफ नी अमंग एल्डर्ली पर्सन्स इन अर्बन स्लम यूजिंग अमेरिकन कॉलेज ऑफ रूमेटोलॉजी (एसीआर) क्राइटेरिया. *जे क्लिन डायग्न रेस* 2014;8(9):जेसी09–11.

1640. सिंह एके, कलाईवानी एम, कृष्णनन ए, अग्रवाल पीके, गुप्ता एसके. प्रीवलेंस ऑफ ऑस्टियोआर्थराइटिस ऑफ नी अमंग एल्डर्ली पर्सन्स इन अर्बन स्लम यूजिंग अमेरिकन कॉलेज ऑफ रिह्यूमेटोलॉजी (एसीआर) क्राइटेरिया. *जे क्लिन डायग्न रेस* 2014 सितम्बर;8(9):जेसी 09–11.

1641. सिंह एके, कुमार आर, शुक्ला एए, हरिप्रसाद जी, चौहान एसएस, डे एस. आइडेंटीफिकेशन एण्ड मॉलीक्यूलर करैक्टराइजेशन ऑफ ए नोवल स्प्लाइस वेरियंट ऑफ ह्यूमन 5 – लिपोक्सीजीनेस जीन. *मोल बायोल रैप* 2014;41:8255–60.

1642. सिंह एके, साल्वे एच, सेल्वराज के, राय एसके, कांत एस. क्वालिटी ऑफ डायग्नोस्टिक एण्ड ट्रीटमेंट प्रैक्टिस ऑफ पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस मैनेजमेंट अमंगस्ट हेल्थ प्रैक्टिशनर्स इन हरियाणा, नॉर्थ इडिया. *रूरल रिमोट हेल्थ* 2014;14(4):2784.

1643. सिंह एआर, गुप्ता एसके, मिश्रा एमसी, आर्य एसके, विज ए. ए स्टडी टू एवेल्यूएट द ट्रॉमा केयर सिस्टम फॉर दिल्ली मेट्रोपोलिस. *जे अकैड हॉस्प एडमिनिस्ट्रेशन* 2014 जनवरी–जून; (1)

1644. सिंह एआर, गुप्ता एसके. रिव्यू ऑफ द सेंट्रलाइज्ड एक्सीडेंट एण्ड ट्रॉमा सर्विस (सीएटीएस), इन नई दिल्ली, इंडिया. *सिबटेक जे बायो–प्रोटोकॉल्स* 2014 जनवरी–अप्रैल;3(1):45–49.

1645. सिंह बी, केडिया एस, कोनीजेटी जी, मॉली वीपी, ढींगरा आर, कुर्रे एल, एट ऑल. एक्स्ट्राइंटेस्टाइनल मेनिफेस्टेशन्स ऑफ इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज एण्ड इंस्टेस्टाइनल ट्यूबरकुलोसिसः फ्रीक्वेंसी एण्ड रिलेक्शन विद डिजीज फीनोटाइप. *इंडियन जे गैस्ट्रोइंटेरोल* 2015;34:43–50.

1646. सिंह जी, बिस्वाल एम, हल्लुर वी, राव के एल, रे पी, गौतम वी, अप्पानानवर एसबी, तनेजा एन. यूटिलिटी ऑफ होल–सेल रिपिटेटिव एक्स्ट्राजेनिक पैलिंड्रोमिक सिक्वेंस–बेस्ड पीसीआर (आरईपी–पीसीआर) फॉर द रैपिड डिक्टेशन ऑफ नोजोकोमियल आउटब्रेक्स ऑफ मल्टीड्रग रेसिस्टेंस आर्गनिज्मः एक्सपीरियंस एट ए टर्शरी केयर सेंटर इन नॉर्थ इंडिया. *इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल* 2015 अप्रैल–जून;33(2):221–4.

1647. सिंह जीपी, बिन्दु बी पांडिया एमपी, बिठल पीके. मफुक्की सिंड्रोम : एनेस्थेटिक मैनेजमेंट एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. *जे न्यूरोएनेस्थिसियोल क्रिट केयर* 2015;2:136–8.

1648. सिंह जीपी, पांडिया एमपी, गोयल के. इस्नैक / कॉफ्रेंस / मीटिंग रिपोर्ट : रिपोर्ट ऑफ ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज. *जेएनएसीसी* 2015;2:76–78.

1649. सिंह जीपी, पांडिया एम पी गोयल के. रिपोर्ट ऑफ एम्स न्यूरोएनेस्थिसिया अपडेट 2013, नई दिल्ली, इंडिया. जे. *न्यूरोएनेस्थिसियोल क्रिट केयर* 2014;1:82–3.

1650. सिंह एच, गर्ग एस, शर्मा आर, वेंकटेश पी, सक्सेना आर, दादा टी.: एवेल्यूएशन ऑफ द इफेक्ट ऑफ पैन रेटिनल फोटोकोएगुलेशन ऑन ऑप्टिक नर्व हैड पैरामीटर्स यूजिंग एचआरटी3. *जे ग्लूकोमा* 2014 सितम्बर;23(7):467–70.

1651. सिंह एच, कंडेल आर, निसार एस, दास सीजे, डे एबी. एन अनएक्सपेक्टिड कॉज ऑफ ओर्बिटल एपेक्स सिंड्रोम इन एन इम्यून – कॉम्पीटेंट अल्डर्ली मेल. *ऑक्सफ मेड केस रिपोर्ट* 2014 सितम्बर 18;2014(6):115–7.

1652. सिंह एच, पटेल सी, मिश्रा एस, भार्गव बी. स्ट्रेस – रेस्ट थैलियम – 201 मायोकार्डियल परफ्यूजन एसपीईटीसी पैटर्न इन पेशेंट्स विद एक्सरसाइज इंड्यूस्ड लेफ्ट बंडल ब्रांच ब्लॉक. *न्यूक्लियर मेडिसिन एण्ड मॉलीक्यूलर इमेजिंग* 2014;48(3):251–254.

1653. सिंह एच, पटेल सीडी, शर्मा जी, नायक एन. कम्पेरिजन ऑफ लेफ्ट वेंट्रिकुलर सिस्टोलिक फंक्शन एण्ड मैकेनिकल डिससिंक्रोनी यूजिंग एक्विलीब्रियम रेडियोन्यूक्लिड एंजियोग्राफी इन पेशेंट्स विद राइट वेंट्रिकुलर आउटफ्लो ट्रैक्ट वर्सिस राइट वेंट्रिकुलर एपिकल पैसिंग : ए प्रॉस्पेक्टिव सिंगल – सेंटर स्टडी. *जे न्यूक्लि कार्डियोल* 2015 अक्तूबर;22(5):903–11.

1654. सिंह एच, पटेल सीडी, शर्मा पी, नायक एन, सिंह एस, नारंग आर. डज परफ्यूजन पैटर्न इंफ्लुरेंस स्ट्रेस – इंड्यूस्ड चैंजिस इन लेफ्ट वेंट्रिकुलर मैकेनिकल डिससिंक्रोनी ऑन थीलियम – 201 गेटिड एसपीईसीटी मायोकार्डियल परफ्यूजन इमेजिंग? *जे न्यूक्लि कार्डियोल* 2015 फरवरी;22(1):36–43.

1655. सिंह आईके, बाजपेयी एम. ए क्लिनिकल एण्ड यूरोडायनेमिक स्टडी ऑन द इफेक्ट्स ऑफ ओरल टॉलटेरोडाइन ऑन सीरिज अल्टरेशन्स इन न्यूरोजेनिक डीट्रूसोर ओवरेक्टिविटी विस – ए विस ओरल ऑक्सीब्यूथिन इन चिल्ड्रन (एक्सजिस्टिंग ऑक्सीब्यूथिन यूजर्स). *जर्नल ऑफ प्रोग्रेस इन पीडियाट्रिक यूरोलॉजी* 2014;17:84–88.

1656. सिंह के, चंद्रशेखरन एएम, भौमिक एस, एसोला एम, चट्टोपाध्याय के, गैमेज एयू. . कृ रॉय ए. कॉस्ट–इफेक्टिवनेस ऑफ इंटरवेंशन्स टू कंट्रोल कार्डियोवेस्कुलर डिजीज एण्ड टाइप 2 डायबिटीज़ मेलिटस इन साउथ एशियाः प्रोटोकॉल फॉर ए सिस्टेमेटिक रिव्यू. *बीएमजे ओपन* 2015;5:ई007205.

1657. सिंह के, कुमार एस, शेखर एस, धवन बी, डे एस. सिंथेसिस एण्ड बायोलॉजिकल इवेल्यूएशन ऑफ नोवल पेप्टाइड बीएफ2 एज एन एंटीबैक्टीरियल एजेंट एगेंस्ट क्लिनिकल आइसोलेट्स ऑफ वेंकोमाइसिन–रेसिस्टेंस एंटेरोकोकी. *जे मेड कैम* 2014 नवम्बर 13;57(21):8880–5.

1658. सिंह एल, मदान आर माथुर एसआर, रे आर. लिम्फेंजियोसार्कोमा ऑफ मोन्स पबिस फ्लोइंग रेडियोथैरेपी फॉर कार्सिनोमा सर्विक्स. *जे ऑब्स्टेट ग्यनीकोल इंडिया* 2014 दिसम्बर; 64(सप्ल1):109–11.

1659. सिंह एल, पुष्कर एन, सैनी एन, सेन एस, शर्मा ए, बक्शी एस. एट ऑल. एक्सप्रेशन ऑफ प्रो– एपॉप्टॉटिक बैक्स एण्ड एंटी – एपॉप्टॉटिक बीसीएल – 2 प्रोटीन्स इन ह्यूमन रेटिनोब्लास्टोमा. *क्लिन एक्सपेरिमेंट ऑफ्थेल्मोल* 2015 अप्रैल; 43(3):259–267.

1660. सिंह एल, पुष्कर एन, सेन एस, सिंह एमके, बक्शी एस, चावला बी, कश्यप एस. एक्सप्रेशन ऑफ सीडीसी25ए एण्ड सीडीसी25बी फॉस्फटेस प्रोटीन इन ह्यूमन रेटिनोब्लास्टोमा एण्ड इट्स कोरेलेशन विद क्लिनोकोपैथोलॉजिकल पैरामीटर्स. *ब्र जे ऑफ्थेल्मोल* 2015 अप्रैल;99(4):457–63.

1661. सिंह एल, पुष्कर एन, सेन एस, सिंह एमके, चौहान एफए, कश्यप एस. प्रोग्नॉस्टिक सिग्नीफिकेन्स ऑफ पोलो–लाइक काइनेस इन रेटिनोब्लास्टोमाः कोरेलेशन विद पेशेंट आउटकम, क्लिनिकल एण्ड हिस्टोपैथोलॉजिकल पैरामीटर्स. *क्लिन एक्सपेरिमेंट ऑफ्थेल्मोल* 2015 अगस्त; 43(6):550–7.

1662. सिंह एल, रंजन आर अरवा एस, सिंह एमके. रोल ऑफ पी40 और साटोकेरेटिन 5/6 इन द डिफरेंशियल डायग्नोसिस ऑफ सिनोनेसल अंडिफरेंशिएटिड कार्सिनोमा. *एन डायग्न पैथोल* 2014 अक्तूबर; 18(5):261–5.

1663. सिंह एल, सिंह जी, डिंडा एके. अंडरस्टैंडिंग पोडोसाइटोपैथी एण्ड इट्स रिलेवेंस टू क्लिनिकल नेफ्रोलॉजी. *इंडियन जे नेफ्रोल* 2015 जनवरी – फरवरी; 25(1):1–7.

1664. सिंह एल, सिंह जी, शर्मा ए, सिन्हा ए, बग्गा ए, डिंडा एके. ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑन रीनल बायोप्सी बिफोर एण्ड आफ्टर लॉन्ग–टर्म कैल्सीन्यूरिन इंहिबेटर्स थेरैपीः एन इंसाइट फॉर पैथोजेनेसिस ऑफ इट्स टॉक्सिसिटी. *ह्यूम पैथोल* 2015 जनवरी; 46(1):34–9.

1665. सिंह एलके, धसमाना एन, साजिद ए, कुमार पी, बहादुरी ए, भारद्वाज एम, एट ऑल. क्लिक ऑपेरॉन रेगुलेट्स सेल आर्किटेक्चर एण्ड स्पोरुलेशन इन बेसिलस अंथरैक्सि. *एन्वार्यन माइक्रोबायोल* 2015 मार्च; 17(3):855–865.

1666. सिंह एमबी. एपिलेप्सी इन डेवलपिंग कंट्रीज़ : पर्सपेक्टिव्स फ्रॉम इंडिया. *न्यूरोलॉजी* 2015; 84:1592–4.

1667. सिंह एन, दास पी, गुप्ता एस, सचदेव वी, श्रीवास्तव एस, दत्ता गुप्ता एस, एट ऑल. प्लाज्मा कैथेप्सिन एल : ए प्रोग्नोस्टिक मार्कर फॉर पैनक्रिएटिक कैंसर. *वर्ल्ड जे गैस्ट्रोइंटेरोल* 2014 दिसम्बर 14;20(46):17532–40.

1668. सिंह एन, गुप्ता एस, पांडे आरएम, चौहान एसएस, सराया ए. हाइ लेवल्स ऑफ सेल – फ्री सरिकुलेटिंग न्यूक्लिक एसिड इन पैनक्रिएटिक कैंसर आर एसोसिएटिड विद वेस्कुलर इंकेसमेंट, मेटोस्टेसिस एण्ड पुअर सर्वाइवल. *कैंसर इंवेस्ट* 2015 मार्च; 33(3):78–85.

1669. सिंह इन, करमाकर डी, देवागुरू वी, त्रिवारी आर, कुमार एस. ऑब्स्टेट्रिक कंसीडरेशन्स इन ए रेयर कार्डियोवेस्कुलर कैटेस्ट्रॉफी नीडिंग मल्टीडिसीप्लिनरी केयर. *केस रैप वेस्क मेड* 2014;2014:278036.

1670. सिंह एन, कौर एसटी, मलिक एन, मल्होत्रा एन, वानामेल पी. डू इंक्रीस्ड लेवल्स ऑफ प्रोजेस्टेरॉन एण्ड प्रोजेस्टेरॉन / इस्ट्राडियोल रेशियो ऑन द डे ऑफ ह्यूमन क्रोनिक गोनेडोट्रॉपिन अफेक्टस प्रेग्नेंसी आउटकम इन लॉन्ग एगोनिस्ट प्रोटोकॉल इन फ्रेश इन विट्रो फर्टिलाइजेशन / इंट्रासाइटोप्लाज्मिक स्पर्म इंजेक्शन साइकिल? *जर्नल ऑफ ह्यूमन रिप्रोडक्टिव साइंस* 2015;8(2):80–85.

1671. सिंह एन, कृपलानी ए, माहे आर, कच्छवाहा जी. मैनेजमेंट ऑफ नैरो इंट्रोटियस विद फेंटॉन ऑपरेशन फ्लोइंग बाय सेक्सेसफुल प्रेग्नेंसी इन ए ह्यूमन विद रिपेयर्ड ब्लेडर एक्स्ट्रोफी. *जे ऑब्स्टेट गायनीकोल* 2014;4:1–2.

1672. सिंह एन, लता के, नाहा एम, मल्होत्रा एन, तिवारी ए, वानामेल पी. इफेक्ट एंडोमेट्रियोसिस ऑन इम्प्लांटेशन रेट्स वैन कम्पेरेड टू ट्यूबल फेक्टर इन फ्रेश नॉन डोनर इन विट्रो फर्टिलाइजेशन साइकिल. *जे ह्यूमन रिप्रोड साइ.* 2014 अप्रैल;7(2):143–7.

1673. सिंह एन, मधु एम, वानामेल पी, कुमार एस. कम्पेरिजन ऑफ पेरिनेटल आउटकम इन प्रेग्नेंट वूमेन विद सिंगल डिरेंज्ड जीटीटी वेल्यू टू दोज विद नॉर्मल जीटीटी वेल्यू. *प्राइमरी केयर डायबिटीज* 2014.

1674. सिंह एन, मलिक एन, मल्होत्रा, वानामेल पी, गुप्ता एम. इम्पैक्ट ऑफ प्रोजेस्टेरॉन (ऑन एचसीजी डे) / उसाइट रेशियो ऑन प्रेग्नेंसी आउटकम इन लॉन्ग एगोनिस्ट नॉन डोनर फ्रेश आईवीएफ /आईसीएसआई साइकिल. *तुर्किश जर्नल ऑफ ऑब्स एण्ड गायनीकोल* 2014.

1675. सिंह एन, मिश्रा पी, त्यागी एस, पती एचपी, महापात्रा एम, सेठ टी, सक्सेना आर. क्लिनिकोहिमेटोलॉजिक प्रोफाइल ऑफ पेशेंट्स विद फेक्टर 8 इंहिबिटर्स : ए केस सीरिज़. *क्लिन एप्पल थ्रोम्ब हिमोस्ट* 2015 अप्रैल;21(3):246–50.

1676. सिंह एन, मिश्रा एसके, सचदेव वी, शर्मा एच, उपाध्याय एडी, अरोड़ा आई, एट ऑल. इफेक्ट ऑफ ओरल ग्लूटेमाइन सप्लीमेंटेशन ऑन गट पेमियाएबिलिटी एण्ड एंडोटॉक्सेमिया इन पेशेंट्स विद सर्व एक्यू पैनक्रियाटिटिसः ए रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायलः पैनक्रियास 2014;43:867–73.

1677. सिंह एन, शंकर एम, भास्करन एस, धर्मेन्द्र एस. ऑटोलोगस स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन इन रिफ्रेक्टरी एसरमैन्स सिंड्रोम : ए नोवल सेल बेस्ड थेरैपी. *जे ह्यूम रिप्रोब साइं* 2014;7:93–98.

1678. सिंह एन, शर्मा ए, सेजवाल एस, आहुजा ए, उपाध्याय ए, महापात्रा एम, सक्सेना आर. प्रीवलेंस ऑफ जेएके2वी617एफ म्यूटेशन इन डीप वेनस थ्रोम्बोसिस पेशेंट्स एण्ड इट्स क्लिनिक सिग्नीफिकेन्स एज ए थ्रोम्बोफिलिक रिस्क फेक्टर : इंडियन पर्सपेक्टिव. *क्लिन एप्पल थ्रोम्ब हिमोस्ट* 2015 मार्च 23. पीआईआई :1076029615578166.

1679. सिंह एन, कृपलानी ए, माहे आर, कच्छावा जी. मैनेजमेंट ऑफ नैरो इंट्रोटस विद फेंटॉन ऑपरेशन फोलोड बाय सेक्सेसफुल प्रेग्नेंसी इन ए वुमेन विद रिपेयर्ड ब्लेडर एक्सट्रॉफी. *जे ऑब्स्टेट गायनीकोल* 2015 मई;35(4):426.

1680. सिंह पी, अरोड़ा एस, लाल एस, स्ट्रेन्ड टीए, मखारिया जीके. सेलियाक डिसीज इन वुमेन विद इंफर्टिलिटी : ए मेटा–एनालासिस. *जे क्लिन गैस्ट्रोइंटेरोल* 2016;50:33–9.

1681. सिंह पी, अरोड़ा एस, मखारिया जीके. प्रेजेंस ऑफ एनीमिया इन पेशेंट्स विद सेलियाक डिजीज सजेस्टिड मोर सिवियर डिजीज. *इंडियन जे गैस्ट्रोइंटेरोल* 2014;33:161–4.

1682. सिंह पी, कुर्रे एल, अग्निहोत्री ए, दास पी, वर्मा एके, श्रीनिवास वी, दत्तागुप्ता एस, मखारिया जीके. टिटर्स ऑफ एंटी – टिशू ट्रांसग्लूटेमिनेस एंटीबॉडी कोरेलेट वेल विद सेवेरिटी ऑफ विलयस एब्नॉमिलिटिज़ इन सेलियाक डिजीज. *जे क्लिन गैस्ट्रोइंटेरोल* 2015 मार्च;49(3):212–7.

1683. सिंह पी, वाधवा एन, चतुर्वेदी एमके, भाटिया वी, सैनी एस, टंडन एन, एट ऑल. वेलिडिएशन ऑफ पॉइंट–ऑफ–केयर टेस्टिंग फॉर सेलियाक डिजीज इन चिल्ड्रन इन ए टर्शरी हॉस्पीटल इन नॉर्थ इंडिया. *आर्क डिस चाइल्ड* 2014;99:1004–8.

1684. सिंह पीके, दायमा एपी, मेवाल आर, सहगल वी, वेंकटेश पी, मिश्रा पीसी, सेठ टी, महापात्रा एम. एन इंटरेस्टिंग केस ऑफ सीएमवी रेटिनिटिज़ इन ए केस ऑफ ऑल ऑन मैंटेनेंस थेरैपी. *इंडियन जे हिमेटोल ब्लड ट्रांसफ्यूज* 2014 सितम्बर;30(सप्ल1):154–8.

1685. सिंह पीके, गर्ग के, सावरकर डी, अग्रवाल डी, सत्यार्थी जीडी, गुप्ता डी, एट ऑल. कम्प्यूटिड टोमोग्राफी – गाइड सी2 पेडिकल स्क्रू प्लेसमेंट फॉर ट्रीटमेंट ऑफ अनस्टेबल हैंगमेन फ्रेक्चर्स. *स्पाइन* 2014;15:ई1058–65.

1686. सिंह आर, मुखर्जी एमए, सुमन्ना जी, गुप्ता आरके, सूद एस एण्ड मल्होत्रा बीडी. बायोसेंसर्स फॉर पैथोजन डिटेक्शन : ए स्मार्ट एप्रोच टूवड्र्स क्लिनिकल डायग्नोसिस. *सेंसर्स एण्ड एक्च्युएटर्स : बी कैमिकल* 2014:197:385–404.

1687. सिंह आर, शर्मा एमसी, सरकार सी, सिंह एम, चौहान एसएस. ट्रांसक्रिप्शन फेक्टर सी/ईबीपी–बीटा मेडिएटस डाउनरेगुलेशन ऑफ डिपेप्टिडिल–पेप्टिडाइज3 एक्सप्रेशन बाय इंटरल्यूकिन–6 इन ह्यूमन गैंग्लियोब्लास्टोमा सेल्स. *एफईबीएस जे* 2014 मार्च;281(6):1629–41.

1688. सिंह एस, चौहान के, गुप्ता एस. इट्रांलीजनल इम्युनोथेरैपी विद किल्ड मायोबैक्टीरियम इंडिकस प्रैनी वैक्सीन फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ एक्स्टेंसिव क्यूटेनस वॉट्र्स. *इंडियन जे डर्मेटोल वेनेरोल लेप्रोल* 2014 नवम्बर–दिसम्बर;80(6):509–14.

1689. सिंह एस, दयाल एम, वालिया आर, अरवा एस, शर्मा आर. गुप्ता एस. इट्रांलीजनल रेडियोफ्रिक्वेंसी एब्लेशन फॉर नॉड्यूलर एंजियोलिम्फॉइड हाइपरप्लेसिया ऑन फोरहैडः ए मिनीमली इनवेसिव एप्रोच. *इंडियन जे डर्मेटोल वेनेरोल लेप्रोल* 2014 सितम्बर – अक्तूबर; 80(5):419–21.

1690. सिंह एस, डे बी, सचदेव केएस, काबरा एसके, चोपड़ा केके, चौधरी वीके, शर्मा पी, कटोच वीएम. चैलेंजिस इन ट्यूबरकुलोसिस डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेंट : रिकमंडेशन्स ऑफ द एक्सपर्ट पैनल. *जे लैब फिजिशियन* 2015 जनवरी–जून;7(1):1–3.

1691. सिंह एस, दोषी एस, सलाहुद्दीन एस, तारिक एम. बरवाड पी, रामकृष्णनन एल. एट ऑल. एंटीस्ट्रेप्टोकाइनेज एंटीबॉडीज़ एण्ड आउटकम ऑफ फाइब्रियोलाइटिक थेरैपी विद स्ट्रेप्टोकाइनेज फॉर लेफ्ट – साइड प्रोस्थेटिक वॉल्व थ्रोम्बोसिस. *एम हार्ट जे* 2015;169:170–4.

1692. सिंह एस, गुप्ता एसके, आर्या एस, अग्रवाल वी. टू फॉर्म्यूलेट ए सिलेक्टिव पेशेंट सेफ्टी – रिलेटिड पॉलिसी फॉर ए टर्शरी केयर हॉस्पीटल. *इंट जे रेस फाउंड हॉस्प हेल्थकेयर एडमिन.* 2014 जुलाई–दिसम्बर;2(2):94–102.

1693. सिंह एस, करवासरा आर, कालरा पी, कुमार आर, रानी एस, गुप्ता वाईके. रोल ऑफ होमियोपैथिक मदर टिंचर्स इन रूमेटॉइड आर्थराइटिसः एन एक्सपेरिमेंटल स्टडी. *इंडियन जे रेस होमियोपैथी* 2015;9(1):42–48

1694. सिंह एस, खाण्डपुर एस, शर्मा वीके. एलर्जिक कॉन्टेक्ट डर्मिटाइटिस टू पार्थेनियम हिस्टेरोफोरस मिमिकिंग एक्टिनिक प्रुरिगो. *इंडियन जे डर्मेटोल वेनेरोल लेप्रोल* 2015 जनवरी–फरवरी;81(1):82–4.

1695. सिंह एस, कुमार एम, सिंह पी. इवॉल्यूएशन ऑफ एम. बोविस बीसीजी वैक्सीन : इज नैकसिन प्रोडक्शन स्टिल ए वेलिड बायोमार्कर? *ट्यूबर्स रैस ट्रीट* 2015;2015:957519.

1696. सिंह एस, कुमार आर, जैन एच, गुप्ता वाईके, एंटीइंफ्लेमेटरी एण्ड एंटीआर्थिटिक एक्टिविटी ऑफ यूएनआईएम–301 (ए पॉलीहर्बल यूनानी फॉर्म्यूलेशन) इन विस्टर रैट्स. *फार्मकोज रैस* 2015;7(2):188–192.

1697. सिंह एस, कुमार आर, करवासरा आर, कालरा पी, रैनी एस, नायक डी, गुप्ता वाईके. इवेल्यूएशन ऑफ सेफ्टी प्रोफाइल ऑफ होमियोपैथिक मदर टिंचर्स. *इंडियन जे रेस होमियोपैथी*, 2014 अप्रैल–जून;8(2):81–86.

1698. सिंह एस, कुमारी एस, आर्या एस, गुप्ता एसके, शर्मा डीके, विलियमसन एस. ट्रेनिंग नीड असेस्मेंट ऑफ नर्सिंग पर्सोनल एट सुपर स्पेशियलिटी टर्शरी केयर हॉस्पीटल इन नॉर्दन इंडिया. *इंट जे हेल्थ साइ रेस* 2015 मार्च;5(3):262–270.

1699. सिंह एस, मखीजा एन, तलवार एस. टीईई इमेजिस ऑफ इंफेरियर वेना कावा कंडिट थ्रोम्बोसिस फ्लोइंग एक्स्ट्राकार्डियक टोटल कैवोपल्मोनरी एनेस्टोमोसिस. *जे कार्डियोथोरेस वेस्क एनेस्थि* 2014;28(3):ई22–3.

1700. सिंह एस, मोक्षा एल, शर्मा एन, टिटियाल जेएस, बिस्वास एनआर, वेलपांडियन टी. डेवलपमेंट एण्ड इवेल्यूएशन ऑफ एनिमल मॉड्ल्स फॉर सेक्स स्टीरॉइड डेफिशिएंट ड्राइ आइ. *जे फार्मोकोल टॉक्स्किोल मैथड्स* 2014 जुलाई–अगस्त;70(1):29–34.

1701. सिंह एस, रानी एन, कौशल पी, कुमार एच, शरीफ ए, रॉय टीएस. एनोमेलस क्यूटेनियस ब्रांच ऑफ मेडियन नर्व इन आर्म : ए रिपोर्ट ऑफ एनाटोमिकल वेरिएशन विद क्लिनिकल इम्पलीकेशन्स. *एनेट सेल बायोल* 2014 जून;47(2):138–40.

1702. सिंह एस, रुफई एसबी, कुमार पी, सिंह जे. रिप्लाय टू ''मॉलीक्यूलर डायग्नोसिस ऑफ रिफेम्पिन – मोनोरेसिस्टेंट ट्यूबरकुलोसिस इन इंडियन पेशेंट्स : प्रोब्लम्स विद ए डिस्कॉर्डेन्स एनालाइसिस''. *जे क्लिन माइक्रोबायोल* 2014 सितम्बर;52(9):3504–5.

1703. सिंह एस, सराया ए, शर्मा आर. इंक्रीस्ड लेवल्स ऑफ स्पर्म प्रोटीन्स 17 एमआरएनए एण्ड सरकुलेटिंग एंटीबॉडीज़ इन पेरियमपुलरी कार्सिनोमा पेशेंट्स. *इंट जे क्लिन ओंकोल* 2015;20:736–44.

1704. सिंह एस, शरीफ ए, रॉय टीएस, दास टी, रानी एन. डेवलपमेंट ऑफ मिंटेरिक प्लेक्सस इन ह्यूमन फोटेसस–ए क्वांटिटेटिव स्टडी. *एनट सेल बायोल* 2015 जून;48(2):1–6.

1705. सिंह एस, शुक्ला जी, गोयल वी, श्रीवास्तव एके, सिंह एमबी, विभा डी, एट ऑल. इम्पैक्ट ऑफ स्लीप ऑन द लोकलाइजिंग वेल्यू ऑफ वीडियो ईईजी इन पेशेंट्स विद रिफ्रेक्टरी फोकल सीजर्स – ए प्रॉस्पेक्टिव वीडियो – ईईजी विद ईओजी एण्ड सबमेंटल ईएमजी स्टडी. *क्लिन न्यूरोफिजियोल* 2014;25:2337–43.

1706. सिंह एस, सिंह एन, गुलाटी जीएस, रामाकृष्णनन एस, कुमार जी, शर्मा एस, एट ऑल. ड्यूल सोर्स कम्प्यूटिड टोमोग्राफी फॉर क्रोनिक टोटल ऑक्ल्यूजन ऑफ कोरोनरी आर्टरीज़. *कैथेटर कार्डियोवेस इंटर्व* 2014 डीओआईः10.1002/सीसीडी.25516.

1707. सिंह एस. चेंजिंग ट्रेंड्स इन द एपिडेमियालॉजी, क्लिनिकल प्रजेंटेशन, एण्ड डायग्नोसिस ऑफ लिशमेनिया – एचआईवी को – इंफेक्शन इन इंडिया. *इंट जे इंफेक्ट डिस* 2014 दिसम्बर;29:103–12.

1708. सिंह एस. कमेन्ट्रीः स्लॉ और लॉन्ग – टर्म नॉन–प्रोग्रेसर एचआईवी पेशेंट्सः इंडियन सिनेरियो. *इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल* 2014 जनवरी–मार्च;32(1):77–8.

1709. सिंह एस. अर्ली डिटेक्शन ऑफ मल्टी – ड्रग रेसिस्टेंट ट्यूबरकुलोसिस इन इंडिया यूजिंग जीनोटाइप एमटीबीडीआर प्लस एसे एण्ड प्रोफाइल ऑफ रेसिस्टेंस म्यूटेशन्स इन माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस. *इंडियन जे मेड रेस* 2014 अक्तूबर;140(4):477–9.

1710. सिंह एस. ईपीटीबी इन डिसडेन : इंडियन पब्लिक हेल्थ सिनेरियो. इन : इराडिकेटिंग टीबी इन इंडिया. *ग्लोबल पॉलिसी*,2015;3(सप्ल):56–61.

1711. सिंह एसएल, हांडा जी, सिंह यू, यादव एसएल. एफिकैसी ऑफ डायसेरिन इन द ट्रीटमेंट ऑफ ऑस्टियोआर्थराइटिस ऑफ नी. *आईजेपीएमआर* 2013दिसम्बर;24(4):92–8.

1712. सिंह एसपी, चौहान एस, चौधरी एम. एट ऑल. रिकॉम्बीनेंट एक्टिवेटिड फेक्टर 7 इन कार्डियक सर्जरी : सिंगल–सेंटर एक्सपीरियंस. *एशियन कार्डियोवेस्क थोरेस एन* 2014;22:148–54.

1713. सिंह एसपी, चौहान एस, चौधरी एम, मलिक वी, तलवार एस, होते एमपी. देवागुरू वी. मॉडीफाइड ब्लेलॉक टसिंग शंट : कम्पेरिजन बिटवीन नियोनेट्स, इंफेंट्स एण्ड ओल्डर चिल्ड्रन.*एन कार्ड एनेस्थि* 2014;17(3):191–7.

1714 सिंह एसपी, चौधरी एम, कुमार यू. एट ऑल. चैंजिस इन सेरेब्रल ऑक्सीजनेशन ड्यूरिंग कोरोनरी आर्टरी बायपास ग्राफ्टिंग एण्ड इट्स डिपेंडेंस ऑन हिमेटोक्रिट, मीन आर्टिरियल प्रेशर एण्ड पार्शियल प्रेशर ऑफ ऑक्सीजन इन आर्टिरियल ब्लड. *इंडियन जे क्लिन एनेस्थिसिया* 2014;1:13–22.

1715. सिंह एसपी, हसीजा एस, चौहान एस. एन अनकॉमन प्रजेंटेशन ऑफ पार्शियली लाइगेटिड लेफ्ट आट्रियल एपेंडिज ऑन ट्रांसइसोफेगल इकोकार्डियोग्राफी. *एन कार्ड एनेस्थि* 2014;17:320–1.

1716. सिंह एसपी, हसीजा एस, चौहान एस. पैरावेलवुलर लीक आफ्टर एमवीआर–एडवांटेज ऑफ 3डी इको. *एन कार्ड एनेस्थि* 2014;17(2):137–138.

1717. सिंह एसपी, कपूर पीएम, देवागुरू वी, एट ऑल. पल्मोनरी वेन स्टेनोसिस इन ए चाइल्ड विद वेंट्रीकुलर सेप्टल डिफेक्ट : ए टीईई फाइंडिंग. *एशियन कार्डियोवेस्कुलर थोरैस एन* 2014;22:113–31.

1718. सिंह एसपी, मखीजा एन, तलवार एस. टीईई इमेज ऑफ इंफेरियर वेना केयर कंडिट थ्रोम्बोसिस फोलोइंग एक्स्ट्राकार्डियक टोटल कैवोपल्मोनरी एनस्थोमोसिस. *जे कार्डियोथोरेसिक एण्ड वेस्कुलर एनेस्थिसिया.* 2014;28:ई22–23.

1719. सिंह एसपी, मेनन आर, साहु एमके, एट ऑल सिंगल ल्यूमेन ट्यूब एज एंडोब्रोंकियल स्टेंट टू मैनेज लेफ्ट ब्रोंकियल कम्प्रेशन पोस्ट टोटल एनोमलस पल्मोनरी वीनस कनेक्शन रिपेयर. *एन कार्ड एनेस्थि* 2015;18:217–20.

1720. सिंह वाई, सिंह जे, शर्मा आरएस, तलवार ए. एफएफटी ट्रांसफॉर्म्ड क्वांटिटेटिव ईईजी एनालाइसिस ऑफ शॉर्ट टर्म मेमोरी लोड. *एनल्स ऑफ न्यूरोसाइंस* 2015;22(3):28–31.

1721. सिंघल ए, भाटिया आर, श्रीवास्तव एमवी, प्रसाद के, सिंह एमबी. मल्टीपल स्क्लेरोसिस इन इंडिया : एन इंस्टीट्यूशनल स्टडी. *मल्ट स्कलर रिलेट डिस्ऑर्ड* 2015;4:250–7.

1722. सिंघल ए, पीपरे के, दामले एनए, मुखर्जी ए, बाल सी, त्रिपाठी एम. यूरिनोमा इन यंग चाइल्ड 6 मंथ्स फ्लोइंग ड्यूअल केडेवेरिक रीनल ट्रांसप्लांटेशन डिटेक्टिड ऑन टैक्नीशियम – 99एम इथिलीन डिसिस्टाइन रीनल डायनेमिक स्कैन कंफर्म्ड ऑन एसपीईसीटी / सीटी. *इंडियन जे न्यूक्लि मेड* 2014 अप्रैल;29(2):128–30.

1723. सिंघल एस, सिंह ए, रघुनंदन सी, गुप्ता यू, दत्त एस. यूट्रिन आर्टरीएम्बोलाइजेशन : एक्सप्लोरिंग न्यू डायमेंशन्स इन ऑब्स्टेट्रिक एमर्जेंसिज. *ओमन मेड जे* 2014मई;29(3):217–9.

1724. सिंगला एस, सिंह एच, मुखर्जी ए, करुणानिती एस, बाल सी, कुमार आर. सर्वाइकल एण्ड थोरेसिक एक्टिनोमाइकोसिस ऑन (18) एफडीजी पीईी / सीटी. *क्लिन न्यूक्लि मेड* 2014 जुलाई;39(7):623–4.

1725. सिन्हा ए, बग्गा ए, अयंगर ए, मैथ्यू जेएल. इज टू मंथ इनीशियल प्रेडनीसोलोन ट्रीटमेंट फॉर नेफ्रोटिक सिंड्रोम इंफेरियर टू लॉन्गर ड्यूरेशन थेरैपी? *इंडियन पीडियाट्रि* 2014 अक्तूबर;51(10):811–7.

1726. सिन्हा ए, बग्गा ए. मैंटेनस डायलिसिस इन डेवलपिंग कंट्रीज़. *पीडियाट्रिक नेफ्रोल* 2015 फरवरी; 30(2):211–9.

1727. सिन्हा ए, भाटिया डी, गुलाटी ए, रावत एम, डिंडा एके, हरी पी, बग्गा ए. एफिकेसी एण्ड सेफ्टी ऑफ रिटुक्सीमैब इन चिल्ड्रन विद डिफकल्ट–टू–ट्रीट नेफ्रोटिक सिंड्रोम. *नेफ्रोल डायल ट्रांसप्लांट* 2015 जनवरी;30(1):96–106.

1728. सिन्हा ए, गुलाटी ए, सैनी एस, ब्लांस सी, गुप्ता ए, गुर्जर बीएस, डिंडा एके, एट ऑल. इंडियन एचयूएस रजिस्ट्री. प्रोम्प्ट प्लाज्मा एक्सचेंजो एण्ड इम्युनोसप्रेसिव ट्रीटमेंट इम्प्रूव्स द आउटकम्स ऑफ एंटी – फेक्टर एच ऑटोएंटीबॉडी – एसोसिएटिड हिमोलाइटिक यूरेमिक सिंड्रोम इन चिल्ड्रन. *किडनी इंट* 2014 मई;85(5):1151–60.

1729. सिन्हा ए, साहा ए, कुमार एम, शर्मा एस, अफजल के, मेहता ए, कलाईवेनी एम, हरी पी, बग्गा ए. एक्सटेंडिंग इनीशियल प्रेडनीसोलोन ट्रीटमेंट इन ए रैंडोमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल फ्रॉम 3 से 6 मंथस डिड नॉट सिग्नीफिकेंटली इंफ्लुएंस ऑफ कॉर्स ऑफ इलनेस इन चिल्ड्रन विद स्टेरॉइड – सेंसिटिव नेफ्रोटिक सिंड्रोम. *किडनी इंट* 2015;87(1):217–24.

1730. सिन्हा एसी, सिंह पीएम, ग्रेवाल एन, अमन ए, डुबोविट्ज जी. कम्पेरिजन बिटवीन कंटीन्यूअस नॉन – इंवेसिव एस्टीमेटिउ कार्डियक आउटपुट बाय पल्स वेव ट्राजिंट टाइम एण्ड थर्मोडिलुटेशन मैथर्ड. *एन कार्ड एनेस्थ* 2014;17:273–7.

1731. सिन्हा एसी, सिंह पीएम. कंट्रोवर्सिस इन पेरिऑपरेटिव एनेस्थिसिक मैनेजमेंट ऑफ द मोर्बिडली ओबेसे : आई एम ए सर्जन, वाय शुड आई केयर? *ओबेस सर्ज* 2015;25:879–87.

1732. सिन्हा एम, सिंह आरपी, कुश्वाहा जीएस, इकबाल एन, सिंह ए, कौशल एस, एट ऑल. करंट ओवरव्यू ऑफ एलर्जन्स ऑफ प्लांट पैथोजेनेसिस रिलेटिड प्रोटीन फैमिलीज़, *साइंटीफिक वर्ल्ड जे* 2014;2014:543195.

1733. सिन्हा आर, बियानी जी, भट्टाचर्जी एस. एनेस्थेटिक मैनेजमेंट ऑफ ए चाइल्ड विद पैंथोथेनेट काइनेस – एसोसिएटिड न्यूरोडीजनरेशन. *इंडियन जे एनेस्थ* 2015;59:43–6.

1734. सिन्हा आर, रेवाड़ी वी, वर्मा पी, कुमार ए. सेक्ससफुल यूज ऑफ सी – मैक वीडियो लेरिंगियोस्कोप इन ए चाइल्ड विद लार्ज पैराफेरिंगियल मास. *पीडियाट्रि एनेस्थ* 2014;24:531–3.

1735. सिन्हा आर, शेखर एच, गंत्याला एसपी, टिटियाल जेएस. हिपेटिक प्लेसमेंट ऑफ पोस्टीरियर चैम्बर इंट्राऑक्युलर लेन्स इन फाइब्रिन ग्लू–असिस्टेड इंट्रास्कलेरल फिक्सेशन. *जे कैटेरेक्ट रिफ्रेक्ट सर्ज* 2013 नवम्बर;39(11):1779–80.

1736. सिन्हा आर, तालावर पी, रामचंद्रन आर, आजाद आर, मोहन वीके. पेरिऑपरेटिव मैनेजमेंट एण्ड पोस्ट–ऑपरेटिव कोर्स इन प्रीटर्म इंफेंट्स अंडरगोइंग विट्रियो–रेटिनल सर्जरी फॉर रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमेच्योरिटीः ए रेट्रोस्पेक्टिव स्टडी. *जे एनेस्थिसियोल क्लिन फार्माकोल* 2014;30:258–62.

1737. सिन्हा एस, इक्का एम, शर्मा यू, पीआर, पाण्डे आरएम, जगन्नाथन एनआर. असेस्मेंट ऑफ चेंजिस इन ब्रेन मेटोबोलाइटिस इन इंडियन पेशेंट्स विद टाइप–2 डायबिटीज़ मेलिटस यूजिंग प्रोटॉन मैग्नेटिक रिसोनेंस स्पेक्ट्रोस्कोपी. *बीएमसी रेस नोट्स* 2014 जनवरी 17;7:41.

1738. सिन्हा एस, काले एसएस, चंद्रा एसपी, सूरी ए, मेहता वीएस, शर्मा बीएस. ब्रेनस्टेम ग्लियोमास : सर्जिकल इंडीकेशन एण्ड टेक्निकल कंसीडरेशन इन ए सीरिज ऑफ 58 केस. *ब्र जे न्यूरोसर्ज* 2014;28:220–5.

1739. सिन्हा एस, महापात्रा एके. रेडियासर्जरी फॉर वेस्टीबुलर स्कवीनोमास. *इंड जे न्यूरोसर्ज* 2014;3:138–143.

1740. सिन्हा एस, मंसूरी एन. हाइपोथर्मिया फॉर न्यूरोप्रोटेक्शन इन सिवियर ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी. *इंड जे न्यूरोसर्ज* 2014;3:144–149.

1741. सिन्हा एस, रघुनंदन पी, प्रधान आर, शिशू सीजे, निवसरकार एम, पाध एच, सामंतरे जेसी, किशोर के, पाण्डे आरएम. द कम्पेरिजन ऑफ कन्वेंशनल एण्ड नोवल फिक्स्ड डोज कॉम्बीनेशन ऑफ रिफेम्पसिन एण्ड आइसोनियाजिड टू इम्प्रूव बायोएवेलबिलिटी ऑफ रिफेम्पसिन फॉर ट्रीटमेंट ऑफ ट्यूबरकुलोसिस. *जे माइकोबैक्टीरियल डिस* 2014;4:157.डीओआई :10.4172ध्2161–1068.1000157.

1742. सिन्हा एस, रहेजा ए, गर्ग एम, मूर्ति एस, अग्रवाल डी, गुप्ता डीके, एट ऑल. डिकम्प्रेसिव क्रेनिएक्टॉमी इन ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी : ए सिंगल – सेंटर, मल्टीवेरिएंट एनालाइसिस ऑफ 1,236 पेशेंट्स एट ए टर्शरी केयर हॉस्पीटल इन इंडिया. *न्यूरोल इंडिया* 2015;63:175–83.

1743. सिरोही बी, श्रीखंडे एसवी, पेरकात बी, रघुनंदराव डी, जुल्का पीके, लेले वी, एट ऑल इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च कंसेंस डॉक्यूमेंट फॉर द मैनेजमेंट ऑफ कोलेरेक्टल कैंसर. *इंडियन जे मेड पीडियाट्रिक ओंकोल* 2014;35:192–6.

1744. सोखल एन, गोयल के, चौधरी टी, रथ जीपी. सी–सॉ पैटर्न इन वेंटिलेटरल ग्राफिकः इज देयर एनी स्टोर बिहाइंड? *नाइज मेड जे* 2014;55:359–61.

1745. सोलंकी सी, रामचंद्रन एस, देवी बी आई, शर्मा आर. क्लेवायरल डिफेक्ट्स इन द रीजन ऑफ द लेम्बडोइड स्ट्रक्चर इन न्यूरोफाइब्रामेटोसिस टाइप – 1 पेशेंट्स. *जे पीडियाट्रिक न्यूरोसाइ* 2015;10:22–4.

1746. सोलंकी एस, श्रीनिवास एम, सिन्हा ए, मित्तल डी, मलिक एस, अग्रवाल एस, एट ऑल. हिस्टोपैथोलॉजिकल चेंजिस एट क्लोनिक एंस्टोमोटिक साइट आफ्टर इस्केमिया रिपरफ्यूजन इंजरी : रोल ऑफ एमिनोग्लुनिडाइन इन एक्सपेरीमेंटल मॉडल. *यूर जे पीडियाट्रि सर्ज* 2014;28:710–714.

1747. सोमसुंदरम वी, पुरोहित ए, अग्रवाल एम, मनिवानन पी, मिश्रा पी, सेठ टी, त्यागी एस, महापात्रा एम, पती एचपी, सक्सेना आर. हेयरी सेल ल्यूकेमिया : ए डिकैड लॉन्ग एक्सपीरियंस ऑफ नॉर्थ इंडियन हिमेटोलॉजी सेंटर. *इंडियन जे मेड पीडियाट्रि ओंकोल* 2014 अक्तूबर; 35(4):271–5.

1748. सोनी ए, झा एसके. ए पेपर स्ट्रिप बेस्ड नॉन – इनवेसिव ग्लूकोज बायोसेंसर फॉर सेलिवरी एनालिसिस. *बायोसेंस बायोइलेक्ट्रॉन* 2015 मई 15;67:763–8.

1749. सोनी केडी, अग्रवाल आर, गुप्ता ए, शर्मा पी. इज द यूज ऑफ हाइ फ्रीक्वेंसी ओसिलेटरी वेंटिलेटर बेनिफेशियल इन मैनेजिंग सर्व चेस्ट इंजरी विद मैसिव एयर लीक? *बीएमजे केस रैप* 2014. ख्मुद्रण से पहले ई–प्रकाशन,

1750. सोनी केडी, अग्रवाल आर, जलवाल जी. मैनेजमेंट ऑफ फैट एम्बोलिज्म को – एक्जिटिंग विद थ्रोम्बोएम्बोलिज्म मे बी चैलेंजिंग! *बर्न ट्रॉमा* 2014;2:206–7.

1751. सोनी केडी, दास डीपी, अग्रवाल आर, कुमार एन, कुमार एन. कैन डिफरेंशियल रीजनल वेंटिलेशन प्रोटेक्ट द स्पेयर्ड लंग इन एआरडीएस? *एम जे इमर्ज मेड* 2015. ख्मुद्रण से पहले ई–प्रकाशन,

1752. सोनी केडी, सामंता एस, अग्रवाल आर, सामंता एस. इज एब्डोमैन रिलीज रियली नेसेसरी फॉर प्रोन वेंटिलेशन इन एक्यूट रेस्पीरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम? *एम जे इमर्ज मेड* 2014;32:1297.

1753. सोनी केडी, सामंता एस, अग्रवाल आर, सामंता एस. न्यूमोथोरेक्स फोलोइंग फ्लेक्सीबल फाइबरॉप्टिक ब्रोंकोस्कोपी : ए रेयर ऑक्यूरेंस. *साउदी जे एनेस्थ* 2014;8:124–125.

1754. सूद एम, पात्रा बीएन, अग्रवाल ए, खंडेलवाल एसके. पिट्यूटरी मैक्रोडेनोमा प्रजेंटिंग विद मल्टीपल फिजियाट्रिक कॉम्प्लीकेशन्स. *इंडियन जे साइकोल मेड* 2015;37:462–4.

1755. सूद एस, वर्मा आर, मीर एसएस, अग्रवाल एम, सिंह एन, कार एचके, शर्मा वीके. न्यूक्लिक एसिड एम्प्लीफिकेशन टेस्ट (एनएएटी) फॉर गोनोरहोइया डायग्नोसिस इन वुमेनः एक्सपीरियंस ऑफ द टर्शरी केयर हॉस्पीटल इन नॉर्थ इंडिया. इंडियन जे मेड रेस 2014 नव;140(5):649–652.

1756. सूद एस, वर्मा आर, मुखर्जी ए, महाजन एन, दास बीके, कपिल ए, गुप्ता एस, शर्मा वीके. ग्राम – नेगेटिव डिप्लोकोकाइ इन वेजाइनल स्मीयर मिस्टेकन फॉर चाइल्ड सेक्युअल एब्यूज़. *इंडियन जे डर्मेटोल वेनेरोल लेप्रोल* 2014 मई–जून;80(3):260–2.

1757. सुंदरराजन आर, सिंह एच, अरोड़ा एस, नायक बी, शमीम एसए, बाल सी, एट ऑल. फोर्स्ड डियूरिज 18एफ – फ्लोरोडिऑक्सीग्लोकोज पोस्टिरॉन एमिशन टोमोग्राफी / कंस्ट्रास्ट एनहांस्ड इन डिटेक्शन ऑफ कार्सिनोमा ऑफ यूरिनरी ब्लेडर डिवर्टिकुलम. *इंडियन जे न्यूक्लि मेड* 2015 जनवरी–मार्च;30(1):86–8.

1758. श्रीसंत केएस, अग्रवाल संदीप, सागर आर, चुम्बर एस, सीनू वी, बंसल वी, अग्रवाल एसके. इम्पैक्ट ऑफ रीनल ट्रांसप्लांटेशन ऑफ क्वालिटी ऑफ लाइफ ऑफ डोनर एण्ड रिसपेंट इन स्पॉसल रीनल ट्रांसप्लांट्स : ए प्रॉस्पेक्टिव स्टडी. *इंड जे ट्रांसप्लांटेशन* 2014 अक्तूबर–दिसम्बर;8(4):131–132.

1759. श्रीवास्तव डी, कलोइया जीएस, ग्रोवर एन. यूज ऑफ ऑडियो फीडबैक इन कंजेनिटिव – बिहेवियरल ट्रीटमेंट ऑफ सोशल फोबिया. *इंडियन जे क्लिन साइकोल* 2014;41(1):71–5

1760. श्रीवास्तव ए, कटारिया के, बगडिया एएम. सरफेस मार्किंग ऑफ एक्सीलरी वीन. *जर्नल ऑफ द एनाटॉमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया* 2014 जून;63(1):74–76.

1761. श्रीवास्तव ए, कौल वी, द्विवेदी एसएन, उपाध्याय एडी, आहुजा ए, सक्सेना आर. परफॉर्मेन्स एनालाइसिस ऑफ न्यूली डेवलप्ड पॉइंट– ऑफ – केयर – हिमोग्लोबिनोमीटर (टूएचबी) अगेंस्ट एन ऑटोमेटिड हिमेटोलॉजी एनालाइजर (सिस्टेमैक्स एक्सटी 1800आई) इन टर्म्स ऑफ प्रीसेक्शन इन हिमोग्लोबिन मेजरमेंट. *इंट जे लैब हिमेटोल* 2014 नवम्बर 22. डीओआइ : 10.1111ध्आईजेएलएच.12314.

1762. श्रीवास्तव ए, सेनगुप्ता जे, कृपलानी ए, रॉय केके, घोष डी. प्रोफाइल्स ऑफ साइटोकाइन्स सेक्रेटिड बाय आइसोलेटिड ह्यूमन एंडोमटीरियल सेल अंडर द इंफ्लुएंस ऑफ क्रोनिक गोनेडोट्रॉपिन ड्यूरिंग द विंडो ऑफ इम्ब्रियो एम्प्लांटेशन. *रिप्रोब बायोल एंडोक्राइनोल* 2013 दिसम्बर 17;11:116.

1763. श्रीवास्तव ए, शर्मा आर, सूद एसके, शुक्ला जी, गोयल वी, बिहारी एम. स्काडिक आइ मूवमेंट्स इन पार्किन्सन डिजीज. *इंडियन जे ऑपथेल्मोल* 2014 मई;62(5):538–44.

1764. श्रीवास्तव एएस, भास्कर एम, पांडे एस, त्रिपाठी एमएन, पंडित बी, यादव जे एस. साइक्याट्रिक मोर्बिडिटीज इन पोस्टपार्टम फीमेल : ए प्रॉस्पेक्टिव फ्लो अप ड्यूरिंग यूरेपेरियम. *जर्नल ऑफ साइक्याट्री एण्ड एलाइड साइंस* 2015;6(2):101–105.

1765. श्रीवास्तव एएस, रामदीन एनए, मतेह एससी, त्रिपाठी एमएन, यादव जेएस. साइक्याट्रिक मोर्बिडिटीज़ इन पेशेंट्स विद पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस. *डिस्फ्रेनिया 2*014 जुलाई–दिसम्बर;5(2):133.

1766. श्रीवास्तव एमवी, भसीन ए, चौधरी आर, शर्मा एस, सुब्बियाह वी, भाटिया आर, त्रिपाठी एम. नोवल इंफ्लेमेटरी बायोमार्कर्स एण्ड देयर कोरेलेशन टू क्लेमिडिया निमोनिया टिट्रस इन एक्यू इस्चेमिक स्ट्रोक. *जे स्ट्रोक सेरेब्रोवेसक डिस* 2014 अक्तूबर; 23 (9) : 2391–6.

1767. श्रीवास्तव पी, गुप्ता आर, वार्ष्णे एम, शरण पी. ए रेयर केसर ऑफ इमिटेशन इंजरी इडियन जे फिजिकोल मेड 2014 अप्रैल; 36(2) :215–7.

1768. श्रीवास्तव पी, मंडल पी, मेहता एम, सागर आर. साइकोलॉजिकल इंटरवेंशन इन ए केस ऑफ बुलिमिया नर्वोसा : ए केस रिपोर्ट. *फिजिकोल स्टड* 2014 (जनवरी–मार्च);59(1):68–75.

1769. श्रीवास्तव पीवी, सुडान पी, खुराना डी, भाटिया आर, कौल एस, सिलजा पीएन एट ऑल. टेलेस्ट्रोक ए विएबल ऑप्शन टू इम्प्रूव स्ट्रोक केयर इन इंडिया. *इंट जे स्ट्रोक* 2014;9:133–4.

1770. श्रीवास्तव आर, गुप्ता ए, चिन्नाकली पी, असलेश ओपी, यादव के, गुप्ता वी, गोस्वामी ए, नोंगकायनरिह बी. अवेयरनेस अबाउट नॉन कम्युनिकेबल डिजीज एण्ड रोल ऑफ न्यूट्रिशियन अमंग अन अर्बन रिसटेलमेंट पॉपुलेशन ऑफ दिल्ली. *द इंडियन जर्नल ऑफ न्यूट्रिएशन एण्ड डायबेटिक्स* 2014;51:429–38.

1771. स्टीफन जे, शुक्ला ए, दलाल ए, गिरिश केएम, शाह एच, गुप्ता एन, काबरा एम, दबादगाहो पी, फड़के एसआर. म्यूटेशन स्पेक्ट्रम ऑफ सीओएल1ए1 एण्ड सीओएल1ए2 जीन इन इंडियन पेशेंट्स विद ऑस्टियोजेनेसिस इम्परफेक्टा. *एम जे मेड जेनेट* ए 2014 जून;164ए (6):1482–9.

1772. स्टीवर्ट आरए, स्जलेवस्का डी, शी ली, ली केएल, ड्रेजनर एमएच, लुबिजेवस्रूका बी, कोसेविक, एट ऑल. एक्सरसाइज कैपिसिटी एण्ड मॉर्टिलिटी इन पेशेंट्स विद इस्केमिक लेफ्ट वेंट्रिकुलर डिस्फंक्शन रैंडोमाइज्ड टू कोरोनरी आर्टरी बायपास ग्राफ्ट सर्जरी और मेडिकल थेरैपी : एन एनालिसिस फ्रॉम द एसटीआईसीएच ट्रायल (सर्जिकल ट्रीटमेंट फॉर इस्चेमिक हार्ट फेल्योर). *जेएसीसी हार्ट फेल्योर* 2014; 2(4):335–39.

1773. स्ट्रीटफील्ड पीके, खान डब्ल्यूए, भुइया ए, हनिफी एसएम, आलम एन, बगगनन सीएच, एट ऑल. एडल्ट नॉन – कम्युनिकेबल डिजीज मोर्टिलिटी इन अफ्रीका एण्ड एशिया : एविडेंस फ्रॉम आईएनडीईपीटीएच हेल्थ एण्ड डेमोग्राफिक सर्विलांस सिस्टम साइट्स. *ग्लोब हेल्थ एक्शन* 2014 अक्तूबर 29;7:25365.

1774. सुब्बियाह एन, जोशी पी. नर्सिंग केयर फॉर एल्डर्ली. नाइटिंगेल नर्सिंग टाइम्स 2015 फरवरी;10(11).

1775. सुब्रामणियन ए, अल्बर्ट वी, अग्रवाल डी, सक्सेना आर, पाण्डे आरएम. इवेल्यूएशन द युटिलिटी ऑफ थ्रोम्बोइलेस्टोग्राफी (टीइजी) इन ए टर्शरी ट्रॉमा केयर सेंटर. *आईएसआरएन हिमेटोलॉजी* 2014. ख्मुद्रण से पहले ई–प्रकाशन,

1776. सुब्रामणियन ए, अल्बर्ट वी, अग्रवाल डी, हनिथा जी, पाण्डे आरएम. स्टडी ऑफ प्लेटलेट ट्रांसफ्यूजन रिसपॉन्स इन थ्रोम्बोसाइटोपेनिक हैड इंजरी पेशेंट्स. *ग्लोब जे हिमेटोल ब्लड ट्रांसफ्यूजन* 2014;1:1–8.

1777. सुब्रामणियन ए, अल्बर्ट वी, सक्सेना आर, अग्रवाल डी, पाण्डे आरएम. इस्टेबिलिश ए नॉर्मल रिफरेंस रेंज फॉर थ्रोम्बोइलेस्ट्रोग्राफी इन नॉर्थ इंडियन हेल्दी वॉलंटीयर्स. *इंड जे पैथोल माइक्रोबायोल* 2014;53:43–50.

1778. सुब्रामणियन ए, अल्बर्ट वी, शर्मा एस, कोंड्डु एस, पांडे आर एम (2014). असेसिंग द एफिकेसी ऑफ स्कोरिंग सिस्टम फॉर प्रीडिक्टिंग द प्रोबेबिलिटी ऑफ मैसिव ट्रांसफ्यूजन इन ट्रॉमा पेशेंट्स, *जे हिमेटोल थ्रोम्बो डिस* 2014. ख्मुद्रण से पहले ई–प्रकाशन,

1779. सुब्रामणियन आर, सरदार ए, मोहनसेल्वी एस, खन्ना पी, बेद्या डीके. न्यूरोसर्जरी एण्ड प्रेग्नेंसी. *जे न्यूरोएनेस्थिसियोल क्रिट केयर* 2014;1:166–7.

1780. सुगंधि एन, अग्रवाल एस, भटनागर वी, सिंह एमके, शर्मा आर. लिवर हिस्टोलॉजी इन कोलेडोकल सिस्ट – पैथोलॉजिकल चैंजिस एण्ड रिसपॉन्स टू सर्जरी : द ओवरलुक एस्पेक्ट? *पीडियाट्रि सर्ज इंट* 2014;30:205–211.

1781. सुगंधि एन, श्रीनिवास एम, अग्रवाल एस, गुप्ता डीके, शर्मा एस, सिन्हा ए, एट ऑल. इफेक्ट ऑफ स्टेम सेल ऑन रीनल रिकवरी इन रैट मॉडल ऑफ पार्शियल यूनिलेटरल अपर यूरेटेरिक ऑब्स्ट्रक्शन. *पीडियाट्रि सर्ज इंट* 2014;30:233–238.

1782. सुखीजा डी, कुमार पी, सिंघल एम, सुब्रामणियन ए. सबक्यूटेनियस मर्करी इंजेक्शन बाय ए चाइल्ड : ए हिस्टोपैथोलॉजी केस रिपोर्ट. *जे ऑफ लेब फिजिशियन* 2014;6:55–57.

1783. सुलिवन आर, बादवे आरए, रथ जीके, प्रमेश सीएस, शांता वी, दिगुमर्ति आर, एट ऑल. कैंसर रिसर्च इन इंडिया : नेशनल प्रियोराइटिस, ग्लोबल रिजल्ट, *लैनेक्ट ऑकोल* 2014;15:ई213–22.

1784. सुल्तानिया एम, पाण्डे डी, शर्मा जे, मलिक एस, मिर्धा एआर. डेलायड आइसोलेटिड पोर्ट – साइट मेटोस्टेसिस ऑफ गॉलब्लेडर कैंसर फ्लोइंग लेपेरोस्कॉपिक कोलेसिस्टेक्टॉमी : रिपोर्ट ऑफ टू केस. *जे गैस्ट्रोइंटेस्ट कैंसर* 2014;45(सप्ल1):188–91.

1785. सुरेश एस, शर्मा केके, सक्सेना एम, ठुकराल ए, अग्रवाल आर, वत्सा एम. प्रीडिक्टर्स ऑफ ब्रेस्टफीडिंग प्रोबल्मस इन द फर्स्ट पोस्टनेटल वीक एण्ड इट्स इफेक्ट ऑन एक्सक्लुसिव ब्रेस्टफीडिंग रेट एट सिक्स मन्थ्स : एक्सपीरियंस इन ए टर्शरी केयर सेंटर इन नॉदर्न इंडिया. *इंडियन जे पब्लिक हेल्थ* 2014 अक्तूबर–दिसम्बर;58(4):270–3.

1786. सूरी ए, बंसल एस, शर्मा बीएस, महापात्रा एके, काले एसएस, चंद्रा पीएस. एट ऑल. मैनेजमेंट ऑफ हाइपोग्लोसल श्वानोमास : सिंगल इंस्टीट्यूशनल एक्सपीरियंस ऑफ 14 केस. *जे न्यूरोल सर्ज बी स्कल बेस* 2014;75:159–64.

1787. सूरी ए, बंसल एस, सिंह एम, महापात्रा एके, शर्मा बीएस. जुगलर फोरामेन श्वानोमास : ए सिंगल इंटीट्यूट पेशेंट सीरिज. *जे क्लिन न्यूरोसाइ.* 2014;21:73–7.

1788. सूरी ए, रॉय टीएस, लालवानी एस, डियो आरसी, त्रिपाठी एम, ढींगरा आर, भारद्वाज डीएन, शर्मा बीएस. प्रैक्टिकल गाइडलाइन्स फॉर सेटिंग्स अप न्यूरोसर्जरी स्किल ट्रेनिंग कैवेडर लेबोरेटरी इन इंडिया. *न्यूरोल इंडिया* 2014मई–जून;62(3):249–56.

1789. सूरी ए, त्रिपाठी एम, देव आरसी. एंटेरोलेटरल ट्रांसकवरनॉस एस्क्ट्राड्यूरल पेट्रोसेक्टॉमी एप्रोच : 3 – डायमेंशिनल ऑपरेटिव वीडियो डेमोन्स्ट्रेशन इन कैडेवर्स. *न्यूरोसर्जरी* 2014;10:656.

1790. सूरी वी, कक्कड़ वी, शर्मा एमसी, पदमा एमवी, गर्ग ए, सरकार सी. प्राइमरी एंजिटिस ऑफ सेंट्रल नर्वस सिस्टम : ए स्टडी ऑफ हिस्टोपैथोलॉजिकल पैटर्न्स ऑफ रिव्यू ऑफ द लिटरेचर. *फोलिया न्यूरोपैथोल* 2014;52(2):187–96.

1791. स्वरूप एल, नायक बी, डोगरा पीएन, सिंह पी. इंट्रावेसिकल माइग्रेशन ऑफ हेम – ओ – लोक क्लिप्स प्रजेंटिंग एज वेसिकल कैलकुलस आफ्टर रॉबोट – अस्सेटिड लेपेरोस्कोपिक रेडिकल प्रोस्टेटेक्टॉमी. सीआरएसएलएस 2014 :ई2014.00233.डीओआई :10.4293/ सीआरएसएलएस.2014.00233.

1792. स्वरूप एम, मैरी सिद्दिकी एस, सागर एस, क्रैंडल एमएल. द प्रोबलम ऑफ द पिलियन राइडर : इंडिया हेलमेट लॉ एण्ड न्यू दिल्ली एक्जेक्पशन. *जे सर्ज रेस* 2014;188:64–8.

1793. टाक वी, माथुर पी, कुमार एस, गुप्ता बी, गुप्ता ए, सिन्हा एस, एट ऑल. इम्पैक्ट ऑफ एन इंटेसिव सर्विलांस ऑन सेंट्रल लाइन एसोसिएटिड ब्लड स्ट्रीम इंफेक्शन्स एट एन इंडियन ट्रॉमा सेंटर. *जे पेशेंट सेफ्टी इंफेक्ट कंट्रोल* 2014;2:38–41.

1794. टाक वी, माथुर पी, वर्गिस पी, गुंजियाल जे, जैस आई, मिश्रा एमसी. द एपिडेमियोलॉजिकल प्रोफाइल ऑफ कैंडीडेमिया एट एन इंडियन ट्रॉमा केयर सेंटर. *जे लैब फिजिशियन.* 2014 जुलाई;6(2):96–101.

1795. टाक वी, मिर्धा बीआर, यादव पी, व्यास पी, मखारिया जीके, भटनागर एस. मॉलीक्यूलर करैक्टराइजेशन ऑफ जिराडिया इंटेस्टीनल्स अस्सेमब्लेगेस फ्रॉम ह्यूमन आइसोलेट एट ए टर्शरी केयर सेंटर ऑफ इंडिया. *इंडिया जे मेड माइक्रोबायोल* 2014 जनवरी–मार्च;32(1):19–25.

1796. टक्कर बी, भटिया आई, चंद्रा पी, गांगुली ए, आजाद आर. बाइलेटरल मैक्यूलर फोल्ड्स एज ए डायग्नोस्टिक क्ल्यू टू लेट – प्रजेंटिंग पोस्टीरियर माइक्रोफेथेलमोस. *सेमिन ऑपथेल्मोल* 2014 मई;29(3):169–71.

1797. टक्कर बी, चंद्रा पी, कुमार के, वनाति एम. टॉक्सिक ग्रेन्यूलोमेटस एंटीरियर यूवेटिस इन लाइव इंट्राकेमरल सिस्टीकेरकोसिस मस्क्वेयरेडिंग एज ल्यूकोकोरिया. *कैन जे ऑपथेल्मोल.* 2014 दिसम्बर;49(6):ई140–1.

1798. टक्कर बी, चंद्रा पी, राठी ए, आजाद आर. प्री – मैक्यूलर हिमोरेज इन क्रोनिक मलेरिया. *ओमन जे ऑपथेल्मोल.* 2014 सितम्बर;7(3):159.

1799. टक्कर बी, मेहंदी एमयू, अहमद एनआर, चंद्रा पी, वनाति एम. एंटीरियर सेग्मेंट ऑप्टिकल कोहरेंस टोमोग्राफी ऑफ लाइव ऑक्यूलर सिस्टीकेरकोसिस. *क्लिन एक्सपेरिमेंट ऑपथेल्मोल* 2014 दिसम्बर;42(9):896–8.

1800. तालुकदार ए, शर्मा केए, राय आर, डेका डी, राव डीएन. इफेक्ट ऑफ कोएंजाइम क्यू$_{10}$ ऑन टीएच1 / टीएच2 पैराडिग्म इन फीमेल्स विद आइडयोपैथिक रिकरंट प्रेग्नेंसी लॉस. *एम जे रिप्रोडक्टिव इम्युनोलॉजी* 2015 अगस्त; 74(2):169–80.

1801. तालुकदार एस, कुमार एस, भाटला एन, माथुर एस, थुलकर एस, कुमार एल. नियो – एजुवेंट कीमोथेरैपी इन द ट्रीटमेंट ऑफ एडवांस्ड मेलिग्नेंसी जर्म सेल ट्यूमस ऑफ ओवरी. *गायनीकोल ओंकोल* 2014;132:28–32.

1802. तलवार एस, एरन बी. कंवेंशनल वर्सिसस एजस्टेबल पल्मोनरी आर्टरी बाइंडिंग : विच इज प्रीफेरेबल *इंटेरेक्ट कार्डियोवेस्क थोरेस सर्ज* 2014;18:838–41.

1803. तलवार एस, एंडर्सन आरएच, केशरी वीके, चौधरी एसके, गुलाटी जीएस, एरन बी. कोरोनरी आर्टरी टू पल्मोनरी आर्टरी फिस्टुला इन टेट्रालॉजी ऑफ फॉल्ट एण्ड पल्मोनरी एट्रेसिया. *एशियन कार्डियोवेस्क थोरेक एन* 2014;22(8):1003–9.

1804. तलवार एस, गुप्ता एसके, मुथुकुमारन एस, मुरुगन एमके, एरन बी. अनयुजुअल कम्प्रेशन ऑफ द राइट पल्मोनरी आर्टरी बाय द एरोटिक आर्क. *एन थोरेस सर्ज* 2014;97:1790–2.

1805. तलवार एस, जायसवाल एलएस, चौधरी एसके, सक्सेना ए, जुनेजा आर, कोठारी एसएस, एट ऑल. रेट्रोस्पेक्टिव स्टडी ऑफ रिजल्ट ऑफ कवशिमा प्रोसीजर. *हार्ट लंग किर* 2014;23:674–9.

1806. तलवार एस, केशरी वीके, चौधरी एसके, गुप्ता एसके, रामकृष्णा एस, सक्सेना ए, एट ऑल. यूनिडायरेक्टशनल वॉल्ड पैच क्लोजर ऑफ वेंट्रिकुलर सेप्टल डिफेक्ट्सविद सर्ब्ड पल्मोनरी आटिरियल हाइपरटेंशनः हिमोडायनेमिक आउटकम्स. *जे थोरेस कार्डियोवेस्कु सर्ज* 2014;148:2570–5.

1807. तलवार एस, मीना ए, चौधरी एसके, कोठारी एसएस, गुप्ता एसके, सक्सेना ए, जुनेजा ए, एरन बी. एनोमल्स ब्रांच पल्मोनरी आर्टरी फ्रॉम द अरोर्टा एण्ड टेट्रालॉजी ऑफ फेलॉट मॉर्फोलॉजी, सर्जिकल तकनीकीज़ एण्ड रिजल्ट. *इयूर जे कार्डियो थोरेक सर्ज* 2014;46:291–6.

1808. तलवार एस, चौधरी एसके, सक्सेना ए, कोठारी एसएस, जुनेजा आर, एट ऑल रिपेयर ऑफ टेट्रोलॉजी ऑफ फेलॉट इन और बियोन्ड द फोर्थ डिकैड ऑफ लाइफ. *कंजनाइट हार्ट सर्ज* 2014;9:424–32.

1809. तलवार एस, मुथुकुमारन एएस, चौधरी एसके, एरन बी. दि एक्सपैंडिंग इंडीकेशन्स ऑफ द लेसोमप्टे मैन्यूवर. *वर्ल्ड जे पीडियाट्रिक कंजनाइट हार्ट सर्ज* 2014;5:291–6

1810. तलवार एस, नायर वीवी, चौधरी एसके, एरन बी. द हेमी–फोंटन ऑपरेशनलः ए क्रिटिकल ओवरव्यू. *एन पीडियाट्रिक कार्डियोल* 2014;7:120–5.

1811. तलवार एस, नायर वीवी, चौधरी एसके, श्रीनिवास वी, सक्सेना ए, जुनेजा आर, एट ऑल पेरिकार्डिएक्टॉमी इन चिल्ड्रन ढ 15 इयर्स ऑफ एज. *कार्डियोल यंग* 2014;24:616–22.

1812. तलवार एस, राजशेखर पी, मुथुकुमारन एएस, चौधरी एसके, एरन बी. एन अल्टरनेटिव एप्रोच फॉर रिपेयर ऑफ टोटल एनोमेलस पल्मोनरी वेनस कनेक्शन टू द कोरोनरी सिनस एट द टाइम ऑफ एक्स्ट्राकार्डियक टोटल कैवोपल्मोनरी कनेक्शन. *जे कार्डियक सर्ज* 2014;29(3):403–5.

1813. तलवार एस, रेड्डी एवी, राजशेखर पी, चौधरी एसके, एरन बी. ए सिम्पल मॉडीफिकेशन टू फिक्स द कममिस्युरल पिलर ड्यूरिंग राइट वेंटिकुलर आउटफ्लो ट्रैक्ट रिकंस्ट्रक्शन ड्यूरिंग द आटिरियल स्विच ऑपरेशन. *हार्ट किर लंग* 2014;23:383–4.

1814. तलवार एस, सुब्रामणियन एम, चौधरी एसके, मखीजा एन, श्रीनिवास वी, सक्सेना ए, एट ऑल. ए कम्पलीट एक्स्ट्राकॉर्पोरियल सर्कुलेशन–फ्री एप्रोच टू पेशेंट्स विद फंक्शनली यूनिवेंट्रिकुलर हार्ट्स प्रोवाइड्स सुपीरियर इर्ली आउटकम्स. *वर्ल्ड जर्नल फॉर पीडियाट्रिक एण्ड कंजेनाइटल हार्ट सर्जरी* 2014;5(1):54–59.

1815. तलवार टी, श्रीवास्तव एमवी. रोल ऑफ वेस्कुलर एंडोथिलियल ग्रोथ फैक्टर एण्ड अदर ग्रोथ फैक्टर्स इन पोस्ट – स्ट्रोक रिकवरी. *एन इंडियन अकैड न्यूरोल* 2014;17:1–6.

1816. तामहंकर पीएम, अय्यर एसवी, रविन्द्रन एस, गुप्ता एन, काबरा एम, नायक सी, कुरा एम, सांघवी एस, जोशी आर, चेन्नुरी वीएस, खोपकर यू. क्लिनिकल प्रोफाइल एण्ड म्यूटेशन एनालाइसिस ऑफ एक्सेरोडर्मा पिगमेंटोसम इन इंडियन पेशेंट्स. *इंडियन जे डर्मेटोल वेनेरोल लेप्रोल* 2015 जनवरी–फरवरी;81(1):16–22.

1817. टंडन एन, गुप्ता वाई, कालरा एस. पोस्टपार्टम स्क्रीनिंग ऑफ्ट गेस्टेशनल डायबिटीज़ मेलिटस : एमिनिंग फॉर यूनिवर्सल कवरेज. *इंडियन जे इंडोक्राइन मेटाब* 2015 जनवरी–फरवरी;19(1):1–4.

1818. टंडन एन, रायजादा एन. द बर्डन ऑफ डायबिटीज़ इन इंडिया. 2014 सितम्बर 3; *डायपेडिया* 1105045828. एचटीटीपी://डीएक्स डीओआईओआरजी-/ 10-14496/डीइए-1105045828-8

1819. तंवर जे, दत्ता ए, चौहान के, कुमारन एसएस, तिवारी एके, कडियाला केजी, पाल एस, तिरुमल एम, मिश्रा एके. डिजाइन एण्ड सिंथेसिस ऑफ कैल्शियम रिस्पॉन्सिव मैग्नेटिक रेसोनेंस इमेजिंग एजेंट : इट्स रिलेक्सेशन एण्ड ल्यूमिनेसेंस स्टडीज़. *इयूर जे मेड कैम* 2014 जुलाई 23;82:225–32.

1820. तारिक एम, नक्वी आरए, संतोष केवी, कमल वीके, खन्ना एन, राव डीएन. एसोसिएशन ऑफ टीएनए–ए–(308 (जीजी)), आईएल–10 (–819 (टीटी)), आईएल–10 (–1082 (जीजी)) और आईएल–1आर1 .(1970 (सीसी) जीनोटाइप विद द ससेप्टीबिलिटी एण्ड प्रोग्रेशन ऑफ लेप्रॉसी इन नॉर्थ इंडियन पॉपुलेशन. *साइटोकाइन* 2015;73:61–5.

1821. टेकचंदानी एन, बाजपेयी एम. पेनाइल लेंथ इन हिपास्पैडियास. *जर्नल ऑफ प्रोग्रेस इन पीडियाट्रिक यूरोलॉजी* 2014;17:80–83.

1822. टेकचंदानी एन, बाजपेयी एम, बैद्या डीके. इफेक्ट ऑफ लेपेरोस्कोपिक एप्रोच फॉर एपेंडिसेक्टॉमी एण्ड ऑर्किडोपेक्सी एक्रॉस द पीडियाट्रिक एज एण्ड साइज़ स्पैक्ट्रम. *ओपन जे पीडियाट्रिक* 2014;4:247–51.

1823. तेम्भरे एमके, परिहार एएस, शर्मा ए, गुप्ता एस, चट्टोपाध्याय पी, शर्मा वीके. पार्टिसिपेशन ऑफ टी सेल इम्युनोग्लोबुलिन एण्ड म्यूसिन डोमेन–3 (टीआईएम – 3) एण्ड इट्स लाइगैंड (गेलेक्टिन – 9) इन द पैथोजेनेसिस ऑफ एक्टिव जनर्लाइज्ड विटिलिगो. *इम्युनोल रेस* 2015 मई;62(1):23–34.

1824. तेम्भरे एमके, परिहार एएस, शर्मा वीके, शर्मा ए, चट्टोपाध्याय पी, गुप्ता एस. अल्टरेशन इन रेगुलेटरी टी सेल्स एण्ड प्रोग्राम्ड सेल डैथ 1–एक्सप्रेसिंग रेगुलेटरी टी सेल्स इन एक्टिव जनर्लाइज्ड विटिलिगो एण्ड देयर क्लिनिकल कोरेलेशन. *ब्र जे डर्मेटोल* 2015 अप्रैल;172 (4):940–50.

1825. टियो एआर, फेटर्स एमडी, स्टुफ्लेबम के, टेटेनो एम, बल्हारा वाई, चोइ टीवाय, कन्बा एस, मैथ्यूज़ सीए, कैटो टीए. आइडेंटीफिकेशन ऑफ द हिकीकोमोरी सिंड्रोम ऑफ सोशल विड्रॉल : फिजियोसोशल फीचर्स एण्ड ट्रीटमेंट प्रीफरेंस इन फोर कंट्रीज़. *इंट जे सोश साइक्याट्री* 2015 फरवरी;61(1):64–72.

1826. ठकर ए, होता ए, भल्ला एएस, गुप्ता एसडी, सरकार सी, कुमार आर. ओवर्ट एण्ड ऑक्यूल्ट विडियन कैनल इनवॉल्वमेंट इन जुवेनाइल एंजियो फाइब्रोमा एण्ड इट्स पॉसीबल इम्पैक्ट ऑन रिकरेंस *हैड नीक* 2015 जनवरी 12. डीओआई: 10.1002/एचईडी.24012.

1827. ठकराल पी, सिंगला एस, यादव एमपी, वशिष्ट ए, शर्मा ए, गुप्ता एसके, बाल सीएस, स्नेहलता, मल्होत्रा ए. एन एप्रोच फॉर कंजुगेशन ऑफ (177) लु–डीओटीए–एससीएन–बी–सेल नॉन हाडकिन्स लिम्फोमा पेशेंट्स. *इंडियन जे मेड रेस* 2014 अप्रैल;139(4):544–54.

1828. तजेस्वी एचटी, कुमार ए, गुप्ता एसके. प्रजेंट स्टेट्स ऑफ इयुथेनेसिया इन इंडिया फ्रॉम मेडिको – लीगल पर्सपेक्टिव – एन अपडेट. *जर्नल ऑफ पंजाब अकैडमी फॉर फॉरेंसिक मेडिसिन एण्ड टॉक्सीकोलॉजी* 2014;14(1):59–64.

1829. तजेस्वी एचटी, मुरारी ए, आदर्श के, कार्तिक के. एस्टीमेशन ऑफ हाइट फॉर फेमुर फ्रॉम इट्स प्रॉक्सीमल सेगमेंट्स. *मेडिकोलीगल अपडेट* 2014;14(1):183–188

1830. तजेस्वी एचटी, मुरारी ए, कुमार ए, कृष्णा के. एस्टीमेशन ऑफ द लेंथ ऑफ फेमुर फ्रॉम इट्स डिस्टल फ्रेंगमेंट्स. *इंडियन जर्नल ऑफ फोरेंसिक मेडिसिन एण्ड टॉक्सीलॉजी* 2014;8:195–201.

1831. थॉमस पी. इंडियन पर्सपेक्टिव ऑन माइग्रेशन ऑफ हेल्थ प्रोफेशनल्स फ्रॉम इंडिया नर्सिंग जे इंडिया 2014 नवम्बर – दिसम्बर; सीवी(6).

1832. ठुकराल ए, जोशी एम, जोशी पी, प्रकाश वी, अदकोली बीवी, देवरारी एके. एप्प फॉर मैनेजमेंट ऑफ सिक न्यूबोर्न : इवेल्यूएशन ऑफ इम्पैक्ट ऑन हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स. *जे ट्रॉप पीडियाट्रि* 2014 अक्तूबर;60(5):370–6.

1833. तियान एम, अजय वीएस, डुंजु डी, हमीद एसएस, ली एक्स, लुइ जेड, एट ऑल. ए कलस्टर रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल टू इवेल्यएअ द इफेक्ट ऑफ ए सिम्लीफाइड मल्टीफेक्टिड मैनेजमेंट प्रोग्राम इन हाइ कार्डियोवेस्कुलर डिजीज रिस्क पेशेंट्स इन रूरल चीन एण्ड इंडियाःसिमकार्ड स्टडी. *सर्कुलेशन* 2014;130(23):2117.

1834. तिखोनोवा ईबी, इतायातुल्ला एएस, सु वाई, हरीहरण पी, एक्सिस एस, गुआन एल. ए ट्रांसक्रिप्शन ब्लॉकर आइसोलेटिड फ्रॉम ए डिजाइन्ड रिपीट प्रोटीन कॉम्बीनेटोरियल लाइब्रेरी बाय इन विवो फंक्शनल स्क्रीन. *साइं रैप* 2015;5:8070.

1835. टीकू वीआर, शर्मा एस, वर्मा ए, कुमार पी, रघुवेंधर एस, अनेजा एस, पॉल वीके, भान एमके, रे पी. रोटावायरस डाइवर्सिटी अमंग डायरीयल चिल्ड्रन इन दिल्ली, इंडिया ड्यूरिंग 2007–2012.*वैक्सीन* 2014 अगस्त 11;32(सप्ल1):ए62–7.

1836. तिलक टी, शेरावत एस, अग्रवाल एस, गुप्ता विष्णुभाटला एस, बक्शी एस. सर्कुलेटिंग टी – रेगुलेटरी सेल इन न्यूरोब्लास्टोमा : ए पायलट प्रॉस्पेक्टिव स्टडी. *पीडियाट्रिक हिमेटोल ओंकोल* 2014;31:717–22.

1837. टिटियाल जेएस, खातिक एम, शर्मा एन, सेहरा एसीवी, महाराणा पीके, घातक यू. अग्रवाल टी, खोखर एस, चावल बी. टोरिक इंट्राऑक्यूलर लेंस इम्प्लांटेशन वर्सिस एस्टीग्मेटिक केरोटोटॉमी टू करेक्ट एस्टग्मेटिक ड्यूरिंग फेकोइमल्सीफिकेशन. *जे कैटेरेक्ट रिफ्रेक्ट सर्ज* 2014 मई;40(5):741–7.

1838. टिटियाल जेएस, शर्मा एन, अग्रवाल एके, प्रकाश जी, टंडन आर, वाजपेयी आर. लाइव रिलेटिड वर्सिस केडेवेरिक लिम्बल एलोग्राफ्ट इन लिम्बल स्टेम सेल डेफिशिएंसी. *ऑक्यूल इम्युनोल इंफ्लेम* 2014 जुलाई 2;4:1–8.

1839. टिटियाल जेएस, टिनवाला एसआई, शेखर एच, सिन्हा आर. सुचरलेस क्लियर कॉर्नियल डीएसएईके विद ए मॉडीफाइड एप्रोच फॉर प्रीवेंटिंग पैपिलरी ब्लॉक एण्ड ग्राफ्ट डिसलोकेशनः केस सीरिज विद रेट्रोस्पेक्टिव कम्पेरेटिव एनालाइसिस. इंट ऑपथेल्मोल 2015 अप्रैल; 35(2):233–40.

1840. तिवारी पी, मदन के, जैन डी, कुमार आर, मोहन ए, गुलेरिया आर. प्लेयरो–पेरिटोनियल लिम्फोमेटोसिस विद कंकरंट टोंसिलर इवॉल्वमेंट इन टी–सेल नॉन हाडकिन्स लिम्फोमाः क्लिनिकल प्रजेंटेशन मिमिकिंग डिस्सेमिनेटिड ट्यूबरकुलोसिस. *लंग इंडिया* 2014 अक्तूबर;31(4):380–2.

1841. तिवारी वी, खत्री के, खान एसए, नाथ डी. डिस्सेमिनेटिड स्पर्जिलस फ्लेवस फ्लोइंग सेप्टिक आर्थराइटिस इन एन इम्युनोकम्पटेंट पेशेंटः ए केस रिपोर्ट. *बीएमसी रेस नोट्स* 2014 अक्तूबर 9;7:709. डीओआई : 10.1186/1756–0500–7–709.

1842. त्रिखा ए, शर्मा ए, कुमार आर. पोस्टीरियर रिवर्सिबल एनेसेफेलोपैथी सिंड्रोम. *ऑब्स्टेट एनेस्थ क्रिट केयर* 2014 4:59–63.

1843. त्रिखा ए. सिमुलेशन्स फॉर ट्रेनिंग इन ऑब्स्टेट्रिक एनेस्थिसियाः एसेंशियल बट बेटर गेडगेट्स आर नीडिड. *जे ऑब्स्टेट एनेस्थ क्रिट केयर* 2014;4:1–3.

1844. त्रिपाठी एम, अरोड़ा जी, दास सीजे ग्रोवर टी, गुप्ता आर, बाल सी. इंसीडेंटल डिटेक्शन ऑफ इंट्राक्रेनियल ट्यूबरकुलोमस ऑन 99 एमटीसी–टीआरओडीएटी – 1 एसपीईसीटी /सीटी. *क्लिन न्यूक्लि मेड* 2015 जून; 40 (6) : ई321–2.

1845. त्रिपाठी एम, देव आरसी, दामोदरन ए सूरी ए, श्रीवास्तव वी, बैबी बी, एट ऑल. क्वांटिटेटिव एनालाइसिस ऑफ वेरिएबल एक्सटेंट ऑफ एंटीरियर क्लिनोइडेक्टॉमी विद इंट्राड्यूरल एण्ड एक्स्ट्राड्यूरल एप्रोचिस : – 3 डायमेंशियल एनालाइसिस एण्ड कैडेवर डिसेक्शन. *न्यूरोसर्जरी* 2015 मार्च;11 सप्ल2:147–60; डिस्कशन 160–1.

1846. त्रिपाठी एम, देव आरसी, श्रीवास्तव वी, बैबी बी, सिंह आर, दमोदरन एन, एट ऑल. न्यूरोसर्जरी एप्प्सः नोवल नॉलेज बूस्टर्स. *ट्रक न्यूरोसर्ज* 2014;24:828–38.

1847. त्रिपाठी एम, त्रिपाठी एम, दामले एन, कुशवाहा एस, जैमिनी ए, डिसूजा एमएम, एट ऑल. डिफरेंशियल डायग्नोसिस ऑफ न्यूरोडिजनेरेटिव डिमेंटियास यूजिंग मेटाबोलिक फीनोटाइप्स ऑन एफ–18 एफडीजी पीईटी/सीटी *न्यूरोरेडियोल जे* 2014; 27:13–21.

1848. त्रिपाठी यूके, असलम एमके, पाण्डे एस, नायक एस, छिल्लर एस, श्रीनिवास ए, एट ऑल डिफरेंशियल प्रोटियोमिक प्रोफाइल ऑफ स्पर्मेटोजेनिक एण्ड सर्टोली सेल फ्रॉम पेरि – पुबर्टल टेस्टेस ऑफ थ्री डिफरेंट बोवाइन ब्रीड्स. *फ्रंट सेल डेव बायोल* 2014;2:24.

1849. त्रिपाठी वी, कुमार आर, डिंडा एके, कौर जे, लूथरा के. सीएक्ससीएल12–सीएक्ससीआर7 सिगनलिंग एक्टिवेट्स ईआरके एण्ड एकेटी पाथवे इन ह्यूमन कोरियोकार्सिनोमा सेल. *सेल कॉमल एडहेस* 2014;21:221–8.

1850. त्रिपाठी के, अग्रवाल पी, शर्मा वाईआर, चावला आर, सिंह एचआई, ब्यापरेड्डी आर, कुमावत बी, वोहरा आर. मिनीमली इंवेसिव विटरेक्टॉमी सर्जरी – द न्यू एरा. *डीओएस टाइम्स* 2014 नवम्बर;20(5):41–46.

1851. त्रिपाठी के, चावला आर, शर्मा वाईआर, वेंकटेश पी, वोहरा आर. कॉर्नियल चैंजिस इन डायबेटिक मेलिटस. *डीओएस टाइम्स* 2014 नवम्बर;20(5):55–58.

1852. त्रिपाठी के, शर्मा वाईआर, गोगिया वी, वैंकटेश पी, सिंह एसके, वोहरा आर. सीरियल अल्ट्रा वाइड फील्ड इमेजिंग फॉर फ्लोइंग अप एक्यूट रेटिनल नेक्रोसि केस. *ओमन जे ऑफ्थेल्मोल* 2015 जनवरी –अप्रैल;8(1):71–2.

1853. त्रिपाठी के, शर्मा वाईआर, चावला आर, गोगिया वी, सिंह एसके, वेंकटेश पी, वोहरा आर. रीसेंट एडवांस इन मैनेजमेंट ऑफ डायबेटिक मैक्यूलर एडेमा. *क्यूर डायबिटीज़ रि.* 2015;11(2):79–97.

1854. त्रिपाठी के, सिंह आर, चावला आर, शर्मा वाईआर, वोहरा आर, ब्यपरेड्डी आर, सिंह एसके. मस्कुराडे सिंड्रोम. *डीओएस टाइम्स*; 2014 सितम्बर; 20(3):29–37.

1855. टुटेजा ए, सिद्दिकी एबी, मदन के, गोयल आर, शालीमार, श्रीनिवास वी, कौर एन, पांडा एसके, नारायणसामी के, सुबोध एस, आचार्य एसके. म्यूटेशन प्रोफाइलिंग ऑफ द हिपेटाइटिस बी वायरस स्ट्रेन सर्कुलेटिंग इन नॉर्थ इंडियन पॉपुलेशन. *पीएलओएस वन* 2014 मार्च 17;9(3):ई91150.

1856. त्यागी सी, तोमर एलके, कुमार पी, पिलिया वी, सिंह एच. डेवलपमेंट एण्ड वेलेडेशन ऑफ डॉट – एलिसा ऑन मॉडीफाइड सेल्यूलोस फिल्टर पेपर : ए सिम्पलीफाइड नोवल एप्रोच. *एनालाइटिक मैथड्स* 2014;6:7374–7383.

1857. उन्नीकृष्णनन आर, अंजना आरएम, दीपा एम. ग्लिसेमिक कंट्रोल अमंग इंडीवुजुअल विद सेल्फ रिर्पोटेड डायबिटीज़ इन इंडिया–द आईसीएमआर – आईएनडीआईएबी स्टडी. *डायबिटील़ टेक्नोल थर* 2014;16:596–693

1858. वाजपेयी आरबी, महाराणा पीके, जैन एस, शर्मा एन, झांजी वी. थिन लेंटिक्यूल डिससेमेट – स्ट्रीपिंग ऑटोमेटिड एंडोथिलियल केरेटोप्लास्टीः सिंगल, स्लो पास तकनीक. *क्लिन एक्सपेरिमेंट ऑफ्थेल्मोल* 2014 जुलाई;42(5 :411–6.

1859. वाजपेयी आरबी, शफी एसएन, महाराणा पीके, शर्मा एन, झांजी वी. इवेल्यूएशन ऑफ कार्नियल कोलेजन क्रॉस – लिंकिंग एज एन एडिशनल थेरैपी इन मायोटोटिक केराटाइटिस. *क्लिन एक्सपेरिमेंट ऑफ्थेल्मोल* 2015 मार्च;43(2):103–7.

1860. वेल्लोनथेइल एजी, सिंह एमके, डींडा एके, माथुर एस, ठकर ए, दास एस. एक्सप्रेशन ऑफ सेल साइकिल एसोसिएटिड प्रोटीन्स पी53, पीआरबी, पी16, पी27 और कोरेलेशन विद सर्वाइवल : ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑन सिक्वेमस सेल कार्सिनोमा (एससीसी) एण्ड वेरुकोकस कार्सिनोमा (वीसी) ऑफ ओरल म्यूकोसा. ओरल सर्जरी, ओरल मेडिसिन, *ओरल पैथोलॉजी एण्ड ओरल रेडियोलॉजी* 2015;119(3): ई145.

1861. वेन बर्ग एल, हेमिलटन ईएम, लिन्नांकिवी टी, उजेल जी, स्टेनवेग एमई, इसोहान्नी पी, वोल्फ एनआई, करोगेलोह–मन्न आई, ब्रोटेसेट एनजे, एंड्रयूज पीआई, डी जोन्ग बीए, एएल घामडी एम, वैन वियरिंजीन डब्ल्यूएन, टेनस बीए, हुलेमन ई, वुरडिंगर टी, वैन बकर्ले सीजी, पोल्डर ई, अबिंक टीई, स्ट्रयस ईए, शेफर जीसी, वैन डर नैप एमएस; एलबीएसएल रिसर्च ग्रुप. ल्यूकोएंसेफेलोपैथी विद ब्रेनस्टेम एण्ड स्पाइनल कॉर्ड इंवॉल्वमेंट एण्ड लेक्टेट इलेवेशनः क्लिनिक एण्ड जेनेटिक करैक्टराइजेशन एण्ड टार्गेट फॉर थेरैपी. *ब्रेन* 2014 अप्रैल; 137(पीटी 4):1019–29

1862. वनाति एम, कश्यप एस, खान आर, सेठ टी, मिश्रा पी, महापात्रा एम, टंडन आर. ऑक्यूलर सरफेस इवेल्यूएशन इन एलोजेनिक हिमेटोपॉइटिक स्टेम सेल ट्रांसप्लाटेंशन पेशेंट्स. *यूर जे ऑफ्थेल्मोल* 2014 सितम्बर–अक्तूबर; 24(5):655–66.

1863. वर्मा पी, दारलोंग वी, पाण्डे आर, गर्ग आर, चंद्रलेखा, पुंज जे. कम्पेरिजन ऑफ सुबाराकोनोइड ब्लॉक विद बूपिवैकेन एण्ड बूपिवैकेन विद फेंटाइनल ऑन एंट्रॉफी एण्ड सेडेशनः ए प्रॉस्पेक्टिव रैंडोमाइज्ड डबल–ब्लाइंड स्टडी. *जे एनेस्थिसियोल क्लिन फार्माकोल* 2014;30:543–9.

1864. वेलपांडियन टी, कोटनाला ए, हल्दर एन, रवि एके, अर्चूनन वी, सिहोटा आर. स्टेबिलिटी ऑफ लेटेनोप्रोस्ट इन जेनेरिक फॉरम्यूलेशन यूजिंग कंटोल्ड डिग्रेडेशन एण्ड पेशेंट यूसेज सिमुलेशन स्टडीज़. *क्यूर आइ रेस* 2015 मई;40(6):561–71.

1865. वेंकटेशन एस, पुरोहित ए, अग्रवाल एम, मणिवेनान पी, त्यागी एस, महापात्रा एम, पती एचपी, सक्सेना आर. अनयुजुअल प्रजेंटेशन ऑफ हेयरी सेल ल्यूकेमिया : ए केस सीरिज ऑफ फोर क्लिनिकली अनसक्स्पेक्टिड केस. *इंडियन जे हिमेटोल ब्लड ट्रांसफ्यूस* 2014 सितम्बर; 30(सप्ल1):413–7.

1866. वेंकटेश पी, बद्दुरी ए, लोधा आर, चावला आर, काबरा एसके, शाह बी, राजपाल आर, गर्ग एसपी. यूविटिस प्रीवलेंस एण्ड रिस्क फैक्टर्स इन जुवेनाइल रिहयूमेटॉइड आर्थराइटिस – ए प्रॉस्पेक्टिव, क्रॉस सेक्शनल स्टडी. *एन पीडियाट्रि रिह्यूम* 2014;3(4):158–162.

1867. वेंकटेश पी, तिबरेवाल एस, भौमिक डी, त्रिपाठी एम, रामाकृष्णन एस, वशिष्ट एन, वोहरा आर, गर्ग एस. प्रीवलेंस ऑफ सिस्टेमिक को–मॉर्बिडिटिज़ इन पेशेंट्स विद वेरियस ग्रेड ऑफ डायबेटिक रेटिनोपैथी. *इंडियन जे मेड रेस* 2014 जुलाई;140(1):77–83.

1868. वेंकटेश पी, वशिष्ट एन. गर्ग एसपी. ऑप्टिकल कोहरेंस टोमोग्राफिक फीचर्स इन आइडियोपैथिक रेटिनल वेस्कुलिटिज़ न्यूरोस्मस एण्ड न्यूरोरेटिनिटिज़ (आईआरवीएएन) (जर्नल ऑफ ऑपथेल्मिक रिसर्च, अप्रैल 2014).

1869. वेंकटेशन एम, टेली एबी, गुप्ता ए, नागाप्पा एम, हल्दर पी, खन्ना एम. प्रीवलेंस ऑफ फेटिग इन गुलियन – बारे सिंड्रोम इन न्यूरोलॉजिकल रिहेबिलिटेशन सेटिंग. *एन इंडियन अकैड न्यूरोल* 2014;17(3):331–5.

1870. वेंकटरामायण के, मदान के, वालिया आर, कुमार जे, जैन डी, गुलेरिया आर. ''डीजल सिफोनर्स लंग'' : एक्सोजेनस लिपियोड निमोनिया फोलोइंग हायड्रोकार्बन एसपिरेशन. *लंग इंडिया* 2014 जनवरी; 31(1):63–6.

1871. वेंकटरामायण के, शंकर एम जे, देवरारी ए, कृष्णन ए, पॉल वी के. ए माइक्रो–कोस्टिंग मॉडल ऑफ नियोनेटल इंटेंसिव केयर फ्रॉम ए टर्शरी इंडियन यूनिट : फेसिबिलिटी एंड इम्प्लीकेशंस फॉर इंश्योरेंस. *इंडियन पीडियाट्रि* मार्च;51(3):215–7.

1872. वेंकटरमण बी, कुरुनानिथी एस, कुमार ए, खिलनानी जी सी, कुमार आर. रोल ऑफ 68 जी ए–डीओटीएटीओसी पीईटी/सीटी इन इनिशियल एवेल्यूएशन ऑफ पेशेंट विद सस्पेक्डि ब्रॉकोपुलमोनरी कारसिनोइड. *यूर जे न्यूक्ल मेड मोल इमेजिंग* 2014; 41(5):856–64.

1873. वेणुगोपाल आर, सांगवान एस, सतपति जी, अग्रवाल टी, शर्मा एन. कंजुंक्टिवल माइक्रोबायल फ्लोरा इन स्टीवन जॉनसन सिंड्रोम ओंकोलएसेकुएल पेशंट्स एट ए टर्शरीकेयर सेंटर इन इंडिया. इंवेस्ट ओफ्थाल्मिक वीस साइं 2014 अप्रैल;55:2772.

1874. वर्मा ए, वाजपेई एम, बैद्य डी के. लूम्बोटॉमी अप्रोच फॉर अपर यूरिनरी ट्रैक्ट सर्जरीज़ इन एडोलेसंट्स : फिजिबिलिटी एण्ड चैलेंजेज. *जे पेड्रियाट्र यूरल* 2014 दिसम्बर;10(6):1122–5

1875. वर्मा ए, भटनागर वी, प्रकाश एस, श्रीवास्तव ए के. एनालायसिस ऑफ बाइल इन वेरियस हेपेटोबायलरी डिजीज स्टेटस : ए पायलट स्टडी. *जे इंडियन एसोस पेडियाट्र सर्ज* 2014 जुलाई;19(3):151–5.

1876. वर्मा ए के, आहूजा वी, पॉल जे. द ट्रेंड इन डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ क्यू223आर म्यूटेशन ऑफ लेप्टीन रिसेप्टर जीन इन एमोबिक लीवर एब्सेस पेशेंट्स फ्रॉम नॉर्थ इंडियाः ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी. *बायोमेड रेस इंट* 2014;2014:847132.

1877. वर्मा जी के, वर्मा एस, सिंह जे, शंकर वी, टेगटा जी आर, मिन्हास एस, शर्मा वी, ठाकुर जे. ए केस ऑफ एक्सटेंसिव कोरोमोब्लास्टोमायकोसिस फ्रॉम नॉर्थ इंडिया. *ब्राज जे माइक्रोबायोल* 2014 अप्रैल 8;45(1):275–7.

1878. वर्मा के एल, चौधरी पी, शर्मा एम, सरीन आर के, कुमार ए. आइडेंटिफिकेशन ऑफ हेरोइन एंड इट्स मेटाबोलाइट इन विसेरल टिशू ऑफ ए हेबिचुअल ड्रग यूजर–ए केस रिपोर्ट. *जर्नल ऑफ इंडियन सोसाइटी ऑफ टॉक्सिकोलॉजी* 2014;10(1):18–22.

1879. वर्मा आर, आनंद के एस, शर्मा बी बी, गर्ग जे. न्यूरोकैस्टीकेरकोसिस प्रेजेंटिंग एज़ पार्किंसनिज्म. *न्यूरोल इंडिया* 2014 जनवरी–फरवरी;62(1):110–1.

1880. वर्मा आर, आनंद के एस. एचआईवी प्रेजेंटिंग एज़ यंग–ऑनसेट डिमेंटिया. *जे इंट एसोस प्रोवाइड एड्स केयर* 2014 मार्च–अप्रैल;13(2):110–2.

1881. वर्मा आर, अपला, कुमारी एस, धीमान वी. स्टीमुलेंट ट्रीटमेंट फॉर एडीएचडी. *बीआर जे साइकाइट्री* 2014जून;204(6):490.

1882. वर्मा आर, जोरवाल पी, केशवानी पी. एसोसिएशन ऑफ एकेंथोसिसनिग्रीकेंस विद एंथ्रोपोमेट्रिक एंड बायोकेमिकल पैरामीटर्स इन यंग इंडियन मेल्स. *एन नाइजिरियन मेड* 2014;8(2) :डीओआई :10.4103ध0331–3131.153354.

1883. वर्मा आर, मिना एस, गोयल एस, जाखड़ के. वेनस डर्माटाइटिस एसोसिएटिड विद ऑब्सेसिव विद ऑब्सेसिव कम्प्लेसिव डिसऑर्डर : ए केस रिपोर्ट. *इजिप्शियन डर्माटोलॉजी ऑनलाइन जे* 2014जून;10(1):1–5.

1884. वर्मा आर, मिना एस, सचदेवा ए. ऑटो कैनिबलिज़्म इन मेंटल रिटार्डेशन. *जे पीडियाट्रि न्यूरोसाइंस* 2014 जनवरी;9(1):60–2.

1885. वर्मा आर, सूद एस, सिंह आर, सुमोना जी, बाला एम, शर्मा वी के, सामंतराय जे सी, पांडेय आर एम, मल्होत्रा बी डी. कप्लिंग इलेक्ट्रोकेमिकल रिस्पॉन्स ऑफ ए डीएनए बायोसेंसर विद पीसीआर फॉर नेईसेरिया गोनोरहोई डिटेक्शन. *डायग्न माइक्रोबायोल इंफेक्ट डिज.* 2014जनवरी;78(1):16–23.

1886. वर्मा एस, वर्मा जी के, शंकर वी, कांगा जे, सिंह जी, गुप्ता एन, टेंगा जी आर, शर्मा जे, गर्ग ए. पीडियाट्रिक सर्विकोफेशियल एक्टिनोमायकोसिस डिसक्लोसिंग एन अंडरलायइंग कॉन्जिनिटल डर्मोयड सिस्ट. *डेंट रेस जे (इस्फहान)* 2014 मार्च;11(2):281–3.

1887. वर्मा एस के, सत्यार्थी जी, बोरकर एस ए, सिंह एम, शर्मा बी एस. ओर्बिटल रूफ इंट्राडिप्लोइक मेंनिंगियोमा इन ए 16–ईयर–ओल्ड गर्ल. *जे पीडियाट्रि न्यूरोसाइं* 2015;0:51–4.

1888. वर्मा एस के, सत्यार्थी जी डी, शर्मा बी एस. जाइंट इंट्राडिप्लोइक आर्केनॉयड सिस्ट फॉर 13 ईयर्स. *जे पीडियाट्रि न्यूरोसाइं* 2014;9:139–41.

1889. वर्मा एस के, सत्यार्थी जी डी, शर्मा बी एस. जाइंट कोरोयड प्लेक्सेस पैपिलोमा ऑफ द लेटरल वेंट्रिकल इन फेटस. *जे पीडियाट्रि न्यूरोसाइं* 2014;9:185–7.

1890. विजय एम, मृधा ए आर, रे आर, किनरा पी, मिश्रा बी, चंद्रशेखर एच एस. फोकल हिमेटोपोयटिक हाइपरप्लासिया ऑफ रिब : ए रेयर सियूडोट्यूमर एंड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. जे पैथोल ट्रांसल मेड 2015 मार्च;49(2):159–62.

1891. विजय एम के, अरवा एस. सोलिटेरी एंजियोकेरेटोमा ऑफ टंग : ए रेयर एंटिटी क्लिनिकली मिस्टेकन एज ए मेलिग्नेंट ट्यूमर. *इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल* 2014 जुलाई–सितंबर;57(3):510–1.

1892. विक्रम एन के, जियलाल आई. यूज ऑफ एचबीए1सी इन द डायग्नोसिस ऑफ डायबेटिस एंड प्रीडायबेटिस : सेंसिटिविटी वर्सेस स्पेसिफिसिटी. *मेटाब सिंड्रोम रिलेट डिसऑर्ड* 2014 जून;12(5):255–7.

1893. वो ए ए, सिन्हा एस, हास एम, चोई जे, मिरोचा जे, काहवाजी जे, पेंग ए, विल्लीकाना आर, जोरदन एस सी। फैक्टर्स प्रीडिक्टिंग रिस्क फॉर एंटीबॉडी–मीडिएटिड रिजेक्शन एंड ग्राफ्ट लॉस इन हाइली ह्यूमन ल्यूकोसाइट एंटीजन सेंसिटाइज्ड पेशेंट्स ट्रांसप्लांटिड आफ्टर डिसेंसिटाइजेशन. *ट्रांसप्लांटेशन* 2015 जुलाई;99(7):1423–30.

1894. वालिय आर, जैन डी, माथुर एस आर, बख्शी एस, अय्यर वी के. मेटास्टेटिक रेटिनोब्लास्टोमा ऑफ मेंडिएबल डायग्नोस्ड ऑन फाइन नीडल एस्पिरेशन सायटोलॉजी. *सायटोपैथोलॉजी* 2014 दिसम्बर;25(6):419–21.

1895. वालिया आर, मदान के, मोहन ए, जैन डी, हड्डा वी, खिलनानी जी सी, गुलेरिया आर. डायग्नोस्टिक यूटिलिटी ऑफ कंवेंशनल ट्रांसब्रोंकियल नीडल एस्पिरेशन विदआउट रैपिड ऑन–साइट एवेल्यूएशन इन पेशेंट्स विद लंग कैंसर. *लंग इंडिया* 2014जुलाई;31(3):208–11.

1896. वेर्नक एम डब्ल्यू, डेयूटचर डी, स्ट्रैटफोर्ड पी, लादिन जे, वेनबर्ग जू, हरबोय एस, रेस्निक एल. लेटर्स, *स्पाइन* (फिला पा 1976) 2015 मई1;40(9):666.

1897. वाइटलॉक आर, टोह के, विनसेंट जे, देवरॉक्स पी जे, लैमी ए, पेपरेला डी, कार्तिकेन जी, एटी एल. रेशनल एंड डिजाइन ऑफ द स्टेरोड्स इन कार्डियक सर्जरी ट्रायल. *एम हार्ट जे* 2014;167:660–5.

1898. विंडसर जेए, जॉनसन सीडी, पेट्रोव एमएस, लेयर पी, गर्ग पीके, पैपचरिस्टोयू जीआई. क्लासिफाइंग द सेवेरिटी ऑफ एक्यूट पैनक्रिएटाइटिसः टुवार्ड्स ए वे फॉर्वर्ड। *पैंक्रिएटोलॉजी* 2015;15:101–4.

1899. वलफससोर्फ जेआई, एलग्रोवे जे, क्रेग एमई, एडज जे, गलसेर एन, जैव वी, ली डब्ल्यूडब्ल्यू, मुंगई एलएन, रोसेंब्लूम एएल, स्पेर्लिंग एमए, हनस आर; इंटरनेशनल सोसायटी फॉर पीडियाट्रिक एंड एडोलसेंट डायबिटीज. आईएसपीएडी क्लिनिकल प्रैक्टिस कंसेनसस गाइडलाइन्स 2014. डायबेटिक केटोएसिडोसिस एंड हाइपरग्लायसेमिक हाइपरस्मोलर स्टेट, *पीडियट्र डायबिटीज* 2014 सितंबर,15 (पूरक 20):154–79.

1900. यादव ए, चौधरी पी, कुमार ए, मिल्लो टी, गुप्ता एस के. मरकुरी पाइजनिंग – एनालायटिकल एस्पेक्ट्स विद् ब्रीफ ओवरव्यू. *जर्नल ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन* 2014;36(3):297–302.

1901. यादव ए, कुमार सी, कुमार एल आर, शर्मा एस के. थ्रेशर मशीन एसिडेंट : इनजरी रेसेम्बिलिंग कट थ्रोएट. *जे पंजाब एकाड फॉरेंसिक मेड टॉक्सीकॉल* 2014;14(1):29–31.

1902. यादव ए, प्रसाद एच, कुमार ए, जायसवाल ए के, भारद्वाज डी एन. क्वांटिटेटिव एस्टिमेंशन ऑफ जिंक यूजिंग ट्रे मेटल एनालायजर इन जिंक फोस्फाइड पॉइजनिंग केस. *जेआईएसटी* 2014;10(2):1–4.

1903. यादव ए के, शर्मा आर, कण्डास्वामी डी, भल्ला ए एस, गमानगट्टी एस, श्रीवास्तव डी एन, उपाध्याय ए डी, गर्ग पी के. परफ्यूजन सीटी:कैन इट प्रीडिक्ट द डेवलपमेंट ऑफ पैंक्रिएटिक नेक्रोसिस इन अर्ली स्टेज ऑफ सेवरे एक्यूट पैनक्रिएटाइटिस? *एब्डोम इमेजिंग* मार्च; 40(3):488–99.

1904. यादव बी, रैना ए, कुमार ए, बंसल एस के, डोगरा टी डी. एलेलिक एंड फीनोटाइपिक डायवर्सिटी ऑफ एबीओ एंड आरएचईएसयूएस (डी) ब्लड ग्रूप्स इन द मेडिकल एंड डेंटल एप्रेंटाइसेस ऑफ यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा, इंडिया. *इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ न्यूरल एंड एप्लाइड साइंसेज* 2014;1(6).

1905. यादव जे एस, कौर एस. एडिक्शन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया इन चिल्ड्रन : ए मेजर प्रोब्लम. *इंडियन जे साइकोसोशियल साइं.* 2014 अक्टूबर;4(1):11–14.

1906. यादव के, चक्रबर्ती ए, राह जे एच, कुमार आर, अगौया वी, अंसारी एम ए, शंकर आर, करमार्कर एम जी, पांडव एस सी. द नेशनल कोएलिएशन फॉर सस्टेनेड ऑप्टिमल आयोडिन इनटेक (एनएसओआई) : ए केस स्टडी ऑफ ससेसफुल एक्सपीरिएंस फ्रॉम इंडिया. *एशिया पैक जे क्लिन न्यूट्र* 2014;23 पूरक 1:एस38–45.

1907. यादव के, कुमार आर, पांडव सी एस, करमार्कर एम जी. सक्सेफुल इम्प्लिमेंटेशन ऑफ ए लेबोरेटरी आयोडाइजेशन क्वालिटी एसुरेंस सिस्टम इन स्मॉल – स्केल साल्ट प्रोडक्शन फैसिलिटिज़ इन इंडिया। *पब्लिक हेल्थ न्यूट्र* 2014 दिसम्बर;17(12):2816–23.

1908. यादव के, सिन्हा एस, पांडव एस सी, करमार्कर एल एम. आयोडिन स्टेट्स ऑफ प्रेगनेंट वॉमैन एंड कॉगनाइटिव आउटकम्स ऑफ देयर चिल्ड्रन, *नेटल मेड जे इंडिया* 2014 मई–जून;27(3):144–5.

1909. यादव एन, गर्ग आर, कोहली एस. एवेरनेस ऑफ द अल्ट्रासाउंड गाइडेड रिजनल एनेस्थिसिया अमंग एनस्थिसिया रेजीडेंट्स इन इंडिया:ए क्वाशनायर – बेस्ड स्टडी. *इंडियन जे एनेस्थ* 2014;58:752–4.

1910. यादव एन, कुमार ए, सिंह जी पी, बालकृष्णन आई, अग्रवाल आर, प्रभाकर एच. एनेस्थेटिक मैनेजमेंट ऑफ ए पेशेंट विद ब्रोंकोप्ल्यूरल फिस्टुला फॉलोइंग ब्लंट ट्रॉमा चेस्टः ए ब्रिफ रिपोर्ट। *इजिप्टिन जे. एनेस्थ* 2014;30:215–18.

1911. यादव पी, ताक वी, मृधा बी आर, मखारिया जी के. रिफ्रेक्टरी गियरडायसिस : ए मॉलीकुलर एपरेजल फ्रॉम ए टेर्टियरी केयर सेंटर इन इंडिया. *इंडयन जे मेड माइक्रोबियल* 2014 अक्टूबर–दिसम्बर;32(4):378–82.

1912. यादव आर, भूतिया ओ, शुक्ला जी, रॉयचौधरी ए. डिस्ट्रेक्शन ऑस्टियोजेनेसिस फॉर द मैनेजमेंट ऑफ ऑब्स्ट्रेक्टिव स्लीप एपनिया इन टेम्पोरोमैंडिबुलर जॉइंट एंकायलोसिस पेशेंट्स. *जे क्रानियो मैक्सिला फैक सर्ज* 2014 जुलाई;42(5):588–94

1913. यादव आर, शर्मा एम सी, मालगुलवर पी बी, पाठक पी, सिगामानी ई, सूरी वी, सरकार सी, एट अल. प्रोग्नोस्टिक वैल्यू ऑफ एम आई बी–1, पी53, एपिडर्मल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर, एण्ड आईएनआई1 इन चाइल्डहुड कोर्डोमस. *न्यूरो ओंकोल.* 2014;16:372–81.

1914. यादव आर के, मगन डी, यादव आर, सर्वोत्तम के, नेतम आर. हाई डेंसिटी लिपोप्रोटीन कोलेस्टेरॉल इंक्रिसेस फॉलोविंग ए शॉर्ट–टर्म योगा–बेस्ड लाइफस्टाइल इंटरवेंशनः ए नॉन–फार्माकॉलोजिकल मॉड्यूलेशन. *एक्टा कार्डियोलॉजिक* 2014 अक्टूबर;69(5):543–49.

1915. यादव आर के, सर्वोत्तम के, ममन डी, यादव आर. ए टू ईयर फॉलो–अप केस ऑफ क्रॉनिक फेटिगई सिंड्रोम : सबस्टेंशियल इम्प्रूवमेंट फॉलोविंग योग–बेस्ड लाइफाइल इंटरवेंशन. *जे अल्टर्न कॉम्प्लीमेंट मेड* 2015 अप्रैल;21(4):246–9.

1916. यादव आर के. इफेक्ट ऑफ योगा रिजिमेन ऑफ लंग फंक्शन्स इंक्लुडिंग डिफ्यूजन कैपिसिटी इन कोरोनरी आर्टरी डिजीज पेशेंट्स : ए रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड स्टडी. *इंट जे योग* 2015;8(1):68–9.

1917. यादव एस एस, शाह एन, नसीम ए, रॉय टी एस, सूद एस. इफेक्ट ऑफ "एपिकल क्लेरिंग" एंड "एपिकल फोरमेन विडेनिंग" ऑन एपिकल रेमिफिकेशन्स एंड बैक्टीरियल लोड इन रूट कैनल्स. *बुल टोक्यो डेंट कोल* 2014;55(2):67–75.

1918. यादव वी, सिक्का के. कार्डियक प्रीकेयूशन इन पेशेंट विद् जेर्वेल एंड लैंग नाइलसन सिंड्रोम अंडरगॉइंग कोक्लियर इम्प्लांटेशन. *इंडियन जे ऑटोल* 2015;21:78–9

1919. यादव वी के, मण्डल आर एस, पूनिया बी एल, कुमार आर, डे एस, सिंह एस, यादव एस. स्ट्रक्चरल एंड बाइंडिंग स्टडीज ऑफ एसएपी–1 प्रोटीन विद् हेपरिन. *कैम बायोल ड्रग डेस* 2015 मार्च;85(3):404–10.

1920. वाइप सीएच, बुक्सिमैजा आई, हार्टमन एम, देव एसवी, चेउंग पीएस, इम्प्रूविंग आउटकम्स इन ब्रेस्ट कैंयर फॉर लॉ एंड मिडल इनकम कंट्रीज. *वर्ल्ड जे सर्ज* 2015; 39:686–92.

1921. योगनाथन एस, चक्रबर्ती बी, गुलाटी एस, कुमार ए, कुमार ए, सिंह एम, क्सेस आई. कैंडिडा ट्रॉपिकलिस ब्रेन एब्सेस इन ए नियोनेट : ए इमर्जिंग नोसोकोमिल मेनास. *एना इंडियन एकैड न्यूरोल* 2014 अक्टूबर;17(4):448–50.

1922. जकारिया एम के, खान आई, मणि पी, चट्टोपाध्याय पी, सरकार डी पी, सिन्हा एस. कॉम्बिनेशन ऑफ हिपेटोकाइट स्पेसिफिक डिलीवरी एंड ट्रांसफॉर्मेशन डिपेंडेंट एक्सप्रेशन ऑफ एसएचआरएनए इंडुसिंग ट्रांसक्रिप्शनल जीन साइलेंसिंग ऑफ सी–एमवायसी प्रोमोटर इन हिपेटोसेल्लुलर कार्सिनोमा सेल्स. *बीएमसी कैंसर* 2014;14:582.

1923. ज़ीशन एम, त्यागी आर के, त्यागी के, आलम एम एस, शर्मा वाई डी. हॉस्ट – पैरासाइड इंटरेक्शन : सेलेक्टिव पीवी–फैम –ए फैमिली प्रोटीन्स ऑफ प्लामोडियम विवैक्स बाइंड टु ए रेस्ट्रिक्टेड नंबर ऑफ ह्यूमन इरिथ्रकाइट रिसेप्टर्स. *जे इंफेक्ट डिस* 2014;211:1111–20.

1924. ज़ेट्लर पी, फु जे, टंडन एन, नदेआऊ के, उरकार्मी टी, बरेटी टी, माहक डी. टाइप 2 डायबिटीज इन द चाइल्ड एंड एडोलसेंट. *पीडियट्र डायबिटीज 2014 सितंबर; 15* (पूरक 20):26–46. इरैटुम इन : *पीडियट्र डायबिटीज* 2015 अगस्त;16(5):392.

1925. जेनगस एस, कैलमेर्स जे, नील बी, बिलॉट एल, लि. क्यू. हिराकावा वाय, अरिमा एच, मोनघन एच, जोशी आर, कोलगियूरी एस, कूपर एमई, ग्लैजियो पी, ग्रूबी डी, हैमेट पी, हैरेप एस, हेलेर एस, लिसहेंग एल, मैंसिया जी, मैरे एम, मैट्हेव डीआर मोगेंसेन सीई, पेर्कोविक वी, पॉउल्टर एन, रोडजर्स ए, विलियम बी, मैकमोहन एस, पटेल ए, वूडवर्ड एम, एडवांस – ऑन कोलैब्रोरेटिव ग्रूप, फॉलो–अप ऑफ ब्लड –प्रेशर लॉवरिंग एंड ग्लूकोज कंट्रोल इन टाइप 2 डायबिटीज. *एन एंगल जे मेड* 2014 अक्टूबर;371(15):1392–406.

1926. जुहल्क एल, एंजेल एमई, कार्तिकेयन जी, रंगारजन एस, मैकी पी, कुपिडो बी एट एल. कैरेक्टरस्टीक्स कॉम्प्लीकेशन्स एंड गेप्स इन एविडेंस – बेस्ड इंटरवेंशन्स इन रूमेटिक हर्ट डिजीज रजिस्ट्री : द ग्लोबल रूमेटिक हर्ट डिजीज रजिस्ट्री : (द रेमेडी स्टडी). *यूर हार्ट जे* 2014 नवंबर 25. (मुद्रण से पहले ई–प्रकाशन).

1927. जुहल्क एल, एंजेल एमई, कार्तिकेयन जी, रंगारजन एस, मैकी पी, कुपिडो बी एट एल. कैरेक्टरस्टीक्स कॉम्प्लीकेशन्स एंड गेप्स इन एविडेंस – बेस्ड इंटरवेंशन्स इन रूमेटिक हर्ट डिजीज रजिस्ट्री : द ग्लोबल रूमेटिक हर्ट डिजीज रजिस्ट्री (द रेमेडी स्टडी). *यूर हार्ट जे* 2014 नवंबर 25. (मुद्रण से पहले ई–प्रकाशन).

सार

1. आथिरा आर, गुलाटी एस, सप्रा एस, त्रिपाठी एम, शुक्ला जी, डांग एन, एट अल. प्रीवलेंस ऑफ स्लीप एब्नार्मेलिटीज इन ऑटिस्टीक चिल्ड्रन – ए क्रॉस सेंशनल स्टडी. *जेआईसीएनए* 2014;1:60.

2. आचार्य एस के, जैन एस, शालीमार, नायक बी, प्रकाश डी, पॉल एस बी. इंडोसाइनीन ग्रीन एज़ ए प्रीडिक्टर ऑफ डेवलपमेंट ऑफपोस्ट ट्रांसटेरियल कीमोएमबोलिसेशन लीवर फेलियर. *जे क्लीन एक्सप हेपेटोल* 2014; 4 :एस 57–एस 58.

3. अग्रवाल के, शर्मा यू, हरि एस, सीनू वी, प्रसाद आर, माथुर एस, जगन्नाथन एनआर. डिफ्यूजन वेटेड इमेजिंग (डीडब्ल्यू1) एज ए टूल टु डिफरेंशिएट ब्रेस्ड लेशन्स. *जे प्रोटीन्स प्रोटियोमिक्स* 2015;6(पूरक 1):88

4. अग्रवाल आर, मोहंती के, मिश्रा एस, कुमार डी, दादा आर, एंग्मो डी, एट अल. जेनेटीक स्क्रीनिंग एंड ऑक्डेटिव स्ट्रेस एनालाइसिस इन प्राइमरी ओपन एंगल ग्लूकोमा (पीओएजी) : *आईओवीएस* 2014;55:2143

5. अग्रवाल आर, दीपक आर, माथुर एस, शर्मा एमसी. अनजुअल प्राइमरी ट्यूमर्स ऑ् सेर्विक्स. *इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल* 2014;57 (पूरक 1):एस101.

6. अग्रवाल एस, भाटिया ए, बख्शी एस, श्रीनिवास एम, बाजपेयी एम, जाना एम, एटी एल. आउटकम ऑफ आइस कीमोथेरेपी एंड सर्जिकल रिसेक्शन फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ रिकरंट विलम्स ट्यूमर्स. *पीडियट्र ब्लड कैंसर* 2014;61:पी335.

7. अग्रवाल आर, पुरी एम, दादा आर, सौरभ जी. कोरिलेशन बीटवीन ल्यूकोकाइटोस्पेर्मिया एंड ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस इन मेल पार्टनर्स ऑफ इंफर्टिल कपल्स विद् लिकोकाइटोस्पर्मिया. *इंट रिप्रोडुस, कंट्रासेप्शन आबसटेट ग्यनकोल* 2015 फरवरी;4:168–172.

8. अग्निहोत्री ए, शर्मा ए, वर्मा एके, दास पी, ठाकुर बी, श्रीनिवास वी, एट अल. पेशेंट विद् सेलियक डिजीज मे हेव नॉर्मल वेट ऑर मे इवन बी ओवरवेट. *इंडियन जे गैस्ट्रेंटेरोल* 2014;32:ए39.

9. अग्रवाल ए, अम्बेडकर ए, राव आर, खंडेलवाल एसके, ढींगरा एन. नेशनल एंड रिजनल टेक्नीकल ट्रेनिंग सेंटर्स : ए यूनिक कैपिसिटी बिल्डिंग मैकेनिज्म अंडर द नेशनल एड्स कंट्रोल प्रोग्राम एंड लेशन्स फॉर डिलीवरी ऑफ क्वालिटी मेंटल हेल्थ सर्विसेज इन पब्लिक हेल्थ सेटिंग्स. *इंडियन जे साइकायट्री* 2015;57(5):एस90.

10. अग्रवाल एसके, मन्हास जे, भट्टाचार्य ए, भट के, खोलकिया वाई, खेड़ा एन, एट अल. माइकोफेनोलेट मोफेटाइल इंक्रिसेस जीन एक्सप्रेशन ऑफ सेल सरफेस एसोसिएटेड म्यूकाइन्स इन प्राइमरी कल्चर्स ऑफ ओरम म्यूकोसल एपिथेलियल सेल्स. *इंडियन जे क्लीन बायोकैम* 2014;29:1.

11. अग्रवाल टी, गुप्ता आर, बोरा जीएस, स्वरूप एल, सिंह पी, कुमार आर, डोगरा पीएन. सेल्फ इंट्रडुस्ड अनजुअल इंट्रावेसिकल फॉरेन बॉडीज : प्रेजेंटेशन एंड मैनेजमेंट. *इंडियन जे यूरोल* 2015;31(पूरक 1):एस118.

12. अग्रवाल टी, गुप्ता आर, कुमार आर. लैप्रोस्कोपिक ट्रांसपेरिटोनियल प्येलोप्लास्टी विद् प्येलोलिथेटोमी इन ए 7 इयर ओल्ड बॉय. *इंडियन जे यूरोल* 2015;31(पूरक 1):एस103.

13. अहमद एन, शर्मा आर, फैक एमए, दादा आर, सलुजा डी, दादा टी. ए नोवल प्रोटोकॉल फॉर कंसिस्टेंट एंड इंहैंस्ड एक्सप्रेशन ऑफ अनमोडिफाइड हेटेरालॉजिस सीवायपी1बी1 फॉर फंक्शनल जिनोमिक्स स्टडीज़ इन ग्लूकोमा. एआरवीओ 2014 *एनुअल मीटिंग एब्स्ट्रेक्ट्स* 2014:14.

14. अम्बेडकर ए, धवन ए, सिंह आरएल, राव आर. हव टु डिलीवर मैथडोन मैंटेनेंस ट्रीटमेंट (एमएमटी) फॉर ऑपियॉइड डिपेंडेंस. *इंडियन जे साइकायट्री* 2015;57(5):एस180.

15. अरोड़ा ई, गुप्ता वाईके. फोर्सड स्वीम टेस्ट इन रेट्स : वेरिएशन इन द प्रीऑटोकॉल कैन इंफ्लुएंस द इंफेरेंस. *बेसिक क्लीन फार्माकॉल टॉक्सीकोल* 2014;115(पूरक 1):194.

16. अरोड़ा पी, मलिक एन, मित्तल आर, गुप्ता एसके. रोल ऑफ फ्लो काइटोमेट्री इन डायग्नोसिस ऑफ मायइलोमेट्स प्लयूरल फ्यूजन : ए केस रिपोर्ट. *इंडियन जे हिमेटोल ब्लड ट्रांसफुस* 2014;30:एस 503.

17. अरुण वी, पाल एस, दास एनआर, कुमार आर, मधुसूदन केएस, साहनी पी, एट अल. रोल ऑफ एफडीजी पीईटी/सीटी इन एसेसिंग डिसटेंट मेटास्टेसिस इन पेशेंट्स विद् रिसेक्टेबल कार्सिनोमा गैल ब्लेडर. *ट्रॉप गैस्ट्रोएंटेरोल* 2014;35(3)पूरक 2:सार बी 26,पीएस 91.

18. अरुण वी, पटनायक पी, पाल एस, दास एनआर, गर्ग पी. मधुसूदन केएस, साहनी पी. डिलेयड नेक्रोसेक्टोमी इन सेवेर एक्यूट नेक्रोटाइजिंग पैनक्रिएटाइटिस : एक्सपीरिएंस फ्रॉम ए टेर्टियरी केयर सेंटर, *पैनक्रिएटोलॉजी* 2014;14(2):पूरक एस7.

19. बधवार एस, यादव के, जरयल एके, नारंग आर, दीपक केके. एंडोथेलियल डायफंक्शन इन पेशेंट्स विद् मेटाबोलिक सिंड्रोम हेविंग कोरोनरी अर्टेरी डिजीज. *इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल* 2014;58(5):168.

20. बाजपेयी डी, बनर्जी ए, पाठक एस, कुमार एस, सिंह एन, जेनेटिक सस्पेप्टिबिलिटी टु सरवाइकल कैंसर : रोल ऑफ एक्सआरसीसी1. *जे कैंसर रेज* 2014;74:5368.

21. बख्शी एस, बत्रा ए, बिश्वास बी, धवन डी, पॉल आर, श्रीनिवास वी. एप्रेपिटेंट एज एन एड – ऑन थैरेपी इन चिल्ड्रन रिसिविंग हाइली एमेटोजेनिक कीमोथैरेपी : ए रैडोमाइज्ड, डबल ब्लाइंड, प्लासेबो – कंट्रोल्ड ट्रायल. *पीडियट्र ब्लड कैंसर* 2014;61:पी299.

22. बल्हारा वाईपीएस, गुप्ता आर, लाल आर. प्रीवलेंस ऑफ प्रोब्लम इंटरनेट यूज (पीआईयू) फाइंडिंग्स फ्रॉम ए स्टडी अमंग अंडरग्रेजुएट मेडिकल स्टुडेंट्स. *इंडियन जे साइकाइट्री* 2015;57(5):एस52.

23. बल्हारा वाईपीएस, लाल आर. बियॉन्ड 'द यूजअल' : एम्फेटेमाइन टाइप स्टीमुलेंट्स (एटीएस) एंड नेवर साइकोएक्टिव सबस्टेंसेस (एनपीएस). *इंडियन जे साइकाइट्री* 2015;57(5):एस184.

24. बल्हारा वाईपीएस. ए केस–कंट्रोल स्टडी टु एसेस द प्रीवलेंस ऑफ मेटाबोलिक सिंड्रोम अमंग पेशेंट्स विद् ऑपियॉइड डिपेंडेंस सिंड्रोम सीकिंग ट्रीटमेंट एट टर्शरीकेयर सबस्टेंस यूज डिसऑर्डर ट्रीटमेंट सेंटर. *इंडियन जे साइकाइट्री* 2015;57(5):एस.

25. बनर्जी जे, सत्पथी एस, द्विवेदी एसएन, कुमार एल. रथ जीके, डे एबी. ए मल्टीडिमेंसियोनल स्क्रीनिंग स्केल फॉर द जारियट्रिक कैंसर पेशेंट्स इन इंडिया : डेवपलमेंट एंड वैलीडेशन. *जे इंडियन एकैड जेरियट्रिक्स* 2014;10:15

26. बनिक एस, गुप्ता एस, देवराजन एसएल, सिंह जेपी, रथ जीपी, मिश्रा एनके. बीआईएस मॉनिटरिंग मे हेल्थ डिटेक्शन ऑफ इंट्राप्रोसेडुरल रिप्टुर ऑफ इंट्राक्रानियल रिन्यूज्म डुरिंग बेलून – एसिस्टेड कोइलिंग. *तुर्क जे एनेस्थ रैनिम* 2014;42:58.

27. बंसल एन, शाह एन, लोगान ए. टु एवालुट एंड कम्पेर एपेक्सोजेनेसिस इंडुस्ड बाय रिवेस्कुलेरिजेशन विद् एंड विदआउट प्लेटलेट रिच फाइब्रिन (पीआरएफ) इन नॉन वाइटल, इमटुर, एंटेरियर तीथ, ए पायलट स्टडी. *इंट डेंटल जे* 2015; 65(एस1):198.

28. बत्रा ए, श्रीवास्तव आर, त्यागी ए, धवन डी, रामकृष्णन एल, बख्शी एस. एन इनसाइट इनटु द बायोमार्कर्स ऑफ आबेसाइट इन सर्विवर्स ऑफ एक्यूट ल्यूकेमिया. *पीडियट्र ब्लड कैंसर* 2014;61:ईपी219.

29. बेहरा एमके, जुल्का पीके, रथ जीके. पैटर्न ऑफ सपोरेटिव केयर इन अडर्ली पेशेंट्स ऑफ हैड एंड नीक कैंसर रिसिविंग रेडिएशन थेरेपी. *जे जियाट्र ऑन्कोल* 2014;5:एस17–8.

30. भद आर, मेहता एम, धवन ए, जैन आर. न्यूरोकागनाइटिव एसेसमेंट ऑफ एडोलसेंट इंहैलेंट यूजर्स इन ट्रीटमेंट सेटिंग ऑफ इंडिया. *इंडियन जे साइकाइट्री* 2014;56(पूरक 1):19–62.

31. भगत ओएल, दीपक केके, जरयाल एके, खरया सी. एसेसमेंट ऑफ सिम्पैथो – वेगल मॉड्यूलेशन डुरिंग कंस्क्लोयस पेसेड ब्रीथिंग. *इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल* 2014 (पूरक);58(5):78.

32. भाटिया जे, भारती एस, आर्य डीएस. वेलसर्टेन ट्रीटमेंट प्रीवेंट्स ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस रिस्टोरेस कार्डियक फंक्शन एंड सेल्वेजेस मायाकार्डियम इन ए रेट मॉडल ऑफ मायोकार्डियल इनजरी. *बेसिक क्लीन फार्माकोल टॉक्सीकॉल* 2014;115(पूरक 1):52.

33. भाटिया जे, शर्मा एके, आर्य डीएस. सेसामोल एलेविएट्स डायस्लीपिडेमिया एंड हाइपटेंशन इन ए रेट मॉडल ऑफ मेटाबोलिक सिंड्रोम बाय रिप्रेसिंग ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस, टीएनएफ – अल्फा एंड नॉर्मोलाइजिंग एनओ प्रोडक्शन. *जे हाइपरटेंशन* 2014;32ई–पूरक 1:ई363.

34. भाटिया आर, श्रीनिवास वी, सिंह एस, पदमा एमवी, प्रसाद के. वेलीडेशन ऑफ आईसीएच एंड आईसीएच – जीएस स्कोर्स इन एन इंडियन कोहोर्ट ऑफ पेशेंट्स विद् इंट्रासेरेब्रल हिमोरेहज ट्रीटेड मेडिकली एंड विद् सर्जिकल इंटरवेंशन्स. *न्यूरोलॉजी* 2014;82(10):पी 5.142.

35. भोई एसके, वर्मा पी, वेंकर एस, एस. हाई सेंसिटीविटी ट्रोपोनिंस एंड कंवेंशनल ट्रॉपोनिंस एट द बेडसाइड. *इंट जे क्राइट इंज साइ*.2014;4:253.

36. बिरला एस, खडगवत आर, ज्योत्सना वीपी, जैन वी, गर्ग एमके, शर्मा ए. जेनेटिक स्पेक्ट्रम ऑफ ग्रोथ हर्मोन डिफिसिएंसी : फाइंडिंग फ्रॉम द इंडियन पेशेंट पोपुलेशन. *इंजेएचजी* 2014; 22(पूरक 1):पी 03-17–एस.

37. बिष्ट एस, गौतम एस, कुमार एसबी, चावला बी, दादा आर : नॉन फैलियल स्पोरेडिक हेरिटेबल रेटिनोब्लास्टोम एंड इट्स कोरिलेशन विद् पटेर्नल स्पर्म डीएनए डैमेज. *इंडियन जे ह्यूमन जेनेटिक्स;* 20(पूरक 1):107–8.

38. बोरा जी, कुमार आर, द्विवेदी डी, जगन्नाथन एन आर, सिंह पी. इन–विवो मल्टीपेरामेट्रिक मैग्नेटिक रिसोंनेस स्टडीज़ इन रीनल सेल कार्सिनोमा एंड कोरिलेशन विद हिस्टोपैथोलॉजी। *जे यूरोल.* 2014;191 ई282–3.

39. बोरदोलोई पीबी, पाल एस, दास एनआर, कुमार आर, मधुसूदन केएस, साहनी पी. रोल ऑफ एफडीजी पीईटी / सीटी इन प्रीऑपरेटिव स्टेगइंग ऑफ ओसोफेजियल कार्सिनोमा. *ट्रॉप गैस्ट्रोएंटेरोल* 2014;35(3):एस 37.

40. चक्रवर्ती बी, गुलाटी एस, मोगांती आर, सुब्रमण्यम डी, दुबे आर : नोवल माइटोकोंड्रियल म्यूटेशन इन एन इंडियन फैमिली क्यूजिंग ऑटोसोमल रिसेसिव न्यूरोडिजनरेटिव डिसऑर्डर. *जे इंट चाइल्ड न्यूरोल एसोस* (जेआईसीएनए) 2014;1(पूरक 1):पी 360.

41. चक्रवर्ती बी, गुलाटी एस, शर्मा एमसी, सिंह एम, काबरा एम, पांडेय आरएम : स्कीन बायोप्सी इन चाइल्डहुड मस्कुलर डास्ट्रफाइस : इज इट द वे हैड फॉर डायग्नोसिस, मॉनिटरिंग एंड प्रोग्नोसिस. *जे इंट चाइल्ड न्यूरोल एसो* (जेआईसीएनए)2014;1(पूरक 1):एफपी137.

42. चटर्जी बी, मंडल पी, सागर आर, कुमार एन. एटिट्यूट टुवर्ड्स मेंटली इल अमंग नर्सिंग प्रोफेशनल्स : एविडेंस फ्रॉम ए टर्शरी केयर जनरल हॉस्पीटल. *इंडियन जे साइकायट्री* 2015;57(5):एस 92.

43. चटर्जी बी, सागर आर, विवेकानंदन एस. एसोसिएशन ऑफ सीरम बीडीएनएफ विद् वरबल एंड विजुअल मेमोरी डिफिसिट इन सबजेक्ट्स विद् बिपोलर डिऑर्डर – आई. *बिपोलर डिसऑर्डर्स* 2014;16(पूरक 1):66.

44. चटर्जी बी, सागर आर, विवेकानंद एस, कोरिलेशन ऑफ सीरम बीडीएनएफ लेवल विद् क्लिनिकल सिम्पटम डोमेन्स इन बिपोलर डिसऑर्डर–आई. *बिपोलर डिसऑर्डर्स* 2014;16(पूरक 1):81–2.

45. चौहान वी, खुराना एमएल, जैन वी, खडगवत आर, दादा आर. म्यूटेशनल एनालायसिस ऑफ एनआर5ए1, एसआरवाई, डीएएक्स1, एसओएक्स9, डीएचएच जीन्स इन इंडियन पेशेंट्स विद् गोंडल डायजेनेसिस एंड 46, एक्सवाई कार्योटाइप. *एंडोक्राइन रिव्यूस* 2015; 36(एस2):ओआर–21–3.

46. चावला एस, शाह एन, लोगानी ए. एनालायसिस ऑफ फैक्टर्स एसोसिएटेड विद् फैलियर ऑफ प्राइमरी एंडोडोंटिक ट्रीटमेंट. *इंट डेंटल जे* 2015 फरवरी;65(एस1):217.

47. कोसडोल के, इरशाद के, श्रीवास्तव सी, महापत्रा एस, सरकार सी, चंद्र पीएस एट अल. हाइपोक्सिया ऑन नॉटच सिगनलिंग, एपिथेलियल– मेसेंकाइमल ट्रांजेशन (ईएमटी) एंड स्टेमनेस इन ग्लियोब्लास्टोमा. *इंडियन जे क्लीन बायोकैम* 2014;29:37.

48. चौधरी ए, गुलाटी एस, सागर आर, सप्रा एस, काबरा एम, संख्यान एन एट अल. एटेंशन डिफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर इन चिल्ड्रन विद् एपिलेप्सी. *जे इंट चाइल्ड न्यूरोल एसोस* (जेआईसीएनए) 2014;1(पूरक 1):पी138.

49. चौधरी आरएम, शुक्ला जी, श्रीवास्तव एके, गोयल वी, बिहारी एम. टु एवालुट द प्रीवलेंस ऑफ यूरिनरी एंड सेक्सुअल डायफंक्शन इन आइडियोपैथिक पार्किसन्स डिजीत एज कम्परेड टु हेल्थी कंट्रोल्स एट ए टेर्टियरी केयर हॉस्पीटल इन इंडिया : ए क्वानायर बेस्ड केस कंट्रोल स्टडी. *एना इंडिया एकाड न्यूरोल* 2014;17:एस175.

50. क्लिनिकल एंड डेमोग्राफिक प्रोफाइल ऑफ मल्टीपल स्क्लेरोसिस पेशेंट्स इन इंडिया : रजिस्ट्री डेटाबेस ऑफ एमएस पेशेंट्स फ्रॉम ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स), नई दिल्ली. *न्यूरोलॉजी* 2014;82:151.

51. दादा टी, रथी ए, शर्मा आर, अग्रवाल टी, वनथी एम, खोखर एस, वजपेयी आरबी. इफेक्ट ऑफ क्लियर लेन्स एक्ट्रेक्शन इन प्राइमरी एंगल क्लोजर. *इनवेस्ट ऑफ्थेलमॉल विज साइं.* 2015;55:6118.

52. दास डी, अग्रवाल वी, जोशी आर, पद्मा एमवी, त्रिपाठी एम. इफेक्ट ऑफ रिडक्शन ऑफ एंटीएपिलेप्टिक ड्रग्स इन पेशेंट्स विद् ड्रग–रेफ्रेक्टरी एपिलेप्सी. *सीजर* 2015; 27:25–9.

53. दास डी, भासीन ए, पांडिया एके, त्रिपाठी एम, भाटिया आर, प्रसाद के, एट अल. रिस्क फैक्टर्स एंड इटियोलॉजीस ऑफ आइस्केमिक स्ट्रोक इन यंग पेंशेंट्स : ए टर्शरीहॉस्पीटल स्टडी इन नॉर्थ इंडिया. *जे स्ट्रॉक* 2014;16:173–7.

54. दास डी, गोयल वी, कुमार ए, शुक्ला जी, बिहारी एम, एफिकेसी एण्ड सेफ्टी ऑफ वीडियो एसिस्टेड थोरेकोस्कोपिक सर्जरी थायमेक्टोमी फॉर मयास्थेनिया ग्रेविस विद एण्ड विदाउट थायमोमा : ए कम्पेरेटिव स्टडी। *न्यूरोलॉजी* 2014;82:112.

55. दास डी, टीनू एमएस, अग्रवाल एम, पद्मा एमवी, त्रिपाठी एम. इफेक्ट ऑफ हेल्थ एजुकेशन ऑन ड्रग एडेरेंस एंड सेल्फ केयर इन पीपल विद् एपिलेप्सी विद् लो एजुकेशन. *एपिलेप्सी बिहेवियर* 2014; प्रेस में।

56. दास डी, त्रिपाठी एम. द एक्स्ट्राटेम्पोरल लोब एपिलेप्सिस इन द एपिलेप्सी मोनिटरिंग यूनिट। *अन्न इंडियन एकैड न्यूरोल.* 2014;17: एस50–5.

57. दास एन, गुणशेखरन एस, शर्मा ए, मोहंती बी के, पाल एस, साहनी पी. एट अल. प्रीऑपरेटिव कीमोरेडिएशन एण्ड सर्जरी बनाम सर्जरी अलोन इन गैस्ट्रोइसोफेगल जंक्शन एडेनोकार्सिनोमास ऑफ ओसोफेगस इंटरिम एनालायसिस ऑफ ए क्लोज्ड लेवल रैंडोमाइज्ड कंट्रोल ट्रालय. *डिस एसोफेगस* 2014;27(पूरक 1):3ए–168ए.

58. दास एन, जावेद ए, अग्रवाल एन. रिट्रिवल ऑफ ए इम्पैक्ट फॉरेन बॉडी (मैंगो सीड) इन द एसोफेगस बाय कम्बाइंड एंडोस्कोपिक – सर्जिकल एप्रोच. *डिस एसोफेगस* 2014;27पूरक1:3ए–168ए.

59. दास एन, रवेला वी, पाल एस, साहनी पी, मोहंती बी के, कुमार आर. रोल ऑफ पीईटी/सीटी इन एसेस्मेंट ऑफ मेटाबोलिक रिस्पोंस ऑफ नियोएडजुवेंट कीमोरेडियोथैरेपी इन पेशेंट्स विद् कार्सिनोमा ऑफ एसोफेगस. *डिस एसोफेगस* 2014; 27पूरक1:3ए–168ए.

60. दयाल पी, बल्हारा वाईपीएस, मिश्रा एके. फैक्टर्स एसोसिएटेड विद् ट्रीटमेंट कम्पलीशन इन वॉमैन विद् ऑपियॉइड डिपेंडेंस : फाइंडिंग्स फ्रॉम द टर्शरी केयर ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर ऑफ इंडिया. *इंडियन जे साइकयट्री* 2015;57(5):एस15.

61. दीपक के के, भागत ओएल, खर्या सी, जरयल एके. एसेस्मेंट ऑफ सिम्पैथो–वेगल मॉड्यूलेशन डुरिंग प्राणयाम : टू इवेंस्टीगेट अंडरलेइंग कार्डियो–वेस्कुलर मैकेनिज्म. *इंडियन जे फिसियोल फार्माकोल* 2014;58(5):82.

62. देसाई जीआर, डे एबी, निसार एस. क्लिनिकल एंड बायोकैमिकल प्रोफाइल ऑफ माइल्ड कॉग्नेटिव इम्पेयरमेंट इन एल्डर्ली इंडियन्स. *जे इंडियन एकेडमी जरियाट्रिक्स* 2014;10:33.

63. देसाई पी, राव एन, कुमार आर. नेफ्रॉन स्पेरिंग एक्सजन ऑफ लेफ्ट रिनल हिलर फंक्शनिंग पैरागैग्लियोमा. *इंडियन जे यूरोल* 2015; 31(पूरक 1):एस45.

64. देसाई पी, राव एन, नय्यर आर, सिंह पी, डोगरा पी. रोबॉट एसिस्टेड सिम्पल प्रोस्टाटेक्टोमी – मिलिन्स रिट्रोपुबिक एप्रोच फॉर सीवेर बेनिगन प्रोस्टेटिक हाइपरप्लासिया – इनिशियल क्लिनिकल एक्सपीरिएंस एट टर्शरी सेंटर. *इंडियन जे यूरोल* 2015;31(पूरक1):एस48.

65. धवन ए, चटर्जी बी, बल्हारा वाईपीएस, भार्गव आर. इशू इन चाइल्ड एंड एडोलसेंट सबस्टेंस यूज। *इंडियन जे साइकायट्री* 2015;57(5):एस186.

66. धवन ए, चोपड़ा ए, बल्हारा वाईपीएस. बिल्डिंग नेशनल कैपिसिटी फॉर मैनेजमेंट ऑफ सबस्टेंस यूज डिसऑर्डर्स. *एल्कोहल एल्कोहल* 2014;49(पूरक 1):आई12.

67. धीमन वी, शर्मा ए, वर्मा आर. साइकायट्री एस्पेक्ट्स ऑफ पार्किंसनियन डिजीज : एन ओवरव्यू. *इंडियन जे साइकायट्री* 2015; 57 (पूरक1):एस180.

68. धुल वी, शर्मा पी, पटेल सी, अग्रवाल एस, भटनागर वी, बख्शी एस, बाल सी, कुमार आर. यूटिलिटी ऑफ 18एफ – एफडीजी पेट – सीटी पीडियट्रिकन्यूरोब्लास्टोमा एंड कम्परिजन विद् 131आई – एसमआईबीजी सिन्टीग्राफी : सिंगल इंस्टीट्यूशनल एक्सपीरिएंस. *पीडियट्र ब्लड कैंसर* 2014;61:पी161.

69. फैक एमए, कुमार एम, तंवर एम, गुप्ता पी, पुष्कर आर, दादा आर. डिलीशन 3क्यू26–28 इन ए पेशेंट विद् ब्लेफरोफेमोसिस – प्टोसिस– एपिकैंट्स इनवर्सिस सिंड्रोम (बीपीईएस). *यूर जे ह्यूमन जेनेटिक्स* 2014 जून;18(पूरक 1):109.

70. गर्ग पी, तमुली डी, कछावा जी, जरयल एके, दीपक केके. सिक्वेंशियल चेंजीस इन अर्टिरियल स्टीफनेस इन अनकॉम्प्लीकेटेड प्रेगनेंसी. *इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल* 2014(पूरक);58(5):149.

71. गोस्वामी पी, वासुदेवन एस, सिंह एन, श्रीनिवास वी, सराया ए. कम्पेरिजन एंड वेलीडेशन ऑफ स्कोरिंग सिस्टम इन कोहोर्ट ऑफ पेशेंट्स विद् एक्यूट पैनक्रिएटाइटिस. *पैनक्रेटोलॉजी* 2014;14:एस4–5.

72. गोयल ए, सिंह एच, सहगल वी, जयंती सी, मुनशी आर, बैरी के, कुमार आर, एट अल. एड –ऑन थ्रेशोल्ड डोज ऑफ मेटाफॉर्मिन इन ट्रीटमेंट ऑफ टाइप 2 डायबिटीज मेलिट्सः ए मल्टीसेंटर क्रॉस सेक्शनल स्टडी अमंग फिजिशियन्स इन इंडिया. *बेसिक क्लिनिकल फार्माकोल टॉक्सीकोल* 2015;115(पूरक 1):237.

73. गोयल बी, दत्ता एसके, मिर एए, इकुर्थी एस, प्रसाद आर, पाल ए. इंक्रिज इन ग्लूकोज कॉन्सेंट्रेशन इंटरफेरेस विद् एस्टीमेशन ऑफ इलेक्ट्रोलेट्स बाय डायरेक्ट एंड इनडायरेक्ट आयन सेलेक्टिव मैथड्स. *इंडिया जे क्लीन बायोकैम* 2014;29(एस):135.

74. गोयल वाई, जैन डी, कक्कड़ ए, वालिया आर, माथुर एस, अय्यर वी. काइटोमोर्फोलॉजिकल फीक्चर्स ऑफ मेटास्टेटिक सॉलिड सेयूडोपेपिलरी नियोप्लाज्मा ऑफ पैनक्रियास. *जे साइटोपैथोल* 2014;25(पूरक 1):पी3–19.

75. गुलाटी एस. चक्रबर्ती बी, दुबे आर, पटेल एच, असरानी ए, सैनी एल. ऑटोइम्युन एंसेफेलाइटिस इन चिल्ड्रन : एक्सपीरिएंस ऑफ ए टर्शरीकेयर टीचिंग हॉस्पीटल इन नॉर्थ इंडिया. *जे इंट चाइल्ड न्यूरोल एसो* (जेआईसीएनए) 2014;1(पूरक 1):पी141.

76. गुलाटी एस, चक्रबर्ती बी, कुमार ए, दुबे आर, कौशिक जेएस, अकबर सीएच, एट अल. ए पीडियट्रिक कोहोर्ट ऑफ रिकरंट सेंट्रल न्यूरोस सिस्टम डिमायलिनेशन : एक्सपीरिएंस ऑफ ए टर्शरीसेंटर फ्रॉम नॉर्थ इंडिया. *जे इंट चाइल्ड न्यूरोल एसो* (जेआईसीएनए) 2014;1(पूरक 1):पी386.

77. गुलाटी एस, जैन पी, कन्नन एल, सहगल आर, चक्रबर्ती बी, दुबे आर. लॉन्ग टर्म आउटकम ऑफ चिल्ड्रन विद् वेस्ट सिंड्रोम : ए रेट्रोस्पेटिक्स केसर रिकॉर्ड एनालायसिस. *जे इंट चाइल्ड न्यूरोल एसो* (जेआईसीएनए) 2014;1(पूरक1):पी139.

78. गुलाटी एस, जैन पी, सचन डी, चक्रबर्ती बी, गुप्ता एके, कुमार ए, एट अल. क्लिनिकोरेडियोलॉजिक आउटकम्स इन चिल्ड्रन विद् सोलिटरी न्यूरोकायस्टीसेर्कोसिस विद् एंड विद्आउट एल्बेंडजोल थेरेपीः ए रेट्रोस्पेक्टिव केस रिकॉर्ड एनालायसिस. *जे इंट चाइल्ड न्यूरोल एसो* (जेआईसीएनए) 2014;1(पूरक1):एफपी87.

79. गुप्ता आर. मोइदीन एन, बल्हारा वाईपीएस, लाल आर. डिफेरेंसेस इन द पैटर्न ऑफ कॉ–मार्बिड मेंटल इलनेंसेस इन पेशेंट्स यूजिंग एल्कोहल ऑर कैनाबिस इन ए डिपेंडेंट पैटर्न : ए रेट्रोस्पेक्टिव चार्ट रिव्यू. *इंडियन जे साइकायट्री* 2015; 57(5): एस63.

80. गुप्ता आर, सिंह पी, डोगरा पीएन. अरेटेरोस्कोपिक रिमूवल ऑफ कैकुलुस इन नॉनफंक्शनिंग किडनी डु टू अरेटेरिक स्टोनः ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी आउटकम एनालायसिस. *इंडियन जे यूरोल* 2015;31(पूराक1)एस42.

81. गुप्ता आर, सिंह पी, कुमार आर. शुड मेन विद् आइडियोपैथिक ऑब्स्ट्रक्टिव एजूस्पर्मिया बी स्क्रीनड फॉर जेनिटोयूरिनरी ट्यूबरकुलोसिस? *इंडियन जे यूरोल* 2015;31(पूरक1):एस75.

82. गुप्ता एस, गुप्ता वाईके. न्यूरोप्रोटेक्टिव पोटेंशियल ऑफ लेरकानिडिपाइन इन मिडल सेरेब्रल अर्टेरी ओक्लुजन मॉडल ऑफ फोकल सेरेब्रल आइस्केमिया इन रेट्स. *बेसिक क्लिनिकल फार्माकोल टॉक्सीकोल* 2014;115(पूरक1):134.

83. गुप्ता एस. आईएल27 ट्रेजर हंट– हेयर फोलिक्ल एज ए रिच सोर्स ऑफ मेलानोकाइटस एंड स्टेम सेल्स फॉर ट्रांसप्लांटेशन इन विटिलिगो. *पिगमेंट सेल मेलानोमा रेस* 2014:876.

84. गुप्ता एसके, कुमार आर, बख्शी एस. प्रीवलेंस ऑफ आईकेजेडएफ1 (इकारोस) डिलीशन्स इन बी–एएलएल एट ए टर्शरीकेयर हॉस्पीटल इन नॉर्थ इंडिया. *इंडियन जे हिमेटोल ब्लड ट्रांसफुस* 2014;30:एस465–6.

85. गुप्ता वी, गुप्ता वाईके. कम्पेटिटिव इटेलिजेंस एंड कॉमर्शियल वाइबिलिटी एनालायसिस – इमेर्जिंग पिलर्स ऑफ ड्रग डिसकवरी इन इंडिया. *बेसिक क्लीन फार्मोकोल टॉक्सीकोल* 2014;115(पूरक1):107.

86. गुप्ता वाई के, सिंह. एवेल्यूएशन ऑफ द एंटीऑर्थरिटिक एंड एंटी ग्रैनुलोमा एक्टिविटी ऑफ सिक्सस क्वाड्रैनगुलेरियस इन एक्सपेरीमेंटल मॉड्ल्स. *बेसिक क्लीन फार्माकोल टोक्सीकोल* 2014;115(पूरक1):291.

87. गुरजा जेपी, त्रिपाठी एम, शर्मा आर. वर्किंग मेमोरी डिफिसिट्स इन पेशेंट्स विद् माइल्ड कॉग्नेटिव इम्पेरमेंट एंड एल्जाइमर्स डिजीज. *आईजेपीपीएजेड* 2013;57(5):पी123.

88. हलदर ए, जैन एम, चौधरी आई, मोहन वी, कुमार पी. सस्पेक्टिड माइक्रोडीलेशन सिंड्रोम्स एंड मॉलीकुलर साइटोजेनेटिक टेक्निक्स : एन एक्सपीरियंस विद 330 केसिस. *मॉल साइटोजेनेटिक्स* 2014;7(पूरक):20(ओ 7).डीओआई :10.1186/1755–8166–7–एस1–ओ7.

89. हलदर ए, जैन एम, कुमार पी. प्राइमरी टेस्टीकुलर फेलियर : जीनोटाइप फिनोटाइप कोरीलेशन ऑफ 140 केसिस.*एंड्रोलॉजी* 2014; 2(पूरक1):66–67(पोस्टर न.16).

90. हलदर ए. एसेसमेंट ऑफ डीएनए माइक्रोरे फॉर एवाल्यूशन ऑफ माइक्राडिलीशन सिंड्रोम्स. *इंड जे ह्यू जेनेट* 2014;20(पूरक1): एस23.

91. हरिप्रसाद जी, सिंह आर. ग्रूप ।।। पीएलए2 : कोलेक्टिव यूनिटी एमिडस्ट स्ट्रक्चरल एंड फंक्शनल डायवर्सिटी. *एक्स बायोल* 2014;डी182 :239ई15510.

92. इकबाल एन, ठाकर ए, अग्रवाल एस, शर्मा डीएन, शर्मा एमसी, बख्शी एस. लोकेलाइज्ड हैबडोमायसार्कोमा ऑफ हैड एंड नीक : ए रेट्रोस्पेक्टिव एनालायसिस ऑफ 80 पेशेंट्स ट्रीटेड एट ए टर्शरीकेयर सेंटर इन इंडिया. *पीडियट्र ब्लड कैंसर* 2014;61:ईपी587.

93. इरशाद के, महापात्रा एसके, श्रीवास्तव सी, गर्ग एच, मिश्रा एस, सरकार सी एट अल. ग्लियोमास्फेरेस मिमिक द हाइपोक्सिया–नॉटच सिंगनलिंग एक्सिस ऑफ ग्लियोब्लास्टोमा ट्यूमर्स. *कैंसर रेज* 2014;74:4197.

94. जगिया पी. एंजियोप्लास्टी ऑफ द एरोटिक ऑर रीनल आर्टरी स्टेनोसिस इन एक्यूट सेटिंग इन पेशेंट्स विद ओर्टो–आर्टेरिटिसजर्नल. *जे वेस्क इंटर्वेन रेडियोल* 2015;25(3):एस92.

95. जगिया पी. एट अल एंडोवेनस लेजर एब्लेशन (ईवीएलए) ऑफ सिम्प्टोमेटिक वरिकोस वेन्स – एक्सपीरिएंस ऑफ टर्शरी हेल्थ केयर सेंटर इन इंडिया. इनसाइट्स इनटु इमेजिंग. *यूरोप सोस रेडियोल* 2015;6(1).

96. जैन डी, माथुर एस, शर्मा एम, अय्यर वी. पी40, ए मार्कर ऑफ सेबासेयस सेल कार्सिनोमा : ए साइटोहिस्टोलॉजिक स्टडी ऑफ 29 केसस. *जे साइटोपैथोल* 2014;25(पूरक1):22–78 अब्स्ट्रेक्ट आईडी पी1–6.

97. जैन डी, यादव आर, माथुर एस, अय्यर वी. साइटोमोर्फोलॉजी ऑफ न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर्स ऑफ गैल ब्लेडर विद् एक्सप्रेशन एनालायसिस ऑफ थायरॉइड ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर 1 (टीटीएफ–1). *जे साइटोपैथोल* 2014;25(पूरक1) :22–78 अब्स्ट्रेक्ट आईडी एफपी5–2.

98. जैन एम, हलदर ए. ए प्रीलिमिनरी स्टडी ऑन ह्यूमन स्पेर्मिनेशन डिफेक्ट. *इंड जे ह्यू जेनेट* 2014;20(पूरक1):एस116.

99. जैन पी, गुलाटी एस. चक्रबर्ती बी, कुमार ए, काबरा एम, गुप्ता एन : द स्पेक्ट्रम ऑफ ल्यूकोडायस्ट्रोफियस इन चिल्ड्रन : एक्सपीरिएंस एट ए टर्शरीकेयर सेंटर फ्रॉम नॉर्थ इंडिया. *जे इंट चाइल्ड न्यूरोल एसो* (जेआईसीएनए) 2014;1(पूरक 1):पी417.

100. जैन पी, गुलाटी एस, टूटेजा जी एस, सेठ आर, बख्शी एस, पांडे आर एम, एट अल. सीरम अल्फा–टोकोफेरोल, विटामिन बी12 एंड फोलेट लेवल्स इन चाइल्डहुड एएलएल सरवाइवर्स विद एंड विदआउट न्यूरोपैथी. *जे इंट चाइल्ड न्यूरोल एसो* (जेआईसीएनए) 2014;1(पूरक1):एफपी116.

101. जैन आर, राघव आर, रॉय टीएस, धवन ए, कुमार पी. एटेंन्यूएशन ऑफ ऑपिएट विद्ड्रवल्स बाय को–एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ नेलबुफाइन इन ऑपिएट डिपेंडेंट रेट्स. *एल्कोहल एल्कोहल* 2014;49(पूरक1);आई48.

102. जैन एस, रंजन आर, कुमार एस, सागर आर. पॉलीकाइस्टीक ओवरियन सिंड्रोम इन बोर्डरलाइन परसनेलिटी डिसऑर्डर. *इंडियन जे साइकायट्री* 2015;57(पूरक):एस73.

103. जैन वी, जाना एम, अधिकारी एस, अहमद एन, विक्रम एन, रामकृष्णन एल, एट एल. प्रीवेलेंस ऑफ फैट्टी लीवर एंड कार्डियोमेटाबोलिक कॉम्प्लीकेशन्स इन ओवरवेट इंडियन एडोलेसेंट्स। *ओबिसिटी रिव्यूस* 2014;15(एस2):95.

104. झा केए, नाग टीसी, कुमार पी, रॉय टीएस, वाधवा एस. फोटोरिसेप्टर डिजनरेटिव चेंजीस इन नियोनेटल चिक रेटिना एक्सपोज्ड टु इनटेंस लाइट ऑफ वरिएबल फोटोपेरियड्स. *इनवेस्ट ऑफ्थेलमॉल विस साइं* 2014 अप्रैल;55:ई–अब्स्ट्रेक्ट 4384.

105. झांजी एस, लाल आर, मिश्रा ए, यादव डी. टुबेको यूज कैरेक्टरस्टीक्स अमंगस्ट वॉमैन इन एन अर्बन कम्युनिटी. *इंडियन जे साइकायट्री* 2015;57(5):एस60–61.

106. झांजी एस, गिरधर आर, गुनशेखर आर, जैन आर, सेठी एच. इन–प्रीजन आउटकम्स ऑु बुप्रीनोर्फिन मैंटेनेंस फॉर परिसनर्स : रिजल्ट्स फ्रॉम ए पायलट इंटरवेशन इन तिहार परिसन्स, इंडिया. *एल्कोहल एल्कोहल* 2014;49(पूरक1);आई64.

107. झांजी एस. प्रीवलेंस एंड कोरिलेट्स ऑफ टुबेको यूज अमंग युथ : इन सिम्पोजियम ''ऑपर्चुनिटीज एंड चेलेंजीस फॉर युथ टुबेको सेसशन''. *इंडियन जे एसो साइकायट्री* 2014; 30(3–4):ए10.

108. कक्कड़ ए, बिश्वास ए, सूरी वी, शर्मा एमसी, काले एस, सरकार सी. एट अल. एक्सप्रेशन ऑफ ईजेडएच2, कायक्लीन डी1 एंड वीईजीएफ इन एटायपिकल थेराटॉइड / हैबडॉइड ट्यूमर्स ऑफ सीएनएस : पोसिबल रोल इन टरगेटेड थेरेपी. *न्यूरोल–ऑनकोलॉजी* 2014;16:1–9.

109. कक्कड़ ए, कुमार जी, गुलाटी एस, कुमार गुप्ता वाई के. सीरम ट्रेस एलीमेंट लेवल्स इन चिल्ड्रन रिसिविंग एंटीएप्लीपेटिक ड्रग थेरैपी:ए क्रॉस सेक्शनल स्टडी. *जे इंट चाइल्ड न्यूरोल एसोस* (जेआईसीएनए) 2014;1(पूरक1):पी141.13 आईसीएनसी, इगयाजु, ब्राजील

110. कंडेल आर, बेहल पी, चटर्जी पी, निसार एस, मोहन एन, डे एबी. स्टडी ऑफ एसोसिएशन बीटवीन वरियस फैक्टर्स कंट्रिबुटिंग टू पॉली–फार्मेसी इन हॉस्पीटलाइज्ड अल्डर्ली. *जर्नल ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ जरियाट्रिक्स* 2014;10:45.

111. कपूर आर, अग्रवाल एस, अय्यर वीके, द्विवेदी एसएन, चट्टोपाध्याय पीपी, अली एस. एट अल. एससीएफ एकसप्रेशन इन एसोसिएटेड विद् अनफेवरेबल प्रोग्नोसिस इन न्यूरोब्लास्टोमा. *पीडियाट्रि ब्लड कैंसर* 2014; 61(एस2).

112. कशिश, अग्रवाल एस, बख्शी एस, श्रीनिवास एम, बाजपेयी एम, बिसोई एके, एट अल. मैनेजमेंट एंड लॉन्गटर्म आउटकम्स ऑफ जाइंट मेडिएस्टीनल जर्म सेल ट्यूमर्स इन चिल्ड्रन. *पीडियाट्रि ब्लड कैंसर* 2014;61(एस2).

113. कात्याल जे, कुमार एच, गुप्ता वाईके. कॉक्स–2 इहिबिशन यूजिंग इटोरिकोक्सिब एग्रेवेट्स एक्सपेरिमेंटल साइजर्स इन रेट्स. *बेसिक क्लीन फार्माकोल टॉक्सीकॉल* 2014;115(पूरक1):184.

114. कात्याल जे, कुमार एच, गुप्ता वाईके. इफेक्ट ऑफ जिंक प्रीट्रीटमेंट पीआरई एसई एंड विद् एंटीएपिलेप्टिक ड्रग्स (एईडीएस) इन एक्सपेरिमेंटल साइजर मॉडल्स. *एपिलेप्सिया* 2014;55(पूरक2):195.

115. कात्याल जे, विजयकुमार एई, गुप्ता वाईके. प्रीवेंशन ऑफ डेवलपमेंट ऑफ टोलरेंस टू फीनोबैरबिटोन इन माइक यूजिंग हर्बल एक्सट्रेक्ट्स. *एपिलेपसिया* 2014;55(पूरक2):236.

116. कौर ए, शाह एन, लोगानी ए. अर्बन इंडियन कम्युनिटी बेस्ड स्टडी ऑन नॉन कैरियस सरवाइकल लेशन्स. *इंट डेंटल जे* 2015;65(एस1):21.

117. कौर के, कक्कड़ ए, पुर्केत एस, सूरी वी, शर्मा एमसी, सरकार सी. एट अल. रैपिड एंड एकोनोमिकल मैथड्स फॉर मॉलीकुलर सबग्रूपिंग ऑफ चाइल्डहुड मेडुलोब्लास्टोमास इन रूटिंग क्लीनिकल प्रैक्टिस इन डेवलपिंग कंट्रीज. *न्यूरो – ऑन्कोलॉजी* 2014;16:97–8.

118. खान एए, पाल एस, गर्ग पी, मौली वीपी, दास एनआर, दत्तागुप्ता एस, एट अल. प्रीडिक्टिंग पोस्टऑपरेटिव पेनक्रियाटिक फिस्टुला (पीओपीएफ) आफ्टर पैनक्रिएटिक रिसेक्शन्स यूजिंग प्रीऑपरेटिव एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड (ईयूएस) एलास्टोग्राफी (ईयूएसई):ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी. *पैनक्रिएटोलॉजी* 2014;14(2):एस8–9.

119. खान ए ए, पाल एस, शर्मा आर, यादव ए के, दास एन आर, एट अल. प्रीडिक्शन ऑफ पेनक्रियाटिक फिस्टुला एंड फाइब्रोसिस इन पेशेंट्स अंडरगोइंग पैनक्रियाटिक रिसेक्शन्स यूजिंग डिफरेंशियल पैनक्रियाटिक इनहैंस्मेंट पैटर्न ओ मल्टीफेस कम्प्यूटेड टोमोग्राफी (एमपीसीटी) स्कैन : ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी. *पैनक्रिएटोलॉजी* 2014;14(2):एस 7–8.

120. खन्ना वी, अग्रवाल एस, बख्शी एस, श्रीनिवास एम, थुल्कर एस, जाना एम, एट अल. रुबडॉइड ट्यूमर ऑफ किडनी : डिसमेल आउटकम्स एट ए टर्शरीकेयर सेंटर इन ए डेवलपिंग कंट्री. *पीडियाट्रि ब्लड कैंसर* 2014;61:पी341.

121. कृष्णन वी, अम्बेडकर ए, मंडल पी, राव आर, मिश्रा एके. आउटकम्स ऑन बुप्रीनोर्फिन – नैलोक्सोन एट ए टर्शरीकेयर सबस्टेंस यूज फेसिलिटी : ए रेट्रोस्पेक्टिव चार्ट रिव्यू. *इंडियन जे साइकायट्री* 2015;57(5):एस102.

122. कुमार बी, यादव आर, यादव आर के, दादा आर इम्पैक्ट ऑफ लाइफ स्टाइल इंटरवेनशन्स ऑन मार्कर्स ऑफ सेलुलर एजिंग. *एंड्रोलॉजी* 2014;2(पूरक1):73.

123. कुमार ए, देसाई पी, कुमार आर. लैपेरोस्कोपिक एड्रेनेलेक्टोमी फॉर ए हाई, रेट्रोकेवल फीयाक्रोमोकायटोमा. *इंडियन जे यूरोल* 2015; 31 (पूरक1):एस102.

124. कुमार ए, माथुर एन, रानी एल, जैन ए, गुप्ता आर, अय्यर वीके, एट अल. टु स्टडी द जीन एक्सप्रेशन प्रोफाइल ऑफ एडवांस्ड गेल ब्लेडर कैंसर. अमेरिकल सोसायटी ऑफ क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी 2014. *जे क्लीन ऑन्कोल* 2014;32:ई15099.

125. कुमार ए, राव एन, डोगरा पीएन, सेठ ए, कुमार आर, सिंह पी, सैनी एके. एक्सपीरिएंस ऑफ पोस्ट रिनल स्टोन सर्जरी हेमटुरिया. *इंडियन जे यूरोल* 2015;31(पूरक1):एस114.

126. कुमार के. अग्रवाल एस, बख्शी एस, श्रीनिवास एम, बाजपेयी एम, बिसोई एके, गुप्ता एके, जाना एम, गुप्ता डीके, भटनागर वी. मैनेजमेंट एंड लॉन्गटर्म आउटकम्स ऑफ जाइंट मीडियास्टीनल जर्म सेल ट्यूमर्स इन चिल्ड्रन. *पीडियाट्रि कैंसर* 2014;61:पी340.

127. कुमार एम, राव डीएन, मोहंती एस, अरुलसेल्वी एस, भोई एसके. डायनेमिक एसोसिएशन ऑफ साइटोकाइन्स (आईएल–10,आई1–8, आईएल–6, आईएल–12, टीएनएफ–ए, आईएल–1बी) इन ट्रॉमा हेमोरहैजिक शॉक पेशेंट्स. *जे क्लीन सेल इम्युनोल* 2014;5:5.

128. कुमार एम, अरुलसेल्वी एस, राव डीएन, मोहांती एस, भोई एसके. पेरिफेरल ब्लड हिमेटोपॉइटिक प्रोजेनिटर सेल्स कोरिलेट विद् क्लिनिकल आउटकम ऑफ ट्रॉमा हेमोरहैजिक शॉक पेशेंट्स. *जे क्लीन सेल साइं थेर* 2014;5:4.

129. कुमार आर, द्विवेदी डीके, बोरा जीएस, थुल्कर एस, शर्मा एस, दत्तागुप्ता एस, जगन्नाथन एनआर. प्री–बायोप्सी मल्टी–पैरामेट्रिक मैग्नेटिक रिसजनेंस स्टडीज कोरिलेट विद् ग्लेसन स्कोर ऑन प्रोस्टेट बायोप्सी. *जेएसीएस* 2014;219(4):ई55.

130. कुमार आर, गोयल ए, पद्य बी, गुप्ता वाईके. सेल्फ मेडिकेशन प्रैक्टिस एंड फैक्टर्स इंफ्लुऐंसिंग इट अमंग मेडिकल एंड पैरामेडिकल स्टुडेंट्स इन इंडियाः ए टू पीरियड कम्परेटिव क्रॉस सेक्शनल स्टडी. *बेसिक क्लिनिकल फार्माकोल टॉक्सीकोल* 2014;115(पूरक1):331.

131. कुमार आर, गुप्ता आर, सिंह पी. शुड मेन विद् आइडियोपेथिक ऑब्स्ट्रक्टिव एजूस्पेर्मिया बी स्क्रीनड फॉर जेनिटोयूरिनरी ट्यूबरकुलोसिस? *इंट जे यूरोल* 2014;19(पूरक2):एस83.

132. कुमार आर, प्रगति पी, यादव आरके. कोरिलेशन बीटवीन विटामिन डी एंड डायबेटिक रिस्क फैक्टर्स इन ओवरवेट/आबेस सबजेक्ट्स इन इंडियन पोपुलेशन : ए क्रॉस सेक्शनल स्टडी. *इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल* 2014;58(5):192.

133. कुमार आर, राव एन, रामाचंद्रन आर, सिंह पी, टंडन एन. लैप्रोस्कोपिक एड्रेनलेक्टोमी फॉर फियोक्रोमोकाइटोमाः कम्परेटिव आउटकम एनालायसिस ऑफ स्मॉल वर्सिस लार्ज ट्यूमर्स. *इंट जे यूरोल* 2014;19(पूरक2):एस114.

134. कुमार आर, राव एन, रामाचंद्रन आर, टंडन एन, सिंह पी. लैप्रोस्कोपिक एड्रेनलेक्टोमी फॉर फियोक्रोमोकाइटोमाः हिमोडायनेमिक एंड आउटकम कम्पेरिजन बीटवीन स्मॉल वर्सिस लार्ज ट्यूमर्स. *जे एंडोयूरोल* 2014;28(एस1):ए209.

135. कुमार आर, श्रीवास्तव एन, सेठ ए, डोगरा पीएन. डिवाइस मैलफंक्शन विद् द डे विंकी एसो सर्जिकल सिस्टम एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन सर्जिकल प्रोसडुर्स. *यूरो यूरोल* 2015;14(2):ई873.

136. कुमार आर. लैप्रोस्कोपिक एड्रेनलेक्टोमी फॉर लार्ज ट्यूमर्स : कॉम्प्लीकेशन्स एंड देयर मैनेजमेंट. *जे यूरोल* 2014;191:ई552.

137. कुमार एस, नूतन के. शुक्ला, देव एसवीएस. मुदुली डीके. ट्रीटमेंट आउटकम्स ऑफ इनसिडेंटली डिटेक्टेड कार्सिनोमा ऑफ गेलब्लेडरःएक्सपीरिएंस फ्रॉम टर्शरीकेयर कैंसर सेंटर इन इंडिया *एशिया–पैक जे क्लीन ऑन्कोल* 2014;10:169.

138. कुमार एस, पांडिया एमपी, चतुर्वेदी ए, दुबे एस. प्रीऑपरेटिव फैक्टर्स एंड आउटकम इन एल्डर्ली पेशेंट्स अंडरगोइंग इंट्राक्रानियल सर्जरी–ए प्रोस्पेक्टिव ऑब्जेवेशनल स्टडी. *जे न्यूरोसर्ज एनेस्थिसियोल* 2014;26:507.

139. कुमार एस, रेखा, कुमार आर. कैन द वॉलंट्री सर्विसेज ऑफ कैंसर क्लिनिशियन्स बी एन अल्ट्रनेटिव स्ट्रेटेजी टु एक्सटेंड द आउटरिच ऑफ कैंसर कंट्रोल स्ट्रेटेजीस : एक्सपीरिएंस फ्रॉम ए रूरल कैंसर इनशिएटिव इन ईस्टर्न इंडिया एशिया–पैक. *जे क्लीन ऑन्कोल* 2014;10:215.

140. कुमार एसबी, चावला बी, दादा आर. लाइफ स्टाइल पैरामीटर्स एंड पेटेर्नल स्पर्म डीएनए हेल्थ – रोल इन स्पोरेडिक रेटिनोब्लास्टोमा. *पीडियाट्रि ब्लड कैंसर* 2014;61(एस2):5381.

141. कुमार एस बी, चावला बी, सेठ आर, गौतम एस, दादा आर. लॉस ऑफ पैटर्नल स्पर्म डीएनए इंटीग्रिटी इन नॉन–फैमिलियल रेटिनोब्लास्टोमा. *आईओवीएस* 2014;55:6440.

142. कुमार एस बी, यादव आर, यादव आर के, दादा आर इम्पैक्ट ऑफ लाइफ स्टाइल इंटरवेनशन्स ऑन मार्कर्स ऑफ सेलुलर एजिंग. *एंड्रोलॉजी* 2014;2(पूरक1):73.

143. कुमावत आर, मलिक ई, रशिद एस, इरशाद के, सूरी ए, सिन्हा एस एट अल. सिंगल न्यूक्लेयोटाइड पॉलमॉर्फिज्म (एसएनपी) ऑफ फोलेट मेटाबोलिजिंग एंजाइम्स एंड देयर एसोसिएशन विद् ब्रेन ट्यूमर्स. *इंडियन जे क्लीन बायोकैम* 2014;29:75.

144. कुपिली पीपी, भद आर, राव आर दयाल पी, अम्बेकर ए. ऑपियॉइड डिपेंडेंस विद् सोमाटाइजेशन डिसऑर्डर. *इंडियन जे साइकायट्री* 2015;57(5):एस71.

145. लाल आर, बल्हारा वाईपीएस. क्लब (पार्टी) ड्रग्स – टाइम टू एक्ट इन नाव! *जे साइकाट्रिस्टिस' एसो नेपाल* 2014;3:48.

146. महापात्रा ए, गुप्ता आर, सागर आर. द रिलेवेंस ऑफ एवॉइडेंट ! रिस्ट्रिक्टिव फूड इनटेक डिसऑर्डर; द न्यू डीएसएम –5 डायग्नोसिसःए रिव्यू. *इंडियन जे साइकायट्री* 2015;57(पूरक):एस124.

147. मखारिया जीके, अग्निहोत्री ए. चौधरी एस, घोषाल यूसी, पाठक एमके, मिश्रा ए, कृकृकृकृ दत्ता गुप्ता एस, एट अल. ए कम्पेरिजन ऑफ एफिसेसी ऑफ 6 मंथस एंड 9 मंथस ऑफ इंटरमिटेंट एंटी – ट्यूबरकुलोसिस थेरेपी फॉर एब्डोमिनल ट्यूबरकुलोसिस (इंटेस्टाइनल एंड पेरिटोनियल) : ए रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल. *जे गैस्ट्रोएंटेरोल हिपेटोल* 2014;29:एस240.

148. मलिक एन, गुप्ता एसके. पियोर रेड सेल एप्लासिया इन हिमेटोलॉजिकल मैलीगनेसिस : ए मिमिकर ऑफ डिजीज रिलेप्सेस. *इंडियन जे हिमेटोल ब्लड ट्रांसफ्यूस* 2014;30:एस482.

149. मैलिक एचएन. स्लीप एजुकेशन एक्रॉस द ग्लोब, 'करंट स्टेट्स एंड फ्यूचर विजन : फ्रॉम एएसआरएस परस्पेक्टिव'. *स्लीप बायोल रिद्म्स* 2014;12:257.

150. मैलिक एस, बेनसन आर, जुल्का पीके, रथ जीके. एडजुवेंट कीमो रेडियोथेरेपी फॉर स्क्वामस सेल कार्सिनोमा ऑफ गेलब्लेडर. *जे गैस्ट्रोइंटेस्ट कैंसर* 2014;45:237–40.

151. मनचंदा एम, सिंह आर, चौहान एसएस. रोल ऑफ पीटीईएन इन ड्रग सेंसिटिविटी ऑफ ग्लियोब्लास्टोमा सेल्स हैबोरिंग वाइल्ड टाइप एंड म्यूटेंट टाइप पी53. *जे कार्सिनोग* 2015;14:एस21–38.

152. मंडल पी, जैन आर, झांजी एस, श्रीनिवास वी. बैरियर्स ऑफ टुबेको केसशन अमंग इंडियन बुप्रीनोर्फिन – नैलोक्सोन मैनटेंड पेशेंट्स. *एल्कोहल एल्कोहल* 2014;49(एस1);आई6.

153. मणिकंदन ए, लवीराज एमए, हरेश केपी, शर्मा डीएन, गुप्ता एस, मैलिक एस, एट अल. कम्बाइंड एचडीआर ब्रेकायथेरेपी बूस्ट पल्स एक्स्ट्रर्नल बीम रेडियोथेरेपी बाय आईएमआरटी वर्सिस एक्स्ट्रर्नल बीम रेडियोथेरेपी अलोन आईएमआरटी इन इंटरमीडिएट – एंड हाई रिस्क प्रोस्टेट कैंसरः डोसिमेट्रिक एनालासिस फ्रॉम रैंडोमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल. *जे क्लीन ऑन्कोल* 2015;33:134.

154. मेरुमुदी ई, शर्मा ए, कडगवत आर, खुराना एमएल, अमिनी एसी. परेंटल सीवाईपी21ए2 जीनोटाइपिंग प्लेस एन इम्पोर्टेंट रोल इन द रिडक्शन ऑफ नियोनेटल डेथस इन सीएएच फैमिलीस. *इंडियन जे ह्यूमन जेनेटिक्स* 2014;20(पूरक 1).

155. माथुर एस, जोशी पी, जैन डी, दास पी, मिर्धा ए, अरावा एस, एट अल. एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड गाइडेड एस्पिरेशन ऑफ पैनक्रिएटिक मैसेस : एक्सपीरिएंस एट ए टर्शरीकेयर सेंटर इन इंडिया. *जे काइटोपैथोल* 2014; 25(पूरक1):22–78अब्स्ट्रेक्ट आईडी पी3–9.

156. माथुर एस, कक्कड़ ए, नलवा ए, जैन डी, अय्यर वी. साइटोमोर्फोलॉजी ऑफ गैस्ट्रोइंस्टेस्टाइनल स्ट्रोमल ट्यूमर्स : स्टडी ऑफ 20 कसेस विद् डॉग 1 इम्युनोकाइटोकेमिस्ट्री. *जे साइटोपैथोल* 2014;25(पूरक1):22–78 78अब्स्ट्रेक्ट आईडी पी8–10.

157. माथुर एस, सिंह एल, रंजन आर, जैन डी, अग्रवाल एस, अय्यर वी. फाइन नीडल एस्पीरेशन साइटोलॉजी इन एवाल्यूशन ऑफ पीडियट्रिक मीडियास्टीनल मेसेस : स्टडी ऑफ 69 केस. *जे साइटोपैथोल* 2014;25(पूरक1):12–21 अब्स्ट्रेक्ट आईडी एफपी5–4.

158. मिर एए, गोयल बी, दत्ता एसके, इकुर्थी एस, पाल ए. डायरेक्ट एस्टीमेशन ऑफ आयोनाइज्ड कैल्शियम रिजल्ट्स इन बैटर एकुरेसी देन कैकुलेटेड एस्टीमेशन. *इंडियन जे क्लीन बायोकैम* 2014; 29(एस) :135.

159. मिश्रा ए, प्रकाश एस, दास टीके, श्रीनिवास वी, अहुजा वी, दत्ता गुप्ता एस, एट अल. स्ट्रक्चरल एंड फंक्शनल चेंजीस इन द टाइट जंक्शन्स इन एजमप्टोमेटिक एंड सेरोलॉजी नेगेटिव फास्ट डिग्री रिलेटिव्स ऑफ पेशेंट्स विद् सेलियाक डिजीज. *इंडियन जे गैस्ट्रोएंटोरोल* 2014;32:ए39.

160. मिश्रा एन, दुबे एस, कपूर आई, रथ जी, बिठाल पी. एनेस्थिटिक मैनेजमेंट ऑफ चिल्ड्रन विद् टेट्रेलॉजी ऑफ फैलॉट अंडरगोइंग क्रानियोटोमी एंड एवाकुशन ऑफ ब्रेन एबसेस. *जे न्यूरोसर्ज एनेस्थ* 2014;26:508.

161. मित्रा ए, अग्रवाल एस, बख्शी एस, जाना एम, पथि एस, थुल्कर एस, एट अल. एवालुएटिंग द नेसेसिटी फॉर सर्जरी एज लोकल थेरेपी इन हैब्डोमायोसार्कोमा ऑफ द ब्लेडर एंड प्रोस्टेटः 14 इयर एक्सपीरिएंस एट ए टर्शरीकेयर सेंटर. *पीडियाट्रि ब्लड कैंसर* 2014;61:पी138.

162. मंडल डी, जुल्का पीके, जाना एम, लवीराज एमए, गुलेरिया आर, देव एसवीएस, एट अल. पीएफटी चेंज डुरिंग एडजुवेंट हाइपोफ्रेक्शनेटेड रिडिएशन विद् साइमलटेनियस इंटीग्रेटेड बूस्ड फॉर ईबीसी. *ब्रेस्ट* 2015;24:एस128.

163. मंडल डी, श्रीवास्तव ए, रंजन पी, शर्मा डीएन, दास आर, कश्यप एल, एट अल. एक्सिलरी नोडल बर्डन एंड कीमोथेरेपी इंफ्लुएंस पीसीआर इन एडवांस्ड ब्रेस्ट कैंसर ट्रीटेड विद् एनएसीटी. *ब्रेस्ट* 2015;24:एस95.

164. मुखर्जी ए, पटेल सीडी, सिंह एच, नायक एन, शर्मा जी, रॉय ए. कार्डियक मैकेनिकल डायसक्रोनी एसेसमेंट इन पेशेंट्स विद् नॉन – आइस्केमिक डिलेटेड कार्डियोमायोपैथी यूजिंग टीसी99एम–एमआईबीआई मायोकार्डियल परफ्यूजन एसपीईसीटी. कोरिलेशन विद् एक्विलिब्रियम रेडियोन्यूक्लाइड एंजियोग्राफी. *जे न्यूक्ल मेड मीटिंग आब्स्ट्रेक्ट्स* 2014मई;55:1752.

165. नागोरी एसए, भूटिया ओ, रॉय चौधरी ए, जोस ए. सक्सेसफुल ऑटोजीनयस थर्ड मोलर ट्रांसप्लांटेशन यूजिंग पिएजोसर्जरी. *ब्रे जे ओरल मैक्सीलोफैस सर्ज* 2014;52(8):ई49–ई50.

166. नायक बी, शालीमार, प्रसाद सी, मंडल के, झा जेके, कुमार ए, एट अल. डिस्ट्रिबुशन ऑफ आईएल 28 बी जीनोटाइप अमंग इंडियन हेल्थी एंड क्रॉनिक हेपेटाइटिस सी पेशेंट्स एंड इट्स इफेक्ट ऑन विरोलॉजिकल रिस्पोंस टु एंटीवायरल थेरेपी. *जे क्लीन एक्सप हेपेटोल* 2014;4:एस 26.

167. पाल ए, बिहारी एम, शर्मा आर. वर्बल फ्लुएंसी डिफिसिट्स इन पेशेंट्स विद् पार्किसन डिजीज. *आईजेपीपीएजेड* 2013;57(5):132–33.

168. पाल ए, मंडल पी, परमार ए, सागर आर. ए केस परसिस्टेंट डिलुजनल डिसऑर्डर : रोल ऑफ कल्चर रिविजिटेड. *इंडियन जे साइकायट्री* 2015;57(पूरक):एस 135.

169. पल्लवी पी, सागर आर, मेहता एम, शर्मा एस, सुब्रमण्यम ए, सेनगुप्ता यू, एट अल. रैडोमाइज्ड, सिंगल – ब्लाइंड, ट्रायल ऑफ योगा थेरेपी एज एन एडजुंक्ट टु सेरी ट्रीटमेंट फॉर एडोलेसेंट डिप्रेशन पेशेंट्स : वरिएशन्स इन सीरम साइटोकाइन एंड न्यूरोट्रॉफिन लेवल्स. *बायोल साइकायट्री* 2014; 75(9):ए1 ए 14.

170. पांडे जी, बख्शी एस, सिंह आर, चौहान एसएस. क्लिनिकल सिगनिफिकेंस ऑफ कैथेप्सिन एल एंड बी एक्सप्रेशन इन पीडियट्रिक एक्यूट मायोलॉइड लुकेमिया. *कैंसर रेज* 2014;74:1868.

171. पंवर आर, रवेला वीपी, खान एए, पाल एस, दास एनआर, गर्ग पी, एट अल. सर्जिकल मैनेजमेंट ऑफ नॉन – एल्कोहलिक क्रॉनिक पैनक्रिएटाइटिस (एनएसीपी) एट ए टर्शरीकेयर सेंटर इन इंडिया. *पैनक्रिएटोलॉजी* 2014;14(2):एस7.

172. परमार ए, मंडल पी, त्रिपाठी एम, सागर आर. एस्किटलोपरम इंडुस्ड सीवियर हाइपोनेट्रेमिया : ए केस रिपोर्ट. *इंडियन जे साइकायट्री* 2015;57:एस158.

173. परमार ए, रंजन आर, सागर आर. ऑब्सेसिव कम्पलेसिव डिसऑर्डर : ऑनसेट एट 78 इयर्स ऑफ एज."ए केस रिपोर्ट".*इंडियन जे साइकायट्री* 2015;57:एस129.

174. पथी एस, कुमार एल, पांडे आरएम, डढ़वाल वी, चंदर एस, मदन आर. इम्पैक्ट ऑफ ट्रीटमेंट टाइन ऑन कीमो रेडियोथेरेपी इन लोकली एडवांस्ड सरवाइकल कार्सिनोमा. *ज्ञनोकोल ऑन्कोल* 2014;133:651.

175. पटनायक पी, अरुण वी, ढींगरा आर, पाल एस, दास एनआर, गमनगट्टी एस, एट अल. हैमोरेज इन सीवियर एक्यूट पैनक्रिएटाइटिसः मैनेजेंट एंड आउटकम एट ए टर्शरीकेयर सेंटर. *पैनक्रिएटोलॉजी* 2014;14(2):एस5.

176. पटनायक पी, जैन एस, रंजन आर, सागर आर. एथिकल चेलेंजीस इन साइकायट्री रिसर्च. *इंडियन जे साइकायट्री* 2015;57:एस100.

177. पटनायक पी, पाल एस, दास एनआर, कपिल ए, अग्रवाल आर, साहनी पी. इफेक्ट ऑफ प्रीऑपेरटिव स्कीन प्रीपरेशन विद् क्लोहैक्सिडाइन एल्कोहल अलोन वर्सिस सिक्वेंशियल क्लोरहैक्सिडिन सेर्टिमाइड एंड पोविडोन आयोडिन ऑन पोस्टऑपरेटिव सर्जिकल साइट इंफेक्शन रेट्सः इंटेरिम एनालायसिस ऑफ ए आरसीटी. *ट्रॉप गैस्ट्रोएंटेरोल* 2014;35(3):एस130.

178. पेशिन एसएस, श्रीवास्तव ए, गुप्ता वाईके. पॉइजनिंग इन चिल्ड्रन : ए हेल्पलाइन एक्सपीरिएंस. *जे क्लीन टॉक्सीकोल* 2014;4:51.

179. प्रभाकर एच, लुथरा ए, रथ जीपी बिठल पी. फैक्टर्स इफेक्टिंग द आउटकम ऑफ एक्रोमेगेलिक पेशेंट्स अंडरगोइंग पिट्यूटरी सर्जरी. *जे न्यूरोसर्ज एनेस्थिसियो* 2014;4:13.

180. प्रभाकर एच, सिंह जीपी, आनंद वी, कलाईवाणी एम. मैनिटोल वर्सिस हाइपरटोनिक सैलाइन फॉर ब्रेन रिलेशन इन पेशेंट्स अंडरगोइंग क्राइनोटोमी. *ट्रक जे एनेस्थ रेनिम* 2014:एस1.

181. प्रभाकर एस, गुप्ता आर, बल्हारा वाईपीएस. पथवे टु केयर ऑफ एल्कोहल डिपेंडेंट पेशेंट्सःएन एक्सप्लोरेटरी स्टडी फ्रॉम ए टर्शरीसबस्टेंस यूज डिसऑर्डर ट्रीटमेंट सेंटर. *इंडियन जे सो साइकायट्री* 2014;30:ए4.

182. प्रकाश एस, कुमारी ए, भारती एस, प्रियतमा, गोयल ए : डिसरेगुलेशन ऑफ लेबाइल प्लाज्मा आयरन एक्टिविटी एंड फेरिक रिडुसिंग एंटीऑक्सिडेंट स्टेट्स इन डेवलपमेंट ऑफ एनिमिया. *इंडियन जे क्लीन बायोकैम* 2014, 41 एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ एसबीआईसीओएन 2014.

183. कुमार पी, भारती ए, मंडल एसआर. पोटेंशियल ऑफ डुअल एनर्जी कम्प्यूटेड टोमोग्राफी इन डायग्नोस्टिक इमेजिंग एंड रेडियोथेरेपी. *जे मेड फिज* 2014;39:390.

184. रंजन ए, प्रमाणिक आर, गुप्ता आर, तंवर पी, भारती एस, रे एम, एट अल. क्रोनिक न्यूट्रोफिलिक ल्यूकेमिया : ए रेयर क्रोनिक मायेलोप्रोलिफरेटिव डिस्ऑर्डर. *इंट जे हेमेटोल ओंकोल* 2014;24:145–7.

185. रंजन आर, दीपक एस, कुमार एस, सागर आर. साइक्लोसेरिन इंडुस्ड एक्यूट साइकोसिस इन ए यंग मेल विद् ड्रग – रेजिस्टेंट ट्यूबरकुलोसिस. *इंडियन जे साइकायट्री* 2015;57(पूरक):एस147.

186. रंजन आर, दीपक एस, सागर आर. ऑक्स्कार्बेजेपिन एंड क्वाटियापाइन इंडुस्ड स्टीवेन्स जॉनसन सिंड्रोम : ए रेयर केयर रिपोर्ट. *इंडियन जे साइकायट्री* 2015;57(पूरक):एस142.

187. रंजन आर, जैन एस, सागर आर, पांडे ए. सेफ्टी पाइन्स इन पेरिटोनियमः ए केस ऑफ पाइका विद् इंटेस्टाइनल परफॉरेशन एंड पेरिटोनाइटाइस. *इंडियन जे साइकायट्री* 2015;57(पूरक):एस60.

188. राव एन, कुमार आर, सिंह पी, सेठ ए, डोगरा पीएन. सर्जिकल मैनेजमेंट ऑफ फियाक्रोमोकायटोमा इन ए करंट कोहोर्ट : वट आर द इंडिकेशन्स फॉर ओपन सर्जरी? *यूर यूरोल* 2015;14(2):ई718.

189. राव एन, रामाचंद्रन आर, सिंह पी, टंडन एन, कुमार आर. कैन पेरि–ऑपरेटिव पैरामीटर्स प्रीडिक्ट द नीड फॉर पोस्ट–ऑपरेटिव इनोट्रोपिक स्पोर्ट फॉलोविंग सर्जिकल रिसेक्शन ऑफ फियोक्रोमोकायटोमास? *यूर यूरोल* 2015;14(2):ई719.

190. राशिद एस, सिंह एन, गुप्ता एस, रशिद एस, नालिका एन, सचदेव एट अल. क्रॉनिक पैनक्रिएटाइटिस टू पैनक्रिएटिक कैंसरः ए सिंगल म्यूटेशन डोज नॉट प्रडिक्ट मैलीगनेंट ट्रांसफॉर्मेशन. *पैनक्रिएटोलॉजी* 2014;14:एस5.

191. राशिद जेड, जरयाल एके, मलिक एचएन. 2014 वेरिएशन्स इन मस्कल टेम्परेचर डुरिंग स्लीप – वेकफुलनेस साइकिल इन रेट्स. *स्लीप बायोलॉजिकल रिद्म* 2014;12:266–267.

192. रथ जी, गुप्ता पी, प्रभाकर एच, बिठाल पी. कम्पेरिजन बीटवीन सेवोफ्लुरेन एंड डिसफ्लुरेन ऑन इर्मेजेंस एंड रिकवरी कैरेक्टरस्टीक्स ऑफ चिल्ड्रन अंडरगोइंग सर्जरी फॉर स्पाइनल डिसरेफिज्म. *जे न्यूरोसर्ज एनेस्थ* 2014;26:508.

193. रथ जी, सोखल एन, चतुर्वेदी ए, दास एच, बिठल पी. एनेस्थिटिक मैनेजमेंट फॉर एवेक क्रानियोटोमी : एन इंस्टीट्यूशनल एक्सपीरिएंस. *ट्रक जे एनेस्थ रियनिम* 2014;42:8.

194. रथ जीपी, महाजन सी, बिठल पीके. पीरिऑपरेटिव मैजनेमेंट ऑफ चिल्ड्रन विद् जाइंट एंसेफेलोकोल : एनालायसिस ऑफ 29 केसेस. *एनेस्थिसियोलॉजी* 2014:2240.

195. रेवेला वीपी, खान एए, पंवर आर, पाल एस, दास एनआर, साहनी पी, एट अल. सर्जिकल मैनेजमेंट ऑफ पेशेंट्स विद् एल्कोहलिक क्रॉनिक पैनक्रिएटाइटिस इन ए नॉर्थ इंडियन टर्शरीकेयर हॉस्पीटल : एक्सपीरिएंस ओवर थ्री डिकैड्स. *पैनक्रिएटोलॉजी* 2014;14(2):पूरक 6–7.

196. रावत आर, दास पी, डिंडा एके, दत्ता गुप्ता एस, श्रीनिवास वी. अहूजा वी, एट अल. एंटी टिशू ट्रांसग्लुटेमिनेस एंटीबॉडी स्टेनिंग ऑफ इंटेस्टाइनल बायाप्सिस इज नॉट स्पेसिफिक फॉर सेलियाक डिजीज बट इज ए नॉस्पेसिफिक मार्कर ऑफ टिशू इनजरी. *इंडियन जे गेस्ट्रोएंटेरोल* 2014:32:ए45.

197. रीटा केएच, गुप्ता वाईके. एडरेवोन मेलियोरेट्स स्ट्रेप्टोजोटासिन (एसटीजेड)–इंडुस्ड कॉग्नेटिव इम्पेरमेंट इन स्पोरेडिक मॉडल ऑफ अल्जाइमर्स डिजीज इन रेट्स. *न्यूरोडिगेनेर डिस* 2015;15(पूरक):753.

198. रीटा केएच, प्रभाकर पी, गुप्ता वाईके. प्रोटेक्टिव इफेक्ट ऑफ कुरकुमिन अगेस्ट हाई फ्रेक्टोस डाइट–इंडुस्ड मेटाबोलिक सिंड्रोम एंड मेमोरी इम्पेरमेंट इन रेट्स. *बेसिक क्लीन फार्माकोल टॉक्सीकोल* 2014;115(पूरक1):347.

199. रॉय एस, पथी एस, कुमार आर, मोहांती बीके, रैना वी, जैसवाल ए, एट अल. एफिसेसी ऑफ पीईटी – सीटी इन एवल्यूशन ऑफ रिस्पोंस इन लॉकली एडवांस्ड नॉन – स्मॉल सेल लंग कैंसर. *एन्ना ऑन्कोल* 2014;10:1093.

200. सरकार एस, मजूमदार पी, गुप्ता आर, पत्रा बीएन, बल्हारा वाईपीएस. प्रीडिक्टर्स ऑफ रिटेंशन इन ट्रीटमेंट इन ए टर्शरीकेयर डी–एडिक्शन सेंटर. *इंडियन जे साइकायट्री* 2015;57(5):एस5.

201. सेनगुप्ता टी, मलिक एचएन. डे नाइट रेशियो ऑफ स्लीप साइकिल इन विस्टर रेट्सः ए रेट्रोस्पेक्टिव स्टडी. *स्लीप बायोलॉजिकल रिद्म* 2014;12:260.

202. सेंथिल एसके, मखारिया जीके, अग्निहोत्री ए, सिंह पी, शर्मा ए, जगननाथन एनआर. ब्रेन एक्टिवेशन पैटर्न इन पेशेंट्स विद् एकालेसिस डुरिंग वॉलिशनल स्वलोविंग. *गैस्ट्रोएंटरोलॉजी* 2014;146:एस679–680.

203. सेठ ए, खान आर, आनंद वी, राव एन, शर्मा ए. एलीवेटेड एक्सप्रेशन ऑफ एक्स्ट्रासेललुर मैट्रिक्स प्रोटीन्स लेमिनिन फिबुलिन 1 एंड नाइडोजीन एसोसिएट्स विद् यूरोथेलियल कार्सिनोमा ऑफ यूरिनरी ब्लैडर. *यूरोलॉजी* 2014;84:एस192.

204. सेठ आर, सिंह ए, चावला बी, थॉमस टी. रेटिनोब्लास्टोमा इन इंडियन चिल्ड्रन : क्लीनिकल प्रोफाइल एंड पीडिक्टर्स फॉर मेटास्टेसिस. *पीडियट्रि ब्लड कैंसर* 2014;61:एस381–82.

205. सेठ आर, सिंह ए, थॉमस टी, श्रीवास्तव ए, सिंह बी. एक्सपीरिएंस ऑफ यूजिंग सिक कार्ड एंड अदर पेशेंट एजुकेशन मटिरियल टु इम्प्रूव आउटकम ऑफ चाइल्डहुड कैंसर. *पीडियट्रि ब्लड कैंसर* 2014;61:एस364.

206. सेठ आर, सिंह, पी, पुरी के, दास आर. क्लीनिकल प्रोफाइलिंग एंड कीमोथेरैपी रिसपॉन्स इन चिल्ड्रन विद हॉजकिन लिम्फोमा एट ए टर्शरी केयर सेंटर. *पीडियट्रि ब्लड कैंसर* 2014;61:एस326.

207. सेठ एस, सेठ आर, सिंह ए. एक्यूट मायोलॉइड लियूकेमिया इन चिल्ड्रन : एक्सपीरिएंस फ्रॉम ए टर्शरीकेयर फैसिलिटी इन इंडिया. *पीडियट्रि ब्लड कैंसर* 2014;61:एस326.

208. शापू एनआई, शर्मा ए, शुक्ला एनके, मोहांती बीके, देव एसवीएस, साहनी पी, एट अल. गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्ट्रोमल ट्यूमर्स : ए 10 इयर एक्सपीरिएंस फ्रॉम टर्टियर केयर सेंटर इन इंडिया. *जे क्लीन ऑन्कोल* 2014; 32,(पूराकःअब्स्ट्र ई21509).

209. शर्मा ए, बिरला एस. प्रीडिक्टिव जेनेटिक टेस्टिंग इन फैमलीस विद् ग्रोथ हार्मोन डेफिसिएंसी : एज इंडियन एक्सपीरिएंस. *ईजेएचजी* 2014; 22(पूरक1):जे19.1.

210. शर्मा ए, चौधरी एसपी, शुक्ला एनके, मोहांती बीके, देव एसवीएस, पाल एस, एट अल. ए रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल कम्पेरिंग मॉडिफाइड जेमसिटाबाइन पल्स ऑक्सालिप्लेटिन (एमजीईएमओएक्स) टू जेमसिटेबाइन पल्स सिस्प्लेटिन इन मैनेजमेंट ऑफ अनरिसेक्टेबल गैल ब्लेडर कैंसर. अमेरिकन सोसायटी ऑफ क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी 2014.*जे क्लीन ऑन्कोल* 2014;32:5एस, (पूरक; अब्स्ट्र टीपीएस4152).

211. शर्मा एच, कुमार एन, भाटिया आर, श्रीवास्तव पीएमवी. इज कॉम्बिनेशन ऑफ रिपेशिएटिव ट्रांस क्रानियल मैग्नेटिक स्टीमुलेशन (आरटीएमएस) विद् फिजियोथेरेपी बैटर थेन फिजियोथेरेपी एलोन इन स्ट्रोक रिकवरी? *इंट जे स्ट्रेक* 2014 अक्टूबर;9(पूरक 3):41–331.

212. शर्मा एच, श्रीवास्तव पीएमवी, भाटिया बी, कुमार एन, मोगंती आर. डोज वेस्कुलर एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर (वीईजीएफ) एक्सप्रेशन इन कॉम्बिनेशन विद् फिजियोथेरेपी विद् / विद्आउट रिपेशिटिव ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टीमुलेशन (आरटीएमएस) प्ले द रोल इन एक्यूट स्ट्रोक रिकवरी? *ब्रेन स्टीमुलेशन* 2015;8:310ई325.

213. शर्मा एम, सिंह ए, सेठ आर, काबरा एस, कुमार आर, पांडे आरएम. हाइड्रोक्सारिया एंड हाइपरड्रेशन वर्सिस हाइपरड्रेशन एलोन टू डिक्रिज टोटल ल्यूकोकाइट काउंट इन चिल्ड्रन ऑफ एक्यूट ल्यूकेमिया विद् हाइपरल्यूकोसाइटोसिस. *पीडियट्रि क्राइट केयर मेड* 2014;15(पूरक 4):188.

214. शर्मा एम, सिंह ए सेठ आर, कुमार आर, काबरा एसके, पांडे आरएम. टू कम्पेयर द रोल ऑफ हाइड्रोक्सरिया एंड हाइपरड्रेशन वर्सिस हाइपरड्रेशन एलोन टू डिक्रिज टोटल ल्यूकोकाइट काउंट इन चिल्ड्रन ऑफ एक्यूट ल्यूकेमिया विद् हाइपरल्यूकोसाइटोसिस : रैंडोमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल. *पीडियट्रि ब्लड कैंसर* 2014;61:एस83–4.

215. शर्मा एमसी, घोष आर, कक्कड़ ए, सरकार सी, सूरी वी, सिंह एम. एट अल. लोस ऑफ आईएनआई–1इज ए नोवल मार्कर फॉर कोरडोइड मैनिंजियोमास ऑफ द सीएनएस. *ब्रेन पैथोल* 2014;24:94.

216. शर्मा एमसी, नम्बीरंजन ए, सिंह एम, सरकार सी. ए स्टडी ऑफ प्रोलिफेरेशन एंड एपोप्टोसिस रिलेटेड मार्कर्स एटीआरएक्स, बीसीएल–2 एंड पी53 इन एपिनडायमोमास. *ब्रेन पैथोल* 2014;24:85.

217. शर्मा एमसी, यादव आर, सरकार सी, सूरी वी. पीडियट्रिक कोर्डोमस डिफेर फ्रॉम डोज इन एडल्ट्स बोथ मार्फोलॉजिकली एंड जेनेटिकली? *न्यूरो ऑन्कोल* 2014;16:127–36.

218. शर्मा एमके, भोई एसके, मोहांती एस, राव डीएन, अरुलसेल्वी ए. टू एवालुट द इफेक्ट ऑफ ग्रोथ फैक्टर्स (ईपीओ, आईएल3, जीएम–सीएसएफ) ऑन इन विट्रो हिमेटोपॉइटिक स्टेम सेल ग्रोथ/डिफरेंशिएशन फॉलोविंग ट्रॉमा हिमोरैज शॉक. *जे साइटोथेरेपी* 2014;16:एस54.

219. शर्मा पी, गुप्ता आर, सागर आर. साइकोसिस एंड मेडिएशन. *इंडियन जे साइकायट्री* 2015;57(पूरक):एस83.

220. शर्मा एस, शर्मा एस, चंद्र एम, मिना एस, बल्हारा वाईपीएस, वर्मा आर. साइकोलॉजिकल वेल बीइंग इन प्राइमरी सरवाइवर्स ऑफ उत्तराखंड डिजास्टर इन इंडिया. *इंडियन जे सोस साइकायट्री* 2014;30(3–4):ए5.

221. शर्मा एसके, अजमाणि एस, शर्मा ए, सिंह एस, सिन्हा एस, विष्णुभाटला एस. कम्पेरिजन ऑफ इफिसेसी ऑफ डिफरेंट ट्रीटमेंट रिजिमेन्स इन पल्मोनरी हाइपरटेंशन सेकेंडरी टू लंग डिजीज एंड/ऑर हाइपोक्सिया. *एम जे रिस्पिर क्राइट केयर मेड* 2014; 189:ए1892.

222. सेठी एसए, धोत्रे डीपी, भाटिया के, वर्मा एके, मिश्रा ए, आहुजा वी, एट अल. कंस्टीट्यूशनल एंड फंक्शनल स्मॉल इंटेस्टाइनल माइक्रोबायोमी ऑफ पेशेंट्स विद् सेलियाक डिजीज, फास्ट डिग्री रिलेटिवस एंड इफेक्ट ऑफ ग्लुटेन फ्री डाइट ऑन देम. *गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी* 2014;146:एस349.

223. सिंह ए, श्रीवास्तव ए, बिष्ट आर, सिंह ए. ऑयल यूसेज प्रैक्टिस अमंग स्मॉल एंड मीडियम साइज्ड वेंडर्स इन साउथ दिल्ली, इंडिया. *ग्लोबल हार्ट* 2014;9:ई227.

224. सिंह ए, पाई जी, दवमान एल, सेठ आर. साइटोसाइन – अराबिनोसाइड, विंक्रिस्टीन एंड प्रीडनिसोलोन इन द ट्रीटमेंट ऑफ चिल्ड्रन विद् मिस लच नॉट रिस्पोंडिंग टू फास्ट लाइन ट्रीटमेंट एक्सपीरिएंस ऑफ ए टर्शरीहॉस्पीटल इन इंडिया. *पीडियट्रि ब्लड कैंसर* 2014;61:एस298.

225. सिंह एएन, किलाम्बी आर, पाल एस, दास आर, साहनी पी. प्रीऑपरेटिव आउटकम्स इन पैनक्रिएटोडुओडेनेक्टोमी विद् एंड विदआउट वेस्कुलर रिसेक्शन. *ट्रॉप गैस्ट्रोएंटेरोल* 2014;35(3)पूरक 2:अब्स्ट्रैक्ट पी70,पीएस 121–2.

226. सिंह एच. क्लिनिकल प्रोफाइल ऑफ ओल्डर पेशेंट्स विद् हार्ट फैलियर. *जे इंडियन एकैड जेरिएट्रिक्स* 2014;10:35.

227. सिंह एल, कश्यप एस, पुष्कर एन, नाग टीसी, सेन एस, शर्मा ए, बख्शी एस. एल्टरेशन ऑफ माइटोकोंड्रियल कॉम्प्लेक्स आई प्रोटीन इन ह्यूमन रेटिनोब्लास्टोमा. *पीडियट्रि ब्लड कैंसर* 2014;61:पी279.

228. सिंह एल, कश्यप एस, सैनी एन, पुष्कर एन, सेन एस, नाग टीसी, एट अल. एनालायसिस ऑफ माइटोकोंड्रियल डीएनए म्यूटेशन्स एंड अल्टरेड प्रोटीन एक्सप्रेशन इन ह्यूमन रेटिनोब्लास्टोमा. *आईओवीएस* 2014;55.

229. सिंह एन, गुप्ता एस, राशिद एस, राशिद एस, सचदेव वी, वश्वानी एम, सराया ए. स्टडी ऑन जीन पॉलीमॉर्फिज्म इन एल्कोहल इंडुस्ड क्रोनिक पैनक्रिएटाइटिसः ए पायलट स्टडी. *पैनक्रिएटोलॉजी* 2014;14:एस5–6.

230. सिंह पी, अरोड़ा एस, लाल एस, स्ट्रेंड टीए, मखारिया जीके. रिस्क ऑफ सेलियाक डिजीज इन द फास्ट एंड सेकेंड डिग्री रिलेटिव्स ऑफ पेशेंट विद् सेलियाक डिजीज; ए मेटा एनालायसिस. *इंडियन जे गैस्ट्रोएंटेरोल* 2014;32:ए23.

231. सिंह पी, अरोड़ा एस, लाल एस, स्ट्रेंड टीए, मखारिया जीके. सेलियाक डिजीज इन वॉमैन विद् इंफेर्टिलिटीः ए मेटा–एनालायसिस. *इंडियन जे गैस्ट्रोएंटेरोल* 2014:32:ए26.

232. सिंह पी, वाधवा एन, चतुर्वेदी एमके, भाटिया वी, टंडन एन, मखारिया जीके. एट अल. वैलीडेशन ऑफ पॉइंट ऑफ केंसर टेस्टिंग फॉर सेलियाक डिजीज इन चिल्ड्रन इन ए टेर्टियरी हॉस्पीटल इन नॉर्थ इंडिया. *गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी* 2014;14:एस472.

233. सिंह पी, यादव एस, कुमार ए, महापत्रा एस, डोगरा पीएन, सेठ ए. रेट्रोपेरिटोनियल लिम्फ नोड डिससेक्शन इन पोस्ट कीमोथेरेपी रेसिडुअल मेसेस इन एडवांस्ड टेस्टीकुलर जर्म सेल ट्यूमर इन इंडियन पोपुलेशन : ए सिंगल सेंटर एक्सपीरिएंस. *इंडियन जे यूरोल* 2015;31 (पूरक1):एस78.

234. सिंह आर, नेगी एन, दास बीके, लोधा आर, काबरा एस, वजपेयी एम. एचआईवी–1 इंफेक्शन एंड सरकुलेटिंग पेरिफेरल ब्लड बी सेल सबपोपुलेशन्स. *बीएमसी इंफेक्टशयस डिजीज.* 2014;14(पूरक3):ओ6.

235. सिन्हा एस, महाजन एस, महाजन एस, शर्मा एसके. ए कम्पेरिजन ऑफ स्लीप डिसऑडरेड ब्रेथिंग चेंजीस एंड क्वालिटी ऑफ स्लीप एंड लाइफ इन एंड स्टेज रिनल डिजीज (ईएसआरडी) पेशेंट्स बिफोर एंड आफ्टर रिनल ट्रांसप्लांट. *एम जे रिस्पेयर क्राइट केयर मेड* 2014;189:ए3611.

236. सोनी एन, नारंग आर, मोहन ए, द्विवेदी एसएन, डे एबी. प्रीवलेंस ऑफ कार्डियोवेस्कुलर कोमोब्रिडिटाइस इन एल्डर्ली पेशेंट्स विद् कोपड एट ए टर्शरीकेयर हॉस्पीटल.*जे इंडियन एकैड जेरियाट्रिक्स* 2014;10:23.

237. सोनी एससी, साहनी पी, नुंदी एस. प्रेजेंटेशन्स एट द इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी (आईएएसजी) कॉन्फ्रेंस बीटवीन 2009 एंड 2013–एन एनालायसिस ऑफ देयर ऑगिजिन्स, सबजेक्ट्स एंड क्वालिटी. *ट्रॉप गैस्ट्रोएंटेरोल* 2014; 35(3) पूरक 2: अब्स्ट्रेक्ट एम8,पीएस127.

238. श्रीवास्तव एस, गर्ग पी, जरयाल एके, दीपक केके. इफेक्ट ऑफ एलबीएनपी इंडुस्ड प्रीलोड रिडक्शन ऑन वालसाल्वा मैनइयूवेर. *इंडियान जे फिजियोल फार्माकोल* 2014(पूरक);58(5):67.

239. श्रीवास्तव ए, थॉमस टी, सिंह बी, सिंह ए, सप्रा एस, सेठ आर. प्रीसेप्शन ऑफ चाइल्डहुड कैंसर : परेंटल एसेसमेंट. *पीडियट्रि ब्लड कैंसर* 2014;61:एस193.

240. श्रीवास्तव ए, पेशीन एसएस, गुप्ता वाईके. स्नेक बाइट पॉइजनिंग : ए टवेल्व इयर रेट्रोस्टपेक्टिव एनालायसिस ऑफ द पॉइजनिंग सेल्स रिपोर्टेड टू द नेशनल पॉइजन्स इंफॉर्मेशन सेंटर एट एम्स. *जे क्लीन टॉक्सीकोल* 2014;4:105.

241. श्रीवास्तव एके, फारूख एम, कुमार डी, गर्ग ए, शुक्ला जी, गोयल वी, एट अल. फ्रेजिल एक्स–एसोसिएटेड ट्रेमर / एटाक्सिया सिंड्रोम. (एफएक्सटीएएस) : फास्ट केस रिपोर्ट फ्रॉम इंडिया. *एन्न इंडियन एकैड न्यूरोल* 2014 : 17: एस173–4.

242. श्रीवास्तव एके, फारूख एम, सुरोलिया वी, कुमार डी, गर्ग ए, शुक्ला जी, एट अल. एफएमआर1 परम्यूटेशन एलेलेस इन लेट ऑनसेट एटाक्सिया कोहोर्ट ऑफ इंडिया : एफएक्सटीएएस मिमिक्स एंड इज कॉमन अमंग पेशेंट्स विद् एससीए12 लाइक फीनोटाइप. *मूवमेंट डिसऑर्डर्स* 2014;29:एस60.

243. श्रीवास्तव एके, सावाल एन, गंगवानी एम, फारूख एम, शक्या एस, शुक्ला जी, एट अल. ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी एवाल्यूशन ऑफ ट्राई न्यूक्लेयोटाइड रिपीट एक्सपेंशन एसोसिएटेड स्पाइनोसेरबेलर एटाक्सियस. *मूवमेंट डिसऑर्डर्स* 2014;29:एस483.

244. श्रीवास्तव सी, इरशाद के, साहू ए, चट्टोपाध्याय पी, सरकार सी, गुप्ता डीके एट अल. स्नेल मॉड्यूलेट्स स्टेमनेस प्रोर्प्टीज इन हाइपोक्सिक ग्लियोब्लास्टोमा. *कैंसर रेज* 2014;74:2077.

245. सिंह एस, गुप्ता वाईके. एवाल्यूशन ऑफ द इफिसेसी ऑफ ब्रबेरियस अरिस्टेटा इन एक्सपीरिमेंटल अर्थराइटिस. *बेसिक क्लीन फार्माकोल टॉक्सकोल* 2014;115(पूरक1):292.

246. तमुली डी, फारूख एम, जरयाल एके, श्रीवास्तव एके, दीपक केके. कम्पेरिजन ऑफ टाइप डोमैन पैरामीटर्स ऑफ हार्ट रेट वरिएबिलिटी इन एससीए 1 एंड एससीए 2 पेशेंट्स. *इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल* 2014 (पूरक);58(5):108.

247. टेम्भरे एमके, शर्मा वीके, गुप्ता एस, शर्मा ए, परिहर एएस. रेगुलेटरी टी सेल (ट्रेग) एंड टी सेल इम्युनोग्लोबुलिन एंड म्यूसिन डोमैन (टीआईएम) मेडिएटेड इम्युन रेगुलेशन इन एक्टिव जनरलाइज्ड विटिलिगो. *पिगमेंट सेल मेलानोमा रेज* 2014:978.डीओआई 10.1111/पीसीएमआर.12292.

248. ठाकुर एस, देव एबी. एसेसमेंट ऑफ पलिएटिव केयर नीड्स अमंग ओल्डर इंडियन पेशेंट्स विद् कैंसर. *जे इंडियन एकैड जेरियट्रिक्स* 2014;10:39.

249. थॉमस टी, श्रीवास्तव ए, सिंह बी, सिंह ए, सेठ आर. इफेक्ट ऑफ हेल्थ एजुकेशन : परेंटल एसेसमेंट ऑफ (केएपी) नॉलेज, एटिट्यूड एंड प्रैक्टिस ऑफ पीडियट्रिक ऑन्कोलॉजी पेशेंट. *पीडियट्रि ब्लड कैंसर* 2014;61:एस220.

250. उपाध्याय डी, शर्मा यू, मखारिया जीके, गुप्ता एसडी एंड जगननाथन एनआर. इफेक्ट ऑफ ग्लुटेन फ्री डाइट ऑन मेटाबॉलिक प्रोफाइल ऑफ ब्लड प्लाज्मा इन सेलियाक डिजीज स्टडीज यूजिंग एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी. *जे प्रोटीन्स प्रोटियोमिक्स* 2015;6(पूरक1):75.

251. वेलोंथेएल एजी, सिंह एमके, डिंडा एके, माथुर एस, टखर ए, दास एसएन. एक्सप्रेशन ऑफ सेल साइकिल एसोसिएटेड प्रोटीन्स पी53, पीआरबी, पी16,पी27 एंड कोरिलेशन विद् सरवाइवल : ए कम्परेटिव स्टडी ऑन सक्वामस सेल कार्सिनोमा (एससीसी) एंड वेरुकोस कार्सिनोमा (वीसी) ऑफ ओरल म्यूकोसा. *ओरल सर्ज ओरल मेड ओरल पैथोल ओरल रेडियोल* 2015;119:ई145.

252. वनथी एम, सैनी एम, दादा टी, अग्रवाल टी. कोरिलेशन ऑफ आक्यूलर सरफेज एवाल्यूशन विद् सेंट्रल कॉर्नियल सबबेसल नर्व डेंसिटी इन आइस ऑन लॉन्ग टर्म आक्यूलर हाइपोटेंसिव थेरेपी. *इनवेस्ट ऑफ्थेलमोल विज साइं.* 2015; 55:1466.

253. वशिष्ट एन, पुलियेल जे, श्रीनिवास वी. ट्रेंड्स इन नॉनपोलिया एक्यूट फ्लेससिड पैरालायसिस इंसिडेंस इन इंडिया 2000 टू 2013. *पीडियट्रिक्स* 2015;135(एस1):एस16–एस17.

254. वसुदेवन एस, शलीमार, कविमनदन ए, कलरा एन, नायक बी, ठाकुर बी. एट अल. डिमोग्राफिक प्रोफाइल एंड रिनल लाइफ होस्ट, डिजीज एंड वायरल प्रीडिक्टिव फैक्टर्स ऑफ रिस्पोंस इन पेशेंट्स विद् क्रॉनिक हेपेटाइटिस सी वायरस इंफेक्शन एट ए टर्शरीकेयर हॉस्पीटल इन नॉर्थ इंडिया. *इंडियन जे गैस्ट्रोएंटेरोल* 2014;32(पूरक1):ए65.

255. वर्मा के. कंटेक्ट डर्माटाइटिस इन इंडिया. *कंटेक्ट डर्माटाइटिस* 2014;70(पूरक1):14.

256. वर्मा आर, कुमार एन, सिंह एस, रिस्पोंस रेट ऑफ आरटीएमएस इन ट्रीटमेंट रिफ्रेक्टरी ओसीडी एज ए वरिएबल ऑफ जेंडर एंडोटाइपिक एक्सप्रेशन. *ब्रेन स्टीमुलेशन* 2015;8:427.

257. वर्मा आर, कुमार एन, सूद एम, पटनायक पी. इफेक्टिवनेस एंड टोलेरेबिलिटी ऑफ वॉल्टेज डिपेंडेंट एंड टाइम डिपेंडेंट ब्रीफ पल्स इलेक्ट्रो–कंवुलेसिव मैकेनिज्म. *ब्रेन स्टीमुलेशन* 2015;8:388.

258. विपिन आईएस, जैकॉब टीजी, पाल एस, दास एनआर, रॉय टीएस, गर्ग पीके, साहनी पी. इंक्रिज्ड इंट्रडक्टेल प्रेशर इज मोर इम्पोटेंट देन इंफुस्ट कॉम्पॉजिशन इन इंडुसिंग सीवियर एक्यूट पैनक्रिएटाइटिस इन रेट्स : ए कम्परेटिव स्टडी ऑफ थ्री डिफरेंट मॉडल्स ऑफ एक्सपेरिमेंटल एक्यूट पैनक्रिएटाइटिस. *ट्रॉप गैस्ट्रोएंटेरोल* 2014;35(3)पूरक2:अब्स्ट्रेक्ट पी59,पीएस118.

259. वालिया आर, माथुर एस, जैन डी, अय्यर वी, दास पी, सिंह जी, एट अल. फाइन नीडल एस्पिरेशन साइटोलॉजी ऑफ मेसेस ऑफ लिवर–ए क्लिनिकोपैथोलॉजिकल स्टडी ऑफ 575 केसेस. *जे साइटोपैथेल* 2014;25(पूरक1):22–78 अब्स्ट्रेक्ट आईडी पी3–18.

260. यादव जेएस, कौर एस. क्रॉनिक डिजीज एंड मेंटल डिसऑर्डर. *इंडियन जे साइकायट्री* 2015;57(5):एस41.

261. यादव जेएस, कौर एस. साइलेंट फीचर्स ऑफ क्रॉनिक स्काइजोफ्रेनियाः ए मेंटल हॉस्पीटल बेस्ड स्टडी. *इंडियन जे साइकायट्री* 2015;57(5):एस39.

262. यादव जे, सिंह ए, सेठ आर, काबरा एसके, एक्सेस आई, जाना एम. प्रीवलेंस ऑफ इनवेसिव फंगल इंफेक्टशन्स (आईएफआई) इन चिल्ड्रन विद् फेब्रिल नियूट्रोपेनिया बीटवीन 1–12 इयर्स ट्रीटेड फॉर एक्यूट ल्यूकेमिया–ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी. *पीडियट्रि ब्लड कैंसर* 2014;61:एस170.

263. यादव के, बधवार एस, जरयाल एके, कोशिक पी, चट्टर्जी के, दीपक केके. एक्यूट ब्लड लॉस एंहान्स बैरोरेफ्लेक्स रिकरंटमेंट इन ह्यूमन्स. *इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल* 2014;58(5):119.

264. यादव पी, सागर आर, मंजूनाथ एन. टोकोफोबियाः ए मार्बिड फीयर ऑफ चाइल्डबर्थ. *इंडियन जे साइकायट्री* 2015;57 (पूरक):एस150.

265. यादव आरके. एविडेंस बेस्ड माइंड, मेडिसिन एंड मीडिटेशन. *इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल* 2014;58(5):33–4.

266. योगनाथन एस, गुलाटी एस, बग्गा ए, टोटेजा जीएस, हरि पी, सिन्हा ए. प्रीवलेंस ऑफ इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकली डिफाइन्ड पेरिफेरल न्यूरोपैथी इन चिल्ड्रन विद् क्रॉनिक किडनी डिजीज 4 एंड 5: ए क्रॉस सेक्शनल स्टडी. *जे इंट चाइल्ड न्यूरोल एसोस* (जेआईसीएनए) 2014;1(पूरक1):एफपी145.

267. योगनाथन एस, गुलाटी एस, सक्सेना आर, गुप्ता वाईके, पांडे आरएम, काबरा एम. प्रीवलेंस ऑफ हिमोस्टेसिस अब्नॉर्मलाइटिस इन एपिलेप्टिक चिल्ड्रन ऑन वेलप्रोएट मोनोथेरेपी. *जे इंट चाइल्ड न्यूरोल एसो* (जेआईसीएनए) 2014;1(पूरक1):पी154.

पुस्तकों में अध्याय

1. आथिरा आर, जैन वी. एडवांस इन मैनेजमेंट ऑफ टाइप 1 डायबिटीज मेलिट्स. इन गुप्ता एस (एड). रिसेंट एडवांसेसइन पीडियट्रिक्स वोल 23:हॉट टॉपिक्स (जनरल/मिसलेनियस पीडियट्रिक्स). फास्ट एडिशन. नई दिल्लीः जेपी ब्रदर्स;2015.

2. अधकोली बीवी, सूद आर. पोर्टफोलियो एसेसमेंट. इनः अधिकारी आरके, जयाविक्रममरजाह पीटी (एड). एसेंशियल ऑफ मेडिकल एजुकेशन. सेकेंड इंटरनेशनल एडिशन. नेपालः नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ प्रोफेशन्स एजुकेशन, इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिन;2014:119–28.

3. अग्रवाल एन. वैसोमोटर सिंटम्पस. इन : गोयल एन (एड). मेनोपोस. जेपी; 2014:95–100.

4. अग्रवाल आर, शिवानंदन एस. कंट्रीबुटेड इमेजेस फॉर द बुक. इनः सिंह एम (एड). केयर ऑफ द न्यूबॉर्न. 8 एडिशन. नई दिल्लीः 2015.

5. अम्बेडकर ए, गोयल एस. क्लिनिकल प्रैक्टिस गाइडलाइन्स फॉर ट्रीटमेंट ऑफ ओपियॉइड यूज डिसऑर्डर्स. इन बासु डी, दयाल पीके (एड). हैंडबुक–क्लिनिकल प्रैक्टिस गाइडलाइन्स फॉर सबस्टेंस यूज डिसऑर्डर्स. नई दिल्ली : इंडियन साइकायट्रिक सोसायटी;2015.

6. अम्बेडकर ए, पावर ए. एपिडमियोलॉजी ऑफ सबस्टेंस यूज इन इंडिया : इमर्जिंग इनसाइट्स. इन : रेड्डी आर (एड). सावेनियर पब्लिशड ऑन द ओकशन ऑफ एनुअल नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन साइकायट्रिक सोसायटी 2015 (एएनसीआईपीएस–2015). हैदराबाद : इंडियन साइकायट्रिक सोसायटी;2015.

7. अम्बेडकर ए. मैनेजमेंट ऑफ सबस्टेंस यूज इन इंडिया : वेयर वी आर एंड वेयर डु वी नीड टू गो?. इन : भूयन डी (एड) सोयूवेनियर पब्लिशड ऑन द ऑक्शन ऑफ एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन साइकायट्रिक सोसायटी, 2014 (सीईजेडआईपीएस–2014). डिब्रुगढ़ : डिपार्टमेंट ऑफ साइकायट्री, असम मेडिकल कॉलेज;2014.

8. बाबू बीवी. बोरहदे ए, कुसुम वाईएस. चेप्टर : एक्स्टेंडेड केस स्टडी – ए मिक्स्ड मैथड्स एप्रोच टु अंडरस्टैंडिंग इंटर्नल मिग्रेंट एसेस टू हेल्थकेयर एंड द हेल्थ सिस्टम्स रिस्पोंस इन इंडिया. इन : स्केंकर एम, कास्टनेड एक्स, लैंज एआर (एड). माइग्रेशन एंड हेल्थ : ए रिसर्च मैथड्स हैंडबुक. फस्ट एडिशन. बर्केली, यूएसए : यूनिवर्सिटी ऑफ कैलीफॉर्निया प्रेस;2014:484–498.

9. बाग्ची एस, अग्रवाल एसके. निवेर थेरेपिस इन पॉलीकाइस्टीक किडनी डिजीज. इन : मेडिसिन अपडेट. गुड़गांव 2015.

10. बहल वीके, पराख एन. एसटीईएमआई–हव टू रिडुस मॉर्टेलिटी? इनः एपीआई मेडिसिन अपडेट 2015. 25 एडिशन. सीबीएस पब्लिशर; 2015:23–27.

11. बहल वीके, पराख एन. वेल्वुलर हार्ट डिजीज ||. इन एपीआई टेक्स्टबुक ऑफ मेडिसिन. 10 एडिशन जेपी; 2015: 862–72.

12. बाल सीएस, पथी एके. रेडियोआयोडिन रिमनेंट एब्लेशन : ए क्रिटिकल रिव्यू. इन : बौम आरपी (एड). थेराप्यूटिक न्यूक्लियर मेडिसिन. बर्लिनः स्प्रिंगर;2014:289–300.

13. बरुह के, बिश्वास ए, सुनीश के, धरीवाल एसी. डेंगु फीवर : एपिडर्मियोलॉजी एंड क्लिनिक पैथेजेनेसिस. इन : कुमार ए. रोड्रिगेस एस, दियास ए (एड). मेजर ट्रॉपिकल डिजीज : पब्लिक हेल्थ परस्पेक्टिव. फस्ट एडिशन. गोवा : ब्रोडवे पब्लिशिंग हाउस; 2015:255–271.

14. बासु डी, घोष ए, पत्रा बी, सुबोध बीएन. एडिक्शन रिसर्च इन इंडिया. इन : मल्होत्रा एस, चक्रबर्ती एस (एड). डेवलपमेंट इन साइकायट्री इन इंडिया : क्लिनिकल, रिसर्च एंड पॉलिसी परस्पेक्टिव्स. नई दिल्ली : स्प्रिंगर;2015:367–403.

15. भल्ला एएस, जाना एम. कंवेंशनल रेडियोलॉजी. इन मुंजल वाईपी (एड). एपीआई टेक्स्ट बुक ऑफ मेडिसिन. 10 एडिशन. नई दिल्लीः जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स;2015:126–140.

16. भान एस, नाग एचएल. स्केलेटल ट्यूबरकुलोसिस. इन : शर्मा एसके, मोहन ए (एड). ट्यूबरकुलोसिस. थर्ड एडिशन. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लि. 2015:342–372.

17. भार्गव आर, प्रकाश एस, अरुण पी. एपिडेमियोलॉजी ऑफ स्पेसिफिक लर्निंग डिसऑर्डर : इंडियन कॉन्टेक्स्ट. इन : सागर आर, पटनायक आर, मेहता एम (एड). स्पेसिफिक लर्निंग डिसऑर्डर : एन इंडियन सीनेरियो. नई दिल्ली : डीएसटी और एम्स; 2014:47–64.

18. भसीन डी, शर्मा एसके. पल्मोनरी कॉम्प्लीकेशन्स ऑफ ऑबेसिटी. इन : डोनिनी एलएम (एड). मल्टीडिसिप्लिनरी एप्रोच टू ह्यमन ऑबेसिटी. फस्ट एडिशन. स्विजरलैंड : यूएस : स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग;2014:131–44.

19. भाटिया आर. इंट्रासेरेब्रल हिमोरेहेज. इन मोनोग्राम इन स्ट्रोक. इनः प्रभाकर एस (एड). जेपी पब्लिकेशन्स;2015.

20. भाटला एन, अवस्थी डी, महय आर. इंट्रायूटेरिन ग्रोथ रिस्ट्रिक्शन. इनः मिश्रा आर (एड). आयन डोनाल्ड्स प्रैक्टिकल ऑबस्टेट्रिक प्रोब्लम्स 7एडिशन. नई दिल्लीः बीआई पब्लिकेशन्स प्रा.लि.;2014:339–352.

21. भाटला एन, महय आर, यादव आर. द कार्डियक केस. इन : मिश्रा आर (एड). आयन डोनाल्ड्स प्रैक्टिकल ऑबस्टेट्रिक प्रोब्लम्स.7एडिशन. नई दिल्ली : बीआई पब्लिकेशन्स प्रा. लि.; 2014 : 176–95.

22. भाटला एन, मुखोपाध्याय ए, महय आर. एनिमिया. इन : मिश्रा आर (एड). आयन डोनाल्ड्स प्रैक्टिकल ऑबस्टेट्रिक प्रोब्लम्स.7एडिशन. नई दिल्लीः बीआई पब्लिकेशन्स प्रा.लि.;2014:196–216.

23. भाटला एन, महय आर. स्पेशल केस. इन : मिश्रा आर (एड). आयन डोनाल्ड्स प्रैक्टिकल ऑबस्टेट्रिक प्रोब्लम्स. 7 एडिशन. नई दिल्ली : बीआई पब्लिकेशन्स प्रा.लि.;2014:80–93.

24. भटनागर एस, गर्ग आर. कैंसर पैन इन चिल्ड्रन. इनः जोशी एम (एड). टेक्स्ट बुक ऑफ पैन मैनेजमेंट. थर्ड एडिशन. हैदराबाद : पारस मेडिकल पब्लिशर;2014:406–412.

25. बोथरा एम, जैन वी. एप्रोच टु हाइपोग्लायसेमिया. इन गुप्ता पी, मेनन पीएसएन, रामजी एस, लोढ़ा आर (एड). पोस्टग्रेजुएट टेक्स्टबुक ऑफ पीडियट्रिक्स. फस्ट एडिशन. नई दिल्ली :जेपी ब्रदर्स;2015:143–149.

26. चड्डा आरके, प्रशांत आर. एलाइड मेंटल हेल्थ प्रोफेशनल्स : क्लिनिकल साइकोलोजिस्ट, साइकायट्रिक नर्सेस एंड साइकायट्रिक सोशल वर्कर्स : एविलेबिलिटी एंड कॉम्पेटेंसी. इनः त्रिवेदी जेके, त्रिपाठी ए (एड). मेंटल हेल्थ इन साउथ एशिया : एथिक्स, रिसोर्स, प्रोग्राम्स एंड लेजिस्लेशन. सेकेंड एडिशन. हैडेलबर्गः स्प्रिंगर;2015:221–32.

27. चड्डा आरके. कॉमन मेंटल डिसऑर्डर्स इन इंडिया. इन : मल्होत्रा एस, चक्रबर्ती एस (एड). डेवलपमेंट्स ऑफ साइकायट्री इन इंडिया : क्लिनिकल, रिसर्च एंड पॉलिसी परस्पेक्टिव्स. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः स्प्रिंगर; 2015:77–78.

28. चड्डा आरके. सोमाटोफॉर्म डिसऑर्डर्स. इन मुंजल वाईपी, शर्मा एसके (एड). एपीआई टेक्स्टबुक ऑफ मेडिसिन. नई दिल्लीः जेपी; 2015:2254–59.

29. चक्रबर्ती बी, गुलाटी एस. एप्रोच टू एक्यूट फ्लेसिड पैरालायसिस. इनः गुप्ता पी, मेनन पीएसएन, लोढ़ा आर. पीजी टेक्स्टबुक ऑफ पीडियट्रिक्स. फस्ट एडिशन. नई दिल्ली :जेपी;2015:2241–2245.

30. चंद्रकांत एस पांडव, आरके मरवाह. आयोडिन मेटाबोलिज्म एंड थायरॉइड डिसऑर्डर्स. इन बजज एस (एड), ईएसआई मनुअल ऑफ क्लिनिकल एंडोक्राइनोलॉजी. सेकेंड एडिशन. नई दिल्लीः जेपी बदर्स; 2015:308–10.
31. चंद्रशेकरन ए, शंकर एमजे. नियोनेटल मार्टिलिटी, मॉर्बिडिटी – एन ओवरव्यू. इन : गुप्ता पी, मेनन पीएसएन, रामजी एस, लोढ़ा आर. पीजी टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक्स. फस्ट एडिशन. जेपी, नई दिल्ली. 2015.
32. चटर्जी पी. इम्युनोलॉजी ऑफ एजिंग. इन संचेती पी (एड). टेक्स्टबुक ऑफ जेरियट्रिक मेडिसिन. फस्ट एडिशन. हैदराबाद : पारस मेडिकल पब्लिशर;2014:45–50.
33. चौरसिया एस, अग्रवाल आर. नियोनेटल स्पेसिस. इन : गुप्ता पी, मेनन पीएसएन, रामजी एस, लोढ़ा आर. पीजी टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक्स. फस्ट एडिशन. जेपी, नई दिल्ली. 2015.
34. डबास ए, खडगवत आर. फियोक्रोमोमायोटोमा इन चिल्ड्रन एंड एडोलसेंट्स. इन : केस बेस्ड रिव्यूस इन पीडियट्रिक एंडोक्राइनोलॉजी. 2015:76–84.
35. दामले एनए, बाल सीएस. न्यूक्लियर मेडिसिन इन सेपशिलिटीज डेट एसिस्ट इन डाग्नोसिस इन एसेंशियल्स ऑफ सर्जरी. इन : चुम्बर एस (एड). जेपी बदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी.) लि.
36. दास सीजे, पांडा ए. एप्रोपरिएट ऑर्डेरिंग ऑफ रेडियोलॉजिकल इनवेंस्टीगेशन्स. इन : मुंजल वाईपी (एड). एपीआई टेक्स्ट बुक ऑफ मेडिसिन. 10 एडिशन. नई दिल्लीः जेपी बदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2015:94–111.
37. दास पीसी. नॉर्मेटिव स्ट्रक्चरल एंड फंक्शनल चेंजीस ऑफ एजिंग इन ऑर्गन सिस्टम्स. इन संचेती पी (एड). टेक्स्टबुक ऑफ जेरियट्रिक मेडिसिन. फस्ट एडिशन. हैदराबाद : पारस मेडिकल पब्लिशर;2014:37–44.
38. दास एसएन, गौर पी. क्रिटिकल व्यू ऑन ट्रेडिशनल मेडिसिन बेस्ड क्लिनिकल रिसर्च. इन बंसल पी, रेड्डी एसई (एड). पोटेंशियल्स एंड बोटेलेनेक्स इन क्लिनिकल ट्रायल्स ऑफ हर्बल ड्रग्स. नई दिल्लीः गुलाब पब्लिशर्स;2015:1–7.
39. देब केएस, सागर आर. एनोरेक्सिया एंड बुलिमिया. इनः गुप्ता पी, मेनन पीएसएन, रामजी एस, लोढ़ा आर. पोस्टग्रेजुएट टेक्स्टबुक ऑफ पीडियट्रिक्स. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः जेपी बदर्स;2015:795–8.
40. डेका डी, गुप्ता एन, काबरा एम. जेनेटिक काउंसलिंग फॉर ऑब्स्टेट्रिशियन्स. इन मल्होत्रा एन, शाह पीके, दिवाकर एच एफओजीएसआई (एड). प्रिंसिपल्स एंड प्रैक्टिस ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनकोलॉजी फॉर पोस्टग्रेजुएट्स. फॉर्थ एडिशन. जेपी बदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी)लि.52–63.
41. डेका डी, नहा एम, धवल वी, काबरा एम, गुप्ता एन. एट लीस्ट एन इंफैंटोग्राम इफ नॉट पेरिनेटल ऑटोप्सी. जे फीटल मेड. 2014 मार्च;1:33–39.
42. डेका डी. फीटल सर्जरी. इनःऑपरेटिव ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनकोलॉजी. सेकेंड एडिशन. जेपी बदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लि.; 277–285.
43. डेका डी. प्रेगनेंसी इन आरएच नेगेटिव नॉन – इम्युनाइज्ड एंड इसो–इम्युनाइज्ड मदर्स. इन एएमएसएसीओएन 2015 एक्सएलआई. असमः जनरल कॉन्फ्रेंस, असम मेडिकल सर्विस एसोसिएशन;201:123–127.
44. देवरारी ए, ठुकराल ए. कन्टीन्यूयस पॉजिटिव एयरवे प्रेशर (सीपीएपी). इन वालश बीके (एड). नियोनेटल एंड पीडियट्रिक रेस्पिरेटरी केयर. फॉर्थ एडिशन. स्टैं. लुईस, मिसोयूरीः इल्सेवियर;2015:267–286.
45. देवरारी एके. एजुकेशनल इनेवेशन्स फॉर इम्प्रूविंग न्यूबॉर्न केयर. इन : सेव द चिल्ड्रन (एड). स्टेट ऑफ इंडिया न्यूबर्न्स 2014. फस्ट एडिशन. नई दिल्ली : इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ, दिल्ली (आईआईपीएचडी);2014:165–173.
46. डे एबी, चटर्जी पी. डेवलपमेंट ऑफ जेरियट्रिक मेडिसिन इन इंडिया एंड अदर्स पार्ट्स ऑफ वर्ल्ड. इन संचेती पी (एड). टेक्स्टबुक ऑफ जेरियट्रिक मेडिसिन. फस्ट एडिशन. हैदराबाद : पारस मेडिकल पब्लिशर;2014:2–5.
47. डे एबी, निसार एस. एपिडमियोलॉजिकल ट्रांजिशन एंड मल्टी मॉर्बिडिट. इन संचेती पी (एड). टेक्स्टबुक ऑफ जेरियट्रिक मेडिसिन. फस्ट एडिशन. हैदराबादः पारस मेडिकल पब्लिशर;2014:19–23.
48. डे एबी. हेल्थ केयर इन ओल्ड एजे एंड रोल ऑफ फैमिली. इन संचेती पी (एड). टेक्स्टबुक ऑफ जेरियट्रिक मेडिसिन. फस्ट एडिशन. हैदराबाद : पारस मेडिकल पब्लिशर;2014:63–65.
49. दहल ए, मेहता एम, सागर आर. पैन मैनेजमेंटः ए प्रैक्टिकल एप्रोच टू गोवनाइटिव बिहेवियर थेरेपी फॉर एडोलसेंट्स. इंडियाः स्प्रिंगर;2015:179–189.
50. धवन ए, पटनायक आरडी. इंहलैंड यूज डिसऑर्डर्स. इन बासु डी, दलाल पीके (एड). प्रैक्टिकल मैनेजमेंट ऑफ सबस्टेंस यूज डिसऑर्डर्स–ए

एविडेंस–बेस्ड सायनोप्सिस. इंडियन साइकायट्रिक सोसायटी–स्पेसिल्टी सेक्शन ऑन सबस्टेंनेस यूज डिसऑर्डर्स (आईपीएस–एसएस–एसयूडी). इंडियन साइकायट्रिक सोसायटी (आईपीएस);2015.

51. डोगरा एस, महाजन आर. इंफेक्टिव एंड पोस् –इंफ्लेमेटरी पिगमेंटरी डिसऑर्डर्स. इन लहिरी के, चटर्जी एम, सरकार आर (एड). पिगमेंटरी डिसऑर्डर्सः एक कॉम्प्रीहेंसिव कॉम्पेंडियम. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः जेपी बदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2014:83–94.

52. डोगरा एस, महाजन आर. स्कीन मैनिफेस्टेशन्स ऑफ सिस्टेमिक डिजीज. इन : मुंजल वाईपी, शर्मा एसके (एड). टेक्स्टबुक ऑफ एसोसिएटेड फिजिशियन्स ऑफ इंडिया. 10 एडिशन. नई दिल्ली : जेपी बदर्स मेडिकल पब्लिशर्स;2014.

53. डोगरा एस, महाजन आर. एचआईवी एंड रिलेटेड (इंफेक्शन्स) डर्मेटोससे. इन : सिंघल ए (एड). इंफेक्शन्स इन डर्मेटोलॉजी. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः जेपी बदर्स मेडिकल पब्लिशर्स;2015;504–31.

54. दुबे आर, जरयाल ए, गुलाटी एस. ऑटोनोमिक न्यूरोपैथिस. इन : गुप्ता पी, मेनन पीएसएन, लोढ़ा आर. पीजी टेक्स्टबुक ऑफ पीडियट्रिक्स. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः जेपी;2015:2287–2295.

55. द्विवेदी एसएन. बायोस्टेस्टिक्सः वट ए कार्डियोलॉजिस्ट शूड नॉव. इनः चोपड़ा एचके (एड). कार्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया (सीएसआई) कार्डियोलॉजी अपडेट 2014. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः जेपी बदर्स मेडिकल;2015:1181–1185.

56. फारूख एफए, शर्मा ए, सागर आर, शर्मा एसके. एप्रोच टु स्लीप डिसऑर्डर्स : इन शशांक, जोशी आर (एड). मेडिसिन अपडेट 2014, एपीआई. 9 एडिशन. नई दिल्लीः एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन्स ऑफ इंडिया;2014:464–71.

57. गनी एमए, फारूख केजे, पांडिया केके. इरेक्टाइल डिसफंक्शन. इन : बजाज एस (एड). *ईएसआई मैनुअल* ऑफ क्लिनिकल एंडोक्राइनोलॉजी;2014:762–767.

58. गनी एमए, रामकुमार एस, रायजादा एन, हमादुरेहमन एस. हाइपोथेलमो–पिट्यूटरी–गोंडल एक्सिस इन मेन हेविंग अदर एंडोक्राइन डिसऑर्डर्स. इनः कुमार ए (एड). टेक्स्ट बुक ऑफ रिप्रोडक्शन 2014.

59. गनी एमए, शाफी के, निसार एस. टेस्टोस्टेरोन एंड डायबिटीज : एमर्जिंग लिंक्स पॉलीकाइस्टीक ओवरी सिंड्रोम. इन : बजाज एस. *ईएसआई मैनुअल* ऑफ क्लिनिकल एंडोक्राइनोलॉजी;2014:256–260.

60. गनी एमए, शाफी के. पॉलीकाइस्टीक ओवरी सिंड्रोम. इनः बजाज एस (एड). *ईएसआई मैनुअल* ऑफ क्लिनिकल एंडोक्राइनोलॉजी; 2014:706–716.

61. गर्ग ए. नॉन मल्टीपल स्क्लेरोसिस डिमायलिनेटिंग डिजीज. इन गुप्ता आरके, कुमार एस (एड). मैग्नेटिक रिजोनेंस इमेजिंग ऑफ न्यूरोलॉजिकल डिजीज इन ट्रॉपिक्स. फस्ट एडिशन. नई दिल्ली : जेपी बदर्स मेडिकल पब्लिशर्स;2014:281–291.

62. गर्ग आर, हरिहरण यू. एनेस्थिसिया फॉर जनरल एब्डोमिनल एंड यूरोलॉजिकल प्रोसिडर्स. इन पदवी एन, पदवी ए, गुप्ता वी. बलदव एम (एड) टेक्स्ट बुक ऑफ पीडियट्रिक एनेस्थिसिया. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः सीबीएस पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रबुटर्स प्रा. लि.;2015:373–385.

63. गर्ग आर, यादव एन. अल्ट्रासाउंड इन पीडियट्रिक एनेस्थिसिया. इन पदवी एन, पदवी ए, गुप्ता वी. बलदव एम (एड) टेक्स्ट बुक ऑफ पीडियट्रिक एनेस्थिसिया. फस्ट एडिशन. नई दिल्ली : सीबीएस पबिल्शर्स एंड डिस्ट्रबुटर्स प्रा. लि.;2015:220–35.

64. गर्ग आर. बेसिक्स लाइफ स्पोर्ट एंड एंडोट्रेकियल इंटुकेशन. इन शर्मा ए, कुमार एस, मिश्रा एमसी. एसीसीसी, एम्स क्रिटिकल कोर्स फॉर सर्जन्स, स्टुडेंट मैनुअल. फस्ट एडिशन. नई दिल्ली : एम्स, नई दिल्ली;2014 :29–32.

65. गौतम एच. एंटी–रेट्रोवायरस एजेंट्स. इन : सैनी एन, बवेजा यू (एड). रेशनल यूज ऑफ एंटीमाइक्रोबियल एजेंट्स–एन इंडियन परस्पेक्टिव. फस्ट एडिशन. नई दिल्ली : इंडियन मेडिकल एसोसिएशन;2014:125–132.

66. घार्दे पी, सुब्रमाणियम बी. डायस्टोलिक डिसफंक्शन. इन : टेम्पे डीके, सुब्रमणियम बी, सुब्रमणियम के, रामाकृष्णन एच (एड). प्रोब्लम – बेस्ड ट्रांसएसोफेजल इकोकार्डियोग्राफी. फस्ट एडिशन. नई दिल्ली : सीबीएस पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीबुटर्स;2014:99–110.

67. घोष डी. सेनगुप्ता जे. बायोकैमिस्ट्री ऑफ प्रेगनेंसी. इन तलवार जीपी. टेक्स्टबुक ऑफ बायोकैमिस्ट्री, बायोटेक्नोलॉजी, एलाइड एंड मॉलीकुलर मेडिसिन. थर्ड एडिशन. नई दिल्ली : प्रेंटिस हॉल ऑफ इंडिया;2014:1140–1145.

68. घोष डी, सेनगुप्ता जे. फार्टिलाइजेशन, अर्ली मैमलियन डेवलपमेंट एंड इम्पलांटेशन. इन : तलवार जीपी. टेक्स्टबुक ऑफ बायोकैमिस्ट्री, बायोटेक्नोलॉजी, एलाइड एंड मॉलीकुलर मेडिसिन. थर्ड एडिशन. नई दिल्ली : प्रेंटिस हॉल ऑफ इंडिया; 2014 : 1133–1139.

69. घोष डी, सेनगुप्ता जे. लैक्टेशन. इन : तलवार जीपी. टेक्स्टबुक ऑफ बायोकैमिस्ट्री, बायोटेक्नोलॉजी, एलाइड एंड मॉलीकुलर मेडिसिन. थर्ड एडिशन. नई दिल्ली : प्रेंटिस हॉल ऑफ इंडिया;2014:1146–1150.

70. गोयल पी, शर्मा एस, गुप्ता डीके. रिसेंट एडवांस्ड इन स्पिन बाइफाइड. इन रिसेंट एडवांस्ड इन पीडियट्रिक्स. फस्ट एडिशन. जेपी ब्रॉस;2014.
71. गोयल पी, शर्मा एस, गुप्ता डीके. रिसेंट एडवांस्ड इन स्पिन बाइफाइड. इन : गुप्ता एस (एड) रिसेंट एडवांस्ड इन पीडियट्रिक्स. नई दिल्लीः जेपी ब्रॉस; 2014.
72. जॉजिया वी, शर्मा एस, डेका डी, डढ़वाल वी, वेंटकेश पी. बाइलटेरल रेटिनल डेटाकमेंट : ए क्लु टु डायग्नोसिस ऑफ एचईएलएलपी सिंड्रोम. इनः कैन जे ऑफ्थेलमॉल. 2014 फरवरी;49(1):ई5–8.
73. गौद्रा बीजी, सिंह पीएम. प्रिंसिपल्स ऑफ टोटल इंट्रावेनस एनेस्थिसिया. इनः काय एएम, काय एडी, अर्मन आरडी (एड). एसेंशियल्स ऑफ फार्माकोलॉजी फॉर एनेस्थिसिया, पैन मेडिसिन एंड क्रिटिकल केयर. फस्ट एडिशन, न्यू यॉर्क, यूएसएः स्प्रिंगर मेडिकल साइंसेज;2015:73–86.
74. गौद्रा बीजी, तन्नेर जेडब्ल्यू, सिंह पीएम, गिंसबर्ग जीजी. एनेस्थिसिया फॉर अपर गैस्ट्रएंटेस्टाइनल एंडोस्कोपी. इन वेइस एमस, फ्लेइशर एलए (एड). नॉन–ऑपरेटिव रूम एनेस्थिसिया. फस्ट एडिशन. फिलडेल्फिया, यूएसएः एल्सेवियर–सौंडर्स :2015:126–31.
75. गोयल के, चौधरी टी. एनेस्थिसिया एंड ट्रिजेमिनोकार्डियक रिफ्लेक्स. इन चौधरी टी, स्कैलर बी (एड). ट्रिजेमिनो कार्डियक रिफ्लेक्स. फस्ट एडिशन. 2015: एकेडमी प्रेस।
76. गोयल के. मैनेमेंट ऑफ इलेक्ट्रोलाइट डिसऑर्डर्स इन ए सर्जिकल पेशेंट. इन : शर्मा ए, कुमार एस, मिश्रा एमसी (एड). एम्स क्रिटिकल केयर कोर्स फॉर सर्जन्स. स्टुडेंट मैनुअल. फस्ट एडिशन 2014:65–72.
77. गोयल के. मैनेजमेंट ऑफ इलेक्ट्रोलाइट डिसऑर्डर्स इन ए सर्जिकल पेशेंट. इन शर्मा ए, कुमार एस, मिश्रा एमसी (एड). एम्स क्रिटिकल केयर कोर्स फॉर सर्जन्स. स्टुडेंट मैनुअल. फस्ट एडिशन 2014:65–72.
78. गुलाटी एस, चक्रबर्ती बी. माइटोकोंड्रियल साइटोपैथिस. इन : गुप्ता पी, मेनन पीएसएन, लोढ़ा आर. पीजी टेक्स्टबुक ऑफ पीडियट्रिक्स. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः जेपी;2015:90–95.
79. गुलाटी एस, चक्रबर्ती बी. डायटेरी थेरेपी इन पीडियट्रिक न्यूरोलॉजी प्रैक्टिस. इन : रेहमान ए (एड). फ्रांटियर्स इन क्लिनिकल ड्रग रिसर्च–सीएनएस एंड न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर्स. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः बेंथम साइंस पब्लिशर्स;2015:3–29.
80. गुलाटी एस, कौशिक जेएस, आर्टिबेरेया जेएस, शर्मा एमसी. एप्रोच टु न्यूरोमस्कुलर डिसऑर्डर्स. इनः गुप्ता पी, मेनन पीएसएन, लोढ़ा आर. पीजी टेक्स्टबुक ऑफ पीडियट्रिक्स. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः जेपी;2015:2220–2234.
81. गुप्ता डी, मेहता एम एंड सागर आर. इंटरपर्सनल स्कील्स : ए प्रैक्टिकल एप्रोच टू गोवनाइटिव बिहेवियर थेरेपी फॉर एडोलसेंट. इंडियाः स्प्रिंगर; 2015:91–108.
82. गुप्ता डी, सिद्दीकी एस. डोज आईसीपी मॉनिटरिंग इम्प्रूव आउटकम इन हैड इंजरी. इन : प्रोग्रेस इन क्लिनिकल न्यूरोसाइंसेज. न्यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया, थेइम पब्लिकेशन्स; 2014:29:165–174.
83. गुप्ता डीके, शर्मा एस. कोलोन इंटरपॉजिशन. इन : पीडियट्रिक सर्जरी एटलस सीरियज : सेकेंड एडिशन स्प्रिंगर; 2014.
84. गुप्ता डीके, शर्मा एस. कोलोन इंटरपॉजिशन. इन पुरी पी, हॉलवर्थ एम (एड). पीडियट्रिक सर्जरी एटलस सीरियजः जर्मनीः स्प्रिंगर; 2014.
85. गुप्ता एन, काबरा एम. सेक्शन ऑन जेनेटिक्स. इन परासर्त्थी ए (एड) केस स्केनेरियोस इन पीडियट्रिक एंड एडोलसेंट प्रैक्टिस. 2014.
86. गुप्ता एसके. सेकेंडरी ल्यूकेमियासः ए ब्रीफ रिव्यू ऑफ थेरेपी–रिलेटेड ल्यूकेमियास. इन अग्रवाल एमबी (एड). हिमेटोलॉजी टुडे–ए केस बेस्ड एप्रोच. फस्ट एडिशन मुंबईः अग्रवाल एमबी;2015:395–400.
87. गुप्ता टी, जैन वी, एमिनी एसी. ऑबेसिटी. इनः मेहता एम, सागर आर (एड) एक प्रैक्टिकल एप्रोच टु कोगनिटिव बिहेवियर थेरेपी फॉर एडोलसेंट्स. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीःस्प्रिंगर;2015:375–394.
88. गुप्ता वी, शर्मा एसके, राजेश आर. हैटेड ह्यूमिडिफियर. इन एस्कवानस एनटोनियो (एड). नॉनिनवेसिव वेंटिलेशन इन हाई–रिस्क इंफेक्शन्स एंड मास केजुवल्टी इवेंट्स. स्प्रिंगर. फस्ट एडिशन. वर्लग विइन : यूएस : स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग;2014:35–43.
89. हलदर ए. क्लिनिकल कंवेंशनल एंड मॉलीकुलर साइटोजेनेटिक्स. इन मुंजल वाईपी (एड). एपीआई टेक्स्ट बुक ऑफ मेडिसिन. 10 एडिशन. नई दिल्लीः जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स;2015:180–188.
90. हलदर ए. जेनेटिक काउंसलिंग फॉर इंफर्टिल कल्पस. इन लोहिया एनके (एड). आईएसएसआरएफ न्यू लैटर. एसपी इशू 16. दिल्ली आईएसएसआरएफ;2015:14–19.

91. हांडा जी. कॉन्जेटिशल लिम्ब डिफिसिएंशिस एंड एम्पुटेशन इन पीडियट्रिक एज ग्रूप. इन : जैकरिश के. (एड). स्टैं. जॉन्स टेक्स्टबुक ऑफ पीएमआर. फस्ट एडिशन बैंगलोरः ऑनलाइन;2014:109–115.

92. हांडा जी. पीडियट्रिक रिहेबिलिटेशन–प्रिंससिपल्स एंड प्रैक्टिल इशू इन मैनेजिंग लोकोमोटर इम्पेयरमेंट्स. इन : जैकरिश के. (एड). स्टैं. जॉन्स टेक्स्टबुक ऑफ पीएमआर. फस्ट एडिशन बैंगलोरः ऑनलाइन;2014:225–232.

93. हरि पी. यूरिनेरी ट्रेक्ट इंफेक्शन एंड वेसिकारेटिरिक रिफ्लेक्स. इन : गुप्ता पी. मेनन पीएसएन, रामजी एस. लोढ़ा आर (एड). पोस्टग्रजुएट टेक्स्टबुक ऑफ पीडियट्रिक. जेपी, दिल्ली.2015:2044–50.

94. होल्डेन ए, शर्मा एस एंड जगिया पी. एंडोवेस्कुलर मैनेजमेंट ऑफ वेस्कुलिटाइडेस. इन जेस्केविंड जेएच, डाके एमडी. एब्राम्स एंजियोग्राफी इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी. थर्ड एडिशन लिपिनकॉट विलियम्स एंड विकिन्स;2014.

95. इरशाद एम, मनकोटिया डीएस, खुशबू आई. एन इनसाइट इनटु द डायग्नोसिस एंड पैथोजेनेसिस ऑफ हेपेटाइटिस सी वायरस इंफेक्शन. इनः मा एल. चुआ एमएस. सू एस. वर्ल्ड क्लिनिक गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी. फस्ट एडिशन. प्लेसेंटोन, सीए : बैशिडेंग पब्लिशिंग ग्रूप;2014:2549–2562.

96. इस्माइल जे, शंकर जे, लोढ़ा आर. वेंटिलेटर एसोसिएटेड निमोनिया. इन काबरा एसके. लोढ़ा आर (एड). पीआईसीयू प्रोटोकॉल एम्स. फिफ्थ एडिशन. नई दिल्लीः इंडियन जर्नल ऑफ पीडियट्रिक्स;2015:358–362.

97. जैन डी, मलेसजेश्वस्की जे. कार्डियक मायक्सोमा. इनः ट्रेविस डब्ल्यूडी, ब्रम्बिला ई, बुर्के एपी, मैरेक्स ए, निकोलसन एजी (एड). डब्ल्यूएचओ क्लासिफिकेशन ऑफ ट्यूमर्स ऑफ द लंग प्लेयूरा, थ्यामस एंड हार्ट. फॉर्थ एडिशन. लयॉनः आईएआरसीः लयॉन, फ्रांस; 2015:311–31.

98. जैन वी, शर्मा एस, गुप्ता डीके. रिसेंट एडवांस्ड इन एनोरेक्टल मैलीफॉर्मेशन्स. इन गुप्ता एस (एड). रिसेंट एडवांसेस इन पीडियट्रिक्स. नई दिल्ली : जेपी ब्रॉस;2014.

99. जैन वी. कॉन्जेंनिटल हाइपोथयरॉइडिज्म. इन : अग्रवाल आर, देवरारी एके, पॉल वीके (एड). एम्स प्रोटोकॉल्स इन नियोनेटोलॉजी. फस्ट एडिशन. नई दिल्ली :सीबीएस;2015:234–244.

100. जैव वी. टाइप 1 डायबिटीज मेलिट्स. इन : जैन वी, मेनन आर (एड). केस बेस्ड रिव्यूस इन पीडियट्रिक एंडोक्राइनोलॉजी. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीःजेपी;2015:98–112.

101. जाना एम, गुप्ता एके. रेडियोलॉजिकल इमेजिंग इन पीडियट्रिक एंडोक्राइन डिसऑर्डर्स. इन जैन वी, मेनन आरके (एड). केस बेस्ड रिव्यूस इन पीडियट्रिक एंडोक्राइनोलॉजी. फस्ट एडिशन. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स;2015:241–258.

102. जाट आरके. पीडियट्रिक ब्रोन्कोस्कोपी. इनः सिंह एम (एड). इयर बुक 2014 ऑन एडिवेंस बेस्ड मैनेजमेंट ऑफ रिस्पिरेटरी डिसऑर्डर्स इन चिल्ड्रन. फस्ट एडिशन. पीडियट्रिक पल्मोनोलॉजी प्रोग्राम पब्लिशर;2014:233–245

103. जेवालिकर जी, खडगवत आर. मेटाबोलिक बोन डिजीज इन चिल्ड्रन. इन : बजाज एस (एड). ईएसआई मैनुअल ऑफ क्लिनिकल एंडोक्राइनोलॉजी;2014:658–666.

104. जोसेफ एए, मेहता एम, शुक्ला जी. मैनेजमेंट ऑफ स्लीप प्रोब्लम्स. इन : मेहता एम, सागर आर (एड) एक प्रैक्टिकल एप्रोच टु कोगनिटिव बिहेवियर थेरेपी फॉर एडोलसेंट्स. इंडिया : स्प्रिंगर;2015:131–148.

105. ज्योत्सना वीपी, सिंगल आर. प्राइमरी ओवरियन फैलियर : मैनेजमेंट. इन : बजाज एस (एड). ईएसआई मैनुअल ऑफ क्लिनिकल एंडोक्राइनोलॉजी;2015:730–6.

106. काबरा एम, गुप्ता एन. इन मेनन आर, जैन वी (एड). केस बेस्ड रिव्यूस इन पीडियट्रिक एंडोक्राइनोलॉजी. 2014.

107. काबरा एसके, लोढ़ा आर, काबरा एम, इज इट साइस्टिक फाइब्रोसिस? इन : सिंह एम (एड). एविडेंस बेस्ड रिस्पीरेटरी डिसऑर्डर्स इन चिल्ड्रन. फस्ट एडिशन. चंडीगढ़:2014:73–84.

108. कछावा जी, खड़गवात आर. फीमेल हार्मोनल कंट्रासेप्शन. इन बजाज एस. (एड). ईएसआई मैनुअल ऑफ एंडोक्राइनोलॉजी. सेकेंड एडिशन. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड;2014:737–742.

109. कैलाश एस, मेहता एम, एंड सागर आर. सोमाटोफॉर्म डिसऑर्डर : ए प्रैक्टिकल एप्रोच टू गोवनाइटिव बिहेवियर थेरेपी फॉर एडोलसेंट्स. इंडियाःस्प्रिंगर;2015:263–284.

110. कालरा ओपी, महाजन एस. सेकेंडरी ग्लोमेरुलर डिजीज. इन मुंजल वाईपी (एड). एपीआई टेक्स्टबुक ऑफ मेडिसिन. 10 एडिशन. दिल्लीः जेपी ब्रदर्स; 2014 :1783–1790.

111. कपिल ए. क्वानोलोनेस. इनः सैनी एन, बवेजा यू (एड). रेशनल यूज ऑफ एंटीमाइक्रोबियल एजेंट्स–एन इंडियन परस्पेक्टिव. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः इंडियन मेडिकल एसोसिएशन;2014.

112. कपिल यू, प्रधान आर, सरीन एन. करंट स्टेट्स ऑफ इंटीग्रेटेड चाइल्ड डेवलपमेंट सर्विसेज प्रोग्राम एंड स्ट्रेटेजीस. इन माथुर जीपी, माथुर एस, फरैदी एमएमए, अनेजा एस, गुलाटी एस (एड). टेक्स्टबुक ऑफ पीडियट्रिक्स. सीबीएस पब्लिशर;2015.

113. कपिल यू, सरीन एन, आयोडिन डिफिसिएंसी डिसऑर्डर्स. सेक्शन 22: न्यूट्रिशन एंड न्यूट्रिशनल डिसऑर्डर्स. इनः गुप्ता पी (एड). टेक्स्टबुक ऑफ पीडियट्रिक्स फॉर पोस्ट ग्रेजुएट. फस्ट एडिशन. सीबीएस पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रबुटर्स;2015.

114. कपिल यू, सरीन एन. नेशनल न्यूट्रिशनल प्रोग्राम्स इन इंडिया. इनः मेहता एम (एड). ए बुक ऑन चाइल्ड न्यूट्रिशन एंड डाइट–सिम्प्लीफाइड. जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स;2014:261–279.

115. कपिल यू, सरीन एन. न्यूट्रिशन रिहेबिलिटेशन ऑफ चिल्ड्रन विद् प्रोटीन एनर्जी मैलन्यूट्रिशन (पीईएम) इन डेवलपिंग कंट्रीज. इनः न्यूरोलॉजी इन ट्रॉपिक्स. सेकेंड एडिशन;2014.

116. कपिल यू, सरीन एन. विट. ए डिफिसिएंसी डिसऑर्डर्स : डायग्नोसिस एंड देयर एसेसमेंट. इन माथुर जीपी, माथुर एम, फरैदी एमएमए, अनेजा एस, गुलाटी एस (एड). टेक्स्टबुक ऑफ पीडियट्रिक्स. सीबीएस पब्लिशर;2015.

117. कपूर पीके, गार्दे पी, सिंह एसपी, इरपची के. टीईई फॉर वेंट्रिकुलर सेप्टल डिफेक्ट. इन ट्रांससोफेजियल इकोकार्डियोग्राफी ऑफ कंजेनिटल हार्ट डिजीज. फस्ट एडिशन. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी)लि.;2014:70–80.

118. कपूर पीके, होते एम, तनेजा एस, चंद्र डी. टीईई टेट्रोलॉजी ऑफ फैलॉट. इन कपूर पीके (एड). ट्रांस–एसोफेजियल इकोकार्डियोग्राफी ऑफ कंजेनिटल हार्ट डिजीज. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः जेपी;2014:111–119.

119. कपूर पीके, मलिक वी, होते एम, देवागौरोयू वी, सुब्रमाणियन ए. टीईई अट्रियल सेप्टल डिफेक्ट. इन : कपूर पीके (एड).ट्रांस –एसोफेजियल इकोकार्डियोग्राफी ऑफ कंजेनिटल हार्ट डिजीज. फस्ट एडिशन. नई दिल्ली :जेपी;2014:46–69.

120. कपूर पीके, सिंह एसपी. पल्मोनरी स्टेनोसिस. इन : कपूर पीके (एड). ट्रांस –एसोफेजियल इकोकार्डियोग्राफी ऑफ ट्रिक्यूस्पिड एंड पल्मोनरी वॉल्वेस. फस्ट एडिशन. नई दिल्ली : जेपी;2014:153–82.

121. कपूर पीके, सिंह एसपी. टाइप्स ऑफ एक्स्ट्रकोर्पोरियल मेम्ब्रन ऑक्सीजेनेशन. इन : कपूरी पीके (एड). मैनुअल ऑफ एक्स्ट्राकोर्पोरियल मेम्ब्रन ऑक्सीजेनेशन इन द आईसीयू. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः जेपी;2014:19–26.

122. कपूर पीके, तलवार एस, घरडे पी, तनेजा एस. टीईई फॉर ट्रिकुस्पिड अट्रेसिया. इन ट्रांससोफेजियल इकोकार्डियोग्राफी ऑफ कंजेनिटल हार्ट डिजीज. फस्ट एडिशन. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी)लि.;2014:196–200.

123. कपूर एस, मेहता एम, एंड सागर आर. ऑबसेसिव – कम्पलसिव डिसऑर्डर : ए प्रैक्टिकल एप्रोच टू गोवनाइटिव बिहेवियर थेरेपी फॉर एडोलसेंट्स. इंडियाः स्प्रिंगर;2015:245–262.

124. कौर जे, मलिक एमए, बनर्जी आर. क्लिनिकल रिसर्च इन ट्रेडिशनल मेडिसिनः प्रीयोरिटीस एंड एप्रोचीस. इन : बंसल पी, रेड्डी एसई (एड). पोटेंशियल एंड बॉटलेंनेक्स इन क्लिनिकल ट्रायल्स ऑफ हर्बल ड्रग्स. फस्ट एडिशन. नई दिल्ली : गुलाब पब्लिशर्स;2015:51–59.

125. कौर आर, जुगल के. इम्युनाइजेशन इन एल्डर्ली : इशू एंड कर्सेन्स इन इंडिया. इन : सिंह ए, कौर एस, किशोर जे (एड). कम्प्रीहेंसिव टेक्स्टबुक ऑफ एडर्ली केयर. फस्ट एडिशन. नई दिल्ली : सेंचुरी पब्लिकेशन्स;2014:312–17.

126. वर्मा केके, परिदा डीके. रेडिएशन ट्रीटमेंट ऑफ कुटेनियस टी–सेल लिम्फोमास : इंडियन एक्सपीरिएंस. इनः पेनिजोन आरजी, सीगेन्कैमिएडट एमएच (एड). रेडिएशन ट्रीटमेंट एंड रेडिएशन रिएक्शन्स इन डर्मेटोलॉजी. सेकेंड एडिशन. जर्मनीः स्प्रिंगर;2015:143–155.

127. खैतान बीके, कथुरिया एस, प्रियंका. सेगमेंटल विटिलिगो. इन लहिरी के, चटर्जी एम, सरकार आर (एड). पिगमेंटरी डिसऑर्डर्स : एक कॉम्प्रीहेंसिव कॉम्पेंडियम. फस्ट एडिशन. नई दिल्ली : जेपी बदर्स मेडिकल पब्लिशर्स;2014:167–180.

128. खैतान बीके, कथुरिया एस. ओरल एंड सिस्टेमिक कार्टिकोस्टेरॉइड इन मैनेजमेंट ऑफ विटिलिगो. इन लहिरी के, चटर्जी एम, सरकार आर (एड). पिगमेंटरी डिसऑर्डर्सः एक कॉम्प्रीहेंसिव कॉम्पेंडियम. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः जेपी बदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लि;2014:205–512.

129. खैतान बीके, सेशाद्री डी, कथुरिया एस, गुप्ता वी. इम्युनोबुलोयस डिसऑर्डर्स. इन सच्चिदानंद एस (एड). आईएडीवीएल टेक्स्टबुक ऑफ डार्मोटोलॉजी. फॉर्थ एडिशन. मुम्बई : भलानी पब्लिशिंग हाउस;2015:933–999.

130. खान एए, पंवार आर, रवेला वीपी, पाल एस. साहनी पी. नॉनकिरेहोटिक पोर्टल हाइपरटेंशन. इन रेला एम, नंदी एस (एड). सर्जरी ऑफ द लीवर. फस्ट एडिशन. नई दिल्ली : रीड एल्सेवियर इंडिया प्रा. लि.;2015:147–172.

131. खंडेलवाल एसके, पटनायक आरडी. जेरियट्रिक साइकायट्री इन इंडिया : डेवलपमेंट एंड फ्यूचर डारेक्शन्स. इन मल्होत्रा एस, चक्रबर्ती एस (एड). डेवलपमेंट ऑफ साइकायट्री इन इंडिया : क्लिनिकल, रिसर्च एंड पॉलिसी परस्पेक्टिव्स. नई दिल्लीः स्प्रिंगर;2015:493–513.

132. खांडपुर एस, जांगिड बी. वेस्कुलर लेजर्स. इन सरदाना के, गर्ग वीके (एड). लेजर्स इन डर्मेटोलॉजिकल प्रैक्टिस. फस्ट एडिशन. जेपी पब्लिशर्स:263–51.

133. खांडपुर एस, रामम एम. स्कीन ट्यूमर्स. इन : वालिया एंड वालिया (एड). आईएडीवीएल टेक्स्टबुक ऑफ डर्मेटोलॉजी एंड वेनोरियोलॉजी. फॉर्थ एडिशन. मुम्बई : भलानी पब्लिशिंग हाउस.

134. खांडपुर एस, राव ए. सिस्टेमिक इनवोल्वमेंट इन लेप्रोसो. इन वालिया एंड वालिया (एड). आईएडीवीएल टेक्स्टबुक ऑफ डर्मेटोलॉजी एंड वेनोरियोलॉजी. फॉर्थ एडिशन. मुम्बई : भलानी पब्लिशिंग हाउस;2015.

135. खंडेलवाल पी, जैसवाल ए. स्टेज एंटिरियर रिलेस एंड पोस्टरियर इंट्रुमेंटेशन फॉर सीवियर रिगिड एडोलसेंट इडियोपेथिक स्कोलियोसिस. इनः गुप्ता एमसी, वेकारो एआर (एड). काम्प्लेक्स स्पाइन केस–ए कलेक्शन ऑफ करंट टेक्नीक्स 2015 एडिशन. नई दिल्लीःजेपी;2015:

136. खन्ना एन. लेप्रोसी एंड प्रेगेनेंसी. इन कुमार बी, कर एचके (एड). आईएएल टेक्स्टबुक ऑफ लेप्रोसी. सेकेंड एडिशन. नई दिल्ली : जेपी मेडिकल पब्लिशर्स;2014:313–324.

137. कुमार एम, जॉगिया ए, जैन आर. तिवारी पी. हार्मोन डिपेंडेंट मैलीगनेसिस इन एल्डर्ली : एंडोमेट्रियम ब्रेस्ट एंड प्रोस्टेट.2014:676–81.

138. कुमार एल, मलिक पीएस. डेवलमेंट इन ऑन्कोलॉजी. इन : एपीआई टेक्स्टबुक ऑफ मेडिसिन.10 एडिशन. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स(पी)लि.;2015:2120.

139. कुमार एल, मलिक पीएस. प्रिंसिपल्स ऑफ ड्रग ट्रीटमेंट ऑफ कैंसर. इन : एपीआई टेक्स्ट बुक ऑफ मेडिसिन. 10 एडिशन. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी)लि.;2015:2134.

140. कुमार आर, गोपालकृष्णन जी. इम्पोर्टेंट स्टडीज एंड ड्रग ट्रायल्स इन बीपीएच. इन : पटवर्धन एसके, शैख ए (एड). कॉमन यूरोलॉजिक प्रोब्लम्स : बीपीएच. 2014 एडिशन. नई दिल्लीः जेपी पब्लिशर्स;2014:256–62.

141. कुमार आर, संधु जेएस. बिपोलर टीयूआरपी. इन चुगताई बी एट अल (एड) ट्रीटमेंट ऑफ बिनाइन प्रोस्टेटिक हाइपरप्लेसियाः मॉर्डन अल्टरनेटिव टु ट्रांसरेथ्रल रिसेक्शन ऑफ द प्रोस्टेट.2015 एडिशन. न्यू यॉर्कः स्प्रिंगर;2015:19–24.

142. कुमार आर, ठाकर ए. सर्जिकल मैनेजमेंट ऑफ ऑब्स्ट्रेक्टिव स्लीप एपनिया. इन : नांगिया वी, स्वामी एस (एड). स्लीप रिलेटेड ब्रीथिंग डिसऑर्डर्स. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स;2015:140–50.

143. कुमार आर. टीयूआरपी वर्सिस एचओएलईपी. इन पटधवन एसके, शैख ए (एड). कॉमन यूरोलॉजिक प्रोब्लम्स : बीपीएच. 2014 एडिशन. नई दिल्लीः जेपी पब्लिशर्स;2014:269–72.

144. कुमार यू. जगदीश आरके. एन एप्रोच टु बैकेच. आईएसीएम;2014.

145. कुमार यू. जगदीश आरके. मिमिकर्स ऑफ वेस्कुलाइटिस. इन नरसिमुलु जी. वेस्कुलाइटिस मोनोग्राफ. फस्ट एडशिन. एपीआई; 2014.

146. कुमार यू. पैरेंकायल पल्मानरी डिजीज एंड पल्मोनरी अर्टियरी हाइपरटेंशन इन कनेक्टिव टिशू डिजीज. इन : राव यूआरके (एड). मैनुअल ऑफ रुमेटोलॉजी. फॉर्थ एडिशन. हैदराबाद : इंडियन रुमेटोलॉजी एसोसिएशन;2014:507–515.

147. कुमार वी, डोड सी, मूरी डी, पंडित एच. ऑक्सफॉर्ड मेडिकल मोबाइल बीरिंग अनकम्पार्टमेंटल नी अर्थोप्लास्टी. इन : स्कुदंरी जीआर (एड). करंट एडवांस्ड इन टोटल नी अर्थोप्लास्टी. फस्ट एडिशन. लंदनः फ्यूचर मेडिसिन;2014:6–18.

148. कुमार वी, गोयल एन. आई इंफेक्शन्स. इन सैनी एन (एड). रेशनल यूज ऑफ एंटीमाइक्रोबियल्स–इंडियन परस्पेक्टिव. फस्ट एडिशन. नई दिल्ली : इंडियन मेडिकल एसोसिएशन;2015:409–411.

149. कुरकुरे पीए, सेठ आर. चाइल्डहुड कैंसर सरवाइवर्स. इन : कपूर जी (एड). प्रैक्टिकल पीडियट्रिक ऑन्कोलॉजी. थर्ड एडिशन. नई दिल्लीः पीएचओ चेप्टर, इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियट्रिक्स;2014:166–170.

150. कुसुम वाईएस, बाबू बीवी. एकुल्चराइजेशन एंड हेल्थः ए स्टडी ऑफ एन एकुल्चराइजिंगएंड प्रीमेटिवट ट्राइब इन ईस्टर्न घाट्स ऑफ

आंध्र प्रदेश विद् एन इजाम्पल ऑफ ब्लड प्रेशर. इन बेहेरा डीके (एड). कंटेम्परेरी सोसायटी ट्राइबल स्टडीज, हेल्थ इन द कॉटेक्स्ट ऑफ ट्राइबल कल्चर वॉल 9. फर्स्ट एडिशन. नई दिल्लीः कॉन्सेप्ट पब्लिशिंग कंपनी;2014:107–121.

151. मैच एमए, चौहान एसएस, बत्रा एसके. हैड एंड नीक कैंसर. इन एल–नगर आरए (एड). प्रिंसिपल्स एंड प्रैक्टिस ऑफ कैंसर प्रीवेंशन एंड कंट्रोल. यूएसए : ओएमआईसीएस ग्रुप ई–बुक्स.002–009.

152. महाजन एस, रिजवी वाई. स्ट्रक्चर एंड फंक्शन ऑफ किडनी. इन मुंजल वाईपी (एड). एपीआई टेक्स्टबुक ऑफ मेडिसिन. 10 एडिशन. दिल्लीः जेपी ब्रदर्स;2014:1744–1749.

153. महापात्रा एम, रेड ब्लड सेल एंजाइम डिफेक्ट्स. इन गुप्ता पी (एड). पोस्ट ग्रेजुएट टेक्स्ट बुक ऑफ पीडिट्रिक्स. 2015. फर्स्ट एडिशन. नई दिल्लीः जेपी;2015:1578–1581.

154. मलिक एमए, कौर जे. चेलेंजीस इन ट्रेडिशनल मेडिसिन बेस्ड क्लिनिकल रिसर्च. इन बंसल पी, रेड्डी एसई (एड). पोटेंशियल एंड बॉटलेंनिक्स इन क्लिनिकल ट्रायल्स ऑफ हर्बल ड्रग्स. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः गुलाब पब्लिशर्स;2015:157–162.

155. माथुर एसआर. एफएनए इन थयरॉइड डिजीज. इन : बजाज एस. ईएसआई मैनुअल ऑफ क्लिनिकल एंडोक्राइनोलॉजी; सेकेंड एडिशन. नई दिल्ली. जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स(पी)लि.;2015.चेप्टर47ई.

156. मौलिक एसके, बनर्जी एसके. यूज ऑफ हर्बल्स इन कार्डियक डिजीज : प्राइयोरिटी ऑफ एविडेंस ओवर एमेस्टेर्डम, नीदरलैंड्स एंड ऑक्सफोर्ड, यूकेः एल्सेवियर;2015:515–529.

157. मेहता एम, पटनायक आरडी, सागर आर. एडोलसेंट साइकायट्री : एन ओवरव्यू ऑफ द इंडियन रिसर्च. इन : मल्होत्रा एस, चक्रबर्ती एस(एड).डेवलपमेंट्स इन साइकायट्री इन इंडियाः क्लिनिकल, रिसर्च एंड पॉलिसी परस्पेक्टिव्स. नई दिल्लीः स्प्रिंगर;2015: 493–514.

158. मेहता एम, शर्मा पी, सागर आर. ट्रांसडायग्नोस्टीक सीबीटी इन मैनेजमेंट ऑफ हैडेक एंड एंग्याजटी, प्रेजेंटेड इन वर्ल्ड कांग्रेस ऑन पेन, अर्जेंटिनाः बुएनोस एयरेस;2014.

159. मिश्रा पी. हिमोफिलिया. गुप्ता पी (एड). पोस्ट ग्रेजुएट टेक्स्ट बुक ऑफ पीडियट्रिक्स 2015. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः जेपी;2015:1597–1603.

160. मिश्रा आर, जैन वी, नॉर्मल ग्रोथ. इन : गुप्ता पी. मेनन पीएसएन, रामजी एस. लोढ़ा आर (एड). पोस्टग्रजुएट टेक्स्टबुक ऑफ पीडियट्रिक. जेपी, फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः *जेपी ब्रदर्स*;2015:634–7.

161. मिश्रा एस, कुसुम वाईएस, बाबू बीवी. माइग्रेशन एंड चेंजिंग कॉसेप्ट्स ऑफ हेल्थ एंड इलनेस अमंग ए माइग्रेंट ट्राइबल कम्युनिटी. इन दास केएन (एड). हेल्थ एंड ट्राइब्स इन इंडिया, चेलेंजीस एंड ऑर्पचुंनिटीज़ फर्स्ट एडिशन. नई दिल्ली : सरुप बुक पब्लिशर्स;2015:357–83.

162. मोंगिया एम, मेहता एम, सागर आर : एटेंशन–डेफिसिट/हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डरः ए प्रैक्टिकल एप्रोच टू कॉगनाइटिव बिहेवियर थैरेपी फॉर एडोलसेंट्स. इंडियाः स्प्रिंगर;2015:311–330.

163. मुराद एमएच, जाइसके आर, देवेरेयूएक्स पीजे, प्रसाद के, लबरा ए, एगोरिटस टी, कूक डीजे, गुयाट जी. द प्रोसेस ऑफ सिस्टेमिक्स रिव्यू एंड मेटा – एनालायसिस. इन : गुयाट जी, रेनिया डी, मैड एमओ, कूक डीजे (एड) यूजर्स गाइड्स टू द मेडिकल लिटरेचर : ए मैनुअल फॉर एविडेंस बेस्ड क्लिनिकल प्रैक्टिस. थर्ड एडिशन. न्यू यॉकः जेएएमए, मैकग्रेव हिल;2014:459–470.

164. मुराद एमएच, मोनतोरी वीएम, लोएनिडिस जेपीए, प्रसाद के, कूक डीजे गुयाट जी. फिक्स इफेक्ट्स एंड रैंडम इफेक्ट्स मॉडल्स. इन : गुयाट जी. रेनिया डी, मैड एमओ, कूक डीजे (एड) यूजर्स गाइड्स टू द मेडिकल लिटरेचर : ए मैनुअल फॉर एविडेंस बेस्ड क्लिनिकल प्रैक्टिस. थर्ड एडिशन. न्यू यॉकः जेएएमए, मैकग्रेव हिल;2014:507–514.

165. नेहरा ए, बाजपेयी एस. कॉगनेटिव रिहेबिलिटेशन : एन एप्रोच टू टर्शरी केयर फॉर डेमेंशिया पेशेंट्स. इन : प्रोसीडिंग्स ऑफ वर्ल्ड एल्जाइमर्स डे ऑन 21 सितंबर 2014. नई दिल्ली : एल्जाइमर्स एंड रिलेटेड डिसऑर्डर्स सोसायटी ऑफ इंडिया (एआरएसडीआई) दिल्ली चेप्टर;2014:43–6.

166. नेहरा ए. एसेसमेंट टूल्स फॉर एल्जाइमर्स एंड अदर डिमेंशियस – एज पर इंडियन सेटिंग्स. इन त्रिपाठी एम (एड). डिमेंशिया डिकॉडेड. फस्ट एडिशन. दिल्ली : ए डिविजन ऑफ केडब्ल्यूएक्स कम्युनिकेशन्स प्रा. लि.;2014:236–255.

167. न्यूमेनन आई एकल ईए, वेंडविक पीओ, एगोरिटसास टी, सेलो पीए, रिंड डीएम, सैंटेसो एन, एलेक्जेंडर पीई, मुस्तफा आरए, प्रसाद के, एट अल. हव टू यूज ए पेशेंट मैनेजमेंट रिकमेंडेशन. इन : गुयाट जी. रेनिया डी, मैड एमओ, कूक डीजे (एड) यूजर्स गाइड्स टू द मेडिकल लिटरेचर : ए मैनुअल फॉर एविडेंस बेस्ड क्लिनिकल प्रैक्टिस. थर्ड एडिशन. न्यू यॉक : जेएएमए, मैकग्रेव हिल;2014:531–546.

168. पदमा एमवी, क्लिनिकल प्रैक्टिस ऑफ मल्टीपल स्क्लेरोसिस. इन श्रीवास्तव एमवीपी, भाटिया आर (एड). कोन्टेनवर्क पब्स;2014.
169. पाल एस. सर्जिकल मैनेजमेंट ऑफ बिनाइन लेशन्स ऑफ द लीवर. इन रेला एम, नंदी एस (एड). सर्जरी ऑफ द लीवर. फस्ट एडिशन. नई दिल्ली : रीड एल्सेवियर इंडिया;2015:75–102.
170. पांडा एसके, वर्मा एसपीके. एपिडर्मियोलॉजी, एक्सपेरिमेंटल मॉडल्स एंड प्रीवेंशन : जूनोटिक एस्पेक्ट्स ऑफ हेपेटाइटिस ई. इन थॉमस एचसी, लोक एएसएफ लोकैर्निनाइ एसए, जुकेरमैन एजे(एड).वायरल हेपेटाइटिस. फॉर्थ एडिशन. यूकेः विलेय ब्लैकवेल;2014:431–441.
171. पांडेय एके, शर्मा पीडी, शर्मा एसके, सरकार के, शर्मा ए, कुमार आर, बाल सीएस. इमेज नॉइस रिमूवल यूजिंग प्रिंसिपल ऑफ सप्रेथेशोल्ड स्टोकेस्टीक रिजनेंस. इन महारत्न के, दलपति जीके, बनर्जी पीके, मलिक एके, मुखर्जी एम (एड). लेक्चर नोट्स इन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग 335, कप्यूटेशनल एडवेसमेंट इन कम्युनिकेशन सरकुइट्स एंड सिस्टम्स प्रोसीडिंग्स ऑफ आईसीसीएसीसीएस. इंडियाः स्प्रिंगर;2014:507–14.
172. पांडेय आरके, गर्ग आर. डर्लोंग वी. बैग मास्क वेंटिलेशन. इन मैनुअल ऑफ आईसीयू. फस्ट एडिशन लखनऊः *जे पी ब्रदर्स*; 2015: 03–16.
173. पराख एन, बहल वीके. मैनेजमेंट ऑफ एक्यूट मायोकार्डियल इंफ्रेक्शन इन 2014. इनः सीएसआई कार्डियोलॉजी अपडेट–2014. जेपी; 2015:331–8.
174. पाठक पी. डॉक्यूमेंटेशन इन इंटेंसिव केयर यूनिट. इन कौर एस (एड). क्लिनिकल न्यूरोसाइंसेज एंड क्रिटिकल केयर नर्सिंग. फस्ट एडिशन. चंडीगढ़ः जेपी;2014:351–363.
175. पीटरसन आरबी, गुयात्त जी, प्रसाद के, जेसकके आर, कूक डीजे वॉल्टर एसडी. टोमलिनसन जी. हाइपोथेसिस टेस्टिंग. इन : गुयात्त जी. रेनिया डी, मैड एमओ, कूक डीजे (एड). यूजर्स गाइड्स टू द मेडिकल लिटरेचर : ए मैनुअल फॉर एविडेंस बेस्ड क्लिनिकल प्रैक्टिस. थर्ड एडिशन. न्यू यॉक : जेएएमए, मैकग्रेव हिल;2014:189–196.
176. पिलानिया एमवी, मेहता एम, सागर आर. एंगर मैनेजमेंटः ए प्रैक्टिकल एप्रोच टू गोवनाइटिव बिहेवियर थेरेपी फॉर एडोलसेंट्स. इंडियाः स्प्रिंगर;2015:109–130.
177. प्रसाद के, साहू जे. ट्यूबरकुलर मेनिंजाइटिस. इन : नारायण एसके (एड). सिलेक्टेड टॉपिक्स इन ट्रॉपिकल न्यूरोलॉजी. फस्ट एडिशन. दिल्ली :बायवार्ड;2015.
178. राजेश आर, शर्मा ए, शर्मा एसके. इंटरफेसेस फॉर नॉनइनवेसिव वेंटिलेशन : जनरल इलीमेंट्स एंड ऑप्शन्स. इन इस्वानस, एंटोनियो (एड). नॉनिनवेसिव वेंटिलेशन इन हाई–रिस्क इंफेक्शन्स एंड मास केजुवल्टी इवेंट्स. स्प्रिंगर. फस्ट एडिशन. वर्लग विइनः यूएसः स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग;2014:17–27.
179. राय एस. नेशनल एड्स कंट्रोल प्रोग्राम. इनः तनेजा डीके (एड). हेल्थ पॉलिसीस एंड प्रोग्राम्स इन इंडिया. 13 एडिशन. नई दिल्ली : डॉक्टर पब्लिकेशन;2015:280–305.
180. राय एस, रिवाइज्ड नेशनल ट्यूबरकुलोसिस कंट्रोल प्रोग्रम. इन : तनेजा डीके (एड). हेल्थ पॉलिसीस एंड प्रोग्राम्स इन इंडिया. 13 एडिशन. नई दिल्लीः डॉक्टर पब्लिकेशन;2015:197–206.
181. राव डीएन, भटनागर एस, नकवी आरए, अली आर. प्रीपरेशन ऑफ पेप्टाइड माइक्रोस्फेरस यूजिंग ट्यूमर एंटीजन – डाइवेड पेप्टाडस. इन एल्जेवियर (एड). मैथड्स इन मॉलीकुलर बायोलॉजी. न्यू यॉर्कः एल्जेवियर;2014:443–52.
182. रस्तोगी एस, खान एसए, हिप अर्थोप्लास्टी फॉर ट्यूमर्स अराउंड द हिप जॉइंट. इनः मर्या एसकेएस (एड). कॉम्प्लेक्स प्राइमरी टोटल हिप रिप्लसमेंट. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः जेपी पब्लिशर्स;2014:171–183.
183. सागर आर, मेहता एम एंड साहू ए(2015): इफेक्टिवनेस ऑफ कॉगनेटिव बिहेवियर थेरेपी इन एडोलसेंट्स : ए प्रैक्टिकल एप्रोच टु कॉगनाइटिव बिहेवियर थेरेपी फॉर एडोलसेंट्स. इंडियाः स्प्रिंगर;2015:395–414.
184. सागर आर, पटनायक आरडी, चौधरी वी. केयर गिविंग फॉर स्पेफिक लर्निंग डिसऑर्डर : एक्सपीरिएंसेस, प्रीरिसिव्ई स्टीगम एंड अनमेट नीड्स. इन : सागर आर, पटनायक आरडी, मेहता एम (एड). स्पेसिफिक लर्निंग डिसऑर्डर : इंडियन सीनेरियो. नई दिल्ली : डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (डीएसटी) एंड एम्स;2015(जनवरी):266–79.
185. सागर आर, पटनायक आरडी, चौधरी वी. इंट्रोडक्शन टू स्पेफिक लर्निंग डिसऑर्डर : कॉनसेप्ट एंड कंट्रोवर्सिस. इनः सागर आर, पटनायक आरडी, मेहता एम (एड). स्पेसिफिक लर्निंग डिसऑर्डर : इंडियन सीनेरियो. नई दिल्ली : डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (डीएसटी) एंडएम्स;2015(जनवरी):1–22.

186. सागर आर, पटनायक आरडी, चौधरी वी. प्रोफाइल ऑफ सर्विसेज एंड रिसोर्सेस इन ए पोस्टल सर्वे : चेलेंजीस एंड नीड फॉर सर्विस डेवलपमेंट. इनः सागर आर, पटनायक आरडी, मेहता एम (एड). स्पेसिफिक लर्निंग डिसऑर्डर : इंडियन सीनेरियो. नई दिल्ली : डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (डीएसटी) एंड एम्स;2015 (जनवरी):279–92.

187. सागर आर, पटनायक आरडी, चौधरी वी. स्पेसिफिक लर्निंग डिसऑर्डर्स इन इंडिया कन्टेक्स्ट : रिकमेंडेशन्स एंड ए रोड हैड. इन : सागर आर, पटनायक आरडी, मेहता एम (एड). स्पेसिफिक लर्निंग डिसऑर्डर : इंडियन सीनेरियो. नई दिल्ली : डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (डीएसटी) एंड एम्स;2015(जनवरी):292–302.

188. साहू ए, मेहता एम, सागर आर. चौधरी वी. मैनेजमेंट ऑफ स्पेसिफिक लर्निंग डिसऑर्डर्स. इन : सागर आर, पटनायक आरडी, मेहता एम (एड). स्पेसिफिक लर्निंग डिसऑर्डर : इंडियन सीनेरियो. नई दिल्ली : डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी एंड एम्स;2015 (जनवरी).

189. संकर जे, लोढ़ा आर. हेल्थ केयर एसोसिएटेड इंफेक्शन्स इन पीआईसीयू. इनः काबरा एसके. लोढ़ा आर (एड). पीआईसीयू प्रोटोकॉल एम्स. फिफ्थ एडिशन. नई दिल्ली : इंडियन जर्नल ऑफ पीडियट्रिक्स;2015:363–380.

190. संकर एमजे, पॉल वी. स्टेट्स ऑफ न्यूबॉर्न्स इन इंडिया. इन जोडपी एस, पॉल वीके. (एड). स्टेट ऑफ इंडियस न्यूबॉर्न (एसओआईएन) 2014.सेकेंड एडिशन. नई दिल्ली : सेव द चिड्रल्न, नई दिल्ली;2015:11–26.

191. संकर पी, मिश्रा जे, सिंह एस. हेपेटाइटिस ए एंड ई इन पोटेबल वॉटर : ए थ्रेट टू हेल्थ. इन : सिंह पीपी एंड शर्मा वीपी (एड). वॉटर एंड हेल्थ. फस्ट एडिशन. इंडिया : स्प्रिंगर पब्लिकेशन, इंडिया;2014:29–51.

192. सतपथी एस, प्रमोटिंग साइकोसोशल हेल्थ ऑफ डिजास्टर फस्ट रिस्पोंडर्स इनवोल्वेड इन मिलिटरी ऑपरेन्शन अदर देन वॉर (एमओओटीडब्ल्यू), इन महेश्वरी, एन एंड महेश्वरी, ए (एड), मिलिटरी साइकोलॉजी. नई दिल्ली : साजे पब्लिकेशन्स;2014 (प्रेस में).

193. सक्सेना आर, महापत्रा एम, रंजन आर. मैनेजमेंट ऑफ वेनस थ्रोम्बोइम्बोलिज्म : द इंडियन एक्सपीरिएंस. इनः राव जीएचआर, कलोडिकी ई, लेयॉन्गा डब्ल्यू, फरीद जे. क्लिनिकल हैंडबुक फॉर द मैनेजमेंट ऑफ एंटीथ्रोम्बोटिक एंड थ्राम्बोलायटिक थेरेपी इन वेनस थ्रोम्बोइम्बोलिज्म. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः कॉन्टेंटवॉर्क्स;2014:462–477.

194. सक्सेना आर, सेठ टी, अहूजा ए. आयरन डेफिसिएंसी एनिमिया. इन : अग्रवाल एमबी (एड). हिमेटोलॉजी टुडे. फस्ट एडिशन. मुंबई; 2014:35–47.

195. सक्सेना आर, सिंह एन. फिजियोलॉजी ऑफ हिमोस्टेसिस. इन : गुप्ता पी (एड). पोस्ट ग्रेजुएट टेक्स्ट बुक ऑफ पीडियट्रिक. 2015. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः जेपी;2015:1587–1592.

196. सेशाद्री डी, सेथुरमन जी. नियोनेटल स्कीन केयर. इन : कुमार बी, कर एचके (एड). आईएएल टेक्स्टबुक ऑफ लेप्रोसी. सेकेंड एडिशन. नई दिल्ली : जेपी मेडिकल पब्लिशर्स;2014:313–324.

197. सेठ आर. विलम्स टूमोर. इन : सचदेव ए, चुग के, गंभीर ए, अनेजा एस, कुकरेजा एस (एड). पेडिकॉन वार्कशॉप मैनुअल्स–2015: हिमेटोलॉजी ऑन्कोलॉजी. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स;2015:144–148.

198. सेठ टी. एप्रोच टू ब्लीडिंग एंड कॉएगुलेशन डिसऑर्डर्स. गुप्ता पी (एड). पोस्ट ग्रेजुएट टेक्स्ट बुक ऑफ पीडियट्रिक्स. 2015. फस्ट एडिशन. न्यू दिल्लीः जेपी;2015:1592–7.

199. शालीमार, आचार्य एसके. एक्यूट लीवर फैलियर. इनः एपीआई (एड) टेक्स्टबुक;2015.

200. शरन पी, शिवकुमार टी. रोडमैप फॉर द फ्यूचर : वट इन नीडेड इन द रिजन? इन : त्रिवेदी जेके, त्रिपाठी ए (एड). मेंटल हेल्थ इन साउथ एशिया : एथिक्स रिसोर्सेस, प्रोग्राम्स एंड लेजिस्लेशन. इंटरनेशनल लाइब्रेरी ऑफ एथिक्स, लॉ एंड द न्यू मेडिसिन. डोर्ड्रेक्टः स्प्रिंगर; 2015:263–277.

201. शर्मा ए. कीमोथेरेपी फॉर पैनक्रिएटिक एडेनोकार्सिनोमा. इनः गर्ग पीके. पैनक्रिएटिक ट्यूमर्स. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः एल्सेवियर;2013:1–170.

202. शर्मा बीएस, बंसल एस, सिन्हा एस. माइक्रोसर्जिकल मैनेमेंट ऑफ स्पाइनल इंट्रामेडुलरी ट्यूमर्स. इन : मिश्रा बीके, लॉ ईआर, काये एएच. करंट प्रोग्रेस इन न्यूरोसर्जरी. फस्ट एडिशन. मुंबईः ट्री लाइफ मीडिया;2014:118–130.

203. शर्मा केए, पांडे ए. स्क्रीनिंग फॉर फेटल हाइपोक्सिया. "स्क्रीनिंग इन ऑब्स्टेट्रिक एंड गायनकोलॉजी – अब्नॉमिलिटी डिटेक्टेड वट नेक्स्ट? इनः पांडे ए (एड). जेपी पब्लिशर्स.

204. शर्मा केए, सचदेव ए. एंटेनेटल काउंसलिंग एंड एंटेनेटल थेरेपी फॉर फेटल इलनेस. एडवांस्ड इन पीडियट्रिक्स. इन सचदेव वी (एड). जेपी पब्लिशर्स.

205. शर्मा केए. एप्रोच टू ए प्रेगनेंट वॉमैन विद् प्रीवियस सेसेरियन सेक्शन. क्लिनिकल मैथड्स इन ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनोकोलॉजी. इनः पुरी एम (एड). जेपी पब्लिशर्स.

206. शर्मा एमसी, जोएबेल एचएच, टराटुटो एएल, क्लोयस केजी. डिसऑर्डर्स ऑफ मसल विद् रेयर स्ट्रक्चरल एबनॉर्मेलिटीस. इनः जोएबेल एचएच, सेवरी सीए, विलेर आरओ (एड). मसल डिजीज पैथोलॉजी एंड जेनेटिक. सेकेंड एडिशन. वेस्ट सक्सेस, यूके : वेली ब्लैकवेल; 2013:351–360.

207. शर्मा पी, मेहता एम एंड सागर. हैडेच–ए ट्रांसडायग्नोस्टिक एप्रोचः ए प्रैक्टिकल एप्रोच टू कॉग्नेटिव बिहेवियर थेरेपी फॉर एडोलसेंट्स. इंडियाः स्प्रिंगर;2015:285–310.

208. शर्मा पी, पटनायक आरडी, सागर आर. इटियोलॉजी ऑफ डायलेक्सिया : इनसाइट्स फ्रॉम न्यूरोइमेजिंग एंड जेनेटिक्स रिसर्च. इन : सागर आर, पटनायक आरडी, मेहता एम (एड). स्पेसिफिक लर्निंग डिसऑर्डरः इंडियन सीनेरियो. नई दिल्ली : डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (डीएसटी) एंड एम्स;2015(जनवरी):65–82.

209. शर्मा आर, कंडासामी डी. एमआरआई इन मेडिसिन. इन : मुंजल वाईपी (एड). एपीआई टेक्स्ट बुक ऑफ मेडिसिन. 10 एडिशन. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स;2015.

210. शर्मा आर, मेहता एम एंड सागर आर. ट्रीटमेंट ऑफ सबस्टेंस–एबूजिंग एडोलसेंट्सः ए प्रैक्टिकल एप्रोच टू कॉग्नेटिव बिहेवियर थेरेपी फॉर एडोलसेंट्स. इंडियाः स्प्रिंगर;2015:331–362.

211. शर्मा आर, मेहता एम, धवन ए. ट्रीटमेंट ऑफ सबस्टेंस एबूजिंग एडोलसेंट्स. इन : मेहता एम, सागर आर (एड). ए प्रैक्टिकल एप्रोच टू कॉग्नेटिव बिहेवियर थेरेपी फॉर एडोलसेंट्स, नई दिल्लीः स्प्रिंगर;2014:331–361.

212. शर्मा एस, गुप्ता डीके. सर्जिकल मैनिफेस्टेशन्स ऑफ पैरासिटिक डिजीज. इन : पुरी पी (एड). पीडियट्रिक सर्जरी. जर्मनी : स्प्रिंगर; 2014.

213. शर्मा एस, जागिया पी. कार्डियक इमेजिंग. एपीआई बुक ऑफ मेडिसिन.10एडिशन.2014:38–43.

214. शर्मा एस, जागिया पी. मैनेजमेंट ऑफ वेस्कुलर एर्टेराइटिड्स. इन मौरो एट अल. (एड). इमेज – गाइड इंटरवेंशन. सेकेंड एडिशन. एल्जेवियर साइंस;2014:262–270.

215. शर्मा एस, सिन्हा ए. कंजेनाइटल एनामैलीस ऑफ किडनीस एंड यूरिनरी ट्रेक्ट. इन : गुप्ता पी, मेनन पीएसएन, रामजी एस, लोढ़ा आर (एड). पीजी टेक्स्टबुक ऑफ पीडियट्रिक्स. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः जेपी;2015:1976–81.

216. शर्मा एस. सिक चाइल्ड इन ए सर्जिकल एंड ट्रॉमा सेटिंग. इनः एम्स एक्यूट क्रिटिकल केयर मैनुअल. फस्ट एडिशन. नेचुरल इम्प्रेशन;2014:113–117.

217. शर्मा एसके. पल्मोनरी ऑपोर्चुनिस्टिक इंफेक्शन्स इन इम्युन कम्प्रोमिज्ड हॉस्ट्स. इन : गुप्ता एसबी (एड). पोस्ट ग्रेजुएट मेडिसिन. फिफ्थ एडिशन. नई दिल्ली : एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन्स ऑफ इंडिया;2014:525–43.

218. शर्मा वी. कुमार जीएन, शर्मा जी. फारूख के, जैन वी. एवॉइडिंग लेटरल फेमोरल क्यूटेनियस नर्व इंजरी डुरिंग. इन : इलियोनगुइनल एप्रोच. टिप्स एंड पर्ल्स; टेक्नीक्स इन ऑर्थोपीडिक्स. लिपिनकॉट विलियम्स एंड विकिन्स;2014.

219. शर्मा वाईआर, चंद्र पी, शर्मा पी एंड आजाद आरवी. रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमेचोएरिटी–डायग्नोस्टिक प्रोसीडिर्स इन ऑफ्थेलमोलॉजी. इन नीमा एचवी, नीमा एन (एड). थर्ड एडिशन. जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2014.

220. सिंह एल, सिंह जी, डिंडा ए. पैथोलॉजी ऑफ नेफ्रोटिक सिंड्रोम इन एडल्ट्स. इनः मुबारक एम (एड). नेफ्रोटिक सिंड्रोम : इटियोलॉजी, पैथोनेजेसिस एंड पैथोलॉजी. फस्ट एडिशन. कराची, पकिस्तानः नोवा पब्लिकेशन्स;2015:165–175.

221. सिंह पी, यादव एस, डोगरा पीएन. इफ्लेमटरी एक्यूज ऑफ हिमेटुरिया. इन वसदेव एन, बुउस्टीड जी (एड). हेमटुरिया : इटियोलॉजी, मैनेजमेंट एंड लॉन्ग टर्म प्रोग्नोसिस. फस्ट एडिशन. न्यू यॉर्कः नोवा साइंस पब्लिशर्स;2015:137–144.

222. सिंह पीएम, लुडविंग एन, मैक कोनाची आई, सिन्हा एसी. द ओज ऑर थिन पेशेंट्स'' इन : मैकोनीच आई (एड). एनेस्थिसिया एंड प्रीऑपरेटिव केयर ऑफ द हाई–रिस्क. थर्ड एडिशन कैम्ब्रिज, यूके : कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस;2014:137–53.

223. सिंह पीएम, पुरोहित एम, सिन्हा ए, सिक्का पी. प्रीऑपरेटिव एवेलुशन एंड मैनेजमेंट. इन : सिक्का पी (एड). लिपिनकोट्स एनेस्थिसिया रिव्यूः1001 क्वेंशन्स एंड अनर्सस. फस्ट एडिशन फिलडेल्फिया, यूएसए, लिपिनकॉट वॉल्टेर्स क्लुवेर हेल्थ;2014:5–16.

224. सिंह आर, हरेश केपी, कौर एन, पेंढाकर डी, दिगुमूर्ति आर, अरोड़ा बी. ब्रेस्ट कैंसर इन यंग वॉमैन. इनः पारीख पीएम (एड). कॉन्वेर्ज ब्रेस्ट कैंसर अपडेट 2014. फस्ट एडिशन मुंबईः पारीख पीएम;2014:187–203.

225. सिंघल एके, जैन वी. यूरोलॉजी सेक्शन (14 टॉपिक्स). इन : पार्थसारथी ए. बोरकर ए, गुप्ता ए. धर्मपालन डी (एड). फ्रीक्वेंटली आस्कड क्वेशन्स इन पीडियट्रिक्स एंड एडोलसेंट प्रैक्टिस. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः जेपी ब्रदर्स;2015:392–418.

226. सिंगल आर, टंडन एन. पॉलीग्लैंडुलर सिंड्रोम. इन : देसाई एमपी, मेनन पीएसएन, भाटिया वी (एड). पीडियट्रिक एंडोक्राइन डिसऑर्डर्स. यूनिवसिटी प्रेस;2014:434–441.

227. सिंगल वी, मखारिया जीके. इंफ्लेमेटरी बॉवेल डिजीज. इनः ए कॉम्प्रीहेंसिव टेक्स्ट बुक : हिपेटो–गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी. जेपी ब्रदर्स; 2015.

228. सिन्हा एस, महापात्रा एके. आउटकम आफ्टर ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी इन द एल्डर्ली. इन महापत्रा एके. राजकमल (एड). टेक्स्टबुक ऑफ हैड इंजरी. फॉर्थ एडिशन. नई दिल्लीः सीबीएस पब्लिशर्स;2014:362–367.

229. सिन्हा एस, महापात्रा एके. प्रोग्नोसिस आफ्टर ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी. इन महापात्रा एके. राजकमल. टेक्स्टबुक ऑफ हैड इंजरी. फॉर्थ एडिशन. नई दिल्लीः सीबीएस पब्लिशर्स;2014:282–289.

230. सोखल एन, शर्मा ए. रिस्पिरेटरी फंक्शन एंड ऑक्सजीन डिलीवरी–एप्लाइड फिजियोलॉजी एंड केसर बेस्ड डिसकशन. इनः शर्मा ए, कुमार एस, मिश्रा एमसी (एड). एम्स क्रिटिकल केयर कोर्स फॉर सर्जन्स. फस्ट एडिशन. नई दिल्ली :2014:19–27.

231. सोखल एन. कार्डियक एब्नोर्मलिटीज इन ए सर्जिकल पेशेंट. इन : शर्मा ए, कुमार एस, मिश्रा एमसी (एड). एम्स क्रिटिकल केयर कोर्स फॉर सर्जन्स. फस्ट एडिशन. नई दिल्ली :2014:49–56.

232. सोनी केडी, कुमार ए, परमानंद. कोएगुलेशन कैस्केड एंड प्रीऑपरेटिव मैनेजमेंट ऑफ एंटीकोएगुलेशन. इन : शर्मा ए, कुमार एस, मिश्रा एमसी (एड). एम्स क्रिटिकल केयर कोर्स फॉर सर्जन्स. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः 2014.

233 सोनी केडी, शर्मा ए. हिमोरहैजिक शॉक एंड केस बेस्ड डिक्शन. इन : शर्मा ए, कुमार एस, मिश्रा एमसी (एड). एम्स क्रिटिकल केयर कोर्स फॉर सर्जन्स. फस्ट एडिशन. नई दिल्ली : 2014.

234. सूद आर, सिंह टी. स्टुडेंट फीडबैक इन मेडिकल एंड हेल्थ साइंसेज : एन इंडियन परस्पेक्टिव. इन नायर सीएस, मेर्टोवा पी (एड). एंहान्सिंग लर्निंग एंड टीचिंग थ्रु स्टुडेंट फीडबैक इन मेडिकल एंड हेल्थ साइंसेज. फस्ट एडिशन. ऑक्सफॉर्ड, यूके : चैंडोस पब्लिशिंग एल्सेवियर;2014:77–91.

235. सूद एस. माइक्रोबायोलॉजी फॉर नर्सेस. इनः सूद एस (एड). माइक्रोबायोलॉजी फॉर नर्सेस. थर्ड एडिशन. नई दिल्लीः एल्सेवियर इंडिया; 2013,पुनःमुद्रित2014:1–363.

236. श्रीकुमार वी, सिंह यू, अइटो एस, एंड्रिया एमडी, नडेयू एम, स्ट्रीट जे, हिरस्फेल्ड एस, थेइतजे आर. रिस्पेयरेटरी मैनेजमेंट इन पर्सन्स विद स्पाइनल कोर्ड इंजरी. इन : आईएससीओएस (एड). आईएससीओएस टेक्स्टबुक ऑफ कॉम्प्रीहेंसिव मैनेजमेंट ऑफ स्पाइनल कोर्ड इंजरीस. फस्ट एडिशन. प्रेस में।

237. श्रीवास्तव ए, गोयल वी, सूद एसके, शर्मा आर. कॉग्निशन एंड कंट्रोल ऑफ सकैडिक सिस्टम. इनः गैमिटो पी, रोज पी (एड). आई सी यू यू सी मीः इंफेरिंग कॉग्निशन एंड इमोशनल प्रोसेस फ्रॉम गेजिंग बिहेवियर. फस्ट एडिशन. न्यूकेस्टलः कैम्ब्रिज स्कॉलर्स पब्लिशिंग;2014.

238. श्रीवास्तव पी, मेहता एम, अम्बेकर ए एंड सागर आर. डिप्रेशन : ए प्रैक्टिकल एप्रोच टू कॉग्निशन बिहेवियर थेरेपी फॉर एडोलसेंट्स. इंडियाः स्प्रिंगर; 2015:215–244.

239. श्रीवास्तव पी, मेहता एम, अम्बेकर ए, सागर आर. डिप्रेशन. इन : मेहता एम, सागर आर (एड). ए प्रैक्टिकल एप्रोच टू कॉग्निशन बिहेवियर थेरेपी फॉर एडोलसेंट्स. नई दिल्लीः स्प्रिंगर इंडिया; 2015.

240. सुंदर जी, सागर आर. साइकोसोशल बर्डन इन केस गिवियर्स ऑफ पेशेंट्स विद् क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिसऑर्डर (सीओपीडी). यूरोपियन रेस्पेरेटरी कांग्रेस;2014.

241. सूरी ए, बेटैग एम, त्रिपाठी एम, देव आरसी, रॉय टीएस, लालवानी एस एट अल. सिमुलेशन इन न्यूरोसर्जरी इन इंडिया–एनईटीएस. इन : हैरोप जेएस (एड) सीएनएस क्वार्टर्ली 2014. समर इशू. बल्टीमोर, यूएसए : कांग्रेस ऑफ न्यूरोलॉजिकल सर्जन्स;2014:15(3):23–26.

242. टंडन आर. ऑफ्थेमेलिक इजामिनेशन इन चिल्ड्रन. इनः पॉल वीके, बग्गा (एड). घाई टेक्स्ट बुक ऑफ पीडियट्रिक्स.

243. टेम्भेर एमके, शर्मा ए, खान आर, गुप्ता एस. क्लिनिकल बायोकैमिकल एंड इम्युनोलॉजिकल एसपेक्ट्स ऑफ विटिलिगो. इनः लाहिरी के. चटर्जी एम, सरकार आर (एड). पिगमेंटरी डिसऑर्डर्सः ए कॉम्प्रीहेंसिव कम्पेंडियम. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स(पी)लि.;2014:135–140.

244. टेम्भेर एमके, हसिजा एस. एसेसमेंट ऑफ माइट्रल स्टेनोसिस एंड प्रोस्थेटिक वॉल्व सटेनोसिस. इन टेम्पे डीके, सुब्रमाणियम बी, सुब्रमाणियम के, रामाकृष्णन एच (एड). प्रोब्लम–बेस्ड ट्रांसइसोफेजल इकोकार्डियोग्राफी. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः सीबीएस पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रबुटर्स;2014:73–82.

245. टेम्पे डीके, हसिजा एस. इम्प्लीकेशन्स ऑफ डायस्टोलिक डिसफंक्शन इन एनेस्थेटिक प्रैक्टिस. इन : सहगल आर, त्रिखा ए, सिंह बी (एड). इयरबुक ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी–4. फस्ट एडिशन. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी)लि.;2014:52–66.

246. थॉमस पी, राजदान जी. इन : जेबी शर्मा (एड). मिडवाइफरी एंड गायनोकोलॉजिकल नर्सिंग. हिमाचल प्रदेश : एविचल. सरमोयर.

247. त्रिपाठी एम, विभा डी. मूवमेंट डिसऑर्डर एंड एपिलेप्सी. इनः कुमार ए (एड). टेक्स्टबुक ऑफ मूवमेंट डिसऑर्डर. फस्ट एडिशन. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स प्रा. लि.;2014:410–15.

248. त्रिपाठी एम, गुप्ता पी, चंद्र पीएस. इलेक्ट्रोडायग्नोसिस. इन : टंडन पीएन, रामामूर्ति आर, जैन पीके (एड). रामामूर्ति एंड टंडन मैनुअल ऑफ न्यूरोसर्जरी. सेकेंड एडिशन. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स प्रा.लि.;2014:1–12.

249. त्रिपाठी एम, बाल सीएस. एप्लीकेशन ऑफ पीईटी इन मैनेजमेंट ऑफ ब्रेन ट्यूमर्स. इन दास बीके (एड). पोजिट्रोन एमिशन टोमोग्राफीः ए गाइड फॉर क्लिनिशियन्स. स्प्रिंगर इंडिया;2015:57–66.

250. त्रिपाठी एम, बाल सीएस. एप्लीकेशन ऑफ पीईटी–सीटी इन न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर्स : एन ओवरव्यू. इन दास बीके (एड). पोजिट्रोन एमिशन टोमोग्राफी : ए गाइड फॉर क्लिनिशियन्स. स्प्रिंगर इंडिया;2015:45–56.

251. वशिष्ट पी, मल्होत्रा एस, गुप्ता एन. कम्युनिटी ऑफ्थेलमोलॉजी. इन वनथी एम (एड) : टेक्स्टबुक ऑफ ऑफ्थेलमोलॉजी फॉर अंडरग्रेजुएट्स.नई दिल्ली.

252. वर्मा केके, साहनी के. लिम्फोप्रोलाइफरेटिव डिसऑर्डर्स. इन : वेंकटराम एम (एड). आईएडीवीएल टेक्स्टबुक ऑफ डार्मोटोलॉजी. फॉर्थ एडिशन. दिल्ली : भलानी पब्लिशिंग;2015.

253. विभा डी, भाटिया आर, सक्सेना आर. ओसीटी इन न्यूरोलॉजी. इन : सिंह जी, दास एस (एड). रिव्यूस इन न्यूरोलॉजी. एल्सेवियर; 2014.

254. विक्रम एनके. मेटाबोलिक सिंड्रोम इन चिल्ड्रन एंड एडोलसेंट्स. इनः जैन वी, मेनन आरके (एड). केस बेस्ड रिव्यूस इन पीडियट्रिक एंडोक्राइनोलॉजी. फस्ट एडिशन. नई दिल्ली : जेपी पब्लिशर्स;2015.

255. वुपुटुरी एम, टंडन एन. बेसिक्स ऑफ बोन फिजियोलॉजी. इनः बजाज एस (एड). ईएसआई मैनुअल ऑफ क्लिनिकल एंडोक्राइनोलॉजी; 2014:607–12.

256. वाधवा एस. एम्पुटेशन्स, प्रोस्थेटिक्स एंड ऑर्थोटिक्स. इन : महेश्वरी जे, महास्कर वीए. इसेंशियल ऑर्थोपीडिक्स. फिफ्थ एडिशन. दिल्लीः जेपी ब्रदर्स; 2015:328–333.

257. वाधवा एस. मेल रिप्रोडक्टिव हेल्थ इशू रिलेटेड टु फिजिकल डिसएबिलिटी. इनः सिंह एसके (एड). मेल रिप्रोडक्टिव हेल्थ. चंडीगढ़ : एनएएमएस–पीजीआईएमईआर; 2015:56–62.

258. यादव डी, शर्मा एस, गुप्ता डीके. एक्यूट एब्डोमेन. इन पीडियट्रिक ऑन्कोलॉजी एंड हिमेटोलॉजी. इन : गुप्ता एस (एड). रिसेंट एडवांसेस इन पीडियट्रिक्स. नई दिल्लीः जेपी ब्रॉस;2014.

259. यादव जेएस. एपिडेमियोलॉजी एंड क्लासिफिकेशन ऑफ मेंटल डिसऑर्डर इन एल्डर्ली. इन : संचेती पी. टेक्स्टबुक ऑफ जेरियट्रिक मेडिसिन. फस्ट एडिशन. दिल्लीः पारस मेडिकल पब्लिशर;2014:529–32.

260. यादव जे, जैन वी. फैलियर टु थ्रिव. इनः लोढ़ा आर, काबरा एसके (एड). एम्बुलेटरी पीडियट्रिक्स. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः आईजेपी;2014:19–25.

261. यादव जे, जैन वी. ग्रोथ चार्ट एंड नोमोग्राम्स. इन : जैन वी, मेनन आर. केस बेस्ड रिव्यूस इन पीडियट्रिक एंडोक्राइनोलॉजी. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः जेपी ब्रदर्स;2015:275–283.

262. यादव जे, जैन वी. प्रोटोकॉल्स फॉर डायनेमिक एंडोक्राइन एसेस. इन : जैन वी, मेनन आर. केस बेस्ड रिव्यूस इन पीडियट्रिक एंडोक्राइनोलॉजी. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः जेपी ब्रदर्स;2015:284–292.

263. यादव जे, सतपथी ए, जैन वी. एंडोक्राइन एक्यूज ऑफ डिस्टुर्बेड सोडियम एंड वाटर होमियोस्टेसिस. इन : जैन वी, मेनन आर (एड). केस बेस्ड रिव्यूस इन पीडियट्रिक एंडोक्राइनोलॉजी. फस्ट एडिशन. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स;2015:157–168.

264. यादव आरके. माइंड, मेडिसिन एंड मेडिटेशनः एन एविडेंस बेस्ड साइंटिफिक जर्नी. इनः यादव आरके (एड). माइंड, मेडिसिन एंड मेडिटेशनः एन एविडेंस बेस्ड अपडेट. फस्ट एडिशन. नई दिल्ली : कॉन्फ्रेंस बुक;2014:11–34.

पुस्तकें

1. अग्रवाल आर, देवरारी ए, पॉल वी. प्रोटोकॉल्स इन नियोनेटोलॉजी. फस्ट एडिशन, नई दिल्लीः सीबीएस;2014.
2. अम्बेकर ए, राव आर, वार्ष्णेय एम, प्रशांत आर, धवन ए, जैन आर, रे आर, भोला एस, गुप्ता एन, चोपड़ा ए, सेठी एच. पोस्ट मार्केटिंग सरवाइलेंस ऑफ मेथाडोन इन इंडिया. नई दिल्ली : नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर, ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली :2014
3. अम्बेकर ए, राव आर, वार्ष्णेय एम, प्रशांत आर, धवन ए, जैन आर, रे आर, भोला एस, गुप्ता एन, चोपड़ा ए, सेठी एच. पोस्ट मार्केटिंग सरवलाइंस ऑफ मैथडोन इन इंडिया – रिपोर्ट सबमिटेड टू ड्रग कंट्रोलर जनरल (इंडिया), सेंट्रल ड्रग स्टैंडर्ड्स कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन, मिनिस्ट्री ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया. नई दिल्ली : नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर, ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज;2014.
4. अम्बेकर ए, विश्वनाथन ए, शर्मा यू, राजू आर, सिंह एस. ड्रग यूज पैटर्न्स अमंग क्लाइंट्स रिसिविंग सर्विसेज फ्रॉम टरगेटेड इंटरवेंशन्स फॉर पीपल हू इंजेक्ट ड्रग्सः फाइडिंग्स फ्रॉम बिहार, हरियाणा, जम्मू एंड उत्तराखंड, नई दिल्लीः इंडिया एचआईवी/एड्स एलायंस; 2014.
5. एंड्रयूज आर, वाधवा एस. शेली. एक्सरसाइज फॉर कीमोथेरेपी इंडुस्ड पेरिफेरल न्यूरोपैथी. नई दिल्लीः कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स, नई दिल्ली; 2015.
6. भाट पी, मडगे वी, मोर एन, पॉल वीके, बालु पी. स्टेट–फ्लेक्सिबल एसेंशियल हेल्थ पैकेज.
7. चट्टोपाध्याय टीके, साहनी पी, पाल एस. जीआई सर्जरी अनुअल. वॉल्यूम 21. नई दिल्लीः आईएएसजी; 2014.1–180.
8. देवरारी ए. एप्पस ऑन एंड्रॉइड गूगल प्ले एम्स–डब्ल्यूएचओसीसी एसटीपी, ईएनबीएस. सेकेंड एडिशन. इंडिया गूगल प्ले स्टोर; 2014.
9. देवरारी ए. एप्पस ऑन आईफोन्स/आईपैड–न्यूबॉर्न केयर; सिक न्यूबॉर्न. सेकेंड एडिशन. यूएसए : एप्पल स्टोर; 2014.
10. देवरारी एके. न्यूबॉर्न नर्सिंग फॉर फैसिलिटी बेस्ड केयर. थर्ड एडिशन,नई दिल्ली : पपयरी प्रिंट्स;2014.
11. धवन ए, राव आर, अम्बेकर ए, चोपड़ा ए, जैन आर, यादव डी, रे आर. मेथडोन मैंटेनेंस ट्रीटमेंट इन इंडिया : ए फियासिबिलिटी एंड इफेक्टिवनेस रिपोर्ट. यूएनओडीसी (आरओएसए) एंड एनडीडीटीसी (एम्स), नई दिल्ली : पब्लिशड बाय यूनाइटेड नेशन्स ऑफिस ऑन ड्रग्स एंड क्राइम, रिजनल ऑफिस फॉर साउथ एशिया;2014.
12. गोस्वामी एके. डेंगू मलेरिया एंड चिकनगुनिया. सेकेंड एडिशन. नई दिल्लीः डिपार्टमेंट ऑफ सेंट्रल फॉर कम्युनिटी मेडिसिन,एम्स,नई दिल्ली; 2015.
13. गुप्ता पी, मेनन पीएसएन, रामजी एस, लोढ़ा आर. पीजी टेक्स्टबुक ऑफ पीडियट्रिक्स. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः सीबीएस; 2015.
14. जैन वी, मेनन आर. केस बेस्ड रिव्यूस इन पीडियट्रिक एंडोक्राइनोलॉजी. फस्ट एडिशन. नई दिल्ली : जेपी ब्रदर्स; 2015:1–300.
15. जैसवाल ए, मिलो टी. हैंड बुक ऑफ फॉरेंसिक एनालायटिकल टॉक्सीकोलॉजी. फस्ट एडिशनः जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स(पी) लि;2014.
16. काबरा एसके. लोढ़ा आर. पीडियट्रिक इंटेंसिव केयर प्रोटोकॉल्स ऑफ एम्स. फिफ्थ एडिशन. नई दिल्ली : इंडियन जर्नल ऑफ पीडियट्रिक्स;2015.
17. कपूर पीएम, सिंह एसपी. ट्रांससोफेजियल इकोकार्डियोग्राफी ऑफ कोन्जेनिटल हार्ट डिजीज. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः जेपी 2014;1–350.
18. खैतान बीके, सच्चिदानंद एस (एड). आईएडीवीएल टेक्स्टबुक ऑफ डार्मोटोलॉजी. फॉर्थ एडिशन. मुम्बई : भलानी पब्लिशिंग हाउस; 2015.
19. खन्ना एन, कुमार एएस (एड). वर्ल्ड क्लिनिक्स इन डर्मोटोलॉजी. पसोरियसिस इशू. नई दिल्लीः जेपी ब्रदर्स;2014.
20. खन्ना एन, सिंह एस. भूटानी कलर एटलास ऑफ डर्मोटेलॉजी. 6 एडिशन. नई दिल्लीः जेपी ब्रदर्स;2014.
21. कोचुपिलाई वी, धवन ए, झांजी एस, पटनायक आर (एड). बुक ऑफ एब्स्ट्रेक्ट्स. कॉन्फ्रेंस ऑन स्ट्रेस रिडक्शन स्कील्स. साइंटिफिक अपडेट,30और31अगस्त,2014.
22. लोढ़ा आर, काबरा एसके, सिन्हा ए, ठुकराल ए. पीडियट्रिक प्रोसीडिर्स. फस्ट एडिशन. सीबीएस पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रिबुटर्स;2014.
23. मल्होत्रा एस, यादव के. गोस्वामी ए, मिश्रा एसएस, कांत एस, पांडव सीएस. एचिविंग ऑप्टिमल विटामिन ए न्यूट्रिशन इन इंडिया. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः एम्स, नई दिल्ली;2015.
24. मेहता एम एंड सागर आर (एड). ए प्रैक्टिकल एप्रोच टू कॉग्निटिव बिहेवियर थेरेपी फॉर एडोलसेंट्स; स्प्रिंगर इंडिया.
25. मेहता एम. एंड सागर आर. ए कॉम्प्रीहेंसिव एसेसमेंट फॉर चिल्ड्रन विद् स्पेसिफिक लर्निंग डिसएबिलिटी इन अंग्रेजी एंड हिंदी.साइकोमैट्रिक्स;2015.
26. मल्टीऑथर. सेलियाक डिजीज. फस्ट एडिशन. नई दिल्ली : कोन्टेटवर्क्स 2015;1–129.

27. पॉल वीके, बग्गा ए (एड). एसेंशियल पीडियट्रिक्स. 8 एडिशन. नई दिल्ली : सीबीएस;2014.
28. प्रसाद के. स्टेम सेल : संक्षेप में सभी आवश्यक जानकारी (हिंदी). फस्ट एडिशन. नई दिल्ली : एम्स, नई दिल्ली 2014.
29. राव आर, अग्रवाल ए, अम्बेकर ए. ऑपियॉइड सबस्टीट्यूशन थेरेपी अंडर नेशनल एड्स कंट्रोल प्रोग्रामः क्लिनिकल प्रैक्टिस गाइडलाइन्स फॉर ट्रीटमेंट विद् बुप्रीनोफाइन. नई दिल्लीः डिपार्टमेंट ऑफ एड्स कंट्रोल, मिनिस्ट्री ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया;2014.
30. राव आर. कुमार एम. सिंह एम. एवोलुशन ऑफ टरगेटेड इंटरवेशन प्रोग्राम फॉर हाई रिस्क ग्रूप्स इन पंजाब अंडर नेशनल एड्स कंट्रोल प्रोग्राम–।।।ःए डॉक्यूमेंटरी. नई दिल्ली/चंडीगढ़ : पंजाब स्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी एंड सोसायटी फॉर प्रोमोशन ऑफ युथ एंड मासेस; 2013.
31. रे एमडी. गेटवे टु ऑपरेटिव सर्जरी. 2015 एडिशन. दिल्ली : सीबीएस पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रबुटर्स प्रा. लि. 2015;1–270.
32. रुसिया यू. सिक्का एम, सक्सेना आर. कंसेस हिमेटोलॉजी फॉर अंडरग्रेजुएट स्टुडेंट्स. नई दिल्ली : विले इंडिया प्रा.लि.;2014.
33. सागर आर. पटनायक आरडी, मेहता एम. (एड) स्पेसिफिक लर्निंग डिसऑर्डर : इंडियन सीनेरियो. डिपार्टमेंट ऑफ साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी (डीएसटी) एंड एम्स, नई दिल्ली, इंडियाः जनवरी 2015.
34. सहगल आर, त्रिखा ए, सिंह बी. ईयर बुक ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी–4. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः जेपी. द हेल्थ साइंसेस पब्लिशर 2015ः1–335.
35. शरन पी, सागर आर. द डेवलपमेंट ऑफ ए क्लचरली सेंसिटिव डिप्रेशन एडेंटिफिकेशन इंस्ट्रुमेंट फॉर एसईएआरओ. नई दिल्ली : डिपार्टमेंट ऑफ साइकायट्री एम्स एंड डब्ल्यूएचओ, एसईएआरओ;2014.
36. शर्मा आर (एड). एपीआई टेक्स्ट बुक ऑफ मेडिसिन. 10 एडिशन. नई दिल्लीः जेपी;2015.
37. सिंह एम, देवरारी ए. ड्रग डोसेज इन चिल्ड्रन. 8 एडिशन. नई दिल्ली : सीबीएस;2015.1–192.
38. टंडन आर. पर्सन्स डिजीज ऑफ द आई. 22 एडिशन. एल्सेवियर.
39. तिवारी वी, राजेश्वरी एमआर. स्टडीज ऑन कार्बोपेनेमास एंड मेम्ब्रांस प्राटियोमा ऑफ एसिनेटोबैक्टर बौमिनाई, लेम्बेर्ट पब्लिकेशन (जर्मनी), 2014पेजः253.
40. त्रिपाठी एम. डिमेंशिया डिकॉडेड. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः कोन्टेंटवर्क्स पब्लिकेशन्स 2014.
41. वनथी एम, चौधरी जेड. अंडरग्रेजुएट ऑफ्थेलमोलॉजी. नई दिल्लीः लिपिनकॉट विलियम्स एंड विकिन्स.
42. विद्यासागर डी, देवरारी ए. एडवांसेस इन नियोनेटोलॉजी. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः इंडियन जर्नल ऑफ पीडियट्रिक्स; 2015.
43. यादव आरके (एडिटर). माइंड मेडिसिन एंड मेडिटेशनः एन एविडेंस बेस्ड अपडेट. फस्ट एडिशन. नई दिल्लीः कॉन्फ्रेंस बुक 2014.
44. जोडपेय एस, पॉल वीके (एड). स्टेट ऑफ इंडियास न्यूबर्न्स रिपोर्ट 2014. नई दिल्लीः पीएचएफआई, एम्स.

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

वर्ष 2014–2015 का

प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

अ. भा. आ. सं. (मुख्य) (क) (राशि ₹ में)

प्राप्तियां					भुगतान			
क्र. सं.	विवरण		2014-15	2013-14	क्र. सं.	विवरण	2014-15	2013-14
1	**अथशेष**				1	**केन्द्रों /स्कीम सेल को अंतरित अनुदान**		
क.	**बैंक में नकद**				क.	**डॉ. रा. प्र. केन्द्र**		
i)	क) अ. भा. आ. सं. (मुख्य)	1643778222			i)	योजना		
	(ख) अ. भा. आ. सं. (मुख्य) के				क)	पूंजी परिसंपत्ति	450000000	303300000
	पास बचे हुए विशेष अनुदानों				ख)	सहायता अनुदान वेतन	68000000	56100000
	का अव्ययित शेष	328403940	1972182162	2421796446		ग) सहायता अनुदान सामान्य	110000000	114000000
ii)	स्कीम सेल		151959615	170451547	ii)	गैर–योजना		
						क) सहायता अनुदान वेतन	526600000	49960000
ख	**नकद राशि (अग्रदाय)**							
i)	अ. भा. आ. सं. (मुख्य)							
	कोषाध्यक्ष की रोकड़				ख.	**हृदय तंत्रिका केन्द्र**		
	पुस्तक के अनुसार				i)	योजना		
	शेष		713150	703950		क) पूंजी परिसंपत्ति	279200000	450000000
						ख) सहायता अनुदान वेतन	375700000	120825000
ग.	**अवितरित_शेष राशि**					ग) सहायता अनुदान सामान्य	145000000	150000000
i)	अ. भा. आ. सं. (मुख्य)				ii)	गैर–योजना		
ii)	स्कीम सेल		182500	61475		क) सहायता अनुदान वेतन	1203400000	1093500000
						ख) सहायता अनुदान सामान्य	330600000	330000000

घ.	**निर्धन रोगी खाता**		
	अ. भा. आ. सं. (मुख्य)		
	क) नकद / बैंक	2990178	2597226
	ख) एफ. डी. आर.	1202610	1202610
ङ.	**रोगी उपचार खाता**		
	अ. भा. आ. सं.	114796158	106306586
च	**छात्रावास**		
	क) नकद राशि		
	ख) बैंक में नकद	1224480	956437
	ग) एफ डी आर	4539406	5283021
छ	**जराचिकित्सा विभाग**		
	बैंक में नकद	22757485	28340109
ज	**सीमा शुल्क खाता**		
	बैंक में नकद	179115763	195937688
झ	**पी डी ए खाता**		
	क) बैंक में नकद	12319405	13653385
ञ	**नई पेंशन योजना**		
	क) रोकड़ पुस्तक	7389978	7613109
ट	**सामान्य भविष्य निधि**		
	रोकड़ पुस्तक	100908809	94780742

ग.	**राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केन्द्र**			
	योजना			
	i) पूंजी परिसंपत्ति	20124000		
	ii) सहायता अनुदान सामान्य	59300000		
	ii) सहायता अनुदान वेतन	86900000	166324000	144400000
घ.	**डॉ. बी. आर. अं. सं. रो. कैं. अ.**			
i)	योजना			
	क) पूंजी परिसंपत्ति		491120000	98400000
	ख) सहायता अनुदान वेतन		16050000	14535000
	ग) सहायता अनुदान सामान्य		67500000	34100000
ii)	गैर–योजना			
	क) सहायता अनुदान वेतन		461000000	374100000
	ख) सहायता अनुदान सामान्य		300000000	260000000
ङ.	**जे. पी. एन. एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र**			
	योजना			
	i) पूंजी परिसंपत्ति		183798466	159614434
	ii) सहायता अनुदान (सामान्य)		567800000	500000000
	ii) सहायता अनुदान (वेतन)		693700000	591025000
च.	**दन्त शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र**			
	योजना			
	i) पूंजी परिसंपत्ति		20000000	16000000
	ii) सहायता अनुदान सामान्य		62000000	53125000
	ii) सहायता अनुदान वेतन		11341000	43500000

2	**भारत सरकार से अनुदान**			
	क) योजना			
	i) पूंजी परिसंपत्ति		2640000000	2150000000
	ii) सहायता अनुदान सामान्य		1700000000	1400000000
	iii) सहायता अनुदान वेतन		1870000000	1300000000
	ख) गैर–योजना			
	i) सहायता अनुदान सामान्य		2980000000	2450000000
	ii) सहायता अनुदान वेतन		7030000000	6250000000
	ग) राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र योजना			
	i) पूंजी परिसंपत्ति	20124000		
	ii) सहायता अनुदान सामान्य	59300000		
	iii) सहायता अनुदान वेतन	86900000	166324000	144400000
घ)	चूक समिति (योजना)			
	i) पूंजी परिसंपत्ति		150000000	
	ii) सहायता अनुदान वेतन		108900000	200000000
3	विविध प्राप्तियां		207130465	304465872
4	अस्पताल प्राप्तियां		230137000	221831999
5	ब्याज		175251740	280176542
6	लाइसेंस शुल्क		25504758	29976971
7	शिक्षण शुल्क / परीक्षा शुल्क		24044324	22383500

2	**प्रशासनिक व्यय**		
	अ. भा. आ. सं. (मुख्य)		
	क) वेतन एवं भत्ते	3806746737	3465356326
	ख) यात्रा भत्ते	26561800	28065041
	ग) छात्रवृति	34502518	30464039
	घ) अवकाश वेतन एवं पेशन अंशदान	1692353	1611517
ङ)	पेंशन लाभ	730283344	682913755
3	कार्यालय आकस्मिकता	627531301	602423155
4	सामग्री एवं आपूर्ति (गैर–योजना)	1781495563	1580151904
5	मशीनरी एवं उपकरण की मरम्मत एवं अनुरक्षण	50040193	26987234
6	भवन अनुरक्षण	182490458	152280924
7	कर्मचारी बीमा योजना	9780144	15452805
8	सामान्य भविष्य निधि	467982896	434579282

8	कर्मचारी स्वास्थ्य योजना			9	वसूलनीय अग्रिम			
	(ई.एच.एस.)	43032031	39049789		क) कार	280000	160000	
					ख) स्कूटर / मोटर साइकिल	947000	822000	
9	बर्तन निधि	152412	324020		ग) साइकिल	3000		
					घ) भवन निर्माण अग्रिम	1059950	546090	
10	कर्मचारी बीमा				ङ) कंप्यूटर	780000	930000	
	योजना	15088610	12058837		च) त्योहार	4986000	3045000	
11	सामान्य भविष्य निधि	467982896	434579282	10	विशिष्ट उद्देश्य हेतु प्राप्त			
					अनुदान में से व्यय			
12	बाह्य वसूलियां	637352917	568174585		(स्कीम सेल)			
					i) परिशिष्ट – क	823845015		
13	जमानत जमा /बयाना राशि	59668835	57817949		ii) वर्ष 2013–2014 की अवितरित			
					जमा राशि का भुगतान अब	182500		
14	अवधान राशि	59000	56700		iii) वर्ष 2014–15 की अवितरित			
15	अवकाश वेतन एवं				न्यून राशि	290000	823737515	772564883
	पेंशन अंशदान	86323	509671	11	प्रसवोत्तर कार्यक्रम			
16	वसूलनीय अग्रिम				(प्रोत्साहन राशि)		494510	728815
	क) कार	191088	628812					
	ख) स्कूटर / मोटर साइकिल	624721	1683124	12	पुस्तकें एवं प्रकाशन		103780948	28785730
	ग) साइकिल	81228						
	घ) भवन निर्माण अग्रिम	2161128	2080588	13	योजना			
	ङ) कंप्यूटर	924876	1192274		क) वेतन		621348709	497307113
	च) त्योहार	3957075	3125725		ख) स्पेयर एवं एसेसरीज		214139945	158813716
					ग) मशीनरी एवं उपकरण		440410770	546243470
17	प्रसवोत्तर				घ) भवन निर्माण			
	कार्यक्रम				i) बड़े कार्य		207130599	85129100

	(प्रोत्साहन राशि)	550000	700000
18	विशिष्ट उद्देश्यों हेतु प्राप्त अनुदान		
	परिशिष्ट – क		
	(स्कीम सेल)	691607948.00	678689427
19	योजनाएं		
	प्रत्यक्ष प्राप्त	65128903	67412100
20	विविध दान		
	(परिशिष्ट – घ)	49239622	46395767
21	आवर्ती निधि	73748000	72160000
22	नई पेंशन योजना	104352134	79079853
23	कोकलियर इम्पलांट रोगी उपचार खाता	26987000	53275500
24	जमा कार्य		
(क)	ट्रॉमा केंद्र में धर्मशाला के निर्माण हेतु भारतीय पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन		29000000
(ख)	मैसर्स आर.एस.एस.एस. विश्राम सदन		352000
(ग)	राजगढ़िया, सुरेखा एवं श्री साईं विश्राम सदन		800000

	ii) लघु कार्य	271243888	215459730
	ङ) कंप्यूटरीकृत	107302512	27887492
	च) यात्रा भत्ते	29477521	26970452
14	वाहनों की खरीद		
	क) परिवहन कार्यालय	5399788	6822189
	ख) अस्पताल भंडार		
15	<u>अग्रिम भुगतान</u>		
	क) विदेशी खरीद हेतु सामग्री एवं आपूर्ति (गैर योजना)	2986811	5997407
	ख) विदेशी खरीद हेतु मशीनरी एवं उपकरण (योजना)	434808527	327073375
	ग) भंडार की प्राप्ति हेतु पी. ए. ओ.	2000000	2500000
	घ) अस्थायी / आकस्मिक अग्रिम	47473500	20867188
	ङ) भंडार हेतु निजी कंपनी	28720406	7941690
	च) मशीनरी एवं उपकरण हेतु सीमा शुल्क		50000000
	छ) पुस्तकों एवं पत्रिकाओं हेतु	17084306	65456888
	ज) नेशनल इन्फोर्मेटिक सेंटर्स सर्विसिस इंक कंप्यूटरीकरण के लिए	4432357	10827211
	झ) सर्जिकल ब्लॉक हेतु एचएससीसी (चूक)	166694714	40000000
	ञ) पीसी एवं टीचिंग ब्लॉक चरण –II हेतु एचएससीसी (चूक)		78300000
	ट) एम्स परिसर में छात्रावास ब्लॉक के निर्माण हेतु एचएससीसी (चूक)		210000000

				ठ) ए.सी. खरीदने हेतु कोहली एंड कं. (बड़े कार्य)		235810
25	यू.एन.डी.सी.पी. अनुदान		5000000	ड) बीआरपी (बड़े कार्य)		6033756
				ढ) कार्यकारी अभियंता (बड़े कार्य)		20900000
26	प्रधान मंत्री राहत कोष		10000000	ण) एक्स. इंजी., सीपीडब्ल्यूडी (बड़े कार्य)		10633620
				त) भूमिगत पार्किंग हेतु एचएससीसी		
27	सम्मेलन हेतु प्राप्ति	6000242	1275000	(बड़े कार्य)	1877000	3377000
				थ) ए.सी. हेतु ब्लू स्टार लि.		
28	दान			(अनुरक्षण)	6293392	2600576
	(i) आर. एल. राजगढिया		385000	द) सी.एन.सी. – सी.सी.यू. वार्ड की मरम्मत हेतु		
	(ii) डॉ. बी. के. आनन्द (यूनिट ट्रस्ट)	100000		एच.एस.सी.सी. (बड़े कार्य)		20100000
	(iii) हरी प्रकाश ओरेशन	500000		ध) ए.सी. खरीदने हेतु सिदवाल रेफ्रीजरेशन		
	(iv) ओ. पी. घई	1000000		(बड़े कार्य)	305384	1416168
	(v) सरिंद्र मान सिंह	500000		न) ए.सी. खरीदने हेतु हिटैची होम्स		
				(बड़े कार्य)		81817
29	बाल मूत्ररोग विज्ञान हेतु			प) ए.सी. खरीदने हेतु एल.जी. इलैक्ट.		
	एशियाई सोसायटी से प्राप्ति		500000	(बड़े कार्य)		2385534
				फ) ए.सी. के बदलने हेतु एल.जी. इलैक्ट.		
30	महानिदेशक, आई.सी.एम.आर. से प्राप्ति		487197	(बड़े कार्य)	2986144	
				ब) सचिव, एन.डी.एम.सी. (बड़े कार्य)		4560000
31	छात्र यूनियन पल्स हेतु प्राप्ति		602000	भ) सी.सी.यू. की मरम्मत हेतु एच.एस.सी.सी.		
				(बड़े कार्य)		10000000
32	ऊर्जा संसाधन संस्थान हेतु प्राप्ति		75000	कक) ट्रॉमा केंद्र हेतु एच.एस.सी.सी.		
				(बड़े कार्य)		56500000
33	राष्ट्रीय संगोष्ठी हेतु प्राप्ति		75000	कख) रेजीडेंट के लिए निर्माण हेतु एच.एस.सी.सी.		
				(बड़े कार्य)		100000000
				कग) ए सी खरीदने हेतु यूनिवर्सल कंफर्ट		

	(बड़े कार्य)		2845290	3555107
	कघ) नाले एवं बाऊंड्री दिवार हेतु सी.पी.डब्ल्यु.डी.			
	(बड़े कार्य)		9128220	
	कङ) वाटर कूलर हेतु यूनिवर्सल कंफर्ट			
	(बड़े कार्य)		1542893	
	कच) प्राइवेट वार्ड के निर्माण हेतु एच.एस.सी.सी.			
	(बड़े कार्य)		92000000	
	कछ) ट्रॉमा केंद्र हेतु एच.एस.सी.सी.			
	(बड़े कार्य)		100000000	
	कज) नाईट सेल्टर हेतु एच.एस.सी.सी.			
	(बड़े कार्य)		50000000	
16	जमानत जमा / बयाना राशि			
	(i) वर्ष 2013–2014 तक			
	प्राप्तियों से वापसी	47089709		
	(ii) वर्ष 2014–15 से संबद्ध	14013000	61102709	44555514
17	बाह्य वसूलियां		649129163	80223017
18	विविध दान			
	(परिशिष्ट – घ)		49051570	44488173
19	आवर्ती निधि		66919000	68145000
20	नई पेंशन योजना			
	i) नेशनल सिक्योरिटी डिपोजिटरी लि. के लिए		198105738	139169984
	ii) नई पेंशन योजना खाते के लिए		31080228	19469897
21	कोकलियर इम्पलांट रोगी खाता		26793000	54240000
22	जमा कार्य			
	(क) मैसर्स आर.एस.एस.एस. विश्राम सदन			352000
	(ख) राजगढ़िया, सुरेखा एवं श्री साई विश्राम			

34	**निर्धन रोगी खाता**		
	क) अनुदान	2720037	385806
	ख) ब्याज	454647	104946
	ग) एफ. डी. आर.		
35	**रोगी उपचार खाता**		

	सदन		136789
23	बीमा योजना से जुड़ी हुई जमा राशि	480000	391548
24	चूक समिति		
	क) बड़े कार्य		199263665
	ख) वेतन एवं भत्ते	217900000	191000000
	ग) मशीनरी एवं उपकरण (भंडार)	22843608	9030176
25	ऊर्जा संसाधन संस्थान के लिए भुगतान		75000
26	राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए भुगतान		75000
27	यू.एन.डी.सी.पी. अनुदान		5000000
28	बर्तन निधि (व्यय)	6500	
29	प्रधान मंत्री राहत कोष		10000000
30	छात्र यूनियन पल्स हेतु भुगतान		602000
31	सम्मेलन हेतु वापसी	6000242	1275000
32	निवेश		
	(i) आर. एल. राजगढिया		385000
	(ii) डॉ. बी. के. आनन्द (यूनिट ट्रस्ट)	100000	
	(iii) हरी प्रकाश ओरेशन	500000	
	(iv) ओ. पी. घई	1000000	
	(v) सरिंद्र मान सिंह	500000	
33	बाल मूत्र रोग विज्ञान हेतु एशियाई सोसायटी को भुगतान		500000
34	महानिदेशक आई. सी. एम. आर. को भुगतान		487197
35	**निर्धन रोगी खाता**		
	1 अ. भा. आ. सं.	79090	97800
36	**रोगी उपचार खाता**		

	(क) अनुदान	80695940	97787697		1 अ. भा. आ. सं.	60525443	74299704
	(ख) ब्याज	4782925	4231872		2 बैंक निकासी प्रभार	5704	8212
					3 एम्स (मुख्य) खाते में अंतरित		
					अर्जित ब्याज		19222081
36	**छात्रावास**			37	**छात्रावास**		
	i) जमानत जमा	1421000	1320000		1 जमानत वापसी	1277000	1182500
	ii) विविध प्राप्तियां	810656			2 विविध व्यय		
	iii) अर्जित ब्याज	46525	174932		3 एम्स मुख्य खाते में जमा	1374185	788004
37	**जरा चिकित्सा विभाग**			38	**जरा चिकित्सा विभाग**		
	(i) प्राप्त ब्याज	921251	1170525		(i) वेतन		2910000
					(ii) सामग्री और आपूर्ति (गैर–योजना)	403304	2469845
					(iii) अनुसंधान गतिविधियां	2575000	
					(iv) इंजीनियरिंग विभाग को अग्रिम		350000
					(v) मशीनरी एवं उपकरण	194513	22045
					(vi) अ.भा.आ. सं. को वापसी		
					(vii) फर्नीचर		758502
					(viii) बैंक प्रभार	102	402
					(ix) प्रशिक्षण		242355
38	**सीमा शुल्क खाता**			39	**सीमा शुल्क खाता**		
	प्राप्तियां	110000000	140000000		(i) भुगतान	133680823	156821925
					(ii) 2013–14 के लिए शुद्धि	108851062	
39	**पी डी खाता**			40	**पी डी खाता**		
	प्राप्तियां	4500000	3500000		भुगतान	4132694	4833980
40	**नई पेंशन योजना**			41	**नई पेंशन योजना**		
	i) प्राप्तियां (पैतृक डेटा)	178978493	24279265		i) भुगतान (पैतृक डेटा)	162336563	26751950
	ii) एफडीआर पर प्राप्त ब्याज	14266208	13261251		ii) बैंक प्रभार		1007

	iii) बैंक खाते में प्राप्त ब्याज		1489310
	iv) एफडी परिपक्वता राशि	600000000	760000000
41	**<u>सामान्य भविष्य निधि</u>**		
	i) सा. भ. नि. अंशदान	881646867	683373681
	ii) प्राप्त ब्याज	338791585	326700804
	iii) परिपक्वता निवेश	1425402450	1091300000

	iii) एफडी पर किया गया निवेश		627500000	772500000
42	**<u>सामान्य भविष्य निधि</u>**			
	i) आहरण		796851129	565667134
	ii) निवेश		1887432648	1529579284
43	**<u>अंतशेष</u>**			
क	**<u>बैंक में नकद</u>**			
1	क) अ. भा. आ. सं. (मुख्य)	1654755804		
	ख) अ. भा. आ. सं. (मुख्य) के पास बचे हुए विशिष्ट अनुदान का अव्ययित शेष	363262490	2018018294	1972182162
2	स्कीम सेल		99992901	151959615
	ख <u>नकद राशि (अग्रदाय)</u>			
	1 अ. भा. आ. सं. (मुख्य)			
	क) कोषाध्यक्ष की रोकड़ पुस्तक के अनुसार शेष		773150	713150
	ग <u>अवितरित शेष राशि</u>			
	1 अ. भा. आ. सं. (मुख्य)			
	2 स्कीम सेल		290000	182500
घ	**<u>निर्धन रोगी खाता</u>**			
	1 अ. भा. आ. सं. (मुख्य)			
	क) नकद / बैंक		5758278	2990178
	ख) एफ. डी. आर.		1530104	1202610

			ङ	**रोगी उपचार खाता**		
				अ. भा. आ. सं.	139743876	114796158
			च	**छात्रावास**		
				1 नकद राशि		
				2 बैंक में नकद	465320	1224480
				3 एफ. डी. आर.	4925562	4539406
			छ	**जरा चिकित्सा विभाग**		
				बैंक में नकद	20505817	22757485
			ज	**सीमा शुल्क खाता**		
				बैंक में नकद	46583878	179115763
			झ	**पी डी खाता**		
				बैंक में नकद	12686711	12319405
			ञ	**नई पेंशन योजना**		
				रोकड़ पुस्तक	10798116	7389978
			ट	**सामान्य भविष्य निधि**		
				रोकड़ पुस्तक	62465934	100908809
उप – कुल (क)	**25776008331.00**	**23119625732**			**25776008331.00**	**23119625732**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र (ख)
वर्ष 2014–2015 का प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

प्राप्तियां					भुगतान				
क्र. सं.	**विवरण**		**2014-15**	**2013-14**	**क्र. सं.**	**विवरण**		**2014-15**	**2013-14**
I	**अथशेष**								
क	बैंक में नकद		107435696	102443276	I **क**	वेतन एवं भत्ते (गैर–योजना)		521023438	498720337
ख	नकद राशि				**ख**	वेतन एवं भत्ते (योजना)		68000000	56100000
i)	अग्रदाय		20000	20000	II	यात्रा व्यय		4935251	7362686
ii)	अवितरित शेष राशि		0	0	III	कार्यालय व्यय		19592776	21220893
					IV	लघु कार्य (राजस्व सामान्य)		41157875	51846811
					V	भवन अनुरक्षण		16102101	11292628
II	**सहायता अनुदान**								
i)	योजना (पूंजी परिसंपत्ति)	449831632			VI	सामग्री एवं आपूर्ति			
ii)	वेतन योजना	68000000			i)	सामग्री एवं आपूर्ति	289319891		
iii)	सहायता अनुदान सामान्य (आरजी)	101948473			ii)	किया गया अग्रिम भुगतान	5729436	295049327	295414517
iv)	वेतन गैर–योजना	526600000			VII	जमानत की वापसी		2258000	4240594
v)	गैर–योजना अन्य	180800000			VIII	मशीनरी एवं उपकरण की मरम्मत एवं रखरखाव गैर – योजना		2187103	7205436
vi)	गैर–योजना (एम्स मुख्य राजस्व से प्राप्त)	0	1327180105	1133000000	IX	**मशीनरी एवं उपकरण (योजना)**			
III	प्राप्त जमानत जमा	3910900	6514000		i)	मशीनरी एवं उपकरण (योजना) व्यय	351398219		
IV	एन.आई.ए.एफ.		100000	44600	ii)	अग्रिम भुगतान (विदेशी खरीद)	5663039	357061258	302024501
V	विभिन्न किट्स सहित अस्पताल प्राप्तियां		179983795	167843038	iii)	सी.ए.एम.सी. (आरजी)		60790598	62154000

VI	वसूलनीय / अग्रिम पर प्राप्त ब्याज	162000	280295				
VII	विविध प्राप्तियां	1153294	558860	X	वर्ष 2014–15 के दौरान वाहन खरीद	1468929	—
VIII	प्राप्त एम्स वसूलियां	113444399	103960879				
IX	प्राप्त बाह्य वसूलियां	52046118	50883335	XI	फर्नीचर एवं उपस्कर	1666763	1275499\
X	सी.एल.टी.डी. पर ब्याज	10259246	15937525				
XI	एन.एस.पी.बी.	—	—				
XII	**सहायता अनुदान (गैर – रा. प्र. कें. योजना)**			XII	**गैर – रा. प्र. के. योजनाओं के लिए भुगतान**		
1	ए बी एन एमरो नेत्र रक्शा	—	—	1	ए बी एन एमरो नेत्र रक्शा	—	—
2	एक्यूएट बैक्ट्रियल कंजेक्टिविटिस	—	—	2	एक्यूएट बैक्ट्रियल कंजेक्टिविटिस	—	—
3	परियोजनाओं द्वारा प्राप्त प्रशासनिक प्रभार	774729	1485022	3	प्रशासनिक प्रभार	426832	376041
4	दिल्ली की ग्रामीण गंदी बस्ती में मधुमेह रेटिनोपैथी (डी.आर.यू.एस.डी.)	0	3470990	4	दिल्ली की ग्रामीण गंदी बस्ती में मधुमेह रेटिनोपैथी (डी.आर.यू.एस.डी.)	1167317	3622716
5	ए.एम.डी. व्यू अध्ययन	—	—	5	ए.एम.डी. व्यू अध्ययन	—	—
6	बैक्ट्रियल कार्नियल अल्सर नेत्र उपचार	—	—	6	बैक्ट्रियल कार्नियल अल्सर नेत्र उपचार	—	—
7	ब्रीमिरीडाइन डी.एस. / डी.डी.एस.	—	34668	7	ब्रीमिरीडाइन डी.एस. / डी.डी.एस.	0	48310
8	मोतिया बिंद रोगी (आई.ओ.एल.)	—	842800	8	मोतिया बिंद रोगी (आई.ओ.एल.)	265440	349720
9	नेशनल ट्रेकोमा सर्वे पार्ट–ए और पार्ट–बी	1636237	6062056	9	नेशनल ट्रेकोमा सर्वे पार्ट–ए और पार्ट–बी	5097611	232476
10	ब्लिंक एंड क्लिन पर नैदानिक मूल्यांकन (ए.एम.ओ.)	—	—	10	ब्लिंक एंड क्लिन पर नैदानिक मूल्यांकन (ए.एम.ओ.)	—	—
11	नैदानिक मूल्यांकन ओजोन	—	—	11	नैदानिक मूल्यांकन ओजोन	—	—
12	जी.एन.ई.सी. (गुरू नानक नेत्र केंद्र)	—	—	12	जी.एन.ई.सी. (गुरू नानक नेत्र केंद्र)	—	—
13	अध्ययन औषधि (डीई–109)	250000	689300	13	अध्ययन औषधि (डीई–109)	236259	684905
14	सी. एस. आई. आर.	1347867	1574037	14	सी. एस. आई. आर.	1420615	1511055
15	डी. बी. टी. / एम. ए.	—	—	15	डी. बी. टी. / एम. ए.	—	—

16	डी. सी. डी. आर. एफ.	—	—	16	डी. सी. डी. आर. एफ.	—	—
17	डी. ई. जी. ए. एस	—	—	17	डी. ई. जी. ए. एस	—	—
18	डी. एम. ई.	—	—	18	डी. एम. ई.	—	—
19	डी.एस.टी. साइक्लोसपोरिन	—	—	19	डी.एस.टी. साइक्लोसपोरिन	—	—
20	डी.एस.टी. आंसू तरल का मूल्यांकन	—	—	20	डी.एस.टी. आंसू तरल का मूल्यांकन	—	—
21	एस.ई.आर.बी. – डी.एस.टी.	1800000	—	21	एस.ई.आर.बी. – डी.एस.टी.	1800000	—
22	ई.एन.डी.यू.आर.ई. अध्ययन	—	—	22	ई.एन.डी.यू.आर.ई. अध्ययन	—	—
23	ई.एस.जी. ग्लूकोमा का मूल्यांकन अध्ययन	—	—	23	ई.एस.जी. ग्लूकोमा का मूल्यांकन अध्ययन	—	—
24	एफ.ए.एम.ई अध्ययन	—	—	24	एफ.ए.एम.ई अध्ययन	—	—
25	एफ.टी.जी.	120929	65462	25	एफ.टी.जी.	120929	65462
26	हाइप्रीसीजन बायो एनेलीटियल फैसीलिटी (एचपी–बीएएफ)	85972	74519	26	हाइ प्रीसीजन बायो एनेलीटियल फैसीलिटी (एचपी–बीएएफ)	188848	290956
27	आई.सी.एम.आर	2027571	8685567	27	आई.सी.एम.आर	3303013	8369215
28	इंडेजेन (एलएसटीएम)	—	—	28	इंडेजेन (एलएसटीएम)	—	—
29	इंडिये	—	—	29	इंडिये	—	—
30	इनमास बायोमेडिकल डिस्पेंसिंग उत्पाद	—	—	30	इनमास बायोमेडिकल डिस्पेंसिंग उत्पाद	—	—
31	इनमास मानव भेषजगुण विज्ञान	—	—	31	इनमास मानव भेषजगुण विज्ञान	—	—
32	लक्स 201 जैव विज्ञान	—	—	32	लक्स 201 जैव विज्ञान	51892	—
33	लक्स 201 ओमनीकेयर	—	—	33	लक्स 201 ओमनीकेयर	0	196736
34	एम.ए. फाउंडेशन	300000	300000	34	एम.ए. फाउंडेशन	279473	367992
35	एम.बी.डी.एल. इली– लिलि	—	—	35	एम.बी.डी.एल. इली– लिलि	—	—
36	मायोपिया अध्ययन	—	—	36	मायोपिया अध्ययन	—	—
37	एम.के. मीडिया कॉर्नियल ट्रांसप्लांट (वित्त मंत्रालय)	0	1000000	37	एम.के. मीडिया कॉर्नियल ट्रांसप्लांट (वित्त मंत्रालय)	933314	1403666
38	मल्टीफोकल आई. ओ. एल.	—	—	38	मल्टीफोकल आई. ओ. एल.	—	—
39	एन.ए.बी.	—	—	39	एन.ए.बी.	—	—

40	दृष्टि दिल्ली – पी.ई.सी.	7021327	5495236	40	दृष्टि दिल्ली – पी.ई.सी.	5983425	4826970
41	नीमा इंटरनेशनल	—	—	41	नीमा इंटरनेशनल	—	—
42	पी.एच.एफ.आई./ क्यू.ई.डी.जे.टी.–ई.ई.आर	50000	350000	42	पी.एच.एफ.आई./ क्यू.ई.डी.जे.टी.–ई.ई.आर.	252498	147502
43	ल्यूमिनस अध्ययन	70915	140811	43	ल्यूमिनस अध्ययन	190802	14081
44	एन.पी.सी.बी. डी.ओ.एस प्रशिक्षण	819069	–	44	एन.पी.सी.बी. डी.ओ.एस प्रशिक्षण	733010	288977
45	एनपीसीबी नेत्र शिविर (गोड्डा झारखंड)	84828	–	45	एनपीसीबी नेत्र शिविर (गोड्डा झारखंड)	84828	94425
46	एनपीसीबी / डीबीसीएस	647250	30000	46	एनपीसीबी / डीबीसीएस	678015	541791
47	एनपीसीबी – एनएसयू	0	227973	47	एनपीसीबी – एनएसयू	162290	134940
48	एनपीसीबी – एसएसयू	190428	213189	48	एनपीसीबी – एसएसयू	150000	177928
49	ओ.ई.यू.	—	—	49	ओ.ई.यू.	0	65600
50	ओ.आर.बी.आई.एस. पी.ई.सी.पी.	—	—	50	ओ.आर.बी.आई.एस. पी.ई.सी.पी.	0	0
51	फार्माकोकिनेटिक कुइनेकरिन	—	—	51	फार्माकोकिनेटिक कुइनेकरिन	0	0
52	फेज –II ऐजरिलेटिड मेक्यूलर डिजेनरेशन मेनेट स्ट्डी (एआरएमडी)	—	—	52	फेज –II ऐजरिलेटिड मेक्यूलर डिजेनरेशन मेनेट स्ट्डी (एआरएमडी)	—	—
53	पिंक आई (बोसच एंड लॉम्ब)	—	—	53	पिंक आई (बोसच एंड लॉम्ब)	—	—
54	पोलिहर्बल मूल्यांकन डीईएस	—	—	54	पोलिहर्बल मूल्यांकन डीईएस	—	—
55	पोसूडुरेक्स पीएस/डीडीएस एलर्जन इंटरनेशनल	—	—	55	पोसूडुरेक्स एलर्जन इंटरनेशनल	—	—
56	पीवीडी / वीआरटी अध्ययन	—	—	56	पीवीडी / वीआरटी अध्ययन	—	—
57	रिलायंस रेलिनेत्र	—	—	57	रिलायंस रेलिनेत्र	—	—
58	आरओपी सेवाएं	224000	224625	58	आरओपी सेवाएं	356159	1038551
59	आरओपी कार्यशाला	—	—	59	आरओपी कार्यशाला	0	0
60	राष्ट्रीय आरओपी शिखर	0	1587406	60	राष्ट्रीय आरओपी शिखर	193821	1393585
61	दृष्टि सेवर	—	—	61	दृष्टि सेवर	—	—
62	एसएसएमआई – वीएफए	1000000	500000	62	एसएसएमआई – वीएफए	1065236	647039

63	शुष्क नेत्र की व्यापकता		—	—	63	शुष्क नेत्र की व्यापकता		91332	—
64	अंतरराष्ट्रीय एलर्जन शुष्क नेत्र का उपचार		—	—	64	अंतरराष्ट्रीय एलर्जन शुष्क नेत्र का उपचार		—	—
65	ट्रेकोमा परियोजना का व्यापक अध्ययन		0	110000	65	ट्रेकोमा परियोजना का व्यापक अध्ययन		0	109915
66	वि.स्वा.सं. गुजरात सर्वे		—	—	66	वि.स्वा.सं. गुजरात सर्वे		—	—
67	वि.स्वा.सं. मलेसिया		—	—	67	वि.स्वा.सं. मलेसिया		0	11000
68	वि.स्वा.सं. सिंद		—	—	68	वि.स्वा.सं. सिंद		—	—
69	वि.स्वा.सं. अल्पकालिक प्रशिक्षण		—	—	69	वि.स्वा.सं. अल्पकालिक प्रशिक्षण		0	0
70	ओजूरडेक्स परियोजना		157500	709200	70	ओजूरडेक्स परियोजना		201414	664074
71	व्यापक प्राथमिक नेत्र उपचार सेवाएं (सीपीईसीएस/ डीजेजेएस)		500000	713630	71	व्यापक प्राथमिक नेत्र उपचार सेवाएं (सीपीईसीएस/ डीजेजेएस)		803638	514132
XIII	एनआईएएफ		40460	3122					
XIII	नामे/जमा अग्रिम का अंतर (एलसी मार्जिन)		0		XIV	आईडीबीआई नामे/जमा कार्ड आयोग तथा सेवा प्रभार		311168	20527
XIV	**वसूलनीय अग्रिम**				XV	एम्स वसूलियों की छूट		113444399	103960879
क)	मोटर कार	10000			XVI	बाह्य वसूलियों की छूट		52046118	50883335
ख)	स्कूटर	0			XVII	एनपीएस अंशदान की छूट		8751840	7095009
ग)	साइकिल	0			XVIII	नामे/जमा अग्रिम का अंतर (एलसी मार्जिन)		..	
घ)	भवन निर्माण अग्रिम	22560			XIX	**वसूलनीय अग्रिम**			
ङ)	कंप्यूटर	0			क)	कार			
च)	त्योहार	745875	778435	1132681	ख)	स्कूटर	0		
					ग)	साइकिल	0		
					घ)	भवन निर्माण अग्रिम	0		
					ङ)	कंप्यूटर	90000		

				च)	त्योहार	769500	859500	738750
				xx	**अंत शेष**			
				क)	बैंक में नकद (रोकड़ पुस्तक के अनुसार)	222577695		
				ख)	नकद राशि (अग्रदाय)	20000	222597695	107455696
	कुल	**1815582610**	**1617204980**		**कुल**		**1815582610**	**1617204980**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

हृदय वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केन्द्र (ग)

वर्ष 2014–2015 का प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

प्राप्तियां				भुगतान				
क्र. सं.	**विवरण**	**2014-15**	**2013-14**	**क्र. सं.**	**विवरण**		**2014-15**	**2013-14**
क	**अथशेष**			**क**	**हृ. तं. केन्द्र**			
क)	**बैंक में नकद**			**1**	**प्रशासनिक व्यय**			
i)	हृ. तं. केन्द्र	86827399	5981079	क)	वेतन (गैर–योजना)		1197259227	1082342051
ii)	सी. टी. रोगी खाता	29043470	1218507	ख)	मजदूरी		6607717	19001621
iii)	तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता	29219234	22117646	ग)	यात्रा भत्ते		3398491	2933437
iv)	गामा नाईफ रोगी खाता	75191121	42283799					
v)	एंजियोग्राफी रोगी खाता	76524727	32215235					
vi)	निर्धन रोगी खाता	161132	132907					
ख)	**नकद राशि**							
i)	हृ. तं. केन्द्र (कोषाध्यक्ष के पास अग्रदाय)	61000	61000	**2**	**भंडार (गैर – योजना)**			
ii)	सी. टी. रोगी खाता	0	0	क)	मशीनरी एवं उपकरण की मरम्मत एवं अनुरक्षण		3210104	4378967
iii)	तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता	0	0	ख)	सामग्री एवं आपूर्ति (गैर – योजना)		338277363	335957492
iv)	गामा नाईफ रोगी खाता	0	0	ग)	सामग्री एवं आपूर्ति (आर्बो)		39920	29294
v)	एंजियो रोगी खाता	0	0	**3**	**भंडार (योजना)**			
ग)	**सावधि जमा**			क)	मशीनरी एवं उपकरण (अग्रिम भुगतान)	246292812		

i)	हृ. तं. केन्द्र		0	0
ii)	सी. टी. रोगी खाता		0	100000000
iii)	तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता		15900000	15900000
iv)	गामा नाईफ रोगी खाता		70000000	70000000
v)	एंजियो रोगी खाता		59800000	59800000
घ)	**<u>टीडीआर</u>**			
	हृ. तं. केन्द्र वर्ष 13–14	100000000		
	वर्ष 2014–15 के दौरान (–)	100000000	0	0
	<u>हश. तं. केन्द्र</u>			
1	**<u>सहायता अनुदान</u>**			
क)	पूंजी परिसंपत्ति (नई)		279200000	450000000
ख)	राजस्व सामान्य (योजना)			
i)	वेतन	375700000	375700000	
II)	राजस्व सामान्य	145000000		
	घटाएं : रोगी खाते में सीमा		110000000	293325000
	शुल्क (–)	35000000		
ग)	गैर–योजना			
i)	वेतन	1203400000		
ii)	सामान्य	330600000	1534000000	1423500000
2	विविध प्राप्तियां		9037577	10446452
3	अस्पताल प्राप्तियां			
क)	प्राइवेट वार्ड	43271053		
ख)	एक्स–रे	947095		
ग)	सी. टी. स्कैन प्रभार	4160250		
घ)	अल्ट्रा साउंड	198000	48576398	49197289
4	टी. डी. आर. पर ब्याज		14141283	32262983

ख)	मशीनरी एवं उपकरण (भारतीय मुद्रा)	164433300	410726112	293505863
ग)	फर्नीचर एवं उपस्कर		262606	3545274
4	**<u>राजस्व सामान्य</u>**			
क)	पुर्जे एवं अनुषंगी (सीटीसी)		26702022	48365064
ख)	पुर्जे एवं अनुषंगी (एनएससी)		22264458	48914550
ग)	वेतन (योजना)		375637573	119824353
घ)	श्रम शक्ति का किराया		29765831	15586439
ङ)	लघु कार्य		26227638	29484891
च)	हृद प्रक्रिया (बी.पी.एल.)		0	20000000
छ)	एन.एस.सी. निर्धन रोगी निधि		1263904	0
5	भवन अनुरक्षण		41251891	30485765
6	कार्यालय आकस्मिकता		9728256	9038429

5	वापसी एवं वसूलियां	2829048	2460714				
6	लेवी प्रभार	0	95380				
7	किराया प्रभार/ लाइसेंस शुल्क	1174005	1302787				
8	परिवहन प्रभार	0	0				
9	रोगी उपचार (सी.जी.एच.एस)	36690	0	7	रोगी उपचार (सी.जी.एच.एस)	439997	0
10	दान	452700	350100	8	दान	0	114400
11	जमानत जमा / बयाना राशि	6947000	10500500	9	जमानत जमा / बयाना राशि की वापसी	3726935	6255485
12	नाको निधि	0	400000	10	नाको निधि	0	400000
13	आर.टी.जी.एस. प्राप्त राशि (जमा अग्रिम)	32954726		11	आर.टी.जी.एस. प्राप्त राशि (नामे परामर्श)	32241862	
14	**आवर्ती निधि**			**12**	**आवर्ती निधि**		
i	तंत्रिका विज्ञान रोगी खाता	20333934	15662701	i	तंत्रिका विज्ञान रोगी खाता (वापसी एवं व्यय)	9838704	17971231
ii	थैलियम जांच	3539250	3495250	ii	थैलियम जांच	3892526	3374809
iii	हृद प्रतिरोपण दान	0	0	iii	हृद प्रतिरोपण दान	0	0
iv	हृद जांच	4933780	4858540	iv	हृद जांच (व्यय)	645803	6669226
v	प्रयोगशाला प्रभार	11230090	10953850	v	प्रयोगशाला प्रभार	10147122	5081895
vi	एम.आर.आई. प्रभार	2200400	342000	vi	एम.आर.आई. प्रभार	1459570	0
15	**प्राप्त वसूलियां**			**13**	**वसूलियों की छूट**		
i	**वसूलनीय अग्रिम**			i	**वसूलनीय अग्रिम**		
क)	कार अग्रिम	101592	204592	क)	कार अग्रिम	0	180000
ख)	स्कूटर अग्रिम	267746	237508	ख)	स्कूटर अग्रिम	150000	230000
ग)	साइकिल अग्रिम	0	0	ग)	साइकिल अग्रिम	0	0
घ)	कंप्यूटर अग्रिम	711600	426742	घ)	कंप्यूटर अग्रिम	660000	590000
ङ)	भवन निर्माण अग्रिम	769110	809250	ङ)	भवन निर्माण अग्रिम	0	0
च)	त्योहार अग्रिम	1344824	1121775	च)	त्योहार अग्रिम	1642500	1087500
ii	पी.ए.ओ. (सा.भ.नि.) को भेजी गई राशि	49854	51686	ii)	पी.ए.ओ. (सा.भ.नि.) को भेजी गई राशि	49854	51686

					iii	सा.भ.नि.			
					क)	सा.भ.नि.	128385245		
iii	सा.भ.नि.		128925242	118134951	ख)	पी.ए.ओ. (सा.भ.नि.) को भेजी गई राशि	539997	128925242	118134951
					iv	नई पेंशन योजना			
					क)	नई पेंशन योजना (अंशदान)	17892969		
iv	नई पेंशन योजना		47946216	27273123	ख)	नई पेंशन योजना (कर्मचारी अंश)	30053247	47946216	27273123
					ग)	नई पेंशन योजना (नियोक्ता अंश)	30053247	30053247	25762967
v	कर्मचारी स्वास्थ्य सेवाएं (संस्थान वसूली)		7069225	5555660	v	कर्मचारी स्वास्थ्य सेवाएं (संस्थान वसूली)		7073135	5551750
vi	जल प्रभार		399663	435884	**vi**	**<u>जल प्रभार</u>**		399663	435884
vii	बर्तन निधि		36040	32320	vii	बर्तन निधि		36040	32320
viii	बाह्य वसूलियां		183813012	159579615	**viii**	**<u>बाह्य वसूलियां</u>**		183813012	159579615
					क)	बाह्य वसूलियां	183810417		
					ख)	ख) पीएओ को भेजी गई राशि (ईआईएस)	2595		
x	संस्थान वसूली (कंप्यूटर अग्रिम)		0	2400	x	संस्थान वसूली (कंप्यूटर अग्रिम)		0	2400
xi	संस्थान वसूली (भवन निर्माण अग्रिम)		26400	26400	xi	संस्थान वसूली (भवन निर्माण अग्रिम)		26400	26400
xii	संस्थान वसूली (स्कूटर अग्रिम)		0	460	xii	संस्थान वसूली (स्कूटर अग्रिम)		0	460
xiii	एक दिवस राहत निधि		2734391	1535200	xiii	एक दिवस राहत निधि		2734391	1535200
16	टी.डी.आर.		100000000	0					
ख	**<u>सी. टी. रोगी खाता</u>**				**ख**	**<u>सी. टी. रोगी खाता</u>**			
1 क)	रोगी प्राप्तियां वर्ष 2014–15	278993596			1	सामग्री एवं आपूर्ति		256171137	241356664
ख)	एम्स हृ. तं. कें. खाते से प्राप्त	25000000			2	हृ. तं. कें. खाता एम्स में अंतरित		0	22500000
ग)	एंजियों रोगी खाते से प्राप्त	20000000			3	2014–15 में निर्धन/बी.पी.एल. रोगी उपचार व्यय		19774859	27910387
घ)	रोगियों को वापस (–)	54211588	269782008	213857426	4	बैंक प्रभार		13619	0
2	2014–15 के दौरान सावधि /सी.एल.टी. ब्याज		311669	5734588					

ग	**तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता**				**ग**	**तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता**		
1 क)	रोगी प्राप्तियां वर्ष 2014–15	93596166			1	सामग्री एवं आपूर्ति	82090469	63753674
ख)	रोगियों को वापस (–)	20484380	73111786	69900602	2	2014–15 में निर्धन/बी.पी.एल. रोगी उपचार व्यय	1955574	1723477
2	अर्जित ब्याज		615753	2678137	3	बैंक प्रभार	5446	0
घ	**गामा नाइफ रोगी खाता**				**घ**	**गामा नाइफ रोगी खाता**		
1 क)	रोगी प्राप्तियां वर्ष 2014–15	33843648			1	सामग्री एवं आपूर्ति	988793	1870982
ख)	रोगियों को वापस (–)	1255000	32588648	27324103	2	एम.आर.आई. प्रभार	0	1823000
2	अर्जित ब्याज		9981684	9277201				
ङ	**एंजियो रोगी खाता**				**ङ**	**एंजियो रोगी खाता**		
1 क)	रोगी प्राप्तियां वर्ष 2014–15	224737501			1	सामग्री एवं आपूर्ति	193590583	183378962
ख)	एम्स सी.एन.सी. खाते से प्राप्त	10000000			2	एम्स के सी.टी. रोगी खाते में अंतरित	20000000	0
ग)	रोगियों को वापस (–)	27502663	207234838	225552308	3	निर्धन/बी.पी.एल. रोगी उपचार व्यय	2964715	5495567
2	सावधि/सी.एल.टी.		8363964	7631713	4	बैंक प्रभार	11738	0
	ब्याज वर्ष 14–15 के दौरान							
छ	**निर्धन रोगी खाता**				**छ**	**निर्धन रोगी खाता**		
	दान		52785	29486		व्यय	3500	1260
						बैंक प्रभार	255	0
					छ	**अंत शेष**		
					क	बैंक में नकद		
					i)	हृ. तं. केन्द्र	59783863	86827399
					ii)	सी. टी. रोगी खाता	23177532	29043470
					iii)	तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता	2995284	29219234
					iv)	गामा नाईफ रोगी खाता	116772660	75191121
					v)	एंजियो रोगी खाता	25556493	76524727
					vi)	निर्धन रोगी खाता	210162	161133
					ख)	नकद राशि		

				i)	हृ. तं. केन्द्र (अग्रदाय)	61000	61000
				ii)	सी. टी. रोगी खाता	0	0
				iii)	तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता	0	0
				iv)	गामा नाईफ रोगी खाता	0	0
				v)	एंजियो रोगी खाता	0	0
				ग)	सावधि जमा		
				i)	हृ. तं. केन्द्र	0	0
				ii)	सी. टी. रोगी खाता	0	0
				iii)	तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता	31800000	15900000
				iv)	गामा नाईफ रोगी खाता	70000000	70000000
				v)	एंजियो रोगी खाता	109800000	59800000
				14	टी.डी.आर.	0	100000000
	कुल	**3976253014**	**3536276849**		**कुल**	**3976253014**	**3536276849**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल (घ)

वर्ष 2014–2015 का प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

प्राप्तियां				भुगतान			
क्र. सं.	**विवरण**	**2014-15**	**2013-14**	**क्र. सं.**	**विवरण**	**2014-15**	**2013-14**
1	**अथशेष**			1	वेतन एवं भत्ते	465019294	376398299
	बैंक में नकद	791001	6501558		श्रम शक्ति का किराया	33174902	26869292
	नकद राशि	0	0	2	अग्रिम		
2	**सहायता अनुदान**				कंप्यूटर अग्रिम + कार / स्कूटर अग्रिम	210000	180000
	राजस्व सामान्य (योजना)				त्योहार अग्रिम	634500	371250
(i)	मशीनरी एवं उपकरण	491120000	98400000	3	टी. ए. / डी. ए.	7129270	9261643
(ii)	सहायता अनुदान वेतन	16050000	14535000				

(iii)	सहायता अनुदान सामान्य	67500000	34100000	4	चिकित्सा अर्बुद विज्ञान	0	0
				5	आर. टी. आवर्ती निधि	565840	3461853
3	**गैर–योजना**			6	आकस्मिक बिल	2651358	2953542
(i)	सहायता अनुदान वेतन	461000000	374100000	7	भवन अनुरक्षण	12599530	10779144
(ii)	सहायता अनुदान सामान्य	300000000	260000000	8	ई.एम.डी.	60000	0
(iii)	अ. भा. आ. सं. से राजस्व प्राप्त	0	0	9	सामग्री एवं आपूर्ति	264143365	232803173
				10	मशीनरी एवं उपकरणों का अनुरक्षण	9112098	11869658
4	अन्य प्राप्तियां						
	आई. सी. एम. आर.	0	562000	11	**योजना**		
	ब्याज	2947564	10147944		विदेशी अग्रिम भुगतान	352069290	65509142
	अस्पताल प्राप्तियां / विविध प्राप्तियां	23847980	19905039		मशीनरी एवं उपकरण	83848911	21449061
	आर. टी. आवर्ती निधि	363000	2606345		सीमा शुल्क एवं पीडीए (अग्रिम)	50191725	10360647
	चिकित्सा अर्बुद विज्ञान	71960	503640		फर्नीचर एवं उपस्कर	0	0
5	**अग्रिमों की वसूली**				वाहन योजना	0	1096227
	कार अग्रिम वसूलियां	0	0				
	स्कूटर / मोटर साइकिल अग्रिम वसूलियां	218516	68116	12	राजस्व सामान्य (योजना)		
	कंप्यूटर अग्रिम वसूलियां	135400	130977		(i) कंप्यूटर वार्षिक अनुरक्षण	50801865	15323298
	त्योहार अग्रिम	478800	336750		(ii) लघु कार्य	9106945	5594820
					(iii) स्वच्छता	13749230	12087319
6	ईएमडी	135000	0		(iv) वेतन	15954188	14738000
7	एम्स वसूलियां प्राप्त	20991764	31540717	13	एम्स वसूलियों की छूट	20991764	31540717
8	बाह्य वसूलियां प्राप्त	97606430	70287247	14	बाह्य वसूलियों की छूट	97606430	70287247
9	**निर्धन रोगी खाता**			15	**अंत शेष**		0
क)	बैंक में नकद	3074065	4216628		नकद राशि	0	0
ख)	प्राप्तियां	806800	1446773		बैंक में नकद	0	791001
ग)	विविध	50	102				

घ)	ब्याज	1973599	742666	16	**निर्धन रोगी खाता**		
				क)	भुगतान	5285919	3332104
10	**रोगी उपचार खाता**			ख)	विविध	254	
क)	बैंक में नकद	61424492	41703962	ग)	अंत शेष	568341	3074065
ख)	प्राप्तियां	51849467	63483112				
ग)	रद्द किये गए चैक	146871	1380898				
घ)	एफ.डी.आर.	6000000	6000000	17	**रोगी उपचार खाता**		
ङ)	ब्याज / अधिक जमा	37616	153	क)	भुगतान	44019457	44939688
				ख)	विविध	36622	3945
11	**एच.एम.सी.पी.एफ. खाता**			ग)	वापस किए गए चैक	200000	200000
क)	बैंक में नकद	561864	891653	घ)	एफ.डी.आर.	6000000	6000000
ख)	प्राप्तियां	2008217	0	ङ)	अंत शेष	69202367	61424492
ग)	रद्द किये गए चैक	11915	0				
			0	11	**एच.एम.सी.पी.एफ. खाता**		
12	बैंक ओवरड्राफ्ट	6363090	0	क)	भुगतान	499788	329129
				ख)	विविध	873	660
				ग)	अंत शेष	2081335	561864
	कुल	**1617515461**	**1043591280**		**कुल**	**1617515461**	**1043591280**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र (ङ)

वर्ष 2014–2015 का प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

प्राप्तियां				भुगतान			
क्र. सं.	**विवरण**	**2014-15**	**2013-14**	**क्र. सं.**	**विवरण**	**2014-15**	**2013-14**
1	**अथशेष**			1	राजस्व सामान्य व्यय	8398013	5805755
	बैंक में नकद	46625167	81120147		इंजीनियरिंग अनुरक्षण आदि	132753739	114433004
	नकद राशि	6706	90000	2	श्रम शक्ति का किराया	80095826	69309948
2	सहायता अनुदान (अंतर्गत–योजना–शीर्ष (जे.पी.एन.ए.टी.सी.)				वेतन एवं भत्ते	684965271	632959390
	(1) पूंजी परिसंपति का सृजन (नई)	183798466	159614434		त्योहार अग्रिम	121500	131250
	(2) सहायता अनुदान (वेतन)	693700000	591025000		सामग्री एवं आपूर्ति	319618052	311479264
	(3) सहायता अनुदान (सामान्य)	567800000	500000000		आकस्मिकता व्यय	22313639	25039848
3	**अन्य प्राप्तियां**				कंप्यूटर अग्रिम	30000	
	(1) अस्पताल प्राप्तियां	6111715	10272742	3	मशीनरी एवं उपकरण	64594824	92520063
	(2) विविध प्राप्तियां	549460	3534171	4	विदेशी खरीद हेतु किया गया अग्रिम भुगतान	84410332	67094371
					सीमा शुल्क के रूप में अग्रिम भुगतान	26000000	0
4	बयाना राशि जमा (ई.एम.डी.)	6044000	162000	5	फर्नीचर एवं उपस्कर	475076	460598
5	टी. डी. आर. पर ब्याज	10546579	22683561	**6**	**वापसी**		
6	रोगी खाते में प्राप्तियां	4200555	6218734		बयाना राशि वापस	1645000	3390000
					रोगी खाता	346593	5545908
7	परियोजना प्राप्तियां			7	बैंक प्रभार	10058	142
	ए.टी.एल.एस.	3035000		**8**	**परियोजना व्यय**		
	ए.आई.टी.एस.सी.	7125000			ए.टी.एल.एस.	1704757	

	आई.एन.सी.पी.टी.	100000			ए.आई.टी.एस.सी.	4998140	
					आई.एन.सी.पी.टी.	100000	
8	त्योहार अग्रिम वसूली	172875	80625	9	**अंत शेष**		
	कंप्यूटर अग्रिम वसूली	11000			नकद राशि	0	6706
					बैंक में नकद	94126364	46625167
	कुल	**1529826523**	**1374801414**		**कुल**	**1529826523**	**1374801414**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (च)
वर्ष 2014–2015 का प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

प्राप्तियां — भुगतान

क्र. सं.	विवरण	2014-15	2013-14	क्र. सं.	विवरण	2014-15	2013-14
1	**अथशेष**						
	बैंक में नकद	-10464197	14557664	1	वेतन एवं भत्ते	39363106	43637402
	नकद राशि (अग्रदाय)	5000	5000	2	कार्यालय व्यय	1138645	2963585
2	**सहायता अनुदान**			3	बैंक प्रभार	5317	6423
	सहायता अनुदान पूंजी	20000000	11664000	4	सामग्री एवं आपूर्ति	50443154	37547714
	सहायता अनुदान वेतन	39375000	43500000	5	भवन अनुरक्षण	13418543	9830734
	सहायता अनुदान (सामान्य)	62000000	50012000	6	मशीनरी एवं उपकरण	19840769	11645380
3	जमानत जमा	5837216	2370700	7	जमानत वापसी	2416140	855370
4	बैंक द्वारा एस. टी. डी. आर. पर ब्याज	3406427	2318559	8	टी. डी. आर.	0	30000000
5	टी. डी. आर.	30000000		9	**संस्थान वसूली की छूट**		
6	विविध प्राप्ति	22800	127068		सा. भ. नि. अंशदान एवं अग्रिम	600000	516304
7	अस्पताल प्राप्ति	1578750	1472420		कर्मचारी बीमा योजना	6000	6000
8	**संस्थान वसूली**				कर्मचारी स्वास्थ्य योजना	24000	24000
	सा. भ. नि. अंशदान एवं अग्रिम	600000	516304		लाइसेंस शुल्क	6020	7131

	कर्मचारी बीमा योजना	6000	6000		जल प्रभार	2324	2160
	कर्मचारी स्वास्थ्य योजना	24000	24000		विविध वसूली	24145	14623
	लाइसेंस शुल्क	6020	7131		संकाय क्लब	2500	2500
	जल प्रभार	2324	2160		नई पेंशन योजना	1259380	1101744
	विविध वसूली	24145	14623		श्रोत पर कटौती कर (संकाय)	1667093	1658824
	संकाय क्लब	2500	2500	10	**बाह्य छूट**		
	नई पेंशन योजना	1259380	1101744		श्रम कर	24412	74321
	श्रोत पर कटौती कर (संकाय)	1667093	1658824		डी वैट	142309	25836
9	**बाह्य वसूली**				टीडीएस (वेतन की तुलना में अन्य)	440141	421340
	श्रम कर	24412	74321	11	**अंत शेष**		
	डी वैट	142309	25836		बैंक में नकद	25130322	-10464197
	टीडीएस (वेतन की तुलना में अन्य)	440141	421340		नकद राशि (अग्रदाय)	5000	5000
	कुल	**155959321**	**129882194**		**कुल**	**155959321**	**129882194**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केन्द्र (छ)
वर्ष 2014–2015 का प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

प्राप्तियां | **भुगतान**

क्र. सं.	विवरण	2014-2015	2013-14	क्र. सं.	विवरण	2014-15	2013-14
1	**अथशेष**			1	वेतन	86834850	79726591
	बैंक में नकद	10433679	4210804	2	श्रम शक्ति का किराया (मजदूरी)	13373275	10340246
2	**सहायता अनुदान**						
	सहायता अनुदान – पूंजी परिसंपति का सृजन	20124000	128600000	3	सामग्री एवं आपूर्ति	34427627	33577390
	सहायता अनुदान – सामान्य (योजना)	59300000	15800000	4	बयाना राशि जमा	150000	150000

	सहायता अनुदान – वेतन (योजना)	86900000	0	5	यू.एन.डी.सी.पी. खाते में अंतरण	0	4000000
				6	प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु अस्थायी अग्रिम	3712000	0
3	अस्पताल प्राप्तियां	445035	397810	7	अग्रदाय	40000	0
4	विविध प्राप्तियां	5290	1175	8	नियोक्ता अंशदान – नई पेंशन योजना	0	1524394
5	बयाना राशि जमा	200000	0	9	पूंजी नई परिसंपत्ति	3541118	245260
				10	स्थायी परिसंपत्ति		
6	यू.एन.डी.सी.पी. खाते के तहत प्राप्त निधि	0	4000000		फर्नीचर एवं उपस्कर	1253446	2282770
					नये वाहन	3208507	0
					पुस्तकालय की पुस्तकें	3395763	8553290
					स्थापित, मशीनरी एवं उपकरण	5981042	2175814
				11	**संस्थान वसूली की छूट**		
7	**संस्थान वसूली**				सा. भ. नि. अंशदान	9835780	8880649
	सा. भ. नि. अंशदान	9835780	8880649		नई पेंशन योजना (एन.पी.एस.)	2257938	1658394
	नई पेंशन योजना वसूली	2257938	1658394		भवन निर्माण अग्रिम	90726	87880
	भवन निर्माण अग्रिम	90726	87880		लाइसेंस शुल्क	71384	103437
	लाइसेंस शुल्क	71384	103437		संकाय क्लब	6500	7000
	संकाय क्लब	6500	7000		राहत निधि	131783	68230
	राहत निधि	131783	68230		ऑफिसर एसोसिएशन निधि	2360	2080
	ऑफिसर एसोसिएशन निधि	2360	2080		कंप्यूटर अग्रिम	6600	19200
	कंप्यूटर अग्रिम	6600	19200		कर्म. स्वा. योजना वसूली	317050	316375
	कर्म. स्वा. योजना वसूली	317050	316050		त्योहार अग्रिम	21375	375
	त्योहार अग्रिम	21375	375		कर्मचारी यूनियन	460	1000
	कर्मचारी यूनियन	460	1000		कर्म. बीमा योजना वसूली	92885	51070
	कर्म. बीमा योजना वसूली	92885	51040		कार अग्रिम	11250	0
	कार अग्रिम	11250	0	12	**बाह्य छूट वसूली**		
8	**बाह्य वसूली**				जीवन बीमा निगम	59793	58572

	जीवन बीमा निगम	59793	58572		सोसायटी	5592998	4583630
	सोसायटी	5592998	4583630		टी.डी.एस. – वेतन	5710869	6143285
	आयकर	5710869	6143285		टी.डी.एस. – कान्ट्रेक्टर	175097	191701
	टी.डी.एस.	175097	191701		श्रम कर	64305	53104
	श्रम कर	64305	53104		न्यायालय वसूली		49591
				13	**अंतशेष**		
9	न्यायालय वसूली	0	49591		बैंक में नकद	21490377	10433679
	कुल	**201857157**	**175285007**		**कुल**	**201857157**	**175285007**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
यू. एन. डी. सी. पी. लेखा (ज)
वर्ष 2014–2015 का प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

प्राप्तियां				भुगतान			
क्र. सं.	**विवरण**	**2014-15**	**2013-14**	**क्र. सं.**	**विवरण**	**2014-15**	**2013-14**
1	**अथशेष**			1	वेतन		333300
	बैंक में नकद	1899821	2260019	2	हॉस्पिटिलिटी	446445	
				3	जलपान	0	14620
				4	परिवहन	0	32472
2	सहायता अनुदान	4360600	4620344	5	आवास	0	466170
				6	टी. ए / डी ए	0	187309
3	विविध प्राप्तियां	2653474	2510156	7	बैंक प्रभार	485	173
				8	अग्रिम		1438000
				9	प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए अग्रिम	5650000	3588792
				10	आकस्मिक व्यय	6139	0
				11	दवाईयां		714302
				12	अनुसंधान गतिविधि		272560

			13	केंद्रों को अंतरित निधि		443000
			14	अंतशेष		
				बैंक में नकद	2810826	1899821
कुल	**8913895**	**9390519**		**कुल**	**8913895**	**9390519**
महा योग (क) से (ज)	**35081916312**	**31006057975**			**35081916312**	**31006057975**

वित्त सलाहकार **वरिष्ठ वित्त सलाहकार** **निदेशक**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
दिनांक 31.03.2015 के अनुसार तुलन – पत्र

अ. भा. आ. सं. (मुख्य) (क) (राशि ₹ में)

	देयताएं		2014-15	2013-14		परिसंपत्तियां		2014-15	2013-14
	अ. भा. आ. सं. (मुख्य)					**अ. भा. आ. सं. (मुख्य)**			
1	शेष				1	नकद राशि			
					क)	अग्रदाय (एम्स कोषाध्यक्ष)		773150	713150
क)	राशि देय परंतु भुगतान नहीं (स्कीम सेल)		290000	182500	ख)	राशि देय परंतु भुगतान नहीं (स्कीम सेल)		290000	182500
2 क)	भारत सरकार से पूंजी अनुदान								
i)	i) वर्ष 2013–14 तक	15741017262			2	बैंक में नकद			
					क)	(i) अ. भा. आ. सं. (मुख्य)	1654755804		
ii)	क) वर्ष 2014–15 के दौरान					(ii) अ. भा. आ. सं. (मुख्य)			
	i) पूंजी परिसंपत्ति का सृजन	1095776818				के पास बचे हुए विशिष्ट			
	ii) वर्ष 2014–15 का अव्ययित शेष	120104716				अनुदानों का अव्ययित शेष	363262490	2018018294	1972182162
	ii) सहायता अनुदान सामान्य (योजना)	232600123							
iii)	वर्ष 2014–15 के दौरान निराकृत मशीनरी एवं उपकरण के कारण न्यून	6922437			ख)	स्कीम सेल		99992901	151959615
					3	सा. भ. नि. बैंक खाता			
iv)	वर्ष 2014–15 के दौरान खोई/छँटनी की गई न्यून पुस्तकें				4	एन. पी. एस. बैंक खाता			

					5	निवेश		13253424	11153424
v)	वर्ष 2014–15 के दौरान निराकृत					(परिशिष्ट – ग)			
	वाहन के कारण न्यून	4573697	17178002785	15741017262					
ख)	चूक समिति				6	रजत जयंती निधि		200000	200000
	i) वर्ष 2013–14 तक अनुदान	1835500000							
	ii) पिछले वर्ष हेतु अव्ययित शेष								
	ii) वर्ष 2014–15 के दौरान	150000000	1985500000	1835500000	7	विविध देनदार			
						स्कीम सेल			
3	पी.एम.आर.ए.डी.आई.पी.					(परिशिष्ट – ख)		30724480	13265686
	योजना के लिए कल्याण								
	मंत्रालय से प्राप्त अनुदान		1218	1218					
					8	विविध जमा		330986	330986
4	केंद्रीयकृत दुर्घटना एवं								
	ट्रॉमा सेवाएं		29142	29142					
					9	वसूलनीय अग्रिम			
5	मधुमेह नियंत्रण		420000	420000	i)	कार		161762	72850
6	एड्स		2400000	2400000	ii)	मोटर साइकिल – स्कूटर		377578	55299
7	गैर – संस्थान योजनाएं				iii)	साइकिल		46183	46183
	विशिष्ट उद्देश्य हेतु प्राप्त								
	अनुदानों का				iv)	कंप्यूटर अग्रिम		2116576	2261452
	अव्ययित शेष								
	(परिशिष्ट – क)	430898917			v)	भवन निर्माण अग्रिम		7035042	8136220
	i) आई/ई को अंतरित न्यून								
	राशि	3977361	426921556	430548287	VI)	त्योहार		3594950	2566025
8	दान किए गए वाहन								
क)	वर्ष 2013–14 तक	4470958							

खा)	वर्ष 2014–15 के दौरान				**10**	बाह्य वसूलियां			
ग)	निराकृत वाहन								
	वर्ष 2014–15 के दौरान		4470958	4470958	**11**	कर्मचारी बीमा योजना			1146013
9	दान की गई पुस्तकें				**12**	मशीनरी एवं उपकरण			
क)	वर्ष 2013–14 तक	202225			**क**	अ. भा. आ. सं. (मुख्य)			
खा)	वर्ष 2014–15 के दौरान	1610	203835	202225	क)	वर्ष 2013–14 तक	7868787963		
					खा)	वर्ष 2014–15 के दौरान			
10	दान					i) मशीनरी एवं उपकरण	440410770		
	(परिशिष्ट – ग)								
क)	वर्ष 2014–15 तक		13637514	11537514	ग)	वर्ष 2014–15 के दौरान			
						प्राप्त उपकरण	357800149		
11	विविध दान				घ)	वर्ष 2014–15 के दौरान			
क)	वर्ष 2013–14 तक	4907007				निराकृत मशीनरी	6922437		
खा)	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्तियां	49239622			ङ)	वर्ष 2014–15 के दौरान			
ग)	वर्ष 2014–15 के दौरान व्यय	49051570	5095059	4907007		सीमा शुल्क का समायोजन	41861147		
					च)	कंप्यूटरीकरण			
12	कर्मचारी बीमा					i) वर्ष 14–15 के दौरान जमा	107302512	8809240104	7868787963
	योजना		4162453		**खा.**	एड्स		820600	820600
13	बाह्य वसूलियां		2370814	14147060	**ग.**	नाको			
						खरीदी गई मशीनरी एवं उपकरण		1932605	1932605
14	जमा कार्य								
क)	स्टार फोर्ड इंडिया		1589098	1589098	**13**	अग्रिम भुगतान			
खा)	राजगढ़िया विश्राम सदन		1483711	1483711	**क**	सामग्री एवं आपूर्ति (गैर–योजना)			
ग)	सुरेखा विश्राम सदन		1985	1985	i)	वर्ष 2013–14 तक	3927008		
घ)	श्री साईं विश्राम सदन		500	500	ii)	वर्ष 2014–15 के दौरान	2986811		
ङ)	आयुर्विज्ञान नगर में								

	केबल डालने हेतु एमटीएनएल		112	112
च)	राजगढ़िया, सुरेखा और श्री साईं			
	विश्राम सदन		663211	663211
छ)	ट्रॉमा केंद्र में धर्मशाला के निर्माण			
	हेतु भारतीय पावर ग्रीड			
	कॉर्पोरेशन		29000000	29000000
15	जमानत जमा			
	/ बयाना राशि			
क)	वर्ष 2013–14 तक	136537594		
ख)	वर्ष 2014–15 के दौरान	59668835		
ग)	वर्ष 2013–14 की			
	प्राप्ति से वापसी	47089709		
घ)	वर्ष 2014–15 की			
	प्राप्तियों से वापसी	14013000	135103720	136537594
16	अवधान राशि			
क)	वर्ष 2013–14 तक	1484960		
ख)	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्तियां	59000	1543960	1484960
17	बर्तन निधि			
	i) वर्ष 2013–14 तक	2543287		
	ii) वर्ष 2014–15 के दौरान	152412		
	iii) वर्ष 2014–15 के दौरान व्यय	6500	2689199	2543287

iii)	वर्ष 2014–15 के दौरान			
	प्राप्त न्यून सामग्री एवं आपूर्ति	2986811	3927008	3927008
ख	मशीनरी एवं उपकरण की			
	विदेशी खरीद हेतु			
	(योजना)			
i)	वर्ष 2013–14 तक	302067162		
ii)	वर्ष 2014–15 के दौरान	434808527		
iii)	वर्ष 2014–15 के दौरान			
	प्राप्त न्यून उपकरण	357800149	379075540	302067162
ग	भवन सामग्री की			
	खरीद हेतु पी. एंड. ए. ओ			
	को अग्रिम भुगतान			
i)	वर्ष 2013–14 तक	25869623		
ii)	वर्ष 14–15 के दौरान समायोजन		25869623	25869623
घ	अस्थायी आकस्मिक अग्रिम			
i)	वर्ष 2013–14 तक	20867188		
ii)	वर्ष 2014–15 के दौरान	47473500		
iii)	पिछले वर्ष का वर्ष 14–15 के			
	दौरान समायोजन	20827188	47513500	20867188
ङ	भंडार हेतु निजी कंपनी			
i)	वर्ष 2013–14 तक	11509417		
ii)	वर्ष 2014–15 के दौरान	28720406		
iii)	वर्ष 2014–15 के दौरान			
	न्यून समायोजन	6822192	33407631	11509417

18	नाको			
क)	मशीनरी एवं उपकरण		1932605	1932605
19	आवर्ती निधि			
i)	वर्ष 2013–14 तक	18792161		
ii)	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्ति	73748000		
iii)	वर्ष 2014–15 के दौरान व्यय	66919000		
iv)	एसएफसी अनुमोदन के अनुसार ''प्राप्ति'' के रूप में अंतरित	5189000	20432161	18792161
20	प्रसवोत्तर कार्यक्रम			
	क) वर्ष 2013–14 तक	49350		
	ख) वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्तियां	550000		
	ग) वर्ष 2014–15 के दौरान व्यय	494510	104840	49350
21	वी. वी. आई. पी.		120842	120842
22	संसद भवन एनेक्सी में वी. वी. आई. पी. उपचार वर्ष 14–15 तक		7600	7600
23	कॉक्लियर रोगी उपचार खाता			
	क) वर्ष 2013–14 तक	1488826		
	ख) वर्ष 14–15 के दौरान प्राप्ति	26987000		
	ग) वर्ष 2014–15 के दौरान व्यय	26793000	1682826	1488826

च	बिजली कनेक्शन हेतु जमानत के लिए सचिव, एन.डी.एम.सी.			
i)	वर्ष 2013–14 तक	660950		
ii)	वर्ष 14–15 के दौरान समायोजन		660950	660950
छ	पी. एंड ए.ओ. (भंडार प्राप्ति हेतु)			
i)	वर्ष 2013–14 तक	3616786		
ii)	वर्ष 2014–15 के दौरान	2000000		
iii)	वर्ष 2014–15 के दौरान न्यून समायोजन	2068300	3548486	3616786
ज	मशीनरी एवं उपकरण हेतु सीमा शुल्क			
i)	वर्ष 2013–14 तक	58923753		
ii)	वर्ष 2014–15 के दौरान जमा			
iii)	वर्ष 2014–15 के दौरान न्यून समायोजन / प्राप्ति			
iv)	वर्ष 2014–15 के दौरान न्यून समायोजन	41861147	17062606	58923753
झ	पुस्तकें एवं पत्रिकाओं हेतु			
i)	वर्ष 2013–14 तक	132033315		
ii)	वर्ष 2014–15 के दौरान जमा	17084306		
iii)	पिछले वर्षों में किये गए अग्रिमों का समायोजन	61907694	87209927	132033315
´	कंप्यूटरकरण हेतु नेशनल इन्फोर्मेटिक्स सेंटर सर्विसिज इंक			

					i)	वर्ष 2013–14 तक	106254246		
24	जननी सुरक्षा योजना (जे.एस.वाई) खाता				ii)	वर्ष 2014–15 के दौरान जमा	4432357		
	क) वर्ष 2014–15 तक		9800	9800	iii)	वर्ष 14–15 के दौरान समायोजन		110686603	106254246
					ट	डॉ. छात्रावास हेतु केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, एसजेएचपीडी		1181250	1181250
25	वि. स्व. सं.–इन–कंट्री फैलोशिप खाता								
	क) वर्ष 2014–15 तक		720487	720487	ठ	सब–स्टेशन के निर्माण हेतु केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, एसजेएचपीडी को		5000000	5000000
					ड	मै. दिल्ली मैट्रो रेल कॉर्पोरेशन			
					i)	वर्ष 14–15 तक		60000000	60000000
					ढ़	पूर्वी एवं पश्चिमी परिसर में एलटी–लाइन के आवर्धन हेतु नई दिल्ली म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन		12755500	12755500
					ण	एच टी ट्रांसफॉर्मर एवं केबल डालने हेतु नई दिल्ली म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन		7463500	7463500
					त	केंद्रीय लोक निर्माण विभाग को लिफ्ट हेतु		14000000	14000000
					थ	केंद्रीय लोक निर्माण विभाग को सर्जिकल वार्ड हेतु		1711770	1711770
					द	कैरी एयर इक्यूपमेंट इंडिया प्राइवेट लि. को भवन निर्माण हेतु		192602	192602
					ध	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन को लुबरिकेंट डीजल ऑयल हेतु			
						i) वर्ष 14–15 तक		282474	282474
					न	नई दिल्ली म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन को भवन निर्माण हेतु		18733600	18733600
					प	एम्स में इंजीनियरिंग सेवा			

					विभाग का अपग्रेडिंग आर्किटेक्चरल सेल		45132	45132
				फ	मुख्य लेखा नियंत्रक (मैसर्स दीपक इलैक्टि. कं.) को विद्युत कार्य हेतु		190890	190890
				ब	मुख्य लेखा नियंत्रक (मैसर्स सेनिको इंड.) को बिजली कार्य हेतु		98486	98486
				भ	मुख्य लेखा नियंत्रक (मैसर्स सूर्य रोशनी) को बिजली कार्य हेतु		266165	266165
				म	मैसर्स ब्लू स्टार लि. (वातानुकूलन कार्य हेतु) को अनुरक्षण हेतु			
					i) वर्ष 2013–14 तक	2600576		
					ii) वर्ष 2014–15 के दौरान	6293392	8893968	2600576
				य	मै. यूनिवर्सल कंफट (वातानुकूलन कार्य हेतु)			
				i)	वर्ष 14–15 तक	539474		
				II)	वर्ष 14–15 के दौरान समायोजन	539474	0	539474
				कक	वाटर कूलर हेतु यूनिवर्सल कंफर्ट (बड़े कार्य)			
				i)	वर्ष 14–15 के दौरान		1542893	
				कख	मैसर्स वोल्टास लि. को वातानुकूलन कार्य हेतु			
				i)	वर्ष 14–15 तक		461833	461833
				कग	मुख्य लेखा नियंत्रक को			

					भंडार की खरीद हेतु		3343957	3343957
				कघ	मैसर्स इंद्रप्रस्थ को सी.एन.जी.			
					पाइपलाइन हेतु		10405000	10405000
				कङ	आपूर्ति एवं निपटान महानिदेशालय,			
					मैसर्स रश्मि इंडस्ट्री,		2976242	2976242
					वातानुकूलन कार्य हेतु			
				कच	मै. एल. जी इलैक्ट. स्पिलिट			
					एसी को एसी एवं इलैक्ट्रिक कार्य हेतु			
				i)	वर्ष 14–15 तक	262260		
				ii)	वर्ष 14–15 के दौरान समायोजन	262260	0	262260
				कछ	एक्स. इंजी. एस. जे एच			
					(के. लो. नि. वि.) को सीवेज			
					ट्रीटमेंट संयंत्र हेतु		11344542	11344542
				कज	मै. एच. एस. सी. सी. लि.,			
					को निर्माण हेतु		1000000	1000000
				कझ	कुल सचिव, गुरू गोविंद सिंह			
					विश्वविद्यालय को परामर्श			
					शुल्क हेतु		18000	18000
				कञ	मै. एचएससीसी को मास्टर			
					प्लान की तैयारी हेतु (बड़े कार्य)		105874500	105874500
				कट	मै. एचएससीसी को राजकुमारी			
					अमश्त कौर ओ.पी.डी. की			
					मरम्मत एवं नवीकरण हेतु (बड़े कार्य)		136540015	136540015
				कठ	मै. एचएससीसी को सरलीकरण			
					ब्लॉक हेतु (बड़े कार्य)		14500000	14500000
				कड	मै. एचएससीसी को पीसी			

					शिक्षण ब्लॉक का निर्माण (बड़े कार्य)		3000000	3000000
				कढ	मै. एल्पाइन इंडस्ट्री को ए.सी. यूनिट की खरीद हेतु (बड़े कार्य)		36918	36918
				कण	मै. कोहली एंड कं. को ए.सी. हेतु (बड़े कार्य)			
				i)	वर्ष 14–15 के दौरान		235810	235810
				कत	बीआरपी (बड़े कार्य)			
				i)	वर्ष 14–15 के दौरान		6033756	6033756
				कथ	एक्स. इंजी. (बड़े कार्य)			
				i)	वर्ष 14–15 के दौरान		20900000	20900000
				कद	एक्स. इंजी. सीपीडब्ल्यूडी (बड़े कार्य)			
				i)	वर्ष 14–15 के दौरान		10633620	10633620
				कध	के. लो. नि. वि. को चार दिवारी एवं नाले हेतु (बड़े कार्य)			
				i)	वर्ष 14–15 के दौरान		9128220	
				कन	मै. एल.जी. इलैक्ट. को ए.सी. खरीद हेतु (बड़े कार्य)			
				i)	वर्ष 13–14 तक	2385534		
				ii)	वर्ष 14–15 के दौरान	2986144		
				iii)	वर्ष 14–15 के दौरान समायोजन		5371678	2385534
				कप	मै. एल.जी. इलैक्ट. को ए.सी. खरीदने हेतु (लघु कार्य)			
				i)	वर्ष 13–14 तक	274618		
				ii)	वर्ष 14–15 के दौरान समायोजन	274618	0	274618
				कफ	एक्स. इंजी. एस. जे एच (के. लो. नि. वि.) को सीवेज ट्रीटमेंट संयंत्र हेतु (लघु कार्य)		12500000	12500000

				कब	एक्स. इंजी. एस. जे एच (के. लो. नि. वि.) को अतिरिक्त लिफ्ट स्थापित करने हेतु (बड़े कार्य)		4868896	4868896
				कभ	एक्स. इंजी. के. लो. नि. वि. को वार्ड ब्लॉक में लिफ्ट स्थापित करने हेतु (बड़े कार्य)		1000000	1000000
				कम	एक्स. इंजी. के. लो. नि. वि.को सीवेज ट्रीटमेंट संयंत्र हेतु (बड़े कार्य)		10900000	10900000
				कय	एक्स. इंजी. एम्स के के. लो. नि. वि. को छात्रावास के निर्माण हेतु (बड़े कार्य)		5000000	5000000
				खक	मै. हीटैची होम्स सोल्यूशन्स को ए.सी. की खरीद हेतु (बड़े कार्य)			
				i)	वर्ष 13–14 तक	405442		
				ii)	वर्ष 14–15 के दौरान			
				iii)	वर्ष 14–15 के दौरान समायोजन		405442	405442
				खख	मै. गुरू देव सिंह सन्स को ए. सी. हेतु (लघु कार्य)		302357	302357
				खग	मै. उषा इंटरनेशनल लि., को ए. सी. हेतु (लघु कार्य)			
				i)	वर्ष 14–15 तक		331120	331120
				खघ	एच.एस.सी.सी.को सर्जिकल ब्लॉक की मास्टर प्लान चरण–II की तैयारी हेतु (चूक)			
				i)	वर्ष 13–14 तक	45868950		
				ii)	वर्ष 14–15 के दौरान	166694714	212563664	45868950

					खङ	एच.एस.सी.सी. को पी.सी. एवं शिक्षण खंड चरण–।। हेतु(चूक)			
					i)	वर्ष 13–14 तक	215289908		
					ii)	वर्ष 14–15 के दौरान जमा			
					iii)	वर्ष 14–15 के दौरान समायोजन		215289908	215289908
					खच	एच.एस.सी.सी. को एम्स परिसर में छात्रावास ब्लॉक के निर्माण हेतु (चूक)			
					i)	वर्ष 13–14 तक	318431512		
					ii)	वर्ष 14–15 के दौरान जमा			
					iii)	वर्ष 14–15 के दौरान समायोजन		318431512	318431512
					खछ	एच.एस.सी.सी. को राजकुमारी अमृतकौर ओ.पी.डी. के नवीकरण हेतु (बड़े कार्य)		16899950	16899950
					खज	एच.एस.सी.सी. एक्स इंजी., दिल्ली जल सेवा हरियाणा सरकार (बड़े कार्य)		50000000	50000000
					खझ	डी.एम.आर.सी. को एम्स और ट्रॉमा केंद्र के बीच सुरंग जोड़ने हेतु (बड़े कार्य)		250000000	250000000
					खञ	के. लो. नि. वि. को लिफ्ट हेतु (बड़े कार्य)		10000000	10000000
					खट	के. लो. नि. वि. को नाला चरण–।। ढकने हेतु (बड़े कार्य)			
					i)	वर्ष 14–15 तक		59396099	59396099
					खठ	एच.एस.सी.सी. को भूमिगत पार्किंग हेतु (बड़े कार्य)			

					i)	वर्ष 13–14 तक	3377000		
					ii)	वर्ष 14–15 के दौरान जमा	1877000		
					iii)	वर्ष 14–15 के दौरान समायोजन		5254000	3377000
					खड	एच.एस.सी.सी. को आउटरीच ओपीडी बाढ़सा (हरियाणा) हेतु (बड़े कार्य)			
					i)	वर्ष 14–15 तक		105416000	105416000
					खढ	हीटैची होम्स को स्पलिट ए.सी. की खरीद हेतु (लघु कार्य)			
					i)	वर्ष 14–15 तक		606704	606704
					खण	एच.एस.सी.सी. को भोजन कक्ष हेतु (चूक)			
					i)	वर्ष 13–14 तक	132500000		
					ii)	वर्ष 14–15 के दौरान समायोजन	78255790	54244210	132500000
					खत	एच.एस.सी.सी. को हश. तं. केंद्र में सी.सी.यू. वार्ड के नवीनीकरण हेतु (बड़े कार्य)			
					i)	वर्ष 13–14 तक	50100000		
					ii)	वर्ष 14–15 के दौरान		50100000	50100000
					खथ	एच.एस.सी.सी. को लांड्री एवं ओपीडी के नवीनीकरण हेतु (बड़े कार्य)		22400000	22400000
					खद	एच.एस.सी.सी. को परामर्श शुल्क हेतु (बड़े कार्य)		24700000	24700000
					खध	ई.ई. दिल्ली जल सेवा प्रभाग (बड़े कार्य)		55100000	55100000

					खन	सिदवाल रेफ्रिजरेशन को ए.सी. की खरीद हेतु (बड़े कार्य)			
					i)	वर्ष 13–14 तक	1416168		
					ii)	वर्ष 14–15 के दौरान	305384		
					iii)	वर्ष 14–15 के दौरान समायोजन	418780	1302772	1416168
					खप	सचिव, एन.डी.एम.सी. (बड़े कार्य)			
					i)	वर्ष 14–15 तक		4560000	4560000
					खफ	एच.एस.सी.सी. को सी.सी.यू. के नवीनीकरण हेतु (बड़े कार्य)			
					i)	वर्ष 14–15 के दौरान		10000000	10000000
					खब	इन्दरप्रस्थ गैस लि. (लघु कार्य)		841610	841610
					खभ	एच.एस.सी.सी. को ट्रॉमा केंद्र हेतु (बड़े कार्य)			
					i)	वर्ष 13–14 तक	56500000		
					ii)	वर्ष 14–15 के दौरान समायोजन	56500000	0	56500000
					खम	एच.एस.सी.सी. को रेजीडेंट क लिए निर्माण हेतु (बड़े कार्य)			
					i)	वर्ष 14–15 के दौरान		100000000	100000000
					खय	मै. यूनिवर्सल कंफर्ट को ए.सी. कार्य हेतु (बड़े कार्य)			
					i)	वर्ष 13–14 तक	3555107		
					ii)	वर्ष 14–15 के दौरान	2845290		
					iii)	वर्ष 14–15 के दौरान समायोजन	2643020	3757377	3555107
					गक	एच.एस.सी.सी. को प्राइवेट वार्ड़ के निर्माण हेतु (बड़े कार्य)			

						वर्ष 14–15 के दौरान		92000000	
					गख	एच.एस.सी.सी. को ट्रॉमा केंद्र हेतु (बड़े कार्य)			
						वर्ष 14–15 के दौरान		100000000	
					गग	एच.एस.सी.सी. को रैनबसेरा हेतु (बड़े कार्य)			
						वर्ष 14–15 के दौरान		50000000	
					14	पुस्तकें एवं प्रकाशन			
					i)	पुस्तकें एवं पत्रिकाएं (खरीदी)			
						क) वर्ष 13–14 तक	450743893		
						ख) वर्ष 14–15 के दौरान	103780948		
						ग) वर्ष 2014–15 के दोरान छंटनी की हुई / खोयी हुई न्यून पुस्तकें			
						ग) पिछले वर्ष में किये गए अग्रिमों का समायोजन	61907694	616432535	450743893
					ii)	दान की गई पुस्तकें			
						क) वर्ष 13–14 तक	202225		
						ख) वर्ष 14–15 के दौरान	1610	203835	202225
					15	भवन निर्माण अ.भा.आ.सं.(मुख्य)			
					क)	वर्ष 13–14 तक	4704794646		
					ख)	वर्ष 14–15 के दौरान			
						i) बड़े कार्य	207130599		
						ii) लघु कार्य	271243888		
					ग)	अग्रिमों का समायोजन	539474		
					घ)	अग्रिमों का समायोजन	262260		

					ङ)	अग्रिमों का समायोजन	274618		
					च)	अग्रिमों का समायोजन	418780		
					छ)	अग्रिमों का समायोजन	56500000		
					ज)	अग्रिमों का समायोजन	2643020		
					झ)	अग्रिमों का समायोजन		5243807285	4704794646
					16	**अग्रिम भुगतान**			
					i)	भारतीय आयरन एंड स्टील कं.		572139	572139
					ii)	टाटा आयरन एंड स्टील कं.		654154	654154
					iii)	हिंदुस्तान स्टील लि.		520295	520295
					iv)	भारतीय आयरन एंड स्टील कं.		594000	594000
					17	**भूमि खाता**			
						वर्ष 2014–15 तक		112832263	112832263
					18	**वाहन**			
					क	वाहन (एम्स हेतु खरीद)			
					क)	वर्ष 13–14 तक	32562910		
					ख)	वर्ष 14–15 के दौरान			
					i)	परिवहन कार्यालय	5399788		
					ii)	अस्पताल भंडार			
					ग)	वर्ष 2014–15 के दौरान			
						निराकृत न्यून वाहन	4573697	33389001	32562910
					ख	एम्स हेतु दान किये गए वाहन			
					क)	वर्ष 13–14 तक	4470958		
					ख)	वर्ष 14–15 के दौरान			
					ग)	वर्ष 2014–15 के दौरान			
						निराकृत वाहन		4470958	4470958
					19	बाह्य रोगियों से			

						वसूलनीय अस्पताल प्राप्तियां			
					क)	वर्ष 13–14 तक	6077437		
					ख)	वर्ष 14–15 के दौरान	3905893		
					ग)	वर्ष 14–15 के दौरान			
						वसूल की गई राशि	4238009	5745321	6077437
					20	चूक समिति			
					क)	बड़े कार्य			
						i) वर्ष 13–14 तक	863119887		
						ii) वर्ष 14–15 के दौरान			
						iii) वर्ष 14–15 के दौरान समायोजन	78255790		
						iv) वर्ष 14–15 के दौरान समायोजन		941375677	863119887
					ख)	मशीनरी एवं उपकरण (भंडार)			
						i) वर्ष 13–14 तक	105619275		
						ii) वर्ष 14–15 के दौरान	22843608	128462883	105619275
	निर्धन रोगी खाता					**निर्धन रोगी खाता**			
1	अ. भा. आ. सं. (मुख्य)				1	अ. भा. आ. सं. (मुख्य)			
क)	अथ शेष				क)	नकद / बैंक		5758278	3087978
i	) नकद / बैंक	3087978			ख)	एफ. डी. आर.		1530104	1202610
	ii) एफ. डी. आर.	1202610							
ख)	प्राप्तियां								
	i) अनुदान	2720037							
	ii) ब्याज	454647							
	iii) भुगतान	79090							
	iv) न्यून शुद्ध वर्ष 2013–14	97800							
ग)	अंत शेष								
	i) नकद / बैंक		5758278	3087978					

ii)	एफ. डी. आर.		1530104	1202610					
	रोगी उपचार खाता					**रोगी उपचार खाता**			
1	अ.भा.आ.सं.					अ.भा.आ.सं.		139743876	114796158
	क) अथ शेष	114796158							
	ख) प्राप्तियां								
	(i) अनुदान	80695940							
	(ii) ब्याज	4782925							
	(iii) भुगतान	60525443							
	(iv) बैंक प्रभार	5704							
	ग) अंतशेष		139743876	114796158					
	छात्रावास					**छात्रावास**			
	जमानत जमा				1	नकद राशि			
	i) वर्ष 2013–14 तक	2967280							
	ii) वर्ष 2014–15 के दौरान				2	बैंक में नकद		465320	1224480
	प्राप्तियां	1421000							
	iii) वर्ष 2014–15 के दौरान				3	एफडीआर		4925562	4539406
	न्यून वापसी	1277000	3111280	2967280					
	जरा चिकित्सा विभाग					**जरा चिकित्सा विभाग**			
						(i) मशीनरी एवं उपकरण			
						क) वर्ष 2013–14 तक	323891		
						ख) वर्ष 2014–15 के दौरान	194513	518404	323891
						(ii) फर्नीचर			
						क) वर्ष 2013–14 तक	817833		
						ख) वर्ष 2014–15 के दौरान		817833	817833
			0	0		(iii) इंजी. को अग्रिम			
						क) वर्ष 2013–14 तक	944000		

						ख) वर्ष 2014–15 के दौरान		944000	944000
						बैंक में नकद		20505817	22757485
1	**<u>सीमा शुल्क खाता</u>**					**<u>सीमा शुल्क खाता</u>**			
क)	अथ शेष	179115763				बैंक में नकद		46583878	179115763
ख)	प्राप्तियां	110000000							
ग)	भुगतान	133680823							
घ)	न्यून शुद्धि	108851062							
ङ)	अंत शेष		46583878	179115763					
1	**<u>पी डी खाता</u>**					**<u>पी डी खाता</u>**			
क)	अथ शेष	12319405				बैंक में नकद		12686711	12319405
ख)	प्राप्तियां	4500000							
ग)	भुगतान	4132694							
घ)	अंत शेष		12686711	12319405					
	<u>नई पेंशन योजना</u>					**<u>नई पेंशन योजना</u>**			
1	i) रोकड़ पुस्तक अथशेष	7389978			1	अथशेष निवेश		600000000	150000000
	ii) निवेश	600000000	607389978	157613109	2	i) वर्ष के दौरान निवेश	627500000		
3	एन.पी.एस. में प्राप्ति	193244701				ii) परिपक्व निवेश न्यून	600000000	27500000	12500000
	एन.पी.एस. से अंतरित निधि	162336563	30908138	12276869	3	रोकड़ पुस्तक अंतशेष		10798116	7389978
	<u>सामान्य भविष्य निधि</u>					**<u>सामान्य भविष्य निधि</u>**			
1	अथ शेष		3912498639	3451662641	1	अथ शेष निवेश		3795161183	3356881899
2	i) अंशदान प्राप्त	881646867			2	i) वर्ष के दौरान निवेश	1887432648		
	ii) न्यून आहरण	796851129	84795738	117706547		ii) परिपक्व निवेश न्यून	1425402450	462030198	438279284
3	वर्ष 2013–14 हेतु अंशदान								
	पर प्राप्त ब्याज		16428647	39099375	3	सा. भ. नि. अंशदान			
						पर प्राप्त ब्याज	16428647		
4	वर्ष 2014–15 हेतु अंशदान पर				4	जमा रोकड़ पुस्तक अंतशेष			

	प्राप्त ब्याज		322362938	287601429		वर्ष 2014–15		62465934	100908809
	व्यय पर आय की अधिकता								
1	अ.भा.आ.सं. (मुख्य)								
	(i) वर्ष 2013–14 तक	770071808							
	(ii) वर्ष 2014–15 के दौरान जमा	518600998	1288672806	770071808					
2	छात्रावास								
	i) वर्ष 2013–14 तक	2796606							
	ii) वर्ष 2014–15 के दौरान आय								
	पर व्यय की अधिकता न्यून	517004	2279602	2796606					
3	**जरा चिकित्सा विभाग**								
	i) वर्ष 2013–14 तक	24843209							
	ii) वर्ष 2014–15 के दौरान आय								
	पर व्यय की अधिकता न्यून	2057155	22786054	24843209					
	उप–कुल (क)		**26318128658**	**23418950089**				**26318128658**	**23418950089**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र (ख)

दिनांक 31.03.2015 के अनुसार तुलन – पत्र

क्र.सं.	देयताएं		2014-15	2013-14	क्र.सं.	परिसंपत्तियां		2014-15	2013-14
I	भारत सरकार से पूंजी अनुदान								
i}	वर्ष 2013–14 तक	1995020285			1	नकद राशि (अग्रदाय)		20000	20000
ii)	वर्ष 2014–15 के दौरान जमा	449831632			2	बैंक में नकद		222577695	107435696
iii)	वर्ष 2014–15 के दौरान								
	निराकृत फर्नीचर न्यून	0							
iv)	वर्ष 2014–15 के दौरान निराकृत								
	मशीनरी एवं उपकरण न्यून	0							

v)	वर्ष 2014–15 के दौरान								
	निराकृत वाहन न्यून	0	2444851917	1995020285	**3**	**वसूलनीय अग्रिम**			
					क)	**मोटर कार**			
II	गत वर्ष अनुसार एन.पी.सी.बी.		25629000	25629000	i)	वर्ष 2013–14 तक	15212		
III	दान किए गए वाहन				ii)	वर्ष 2014–15 के			
	(वर्ष 2007–08 तक)		896357	896357		दौरान भुगतान : जमा	0		
IV	डी.बी.सी.एस./एन.पी.सी.बी.					वर्ष 2014–15 के दौरान वसूल			
	के तहत खरीदे गए वाहन					किया : न्यून	10000	5212	15212
	(वर्ष 07–08 तक)		455574	455574	ख)	**स्कूटर**			
V	**गैर – रा. प्र. केंद्र योजनाएं**					वर्ष 2013–14 तक	0		
1	**एनबीएन एमरो नेत्र रक्षा**				ii)	वर्ष 2014–15 के दौरान			
	वर्ष 13–14 तक शेष वर्ष					भुगतान : जमा	0		
	2014–15 के दौरान	32091			iii)	वर्ष 2014–15 के दौरान	0	0	0
	प्राप्त निधि : जमा	0				वसूल किया : न्यून			
	वर्ष 2014–15 के दौरान				ग)	**भवन निर्माण अग्रिम**			
	व्यय : न्यून	0	32091	32091	i)	वर्ष 2013–14 तक	59444		
					ii)	वर्ष 2014–15 के दौरान भ			
						ुगतान : जमा	**0**		
					iii)	वर्ष 2014–15 के दौरान			
						वसूल किया : न्यून	22560	36884	59444
2	**नेशनल ट्रेकोमा सर्वे पार्ट –**				घ)	**कंप्यूटर अग्रिम**			
	ए एंड पार्ट बी								
	वर्ष 13–14 तक शेष	5829580			i)	वर्ष 2013–14 तक	15500		
	वर्ष 2014–15 के दौरान	1636237			ii)	वर्ष 2014–15 के दौरान	90000		
	प्राप्त निधि : जमा					भुगतान : जमा			
	वर्ष 2014–15 के दौरान	5097611	2368206	5829580	iii)	वर्ष 2014–15 के दौरान वसूल	0	105500	15500

	व्यय : न्यून					किया : न्यून			
3	**प्रशासनिक प्रभार**				ङ)	**त्योहार अग्रिम**			
	वर्ष 13–14 तक शेष	1108981			i)	वर्ष 2013–14 तक	449420		
	वर्ष 2014–15 के दौरान	0			ii)	वर्ष 2014–15 के दौरान	769500		
	प्राप्त निधि : जमा					भुगतान : जमा			
	वर्ष 2014–15 के दौरान	0			iii)	वर्ष 2014–15 के दौरान	745875	473045	449420
	व्यय : न्यून					वसूल किया : न्यून			
	वर्ष 2014–15 के दौरान आय	1108981	0	0					
	एवं व्यय में अंतरित राशि : न्यून								
4	**दिल्ली की शहरी गंदी बस्तियों में**				4	**मशीनरी एवं उपकरण (योजना)**			
	मधुमेह रेटिनोपैथी (डीआरयूएसडी)								
	वर्ष 13–14 तक शेष	1527333			i)	वर्ष 2013–14 तक	1753103922		
	वर्ष 2014–15 के दौरान	0			ii)	वर्ष 2014–15 के दौरान	351398219		
	प्राप्त निधि : जमा					जमा (देशज)			
	वर्ष 2014–15 के दौरान	1167317	360016	1527333	iii)	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्त	4687826		
	व्यय : न्यून					जमा (वर्ष 13–14 में अग्रिम			
						भुगतान के विरुद्ध)			
					iii)	वर्ष 2014–15 के दौरान निराकृत			
						मशीनरी एवं उपकरण : न्यून	0	2109189967	1753103922
5	**ए एम डी व्यू स्टडी**				5	**मशीनरी एवं उपकरण (गैर–योजना)**			
	वर्ष 13–14 तक शेष	294646			i)	वर्ष 2013–14 तक	5872266		
	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्त	0			ii)	वर्ष 2014–15 के दौरान	0	5872266	5872266
	निधि : जमा								
	वर्ष 2014–15 के दौरान	0	294646	294646	6	**पूंजी परिसंपत्ति (भवन) आर. जी.**			
	व्यय : न्यून								
6	**जीएनईसी (गुरू नानक नेत्र केंद्र)**				i)	वर्ष 2013–14 तक	233443859		

	वर्ष 13–14 तक शेष	0			ii)	वर्ष 2014–15 के दौरान	0	233443859	233443859
	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्त निधि : जमा	0			**7**	एन.पी.सी.बी. (मशीनरी एवं उपकरण)		7002852	7002852
	वर्ष 2014–15 के दौरान व्यय : न्यून	0	0	0	**8**	आई.सी.एम.आर. (मशीनरी एवं उपकरण)		605150	605150
7	**एस.ई.आर.बी. – डी.एस.टी.**				**9**	**वाहन**			
	वर्ष 13–14 तक शेष	0				वर्ष 13–14 तक वाहन	4246987		
	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्त निधि : जमा	1800000				वर्ष 14–15 के दौरान खरीदे वाहन : जमा	1468929		
	वर्ष 2014–15 के दौरान व्यय : न्यून	1800000	0	0		वर्ष 14–15 के दौरान निराकृत वाहन : न्यून	0	5715916	4246987
8	**मोतिया बिंद रोगी (आईओएल)**				**ख)**	i) **वर्ष 2011–12 तक दान किये गए वाहन**	1351931		
	वर्ष 13–14 तक शेष	604804				ii) वर्ष 2009–10 तक एन.पी.सी.बी. के अंतर्गत खरीदे गए वाहन	**0**	1351931	1351931
	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्त निधि : जमा	0			10	**फर्नीचर एवं उपस्कर**			
	वर्ष 2014–15 के दौरान व्यय : न्यून	265440	339364	604804	i)	वर्ष 2013–14 तक	13828507		
9	**दृष्टि दिल्ली – पी.ई.सी.**				ii)	वर्ष 14–15 के दौरान	1666763		
	वर्ष 13–14 तक शेष	1821735			iii)	वर्ष 14–15 के दौरान निराकृत फर्नीचर : न्यून	0	15495270	13828507
	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्त निधि : जमा	7021327							
	वर्ष 2014–15 के दौरान व्यय : न्यून	5983425	2859637	1821735	11	विविध देनदार	76253	76253	76253

10	**व्यापक प्राथमिक नेत्र उपचार**				12	**मशीनरी एवं उपकरणों की विदेशी**			
	सेवाएं (सी.पी.ई.सी.एस./								
	डी.जे.जे.एस.)	-	-			**खरीद का किया गया अग्रिम भुगतान**			
	वर्ष 13–14 तक शेष	627471			i)	वर्ष 2013–14 तक	4687826		
	वर्ष 2014–15 के दौरान	500000			ii)	वर्ष 14–15 के दौरान	5663039		
	प्राप्त निधि : जमा								
	वर्ष 2014–15 के दौरान	803638	323833	627471	iii)	वर्ष 2013–14 के अग्रिम के	4687826	5663039	4687826
	व्यय : न्यून					विरूद्ध वर्ष 2014–15 के दौरान			
						प्राप्त किये गए मशीनरी एवं			
						उपकरण : न्यून			
11	**प्राइमरी एंगल क्लोजर ग्लूकोमा**				13	**सामग्री एवं आपूर्ति**			
	में सी.जी.डी.								
	वर्ष 13–14 तक शेष	41445			i)	वर्ष 2013–14 तक	18564472		
	वर्ष 2014–15 के दौरान	0			ii)	वर्ष 14–15 में विदेशी खरीद	5729436		
	प्राप्त निधि : जमा					हेतु किया गया अग्रिम भुगतान			
	वर्ष 2014–15 के दौरान	0	41445	41445	iii)	वर्ष 14–15 के दौरान प्राप्त	8782373	15511535	18564472
	व्यय : न्यून					सामग्री : न्यून			
12	**सी.एस.आई.आर.**					**मशीनरी एवं उपकरण**			
						(योजना) झज्जर			
	वर्ष 13–14 तक शेष	279334				वर्ष 2013–14 तक	2950000		
	वर्ष 2014–15 के दौरान	1347867				वर्ष 14–15 के दौरान जमा	0	2950000	2950000
	प्राप्त निधि : जमा								
	वर्ष 2014–15 के दौरान	1420615	206586	279334					
	व्यय : न्यून								
13	**आर.ओ.पी. सेवाएं**								
	वर्ष 13–14 तक शेष	132159							

	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्त निधि : जमा	224000							
	वर्ष 2014–15 के दौरान व्यय : न्यून	356159	0	132159					
14	**डी.ई.जी.ए.एस.**								
	वर्ष 13–14 तक शेष	184074							
	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्त निधि : जमा	0							
	वर्ष 2014–15 के दौरान व्यय : न्यून	0	184074	184074					
15	**डी.एम.ई.**								
	वर्ष 13–14 तक शेष	7762							
	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्त निधि : जमा	0							
	वर्ष 2014–15 के दौरान व्यय : न्यून	0	7762	7762					
16	**डी.एन.बी. जांच**								
	वर्ष 13–14 तक शेष	5000							
	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्त निधि : जमा	0							
	वर्ष 2014–15 के दौरान व्यय : न्यून	0	5000	5000					
17	**आर.ओ.पी. कार्यशाला**								
	वर्ष 13–14 तक शेष	0							
	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्त निधि : जमा	0							

	वर्ष 2014—15 के दौरान व्यय : न्यून	0	0	0					
18	**एफ.टी.जी.**								
	वर्ष 13—14 तक शेष	674							
	वर्ष 2014—15 के दौरान प्राप्त निधि : जमा	120929							
	वर्ष 2014—15 के दौरान व्यय : न्यून	120929	674	674					
19	**हाई प्रीसीजन बायो एनेलिटियल (एच.पी. – बी.ए.एफ.)**								
	वर्ष 13—14 तक शेष	218474							
	वर्ष 2014—15 के दौरान प्राप्त निधि : जमा	85972							
	वर्ष 2014—15 के दौरान व्यय : न्यून	188848	115598	218474					
20	**आई.सी.एम.आर.**								
	वर्ष 13—14 तक शेष	3179017							
	वर्ष 2014—15 के दौरान प्राप्त निधि : जमा	2027571							
	वर्ष 2014—15 के दौरान व्यय : न्यून	3303013	1903575	3179017					
21	**इंडिजेन (एल.एस.टी.एम.)**								
	वर्ष 13—14 तक शेष	730							
	वर्ष 2014—15 के दौरान प्राप्त निधि : जमा	0							
	वर्ष 2014—15 के दौरान	0	730	730					

	व्यय : न्यून								
22	**लक्स 201 ओमनीकेयर**								
	वर्ष 13–14 तक शेष	690509							
	वर्ष 2014–15 के दौरान	0							
	प्राप्त निधि : जमा								
	वर्ष 2014–15 के दौरान	51892	638617	690509					
	व्यय : न्यून								
23	**एम.ए. फाउंडेशन**								
	वर्ष 13–14 तक शेष	54096							
	वर्ष 2014–15 के दौरान	300000							
	प्राप्त निधि : जमा								
	वर्ष 2014–15 के दौरान	279473	74623	54096					
	व्यय : न्यून								
24	**एम.के. मीडिया कार्नियल ट्रांसप्लांट (वित्त मंत्रालय)**								
	वर्ष 13–14 तक शेष	958771							
	वर्ष 2014–15 के दौरान	0							
	प्राप्त निधि : जमा								
	वर्ष 2014–15 के दौरान	933314	25457	958771					
	व्यय : न्यून								
25	**एन.ए.बी.**								
	वर्ष 13–14 तक शेष	54132							
	वर्ष 2014–15 के दौरान	0							
	प्राप्त निधि : जमा								
	वर्ष 2014–15 के दौरान	0	54132	54132					
	व्यय : न्यून								

26	**<u>नावर्टिस शील्ड अध्ययन</u>**								
	वर्ष 13–14 तक शेष	0							
	वर्ष 2014–15 के दौरान								
	प्राप्त निधि : जमा								
	वर्ष 2014–15 के दौरान	0	0						
	व्यय : न्यून								
27	**<u>एन.पी.सी.बी. डी.ओ.एस. प्रशिक्षण</u>**								
	वर्ष 13–14 तक शेष	230931							
	वर्ष 2014–15 के दौरान	819069							
	प्राप्त निधि : जमा								
	वर्ष 2014–15 के दौरान	733010	316990	230931					
	व्यय : न्यून								
28	**<u>एन.पी.सी.बी. नेत्र शिविर गोड्डा झारखंड</u>**								
	वर्ष 13–14 तक शेष	0							
	वर्ष 2014–15 के दौरान	84828							
	प्राप्त निधि : जमा								
	वर्ष 2014–15 के दौरान	84828	0	0					
	व्यय : न्यून								
29	**<u>एन.पी.सी.बी. / डी.बी.सी.एस.</u>**								
	वर्ष 13–14 तक शेष	37500							
	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्त	647250							
	निधि : जमा								
	वर्ष 2014–15 के दौरान	678015	6735	37500					
	व्यय : न्यून								

30	**एन.पी.सी.बी. – एन.एस.यू.**								
	वर्ष 13–14 तक शेष	163060							
	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्त निधि : जमा	0							
	वर्ष 2014–15 के दौरान व्यय : न्यून	162290	770	163060					
31	**एन.पी.सी.बी. – एस.एस.यू.**								
	वर्ष 13–14 तक शेष	122072							
	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्त निधि : जमा	190428							
	वर्ष 2014–15 के दौरान व्यय : न्यून	150000	162500	122072					
32	**ओ.ई.यू.**								
	वर्ष 13–14 तक शेष	3413							
	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्त निधि : जमा	0							
	वर्ष 2014–15 के दौरान व्यय : न्यून	0	3413	3413					
33	**ओर्बिस पी.ई.सी.पी.**								
	वर्ष 13–14 तक शेष	52323							
	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्त निधि : जमा	0							
	वर्ष 2014–15 के दौरान व्यय : न्यून	0	52323	52323					
34	**फार्माकोकिनेटिक कूइनेक्राइन**								
	वर्ष 13–14 तक शेष	63							

	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्त निधि : जमा	0							
	वर्ष 2014–15 के दौरान व्यय : न्यून	0	63	63					
35	**अध्ययन औषध (डीई–109)**								
	वर्ष 13–14 तक शेष	56565							
	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्त निधि : जमा	250000							
	वर्ष 2014–15 के दौरान व्यय : न्यून	236259	70306	56565					
36	**पोसूडूरेक्स पी.एस. / डी.डी.एस. एलर्जन इंटरनेशनल**	-							
	वर्ष 13–14 तक शेष	0							
	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्त निधि : जमा	0							
	वर्ष 2014–15 के दौरान व्यय : न्यून	0	0	0					
37	**ओजुर्डेक्स अध्ययन**								
	वर्ष 13–14 तक शेष	46879							
	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्त निधि : जमा	157500							
	वर्ष 2014–15 के दौरान व्यय : न्यून	201414	2965	46879					
38	**मायोपिया अध्ययन**								
	वर्ष 13–14 तक शेष	0							
	वर्ष 2014–15 के दौरान	0							

	प्राप्त निधि : जमा									
	वर्ष 2014–15 के दौरान	0	0	0						
	व्यय : न्यून									
39	**एस.एस.एम.आई.–वी.एफ.ए.**									
	वर्ष 13–14 तक शेष	357052								
	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्त	1000000								
	निधि : जमा									
	वर्ष 2014–15 के दौरान	1065236	291816	357052						
	व्यय : न्यून									
40	**शुष्क नेत्र का व्यापक उपचार**									
	वर्ष 13–14 तक शेष	105300								
	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्त	0								
	निधि : जमा									
	वर्ष 2014–15 के दौरान	91332	13968	105300						
	व्यय : न्यून									
41	**वि.स्वा.सं. मलेसिया**									
	वर्ष 13–14 तक शेष	49282								
	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्त	0								
	निधि : जमा									
	वर्ष 2014–15 के दौरान	0	49282	49282						
	व्यय : न्यून									
43	**कार्यशाला**									
	वर्ष 13–14 तक शेष	31600								
	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्त	0								
	निधि : जमा									
	वर्ष 2014–15 के दौरान	0	31600	31600						

	व्यय : न्यून									
44	**पी.एच.एफ.आई./ क्यू.ई.डी.जे.टी. – ई.ई.आर.**									
	वर्ष 13–14 तक शेष	202498								
	वर्ष 2014–15 के दौरान	50000								
	प्राप्त निधि : जमा									
	वर्ष 2014–15 के दौरान	252498	0	202498						
	व्यय : न्यून									
45	**लूमिनस अध्ययन**									
	वर्ष 13–14 तक शेष	126730								
	वर्ष 2014–15 के दौरान	70915								
	प्राप्त निधि : जमा									
	वर्ष 2014–15 के दौरान	190802	6843	126730						
	व्यय : न्यून									
46	**राष्ट्रीय आर.ओ.पी. शिखर**									
	वर्ष 13–14 तक शेष	193821								
	वर्ष 2014–15 के दौरान	0								
	प्राप्त निधि : जमा									
	वर्ष 2014–15 के दौरान	193821	0	193821						
	व्यय : न्यून									
47	**ट्रेकोमा परियोजना का व्यापक अध्ययन**									
	वर्ष 13–14 तक शेष	85								
	वर्ष 2014–15 के दौरान	0								

	प्राप्त निधि : जमा								
	वर्ष 2014–15 के दौरान	0	85	85					
	व्यय : न्यून								
VII	**एन.आई.ए.एफ.**								
	वर्ष 13–14 तक शेष	1314919							
	वर्ष 2014–15 के दौरान	100000							
	प्राप्त निधि : जमा								
	वर्ष 2014–15 के दौरान	40460	1374459	1314919					
	व्यय : न्यून								
VIII	**एन.पी.सी.बी.**								
	वर्ष 13–14 तक शेष	827							
	वर्ष 2014–15 के दौरान	0							
	प्राप्त निधि : जमा								
	वर्ष 2014–15 के दौरान	0	827	827		-			
	व्यय : न्यून								
IX	**जमानत जमा**								
	वर्ष 13–14 तक शेष	8695406							
	वर्ष 2014–15 के दौरान	3910900							
	प्राप्त निधि : जमा								
	वर्ष 2014–15 के								
	दौरान व्यय :	2258000	10348306	8695406					
X	**अ.भा.आ.सं. छूट**								
	गत वर्ष के अनुसार	215790							
	वर्ष 2014–15 के दौरान		215790	215790					
	प्राप्त वसूली								
XI	**बाह्य वसूलियां**								

	वर्ष 2014–15 तक		11288	11288					
XII	**व्यय पर आय की अधिकता**								
i)	वर्ष 13–14 तक	99116556							
ii)	वर्ष 2012–13 और 2013–14 के दौरान प्रशासनिक प्रभार के लिए देयता से अंतरित राशि जमा	4050284							
iii)	वर्ष 2014–15 के दौरान : जमा	28300291	131467131	103166840					
			2626096374	**2153729297**				**2626096374**	**2153729297**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र (ग)
दिनांक 31.03.2015 के अनुसार तुलन – पत्र

क्र. सं.	देयताएं		2014-15	2013-14	क्र. सं.	परिसंपत्तियां		2014-15	2013-14
क	**हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र**				**क**	**हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र**			
1	राशि देय परंतु भुगतान नहीं कोषाध्यक्ष		0	0	**1**	नकद राशि अग्रदाय (सी. एन. सी. कोषाध्यक्ष)		61000	61000
क)	वेतन एवं भत्ते		0	0					
ख)	अग्रदाय राशि वर्ष 2014–15		20000	20000					
2	**भारत सरकार से पूंजी अनुदान**				**2**	**अंत शेष**			
i)	वर्ष 2013–14 तक	4843131303			क)	बैंक में नकद		59783863	86827399
ii)	वर्ष 2014–15 के दौरान				ख)	टी.डी.आर.		0	100000000
क)	पूंजी परिसंपति (नई)	410988718			ग)	कंप्यूटर अग्रिम		1515814	1567414
ख)	आरजी (लघु कार्य)	26227638			घ)	कार अग्रिम		381276	482868
ग)	पुर्जे एवं अनुषंगी (सी.टी.सी.)	26702022			ङ)	स्कूटर अग्रिम		564376	682122
घ)	पुर्जे एवं अनुषंगी (एन.एस.सी.)	22264458			च)	साइकिल अग्रिम		0	0
iii)	न्यून निराकृत मशीनरी (–)				छ)	भवन निर्माण अग्रिम		3773240	4542350
iv)	न्यून निराकृत फर्नीचर (–)				ज)	त्योहार अग्रिम		1189705	892029

V)	एम्स को वापस की जाने वाली								
	योजना राशि (+)	21160145	5350474284	4996080166					
3	सं.रो.कैं.अ. से अंतरित राशि		1478400	1478400					
4	साईं भक्त समाज द्वारा दान		613384	613384					
	किए गए वाहनों की लागत								
5	**दान**								
i)	वर्ष 2013–14 तक	1588852							
ii)	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्ति	452700							
iii)	वर्ष 2014–15 के दौरान								
	व्यय न्यून (–)	0	2041552	1588852					
6	**जमानत जमा**	-			3	**मशीनरी एवं उपकरण**			
i)	वर्ष 2013–14 तक	42146629			i)	वर्ष 2013–14 तक	4061229082		
ii)	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्ति	6947000			ii)	वर्ष 2014–15 के दौरान	164433300		
iii)	वर्ष 2014–15 के दौरान								
	न्यून वापसी (–)	3726935	45366694	42146629	iii)	पुर्जे एवं अनुषंगी (सी.टी.सी.)	26702022		
7	**नाको निधि**	-			IV)	पुर्जे एवं अनुषंगी (एन.एस.सी.)	22264458		
i)	वर्ष 2013–14 तक	360000			v)	भुगतान से प्राप्त मशीनरी	199632981		
						एवं उपकरण (+)			
	वर्ष 12–13 में नाको व्यय :	360000	0	360000	v)	मशीनरी निराकृत : न्यून	0	4474261843	4061229082
	समायोजन (–)								
8	**आर.टी.जी.एस. राशि**				4	**विदेशी खरीद हेतु अग्रिम भुगतान**			
	(नामे / जमा परामर्श)				क)	**मशीनरी एवं उपकरण**			
i)	वर्ष 2013–14 तक				i)	वर्ष 2013–14 तक	147954696		
ii)	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्ति	32954726			ii)	वर्ष 2014–15 के दौरान	246292812		
iii)	वर्ष 2014–15 में व्यय न्यून (–)	32241862	712864	0	iii)	वर्ष 2014–15 में प्राप्त	199632981	194614527	147954696
						न्यून उपकरण (–)			

9	**तंत्रिका विज्ञान रोगी खाता**	-							
i)	वर्ष 2013–14 तक	23093526							
ii)	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्ति	20333934			**5**	**लघु कार्य**			
iii)	वर्ष 2014–15 में न्यून	9838704	33588756	23093526	i)	वर्ष 2013–14 तक	392625069		
	वापसी / व्यय								
10	**थैलियम जांच**	-			ii)	वर्ष 2014–15 के दौरान	26227638	418852707	392625069
i)	वर्ष 2013–14 तक	387400			**6**	कार्य के लिए अग्रिम		174596762	174596762
ii)	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्ति	3539250			**7**	**बाह्य रोगियों से देय राशि**			
						(सी.जी.एच.एस.)			
iii)	वर्ष 2014–15 में न्यून व्यय (–)	3892526	34124	387400	i)	वर्ष 2013–14 तक	3163838		
11	**हृद प्रतिरोपण दान**	-			ii)	वर्ष 2014–15 के दौरान (+)	439997		
i)	वर्ष 2013–14 तक	274919			iii)	वर्ष 2014–15 में प्राप्त न्यून	36690	3567145	3163838
ii)	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्ति	0				राशि (–)			
iii)	वर्ष 2014–15 में न्यून व्यय (–)	0	274919	274919		-			
					8	**वाहन**	-		
12	**हृद जांच**	-				एम्बुलेंस कार			
i)	वर्ष 2013–14 तक	6881765				एम्बुलेंस ओर्बो		1305522	1305522
ii)	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्ति	4933780			**9**	**फर्नीचर एवं उपस्कर**	-		
iii)	वर्ष 2014–15 में न्यून व्यय (–)	645803	11169742	6881765	i)	वर्ष 2013–14 तक	3103472		
					ii)	वर्ष 2014–15 के दौरान	262606		
					iii)	फर्नीचर निराकृत (–)	0	3366078	3103472
13	**प्रयोगशाला जांच**				**10**	सी.टी. रोगी खाते स		49025000	49025000
						अंतरित मशीनरी एवं उपकरण			
i)	वर्ष 2013–14 तक	5883783							
ii)	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्ति	11230090							
iii)	वर्ष 2014–15 में न्यून व्यय (–)	10147122	6966751	5883783					

14	**एम.आर.आई.**	-							
i)	वर्ष 2013–14 तक	0							
ii)	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्ति	2200400							
iii)	वर्ष 2014–15 में न्यून व्यय (–)	1459570	740830	0					
15	**बाह्य वसूलियां संस्थान वसूलियां**	-							
i)	वर्ष 2013–14 तक	306955							
ii)	वर्ष 2014–15 के दौरान (–)	3910	303045	306955					
16	साईं भक्त समाज को अंतरित सी. टी. रोगी मशीनरी एवं उपकरण		49025000	49025000					
ख	**सी. टी. रोगी खाता**				**ख**	**सी. टी. रोगी खाता**			
					1	सावधि जमा वर्ष 2014–15		0	0
					2	बैंक में नकद		23177532	29043470
ग	**तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता**				**ग**	**तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता**			
					1	**सावधि जमा वर्ष 2014–15**			
					(i)	ओ. बी.	15900000		
					(ii)	वर्ष के दौरान (+)	15900000	31800000	15900000
					2	बैंक में नकद		2995284	29219234
घ	**गामा नाईफ रोगी उपचार खाता**				**घ**	**गामा नाईफ रोगी उपचार खाता**			
					1	सावधि जमा वर्ष 2014–15		70000000	70000000
					2	बैंक में नकद		116772660	75191121
ङ	**एंजियो रोगी खाता**				**ङ**	**एंजियो रोगी खाता**			
					1	विविध देनदार		3245441	3245441
					2	**सावधि जमा**			
						ओ. बी.	59800000		
						वर्ष के दौरान जमा	50000000	109800000	59800000
					3	बैंक में नकद		25556493	76524727

च	निर्धन रोगी निधि				च	निर्धन रोगी निधि			
	देयताएं		210417	161133	i	बैंक में नकद		210162	161133
					ii	लाभ एवं हानि खाता		255	0
छ	व्यय पर आय की अधिकता				छ	आय पर व्यय की अधिकता			
1	हृ. तं. केंद्र				1	हृ. तं. केंद्र			
	वर्ष 2013–14 तक					आय पर व्यय की अधिकता			
						वर्ष 2013–14	100082156		
						वर्ष 2014–15 के दौरान (+)	15869331	115951487	100082156
2	सी. टी. रोगी खाता								
	वर्ष 2013–14 तक आय पर व्यय की अधिकता का अथशेष	29043470							
	वर्ष 2014–15 में आय पर व्यय की अधिकता (–)	5865938	23177532	29043470					
4	तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता								
	वर्ष 2013–14 तक व्यय पर आय की अधिकता का अथशेष	45119234							
	आय पर व्यय की अधिकता (–)	10323950	34795284	45119234					
5	गामा नाईफ रोगी उपचार								
	वर्ष 2013–14 तक व्यय पर आय की अधिकता का अथशेष	145191121							
	वर्ष के दौरान व्यय पर आय की अधिकता (+)	41581539	186772660	145191121					
6	एंजियो रोगी खाता								
	वर्ष 2013–14 तक आय पर व्यय की अधिकता का अथशेष	139570168							
	आय पर व्यय की अधिकता (–)	968234	138601934	139570168					
	कुल		**5886368172**	**5487225905**		**कुल**		**5886368172**	**5487225905**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
डॉ. भीम राव अम्बेड़कर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल (घ)
दिनांक 31.03.2015 के अनुसार तुलन – पत्र

क्र.सं.	देयताएं		2014-15	2013-14	क्र.सं.	परिसंपत्तियां		2014-15	2013-14
1	**पूंजी अनुदान**				1	**वर्तमान परिसंपत्ति**			
	वर्ष 2013–14 तक	1793378811				बैंक में नकद		0	791001
	वर्ष 2014–15 के दौरान : जमा (योजना)	491120000			2	**कंप्यूटर अग्रिम+कार/ स्कूटर अग्रिम**			
	वर्ष 2014–15 के दौरान निराकृत मशीनरी एवं उपकरण न्यून	21339835				वर्ष 2013–14 तक	347207		
	वर्ष 2014–15 के दौरान निराकृत फर्नीचर न्यून	-				वर्ष 2014–15 के दौरान जमा	210000		
	वित्त वर्ष 2013–14 के दौरान अधिक पूंजी न्यून	5202642	2257956334	1793378811		वर्ष 2014–15 के दौरान वसूलियां न्यून	353916	203291	347207
					3	**वर्ष 2014–15 तक भवन निर्माण अग्रिम**		87750	87750
2	**आर. टी. आवर्ती निधि**				4	**त्योहार अग्रिम**			
	वर्ष 2013–14 तक	751728				वर्ष 2013–14 तक	205800		
	वर्ष 2014–15 के दौरान जमा	363000				वर्ष 14–15 के दौरान जमा	634500		
	वर्ष 2014–15 के दौरान भुगतान : न्यून	565840	548888	751728		वर्ष 2014–15 के दौरान वसूलियां न्यून	478800	361500	205800
					5	**सीमा शुल्क एवं पी.डी.ए. (अग्रिम भुगतान)**			
	बैंक ओवर ड्राफ्ट		0			वर्ष 2013–14 तक	18734808		
3	**चिकित्सा अर्बुद विज्ञान आवर्ती निधि**					वर्ष 14–15 के दौरान जमा	50191725		

	वर्ष 2013–14 तक	1375679				वर्ष 14–15 के दौरान	3874918	65051615	18734808
						समायोजित सीमा शुल्क न्यून			
	वर्ष 2014–15 के दौरान जमा	71960			6	**मशीनरी एवं उपकरण**			
						(अग्रिम भुगतान)			
	वर्ष 2014–15 के दौरान	-	1447639	1375679		मशीनरी एवं उपकरण हेतु			
	भुगतान : न्यून					विदेशी खरीद के लिए			
						अग्रिम भुगतान			
						वर्ष 2013–14 तक	61936201		
4	**ई.एम.डी. एवं जमानत जमा**					वर्ष 14–15 के दौरान जमा	352069290		
						वर्ष 2013–14 तक	139020		
						वर्ष 14–15 के दौरान	42737054	371268437	61936201
						अग्रिम (एल.सी.) का			
						समायोजन न्यून			
	वर्ष 2014–15 के दौरान जमा	135000			7	**जमानत जमा एन.डी.एम.सी.**			
	वर्ष 2014–15 के दौरान	60000	214020	139020		वर्ष 2013–14 तक		2626000	2626000
	भुगतान न्यून								
						स्थायी परिसंपत्ति			
	निर्धन रोगी खाता				8	**मशीनरी एवं उपकरण**			
क)	नकद / बैंक	3074065				वर्ष 2013–14 तक	1324608291		
	प्राप्ति					वर्ष 14–15 के दौरान जमा	83848911		
	अनुदान	806800				वर्ष 14–15 के दौरान	42737054		
						अग्रिम (एल.सी.) का			
						समायोजन जमा			
	ब्याज	1973599				सीडीए / पीडीए का	3874918		
						समायोजन जमा			
	विविध	50				वर्ष 14–15 के दौरान	21339835		

						निराकृत मशीनरी एवं			
						उपकरण न्यून			
	भुगतान	5285919				वित्त वर्ष 2013–14	5202642	1428526697	1324608291
						के दौरान अधिक पूंजी न्यून			
	विविध भुगतान	254			9	**फर्नीचर एवं उपस्कर**			
	अंतशेष		568341	3074065		वर्ष 2013–14 तक	10840372		
						वर्ष 14–15 के दौरान जमा	-		
	रोगी उपचार खाता					वर्ष 14–15 के दौरान	-	10840372	10840372
						निराकृत फर्नीचर न्यून			
क)	नकद / बैंक	61424492			10	**भवन**			
						वर्ष 2013–14 तक	294156972		
	अनुदान	51849467				**लघु कार्य**			
	ब्याज	37616				वर्ष 2013–14 तक	44903796		44903796
	विविध	146871						339060768	294156972
	भुगतान	44019457			11	**वाहन**			
	विविध भुगतान	36622				वर्ष 2013–14 तक	2699309		
	वापस किए गए चैक	200000	69202367	61424492		वर्ष 14–15 के दौरान जमा	0	2699309	2699309
					12	**आय पर व्यय की अधिकता**			
	बैंक में नकद (एफडीआर)		6000000	6000000		वर्ष 2013–14 तक	33707731		
						वर्ष के दौरान व्यय की	12096501	45804232	33707731
						अधिकता : जमा			
	एच.एम.सी.पी.एफ. खाता?								
	नकद / बैंक	561864			13	**निर्धन रोगी खाता (नकद/बैंक)**		568341	3074065
	प्राप्ति								
	अनुदान	2008217			14	**रोगी उपचार खाता**			
	रद्द चैक / बैंक	11915				**नकद / बैंक**		69202367	61424492

	भुगतान	499788				**एफडीआर**		6000000	6000000
	विविध भुगतान	873			15	**एच.एम.सी.पी.एफ. खाता (नकद/बैंक)**		2081335	561864
	अंतशेष	2081335	561864						
	कुल	**2338018924**	**1866705659**			**कुल**		**2344382014**	**1866705659**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र (ङ)
दिनांक 31.03.2015 के अनुसार तुलन – पत्र

क्र.	सं. देयताएं		2014-15	2013-14	क्र.	सं. परिसंपत्तियां		2014-15	2013-14
1	**भारत सरकार से पूंजी अनुदान**	-			1	**वर्तमान परिसंपत्ति**			
	वर्ष 2013–14 तक	2552681196				नकद राशि		0	6706
	वर्ष 14–15 के दौरान जमा	183798466	2736479662	2552681196		बैंक में नकद		94126364	46625167
2	**जमानत/ ई.एम.डी. जमा**					मैसर्स एच.एस.सी.सी.			
						(बकाया वर्ष 2012–13)		6500000	6500000
	वर्ष 2013–14 तक	3340968				एनडीएमसी को जमानत जमा		5979000	5979000
	वर्ष 2014–15 के दौरान	6044000				आईजीएल के पास जमानत जमा		1304680	1304680
	प्राप्ति : जमा								
	वर्ष 2014–15 के दौरान	1645000	7739968	3340968		''ट्राइजन'' को अग्रिम भुगतान		1170000	1170000
	वापसी : न्यून					(एम.ओ.यू. अनुसार ऊर्जा मंत्रालय)			
3	**रोगी खाता**	-							
	वर्ष 2013–14 तक	10380877			2	**विदेशी खरीद हेतु अग्रिम**			
	ए.टी.एल.एस. परियोजना	359564				वर्ष 2013–14 तक	64769656		
	को अंतरित राशि न्यून								
	वर्ष 2014–15 के दौरान	4200555				वर्ष के दौरान एल.सी. अग्रिम	84410332		

	व्यय : न्यून					भुगतान : जमा			
	वर्ष 2014–15 के दौरान	3465932	10755936	10380877		वर्ष के दौरान एल.सी. अग्रिम	64769656	84410332	64769656
	व्यय : न्यून					समायोजित : न्यून			
4	ए.टी.एल.एस. परियोजना				3	**सीमा शुल्क अग्रिम**	-		
	रोगी खाते से अंतरित राशि	359564				वर्ष 2013–14 तक	35781400		
	वर्ष 2014–15 के दौरान	3035000				वर्ष 2014–15 के दौरान	26000000		
	प्राप्तियां : जमा					अग्रिम : जमा			
	वर्ष 2014–15 के दौरान	1704757	1689807	0		वर्ष 2014–15 के दौरान	7160485	54620915	35781400
	व्यय : न्यून					समायोजित : न्यून			
					4	**पी. डी. ए. अग्रिम**			
5	ए.आई.टी.एस.सी. परियोजना					वर्ष 2013–14 तक	9302490		
	वर्ष 2014–15 के दौरान प्राप्तियां	7125000				वर्ष 2014–15 के दौरान	0		
						अग्रिम : जमा			
	वर्ष 2014–15 के दौरान	4998140	2126860	0		वर्ष 2014–15 के दौरान	244815	9057675	9302490
	व्यय : न्यून					समायोजित : न्यून			
6	व्यय पर आय की अधिकता				5	**त्योहार अग्रिम**			
	वर्ष 2013–14 तक	71954884				वर्ष 2013–14 तक	110625		
	वर्ष 2014–15 के दौरान : जमा	30553156	102508040	71954884		वर्ष 2014–15 के दौरान	121500		
						अग्रिम : जमा			
						वर्ष 2014–15 के दौरान	172875	59250	110625
						वसूली : न्यून			
					6	**कंप्यूटर अग्रिम**			
						वर्ष 2013–14 तक	0		
						वर्ष 2014–15 के दौरान	30000		
						अग्रिम : जमा			
						वर्ष 2014–15 के दौरान	11000	19000	

						वसूली : न्यून			
					7	**स्थायी परिसंपत्ति**			
						भवन		689076549	689076549
						अंतरित भूमि खाता (अ.भा.आ.सं.)		54310794	54310794
						मशीनरी एवं उपकरण	-		
						वर्ष 2013–14 तक	1714429956		
						वर्ष 2014–15 के दौरान जमा	64594824		
						अग्रिम से प्राप्त मशीनरी एवं	64769656		
						उपकरण : जमा			
						वर्ष 2014–15 के दौरान	7160485		
						सीमा शुल्क भुगतान : जमा			
						वर्ष 2014–15 के दौरान	244815	1851199736	1714429956
						पीडीए : जमा			
						फर्नीचर एवं उपस्कर			
						वर्ष 2013–14 तक	8990902		
						वर्ष 2014–15 के दौरान जमा	475076	9465978	8990902
	कुल		**2861300273**	**2638357925**		**कुल**		**2861300273**	**2638357925**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (च)
दिनांक 31.03.2015 के अनुसार तुलन – पत्र

क्र.सं.	देयताएं		2014-15	2013-14	क्र.सं.	परिसंपत्तियां		2014-15	2013-14
1	**पूंजी अनुदान**				1	**वर्तमान परिसंपत्ति**			
	वर्ष 2013–14 तक	519796454				नकद राशि		5000	5000
	वर्ष 2014–15 के दौरान								
	प्राप्त पूंजी अनुदान : जमा	20000000				बैंक में नकद		25130322	0
	वापस खरीद प्रापण आधार								

	पर सप्लायर को दिए गए पुराने								
	उपकरण का मूल्य : न्यून	0	539796454	519796454		टी.डी.आर. अथशेष	30000000		
						वर्ष 2014–15 के दौरान	30000000	0	30000000
						बैंक में जमा : न्यून			
2	**जमानत/ ई.एम.डी. जमा**				2	**अग्रिम**			
	वर्ष 2013–14 तक	5742411				एच.एस.सी.सी. को अग्रिम			
						भुगतान		0	0
	वर्ष 2014–15 के दौरान	5837216				एन.डी.एम.सी. को अग्रिम		2364500	2364500
	प्राप्ति : जमा					भुगतान			
	वर्ष 2014–15 के दौरान					एन.डी.एम.सी. को			
	वापसी : न्यून	2416140	9163487	5742411		जमानत जमा		3000000	3000000
						डी.जी.एस. एंड डी			
						को अग्रिम भुगतान		469471	469471
3	बैंक ओवर ड्राफ्ट		0	10464196	3	**स्थायी परिसंपत्ति**			
						भवन			
						(i) वर्ष 2013–14 तक एम्स			
						मुख्य खाते से अंतरित राशि			
						308762005 जमा			
						किए गए :–			
						(ii) एच.एस.सी.सी. लि. को			
						अग्रिम भुगतान के लिए			
						समायोजन वर्ष 2014–15			
						के दौरान (+) शून्य		308762005	308762005
4	**व्यय पर आय की अधिकता**					मशीनरी एवं उपकरण	-		
	वर्ष 2013–14 तक	17840712.5				वर्ष 2013–14 तक	209242798		
	वर्ष 2014–15 के दौरान : जमा	2014212	19854924	17840713		वर्ष 2014–15 के दौरान जमा	19840769	229083567	209242798
	कुल		**568814865**	**553843774**		**कुल**		**568814865**	**553843774**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र (छ)

दिनांक 31.03.2015 के अनुसार तुलन – पत्र

क्र.सं.	देयताएं		2014-15	2013-14	क्र.सं.	परिसंपत्तियां		2014-15	2013-14
1	वर्ष 2013–14 तक पूंजी निधि	191548470			1	बैंक में नकद		21490377	10433679
2	सहायता अनुदान – पूंजी								
	परिसंपत्ति का सश्जन	20124000	211672470	191548470					
					2	ओ.बी. – मशीनरी एवं उपकरण	39738190		
3	वर्ष 2013–14 तक संस्थान वसूली	0	113215	113215		वर्ष के दौरान मशीनरी एवं			
						उपकरण की खरीद	5981042	45719232	39738190
	वर्ष 2014–15 के दौरान	0	0			वर्ष 2013–14 तक सामग्री			
						एवं आपूर्ति हेतु अग्रिम	0	270000	270000
						वर्ष 2014–15 के दौरान			
						प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु अग्रिम	3712000		
4	**जमानत/ ई.एम.डी. जमा**					वर्ष के दौरान समायोजन न्यून	29000	3683000	
	अथशेष	285000		285000					
	वर्ष के दौरान जमानत जमा	200000			3	वर्ष 2014–15 के दौरान			
						अग्रदाय	40000		
	वर्ष के दौरान वापस की गई					वर्ष 2014–15 के दौरान			
	जमानत न्यून	150000	335000			समायोजन न्यून	20000	20000	
5	गलती से प्राप्ति यू.एन.डी.सी.पी.								
	वर्ष 2013–14		632	632	4	ओ.बी. – पुस्तकें एवं प्रकाशन	30609935		30609935
						वर्ष के दौरान पुस्तकें एवं			
						प्रकाशन	3395763	34005698	
6	ओ. बी. – व्यय पर आय की								
	अधिकता	8305644							

	वर्ष के दौरान आय पर आय की अधिकता	11965574	20271218	8305644	5	ओ.बी. – फर्नीचर एवं उपस्कर	7528373		7528373
						वर्ष के दौरान फर्नीचर व्यय	1253446	8781819	
					6	ओ. बी. – भवन	102198975		102198975
						वर्ष के दौरान भवन व्यय	3541118	105740093	
					7	वर्ष 2013–14 तक वाहन			
						वर्ष 2014–15	9033101		9033101
						वर्ष 2014–15	3208507	12241608	
					8	सीमा शुल्क अग्रिम			
						वर्ष 2013–14		400000	400000
						बाह्य वसूली वर्ष 2013–14		40708	40708
	कुल		**232392535**	**200252961**		**कुल**		**232392535**	**200252961**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

यू.एन.डी.सी.पी. परियोजना (ज)

दिनांक 31.03.2015 के अनुसार तुलन – पत्र

क्र.सं.	देयताएं		2014-15	2013-14	क्र.सं.	परिसंपत्तियां		2014-15	2013-14
1	अथशेष		464680	464680	1	प्रशिक्षण हेतु अग्रिम			
	व्यय पर आय की अधिकता	2918773	0			i) वर्ष 2013–14 तक	1483000		1483000
	वर्ष 2014–15 के दौरान आय	2013005	4931778	2918773		ii) वर्ष 2014–15 के दौरान	5650000		
	पर व्यय की अधिकता : जमा					अग्रिम : जमा			
						ii) वर्ष 2014–15 हेतु			
						अग्रिम का समायोजन : न्यून	4380000		
						ii) वर्ष 2013–14 के दौरान			
						अग्रिम का समायोजन : न्यून	168000	2585000	
					2	वर्ष 2013–14 हेतु			
						एन.डी.डी.टी.सी. से वसूलनीय		632	632

					3	बैंक में नकद		2810826	1899821
	कुल		**5396458**	**3383453**		**कुल**		**5396458**	**3383453**
महायोग (क से ज)			**40842879349**	**36322449063**				**40842879349**	**36322449063**

वित्त सलाहकार **वरिष्ठ वित्त सलाहकार** **निदेशक**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अनुसंधान अनुभाग

वर्ष 2014–2015 का विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं हेतु प्राप्त अनुदान के व्यय को दर्शाने वाला विवरण

			अथ शेष							समायोजन		शेष	
क्र.सं.	कोड	वित्तपोषित एजेंसी	जमा	नामे	प्राप्तियां	कुल प्राप्ति	व्यय	अनुमानित	व्यय	जमा	नामे	जमा	नामे
1		***संस्थान अनुसंधान अनुदान***	3763955		50,000,000.00	53,763,955.00	30920512		30920512			22843443	
2	439	एबोट हेल्थ केयर प्रा. लि.	471630			471630			0			471630	
3	294	एबोट वास्कूलर यू.एस.ए.	482902			482902			0			482902	
4	372	ए.सी.ई. फार्मेस्यूटिकल्स बी.वी. नीदरलैंड	15116			15116			0			15116	
5	373	एक्टेलियन फार्मेस्यूटिकल्स लि. स्वीट्जरलैंड	0			0			0			0	
6	148	एमिल फार्मेस्युटिकल इंडिया लि.	-331			-331			0				331
7	317	एजिनोमोटा कंपनी जापान	115846		179,102.00	294948	203085	17910	220995			73953	
8	396	एल्बर्ट डेविड लि.	0			0			0			0	
9	509	बाल चिकित्सा अमेरिकन अकेडमी	269058			269058			0			269058	
10	370	एमजेन प्रौद्योगिकी प्रा. लि.	1486697			1486697			0			1486697	
11	263	एंटीसेंस फार्मा. गम्भ. जर्मनी	-347			-347			0				347
12	527	ए ओ स्पाइन इंटरनेशनल, यू.एस.ए.	7479		205,950.00	213429	7455	20595	28050			185379	
13	16	एपोथेकेरीज प्रा. लि.	748030			748030	105135		105135			642895	
14	85	परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड	409629			409629			0			409629	
15	304	ऑक्सिलियम टेक्निकल एंड मैनेजमेंट सर्विसिज प्रा. लि.	400			400			0			400	

16	182	एवेंटिस फार्मस्युटिकल्स यू.एस.ए.	14135			14135			0			14135	
17	286	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय एवं आयुष	2661750		22,489,741.00	25151491	12131644	971201	13102845			12048646	
18	270	बी. ए. आर. सी.	477447			477447			0			477447	
19	179	बीजिंग तोषिबी फार्मस्युटिकल्स कंपनी लि.	180235			180235			0			180235	
20	168	भारत बायोटेक इंटरनेशनल लि.	12241			12241			0			12241	
21	222	भारत सीरम एंड वैक्सिन लि.	-10000			-10000			0				10000
22	449	बिगटैक प्रा. लि.	238432			238432	233619		233619			4813	
23	454	बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, यू.एस.ए.	8111			8111			0			8111	
24	338	बायोजेन इडेक लि. यू. के.	1178615.56		1,159,045.14	2337660.7	1442228	5802	1448030			889630.7	
25	210	बायोमेरिएक्स इंडिया (प्रा.) लि.	12011			12011			0			12011	
26	259	बोन एंड ज्वाईंट डिकेड इंडिया	130			130			0			130	
27	365	ब्रेंस गेट लि. इजरायल	132			132			0			132	
28	410	ब्रिजिज, यू.एस.ए.	177804			177804	56999		56999			120805	
29	364	ब्रिस्टल मेयर स्क्यूइब इंडिया प्रा. लि.	151925.5		202,487.10	354412.6	58654	20249	78903			275509.6	
30	435	ब्रिस्टल मेयर स्क्यूइब (बी.एम.एस.), यू.एस.ए.	-15191			-15191			0				15191
31	350	ब्रिटिश काउंसिल, यू.के.	4566588		1,398,145.00	5964733	2868393	139814	3008207			2956526	
32	408	बी.आर.एन.एस., मुंबई	-830995		302,625.00	-528370	332074	15131	347205				875575
33	181	सी.पी.डब्ल्यू.डब्ल्यू. जेरूसलम	6534			6534			0			6534	
34	2	सी.एस.आई.आर.	2352843		41,620,096.00	43972939	29047506	248357	29295863			14677076	
35	322	केडिला हेल्थ केयर लि.	95146		332,266.00	427412	299374	33226	332600			94812	

36		केडिला फार्मेस्यूटिकल लि.			328,803.00	328803	164257	32880	197137			131666	
37	415	केनेडियन स्वास्थ्य अनुसंधान	619962			619962	180384		180384			439578	
		संस्थान, केनेड़ा											
38	412	केन्नेक्टिन, केनेड़ा	80186			80186			0			80186	
39	197	सी.डी. फार्मा इंडिया प्रा. लि.	774739		2,715,740.00	3490479	1588374	241574	1829948			1660531	
40	490	सी.डी.ए.सी.	459368		2,034,000.00	2493368	507084	203400	710484			1782884	
41	327	सेटोकोर रिसर्च एंड डिवेल्पमेंट,	4797			4797			0			4797	
42	126	केंद्रीय आयुर्वेद एवं सिद्ध अनुसंधान परिषद	210136			210136	186831		186831			23305	
43	366	केंद्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद (सी.सी.आर.एच.) जनकपुरी, नई दिल्ली	240227			240227	343179		343179				102952
44	309	केंद्रीय यूनानी चिकित्सा	1413860		170,000.00	1583860	859650	8500	868150			715710	
		अनुसंधान परिषद											
45	51	केंद्रीय योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद	-61182		1,058,280.00	997098	672040	105828	777868			219230	
46	379	केंद्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन	135557			135557			0			135557	
47	356	चिरकालिक विकार नियंत्रण केंद्र	493508		432,887.00	926395	781794	43289	825083			101312	
48	472	सेंटर फ्रांको–इंडियन पौर ला प्रीओमोशन डि ला रिचेर्चे एडवांस (सीईएफआईपीआरए), फ्रांस	630479		1,091,769.00	1722248	753302	109176	862478			859770	
49	535	क्योरहेल्थ डायग्नोस्टिक प्रा. लि.			2,500,000.00	2500000		250000	250000			2250000	
50	190	चरक फार्मा (प्रा.) लि.	1144			1144			0			1144	
51	310	क्लिनसाइट, यू.एस.ए.	665			665			0			665	
52	443	क्लिनिकल मार्किटिंग प्रा. लि.	387888			387888	358732		358732			29156	
53	279	क्लिनिजेन इंटरनेशनल प्रा. लि.	1144531			1144531			0			1144531	

54	307	क्लिनिरक्स रिसर्च प्रा. लि., गुड़गांव, हरियाणा	136002		194,845.00	330847	216080	19483	235563			95284	
55	226	कोडमेन एंड श्रुतलीफ, इंक. यू.एस.ए.	42138			42138			0			42138	
56	358	कोलोप्लास्ट	-5775			-5775			0				5775
57	110	कोनार्ड, यू.एस.ए.	591			591			0			591	
58	22	कान्वेटी साईब	2328			2328			0			2328	
59	349	कोर्वेटिस, यू.एस.ए.	34152			34152	197834		197834				163682
60	361	क्रिटेरियम	185362			185362	157842		157842			27520	
61	109	सिस्टिक फिबरोसिस/वर्ल्ड वाइड, यू.एस.ए.	14605			14605			0			14605	
62	5	डी.बी.टी.	128434961		160,620,980.00	289055941	137405941	7582232	144988173			144067768	
63	280	डी.आर.डी.ओ.	811375		2,349,600.00	3160975	1091966	117480	1209446			1951529	
64	524	डाबर रिसर्च फाउंडेशन	508578		1,159,804.00	1668382	456403	115980	572383			1095999	
65	196	डेनिड़ा रिसर्च काउंसिल	19			19			0			19	
66	227	भौतिक एवं एलाइड विज्ञान रक्षा संस्थान	305861			305861	304500		304500			1361	
67	167	दिल्ली राज्य नियंत्रण सोसायटी / एड्स	102855		499,880.00	602735	505538		505538			97197	
68	277	दिल्ली तपेदिक उन्मूलन समिति	10824			10824			0			10824	
69	375	स्वास्थ्य एवं मानव सेवाएं विभाग रोग नियंत्रण केंद्र, यू.एस.ए.	809974		18,572,904.00	19382878	34539453	1857291	36396744				17013866
70	169	सूचना प्रौद्योगिकी विभाग	-7115			-7115			0				7115
71	492	फार्मेस्यूटिकल्स विभाग	5070087			5070087	1243717		1243717			3826370	
72	16	इलैक्ट्रॉनिक्स विभाग	56370		1,167,000.00	1223370	131263	58350	189613			1033757	
73	282	डाईजिन कार्पोरेशन, यू.एस.ए.	42184			42184			0			42184	

74	249	स्वास्थ्य सेवाएं महानिदेशालय	-57267			-57267			0				57267
75	25	शिक्षा निदेशालय (एन.एस.एस.)	22799		71,250.00	94049		3562	3562			90487	
76	184	डॉ. रेड्डी प्रयोगशाला प्रा. लि.	265163		598,357.00	863520	302146	59835	361981			501539	
77	411	डी.आर.डी.ई. (ग्वालियर)	855954			855954			0			855954	
78	3	डी.एस.टी.	85295143		95,261,627.00	180556770	174320316	3765091	178085407			2471363	
79	262	इली लिलि	-286109			-286109	60000		60000				346109
80	165	इम्क्योर फार्मास्यूटिकल लि.	-6380			-6380			0				6380
81	392	एम्मेस कार्पोरेशन, मैरीलैंड, यू.एस.ए.	3297			3297			0			3297	
82	297	यूरोपियन कमीशन	10576928		10576928	4264728		4264728				6312200	
83	145	प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञानी दल	-276			-276			0				276
84	393	फ्लामेंतरा ए.जी. स्वीजरलैंड	48193			48193			0			48193	
85	320	फोगर्टी इंटरनेशनल सेंटर, एन.आई.एच., यूएसए	53614		223,622.00	277236	249067	22362	271429			5807	
86	423	फोंडेजिओन एंग्लो बिआंची बानोमि मिलन – इटली	497809			497809	390921		390921			106888	
87	36	फोर्ड फाउंडेशन	458594			458594			0			458594	
88	281	फरीडम ट्रायल	86253			86253			0			86253	
89	42	फुलफोर्ड इंडिया लि.	114200			114200	1797		1797			112403	
90	93	ग्लेक्सो इंडिया लि.	217377			217377			0			217377	
91	336	ग्लेक्सो स्मिथ कलाइन	1074823		3,906,670.00	4981493	2995131	390667	3385798			1595695	
92	316	ग्लेक्सो स्मिथ कलाइन	167129		984,558.00	1151687	279250	98455	377705			773982	
		एशिया प्रा. लि.											
93	339	ग्लोबल कैंसर कन्सर्न इंडिया	3647			3647			0			3647	
94	389	जी.डब्ल्यू. फार्मा लि. यू.के.	8866		67,500.00	76366	60535	6750	67285			9081	
95	519	हेमिलटन हेल्थ साईंस एंड एम.सी.	-477323		155,370.00	-321953		15537	15537				337490

		मास्टर विश्वविद्यालय, कनाड़ा											
96	431	हेमिल्टन स्वास्थ्य विज्ञान कार्पोरेशन, कनाड़ा	1085489		702,141.00	1787630	559001	70170	629171			1158459	
97	176	हेल्पेज इंडिया	-284978			-284978			0				284978
98	18	हिमालय ड्रग कंपनी	1366236			1366236			0			1366236	
99	186	हिंदुस्तान लेटैक्स परिवार	-7020			-7020			0				7020
		नियोजन प्रमोशन											
100	333	हिंदुस्तान लेटैक्स लि.	697717		480,000.00	1177717	899038	48000	947038			230679	
101	515	होरिबा इंडिया प्रा. लि.	589500			589500	513750		513750			75750	
102	75	आई.सी.सी.एस.आर.	-74861			-74861			0				74861
103	400	आई.सी.जी.ई. एंड बी.	613494			613494			0			613494	
104	264	आई.एस.एच.टी.एम.	-491881		2,500,000.00	2008119	1585980	85000	1670980			337139	
105	401	आई.ए.डी.वी.एल.	10000			10000			0			10000	
106	1	आई.सी.एम.आर.	79363623		248,855,009.00	328218632	221336265	10744413	232080678			96137954	
107	460	आई.सी.एस.एस.आर.	-79411			-79411			0				79411
108	512	इम्पीरियल लाइफ साईसिज (प्रा.) लि.	51971		531,000.00	582971	463319	53100	516419			66552	
109	47	इन्क्लेन	-118368			-118368			0				118368
110	191	इन्कलेन एंड यू.एस.ए.आई.डी.	24			24			0			24	
111	157	इंकटर यू.एस.ए.	-99699			-99699			0				99699
112	382	इंडिया मैडट्रॉनिक प्रा. लि.	184722		141,931.00	326653	196150	14103	210253			116400	
113	10	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद	287805		1,946,968.00	2234773	1631274	97348	1728622			506151	
114	202	भारतीय दर्शनविज्ञानी अनुसंधान	4920			4920			0			4920	
		परिषद											
115	440	इंडियन हर्ट रिदम सोसायटी	5810			5810	3250		3250			2560	
116	108	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान	-249293		528,200.00	278907	483105	52820	535925				257018

117	33	इंडो – यू.एस.	749033			749033			0			749033	
118	475	इंडो – यू.एस. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंच	1083610			1083610	6185		6185			1077425	
119	68	आई.एन.एस.ए.	25331		268,333.00	293664	220169	13417	233586			60078	
120	257	इंस्टिट्यूट डि रिसर्चिज इंटरनेशनल सर्वियर (आईआरआईएस), फ्रांस	-2034			-2034			0				2034
121	49	कैंसर अनुसंधान संस्थान यू.के. समन्वय समिति	-7209			-7209			0				7209
122	381	जिनोमिक एवं इन्टेगरेटिव बायोलॉजी संस्थान	-11482		3,264,116.00	3252634	1359880	137574	1497454			1755180	
123	483	इनतास बायो फार्मेस्यूटिकल्स लि.	73440		35,800.00	109240	105223	3580	108803			437	
124	485	इन्टरनेशनल यूनियन अगेंस्ट ट्यूबरकुलोसि एंड लंग डिजिजिज	6062		20,000.00	26062		1000	1000			25062	
125	19	इन्टरनेशनल अटोमिक एनर्जी एजेंसी	135739		1,117,316.00	1253055	1109569	111730	1221299			31756	
126	289	अंतरराष्ट्रीय बाल चिकित्सा वृक्क विज्ञान एसोसिएशन	462959			462959			0			462959	
127	417	इन्टरनेशनल यूनियन अगेंस्ट कैंसर (यूआईसीसी)	95571			95571	298		298			95273	
128	516	इनविक्टस अर्बुदविज्ञान	259292		1,110,560.00	1369852	1020210	111056	1131266			238586	
129	420	आईपीसीए प्रयोगशाला	862394		1,121,733.00	1984127	996005	96469	1092474			891653	
130	367	जीव दया फाउंडेशन	314124.5		1,522,546.00	1836670.5	1342758	130439	1473197			363473.5	
131	278	जॉन हॉप्किन्स ब्लूमबर्ग स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ (जे.एच.बी.एस.पी.एच.)	2445971		1,974,078.00	4420049	3940677	148704	4089381			330668	
132	178	जॉनसन एंड जॉनसन	45306.31		148,750.00	194056.31		14875	14875			179181.31	
133	228	खंडेलवाल लेबोरेट्रीज लि.	805			805			0			805	

134	207	के.एल.पी.एफ., यू.एस.ए.	16473			16473			0			16473	
135	285	के.ओ.बी.ई, जापान	10221			10221			0			10221	
136	169	एल.जी. कैमिकल्स इंडिया प्रा.लि.	-668			-668			0				668
137	390	लेड़ी टाटा मेमोरियल ट्रस्ट	0			0			0			0	
138	250	लाजोला फार्मेस्यूटिकल कंपनी, कैलीफोर्निया	487			487			0			487	
139	413	एल.जी. लाइफ साईंस इंडिया प्रा. लि.	70267			70267			0			70267	
140	391	लीवर फाउंडेशन	100563		168,000.00	268563	90747	8400	99147			169416	
141	315	लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन, यू.के.	146225			146225			0			146225	
142	357	लूपिन लिमिटेड	18386			18386			0			18386	
143	362	मैसर्स आर्केमिडिज डेवलपमेंट लि. यू. के.	47204			47204			0			47204	
144	305	मैसर्स एस्प्रेवा फार्मेस्यूटिकल कार्पोरेशन, कनाड़ा	-41266			-41266			0				41266
145	489	मैसर्स जिलीड साईंसिज इंक,	77970		1,843,077.00	1921047	1124840	184307	1309147			611900	
		यू.एस.ए.											
146	311	मैसर्स मार्केन्सस रिसर्च डिविजन	-4745			-4745			0				4745
147	374	मैक्लियोड्स फार्मेस्यूटिकल लि.	18			18			0			18	
148		मैसर्स मर्क शार्प एंड डोम कार्पोरेशन, यू.एस.ए			341,955.00	341955	22763	34196	56959			284996	
149	119	महर्षि आयुर्वेद	40839			40839	47191		47191				6352
150	404	मैक्स नीमान इन्टरनेशनल	777445		135,829.00	913274		11401	11401			901873	
151	97	एम.बी.आई. किट्स	8867			8867			0			8867	

152	380	एम.सी. मास्टर विश्वविद्यालय, कनाड़ा	351161			351161	220320		220320			130841	
153	211	मीडिया लैब एशिया	-11301			-11301			0				11301
154	536	मेडट्रोनिक इंडिया प्रा. लि.				4,000.00	4000		0			4000	
155	414	मर्क फार्मोस्यूटिकल्स लि.	4467			4467			0			4467	
156	352	मर्क सिरोनो इन्टरनेशनल एस.ए., स्वीट्जरलैंड	-207315			-207315			0				207315
157	378	मर्क एंड कं., इंक, यू.एस.ए.	762226		497,391.30	1259617.3	882706	49739	932445			327172.3	
158	498	मर्ज फार्मेस्यूटिकल्स जी.एम.बी.एच., जर्मनी	46964		187,799.00	234763	283275	18779	302054				67291
159	402	कैमिकल एंड पेट्रोकैमिकल्स	0			0	14820		14820				14820
		मंत्रालय											
160	135	संचार एवं सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	-66833		15,250,000.00	15183167	293317	762500	1055817			14127350	
161	94	रक्षा मंत्रालय (डी.आर.डी.ओ.)	65850			65850			0			65850	
162	448	भू–विज्ञान मंत्रालय	156548		29,925.00	186473		1496	1496			184977	
163	13	पर्यावरण एवं वन मंत्रालय	299987		1,324,257.00	1624244	666207	66213	732420			891824	
164	199	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (नाको)	852520		8,398,414.00	9250934	3221125	243562	3464687			5786247	
165	130	सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय	77882			77882			0			77882	
166	26	कल्याण मंत्रालय	2100			2100			0			2100	
167	395	मोर्फोटेक इंक, यू.एस.ए.	884717.58			884717.58	785894		785894			98823.58	
168	319	एमएसडी (इंडिया) प्रा. लि.	397037			397037	160574		160574			236463	
169	340	एन.सी. प्रा. लि.	37117			37117			0			37117	

170	342	एन.सी.टी.	33584			33584			0		33584	
171	343	एन.ए.आई.पी.	-59810			-59810			0			59810
172	90	नेटको फार्मा इंडिया	110079			110079			0		110079	
173	213	राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन	-414926		753,639.00	338713	566480	0	566480			227767
174	469	राष्ट्रीय शिशु अधिकार सुरक्षा हेतु आयोग	-336650		296,936.00	-39714	19950	14846	34796			74510
175	513	राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अनुसंधान परिषद, आस्ट्रेलिया	111386		512,028.00	623414	416867	51202	468069		155345	
176	503	राष्ट्रीय सूचना केंद्र	2822595			2822595	1668447		1668447		1154148	
177	57	राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान,यू.एस.ए.	9451215		13,039,095.00	22490310	10331784	1292912	11624696		10865614	
178	534	राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थान, एनआईएच, यू.एस.ए.			826,848.00	826848	461344	82684	544028		282820	
179	265	राष्ट्रीय पोषण संस्थान (एनआईएन) हैदराबाद	109			109			0		109	
180	403	राष्ट्रीय फार्मेस्यूटिकल शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान	12439			12439			0		12439	
181	386	राष्ट्रीय ज्ञान आयोग	331672			331672			0		331672	
182	292	राष्ट्रीय प्रसवपूर्व मरकविज्ञान यूनिट, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यू.के.	3187432.55		3187432.55	2593397		2593397			594035.55	
183	45	राष्ट्रीय थैलेसेमिया कल्याण सोसायटी	-1781			-1781			0			1781
184	328	नीमान मेडिकल इन्टरनेशनल एशिया लि.	237385			237385			0		237385	
185	441	न्यूकास्ले विश्वविद्यालय, यू.के.	27137			27137	27854		27854			717
186	61	एन.आई.ई.	63080953.89		44,364,731.39	107445685.3	40345569.85	41800	40387369.85		67058315.43	
187	99	नोवा नोर्डिस्क इंडिया प्रा. लि.	364804		1,200,852.00	1565656	1051267	120082	1171349		394307	

188	518	नोवाबे फार्मेस्यूटिकल्स इंक., यू.एस.ए.	41423.78		15,038.91	56462.69	606	1503	2109			54353.69	
189	532	नोवर्टिस हेल्थ केयर प्रा. लि.			145,125.00	145125		14513	14513			130612	
190	112	नोवर्टिस इंडिया लि.	1171055.22		800,521.90	1971577.12	805060	80051	885111			1086466.12	
191	565	एन.आर.डी.सी.				0	-34872		-34872			34872	
192	171	एन.एस.डी. (जमानत जमा)	6963455		1,630,800.00	8594255	2970561		2970561			5623694	
193	276	ओवेशन फार्मेस्यूटिकल्स, यू.एस.ए.	37222			37222			0			37222	
194	335	ओवरसीज एसोसिएट्स	190			190			0			190	
195	144	ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय,यू.के.	674421.25		599,210.00	1273631.25	556174	33811	589985			683646.25	
196	332	आक्सीजेन, यू.एस.ए.	215126.84			215126.84			0			215126.84	
197	272	ओजोन फार्मेस्यूटिकल्स लि.	239			239			0			239	
198	79	पेनेसिया बायोटेक लि.	8084			8084			0			8084	
199	331	पेरेक्सेल इन्टरनेशनल लि.,यू.के.	1998677.27			1998677.27	578923		578923			1419754.27	
200	494	पाथ/वन वर्ल्ड हेल्थ	1026576			1026576	774742		774742			251834	
201	268	पेरेग्राइन फार्मेस्यूटिकल्स,यू.एस.ए.	-26577			-26577			0				26577
202	88	पीफीजर लि.	94768.35			94768.35			0			94768.35	
203	555	पी.एच.एफ.आई.			634,500.00	634500	348527	63450	411977			222523	
204	150	फार्मेसिया इंडिया प्रा. लि.	837			837			0			837	
205	426	फार्माकोसमोस ए/एस, डेनमार्क	-900			-900			0				900
206	377	फार्म–ओलम इन्टरनेशनल लि.	16923			16923			0			16923	
207	451	पीरामल हेल्थकेयर लि.	210987			210987			0			210987	
208	360	पीरामल लाइफ साईसिज	36211			36211			0			36211	
209	303	पी.पी.डी. फार्मेस्यूटिकल डिवेलपमेंट इंडिया प्रा. लि.	-22668			-22668			0				22668
210	428	पी.आर.ए. इंडिया प्रा. लि.	0			0			0			0	

211	368	क्यू.ई.डी. फार्मेस्यूटिकल सर्विसेज प्रा. लि.	577043			577043			0			577043	
212	388	क्यूजेन इंक इंडिया	3709			3709			0			3709	
213	131	क्विनटाइल्स स्पेक्ट्रल इंडिया	2875871.86		294,605.10	3170476.96	353916	29460	383376			2787100.96	
214	523	रेपटिम रिसर्च लि.			79,400.00	79400		7940	7940			71460	
215	23	राजीव गांधी फाउंडेशन	-989			-989			0				989
216	53	रेनबेक्शी / इलिलिलि एंड कं. प्रा. लि.	1921204			1921204	13653		13653			1907551	
217	205	रिलायंस क्लिनिकल रिसर्च सर्विसेज (पी.) लि.	381057.5			381057.5			0			381057.5	
218	302	रेलिसिस मेडिकल डिवाइसिस लि.	-3433			-3433			0				3433
219	84	औषध / एसएनएमसी हेतु आवर्ती निधि	195710			195710			0			195710	
220	429	रोचे उत्पाद (इंडिया) प्रा. लि.	1253476		271,930.00	1525406	741723	27193	768916			756490	
221	396	रसन फार्मा लि. मुंबई	1013750			1013750	580000		580000			433750	
222	399	सेनेट उत्पाद लि.	5758			5758		83754	83754				77996
223	400	सनोफी पास्चुर इंडिया प्रा. लि.	123346			123346			0			123346	
224	401	सनोफी – अवेंटिस	35743			35743			0			35743	
225	402	साराभाई कैमिकल्स	-4868			-4868			0				4868
226	403	सेविंग न्यूबोर्न लिव्ज, यू.एस.ए.	-10898			-10898			0				10898
227	520	सेरीकेयर	42453			42453	224644		224644				182191
228	137	शान्ता बायोटैकिस प्रा. लि.	766398		837,540.00	1603938	1068717		1068717			535221	
229	404	शिरे ह्यूमन जिनेटिक थिरेपीज इंक, यू.एस.ए.	1189715.4			1189715.4	14601		14601			1175114.4	

230	500	सिंगापुर क्लिनिकल रिसर्च इंस्टिट्यूट, सिंगापुर	233915		481,980.00	715895		48198	48198			667697	
231	405	सिरो क्लिन फार्मा प्रा. लि.	-35171			-35171			0				35171
232	556	सीमेन्स लि.			249,600.00	249600		24960	24960			224640	
233	406	स्मिथ एंड नेफ्यू हेल्थ केयर प्रा. लि.	27065			27065	21622		21622			5443	
234	408	अमेरिकन जठरांत्रीय एवं अंतःदर्शी सर्जन सोसायटी	7001			7001			0			7001	
235	409	सोलूमिक्स हर्बेक्यूटिकल्स लि.	13			13			0			13	
236	410	सोल्वे फार्मा लि.	13465			13465			0			13465	
237	411	एस.आर.बी.–क्लिनिकल फार्मेकोलॉजी	-3154100			-3154100			0				3154100
238	544	सेंट जॉन मेडिकल कॉलेज बैंगलोर			270,000.00	270000	178776	27000	205776			64224	
239	412	सेंट जुड़े मेडिकल हॉग कॉन्ग	299334		27,363.00	326697	212480	2737	215217			111480	
240	413	सेंट जुड़े मेडिकल इंडिया प्रा. लि.	40500			40500			0			40500	
241	447	स्टेमप्यूटिक्स रिसर्च प्रा. लि.	550485		630,000.00	1180485	1086388	27000	1113388			67097	
242	414	स्टर्लिंग सिनेर्जी सिस्टम(पी.)लि.	58580			58580			0			58580	
243	415	सन फार्मेस्यूटिकल्स	3384			3384			0			3384	
244	416	सिनेर्जी नेटवर्क इंडिया प्रा. लि.	551			551			0			551	
245	417	टेक्सस ए एंड एम रिसर्च फाउंडेशन (टी.ए.एम.आर.एफ.) यू.एस.ए.	16237			16237			0			16237	
246	419	दि कैंसर फाउंडेशन	44245			44245			0			44245	
247	420	दि एनर्जी एंड रिसोर्सिज इंस्टिट्यूट	7775			7775			0			7775	

248	423	दि जॉर्ज अन्तरराष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, आस्ट्रेलिया	369205.32		1,201,077.00	1570282.32	408036	120108	528144			1042138.32	
249	424	दि इन्टरनेशनल सोसायटी फॉर पेडिएट्रिक न्यूरोसर्जरी (आईएसपीएनई)	408			408			0			408	
250	426	आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, यू.के.	3592			3592			0			3592	
251	427	दि माइकोन्यूट्रिएंट इनिशिएटिव, एशिया	-4702			-4702			0				4702
252	429	दि सर्विस डि–डर्मेटोलॉजी, फ्रांस	-8445			-8445			0				8445
253	200	अलबामा विश्वविद्यालय, यू.एस.ए.	3471555			3471555	6199779		6199779				2728224
254	450	एडिनबर्ग एवं एन एच एस लेथियन विश्वविद्यालय	224922		249,643.00	474565	431376	24963	456339			18226	
255	312	थ्रैसहोल्ड फार्मेस्यूटिकल, यू.एस.ए.	-3136			-3136			0				3136
256	444	टोरंट फार्मेस्यूटिकल लि.	2090352		2,600,000.00	4690352	33589	260000	293589			4396763	
257	288	ट्रोइका फार्मेस्यूटिकल लि.	26393			26393			0			26393	
258	9	यू.जी.सी.	-1037810		10,213,545.00	9175735	11358352	500	11358852				2183117
259	121	यू.एन. इन्टरनेशनल ड्रग एंड क्राइम कंट्रोल प्रोग्राम	345762		1,491,490.00	1837252	955571	74575	1030146			807106	
260	4	यूनिसेफ	-372030.12		2,807,228.00	2435197.88	3319033	255722	3574755				1139557.12
261	136	बरगन विश्वविद्यालय, नार्वे	663975			663975	7812		7812			656163	
262	347	केलगेरी विश्वविद्यालय,कनाड़ा	57187			57187			0			57187	
263	91	मैरीलैंड विश्वविद्यालय	90282			90282			0			90282	
264	363	नोटिंघम विश्वविद्यालय,यू.के.	1974			1974			0			1974	
265	212	वारविक विश्वविद्यालय,यू.के.	-1061			-1061			0				1061
266	353	वेस्टर्न विश्वविद्यालय,आस्ट्रेलिया	0			0			0			0	
267	470	यू.एस. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंच, यू.एस.ए.	399323			399323			0			399323	

268	537	व्योम बायोसाईंस प्रा. लि.			520,245.00	520245	182356	52025	234381			285864	
269	208	वुलमिनी रामालिंगास्वामी फाउंडेशन	-6508			-6508			0				6508
270	7	विश्व स्वास्थ्य संगठन	17185307		10,299,348.00	27484655	10276387	165305	10441692			17042963	
271	170	वोकहार्ट, मुम्बई	1176899			1176899			0			1176899	
272	554	वाल्टर बुशनेल			726,000.00	726000		72600	72600			653400	
273	266	वेथ फार्मेस्यूटिकल्स इंक	133786			133786	672030		672030				538244
274	424	जिनोटेक	296962			296962	147333		147333			149629	
275	138	जाइडस हेल्थकेयर लि.	-398			-398			0				398
276	491	जुवेंटस			162,500.00	162500		16250	16250			146250	
		कुल	**480,363,555.56**		**806,736,850.84**	**1,287,100,406.40**	**790,833,472.85**	**33,011,542.00**	**823,845,014.85**	-	-	**493,979,871.67**	**30724480.12**

वित्त सलाहकार

परिशिष्ट – क 1

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

उपकरण व्यय (स्कीम सेल)

वर्ष 2014–15

क्रम. सं.	परियोजना कोड	परियोजना अन्वेषक का नाम	माह	राशि
1	एन1429	डॉ. ए. के. डिंडा	जून–14	40630
2	एन1429	डॉ. ए. के. डिंडा	अगस्त–14	4485
3	एन1473	डॉ. ए. के. डिंडा	नवंबर–14	2415760
4	एन1473	डॉ. ए. के. डिंडा	मार्च–15	96694
5	आई789	डॉ. अलोक ठक्कर	मई–14	595
6	आई827	डॉ. आरती कपिल	नवंबर–14	283500
7	एन1374	डॉ. अरविंद बग्गा	दिसंबर–14	688048
8	आई779	डॉ. आशीष सूरी	जून–14	8726
9	डी317	डॉ. बी. एस. शर्मा	मई–14	9294734
10	डी317	डॉ. बी. एस. शर्मा	जुलाई–14	5256472
11	डी317	डॉ. बी. एस. शर्मा	सितंबर–14	2923090
12	डी317	डॉ. बी. एस. शर्मा	अक्टूबर–14	3230057
13	डी317	डॉ. बी. एस. शर्मा	नवंबर–14	9465869
14	डी317	डॉ. बी. एस. शर्मा	जनवरी–15	31121
15	डी317	डॉ. बी. एस. शर्मा	फरवरी–15	2946476
16	डी317	डॉ. बी. एस. शर्मा	मार्च–15	2342607
17	डी350	डॉ. डी. के. मितरा	मार्च–15	189000
18	डी327	डॉ. डी. एस. आर्य	सितंबर–14	422100
19	डी337	डॉ. गोविंद मखारिया	जनवरी–15	551525
20	डी357	डॉ. जे. एस. त्यागी	मार्च–15	55650
21	एन1325	डॉ. जे. एस. त्यागी	फरवरी–15	6616
22	एन1325	डॉ. जे. एस. त्यागी	मार्च–15	16363
23	एन1361	डॉ. जागृति भाटिया	जून–14	800
24	एन1339	डॉ. के. आनन्द	जुलाई–14	864500
25	एन968	डॉ. कामेश्वर प्रसाद	जुलाई–14	9591
26	एन1156	डॉ. कामेश्वर प्रसाद	जुलाई–14	557460
27	एन1481	डॉ. कामेश्वर प्रसाद	दिसंबर–14	1163218
28	एन1481	डॉ. कामेश्वर प्रसाद	जनवरी–15	194769
29	एन1481	डॉ. कामेश्वर प्रसाद	फरवरी–15	242820
30	एन1481	डॉ. कामेश्वर प्रसाद	मार्च–15	2203765
31	आई639	डॉ. ललित दर	सितंबर–14	117785
32	डी340	डॉ. एम. वी. पदमा श्रीवास्तव	नवंबर–14	82200

33	डी340	डॉ. एम. वी. पदमा श्रीवास्तव	दिसंबर–14	85780
34	डी269	डॉ. माधुरी बिहारी	जुलाई–14	36781
35	डी311	डॉ. माधुरी बिहारी	जुलाई–14	2876522
36	डी311	डॉ. माधुरी बिहारी	जनवरी–15	2097000
37	डी331	डॉ. एन. आर. जगन्नाथन	जून–14	1450
38	डी331	डॉ. एन. आर. जगन्नाथन	अगस्त–14	17750
39	डी331	डॉ. एन. आर. जगन्नाथन	मार्च–15	13043
40	डी351	डॉ. एन. आर. जगन्नाथन	मार्च–15	9670232
41	एन1274	डॉ. पी शरत चंद्र	मई–14	6645
42	एन1274	डॉ. पी शरत चंद्र	जून–14	208237
43	एन1274	डॉ. पी शरत चंद्र	सितंबर–14	18378
44	एन1274	डॉ. पी शरत चंद्र	फरवरी–15	255061
45	एन1274	डॉ. पी शरत चंद्र	मार्च–15	842152
46	डी352	डॉ. प्रणय तंवर	नवंबर–14	119981
47	डी298	डॉ. पुनीत कौर	जून–14	2362
48	डी298	डॉ. पुनीत कौर	नवंबर–14	9161195
49	डी298	डॉ. पुनीत कौर	दिसंबर–14	2123247
50	डी298	डॉ. पुनीत कौर	जनवरी–15	8611913
51	आई825	डॉ. पुनीत कौर	जुलाई–14	333162
52	आई825	डॉ. पुनीत कौर	नवंबर–14	332852
53	आई777	डॉ. पुष्पा धर	जून–14	195750
54	आई798	डॉ. पुष्पा धर	जनवरी–15	650
55	आई798	डॉ. पुष्पा धर	मार्च–15	1390
56	एन1501	डॉ. राजीव कुमार	फरवरी–15	221318
57	एन1501	डॉ. राजीव कुमार	मार्च–15	504000
58	आई759	डॉ. राका जैन	जुलाई–14	478175
59	आई759	डॉ. राका जैन	फरवरी–15	13236
60	एन1235	डॉ. रामा जया सुन्दर	अक्टूबर–14	927387
61	एन1235	डॉ. रामा जया सुन्दर	मार्च–15	31411
62	आई733	डॉ. रमणजीत सिहोटा	जुलाई–14	694250
63	एन1420	डॉ. रणदीप गुलेरिया	फरवरी–15	8365
64	डी299	डॉ. रणदीप गुलेरिया	सितंबर–14	434750
65	डी299	डॉ. रणदीप गुलेरिया	फरवरी–15	27516
66	डी299	डॉ. रणदीप गुलेरिया	मार्च–15	7692
67	एन1489	डॉ. रितु गुप्ता	जनवरी–15	995066
68	एन1363	डॉ. एस. के. काबरा	अगस्त–14	7687
69	एन1458	डॉ. एस. के. मौलिक	सितंबर–14	609215

70	एन1439	डॉ. एस. एस. चौहान	सितंबर–14	302357
71	एन1407	डॉ. संजीव सिन्हा	जुलाई–14	600325
72	आई831	डॉ. संजीव सिन्हा	जुलाई–14	595327
73	आई831	डॉ. संजीव सिन्हा	फरवरी–15	49177
74	आई831	डॉ. संजीव सिन्हा	मार्च–15	70313
75	एन1372	डॉ. सविता यादव	जुलाई–14	800
76	डी022A	डॉ. शशि वधवा	मई–14	2804095
77	डी022A	डॉ. शशि वधवा	फरवरी–15	6830
78	डी022A	डॉ. शशि वधवा	मार्च–15	52525
79	एन1465	डॉ. श्याम प्रकाश	जून–14	149940
		महायोग		**92310316**

वित्त सलाहकार

APPENDIX-B

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

विविध देनदारों की सूची (स्कीम सेल)

वर्ष 2014–15

क्र.सं.	वित्त पोषित एजेंसी	राशि (₹)
1	एमिल फार्मेस्यूटिकल इंडिया लि.	331.00
2	एंटीसेंस फार्मा गंभ, जर्मनी	347.00
3	भारत सीरम एंड वैक्सिन लि.	10,000.00
4	ब्रिस्टल मेयर स्क्यूइब (बी.एम.एस.) यू.एस.ए.	15,191.00
5	बी.आर.एन.एस., मुम्बइ	875,575.00
6	केंद्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद (सी.सी.आर.एच.) जनकपुरी, नई दिल्ली	102,952.00
7	कोलोप्लास्ट	5,775.00
8	कार्वेटिंस, यू.एस.ए.	163,682.00
9	स्वास्थ्य विभाग एवं मानव सेवा विकार नियंत्रण केंद्र, यू.एस.ए.	17,013,866.00
10	सूचना प्रौद्योगिकी विभाग	7,115.00
11	स्वास्थ्य सेवाएं महानिदेशालय	57,267.00
12	इलिललि	346,109.00
13	एमक्योर फार्मेस्यूटिकल लि.	6,380.00
14	प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञानी दल	276.00
15	हेमिल्टन स्वास्थ्य विज्ञान एवं एमसी मास्टर विश्वविद्यालय, कनाड़ा	337,490.00
16	हेल्पेज इंडिया	284,978.00
17	हिंदुस्तान लेटेक्स परिवार नियोजन प्रमोशन	7,020.00
18	आई.सी.सी.एस.आर.	74,861.00
19	आई.सी.एस.एस.आर.	79,411.00
20	इन्क्लेन	118,368.00
21	आई.एन.सी.टी.आर., यू.एस.ए.	99,699.00
22	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान	257,018.00
23	डी–रिचर्चस इंटरनेशनल सर्वियर संस्थान (आईआरआईएस), फ्रांस	2,034.00
24	यू. के. कैंसर अनुसंधान संस्थान समन्वय समिति	7,209.00
25	एल. जी. कैमिकल्स इंडिया प्रा. लि.	668.00
26	मैसर्स एस्प्रेवा फार्मेस्यूटिकल कॉर्पोरेशन, कनाड़ा	41,266.00
27	मैसर्स मार्केन्सस अनुसंधान प्रभाग	4,745.00
28	महर्षि आयुर्वेद	6,352.00
29	मीडिया प्रयोगशाला एशिया	11,301.00
30	मर्क सिरोनो इंटरनेशनल एस. ए. स्विजरलैंड	207,315.00
31	मर्ज फार्मेस्यूटिकल्स गंभ, जर्मनी	67,291.00
32	कैमिकल एंड पैट्रोकैमिकल्स मंत्रालय	14,820.00

33	एन.ए.आई.पी.	59,810.00
34	राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन	227,767.00
35	राष्ट्रीय शिशु अधिकार सुरक्षा आयोग	74,510.00
36	राष्ट्रीय थैलेसेमिया कल्याण समिति	1,781.00
37	न्यूकास्ले विश्वविद्यालय, यू.के.	717.00
38	पेरेग्रीन फार्मेस्यूटिकल्स, यू.एस.ए.	26,577.00
39	फार्माकोसमोस ए/एस, डेन्मार्क	900.00
40	पी.पी.डी. फार्मेस्यूटिकल डिवेलपमेंट इंडिया प्रा. लि.	22,668.00
41	राजीव गांधी फाउंडेशन	989.00
42	रेलिसिस मेडिकल डिवाइसिज लि.	3,433.00
43	सनत उत्पाद लि.	77,996.00
44	साराभाई कैमिकल्स	4,868.00
45	सेविंग न्यूबोर्न लाइव्ज, यू.एस.ए.	10,898.00
46	सेरीकेयर	182,191.00
47	सिरो क्लिन फार्मा प्रा. लि.	35,171.00
48	एस.आर.बी. क्लिनिकल फार्मेकोलोजी	3,154,100.00
49	दि माइक्रोन्यूट्रिएंट इनिशिएटिव, एशिया	4,702.00
50	दि सर्विस डि – डर्मेटोलॉजी, फ्रांस	8,445.00
51	एलबामा विश्वविद्यालय, यू.एस.ए	2,728,224.00
52	थ्रैसहोल्ड फार्मेस्यूटिकल्स, यू.एस.ए.	3,136.00
53	यू.जी.सी.	2,183,117.00
54	यूनिसिफ	1,139,557.12
55	यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक, यू.के.	1,061.00
56	वुलिमिनी रामालिंगा स्वामी फाउंडेशन	6,508.00
57	विथ फार्मेस्यूटिकल्स इंक	538,244.00
58	जॉइडस हेल्थ केयर लि.	398.00
	कुल	**30,724,480.12**

वित्त सलाहकार

परिशिष्ट– ग

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2015 को दान एवं निवेश दर्शाने वाला विवरण

क्रम. सं.	निवेश का विवरण एवं प्रकार	दान की राशि	निवेश की राशि
1	एम्स रोटरी कैंसर अस्पताल	700000	700000
2	विविध दान – रुधिर विज्ञान डॉ. ए. के. सराया के अंतर्गत	8000	8000
3	अनाम दानदाता	70000	70000
4	डॉ. बी. बी. दीक्षित पुस्तकालय	10000	13700
5	चाचामा दानदाता	150000	199600
6	मेजर जनरल एस. एल. भाटिया	10000	9800
7	मेजर जनरल अमीर चंद	150000 100000	149660 100000
8	सरूप चंद हंसराज	20000	19500
9	राजकुमारी अमृतकौर	25000	25000
10	कैथरिन सोरेल फ्रायमेन	5000	5000
11	डॉ. एस. एल. कालरा	6000	5800
12	आर. एल. राजगढ़िया	985000	985000
13	श्रीमती प्रकाशवती दान	13800	13800
14	श्रीमती कृपाल कौर (यूनिट ट्रस्ट)	6000	5908
15	लाला खुशीराम	247753	247753
16	एस. पी. विरमानी (सावधि जमा)	1500	1500
17	ईस्ट इंडिया कमर्शियल प्रा. लि. कलकत्ता (सावधि जमा) एस. आर. बी.	3200000	2800000
18	डॉ. कांति कपिला (यूनिट ट्रस्ट)	10079	10002
19	डॉ. वी. रामालिंगास्वामी (यूनिट ट्रस्ट)	8000	7996
20	एस आर एस सभरवाल (यूनिट ट्रस्ट)	10000	9951
21	डॉ. एन. एच. केसवानी (यूनिट ट्रस्ट)	10000	9990
22	डॉ. वी. हिंगोरानी	15000	15000
23	कुमुदिनी कृष्णामूर्ति	15000	15000
24	जी डी. राधाकृष्ण (सर्वेश्वरी स्मारक व्याख्यान, यूनिट ट्रस्ट)	20000	19987
25	पी एल टंडन (सावधि जमा)	15000	15000
26	15वां अंतरराष्ट्रीय बाल चिकित्सा सम्मेलन (यूनिट ट्रस्ट)	40000	40000

27	राम लुभाया दान (सावधि जमा)	15000	15000
28	सुभाष मेमोरियल फाउंडेशन	10101	10101
	(वी एल तेलकर दान)		
29	श्रीमती इंदिरा सत्यानंद	10000	10000
30	श्री के. वी. सुबाराव	10000	10000
31	न्यूजीलैंड उच्च आयोग	10000	10000
32	अखिलेश मित्तल (सुमित मोहन सदन दयाल ट्रस्ट)	20000	20000
33	प्रेमलता कपूर	10000	10000
34	द्वारका प्रसाद ट्रस्ट	50000	50000
35	स्वर्गीय श्री डी. आर. बाहरी	15000	15000
36	सेवा राम	15000	15000
37	संकाय परोपकारी निधि	60065	60065
38	वी. रंगा मेमोरियल ट्रस्ट	50000	50000
39	श्री दोराबजी ट्रस्ट	10000	10000
40	कोर्पस निधि	30000	30000
41	एम्सोनियन्स	10000	10000
42	सरला आत्म प्रकाश	15000	15000
43	के. एल. विग रिसर्च फाउंडेशन	100000	100000
44	वी. के. मित्तल	130000	130000
45	स्नेह लता सोनी	15000	15000
46	एम्सोनियन ऑफ अमेरिका	129850 151630 126471	129850 151630 126471
47	श्रीमती लीलावती सलवान	15000	15000
48	डॉ. डी. के गुप्ता	100000	100000
49	जे. आर. चावला	15000	15000
50	श्याम शर्मा के संदर्भ में उर्मिल शर्मा	15000	15000
51	श्रीमती सुशीलावती मल्होत्रा	500000	500000
52	बसंती कुमारी	100000	100000
53	अस्थि रोग विज्ञान निधि	250000	250000
54	डॉ. एस. बी. रॉय	125000	125000
55	श्री आर. वी कंधारी	100000	100000
56	डॉ. बी. के. कपूर	125000	125000
57	श्रीमती सावित्री अग्रसेन	100000	100000
58	विमल लोमस	200000	200000
59	श्रीमती प्रमदा बजाज	200000	200000
60	डॉ. वी. रामालिंगास्वामी	100000	100000
61	डॉ. एन. सी. नायक	100000	100000

62	डॉ. एच. डी. टंडन	100000	100000
63	आचार्य एन. गोपीनाथ (सी. टी. वी. एस.)	1200000	1200000
64	आचार्य एल. के भुटानी ओरेशन	500000	500000
65	बिन्य रोहतगी एवं श्रीमती शकुन्तला	36000	-
66	डॉ. के. एल. विग (एस.बी.आई)	36990	37000
68	जेनिथ फाइनेंस एंड कं. (एस. बी. आई.)	17000	17000
68	कामनी चैरिटी ट्रस्ट (एस. बी. आई.)	15000	15000
69	श्रीमती कौशल्या थापर (यूनिट ट्रस्ट)	12000	12017
70	श्रीमती बृजरानी साहनी (यूनिट ट्रस्ट)	22501	22472
71	कमला बी. के. आनंद	100000	100000
72	श्री जी. डी. झांगिनी	25500	25602
73	डॉ. बी. के. आनंद (यूनिट ट्रस्ट)	105000	104995
74	आर. एस. नंदा	78274	78274
75	आचार्य पी. एन. टंडन एवं ए. के. बेनर्जी	500000	500000
76	हरि प्रकाश ओरेशन	500000	500000
77	ओ. पी. घई	1000000	1000000
78	सरिंद्र मान सिंह	500000	500000
	कुल	**13637514**	**13253424**

वित्त सलाहकार

परिशिष्ट – घ

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.3.2015 को विविध दान का विवरण

क्रम सं.	विभाग	अथ शेष	अनुदान	कुल	व्यय	अंत शेष
		1.4.2013				31.3.2014
		के अनुसार				के अनुसार
1	आर एंड ए एल	19475		19475		19475
2	मनोचिकित्सा	28495		28495		28495
3	रुधिर विज्ञान	12380		12380		12380
4	अस्थि रोग	65586		65586		65586
5	प्रतिरक्षा विज्ञान	824		824		824
6	बाल शल्य चिकित्सा	32041		32041		32041
7	संस्थान विविध	137338		137338		137338
8	त्वचा रोग विज्ञान	15974		15974		15974
9	सं. रो. कैं. अ. डॉ. वी. कोचुपिल्लै	10460		10460		10460
10	कुष्ठ रोगी	115785		115785		115785
11	सं. रो. कैं. अ. डॉ. ए. के. बासु	17651		17651		17651
12	हृद तंत्रिका केंद्र	20418		20418		20418
13	बी. बी. दीक्षित पुस्तकालय	3324		3324		3324
14	कर्मचारी कल्याण निधि	125139		125139		125139
15	पी.एम.आर. निर्धन निधि	34199		34199		34199
16	शल्य चिकित्सा	501		501		501
17	के. एल. विग सीमेट	12021		12021		12021
18	नाभिकीय चिकित्सा	19571		19571		19571
19	सी.ई.यू.	30000		30000		30000
20	डॉ. एन. के. मेहरा	597235		597235		597235
21	आई.सी.जी.ई.बी. डॉ. टी.पी. सिंह	444630		444630		444630
22	डॉ. वीना कालरा	74682		74682		74682
23	लीवर क्लिनिक – जठरांत्र रोग	2865		2865		2865
24	डॉ. एन.पी. गुप्ता–मूत्र रोग विज्ञान	4982		4982		4982
25	डॉ. एन. कोचुपिल्लै – निर्धन रोगी	120000		120000		120000
26	बाल आनुवंशिकी	2639291	49239622	51878913	49051570	2827343
27	श्रीमती उषा शर्मा	176600		176600		176600
28	विविध प्राप्ति	145540		145540		145540
	कुल	**4907007**	**49239622**	**54146629**	**49051570**	**5095059**

वित्त सलाहकार

परिशिष्ट – ङ

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.3.2015 के अनुसार विविध जमा का विवरण

वर्ष 2014–2015

क्र. सं.	विभाग का नाम	राशि
1	मुद्रण एवं लेखन सामग्री नियंत्रक	16076
2	केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, शिमला	70432
3	केंद्रीय लोक निर्माण विभाग	7096
4	दिल्ली नगर निगम	33750
5	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान	4250
6	नई दिल्ली नगर पालिका	173242
7	डाक–तार परिमंडल प्रभाग	12796
8	भारतीय दूरभाष उद्योग	13344
	कुल	**330986**

वित्त सलाहकार

13.2 लेखा परीक्षा रिपोर्ट

31 मार्च 2015 को समाप्त वर्ष के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के लेखों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट

1. हमने एम्स अधिनियम 1956 की धारा 18 (2) के साथ पठित नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य, शक्तियां तथा सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19 (2) के तहत 31 मार्च 2015 की स्थिति के अनुसार अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), के संलग्न तुलन–पत्र तथा उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा / प्राप्ति एवं भुगतान लेखा की लेखा परीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण एम्स के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। हमारा उत्तरदायित्व हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करना है।

2. इस पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में सर्वोत्तम लेखाकरण व्यवहारों, लेखाकरण मानकों तथा प्रकटन मानदंडों आदि के साथ केवल वर्गीकरण, समनुरूपता के संबंध में लेखाकरण व्यवहार पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियां निहित हैं। कानून, नियमों तथा विनियमों (औचित्य एवं नियमितता) के अनुपालन और दक्षता सह–निष्पादन पहलुओं आदि, यदि कोई हो तो, के संबंध में वित्तीय लेन–देनों पर लेखा परीक्षा अवलोकन को निरीक्षण रिपोर्टों/नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से अलग से सूचित किया गया है।

3. हमने भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार अपनी लेखा परीक्षा का निष्पादन किया है। इन मानकों में यह अपेक्षा की जाती है कि हम इस प्रकार से लेखा परीक्षा आयोजित तथा निष्पादित करें कि यह युक्तियुक्त आश्वासन प्राप्त हो सकें कि वित्तीय विवरण महत्वपूर्ण भ्रामक विवरणों से मुक्त है। लेखा परीक्षा में वित्तीय विवरणों में परीक्षण आधार पर, राशि तथा प्रकटनों को समर्थित करने वाले साक्ष्यों की जांच की जानी शामिल है। लेखा परीक्षा में प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त लेखाकरण सिद्धांतों तथा लगाए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन किया जाना तथा साथ ही वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन किया जाना भी सम्मिलित है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा, हमारी राय संबंधी तर्कसंगत आधार प्रदान करती है।

4. हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर, हम सूचित करते हैं कि :

i. हमने वह समस्त सूचना तथा स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिये हैं जो हमारी पूर्ण जानकारी तथा विश्वास के अनुसार हमारी लेखा परीक्षा के प्रयोजनार्थ आवश्यक हैं;

ii. इस रिपोर्ट में दिए गए तुलन पत्र एवं आय एवं व्यय लेखा तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखा वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित लेखा के एक समान प्रारूप में तैयार नहीं किए गए हैं।

iii. हमारी राय में, हमारे द्वारा लेखा पुस्तकों तथा अन्य संबंधित अभिलेखों की जांच से प्रतीत होता है कि एम्स द्वारा लेखाकरण की दोहरी प्रविष्टि पद्धति पर लेखों की उचित पुस्तकें एवं अन्य संबद्ध रिकॉर्डों का उचित अनुरक्षण किया गया है।

iv. हम आगे यह सूचित करते हैं कि :

क. तुलन–पत्र

क.1 देयताएं

क.1.1 एम्स (मुख्य) : रू 263181.29 लाख

क.1.1.1 सीमा शुल्क खाते :रू 465.84 लाख

पिछले वर्ष के लेखा परीक्षण के दौरान, यह बताया गया है कि वार्षिक लेखा और बैंक के विवरण में सीमा शुल्क के समापन शेष के बीच 1088.51 लाख रु. की गैर पुनर्विनियोजित राशि थी। वर्तमान वर्ष 2014 – 15 के दौरान एम्स ने उक्त अंतर के लिए देयताओं में 1088.51 लाख रुपए की देयता घटाकर इसे निपटाने का प्रयास किया और उक्त अंतर के कारण सिद्ध करने के लिए कोई पुनर्विनियोजन नहीं किया। अतः लेखा परीक्षण में 1088.51 लाख रुपए की प्रविष्टि के समायोजन को प्रदान नहीं किया जा सका।

क.1.1.2 आवर्ती निधि : रू 204.32 लाख

तुलन पत्र में आवर्ती निधि की अंत शेष राशि रु. 204.32 लाख थी जबकि दिनांक 31 मार्च, 2015 को आवर्ती निधि के लिए बनाए गए रिकार्ड में शेष राशि रु. 96.40 लाख दर्शाई गई है। पिछले वर्ष की रिपोर्ट में समान अंतर नोट किया गया था और एम्स ने पुनर्विनियोजन कराना स्वीकार किया किंतु पुनर्विनियोजन नहीं किया गया।

क.1.1.3 शेष कार्य – पावर ग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया रू 290.00 लाख

एम्स को रात्रि निवास के निर्माण के लिए मे. पावर ग्रिड कॉर्प से 790.00 लाख रुपए की राशि जमा के रूप में प्राप्त हुई। इसमें से एम्स ने एचएससीसी के पास 500.00 लाख रुपए का अग्रिम भुगतान किया। जबकि एम्स ने तुलन पत्र में पावर ग्रिड कॉर्प के समक्ष केवल 290.00 लाख रुपए की देयता दर्शाई। अतः देयता में 500.00 लाख रुपए की न्यूनोक्ति हुई।

क.2 परिसंपत्ति

क.2.1 एम्स (मुख्य) 263181.29 लाख रु.

क.2.1.1. पी डी लेखा 126.86 लाख रु.

पीडी का समापन शेष वार्षिक लेखा में 126.86 लाख रुपए था, जबकि बैंक विवरण में यह 95.69 लाख रुपए होने से 31.17 लाख रुपए के अंतर का पुनर्विनियोजन नहीं किया गया। अतः संस्थान की परिसंपत्तियों में इस राशि की अत्योक्ति हुई। पिछले वर्ष की रिपोर्ट में समान अंतर देखा गया था और एम्स ने इस अंतर के विनियोजन का आश्वासन दिया था, किंतु पुनर्विनियोजन नहीं किया गया।

क.2.1.2 मशीनरी और उपकरण की विदेशी खरीद के लिए अग्रिम भुगतान (योजना) 4348.08 लाख रुपए

एम्स के मुख्य विभाग द्वारा रखे गए रिकॉर्ड के अनुसार मशीनरी और उपकरण की विदेशी खरीद के लिए 5785.04 लाख रुपए की एक अग्रिम राशि दी गई थी, जबकि वार्षिक लेखा में तुलन पत्र में परिसंपत्ति की ओर केवल 4348.08 लाख रुपए का भुगतान दर्शाया गया है। अतः संस्थान की परिसंपत्तियों में 1436.96 लाख रुपए की न्यूनोक्ति हुई।

ख. प्राप्ति और भुगतान लेखा

ख.1. प्राप्तियां

ख.1.1 दंत चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान केंद्र (सी डी ई आर) 1559.59 लाख रुपए

ख.1.1.1 एम्स (मुख्य) को दंत चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान केंद्र (सी डी ई आर) के वेतन में सहायता के तौर पर 113.41 लाख रुपए का अनुदान किया गया जो संस्थान की एक इकाई है। जबकि सी डी ई आर ने 393.75 लाख रुपए की प्राप्ति को अपने प्राप्ति और भुगतान लेखा में अनुदान के तौर पर दर्शाया है। अतः सी डी ई आर में 280.34 लाख रुपए की अत्योक्ति हुई।

ग. सामान्य

ग.1. वार्षिक लेखा के परिशिष्ट ग के अनुसार विभिन्न स्रोतों से प्राप्त दानों के प्रति 132.53 लाख रुपए मूल्य के निवेश किए गए थे। जबकि, रिकॉर्ड के अनुसार केवल 44.56 लाख रुपए के दान उपलब्ध थे। अतः लेखा परीक्षण में 87.96 लाख रुपए मूल्य के निवेश का सत्यापन नहीं किया जा सका। पिछली रिपोर्ट में भी समान विसंगति देखी गई है।

ग.2. बैंक पुनर्विनियोजन विवरणों में एम्स की अलग अलग इकाइयों में बड़ी मात्रा में शेष राशि थी, जिसका विवरण इस प्रकार है :

विवरण	अवधि (संलग्न विवरण)	राशि रू में
चैक जारी किए किंतु डेबिट नहीं	अप्रैल 2008 से मार्च 2015	1518239137
चैक जमा करना किंतु क्रेडिट नहीं	मई 1989 से मार्च 2015	231025630
चैक जारी नहीं किंतु अतिरिक्त डेबिट नहीं	जनवरी 1992 से मार्च 2015	164722345
बैंक द्वारा अतिरिक्त क्रेडिट	अप्रैल 1990 से मार्च 2015	159276169

ग. 3 एम्स के वार्षिक लेखा में निम्नलिखित परिसंपत्तियां मौजूद थी। जबकि इन परिसंपत्तियों के रजिस्टर का रखरखाव इस प्रकार नहीं किया गया था। कि तुलन पत्र में दिखाई गई परिसंपत्तियों को इन परिसंपत्ति रजिस्टरों से सत्यापित किया जा सके।

(राशि लाख रु. में)

इकाई का नाम	परिसंपत्ति	राशि
अ. भा. आ. सं. (मुख्य)	मशीनरी उपकरण	88092.40
	भवन निर्माण	52438.07
	भूमि	1128.32
डॉ. आर पी सेंटर	मशीनरी उपकरण योजना	21091.89
	मशीनरी उपकरण गैर-योजना	58.72
	भवन	2334.43
	फर्नीचर और फिक्चर्स	154.95
सी एन सेंटर	मशीनरी और उपकरण	44742.61
	फर्नीचर और फिक्चर्स	33.66
	सी टी पेशेंट से मशीनरी और उपकरण	490.25
बी. आर. ए. आई. आर. सी. एच.	मशीनरी और उपकरण	14285.26
	फर्नीचर और फिक्चर्स	108.40
	भवन	3390.61
जे पी एन एपेक्स ट्रॉमा केंद्र	मशीनरी और उपकरण	18511.99
	फर्नीचर और फिक्चर्स	94.65
सी. डी. ई. आर.	भवन	3087.62
	मशीनरी और उपकरण	2290.83
एन. डी. डी. टी. सी.	फर्नीचर और फिक्चर्स	457.19

ग.4 वर्ष के दौरान सी एन केंद्र द्वारा सीमा शुल्क भुगतान के लिए 410.00 लाख रुपए एम्स के मुख्य विभाग को अग्रिम भुगतान किए गए। जबकि इसे तुलन पत्र में अग्रिम भुगतान के रूप में नहीं दर्शाया गया और सीधे व्यय शीर्ष मशीनरी और उपकरण को निर्देशित किया गया। अतः सीएन केंद्र की परिसंपत्तियों की 410.00 लाख रुपए की न्यूनोक्ति हुई।

ग.5. दंत चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान केंद्र (सी डी ई आर) ने 31 मार्च 2015 को मशीनरी की खरीद के लिए एक ऋण पत्र खोलकर 22. 42 लाख रुपए का भुगतान किया। जबकि इसे लेखा में अग्रिम के तौर पर दर्शाने के स्थान पर अंतिम शीर्ष मशीनरी और उपकरण में डाला गया था। अतः एम्स की परिसंपत्तियों की उक्त राशि के बराबर न्यूनोक्ति हुई।

ग.6. संस्थान ने सेवा निवृत्ति लाभ का प्रावधान नहीं बनाया है, जो आई सी ए आई द्वारा जारी लेखा मानक 15 के तहत आवश्यक है।

घ. सहायता अनुदान

समीक्ष्य वर्ष 2014–15 में अ.भा.आ.सं. ने रु. 1664.52 करोड़ (योजना राशि रु. 621.00 करोड़ और गैर–योजना राशि रु. 1001.00 करोड़, निरीक्षण समिति (योजना) ने रु. 25.89 करोड़ तथा राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र (एन. डी. डी. टी. सी.) ने रु. 16.63 करोड़ (योजना) का अनुदान प्राप्त किया। यह इसकी अपनी रु. 106.37 करोड़ की आय भी थी। उपगत व्यय कुल रु. 1685.45 करोड़ (रु. 283.44 करोड़ योजना पूंजी, रु. 168.92 करोड़ योजना राजस्व, रु. 31.89 करोड़ निरीक्षण समिति तथा रु. 1201.20 करोड़ गैर–योजना) थी। इसके अतिरिक्त, अ. भा. आ. सं. ने विभिन्न योजनाओं की राशि रु. 80.67 करोड़ और उपगत व्यय राशि रु. 82.38 करोड़ का अनुदान प्राप्त किया।

ङ. प्रबंधन पत्र : जिन त्रुटियों को लेखा परीक्षा रिपोर्ट में सम्मिलित नहीं किया गया है उनको उपचारी / शुद्धि कार्रवाई हेतु पृथक रूप से जारी किये गए प्रबंधन पत्र के द्वारा निदेशक, अ. भा. आ. सं. की जानकारी में लाया गया है।

v. पूर्ववर्ती पैराग्राफों में हमारे अवलोकनों के अधीन हम सूचित करते हैं कि इस रिपोर्ट में दिये गए तुलन–पत्र, आय एवं व्यय लेखा तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखा लेखा पुस्तकों के समनुरूप हैं।

vi. हमारी राय में तथा हमारी सूचना के अनुरूप और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के संलग्नक में वर्णित लेखाकरण नीतियों तथा लेखों पर टिप्पणियों के साथ पठित उक्त वित्तीय विवरण एवं उपर्युक्त वर्णित महत्वपूर्ण मामलों तथा अन्य मामलों के विषय में भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुरूप एक सही तथा स्पष्ट चित्र प्रस्तुत करते हैं।

क. जहां तक कि यह अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के दिनांक 31 मार्च 2015 तक के तुलन–पत्र, उसकी कार्य स्थिति से संबंधित है; तथा

ख. उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष के आय एवं व्यय लेखा से संबंधित है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
के लिए तथा उनकी ओर से

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक :

महा निदेशक लेखा परीक्षक
(केन्द्रीय व्यय)

संलग्नक

1. आंतरिक लेखा परीक्षा पद्धति की पर्याप्तता

वर्ष 2014–15 के दौरान, अ. भा. आ. सं. की आंतरिक लेखा परीक्षा प्रकोष्ठ द्वारा कुल 144 यूनिटों में से केवल 19 यूनिटों की योजना बनाई और लेखा परीक्षा की गई थी। कोई आंतरिक लेखा परीक्षा पद्धति नहीं थी।

2. आंतरिक नियंत्रण पद्धति की पर्याप्तता

रिपोर्ट में उल्लिखित उपरोक्त अवलोकनों को देखते हुए संस्थान की आंतरिक नियंत्रण पद्धति को लेखा परीक्षा द्वारा अपर्याप्त पाया गया था।

3. स्थायी परिसम्पत्तियों के भौतिक सत्यापन की पद्धति

वर्ष 2014–15 के दौरान स्थायी परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन संचालित नहीं किया गया था।

4. संपति–सूची के भौतिक सत्यापन की पद्धति

लेखन सामग्री, पुस्तकों और प्रकाशनों एवं उपभोज्य मदों का भौतिक सत्यापन वर्ष 2014–15 तक संचालित किया गया था।

5. सांविधिक देयताओं के भुगतान में नियमितता

खातों के अनुसार 6 महीने से अधिक की कोई सांविधिक देयताएं बकाया नहीं थी।

डी. ओ. आर. सं. एएमजी – II / एसएआर / 7–12 / एम्स / 2015–16 के लिए अनुलग्नक

1. जे पी एन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में उल्लिखित रिकॉर्ड के अनुसार निम्नलिखित कंप्यूटर अग्रिम 31 मार्च 2015 के अनुसार बकाया था।

राशि रु. में

नाम	अग्रिम का आरंभिक शेष	वर्ष के दौरान वसूली	31 मार्च 2015 के अनुसार अंत शेष
जीतो सैमुअल	25000	12000	13000
गीता	25000	12000	13000
जुगल किशोर	30000	12000	18000
कुल	80000	36000	44000

यद्यपि निम्नलिखित शेष वार्षिक खातों में तुलन पत्र के परिसंपत्ति पक्ष में दर्शाया गया था :

राशि रु. में

नाम	अग्रिम का आरंभिक शेष	वर्ष के दौरान वसूली	31 मार्च 2015 के अनुसार अंत शेष
कंप्यूटर अग्रिम	30000	11000	19000

यद्यपि कंप्यूटर अग्रिम के समापन शेष के तहत रू 25000 द्वारा तुलन पत्र की परिसंपत्ति पक्ष में था।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के दिनांक 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के खातों के संबंध में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट के उत्तर

क.1.1.1 सीमा शुल्क लेखा 465.84 लाख रुपए

सीमा शुल्क के समय पर भुगतान की सक्षमता के लिए भण्डार अनुभाग (डीओ) के प्रभार में संस्थान द्वारा एक अलग बैंक खाता चलाया जाता है। एम्स के मुख्य भाग और केंद्रों द्वारा धन राशि को सीमा शुल्क के भुगतान के लिए भण्डार अनुभाग (डीओ) द्वारा बनाए गए बैंक खाते में डाला जाता है। इस प्रकार सीमा शुल्क खाते को एम्स (मुख्य) वार्षिक लेखा के तुलन पत्र में दोनों ओर दर्शाया गया है, अर्थात एम्स (मुख्य) के लेन देन के लिए एक और अन्य भण्डार के ''सीमा शुल्क बैंक खाते'' के सभी लेन देन के लिए।

वित्तीय वर्ष 2012 – 13 में, 10.00 करोड़ रुपए की राशि अधिशेष धन के कारण ''सीमा शुल्क खाते'' से ''एम्स (मुख्य)'' खाते में वापस डाली गई थी। जबकि ''सीमा शुल्क खाते'' में 10.00 लाख रुपए का लेन देन किया गया, जिससे भण्डार अनुभाग के ''सीमा शुल्क खाते'' में 9.90 करोड़ रुपए का अंतर आया। यह 10.00 करोड़ रुपए का आंकड़ा वर्ष 2012 – 13 में एम्स (मुख्य) के खाते में सही तरीके से दर्शाया गया था। जबकि ''सीमा शुल्क खाते'' में भुगतान को 9.90 करोड़ रुपए की राशि से ''प्राप्ति और भुगतान'' खाते में और वर्ष 2012 – 13 के तुलन पत्र में दर्शाया गया है।

इस प्रकार, 10.88 करोड़ रुपए में से 9.90 करोड़ रुपए का पता लगा लिया गया है और शेष राशि का पुनर्विनियोजन किया जाएगा। अतः ऐसा कोई गंभीर मामला नहीं है जिसके लिए किसी प्रतिकूल टिप्पणी की आवश्यकता हो। जबकि यह आश्वासन दिया गया है कि लेन देन लेखा परीक्षण के समय लेखा परीक्षण को संपूर्ण पुनर्विनियोजन दर्शाया जाएगा। यह अनुरोध किया गया है कि इस मामले पर 0.98 करोड़ रुपए की गैर पुनर्विनियोजित राशि को समाशोधित करने के लिए हमारे आश्वासन के आधार पर निपटान हेतु कृपया पुनः विचार किया जाए।

क.1.1.2 परिक्रामी निधि : 204.32 लाख रुपए

परिक्रामी निधि के अंतर का पुनर्विनियोजन किया जा रहा है और संबंधित रिकॉर्ड तद्नुसार सुलझाए जाएंगे।

क.1.1.3 शेष कार्य – पावर ग्रिड कॉर्प. ऑफ इंडिया : 290.00 लाख रुपए

मे. पावर ग्रिड कार्प से 5.00 करोड़ रुपए की राशि रात्रि आवास निर्माण हेतु प्राप्त हुई जिसे चूक के कारण विविध प्राप्ति के तहत वर्गीकृत किया गया है। अगले वर्ष के लेखा में अनिवार्य सुधार किया जाएगा।

क.2.1.1 पी डी लेखा : 126.86 लाख रुपए

पहले से जमा खाते के अंतर का पुनर्विनियोजन किया जा रहा है और लेखा परीक्षण द्वारा उठाए गए अवलोकनों को आगे पालन के लिए दर्ज किया गया है।

क.2.1.2 मशीनरी और उपकरण की विदेशी खरीद के लिए अग्रिम भुगतान (योजना) : 4348.08 लाख रुपए

15.80 करोड़ रुपए के अंतर को एम्स (मुख्य) की अचल परिसंपत्तियों के तहत दर्शाने के स्थान पर अग्रिम के तौर पर वर्गीकृत किया गया है। अतः परिसंपत्तियों की न्यूनोक्ति नहीं की गई, क्योंकि परिसंपत्तियों तथा अग्रिम को तुलन पत्र के शीर्ष ''परिसंपत्ति'' के तहत दर्शाया गया है। जबकि अवलोकन भावी पालन के लिए नोट किए गए है।

ख.1.1.1 दंत चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान केंद्र (सी डी ई आर) 1559.59 लाख रुपए

एम्स (मुख्य) को दंत चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान केंद्र (सी डी ई आर) के वेतन में सहायता के तौर पर 2,80,34,000 रुपए का अनुदान दिया गया। इस राशि को केंद्र के प्राप्ति और भुगतान लेखा में प्राप्ति और भुगतान दोनों ओर दर्शाया गया है। आंकड़े की गलती को भविष्य में पालन के लिए नोट किया गया है।

ग. सामान्य

ग.1.दान के आंकड़ों का पुनर्विनियोजन किया जा रहा है। इस मामले को आंकड़ों के पुनर्विनियोजन के लिए बैंक के साथ भी उठाया जा रहा है।

ग.2. शेष राशि के पुनर्विनियोजन के प्रयास किए जा रहे हैं।

ग.3. कुछ केंद्रों द्वारा वित्त विभाग में अचल परिसंपत्ति रजिस्टर का रखरखाव किया गया है। जबकि संबंधित स्टोर के पास विस्तृत परिसंपत्ति रजिस्टर उपलब्ध है और जीएफआर के प्रावधानों के अनुसार हर वर्ष परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन भी किया जा रहा है।

ग.4.

सीएन केंद्र द्वारा सीमा शुल्क के खाते में मुख्य संस्थान में 4.10 करोड़ रुपए का अग्रिम भुगतान किया गया जिसे चूक वर्ष अग्रिम के स्थान पर मशीनरी और उपकरण की लागत में जोड़ दिया गया है। जबकि केंद्र की परिसंपत्ति को मशीनरी और उपकरण के रूप में न्यूनोक्ति की गई और इसे तुलन पत्र के शीर्ष "परिसंपत्ति" के तहत भी अग्रिम के रूप में दर्शाया गया। जबकि भविष्य में पालन के लिए अवलोकन को दर्ज किया गया है।

ग.5.

मशीनरी खरीद के लिए एक पत्र खोलने हेतु 22,42,200 रुपए का भुगतान अग्रिम के स्थान पर केंद्र की परिसंपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया गया है। जबकि केंद्र की परिसंपत्ति को मशीनरी और उपकरण के रूप में न्यूनोक्ति की गई और इसे तुलन पत्र के शीर्ष "परिसंपत्ति" के तहत भी अग्रिम के रूप में दर्शाया गया। जबकि भविष्य में पालन के लिए अवलोकन को दर्ज किया गया है।

ग.6.

बिंदु का भावी अनुपालन के लिए उल्लेख किया गया है।

घ. सहायता अनुदान

वास्तविक तथ्य : कोई टिप्पणी नहीं है।

लेखा परीक्षा के लिए परिशिष्ट हेतु टिप्पणियां / उत्तर

क्र. सं.	पैरा सं.	संक्षिप्त में लेखा परीक्षा अवलोकन	लेखा परीक्षा अवलोकन के लिए उत्तर
1	1	आंतरिक लेखा परीक्षा पद्धति की पर्याप्तता	श्रमिक शक्ति की कमी होने के बावजूद संस्थान की आंतरिक लेखा परीक्षा प्रकोष्ठ द्वारा 19 लेखा परीक्षा यूनिटों की आंतरिक लेखा परीक्षा करने का लक्ष्य प्राप्त कर लिया है।
2	2	आंतरिक नियंत्रण पद्धति की पर्याप्तता	कोई टिप्पणी नहीं।
3	3	स्थायी परिसंपत्ति के भौतिक सत्यापन की पद्धति	जैसा कि संस्थान द्वारा पिछले लेखा परीक्षण के दौरान आश्वासन दिया गया था, लेखा परीक्षण की अवधि के दौरान वर्तमान वित्त वर्ष 2014–15 हेतु स्थायी परिसंपत्ति के भौतिक सत्यापन को संचालित किया गया है।
4	4	संपत्ति–सूची के भौतिक सत्यापन की पद्धति	कोई टिप्पणी नहीं।
5	5	सांविधिक देयताओं के भुगतान में नियमितता	कोई टिप्पणी नहीं।

अखिल-भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

ALL-INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES

शरीरमाद्यं खलुधर्मसाधनम्